प्रकाशकीय

राष्ट्रभाषा हिन्दी की गौरव-वृद्धि और उसके साहित्य को विविध विषयों की उपयोगी पुस्तकों से समलकृत करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रशासन ने जो योजना वनायी थी, उसका एक लक्ष्य अन्यान्य भाषाओ के वहुमूल्य ग्रन्थों का अनुवाद हिन्दी में प्रकाशित करना भी रहा है। तदनुसार हिन्दी समिति के अभी तक के प्रकाशनों में कितनी ही अनूदित रचनाएँ निकल चुकी हैं तथा और भी कई प्रकाशनार्थ स्वीकृत की जा चुकी हैं। अंग्रेजी, फ्रेन्च, ग्रीक आदि भाषाओं की तरह उर्दू, फारसी तथा अरबी मे भी कितने ही ऐसे ग्रन्थ विद्यमान हैं जिनमे इतिहास, दर्शन, ज्योतिष आदि सम्वन्धी महत्त्वपूर्ण सामग्री भरी पडी है। यह उर्दू-हिन्दी शव्दकोश इसी दृष्टि से प्रकाशित किया गया है जिससे उक्त ग्रन्थो को पढ़ने, समझने अथवा हिन्दी मे उनका अनुवाद करने की इच्छा रखनेवालो को यथेष्ट सहायता मिल सके।

यह ग्रन्थ हिन्दी समिति ग्रन्थमाला का २१ वाँ पुष्प है। इसके रचयिता (स्वर्गीय) मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह' अरवी, फ़ारसी, उर्दू, हिन्दी, संस्कृत, वंगला आदि भाषाओं के अच्छे जानकार और अनुभवी ग्रन्थकार थे। उन्होंने कई पुस्तके लिखी हैं जिनमें कई कविता-सग्रह तथा तीन-चार अन्य कोश भी हैं। उनकी तुलना में यह कोश काफी वडा है और लेखक ने तीन-चार वर्ष के अनवरत परिश्रम के वाद इसे तैयार किया था। हिन्दी मे इस तरह का कोई अच्छा उर्दू-हिन्दी कोश अभी तक प्रकाशित नही हुआ था। जो दो-तीन कोश निकले भी हैं, वे छोटे और अधूरे हैं तथा उनमे उर्दू के लेखकों द्वारा प्रयुक्त अरवी, फ़ारसी, तुर्की आदि के कठिन शव्द प्रायः नही मिलते। इसमे उनका विशेष रूप से सग्रह किया गया है और इसे अधिक से अधिक उपयोगी वनाने की चेष्टा की गयी है। खेद है कि श्रीमद्दाह अपनी कृति का प्रकाशन अपने जीवनकाल मे न देख सके।

उर्दू मे एक ही उच्चारण के लिए एकाधिक अक्षरो का प्रयोग होता है, जैसे—'त' के लिए ते और तोय, 'स' के लिए से, स्वाद और सीन, तथा 'ज' के लिए जे, जेह, जाल, जो आदि, इसीसे मूल शव्दो के साथ, कोष्ठक मे, उनकी अक्षरी फारसी लिपि मे भी दे दी गयी है, जिससे शुद्ध हिज्जे के सम्वन्ध मे किसी तरह का भ्रम या सन्देह न होने पाये। आशा है, उर्दू साहित्य का अध्ययन करनेवाले हिन्दी-प्रेमियो तथा उर्दू से हिन्दी मे अनुवाद करनेवालो और उर्दू-हिन्दी के सामान्य पाठको के लिए भी यह शव्दकोश यथेष्ट रूप से उपयोगी प्रमाणित होगा।

भगवतीशरण सिंह
सचिव, हिन्दी समिति

प्राक्कथन

कोश लिखने का शौक मुझे पागलपन की हद तक शुरू से ही है। अब से १५-१६ वर्ष पहले इसका श्रीगणेश पाली-उर्दू शब्दकोश से हुआ। इसके पश्चात् हिन्दी-उर्दू, फिर संस्कृत-उर्दू, फिर अरबी, फ़ारसी, तुर्की-उर्दू के बडे-बडे कोश लिखे। सन् १९५० मे मेरे जेल के साथी आदरणीय श्री नारायणप्रसादजी अरोड़ा ने कहा कि 'उर्दू साहित्य बडी तेजी से हिन्दी में लिप्यन्तरित हो रहा है, तुम एक उर्दू-हिन्दी-कोश केवल हिन्दी जाननेवालो के लिए हिन्दी लिपि मे लिख दो।' बात अच्छी थी, बहुत पसन्द आयी और मैंने लिखना प्रारम्भ कर दिया। जब मै उसे काफी लिख चुका तो अचानक ध्यान आया कि यदि किसी समय भारत से उर्दू लिपि खत्म हो गयी तो क्या होगा? भारत का सारा प्राचीन इतिहास फारसी लिपि में है और एक समय उसका अनुवाद होना अनिवार्य है। ऐसी दशा में एक ऐसे कोश की आवश्यकता महसूस होगी, जो इस कठिनाई का समाधान कर सके, और हमें प्राचीन फ़ारसी ग्रन्थो का अनुवाद करने में कोई विशेष परिश्रम न करना पड़े, इसलिए मैंने फिर से अपना काम शुरू किया। अब दृष्टिकोण दूसरा था, इसलिए काम बहुत क्लिष्ट हो गया और एक वर्ष के बजाय उसमें साढे तीन साल लग गये।

अब यह पूर्ण रूप से मुकम्मल है और आशा है कि भविष्य मे इस पर कुछ विशेष बढ़ाया न जा सकेगा।

अंग्रेजी मे संसार की सारी भाषाओं के कोश मिलते है, यहाँ तक कि उन भाषाओ के शब्दकोश भी है, जो बहुत कम प्रचलित है, या बहुत थोड़े क्षेत्र में बोली जाती हैं।

भारत को भी यह सब करना है। यद्यपि अभी उसे स्वतन्त्र हुए बहुत कम समय बीता है, फिर भी उसे यह करना होगा। यदि मेरे जीवन ने कुछ और साथ दिया तो एक तुर्की-हिन्दी, एक आधुनिक अरबी-हिन्दी, एक आधुनिक फ़ारसी-हिन्दी कोश और लिखूँगा। इस समय तो मैं सारा जोर एक हिन्दी-हिन्दी कोश पर दे रहा हूँ, जिसकी बहुत अधिक आवश्यकता है, और वह है प्राचीन हिन्दी-शब्दों का सग्रह और उनका अर्थ जो चन्द्रबरदाई, सूर, जायसी, तुलसीदास, बिहारी और अन्य प्रमुख कवियों ने अपनी रचनाओ मे प्रयुक्त किये है, और जिनका कोई मुकम्मल ग्रन्थ नही है, यहाँ तक कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्द-सागर मे भी उनमे से बहुत-से शब्द नही है।

मै अपना यह साहित्यिक परिश्रम माननीय श्री डाक्टर सम्पूर्णानन्दजी की सेवा मे उपस्थित करते हुए गर्व महसूस करता हूँ, क्योकि वह हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री ही नही है, बल्कि बडे साहित्य-मर्मज्ञ, विद्वान् और सहृदय व्यक्ति है। मेरी उनसे यह भी प्रार्थना है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण कामो के लिए भी एक रकम हर साल बजट मे सुरक्षित कर दिया करें।

मुमकिन है, इन कामो को अभी लोग महत्त्व न दे, लेकिन समय आयेगा जब लोग इसकी क़द्र करेगे। मैंने यह काम उसी समय के लिए किया है।

उच्चारण की शुद्धता

किसी भाषा का सारा महत्व उसके शब्दों के शुद्ध उच्चारण में है। यदि उच्चारण अशुद्ध है तो बोलनेवाला कितना ही विद्वान् हो लोग उसे जाहिल समझेंगे। शुद्ध उच्चारण तभी होगा, जब हम शब्द को शुद्ध रूप से लिखेंगे। यदि हम संस्कृत के शब्द 'सम्बद्ध' को 'सम्बदध' लिख दें, तो यह शब्द मजाक बन जायगा। इसी प्रकार यदि हम उर्दू के शब्द 'फुज्ला' (विष्ठा) को 'फुजला' (विद्वान् लोग) लिख दें तो कितना बड़ा अनर्थ हो जायगा। इस कोश में इस बात पर यथेष्ट ध्यान दिया गया है।

हिन्दी में जो उर्दू के कोश लिखे गये हैं या हिन्दी शब्दकोशों में जो उर्दू के शब्द दिये गये हैं, उन सबका उच्चारण प्रायः अशुद्ध है क्योंकि उनके लेखकों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

शब्द क्रम

कोश को आधुनिक ढंग से लिखा गया है और पहले अनुस्वारवाला अक्षर लिया गया है। जैसे— हिन्दी में पहला शब्द अंक है। परन्तु इस कोश में इस सम्बन्ध में शायद कुछ लोग भ्रम में पड़ जायँ कि 'अंगारा' तो अनुस्वार से है 'परन्तु इन्कार' अनुस्वार से नहीं है। बात यह है कि फारसी में 'ङ' की ध्वनि है परन्तु अरबी में नहीं है। इङ्कार लिखने से 'इंकार' होता और अरबी के उच्चारण के अनुसार अशुद्ध होता, क्योंकि अरबी में यह शब्द 'इन्कार' है।

शब्दों की उर्दू लिपि

कुछ लोग यह भी सोचेंगे कि हिन्दी में लिखने के पश्चात् शब्द का उर्दू अक्षरों में लिखने की आवश्यकता क्या थी? इसके विषय में प्रार्थना है कि यह विवशता किया गया है। उर्दू में एक उच्चारण के कई-कई अक्षर हैं जैसे—'स' के लिए तीन (ث-س-ص), ज के लिए छः (ذ-ز-ژ-ض-ظ-ج), और त, अ, ग, ह, क के लिए दो-दो हैं। ऐसी दशा में शब्द के साथ उर्दू हिज्जे लिखना अनिवार्य हो गया।

'असीर' शब्द उर्दू में पाँच प्रकार से लिखा जाता है और सबका अर्थ अलग-अलग है। اسیر बन्दी, क़ैदी, اثیر निष्कपट, खालिस عسیر दुष्कर, मुश्किल, عصیر अंगूर का शीरा, عثیر धूलि, गर्द। यदि हर शब्द के साथ उर्दू लिपि न हो तो बड़ी कठिनता हो।

उच्चारण-भेद

एक दूसरी बहुत ही आवश्यक और ध्यान में रखनेवाली बात यह है कि संस्कृत में जहाँ एक अक्षर में दूसरा भिन्न अक्षर मिला है वहाँ प्रायः उस अक्षर का जिसमें दूसरा अक्षर मिला है द्वित्व हो जाता है मगर फ़ारसी या अरबी के शब्दों में ऐसा कभी नहीं होता। जैसे—'भद्र' का उच्चारण 'भद्द्र' होगा परन्तु अरबी शब्द 'बद्र' का उच्चारण 'बद्र' होगा। 'अन्याय' का उच्चारण अन्न्याय होगा, परन्तु दुन्या का उच्चारण 'दुन्या' होगा। इसी तरह पत्री का उच्चारण पत्त्री होगा, परन्तु क़िब्ती का उच्चारण क़िब्ती होगा। इसी उदाहरण पर सारे कोश का अनुमान लगा लीजिए।

एक शब्द के कई उच्चारण

अरबी फ़ारसी कोश में बहुत-से शब्द ऐसे हैं जिनके कई-कई उच्चारण हैं। इस कोश में उन सबको दे दिया गया है। साथ ही जो शब्द अशुद्ध बोले जाते हैं वह अशुद्ध शब्द भी दे दिये गये हैं और

वहीं उनके शुद्ध शब्द का हवाला दे दिया गया है। जो शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू या फारसी में शुद्ध मान लिये गये हैं उनकी व्याख्या भी कर दी गयी है।

एक विवशता

हिन्दी मे 'ज' के नीचे बिन्दी देकर 'ज़' बना लिया गया है और उससे जे, जाल, ज्वाद, जो का काम ले लिया गया है, परन्तु 'फारसी ज़े' (के लिए कोई ऐसा चिह्न) न मिल सका जो इसके उच्चारण की पूर्ति कर देता। 'फ़ारसी ज़े' का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'treasury' के 'ज' की तरह है, पाठकगण उर्दू शब्द देखकर, इसका उच्चारण करें।

अलबत्ता 'ऐन' और 'अलिफ' का फर्क करने के लिए जहाँ 'ऐन' शब्द के बीच मे आया है वहाँ (–'–) चिह्न लगाकर उसे प्रकट कर दिया है। जैसे—आ'ला (اعلیٰ), मे'यार, (معیار) मा'कूल (معقول) इत्यादि।

मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह' (अहमक)

सङ्केत-तालिका

अ० फा०—अरबी फारसी

अव्य०—अव्यय

इ०—इब्रानी

उ०—उर्दू

उदा०—उदाहरण, जैसे

क्रि०—क्रिया

ती० शु० हैं—तीनों शुद्ध हैं

तु०—तुर्की

तु० फा०—तुर्की फारसी

दे०—देखिए

दो० शु० हैं—दोनों शुद्ध हैं

पुं०—पुल्लिग

प्रत्य०—प्रत्यय

फा०—फारसी

फा० अ०—फारसी अरबी

फा० तु०—फारसी तुर्की

वहु०—वहुवचन

व्या०—व्याकरण

लघु०—लघु रूप

वा०—वाक्य

वि०—विशेषण

स्त्री०—स्त्रीलिङ्ग

उर्दू-हिन्दी शब्द-कोश

अ

अंकारत: (انكاشته) फा वि –दे 'अगाश्त' जो अधिक शुद्ध है।

अंकिश्त (انكست) फा पु –कोयला, जली हुई लकडी।

अकुज (انكژ) फा पु –हाथीवान का आँकुस, अकुश।

अकुस (انكس) फा पु –ऑकुस, अकुश।

अगल्यून (انگلیون) फा स्त्री –इजील, वाइविल, ईसाइयो का धार्मिक ग्रथ।

अगार: (انگاره) फा पु –रेखाचित्र, खाका, अधूरा चित्र, हिसाव-किताव का रजिस्टर, उपन्यास, कहानी, लेख, निगारिश, हर अधूरी वस्तु।

अंगार (انگار) फा प्रत्य –सोचनेवाला, चाहनेवाला, जैसे 'सहल अगार' सुगमता चाहनेवाला।

अंगाश्त: (انگاشته) फा वि –जाना हुआ, समझा हुआ, ज्ञात।

अगाश्तनी (انگاشتنی) फा वि –जानने योग्य, समझने योग्य।

अंगिश्त (انگشت) फा पु –दे 'अकिश्त' दो शु है।

अंगुज: (انگوزه) फा स्त्री –हीग, एक प्रसिद्ध गोद।

अंगुज (انگز) फा पु –दे 'अकुस'।

अगुल. (انگله) फा पु –कुरते आदि का तुक्म, जिसमे घुडी डाली जाती है।

अगुश्त (انگست) फा स्त्री –उँगली, अगुलि।

अगुश्तनुमा (انگشت نما) फा वि –प्रसिद्ध, मशहूर, कुख्यात, वदनाम। उर्दू मे दूसरे अर्थ ही लिये जाते हैं।

अंगुश्तनुमाई (انگشت نمائی) फा स्त्री –कुख्याति, वदनामी, अपयश, निंदा।

अगुश्तपेच (انگشت پیچ) फा पु –वचन, प्रतिज्ञा, अह्द, दस्तावेज।

अगुश्त वददाँ (انگشت بدندان) फा वि –जो अचभे के कारण दाँतो मे उँगली दावकर रह गया हो, निरतब्ध, चकित।

अगुश्तरी (انگشتری) फा स्त्री –मुद्रिका, अँगूठी।

अगुश्तान. (انگشتانه) फा पु –उँगली की रक्षा के लिए उस पर पहना जानेवाला धातु आदि का खोल, अगुलित्राण।

अगुश्ते जिन्हार (انگست زنہار) फा वि –पराजित, वशीभूत, मग्लूव।

अंगुश्ते नर (انگشت نر) फा पु –अँगूठा, अगुष्ठ।

अगुश्तो (انگشتو) फा. पु –घी और शक्कर डालकर चूर की हुई रोटी, मलीदा, चूरमा।

अगूर (انگور) फा पु –एक सुप्रसिद्ध फल, द्राक्षा, भरते हुए जख्म के लाल दाने।

अंगूरी (انگوری) फा वि –अगूर के रग की (वस्तु), अगूर से वनी हुई, अंगूर से सबध रखनेवाली (वस्तु)। लाक्षणिक अर्थ मे अगूर-निर्मित (मदिरा) भी।

अंगेख्त (انگیخته) फा वि –उठाया हुआ, उत्थापित, उभारा हुआ, उत्तेजित।

अगेख्तनी (انگیختنی) फा वि –उठाने योग्य, उभारने योग्य।

अंगेज: (انگیزه) फा पु –कारण, सवव।

अंगेज (انگیز) फा प्रत्य –उठानेवाला, उभारनेवाला, जैसे 'दर्द-अगेज' दर्द उठाने अर्थात् उत्पन्न करनेवाला, पीडा-जनक।

अंगेजिद: (انگیزنده) फा वि –उठानेवाला, उभारने-वाला, उत्तेजित करनेवाला।

अंगेजीद: (انگیزیده) फा वि –उठाया हुआ, उभारा हुआ, तेज किया हुआ।

अगेजीदनी (انگیزیدنی) फा वि –उठाने योग्य, उभारने योग्य, तेज करने योग्य।

अंगोज: (انگوزه) फा स्त्री –दे 'अगुज', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु यह भी बोलते हैं।

अग्बी (انگبین) फा पु –मधु, शहद।

अंज (عنز) अ स्त्री –वकरी, अजा, हरिणी।

अजव (انجب) अ वि –वहुत अधिक शुद्ध रक्तवाला, कुलीनतम, दासीपुत्र, लौडी-वच्चा।

अजल (انجل) अ वि –वडी आँखोवाला, विशालनेत्र।

अंजस (انجس) अ वि –वहुत अधिक अपवित्र, वहुत ही गदा।

अंदोख्तः (اندوختہ) फा. वि –कमाया हुआ, उपार्जित, जमा किया हुआ, संचित; धन, संपत्ति।
अंदोख्तनी (اندوختنی) फा वि –कमाने योग्य; जमा करने योग्य।
अंदोह (اندوہ) फा पुं –क्लेश, दुःख, कष्ट, रंज।
अंदोहगीं (اندوہگیں) फा वि –दुःखित, शोकान्वित, रंजीदा।
अंदोहनाक (اندوہناک) फा. वि –शोकपूर्ण, रंज में डूबी हुई बात, शोकान्वित, विषादपूर्ण।
अंद्जान (اندجان) फा पुं –तूरान का एक नगर।
अंबः (انبہ) फा पु –एक प्रसिद्ध फल, आम्र, आम, रसाल।
अंबज (انبج) अ. पु –दे 'अंब'।
अंबर (عنبر) अ पु.–एक प्रसिद्ध बहुमूल्य सुगंधित पदार्थ, जो मछली के मुख से द्रवित होता एवं दवा में काम आता है।
अंबरचः (عنبرچہ) अ फा. स्त्री –दे 'अंबरीन'।
अंबरबारीस (انبرباریس) अ स्त्री –एक खट्टा फल जो दवा में चलता है, जिरिश्क।
अंबरबेज़ (عنبربیز) अ फा. वि –अंबर जैसी सुगंध फैलानेवाला, अंबर छिड़कनेवाला।
अंबरबेज़ी (عنبربیزی) अ फा. स्त्री –अंबर छिड़कना, अंबर की सुगंध फैलाना।
अंबरागीं (عنبرآگیں) अ फा –वि दे 'अंबरीं'।
अंबरीं (عنبریں) अ फा वि –जिसमें अंबर जैसी सुगंध हो, जो अंबर की सुगंध में बसा हो, जिसमें अंबर मिला हो।
अंबरीनः (عنبرینہ) अ फा स्त्री –स्त्रियों की गले में पहनने की धुकधुकी।
अंबरेसारा (عنبرسارا) अ फा पुं.–वह अंबर जो बिलकुल बेमेल हो, विशुद्ध अम्बर। हृदयशक्तिवर्धक औषध-द्रव्य।
अंबह (انبہ) अ वि –बहुत अधिक सूचना देनेवाला, बहुत अधिक चेतावनी देनेवाला।
अंबाग (انباغ) अ स्त्री –सौत, एक पुरुष की दो स्त्रियों में से कोई एक जो दूसरी की सौत होती है।
अंबाज (انباز) फा वि –भागीदार, साझेदार, शरीक, पार्टनर।
अंबाज़ (انباز) अ पु –'नबज़' का बहु उपाधियाँ, अल्काब।
अंबानः (انبانہ) फा पु.–मश्क जैसा एक चमड़े का पात्र जिसमें नाज भरा जाता है।
अंबान (انبان) फा पु –कमाया हुआ चमड़ा, कूम, फकीर की चमड़े की झोली, छोटी मश्क, मश्कीज़.।
अंबानेनिफ़्त (انبان نفط) फा अ पु –चमड़े का कुप्पा, जिसमें बारूद अथवा मिट्टी का तेल भरकर शत्रु की सेना पर फेंकते थे।
अंबानेबाद (انبان باد) फा. पु –लोहार की चमड़े की धौंकनी।
अंबार (انبار) अ पु.–ढेर, राशि, टाल।
अंबारख़ानः (انبارخانہ) अ. फा. पु –वह गोदाम जहाँ माल का स्टाक रहता है, मालगोदाम।
अंबुरः (انبرہ) तु. पु.–सड़सी, जिससे लोहार गर्म लोहा पकड़ते हैं।
अंबुर (انبر) तु पुं –दे 'अंबुर'।
अंबुह (انبہ) फा पु –'अंबोह' का लघु दे 'अंबोह'।
अंबूबः (انبوبہ) अ पु –दे शु. उच्चारण 'उंबूब'।
अंबोह (انبوہ) फा पु –समुदाय, समूह, भीड़, जमाव, हुजूम।
अंसफ (انصف) फा वि –बहुत अधिक न्याय करनेवाला।
अंसब (انسب) अ वि –बहुत मुनासिब, अत्युचित।
अंसाब (انساب) अ पु –'नसब' का बहु, वंशावलियाँ, नसबनामे।
अंसाब (انصاب) अ पु –'नसब' का बहु आपत्तियाँ, दुःख-समूह, मुसीबतें, मूर्तियाँ जो पूजी जाती हैं।
अंसार (انصار) अ पु –'नस्र' का बहु, सहायता करनेवाले, सहायकगण, मदीने के वह लोग जिन्होंने हजरत मुहम्मद साहब को और उनके साथियों को अपने घरों में ठहराया था और उनकी सहायता की थी।
अंसारी (انصاری) अ वि –अरब की अंसार जमाअत का व्यक्ति, अंसार का वंशज; आधुनिक समय में जुलाहों की उपाधि।
अआज़िम (اعاظم) अ. पु –'आ'ज़म' का बहु, बड़े-बड़े लोग।
अआजिम (اعاجم) अ पु –'आ'जम' का बहु, गूँगे लोग।
अआदी (اعادی) अ पु –'अदू' का बहु शत्रुगण, दुश्मन लोग।
अआली (اعالی) अ पु –'आ'ला' का बहु, ऊँचे और प्रतिष्ठित लोग।
अइज़्ज़ः (اعزہ) अ पुं –'अज़ीज़' का बहु, वंशवाले, नातेदार।
अइन्नः (اعنہ) अ पु –'इनान' का बहु, घोड़ों की लगामें।
अइफ़्फ़ः (اعفہ) अ पु –अफीफ का बहु, इन्द्रियनिग्रही लोग, वे लोग जो पराई स्त्री की ओर आँख न उठाएँ।
अइम्मः (ائمہ) अ पु –'इमाम' का बहु, किसी कलाविशेष के आचार्य लोग।
अइम्मः (اعمہ) अ पु –'अम' का बहु, चचा लोग।
अकक (عکک) अ पु –उमस, तौस, गर्मी, ग्रीष्म।
अकद (عقد) अ पु –बात करने में ज़बान का लड़खड़ाना, रस्सी में गाँठ पड़ना।

अक्द (عقد) अ पु—मोटा होना, स्थूल होना, चरबी चढ़ना।

अक़्ब (عقبه) अ पु—कठिन रास्ता, कठिनता से पहुँचने वाला स्थान, जटिल समस्या।

अक़्ब (عقب) अ पु—पराश्र, बाद, पीछे, पश्चात्, बाद।

अक्ब (عكب) अ पु—होंठ या चिबुक का मांसपिंड।

अक्र (عكر) अ पु—तल की गाद, शराब की तलछट, हौज के पानी की गाद।

अकल [हल] (اكل) अ वि—बहुत खाना, अत्यल्प।

अकल्लीयत (اقليت) अ स्त्री—किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा कम हो, अल्पसंख्यक।

अक़्स (عقص) अ पु—कृपण होना, कंगाल होना।

अक्स (عكص) अ पु—दूध का बचना, शरीर और बुरे स्वभाव का (जैसे कल्लना) होना।

अक़ाइद (عقائد) अ पु—अक़ीदः का बहु., अक़ीदे, धर्म, विश्वास।

अक़ाक़ (عقاق) अ पु—ऊँट का बाल, गर्भ, पेट का बाल, गर्भस्थ।

अक़ाक़ीर (عقاقير) अ स्त्री—अक़्क़ार का बहु., जंगली जड़ी बूटियाँ, वनस्पतियाँ।

अकाज़ीब (اكاذيب) अ पु—किज़्ब का बहु., झूठी और सारहीन बातें।

अक़ानीम (اقانيم) अ पु—उक़नूम का बहु., ईसाई धर्मग्रंथ।

अक़ानीमे सलासः (اقانيم ثلاثه) अ पु—ईसाई धर्मग्रंथ की तीन महत्त्वपूर्ण पुस्तकें।

अकाबिर (اكابر) अ पु—अकबर का बहु., प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग।

अक़ारिब (اقارب) अ पु—अक़्रब का बहु., समीपवाले, रिश्तेदार, स्वजन।

अक़ारिब (عقارب) अ पु—अक़्रब का बहु., बहुत-से बिच्छू।

अकारिम (اكارم) अ पु—अकरम का बहु., पूज्य व्यक्ति, श्रेष्ठ जन।

अक़ालीम (اقاليم) अ पु—इक़्लीम का बहु., बहुत से देश, बहुत से महाद्वीप।

अकासिरः (اكاسره) अ पु—किस्रा का बहु., किस्रा उपाधि रखनेवाले सम्राट्।

अकासी (اكاسى) अ वि—अकमा का बहु., दुरवाले।

अक़िब (عقب) अ पु—एड़ी, बेटा, पुत्र, पोता, बेटे का बेटा।

अकिल (اكله) अ पु—एक बहुत बुरा खराब फोड़ा, जिसे आकिलः भी कहते हैं।

अक़ीक़ः (عقيقه) अ पु—मुसलमान बच्चों का मुंडन और नामकरण संस्कार जिसमें बकरी की क़ुर्बानी होती है।

अक़ीक़ (عقيق) अ पु—एक बहुमूल्य पत्थर जो कई रंग का होता है। नज़र बचाने के लिए माताएँ इसे बच्चों के गले में पहनाती हैं। दिल धड़कने की बीमारी में पहनने से लाभ होता है।— अक़ीक़-सुम की तम्ना है रखने दिल मेरा, गले में डाल लो इसको नज़र-गुज़र के लिए।

अक़ीदः (عقيده) अ पु—धर्म, मत, मज़हब, श्रद्धा, एतिक़ाद, विश्वास, यक़ीन।

अकीद (اكيد) अ वि—दृढ़, मज़बूत, पुख़्त।

अक़ीदत (عقيدت) अ स्त्री—श्रद्धा, आस्था, एतिक़ाद, भरोसा, एतबार, निष्ठा।

अक़ीदत केश (عقيدت كيش) अ फ़ा वि—श्रद्धावान, श्रद्धालु, मोतक़िद।

अक़ीदतमंद (عقيدت مند) अ फ़ा वि—दे. अक़ीदत केश।

अक़ीदत शिआर (عقيدت شعار) अ वि—दे. अक़ीदत केश।

अक़ीदत सरिश्त (عقيدت سرشت) अ फ़ा वि—दे.—अक़ीदत केश।

अक़ीब (عقيب) अ वि—पीछे आनेवाला, पीछे चलने वाला, अनुगामी, अनुकर्ता, पैरो, अनुयायी।

अक़ीम (عقيمه) अ स्त्री—बाँझ, वंध्या, जिस स्त्री के संतान न होती हो।

अक़ीम (عقيم) अ पु—बाँझ पुरुष, जिस पुरुष के वीर्य में संतान उत्पन्न करने के कीटाणु न हों, क्लीब, नपुंसक।

अक़ीर (عقير) अ वि—निराश, नाउम्मेद, बाँझ, वंध्या।

अकील (اكيله) अ स्त्री—खाने की चीज़, खाद्य पदार्थ।

अक़ील (عقيله) अ वि—अपनी जाति का नेता, हर अच्छी चीज़, श्रेष्ठतम, बरगुज़ीदः, (स्त्री) पर्दानशीन स्त्री, बुद्धिमती, आक़िलः।

अक़ील (عقيل) अ वि—बुद्धिमान, अक़्लमंद, ऊँट के पाँव बाँधने की रस्सी।

अकील (اكيل) अ वि—साथ खानेवाला, हमकास, सहभोजी।

अक़ूबत (عقوبت) अ स्त्री—यातना, पीड़ा, तकलीफ़, पाप, यातना, अज़ाब।

अक़ूर (عقور) अ वि—जिस कुत्ते ने काट लिया हो, श्वान दंशित।

अकूल (اكول) अ वि—बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक़्अक़ (عقعق) अ पु—एक प्रकार का कौआ जो बहुत तेज़ उड़ता है।

अक्कः (عکہ) अ. पु –दे 'अक्अक'।

अक्कार (عقار) अ पु –वनस्पति, जगली जड़ी-बूटी।

अक्कार (اکار) अ पु –कृषक, किसान; कूपकार, कुआँ खोदनेवाला।

अक्कालः (اکالہ) अ वि –बहुत ही अधिक खानेवाला, बहुत बडा पेटू, अतिभोजी, अमिताहारी।

अक्काल (اکال) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक्कास (عکاس) अ वि –छापाकार, फोटोग्राफर, चित्रकार, अक्स उतारनेवाला।

अक्कासी (عکاسی) अ. स्त्री –छापाकर्म, फोटोग्राफी; चित्रकारी, अक्स उतारना, प्रतिलिपि, नक्ल, नकल।

अक़्चः (اقچہ) तु पु –सोने-चांदी का छोटा टुकड़ा।

अक्ज़ब (اکذب) अ. वि –बहुत बडा झूठा, बहुत बडा पापी।

अक़्ज़ा (اقضیٰ) अ वि –बहुत बडा हुक्म देनेवाला; बहुत बडा काम करनेवाला।

अक़्ज़ियः (اقضیہ) अ पु –'कजा' का बहु, आज्ञाएँ, हुक्म।

अक़्ता' (اقطع) अ वि –जिसके हाथ कटे हो।

अक़ताअ (اقطاع) अ. पु –'कत्अ' का बहु, जागीरे, परगने; प्रदेश, इलाके।

अक़्ताब (اقطاب) अ पुं –'कुत्ब' का बहु, बडे-बडे महात्मा और वली।

अक़्तार (اقطار) अ पु –'कत्र' का बहु, बूंदे; 'कुत्र' का बहु, किनारे।

अक़्तार (اقطار) अ पु –'कुत्र' अथवा 'कुतुर' का बहु, किनारे; शिकारियो की ठाहे।

अक़्द (عقد) अ पु –विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, ग्रथि, गाँठ, वचन, प्रतिज्ञा, अह्द, निकाह।

अक्दर (اکدر) अ वि –बहुत गँदला, बहुत मैला।

अक़्दस (اقدس) अ वि –बहुत पवित्र, बहुत पाक, बहुत प्रतिष्ठित, बहुत बुजुर्ग, बहुत कल्याणकारी।

अक़्दह (اقدح) अ वि –बहुत खराब, निकृष्टतम; बहुत अधिक व्यग और कटाक्ष करनेवाला, बहुत दूषित।

अक़्दाम (اقدام) अ पु –क़दम का बहु, बहुत से पाँव, चरण-समूह।

अक़्दाह (اقداح) अ पु –'कदह' का बहु पियाले।

अक़्दे अनामिल (عقد انامل) अ पु –उँगलियो पर हिसाब लगाने की एक विधि।

अक़्दे नमकी (عقد نمکی) अ फा पु –'मुताअ' शीयो की वह विवाह-पद्धति, जो थोडे समय के लिए होती है।

अक़्दे रवाँ (عقد رواں) अ फा पु –दे 'अक्दे नमकी'।

अक़्दे सानी (عقد ثانی) अ पु –दूसरा व्याह, पुर्नविवाह।

अक्नान (اکنان) अ पु –'किन' का बहु पर्दे, आड़े।

अक्नाफ (اکناف) अ. पु –'कन्फ' का बहु., किनारे, छोर; दिशाएँ, सिम्ते, त्राण-स्थान, पनाहगाहे।

अक्नूँ (اکنوں) फा अव्य०–दृढ, इस समय।

अक्फर (اکفر) अ वि –बहुत बड़ा काफिर, बहुत बड़ा नास्तिक, बहुत बडा विधर्मी।

अक्फा (اکفا) अ. पु –'कुफ्व' का बहु, बहुत से गोत्र, बहुत से खानदान।

अक्फा (اکفی) अ वि –बहुत काफी, बहुत पर्याप्त।

अक़्फाल (اقفال) अ पु –'कुफ्ल' का बहु, ताले।

अक़्ब (عقب) अ. वि –किसी के पीछे आना, अनुगमन, अनुसरण।

अक्बर (اکبر) अ वि –महान्, अजीम; सबसे बड़ा, (पु) एक सुप्रसिद्ध मुगल सम्राट्।

अक़्बल (اقبل) अ वि –बहुत काबिल, बडा विद्वान्; भेगा, जिसे एक की दो चीजे दिखाई देती हो।

अक़्बह (اقبح) अ वि –निकृष्टतम, बहुत खराब।

अक्बाद (اکباد) अ पु –'कबिद' का बहु, जिगर।

अक्मल (اکمل) अ वि –बहुत कामिल, पूर्णतम, सर्वाङ्ग-पूर्ण।

अक्मास (اکمام) अ पु –आस्तीने, बीजो के ऊपर के गिलाफ।

अक़्मिशः (اقمشہ) अ पु –'क़ुमाश' का बहु, कपडे, वस्त्र-समूह।

अक़्याल (اقیال) अ पु.–प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग, पूज्य व्यक्ति, बुजुर्ग लोग।

अक्याल (اکیال) अ पु –'कैल' का बहु, नाज आदि नापने के पैमाने।

अक़्र (عقر) अ पु –बाँझपन, अनपत्य दोष।

अक़्रअ (اقرع) अ वि –गजा, खल्वाट।

अक़्रब (اقرب) अ वि –बहुत करीब, समीपतम, अति निकट।

अक़्रब (عقرب) अ पु –बिच्छू, वृश्चिक, अलि, वृश्चिक राशि, बुर्जे अक्रब।

अक़्रबी (عقربی) अ वि –बिच्छू से सबध रखनेवाला, (पु) पद्मराग अर्थात् लाल का एक प्रकार, मणि विशेष, बदख्शाँ के लाल सुप्रसिद्ध है।

अक्रम (اکرم) अ वि –अति दानी, वदान्य, बहुत बडा सखी, अति प्रतिष्ठित, बडा बुजुर्ग।

अक़्राद (اقراد) अ पु –'किरद' का बहु, बदरो की टोली, बहुत-से बदर।

अक़ान (اقران) अ पु–क़र्न का बहु, युग-समूह रव ज़माने।
अक़ाम (اقام) अ पु–करम का बहु कृपाएँ दयाएँ दान बख़्शिशें।
अक़ास (اقراص) अ पु–कुर्स का बहु रोटियाँ, टिकिया चपटा आकार की बड़ा टॅब्लेट।
अक़्रिबा (اقربا) अ पु–क़रीब का बहु स्वजनगण अज़ीज़ा अक़ारिब।
अक्ल (اكل) अ पु–खाना भोजन करना।
अक़्ल (عقل) अ पु–बुद्धि धी प्रज्ञा मेधा सूझ-बूझ चतुरता होशियारी विवेक तमीज़।
अक़्लमन्द (عقل‌مند) अ फा वि–बुद्धिमान मेधावी तेज़ अक़्ल वाला।
अक़्लमन्दी (عقل مندی) अ फा स्त्री–बुद्धिमत्ता अक़्ल वाला होना।
अक़्ले कुल (عقل کل) अ पु–जिब्रील फ़िरिश्ता (व्यंग) घामड़ मूर्ख लाल बुझक्कड़।
अक़्ले सलीम (عقل سلیم) अ स्त्री–ऐसी बुद्धि जिसका निश्चय सदा ही ठीक और शांत रहता हो सत्यनिश्चया बुद्धि सद्बुद्धि संतुलित बुद्धि।
अक्व (عفو) अ पु–मैदान खुला हुआ क्षेत्र आँगन, अजिर।
अक्वा (اقوا) अ वि–सबसे बलवान पराक्रमी महाबली, बड़ा ज़ोरावर।
अक्वात (اقوات) अ पु–क़ूत का बहु ख़ुराक।
अक्वाब (اكواب) अ पु–बिना टोंटी और दस्ते के लोटे लुटिया गडवे (उंगाय-चंचल प्रकृति वाला अस्थिर बुद्धि)।
अक्वाम (اقوام) अ पु–क़ौम का बहु क़ौमें बिरादरियाँ राष्ट्रसमूह सल्तनतें जातियाँ जातें।
अक्वाल (اقوال) अ पु–क़ौल का बहु किसी बड़े व्यक्ति या धर्माचार्य के कहे हुए प्रवचन।
अक्वास (اقواس) अ पु–क़ौस का बहु धनुष कमान।
अक्विया (اقویا) अ पु–क़वी का बहु ज़ोरदार लोग बलीजन बलवान व्यक्ति।
अक्स (عکس) अ पु–प्रतिबिंब साया चित्र तसवीर प्रत्युत विपरीत बरअक्स।
अक्सर (اکثر) अ वि–बहुधा प्राय, उमूमन।
अक़्सर (اقصر) अ वि–बहुत छोटा ह्रस्वतम अल्पतम लघुतम।
अक्सरीयत (اکثریت) अ स्त्री–किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा अधिक हो बहुसंख्यक।
अक्सरेज़ (عکس‌ریز) अ फा पु–एक्सरे।
अक़्सा (اقصی) अ वि–बहुत दूर, दूरवर्ती, अंत को पहुँचा हुआ।
अक़्सा (اقصا) अ पु–किनारे छोर, दूरियाँ।
अक़्साम (اقسام) अ पु–क़िस्म का बहु, क़िस्म, प्रकार क़सम का बहु शपथ, सौगंधें।
अक़्सिम (اقسمه) अ पु–क़िस्म का बहु, क़िस्म प्रकार।
अक़्सिय (اقسیه) अ पु–क़ियाम का बहु, अटकनें अनाजें।
अक्सोतर्द (عکس‌وطرد) अ पु–एक काव्यालंकार जिसमें आधे मिस्रे में जो शब्द लाये जाते हैं बाक़ी आधे मिस्रे में उन्हीं को उलट दिया जाता है।
अक्हल (اکحل) अ वि–वह व्यक्ति जिसका पलक निकलने का स्थान काला हो जिसकी आँखें अंजनसार हो।
अख़ (اخ) अ पु–भ्राता भाई।
अख़अख़ (اخ اخ) फा अव्य–वाह वाह ख़ूब ख़ूब उफ़ उफ़ हा हा।
अख़फ़ [फ़्फ़] (اخف) अ वि–बहुत हलका लघुतम।
अख़वात (اخوات) अ स्त्री–उख़्त का बहु बहिनें।
अख़स [स्स] (اخص) वि–बहुत ही ख़ास मुख्यतम।
अख़स [स्स] (اخس) वि–बहुत ही कमीना अति कृपण मक्खीचूस।
अख़स्सुल ख़सीस (اخس‌الخسیس) अ वि–सारे कृपणों में सबसे अधिक कृपण धनपिशाच।
अख़स्सुल ख़ास (اخص‌الخاص) अ वि–सबसे अधिक मुख्य जो मुख्य हैं उन सब में मुख्य मुख्यतम।
अख़िल्ला (اخلا) अ पु–ख़लील का बहु मित्रगण दोस्त लोग यार सुहृदजन।
अख़िस्सा (اخسا) अ पु–ख़सीस का बहु, कृपणगण कंजूस लोग।
अख़ी (اخی) अ अव्य–मेरा भाई हे भाई।
अख़ीर (اخیر) अ पु–अंत इख़्तिताम छोर किनारा मरण-काल मौत का समय। (वि) समाप्त ख़त्म।
अख़ुंद (اخوند) फा–शिक्षक उस्ताद।
अख़्गर (اخگر) फा पु–स्फुलिंग अग्निकण पतंगा चिनगारी– सुन अय ! जुनूने इश्क ! तुझे इसमें क्या मिला ? अख़्गर से वह ख़ाक जलाया किया मुझे।
अख़्च (اخچه) तु पु–सोने या चाँदी का कण या टुकड़ा दे अख़्च।

अख़ज (اخذ) अ पुं –ग्रहण, आदान, लेना; प्राप्ति, हुसूल, लब्धि।

अख़्ज़म (اخزم) अ पुं –नर सांप।

अख़्ज़र (اخضر) अ वि –गहरे हरे रग का, हरा रंगा हुआ।

अख़्ज़रीयत (اخضریت) अ स्त्री –हरापन।

अख़्त.ख़ानः (اختخانہ) फा पु –तवेला, अश्वशाला।

अख़्तब (اخطب) अ वि –बहुत वडा वक्ता, भाषण-पटु।

अख़्तर (اختر) फा पु –तारा, मितारा, उडु, भाग्य, प्रारब्ध, किस्मत।

अख़्तरशनास (اخترشناس) फा वि –ज्योतिषी, नजूमी।

अख़्तरशुमारी (اخترشماری) फा स्त्री –तारे गिनना, तारे गिन-गिनकर रात काटना, बेचैनी मे रात काटना, जैसे–"अल्ला रे! शबे-हिज्र की अख़्तर-शुमारिया!!"

अख़्तरे जौज़ा (اختر جوزا) फा अ पु –बुध ग्रह, उतारिद।

अख़्तान (اختان) अ पु –'ख़तन' का बहु, दामाद लोग।

अख़्दान (اخدان) अ पु –'ख़िद्न' का बहु, मित्र लोग, प्रेमपात्र लोग।

अख़्फ़श (اخفش) अ. वि –जिसकी आँखे निर्वल हो, जो चुधा हो।

अख़्बस (اخبث) अ वि –बहुत ही खबीस, अत्यत दुष्ट, वहुत वडा पापी।

अख़्बार (اخبار) अ पु –'ख़बर' का बहु, खबरें, समाचार-पत्र।

अख़्बार नवीस (اخبار نویس) अ फा वि.–पत्रकार, अख़्बार का एडीटर।

अख़्बारी (اخباری) अ वि –अख़्बार से सम्बन्धित; अख़्बार का।

अख़्मः (اخمہ) अ पु –झुर्री, शिकन, बल।

अख़्म (اخم) अ पु –माथे की शिकन, ललाट वल, भौं की शिकन, अब्रू का बल।

अख़्मस (اخمص) अ. पु –तलवे का वह भाग जो भूमि से नही लगता।

अख़्मिरः (اخمرہ) अ पु –'खिमार' का बहु., ओढनियाँ, चादरे।

अख़्याफ़ी (اخیافی) अ वि –वह भाई बहन, जिनके बाप अलग-अलग और माँ एक हो।

अख़्यार (اخیار) अ पु –'ख़ैर' का बहु, पुण्य-समूह, यश-समूह, भलाइयाँ, नेकियाँ।

अख़्रब (اخرب) अ वि –निर्जन, वीरान, उर्दू छदशास्त्र मे 'मफाईलुन्' मे से 'म' और 'न' गिराकर 'फाईल्' करके 'मफ्ऊल्' बनाना।

अख़्रम (اخرم) अ वि.–जिसकी नाक कटी हो; उर्दू छद-शास्त्र मे 'मफाइलुन्' मे से 'म' गिराकर 'फ़ाईलुन्' करके 'मफ्ऊलुन्' बनाना।

अख़्रस (اخرس) अ वि –गूंगा, जो न बोल सके न सुन सके।

अख़्लकद् (اخل کند) फा. पु –झुनझुना, बच्चो को खिलाने का झुनझुना।

अख़्लाक़ (اخلاق) अ पु –'खुल्क़ का बहु, परन्तु उर्दू मे एक-वचन के अर्थ मे प्रयुक्त है, शिष्टाचार, ख़ुशख़ुल्की।

अख़्लाक़ी (اخلاقی) अ वि –अख़्लाक सम्बन्धी, शिष्टाचार-सम्बन्धी।

अख़्लाक़े आलिय. (اخلاق عالیہ) अ पु –सत्त्व गुण, अच्छे अख़्लाक, उच्च कोटि का शिष्टाचार।

अख़्लाक़े ज़मीमः (اخلاق ذمیمہ) अ पु –दे 'अख़्लाके रदीय.।'

अख़्लाक़े रदीयः (اخلاق ردیہ) अ पु –तमोगुण, बुरे अख़्लाक।

अख़्लात (اخلاط) अ पु –ख़िल्त का बहु., धातुएँ, वात, पित्त, कफ और रक्त।

अख़्लाफ़ (اخلاف) अ पु –'ख़लफ' का बहु., लडके, लड़के पोते आदि।

अख़्वाल (اخوال) अ पु –'खाल' का बहु, खालू, बहनोई, मौसा; झडे, ध्वजाएँ।

अख़्शम (اخشم) अ वि.–जिसे सुगध और दुर्गंध का अनुभव न हो।

अख़्सम (اخصم) अ वि –लवी नाकवाला।

अगर (اگر) फा. अव्य –यदि, जो।

अगरचे (اگرچہ) फा अव्य –यद्यपि, गोकि।

अगाइद (اغائد) अ पु.–'अगीद' का बहु., अत्यत कोमल और मृदुल अगो वाली स्त्रियाँ, तन्वङ्गी, कृशाङ्गी, कोमलाङ्गी।

अग़ानिम (اغانم) अ पु –'ग़नम' का बहु, भेड़-बकरियाँ।

अग़ानी (اغانی) अ पु –'उग्निय' का बहु, वह बाजे जो फूंककर न बजाये जायँ, जैसे सितार, मृदग आदि।

अग़्ज़ियः (اغذیہ) अ स्त्री –'गिजा' का बहु, गिजाएँ, खाद्य पदार्थ।

अग़्नाम (اغنام) अ पु –'गनम' का बहु, भेड-बकरियाँ।

अग़्निया (اغنیا) अ पु –ग़नी का बहु, धनाढ्य लोग।

अग़्फ़र (اغفر) अ वि –बडा छिपानेवाला।

अग़्बर (اغبر) अ वि –धूसर, मटीला, खाकी रगवाला।

अग्यार (اغیار) अ पु –'ग़ैर' का बहु, अस्वजन, गैर लोग, प्रतिद्वंद्वी जन, रकीब लोग।

अजब (عجب) अ वि–आश्चर्यजनक बहुत अजीब, अद्भुत, विलक्षण।
अग्राज (اغراض) अ पु–'गरज' का बहु इच्छाएं ख्वाहिशें अभिप्राय, मकासिद स्वार्थ-समूह खुदगरजियाँ।
अग्लत (اغلط) अ वि बहुत अशुद्ध, बहुत गलत अत्यंत झूठ बिल्कुल मिथ्या।
अग्लब (اغلب) अ वि–निश्चय यकीनी।
अग्लबन (اغلباً) अ वि–यकीनी तौर पर करीब करीब अवश्य ही।
अग्लाजे ऐमान (اغلاظ ایمان) अ पु–बुरी-बुरी कसम।
अग्लात (اغلاط) अ पु–'गलत' का बहु अशुद्धियाँ, ग़लतियाँ, त्रुटियाँ भूलें।
अग्लाल (اغلال) अ पु–'गिल' का बहु अपराधियों के गले में डाले जाने वाले तौक बहते हुए पानी।
अग्सान (اغصان) अ पु–'गुस्न' का बहु छोटी पतली शाखाएँ डालियाँ।
अचार (اچار) फा पु–प्रसिद्ध खटास खटाई।
अच्ची (اچی) तु पु–बड़ा भाई अग्रज।
अजग (اژگ) फा पु–झुर्री बल शिकन खाल की झुर्री।
अज [ज्ज] (عض) अ पु–दाँतों से काटना।
अज [ज्ज] (عط) अ पु–ज़मीन से चिपकना।
अज (از) फा अव्य–से।
अज [ज्ज] (عز) अ पु–प्रभुत्व स्थापित करना ग़लबा करना जोर की वर्षा तेज़ बारिश।
अज अव्वल ता आखिर (از اول تا آخر) फा वि–आदि से अंत तक शुरू से अखीर तक आद्योपांत नितांत बिल्कुल।
अजकार रफ्त: (ازکار رفتہ) फा वि–काम से गया बीता अपाहज नपुंसक क्लीव नामर्द बेकार व्यर्थ निकम्मा।
अज खुद (ازخود) फा अव्य–स्वयम आप से आप ही आप स्वतः खुद ब खुद।
अजखुद रफ्त: (ازخود رفتہ) फा वि–चेतनाहीन निश्चेष्ट बेसुध बेखबर बेहोश।
अजफ (عجف) अ स्त्री–दुबलापन कमजोरी दुबलापन लागरी कृशता तनुता।
अजब (عجب) अ वि–विचित्र अद्भुत अनोखा आश्चर्य अचंभा।
अजब (عزب) अ पु–वह पुरुष जो स्त्री न रखता हो।
अजबतर (عجب تر) अ वि–बहुत ही विचित्र निहायत अजीब।
अजबर (ازبر) फा वि–वह चीज जो ज़बानी याद हो कंठ कंठस्थ मुखाग्र बरज़बाँ।
अजबस (ازبس) फा अव्य–अत्यंत, अधिक, बहुत चूँकि।
अजम (اجم) अ पु–'अज्म' का बहु, जंगल, झीलें, एक प्रकार का खाना खाने से घबरा जाना, शाम का एक स्थान।
अजम (عجم) अ पु–'अरब' के अतिरिक्त बाकी संसार, ईरान और तूरान, दाना, धान्य, (वि) मूक, गूंगा जो बात न सके।
अजमत (عظمت) अ स्त्री–प्रतिष्ठा, बुजुर्गी, बड़ाई आदर सम्मान, इज्जत यह शब्द उर्दू में 'अज्मत' है, दे अज्मत।
अजमी (عجمی) अ वि–जो अरबी न हो, ईरानी, ईरान निवासी।
अज रए इंसाफ (از رہ انصاف) फा अव्य–न्यायतः न्याय के अनुसार इंसाफ से।
अजल (اجل) अ स्त्री–मृत्यु मरण मौत समय काल वक्त।
अजल [ल्ल] (اجل) अ वि–श्रेष्ठतम बहुत ही मुअज्ज़ज।
अजल [ल्ल] (اذل) अ वि–अति नीच अधमतर, बहुत ही कमीना।
अजल (عضل) अ पु–'अज्ल' का बहु, पट्ठे स्नायु-समूह।
अजल [ल्ल] (ازل) अ पु–जिसकी जंघाएं और नितंब दुबले-पतले हों।
अजल (ازل) अ वि–वह समय जिसकी शुरुआत न हो अनादि काल वह समय जब सृष्टि की रचना हुई— दिल अजल से है कोई आज से शैदाई है?
अजल गिरिफ्त: (اجل گرفتہ) अ फा वि–जो मौत के मुँह में हो मरणासन्न।
अजल रसीद: (اجل رسیدہ) अ फा वि–जिसकी मौत आ गयी हो मतप्राय।
अजली (ازلی) अ वि–अनादि काल से संबद्ध अनादि कालवाला सृष्टि की रचना के समय का।
अज सर ता पा (ازسرتاپا) फा वि–सिर से पाँव तक आपादमस्तक सर्वथा नितांत, बिल्कुल, नख से शिख तक पूर्णतः।
अज सरे दस्त (ازسردست) फा वि–शीघ्र तुरंत जल्द सहसा निःसंकोच बेतअम्मुल चुस्त स्फूर्तियुक्त फुर्तीला।
अज सरे नौ (ازسرنو) फा वि–नये सिरे से फिर से पुनः।
अजहद (ازحد) फा अ वि–असीम अपार, बहुत अत्यधिक, बहुत ज्यादा।
अजाँ (ازاں) फा अव्य–उससे।
अजाँ (اذاں) अ स्त्री–अजान का लघु दे अज़ान'।
अजाँजुम्ल: (ازاں جملہ) अ फा अव्य–उन सब में से उनमें से।

अज़ाँपेश (ازاں بیش) फा वि –उससे पहले, तत्पूर्व ।
अज़ाँबाज़ (ازاں باز) फा वि.–उस समय से, उस वक्त मे ।
अज़ाँबाद (ازاں بعد) अ फा. वि –उसके बाद, उसके पश्चात्, तत्पश्चात् ।
अज़ाँसू (ازاں سو) फा वि –उस ओर से, उधर से ।
अज़ा (اذی) अ स्त्री.–कष्ट, दु ख, अज़ीयत, यातना ।
अज़ा (عزا) अ पु –मृत्युशोक, मातम, दैवी आपत्ति पर धैर्य और उस पर दृढता ।
अजाइज़ (عجائز) अ पु –'अजूज़' का वहु, वूढी स्त्रियाँ ।
अज़ाइफ (اضائف) अ पु –'ज़ैफ' का वहु, मेहमान लोग, अतिथिगण ।
अजाइव (عجائب) अ पु –'अजीव' का वहु, विचित्रताएँ, अजीव वाते ।
अजाइव खानः (عجائب خانہ) अ. फा पु –कौतुकालय, विचित्रालय, अद्भुतालय, अजायवघर ।
अजाइवात (عجائبات) अ. पु –'अजाइव' का वहु, चूँकि 'अजाइव' स्वयं वहुवचन हे इसलिए इसका वहु अशुद्ध है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित है ।
अज़ाइम (عزائم) अ. पु –'अज़ीमत' का वहु, वे मन्त्र और पाठ जो भूत, प्रेत आदि को वश मे करने या रोकने के लिए पढे जाते है, वीमार के अच्छा होने के लिए पढी जाने वाली दुआएँ ।
अज़ाखानः (عزاخانہ) अ फा पु –शोकगृह, मातमखाना, जहाँ कोई मर गया हो और उसका शोक मनाया जा रहा हो ।
अजाज (عجاج) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुवार ।
अज़ाज़ील (عزازیل) अ पु –शैतान का नाम, जव वह फिरिश्ता था ।
अज़ादार (عزادار) अ फा वि –जो किसी के मरने का शोक कर रहा हो, मातमदार, मुहर्रम मे इमाम हुसैन का मातम मनानेवाला ।
अज़ादारी (عزاداری) अ फा स्त्री –मृत्यु-शोक-काल, इमाम हुसैन का मातम मनाना, ता'जियादारी ।
अज़ान (اذان) अ स्त्री –नमाज का वुलावा, नमाज़ की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है ।
अजानिव (اجانب) अ पु –'अज्नवी' का वहु., अपरिचित लोग, वेगाने, अस्वजन, गैर ।
अज़ाव (عذاب) अ पु –पापो का वह दड जो यमलोक मे मिलता है, पापकष्ट, यातना, पीडा, दु ख, तकलीफ ।
अज़ावुल क़ब्र (عذاب القبر) अ पु –क़ब्र के भीतर का अज़ाव, जो मुसलमानो के मतानुसार 'मुन्कर नकीर' दो फिरिश्तो द्वारा होता है ।
अज़ावुलहून (عذاب الہون) अ पु –तिरस्कृत और अपमानित करने की यातना ।
अज़ाहीफ (ازاحیف) अ पु –'अज़्हाफ' का वहु, जो 'जिहाफ' का वहु. है, उर्दू छंदो के गणो के परिवर्तन ।
अज़ाहीर (ازاھیر) अ पु –'अज़्हार' का वहु, जो 'ज़हर', 'जुहर' और 'जुह' का वहु है, कलियाँ, विन खिले फूल, शगूफे ।
अजिज़ (عجز) अ स्त्री –श्रोण, नितव, चूतड, दे 'अजुज', दोनो शुद्ध है ।
अजिन्न. (اجنہ) अ पु –'जनीन' का वहु, वे वच्चे जो माँ के पेट मे हो, भ्रूणसमूह ।
अजिफ (عجف) अ वि –दुवला, लागर, कमजोर, कृशकाय ।
अज़िमः (ازمہ) अ पु –दुर्भिक्ष का कष्ट, कह्त की सख्ती और तकलीफ ।
अजिम्म· (ازمہ) अ पु –'जिमाम' का वहु, लगामे ।
अजिल्लः (اجلہ) अ पु –'जलील' का वहु, वड़े लोग, प्रतिष्ठित जन ।
अज़िल्लः (اذلہ) अ. पु –'ज़लील' का वहु अधम लोग, निकृष्ट लोग, कमीने लोग, नीच जन ।
अज़ीं (ازیں) फा अव्य –इससे ।
अज़ींसवव (ازیں سبب) फा. अ. अव्य –इस कारण से, इस सवव से ।
अजीज (عجیز) अ वि –नामर्द, नपुसक, क्लीव ।
अज़ीज़ (عزیز) अ वि –स्वजन, रिश्तेदार, प्रिय, प्यारा, रुचिकर, मर्गूव, अप्राप्य, कामयाव, मिस्र के प्राचीन वादशाहो की उपाधि ।—"मिलने से भी अज़ीज है मिलने की आर्जू, है वस्ल से जियाद मजा इतजार मे ।।"—(प्रिय के अर्थ मे)
अज़ीज तरीन (عزیز ترین) अ फा वि –वहुत ही प्यारा, अजीज, वहुत अधिक पसद, प्रियतम ।
अजीन (عجین) अ वि –गुँधा हुआ, सना हुआ, खमीर ।
अजीव (عجیب) अ वि –विचित्र, आश्चर्यजनक, अनुपम, अद्वितीय, वेमिस्ल, अनोखा, निराला ।
अजीव तर (عجیب تر) अ फा वि –वहुत ही विचित्र; वहुत ही अनुपम, वहुत ही निराला, अति अद्भुत ।
अजीवुलखिल्कत (عجیب الخلقت) अ वि –जिसकी आकृति और वनावट विचित्र हो, विकटमूर्ति, जो प्राकृतिक रूप से विरुद्ध हो, अप्राकृतिक ।
अजीवो गरीव (عجیب وغریب) अ वि.–जिसमे वहुत-सी वाते ऐसी हो जो दूसरो मे न हो, वहुत ही विचित्र ।
अज़ीम (عظیم) अ वि –महान्, वहुत वड़ा, विशाल, विस्तृत ।

अज़ीमत (عزیمت) अ स्त्री–संकल्प निश्चय, इरादा तंत्र मंत्र अभिचार जादू-टोना भूत का बुलाना और उन्हें वश करने आदि के लिए मंत्र आदि का उच्चारण।

अज़ीमत ख़्वाँ (عزیمت خواں) अ फा वि–वह व्यक्ति जो अभिचार और जादू से भूत प्रेत का बुलाये।

अज़ीमुल्जुस्स (عظیم الجثہ) अ वि–बहुत बड़े डील-डौल का गिराँडील महाकाय।

अज़ीमुश्शान (عظیم الشان) अ वि–बहुत बड़ा, महान विशाल महामाय बड़े मर्तबेवाला।

अज़ीयत (اذیت) अ स्त्री–कष्ट यातना तकलीफ़।

अज़ीयत देह (اذیت دہ) अ फा वि–कष्टदायी, दुखदायी तकलीफ़ देनेवाला।

अज़ीयत रसाँ (اذیت رساں) अ फा वि–दे अज़ीयत देह।

अज़ीर (اجیر) अ वि–श्रमिक मज़दूर।

अज़ीर (عنین) अ वि–क्लीव नपुंसक नामर्द।

अजोल (عجول) अ वि–फुर्तीला चुस्त जल्दबाज़ आतुर।

अज़ूज़ (عجوز) अ पु–प्राण निबल कल्पित पुराण।

अज़ुद (عضد) अ पु–भुजा बाहु बाज़ू।

अज़ूज़ (عجوزہ) अ स्त्री–दे अज़ूज़।

अज़ूज़ (عجوز) अ स्त्री–बूढ़ी स्त्री बुढ़िया वह बूढ़ी नारी जिसमें काम-वासना का आधिक्य हो।

अज़ूबा (عجوبہ) अ वि–अनोखी चीज़ शुद्ध उजूबा शुद्ध वही है परंतु उच्चारण दोनों प्रकार से बोलते हैं।

अज़ूबत (عذوبت) अ स्त्री–मधुरता मिठास रसात्मकता पानी का स्वादिष्ठ होना।

अज़ूल (عجول) अ वि–बहुत नाश्मना करनेवाला सत्य चकित हैरान वह ऊँटनी जिसका बच्चा खो गया हो।

अज़रा (ازرا) फा अव्य–ज़रा का बहुत रूप इसलिए इस कारण किर्मालए वया।

अज़अफ़ (اضعف) अ वि–बहुत ज़ईफ़ बहुत कमज़ोर अति निर्बल।

अज़आफ़ (اضعاف) अ पु–'ज़फ़' का बहु दूने दागुन।

अज़्का (اذکیٰ) अ वि–बहुत ही प्रतिभाशाली व्यक्ति हो जहाँ कुशाग्रबुद्धि मनीषी।

अज़्का (ازکیٰ) अ वि–बहुत ही पवित्र बहुत ही पाक।

अज़्कार (اذکار) अ पु–ज़िक्र का बहु चर्चाएँ वज़िफ़े जप-तप वज़ीफ़ आदि।

अज़्किया (اذکیا) अ पु–ज़की का बहुवचन कुशाग्र बुद्धि वाले प्रतिभाशाली लोग।

अज़्किया (ازکیا) अ पु–'ज़की' का बहु अति पवित्र लोग पुण्यात्मा लोग बुज़ुर्ग लोग।

अज़्ग़र (اصغر) अ वि–बहुत ही तीव्र गंधवाला तज्बू।

अज़्ग़ास (اضغاث) अ पु–घास के मुट्ठे जिसमें सूखी गीली घास मिली हो जैसे मिश्रित वस्तु।

अज़्ग़ासे अहलाम (اضغاث احلام) अ पु–ऐसे स्वप्न जिनका स्वप्न फल ठीक न बताया जा सके परागान्त-स्वाब।

अज़्ज़ (عز) अ पु–प्रभुत्व शल्या।

अज़्ज़ वजल्ल (عز وجل) अ वि–जो ग़ालिब और महान हो ईश्वर के नाम के साथ बोलते हैं।

अज़्ज़म (اجذم) अ वि–जिसके हाथ कटे हो।

अज़्ज़ाए तर्कीबी (اجزائے ترکیبی) अ पु–वे मूल धातुएँ जिनसे मिलकर कोई पदार्थ बना हो संयोजक पदार्थ, उपादान तत्त्व।

अज़्ज़ा (اجزا) अ पु–'जुज़' का बहु टुकड़े खंड किसी पदार्थ की मूल धातुएँ अथवा वस्तुएँ किसी नुस्खे की दवाएँ।

अज़्द (ازد) फा पु–असमानता, नाहमवारी खुरदरापन।

अज़्द (عضد) अ पु–एक राजा की दूसरे राजा का सहायता, सहायता मदद।

अज़्दअ़ (اجدع) अ वि–जिसकी नाक या जिसके कान कटे हों।

अज़्दर (اژدر) फा पु–अजगर, अज़्दहा बहुत बड़ा साँप।

अज़्दरदहा (اژدردہاں) फा वि–जिसका मुँह अजगर जैसा हो जिसके मुँह में जाकर कोई जिन्दा न बचे, जो आग बरसाता हो।

अज़्दरहा (اژدرہا) फा–अज़्दहा अजगर यह शब्द एक वचन है।

अज़्दल (اجدل) अ पु–एक शिकारी चिड़िया बाज़।

अज़्दहा (اژدہا) फा पु–अज़्दर अजगर।

अज़्दाद (اجداد) अ पु–जद का बहु पूर्वज, बाप-दादे पुराने लोग पुरखे।

अज़्दाद (اضداد) अ पु–'ज़िद' का बहु परस्पर विरोधी चीज़।

अज़्न (عجن) अ पु–गूँधना समार करना।

अज़्नब (اجنب) अ वि–दे अज़्नबी।

अज़्नबी (اجنبی) अ वि–अपरिचित अनजान अस्वजन गैर।

अज़्नाद (اجناد) अ पु–जुन्द का बहु सेनाएँ फौजें।

अज़्नाब (اذناب) अ पु–'ज़नब' का बहु पूछ दुम।

अज़्नास (اجناس) अ स्त्री–जिंस का बहु जिंसें गल्ले अनाज किस्म प्रकार चीज़ असबाब सामान।

अज्निहः (اجنحه) अ पु –'जनाह' का वहु., पक्ष, पर।
अज़फ़ (عطف) अ पु –स्वयं भूखा रहकर अपना खाना दूसरे भूखे को खिलाना, विपत्ति मे धैर्य रखना।
अज़्फ़र (اذفر) अ वि.–तीव्र सुगंध वाला, तेज बू वाला।
अज़्फर (اظفر) अ. वि.–वडे-वड़े नखोवाला।
अज्फ़ान (اجفان) अ पु –'जफ्न' का वहु, पपोटे, पलकें।
अज़्ब (عذب) अ पु –मधुर, मीठा; स्वादिष्ठ, मजेदार, मीठा पानी।
अज़्ब (عضب) अ पु.–काटना, विच्छेदन, खड्ग, तलवार।
अज़्बीयत (عصبيت) अ स्त्री.–जवान की तेजी, वोलने की शक्ति, भाषण-पटुता।
अज़्बुल लिसान (عذب اللسان) अ वि –जिसकी वातो मे रसीलापन हो, मधुरभाषी।
अज़्बुल वयान (عذب البيان) अ वि –दे 'अज़्बुल लिसान'।
अज़्म (عزم) अ पु –सकल्प, निश्चय, इरादा, दृढ निश्चय, तहीद, इच्छा, ख्वाहिश।
अज़्म (عجم) अ पु –अक्षर पर विदी रखना।
अज़्म (عظم) अ पु –हड्डी, अस्थि, श्रेष्ठता, पुनीतता, वुजुर्गी।
अज्मईन (اجمعين) अ वि –सव, सारे, तमाम, सपूर्ण।
अज़्मत (عظمت) अ स्त्री –माहात्म्य, महिमा, वुजुर्गी, महत्त्व, अहमीयत, सम्मान, आदर, इज्जत।
अज़्मविल जज़्म (عزم بالجزم) अ पु –दृढ संकल्प, दृढ निश्चय, पक्का इरादा।
अज्मल (اجمل) अ. वि –वहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम।
अज़्मा (اعجم) अ पु –गूँगा, मूक।
अज़्मात (عزمات) अ. पु.–'अज़्म' का फारसी वहु, इरादे, निश्चय।
अज़्मान (ازمان) अ पुं –'जमन' का वहु, जमाने, युग।
अज़्मिनः (ازمنه) अ पु –'जमान' का वहु, काल-समूह, ज़माने।
अज़्यक (اضيق) अ वि –वहुत अधिक सकुचित और तग।
अज्यद (اجيد) अ वि –वहुत ही उत्तम, वहुत ही उम्दा।
अज़्या' (اضيع) अ वि –वहुत अधिक नष्ट करनेवाला, वहुत 'जाये' करनेवाला, हिन्दी मे 'जाया' (नष्ट, वर्वाद) वहुत प्रचलित है।
अज़्याफ़ (اضياف) अ पु –'जैफ' का वहु, मेहमान लोग, आगतुक जन।
अज़्याल (اذيال) अ पु –'ज़ैल' का वहु, दामन, वहुत से दामन।
अज्र (اجر) अ पु –प्रत्युपकार, भलाई का वदला, सत्कर्म-फल, सवाव।
अज़्रक (ازرق) अ वि –नीला, नीले रग का।
अज्रव (اجرب) अ. वि –जिसे खाज का रोग हो।
अज़्रा (عذرا) अ स्त्री –अविवाहिता, कुमारी, सुदर गालो वाली, प्रकट, व्यक्त, कन्या राशि, वुर्जे सवुल., अरव की एक सुदरी जो 'वामिक' की प्रेमिका थी।
अज़्राव (اضراب) अ पु –'ज़र्व' का वहु., किस्में, प्रकार, सदृश, समान, अम्साल।
अज्राम (اجرام) अ पु –'जिर्म' का वहु, पिण्डसमूह, यह शब्द आकाशीय पदार्थो अथवा वहुमूल्य रत्नो के लिए प्रयुक्त है।
अज़्रार (اضرار) अ पु –'जरर' का वहु, हानियाँ, नुक्सानात।
अज़्लः (عضله) अ पु –पुट्ठा, स्नायु, नस।
अज़्ल (عضل) अ पु –विधवा को दूसरा विवाह करने से रोकना।
अज़्ल (عزل) अ पु –पदच्युत करना, मा'जूल करना, पदच्युति, मा'जूली, वेकारी, निठल्लापन, मुअत्तली।
अज्ल (اجل) अ पु –उत्तेजित होना, उभरना।
अज्ला (اجلا) अ वि –वहुत ही चमकदार, वहुत ही साफ।
अज़्लाअ (اضلاع) अ पु –'ज़िल्अ' का वहु, जिले, मडल, पसलियाँ, भुजाएँ, रेखाएँ।
अज्लाफ़ (اجلاف) अ पु –'जिल्फ' का वहु, कमीने लोग, नीच लोग।
अज़्लाम (اظلام) अ पु –'जुल्मत' का वहु, अँधेरे, अधकार-समूह।
अज़्लोनस्व (عزل و نصب) अ पु –किसी को पद से हटाना और किसी को उसके स्थान पर नियुक्त करना।
अज़्व (عزو) अ पु –एक वस्तु को दूसरी वस्तु से सम्वन्धित करना, विपत्ति मे धैर्य रखना।
अज्वफ़ (اجوف) अ वि –जो वीच से खाली हो, सुषिर, खोखला, वह अरवी शब्द जिसके वीच का अक्षर 'अलिफ', 'वाव' या 'ये' हो।
अज़्वाज (ازواج) अ स्त्री –'जौज' का वहु, पत्नियाँ, स्त्रियाँ, भार्याएँ।
अज्विवः (اجوبه) अ पु –'जवाव' का वहु, जवावात, उत्तर।
अज्साद (اجساد) अ पु –'जसद' का वहु, देहे, शरीर।
अज्साम (اجسام) अ पु –'जिस्म' का वहु, देहे, शरीर।
अज्सुर (اجسر) अ पु –'जस्र' का वहु, वहुत से पुल।
अज्हर (اجهر) अ वि.–जिसे दिन मे न दिखाई देता हो, दिनाध, रोजकोर।
अज़हर (ازهر) अ वि –यश और कीर्ति से मुख की उज्ज्वलता, वहुत अधिक प्रकाशमान्, रौशनतर, मिस्र का प्राचीन विश्वविद्यालय, 'जामिअए अज़्हर'।

अजहर (اظہر) अ वि–बहुत अधिक स्पष्ट बहुत ही साफ।

अजहर मिनश्शम्स (اظہر من الشمس) अ वि–सूर्य से अधिक स्पष्ट और उज्ज्वल सर्वविदित सबको जाहिर।

अजहल (اجہل) अ वि–बहुत अधिक जाहिल, मूर्खतम।

अजहा (اضحی) अ स्त्री–कुर्बानी बलि।

अजहान (اذہان) अ पु–जहन का बहु प्रतिभाएँ ज़ेहन।

अतका (اتکہ) तु पु–धाय का पति दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अतन (عطن) अ पु–ऊँटों के पानी पीने का स्थान।

अतब (عتبہ) अ पु–चौखट दहलीज दरवाज़े की लकड़ी या पत्थर कष्ट सख्ती रमज़ का एक आवृत्ति।

अतफ़ (عتف) अ पु–तर्जनी और मध्यमा या मध्यमा और अनामिका उँगलियों के बीच का अंतर।

अतब (عطب) अ पु–मरण हलाकत वध।

अतम [म्म] (اتم) अ वि–बिल्कुल पूरा मुकम्मल सर्वांग पूर्ण सम्पूर्ण।

अतल (عطل) अ स्त्री–बिना शृंगार की हुई स्त्री बिना बिंदावाला अक्षर।

अतश (عطش) अ स्त्री–प्यास पिपासा तश्नगी।

अता (آتا) तु पु–पिता पिता जनक बाप।

अता (عطا) अ स्त्री–दान प्रदान बख्शिश पुरस्कार अतीय दिया हुआ दत्त।

अताई (عطائی) अ वि–जिसने कोई कला या गुण नियम पूर्वक गुरु से न सीखा हो केवल यों ही सुन-सुनाकर या देख भालकर या किसी अनाड़ी के पास रहकर थोड़ा-बहुत उल्टा-सीधा ज्ञान प्राप्त कर लिया हो।

अताक़ (عتاق) अ पु–दास का अपने स्वामी के बंधन से मुक्त होना।

अतान (اتان) अ स्त्री–गधी गर्दभी गधे की मादा।

अताबुक (اتابک) तु पु–गुरु उस्ताद सरदार।

अताया (عطایا) अ पु–अतीय का बहु बख्शिशें।

अतालिय (اطالیہ) अ पु–इटली यूरोप का एक प्रसिद्ध राष्ट्र।

अतालीक़ (اتالیق) तु पु–शिक्षक उस्ताद शिक्षा के साथ साथ शिष्टता सभ्यता और व्यवहार निष्ठता आदि सिखाने वाला और चाल चलन की देख रेख करनेवाला गुरु।

अतिब्बा (اطبا) अ पु–तबीब का बहु, चिकित्सकगण हकीम लोग।

अतीक़ (عتیق) अ वि–पुरातन क़दीम बंधनमुक्त आज़ाद श्रेष्ठ गिरामी।

अतीद (عتید) अ वि–विद्यमान मौजूद उपस्थित हाज़िर तैयार आमादा।

अतीफ़ (عطیف) अ स्त्री–वह स्त्री जिसमें नम्रता, पातिव्रत्य और आज्ञाकारिता हो।

अतीय (عطیہ) अ पु–अनुदान, बख्शिश प्रदान अता, पुरस्कार इनआम, उपहार, तोहफ़ा।

अतीयात (عطیات) अ पु–अतीय का बहु बख्शिशें अताएँ इनआमात, तोहफ़े।

अतील (عطیل) अ वि–प्यासा तपित।

अतूफ़ (عطوفہ) अ स्त्री–सुशील और विनम्र स्त्री।

अतूफ़ (عطوف) अ वि–दयालु मेहरबान वह ऊँटनी जो अपने बच्चे से बहुत स्नेह करे वत्सला शिकार का जाल।

अतूफ़त (عطوفت) अ स्त्री–अनुकंपा अनुग्रह मेहरबानी।

अतइम (اطعمہ) अ पु–तआम का बहु खाने, भोजन।

अत्क़िया (اتقیا) अ पु–तक़ी का बहु, ऋषि और मुनि लोग सदाचारी और धर्मनिष्ठ लोग।

अतगह (اتکہ) तु पु–शाही महल में दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अत्तार (عطار) अ वि–सुगंधकार इत्र बनाने बेचनेवाला, औषधियाँ बेचनेवाला एक मुसल्मान महात्मा।

अत्तार (عثار) अ वि–साहसी शूर दिलेर बलिष्ठ घोड़ा वह स्थान जिसमें जो न लगे।

अत्फ़ (عطف) अ पु–कृपा दया मिलाना, जोड़ना फेरना लपेटना दो शब्दों के बीच में वाव या कोई दूसरा अक्षर या शब्द लाकर उन्हें आपस में मिलाना।

अत्फ़ाल (اطفال) अ पु–तिफ़्ल का बहु बालकगण बच्चे लड़के।

अत्ब (عتب) अ पु–निंदा करना क्रोध करना।

अत्बाअ (اتباع) अ पु–तबा का बहु अनुकारी वर्ग पैरवी करनेवाले।

अत्मक (اتمک) तु स्त्री–रोटी नान।

अत्यब (اطیب) अ वि–बहुत अच्छी सुगंधवाला।

अत्राक (اتراک) तु पु–तुर्क का बहु तुर्क लोग।

अत्राफ़ (اطراف) अ पु–तरफ़ का बहु दिशाएँ सिमतें।

अत्राब (اتراب) अ स्त्री–तिर्ब का बहु समवयस्क पुरुष या स्त्रियाँ।

अत्रिय (اطریہ) अ स्त्री–सिवयाँ।

अत्लस (اطلس) अ स्त्री–एक बहुमूल्य रेशमी वस्त्र (पु) स्वच्छ आकाश साफ़ आसमान।

अत्लाल (اطلال) अ पु–पुराने और ध्वस्त मकान आदि के चिह्न।

अत्वार (اطوار) अ पु–तौर का बहु आचरण, आमाल।

अत्शान (عطشان) अ वि –प्यासा, तृषित।
अत्सः (عطسه) अ स्त्री –छींक।
अत्हर (اطہر) अ वि –बहुत ही पवित्र, अत्यन्त पाक।
अद [द्द] (عد) अ पुं –गिनना, गणना करना, शुमार करना।
अदक [क़्क] (ادق) अ वि –बहुत ही क्लिष्ट, बहुत ही गूढ, रहस्यमय, बहुत ही सूक्ष्म, निहायत दकीक।
अदकचः (ادقوچه) तु पु –पलग पर बिछाने की कामदार चादर।
अदद (عدد) अ पु –सख्या, अक, तादाद, मात्रा।
अदन (عدن) अ पु –यमन का एक द्वीप जहाँ का मोती प्रसिद्ध है।
अदब (ادب) अ पु –हर चीज का अदाजा और हद को दृष्टि मे रखना, शिष्टता, सभ्यता, तमीज, आदर, सत्कार, ताजीम, साहित्य, कला, लिट्रेचर, वुद्धि, विवेक।
अदब आमोज (ادب آموز) अ फा वि –अदब सिखानेवाला, अदब सीखनेवाला।
अदब नवाज (ادب نواز) अ फा पु –जो साहित्य का कद्रदान और साहित्यकारो का गुणग्राही हो।
अदबी (ادبی) अ वि –साहित्यिक, साहित्य सम्वन्धी, अदब से मुतअल्लिक।
अदबीयत (ادبیت) अ स्त्री –साहित्यिक प्रवाद, साहित्यिकता।
अदबीयात (ادبیات) अ स्त्री –साहित्य सम्वन्धी पुस्तके आदि।
अदम (عدم) अ पु –यमलोक, परलोक, जहाँ मनुष्य मरकर जाता है, हीन, बिना, अभाव, फिक्दान।
अदम आवाद (عدم آباد) अ फा पु –यमलोक, परलोक, अदम की वस्ती।
अदरनः (ادرنه) तु पु –एडिरयानोपिल।
अदल [ल्ल] (ادل) अ वि –बहुत ही मुदल्लल, तर्कयुक्त, सगतियुक्त।
अदवात (ادوات) अ पु –अदात का वहु, आले, आलात, औजार, उपकरण-समूह।
अदा (ادا) फा स्त्री –हाव-भाव, अगभगी, नाजअदाज, पद्धति, तर्ज, प्रणाली।
अदा (ادا) अ पु –वेवाक करना, देना, चुकाना, वेवाक, परिशुद्ध।
अदाइगी (ادائگی) अ फा स्त्री –वेवाकी, परिशुद्धि।
अदाए कर्ज (ادائے قرض) अ पु –ऋण-शुद्धि, कर्ज की वेवाकी।
अदाए ख़ास (ادائے خاص) फा अ स्त्री –पद्धति-विशेष, ख़ास तर्ज।
अदाकार (اداکار) फा वि –अभिनेता, नट, ऐक्टर (पुरुष); अभिनेत्री, तारिका, लप्वा, ऐक्ट्रेस।
अदात (ادات) अ पु –औजार, आला, उपकरण।
अदानी (ادانی) अ पु –'अदना' का वहु, बहुत पासवाले, बहुत कमीने।
अदालत (عدالت) अ स्त्री –न्यायालय, कचहरी, न्याय, इसाफ।
अदालत पजोह (عدالت پژوه) अ फा वि –न्यायनिष्ठ, मुसिफमिजाज।
अदालते आलियः (عدالت عالیه) अ स्त्री –उच्च न्यायालय, हाईकोर्ट।
अदालते ख़फ़ीफ़ः (عدالت خفیفه) अ स्त्री –अल्पवाद न्यायालय, स्माल काज कोर्ट।
अदालते दीवानी (عدالت دیوانی) अ फा स्त्री –व्यवहारालय, लेन-देन और रुपये-पैसेवाली कचहरी, व्यवहार-न्यायालय।
अदालते फौजदारी (عدالت فوجداری) अ फा स्त्री –दड-न्यायालय, वह कचहरी जहाँ अपराधो के इस्तिगासे होते है।
अदालते मातहृत (عدالت ماتحت) अ स्त्री –अधीन न्यायालय।
अदालते माल (عدالت مال) अ स्त्री –राजस्व न्यायालय, मालगुजारी, लगान और खेती सम्वन्धी कचहरी।
अदालते मुजाज (عدالت مجاز) अ स्त्री –अधिकृत न्यायालय, जिसे किसी मुआमले के सुनने और निर्णय करने का अधिकार हो।
अदालते मुराफअः (عدالت مرافعه) अ स्त्री –पुनर्विचारालय, अदालते अपील।
अदावत (عداوت) अ स्त्री –शत्रुता, वैर, दुश्मनी।
अदावतन (عداوتاً) अ वि –अदावत से, शत्रुता से।
अदावत पेशः (عداوت پیشه) अ फा वि –जिसका काम हरेक से शत्रुता रखना हो, वैरवृत्त।
अदावते कल्वी (عداوت قلبی) अ स्त्री –हार्दिक वैर, दिली दुश्मनी, बहुत अधिक शत्रुता।
अदावते फित्री (عداوت فطری) अ स्त्री –पैदाइशी दुश्मनी, प्राकृतिक वैर, जैसी साँप और न्योले मे।
अदाशनास (اداشناس) फा. वि –यह समझनेवाला कि इस समय उसका स्वामी क्या चाहता है, और क्या करना चाहिए, मालदर्शी।

अनासिर (عناصر) अ पु—'उंसुर' का बहु, पंचभूत—आग, पानी, हवा, मिट्टी और आकाश।

अनीक़ (انیق) अ. वि—अद्भुत, आश्चर्यजनक, अजीबो-गरीब; सुन्दर, मनोरम, हसीन।

अनीद (عنید) अ वि—लड़ाकू, झगड़ालू; उद्दंड, सरकश।

अनीन (انین) अ. पु—चीत्कार, चिल्लाना।

अनीफ़ (عنیف) अ वि—तीव्र, तेज; गुस्सैल, दुष्ट, झगड़ालू, लड़ाकू।

अनीस (انیس) अ वि—मित्र, सखा, दोस्त।

अनीसून (انیسون) अ. स्त्री—एक प्रकार की सौंफ जो दवा में काम आती है।

अन्कबूत (عنکبوت) अ स्त्री—लूता, मकड़ी।

अन्कबूतीयः (عنکبوتیہ) अ स्त्री—आँख का चौथा पर्दा या पटल।

अन्कस (انکس) अ वि—बहुत ही खराब, अत्यन्त निकृष्ट।

अन्का (عنقا) अ पु—एक प्रसिद्ध साहित्यिक पक्षी जो केवल कल्पित है, वह वस्तु जो अप्राप्य हो, लंबी गर्दनवाली स्त्री।

अन्काब (عنقاب) अ पु.—'नक्ब' का बहु, छिद्र-समूह, बहुत से सूराख।

अन्कास (انقاس) अ. पु—'निक्स' का बहु., लिखने की स्याहियाँ।

अन्कास (انقاص) अ पु—'नक्स' का बहु, कमियाँ, त्रुटियाँ, अशुद्धियाँ, दोष, ऐब।

अन्नाब (عناب) अ वि—अंगूर बेचनेवाला।

अन्फ़ (عنف) अ पु—भुर्दरापन, रूखापन, रुखाई, बेरुखी, दे 'इन्फ़' और 'उन्फ़', तीनों शुद्ध हैं।

अन्फ़त (انفت) अ पु—घृणा और अवहेलना करना।

अन्फ़स (انفس) अ वि—बहुत ही नफ़ीस, बहुत ही उत्तम, अत्यधिक सुन्दर।

अन्फ़ास (انفاس) अ पु—'नफ़स' का बहु, साँसें।

अन्फ़िख़ः (انفخہ) अ पु—'नफ़ख़' का बहु, फूँकें।

अन्फ़िह. (انفحہ) अ पु—पनीर माय, वह जमा दूध जो नवजात शिशु-पशु को मारकर उसके मेदे से निकालते हैं।

अन्फ़ुस (انفس) अ पु—'नफ़्स' का बहु, रूहें, आत्माएँ, व्यक्तियाँ, जातें।

अन्मलः (انملہ) अ स्त्री—दे 'अन्मिल'।

अन्मार (انمار) अ पु—'नम्र' का बहु, चीते।

अन्मिल. (انملہ) अ स्त्री—उँगली का सिरा, यह शब्द नौ प्रकार से आता है, परन्तु बोला यही जाता है, 'अलिफ़' और 'मीम' पर जबर, जेर, पेश, तीनों आते हैं।

अन्मुलः (انملہ) अ स्त्री—दे 'अन्मिल'।

अन्वर (انور) अ वि—बहुत अधिक चमकदार, उज्ज्वलतम।

अन्वाअ (انواع) अ पु—'नौअ' का बहु, प्रकार, किस्में।

अन्वार (انوار) अ.पु—'नूर' का बहु, प्रकाशपुंज, जगमगाहटें, रोशनियाँ।

अन्हार (انہار) अ पुं—'नह्र' का बहु, नहरें, नदियाँ, चश्मे।

अफ़ [इफ़] (عف) अ पुं—सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत।

अफ़न (عفن) अ. पुं—मलिन होना, गंदा होना।

अफ़रना (عفرنا) अ पु—फाड़ खानेवाला शेर, व्याघ्र।

अफ़ा (عفا) अ पु—मरना, हलाक होना, नापैद होना, आग के पराँठों की कालिमा।

अफ़ाई (افاعی) अ पु—'अफ़ई' का बहु., काले साँप।

अफ़ाग़िनः (افاغنہ) अ पु—'अफ़गान' का बहु, अफ़ग़ानी लोग, काबुली।

अफ़ाज़िल (افاضل) अ. पु—'अफ़ज़ल' का बहु, विद्वज्जन, पंडित लोग, प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग।

अफ़ाफ़ (عفاف) अ पु—संयम, पारसाई, सतीत्व, इस्मत।

अफ़ारीत (عفاریت) अ पु.—इफ़रीत का बहु, पिशाच-समूह, देव लोग।

अफ़िन (عفن) अ वि—दुर्गंधयुक्त, बदबूदार।

अफ़िस (عفص) अ वि.—बकठा, कसैला, बकठी चीज।

अफ़ीफ़ः (عفیفہ) अ स्त्री—सती, साध्वी, पतिव्रता, बाइस्मत।

अफ़ीफ़ (عفیف) अ वि—पत्नीव्रत, परस्त्रीविमुख, दूसरी स्त्री पर आँख न उठानेवाला।

अफ़ील (افیل) अ पु—जवान ऊँट।

अफ़्अफ़ (عفعف) अ अव्य—कुत्ते के भूँकने का शब्द।

अफ़्आल (افعال) अ पु—'फ़ेल' का बहु., कार्य-समूह, कृतियाँ, करतूत।

अफ़्इद (افئدہ) अ पु.—'फ़ुआद' का बहु, हृदय-समूह।

अफ़्ई (افعی) अ पु—काला साँप, नाग।

अफ़्कर (افقر) अ वि—बहुत ही कंगाल, बहुत ही फकीर।

अफ़्कार (افکار) अ पु—'फ़िक्र' का बहु, फ़िक्रें, चिंताएँ, रचनाएँ, तसानीफ़।

अफ़्गंदः (افگندہ) फा वि—फेंका हुआ, गिराया हुआ।

अफ़्गंदः सुम (افگندہ سم) फा. वि—लाचार, दुःखित, चलने-फिरने में विवश।

अफ़्गंदनी (افگندنی) फा वि—फेंकने के योग्य, डालने के योग्य, गिराये जाने योग्य।

अफ़्गाँ (افغاں) फा. पु—'अफ़गान' का लघु, दे 'अफ़गान'।

अफ़्गानः (افگانہ) फा पु—भ्रूण, अधूरा बच्चा, वह बच्चा जो सात महीने से पूर्व उत्पन्न हो जाय।

अफ़ग़ान (افغان) फा पु—अफगानिस्तान का निवासी अफगानी काबुली।
अफ़ग़ानिस्तान (افغانستان) फा पु—काबुलिया का देश काबुल का मुल्क काबुल का राष्ट्र।
अफ़ग़ानी (افغانی) फा वि—काबुली अफगान।
अफ़गार (افگار) फा वि—घन घायल (प्रत्य) जख्म खाया हुआ जसे दिल अफगार' जख्मी दिलवाला।
अफ़ज़ल (افضل) अ वि—बहुत ही बढ़िया उत्तमतर बहुत अधिक बहुत ज्यादा।
अफ़ज़लीयत (افضلیت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, बड़प्पन, बड़ाई।
अफ़ज़ह (افضح) अ वि—बहुत ही निन्दित बहुत ही बदनाम कुख्यात।
अफ़ज़ा (افزا) फा प्रत्य—बढ़ानेवाला जसे हौसला अफ़ज़ा उत्साह बढ़ानेवाला।
अफ़ज़ाइश (افزایش) फा स्त्री—वृद्धि बढ़ती ज्यादती।
अफ़ज़ाइशे नस्ल (افزایش نسل) फा स्त्री—सन्तान-वृद्धि वंशवृद्धि, नस्ल का बढ़ना।
अफ़ज़ाइशे हुस्न (افزایش حسن) फा अ स्त्री—सौन्दर्य वृद्धि सुन्दरता का बढ़ना।
अफ़िज़य (افضیہ) अ स्त्री—फ़ज़ा का बहु खुले स्थान।
अफ़ज़ू (افزوں) फा वि—अत्यधिक प्रचुर बहुत ज्यादा कुछ जोड़ ग्राड टाट।
अफ़्ज़ूनी (افزونی) फा स्त्री—अधिकता प्रचुरता बहुतायत ज्यादती।
अफ़्ग़र (افخر) अ पु—भतीजा भ्रातृ पुत्र भानजा भगिनी पुत्र।
अफ़्याल (افیال) अ पु—फील का बहु बहुत से हाथी।
अफ़राख़्त (افراختہ) फा वि—उठाया हुआ ऊंचा किया हुआ।
अफ़राख़्तनी (افراختنی) फा वि—उठाने योग्य ऊँचा करने योग्य।
अफ़राज़ (افراز) फा प्रत्य—उठानेवाला 'ऊंचा करनेवाला' जस सरअफराज सिर ऊंचा करनेवाला।
अफ़राज़िन्द (افرازندہ) फा वि—उठानेवाला ऊंचा करनेवाला।
अफ़राशीद (افراشیدہ) फा वि—उठाया हुआ बलन्द किया हुआ।
अफ़राद (افراد) अ पु—फ़र्द का बहु व्यक्तियाँ आदमी।
अफ़राश्त (افراشتہ) फा वि—उठाया हुआ ऊंचा किया हुआ बलंद किया हुआ।
अफ़राश्तनी (افراشتنی) फा वि—उठाने योग्य ऊंचा करने योग्य।
अफ़रास (افراس) अ पु—फरस का बहु घोड़े।
अफ़रासियाब (افراسیاب) फा पु—तूरान का एक प्राचीन शासक।
अफ़रासे आब (افراس آب) फा पु—वे बुल्बुले जो पानी बरसते समय उठते हैं।
अफ़रोख़्त (افروختہ) फा वि—जलाया हुआ, रौशन किया हुआ क्रुद्ध गुस्से में, उत्तेजित मुश्तइल।
अफ़रोख़्तगी (افروختگی) फा स्त्री—क्रोध रोष उत्तेजना चकमाहट रौशनी।
अफ़रोख़्तनी (افروختنی) फा वि—जलाने योग्य उत्तेजित करने योग्य क्रुद्ध करने योग्य।
अफ़रोज़ (افروز) फा प्रत्य—जलानेवाला रौशन करनेवाला उज्ज्वलकारी वृद्धिकारी जसे—दिल अफ़रोज़ दिल को उज्ज्वल करनेवाला रौनक-अफ़रोज़—शोभावृद्धिकारी।
अफ़लाक (افلاک) अ पु—फलक का बहु आकाश समूह सब आसमान।
अफ़्लाक (افلاق) अ पु—फ़ल्क का बहु प्रातःकाल के उजाले।
अफ़्व (عفو) अ पु—क्षमा मुआफी।
अफ़्वाज (افواج) अ स्त्री—फौज का बहु फौजें सेनाएँ।
अफ़्वाह (افواہ) अ स्त्री—बहुवचन है परन्तु एकवचन में प्रयुक्त होता है किंवदन्ती जनश्रुति लोकोक्ति उड़ती हुई शोहरत।
अफ़्वाहन (افواہاً) अ वि—अफवाह के तौर पर उड़ते उड़ते।
अफ़्श (عفش) अ पु—पथिक का सामान।
अफ़्शा (افشاں) फा स्त्री—स्त्रियों के बालों अथवा गालों पर छिड़कने का सुनहला या रुपहला चूर्ण (प्रत्य) झाड़नेवाला छिड़कनेवाला जस—दस्त अफ़्शाँ हाथ झाड़नेवाला।
अफ़्शार (افشار) तु पु—तुर्कों में किज़िलबाश जाति का एक गोत्र।
अफ़्शुर (افشرہ) फा पु—दे 'अफ़्शुर'।
अफ़्शुर (افشرہ) फा वि—निचोड़ा हुआ (पु) निचोड़ा हुआ अरक आदि।
अफ़्शुरदए अंगूर (افشردۂ انگور) फा पु—अंगूर का निचोड़ा हुआ अरक अंगूर की मदिरा।
अफ़्स (عفص) अ पु—माजू माजूफल एक वनौषधि।
अफ़्सर (افسر) अ पु—मुकुट ताज पदाधिकारी आफ़्सर दार सरदार अध्यक्ष।
अफ़्सरी (افسری) अ स्त्री—पदाधिकार आफ़्सरी सत्ता हुकूमत अध्यक्षता सरदारी।

अफ़सह (افصح) अ. वि.—बहुत फसीह, जो बड़ी विद्वत्ता से बातचीत करता हो और बहुत अच्छे शब्द बोलता हो।

अफ़्सां (افساں) फा पु —धार तेज़ करने का पत्थर, शाण, सान।

अफ़्सा (افسا) फा पुं —अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ़्सानः (افسانہ) फा. पु —आख्यायिका, कहानी; उपन्यास, नाविल, लम्बा वृत्तान्त; मनगढ़त कहानी या हाल।

अफ़्सानःगो (افسانہگو) फा. वि —कहानियाँ कहनेवाला, क़िस्स गो।

अफ़्सानः नवीस (افسانہ نویس) फा वि —कहानियाँ लिखनेवाला, उपन्यास-लेखक।

अफ़्सानः निगार (افسانہ نگار) फा. वि —दे 'अफ़्सान नवीस'।

अफ़्सार (افسار) फा पु —घोड़े की बागडोर।

अफ़्सुर्दः (افسردہ) फा वि.—जाड़े से ठिठरा हुआ, बुझा हुआ, ठंडा; खिन्न, उदास।

अफ़्सुर्दःदिल (افسردہدل) फा वि —बुझे दिलवाला, खिन्नचित्त, उदास।

अफ़्सुर्दःदिली (افسردہدلی) फा स्त्री —दिल का बुझा होना, उदासी।

अफ़्सुर्दगी (افسردگی) फा स्त्री —मलिनता, खिन्नता, उदासीनता, ठिठरापन, बेरौनकी, शोभाहीनता।

अफ़्सुर्दनी (افسردنی) फा वि —ठिठरने योग्य; मलिन होने योग्य।

अफ़्सूं (افسوں) फा. पु —अभिचार, मायाकर्म, इन्द्रजाल, जादू।

अफ़्सूंगर (افسوںگر) फा. वि —अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ़्सूंतराज़ (افسوںطراز) फा. वि —दे. 'अफ़्सूंगर'।

अफ़्सून (افسون) फा. पु —दे 'अफ़्सूं'।

अफ़्सूने सामिरी (افسون سامری) फा. अ पुं —'सामिरी' का जादू, बहुत सख़्त जादू।

अफ़्सोस (افسوس) फा पु —शोक, रंज, पश्चात्ताप, खेद, पशेमानी।

अफ़्सोसनाक (افسوسناک) फा वि —शोकजनक, रंजदेह, अशुभ, मनहूस, दयनीय, काबिले रह्म।

अब [ब्ब] (عب) अ. पुं —बार-बार पानी पीना; मुँह भर-भर के खाना।

अबदः (عبدہ) अ पु —'आबिद' का बहु तपस्वी लोग।

अबद (ابد) अ पु —वह समय जिसका अंत न ज्ञात

अबदन (ابداً) अ. वि —कदापि, हरगिज़; नित्य, हमेशा।

अबदी (ابدی) अ वि.—नित्य की, हमेशा की, सार्वकालिक, दायमी।

अबदीयत (ابدیت) अ. स्त्री.—नित्यता, हमेशगी; अनश्वरता, लाज़वालीयत।

अबदुल आबाद (ابدالآباد) अ पु —नित्यता, हमेशगी।

अबवी (ابوی) अ वि.—बाप का, बाप संबंधी।

अबस (عبث) अ वि —व्यर्थ, निरर्थक, फ़ज़ूल, बेकार।

अबस (عبس) अ. पुं —रूखापन, बदमिज़ाजी, सूखा पेशाब-पाख़ाना।

अबा (عبا) अ पु —लंबा चुग़ा, वस्त्र, लिबास।

अबाबील (ابابیل) अ स्त्री —एक प्रसिद्ध काली और छोटी चिड़िया, जो उजाड़ मकानों में रहती है, भाड़की।

अबिक़ (عبق) अ. वि —सुगंधित, ख़ुशबूदार।

अबीद (عبید) अ पु —'अब्द' का बहु, ईश्वर के दास।

अबीर (عبیر) अ पु —एक प्रकार की सुगंधित गुलाबी बुकनी जो कपड़ों पर छिड़की जाती है।

अबूर (عبور) अ पु —नई बकरी या भेड़; वह मनुष्य जिसका ख़तना न हुआ हो।

अबूस (عبوس) अ वि.—बदमिज़ाज और खुर्रा व्यक्ति, रूखे स्वभाववाला।

अब्अद (ابعد) अ वि —बहुत अधिक दूर।

अब्आद (ابعاد) अ पु —'बो'द' का बहु, दूरियाँ, फ़ासिले।

अब्आदे सलासः (ابعاد ثلاثہ) अ पु —तीन फ़ासिले, लंबाई, चौड़ाई और मोटाई या ऊँचाई या गहराई।

अब्इरः (ابعرہ) अ पु —'बईर' का बहु, उष्ट्र-समूह, बहुत से ऊँट।

अब्क़र (عبقر) अ पु.—शोरा, एक क्षार जिससे बारूद बनती है।

अब्क़र (عبقر) अ पु —भूत-प्रेत और जिनों आदि का एक कल्पित नगर।

अब्क़री (عبقری) अ वि —बहुत बढ़िया और अद्‌भुत वस्तु जिसे मनुष्य न बना सके, बल्कि जिसे जिनों या भूतों ने बनाया हो, उम्दा और नफ़ीस कपड़ा, हर उत्तम और अद्‌भुत वस्तु।

अब्का (ابکی) अ वि —बहुत रोनेवाला।

अब्कार (ابکار) अ पु —'बिक्र' का बहु, कुआँरियाँ, बुक्र का बहु, सवेरे, प्रातःकाल के समय।

अब्ख़रः (ابخرہ) अ पु —'बुख़ार' का बहु, धुएँ, भापें।

अब्ख़र (ابخر) अ वि —वह व्यक्ति जिसके मुँह से दुर्गंध

अख्ल (ابخل) अ वि–बहुत अधिक कंजूस कृपणतम।

अबजद (ابجد) अ स्त्री–वर्णमाला, अलिफ़ बे अरबी अक्षरों का वह क्रम जिसमें हर अक्षर का मूल्य एक से हज़ार तक नियत किया गया है, और वह इस प्रकार है अबजद (د ج ب ا) हवज (ز و ه) हुत्ती (ی ط ح) कलिमन (ن م ل ک) सअफ़स (ص ف ع س) करशत (ت ش ر ق) सख्ज़ (ذ خ ث) ज़ज़ग़ (غ ظ ض) –इन अक्षरों की सहायता से लोगों के मरने और पैदा होने का साल निकाला जाता है और कुछ लोग अपने बच्चों के नाम भी इसी हिसाब से रखते हैं जिससे उनके जन्म का वर्ष मालूम हो जाता है।

अबजदख्वाँ (ابجد خواں) अ फ़ा वि–अलिफ़ बे पढ़ने वाला नौसिखिया।

अबज़ार (ابذار) अ पु–बज़्र का बहु अनाजों के बीज।

अब्ज़ार (ابزار) अ पु–बज़्र का बहु तरकारियों के बीज।

अब्तर (ابتر) अ वि–अस्तव्यस्त तितर बितर दुर्दशा ग्रस्त बदहाल।

अब्तरी (ابتری) अ स्त्री–अस्त-व्यस्तता गड़बड़ दुरवस्था बदनज़्मी राज्यपरिवर्तन इंक़िलाब।

अब्द (عبد) अ पु–दास सेवक बन्दा भक्त शिदाई।

अब्दान (ابدان) अ पु–बदन का बहु बहुत से शरीर।

अब्दीयत (عبدیت) अ स्त्री–दासता सेवाभाव बन्दगी, ईश्वर का दास होना।

अब्दुद्दराहिम (عبدالدراہم) अ पु–रुपये का दास जिसका धर्म ईमान केवल रुपया हो।

अब्दुल जिन्न (عبدالجن) अ पु–काबूस रोग जिसमें रोगी अनुभव करता है कि किसी ने उसका गला घोट दिया।

अब्दुलबत्न (عبدالبطن) अ पु–पेट का बंदा उदर सर्वस्व पेटू।

अब्ना (ابنا) अ पु–'इब्न' का बहु बेटे पुत्रगण।

अब्नाए अमान (ابنائے زمان) अ पु–संसारवाले दुनियावाले अवसरवादी लोग, दुनियासाज़ लोग।

अब्नाए जिंस (ابنائے جنس) अ पु–एक जातिवाले एक आयुवाले समवयस्क।

अब्नाए वतन (ابنائے وطن) अ पु–वतनवाले, देशवाले।

अब्निय (ابنیہ) अ स्त्री–बिना का बहु बुनियादें नींव।

अब्बादान (عبادان) अ पु–फ़ारस की खाड़ी का एक द्वीप।

अब्बास (عباس) अ पु–रूखे स्वभाव वाला, व्याघ्र, शेर, हज़रत मुहम्मद साहब के चचा, अब्बासी ख़लीफ़ा इन्हीं से सम्बंधित हैं।

अब्बासियाँ (عباسیاں) अ पु–हज़रत अब्बास की सन्तान वाले।

अब्बासी (عباسی) अ वि–हज़रत अब्बास का वंशज हज़रत अब्बास से सम्बन्धित एक फूल गुलाबाँस।

अब्यज़ (ابیض) अ वि–बहुत सफ़ेद, धवलतम।

अब्यस (ابیس) अ वि–बहुत ख़ुश्क बहुत ख़ुश्की पैदा करनेवाला।

अब्यात (ابیات) अ स्त्री–बैत का बहु शेर।

अब्र (ابرہ) अ पु–दोहरे कपड़े में ऊपर वाला कपड़ा अस्तर का उलटा।

अब्र (ابر) फ़ा पु–मेघ बलाहक बादल।

अब्र (عبر) अ पु–स्वप्न का फल बताना, ता'बीर कहना।

अब्र आलूद (ابرآلود) फ़ा वि–बादल से घिरा हुआ मेघाच्छादित।

अब्रक (ابرک) फ़ा पु–अभ्रक, एक प्रसिद्ध और बहुत ही उपयोगी पारदर्शी धातु।

अब्रक (ابرق) अ पु–'अब्रक'।

अब्रस (ابرص) अ वि–जिसे सफ़ेद कोढ़ का रोग हो सिध्म।

अब्रार (ابرار) अ पु–बार का बहु ऋषि मुनि लोग।

अब्री (ابری) फ़ा स्त्री–अब्र से सम्बन्धित एक चित्रित और रंगीन काग़ज़ जो प्रायः जिल्दों पर लगाया जाता है।

अब्रू (ابرو) फ़ा स्त्री–भ्रू भृकुटी भौं।

अब्रूकमाँ (ابروکماں) फ़ा वि–जिसकी भौंहें धनुष जैसी मेहराबदार हों सुंदर भौंहोंवाली हसीना।

अब्रू कशीदः (ابروکشیدہ) फ़ा वि–जिसकी भौंहें तनी हों संकुचित भ्रू।

अब्रेग़लीज़ (ابرِغلیظ) फ़ा अ पु–काली घटा घनघोर घटा

अब्रेतीर (ابرِتیرہ) फ़ा पु–'अब्रग़लीज़'।

अब्रेनसाँ (ابرِنیساں) फ़ा पु–चैत के महीने का बादल जिसके लिए प्रसिद्ध है कि उसकी हर बूँद मोती बन जाती है।

अब्रेबहार (ابرِبہار) फ़ा पु–वसंत ऋतु का मेघ।

अब्रेबाराँ (ابرِباراں) अ पु–बरसता हुआ बादल द्राण मेघ, वर्षाकाल का बादल।

अल्लक (ابلق) अ वि –चितकबरा, काला और सफेद; चितकबरा घोड़ा, काला और सफेद घोडा।

अब्लह (ابلہ) अ. वि.–भोला भाला; मूर्ख, बेवकूफ।

अब्लहाँ (ابلہاں) अ पु –'अब्ल.' का फारसी वहु, भोले-भाले लोग, मूर्ख लोग।

अब्लही (ابلہی) अ स्त्री –भोलापन, मूर्खता, नादानी।

अब्लूज (ابلوج) फा स्त्री –सफेद शक्कर, शर्करा, मिस्री, खड शर्करा।

अब्स (عبس) अ पु.–रूखापन, तुरुशरूई, एक पैरा, सीसवर।

अब्हर (عبہر) अ स्त्री –वह नर्गिस का फूल जिसके भीतर पीलापन हो, वह व्यक्ति जिसके शरीर मे मास खूब हो।

अब्हा (ابہیٰ) अ वि.–सुदरतम, जेवतर, मनोरम, खुशनुमा।

अब्हार (ابحار) अ पु –'बह्र' का वहु, वहुत से समुद्र।

अम [म्म] (عم) अ पु.–चचा, पितृभ्राता।

अमलः (عملہ) अ पु –कर्मचारीवर्ग, किसी संस्था या कार्यालय के काम करनेवाले लोग।

अमल (عمل) अ पु –कार्य, कर्म काम, लोकाचार, तर्जे अमल, संसार मे अच्छा या बुरा किया हुआ काम, कृत्य; कोई जप या वजीफा, मिस्मरेज़्म का अमल।

अमल (امل) अ स्त्री –आशा, आस, उम्मीद।

अमलखानः (عمل خانہ) अ पु –दीवानखान।

अमलदारी (عملداری) अ. फा स्त्री –शासन, सत्ता, राज्याधिकार, हुकूमत।

अमलन (عملاً) अ वि –अमल के तौर पर, कार्यान्वित करके।

अमली (عملی) अ वि –कार्य सम्वन्धी, काम का, कर्मनिष्ठ, कर्मठ, वाअमल।

अमलीयात (عملیات) अ पु –जत्र-मंत्र जो भूत-प्रेत आदि के लिए प्रयुक्त होते है।

अमश (عمش) अ पु –दृष्टि की निर्वलता, आँख से आँसू वहना।

अमा (عما) अ स्त्री.–अघता, नावीनाई, कुमार्ग, गुमराही, हलका वादल, गहरा वादल।

अमाइद (عمائد) अ पु –'अमीद' का वहु, वडे लोग, प्रतिष्ठित लोग, उच्च पदाधिकारी लोग।

अमाइम (عمائم) अ पु –'इमाम' का वहु, पगडियाँ, साफे।

अमाकिन (اماکن) अ. पु –'मकान' का वहु, वहुत से घर, वहुत से मकान।

अमाजिद (اماجد) अ पु –'अम्जद' का वहु, प्रतिष्ठित जन, पूज्य व्यक्ति, वुजुर्ग लोग।

अमान (امان) अ स्त्री –सुरक्षा, हिफाजत, पनाह, निर्भयता, वेखौफी; शाति, सुकून।

अमानत (امانت) अ स्त्री.–न्यास, थाती, धरोहर, किसी को कोई वस्तु सिपुर्द करना।

अमानतदार (امانتدار) अ फा. वि –जिसके पास कोई धरोहर रखी हो, न्यासधारी, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमानी (امانی) अ पु –'उम्नीयत' का वहु, आशाएँ, आकाक्षाएँ, आर्जूएँ।

अमाम (امام) अ वि –सामने, प्रत्यक्ष।

अमारत (امارت) अ स्त्री.–चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।

अमारात (امارات) अ स्त्री.–'अमारत' का वहु, निशानात, चिह्न, अलामते, लक्षण।

अमारिद (امارد) अ पु –'अम्रद' का वहु, वे डाढ़ी-मूँछ के खूवसूरत लडके।

अमारी (عماری) अ स्त्री –हाथी का हौदा, अम्मारी।

अमासिल (اماثل) अ पु –'अम्सल' का वहु, उदाहरण, मिसाले।

अमीक (عمیق) अ वि –अगाध, गहन, गभीर, गहरा, डुवाऊ, सूक्ष्म, गूढ, दकीक।

अमीद (عمید) अ. वि –प्रतिष्ठित, मुअज्जज, नेता, रहवर, लीडर।

अमीन (امین) अ वि –न्यासधारी, अमानतदार, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमीम (عمیم) अ. वि.–व्यापक, आम, जो सवके लिए हो।

अमीर (امیر) अ वि –धनाढ्य, दौलतमंद, अध्यक्ष, सरदार; लीडर, नेता, शासक, हाकिम।

अमीरजादः (امیرزادہ) अ फा वि –अमीर का लडका, धनीपुत्र, आर्यपुत्र, शरीफजादा।

अमीरानः (امیرانہ) अ फा. वि –अमीरो जैसा, रईसो की तरह।

अमीरी (امیری) अ स्त्री –श्रेष्ठता, वुजुर्गी; धनाढ्यता, मालदारी, स्वामित्व, सरदारी।

अमीरुल अस्कर (امیرالعسکر) अ पु –सेनापति, सिपहसालार, कमाडर।

अमीरुल उमरा (امیرالامرا) अ पु –शाही जमाने की एक वडी पदवी, अमीरो का अमीर, वहुत वड़ा अमीर।

अमीरुल वह्र (امیرالبحر) अ पु –नौ-सेनापति, समुद्री फौज का कमाडर।

अमीरे कारवाँ (امیرِ کارواں) अ फा पु –यात्रीदल का अध्यक्ष।

अमीरे नह्ल (امیر نحل) अ पु—हज़रत अली की उपाधि।

अमूद (عمود) अ पु—स्तंभ; खंभा; वक्षपट; सम; गिरने... अधर्म सत्तार; तराज़ू की मूठ; रेखा; वह सीधी रेखा जो दूसरी पड़ी रेखा पर गिरकर ९० अंश का कोण बनाये।

अमूदी (عمودی) अ वि—अमूद से सम्बन्धित; अमूद जैसा।

अमूम (عموم) अ वि—शुद्ध उच्चारण 'उमूम'।

अमूर (عمور) अ पु—तोता और ममूला के वर्ग का पक्षी।

अमूल (عمول) अ वि—बहुत अधिक काम करनेवाला।

अम (عم) अ पु—चचा; बाप का भाई।

अमअक़ (عمعق) अ पु—अरब का एक शायर।

अमआ (امعا) अ पु—मिआ का बहु; आँतें।

अम्किन: (امکنه) अ पु—मकान का बहु; मकानात।

अम्जद (امجد) अ वि—अत्यंत पवित्र; अत्यंत बुज़ुर्ग।

अम्जाद (امجاد) अ पु—प्रतिष्ठित जन; बुज़ुर्ग लोग।

अम्ज़िज: (امزجه) अ पु—मिज़ाज का बहु; स्वभाव; मिज़ाज।

अम्त (امت) अ पु—ऊँची भूमि; दीवार आदि का घुमाव।

अम्तार (امطار) अ पु—मतर का बहु; बरसात; बरसात के पानी।

अम्तिअ: (امتعه) अ पु—मताअ का बहु; माल-असबाब।

अम्द (عمد) अ पु—संकल्प; इरादा; इच्छा; ख़्वाहिश।

अम्दन (عمداً) अ वि—समझते-बूझते हुए; जान-बूझकर; निश्चयपूर्वक; इरादे के साथ।

अम्न (امن) अ पु—शांति; सुकून; सुख-चैन; आराम।

अम्न पसंद (امن پسند) अ फा वि—अम्न का हामी; शांतिप्रिय; जो यह चाहता हो कि किसी प्रकार का झगड़ा न हो।

अम्न पसंदी (امن پسندی) अ फा स्त्री—अम्न की हिमायत; शांतिप्रियता; झगड़ा न चाहना।

अम्म: (عمه) अ स्त्री—फूफी; बाप की बहन; मनुष्यों का समूह।

अम्मा (عما) अ पु—अम्म: का बहु; फूफियाँ।

अम्मान (عمان) अ पु—शाम की एक नगर।

अम्मार: (اماره) अ वि—पाप की ओर प्रवृत्त करनेवाला; गुनाह की तर्ग़ीब देनेवाला; बहुत हुक्म करनेवाला।

अम्मार: (عماره) अ पु—जहाज़ों का बेड़ा।

अम्मारी (عماری) अ स्त्री—हाथी का हौदा।

अम्मया (عمیا) अ स्त्री—अंधी स्त्री।

अम्र (امر) अ पु—आदेश; आज्ञा; हुक्म; काम; कार्य; बात; विषय; मुआमला; समस्या; मसअल:।

अम्रद (امرد) फा पु—बिना दाढ़ी-मूँछ का सुन्दर लड़का।

अम्रद परस्त (امرد پرست) फा वि—गुदाभंजक; लौंडेबाज़; सुन्दर लड़कों से प्रेम करनेवाला।

अम्रद परस्ती (امرد پرستی) फा स्त्री—सुंदर लड़कों से प्रेम करना।

अम्राज़ (امراض) अ पु—मरज़ का बहु; रोग-समूह; बहुत से रोग।

अम्ल: (عمله) अ स्त्री—भलाई; उपकार; नेकी।

अम्लज (املج) अ पु—आँवला; एक प्रसिद्ध फल।

अम्लस (املس) अ वि—चिकना; मुलायम; समतल; हमवार; नर्म; साफ़; मसृण।

अम्लाक (املاک) अ पु—मिल्क का बहु; सम्पत्तियाँ; जायदाद।

अम्लाह (املاح) अ पु—मिल्ह का बहु; बहुत से नमक।

अमवाज (امواج) अ स्त्री—मौज का बहु; मौजें; लहरें; तरंग।

अम्वात (اموات) अ स्त्री—'मौत' का बहु; मौतें; मुर्दे।

अमवाते अहमर (اموات احمر) अ स्त्री—वध होनेवाले; शहीद होनेवाले।

अमवाल (اموال) अ पु—माल का बहु; सम्पत्तियाँ; धन समूह।

अमवाह (امواه) अ पु—माअ का बहु; बहुत पानी।

अम्स (امس) अ पु—गत कल; गुज़रा हुआ कल।

अम्सल (امثل) अ वि—पूज्य; श्रेष्ठ; बुज़ुर्ग।

अम्सार (امصار) अ पु—मिस्र का बहु; बड़े-बड़े नगर।

अम्साल (امثال) अ पु—मसल का बहु; कहावतें; लोकोक्तियाँ; मसलें।

अम्सिल: (امثله) अ पु—मिसाल का बहु; मिसालें; उदाहरण।

अयाँ (عیاں) अ वि—स्पष्ट; ज़ाहिर; दृष्टिगोचर; इस शब्द का शुद्ध उच्चारण इयाँ है।

अया (عیا) अ पु—ऐसी पीड़ा जिसकी चिकित्सा न हो सके।

अयाक़ (ایاق) तु पु—दे अयाग़।

अयाग़ (ایاغ) तु पु—प्याला; पानपात्र; चषक।

अयाज़ (ایاز) फा पु—महमूद के गुलाम का नाम जिसे वह बहुत चाहता था—"न वो ग़ज़नवी में तड़प रही न वो ख़म है ज़ुल्फ़-ए-अयाज़ में।"—इक़बाल।

अयादी (ایادی) अ पु—यद का बहु; बहुत-से हाथ; बहुत सी भलाइयाँ।

अयामा (ایامیٰ) अ वि –'ऐयिम' का वहु, विना पति की स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुप।

अयार (ایار) फा पु –रूमियो का एक महीना जो जेठ मे पड़ता है।

अयार (عیار) अ. पुं –तोलना, चाँदी-सोने को कसौटी पर कसना, परख, जांच।

अयाल (ایال) फा पु.–घोडे की गर्दन के लवे वाल, फारसी शब्द 'याल' है।

अयास (ایاس) फा पुं –'अयाज' का असली नाम।

अय्यार (عیار) अ वि –वहुत अधिक चालाक, धूर्त, वचक, छली, दे. 'ऐयार'।

अय्याश (عیاش) अ वि –भोग-विलास और अच्छे खाने-पीने का शौकीन, व्यभिचारी, दे. 'ऐयाश'।

अय्यूक (عیوق) अ पु –एक तारा जो वहुत तेज़ और प्रकाशमान् होता है, दे 'ऐयूक'।

अय्यूव (ایوب) अ. पु.–एक पैगम्बर जो वडे ही धैर्यवान् थे, दे 'एयूव'।

अरक (عرق) अ पु.–जल, दवाओ का खीचा हुआ पानी; मदिरा, शराव; पसीना।

अरक [क्क] (ارق) अ वि –वहुत अधिक पतला, वहुत रकीक, वहुत अधिक सूक्ष्म, वारीकतर।

अरक (ارق) अ स्त्री.–अनिद्रा, वेख्वावी, जागरण, वेदारी।

अरक (ارک) तु पु –कोट, दुर्ग, किला।

अरकगीर (عرق گیر) अ फा पु –अरक खीचने का भभका।

अरकची (عرق چین) अ फा पु –कुलाह जो पगडी के नीचे पहनी जाती है, पसीना पोछने का छोटा रूमाल।

अरकरेज़ (عرق ریز) अ फा वि –दास, सेवक, नौकर; लज्जा देनेवाला, लज्जित करनेवाला।

अरकीयः (عرقیہ) अ पु –पसीना पोछने का छोटा रूमाल।

अरकेवहार (عرق بہار) अ फा पु –मदिरा, शराव।

अरचंद (ارچند) फा अव्य –हरचद, अगरचे।

अरज (عرض) अ पु –वह चीज़ जो दूसरी के सहारे कायम हो, जैसे–'रग' जो कपडे के सहारे कायम होता है, वह उपरोग जो किसी वडे रोग के कारण उत्पन्न हो जाय, जैसे–बुखार मे सिर का दर्द।

अरज (عرج) अ पु –लँगडापन, लग।

अरफः (عرفہ) अ पु –अरवी जिलहिज्ज महीने का नवाँ दिन, जिस रोज़ हज होता है।

अरफात (عرفات) अ पुं –मक्के से नौ कोस पर वह मैदान जहाँ हाजी लोग हज के दिन एकत्र होते और दोपहर और शाम की नमाज़ पढ़ते हैं।

अरव (عرب) अ. पुं.–अरव देश; अरव का निवासी; अरव का व्यक्ति।

अरव नज़ाद (عرب نژاد) अ. वि.–अरव की नस्ल का, अरवी।

अरविस्तान (عربستان) अ. फा. पु –अरव देश।

अरवी (عربی) अ वि.–अरव का निवासी, अरव का व्यक्ति; अरव से सम्बन्ध रखनेवाला, (स्त्री) अरवी भाषा।

अरश (ارش) अ पुं.–कोहनी से उँगलियो तक का हाथ।

अरस (ارس) फा. पु.–आज़रवाईजान का एक नगर और उसकी एक नदी।

अरस्तातालीस (ارسطاطالیس) अ पु –'अरस्तू'।

अरस्तू (ارسطو) अ. पु.–यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो ३८४-३२२ ईसा पूर्व हुआ है। यह अफ़लातून का शिष्य और सिकदर का गुरु था।

अरा (عرا) अ पु –चटयल मैदान, जहाँ न घास हो न पेड़; दरगाह, आश्रम।

अराइक (ارائک) अ पु –'अरीक.' का वहु., वहुत से तख्त, सिहासन-समूह।

अराइज़ (عرائض) अ पु –'अर्ज़ी' का वहु, अर्जियाँ, प्रार्थनाएँ।

अराइज नवीस (عرائض نویس) अ फा. वि –अर्ज़ी लिखनेवाला।

अराइव (ارائب) अ. पु.–'इर्व' का वहु.।

अराइस (عرائس) अ पु –अरूस का वहु, दूल्हा; दुल्हने।

अराक (اراک) अ पु.–पीलू का पेड; जमीन का टुकड़ा।

अराजिल (اراذل) अ पु –'अर्ज़ल' का वहु, कमीने लोग।

अराजिल (اراجل) अ पु –'रजुल' का वहु, मनुष्य लोग, वहुत से आदमी।

अराजी (اراضی) अ स्त्री.–'अर्ज़' का वहु, जमीने, भूमियाँ, खेतियाँ, खेतो की जमीने।

अराजीफ (اراجیف) अ पु –'अर्जाफ' का वहु, व्यर्थ की वाते, वेहूदा लोग।

अरावः (ارابہ) फा पु –गाड़ी, शकट, छकड़ा।

अरावः (عرابہ) अ. पु.–दे 'अराव'।

अरावची (ارابچی) फा पु –गाड़ीवान, गाड़ी हाँकनेवाला।

अरामिल (ارامل) अ स्त्री –'अर्मल.' का वहु, विधवा स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुप, विना पुरुप की स्त्रियाँ।

अराया (عرایا) अ पु –खजूर के पेड जो किसी गरीव व्यक्ति को फल खाने के लिए दे दिये गये हो।

अरिज (ارج) अ वि –हर वस्तु जो सुगंधित हो।

अरिश (ارش) अ वि –वुद्धिमान्, प्रतिभावान्, होशियार, प्रवीण, चतुर, पटु।

अरी (اری) अ पु–मधु, शहद।
अरीक (اریکه) अ पु–सिंहासन तख्त, राजमंच।
अरीक (عریکه) अ पु–अभिमान, गर्व स्वभाव तबायत ऊँट का कौहान।
अरीज (عریضه) अ पु–प्रार्थनापत्र दरख्वास्त, पत्र चिट्ठी।
अरीज गुजार (عریضه گزار) अ फा वि–प्रार्थना करने वाला प्रार्थना पत्र देनेवाला प्रार्थी पत्र भेजनेवाला।
अरीज निगार (عریضه نگار) अ फा वि–पत्र लिखनेवाला पत्र-लेखक
अरीज (عریض) अ वि–चौडा चौना चकला एक सांप का चकरा।
अरीफ (عریف) अ वि–पहचाननेवाला।
अरीश (عریشه) अ पु–झोपडा छप्पर जहाज का हक।
अरीश (عریش) अ पु–झोपडा छप्पर अंगूर की बेल चढाने की टट्टी।
अरीस (عریس) अ पु–दूल्हा वर।
अरुज (ارز) अ पु–चावल तडुल।
अरूज (عروض) अ पु–पिंगल छन्दशास्त्र।
अरूजदाँ (عروض دان) अ फा वि–अरूजी।
अरूजी (عروضی) अ वि–जो पिंगल शास्त्र का अच्छा ज्ञाता हो।
अरूफ (عروف) अ वि–बहुत पहचानने वाला धयवान साबिर।
अरूब (عروب) अ स्त्री–वह स्त्री जो अपने पति को बहुत प्यार करती हो वह स्त्री जिसे उसका पति बहुत चाहता हो प्राणप्रिया।
अरूस (عروس) अ उभ–दूल्हा वर नौशा दुल्हन वधू।
अरूसक (عروسک) अ स्त्री–गुडिया बीर बहूटी।
अरूसी (عروسی) अ वि–विवाह शादी निकाह विवाह सम्बन्धी।
अरूसुलबिलाद (عروس البلاد) अ पु–ऐसा नगर जो सब नगरों में दुल्हन के समान हो।
अअर (عرعر) अ पु–चीड का पेड।
अक्रम (ارقم) अ पु–काला सांप जिसकी पीठ पर सफ़ेद चित्तियाँ होती है।
अर्कान (ارکان) अ पु–रुक्न का बहु खंभे सुतून सदस्य लोग मम्बर।
अर्काने दौलत (ارکان دولت) अ पु–राज्य के प्रमुख पदाधिकारी बडे-बडे ओहदेदार।
अर्काने सल्तनत (ارکان سلطنت) अ पु–दे अर्काने दौलत।
अर्काने हुकूमत (ارکان حکومت) अ पु–दे अर्काने दौलत।
अर्क़ाम (ارقام) अ पु–पत्र-समूह सतूर।
अर्ग़न (ارغن) अ पु–अरगन बाजा।
अर्ग़नू (ارغنوں) अ पु–अरगन बाजा।
अर्ग़ू (ارغو) अ पु–अरगन बाजा।
अर्ग़वाँ (ارغواں) फा पु–अर्ग़वान का लघु दे अर्ग़वान।
अर्ग़वान (ارغوان) फा पु–एक लाल फूल लानेवाला पेड़ एक लाल रंग का फूल।
अर्ग़वानी (ارغوانی) फा वि–लाल रंग में रँगा हुआ लाल सुर्ख लिये मासिया क्या नवाना में पानी—मये अर्ग़वानी मय अर्ग़वानी। —जिगर।
अर्ज़ग (ارژنگ) फा पु–चीन का एक चित्रकार मानी के चित्रों का अल्बम मानी का नाम मानी अर्ज़ंग।
अर्ज़ (عرضه) अ पु–एक बार ज़ाहिर करना एक बार सामने रखना।
अर्ज़ (ارضه) अ पु–दीमक एक कीडा।
अर्ज़ (ارض) अ स्त्री–पृथ्वी ज़मीन भूमि वसुंधरा।
अर्ज़ (عرض) अ स्त्री–प्रार्थना गुज़ारिश (पु) चौडाई घरेलू सामान।
अर्ज़ (از) फा पु–मूल्य दाम कीमत।
अर्ज़ (ارج) फा पु–मूल्य, क़ीमत पद मतबा सुगंध खुशबू अनुमान अटकल निंदा हुस्न।
अर्ज़गाह (عرض گاه) अ फा स्त्री–सेना के गिनती करने का स्थान।
अर्ज़ गुज़ार (عرض گزار) अ फा वि–प्रार्थना करनेवाला प्रार्थी।
अर्ज़दाश्त (عرضداشت) अ फा स्त्री–प्रार्थना इल्तिजा प्रार्थनापत्र दरख्वास्त।
अर्ज़बेगी (عرض بیگی) अ फा पु–बादशाह के सामने प्रार्थनाएं और प्रार्थियों को पेश करने वाला व्यक्ति।
अर्जमंद (ارجمند) फा वि–प्रतिष्ठित मान्य मुअज़्ज़ज़, सफल कामयाब प्रतापी इक़बालमंद।
अर्ज़ल (ارذل) अ वि–बहुत ही नीच बहुत ही कमीना।
अर्जल (ارجل) अ वि–लम्बी टाँगोंवाला व्यक्ति वह घोडा जिसका एक पाँव सफ़ेद हो।
अर्ज़ाँ (ارزاں) फा वि–सस्ता मंदा कम दामों का। निगाहों देख के नर्गिस तो मजनूं यह लगे कहने—चमन में चश्म-ए-लैला का नज़ारा कितना अर्ज़ाँ है।
अर्ज़ाँफरोश (ارزاں فروش) फा वि–सस्ता बेचनेवाला जो बहुत कम लाभ पर सौदा बेचे।

अर्ज़ाँफरोशी (ارزاں فروشی) फा स्त्री –कम लाभ पर सौदा बेचना, सस्ता माल बेचना।
अर्ज़ानी (ارزانی) फा स्त्री –सस्तापन, मंदा, बाजार भाव गिर जाना।
अर्ज़ाल (ارذال) अ पु –'रज़ील' का बहु, रज़ीले, नीच लोग, कमीने।
अर्ज़ी (عرضی) अ स्त्री –प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त।
अर्ज़ी (ارضی) अ वि –भूमि सबधी, भौमिक; जमीन का।
अर्ज़ीदा'वा (عرضی دعوئی) अ पु –वादपत्र, नालिश के ब्यौरे का कागज।
अर्ज़ीन (ارضین) अ पु –'अर्ज़' का बहु, जमीनें।
अर्ज़ीर (ارزیز) अ पु –राँगा, राँग, एक धातु।
अर्ज़े उम्र (عرض عمر) अ स्त्री.–दे 'अर्ज़े हयात'।
अर्ज़े हयात (عرض حیات) अ स्त्री.–जीवन के आनद, सासारिक सुख, सुख-चैन मे जीवन व्यतीत करना।
अर्तंग (ارتنگ) फा पु –चित्रकार का तख्ता जिस पर कागज रखकर वह चित्र खीचता है, मानी के चित्रो का सचय।
अर्तजक (ارتجک) फा पु –बिजली, विद्युत्, बर्क।
अर्ताल (ارطال) अ पु –'रत्ल' का बहु, आध सेर के बाँट, शराब के ग्लास।
अर्द (ارد) फा. पु –क्रोध, रोष, गुस्सा।
अर्दशेर (اردشیر) फा पु –बहमन बिन इस्फद यार की उपाधि।
अर्दबेल (اردبیل) फा पु –एक नगर।
अर्नब (ارنب) अ पु –शशक, खरहा, खरगोश।
अर्फ़ (ارف) अ पु –सुगध, खुशबू, कभी-कभी दुर्गन्ध के लिए भी प्रयुक्त होता है।
अर्फ़ा' (ارفع) अ वि –बहुत ऊँचा, उच्चतम।
अर्बईन (اربعین) अ वि –चालीस।
अर्बजी (عربجی) अ पु –गाडीवान, दे अराबजी।
अर्बदः (عربدہ) अ –कुस्वभाव, कुप्रकृति, आदतेबद, बुरा स्वभाव, लडाकापन, कलहप्रियता।
अर्बदः खू (عربدہ خو) अ फा वि –झगडालू, जिसको स्वभाव से झगड़ा पसद हो, मा'शूक, प्रेमपात्र।
अर्बद.जू (عربدہ جو) अ फा वि –झगडे के लिए बहाने ढूंढनेवाला; प्रेमपात्र, माशूक।
अर्बा' (اربع) अ वि –चार, चार की सख्या।
अर्बा (عربا) अ पु –शुद्ध जाति का अरब, खालिस अरब।
अर्बाअ (ارباع) अ पु –स्थान-समूह, मकामात, गृह-समूह, मकानात।
अर्बानः (عربانہ) अ पु –डफ, दाइरः, बडी खँजरी।
अर्बान (عربان) अ. पु –बैआन, अग्रिम धन, बयाना।
अर्बाब (ارباب) अ. पु –'रब' का बहु, वाले, अहल।
अर्बाबे अक़्ल (ارباب عقل) अ. पु –बुद्धिवाले, मेघावीगण, अक्लमद लोग।
अर्बाबे इल्म (ارباب علم) अ पु –विद्यावाले, विद्वज्जन, पढे-लिखे लोग।
अर्बाबे कमाल (ارباب کمال) अ पु.–गुणवान् लोग, हुनरमद लोग।
अर्बाबे क़लम (ارباب قلم) अ. पु –लेखकगण, लिखने-पढने का काम करनेवाले, साहित्यकार वर्ग, अदीब लोग।
अर्बाबे फन (ارباب فن) अ पु –कलाकार लोग, शिल्पकार लोग, साहित्यकार लोग, विद्वज्जन।
अर्बाबे वफ़ा (ارباب وفا) अ. पु –प्रेमीजन, आशिक लोग; भक्तगण, फिदाई।
अर्बाबे शुऊर (ارباب شعور) अ पु –शिष्टजन, तमीजदार लोग; बुद्धिमान् जन, अक्लमद लोग।
अर्बाबे हुज्जत (ارباب حجت) अ. पु –न्यायशास्त्र जानने-वाले लोग, मतिक जाननेवाले, नैयायिक, मतिकी, तार्किक।
अर्बाबे हुनर (ارباب هنر) अ. फा पु –दे 'अर्बाबे कमाल' अथवा 'अर्बाबे फन'।
अर्मद (ارمد) अ वि –जिसकी आँखे आयी हुई हो।
अर्मन (ارمن) फा वि –एक देश, काकेशिया।
अर्मनी (ارمنی) फा वि –अर्मन का निवासी, काकेशियन।
अर्मान (ارمان) तु पु –इच्छा, ख्वाहिश, उत्कठा, इश्ति-याक, लालसा, लालच।
अर्मुगाँ (ارمغاں) फा. पु –उपहार, पुरस्कार, तोहफा।
अर्रावः (عرادہ) अ पु –एक यत्र जिससे दुर्ग पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जाते है।
अर्वाह (ارواح) अ पु –'रूह' का बहु, आत्माएँ, रूहे, फिरिश्ते, मलाइक।
अर्शः (عرشہ) अ पु –घर की छत, जहाज की छत।
अर्श (عرش) अ पु –सिहासन, तख्त, आकाश, आसमान, सब आसमानो से ऊपर का स्थान।
अर्श (ارش) अ पु –युद्ध, लडाई, झगडा, फसाद, फितना।
अर्शद (ارشد) अ वि –सीधा रास्ता पानेवाला, वह शिष्य जिसपर गुरु ने सब से अधिक परिश्रम किया हो।
अर्शी (عرشی) अ वि.–अर्श से सम्बन्ध रखनेवाला, अर्श पर रहनेवाला।
अर्शे आ'ज़म (عرش اعظم) अ पु –ईश्वर के सिहासन का स्थान।

अर्शे सानी (عرش ثانی) अ पु—कुर्सी, वह स्थान जहाँ द्वार है।

अर्स (عرصه) अ पु—क्षेत्र, मदान, समय, वक्त, अतर फासिला शतरंज की बिसात।

अर्स गाह (عرصه گاه) अ फा स्त्री—रणक्षेत्र, मदाने जग।

असए जग (عرصهٔ جنگ) अ फा पु—रणभूमि, युद्धक्षेत्र समरांगण, मदाने जग।

असए जीस्त (عرصهٔ زیست) अ फा पु—जीवनकाल ज़िन्दगी का ज़माना।

असए दराज (عرصهٔ دراز) अ फा पु—लबा समय दीर्घकाल।

असए हयात (عرصهٔ حیات) अ पु—दे असएजीस्त।

असए हश्र (عرصهٔ حشر) अ पु—कयामत का मदान जहाँ सब मुर्दे एकत्र हो।

अर्सला (ارسلان) तु पु—व्याघ्र, सिंह शेर दास गुलाम।

अर्हम (ارحم) अ वि—महादयालु, बहुत अधिक दया करनेवाला।

अलक (علق) अ स्त्री—जोंक रक्तपा, जलौका जमा हुआ रक्त प्रेम या शत्रुता जो छूटे नही हर वह चीज़ जो चिपक जाय।

अलत्तवातुर (علی التواتر) अ वि—निरतर, लगातार मुसल्सल।

अलद [द] (الد) अ वि—बहुत ही झगडालू कलहप्रिय।

अलद्दवाम (علی الدوام) अ वि—नित्य सवदा सदा हमेशा, सतत।

अलदुल्खिसाम (الد الخصام) अ पु—शत्रुओ से बहुत झगडा करनेवाला।

अलन (علن) अ वि—प्रकट व्यक्त जाहिर।

अल्प असला (الپ ارسلان) तु पु—बहादुर वीर तुर्की शासको की उपाधि।

अलफ (علف) अ स्त्री—घास हरी घास हरा चारा।

अलफ ज़ार (علفزار) अ फा पु—चरागाह पशुओ के चरने का स्थान सब्ज़ाज़ार गोचर।

अलम (الم) अ पु—दुख क्लेश रज गम।

अलम (علم) अ पु—ध्वजा पताका झडा प्रसिद्ध ख्याति प्राप्त पहाड।

अलमअगेज़ (الم انگیز) अ फा वि—शोकजनक दुखप्रद रज बढ़ानेवाला।

अल्मदार (علمدار) अ फा वि—सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक पताकिक।

अल्मनशह (الم نشرح) अ वि—सबमें जाहिर सब विदित, सबमें फली हुई बात।

अल्मनाक (الم ناک) अ फा वि—खेदजनक कष्टप्रद, रजदेह।

अलम बरदार (علم بردار) अ फा वि—झडा उठानेवाला, सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक।

अल्मीय (المیه) अ पु—कष्टसूचक बात दुखात, ट्रजिडी, वह कहानी जिसका अत शोकमय हो।

अलरग़्म (علی الرغم) अ वि—बरखिलाफ बरअक्स।

अल्ल इत्तिसाल (علی الاتصال) अ वि—निरतर लगातार पदर प।

अलल इत्लाक़ (علی الاطلاق) अ वि—नितात कतई, बिल्कुल।

अलल ए'लान (علی الاعلان) अ वि—खुल्लमखुल्ले, खुल्लम खुल्ला सब प्रकार से।

अललखुसूस (علی الخصوص) अ वि—मुख्यत खासकर।

अललहाल (علی الحال) अ वि—तत्क्षण, तत्काल, इसी समय तुरत फौरन, सद्य।

अलवी (علوی) अ पु—हज़रत अली की वह सतान जो हज़रत फातिमा से अतिरिक्त है।

अलस्त (الست) अ स्त्री—'अलस्तु बिरब्बिकुम' वाक्य का सक्षेप, सृष्टि की उत्पत्ति के समय ईश्वर ने कहा था क्या मै तुम्हारा ईश्वर नही हूं, तो सबने कहा था कि अवश्य तू हमारा ईश्वर है। अलस्त कहकर सृष्टिकाल भी मुराद लिया जाता है।

अलस्सबाह (علی الصباح) अ वि—प्रात काल बहुत तडके, मुह अधेरे अलस्सुब भी प्रचलित है।

अलस्सवा (علی السواء) अ वि—बराबर-बराबर एक सा जितना एक को उतना ही सब को।

अला (الا) अ अव्य—सावधान! खबरदार! होशियार!

अला (علا) अ स्त्री—सम्मान बुज़ुर्गी, उच्चता बुलदी।

अला (ألا) फा अव्य—सबोधन सूचक शब्द ए! अाय! हे!

अला (علی) अ अव्य—ऊपर, पर।

अलाइक (علائق) अ पु—अलाक का बहु तअल्लुकात, सम्बध।

अलाक (علاقه) अ पु—सम्बध, लगाव प्रेम व्यवहार, दोस्ती।

अलाचा (الاچه) तु पु—धारीदार कपडा जो दुरगा हो।

अलात (علات) अ पु—निहाई अहरन, जिस पर रखकर गर्म लोहा कूटा जाता है।

अलानिय (علانیه) अ वि—स्पष्ट साफ तौर से खुल्लम खुल्ला प्रकार से, सभावित रूप से लाक्षणिक अर्थ में—डंके की चोट से।

अलामत (علامت) अ. स्त्री.–चिह्न, निशान, लक्षण, पहचान।

अलामते इम्तियाज़ (علامت امتیاز) अ स्त्री–बिल्ला, सम्मान-सूचक चिह्न, पदक, बैज।

अलामते बुलूग़ (علامت بلوغ) अ स्त्री–जवान होने का लक्षण या चिह्न।

अलामते मर्दुमी (علامت مردمی) अ फा स्त्री–पुरुष होने का चिह्न या लक्षण।

अलालत (علالت) अ स्त्री–रोग, बीमारी।

अलावः (علاوہ) अ अव्य.–दे. 'इलाव.' वही शुद्ध है, परतु उर्दू मे अलाव. भी बोलते है, सिवा, सिवाय, अतिरिक्त।

अलाहदः (علاحدہ) अ वि–पृथक्, अलग, जुदा।

अला हाज़ल क़ियास (علی ہذاالقیاس) अ अव्य–इस पर क़ियास करके, इस विचार के अनुसार।

अलिफ़ (الف) अ पु–उर्दू वर्णमाला का पहला अक्षर, जो अ, इ और उ का काम देता है, चिह्न।

अलिफ़े क़ामतां (الف قامتاں) अ पुं–पलके; निगाह।

अलिफ़े कूफ़ी (الف کوفی) अ पु–टेढी वस्तु।

अलिफ़े ताज़्यानः (الف تازیانہ) अ फा. पुं.–शरीर पर कोड़ा लगने का चिह्न।

अली (علی) अ वि–उच्च, ऊँचा, ईश्वर का एक नाम, हज़रत मुहम्मद के दामाद और चौथे ख़लीफ़ा।

अलीक़ः (علیقہ) अ. पु–घोड़े को दाना खिलाने का तोबडा।

अलीफ़ (الیف) अ वि–मित्र, सखा, दोस्त, एक जैसे स्वभाववाले, प्रेमपात्र, महबूब।

अलीम (الیم) अ. वि.–कष्टजनक, दु खद, पीड़ा देनेवाला, दर्दनाक।

अलीम (علیم) अ. वि.–सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, महाज्ञानी, ईश्वर का एक नाम।

अलील (علیل) अ वि.–रोगी, बीमार, रुग्ण; दूपित मा'यूब।

अलैहा (علیہا) अ अव्य–उस पर (स्त्री-वाचक)।

अलैहि (علیہ) अ अव्य–उस पर (पुरुप-वाचक)।

अलैहिम (علیہم) अ अव्य–उन सब पर (पुरुप-वाचक)।

अल्अजब (العجب) अ अव्य–आश्चर्य के समय बोलते है, कितने आश्चर्य की बात है।

अल्अजल (العجل) अ वा–जल्दी करो, शीघ्रता करो।

अल्अतश (العطش) अ अव्य–प्यास के समय बोलते है, हाय पानी, हाय पानी, हाय प्यास, हाय प्यास।

अल्अमान (الامان) अ. अव्य.–घबराहट के समय बोलते है, बचाओ, बचाओ, त्राहि, त्राहि।

अल्आन (الان) अ अव्य–इस समय; इसी समय, अभी; अभी तक, अब तक।

अल्क़त (القط) अ वि–समाप्त, इतिश्री, बस, ख़त्म।

अल्कन (الکن) अ वि–तोतला, तुतलाकर बोलनेवाला।

अल्क़ाब (القاب) अ पु–'लक़ब' का बहु, उपाधियाँ, ख़िताबात, ख़त का अल्क़ाब, प्रशस्ति।

अल्काहिल (الکاہل) अ पु–सुस्त, प्रशात। बहरुल्काहिल= प्रशात महासागर, पैसिफ़िक ओशन।

अल्क़िस्सः (القصہ) अ अव्य.–क़िबहुना, क़िस्सा मुख़्तसर, साराश यह कि।

अल्ख़ालुक़ (الخالق) तु पु–एक विशेप वस्त्र।

अल्ग़रज़ (الغرض) अ अव्य–दे. 'अल्क़िस्स.'।

अल्ग़यास (الغیاث) अ. अव्य–दे 'अल् अमान'।

अल्चः (الچہ) तु पु–युद्ध मे शत्रु से प्राप्त माल-अस्बाब और धन आदि।

अल्जज़ाइर (الجزائر) अ पु–अल्जीरिया, अफ़्रीका का एक देश।

अल्ज़म (الزم) अ वि–बहुत ही ज़रूरी, अत्यावश्यक, अनिवार्य।

अल्जूअ (الجوع) अ. अव्य–भूख के समय कहते है, हाय भूख, हाय भूख, हाय रोटी, हाय रोटी।

अल्तफ़ (الطف) अ वि–अत्यत मृदुल, कोमल और मुलायम।

अल्तमिश (التمش) तु स्त्री.–आगे चलनेवाली सेना; छः की सख्या।

अल्ताफ़ (الطاف) अ. पुं–'लुत्फ़' का बहु, दयाएँ, कृपाएँ, मेहरबानियाँ।

अल्तून (التون) तु पु–सुवर्ण, सोना।

अल्प अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु पु–दे. 'अलप अर्सलाँ', दो शु है।

अल्फ़ (الف) अ वि–हज़ार, सहस्र।

अल्फ़ाफ़ (الفاف) अ. पु.–आपस मे लिपटे हुए वृक्ष।

अल्बत्तः (البتہ) अ अव्य–अवश्य, जरूर, परतु, लेकिन।

अल्बान (البان) अ पु–'लबन' का बहु, दूध, बहुत से दूध।

अल्बुर्ज़ (البرز) अ पु–एक पहाड।

अल्मई (المعی) अ वि–वह व्यक्ति जिसकी राय सदा ही ठीक होती हो, जो बहुत ही प्रवीण और प्रतिभावान् हो।

अल्मदद (المدد) अ अव्य–दु ख के समय या भय के समय कहते है, सहायता करो, बचाओ।

अल्मस्त (المست) फा वि–नशे मे चूर, बहुत ही मस्त।

अलमान (الماں) अ पु –दे 'अलमानिय'।
अलमानिय (المانيه) अ स्त्री –जर्मनी, यूरोप का एक प्रसिद्ध देश।
अल्मास (الماس) फा पु –हीरा, एक परम मूल्यवान रत्न।
अल मुख्तसर (المختصر) अ अव्य –दे अलकिस्स।
अलय (الية) अ स्त्री –नितंब कटिदेश सुरीन।
अल्यौम (اليوم) अ पु –आज, आज का दिन।
अल्लाती (علاتی) अ वि –वह भाई-बहन जो दूसरी माँ से हों मगर बाप एक हो।
अल्लाफ (علاف) अ वि –घास बचनेवाला घसरा घसियारा।
अल्लाम (علامه) अ वि –बहुत बड़ा विद्वान महापंडित जिसके इल्म की थाह न हो।
अल्लाम (علام) अ वि –बहुत बडा विद्वान बहुविद।
अल्लामी (علامی) अ वि –दे अल्लाम।
अल्लाह (الله) अ पु –ईश्वर परमात्मा खुदा।
अलवंद (الوند) फा पु –हमदान म ईरान का एक पहाड।
अलवान (الوان) अ पु –लौन का बहु, बहुत से रंग।
अलवाह (الواح) अ पु –लौह' का बहु तख्तियाँ पट्टिकाए।
अलविय (الويه) अ पु –लिवा का बहु झडे, ध्वजाए पताकाएँ।
अलसग (الثغ) अ वि –जो अक्षरों का शुद्ध उच्चारण न कर सके र के स्थान पर ल और श के स्थान पर स बोले।
अलसिन (السنه) अ स्त्री –लिसान का बहु जीभें, जिह्वाएँ भाषाए जबानें।
अल्हक (الحق) अ वि –सत्यत सचमुच हकीकत में।
अल्हान (الحان) अ पु –लहन का बहु आवाजें।
अल्हाल (الحال) अ वि –तत्क्षण इसी समय तुरंत फौरन।
अलहासिल (الحاصل) अ अव्य –साराश यह कि खुलासा यह कि।
अवा (اوا) अ पु –शृगाल सियार गीदड।
अवाइक (عوائق) अ पु –आइक का बहु घटनाएँ बाधाए।
अवाइद (عوائد) अ पु –आइद का बहु लौटनवाले, फिरनेवाले मुनाफे लाभ कृपाए बदले सिले।
अवाइल (اوائل) अ पु –अव्वल का बहु शुरुआत आरंभ-काल।
अवाकिब (عواقب) अ पु –आकिब का बहु, नतीजे, फल परिणाम।
अवातिफ (عواطف) अ पु –आतिफ का बहु कृपाए, अनुकपाएँ मेहरबानिया।
अवान (اوان) अ पु –समय, काल, वक्त।
अवान (عوان) अ स्त्री –वह स्त्री जिसका पति जीवित हो, सुहागिन सधवा।
अवानी (اوانی) अ पु –आनिय का बहु बरतन भाँडे।
अवाम (عوام) अ पु –आम' का बहु साधारण जन, सब साधारण आम लोग।
अवामिर (اوامر) अ पु –आमिर' का बहु आदेश, हुक्म, आज्ञा।
अवामिल (عوامل) अ पु –आमिल का बहु, अमल करने वाले अरबी भाषा के कारक।
अवामुन्नास (عوام الناس) अ पु –सर्वसाधारण जन साधारण, जनता अवाम।
अवारात (عوارات) अ पु –अवार का बहु बुराइया दोष ऐब।
अवारिजः (اوارجه) फा पु –हिसाब का रजिस्टर, बही।
अवारिज (عوارض) अ पु –'आरिज का बहु बीमारिया, रोग-समूह।
अवारिफ (عوارف) अ पु –आरिफ का बहु, पहचानने वाले उपकार करनेवाले सुगधिया बख्शिशें।
अवालिम (عوالم) अ पु –आलम' का बहु बहुत से संसार, बहुत सी दुनयाएँ या दुनियाए।
अवाली (عوالی) अ पु –आलिय का बहु ऊँची वस्तुएँ।
अवासिफ (عواصف) अ पु –आसिफ़ का बहु तेज हवा आंधिया।
अविर (عور) अ वि –दुष्टात्मा, बदबातिन।
अवील (عویل) अ पु –रोने के साथ आवाज।
अवीस (عویصه) अ वि –दुष्कर कठिन मुश्किल।
अवीस (عویص) अ वि –कठिन मुश्किल।
अव्वल (اول) अ वि –प्रथम पहला प्रमुख, खास, सब पहले।
अव्वलन (اولاً) अ वि –पहले-पहल, सबसे पहले सर्वप्रथम।
अव्वलीं (اولیں) अ फा वि –प्रथम पहला सबसे पहले वाला प्रमुख खास।
अव्वलीयत (اولیت) अ स्त्री –प्रथमता पहलापन, प्रधानता फौकियत।
अव्वा (عوا) अ पु –बहुत भूकनेवाला कुत्ता बूढ़ा ऊँट, तेरहवाँ नक्षत्र।
अव्वान (عوان) अ वि –अत्याचारी जालिम क्षमा न करनेवाला, सख्त पकड करनेवाला।

अव्वारः (عوار) अ वि –जिसका चित्त हट गया हो, बददिल।

अव्विदा (اودا) अ पु –'वदीद' का बहु, मित्रगण, यार, दोस्त।

अशक [क्क] (اشق) अ वि –बहुत कठिन, बहुत मुश्किल।

अशक़ (عشق) अ पु –किसी को बहुत चाहना, किसी चीज मे चिपक जाना, 'इश्क' बहुप्रचलित।

अशज [ज्ज] (اشج) अ वि –जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।

अशद [द्द] (اشد) अ वि –बहुत सख्त, प्रचड, अति तीव्र।

अशम (عشم) अ स्त्री –सूखी रोटी।

अशरः (عشره) अ पु –दस, दस की सख्या।

अशर [र्र] (اشر) अ वि –बहुत ही शरीर, बहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, बहुत ही पाजी।

अशर (عشر) अ. वि –दस, दस की सख्या।

अशरात (عشرات) अ पु.–दहाइयाँ, दस-दस के थोक।

अशल [ल्ल] (اشل) अ वि –लुंजा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें, अपग।

अशाइर (عشائر) अ पु –'अशीर' का बहु, स्वजनगण, अज़ीज़दार, गोत्र या कुटुम्बवाले।

अशिकः (عشقه) अ पु –इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध वेल।

अशिद्दा (اشدا) अ पु –'शदीद' का बहु, सख्ती और अनीति करनेवाले।

अशीकः (عشيقه) अ स्त्री –प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

अशीयत (عشيت) अ स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

अशीरः (عشيره) अ. पु –अज़ीज़, स्वजन, नातेदार, घरवाले, घर के लोग, वाल-बच्चे।

अशीर (عشير) अ वि –अज़ीज़, स्वजन; पडोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।

अशूक (عشوق) अ वि –बहुत अधिक प्रेम करनेवाला।

अशूर (عشور) अ पु –चुगी का भाडा या शुल्क।

अशो'अः (اشعه) अ स्त्री –'शुआअ' का बहु, किरणे, शुआएँ।

अश्अरीयः (اشعريه) अ पु.–मुसलमानो का एक सप्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-बुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमे कोई हाथ नही होता।

अश्अश (عشعش) अ अव्य –आश्चर्य, हैरत।

अश्आर (اشعار) अ पु –'शे'र' का बहु, बहुत-से शेर।

अश्क (اشک) फा पु –अश्रु, आँसू।

अश्क अफ़्शाँ (اشک افشاں) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ'।

अश्क फिशाँ (اشک فشاں) फा वि.–आँसू बहानेवाला, अर्थात् रोनेवाला।

अश्कबार (اشکبار) फा वि –आँसू बरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, "तेरी वफा पे जब से मुझको एतबार आया, तेरा ख़याल-अश्कबार बार-बार आया।"

अश्क़र (اشقر) अ. वि –लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो; हर लाल वस्तु जिसमे पीलापन और कालापन हो।

अश्करेज़ (اشکریز) फा वि.–दे 'अश्क फिशाँ', अश्रुवर्षक।

अश्कल (اشکل) अ वि –वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते हैं, पशुओं के पाँव बाँधने की रस्सी।

अश्क़ा (اشقی) अ. वि –बहुत ही निर्दय, बहुत ही शकी।

अश्क़िया (اشقيا) अ. पु.–'शकी' का बहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले।

अश्कील (اشکيل) अ पु –वह घोडा जिसका सीधा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो।

अश्ख़ास (اشخاص) अ. पु –'शख़्स' का बहु, कई व्यक्ति, लोग।

अश्ख़ुस (اشخص) अ पु –'शख़्स' का बहु, लोग।

अश्गर्फ़ (اشگرف) फा वि –प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अजीद, बुजुर्ग।

अश्ग़ल (اشغل) अ वि –बहुत अधिक काम मे व्यस्त, बहुत अधिक मश्गूल।

अश्ग़ाल (اشغال) अ पु –'शुग्ल' का बहु कामधधे, मश्गले।

अश्जा' (اشجع) अ वि.–बहुत ही वीर, बडा ही शूर, विक्रमी, बहादुरतरीन।

अश्जार (اشجار) अ. पु –'शजर' का बहु, वृक्ष-समूह, पेड़।

अश्तात (اشتات) अ पु –'शतीत' का बहु, अस्त-व्यस्त और तितर-बितर चीज़े।

अश्ताद (اشتاد) फा पु.–ईरानी महीने की छब्बीसवी तारीख़।

अश्दक़ (اشدق) अ. वि –चौड़े दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौड़ा हो।

अश्ना' (اشنع) अ वि –निकृष्टतम, बहुत ही बुरा, बहुत ही ख़राब।

अश्फा (اشفی) अ स्त्री–चमड़ा सीने की सुताली।

अश्फा' (اشفع) अ वि –बहुत अधिक सुफारिश (सिफारिश) करनेवाला।

अश्फ़ाक़ (اشفاق) अ पु –'शफकत' का बहु, अनुकपाएँ, कृपाएँ, शफकते।

अश्बाक (اشباک) अ. पु –'शबक' का बहु, बहुत से जाल।

अश्बाल (اشبال) अ पु –'शिब्ल' का बहु, शेर के बच्चे।

अलमान (المان) अ पु–दे अलमानिय ।
अलमानिय (المانيه) अ स्त्री–जर्मनी यूरोप का एक प्रसिद्ध देश ।
अलमास (الماس) फा पु–हीरा, एक परम मूल्यवान रत्न ।
अल मुख्तसर (المختصر) अ अव्य–दे अल्किस्सः ।
अल्य (الیه) अ स्त्री–नितंब कन्दिश सुरीन।
अल्यौम (اليوم) अ पु–आज आज का दिन।
अल्लाती (علاتی) अ वि–वह भाई-बहन जो दूसरी माँ से हो मगर बाप एक हो।
अल्लाफ़ (علاف) अ वि–घास बेचनेवाला घसेरा घसियारा।
अल्लाम (علامہ) अ वि–बहुत बड़ा विद्वान महापंडित जिसके इल्म की थाह न हो।
अल्लाम (علام) अ वि–बहुत बड़ा विद्वान बहुविद्य।
अल्लामी (علامی) अ वि–दे अल्लाम ।
अल्लाह (الله) अ पु–ईश्वर परमात्मा खुदा।
अलवंद (الوند) फा पु–हमदान में ईरान का एक पहाड़।
अलवान (الوان) अ पु–लौन का बहु बहुत से रंग।
अलवाह (الواح) अ पु–लौह का बहु तख्तियाँ पट्टिकाएँ।
अलविय (الويه) अ पु–लिवा का बहु बड़े ध्वजाएं पताकाएँ।
अलसग़ (الثغ) अ वि–जो अक्षरों का शुद्ध उच्चारण न कर सके 'र' के स्थान पर 'ल' और 'स' के स्थान पर 'त' बोले।
अलसिन (السنه) अ स्त्री–लिसान का बहु जीभें जिह्वाएं भाषाएँ जबानें।
अलहक़ (الحق) अ वि–सत्यतः सचमुच हक़ीक़त में।
अलहान (الحان) अ पु–लहन का बहु आवाजें।
अल्हाल (الحال) अ वि–वर्तमान इसी समय, तुरत, फ़ौरन।
अल्हासिल (الحاصل) अ अव्य–सारांश यह कि खुलासा यह कि ।
अवा (آوا) अ पु–शृगाल सियार, गीदड़ ।
अवाइक़ (عوائق) अ पु–आइक़ का बहु घटनाएँ बाधाएं ।
अवाइद (عوائد) अ पु–आइद का बहु, लौटनेवाले, फिरनेवाले मुनाफ़े लाभ कृपाएँ वदान्यतायें।
अवाइल (اوائل) अ पु–अव्वल का बहु शुरुआत आरंभ-काल।
अवाक़िब (عواقب) अ पु–आक़िब का बहु, नताजे, फल, परिणाम ।
अवातिफ़ (عواطف) अ पु–आतिफ़ का बहु, कृपाएं अनुकंपाएँ मेहरबानियां।
अवान (اوان) अ पु–समय काल वक्त।
अवान (عوان) अ स्त्री–वह स्त्री जिसका पति जीवित हो सुहागिन सधवा।
अवानी (اوانی) अ पु–आनिय का बहु बरतन भाँडे।
अवाम (عوام) अ पु–आम का बहु साधारण जन सब साधारण आम लोग।
अवामिर (اوامر) अ पु–आमिर का बहु आदेश, हुक्म आज्ञा।
अवामिल (عوامل) अ पु–आमिल का बहु, अमल करने वाले अरबी भाषा के कारक।
अवामुन्नास (عوام الناس) अ पु–सर्वसाधारण, जन साधारण जनता अवाम।
अवारात (عوارات) अ पु–अवार का बहु, बुराइयाँ दोष ऐब।
अवारिजः (اوارجه) फा पु–हिसाब का रजिस्टर बही।
अवारिज़ (عوارض) अ पु–आरिज़ का बहु बीमारियाँ रोग-समूह।
अवारिफ़ (عوارف) अ पु–आरिफ़ का बहु पहचानने वाले उपकार करनेवाले सुगंधियां बख़्शिशें।
अवालिम (عوالم) अ पु–आलम का बहु बहुत से संसार, बहुत सी दुनयाएँ या दुनियाएँ ।
अवाली (عوالی) अ पु–आलिय का बहु ऊंची वस्तुएँ।
अवासिफ़ (عواصف) अ पु–आसिफ़ का बहु तेज़ हवाएं आंधियाँ ।
अविर (عور) अ वि–दुष्टात्मा बदज़ातिन।
अवील (عويل) अ पु–रोने के साथ आवाज़ ।
अवीस (عويصه) अ वि–दुष्कर, कठिन मुश्किल।
अवीस (عويص) अ वि–कठिन, मुश्किल।
अव्वल (اول) अ वि–प्रथम पहला, प्रमुख ख़ास, सबसे पहले।
अव्वलन (اولاً) अ वि–पहले-पहल सबसे पहले, सर्वप्रथम।
अव्वलीं (اولین) अ फा वि–प्रथम पहला सबसे पहले वाला प्रमुख ख़ास।
अव्वलीयत (اوليت) अ स्त्री–प्रथमता पहलापन प्रधानता फौक़ियत।
अव्वा (عوا) अ पु–बहुत भूकनेवाला कुत्ता, बूढ़ा ऊंट, तेरहवाँ नक्षत्र।
अव्वान (عوان) अ वि–अत्याचारी ज़ालिम क्षमा न करनेवाला, सख़्त पकड़ करनेवाला।

अव्वारः (عوارہ) अ वि –जिसका चित्त हट गया हो, वददिल।

अव्विदा (اودا) अ पु –'वदीद' का वहु, मित्रगण, यार, दोस्त।

अशक [क्क] (اشق) अ वि –वहुत कठिन, वहुत मुश्किल।

अशक (عشق) अ पु –किसी को वहुत चाहना, किसी चीज मे चिपक जाना, 'इश्क' वहुप्रचलित।

अशज [ज्ज] (اشج) अ वि –जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।

अशद [द्द] (اشد) अ. वि –वहुत सख्त, प्रचड, अति तीव्र।

अशम (عشم) अ स्त्री –सूखी रोटी।

अशरः (عشرہ) अ पु –दस, दस की सख्या।

अशर [र्र] (اشر) अ वि.–वहुत ही शरीर, वहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, वहुत ही पाजी।

अशर (عشر) अ वि –दस, दस की संख्या।

अशरात (عشرات) अ पु –दहाइयाँ, दस-दस के थोक।

अशल [ल्ल] (اشل) अ. वि –लुझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दे, अपग।

अशाइर (عشائر) अ. पु –'अशीर' का वहु, स्वजनगण, अजीजदार, गोत्र या कुटुम्ववाले।

अशिकः (عشقہ) अ पु –इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध वेल।

अशिद्दा (اشدا) अ पु –'शदीद' का वहु, सख्ती और अनीति करनेवाले।

अशीकः (عشیقہ) अ स्त्री –प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

अशीयत (عشیت) अ स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

अशीरः (عشیرہ) अ. पु –अज़ीज़, स्वजन, नातेदार, घर-वाले, घर के लोग, वाल-वच्चे।

अशीर (عسیر) अ वि –अजीज, स्वजन, पड़ोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।

अशूक (عشوق) अ वि –वहुत अधिक प्रेम करनेवाला।

अशूर (عسور) अ पु –चुगी का भाडा या शुल्क।

अशे'अः (اشعہ) अ स्त्री –'शुआअ' का वहु, किरणे, शुआएँ।

अशअरीयः (اشعریہ) अ पु –मुसलमानो का एक सप्रदाय जिसका मत हे कि मनुष्य अच्छा-वुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमे कोई हाथ नही होता।

अश्अश (عشعش) अ अव्य –आश्चर्य, हैरत।

अश्आर (اشعار) अ पु –'शेर' का वहु, वहुत-से शेर।

अश्क (اشک) फा पु –अश्रु, आँसू।

अश्क अफ्शाँ (اشک افشاں) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ'।

अश्क फिशाँ (اشک فشاں) फा वि.–आँसू वहानेवाला, अर्थात् रोनेवाला।

अश्कवार (اشک‌بار) फा वि –आँसू वरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, "तेरी वफा पे जव से मुझको एतवार आया, तेरा ख्याल-अश्कवार वार-वार आया।"

अश्कर (اشقر) अ. वि –लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो; हर लाल वस्तु जिसमे पीलापन और कालापन हो।

अश्करेज़ (اشک‌ریز) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ', अश्रुवर्पक।

अश्कल (اشکل) अ वि –वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते हैं, पशुओ के पाँव वाँधन की रस्सी।

अश्का (اشقی) अ वि –वहुत ही निर्दय, वहुत ही शक़ी।

अश्किया (اشقیا) अ पु –'शकी' का वहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले।

अश्कील (اشکیل) अ पु –वह घोडा जिसका सीधा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो।

अश्खास (اشخاص) अ पु –'शख्स' का वहु, कई व्यक्ति, लोग।

अश्खुस (اشخص) अ पु –'शख्स' का वहु, लोग।

अश्गर्फ (اشگرف) फा. वि –प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अजीद, वुजुर्ग।

अश्गल (اشغل) अ वि.–वहुत अधिक काम मे व्यस्त, वहुत अधिक मश्गूल।

अश्गाल (اشغال) अ पु –'शुग्ल' का वहु कामधधे, मश्गले।

अश्जा' (اشجع) अ वि –वहुत ही वीर, वडा ही शूर, विक्रमी, वहादुरतरीन।

अश्जार (اشجار) अ. पु –'शजर' का वहु, वृक्ष-समूह, पेड।

अश्तात (اشتات) अ पु –'शतीत' का वहु, अस्त-व्यस्त और तितर-वितर चीजे।

अश्ताद (اشتاد) फा पु –ईरानी महीने की छव्वीसवी तारीख।

अश्दक (اشدق) अ वि –चौडे दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौड़ा हो।

अश्ना' (اشنع) अ. वि –निकृष्टतम, वहुत ही वुरा, वहुव ही खराव।

अश्फा (اشفی) अ. स्त्री–चमडा सीने की सुताली।

अश्फा' (اشفع) अ. वि –वहुत अधिक सुफारिश (सिफारिश) करनेवाला।

अश्फाक (اشفاق) अ पु.–'शफकत' का वहु, अनुकपाएँ, कृपाएँ, शफकते।

अश्वाक (اشباک) अ पु –'शवक' का वहु, वहुत से जाल।

अश्वाल (اشبال) अ पु –'शिव्ल' का वहु, शेर के वच्चे।

अस्बाह (اسباه) अ पु –शिबह का बहु मिसालें, उदाहरण।

अस्बाह (اسباح) अ पु –'शबह' और 'शबह' का बहु अनेक व्यक्ति लोग बहुत से शरीर, बहुत से जिस्म।

अस्या (اسیا) अ स्त्री –'शय' का बहु वस्तुएँ, चीजें।

अस्याअ (اسیاع) अ पु –'शीअ' का बहु मित्र व समूह, मित्रमण्डल दोस्तों के गिरोह।

अशरा (عشره) अ पु –दस दहाई मुहर्रम के दस दिन मुहर्रम की दसवीं तारीख।

अशरफ़ (اشرف) अ वि –बहुत ही शरीफ़ बहुत ही प्रतिष्ठित बहुत अच्छे कुल का कुलीनतम।

अशरफ़ी (اشرفی) अ स्त्री –स्वर्ण-मुद्रा मोहर अशर्फ़ी।

अशरफुल अशराफ़ (اشرف الاشراف) अ वि –कुलीन जनों में सबसे कुलीन कुलीनतम।

अशरफ़ुल मख़्लूक़ (اشرف المخلوق) अ वि –सारे प्राणि वर्ग में सबसे श्रेष्ठ मनुष्य आदमी।

अशरम (اشرم) अ वि –नाक फटा हुआ जिसकी नाक फटी हो।

अशराफ़ (اشراف) अ पु –'शरीफ़' का बहु शरीफ़ लोग सज्जन लोग अच्छे ख़ानदानवाले।

अशरार (اشرار) अ पु –'शरीर' का बहु, धूर्त लोग दुरात्मा लोग बुरे लोग।

अश्रिब (اشربه) अ पु –'शराब' का बहु पीने की चीजें मद्य मदिराएँ शराबें।

अशवा (اشوه) अ पु –शाह इमाम।

अशवक़ (اشوق) अ वि –बहुत शौक़वाला बहुत शौक़ीन।

अशवाक़ (اشواق) अ पु –'शौक़' का बहु।

अशहब (اشهب) अ वि –हर काली चीज़ जिसमें सफ़ेदी अधिक हो सफ़ेद घोड़ा जिसके सफ़ेद बाल में काले बाल अधिक हों।

अशहर (اشهر) अ वि –बहुत अधिक प्रसिद्ध बहुत मशहूर।

अशहल (اشهل) अ वि –काली आँखों वाला पुरुष भूरापन लिये हुए काला रंग।

अशहा (اشهیٰ) अ वि –बहुत अधिक उत्कंठा रखने वाला उत्सुक बहुत अधिक रुचिकर बहुत ही मरग़ूब।

असद (اسده) अ स्त्री –व्याघ्री सिंहिनी शेरनी।

असद (اسد) अ पु –सिंह व्याघ्र शेर।

असदुल्लाह (اسد الله) अ पु –अल्लाह का शेर हज़रत अली की उपाधि।

असफ़ (اسف) अ पु –बहुत अधिक खेद सख़्त रंज।

असब (عصب) अ पु –पट्ठा, स्नायु ल्हव-बाहर पुत्रादि स्वजन लोग अज़ीज़दार।

असब (عصب) अ पु –स्नायु पट्ठा।

असबात (عصبات) अ पु –'असब' का बहु रिश्ते या नातेदार (पुरुष लोग)।

असबीयत (عصبیت) अ स्त्री –दूसरों की अपेक्षा अपने लोगों का लाभ पहुँचाने की भावना पक्षपात तरफ़दारी।

असम[म्म] (اصم) अ वि –निपट बहरा बधिर।

असर[र] (اسر) अ वि –बहुत ही आनन्दित, प्रमुदित बहुत ही मसरूर।

असर (اثر) अ पु –प्रभाव चिह्न निशान गुण, तासीर।

असरअंदाज़ (اثرانداز) अ फ़ा वि –असर डालनेवाला, प्रभावित करने वाला।

असरअंदाज़ी (اثراندازی) अ फ़ा स्त्री –असर डालना, प्रभावित करना।

असर पिज़ीर (اثرپذیر) अ फ़ा वि –जिस पर असर पड़ा हो जो प्रभावित हुआ हो प्रभावित मुतअस्सिर।

असरपिज़ीरी (اثرپذیری) अ फ़ा स्त्री –प्रभाव पड़ना मुतअस्सिर होना।

असल (عسل) अ पु –मधु शहद।

असस (اسس) अ स्त्री –नींव बुनियाद।

असस (عسس) अ पु –कोतवाल, शहना रात में गश्त करनेवाला।

असह [हह] (اصح) अ वि –अत्यधिक शुद्ध बहुत ही ठीक बहुत ही सही।

असा (عسیٰ) अ अव्य –क़रीब है कि ऐसा हो यक़ीन निश्चय शायद।

असा (عصا) अ पु –हाथ में पकड़ने की लकड़ी।

असाकिर (عساکر) अ पु –'अस्कर' का बहु, सेनाएँ फ़ौजें।

असाग़िर (اصاغر) अ पु –'असग़र' का बहु, छोटे लोग कम वाले।

असातिज़ (اساتذه) अ पु –'उस्ताज़' का बहु गुरुजन शिक्षकगण पढ़ानेवाले।

असातीन (اساطین) अ पु –'उस्तुवान' का बहु खंभे सुतून।

असातीर (اساطیر) अ पु –'उस्तूर' का बहु कहानियाँ कथाएँ गाथाएँ क़िस्से।

असादिक़ (اصادق) अ पु –'अस्दक़' का बहु, बहुत ही सच्चे लोग सत्यनिष्ठ।

असाफ़िल (اسافل) अ पु –'असफ़ल' का बहु नीच लोग अधम लोग लोफ़र लोग।

असाफ़ी (اثافی) अ पु –'उसफ़ीय' का बहु, चूल्हे के पाये

असाफ़ीर (اصافیر) अ पु –'उस्फूर' का बहु , गौरैयाँ, घरेलू चिड़ियाँ; चटकगण।
असाबे' (اصابع) अ. पु –'इस्बा' का बहु , उँगलियाँ।
असामी (اسامی) अ पु.–'अस्मा' का बहु , नामावली, नाम, किसान, किसी दुकानदार या महाजन से लेन-देन रखनेवाला।
असामी (اثامی) अ. पु –पापी लोग, गुनाहगार लोग; अपराधी लोग, मुज्रिम (मुजरिम) लोग।
असामीर (عصامیر) अ पु –'उस्मूर' का बहु , बहुत से रहट, बहुत से डोल।
असार (عسار) अ स्त्री –दरिद्रता, कंगाली; फ़कीरी, साधूपन।
असारून (اسارون) अ स्त्री –एक इकाई।
असालत (اصالت) अ स्त्री –खरापन, असलियत, कुलीनता, शराफ़त।
असालतन (اصالتاً) अ –स्वयं, खुद, बराहे रास्त।
असालीब (اسالیب) अ पु –'उस्लूब' का बहु , शैलियाँ, पद्धतियाँ, तर्जें।
असाविरः (اساوره) अ पु –'अस्विर' का बहु , बाजूबंद, एक कौम।
असासः (اثاثه) अ पु –सामग्री, सामान; संपत्ति, धन-दौलत, पूँजी, सरमाया।
असास (اساس) अ स्त्री –नींव, बुनियाद।
असास (اثاث) अ पु –सामान, असबाब।
असासुल बैत (اثاث البیت) अ पु –घर का सामान, गृहस्थी का सामान।
असिर (عسر) अ वि –कठिन, दुष्कर, दुश्वार।
असिह्हा (اصحا) अ पु –'सहीह' का बहु , स्वस्थ लोग, तनदुरुस्त लोग।
असी (اسی) अ वि –दुःखित, खेदित, गमगीन, म्लान।
असीदः (عصیده) अ पु –एक प्रकार का हलवा।
असीफ़ (اسیف) अ वि –दुःखित, खेदग्रस्त, मलूल, रंजीदा।
असीब (عصیب) अ वि –पक्षपाती, तरफ़दार, स्वजन, आत्मीय जन, रिश्तेदार।
असीम (اثیم) अ वि –पापी, गुनाहगार।
असीर (عثیر) अ पु –धूलि, गर्द।
असीर (اثیر) अ पु –उच्च, बलंद, अंतरिक्ष, फ़जाए बसीत, आकाश, आस्मान, ईथर; निष्केवल, खालिस।
असीर (اسیر) अ वि –बंदी, कैदी, कारावासी।
असीर (عصیر) अ पु –निचोड़ा हुआ अरक, अंगूर की मदिरा।
असीर (عسیر) अ वि –कठिन, दुष्कर, क्लिष्ट, मुश्किल।
असील (اصیل) अ वि –कुलीन, शरीफ़, खरा, उत्तम, अच्छे लोहे का अस्त्र।
असूफ़ (عسوف) अ. वि.–कुमार्गगामी, बेराह, अनीति करनेवाला, अत्याचारी, दुराचारी, ज़ालिम।
असूफ़ (عصوف) अ पु –झक्कड़, अँधियाव, झंझावात।
असूम (عصوم) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।
अस्अद (اسعد) अ वि –बहुत ही शुभ, बहुत ही मुबारक, अत्यधिक मांगलिक।
अस्कफ़ (اسقف) अ वि –लंबा और कमर झुका पुरुष।
अस्कर (عسکر) अ पु –सेना, फ़ौज, एक नगर का नाम।
अस्करी (عسکری) अ. वि –सैनिक, सिपाही।
अस्करीयः (عسکریه) अ. स्त्री –फ़ौजी खिदमत, सैन्य-सेवा।
अस्क़ल (اثقل) अ वि –बहुत ही भारी, अति गुरु, गुरुतम।
अस्कलान (عسقلان) अ पु –शाम का एक नगर।
अस्काम (اسقام) अ पु –'सुक्म' का बहु , बुराइयाँ, त्रुटियाँ, खराबियाँ, बीमारियाँ, रोग-समूह।
अस्क़ाल (اثقال) अ पु –'सिक्ल' का बहु , बहुत से बोझ।
अस्ख़िया (اسخیا) अ पु –'सख़ी' का बहु , सखी, दाता लोग, देनेवाले लोग।
अस्ग़र (اصغر) अ वि –बहुत अधिक छोटा, सगीर (छोटा) का लघुरूप, लघुतर।
अस्जद (عسجد) अ पु –सोना, चाँदी और रत्न।
अस्जाअ (اسجاع) अ पु –'सज्अ' का बहु , मुकफ्फा बातें, ऐसी बातें जिनमें तुक हो, सतुकान्त वाक्यावलि।
अस्त (است) फ़ा क्रि –अस्ति, है।
अस्तबल (اصطبل) फ़ा पु –तबेला, घुड़साल, अश्वशाला।
अस्तर (استر) फ़ा पु –खच्चर, अश्वतर; अब्र का उलटा, आस्तर।
अस्ता' (اسطع) अ वि –बहुत ऊँचा, लंबी गरदनवाला।
अस्तार (استار) अ पु –'सत्र' का बहु., पर्दे।
अस्तुख़्वाँ (استخوان) फ़ा स्त्री –हड्डी, अस्थि।
अस्दक (اصدق) अ वि –बहुत सच्चा, सत्यनिष्ठ।
अस्दाद (اسداد) अ पु –'सद' का बहु , रुकावटें, रोकें।
अस्दाफ़ (اصداف) अ पु –'सदफ़' का बहु , सीपियाँ, शुक्तियाँ।
अस्दिका (اصدقا) अ पु –'सदीक' का बहु , मित्र-समूह, सुहृद्-जन, दोस्त लोग।
अस्ना (اثنا) अ अव्य –मध्य, बीच, दरमियान।
अस्ना (اسنی) अ. वि –बहुत ऊँचा; बहुत उज्ज्वल।
अस्नाद (اسناد) अ पु.–'सनद' का बहु , सनदें, प्रमाणपत्र।

अस्नान (اسنان) अ पु – सिन्न' का बहु, दतावली, दात।
अस्नाफ़ (اصناف) अ पु – सिन्फ़' का बहु, किस्में, प्रकार।
अस्नाम (اصنام) अ पु – 'सनम' का बहु मूर्तियाँ।
अस्निय (اثنیہ) अ स्त्री – सना' का बहु स्तुतियाँ।
अस्प (اسپ) फा पु – अश्व, वाजि हय, घोटक घोड़ा।
अस्पगोल (اسپغول) फा पु – ईसबगोल, एक प्रकार के दाने जो दवा में चलते हैं।
अस्पदुवानी (اسپ دوانی) फा स्त्री – घुडदौड।
अस्फ़र (اصفر) अ वि – पीला पीत, ज़र्द।
अस्फ़ल (اسفل) अ वि – बहुत नीचा, सबसे नीचा, बहुत अधम, कमीना।
अस्फ़लुस्साफ़िलीन (اسفل السافلین) अ स्त्री – नरक का सातवाँ तबका।
अस्फ़ा (اصفیٰ) अ वि – बहुत स्वच्छ बहुत साफ निर्मल।
अस्फ़ाद (اصفاد) अ पु – सफ़्द' का बहु कडे जजीरें बधन।
अस्फ़ार (اسفار) अ पु – सिफ़्र का बहु बडे ग्रथ सफ़ीर' का बहु, पथिक लोग दूत लोग सफ़र का बहु दिनों के प्रकाश।
अस्फ़ार (اصفار) अ पु – सिफ़्र का बहु बिन्दु बिंदियाँ नुक्ते।
अस्फ़िया (اصفیا) अ पु – सफ़ी का बहु पूज्य लोग बुज़ुर्ग लोग ऋषि लोग वलीअल्लाह।
अस्ब (عصب) अ पु – स्नायु पट्ठा।
अस्बक़ (اسبق) अ वि – सबसे आगे सबसे अव्वल।
अस्बक (اسبک) अ पु – बड़ा सब्क बड़ा सभा।
अस्बाक़ (اسباق) अ पु – सबक़' का बहु पुस्तक के पाठ।
अस्बाग़ (اصباغ) अ पु – सिब्ग़ का बहु बहुत से रग।
अस्बात (اسباط) अ पु – सिब्त' का बहु नाती पोते।
अस्बाब (اسباب) अ पु – सबब' का बहु कारण-समूह वजह उपकरण सामान।
अस्बाबे ख़ाना (اسباب خانہ) अ फा पु – घर का सामान गृह-सामग्री।
अस्बाह (اصباح) अ पु – सुबह का बहु, प्रातःकाल समूह सुबहें।
अस्मन (اسمن) अ वि – बहुत मोटा बहुत चर्बीला।
अस्लख़ (اصلخ) अ वि – गंजा खल्वाट बहुत लाल।
अस्लख़ (اصلخ) अ वि – बधिर बहरा।
अस्मर (اسمر) अ वि – गेहुए रगवाला।
अस्मरी (اسمراں) अ पु – गेहूँ गदुम गोधूम।
अस्मा (اسما) अ पु – इस्म का बहु, नामावली नामों की सूची।
अस्मा' (اصمع) अ वि – छोटे कानोंवाला।
अस्माअ (اسماع) अ पु – सम्अ' का बहु, कान, बहुत से कान।
अस्मा उर्रिजाल (اسماء الرجال) अ पु – बड़े-बड़े लोगों का नाम और उनकी कीर्तियों का वर्णन।
अस्मान (اثمان) अ पु 'समन' का बहु, कीमतें, मूल्य।
अस्मार (اثمار) अ पु – समर का बहु फल, मेवे।
अस्याफ़ (اسیاف) अ पु – 'सैफ़' का बहु, तल्वारें।
अस्र (عصر) अ पु – समय, काल, वक्त, सूर्यास्त से पहले का समय इस समय की नमाज़।
अस्र (اثر) अ पु – तलवार में लोहे की धारियाँ, मुहम्मद साहब की हदीस का वर्णन।
अस्रा' (اسرع) अ वि – बहुत शीघ्र बहुत जल्द बहुत तेज़।
अस्रा (اسرا) अ पु – असीर का बहु, बन्दी लोग कारावासी।
अस्रान (عصرانہ) अ फा पु – शाम को दी जानेवाली चाय आदि की दावत ऐट होम।
अस्रार (اسرار) अ पु – सिर का बहु, मर्म भेद राज़।
अस्रे अतीक़ (عصرعتیق) अ पु – प्राचीन काल, पुराना ज़माना।
अस्रे क़दीम (عصرقدیم) अ पु – दे 'अस्र अतीक़'।
अस्रे जदीद (عصرجدید) अ पु – आधुनिक काल नवीन काल आजकल का मौजूदा ज़माना।
अस्रे नौ (عصرنو) अ फा पु – दे अस्रे जदीद'।
अस्रे हाज़िर (عصر حاضر) अ पु – दे अस्रे जदीद।
अस्ल (اصل) अ स्त्री – मूल जड आधार बुनियाद सत्य सच यथार्थ वाक़ई।
अस्ल (اثل) अ पु – झाऊ का पेड़।
अस्लन (اصلاً) अ वि – यथायत वाक़ई, अस्ल में।
अस्लम (اسلم) अ वि – बहुत ही सुरक्षित बिल्कुल महफ़ूज़ बहुत ही सहिष्णु मुतहम्मिल।
अस्लम (اصلم) अ वि – बूचा जिसके कान कटे हो कनकटा।
अस्लह (اصلح) अ वि – बहुत ही सदाचारी परम शुद्ध बहुत ही उचित।
अस्ला (اصلا) अ वि – कदापि हरगिज़ नितात बिल्कुल ज़रा भी।
अस्ला (اصلع) अ वि – खल्वाट गजा।
अस्लाफ़ (اسلاف) अ पु – सल्फ़' का बहु पूर्वज पुराने बुज़ुर्ग पुरखा।
अस्लाब (اصلاب) अ पु – सुल्ब' का बहु, औरस नुत्फ़।

अस्लिहः (اسلحہ) अ पु –'सिलाह' का वहु , अस्त्र-शस्त्र, हथियार।

अस्लिहः ख़ानः (اسلحہ خانہ) अ फा. पु –शस्त्रागार, अस्त्रशाला, आयुधागार, हथियारघर ।

अस्ली (اصلی) अ वि –जो नकली न हो, अकृत्रिम; सत्य, सच्चा, निष्केवल, ख़ालिस; यथार्थ, वाकई ।

अस्लीयत (اصلیت) अ स्त्री –यथार्थता, वाकईयत; सत्यता, सच्चाई, वास्तविकता।

अस्लुलउसूल (اصل الاصول) अ पु –संपूर्ण नियमो की जड, सवसे वडा नियम।

अस्लुस्सूस (اصل السوس) अ स्त्री.–एक पेड की जड, मुलेठी ।

अस्व (عصو) अ पुं –छडी से मारना।

अस्वद (اسود) अ वि –वहुत काला, काला, कृष्ण।

अस्वदोअह्मर (اسود واحمر) अ. पु –'हवश' और 'रूम' के देश।

अस्वव (اصوب) अ. वि –वहुत ही ठीक, शुद्ध और सही ।

अस्वाक (اسواق) अ पु.–'सूक' का वहु., वाजार, वहुत से वाज़ार।

अस्वात (اصوات) अ स्त्री –'सौत' का वहु , आवाज़े, ध्वनियाँ, स्वर-समूह।

अस्वाव (اثواب) अ पु –'सौव' का वहु., वस्त्र-समूह, कपडे।

अस्वार (اسوار) अ पु –सवार, अश्वारोही ।

अस्वार (اثوار) अ पु –'सौर' का वहु , वहुत से वैल।

अस्विलः (اسولہ) अ पु –'सवाल' का वहु , वहुत से प्रश्न, प्रश्नावली, सवालात।

अस्सार (عصار) अ पु –तैलकार, तेली, रौगनगर।

अस्हल (اسہل) अ वि –वहुत ही सुगम, वहुत ही आसान।

अस्हाव (اصحاب) अ पु –'साहिव' का वहु , साहिवान, हजरत मुहम्मद साहिव के सिहावी, वाले।

अस्हावुर्राय (اصحاب الرائے) अ पु –शुद्ध रायवाले, जिनकी राय हर विपय मे ठीक होती हो।

अस्हावुश्शिमाल (اصحاب الشمال) अ पु –नरकवाले।

अस्हावे कह्फ (اصحاب کہف) अ पु –सात ईश्वरभक्त जो दक्यानूस वादशाह के अत्याचार के भय से एक गुहा मे छिप रहे थे।

अस्हावे फह्म (اصحاب فہم) अ. पु –वुद्धिमान् लोग, समझदार लोग ।

अस्हावे फिक्र (اصحاب فکر) अ. पु –गौरो फिक्र करने-वाले लोग, चिंतनशील लोग ।

अस्हावे मिन्कल (اصحاب منقل) अ. पु –वेतकल्लुफ दोस्त, लँगोटिया यार दोस्त, वूज़म फ्रेंड ।

अस्हार (اسحار) अ पु –'सहर' का वहु , सवेरे, प्रात.काल।

अहक [क़्क] (احق) अ वि.–जो वहुत अधिक हकदार हो।

अहद (احد) अ वि –एक, एक की सख्या, (पु) ईश्वर, खुदा ।

अहम[म्म] (اہم) अ वि.–महत्वपूर्ण, जोरदार, वजनी, मुख्य, खास।

अहम्मीयत (اہمیت) अ स्त्री.–महत्ता, महिमा, वजन, मुख्यता, खुसूसियत।

अहाली (اہالی) अ पु –'अह्ल' का वहु , लोग, अनेक व्यक्ति, वडे लोग, प्रतिष्ठित जन ।

अहासिन (احاسن) अ. पु –'अह्सन' का वहु , अच्छे लोग, सज्जनगण, अच्छाइयाँ, खूवियाँ ।

अहिव्वा (احبا) अ पु –'हवीव' का वहु , मित्रगण, यार-दोस्त।

अहिल्लः (اہلہ) अ पु –'हिलाल' का वहु , नये चाँद।

अह्कम (احکم) अ. वि –वहुत वडा हाकिम, वहुत वडा शासक, वहुत अधिक दृढ, वहुत मज़वूत।

अह्कमुल हाकिमीन (احکم الحاکمین) अ पु –सारे हाकिमो का हाकिम, सारे शासको का शासक अर्थात् ईश्वर।

अह्काद (احقاد) अ पु –'हिक्द' का वहु , द्वेप, कीने।

अह्काम (احکام) अ पु –'हुक्म' का वहु , आज्ञाएँ, आदेश।

अह्जम (احزم) अ वि –वहुत अधिक प्रवीण, वहुत अधिक प्रतिभावान्, अत्यन्त निपुण ।

अह्जान (احزان) अ पु –'हुज्न' का वहु , खेद-समूह, वहुत से रज ।

अह्जाव (احزاب) अ पु –'हिज्व' का वहु., दल, पार्टियाँ।

अह्जार (احجار) अ पु –'हजर' का वहु , पत्थर।

अह्द (عہد) अ पु –प्रतिज्ञा, इकरार, वचन, कौल, युग, काल, जमाना, समय, वक्त।

अह्दनामः (عہدنامہ) अ फा पु –प्रतिज्ञापत्र, इकरारनामा।

अह्दाक (احداق) अ पु –'हदक' का वहु , आँखो के ढेले।

अह्दी (احدی) अ वि –वहुत ही आलसी, वड़ा ही काहिल।

अह्देअतीक (عہد عتیق) अ पु –प्राचीन काल, पुराना जमाना ।

अह्देजदीद (عہد جدید) अ पु –आधुनिक काल, नया जमाना ।

अह्देजर्रीं (عہد زریں) अ. फा पु –स्वर्ण-युग, वहुत ही अच्छा जमाना, सुखद समय ।

अहदे सग (عہد سنگ) अ फा पु –प्रस्तर-युग, वह समय जब मनुष्य पत्थर के अस्त्र प्रयोग करता था।
अहदे हाजिर (عہد حاضر) अ पु –आधुनिक काल मौजूदा जमाना वतमान समय।
अहदे हुकूमत (عہد حکومت) अ पु –शासन-काल, राज्य काल हुकूमत का जमाना।
अहनफ़ (احنف) अ वि –जिसके पुन्ने एक ओर को झुके हो और चलने म टकराएँ।
अहफ़ाद (احفاد) अ पु –हफ़ का बहु, नाती-पोते नौकर चाकर।
अहबाब (احباب) अ पु –हबीब का बहु, मित्र लोग, दोस्त अहबाब।
अहबार (احبار) अ पु –'हिब का बहु बुद्धिमान् लोग, वैज्ञानिक लोग।
अहमक़ (احمق) अ वि –बहुत ही मूख निपट अनाड़ी मूख बेअक्ल।
अहमज़ (احمض) अ वि –खट्टा अम्ल।
अहमर (احمر) अ वि –लाल सुख रक्त।
अहमाल (احمال) अ पु –हम्ल का बहु भार बहुत से बोझ।
अहयान (احیان) अ पु –हीन का बहु, काल-समूह, वक्त।
अहयानन (احیانا) अ वि –कभी-कभी सहसा एकाएक इत्तिफ़ाक़न।
अहरमन (اهرمن) फा पु –ईरान के आतशपरस्तों के मतानुसार बदी का खुदा।
अहराम (احرام) अ पु –हरम का बहु बहुत बूढ़े लोग।
अहरार (احرار) अ पु –हुर का बहु आज़ाद लोग।
अहरुफ़ (احرف) अ पु –हफ़ का बहु अक्षर-समूह, हुरूफ़।
अहल (اہل) अ वि –योग्य पात्र मुस्तहक़ वाला।
अहलकार (اہلکار) अ फा पु –कमचारी सरकारी दफ्तर में काम करनेवाला व्यक्ति।
अहलमद (اہل مد) अ पु –माल दीवानी अथवा फौजदारी न्यायालय म काम करनेवाला एक कमचारी।
अहला (احلا) अ वि –बहुत ही मीठा।
अहलाम (احلام) अ पु –हुल्म या हुल्म का बहु स्वप्न समूह, ख्वाब।
अहलिय (اہلیہ) अ स्त्री –पत्नी भार्या स्त्री जोरू।
अहलियत (اہلیت) अ स्त्री –दे अहलीयत दो नु ह।
अहली (اہلی) अ वि –वहशी का उल्टा पालतू पालू।
अहलीयत (اہلیت) अ स्त्री –योग्यता, क़ाबिलीयत पात्रता इस्तहकाक, निपुणता, होशियारी।
अहले अदम (اہل عدم) अ पु –यमलोक के निवासी, मृत वे लोग जो मर चुके ह।
अहले इल्म (اہل علم) अ पु –विद्वान लोग, पडित जन, आलिम लोग काफी पढ़े लिखे लोग।
अहले खर (اہل خیر) अ पु –वे लोग जो परोपकार में जी खोलकर खच करते ह, दानशील लोग।
अहले ज़मीं (اہل زمیں) अ फा पु –सांसारिक लोग पृथ्वी पर बसनेवाले लोग।
अहले ज़िम्म (اہل ذمہ) अ पु –वह ग़र मुस्लिम जो मुस्लिम राज्य में रहते हो।
अहले वतन (اہل وطن) अ पु –देशवासी, वतनवाले।
अहले हक़ (اہل حق) अ पु –सत्यनिष्ठ लोग ईमानदार लोग, सच्चे लोग महात्मा लोग।
अहवज़ (اہوج) अ वि –लबा-तडगा व्यक्ति, जल्दबाज़ी करनेवाला मूख।
अहवन (اہون) अ वि –बहुत आसान, बहुत सुगम।
अहवल (احول) अ वि –भेंगा जिसे एक वस्तु की दो वस्तुएँ दिखाई दें।
अहवा (اہوا) अ स्त्री –हवा का बहु इच्छाए ख्वाहिशें।
अहवाल (احوال) अ पु –हाल का बहु, घटनाए, हालात समाचार, हाल समस्याए, मुआमले।
अहवाल (اہوال) अ पु –हौल का बहु भय डर, खौफ।
अहशा (احشا) अ पु –हशव का बहु आँत, अँतड़ियाँ, पेट के भीतर की सब चीजें, जिगर तिल्ली पाकाशय और आतें पीतें सब।
अहशाम (احشام) अ पु –हशम का बहु, नौकर चाकर।
अहसत (احسنت) अ वि –साधु-साधु धन्य धन्य, वाह वाह।
अहसन (احسن) अ वि –अति सुदर बहुत हसीन अत्युचित बहुत मुनासिब अत्युत्तम, बहुत उम्दा।
अहसने तक़वीम (احسن تقویم) अ पु –मानव शरीर जो ईश्वर की कारीगरी का बेहतरीन नमूना है ईश्वरीय कृति का सर्वोत्तम कलापूण उदाहरण।

आ

आइद (آئندہ) फा वि –आने वाला जो आने को हो भविष्य मुस्तक़बिल।
आइद (عائدہ) अ पु –परम्परा रिवाज शुल्क, महसूल लाभ नफा उपकार एहसान, प्रतिकार, बदला अनुकम्पा दया।

आइद (عائد) अ वि –लौटनेवाला, पलटनेवाला, लागू होनेवाला, लगनेवाला।

आइनः (آئنہ) फा पु –'आईन' का लघु दे 'आईन'।

आइन (عائن) अ. वि.–सहायक, मददगार।

आइलः (عائلہ) अ. पु –कुल, खानदान, वंश, अभिजन।

आइल (عائل) अ वि –सन्यासी, दरवेश, फकीर।

आइस (آئس) अ वि –निराश, नाउम्मीद।

आईनः (آئنہ) फा पु.–दर्पण, मुकुर, आदर्श, शीशा, (वि०) स्पष्ट, साफ।

आईनःगर (آئنہگر) फा. वि –आईन (आईना, शीशा) बनानेवाला, दर्पणकार।

आईन.बंदी (آئنہ بندی) फा स्त्री –किसी बडे व्यक्ति के आगमन के समय या किसी बडे उत्सव पर नगर की सडको और बाजारो को झाड-फानूस से सजाना।

आईनः साज़ (آئنہ ساز) फा वि –'आईन गर'।

आईन (آئین) फा पु –विधान, कानून, नियम, कायदा, परम्परा, रवाज; व्यवहार, चलन; प्रणाली, पद्धति, तरीका, तर्ज़।

आईनदाँ (آئین داں) फा. वि –कानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील।

आईनबंदी (آئین بندی) फा स्त्री –कमरे मे झाड आदि सजाना, फर्श मे पत्थर आदि की जुडाई।

आईनसाज़ (آئین ساز) फा वि –विधान बनानेवाला, विधायक, विधान बनानेवाली परिषद्, विधायिका।

आईनी (آئینی) फा वि –कानूनी, वैधानिक, वैध।

आक[क़्क] (عاق) अ वि –वह व्यक्ति जिसे उसकी माता या पिता ने उद्दडता के कारण बहिष्कृत कर दिया हो।

आक (اک) फा. प्रत्य –सम्बन्ध का वाक्य, जैसे 'खुराक' और 'सोजाक', (पु.) दोष, ऐब।

आकरकर्हा (عاقرقرحا) अ पु –एक जगली जड जो दवा मे चलती है, अकरकरा।

आक़ा (آقا) तु पु –स्वामी, प्रभु, मालिक, अध्यक्ष, सरदार।

आका (آکا) तु पु –बडा भाई, अग्रज।

आकासी (آقاسی) तु पु –दीवानखाने का दारोगा।

आकिद (عاقد) अ वि –ग्रथि लगानेवाला, गाँठ देनेवाला, वचन देनेवाला, प्रतिज्ञा करनेवाला।

आकिफ (عاکف) अ वि –किसी जगह निवास करनेवाला, किसी चीज़ के चारो ओर फिरनेवाला, मस्जिद में तपस्या के लिए बैठनेवाला।

आकिब (عاقب) अ. वि –किसी के पीछे आनेवाला, किसी की अनुपस्थिति मे उसकी जगह काम करनेवाला।

आकिबत (عاقبت) अ स्त्री –यमलोक, आख़िरत; परिणाम, अंजाम, अंत, अख़ीर। (आक़्बत)

आकिबत अंदेश (عاقبت اندیش) अ. फा. वि.–हर काम को उसका परिणाम सोचकर करनेवाला, परिणाम-शोची, परिणामदर्शी।

आकिबत नाअंदेश (عاقبت نااندیش) अ. फा. वि –जो कार्य के परिणाम से बेखबर (असावधान) रहकर काम करता हो, अपरिणामदर्शी।

आकिबतबी (عاقبت بیں) अ फा वि –दे 'आकिबत अंदेश'।

आक़िर (عاقر) अ. वि –नि संतान पुरुष; बाँझ स्त्री; रेत का टीला जिस पर कोई चीज़ न होती हो।

आकिलः (عاقلہ) अ स्त्री –बुद्धिमती स्त्री; वह शक्ति जिससे पदार्थो का ज्ञान किया जा सके।

आकिल (عاقل) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमद; पहाडो पर भागने-फिरनेवाला हरिन।

आक़्चः (آقچہ) तु पु –रुपया; अश्रफी, स्वर्णमुद्रा, मोहर।

आख़ (آخ) फा अव्य.–वाह वाह, साधु साधु, (पु) शोर, कोलाहल, विलाप, रोना-धोना।

आखिज़ (آخذ) अ वि –पकडनेवाला, लेनेवाला, ग्रहण-कर्ता, उद्धरणदाता।

आख़िर (آخر) अ वि –अंत, अख़ीर, पिछला, आख़िरी, अतत, आख़िरकार।

आख़िरत (آخرت) अ स्त्री –परलोक, यमलोक, उक्व, अत, अख़ीर, परिणाम, नतीजा।

आख़िरतबी (آخرت بیں) अ फा. वि –परिणामदर्शी, अतदर्शी, दूरदर्शी, अजाम पर दृष्टि रखनेवाला।

आख़िरी (آخری) अ वि –अतिम, पिछला, अख़ीरी; निश्चित, कतई।

आख़िरुल अम्र (آخرالامر) अ. वि –आख़िर को, अंततः, आपातत, आख़िरकार।

आख़िरेकार (آخرکار) अ फा वि –दे० 'आख़िरुल अम्र'।

आख़ुंद (آخوند) तु पु –शिक्षक, पढानेवाला।

आख़ुर (آخور) तु पु –अश्वशाला, मन्दुरा, तबेला, गोचर, चरागाह।

आख़ुरेसगी (آخورسگی) तु फा पु.–ऐसा स्थान जहाँ घास और हरियाली न हो।

आख़ोर (آخور) तु पु –'आख़ुर' का बिगड़ा हुआ रूप, कबाड, फ़ुज़ूल सामान।

आख़्तः (آختہ) फा. वि –खीचा हुआ, ख़स्सी, बधिया, बध्रि, मुष्कशून्य।

आग्त बेगी (اغشته بیگی) फा वि–बखिया करनेवाला।
आग्गीज (اغسیج) अ पु–दे 'आग्गोग।
आग्गोग (اغسگ) फा पु–विरोधी वस्तु उसुर, तत्व।
आगद (اگنده) फा वि–भरा हुआ, पूर्ण।
आग्रस्त (اغشته) फा वि–सना हुआ, लथपथ हुआ।
आग्रस्त बखू (اغشته بخو) फा वि–खून में लथड़ा हुआ खून में लथपथ।
आग्रस्तए खू (اغشتهٔ خوں) फा वि–दे आगस्त बखू।
आगही (آگهی) फा स्त्री–आगाही का लघु रूप ज्ञान जानकारी सूचना इत्तिलाअ परिचय पहचान।
आग़ा (آغا) तु पु–स्वामी, मालिक भ्राता भाई, काबुली अफ़गानी पठान।
आग़ाज़ (آغاز) फा पु–अनुष्ठान, प्रारम्भ, शुरूआत, इब्तिदा आदि।
आग़ाज़िंद (آغازنده) फा वि–शुरू करनेवाला आरम्भ कर्ता।
आग़ाज़ीद (آغازیده) फा वि–शुरू किया हुआ प्रारब्ध।
आग़ाज़ेकार (آغازکار) फा पु–काम की शुरूआत, कार्यारम्भ सूत्रपात।
आग़ारीद (آغاریده) फा वि–गूँधा हुआ माढा हुआ, माना हुआ।
आग़ाल (آغال) फा पु–जंगल में भेड़-बकरियों के सोने का सुरक्षित स्थान।
आग़ालीद (آغالیده) फा वि–शत्रुता और युद्ध पर उत्तेजित किया हुआ।
आगाह (آگاه) फा वि–ज्ञात, जाना हुआ, सूचित मुत्तला परिचित वाकिफ।
आगाही (آگاهی) फा स्त्री–ज्ञान, जानकारी सूचना इत्तिलाअ परिचय जान-पहचान।
आग़ोश (آغوش) फा उभ–अंक क्रोड गोद, बगल।
आग़ोशकुशा (آغوش کشا) फा वि–गोद फैलाये हुए किसी को लिपटाने के लिए गोद खोले हुए।
आज़ग (آزنگ) फा पु–झुर्री, बल शिकन।
आज (عاج) अ पु–हाथीदाँत हस्तिदन्त।
आज़ (آز) फा स्त्री–लोभ लालच हिर्स।
आज़ख़ (آزخ) फा पु–मस्सा, मोटा और उगा हुआ तिल।
आ'ज़ज़ (اعجز) अ वि–अत्यन्त विवश, बहुत ही लाचार।
आज़मंद (آزمند) फा वि–लोभी लालची हरीस।
आ'ज़म (اعظم) अ वि–बहुत बड़ा महान् विशाल वसीअ।
आ'जम (اعجم) अ वि–गूँगा, मूक, जो बोल न सके।

आज़द (آزرده) फा वि–सताया हुआ, पीडित, खिन्न, मलिन, अफ़सुर्दा, दुखित, रंजीदा, रुष्ट, नाराज़।
आज़द पुश्त (آزرده پشت) फा वि–कुबड़ा, कुब्ज, जिसकी पीठ में कूबड हो।
आज़र (آزر) फा पु–बहुत खाना, बहुभक्षण।
आज़दगी (آزردگی) फा स्त्री–खिन्नता, उदासी, दुख रंज ताप, नाराज़गी सताव।
आज़रदनी (آزردنی) फा वि–सताने के काबिल, दुखित करने योग्य रुष्ट करने योग्य।
आज़म (آزرم) फा पु–शांति सलाह कृपा, दया, लज्जा शर्म सम्मान इज़्ज़त, प्रतिष्ठा बुज़ुर्गी।
आ'ज़ा (اعضا) अ पु–उज़्व का बहु, शरीर के अंग, हाथ, पाँव सिर आदि।
आज़ाए रईस (اعضاے رئیسہ) अ पु–शरीर के वह अवयव जो सर्वश्रेष्ठ हैं। जैसे—हृदय, जिगर, मस्तिष्क आदि।
आज़ाद (آزاده) फा वि–स्वच्छंद, स्वेच्छाचारी निरंकुश, आज़ाद।
आज़ादरवी (آزاده روی) फा स्त्री–स्वेच्छाचार, मन की मौज।
आज़ाद रौ (آزاده رو) फा वि–स्वेच्छाचारी मनमौजी।
आज़ाद (آزاد) फा वि–स्वतंत्र स्वाधीन, बंधनमुक्त गुलुख़लास निरंकुश, ख़ुदराए एक प्रकार के फकीर जो धर्म आदि के बंधनों से मुक्त होते हैं रिहा कारामुक्त।
आज़ाद तबअ (آزاد طبع) फा अ वि–दे 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ादमनिश (آزادمنش) फा वि–दे आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ाद मिज़ाज (آزاد مزاج) फा अ वि–मनमौजी स्वेच्छाचारी वह व्यक्ति जिसके मन में जो आये सो करे।
आज़ादाना (آزادانه) फा वि–स्वतंत्रतापूर्वक, आज़ादी के साथ, बे रोक-टोक।
आज़ादी (آزادی) फा स्त्री–स्वतंत्रता ख़ुदमुख़्तारी निरंकुशता ख़ुदराई बंधनमुक्ति सलामी।
आज़ादीपसंद (آزادی پسند) फा वि–जिसे स्वतंत्रता पसंद हो जो निरंकुश रहना चाहता हो, जो स्वतंत्रता चाहता हो जिसे गुलामी पसंद न हो।
आज़ान (آذان) अ पु–उज़ुन' या 'उज़्न' का बहु कान।
आ'जाम (آجام) अ पु–अजम का बहु वृक्षों के झुंड पेड़ों के समूह।
आज़ार (آزار) फा पु–रोग, बीमारी आपत्ति, मुसीबत खेद, रंज, दुर्व्यसन, लत। (प्रत्य०) दुःख देनेवाला,

सतानेवाला; जैसे, 'दिल आज़ार' हृदय को दुःख देनेवाला।

आज़ार तलब (آزارطلب) फा अ. वि –जिसे काँटों में रहना अच्छा लगता हो, दुःखप्रिय।

आज़ार देह (آزارده) फा वि.–कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।

आज़ारिंदः (آزارنده) फा. वि.–सतानेवाला, दुःख देनेवाला।

आज़ारी (آزاری) फा. वि.–रोगी, बीमार, अस्वस्थ।

आज़ारीदः (آزاریده) फा वि –सताया हुआ, दुःख पहुँचाया हुआ, पीडित, दुःखित।

आजाल (آجال) अ पुं –'अजल' का बहु मौत के वक्त, मृत्युएँ, मौतें।

आजिज़ (عاجز) अ. वि –निराश्रय, असहाय; बेबस, लाचार; ऊबा हुआ, परीशान; विनम्र, ख़ाकसार।

आजिज़ी (عاجزی) अ. स्त्री –असहायता, बेबसी; ऊबना; विनम्रता।

आजिदः (آجده) फा स्त्री –बल की असमानता, सतह की नाहमवारी, रेती का खुर्दरापन।

आज़िम (عازم) अ. वि –इच्छा करनेवाला, इरादा करनेवाला।

आजिर (آجر) अ वि –मजूरी (उजरत) देनेवाला।

आजिलः (عاجله) अ. स्त्री.–मर्त्यलोक, संसार, जिसमें विलंब न हो।

आजिल (عاجل) अ वि –जल्दी करनेवाला, जल्दबाज, जल्दीवाली वस्तु, संसार, दुनिया।

आजिल (آجل) अ वि –जिसमें विलंब और देर हो, परलोक, उक़्बा।

आज़ीनः (آزینه) फा. पु –छेनी, टाँकी, पत्थर आदि छीलने का यंत्र।

आज़ीश (آذیش) फा स्त्री –अग्नि, आग।

आज़ुकः (آزکه) फा पु –दे 'आज़ूक'।

आज़ुर (آذر) फा पु.–ईरानियों का नवाँ महीना; स्फुलिंग, चिनगारी।

आजुर (آجر) फा स्त्री.–पकी हुई ईंट।

आज़ुर्दः (آزرده) फा. वि –दे. 'आज़र्द.' वही शुद्ध है।

आज़ूकः (آزوقه) फा. पु –जीविका, रोजी, मआश, थोड़ी सी गिज़ा जिस से जीवन बना रहे।

आज़ूर (آزور) फा वि –लालची, लोभी, हरीस।

आज़्दः (آژده) फा पु –झुर्री, बल, चीन, चिह्न, निशान; कोई नोकदार वस्तु चुभाना।

आज़मा' भाग्य की परीक्षा करनेवाला।

आज़माइंदः (آزماینده) फा. वि.–आज़मानेवाला, परीक्षा करनेवाला।

आज़माइश (آزمائش) फा. स्त्री.–परीक्षा, परख, जाँच।

आज़मूदः (آزموده) फा. वि –परखा हुआ, जाँचा हुआ, परीक्षित।

आज़मूदःकार (آزموده‌کار) फा. वि –अनुभवी, कार्यसिद्ध, बहुदर्शी, ताजिब्र कार (तजरबाकार)।

आज़मूदनी (آزمودنی) फा. वि.–परीक्षा के योग्य, परीक्षणीय, परखे जाने के क़ाबिल।

आज़मून (آزمون) फा पु –जाँच, परीक्षा, इम्तिहान।

आत (آت) तु. पु –घोड़ा, अश्व।

आतश (آتش) फा स्त्री –अग्नि, अनल, वह्नि, कृशानु, आग।

आतशअंगेज़ (آتش‌انگیز) फा. वि –आग भड़कानेवाला, उत्तेजित करनेवाला, आग जलानेवाला।

आतश अफ़्गन (آتش‌افگن) फा. वि –आग फेंकनेवाला, आग बरसानेवाला।

आतशक (آتشک) फा. स्त्री –गरमी का रोग, उपदंश।

आतशकदः (آتش‌کده) फा पु –दे 'आतशख़ानः'।

आतशकार (آتش‌کار) फा. वि –आतशबाज़; रसोइया, बावरची।

आतशख़ानः (آتش‌خانه) फा पुं –वह स्थान जहाँ पूजा की आग रहती है, अग्निशाला, पारसियों की अग्निशाला जहाँ की आग कभी बुझती नहीं है; चूल्हा, भट्ठी; वह स्थान जहाँ चूल्हा या भट्ठी जलती हो।

आतशख़्वार (آتش‌خوار) फा पु.–आग खानेवाला, चकोर, कब्क, एक पक्षी जो चाँद का प्रेमी है।

आतशगाह (آتش‌گاه) फा. स्त्री –दे. 'आतशख़ान.'।

आतशगीर (آتش‌گیر) फा. वि.–आग पकड़ लेनेवाला, वह वस्तु या माद्दा जो तुरंत आग पकड ले, विस्फोटक, ज्वलनशील, जिस चीज़ से आग पकड़ी जाय, जैसे, चिमटा।

आतशज़दः (آتش‌زده) फा. वि.–जिसमे आग लग गयी हो, आग लगा हुआ; आग से जला हुआ, सोख़्ता।

आतशज़दगी (آتش‌زدگی) फा. स्त्री –आग लगना, अग्निकांड।

आतशज़नः (آتش‌زنه) फा. पु –चकमक पत्थर, चुबक; जिस चीज़ से आग फोडे।

आतशज़न (آتش‌زن) फा वि –आग लगानेवाला, 'कुक्नुस' पक्षी, जिसके गाने से आग लग जाती है।

आतशज़बाँ (آتش زباں) फा वि—धुआँधार भाषण देने वाला, वावदूक, व्याख्यान में आग बरसानेवाला।
आतशज़ेर पा (آتش زیر پا) फा वि—जिसके पाँव के नीचे आग हो, बहुत ही बेताब आतुर।
आतशतबअ (آتش طبع) फा अ वि—दे 'आतश मिज़ाज'।
आतशताब (آتش تاب) फा वि—आग से तपा हुआ आग जैसी चमक रखनेवाला।
आतशदस्त (آتش دست) फा वि—फुर्तीला तेज़, चालाक।
आतशदस्ती (آتش دستی) फा स्त्री—फुर्ती, तेज़ी चालाकी प्रभुत्व गल्व।
आतशदान (آتش داں) फा पु—चूल्हा अंगीठी भट्ठी।
आतशदीद (آتش دیدہ) फा वि—आग पर सेंका हुआ आग पर जला हुआ।
आतशनफ़्स (آتش نفس) फा अ वि—जिसकी साँस के साथ आग निकले अर्थात प्रेमी दिलजला।
आतशनफ़सी (آتش نفسی) फा अ स्त्री—साँस के साथ आग निकलना दिल का दग्ध होना प्रेमाग्नि से हृदय का जलना।
आतशनाक (آتش ناک) फा वि—आग की तरह दम दमाता हुआ आग से भरा हुआ।
आतशपरस्त (آتش پرست) फा वि—आग की पूजा करनेवाला अग्नि-पूजक ईरान का पारसी ज़रतुश्त का अनुयायी।
आतशपरस्ती (آتش پرستی) फा स्त्री—अग्निपूजा आग की परस्तिश।
आतशपा (آتش پا) फा वि—दे आतश ज़ेर पा।
आतशपार (آتش پارہ) फा पु—अग्निकण चिनगारी अग्निखंड अंगारा।
आतशबजाँ (آتش بجاں) फा वि—जिसके अंदर आग ही आग हो अग्निगर्भ प्रेमी आशिक़।
आतशबाज़ (آتش باز) फा पु—आतशबाज़ी बनानेवाला बारूद के खिलौने बनाने और बेचनेवाला।
आतशबाज़ी (آتش بازی) फा स्त्री—बारूद के खिलौने बनाने का काम अग्निक्रीडा बारूद के खिलौने।
आतशमिज़ाज (آتش مزاج) फा अ वि—जिसके स्वभाव में हद से अधिक रोष हो क्रुद्धात्मा गुस्सैल।
आतशमिज़ाजी (آتش مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव का अधिक रोष।
आतशरंग (آتش رنگ) फा वि—आग जैसे रंगवाला दहकता हुआ खूब लाल।
आतशीं (آتشیں) फा वि—आग का आग का बना हुआ अग्निमय आग जैसा लाल।
आतशींरुख़ (آتشیں رخ) फा वि—जिसका मुख आग जैसा भभका हो बहुत ही सुंदर।
आतशीं रुख़सार (آتشیں رخسار) फा वि—जिसके गाल आग जैसे लाल हों।
आतशे अफ़सुर्द (آتش افسردہ) फा स्त्री—बुझी हुई आग।
आतशे ख़ामोश (آتش خاموش) फा स्त्री—बुझी हुई आग दबी हुई आग।
आतशे जिगर (آتش جگر) फा स्त्री—हृदय की आग प्रेमाग्नि।
आतशेतर (آتش تر) फा स्त्री—बहती हुई आग शराब मदिरा।
आतशे दरूँ (آتش دروں) फा स्त्री—दे 'आतशे जिगर।
आतशे दिहक़ाँ (آتش دہقاں) फा स्त्री—वह आग जो कृषक घास फूस जलाने के लिए खेतों में लगाता है।
आतशे नुमरूद (آتش نمرود) फा अ स्त्री—वह आग जो हज़रत इब्राहीम को जलाने के लिए नुमरूद बादशाह ने जलवायी थी।
आतशे फ़ारिस (آتش فارس) फा स्त्री—वह आग जो ज़रतुश्त के समय से ईरान में जल रही थी जिसे इस्लाम ने बुझाया।
आतशे बेदूद (آتش بے دود) फा स्त्री—(धूम्रहीन अग्नि) सूर्य आफ़ताब सूरज।
आतशे महलूल (آتش محلول) फा अ स्त्री—पानी में हल की हुई आग शराब मदिरा।
आतशे सयाल (آتش سیال) फा अ स्त्री—पिघली और बहती हुई आग शराब, मदिरा।
आतशे सर्द (آتش سردہ) फा स्त्री—बुझी हुई आग।
आतिफ़ (عاطف) अ वि—कृपा करनेवाला मेहरबान।
आतिफ़त (عاطفت) अ स्त्री—कृपा, दया मेहरबानी।
आतिर (عاطر) अ वि—सुगंधित सुगंधमय सुगंध व प्रेम करनेवाला।
आतिश (آتش) फा स्त्री—अग्नि आग आतिश भी शुद्ध है मगर आतश अधिक चालू है।
आतूस (عاطوس) अ पु—छींक लानेवाली वस्तु हुलास वह पशु या पक्षी जिसका देखना अपशकुन होता है।
आदत (عادت) अ स्त्री—प्रकृति स्वभाव खसलत व्यसन लत अभ्यास मश्क़।
आदत (آدت) अ पु—अस्त्र, हथियार।
आदतन (عادةً) अ वि—स्वभाव से आदत से स्वभावत।

आदम (آدم) अ. पुं –हज़्रत आदम जो सबसे पहले पुरुष थे, मूल पुरुष, मानव, मनुज, पुरुष, आदमी, इसान।
आदमकद (آدمقد) अ. वि –दे 'कद्देआदम'।
आदमख़ोर (آدمخور) अ फा वि.–आदमी को खा जानेवाला, नरभक्षी, मानुपाशी।
आदमगर (آدمگر) अ फा वि –दयालु, कृपालु, रहमदिल।
आदमजाद (آدمزاد) अ फा पु –मनुष्य का पुत्र, मनुष्य, आदमी।
आदमबेज़ार (آدم بیزار) अ फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यो की संगत से घबराता हो।
आदमी (آدمی) अ पु –मनुष्य, मानव, इसान, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।
आदमीज़ादः (آدمی زادہ) अ फा. पु –आदमी की सतान, मनुष्य, आदमी।
आदमीयत (آدمیت) अ. स्त्री –मानवता, इसानियत, सभ्यता, शिष्टता, तमीजदारी, सुशीलता, अख़्लाक।
आदमे आबी (آدم آبی) अ फा पु –पानी मे रहनेवाला मनुष्य की आकृति का जानवर, जलमानुप।
आदमे सह्राई (آدم صحرائی) अ पु –एक बडा बदर, वनमानुप, जगली आदमी, देहाती, उजड्ड, अक्खड।
आदमे सानी (آدم ثانی) अ पु –'हज़्रत नूह', तूफान के पश्चात् इन्ही से सतान चली है।
आ'दल (اعدل) अ वि –बहुत अधिक न्याय करनेवाला।
आ'दा (اعدا) अ. पु –'अदू' का बहु शत्रु लोग, दुश्मन लोग।
आदात (آدات) अ पु –'आदत' का बहु हथियार।
आदात (عادات) अ स्त्री –'आदत' का बहु आदते, स्वभाव, प्रकृतियाँ।
आ'दाद (اعداد) अ पु –'अदद' का बहु सख्याएँ, गिनतियाँ, हिंदसे।
आदाब (آداب) अ पु –'अदब' का बहु प्रणाम, नमस्कार, तस्लीम, तरीके, ढग; शिष्टाचार, तहज़ीब; सुशीलता, अख़्लाक।
आदाबे फाज़िलः (آداب فاضلہ) अ पु –अच्छे स्वभाव, चार गुण—शूरता, सतीत्व, न्याय और विद्या।
आदिल (عادل) अ. वि –न्यायनिष्ठ, न्यायवान्, मुसिफ-मिजाज।
आदी (عادی) अ वि –जिसे कुछ खाने या कुछ करने की लत पड गयी हो, अभ्यस्त, अनुसेवी, व्यसनी।
आदीन. (آدینہ) फा –शुक्रवार, जुमा'।
आद्रफ़श (آدرفش) फा पु.–चमारो की सुताली (सूजा)।
आनः (عانہ) अ पु –उपस्थ, पेट, जेरेनाफ।
आनः (آنہ) फा. प्रत्य –सम्बन्ध का वाक्य, जैसे, रोजाना, सालाना, (पु०) रुपये का सोलहवाँ भाग, एक आना।
आन (آن) अ स्त्री –क्षण, पल, लम्हा।
आन (آن) फा स्त्री –छटा, छवि, शोभा, टेक, बात, नाक; हाव-भाव, नाजोअदा।
आ'नक (اعنق) अ वि –बड़ी गर्दनवाला।
आनक आनक (آنک آنک) फा अव्य –वह वह दूरवर्ती।
आनन फ आनन (آناً فآناً) अ वि –तत्क्षण, तुरत, फौरन, फौरन ही, ज़रा सी देर मे, बात की बात मे, आनन फानन।
आ'नश (اعنش) अ वि –छ उँगलियोवाला, छगा।
आ'नाक (اعناق) अ स्त्री –'उनुक' का बहु, गर्दन, गले।
आनात (آنات) अ. पु –'आन' का बहु. बहुत से समय, काल-समूह।
आनिद (عاند) अ वि –शत्रु, दुश्मन, बैरी।
आनिफ (عانف) अ वि –वशीभूत, मुतीअ, आज्ञाकारी, फर्माबरदार।
आनियः (آنیہ) अ. पु.–'इना' का बहु, बहुत से बरतन।
आनिसः (آنسہ) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज।
आनिस (آنس) अ. वि –स्नेह करनेवाला, प्रेमी, हिल जाने-वाला।
आनी (عانی) अ वि –कैदी, बंदी, बहता हुआ खून।
आनी (آنی) अ वि – क्षणिक, थोड़ी देर का; सामयिक, तात्कालिक, वक्ती।
आनुक (آنک) फा पु –सीसा, एक धातु।
आपा (آپا) तु स्त्री –बडी बहन, जीजी।
आफ (عاف) अ वि –क्षमा करनेवाला, अपराध क्षमा करने-वाला।
आफत (آفت) फा. स्त्री –आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दु ख, कष्ट, तकलीफ, शामत।
आफतज़दः (آفت زدہ) फा वि –विपद्ग्रस्त, मुसीबत का मारा।
आफतनसीब (آفت نصیب) फा अ. वि.–जिसके भाग्य मे आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।
आफतरसीदः (آفت رسیدہ) फा वि –दे 'आफतज़द'।
आफते नागहानी (آفت ناگہانی) फा. स्त्री.–अचानक पड़नेवाली विपत्ति, दैवात्यय, दैवी घटना।
आफाक़ (آفاق) अ पु –'उफुक' का बहु उपाएँ, ससार, दुनिया।
आफाकी (آفاقی) अ. वि –दुनियावाला, सासारिक।
आफाके माइलः (آفاق مائلہ) अ पु –पृथ्वी का वह भाग जो खुश्क है।

आफात (آفات) फा स्त्री 'आफत' का बहु आपत्तियाँ, मुसीबतें।

आफ़्दी (افندی) तु पु –श्रीमान, महोदय, जनाब।

आफ़ियत (عافیت) अ स्त्री –सुख, चैन, आराम, शांति, सुकून नरोग, स्वास्थ्य।

आफ़ियत केश (عافیت کیش) अ फा वि –शांतिप्रिय, अमनपसंद।

आफ़ियत कोश (عافیت کوش) अ फा वि –शांति के लिए प्रयत्न करनेवाला।

आफ़ियतगाह (عافیت‌گاہ) अ फा स्त्री –शांति का स्थान, जहाँ सुकून और शांति हो, एकांतवास।

आफ़िल (آفل) अ वि –नीचे जानेवाला लोप होनेवाला।

आफ़िलीन (آفلین) अ पु –नीचे जानेवाले, लोप होने वाले, आफिल' का बहु।

आफ्ताब (آفتابہ) फा पु –एक प्रकार का लोटा जिसमें दस्ता होता है।

आफ्ताब (آفتاب) फा पु –सूर्य रवि दिनकर सूरज।

आफ्ताब आसार (آفتاب‌آثار) फा अ वि –जिसमें सूर्य का प्रताप हो जिसमें सूर्य जैसा जलाल हो।

आफ्ताबगीर (آفتاب‌گیر) फा पु –छज्जा, साइबान छतरी आतपत्र, छाता धूप रोकने के लिए ताना हुआ कपड़ा आदि।

आफ्ताबपरस्त (آفتاب‌پرست) फा वि –सूरज की पूजा करनेवाला सूर्यपूजक गिरगिट कृकलास।

आफ्ताबपरस्ती (آفتاب‌پرستی) फा स्त्री –सूरज की पूजा सूर्य-पूजा रविभक्ति।

आफ्ताब सवार (آفتاب سوار) फा वि –बहुत तड़के उठने वाला।

आफ्ताबी (آفتابی) फा वि –धूप में रखकर बनायी हुई औषधि आदि सूरज का, सूरजमुखी का फूल।

आफ्ताबे लबे बाम (آفتاب لب بام) फा पु –डूबने के क़रीब सूरज, मरने के क़रीब पुरुष, मरणासन्न।

आफ्ताबे सरे शाम (آفتاب سر شام) फा पु –संध्या समय का सूर्य डूबता हुआ सूरज, वह व्यक्ति जिसका सम्मान उठ जाय।

आफ्ताबे हश्र (آفتاب حشر) अ फा पु –महाप्रलय-काल का सूर्य, जो बहुत निकट होगा।

आफ्रीं (آفریں) फा अव्य –शाबाश वाह वाह, साधु साधु।

आफ्रीदा (آفریدہ) फा वि –पैदा किया हुआ उत्पादित।

आफ्रीदगार (آفریدگار) फा वि –पैदा करनेवाला, उत्पत्ति कर्ता, स्रष्टा।

आफ्रीदनी (آفریدنی) फा वि –पैदा करने योग्य।

आफ्रीनिंद (آفرینندہ) फा वि –स्रष्टा, उत्पत्तिकर्ता ख़ालिक़, पैदा करनेवाला।

आफ्रीनिश (آفرینش) फा स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश।

आब (آب) फा पु –जल, वारि, सलिल नीर आप पानी।

आबकामा (آبکامہ) फा पु –खट्टे पदार्थों से बनाया हुआ पानी।

आबकार (آبکار) फा वि –मदिरा बेचनेवाला, शराब का व्यवसाय करनेवाला, मद्य-व्यवसायी।

आबकारी (آبکاری) फा स्त्री –मदिरा का व्यवसाय, मदिरा का विभाग, मद्य विभाग।

आबख़ोर (آبخور) अ वि –वह व्यक्ति जिसने दाने पानी में किसी का भाग न हो, बहुत ही कृपण मक्खीचूस।

आबख़ान (آبخانہ) फा पु –पाख़ाना शौचगृह।

आबख़ुर (آبخور) फा पु –दे आबख़ुर्द।

आबख़ुर्द (آبخورد) फा पु –भाग्य, प्रारब्ध किस्मत भाग, हिस्सा, वह तालाब जहाँ मनुष्य और पशु पानी पीयें।

आबख़ेज़ (آبخیز) फा स्त्री –वह भूमि जिसे जहाँ भी खोदें थोड़ी दूर पर पानी निकल आये लहर तरंग मौज।

आबख़ोर (آبخورہ) फा पु –पानी पीने का मिट्टी का पियाला, कुल्हड़, पुरवा।

आब गर्दिश (آب گردش) फा स्त्री –जीविका रोज़ी, वह रोग जो देश विदेश में फिरने और पानी बदलने से उत्पन्न हो।

आबगीन (آبگینہ) फा पु –बहुत ही बारीक काँच की बड़े पेट की बोतल जो अब से कुछ पहले शराब और गुलाब जल रखने के काम आती थी बोतल, शीशा, बहुत ही नाज़ुक शीशा।

आबगीर (آبگیر) फा पु –छोटा तालाब, तलैया, जोहड़, क्षुद्र जलाशय।

आबजू (آبجو) फा स्त्री –नदी नहर, चश्मा।

आबजोश (آبجوش) फा पु –शोरबा, रसा यख़्नी, गोश्त का पानी, सोडा वाटर, सूखा मुनक्का।

आबदर्दा (آبدردا) फा पु –एक प्रकार का हलवा।

आबदस्त (آبدست) फा स्त्री –सम्पत्ति, दौलत, सत्ता, हुकूमत।

आबदस्त (آبدست) फा पु –शौच कर्म के पश्चात पानी लेना, इस्तिंजा करना।

आबदस्ता (آبدستاں) फा पु –आफ़्ताब, हथधार लोटा।

आबदार (آبدار) फा वि –चमकदार, उज्ज्वल धारदार, पानीदार, पानी पिलानेवाला।

आबदार ख़ानः (آبدار خانہ) फा. पुं.—वह ठंडा स्थान जहाँ पिलाने के लिए पानी के घड़े आदि रखे जाते हों।

आबदारी (آبداری) फा. स्त्री.—चमक, आभा; शोभा, छटा, रौनक़।

आबदीदः (آبدیدہ) फा. वि.—जिसकी आँखों में आँसू भरे हों, सजलनयन, रुआँसा।

आब दुज़्द (آب دزد) फा. पुं.—वह रास्ता जिसके नीचे पानी हो; एक तंग मुँह का बर्तन जिसकी तली में छेद होते हैं।

आबदोज़ (آبدوز) फा. वि.—पानी के अंदर का रास्ता, पानी के भीतर चलनेवाला पोत आदि।

आबनाए (آبنائے) फा. पुं.—पृथ्वी का वह तंग भाग जो दो समुद्रों को मिलाता हो, जलडमरूमध्य।

आबपाशी (آبپاشی) फा. स्त्री.—भूमि और खेती की सिंचाई, सेचन, सिंचन।

आबबाज़ (آب باز) फा. वि.—तैरनेवाला, तैराक, पैराक।

आबबाज़ी (آب بازی) फा. स्त्री.—तैरना, पानी में तैरना।

आबयानः (آبیانہ) फा. पुं.—सिंचाई का महसूल, जलकर।

आबयारी (آبیاری) फा. स्त्री.—सिंचाई, आबपाशी।

आबरुख़ (آبرخ) फा. स्त्री.—दे. 'आबरू'।

आबरू (آبرو) फा. स्त्री.—प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, सतीत्व, इस्मत, कीर्ति, यश, नेकनामी।

आबरूदार (آبرودار) फा. वि.—प्रतिष्ठित, सम्मानित, वावक़्अत, सती, साध्वी, इस्मत मआब।

आबरूरेज़ी (آبروریزی) फा. स्त्री.—मानहानि, इज़्ज़त उतरना, सतीत्व-हरण, इस्मतदरी।

आबलः (آبلہ) फा. पुं.—छाला, फफोला।

आबलए फ़िरंग (آبلۂ فرنگ) अ. पुं.—गर्मी रोग, आतशक, उपदंश।

आबशनास (آب شناس) फा. वि.—माँझी, मल्लाह, कर्णधार; यह जाननेवाला कि समुद्र में कहाँ कितना पानी है।

आबशार (آبشار) फा. पुं.—झरना, निर्झर, प्रपात।

आबसाल (آبسال) फा. पुं.—बाग़, वाटिका।

आबसालाँ (آبسالاں) फा. पुं.—दे. 'आबसाल'।

आबा (آبا) अ. पुं.—'अब' का बहु. पूर्वज, बाप दादे, पुरखे।

आबाए उल्वी (آبائے علوی) अ. पुं.—नौ आकाश; सप्तग्रह।

आबाद (آباد) फा. वि.—जिसमें आबादी हो, बसित, वह ज़मीन जो बोई-जोती जाती हो, जहाँ चहल-पहल हो, गुलज़ार।

(बंजर) इलाक़े को आबाद करे; वह किसान जो किसी परती भूमि को उपजाऊ बनाये।

आबादकारी (آبادکاری) फा. स्त्री.—किसी वीरान इलाक़े या देश को आबाद करना, किसी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना।

आबादान (آبادان) फा. वि.—दे. 'आबाद'।

आबादानी (آبادانی) फा. स्त्री.—दे. 'आबादी'।

आबादी (آبادی) फा. स्त्री.—बस्ती, बसा हुआ इलाक़ा; चहल-पहल, रौनक़।

आबान (آبان) फा. पुं.—ईरानियों का एक महीना जो अगहन में पड़ता है।

आबारः (آبارہ) फा. पुं.—हिसाब, हिसाब-किताब।

आबार (آبار) अ. पुं.—जला हुआ सीसा, सीसे का भस्म।

आबिदः (عابدہ) अ. स्त्री.—तपस्विनी, इबादतगुज़ार स्त्री।

आबिद (عابد) अ. वि.—तपस्वी, इबादत करनेवाला पुरुष।

आबिर (عابر) अ. वि.—पथिक, बटोही, राहगीर, नदी या पुल आदि को पार करनेवाला।

आबिस्तः (آبستہ) फा. स्त्री.—गर्भवती, गुर्विणी, हामिला।

आबिस्तनी (آبستنی) फा. वि.—गर्भवती, अंतर्वत्नी, हामिला, पेट से।

आबी (آبی) फा. वि.—एक मेवा, बिही, जल सम्बन्धी; जल का; पानी की मोटी रोटी जो पलोथन के बिना पकती है।

आ'बुद (اعبد) अ. पुं. 'अब्द' का बहु., सेवकगण, दास लोग।

आबे अंगूर (آبِ انگور) फा. पुं.—अंगूर का अरक, अंगूर का शीरा, अंगूर की मदिरा।

आबे अनार (آبِ انار) फा. पुं.—अनार का अरक, अनार के अरक जैसी लाल मदिरा।

आबे आतशरंग (آبِ آتش رنگ) फा. पुं.—आग के रंग का पानी, अर्थात् शराब, मदिरा।

आबे आतशी (آبِ آتشیں) फा. पुं.—आग जैसा पानी, अर्थात् मदिरा, शराब।

आबे कमाँ (آبِ کماں) फा. पुं.—धनुष का ज़ोर।

आबे कौसर (آبِ کوثر) अ. फा. पुं.—स्वर्ग के हौज़ का पानी।

आबे ख़ंजर (آبِ خنجر) फा. पुं.—ख़ंजर की धार, छुरी की धार।

आबे ख़िज़्र (آبِ خضر) फा. अ. पुं.—आबेहयात, अमृतजल।

[illegible]

आबे गौहर (اب گوهر) फा पु—मोतियाबिन्द, आँख में पानी उतरने का रोग।
आबे जारी (اب جاری) अ फा पु—बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल।
आबे जाविदाँ (ابجاودان) फा पु—आबे हयात अमृत।
आबे जुलाल (اب زلال) अ फा पु—निथरा हुआ पानी ठंडा पानी।
आबे तरब (اب طرب) फा पु—मदिरा, शराब।
आबे बका (اب بقا) अ फा पु—आबे हयात, मदिरा।
आबे बस्त (اب بسته) फा पु—शीशा, काँच जमा हुआ पानी।
आबे मर्वारीद (اب مروارید) अ फा पु—मोतियाबिन्द का रोग।
आबे मुंजमिद (اب منجمد) अ फा पु—जमा हुआ पानी बिल्लूर का पियाला।
आबे मुर्द (اب مرده) फा पु—ठहरा हुआ पानी जो पानी बहता न हो स्थिर जल।
आबे रवाँ (آب رواں) फा पु—बहता हुआ पानी जारी पानी एक बारीक मलमल।
आबे शोर (اب سور) फा पु—खारा पानी खारी पानी आसमान।
आबे सियाह (اب سیاه) फा पु—गहरा पानी मोतियाबिंद।
आबे हयात (اب حیات) फा अ पु—अमृतजल, सुधा।
आबे हराम (اب حرام) फा अ पु—मदिरा शराब।
आबे हवाँ (ابحیواں) फा अ पु—दे आब हयात।
आबोगिल (آب وگل) फा पु—मनुष्य का ढाँचा।
आबोताब (ابوتاب) फा स्त्री—चमक-दमक ठाठ-बाट शानोशौकत धूमधाम।
आबोदान (ابودانه) फा पु—दाना पानी अन्न-जल जीविका रोजी।
आबोरोगन (ابوروغن) फा पु—बातचीत में नमक मिर्च, चिकना चुपड़ा बातें।
आबोहवा (ابوهوا) फा अ स्त्री—स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से किसी स्थान का पानी और वायु जलवायु।
आबनूस (ابنوس) फा पु—एक प्रसिद्ध काली लकड़ी जो बहुत भारी होती है।
आम (امه) फा स्त्री—दवात मसिपात्र।
आम (عام) अ वि—सर्वव्यापक हमगार सर्वसाधारण, आम लोग जो मुख्य न हो गौण।
आमद (امده) फा वि—आया हुआ आगत।
आमद (آمد) फा स्त्री—आगमन आमद आय, आमदनी वह विचार जो मस्तिष्क में बिना सोचे आया हो।
आमद आमद (آمدآمد) फा स्त्री—किसी के आगमन की धूमधाम किसी के आने की खबर।
आमदनी (امدنی) फा स्त्री—आय, आमद कमाई उत्पत्ति पैदावार।
आमदोखर्च (امدوخرچ) फा पु—आमदनी और खर्च आय-व्यय।
आमदोरफ्त (امدورفت) फा स्त्री—आना-जाना यातायात।
आमा (اعمی) अ वि—अंधा नेत्रहीन अंध।
आमाक (اعماق) अ पु—उमुक का बहु गहराइयाँ चौड़ाइयाँ और ऊँचाइयाँ या गहराइयाँ।
आमाज (اماج) फा पु—निशाना लक्ष्य।
आमाजगाह (اماجگاه) फा स्त्री—वह स्थान जिसे ताककर उस पर निशान लगाया जाय लक्ष्यस्थान हरफ 'विस्मत मेरे सिवा तुझे कोई मिला नहीं—आमाजगाहे-जौर बनाया किया मुझे।
आमाद (اماده) फा वि—तत्पर, उद्यत, तैयार अनुमत, राजी।
आमादगी (آمادگی) फा स्त्री—तत्परता, मुस्तैदी, अनुमति रजामंदी।
आमाम (اعمام) अ पु—अम का बहु चचा लोग।
आमार (اعمار) अ स्त्री—उम्र का बहु उम्र अवस्थाएँ।
आमाल (امال) अ स्त्री—अमल का बहु आशाएँ उम्मीदें।
आमाल (اعمال) अ पु—अमल का बहु काम, काम-समूह कृतियाँ कर्म-समूह आचार-व्यवहार जप-तप विद वजीफा आदि।
आमालनाम (اعمالنامه) अ फा पु—वह पत्र जिस पर मनुष्य के अच्छे बुरे कर्म लिखे जाते हैं वह कागज जिसमें सरकारी नौकरों की कारगुजारियाँ या कर्म आमालियाँ लिखी जाती हैं।
आमास (اماس) फा पु—सूजन शोथ।
आमास जद (اماس زده) फा वि—सूजा हुआ, शोथित।
आमासिंद (اماسنده) फा वि—सूजनेवाला।
आमासीद (اماسیده) फा वि—सूजा हुआ।
आमिन (امنه) अ स्त्री—निर्भय स्त्री निडर स्त्री हजरत मुहम्मद साहब की श्री माताजी का नाम।
आमिन (امن) अ वि—निर्भय निडर बेखौफ सुरक्षित, महफूज।
आमियान (عامیانه) अ फा वि—आम लोगों जैसा बाजारिया जैसा, अश्लील अशिष्ट नाशाइस्ता।

आमिरः (عامره) अ. पु –भरा हुआ, परिपूर्ण, आवाद करनेवाला, वसानेवाला।
आमिर (عامر) अ वि –वसानेवाला, आवाद करनेवाला, आवाद, वसा हुआ, भरा हुआ, परिपूर्ण।
आमिर (آمر) अ वि –हुक्म करनेवाला, शासक, हाकिम, डिक्टेटर, अधिनायक।
आमिरीयत (آمریت) अ स्त्री –शासन, हुकूमत, शख्सी हुकूमत, डिक्टेटरी, अधिनायकता।
आमिलः (عامله) अ स्त्री –काम करनेवाली स्त्री, कार्यकारिणी, विपय निर्धारिणी, मज्लिसे आमिला।
आमिल (عامل) अ वि –शासक, हुक्मराँ, पदाधिकारी, हाकिम, जो मिस्मिरेजम आदि का अमल करता हो, जो भूतप्रेत या जिन और परी उतारता हो।
आमिल (آمل) अ. वि –इच्छुक, ख्वाहिशमद, आशा करनेवाला, उम्मेदवार।
आमी (عامی) अ वि –सामान्य व्यक्ति, साधारण जन, वाज़ारी आदमी, लोफर, नीच।
आमीन (آمین) अ अव्य –एवमस्तु, तथास्तु।
आमुख्तः (آموخته) फा पु –दे 'आमोख्त', यह भी शुद्ध है।
आमुर्ज़गार (آمرزگار) फा वि –वख्शनेवाला, मोक्ष देनेवाला अर्थात् ईश्वर।
आमुर्ज़िदः (آمرزنده) फा वि –मोक्ष देनेवाला, वख्शनेवाला।
आमुर्ज़िश (آمرزش) फा स्त्री –मोक्ष, कल्याण, नजात, वख्शिश।
आमुर्ज़ीदः (آمرزیده) फा. वि –मोक्षप्राप्त, वख्शा हुआ, नजात पाया हुआ।
आमुर्ज़ीदनी (آمرزیدنی) फा वि –मोक्ष प्राप्त होने के योग्य, नजात पाने के काविल।
आमुलः (آمله) अ पु –आँवला, एक फल, आमलक।
आमुल (آمل) फा. पु –'माजिदरान' का एक नगर।
आमूदः (آموده) फा. वि –भरा हुआ, पूर्ण।
आमूदनी (آمودنی) फा वि.–भरने योग्य।
आमून (آمون) फा पु –ईरान और तूरान के वीच की एक नदी।
आमेख्तः (آمیخته) फा वि.–मिला हुआ, मिलाया हुआ, कृत्रिम, मिलावट किया हुआ।
आमेख्तनी (آمیختنی) फा वि.–मिलाने योग्य; मिलने योग्य।
आमेग़ (آمیغ) फा प्रत्य –दे 'आमेज'।
आमेज़ (آمیز) फा. प्रत्य –मिलनेवाला, मिलानेवाला, जैसे, 'रग आमेज'—रग मिलानेवाला।
आमेज़गार (آمیزگار) फा वि –सुशील, खुश अख्लाक।
आमेज़िदः (آمیزنده) फा वि –मिलनेवाला, मिलानेवाला।
आमेज़िश (آمیزش) फा स्त्री –मिलावट, उपाधि, मिलौनी।
आमेज़ीदः (آمیزیده) फा वि –मिलानेवाला।
आमोख्तः (آموخته) फा पु –पढे हुए पाठ को फिर से पढना, उद्धरणी; (वि.) पठित, पढा हुआ, सीखा हुआ।
आमोख्तनी (آموختنی) फा वि –सीखने योग्य, सिखाने योग्य, पढने योग्य, पढ़ाने योग्य।
आमोज़गार (آموزگار) फा वि –शिक्षक, सिखानेवाला; शिक्षार्थी, सीखनेवाला।
आमोज़िदः (آموزنده) फा स्त्री –सिखानेवाला, सीखनेवाला।
आमोज़िश (آموزش) फा स्त्री –शिक्षण, सिखाई, सीख।
आमोज़ीदः (آموزیده) फा वि –सीखा हुआ, सिखाया हुआ।
आमोज़ीदनी (آموزیدنی) फा वि –सीखने योग्य, सिखाने योग्य।
आम्मः (عامه) अ वि –सार्वजनिक, अवामी, सव जनता की, जैसे 'राए आम्म' अर्थात् सारी जनता का मत।
आम्मतुन्नास (عامة الناس) अ पु –सर्वसाधारण, जनसाधारण, आम जनता, अवाम।
आम्मतुलख़लाइक़ (عامة الخلائق) अ पु –सर्वसाधारण, अवाम, आम जनता।
आयंदः (آینده) फा वि –आनेवाला, आगामी, भविष्य, मुस्तक्विल, आगे चलकर, भविष्य मे।
आयंदगानो रविंदगाँ (آیندگان و روندگاں) फा पु –आनेजानेवाले लोग।
आयत (آیت) अ स्त्री –चिह्न, निशान, कुरान का एक वाक्य, उस वाक्य के अत पर वना हुआ गोल चिह्न।
आयत (اعیط) अ वि –लवी गर्दनवाला।
आयद (عائد) अ वि –दे 'आइद', 'आयद' अशुद्ध है।
आ'यन (اعین) अ वि –वडी-वडी आँखो वाला।
आया (آیا) फा अव्य –एक प्रश्नवाचक शब्द, क्या, किम्, जैसे 'आया आप वहाँ जायँगे', क्या आप वहाँ जायँगे।
आयात (آیات) अ स्त्री –'आयत' का वहु, कुरान की आयते।
आयान (آیان) फा पु –आनेवाला, आगमनकर्ता।
आ'यान (اعیان) अ पु –'ऐन' का वहु, वड़े-वड़े लोग, प्रतिष्ठित जन, महान् व्यक्ति।
आयानी (آیانی) फा. स्त्री –'शिष्टता, सभ्यता, सुशीलता, शाइस्तगी; सुदरता, उत्तमता, अच्छाई।

आंदाना (ایمانی) अ वि–ईमान एक मंबार का।
आयुन (ایمن) अ स्त्री–ऐन का बहु उर्ते।
आर (عار) अ पु–लज्जा, लाज शर्म, घृणा, नफ़रत चिन दाग़ ऐब।
आरज (عارج) अ वि–लँगड़ा, पंगु।
आरज़्म (آرزم) फा स्त्री–युद्ध समर लड़ाई जंग।
आरश (آرش) फा पु–ईरान का एक पहलवान जो धनुर्विद्या में अत्यंत निपुण था।
आरा (آرا) फा प्रत्य–सँवारनेवाला सजानेवाला जैसे 'जहा आरा'—संसार का सजाने या सँवारनेवाला अथवा वाली।
आरा (آرا) अ स्त्री–'राय' का बहु राये मत।
आराइश (آرایش) फा वि–सँवारनेवाला सजानेवाला।
आराइश (آرایش) फा स्त्री–सजावट सुसज्जा।
आराज (آراج) फा पु–एक ईरानी महीने का पच्चीसवाँ तारीख।
आराफ़ (اعراف) अ पु–स्वर्ग और नरक के बीच का स्थान।
आराब (اعراب) अ पु–अरब लोग जो जंगल में इधर उधर घूम-फिरकर जीवन व्यतीत करते हैं बद्दू लोग। (यह शब्द बहुवचन है परंतु इसका एकवचन नहीं है।)
आराबी (اعرابی) अ पु–अरब जाति का व्यक्ति बद्दू।
आराम (آرام) अ पु–'राम' का बहु हिरन के बच्चे।
आराम (آرام) फा पु–सुख चैन ऐश आनंद हर्ष सुख सुस्ती आसानी।
आरामकुर्सी (آرام کرسی) फा स्त्री–बड़ी कुर्सी जिस पर लेट सकते हैं सुखकुर्सी।
आरामख्वाह (آرامخواه) फा वि–सुख चाहनेवाला, काम धंधा से जी चुरानेवाला।
आरामगाह (آرامگاه) फा स्त्री–ठहरने और आराम करने का स्थान, विश्रामालय शयनागार, सोने का स्थान ख्वाबगाह।
आरामतलब (آرام طلب) फा अ वि–आराम चाहने वाला सुखेच्छु आलसी, काहिल।
आरामतलबी (آرام طلبی) फा अ स्त्री–सुख की चाह काहिली आलस्य पड़े पड़े खाना और काम से जी चुराना।
आरामदेह (آرامده) फा वि–सुख देनेवाला आराम पहुँचानेवाला सुखदायी आराम पहुँचानेवाली वस्तु या काम।
आरामरसाँ (آرامرسان) फा वि–'आरामदेह'।
आरामरसाँ (آرامرسان) फा वि–'आरामदेह'।
आरामिश (آرامش) फा वि–आराम करनेवाला।
आरामिश (آرامش) फा स्त्री–सुख, चैन, राहत।

आरामीदा (آرامیده) फा वि–आराम किया हुआ जिसने आराम किया हो।
आरामेजाँ (آرام جان) फा पु–प्राणों का सुख प्रेमिका प्रेम।
आराम (آرام) अ पु–'अरम' का बहु, बहुत से अरम।
आरास (اعراس) अ पु–'उर्स' या 'उस्स' का बहु बहुत से उर्स।
आरास्ता (آراسته) फा वि–सुसज्जित, सजा हुआ (घर आदि) सुसज्जित आभूषित जेवर आदि से सजी हुई (स्त्री)।
आरास्ता मू (آراسته مو) फा वि–बाल सँवारे हुए, चोटी आदि गुँथे हुए।
आरास्तगी (آراستگی) फा स्त्री–घर आदि की सजावट स्त्री आदि का शृंगार क्रम तर्तीब।
आरिज़ (عارض) अ पु–रोग बीमारी व्याधि आमय व्यसन लत।
आरिज़ (عارض) अ पु–कपोल, गाल, रुख़सार बाधक रुकावट डालनेवाला।
आरिज (عارج) अ वि–ऊपर को ओर जानेवाला।
आरिज़ी (عارضی) अ वि–अस्थायी, ग़ैर मुस्तक़िल, क्षणिक थोड़ी देर का।
आरिफ़ा (عارفه) अ स्त्री–आरिफ़ स्त्री, ब्रह्मज्ञानी पहचाननेवाली।
आरिफ़ (عارف) अ वि–ज्ञाता जाननेवाला, परिचित वाक़िफ़ पहचाना हुआ आगाह, सूफ़ी।
आरिफ़ बिल्लाह (عارف باللہ) अ वि–ईश्वर का पहचानने वाला ब्रह्मज्ञानी सुन्न रखाश, ऋषि मुनि वली।
आरिफ़ाना (عارفانه) अ फा वि–आरिफ़ जैसा, सूफ़ियों जैसा ब्रह्मज्ञानियों जैसा ऋषियों जैसा।
आरियत (عاریت) अ स्त्री–अस्थायित्व नापाइदारी किसी वस्तु का माँगा हुआ होना।
आरियतन (عاریتاً) अ वि–थोड़ी देर के लिए माँगा हुआ।
आरियती (عاریتی) अ वि–अस्थायी अल्पकालिक, आरिज़ी माँगी हुई वस्तु।
आरी (عاری) अ वि–नग्न नंगा, वंचित महरूम एक का एक प्रकार जो सादा-सादा होता है और जिसमें अलंकार आदि कुछ नहीं होते रोजमर्रा की नस्र।
आरे (آرے) फा स्त्री–हाँ जी हाँ।
आरोग़ (آروغ) फा स्त्री–डकार, उग्गार धूम।
आरोग़िदा (آروغیده) फा वि–डकार लेनेवाला।
आरोग़ तुरुश (آروغ ترش) फा स्त्री–खट्टी डकार, अम्ली उद्गार, अम्लिका।

आर्ज़ू (آرزو) फा. स्त्री –इच्छा, ख़ाहिश, उत्कंठा, इश्तियाक; आश्रय, सहारा; मनोकामना, दिली मुराद; आशा, उम्मीद।

आर्ज़ूए ख़ाम (آرزوے خام) फा. स्त्री –वह इच्छा जो पूरी न हो सके।

आर्ज़ूए मुर्दः (آرزوے مردہ) फा स्त्री –मरी हुई आस, बुझी हुई आस, मृतेच्छा।

आर्ज़ूए मुलाकात (آرزوے ملاقات) फा अ. स्त्री.–मिलने की इच्छा; प्रेमिका से मिलन की इच्छा।

आर्ज़ूए वस्ल (آرزوے وصل) फा अ. स्त्री.–प्रेमिका से प्रेमी के मिलने की इच्छा।

आर्ज़ूगाह (آرزوگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कोई मनोकामना सिद्ध होने की आशा हो।

आर्ज़ूमंद (آرزومند) फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद।

आर्ज़ूमंदी (آرزومندی) फा स्त्री –इच्छा, अभिलाषा।

आर्द (آرد) फा पु –आटा, पिसा हुआ अन्न, चून।

आर्वी (آروی) फा पु –शफ्तालू, एक फल।

आलंग (آلنگ) तु पु –चरागाह, हरियाली का मैदान, सब्जाज़ार।

आलः (آلہ) अ पु –उपकरण, औजार।

आल (آل) अ स्त्री –सतान, औलाद, बाल-बच्चे, वंशज, कुलवाले।

आल (آل) तु वि –लाल, सुर्ख़, रक्त।

आलएकार (آلۂکار) अ फा पु –काम करने का यंत्र, वह व्यक्ति जो किसी कार्य-सिद्धि मे माध्यम हो, वह व्यक्ति जिससे हर काम लिया जा सके।

आलए कुशावर्ज़ी (آلۂ کشاورزی) अ. फा पु.–खेती के औजार।

आलए तनासुल (آلۂ تناسل) अ. पु –शिश्न, लिंग।

आलए नक़्बज़नी (آلۂ نقب زنی) अ फा पु –चोरो का सेंध लगाने का यंत्र, सावर, सवरी।

आलए मोहलिक (آلۂ مہلک) अ पु –वह हथियार जिससे हत्या हो सके, प्राणघातक शस्त्र।

आलए हर्ब (آلۂ حرب) अ पु –लड़ाई का हथियार, युद्धास्त्र।

आलची (آلچی) तु पु –लेनेवाला, वसूल करनेवाला।

आलत (آلت) अ पु –शिश्न, लिग।

आल तम्गा (آل تمغا) तु. पु –किसी को पुश्त दर पुश्त के लिए कोई जागीर दे देना।

आ'लन (اعلن) अ वि.–बहुत अधिक स्पष्ट।

आ'लम (اعلم) अ. वि.–बहुत अधिक जाननेवाला, सबसे अधिक जाननेवाला।

आलम (عالم) अ. पु –जगत्, ससार, दुनिया, दशा, हालत।

आलम (آلم) अ. वि –बहुत अधिक कष्ट देनेवाला।

आलम अफ़्रोज़ (عالم افروز) अ. फा. वि –ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम आरा (عالم آرا) अ. फा. वि.–ससार को सुसज्जित और शृगारित करनेवाला।

आलम आराई (عالم آرائی) अ फा. स्त्री –ससार की सजावट और शृगार।

आलम आश्कार (عالم آشکار) अ. फा. वि –विश्व-विदित, ससार भर मे जाहिर।

आलम आश्कारा (عالم آشکارا) अ. फा वि –दे. 'आलम आश्कार'।

आलम आश्ना (عالم آشنا) अ फा. वि –सारे ससार से परिचित, सब का मित्र; जिससे सारा ससार परिचित हो, सर्वप्रिय।

आलम आश्नाई (عالم آشنائی) अ. फा स्त्री –सारे ससार का परिचित होना, सारे संसार से परिचित होना।

आलमगीर (عالمگیر) अ फा वि –विश्वव्यापी, ससार मे फैला हुआ; विश्वविजयी, ससार को जीतनेवाला।

आलमताब (عالمتاب) अ. फा वि.–सारे ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम फरेब (عالم فریب) अ फा. वि.–विश्वमोहन, सारे ससार को मुग्ध करनेवाला।

आलमी (عالمی) अ वि –सासारिक, दुनियावी, ससार का निवासी, पूर्ण संसार का।

आलमे अज्साम (عالم اجسام) अ पु –मर्त्यलोक, भूलोक, दुनिया।

आलमे अर्वाह (عالم ارواح) अ पु –आत्माओ के रहने का लोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे अलवी (عالم علوی) अ पु –परलोक, स्वर्ग।

आलमे अस्बाब (عالم اسباب) अ पु –जहाँ हर कार्य के लिए कोई कारण अवश्य हो, जगत्, दुनिया।

आलमे आब (عالم آب) अ फा पु –वह स्थान जहाँ पानी ही पानी हो, मद्यपान की अवस्था।

आलमे कुदुस (عالم قدس) अ. पु –स्वर्ग, सुरलोक।

आलमे कौनोफसाद (عالم کون وفساد) अ पु –वह जगत् जहाँ चीजें पैदा होती और मिटती रहे, अर्थात् ससार।

आलमे खयाल (عالم خیال) अ पु –कल्पना-जगत्, ऐसी दुनिया जिसे केवल तसव्वुर ने बनाया हो।

आलमे खाक (عالم خاک) अ फा पु—भूलोक मत्यलोक दुनिया।
आलमे ख्वाब (عالم خواب) अ फा पु—स्वप्न-जगत वह स्थान जहा मनुष्य स्वप्न में पहुँच जाता है स्वप्न की अवस्था नींद की हालत।
आलमे गैब (عالم غیب) अ फा पु—परोक्ष लोक वह जगत जो हम दिखाई नही पडता, अदश्य जगत।
आलमे जबरुत (عالم جبروت) अ पु—ब्रह्मलोक आलमे कुद्स वह लोक जहा ईश्वर ही ईश्वर होता है।
आलमे जावेद (عالم جاوید) अ फा पु—नित्यलोक जहाँ हमेशा रहना पडे स्वर्ग।
आलमे जाहिर (عالم ظاہر) अ पु—वह जगत जो दष्टिगत रहता है ससार दुनिया।
आलमे तसव्वुर (عالم تصور) अ पु—वह ससार जहा प्रेमी अपनी प्रेमिका के ध्यान म पहुँच जाता है।
आलमे तस्वीर (عالم تصویر) अ पु—स्तब्धता और निश्चष्टता की अवस्था।
आलमे नासूत (عالم ناسوت) अ पु—मत्यलोक मनुष्य लोक इहलोक दुनिया।
आलमे फना (عالم فنا) अ पु—दे आलमे फानी।
आलमे फानी (عالم فانی) अ पु—नश्वर जगत वह लोक जिस नाश होता है अर्थात दुनिया।
आलमे बका (عالم بقا) अ पु—वह लोक जिसका कभी नाश नही होता देवलोक परलोक स्वर्ग।
आलमे बर्जख (عالم برزخ) अ पु—वह लोक जो स्वर्ग और नरक के बीच म है।
आलमे बाकी (عالم باقی) अ पु—दे आलमे बका।
आलमे बाला (عالم بالا) अ पु—परलोक, देवलोक आकाश आसमान यमलोक अम्म।
आलमे मल्कूत (عالم ملکوت) अ पु—देवलोक जहा केवल फिरिश्ते रहते ह।
आलमे मा'ना (عالم معنی) अ पु—वह अवस्था जिसका अनुभव ■ किया जा सके।
आलमे मिसाल (عالم مثال) अ पु—वह जगत जो परलोक के अन्तगत है और जिसम ससार की हर वस्तु ज्यों की त्यों मौजूद है।
आलमे रोया (عالم رویا) अ पु—दे आलमे ख्वाब।
आलमे लाहूत (عالم لاہوت) अ पु—ब्रह्मलोक जहाँ ईश्वर के सिवा और कुछ नही होता।
आलमे लौहो क़लम (عالم لوح و قلم) अ पु—अर्श वह लोक जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।
आलमे वुजूद (عالم وجود) अ पु—जीवनावस्था अस्तित्व।
आलमे शहूद (عالم شہود) अ पु—वह जगत जिसमें हम सब कुछ देख सक, मत्यलोक, दुनिया।
आलमे सिफ्ली (عالم سفلی) अ पु—तुच्छ जगत, अधम लोक अर्थात ससार दुनिया।
आलमे सुग्रा (عالم صغری) अ पु—मनुष्य का शरीर जिसमें सूक्ष्म रूप म वह सब कुछ है जो ससार म है।
आलमे हयूलानी (عالم ہیولانی) अ पु—जगत ससार मत्यलोक दुनिया।
आ'ला (اعلی) अ वि—सवम अच्छा, सवश्रेष्ठ उत्तम श्रेष्ठ, बढिया।
आलाइश (آلائش) फा स्त्री—पेट के अदर का मल, पाप गुनाह।
आलाईद (آلودہ) फा वि—लथडा हुआ, सना हुआ।
आलात (آلات) अ पु—आल का बहु औजार, उपकरण हथियार अस्त्र शस्त्र।
आलाते जग (آلات جنگ) अ फा—लडाई के हथियार, युद्धास्त्र आयुध।
आलाते हब (آلات حرب) अ पु—दे आलाते जग।
आलाफ (آلاف) अ पु—अल्फ का बहु हजारों।
आलाफ (اعلاف) अ पु—अलफ का बहु हरी घास।
आलाम (آلام) अ पु—अलम का बहु कष्ट-समूह हर प्रकार के दुख आपत्तियाँ मुसीबतें।
आ'लाम (اعلام) अ पु—अलम का बहु सनाएँ नामावली।
आलामे रोजगार (آلام روزگار) अ फा पु—सासारिक कष्ट दुनिया की आपत्तिया।
आलिफ (آلف) अ वि—स्नेह करनेवाला।
आलिमा (عالمہ) अ स्त्री—विद्वान स्त्री विदुषी।
आलिम (عالم) अ वि—विद्वान पडित, शास्त्रविद ज्ञाता, जाननेवाला।
आलिम (آلم) ■ वि—कष्ट देनेवाला दु खदायी।
आलिमाना (عالمانہ) अ फा वि—विद्वानों जसा आलिमों की तरह।
आलिमुलगैब (عالم الغیب) अ वि—अन्तर्यामी परोक्षवत्ता, गैब की बात जाननेवाला।
आलिमे कुल (عالم کل) अ वि—सब कुछ जाननेवाला, सवज्ञ सवविद।
आलिमे गैब (عالم غیب) अ वि—दे आलिमुल गैब।
आलिमे बाअमल (عالم باعمل) अ पु—ऐसा विद्वान जिसका आचार व्यवहार विद्वानों जसा हो उसने जो कुछ पढा हो उसी के अनुसार उसका आचरण भी हो।

आलिमे वे अमल (عالم بےعمل) अ फा पु —ऐसा विद्वान् जिसका आचरण विद्वानो से विरुद्ध हो, उसका आचरण पढे हुए से प्रतिकूल हो।
आली (عالی) अ वि.—उच्च, बलद, श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया, विशाल, बडा; महान्, अजीम।
आलीक़द्र (عالی‌قدر) अ वि —बहुत बडे मर्तबेवाला, महामहिम।
आली खानदान (عالی خاندان) अ फा वि —बहुत ऊँचे वशवाला, उच्चकुल, कुलीनतम।
आली गुहर (عالی گہر) अ फा वि —दे. 'आली खानदान'।
आली जनाव (عالی جناب) अ. फा वि —अत्रभवान्!, जनावे आली!, महामान्य, आलीजाह।
आली जर्फ़ (عالی ظرف) अ वि —बडे दिलवाला, जो प्रत्येक की बुरी-भली बाते सुनकर सहन करे, उच्चाशय, विशाल-हृदय, उदारमना।
आलीजाह (عالی‌جاہ) अ वि —बहुत बडे रुत्वेवाला, महामान्य, बडे आदमियो का सबोधन-वाक्य।
आलीतवार (عالی‌تبار) अ फा वि —दे 'आली खानदान'।
आली दिमाग़ (عالی دماغ) अ. वि —बड़ी सूझ-बूझवाला, महाप्रज्ञ, उच्चबुद्धि, उदारधी।
आलीनजर (عالی نظر) अ वि —उच्च दृष्टि, बलद नजर, उदाराशय, फराख दिल।
आली नसव (عالی نسب) अ वि —दे. 'आली खानदान'।
आली मकाम (عالی‌مقام) अ. वि.—दे आलीकद्र।
आली मनिश (عالی منش) अ फा वि —दे 'आली जर्फ़'।
आली मर्तबत (عالی مرتبت) अ वि —दे 'आलीकद्र'।
आली वक़ार (عالی‌وقار) अ वि —दे 'आली मर्तबत'।
आलीशान (عالی‌شان) अ वि —महान्, भव्य, अजीमुश्शान, बहुत बडे मर्तबेवाला, महामान्य।
आली हिम्मत (عالی ہمت) अ वि —बडे हौसलेवाला, दिलावर, उच्चोत्साही, महासाहसी।
आलीहौसलः (عالی حوصلہ) अ वि —दे 'आली हिम्मत'।
आलुफ्त: (آلفتہ) फा वि —निरकुश, स्वच्छद, वेबाक।
आलू (آلو) फा पु —आलूवुखारा।
आलूचः (آلوچہ) फा पु —एक मीठा मेवा।
आलूदः (آلودہ) फा वि —लिप्त, सना हुआ।
आलूदः दामन (آلودہ دامن) फा वि —अपराधी, दोषी, जिसका किसी जुर्म मे हाथ हो।
आलूद (آلود) फा वि —दे 'आलूद'।
अलूदए इस्याँ (آلودۂ عصیاں) फा अ वि —पाप से भरा हुआ, पापमय।
आलूदए मा'सियत (آلودۂ معصیت) फा. अ वि —दे. 'आलूदए इस्याँ'।
आलूदगी (آلودگی) फा. स्त्री —अपवित्रता, नापाकी, किसी जुर्म मे शुमूलियत, पापलिप्तता, अपराध।
आलू वुखारा (آلوبخارا) फा. पु —एक मशहूर मेवा, आरुक।
आले अवा (آل عبا) अ पु —हज़रत फातिमा, हज़रत अली और इमाम हसन और हुसैन।
आवंग (آونگ) फा पु —अलगनी।
आवंद (آوند) फा पु.—वरतन, जर्फ़।
आव (آو) फा पु —पानी, आव।
आवख (آوخ) फा अव्य.—आह, हाय, उफ, वाह, खूब, अजीव, अद्भुत।
आ'वज (اعوج) अ वि.—टेढा, वक्र।
आ'वर (اعور) अ वि —सौतेला भाई, काना, यक चश्म, एक आँत का नाम, कौआ, काक।
आवरिंदः (آورندہ) फा वि.—लानेवाला, आक्रमण करनेवाला, हम्लाआवर।
आवर्दः (آوردہ) फा वि —लाया हुआ, (प्र.) किसी का खास व्यक्ति, किसी का सिफारिशी, किसी का दलाल; एजेंट।
आवर्द (آورد) फा स्त्री —'आमद' का उलटा, वह विचार जो कविता मे सोच-साच कर लाया गया हो, मस्तिष्क मे तुरत न आया हो।
आवर्दनी (آوردنی) फा वि —लाने योग्य।
आवा (آوا) फा स्त्री —'आवाज' का लघु, स्वर, शब्द, नाद, आवाज।
आवाजः (آوازہ) फा. पु —यशोध्वनि, कीर्ति की धूम, शुहरत, नामवरी।
आवाज (آواز) फा. स्त्री —स्वर, शब्द, नाद, ध्वनि, बोली।
आवाजे पा (آواز پا) फा स्त्री —पाँव की आहट, पगध्वनि।
आवाजे वाजगश्त (آواز بازگشت) फा स्त्री —प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, टकराकर लौटी हुई आवाज।
आवान (آوان) अ पु —'आन' का वहु वहुत से काल।
आ'वान (اعوان) अ पु —'औन' का वहु सहायकगण, मदद करनेवाले।
आवारः (آوارہ) फा वि —वदचलन, कदाचारी, दुश्चरित्र, वेकार घूमनेवाला, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, जिसका किसी एक स्थान पर ठिकाना न हो, सचारजीवी।
आवारः गर्द (آوارہ گرد) फा वि —व्यर्थ मे इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमणशील।

आवार गर्दी (آوارہ گردی) फा स्त्री—व्यर्थ में इधर-उधर घूमना।
आवार मनिश (آوارہ منش) फा वि—चञ्चलमन, कुमार्गी, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला आवारा गर्द।
आवार मिज़ाज (آوارہ مزاج) फा अ वि—दे 'आवार मनिश' दुष्प्रवृत्ति, दुश्शील।
आवार मिज़ाजी (آوارہ مزاجی) फा स्त्री—बदचलनी, व्यर्थ भ्रमण, आवारागर्दी।
आवार वतन (آوارہ وطن) फा अ वि—जो अपना घर-बार छोड़कर परदेश में मारा फिर रहा हो, प्रवासी, परदेशी।
आवारगी (آوارگی) फा स्त्री—बेकार इधर-उधर फिरना दुराचार बदचलनी।
आविन (اون) अ पु—अवान का बहु, समय और काल।
आवेख्त (آویخت) फा वि—लटका हुआ लटकाया हुआ।
आवेख्तनी (آویختنی) फा वि—लटकने योग्य लटकाने योग्य।
आवेज़ (آویزہ) फा पु—कान का बुंदा लोलक लटकन।
आवेज़ (آویز) फा प्रत्य—लटकन या लटकानेवाला जैसे दिलआवेज़ दिल को लटकानेवाला अर्थात सुन्दर।
आवेज़ए गोश (آویزۂ گوش) फा पु—कान का लटकन बुंदा लोलक।
आवेज़िंद (آویزندہ) फा वि—लिपटनेवाला, लटकनेवाला लिपटानेवाला, लटकानेवाला।
आवेज़िश (آویزش) फा स्त्री—लाग डाट, ऊपर-ऊपरी गुत्थमगुत्था हाथापाई युद्ध लड़ाई।
आश (آش) फा पु—वह पतला खाद्य पदार्थ जो पिया जा सके पेय।
आशपज़ (آش پز) फा वि—रसोइया बावर्ची।
आ'शा (اعشیٰ) अ वि—रतौंधी का रोगी, राज्यध शबकोर।
आशाम (آشام) फा पु—चावल की पीच भोजन खुराक खीर (प्रत्य) पीनेवाला जैसे मय आशाम शराब पीनेवाला मद्यप।
आशामिंद (آشامندہ) फा वि—पीनेवाला।
आशामीद (آشامیدہ) फा वि—पिया हुआ, जो पिया गया हो।
आशामीदनी (آشامیدنی) फा वि—पीने योग्य पेय।
आशिक़ (عاشق) अ वि—प्रेमी अनुरागी, मुहिब व्यसनी रसी।
आशिक़ मिज़ाज (عاشق مزاج) अ वि—जिसके स्वभाव में प्रेम अधिक हो, और जो हर सुंदर व्यक्ति से प्रेम करने के लिए तत्पर रहता हो प्रेमप्रवण।
आशिक़ान (عاشقانہ) अ फा वि—प्रेमियों जैसा, प्रेम पूर्ण, प्रेम के भावों से भरा हुआ।
आशिक़ी (عاشقی) अ स्त्री—प्रेम, अनुराग स्नेह, चाहत, इश्क़।
आशिर (عاشر) अ वि—दसवाँ, दसवाँ भाग।
आशुफ्त (آشفتہ) फा वि—अस्त-व्यस्त तितर बितर आतुर व्याकुल परीशान।
आशुफ्त ख़याल (آشفتہ خیال) फा अ वि—जिसके विचार अस्त-व्यस्त हों, व्यस्तविचारवान प्रेमी, आशिक़।
आशुफ्त ख़ातिर (آشفتہ خاطر) फा अ वि—जिसका मन एकाग्र न हो उद्विग्नचित्त, जिसका दिल परेशान हो, प्रेमी।
आशुफ्त तब्अ (آشفتہ طبع) फा अ वि—दे 'आशुफ्त ख़ातिर'।
आशुफ्त नवा (آشفتہ نوا) फा वि—व्यर्थ की बकवास करनेवाला, अनर्थ भाषी, प्रेमी।
आशुफ्त बयाँ (آشفتہ بیاں) फा अ वि—दे 'आशुफ्त नवा'।
आशुफ्त मिज़ाज (آشفتہ مزاج) फा अ वि—जिसका चित्त परेशान हो, उद्विग्नचित्त जिसका मन एकाग्र न हो, प्रेमी।
आशुफ्त मू (آشفتہ مو) फा वि—बाल बिखेरे हुए, शोक ग्रस्त रंजीदा, प्रेमी।
आशुफ्त रोज़गार (آشفتہ روزگار) फा वि—समय जिसके प्रतिकूल हो दुखी, कालचक्र-ग्रस्त।
आशुफ्त सर (آشفتہ سر) फा वि—जिसका सिर फिर गया हो विक्षिप्त, पागल प्रेमी।
आशुफ्त हाल (آشفتہ حال) फा वि—कालचक्र-ग्रस्त, दुर्भाग्य मुसीबत में फँसा हुआ प्रेमी।
आशुफ्तगी (آشفتگی) फा स्त्री—उद्विग्नता, व्यग्रता, परेशानी बौखलाहट, बदहवासी।
आशूर (عاشور) अ पु—दे आशूरा।
आशूरा (عاشورا) अ पु—मुहर्रम की दसवीं तारीख़।
आशोब (آشوب) फा पु—हलचल, उथल-पुथल उपद्रव बलवा, विप्लव, इन्क़िलाब।
आशोब कद (آشوب کدہ) फा पु—दे आशोब गाह।
आशोबगाह (آشوبگاہ) फा स्त्री—हलचल और झगड़े फसाद का स्थान, अर्थात् संसार।
आशोबिंद (آشوبندہ) फा वि—परेशान होनेवाला, मातहत होनेवाला।
आशोबीद (آشوبیدہ) फा वि—उद्विग्न व्याकुल परेशान मुग्ध आसक्त, फ़रेफ्त।

आशोबे आगही (آشوب آگہی) फा. पु –माया-जाल, मोह-बधन, संसार के झगड़े।
आशोबे चश्म (آشوب چشم) फा पुं –आँखे दुखने का रोग, नेत्राभिष्यंद।
आशोबेदह्र (آشوب دهر) फा. अ पुं.–सांसारिक उथल-पुथल, इन्किलाबात ज़माना।
आशोबे रोज़गार (آشوب روزگار) फा. पु –दे. 'आशोबे दह्र' भाग्यचक्र की उथल-पुथल।
आशोरदः (آشورده) फा वि –गूँधा हुआ, मिलाया हुआ, ख़मीर किया हुआ।
आश्कार (آشکار) फा. वि –दे 'आश्कारा'।
आश्कारा (آشکارا) फा वि –व्यक्त, प्रकट, जाहिर, स्पष्ट; साफ।
आश्ती (آشتی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, शाति, सुकून, सधि, सुलह।
आश्तीकोश (آشتی کوش) फा वि.–मित्रता के लिए कोशिश करनेवाला, शान्ति के लिए यत्नवान्।
आश्ती ख़ू (آشتی خو) फा वि –जो स्वभावत मित्रता और शाति चाहता हो, शातप्रकृति।
आश्ती पसंद (آشتی پسند) फा. वि –जिसे शाति पसद हो, जो अमन चाहता हो, जो मित्रता और सधि पसद करता हो, शातिप्रिय, सधिप्रेमी।
आश्ना (آشنا) फा पु –मित्र, सुहृद्, दोस्त, जार, उपपति, यार, परिचित, जानकार, वाकिफ।
आश्नाई (آشنائی) फा स्त्री –मैत्री, दोस्ती, नाजाइज सम्बन्ध, जारत्व।
आश्ना फरोशी (آشنا فروشی) फा स्त्री –मित्र की उसके मुँह पर प्रशंसा करना।
आश्ना रू (آشنا رو) फा. वि –जो सूरत पहचानता हो, सूरत आश्ना, मुखचर्या-निरीक्षक।
आश्ना सूरत (آشنا صورت) फा अ वि.–जिसकी शक्ल पहचानी हुई हो, जिसे पहले देखा हो, पर उससे परिचय न हो, परिचित-मुख।
आश्नाह (آشناه) फा स्त्री –तैरना, पैरना, पैराकी, तैराकी, (वि) तैरनेवाला, तैराक, पैराक।
आश्माली (آشمالی) फा. स्त्री –चापलूसी, चाटुकारिता, ख़ुशामद।
आश्यॉं (آشیاں) फा पु –घोसला, नीड़, कुलाय।
आश्यानः (آشیانه) फा पुं –दे 'आश्यॉं'।
आस (آس) फा स्त्री –चक्की, पेषणी, ताश, गजिफ.।
आस (آس) अ. पु –एक पेड़ जिसके फल और पत्ते दवा मे प्रयुक्त होते हैं।
आस [स्स] (عاس) अ पुं.–रात मे पहरा और गश्त देने-वाला।
आसफ (آصف) अ पु –हज़रत सुलेमान का वजीर जो बहुत ही बुद्धिमान् और निपुण था।
आसाँ (آساں) फा वि.–'आसान' का लघु, दे. आसान।
आसा (آسا) फा. अव्य –समान, तुल्य, वत्, सज्ञा के अंत मे आकर अर्थ देता है, जैसे–हबाब आसा, बुलबुले के सदृश।
आसाइंदः (آسائنده) फा. वि –आराम पानेवाला, सुख पाने-वाला।
आसाइश (آسائش) फा. स्त्री –सुख, चैन, आराम, सुगमता, सुविधा, सुहूलत, समृद्धि, ख़ुशहाली।
आसाईदः (آسائیده) फा वि –आराम पाया हुआ, जिसे सुख मिला हो।
आसाईदनी (آسائیدنی) फा. वि –सुख पाने योग्य।
आसान (آسان) फा. वि –सुगम, सरल, सुकर, सहज, सहल।
आसान पसंद (آسان پسند) फा वि –जो हर काम मे सुविधा चाहता हो, परिश्रम या झझट के काम से घबरानेवाला।
आसानी (آسانی) फा. स्त्री –सुविधा, सुगमता, सरलता, सुकरता, सुहूलत।
आसानी पसंद (آسانی پسند) फा वि –दे. 'आसान पसद'।
आ'साब (اعصاب) अ पु –'असब' का बहु, पट्ठे, स्नायु-समूह।
आसायश (آسایش) फा स्त्री –दे 'आसाइश', वही शुद्ध है।
आसार (آثار) अ पु –'असर' का बहु, लक्षण, अलामतें, चिह्न, निशानात, दीवाल की चौडाई, पुरानी इमारतो के खडहर।
आसारुस्सनादीद (آثارالصنادید) अ. पु –पूर्वजो की निशानियाँ।
आसारे कदीमः (آثار قدیمه) अ पु –पुरानी काबिले यादगार इमारतो के अवशेष, भग्नावशेष।
आसारे कियामत (آثارقیامت) अ. पु.–महाप्रलय के लक्षण, कोई बहुत ही भयानक घटना होने के लक्षण।
आसाल (آصال) अ पु –'असील' का बहु, सध्याएँ, शाम के वक़्त।
आसास (آساس) अ पु –'असस्' का बहु, नीवें, बुनियादे।
आसिफ (عاصف) अ पु –आँधी, झक्कड़, लक्ष्य से हटने-वाला बाण; जिस दिन तेज आँधी चले, तेज़ उड़ने वाला शुतुरमुर्ग़।

आसिम (عاصم) अ वि–अलग रखनेवाला, बाज रखने वाला पत्नीव्रत पाकदामन।
आसिम (اثم) अ वि–पापी, पातकी गुनहगार।
आसिम (عاسم) अ वि–देर लगानेवाला विलम्ब करने वाला दीर्घसूत्री।
आसिय (آسیہ) अ स्त्री–फिरऔन की स्त्री का नाम।
आसिया (آسیا) फा स्त्री–चक्की पेषणी सुन अयनुनने इश्क तुने इसमें क्या मिला–मानिंद आसिया के घुमाया किया मुझे।
आसियाए आब (آسیاے آب) फा स्त्री–पानी से चलने वाला चक्की पनचक्की जलपेषणी।
आसियाए बाद (آسیاے باد) फा स्त्री–वायु के वेग से चलनेवाली चक्की पवन चक्की पवन-पेषणी।
आसिया जन (آسیازن) फा पु–चक्की टाकने की छेनी।
आसियाब (آسیاب) फा स्त्री–पानी की चक्की जलपेषणी।
आसिल (عاسل) अ वि–शहद जमा करनेवाला, शहद निकालनेवाला (पु) जोर से चलाया हुआ भाला।
आसी (آسی) अ वि–दुखित गमगीन वह वैद्य या हकीम जो रास्ते में दुकान लगाता है उर्दू के एक सुविख्यात दार्शनिक शायर।
आसी (عاسی) अ वि–बहुत ही बूढ़ा वृद्धतम।
आसी (عاصی) अ वि–पातकी पापी पापाचारी गुनाहगार।
आसीम (آسیم) फा वि–संभ्रमित चकित सादर आतुर, उद्विग्न व्याकुल परेशान।
आसूद (آسودہ) फा वि–धनवान समृद्ध खुशहाल संतुष्ट मुतमइन पेट भरा हुआ अघाया हुआ।
आसूद खातिर (آسودہ خاطر) फा अ वि–जिसका मन भर गया हो परितृप्त।
आसूद दिल (آسودہ دل) फा वि–जिसे पूर्ण संतोष प्राप्त हो जिसका मन अघाया हुआ हो।
आसूद हाल (آسودہ حال) फा अ वि–धन धान्य से परिपूर्ण।
आसूदगी (آسودگی) फा स्त्री–संतोष तृप्ति इत्मीनान समृद्धि धन-संपन्नता खुशहाली पेट भरा होना।
आसूदनी (آسودنی) फा वि–आसूद होने के काबिल तृप्त होने योग्य।
आसेब (آسیب) फा पु–प्रेत-बाधा भूत प्रेत जिन-परी कोई बड़ा अनिष्ट खतरा (खतरा)।
आसेबजद (آسیب زدہ) फा वि–जिस पर जिन या भूत का असर हो प्रेतबाधा-ग्रस्त भूताविष्ट।
आसेबे बाद (آسیب باد) फा पु–बगूला वातचक्र, चक्रवात, वातावर्त, बवडर।
आस्तर (آستر) फा पु–दोहरे कपड़े में नीचे वाला कपड़ा अस्तर।
आस्ताँ (آستاں) फा पु–चौखट दहलीज ड्योढ़ी, किसी ऋषि का आश्रम या वली की खानकाह।
आस्तान (آستان) फा पु–दे 'आस्ताँ', नसीब हो न सकी दौलते कदमबोसी–अदब से चूम के हजरत का आस्तान चले।
आस्ताने यार (آستان یار) फा पु–प्रेमिका के मकान की चौखट, प्रेमिका का निवासस्थान।
आस्तीं (آستیں) फा स्त्री–आस्तीन का लघु, दे 'आस्तीन'।
आस्तीन (آستین) फा स्त्री–कुर्ते अँगरखे या कोट का वह भाग जो बाहों को छिपाता है।
आस्माँ (آسماں) फा पु–आस्मान का लघु, दे 'आस्मान'।
आस्माँ कद्र (آسماں قدر) फा अ वि–बहुत ऊँची पदवी वाला, बहुत अधिक प्रतिष्ठित सर्वोच्च प्रतिष्ठित उच्चासनासीन।
आस्माजाह (آسماں جاہ) फा वि–दे आस्माँ कद्र।
आस्माँ रस (آسماں رس) फा वि–आकाश तक पहुँचने वाला गगनस्पर्शी।
आस्माँ रिफ्अत (آسماں رفعت) फा अ वि–दे आस्माँ कद्र।
आस्माँ शिगाफ (آسماں شگاف) फा वि–आकाश को फाड़ देनेवाला गगनभेदी।
आस्माँ सैर (آسماں سیر) फा अ वि–आकाश पर उड़नेवाला गगनभ्रमी, गगनचारी आकाशगामी।
आस्मान (آسمان) फा पु–छत।
आस्मान (آسمان) फा पु–आकाश गगन अंबर, नभ, व्योम फलक, चर्ख।
आहंग (آہنگ) फा पु–संकल्प निश्चय इरादा, गान, राग नग्मा समय काल वक्त।
आहज (اہلج) अ पु–दे आहंग।
आह (آہ) फा स्त्री–हृदय से निकलनेवाला यातना, उच्छ्वास हाय अफसोस।
आहक (آہک) फा पु–चूना जला हुआ पत्थर।
आहन (آہن) फा पु–लोह लौह अय लोहा।
आहन गर (آہن گر) फा वि–लोहार, लौहकार अयस्कार।

आहन रुबा (آهن ربا) फा पुं.—चुवक पत्थर, मक़्नातीस।
आहनीं (آهنیں) फा वि —लोहे का; लोहे का वना हुआ, लोहमय; लोहे जैसा।
आहनीं अज़्म (آهنیں عزم) फा अ वि.—लोहे की तरह अटूट निश्चयवाला, वह व्यक्ति जो अपने सकल्प पर अटल रहे।
आहनी जिगर (آهنیں جگر) फा. वि —लोहे जसे कठोर हृदयवाला, निर्दय, दयाशून्य, सगदिल, वीर।
आहनी (آهنی) फा. वि.—लोहे का, लोहे का वना हुआ।
आहर्मन (آهرمن) फा. पु —'अहरमन' पार्मियो का वदी का खुदा।
आहा (آها) फा. अव्य —वाह-वाह, सावु-सावु।
आहाद (آهاد) अ पु —'अहद' का वहु., दवाइयाँ।
आहार (آهار) फा. पु —लेई, जिससे कागज आदि चिपकाते है; खाना, भोजन।
आहिरः (عاهره) अ. स्त्री —व्यभिचारिणी, कुलटा, जानिय.।
आहिर (عاهر) अ. वि —व्यभिचारी, विपयी, जानी।
आहिल (آهل) अ पु —जहाँ किसी के वाल-वच्चे हो।
आहिल (عاهل) अ. स्त्री.—वे शौहरवाली स्त्री; सम्राट्, महाराज, शहंशाह, जिसका कोई स्वामी न हो, जो अपना खुद मालिक हो, खुदमुख्तार।
आहिस्तः (آهسته) फा वि —मंद, धीमा, शनै. शनै', धीरे-धीरे।
आहिस्तःकार (آهستهکار) फा. वि —वहुत धीरे-धीरे काम करनेवाला, दीर्घसूत्री।
आहिस्तःख़िराम (آهستهخرام) फा. वि —धीरे-धीरे चलनेवाला, मंदगामी, मृदुलगति, शनै गामी।
आहिस्तःरवी (آهستهروی) फा. स्त्री —धीरे-धीरे चलना।
आहिस्तःरौ (آهستهرو) फा. वि —धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगति, मदगामी।
आहिस्तगी (آهستگی) फा स्त्री.—मंदता, धीमापन; मृदुलता, मुलायमपन, गभीरता, धैर्य, मलानत, तहम्मुल।
आहू (آهو) फा पु —मृग, हरिण, हिरन, छिद्र, दोप, ऐव।
आहूए रम ख़ुर्दः (آهوے رم خورده) फा पु —भागा हुआ हिरन।
आहूगीर (آهوگیر) फा. वि —हिरन पकडनेवाला, व्याव, छिद्रान्वेपी, दोप पकडनेवाला, ऐवची।
आहूचश्म (آهوچشم) फा वि —हिरन-जैसी आँखोवाली सुन्दरी, मृगनयनी, मृगाक्षी, हिरन-जैसी आँखोवाला मनुष्य, मृगनयन।
आहूनिगाह (آهو نگاه) फा. वि —दे 'आहूचश्म'।
आहूपरस्ती (آهو پرستی) फा. स्त्री —हिरन पकड़ने या मारने का शौक, मृगया-प्रेम।
आहू वचः (آهو بچه) फा पुं.—हिरन का वच्चा, मृग-शावक।
आहू वरः (آهو بره) फा पुं —दे 'आहू वचः'।
आहू शिकार (آهو شکار) फा वि —हिरन का शिकार करनेवाला, व्याध, वहेलिया; वडी-वड़ी आँखोवाली सुन्दरी, जो हिरनो को मुग्ध कर ले।
आहेख़्तः (آهیخته) फा. वि.—लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहेख़्तनी (آهیختنی) फा. वि.—लटकाने के योग्य, खीचने योग्य, आकर्पणीय।
आहेजीदः (آهیزیده) फा वि.—लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहे नीम कश (آهِ نیم کش) फा. स्त्री.—वह आह जो वदनामी के भय से खुलकर न खीची जाय, अर्धोच्छ्वास।
आहे नीम शवी (آهِ نیم شبی) फा. स्त्री —वह आह जो आधी रात को जव सव सोते है खीची जाय, विरह की रात मे खीची जानेवाली आह।
आहोज़ारी (آهوزاری) फा स्त्री —रोना-धोना, रोना-पीटना, विलाप।
आहोवुका (آهوبکا) फा. अ. स्त्री —दे 'आहोज़ारी'।

इ

इंजाज़ (انجاز) अ. पुं —प्रतिज्ञा पूरी करना, प्रतिज्ञापूर्ति, वादा वफा करना, किसी की जरूरत पूरी करना।
इंज़ाज (انضاج) अ पु —पकाना, फल को पाल आदि द्वारा पकाना; शरीर की दूपित वातुओ को दवाओ द्वारा पकाकर इस काविल करना कि वे शरीर से निकाली जा सके, दवाओ द्वारा गाढ़े माद्दे को पतला और पतले को गाढा करना।
इंज़ाम (انظام) अ. पु —सजाना, सँवारना, व्यवस्थित, करना क्रम से लगाना, विभूपित करना।
इंज़ार (انظار) अ पु —मोहलत देना, छुट्टी देना।
इंज़ार (انذار) अ पु —डराना, त्रास देना; डरना, खौफ खाना।
इंज़ाल (انزال) अ पु —नीचे उतरना; नीचे उतारना; स्त्री-प्रसग अथवा स्वप्न मे वीर्यपात होना।
इंजास (انجاس) अ. पु —अपवित्र करना, गदा करना।
इंजाह (انجاح) अ पु —इच्छा पूरी करना, हाजतवरारी करना, इच्छा पूरी होना।
इंजाहे मराम (انجاحِ مرام) अ. पु —मनोकामना सिद्ध होना, मनोरथपूर्ति, दिली मुराद वर आना।
इंजिज़ाब (انجذاب) अ पु —जज्व होना, आत्मसात् होना; आकृष्ट होना, खिचना।

इजिवात (انضباط) अ पु –दृढ़ता, मजबूती, नियमबद्धता, बाज़ाइदगी।

इजिमाद (انجماد) अ पु –जम जाना, जमकर ठोस होना, बस्त होना।

इजिमाम (انضمام) अ पु–जुड़ना सटना युक्त होना, मिश्रित होना, मिलना।

इजियाग़ (انزياغ) अ पु –यथार्थ को छोड़कर असत्य (झूठ, मिथ्या) की ओर झुकना।

इजिला (انجلا) अ पु –चमकना, प्रकाशमान होना, घर या देश से निकलना बादल का छँटना दुःख का दूर होना।

इजिलाब (انجذاب) अ पु –आकृष्ट होना, खिंचना।

इज़िवा (انزوا) अ पु–एकान्तवासी होना, गोशानशीनी करना एकान्त, गोशा तनहाई।

इज़िहाक़ (انزهاق) अ पु –नष्ट होना, बरबाद होना, मर जाना हलाक होना।

इजीर (انجير) अ पु –एक प्रसिद्ध फल अजीर। (यह उच्चारण अशुद्ध है।)

इजील (انجيل) अ स्त्री –ईसाइयों की मुख्य धार्मिक पुस्तक बाइबिल।

इतिआश (انتعاش) अ पु –ऊपर उठना बलन्द होना समृद्ध होना, खुशहाल होना।

इतिक़ा (انتقا) अ पु –चुनना, बीनना स्वीकार करना क़बूल करना।

इतिक़ाअ (انتقاع) अ पु –मुँह फेर लेना, पराङमुख होना।

इतिक़ाज़ (انتقاض) अ पु –प्रतिज्ञा आदि भंग करना।

इतिक़ाद (انتقاد) अ पु –नक़द लेना मुट्ठी में से अनाज के दाने अलग करना जाँचना परखना आलोचना करना, तनक़ीद करना आलोचना तनक़ीद।

इतिक़ाफ़ (انتكاف) अ पु –किसी वस्तु का घृणास्पद होना।

इतिक़ाम (انتقام) अ पु –दुश्मनी चुकाना वैरशुद्धि बदी का बदला लेना, प्रत्यपकार।

इतिक़ामाना (انتقامانه) अ फा वि –इतिक़ाम से भरा हुआ इतिक़ाम का ध्यान रखते हुए, शत्रुतापूर्ण।

इतिक़ाल (انتقال) अ पु –एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना मरना मृत्यु एक से दूसरे को पहुँचना।

इतिक़ाले अराज़ी (انتقال اراضی) अ पु –ज़मीन का एक के पास से दूसरे की मिल्कियत में चला जाना।

इतिक़ाले ज़िहनी (انتقال ذہنی) अ पु –ख़याल का एक ओर से दूसरी ओर जाना कुछ सोचते हुए कुछ सोचने लगना।

इतिक़ाश (انتقاش) अ पु –साकार होना काँटा निकालना, मोचने से बाल उखेड़ना।

इतिकास (انتكاس) अ पु –उल्टा होना, औंधा होना, उल्टा औंधा, अधोमुख।

इतिकास (انتكاث) अ पु –वादा पूरा न करना, प्रतिज्ञा भंग करना।

इतिक़ास (انتقاص) अ पु–कम करना कम होना।

इतिख़ाब (انتخاب) अ पु –बहुत में से थोड़ा-सा छाँट लेना चुनना, बीनना चुनाव निर्वाचन, एक्स्ट्रैक्ट खतियौनी के किसी काग़ज़ की बाज़ाब्ता नक़ल।

इतिख़ाबे जुदागाना (انتخاب جداگانہ) अ फा पु - ऐसा चुनाव जो साम्प्रदायिक आधार पर हो अर्थात जिसमें मुसलमान मुसलमानों को हिन्दू हिन्दुओं को ईसाई ईसाइयों को वोट दें, पृथक निर्वाचन।

इतिख़ाबे मख़लूत (انتخاب مخلوط) अ पु –वह चुनाव जिसमें सब मिलकर वोट दें, संयुक्त निर्वाचन।

इतिज़ा (انتصا) अ पु –किसी का अपना भेदी बनाना।

इतिज़ाअ (انتزاع) अ पु –उखड़ना, अस्त-व्यस्त होना इन्क़िलाब होना विप्लव होना।

इतिज़ाए सल्तनत (انتزاع سلطنت) अ पु –राज्य का उथल-पुथल होना मुल्क में इन्क़िलाब आना राज्यक्रांति।

इतिज़ाब (انتصاب) अ पु –प्रतिष्ठित होना, सम्मानित होना श्रेष्ठ होना।

इतिज़ाम (انتظام) अ पु –काम का दुरुस्त होना काम का दुरुस्त करना प्रबंध करना बंदोबस्त करना प्रबंध बन्दोबस्त।

इतिज़ार (انتظار) अ पु –राह देखना प्रतीक्षा करना आस लगाना सहारा देखना प्रतीक्षा।

इतिताह (انتطاح) अ पु –गाय भैंस आदि का किसी को सींग मारना।

इतिदाब (انتداب) अ पु –किसी काम के लिए बुलाना अपना प्रतिनिधि बनाना प्रतिनिधित्व नियाबत।

इतिफ़ा (انتفا) अ पु –नष्ट करना नष्ट होना।

इतिफ़ा (انطفا) अ पु –आग का बुझना चिराग़ का गुल होना।

इतिफ़ाअ (انتفاع) अ पु –लाभ उठाना नफ़ा हासिल करना।

इतिफ़ाख़ (انتفاخ) अ पु –पेट फूलना अफारा होना किसी चीज़ में हवा भरना आनाह आध्मान।

इतिफ़ाश (انتفاش) अ पु –मवेशियों को रात में चरागाह में छोड़ देना बिना रखवाले के।

इतिबाअ (انطباع) अ पु –छपना, मुद्रित होना, कोई

चित्र या लेख दूसरी चीज़ पर ज्यों का त्यों उतरना, यथावत् अवतरण, यथानुरूप मिलान।

इंतिबाक़ (انطباق) अ. पुं.—एक दूसरे में मिलना, जुड़ना; घटित होना, मुताबिक़ होना।

इंतिबाश (انتباش) अ. पुं.—नंगा करना, कपड़े उतारना, क़ब्र में से मुर्दे का कफ़न उतार लेना, कफ़न चुराना।

इंतिबाह (انتباہ) अ. पुं.—चेतावनी देना, तंबीह करना; चेतावनी, तंबीह।

इंतिमा (انتما) अ. पुं.—किसी से सम्बन्धित होना; निसबत होना, (प्रत्य.) अधिकृत या सिम्मलित करनेवाला जैसे 'नजाबत इंतिमा' नजाबत बतानेवाला, 'इश्क़-इंतिमा' आशिक़स्वभाव।

इंतिमास (انطماس) अ. पुं.—गुप्त होना, गायब होना।

इंतियाअ (انتیاع) अ. पुं.—तरल या द्रव होना; बहना, प्रवाहित होना।

इंतिलाक़ (انطلاق) अ. पुं.—जाना, गमन करना।

इंतिवा (انطوا) अ. पुं.—लिपटा हुआ होना।

इंतिशार (انتشار) अ. पुं.—तितर-बितर होना, अस्त-व्यस्त होना; अस्त-व्यस्तता, गड़बड़, घबराहट, परेशानी, बेचैनी, लिंगेंद्रिय का खड़ा होना।

इंतिसाक़ (انتساق) अ. पुं.—व्यवस्था ठीक करना, प्रबंध दुरुस्त करना; क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना, शैली, ढंग, तरीक़ा; प्रबंध, इंतिज़ाम।

इंतिसाख़ (انتساخ) अ. पुं.—किसी लेख आदि की नक़ल लेना।

इंतिसाफ़ (انتصاف) अ. पुं.—न्याय पाना, न्याय के अनुसार काम होना, आधा-आधा होना, आधा पाना।

इंतिसाब (انتساب) अ. पुं.—किसी वस्तु को किसी से संबंधित करना; किसी पुस्तक आदि को किसी के नाम समर्पित करना; डेडीकेशन, समर्पण।

इंतिसाब (انتصاب) अ. पुं.—होना, उठ खड़ा होना, बरपा होना।

इंतिसाम (انتسام) अ. पुं.—सुगंधित पदार्थ सूँघना, सुगंध लेना, ख़ुशबू सूँघना।

इंतिसाल (انتسال) अ. पुं.—वंश का आगे चलना, लड़का उत्पन्न होना, वंशवृद्धि।

इंतिसाह (انتصاح) अ. पुं.—हित की बात सुनना, नसीहत मानना।

इंतिहा (انتہا) अ. स्त्री—पराकाष्ठा, आख़िरी हद, छोर, सिरा, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, चरम सीमा।

इंतिहाई (انتہائی) अ. वि.—अत्यधिक, बहुत, आख़िरी हदवाला, अन्तवाला।

इंतिहाज़ (انتہاز) अ. पुं.—फ़ुर्सत पाना, अवसर प्राप्त होना, क़ाबू पाना, वश में लाना।

इंतिहाज़ (انتہاض) अ. पुं.—कूच करना, प्रस्थान करना; कूच, प्रस्थान, उठना, खड़ा होना।

इंतिहापसंद (انتہاپسند) अ. फ़ा. वि.—हर काम को उसकी अन्तिम सीमा में पसंद करनेवाला; क्रान्ति और हिंसा द्वारा देश में इन्क़िलाब लाने का सिद्धान्त माननेवाला।

इंतिहापसंदी (انتہاپسندی) अ. फ़ा. स्त्री.—क्रान्ति द्वारा देश में इन्क़िलाब लाने का सिद्धान्त मानना; हर काम को उसकी अंतिम सीमा में पसंद करना।

इंतिहाब (انتہاب) अ. पुं.—डाके आदि में लुट जाना, बरबाद हो जाना, ग़ारत करना, लुटना।

इंतिहार (انتہار) अ. पुं.—हाँपना, हाँफना।

इंतिहाल (انتحال) अ. पुं.—किसी दूसरे की कविता या लेख को अपना बताना।

इंदज़्ज़ुरूरत (عندالضرورت) अ. वि.—आवश्यकता पड़ने पर, जब ज़रूरत हो तब।

इंदत्तलब (عندالطلب) अ. वि.—माँगने के समय, जब माँगा जाय तब, एक प्रकार का ऋणपत्र जिसमे जिस समय माँगा जाय उसी समय रुपया देना ज़रूरी है।

इंदत्तह्क़ीक़ (عندالتحقیق) अ. वि.—जाँच के समय, जाँच के अनुसार।

इंदन्नास (عندالناس) अ. वि.—आम जनता की राय में, सर्वसाधारण के नज़दीक।

इंदल्लाह (عنداللہ) अ. वि.—ईश्वर के नज़दीक, ख़ुदा के यहाँ।

इंदल्हाजत (عندالحاجت) अ. वि.—दे. 'इंदज़्ज़ुरूरत'।

इंदार (اندار) अ. पुं.—डालना।

इंदिक़ाक़ (اندقاق) अ. पुं.—कूटा जाना, कुटना।

इंदिफ़ाअ (اندفاع) अ. पुं.—दूर होना, दफ़ा होना, निराकरण होना।

इंदिबाग़ (اندباغ) अ. पुं.—चमड़ा पकाना और रँगना।

इंदिमाज (اندماج) अ. पुं.—घुसना, निकलना; किसी जगह मज़बूती से खड़ा होना।

इंदिमाल (اندمال) अ. पुं.—घाव का भरना, क्षतपूर्ति।

इंदियः (عندیہ) अ. पुं.—अभिप्राय, उद्देश, मक़सद, विचार, ख़याल।

इंदिराअ (اندراع) अ. पुं.—सामने आना, घटना का उपस्थित होना।

इंदिराज (اندراج) अ. पुं.—दर्ज होना, लिखा जाना, रजिस्टर आदि में लिखा जाना।

इंदिरास (اندراس) अ. पुं.—जीर्ण होना, पुराना होना; जीर्णता, पुरानापन, नष्ट होना।

इदिलाअ (اندلاع) अ पु –ताद निकल आना, पेट बढ जाना।
इदिलाक (اندلاق) अ पु –उगल पडना।
इदिलास (اندلاص) अ पु –गिर पडना।
इदिसास (اندساس) अ पु –छुपना, छिपना, गुप्त होना, मिट्टी म छिपना।
इबा (انبا) अ पु –सूचना देना, खबर देना।
इबात (انبات) अ पु –उगना, जमना उगाना।
इबार (انبار) अ पु –राशि ढेर गल्ला (अनाज) जमा करने का स्थान (अबार)।
इबाह (انباه) अ पु –जगाना बेदार करना सोने से उठाना।
इबिआस (انبعاث) अ पु –उत्थान उठना उत्तेजित होना, तेज होना।
इबिगा (انبغا) अ पु –पात्र होना मुस्तहक होना, इच्छित होना अभिलषित।
इबिसात (انبساط) अ पु –खुलना प्रगुपत होना आनन्द, हर्ष खुशी गुस्ताखी धृष्टता।
इबिसास (انبثاث) अ पु –तितर बितर होना मुतशिर होना।
इशा (انشا) अ स्त्री –लेख लिखना लिखना तहरीर करना साहित्य अदब उत्पन्न करना आरभ करना।
इशा अल्लाह (انشا الله) अ फा स्त्री –दे इन्शा अल्लाह।
इशाद (انشاد) अ पु –कविता सुनाना शेर पढ़ना।
इशा पर्दाज (انشا پرداز) अ फा वि –गद्य-लेखक निबध कार नस्रनिगार साहित्यकार अदीब।
इशा पर्दाजी (انشا پردازی) अ फा स्त्री –मजमून निगारी निबध रचना।
इशिकाक (انشقاق) अ पु –फट जाना तड़कना शक होना, दरकना।
इशिराह (انشراح) अ पु –हृदय का खुल जाना, चित्त का प्रसन्न हो जाना चित्त की प्रसन्नता मसरत।
इशिराहे क़ल्ब (انشراح قلب) अ पु –हृदय का इस प्रकार विकसित हो जाना कि सारी परोक्ष बातें ज्ञात हो जायें दिव्य दृष्टि प्राप्त हो जाना दवी ज्ञान प्राप्त होना।
इस (انس) अ पु –लोग मनुष्यगण यह शब्द बहुवचन के अर्थ म आता है परन्तु इसका एकवचन नहा है।
इसा (انسا) अ पु –भुला देना।
इसाक (انساق) अ पु –नियम और दस्तूर बनाना, किसी चीज को क़ायदे के अदर लाना।
इसान (انسان) अ पु –मनुष्य आदमी मानव जाति, भोए इसाना सभ्य शिष्ट मुहज़्ज़ब सज्जन भलामानस, शरीफ़।

इसानी (انسانی) अ वि –मानवीय, आदमी का मनुष्य जैसा, आदमी की तरह का।
इसानीयत (انسانیت) अ स्त्री –मानवता, आदमियत सभ्यता, शिष्टता तमीजदारी।
इसानेऐन (انسان‌عین) अ पु –आख की पुतली कनीनिका।
इसाफ (انصاف) अ पु –न्याय, नीति, अद्ल।
इसाफन (انصافا) अ वि –इसाफ से, न्यायत, न्याय के अनुसार।
इसाफ पसद (انصاف پسند) अ फा वि –न्याय की बात कहनेवाला न्यायप्रिय पक्षपात न करनेवाला।
इसाफ पसदी (انصاف‌پسندی) अ फा स्त्री –न्यायप्रियता न्याय की बात पसन्द करना, पक्षपात न करना।
इसिकाब (انسکاب) अ पु –पानी गिरना बहुत रोना।
इसिदाअ (انصداع) अ पु –फटना बीच म दरज हो जाना।
इसिदाद (انسداد) अ पु –बद होना रुक जाना, निवारण, खातिमा।
इसिदादेजुर्म (انسداد جرم) अ पु –जुर्मों का बन्द हो जाना चोरियाँ डकैतियाँ आदि न होना।
इसिबाग (انصباغ) अ पु –रग चढना रगीन होना रंगा जाना।
इसिबाब (انصباب) अ पु –पानी या किसी पतली चीज का रसना या टपकना।
इसियाब (انسیاب) अ पु –बहना प्रवाहित होना रवाँ होना।
इसिराफ (انصراف) अ पु –फिरना, लौट आना।
इसिराम (انصرام) अ पु –कटना, कटकर अलग होना समाप्त होना पूरा होना प्रबंध व्यवस्था, इतिज़ाम।
इसिलाक (انسلاک) अ पु –एक चीज का दूसरी चीज म प्रवेश करना घुसना।
इसिलाब (انسلاب) अ पु –नष्ट होना जाए जाना, खो जाना गुम होना।
इसिहाक (انسحاق) अ पु –पिसा जाना।
इसी (انسی) अ पु –मनुष्य, आदमी, शोधी और दाहिना तरफ शरीर का भीतरी अवयव।
इआद (اعاد) अ पु –लौटकर आना वापस आना कही हुई बात का फिर से कहना पुनरावृत्ति दुहराना।
इआदत (عیادت) अ स्त्री –दे एयादत।
इआनत (اعانت) अ स्त्री –सहायता, मदद सहयोग तआवुन।
इआनते मुज़िमान (اعانت مجرمانه) अ स्त्री –किसी अवैध काम में सहायता, किसी काम में ऐसी मदद जो जुर्म हो।

इक्तिसाबे फ़न (اکتساب فن) अ पु–कोई शिल्प या हुनर प्राप्त करना, फ़न सीखना।

इक्तिसाबे माल (اکتساب مال) अ पु–→ 'इक्तिसाबे ज़र'।

इक्तिसाम (اقتسام) अ पु–बाँटना तक़सीम करना।

इक्तिसार (اقتسار) अ पु–ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेना ज़बर्दस्ती।

इक्तिसार (اقتصار) अ पु–कम करना छोटा करना, एक चीज़ पर खड़ा होना ऐसी इबारत लिखना जिसमें शब्द बहुत हों और अर्थ कम हो।

इक्तिसास (اقتصاص) अ पु–खून का बदला लेना, प्रतिहिंसा करना।

इक्तिहाम (اقتحام) अ पु–इख़्तियार करना, धारण करना किसी चीज़ में घुसना अत्याचार करना अपमानित करना ज़लील करना।

इक्तिहाल (اکتحال) अ पु–आँखों को अंजनसार करना सुरमा लगाना।

इक्दाम (اقدام) अ पु–किसी काम करने के इरादे से आगे बढ़ना पराक्रमा करना अग्रसरता पराक्रमी।

इक्दामे क़त्ल (اقدام قتل) अ पु–मार डालने के लिए आगे बढ़ना क़त्ल के लिए तैयारी करना।

इक्दाह (اقداح) अ पु–ऐब करना बुराई करना निन्दा करना निन्दा बदगोई।

इक्दिश (اکدش) तु पु–प्रिया प्रेयसी महबूब वह व्यक्ति जिसकी माँ हिन्दुस्तानी और बाप तुर्की हो वह घोड़ा जिसकी माँ तुर्की और बाप अरबी हो।

इक्ना (اقنا) अ पु–किसी व्यवसाय में पूँजी लगाना व्यवसाय करना धन कमाना।

इक्वान (اقران) अ पु–समीप आना पास पहुँचना, पास-पास होना।

इक्राम (اکرام) अ पु–सम्मान सत्कार आवभगत प्रतिष्ठा श्रेष्ठता बुज़ुर्गी।

इक्वा (اکفا) अ पु–क़ाफ़िए का एक दोष जिसमें दो ऐसे अक्षरों का क़ाफ़िया होता है जो उच्चारण में समीपवर्ती होते हैं जैसे 'सबाह' (صباح) और सिपाह (سپاه) इनमें एक बड़ी हे है और एक छोटी हे।

इक्फ़ार (اکفار) अ पु–किसी आस्तिक को नास्तिक बताना काफ़िर कहना।

इक्बाब (اکباب) अ पु–औंधे मुँह गिरना मुँह के बल गिरना।

इक्बाल (اقبال) अ पु–प्रताप तेज प्रभाव, सौभाग्य, खुशकिस्मती समृद्धि फ़राग़त स्वीकृति इक़रार(इक़रार)।

इक्बालमंद (اقبال مند) अ फ़ा वि–प्रतापवान तेजस्वी, जिसका इक्बाल ज़ोरों पर हो।

इक्बालमंदी (اقبال مندی) अ फ़ा स्त्री–इक्बाल का ज़ोर, तेज की प्रबलता।

इक्बाली (اقبالی) अ वि–इक़रार करनेवाला इक़रारी जो अपराधी अपने अपराध का स्वीकार करे।

इक्बालेजुर्म (اقبال جرم) अ पु–अपराध करने और दोषी होने का इक़रार स्वीकारोक्ति।

इक्माह (اکماح) अ पु–किसी वस्तु को बिगाड़कर भोंडा कर देना।

इक्माज (اکماع) अ पु–ताड़ना खड़-खड़ करना।

इक्माल (اکمال) अ पु–पूरा करना समाप्त करना ख़त्म करना।

इक्मास (اکماس) अ पु–गोता लगाना डुबकी मारना निमज्जन।

इक्माह (اکماح) अ पु–आकाश की ओर इस प्रकार सिर उठाना कि आँखें पश्मों की ओर रहें।

इक्राअ (اقراع) अ पु–लाटरी डालना पाँसा फेंकना।

इक्राज (اقراض) अ पु–उधार देना क़र्ज़ देना।

इक्रार (اقرار) अ पु–प्रतिज्ञा अहद वचन वादा स्वीकृति इक्बाल, संविदा एग्रीमेंट।

इक्रारनामा (اقرارنامہ) अ फ़ा पु–प्रतिज्ञापत्र अहदनामा संविदा एग्रीमेंट।

इक्रारे सालेह (اقرار صالح) अ पु–वह प्रतिज्ञा जो सच्चे दिल से की गयी हो, पक्का निश्चय दृढ़ प्रतिज्ञा।

इक्राज (اقراض) अ पु–निंदा करना बदगोई करना निन्दा बुराई।

इक्राह (اکراہ) अ पु–घृणा नफ़रत घिन कराहत।

इक्लाअ (اقلاع) अ पु–उखाड़ना जड़ से उखेड़ना नष्ट करना बर्बाद करना सफ़ाया करना।

इक्लीद (اقلید) अ स्त्री–'क़िलीद' का मुअर्रब (अरबाइत) कुंजी ताली।

इक्लीदिस [दस] (اقلیدس) अ स्त्री–ज्यामिति रेखा गणित ज्यामेट्री।

इक्लीम (اقلیم) अ स्त्री–महाद्वीप बर्रे आज़म देश मुल्क प्रान्त इलाक़ा।

इक्लीमिया (اقلیمیا) अ स्त्री–रसायनशास्त्र, धातुओं का मल सोनामक्खी सोने का मल।

इक्लीमियाए ज़हबी (اقلیمیائے ذہبی) अ स्त्री–सोने का मल सोनामक्खी।

इक्लीमियाए फ़िज़्ज़ी (اقلیمیاۓ فضی) अ स्त्री—चाँदी का मैल, श्यामतनी।
इक्लील (اکلیل) अ पु—मुकुट, ताज; टोपी।
इक्लीलुल्मलिक (اکلیل الملک) अ. पु—एक वनस्पति, पुरग, जसरग।
इक्वा (اقوا) अ पु.—क़ाफ़िया का एक दोष जिसमें रवी से पहले के अक्षर की मात्रा एक-सी न हो। जैसे—गुल और दिल का क़ाफ़िया, इसमें 'ग' पर पेश है और 'द' पर ज़ेर।
इक्सा (اقسا) अ पु—हृदय का कठोर होना, निर्दय होना।
इक्सा (اقصا) अ. पु—अलग करना, हटाना, दूर करना; किनारे पहुँचाना।
इक्साब (اقصاب) अ. पु—काटना, टुकड़े करना।
इक्साम (اقسام) अ पु—हिस्से करना, भाग लेना, क़सम खाना।
इक्सार (اکثار) अ—बहुत कहना; बहुत करना, बहुत खाना, अधिकता, इफ़रात (इफ़रात)।
इक्सास (اقصاص) अ. पु—ख़ून के बदले में जान लेना, हिंसा के बदले हिंसा, प्रतिहिंसा।
इक्सीर (اکسیر) अ स्त्री—रसायन, कीमिया, (वि) अमोघ, अचूक, जैसे दमे के लिए इक्सीर (अकसीर)।
इक्सीरी (اکسیری) अ वि—कीमियागर, रसायन बनानेवाला।
[illegible]सून (اکسون) फा. स्त्री.—एक काला रेशमी कपड़ा।
[illegible]ाज़: (اخاذه) अ पु—तड़ाग, तालाब, जलाशय।
[illegible]ाज़ (اخاذ) अ पु—लेना, ग्रहण करना; वह तालाब जो जंगल में हो, वह ज़मीन जो राजा अपने लिए अलग कर ले।
[illegible]तार (اخطار) अ पु—अपने को जान जोखिम में डालना, ख़तरे में फँसाना।
[illegible]ख़्तिज़ाब (اختضاب) अ पु—बालों में ख़िज़ाब लगाना।
[illegible]ख़्तिताफ़ (اختطاف) अ. पु—उचक लेना, उड़ा लेना।
[illegible]ख़्तिताम (اختتام) अ. पु—समाप्त होना, ख़त्म होना, अन्त, समाप्ति।
[illegible]ख़्तिनाक़ (اختناق) अ. पु—गला बंद होना, गला घुटना।
[illegible]ख़्तिनाक़ुर्रहिम (اختناق الرحم) अ पु.—स्त्रियों का मूर्छा रोग, हिस्टीरिया।
[illegible]ख़्तिफ़ा (اختفا) अ पु—गोपन, छिपाना, पोशीदा करना।
[illegible]ख़्तिफ़ार (اختفار) अ. पु—प्रतिज्ञा भंग करना।
[illegible]ख़्तिबार (اختبار) अ पु—ख़बर लेना, परीक्षा करना, परीक्षा, इम्तिहान।
[illegible]ख़्तिमार (اختمار) अ पु—ख़मीर उठाना, औषधियों आदि को पानी आदि में भिगोकर रखना ताकि सड़कर उनका ख़मीर उठ आये।
इख़्तियान (اختیان) अ पु—अमानत में ख़ियानत करना।
इख़्तियार (اختیار) अ. पु—अधिकार, हक़, सत्ता, हुकूमत, स्वामित्व, मालिकीयत।
इख़्तियारी (اختیاری) अ वि—जो अनिवार्य न हो, जो अज़िमी न हो।
इख़्तियारे समाअत (اختیار سماعت) अ. पु—मुक़दमा सुनने का अधिकार।
इख़्तियाल (اختیال) अ पु.—अवज्ञा, नाफ़रमानी, उद्दंडता, सरकशी; ध्यान रखना, ख़याल करना।
इख़्तिराअ (اختراع) अ पु—ऐसी चीज़ बनाना जो पहले न हो; आविष्कार, ईजाद।
इख़्तिराआत (اختراعات) अ पु—नयी नयी ईजादें, नये नये आविष्कार।
इख़्तिराई (اختراعی) अ. वि—ईजाद से सम्बन्धित; मनगढ़त, फ़र्ज़ी, कल्पित।
इख़्तिराक़ (اختراق) अ पु—फटना, विदीर्ण होना, फाड़ना, विदीर्ण करना।
इख़्तिलाज (اختلاج) अ पु—दिल की धड़कन, हौलदिल।
इख़्तिलाजे क़ल्ब (اختلاج قلب) अ पु—दिल की धड़कन, हृत्कम्प।
इख़्तिलात (اختلاط) अ पु—मैत्री, दोस्ती, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, चुंबनालिंगन, चूमाचाटी।
इख़्तिलाफ़ (اختلاف) अ. पु—मतभेद, राय का इख़्तिलाफ़; वैमनस्य, रंजिश, फूट, नाइत्तिफ़ाक़ी, भिन्नता, अलग-अलग होना।
इख़्तिलाल (اختلال) अ. पु.—विघ्न, विकार, ख़लल; कुव्यवस्था, अस्त-व्यस्तता, गड़बड़ी।
इख़्तिलाले दिमाग़ (اختلال دماغ) अ. पु.—दे 'इख़्तिलाले हवास'।
इख़्तिलाले हवास (اختلال حواس) अ. पु—बुद्धि-विकार, मतिभ्रम, पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।
इख़्तिलास (اختلاس) अ पु—उचक ले जाना।
इख़्तिसाम (اختصام) अ. पु—शत्रुता करना, दुश्मन होना।
इख़्तिसार (اختصار) अ पु—संक्षिप्त करना, कम करना, संक्षेप, कमी, बड़े मज़्मून को काट-छाँटकर छोटा करना।
इख़्तिसास (اختصاص) अ. पु—विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।
इख़्दाम (اخدام) अ पु—सेवा करना, ख़िद्मत करना।
इख़्फ़ा (اخفا) अ पु—छिपाना, प्रकट न करना।

इख़्फ़ाए जुर्म (اخفائے جرم) अ पु—अपराध करके उसे छिपाना, जुर्म ज़ाहिर न करना।
इख़्फ़ाए राज़ (اخفائے راز) अ फ़ा पु—भेद छिपाना।
इख़्फ़ाए वारिदात (اخفائے واردات) अ पु—दे 'इख़्फ़ाए जुर्म'।
इख़्फ़ाफ़ (اخفاف) अ पु—दूसरों की दृष्टि में हल्का होना, खफ़ीफ़ होना।
इख़्बार (اخبار) अ पु—ख़बर देना, सूचना देना, जासूसी करना, भेद बताना।
इख़्मार (اخمار) अ पु—आग बुझाना।
इख़्राज (اخراج) अ पु—ख़ारिज करना, निकाल देना, बहिष्कार, ख़र्च, व्यय।
इख़्राजात (اخراجات) अ पु—व्यय, ख़र्च।
इख़्राब (اخراب) अ पु—वीरान करना, सुनसान करना, निर्जन करना, नष्ट करना, मिटाना, ख़राब करना।
इख़्लाक़ (اخلاق) अ पु—पुराना करना, पुराना होना, पुरानापन।
इख़्लास (اخلاص) अ पु—निश्छलता, निष्कपटता, ख़ुलूस, सच्चा और निष्कपट प्रेम।
इख़्लासमंद (اخلاص مند) अ फ़ा वि—सच्चा और स्वार्थहीन मित्र, ख़ालिस प्रेमी।
इख़्लासमंदी (اخلاص مندی) अ फ़ा स्त्री—निःस्वार्थ मित्रता, सच्चा प्रेम।
इख़्वान (اخوان) अ पु—'अख़' का बहु, भाई-बंधु, बंधुवर्ग।
इख़्वानुश्शयातीन (اخوان الشیاطین) अ पु—शैतानों के भाई-बंधु, दुष्ट और धूर्त लोग।
इख़्वानुस्सफ़ा (اخوان الصفا) अ पु—सज्जन लोग, भलेमानस।
इख़्सा (اخصا) अ पु—अंडकोष निकालना, ख़स्सी करना।
इग़ारत (اغارت) अ स्त्री—लूटना, ग़ारत करना, दौड़ना, भागना, पीछे दौड़ना, तआक़ुब करना।
इग़ासत (اغاثت) अ स्त्री—किसी दुखी की फ़र्याद सुनना, किसी अन्याय का न्याय करना।
इग़्रा (اغرا) अ पु—किसी को लड़ाई पर उकसाना, किसीको वरग़लाना, बहकाना।
इग़्ज़ा (اغضا) अ पु—चश्मपोशी करना, किसी की ग़लती पर ध्यान न देना, ध्यान न देना।
इग़्ज़ाल (اغزال) अ पु—चर्ख़ा कातना, सूत कातना।
इग़्तिज़ाब (اغتضاب) अ पु—किसी को ग़ुस्से में लाना, ग़ुस्सा दिलाना।
इग़्तिज़ाल (اغتزال) अ पु—सूत कातना।
इग़्तिफ़ार (اغتفار) अ पु—माफ़, मुक्ति, मग़्फ़िरत।
इग़्तिमास (اغتماس) अ पु—डुबकी लगाना, ग़ोता मारना, निमज्जन।
इग़्तियाब (اغتیاب) अ पु—ग़ीबत करना, पीठ पीछे बुराई करना, पिशुनता, चुग़लख़ोरी।
इग़्तिराब (اغتراب) अ पु—परदेसी होना, मुसाफ़िर होना, अपने कुल से अलग स्त्री से ब्याह करना।
इग़्तिराफ़ (اغتراف) अ पु—चुल्लू से पानी आदि पीना, चुल्लू बनाना।
इग़्तिशाश (اغتشاش) अ पु—हलचल, आन्दोलन।
इग़्तिसाब (اغتصاب) अ पु—किसी का माल ग़ायब करना, ज़बरदस्ती छीन लेना, स्वत्व अपहरण, मोषण।
इग़्तिसाल (اغتسال) अ पु—स्नान करना, नहाना, शुद्ध करना, धोना, स्नान, ग़ुस्ल।
इग़्ना (اغنا) अ पु—मालदार बनाना, समृद्धिशाली करना, निःस्पृह करना, बेनियाज़ बनाना।
इग़्नान (اغنان) अ पु—मक्खी आदि का भिनभिनाना।
इग़्मा (اغما) अ पु—बेहोश करना, अचेत कर देना, बेहोशी, संज्ञाहीनता।
इग़्माज़ (اغماض) अ पु—किसी का क़ुसूर देखते हुए टाल जाना, चश्मपोशी करना, दरगुज़र, चश्मपोशी।
इग़्माज़ (اغماز) अ पु—निंदा, तिरस्कार, बदगुमानी, पिशुनता, चुग़ली।
इग़्माम (اغمام) अ पु—बादल घिरकर आना, घटा छाना।
इग़्रा (اغرا) अ पु—उत्तेजित करना, भड़काना, उभारना, बहकाना, वरग़लाना।
इग़्राक़ (اغراق) अ पु—बात बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहना, अतिशयोक्ति, मुबालग़ा, ऐसी बात जिसका होना बुद्धि के अनुसार संभव हो पर कभी हुई न हो, डुबाना, ग़र्क़ करना, कमान ज़ोर से खींचना।
इग़्राज़ (اغراض) अ पु—सताना, दुःखी करना, उत्पीड़ित करना।
इग़्राब (اغراب) अ पु—अनोखी चीज़ लाना, नयी बात करना, परदेसी होना, मुसाफ़िर होना, पानी से भर भरना।
इग़्राम (اغرام) अ पु—मार डालना, लालच करना, तावान लेना, हर्जाना वसूल करना।
इग़्ला (اغلا) अ पु—भाव बढ़ाना, महँगा खरीदना।
इग़्लाक़ (اغلاق) अ पु—दरवाज़ा बंद करना, मुश्किल बनाना, कठिन, मुश्किल।

इग़लात (اغلاط) अ पु–गलती करना, अशुद्धि करना; अशुद्धि, त्रुटि, गलती।

इग़लाम (اغلام) अ. पु–गुदमैथुन करना; गुदमैथुन, पुमैथुन, बालमैथुन, बच्च बाजी।

इग़लाल (اغلال) अ पु–अमानत मे खियानत करना, द्वेष रखना; खियानत, द्वेष, कीना।

इग़वा (اغوا) अ पु.–बहकाना, वरगलाना, बहकाकर भगा ले जाना, विशेषत स्त्री को।

इग़शा (اغشا) अ पु–पर्दा डालना, आड करना, अधा करना, आँखे फोडना।

इग़सा (اغسا) अ पु.–रात का नियत अँधियारा होना।

इज़ा (ازا) अ पु–आमना-सामना, मुकाबला, समान, बराबर।

इज़ा (اذا) अ. अव्य–जब, जिस समय, आकस्मिक, अचानक।

इज़ाअत (اضاعت) अ. स्त्री.–नष्ट करना, बरबाद करना, नाश, बरबादी।

इज़ाअत (اضائت) अ. स्त्री–चमकाना, रौशन करना, सुशोभित करना, खुशनुमा करना, खुशनुमाई।

इजाज़त (اجازت) अ स्त्री.–अनुमति, आज्ञा, परवानगी। आदेश, निर्देश, हुक्म।

इजाज़तनामः (اجازت نامه) अ फा पुं–आज्ञापत्र, अनुमति-पत्र, इस बात की लिखित आज्ञा कि अमुक व्यक्ति को अमुक काम करने का हक है।

इज़ाफ़ः (اضافه) अ. पु–वृद्धि, बढ़ोतरी, उन्नति, तरक़्क़ी।

इज़ाफ़त (اضافت) अ स्त्री–सम्बन्ध, निस्बत, फार्सी शब्दो के नीचे ज़ेर की मात्रा, फार्सी मे छठे कारक का चिह्न।

इजाबत (اجابت) अ. स्त्री–स्वीकृति, कुबूलियत, शौच, दस्त, पाखाना।

इज़ाबत (اذابت) अ स्त्री–पिघलाना, पिघलाकर नर्म करना, धातु आदि को पिघलाना।

इजाबते दुआ (اجابت دعا) अ स्त्री.–ईश्वर से जो प्रार्थना की जाय उसका स्वीकृत होना, दुआ का कबूल होना।

इज़ाम (عظام) अ स्त्री–'अज़्म' का बहु, हड्डियाँ, (पु.) बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

इजारः (اجاره) अ पु–ठेका, एकाधिकार, ज़ोर, हक, सत्त्व।

इजारःदार (اجاره دار) अ.फा वि–ठेकेदार, एकाधिकारी।

इजारःदारी (اجاره داری) अ फा स्त्री–ठेकेदारी।

इज़ार (ازار) फा स्त्री–पाजामा।

इज़ार (عذار) अ. पु–गाल, कपोल, रुख़सार।

इज़ारबंद (ازاربند) फा. पु–कमरबद, नारा, पाजामा बाँधने का फीता आदि।

इजालः (عجاله) अ. पु.–हर वह चीज जो बहुत जल्द लायी गयी हो; शीघ्रता, जल्दी।

इज़ालः (ازاله) अ पु–निवारण, निराकरण, दफीआ; क्षतिपूर्ति, तलाफी।

इज़ालए मरज़ (ازالۂ مرض) अ. पु–रोग-निवारण, बीमारी का चला जाना।

इज़ालए हैसियते उर्फी (ازالۂ حیثیت عرفی) अ पु–मानहानि, हत्के इज्ज़त।

इज़ालत (ازالت) अ. स्त्री–दे. 'इज़ाल'।

इजालत (عجالت) अ स्त्री–दे 'इजाल'।

इजालत (احالت) अ. स्त्री–घुमाना, फिराना, चक्कर देना; आग की बनेठी फिराना।

इज़ाहत (ازاحت) अ स्त्री.–दूर करना, हटाना।

इज़् (ज्ज़) (عز) अ स्त्री–इज्जत, सम्मान, सत्कार।

इज़्आज (ازعاج) अ पु–हिलाना, निकालना, उठाना, लालची बनाना, किसी पर पाप लगाना।

इज़्आन (اذعان) अ पु–आज्ञा-पालन, हुक्म मानना।

इज़्आफ़ (اضعاف) अ पु–दूना करना, निर्बल करना।

इज़्कार (اذکار) अ पु–जिक्र करना, चर्चा चलाना, किसी के बारे मे बातचीत करना।

इज़्ख़र (اذخر) अ पु–एक ओषधि, सिरकडे की जड़।

इज्ज़ (عجز) अ पु–नम्रता, विनीति, आजिजी; अस-मर्थता, बेबसी, कमजोरी, नाताकती।

इज्जत (عزت) अ स्त्री–सम्मान, आदर, आवभगत, प्रतिष्ठा, मान-मर्यादा, आबरू, सतीत्व, इस्मत, पद, पदवी, दर्जा।

इज्जत तलब (عزت طلب) अ वि–जो हर व्यक्ति से अपनी इज्जत कराना चाहता हो, मानेच्छुक।

इज्ज़तदार (عزت دار) अ फा वि–प्रतिष्ठित, मुअज्जज; कुलीन, शरीफ, सती, बाइस्मत।

इज्ज़ा (اجزا) अ पु–जिज्या देना, बदला देना (नेकी का), नि स्पृह करना, बेनियाज करना।

इज्जास (اجاص) अ पु–आलू बुखारा, एक प्रसिद्ध फल जो दवा के काम आता है।

इज़्तिआद (ازدعاد) अ पु–ऊँट का बहुत ज़ोर से बल-बलाना।

इज़्तिजाअ (اضطجاع) अ पु–करवट से सोना।

इज्तिना (اجتنا) अ पु–फल बीनना, मेवा चुनना।

इज्तिनाब (اجتناب) अ पु–दूर रहना, घृणा करना, घृणा, उपेक्षा, नफरत।

इज्तिबा (اجتبا) अ पु–छाँटना, चुनना पवित्र करना, पसद की चीजा में स सबसे अच्छी चीज को अलग करना।

इज्तिमाअ (اجتماع) अ पु–सम्मेलन,कान्फरेंस, जनसमूह, भीड चद्र और सूय का एक राशि में हाना, जिसमें चाँद दिखाई नहा पडता और यह समय अशुभ माना जाता है।

इज्तिमाई (اجتماعی) अ वि–सबका मिला-जुला, सामूहिक।

इज्तिमाए जिद्दैन (اجتماع ضدین) अ पु–दो परस्पर विरोधी चीजा का एक जगह जमा हो जाना यह असभव है, मिथ्या याग।

इज्तिमाए नकीजैन (اجتماع نقیضین) अ पु–दे इज्तिमाए जिद्दैन।

इज्तिराब (اضطراب) अ पु–व्याकुलता बेचैनी, बेताबी, आतुरता जल्दी जल्दबाजी व्यग्रता, यह इज्तिराब शौक ता बुल्बुल का देखिए–जी चाहता है गार्ट में छुरे बहार का।

इज्तिराम (اضطرام) अ पु–लपटें उठना गार्ट बल्ट हाना।

इज्तिरार (اضطرار) अ पु–आतुरता जल्दी बे इख्तियारी।

इज्तिरारी (اضطراری) अ वि–बेइख्तियाराना आतुरता म।

इज्तिहाद (اجتہاد) अ पु–श्रम न करना काशिश करना, रास्ता ढूँढना जहा कुरान और हदीस का आदेश साफ न हो वहा अपनी राय स उचित रास्ता निकालना।

इज्दियाद (ازدیاد) अ पु–आधिक्य, बाहुल्य, इफरात, जियादती।

इज्दिराद (ازدراد) अ पु–निगलना गले के नीच उतारना।

इज्दिवाज (ازدواج) अ पु–विवाह, निकाह पाणिग्रहण।

इज्दिहाम (ازدحام) अ पु–भीड जन-समूह, जमाव।

इज्नाब (اذناب) अ पु–पाप करना गुनाह करना।

इज्नाब (اجناب) अ पु–स्नान न किये हाना मथुन के पश्चात स्नान न करना।

इज्फार (اظفار) अ पु–विजय प्राप्त करना जीतना विजय फतह।

इज्बार (اجبار) अ पु–किसी स जबरदस्ती कोई काम लेना।

इज्माअ (اجماع) अ पु–किसी एक बात पर बहुमत हाना।

इज्माए उम्मत (اجماع امت) अ पु–सारी जनता का बहुमत मुसलमाना का किसी धार्मिक समस्या में बहुमत।

इज्माम (اجمام) अ पु–घाडे को सवारी के लिए सजाना।

इज्मार (اضمار) अ पु–किसी वाक्य में नाम के स्थान पर सवनाम का प्रयाग।

इज्मार कब्ल जिक्र (اضمار قبل ذکر) अ पु–नाम आने से पहले सवनाम लाना, यह दाष है।

इज्माल (اجمال) अ पु–सक्षेप इख्तिसार किसी लम्बे वृत्तात में स मुख्य-मुख्य बातें लेकर उसे बहुत कम कर देना, बात खोलकर न कहना।

इज्मालन (اجمالاً) अ वि–सक्षिप्त रूप में मुख्तसर करके।

इज्माली (اجمالی) अ वि–सक्षेप में सक्षिप्त, मुख्तसर।

इज्मील (ازمیل) अ पु–चमडा काटने का यत्र राँपी।

इज्मीर (ازمیر) तु पु–तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, इस्मरना, समरना।

इज्मेहलाल (اضمحلال) अ पु–शिथिलता खिन्नता, श्रांति ग्लानि, अन्यमनस्कता।

इज्यूत (عزیوط) अ पु–वह व्यक्ति जिसे मथुन के समय पाखाना हो जाने का राग हा।

इज्रा (اجرا) अ पु–सचालन अनुष्ठान, शुरूआत जारी करना, भेजना।

इज्राईल (عزرائیل) अ पु–यमराज, धमराज, यमदूत प्राणातक मौत का फरिश्ता मलकुल्मौत।

इज्राए कार (اجراے کار) अ फा पु–किसी काय का सूत्रपात (आरम्भ) अनुष्ठान काम की शुरुआत।

इज्राब (اضراب) अ पु–अवज्ञा करना, हुक्म न मानना, एक स्थान पर ठहरना सर झुकाना सर का मान्य पर छाडना, तप्त करना, अधाना किसी का सम्बन्ध न होना, बमिस्ल हाना, अनुपम हाना।

इज्राम (اضرام) अ पु–आग जलाना।

इज्रार (اضرار) अ पु–हानि पहुँचाना नुक्सान देना, आघात करना चाट पहुँचाना।

इज्ल (عجل) अ पु–गाय का बच्चा, बछडा।

इज्लत (عجلت) अ स्त्री–शीघ्रता जल्दी, आतुरता जल्दबाजी (उजलत)।

इज्लाक़ (ازلاق) अ पु–फिसलना फिसलाना।

इज्लाफ (اجلاف) अ पु–अत्याचार करनेवाला खाली घडा हर वह वस्तु जा भीतर से खाली हा।

इज्लाम (اظلام) अ पु–अधकारमय हाना तारीक होना।

इज्लाल (اجلال) अ पु–श्रेष्ठता उत्तमता बुजुर्गी वभव शाना शौकत।

इज्लाल (ازلال) अ पु–किसी का डगमगाना।

इज्लाल (اضلال) अ पु–किसी को कुमाग पर चलाना, गुमराह करना।

इज्लाल (اظلال) अ पु–छाया डालना।

इज्लास (اجلاس) अ पु–बिठाना, बठालना, न्यायालय में

हाकिम के बैठने का स्थान, हिंदी मे इजलास प्रचलित, कोर्ट, अदालत।

इज़्हाक (اضحاک) अ. पु—छलकना; घास जमना, हँसाना, ऐसी बात कहना जिसमे हँसी आये।

इज़्हात (عرهات) अ पु—नपुसक, क्लीव, नामर्द।

इज़्हाफ (احصاف) अ पु—नुकसान करना; कोई वस्तु उड़ा लेना, पास आना, किसी के काम में शरीक होना।

इज़्हाब (اذهاب) अ पु—ले जाना, तेज़ करना, रवाँ करना, ऊपर से सोना चढाना, मुलम्मा करना।

इज़्हाम (احصام) अ पु—रोकना, मना करना, मरने के करीब होना, मृतप्राय होना।

इज़्हार (اظہار) अ पु—प्रकट होना या करना; न्यायालय मे वादी-प्रतिवादी या साक्षी आदि का बयान।

इज़्हार (ازهار) अ पु—दीपक जलाना, चिराग रौशन करना।

इज़्हार (احهار) अ पु—ज़ोर से बोलना, व्यक्त करना, ज़ाहिर करना।

इज़्हाल (ازهال) अ पु—गाफिल होना, सतर्क न होना, बेख़बर होना।

इताअत (اطاعت) अ स्त्री—आज्ञा-पालन, फर्मांबरदारी; सेवा, ख़िदमत।

इताअत गुज़ार (اطاعت گزار) अ फा वि—आज्ञाकारी, फर्मांबरदार।

इताअतमंद(اطاعت مند)अ फा वि—दे 'इताअत गुज़ार'।

इताअत शिआर (اطاعت شعار) अ वि.—दे. 'इताअत गुज़ार'।

इताद (عتاد) अ पु—सामान, उपकरण; तैयारी।

इताब (عتاب) अ. पु—कोप, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, गजब, "जाने क्या लिख गया था उन्हे मैं इताब मे, कासिद की लाश आयी है ख़त के जवाब मे।"

इताबत (اطابت) अ स्त्री—सुगधित करना, शौच मे पानी लेना, शरीर को पवित्र करना, खुश करना, प्रसन्न करना।

इताबनामः (عتاب نامہ) अ फा पु—वह पत्र जिसमे क्रोध प्रकट किया गया हो, कोप-पत्र।

इतारत (اطارت) अ स्त्री—चिड़िया आदि को उड़ाना।

इतालः (اطالہ) अ पु—दे 'इतालत'।

इतालत (اطالت) अ स्त्री—लंबा करना, तवील करना।

इतालत (عطالت) अ स्त्री—निठल्लापन, बेकारी।

इताहत (اطاحت) अ स्त्री.—मार डालना, हलाक करना, डालना, भीतर करना।

इत्आम (اطعام) अ पु—खाना खिलाना, भोजन देना।

इत्तिआद (اتعاد) अ पु—वचन देना, वादा करना।

इत्तिआब (اتعاب) अ पु—दु ख मे डालना, मुसीबत मे फाँसना।

इत्तिका (اتقا) अ पुं—संयम, इंद्रिय-निग्रह, पारसाई।

इत्तिका (اتکا) अ पु—भरोसा करना, सहारा ढूँढना; भरोसा, सहारा।

इत्तिकान (اتقان) अ पु—दृढता करना, मजबूती करना।

इत्तिकार (اتکار) अ पु—घोसला बनाना।

इत्तिकाल (اتکال)अ पु—भरोसा करना, सहारा पकड़ना।

इत्तिख़ाज़ (اتخاذ) अ. पु—ग्रहण करना, लेना।

इत्तिजार (اتجار) अ पु—व्यवसाय करना, व्यापार करना, तिजारती कारोबार करना।

इत्तिज़ाह (اتضاح) अ. पु—प्रकाशित होना, रौशन होना।

इत्तिफ़ाक़ (اتفاق) अ पु—सयोग, दैवयोग, अचानकपन; मैत्री, दोस्ती, एकता, इत्तिहाद; सहमति, राय का एक होना।

इत्तिफ़ाक़न (اتفاقاً) अ वि—सहसा, अचानक, अकस्मात् यदृच्छया, दववशात्, अचानक।

इत्तिफाकात (اتفاقات) अ पुं—आकस्मिक होनेवाली घटनाएँ।

इत्तिफाकियः (اتفاقیہ) अ वि—दे 'इत्तिफाकन'।

इत्तिफ़ाक़ी (اتفاقی)अ. वि—आकस्मिक, नागहानी, संयुक्त, मिला-जुला, मुत्तहदा।

इत्तिबाअ (اتباع) अ पु—अनुकरण, पैरवी, धर्म या पथ का अनुसरण, मतानुगमन।

इत्तिलाअ (اطلاع) अ. स्त्री—सूचना, खबर, इत्तिला, इत्तला।

इत्तिलाअन (اطلاعاً)अ वि—इत्तिलाअ के लिए, सूचनार्थ।

इत्तिलाअनामः (اطلاع نامہ) अ फा पु—वह पर्चा जिसमे इत्तिलाअ दर्ज हो, सूचनापत्र।

इत्तिलाई (اطلاعی) अ वि—सूचना से सबद्ध।

इत्तिसाअ (اتساع) अ पु—चौड़ा होना, विस्तृत होना, आँख का एक रोग।

इत्तिसाक (اتساق) अ पु—क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना, इकट्ठा होना, एकत्र होना, ठीक होना।

इत्तिसाख़ (اتساخ) अ पु—मैला होना, दूषित होना।

इत्तिसाफ (اتصاف) अ पु—प्रशसा करना, तारीफ़ करना; किसी विशेष गुण का अधिकारी समझा जाना।

इत्तिसाम (اتسام) अ पु—चिह्न बनाना, निशान करना; अंकित करना, नक़्श करना।

इत्तिसाल (اتصال) अ पु—मिलना, एक जगह होना, बराबर होना, लगातार होना, मेल-मिलाप, निरतरता; क्रमश.।

इत्तिहाद (اتحاد) अ पु—एकत्व, एकता मेल मिलाप, मैत्री, दोस्ती।
इत्तिहादी (اتحادی) अ वि—परस्पर एकता और मैत्री रखनेवाले वह राज्य जो परस्पर मित्र हो।
इत्तिहाफ़ (اتحاف) अ पु—भेंट देना तोहफा देना, उपहार भेंट, पुरस्कार, तोहफा।
इत्तिहाब (اتهاب) अ पु—किसी के नाम हिबा करना, बख़्शना, बख़्शिश स्वीकार करना।
इत्तिहाम (اتهام) अ पु—आरोप लगाना इल्ज़ाम देना, आरोप लांछन दोष तोहमत।
इत्नाब (اطناب) अ पु—लम्बा करना, बढ़ाना, बात लम्बी चौड़ी करना।
इत्फ़ा (اطفا) अ पु—आग बुझाना, चिराग गुल करना।
इत्फ़ाल (اطفال) अ पु—छोटा बच्चा होना शिशु होना।
इत्बाअ (اتباع) अ पु—अनुयायी होना पैरो होना।
इत्बाक़ (اطباق) अ पु—दरवाज़ा भेड़ना, किवाड़ बंद करना।
इत्बाख़ (اطباخ) अ पु—खाना पकाना, बावरचीगरी करना।
इत्वाल (اتوال) अ पु—शत्रुता रखना दुश्मनी रखना, द्वेष वैर शत्रुता अदावत मित्रता भंग करना।
इत्माअ (اطماع) अ पु—किसी को लालच में डालना प्रलोभन देना।
इत्माम (اتمام) अ पु—समाप्त करना ख़तम करना समाप्ति पूर्ति।
इत्मामे हुज्जत (اتمام حجت) अ पु—किसी को आख़िरी तौर पर बुराई भलाई समझा देना ताकि फिर अगर वह काम करे तो उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हो।
इत्मीनान (اطمینان) अ पु—तुष्टि संतुष्टि सब्र विश्वास प्रत्यय यक़ीन सांत्वना तसल्ली।
इत्मीनानी (اطمینانی) अ वि—इत्मीनानवाला व्यक्ति विश्वस्त इत्मीनानवाली बात।
इत्यान (اتيان) अ पु—प्रवेश करना भीतर आना प्रवेश दाख़िला।
इत्र (عطر) अ पु—सुगंध ख़ुशबू पुष्पसार फूलों का इत्र।
इत्र आगीं (عطرآگیں) अ फा वि—इत्र में बसा हुआ।
इत्रत (عترت) अ स्त्री—संतान औलाद स्वजन अज़ीज़।
इत्रदान (عطردان) अ फा पु—इत्र रखने की पिटारी।
इत्रबेज़ (عطربیز) अ फा वि—इत्र की महक फैलानेवाला सुगंध बखेरनेवाला।
इत्रा (اطرا) अ पु—किसी की प्रशंसा बढ़ा चढ़ाकर करना।
इत्राअ (اطراع) अ पु—अंकित करना, नक़्श करना।
इत्राब (اتراب) अ पु—मिट्टी में मिलाना, मिट्टी में भर जाना, मालदार होना।
इत्रास (اتراس) अ पु—दृढ़ करना मजबूत बनाना बराबर करना।
इत्राह (اطراح) अ पु—नींव रखना, बुनियाद डालना डालना।
इत्रीफ़ (عطریف) अ पु—शूर वीर, बहादुर, महारथी, सफ़ शिकन।
इत्रीफ़ल (اطریفل) अ पु—एक यूनानी अवलेह जिसमें हड़, बहेड़ा आवला होता है त्रिफला का मुरब्बा।
इत्रीय (اطریه) अ पु—सिवंया।
इत्रीयत (عطریت) अ स्त्री—सुगंध, ख़ुशबू, इत्रपन।
इत्लाक़ (اطلاق) अ पु—बंधनमुक्त करना छोड़ना, कहना जारी करना दस्त आना, चरितार्थ होना, मुताबिक़ होना।
इत्लाफ़ (اتلاف) अ पु—नष्ट होना, बरबाद होना, हत होना मारा जाना।
इत्लाफ़े जा (اتلاف جاں) अ फा पु—प्राणों का नाश, प्राणियों का घात।
इत्वाल (اطوال) अ पु—लम्बा करना, बढ़ाना।
इत्हार (اطہار) अ पु—पवित्र करना पाक करना।
इदाम (ادام) अ पु—सालन जिससे रोटी खायी जाती है, व्यंजन।
इदामत (ادامت) अ स्त्री—नित्यता, शाश्वतता, हमेशगी।
इदार (ادارہ) अ पु—संस्था सभा, अंजुमन कार्यालय, दफ्तर विभाग, महकमा।
इदारए निज़ामी (ادارۂ نظامی) अ पु—सैन्य विभाग, फ़ौजी महकमा।
इदारत (ادارت) अ स्त्री—संपादन एडीटरी।
इदारिय (اداریہ) अ पु—संपादकीय लेख एडीटोरियल।
इदक़ाक़ (ادقاق) अ पु—बारीक करना कूटकर चूर्ण करना।
इदख़ान (ادخان) अ पु—अलग होना, पृथक होना।
इदख़ाल (ادخال) अ पु—प्रवेश करना, दाख़िल करना अंदर ले जाना रुपया आदि जमा करना।
इदग़ाम (ادغام) अ पु—किसी चीज़ को बे चबाये खाना घोड़े के मुंह में लगाम देना किसी अक्षर का दूसरे अक्षर में मिलकर एक होना आदेश।
इदजान (ادجان) अ पु—ज़ोर की वर्षा होना मेंह की झड़ी लगना।
इद्दत (عدت) अ स्त्री—गणना गिनती मुसलमानों में पति के मरने या तलाक़ देने के बाद का वह समय जिसमें स्त्री

पुर्नविवाह नही कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (ادعا) अ पु.–दावा करना, इच्छा करना, दावा।

इद्दिआम (ادعام) अ पु –तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (ادکار) अ पु –याद करना, नसीहत पकडना।

इद्दिख़ार (ادخار) अ पु –जमा करना, ज़ख़ीरा करना।

इद्दिलाज (ادلاج) अ पु.–रात्रि का पिछला भाग वीतना।

इद्दिहान (ادهان) अ पु –तेल चुपडना।

इद्नाफ़ (ادناف) अ पु.–सूरज (सूर्य) का अस्त होने के करीब होना।

इद्वाज (ادراج) अ. पु –किसी वस्तु को लपेटना।

इद्बार (ادبار) अ पु –दरिद्रता, निर्धनता, कगाली, तवाही, दुर्दशा।

इद्मान (ادمان) अ पुं –लोहूलुहान होना, ख़ून मे तर होना।

इद्राक (ادراک) अ पु –अगोचर वस्तुओ का अनुभव, ग़ैर-महसूस चीजो की दर्याफ्त, ज्ञान, वोध, समझ-वूझ।

इद्राज (ادراج) अ पु –परस्पर लिपटना।

इद्रार (ادرار) अ पु –जारी होना, तेज़ वर्षा होना; वृत्ति, वजीफा, वार-वार पेशाव करना, वार-वार पुरस्कार और वख़शिश देना।

इद्लाज (ادلاج) अ पुं –रात मे सैर करना, रात की सैर, रात्रि का पहला भाग वीतना।

इद्हान (ادهان) अ. पु –ख़ियानत करना, ख़ियानत, फूट डालना।

इद्हाम (ادهام) अ पुं –काला होना, सियाह होना।

इनब (عنب) अ पु –अगूर, द्राक्षा।

इनबीयः (عنبیه) अ पु –आँख का एक पर्दा।

इनबुस्सा'लब (عنب الثعلب) अ पु –मकोय, एक प्रसिद्ध वनौपधि।

इनाँ (عنان) फा स्त्री –'इनान' का लघु, दे 'इनान', लगाम, वागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इनाँ गर्दिश (عنان گردش) फा स्त्री –घोडे का कावा।

इनाँगीर (عنان گیر) फा वि –लगाम पकडकर सवार को रोक लेनेवाला, आगे वढने न देनेवाला, चलते हुए काम मे वाधा डालनेवाला, वाधक, मुजाहिम, निरोधक।

इनाँ गुसिस्तः (عنان گسسته) फा वि –जिस घोडे की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो, स्वच्छद, निरकुश, मुत्लक़ुल इनाँ।

इनाँ ताब (عنان تاب) फा वि –वह सधा हुआ घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (انا) अ पु –वरतन, ज़र्फ़।

इनाअत (اناءت) अ. स्त्री —विलंव, देर, ढील, सुस्ती; आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ. पु –शत्रुता, वैर, दुश्मनी, द्वेप, कीना।

इनान (عنان) अ स्त्री –घोडे की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ. स्त्री –हुकूमत की वागडोर, शासनसूत्र, शासन-तंत्र।

इनावत (انابت) अ स्त्री –ईश्वर की ओर फिरना; वुरे कामो से अलग हो जाना, तौवा करना।

इनायत (عنایت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकपा, मेहरवानी, इरादा करना, दु:ख उठाना किसी के लिए।

इनायतनामः (عنایت نامه) अ. फा पु –कृपापत्र, किसी दोस्त या वडे आदमी के पत्र के लिए वोलते हैं।

इनारत (انارت) अ स्त्री –आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (اناث) अ स्त्री –'उंसा' का वहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरते।

इन्आम (انعام) अ पु –पुरस्कार, वख़्शिश, किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इक़ाद (انعقاد) अ. पु –आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था, होना, मुन्अकिद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (انعکاس) अ पु –परछाई पडना, प्रतिविवित होना, अक्स, प्रतिविंव।

इन्इताफ़ (انعطاف) अ पु –लौटना, फिरना, प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (انعدام) अ पु –नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्क़ा (انقا) अ पु –चुनना, वीनना।

इन्क़ाज़ (انقاذ) अ पु –छुडाना, मुक्त कराना।

इन्कार (انکار) अ पु –अस्वीकृति, न मानना, नामजूरी।

इनकास (انکاس) अ पु –औधा करना, उलटा करना, खोलना।

इन्क़ास (انقاص) अ पु –कम करना, घटाना, नाकिस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्क़िज़ा (انقضا) अ पु –समय पूरा हो जाना, नियत समय का वीत जाना।

इन्क़िज़ाज़ (انقضاض) अ. पु –ऊपर गिर पडना।

इन्क़िताअ (انقطاع) अ. पु –कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्क़िबाज़ (انقباض) अ पु –सिकुडना, मिचना, चित्त का मलिन और उदासीन होना, खिन्नता, अप्रसन्नता।

इन्कियाब (انكباب) अ पु –मुँह के बल गिरना, आपत्तियों की धूनी लेना।
इन्किमाश (انكماش) अ पु –अपमानित और तिरस्कृत होना, जलीलो ख्वार होना।
इन्कियाद (انقياد) अ पु –वशीभूत होना, अधीन होना, ताबे' होना।
इन्किराज़ (انقراض) अ पु –कटना, टुकड़े होना, समय का खत्म होना, मुद्दत पूरी होना।
इन्किलाअ (انقلاع) अ पु –उखड़ा हुआ होना, उखड़ना।
इन्किलाब (انقلاب) अ पु –उलट-पलट, परिवर्तन, काल चक्र, समय का उलट-फेर, राज्य-परिवर्तन, क्रांति, शासन की तब्दीली।
इन्क़िलाबात (انقلابات) अ पु –लगातार इन्क़िलाब।
इन्क़िलाबी (انقلابی) अ वि –इन्क़िलाब लानेवाला, वह व्यक्ति जो किसी बड़े इन्क़िलाब लाने की साज़िश में शरीक हो।
इन्क़िशाअ (انقشاع) अ पु –बादल खुल जाना, अब्र छट जाना।
इन्किशाफ़ (انکشاف) अ पु –प्रकट होना, ज़ाहिर होना, खुलना, पता चलना, गवेषणा, तहक़ीक़।
इन्किसाफ़ (انکساف) अ पु –सूरज को ग्रहण लगना, सूर्यग्रहण होना।
इन्क़िसाम (انقسام) अ पु –बटना, विभक्त होना, तक़्सीम होना, तक़्सीम, विभाजन, बटवारा।
इन्क़िसाम (انقصام) अ पु –टूटकर टुकड़े-टुकड़े होना।
इन्किसार (انکسار) अ पु –टूटना, टुकड़े होना, नम्रता, विनय, ख़ाकसारी।
इन्ख़िराअ (انخراع) अ पु –कटना, विच्छिन्न होना।
इन्ख़िदाअ (انخداع) अ पु –धोखा खाना, फ़रेब में आ जाना।
इन्ख़िफ़ाज़ (انخفاض) अ पु –किसी शब्द के नीचे ज़ेर होना, नीचे गिर पड़ना।
इन्ख़िफ़ाक़ (انخفاق) अ पु –संकुचित होना, लज्जित होना, लज्जा, संकोच, ख़िफ़्फ़त।
इन्ख़िराक़ (انخراق) अ पु –फटना, तड़कना।
इन्ख़िरात (انخراط) अ पु –आदमियों में जाना, किसी चीज़ में घुसना, सुई में डोरा डालना, डोरे में पिरोया जाना।
इन्ख़िराम (انخرام) अ पु –छीजना, कम हो जाना।
इन्ख़िलाअ (انخلاع) अ पु –नष्ट होना, बरबाद होना, बँधा हुई हवा का उखड़ना।
इन्ख़िलाक़ (انخلاق) अ पु –पैदा होना, बाँधा जाना।
इन्ख़िलाल (انحلال) अ पु –नष्ट होना, तबाह होना, नाश, तबाही।
इनग़िमाम (انغمام) अ पु –दुखित होना, खेद में होना, ग़मगीन होना।
इनग़िमास (انغماس) अ पु –डुबकी मारना, गोता लगाना, निमज्जन।
इनग़िरास (انغراس) अ पु –वृक्ष लगाना, पेड़ लगाना।
इन्नीन (عنین) अ वि –क्लीव, नपुंसक, नामर्द।
इन्फ़ह़ (انفحہ) अ पु –पनीर माय, दे 'पनीर माय'।
इन्फ़ाक़ (انفاق) अ पु –व्यय करना, ख़र्च करना, जीविका देना, रोज़ी देना।
इन्फ़ाज़ (انفاذ) अ पु –जारी करना, भेजना, प्रेषण, रवाना करना, तलवार मारना।
इन्फ़ाल (انفال) अ पु –लड़ाई में लूट का माल बाँधना।
इनफ़िआल (انفعال) अ पु –लज्जित होना, शर्मिंदा होना, किसी असर से प्रभावित होना, लज्जा, संकोच, शर्म।
इन्फ़िकाक (انفکاک) अ पु –मुक्त होना, अदा होना, छूटना, अलग-अलग होना।
इन्फ़िजार (انفجار) अ पु –रिसना, टपकना, निकलना, प्रकट होना, पीप बहना।
इन्फ़िताक़ (انفتاق) अ पु –बादल छट जाना, फट जाना।
इन्फ़ितार (انفطار) अ पु –टुकड़े-टुकड़े होना, उत्पन्न करना, पैदा करना।
इन्फ़िताह़ (انفتاح) अ पु –खुलना, विस्तृत होना, कुशादा होना।
इन्फ़िराक़ (انفراق) अ पु –फटना, शिगाफ़्त होना।
इन्फ़िराद (انفراد) अ पु –अकेला होना, तनहा होना।
इन्फ़िरादी (انفرادی) अ वि –एक आदमी का, व्यक्तिगत, वैयक्तिक, शख्सी।
इन्फ़िरादीयत (انفرادیت) अ स्त्री –अकेलापन, बेकसी।
इन्फ़िलाक़ (انفلاق) अ पु –फटना, फट जाना।
इन्फ़िसाम (انفصام) अ पु –टूट जाना।
इन्फ़िसाल (انفصال) अ पु –वाद का निर्णय होना, फ़ैसला होना, निर्णय, फ़ैसला।
इन्मास (انماس) अ पु –शिकारी का शिकार के लिए आड़ में छिपना, छिपना, लुप्त होना।
इन्मिलाक़ (املاق) अ पु –मित्रता, दोस्ती, चापलूसी, चाटुकारिता, अनुकंपा, दया, मुक्ति पाना, छुटकारा, बराबर होना, एक-सा होना।
इनहा (انہا) अ पु –जारी करना, फिराना।
इनहा (انہا) अ पु –ख़बर पहुँचाना, सूचना देना।

इन्हाब (انہاب) अ. पु.–लूटना, गारत करना।
इन्हिज़ाज़ (انہضاض) अ. पुं.–टूटना, शिकस्त होना।
इन्हिज़ाम (انہضام) अ पु.–पचना, हज़म होना।
इन्हिज़ाम (انہزام) अ पु.–पराजय होना, हारना; पराजय, शिकस्त।
इन्हितात (انحطاط) अ पुं.–ह्रास होना, घटना; कमी, ह्रास।
इन्हितात (انحتات) अ पुं.–पतझड़, खिज़ाँ।
इन्हिताम (انحطام) अ. पु.–शिकस्त होना, टूटना।
इन्हिदाब (انحداب) अ पु.–कुबडा होना, कुब्ज, कूबड।
इन्हिदाम (انہدام) अ. पु.–मकान आदि का ध्वस्त होना, गिरना, बरबाद होना, वीरान होना, ध्वस, बरबादी।
इन्हिना (انحنا) अ पु.–टेढा होना, झुकना, टेढ, झुकाव; कुब्जपन, कुबड़ापन।
इन्हिमाक (انہماک) अ पुं.–तन्मयता, संलग्नता, तल्लीनता, तनदिही, किसी कार्य मे दत्तचित्त होना।
इन्हिमाम (انہمام) अ पु.–गलना, घुलना, पिघलना।
इन्हिराफ (انحراف) अ. पु.–एक ओर को फिर जाना; किसी की ओर से फिर जाना, अवज्ञाकारी हो जाना, अवहेलना, अनाज्ञा, अवज्ञा, नाफर्मानी।
इन्हिलाल (انحلال) अ पु.–विस्तृत होना; नष्ट होना, नापैद होना, तुच्छ होना, नाचीज होना।
इन्हिलाल (انہلال) अ पु.–बहुत अधिक वर्षा होना, मूसलाधार पानी बरसना।
इन्हिसार (انحصار) अ पु.–निर्भर होना, आश्रित होना, मुनहसिर होना, निर्भरता, दारोमदार।
इन्हिसार (انحسار) अ पुं.–बाल झड़ जाना।
इफाकः (افاقہ) अ पु.–रोग का स्वास्थ्य की ओर परिवर्तन, आरोग्य-लाभ, फिर से होश मे आना, सँभाल लेना, आरोग्योन्मुखता।
इफाकत (افاقت) अ स्त्री–दे 'इफाक'।
इफाज़ः (افاظہ) अ पु.–मार डालना, हलाक करना।
इफ़ाज़ः (افاضہ) अ पु.–यश पहुँचाना, फैज पहुँचाना, बहुत अधिक दान करना।
इफाज़त (افاضت) अ पु.–दे 'इफाज़'।
इफादः (افادہ) अ पुं.–लाभ पहुँचाना (विद्या आदि का, धन का नही)।
इफादत (افادت) अ स्त्री–दे 'इफाद'।
इफादी (افادی) अ वि.–ऐसी चीज जिससे ज्ञान की वृद्धि हो।
इफादीयत (افادیت) अ स्त्री–लाभकारिता, उपादेयता, फाइदामदी।

इफ़्क (افک) अ. पु.–झूठ, मृषा, मिथ्या, असत्य; आरोप, लांछन, बोहतान, झूठा इल्जाम।
इफ़्कार (افقار) अ पु.–बिना दाना-पानी के होना, फ़ाक़े से होना, निर्जल व्रत रहना।
इफ़्ज़ाअ (افزاع) अ पुं.–डराना, भय-प्रदर्शन, खौफ दिलाना।
इफ़्ज़ाल (افضال) अ पु.–कृपा, दया, अनुकपा, करम; बढाना, वृद्धि करना।
इफ़्ज़ाह (افضاح) अ पु.–निन्दा करना, बदनाम करना; भर्त्सना करना, फ़जीहत करना।
इफ़्ता (افتا) अ पु.–'फत्वा' देना, यह बताना कि धर्म के अनुसार अमुक काम कैसा है।
इफ़्तार (افطار) अ पुं.–रोजा खोलना, रोजा खोलने के लिए कुछ खाना या पीना।
इफ़्तारी (افطاری) अ स्त्री–रोजा खोलने की खाद्य सामग्री।
इफ़्तिआल (افتعال) अ पु.–आरोप, मिथ्या लांछन, बोहतान।
इफ़्तिकाक (افتکاک) अ पुं.–पृथक् होना, अलग होना, जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।
इफ़्तिकाद (افتقاد) अ. पु.–अनुकंपा करना, मेहरबानी करना, अनुपस्थित करना, खो देना, खोजना, तलाश करना, खोई हुई वस्तु को ढूंढना, अन्वेषण।
इफ़्तिकार (افتقار) अ पु.–दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता, विनीति, आजिजी, तिरस्कृति, ख्वारी।
इफ़्तिखार (افتخار) अ. पु.–गर्व, गौरव, मान, फख्र।
इफ़्तिज़ाह (افتضاح) अ पु.–फजीहत करना, निन्दा करना, भर्त्सना करना, निन्दा, भर्त्सना, रुसवाई।
इफ़्तितान (افتتان) अ पु.–झगड़ा खड़ा करना, बवडर बनाना, झगड़े मे डाल देना।
इफ़्तिताश (افتتاش) अ पुं.–तफ्तीश करना, जाँच-पड़ताल करना, खोज लगाना।
इफ़्तिताह (افتتاح) अ पु.–उद्घाटन, अनुष्ठान, शुरूआत, खोलना, खुलना, प्रारम्भ करना।
इफ़्तिताहीयः (افتتاحیہ) अ पु.–संपादकीय लेख, अग्र लेख, एडीटोरियल।
इफ़्तिदा (افتدا) अ पु.–प्राणो के बदले माल देना, किसी के प्राण ले लेने पर उसके वारिसो को धन देकर राजी कर लेना।
इफ़्तिरा (افترا) अ पु.–आरोप; लाछन, तोहमत।
इफ़्तिराक (افتراق) अ पु.–परस्पर एक दूसरे को अलग-अलग कर देना, फूट डालना, फूट, वैमनस्य।
इफ़्तिरा पर्दाज़ (افترا پرداز) अ फा वि.–झूठा आरोप लगाने-

वाला झूठा आरोप लगाकर झगडा खडा कर देनेवाला।
इफ्तिरार (افترار) अ पु —दांत निकालना दाँत चमकाना।
इफ्तिराश (افتراش) अ पु —बिछा करना, बिछाई करना, साथ सुला टाह लगाना।
इफ्तिरास (افتراس) अ पु —किसी चिह्न से किसी वस्तु का पहचानना घाटे पर चढ़ना गर्दन तोड़ना मार डालना।
इफ्तिराह (افتراح) अ पु —हर्षित होना खुश होना खुशी मनाना।
इफ्ना (افنا) अ पु —नाश करना नष्ट करना, फ़ना करना।
इफ्नान (افنان) अ पु —भान-भान लाना।
इफ़्फ़त (عفت) अ स्त्री —सतीत्व पातिव्रत्य इस्मत अस्मत।
इफ़्फ़तमआब (عفت مآب) अ वि —सती पतिव्रता, पाकदामन।
इफ़्रंग (افرنگ) अ पु —फ़िरंगिस्तान यूरोप इंग्लिस्तान।
इफ़्रंजी (افرنجی) अ वि —अंग्रेज यूरोपियन।
इफ़्रात (افراط) अ स्त्री —प्राचुर्य बाहुल्य बहुतात कसरत।
इफ़्राती तफ़्रीत (افراط و تفریط) अ स्त्री —आधिक्य एव न्यूनता कमावेश घाटा-बढ़त तारतम्य न्यूनाधिक।
इफ़्राश (افراش) अ पु —अधिकता और न्यूनता ज़ियादती और कमी।
इफ़्राह (افراح) अ पु —हर्षित करना प्रसन्न करना खुश करना।
इफ़्रीत (عفریت) अ पु —राक्षस दैत्य।
इफ़्लाज (افلاج) अ पु —किसी अंग का सुन्न हो जाना फ़ालिज गिरना।
इफ़्लास (افلاس) अ पु —धनहीनता, कंगाली मुफ़्लिसी।
इफ़्लासज़दः (افلاس زده) अ फा वि —दरिद्र निर्धन मुफ़्लिस दरिद्रता से पीड़ित निर्धनता से दुखी।
इफ़्लासज़दगी (افلاس زدگی) अ फा स्त्री —दरिद्रता निर्धनता मुफ़्लिसी।
इफ़्लाह (افلاح) अ पु —हित करना भलाई करना समृद्धि खुशहाली मुक्ति मोक्ष।
इफ़्शा (افشا) अ पु —प्रकट करना ज़ाहिर करना।
इफ़्शाएराज़ (افشاے راز) अ फा पु —रहस्य का प्रकट हो जाना भेद खुल जाना।
इफ़्साद (افساد) अ पु —उपद्रव करना फ़साद करना नष्ट करना तबाह करना।
इफ़्हाम (افہام) अ पु —समझाना अच्छी तरह बताना बात कराना।
इफ़्हाम (افحام) अ पु —किसी का वाद विवाद में तर्क द्वारा चुप कर देना।
इफ़्हामो तफ़्हीम (افہام و تفہیم) अ पु —स्वयं समझना और दूसरे को समझाना विचार विनिमय समझौते की बातचीत।
इफ़्हाश (افحاش) अ पु —अश्लील बातें बकना, फ़ुहश बकना, अवाच्यवाद।
इबा (ابا) अ स्त्री —अस्वीकृति इन्कार घृणा नफ़रत घिन।
इबाद (عباد) अ पु —अब्द का बहु, भक्तगण, दास लोग गुलाम।
इबादत (عبادت) अ स्त्री —उपासना, आराधना पूजा बन्दगी तप तपस्या।
इबादतख़ान (عبادت خانہ) अ फा पु —इबादत करने का स्थान उपासना गृह, मसजिद मन्दिर गिर्जा आदि।
इबादतगाह (عبادت گاہ) अ फा स्त्री —दे 'इबादतख़ान'।
इबादतगुज़ार (عبادت گزار) अ फा वि —बहुत अधिक इबादत करनेवाला तपस्वी तपशील।
इबारत (عبارت) अ स्त्री —अक्षर विन्यास, पदावली, इबारत ग्रन्थ लेख अनुलेख इन्शा, लेख तहरीर।
इबारत आराई (عبارت آرائی) अ फा स्त्री —शब्दाडंबर, इबारत में बना-बनाकर शब्द लाना, लेख को अलंकारों से सुसज्जित करना इबारत को पुरतकल्लुफ़ बनाना लेख लिखना।
इबाहत (اباحت) अ स्त्री —किसी खान-पान अथवा काम का धर्म के अनुसार विहित होना मुबाह होना।
इबिल (ابل) अ पु —ऊँट उष्ट्र यह शब्द बहुवचन है इसका एकवचन नहीं है।
इब्आद (ابعاد) अ पु —दूर करना हटाना दूर फेंकना।
इब्क़ा (ابقا) अ पु —बाक़ी रखना, बचा लेना।
इब्का (ابکا) अ पु —रुलाना, रुदित करना।
इब्कार (ابکار) अ पु —प्रातःकाल, प्रभात सवेरा सुबह।
इब्त (ابط) अ स्त्री —बग़ल कक्ष।
इब्ता (ابطا) अ पु —देर करना विलम्ब करना, ढील डालना
इब्ताल (ابطال) अ पु —झुठलाना, गलत ठहराना खंडन करना, तर्दीद करना खंडन तर्दीद।
इब्तिआद (ابتعاد) अ पु —दूर होना पास से हटना।
इब्तिकार (ابتکار) अ पु —नया करना नवीन करना।
इब्तिग़ा (ابتغا) अ पु —इच्छा करना चाहना चाह इच्छा ख़ाहिश।
इब्तिज़ाल (ابتذال) अ पु —अपव्यय फ़ुज़ूलख़र्ची अन्धी लुटा फूहड़पन फक्कड़पन।
इब्तिदा (ابتدا) अ स्त्री —प्रारम्भ आरम्भ, शुरुआत आग़ाज़, इब्तिदाए ज़माना।

इब्तिदाअन् (ابتداءً) अ वि.–आरम्भ मे, पहले-पहल, शुरू-शुरू मे ।
इब्तिदाई (ابتدائی) अ. वि –प्रारम्भिक, प्राथमिक, आदिम, शुरू का, पहला ।
इब्तिला (ابتلا) अ पु –परीक्षा, आजमाइश; दुःख मे डालना; दुःख, कष्ट, मुसीवत ।
इब्तिलाअ (ابتلاع) अ पु –निगलना, हलक मे उतारना ।
इब्तिलाल (ابتلال) अ. पु –भीगना, तर होना ।
इब्तिसाम (ابتسام) अ पुं –खिलना, प्रफुल्ल होना, हँसना, मुस्कराना ।
इब्तिहाज (ابتہاج) अ पु –आनन्द, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।
इब्तिहाल (ابتہال) अ पु –रोना-धोना, रोना, गिडगिडाना ।
इब्दा (ابدا) अ पु –प्रकट करना, जाहिर करना, उत्पन्न करना, पैदा करना ।
इब्दाअ (ابداع) अ पु –ऐसी वस्तु वनाना जो विलकुल नयी और अनोखी हो, आविष्कार करना ।
इब्दाल (ابدال) अ पु.–वदलना, एक अक्षर को दूसरे अक्षर से वदलना ।
इब्न (ابن) अ. पु –पुत्र, वेटा ।
इब्नः (ابنہ) अ स्त्री –पुत्री, वेटी ।
इब्ना (ابنا) अ पु –नीव डालना, वनाना ।
इब्नुल अख (ابن الاخ) अ पु –भतीजा, भाई का लडका ।
इब्नुल इर्स (ابن العرس) अ. पु –नेवला, एक जगली जन्तु ।
इब्नुल उख्त (ابن الاخت) अ पु –भानजा, वहन का लडका ।
इब्नुल ग़ैब (ابن الغیب) अ पु –वह लडका जिसके पिता का पता नही, जारज, दोगला, अज्ञातकुलशील ।
इब्नुल लबून (ابن اللبون) अ पु –ऊँट का दूध पीता वच्चा ।
इब्नुल वक़्त (ابن الوقت) अ पु –वह व्यक्ति जो अपने को समय के अनुसार ढाल ले, अवसरवादी ।
इब्नुस्सबील (ابن السبیل) अ पु –पथिक, मुसाफिर, राहगीर ।
इब्ने आवा (ابن آوی) अ पु –शृगाल, गीदड, सियार ।
इब्ने सुब्ह (ابن صبح) अ पु –सूर्य, सूरज ।
इब्रः (عبرہ) अ पु –नाव या जहाज का महसूल, राहदारी का महसूल, नदी पार करना, खिराज ।
इब्रः (ابرہ) अ स्त्री –सुई, सूची ।
इब्रत (عبرت) अ स्त्री.–वह मानसिक खेद जो किसी वड़े आदमी को वुरी अवस्था मे या किसी अपराधी को कडी सज़ा या दैवी कष्ट मे देखकर होता है ।
इब्रत अंगेज (عبرت انگیز) अ फा वि –इब्रत पैदा करनेवाली वात ।
इब्रतखेज (عبرت خیز) अ. फा. वि.–ऐसी वात जिससे इब्रत पैदा हो ।
इब्रतनाक (عبرتناک) अ. फा. वि.–इब्रत अंगेज; भयानक, भयंकर, वहुत सख्त ।
इब्रा (ابرا) अ पु –वेजारी, उपेक्षा; रोगमुक्ति, शिफा, अदा करना, चुकता करना, पवित्र होना, शुद्ध होना, पाक होना ।
इब्राक (ابراق) अ पु –विजली गिराना, विजली का शाक लगना ।
इब्राज (ابراز) अ पु –प्रकट करना, ज़ाहिर करना ।
इब्रानी (عبرانی) अ स्त्री –मुल्क शाम की एक प्राचीन भाषा, इब्री ।
इब्राम (ابرام) अ पु –दृढ करना, मजवूत करना, कष्ट देना, दुःखित करना, रस्सी वटना ।
इब्रार (ابرار) अ पु –भलाई करना, वख्शिश करना, यश देना ।
इब्राहीम (ابراہیم) अ. पु –एक पैगम्वर जिन्हे नम्रूद ने आग में जलाना चाहा था, परन्तु वह आग का समुद्र उनके लिए वाग वन गया ।
इब्री (عبری) अ स्त्री –दे 'इब्रानी' ।
इब्रीक (ابریق) अ पु.–एक प्रकार का चमडे का टोंटीदार लोटा, शराव का जग ।
इब्रीज (ابریز) अ. पु –खरा सोना और चाँदी ।
इब्रीज (ابریج) अ स्त्री –छाछ विलोने की रई, मथानी ।
इब्रेशम (ابریشم) अ. पु –रेशम, कौशेय, कच्चा रेशम, रेशम का कोया ।
इब्ल (ابل) अ. पु –ऊँट, उष्ट्र, दे 'इविल', दोनो शुद्ध है ।
इब्लाग (ابلاغ) अ पु –पहुँचाना, भेजना ।
इब्लीस (ابلیس) अ पु –जो ईश्वर की दया से निराश हो, शैतान, दैत्य ।
इब्सार (ابصار) अ पु –देखना, आलोकन, अवलोकन ।
इब्हाम (ابہام) अ पु –चुपके से कहना, चुपके से छोड देना, द्वार वन्द करना, अँगूठा, निगूढता, क्लिष्टता, इग्लाक ।
इमा (اما) अ स्त्री –'अमत' का वहु, लौडियाँ, दासियाँ, कनीजे ।
इमादः (عمادہ) अ पु –स्तम्भ, सुतून ।
इमाद (عماد) अ पु –इमाद का वहु, खभे, सुतून ।
इमामः (عمامہ) अ पु –पगडी, उष्णीप, साफा ।
इमाम (امام) अ पु –नेता, अग्रसर, पेशवा, नमाज पढ़ानेवाला, जो नमाज मे इमामत करे ।

इमामत (امامت) अ स्त्री—नेतृत्व नेतापन पेशवाई नमाज पढ़ाना नमाज पढ़ाने की नौकरी।

इमामतपेशा (امامت پیشہ) अ फा वि—वह व्यक्ति जो किसी मसजिद में नमाज पढ़ाकर जीविका चलाता हो।

इमामिया (امامیہ) अ वि—शीआ मुसलमान।

इमामे नातिक़ (امام ناطق) अ पु—हज़रत इमाम जाफ़र सादिक़ अभिभाषक इमाम उपदेशक-धर्मगुरु।

इमारत (امارت) अ स्त्री—धनाढ्यता मालदारी शासन राज्य हुकूमत हिंदी में अमारत प्रचलित 'अमीर' से भाववाचक संज्ञा बनी।

इमारत (عمارت) अ स्त्री—मकान बिल्डिंग।

इमाला (امالہ) अ पु—फ़ारसी अथवा अरबी में किसी शब्द के अलिफ़ को 'ये' बना देना जैसे 'किताब' को 'कितेब' कर देना।

इमआन (امعان) अ पु—गहरी दृष्टि डालना गौर से देखना खूब गौर करना गहरा सोचना।

इमआन नज़र (امعان نظر) अ पु—गहरी दृष्टि ग़ाइर नज़र सूक्ष्म दृष्टि।

इम्कान (امکان) अ पु—संभावना मुमकिन होना हो सकने का भाव।

इम्ज़ा (امضا) अ पु—आज्ञा जारी करना किसी काग़ज़ पर मोहर और हस्ताक्षर करना।

इम्ताअ (امتاع) अ पु—लाभ पहुँचाना।

इम्तार (امطار) अ पु—पानी बरसना वर्षा होना।

इम्तिक़ाअ (امتقاع) अ पु—रंग उतर जाना रंग फीका पड़ जाना।

इम्तिख़ाज (امتخاج) अ पु—हड्डी से गूदा निकालना।

इम्तिज़ाज (امتزاج) अ पु—मिलाना सम्मिलित करना मिश्रण मिलावट।

इम्तिदाद (امتداد) अ पु—खिंचा हुआ होना दीर्घता लम्बाई विस्तार।

इम्तिदादे ज़मान (امتداد زمان) अ पु—अधिक समय बीत जाना दीर्घकालीनता।

इम्तिनाअ (امتناع) अ पु—निषेध प्रतिबंध मनाही।

इम्तिनाए शराब (امتناع شراب) अ पु—मद्य निषेध शराबबंदी।

इम्तिनान (امتنان) अ पु—अच्छा अच्छी नमन देना एहसान रखना कृतज्ञ करना।

इम्तियाज़ (امتیاز) अ पु—दो एक-सी चीज़ों में अन्तर करना विवेक तमीज़ मुख्यता ख़ुसूसियत एक को दूसरे पर तर्जीह परीक्षा में विद्यार्थियों का अच्छे नम्बर लेने के फलस्वरूप डिस्टिंक्शन विशेष योग्यता।

इम्तियाज़नामा (امتیازنامہ) अ फा पु—लाइसेंस।

इम्तियाज़ी (امتیازی) अ वि—मुख्य ख़ुसूसी विशेष।

इम्तिरास (امتراس) अ पु—उचककर छीनकर भागना।

इम्तिला (امتلا) अ पु—पेट में अन्न का अधिक हो जाना बदहज़मी अजीर्ण भर जाना आफ़ारा अफारा।

इम्तिशात (امتشاط) अ पु—बालों में कंघी करना।

इम्तिसाल (امتثال) अ पु—आज्ञा-पालन फ़र्मांबरदारी।

इम्तिसाले अम्र (امتثال امر) अ पु—हुक्म मानना आज्ञा पालन करना।

इम्तिसाले हुक्म (امتثال حکم) अ पु—दे. इम्तिसाले अम्र।

इम्तिसास (امتصاص) अ पु—चूसना चूषण।

इम्तिहात (امتحاط) अ पु—नाक साफ़ करना।

इम्तिहान (امتحان) अ पु—परीक्षा जाँच परख विद्यार्थियों की परीक्षा पराइ की जाँच।

इम्तिहान (امتہان) अ पु—अपमानित रखना।

इम्तिहाल (امتہال) अ पु—मोहलत देना छुट्टी देना।

इम्दाद (امداد) अ स्त्री—सहायता मदद सहयोग।

इम्दादे बाहमी (امداد باهمی) अ फा स्त्री—मिल-जुलकर काम करना सहकारिता।

इम्रा (امرا) अ पु—पेट में अन्न का पचना खाना हज़्म होना।

इम्रान (عمران) अ पु—आबादी जनसंख्या।

इम्रार (امرار) अ पु—गुज़ारना गुज़रवाना।

इमरोज़ (امروزہ) फा वि—आज का आज के दिन का।

इमरोज़ (امروز) फा पु—आज अद्य आज का दिन।

इम्ल (عمل) अ पु—काम मज़दूरी।

इम्ला (املا) अ स्त्री—अक्षर विन्यास इबारत शब्दशः अनुलेख वह इबारत जो बच्चों को पुस्तक दिखाये बिना लिखायी जाती है वरना।

इम्लाक़ (املاق) अ पु—दरिद्रता कंगाली फ़क़ीरी साधुता।

इम्लाक (املاک) अ पु किसी को किसी वस्तु का स्वामी बनाना मालिक करना।

इम्लाल (املال) अ पु—दुःखित करना मलूल करना।

इम्लास (املاص) अ पु—पेट गिराना भ्रूणपात।

इम्लाह (املاح) अ पु—नमकीन करना नमक मिलाना।

इमशब (امشب) फा स्त्री—आज की रात आज रात।

इम्सा (امسا) अ पु—रात कर देना हाल बदल जाना अवस्था का परिवर्तित होना।

इमसाल (امسال) फा पु—इस साल मौजूदा साल।

इमसाल (امسال) अ पु—दान-नाक काटना।

इम्सास (امساس) अ. पुं.–स्पर्श करना, छूना; मर्दन, मसलना।
इम्हाल (امهال) अ पु –मोहलत देना, समय देना।
इयाँ (عياں) अ पु –प्रकट, व्यक्त, स्पष्ट, जाहिर (अयाँ)।
इयाज़ (عياذ) अ स्त्री –त्राण, रक्षा पनाह।
इयादत (عيادت) अ स्त्री.–रोगी का हाल पूछने और उसे ढारस देने के लिए उसके पास जाना।
इयाब (اياب) अ पुं –वापस आना, लौटना, प्रत्यागमन।
इयाबोज़हाब (اياب وذهاب) अ.पु –आना-जाना, यातायात।
इयारिज (ايارج) अ पु –एलुआ, गुआरपाठा (घीकुआर) का सुखाया हुआ रस।
इयाल (عيال) अ पु –बाल-बच्चे (अयाल)।
इयालत (ايالت) अ स्त्री –सम्माली करना, निरीक्षण; दंड देना, सज़ा देना, डाँट-फटकार करना।
इयाल्त (عيالت) अ स्त्री –बाल-बच्चोंवाला होना।
इयास (اياس) अ पुं –निराश होना, नाउम्मीद होना।
इरम (ارم) अ पु –'आद' नाम की कौम का नगर; 'आद' नामक व्यक्ति का पिता, वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, स्वर्ग, बिहिश्त।
इराअत (ارائت) अ. स्त्री–दिखाना, नुमाइश करना।
इराक़ः (اراقه) अ पु.–पानी या कोई दूसरी पतली चीज गिराना।
इराक़ (عراق) अ पु –पूर्वी अरब का एक देश, जिसकी राजधानी 'बगदाद' है
इराक़त (اراقت) अ. स्त्री –दे. 'इराक़'।
इराग़ः (اراغه) अ. पु –दे 'इराग़त'।
इराग़त (اراغت) अ पु –माँगना, तलब करना।
इराद. (اراده) अ पु –संकल्प, क़स्द, निश्चय, तहैय; इच्छा, ख्वाहिश।
इरादत (ارادت) अ स्त्री –श्रद्धा, आस्था, एतिक़ाद।
इरादत केश (ارادت كيش) अ फा वि –श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तक़िद; भक्त, नियाजमंद।
इरादतन (ارادةً) अ वि –जान-बूझकर, क़स्दन।
इरादतमंद (ارادت مند) अ. फा वि –दे 'इरादतकेश'।
इरादी (ارادى) अ वि –इरादे का, इरादे से सम्बन्धित।
इराबत (ارابت) अ स्त्री –शक करना, संदेह करना; किसी को संदेह में डालना।
इराहत (اراحت) अ स्त्री –मरना, किसी चीज की बू सूँघना, अपवित्र होना, सुख देना; तृप्त होना।
इर्आश (ارعاش) अ पु –दूसरे को कँपाना।
इर्क़ (عرق) अ स्त्री –स्नायु; पट्ठा, रग।
इर्काज़ (اركاض) अ पु –बच्चे का पेट में फिरना।
इर्क़ाम (ارقام) अ पु –अंकन, लिखना।
इर्क़ास (ارقاص) अ. पु.–उछालना; बच्चे को खेल में लगाना, ऊँट को भगाना।
इर्कुन्निसा (عرق النسا) अ. स्त्री.–वह दर्द जो चूतड़ से एड़ी तक उठता है, कुब्ज, गृध्रसी स्नायु-शूल, साइटिका, नर्वस पेन।
इर्खा (ارخا) अ.पु –ढीला करना, शिथिल करना, छोड़ देना।
इर्खास (ارخاص) अ. पु.–सस्ता करना, भाव गिराना।
इर्ग़ाम (ارغام) अ पु.–अपमानित करना, ज़लील करना, नाक रगड़वाना।
इर्जा (ارجا) अ पु –आशान्वित करना, फेंकना, रास्ते का ग़लत के करीब आना।
इर्ज़ा (ارضا) अ पु –मनाना, राजी करना।
इर्जाअ (ارجاع) अ पु.–रुजूअ करना, आकृष्ट करना, मुतवज्जेह करना।
इर्ज़ाअ (ارضاع) अ. पु –स्त्री का बच्चे को दूध पिलाना।
इर्तिआद (ارتعاد) अ. पु –कंपन, कँपकँपाहट, थरथरी, लर्जिश।
इर्तिआश (ارتعاش) अ पु –कँपकँपी, कंपन, लर्ज़ा, काँपना, थरथराना।
इर्तिकाज़ (ارتكاز) अ पु.–रगड़ना, मर्दन, भरोसा करना।
इर्तिकाज़ (ارتكاض) अ पु –पेट में डोलना, बच्चे का पेट में हरकत करना।
इर्तिकाब (ارتكاب) अ पु –पाप करना, किसी बुरे काम की शुरुआत करना, किसी चीज पर सवार होना।
इर्तिक़ाब (ارتقاب) अ पु –आशा रखना, उम्मेद रखना।
इर्तिकाबे गुनाह (ارتكاب گناه) अ फा पु.–पाप करना, गुनाह करना।
इर्तिकाबे जुर्म (ارتكاب جرم) अ. पु –अपराध करना, क़सूर करना।
इर्तिख़ास (ارتخاص) अ. पु –सस्ता खरीदना, भाव गिराकर मोल लेना।
इर्तिजा (ارتجا) अ पु –आशा रखना, आशान्वित होना।
इर्तिज़ा (ارتضا) अ पु –राजी होना, प्रसन्न होना; पसंद करना।
इर्तिजाअ (ارتجاع) अ. पु –लौटाना, फिराना।
इर्तिज़ाअ (ارتضاع) अ पु –बच्चे का स्त्री का दूध पीना।
इर्तिजाज (ارتجاج) अ पु –हिलना, डोलना, कँपकँपाना, थरथराना।
इर्तिजाल (ارتجال) अ पु –बिना सोचे तुरन्त ही किसी विषय पर बोलने लगना, बिना सोचे तुरन्त ही कविता करना, किसी काम को तुरन्त ही कर देना।

इतिजालन (ارتجالا) अ वि–इतिजाल के तौर पर, फिल्बदीह आशु गति से।
इर्तिताम (ارتطام) अ पु–दलदल में फँसना गिरफ्तार होना नीचे जाना कीचड में कोई चीज फँसना।
इर्तिदा (ارتدا) अ पु–चादर ओढ़ना।
इर्तिदाद (ارتداد) अ पु–धर्म-परिवर्तन अपना धर्म छोड कर दूसरे धर्म में चला जाना।
इर्तिफाअ (ارتفاع) अ पु–ऊँचा उठना कहीं से निकलना गल्ला उठाना लगान देश की आय ऊँचाई।
इर्तिफाक (ارتفاق) अ पु–साथ देना, दोस्ती निबाहना कोहनी का तकिया लगाना कोहनी पर टेक लगाना।
इर्तिबात (ارتباط) अ पु–एक चीज को दूसरी से बाँधना मेल मिलाप मैत्री दोस्ती।
इर्तिबाह (ارتباح) अ पु–व्यापार में ब्याज लेना।
इर्तियाद (ارتیاد) अ पु–माँगना तलब करना ढूँढना खोज लगाना।
इर्तियाब (ارتیاب) अ पु–शक में डालना शंका में डालना।
इर्तियाश (ارتیاش) अ पु–अवस्था का अच्छा होना।
इर्तियाह (ارتیاح) अ पु–प्रसन्न होना हर्षित होना खुश होना।
इर्तिशा (ارتشا) अ पु–रिश्वत लेना घूस लेना उत्कोच ग्रहण।
इर्तिशाफ (ارتشاف) अ पु–चूसना।
इर्तिसाम (ارتسام) अ पु–चित्रित करना चित्र बनाना।
इर्तिहान (ارتہان) अ पु–रेहन की वस्तु अपने पास धरना गिरो रखना।
इर्तिहाल (ارتحال) अ पु–किसी वस्तु को एक जगह से उठाना कहीं जाना प्रस्थान करना कूच करना।
इर्दगिर्द (اردگرد) फा वि–चारों ओर चहुँपास चारों तरफ आस-पास।
इर्दा (اردا) अ पु–मार डालना।
इर्फान (عرفان) अ पु–विवेक ज्ञान तमीज ब्रह्मज्ञान मारिफत।
इर्ब (ارب) अ स्त्री–आवश्यकता जरूरत।
इर्मन (ارمن) अ पु–एक देश आर्मेनिया।
इर्मनी (ارمنی) अ वि–इर्मन का निवासी आर्मेनियन।
इर्माग (ارماغ) अ पु–दूग मारना पाखाना निकल जाना।
इर्माज (ارماض) अ पु–गर्म रेत से जलना।
इर्वा (اروا) अ पु–पानी देना सैराब करना तृप्त करना।
इर्शाद (ارشاد) अ पु–सीधा रास्ता दिखाना आज्ञा देना हुक्म करना दीक्षा देना हिदायत करना आज्ञा हुक्म, दीक्षा, पीर की हिदायत, धर्मगुरु का उपदेश।
इर्साल (ارسال) अ पु–फुहार पडना, धीमी वर्षा होना आँसू गिरना, खून टपकना।
इर्स (ارث) अ स्त्री–किसी काम का पुश्त दर पुश्त चलना मीरास, मूल, असल राख बाकी बची हुई वस्तु, परम्परा पूर्व प्रचलित मान्यता।
इर्साद (ارصاد) अ पु–निरीक्षण, निगरानी करना, देखभाल करना।
इर्साल (ارسال) अ पु–प्रेषण भेजना भूलना, उपहार भेंट, तोहफा।
इलल आन (الی الان) अ अव्य–अब तक इस समय तक अब भी, अद्यापि।
इला (الا) अ स्त्री–भलाई, अच्छाई नेकी नमन, श्विय पदार्थ।
इलाक (علاقہ) अ पु–क्षेत्र सर्किल भाग, मुल्क प्रदेश, जिला।
इलाज (علاج) अ पु–उपचार चिकित्सा, दवा-दारू उपाय प्रयत्न तदबीर।
इलाज पिजीर (علاج پذیر) अ फा वि–जो दवा के काबिल हो साध्य।
इलाव (علاوہ) अ अव्य–अतिरिक्त सिवाय। हिन्दी में अलावा प्रचलित है। (अलावा)।
इलाह (الہ) अ पु–ईश्वर, अल्लाह खुदा।
इलाहा (الہا) अ अव्य–हे ईश्वर ए खुदा।
इलाही (الہی) अ अव्य–मेरा ईश्वर मेरा खुदा, ईश्वर, खुदा।
इलाहीयात (الہیات) अ स्त्री–ब्रह्मज्ञान से सम्बन्धित शास्त्रादि।
इलआब (العاب) अ पु–खेलना क्रीडा करना।
इल्का (القا) अ पु–पहुँचाना डालना दैवी शक्ति द्वारा अनायास मन में कोई विचार उत्पन्न होना जिससे अनिष्ट से बचाव अथवा इष्ट के ग्रहण की ओर संकेत हो।
इल्गा (الغا) अ पु–डालना, फेंकना हटाना निवारण करना झुठलाना।
इल्जा (الجا) अ पु–बुराई और पाप से बचना, अपने काम को ईश्वरेच्छा पर निर्भर कर देना।
इल्जाक (الزاق) अ पु–चिपकना चिपकाना।
इल्जाम (الجام) अ पु–घोडे के मुँह में लगाम देना।
इल्जाम (الزام) अ पु–दोष अपराध जुर्म कोई बात अपने ऊपर या दूसरे पर लाजिम कर देना।
इल्जामात (الزامات) अ पु–इल्जाम का बहु दोष-समूह बहुत से अपराध जराइम।

इल्ताफ (الطاف) अ पु –कृपा करना, दया करना, करम करना (लुत्फ का बहुवचन अल्ताफ) ।

इल्तिका (التقا) अ पु –इकट्ठा होना, एक दूसरे मे घुसना, एक दूसरे को देखना ।

इल्तिकात (التقاط) अ. पुं –चुनना, बीनना, चुनकर इकट्ठा करना ।

इल्तिकाम (التقام) अ पु –कौर करना, निवाला करना ।

इल्तिजा (التجا) अ स्त्री –प्रार्थना करना, दरखास्त करना, प्रार्थना, दरखास्त, दुहाई देना ।

इल्तिजाक (التزاق) अ पु –चिपकना, सटना ।

इल्तिजाज (التجاج) अ पु –लडना, युद्ध करना ।

इल्तिजाज़ (التذاذ) अ पु –स्वाद लेना, मजा चखना, आनद लेना, लुत्फ उठाना ।

इल्तिज़ाम (التزام) अ पु –किसी कार्य को अपने ऊपर लाजिम और अनिवार्य कर लेना ।

इल्तिफात (التفات) अ पु –कनखियो से देखना, कृपा, दया, तवज्जुह, प्रवृत्ति, प्रणय-कटाक्ष, कृपाकोर ।

इल्तिबास (التباس) अ पु –एक-सा होना, सदृश होना, सदृशता, मुशाबहत ।

इल्तिमाअ (التماع) अ पु –चमकना, प्रकाशमान् होना ।

इल्तिमास (التماس) अ स्त्री –प्रार्थना करना, सवाल करना, प्रार्थना, सवाल ।

इल्तियाअ (التياع) अ पु –प्रेम की अग्नि से हृदय का दाह।

इल्तियात (التياط) अ पु –चिपकाना, मिलाना, जोडना ।

इल्तियाम (التيام) अ पु –घाव का भरना, जख्म का अच्छा होना, परस्पर पैवस्त होना ।

इल्तिवा (التوا) अ पु –लिपटना, मुलतवी होना, रुक जाना ।

इल्तिसाक (التساق, التصاق) अ पु –चिपकना ।

इल्तिसाम (التثام) अ पु –किसी चीज़ को चूमना ।

इल्तिहा (التحا) अ पु –दाढी निकलना ।

इल्तिहाफ (التحاف) अ पु –सिर से कपड़ा ओढना ।

इल्तिहाब (التهاب) अ पु –आग का भडकना, आग का लपटें मारना ।

इल्फ (الف) अ पु –अभ्यस्त होना, आदत पड जाना ।

इल्फाफ (الفاف) अ पु –लपेटना ।

इल्बाब (الباب) अ पु –बसना, ठहरना, मुकीम होना ।

इल्बास (الباس) अ पु –कपडे पहनना ।

इल्म (علم) अ. पु –विद्या, विज्ञान, ज्ञान, जानकारी, शिल्प, दस्तकारी, कला, फन, बुद्धि, अक्ल; विवेक, शऊर, शिक्षा, तालीम ।

इल्मदाँ (علمدان) अ फा वि –विद्वान्, पंडित, आलिम, फाजिल ।

इल्मदोस्त (علمدوست) अ फा वि –विद्या से प्रेम करनेवाला, विद्वज्जनो की कद्र करनेवाला, गुणग्राही ।

इल्मी (علمی) अ वि –इल्म से सम्बन्धित, इल्म का; विद्वत्तापूर्ण, काबिलाना ।

इल्मीयत (علميت) अ स्त्री –विद्वत्ता, पाडित्य, काबिलीयत, योग्यता ।

इल्मुत्तवारीख़ (علم التواریخ) अ पु.–इतिहास विज्ञान, तारीख़ का इल्म ।

इल्मुन्निसा (علم النسا) अ पु –कोकशास्त्र, कामशास्त्र ।

इल्मुल अख़्लाक (علم الاخلاق) अ पु –नीतिशास्त्र ।

इल्मुल अग्ज़ियः (علم الاغذیه) अ. पु –आहार-विज्ञान, भोजन-विज्ञान ।

इल्मुल अज्साम (علم الاجسام) अ पु –शरीर-विज्ञान ।

इल्मुल अद्वियः (علم الادویه) अ पु –औषधि-विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, ।

इल्मुल अफ़्लाक (علم الافلاک) अ पु –अतरिक्ष-विज्ञान ।

इल्मुल अब्दान (علم الابدان) अ पु –दे 'इल्मुलअज्साम' ।

इल्मुल अम्राज (علم الامراض) अ. पु –रोग-निदान-शास्त्र ।

इल्मुल अर्वाह (علم الارواح) अ पु –प्रेतविद्या ।

इल्मुल अल्सिनः (علم الالسنه) अ पु –भाषा-विज्ञान ।

इल्मुल अश्जार (علم الاشجار) अ पु –वृक्षायुर्वेद, वनस्पतिशास्त्र, निघण्टु-विज्ञान ।

इल्मुल आ'ज़ा (علم الاعضا) अ पु –शरीर-रचना-शास्त्र ।

इल्मुल इक़्तिसाद (علم الاقتصاد) अ. पु.–अर्थशास्त्र ।

इल्मुल इर्तिका (علم الارتقا) अ पु –विकास-विज्ञान ।

इल्मुल इलाज (علم العلاج) अ पु –चिकित्सा- शास्त्र ।

इल्मुल काबिलः (علم القابله) अ पु –धात्रीविद्या, दायगरी, रोगीपरिचर्या-विज्ञान ।

इल्मुल जराहत (علم الجراحت) अ पु –शल्यशास्त्र, शल्यविद्या ।

इल्मुल मिसाहत (علم المساحت) अ पु.–ज्यामिति, क्षेत्रगणित, रेखागणित ।

इल्मुल हयात (علم الحیات) अ पु –जीव-विज्ञान ।

इल्मुल हैवान (علم الحیوان) अ. पु –प्राणिशास्त्र ।

इल्मे अदब (علم ادب) अ पु –साहित्य-शास्त्र ।

इल्मे अरूज (علم عروض) अ पु –पिंगल, छद शास्त्र ।

इल्मे इंशा (علم انشا) अ. पु.–गद्य-रचना-शास्त्र ।

इल्मे इंसाफ (علم انصاف) अ. पु –व्यवहार-शास्त्र ।

इल्मे इलाज (علم علاج) अ पु –दे. 'इल्मुलइलाज' ।

इल्मे इलाहीयात (علم الهيات) अ पु—दर्शन शास्त्र।
इल्मे कलाम (علم كلام) अ पु—मीमांसा तर्कशास्त्र।
इल्मे क़ाफ़िया (علم قافيه) अ पु—अनुप्रास शास्त्र।
इल्मे क़ियाफ़ा (علم قيافه) अ पु—सामुद्रिक-शास्त्र अंगविद्या।
इल्मे कीमिया (علم كيميا) अ पु—रसायन-शास्त्र।
इल्मे ग़ैब (علم غيب) अ पु—परोक्ष विद्या, भविष्य ज्ञान, परोक्ष ज्ञान।
इल्मे जरासीम (علم جراثيم) अ पु—कीटविद्या कीटिकी, कीटाणु विज्ञान।
इल्मे जिमादात (علم جمادات) अ पु—खनिज विज्ञान, धातु विद्या।
इल्मे तख्लीक़ (علم تخليق) अ पु—सृष्टि विज्ञान।
इल्मे तबक़ातुलअर्ज़ (علم طبقات الارض) अ पु—भूगर्भ शास्त्र भौमिकी भूगर्भ विद्या।
इल्मे तबईयात (علم طبعيات) अ पु—प्रकृति विज्ञान विज्ञान शास्त्र।
इल्मे तमद्दुन (علم تمدن) अ पु—नागरिक शास्त्र।
इल्मे तसव्वुफ़ (علم تصوف) अ पु—अध्यात्म ब्रह्मविद्या।
इल्मे तस्ख़ीर (علم تسخير) अ पु—वशीकरण शास्त्र।
इल्मे तारीख़ (علم تاريخ) अ पु—दे 'इल्मुत्तवारीख़'।
इल्मे तिजारत (علم تجارت) अ पु—वाणिज्य शास्त्र।
इल्मे तिलिस्म (علم طلسم) अ पु—मायाविद्या इंद्रजाल।
इल्मे दस्तबीनी (علم دست بيني) अ फा पु—हस्त सामुद्रिक विद्या।
इल्मे दीन (علم دين) अ पु—धर्मशास्त्र।
इल्मे नफ़्सीयात (علم نفسيات) अ पु—मनोविज्ञानशास्त्र मानसशास्त्र।
इल्मे नबातात (علم نباتات) अ पु—वनस्पति शास्त्र उद्भिज्ज शास्त्र।
इल्मे नुजूम (علم نجوم) अ पु—फलित ज्योतिष ज्योतिष विज्ञान।
इल्मे फ़ल्सफ़ा (علم فلسفه) अ पु—विज्ञान साइंस पदार्थ विज्ञान दर्शनशास्त्र वेदान्त ब्रह्मविद्या।
इल्मे बयान (علم بيان) अ पु—फ़साहत बलागत का इल्म वर्णन-पटुता भाषण-कौशल।
इल्मे मंतिक़ (علم منطق) अ पु—न्यायशास्त्र तर्कशास्त्र तर्कविद्या।
इल्मे मा'क़ूल (علم معقول) अ पु—दर्शनशास्त्र तर्कशास्त्र।
इल्मे मा'दनीयात (علم معدنيات) अ पु—खनिज विज्ञान।
इल्मे मा'रिफ़त (علم معرفت) अ पु—अध्यात्म ज्ञान।
इल्मे मुआशरत (علم معاشرت) अ पु—समाज-शास्त्र।
इल्मे मुनाज़रा (علم مناظره) अ पु—शास्त्रार्थ विज्ञान।
इल्मे मूसीक़ी (علم موسيقى) अ पु—संगीतशास्त्र, गान विद्या नाट्यशास्त्र।
इल्मे मौजूदात (علم موجودات) अ पु—सृष्टि विज्ञान।
इल्मे रियाज़त (علم رياضت) अ पु—योगशास्त्र।
इल्मे रियाज़ी (علم رياضي) अ पु—गणितशास्त्र।
इल्मे रीमिया (علم ريميا) अ पु—इंद्रजाल, जादूगरी।
इल्मे लदुन्नी (علم لدني) अ पु—ईश्वरदत्त ज्ञान।
इल्मे लिसानीयात (علم لسانيات) अ पु—दे 'इल्मुल्अल्सिना'।
इल्मे शे'र (علم شعر) अ पु—काव्यशास्त्र।
इल्मे सनाअत (علم صناعت) अ पु—शिल्प-शास्त्र।
इल्मे सनाए (علم صنائع) अ पु—अलंकारादि-शास्त्र।
इल्मे सिफ़्ली (علم سفلى) अ पु—पिशाचविद्या भूत विद्या।
इल्मे सियासत (علم سياست) अ पु—राजनीति-शास्त्र।
इल्मे सीमिया (علم سيميا) अ पु—परकाय प्रवेश विद्या।
इल्मे सेहत (علم صحت) अ पु—स्वास्थ्य विज्ञान।
इल्मे हिंदसा (علم هندسه) अ पु—गणितशास्त्र अंकशास्त्र।
इल्मे हैअत (علم هيئت) अ पु—खगोल विज्ञान।
इलयास (الياس) अ पु—एक पैग़म्बर जो सदा जीवित रहेंगे यह समुद्रों के संरक्षक हैं।
इल्ल (ال) अ पु—वचन प्रतिज्ञा पैमान शरण अमान शपथ सौगंद।
इल्लत (علت) अ स्त्री—कारण हेतु सबब रोग बीमारी दुर्व्यसन बुरी लत, झंझट।
इल्लतुल इलल (علت العلل) अ स्त्री—मूल कारण निदान सारे कारणों का कारण ईश्वर, ख़ुदा।
इल्लतुल मशाइख़ (علت المشائخ) अ स्त्री—बूढ़े लोगों वाला दुर्व्यसन गुदाव्यसन व्यसन बुरा काम कराने की लत भवेसिया।
इल्लते आफ़्ताब (علت آفتاب) अ स्त्री—कमल रोग, यरक़ान।
इल्लते उब्ना (علت ابنه) अ स्त्री—दे 'इल्लतुल मशाइख़'।
इल्लते ग़ाई (علت غائی) अ स्त्री—मूल कारण निदान असल सबब जिस कारण के लिए कोई काम किया जाय।
इल्लते ताम्मा (علت تامه) अ स्त्री—पूरा कारण कामिल सबब।
इल्लते फ़ाइली (علت فاعلى) अ स्त्री—किसी कार्य का कारण, जैसे—मकान के लिए राज।

इल्लते सूरी (علت صوری) अ स्त्री –जाहिरी इल्लत, जैसे –मकान का आकार।

इल्ला (إلا) अ. अव्य –मगर, परन्तु; नहीं तो, वरना।

इल्साक (الصاق, الساق) अ. पु –चिपकाना।

इल्हा (الحا) अ पु –झगड़े में डालना।

इल्हाक (الحاق) पु –मिलाना, जोड़ना, मूल पुस्तक में ऊपर से कुछ जोड़ देना, क्षेपक।

इल्हाद (الحاد) अ पु –नास्तिकता, वेदीनी।

इल्हान (الحان) अ. पु –स्वर-माधुर्य, खुशआवाजी, गान, नग्म, अच्छी आवाज, कंठ-माधुर्य।

इल्हाब (الہاب) अ. पु –आग भड़काना, शोले उठना।

इल्हाम (الہام) अ पु –ईश्वर की ओर से हृदय में आयी हुई बात, देववाणी, आकाशवाणी।

इल्हाह (الحاح) अ पु –गिड़गिड़ाना, आजिजी करना, घिघियाना, खुशामद, विनती; गिड़गिड़ाहट।

इल्हाहोजारी (الحاح وزاری) अ फा स्त्री –रोना और गिड़गिड़ाना।

इवान (ایوان) फा पु –ऐवान, प्रासाद, महल।

इशक (اشک) तु पु –गधा, गदहा, खर।

इशा (عشا) अ स्त्री.–रात्रि, रात, रात का अँधेरा, रात की नमाज।

इशाअत (اشاعت) अ स्त्री –प्रचार, प्रसार, मुश्तहरी, संस्करण, एडीशन, प्रकटन, जुहूर।

इशाकत (اشاکت) अ स्त्री –गड़ाना, चुभोना।

इशादत (اشادت) अ स्त्री –ऊँचे स्वर से पढ़ना।

इशारः (اشارہ) अ पु –संकेत, इंगित, ईमा; तात्पर्य, मतलब।

इशारःबाजी (اشارہ بازی) अ.फा स्त्री –आपस में इशारे करना, संकेत करना।

इशारत (اشارت) अ स्त्री –दे 'इशार'।

इशारतन् (اشارتاً) अ.वि –संकेत से, इशारे में, संकेत करके।

इशारात (اشارات) अ पु –इशार का बहु, इशारे।

इश्आर (اشعار) अ पु –सचेत करना, सूचना देना, आगाह करना।

इश्आल (اشعال) अ पु –आग भड़काना।

इश्क (عشق) अ पु –प्रेम, अनुराग, आसक्ति, मोह, महब्बत, दुर्व्यसन, लत।

इश्कनः (اشکنہ) अ पु –बढ़ई का बर्मा।

इश्कबाज (عشق باز) अ फा वि –इश्क करनेवाला, प्रेमी।

इश्कबाजी (عشق بازی) अ फा स्त्री –प्रेम-व्यवहार, इश्क करना।

इश्काल (اشکال) अ पु –कठिनता, दुष्करता, दुश्वारी, कठिनाई।

इश्कूज (اشکوج) अ पु.–ठोकर; फिसलन।

इश्के पेचाँ (عشق پیچاں) अ फा पु –एक बेल, जो पेड़ों पर लिपट जाती है।

इश्के मजाजी (عشق مجازی) अ पु –मानव-प्रेम, भौतिक प्रेम, प्राणियों से प्रेम, सांसारिक प्रेम।

इश्के हकीकी (عشق حقیقی) अ. पु –ईश्वर-प्रेम, ईश्वर-भक्ति, इश्के इलाही।

इश्तात (اشتات) अ पु –तितर-बितर करना।

इश्तिआल (اشتعال) अ पु –उत्तेजना, भड़काना; जोश दिलाकर मारकाट पर आमादा करना; लपट मारना, भड़कना।

इश्तिका (اشتکا) अ पु –उलाहना देना, गिला करना।

इश्तिकाक (اشتقاق) अ पु.–लकड़ी आदि का चीरना, एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना।

इश्तिकार (اشتکار) अ पु.–शिकायत करना, गिला करना।

इश्तिगाल (اشتغال) अ पु –काम में लगना, मश्गूल होना; तन्मयता, संलग्नता, मुँह फेरना, बेजार होना।

इश्तिदाद (اشتداد) अ पु –तीव्रता, प्रचंडता, तेजी; अत्याचार, जुल्म।

इश्तिबाक (اشتباک) अ पु –दोनों हाथों की उँगलियाँ एक दूसरे में पैवस्त करना, पेड़ की डालियों का एक दूसरे में गुंथना।

इश्तिबाह (اشتباہ) अ. पु –संदेह, शंका, शक।

इश्तिमाल (اشتمال) अ पुं –कई चीज़ों को मिलाकर एक करना।

इश्तिमालीयत (اشتمالیت) अ स्त्री.–मिलाकर एक करने का सिद्धांत।

इश्तिमाले आराजी (اشتمال اراضی) अ पु –विभिन्न खेतों की भूमि को मिलाकर एक कर देना, चकबंदी।

इश्तियाक़ (اشتیاق) अ. पु –बहुत अधिक शौक, उत्कंठा, लालसा।

इश्तियाके मालायुताक (اشتیاق مالا یطاق) अ. पु –ऐसी बढ़ी हुई उत्कंठा जो रोकी न जा सके, बहुत ही अधिक लालसा, अभिलाषा।

इश्तियाफ (اشتیاف) अ पु –सम्मानित करना, सर बलंद रखना।

इश्तिरा (اشترا) अ पु –मोल लेना, खरीदना।

इश्तिराक (اشتراک) अ पु –भागीदारी, साझा, समानता, मुसावात, साम्यवाद, कम्यूनिज्म।

इस्तिराकी (استراکی) अ वि–यह सिद्धांत माननेवाला कि देश के धन में सब बराबर के भागीदार हैं, साम्यवादी।
इस्तिराकीयत (استراکیت) अ स्त्री–साम्यवाद कम्यूनिज्म।
इस्तिरात (استراط) अ पु–वादा करना शर्त लगाना।
इस्तिहा (استہا) अ स्त्री–क्षुधा भूख, इच्छा, स्वाहिश रुचि रग़बत।
इस्तिहाए काज़िब (استہائے کاذب) अ स्त्री–झूठी भूख।
इस्तिहाए सादिक़ (استہائے صادق) अ स्त्री–सच्ची भूख तेज़ भूख।
इश्तिहार (اشتہار) अ पु–प्रचार प्रसार प्रापेगंडा विज्ञापन मुश्तहरी का पर्चा मुनादी घोषणा।
इश्तिहारी (اشتہاری) अ वि–इश्तिहार द्वारा प्रसारित जैसे–इश्तिहारी दवा वह अपराधी जो भागा हुआ हो और जिसके पकड़ने के लिए इश्तिहार जारी हो इश्तिहार से सम्बंधित।
इस्नूस (اسنوسہ) फा स्त्री–छींक विभाव।
इस्फ़ाक़ (اسفاق) अ पु–कृपा करना दया करना कृपा दृष्टि नाम डराना अश्फ़ाक़ भी प्रचलित।
इश्बाअ (اشباع) अ पु–पेट भर खिलाना 'ज़बर' ज़ेर और 'पेश' को इतना बढ़ाना कि वह अलिफ़, ये और वाव हो जाय जैसे ख़ार में 'ख' के ज़बर को बढ़ा दें तो 'खार' हो जाय।
इस्बाल (اسبال) अ पु–विधवा का अपने बच्चा के कारण पुनर्विवाह न करना कृपा करना मेहरबानी करना।
इश्बाह (اشباہ) अ पु–समान होना तुल्य होना एक-सा होना।
इस्केस्त (اشکستہ) फा वि–छिटका हुआ बखेरा हुआ।
इश्माअ (اشماع) अ पु–चिराग़ की लौ का बढ़ जाना चिराग़ का तेज़ जलना।
इश्माम (اشمام) अ पु–सूंघना सुंघाना।
इश्रत (عشرت) अ स्त्री–सुख आनंद चैन आराम भोग विलास का सुख ऐयाशी हर्ष खुशी।
इश्रत अंजाम (عشرت انجام) अ फा वि–वह काम जिसका अंत आनंदमय हो।
इश्रतकदा (عشرت کدہ) अ फा पु–रंगभवन रंगशाला एशमहल।
इश्रतख़ाना (عشرت خانہ) अ फा पु–दे इश्रतकदा।
इश्रतगाह (عشرت گاہ) अ फा स्त्री–दे 'इश्रतकदा'।
इश्रते इमरोज़ (عشرت امروز) अ फा स्त्री–वह सुख जो आज प्राप्त हो अर्थात सांसारिक सुख।
इश्रते फ़र्दा (عشرت فردا) अ फा स्त्री–वह सुख जो कल मिलेगा अर्थात पारलौकिक सुख।
इश्रते फ़ानी (عشرت فانی) अ फा स्त्री–वह सुख जो क्षणिक हो थोड़े दिनों का सुख अर्थात सांसारिक सुख।
इश्राक़ (اشراق) अ पु–चमकना, उज्ज्वल होना, सूर्योदय के पश्चात का समय।
इश्राक़ी (اشراقی) अ वि–प्राचीन यूनानियों का वह दल अथवा व्यक्ति जो आत्मचिंतन द्वारा दूर बैठे हुए पठन पाठन करता था। ये लोग यूनान देश के थे।
इश्राफ़ (اشراف) अ पु–ऊंचा होना, ऊंचे पर बैठना किसी चीज़ की चोटी पर बैठना वाक़िफ़ होना ऊपर से देखना।
इश्रीन (عشرین) अ पु–बीस।
इश्व (عشوہ) अ पु–सुंदर स्त्रियों का हाव भाव।
इश्वकार (عشوہ کار) अ फा वि–दे इश्वगर।
इश्वकारी (عشوہ کاری) अ फा स्त्री–दे इश्वगरी।
इश्वगर (عشوہ گر) अ फा वि–हाव भाव से दिल मोल लेनेवाला (वाली) नाज़ो अदाज़ दिखानेवाला (वाली)
इश्वगरी (عشوہ گری) अ फा स्त्री–हाव भाव दिखाना हाव भाव।
इश्वतराज़ (عشوہ طراز) अ फा वि–दे 'इश्वगर'।
इश्वतराज़ी (عشوہ طرازی) अ फा स्त्री–दे इश्वगरी।
इश्वसाज़ (عشوہ ساز) अ फा वि–दे 'इश्वगर'।
इश्वसाज़ी (عشوہ سازی) अ फा स्त्री–दे 'इश्वगरी'।
इसा (اسا) अ पु–अपने साथ बुराई करना।
इसाअ (اساعہ) अ पु–नष्ट करना खाए करना त्यागना छोड़ना।
इसाअत (اساءت) अ स्त्री–बुराई बदी पाप गुनाह।
इसाख़त (اصاخت) अ स्त्री–सुनने के लिए कान लगाना।
इसाद (اساد) अ पु–तकिया बालिश उपधान।
इसाब (اصابہ) अ पु–हैज़े में मुब्तला होना हैज़ा हो जाना।
इसाब (عصابہ) अ पु–सर बांधने की पट्टी।
इसाब (عصاب) अ पु–पट्टी।
इसाबत (اصابت) अ स्त्री–पहुंच रसाई ठीक पाना, यथार्थता हक़ीक़त।
इसाबते राए (اصابت رائے) अ स्त्री–राय का ठीक और शुद्ध होना।
इसाम (عصام) अ पु–मश्क उठाने का तसमा बंद मुंह।
इसआद (اسعاد) अ पु–सुभाषित करना मंगलकारी बनाना, मैत्री दोस्ती।

इस्आफ (اسعاف) अ पुं —इच्छा पूरी करना, काम निकाल देना, किसी का काम उनकी मंशा के अनुसार कर देना।

इस्कंदर (اسکندر) अ पु —सिकंदर, यूनान का प्राचीन शासक।

इस्कंदरीयः (اسکندریہ) अ स्त्री —मिस्र देश का प्रसिद्ध बंदरगाह जिसे सिकंदर ने बनाया था।

इस्कदार (اسکدار) फा पुं.—डाकिया, हरकारा; डाक की चौकी।

इस्का (اسقا) अ पु —पानी या शराब आदि पिलाना।

इस्कात (اسقاط) अ पु —गिरना, डालना; पेट में बच्चा गिरना या गिराना।

इस्कात (اسکات) अ पु —चुप कर देना, चुप कर देनेवाली बात करना।

इस्काते हम्ल (اسقاط حمل) अ पु —स्त्री के पेट से बच्चा गिरना; गर्भपात, गर्भक्षय, गर्भस्राव।

इस्कान (اسکان) अ पु —शांति, सुकून; अक्षर को हल् करना।

इस्काफ (اسکاف) अ पु —जूता बनानेवाला, मोची।

इस्काल (اثقال) अ. पु —भारी होना।

इस्किन. (اسکنہ) अ पुं —छेद करने का बरमा।

इस्कीज़ः (اسکیزہ) अ पु —घोड़े की दुलत्ती।

इस्कील (اسقیل) अ पु —जंगली पियाज।

इस्ग़ा (اسغا) अ पु —बात सुनने के लिए कान झुकाना।

इस्ग़ाब (اسغاب) अ पु.—भूखा होना।

इस्जाअ (اسجاع) अ पु —बातों में तुक वाले शब्द बोलना, मुकफ्फा इबारत बोलना, सतुकान्त भाषण।

इस्तंबोल (استنبول) तु पु —यूरोपीय तुर्की की राजधानी, कुस्तुंतीनिया।

इस्त (است) अ पु —मलद्वार, गुदाद्वार, मक्अद का सूराख।

इस्तख़र (استخر—اصطخر) अ. पु —तडाग, तालाब, ईरान का एक दुर्ग।

इस्तब्रक (استبرق) अ पु—एक बहुमूल्य रेशमी कपडा।

इस्तब्ल (اصطبل) अ पु —अश्वशाला, घुड़साल, तवेला, 'अस्तबल' भी प्रचलित है। (अस्तब्ल)।

इस्तम (استم) अ पु —अत्याचार, सितम।

इस्ता (استا) फा स्त्री —प्रशंसा, तारीफ।

इस्ताज (استاج) अ पु —सूत लपेटने का अटेरन।

इस्ताद. (استادہ) फा. वि —सीधा खडा हुआ।

इस्तादगी (استادگی) फा स्त्री —खड़े होने का भाव, खडापन, लिंगेंद्रिय का उत्थान।

इस्तादनी (استادنی) फा वि —खड़े होने योग्य।

इस्तारः (اسطارہ) अ. पु —दे 'उस्तूर.'।

इस्तार (استار) अ. पु —छिपाना, गोपन, साढ़े चार मिस्काल या २०½ माशे का एक भार।

इस्तिंजा (استنجا) अ. पु —मूत्र या शौच के पश्चात् पानी लेना, आबदस्त।

इस्तिंताक (استنطاق) अ. पुं —बात पूछना; प्रश्न करना; बोलने की शक्ति चाहना।

इस्तिंबात (استنباط) अ पु —बात में से बात निकालना, किसी बात में कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिंबाह (استنباہ) अ पु —चेतावनी चाहना; सतर्कता ढूंढना।

इस्तिंशाक (استنشاق) अ पु —नाक से हवा या पानी खींचना, नाक से दवा सुड़कना, "नोज-स्पञ्ज"।

इस्तिंसार (استنثار) अ. पु —नाक छिनकना, नाक साफ करना, तितर-बितर करना।

इस्तिंसार (استنصار) अ पु —सहायता चाहना, मदद मांगना।

इस्तिआज़त (استعاذت) अ स्त्री.—त्राण चाहना, पनाह ढूंढना, शरणागति।

इस्तिआदत (استعادت) अ स्त्री —लौटाने की इच्छा करना।

इस्तिआनत (استعانت) अ. स्त्री —सहायता चाहना, मदद माँगना।

इस्तिआरः (استعارہ) अ पु —उधार लेना; शाइरी की परिभाषा में किसी अगोचर वस्तु को साकार मानकर उस से काम लेना जैसे—'सरे होश' होश का सिर और 'पाए फिक्र' फिक्र के पाँव, इसमें होश और फिक्र को आदमी मानकर उसके सिर और पैर बनाये हैं। 'काव्य में अमूर्त्त का मानवीकरण', रूपक।

इस्तिकाक (استکاک) अ पु —दो कडी वस्तुओं की रगड़ से पैदा होनेवाली आवाज।

इस्तिकानत (استکانت) अ स्त्री —नम्रता दिखाना, तिरस्कार करना, विनति, नम्रता, आजिजी।

इस्तिकामत (استقامت) अ स्त्री —सीधा होना; दृढ होना, सिधाई, सरलता, दृढता, मजबूती।

इस्तिक्ताब (استکتاب) अ पु —लिखना, लेखन; किसी चीज के लिखने को कहना।

इस्तिक़्दाम (استقدام) अ पुं —स्वागत करना, पेशवाई करना, आगे होना।

इस्तिक्फाफ (استکفاف) अ पु —हाथ फैलाना।

इस्तिक्बार (استکبار) अ पु —अपने को महान् जानना; अवज्ञा करना; आगे होने के लिए कहना।

इस्तिक्बाल (استقبال) अ पु—आगे बढ़कर लेना, स्वागत करना, स्वागत के लिए आगे जाना, चाँद सूरज का आमने सामने होना, यह पूर्णमासी की रात को होता है, भविष्य, मुस्तक्बिल

इस्तिक्रा (استقرا) अ पु—गवेषणा करना, तलाश करना, अनुसरण करना, पैरवी करना, कुछ बातों से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिक्राज (استقراض) अ पु—उधार माँगना, कर्ज चाहना, ऋण लेना।

इस्तिक्रार (استقرار) अ पु—ठहरना, रुकना, स्थित होना, प्रमाणित होना।

इस्तिक्रार (استکرار) अ पु—बार-बार माँगना।

इस्तिक्रारे हक (استقرار حق) अ पु—अपना हक (स्वत्व, अधिकार) माँगना, हक साबित करना।

इस्तिक्राह (استکراه) अ पु—घृणा करना, नफ़रत, नापसंद करना।

इस्तिक्लाल (استقلال) अ पु—अपने सहारे खड़ा होना, धैर्य जानना, दृढ़ता, मजबूती, किसी बात पर अटल रहना।

इस्तिक्सा (استقصا) अ पु—किसी चीज़ के अंत तक पहुँचना, बहुत अधिक इच्छा करना, कृपणता, कंजूसी, प्रयत्न, आयास, कोशिश।

इस्तिक्साब (استکساب) अ पु—अपनी योग्यता (निजी) कोशिश से कोई चीज़ या गुण प्राप्त करना।

इस्तिक्साम (استقسام) अ पु—भाग करवाना, बटवारे की इच्छा करना, शपथ लेना, क़सम खिलवाना।

इस्तिक्सार (استقصار) अ पु—कम करने की इच्छा करना, कम करना।

इस्तिक्सार (استکثار) अ पु—अधिकता चाहना।

इस्तिख्वार (استخارہ) अ पु—किसी काम में दैवी सहायता चाहना, परमेश्वर की इच्छा जानना, किसी धार्मिक कृति द्वारा यह जानना कि अमुक काम शुभ है या अशुभ।

इस्तिख्दाम (استخدام) अ पु—सेवा करने की इच्छा करना, नौकरी चाहना।

इस्तिख्फ़ाफ़ (استخفاف) अ पु—लज्जा, शर्म, संकोच, नदामत, तिरस्कार, तहकार।

इस्तिख्राज (استخراج) अ पु—बाहर निकालना, निष्कासन, निकालने की इच्छा करना।

इस्तिख्लास (استخلاص) अ पु—बंधनमुक्त करना, छोड़ देना।

इस्तिग़ासा (استغاثہ) अ पु—वाद, नालिश, फ़ौजदारी का दावा, मदद की पुकार।

इस्तिग़ासत (استغاثت) अ स्त्री—दे इस्तिग़ासा।

इस्तिग़ना (استغنا) अ पु—निस्पृहता, अनिच्छा, बेनियाज़ी

इस्तिग़फ़ार (استغفار) अ पु—ईश्वर से पापों का क्षमा चाहना, मुक्ति चाहना, मोक्ष प्राप्ति की इच्छा करना।

इस्तिग़राक़ (استغراق) अ पु—अपनी दशा में ऐसा मग्न होना कि किसी का पता न चले, तन्मयता, तल्लीनता, संलग्नता, इनहिमाक, महवियत।

इस्तिग़राब (استغراب) अ पु—आश्चर्य में डालना, अनोखी बात करना, बहुत अधिक प्रशंसा करना, आश्चर्य हैरत

इस्तिज़ा (استضا) अ पु—रौशनी पकड़ना, प्रकाशित होना।

इस्तिजाज़ (استجازہ) अ पु—आज्ञा माँगना, इजाज़त चाहना।

इस्तिजाबत (استجابت) अ स्त्री—प्रश्न का उत्तर देना, प्रार्थना स्वीकार करना।

इस्तिज्मार (استکبار) अ पु—अभिमान करना, अहंकार और उद्दंडता करना।

इस्तिज्ला (استجلا) अ पु—प्रकाशमान करना, रौशन करना।

इस्तिश्लाक (استزلاق) अ पु—फिसलाना।

इस्तिज्लाब (استجلاب) अ पु—अपनी ओर खींचना, वस्तु प्राप्त करना।

इस्तिज़्लाल (استظلال) अ पु—छाया ढूँढ़ना, छाया में आना, किसी की रक्षा में आना।

इस्तिज़्हार (استظهار) अ पु—सहायता चाहना, किसी का सहायक होना, बलवान होना, कंठ करना।

इस्तिताअत (استطاعت) अ स्त्री—सामर्थ्य, शक्ति, मक़दरत, ज़ोर, बल, कुव्वत।

इस्तिताबत (استتابت) अ स्त्री—पाप न करने की प्रतिज्ञा करना, तौबा करना।

इस्तिताबत (استطابت) अ स्त्री—पवित्र करना, सुगंधित करना, आनंद करना।

इस्तितार (استتار) अ पु—पर्दे में छिप जाना, ग़ायब हो जाना।

इस्तितराद (استطراد) अ पु—किसी के बाहर आने की इच्छा करना, किसी को भगाने की इच्छा करना, काम में तेज़ी।

इस्तितलाअ (استطلاع) अ पु—सूचना चाहना, ख़बर पाने की इच्छा करना, सूचना, इत्तिलाअ।

इस्तितलाक़ (استطلاق) अ पु—बंधन-मुक्त करना, छोड़ना, रिहा करना।

इस्तिदामत (استدامت) अ स्त्री –नित्यता चाहना, किसी कार्य के हमेशा होने की इच्छा करना।

इस्तिदारत (استدارت) अ स्त्री –वधक होना, गिरी होना।

इस्तिद्आ (استدعا) अ पु –प्रार्थना, निवेदन, दरख़ास्त, 'इस्तिदुआ' भी प्रचलित।

इस्तिद्फ़ाअ (استدفاع) अ पु –अपने से अलग करना, एक चीज को दूसरी चीज़ से अलग करना।

इस्तिद्राक (استدراک) अ पु.–समझने की इच्छा करना।

इस्तिद्राज (استدراج) अ पु –वह करामात या चमत्कार जो किसी नास्तिक द्वारा प्रकट हो।

इस्तिदलाल (استدلال) अ पु –प्रमाण चाहना, सुबूत माँगना, गवाह माँगना, दलील देना, तर्क करना; तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत।

इस्तिनाअ (اصطناع) अ पु –भलाई करना, नेकी करना, फिरना, घूमना।

इस्तिनाद (استناد) अ पु –सहारा लगाना, सनद (प्रमाणपत्र) चाहना; प्रमाणित होना।

इस्तिनाबत (استنابت) अ स्त्री –किसी का प्रतिनिधित्व चाहना, नियाबत चाहना।

इस्तिनारत (استنارت) अ स्त्री.–प्रकाशमान होना; दूसरे प्रकाशित पदार्थ से प्रकाश ग्रहण करना।

इस्तिन्क़ाअ (استنقاع) अ पु –सूखे मेवो आदि को पानी मे भिगोकर और हाथ से मलकर, निचोड़कर उनका रस लेना, नुकूअ ग्रहण करना।

इस्तिन्काफ (استنکاف) अ पु.–बुरा जानना, घृणा करना।

इस्तिन्फाज (استنفاض) अ. पु –किसी के कपडो की तलाशी लेना, झाड़ा लेना, जामातलाशी।

इस्तिन्फास (استنفاس) अ पु –जीवन की इच्छा करना, खून निकलना।

इस्तिफ़ा (اصطفا) अ पु.–प्रतिष्ठा, बुजुर्गी, स्वीकार करना, लेना।

इस्तिफाज: (استفاضه) अ पु –किसी का यश चाहना, फैज़ तलब करना।

इस्तिफाजत (استفاضت) अ स्त्री –दे. 'इस्तिफाज'।

इस्तिफाद: (استفاده) अ पु –किसी से लाभान्वित होना, नफा उठाना।

इस्तिफादत (استفادت) अ स्त्री –दे 'इस्तिफाद'।

इस्तिफाफ (اصطفاف) अ. पु –पक्तिवद्ध होना, सफ वाँधना।

इस्तिफाफ (استفاف) अ पु –फकी फाँकना।

इस्तिफ़्ता (استفتا) अ. पु.–मुफ्ती से फ़तुवा माँगना।

इस्तिफ़्राग़ (استفراغ) अ पु –वमन करना, कै करना, उलटी करना; वमन, कै, उलटी; फुर्सत चाहना।

इस्तिफ़्सार (استفسار) अ पु –प्रश्न, सवाल, जिज्ञासा, पूछताछ, दरयाफ़्त।

इस्तिफ़्हाम (استفہام) अ पु –किसी चीज को समझना चाहना, समझने की इच्छा करना; पूछना, सवाल करना।

इस्तिफ़्हामे इन्कारी (استفہام انکاری) अ पु.–ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की अस्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिफ़्हामे इक़्रारी (استفہام اقراری) अ. पु –ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की स्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिबाग़ (اصطباغ) अ पु –चमडा रँगना, पानी मे गोता देना, ईसाई धर्म मे वपतिस्मा देना।

इस्तिबार (اصطبار) अ पु –धैर्य धरना, सब्र करना।

इस्तिबाह (اصطباح) अ. पु.–सवेरे की शराब पीना।

इस्तिबाहत (استباحت) अ. स्त्री.–धर्म विहित करना, उचित करना, हलाल करना, जायज़ करना, मुबाह करना।

इस्तिब्आद (استبعاد) अ पु –दूर हटना, अलग होना, दूर जानना।

इस्तिब्क़ा (استبقا) अ पु –बाकी रखना, बाकी बचाना, शेष छोड़ देना।

इस्तिब्ता (استبطا) अ पु –देर करना, ढील करना, विलव करना।

इस्तिब्दाद (استبداد) अ पु –अकेले किसी काम मे लगना और किसी की बात न मानना, अत्याचार, जुल्म।

इस्तिब्रा (استبرا) अ पु –दोष से अलग रहने की इच्छा, पवित्रता, शुद्धि।

इस्तिब्शार (استبشار) अ पु –अच्छी ख़बर पूछना, शुभ समाचार सुनने की इच्छा।

इस्तिब्सार (استبصار) अ पु –दिव्य दृष्टि, बीनाई, बसारत, बुद्धिमत्ता, दानाई।

इस्तिमाअ (استماع) अ पु –सुनना, श्रवण।

इस्तिमालत (استمالت) अ स्त्री –अपनी ओर आकृष्ट करना, अपने से राजी करना।

इस्तिम्जाज (استمزاج) अ पु –अनुमति लेना, राय पूछना, 'आज्ञा, इजाजत, मर्जी, अनुमति।

इस्तिम्ताअ (استمتاع) अ पु –लाभ-प्राप्ति की इच्छा करना, नफा चाहना, नफे की तलाश।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ पु –सहायता चाहना, मदद माँगना, सहायता, मदद।

इस्तिम्ना (استمنا) अ पु–वीर्यपात करने की इच्छा, मनी खारिज करना।
इस्तिम्ना बिलयद (استمنا بالید) अ पु–हाथ से इंद्रिय संचालन करके वीर्यपात करना, हस्तमैथुन हथलस।
इस्तिम्रार (استمرار) अ पु–नित्यता, हमेशगी, निरंतरता, लगातारपन तसल्सुल।
इस्तिम्रारी (استمراری) अ वि–जो सदा के लिए हो स्थायी माजी अर्थात् भूतकाल का एक प्रकार इस्तमरारी भी प्रचलित।
इस्तिम्साक (استمساک) अ पु–रोकने की इच्छा करना रोकना रोक निरोध रुकावट पेचुल मारना।
इस्तियाद (اصطیاد) अ पु–शिकार मारना शिकार खेलना शिकार आखेट।
इस्तिराक (استراق) अ पु–चोरी से छिपकर किसी की बात सुनना कनसुए लेना।
इस्तिराद (استراد) अ पु–फिरना, पलटना।
इस्तिराहत (استراحت) अ स्त्री–सुख चाहना, आराम की इच्छा करना सुख चैन विश्राम आराम।
इस्तिर्खा (استرخا) अ पु–ढीला हो जाना शरीर के किसी अंग का ढीला और शिथिल हो जाना ढीलापन।
इस्तिर्खाए आ'साब (استرخاے اعصاب) अ पु–पट्ठों का ढीला पड़ जाना।
इस्तिर्खास (استرخاص) अ पु–जाने की आज्ञा लेना विदा लेना सस्ता माल लेना।
इस्तिर्जा (استرضا) अ पु–अनुमति लेना मर्जी पूछना राय अनुमति मर्जी।
इस्तिर्जाअ (استرجاع) अ पु–दी हुई चीज वापस मांगना इन्ना लिल्लाह पढ़ना।
इस्तिर्दाद (استرداد) अ पु–लौटा लेना वापस मांग लेना।
इस्तिर्हाब (استرهاب) अ पु–डराना भयभीत करना।
इस्तिलाम (استلام) अ पु हाथ या मुंह से पत्थर चूमना।
इस्तिलाम (اصطلام) अ पु–जड़ से उखेड़ना उन्मूलन।
इस्तिलाह (اصطلاح) अ स्त्री–परस्पर संधि करना किसी शब्द का वह अर्थ जो किसी शास्त्र विशेष में किसी निर्दिष्ट भाव या उद्देश्य के लिए संकेत मान लिया गया हो परिभाषा।
इस्तिलाहात (اصطلاحات) अ स्त्री–पारिभाषिक शब्दावली इस्तिलाही शब्दों का मजमूआ।
इस्तिलाही (اصطلاحی) अ वि–पारिभाषिक परिभाषा वाला शब्द।
इस्तिल्का (استلقا) अ पु–पेट के बल लेटना चित लेटना।
इस्तिल्जाज (استلذاذ) अ पु–स्वाद ग्रहण करना, मजा लेना, आनंद लेना, लुत्फ उठाना।
इस्तिवा (استوا) अ पु–समानता बराबरी दोपहर का समय मध्याह्न विषुवत रेखा भूमध्य रेखा, खते इस्तिवा।
इस्तिवजार (استوزار) अ पु–विजारत चाहना मंत्री के पद की इच्छा करना।
इस्तिशार (استشاره) अ पु–परामर्श करना सलाह मशवरा करना।
इस्तिशारत (استشارت) अ स्त्री–दे 'इस्तिशार'।
इस्तिश्आर (استشعار) अ पु–मन ही मन में डरना।
इस्तिश्फाअ (استشفاع) अ पु–सिफारिश चाहना अनुनय-याचना।
इस्तिश्माम (استشمام) अ पु–सूंघना।
इस्तिश्हाद (استشهاد) अ पु–गवाही चाहना गवाह मांगना, साक्षी-याचना।
इस्तिश्हादनामा (استشهادنامه) अ फा पु–प्रमाणपत्र सनद डिप्लोमा, सर्टिफिकेट।
इस्तिसा (استصحا) अ पु–स्वास्थ्य चाहना।
इस्तिसआद (استسعاد) अ पु–कल्याण चाहना, भला चाहना, सहायता चाहना मदद चाहना।
इस्तिस्का (استسقا) अ पु–पानी मांगना तृष्णा पिपासा प्यास वर्षा चाहना, जलधर, जलोदर।
इस्तिस्काए जिक्की (استسقاے زقی) अ पु–वह जलोदर जिसमें सारा शरीर सूजकर मश्क जैसा हो जाता है।
इस्तिस्काए तब्ली (استسقاے طبلی) अ पु–वह जलोदर जिसमें केवल पेट नक्कारे की भांति फूल जाता है।
इस्तिस्ना (استثنا) अ पु–बहुत में से किसी वस्तु को अलग कर देना किसी व्यापक नियम में से किसी को मुक्ति अपवाद।
इस्तिस्मार (استثمار) अ पु–पेड़ के नीचे से मेवे चुनना फल चाहना।
इस्तिस्लाम (استسلام) अ पु–शांति चाहना क्षमा चाहना गर्दन झुकाना आज्ञा मानना।
इस्तिस्लाह (استصلاح) अ पु–परामर्श लेना, सम्मति पूछना।
इस्तिस्वाब (استصواب) अ पु–यथार्थता की तलाश ठीक ठीक बात जानने की इच्छा स्वीकृति लेना।
इस्तिस्वाबे राए (استصواب راے) अ पु–किसी विषय में ठीक-ठीक राय जानना चाहना राय लेना, वोट लेना, मतदान।

इस्तिहाज़: (استحاضہ) अ पुं –मासिक धर्म अधिक मात्रा में आने का रोग, अति रजस्राव, अत्यार्तव।

इस्तिहानत (استہانت) अ स्त्री –अपमानित और तिरस्कृत जानना।

इस्तिहाल: (استحالہ) अ पु –किसी वस्तु की प्राप्ति असभव होना, एक दशा से दूसरी दशा में जाना, वहाना करना।

इस्तिहालत (استحالات) अ स्त्री –दे. 'इस्तिहाल'।

इस्तीआव (استیعاب) अ पु –आदि से अंत तक सव ले लेना, किसी पुस्तक को आदि से अत तक पढना; जड से उखेडना, उन्मूलन।

इस्तीजाव (استیجاب) अ पु –योग्य होना, पात्र होना, अधिकारी होना, मुस्तहक होना।

इस्तीनाफ (استیناف) अ पु –नये सिरे से आरभ करना, शुरू से लेना, अपील।

इस्तीनास (استیناس) अ पु –किसी से प्रेम-व्यवहार करना, प्रेम, मुहब्बत; किसी वात की आदत पड जाना।

इस्तीफा (استیفا) अ पु –सव ले लेना; अपना पूरा हक लेना। दे० 'इस्तेफा'।

इस्तीला (استیلا) अ पु –किसी पर विजय पाना, किसी पर गालिव होना।

इस्तीलाद (استیلاد) अ पु –सतान होने की इच्छा करना।

इस्तीलाफ (استیلاف) अ पु –किसी से प्रेम की इच्छा करना।

इस्तीसाक (استیثاق) अ पुं –दृढता चाहना, मजवूत वनाने की इच्छा करना।

इस्तीसाल (استیصال) अ. पु –जड से उखेड फेकना, उन्मूलन, समूल विनाश।

इस्ते'जाव (استعجاب) अ पु –आश्चर्य प्रकट करना, तअज्जुव करना, आश्चर्य, तअज्जुव।

इस्ते'जाल (استعجال) अ पु –किसी वात में शीघ्रता चाहना, दौडना, भागना, जल्दी करना।

इस्ते'ताफ (استعطاف) अ पु –दयादृष्टि चाहना, मेहरवानी चाहना, किसी का दिल मुट्ठी में लेना।

इस्ते'दाद (استعداد) अ पु –योग्यता, पात्रता, काविलीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, किसी चीज से प्रभावित होने की योग्यता।

इस्ते'फा (استعفا) अ. पु –क्षमा चाहना, नौकरी का त्याग, त्यागपत्र, टर्मिनेशन आफ सर्विस।

इस्ते'वाद (استعباد) अ. पु –दास वनाना, गुलामी में लेना।

इस्ते'माल (استعمال) अ. पु –प्रयोग करना, वरतना; औषध आदि खाना, सेवन करना।

इस्ते'माश (استعماش) अ पु –दृष्टि कम हो जाना, आँख से कम नजर आना।

इस्ते'ला (استعلا) अ पु –ऊँचा होना, वलद होना; प्रतिष्ठित होना, वड़ा होना।

इस्ते'लाज (استعلاج) अ. पु –चिकित्सा कराना, इलाज कराना, खाल का कडा हो जाना।

इस्ते'लाम (استعلام) अ पु –सूचना चाहना, जानने की ख्वाहिश।

इस्तेहकाक (استحقاق) अ पु –अपना हक माँगना, जाइज़ हक चाहना, हक सावित करना, हक, स्वत्व।

इस्तेहकाम (استحکام) अ पु –दृढता, मजवूती, स्थिरता, पायदारी।

इस्तेहकार (استحقار) अ पु –अपमान करना, हकीर जानना, अपमान, हकारत, निंदा, वुराई।

इस्तेहज़ा (استہزا) अ पु –हँसी उडाना, ठठोल करना; हँसी, मजाक, खिल्ली, मख़ौल।

इस्तेहजार (استحضار) अ पु –याद रखना, स्मरण रखना; किसी के सामने रहने की इच्छा, किसी को सामने रखने की इच्छा।

इस्तेहफाज़ (استحفاظ) अ पु –निरीक्षण करना, निगरानी करना, निगरानी, निरीक्षण।

इस्तेहवाव (استحباب) अ पु –अच्छा जानना, पसद करना।

इस्तेहमाम (استحمام) अ पु –हम्माम मे नहाना, किसी चीज की भाप लेना।

इस्तेहलाफ (استحلاف) अ पु –शपथ लेना, कसम खिलाना।

इस्तेहलाल (استہلال) अ पु –नया चाँद देखना, वच्चे का पैदा होते समय रोना, व्यक्त होना, जाहिर होना।

इस्तेहसा (استحصا) अ पु –गिनना, शुमार करना, क्रमवद्ध करना, तर्तीव से लगाना।

इस्तेहसान (استحسان) अ पु –अच्छा जानना; पसद करना, उपकार, भलाई।

इस्तेहसार (استحصار) अ पु –निर्भर करना, मुनहसिर करना, गिनना, हिसाव करना।

इस्तेहसाल (استحصال) अ पु –प्राप्त करना, लेना, हासिल करना।

इस्तेहसाल विलजव्र (استحصال بالجبر) अ पु –जवरदस्ती छीनना, वलात अपहरण।

इस्दाक (اصداق) अ पु–किसी की बात की तस्दीक करना।

इस्ना अशर (اثنا عشر) अ वि–बारह द्वादश, बारह इमाम।

इस्ना अशरी (اثنا عشری) अ वि–बारह इमामों को माननेवाला, शीआ।

इस्नाद (اسناد) अ पु–एक चीज को दूसरी चीज का सहारा देना एक चीज का दूसरी चीज से सम्बन्ध जोड़ना सनद देना।

इस्नान (اصنان) अ पु–बगल से दुर्गंध आने का रोग गन्दा बगल।

इस्पंज (اسفنج) फा पु–एक मरा हुआ समुद्री कीड़ा जो पानी सोखने के काम आता है।

इस्पंद (اسپند) फा पु–एक तरह के दाने जो दवा में चलते हैं और नजर उतारने के लिए जलाए जाते हैं काला दाना।

इस्परक (اسپرک) फा पु–एक घास जिसमें कपड़ा रंगा जाता था स्पक्का।

इस्पहबद (اسپہبد) फा पु–सेनापति सिपहसालार।

इस्पानाख (اسپاناخ) फा पु–पालक का साग।

इस्फंज (اسفنج) अ पु–दे 'इस्पंज'।

इस्फंज (اسفنج) अ पु–दे इस्पंज।

इस्फन्यार (اسفندیار) फा पु–ईरान का एक बहुत बहादुर बादशाह जिसे रुस्तम ने अंधा करके मारा था।

इस्फंदार (اسفندار) फा पु–ईरानी बारहवां महीना।

इस्फहान (اصفہان) फा पु–ईरान का एक प्राचीन और प्रसिद्ध नगर।

इस्फानाख (اسفاناخ) अ पु–पालक का साग दे इस्पानाख।

इस्फार (اسفار) अ पु–प्रकाशित होना रौशन होना।

इस्फार (اصفار) अ पु–दरिद्र होना कंगाल होना।

इस्फाह (اصفاح) अ पु–याचक के प्रश्न को टाल जाना माँगनेवाले को कुछ न देना किसी वस्तु को फैलाना।

इस्फिरार (اصفرار) अ पु–पीला होना पीलापन।

इस्फेदबाज (اسفیدباج) अ पु–मरीजों के लिए बे मसाले के गोश्त का शोरबा।

इस्फेदाज (اسفیداج) अ पु–सफेद काशगरी।

इस्बा' (اصبع) अ पु–अँगुली उँगली।

इस्बाग (اسباغ) अ पु–पूरा करना पूर्ति करना, समाप्त करना खत्म करना।

इस्बात (اثبات) अ पु–प्रमाणित करना साबित करना।

इस्बाते जुर्म (اثبات جرم) अ पु–अपराध साबित करना।

इस्हाल (اسہال) अ पु–कपड़े उतारना जारी करना।

इस्बाह (اصباح) अ पु–सवेरा करना, एक दशा से दूसरी दशा में परिवर्तित होना, सवेरे (तड़के) जाना।

इस्म (اثم) अ पु–पाप, पातक, गुनाह बदी बुराई।

इस्म (اسم) अ पु–नाम संज्ञा।

इस्मत (عصمت) अ स्त्री–सतीत्व, पातिव्रत्य, पाकदामनी, नामूस 'असमत' भी प्रचलित।

इस्मतदर (عصمت در) अ फा वि–सतीत्व हरण करने वाला, बलात्कारी।

इस्मतदरी (عصمت دری) अ फा स्त्री–सतीत्व हरण बलात्कार, आबरूरेजी।

इस्मत फरोश (عصمت فروش) अ फा वि–अपना सतीत्व बेचनेवाली—पुंश्चली फाहिशा, गणिका, वेश्या, वारांगना।

इस्मत फरोशी (عصمت فروشی) अ फा स्त्री–रुपया लेकर सतीत्व बेचना वेश्याकर्म, पेशा।

इस्मत मआब (عصمت مآب) अ वि–अपने सतीत्व की रक्षा करनेवाली सती, साध्वी।

इस्मत मआबी (عصمت مآبی) अ स्त्री–अपने सतीत्व की रक्षा, सतीत्व पालन।

इस्माअ (اسماع) अ पु–सुनाना गाली बकना गाना गाना।

इस्मार (اثمار) अ पु–फल लाना।

इस्मिद (اثمد) अ पु–सुरमा एक पत्थर जिसका अंजन बनता है।

इस्मे आजम (اسم اعظم) अ पु–महामंत्र।

इस्मे जामिद (اسم جامد) अ पु–वह संज्ञा जो किसी से बनी न हो रूढ़ि।

इस्मे नकिरः (اسم نکرہ) अ पु–जातिवाचक संज्ञा।

इस्मे मा'रिफः (اسم معرفہ) अ पु–व्यक्तिवाचक संज्ञा।

इस्यॉं (عصیاں) अ पु–इस्यान का लघु रूप दे 'इस्यान' पाप मेरे इस्यॉं से ज़ियादः रहमत में जोश है मैं नेमत-पोश हूँ, मौला नेमत-पोश है।

इस्यॉंकार (عصیاں کار) अ फा वि–पापजीवी, पाप में जीवन व्यतीत करनेवाला पातकी।

इस्यॉं शिआर (عصیاں شعار) अ फा वि–दे 'इस्यॉंकार'।

इस्यान (عصیان) अ पु–पाप अघ पातक, गुनाह अवज्ञा नाफर्मानी।

इस्रा (اسرا) अ पु–रात्रि में यात्रा करना रात में रस्ता चलना।

इस्राईल (اسرائیل) अ पु–हज़रत यूसुफ़ के पूज्य पिता हज़रत याकूब का नाम।

इस्राईली (اسرائیلی) अ. वि.—हज़रत याकूब के मत का अनुयायी, यहूदी।
इस्राफ़ (اسراف) अ पु.—आवश्यकता से अधिक व्यय, अपव्यय, फुजूलखर्ची।
इस्राफ़ (اصراف) अ पु—व्यय करना, खर्च करना; व्यय, खर्च।
इस्राफ़ील (اسرافیل) अ पुं—वह फ़िरिश्ता जो कयामत में सूर फूंकेगा।
इस्रार (اسرار) अ पु—छिपाना, गुप्त करना; भेद बताना, भेद, राज़।
इस्रार (اصرار) अ पु—बार-बार कहना, हठ करना, ज़िद करना, हठ, ज़िद।
इस्लाख़ (اسلاخ) अ पु—खाल उतारना, खाल खीचना।
इस्लाफ़ (اسلاف) अ पु—आगे भेजना।
इस्लाम (اسلام) अ. पु—शांति चाहना; ईश्वराज्ञा के आगे सर झुकाना; इसलाम धर्म।
इस्लामी (اسلامی) अ वि—इसलाम धर्म सम्बन्धी, मुसलमानो का।
इस्लामीयात (اسلامیات) अ स्त्री—इसलामी साहित्य।
इस्लाल (اسلال) अ पु—घूंस देना, रिशवत देना, चोरी करना।
इस्लाह (اصلاح) अ स्त्री—बिगड़ी हुई अवस्था का सुधार, त्रुटियाँ दूर करना, शुद्धि, सशोधन, तर्मीम; काव्य या लेख की त्रुटियो की शुद्धि।
इस्लाहात (اصلاحات) अ स्त्री—'इस्लाह' का बहु, 'इस्लाहे'।
इस्लाही (اصلاحی) अ वि—सुधार सम्बन्धी, शुद्ध किया हुआ।
इस्हाक़ (اسحاق) अ पु—एक पैगम्बर, जो हजरत इब्राहीम के सुपुत्र थे।
इस्हाब (اسهاب) अ पु—बहुत बोलना; जगल मे फिरना।
इस्हाल (اسهال) अ पु—दस्त, शौच, पतला, पाखाना; दस्तो की बीमारी, अतिसार।
इहातः (احاطه) अ पु—घर, वेष्ठन, चारदीवारी, प्राचीर, प्रदेश, इलाका, क्षेत्र, हल्का (अहाता)।
इहानत (اهانت) अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार, अनादर, बेइज्जती; मानहानि, हत्के इज्जत।

ई

ईं (این) फा अव्य—यह, यह वस्तु, यह व्यक्ति।
ईंचुनी (این چنین) फा अव्य—इस प्रकार, ऐसे।
ईंना (اینان) फा अव्य—यह सब, 'ईं' का बहु।
ईंहा (اینها) फा अव्य—यह सब, ईं का बहु।
ईआज़ (ایعاز) अ पु—सकेत करना, इशारा करना, आदेश देना, हुक्म करना।
ईआद (ایعاد) अ. पु—वचन देना, वादा करना।
ईक़ाअ (ایقاع) अ पु—घटित करना, वाक़े करना; युद्ध मे घमीटना।
ईक़ाज़ (ایقاظ) अ. पु—नीद से उठाना, जगाना।
ईक़ाद (ایقاد) अ. पु—चिराग जलाना, दिया बारना।
ईक़ान (ایقان) अ पु—निश्चय, यकीन, किसी बात पर दृढ विश्वास।
ईक़ाफ़ (ایقاف) अ पु—ठहराना, रोकना; पदच्युत करना, मुअत्तल करना।
ईक़ार (ایقار) अ पु—बोझ लादना, भारी करना।
ईकाल (ایکال) अ पु—खाना खिलाना, आलोचना करना।
ईक़ास (ایقاص) अ पु—जड़ से उखेड़ना।
ईख़ाश (ایخاش) अ पु—खराब होना, दूषित होना।
ईग़ार (ایغار) अ पु—गरम करना, खौलाना, औटाना।
ईज़ा (ایذا) अ स्त्री—कष्ट देना, दु ख देना; कष्ट, पीड़ा, यातना, तकलीफ।
ईजाज़ (ایجاز) अ पु—स क्षिप्त करना, सक्षेप, इख्तिसार; बड़े लेख को छोटा करना।
ईजाद (ایجاد) अ स्त्री—नयी बात पैदा करना, आविष्कार, इख्तिराअ।
ईज़ाद (ایزاد) अ पु—अधिकता, जियादती (यह शब्द इस अर्थ मे अशुद्ध है)।
ईजादेबंदः (ایجادبنده) अ फा स्त्री—मनगढत, कपोल-कल्पित।
ईज़ादेही (ایذادهی) अ. फा स्त्री—कष्ट देना, दु ख पहुँचाना।
ईज़ान (ایذان) अ पु—सूचना देना, चेतावनी देना, आगाह करना, खबरदार करना।
ईजाब (ایجاب) अ पु अनिवार्य करना, वाजिब करना।
ईजाबोक़बूल (ایجاب و قبول) अ पु—निकाह के समय, दूल्हा दुल्हन का एक दूसरे को स्वीकार करना।
ईजार (ایجار) अ पु—किराए पर उठाना।
ईज़ारसाँ (ایذارساں) अ फा वि—कष्ट देनेवाला, दु खदायी।
ईज़ारसानी (ایذارسانی) अ फा स्त्री—कष्ट देना, दु ख देना, तकलीफ पहुँचाना।
ईजाल (ایجال) अ पु—त्रासना, डराना, भयभीत करना।
ईजास (ایجاس) अ पु—मन मे डरना, भयभीत होना।
ईज़ाह (ایضاح) अ पु—प्रकाशित करना, रौशन करना, स्पष्ट करना, वाजेह करना।

ईता (ایطا) अ पु —नौव तक़ रौत्ता क़ाफ़िए का एक दोष, जिसमें दो शब्दों को जो सानुप्रास न हों कोई अक्षर या शब्द बढ़ाकर क़ाफ़िया बनाना जैसे— उठ और 'गिर' से 'उठा' और 'गिरा' बनाना।

ईताअ (ایداع) अ पु —पत्र का वक्ष में पकना।

ईताए ख़फ़ी (ایطاءخفی) अ पु —ईता की वह क़िस्म जिसमें उसका दोष छुपा हो, जैसे कि ऊपर के उदाहरण में लिये गये 'उठा' और 'गिरा' के क़ाफ़िए।

ईताए जली (ایطاءجلی) अ पु —ईता की वह क़िस्म जिसमें उसका दोष भारी हो जैसे 'सुन्दर' और 'बेहतर' के क़ाफ़िए जिनमें 'सुन' और 'बह' पर जो सानुप्रास नहीं है 'तर' बनाया गया है।

ईतान (اتيان) अ पु —आगमन, आना।

ईतान (ايطان) अ पु —किसी दूसरी जगह को अपना वतन बनाना, प्रवास।

ईतिनाफ़ (ائتناف) अ पु —नये सिर से कोई काम करना।

ईतिमान (ائتمان) अ पु —अमानतदार बनाना।

ईतिमार (ائتمار) अ पु —परस्पर परामर्श करना, आज्ञा पालन करना, काम बनाना।

ईतिलाक़ (ائتلاق) अ पु —चमकना, प्रकाशमान होना, रौशन होना।

ईतिलाफ़ (ائتلاف) अ पु —एकत्र होना, एक जगह होना, मेल-जोल होना, मित्रता होना।

ईद (عید) अ स्त्री —हर्ष, आनन्द, खुशी, मुसलमानों का एक त्योहार। यह शब्द ऊद (عود) से बना है, अर्थात प्रतिवर्ष आनेवाला।

ईदगाह (عیدگاه) अ फा स्त्री —ईद की नमाज़ पढ़ने का स्थान।

ईदर (ایدر) फा अव्य —इधर, अब, यहाँ।

ईदी (عیدی) अ स्त्री —ईद से सम्बन्धित, पढ़ानेवाले मुल्ला को ईद का इनआम।

ईदुल अज़्हा (عیدالاضحی) अ स्त्री —दे ईद कुर्बां जो मास (ذوالحجه) की दस तारीख़ को होती है।

ईदुल फ़ित्र (عیدالفطر) अ स्त्री —वह ईद जो रोज़े पूरे होने की खुशी में मनायी जाती है और जिसमें सिवयाँ पकती हैं। यह तारीख़ पहली शव्वाल को होती है।

ईदे अज़्हा (عید اضحی) अ स्त्री —दे ईद कुर्बां।

ईदे क़ुर्बां (عید قربان) अ स्त्री —वह ईद जो हज की खुशी में मनायी जाती है और जिसमें कुर्बानी होती है, बक़रीद।

ईदे रमज़ाँ (عید رمضان) अ स्त्री —दे ईदुल फ़ित्र।

ईदन (عیدن) अ स्त्री —दाना, ईदें, ईद और बक़रीद।

ईन (عین) अ स्त्री —एना' का बहु, काली आँखोंवाली स्त्रियाँ।

ईनक (اینک) अ अव्य —यह, समीपवर्ती।

ईनत (اینت) फा अव्य —साधु-साधु, वाह-वाह, आहा बहुत अजीब।

ईनाँ (اینان) फा अव्य —दे 'इनाँ'।

ईनास (ایناس) अ पु —अभ्यस्त होना, आदत पड़ जाना, जानना, सुनना, देखना।

ईफ़ा (ایفا) अ पु —वचन पूरा करना, प्रतिज्ञा पालन।

ईफ़ाअ (ایفاع) अ पु —लड़के का बालिग़ होना, ऊँचा होना, उठना।

ईफ़ाए अह्द (ایفاء عهد) अ पु —वचन या प्रतिज्ञा का पालन।

ईफ़ाए क़ौल (ایفاء قول) अ पु —बात का पालन।

ईफ़ाए वा'द (ایفاءوعده) अ पु —प्रतिज्ञा का पालन, बात निबाहना।

ईफ़ाग़ (ایفاغ) अ पु —दे ऐफ़ाग़।

ईफ़ाल (ایفال) अ पु —रोगमुक्त होना, जल्दी जाना।

ईबा (ایبا) अ पु —संकेत, इशारा।

ईबास (ایباس) अ पु —सुखाना, शुष्क करना।

ईमाँ (ایمان) अ पु —ईमान का लघु, दे ईमान।

ईमाँ फ़रोश (ایمان فروش) अ फा वि —बेईमानी करनेवाला, ईमान बेचनेवाला।

ईमाँ फ़रोशी (ایمان فروشی) अ फा स्त्री —ईमान बेचना, बेईमानी करना।

ईमा (ایما) अ पु —संकेत, इंगित, इशारा।

ईमान (ایمان) अ पु —धर्म पर दृढ़ विश्वास, धर्म, मज़हब, विश्वास, यक़ीन, पथ, पंथ, अक़ीदा।

ईमानदार (ایماندار) अ फा वि —जो धर्म में पक्का हो, धर्मनिष्ठ, जो लेन-देन में सच्चा हो, व्यवहारनिष्ठ।

ईमानदाराना (ایماندارانه) अ फा वि —ईमानदारों जैसा, ईमानदारों का।

ईमानदारी (ایمانداری) अ फा स्त्री —धर्मनिष्ठता, व्यवहारनिष्ठता।

ईमानफ़रोश (ایمان فروش) अ फा वि —जो अपना ईमान बेच दे, बेईमान, ग़द्दार।

ईमान फ़रोशी (ایمان فروشی) अ फा स्त्री —ईमान बेचना, बेईमानी करना, बेईमानी, गद्दारी।

ईमान बिलग़ैब (ایمان بالغیب) अ पु —बिना देखे किसी बात पर विश्वास, अनदेखे ईश्वर पर निष्ठा।

ईमाने कामिल (ایمان کامل) अ. पु.—पक्का ईमान, पूर्ण धर्मविश्वास।

ईयल (ایل) अ. पुं.—बारहसिंगा, हरिण की एक जाति।

ईयास (ایاس) अ. पुं.—निराश करना, नाउम्मीद करना।

ईर (عیر) अ. पुं.—यात्रीदल, काफिला; हर जानवर जिस पर नाज लादा जाय।

ईरां (ایراں) फा पुं.—'ईरान' का लघु., दे 'ईरान'।

ईरा (ایرا) अ पुं.—आग जलाना; चिमटे से आग निकालना।

ईराक़ (ایراق) अ पु.—वृक्ष में से हरे पत्ते फूटना, कोपल निकलना।

ईराद (ایراد) अ पुं.—लागू करना, वारिद करना; आपत्ति उपस्थित करना, एतराज़ करना।

ईरान (ایران) फा पु.—एशिया का एक प्रसिद्ध देश, फार्स, फारस।

ईरानी (ایرانی) फा. वि.—ईरान का निवासी, ईरान से सम्वन्धित।

ईरास (ایراس) अ पुं.—पेड के पत्ते पीले होना।

ईरास (ایراث) अ पु.—अपना उत्तराधिकारी बनाना; दाय (रिक्थ) देना, तरिक. पहुँचाना, किसी को शेष वस्तु देना।

ईर्मान (ایرمان) अ पु.—जो बे वुलाये किसी दूसरे निमन्त्रित व्यक्ति के साथ दावत में जाय, तुफ़ैली; लज्जा, शर्म, पश्चात्ताप, अफ़सोस।

ईर्सा (ایرسا) अ. स्त्री—इन्द्रधनुष, धनक; सौसन की जड़ जो दवा में चलती है।

ईल (ایل) तु पु.—वर्ष, साल; वशीभूत, ताब'दार; मित्र, दोस्त, अनुकूल, मुआफिक।

ईल (ایل) सु पु.—ईश्वर, खुदा।

ईला (ایلا) अ पु.—दान देना, वख्शना; पास होना, शपथ खाना।

ईलाकात (ایلاقات) तु पु.—तुर्कों के रहने के मकानात और उनकी खेतों की ज़मीन आदि।

ईलाज (ایلاج) अ पु.—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के अन्दर घुसेडना।

ईलाद (ایلاد) अ पु.—वच्चा पैदा करना, जनना।

ईलाफ (ایلاف) अ पु.—अभ्यस्त होना, आदी होना; रुष्ट होना, वेज़ार होना।

ईलाम (ایلام) अ पु.—दु खित करना, कष्ट देना।

ईलिया (ایلیا) सु पुं.—वहुत सच्चा।

ईवा (ایوا) अ पु.—वसाना, आवाद करना; स्थान देना, जगह देना।

ईवान (ایوان) फा पु.—प्रासाद, भवन, महल; परिषद्, कौंसिल।

ईवाने ज़ेरीं (ایوان زیریں) फा पुं.—निम्न सदन, लोअर हाउस।

ईवाने वाला (ایوان والا) फा. पु.—उच्च सदन, अपर हाउस।

ईवाने शाही (ایوان شاہی) फा. पु.—राजभवन, राजद्वार, शाही महल।

ईशः (عیشہ) अ पु.—चैन और सुख का जीवन।

ईश (ایش) अ. पु.—गुप्तचर, जासूस।

ईशाअ (ایشاع) अ पु.—पेड में कलियाँ निकलना।

ईस (عیس) अ. पु.—सफेद ऊँट, जिनकी सफेदी में लालिमा हो।

ईस (عیص) अ पुं.—पेडों का झुंड; भीड, अंवोह।

ईसवी (عیسوی) अ वि.—हज़रत ईसा से सम्वन्धित वस्तु, जैसे—ईसवी सन्।

ईसा (ایصا) अ पु.—उत्तराधिकारी वनाना, अपने वाद अपना वारिस वनाना; उपदेश देना, वसीयत करना।

ईसा (عیسیٰ) अ. पु.—हज़रत ईसा, ईसा मसीह, ईसाई धर्म के सस्थापक।

ईसाई (عیسائی) अ. वि.—हज़रत ईसा के धर्म का अनुयायी, ख्रिष्टीय, क्रिश्चियन।

ईसाद (ایصاد) अ. पु.—पर्दा डालना, ढाँकना, छिपाना; दरवाजा वन्द करना।

ईसानफस (عیسیٰ نفس) अ. वि.—जिसकी फूँक से मृतक प्राणी जी उठे, मुर्दों को जीवन प्रदान करनेवाला।

ईसानफ़सी (عیسیٰ نفسی) अ स्त्री.—मृतक प्राणियो को जीवित करना, मुर्दे जिलाना।

ईसार (ایثار) अ पु.—दूसरे के हित के लिए अपना हित त्याग देना, स्वार्थत्याग।

ईसार (ایسار) अ. पु.—मालदार होना, धनवान् होना।

ईसारपेशः (ایثار پیشہ) अ फा वि.—जो दूसरो के लिए अपना हित सदा ही त्याग देता हो।

ईसाल (ایصال) अ पु.—पहुँचाना, भेजना।

ईसाले सवाब (ایصال ثواب) अ पु.—मुर्दों की रूह को कुरान पढने या खाना खिलाने का सवाव पहुँचाना।

ईहाम (ایہام) अ पु.—भ्रम, भ्रांति, वहम, एक अर्थालंकार जिसमें ऐसा शब्द लाते हैं जिसके दो अर्थ होते हैं और पासवाला अर्थ छोड़कर दूरवाला अर्थ लगाते हैं।

उ

उंबूबः (انبوبہ) अ पु.—टोंटी, नली।

उबूब (اسوب) अ पु–उबूब का बहु, टाटिया, नलियाँ।
उस (اس) अ पु–स्नेह प्रेम, मुहब्बत, लगाव, तअल्लुक।
उसा (اشی) अ स्त्री–मादा स्त्री।
उसीयत (اسیت) अ स्त्री–स्नेह मुहब्बत, लगाव, तअल्लुक
उसुर (عنصر) अ पु–आग, पानी हवा, मिट्टी, जिनसे आदमी का शरीर बना है, तत्त्व, भूत।
उसुल (عنصل) अ पु–जगली पियाज।
उक्द (عقد) अ पु–उक्द' का बहु, ग्रथिया, गाठें।
उक्ला (عقلا) अ पु–'आकिल का बहु, बुद्धिमान जन।
उक़ाब (عقاب) अ पु–गरुड एक शिकारी चिड़िया।
उकाबीन (عقابین) अ पु–लोहे के काट।
उकाबन (عقابین) अ पु–दो लम्बी लकडियाँ जिन पर अपराधियो को लटकाते थे।
उकार (عقار) अ स्त्री–मदिरा शराब, एक प्रकार का लाल कपडा।
उकाश (عکاشہ) अ स्त्री–मकडी, लूता।
उकूक (عقوق) अ पु–माता पिता की अवहेलना और अवज्ञा।
उकूल (عقول) अ स्त्री–अक्ल का बहु बुद्धिया अक्ल।
उक्काश (عکاش) अ पु–मकडी लूता।
उक्द (عقده) अ पु–ग्रथि गुत्थी गाँठ, जटिल समस्या पेचीदा मसला।
उक्द कुशा (عقدهکشا) अ फा वि–गाँठ खोलनेवाला समस्या हल करनेवाला दुख निवारण करनेवाला।
उक्दकुशाई (عقدهکشائی) अ फा स्त्री–गाँठ खोलना समस्या हल करना, दुख मेटना।
उक्दए ला यनहल (عقدهٔلاینحل) अ पु–ऐसा गाठ जो खुल न सके ऐसी समस्या जो हल न हो सके।
उकनू (اکنوں) फा अव्य–अब इस समय।
उकनूम (اقنوم) अ पु–मूल जड ईसाई धर्म की एक किताब जो तीन महान ग्रथो में से है।
उक्बा (عقبی) अ पु–परलोक यमलोक, आखिरत।
उक्बान (عقبان) अ पु–'उकाब का बहु बहुत से उकाब गरुड-समूह।
उक्र (عقر) अ पु–बाँझपन।
उक्ल (عقل) अ पु–बद, बाँध रोक रमल की एक शक्ल।
उक्लीदिस (اقلیدس) अ स्त्री–रेखागणित ज्यामिति।
उक्हुवान (اقحوان) अ पु–एक वनस्पति बाबून।
उख्त (اخت) अ स्त्री–बहन भगिनी।
उख्दूद (اخدود) अ पु–जमीन की लम्बी-लम्बी दरार और खाई।

उख्रवी (اخروی) अ वि–परलोक सम्बन्धी, आखिरत का, आखिर का, अंत का।
उख्रा (اخری) अ स्त्री–आखिरी, अंतिम।
उखुव्वत (اخوت) अ स्त्री–भाईचारा, बधुत्व।
उगुल (اغل) तु पु–लडका बालक।
उगलूत (اغلوطه) अ पु–कोई वस्तु या बात जिससे दूसरा भ्रम में पड जाय, धोखा।
उचुब (اوچوب) तु वि–विस्तृत, कुशादा।
उजमा (عظما) अ पु–अजीम का बहु बडे लोग प्रतिष्ठित जन।
उजाक (اوجاق) तु पु–चूल्हा अँगीठी।
उजाग (اوجاغ) तु पु–दे 'उजाक'।
उजाज (اجاج) अ पु–खारा पानी, कच्चा नमक।
उजाद (عضاده) अ पु–दरवाजे में बाजू की लकडी।
उजाब (عجاب) अ पु–आश्चर्य विस्मय, तअज्जुब।
उजाम (عظام) अ पु–अजीम' का बहु, बडे लोग महू अनेक व्यक्ति।
उजाल (عجاله) अ पु–वह वस्तु जो तुरन्त लाया जा सके।
उजालत (عجالت) अ स्त्री–दे उजाल।
उजुर (اجر) अ पु–दान कण।
उजूब (عجوبه) अ वि–विलक्षण, विचित्र, अनोखा अजीबो गरीब।
उजूर (اجور) अ पु–मजदूरी पारिश्रमिक।
उज्ज (عضو) अ पु–अण्डे का खागीना, आमलेट।
उज्ज (عجز) अ पु–श्रोणि, कटिदेश, चूतड।
उज्जा (عزی) अ पु–अरब की एक प्राचीन मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
उज्जाम (عظام) अ पु–'अजीम का बहु बडे लोग।
उज्न (اذن) अ पु–कान कण दे उजुन दोनों शुद्ध है।
उज्ब (عجب) अ पु–अहकार, अभिमान गरूर।
उज्म (عزم) अ पु–निश्चय सकल्प इरादा, दे अज्म दोनों शुद्ध है।
उज्म (اذرم) अ पु–अंगूर द्राक्षा।
उज्र (عذر) अ पु–आपत्ति एतराज विवशता, मजबूरी।
उज्रत (اجرت) अ स्त्री–मजदूरी भृति पारिश्रमिक।
उज्रदार (عذردار) अ फा वि–आपत्तिकर्ता एतराज करनेवाला कानूनी उज्रदारी करनेवाला।
उज्रदारी (عذرداری) अ फा स्त्री–आपत्ति करना, उज्र लगाना किसी दूसरे के मुकाबले में अपने हक की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना।
उख्रा (اخری) अ पु–वृत्ति वजीफा।

उज़्रेजनाँ (عذرزناں) अ. फा पु —मासिक धर्म, हैज़।
उज़्रेलंग (عذرلنگ) अ फा पुं —ऐसा उज्र जिसे मानने मे सदेह हो, झूठा उज्र।
उज़्लत (عزلت) अ स्त्री —वाल-वच्चो से विरक्त होकर ईश्वर-स्मरण मे लगना; एकान्तवास करना; एकान्त, तन्हाई।
उज्लत (عجلت) अ स्त्री.—शीघ्रता, जल्दी, इसका शुद्ध उच्चारण 'इज्लत' है, परन्तु उर्दू मे 'उज्लत' ही बोलते हैं।
उज़्लतगुज़ीं (عزلت گزیں) अ फा. वि.—एकातवासी, ससार के झगड़ो से विरक्त, गोशानशीन।
उज़्लतनशी (عزلت نشیں) अ फा वि —दे 'उज़्लतगुज़ी'।
उज़्व (عضو) अ पु —अवयव, अग, शरीर का कोई भाग।
उज़्हूकः (اضحوکہ) अ वि —वह जिस पर सब हँसे, हास्यास्पद।
उताक़ः (اتاقہ) तु —कलगी।
उताक़ (اتاق) तु —घर, गृह, मकान, कोठा, कमरा।
उताग़ (اتاغ) तु —दे 'उताक़'।
उतारिद (عطارد) अ पु —वुध ग्रह।
उताश (عطاش) अ. स्त्री —प्यास की बीमारी, वह रोग जिसमे प्यास अधिक लगे।
उतास (عطاس) अ स्त्री —छीके आने का रोग, छीक।
उतुल [ल्ल] (عتل) अ पु —वहुत खानेवाला; कड़ी आवाज़-वाला, अत्याचारी, कड़ा नैंजा, मोटा वल्लम।
उतुव्व (عتو) अ वि —अभिमान, गुरूर; उद्दडता, सरकशी; हद से गुज़र जाना, वहुत वूढा हो जाना।
उत्ती (عتی) अ. वि —दे 'उतुव्व'।
उत्तू (اتو) फा पुं —लोहे का ठप्पा जिसे गरम करके कपड़ा छापते हैं।
उत्वः (عتبہ) अ पु —अरव का एक व्यक्ति।
उत्वा (عتبیٰ) अ पु —आज्ञा, मर्जी।
उत्रुज (اترج) अ पु —निम्बु, नीबू।
उत्रूवः (اطروبہ) अ पु —वह वस्तु जो आनन्द दे, वाजा-गाजा आदि मनोरजन के सावन।
उत्रूश (اطروش) अ वि —वधिर, वहरा।
उत्लत (عطلت) अ स्त्री —निठल्लापन, वेकारी, काम का अभाव।
उदवा (ادبا) अ पु —अदीव का वहु, साहित्यसेवी लोग, अदीव लोग।
उदात (عداۃ) अ पुं —'आदी' का वहु, शत्रु लोग।
उदूल (عدول) अ पु —अवज्ञा, अवहेलना, नाफर्मानी।
उदूलहुक्मी (عدول حکمی) अ. स्त्री —आज्ञा न मानना, आज्ञोल्लंघन, नाफर्मानी।
उद्दत (عدت) अ स्त्री.—तत्परता, तैयारी; वनावट, साख़्त।
उद्वः (عدوہ) अ. पु —दूर का स्थान; नदी का किनारा, नदीतट।
उद्वान (عدوان) अ पु —शत्रुता, दुश्मनी; अत्याचार, जुल्म।
उनसा (انسا) अ. पु —'अनीस' का वहु, मित्रगण, दोस्त, अहवाव।
उनास (اناث) अ. स्त्री —'उसा' का वहु., मादाएँ, स्त्रियाँ।
उनास (اناس) अ पु.—लोग, जन-समूह (इस शब्द का एक-वचन नही है)।
उनुक़ (عنق) अ स्त्री —गर्दन, ग्रीवा, गला।
उनुस (انث) अ स्त्री —'उसा' का वहु, मादाएँ।
उनूद (عنود) अ पु —सत्य के प्रतिकूल कार्य करना; युद्ध करना, लड़ना।
उनूस (عنوس) अ. पु —लडकी का वालिग होकर विना पति के वहुत दिनो घर मे वैठना।
उन्क़ (عنق) अ. स्त्री —दे 'उनुक़'; दोनो शुद्ध हैं।
उन्नाव (عناب) अ पु —झरवेरी की तरह के फल जो दवा मे काम आते हैं।
उन्नावी (عنابی) अ. वि —उन्नाव जैसे रंगवाला, हलका वेंगनी।
उन्फ़ (عنف) अ पु —खुरापन, खुरदरापन; रुखाई, वेरुखी।
उन्फ़ुवान (عنفوان) अ. पु —प्रारम्भ, शुरुआत, युवावस्था का आरम्भ।
उन्फ़ुवाने शवाव (عنفوان شباب) अ. फा पु —जवानी की उठान, यौवनारम्भ।
उन्मूज़ज (انموذج) अ. पु —नमूना, वानगी।
उन्वान (عنوان) अ. पु —शीर्षक, सुर्ख़ी, शैली, पद्धति, तर्ज़; प्रशस्ति, सरनामा, खत का अल्कावो आदाव, प्रस्तावना, दीवाचा, प्रयत्न, युक्ति, तदवीर।
उफ़ (اف) अ अव्य.—हाय, ओह, आहे, हा।
उफ़ुक़ (افق) अ पु —क्षितिज, वह स्थान जहाँ आकाश पृथ्वी से मिला हुआ जान पड़ता है।
उफ़ूनत (عفونت) अ स्त्री.—दुर्गन्ध, वदवू; सड़ाँध, सडने की दुर्गंध।
उफ़ूल (افول) अ पु —अस्त होना, डूवना।
उफ़ूसत (عفوصت) अ स्त्री —कसीलापन, वखटापन।
उफ़्ताँ (افتاں) फा. वि —गिरता-पड़ता।

उफ्ताद (افتاده) फा वि –गिरा हुआ, पना हुआ, दुखित, दलित मुसीबतजदा।
उफ्ताद (افتاد) फा स्त्री –आपत्ति विपत्ति, मुसीबत दैवी आपत्ति, बला, कह्र (कहर)।
उफ्तादगी (افتادگی) फा स्त्री –गिरना, पन्ना विपत्ति आपत्ति दुख विनय आजिज़ी।
उफ्तादनी (افتادنی) फा वि –गिरने योग्य जो गिराया जा सके जो गिर सके।
उबाब (عباب) अ पु –छुहारे के पेड का पत्ता, पानी की प्रचड बाढ बहुतायत भरा होना उँचाई शुरूआत।
उबूव्वत (ابوت) अ स्त्री –बाप होना पितृत्व।
उबूदीयत (عبودیت) अ स्त्री –नम्रता बन्दगी।
उबूर (عبور) अ स्त्री –नदी आदि का पार करना उतरना।
उबूसत (عبوست) अ स्त्री –सुन्न कर्द मुह बनाना, विमुखता उपना।
उबहूल (ابہول) अ पु –एक वनौषधि हाउबेर।
उम(म्म) (ام) अ स्त्री –माता माँ।
उमम (امم) अ स्त्री –उम्मत' का बहु उम्मतें विभिन्न धर्म-समुदाय।
उमर (عمر) अ पु –मुसल्मानो के दूसरे खलीफा।
उमरा (امرا) अ पु –अमीर' का बहु धनवान लोग।
उमीद (امید) फा स्त्री –दे 'उम्मीद'।
उमीदवार (امیدوار) फा वि –दे उम्मीदवार'।
उमूक (عموق) अ पु –गहराई गभीरता।
उमूद (عمد) अ पु –अमूद' का बहु खभे।
उमूम (عموم) अ पु –साधारण आम।
उमूमन (عموماً) अ वि –प्राय बहुधा अक्सर।
उमूमी (عمومی) अ वि –सार्वजनिक अवामी जनसाधारण से सम्बन्ध रखनेवाला।
उमूमीय (عمومیه) अ स्त्री –जनता पब्लिक।
उमूमीयत (عمومیت) अ स्त्री –साधारणता (विशेषता का उल्टा)।
उमूमीयत (امومیت) अ स्त्री –माँ की ममता वात्सल्य।
उमूर (امور) अ पु –अम्र' का बहु काम-काज काम समस्याएँ मसले।
उमूरेआम्म (امورعامه) अ पु –जनसाधारण के हित सम्बन्धी काम।
उम्द (عمده) अ वि –उत्तम श्रेष्ठ, बढ़िया सुन्दर मनोरम प्रियदर्शन मातम।
उम्दगी (عمدگی) अ फा स्त्री –उत्तमता श्रेष्ठता, सुन्दरता, गुणानुमाई, श्रेष्ठता, सराहत।
उम्नीयत (امنیت) अ स्त्री –आशा आजू उम्मीद, झूठ मिथ्या, उद्देश मकसद पुस्तक का पाठ।
उम्म (ام) अ स्त्री –माता, जननी माँ।
उम्मत (امت) अ स्त्री –किसी विशेष अवतार या पैगम्बर को माननेवाला समुदाय।
उम्महत (امہت) अ स्त्री –माता मा, (केवल मानव जाति की)।
उम्महात (امہات) अ स्त्री – उम्महत का बहु, माताएं। यह शब्द केवल मानवजाति के लिए प्रयुक्त होता है।
उम्महातेसिफ्ली (امہات سفلی) अ स्त्री –पचभूत अनासिर पृथ्वी के तत्व।
उम्मात (امات) अ स्त्री – उम्म का बहु मानवजाति के अतिरिक्त दूसरी माताएँ।
उम्मान (عمان) अ पु –अरब के नाम प्रदेश का एक नगर।
उम्माल (عمال) अ पु –आमिल का बहु कर्मचारी वर्ग अमला।
उम्मी (امی) अ वि –वह व्यक्ति जिसका पिता बाल्यावस्था में मर जाय और जिसके कारण वह पढ़-लिख न सके, वह व्यक्ति जो लिखना-पढ़ना न जानता हो चाहे अपने बाप की छत्रछाया में जवान हुआ हो, मुहम्मद साहब का लकब जिन्होंने किसी से पढ़ा न था।
उम्मीद (امید) फा स्त्री –आशा, आस उमीद, इच्छा ख्वाहिश उत्कठा इश्तियाक भरोसा सहारा आसरा।
उम्मीदवार (امیدوار) फा वि –आशान्वित, आस लगाए हुए नौकरी आदि का उम्मीदवार।
उम्मुद्दिमाग़ (ام الدماغ) अ स्त्री –सर के भीतर भेजा रहने का स्थान।
उम्मुल उलूम (ام العلوم) अ स्त्री –व्याकरण।
उम्मुल किताब (ام الکتاب) अ स्त्री –कुरान की पहली सूरत 'फातिहा'।
उम्मुल खबाइस (ام الخبائث) अ स्त्री –सारी बुराइयों की माँ अर्थात शराब।
उम्मुल जराइम (ام الجرائم) अ स्त्री –सारे अपराधों की माँ, दरिद्रता, मुफ्लिसी।
उम्मुस्सिबयान (ام الصبیان) अ स्त्री –बच्चों का एक रोग जमोगा।
उम्मेग़ीलां (ام غیلاں) अ स्त्री –बबूल का पेड।
उम्मेमिल्दम (ام ملدم) अ स्त्री –मौत की माँ, ज्वरों का ज्वर।
उम्मेवलद (ام ولد) अ स्त्री –वह दासी जिसने अपने स्वामी के सहवास से पुत्र या कन्या को जन्म दिया हो।

उम्रः (عمره) अ पु –हज करनेवालो की एक इबादत, मक्के से तीन कोस पर 'तन्ईम' नामक स्थान पर नमाज पढ़कर वापस आकर, का'बे का तवाफ करते हैं।

उम्र (عمر) अ. स्त्री –आयु, अवस्था, सिन।

उयून (عیون) अ पुं –'ऐन' का बहु चश्मे, सोते, आंखें, नेत्र-समूह।

उयूब (عیوب) अ. पु –'ऐब' का बहु , बहुत से दोष।

उयूल (عیول) अ. स्त्री –सन्यास, दरवेशी, फकीरी, निर्धनता।

उरफा (عرفا) अ पु –आरिफ का बहु , ब्रह्मज्ञानी लोग, महात्मा लोग।

उराजः (عراضه) अ. पु –वह वस्तु जो यात्री विदेश से लाकर उपहार के तौर पर मित्रों को दे।

उरात (عرات) अ पु.–'आरी' का बहु , नग्न लोग, नगे।

उरज (عروج) अ पु –उन्नति, तरक़्क़ी, ऊँचाई, बलंदी, उत्कर्ष, उत्थान, उठान।

उरुज्ज (ارز) अ. पु –चावल।

उरुस (عرس) अ पु –दे 'उर्स', दोनों शुद्ध हैं।

उरूक (عروق) अ स्त्री –'इर्क' का बहु , रगें, नसें।

उरूज़ (عروض) अ पु –प्रकट होना, जाहिर होना, लागू होना, आरिज़ होना।

उरूफ (عروف) अ पु.–किसी चीज से मुँह फेर लेना, दिल सर्द हो जाना, उत्साह न रहना, लग्नाभाव।

उरेब (اریب) फा पुं –तिरछा, टेढा; तिरछापन, टेढ, वक्रता।

उर्ज़. (عرضه) अ पु –साहस, हिम्मत; मिष, वहाना, बीच में डाला हुआ।

उर्दक (اردک) तु स्त्री –मुर्गाबी, एक प्रसिद्ध जल पक्षी।

उर्दक परानी (اردک پرانی) तु फा स्त्री.–ठठोल, उपहास, मसखरी।

उर्दी (اردی) फा पु –ईरानी दूसरा महीना, वहार का महीना।

उर्दीविहिश्त (اردی بہشت) फा पु –दे 'उर्दी'।

उर्दू (اردو) तु पु –सेनावास, छावनी, फौजी पडाव (स्त्री) उर्दू भाषा।

उर्दूए मुअल्ला (اردوئے معلی) तु. अ स्त्री.–वह उर्दू जो दिल्ली के किले मे बेगमे बोलती थी, उच्च कोटि की उर्दू भाषा।

उर्दूबाजार (اردوبازار) तु. फा पु.–सेनावास, छावनी, सदर बाजार।

उर्फ (عرف) अ पु –मुख्य नाम के अतिरिक्त दूसरा छोटा नाम जो प्राय वचपन मे पड़ जाता है।

उर्फीयत (عرفیت) अ स्त्री –उर्फ होना, उर्फवाला नाम।

उर्वीयः (اربیه) अ. स्त्री –जाँघ की जड़, निरुढा।

उर्मः (ارمه) यू. पु –उर्मिया का लघु , दे. 'उर्मिया'।

उर्मिया (ارمیا) यू पुं –ख़िज्र का नाम।

उर्मुज़ (ارمز) फा. पुं –हर ईरानी महीने की पहली तारीख़।

उर्यां (عریاں) अ. वि –नग्न, नंगा; अश्लील, फोहश।

उर्यां नवीस (عریاں نویس) अ. फा वि –अश्लील लेख लिखनेवाला, फोहश निगार।

उर्यां निगार (عریاں نگار) अ फा. वि –दे. 'उर्यां नवीस'।

उर्यानी (عریانی) अ स्त्री.–नग्नता, नंगापन; अश्लीलता, फक्कड़पन।

उर्यानीपसंद (عریانی پسند) अ फा वि –जिसे अश्लीलता पसंद हो।

उर्वः (عروه) अ पु –हर चीज का किनारा; लोटे आदि का दस्ता, हत्था।

उर्वतुलवुस्क़ा (عروة الوثقی) अ पु –प्रमाणित, दस्तावेज़।

उर्स (عرس) अ. पु.–व्याह का खाना; किसी मुसलमान ऋषि का वार्षिक उत्सव।

उलग (الغ) तु पु –चरागाह, गोचर, सब्जाजार।

उलमा (علما) अ पु –'आलिम' का बहु., आलिम लोग, विद्वज्जन।

उला (علا) अ. स्त्री.–उच्चता, वलंदी; श्रेष्ठता, बुजुर्गी; उत्तमता, उम्दगी।

उलाक (الاق) तु. पु –गधा, गदहा, खर, रासभ।

उलाग़ (الاغ) तु पु –दे. 'उलाक'।

उलाचुक (الاچق) तु पु –जंगली आदमियों की झोपड़ी जो बालों से बनायी जाती है।

उलुग़ (الغ) तु पु.–बडा, श्रेष्ठ, महान्।

उलुलअज़्म (اولوالعزم) अ. वि –बड़ी हिम्मतवाला, साहसी, उच्चोत्साही।

उलुलअज्निहः (اولوالاجنحه) अ. पु –परोंवाला, फिरिश्ता.।

उलुलअम्र (اولوالامر) अ वि –शासक, हुक्मरां, युग का महापुरुष।

उलुलअल्बाब (اولوالالباب) अ वि –बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

उलुवीयां (علویاں) अ फा पु –सैयद लोग, सादात।

उलुव्व (علو) अ पु.–उच्चता, ऊँचाई, बलंदी।

उलुश (اولوش) तु पु –अमीरों के आगे का बचा हुआ खाना जो नौकरों का हक होता है; किसी ऋषि मुनि के आगे का बचा हुआ खाना, जो प्रसाद के तौर पर खाया जाता है, तवर्रुक, प्रसाद, भोग।

उलुस (اولوس) तु पु –राष्ट्र, कौम, जाति, बरादरी, विरादरी।

उलूक़ (علوق) अ पु –लटकना, मित्र रखना, गर्भाशय म भ्रूण बनने के समय पुरुष के वीर्य के साथ स्त्री के रक्त का जमना।

उलूफ़ (علوفه) अ पु –खुराक, भोजन, खाद्य पदार्थ, खुदनी चीज़।

उलूफ़ (الوف) अ पु –अल्फ का बहु सहस्रों हज़ारों।

उलूम (علوم) अ पु –इल्म का बहु, विद्याएँ शास्त्र समूह।

उलूमेअक्ली (علومِ عقلی) अ पु –वे विद्याए जिनका सम्बन्ध बुद्धि और तर्क से है।

उलूमेनक़्ली (علومِ نقلی) अ पु –वे विद्याए जिनका सम्बन्ध बुद्धि से नही है बल्कि पुस्तक म लिखे हुए को मानने से है जैसे—धर्म-सम्बन्धी विद्याए।

उल्क (الکا) तु पु –देश राष्ट्र।

उल्फ़त (الفت) अ स्त्री –प्रेम स्नेह मुहब्बत।

उल्या (علیا) अ स्त्री –आ'ला का स्त्रीलिंग जैसे—पुरुष के लिए 'आ'ला हज़रत स्त्री के लिए उल्या हज़रत।

उवस (اوس) अ पु –एक मुसलमान ऋषि, जो यमन देश के करन' गोत्र से थे।

उश(श्श) (عش) अ पु –नीड, घोसला।

उश्नाक (اسن) अ पु –एक गोद जो दवा म काम आता है।

उश्नाक (اساق) तु पु –बिना दाढ़ी मूछ का सुन्दर लम्बा अमरद।

उश्तुर (اشتر) फा पु –उष्ट्र ऊट।

उश्तुलुम (اشتلم) तु पु –प्रचंडता तेज़ी अत्याचार, ज़ुल्म, प्रभुत्व गलबा।

उश्नान (اشنان) फा पु –एक घास जिससे खाद बनता है।

उश्ब (عشبه) अ पु –एक वनौषधि जो रक्त शुद्धि के लिए प्रसिद्ध है।

उश्ब (عشب) अ पु –हरी घास।

उश्र (عشر) अ वि –दसवाँ भाग दशम अश ¹⁄₁₀।

उश्रेअशीर (عشرِعشیر) अ वि –दसवें का दसवा भाग अर्थात सौवाँ भाग ¹⁄₁₀₀ शताश।

उश्व (عسوه) अ पु –आग जो रात म दूर से दिखाया पड़े छिपाकर काम करना।

उश्शाक (عشاق) अ पु –आशिक का बहु प्रेमी लोग।

उस(स्स) (عس) अ पु –बड़ा पियाला बादिया।

उसात (عصات) अ पु –आसी का बहु पापी लोग।

उसाम (اسامه) अ पु –व्याघ्र शेर एक सिहाबी।

उसार (عصاره) अ पु –किसी पेड़ के पत्ते आदि का कुचल कर निकाला हुआ रस जो धूप या आग म जमा लिया जाता है।

उसारा (اساری) अ पु –असीर' का बहु, बंदीजन क़ैदी लोग

उसुर (عسر) अ स्त्री –दे 'उस, दाना शुद्ध है।

उसूफ़ (عصوف) अ पु –वायु का बहुत वेग से चलना झक्कड़ चलना।

उसूल (اصول) अ पु –'अस्ल' का बहु, जड़ें सिद्धात समूह नियम, कायदे।

उसूलन (اصولاً) अ वि –उसूल से, नियमानुसार।

उसूली (اصولی) अ वि –मौलिक, आधारभूत बुनियादी।

उसैल (عسیلہ) अ पु –मधुनानंद हमबिस्तरी की लज्जत, वीर्य, मनी।

उसउस (عصعص) अ पु –चूतड़ों के बीच की हड्डी दुमगजा, सुस्त और आलसी व्यक्ति।

उस्कुफ़ (اسقف) अ पु –ईसाइयों का धार्मिक गुरु पादरी।

उस्कुफ़े आ'ज़म (اسقفِ اعظم) अ पु –सबसे बड़ा पादरी, लाट पादरी।

उस्कुफ़्फ़ (اسکفه) अ पु –देहलीज़ चौखट।

उस्कुर (اسکره) अ पु –छोटा पियाला, सकोरा।

उस्कुज (اسکرجه) अ पु –दे उस्कुर'

उस्गर (اسغر) फा पु –सेही एक प्रसिद्ध जन्तु।

उस्त (استه) फा पु –खजूर की गुठली।

उस्ता (اوستا) फा पु –पारसियों का एक धार्मिक ग्रथ।

उस्ताज़ (استاذ) अ पु –दे उस्ताद।

उस्ताद (استاد) फा पु –शिक्षक, अध्यापक कोई शिल्प आदि सिखानेवाला चालाक, होशियार।

उस्तादान (استادانه) फा वि –उस्तादों जसा, चालाकी का।

उस्तादी (استادی) फा वि –उस्ताद से सम्बन्धित (स्त्री) चालाकी धूर्तता।

उस्तुक्स (اسطقس) अ पु –तत्त्व पंचभूत उसुर।

उस्तुख्वाँ (استخواں) फा पु –हड्डी अस्थि।

उस्तुख्वादार (استخواں دار) फा वि –दृढ़ मज़बूत, स्थिर, कायम।

उस्तुन (استن) अ पु –स्थूण सुतून खभा।

उस्तुर (استره) फा पु –हजामत बनाने का नाई का छुरा।

उस्तुर (استرده) फा वि –मूँडा हुआ मुडित।

उस्तुर्लाब (اسطرلاب) अ पु –एक यत्र जिससे ग्रह आदि की पैमाइश होती है।

उस्तुवान (اسطوانه) अ पु –स्थून सुतून खभ।

उस्तुवार (استوار) फा वि –दृढ़ मज़बूत स्थायी मस्त क़िल।

उस्तुवारी (استواری) फा वि –दृढ़ता मज़बूती, स्थायित्व इस्तिक्लाल।

उस्तूरः (اسطورہ) अ पुं—कहानी, आख्यायिका, अफ़्साना।
उस्तूल (اسطول) अ पु—युद्धपोत, जगी जहाज।
उस्पुश (اسپش) फा पुं—जूँ, स्वेदज।
उस्फ़ुर (عصفر) अ पु—कुसुम का फूल।
उस्फ़ूर (عصفور) अ पु—चटक, गौरैया, एक प्रसिद्ध घरेलू चिडिया।
उस्वः (عصبہ) अ. पु—मनुष्यो का समूह जो वीस से चालीस तक हो।
उस्वूअः (اسبوعہ) अ पु—सप्ताह, हफ्ता।
उस्वूअ (اسبوع) अ पु—सप्ताह, हफ्ता, सात वार; सात दिन।
उस्मान (عثمان) अ. पु—मुसलमानो के तीसरे खलीफा।
उस्मूर (عصمور) अ पु—पानी का रहट; डोल।
उस्रः (عسرہ) अ पु—दे 'उस्रत'।
उस्र (عسر) अ पु कठिनता, दुश्वारी।
उस्रत (عسرت) अ स्त्री—कठिनता, दुष्करता, असुगमता, दुश्वारी; दरिद्रता, कगाली।
उस्रतज़दः (عسرت زدہ) अ फा वि—दरिद्र, कगाल।
उस्रुब (اسرب) अ पु—सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसकी गोली वनती है।
उस्लूब (اسلوب) अ पु—पद्धति, शैली, ढग, आचरण, वज़ा; व्यवहार, तर्जेअमल।
उस्वः (اسوہ) अ पु—नेता, पेशवा, ऐसा आचरण जिसका अनुकरण कल्याणकर हो, जटिल समस्याओ को हल करनेवाला नेता।
उस्वएहसनः (اسوۂحسنہ) अ पु—सदाचार, अच्छा आचरण।
उहूद (عہود) अ पु—'अहद' का वहु, प्रतिज्ञाएँ, वचन, वा'दे।
उहूदूसः (احدوثہ) अ पु—कहानी, आख्यान, किस्सा।
उहवत (اھبت) अ पु—हथियार और सामान।

ऊ

ऊ (او) फा अव्य—वह।
ऊक (عوق) अ पु—'ऊज' का पिता।
ऊक़ियः (اوقیہ) अ पु—आधी छटाँक से कुछ अधिक की एक तोल।
ऊक़ियानूस (اوقیانوس) अ पु—अतलातिक महासागर।
ऊज (عوج) अ पु—एक वहुत ही लम्बा व्यक्ति जो हजरत आदम के जमाने मे पैदा हुआ और हजरत मूसा के जमाने तक रहा, साढ़े तीन हजार वरस की आयु पायी, इसके वाप का नाम 'ऊक' है। जो लोग 'ऊजविन उनुक' कहते है वे गलत कहते है; 'ऊजविन ऊक' कहना चाहिए।
ऊद (عود) अ पु—एक सुगधित लकड़ी, अगरु, एक वाजा, वर्वत।
ऊदनवाज़ (عودنواز) अ फा पु—वर्वत वजानेवाला।
ऊदसाज़ (عودساز) अ फा वि.—वर्वत वाजा वनानेवाला।
ऊदसोज़ (عودسوز) अ फा. पुं—ऊद सुलगाने का पात्र, अगरदान।
ऊर (عور) फा. वि—नग्न, नंगा, वरहन.।
ऊरी (عوری) फा वि—नग्नता, नगापन।
ऊस (عوس) अ स्त्री.—वकरी की एक जाति।

ए

ए (اے) फा. अव्य—ऐ, अयि, वुलाने का सवोधन, 'ए'।
एआदः (اعادہ) अ. पु—दोहराना, पुनरावृत्ति; लौटना, वापस आना।
एआदए शवाव (اعادۂ شباب) अ फा. पु—युवावस्था की पुन वापसी, वूढे का जवान वनना।
एआनत (اعانت) अ स्त्री—सहायता, मदद।
एआनते मुज्रिमानः (اعانت مجرمانہ) अ फा स्त्री—अपराध करने मे सहायता, अवैध सहायता।
एज़द (ایزد) फा पु—ईश्वर, खुदा।
एज़द परस्त (ایزد پرست) फा. वि.—आस्तिक, ईश्वरवादी, खुदा को माननेवाला।
एज़दी (ایزدی) फा. वि—ईश्वरीय, ईश्वर का; ईश्वर-सम्वन्धी।
एजाज़ (اعجاز) अ पु—चमत्कार, करामात; —"तेरे एजाज की है धूम जमाने भर मे—मै जो वच जाऊँ तो समझूँ कि मसीहाई है।"
ए'जाज़े ईसवी (اعجاز عیسوی) अ पु—मृतक प्राणियो को जीवित करने का चतमकार।
ए'जाव (اعجاب) अ पु—अभिमान करना, घमड करना, मान, हर्ष, घमड।
ए'जाल (اعجال) अ पु—शीघ्रता करना, जल्दी करना।
एज़ाज़ (اعزاز) अ पु—सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जत; राज्य या किसी वडी सभा की ओर से कोई महत्वपूर्ण काम सपुर्द करके सम्मान।
एज़ाज़ी (اعزازی) अ वि—कोई काम जो सम्मान के लिए हो, अवैतनिक कार्य।
ए'ता (اعطا) अ पु—देना, प्रदान करना, अता करना; वख्शिश, पुरस्कार।

ए'ताक़ (اعتاق) अ पु—दास को मुक्त करना, अपने बंधन से छोड़ना।
ए'तात्र (اعطاش) अ पु—प्यासा करना।
ए'तिक़ाद (اعتقاد) अ पु—श्रद्धा आस्था, अक़ीदा, प्रत्यय, विश्वास यक़ीन।
ए'तिकाफ़ (اعتكاف) अ पु—एकांत में ईश्वर की तपस्या, एकान्तवास गोशानशीनी।
ए'तिज़ाज़ (اعتزاز) अ पु—प्रिय होना प्यारा होना अज़ीज़ होना।
ए'तिज़ाम (اعتزام) अ पु—संकल्प करना, इरादा पक्का करना दृढ़ प्रतिज्ञ होना।
ए'तिज़ार (اعتذار) अ पु—उज्र करना, विवशता प्रकट करना उज्रदारी करना उज्र आपत्ति।
ए'तिज़ाल (اعتزال) अ पु—अलग होना एकान्तवासी होना यह अक़ीदा होना कि मनुष्य अच्छे बुरे कर्मों का स्वयं ही कर्त्ता है ईश्वरेच्छा का इसमें कोई प्रश्न नहीं।
ए'तिदा (اعتدا) अ पु—अनीति करना जुल्म करना।
ए'तिदाल (اعتدال) अ पु—सर्दी-गर्मी या वर्षा-सूखा में बराबर होना संतुलन बराबरी।
ए'तिना (اعتنا) अ पु—सहानुभूति करना हमदर्दी करना रोगी की देख रेख करना, दया करना सहानुभूति तीमारदारी दया कृपा।
ए'तिनाक़ (اعتناق) अ पु—गले मिलना एक दूसरे के गले में हाथ डालना।
ए'तिमाद (اعتماد) अ पु—किसी चीज़ पर पीठ टेकना सहारा लेना सहारा भरोसा विश्वास, यक़ीन।
ए'तिमाल (اعتمال) अ पु—काम करना।
ए'तिमाक (اعتماك) अ पु—मना करना, बाज़ रखना रोकना।
ए'तियाज़ (اعتياض) अ पु—बदला लेना बदला देना।
ए'तियास (اعتياس) अ पु—किसी पर कोई काम कठिन होना कठिनाई में पड़ना।
ए'तिराज़ (اعتراض) अ पु—आपत्ति उज्र हस्तक्षेप, दस्तन्दाज़ी बीच में आ जाना।
ए'तिराफ़ (اعتراف) अ पु—स्वीकृति अभिस्वीकृति इक़रार अपने अपराध की स्वीकृति, इक़बालेजुर्म।
ए'तिला (اعتلا) अ पु—ऊपर उठना ऊँचा होना बलंद होना।
ए'तिलाफ़ (اعتلاف) अ पु—पशु का चारा खाना।
ए'तिलाल (اعتلال) अ पु—बीमार पड़ना, रोग-ग्रस्त होना।
ए'तिवार (اعتوار) अ पु—किसी वस्तु का हाथों-हाथ लेना।
ए'तिशाश (اعتشاش) अ पु—बाल-बच्चों के लिए बहुत योग्य लाना लाना।
ए'तिसाफ़ (اعتساف) अ पु—कुमार्ग पर चलना, अनीति करना जुल्म करना।
ए'तिसाम (اعتصام) अ पु—संयम इंद्रियनिग्रह परहेज़गारी।
ए'तिसार (اعتصار) अ पु—निचोड़ना।
ए'तिसास (اعتساس) अ पु—रात को पहरा देना रात का गश्त लगाना।
ए'दाम (اعدام) अ पु—ध्वस्त करना बरबाद करना।
ए'फ़ाफ़ (اعفاف) अ पु—किसी को संयम नियम का पाबंद बनाना।
एलक (ایلک) तु पु—दास गुलाम एल्ची दूत, प्रमयण मा'मूक।
एमन (ایمن) फा वि—'आमन' का इमाल सुरक्षित महफ़ूज़ अभय निडर।
एमनी (ایمنی) फा स्त्री—सुरक्षा हिफ़ाज़त भयहीनता निडरपन।
एमिन (ایمن) फा वि—सुरक्षित अभय निडर।
ए'राज़ (اعراض) अ पु—किसी की ओर से मुँह फेर लेना विमुखता, उपेक्षा प्रकट होना, चौड़ा चकला होना बकरा के बच्चे का अडवाप निकालना भलाई करना।
ए'राब (اعراب) अ पु—'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश'।
एल्ची (ایلچی) तु पु—पत्रवाहक क़ासिद दूत सफ़ीर।
ए'ला (اعلا) अ पु—ऊँचा करना, उठाना, प्रसिद्ध करना फैलाना।
ए'लान (اعلان) अ पु—घोषणा अभिज्ञापन मुनादी उन्माद।
ए'लाम (اعلام) अ पु—ज्ञान कराना बताना जताना।
ए'लाल (اعلال) अ पु—बीमार करना रोगी बनाना।
ए'वास (اعواص) अ पु—शत्रु पर काम मुश्किल कर देना शत्रु को कठिनाई में डाल देना।
ए'विजाज (اعوجاج) अ पु—टेढ़ा होना टेढ़ापन।
ए'शां (ایشان) फा अव्य—यह लोग यह सब।
ए'शाश (اعشاش) अ पु—दूसरा के घर में इस प्रकार से बैठना कि वह घबराकर घर छोड़कर भाग जाए।
ए'सार (اعصار) अ पु—लकड़ी का बालिग होना वर्षा बरसने के क़रीब होना।
एस्ताद (استاد) फा वि—'इस्ताद', दाता गुरु
एस्तादगी (استادگی) फा स्त्री—इस्तादगी, गुरुता।

एस्तादनी (ایستادنی) फा वि –दे 'इस्तादनी', दोनों शुद्ध है।

एहकाक (احقاق) अ पु.–हक साबित करना; ठीक जानना।

एहकाके हक (احقاق حق) अ पु.–अपना हक साबित करना, सच्ची बात साबित करना।

एहज़ान (احزان) अ पु –दु:खित करना, गम में डालना।

एहजार (اهجار) अ पु –अश्लील बातें करना, फुह्श बकना।

एहज़ार (اهذار) अ पु.–बहुत बोलना, बहुत बातें करना; वाचालता, बकवास।

एहज़ार (احضار) अ पु.–उपस्थित करना, हाज़िर करना; घोड़े का दौड़ना।

एहतिकाक (اهتکاک) अ. पुं –अपमान करना, अवहेलना करना, हत्क करना।

एहतिकान (احتقان) अ पु –पिचकारी लगाना, इंजकशन करना, हुक्न देना, इनेमा करना।

एहतिकार (احتقار) अ पु –तिरस्कार करना, अपमानित करना।

एहतिकार (احتکار) अ. पुं –इस विचार से अन्न संचित करना कि भाव तेज़ होने पर बेचा जायगा।

एहतिजाज (احتجاج) अ पु –वाद-विवाद करना, हुज्जत करना, अपने किसी अहित के लिए अहितकर्ता से रोष प्रकट करना।

एहतिज़ाज़ (احتظاظ) अ पु –आनंद लेना, लुत्फ उठाना।

एहतिज़ाज़ (اهتزاز) अ पु –झूमना, झूमकर मस्त होना।

एहतिजाम (احتجام) अ पु –पछने लगवाना।

एहतिज़ार (احتضار) अ. पु –सामने आना, हाज़िर होना, मृत्यु का आना, नागरिक होना, घोड़ा दौड़ना।

एहतिदा (اهتدا) अ. पु.–सन्मार्ग पाना, सीधा रास्ता प्राप्त होना।

...काल (احتفال) अ पु –सभा करना, सभा होना।

...तिबाल (احتبال) अ पु –जाल से शिकार पकड़ना।

एहतिबास (احتباس) अ पु –अवरोध, रुकना, बंद होना, निरोध, अवरोध, बंदिश।

एहतिबासे तम्स (احتباس طمث) अ पु –मासिकधर्म का रुक जाना।

एहतिबासे हैज़ (احتباس حیض) अ. पु –दे. 'एहतिबासे तम्स'।

एहतिमाम (اهتمام) अ पु –प्रयोजन, इंतिज़ाम, तत्त्वावधान, देख-रेख, निरीक्षण, निगरानी, बंदोबस्त, प्रबन्ध।

एहतिमाल (احتمال) अ पु –शंका करना, शक करना, शंका, संदेह, शुबहा।

एहतियाज (احتیاج) अ. स्त्री.–आवश्यकता, ज़रूरत; दरिद्रता, कंगाली।

एहतियाज़ (احتیاز) अ पु –एकत्र होना, इकट्ठा होना, जमा होना।

एहतियात (احتیاط) अ. स्त्री –सावधानी, ख़बरदारी, चौकसी, होशयारी।

एहतियातन (احتیاطاً) अ वि –एहतियात के तौर पर, सावधानी के रूप में।

एहतियाती (احتیاطی) अ वि.–एहतियात सम्बन्धी, जिसमें एहतियात का ध्यान रहे।

एहतियाल (احتیال) अ पु –हीलाबाज़ी करना, बहाने बनाना।

एहतिराक (احتراق) अ पु –जलना, चाँद और सूरज को छोड़कर बाकी पाँच ग्रहों में से किसी एक का छिप जाना।

एहतिराज़ (احتراز) अ पु –परहेज़ करना, बचना, अलग रहना, घृणा करना, नफ़रत करना।

एहतिराम (احترام) अ पु –सम्मान करना, इज़्ज़त करना, सम्मान, आदर, इज़्ज़त।

एहतिलाम (احتلام) अ पु–सोते में वीर्यस्खलन होना; स्वप्न-दोष।

एहतिवा (احتوا) अ पुं –चारों ओर से घेरना, इहाता करना।

एहतिशाम (احتشام) अ पु –लज्जा करना, बहुत से नौकर चाकर वाला होना, वैभव, शानोशौकत।

एहतिसाब (احتساب) अ पु –हिसाब करना, निषिद्ध वस्तुओं के खान-पान से रोकना।

एहदा (اهدا) अ पु –किसी को उपहार भेजना।

एहदार (اهدار) अ पु –किसी को किसी व्यक्ति की हत्या करने की आज्ञा देना; किसी का हक नष्ट करना।

एहदास (احداث) अ पु –नयी बात निकालना, जिद्दत पैदा करना, आविष्कार।

एहमाल (اهمال) अ पु –भूल से छोड़ जाना, भूल जाना।

एहमाल (احمال) अ पु –लादना, बोझ उठाना।

एहया (احیا) अ पु –जीवित करना, प्राण दान देना, जिंदा करना।

एहराक (احراق) अ पु –जलाना।

एहराम (احرام) अ पु –हाजियों का वस्त्र, दो चादरें जो बिना सिली हुई एक बाँधी और एक ओढ़ी जाती है।

एहराम (اهرام) अ पु –बहुत बूढ़ा होना, बहुत अधिक बुढ़ापा, परमवृद्धत्व।

एहलाक (اهلاک) अ पु—प्राण ले लना, मार डालना, हिंसा हलाक करना वध करना।
एहलील (احلیل) अ पु—मूत्र की नली, स्त्री के दूध की नली।
एहलीलज (اهلیلج) अ पु—हलेला हड।
एहसा (احصا) अ पु—गणना करना गिनना सीमित करना, महदूद करना गिनती, गणना शुमार।
एहसान (احسان) अ पु—उपकार, आभार भलाई, नेकी।
एहसान (احصان) अ पु—पुरुष का स्त्री की इच्छा करना स्त्री का पुरुष की इच्छा करना, गर्भवती होना, सयमी होना मजबूत करना घेरा डालना।
एहसान नाशनास (احسان ناشناس) अ फा वि—अकृतघ्न, कृतघ्न नमकहराम जो उपकार न माने।
एहसान फरामोश (احسان فراموش) अ फा वि—कृतघ्न, नमकहराम, जो किसी का उपकार भूल जाय।
एहसान फरोश (احسان فروش) अ फा वि—जो उपकार करके सबसे कहता फिरे।
एहसानमद (احسان مند) अ फा वि—कृतज्ञ, आभारी उपकार माननेवाला।
एहसानमदी (احسان مندی) अ फा स्त्री—कृतज्ञता उपकार मानना।
एहसान शनास (احسان شناس) अ फा वि—कृतज्ञ उपकार का पहचाननेवाला।
एहसार (احصار) अ पु—गिनना शुमार करना घेरे में लेना खुला रखना हज को न जाना।
एहसास (احساس) अ पु—अनुभव, सवेदन हिस ध्यान खयाल पाना देखना।
एहसासात (احساسات) अ पु—एहसास का बहुवचन।

ऐ

ऐ (اے) अ अव्य—ए अयि हे।
ऐक (عیق) अ पु—रोक रखना बाज रखना।
ऐजन (ایضاً) अ अव्य—जैसा पहले या ऊपर था वैसा ही।
ऐत (عیط) अ पु—गर्दन का लबा होना।
ऐताम (ایتام) अ पु—यतीम का बहु अनाथ बच्चे।
ऐन (عین) अ पु—नेत्र नयन आँख, छोटा नदी स्रोत चश्म सत्य तुल्य मिस्ल यथार्थ वास्तविक वाकई।
ऐनक (عینک) अ फा स्त्री—आँखों में लगाने का चश्मा उपनेत्र।
ऐना (عینا) अ स्त्री—सुन्दर आँखोवाली स्त्री।
ऐनद्दीक (عین الدیک) अ स्त्री—घुघची।
ऐनुलमाल (عین المال) अ पु—मूलधन, असल पूँजी।
ऐनुलयकीन (عین الیقین) अ पु—वह विश्वास जो आँखों देखकर प्राप्त हो।
ऐफाश (ایفاع) अ पु—पिशुन, चुगल, ऊँघता हुआ, निद्रालु, धृष्ट, शोख।
ऐब (عیبہ) अ पु—चमड़े का थैला, कपड़े रखने का पात्र, रहस्य का स्थान।
ऐब (عیب) अ पु—दोष बुराई पाप गुनाह, त्रुटि, भूल अशुद्धि गलती।
ऐबगो (عیب گو) अ फा वि—दोष बतानेवाला दोष निकालनेवाला।
ऐबचीं (عیب چیں) अ फा वि—दोष ढूँढनेवाला एव तलाश करनेवाला छिद्रान्वेषी।
ऐबजू (عیب جو) अ फा वि—दोष ढूँढनेवाला छिद्रान्वेषी।
ऐबतराश (عیب تراش) अ फा वि—ऐब लगानेवाला, दोषारोपक ढूँढ-ढूँढकर ऐब निकालनेवाला।
ऐबदार (عیب دار) अ फा वि—दोषयुक्त, दोषी जिसमें ऐब हो, खराब दूषित धूर्त, पाजी।
ऐबपोश (عیب پوش) अ फा वि—दोषों को छिपाने वाला ऐबों पर पर्दा डालनेवाला, दोषवारक।
ऐबबीं (عیب بیں) अ फा वि—दे ऐबजू।
ऐबस (ایبس) अ वि—बहुत अधिक खुश्क, बहुत अधिक खुश्की बढ़ानेवाला।
ऐम (ایم) फा अव्य—अब, इस समय मिथ्या अनृत।
ऐम (عیم) अ पु—प्यासा होना तप्त होने की इच्छा होना।
ऐम (ایم) अ पु—सफेद साँप।
ऐमन (ایمن) अ वि—बड़ा कल्याणकारी बहुत ही शुभाचित दाहनी ओरवाला।
ऐमान (ایمان) अ पु—अनेक शपथ कसम तावत बल यमीन का बहु।
एयाम (ایام) अ पु—यौम का बहु दिन-समूह।
ऐयार (عیار) अ वि—वचक छली चालाक।
एयाराना (عیارانہ) अ फा वि—वचकों जैसा छलियों की भाँति।
ऐयारी (عیاری) अ स्त्री—वचकता छल चालाकी।
एयाश (عیاش) अ वि—व्यभिचारी विषय-लम्पट, कामी अच्छे खाने-पहनने और आराम से रहने का शौकीन।
एयाशाना (عیاشانہ) अ फा वि—ऐयाशों जैसा।
एयाशी (عیاشی) अ स्त्री—व्यभिचार जिना अच्छा खाना-पहनना और आराम से रहना।

ऐयिम (ایم) अ. वि –विना पति की स्त्री, विधवा, विना स्त्री का पुरुष, रँडुआ, विधुर।
ऐयूक (عیوق) अ पु –एक तेज और चमकदार तारा।
ऐयूब (ایوب) अ पु –एक पैगम्बर जो वडे ही धैर्यवान् थे।
ऐर (ایر) अ पु –शिश्न, लिंग।
ऐर (عیر) अ. पु –जगली गधा, गोरखर।
ऐलः (عیلہ) अ स्त्री –संन्यास, फकीरी।
ऐवान (ایوان) फा पु –प्रासाद, भवन, महल, राजप्रासाद, शाहीमहल; परिषद्, ससद, कौसिल।
ऐवानेज़ेरीं (ایوان زیریں) फा. पु –निम्न सदन।
ऐवानेवाला (ایوان بالا) फा. पु –उच्च सदन।
ऐश (عیش) अ पु –भोग विलास, विषयवासना, व्यभिचार; खाने-पीने का सुख।
ऐशतलव (عیش طلب) अ फा वि –भोग-विलास का आनद चाहनेवाला।
ऐशतलवी (عیش طلبی) अ फा स्त्री –भोगविलास के आनद की इच्छा।
ऐशपरस्त (عیش پرست) अ फा वि –दे 'ऐयाश'।
ऐशपरस्ती (عیش پرستی) अ. फा. स्त्री –दे 'ऐयाशी'।
ऐशपसंद (عیش پسند) अ फा वि –दे 'ऐशतलव'।
ऐशपसदी (عیش پسندی) अ फा. स्त्री –दे 'ऐश तलवी'।
ऐशमंज़िल (عیش منزل) अ स्त्री –रंगभवन, रगमहल, ऐश करने की जगह।
ऐशमहफ़िल (عیش محفل) अ स्त्री –दे 'ऐशमज़िल'।
ऐशेरफ़्तः (عیش رفتہ) अ फा पु –वीता हुआ सुख चैन, वीता हुआ सुख का समय।
ऐशोनशात (عیش و نشاط) अ पु –सुख चैन, भोगविलास, सव प्रकार के आनद।
ऐस (عیث) अ पु –भेड़िए का वकरियो के झुड को नाश करना, विनाश, वरवादी।
ऐस (ایس) अ पु –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।
ऐसर (ایسر) अ वि –वहुत सुगम, अति सरल, वहुत आसान।

ओ

ओ (او) फा अव्य –वह।
ओफ़्तादः (اوفتادہ) फा वि –दे 'उफ्ताद', दो शु है।
ओफ़्ताद (اوفتاد) फा स्त्री –दे 'उफ्ताद', दो. शु है।
ओफ़्तादगी (اوفتادگی) फा स्त्री –दे. 'उफ़्तादगी', दो शु है।
ओफ़्तादनी (اوفتادنی) फा वि –दे 'उफ्तादनी', दो शुद्ध है।
ओस्ता (اوستا) फा पु –दे. 'उस्ता'।
ओस्ताद (اوستاد) फा पु –दे 'उस्ताद', दो शु है।
ओस्तादानः (اوستادانہ) फा वि –दे. 'उस्तादान', दो. शु है।
ओस्तादी (اوستادی) फा. स्त्री –दे 'उस्तादी', दो शु है।
ओह्दः (عہدہ) अ पु –पद, दर्जा, पदवी, मर्तवा, पदाधिकार, अफसरी।
ओह्दःदार (عہدہ دار) अ फा. वि –पदाधिकारी, अफसर।
ओह्दःवरा (عہدہ برا) अ फा वि –जिम्मेदारी पूरी करनेवाला।
ओह्दःवराई (عہدہ برائی) अ फा स्त्री.–जिम्मेदारी की पूर्ति।

औ

औइयः (اوعیہ) अ पु –'विआ' का वहु, वरतन-भाडे।
औकर (اوقر) अ वि –वधिर, वहरा।
औकस (اوقص) अ वि –छोटी गर्दनवाला, ऐसा माल जिसके वढने पर जकात न देना पडे।
औका' (اوکع) अ वि –कृपण, कजूस।
औकात (اوقات) अ पु –'वक्त' का वहु, समयावली (स्त्री.) प्रतिष्ठा, इज्जत, मान मर्यादा।
औकाफ (اوقاف) अ पु –'वक्फ' का वहु, वे जायदादे आदि जो समर्पित है, देवोत्तर सम्पत्तियाँ।
औजः (اوضہ) अ पु –कम, कोठा।
औज (اوج) अ पु –उच्चता, ऊँचाई, वुलदी; उन्नति, तरक्की, प्रतिष्ठा, मान, वकअत।
औज (عوج) अ पु –वक्रता, टेढापन।
औजह (اوضح) अ वि.–अत्यत स्पष्ट, विलकुल साफ।
औज़ाअ (اوزاع) अ पु –मनुष्यो के समूह।
औजाअ (اوجاع) अ पु –'वजा' का वहु पीडाएँ, दर्द।
औज़ाअ (اوضاع) अ पु –'वज़्अ' का वहु, तौर-तरीके।
औज़ान (اوزان) अ पु –'वज्न' का वहु, तौलन के वाँट, तोलें।
औज़ार (اوزار) अ पु –'विज्र' का वहु, उपकरण समूह, आलात, कारीगरो के यंत्र।
औताद (اوتاد) अ पु –'वतद' या 'वतिद' का वहु, खूँटियाँ, मेखें, खूंटे।
औतान (اوطان) अ पु –'वतन' का वहु जन्मभूमियाँ।
औतार (اوتار) अ पु –'वतर' का वहु, धनुषो की ज्याएँ, वाजे के तार।

औद (عود) अ पु—लौटना, वापसी पलटना।
औन (عون) अ वि—सहायक मददगार।
औफ (عوف) अ पु—आपत्ति आपदा, मुसीबत, कष्ट, दुख तकलीफ।
औफ़क़ (اوفق) अ वि—अनुकूलतम, बहुत मुआफ़िक़।
औबाश (اوباش) अ पु—बोश का बहु, लम्पटजन, शोहदे लोग, लोफर दुराचारी।
औबाशी (اوباشی) अ स्त्री—धूर्तता लम्पटता, गुण्डापन लोफरपन।
औरंग (اورنگ) फा पु—राजसिंहासन तख्तशाही बुद्धि मत्ता दानाई।
औरंगज़ेब (اورنگ زیب) फा वि—राजसिंहासन की शोभा, शासक हुक्मरां एक मुग़ल सम्राट की उपाधि।
औरंगनशीं (اورنگ نشیں) फा वि—सिंहासनारूढ तख्तनशीं।
औरंगे जहाँबानी (اورنگ جہاں بانی) फा पु—राजसिंहासन, शाही तख्त संसार का राजसिंहासन।
और (عور) अ पु—कानापन एक आंख का होना।
औरत (عورت) अ स्त्री—स्त्री नारी महिला जाया भार्या पत्नी जोरू मनुष्य या स्त्री के गुप्तांग हर वह चीज़ जिसके देखने से लज्जा आये।
औराक़ (اوراق) अ पु—वरक़ का बहु पुस्तक के पन्ने किताब के वरक़ पेड़ों के पत्ते।
औरात (عورات) अ स्त्री—औरत का बहु स्त्रियां औरतें मनुष्य या स्त्री के गुह्यांग।
औराद (اوراد) अ पु—विर्द का बहु जपनाम विर्दवज़ीफ़े।
औराम (اورام) अ पु—वरम का बहु सूजनें वरम।
औरिद (اورده) अ पु—वरीद का बहु रक्तवाहिनी रगें (नाड़ियाँ)।
औल (عول) अ पु—पालन-पोषण करना, रोटी कपड़ा देना दान बख्शिश।
औला (اولی) अ वि—बहुत बढ़िया अति उत्तम बहुत मुनासिब परमोचित।
औलातर (اولی تر) अ फा वि—उत्तमतर, बहुत उम्दा उचिततर, मुनासिबतर।
औलातरीन (اولی ترین) अ फा वि—बहुत ही उत्तम, बहुत ही उचित।
औलाद (اولاد) अ पु—वलद का बहु संतान बाल-बच्चे।
औलिया (اولیا) अ पु—वली का बहु उत्तराधिकारी गण वारिसीन ऋषिगण वली अल्लाह लोग।
औसंग (اوسنگ) फा स्त्री—अलगनी।
औस (عوص) अ पु—कठिनता, दुश्वारी कठिनाई।
औसक़ (اوثق) अ वि—बहुत ही मज़बूत दृढतम।
औसत (اوسط) अ वि—मध्य बीच दरमियान, माध्यम दरमियानी, अनुपात, मान्य, एवरेज।
औसतन (اوسطاً) अ वि—औसत के हिसाब से अनुपात के अनुसार।
औसतुल हाल (اوسط الحال) अ वि—ऐसा व्यक्ति जो न बहुत अमीर हो न बहुत गरीब मध्यवित्त।
औसा (اوسع) अ वि—बहुत अधिक विस्तृत वसीअतर।
औसान (اوثان) अ पु—वसन का बहु, मूर्तियाँ बुत।
औसान (اوسان) अ पु—हवास होश, सज्ञा बुद्धि।
औसाफ़ (اوصاف) अ पु—वस्फ़ का बहु गुणसमूह, खूबियां, अच्छाइयां।
औसाफ़े हमीद (اوصاف حمیده) अ पु—अच्छे और श्लाघ्य गुण सत्वगुण प्रशंसनीय शालीनता।
औसिया (اوصیا) अ पु—वसी का बहु रिक्थाधिकारी उत्तराधिकारी वारिस लोग।
औहद (اوحد) अ वि—अद्वितीय, यगाना, अनुपम।
औहाम (اوہام) अ पु—वहम का बहु, भ्रांतियाँ, मुग़ालते, धोखे।

क

कंज़ (کنز) अ पु—खान, निधि खज़ाना।
कंज़फ़ीर (کنزفیر) अ पु—बूढ़ा स्त्री बूढ़ी औरत।
कंज़े मख़्फ़ी (کنز مخفی) अ पु—ज़मीन के भीतर दबा हुआ खज़ाना भूनिहित निधि।
कंतर (قنطره) अ पु—पुल, सेतु बड़ी इमारत प्रासाद।
कंतर (قنتر) अ वि—ह्रस्व छोटा कोताह।
कंतूर (قنتورہ) अ पु—एक प्रकार का काट जिसके दामन छोटे होते और जिसमें काज बहुत होते हैं।
कंद (کنده) फा वि—अंकित खुदा हुआ लिखित लिखा हुआ पत्थर आदि पर खुदा हुआ।
कंद (کنده) फा पु—खाई खन्दक।
कंदकार (کنده کار) फा वि—चांदी सोने लकड़ी अथवा पत्थर पर बेल बूटे बनाने का काम करनेवाला।
कंदकारी (کنده کاری) फा स्त्री—वे बेल बूटे जो सोने चांदी लकड़ी अथवा पत्थर आदि पर बनते हैं बेल बूटे बनाने का काम।
क़ंद (قند) अ स्त्री—सफ़ेद दानेदार शक्कर शकरा।
कंद (کند) तु पु—गाँव ग्राम देहात।
कंद (کند) फा स्त्री—कंद, शकर, शक्करा, खड।

कंदखानः (قندخانہ) अ फा. पुं.–खडसाल, शकर बनाने का कारखाना।
कंदील (کندیل) फा स्त्री –दीपक, चिराग; दे 'किंदील'।
कंदूरी (کندوری) फा पु –खाना खाने का कपड़ा, दस्तरखान।
कंबर (قنبر) अ पु –हज़रत अली का एक दास, जो उनका बडा भक्त था।
कंस (قنص) अ पु –शिकार खेलना; जाल लगाना।
कंस (کنس) अ पु –घर आदि झाडना, झाडू देना।
कअलची (قعلچی) तु पु –मीर शिकार, वह व्यक्ति जो बादशाहो के शिकार का प्रबंध करता है।
कईद (قعید) अ वि –साथ बैठने-उठनेवाला, सभासद।
कईर (قعیر) अ पु –अथाह, गहरा, अगाध।
कऊर (قعور) अ पु –गहरा, अथाह, गभीर।
कख कख (کخ کخ) फा अव्य –छीछी, घृणावाचक शब्द, खिलखिल हँसने का शब्द।
कचः (کچہ) फा पु –छल्ला, उँगली मे पहनने की बिना नग की अँगूठी।
कचकोल (کچکول) फा पु –भीख माँगने का पियाला, भिक्षापात्र, दे 'कजकोल' और 'कश्कोल'।
कज़ः (کزہ) फा पु –तालू का कौआ।
कज (کج) फा वि –टेढा, वक्र, तिर्छा।
कज़ (کژ) फा पु –कच्चा रेशम, अबरेशम, कज, वक्र, टेढा।
कज (کژ) फा वि –दे 'कज کژ'।
कज अक़्ल (کج عقل) अ फा वि –ऐसा व्यक्ति जिससे जो कुछ कहा जाय उसका उलटा समझे, वक्रमति, विपरीतबुद्धि।
कज अख़्लाक (کج اخلاق) फा अ. वि –बेमुरव्वत, दुःशील, खुर्रा, रूखा।
कज अदा (کج ادا) फा वि –जिसमे शील-सकोच न हो, जो बहुत ही खुर्रा हो।
कज अदाई (کج ادائی) फा स्त्री –शील-सकोच की हीनता, खुर्रापन।
कज आज़ा (کج اعضا) फा अ वि –जिसके शरीर के अग टेढे-मेढे हो, वक्राग।
कजक (کجک) फा पु –अकुश, ऑकुस, हाथीवान का यत्र।
कज़क (کزک) फा पु –दे 'कजक'।
कज कुलाह (کج کلاہ) फा वि –टेढी टोपी ओढनेवाला, प्रेमपात्र, मा'शूक, शासक, राजा।
कज कुलाही (کج کلاہی) फा स्त्री –बॉकापन, मा'शूकियत, राजापन।
कजकोल (کجکول) फा पु –भीख माँगने का बर्तन, भिक्षापात्र, दे 'कचकोल' और 'कश्कोल'।
कज खुल्क (کج خلق) अ फा वि –दे. 'कज अख़्लाक'।
कज खुल्की (کج خلقی) अ. फा स्त्री –दुःशीलता, खुर्रापन।
कज़ ज़ख़्मः (کژ زخمہ) फा. वि –धूर्त, दगाबाज।
कज तब्अ (کج طبع) फा. अ. वि –दे. 'कज मिज़ाज'।
कज़दुम (کژدم) फा पु –बिच्छू, वृश्चिक।
कज निगाह (کج نگاہ) फा वि –भेगा, जो टेढी आँखे करके देखता हो, गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।
कज निगाही (کج نگاہی) फा. स्त्री –भेगापन, क्रोध।
कज निहाद (کج نہاد) फा वि –दे. 'कज मिज़ाज'।
क़ज़फ़ (قذف) अ पु –चटयल मैदान, लबा-चौडा मैदान।
कज फ़ह्म (کج فہم) फा. अ वि –उलटी समझवाला, मूर्ख, वक्रबुद्धि।
कज फहमी (کج فہمی) फा अ स्त्री –उलटी समझ, मूर्खता।
कज बह्स (کج بحث) फा अ वि –उलटी सीधी बहस करनेवाला, मूर्खता का वाद-विवाद करनेवाला, कुतर्की।
कज बह्सी (کج بحثی) फा अ स्त्री –उलटा सीधा वाद-विवाद, किसी की बात न मानकर केवल अपनी बात मनवाना।
कजबाज (کج باز) फा वि –लेन-देन मे व्यवहार-कुशलता न करनेवाला, बदनीयत।
कजबीं (کج بیں) फा वि –केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखनेवाला।
कजबीनी (کج بینی) फा स्त्री –केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखना।
क़ज़म (قزم) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी; अधम, नीच, कमीना; कमीने, नीच लोग।
कज मज (کج مج) फा वि –जिसकी जिह्वा बात करते समय लडखडाती हो, जो ठीक से बात न कर सके।
कज मज ज़बाँ (کج مج زباں) फा वि –जिसकी जीभ बाते करते समय लडखडाती हो; जिसे बात करने की तमीज न हो, मूर्ख।
कज मज बयाँ (کج مج بیاں) फा अ वि –दे. 'कज-मज-ज़बाँ'।
कजमदारो मरेज (کج مدارو مریز) फा वा –'टेढ़ा रखो और गिराओ मत'। ऐसी बात का आदेश जो असभव हो और हो न सके।
कज मिज़ाज (کج مزاج) फा अ वि –जिसके स्वभाव मे टेढ़ापन हो, जो सीधी-सादी बात मे भी शका करे।

कज रफ्तार (کج رفتار) फा वि–टेढ़ी चाल चलनेवाला, बुरा आचरण करनेवाला अत्याचारी ज़ालिम।
कजरवी (کج روی) फा स्त्री–टेढ़ीचाल, दुराचार, अत्याचार, जुल्म।
कजरौ (کج رو) फा वि–दे 'कज रफ्तार'।
क़ज़ल (قزل) अ पु–लगड़ापन, बहुत अधिक लँगड़ापन।
क़ज़ा (قضا) अ स्त्री–आदेश देना मृत्यु मौत, न्याय इंसाफ जो इबादत अपने ठीक समय पर न की गयी हो।
क़ज़ा (قزی) अ पु–तिनका घास फूस आँख में तिनका पड़ जाना।
क़ज़ाए कार (قضائے کار) अ फा वि–दे 'क़ज़ारा'।
क़ज़ाए मुअल्लक़ (قضائے معلق) अ स्त्री–वह मृत्यु जो अचानक हो जैसे पेड़ से गिर के आकस्मिक मृत्यु।
क़ज़ाए मुबरम (قضائے مبرم) अ स्त्री–वह मृत्यु जो टल न सके निश्चित मृत्यु।
क़ज़ाए हाजत (قضائے حاجت) अ स्त्री शौचकर्म, पाखाना, आकस्मिक आवश्यकता।
क़ज़ाकंद (کزاکند، قزاکند) फा पु–एक प्रकार का कोट जिसमें कच्चा रेशम लपेटा जाता है जिससे उस पर तलवार असर नहीं करती।
क़ज़ाया (قضایا) अ पु–क़ज़ीय का बहु, झगड़े, खबरें।
क़ज़ारा (قضارا) अ फा वि–अचानक अनायास सहसा अकस्मात नागहा।
कज़ाव (کجاوہ) फा पु–ऊंट का हौदा जिसमें दोनो ओर आदमी बैठते है।
कज़ा व कज़ा (کزا و کزا) अ अव्य–ऐसे और ऐसे या और या।
क़ज़िब (کزب) अ वि–झूठा मिथ्याभाषी।
क़ज़िर (قزر) अ वि–अपवित्र नापाक मलिन गन्दा।
क़ज़िल (قزل) अ वि–लगड़ा पंगु।
कज़ी (کجی) फा स्त्री–टेढ़ापन वक्रता।
कज़ीन (کجین) तु पु–घाट की पत्थर।
क़ज़ीब (قضیب) अ पु–पेड़ की डाली लिंग मर्द लिंग।
कज़ीम (کظیم) अ वि–क्रोध पी जानेवाला।
क़ज़ीम (قضم) अ पु–घोड़े का लिये जानवर जो नाक के समय शोर न करनेवाला, क्षमाशील।
कज़ीम (کجیم) तु पु–दे 'कज़ान'।
क़ज़ीय (قضیہ) अ पु–झगड़ा हुज्जत झगड़ा आपसी झगड़ा, व्यवहार, मुकद्मा।

क़ज़्ज़ान (قزغان) तु स्त्री–बड़ी डेगची कड़ाही।
क़ज़्ज़ाक़ (قزاق) तु पु–लुटेरा, डाकू दस्यु।
क़ज़्ज़ाक़ी (قزاقی) तु स्त्री–लूटमार डकैती।
कज़्ज़ाब (کذاب) अ वि–बहुत बड़ा झूठा, अनगलभाषी गप्पी, वाचाल मुखर।
क़ज़्फ़ (قذف) अ पु–पत्थर मारना गाली देना किसी पर व्यभिचार या दुराचार का आरोप लगाना।
कज़्म (کزم) फा पु–काई जो पानी के किनारे हो जाती है।
कज़्म (کظم) अ पु–गुस्सा पी जाना, क्रोध के समय प्रहार न करना।
कज़्लिक (کزلک) फा पु–छोटा चाकू।
कज़्वीन (قزوین) फा पु–इराक़ अजम का एक नगर।
क़त (قط) अ पु–कलम की नोक कलम की नोक बनाना।
क़तक (قتق) तु पु–वह खटास जो आटे में मिलाते है।
कतखुदा (کدخدا) फा वि–विवाहित अथवा विवाहिता, गृहस्वामी घरवाला गृहस्थ।
कतखुदाई (کدخدائی) फा स्त्री–विवाह पाणिग्रहण ब्याह शादी।
क़तज़न (قطزن) अ फा पु–वह चीज जिस पर रखकर कलम को क़त लगाते है।
क़तन (قطن) अ पु–सीना चूतड़ों के बीच की हड्डी, पशु की पूछ की जड़।
क़तम (قطم) अ पु–कामातुरता सहवत का जोर।
कताँ (کتاں) फा पु–अलसी अलसी का बीज, अलसी के पेड़ के रेशे से बना हुआ कपड़ा।
क़ता (قطا) अ पु–एक चिड़िया जो पत्थर खाती है।
क़ताइफ़ (قطائف) अ पु–क़तीफ का बहु, मखमल की चादरें मखमली कपड़े।
कताइब (کتائب) अ पु–कतीब का बहु सेनाएँ फौजें।
क़ताम (قتام) अ पु–धूल मिट्टी गर्द-गुबार।
कताम (کتام) अ पु–छिपना गुप्त होना।
कतार (قطار) अ स्त्री–शुद्ध शब्द 'क़ितार' है परन्तु उर्दू में 'कतार' ही बोलते है पंक्ति पाँति पंगत।
क़तार दर क़तार (قطار در قطار) अ फा वि–बहुत सी पंक्तियाँ में पंक्तियाँ बनाकर बहुत अधिक।
क़तारीक़ (قطاریق) अ पु–युद्ध में नक्कारा का शोरगुल, कोलाहल शोर-गुल।
कतिफ़ (کتف) अ पु–कंधा, स्कंध होना।
क़तीअ (قطیع) अ पु–भेड़-बकरी या गाय भैंसों का रेवड़।
क़तीम (قطیم) अ पु–दे क़तीअ।

क़तीअत (قطیعت) अ स्त्री –जुदाई, विच्छेद; पृथक्‌ता, अलाहदगी, काटना।

क़तीन (قتین) अ वि –कम खानेवाला, पुरुप अथवा स्त्री।

क़तीफ़ः (قطیفہ) अ पु.–मखमल का कपड़ा।

कतीबः (کتیبہ) अ पु –सेना, फौज।

कतीब (کتیب) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

कतीरः (کتیرہ) अ पु –एक प्रसिद्ध गोंद जो दवा के काम आता है, और जिसका अधिक खाना नपुसक बना देता है।

क़तील (قتیل) अ वि –जिसे मार डाला गया हो, पुरुप हो अथवा स्त्री, हत, वधित।

क़तूर (قطور) अ पु –पतली दवा जो कान या नाक मे टपकायी जाती है।

क़तूर (قتور) अ वि –बखील, कजूस, कृपण।

क़त्‌अः (قطعہ) अ पु –खंड, टुकड़ा, जमीन का टुकड़ा, भूमिखड, ता'दाद, मात्रा, जैसे–चार क़त्‌अ कपड़े, उर्दू अथवा फार्सी नज्म की एक किस्म जिसमे गजल की तरह काफिए की पाबदी होती है, और जिसमे कोई एक बात कही जाती है।

क़त्‌अ (قطع) अ स्त्री –काटना, पृथक् करना, विच्छेद; वेपभूपा, वज्‌अ, प्रकार, रग।

क़त्‌अन् (قطعاً) अ वि –कदापि, हरगिज, नितात, बिलकुल।

क़त्‌ई (قطعی) अ वि –कदापि, हरगिज; नितात, बिलकुल, अटल, मजबूत, अतिम, आखिरी।

क़त्‌ईयत (قطعیت) अ स्त्री –अतिमता, आखिरीपन, अटलपन।

क़त्‌ए तअल्लुक़ (قطع تعلق) अ पु –परस्पर मेल-मिलाप का खातिमा, सम्बन्ध-विच्छेद; विवाह-विच्छेद, तलाक, "क़त्‌अ कीजिए न तअल्लुक़ हमसे, कुछ नही है तो अदावत ही सही।"–गालिब।

क़त्तात (قتات) अ वि –निंदक, बदगो; पिशुन, चुगुल।

क़त्तामः (قطامہ) अ स्त्री –वह स्त्री जिसमे काम-वासना अधिक हो, स्त्रियो के लिए एक गाली, 'छिनाल'।

क़त्तालः (قتالہ) अ. स्त्री –बहुत अधिक कतल करनेवाली, प्रेयसी, प्रेमिका, माशूका।

क़त्ताल (قتال) अ वि –बहुत अधिक कतल करनेवाला, जल्लाद, प्रेमपात्र, माशूक।

क़त्फ़ (قطف) अ पु –फल आदि बीनना, मेवा चुनना।

कत्फ़ (کتف) अ पु –कधा, स्कन्ध, धीरे-धीरे चलना; दोनो हाथ पीछे बाँधना, कधे का ऊँचा होना।

कत्बः (کتبہ) अ पु –वह पत्थर जो किसी इमारत या क़ब्र पर लगाया जाता है, और जिसमे मकान आदि बनने का विवरण या मरनेवाले का नाम और उसके मरने की तारीख आदि दी जाती है, शिलालेख, अतर्लेख, अभिलेख।

कत्म (کتم) अ पु –छिपाव, गुप्ति, पोशीदगी।

कत्मे अदम (کتم عدم) अ पु –वह स्थान जहाँ जीवात्मा उत्पत्ति से पहले रहती है।

क़त्रः (قطرہ) अ पु –बिंदु, बूँद।

क़त्रःज़न (قطرہ زن) अ फा वि –बहुत शीघ्र चलने या दौड़नेवाला, शीघ्रगामी।

क़त्र.ज़ुब्द (قطرہ زد) अ. फा पु –बादल, अभ्र, सूर्य, सूरज।

क़त्र (قطر) अ पु –वर्पा, बारिश।

क़त्रए अश्क (قطرۂ اشک) अ फा पु –आँसू की बूँद, अश्रुकण।

क़त्रए आब (قطرۂ آب) अ फा पु –पानी की बूँद, जलकण।

क़त्ल (قتل) अ पु –वध, हनन, हत्या, हिसा, जान से मार डालना।

क़त्लगाह (قتلگاہ) अ फा स्त्री.–कत्ल करने का स्थान, वधस्थल, वधभूमि, वधगृह।

क़त्ला (قتلی) अ पु –'क़तील' का बहु, कतल होनेवाले।

क़त्ले अम्द (قتل عمد) अ पु –जान-बूझकर हत्या, प्रयतित वध, वध करने के निश्चय से वध।

क़त्ले आम (قتل عام) अ पु –सर्वसाधारण का वध, अपराधी अनपराधी छोटे-बड़े पुरुप स्त्री सब की सिर से हत्या।

कदः (کدہ) फा पु –घर, गृह, मकान, प्रत्यय रूप मे–मदिरा+कद =आलय (मदिरालय–मैखाना)।

कद (کد) फा पु –दे 'कद'।

क़द [द्द] (قد) अ पु –डील, आकार, कामत।

कद [द्द] (کد) अ स्त्री –वैमनस्य, रजिश, द्वेप, कीना; प्रयत्न, परिश्रम, कोशिश।

कदख़ुदा (کدخدا) फा वि –दे 'कतख़ुदा'।

कदख़ुदाई (کدخدائی) फा स्त्री –दे 'कत ख़ुदाई'।

क़दग़न (قدغن) तु पु –मनाही का हुक्म, निषेधादेश, प्रतिबध, रोक, मनाही।

क़दग़नची (قدغنچی) तु पु –रोकनेवाला, मना करनेवाला, निपेधक, प्रतिबधक।

कदबानू (کدبانو) फा स्त्री –गृह-स्वामिनी, घर की मालिक, घर-गृहस्ती वाली स्त्री, महिला, खातून।

क़दम (قدم) अ पु –पद, पाँव, पैर, डग, एक कदम की दूरी।

क़दम ब क़दम (قدم بقدم) अ. फा वि –कदम से कदम मिलाकर, बराबर-बराबर, साथ-साथ।

क़दमबाज़ (قدم باز) अ फा वि–तेज़ चलनेवाला शीघ्रगति वन्म चाउ चलनेवाला घोडा।
क़दमबोस (قدم بوس) अ फा वि–पाँव चूमनेवाला पद चुबक।
क़दमबोसी (قدم بوسی) अ फा स्त्री–पाँव चूमना पद चुबन बडे व्यक्ति की मुलाकात।
क़दमरंजा (قدم رنجہ) अ फा वि–पदार्पण करनेवाला आनेवाला पधारनेवाला।
क़दमरंजगी (قدم رنجگی) अ फा स्त्री–पदार्पण आना तशरीफ लाना।
क़दर (قدر) अ स्त्री–आदेश हुक्म पराकाष्ठा इतिहा अनुमान अन्दाजा शक्ति ताकत भाग्य तकदीर।
कदर (کدر) अ स्त्री–अधेरा तीरगी मलिनता मैलापन।
कदर (کدر) फा पु–केवड़े का पेड़।
क़दरअंदाज़ (قدر انداز) अ फा वि–ठीक निशाना लगानेवाला लक्ष्यभेदी शीघ्रभेदी।
क़दरअंदाज़ी (قدر اندازی) अ फा स्त्री–ठीक निशाना लगाना निशाना का अचूक होना।
क़दह (قدح) अ पु–पियाला चषक शराब पीने का जाम पान-पात्र पयपात्र प्रत्यय रूप मे—म—मध+कदह प्याला पात्र (मधुपान मधुप्याला)।
क़दहकश (قدح کش) अ फा वि–शराबी मद्यप।
क़दहख़्वार (قدح خوار) अ फा वि–दे कदहकश।
क़दहनोश (قدح نوش) अ फा वि दे कदहकश।
क़दामत (قدامت) अ स्त्री–प्राचीनता पुरातत्त्व पुरानापन (समय का)।
क़दामत परस्त (قدامت پرست) अ फा वि–जो पुरानी बातों को छोड़कर नयी बात ग्रहण न करे रूढ़िवादी प्राचीनतावादी।
क़दामत परस्ती (قدامت پرستی) अ फा स्त्री–पुरानी बातों को छोड़कर नये ख़यालात का ग्रहण न करना रूढ़िवाद प्राचीनतावाद।
क़दामतपसंद (قدامت پسند) अ फा वि–दे कदामत परस्त।
क़दामत पसंदी (قدامت پسندی) अ फा स्त्री–दे कदामत परस्ती।
कदिर (کدر) अ वि–मैला गन्दा मलिन मटीला।
कदीद (کدید) अ स्त्री–कटी-पीटी ज़मीन।
क़दीद (قدید) अ पु–सुखाया हुआ मांस जिसे यात्री खाते हैं।
क़दीम (قدیم) अ वि–पुरातन पुराना, जो आदि से हो अनादि बहुत दिनों का।
क़दीमान (قدیمان) अ फा वि–पुराने समय का पुराना जैसा, कदीमी।
क़दीमी (قدیمی) अ वि–पुराना पुरातन पुराने समय का।
कदीर (کدر) अ वि–मलिन गन्दा मटीला गदला पोकीला।
क़दीर (قدیر) अ पु–शक्तिमान ताकतवर समर्थ कुदरतवाला सर्वशक्तिमान ईश्वर।
क़दीस (قدیس) अ पु–मुक्ता मोती।
कदू (کدو) फा पु–लौकी तबी लौकी का खोल जिसका पियाला आदि बनाते हैं पियाला।
क़दूम (قدوم) अ वि–अधम नीच कमीना।
कदूए हज्जाम (کدوے حجام) अ फा पु–पछने लगानेवाले का पियाला जिससे वह खून खींचते हैं फस्द खोलनेवाले नाई का प्याला।
कदूकश (کدو کش) फा पु–लौकी आदि छीलने का यंत्र कद्दूकश।
कदूद (کدود) अ वि–विपत्ति उठानेवाला व्यक्ति (पु) वह कुआ जिसमें से पानी बड़ी कठिनता से निकले।
क़दूम (قدوم) अ पु–अन्दाज़ों का समूला बार-बार आग आनेवाला व्यक्ति।
क़दूस (قدوس) अ वि–तलवार लेकर सामना करनेवाला व्यक्ति।
क़दूह (قدوح) अ पु–वह कुआँ जिसमें से हाथ से पानी निकाल लें बहुत उथला कुआ।
कदेवर (کدیور) फा पु–किसान कृषक गृहस्वामी घरवाला गाँव का मुखिया पटेल।
कदो क़ामत (قد و قامت) अ पु–डील-डौल कृश-क़ामत यार का समझा अँधेरी रात में धोके धोके में बहुत बाँसे लिए शहतीर के।
कदो काविश (کدو کاوش) फा स्त्री–दौड़ धूप भाग-दौड़ परिश्रम मेहनत।
कद्दावर (قدآور) अ फा पु लम्बा-तड़गा गिराडील।
कद्दे आदम (قد آدم) अ वि–मनुष्य की लम्बाई के बराबर लम्बा।
क़द्र (قدر) अ स्त्री–आदर सत्कार आवभगत सम्मान प्रतिष्ठा इज्जत मूल्य कीमत गुण की परख।
क़द्रदाँ (قدردان) अ फा वि–गुण की कद्र (क़दर) पहचाननेवाला गुण-ग्राहक गुणज्ञ।

क़द्रदानी (قدردانی) अ फा स्त्री –गुण की क़द्र पहचानना, गुण की परख।
क़द्रशनास (قدرشناس) अ.फा वि –दे 'क़द्रदाँ'।
क़द्रशनासी (قدرشناسی) अ फा स्त्री –दे 'क़द्रदानी'।
कद्रे (قدرے) फा. वि.–थोड़ा, जरा-सा, किसी क़दर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मात्र।
क़द्ह (قدح) अ स्त्री –निंदा, हज्व, तिरस्कार, अपमान, तह्क़ीर।
कन (کن) फा. प्रत्य –खोदनेवाला, जैसे–'काहकन', कान खोदनेवाला।
कनफ (کنف) अ पु –किनारा, तरफ़, छोर, दिशा, जानिब ओर, पनाह, रक्षा, त्राण।
कनब (کنب) अ पु –चटाई बुनने की एक घास, काम की अधिकता से हाथों के छाले, हँसी में हाथा-पाई।
क़नवात (قنوات) अ पु –'क़नात' का बहु, पटी हुई नालियाँ, भाले, पीठ के बाँसे (रीढ़) की हड्डियाँ।
क़नस (قنس) अ पु –थोड़ी-सी कै।
क़नाअत (قناعت) अ स्त्री –थोड़ी-सी चीज पर संतोष, भाग्यतुष्टि।
क़नाअत गुज़ीं (قناعت گزین) अ. फा वि –जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुष्ट।
क़नाअत शिआर (قناعت شعار) अ वि –दे 'क़नाअत गुज़ीं'।
कनाइस (کنائس) अ पुं –'कनीस' का बहु, ईसाइयों के गिरजे।
क़नात (قنات) अ पु –पटी हुई नाली; भाला, रीढ़ की हड्डी।
क़नात (قنات) तु स्त्री –मोटे कपड़े का पर्दा जिसकी दीवार खड़ी की जाती है।
क़नादील (قنادیل) अ स्त्री –'क़िंदील' का बहु, क़िंदीलें।
कनान: (کنانہ) अ वि –पुराना, जीर्ण, कोह्न।
कनान (کنان) अ वि –दे 'कनान'।
कनार: (کنارہ) फा पु –तट, साहिल, छोर, सिरा; अंत, अख़ीर, एकान्त, गोशा।
कनार:कश (کنارہ کش) फा वि –पृथक्, अलग, निवृत्त, बेतअल्लुक, एकांतवासी, गोशानशीन।
कनार:कशी (کنارہ کشی) फा स्त्री –पृथक्ता, अल्हदगी, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, एकांतवास, गोशानशीनी।
कनार (کنار) फा पु –अंक, क्रोड, गोद, किनार, छोर, तट, साहिल।
कानद: (کنندہ) फा वि –खोदनेवाला।
कनिश (کنش) फा. स्त्री –कीना, द्वेष, वैमनस्य, मनमुटाव।
कनीज़ (کنیز) फा. स्त्री –दासी, सेविका, लौंडी, बाँदी।
कनीज़क (کنیزک) फा स्त्री –छोटी दासी।
कनीफ़ (کنیف) अ. पु.–शौचगृह, पाख़ाना, तलगृह, तहख़ाना, स्नानागार, गुस्लख़ाना।
कनीस: (کنیسہ) अ. पुं –ईसाइयों का उपासना-गृह, गिरजा, दे 'किनीस'।
क़नीस (قنیص) अ पु –शिकार, आखेट, मृगया।
क़नूत (قنوط) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।
कनूद (کنود) अ. वि –कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फ़रामोश।
कन्आँ (کنعان) अ पु –'कन्आन' का लघु, देखो।
कन्आन (کنعان) अ पु –हज़रत यूसुफ़ की जन्मभूमि।
कन्आनी (کنعانی) अ वि –'कन्आन' का निवासी, 'कन्आन' से सम्बन्धित।
क़न्नाद (قناد) अ पु –मिठाई बनानेवाला, हलवाई, शकर बनानेवाला।
क़न्नादख़ान: (قنادخانہ) अ फा पु –शकर का कारखाना, हलवाई की दुकान।
कन्नास (کناس) अ पुं –झाड़ू देनेवाला, मेहतर, भंगी, फाँसी देनेवाला, जल्लाद।
कन्फ़ (کنف) अ पु –देख-रेख करना, निगरानी करना; सहायता करना, फिर जाना, पलट जाना।
क़न्फ़ज़ (قنفز) अ स्त्री –दे शुद्ध शब्द 'क़ुन्फ़ुज़'।
कपंक (کپنک) अ पु –कम्मल।
कपी (کپی) फा पु –बंदर, शाखामृग, कपि, वानर।
कप्नक (کپنک) फा पु –कम्मल, कम्बल।
कफ: (کفہ) फा पु –अबकुटी बाल जिसमे दाने हों।
कफ (کف) फा पु –फेन, झाग।
कफ़ [फ़फ़] (کف) अ पु –पंजा, हाथ का पंजा, हथेली, करतल, उर्दू छंद की परिभाषा मे सात अक्षरवाले 'गण' का अंतिम अक्षर गिराकर 'फ़ाइलातुन्' से 'फ़ाइलातु' और 'मुफ़ाईलुन्' से 'मुफ़ाईलु' आदि बनाना—"पहचानिए तो, किसका यह नक्शे–कफ़े–पा है, अक्सीर उठा लाया दुश्मन की गली से मैं।"—दाग़।
क़फ़ (قف) अ स्त्री –घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।
कफ़गीर (کفگیر) फा स्त्री –चमचा, डोई, एक प्रकार का छेददार चमचा।
कफ़च: (کفچہ) फा. पु –कफ़गीर, डोई, चमचा, साँप का फन।
कफ़चए मार (کفچۂ مار) फा पु –साँप का फन, फण।
क़फ़द (قفد) अ पु –पाँव की उँगलियों के बल चलना।

कफन (کفن) अ पु–मुर्दे को दिया जानेवाला कपडा मृतचेल मृतावरकवस्त्र।

कफन दुज्द (کفن دزد) अ फा वि–ऐसा धूर्त चोर जो मुर्दे का कफन भी न छोडे बहुत ही बेईमान कब्र में कफन निकालकर उसमें अपना सच चलानेवाला।

कफरा (کفرہ) अ पु–काफिर का बहु काफिर लोग।

कफर (قفر) अ पु–धन का कम होना, शरीर में मांस का कम होना।

कफल (کفل) अ पु–उपस्थ नितंब चूतड।

कफस (قفس ,قفص) अ पु–पिंजरा पिंजड़ा कारागार बन्दीखाना।

कफसआश्ना (قفس آشنا) अ फा वि–जिसे पिंजडे में रहने का अभ्यास हो जो कारागार में रह चुका हो।

कफसे उन्सुरी (قفس عنصری) अ पु–पंचभूत रूपी पिंजड़ा या पिंजड़ा रूपी पंचभूत मनुष्य का शरीर प्राणी का शरीर।

कफा (کفا) अ पु–सिर के बल गिरना औंधा गिरना फिराना लौटाना।

कफा (قفا) अ पु–गुद्दी सिर के पीछे का भाग।

कफाफ (کفاف) अ पु–अनुमान अन्दाज़ा प्रतिदिन की जीविका जो गुजर भर की हो।

कफार (قفار) अ पु–वे सामान की राशी बिना हरियाली की भूमि।

कफालत (کفالت) अ स्त्री–प्रतिभूति जमानत भरण पोषण परवरिश।

कफालतनामा (کفالت نامہ) अ फा पु–प्रतिभूतिपत्र जमानतनामा।

कफाहीर (قفاهير) फा पु–सुंदर और प्रियदर्शन मुख।

कफीद (کفیدہ) फा वि–फटा हुआ तड़का हुआ विदीर्ण।

कफीफ (قفیف) अ पु–सूखी हुई घास।

कफीर (قفیر) अ पु–एक सौ चवालीस गज़ाईगज भूमि छियानवे रतल का पैमाना।

कफील (کفیل) अ वि–प्रतिभू जामिन पालक पर वरिश कुनिन्दा।

कफूर (کفور) अ वि–कृतघ्न अकृतज्ञ नाशुक्रा।

कफे दस्त (کف دست) फा पु–हथेली करतल।

कफे पा (کف پا) फा पु–तलवा पदतल।

कफे मार (کف مار) फा पु–साँप का फन।

कफ्काज (قفقاز) फा पु–कॉकेशिया यूरोपीय रूस का प्रदेश।

कफ्ता (کفتہ) फा वि–फटा हुआ विदीर्ण।

कफ्तार (کفتار) फा पु–बिज्जू बिल्ली के ब... वाला जंतु जो मृत मनुष्य का मांस खाता है।

कफ्फाफ (قفاف) अ पु–बातें बनाना।

कफ्फारा (کفارہ) अ पु–किसी पाप से शुद्धि के ... जानेवाला कृत्य प्रायश्चित।

कफ्फाल (قفال) अ वि–कुफ्ल बनानेवाला ता... वाला।

कफ्फुल ख़ज़ीब (کف الخضیب) अ पु–एक त...

कफ्फे ख़ज़ीब (کف خضیب) अ पु–रंगा हुआ...

कफ्र (کفر) अ पु–छिपाना गोपन कुफ्र किया...

कफ्श (کفش) फा स्त्री जूता पादुका पदत्राण

कफ्शगर (کفش گر) फा वि–जूते बनाने... मारनेवाला कफ्शकारी करनेवाला।

कफ्शकारी (کفش کاری) फा स्त्री–जूते बनाने... जूते मारने का काम जूतेबाज़ी।

कफ्शदोज (کفش دوز) फा वि–जूते गाँठनेवाला

कफ्शदोजी (کفش دوزی) फा स्त्री–जूते गाँठने का...

कफ्शबरदार (کفش بردار) फा वि–जूते उठा... बहुत बड़ा भक्त बहुत बड़ा श्रद्धावान।

कफ्शबरदारी (کفش برداری) फा स्त्री–जूते... भक्ति श्रद्धा।

कबक (قبق) तु पु–लौकी कद्दू।

कबकअंदाज (قبق انداز) तु फा वि–बहुत अच्छा... बाज़ लक्ष्यभेदी निशानची निशाना लगानेवाला

कबकअंदाजी (قبق اندازی) तु फा स्त्री–अच्छा... लगाना निशानेबाज़ी कदर अंदाज़ी।

कबकअफगन (قبق افگن) तु फा वि–... कबक...

कबकअफगनी (قبق افگنی) तु फा स्त्री–... अन्दाज़ी।

कबद (کبد) अ स्त्री कठोरता सख्ती कठिनता

कबज (قبض) अ पु–पेट की ऐंठन और पीड़ा ... प्रचलित।

कबब (قبب) अ वि–पतली कमरवाला ... कृशकटि।

कबस (قبس) अ पु–अंगारा अग्निखंड दहक... कोयला।

कबस (کبس) अ पु–पानी में मुँह के बल गिरना।

कबा (قبا) अ स्त्री–दोहरा लंबा अंगरखा गाउन।

कबाइर (کبائر) अ पु–कबीर का बहु बड़े-बड़े... महापातक।

क़बाइल (قبائل) अ पु—'कबील' का वहु, कवीले, कुटुंब, जरगे।
क़बाइली (قبائلی) अ. वि—सरहदी, अफगानिस्तान की सरहद के निवासी।
कवाएह (قبائح) अ पु—'कवीह' का वहु, वुराइयाँ, खरावियाँ।
कवाचा (قباچا) फा पु—छोटी कवा।
कवादः (کباده) फा पु—वहुत नरम धनुप, लेजुम, जिसे पहलवान हिलाते हैं।
कवादोज़ (قبادوز) अ फा. वि—कवा सीनेवाला, दर्जी।
कवावः (کبابه) अ पु—एक प्रसिद्ध वीज, तोमर के वीज।
कवाव (کباب) अ पु—कीमे की तली हुई टिकियाँ अथवा सीख पर सेकी हुई नलियाँ।
कवावचीनी (کباب چینی) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध वीज, शीतलचीनी।
कवालः (قباله) अ पु—जमानत करना, घर की विक्री की दस्तावेज, विक्री का कागज।
कवालःनवीस (قباله نویس) अ फा वि—कवाला लिखनेवाला, दस्तावेजे लिखनेवाला।
कवालःनवीसी (قباله نویسی) अ फा स्त्री—कवाले और दस्तावेजे लिखने का पेशा।
कबाह (قباح) अ पु—निकृष्ट होना,खराव होना, वुरा होना।
कवाहत (قباحت) अ स्त्री—वुराई, खरावी, अनिष्ट, आपत्ति, कठिनता, मुश्किल, वाधा, खलल।
कविद (کبد) अ पु—जिगर, कलेजा, यकृत्।
कवीज़ (قبیض) अ वि—वहुत तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी।
कवीदः (کبیده) फा वि—दुखित, पीडित, रजीदा, मलिन, खिन्न, अफसुर्द।
कवीदःखातिर (کبیده خاطر) फा अ वि—मलिनचित्त, खिन्नमनस्क, अप्रसन्न, नाखुश, अफसुर्द।
कवीदगी (کبیدگی) फा स्त्री—मलिनता, अफसुर्दगी, अप्रसन्नता, नाराजी।
कवीव (کبیب) अ वि—औंधे मुँह पडा हुआ, सिर के वल गिरा हुआ, अधोमुख।
कवीर. (کبیره) अ पु—वडी स्त्री, वडा पाप, महापातक।
कवीर (کبیر) अ वि—वडा, महान्, श्रेष्ठ, उत्तम, आ'ला।
कवील (قبیله) अ. पु—वश, गोत्र, खानदान, एक दल के आदमी।
कवील (قبیل) अ पु—कवूल करनेवाला, दल, समुदाय, गिरोह।
कवीस. (کبیسه) अ पु—कुआँ या नदी जो मट्टी से पट गयी ही, सिर झुकाये हुए, परीशान, मलमास, लौद का महीना।
कवीह (قبیح) अ वि—निकृष्ट, खराव; दूपित, वुरा; अप्रियदर्शन, वदनुमा।
कवीहसूरत (قبیح صورت) अ वि—वुरी सूरत वाला, कुरूप, कदाकार।
कवुर्गः (قبرغه) तु पु—पार्श्व, पहलू, वगल; पार्श्वास्थि, पहलू की हड्डी।
कबूतर (کبوتر) फा पु—एक प्रसिद्ध चिडिया, कपोत, पारावत।
कवूतरखानः (کبوترخانه) फा पु—कवूतरो के रहने का कावुक, ऐसा स्थान जहाँ लोग आते-जाते रहते हो।
कवूतरदम (کبوتردم) फा पु—लंवा चुवन, खूव खीचकर लिया हुआ वोसा।
कवूतरपरपा (کبوتر پرپا) फा पु—एक प्रकार का कवूतर जिसके पाँव मे पर होते हैं और वह अच्छी तरह उड नही सकता।
कवूतरबाज (کبوترباز) फा वि—कवूतर उडानेवाला, कवूतर पालनेवाला।
कवूतरवाजी (کبوتربازی) फा स्त्री—कवूतर उडाने और पालने का काम, कपोत-क्रीडा।
कवूद (کبود) फा पु—हलका नीला रंग, हलके नीले रग का।
कवूदी (کبودی) फा वि—नीले रगवाला।
कवूल (قبول) अ वि—स्वीकृत, मंजूर; स्वीकृति, मजूरी, सवेरे की ठडी हवा।
कवूलसूरत (قبول صورت) अ वि—प्रियदर्शन, जिसकी शक्ल अच्छी हो, सुदर, हसीन, लावण्यानन, सुमुख, निर्दोपरूप।
कवूली (قبولی) अ स्त्री—चने की दाल का पुलाव या खिचडी।
क़बूलीयत (قبولیت) अ स्त्री—स्वीकृति, अगीकार, मजूरी, मकानदार या जमीदार की तरफ से पट्टे या किराये की तसदीक की तहरीर।
कवूह (قبوح) अ वि—निकृष्ट, खराव, वुरा।
कब्क (کبک) फा पु—एक प्रसिद्ध पक्षी जो चाँद का प्रेमी है, चकोर।
कब्क़व (قبقب) अ पु—पेट, जठर, उदर।
कब्क़ाव (قبقاب) अ पु—लकडी का खडाऊँ, चट्टी; झूठ वोलना, स्त्री की भग जो वहुत वडी हो।
कब्के दरी (کبک دری) फा पु—पहाड़ी चकोर, जिसकी चाल वडी सुदर होती है।
कब्ज़. (قبضه) अ पु—अधिकार, इख्तियार, वश, क़ाबू; मूठ, दस्ता; पकड, गिरिफ्त।

क़ब्ज़ (قبض) अ पु—'कब्ज'।

क़ब्ज़ (قبض) अ पु—बदहज़मी कोष्ठबद्धता, सिकुड़न खिंचाव पकड़ गिरिफ्त आनाह, अजीर्ण।

क़ब्ज़ए कुदरत (قبضہ قدرت) अ पु—दैव शक्ति खुदाई कुव्वत अधिकार काबू इख्तियार (अख्तियार)।

क़ब्ज़ुल वुसूल (قبض الوصول) अ पु—प्राप्तिपत्र रसीद वसूलयाबी का सूचक अधिकारपत्र।

क़ब्ज़े रूह (قبض روح) अ स्त्री—शरीर से प्राणों का निकलना।

क़ब्त (کبت) अ पु—अपमानित करना तिरस्कृत करना।

कब्द (کبد) अ पु—जिगर यकृत दे 'कबिद' बड़ा अधिक वाला जाना है।

कब्बान (قبان) अ पु—एक प्रकार की तराजू बड़ा तराजू तक।

क़ब्र (قبر) अ स्त्री—वह गर्त जिसमें मुसलमानों के शव गाड़े जाते है गोर समाधि भवन।

क़ब्रपरस्त (قبر پرست) अ फा वि—मुसलमान महात्माओं की क़ब्र पर फूल चढ़ाने दीप जलाने सफाई करने और चादर आदि चढ़ानेवाला।

क़ब्रिस्तान (قبرستان) अ फा पु—जहाँ बहुत सी क़ब्रें हों जहाँ मुर्दे गाड़े जाते हों समाधि-क्षेत्र।

क़ब्ल (قبل) अ वि—पूर्व पहले।

क़ब्ल अज़ वक़्त (قبل از وقت) अ फा वि—समय से पहले नियत समय से पूर्व।

क़ब्लअज़ीं (قبل ازیں) अ फा वि—इससे पहले अब से पहले सलूक।

क़ब्लुलवुक़ूअ (قبل الوقوع) अ वि—घटना से पहले वाकए से पहले।

कब्श (کبش) अ पु—मेढ़ा सींगोंवाली नर भेड़।

कब्स (کبس) अ पु—कुएँ को मिट्टी से पाटना गढ़ा मींच दबाना शबखून मारना रात में आक्रमण करना।

कमंद (کمند) फा स्त्री—फन्दा पाश एक लम्बी रस्सी जिसके एक सिरे पर गाँठ बंधी रहती थी उसके द्वारा ऊँचा-ऊँचा दीवारों पर चढ़ा जा सकता था गाँठ जहाँ विपक जाती है फिर कितना ही ज़ोर किया जाय वहाँ से नहीं छूटता दुश्मन की दस्ती खुली टूटी वहाँ कमन्द—दो-चार हाथ जब कि लबे-बाम रह गया।

कमंद अंदाज़ (کمند انداز) फा वि—कमन्द फेंकनेवाला।

कमंदे ज़ुल्फ़ (کمند زلف) फा स्त्री—बालों की कमन्द केश पाश।

कम (کم) फा वि—अल्प न्यून थोड़ा हीन विहीन बिना।

कम (کم) अ वि—कितना जितना बहुत अधिक।

कमअक़्ल (کم عقل) अ वि—बेवकूफ नासमझ अल्पधी।

कम अज़ कम (کم از کم) फा वि—कम से कम अधिक न हो तो इतना अवश्य।

कमअस्ल (کم اصل) फा अ वि—अकुलीन कमनस्ल, अधम पामर नीच।

कमआज़ार (کم آزار) फा वि—जो अधिक न सताये कम दुःख देनेवाला।

कमआमेज़ (کم آمیز) फा वि—जो लोगों से मिलने-जुलने में कतराता हो जिसे मनुष्यों की संगत पसंद न हो रिज़र्व नेचर।

कमइख्तिलात (کم اختلاط) फा वि—दे 'कम आमेज़'।

कमइयार (کم عیار) फा अ वि—वह सोना या चाँदी जो कसौटी पर खरा न उतरे खराब व्यक्ति।

कमइल्म (کم علم) फा अ वि—जिस विद्या सम्बन्धी ज्ञान कम हो कम पढ़ा लिखा अल्पविद्य।

कमउम्र (کم عمر) फा अ वि—छोटी आयुवाला वयवाले अल्पवयस्क कमसिन।

कमउम्री (کم عمری) फा अ स्त्री—कमसिनी बाल्यावस्था अल्पवय।

कमऔक़ात (کم اوقات) फा अ वि—तिरस्कृत अनादृत बेकद्र।

कमक़द्र (کم قدر) फा अ वि—दे 'कम औक़ात'।

कमकम (کم کم) फा वि—थोड़ा थोड़ा।

कमक़ीमत (کم قیمت) फा अ वि—थोड़े मूल्यवाला सस्ता अल्प मूल्य।

कमख़र्च (کم خرچ) फा वि—थोड़ा खर्च करनेवाला अल्प व्ययी मितव्ययी।

कमख़र्ची (کم خرچی) फा स्त्री—थोड़ा खर्च करना किफायत शिआरी बरतना मितव्यय।

कमख़ाब (کمخاب) फा पु—एक प्रकार का बहुमूल्य कपड़ा।

कमख़ोर (کم خور) फा वि—कम खानेवाला, मिताहारी मितभोजी स्वल्पाहारी।

कमख़ोरी (کم خوری) फा स्त्री—कम खाना मिताहार।

कमख़्वाब (کم خواب) फा वि—कम सोनेवाला मितस्वापी।

कमगो (کم گو) फा वि—कम बोलनेवाला कम बात करनेवाला मितभाषी।

क़मची (قمچی) तु स्त्री—कोड़ा चाबुक प्रतोद पतली छड़ी सांटी।

कमज़न (کم زن) फा वि—कम हिम्मतवाला अल्पसाहसी।

कमज़र्फ़ (کم ظرف) फा अ वि—ओछा तुच्छ कमीना अनुदार तंग नज़र।

कमज़र्फ़ी (کم ظرفی) फा. अ स्त्री.–ओछापन, अनुदारता।

कमजोर (کمزور) फा. वि–दुर्बल, नाताकत, अशक्त।

कमजोरी (کمزوری) फा स्त्री–दुर्बलता, नाताकती, अशक्ति।

कमतर (کمتر) फा वि–बहुत कम, न्यूनतर।

कमतरीन (کمترین) फा वि–बहुत ही कम, न्यूनतम, इस शब्द का प्रयोग बोलनेवाला नम्रता दिखाने को अपने लिए भी करता है।

कमतवज्जुही (کم توجہی) फा अ स्त्री–रूखापन, दुःशीलता, उपेक्षा।

कमतालिई (کم طالعی) फा अ. स्त्री–भाग्य की खराबी, अभागापन।

कमनसीब (کم نصیب) फा अ वि–बदकिस्मत, हतभाग्य, मदभाग्य।

कमनसीबी (کم نصیبی) फा अ स्त्री.–किस्मत की खराबी, भाग्यहीनता।

कमनिगही (کم نگہی) फा स्त्री–उपेक्षा, रूखापन, कृपणता, कजूसी।

कमनिगाही (کم نگاہی) फा स्त्री–दे 'कमनिगही'।

कमपाय. (کم پایہ) फा वि–जो पदवी और सम्मान मे कम हो।

कमपायगी (کم پایگی) फा स्त्री–पदवी और मर्तबे मे कम होना।

कमफह्म (کم فہم) फा अ. वि–नासमझ, अल्पबुद्धि, बेअक्ल, मूर्ख।

कमफह्मी (کم فہمی) फा अ स्त्री–समझ की कमी, बेअक्ली, मूर्खता।

कमफ़ुर्सत (کم فرصت) फा अ वि–जिसे काम की अधिकता से छुट्टी न मिले, अवकाशहीन।

कमफ़ुर्सती (کم فرصتی) फा अ स्त्री–छुट्टी न होना, अवकाशहीनता।

कमबख़्त (کم بخت) फा वि–बदकिस्मत, हतभाग्य, शामत का मारा।

कमबख़्ती (کم بختی) फा स्त्री–भाग्य की खराबी, हतभाग्यता, अभागापन, शामत।

कमबीं (کم بیں) फा वि–कम देखनेवाला, अल्पदृष्टि, अनुदार, तगनजर, अदूरदर्शी, आकिब्त ना अदेश।

कमबीनी (کم بینی) फा स्त्री–कम देखना, दृष्टि की खराबी, अनुदारता, तगनजरी, अदूरदर्शिता, आकिब्त नाअदेशी।

कममश्क़ (کم مشق) फा अ वि–जिसे किसी काम का अभ्यास कम हो, नवाभ्यस्त, नौसिखिया।

कममश्क़ी (کم مشقی) फा स्त्री–नवाभ्यास, नौसिखियापन।

कममायः (کم مایہ) फा वि–थोडी पूँजीवाला, टुटपुँजिया; तुच्छ, नीच, कमीना।

कममायगी (کم مایگی) फा स्त्री–पूँजी की कमी, नीचता, कमीनगी।

कमयाब (کم یاب) फा. वि–जो बहुत कम मिल सके, दुष्प्राप्य, जो बिलकुल न मिल सके, अप्राप्य।

कमयाबी (کم یابی) फा स्त्री–किसी वस्तु का अभाव, कम मिलना अथवा बिलकुल न मिलना।

कमर (کمر) फा स्त्री–कटि, लक, मध्यदेश।

क़मर (قمر) अ पु–चाँद, चन्द्र, चद्रमा, शशि, राकेश।

क़मर तल्अत (قمر طلعت) अ वि–चाँद-जैसी प्रभा वाला या वाली, चन्द्रप्रभ, चन्द्रकान्त, चन्द्रप्रभा, चन्द्रकान्ता।

क़मर दर अक़्रब (قمر در عقرب) अ फा वि–चद्रमा का वृश्चिक राशि मे होना, जो अत्यन्त अशुभ माना जाता है।

क़मर पैकर (قمر پیکر) अ फा वि–चाँद जैसे शरीरवाला या वाली, चद्राग, चद्रागना।

कमरबंद (کمربند) फा. पु–पाजामे आदि की डोरी, नाडा, इजारबद, नीवी, (वि) जो किसी काम के लिए कील-काँटे से लैस हो।

कमरबंदी (کمربندی) फा. स्त्री–किसी काम के लिए तैयारी, पुलिस आदि के सिपाहियो की कही दबिश या आक्रमण के लिए वर्दी और हथियार आदि से दुरुस्त होकर कूच की तैयारी।

कमर बस्तः (کمر بستہ) फा वि–कमर बाँधे हुए, तैयार, कटिबद्ध, बद्धपरिकर।

कमर शिकस्तः (کمر شکستہ) फा वि.–जिसकी कमर टूट गयी हो, जिसका सहारा छिन गया हो।

कमरसी (کم رسی) फा. स्त्री–कमइल्मी, कम पढा-लिखा होना, विद्वत्ता का अभाव।

क़मरी (قمری) अ वि–चाँद से सम्बन्ध रखनेवाला; चन्द्रमास, हिंदी या इस्लामी महीना जो चाँद के हिसाब से होता है, चान्द्रमास।

कमरू (کم رو) फा वि–बदसूरत, बुरी शक्लवाला, कुरूप; जो किसी बडे पद पर न जँचे।

कमरे कोह (کمر کوہ) फा स्त्री–पहाड़ का मध्य, पहाड़ की गुफा।

क़मरैन (قمرین) अ पु–चाँद और सूरज, चन्द्र-सूर्य।

क़मल (قمل) अ पु–जूँ पडना, कपडो या बालो मे जुएँ हो जाना, पेट का बडा हो जाना।

कमसंज (کم سنج) फा वि–कम तोलनेवाला, डडी मारनेवाला।

कमसजी (کم سنجی) फा स्त्री –कम तोलना, डंडी मारना तुलाकूट।
कमसिन (کم سن) फा अ वि –कम आयुवाला छोटी उम्र का, अल्पवयस्क अवयस्क नाबालिग।
कमसिनी (کم سنی) फा अ स्त्री –कमउम्री, बाल्यावस्था अल्पवय नाबालिगी अवयस्कता।
कमसुखन (کم سخن) फा वि –जो बातचीत कम करे मितभाषी अल्पवादी कम बोलनेवाला।
कमसुखनी (کم سخنی) फा स्त्री –कम बोलना, कम बात करना मितभाषण।
कमहिम्मत (کم ہمت) फा अ वि –जिसमे साहस की कमी हो अल्पोत्साह अल्पसाहसी।
कमहिम्मती (کم ہمتی) फा अ स्त्री –साहस और हिम्मत की कमी साहसाभाव।
कमहैसियत (کم حیثیت) फा अ वि –बेकद्र अनाहत अप्रतिष्ठित जिसकी आर्थिक दशा अच्छी न हो अकुलीन, कमनस्ल।
कमहौसल (کم حوصلہ) फा अ वि –दे कमहिम्मत।
कमहौसलगी (کم حوصلگی) फा अ स्त्री –दे कम हिम्मती।
कमहदुव (قمحدوہ) अ पु –खोपडी का पिछला भाग गुद्दी।
कमा (کماں) फा स्त्री –कमान का लघु दे कमान।
कमाअंदाज (کماں انداز) फा वि –तीरदाज धनुधर।
कमाअब्रू (کماں ابرو) फा वि –जिसकी भौंहें धनुष की तरह टेढी और सुंदर हो अचित्तभ्रू प्रेमिका प्रेयसी माशूका।
कमांकश (کماں کش) फा वि –धनुधर तीरअंदाज।
कमांगर (کماں گر) फा वि –धनुष बनानेवाला धनुष्कार।
कमागीर (کماں گیر) फा वि –धनुधर तीरदाज।
कमांगुरोह (کماں گروہہ) फा स्त्री –गुल्ल जिसमें गुल्ले चलाते है।
कमांजोल (کماں جولہ) फा पु –गले म पहना जानेवाला चमडे का तस्मा जिसमें कमान लटकायी जाती है कमा दान कुर्बान।
कमादार (کماں دار) फा वि –धनुधर तीर चलानेवाला।
कमांपुश्त (کماں پشت) फा वि –कुबडा कुब्ज।
कमांबदस्त (کماں بدست) फा वि –हाथ में कमान लिये हुए धनुष्पाणि।
कमांबरदार (کماں بردار) फा वि –धनुष लेकर चलने वाला धनुधर तीरअंदाज।
कमात (کمات) अ पु –कुकुरमुत्ता बरसात म पैदा होने वाली खुबी।
कमान (کمانہ) फा पु –बरइया की कमान जिसस वह बर्मा चलाते ह।
कमान (کماں) फा स्त्री –धनुष, धनु धव, धवा तीर चलाने का यंत्र, कौस।
कमानचः (کمانچہ) फा पु –छोटी कमान धनही धनुक।
कमानी (کمانی) फा स्त्री –कमान की तरह झुकी ह चीज अथवा पुर्जा।
कमाने रुस्तम (کماں رستم) फा स्त्री –इन्द्रधनुष धनक कौसे कुजह।
कमायनबग़ी (کما ینبغی) अ वि –जसा चाहिए वसा यथेष्ट यथोचित।
कमारी (قماری) अ स्त्री –'कुम्री' का बहु फाख्तिया।
कमाल (کمال) अ पु –गुण खूबी कला फन शिल्प दस्तकारी विद्वत्ता काबिलीयत, पूर्णता पूरापन, चालाकी धूर्तता अधिक बहुत।
कमालात (کمالات) अ पु –कमाल का बहु, बहुत-से गुण बहुत-सी खूबियां बहुत-से हुनर।
कमाले फ़न (کمال فن) अ पु –किसी कला का जानकारी का पराकाष्ठा, कला नपुण्य।
कमाही (کماہی) अ वि –पूरी-पूरी यथष्ट।
कमीं (کمیں) अ पु –कमीन का लघु दे कमीन।
कमींगाह (کمیں گاہ) अ फा स्त्री –वह गुप्त स्थान जहाँ किसी की ताक म छिपकर बैठा जाय आड, शिकार का ताक म छिपकर बैठने का स्थान।
कमी (کمی) फा स्त्री –न्यूनता थोडापन, दोष नक्स त्रुटि गलती।
कमीन (کمینہ) फा वि –नीच अधम खल धूर्त पाजी अकुलीन गर शरीफ।
कमीन (کمیں) अ पु –दे कमीगाह (उ) कमीन।
क़मीम (قمیم) अ वि –सूखी हुई तरकारी।
कमीस (قمیص) अ स्त्री –एक विशेष प्रकार का कुर्ता कमीज।
कमुग़ (قمرغہ) तु पु –शिकार खेलने का जगह आखेट स्थल शिकारगाह।
कमून (کمون) अ पु –जीरा जारक।
कमूनी (کمونی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा जिसमें जीरा प्रधान होता है (यथा माजून=अवलेह + कमनी=जीरे की) जीरकावलेह।
कमूस (قموس) अ पु –बहुत गहरा कुआँ।
कमोबेश (کم و بیش) फा वि –थोडा-बहुत न्यूनाधिक।

कम्अ (قمع) अ पु –तोडना; तिरस्कृत करना; उम्मूद (लव) डालना।

कम्क़ाम (قمقام) अ पुं –बडा चाकू, छुरी; नदी, दर्या; श्रेष्ठ, मुअज्जज।

कम्तरीर (قمطریر) अ पु –विपत्ति और मुसीबत का दिन।

कम्मह (کمه) अ वि –जन्माध होना, पैदाइशी अधा होना।

कम्मास (قماس) वि –गोताख़ोर, डुवकी लगानेवाला।

कम्मी (کمی) अ वि –शूर, वीर, दिलावर।

कम्मीयत (کمیت) अ. स्त्री –मात्रा, मिकदार।

कम्मून (کمون) अ पु –जीरा, जीरक।

कम्रा (قمرا) अ स्त्री –एक चिडिया; चाँदनी रात; चाँद की किरन।

कम्ल (قمل) अ स्त्री –जूँ, कपडे या वालो में पडनेवाला कीडा।

कय (کے) फा. पु –दे 'कै'।

कयाँ (کیاں) फा पु –'कय' का वहु , सम्राट्, ईरान मे चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस, कैखुस्रौ, कैकुवाद, कैलोहास्प।

कयानी (کیانی) फा वि –'कयाँ' से सम्वन्धित, ऐसी अद्भुत वस्तु और अमूल्य वस्तु जो वडे-वडे सम्राटो के योग्य हो।

कयामत (قیامت)–दे 'कियामत'।

कय्यूर (قیور) अ वि.–जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातकुल, वर्णसकर, दोगला।

करतीनः (قرنطینه) अ पु –रोककर टीका लगाने का अमल, समुद्र पार जाते हुए रास्ते मे रुकने और टीका लगवाने का स्थान, कोरण्टाइन।

करव (کرنب) अ पु –करमकल्ला, एक शाक।

कर (کر) फा वि –वहिरा, वधिर, जिसे ऊँचा सुनाई देता हो।

करख़ (کرخ) फा वि –'करख़्त' का लघु , दे 'करख़्त'।

करख़्त (کرخت) फा वि –कठोर, कर्कश, सख़्त, वह अग जो सुन्न हो गया हो।

करख़्तगी (کرختگی) फा स्त्री –कठोरता, कर्कशता, सख़्ती; अग का सुन्न होना।

करन्फुल (قرنفل) अ स्त्री –लौंग, लवग, (आभूषण विशेष, न कि मसाले की लौंग) (यह शब्द सस्कृत के 'कर्णफुल्ल' से वनाया गया है, और अरव मे डेढ हजार वरस पहले से प्रचलित है, जिससे अरव और भारत के प्राचीन सम्वन्ध का पता चलता है) कान मे पहना जाने-वाला पुष्पाकृति का आभूषण।

करफ़्स (کرفس) फा. स्त्री –एक वीज, जो अजवाइन जैसे होते है और दवा मे चलते है।

करव (کرب) अ वि –वेचैन रहना; दु खित होना।

करम (کرم) अ पु –दया, कृपा, मेहरवानी; दानशीलता, वख़्शिश।

करमगुस्तर (کرم‌گستر) अ फा. वि.–दयालु, कृपालु, मेहरवान।

करमगुस्तरी (کرم‌گستری) अ फा स्त्री –दया कर्म, कृपा करना।

करमफर्मा (کرم‌فرما) अ. फा वि –दयालु, मेहरवान; मित्र, दोस्त।

करमफर्माई (کرم‌فرمائی) अ फा स्त्री –दया करना, कृपा करना।

कराँ (کراں) फा. पु –छोर, किनारा; हद, सीमा, पराकाष्ठा, इतिहा।

करा' (کرع) फा पु –वर्षा का रुका हुआ पानी, तालाव आदि मे मुँह से पानी पीना, (वि) पतली पिडलियोवाला।

करा (کروا) अ पु –सोने का आरम्भ, स्वापारभ; एक पक्षी, जिसे 'दुवारा' और 'वर्ज' कहते है , अरु का नर।

करा (قرا) तु पु –काला रग।

करा' (قرع) अ पु –सर के वाल गिरना।

क़राइन (قرائن) अ पु –'करीन' का वहु , करीने, आसार, लक्षण, सभ्यताएँ, शिष्टाचार।

कराकिर (قراقر) अ. पु –'कर्कर' का वहु , पेट की गुडगुडाहट।

क़राकुरम (قراقرم) तु पु –तुर्किस्तान की एक पर्वतमाला।

करातीस (قراطیس) अ पु –'किर्तास' का वहु , कागज के तख़्ते, वहुत से कागज।

करानः (کرانه) फा पु –टल, किनारा, छोर, अख़ीर, हद, सीमा; इतिहा, पराकाष्ठा।

करावः (قرابه) अ पु –शराव की सुराही, वहुत वडी वोतल।

करावःकश (قرابه‌کش) अ फा वि –शरावी, मद्यप, वहुत पीनेवाला, पूरी सुराही पी जानेवाला।

करावःनोश (قرابه نوش) अ फा वि –दे 'कराव कश'।

करावत (قرابت) अ स्त्री –समीपता, नजदीकी, नातेदारी, स्वजनता।

करावतदार (قرابت‌دار) अ फा वि –रिश्तेदार, नातेदार, सगोत्र, स्वजन।

करावतेकरीव. (قرابت قریبه) अ स्त्री –वहुत ही करीव की रिश्तेदारी।

करावादीन (قرابادین) अ स्त्री –वह ग्रथ जिसमे यूनानी आयुर्वेद सम्वन्धित दवाएं और नुस्खे लिखे रहते हैं। यूनानी

योग-संग्रह यूनानी भेषज संकलन जैसे-क़राबादीन क़बीर क़राबादीन शिफ़ाई इत्यादि।

क़राबीन (قرابین) तु स्त्री–एक प्रकार की तोड़ेदार बंदूक़ जो अब से सौ बरस पहले तक प्रचलित था।

करामत (کرامت) अ स्त्री–कृपा नवाज़िश प्रतिष्ठा बुज़ुर्गी चमत्कार तावीज़ मोजिज़ा अवतारों का चमत्कार।

करामतनामा (کرامت نامه) अ फा पु–कृपापत्र इनायतनामा।

करामात (کرامات) अ स्त्री–करामत का बहु करामतें चमत्कार मोजिज़े।

करामाती (کراماتی) अ वि–करामात दिखानेवाला चमत्कारी तावीज़बाज़ मायावी जादूगर धूर्त।

क़रार (قرار) अ पु–स्थिरता सुकून सांत्वना ढाढस प्रतिज्ञा इक़रार चैन आराम।

क़रारदाद (قرارداد) अ फा स्त्री–प्रस्ताव तजवीज़ निश्चय तै पहले से तै करना।

क़रारेवाक़ई (قرار واقعی) अ वि–यथेष्ट, पूरा-पूरा काफ़ी।

क़रावुल (قراول) तु पु–सैनिक सिपाही शिकारी आगे टुकड़ा वह फ़ौज जो आगे चलता और शत्रु की सेना की ख़बर देती है।

क़रासीस (کراسیس) अ पु–'कुर्रास' का बहु पुस्तक के अध्याय किताब के जुज़ कुरान के सीपारे।

क़राह (قراح) अ पु–स्वच्छ और निर्मल जल बिमल जल साफ़ और ख़ालिस पानी।

कराहत (کراهت) अ स्त्री–घृणा घिन नफ़रत अरुचि नापसन्दीदगी उदासीनता बेदिली।

कराहतन (کراهتا) अ वि–कराहत के साथ बददिली के साथ घिन करते हुए।

कराहीयत (کراهیت) अ स्त्री–दे कराहत।

करिग (کرغ) अ पु–जुगाली करनेवाले पशुओं का पाकाशय छोटे बच्चे बाल-बच्चे दे कर्श'।

क़र्री (قرین) अ वि–'क़रीन' का लघु दे क़रीन'।

करी (کری) फा स्त्री–बहरापन बधिरता।

क़रीअ (قریع) अ वि–प्रतिद्वंद्वी हरीफ़ तुल्य समान मानिंद श्रेष्ठ पूज्य बुज़ुर्ग।

क़रीज़ (قریض) अ पु–पद्यात्मक वाक्य नज़्म किया हुआ कलाम छन्दोबद्ध रचना।

क़रीना (قرینه) अ पु–ढंग तर्ज़ शिष्टता तमीज़ क्रम तर्तीब प्रसंग अनुमति अंदाज़ा।

क़रीन (قرین) अ वि–समीप निकट नज़दीक, सभासद सखा मुसाहिब।

क़रीने अक़्ल (قرین عقل) अ वि–जो बात अक़्ल क़बूल कर ले बुद्धिगम्य, मतिग्राह्य।

क़रीने इंसाफ़ (قرین انصاف) अ वि–जो बात न्याय से ठीक हो न्यायोचित।

क़रीने क़ियास (قرین قیاس) अ वि–जो बात अटकल और अन्दाज़े से ठीक हो, ध्यानगम्य।

क़रीने मस्लहत (قرین مصلحت) अ वि–जो बात समय और अवस्था के अनुकूल होते हुए अपने हित में हो।

क़रीब (قریب) अ वि–निकट समीप पास नज़दीक जो की एक बहु कम दूर।

क़रीबतर (قریب تر) अ फा वि–बहुत पास, समीपतर बहुत कम दूरी पर निकटतर।

क़रीबुल इख़्तिताम (قریب الاختتام) अ वि–ख़त्म होने के क़रीब जो शीघ्र हो समाप्त होनेवाला हो समाप्तप्राय।

क़रीबुल इन्हिदाम (قریب الانهدام) अ वि–गिरने और ध्वस्त होने के क़रीब भग्नप्राय नष्टप्राय।

क़रीबुलख़त्म (قریب الختم) अ वि–समाप्त होने के क़रीब मरने के क़रीब, मरणासन्न मृतप्राय।

क़रीबुलफ़हम (قریب الفهم) अ वि–जिसका समझना सरल हो सुबोध।

क़रीबुलमौत (قریب الموت) अ वि–जो मरने के निकट हो मृतप्राय मरणासन्न।

क़रीबुलहज़्म (قریب الهضم) अ वि–जो खाया हुआ पचने के समीप हो हज़्म होने के क़रीब पक्वप्राय।

करीम (کریم) अ वि–कृपालु मेहरबान दानशील सखी ईश्वर का एक नाम।

करीमी (کریمی) अ स्त्री–कृपा दया करम ईश्वरी माया।

करीमुन्नफ़्स (کریم النفس) अ वि–सदाचारी पुण्यात्मा सदात्मा नेकदिल।

क़रीर (قریر) अ पु–प्रसन्न हर्षित खुश प्रसन्नता हर्ष खुशी।

क़रीस (قریس) अ पु–बहुत कड़ा जाड़ा पुराना और जीर्ण वस्तु।

क़रीस (قریس) अ पु–एक प्रकार का सालन।

क़रीह (قریحه) अ स्त्री–स्वभाव प्रकृति आन्तरिक वह पानी जो कुएँ से पहले निकले हर चीज़ का अग्रभाग।

करीह (کریه) अ वि–घृणास्पद मकरूह बदकार कुरूप बदशक्ल, अप्रियदर्शन कुदर्शन, बदनुमा।

क़रीह (قریح) अ. वि –ख़ालिस और बेमेल वस्तु, विशुद्ध, (पु) घाव, ज़ख्म।
करीहुलमंज़र (کریہ‌المنظر) अ वि –जो देखने मे भोंडा हो, जिसे देखकर घिन आये, दुर्दर्शन, घृणित रूप।
करीहुस्सूरत (کریہ‌الصورت) अ वि –जिसकी शक्ल भद्दी हो, जो देखने मे बुरा लगे, दुराकृति, कुरूप, अप्रियदर्शन।
करीहुस्सौत (کریہ‌الصوت) अ वि –जिसकी आवाज बहुत खराब हो, कटुस्वर, कर्कश स्वर।
करूबी (کروبی) अ पु –फिरिश्ता, देवता।
क़र्अः (قرعہ) अ पु –लौकी, कद्दू।
क़र्अ (قرع) अ पु –दरवाजा खटखटाना, खटखट करना, लौकी।
क़र्क़ (قرق) अ पु –मुर्गियो का शब्द।
क़र्क़ (قرق) तु पु –दुंबा, मेदपुच्छ, भेड की वह किस्म जिसकी पूँछ पर चर्बी का चकत्ता होता है।
क़र्क़फ़ (قرقف) अ पु –मदिरा, शराब, ईसाइयो के तीन धार्मिक ग्रथ।
कर्ग (کرگ) फा पु –'कर्गदन' का लघु, देखो 'कर्गदन'।
कर्गदन (کرگدن) फा पु –गैंडा, एक प्रसिद्ध जगली जानवर जो हाथी से छोटा होता है, तुगमुख, वज्रचर्म।
कर्गन (کرگن) फा पु –अधपका अन्न जिसे भूनकर खाते है।
कर्गस (کرگس) फा पु –गीध, गिद्ध, गृध्र, एक प्रसिद्ध पक्षी।
क़र्ज़ (قرض) अ पु –ऋण, उधार, कर्जा।
क़र्ज़ख्वाह (قرض‌خواہ) अ फा वि –कर्ज लेनेवाला, ऋणेच्छुक।
क़र्ज़दार (قرض‌دار) अ फा वि –जिस पर कर्ज हो, ऋणी, अधमर्ण।
क़र्ज़े हसनः (قرض حسنہ) अ पु –ऐसा ऋण जिस पर न कोई ब्याज हो न उसका तकाजा किया जा सके, ऋणी को जब सुविधा हो उसे अदा करे, और न अदा कर सके तो उस पर कोई भार न रहे।
क़र्तबान (قرطبان) अ पु –दय्यूस, भगभोगी, कल्तबान।
क़र्ती (قرطی) अ पु.–एक प्रकार का कपडा जो काले और हरे रग का होता है।
कर्दः (کردہ) फा वि –किया हुआ, कृत।
कर्द (کرد) फा पु –कार्य, काम, कृति, अमल।
कर्दगार (کردگار) फा वि –ईश्वर, सर्वशक्तिमान्, दे 'किर्दगार', नियमानुसार 'किर्दगार' अशुद्ध है, परन्तु शुद्ध समझा जाता है।
कर्दनी (کردنی) फा वि –करने योग्य, जो किया जा सके, जिसका करना उचित हो, करणीय।
कर्दार (کردار) फा पु.–आचरण, व्यवहार, चलन, दे. 'किर्दार', व्याकरण के अनुसार शुद्ध रूप 'कर्दार' ही है, परन्तु प्रचलित 'किर्दार' है।
क़र्न (قرن) अ पु –शृग, विषाण, सीग, बाल, केश; लबा समय जो ३० से १०० वर्ष तक माना जाता है।
कर्नब (کرنب) अ पु –करमकल्ला, एक प्रसिद्ध सब्जी।
कर्ना (کرنا) अ पु –दे 'क़र्ना'।
क़र्ना (قرنا) अ पु –तुरही, एक प्राचीन बाजा जो फूँककर बजाया जाता है।
कर्पास (کرپاس) फा पु –मोटा कपडा, सस्कृत 'कर्पट' का अपभ्रश।
कर्फ़श (کرفش) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधिका।
कर्ब (کرب) अ पु –व्याकुलता, बेचैनी, पीडा, यातना, दुख।
कर्बला (کربلا) फा पु –इराक का एक प्रसिद्ध स्थान, जहाँ हजरत इमाम हुसैन शहीद हुए थे, और जहाँ उनकी मजार है।
कर्बलाई (کربلائی) फा वि –कर्बला की जियारत करनेवाला, एक कपडा।
कर्बस (کربس) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधिका।
कर्बासू (کرباسو) फा स्त्री –दे कर्बस, कर्फ़श।
कर्म (کرم) अ पु –अगूर का पेड।
क़र्म (قرم) अ पु –व्याघ्र, शेर, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।
क़र्यः (قریہ) अ पु –ग्राम, गाँव, मौजा।
कर्रत (کرت) अ स्त्री –बार, दफा।
कर्रात (کرات) अ पु –'कर्रत' का बहु, कई बार, बहुत दफा।
कर्रार (کرار) अ वि –शत्रु की सेना पर बारबार आक्रमण करनेवाला, हजरत अली की उपाधि।
कर्रूबियान (کروبیان) अ पु –'कर्रूबी' का बहु, फिरिश्ते।
कर्रूबी (کروبی) अ पु –फिरिश्ता, दे 'करूबी', वही अधिक फसीह है, शुद्ध दोनो है।
कर्श (کرش) अ पु –जुगाली करनेवाले पशु का पाकाशय, बाल-बच्चे, दे 'करिश'।
कर्सनः (کرسنہ) फा पु –मटर, एक प्रसिद्ध अन्न।
क़र्हः (قرحہ) अ पु –वह घाव जिसमे पीप पड गयी हो।
क़लग़ः (قلغہ) तु पु –घेरे मे लेना, मुहासर करना, बाहर जानेवाले पियादे की खुराक।
कलंद (کلند) फा पु –ज़मीन खोदने का एक यत्र, खुर्पी; हल मे लगनेवाला फाल।
क़लंदर (قلندر) फा पु –एक प्रकार के फकीर जो मस्त

और आजाद रहते हैं मस्त और आजाद मनुष्य धृष्ट, गुस्ताख।

क़ल्दरान (قلندرانہ) फा वि–कलन्दरों-जैसा आजादों जैसा गुस्ताखों-जैसा।

क़लदरी (قلندری) फा पु–कलन्दर का काम या पेशा एक प्रकार का खेमा रावटी।

क़लमुव (قلمسوہ) अ पु–टोपी कुलाह।

कल (कल) (کل) अ पु–गूगा होना बोल न सकना बात भार भारी बात वह व्यक्ति जिसके न बाप हो न लड़के।

कल (قل) तु वि–राजा सवाट।

कलक (کلک) फा पु–पटना बीज लगाने का नश्तर गन्ध (स्त्री) आपत्ति बला (वि) अशुभ मनहूस।

क़लक़ (قلق) अ पु–व्याकुलता बेचैनी दुःख कष्ट सन्ताप शोक खेद अप्रसाद।

क़लक़अंगेज़ (قلق انگیز) अ फा वि–शोकजनक दुःखप्रद रज पैदा करनेवाला।

क़लक़अफ़्ज़ा (قلق افزا) अ फा वि–दे 'क़लक़ अंगेज़'।

क़लक़आमेज़ (قلق آمیز) अ फा वि–शोक मिला हुआ शोकान्वित रजपूर्ण।

कलकदस्त (کلکدست) फा वि–दरिद्र निर्धन कंगाल।

कलफ़ (کلف) अ पु–काले दाग जो मुँह पर पड़ जाते हैं झाई।

क़लम (قلم) अ पु–लेखनी किसी पेड़ की डाली जो काटकर लगाया जाता है कटा हुआ तराशा हुआ कनपटी के बाल किसी पदार्थ का पतला और लम्बा टुकड़ा।

क़लमकश (قلمکش) अ फा वि–लिखनेवाला क़लम से काम करनेवाला काट देनेवाला मिटा देनेवाला।

क़लमकार (قلمکار) अ फा पु–क़लम से काम करने वाला लिखनेवाला एक फूलदार नक्शीन कपड़ा।

क़लमज़द (قلم زد) अ फा वि–क़लम फेरा हुआ कटा हुआ मंसूख।

क़लमज़न (قلم زن) अ फा वि–लिखनेवाला चित्रकार मुसव्विर क़लमज़न करनेवाला मसूख करनेवाला।

क़लम दरकशीदा (قلم درکشیدہ) अ फा वि–मिटाया हुआ मन्सूख किया हुआ।

क़लमदस्त (قلم دست) अ फा वि–जो क़लम से काम करता हो लिखनेवाला चित्रकार।

क़लमदान (قلمدان) अ फा पु–क़लम-दवात रखने का पात्र पद पदवी ओहदा।

क़लमदाने वज़ारत (قلمدان وزارت) अ पु–मंत्री का पद वज़ीर का ओहदा।

क़लम पाक कुन (قلم پاک کن) अ फा पु–वह कपड़ा जिससे क़लम की सियाही पोंछी जाती है।

क़लमबंद (قلمبند) अ फा वि–जो लिखा गया हो लिपिबद्ध चित्रकार का कूँचा बनानेवाला।

क़लम बरदाश्त (قلم برداشتہ) अ फा वि–क़लम उठाकर बिना सोचे लिखा हुआ लेख।

क़लमरौ (قلمرو) अ फा स्त्री–राष्ट्र राज्य हुकूमत सल्तनत।

क़लमी (قلمی) अ वि–क़लम सम्बन्धी हस्तलिखित ग्रंथ विशेषत पुराने हस्तलिखित ग्रंथ क़लम लगाये हुए पेड़ का फल लम्बा और पतला पदार्थ जैसे—'क़लमी शोरा'।

क़लमे फ़ौलाद (قلم فولاد) अ फा पु–फाउण्टेन पेन जैसा एक लौह-लेखनी।

क़लमेरसास (قلم رصاص) अ पु–पेंसिल, सीसाकलम।

क़लमेसुर्ब (قلمسرب) अ पु–दे 'क़लम रसास'।

क़लमेसुरमा (قلم سرمہ) अ पु–दे 'क़लम रसास'।

कलल (کلل) अ स्त्री–कलगी सिरमौर।

क़लह (قلح) अ स्त्री–दाँतों का मल और उनका पीलापन।

कलाँ (کلاں) फा वि–ज्येष्ठ बड़ा दीर्घ लम्बा।

क़ला (قلا) अ पु–किसी से शत्रुता करना शत्रुता दुश्मनी।

क़लाइद (قلائد) अ पु–क़िलादः का बहु गले के पट्टे।

कलात (کلاتہ) फा पु–छोटा गाँव नगला।

कलात (کلات) फा पु–गाँव ग्राम पहाड़ों पर बना हुआ दुर्ग।

कलानी (کلانی) फा स्त्री–ज्येष्ठता बड़ापन, दीर्घता लम्बाई गुरुत्व भारीपन।

कलापेस (کلاپیسہ) फा पु–आत्मा का रोगग्रस्त हो जाना जैसे—मृत्यु में या मैथुन के समय।

कलाब (کلاب) फा पु–कन्धे पर कानों आनेवाली फुंसियाँ।

कलाम (کلام) अ पु–शब्द वाणी बोली बातचीत गुफ्तगू आपत्ति एतिराज़ मीमांसा इल्म कलाम।

कलामुल्लाह (کلام اللہ) अ पु–खुदा का कलाम ईश्वर की वाणी कुरानशरीफ़।

कलामे मुस्तताब (کلام مستطاب) अ पु–ईश्वर की ओर से पैग़म्बर पर आनेवाला आदेश वही।

कलाला (کلالہ) अ पु–दे 'कलालात'।

कलाल (کلال) अ पु–ग्लानि थकन माँदगी।

कलाल्त (کلالت) अ स्त्री–थकन ग्लानि माँदगी।

कलावः (كلاوه) फा पु –चर्ख़े पर काती जानेवाली पिंदिया।

कलावुज़ी (قلاوزی) फा स्त्री –अग्रगमन, आगे चलना; मार्ग-दर्शन, रहबरी; सेना का अग्रभाग।

कलिक (قلق) अ वि –व्याकुल, मुज़्तरिब, दुखित, रंजीदा।

कलिब (كلب) अ. वि –दीवाना, पागल, कटखना (कुत्ता)।

कलिमः (كلمه) अ पुं –शब्द, लफ्ज, वाक्य, जुम्ला, वचन, बात, मुसलमानों का धर्ममंत्र।

कलिम.ख़्वाँ (كلمه خوان) अ फा. वि –दे 'कलिम गो'।

कलिम.गो (كلمه گو) अ फा वि –कलिम (कल्मा) पढ़नेवाला अर्थात् मुसलमान।

कलिम (كلم) अ पु. 'कलिम' का बहु, कलिमे, जुम्ले, वाक्य-समूह।

कलिमतुलख़ैर (كلمة الخير) अ पु –भलाई की बात, ऐसी बात जिसमें किसी का हित हो।

कलिमतुलहक़ (كلمة الحق) अ पु –सच्ची बात, बेलाग बात, इसाफ की बात, सदुक्ति।

कलिमात (كلمات) अ पु –कलिम का बहु, कलिमे, बातें, शब्द, अल्फाज।

कलीद (قليد) अ स्त्री –बटी हुई रस्सी।

कलीदान (كليدان) फा पु –लकड़ी का कुंदा जो अपराधियों के पाँव में बाँधा जाता है।

कलीब (قليب) अ पु –पुराना कुआँ।

कलीम (كليم) अ पु –बात करनेवाला, बातचीत करनेवाला, घायल, जख़्मी, हजरत मूसा की उपाधि।

कलीमुल्लाह (كليم الله) अ पु –ईश्वर से वार्तालाप करनेवाला, हज़रत मूसा की उपाधि।

कलीयः (قليه) अ पु –भुना हुआ गोश्त।

कलीलः (قيلوله) अ पु –कैलूल करने का समय, दोपहर में थोड़ी देर सोने का समय।

कलील (كليل) अ वि –शिथिल, माँदा, मंद, सुस्त, गूँगा, कुंद, भोथरा।

कलील (قليل) अ वि –अल्प, न्यून, थोड़ा, ह्रस्व, छोटा।

कलील तरीन (قليل ترين) अ फा वि –बहुत ही छोटा।

कलीलुल कीमत (قليل القيمت) अ वि –थोड़ी कीमतवाला, कम दामों का, सस्ता।

कलीलुल बिज़ाअत (قليل البضاعت) अ वि –जिसके पास पूंजी थोड़ी हो, जो अप्रतिष्ठित हो, कम हैसियत।

कलीलुल मिक्दार (قليل المقدار) अ वि –थोड़ा, कम, अल्प मात्रा में।

कलीलुस्समाअत (قليل السماعت) अ वि –जो कम सुनता हो, बधिर, बहरा।

कलीस (قليس) अ वि –कृपण, कजूस, बख़ील।

कलूस (قلوص) अ स्त्री.–जवान ऊँटनी।

कलौला (قلولا) अ पु –काज, एक प्रसिद्ध पक्षी।

कल्अः (قلعه) अ पु –दुर्ग, कोट, गढ़, किला।

कल्अःगीर (قلعه گير) अ फा वि –दुर्ग विजित करनेवाला, महारथी, बहुत बड़ा शूर।

कल्अ'शिकन (قلعه شكن) अ. फा वि –दुर्ग को ध्वस्त कर देनेवाला, दुर्गभेदी (तोप या कोई यंत्र)।

क़ल्ई (قلعى) अ स्त्री –रंग, राग, फुँका हुआ चूना; मुलम्मा, बर्तनों पर राँगा का मुलम्मा, चूने की पुताई।

कल्ईगर (قلعى گر) अ फा वि.–बरतनों पर राँग का मुलम्मा करनेवाला।

कल्क (كلك) फा स्त्री –कक्ष, बगल; क्रोड, गोद, आगोश।

कल्कज (كلكج) फा. वि –लड़नेवाला, युद्ध करनेवाला।

कल्कलः (قلقله) अ पु –आवाज करना, बोलना, हिलाना।

कल्कान (قلقان) तु स्त्री –ढाल, सिपर।

कल्गी (كلغى) फा स्त्री –फुँदना, तुर्रा, पक्षी के सिर का केस।

कल्त' (كلته) फा वि –पूँछ कटा हुआ, थोड़ा, न्यून, जो शुद्ध उच्चारण न कर सके, सोटा, डंडा, गतका।

कल्तबान (قلتبان) फा पु –वह निर्लज्ज मनुष्य जो अपनी स्त्री को पर-पुरुष के पास जाने दे, भगभोजी, स्त्री की कमाई खानेवाला, भँड़ुआ।

कल्तबानी (قلتبانى) फा स्त्री –स्त्री की कमाई खाना, भँड़ुअई।

कल्पत्रः (كلپتره) फा वि –मिथ्या, झूठ, अनर्गल, बेहूदा।

कल्पाक (قلپاق) तु स्त्री –टोपी, कुलाह।

क़ल्फः (قلفه) अ पु –खतना का न होना, बे खतना होना।

कल्फ (كلف) अ पु –मुग्ध होना, आसक्त होना, शेफ्त होना।

कल्ब (قلب) अ पु –हृदय, मन, दिल, मध्य, बीच, कूट, खूँटा, औंधा, उलटा, १७वाँ नक्षत्र।

कल्ब (كلب) अ पु –कुक्कुर, श्वान, कुत्ता।

कल्बतान (كلبتان) अ स्त्री –लोहार की सड़सी, सगसी, मोमबत्ती का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।

कल्बतैन (كلبتين) अ स्त्री –दे 'कल्बतान'।

कल्बसाज (قلب ساز) अ फा वि –खोटा रुपया बनानेवाला, कूटकृत।

क़ल्बसाजी (قلب سازى) अ फा स्त्री –जाली रुपया बनाना।

तरकारी आदि न हो, शुद्ध उच्चारण यही है, पर उर्दू मे, 'कोर्म' वोलते हैं।

कव्वः (کوّہ) अ पु –दीवार का छेद चाहे वह आरपार हो या ताकनुमा हो, दरीचा, झरोखा।

कव्वात (قوّاط) अ पु –भेड-वकरियो के झुड का चरवाहा।

कव्वाल (قوّال) अ पु.–बहुत वाते करनेवाला; कव्वाली गानेवाला।

कव्वाली (قوّالی) अ स्त्री –वे इसलामी गाने जो मजारो आदि पर गाये जाते है, हक्कानी गाने।

कव्वास (قوّاس) अ वि –धनुष्कार, कमाने वनानेवाला।

कश (کش) फा पु –कक्ष, वगल, वक्ष स्थल, छाती, दम, खीच, जैसे—हुक्के का कश, (प्रत्य) खीचनेवाला, जैसे—'कमाँकश' धनुप खीचनेवाला, सहन करनेवाला, जैसे—'सितमकश' अत्याचार सहन करनेवाला, मयकश–शराव खीचने या पीनेवाला।

कश [क्श] (قش) (अ) पु –दुवलेपन के वाद मोटा होना, भलाई पाना।

कशफ (کشف) फा पु –कछवा, कूर्म।

कशफ (قشف) अ पु –सूरज की धूप मे मुँह का झुलस जाना, दरिद्रता और फाको मे मुँह की शोभा का चला जाना।

कशमकश (کش مکش) फा स्त्री –खीचातानी, आपाधापी, वैमनस्य, कशीदगी, असमजस, सकोच, दुविधा, पसोपेश, सघर्ष, लडाई, दौड-धूप, पराक्रम।

कशाँ (کشاں) फा प्रत्य –खीचते हुए, जैसे—'मूकशाँ' वाल पकडकर खीचते हुए।

कशाँ कशाँ (کشاں کشاں) फा वि –खीचते-खीचते, खीचते हुए, जवरदस्ती।

कशाकश (کشاکش) फा स्त्री –खीचाखीची, सघर्ष, चढा-ऊपरी, स्पर्धा, असमजस, तजव्जुव।

कशावर्ज़ (کشاورز) फा पु –कृपक, काश्तकार, किसान।

कशावर्ज़ी (کشاورزی) फा स्त्री –कृपिकर्म, काश्तकारी, खेती, किसानी।

कशिश (کشش) फा स्त्री –आकर्पण, खिचाव, रोचकता, जाज़िवीयत, प्रवृत्ति, मनोवृत्ति, रुजहान।

कशिशे इश्क (کشش عشق) फा अ स्त्री –प्रेम का आकर्पण, मुहव्वत का जज्वा।

कशिशे सिक्ल (کشش ثقل) फा अ स्त्री –गुरुत्वाकर्पण।

कशीद (کشیدہ) फा वि –खिचा हुआ, अचित, अप्रसन्न, नाराज, (पु) वेल-वूटे का काम।

कशीद:कमर (کشیدہ کمر) फा वि –झुकी हुई कमरवाला।

कशीद:कामत (کشیدہ قامت) फा. अ. वि –लम्वे आकार वाला, लम्वे कदवाला, लवकाय।

कशीद:कार (کشیدہکار) फा वि –कशीदे का काम करनेवाला, चिकन काढनेवाला।

कशीद:कारी (کشیدہکاری) फा स्त्री –कपडे पर वेलवूटे वनाना, चिकन वनाना।

कशीद:ख़ातिर (کشیدہخاطر) फा अ वि –अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश, खिन्न, मलिन, अपसुर्द।

कशीद:रू (کشیدہرو) फा वि –लम्वे मुँहवाला, लवोतरे मुँह का, मुँह विगाडे हुए, रुप्ट, नाराज।

क़शीव (کشیب) अ पु –नया वस्त्र, पहनने का नया कपडा।

कशीश (کشیش) तु पु –ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी।

कशूर (قشور) अ पु –चेहरे पर मलने की दवा जिससे मुँह का रग साफ होता है।

कश्कः (قشقہ) अ पु –चदन आदि से माथे पर वनायी जानेवाली लकीरें, तिलक, चित्रक।

कश्क (کشک) फा पु –छिलके उतारे हुए जौ, सूखा दही; जौ का पानी जो रोगियो को दिया जाता है।

कश्काव (کشکاب) फा पु –छिलके उतरे हुए जौ का पानी जो रोगियो को दिया जाता है, आशे जौ।

कश्कोल (کشکول) फा पु –भिक्षापात्र, भीख माँगने का वर्तन, दे 'कचकोल', 'कजकोल'।

कश्ख़ान (کسخان) फा पु –दे 'कल्तवान'।

कश्ती (کشتی) फा स्त्री –नाव, नौका, तरणी, "जोशे तूफाँ, शोरे-दर्या, वर्के लर्जा, वादे तुद, कश्तीए उम्रे रवाँ यारव वडी मुश्किल मे है"।

कश्तीवान (کشتی بان) फा वि –नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह।

कश्तीवानी (کشتی بانی) फा स्त्री –नाव चलाना, नाव खेना।

कश्तीराँ (کشتی راں) फा वि –दे 'कश्तीवान'।

कश्तीरानी (کشتی رانی) फा स्त्री –दे 'कश्तीवानी'।

कश्फ (کشف) अ पु –जाहिर होना, प्रकट होना, आत्म-शक्ति द्वारा गुप्त वातो का ज्ञान, मुवाशफ।

कश्मीर (کشمیر) फा पु –भारत का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

कश्मीरी (کشمیری) फा वि –कश्मीर से सम्वन्धित, कश्मीर का निवासी, कश्मीर की भापा, कश्मीर का।

कश्र (قشر) अ पु –छिलका, भूसी, तुप।

कश्रुलवैज़ (قشر البیض) अ. पु –अडे का छिलका।

कश्वर (کشور) फा स्त्री –देश, मुल्क, महाद्वीप, वर्रे-आ'जम, प्रदेश, इलाक, दे 'किश्वर', दोनो शुद्ध हैं।

क़वर (قسور) अ स्त्री–वह स्त्री जिसे मासिक धर्म न आता हो, नष्टार्तव।

कश्वरकुशा (کشورکشا) फ़ा वि–नगर-हाकिम, हुक्मराँ।

कश्वर सिताँ (کشورستاں) फ़ा वि–विश्वविजयी आत्मगार।

कस्साफ़ (کساف) अ वि–सूराख़ करनेवाला प्रकट करनेवाला।

क़स[स्स] (قس) अ पु–वक्षस्थल सीना, छाती, मानो की हड्डी।

कस (کس) फ़ा पु–व्यक्ति शख़्स।

क़सब (قصبہ) अ पु–डाली शाखा, छोटा शहर।

क़सब (قصب) अ पु–नरकट नकुल नम हर गाछ जो नरकट-जैसी भीतर से खाली हो।

क़सबुस्सरीर (قصب الزریرہ) अ पु–चिरायता एक वनौषधि।

क़सबुल्जीब (قصب الجیب) अ पु–बाँस एक घास।

क़सबुल्जब (قصب الجب) अ पु–अंदर रखने का बाँस आदि का स्थान जिसमें रखकर ख़त भेजे जाते थे।

कसबुलहबीब (قصب الحبیب) अ पु–नाड़ा नगाड़ा ऊन।

क़सबुस्सबक़ (قصب السبق) अ पु–वह बल्लम जो दूर पर गाड़ दिया जाता है और कुछ मनिक सवार घोड़े दौड़ाकर उसकी ओर दौड़ते हैं, जो उसे पहले उखाड़ लेता है उसे इनाम दिया जाता है।

क़सम (قسم) अ स्त्री–शपथ सौगंद।

कसमपुर्सी (کسمپرسی) फ़ा स्त्री–बेकसी बकसी ऐसा जीवन जिसमें कोई पूछनेवाला न हो।

कसल (کسل) अ पु–शिथिलता आलस्य काहिली, ग्लानि, श्रान्ति थकावट।

कसलमंद (کسل مند) अ फ़ा वि–अशक्त म्लान श्रान्त थका हुआ।

क़सस (قصص) अ पु–क़िस्सा कथा कहानी मस्ला।

क़साइद (قصائد) अ पु–क़सीदा का बहु क़सीदे।

कसाद (کساد) अ पु–सस्तापन मंदा, ख़रीदारी का अभाव, किसी वस्तु का प्रचलित न होना वरिवाजी।

कसादबाज़ारी (کسادبازاری) अ फ़ा स्त्री–बाज़ार भाव का बहुत मंदा हो जाना, बाज़ार में ख़रीद-फ़रोख़्त बहुत कम हो जाना, किसी चीज़ की पूछताछ न होना, कसमपुर्सी।

कसाफ़त (کثافت) अ स्त्री–मलिनता समलता मैलापन अशुद्धता गंदगी।

क़सारत (قصارت) अ स्त्री–कपड़े धोना धोबी का काम।

कसालत (کسالت) अ स्त्री–दे कसल।

क़सावत (قساوت) अ स्त्री–निर्दयता बेरहमी, कठोरता सख़्ती।

क़सावतेक़ल्बी (قساوت قلبی) अ स्त्री–हृदय का कठोर होना निर्दयता।

क़सी (قسی) अ वि–निर्दय कठोर हृदय बेरहम।

क़सीउलक़ल्ब (قسی القلب) अ वि–कठोर हृदयवाला, पाषाणहृदय संगदिल।

कसीद (کسید) अ वि–वह माल जिसकी बिक्री न हो जिसका चलन उठ गया हो।

क़सीदः (قصیدہ) अ पु–प्रशंसात्मक प्रशस्ति, नज़्म का एक क़िस्म जिसमें किसी महान व्यक्ति की प्रशंसा की जाती है, ऐसी प्रशंसा जिसमें यथार्थता कम हो भटई।

क़सीदःख़्वाँ (قصیدہ خواں) अ फ़ा वि–क़सीदा पढ़नेवाला, झूठी प्रशंसा करनेवाला ख़ुशामदी भाट कवि।

क़सीदःख़्वानी (قصیدہ خوانی) अ फ़ा स्त्री–क़सीदा पढ़ना, झूठी प्रशंसा करना भटई करना।

क़सीदःगो (قصیدہ گو) अ फ़ा वि–क़सीदा लिखनेवाला वह शाइर जो क़सीदे अधिक और अच्छे लिखता हो।

क़सीदःगोई (قصیدہ گوئی) अ फ़ा स्त्री–क़सीदे लिखना।

कसीद (کسید) अ वि–वह माल जिसका चलन न रहा हो।

क़सीद (قصید) अ पु–सूखा गोश्त, तीन से सात शेर तक, टूटा हुआ शिकस्ता।

कसीफ़ (کثیف) अ वि–मलिन मैला, अपवित्र गंदा।

कसीफ़ुत्तबअ (کثیف الطبع) अ वि–जिसकी आत्मा अशुद्ध हो, बदबातिन।

कसीफ़ुलबातिन (کثیف الباطن) अ वि–दे कसीफ़ुत्तबअ।

क़सीम (قسیمہ) अ पु–मुश्क का नाफ़ा।

क़सीम (قسیم) अ वि–भागीदार साझीदार शरीक, बाँटनेवाला विभाजक।

क़सीर (قصیر) अ वि–ह्रस्व छोटा, वामन बौना।

कसीर (کثیر) अ वि–अधिक प्रचुर बहुत।

कसीर (کسیر) अ वि–टूटा हुआ शिकस्त खंडित।

कसीरुज़्ज़ौजात (کثیرالزوجات) अ पु–जिसकी बहुत-सी पत्नियाँ हों, अनेकभार्य बहुपत्नीक।

कसीरुत्तहम्मुल (کثیرالتحمل) अ वि–जिसमें धैर्य बहुत हो, बहुश्रम बहुधैर्य।

कसीरुत्ता'दाद (کثیرالتعداد) अ वि–जो गिनती में बहुत हो, बहुसंख्यक विपुल असंख्य।

कसीरुलअख़्लाक़ (کثیرالاخلاق) अ वि–जो बहुत सुशील और मिलनसार हो बहुगारे।

कसीरुलअज़्लाअ (كثير الاضلاع) अ वि —वह क्षेत्र जिसमें बहुत-सी भुजाएँ हों, बहुभुज क्षेत्र।

कसीरुलअत्फ़ाल (كثير الاطفال) अ वि —वह व्यक्ति जिसकी संतान बहुत हो, बहुसंतति; वह स्त्री जिसने बहुत से बच्चे जने हों, बहुप्रसवा, बहुसू, कुसिल्ला।

कसीरुलअफ़्कार (كثير الافكار) अ वि —जिसे चिंताएँ बहुत हों, बहुचिंत।

कसीरुलअलाइक़ (كثير العلائق) अ वि —जो मायाजाल में पूरी तरह फँसा हो; जिसके मित्र और रिश्तेदार बहुत हों, जिसके पीछे दुनिया के बहुत से झगड़े लगे हों।

कसीरुलअश्काल (كثير الاشكال) अ. वि —जिसके बहुत से रूप हों, बहुरूप, अनेकाकार।

कसीरुलइयाल (كثير العيال) अ. वि —जिसके बाल-बच्चे बहुत हों, जिसकी संतति अधिक और आय कम हो।

कसीरुलइल्म (كثير العلم) अ. वि —जो बहुत बड़ा विद्वान् हो, बहुविद्।

कसीरुलऔलाद (كثير الاولاد) अ वि —दे 'कसीरुलइयाल'।

कसीरुलऔसाफ़ (كثير الاوصاف) अ वि —जिसमें बहुत अधिक गुण और अच्छाइयाँ हों, बहुगुण।

कसीरुलकलाम (كثير الكلام) अ वि —जो बहुत बातें करता हो, वाचाल, बहुलालाप, बक्की, झक्की।

क़सीरुलक़ामत (قصير القامت) अ वि —बहुत छोटे डील-डौल का, बौना, वामन, ह्रस्वांग।

कसीरुलख़ैर (كثير الخير) अ वि —जो बहुत अधिक दानशील हो, जो अच्छे कामों में काफ़ी ख़र्च करता हो, जो गरीबों की काफ़ी सहायता करता हो।

कसीरुलमा'ना (كثير المعنى) अ वि —वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके बहुत से अर्थ हों, अनेकार्थ।

कसीरुलमाल (كثير المال) अ वि —जिसके पास धन बहुत हो, धनाढ्य, विपुलद्रव्य, पृथुलधन।

कसीरुलवुक़ूअ (كثير الوقوع) अ वि —ऐसी घटना जो प्राय घटित होती रहती हो।

कसीरुश्शा'र (كثير الشعر) अ वि —जिसके शरीर पर बाल बहुत हों, लोमश, बहुलोमा।

कसीरुश्शह्वत (كثير الشهوت) अ वि —जिसमें कामवासना का आधिक्य हो, बहुकाम, अतिकामी, घोर विषयी।

कसीरुस्समर (كثير الثمر) अ वि —ऐसा वृक्ष जिसमें फल बहुत आते हों।

क़सील (قصيل) अ पु —जौ, जो अभी पूरी तरह पके न हो, अधपका जौ।

कसीस (كسيس) अ पु —गुग्गाया हुआ कीमा, छुहारे की मदिरा।

कसीह (كسيح) अ वि —विवश, लाचार; जो एक जगह ठहरकर रह गया हो, हिल-डुल न सके।

कसूस (كشوث) अ पु —एक बेल जो वृक्षों पर फैलती है, अमर बेल।

कसे बाशद (كسے باشد) फा वा —कोई हो, चाहे कोई हो।

कसो को (كس و كو) फा पु —मित्र और स्वजन।

कसो नाकस (كس و ناكس) फा पु —अच्छा-बुरा, हर प्रकार का व्यक्ति, बड़ा-छोटा, हर आदमी।

क़स्द (قصد) अ पु —संकल्प, निश्चय, इरादा; इच्छा, कामना, ख्वाहिश।

क़स्दन (قصداً) अ वि —जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक।

क़स्बः (قصبه) अ पु —शहर से छोटी और गाँव से बड़ी बस्ती।

कस्ब (كسب) अ पु —कमाई, उपार्जन, उद्यम, धंधा, रोजगार, वेश्यावृत्ति, वेश्याकर्म, रंडीपन।

क़स्ब (قصب) अ पु —काटना, छेदन।

कस्बी (كسبى) अ वि —वह विद्या जो कमाने और परिश्रम करने से प्राप्त हो, 'वह्बी' का उल्टा, वेश्या, गणिका।

कस्बे इल्म (كسب علم) अ पु —विद्या प्राप्त करना, विद्योपार्जन।

कस्बे कमाल (كسب كمال) अ पु —कोई गुण प्राप्त करना, गुणोपार्जन।

कस्बे ज़र (كسب زر) अ फा पु —रुपया कमाना, धनोपार्जन।

कस्बे हुनर (كسب هنر) अ फा पु —कोई शिल्प या कला सीखना, शिल्पोपार्जन।

क़स्म (قسم) अ पु —बाँटना, बटन; दान करना, बख्शिश करना।

क़स्मत (قسمت) अ स्त्री —हिस्से लगाना, हिस्से बाँटना।

कस्रः (كسره) अ पु —उर्दू में 'ज़ेर' की अलामत, ज़ेर की मात्रा।

कस्र (كسر) अ पु —ज़ेर की मात्रा, टूट, शिकस्तगी; वह संख्या जो एक से कम हो, भिन्न, जैसे, ½, ¾, ⅔, ⁹⁄₁₀।

क़स्र (قسر) अ पु —किसी से बलात् कोई काम लेना, ज़बरदस्ती किसी काम पर लगाना।

क़स्र (قصر) अ स्त्री —न्यूनता, कमी; त्रुटि, खामी, (पु) भवन, प्रासाद, महल।

कस्रत (كسرت) अ स्त्री —व्यायाम, वर्ज़िश।

कस्रत (كثرت) अ स्त्री —प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफ़रात।

क़सरतगाह (کسرتگاه) अ फा स्त्री—कसरत करने का स्थान व्यायामशाला।
क़सेनफ़सी (کسرنفسی) अ स्त्री—नम्रता, विनीति, ख़ाकसारी।
क़स्रेशान (کسرشان) अ स्त्री—शान के ख़िलाफ़, हेठी अपमान बेइज़्ज़ती।
क़स्लान (کسلان) अ वि—आलसी, काहिल सुस्त आलसी।
क़स्व (قسوه) अ पु—हृदय की कठोरता सख़्तदिली।
क़स्वर (قسوره) अ पु—व्याघ्र सिंह शेर।
क़स्सा (قصا) अ स्त्री—ककड़ी।
क़स्साब (قصاب) अ पु—मांस बेचनेवाला मांस विक्रेता, पशुवध करनेवाला कसाई।
क़स्साबख़ान (قصابخانه) अ फा पु—मांस बिकने का स्थान पशुवध का स्थान वधस्थल कमाईख़ाना।
क़स्साम (قسام) अ वि—बाँटनेवाला वितरण करने वाला विस्मत लिखनेवाला भाग्य लिपिक।
क़स्सामे अज़ल (قسام ازل) अ पु—मनुष्य की उत्पत्ति के समय उसके भाग्य में उसका भाग लिखनेवाला ईश्वर।
क़स्सार (قصار) अ वि—कपड़ धोनेवाला धोबी रजक।
कह (که) फा स्त्री—काह का लघु घास तृण।
कहकशा (کہکشاں) फा स्त्री—आकाशगंगा छायापथ।
कहगिल (کہگل) फा स्त्री—मट्टी में घास मिलाकर दीवारो पर लेप करने के लिए बनाया जानेवाला गारा।
कहन (کہنہ) अ पु—काहिन का बहु शकुन विचारने वाले।
कहर (کہر) फा पु—कुम्मत कुम्मत कुम्मती रंग।
कहरुबा (کہربا) फा पु—एक हल्का पत्थर जो घास को अपनी ओर खींचता है तृणमणि।
कहरुबाई (کہربائی) फा वि—कहरुबा से सम्बन्ध रखने वाला बर्क़ी विद्युत्सम्बन्धी।
कहो (کہی) फा पु—वह सैनिक जो सेना के आगे चलकर पड़ाव के लिए घास व दाना घास का प्रबंध करता है।
कहूल (کہول) अ वि—खिचड़ी डाढ़ीवाला अधेड़ उम्र वाला।
कहकाह (قہقہہ) फा पु—अट्टहास कहकहा किसी के क़हक़हे में प्यार की रंगीन अंगड़ाई उतर आई हज़ारो बार दिल में छू के गहराई।
क़हत (قحط) अ पु—दुर्भिक्ष अकाल अभाव बिल्कुल बहुत अधिक कमी।
क़हतज़द (قحطزده) अ फा वि—अकाल का मारा हुआ जिसे अकाल के कारण खाने को बहुत कम मिला हो दुर्भिक्षग्रस्त।
क़हतज़दगी (قحطزدگی) अ फा स्त्री—अकाल के कारण भूखा मरना।
क़हतसाली (قحطسالی) अ फा स्त्री—दुर्भिक्ष अकाल अवर्षा पानी की कमी।
क़हतुर्रिजाल (قحط الرجال) अ पु—अच्छे और सज्जन मनुष्यो का अभाव।
कह्फ़ (کہف) अ पु—गार गढ़ा, ग़ार खोह गुफा, कन्दरा।
क़हब (قحبہ) अ स्त्री—... उच्चारण क़हब।
क़ह्र (قہر) अ पु—क्रोध कोप गुस्सा दैवी कोप अज़ाब, दैवी आपत्ति बलाए आस्मानी।
कह्र (کہر) अ पु—सूरज निकलना दिन होना दिखाना गारत करना कुपित होना गुस्सा करना।
कहरमान (کہرمان) तु पु—काम करनेवाला कर्मचारी कारकुन।
कहरमान (قہرمان) फा पु—शासक हाकिम शासन हुकूमत अत्याचार और अन्याय का शासन।
कहल (کہل) अ पु—अधेड़ आयुवाला मनुष्य।
क़हल (قحل) अ पु—दुर्भिक्ष का समय कहत का साल।
क़हव (قہوہ) अ पु—एक दाना जिसे भूनकर पीसते और उबालकर पीते हैं कॉफ़ी।
क़हवख़ान (قہوہخانہ) अ फा पु—जहाँ क़हवा पिया जाता है कॉफ़ी हाउस।
क़ह्हार (قہار) अ वि—बहुत अधिक क्रोध करनेवाला महाक्रोधी ईश्वर का एक नाम।
कह्हाल (کحال) अ वि—आँख के रोगो का चिकित्सा करने वाला सुर्मा बनाने और बेचनेवाला।

का

काअ (قاع) अ पु—लंबी चौड़ी ज़मीन जो समतल भी हो।
काआन (قاآن) तु वि—न्यायशील राजा आदिल बादशाह।
काइद (قاعدہ) अ पु—नियम क़ानून सिद्धांत नज़रीय विधि पद्धति तरीक़ा बच्चो के पढ़ने की आरम्भिक की पुस्तक।
काइद दाँ (قاعدہ داں) अ फा वि—क़ाइदा जाननेवाला जिसे नियम और विधि आदि मालूम हो आज़म वैधानिक।
काइद (قائد) अ वि—अंधे की लाठी पकड़कर उसके आगे चलनेवाला नेता लीडर फ़ौज का सरदार सेनाध्यक्ष।
काइद (قاعد) अ वि—बैठा हुआ (स्त्री) वह स्त्री जो रजोधर्म और जनन से फ़ारिग़ हो (पु) वह खजूर जिस तक हाथ पहुँच जाय।
काइद (کائد) अ वि—छली वंचक धूर्त मक्कार।

काइदए कुल्लीयः (قاعدۂ کلیہ) अ पु –वह नियम जो एक-सी चीजो मे सब पर लागू हो, व्यापक नियम।

काइन (کائن) अ वि –उपस्थित होनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।

काइन (قائن) तु पु –पति का भाई, देवर; पत्नी का भाई (साला)।

काइनात (کائنات) अ स्त्री –ब्रह्माड, खलाए आसमानी; ससार, दुनिया; सामर्थ, हैसियत, बिसात।

काइफ (قاصف) अ पु –बहुत ही कडी वर्षा, सख्त बारिश।

काइफ (قائف) अ वि –चेहरा देखकर हाल बता देने-वाला, कियाफ शनास, सामुद्रिक।

काइमः (قائمہ) अ पु –पाया, खभा, नव्वे अश का कोण; वह खडी लकीर जो पडी लकीर पर गिरकर नव्वे अश का कोण बनाये।

क़ाइम (قائم) अ वि –खडा होनेवाला, उल्लवित; दृढ, मजबूत; स्थिर, पायदार (कायम)।

काइम अंदाज (قائم انداز) अ फा वि –शतरज का बहुत बडा उस्ताद, बहुत बडा शक्तिशाली।

[का]इम बिज्जात (قائم بالذات) अ वि –जिसका अस्तित्व बिना दूसरे के सहारे के हो।

[का]इम बिलग़ैर (قائم بالغیر) अ वि –जिसका अस्तित्व दूसरे के अस्तित्व पर अवलवित हो, जैसे–रग का अस्तित्व कपडे के सहारे।

[का]इम मकाम (قائم مقام) अ वि –जो किसी दूसरे के पद या स्थान पर नियुक्त हो, स्थानापन्न (क़ायम मुकाम)।

[का]इम मिजाज (قائم مزاج) अ वि –जो किसी निश्चय पर अटल रहे, दृढनिश्चय।

[का]इलः (قائلہ) अ स्त्री –कहनेवाली, बात करनेवाली, कैलूल करनेवाली।

[का]इल (قائل) अ वि –कहनेवाला, बोलनेवाला, लाजवाब, निरुत्तर, दोपहर मे खाने के पश्चात् थोडी देर लेटने-वाला (कायल)।

काऊस (کاؤس) फा पु –कैकाऊस, ईरान का सम्राट्, रुस्तम इसी का नौकर था।

काक (قاق) तु पु –सुखाया हुआ मास, सूखा-साखा मनुष्य।

काक (قاق) अ वि –बहुत लम्बा व्यक्ति।

काक (کاک) फा स्त्री –आटे की मोटी और छोटी रोटी, टिकिया।

का'क (کعک) अ स्त्री –दे 'काक'।

काका (کاکا) तु पु –बडा भाई, अग्रज, घर का बडा बूढा नौकर।

क़ाकुम (قاقم) फा पु –एक जंगली जन्तु जिसकी खाल बहुत मुलायम होती है और उसका पोस्तीन बनता है, उस जानवर की खाल।

काकुमे उंगुश्तनुमा (قاقم انگشت نما) फा पु –एक प्रकार का काकुम जिसके रोएँ अंगुल-अगुल भर उठे होते है।

काकुलः (قاقلہ) अ स्त्री –बडी इलाइची।

काकुल (کاکل) फा. स्त्री –बालो की लट, केशपाश, अलक, जुल्फ, माथे पर के बाल।

क़ाकुलतैन (قاقلتین) अ स्त्री –छोटी और बडी दोनो इलाइचियाँ।

काकुले परीशाँ (کاکل پریشاں) फा स्त्री –बिखरे हुए बाल।

काकुले पेचाँ (کاکل پیچاں) फा स्त्री –घुँघरवाले बाल।

काकुले शम्अ (کاکل شمع) फा अ स्त्री –चिराग या शमा का धुवाँ।

काख (کاخ) फा पु –भवन, प्रासाद, महल, वर्षा, बारिश।

काग (کاغ) फा पु –आग, अग्नि, पशुओ की जुगाली; रोना-धोना, शोरगुल।

काग़ज (کاغذ) अ पु –लिखने का कागज, पत्र, दस्तावेज आदि।

कागजगर (کاغذگر) अ फा वि –कागज बनानेवाला, कागजी।

कागजगीर (کاغذگیر) अ फा पु –खिड़की या झरोखा जिस पर कागज या अभ्रक मढा गया हो।

कागजात (کاغذات) अ पु –'कागज' का बहु, वह कागज जो किसी विषय से सम्बन्धित हो।

कागजी (کاغذی) अ वि –कागज से सम्बन्धित, कागज का, कागज बनानेवाला; बहुत हलके छिलके का; कागज का बना हुआ।

कागजेजर (کاغذزر) अ फा पु –प्रामेसरी नोट, पत्र मुद्रा।

कागजेबाद (کاغذباد) अ फा पु –पतग, जो हवा मे उड़ाई जाती है।

कागजे हल्वा (کاغذ حلوا) अ पु –मिठाई पर लपेटा जानेवाला कागज, व्यर्थ वस्तु, जैसे–मिठाई खा लेने के बाद उसका कागज व्यर्थ हो जाता है।

कागद (کاغد) फा पु –दे 'कागज'।

काचक (کاچک) फा पु –खोपड़ी की हड्डी।

काचार (کاچار) फा पु –घर का सामान, घर का अस-बाब, गृह-सामग्री।

काचाल (کاچال) फा पु –दे 'काचार'।

काजः (کاژہ) फा पु –वह गढा जिसमे शिकारी छिपकर बैठता है और उस पर पत्ते और घास-फूस डाल लेता है।

काज (قاز) तु पुं –हंस की जाति का एक पक्षी जो

दूसर ठण्डे देशों से जाड़ा में भारत आ जाता है और जाड़ा के बाद लौट जाता है।

काज़ (کاز) फा पु—फूस का छप्पर या छाजन, फूस का मकान।

काज (کاج) फा अव्य—काश, ईश्वर करे, भेंगा, जिसे एक की दो चीज़ें दिखाई पड़ती हों।

काज (کاژ) फा पु—भेंगा, बहु वर, सनावर की एक जाति।

क़ाज़िए चर्ख़ (قاضیٔ چرخ) अ फा पु—मुश्तरी, बुध ग्रह।

काज़िए शह्र (قاضیٔ شہر) अ फा पु—वह क़ाज़ी जो शह्र में निकाह पढ़ाता है।

काज़िबः (کاذبہ) अ स्त्री—झूठ बोलनेवाली, मिथ्या-वादिनी।

काज़िब (کاذب) अ वि—झूठा, मिथ्यावादी।

क़ाज़िब (قاذب) अ वि—लालची व्यापारी, जो माल पर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहता हो।

काज़िम (کاظم) अ वि—क्रोध की बात पर नाराज़ न करनेवाला, धैर्यवान्, इमाम मूसारिज़ा की उपाधि।

क़ाज़िउल् हाजात (قاضی الحاجات) अ पु—कामनाएँ पूरी करनेवाला, ईश्वर।

क़ाज़ी (قاضی) अ वि—न्यायकर्ता, मुंसिफ़, निकाह पढ़ाने वाला, करनेवाला, पूरा करनेवाला।

काज़ीर (کاخیرہ) फा पु—दे काज़ीर'।

काज़ीर (کازیرہ) फा पु—कुसुम का फूल।

क़ाज़ूर (قاذورہ) अ स्त्री—अपवित्रता, नापाकी, गंदगी, मलिनता।

क़ाज़ूरात (قاذورات) अ स्त्री—नापाकियाँ, गन्दगियाँ।

कात (کات) फा पु—खुरासान का एक नगर, एक चावल, कत्था।

क़ातईन (قاطعین) अ पु—'क़ाते' का बहु, यात्रा करनेवाले, मुसाफ़िर लोग, पथिकगण।

क़ातिउत्तरीक़ (قاطع الطریق) अ पु—रास्ते में लूट लेने वाला, लुटेरा, क़ज़्ज़ाक़।

क़ातिएतरीक़ (قاطع طریق) अ पु—दे क़ातिउत्तरीक़, दोनों शुद्ध हैं।

क़ातिएबाह (قاطع باہ) अ फा पु—वह खाद्य पदार्थ जो काम शक्ति के लिए विनाशकर हो, वीर्यनाशक पदार्थ।

क़ातिन (قاطن) अ वि—जो किसी स्थान पर ठहरा हुआ हो, जो सफ़र में न हो, मुसाफ़िर का उल्टा।

क़ातिनीन (قاطنین) अ पु—ठहरे हुए लोग।

कातिब (کاتب) अ वि—लिखनेवाला, लेखक, क्लर्क, लिपिक, लीथो प्रेस पर छपने के लिए एक विशेष काग़ज़ पर विशेष सियाही से लिखने का काम करनेवाला।

क़ातिबतन (قاطبتًا) अ वि—नितान्त, बिल्कुल, सर्वथा, सब, तमाम।

कातिबे अज़ल (کاتب ازل) अ पु—मनुष्य की उत्पत्ति के समय भाग्य रचना करनेवाला, भाग्य-लेखक, ईश्वर।

कातिबे आ'माल (کاتب اعمال) अ पु—भले बुरे कर्म लिखनेवाला फ़िरिश्ता, कर्म-लेखक।

कातिबे क़िस्मत (کاتب قسمت) अ पु—भाग्य-लेखक, कातिबे अज़ल।

कातिबे तक़्दीर (کاتب تقدیر) अ पु—दे कातिबे अज़ल।

कातिबे तक़्दीर (کاتب تقدیر) अ पु—दे कातिबे क़िस्मत।

क़ातिम (قاتم) अ वि—काला, कृष्ण, सियाह।

क़ातिर (قاطر) तु पु—अश्वतर, खच्चर।

क़ातिल (قاتل) अ वि—वध करनेवाला, मार डालने वाला, वधक, हिंसक, वधिक।

क़ाते' (قاطع) अ वि—काटनेवाला, निश्चयात्मक, सफ़र करनेवाला, पथिक।

क़ादिम (قادم) अ वि—यात्रा करके लौटा हुआ, सफ़र से वापस आया हुआ।

क़ादिमुल्इंसान (قادم الانسان) अ पु—मनुष्य की खोपड़ी, आदमी का सिर।

क़ादिर (قادر) अ वि—शक्तिशाली, ताक़तवर, समर्थ, मक़्दूरदार, ईश्वर का एक नाम।

क़ादिर अंदाज़ (قادر انداز) अ फा वि—जँचा-तुला निशाना लगानेवाला, निशानची, लक्ष्यभेदी, शब्दभेदी।

क़ादिर अंदाज़ी (قادر اندازی) अ फा स्त्री—जँचा-तुला निशाना लगाना, लक्ष्यभेद।

क़ादिर अलल्इत्लाक़ (قادر علی الاطلاق) अ पु—सर्वशक्तिमान, हर बात करने की शक्ति रखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

क़ादिरदस्त (قادر دست) अ फा वि—जिसका हाथ किसी काम में मँजा हुआ हो।

क़ादिरुल्कलाम (قادر الکلام) अ वि—बातचीत करने या भाषण देने में निपुण, वाग्मीश, वाक्पटु।

क़ादिरे मुत्लक़ (قادر مطلق) अ पु—दे क़ादिर अलल् इत्लाक़'।

क़ादिस (قادس) अ पु—बड़ी नाव, स्टीमर।

कान (کان) फा स्त्री—खान, खनि, मख़्ज़न।

क़ान (قان) तु पु—रक्त, लहू, ख़ून।

कानकन (کان کن) फा वि—खान में काम करनेवाला मज़दूर, खनक।

कानकनी (کان کنی) फा स्त्री—खान में काम करना, खान में खुदाई का काम, खनि-कर्म।

क़ानित (قانت) अ. वि.—इताअतगुज़ार, फ़र्माँबरदार; नमाज़ में दुआ माँगनेवाला।

क़ानितीन (قانتین) अ. पुं.—'क़ानित' का बहु., आज्ञाकारी लोग; नमाज़ में दुआ माँगनेवाले।

क़ानिस (قانص) अ. वि.—शिकार करनेवाला, आखेटक।

कानी (کانی) फ़ा. वि.—कान से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; कान से निकला हुआ पदार्थ।

क़ानी (قانی) तु. वि.—बहुत अधिक लाल।

क़ानून (قانون) अ. पुं.—विधान, आईन; नियम, उसूल; नीति, विधि, तरीक़ा, परवाना, रिवाज।

कानून (کانون) फ़ा. स्त्री.—अंगीठी, भाष्ट्र; चूल्हा, अँगीठी।

क़ानूनगो (قانون گو) अ. फ़ा. पुं.—माल विभाग का एक कर्मचारी जो पटवारियों के काम की देख-रेख करता है।

क़ानूनदाँ (قانون داں) अ. फ़ा. वि.—क़ानून जाननेवाला, विधिज्ञ; वकील, अभिभाषक, अधिवक्ता।

क़ानूनदानी (قانون دانی) अ. फ़ा. स्त्री.—क़ानून जानना, क़ानून की जानकारी।

क़ानूनन (قانوناً) अ. वि.—विधान के अनुसार, क़ानून के मुताबिक़।

क़ानूनशिकनी (قانون شکنی) अ. फ़ा. स्त्री.—क़ानून को न मानना, नियम-भंग; सिविल नाफ़र्मानी; सविनय अवज्ञा।

क़ानूनसाज़ (قانون ساز) अ. फ़ा. वि.—क़ानून बनानेवाला, विधायक; क़ानून बनानेवाली एसेम्बली, विधायिका।

क़ानूने अव्वल (قانون اول) फ़ा. अ. पुं.—एक तुर्की महीना जो 'पूस' के लगभग पड़ता है।

क़ानूने आख़िर (قانون آخر) अ. पुं.—एक तुर्की महीना जो 'माघ' के लगभग पड़ता है।

क़ानूने जंग (قانون جنگ) अ. फ़ा. पुं.—लड़ाई का क़ानून, युद्धविधान।

क़ानूने ता'ज़ीरात (قانون تعزیرات) अ. पुं.—सज़ा का क़ानून, दंड-विधान।

क़ानूने फ़ित्रत (قانون فطرت) अ. पुं.—प्राकृतिक नियम, नेचर का क़ानून।

क़ानूने विरासत (قانون وراثت) अ. पुं.—किसके बाद कौन उत्तराधिकारी होता है उसका क़ानून।

क़ानूने शहादत (قانون شہادت) अ. पुं.—गवाही लिये जाने का क़ानून, साक्षी-विधान, 'एविडेन्स ऐक्ट'।

क़ानूने हिसस (قانون حصص) अ. पुं.—दाय और रिक्थ में किसको कितना भाग मिलना चाहिए, इसका क़ानून।

क़ाने' (قانع) अ. वि.—जो कुछ मिल जाय उसी पर संतुष्ट रहनेवाला, आत्मसंतोषी, स्थितप्रज्ञ, निस्पृह, संतुष्ट।

काने ज़र (کانِ زر) फ़ा. स्त्री.—सोने की खान, स्वर्णाकर।

काने नमक (کانِ نمک) फ़ा. स्त्री.—नमक की खान, लवणाकर; बहुत ही सलोना और सुन्दर व्यक्ति।

काने मलाहत (کانِ ملاحت) फ़ा. अ. स्त्री.—अति लावण्यमयी सुन्दरी, बहुत ही नमकीन हसीना।

क़ापी (قاپی) तु. पुं.—दरवाज़ा, द्वार।

क़ापू (قاپو) तु. पुं.—दरवाज़ा, द्वार।

क़ापूची (قاپوچی) तु. वि.—द्वारपाल, दरबान, ड्योढ़ीदार।

क़ाफ़ (قاف) फ़ा. पुं.—एक उर्दू अक्षर, कोहे क़ाफ़, काकेशिया, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

काफ़ (کاف) फ़ा. पुं.—एक उर्दू अक्षर, 'शिगाफ़' का लघु, दे. 'शिगाफ़'।

क़ाफ़ ता क़ाफ़ (قاف تا قاف) फ़ा. वि.—सारा संसार, संपूर्ण जगत्, सारी दुनिया।

क़ाफ़र (کافر) अ. पुं.—दे. 'काफ़िर', शुद्ध उच्चारण वही है परन्तु फ़ारसीवाले काफ़र भी लिखते हैं।

क़ाफ़ियः (قافیہ) अ. पुं.—अन्त्यानुप्रास, अनुप्रास, तुक।

क़ाफ़ियःबंद (قافیہ بند) अ. फ़ा. वि.—वह शे'र जिसमें क़ाफ़िए की पाबंदी की गयी हो।

क़ाफ़ियःबंदी (قافیہ بندی) अ. फ़ा. स्त्री.—कविता, शाइरी, फुसफुसी शाइरी जिसमें केवल क़ाफ़िए हों, मज़मून न हों।

काफ़िर (کافر) अ. पुं.—सत्य को छिपानेवाला; ईश्वर की दी हुई ने'मतों पर कृतज्ञता प्रकट न करनेवाला, नदी; दर्या; कृषक, किसान, 'काफ़िरिस्तान' देश का निवासी; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

काफ़िर माजरा (کافر ماجرا) अ. वि.—वह व्यक्ति जिसकी दशा काफ़िरों जैसी हो।

काफ़िरी (کافری) अ. वि.—काफ़िरपन, नास्तिकता, मा'शूक़ीयत।

काफ़िरे ने'मत (کافرِ نعمت) अ. पुं.—अकृतज्ञ, कृतघ्न, नाशुक्रा।

क़ाफ़िलः (قافلہ) अ. पुं.—यात्रियों का समूह, मुसाफ़िरों की जमाअत, यात्रीदल।

क़ाफ़िलः सालार (قافلہ سالار) अ. फ़ा. पुं.—यात्रियों के समूह का अध्यक्ष, सार्थपति।

काफ़िल (کافل) अ. वि.—प्रतिभू, ज़ामिन।

काफ़ी (کافی) अ. वि.—पर्याप्त, आवश्यकता के अनुसार; अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

काफ़ूर (کافور) फ़ा. पुं.—कपूर, कर्पूर; स्वर्ग का एक चश्मा।

काफ़ूरख्वार (کافورخوار) फा वि–नपुंसक, क्लीव नामर्द, कपूर खानेवाला।
काफ़ूरी (کافوری) फा वि–काफ़ूर के रंग का बहुत सफ़ेद, काफ़ूर की बनी हुई वस्तु, काफ़ूर पड़ी हुई वस्तु काफ़ूर का।
काफ़ेरां (کافراں) फा स्त्री–भग यानि पुंज।
काफ़्त (کافتہ) फा वि–फटा हुआ, विदीर्ण शिगाफ़्त।
काफ़्फ़ः (کافہ) अ वि–सब समस्त कुल तमाम।
काफ़्फ़तुन्नास (کافۃالناس) अ पु–जनसाधारण सब साधारण जनता अवाम।
काफ़्फ़तुल अनाम (کافۃالانام) अ पु–दे काफ़्फ़तुन्नास।
का'ब (کعبہ) अ पु–मक्के की एक इमारत जिसे मुसल मान ईश्वर का घर समझते हैं चौकोर चीज़ पासा।
क़ाब (قاب) फा पु–चश्मा रखने का घर आईना रखने का केस पासा।
क़ाब (قاب) तु पु–बड़ी रिकाबी थाल खाने का स्थान (पात्र)।
क़ाब (قاب) अ पु–धारक वस्तु धनुष की मूठ और बाण रखने के स्थान का अंतर।
का'ब (قعب) अ पु–लकड़ी का बड़ा पियाला इतना बड़ा पियाला जो एक आदमी के लिए हो।
का'ब (کعب) अ पु–टखना पिंडली और पाँव के पंजे के बीच की हड्डी।
क़ाब ख़ान (قاب‌خانہ) फा पु–जुआघर द्यूतागार क़िमारख़ाना।
का'बतन (کعبتین) अ पु–पासा की जोड़ी जिससे चौसर खेलते हैं।
क़ाबिज़ (قابض) अ वि–जिसका अधिकार हो जिसका क़ब्ज़ा हो कोष्ठग्राहक क़ब्ज़ करनेवाला पदार्थ।
क़ाबिज़े अर्वाह (قابض‌ارواح) अ पु–प्राण निकालने वाला यमराज धर्मराज मल्कुल मौत।
काबिर (کابر) अ वि–प्रतिष्ठित पूज्य मान्य बुज़ुर्ग।
क़ाबिल: (قابلہ) अ स्त्री–विद्यावती स्त्री क़ाबिल औरत, बच्चे जनानेवाली स्त्री धाय धात्री।
क़ाबिल (قابل) अ वि–विद्वान इल्मदार योग्य अहलिय रखनेवाला पात्र मुस्तहक़ उचित मुनासिब कुशल माहिर दक्ष निपुण होशियार।
क़ाबिलान (قابلانہ) अ फा वि–विद्वत्तापूर्ण आलि माना दक्षतापूर्ण होशियाराना।
क़ाबिलीयत (قابلیت) अ स्त्री–विद्वत्ता कौविद इल्मी यत योग्यता क्षमता अहलीयत पात्रता इस्तेहक़ाक़ ... दक्षता निपुणता होशियारी।
क़ाबिले अदब (قابل‌ادب) अ वि–मान्य, पूज्य प्रतिष्ठित जिसका आदर आवश्यक हो।
क़ाबिले अदा (قابل‌ادا) अ वि–जिसका दिया जाना आवश्यक हो देय।
क़ाबिले आज़माइश (قابل‌آزمائش) अ फा वि–जिसकी परीक्षा ज़रूरी हो परीक्ष्य।
क़ाबिले इंतिक़ाल (قابل‌انتقال) अ वि–वह सम्पत्ति और जायदाद जो हस्तांतरित हो सके जो बेची या दी जा सके।
क़ाबिले इंतिख़ाब (قابل‌انتخاب) अ वि–वे मज़मून आदि जो किसी पुस्तक में सम्मिलित करने के लिए चुने जा सकें उद्धरणीय, वह व्यक्ति जो किसी निर्वाचन-क्षेत्र में चुना जा सके।
क़ाबिले इख़राज (قابل‌اخراج) अ वि–निकाल देने योग्य निष्कासनीय नाम ख़ारिज कर देने योग्य, बरख़ास्त करने योग्य।
क़ाबिले इनआम (قابل‌انعام) अ वि–पुरस्कार दिये जाने योग्य व्यक्ति पुरस्कार के योग्य काम।
क़ाबिले इनक़िसाम (قابل‌انقسام) अ वि–बँटवारे के योग्य, विभाज्य तक़सीम के लायक़ वितरणीय।
क़ाबिले इन्फ़िकाक (قابل‌انفکاک) अ वि–जो वस्तु बंधक मुक्त हो सकती हो जो चीज़ रेहन से छूट सकती हो।
क़ाबिले इन्फ़िसाख़ (قابل‌انفساخ) अ वि–जो प्रतिज्ञा या वचन भंग किया जा सके जो निर्णय रद्द किया जा सके मंसूख़ हो सके।
क़ाबिले इम्तिहान (قابل‌امتحان) अ वि–जिसकी परीक्षा की जा सके परीक्ष्य जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।
क़ाबिले इम्दाद (قابل‌امداد) अ वि–सहायता देने के योग्य दुखी लाचार असहाय।
क़ाबिले इल्तिफ़ात (قابل‌التفات) अ वि–जिसकी ओर ध्यान देना आवश्यक हो।
क़ाबिले इल्तिवा (قابل‌التوا) अ वि–जिस समस्या का स्थगित या मुल्तवी हो जाना आवश्यक हो जो स्थगित किया जा सके।
क़ाबिले इश्तिबाह (قابل‌اشتباہ) अ वि–जिस पर संदेह किया जा सके शंकनीय।
क़ाबिले इस्ते'माल (قابل‌استعمال) अ वि–जो प्रयोग किया जा सके जिसका प्रयोग ज़रूरी हो प्रयोज्य।
क़ाबिले उबूर (قابل‌عبور) अ वि–जो पार किया जा सके जिसके आर-पार जाया जा सके।
क़ाबिले ए'तिबार (قابل‌اعتبار) ■ वि–जिसका विश्वास किया जा सके विश्वसनीय मान्य विश्वस्त।

काबिले एʼतिमाद (قابل اعتماد) अ. वि –जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र; मोतबर, विश्वस्त।

काबिले एʼतिराज़ (قابل اعتراض) अ वि –जो वात एतराज़ के लायक हो, गलत वात, आपत्तिजनक।

काबिले एह्तिराम (قابل احترام) अ. वि –जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।

काबिले एहसास (قابل احساس) अ. वि.–जो वात हृदय मे कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।

काबिले कबूल (قابل قبول) अ. वि –जो वात मानी जा सके, स्वीकरणीय; जो वात मन को लग सके, जिस वात को चित्त कबूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य, जिस वस्तु के लेने मे कोई आपत्ति न हो।

काबिले गुज़ारिश (قابل گزارش) अ फा वि –जो वात कहने योग्य हो, आवेदनीय; जिसका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।

क़ाबिले ग़ौर (قابل غور) अ वि –जिस वात पर विचार करना आवश्यक हो, चिन्त्य, विचार्य; जो वात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।

काबिले ज़िक्र (قابل ذکر) अ वि –जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।

काबिले ज़िराअत (قابل زراعت) अ वि –ऐसी भूमि जिसे जोता-वोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।

क़ाबिले तंबीह (قابل تنبیہ) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।

काबिले तक़्सीम (قابل تقسیم) अ वि –जो बाँटा जा सके, विभाज्य, जिसका बँटवारा आवश्यक हो।

काबिले तज्वीज़ (قابل تجویز) अ वि.–जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णेय, जो सोचा जा सके, जिसका निर्णय आवश्यक हो।

काबिले तज़्हीक (قابل تضحیک) अ वि –ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसे, हास्य।

काबिले तब्दील (قابل تبدیل) अ वि –जो वदला जा सके, जिसमे परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।

काबिले तरद्दुद (قابل تردد) अ वि –जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय, जो भूमि जोतने-वोने के योग्य हो, कृष्य।

काबिले तर्क (قابل ترک) अ वि –छोड देने के योग्य, त्याज्य, जिसका त्याग आवश्यक हो।

काबिले तर्जीह (قابل ترجیح) अ वि –ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रधानता दी जा सके।

क़ाबिले तर्दीद (قابل تردید) अ वि –जिसका रद्द या खडन आवश्यक हो, खडनीय, काबिले-मसूख़, रद्द करने योग्य।

काबिले तवज्जुह (قابل توجہ) अ वि –जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।

काबिले तस्लीम (قابل تسلیم) अ वि –जिसका मानना जरूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।

क़ाबिले तह्रीर (قابل تحریر) अ वि –जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय, जो लिखा जा सके।

क़ाबिले तह्सीन (قابل تحسین) अ वि –जो प्रशसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रशसनीय, जिसे शावाशी दी जाय, सराहनीय।

काबिले ताईद (قابل تائید) अ वि –जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।

क़ाबिले ताʼरीफ (قابل تعریف) अ वि.–दे 'काबिले तह्सीन'।

काबिले दस्तअंदाज़ी (قابل دست اندازی) अ फा. वि.–जिसमे हस्तक्षेप आवश्यक हो, जिसमे हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्निजेवुल'।

काबिले दस्तमाल (قابل دست مال) अ. फा. वि.–हाथो से मले जाने के लायक।

काबिले दस्तरस (قابل دسترس) अ फा वि –जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य, हस्तलभ्य।

काबिले दार (قابل دار) अ फा वि –जो फाँसी की सजा के योग्य हो, प्राणदड के योग्य।

क़ाबिले नफ़्रत (قابل نفرت) अ वि –जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृण्य।

काबिले निकाह (قابل نکاح) अ वि.–वह मनुष्य या स्त्री जो व्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।

काबिले पर्वरिश (قابل پرورش) अ फा वि –जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो, जिस पर दया आवश्यक हो।

काबिले फत्ह (قابل فتح) अ वि –जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।

क़ाबिले फना (قابل فنا) अ वि.–जो भगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान्, नश्वर।

काबिले फह्म (قابل فہم) अ वि –जो समझा जा सके, सुवोध, वोधगम्य।

काबिले बरदाश्त (قابل برداشت) अ फा वि –जो सहा जा सके, सहनीय; जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।

काबिले बाज़पुर्स (قابل بازپرس) अ फा. वि –जिससे

जवाब तलब किया जा सके, जिस उसकी त्रुटि पर रोक लिया जा सके।

क़ाबिले मंज़ूरी (قابل منظوری) अ वि–ऐसी बात जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक हो ऐसा विषय जिसकी स्वीकृति दी जा सके।

क़ाबिले मंसूखी (قابل منسوخی) अ वि–ऐसी बात जो रद्द की जा सके ऐसा निर्णय जो रद्द हो सके।

क़ाबिले मुआख़ज़ा (قابل مواخذہ) अ वि–दे 'क़ाबिले बाज़पुर्स'।

क़ाबिले मुआवज़ा (قابل معاوضہ) अ वि–जिस वस्तु के छिनने पर उसका मूल्य दिया जाना आवश्यक हो जिस काम का मेहनताना दिया जाना ज़रूरी हो।

क़ाबिले रहम (قابل رحم) अ वि–जिस पर दया की जा सके दयनीय, दुःखित, कर्षित, बेबस, लाचार।

क़ाबिले राज़ (قابل راز) अ फा वि–राज़ में रखने के क़ाबिल प्रकट न करने के योग्य गोपनीय।

क़ाबिले वुसूल (قابل وصول) अ वि–जो प्राप्त हो सके, जो वुसूल किया जा सके प्राप्य।

क़ाबिले सज़ा (قابل سزا) अ वि–जिसे दंड दिया जा सके जो सज़ा का पात्र हो दंडनीय।

क़ाबिले समाअत (قابل سماعت) अ वि–जो सुना जा सके जिसकी सुनवाई हो सके।

क़ाबिले सरज़निश (قابل سرزنش) अ फा वि–दे 'क़ाबिले तंबीह'।

क़ाबिले सिताइश (قابل ستائش) अ फा वि–दे 'क़ाबिले तहसीन'।

क़ाबिले सिफ़ारिश (قابل سفارش) अ फा वि–जिसकी सिफ़ारिश की जा सके अनुशंस्य अभिस्ताव्य, सिफ़ारिश भी प्रचलित।

क़ाबिले हज्व (قابل هجو) अ वि–जिसकी निन्दा की जा सके निन्दनीय गर्ह्य।

काबीन (کابینہ) अ पु–मंत्रियों की मजलिस, मंत्रिमंडल, कैबिनेट।

काबीन (کابین) फा पु–निकाह में बंधनेवाला मह्र।

काबीननामा (کابین نامہ) फा पु–निकाह में मह्र का कागज़ मह्रनामा।

काबीना (کابینہ) फा पु–कुसुम का फूल।

काबुक (کابک) फा पु–कबूतरों का दरबा कपोतपालिका।

काबुल (کابل) फा पु–अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी।

काबुली (کابلی) फा वि–काबुल का निवासी, अफ़ग़ान, खान काबुल से सम्बन्धित।

काबू (قابو) तु पु–अख़्तियार, क़ुदरत, वश, ज़ोर, अधिकार, क़ब्ज़ा।

क़ाबूचा (قابوچی) तु वि–स्वागत-माथक सुन्दरक, द्वारपाल, क़ापूची।

काबूस (کابوس) अ पु–एक भयानक रोग जिसमें मालूम होता है जैसे ऐसा जान पड़ता है कि किसी भूत ने उसका गला दबा लिया है।

क़ाबूस (قابوس) अ पु–दे 'काउस'।

काम (کام) फा पु–कामना इच्छा उद्देश्य, मक़सद संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

काम (کام) फा पु–इच्छा मनोरथ ख़्वाहिश तालु मूर्धा, संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

कामगर (کامگر) फा वि–दे 'कामगार'।

कामगार (کامگار) फा वि–सफलमनोरथ, प्राप्त काम, कामयाब।

क़ामत (قامت) अ पु–शरीर, देह, जिस्म, डील, लंबा शरीर।

क़ामते ज़ेबा (قامت زیبا) अ फा पु–सुन्दर और सुडौल शरीर।

कामदार (کامدار) फा वि–कारकुन।

काम ना काम (کام نا کام) फा वि–चार नाचार विवशतापूर्वक लाचार होकर, विवश होकर।

कामयाब (کامیاب) फा वि–सफल, सफलकाम प्राप्त मनोरथ बामुराद, परीक्षा में उत्तीर्ण पास कृतार्थ कृतकाम।

कामयाबी (کامیابی) फा स्त्री–सफलता, कामरानी परीक्षा में सफलता।

कामरवा (کام روا) फा वि–अटके में काम निकालने वाला, हाजतरवाई करनेवाला।

कामरवाई (کام روائی) फा स्त्री–अटके पर काम निकालना, हाजतरवाई करना।

कामराँ (کامران) फा वि–दे 'कामयाब'।

कामरानी (کامرانی) फा स्त्री–दे 'कामयाबी'।

कामिन (کامن) अ वि–छिपनेवाला गुप्त होनेवाला।

कामिल (کامل) अ वि–पूरा, समूचा सम्पूर्ण, बिलकुल मुकम्मल सर्वांगपूर्ण निपुण दक्ष होशियार चमत्कारी साधु या फ़क़ीर एक बह्र एक उर्दू छंद।

कामिलन (کاملاً) अ वि–पूरे तौर पर अच्छी तरह पूर्णतया पूरा पूरा।

कामिलुल इयार (کامل العیار) अ वि–वह सोना और चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा सोना या चाँदी।

कामिले फ़न (کامل فن) अ वि –किसी फन मे या कला मे निपुण।

कामूस (قاموس) अ पु.–गहरी नदी; शब्दकोष, लुगत।

कामे' (قامع) अ. वि –तोड-फोड देनेवाला, विध्वसक; निरादृत करनेवाला, ख्वार करनेवाला।

का'र (قعر) अ. पु –गहराई, गभीरता।

कार (قار) तु पु –वर्फ, तुहिन।

कार (کار) फा पु.–कार्य, काम; उद्यम, पेशा, कला, फन; विषय, मुआमला।

कार [रं] (قار) अ. वि –स्थिर रहनेवाला, ठहरनेवाला, एक स्थान पर करार पकडनेवाला।

क़ार (قار) अ स्त्री.–कीर, राल, तारकोल।

कारआगाह् (کارآگاہ) फा. वि –दे 'कार आज्मूद'।

कारआज्मूदः (کارآزمودہ) फा वि.–कार्यक्षम, कार्य-कुशल, काम मे माहिर; अभनुवी, तज्रिब कार, (तजुरवाकार)।

कारआज्मूदगी (کارآزمودگی) फा स्त्री –काम मे महारत, कार्य-क्षमता, तज्रिब कारी (तजुरवाकारी), अनुभव।

कारआमद (کار آمد) फा. वि.–उपयोगी, उपयुक्त, वामसरफ।

कारकर्दः (کارکردہ) फा वि.–दे 'कारआज्मूद.'।

कारकर्दगी (کارکردگی) फा स्त्री –कार्यक्षमता, काम मे महारत; अनुभव, तज्रिब कारी।

कारकुन (کارکن) फा. वि.–कार्यकर्ता, काम करनेवाला; उहदेदार, कर्मचारी; गुमाश्ता, एजेंट, अभिकर्ता।

कारख़ानः (کارخانہ) फा पु –वह स्थान जहाँ चीजे वनती हैं, शिल्पशाला, उद्योगशाला, कार्यालय।

कारख़ानःदार (کارخانہدار) फा. पु –कारखाने का मालिक।

कारगर (کارگر) फा वि.–गुणकारी, फाइदामद; प्रभावकर, असरअदाज।

कारगाह (کارگاہ) फा स्त्री –कार्यालय, काम करने का स्थान, कपडे वुनने का स्थान।

कारगुज़ार (کارگزار) फा वि –सुन्दरता से काम करनेवाला, कार्यपटु; जिसने वड़े-वडे और पेचीदा काम किये हो, कार्यक्षम।

कारगुज़ारी (کارگزاری) फा स्त्री.–वडे-वडे काम सरलता और सुगमता से करना, कार्य-कौशल, कारनामा; किसी महत्वपूर्ण कार्य का सरअजाम।

कारचोव (کارچوب) फा. पु –लकडी का चौखटा जिसमे कपडा कसकर कसीदे का काम हो, जरदोजी।

कारचोवी (کارچوبی) फा पु –जरदोजी, कसीदाकारी।

कारज़ार (کارزار) फा. पु –युद्ध, सग्राम, लड़ाई, जग।

कारतलव (کارطلب) फा. अ वि.–शूरवीर, वहादुर, शुजाअ।

कारदाँ (کاردان) फा. वि.–किसी काम को अच्छे प्रकार से जाननेवाला, अनुभवी, तजुरवाकार।

कारदानी (کاردانی) फा स्त्री –कार्य-कौशल, काम की अच्छी जानकारी, अनुभव, तज्रिवाकारी।

कारदार (کاردار) फा वि –दे 'कारदाँ'।

कारदीदः (کاردیدہ) फा वि.–अनुभवी, जिसके हाथ से वहुत से काम निकले हो, परिपक्व, पुख्ताकार।

कारदीदगी (کاردیدگی) फा. स्त्री.–अनुभव, परिपक्वता, पुख्ताकारी।

कारन (قارن) फा पु –रुस्तम के समय का एक पहलवान।

कारनामः (کارنامہ) फा पु –ऐसा काम जो यादगार रहे, वहुत वड़ा काम, चित्रकारो के चित्रो का अल्वम जिसमे वह अपने कला-प्रदर्शन के लिए वढिया-वढिया चित्र रखते हैं।

कारपर्दाज़ (کارپرداز) फा वि.–व्यवस्थापक, मुतजिम; अभिकर्ता, कारकुन।

कारफ़र्मा (کارفرما) फा. वि –काम करनेवाला; असर डालनेवाला, प्रभावकारी।

कारफ़र्माई (کارفرمائی) फा स्त्री –काम करना, असर डालना।

कारबंद (کاربند) फा. वि.–पावद, वाध्य; विवश, मजवूर।

कारबरारी (کاربراری) फा स्त्री –कामनापूर्ति, मशा पूरी होना; स्वार्थसिद्धि, गरज निकलना।

कारमंद (کارمند) फा. वि –दास, नौकर, खिदमतगार।

काररवाई (کارروائی) फा स्त्री.–रूदाद, कार्यवाही; कार्य, काम।

कारशनास (کارشناس) फा वि –दे 'कारआज्मूदः'।

कारशनासी (کارشناسی) फा. स्त्री –दे 'कारआज्मूदगी।

कारसाज़ (کارساز) फा वि –विगडे हुए कामो को वनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

कारसाज़ी (کارسازی) फा. स्त्री.–विगड़े हुए कामो को वनाना, ईश्वर की माया।

कारिंदः (کارندہ) फा वि –जमीदार का एजेंट; कर्मचारी, कारकुन।

क़ारिअः (قارعہ) अ पु –दुर्घटना, हादिसा।

कारिज़ (قارض) अ. वि –उधार देनेवाला, उत्तमर्ण, कर्ज देनेवाला, ऋणदाता।

कारिव (قارب) अ स्त्री—छोटी नाव जो बड़ी नाव के साथ चलती है।

कारी (قاری) अ वि—पढ़नेवाला, पाठक, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढ़नेवाला।

कारी (کاری) फा वि—भरपूर पूरा-पूरा।

कारीगर (کاریگر) फा वि—शिल्पकार शिल्पी, दस्तकार गुणवान हुनरमंद, दक्ष कुशल होशियार, छली धूर्त।

कारीगरी (کاریگری) फा स्त्री—शिल्पकर्म दस्तकारी, गुणवान हुनरमंदी दक्षता होशियारी, छल कपट धूर्तता।

कारून (قارون) अ पु—एक बहुत बड़ा धनवान जो अत्यंत कृपण था और अन्त में अपने धन सहित पृथ्वी में समा गया वह व्यक्ति जो मालदार होने के साथ बहुत ही कंजूस हो।

कारूनी (قارونی) अ वि—कारून का काम कारून से सम्बन्धित कृपणता कंजूसी।

कारूरः (قارورہ) अ पु—शीशी बोतल बीमार का पेशाब पेशाब की शीशी बारूद की कुप्पी।

कारे' (قارع) अ वि—शकुन विचारनेवाला शकुन विचारक।

कारे आब (کارِ آب) फा पु—मद्यपान शराबनोशी।

कारे खैर (کارِ خیر) फा अ पु—पुण्य का काम, दूसरा की भलाई का काम।

कारेज (کاریز) फा पु—पटी हुई नाली जो खेतों में पानी देने के लिए बनायी जाती है।

कारे वस बस्त (کارِ دست بست) फा पु—ऐसा कठिन काम जो हरएक के बस का न हो केवल कोई एक ही व्यक्ति कर सके जो उसे करता रहा हो।

कारे नुमायाँ (کارِ نمایاں) फा पु—ऐसा काम जो सारे कामों से ऊपर हो बहुत बड़ा काम कारनामा।

कारे सवाब (کارِ ثواب) फा अ पु—पुण्य का काम दूसरों की भलाई का काम ऐसा काम जिसमें परलोक में पुण्य प्राप्त हो।

कारेह (کارہ) अ वि—घृणा करनेवाला घिन करनेवाला।

कारोबार (کاروبار) फा पु—व्यवसाय व्यापार तिजारत कामकाज कामधंधा।

काद (کاد) फा पु—चाकू।

कार्वां (کارواں) फा पु—काफिला यात्रीदल साथ।

कार्वांसरा (کارواں سرا) फा स्त्री—मुसाफिरों के ठहरने की सराय पथिकाश्रय।

कार्वांसालार (کارواں سالار) फा पु—काफिले का सरदार सार्थपति सार्थवाह।

काल (کال) फा पु—दे 'काला', दोनों शुद्ध हैं कच्चा खरबूज़ा, मदिरा पीने का पात्र खेती के लिए बनायी हुई भूमि।

काल (قال) अ पु—वचन, कथन कौल, बात।

कालब (قالب) फा पु—दे 'कालिब', दोनों शुद्ध हैं।

कालमकाल (قال مقال) अ स्त्री—लम्बी चौड़ी बातचीत, वाद विवाद हुज्जत।

काला (کالا) फा पु—गृहस्थी का सामान, घर का असबाब।

कालिब (قالب) अ पु—शरीर देह ढाँचा साँचा।

काली (قالی) तु पु—कालीन का सामान।

कालीचः (قالیچہ) ▮ पु—छोटा कालीन।

कालीदः (کالیدہ) फा वि—अस्त-व्यस्त तितर बितर।

कालीन (قالین) तु पु—बिछाने का एक ऊनी और रोयेंदार बहुमूल्य वस्त्र गलीचा।

कालुम (کالم) फा स्त्री—वह स्त्री जो कुमारी न हो परन्तु जिसका पति या तो मर गया हो या दुखी हो निःस परित्यक्ता।

कालेव (کالیو) फा वि—निस्तब्ध साबूत, हाशर उन्मत्त, परेशान पागल, विक्षिप्त रति।

कालेवगी (کالیوگی) फा स्त्री—निस्तब्धता हैरानी उद्विग्नता, परेशानी पागलपन विक्षेप, दीवानगी।

कालेह (کالح) अ वि—कटु स्वभाव का, तुरुशरू।

कालोकील (قال و قیل) अ स्त्री—वाद विवाद, तर्क वितर्क कहा-सुनी, हुज्जत।

कालोमकाल (قال مقال) अ स्त्री—दे कालमकाल।

काल्बुद (کالبد) फा पु—शरीर देह, जिस्म अस्थि-पंजर ढाँचा।

कावः (کاوہ) फा पु—ईरान का एक लोहार का नाम जिसने 'ज़ह्हाक' के अत्याचारों से तंग आकर उसके विरुद्ध लड़ाई लड़ी और उसको हराकर फ़िरीदूँ को उसके स्थान पर उपस्थित किया।

कावकाव (کاو کاو) फा स्त्री—परिश्रम प्रयास काविश मेहनत।

कावस (کاوس) फा पु—हर वह वस्तु जो छुआई में बाजरे जैसी हो।

कावस (کاوس) फा पु—बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

कावली (کاولی) फा स्त्री—वेश्या गणिका रंडी।

कावाक (کاواک) फा वि—खोखला सुषिर निस्सार बेमग़ज।

काविद (کاوند) फा वि—खोदनेवाला।

काविश (کاوش) फा स्त्री—खोज, कुरेद, टोह, खोज तलाश जिज्ञासा चिन्ता फ़िक्र।

काबी (کاوی) अ वि.—लोहा आदि गरम करके अग पर दाग देनेवाला, दागनेवाला।
कावीदः (کاویدہ) फा वि—खोदा हुआ।
कावीदनी (کاویدنی) फा. वि—खोदने योग्य।
काश (قاش) तु स्त्री—लम्बी फॉंक, फाँक, खण्ड, टुकडा।
काश (کاش) फा. अव्य—ईश्वर करे, खुदा करे, (पु) काँच, काच, शीशा।
काशके (کاشکے) फा. अव्य—दे 'काश'।
काशानः (کاشانہ) फा. पु—छोटा-सा घर जिसे शीशा आलात से सजाया जाय।
काशान (کاشان) फा. पु—ईरान का एक नगर।
काशिफ (کاشف) अ वि—प्रकट करनेवाला, खोलनेवाला, नगा करनेवाला, पर्दा उठानेवाला, उद्घाटक।
काशिफे अस्रार (کاشفِ اسرار) अ पु—भेदो को प्रकट करनेवाला, रहस्योद्घाटक।
काशिर (قاشر) अ वि.—छिलका उतारनेवाला।
काशी (کاشی) फा वि—'काशान' का निवासी।
काशुक (قاشک) तु पु—छोटा चमचा, चमस।
काशूर (قاشور) अ वि—अशुभ, मनहूस, जिसका देखना अशकुन करे, वडा दुर्भिक्ष, सख्त कहत।
काशोजी (قاش زین) तु फा स्त्री—जीन के सामने का उठा हुआ भाग।
[का]शेह (کاشح) अ पु—वह शत्रु जो शत्रुता प्रकट न करे, मन मे ही रखे।
[का]श्तः (کاشتہ) फा वि—जोता-वोया हुआ, कृपित।
[का]श्त (کاشت) फा स्त्री—कृपि, काश्तकारी, खेत की भूमि, खेती।
[क]ाश्तकार (کاشتکار) फा वि—कृपक, कृपीवल, किसान।
[क]ाश्तकारी (کاشتکاری) फा—कृपिकर्म, किसानी।
[क]ाश्तनी (کاشتنی) फा वि—जोतने-वोने योग्य, कृपि के योग्य।
[का]सः (کاسہ) अ पु—पियाला, चपक।
[का]सःगर (کاسہگر) अ फा वि—पियाले वनानेवाला, कसकार, मिट्टी के वर्तन वनानेवाला, कुभकार, कुम्हार।
कास:गरी (کاسہگری) अ फा स्त्री—मिट्टी के पियाले वनाने का काम, मिट्टी के वरतन वनाने का काम।
कास:वाज (کاسہباز) अ फा वि—छली, वचक, कपटी, धूर्त, मक्कार।
कास.वाजी (کاسہبازی) अ फा स्त्री—छलकर्म, धोखेवाजी, धूर्तता, मक्कारी।
कास लेस (کاسہلیس) अ फा वि—चाटुकार, खुशामदी, चापलूस।
कासःलेसी (کاسہلیسی) अ फा स्त्री—खुशामद, चापलूसी, चाटुकर्म।
कासः सर निगूँ (کاسہ سر نگوں) अ.फा वि—दरिद्र, कंगाल, मोहताज।
कास [स्स] (قاص) अ वि—कहानी कहनेवाला, किसी के पीछे आनेवाला, सूचना देनेवाला; धर्मोपदेशक, वाइज।
कास (کاس) फा पु—वडा नगाड़ा, धौसा, दुदुभि, शूकर, सुअर।
कास (کاس) अ पु—मदिरा पीने का पियाला, पान-पात्र।
कासए गदाई (کاسۂ گدائی) अ फा. पु—भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षापात्र।
कासए चश्म (کاسۂ چشم) अ फा पु—वह गढा जिसमे आँखो के ढेले रहते है, चक्षु-गोलक।
कासए सर (کاسۂ سر) अ. फा. पु—खोपडी, कपाल।
कासमू (کاسمو) फा पु—सुअर के वाल।
कासात (کاسات) अ पु 'कास' का वहु, पियाले।
कासित (قاسط) अ वि—अत्याचारी, जालिम; अन्यायी, नामुसिफ, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।
कासिद (قاصد) अ वि—इरादा करनेवाला, चिट्ठी ले जानेवाला, पत्र-वाहक, दूत, एलची।
कासिद (کاسد) अ. वि—खोटा, कूट, जाली, जिसका चलन न हो, अप्रचलित।
कासिफ (کاسف) अ वि—छिपानेवाला; दुर्दशाग्रस्त, वदहाल, कडुए स्वभाववाला, तुरुशरू।
कासिव (کاسب) अ वि—कमानेवाला, उपार्जक, परिश्रम से जीविका चलानेवाला, उद्यमी।
कासिम (قاسم) अ वि—वाँटनेवाला, वितरक; वँटवारा करनेवाला, विभाजक।
कासिर (قاصر) अ वि—कमी करनेवाला, कसर रखनेवाला, असमर्थ, नाकाम।
कासिर (قاسر) अ वि—जवर्दस्ती किसी से कोई काम लेनेवाला।
कासिर (کاسر) अ वि—तोडनेवाला, भजक, एक दर्द।
कासिरातुत्तर्फ (قاصرات الطرف) अ स्त्री—वह पतिव्रता स्त्री जो पर-पुरुप की ओर आँख उठाना पाप समझती हो।
कासी (قاسی) अ वि—कठोर हृदयवाला, सख्तदिल।
कासी (قاصی) अ वि—वात की तह को पहुँच जानेवाला, दूर स्थान का रहनेवाला; दूर।
कास्तः (کاستہ) फा वि—घटा हुआ।
कास्तनी (کاستنی) फा. वि—घटने योग्य, कम करने योग्य।

कास्नी (کاسنی) फा स्त्री–एक पौधा जिसकी जड़ और बीज दवा में चलते हैं और जिसके हरे पत्तों का अर्क दवा में पिया जाता है।

काह (کاہ) फा स्त्री–घास, तृण।

क़ाह (قاہ) अ पु–आज्ञाकारिता, फर्मांबरदारी।

काहकशा (کاہکشاں) फा स्त्री–आकाश गंगा, कहकशाँ।

क़ाह क़ाह (قاہ قاہ) फा पु–अट्टहास, क़हक़हा।

काहरुबा (کاہربا) फा पु–दे 'कहरुबा'।

काहिना (کاہنہ) अ स्त्री–शकुन विचारनेवाली स्त्री।

काहिन (کاہن) अ वि–शकुन विचारनेवाला पुरुष।

क़ाहित (قاحط) अ पु–बहुत अधिक वर्षा।

क़ाहिरः (قاہرہ) अ वि–बलवान, ज़ोरावर, अत्याचारी, ज़ालिम (प्र०) मिस्र का राजधानी।

क़ाहिर (قاہر) अ वि–प्रकोप करनेवाला, बहुत अधिक गुस्सा करनेवाला।

काहिल (کاہل) अ वि–आलसी, अलस, सुस्त, मंद।

काहिलवुजूद (کاہل وجود) अ वि–दे 'काहिलुलवुजूद'।

काहिली (کاہلی) अ स्त्री–आलस्य, सुस्ती, फुर्ती का न होना।

काहिलुल्वुजूद (کاہل الوجود) अ वि–बहुत बड़ा आलसी, जो काम यथा न करे पड़ा रहे।

काहिश (کاہش) फा स्त्री–ह्रस्व, घटाव, कमी, क्षीणता।

काही (کاہی) फा वि–घास का बना हुआ, घास का, घास-जैसे रंग का, हरा।

काहीदः (کاہیدہ) फा वि–घटा हुआ, ह्रस्व, लघु रूप में होना।

काहीदःतन (کاہیدہ تن) फा वि–सूखे शरीरवाला, दुबला पतला, क्षीणांग।

काहीदःरू (کاہیدہ رو) फा वि–कुम्हलाये हुए मुँह का, उतरे हुए मुँहवाला, म्लानमुख।

काहीदगी (کاہیدگی) फा स्त्री–घटाव, कमी।

काहीदनी (کاہیدنی) फा वि–घटने योग्य।

काहू (کاہو) फा पु–एक पौधा जो दवा में काम आता है, काहू-कद्दू–का नाम इनके बीजों के तेल में गुलाब का तेल मिलाकर मस्तिष्क निर्बलता में प्रयोग करते हैं।

कि

किंगरः (کنگرہ) तु पु–किंगरा का लघु, दे 'किंगरा'।

किंगाश (کنگاش) तु पु–परामर्श, मशविरा, सलाह।

क़िंतार (قنطار) अ पु–एक भारी भर चाँदी या सोना।

क़िंदील (قندیل) अ स्त्री–शीशे का दीपक, चिराग़, दिया, एक प्रकार की कागज़ की बनी हुई बड़ी सी लालटेन, जिसमें कागज़ की तस्वीरें बनी होती हैं और वह हवा से घूमता है, कन्दील।

क़िंबील (قنبیل) अ पु–एक दवा, कमीला।

किज़िल (قزل) तु वि–रक्त, लाल, सुर्ख।

किज़िल अर्सलान (قزل ارسلاں) तु पु–लाल रंग का व्याघ्र, लाल शेर, एक बादशाह की उपाधि।

क़िज़िलबाश (قزلباش) तु पु–लाल टोपीवाला सैनिक, ईरान के शाह इस्माईल सफ़वी ने अपनी तुर्की सेना को लाल टोपा पहनायी थी और उसका नाम क़िज़िलबाश रखा था।

किज़्ब (کذب) अ पु–झूठ, मिथ्या, असत्य, गप, असार बात।

क़िज़्बान (قضبان) अ पु–'क़ज़ीब' का बहु, डालियाँ, लिंग।

किज़्लिक (کزلک) फा पु–छोटा चाकू।

क़िताफ़ (قطاف) अ पु–अंगूर और दूसरे फलों के पकने का समय जब वह तोड़े जा सकें।

किताब (کتابہ) अ पु–कत्बा, वह शिला या तख़्ती, जो इमारतों या क़ब्रों पर लगती है।

क़िताब (قطاب) अ पु–कुर्ते आदि का गला, गिरीबाँ।

किताब (کتاب) अ स्त्री–पुस्तक, ग्रंथ, पोथी, मियाज।

किताबख़ानः (کتابخانہ) अ फा पु–पुस्तकालय, किताबें बिकने की दुकान।

किताबचः (کتابچہ) अ फा पु–छोटी किताब, पुस्तिका।

किताबत (کتابت) अ स्त्री–कापीनवीसी का पेशा, छापा प्रेस के लिए लिखाई का काम।

किताबिस्तान (کتابستان) अ फा पु–पुस्तकालय, मक्तबा।

किताबी (کتابی) अ वि–पुस्तक सम्बन्धी, पुस्तक जैसी, पुस्तक में लिखी हुई, लम्बोतरा, जैसे—किताबी चेहरा।

किताबुल्लाह (کتاب اللہ) अ स्त्री–ईश्वरीय ग्रंथ, इस्लामी किताब, कुरान शरीफ़।

किताबेरुख़ (کتاب رخ) अ फा स्त्री–प्रमिका का पुस्तकाकार मुखाकृति, किताबी चेहरा, जिस मुख पर प्रणय वृत्तांत अंकित हो।

क़ितार (قطار) अ स्त्री–श्रेणी, पंक्ति, लाइन, पांत, साफ़ इस शब्द का शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'क़तार' बोलते हैं।

क़िताल (قتال) अ पु–रक्तपात, मारकाट, खूँरेज़ी, युद्ध, संग्राम, लड़ाई।

क़ितअः (قطعہ) अ पु–दे 'क़ितआ' शुद्ध यही है, परन्तु पढ़े लिखे लोग अधिक यही बोलते हैं।

कित्फ (كتف) अ. पु.—कांधा, स्कंध, दे 'कतिफ' और 'कत्फ'। तीनों शुद्ध हैं।

कित्मान (كتمان) अ. पु.—छिपाव, दुराव, गोपन।

कित्मीर (قطمير) अ पु—थोड़ी चीज़; छोटा, ह्रस्व, छुहारे में की बारीक झिल्ली।

कित्र (قطر) अ. पु.—पिघला हुआ तांबा।

किदम (قدم) अ. पु.—प्राचीनता, पुरातत्त्व, कदामत; नित्यता, अनश्वरता, लाजवालपन।

किदेवर (كديور) फा पु—कृषक, किसान, दे. 'कदेवर', दोनों शुद्ध हैं।

किद्मत (قدمت) अ. स्त्री—पुराना होना।

किद्र (قدر) अ पु.—हांडी, देगची।

क़िद्वः (قدوه) अ. पु.—नायक, नेता, प्रधान, सरदार।

किद्वतुल आरिफ़ीन (قدوة العارفين) अ पु—ब्रह्मज्ञानी, महात्माओं में सर्वश्रेष्ठ।

किद्वतुस्सालिकीन (قدوة السالكين) अ. पु.—सन्यासियों और साधुओं में सर्वश्रेष्ठ।

किनायः (كنايه) अ पु—गुप्त संकेत, छिपा हुआ इशारा; छिपी हुई बात, उर्दू साहित्य की परिभाषा में उपमेय का वर्णन न करके, केवल उपमान का वर्णन करना, जैसे—कहा जाय कि 'नर्गिस ने मोती बरसाये' और मतलब यह हो कि प्रेयसी की आँखों से आँसू गिरे। यहाँ 'नर्गिस' 'आँख' का उपमान है और 'मोती' 'आँसू' का। प्रस्तुत के स्थान पर अप्रस्तुत की योजना की जाय, जैसे—"चश्मे-गिरियाँ ने लुटाये थे गुहर—रात भर रोए थे हम, शबनम नही।"

किनायत (كنايت) अ स्त्री.—गुप्त बात, गुप्त संकेत, किनाय'।

किनायतन (كنايتاً) अ. वि.—गुप्त रीति से, इशारे में, संकेत में।

किनारः (كناره) फा पु.—शुद्ध 'कनार' है, परन्तु 'किनार' भी बोलते हैं, तट, किनारा, साहिल।

किनार (كنار) फा पु—क्रोड, गोद, आगोश।

क़िनीनः (قنينه) अ स्त्री.—शराब रखने का बरतन, दे. 'किन्नीन', दोनों शुद्ध हैं।

किनीसः (كنيسه) फा पु—ईसाइयों का गिरजा, दे 'कनीस', दोनों शुद्ध हैं।

किन्न (كن) अ पु—वस्त्र, लिबास, पहनने के कपड़े।

किन्नब (قنب) अ स्त्री—भाँग, भग, विजया, एक घोट-छानकर पी जानेवाली मादक पत्ती।

किन्नीन. (قنينه) अ स्त्री.—मदिरा रखने का पात्र, दे 'किनीन', दोनों शुद्ध हैं।

किन्यः (قنيه) अ पु—पूँजी, सरमाया।

किन्व (قنو) अ. पु—फलों का गुच्छा, खोश।

किन्वान (قنوان) अ पु—गुच्छे, खोशे।

किफ़ायत (كفايت) अ. स्त्री.—पर्याप्त, काफी होना; अल्प व्यय, जुजरसी।

किफ़ायतशिआर (كفايت شعار) अ वि—कम खर्च करनेवाला, बचानेवाला, मितव्ययी, जुजरस,।

किफ़ायतशिआरी (كفايت شعارى) अ. स्त्री.—खर्च में कमी, मितव्यय, जुजरसी।

क़िफ़ल (كفل) अ पु—खंड, अंश, टुकड़ा, हिस्सा, जो घोड़े पर न चढ सके, घोडे की पीठ का नमदा।

किबाब (قباب) अ. पु—'कुब्ब' का बहु, छोटे गुंबद, कुब्बे।

किबार (كبار) अ पु—'कबीर' का बहु, आयु में बड़े लोग; प्रतिष्ठा में बडे लोग।

किबालः (قباله) अ पु—बच्चे जनाने का काम, धायकर्म, दाय गीरी, दूसरे अर्थ के लिए, दे 'कबाल.'।

किब्चाक़ (قبچاق) तु पु—तुर्किस्तान और तूरान के बीच का एक जगल, जहाँ के तुर्क निर्दय और उद्दंड होते हैं।

क़िब्ती (قبطى) अ पु—प्राचीन मिस्री जाति, जो फिरऔन के वंशज हैं।

किब्र (كبر) अ. स्त्री.—बडाई, ज्येष्ठता; श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

किब्रसिन (كبرسن) अ वि.—बूढा, वयोवृद्ध, जरत्।

किब्रसिनी (كبرسنى) अ स्त्री—बुढ़ापा, जरा, वृद्धावस्था।

किब्रिया (كبريا) अ पु—महत्ता, बडाई, ईश्वर, परमात्मा।

किब्रियाई (كبريائى) अ स्त्री.—प्रतिष्ठा, बडप्पन; महत्ता, ईश्वरत्व, खुदाई।

किब्रीत (كبريت) अ. स्त्री—गंधक, एक ज्वलनशील पदार्थ, जिससे बारूद बनती है।

किब्रीते अहमर (كبريت احمر) अ. स्त्री—लाल गंधक, जो रसायन में काम आती है, अप्राप्य वस्तु, नायाब चीज।

किब्लः (قبله) अ पु—मक्के में वह स्थान जहाँ हजरे अस्वद (काला पत्थर) स्थापित है, और जिसकी ओर मुँह करके, मुसलमान नमाज पढते हैं का'ब ; प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियों के लिए संबोधन का शब्द।

किब्ल.गाह (قبله گاه) अ फा वि—मान्य, पूज्य, श्रद्धेय।

किब्लःनुमा (قبله نما) अ फा पु—पश्चिम की दिशा बतानेवाला यंत्र, दिग्दर्शक यंत्र।

किब्लःपरस्त (قبله پرست) अ फा. वि.—मुसलमान।

किब्लएआलम (قبلهٔ عالم) अ पु—दे 'किब्ल गाह', जगत्पूज्य पीर या बुजुर्ग, "ये बातें राज की हैं, किब्लएआलम भी पीते हैं।"

क़िब्लएहाजात (قبلهٔ حاجات) अ पु—आशाकेंद्र, वह स्थान जहाँ से स्वार्थ सिद्धि हो वह व्यक्ति जो आशाएँ पूर्ण करे।

क़िमत्र (قمطر) अ पु—छोटे आकार का मनुष्य, मर्द, ठिगना माला उर्फ पुस्तकों की पेटी।

क़िमम (قمم) अ स्त्री—कुम्म का बहु चोटियाँ उँचाइयाँ।

क़िमात (قماط) अ पु—वह कपड़ा जिसमें नवजात शिशु लपेटा जाता है।

क़िमाद (کماد) अ पु—दवाओं की पोटली का गरम करके उससे किसी अंग को बार-बार सेंकना टकोर।

क़िमार (قمار) अ पु—जुआ द्यूत कैतव पण।

क़िमारख़ाना (قمارخانه) अ फा पु—जुआ खेलने का घर, अखवार पणशाला द्यूतागार जुआघर।

क़िमारबाज़ (قمارباز) अ फा वि—जुआ खेलनेवाला धूतकार कितव कैतव जुआरी जुएबाज़।

क़िमारबाज़ी (قماربازی) अ फा स्त्री—जुए का खेल द्यूतक्रीडा द्यूतकर्म कैतव, जुएबाज़ी।

क़ियम (قيم) अ स्त्री—क़ीमतें का बहु दामें मूल्य।

क़िया (کیا) फा पु—पहलवान मल्ल, स्वामी मालिक पवित्र पाकीज़ स्वच्छ।

क़ियादत (قیادت) अ स्त्री—नेतृत्व रहनुमाई मार्ग प्रदर्शन नेतागिरी कुटनी साकी मद्यापन दल्लाली।

क़ियाफ़ा (قیافه) अ पु—चेष्टा हुलिया चेहरे के आकार प्रकार और उसके चिह्नों द्वारा मनुष्य के स्वभाव आदि का ज्ञान सामुद्रिक विद्या क़याफ़ा भी प्रचलित आदमी पहचान लेते हैं क़याफ़ा देखकर ख़त का मज़मूँ भाँप लेते हैं लिफ़ाफ़ा देखकर।

क़ियाफ़ादाँ (قیافه‌دان) अ फा वि—दे क़ियाफ़ाशनास चेहरे को देखकर मनुष्य-स्वभाव पहचाननेवाला।

क़ियाफ़ाशनास (قیافه‌شناس) अ फा वि—क़ियाफ़ा पहचानने वाला, चेष्टा देखकर हाल बता देनेवाला सामुद्रिकवेत्ता।

क़ियाफ़ाशनासी (قیافه‌شناسی) अ फा स्त्री—क़ियाफ़ा पहचानने की विद्या चेहरे से हाल जानना।

क़ियाम (قیام) अ पु—अस्थायी निवास थोड़े दिनों का वास किसी संस्था आदि की नींव स्थापना नमाज़ में खड़े होने की अवस्था निश्चय यक़ीन क़याम भी प्रचलित।

क़ियामगाह (قیامگاه) अ फा स्त्री—ठहरने का स्थान रहने का स्थान निवासस्थान।

क़ियामत (قیامت) अ स्त्री—महाप्रलय सारी दुनिया का उलट-पलट महाप्रलय-काल हश्र का दिन बहुत ही सुन्दर और बढ़िया अनोखा अत्यंत बहुत (क़यामत)।

क़ियामतअंगेज़ (قیامت‌انگیز) अ फा वि—दे क़ियामत ख़ेज़।

क़ियामत आसार (قیامت آثار) अ वि—जिसमें क़ियामत के लक्षण हों, बहुत अधिक उपद्रवी, जिससे बहुत उथल-पुथल होने की संभावना हो।

क़ियामतख़ेज़ (قیامت‌خیز) अ फा वि—क़ियामत उठाने वाला, प्रलयकर बहुत उथल-पुथल करनेवाला, विप्लवकारी।

क़ियामतख़ेज़ी (قیامت‌خیزی) अ फा स्त्री—क़ियामत उठाना उथल-पुथल करना।

क़ियामपज़ीर (قیام‌پذیر) अ फा वि—बसा हुआ, ठहरा हुआ, मुक़ीम।

क़ियास (قیاس) अ पु—विचार ख़याल, अनुमान अटकल अंदाज़ा।

कियासत (کیاست) अ स्त्री—दक्षता निपुणता, चातुरी चतुराई, दानाई।

क़ियासन (قیاساً) अ वि—अटकल से अंदाज़े से अनुमान।

क़ियासी (قیاسی) अ वि—अटकलवाली बात अटकलपच्चू, कल्पित फ़र्ज़ी।

क़िरब (قرب) अ स्त्री—क़िर्ब का बहु पानी की मश्कें।

किरा (کرا) फा अव्य—किसको किसे।

किरा (کرا) अ पु—किराया भाड़ा।

किराअत (قرائت) अ स्त्री—दे क़िरअत दोनों शुद्ध हैं।

किराइंद (کرائنده) फा वि—किराए पर देनेवाला।

क़िरान (قران) अ पु—समीपता निकटता नज़दीकी दो ग्रहों का एक राशि में होना, योग।

क़िरान (قران) अ पु—क़र्न का बहु ज़माने युग।

क़िरानुस्सा'दैन (قران السعدین) अ पु—दो शुभ ग्रहों का एक राशि में होना शुभ-योग।

क़िराब (قراب) तु पु—तलवार या भुजाली आदि का नियाम कोष मियान।

क़िराब (قراب) अ पु—समीपता नज़दीकी नापने की जरीब (स्त्री) क़िर्ब का बहु पानी की मश्क।

किराम (کرام) अ पु—करीम का बहु कृपालु जन दयालुवर्ग दानशील जन फ़य्याज़ लोग, पूज्य लोग प्रतिष्ठित लोग।

क़िराम (قرام) अ पु—हल्का और महीन पर्दा, चित्रित और नक़्शदार पर्दा।

किराय (کرای) अ पु—भाड़ा, भाटक।

किरायादार (کرایه‌دار) अ फा वि—किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करनेवाला किराये पर घर आदि में रहनेवाला।

किराय.दारी (کرایہداری) अ. फा. स्त्री —किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करना, किराये पर घर आदि मे रहना।

किराय:नाम: (کرایہنامہ) फा पु —किराये पर कोई वस्तु लेने का इकरारनामा, भाटकपत्र।

किरिश्म: (کرشمہ) फा पु —आँख या भौं का सकेत, सैन; हाव-भाव, नाजोअदा; माया, इन्द्रजाल, जादू; चमत्कार, शा'वद , आश्चर्य, अचम्भा (करिश्मा)।

किरिश्म:कार (کرشمہکار) फा वि —दे 'किरीश्म साज'।

किरिश्म:कारी (کرشمہکاری) फा स्त्री —दे.'किरिश्म साजी'।

किरिश्म.साज़ (کرشمہساز) फा वि —मायावी, शो'वद-वाज, हाव-भाववाला, नाज़ो-अदाजवाला, जादूगर।

किरिश्म.साज़ी (کرشمہسازی) फा स्त्री —मायाकर्म, शो'वद वाजी।

किरिश्म (کرشمہ) फा. पु —दे 'किरिश्म'।

क़िर्अत (قرأت) अ स्त्री —पढने का भाव, पढाई; कुरान की शुद्ध उच्चारण के साथ पढाई।

क़िर्तबूस (قرطبوس) अ पु —वहुत वडी दैवी आपत्ति।

क़िर्तास (قرطاس) अ पु —कागज-पत्र।

क़िर्तासे अब्यज़ (قرطاس ابیض) अ पुं —सफेद कागज, श्वेत पत्र, व्हाइट पेपर।

क़िर्द: (قردہ) अ पु —वन्दर की मादा, वानरी, वदरिया।

क़िर्द (قرد) अ पु —वदर, वानर, कपि, शाखामृग।

किर्द (کرد) फा. पु —दे 'कर्द'।

किर्दगार (کردگار) फा पु —दे. 'कर्दगार', परन्तु अधिक किर्दगार ही वोलते है, वह यद्यपि अशुद्ध है, परन्तु फारसी और उर्दू के विद्वानो ने शुद्ध माना है।

क़िर्ब: (قربہ) अ. पु —पानी भरने की मश्क, भस्त्री।

किर्बास (کرباس) अ पु —सफेद कपडा, श्वेत वस्त्र, सूती कपडा।

किर्म (کرم) फा पु —कीडा, कीट, कृमि, सस्कृत कृमि का फारसी मे प्रचलित रूप।

किर्मक (کرمک) फा पु —छोटा कीडा, कृमिक, कीट।

किर्मकुश (کرمکش) फा वि —कीडो को मारनेवाली दवा, कृमिनाशक।

किर्मकेशवताव (کرمک شب تاب) फा पु —जुगनू, खद्योत, ज्योतिरिंगण, कीटमणि, ज्योतिर्वीज।

किर्मखुर्द: (کرمخوردہ) फा. वि —कीडो का खाया हुआ, जिसे कीडो ने चाटकर खराव कर दिया हो।

किर्मखुर्दगी (کرمخوردگی) फा स्त्री —किसी वस्तु का कीडो का खा जाना।

किर्मपील: (کرمپیلہ) फा पु —रेशम का कीडा।

किर्मान (کرمان) फा पु —ईरान का एक प्रसिद्ध नगर जहां का जीरा और फर्श प्रसिद्ध है।

क़िर्मिज़ (قرمز) अ पु —एक प्रकार के छोटे-छोटे लाल कीडे जिन्हे सुखाकर उनसे रेशम रँगते हैं।

क़िर्मिज़ी (قرمزی) अ. वि —किर्मिज़ के रग का, रक्त, लाल, सुर्ख।

किर्मे शवअफ़ोज़ (کرم شب افروز) फा पु.—दे 'किर्मे शवताव'।

किर्मे शवचिराग़ (کرم شب چراغ) फा पु —दे 'किर्मे-शवताव'।

किर्मेशवताव (کرم شب تاب) फा. पु —खद्योत, कीटमणि, ज्योतिरिंगण, ज्योतिर्वीज।

किर्मेशिकम (کرم شکم) फा पु —पेट के कीडे, उदर-कृमि।

किर्यास (کریاس) अ पु.—अट्टालिका, अटारी, वाला-खाना, शौचालय या स्नानागार जो अटारी पर हो, राजभवन, राजद्वार, शाही दरवार।

क़िर्वात (قرواط) अ स्त्री —नाव, नौका, किश्ती, हवा भरी हुई मश्क, जिस पर वैठकर नदी पार करते है।

क़िलाअ' (قلاع) अ पु —'कल्अ' का वहु , दुर्ग-समूह, किले।

क़िलाद: (قلادہ) अ पु —गले का पट्टा, कुत्ते या ऊँट के गले का पट्टा, गुलूवंद।

किलाव (کلاب) अ पु —'कल्व' का वहु , कुत्ते।

क़िलीच (قلیچ) तु पु —तलवार, खड्ग।

किलीद (کلید) फा स्त्री —कुजी, ताली, कुचिका।

किलीदे कामरानी (کلید کامرانی) फा स्त्री.—सफलता की कुजी, सफलता का गुर।

किलीदे फत्हेवाव (کلید فتح باب) फा. अ. स्त्री —दरवाजा खोलने की कुजी, सफलता का गुर (मूलमत्र)।

किलीदे विहिश्त (کلید بہشت) फा. स्त्री —स्वर्ग की कुजी, पुण्यकर्म, नेक आ'माल।

किलीसा (کلیسا) फा पु —ईसाइयो का गिरजा, चर्च।

किलीसाई (کلیسائی) फा वि —ईसाई, खिृष्टीय।

किलेसा (کلیسا) फा पु —दे 'किलीसा', दो शु है।

किल्क (کلک) फा स्त्री —नरकट, नरसल, नरकुल, नै, एक विशेष नरकट की वनी हुई कलम, कलम, लेखनी।

क़िल्यान (قلیان) फा पु.—हुक्का, चिलम पीने की गुडगुडी, दे 'कल्यान', दो शु है।

क़िल्लत (قلت) अ स्त्री —न्यूनता, कमी, अभाव, नायावी।

क़िल्लते आव (قلت آب) अ फा स्त्री —पानी की कमी, जलाभाव, जलकष्ट।

क़िल्लते गिज़ा (قلت غذا) अ स्त्री —खाने के पदार्थो की कमी, खाद्याभाव।

क़िल्लते बारा (قلت باراں) अ फा स्त्री–वरसात की कमी, वर्षाभाव, कहतसाली।

क़िल्लतो कसूत (قلت کثرت) अ पु–कमा-बेशी न्यूनता और अधिकता न्यूनाधिक्य।

क़िल्स (کلس) अ पु–चूना।

क़िवाम (قوام) अ पु–मूल तत्त्व अस्ल, नम, तर्तीब, निजाम शीरा, चाशनी पक्वस्वरस।

क़िवेर (کویر) फा पु–समतल भूमि, बिना पानी की भूमि मरीचिका मरुस्थल सराब।

किशावज़ (کشاورز) फा वि–कृषक किसान दे किशावर्ज़ है।

किशावर्ज़ी (کشاورزی) फा स्त्री–कृषिकर्म किसानी, दे किशावर्ज़ी दो नु है।

क़िशिक (کشک) तु पु–पहरा चौकसी निगहबानी रखवानी।

किशिकची (کشکچی) तु पु–पहरेदार रखवाला।

किशिकदार (کشکدار) तु फा पु–दे किशिकची।

किश्त (کشته) फा पु–ख़ुबानी व आलू आदि जिनके बीज निकालकर गूदा सुखा लेते है कस्तूरी केसर और लोबान आदि का मिश्रण जिस गुलाब में मिलाकर टिकिया बना लेते और सुलगाते है।

किश्त (کشت) फा स्त्री–कृषि खेती शतरंज की 'शह'।

किश्तकार (کشتکار) फा वि–कृषक काश्तकार किसान।

किश्तकारी (کشتکاری) फा स्त्री–कृषिकर्म किसानी।

किश्तज़ार (کشتزار) फा पु–वह स्थान जहा बोया हुआ खेत ही खेत हो सब्ज़ाज़ार।

किश्ते ज़ाफ़रान (کشت زعفران) फा अ स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ केसर के खेत हो वह स्थान जहा चित्त में उल्लास और आनद उत्पन्न हो।

किश्फ़ (کشف) अ वि–विद्रुत, जिसका रग रूप बिगड गया हो दूषित।

किश्मिश (کشمش) फा स्त्री–मुनक्के की जाति का सूखा हुआ छोटा अगूर जिसमें बीज नहीं होता अबीजा।

किश्मिशी (کشمشی) फा वि–'किश्मिश' जैसे रग का हल्का हरा जिसमें किश्मिश मिली हो किश्मिश का।

क़िश्लाक़ (قشلاق) तु पु–वह गरम स्थान जहाँ जाड गुजारे जायें।

किश्वर (کشور) फा स्त्री–देश मुल्क राष्ट्र शासनतत्र महाद्वीप बर्रे आज़म दे कश्वर, दो नु है।

किश्वर कुशा (کشور کشا) फा वि–विश्वविजयी दिग्विजयी जहाँगीर।

किश्वर सिताँ (کشورستاں) फा वि–दे किश्वर कुशा।

क़िसस (قصص) अ पु–'क़िस्स' का बहु किस्से कहानियाँ।

क़िसास (قصاص) अ पु–ख़ून के बदले में ख़ून प्रतिहिंसा।

क़िसअ (قصعه) अ पु–बडा पियाला।

क़िस्त (قسط) अ स्त्री–न्याय, इसाफ, भाग, अश हिस्सा, खड, टुकडा अदाइगी का एक जुज़।

क़िस्तबदी (قسطبندی) अ फा स्त्री–अदाइगी के लिए क़िस्तो की निर्यति।

क़िस्तास (قسطاس) अ स्त्री–बडी तराज़ू न्याय।

क़िस्म (قسم) अ स्त्री–प्रकार भाति तरह जाति नौअ।

क़िस्मत (قسمت) अ स्त्री–विभाजन तक्सीम भाग्य अदृष्ट, प्रारब्ध, तक़दीर।

क़िस्मत आज़मा (قسمت آزما) अ फा वि–भाग्य की परीक्षा करनेवाला किसी कठिन काम का बीडा उठानेवाला कोई कडी परीक्षा देनेवाला।

क़िस्मत आज़्माई (قسمت آزمائی) अ फा स्त्री–भाग्य की परीक्षा किसी कठिन काम का साहस किसी कडी परीक्षा की तयारी।

क़िस्मतवर (قسمتور) अ फा वि–भाग्यशाली भाग्यवान ख़ुशनसीब।

क़िस्मतवरी (قسمتوری) अ फा स्त्री–ख़ुशक़िस्मती भाग्यशीलता भाग्यशालीनता।

किस्रा (کسریٰ) अ पु–ईरान के शासको की उपाधि नौशेरवाँ की उपाधि।

किस्वत (کسوت) अ स्त्री–वस्त्र वसन लिबास पोशाक, नाई की पेटी नापित-पेटिका।

क़िस्सा (قصه) अ पु–कथा कहानी उपन्यास नाविल वृत्तान्त हाल घटना वाक़िआ कलह झगडा, समस्या मसअला।

क़िस्सा कोताह (قصه کوتاه) अ फा अव्य–सारांश यह कि कि बहुना किस्सा मुख़्तसर।

क़िस्साख़्वाँ (قصه‌خواں) अ फा वि–दे क़िस्सा गो।

क़िस्सागो (قصه‌گو) अ फा वि–कहानियाँ कहनेवाला अब से कुछ पहले किस्सा कहनेवालो की एक बडी सख्या सारे देश में फैली हुई थी और यह कथिक कहानियाँ सुना-सुनाकर अपना जीवन निर्वाह करती थी दास्तान गो।

क़िस्सा मुख़्तसर (قصه مختصر) अ अव्य–दे क़िस्सा कोताह।

क़िस्सीस (قسیس) अ पु–ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी रानिब।

क़िहीं (کہیں) फा वि–अति क्षुद्र बहुत छोटा।

क़िहीनः (کہین) फा वि.—न्यून, छोटा, आयु में छोटा, अल्पवयस्क।

क़िह्फ़ (قحف) अ पु—खोपड़ी, कपाल।

की

कीं (کیں) फा पु—'कीन' का लघु, दे. 'कीन'।

कीं (کیں) फा अव्य—कि यह।

कीनः (کینہ) फा पु—वह शत्रुता जो दिल में रहे, द्वेष, गुस्स, अमर्ष, "अय जहे रजिश ! कि उनके खातिरे महफ़िल में है। रखता देखो मेरे 'कीने' का कि उनके दिल में है॥"

कीनः अंदोज़ (کینہ اندوز) फा. वि—दे 'कीन वर'।

कीनः अंदोज़ी (کینہ اندوزی) फा स्त्री—दे. 'कीन वरी'।

कीनःकश (کینہ کش) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनःकशी (کینہ کشی) फा. स्त्री—दे. 'कीन.वरी'।

कीन.तोज़ (کینہ توز) फा वि—दे. 'कीन वर'।

कीन.तोज़ी (کینہ توزی) फा. स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीन.पर्वर (کینہ پرور) फा वि.—दे 'कीन.वर'।

कीन.पर्वरी (کینہ پروری) फा. स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीन.वर (کینہ ور) फा. वि—किसी की ओर से हृदय में द्वेष रखनेवाला, जो मुँह पर तो कुछ न कहे, परन्तु समय पड़ने पर पूरी शत्रुता दिखाये।

कीनःवरी (کینہ وری) फा स्त्री—मन में द्वेष रखना और समय पड़ने पर शत्रुता प्रकट करना।

कीन (کین) फा पु—दे 'कीन', द्वेष, अमर्ष, गुस्स, रंजिश।

क़ीन (قین) अ. पु—सेवक, दास, लोहार, लोहकार; लोहारी का काम, दे 'क़ैन', वही अधिक शुद्ध है।

कीपा (کیپا) तु पु.—एक प्रकार का पुलाव जो बकरी की आँतों में चावल और मसाला भरकर पकाया जाता है।

क़ीफ़ (قیف) फा स्त्री—बोतल आदि में तेल आदि उँडेलने का यंत्र, कीप।

क़ीफ़ाल (قیفال) अ स्त्री—एक बड़ी रक्तवाहिनी नाड़ी जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरू।

क़ीमः (قیمہ) फा पु—कुटा हुआ मांस, जिसके कोफ्ते या कबाब बनते हैं।

क़ीमत (قیمت) अ स्त्री—मूल्य, दाम; प्रतिष्ठा, क़द्र; श्रेष्ठता, उच्चता, बड़ाई।

क़ीमतन् (قیمتاً) अ वि—मूल्य देकर, दामों से।

क़ीमती (قیمتی) अ वि—बहुमूल्य, मूल्यवान्, बेशक़ीमत।

कीमिया (کیمیا) अ स्त्री—रसायन, कैमिस्ट्री; सोना-चाँदी बनाने की कला, धातुवाद।

कीमियाअसर (کیمیااثر) अ. वि—अति गुणकारी, बहुत ही फ़ायदेमंद; मट्टी को सोना बना देनेवाली चीज़।

कीमियागर (کیمیاگر) अ फा. वि—ताँबे आदि से सोना बनानेवाला; बहुत बड़ा हुनरमंद।

कीमियागरी (کیمیاگری) अ फा. स्त्री—ताँबे आदि से सोना बनाना; हुनरमंद होना।

कीमियादाँ (کیمیادان) अ.फा. वि—पारे आदि से सोना बनाना जाननेवाला।

कीमियादानी (کیمیادانی) अ फा. स्त्री—पारे आदि से सोना बनाना।

कीमियासाज़ (کیمیاساز) अ फा वि—दे 'कीमियागर'।

कीमियासाज़ी (کیمیاسازی) अ.फा.स्त्री—दे. 'कीमियागरी'।

कीमुख़्त (کیمخت) फा पु—घोड़े या गधे का कमाया हुआ चमड़ा।

क़ीर (قیر) फा पुं—राल; तारकोल।

क़ीरगूँ (قیرگوں) फा. वि—काले रंग का, तारकोल जैसा।

क़ीरात (قیراط) अ स्त्री—एक तौल जो चार जौ के बराबर होती है, रत्तियों के हिसाब से तीन रत्ती।

क़ीलः (قیلہ) अ. पु—अंडवृद्धि, फोते बढ़ने का रोग; दोपहर को थोड़ी देर लेटना, क़ैलूल.।

क़ीलोक़ाल (قیل وقال) अ स्त्री—वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस-मुबाहसा।

कीसः (کیسہ) अ पु—जेब, पाकेट, खलीता; थैली।

कीसःतराश (کیسہ تراش) अ. फा वि—जेब काटनेवाला, जेबकतरा, ग्रंथिमोचक, पाकेटमार, जेबतराश।

कीसःतराशी (کیسہ تراشی) अ फा स्त्री—जेब काटने का काम, जेबकतरापन, पाकटमारी, ग्रंथिमोचन।

कीसःबुर (کیسہ بر) अ फा वि—दे. 'कीस तराश', 'कीसाबर' भी प्रचलित।

कीसःबुरी (کیسہ بری) अ फा स्त्री—दे. 'कीस तराशी', 'कीसाबरी' भी प्रचलित।

कीस (کیس) अ पु—दे 'कीस'।

कीसे फ़िदा (کیس فدا) अ. फा पुं—शत्रुओं में घिर जाने के समय भागते हुए रुपया फेंक देना, ताकि लोग उसे बटोरने में लग जायँ और पीछा न करें।

क़ीह (قیح) अ स्त्री—पीप, मवाद, पीव, क्षतस्राव।

कु

कुंग (کنگ) फा वि—मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट; शक्तिशाली, बलवान्; छुहारों का गुच्छा।

कुगुर (کنگر) फा पु—भवन आदि की गुमटी, छोटा गुंबद, कँगूरा।
कुगुर (کنگر) फा पु—दे 'कुगुर'।
कुज (کنج) फा पु—एकांत कोना, 'दुनिया में रजोग़म से जो फ़ुर्सत न मिल सकी आखिर को थक के सो गये कुजे मज़ार में।
कुजकावी (کنج کاوی) फा स्त्री—तलाश खोज जिज्ञासा परिश्रम मेहनत ध्यानपूर्वक विचार गौर।
कुजद (کنجد) फा स्त्री—तिल तिल्ली एक प्रसिद्ध बीज।
कुजारा (کنجاره) फा पु—तेल निकलने के पश्चात बीज का फोक खल, खली।
कुजिश्क (کنجشک) फा स्त्री—वह छोटी चिड़िया जो घरों में रहती है गौरेया, चटक।
कुजे इज़िवा (کنج انزوا) फा अ पु—एकांत गोशा अकेला स्थान निर्जनस्थान।
कुजे उज्लत (کنج عزلت) फा अ पु—दे 'कुजे इज़िवा'।
कुजे कफ़स (کنج قفس) फा अ पु—पिंजड़े का कोना पिंजड़े का एकांत स्थान, कारागार क़ैदख़ाना जेलख़ाना।
कुजे ख़ल्वत (کنج خلوت) फा अ पु—दे 'कुजे इज़िवा'।
कुजे तनहाई (کنج تنہائی) फा पु—दे 'कुजे इज़िवा'।
कुजेदहन (کنج دہن) फा पु—मुँह का दहाना मुँह का कोना।
कुजेरान (کنج ران) फा पु—रान की जड़ चिड्डा।
कुजे लहद (کنج لحد) फा अ पु—क़ब्र का कोना क़ब्र का एकांत स्थान।
कुद (کنده) फा पु—लकड़ी का मोटा और छोटा टुकड़ा बंदूक़ का कुंदा।
कुदकार (کندکار) फा वि—दे शु उच्चारण, 'कदकार'।
कुद कारी (کندکاری) फा स्त्री—दे शु उच्चारण 'कदकारी'।
कुद (کند) फा वि—मद मूर्ख भोथरा मंद सुस्त आलसी।
कुदए नातराश (کندهٔ ناتراش) फा पु—अक्खड उजड्ड असभ्य धामड बुद्धू बिना छराशी लकड़ी का मोटा टुकड़ा लाक्षणिक अर्थ मूर्ख।
कुदएपा (کندهٔ پا) फा पु—एक मोटी और भारी लकड़ी जिसमें कई छेद होते हैं जिनमें अपराधी के पाँव डाल दिये जाते हैं।
कुदज़ेहन (کندذہن) फा अ वि—जिसका ज़ेहन तेज़ न हो मंदप्रतिभ।
कुदपीर (کندپیر) फा स्त्री—बहुत बुढ़िया स्त्री सठियाई मूर्खा स्त्री।
कुदाक़ (کنداق) तु पु—बंदूक का कुंदा।
कुदावर (کندآور) फा प—मेधावी दाना, वैज्ञानिक हकीम पहलवान मल्ल।
कुदुज़ (قندز) अ पु—कुत्ते के प्रकार का एक जंतु जिसकी खाल से पोस्तीन बनते हैं उस जानवर की पोस्तीन, जल कुक्कुर पानी का कुत्ता।
कुदुर (کندر) फा पु—एक गोंद जो दवा के काम आता है।
कुदुलान (کندلان) तु पु—वह बड़ा ख़ेमा जो बादशाह के दरवाज़े पर लगाया जाता है।
कुदुश (کندش) अ अ—दे कुदुर, दे अकअक।
कुदू (کندو) फा पु—पात्र बरतन।
कुदूएआब (کندوے آب) फा पु—पानी की टकी या हौज़।
कुदूएग़ल्ला (کندوے غلہ) फा पु—नाज का कोठार या बखारी।
कुऊद (قعود) अ पु—बैठने का भाव बैठक नमाज़ में बैठने का अमल।
कुक्नुस (ققنس) अ पु—एक बहुत ही मधुरस्वर चिड़िया जिससे यूनानियों ने गानविद्या सीखी इसके गाने से आग लग जाती है।
कुख कुख (کخ کخ) फा अव्य—खाँसने का स्वर।
कुच (قچ) तु पु—मेढा नर भेड़ जिसके सींग होते हैं और जो लड़ाई के काम आता है।
कुज़ह (قزح) अ पु—वह फ़िरिश्ता जो बादलों का प्रबंध करता है, इंद्र।
कुजा (کجا) फा अव्य—कहाँ किस स्थान पर।
कुज़ाआ (قضاعہ) अ पु—एक समुद्री जंतु जिसके अंडकोष से 'जुंदबे दस्तर' निकलता है, जो दवा में प्रयुक्त होता है।
कुज़ाज़ (کزاز) अ पु—रगों और पट्ठों के खिंचाव से उत्पन्न होनेवाली एक पीड़ा।
कुज़ात (قضات) अ पु—क़ाज़ी का बहु, निकाह पढ़ानेवाले क़ाज़ी, न्यायकर्ता क़ाज़ी।
कुज़ूर (قذر) अ स्त्री—अपवित्रता गंदगी पलीदी।
कुतल (کوتل) तु पु—ख़ाली सवारी का घोड़ा 'कोतल' भी प्रचलित।
क़ुतास (قطاس) तु प—पहाड़ी गाय (सुरा गाय) की पूँछ जिससे मोरछल बनता है।
क़ुतुन (قطن) अ पु—कपास कपास का सूत, रुई, तूल।
कुतुब (کتب) अ स्त्री—'किताब' का बहु पुस्तकें, किताबें।
कुतुबफ़रोश (کتب فروش) अ फा वि—पुस्तकें बेचनेवाला।
कुतुबफ़रोशी (کتب فروشی) अ फा स्त्री—पुस्तकें बेचने का काम।
क़ुतूफ़ (قطوف) अ पु—क़त्फ़ का बहु, मेवे फल आदि।

कुत्कः (قتقه) तु पु.–मोटा और छोटा डंडा।
कुत्ताअ (قطاع) अ. वि.–'क़ातेअ' का बहु., काटनेवाले।
कुत्ताउत्तरीक़ (قطاع الطریق) अ वि –राह में लूटनेवाले, डाकू, लुटेरे, बटमार।
कुत्ती (قتی) तु स्त्री –पिटारी, सदूकची।
कुत्न (قطن) अ. पु –कपास; रुई, दे 'कुतुन', दो. शु हैं।
कुत्नी (قطنی) अ पु –सूत का बना हुआ कपड़ा; रेशम और सूत मिला हुआ कपड़ा।
कुत्ब (قطب) अ पु –पृथ्वी का धुरा, ध्रुव; एक तारा जो अपने स्थान पर स्थिर रहता है, ध्रुव तारा; एक प्रकार के मुसलमान ऋषि जिनके सिपुर्द कोई बड़ा इलाका होता है।
कुत्बनुमा (قطب نما) अ फा पु –दिशा बतानेवाला यंत्र, दिग्दर्शक यंत्र।
क़ुत्बे जुनूबी (قطب جنوبی) अ. पु –दक्षिणी ध्रुव।
कुत्बे शिमाली (قطب شمالی) अ पु –उत्तरी ध्रुव।
क़ुत्बैन (قطبین) अ. पु –उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुव।
कुत्र (قطر) अ पु –वह रेखा जो किसी परिधि से गुजरती हुई, उसे दो बराबर के भागों में बाँट दे, व्यास।
कुत्रुब (قطرب) अ पु –एक बहुत छोटा कीड़ा जो पानी पर दौड़ता रहता है और कभी नहीं थमता; पागलपन की एक किस्म, इस रोग का रोगी किसी एक स्थान पर नहीं ठहरता और सब से भागता है।
कुदमा (قدما) अ पु.–'कदीम' का बहु, पुराने लोग; प्राचीन विद्वान् लोग, प्राचीन वैज्ञानिक लोग।
कुद्दुस (قدس) अ वि –पवित्र, पाक, पवित्रता, पाकीजगी।
कुदूम (قدوم) अ पु –आगमन, पदार्पण, आना।
कुदूर (قدور) अ स्त्री –'किद्र' का बहु, हाँडियाँ, डेगचियाँ।
कुदूरत (کدورت) अ स्त्री –मैल, मलिनता, गँदलापन, मनोमालिन्य, शकररजी।
कुद्दूस (قدوس) अ वि.–अत्यत पवित्र, बहुत ही पाक, ईश्वर का एक नाम।
कुद्रत (قدرت) अ स्त्री –प्रकृति, निसर्ग, नेचर, फित्रत, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दूर; दैवी माया, खुदा की कुदरत, वश, जोर, शक्ति, ताकत; समृद्धि, दौलतमदी।
कुद्रतन (قدرتاً) अ वि –कुदरती तौर पर।
कुद्रती (قدرتی) अ वि –प्राकृतिक, नेचुरल, ईश्वरीय, दैवी, खुदाई; कुदरत से सम्बन्धित।
कुद्रते हक़ (قدرت حق) अ स्त्री –ईश्वर की माया, खुदा की कुदरत।
कुद्स (قدس) अ पु –पवित्रता, पाकीजगी, पवित्र, पाक, यरोशलम का एक पहाड़।
क़ुद्सियाँ (قدسیاں) अ. पु –'कुद्सी' का बहु, फिरिश्ते; ऋषिगण, औलिया अल्लाह।
कुद्सी (قدسی) अ. वि –फिरिश्ता, देवता।
क़ुद्सी सिफ़ात (قدسی صفات) अ वि –फिरिश्तों जैसे गुणवाला, देवोपम, देवात्मा।
कुन (کن) फा प्रत्य –करनेवाला, जैसे 'कारकुन'–काम करनेवाला।
कुन (کن) अ क्रि –हो जा, ये शब्द ईश्वर की ज़बान से निकले थे, जिनसे सृष्टि की रचना हुई।
कुनाम (کنام) फा पुं –पशुओं का निवासस्थान; चिड़ियों का घोंसला, चरागाह, गोचर।
क़ुनार (قنار) अ पु –लंबी लकड़ी या लोहे की सलाख जिस पर चिकवे बकरी की खाल उधेड़कर टाँगते हैं।
कुनार (کنار) फा पु –बेर, बेरी, कोल, बदरी।
कुनारे दश्ती (کنار دشتی) फा पु –जंगली बेर, झरबेरी।
कुनासः (کناسه) अ पुं –झाड़ू से बटोरा हुआ कूड़ा-करकट।
कुनिश्त (کنشت) फा पु –उपासनागृह, इबादतखाना; मूर्तिगृह, बुतखाना, अग्निशाला, आतशकदा।
क़ुनुक़ (قنق) अ. पु –मेहमान, अतिथि, आगंतुक।
कुनूअ (قنوع) अ पु –'क़ानेअ' होना, निःस्पृह होना, जो कुछ मिल जाय उसी पर सतुष्ट रहना।
कुनूज़ (کنوز) अ. पु –'कंज़' का बहु, खजाने, निधियाँ।
कुनूत (قنوت) अ पु –आज्ञापालन करना, फर्माँबरदारी करना, नमाज में चुप खड़ा होना; दुआ पढना।
कुनूत (قنوط) अ पु –निराशा, नाउम्मेदी।
कुनूती (قنوطی) अ वि –निराश, नाउम्मेद, निराशावादी, जिसका विचार हो कि उसे किसी काम मे सफलता न होगी।
क़ुनूतीयत (قنوطیت) अ स्त्री –निराशावाद।
कुन्नियत (کنیت) अ स्त्री –दे शु उच्चारण 'कुन्यत'।
क़ुन्फ़ज़ (قنفذ) अ स्त्री –दे 'कुन्फ़ुज़' दो शु. हैं।
कुन्फ़ुज़ (قنفذ) अ स्त्री –साही, सेहाँ, एक जंतु जिसके शरीर पर काँटे होते हैं।
कुन्यः (قنیه) अ पु –पूँजी, सरमाया।
कुन्यत (کنیت) अ स्त्री –वह नाम जिसमे अरबी परंपरा के अनुसार अपने पिता, माता या लड़के का सम्बन्ध प्रकट किया जाय, जैसे–'अबुलहसन' या 'उम्मेकुल्सूम', उपाधि, लकब।
कुफ़ात (کفات) अ पु –'काफ़ी' का बहु, बुद्धिमान् लोग।
कुफ़ुल (قفل) अ पु –ताला, द्वारयंत्र, तालिका।
कुफ़ूर (کفور) अ पु –कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।
कुफ़्फ़ः (قفه) अ पु –उच्च, ऊँचा, ऊँची भूमि, ऊँचा स्थान।

कुफ़्फ़ार (كفار) अ पु–'काफ़िर' का बहु, काफ़िर लोग, नास्तिक लोग।
कुफ्र (كفر) अ पु–अस्वीकृति, कबूल न करना, कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।
कुफ्र आश्ना (كفر آشنا) अ फा वि–जिसे कुफ्र से प्रेम हो जो काफ़िरों से प्रेम करता हो, जो स्वयं आधा काफ़िर हो पाप-परायण।
कुफ़्रान (كفران) अ पु–कृतघ्नता एहसान फ़रामोशी।
कुफ़्राने नेमत (كفران نعمت) अ पु–ईश्वर की दी हुई नेमतों (नियामतों) की अकृतज्ञता।
कुफ़्रिस्तान (كفرستان) अ फा पु–काफ़िरों के रहने का स्थान ऐसा स्थान जहाँ अत्याचारी लोगों के कारण न्याय और नीति का व्यवहार न हो।
कुफ़्रोइल्हाद (كفروالحاد) अ पु–बेदीनी नास्तिकता।
कुफ़्ल (قفل) अ पु–ताला द्वारयंत्र तालिका।
कुफ़्ल शिकनी (قفل‌سکلی) अ फा स्त्री–घर या दुकान आदि का ताला टूटना चोरी होना।
कुफ़्ले वस्वास (قفل‌وسواس) अ पु–गोरखधंधा।
कुबब (قبب) अ पु–कुब्बः का बहु पुंज गुमटियाँ छोटे गुंबद।
कुबरा (كبرا) अ पु–कबीर का बहु बड़े लोग प्रतिष्ठित जन।
कुबुल (قبل) अ पु–कबील का बहु दल गरोह सामने की वस्तु सामने का रुख सामने का शरीर।
कुबूब (قبوب) अ पु–धान का सूखना कोलाहल करना शोर मचाना शत्रुता और लड़ाई शरीर की खाल और मांस का मुरझाना।
कुबूर (قبور) अ स्त्री–कब्र का बहु कब्रें।
कुबूल (قبول) अ पु–सामने आना उपस्थित होना।
कुब्बः (قبه) अ पु–छोटा गुंबद बुर्जी गुमटी।
कुब्बर: (قبره) अ पु–अबाबील पक्षी सुर्खाब पक्षी।
कुब्रा (كبرى) अ स्त्री–अक्बर की स्त्री बहुत बड़ी जैसे कियामते कुब्रा, बहुत बड़ी आपत्ति।
कुब्ल (قبله) अ पु–चुंबन बोसा चूमा।
कुब्ल (قبل) अ स्त्री–भग योनि फर्ज।
कुबह (قبح) अ पु–दोष ऐब खराबी त्रुटि गलती भोंडापन।
कुम (قم) अ क्रि–उठ बैठ खड़ा हो जा यह वे शब्द हैं जिनके उच्चारण से हज़रत ईसा मृत व्यक्ति को जीवित कर देते थे।
कुम[म्म] (كم) अ–आस्तीन।
कुमल (قمل) अ स्त्री–वह छोटा कीड़ा जो बालों और कपड़ों में पड़ जाता है जूँ।
कुमाच (كماچ) तु पु–एक प्रकार की रोटी।
कुमाम (قمام) अ पु–कूड़ा-करकट जो घर भर से निकले, मनुष्यों का दल।
कुमाश (قماش) अ पु–वस्त्र कपड़ा लिबास, घर का सामान, गुण हुनर।
कुमुक (كمک) तु स्त्री–सहायता मदद काम में अथवा युद्ध में।
कुमेज़ (كميز) फा पु–पेशाब मूत्र मूत।
कुमैत (كميت) अ पु–कालिमा लिये हुए लाल घोड़ा जिसकी पूंछ और अयाल के बाल काले हों अंगूर की लाल मदिरा।
कुमकुम (قمقمه) अ पु–काँच का गोल लट्टू जो छतों की सजावट के काम आता है, बिजली का बल्ब कूज़ा पियाला।
कुम्म (قمه) अ पु–हर चीज़ का सिरा हर चीज़ की ऊँचाई बड़ा जनसमुदाय गरोह।
कुम्मल (قمل) अ पु–कुम्मल का बहु किलनियाँ जो पशुओं की देह में चिपककर उनका रक्त पीती हैं चिचड़ियाँ।
कुम्मसा (كمثرى) अ पु–अमरूद एक प्रसिद्ध फल।
कुम्मा (قما) तु स्त्री–दासी लौंडी कनीज़।
कुम्मत (كميت) अ पु–दे शुद्ध उच्चारण 'कुमैत'।
कुम्री (قمرى) अ स्त्री–एक प्रसिद्ध सफ़ेद पक्षी।
कुम्ल (قمل) अ पु–जूँ।
कुर्लक (كورلک) तु पु–वस्त्र लिबास कुर्ता कमीज़।
कुयूस (كوس) अ पु–कास का बहु पियाले कटोरे।
कुरंग (كورنگ) फा पु–लाल रंग का घोड़ा।
कुर: (كره) अ पु–वर्तुल परिधि घेरा गोल गेंद गोला मंडल।
कुर [र] (قر) अ पु–जाड़े की ऋतु शीतकाल।
कुरए अर्ज़ (كرهٔ ارض) अ पु–भूगोल भूमंडल।
कुरए आतश (كرهٔ آتش) अ फा पु–अग्निमंडल।
कुरए आफ़ताब (كرهٔ آفتاب) अ फा पु–रविमंडल सूर्यमंडल।
कुरए आब (كرهٔ آب) अ फा अव्य–सारी पृथ्वी पर फैला हुआ जल।
कुरए आस्माँ (كرهٔ آسمان) अ फा पु–आकाशमंडल खगोल।
कुरए ज़मीं (كرهٔ زمين) अ फा पु–दे कुरए अर्ज़।
कुरए ज़म्हरीर (كرهٔ زمهرير) अ फा पु–वह वायुमंडल जो बहुत ही ठंडा है।
कुरए नार (كرهٔ نار) अ पु–अग्निमंडल।
कुरए फ़लक (كرهٔ فلک) अ पु–दे कुरए आसमान।

कुरए बाद (کرۂ باد) अ फा पु –वायुमडल।
कुरए माह (کرۂ ماہ) अ फा पु –चंद्रमडल।
कुरए शम्स (کرۂ شمس) अ पु –दे 'कुरए आफताब'।
कुरए हवा (کرۂ ہوا) अ पु –दे 'कुरए बाद'।
कुरगः (کورگہ) तु पु –बडा नगाड़ा, धौंसा, दुदुभि।
कुरमसाक (قرمساق) तु पु –वह निर्लज्ज व्यक्ति जो अपनी पत्नी की कमाई खाता हो।
कुरशी (قرشی) अ वि.–कुरैशके वंश से सम्बन्ध रखनेवाला, इस अर्थ में 'कुरैशी' अशुद्ध है।
कुरा' (قرع) अ पु –'कुर्अ' का बहु, पांसे।
कुरा (قریٰ) अ पु –'कर्य' का बहु, बहुत से गांव, ग्राम-समूह।
कुराअ (کراع) अ पु –गाय-भैंस या बकरी के पाये, पशु की पिंडली, घोडो का समूह, पहाड़ की चोटी।
कुराज: (قراضہ) अ. पु –वह कण जो कैंची से कटकर गिरे, चांदी और सोने का कण।
क़ुरात (قرات) अ पु –'कारी' का बहु, कारी लोग, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढनेवाले हाफिज।
कुराद (قراد) अ स्त्री.–किलनी, पशुओ का रक्त पीनेवाला कीडा।
कुरान (قران) अ पु –दे 'कुर्आन', शुद्ध उच्चारण वही है, परतु फार्सीवालो ने 'कुरान' भी लिखा है, अत यह भी शुद्ध है।
कुरास: (کراسہ) अ पु –ग्रथ, पुस्तक, किताब, कुरान।
कुरुत (قوروت) तु पु –दही, दधि।
कुरुती (قوروتی) तु पु –एक प्रकार का दलिया जिसमे सूखा दही डाला जाता है।
क़ुरून (قرون) अ पु –'कर्न' का बहु, बहुत से युग, बहुत से जमाने; बहुत से सीग।
कुरूने ऊला (قرون اولیٰ) अ पु –इस्लाम का प्रारभिक काल, प्रारभिक काल, इब्तिदाई जमाना।
कुरूने खालिय: (قرون خالیہ) अ पु –पिछले युग, गुजरे हुए जमाने।
कुरूनेवुस्ता (قرون وسطیٰ) अ पु –इस्लाम का मध्यवर्ती समय; मध्यवर्ती समय, दरमियानी जमाना।
कुरूब (کروب) अ पु –'कर्ब' का बहु, व्याकुलताएँ, कष्ट, पीडाएँ।
क़ुरूह (قروح) अ पु –'कर्ह' का बहु, बहुत से घाव।
कुरैश (قریش) अ पु –अरब का एक प्रतिष्ठित वश, जिसमे हजरत महम्मद साहिब उत्पन्न हुए थे।
कुरैशी (قریشی) अ. वि –दे 'कुरशी', शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे कुरैशी भी बोलते हैं।
कुरोह (کروہ) फा पु –एक कोस या दो मील का अतर, कोस, क्रोश।
कुर्अ: (قرعہ) अ पु –पांसा, पाशक, सारि, शारि।
क़ुर्अ: अंदाज: (قرعہ انداز) अ फा वि –पांसा फेंकनेवाला; शकुन विचारनेवाला।
कुर्अ: अंदाजी (قرعہ اندازی) अ फा स्त्री –पांसा फेंकना, किसी विषय मे निर्णय के लिए पांसा फेंककर समझौता करना।
कुर्अए फाल (قرعۂ فال) अ. पु –शकुन विचारने के लिए पांसा फेंकना।
कुर्आन (قرآن) अ पु –मुसलमानो का धर्म ग्रथ, जो उनके मतानुसार आस्मानी किताब है, जिसमे तीस 'पारे', छोटी बडी एक सौ चौदह 'सूरते', ६६४० 'आयते' और ५४० 'रुकूअ' हैं।
कुर्क़ (قرق) तु पु –निषिद्ध, मना किया हुआ; रोका हुआ, वर्जित; देखभाल, निगरानी; रोकना, अलग रखना।
कुर्क अमीन (قرق امین) तु अ वि.–दीवानी या माल का वह कर्मचारी जो डिग्री या मुतालबे मे कुर्की करता है।
कुर्की (قرقی) तु स्त्री –किसी डिग्री आदि मे सरकारी कर्मचारी द्वारा जायदाद, माल या रुपये की जब्ती।
कुर्की (کرکی) अ पु –एक पक्षी, कुलग।
कुर्कुम (کرکم) फा पु –केसर, जा'फरान।
कुर्त: (کرتہ) तु पु –पहनने का कमीस जैसा एक वस्त्र।
कुर्त (قرط) अ पु –कान मे पहनने का बुदा, लटकन, गोशवारा।
कुर्त (قوروت) तु पु –दही, जुग्रात, दधि।
कुर्तक (قرطق) अ पु –दे 'कुर्त'।
कुर्तुम (قرطم) अ पु –कुसुम, कड।
कुर्द (کرد) तु पु –तुर्कों की एक सचारजीवी अर्थात् खाना-बदोश जाति, जो प्राय जगलो मे रहती और बडी बहादुर होती है।
कुर्दक (کردک) फा पु –बहुत मोटा-ताजा और बलवान् व्यक्ति।
कुर्दिस्तान (کردستان) तु फ पु –कुर्द जाति के तुर्कों के रहने का प्रदेश।
कुर्नक (قورنق) तु पु –दास, नौकर; दासी, लौडी, कनीज।
कुर्नास (قرناس) अ. पु –पिशाच, राक्षस, देव, पहाड़ की चोटी।
कुर्नुश (کورنش) तु स्त्री –झुककर प्रणाम करना।
कुर्ब (قرب) अ पु –समीपता, निकटता, नजदीकी।
क़ुर्बत (قربت) अ स्त्री –सामीप्य, नैकटय, नजदीकी; सहवास, मैथुन, सोहबत।

कुवत (كربت) अ स्त्री—कष्ट क्लेश दुख शोक रंज।
कुर्बा (قربان) अ पु—कुर्बान का लघु दे कुर्बान।
कुर्बांगाह (قربانگاه) अ फा स्त्री—वधस्थल कुर्बानी करने का स्थान।
कुर्बान (قربان) अ पु—बलि सदके न्योछावर निसार।
कुर्बान (قربان) फा पु—कंधे में पहनने की पेटी जिसमें धनुष लटकाया जाता है।
कुर्बानी (قربانى) अ स्त्री—किसी पशु का किसी देवता आदि के लिए वध किसी बड़े काम के लिए जान की भेंट त्याग ईसार।
कुर्बोजुवार (قرب‌وجوار) अ पु—आसपास चारों ओर चहुँपास।
कुम (كرم) अ पु—अत्यंत शोक और दुख।
कुर (قره) अ पु—ठंडक शीतलता सुख चैन ज्योति रौशनी।
कुर (كره) अ पु—गधे या घोड़े का बच्चा कोता चाबुक प्रमोद।
कुरतुलऐन (قرةالعين) अ पु—आँखों की ठंडक आँखों की ज्योति इस शब्द का प्रयोग प्रायः पुत्र के लिए होता है।
कुरमसाफ़ (قرم ساق) तु पु—अशुद्ध उच्चारण कुरमसाक़।
कुर्रास (كراسه) अ पु—पुस्तक का एक खंड अथवा अध्याय कुरान का एक पारा।
कुर्रास (كراث) अ पु—गंदना एक दाना जो दवा में चलता है।
कुर्रासी (كراثى) अ वि—गंदने के रंग का मटमैला।
कुर्स (قرص) अ पु रोटी नान रोटिका टिकिया वाटिका दवा की चपटी गोली।
कुर्सी (كرسى) अ स्त्री—बैठने का विशेष प्रकार का आसन आसनी चेयर।
कुर्सीनशीं (كرسى‌نشين) अ फा वि—पदासीन ओहदेदार प्रतिष्ठित सम्मानित मुअज्ज़ज़।
कुर्सीनामः (كرسى‌نامه) अ फा पु—खानदान का शजरा वंशवृक्ष वंशतालिका वंशावली।
कुर्सीनुमा (كرسى‌نما) अ फा वि—कुर्सी के आकार प्रकार का कुर्सी जैसा।
कुर्सरोज़ (قرص‌روزی) अ फा पु—घड़ियाल जो समय बताता है।
कुर्ह (قرحه) अ पु—घाव ज़ख्म।
कुलंग (كلنگ) फा पु—एक प्रसिद्ध पक्षी कलिंग।
कुल (قله) अ पु—गिल्ली जो डंडे से मारी जाती है और जिस डंडे को गिल्ली डंडा कहते हैं।
कुल (كل) अ वि—सब सब तमाम।
कुल (قل) अ पु—किसी बुजुर्ग के उर्स में आखिरी फातहः अंत समाप्ति खातिमः कुरान की चार छोटी सूरतें जो प्राय किसी के फातहः में पढ़ी जाती हैं।
कुलआऊज़ी (قل‌اعوذى) अ पु—दे कुलाऊज़ी।
कुलकुल (قلقل) फा स्त्री—सुराही से शराब के निकलने की आवाज़ व्यर्थ की बातचीत हँसी के साथ यों रोना है मिस्ले कुल्कुले मीना —ज़ौक़।
कुलल (قلل) अ पु—कुल्लः का बहु पहाड़ों की चोटियाँ।
कुलह (كله) फा स्त्री—कुलाह का लघु रूप टोपी शिरस्त्राण।
कुलाअ (قلاع) अ पु—मुँह आने का रोग मुहाँ।
कुलाऊज़ी (قل‌اعوذى) अ पु—कठमुल्ला रोटियों पर मस्जिद में पड़ा रहनेवाला मुल्ला बहुत ही तुच्छ नीच और गर्हित व्यक्ति।
कुलाक़ (قلاق) तु पु—कान कर्ण गोश।
कुलाग़ (كلاغ) फा पु—जंगली कौआ डोम काक।
कुलाब (قلاب) अ पु—दे कल्लाब शुद्ध यही है परंतु उर्दू में कुलाब ही बोलते हैं किवाड़ों में डालने का लोहे का हल्का मीनों खराबने का यंत्र।
कुलालः (كلاله) फा पु—टेढ़े बाल घूँघरवाले बाल अलक ज़ुल्फ़।
कुलाल (كلال) फा पु—मिट्टी के बरतन बनानेवाला कुम्हार कुंभकार।
कुलाह (كلاه) फा पु—टोपी ताज मुकुट।
कुली (قلى) तु पु—सेवक दास नौकर स्टेशनों पर सामान ढोनेवाला व्यक्ति।
कुलीचः (كليچه) फा पु—ख़मीरी टिकिया।
कुलीचः (كليچه) फा पु—वह कुलीचा जिसमें हलवा खोया और मेवा बादाम आदि भरकर घी में पकाते हैं पिराक गुझिया।
कुलूख (كلوخ) फा पु—ढेला मिट्टी का टुकड़ा ईंट या पत्थर का टुकड़ा।
कुलूखअंदाज़ (كلوخ‌انداز) फा वि—ढेला मारनेवाला दुर्ग में बना हुआ सूराख जिनमें से बंदूक चलायी जाती है गोपन फंजा खन।
कुलूखअंदाज़ी (كلوخ‌اندازى) फा स्त्री—ढेले मारना दुर्ग के सूराखों से बंदूक चलाना गोफन से पत्थर फेंकना।
कुलूब (قلوب) अ पु—क़ल्ब का बहु मनुष्यों के हृदय।
कुलूम (كلوم) अ पु—कल्म का बहु बहुत-से घाव बहुत-से ज़ख्म।

कुलो (كلو) फा वि –महान् व्यक्ति, वडा आदमी; रईस, धनवान्; महल्ले या गाँव का मुखिया।

कुल्कतार (قلقطار) फा पु –फिटकरी, एक ओपधि।

कुल्क़ास (قلقاس) फा पु –घुइयाँ, अरुई, अर्वी।

कुल्चः (کلچہ) फा पु –दे 'कुलीच'।

कुल्चाक (قلچاق) तु पु –लोहे का दस्ताना।

कुल्जुम (قلزم) अ पु –नदी, दर्या, समुद्र, सागर।

कुल्त (قلت) फा. स्त्री –मोठ, एक अन्न।

कुल्फः (قلفہ) अ पु –खतना न किये हुए शिश्न का अग्र-भाग, लिगाग्र।

कुल्फत (کلفت) अ स्त्री –कष्ट, दु ख, तकलीफ; रज, क्षोभ, गम।

कुल्बः (قلبہ) फा. पुं –हल, लागल, खेत जोतने का यत्र।

कुल्वः(کلبہ)फा पु –छोटा-सा घर, झोपडा, दुकान का कोना,

कुल्वःराँ (قلبہراں) फा वि –हल चलानेवाला, किसान, खेतिहर, कृपक।

कुल्वःरानी (قلبہرانی) फा. स्त्री –हल चलाना, किसानी, कृपिकर्म।

कुल्वए अह्ज़ाँ (کلبۂ احزاں) फा अ पु –शोकगृह, गम का घर, दुखियो के रहने का घर, प्रेमी का घर।

कुल्माश (قلماش) फा पु –अनर्गल, व्यर्थ, वेहूदा।

कुल्यः (کلیہ) अ पु –शरीर का एक अग विशेप, गुर्दा।

कुल्यतैन (کلیتین) अ पु –दोनो गुर्दे।

कुल्लः (قلہ) अ पु –पहाड की चोटी, शृग; हर चीज की चोटी, वडा घडा जिसमे छ सौ रतल (७½ मन) पानी आता है; मौन, डहर; तलवार की मूठ, कव्जा।

कुल्लए कोह (قلۂ کوہ) अ फा पु –पहाड़ की चोटी।

कुल्लक़्ची (قلقچی) तु पु –वह व्यक्ति जो नौकर तो हो, परन्तु राज्य का नौकर न हो, अधिकारी का निजी नौकर।

कुल्लतैन (قلتین) दो घडे पानी अर्थात् १५ मन पानी।

कुल्लाज (قلاج) तु. पु –किसी चीज का वलपूर्वक खीचना, जैसे–धनुप का, दोनो फैले हुए हाथो की लम्वाई।

कुल्लाबः (قلابہ) अ पु –दे 'कुलाव', उर्दू मे वही प्रचलित है, परन्तु शुद्ध 'कुल्लाव' है, कुलाब. भी प्रचलित।

कुल्लाव (قلاب) अ पु –लोहे का टेढा काँटा जिसमे कोई चीज लटकाई जा सके।

कुल्लियः (کلیہ) अ पु –ऐसा नियम जो एक जैसे विपय मे सव पर लागू हो सके, व्यापक नियम।

कुल्लियात (کلیات) अ पुं –'कुल्लिय' का वहु, वहुत से व्यापक नियम, किसी शायर की तमाम रचनाओ का सग्रह, जिसमे गजले, मस्नवियाँ, कत्आत, मुसद्दस, मुखम्मस, नज्मे आदि सभी चीजे होती है, 'दीवान' मे केवल गजले होती है।

कुल्ली (کلی) अ. वि –कुल से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु; पूरी तौर पर, समग्र, समस्त, सव।

कुल्लूब (کلوب) अ पु –लोहारो की सँड़सी।

कुवा (قوی) अ पु –'कुव्वत' का वहु, शक्तियाँ, जोर, वल; इद्रियाँ, हवास।

कुवाए नफ़्सानी (قوائے نفسانی) अ पु –दृष्टि, घ्राण, श्रवण, स्पर्श, स्मरण, स्वाद और विचार आदि की शक्तियाँ।

कुवाए शह्वानी (قوائے شہوانی) अ पु –जननेद्रिय।

कुवाए हैवानी (قوائے حیوانی) अ पुं.–जीवन-रक्षा करनेवाली शक्तियाँ जो हृदय की गति को सतुलित अवस्था मे रखकर, शरीर की धातुओ को दूषित होने से बचाती और शारीरिक शक्ति को वढाती है।

कुवारः (قوارہ) अ पु –कतरन, टुकडा, किसी वस्तु के चारो ओर से कटी हुई वस्तु।

कुव्वः (قوہ) अ पु –दे. 'कुव्वत'।

कुव्वः (کوہ) अ. पु –दीवार का छेद; ताक, ताखा; दरीचा।

कुव्वत (قوت) अ. स्त्री –शक्ति, वल, जोर; सामर्थ्य, ताकत, मक्दिरत; इद्रिय, हिस।

कुव्वते आज़्मा (قوت آزما) अ.फा वि –वल दिखानेवाला, किसी कार्य मे वल लगानेवाला।

कुव्वते आज़्माई (قوت آزمائی) अ फा स्त्री –किसी कार्य मे वल लगाना; वल दिखाना, वल-प्रदर्शन।

कुव्वतबख़्श (قوت بخش) अ फा वि –ताकत देनेवाला, ताकत वढानेवाला, वलदायक, वलवर्द्धक।

कुव्वते आख़िज़ः (قوت آخذہ) अ स्त्री –लेने की कुव्वत, ग्रहण-शक्ति।

कुव्वते इरादी (قوت ارادی) अ स्त्री.–इरादे की कुव्वत, सकल्प-शक्ति।

कुव्वते ईजाद (قوت ایجاد) अ स्त्री –नयी वात पैदा करने की शक्ति, आविष्कार-शक्ति, उद्भावना, कल्पशक्ति।

कुव्वते कशिश (قوت کشش) अ फा स्त्री.–खीचने की कुव्वत, आकर्पण-शक्ति।

कुव्वते गोयाई (قوت گویائی) अ फा स्त्री –दे. 'कुव्वते नातिक'।

कुव्वते जाइकः (قوت ذائقہ) अ स्त्री –चखने की कुव्वत, स्वादेद्रिय।

कुव्वते जाजिबः (قوت جاذبہ) अ स्त्री –जज्व करने या अपनी ओर खीचने की कुव्वत, आकर्पण-शक्ति।

कुव्वते दाफ़िअ (قوت دافعہ) अ स्त्री—हटाने की कुव्वत, निवारण शक्ति, उत्क्षेपण शक्ति।

कुव्वते नातिक़ा (قوت ناطقہ) अ स्त्री—बोलने की कुव्वत, वाणी, वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, वाक्य शक्ति।

कुव्वते नामिया (قوت نامیہ) अ स्त्री—बढ़ानेवाली शक्ति, विकास शक्ति।

कुव्वते फ़िक्र (قوت فکر) अ स्त्री—विचार करने की शक्ति, विचार शक्ति।

कुव्वते फ़ैसल (قوت فیصلہ) अ स्त्री—दो बातों में अच्छा बुरा मालूम कर अच्छी बात ग्रहण करने की शक्ति, अच्छे-बुरे में तमीज़ करने की कुव्वत, विवेचन शक्ति, निर्णय शक्ति।

कुव्वते बरदाश्त (قوت برداشت) अ फ़ा स्त्री—कष्ट या कड़वी बात सहन की शक्ति, सँभार, सहनशीलता, सहन शक्ति।

कुव्वते बर्क़ी (قوت برقی) अ स्त्री—बिजली की शक्ति, विद्युत शक्ति।

कुव्वते बाज़ू (قوت بازو) अ फ़ा स्त्री—अपनी निजी मेहनत, निजी परिश्रम, बाहुबल।

कुव्वते बासिरा (قوت باصرہ) अ स्त्री—देखने की शक्ति, नेत्रशक्ति, दृष्टिशक्ति।

कुव्वते बाह (قوت باہ) अ स्त्री—स्त्री प्रसंग की कुव्वत, रति शक्ति, काम शक्ति।

कुव्वते मर्दानगी (قوت مردانگی) अ फ़ा स्त्री—दे 'कुव्वते बाह'।

कुव्वते मासिका (قوت ماسکہ) अ स्त्री—सुरक्षा करनेवाली शक्ति।

कुव्वते मुतख़य्यिला (قوت متخیلہ) अ स्त्री—ख़्याल करने की कुव्वत, विचार शक्ति, कल्पना शक्ति।

कुव्वते मुमय्यिज़ा (قوت ممیزہ) अ स्त्री—दो चीज़ों में भेद करने की शक्ति, विवेचन शक्ति।

कुव्वते मुतसर्रिफ़ा (قوت متصرفہ) अ स्त्री—किफ़ायतशारी की ताक़त, मितव्यय की शक्ति, अधिकार करने की शक्ति।

कुव्वते मुद्रिका (قوت مدرکہ) अ स्त्री—दे 'कुव्वते मुफ़क्किरा'।

कुव्वते मुफ़क्किरा (قوت مفکرہ) अ स्त्री—विचार करने की शक्ति, विचार शक्ति।

कुव्वते मुशाहदा (قوت مشاہدہ) अ स्त्री—दे 'कुव्वते बासिरा'।

कुव्वते रूहानी (قوت روحانی) अ स्त्री—आत्मा की शक्ति, आत्मबल, मनोबल, आत्मशक्ति।

कुव्वते लामिसा (قوت لامسہ) अ स्त्री—छूने की शक्ति, स्पर्श-शक्ति।

कुव्वते वाहिमा (قوت واہمہ) अ स्त्री—भ्रम में डालनेवाली शक्ति, कल्पना शक्ति।

कुव्वते शामा (قوت شامہ) अ स्त्री—सूँघने की शक्ति, घ्राणशक्ति।

कुव्वते सामिआ (قوت سامعہ) अ स्त्री—सुनने की कुव्वत, श्रवण शक्ति।

कुव्वते हाज़िमा (قوت ہاضمہ) अ स्त्री—हज़म करने की शक्ति, पाचन शक्ति।

कुव्वते हाफ़िज़ा (قوت حافظہ) अ स्त्री—याद रखने की शक्ति, स्मरण-शक्ति।

कुव्वते हास्सा (قوت حاسہ) अ स्त्री—ज्ञान प्राप्त करने की शक्ति, जैसे—श्रवण शक्ति, स्पर्श शक्ति आदि।

कुश (کش) फ़ा प्रत्य—मार डालनेवाला, जैसे—'हशरात-कुश' कीड़ों को मार डालनेवाला।

कुश (کوش) तु पु—बाज़, श्येन पक्षी।

कुशक (کوشک) फ़ा पु—दे 'कुश्क' उच्चारण 'कुश्क' और 'कोशक'।

कुशा (کشا) फ़ा प्रत्य—खोलनेवाला, जैसे—'गिरहकुशा' गाँठ को खोलनेवाला।

कुशाइश (کشائش) फ़ा स्त्री—विस्तार, कुशादगी, वृद्धि, बढ़ती।

कुशादा (کشادہ) फ़ा वि—चौड़ा, चकला, फैला हुआ, विस्तृत, वसीअ।

कुशादा-अब्रू (کشادہ ابرو) फ़ा वि—जिसकी दोनों भौंहों के बीच काफ़ी अंतर हो।

कुशादाकफ़ (کشادہ کف) फ़ा वि—जिसके हाथ देने के लिए खुले रहते हों, दानशील, वदान्य, मुक्तहस्त।

कुशादाजबीं (کشادہ جبیں) फ़ा वि—हँसमुख, ख़ुशमिज़ाज।

कुशादा दस्त (کشادہ دست) फ़ा वि—दे 'कुशादा कफ़'।

कुशादा दिल (کشادہ دل) फ़ा वि—उदारचित्त, उदार हृदय, मुक्त हृदय, फ़राख़दिल।

कुशादानफ़्स (کشادہ نفس) फ़ा अ वि—वाचाल, मुखर, बातूनी, बक्वासी।

कुशादा पेशानी (کشادہ پیشانی) फ़ा वि—दे 'कुशादा जबीं'।

कुशादा रू (کشادہ رو) फ़ा वि—जिसका मुँह प्रसन्नता के कारण खिला हुआ हो, प्रफुल्लवदन।

कुशाद (کشاد) फ़ा स्त्री—हर्ष, ख़ुशी, प्राप्ति, लाभ, नफ़ा, विजय, फ़त्ह, उद्घाटन, खुलना।

कुशादगी (کشادگی) फा स्त्री –विस्तार, फैलाव; गुंजाइश, समाई, खुलापन; प्रसन्नता, उदारता।
कुशादनी (کشادنی) फा वि –खुलने योग्य।
कुशादे कार (کشادکار) फा स्त्री –सफलता, कामयाबी, इच्छापूर्ति, मक्सद बरारी।
कुशा'रीरः (قشعریرہ) अ पु –शरीर के रोंगटे खडे हो जाना।
कुशिंदः (کشندہ) फा वि –मारनेवाला, वध करनेवाला।
कुशुन (قوشون) तु पु –सेना, फौज, लश्कर, दे 'कुशून'।
कुशूद (کشودہ) फा वि –खुला हुआ, खोला हुआ।
कुशूद (کشود) फा स्त्री –खुलाव, खुलापन।
कुशूदे कार (کشودکار) फा स्त्री –दे 'कुशादे कार'।
कुशून (قوشون) तु पु –दे 'कुशुन', शुद्ध वही है, परन्तु कुशून भी बोला और लिखा जाता है।
कुशूर (قشور) अ पु –'कश्र' का बहु, छिलके, छाले।
कुशूस (کشوث) अ पु –एक मशहूर दाने जो दवा के काम आते हैं, तुख्मे कशूस।
कुश्क (کشک) फा पु –प्रासाद, भवन, महल; दे. 'कोशक'।
कुश्तः (کشتہ) फा वि –मारा हुआ, वध किया हुआ, (पु) भस्म, फूँकी हुई धातु, आशिक, प्रेमी।
कुश्त (کشت) फा पु –मार-धाड़, इस शब्द का प्रयोग खून के साथ होता है और 'कुश्तो खून' बोलते हैं।
कुश्तए इश्क (کشتۂ عشق) फा अ. वि –प्रेमाग्नि में भस्म किया हुआ, इश्क का मारा हुआ, अर्थात् प्रेमी, आशिक।
कुश्तए गम (کشتۂ غم) फा. अ वि –दे. 'कुश्तए इश्क'।
कुश्तए नाज़ (کشتۂ ناز) फा वि –प्रेमिका की अदाओं का मारा हुआ, प्रेमी, आशिक।
कुश्तए हिज्र (کشتۂ ھجر) फा अ वि –प्रेयसी की विरहाग्नि में जला हुआ, फिराक का मारा हुआ, विरह-विदग्ध।
कुश्ती (کشتی) फा स्त्री –दो पहलवानों का परस्पर बाहु-युद्ध, नियुद्ध, मल्लयुद्ध, व्यायाम-युद्ध, बाहुयुद्ध।
कुश्तीगीर (کشتی گیر) फा. वि –कुश्ती लड़नेवाला, पहलवान, मल्ल, नियोद्धा।
कुश्तीबाज़ (کشتی باز) फा वि –दे 'कुश्ती गीर'।
कुश्तोखून (کشت وخون) फा. पु –मारकाट, कटाबनी, रक्तपात, खूँरेज़ी।
कुश्नीजः (کشنیزہ) फा पु –अंगूर के फल जो प्रारम्भ में धनिए के बराबर होते हैं।
कुश्नीज (کشنیز) फा पु –धनिया, धान्यक, मसाले की एक वस्तु।
कुस (کس) फा. स्त्री –भग, योनि, फुर्ज।
कुसूफ (کسوف) अ पु –सूर्यग्रहण, सूरज गहन।
कुसूर (قصور) अ पु –'कस्र' का बहु, बहुत से भवन, हवेलियाँ; दोष, अपराध, जुर्म, त्रुटि, गलती; न्यूनता, कमी।
कुसूर (کسور) अ. स्त्री –'कस्र' का बहु, भिन्न संख्याएँ।
कुसूरवार (قصوروار) अ फा वि –अपराधी, दोषी, मुल्जिम।
कुसूरे आ'शारियः (کسور اعشاریہ) अ स्त्री –दशमलव भिन्न, कुसूर या कसर=भिन्न, आशारिया=दशमलव।
कुस्त (قسط) अ. स्त्री –एक वनौषधि, कूट।
कुस्तनतीनियः (قسطنطنیہ) अ पु –यूरोपीय टर्की की राजधानी, इस्तम्बोल।
कुस्ता (قسطا) फा पु –पारसियों का एक धार्मिक ग्रंथ।
कुह (کہ) फा पु –'कोह' का लघु, पहाड, पर्वत (यौगिक शब्दों में प्रयुक्त होता है, जैसे–'कुहसार')।
कुहन (کہن) फा वि –पुरातन, पुराना।
कुह नसाल (کہن سال) फा वि –वयोवृद्ध, बूढा।
कुहाब (قحاب) अ पु –खाँसी।
कुहूलत (کہولت) अ स्त्री –अधेड आयु का होना, काले और सफेद बालोंवाला होना।
कुहनः (کہنہ) फा वि –पुराना, पुरातन; कदीमी, हमेशा का, बहुत दिनों का।
कुहन:मश्क (کہنہ مشق) फा अ वि.–जिसे किसी काम का पुराना अभ्यास हो, चिराभ्यस्त।
कुहन:मश्की (کہنہ مشقی) फा. अ स्त्री –किसी काम का पुराना अभ्यास, चिराभ्यास।
कुहन:साल (کہنہ سال) फा. वि –बूढा, जरठ, वयोवृद्ध।
कुहन:साली (کہنہ سالی) फा स्त्री –बुढापा, जरा, वृद्धावस्था।
कुहनगी (کہنگی) फा. स्त्री –पुरानापन, प्राचीनता, जीर्णता, फटा पुरानापन, बहुत दिनों का हो जाना।
कुह्बः (قحبہ) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, परपुरुषगामिनी, फाहिशः, गणिका, वारमुखी, वेश्या, रंडी।
कुह्बःखानः (قحبہ خانہ) अ फा पु –चकला, वेश्यालय, रंडियों का महल्ला।
कुह्राम (کہرام) अ पु.–हाहाकार, वावैला, शोरोगुल।
कुह्ल (کحل) अ पु –सुरमा, रसांजन।
कुह्ली (کحلی) अ वि –सुरमे के रंग का, सुरमई, एक काला वस्त्र जो ईरानी स्त्रियाँ पहनती हैं।
कुह्लुल जवाहिर (کحل الجواھر) अ पु –ऐसा सुरमा जिसमें मोती आदि बहुमूल्य रत्न पडे हों।
कुह्लुलबसर (کحل البصر) अ पु –नेत्र-ज्योति बढानेवाला सुरमा।

कुहसार (کہسار) फा पु -दे 'कोहसार', पर्वत-श्रेणियाँ, उपत्यका, पहाड़ियों का अंचल।

कू

कू (کوں) फा स्त्री -'कून' का लघु, दे 'कून'।
कू (کو) फा अव्य -कि वह।
कू (کو) फा पु -कूच का लघु, दे कूच।
कूए ख़राबात (کوۓ خرابات) फा पु -दे 'कूए मुग़ाँ'।
कूए मुग़ाँ (کوۓ مغاں) फा पु -मधुशाला की गली, शराब खाने का कूचा।
कूक (کوک) फा स्त्री -ज़ोर की आवाज़, कोकू की आवाज़।
कूकू (کوکو) फा स्त्री -फ़ाख़्ता की बोली, (पु) एक प्रकार का पुलाव।
कूख़ (کوخ) अ पु -फूस की झोंपड़ी जिसमें रौशनदान न हो।
कूच (کوچہ) फा पु -दो घरों के बीच वाली तंग गली, वीथी, गली।
कूचगर्द (کوچہگرد) फा वि -गलियों के चक्कर काटने वाला, गलियों में मारा-मारा फिरनेवाला।
कूचगर्दी (کوچہگردی) फा स्त्री -गलियों में मारा मारा फिरना, आवारागर्दी।
कूच दर कूच (کوچہ در کوچہ) फा वि दे -कूच बकूच।
कूचबंद (کوچہبند) फा वि -ऐसी गली जिसमें रक्षाय फाटक आदि लगा हो जो संकट के समय बन्द किया जा सके।
कूचबंदी (کوچہبندی) फा स्त्री -गली में हिफ़ाज़त के लिए फाटक आदि लगाना जिससे समय पर गली की रक्षा हो सके।
कूच बकूच (کوچہ بکوچہ) फा वि -गली-गली, कूचे-कूचे, घर घर, हर स्थान पर।
कूच (کوچ) फा पु -प्रस्थान, रवानगी, मरण, मौत, सेना का प्रस्थान।
कूच (کوچ) तु पु -मेंढा, नर भेड़, दे 'कुच', दो गु ह।
कूचए इश्क़ (کوچۂ عشق) फा अ पु -प्रेम की गली।
कूचए ख़मोशाँ (کوچۂخموشاں) फा पु -क़ब्रिस्तान, श्मशान।
कूचए नौ (کوچۂ نو) फा पु -चकला, वेश्यालय, रंडियों का स्थान।
कूज़ (کوزہ) फा पु -मिट्टी का सकोरा, मल्कस, कुज़, कुवड़ा।
कूज़ किमार (کوزہ قمار) फा अ वि -जुआरियों को उधार देकर जुआ खिलानेवाला।
कूज़गर (کوزہگر) फा वि -मिट्टी के सकोरे बनानेवाला, कमकार, कमगर।
कूज़गरी (کوزہگری) फा स्त्री -मिट्टी के सकोरे बनाने का काम, कसकम, कमगरी।
कूज़पुश्त (کوزہپشت) फा वि -कुबड़ा, कुब्ज।
कूज़पुश्ती (کوزہپشتی) फा स्त्री -कुबड़ापन।
कूज़फ़रोश (کوزہفروش) फा वि -मिट्टी के सकोरे बेचनेवाला।
कूज़ (کوژ) फा वि -कुबड़ा, कुब्ज।
कूज़ (کوز) अ पु -कूज़ा, सकोरा।
कूत (قوت) अ स्त्री -भोजन, खाना, गिज़ा।
कूतबसरी (قوت بسری) अ फा स्त्री -गुज़र भर आमदनी, इतनी आमदनी जो केवल खाने भर को काफ़ी हो सके, जीवन व्यतीत करने में केवल भोजनमात्र की सुविधा।
कूते ला यमूत (قوت لایموت) अ स्त्री -इतना भोजन जिससे जीवन बना रहे, बहुत थोड़ा भोजन।
कूद (کود) फा पु -अन्न की राशि, अनाज का ढेर, समाहार, मजमूआ।
कून (کوں) फा स्त्री -मलद्वार, गुदा, मनुष्य के पाखाने का मुक़ाम।
कूनस्त (کونسکہ) फा पु -मनुष्य का चूतड़, नितंब, कूल्हा।
कूने ख़र (کون خر) फा स्त्री -गधे का मलद्वार, अलग मूर्ख और निकम्मे व्यक्ति के लिए बोला जाता है।
कूफ़ (کوفہ) अ पु -ईराक़ का एक नगर।
कूफ़ (کوف) फा पु -उल्लू, उलूक, वायसाराति, घुग्घू।
कूफ़ी (کوفی) अ वि -कूफ़े का निवासी, बहुत ही निम्न और बेईमान व्यक्ति क्योंकि कूफ़ियों ने हज़रत इमाम हुसैन को बड़े-बड़े वचन देकर बुलाया था और फिर उन्हें अकेला छोड़कर क़त्ल होने दिया था।
कूकू (کوکو) फा वि -दे कूच बकूच, गली दर गली।
कूबा (قوبا) अ स्त्री -एक रोग, दाद, दद्रु।
कूर (کورہ) फा पु -ईंटें पकाने का पजावा, चूना पकाने का भट्ठा।
कूरुत (قروت) तु पु -दही, दधि।
कूलज (قولنج) अ पु -दे कूलिंज, दो गु ह परन्तु कूलिंज अधिक प्रचलित है।
कूलिंज (قولنج) अ पु -आँतों की एक पीड़ा जो कभी-कभी घातक सिद्ध होती है।
कूश (قوش) तु पु -बाज़ पक्षी, श्येन।

कूस (کوس) फा. पु.—डंका, धौंसा, दुंदुभि, नक्कार।
कूसे रहील (کوس رحیل) फा अ पु—कूच का नक्कार, काफिले के चलते समय वजनेवाला धौंसा।
कूसे रेहलत (کوس رحلت) फा अ पु दे—'कूसे रहील', प्रस्थान-वाद्य।

के

केद (کید) फा पु—एक अशुभ तारा, केतु।
केर (کیر) फा पु—शिश्न, मेहन, लिंग, उज्वे तनासुल।
केश (کیش) फा पु—धर्म, पथ, मश्रव, आचरण, व्यवहार, अमल, तर्कश, तूणीर।
केहाँ (کیہاں) फा पु—ससार, जगत्, दुनिया, काल, समय, जमाना।
केहूफ़ (قحف) अ स्त्री—खोपडी, कपाल।

कै

कै (قے) अ. स्त्री—वमन, उद्गार, उलटी।
कै (کے) फा पु—सम्राट्, शाहंशाह, ईरान मे चार सम्राट् हुए हैं—कैकाऊस, कैकुबाद, कैखुस्रो, कैलोह्रास्प।
कै (کے) अ पुं—गर्म लोहे का दाग, अग को दागकर रोग की चिकित्सा।
कैक (کدک) फा पु—काटनेवाला एक लाल कीडा।
कैकाऊस (کیکاؤس) फा पु—ईरान का एक सम्राट्, काऊस।
कैखुस्रो (کیخسرو) फा. पु—ईरान का एक साम्राट्।
कैंची (قینچی) तु स्त्री—कतरनी, कपड़ा आदि काटने का यंत्र, कर्तरी, कर्तनी।
कैतून (قیطون) तु स्त्री—रेशम की गोट जो दामनो और गलो पर लगती है।
कैद (قید) अ स्त्री.—गिरफ्तारी, उपग्रह, कारावास, जेल की सज़ा।
कैद (کید) अ स्त्री—छल, कपट, धोखा, फिरेब।
कैदक (قیدی) अ फा. स्त्री—नत्थी, फाइल।
कैदखानः (قیدخانہ) अ फा पु—कारागार, कारागृह, जेल, ज़िंदाँ।
क़ैदी (قیدی) अ वि—कारावासी, जेल मे कैद के दिन काटनवाला, आवद्ध, गिरिफ्तार।
कैदे तन्हाई (قید تنہائی) अ फा स्त्री—ऐसी कैद जिसमे कैदी को अलग कोठरी मे वद कर दिया जाता है, वही उससे मशक्कत ली जाती है और वही खाना आदि दिया जाता है।
कैदे फिरंग (قید فرنگ) अ फा स्त्री—अग्रेजी कैद, जिसकी प्रचण्डता और निर्दयता प्रसिद्ध है।
कैदे वामशक़्क़त (قید بامشقت) अ. फा स्त्री—ऐसी कैद जिसमे मेहनत ली जाय, कठोर कारावास, असाधारण कारावास।
क़ैदे विला मशक़्क़त (قید بلامشقت) अ स्त्री—जिस कैद मे मेनहत न करना पड़े, साधारण कारावास, सामान्य कारावास।
कैदे महज़ (قید محض) अ स्त्री—साधारण कारावास, कैदे विला मशक़्क़त।
कैदे शदीद (قید شدید) अ स्त्री—दे 'कैदे सख़्त'।
कैदे सख़्त (قید سخت) अ फा. स्त्री.—कठोर कारावास, असाधारण कारावास, कैदे वा मशक्कत।
कैन (قین) अ पु—लोहार, लोहकार।
कैनूनत (کینونت) अ. स्त्री—उत्पत्ति, पैदाइश, सृष्टि, आफ़्रीनिश; होना।
कैफ (کیف) अ पु—मद, नशा; आनद, सुरूर, वज्द, हाल, "रफ़्ता रफ़्ता ये हुआ कैफे तसव्वर का असर, दिल के आईन मे तस्वीर उतर आयी है।"
कैफदान (کیفدان) अ. फा पु—नशे की वस्तु रखने की डिबिया।
कैफर (کیفر) फा पु—बुराई का वदला, प्रत्यपकार।
कैफरे कर्दार (کیفر کردار) फा पु—करनी की सजा, बुरे कर्मों का वदला, कर्म-दण्ड।
कैफी (کیفی) अ वि. मत्त, मदोन्मत्त, मख़्मूर।
कैफीयत (کیفیت) अ स्त्री—समाचार, हाल, दशा, हालत, हर्ष, आनन्द, सुरूर, मस्ती, नशा, रिमार्क, नोट, वज्द, हाल, "कैफीयते-चश्म उसकी मुझे याद है 'सौदा'।"
कैमाक़ (قیماق) तु स्त्री—मलाई, वालाई, क्षीरसार।
कैमाज़ (قیماز) फा स्त्री—दासी, सेविका, कनीज।
कैमूस (کیموس) अ पु—खाये हुए अन्न का वह रस जो जिगर के दूसरे पाक मे वनता है।
कैयाद (کیاد) अ वि.—वहुत वडा छली, बहुत बडा धूर्त, वहुत वड़ा फरेवी।
कैयादी (کیادی) अ. स्त्री—छल करना, छल, दगावाजी, कपट।
कैयाल (کیال) अ वि—नापनेवाला, पैमानो से अनाज आदि नापनेवाला।
कैयूम (قیوم) अ वि—अनश्वर, नित्य, लाजवाल; ईश्वर का एक नाम।
कैयूर (قیور) अ वि—जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातवश, वर्णसकर।
क़ैरूती (قیروطی) अ. स्त्री—मोम रौगन की भाँति, सीने आदि पर मलने की एक दवा।

कल्ल (كلل) अ पु—'कल्ल'।
कैल (كيل) अ पु—सूखा वस्तु नापने का पैमाना।
क़ैलूल (قيلوله) अ पु—दोपहर में खाना खाकर थोड़ी देर आराम करना।
कैलूस (كيلوس) अ पु—खाये हुए अन्न का पहला हज़्म जो आमाशय में होता है।
कैलाहास्प (كيلهراسپ) फा पु—ईरान के चार सम्राटों में से चौथा।
कैवाँ (كيواں) फा पु—'कैवान' का लघु द कैवान।
कैवान (كيواں) फा पु—शनिग्रह कुन्द सातवाँ आसमान।
क़ैस (قيس) अ पु—अरब का एक प्रेमी जो लैला पर मुग्ध था। लोग उसे मजनूँ कहते थे।
क़ैस (قيص) अ पु—दाँत का जड़ से निकल जाना पेट का मंगि।
क़ैसर (قيصر) अ पु—रूम के बादशाहों की पदवी बादशाह, राजा।
क़ैसरी (قيصرى) अ वि—बादशाही राज्य।
क़ैसूर (قيصور) अ पु—एक नगर जहाँ का कपूर प्रसिद्ध है।
क़ैह (قيح) अ पु—घाव का पीप अथवा कचलहू।
कैहाँ (كيهاں) फा पु—संसार दुनिया काल समय ज़माना।

को

को (كو) फा अव्य—कि वह।
कोक (كوك) तु पु—वह लड़का जिसने किसी दूसरे लड़के के साथ एक मा का दूध पिया हो।
कोक (كوک) फा स्त्री—बाज के तार ठीक करना बाज की आवाज में आवाज मिलना खाँसी काम।
कोकनार (كوكنار) फा पु—पोस्त पोस्ता पोस्त का दाना जिसमें दाने हों।
कोकलताश (كوكلتاش) तु पु—वह लड़का जिसने किसी दाई के लड़के के साथ दूध पिया हो।
कोख़ (كوخ) फा पु—ऐसा मकान जिसमें रौशनदान न हो एक घास जिससे चटाई बनाते हैं नाट कोना।
कोचक (كوچک) फा वि—छोटा लघु।
कोचकदिल (كوچک دل) फा वि—कुत्सित अनुसार न्यूनता तंगनज़र मनुष्यहृदय नम्रचित्त।
कोचकदिली (كوچک دلى) फा स्त्री—दिल का छोटा होना तंगनज़री दिल का नम होना।
कोचकी (كوچکى) फा स्त्री—छुटाई न्यूनता।
कोज़ (كوز) फा पु—एक फूल जो नर्गिस-जैसा होता है।
कोज़ (كوز) अ वि—टेढ़ापन, वक्रता, कुबड़ा, कुब्ज।
कोज़पुश्त (كوز پشت) फा वि—कुबड़ा कुब्ज।
कोतल (كوتل) फा पु—शुद्ध उच्चारण 'कुतल' परन्तु उर्दू वाले 'कोतल' भी लिखते हैं खाली सवारी का घोड़ा।
कोतह (كوته) फा वि—'कोताह' का लघु द कोताह।
कोतहअंदेश (كوته انديش) फा वि—लघुचेता अदूरदर्शी, नासमझ मूर्ख, बेवकूफ़।
कोतहअंदेशी (كوته انديشى) फा स्त्री—अदूरदर्शिता, नासमझी मूर्खता, जहालत।
कोतहनज़र (كوته نظر) फा अ वि—नाआक़िबतअंदेश अदूरदर्शी।
कोतहनज़री (كوته نظرى) फा अ स्त्री—नाआक़िबतअंदेशी अदूरदर्शिता।
कोतही (كوتهى) फा स्त्री द—'कोताही'।
कोताह (كوتاه) फा वि—ह्रस्व छोटा अल्प थोड़ा।
कोताहअंदेश (كوتاه انديش) फा वि—द 'कोतहअंदेश'।
कोताहअंदेशी (كوتاه انديشى) फा स्त्री—द 'कोतहअंदेशी'।
कोताहक़द (كوتاه قد) फा अ वि—छोटे डीलडौल का, अल्पकाय ह्रस्वांग।
कोताहक़लम (كوتاه قلم) फा अ वि—जो चिट्ठी-पत्री लिखने में बहुत आलसी हो।
कोताहक़लमी (كوتاه قلمى) फा अ—चिट्ठी-पत्री लिखने में आलस।
कोताहक़ामत (كوتاه قامت) फा अ वि—द कोताहक़द छोटे डील डौलवाला मनुष्य।
कोताहक़ामती (كوتاه قامتى) फा अ स्त्री—डील-डौल का छोटा होना।
कोताहगर्दन (كوتاه گردن) फा वि—छोटी गर्दन का व्यक्ति ऐसा मनुष्य चालाक होता है।
कोताहदस्त (كوتاه دست) फा वि—जिसकी पहुँच किसी विशेष स्थान या काम तक न हो सके नारसा जिसके हाथ छोटे हों।
कोताहदस्ती (كوتاه دستى) फा स्त्री—पहुँच न होना हाथ का छोटाई।
कोताहदामन (كوتاه دامن) फा वि—जिसके दामन में थोड़ा हो कम हो कम हौसला।
कोताहदामनी (كوتاه دامنى) फा स्त्री—दामन की छोटाई, उमंग की कमी।
कोताहनज़र (كوتاه نظر) फा वि—जो दूर तक न देख सके जो दूर तक न सोच सके अनुदार तंगदिल।
कोताहनज़री (كوتاه نظرى) फा अ—दूर तक न देख सकना दूर तक न सोच सकना, अनुदारता तंगदिली।

कोताहपाच. (کوتاہ پاچہ) फा. वि.—दे. कोताहदामन, एक जंगली चौपाया।

कोताहफ़ह्म (کوتاہ فہم) फा. अ. वि.—जिसकी समझ भोंथरी हो, मंदबुद्धि।

कोताहफ़ह्मी (کوتاہ فہمی) फा. स्त्री—बात की समझ पूरी-पूरी न हो, कमसमझी, बुद्धिमांद्य।

कोताहबीं (کوتاہ بیں) फा. वि.—दे. 'कोताहनजर'।

कोताहबीनी (کوتاہ بینی) फा. स्त्री—दे. 'कोताहनजरी'।

कोताहहिम्मत (کوتاہ ہمت) फा. अ. वि.—कमहिम्मत, अल्पोत्साह, मंद साहस।

कोताही (کوتاہی) फा. वि.—न्यूनता, छोटाई, न्यूनता, कमी, त्रुटि, खामी; भूल, गफलत।

कोद (کود) फा. पु.—मल, पाखाना, विष्ठा।

कोदक (کودک) फा. पु.—बालक, शिशु, बहुत छोटा बच्चा, बाल, किशोर, जवानी के करीब लड़का।

कोदाब (کوداب) फा. पु.—अंगूर के रस से पकाया जानेवाला एक पेय।

कोपलः (کوپلہ) फा. पु.—वे बुलबुले जो पानी और हरेक पतले पदार्थ में उत्पन्न होते हैं।

कोफ़्तः (کوفتہ) फा. वि.—कूटा हुआ, चोट खाया हुआ, परिश्रम से थका हुआ; (पु.) वह कमाई जो भडुएपन से प्राप्त हो, कीमे की गोली, पके हुए मांस का एक विशिष्ट प्रकार का सालन।

कोफ़्त.बेख़्तः (کوفتہ بیختہ) फा. वि.—कूटकर छाना हुआ, (पु.) कुटी-छनी वस्तु।

कोफ़्त (کوفت) फा. स्त्री.—मनस्ताप, दिली खलिश, दुःख, कष्ट, रंज, परिश्रम, प्रयास, मेहनत।

कोफ़्तनी (کوفتنی) फा. वि.—कूटने के योग्य।

कोबः (کوبہ) फा. पु.—मिट्टी आदि कूटने की मोगरी।

कोबःकार (کوبہ کار) फा. वि.—मोगरी से कूटनेवाला, मार-पीट करनेवाला।

कोब कारी (کوبہ کاری) फा. स्त्री—मोगरी से कुटाई, मार-पीट, मरम्मत।

कोब (کوب) फा. प्रत्य.—कूटनेवाला, जैसे—'पाकोब' पाँव पीटनेवाला।

कोबाँ (کوباں) फा. वि.—कूटता हुआ, मारता हुआ।

कोबिंद. (کوبندہ) फा. वि.—कूटनेवाला।

कोबिदः (کوبیدہ) फा. वि.—कूटा हुआ।

कोर. (کورہ) फा. पु.—भाग, अंश, हिस्सा, ईरान देश का पाँचवाँ भाग।

कोर (قور) तु. पु.—अस्त्र, हथियार।

कोर (کور) फा. वि.—अंधा, नेत्रहीन, अंध, नाबीना।

कोरअ़क़्ल (کورعقل) फा. अ. वि.—अक्ल का अंधा, जिसकी समझ में कुछ न आये, हतबुद्धि, अधबुद्धि, नितान्त मूर्ख।

कोरख़ानः (قورخانہ) तु. फा. पु.—शस्त्रागार, हथियारघर, अस्लिहख़ान।

कोरचश्म (کورچشم) फा. वि.—नेत्रहीन, अंधा।

कोरचश्मी (کورچشمی) फा. स्त्री—अंधापन, नेत्रहीनता।

कोरची (قورچی) तु. पु.—सैनिक, सिपाही, फौजी, लोहार, सोहगर, शाही दरबार का प्रबंधक।

कोरदिल (کوردل) फा. वि.—दे. कोरबातिन।

कोरदिली (کوردلی) फा. स्त्री—दे. 'कोरबातिनी'।

कोरदाँ (کوردیں) फा. पु.—ऊन का मोटा कपड़ा, कम्मल, धुस्सा।

कोरदीद. (کوردیدہ) फा. वि.—दे. 'कोरचश्म'।

कोरदीदगी (کوردیدگی) फा. स्त्री—दे. 'कोरचश्मी'।

कोरदेह (کورده) फा. पु.—ऐसा गाँव जो बड़ी बुरी जगह बसा हो और जहाँ जरूरत की कोई वस्तु न मिले।

कोरनिश (کورنش) तु. स्त्री—दे. 'कुर्निश', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु उर्दू में यही अशुद्ध उच्चारण प्रचलित है, झुककर सलाम करना।

कोरबख़्त (کوربخت) फा. वि.—अंधे भाग्यवाला, अत्यन्त दुर्भागी, हतभाग्य।

कोरबख़्ती (کوربختی) फा. स्त्री—बहुत ही अभागापन।

कोरबातिन (کورباطن) फा. अ. वि.—जिसकी आत्मा में ज्ञान का प्रकाश न हो, अन्धात्मा, जिसमें धर्म न हो।

कोरबातिनी (کورباطنی) फा. अ. स्त्री—आत्मा में ज्ञान के प्रकाश का अभाव, धर्म के प्रकाश का अभाव।

कोरबेगी (قوربیگی) तु. पु.—शस्त्रागार का रक्षक, अस्लिह.-ख़ाने का मुहाफिज।

कोरमग़्ज़ (کورمغز) फा. अ. वि.—जिसकी समझ बहुत मोटी हो, कोढमग्ज, मदबुद्धि।

कोरमग़्ज़ी (کورمغزی) फा. अ. स्त्री.—समझ का अत्यन्त मोटा और भोथरापन।

कोरी (کوری) फा. स्त्री—अंधापन, आंध्य।

कोरे मादर जाद (کور مادرزاد) फा. वि.—जो मा के पेट से ही अंधा पैदा हुआ हो, जन्मांध।

कोरे मुक़्री (کور مقری) फा. अ. पु.—माँ के पेट से अंधा, जन्मांध, बच्चों को पढानेवाला, अंधा हाफिज।

कोरोकर (کوروکر) फा. वि.—अंधा और बहरा, जो न कुछ देख सके और न कुछ सुन सके।

कोल (کول) फा. पु.—ताल, तालाब, तडाग।

कोलाब (کولاب) फा पु–ताल तालाब, तड़ाग।
कोश (کوش) फा पु–ईरानी हर महीने का चौदहवाँ दिन दे 'कोश' दो गु ह (प्रत्य) कोशिश करनेवाला जस 'मस्लहत कोश' हित की कोशिश करनेवाला।
कोशक (کوشک) फा पु–भवन, प्रासाद, महल, दे 'कुश्क', दोनों शुद्ध ह।
कोशाँ (کوشاں) फा वि–कोशिश करनेवाला प्रयत्न में लगा हुआ यत्नमान, यत्नवान।
कोशिश (کوشش) फा स्त्री–प्रयत्न उद्यम प्रयास जिद्दो जहद उपाय तदबीर परिश्रम महनत।
कोसः (کوسہ) फा पु–वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी मूँछ-बयस्क होने के बहुत दिनों बाद निकलें।
कोस (کوس) फा पु–नक्कारः दुदुंभि डका धौंसा।
कोस्तः (کوستہ) फा वि–कूटा हुआ।
कोस्त (کوست) फा पु–मनस्ताप शोक, सन्ध्या।
कोहः (کوہہ) फा पु–कोहान, ऊँट या बैल की पीठ का उभार।
कोह (کوہ) फा पु–पहाड पर्वत गिरि जबल।
कोहकन (کوہکن) फा वि–पहाड काटनेवाला पर्वतभेदी, (पु) शीरी के प्रेमी फ़र्हाद की उपाधि, जिसने शीरीं की आज्ञा से पहाड काटते हुए अपने प्राण दे दिये– वह दो यह कोहकन से कि मरना नहीं कमाल मर मर के हिज्रेयार में जीना कमाल है।
कोहकनी (کوہکنی) फा स्त्री–पहाड काटना कोई बहुत कठिन काम करना।
कोहजिगर (کوہ جگر) फा वि–पहाड जसा अचल साहस रखनेवाला बहुत बड़ा वीर वज्र हृदयी वज्र-साहसी।
कोहपाय (کوہ پایہ) फा वि–पहाड-जसी महत्ता रखने वाला (पु) पहाड की तराई की भूमि गिरि-सा गौरवमय।
कोहपकर (کوہ پیکر) फा वि–पहाड-जसा डीलडौल रखनेवाला बहुत ही गिराडील पर्वताकार महाकाय भीमकाय।
कोहपमा (کوہ پیما) फा वि–पहाडों म मारा-मारा फिरने वाला (पु) आधुनिक समय म पहाडों की चोटियों तक पहुँचने और वहाँ का हाल जानने का प्रयत्न करनेवाला पर्वतारोही।
कोहपमाई (کوہ پیمائی) फा स्त्री–पहाडों म फिरना पहाडों की चोटियों पर चक्कर वहाँ की दशा और दूसरे समाचार ज्ञात करना।
कोहवकार (کوہ وقار) फा अ वि–पर्वत-जसा धय रखनेवाला महाधय पर्वत-जसी प्रतिष्ठा रखनेवाला, महाप्रतिष्ठित।
कोहसार (کوہسار) फा पु–वह देश जहाँ पहाड ही पहाड हो, पहाडों का सिलसिला, पर्वतमाला उपत्यका।
कोहान (کوہان) फा पु–ऊँट या बल की पीठ का कूबड़ ककुद।
कोहिस्तान (کوہستان) फा पु–पहाडी इलाका, पहाडी प्रदेश पहाडी सिलसिला, पर्वतमाला।
कोहिस्तानी (کوہستانی) फा वि–पहाडी प्रदेश का निवासी पहाडी पहाडी इलाक से सम्बन्ध रखनेवाला।
कोही (کوہی) फा वि–पहाड म उत्पन्न, पहाड़ म सम्बंधित पहाड का।
कोहे आतशफ़िशाँ (کوہ آتش فشاں) फा पु–आग उगलने वाला पहाड ज्वालामुखी।
कोहे आदम (کوہ آدم) फा अ पु–लका म एक पहाड की चोटी।
कोहे क़ाफ़ (کوہ قاف) फा अ पु–काकेशिया का पहाड जहाँ का सौन्दय प्रसिद्ध है।
कोहे तूर (کوہ طور) फा अ पु–वह पहाड जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।
कोहे नूर (کوہ نور) फा अ पु–प्रकाश का पहाड बहुत अधिक प्रकाश विश्व का वह सवश्रेष्ठ हीरा जो गोलकुडा से प्राप्त हुआ था और मुग़ल सम्राटों के ताज में रहा और अब ब्रिटिश सम्राट के ताज में जडा है।
कोहे बेसुतू (کوہ بیستوں) फा पु–अमन देश का वह पहाड जिस फ़र्हाद ने काटा था।
कोहे सफ़ा (کوہ صفا) फा अ पु–मक्के की एक पहाडी जिसस दो सौ कदम पर दूसरी पहाडी मर्व है और इन दोनों के बीच में हाजी दौडते ह।
कोहे सीना (کوہ سینا) फा अ पु–शाम का एक पहाड।
कोहे सना (کوہ سینا) फा अ पु–दे कोहे सीना।
कोहन (کہن) फा वि दे–कुहन प्राचीन जीर्ण पुराना।

कौ

कौंसल (قونصل) अ पु–राजदूत सफ़ीर।
क़ौंसलख़ान (قونصل خانہ) अ फा पु–सफ़ीर के रहने का स्थान दूतावास सिफ़ारतख़ाना।
कौकब (کوکبہ) अ पु–जनसमूह भीड अबोह ठाट-बाट शाना शौकत धूम धाम लोहे का एक चमकदार गद जो एक लम्बी लकडी म जिसकी नोक टढी होती है लटकाकर बादशाह की सवारी के आगे-आगे चलाया जाता है।
कौकब (کوکب) अ पु–बडा और तेज प्रकाश का तारा, तारा उडु।

कौदन (کودن) अ वि –मूर्ख, घामड, वहुत ही वेवुकूफ; लद्दू घोडा जो वहुत धीरे चलता है, कम चलनेवाला टट्टू, मठ्ठर ।

कौन (کون) अ पु –संसार, जगत्, दुनिया, उत्पत्ति, सृष्टि, तख़्लीक़ ।

कौनोमकान (کون ومکان) अ पु –ससार, जगत्, जहान ।

कौनैन (کونین) अ पु –दोनो ससार, यह ससार और ऊपरी ससार अर्थात् परलोक ।

कौमः (قومہ) अ पु –नमाज मे खड़े होने की अवस्था ।

कौम (قوم) अ पु –जाति, वर्ग, राष्ट्र, सल्तनत; विरादरी, वर्ण, व्राह्मण, क्षत्रिय या शैख, सैयिद आदि जातियाँ ।

कौमी (قومی) अ. वि –राष्ट्रीय, मल्की, जातीय, विरादरी का, वर्ण-सम्वन्धी ।

कौमीयत (قومیت) अ स्त्री –राष्ट्रीयता, नैशनलिटी, विरादरी; वर्ण ।

कौरः (کورہ) अ पु –निर्जन और वीरान स्थान ।

कौर (قور) अ पु –पजो के वल चलना, ताकि कोई आहट न सुन सके ।

कौर (کر) अ पु –वृद्धि, वढती, समृद्धि, फरागत ।

कौल (قول) अ पु –कथन, वचन, वात, प्रवचन, मकूल, प्रतिज्ञा, इक़्रार, वादा ।

कौलन (قولاً) अ वि –जवानी, वातो से, जवान से, कौल से, 'फ़ेलन' का उलटा ।

कौले सालेह (قول صالح) अ पु –सच्ची वात, ठीक वात, सच्ची राय, सही राय ।

कौलोकरार (قول وقرار) अ पु –आपस मे प्रतिज्ञा करना, पारस्परिक प्रतिज्ञा और वचन ।

क़ौलोकसम (قول وقسم) अ पु –परस्पर शपथ और प्रतिज्ञा, अह्‌दोपैमा ।

कौलो फ़े'ल (قول وفعل) अ पु –कहना और करना, कथन और कर्म, कथनी और करनी ।

कौस (قوس) अ स्त्री –धनुप, धनु, धन्व, कमान, धनुराशि, वुर्जे कौस ।

कौसज (کوسج) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी डाढी-मूछे वहुत समय के पश्चात् निकलें, दे 'कोस.' ।

कौसनुमा (قوس نما) अ फा वि –कमान की शक्ल का, धनुपाकार,

कौसर (کوثر) अ पु –स्वर्ग का एक कुड या हौज ।

कौसुन्नहार (قوس النہار) अ स्त्री –सूरज की पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा, जो १२ घटे मे समाप्त होती हे और पूरा धनुप वनाती है ।

कौसुस्समा (قوس السما) अ. स्त्री –आकाशमडल जो धनुप की तरह दिखाई पड़ता है ।

क़ौसे कुजह (قوس قزح) अ स्त्री –इद्रधनु, धनुक ।

क़ौसे शैतान (قوس شیطان) अ. स्त्री –दे. 'क़ौसे कुज्ह' ।

कौसैन (قوسین) अ स्त्री –दो धनुप, दो कमाने, कोष्ठक, व्रैकेट ।

ख़

ख़ंजर (خنجر) अ पु –छुरी, भुजाली, वड़ा चाकू, पेश कव्ज, क्षुरिका ।

ख़ंजरज़न (خنجرزن) अ फा वि –ख़जर मारनेवाला, छुरी भोकनेवाला ।

ख़ंजरज़नी (خنجرزنی) अ फा स्त्री –छुरा भोकना, ख़जर से घायल करना ।

ख़ंजरवकफ (خنجر بکف) अ फा वि –हाथ मे छुरी लिए हुए, वधोद्यत ।

ख़ंजरी (خنجری) अ स्त्री –एक प्रकार की छोटी डफली ।

ख़ंदः (خندہ) फा. पु –मुस्कुराहट, मुस्कान, मदहास; हँसी, जोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा ।

ख़ंदहज़न (خندہ زن) फा वि –हँसनेवाला; हँसी उड़ानेवाला ।

ख़ंद:ज़नी (خندہ زنی) फा स्त्री –हँसना, मुस्कुराना, हँसी उड़ाना ।

ख़ंद:दहन (خندہ دہن) फा वि –हँसमुख, जिसके मुँह पर हर समय हँसी खेलती रहती हो ।

ख़ंद:पेशानी (خندہ پیشانی) फा वि –खुश अख़्लाक, सुशील, जिसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहती हो, स्मितमुख ।

ख़ंद:रू (خندہ رو) फा वि –दे 'ख़द पेशानी' ।

ख़द:रूई (خندہ روئی) फा स्त्री –चेहरे की मुस्कुराहट, सुशीलता, खुश अख़्लाकी ।

ख़ंद:लव (خندہ لب) फा वि –जिसके होठो पर मुस्कान रहती हो, अधर-स्मिति ।

ख़ंद:लवी (خندہ لبی) फा स्त्री –होठो पर मुस्कुराहट रहना ।

ख़ंदए ज़ख़्म (خندۂ زخم) फा पु –घाव का मुँह खुला होना, घाव का खुलापन ।

ख़ंदए ज़मीं (خندۂ زمیں) फा पु –फलो और हरियालियो का भूमि से निकलना ।

ख़ंदए जाम (خندۂ جام) फा पु –शराव उँडेलने का शब्द, शराव के प्याले की लहर ।

ख़ंदए ज़ेरेलव (خندۂ زیرلب) फा. पुं –ऐसी हँसी जो होठो में ही रह जाय, मदहास, मुस्कुराहट, तवस्सुम ।

खदए दहा नुमा (خنده دندان نما) फा पु–ऐसा हँसी जिसमें दांत खुल जायें जोर की हँसी।
खदए सुबह (خنده صبح) फा अ पु–प्रात काल की सफेदी।
खदक (خندق) अ स्त्री–दुर्ग आदि के चारों ओर का गहरा गढ़ा, खाई खार गत गढ़ा।
खदरीस (خندریس) अ पु–पुरानी मदिरा पुराना गेहूँ।
खदाँ (خندان) फा वि–हँसता हुआ।
खस (خنس) अ पु–सुस्त होना मद होना टेढ़ा होना कुबड़ा होना (वि) मद सुस्त कम टेढ़ा।
खच्चर (خچر) तु पु–घोड़े और गधे के मेल से उत्पन्न एक प्रसिद्ध पशु अश्वतर वेसर गन्धारव।
खज [ख़ज़] (خز) अ पु–एक रेशमी कपड़ा रेशम और सूत मिला एक कपड़ा।
खज (خز) फा पु–खज़ा का लघु, दे खज़ा (स्त्री) उच्चता ऊंचाई (पु) एक नगर।
खज़फ़ (خزف) अ पु–रंगबिरंगा खाना सफेद मोती जो बालकों के गले में पहनाये जाते ह।
खज़न (خزن) अ पु–मांस का सड़ जाना।
खज़फ (خزف) अ स्त्री–ठीकरा गुट्ठी मट्टी का बरतन सकोरा कुल्हड़।
खज़फ़ (خذف) अ स्त्री–दे खज़फ़।
खज़र (خضر) अ पु–खरबूज़ा।
खज़फ़रेज़ (خزف ریزہ) अ फा पु–मट्टी का ठीकरा गुट्ठी।
खज़ब (خضب) अ पु–रंगना रंग करना।
खज़ब (خزب) अ पु–मूलता नाज़ुकी लम्बाई दराज़ी।
खज़र (خزر) अ पु–उत्तरी तुर्किस्तान का एक प्रदेश जहां के निवासी बहुत ही सुन्दर होते ह।
खजल (خجل) अ पु–दे खजालत।
खजलत (خجلت) अ स्त्री–लज्जा शर्म शर्मिन्दगी।
खजलतज़द (خجلت زدہ) अ फा वि–लज्जित शर्मिन्दा।
खज़ाँ (خزاں) फा स्त्री–पतझड़ की ऋतु जाड़े का मौसिम शिशिर भी प्रचलित।
खज़ाँआश्ना (خزاں آشنا) फा वि–वह पक्षी जिसे पतझड़ और उजाड़ स्थान में रहने का अभ्यास हो।
खज़ाँदीद (خزاں دیدہ) फा वि–वह पत्ता या पेड़ जो पतझड़ का कष्ट उठा चुका हो जो पतझड़ के दुख से दुखित हो।
खज़ाँरसीद (خزاں رسیدہ) फा वि–जिस पर पतझड़ का समय आ गया हो जो पतझड़ के कारण नष्ट होनेवाला हो।
खजा (خجع) अ पु–मिथ्या या वचन का पालन न करना दान करना देना।
खज़ाइन (خزائن) अ पु–खिज़ान का बहु निधियां, खज़ाने।
खज़ान (خزانہ) अ पु–निधि कोष भंडार माल सरकारी खजाना राजकोष इस शब्द का शुद्ध उच्चारण खिज़ान है परन्तु उर्दू में खज़ाना ही बोलते ह।
खज़ानए आमिर (خزانۂ عامرہ) अ पु–ऐसा खज़ाना जो भरपूर हो।
खज़ानची (خزانچی) अ फा वि–खज़ाने का हिसाब किताब रखनेवाला कोषाध्यक्ष।
खज़ार (خضار) अ पु–बहुत-सा पानी मिला हुआ दूध तथा तरकारी।
खजालत (خجالت) अ स्त्री–लज्जा व्रीड़ा शर्म पश्चात्ताप, नदामत सकोच पशेमानी।
खज़िम (خذم) अ वि–तेज़ तलवार शूर व्यक्ति।
खज़िर (خضر) अ पु–हरी डाली हरियाली, सब्ज़ी, हरा गिर्द।
खजिल (خجل) अ वि–लज्जित शर्मिन्दा पश्चात्तापी नादिम सकोच पशेमानी।
खज़ी (خزی) अ वि–बदनाम निन्दित रुसवा।
खज़ीफ़ (خضیف) अ पु–बरसात की अधिकता से भारी हुई भूमि।
खज़ीन (خزینہ) अ पु–दे खज़ान ।
खज़ीब (خضیب) अ वि–रंग किया हुआ।
खज़ीर (خضیر) अ वि–उत्तम अच्छा रुचिकर पसन्द।
खज़ूर (خضور) अ वि–हरा होनेवाला।
खजूल (خجول) अ वि–लज्जित शर्मिन्दा।
खज़अ (خزع) अ पु–एक पांव का लगड़ापन।
खज़ख़ज़ (خضخضہ) अ पु–हस्त-मैथुन जल्क।
खज़न (خزن) अ पु–माल ज़मीन में गाड़ना रहस्य को छिपाना मांस का सड़ जाना।
खज़फ़ (خزف)–हाथ-पांव से चलना।
खज़फ़ (خضف)–भोजन करना खाना खाना जल्दी देना स्त्री आर तरफ़।
खज़म (خزم) अ पु–नाक करना ऊंट बैल आदि के नथनों में नाथ डालना।
खज़रज (خزرج) अ पु–अरब का एक वंश।
खज़्रा (خضرا) अ पु–हरियाली सब्ज़ा हरा घास।
खज़्राए दिमन (خضرائے دمن) अ फा पु–घूर पर उगा हुई हरियाली या फूल आदि हर चीज़ जो ऊपर से खूब सजी हुई हो परन्तु भीतर स अच्छी न हो वह स्त्री जो अकुलीना हो परन्तु बहुत ही सुन्दर हो।
खज़्रान (خزران) अ पु–तुर्किस्तान का एक नगर।

ख़त्री (حزری) अ वि –'ख़ज़्ज़ान' का निवासी, अथवा वहाँ से सम्बन्धित।

ख़ज्ल (خجل) अ पु –लज्जा, शर्म, लाज।

ख़ज्लत (خجلت) अ स्त्री –लज्जा, शर्म, व्रीड़ा, लाज, सकोच, पशेमानी।

ख़ज्लतज़दः (خجلت زده) अ फा वि –लज्जित, शर्मिंदा, सकुचित, पशेमान।

ख़त [त्त] (خط) अ. पु –लकीर, रेखा, पत्र, चिट्ठी, मूँछ, डाढी, लेख, तह्रीर, परवाना, राजादेश; चिह्न, निशान।

ख़तकशीदः (خط کشیده) अ फा वि –लकीर खिचा हुआ, वह इवारत आदि जिसके नीचे घ्यान दिलाने के लिए लकीर खीची गयी हो।

ख़ततराश (خط تراش) अ फा वि –हजामत वनानेवाला, नाई, नापित।

ख़तन (ختن) अ पु –दामाद, जामाता, ससुर, श्वशुर, साला, श्यालक, हर वह पुरुप जो स्त्री का नातेदार हो।

ख़तम (ختم) अ वि –मुँह्र की हुई वस्तु, जिस चीज पर मुह्र हो, मुद्राकित।

ख़तर (خطر) अ पु –भय, त्रास, डर, गका, सदेह, शुव्हा।

ख़तरनाक (خطرناک) अ फा वि –भयानक, भयकर, हौलनाक, अनिष्टकर, नुक्सानदेह।

ख़तरनाकी (خطرناکی) अ फा स्त्री –भयानकता, हौलनाकी, अनिष्ट, हानि, नुकसान।

ख़तल (ختل) अ पु –मदता, सुस्ती, हलकापन, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, उतावलापन, घवडाहट।

ख़ता (خطا) अ स्त्री –दोप, अपराध, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल।

ख़ता (ختا) फा. पु –चीन का एक प्रदेश, चीन।

ख़ता (ختا) फा पु –किसी काम से रोकना, फल देना।

ख़ताकार (خطاکار) अ फा वि –दोपी, अपराधी, मुज्रिम, पापी, पातकी, गुनाहगार।

ख़ताकारी (خطاکاری) अ फा स्त्री –दोप करना, दोपी होना, पाप करना, पाप कर्म।

ख़तागर (خطاگر) अ फा वि –दे 'ख़ताकार'।

ख़तागरी (خطاگری) अ फा स्त्री –दे 'ख़ताकारी'।

ख़तापोश (خطاپوش) अ फा वि –पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालनेवाला।

ख़तापोशी (خطاپوشی) अ फा स्त्री –पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालना, उन्हे प्रकट न करना।

ख़ताफ़ (خطاف) अ पु –देव, राक्षस, पिशाच।

ख़ताब' (خطابه) अ पु –ख़तीवी करना, भापण देने का काम करना।

ख़तावख़्श (خطابخش) अ फा. वि –अपराध क्षमा करनेवाला; पाप क्षमा करनेवाला, मोक्ष देनेवाला।

ख़तावख़्शी (خطابخشی) अ फा स्त्री –अपराध क्षमा करना, पाप क्षमा करना, मोक्ष देना।

ख़तावी (خطابیں) अ. फा वि –दोप और पापो का देखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

ख़ताबीनी (خطابینی) अ फा स्त्री –दोप और पाप देखना।

ख़ताया (خطایا) अ पु –'ख़तीय.' का वहु, वहुत से अपराध, वहुत से पाप।

ख़तावार (خطاوار) अ फा वि –अपराधी, सिद्धदोप, कुसूरवार, पापी, गुनहगार।

ख़ताशिआर (خطاشعار) अ वि –जिसका काम ही पाप करना हो, पाप करने मे धृष्ट, पापप्रवण, पापाभ्यस्त।

ख़तिल (ختل) अ वि –मूर्ख, बेवुकूफ, उतावला, आतुर, जल्दवाज।

ख़तीअः (ختیعه) अ पु –धनुष चलानेवालो की अँगूठी जो वह अँगूठे मे पहनते है।

ख़तीफ़ (خطیف) अ पु –तेज चलनेवाला ऊँट, आटे और दूध की लपसी।

ख़तीबः (خطیبه) अ स्त्री –भापण देनेवाली स्त्री, वक्त्री।

ख़तीब (خطیب) अ वि –ख़ुत्व पढनेवाला, मस्जिद या निकाह मे ख़ुत्व पढनेवाला, भापण देनेवाला, वक्ता; धर्मोपदेश करनेवाला, वाइज, धर्मोपदेशक।

ख़तीवानः (خطیبانه) अ फा वि –ख़तीवो-जैसा, वाइजो-जैसा।

ख़तीवी (خطیبی) अ स्त्री –ख़ुत्व पढने का काम या पेशा, भापण देने का काम।

ख़तीयः (خطیه) अ पु –पाप, अपराध, गुनाह।

ख़तीर (خطیر) अ वि –वहुत अधिक, अत्यधिक, वहुत जियादा, महान्, श्रेष्ठ, अज़ीम।

ख़ते अज़्रक़ (خط ازرق) अ पु –जामे जमशेद की रेखाओ मे से चौथी रेखा।

ख़ते अफ़्व (خط عفو) अ पु –मुआफीनामा, क्षमापत्र।

ख़ते अमान (خط امان) अ पु –इस वात की तह्रीर कि अमुक व्यक्ति की रक्षा की जायेगी, सरक्षणपत्र।

ख़ते अमूद (خط عمود) अ पु –वह खड़ी रेखा जो किसी पडी रेखा पर गिरकर ९० अश का कोण वनाये।

ख़ते आज़ादी (خط آزادی) अ फा पु –किसी को वधनमुक्त करने का लिखित प्रमाण, मुक्तिपत्र।

ख़ते इस्तिवा (خط استوا) अ पु –भूमध्य रेखा, विपुवत् रेखा, विपुव रेखा।

ख़ते ए'तिदाल (خط اعتدال) अ. पु –दे 'ख़ते इस्तिवा'।

खते गुलामी (خط غلامی) अ पु—इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति फला व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।

खते चलीपा (خط چلیپا) अ पु—हाशिये पर जो इबारत तिरछी लकीरों में लिखी जाती है।

खते जदी (خط جدی) अ पु—उष्णकटिबंध की दक्षिणी रेखा मकर रेखा।

खते जवाँ (خط جواں) अ फा पु—दे 'खते पेशानी'।

खते जली (خط جلی) अ पु—मोटी लकीर मोटे कलम से लिखा हुआ लेख।

खते जवाज (خط جواز) अ पु—पर्वानए राहदारी पासपोर्ट परिपारपत्र।

खते तक्दीर (خط تقدیر) अ पु—किस्मत का लिखा भाग्यलेख भाग्यरेखा।

खते तहरीर (خط تحریر) अ वि—खत की लिखावट मुद्दत के बाद कासिद आज लाया है पयाम फैसला किस्मत का जाहिर है खत तहरीर से।

खते तक्सीम (خط تقسیم) अ पु—वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागों में बाट दे विभाग रेखा।

खते तर्सा (خط ترسا) अ फा पु—पारसियों का लेख जो बहुत टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

खते तस्दीक (خط تصدیق) अ पु—प्रमाणपत्र सर्टीफिकेट।

खते तस्लीम (خط تسلیم) अ पु—सरल रेखा सीधी लकीर।

खते दीवानी (خط دیوانی) अ फा पु—दफ्तर के मुंशियों का लेख जो बहुत घसीट होता है।

खते नस्तालीक (خط نستعلیق) अ पु—वह लिपि जिसमें आधुनिक उर्दू का लीथो पुस्तकें छपती है।

खते निस्फुन्नहार (خط نصف‌النہار) अ पु—वह कल्पित रेखा जिस पर आकर सूरज दिन को दो बराबर भागों में बाँट देता है।

खते पर्कार (خط پرکار) अ फा पु—वह गोल रेखा जो पर्कार से खींची जाती है।

खते पेशानी (خط پیشانی) अ फा पु—तक्दीर का लिखा ललाट रेखा भाग्य रेखा।

खते बदगी (خط بندگی) अ फा पु—दे 'खते गुलामी'।

खते मदल (خط مندل) अ पु—वह घेरा जो मंत्र द्वारा बाँधा जाता है और जिसमें रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नहीं होता, अथवा भूत प्रेत अपना प्रभाव नहीं डाल सकते।

खते मुख्तसर (خط مختصر) अ पु—संक्षिप्त लिपि, संकेत लिपि शीघ्रलिपि शार्टहैंड।

खते मुतवाजी (خط متوازی) अ पु—वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अंतर पर हो, समानांतर रेखा।

खते मुनहनी (خط منحنی) अ पु—टेढ़ी लकीर वक्र रेखा।

खते मुमास (خط مماس) अ पु—सपात रेखा।

खते मुस्तकीम (خط مستقیم) अ पु—सीधी लकीर, सरल रेखा।

खते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ पु—गोल रेखा।

खते राह (خط راہ) अ फा पु—दे 'खते जवाज'।

खते शिकस्त (خط شکست) अ फा पु—वह लिखावट जो बहुत टेढ़ी मेढ़ी लिखी जाय।

खते सर्तान (خط سرطان) अ पु—उष्ण कटिबंध की उत्तरीय रेखा कर्क रेखा।

खते हिलाली (خط ہلالی) अ पु—कमान की तरह आधी गोल रेखा धनुषाकार रेखा अर्धवृत्ताकार रेखा, चंद्राकार रेखा।

खतो किताबत (خط و کتابت) अ स्त्री—पत्रव्यवहार, चिट्ठियों का आदान प्रदान।

खत्तार (ختار) अ वि—मुग्ध होनेवाला फरेफ्ता होने वाला।

खत्फ (خطف) अ पु—एक बार इस प्रकार चमकना आँखों में चकाचौंध उत्पन्न कर दे।

खत्फ (خطف) अ पु—बिजली का आँखों में चकाचौंध उत्पन्न करना।

खत्म (ختم) अ वि—समाप्त, पूरा, मृत मरा हुआ मृत मुकम्मल (इ) समाप्ति खातिम।

खत्म (خطم) अ पु—नाक में नकेल डालना, नाथ डालने के लिए नथने छेदना।

खत्मी (خطمی) अ स्त्री—एक बीज जो दवा में काम आता है दे 'खित्मी'।

खत्मी मआब (ختمی مآب) अ पु—हजरत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

खत्र (ختر) फा पु—मुग्ध होना फरेफ्ता होना।

खत्ल (ختل) फा पु—बलख के निकट एक नगर जहाँ घोड़े बहुत अच्छे होते हैं।

खत्ल (ختل) अ पु—भेड़िये का शिकार के लिए छिपना धोखा देना छल करना।

खत्लान (ختلان) फा पु—दे 'खत्ल' एक नगर।

खत्ली (ختلی) फा वि—वह घोड़ा जो खत्ल अथवा खत्लान से आता है।

खतव (خطوہ) अ पु—एक डग एक कदम।

खदग (خدنگ) फा पु—एक विशेष पेड़ जिसके बाण बनते हैं छोटा बाण नावक।

ख़द [द] (خد) अ पु–कपोल, गाल, रुख़सार; भूमि के भीतर की लंबी दरार या मार्ग, सुरंग।

ख़दअ: (خدعه) अ पु–छल, कपट, कूट, दगा, फरेब।

ख़दम (خدم) अ. पु.–'ख़ादिम' का बहु, सेवक लोग, नौकर-चाकर।

ख़दर (خدر) अ पुं–आलस्य, सुस्ती; तंद्रा, गुनूनदगी।

ख़दरी (خدری) अ पु–एक पीड़ा जिससे किसी अंग की हिस जाती रहती है।

ख़दाज (خداج) अ पु.–दे 'ख़िदाज', दो शु. हैं।

ख़दाद (خداد) अ पु–गाल का दाग।

ख़दिर (خدر) अ वि–सुस्त, बेहिस, मंद, सुस्त।

ख़दीअ: (خدیعه) अ पु–छल, कपट, मक्र; एक खाद्य जिसमें गोश्त और ज़ीरा होता है।

ख़दीज. (خدیجه) अ. स्त्री–हज़रत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।

ख़दीज (خدیج) अ वि–वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वांगपूर्ण हो।

ख़दीन (خدین) अ वि–मित्र, दोस्त; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

ख़द्अ: (خدعه) अ पु–छल, कपट, व्याज, मक्र।

ख़द्दाअ' (خداع) अ वि–बहुत अधिक छली, बड़ा मक्कार, अधम, नीच, खोटा, कूट।

ख़द्ल (خدل) अ पुं–पिंडलियों और भुजाओं का भरा हुआ होना।

ख़द्श: (خدشه) अ पुं–शंका, संदेह, शक, भय, डर।

ख़द्शात (خدشات) अ. पु–'ख़द्श' का बहु, शंकाएँ, शुबहे; डर, भय।

ख़नस (خنس) अ पु–वापस लौटना, प्रत्यागमन।

ख़नाक़ (خناق) अ पु–एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है; गला घोंटने का स्थान।

ख़नाजिर (خناجر) अ पु–'ख़ंजर' का बहु, छुरियाँ, भुजालियाँ।

ख़नाज़ीर (خنازیر) अ पु–'ख़िंज़ीर' का बहु, बहुत से सुअर, एक गले का रोग, कठमाला।

ख़नाजीर (خناجیر) अ पु 'ख़िजीर' का बहु, जली हुई हड्डियों की गंधें।

ख़नाफ़िस (خنافس) अ पु–'ख़ुन्फ़सा' का बहु, गुबरीले।

ख़निक़ (خنق) अ. वि–जिसका गला घोंटा गया हो।

ख़नीक़ (خنیق) अ वि–दे. 'ख़निक़'।

ख़नीद: (خنیده) फा वि–उत्तम, उम्दा, रुचिकर, पसंदीद।

ख़नीफ़ (خنیف) अ पु–सफेद अलसी।

ख़नूर (خنور) फा. पु–पात्र, भाजन, बर्तन, चषक, पियाला।

ख़नूस (خنوس) अ. वि.–छिपनेवाला।

ख़न्क़ (خنق) अ. पु.–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना।

ख़न्नास (خناس) अ. पुं–राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहंकार, अभिमान, गुरूर।

ख़फ: (خفه) फा. पुं–गला घोंटना।

ख़फ: (خفه) अ पुं–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना; जिसको गला घोंटकर मारा गया हो।

ख़फ़ (خف) फा पु–चकमक में जलाने का फूस, वह चीज जिसमें चकमक से आग लगायी जाय।

ख़फ़क़ान (خفقان) अ पुं–दिल की धड़कन का रोग, हृत्कंप, इख़्तिलाज, वहशत, घबराहट।

ख़फ़क़ानी (خفقانی) अ. वि–जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिसके स्वभाव में घबराहट बहुत हो।

ख़फ़गी (خفگی) फा. स्त्री–गला घोंटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराजी।

ख़फ़र (خفر) अ पु–लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहबानी।

ख़फ़श (خفش) अ पुं–दृष्टि की निर्बलता; जन्म से आँख का छोटा होना।

ख़फ़ा (خفا) अ पु–छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज,—"गर मुझसे हो ख़फ़ा तो उसे दीजिए निकाल–तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"

ख़फ़ाज: (خفاجه) अ पु–अरब का एक लुटेरा कबीला।

ख़फ़ाया (خفایا) अ पु–'ख़फ़ीय.' का बहु, छिपी हुई बातें।

ख़फ़ी (خفی) अ. वि–गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट. व्यक्त, जाहिर, बारीक, महीन।

ख़फ़ीक़ (خفیق) अ. पु–पानी बहने का शब्द; वायु चलने का शब्द।

ख़फ़ीफ़: (خفیفه) अ. स्त्री–एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नहीं होती।

ख़फ़ीफ़ (خفیف) अ. वि–हलका, सबुक, थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिंदा, अधम, कमीना, एक बह्र, वृत्त।

ख़फ़ीफ़ुत्तब्अ (خفیف الطبع) अ वि–दे 'ख़फ़ीफ़ुल हरकात'।

ख़फ़ीफ़ुल हरकात (خفیف الحرکات) अ वि.–छिछोरी हरकतें करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।

ख़फ़ीर (خفیر) अ वि–मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा; सुरक्षक, निगहबान; त्राता, पनाह देनेवाला, निकृष्ट, जलील।

ख़फ़्क़ान (خفقان) अ पु–दे 'ख़फ़क़ान', परंतु उर्दू में 'ख़फ़्कान' भी बोलते हैं।

ख़फ़्चाक (خفچاق) तु पु–जंगली तुर्कों की एक जाति।

ख़फ़्ज़ (خفض) अ पु–किसी को उसके पद से गिराना; हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य, ऐश, आरामतलबी।

खते गुलामी (خط غلامی) अ पु—इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति पराये व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।
खते चलीपा (خط چلیپا) अ पु—शासिय पर जो इबारत तिरछी स्वीरों में लिखी जाती है।
खते जदी (خط جدی) अ पु—उष्णकटिबंध की दक्षिणी रेखा, मकर रेखा।
खते जर्बी (خط جلی) अ फा पु—दे 'खते पेशानी'।
खते जली (خط جلی) अ पु—मोटी लकीर मोटे कलम से लिखा हुआ लेख।
खते जवाज (خط جواز) अ पु—सर्वानिए राहदारी, पासपोर्ट परिपारपत्र।
खते तक्दीर (خط تقدیر) अ पु—क़िस्मत का लिखा भाग्यलेख भाग्यरेखा।
खते तहरीर (خط تحریر) अ वि—हाथ की लिखावट मदहता के साथ जाहिर आज लाया है पयाम, क़िस्मत का शाहिर है खते तहरीर से।
खते तक्सीम (خط تقسیم) अ पु—वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागों में बाँट दे विभाग रेखा।
खते तर्सा (خط ترسا) अ फा पु—ईसाइयों का लेख जो बहुत टेढ़ा मेढ़ा होता है।
खते तस्दीक़ (خط تصدیق) अ पु—प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट।
खते तस्लीम (خط تسلیم) अ पु—सरल रेखा, सीधी लकीर।
खते दीवानी (خط دیوانی) अ फा पु—दफ्तर व मुंशियों की लेख जो बहुत घसीट होता है।
खते नस्तालीक़ (خط نستعلیق) अ पु—वह लिपि जिसमें आधुनिक उर्दू की लीथो पुस्तकें छपती हैं।
खते निस्फुन्नहार (خط نصف النہار) अ पु—वह कल्पित रेखा जिस पर आकर सूरज दिन को दो बराबर भागों में बाँट देता है।
खते पर्कार (خط پرکار) अ फा पु—वह गोल रेखा जो परकार से खींची जाती है।
खते पेशानी (خط پیشانی) अ फा पु—तक़्दीर का लिखा ललाट रेखा भाग्य रेखा।
खते बदगी (خط بندگی) अ फा पु—दे 'खते गुलामी'।
खते मदल (خط مندل) अ पु—वह घेरा जो मंत्र द्वारा खींचा जाता है और जिसमें रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नहीं होता अथवा भूत प्रेत अपना प्रभाव नहीं डाल सकते।
खते मुख्तसर (خط مختصر) अ पु—संक्षिप्त लिपि सकेत लिपि, शीघ्रलिपि, शार्टहैंड।
खते मुतवाजी (خط متوازی) अ पु—वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अंतर पर हो, समानांतर रेखा।
खते मुनहनी (خط منحنی) अ पु—टेढ़ी लकीर वक्र रेखा।
खते मुमास (خط مماس) अ पु—स्पर्श रेखा।
खते मुस्तक़ीम (خط مستقیم) अ पु—सीधी लकीर सरल रेखा।
खते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ पु—गोल रेखा।
खते राह (خط راہ) अ फा पु—दे 'खते जवाज़'।
खते शिकस्ता (خط شکستہ) अ फा पु—वह लिखावट जो बहुत टूटा मेंनी लिखा जाय।
खते सर्तान (خط سرطان) अ पु—उष्ण कटिबंध की उत्तरी रेखा, कर्क रेखा।
खते हिलाली (خط ہلالی) अ पु—कमान की तरह आधी गोल रेखा धनुषाकार रेखा अर्धवृत्ताकार रेखा धनुषाकार रेखा।
खतो कितावत (خط و کتابت) अ स्त्री—पत्रव्यवहार चिट्ठियों का आदान प्रदान।
खत्तार (خطار) अ वि—भूल करनेवाला त्रुटि करनेवाला।
खत्फ़ (خطف) अ पु—एक बार इस प्रकार चमकना आँखों में चकाचौंध उत्पन्न कर दे।
खत्फ़ (خطف) अ पु—बिजली का आँखों में चकाचौंध करना।
खत्म (ختم) अ वि—समाप्त पूरा मृत मरा हुआ मुकम्मल (पु) समाप्ति खातिमा।
खत्म (خطم) अ पु—नाक में नकेल डालना नाथ डालने के लिए नथने छेदना।
खत्मी (خطمی) अ स्त्री—एक बीज जो दवा में काम आता है दे 'ख़िल्मी'।
खत्मी मआब (ختمی مآب) अ पु—हज़रत मुहम्मद साहब की उपाधि।
खत्र (خطر) अ पु—भूल होना त्रुटि होना।
खत्ल (ختل) फा पु—बलख के निकट एक नगर जहाँ घोड़े बहुत अच्छे होते हैं।
खत्ल (ختل) अ पु—शत्रु को शिकार के लिए छिपना धोखा देना छल करना।
खत्लान (ختلان) फा पु—दे खत्ल एक नगर।
खत्ली (ختلی) फा वि—वह घोड़ा जो खत्ल अथवा खत्लान से आता है।
खत्व (خطوہ) अ पु—एक डग एक क़दम।
खदग (خدنگ) फा पु—एक विशेष पेड़ जिससे बाण बनते हैं छोटा बाण नावक।

ख़द [द्द] (خد) अ पु—कपोल, गाल, रुख़सार; भूमि के भीतर की लबी दरार या मार्ग, सुरग।

ख़दअः (خدعہ) अ पु—छल, कपट, कूट, दगा, फरेब।

ख़दम (خدم) अ. पु—'ख़ादिम' का बहु, सेवक लोग, नौकर-चाकर।

ख़दर (خدر) अ पु—आलस्य, सुस्ती; तद्रा, गुनूनदगी।

ख़दरी (خدری) अ. पुं—एक पीड़ा जिसमे किसी अग की [illegible] जाती रहती है।

ख़दाज (خداج) अ. पु—दे. 'ख़िदाज', दो शु. है।

ख़दाद (خداد) अ. पु—गाल का दाग।

ख़दिर (خدر) अ वि—सुस्त, बेहिस, मद, सुस्त।

[illegible]दीअः (خدیعہ) अ. पु—छल, कपट, मक्र, एक साग जिसमे गोश्त और ज़ीरा होता है।

ख़दीजः (خدیجہ) अ. स्त्री—हज़रत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।

ख़दीज (خدیج) अ वि—वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वांगपूर्ण हो।

ख़दीन (خدین) अ [illegible] का दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक।

ख़द्दः (خدعہ) [illegible] अ वि—[illegible] मक्र।

ख़द्दाअ' (خداع) [illegible] मक्कार, [illegible] हुई वस्तु; [illegible]

अधम, नीच, [illegible] [illegible]—हलका [illegible] ओ का भरा [illegible] पडे।

ख़द्ल (خدل) अ पु—[illegible] हुआ होना।

[illegible] पु—बृहस्पति [illegible] भय, डर।

ख़द्शः (خدشہ) अ पु—[illegible] वि—[illegible] बहु, शकाएँ, [illegible] डर, भय।

ख़द्शात (خدشات) अ पु—[illegible]

[illegible] प्रत्यागमन।

[illegible] (خلس) अ पु—[illegible] पु—[illegible] जिसमे रोगी को अपना [illegible]

[illegible] (خدی) अ पु—[illegible] फा [illegible] घोटने का स्थान।

[illegible] [illegible] र' का बहु, छुरियाँ, [illegible]

[illegible]जिर (خناجر) अ पु—[illegible] नालियाँ।

[illegible]ज़ीर (خنازیر) अ पु—[illegible] ख़ज़ीर' का बहु, बहुत से [illegible] गडमाला।

[illegible]नाज़ीर [illegible] ख़िज़ीर' का बहु, जली हुई [illegible]

[illegible] (خناجر) अ पु [illegible] की गर्दे।

[illegible]फ़िस (خنافس) अ पु—'ख़ुन्फ़सा' का बहु, गुबरीले।

[illegible]निक़ (خنق) अ पु [illegible] जिसका गला घोटा गया हो।

[illegible]नीक़ (خنیق) अ वि—दे 'ख़निक'।

[illegible] (خنیذ) अ. वि—उत्तम, उम्दा, रुचिकर, पसदीद।

[illegible] (خنیدک) फा. पु—सफ़ेद अलसी।

[illegible] (خنیدہ) [illegible] पात्र, भाजन, बर्तन; चषक, पियाला।

[illegible] (خنور) फा पु

ख़नूस (خنوس) अ. वि.—छिपनेवाला।

ख़न्क़ (خنق) अ पुं—गला घोंटना, गला घोटकर मारना।

ख़न्नास (خناس) अ. पु—राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहकार, अभिमान, गुरूर।

ख़फ़ः (خفہ) फा. पुं—गला घोटना।

ख़फ़ः (خفہ) अ पु—गला घोटना, गला घोंटकर मारना; जिसको गला घोटकर मारा गया हो।

ख़फ़ (خف) फा पु—चकमक मे जलाने का फूस, वह चीज जिसमे चकमक से आग लगायी जाय।

ख़फ़कान (خفقان) अ. पु—दिल की धडकन का रोग, हृत्कंप, इख़्तिलाज, वहशत, घबराहट।

ख़फ़कानी (خفقانی) अ. वि—जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिसके स्वभाव मे घबराहट बहुत हो।

ख़फ़गी (خفگی) फा स्त्री—गला घोटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराज़ी।

ख़फ़र (خفر) अ पु—लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहबानी।

ख़फ़श (خفش) अ. पु—दृष्टि की निर्बलता; जन्म से आँख का छोटा होना।

ख़फ़ा (خفا) अ पु—छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज,—"गर मुझसे हो ख़फ़ा तो उसे दीजिए निकाल—तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"

ख़फ़ाजः (خفاجہ) अ पु—अरब का एक लुटेरा कबीला।

ख़फ़ाया (خفایا) अ पु—'ख़फ़ीय' का बहु., छिपी हुई बातें।

ख़फ़ी (خفی) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट, व्यक्त, जाहिर; बारीक, महीन।

ख़फ़ीक़ (خفیق) अ. पु—पानी बहने का शब्द, वायु चलने का शब्द।

ख़फ़ीफ़ः (خفیفہ) अ स्त्री—एक दीवानी न्यायालय, जिसमे छोटे केस सरसरी सुने जाते है, जिनकी अपील नही होती।

ख़फ़ीफ़ (خفیف) अ. वि.—हलका, सबुक, थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिंदा, अधम, कमीना; एक बह्र, वृत्त।

ख़फ़ीफ़ुत्तब्अ (خفیف الطبع) अ वि—दे. 'ख़फ़ीफ़ुल हरकात'।

ख़फ़ीफ़ुल हरकात (خفیف الحرکات) अ वि.—छिछोरी हरकतें करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।

ख़फ़ीर (خفیر) अ वि—मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा, सुरक्षक, निगहबान, त्राता, पनाह देनेवाला; निकृष्ट, ज़लील।

ख़फ़्क़ान (خفقان) अ पु—दे 'ख़फ़कान', परतु उर्दू मे 'ख़फ़्क़ान' भी बोलते हैं।

ख़फ़्चाक़ (خفچاق) तु पु—जगली तुर्कों की एक जाति।

ख़फ़्ज़ (خفض) अ पु—किसी को उसके पद से गिराना; हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य, ऐश, आरामतलबी।

ख़मीत (خمیط) अ वि–विना छिलके के भुनी हुई वस्तु
ख़मीदः (خمیدہ) फा वि–झुका हुआ, ख़मदार, वक्र, टेढा।
ख़मीदःकद (خمیدہ قد) फा अ वि–जिसका शरीर झुक गया हो, विनतकाय, वक्रकाय, वहुत वूढा।
ख़मीदःकमर (خمیدہ کمر) फा. वि–जिसकी कमर झुक गयी हो, वक्रकटि, वहुत वूढा,—"कमर ख़मीदा नही वेवजह जईफी मे–जमीन ढूंढ रहा हूँ मजार के काविल।"
ख़मीदःकामत (خمیدہ قامت) फा अ वि.–दे 'ख़मीद कद'।
ख़मीदःसर (خمیدہ سر) फा वि–जिसका सर झुका हो, सर झुकाये, नतमस्तक, लज्जित, व्रीडित, शर्मिंदा।
ख़मीरः (خمیرہ) फा पु–चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ठ दवा, पीने का सुगधित तवाकू।
ख़मीर (خمیر) अ पु–ओपधियो मे पानी डालकर सडाया हुआ अरक; आटे मे सोडा और नमक डालकर वनाया हुआ खट्टा आटा जिससे खमीरी रोटी वनती है।
ख़मीरमायः (خمیرمایہ) अ फा पु–वह वस्तु जो किसी वस्तु की वढोतरी का कारण हो।
[illegible] (خمیری) अ वि–ख़मीर से वनी हुई चीज, विशेपत [illegible] ख़मीर मिली हुई वस्तु, ख़मीर से सम्वन्धित।
[illegible] अ पु–हलका भोजन, घटा, वादलो का [illegible] लगे हुए कपडे।
[illegible] अ पुं–वृहस्पतिवार, जुम्अरात; पाँच [illegible]ना।
[illegible] अ वि–पतले पेट और कमरवाला, [illegible]।
[illegible] (خموس) अ. पुं–पिस्सू, डाँस, मशक, मच्छर।
[illegible]चम (خموچم) फा. पु–सुदर स्त्रियो के चलते समय [illegible] हाव-भाव।
[illegible]म्त (خمط) अ पु–पीलू की एक जाति जिसमे छोटे-छोटे फल होते हैं।
ख़म्मान (خمان) अ पु–कमजोर भाला; तुच्छ व्यक्ति।
ख़म्मार (خمار) अ वि–शराव वनानेवाला, शराव वेचनेवाला।
ख़म्मारख़ानः (خمارخانہ) अ फा पु–मदिरालय, शराव-ख़ाना।
ख़म्मूद (خمود) अ पु–वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित रखते हो।
ख़म्याज. (خمیازہ) फा पु–अँगड़ाई, नतीजा, परिणाम, जँभाई, जृभा; भुगतमान, करनी का फल।
ख़म्याज़ःकश (خمیازہ کش) फा वि–अँगड़ाई लेनेवाला; जँभाई लेनेवाला; भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।
ख़मयाज़ःकशी (خمیازہ کشی) फा स्त्री–अँगडाई लेना; जंभाई लेना, भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।
ख़मयाज़ए ख़ुश्क (خمیازہ خشک) फा पु–ऐसी इच्छा जो कभी पूरी न हो सके।
ख़म्रः (خمرہ) अ पु–'ख़मीर' का लघु, दे 'ख़मीर'।
ख़म्र (خمر) अ. पु–ख़मीर करना, मदिरा, शराव।
ख़म्ल (خمل) अ. पु–कपडे के तार, (वि.) ख़ालिस, वेमेल।
ख़म्सः (خمسہ) अ पु–पॉच वस्तुओ का समाहार, उर्दू नज्म का एक प्रकार जिसमे पॉच मिस्रे हर वद मे होते हैं, गज़ल के दो मिस्रो पर तीन मिस्रे वढ़ाकर उसे भी ख़म्स. किया जाता है।
ख़म्सए मुतहैयिरः (خمسہ متحیرہ) अ पु–सूर्य और चद्रमा को छोड़कर वाकी पॉच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-सीधी होती है।
ख़म्सए मुस्तशर्क़ः (خمسہ مسترقہ) अ पुं–ईरानी साल मे हर मास तीस दिन का होता है, परतु 'इस्फदार' को ३५ दिन का कर देते है। यह पॉच दिन 'ख़म्सएमुस्तशर्क.' कहलाते हैं।
ख़यफ (خیف) अ पु–एक आँख काली और एक नीली होना।
ख़याल (خیال) अ पु–विचार, ध्यान, कल्पना, तख़ैयुल, तवज्जुह, प्रवृत्ति; भावना, जज्व, मति, राय, स्मृति, याद; सज्ञा, होश, सलग्नता, इन्हियाक, दुर्भावना, वदगुमानी; भ्रम, वह्म, अनुमान, अदाज, एक कविता।
ख़यालआराई (خیال آرائی) अ फा स्त्री–परवाजे फिक्र, कल्पनाएँ, कविता के लिए मज्मून की तलाश।
ख़यालबंदी (خیال بندی) अ फा स्त्री–अनेक कल्पनाएँ करना, एक विशेप कविता (ख़याल) की रचना करना।
ख़यालात (خیالات) अ पु–'ख़याल' का वहु., ख़यालो का ताँता, विचारधारा।
ख़याली (خیالی) अ वि–काल्पनिक, फर्जी, कपोल-कल्पित, मनगढत, ख़याल से सम्वन्धित।
ख़याले ख़ाम (خیال خام) अ फा पु–असगत और मिथ्या विचार, गलत ख़याल, भ्रम, वह्म।
ख़याले फ़ासिद (خیال فاسد) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याले वातिल (خیال باطل) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याशीम (خیاشیم) अ पुं–'ख़ैशूम' का वहु, नथने।
ख़यू (خیو) फा पु.–थूक, मुखस्राव, दे 'ख़ियू', दो शु हैं।
ख़य्यात (خیاط) अ वि–दर्जी, कपडा सीनेवाला, सूचिक।

खय्याते अजल (خیاط ازل) अ वि—परलोक में आत्मा को शरीररूपी वस्त्र पहनानेवाला अर्थात ईश्वर।
खय्याब (خیاب) अ वि—निराश नाउम्मीद वंचित महरूम अभागा बदकिस्मत।
खय्याम (خیام) अ वि—खटिया बनानेवाला खेमे सीनेवाला फारसी का प्रसिद्ध मधुवादी कवि जो नैशापुर नगर का निवासी था मधु की प्रतीकवादी पद्धति में उसकी काव्याभिव्यंजना सर्वोत्तम हुई है।
खर (خره) फा स्त्री—तेज निकले हुए बीजों की सली मिट्टी और धूल का ढेर।
खर (خره) अ पु—मधा छोटा लघु।
खर (خر) फा पु—गधा गदभ रासभ शरारत की गाद दे खरचाव (वि) विशाल महान।
खर(र) (خر) अ पु—ऊपर से नीचे को पाव फिसलना।
खरक (خرک) फा पु—दे खरचोब।
खरक (خرق) अ पु—लज्जित होना मूर्खता हिमाकत।
खरकुस (خرکس) फा वि—मूर्ख बुद्धू बेवकूफ।
खरखत (خرخر) फा पु—चीनी तुर्किस्तान का एक प्रान्त।
खरगह (خرگہ) फा पु—खिरगाह का लघु दे खरगाह।
खरगहमह (خرگہمہ) फा पु—चक्र राशि बुर्जे सतान चंद्रमण्डल चाद में पडनेवाला घेरा हाला।
खरगाह (خرگاہ) फा पु—बडा खेमा बडी रावटी दे खिरगाह दोनों शुद्ध हैं।
खरगोश (خرگوش) फा पु—शश नामक खरहा।
खरचंग (خرچنگ) फा पु—केकडा ककट सर्तान कक राशि बुर्ज सर्तान।
खरचोब (خرچوب) फा प—वह छोटी लकडी जो सितार या रबाब की तुंबी पर होती है और जिसमें तार जडते हैं।
खरज (خرزه) फा प—मोटा और लम्बा लिंग।
खरज (خرزه) अ प—पीठ की हड्डी की गुरिया मोहरा।
खरज (خرز) अ पु—खरजः का बहु पीठ की हड्डी के मोहरे रीढ की गुरिया।
खरजन (خرزن) फा पु—चावक कोल्ह का।
खरदल (خردله) अ पु—दे खर्दल।
खरदल (خردل) अ पु—दे खर्दल।
खरदिल (خردل) फा वि—डरपोक भीरु बुजदिल।
खरदिली (خردلی) फा स्त्री—भीरुता डरपोकपन बुजदिली।
खरनफ्स (خرنفس) फा अ वि—बहुत अधिक कामशक्ति वाला बहुत बडे लिंगवाला।
खरपाच (خرپاچہ) फा प—गधे का बच्चा खरे गावक।
खरपुश्त (خرپشتہ) फा पु—बहुत बडा पुश्ता।
खरफ (خرف) अ पु—बुद्धि का विनाश अक्ल का तबाही।
खरबंद (خربندہ) फा पु—गधे का मालिक गधवान।
खरबत (خربط) फा पु—बडी बतख राजहंस मुर्ग घामन।
खरबूज (خربزه) फा पु—एक प्रसिद्ध फल खरबूजा।
खरमगस (خرمگس) फा पु—एक बडी मक्खी जो घाव पर बैठती है तो उसमें कीडे पड जाते हैं।
खरमस्ती (خرمستی) फा स्त्री—ऐसा मस्ती जिसमें पुरुष बिल्कुल गधा बन जाय और बेहूदा और अश्लील हरकतें करने लगे पिशाचोन्माद।
खरमोहर (خرمهره) फा पु—छोटा घोंघा जो तालाबों में होता है।
खरमोहरए कोवक (خرمهرهٔ کوچک) फा पु—कौडी कपर्दिका वराटिका।
खरमोहरए जद (خرمهرهٔ زرد) फा पु—दे खरमोहरए कोचक।
खरमोहरए सफद (خرمهرهٔ سفید) फा पु—शख दर बडे सख।
खरवार (خروار) फा पु—एक गधे का बोझ किसी वस्तु का गधे के बराबर ऊँचा ढेर।
खरसग (خرسنگ) फा पु—बडा पत्थर शिला।
खरस (خرس) अ पु—गूगा होना मूक होना।
खरस (خرص) अ पु—भूखा होना।
खरह (خره) अ पु—कुक्कुट मुर्गा मुर्गे के आकार की सुराही।
खरा (خرع) अ प—आलस्य सुस्ती मन्दता सस्तापन डालियों का टूटकर गिरना।
खराइद (خرائد) अ स्त्री—खरीद का बहु कुवारी स्त्रिया अनबिध मोती लज्जावती महिलाए।
खराइफ (خرائف) अ प—खरीफ का बहु खजूर के वे पेड जिनके खजूर तोड लिये गये हो।
खराज (خراج) अ पु—लगान भूमिकर वह रकम जो अधीन राजा बडे राजा को देता है चौथ।
खराजगुजार (خراج‌گزار) अ फा वि—खराज देनेवाला अधीन राजा अथवा राजा।
खरात (خراط) अ प—लकडी पर खराद करना लकडी खरादना दे खराद।
खरातीन (خراطین) फा पु—केंचुआ भूलता महीलता किंचुलक भूनाग।
खरातीम (خراطیم) अ पु—खतूम का बहु हाथी की सूड राष्ट्र अथवा जाति के महान व्यक्ति।
खराद (خراد) फा पु—लकडी खरादने की क्रिया लकडी खरादने का यंत्र शुद्ध शब्द खरात है परन्तु उर्दू और फारसी में खराद ही है।

ख़राबः (خرابه) फा. पु –निर्जन और अन्न - जल - रहित स्थान, खँडहर, वीरान, शत्रु शासक का देश।
ख़राबः आबाद (خرابه آباد) फा. पुं –संसार, जगत्, दुनिया।
ख़राब (خراب) अ. वि –विगड़ा हुआ, विकृत, दूषित, नाकिस, अपवित्र, नापाक; निकृष्ट, बुरा, नीच, कमीना; धूर्त, बदमआश, विध्वस्त, बरबाद; निर्जन, वीरान, उन्मत्त, मतवाला, कदाचारी, बदचलन।
ख़राबहाल (خراب‌حال) अ वि –जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो, दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बिगडी हुई हो, पतले हालवाला।
ख़राबात (خرابات) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ान', कैतवालय, अक्षवार, जुआघर।
ख़राबाती (خراباتی) फा वि –हर समय नशे में मस्त रहनेवाला, जुआ खेलने का धर्ता।
ख़राबी (خرابی) अ स्त्री –विकार, दोप, नक्स, अनिष्ट, हानि, जरर, निकृष्टता, जिश्ती, उन्माद, मस्ती, निर्जनता, वीरानपन, विध्वंस, बरबादी।
ख़राश (خراش) फा स्त्री –उचटता हुआ घाव, छीलन, रगड।
ख़राशीदः (خراشیده) फा वि –खरोच लगा हुआ।
ख़रास (خراس) फा पु –बैल आदि से चलनवाली चक्की; तेल का कोल्हू।
ख़रीफ़ (خریف) अ वि –बहुत बूढा, सठियाया हुआ।
ख़रिब (خرب) अ. वि –निर्जन, वीरान, ख़राबशुदा, ध्वस्त।
ख़रीक़ (خریق) अ वि –जिसका पर्दा फट गया हो, जिसकी बुराइयाँ प्रकट हो गयी हो।
ख़रीज (خریج) अ पु –एक खेल जो अरब मे खेला जाता हे।
ख़रीतः (خریطه) अ. पु –थैला, झोला, लिफाफा; सरकारी आदेशपत्र का लिफाफा।
ख़रीदः (خریده) फा वि –मोल लिया हुआ, क्रीत।
ख़रीदः (خریده) अ. स्त्री –कुमारी, दोशीज; लज्जावती स्त्री (पु) अनविधा मोती।
ख़रीद (خرید) फा स्त्री –मोल लेने का भाव, ख़रीदारी।
ख़रीदार (خریدار) फा वि –मोल लेनेवाला, ग्राहक।
ख़रीदारी (خریداری) फा स्त्री.–मोल लेने का काम, ख़रीद।
ख़रीदो फरोख़्त (خرید و فروخت) फा. स्त्री –मोल लेना और बेचना, क्रय-विक्रय।
ख़रीफ़ (خریف) अ. स्त्री –फसली साल की दो ऋतुओ मे से एक, कार्तिक की फसल।
ख़रूफ़ (خروف) अ पुं –घोडे, भेड़-बकरी अथवा खरगोश का बच्चा।
ख़र्क़ (خرق) अ. पुं.–फटना, टुकड़े होना।
ख़र्क़े आदत (خرق عادت) अ. पु –प्राकृतिक कार्य के विरुद्ध कार्य, चमत्कार मो'जिज।
ख़र्क़ो इल्तियाम (خرق و التیام) अ. पु –फटना और मिलना, अलग-अलग होकर एक हो जाना, तलवार की कटन भर जाना, घाव भर जाना।
ख़र्च (خرچ) फा पु –व्यय, सर्फ ; उपभोग, इस्ते'माल।
ख़र्ज (خرج) अ पु –बाहर निकलना, व्यय, ख़र्च।
ख़र्ज़ (خرز) अ पु –चमडे का मोजा सीना, जूता सीना।
ख़र्त (خرط) अ पु –लकडी पर रदा करना, हर कटी और छिली चीज को चिकना करना।
ख़र्दलः (خردله) अ पु –राई का एक कण।
ख़र्दल (خردل) अ स्त्री –राई।
ख़र्फ़ (خرف) अ पु –फल बीनना, मेवा चुनना।
ख़र्बक (خربق) अ स्त्री –कुटकी, एक दवा।
ख़र्म (خرم) अ पु –नथना छेदना; काटकर कम करना, किसी 'गण' का पहला अक्षर गिराना, जैसे–'फऊलुन्' से ऊलुन करके 'फअ्लुन्' बनाना।
ख़र्मन (خرمن) फा पु –बिना दाँयँ चलाया हुआ खलियान।
ख़र्निं' (خرنع) अ. पु.–शश-शावक, खरगोश का बच्चा।
ख़र्राज़ः (خرازه) अ. पु –ज़ोर की आवाज करके बहनेवाला पानी।
ख़र्राज़ (خراز) अ. वि.–चमड़ा सीनेवाला, जूता सीनवाला, मोची।
ख़र्रात (خراط) अ वि –ख़राद का काम करनेवाला, बढ़ई।
ख़र्राती (خراطی) अ. स्त्री –ख़राद का काम।
ख़र्राद (خراد) फा वि –ख़राद का काम करनेवाला, लकड़ी पर रंदा फेरनेवाला।
ख़र्रादी (خرادی) फा. स्त्री –ख़राद का काम, रदे का काम।
ख़र्रास (خراس) अ वि –कुम्हार, कुभकार।
ख़र्रास (خراص) अ. वि.–कूत करनेवाला, कूतनेवाला, तख़्मीन. करनेवाला, झूठा, मिथ्यावादी।
ख़र्श (خرش) अ पु –छीलना; बच्चो के लिए रोटी कमाना, कमाई करना।
ख़र्स (خرس) अ पु –घड़ा, कुभ, मटका।
ख़र्स (خرص) अ. पु –खड़ी फसल का कूत करना, झूठ बोलना।
ख़लंज (خلنج) अ पुं –दे 'ख़दंग'।
ख़लः (خله) फा पु.–नोकदार सीख़, हर चुभनेवाली वस्तु, लम्बी लकड़ी जिससे नाव चलाते हैं, पतवार।
ख़ल[ल्ल] (خل) अ. पु –सिर्का, एक प्रसिद्ध खटास।

खलक (خلق) अ पु –कपडा का पुराना होना पुराना वस्त्र पुराना लिबास।
खलकान (خلقان) अ पु –पुराना लिबास, पुराना वस्त्र।
खलज (خلج) अ पु –काम की थकन से जोडों का दर्द, आंख या किसी अन्य अंग का फडकना।
खलजान (خلجان) अ पु –दे खल्जान, शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू में 'खलजान' ही बोलते हैं।
खलद (خلد) अ पु –हृदय मन दिल आत्मा, रूह।
खलफ (خلف) अ पु –सुपुत्र, अच्छा लडका, सपूत, (वि) पीछे आनेवाला।
खलफुर्रशीद (خلف الرشید) अ पु –सपूत, अच्छा और नेक लडका।
खलफुस्सिदक (خلف الصدق) अ पु –दे खल्फुर्रशीद।
खलल (خلل) अ पु –विघ्न, बाधा अडचन, हस्तक्षेप दखलअदाजी विकार खराबी।
खललअदाज (خلل انداز) अ फा वि –गडबडी और बाधा डालनेवाला विघ्नकर हस्तक्षेप करनेवाला।
खललअदाजी (خلل اندازی) अ फा स्त्री –गडबड करना, बाधा डालना हस्तक्षेप करना।
खलले दिमाग (خلل دماغ) अ पु –दिमाग की खराबी, बुद्धिक्षेप पागलपन।
खला (خلا) अ पु –अतरिक्ष फिजाए आस्मानी रिक्त होना खाली होना अकेला होना एकाकी होना एकान्त में किसी के साथ आना।
खलाअत (خلاعت) अ स्त्री –माता पिता की आज्ञा न मानना, बे सामान और परेशान होना पापकर्म और दुराचार।
खलाइक (خلائق) अ स्त्री –खलीक का बहु जनता जन साधारण अवाम।
खलाइफ (خلائف) अ पु –खलीफ' का बहु प्रतिनिधि लोग जानशीन लोग।
खलाक (خلاق) अ पु –किसी व्यक्ति में सद्गुणों की बहुतात।
खलाकत (خلاقت) अ स्त्री –पुराना होना जीर्णता।
खलाक (خلاق) अ पु दे –'खलाकत'।
खलाब (خلاب) अ स्त्री –कीचड़ पानी मिली हुई मिट्टी।
खलाबत (خلابت) अ स्त्री –किसी को बातों से मुग्ध कर लेना।
खलामला (خلاملا) अ पु –गहरा मेलजोल गाढ़ा प्रेम व्यवहार।
खलाश (خلاش) फा पु –कूडा-करकट।
खलाश (خلاش) फा पु –कोलाहल शोर-गुल।
खलाशा (خلاشہ) फा पु –खलाश का बहु कूडा-करकट

इसका अर्थ लिया जाता है ईर्ष्यालु और विरोधी लोग।
खलास (خلاص) अ पु –मुक्ति, छुटकारा रिहाई (वि) मुक्त, रिहा छुटकारा पाया हुआ, रिक्त।
खलासी (خلاصی) तु स्त्री –मुक्ति छुटकारा, रिहाई।
खलिक (خلق) अ पु –पुराना कपडा।
खलिफ (خلف) अ स्त्री –गाभिन ऊटनियां।
खलिश (خلش) फा स्त्री –चुभन, चुभने का भाव दर्द की टीस चिन्ता, फिक्र, उलझन।
खलीअ (خلیع) अ पु –जुआरी और शिकारी जिनका दाव खाली जाय, अपकारी और परेशान व्यक्ति भिखमंगा बक।
खलीउल इजार (خلیع العذار) अ वि –जिसकी बागडोर टूट गयी हो स्वच्छन्द, बे लगाम।
खलीक (خلیقہ) अ पु –जन साधारण जनता संसार में उत्पन्न हुई वस्तु स्वभाव प्रकृति तबीअत।
खलीक (خلیق) अ वि –सुशील, सुष्ठु मिलनसार मरव्वत वाला।
खलीज (خلیج) अ स्त्री –नदी आदि की शाखा, खाड़ी कुक्षि समुद्र-कुक्षि।
खलीत (خلیط) अ वि –किसी संपत्ति में भागीदार, पति शौहर चचा का लडका, चचाजाद भाई।
खलीफ (خلیفہ) अ पु –प्रतिनिधि, नाइब नमाज किसी की अनुपस्थिति में उसके स्थान पर काम करनेवाला, हजरत मुहम्मद साहिब के बाद उनका जानशीन।
खलीफ (خلیف) अ पु –पीछे आनेवाला, दो पहाड़ों के बीच का मार्ग।
खलीफतुल मुस्लिमीन (خلیفۃ المسلمین) अ पु –महम्मद साहिब के खलीफाओं की उपाधि मुसलमान शासकों की उपाधि।
खलीय (خلیہ) अ वि –वह स्त्री जिसे तलाक दे दी गयी हो विवाह विच्छिन्ना वह ऊंट जिसे छोड़ दिया गया हो।
खलील (خلیل) अ वि –मित्र सखा दोस्त।
खलीलुल्लाह (خلیل اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र 'हजरत इब्राहीम' की उपाधि।
खलीस (خلیس) अ वि –मिश्रित मिला हुआ।
खलूक (خلوق) अ पु –सुगंध, खुशबू एक प्रकार का सुगंधित मिश्रण।
खलअ (خلع) अ पु –किसी अंग का अपने स्थान से विचलित हो जाना पहने हुए वस्त्र उतारना, स्थान से हटना किसी को खिलअत देना।
खलएबदन (خلع بدن) अ पु –दे 'खल्एरूह'।

ख़ल्एरूह (خلع روح) अ पु –अपने प्राणो को किसी दूसरे के शरीर मे डालना, प्राण का शरीर से निकाल देना।
ख़ल्क (خلق) अ पु –सृष्टि करना, उत्पत्ति करना; उत्पत्ति, पैदाइश; उत्पन्न, पैदाशुद ; जनता, अवाम।
ख़ल्कुल्लाह (خلق الله) अ स्त्री –ईश्वर की मख़्लूक, प्राणी-वर्ग, जानदार; मानवजाति, जन साधारण।
ख़ल्ख़ाल (خلخال) अ स्त्री.–नूपुर, अदुक, पाजेब।
ख़ल्जान (خلجان) अ. पुं –झगडा, बखेडा, खटखट, चिन्ता, फ़िक्र; दुविधा, द्विधा, तजब्जुब।
ख़ल्त (خلط) अ. पु –मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण।
ख़ल्तमल्त (خلط ملط) तु पु –मिला-जुला, मिश्रित; गड्डमड्ड, एक मे मिला हुआ; प्रेम-व्यवहार, खिल्तमिल्त।
ख़ल्ते मब्हस (خلط مبحث) अ. पु –किसी एक प्रसग के बीच दूसरा प्रसग छेड देना, एक काम के बीच दूसरा काम उपस्थित कर देना।
ख़ल्फ़ (خلف) अ पु –कपूत, बुरा लडका, कुपुत्र; पीछा।
ख़ल्फ़िशार (خلفشار) फा पु –गडबड़, खलबली, अशाति, आपाधापी, अपनी-अपनी पडना, घबराहट।
ख़ल्लाक़ (خلاق) अ. वि –बहुत अधिक उत्पन्न करनेवाला, सृष्टि को उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।
ख़ल्लुज (خلج) अ. पु –तुर्की का एक नगर।
ख़ल्वत (خلوت) अ स्त्री –जहाँ कोई दूसरा न हो, एकान्त, तन्हाई, स्त्री-पुरुष का एकान्तवास।
ख़ल्वतकदः (خلوت کده) अ. फा पु –वह स्थान जहाँ कोई दूसरा न हो।
ख़ल्वतख़ानः (خلوت خانه) अ फा. पु –दे 'ख़ल्वतकद.'।
ख़ल्वतगाह (خلوتگاه) अ फा. स्त्री –दे. 'ख़ल्वतकद'।
ख़ल्वतगुज़ी (خلوت گزیں) अ फा. वि –सबसे अलग रहकर एकात मे वास करनेवाला, एकान्तवासी।
ख़ल्वतगुज़ीनी (خلوت گزینی) अ फा स्त्री –सबसे अलग रहकर एकान्त मे रहना।
ख़ल्वतदोस्त (خلوت دوست) अ. फा वि –अकेला जीवन व्यतीत करने मे आनन्द प्राप्त करनेवाला, एकातप्रिय।
ख़ल्वतनशीं (خلوت نشیں) अ फा वि –दे. 'ख़ल्वतगुज़ी'।
ख़ल्वतनशीनी (خلوت نشینی) अ फा. स्त्री –दे 'ख़ल्वत-गुज़ीनी'।
ख़ल्वतपसंद (خلوت پسند) अ फा वि –दे 'ख़ल्वत दोस्त'।
ख़ल्वतपसंदी (خلوت پسندی) अ फा स्त्री –अकेला जीवन व्यतीत करने मे आनन्द लेना।
ख़ल्वतसरा (خلوت سرا) अ फा स्त्री –दे. 'ख़ल्वतकद.'।
ख़ल्वतियाँ (خلوتیاں) अ फा पु –'ख़ल्वती' का बहु, एकान्त मे वास करनेवाले, किसी एकातवासी के पास आने-जानेवाले।
ख़ल्वती (خلوتی) अ वि –एकात जीवन व्यतीत करने-वाला, किसी एकात निवासी के पास आने-जानेवाला।
ख़ल्वते सहीह (خلوت صحیح) अ स्त्री –निकाह के बाद पुरुष और स्त्री का सभोगार्थ एकात मे रात काटना जहाँ कोई दूसरा प्राणी न हो।
ख़वर (خور) अ पु –आलस्य, सुस्ती; समाचार।
ख़वर्नक़ (خورنق) अ पु –वह अद्‌भुत भवन जो नो'मान बिन मुजिर ने बह्रामगोर के लिए बनवाया था।
ख़वल (خول) अ पु –'ख़ाइल' का बहु., ईश्वर के दिये हुए नौकर-चाकर और धन-सपत्ति आदि।
ख़वाक़ीन (خواقین) अ पु –'ख़ाक़ान' का बहु, सम्राट् लोग।
ख़वातिफ़ (خواتف) अ. पु –'ख़ातिफ़' का बहु, उचक ले जानेवाले, उडा ले जानेवाले, आपत्तियाँ, मुसीबते, सद्‌मे।
ख़वातिम (خواتم) अ पु –'ख़ातिम' का बहु, ख़ातिमे।
ख़वातिर (خواطر) अ पु –'ख़ातिर' का बहु., हृदय मे आने-वाले विचार।
ख़वातीन (خواتین) अ स्त्री –'ख़ातून' का बहु, महिलाएँ, बड़े लोगो की स्त्रियाँ।
ख़वातीम (خواتیم) अ पु –'ख़ातम' का बहु, अँगूठियाँ, मुहर करनेवाली अँगूठियाँ।
ख़वानीन (خوانین) अ पुं –'ख़ान' का बहु, 'ख़ान' की उपाधि रखनेवाले लोग, बड़े-बड़े सरदार।
ख़वाफ़ी (خوافی) अ पु –'ख़ाफ़िय.' का बहु, पेड़ के तने के पासवाली शाखाएँ, पक्षी के नीचेवाले पर।
ख़वारिक़ (خوارق) अ. पु –'ख़ारिक.' का बहु, वह आचार-व्यवहार जो दूसरे व्यक्तियो के लिए आश्चर्यजनक हो।
ख़वारिज (خوارج) अ. पुं –'ख़ारिजी' का बहु, 'ख़ारिजी' सम्प्रदाय के व्यक्ति जो हजरत अली को बुरा जानते और कहते है।
ख़वास (خواص) अ पु –'ख़ास' का बहु, ख़ास लोग, मुख्य लोग, 'ख़ास्स' का बहु, गुण, धर्म, ख़ासियते, (स्त्री) शाहीमहल की वह दासी जो बादशाह के पास एकात मे आती-जाती हो।
ख़वासी (خواصی) अ स्त्री –मुसाहिबत, खिदमतगारी, उच्च सेवाकार्य, राजसेवा।
ख़वीद (خوید) फा पु –गेहूँ या जौ का हरा पेड जिसे भूनकर दाने चबाते है।

खव्वान (حوان) अ वि–बहुत अधिक खियानत करनेवाला।
खव्वास (خواص) अ वि–खरे बनानेवाला खजूर की चटाइयाँ बनाने और बेचनेवाला।
खशन (حسن) फा पु–पलास, टाट, मोटा कपड़ा।
खशब (حسب) अ पु–लकड़ी, इमारती लकड़ी, ईंधन, जलाने की लकड़ी।
खशम (حسم) अ पु–मास सड़ जाना, नाक के नथने मोटे हो जाना नाक में रोग से दुर्गंध उत्पन्न होना।
खशिन (حشن) अ वि–खुरदरा खुर्रा (पु) एक पीड़ा जिसमें शरीर की त्वचा खुरदरी हो जाती है।
खशी (حسى) अ स्त्री–डरना भय करना।
खशीयत (حسيت) अ स्त्री–डर खौफ भय, त्रास।
खशखश (حسحشه) अ पु–कागज अथवा नये कपड़े का शब्द।
खशखाश (حسحاش) अ स्त्री–पोस्त का दाना खशखाश (वि) सशक्त चयित, मुसल्लह।
खश्क (حسف) अ पु–हिलना, झूमना, पूछना, जानना, पत्थर से सर टकराना, सर फोड़ना।
खश्व (حسب) अ पु–किसी चीज में से दूसरी चीज छाटना किसी चीज में दूसरी चीज मिलाना।
खश्म (حسم) फा पु–क्रोध कोप रोष, गुस्सा, दे 'खिश्म', दोनो शुद्ध है।
खश्म (حسم) अ पु–नथने का टूट जाना।
खश्मगीं (حسمگیں) अ फा वि–रोष से भरा हुआ, क्रोधातुर, प्रकुपित।
खश्मनाक (حسمناک) अ फा वि–दे 'खश्मगीं'।
खश्शाम (حسام) अ वि–बहुत बड़ी नाकवाला व्यक्ति, जिसके नथने बहुत उठे हो।
खस (حس) फा स्त्री–सूखी घास एक सुगंधित जड उशीर फूस गाडर।
खस [खस्] (حس) अ पु–कम करना कजूस होना काहू एक पेड।
खसक (حسک) फा पु–गोखरू गोक्षुर लोहे के गोखरूनुमा काँटे।
खसखाना (حس‌خانه) फा पु–खस का मकान, धारागृह।
खसपोश (حس‌پوش) फा वि–घास से ढँका हुआ, घास से पाटा हुआ।
खसाइल (حصائل) अ पु–'खस्लत' का बहु अच्छे स्वभाव, कभी बुरे स्वभावो के लिए भी आता है।
खसाइस (حسائس) अ पु–खसीस का बहु नीचताएँ कमीनगियाँ बुराइयाँ, निकृष्टताएँ।
खसाइस (خصائص) अ पु–खसीस का बहु, विशेषताएँ खुसूसियतें।
खसार (حسار) अ पु–हानि क्षति नुकसान।
खसारत (حسارت) अ स्त्री–हानि, नुकसान, हत्या हलाकत, कुमार्ग-गमन गुमराही।
खसास (حصاصه) अ पु–दरिद्रता कगाली सयास, दरवेशी।
खसासत (حساست) अ स्त्री–कृपणता, कजूसी, नीचता, अधमता, कमीनगी।
खसीन (حصین) अ वि–छोटा, लघु (पु) कुल्हाड़ा।
खसीफ (حسيف) अ पु–पथरीली जमीन में खोदा हुआ कुआ, जिसका पानी कभी कम न होता हो।
खसीम (حصیم) अ वि–शत्रु, दुश्मन।
खसीस (حصیصه) अ स्त्री–स्वभाव प्रकृति आदत।
खसीस (حسیسه) अ स्त्री–अधमता नीचता, कमीनगी, निकृष्टता बुराई।
खसीस (حسیس) अ वि–कृपण मक्खीचूस व्ययकुंठ मक्खीचूस कजूस, पामर अधम नीच, कमीना।
खसूर (حسو) अ वि–जिसे घाटा आया हो दिवालिया।
खसूस (حصوص) अ पु–दे खुसूस, दोनो शुद्ध है।
खसूसीयत (حصوصیت) अ स्त्री–दे खुसूसीयत दोनो शुद्ध है।
खस्त (حسته) फा वि–क्षत घायल, जख्मी दुरवस्थाग्रस्त बदहाल थका, क्लान्त थका हुआ, मुरभरा जिसम खस्तापन हो (पु) गुठली, फल का बीज।
खस्त खान (حسته‌خان) फा पु–जख्मियो का चिकित्सालय।
खस्त:जाँ (حسته‌جان) फा वि–दे खस्त दिल'।
खस्त:जानी (حسته‌جانی) फा स्त्री–दे खस्त दिली।
खस्त जिगर (حسته‌جگر) फा वि–दे खस्त दिल'।
खस्त जिगरी (حسته‌جگری) फा स्त्री–दे खस्त दिली।
खस्त:तन (حسته‌تن) फा वि–जिसका तमाम शरीर घायल हो जिसका शरीर थका हुआ हो।
खस्त तनी (حسته‌تنی) फा स्त्री–सारे शरीर का घायल होना शरीर का थका हुआ होना।
खस्त:दिल (حسته‌دل) फा वि–जिसका हृदय घायल हो क्षत हृदय जिसका मन दुखी हो दुखितहृदय प्रेमी, आशिक।
खस्त दिली (حسته‌دلی) फा स्त्री–हृदय का घायल होना, मन का दुखी होना।
खस्त हाल (حسته‌حال) फा अ वि–जिसका हाल दुर्दशा पड़ा हो दुखितहृदय, जिसकी आर्थिक दशा खराब हो दरिद्र अकिंचन।

ख़स्तःहाली (خستہحالی) फा. अ स्त्री –दुःख से हाल पतला होना; दरिद्र होना, निर्धन होना, कंगाल होना।

ख़स्तएग़म (خستۂغم) फा अ वि –दुःख से बदहाल, प्रेम के रोग से पीड़ित।

ख़स्तगी (خستگی) फा स्त्री –शिथिलता, थकन, घायल होने का भाव, भुरभरापन।

ख़स्फ़ (خسف) अ पु –किसी को भूमि का निगलना, चांद को ग्रहण लगना; आँखो का गढ़े में बैठ जाना।

ख़स्फ़ (خصف) अ.पु –ना'ल ठोकना, एक वस्तु को दूसरी मे जोडना और चिपकाना।

ख़स्म (خصم) अ पु –शत्रु, वैरी, दुश्मन, स्वामी, मालिक, पति।

ख़स्मानः (خصمانہ) अ फा पुं –देख-रेख, देख-भाल।

ख़स्ल (خصل) अ पु –वह धन जो जुए के दाँव मे एक बार रखा जाय।

ख़स्लत (خصلت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत; धर्म, गुण, ख़ासियत।

ख़स्साफ़ (خصاف) अ. वि.–ना'ल जड़नेवाला, ना'लबंद, मिथ्यावादी, झूठा।

ख़ह (خه) फा अव्य –अहो, वाह।

ख़ह ख़ह (خه خه) फा अव्य –वाह वाह, साधु साधु।

ख़हे (خهے) फा अव्य –वाह, अहो, साधु।

ख़ा

ख़ाँ (خاں) फा पु –'ख़ान' का लघु, दे 'ख़ान'।

ख़ाँ बहादुर (خاں بہادر) फा तु पु –अंग्रेजी राज के समय की एक उपाधि जो वह अपने मुसलमान भक्तो को दिया करता था।

ख़ा (خا) फा. प्रत्य –खानेवाला; जैसे—'शकरख़ा' शकर खानेवाला।

ख़ाइन (خائن) अ वि –बददियानत, रुपये-पैसे मे ख़ुर्द-बुर्द करनेवाला, व्यवहारानिष्ठ।

ख़ाइफ़ (خائف) अ वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, डरनेवाला।

ख़ाइब (خائب) अ. वि –हताश, निराश, नाउम्मीद, वंचित, विहीन, महरूम।

ख़ाइल (خائل) अ वि –किसी वस्तु की चौकसी करनेवाला, टहलनेवाला।

ख़ाईदः (خائیدہ) फा वि –चबाया हुआ, चर्वित, खाया हुआ, भुक्त।

ख़ाईदनी (خائیدنی) फा वि –चबाने योग्य, खाने योग्य।

ख़ाकः (خاکہ) फा पु –रेखाचित्र, तस्वीर का ढांचा; किसी कार्यादि का ढाचा, रूपरेखा; किसी कहानी आदि का प्लाट, कथावस्तु, किसी कार्यविशेष का प्लाट।

ख़ाक (خاک) फा. स्त्री –धूलि, रज, गर्द, मृत्तिका, मिट्टी, भूमि, ज़मीन।

ख़ाकअंदाज़ (خاک انداز) फा. पु –कूड़ा-करकट डालने का पात्र, कूड़ाख़ाना, किसी चीज के खो जाने पर शंकित लोगो से धूल फिकवाने की क्रिया, ताकि वह धूल मे मिलाकर चीज फेक दे और किसी को विदित न होना पडे।

ख़ाकआमेज़ (خاک آمیز) फा वि –मिट्टी मिला हुआ, जिस वस्तु मे मिट्टी मिली हो।

ख़ाकआलूद (خاک آلود) फा वि –मिट्टी मे लथड़ा हुआ, मिट्टी मे सना हुआ, मिट्टी या धूल लगा हुआ।

ख़ाकज़ाद (خاک زاد) फा वि –मिट्टी से उत्पन्न, मनुष्य और दूसरे प्राणी।

ख़ाकदान (خاکدان) फा. पु –कूड़ा डालने का स्थान, कूड़ा-घर; संसार, जगत्, दुनिया।

ख़ाकदाने देव (خاکدان دیو) फा. पु –संसार, दुनिया।

ख़ाकनशी (خاک نشیں) फा वि –भूमि पर बैठनेवाला, विनम्र, विनीत; दीन, दुखी, लाचार।

ख़ाकनशीनी (خاک نشینی) फा स्त्री –विनम्रता, विनति, ख़ाकसारी, दीनता, हीनता, लाचारी।

ख़ाकनाए (خاکنائے) फा पु –पानी का वह तंग हिस्सा जो पृथ्वी के दो भागो को अलग करता है।

ख़ाकनिहाद (خاک نہاد) फा वि –दे 'ख़ाकी निहाद'।

ख़ाकबसर (خاک بسر) फा वि –सर पर ख़ाक डालता हुआ, धूल उडाता हुआ, शोक से रोता-पीटता हुआ।

ख़ाकबाज़ (خاک باز) फा वि –धूल-मिट्टी उडानेवाला, मिट्टी से खेलनेवाला।

ख़ाकबेज़ (خاک بیز) फा वि –ख़ाक छाननेवाला, न्यारिया, जो मिट्टी मे से सोना-चाँदी निकालता है।

ख़ाकबेज़ी (خاک بیزی) फा स्त्री –ख़ाक छानना, न्यारा कमाना, न्यारिये का काम करना।

ख़ाकरोबः (خاک روبہ) फा पु –झाड़ू से झड़ा हुआ कूड़ा-करकट।

ख़ाकरोब (خاکروب) फा वि –झाड़ू लगानेवाला, झाड़नेवाला, मेहतर, भंगी।

ख़ाकरोबी (خاکروبی) फा स्त्री –झाड़ू लगाने का काम; मेहतर का काम।

ख़ाकशी (خاکشی) फा स्त्री.–एक बहुत ही महीन दाने जो दवा मे काम आते है।

खाकसार (خاکسار) फा वि–विनम्र विनीत आजिज़ बोलनेवाला इस शब्द का प्रयोग अपने लिए भी करता है।

खाक्सारी (خاکساری) फा स्त्री–विनम्रता, विनति आजिज़ी।

खाकान (خاقان) तु पु–सम्राट महाराज शहनशाह तुर्की शासकों की उपाधि चीनी शासकों की उपाधि।

खाकिस्तर (خاکستر) फा स्त्री–राख भस्म जली हुई वस्तु का अवशेष।

खाकिस्तरी (خاکستری) फा स्त्री–मटमैला रंग मटमैले रंग का।

खाकी (خاکی) फा वि–मिट्टी से सम्बन्धित मिट्टी का बना हुआ मृण्मय खाकी रंग।

खाकी निहाद (خاکی نہاد) फा वि–जिसकी रचना मिट्टी से हुई हो प्राणिवर्ग मनुष्य।

खाके अंगेख्त (خاک انگیختہ) फा स्त्री–पृथ्वी भूगोल।

खाके जिगरगोर (خاک جگرگیر) फा स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ से मन कहीं और जाने को न करे।

खाके पा (خاک پا) फा स्त्री–पाँव की धूल पदरज, प्रायः बोलनेवाला बड़े आदमी से संबोधन करते हुए अपने को भी कहता है।

खाके फरामोशाँ (خاک فراموشاں) फा स्त्री–समाधि-क्षेत्र क़ब्रिस्तान।

खाके मुरक्कब (خاک مرکب) फा अ स्त्री–प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और पाषाणवर्ग का समाहार।

खाके मुर्दा (خاک مردہ) फा स्त्री–ऐसी भूमि जिसमें कुछ उत्पन्न न हो ऊसर बंजर।

खाके शिफा (خاک شفا) फा अ स्त्री–रोगमुक्त करनेवाली मिट्टी किसी महात्मा या वली के द्वार की धूल करबला की मिट्टी जिसकी मालाएँ आदि बनती हैं।

खाके सियाह (خاک سیاہ) फा स्त्री–जलकर काली राख बना हुआ भस्मसात भस्मीभूत।

खाग (خاگ) फा पु–मुर्गी का अंडा।

खागीन (خاگینہ) फा पु–अंडों का आमलेट।

खाज (خارہ) फा पु–सनी हुई मिट्टी जो दीवारों पर लेसी जाती है।

खाज (خاج) अ स्त्री–ईसाइयों की सलीब क्रास।

खाजन (خارزن) फा स्त्री–साली पत्नी की बहन।

खाज़िर (خازر) अ पु–निशाने पर लगा हुआ तीर।

खाज़िन (خازن) अ वि–खज़ानची, कोषाध्यक्ष।

खाज़े (خاضع) अ वि–विनम्रता और विनती करनेवाला, विनम्र, सुशील।

खात (خاب) फा स्त्री–चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

खातम (خاتم) अ स्त्री–अँगूठी मुद्रा, मोहर लगाने की अँगूठी।

खातमकार (خاتم کار) अ फा वि–वह व्यक्ति जो हाथी दाँत आदि के बेलबूटे बनाकर लकड़ी आदि में जड़ता है।

खातमकारी (خاتم کاری) अ फा–हाथी-दाँत या दूसरी वस्तु के बेलबूटे बनाकर लकड़ी आदि में जड़ने का काम।

खातमबंद (خاتم بند) अ फा दे–खातमकार।

खातमबंदी (خاتم بندی) अ फा स्त्री दे–खातमकारी।

खातिफ (خاطف) अ वि–उचक ले जानेवाला उड़ा ले जानेवाला आँखों की ज्योति उड़ा ले जानेवाला।

खातिब (خاطب) अ वि–वह पुरुष जो स्त्री की चाह में हो वह स्त्री जो पुरुष की चाह में हो दामाद।

खातिमा (خاتمہ) अ पु–अंत अवसान, परिणाम, अंजाम, मृत्यु मौत।

खातिमा बिलखैर (خاتمہ بالخیر) अ पु–सद्गति-लाभ मोक्ष प्राप्ति नजात का हुसूल।

खातिम (خاتم) अ वि–ख़त्म करनेवाला समाप्त करने वाला, सबके पीछेवाला बादवाला।

खातिर (خاطر) अ स्त्री–वह विचार जो मन में उत्पन्न हो, हृदय, मन दिल सम्मान सत्कार, तवाज़ो लिहाज़। आदर, लिए वास्ते, निमित्त।

खातिरख्वाह (خاطرخواہ) अ फा वि–मनचाहा, मनोवांछित।

खातिरदार (خاطردار) अ फा वि–आदर-सत्कार करने वाला आव भगत करनेवाला।

खातिरदारी (خاطرداری) अ फा स्त्री–आवभगत, आदर सत्कार, खातिर-तवाज़ो।

खातिरन (خاطراً) अ वि–दिल रखने के लिए।

खातिरनशाँ (خاطرنشاں) अ फा वि–दे खातिरनशीं यही शुद्ध है।

खातिरनशीं (خاطرنشیں) अ फा वि–हृदय में जमनेवाली बात बोधगम्य हृदयगम।

खाती (خاطی) अ वि–जान-बूझकर अपराध करनेवाला।

खातून (خاتون) तु स्त्री–भद्र और शिष्ट स्त्री महिला।

खातूने अरब (خاتون عرب) ▮ अ स्त्री–कादंब।

खातूने खान (خاتون خانہ) तु फा स्त्री–घर में रहने वाली स्त्री, गृहिणी गृहस्वामिनी धर्मपत्नी मनकूहा बीबी चिराग़ख़ाना।

खातूने फ़लक (خاتون فلک) तु अ स्त्री–सूर्य रवि सूरज।

खातूने महफ़िल (خاتون محفل) तु अ स्त्री–सबके सामने

आनेवाली और सबसे मिलनेवाली स्त्री, सोसाइटी गर्ल, शमए-अंजुमन।

ख़ातूने यग़मा (خاتون یغما) तु स्त्री.–सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ाद (خاد) फा स्त्री.–दे 'ख़ात'।

ख़ादिमः (خادمه) अ स्त्री –दासी, परिचारिका, नौकरानी।

ख़ादिम (خادم) अ वि –दास, सेवक, नौकर।

ख़ादिमुलख़ुद्दाम (خادم الخدام) अ. वि.–नौकरो का नौकर, दासानुदास, बहुत ही तुच्छ।

ख़ादे' (خادع) अ वि –धोखा देनेवाला, छली, मक्कार।

ख़ानः (خانه) फा. पुं –गृह, गेह, घर, सदूक आदि का ख़ाना, रजिस्टर आदि का ख़ाना, जन्मकुडली आदि का घर, छेद, विवर।

ख़ान.आबाद (خانه آباد) फा. वा –घर आबाद रहे, एक आशीर्वाद।

ख़ानःआबादाँ (خانه آبادان) फा अ वि –वह व्यक्ति जो बहुत अधिक परिश्रम करता हो, निडर और बेधड़क आदमी।

ख़ानःआबादी (خانه آبادی) फा. स्त्री.–विवाह, व्याह, शादी।

ख़ानःकन (خانه کن) फा वि –घरबार नष्ट कर देनेवाला व्यक्ति, धन-सपत्ति उडा डालनेवाला, कुपूत, कुलघातक।

ख़ान.कनी (خانه کنی) फा स्त्री –घरबार तबाह कर देना, धन में आग लगा देना, कपूतपन।

ख़ानःख़राब (خانه خراب) फा वि –जिसका घरबार और धन आदि सब नष्ट हो गया हो, अभागा, भाग्यहीन, बदनसीब।

ख़ानःख़राबी (خانه خرابی) फा अ स्त्री –घरबार और धन-दौलत का नाश, अभागापन, भाग्यहीनता, बदकिस्मती।

ख़ानःख़्वाह (خانه خواه) फा. वि –मुसाफिर के जान-पहचान का घर जहाँ वह उतरे।

ख़ान.जंगी (خانه جنگی) फा. स्त्री –किसी देश के भीतर की आपसी लडाई, अत कलह, गृह-युद्ध।

ख़ान.ज़ाद (خانه زاد) फा वि –घर मे उत्पन्न, घर का पैदा हुआ, घर की लौंडी से उत्पन्न, दासीपुत्र, इस शब्द का प्रयोग वक्ता अपने लिए भी करता है।

ख़ानःतलाशी (خانه تلاشی) फा तु स्त्री –पुलिस् आदि की ओर से घर की तलाशी।

ख़ानःदामाद (خانه داماد) फा पु –वह दामाद जो अपना घर छोडकर सुसराल मे रहे।

ख़ानः दामादी (خانه دامادی) फा स्त्री –दामाद का अपना घर छोडकर सुसराल मे रहना, दामाद से सुसराल मे रहने की शर्त पर शादी करना।

ख़ानःदार (خانه دار) फा. वि –गृहस्थ, घरेलू जीवन व्यतीत करनेवाला; घर का स्वामी; घर का व्यक्ति, द्वारपाल, दरवान।

ख़ानःदारी (خانه داری) फा. स्त्री –घर-गृहस्थी का जजाल, घरेलू जीवन।

ख़ान.नशी (خانه نشین) फा वि –सासारिक विषय-वासनाओं मे निवृत्त होकर एकान्त मे रहनेवाला।

ख़ान.नशीनी (خانه نشینی) फा स्त्री –ससार के झगडों से मुक्त होकर एकान्त मे जीवन व्यतीत करना।

ख़ान.पुरी (خانه پری) फा स्त्री –किसी फार्म या रजिस्टर के ख़ानों का भरना, केवल दिखाने या छूछा उतारने के लिए बेदिली से कोई कार्य करना।

ख़ानःबख़ानः (خانه بخانه) फा वि –घर-घर, हर घर मे।

ख़ान.बदोश (خانه بدوش) फा वि –घर का सामान साथ रखकर, इधर-उधर जीवन बितानेवाला, सचारजीवी।

ख़ानःबदोशी (خانه بدوشی) फा स्त्री –इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन बिताना।

ख़ानःबरंदाज़ (خانه برانداز) फा. वि –घर को विनष्ट करनेवाला, गृह-घातक।

ख़ानः बरअंदाज़ (خانه برانداز) फा वि.–दे 'ख़ान बरदाज़', दोनो शुद्ध है।

ख़ानःबरबाद (خانه برباد) फा वि.–दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ानःबरबादी (خانه بربادی) फा स्त्री –दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ानःबाग़ (خانه باغ) फा. पु –वह बाग जो घर से मिला हो, गृहवाटिका, गृहोद्यान, पाईबाग।

ख़ान.बुस्ताँ (خانه بستان) फा पु –दे. 'ख़ान बाग़'।

ख़ानःरस (خانه رس) फा वि –घर मे पकाया हुआ फल, पाल का मेवा।

ख़ानःवीराँ (خانه ویران) फा. वि –दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ानःवीरानी (خانه ویرانی) फा स्त्री –दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ानःशुमार (خانه شمار) फा वि –घरो की गिनती करनेवाला।

ख़ान.शुमारी (خانه شماری) फा स्त्री –घरो की गिनती।

ख़ानःसाज़ (خانه ساز) फा वि –घर का बना हुआ, घर की बनी हुई वस्तु, गृह-निर्मित।

ख़ान.सियाह (خانه سیاه) फा वि –अभागा, बदनसीब; कृपण, कजूस।

ख़ान.सोज़ (خانه سوز) फा वि –घर की सपत्ति फूँक डालनेवाला, घर को नष्ट कर देनेवाला।

ख़ान.सोज़ी (خانه سوزی) फा स्त्री –घर की सपत्ति नष्ट कर देना, घर बरबाद कर देना।

ख़ान (خان) तु पु–अध्यक्ष अमीर सरदार बहुत बड़ा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।
ख़ान (خان) फा पु–ख़ाना का लघु, जो यौगिक शब्दों में व्यवहृत है जैसे—ख़ानमा पठान काबुली।
ख़ानए ख़ुदा (خانۂ خدا) फा पु–ईश्वर का घर उपासनालय मस्जिद।
ख़ानए ख़ुर्शीद (خانۂ خورشید) फा पु–सिंहराशि बुर्जे असद।
ख़ानए चश्म (خانۂ چشم) फा पु–वह गढ़ा जिसमें आँख का ढेला रहता है आँखरूपी घर जिसमें प्रेमिका का निवास होता है।
ख़ानए तीर (خانۂ تیر) फा पु–मिथुन राशि बुर्जे जौज़ा।
ख़ानए दिल (خانۂ دل) फा पु–हृदयरूपी घर हृदय जिसमें प्रेयसी का निवास रहता है।
ख़ानए बतकल्लुफ़ (خانۂ بتکلف) फा अ पु–ऐसा घर जहाँ तकल्लुफ़ न करना पड़े।
ख़ानए माही (خانۂ ماهی) फा पु–मीन राशि। [illegible] जहाँ मछलियाँ रहती हों।
ख़ानक़ाह (خانقاه) फा स्त्री–फकीरों और साधुओं के रहने का स्थान आश्रम।
ख़ानगी (خانگی) फा वि–निजी [illegible] घरेलू घर गृहस्थी सम्बन्धी (स्त्री) वह घरेलू स्त्री जो व्यभिचारिणी हो विना ब्याही स्त्री जो घर में स्त्री की तरह रख ली गयी हो [illegible] रखैल बैठाली स्त्री।
ख़ानदान (خاندان) फा पु–वंश कुल परिवार घराना।
ख़ानदानी (خاندانی) फा वि–ख़ानदान का वंश सम्बन्धी वंश का व्यक्ति स्वजन अज़ीज़ कुलीन शरीफ़ (व्यंग) [illegible]।
ख़ानम (خانم) तु स्त्री–ख़ान की स्त्री बड़े घर की स्त्री महिला।
ख़ानवाद (خانواد) फा पु–वंश कुल ख़ानदान।
ख़ानसामाँ (خانساماں) फा पु–ख़ान की मेज़ या दस्तरख़ान का प्रबंध करनेवाला बावरची रसोइया।
ख़ानिक़ (خانق) अ वि–गला घोंटनेवाला गला घोंटकर मार डालनेवाला।
ख़ानी (خانی) फा वि–छोटा हौज़।
ख़ाने (خائع) अ वि–दुराचारी बदकार बुरा विचार रखनेवाला बदगुमान।
ख़ानोमाँ (خان ومان) फा पु–गृहस्थी का सामान गृह सामग्री।
ख़ामाँ (خاماں) फा पु–दे 'ख़ानमाँ'।
ख़ामाँख़राब (خانماں خراب) फा वि–दे 'ख़ानख़राब'।
ख़ामाँबरबाद (خانماں برباد) फा वि–दे ख़ानबरबाद'।
ख़ाफ़िक़न (خافقین) अ पु–पूरब और पच्छिम।
ख़ाफ़िज़ा (خافضہ) अ स्त्री–वह स्त्री जो स्त्रियों का ख़तने करे।
ख़ाफ़िज़ (خافض) अ वि–नीचे गिरानेवाला पस्त करनेवाला अपमान पर ज़ेर देनेवाला ईश्वर का एक नाम जिसका अर्थ है अत्याचारियों को अपमानित करनेवाला।
ख़ाफ़िय (خافیہ) अ वि–छिपा हुआ गुप्त।
ख़ाबिय (خابیہ) अ पु–सिर्के आदि रखने की मटकी मर्तबान।
ख़ाबूर (خابور) अ पु–एक घास एक चश्मा एक गाँव।
ख़ाम (خامہ) फा पु–लेखनी क़लम।
ख़ाम फ़र्सा (خامہ فرسا) फा वि–क़लम घिसनेवाला अर्थात् लिखनेवाला ख़ामबदार लेखक राइटर।
ख़ाम फ़र्साई (خامہ فرسائی) फा स्त्री–लिखना तहरीर करना ख़ामबदारी लेखन-कार्य।
ख़ाम (خام) फा वि–कच्चा अपरिपक्व असंस्कृत नातजुर्बेकार अनुभवहीन ख़ालिस निष्कपट कच्ची शराब।
ख़ाम [ख्म] (خام) अ पु–सड़ा हुआ मांस।
ख़ामअक़्ल (خام عقل) फा वि–जिसकी समझ-बूझ कच्ची हो अपरिपक्वमति नातजुर्बेकार अननुभवी।
ख़ामअक़्ली (خام عقلی) फा अ स्त्री–समझ-बूझ का कच्चापन नातजुर्बेकारी अनुभवहीनता।
ख़ामकार (خامکار) फा वि–मिथ्या कार्य करनेवाला मिथ्याचारी अननुभवी।
ख़ामकारी (خامکاری) फा स्त्री–मिथ्या काम करना अनुभवहीनता।
ख़ामख़याल (خام خیال) फा अ–मूर्ख बेवूक़ूफ़ जिसकी विचारधारा ठीक न हो, जो ठीक बात को ग़लत समझे कच्चा विचार भ्रान्त विचार।
ख़ामख़याली (خام خیالی) फा अ स्त्री–मूर्खता ठीक बात को ग़लत समझना विचार ठीक न होना।
ख़ामख़ू (خام خو) फा वि–नादान मूर्ख नातजुर्बेकार अननुभवी।
ख़ामचर्म (خام چرم) फा वि–मनुष्य की देह इंसानी जिस्म।
ख़ामतम्अ (خام طمع) फा अ वि–नाकाम मनोरथ।
ख़ामतम्ई (خام طمعی) फा अ स्त्री–नाकामी।
ख़ामतमा (خام طمع) फा अ वि–[illegible] [illegible]।

खामदस्त (خام دست) फा. वि –जिसे काम का अभ्यास न हो, अनभ्यस्त; फ़ज़ूलख़र्च, अपव्ययी, अननुभवी।

खामदस्ती (خام دستی) फा स्त्री –काम का अनभ्यास, अनाडीपन; फुजूलखर्ची, अपव्यय, अननुभव।

खामपारः (خام پارہ) फा स्त्री –(गाली) वह स्त्री जिसका कौमार्य नष्ट हो गया हो, क्षतयोनि, व्यभिचारिणी, छिनाल।

खामरीश (خام ریش) फा वि –मूर्ख, घामड, बुद्धू, विदूषक, मस्खरा।

खामसोज़ (خام سوز) फा. वि –वह पदार्थ जो ऊपर से जल गया हो, परन्तु भीतर कच्चा हो।

खामसोज़ी (خام سوزی) फा स्त्री –ऊपर से जल जाना और भीतर कच्चा रहना।

खामिल (خامل) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे कोई याद न करे, गुमनाम, तुच्छ।

खामिस (خامس) अ वि –पाँचवाँ, पचम।

खामी (خامی) फा स्त्री –कच्चापन, अपरिपक्वता, नातज्रिब कारी, अनुभवहीनता।

खामुशी (خامشی) फा. स्त्री –'खामोशी' का लघु, दे. 'खामोशी'

खामोश (خاموش) फा वि –चुप, निर्वाक्, नीरव, अवाक्, मौन, शान्त, साकिन।

खामोशी (خاموشی) फा स्त्री –नीरवता, मौन, चुप्पी, सन्नाटा।

खायः (خایہ) फा पु –अडा, अड, अडकोप, फोता।

खायःबरदार (خایہ بردار) फा वि –झूठी और गिरी हुई खुशामद करनेवाला, बहुत ही तुच्छ खुशामदी, चाटुकार।

खायःबरदारी (خایہ برداری) फा स्त्री –झूठी और तुच्छ खुशामद, चाटुकर्म।

खायःरेज़ (خایہ ریز) फा पु –खागीन, आमलेट, अडो का चीला।

खायस्क (خاسک) फा पु –सुनारो या लुहारो का हथौड़ा।

खायिस्क (خایسک) फा. पु –दे 'खायस्क', दोनो शुद्ध है।

खार. (خارہ) फा पु –एक बहुत ही कठोर पत्थर, खारा, एक वस्त्र जो सूरज की धूप मे फट जाता है।

खार (خار) फा पु –काँटा, कटक, चुभने और कष्ट देने-वाली बात, पक्षी के पाँव का काँटा।

खारकश (خارکش) फा वि –लकडहारा, लकडी काटने और बेचनेवाला।

खारकशी (خارکشی) फा स्त्री –लकडहारे का काम।

खारखसक (خارخسک) फा पु –गोखरू, गोक्षुर।

खारखार (خارخار) फा वि –सोच मे पड़ा हुआ, चिन्तित, उद्विग्न, परेशान, (पु.) फिक्र, चिन्ता, लगाव, सम्बन्ध।

खारचंग (خارچنگ) फा पु –कर्कट, केकड़ा।

खारचीं (خارچیں) फा पु.–काँटो की बाड़ जो खेतो के चारो ओर लगा देते हैं।

खारदार (خاردار) फा वि –कँटीला, काँटेदार।

खारपुश्त (خارپشت) फा. स्त्री –साही, शल्लकी, एक जंतु जिसकी पीठ पर लबे काँटे होते है।

खारबंद (خاربند) फा पु –दे 'खारचीं'।

खारबस्त (خاربست) फा पु –दे 'खारचीं'।

खारशुतुर (خارشتر) फा पु.–एक काँटेदार झाड, जिसे ऊँट बडे प्रेम से खाता है, ऊँटकटारा।

खारा (خارا) फा. पु –एक बहुत ही कठोर पत्थर, खार, एक रेशमी कपडा जो लहरियेदार होता है।

खाराशिकन (خاراشکن) फा वि –दे 'खाराशिगाफ'।

खाराशिगाफ (خاراشگاف) फा वि –पत्थर मे छेद कर देनेवाला, पाषाणभेदी, प्रस्तरभेदी।

खारिंदः (خارندہ) फा वि –खुजानेवाला।

खारिक (خارق) अ वि –फाड़नेवाला, विदारक।

खारिके आदात (خارق عادات) अ पु –चमत्कार, मो'जिज करामात, करिश्मा।

खारिजः (خارجہ) अ पु –पृथक्, अलग, रसीद का दूसरा परत, विदेशी, परराष्ट्रीय।

खारिज (خارج) अ वि –निकलनेवाला, निकला हुआ, रद किया हुआ; बहिष्कृत, बिरादरी से खारिज।

खारिज अज़ अक़्ल (خارج از عقل) अ. फा वि –जो बात समझ से बाहर हो, ज्ञानातीत, जो व्यक्ति बुद्धि से खारिज हो, मूर्ख।

खारिज अज़ आहंग (خارج از آہنگ) अ फा वि –जो बात बिना इरादे के हो, जो स्वर स्थान से विचलित हो।

खारिज अज़ कियास (خارج از قیاس) अ फा वि –अनुमान से अधिक, बहुत अधिक।

खारिज अज़ बह्स (خارج از بحث) अ फा वि –जो बात असगत हो, जो बात सर्वमान्य हो, निर्विवाद बात।

खारिज आहंगी (خارج آہنگی) अ फा स्त्री –स्वर का विचलित हो जाना।

खारिज क़िस्मत (خارج قسمت) अ पु –वह सख्या जो भाग देने से प्राप्त हो, लब्धि, भजनफल, भागफल।

खारिजन् (خارجاً) अ वि –उडते-उडते, अविश्वस्त रूप से (सुनने के लिए प्रयुक्त होता है)।

खारिजी (خارجی) अ वि –बाहरी, बाह्य, मुसलमानो का एक समुदाय जो हजरत अली को नही मानता।

खारिजुलअक्ल (خارج العقل) अ वि दे–'खारिज अज़ अक्ल'।
खारिजुलवल्द (خارج البلد) अ वि–वतन से निकाला हुआ, देश निष्कासित, जलावतन।
खारिफ (خارف) अ वि–खजूरों की देखरेख करनेवाला।
खारिम (خارم) अ वि–नाक काटनेवाला, नथने छेदने वाला, शरारती, उपद्रवी।
खारिश (خارش) फा स्त्री–खुजली, कडू, खजू, विचर्चिका, खाज।
खारिश्त (خارشت) फा स्त्री दे–'खारिश'।
खारिश्ती (خارشتی) फा वि–जिसे खाज हो, खुजली का मरीज।
खारिश्ती (خارشی) फा वि दे–'खारिश्ती'।
खारिस्तान (خارستان) फा पु–काँटों की जगह, जहाँ काँटे ही काँटे हों।
खारीद (خاریده) फा वि–खुजलाया हुआ।
खारीदनी (خاریدنی) फा वि–खुजलाने के लाइक।
खारे अकरब (خار عقرب) अ फा पु–बिच्छू का डंक, नामुबारक, मनहूस, अशुभ।
खारे मुग़ीला (خار مغیلاں) फा पु–बबूल का काँटा, बब्बूर, कटक।
खारोखस (خاروخس) फा पु–कूड़ा-करकट।
खारोखसाक (خاروخسک) फा पु दे–'खारोखस'।
खाला (خالہ) अ स्त्री–माँ की बहन, मासी, मौसी मातृष्वसा।
खाल (خالہ) फा पु–छाला, फफोला।
खालाज़ाद (خالہ زاد) अ फा वि–मौसी का लड़का या लड़की।
खाल (خال) अ पु–तिल, बिंदु, शरीर का काला दाग, मामूँ, माँ का भाई, श्रेष्ठता, बुजुर्गी, मेधा, बुद्धि, अक्ल, अहंकार, अभिमान, गर्व।
खाल खाल (خال خال) अ वि–कहीं-कहीं, यत्र-तत्र, कभी-कभी, बहुत कम।
खालिक़ (خالق) अ वि–उत्पत्तिकर्ता, पैदा करनेवाला, सृष्टिकर्ता, स्रष्टा, ईश्वर।
खालिक़े कुल (خالق کل) अ पु–संसार की हर वस्तु उत्पन्न करनेवाला, सर्वस्रष्टा, ईश्वर।
खालिद (خالد) अ वि–हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।
खालिफ़ (خالف) अ वि–बहुत अधिक प्रतिकूल पुरुष, जिसमें किसी का भय न हो, साहस का गर्भ।

खालिफ़ (خالف) अ वि–पानी खींचनेवाला, पीछे छूटा हुआ, जो पीछे रह गया हो, ऐसा व्यक्ति जो शाहीन हो।
खालिय (خالیہ) अ वि–प्राचीन, पुरातन, क़दीम, पिछला, गुज़रा हुआ, गत।
खालिस (خالصہ) अ पु–राजा की निजी और ज़ाती भूमि और जायदाद, निर्मल, निष्केवल, खालिस, सिक्खों का एक सम्प्रदाय (खालसा)।
खालिस (خالص) अ वि–बमेल, विशुद्ध, निष्केवल, निश्छल, मुख्लिस, केवल, सिर्फ।
खालिसुन्नस्ल (خالص النسل) अ वि–जिसके वंश में कोई दोष न हो, कुलीन।
खालिसुलअस्ल (خالص الاصل) अ वि दे–'खालिसुन्नस्ल'।
खाली (خالی) अ वि–जिसमें कुछ भरा न हो, रिक्त, जिसमें कोई रहता न हो, गैर आबाद, केवल, सिर्फ।
खाली अज़ अक्ल (خالی از عقل) अ फा वि–बुद्धिहीन, मूर्ख, बेवकूफ।
खाली अज़ इल्लत (خالی از علت) अ फा वि–बिना बाधा का, बिना दोष का।
खालू (خالو) अ पु–माँ का भाई, मामूँ, परन्तु इस समय माँ की बहन के पति को कहते हैं (माँ की बहन खाला मौसी)।
खाले' (خالع) अ वि–वह स्त्री जिसने पति ने छोड़ दिया हो, वह पति जिस स्त्री ने छोड़ दिया हो, खूब पका हुआ खजूर।
खाले आरिज़ (خال عارض) अ पु–गाल का तिल।
खाले रुख (خال رخ) अ फा पु–मुँह का तिल, गाल का तिल।
खाविंद (خاوند) फा वि–खुदावन्द का लघु, स्वामी, मालिक, पति, शौहर (खाविंद)।
खाविंदी (خاوندی) फा स्त्री–स्वामित्व, मालिकीयत, पतित्व, शौहरपन।
खावर (خاور) फा वि–पूर्व दिशा, पूरब, मश्रिक, पश्चिम दिशा, पच्छिम, मग़रिब।
खाविय (خاویہ) अ वि–रिक्त, खाली, पड़ा हुआ, उजाड़।
खाशा (خاشہ) फा पु–कूड़ा-करकट।
खाश (خاش) फा स्त्री–सास, पति की माँ, पत्नी की माँ।
खाशाक (خاشاک) फा पु–कूड़ा-करकट।
खाशे' (خاشع) अ वि–विनम्र, विनीत, खाकसार।
खास (خاصہ) अ पु–राजाओं और बादशाहों का खाना।
खास (स्स) (خاص) अ वि–विशेष, सम्पूर्ण, मुख्य, प्रधान।
खासगी (خاصگی) अ फा पु–राजाओं के पास उपस्थित रहनेवाला सेनापति, (स्त्री) वह बाँदी जिससे राजा ने भोग किया हो, राजा की खास दासी, हर अच्छी और सुन्दर वस्तु।

ख़ासदान (خاصدان) अ फा पुं –पान रखने का पात्र-विशेष।
ख़ासनवीस (خاص نویس) अ. फा वि –पर्चानवीस, जो वादशाहो को हर वात की सूचना देता हो, निजी लेखक, पर्सनल असिस्टेंट।
ख़ासबरदार (خاص بردار) अ फा पु –वह नौकर जो वदूक या वल्लम लेकर मालिक के आगे चलता है।
ख़ासियत (خاصیت) अ स्त्री –गुण, सिफत, धर्म, गुण, मिज़ाज, स्वभाव, आदत।
ख़ासिरः (خاصره) अ स्त्री –कमर और पेड़ू।
ख़ासिर (خاسر) अ वि –वह व्यक्ति जो स्वय अपना नुकसान करे, जिसे माल मे घाटा आया हो।
ख़ासीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', दोनो शुद्ध है।
ख़ासोआम (خاص وعام) अ पु –छोटे-वड़े सव व्यक्ति, सर्व-साधारण, अवाम।
ख़ास्सः (خاصه) अ पु दे –'ख़ासियत'।
ख़ास्सीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', सवसे अधिक शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु प्रचलित 'ख़ासियत' ही है।
ख़ाहाँ (خاهاں) फा वि दे –'ख़्वाहाँ'।
ख़ाहिश (خواهش) फा स्त्री दे –'ख़्वाहिश'।

ख़ि

ख़िग (خنگ) फा वि –श्वेत, सफेद, सफेद घोडा, श्वेताश्व।
ख़िगवुत (خنگ بت) फा पु –श्वेत मूर्ति, सफेद वुत, विल्लूर का पियाला, गोरा मा'शूक।
ख़िग मगसी (خنگ مگسی) फा पु –सफेद घोडा, जिस पर काली वुँदकियाँ हो।
ख़िजीर (خنزیر) अ पु –हड्डी सुलगने की दुर्गंध।
ख़िज़ीर (خنزیر) अ पु –शूकर, वराह, सुअर।
ख़िसर (خنصر) अ स्त्री दे –'ख़िसिर'।
ख़िसिर (خنصر) अ स्त्री –हाथ की सवसे छोटी उँगली, छिगुली, कनिष्ठा, कनिष्ठिका, कनीनिका।
ख़िज़र (خضر) अ पु –यह उच्चारण अशुद्ध है, केवल 'ख़िज़्र' और 'ख़ज़िर' शुद्ध है।
ख़िज़ाँ (خزاں) फा स्त्री –दे शु उच्चारण 'ख़ज़ाँ'।
ख़िज़ानः (خزانه) अ पु –दे 'ख़ज़ान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित 'ख़ज़ान' ही है।
ख़िज़ानगी (خزانگی) फा स्त्री –ऐसी सुन्दर और वहुमूल्य वस्तु जो राजाओ के योग्य हो।
ख़िज़ाव (خضاب) अ पु –वालो के रँगने का मसाला, रँगा हुआ हाथ, एक तारा जिसके वीच आशक मे आने पर जो दुआ माँगी जाय वह पूरी होती है।
ख़िज़्र (خضر) अ. पु.–एक अमर पैगम्वर जिनके अधिकार मे वन है और जो भूले-भटको को मार्ग वताते है, एक समुद्र, कैस्पियन; लम्वी आयु का फरिश्ता—"गुजार दूँ तेरे गम मे जो उम्र ख़िज़्र मिले"।
ख़िज़्रसूरत (خضر صورت) अ वि –जो देखने मे हज़रत ख़िज़्र की भाँति सहृदय और दयालु हो।
ख़िज़्रे मंज़िल (خضر منزل) अ पु –मार्गदर्शक, रहनुमा, ख़िज़्र की तरह मंजिल तक रास्ता वतानेवाला,–'क्या मिला ख़िज़्र से सिकदर को—किसको अव रहनुमा करे कोई।"–गालिव।
ख़िज़्रे राह (خضرراه) अ फा पु दे –'ख़िज़्रेमजिल।
ख़िज़्लान (خزلان) अ. पु –वचकता, हीनता, महरूमी; अभागापन, वदकिस्मती, मित्र की सहायता न करना।
ख़िता (خطا) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'ख़ता' वोलते है, दे 'ख़ता'।
ख़ितान (ختان) अ पु –खत्न, लिग के सिर की खाल काटना, लिग का वह भाग जो काटा जाय, लिगाग्र।
ख़िताव (خطاب) अ पु –उपाधि, लकव, सवोधन, मुख़ातव, सरकार की ओर से मिली हुई उपाधि।
ख़िताबत (خطابت) अ स्त्री –सवोधन, ख़िताव, ख़तीव का काम, भाषण देने का काम, ख़ुत्व पढने का काम।
ख़िताबयाफ़्तः (خطاب یافته) अ फा वि –जिसे राज की ओर से उपाधि मिली हो, प्राप्तोपाधि, राज्य-प्रदत्त पदवी पाया हुआ व्यक्ति।
ख़ितामः (ختامه) अ पु –दे 'ख़िताम'।
ख़िताम (ختام) अ पु –चपडा या मोम जिसपर मोहर की जाती है।
ख़िताम (خطام) अ पु –ऊँट की नकेल।
ख़ित्तः (خطه) अ पु –क्षेत्र, इलाका, प्रदेश, देश, जमीन का प्लाट जिस पर घर वनाया जाय।
ख़ित्वः (خطبه) अ पु –स्त्री की चाह, व्याह की इच्छा।
ख़ित्वत (خطبت) अ स्त्री –मँगनी, सगाई, वह शब्द जो ख़तीव निकाह के समय पढता है; वह वात जो झगडा तै कर दे।
ख़ित्मी (خطمی) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे ख़त्मी वोलते है, दे 'ख़त्मी'।
ख़िदफ (خدف) अ. पु –कुर्ते या अँगरखे के अग।
ख़िदाअ (خداع) अ पु –छल करना, धोखा देना, फरेव करना, छल, कपट, फरेव।
ख़िदाज (خداج) अ पु –हानि, नुकसान; अपूर्ण, नातमाम, समय मे पहले जनना, दे 'ख़दाज', दोनो शुद्ध है।

ख़िदारत (خدارت) अ स्त्री–स्त्री का पर्दे में रहना, पर्दा नशीनी।
ख़िदेव (خدیو) फा पु–राजा, बादशाह शासक स्वामी पति मालिक।
ख़िदन (خدن) अ पु–मित्र दोस्त, प्रेमपात्र माशूक।
ख़िदमत (خدمت) अ स्त्री–दासता, गुलामी, सेवा, नौकरी, शुश्रूषा कार्यक्रम।
ख़िदमतगार (خدمتگار) अ फा वि–दास, नौकर ख़िदमती।
ख़िदमतगारी (خدمتگاری) अ फा स्त्री–दासता नौकरी परिचर्या।
ख़िदमतगुज़ार (خدمتگذار) अ फा वि–दिल से सेवा करनेवाला आज्ञापालक फर्माबरदार।
ख़िदमतगुज़ारी (خدمتگذاری) अ फा स्त्री–दिल से सेवा करना आज्ञापालन करना।
ख़िदमती (خدمتی) अ वि–सेवक दास ख़िदमतगार।
ख़िदमते ख़ल्क़ (خدمت خلق) अ स्त्री–जनता की सेवा देशसेवा।
ख़िद्र (خدر) अ पु–सिंह के रहने की माद आड पर्दा।
ख़िफ़ा (خفا) अ पु–छिपाव दुराव पोशीदगी।
ख़िफ़ार (خفاره) अ पु–प्रतिज्ञा-पालन का वचन देना, परस्पर कौल-करार करना प्रतिज्ञा वचन कौल-करार।
ख़िफ़्फ़त (خفت) अ स्त्री–लाज लज्जा शर्म संकोच नदामत नम्रता क्षमा।
ख़िफ़्क़ (خفق) अ वि–निकृष्ट दूषित ख़राब, नाक़िस।
ख़िफ़िक़ (خفق) अ वि–दे ख़िफ़्क़'।
ख़िफ़ीक़ (خفیق) अ वि–दे ख़िफ़्क़'।
ख़िबा (خبا) अ पु–ख़ेमा रावटी तंबू।
ख़िब्रत (خبرت) अ स्त्री–परीक्षा आज़माइश बुद्धिमत्ता दानिश दक्षता वाकुफ़ होशियारी।
ख़िमार (خمار) अ स्त्री–ओढ़नी दुपट्टा।
ख़िमत्र (خمع) अ पु–पानक भट्टिया।
ख़िम्मीर (خمیر) अ वि–जो हर समय शराब में मस्त रहता हो।
ख़ियम (خیم) अ पु–ख़ेमा का बहु रावटियां तम्बू ख़ेमे।
ख़ियार (خیره) अ पु–ख़ैर का बहु, सज्जन लोग अच्छे और नेक लोग।
ख़ियात (خیاط) अ स्त्री–सुई सूची सूजा कपड़ा सीने की सूजी।
ख़ियातत (خیاطت) पु स्त्री–कपड़ा सीने का काम सिलाई सिलाई का पेशा।
ख़ियानत (خیانت) अ स्त्री–गबन मोषण, अपहरण।
ख़ियानते मुजिमाना (خیانت مجرمانه) अ फा स्त्री–निंद्य भावना से धन हथिया लेना।
ख़ियाबाँ (خیابان) फा पु–क्यारी वाटिका उद्यान बाग़।
ख़ियाम (خیام) अ पु–ख़ेमा का बहु ख़ेमे तम्बू।
ख़ियार (خیار) अ पु–खीरा एक प्रसिद्ध फल।
ख़ियारक (خیارک) फा पु–रान की जड़ में निकलनेवाला फोड़ा, बद।
ख़ियारज़ (خیارزه) अ फा पु–ककड़ी, एक प्रसिद्ध फल।
ख़ियारशंबर (خیارشنبر) अ पु–अमलतास, आरग्वध।
ख़ियारैन (خیارین) अ पु–खीरा और ककड़ी दाना।
ख़िय (خیو) फा पु–थूक मुखस्राव दे ख़ुयू', दोनों शुद्ध है।
ख़िरगाह (خرگاه) फा पु–बड़ी रावटी बड़ा ख़ेमा, दे ख़रगाह' दोनों शुद्ध हैं।
ख़िरद (خرد) फा स्त्री–बुद्धि धी मनीषा, मेधा अक्ल।
ख़िरदपवर (خردپرور) फा वि–दे ख़िरदमंद'।
ख़िरदमंद (خردمند) फा वि–मेधावी मनीषी, बुद्धिमान, अक्लमंद।
ख़िरदमंदी (خردمندی) फा स्त्री–बुद्धिमत्ता अक्लमंदी।
ख़िरदवर (خردور) फा वि–दे ख़िरदमंद'।
ख़िराज (خراج) अ वि–दे शु उच्चारण 'ख़राज'।
ख़िरातत (خراطت) अ स्त्री–लकड़ी ख़रादने का काम।
ख़िराम (خرام) फा स्त्री–चाल, गति रफ़्तार नाज़ चाल प्रत्यु गति (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे–सबुकख़िराम' हल्की चाल चलनेवाला।
ख़िरामाँ (خرامان) फा वि–टहलते हुए टहलनेवाला।
ख़िरामाँ ख़िरामाँ (خرامان خرامان) फा वि–धीरे धीरे टहलते हुए हल्की चाल से मंद गति से।
ख़िरामेनाज़ (خرامِ ناز) फा स्त्री–इठलाती हुई चाल आशिक़ाना चाल।
ख़िर्क़ (خرقه) अ पु–गुदड़ी फटा-पुराना लिबास किसी ऋषि या वली के शरीर से उतरा हुआ लिबास।
ख़िर्क़ापोश (خرقه‌پوش) अ फा वि–फ़क़ीरों का भेस पहननेवाला फ़क़ीर साधु।
ख़िर्क़ (خرق) अ वि–विनोदी हँसोड़ मसख़रा, शूर, वीर बहादुर।
ख़िर्निक़ (خرنق) अ पु–खरगोश का बच्चा।
ख़िर्मन (خرمن) फा पु–वह खलियान जिस पर दाँय चल गयी हो भूसा मिला हुआ अन्न भूसा निकला हुआ अन्न का ढेर।

ख़िर्मने माह (خرمن ماہ) फा पु –चाँद का घेरा, हाल, चंद्रमडल।

ख़िर्सक (خرسک) फा. पु –एक खेल, जिसमे एक घेरे मे एक लडका खडा होता है, और सब लडके उसे मारते है, जिस लडके के शरीर मे वह लड़का पाँव मार देता है, उसे उस घेरे मे खडा होना पडता है।

खिल [ल्ल] (خل) अ पु –मित्र, दोस्त, सखा, यार।

खिलाअ (خلاع) अ स्त्री –'ख़िल्अत' का वहु, ख़िल्अते।

खिलाअत (خلاعت) अ स्त्री –रोग के कारण दुखी रहना।

खिलाक (خلاق) अ पु –एक प्रकार की सुगध।

खिलात (خلاط) अ. पु –वुद्धि-विकार, अक्ल की ख़रावी, नर और मादा का मेल।

खिलाफ (خلاف) अ. पु –वेत का पेड, वेत्र, (वि) विरुद्ध, मुख़ालिफ, प्रतिकूल, नामुआफिक, प्रत्युत, वरअक्स, शत्रु, दुश्मन।

खिलाफत (خلافت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व, नुमाइदगी, स्थानापन्नता, काइममकामी, मुहम्मद साहव के वाद उनकी जानशीनी।

खिलाफते राशिदः (خلافت راشده) अ स्त्री –हजरत मुहम्मद के चार खलीफाओ का समय और उनकी खिलाफत।

ख़िलाफवयानी (خلاف بیانی) अ स्त्री –झूठ कहना, गलत वयान करना, मिथ्यावाद।

ख़िलाफवर्ज़ी (خلاف ورزی) अ. फा स्त्री –अवज्ञा, आज्ञोल्लघन, हुक्मउदूली।

ख़िलाफे उम्मीद (خلاف امید) अ फा पु –आशा के खिलाफ, जिसकी आशा न हो, आशा से अधिक, आशातीत।

खिलाफे काइदः (خلاف قاعده) अ पु –नियम के विरुद्ध, उसूल के खिलाफ, कानून के विरुद्ध, अवैध।

खिलाफे कानून (خلاف قانون) अ पु –विधान के विरुद्ध, अवैध; नियम के विरुद्ध, काइदे के खिलाफ।

खिलाफे कियास (خلاف قیاس) अ पु –अनुमान के परे, ज्ञानातीत, जो सोचा हो उसके खिलाफ।

खिलाफे जावितः (خلاف ضابطه) अ पु –दे 'खिलाफे काइद'।

ख़िलाफे तवक़्क़ो' (خلاف توقع) अ पु –आशा के खिलाफ, आशातीत।

खिलाफे तहजीव (خلاف تہذیب) अ पु –सभ्यता और शिष्टता के विरुद्ध, अश्लील।

खिलाफे दस्तूर (خلاف دستور) अ फा पु –दे 'ख़िलाफे काइद'; परपरा के विरुद्ध, रवाज के खिलाफ, नियम-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मर्ज़ी (خلاف مرضی) अ पु –दे 'खिलाफे मिजाज' इच्छा-विरुद्ध।

खिलाफे मिजाज (خلاف مزاج) अ पु –जिस वात को जी न चाहता हो, मर्जी के विरुद्ध, स्वभाव-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मौज़ूअ (خلاف موضوع) अ. पु –किसी विपय के अतिरिक्त दूसरा विपय, विपयातर, जो प्रसग चल रहा हो उसके विरुद्ध दूसरा प्रसग, अप्रासगिक।

खिलाफे वज़्अ' (خلاف وضع) अ पु –अपनी परपरा और वजा'दारी के विरुद्ध, परपरा-विरुद्ध।

खिलाफे वज़्ए फित्री (خلاف وضع فطری) अ. पु –अप्राकृतिक मैथुन, स्त्री के सिवा किसी और से रति-क्रीडा।

खिलाफे शान (خلاف شان) अ पु.–अपनी आनवान के विरुद्ध, अपनी मर्यादा के विरुद्ध।

ख़िलाव (خلاب) अ स्त्री –कीचड, कीच, दे. 'खलाव', दोनो शुद्ध है परन्तु वह अधिक शुद्ध है।

ख़िलाल (خلال) अ. पु –मध्य, वीच, दो वस्तुओ के वीच का अन्तर ; मैत्री, दोस्ती, दाँत कुरेदने का तिनका; ताश की वाजी मे मात।

खिलाले माइदः (خلال مائده) अ पु –सिवैयाँ।

खिलाश (خلاش) अ पु –रास्ते की कीचड।

खिलास (خلاص) अ. पु –ख़ालिस, निप्केवल; खरा चाँदी और सोना, श्रेष्ठ, उत्तम, प्रेम और सच्चाई।

ख़िल्अत (خلعت) अ. स्त्री –राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र आदि, जो तीन कपडो से कम नही होते; अपने शरीर से उतारकर दूसरे को वस्त्र पहनाना।

ख़िल्अते फाखिरः (خلعت فاخره) अ स्त्री –पूरा ख़िल्अत, जिसमे सात कपडे, मोतियो की माला, रत्नजटित पगडी का जीग और तलवार आदि होते है।

खिल्कत (خلقت) अ स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश, जनता, जनसाधारण, अवाम।

खिल्की (خلقی) अ वि –पैदाइशी, जन्मसिद्ध; प्राकृतिक, फित्री।

ख़िल्तः (خلطه) अ पु –मिश्रण, मिलना, किसी के साथ रहकर जीवन व्यतीत करना।

ख़िल्त (خلط) अ. स्त्री –शरीर के अंदर वात, पित्त, कफ आदि रस, धातु।

ख़िल्ते फासिद (خلط فاسد) अ. स्त्री –दूपित धातु, प्रकुपित धातु, वह वात, पित्त आदि जो विगड गया हो।

ख़िल्ते सालेह (خلط صالح) अ स्त्री –शुद्ध धातु, वह ख़िल्त जिसमे कोई विकार न हो।

खुजस्तःपै (خجستہ پے) फा. वि –जिसका आगमन कल्याण-कर हो, मुबारककदम।

खुजस्तःराय (خجستہ رائے) फा अ. वि –जिसकी सलाह बहुत ठीक और शुभान्वित होती हो।

खुजाअः (خزاعہ) अ पु –किसी वस्तु से काटा हुआ खंड, टुकडा, अरब का एक वंश।

खुज़ा'बील (خزعبیل) अ वि.–अनृत, असत्य, गलत, बातिल।

खुज़ारः (خضارہ) अ पु –नदी, दर्या।

खुज़ूअ (خضوع) अ पु –नम्रता, विनीति, खाकसारी।

खुज़ूर (خضور) अ पुं –'खजर' का बहु, हरियालियाँ, सब्ज़ियाँ।

खुज़्रत (خضرت) अ. स्त्री –हरियाली, हरिमा, सब्जी।

खुज़्री (خضری) अ स्त्री –तरकारी, शाक, सब्जी।

खुज़्रीयात (خضریات) अ स्त्री –तरकारियाँ, सब्ज़ियाँ।

खुज़्रूफ (خضروف) अ वि –युद्ध मे फुर्ती मे लडनेवाला, युद्ध-कुशल (स्त्री) चमडे की फिरकी जिसमे डोरा डालकर घुमाते है।

खुतन (ختن) फा पु –चीन का एक नगर जहाँ की कस्तूरी प्रसिद्ध है।

खुतार (ختار) अ पु –घास-फूस से खेत को साफ करना, जमे हुए खेत मे से घास आदि निकलना।

खुतुवात (خطوات) अ पु –'खुत्व' का बहु, डगें, कदम।

खुतूत (خطوط) अ पु –'खत' का बहु, लकीरे, रेखाएँ, चिट्ठियाँ।

खुतून (ختون) अ पु –दामाद बनना।

खुत्ताफ (خطاف) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध चिडिया, अबाबील; पानी खीचने के पुर का कुडा।

खुत्वः (خطبہ) अ पु –पुस्तक की भूमिका, प्राक्कथन; उपदेश, धर्मोपदेश, भाषण, बयान; नमाज या निकाह का खुत्व।

खुत्वः (خطوہ) अ पु –एक डग, एक कदम, चलते समय दोनो पाँवो के बीच का अतर।

खुद (خود) फा अव्य –स्वय, आप, स्वत, अपने आप।

खुदअदोख्तः (خود اندوختہ) फा वि –अपने आप कमाकर इकट्ठा किया हुआ धन आदि, स्वोपार्जित।

खुदअः (خدعہ) अ. वि –जो दूसरो को छले।

खुदआरा (خود آرا) फा वि –अपने को बना-सँवारकर रखनेवाला (वाली), स्वयसज्जिता, सुसज्जिता।

खुदआराई (خود آرائی) फा स्त्री.–अपने आपको बनाने-सँवारने की क्रिया।

खुदइत्मीनानी (خوداطمینانی) फा. अ. स्त्री –अपने पर इत्मीनान होने का भाव; अपने मन को संतोष होने का भाव।

खुदए'तिमाद (خوداعتماد) फा अ वि –अपने पर भरोसा और विश्वास करनेवाला, आत्मविश्वासी।

खुदए'तिमादी (خوداعتمادی) फा अ स्त्री –अपने पर भरोसा और विश्वास करना, आत्म-विश्वास।

खुदक (خودک) फा पु –मन मे उत्पन्न होनेवाले भ्रम और विचार।

खुदकफालत (خودکفالت) फा अ स्त्री –अपना भार खुद उठाना।

खुदकफील (خودکفیل) फा अ वि –अपना भार स्वयं उठानेवाला, स्वावलंबी, आत्मावलबी।

खुदकाम (خودکام) फा वि –स्वच्छद, निरंकुश, खुदराय।

खुदकामी (خودکامی) फा स्त्री –स्वच्छदता, निरकुशता, खुदरायी।

खुदकुश (خودکش) फा वि –आत्महत्या करनेवाला, खुद को मार डालनेवाला।

खुदकुशी (خودکشی) फा स्त्री –खुद को मार डालना, आत्महत्या।

खुदगरज (خودغرض) फा अ वि –अपने मतलब मे चौकस, केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करनेवाला, स्वार्थी, स्वार्थपर।

खुदगरजी (خودغرضی) फा अ स्त्री –स्वार्थपरता, आत्म-लाभ, स्वार्थसाधन, खुदमतलबी।

खुदद (خدد) अ पु –'खुद्द' का बहु, सुरंगे, भूमि के भीतर के रास्ते।

खुददार (خوددار) फा वि –अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखनेवाला, स्वाभिमानी।

खुददारी (خودداری) फा स्त्री –अपनी प्रतिष्ठा और मर्यादा की रक्षा, स्वाभिमान, आत्मगौरव, आत्मसम्मान।

खुदनविश्त (خودنوشت) फा वि –अपने कलम का लिखा हुआ, स्वय लिखे हुए अपने हालात।

खुदनुमा (خودنما) फा वि –अपने सौदर्य अथवा वैभव आदि का प्रदर्शन करनेवाला (वाली), आत्मप्रदर्शी।

खुदनुमाई (خودنمائی) फा स्त्री –अपने हुस्न अथवा अपनी शान-शौकत का प्रदर्शन, आत्मप्रदर्शन।

खुदपरस्त (خودپرست) फा वि –हर बात मे अपना गौरव और अपनी महत्ता जतानेवाला, आत्मपूजक।

खुदपरस्ती (خودپرستی) फा स्त्री –अपने ही को सब कुछ जानने का भाव, आत्म-पूजा।

खुदपसद (خودپسند) फा वि—अपने को सबसे अच्छा और बड़ा समझनेवाला।

खुदपसदी (خودپسندی) फा स्त्री—अपने को सबसे अधिक पसद करने का भाव।

खुदफरामोश (خودفراموش) फा वि—ऐसा अचेत जो अपने को भी भूल जाय आत्म विस्मारक अपना भी मुनज़िर हूँ तेरे इतज़ार में।

खुदफरामोशी (خودفراموشی) फा स्त्री—खोया खोया रहना बेसुध रहना अपना होश न रहना आत्म विस्मृति।

खुदफरेब (خودفریب) फा वि—अपने को धोखा देनेवाला अपने को धोखे में रखनेवाला आत्मवञ्चक।

खुदफरेबी (خودفریبی) फा स्त्री—अपने को धोखे में रखना आत्मवञ्चना।

खुदफरोश (خودفروش) फा वि—वह व्यक्ति जो धन या पद के लाभ में अपने राष्ट्र या अपने स्वामी से विश्वासघात करे आत्म विक्रेता।

खुदफरोशी (خودفروشی) फा स्त्री—अपने को दूसरा के हाथ बेच देना गद्दारी करना आत्म विक्रय।

खुदबिगन (خودبگن) फा वि—घाने का अच्छा चलने-वाला।

खुद ब खुद (خود بخود) फा वि—अपने आप आपसे आप स्वत स्वय।

खुदबदौल्त (خود بدولت) फा अ पु—श्रीमान महाशय जनाब स्वय आप आप खुद।

खुदबीं (خودبیں) फा वि—अपने को सब कुछ समझने वाला आत्मश्लाघी अहकारी अभिमानी मग़रूर।

खुदबीनी (خودبینی) फा स्त्री—अपने को सब कुछ समझना आत्मश्लाघा अहकार अभिमान गुरूर।

खुदमतलब (خودمطلب) फा अ वि—मतलबी स्वार्थ-साधक।

खुदमतलबी (خودمطلبی) फा अ स्त्री—मतलबी स्वार्थ-साधन।

खुदमुख्तार (خودمختار) फा अ वि—स्वेच्छाचारी निरकुश मनमाना करनेवाला स्वतन्त्र स्वाधीन आज़ाद।

खुदमुख्तारी (خودمختاری) फा अ स्त्री—स्वच्छन्दता मन की मौज स्वतन्त्रता स्वाधीनता आज़ादी।

खुदरफ्त (خودرفته) फा वि—जो अपने आप में न हो गफ़लत निश्चेष्ट बेसुध।

खुदरफ्तगी (خودرفتگی) फा स्त्री—अपने आप में न होना निश्चेष्टता।

खुदराई (خودرائی) फा अ स्त्री—अपनी ही राय पर चलना दूसरे का परामर्श न मानना स्वेच्छाचार स्वच्छन्दता।

खुदराए (خودرائے) फा अ वि—जो केवल अपने विचारों पर चले और किसी की बात न माने स्वच्छाचारी।

खुदरस्त (خودرسته) फा वि—'खुदरौ'।

खुदरौ (خودرو) फा वि—अपने आप उगा हुआ जो बोया न गया हो।

खुदशनास (خودشناس) फा वि—अपना हलकापन या भारीपन पहचाननेवाला अपनी जगह पहचाननेवाला।

खुदशनासी (خودشناسی) फा स्त्री—अपना हलका भारी पन पहचान कर उसी ही बात करना निजज्ञान।

खुदशा (خودشاں) फा पु—वह सब।

खुदशिकन (خودشکن) फा वि—विनम्र विनीत खाकसार।

खुदशिकनी (خودشکنی) फा स्त्री—विनम्रता विनीति खाकसारी।

खुदसना (خودسنا) फा अ वि—'खुदसिता'।

खुदसर (خودسر) फा वि—उद्दण्ड उजड्ड अवज्ञाकारी नाफ़र्मान, विद्रोही बाग़ी।

खुदसरी (خودسری) फा स्त्री—उद्दण्डता उजड्डपन अवज्ञा हुक्मउदूली विद्रोह बगावत।

खुदसवार (خودسوار) फा वि—'खुदराए'।

खुदसवारी (خودسواری) फा स्त्री—'खुदराई'।

खुदसाख्त (خودساخته) फा वि—अपना बनाया हुआ आत्म निर्मित मनगढ़न्त ख्याल-कल्पित।

खुदसाज़ (خودساز) फा वि—अपनी बाह्य वेशभूषा को सुसज्जित रखनेवाला अपने आचरण की शुद्धि का प्रयत्न करनेवाला।

खुदसाज़ी (خودسازی) फा स्त्री—अपनी वेशभूषा को सवारना अपने आचरण की शुद्धि की कोशिश करना।

खुदसिता (خودستا) फा वि—अपने मुह मियामिट्ठू बननेवाला आत्मश्लाघी आत्म प्रशसक।

खुदसिताई (خودستائی) फा स्त्री—अपने मुँह से अपनी प्रशसा करना आत्मश्लाघा आत्मप्रशसा।

खुदसुपुर्दगी (خودسپردگی) फा स्त्री—अपने को किसी के अधिकार में दे देना आत्मसमर्पण अभ्यर्पण।

खुदा (خدا) फा पु—परमात्मा ईश्वर अल्लाह।

खुदाई (خدائی) फा स्त्री—ससार जगत दुनिया ईश्वरत्व गुणपन (वि) देवी ग़ैबी आस्मानी।

खुदातर्स (خداترس) फा वि—ईश्वर से डरनेवाला दूसरों पर दया करनेवाला सभ्य न्यायवान।

खुदातर्सी (خداترسی) फा स्त्री—ईश्वर का भय दूसरों पर दयाभाव सभ्यता दयालुता।

खुदादाद (خداداد) फा. वि –खुदा का दिया हुआ, ईश्वर-दत्त; जो परिश्रम और प्रयास से न प्राप्त हो बल्कि ईश्वर की कृपा से मिले।

खुदा न ख्वास्तः (خدا نخواستہ) फा अव्य.–खुदा न करे, ईश्वर ऐसा न करे, एक आशीर्वाद का वाक्य, जो किसी अनिष्ट की शंका के समय बोलते है, जैसे—'खुदा न ख्वास्त चोट आ गयी तो क्या होगा ?'

खुदा ना कर्दः (خدا ناکردہ) फा अव्य –दे 'खुदा न ख्वास्त.।

खुदा ना ख्वास्तः (خدا ناخواستہ) फा अव्य –दे 'खुदा न ख्वास्त', दोनो शुद्ध है।

खुदा ना तर्स (خدا ناترس) फा वि –ईश्वर से न डरनेवाला, निर्दय, बेरहम।

खुदा ना तर्सी (خدا ناترسی) फा स्त्री.–ईश्वर का भय न होना, निर्दयता, बेरहमी।

खुदापरस्त (خداپرست) फा. वि –खुदा को पूजनेवाला, धर्मनिष्ठ, खुदा के अस्तित्व का काइल, आस्तिक, सत्य-निष्ठ, ईमानदार, ऋषि, मुनि, वली, दयावान्, रहमदिल, ईश्वर-भक्त।

खुदापरस्ती (خداپرستی) फा स्त्री –धर्मनिष्ठता, आस्तिकता, सत्यता, ऋषित्व, वलीपन, दयालुता, रहमदिली, ईश्वर-भक्ति।

खुदायगाँ (خدایگاں) फा पु –स्वामी, मालिक, राजा, बादशाह।

खुदाया (خدایا) फा अव्य –हे ईश्वर, ऐ खुदा, हे प्रभु, प्रभो।

खुदारा (خدارا) फा अव्य –ईश्वर के लिए, खुदा के वास्ते।

खुदावंद (خداوند) फा पु –ईश्वर, खुदा; स्वामी, मालिक।

खुदावंदगार (خداوندگار) फा. पु –दे. 'खुदावद'।

खुदावंदा (خداوندا) फा अव्य –दे 'खुदाया'।

खुदावदी (خداوندی) फा स्त्री –ईश्वरत्व, खुदाई।

खुदाशनास (خداشناس) फा वि –ब्रह्मज्ञानी, आरिफ, दयालु, रहमदिल, न्यायवान्, मुसिफमिजाज।

खुदाशनासी (خداشناسی) फा स्त्री –ब्रह्मज्ञान, मा'रिफत, दयालुता, रहमदिली, न्यायकर्म, इसाफपरवरी।

खुदासाज (خداساز) फा वि –खुदा का बनाया हुआ, जो अपने परिश्रम से न हो, अपने आप हो जाय।

खुदाहाफिज (خدا حافظ) फा अ वा –किसी को विदा करते समय बोला जानेवाला वाक्य, अर्थात् ईश्वर आपकी रक्षा करे।

खुदी (خودی) फा स्त्री –अहकार, अहवाद, यह भाव कि बस हमी हम है, गर्व, अभिमान, घमड।

खुदुक (خودک) फा पु –दे 'खुदूक'।

खुद्द (خدو) फा. पु –थूक, मुखस्राव।

खुदूक (خدوک) फा. पु –क्रोध, गुस्सा, लज्जा, शर्म; उद्विग्नता, परेशानी, मन के बुरे विचार, भ्रम, ईर्ष्या, रश्क।

खुद्अः (خدعہ) अ पु –छल, कपट, फरेब, (वि) वह व्यक्ति जिसे दूसरे लोग छले।

खुद्दः (خدہ) अ पु –भूमि के भीतर का मार्ग, सुरग।

खुद्दाम (خدام) अ पु –'खादिम' का बहु, नौकर लोग, सेवकगण।

खुनाक (خناق) अ पु –दे. 'खनाक'।

खुनुक (خنک) फा वि.–शीतल, ठडा, सुन्दर, अच्छा; क्लीव, नामर्द।

खुनुकी (خنکی) फा स्त्री –शीत, शीतलता, ठडक, शीतकाल, जाडा, नपुसकता, नामर्दी।

खुनूअ (خنوع) अ पु –विनम्रता दिखाना, खाकसारी करना, नम्र करना, नर्म करना।

खुनूस (خنوس) अ पु –पीछे रह जाना, किसी चीज के पीछे छिपना।

खुन्फसा (خنفسا) अ पु –गुबरीला, गोबर का एक कीडा।

खुन्या (خنیا) फा. पु –गान, राग, नग्म ; वाद्य, साज।

खुन्यागर (خنیاگر) फा वि –गानेवाला, गायक, गवैया।

खुन्यागरी (خنیاگری) फा. स्त्री –गाने का काम, गाने का पेशा।

खुफ [फ्फ] (خف) अ पु –मोजा, शुतुरमुर्ग, पाँव का तलवा; ठोस जमीन, बूढा ऊँट।

खुफाफ (خفاف) अ वि –हलका, अगुरु, लघु।

खुफारः (خفارہ) अ पु –दे 'खिफार', दोनो शुद्ध है।

खुफीयः (خفیہ) अ पु –छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

खुफूक (خفوق) अ पु –तारे का डूबना, नीद की अधिकता से सिर हिलना, रात मे चलना, पक्षी का उडना।

खुफूफ (خفوف) अ पु –हलका होना, तेज चलना, कम होना।

खुफ्च. (خفچہ) फा पु –पशुओं के हाँकने की छडी, जिसके सिरे पर नोकदार कील लगी होती है।

खुफ्तः (خفتہ) फा वि –सोया हुआ, सुप्त।

खुफ्त.नसीब (خفتہ نصیب) फा अ. वि –जिसका भाग्य सो रहा हो, हतभाग्य, दुर्दैव, दुर्दृष्ट।

खुफ्त.नसीबी (خفتہ نصیبی) फा. अ स्त्री –भाग्यहीनता, बदनसीबी।

खुफ्त बख्त (خفتہ بخت) फा वि –दे 'खुफ्त नसीब'।

खुफ्त.बख्ती (خفتہ بختی) फा. स्त्री –दे 'खुफ्त नसीबी'।

खुफ्तक (خفتک) फा पु—कावूस का राग द कावस'।
खुफ्तगी (خفتگی) फा स्त्री—सोने का भाव, स्वप्नता।
खुफ्तनी (خفتنی) फा वि—सोने के काबिल।
खुफ्फाश (خفاش) अ पु—चमगादड चमचटक, वातुलि।
खुफ्य (خفیہ) अ वि—'खुफीय' का उर्दू रूप छिपा हुआ गुप्त रहस्यमय राजदारान गुप्तचर जासूस, (स्त्री) गुप्तचरी जासूसी।
खुफ्यानवीस (خفیہ نویس) अ फा वि—छिपकर किसी काम को देखने और उसकी रिपोर्ट करनेवाला।
खुब्स (خبث) अ वि—अपवित्र गंदा मलिन पलीद।
खुबसा (خبثا) अ पु—'खबीस' का बहु, खबीस लोग दुष्ट लोग।
खुबात (خباط) अ स्त्री—पागलपन बुद्धि विक्षेप दीवानगी।
खुब्ज (خبز) अ स्त्री—रोटी नान रोटिका।
खुब्स (خبث) अ पु—मलकुचल दुष्टता खबासत पाप गुनाह अन्तर्मलिनता बदबातिनी।
खुब्सुलहदीद (خبث الحدید) अ पु—लोहे का मल मडूर।
खुब्से नफ्स (خبث نفس) अ पु—आत्मा की मलिनता हृदय का पापमय होना।
खुब्से बातिन (خبث باطن) अ पु—दे 'खुब्से नफ्स'।
खुम (خم) फा पु—घडा मटका शराब रखने का मटका खुम के खुम पी जाऊँगा म ऐसा बादानोश हूँ।
खुम[म्म] (خم) अ पु—मुर्गियों का दरबा।
खुमकद (خمکده) फा पु—मदिरालय सुरालय शराबखाना।
खुमकश (خمکش) फा वि—पूरी मटकी पी जानेवाला घनी शराबी पान शौं।
खुमखान (خمخانه) फा पु—दे खुमकद।
खुमाअ (خماع) अ पु—चलते हुए झूमना झूमते हुए चलना।
खुमार (خمار) अ पु—नशे के उतार की अवस्था, जिसमें हलका सिरदर्द और हल्की ऐंठन होती है नशा मद उमार — आंखों ने मए हुस्न पिलाई थी एक रोज—अँग डाइयाँ लेता हूँ अभीतक खुमार में।
खुमारआलूद (خمارآلود) फा वि—नशे में मस्त मदमस्त प्राय प्रमिका की आँखों के लिए आता है। खुमार-आलूद नजरें तीरगी दिल में उतरती है।
खुमारआलूद (خمارآلود) फा वि—दे 'खुमार आलूद'।
खुमारी (خماری) अ फा वि—दे 'खुमार आलूद'।
खुमाल (خمال) अ पु—गठिया का दर्द वातव्याधि।
खुमासी (خماسی) अ पु—अरबी का वह शब्द जिसमें पाँच अक्षर हों।

खुमाहन (خماهن) फा पु—लालिमा लिये हुए एक काला पत्थर।
खुमूद (خمود) अ पु—आग का कुम्हला जाना या खत्म हो जाना अर्थात बुझ जाना।
खुमूल (خمول) अ पु—गुमनामी का जीवन व्यतीत करना अनातवास गुमनामी।
खुमूश (خموش) अ पु—छीलना।
खुमूस (خموص) अ पु—सूजन का उतर जाना सूजे हुए अंग का ठीक हो जाना।
खुमे अफ्लातून (خم افلاطون) फा अ पु—वह मटका जिसमें अफ्लातून को मरते समय बंद करके पहाड की खोह में रख दिया गया था।
खुमे ईसा (خم عیسی) फा अ पु—वह घडा जिसमें चाहे जिस रंग का कपडा डाला जाता हजरत ईसा की दुआ से वह सफेद या काला निकलता था।
खुमे मय (خم مے) फा पु—शराब की मटकी।
खुयूल (خیول) अ पु—खैल का बहु, समूह समुदाय जमाअतें।
खुर (خور) फा पु—एक रोग जिसमें बाल झडने लगते हैं।
खुर (خور) फा पु—सूर्य, सूरज।
खुरदाद (خرداد) फा पु—फारसी का एक महीना जो असाढ के लगभग पडता है।
खुरशीद (خورشید) फा पु—रवि, दिनकर, दिवाकर, सूर्य सूरज।
खुरशेद (خورسید) फा पु—दे खुरशीद शुद्ध यही है मगर खुरशीद प्रसिद्ध है।
खुराक (خوراک) फा स्त्री—भोजन खाना खाद्य खाने की वस्तु गिजा।
खुराज (خراج) अ पु—फोडा व्रण घाव जख्म क्षत।
खुराफत (خرافت) अ स्त्री—बकवास अनगल प्रलाप बेहूदगोई।
खुराफात (خرافات) अ स्त्री—'खुराफत' का बहु, बहुत बात बकवास, बेहूदा और व्यर्थ के काम।
खुरिंद (خورنده) फा वि—खानेवाला।
खुरिश (خورش) फा स्त्री—खुराक भोजन गिजा।
खुरूज (خروج) अ पु—निकलना, निःसरण शासन के विरुद्ध विद्रोह बगावत।
खुरूजुल मक्अद (خروج المقعد) अ पु—बच्चों की काँच निकलना का रोग गुदभ्रंश गुद निर्गम।
खुरूर (خرور) अ पु—गिरना गिर पडना सोनेवाले के गले का बोलना खर्राटे लेना।

ख़ुरुस (خروس) फा पु.—मुर्ग़ा, कुक्कुट।
ख़ुरोश (خروش) फा. पु—कोलाहल, शोर; हाहाकार, कोहाम।
ख़ुर्ख़जीवन (خرخجیون) फा अ—एक शैतान जो स्त्रियो से सभोग करने के लिए उनके शरीर मे प्रवेश कर जाता है।
ख़ुर्जी (خورجین) फा. पु—लद्दू गधे या घोडे की पीठ का थैला, गौन, गोण।
ख़ुर्जी (خرجی) फा पु.—दे 'ख़ुर्जी'।
ख़ुर्तूम (خرطوم) अ. पु—हाथी की सूँड, शुड, तेज नशेवाली मदिरा, कौम का सरदार।
ख़ुर्दः (خرده) फा वि—खाया हुआ, केवल यौगिक शब्दों के अत मे आता है, जैसे–'जख़्मख़ुर्द' घाव खाया हुआ।
ख़ुर्दः (خرده) फा पु—खड, टुकड़ा, रेज., दोष, ऐब; रेजगारी, नावा।
ख़ुर्द:कार (خردهکار) फा वि—काम मे बारीकी पसद करनेवाला, कठिन काम सुगमता से करनेवाला।
ख़ुर्द:कारी (خردهکاری) फा स्त्री—काम मे बारीकी पसद करना, कठिन काम सरलता से करना।
ख़ुर्द:गीर (خردهگیر) फा वि—ऐब ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेषी, ऐबची।
ख़ुर्द:गीरी (خوردهگیری) फा स्त्री—दोषो की खोज, छिद्रान्वेषण, ऐबचीनी।
ख़ुर्द:चीं (خردهچیں) फा वि—दे 'ख़ुर्द गीर'।
ख़ुर्द:चीनी (خردهچینی) फा स्त्री—दे 'ख़ुर्द गीरी'।
ख़ुर्द:फ़रोश (خردهفروش) फा वि—फुटकर माल बेचनेवाला, थोकफ़रोश का उलटा।
ख़ुर्द:फ़रोशी (خردهفروشی) फा स्त्री—फुट माल बेचना।
ख़ुर्द:बीं (خردهبیں) फा वि—दे 'ख़ुर्द गीर'।
ख़ुर्द:बीनी (خردهبینی) फा स्त्री—दे 'ख़ुर्द.गीरी'।
ख़ुर्द (خورد) फा वि—छोटा, क्षुद्र, लघु, कसीर, ह्रस्व, नाकिस, कण, रेज, योग्य, लायक।
ख़ुर्द (خورد) फा क्रि—खाया।
ख़ुर्दनी (خوردنی) फा वि—खाने योग्य, खानेवाली वस्तु।
ख़ुर्दबीं (خردبیں) फा. वि.—छोटी चीज को देखनेवाला, दे ख़ुर्दबीन।
ख़ुर्दबीन (خردبین) फा स्त्री—एक यत्र, जिसमे छोटे से छोटी चीज बहुत बडी दिखाई देती है।
ख़ुर्दबीनी (خردبینی) फा स्त्री—छोटी वस्तु को देख लेना।
ख़ुर्दबुर्द (خوردبرد) फा वि—गर्त, रबूद, नष्ट, बरबाद, गबन, अपहृत।
ख़ुर्दसाल (خردسال) फा वि—अल्पवयस्क, वयोबाल, कमसिन।
ख़ुर्दसाली (خردسالی) फा. स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।
ख़ुर्दी (خردی) फा. स्त्री—छोटाई, लघुता।
ख़ुर्नूब (خرنوب) अ पु.—एक जगली पेड़ जिसका फल दवा मे काम आता है, उस पेड का फल।
ख़ुर्फ़ः (خرفه) अ पु—एक साग जिसके बीज दवा मे काम आते हैं।
ख़ुर्मा (خرما) फा. पु—छुहारा, सूखा खजूर, हरा छुहारा, पिड खजूर।
ख़ुर्रम (خرم) फा वि—प्रसन्न, आनदित, हर्षित, खुश।
ख़ुर्रमी (خرمی) फा स्त्री—प्रसन्नता, हर्ष, आनंद, खुशी।
ख़ुर्सद (خرسند) फा वि—दे 'ख़ुर्रम'।
ख़ुर्सदी (خرسندی) फा स्त्री—दे 'ख़ुर्रमी'।
ख़ुल [ल्ल] (خل) अ पु—मित्र, दोस्त, यार, सखा।
ख़ुलता (خلطا) अ. पु—'ख़लीत' का बहु, साझेदार लोग।
ख़ुलफ़ा (خلفا) अ पु—'ख़लीफ़' का बहु, प्रतिनिधि लोग, स्थानापन्न लोग, हज़्रत अबूबक्र आदि ख़लीफ़े, मुसलमान शासकगण।
ख़ुलासः (خلاصه) अ पुं—सार, सक्षेप, निचोड, परिणाम, नतीजा, साराश, तल्ख़ीस।
ख़ुलुक (خلق) अ पु—दे 'ख़ुल्क', दो शु हैं।
ख़ुलुब (خلب) अ पु—कचला मिट्टी, एक काली और चिपकनेवाली मिट्टी, बटी हुई रस्सी।
ख़ुलुव्व (خلو) अ. पु—दे 'ख़ुलू'।
ख़ुलू (خلو) अ पु—ख़ाली होना, रिक्त होना; रिक्तता, ख़ालीपन।
ख़ुलूए मे'दः (خلوے معده) अ पु—आमाशय का भोजन आदि से रिक्त होना, पेट ख़ाली होना।
ख़ुलूज (خلوج) अ पु—आँख का या किसी दूसरे अंग का फडकना।
ख़ुलूद (خلود) अ पु—सदा रहना, हमेशा रहना, नित्यता, हमेशगी।
ख़ुलूफ़ (خلوف) अ पु—'ख़लफ़' का बहु., मृत व्यक्ति के पीछे रहनेवाले बाल-बच्चे, भोज्य पदार्थ का स्वाद बिगड जाना, पानी भरना, पुराने कपडे उतारना और नये पहनना, नाश होना, बरबाद होना।
ख़ुलूस (خلوص) अ पु—निष्कपटता, निश्छलता, सिद्क़दिली, सत्यता, सच्चाई, गाद, तलछट।
ख़ुलूअ (خلع) अ पु—मुसलमान स्त्री का अपने पति से तलाक चाहना।

खुल्क (خلق) अ पु–सुशीलता मुरव्वत सदाचार, अख्लाक स्वभाव आदत।
खुल्कान (خلقان) अ पु–पुरातन पुराना पुराना वस्त्र पुराना लिबास।
खुल्त (خلطه) अ पु–भागीदारी शिरकत साझा।
खुल्त (خلت) अ पु–अच्छा स्वभाव, सत्प्रकृति।
खुल्द (خلد) अ पु–कान का बुंदा लटकन गोशवारा।
खुल्द (خلد) अ पु–स्वर्ग नाक बिहिश्त नित्यता हमेशगी (स्त्री) छछूंदर एक जंतु।
खुल्द आश्यां (خلد آشیاں) अ फा वि–जिसका घर स्वर्ग में हो स्वर्गवासी दिवंगत।
खुल्दनशीं (خلدنشیں) अ फा वि–दे खुल्द आश्यां।
खुल्दमकां (خلدمکاں) अ वि–दे खुल्द आश्यां।
खुल्देबरीं (خلدبریں) अ फा पु–सबसे ऊंचा स्वर्ग सातवां स्वर्ग।
खुल्फ (خلف) अ पु–वचनभंग प्रतिज्ञा भंग वादाखिलाफी।
खुल्फे वा'द (خلف وعده) अ पु–प्रतिज्ञा का पालन न करना प्रतिज्ञा भंग।
खुल्लत (خلت) अ स्त्री–मैत्री दोस्ती।
खुल्लब (خلب) अ पु–वह बादल जिसमें पानी न हो।
खुल्लान (خلاں) अ पु–खलील का बहु मित्रगण दोस्त लोग।
खुल्लास (خلاص) अ पु–घर के शूराख घर की मुराइयां।
खुल्स (خلسه) अ पु–काले और सफेद बाल मिले हुए खिचड़ी बाल सूखी और तर घास मिली हुई।
खुवार (خوار) अ पु–बैल की डौकन।
खुश (خوش) फा वि–प्रसन्न मसरूर शुभान्वित मुबारक सुंदर हसीन प्रियदर्शन खुशनुमा पवित्र पाक पुनीत नेक उत्तम श्रेष्ठ, आला।
खुशअंजाम (خوش انجام) फा वि–जिसका परिणाम अच्छा हो वह काम शुभ परिणाम।
खुशअख्लाक (خوش اخلاق) फा अ वि–सुशील चारशील सज्जन विनम्र विनीत मुन्कसिर।
खुशअख्लाकी (خوش اخلاقی) फा अ स्त्री–सुशीलता सुशीलता विनीति इन्किसार।
खुशअत्वार (خوش اطوار) फा अ वि–अच्छे आचरण वाला सदाचारी।
खुशअदा (خوش ادا) फा वि–जिसकी अदाएं अच्छी हों जिसकी बनाव-ठनी अच्छी हो।
खुशअमल (خوش عمل) अ फा वि–शुद्ध आचरण वाला सदाचारी।
खुशआब (خوش آب) फा वि–अच्छा चमक-दमक वाला।
खुशआमदेद (خوش آمدید) फा वि–शुभागमन आपका आना शुभान्वित हो एक वाक्य जो किसी के व्यक्ति के आने पर कहा जाता है।
खुशआ'माल (خوش اعمال) फा अ वि–अच्छे आचार विचारवाला व्यवहार शील।
खुशआयद (خوش آید) फा वि–जिसका भविष्य अच्छा हो अच्छा सुंदर उत्तम।
खुशआवाज (خوش آواز) फा वि–जिसका स्वर अच्छा हो कलरव कलकंठ सुस्वर।
खुशआवाजी (خوش آوازی) फा स्त्री–स्वर का अच्छा होना।
खुशइंतिजाम (خوش انتظام) फा अ वि–जो प्रबंध अच्छा करता हो प्रबंध कुशल।
खुशइंतिजामी (خوش انتظامی) फा अ स्त्री–प्रबंध की अच्छाई प्रबंध-कौशल।
खुशइक्बाल (خوش اقبال) फा अ वि–प्रतापवान तेजोमय तेजस्वी भाग्यवान सुभागीन भाग्यशाली।
खुशइक्बाली (خوش اقبالی) फा अ स्त्री–प्रतापवान होना भाग्यवान होना।
खुशइनां (خوش عناں) फा अ वि–वह घोड़ा जो स्वामी के इशारे पर चले स्वामी का सच्चा।
खुशइयार (خوش عیار) फा अ वि–वह सोना अथवा चांदी जो कसौटी पर पूरा कस दे खरा खालिस।
खुशइल्हान (خوش الحان) फा अ वि–दे 'खुश आवाज'।
खुशइल्हानी (خوش الحانی) फा अ स्त्री–दे 'खुश आवाजी'।
खुशउस्लूब (خوش اسلوب) अ फा वि–जिसका तौर तरीका बहुत अच्छा हो सद्व्यवहार।
खुशउस्लूबी (خوش اسلوبی) फा अ स्त्री आचार-व्यवहार की अच्छाई।
खुशऔकात (خوش اوقات) फा अ वि–जिसका समय अच्छा कटे जो अपना काम ठीक समय पर करता हो।
खुशकदम (خوش قدم) फा अ वि–ऐसा व्यक्ति जिसके आने से घर में बरकत और कल्याण हो।
खुशकलम (خوش قلم) फा अ वि–अच्छा लिखनेवाला अच्छा और चिकना कागज।
खुशकलाम (خوش کلام) फा अ वि–मधुरभाषी मिष्टभाषी शीरींगुफ्तार।
खुशकलामी (خوش کلامی) फा अ स्त्री–बातचीत का माधुर्य, शीरींगुफ्तारी।

खुशकामत (خوش قامت) फा अ वि –जिसके शरीर की बनावट सुदर और सुडौल हो, सुप्ठु।

खुशकामती (خوش قامتی) फा अ. स्त्री –शरीर का सुडौल और सुदरपन, सौष्ठव, तनासुबे आ'जा।

खुशकिस्मत (خوش قسمت) फा अ वि –सौभाग्यशाली, सुभागीन, भाग्यवान्, अच्छी तक्दीर वाला।

खुशकिस्मती (خوش قسمتی) फा अ स्त्री –सौभाग्य, तक्दीर की अच्छाई।

खुशकुन (خوش کن) फा वि –खुश करनेवाला, विशेपत दूसरे शब्द के साथ आता है, जैसे–दिल खुशकुन, चित्त को प्रसन्न करनेवाला।

खुशखत (خوش خط) फा अ वि –जिसका लिखना अच्छा हो, अच्छा लिखनेवाला, सुलेखक।

खुशखती (خوش خطی) फा अ स्त्री –लिखावट का अच्छा होना, अच्छी लिखावट, सुलेख।

खुशखबरी (خوش خبری) फा अ स्त्री –अच्छा समाचार, शुभ समाचार, शुभ सवाद, ललित सूचना।

खुशखयाल (خوش خیال) फा. अ वि –अच्छा विचार रखनेवाला, जिसका विचार किसी की ओर से अच्छा हो।

खुशखरीद (خوش خرید) फा वि –नकद दामो से खरीदी हुई वस्तु।

खुशखिराम (خوش خرام) फा वि.–अच्छी चाल वाला (वाली), सुगामी, सुगामिनी, गजगामिनी।

खुशखिरामी (خوش خرامی) फा स्त्री –सुदर चाल।

खुशखुराक (خوش خوراک) फा वि.–अच्छा खानेवाला, खाने का शौकीन।

खुशखुल्क (خوش خلق) फा अ. वि –हरेक से खुश होकर मिलनेवाला, सबसे सुशीलता का व्यवहार करनेवाला, सच्छील, सद्वृत्त, सुशील।

खुशखुल्की (خوش خلقی) फा अ स्त्री –शील-सकोच, सद्वृत्ति, अच्छा अख्लाक।

खुशखू (خوش خو) फा वि –अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति, अच्छे अख्लाक वाला, सच्छील, सद्वृत्त।

खुशखूई (خوش خوئی) फा स्त्री –अच्छा स्वभाव, अच्छा अख्लाक।

खुशगप्पी (خوش گپی) फा स्त्री –हँसी-मजाक, वाग्विलास, रसवाद।

खुशगाम (خوش گام) फा. वि –दे 'खुशखिराम'।

खुशगिलाफ (خوش غلاف) फा. वि –वह तलवार जो तुरत ही म्यान से निकल आये, अच्छी, हलकी और बाढ़दार तलवार, वह स्त्री जो ज़रा सी लगावट मे पर-पुरुप के साथ सहवास को तैयार हो जाय।

खुशगुज़रान (خوش گذران) फा. वि –अच्छे प्रकार से जीवन व्यतीत करनेवाला, अच्छा खाने-पहननेवाला।

खुशगुफ़्तार (خوش گفتار) फा वि –जिसकी बोलचाल मीठी हो, मधुरभापी, मिप्टभापी, अच्छा भापण देनेवाला, सुवक्ता।

खुशगुफ़्तारी (خوش گفتاری) फा स्त्री –बोलचाल और बातचीत की मिठास, वार्ता-माधुर्य; धुआँधार भापण देना।

खुशगुमान (خوش گمان) फा वि –जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हो।

खुशगुमानी (خوش گمانی) फा स्त्री.–विचार का किसी की ओर से अच्छा होना।

खुशगुलू (خوش گلو) फा वि –जिसका गला सुरीला हो, कलकठ, मधुरकठ, खुशइल्हाँ।

खुशगुलूई (خوش گلوئی) फा स्त्री –गले का सुरीला होना, कठ-माधुर्य।

खुशगुवार (خوش گوار) फा वि –जो चित्त के अनुकूल हो, जो मन को अच्छा लगे, मनोवाछित, रुचिकर, सुस्वाद, खुशजाइका।

खुशगुवारी (خوش گواری) फा स्त्री –मन को पसद आने का भाव, अच्छा लगने का भाव, मजे का अच्छा होना।

खुशगो (خوش گو) फा वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशगोई (خوش گوئی) फा स्त्री –दे 'खुशगुफ्तारी'।

खुशचश्म (خوش چشم) फा वि –अच्छी आँखो वाला (वाली), सुनेत्र, सुनेत्रा, सुलोचना, चारुनेत्रा।

खुशचश्मी (خوش چشمی) फा स्त्री –आँखो की सुदरता, नेत्र-सौदर्य।

खुशचेह्रः (خوش چہرہ) फा वि –दे 'खुशरू'।

खुशज़बाँ (خوش زباں) फा वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशजमाल (خوش جمال) फा अ वि –अच्छे सौंदर्यवाला (वाली), सुदर, हसीन, सुदरी, रूपवती, सुरूप, हसीना।

खुशजाइक (خوش ذائقہ) फा अ वि –जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद, स्वादिप्ठ, मुखप्रिय।

खुशज़ौक (خوش ذوق) फा अ वि –जिसको कविता-सम्बन्धी गुण-दोप का अच्छा ज्ञान हो, जो काव्य-मर्मज्ञ हो, रसिक, सहृदय, रसानुभवी, जिसे दूसरी किसी कला मे रुचि हो।

खुशज़ौकी (خوش ذوقی) फा अ स्त्री –काव्य-मर्मज्ञता, रसिकता, सहृदयता, किसी दूसरे विपय मे अच्छी दिलचस्पी।

खुशतक़्दीर (خوش تقدیر) फा अ वि –दे 'खुश किस्मत'।

खुशतबअ (خوش طبع) फा अ वि—दे 'खुशमिजाज'।

खुशतबई (خوش طبعی) फा अ स्त्री—दे 'खुशमिजाजी'।

खुशतर (خوشتر) फा वि—बहुत अच्छा उत्तमतर।

खुशतरक (خوشترک) फा वि—बहुत ही अच्छा, अत्यधिक उत्तम।

खुशताले' (خوش طالع) फा अ वि—दे 'खुशक़िस्मत'।

खुशदामन (خوش دامن) फा स्त्री—सास, श्वश्रू चारुदेवी।

खुशदिल (خوش دل) फा वि—जो हर समय प्रसन्न रहे प्रसन्नचित्त सुमनस्क जो विनोदप्रिय हो मनोरंजक, पुरमज़ाक।

खुशदिली (خوش دلی) फा स्त्री—हर समय प्रसन्न रहने का भाव विनोदप्रियता पुरमज़ाकी।

खुशनवीस (خوش نویس) फा वि—जिसकी लिखावट अच्छी हो सुलेखक जो खुशनवीसी का पेशा करता हो, कातिब।

खुशनवीसी (خوش نویسی) फा स्त्री—अच्छा लिखना, सुलेख खुशखती खुशनवीसी का पेशा।

खुशनशीं (خوش نشیں) फा वि—वह व्यक्ति जिसे अगर कोई स्थान पसंद आ जाय तो वहीं का हो रहे।

खुशनशीनी (خوش نشینی) फा स्त्री—कोई स्थान पसंद आने पर वहीं का हो रहना।

खुशनसीब (خوش نصیب) फा अ वि—दे 'खुशक़िस्मत'।

खुशनसीबी (خوش نصیبی) फा स्त्री—दे 'खुशक़िस्मती'।

खुशनिहाद (خوش نہاد) फा वि—अच्छी प्रकृति वाला अच्छे स्वभाव वाला सत्प्रकृति सदात्मा।

खुशनीयत (خوش نیت) फा अ वि—ईमानदार, व्यवहारनिष्ठ जो यह चाहता हो कि किसी का पैसा उस पर न रहे जो यह चाहता हो कि उसका पैसा अच्छे कामों में व्यय हो।

खुशनीयती (خوش نیتی) फा अ स्त्री—ईमानदारी किसी का ऋणी न रहने का भाव अच्छे कामों में पैसा खर्च करने का भाव।

खुशनुमा (خوش نما) फा वि—जो देखने में अच्छा लगे नेत्रप्रिय प्रियदर्शन मनोरम सुंदर हसीन।

खुशनुमाई (خوش نمائی) फा स्त्री—नेत्रप्रियता दिलकशी सुंदरता हुस्न।

खुशपोश (خوش پوش) फा वि—जो अच्छे वस्त्र पहनने का शौक़ीन हो जो सदा अच्छे कपड़े पहनता हो चारुवेष।

खुशपोशाक (خوش پوشاک) फा वि—दे 'खुशपोश'।

खुशपोशी (خوش پوشی) फा स्त्री—अच्छे वस्त्र का शौक़, सुंदरवस्त्रप्रियता।

खुशफ़हम (خوش فہم) फा अ वि—शीघ्र बात समझ जानेवाला, तीव्रबुद्धि किसी की ओर से अच्छा विचार रखनेवाला खुशगुमान।

खुशफ़हमी (خوش فہمی) फा अ स्त्री—बुद्धि की तीव्रता अक्ल की तेज़ी, किसी की ओर से अच्छा गुमान सुधारणा।

खुशफ़े'ली (خوش فعلی) फा अ स्त्री—मनोरंजन मनोविनोद, तफ़रीह चुहल, मज़ाक।

खुशबख़्त (خوش بخت) फा वि—दे 'खुशक़िस्मत'।

खुशबख़्ती (خوش بختی) फा स्त्री—दे 'खुशक़िस्मती'।

खुशबयान (خوش بیان) फा अ वि—दे 'खुशगुफ़्तार'।

खुशबयानी (خوش بیانی) फा स्त्री—दे 'खुशगुफ़्तारी'।

खुशबाश (خوش باش) फा वि—अच्छे प्रकार से रहने वाला, रहने के स्थान को सुसज्जित रखनेवाला बेफ़िक्री में जीवन व्यतीत करनेवाला (वा) एक आशीर्वाद, सदा रहो स्वस्तु।

खुशबू (خوشبو) फा वि—सुगंधित, अच्छी सुगंधवाला (स्त्री) सुगंध अच्छी महक।

खुशबूदार (خوشبودار) फा वि—जिसमें सुगंध हो सौरभित सुगंधित।

खुशमंज़र (خوش منظر) फा अ वि—जो देखने में अच्छा लगे प्रियदर्शन, नुमाइशी नेत्रप्रिय।

खुशमआश (خوش معاش) फा अ वि—'बदमआश' का उलटा अच्छी कमाई से जीवन बितानेवाला, नेकचलन।

खुशमआशी (خوش معاشی) फा अ स्त्री—'बदमआशी' का उलटा अच्छी कमाई से जीवन बिताना, नेकचलनी।

खुशमज़ाक़ (خوش مذاق) फा अ वि—दे 'खुशज़ौक़' ज़िंदादिल विनोद रसिक।

खुशमज़ाक़ी (خوش مذاقی) फा अ स्त्री—दे 'खुशज़ौक़ी', ज़िंदादिली विनोदप्रियता।

खुशमनिश (خوش منش) फा वि—दे 'खुशमिज़ाज', सज्जन शरीफ़।

खुशमनिशी (خوش منشی) फा स्त्री—दे 'खुशमिज़ाजी', सज्जनता शराफ़त।

खुशमिज़ाज (خوش مزاج) फा अ वि—ज़िंदादिल हास्यप्रिय विनोद रसिक सुशील सच्छील खुश अख़्लाक़।

खुशमिज़ाजी (خوش مزاجی) फा अ स्त्री—ज़िंदादिली हास्यप्रियता, सुशीलता खुश अख़्लाक़ी।

खुशमुआमल: (خوش معاملہ) फा अ वि—लेन-देन का पाक-साफ़ व्यवहारनिष्ठ वादे का सच्चा दृढ़प्रतिज्ञ।

खुशमुआमलगी (خوش معاملگی) फा अ स्त्री—लेन-देन की सफ़ाई, व्यवहारनिष्ठता वचनबद्धता, वादे की सच्चाई।

खुशरंग (خوش رنگ) फा. वि –अच्छे रगवाला, सुवर्ण।
खुशरंगी (خوش رنگی) फा स्त्री –रग की सुन्दरता, वर्ण-सौन्दर्य।
खुशरफ़्तार (خوش رفتار) फा वि –दे 'खुशख़िराम'।
खुशरफ़्तारी (خوش رفتاری) फा स्त्री –दे 'खुशख़िरामी'।
खुशरू (خوش رو) फा वि –रूपवान्, सुरूप, अच्छी शक्लवाला, रूपवती, सुरूपा, हसीना।
खुशरूई (خوش روئی) फा स्त्री –मुखमडल की सुन्दरता, चेहरे की खुशनुमाई।
खुशलगाम (خوش لگام) फा वि –दे 'खुशइनाँ'।
खुशलहज़ः (خوش لہجہ) फा अ वि –जिसका लवो लहजा (टोन) सुन्दर हो, जिसकी आवाज सुन्दर हो, कलकठ।
खुशलिवास (خوش لباس) फा अ वि –दे 'खुशपोश'।
खुशलिवासी (خوش لباسی) फा अ स्त्री –दे 'खुशपोशी'।
खुशवक़्त (خوش وقت) फा अ वि –जिसका समय अच्छा हो, समृद्ध, सपन्न, फारिगुल वाल, भाग्यवान्, खुशकिस्मत।
खुशवक़्ती (خوش وقتی) फा अ स्त्री –समय की अनुकूलता, समृद्धि, दौलतमदी, भाग्यशीलता, खुशकिस्मती।
खुशवज़्अ (خوش وضع) फा अ वि –जो अपनी परपरा पर दृढ रहे, वजा'दार।
खुशवज़्ई (خوش وضعی) फा अ. स्त्री –परम्परा पर दृढता, वजादारी।
खुशसलीक़ः (خوش سلیقہ) फा अ वि –जिसे हर वात का ढग आता हो, व्यवहार-कुशल, जो हर वस्तु क्रम और तर्तीव से रखता हो, शिष्ट।
खुशसलीक़गी (خوش سلیقگی) फा अ स्त्री –हर वात का ढग, हर चीज को क्रम से रखने की तमीज।
खुशसवाद (خوش سواد) फा अ वि –वह नगर जिसके चारो ओर का दृश्य अच्छा हो।
खुशसीरत (خوش سیرت) फा अ वि –अच्छी प्रकृतिवाला, अच्छे स्वभाववाला, शील-सकोचवाला।
खुशसीरती (خوش سیرتی) फा अ स्त्री –स्वभाव की शिष्टता, सुशीलता, खुश अख्लाकी।
खुशहाल (خوش حال) फा अ वि –जिसकी आर्थिक दशा अच्छी हो, सपन्न, समृद्ध, मालदार।
खुशहाली (خوش حالی) फा अ स्त्री –सपन्नता, समृद्धि, मालदारी।
खुशा (خوشا) फा अव्य –अहो, क्या खूव, वाह वाह, "खुशा! नसीव! तपिशगहाए-आलमे-वेदाद, हमारे सर पे तुम्हारा हसीन साया है।"
खुशाक़िस्मत (خوشاقسمت) फा अ अव्य –अहो भाग्य, वाह री तक्दीर, वाह रे मैं।
खुशानसीव (خوشانصیب) फा अ अव्य –दे 'खुशाकिस्मत'।
खुशाम (خشام) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी नाक ऊँची हो, वह पहाड जिसकी चोटी ऊँची हो।
खुशामद (خوشامد) फा स्त्री –चापलूसी, चाटुकारिता, मिन्नत, समाजत, उल्लाप।
खुशामदगो (خوشامدگو) फा वि –खुशामद करनेवाला, चाटुकार।
खुशामदपसद (خوشامدپسند) फा वि –जिसे चापलूसी अच्छी लगती हो, जो चाहता हो कि लोग उसकी खुशामद करे, चटुलालस।
खुशामदशिआर (خوشامدشعار) फा अ वि –जिसे खुशामद करने की आदत हो, जिसका काम ही खुशामद करना हो, चाटुपटु।
खुशामदी (خوشامدی) फा वि –खुशामद करनेवाला, चाटुकार, चाटुलोल, उल्लापी।
खुशी (خوشی) फा स्त्री –हर्ष, आनद, मसर्रत, इच्छा, रुचि, मर्जी, वच्चे की पैदाइश, वाल-जन्म, स्वीकृति, मजूरी, आनदित, हर्षित, खुश।
खुशूअ (خشوع) अ पु –नम्रता, विनय, आजिजी, तारे का अस्त होने के निकट होना, नीद से आँख का वद होना।
खुशूनत (خسونت) अ स्त्री – खुरदरापन, खुरखुरापन, अक्खडपन, रूखापन, वदमिजाजी।
खुश्कः (خشکہ) फा पु –उवाले हुए चावल, भात।
खुश्क (خشک) फा वि –सूखा हुआ, शुष्क, विना रस का, नीरस, दु शील, रुखा, अनुदार, तगदिल, कृपण, कजूस।
खुश्कदिमाग (خشک دماغ) फा अ वि –जिसके मस्तिष्क मे खुश्की वहुत हो, चिडचिड़ा, वदमिजाज।
खुश्कमग्ज़ (خشک مغز) फा अ वि –दे. 'खुश्कदिमाग'।
खुश्कमिजाज (خشک مزاج) फा अ वि –वहुत ही रुखा फीका व्यक्ति, नीरसप्रकृति, खुर्रा।
खुश्कमिजाजी (خشک مزاجی) फा अ स्त्री –मिजाज का रुखापन, खुर्रापन।
खुश्कलव (خشک لب) फा वि –प्यासा, पिपासित, जिसके ओठ प्यास के कारण सूख गये हो।
खुश्कसाल (خشک سال) फा वि.–दे 'खुश्कसाली'।
खुश्कसाली (خشک سالی) फा स्त्री –अवर्षा, वरसात का अभाव, दुर्भिक्ष, कहतसाली।

खूँरेज (خوں ریز) फा वि–खून वहानेवाला, हिंसक, हत्यारा, निर्दय, वेरह्म।
खूँरेजी (خوں ریزی) फा स्त्री–खून वहाना, हत्या करना, निर्दयता, वेरह्मी।
खू (خو) फा स्त्री–स्वभाव, प्रकृति, आदत।
खूएबद (خوے بد) फा स्त्री–वुरा स्वभाव, बुरी आदत।
खूक (خوک) फा पु–शूकर, वराह, सुअर।
खूकर्दः (خوکردہ) फा वि–दे 'खूगर'।
खूगर (خوگر) फा वि–जिसे किसी वात की आदत हो, अभ्यस्त; जिसे कोई लत हो, व्यसनी, लती।
खूत (خوط) फा पु–मृदुल शाखा, नाजुक डाली, मोटा-ताजा व्यक्ति जो फुर्तीला और हँसमुख हो।
खूद (خود) फा पु–दे 'खोद', दोनो शुद्ध हैं।
खून (خون) फा पु–रक्त, रुधिर, लोहू, वध, कत्ल, हत्या।
खूनावः (خونابہ) फा पु–दे 'खूँनाव'।
खूनाव (خوناب) फा पु–दे 'खूँनाव'।
खूनी (خونیں) फा वि–खून मे सना हुआ, रक्ताक्त; रक्त सम्वन्धी, खून का, खून मिला हुआ।
खूनींकफन (خونیں کفن) फा वि–जिसका कफन खून मे लथडा हो, अर्थात् जिसकी हत्या प्रेम ने की हो, शहीदे इश्क।
खूनीजिगर (خونیں جگر) फा वि–जिसका जिगर (हृदय) खून मे सना हो, जिसके दिल को प्रेम ने घायल किया हो, प्रेमी।
खूनीनवा (خونیں نوا) फा वि–जिसकी आवाज से सुनने-वालो के हृदय से खून टपकता हो; अत्यन्त द्रवी; प्रेमी, आशिक।
खूनी (خونی) फा वि–हत्या करनेवाला, वधिक, खून से सम्वन्धित।
खूने कवूतर (خون کبوتر) फा पु–लाल रग की मदिरा।
खूने नामूस (خون ناموس) फा अ पु–मदिरा, शराव।
खूने नाहक (خون ناحق) फा अ पु–विना अपराध के हत्या, विना कुसूर किसी का कत्ल।
खूव (خوب) फा वि–सुन्दर, हसीन, उत्तम, उम्दा; स्वच्छ, साफ, शुभदर्शन, खुशनुमा, शुभ, मुवारक, (अव्य) वाह, क्या खूव।
खूवकलाँ (خوب کلاں) फा स्त्री–एक दवा, खाकशी।
खूवतर (خوب تر) फा वि–वहुत अच्छा, अत्युत्तम।
खूवतरीन (خوب ترین) फा. वि–वहुत ही अच्छा, उत्त-मोत्तम, सवसे वढिया।
खूवरू (خوب رو) फा वि–रूपवान्, रूप-विशिष्ट, खूवसूरत, सुन्दर, हसीन; माशूक, प्रियतमा।
खूवरूई (خوب روئی) फा स्त्री–सौन्दर्य, सुन्दरता, खूवसूरती।
खूवसूरत (خوب صورت) फा अ वि–दे 'खूवरू'।
खूवसूरती (خوبصورتی) फा. अ स्त्री–दे 'खूवरूई'।
खूवाँ (خوباں) फा पु–'खूव' का वहु, सुन्दर स्त्रियाँ; मा'शूक लोग, प्रियतमाएँ।
खूवानी (خوبانی) फा स्त्री–एक मेवा, जर्दालू।
खूवी (خوبی) फा स्त्री–गुण, वस्फ, सुन्दरता, हुस्न; उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत, कला, हुनर; नवीनता, अजूवापन।
खूलिंजान (خولنجان) फा पु–एक दवा, कुलंजन, पान की जड।

खे

खेज (خیز) फा स्त्री–पानी की लहर, मौज, हिल्लोल, नर से मिलने के समय मादा कवूतर की मस्ती, (प्रत्य.) उठानेवाला, जैसे 'तूफाँखेज' तूफान उठानेवाला, वढाने-वाला, जैसे–'वहशत खेज', हौल वढानेवाला।
खेजराँ (خیزراں) फा पु–वेत का वृक्ष, वेत्र, वेत।
खेजिश (خیزش) फा स्त्री–उठान, उत्थान, लिंगेंद्रिय की उठान, इस्तादगी।
खेजोमेज (خیز و میز) फा पु–मेलजोल, रव्तजव्त, जोक-शौक, चाव।
खेश (خویش) फा पु–स्वयं, खुद, स्वत आप, स्वजन, अजीज, दामाद, जामाता।
खेश (خیس) फा पु–एक मोटा कपडा, खेस।
खेशतन (خویشتن) फा पु–स्वत, अपने आप, स्वय खुद।
खेशदार (خویش دار) फा वि–वह व्यक्ति जो अपने को आपत्तियो से वचाता हुआ जीवन व्यतीत करे।
खेशदारी (خویش داری) फा स्त्री–अपने को आपत्तियो से वचाते हुए जीवन व्यतीत करना।
खेशपर्वर (خویش پرور) फा वि–अपने कुन्वेवालो और मित्रो का पालन-पोषण करनेवाला, उनको रिआयत देनेवाला।
खेशपर्वरी (خویش پروری) फा स्त्री–अपने लोगो का पालन-पोषण करने और उनको अनुचित रिआयत देने की प्रवृत्ति।
खेशावंद (خویشاوند) फा पु–अपने रिश्तेदार, अजीज, अकारिव, स्वजनगण।
खेशी (خویشی) फा स्त्री–अपनायत, स्वजनता, दामादी।
खेसादः (خیسادہ) फा पु–पानी मे भीगी हुई दवाएँ जो विना औटाये पी जायँ, हेम, 'जोशादा' में दवा औटायी जाती है, इन दोनो मे यही अन्तर है।

खै

ख़ (خوے) फा पु—पसीना, स्वेद।

ख़ज़ुरान (خیزران) अ पु—खेज़रान का अरबी रूप, बेंत का वंश बंश।

ख़त (خط) अ पु—डोरा, तागा, सूत, हराममग्ज़ रीढ़ की हड्डी के भीतर का गूदा।

ख़ते अबयज़ (خط ابیض) अ पु—प्रातःकाल की सफ़ेदी।

ख़ते असवद (خط اسود) अ पु—रात की कालिमा।

ख़फ़ (خیف) अ पु—भय डर समुद्र के स्तर से ऊँची और पहाड़ से नीची भूमि पहाड़ के किनारे की हर उचाई अथवा निचाई।

ख़बत (خیبت) अ स्त्री—निराशा नैराश्य नाउम्मेदी वंचकता हीनता, महरूमी।

ख़बर (خیبر) अ पु—अरब का एक दुर्ग जिसे हज़रत अली ने जीता था।

ख़ेम (خیمہ) अ पु—कपड़े का मकान, पटवास ख़ेमा डेरा रावटी तम्बू।

ख़ेमगाह (خیمہ گاہ) अ फा स्त्री—जहा तम्बू गडा हो वह स्थान।

ख़ेमदोज़ (خیمہ دوز) अ फा वि—तम्बू बनानेवाला ख़ेमा सीनेवाला।

ख़यात (خیاط) अ पु—दर्ज़ी, सूचिक सीनेवाला, कपड़े सीनेवाला।

ख़याती (خیاطی) अ स्त्री—कपड़ा सीने का काम या पेशा।

ख़याब (خیاب) अ वि—निराश हताश नाउम्मेद वंचित हीन महरूम।

ख़याम (خیام) अ वि—तम्बू बनानेवाला ख़यामे उमर फ़ार्सी का एक सुप्रसिद्ध शाइर नैशापुर निवासी जिसकी रुबाइयों का अनुवाद संसार की प्राय सारी भाषाओं में हो चुका है उमर ख़याम यह बड़ा वैज्ञानिक वैद्य (हकीम) तथा ज्योतिषी भी था।

ख़ैर (خیر) अ स्त्री—कुशल मंगल ख़ैरियत शुभ श्रेष्ठ, उम्दा उपकार भलाई पुण्य सवाब प्रदान बल्कि अव्य अस्तु।

ख़ैरअंदेश (خیر اندیش) अ फा वि—भलाई की बात सोचनेवाला शुभचिंतक ख़ैरख़्वाह।

ख़ैरअंदेशी (خیر اندیشی) अ फा स्त्री—भलाई की बात सोचना, ख़ैरख़्वाही।

ख़ैरख़्वाह (خیر خواہ) अ फा वि—भलाई चाहनेवाला शुभचिंतक शुभेच्छु।

ख़ैरख़्वाही (خیر خواہی) अ फा स्त्री—भलाई चाहना, ख़ैर अंदेशी शुभेच्छा।

ख़ैरबाद (خیرباد) अ फा वा—एक आशीर्वाद, कल्याण हो विदा के समय का नमस्कार गुड बाई।

ख़ैरमक़दम (خیر مقدم) अ पु—स्वागत इस्तिक़्बाल शुभागमन।

ख़ैरसिगाल (خیر سگال) अ फा वि—भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक।

ख़ैरसिगाली (خیر سگالی) अ फा स्त्री—भलाई की अंदेशी, शुभकामना।

ख़ैरात (خیرات) अ स्त्री—ख़ैर का बहु. दान धर्मादि।

ख़ैरातख़ाना (خیرات خانہ) अ फा पु—अनाथालय मोहताज ख़ाना जहाँ कंगालो और अपाहिजो को भोजन आदि दिया जाता हो।

ख़ैराती (خیراتی) अ वि—दान का ख़ैरात का ख़ैरात सम्बधी।

ख़ैरियत (خیریت) अ स्त्री—कुशल मंगल ख़ैरो आफ़ियत।

ख़ैरियतनामा (خیریت نامہ) अ फा पु—ख़ैरियत का ख़त कुशल पत्र।

ख़ैरोआफ़ियत (خیرو عافیت) अ स्त्री—क्षेम-कुशल शांति और कुशल ख़ैरियत और अमन।

ख़ैरोबरकत (خیرو برکت) अ स्त्री—कल्याण और समृद्धि।

ख़ैल (خیل) अ पु—समुदाय जनसमूह जमाअत, घोड़ों का गल्ला सवारों का समूह (वि) अधिक बहुत।

ख़ैलख़ाना (خیل خانہ) अ फा पु—बड़ा कुटुम्ब कुनबा, ख़ानदान।

ख़ैलताश (خیل تاش) अ तु पु—एक स्वामी के सेवक वे सेवक आपस में ख़ैलताश है।

ख़ैले (خیلے) फा अव्य—बहुत ज़ियादा अत्यधिक।

ख़ैश (خیش) अ पु—एक मोटा कपड़ा खेस।

ख़ैशूम (خیشوم) अ पु—नथना नासापुट।

ख़ैस (خیص) अ पु लिखने की सियाही, मसि रौग़नाई थोड़ी सजावट दे खीस दोना शुद्ध है।

खो

ख़ोज़िस्तान (خوزستان) फा पु—ईरान का एक प्रदेश।

ख़ोज़ी (خوزی) फा वि—ख़ोज़िस्तान का निवासी।

ख़ोगीर (خوگیر) फा पु घोड़े का पालान घास की ज़ीन का नम्दा चारजामा ज़ीन काठी।

ख़ोगीरदोज़ (خوگیردوز) फा वि—पालान सीनेवाला ज़ीन सीनेवाला।

खोगीरदोजी (خوگیردوزی) फा. स्त्री.—पालान सीने का काम, जीन सीने का काम या पेशा।
खोद (خود) फा पु—लोहे की टोपी जो सिपाही ओढ़ते है, शिरस्त्राण।
खोल (خول) फा पु—वेष्टन, गिलाफ, कोष, म्यान।
खोशः (خوشه) फा पु—गेहूँ या जौ की वाल, गुच्छा, मजरी, गुच्छ।
खोशःचीं (خوشه‌چیں) फा वि—खेती मे सिला वीननेवाला, उछवृत्त, लाभ उठानेवाला।
खोशःचीनी (خوشه‌چینی) फा स्त्री—सिला वीनना, उछवृत्ति, लाभ, प्राप्ति।
खोशएअंगूर (خوشۂ انگور) फा पु—अगूर का गुच्छा।
खोशएगंदुम (خوشۂ گندم) फा पु गेहूँ की वाल।
खोशएचर्ख़ (خوشۂ چرخ) *फा पु—कन्याराशि, वुर्जे जौजा।*
खोशएपर्वी (خوشۂ پرویں) फा पु—कृत्तिका नक्षत्र।
खोशीदः (خوشیده) फा वि—सूखा हुआ, सुखाया हुआ।
खोशीदनी (خوشیدنی) फा वि—सूखने के योग्य, सुखाने के योग्य।

खौ

खौ (خو) फा स्त्री—लकडी की पाड, जिस पर वैठकर राज मकान वनाते है, एक घास जो खेतो मे पैदा होती है।
खौक (خوق) अ पु—कान के कुडल का घेरा, गोशवारे का हल्का।
खौख़ (خوخ) अ पु—आडू, शफ्ता लू।
खौज़ (خوز) अ पु—शत्रुता, दुश्मनी।
खौज़ (خوض) अ पु—विचार, मनन, चिन्तन, गौर, यह शब्द गौर के साथ मिलकर आता है, अकेला नही वोला जाता।
खौद (خود) अ स्त्री—कोमल, मृदुल और सुन्दर स्त्री।
खौन (خون) अ पु—दृष्टि की कमी और मदता, धोखा देना और वेवफाई करना।
खौफ (خوف) अ पु—भय, त्रास, डर, शंका, सदेह, शुव्हा।
खौफज़दः (خوف‌زده) अ फा वि—भयभीत, डरा हुआ।
खौफज़दगी (خوف‌زدگی) अ फा स्त्री—भयभीत होना, डरना, खौफ खाना।
खौफनाक (خوفناک) अ फा वि—भीषण, भयंकर, डरावना, जहाँ या जिसमे प्राणो का भय हो।
खौफनाकी (خوفناکی) अ फा स्त्री—भयानकता, डरावनापन, जान जोखिम, प्राणो का भय।
खौफे जाँ (خوف جاں) अ फा पु—जान का डर, प्राणभय, मरने का खौफ।
खौश (حوش) अ स्त्री—नितव, कटिदेश, चूतड, (पु) भाला मारना, व्याह करना; लेना, पकडना।
खौस (خوس) अ पु—धोखा देना, दगा करना, खियानत करना; खोटा होना।
खौस (خوص) अ पु—आँखो का गढ़े मे चला जाना।

ख़्व

ख़्वाँ (خواں) फा प्रत्य—पढनेवाला, जैसे—'मीलादख़्वाँ' मीलाद पढनेवाला।
ख़्वाँ (خواں) फा पु—'ख़्वान' का लघु, दे 'ख़्वान'।
ख़्वांदः (خوانده) फा वि—पढाया हुआ, शिक्षित, वुलाया हुआ, निमत्रित, आहूत।
ख़्वांदगी (خواندگی) फा स्त्री—पढत, पढाई, परिपद् मे *किसी कानून की पढाई।*
ख़्वांदनी (خواندنی) फा स्त्री—पढने योग्य, पाठ्य।
ख़्वाजः (خواجه) तु पु—स्वामी, पति, मालिक।
ख़्वाज़ः (خوازه) फा स्त्री—इच्छा, ख़्वाहिश।
ख़्वाज़ःगर (خوازه‌گر) फा वि—इच्छुक, चाहनेवाला, ख़्वाहिश करनेवाला।
ख़्वाजःताश (خواجه‌تاش) तु वि—एक स्वामी के दास, जो आपस मे ख़्वाज ताश कहलाते है।
ख़्वाजःसरा (خواجه سرا) तु फा पु—महल का रखवाला; जनाना, हीजडा, नरदारा, शिखण्डी।
ख़्वान (خوان) फा पु—थाल, ट्रे, खाने से भरा हुआ थाल।
ख़्वानपोश (خوان‌پوش) फा पु—ख़्वान पर ढँकने का कपड़ा आदि।
ख़्वाना (خوانا) फा. वि—वुलानेवाला, पुकारनेवाला।
ख़्वानिंदः (خوانندہ) फा वि—वुलानेवाला, पुकारनेवाला; पढानेवाला, शिक्षक।
ख़्वाब (خواب) फा पु—स्वप्न, स्वाप, सोने की क्रिया, स्वप्न, जो सोते मे दिखाई दे।
ख़्वाबआवर (خواب آور) फा वि.—नीद लानेवाली ओपधि आदि, निद्राकर, निद्राकारक।
ख़्वाबिदः (خوابنده) फा वि—सोता हुआ, सुप्त।
ख़्वाबीद. (خوابیده) फा स्त्री—सोने और नीद लेने का भाव, सोने की दशा।
ख़्वाबीदगी (خوابیدگی) फा वि—सोने के योग्य।
ख़्वाबे खरगोश (خواب خرگوش) फा पु—धोखा, छल, गहरी नीद।
ख़्वाबे गफ़लत (خواب غفلت) फा अ पु—गहरी नीद।
ख्वाबे परीशाँ (خواب پریشاں) फा प—उचटती हुई नीद,

ऐसा नाद जो बार-बार उखड़ जाय, ऐसा स्वप्न जिसका स्वप्नफल न जाना जा सके।

ख्वाबे सयाद (خواب صیاد) फा अ—बनावटी नींद छल धोखा फरेब।

ख्वार (خوار) फा वि—अपमानित तिरस्कृत अनादृत दुर्दशाग्रस्त बदहाल।

ख्वारी (خواری) फा स्त्री—अपमान अनादर जिल्लत दुर्दशा बदहाली।

ख्वाल (خوال) फा पु—भोजन खाना।

ख्वालगर (خوالگر) फा वि—रसोइया बावरची।

ख्वालगीर (خوال‌گیر) फा वि—दे ख्वालगर।

ख्वास्त (خواست) फा वि—चाहा हुआ माँगा हुआ।

ख्वास्त (خواست) फा स्त्री—चाह माँग सवाल।

ख्वास्तगार (خواستگار) फा वि—माँगनेवाला चाहने वाला इच्छुक।

ख्वास्तगारी (خواستگاری) फा स्त्री—इच्छा चाह मँगनी सगाई।

ख्वास्तगी (خواستگی) फा स्त्री—इच्छा चाह माँग।

ख्वास्तनी (خواستنی) फा वि—चाहने योग्य माँगने योग्य।

ख्वाह (خواہ) फा प्रत्य—चाहनेवाला इच्छा रखनेवाला जैसे—दिलख्वाह मन की इच्छा रखनेवाला (अव्य) अथवा या चाहे।

ख्वाहर (خواہر) फा स्त्री—भगिनी बहन।

ख्वाहाँ (خواہاں) फा वि—चाहनेवाला इच्छुक माँगने वाला याचक।

ख्वाहिंद (خواہندہ) फा वि—चाहनेवाला इच्छुक माँगनेवाला याचक।

ख्वाहिश (خواہش) फा स्त्री—इच्छा चाह, तत्त्व ज्ञानमा उलटा शनिवार।

ख्वाहीद (خواہیدہ) फा वि—चाहा हुआ वांछित अभीप्सित।

ख्वाहीदनी (خواہیدنی) फा वि—चाहने योग्य माँगने योग्य।

ग

गंग (گنگ) फा स्त्री—गंगा नदी।

गंगबरार (گنگ‌برار) फा स्त्री—गंगा या दूसरी नदी की धारा के नीचे से निकली हुई (नयी) जमीन।

गंगल (گنگل) फा पु—उपचार जादू, टोना मसखरी।

गंगोजमन (گنگ‌وجمن) फा स्त्री—गंगा और यमुना।

गंज (گنجہ) फा पु—एक नगर।

गंज (گنج) फा पु—निधि खजाना कोष।

गंज (غنج) अ पु—आँख अथवा भौंह का संकेत हाव भाव, नाजोअदा।

गंज (غنج) अ पु—बहुत अधिक दुख निधि का गोड़।

गंजदान (گنج‌دان) फा पु—वह स्थान जहाँ धन गड़ा हो खजाने का स्थान कोषागार।

गंजबख्श (گنج‌بخش) फा वि—खजाना देने या दान वाला, बहुत बड़ा दाता एक मुसलमान ऋषि की उपाधि।

गंजार (گنجارہ) फा पु—गुलगून मुखचूर्ण मुख पर मलने का सुगंधित लाल पाउडर।

गंजार (غنجار) अ पु—दे गंजार।

गंजिश (گنجش) फा वि—समानवाला प्रवेश करनेवाला।

गंजिफ (گنجفہ) फा पु—ताश के प्रकार का एक खेल जो ताश से पहले प्रचलित था ताश पत्ता का खेल।

गंजीद (گنجیدہ) फा वि—समाया हुआ।

गंजीदनी (گنجیدنی) फा वि—समाने योग्य।

गंजीन (گنجینہ) फा पु—निधि कोष खजाना।

गंजीनए जर (گنجینۂ زر) फा पु—सोने चाँदी का खजाना स्वर्णनिधि।

गंजूर (گنجور) फा वि—खजाने का मालिक निधि-स्वामी खजानची कोषाध्यक्ष।

गंजे इलाही (گنج الہی) फा पु—कुरान।

गंजे कारून (گنج قارون) फा पु—कारून का खजाना जो चार लाख चालीस हजार बोरी भर था और जिसमें से वह एक पैसा भी ईश्वर के नाम पर व्यय नहीं करता था अन्त में हजरत मूसा के शाप से वह अपनी निधि समेत पृथ्वी में धँस गया।

गंजे गाव (گنج گاو) फा पु—जमशेद की निधियों में से एक निधि का नाम जो एक किसान को मिली थी।

गंजे बादावर्द (گنج بادآورد) फा पु—दे गंजे नायर्गा क्योंकि इस खजाने को हवा लेकर आयी थी वायु प्रदत्त निधि।

गंजे रवाँ (گنج رواں) फा पु—दे गंजे कारून क्योंकि कारून का खजाना कियामत तक जमीन में धँसता चला जायगा।

गंजे शहीदाँ (گنج شہیداں) फा पु—कब्रिस्तान समाधि स्थल जहाँ बहुत-से शहीद दफन हों।

गंजे नायर्गा (گنج سائگاں) फा पु—रूम के कैसर ने परवेज के भय से अपना धन जहाजों में भरकर एक द्वीप में भेजा था हवा के प्रतिकूल होने से वह परवेज के हाथ में पड़ गया चूँकि यह बहुत बड़ा खजाना था और बिना परिश्रम मिला था इस कारण इसे गंजे नायर्गा कहते हैं।

गंदः (گندہ) फा. वि –मलिन, मैला, अपवित्र, नापाक; दुर्गंधयुक्त, वदवूदार, दूषित, ख़राव, अशुद्ध, जिसमे मैल हो; गँदला, मटमैला।

गंदःदहन (گندہ دہن) फा वि –गालियाँ वकनेवाला, दुर्भाषी, जिसको मुँह से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःदहनी (گندہ دہنی) फा. स्त्री –गालियाँ वकने का रोग, मुँह से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःवग़ल (گندہ بغل) फा वि.–जिसे वग़ल से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःवग़ली (گندہ بغلی) फा स्त्री –वग़ल से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःमग़्ज़ (گندہ مغز) फा वि –अहकारी, घमडी, डीगिया, शेख़ीख़ोर।

गंदःमग़्ज़ी (گندہ مغزی) फा स्त्री –अहकार, घमड, डीग, शेख़ी।

गद (گند) फा स्त्री –वदवू, दुर्गंध।

गदगी (گندگی) फा स्त्री –दुर्गंध, वदवू, अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, मैलापन, विष्ठा, गू।

गंदना (گندنا) फा पु.–एक वीज जो दवा मे चलता है।

गदनागूँ (گندناگوں) फा वि –गदने-जैसे रगवाला, ख़ाकी रग का, मटमैला।

गंदीदः (گندیدہ) फा वि –सडा हुआ, दुर्गंधित।

गदुम (گندم) फा. अ पु –गेहूँ, गोधूम।

गदुमगूँ (گندم گوں) फा वि –गेहुएँ रग का।

गदुमनुमा जौफ़रोश (گندم نما جوفروش) फा वि –गेहूँ दिखाकर जौ तौलनेवाला, छली, वचक, ठग।

गदुमी (گندمی) फा वि –गेहूँ से सम्वन्धित, गेहूँ का, गेहुएँ रग का।

गच (گچ) फा स्त्री –चूने की टीप, चूने से पक्की की हुई जगह।

गज़द (گزند) फा स्त्री –हानि, अनिष्ट, नुक़सान, दु ख, कष्ट, तकलीफ़।

गज़. (گزہ) फा पु –नगाडा वजाने की लकडी, एक प्रकार का तीर।

गज़ (گز) फा पु –नापने की लकडी जो १६ गिरह या ३६ इच की होती है, झाऊ का पेड।

गज़ [ज़्ज़] (غز) अ पु –घाव मे पीप पडना और उसका घाव से वहना।

गज़ [ज़्ज़] (غض) अ पु –आँखे वन्द करना; आवाज धीमी करना, धैर्य धरना, वुरी वात का सहन करना, हानि करना।

गज़क (گزک) फा पु –शराव के साथ खाने की चीज; एक मिठाई जो शकर और तिल से वनती है।

गज़गाव (غزگاو) फा. पु –एक जगली गाय जिसकी पूँछ से मोरछल वनते है, सुरा गाय।

गज़पा (گزپا) फा पु –एक लम्वे पाँव का पक्षी, सारस।

ग़ज़न्फ़र (غضنفر) अ पु –व्याघ्र, शेर, फाड़ खानेवाला सिह।

ग़ज़व (غضب) अ पु –क्रोध, गुस्सा, वहुत अधिक क्रोध, प्रकोप, दैवी प्रकोप, ख़ुदाई कहर।

ग़ज़वआलूद (غضب آلود) अ फा वि –कोपयुक्त, गुस्सा मिला हुआ।

ग़ज़वनाक (غضب ناک) फा. वि –कुपित, प्रकुपित, गुस्से मे भरा हुआ।

गज़वाज़ी (گزبازی) फा स्त्री –एक प्रकार का नाच।

गज़र (گزر) फा स्त्री –गाजर, एक प्रसिद्ध शाक।

ग़ज़र (غضر) अ पु –मँहगाई के पश्चात् मदी, दरिद्रता के पश्चात् समृद्धि।

ग़ज़ल (غزل) अ स्त्री –प्रेमिका से वार्तालाप, उर्दू, फ़ार्सी कविता का एक प्रकार विशेष, जिसमे प्राय ५ से ११ शे'र होते हैं। सारे शे'र एक ही रदीफ और काफ़िए मे होते है, और हर शे'र का मज़्मून अलग होता है, पहला शे'र 'मत्ला' कहलाता है जिसके दोनो मिस्रे सानुप्रास होते है, और अतिम शे'र 'मक्ता' होता है जिसमे शाइर अपना उपनाम लाता है। ग़ज़ल के सग्रह को 'दीवान' एव सपूर्ण प्रकार के पद्य-सग्रह को 'वयाज़' कहते है।

ग़ज़लगो (غزل گو) अ फा वि –वह शाइर जो ग़ज़ल अच्छी कहता हो, जिसकी सारी कविताओ मे ग़ज़ल सर्वश्रेष्ठ हो।

ग़ज़लगोई (غزل گوئی) अ फा स्त्री –ग़ज़ल कहना।

ग़ज़लसरा (غزل سرا) अ फा वि –ग़ज़ल सुनानेवाला, ग़ज़ल पढनेवाला, ग़ज़ल गानेवाला।

ग़ज़लसराई (غزل سرائی) अ. फा. स्त्री.–ग़ज़ल पढना, ग़ज़ल गाना।

ग़ज़वात (غزوات) अ पु –'ग़ज़्व' का वहु, इस्लाम धर्म की परिभाषा मे वे लड़ाइयाँ जिनमे पैग़म्वर साहिव साथ थे।

ग़ज़ा (غزا) अ पु –धर्मयुद्ध, मज़्हवी लडाई, दे 'ग़िज़ा', दोनो शुद्ध है।

गज़ा (گزا) फा प्रत्य –खानेवाला, जैसे–'जाँगज़ा' प्राणो को खा जानेवाला, हानि पहुँचानेवाला।

ग़ज़ा (غضا) अ पु –वेर-जैसा एक वृक्ष, जिसकी लकड़ी वहुत देर तक जलती रहती है।

ग़ज़ाज़ (عضاضه) अ पु—नवीन होना, एक पत्थर खानेवाली चिड़िया, (स्त्री) नवीनता नयापन।

ग़ज़ात (عضات) अ पु—ग़ज़ा का बहु, बेर-जैसे पेड़ जिनकी आग बहुत देर तक रहती है।

ग़ज़ार (غزاره) अ पु—दूध पानी अथवा फल आदि का अधिक होना, बहुतात बाहुल्य प्राचुर्य इफ़रात।

ग़ज़ार (عضاره) अ पु—एक चिपकनेवाली मिट्टी कचला मिट्टी समृद्धि मौज़तमंदी वैभव ऐश्वर्य मंदापन, सस्तापन।

ग़ज़ार (غزار) अ पु—मकान के चारों ओर की दीवार घर का भीतरी भाग।

ग़ज़ार (عضار) अ स्त्री—एक चिपकनेवाली मट्टी कचला मट्टी।

ग़ज़ाल (غزاله) अ पु—हिरन का बच्चा मृगशावक सूर्य सूरज उतूस के निकट एक गाँव ग़ज़ाला भी प्रचलित जैसे— दावा जुबां का इलाज़ उसपारा के सामने इज़हार हुए मुश्क ग़ज़ाला के सामने।

ग़ज़ालचश्म (غزالہ‌چشم) अ फ़ा वि—हिरन के बच्चा जैसी सुन्दर और बड़ी-बड़ी आँखोंवाला (वाली) मृगशावक-नयनी।

ग़ज़ाल (غزال) अ पु—हिरन का बच्चा मृगशावक सूर्य सूरज।

ग़ज़ालचश्म (غزال‌چشم) अ फ़ा वि—दे 'ग़ज़ाले चश्म' मृगनयनी।

ग़ज़ालचश्मी (غزال چشمی) अ फ़ा स्त्री—हिरन के बच्चा-जैसी सुंदर और बड़ी-बड़ी आँखें होना।

ग़ज़ाली (غزالی) अ वि—ग़ज़ाला का निवासी।

गज़िंद (گزنده) फ़ा वि—काटनेवाला काट खानेवाला डसनेवाला।

ग़ज़िंद (غژنده) फ़ा वि—बच्चा की भाँति चूतड़ के बल घिसट घिसटकर चलनेवाला।

गज़िंदगी (گزندگی) फ़ा स्त्री—काटने का भाव डसने का भाव डसन।

ग़ज़ीज़ (غضیض) अ वि—नवीन नया ताज़ा प्रफुल्ल, मृदुल और कोमल कली।

गज़ीत (گزیت) फ़ा पु—भूमिकर लगान राजकर ख़राज जिज़या।

गज़ीद (گزیده) फ़ा वि—काटा हुआ डसा हुआ दंशित।

गज़ीद (گزید) फ़ा स्त्री—दे गज़ान काटा हुआ।

गज़ीदगी (گزیدگی) फ़ा स्त्री—दे गज़िंदगी।

गज़ीदनी (گزیدنی) फ़ा वि—काटने योग्य डसने योग्य।

ग़ज़ीर (غزیر) अ वि—हर चीज़ जो बहुत हो, बहुत वर्षा, बहुत अधिक पानीवाला कुआँ या तालाब, बहुत आँसुओंवाली आँख।

ग़ज़ीर (غضیر) अ वि—हर पदार्थ जो हरा और कोमल हो।

ग़ज़ूब (غضوب) अ वि—बहुत अधिक क्रुद्ध ग़ज़बनाक।

ग़ज़्ज़ाल (غزال) अ वि—रस्सी बनाने और बटनेवाला।

ग़ज़्न (غزنه) फ़ा पु—दे ग़ज़नी।

ग़ज़्नवी (غزنوی) फ़ा वि—'ग़ज़्नी' का निवासी महमूद ग़ज़नवी।

ग़ज़्नी (غزنین) फ़ा पु—अफ़ग़ानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, 'ग़ज़ना'।

ग़ज़्बान (غضبان) अ वि—बहुत अधिक प्रकुपित बहुत ग़ज़बनाक वे पत्थर जो मिंजनीक़ से दुर्ग पर फेंके जायँ।

ग़ज़्म (غزم) अ पु—अंगूर का फल जो ताज़ा और पका हो।

गज़्म (گزم)—फ़ा पु—झाऊ का पेड़।

ग़ज़्ल (غزل) अ पु—रस्सी बटना रस्सी रज्जु डोर।

गज़्लक (گزلک) फ़ा पु—वह चाकू जिसकी नोक मुड़ी हो क़लम बनाने का चाकू।

ग़ज़्व (غزوه) अ पु—धर्मयुद्ध मज़हबी लड़ाई, हज़रत मुहम्मद साहिब के समय का वह युद्ध जिसमें वह स्वयं सम्मिलित हुए।

ग़ज़्वर (عضور) अ स्त्री—चिपकनेवाली मिट्टी कचला।

ग़त[त] (غط) अ पु—पानी में ग़ोता देना पानी में डुबाना।

ग़तफ़ (عطف) अ पु—आँखों की विशालता और पलकों की लम्बाई।

ग़तम्तम (عطمطم) अ पु—महासागर।

ग़तात (غطاط) अ पु—एक पक्षी जो पत्थर खाता है संगख़्वार।

ग़तीत (غطیط) अ पु—सोते समय ख़र्राटों का शब्द गला घुटे हुए का शब्द, गला कटे हुए का शब्द।

ग़तीम (عطیم) अ पु—महासागर।

ग़तूस (غطوس) अ वि—वह शूर व्यक्ति, जो युद्ध या आपत्ति के समय सबसे आगे रहे।

ग़त्तास (غطاس) अ पु—पनडुब्बी एक जलपक्षी।

ग़त्स (غطس) अ पु—पानी में घुसना पानी में डुबाना बरतन में डालकर पानी पीना।

गद (گد) फ़ा पु—भीख माँगना दे गिद्य।

ग़द (غد) अ पु—आनेवाला कल।

ग़दक़ (غدق) अ पु—बहुत अधिक पानी।

ग़दद (غدد) अ पु—महामारी वबा ऊँटों का ताऊन।

ग़दफ़ (غدف) अ पु—समृद्धि ख़ुशहाली फ़राग़त ईश्वर का दिया हुआ धन आदि।

गदर (عدر) अ. पु –वह पथरीली भूमि जिसमे कोई जन्तु विल न वना सके, रात का अँधियारा होना।
गदा (عدا) अ पु –आगामी कल।
गदा (گدا) फा वि –भीख माँगनेवाला भिक्षुक, भिखमगा, भिखारी, मँगता।
ग़दाइर (عدائر) अ पु –'गदीरा' का वहु, गुँधी हुई चोटियाँ।
गदाई (گدائی) फा स्त्री–भीख माँगने का काम, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म।
गदागर (گداگر) फा वि –भिक्षुक, भिक्षु, भिखमगा, फकीर।
गदागरी (گداگری) फा स्त्री –भीख माँगने का काम, भिक्षावृत्ति।
गदात (عدات) अ स्त्री –प्रात काल, सवेरा।
गदायान: (گدایانہ) फा वि –भिखमगो-जैसा, भिखारियो की तरह।
गदीर: (عدیرہ) अ पु –गुँधी हुई चोटी, गुँथे हुए वाल।
गदीर (عدیر) अ पु–वह पानी जो नदी मे वाढ आन के समय नदी से निकलकर कही जमा हो जाय, इस पानी के एकत्र होने का स्थान, जलाशय।
गद्दूर (عدور) अ वि –कृतघ्न, वेवफा, गद्दारी करनेवाला।
गद्दार (غدار) अ वि –कृतघ्न, नमकहराम, देशद्रोही, मुल्क का दुश्मन, वहुत वडा, विशाल (केवल नगर के लिए)।
गद्दारी (غداری) अ स्त्री–कृतघ्नता, वेवफाई, नमक-हरामी; देशद्रोह, मुल्क की दुश्मनी।
गद्फ़ (عدف) अ पु –वहुत अधिक दान।
गद्र (عدر) अ पु –विप्लव, क्रान्ति, इन्किलाव, सैन्य-द्रोह, वगावत, लूटमार, प्रवध की वहुत ही वुरी व्यवस्था।
गद्व: (غدوہ) अ पु –प्रात.काल और सूर्योदय के वीच का समय।
गद्व (عدو) अ पु –आगामी कल, आनेवाला कल।
ग़नज (عنج) अ पु –हाव-भाव दिखाना, वूढा पुरुष।
गनम (عنم) अ स्त्री –भेड और वकरी।
गना (غنا) अ पु –लाभ, नफा, प्राप्ति।
गनाइम (عنائم) अ पु –'गनीमत' का वहु, युद्ध मे लूटे हुए माल-अस्वाव और धन आदि।
गनी (عنی) अ वि –धनवान्, मालदार, नि स्पृह, अनिच्छुक, वेनियाज़।
गनीम (غنیم) अ वि –प्रतिद्वद्वी, हरीफ, वह राजा जो किसी दूसरे राज पर आक्रमण करे।
गनीमत (غنیمت) अ स्त्री –युद्ध मे शत्रु की सेना मे छीना हुआ माल, (वि) उत्तम, अच्छा।

गन्ना (عنا) अ पु –किसी चीज के ढेर होने का स्थान; किसी चीज के वहुत होने का स्थान।
गप (گپ) फा स्त्री –मिथ्यावाद, अपवाद, व्यर्थ वात, वकवास, उड़ती हुई वात।
गपवाज (گپ باز) फा स्त्री–गप्पी, वकवादी, डीगिया, शेखीखोर।
गपवाजी (گپ بازی) फा. स्त्री –गप हाँकना, डीग मारना।
गफर (عفر) अ पु –सफेद वालो को ख़िजाव से छिपाना, छोटी घास, गर्दन और गुद्दी के वाल, डाढ़ी के दोनो ओर के वाल।
गफल (عفل) अ पु –निश्चेष्टता, सज्ञाहीनता, वेखवरी; विस्मृति, भूल।
गफीर (عفیر) अ पु –लोहे की टोपी जो सारे सिर को छिपा ले (वि) छिपानेवाला, इतनी भीड जो शुमार मे न आ सके।
गफूर (عفور) अ वि –वहुत अधिक क्षमावान्, मोक्षदाता, वख्शनेवाला, ईश्वर का एक नाम।
ग़फूल (عفول) अ वि.–वहुत अधिक निश्चेष्ट, वहुत ही वेख़वर।
गफ़्फ़ार (عفار) अ वि –वहुत अधिक क्षमा करनेवाला; पापो को छिपानेवाला, मोक्षदाता, ईश्वर का एक नाम।
गफ़्फारी (عفاری) अ स्त्री –पापो को छिपाने का कर्म; मोक्षदान, वख्शिश; ईश्वरत्व, खुदाई।
गफ़्र (عفر) अ पु –वैभव का आधिक्य, ऐश की फरावानी।
गफ़्लत (عفلت) अ स्त्री –असावधानी, असतर्कता, वेखवरी, सज्ञाहीनता, निश्चेष्टता, वेहोशी, त्रुटि, भूल, चूक, उपेक्षा, वेपर्वाई, आलस्य, काहिली।
गफ़्लतआश्ना (غفلت آشنا) अ फा वि –जो वहुत सुस्ती वरतता हो।
गफ़्लतकद: (عفلت کدہ) अ फा पु –गफलत और असावधानी का स्थान, अर्थात् ससार।
गफ़्लतजद: (غفلت زدہ) अ फा वि –असावधान, वेखवर, सज्ञाहीन, वेहोश; आलसी, सुस्त।
गफ़्लतजदगी (عفلت زدگی) अ फा स्त्री –असावधानी, सज्ञाहीनता, वेहोशी, ध्यानहीनता, आलस्य, सुस्ती।
गफ़्लतपेश: (عفلت پیشہ) अ फा. वि –जिसका स्वभाव ही गफ्लत करने का हो, वहुत ही आलसी, असावधान।
गफ़्लतशिआर (عفلت شعار) अ वि –दे 'गफ्लतपेश.'।
गफ्स (غفص) अ वि –मोटा, गफ।
गब [ब्ब] (غب) अ पु –पशु का एक दिन वीच करके पानी पीना।

ग़बन (غبن) अ पु—बुद्धि और मति म कमी भूल जाना विस्मति निश्चेष्ट करना गाफिल करना।
ग़बब (غبب) अ पु—ठुड्डी के नीचे का गोश्त।
ग़बर (غبرہ) अ पु—धूल मिट्टी गद गुबार बहुत पेना वाली भूमि।
ग़बस (غبس) अ वि—मटमैले रगवाला खाकी रगवाला।
ग़बावत (غباوت) अ स्त्री—ज़हन का तीव्र न होना कुद जहनी बुद्धि का तेज न होना कमअक्ली।
ग़बी (غبی) अ वि—मन्दबुद्धि कुन्जहन अतीवबुद्धि कमअक्ल मन्दमति।
ग़बीत (غبیط) अ पु—समतल भूमि हमवार ज़मीन।
ग़बीन (غبین) अ वि—मदमति जिसकी राय ठीक न होती हो।
ग़बीस (غبیس) मक्खन और पनीर मिला हुआ।
ग़बूक़ (غبوق) अ स्त्री—शाम के पीने की शराब ह्विस्की।
गब्ज़ (گبز) फा पु—मोटा दबीज मोटा-ताज़ा हृष्ट-पुष्ट।
ग़बग़ब (غبغب) अ स्त्री—वह मास जो ठोडी के नीचे होता है ठोडी चिबुक ज़कन।
ग़ब्त (غبطہ) अ पु—दे गिब्त।
ग़ब्त (غبط) अ पु—बकरी और दुब की पीठ और कोख म उँगलिया गडाकर यह देखना कि वह चरबीला है या दुबला।
ग़ब्न (غبن) अ पु—माल लेन-देन म घाटा अमानत म खियानत पोषण अपहरण खुर्द बुर्द।
गब्र (گبر) फा वि—आतशपरस्त पारसी।
ग़ब्रा (غبرا) अ पु—वह भूमि जिसम पेड बहुत हो फलदार वक्ष भूमि जमीन (स्त्री) चकोर की मादा चकारी।
गब्रोतर्सा (گبروترسا) फा पु—आतशपरस्त और ईसाई।
ग़म[म्म] (غم) अ प—खद शोक क्षोभ रज कष्ट क्लेश दुख डाह ईर्ष्या हसद मनस्ताप सताप अदरूनी खलिश चिता फिक्र।
ग़मअगेज़ (غم انگیز) अ फा वि—गम बढानेवाला शोक प्रद खेदजनक।
ग़मआगीं (غم آگیں) अ फा वि—गम से भरा हुआ दुखपूर्ण।
ग़मआलूद (غم آلود) अ फा वि—दे गमआगीं।
ग़मक़ (غمق) अ पु—भूमि के ऊपरी भाग के पानी से भीग जाना।
ग़मकद (غمکدہ) अ फा पु—गम का घर जहाँ शाक हो शोक हो जहाँ शोकग्रस्त लोग रहते हो जहाँ कोई मृत्यु हो गयी हो।
ग़मकश (غمکش) अ फा वि—दुख सहनेवाला क्लेश उठानेवाला क्लेशग्रस्त।
ग़मखान (غمخانہ) अ फा पु—दे गमकद।
ग़मखोर (غمخور) अ फा वि—गम खानेवाला दुख सहन करनेवाला सहनशील।
ग़मख्वार (غمخوار) अ फा वि—सहानुभूति करनेवाला हमदर्द।
ग़मख्वारी (غمخواری) अ फा स्त्री—सहानुभूति हमदर्दी।
ग़मगीन (غمگین) अ फा वि—दुखित सतप्त रजीदा।
ग़मगुसार (غمگسار) अ फा वि—दे गमख्वार।
ग़मगुसारी (غمگساری) अ फा स्त्री—दे गमख्वारी।
ग़मचशीद (غمچشیدہ) अ फा वि—दे गमज़द।
ग़मज़ (غمز) अ पु—बुरी कमाई का धन निकृष्ट माल अशक्त पुरुष।
ग़मज़द (غمزدہ) अ फा वि—सतप्त दुखित रजीदा शोकग्रस्त मातमदार।
ग़मद (غمد) अ पु—कुएँ म पानी की अधिकता कुएँ म पानी का खत्म हो जाना।
ग़मदीद (غمدیدہ) अ फा वि—दे 'गमगीन'।
ग़मदोस्त (غمدوست) अ फा वि—जिसे क्लेश और दुख पसद हो निराशावादी।
ग़मनाक (غمناک) अ फा वि—दुखपूर्ण कष्टपूर्ण शोक युक्त दुखित रजीदा।
ग़मनाकी (غمناکی) अ फा स्त्री—दुखपूर्णता गम भरा होना दुखित होने का भाव रजीदगी।
ग़मरसीद (غمرسیدہ) अ फा वि—जिसे दुख पहुँचा हो जिसे दुख दिया गया हो दुखित।
ग़मरात (غمرات) अ पु—गम्र का बहु आपत्तियाँ मुसीबत मनुष्यों के समूह।
ग़मस (غمص) अ पु—आख का मल आँख का मल जो बाहर बहे।
ग़माँ (غماں) अ फा वि—दे गमनाक।
ग़माइम (غمائم) अ पु—गमाम का बहु बादलों के समूह।
ग़मामा (غمامہ) अ पु—सफेद बादल एक बादल बादल का एक टुकडा।
ग़माम (غمام) अ पु—मेघ बादल अभ्र सफेद बादल।
ग़मार (غمار) अ पु—अधिकता बहुतायत समूह होना जमघट।
ग़मारत (غمارت) अ स्त्री—मनुष्यों का जमाव पानी की अधिकता।
ग़मिक़ (غمق) अ पु—वह तरकारी या घास जो पानी की सीलन से बिगड या सड जाय।

गमी (غمی) अ स्त्री –गम से सम्बन्धित, मृत्यु, मौत।

गमूस (عموص) अ पु –झूठी कसम, एक तारा, खैबर के सात दुर्गों मे से एक।

गमूस (غموس) अ पु –ऐसी शपथ जिससे किसी का हक या धन आदि मारा जाय, (वि) झूठी शपथ लेनेवाले को दड देनेवाला।

गमे गेती (غم گیتی) अ फा पु –सासारिक दु ख, जीवन की व्यथाएँ, जीवन-कष्ट।

गमे दिल (غم دل) अ फा –मनस्ताप, मन पीडा, दिल का रज।

गमे दौराँ (غم دوراں) अ फा पु –दे गमे गेती'।

गमे पिन्हाँ (غم پنہاں) अ फा पु –मानसिक दु ख, मनस्ताप, प्रेम की व्यथा, इश्क का गम।

गमे रोजगार (غم روزگار) अ फा पु –दे 'गमे गेती'।

ग़मोरंज (غم ورنج) अ फा पु –रज और गम, कष्ट-समूह, मुसीबतें।

गम्ज़ः (غمزہ) अ पु –आँख का सकेत, सैन, हावभाव, नाजोअदा।

ग़म्ज़ (غمز) अ पु –आँख का इशारा, सैन, दबाकर निचोड़ना, आलोचना, सुखनचीनी।

गम्ज़ (غمض) अ पु –नीची भूमि, गुप्त गढा, छिपा हुआ गर्त; ऐसी बात करना जो समझ मे न आये, बात का समझ से परे होना।

गम्त (غمط) अ. पु –किसी को अपमानित करना, कृतघ्नता, नाशुक्री।

गम्द (غمد) अ पु –तलवार को म्यान मे करना, किसी का अपराध छिपाना; कुएँ का पानी बढ़ जाना।

गम्माज़ (غماز) अ वि –पिशुन, चुगुल, आँख के इशारे से चुगली खानेवाला; गुप्तचर, जासूस; दोष ढूँढनेवाला।

गम्र (غمر) अ पु –पानी का किसी वस्तु को छिपा लेना; बहुत पानी, उदार, सखी; शूर, जवाँमर्द।

ग़म्रुर्रिदा (غمرالردا) अ वि –बहुत ही उदार और दानशील।

गम्रुलबर्द (غمرالبرد) अ. वि –दे 'गमुर्रिदा'।

गम्श (غمش) अ पु –भूख-प्यास की तीव्रता से आँखो मे अँधेरा छा जाना।

गम्स (غمص) अ पु –किसी को तुच्छ जानना, आलस्य करना (किसी का हक देने मे); दोष लगाना, कृतघ्नता, नाशुक्री।

ग़यद (غید) अ पु –गर्दन का टेढा होकर एक ओर झुक जाना, शरीर का मृदुल और कोमल होना।

गयब (غیب) अ पु –'गाइब' का वहु, गाइब (गायब) होनेवाले, छिपनेवाले, लोप होनेवाले।

गयाबत (غیابت) अ स्त्री –लुप्त होना, गाइब होना; कुएँ की गहराई, वह वस्तु जो किसी वस्तु को छिपा ले।

गयूर (غیور) अ वि –गैरतमद, स्वाभिमानी।

गयूरानः (غیورانہ) अ फा वि –स्वाभिमानियो-जैसा, गैरत-मदो की तरह।

गय्याफ (غیاف) अ वि –जिसकी डाढी बहुत लंबी और घनी हो।

गर (گر) फा अव्य –'अगर' का लघु, यदि, जो, अगर।

ग़र (غر) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।

ग़र[र्र] (غر) अ पु –वे दाने जो पक्षी चोच मे लेकर अपने वच्चो को खिलाता है, चुगा; कपड़े की शिकन, सिलवट, भूमि की दरार, जमीन के भीतर पानी की नाली, मुग्ध होना।

गरक (غرق) अ पु –पानी मे डूब जाना, पानी सिर से ऊँचा हो जाना।

गरगर (گرگر) फा पु –ईश्वर के नामो मे से एक नाम, जिसका अर्थ है सारी निर्मित वस्तुओ का निर्माता।

गरज़ (غرض) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वार्थ, मतलब, आशय, मक्सद, किवहुना, किस्सा मुख्तसर; सम्बन्ध, तअल्लुक, प्रयोजन, मतलब।

गरज़ (غرز) अ पु–एक घास।

गरज़आश्ना (غرض آشنا) अ फा वि –मतलब का यार, स्वार्थसाधक, स्वार्थी।

गरजमंद (غرض مند) अ फा वि –इच्छुक, ख्वाहिशमद; जिसका कोई मतलब अटका हो।

गरजमंदी (غرض مندی) अ फा स्त्री.–इच्छा, ख्वाहिश-मदी, मतलब अटका होना।

ग़रज़े कि (غرضے کہ) अ फा अव्य -साराश यह कि।

गरद (غرد) अ पु –गले मे आवाज को लुढकाना।

गरदिल (غردل) फा. वि –डरपोक, भीरु, बुज़दिल।

गरर (غرر) अ पु –शका, भय, डर, शर्त, पण।

गरब (غرو) अ पु –नरकट जिससे कलम बनाते हैं।

गरस (غرث) अ स्त्री –भूख, क्षुधा।

गराँ (گراں) फा वि –दे 'गिराँ', शुद्ध दोनो हैं, परन्तु वह अधिक फसीह है।

गरा (گرا) फा पु –भूमि समतल करने का यत्र।

गरा (غرا) अ. पु –हर चिपकनेवाली चीज, सरेस, मछली का सरेस, हर चुपड़नेवाली वस्तु, शिशु, वच्चा; दुबला।

ग़राइब (غرائب) अ पु—ग़राब का बहु आश्चर्यजनक वस्तुएँ।

ग़राइर (غرائر) अ पु—गिरार का बहु लादने की गौनें खुर्जियाँ।

ग़रानिक़ (غرانق) अ पु—द ग़रानीक़।

ग़रानीक़ (غرانیق) अ पु—गुर्नूक़ का बहु, कुलंग पक्षी सुन्दर और युवा लोग गुँधी हुई चोटियाँ।

ग़राबीब (غرابیب) अ पु—गुर्बीब का बहु बहुत अधिक काले।

ग़राबत (غرابت) अ स्त्री—अनोखापन अद्भुतता।

ग़राम (غرام) अ पु—दुष्टता लोभ लालच हत्या हलाकत पीड़ा अज़ाब मोह प्रेम।

ग़रामत (غرامت) अ स्त्री—हानि उठाना पश्चात्ताप पशेमानी दुख पीड़ा अज़ाब।

ग़रार (غرارہ) फा पु—मुँह में पानी भरकर चलाना ग़र्ग़र आचमन।

ग़रार (غرارہ) अ पु—नातजरिबकारी अनाड़ीपन अपरिपक्वता धोखा खाना छला जाना।

ग़रास (غراس) अ पु—खाने या पीनेवाली दवा का वह अंश जो गिर जाय।

ग़रिक़ (غرق) अ वि—द ग़रीक़।

ग़रीक़ (غریق) अ वि—जो पानी में डूब गया हो निमग्न प्लावित निमज्जित।

ग़रीज़ (غریض) अ पु—नवीन ताज़ा नया प्रफुल्ल तारुण्य वर्षा का जल नया मदिरा हर सफ़ेद वस्तु कली शिगूफ़ा।

ग़रीज़त (غریزت) अ स्त्री—प्रकृति, स्वभाव आदत।

ग़रीज़ी (غریزی) अ वि—स्वाभाविक प्राकृतिक नेचुरल किसी विशेषत हरारत के लिए आता है हरारते ग़रीज़ी अर्थात शरीर की प्राकृतिक गर्मी।

ग़रीब (غریب) अ वि—विदेशी परदेसी जो सफ़र में हो दरिद्र दीन कंगाल असहाय बेचारा लाचार दीन दुखी बदबस।

ग़रीबआज़ार (غریب آزار) अ फा वि—दीन दुखी व्यक्तियों को सतानेवाला।

ग़रीबख़ाना (غریب خانہ) अ फा पु—ऐसा घर जिसमें सुख का कोई सामान न हो वक्ता अपने घर को भी कहता है।

ग़रीबज़ाद (غریب زاد) अ फा पु—वेश्यापुत्र रंडी का लड़का रंडी-बच्चा।

ग़रीबनवाज़ (غریب نواز) अ फा वि—दीन दुखिया पर करुणा करनेवाला प्रणतपाल दीनवत्सल।

ग़रीबनवाज़ी (غریب نوازی) अ फा स्त्री—दीनों और असहाय व्यक्तियों पर कृपादृष्टि।

ग़रीबपरवर (غریب پرور) अ फा वि—द ग़रीबनवाज़।

ग़रीबपरवरी (غریب پروری) अ फा स्त्री—द 'ग़रीबनवाज़ी'।

ग़रीबाँ (غریباں) फा पु—शुद्ध उच्चारण गिरीबाँ।

ग़रीबी (غریبی) अ स्त्री—घरबार से दूरी दरिद्रता कंगाली दीनता लाचारी, एक बहुत बढ़िया कपड़ा।

ग़रीबुद्दियार (غریب الدیار) अ वि—द ग़रीबुल्वतन।

ग़रीबुल्वतन (غریب الوطن) अ वि—वेवतन जो अपना घरबार छोड़ परदेश में पड़ा हो प्रवासी परदेसी।

ग़रीबेशह्र (غریب شہر) अ फा वि—जो नगर में किसी को जानता पहचानता न हो और मुसाफ़िर की तरह पड़ा हो।

ग़रीम (غریم) अ वि—जिसे टोटा हुआ हो ऋणी कर्ज़दार ऋणदाता कर्ज़ख़्वाह।

ग़रीर (غریر) अ वि—वह युवक जो अनुभवी न हो, ज़ामिन प्रतिभू (पु) अच्छा स्वभाव अच्छा आदत।

ग़रूर (غرور) फा पु—ईश्वर के नामों में से एक जिस का अर्थ है कामनाएँ पूरी करनेवाला।

ग़रूर (غرور) अ वि—छल धोखेबाज़, (पु) वह दवाओं का पानी जिससे ग़रारा करें।

ग़र्क़ (غرق)अ वि—डूबा हुआ निमग्न।

ग़र्क़ (غرق) अ पु—पानी में डूबना निमज्जन (वि) डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ए ख़ूँ (غرقۂ خوں) अ फा वि—ख़ून में डूबा हुआ।

ग़र्क़ाब (غرقاب) अ फा वि—डूबा हुआ निमज्जित (पु) डूबना निमज्जन डुबाऊ पानी।

ग़र्क़ी (غرقی) अ स्त्री—डूबना, बाढ़ तुग़यानी जुलाहों के कपड़ा बुनने का गड्ढा।

गर्ग (گرگ) फा पु—भेड़िया वृक एक नगर।

ग़र्ग़र (غرغرہ) अ पु—मुँह में पानी लेकर फिराना ग़रारा करना आचमन।

ग़र्ग़र (غرغر) अ पु—मूत लपेटने की रस्सी।

गर्गी (گرگی) फा वि—जिस खाज का रोग हो।

ग़र्च (غرچہ) फा वि—क्लीब नपुंसक नामर्द मूर्ख नादान बुद्धू।

ग़र्चक (غرچک) फा वि—मूर्ख नादान बुद्धू।

गर्जमान (گرزمان) फा पु—सबसे ऊपर का आकाश।

गर्दन (گردنگ) फा पु—स्त्री की कमाई खानेवाला दयूस भगभाषा भड़ुवा।

गर्दः (گردہ) फा पु –पिसा हुआ कोयला जो सुई से छिदे हुए कागज पर फेरकर बेल-बूटे बनाने के काम आता है, छिदा हुआ कागज जिस पर बेलबूटे बने होते है, और जिस पर कोयला फेरा जाता है।

गर्द (گرد) फा स्त्री –रज, धूलि, खाक, नगर, शहर, सूरज, सूर्य, खेद, रज, लाभ, वफा, एक अच्छा रेशम, (प्रत्य) फिरने वाला, जैसे—'जहाँगर्द' ससार मे फिरने वाला।

गर्दआलूद (گردآلود) फा वि –दे 'गर्दालूद'।

गर्दन (گردن) फा स्त्री –ग्रीवा, गला, कंठ, हल्क।

गर्दनकश (گردن‌کش) फा वि –अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, वागी, उद्दड, अक्खड़।

गर्दनकशी (گردن‌کسی) फा स्त्री –अवज्ञा, नाफर्मानी, विद्रोह, बगावत, उद्दडता, अक्खडपन।

गर्दनजदनी (گردن‌زدنی) फा वि –जो गर्दन मारने के योग्य हो, वध्य, हतव्य।

गर्दनजन (گردن‌زن) फा वि –गर्दन काटनेवाला, जल्लाद, वधिक, कातिल, कसाई।

गर्दनजनी (گردن‌زنی) फा स्त्री –गर्दन काटने का काम, जल्लादी; हत्यापन, कसाईपन।

गर्दनफराज (گردن‌فراز) फा वि –वडे पदवाला, वडी पदवीवाला, आला रुत्वा, गर्दन ऊँची करके चलनेवाला, गौरवशाली।

गर्दनवारीक (گردن‌باریک), फा वि –लाचार, वेवस, दीन, अधीन, वशीभूत, मुतीअ।

गर्दनी (گردنی) फा पु –चाँटा, थप्पड।

गर्दा (گردا) फा वि –घूमता हुआ, चक्कर खाता हुआ, घूर्णित।

गर्दान (گردان) फा स्त्री –व्याकरण मे कारको या लकारो की आदि से अत तक कठ-पुनरावृत्ति।

गर्दालूद (گردآلود) फा वि –धूलि मे अटा हुआ, धूलि-धूसर, धूल मिला हुआ, धूल्याक्त।

गर्दिंद. (گردندہ) फा वि –फिरनेवाला, घूमनेवाला, चक्कर खानेवाला।

गर्दिश (گردش) फा स्त्री –चक्कर, फिराव, दुर्भाग्य, वदकिस्मती, कालचक्र, आपत्ति का समय; भ्रमण, सैर-सपाटा।

गर्दिशजद. (گردش‌زدہ) फा वि –कालचक्रग्रस्त, मुसीवत का मारा।

गर्दिशजदगी (گردش‌زدگی) फा स्त्री –काल-चक्रग्रस्तता, मुसीवत का मारा होना।

गर्दिशे दौराँ (گردش‌دوراں) फा स्त्री –समय का चक्कर, काल-चक्र, समय का उलटफेर।

गर्दिशे पैमानः (گردش‌پیمانہ) फा स्त्री –मदिरा के पियाले का चक्कर, शराव का दौर।

गर्दिशे पैहम (گردس پیہم) फा स्त्री –लगातार चक्कर, लगातार आपत्तियाँ।

गर्दिशे रोजगार (گردش روزگار) फा स्त्री –दे. 'गर्दिशे दौराँ'।

गर्दिशे लैलोनहार (گردش‌لیل‌ونہار) फा अ स्त्री –रात-दिन का उलट-फेर, समय का चक्कर, समय का फेर।

गर्दिशे हादिसात (گردس حادثات) फा अ स्त्री –दुर्घटनाओ का चक्कर, आपत्तियो का ताँता।

गर्दीदः (گردیدہ) फा वि –फिरा हुआ, घूमा हुआ, घूर्णित, लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

गर्दीदनी (گردیدنی) फा वि –फिरने के योग्य, घूमने के योग्य, चक्कर खाने के योग्य।

गर्दूं (گردوں) फा पु –आकाश, व्योम, आस्मान, शकट, छकडा, गाडी।

गर्दूंअसास (گردوں‌اساس) फा अ वि –जिसकी नीव आकाश मे हो, वहुत वडे पदवाला।

गर्दूंइक्तिदार (گردوں اقتدار) फा अ वि.–आकाश-जैसी सत्तावाला, वहुत वडा प्रतिष्ठित।

गर्दूंजाह (گردوں‌جاہ) फा वि –दे 'गर्दूंइक्तिदार'।

गर्दूंसरीर (گردوں‌سریر) फा अ वि –जिसका सिहासन आकाश हो, वहुत वडी महत्तावाला।

गर्दे मलाल (گرد ملال) फा. अ स्त्री –मन का मैल, मनोमालिन्य, रजिश।

गर्दे सफर (گرد سفر) फा अ. स्त्री –सफर की थकान।

गर्नातः (غرناطہ) अ. पु –स्पेन का एक नगर।

गर्फः (غرفہ) अ पु –चुल्लू से एक वार पानी उठाना।

गर्व (غرب) अ पु –पश्चिम दिशा, पश्चिम, वड़ा डोल, पुर।

गर्वलत (غربلت) अ स्त्री –चलनी मे छानना, काटना, विच्छेदन, हत्या करना, हनन।

गर्वाल (غربال) अ स्त्री –आटा आदि छानने का यत्र, चलनी, चालनी, छलनी।

गर्वी (غربی) अ. वि –पश्चिम दिशा का, पश्चिमी, यूरोप का, मग्रिवी।

गर्वीव (غربیب) अ वि –वहुत अधिक काला, काला निसोत।

गर्म (گرم) फा वि –तप्त, उष्ण, जो गर्म हो, गर्म तासीरवाला, उष्णवीर्य, तीव्र, तेज, शीघ्र, जल्द, क्रुद्ध, कुपित।

गर्म (غرم) अ पुं –रात का अँधेरा होना।

गर्मइनां (گرم عناں) फा अ वि–तेज चलनेवाला घोड़ा, तेज चलनेवाला सवार।
गर्मक (گرمک) फा पु–उबाले हुए मटर सफेद खरबूजा सर्दे की एक जाति (वि) कम गर्म।
गर्मखूँ (گرم خوں) फा वि–गाढ़ा मित्र, लंगोटिया यार दयालु कृपालु मेहरबान।
गर्मखू (گرم خو) फा वि–तीव्र प्रकृति तेज मिजाज।
गर्मखेज (گرم خیز) फा वि–फुर्तीला और चालाक हर समय काम के लिए तत्पर।
गर्म गर्म (گرم گرم) फा वि–गर्मागर्म ताजा सिकी या भुनी हुई चीज।
गर्मजोशी (گرم جوشی) फा स्त्री–गाढ़े प्रेम का प्रदर्शन सम्प्राति तपाक।
गर्मजौला (گرم جولاں) फा वि–द्रुतगति शीघ्रगामी तेजरौ।
गर्मजौलानी (گرم جولانی) फा स्त्री–तेज रफ्तारी तेज चलना शीघ्र गमन।
गर्मतर (گرم تر) फा वि–अधिक गर्म, उष्णतर जिस औषधि म गर्मी के साथ तरी हो।
गर्मतरीन (گرم ترین) फा वि–बहुत अधिक गर्म उष्णतम परमोष्ण।
गर्मदिमाग़ (گرم دماغ) फा अ वि–अहंकारी घमंडी।
गर्मदिमाग़ी (گرم دماغی) फा अ स्त्री–अहंकार घमंड।
गर्मबाज़ारी (گرم بازاری) फा स्त्री–भाव की तेजी ग्राहकों की बहुतात माल की माग।
गर्ममिजाज (گرم مزاج) फा अ वि–चिड़चिड़े स्वभाव वाला जिसे जल्दी क्रोध आ जाय जिसकी प्रकृति गर्म हो।
गर्ममिजाजी (گرم مزاجی) फा अ स्त्री–चिड़चिड़ापन जल्दी क्रोध आना प्रकृति की उष्णता।
गर्मरफ्तार (گرم رفتار) फा वि–तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी गतिशील।
गर्मरफ्तारी (گرم رفتاری) फा स्त्री–तेज चलना, चाल की तेजी, शीघ्र गति।
गर्मरवी (گرم روی) फा स्त्री–दे 'गर्मरफ्तारी'।
गर्मरौ (گرم رو) फा वि–दे 'गर्मरफ्तार'।
गर्मसेर (گرم سیر) फा पु–वह स्थान जहाँ का जलवायु गर्म हो।
गर्मा (گرما) फा पु–गर्मी का मौसम ग्रीष्म ऋतु गर्मी का समय उष्ण काल।
गर्मागर्मी (گرماگرمی) फा स्त्री–धूमधाम जोर-शोर तेजतर्रारी, बातचीत में तेजी, मौखिक युद्ध वाग्युद्ध।
गर्माब (گرماب) फा पु–हम्माम जहाँ पानी गर्म मिले, स्नानागार गर्म पानी की टंकी या तालाब।
गर्मिए बाजार (گرمئ بازار) फा स्त्री–बाजार में भाव की तेजी ग्राहकों की बहुतायत माल की माँग।
गर्मी (گرمی) फा स्त्री–उष्णिमा उष्णता हरारत उपदंश गर्मी रोग बुखार ज्वर जोर, तीव्रता जोश, रोष गुस्सा गर्व, अभिमान घमंड।
गर्मीदान (گرمی دان) फा पु–अंगीठी धर्म चक्रिका।
गर्मे सुखन (گرم سخن) फा वि–बातें करता हुआ वार्तालाप करता हुआ।
गर्मोसर्द (گرم و سرد) फा पु–ठंडा और गर्म नानात्व, सांसारिक दुःख सुख, ऊँच नीच निशाचोपराज।
गर्मोसर्द चशीदः (گرم و سرد چشیده) फा वि–संसार का ऊँच नीच देखे हुए संसार के दुःख सुख उठाये हुए अनुभवी बहुदर्शी।
ग़र (غر) अ पु–मुग्ध होना फरेफ्ता होना घमंड गर्व अकड़ हेकड़ी।
ग़र्रा (غرا) अ वि–भयानक शब्द से चीखता चिल्लाता हुआ।
गर्रा (گرا) फा पु –मूछने स्याने वाला नापित नाई, सेवक दास नौकर।
ग़र्रा (غرا) अ स्त्री–हर स्वच्छ और उज्ज्वल वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।
ग़र्व (غرو) अ पु–नरकट जिसके कलम बनते हैं।
ग़र्स (غرث) अ स्त्री–भूख क्षुधा।
ग़र्स (غرس) अ पु–पेड़ लगाना पेड़ रोपना वृक्षारोपण लगाया हुआ पेड़।
ग़र्सान (غرثان) अ वि–भूखा क्षुधित।
ग़ल[ल्ल] (غل) अ पु–भीतर जाना भीतर ले जाना।
ग़लक़ (غلق) अ पु–किवाड़ बंद करने की सिटकनी अर्गल।
ग़लत (غلط) अ पु–अशुद्ध जो ठीक न हो, असत्य झूठ त्रुटि भूल अनुचित, गैरवाजिब अशुद्धि ग़लती।
ग़ल्त (غلط) अ पु–हिसाब की गलती।
ग़ल्त अदाज (غلط انداز) अ फा वि–भ्रम में डालने वाला (वाली) ऐसी दृष्टि जो हो तो किसी और की ओर परंतु समझे कोई अपनी ओर इस शब्द का प्रयोग दृष्टि के साथ ही होता है भूलभुलैया।
ग़ल्तकार (غلطکار) अ फा वि–काम में बहुधा चूक जाने वाला, जान बूझकर काम खराब करनेवाला, अटकल से काम करनेवाला।

गलतकारी (غلطکاری) अ फा स्त्री –काम मे चूकना, जानते हुए काम खराव करना, अंट-शट काम करना।

गलतगो (غلطگو) अ फा वि –झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा।

गलतगोई (غلطگوئی) अ फा स्त्री –झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

गलतनामः (غلطنامہ) अ फा पु –किसी पुस्तक आदि के अत मे उसकी अशुद्धियो का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

गलतफह्मी (غلطفہمی) अ स्त्री –कुछ का कुछ समझना, वोधभ्रम; कुधारणा, वदगुमानी।

गलतवयां (غلطبیاں) अ वि –दे 'गलतगो'।

गलतवयानी (غلط بیانی) अ. स्त्री –दे 'गलतगोई'।

गलतवर्दार (غلطبردار) अ फा वि –वह रवर आदि जिससे कागज से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है, वह कागज जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से वदल जाता है।

गलतवी (غلطبیں) अ फा वि –जिसे किसी व्यक्ति के दोप ही दोप दिखाई दे, उसकी अच्छाइयाँ नजर न आये।

गलतवीनी (غلطبینی) अ फा स्त्री –किसी के गुणो को छोडकर केवल उसकी वुराइयाँ ही देखने का भाव।

गलतुलअवाम (غلط العوام) अ पु –वह गलती जो कुपढ और जाहिल लोग करे।

गलतुल्आम (غلط العام) अ पु –वह गलती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

ग़लफ (غلف) अ पु –वैभव की वहुतायत, देश मे अन्न की वहुतात; खत्ना न करना।

गलवः (غلبہ) अ पु –प्रभुत्व, सत्ता, इक्तिदार, प्राचुर्य, वहुतायत, मत-वाहुल्य, कस्रते राय, विजय-प्राप्ति, तसल्लुत, सामूहिक झगडा या मार-काट।

गलव (غلب) अ पु –जीतना, गालिव होना, अवज्ञाकारी होना, नाफ़र्मानी करना।

गलवात (غلبات) अ पु.–'गलव' का वहु., 'गलवे'।

गलयान (غلیان) अ पु –उवाल, जोश।

गलल (غلل) अ स्त्री –पिपासा, प्यास, जलन, सोजिश, मनस्ताप, खलिश।

गलस (غلس) अ स्त्री –रात्रि के अत का अँधियारा।

ग़ला (غلا) अ पु –अन्न आदि का भाव तेज हो जाना, दुर्भिक्ष, कहत।

गलिक (غلق) अ पु –वह वात जो कठिनता से समझ मे आये, गूढ, निगूढ।

गलिव (غلب) अ वि –विजित, गालिव, अवज्ञाकारी,

गलिम (غلم) अ वि –तीव्रकाम, तेज शहवत।

गलीज (غلیظ) अ वि –गाढा, निविड, विष्ठा, मल; प्रगाढ, सघन।

गलीज़ (غلیز) अ वि –प्रगाढ़, गाढा।

ग़लीजुल किवाम (غلیظ القوام) अ वि –जिसकी चाशनी गाढी हो गयी हो, जो धातु आदि दूपित होकर गाढी हो गयी हो।

गलील (غلیل) अ वि –पिपासित, प्यासा, (पु) द्वेप, कीन, मनस्ताप, दिली रज, प्यास की तीव्रता।

गलीस (غلیث) अ पु –जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई, हर वह वस्तु जिसमे दूसरी वस्तु मिली हो।

गलूल (غلول) अ पु –वह भोजन जो वूढो और रोगियो को सुगमता से पच जाय।

गल्क (غلق) अ पु –दरवाजा वंद करना, भूमि मे गहरे तक घुसना, घृणा, कराहियत, बधन, बाँधना।

गल्गलः (غلغلہ) अ पु –तेज चलना, शीघ्र गमन।

गल्ज़ (غلظ) अ पु –वह नीची भूमि जो ऊवड-खावड और असमतल हो।

गल्जत (غلظت) अ स्त्री –दे 'गिल्जत', दो शु हैं।

गल्तक (غلطک) फा पु –करवट लेना, पहलू वदलना, गाडी का पहिया, चक्र।

गल्ताँ (غلطاں) फा वि –लुढकता हुआ, लोटता हुआ, लुठायमान।

गल्ताँ व पेचाँ (غلطاں و پیچاں) फा वि –लुढकता और वल खाता हुआ, असमजस और दुविधा मे पडा हुआ।

गल्फ (غلف) अ पु –तलवार आदि को म्यान मे करना, सर अथवा डाढी के वालो मे सुगध लगाना।

गल्फक (غلفق) अ पु –काई, जो पानी पर होती है, नर्म धनुप, एक पानी की घास।

गल्वः (غلبہ) अ पु –दे 'गलव', शुद्ध वही है, परतु उर्दू-वाले यह भी वोलते है।

गल्व (غلب) आ पु –विद्रोही होना, वागी होना, अवज्ञाकारी और उद्दड होना।

गल्वा (غلبا) अ पु –वह स्थान जहाँ वहुत घने पेड हो, झुड की लडाई, दो गोलो मे आपसी मारकाट।

गल्मः (غلمہ) अ पु –काम-वासना की तेजी, शहवत का जोश।

गल्म (غلم) अ पु –कामातुर होना, शहवत से वेचैन होना, तेज चलना।

गल्यान (غلیان) अ पु –दे 'गलयान' शुद्ध वही है, पर

गसील (غسيل) अ वि –धुला हुआ, माँझा हुआ, शुद्ध।
गसीस (غسيس) अ पु –वे खजूर या छुहारे जो गल-सडकर खाने के योग्य न रहे हों।
गसूल (غسول) अ पु –वह पानी जिससे कुछ धोया जाय; हाथ या सर धोने की वस्तु; जैसे—साबुन या खली।
गस्क (غسق) अ पु –आँख की ज्योति का चला जाना; आँख से आँसू बहना, रात का बहुत अधिक अँधियारा होना।
गस्ब (غصب) अ पु –जबरदस्ती किसी के माल पर कब्ज़ा कर लेना, बलाद्धरण, निर्दयता से किसी के बाल उखेडना।
गस्र (غسر) अ पु –ऋणी पर अपना ऋण वुसूल करने के लिए अत्याचार करना।
गस्ल (غسل) अ पु –धोना।
गस्साक (غساق) अ पु –दे 'गसाक।
गस्साल (غسال) अ वि –नहलानेवाला, स्नापक, मुर्दे का नहलानेवाला, मृतस्नापक।
गस्सूल (غسول) अ पु –दे 'गसूल'।
गह (گہ) फा अव्य –'गाह' का लघु, दे 'गाह'।
गहगीर (گہگیر) फा पु –वह घोडा जो अपनी पीठ पर सवार न होने दे।
गहब (غہب) अ स्त्री –असावधानी, गफलत, अज्ञान, अनजानपन, विस्मृति, भूल, इरादे का न होना।
गहे (گہے) फा अव्य –'गाहे' का लघु, कभी, किसी समय।
गहवारः (گہوارہ) फा पु –बच्चो के झूलने और सोने का खटोला, पालना, हिंडोला, आदोलक।
गहवारः जुंबाँ (گہوارہ جنباں) फा. वि –पालना झुलानेवाला (वाली)।
गहवार.जुंबानी (گہوارہ جنبانی) फा स्त्री –पालना झुलाने का काम।

गा

गाँ (گاں) फा अव्य –'गान' का लघु, दे. 'गान'।
ग़ाइत (غائط) अ पु –नीची और लम्बी-चौडी भूमि; विष्ठा, मल, पाखाना।
गाइब (غائب) अ वि –जो नज़र के सामने न हो, लुप्त, तिरोहित (गायब)।
गाइबबाज (غائب باز) अ फा वि –शतरंज का वह खिलाडी जो सामने बिसात न रखकर शतरंज खेलता हो, बहुत बडा शातिर।
गाइबानः (غائبانہ) अ फा वि –पीठ-पीछे, परोक्षत, अनुपस्थिति में।
गाइर (غائر) अ वि –गहरा पैठनेवाला, गहराई मे दूर तक जानेवाला, नीची भूमि।
गाइलः (غائلہ) अ स्त्री –अनिष्ट, बदी, हानि, गजंद; आपत्ति, मुसीबत, अचानक दबोच लेनेवाली।
गाइस (غائص) अ वि –पानी मे पैठनेवाला, डुबकी मारनेवाला।
गाई (غائی) अ वि –अन्तिम, आखिरी, आधारभूत, मौलिक, बुनियादी।
गाईदः (گائیدہ) फा वि –जिसके साथ मैथुन किया हो, सभोग्या।
गाक (غاق) अ पु –जलकौआ, पनडुब्बी; कौआ, काक।
गागः (غاغہ) फा पु –पोदीना।
ग़ागः (غاغہ) अ पु –तितर-बितर टोलियाँ, मिले-जुले लोग, जनसमूह, भीड़।
गाज़ः (غازہ) फा पु –मुँह पर मलने का पाउडर, मुख-चूर्ण।
गाजः (گازہ) फा पु –झूला, जिस पर झूलते हैं; शिकारी के छिपने का स्थान, फालेज़ की झोपडी, पहाड़ की चोटी पर का मकान।
गाज (گاز) फा पु –घास, हरी घास, कैंची, कतरनी, चिराग का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।
गाज (گاژ) फा पु –स्थान, जगह।
गाज [ज्ज] (غاذ) अ पु –आँख की एक रग, जिसमे से मैल निकलने लगे तो बंद नही होता।
गाज़एरुख (غازۂ رخ) फा पु –मुख-चूर्ण, मुँह पर मलने का सुगंधित और लाल पाउडर।
गाजिफ (غاصف) अ वि –जिसकी दशा अच्छी हो, खुशहाल, जिसका हृदय कोमल हो, नाजुकदिल।
गाजियः (غاذیہ) अ स्त्री –हज्म करने की कुव्वत, पाचन-शक्ति, वह शक्ति जो आमाशय मे अन्न पचाती है।
ग़ाजिर (غاضر) अ पु –बहुत अच्छा कमाया हुआ और चित्रित किया हुआ चमड़ा, बहुत तड़के अपने काम को निकल जानेवाला।
गाजी (غازی) अ वि –मज़हबी लडाई लडनेवाला, धर्मयोद्धा, धर्मवीर।
गाजी (غازی) फा वि –नट, रस्सी पर कलाबाज़ी खानेवाला।
गाजी (گازی) फा पु –केवड़ा, एक प्रसिद्ध फूल।
गाजुर (گازر) फा पु –कपड़ा धोनेवाला, धोबी, रजक।
गात्फर (غاتفر) फा पु –दे 'गान्फर'।
गादिफ (غادف) अ पु –नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह, माँझी।

ग़ादिय (غادیه) अ पु–प्रातःकाल का बादल प्रातःकाल सवेरा।
ग़ादिर (غادر) अ वि–कृतघ्न नाशुक्रा वचनभंजक, वादा खिलाफ़ अभक्त बेवफ़ा।
ग़ादी (غادی) अ पु–सवेरे का बादल सवेरे की वर्षा सवेरा प्रात।
ग़ादूफ़ (غادوف) अ पु–वे दो लकड़ियाँ जो नाव में दोनों ओर बंधी होती है और जिन्हें हिलाने से नाव चलती है।
गान (گانه) फा प्रत्य–किसी संख्या के अंत में आकर वाले का अर्थ देता है जैसे—'चहारगान' अर्थात् चार वाला अपना जैसे—यगान (यक+गान) अपना अर्थात् स्वजन वगान जो अपना न हो अस्वजन।
गान (گان) फा प्रत्य–कर्ता अथवा कर्मवाचक फ़ारसी शब्द जिनके अंत में विसर्ग हो। उनके अंत में आकर बहुवचन बनाता है जैसे—कुश्त से कुश्तगान' कुश्तः से कुश्तगान।
ग़ानिज़ (غانز) अ पु–कंठ गला कंठ में वह स्थान जहाँ से स्वर निकलता है।
ग़ानिय (غانیه) अ स्त्री–वह स्त्री जो अपनी सुन्दरता और यौवन के कारण आभूषण आदि से बेनियाज़ हो वह सुन्दर सदाचारिणी और जवान स्त्री जिसे पुरुष की इच्छा न हो।
ग़ानी (غانی) अ वि–जिसे कोई इच्छा न हो समृद्ध, दौलतमंद।
ग़ाफ़र (غافر) फा पु–तुर्किस्तान का एक नगर।
ग़ाफ़िर (غافر) अ वि–छिपानेवाला गोपनकर्ता पाप नाशक गुनाह बख़्शनेवाला।
ग़ाफ़िल (غافل) अ वि–चेतनाहीन बेहोश असावधान बेख़बर आलसी काहिल।
ग़ाफ़िस (غافس) अ स्त्री–एक वनौषधि।
ग़ाब (غابه) अ पु–सिंह के रहने की कछार वन जंगल।
ग़ाब (غاب) अ पु–गाब का बहु सिंह की ठाहर वनसमूह जंगलात।
ग़ाबात (غابات) अ पु–गाब का बहु दे गाब।
ग़ाबित (غابط) अ वि–किसी की अवनति चाहे बिना स्वयं वैसा बनने की इच्छा करनेवाला।
ग़ाबिन (غابن) अ वि–काम करने में आलसी।
ग़ाबिर (غابر) अ वि–आनेवाला जानेवाला बाक़ी बचा हुआ शेष, बरसनेवाला।
गाम (گام) फा पु–डग, क़दम पग, (प्रत्य) चलनेवाला जैसे—'तेज़गाम' तेज़ चलनेवाला,—दो गाम न चल पाये ज़ंजीर नज़र आयी।
गामज़न (گامزن) फा वि–चलनेवाला, गमनकर्ता चलता हुआ।
गामज़नी (گامزنی) फा स्त्री–चलना जाना गमन करना।
गामफ़र्सा (گام‌فرسا) फा वि–दे गामज़न।
गामफ़र्साई (گام‌فرسائی) फा स्त्री–दे गामज़नी।
ग़ामिज़ (غامض) अ वि–वह बात जो समय से बाहर हो नीची भूमि गर्त गढ़ा अज्ञात, गुमनाम अपमानित, ज़लील।
ग़ामिद (غامد) अ पु–भरी हुई नाव वह कुआ जिसका पानी उबलता हो।
ग़ामिर (غامر) अ स्त्री–वह भूमि जो पानी में डूबी रहती हो बंजर ज़मीन (वि) वह व्यक्ति जो अपने को आपत्ति में डाले।
ग़ामी (غامی) अ वि–निबल बलहीन, कमज़ोर, असमर्थ, नातवान।
गायद (گاید) फा वि–मैथुन करनेवाला।
ग़ायत (غایت) अ स्त्री–उद्देश्य मक़सद छोर किनारा कारण सबब पराकाष्ठा, इंतिहा, पताका, झंडा।
ग़ायत ग़ाफ़िलबाब (غایت ما فی الباب) अ स्त्री–किसी विषय का अंतिम निर्णय, आख़िरी बात सारांश, ख़ुलासा।
ग़ायतुलअम्र (غایۃالامر) अ स्त्री–अंततः आख़िरकार आपाततः अगत्या।
ग़ार (غار) अ पु–गहरा गढ़ा खड्ड गर्त, गढ़ा, पहाड़ की कंदरा गुफा जंतुओं के रहने का भीटा।
गार (گار) अ प्रत्य–करनेवाला, जैसे—'ख़िदमतगार', सेवा करनेवाला।
ग़ारत (غارت) अ स्त्री–नष्ट करना बरबाद करना लूटना लूटना, (वि) नष्ट बरबाद, विध्वस्त तबाह लुंठित लूटा पिटा।
ग़ारतगर (غارتگر) अ फा वि–लूटनेवाला, लुटेरा डाकू लुठक बरबाद करनेवाला, विनाशक।
ग़ारतगरी (غارتگری) अ फा स्त्री–लूटमार लूटपाट विनाश, तबाही।
ग़ारतगाह (غارتگاه) अ फा स्त्री–लूटमार करने का स्थान वह स्थान जहाँ लोग लुट जाते हों वह स्थान जहाँ लुटने का भय हो।
ग़ारतीद (غارتیده) फा वि–लूटमार किया हुआ नष्ट किया हुआ, ग़ारत किया हुआ।
ग़ारिक़ (غارق) अ वि–डूबनेवाला डूबा हुआ निमज्जित।

गारिज (غارز) अ स्त्री—थोड़ा दूध देनेवाली ऊँटनी।
गारिब (غارب) अ वि—ऊँट की गर्दन और कोहान के बीच का भाग, ऊँट के दोनों कंधों के बीच का स्थान।
गारिम (غارم) अ वि—वह ऋणी जो अपना ऋण अदा न कर सके।
गारिस (غارس) अ वि—वृक्ष लगानेवाला, पेड़ रोपनेवाला, वृक्षारोपक।
गारीकून (غاريقون) अ पुं—एक ओपधि।
गाल (گال) फा पु—एक अन्न, काकुन, वाजरा; छल, फरेव; दूर, परे, शृगाल, सियार।
गाल [ल्ल] (غال) अ पु—वह नीची जमीन जिसमे पेड़ वहुत हो, पेड़ उगने का स्थान।
गालिब (غالب) अ. वि.—शक्तिशाली, जवरदस्त; विजेता, फातेह, उर्दू के एक श्रेष्ठ कवि का उपनाम।
गालिबन् (غالباً) अ. वि—संभवत, कदाचित्, शायद, निश्चित, यकीनन।
ग़ालिवानः (غالبانه) अ फा. वि—ज़वरदस्तों-जैसा।
गालियः (غاليه) फा पु—कई सुगंधित पदार्थो को मिलाकर वनाया हुआ एक सुगंधित द्रव्य।
गालिय.मू (غاليه مو) फा वि—सुगंध लगे हुए वाल, सुगंधित वाल।
ग़ाली (غالى) अ वि—अपनी सीमा से आगे वढ जानेवाला, अति करनेवाला, भारी, वज्नी, वहुमूल्य, वेशकीमत।
गालीच. (غاليچه) तु पु—छोटा कालीन।
गालीद. (غاليده) फा वि—लुढका हुआ, लुढकाया हुआ।
गालीदः (گاليده) फा. वि—जो अलग हो गया हो, निवृत्त।
गालीन (غالين) तु पु—दे 'कालीन'।
गाव (گاو) फा पु—वैल, वृपभ, गाय, गो, धेनु, शराव का पियाला जो गाय की शक्ल का हो।
गावअंवर (گاوعنبر) फा अ. पु—गाय-जैसा एक समुद्री पशु, जिसका गोवर 'अंवर' होता है।
गावआहन (گاوآهن) फा पु—हल का फल, फाल।
गावकुशी (گاوکشی) फा स्त्री—गाय की हत्या करना, गाय का जवह करना, गोवध।
गावकून (گاوکون) फा वि—मूर्ख, घामड, अहमक।
गावख़रास (گاوخراس) फा स्त्री—वह चक्की जो वैल आदि से चले।
गावख़ानः (گاوخانه) फा पु—मवेशियो का वाडा, काँजीहौस, मवेशीखाना।
गावखुर्द (گاوخورد) फा वि—नष्ट, वरवाद, खुर्द वुर्द, गवन, अपहृत।

गावचश्म (گاوچشم) फा वि.—गाय-जैसी आँखोंवाला, (पु) एक फूल।
गावज़वाँ (گاوزبان) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध ओपधि, भूताशुक, गोजिह्वा।
गावज़ोर (گاوزور) फा वि.—वहुत वडा वलवान्; जवरदस्ती करनेवाला।
गावज़ोरी (گاوزوری) फा स्त्री—जवर्दस्ती, अन्याय; शक्ति-सपन्नता, जोरमदी।
गावतकयः (گاوتکیه) फा पु—वडा तकय, मस्नद, जो पीठ के नीचे रखा जाता है।
गावताज़ी (گاوتازی) फा स्त्री—डींग, शेख़ी, मुकावले मे वुजदिली दिखाना।
गावदी (گاودی) फा वि—मूर्ख, वुद्धू, वेवकूफ, कुदजेहन, मदप्रभ, मन्दमति।
गावदीदः (گاودیده) फा वि—दे. 'गावचश्म'।
गावदुम (گاودم) फा वि.—गाय की पूँछ-जैसा ऊपर से नीचे को पतला, मख़्ती, गो-पुच्छ।
गावदोशः (گاودوشه) फा पु—दूध दूहने का वर्तन, दुधाड़ी।
गावदोश (گاودوش) फा पु—दे 'गावदोश'।
गावपुश्त (گاوپشت) फा वि—गाय की पीठ की तरह ढालू।
गावपैकर (گاوپیکر) फा वि—वैल-जैसे डील-डौलवाला, वृपकाय।
गावमेश (گاومیش) फा स्त्री—भैंस, महिपी।
गावरस (گاورس) फा पु—वाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।
गावरीश (گاوریش) फा वि—मूर्ख, अज्ञानी, घामड, वुद्धू।
गावशीर (گاوشیر) फा पु—एक तरल ओपधि, जावशीर।
गावसर (گاوسر) फा वि—वैल-जैसे सिरवाला, (पु) 'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसार।
गावसार (گاوسار) फा वि—'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसर।
गावेज़मी (گاوزمی) फा पु—दे 'गावे सरा'।
गावेगर्दूं (گاو گردوں) फा पु—वृपराशि, वुर्जे सौर।
गावेपर्वारी (گاوپرواری) फा पु—खूव खिला-पिलाकर और धूप से वचाकर मोटा किया हुआ वैल।
गावेसरा (گاو ثرى) फा अ. पु—वह गाय जिसके सीगों पर पृथ्वी सधी वतायी जाती है।
गावेसिफाली (گاو سفالين) फा पु—शराव का मटका।
ग़ाशियः (غاشيه) फा पु—वह कपडा जो घोड़े के चारजामे पर पडता है; कियामत, महाप्रलय, नरक की आग; भीतरी रोग।

ग़ाशिय' बरदोश (غاشیہ بردوش) फा वि–दे 'ग़ाशिय बरदार'।
ग़ाशिय' बर्दार (غاشیہ بردار) फा वि–सवारी के समय ज़ीनपोश लेकर चलनेवाला, साईस नौकर आज्ञाकारी अनुयायी।
ग़ासिक़ (غاسق) अ पु–चंद्रमा चाद कृत्तिका नक्षत्र पर्वी गिरन लिंग।
ग़ासिब (غاصب) अ वि–ज़बरदस्ती छीन लेनेवाला, ग़स्ब कर लेनेवाला अपहारक।
ग़ासिबान (غاصبانہ) अ वि–ग़ासिबों-जैसा, लुटेरों की तरह।
गाह् (گاہ) फा अव्य–कभी किसी समय समय वक़्त स्थान, जगह सिंहासन, तख़्ते शाही ख़ेमा, रावटी तम्बू जुए का दाव।
गाह गाह (گاہ گاہ) फा वि–कभी-कभी यदा-कदा।
गाह् ब गाह् (گاہ بگاہ) फा वि–दे गाह् गाह।
गाहे (گاہے) फा वि–किसी समय कभी कभी-कभी।
गाहे गाहे (گاہے گاہے) फा वि–कभी-कभी यदा-कदा सरसरी उनसे मुलाक़ात है गाहे-गाहे। सोहबते ग़र म गाहे सरे राहे गाहे॥
गाहे ब गाहे (گاہے بگاہے) फा वि–दे गाह् गाह्'।
गाहे माहे (گاہے ماہے) फा वि–कभी कभी महीने में एक बार।

गि

ग़िचक (غچک) फा स्त्री–सारंगी एक बाजा।
ग़िज़ा (غذا) अ स्त्री–भोजन खाद्य ख़ुराक अन्न अनाज।
ग़िज़ा (غزا) अ पु–धर्मयुद्ध मज़हबी जंग दे ग़ज़ा दोनो शुद्ध है।
ग़िज़ाई (غذائی) अ वि–भोजन सम्बन्धी अन्न सम्बन्धी।
ग़िज़ाईयत (غذائیت) अ स्त्री–किसी खाद्य पदार्थ में शरीर को पुष्टि पहुँचाने और रस बननेवाला अंश अन्न-तत्त्व।
ग़िज़ाए रूहानी (غذائے روحانی) अ स्त्री–आत्मा का भोजन अर्थात अच्छी आवाज़ गाना।
ग़िज़ाए लतीफ़ (غذائے لطیف) अ स्त्री–शीघ्र पच जाने वाला भोजन लघुपाक।
ग़िज़ाए सक़ील (غذائے ثقیل) अ स्त्री–देर में पचनेवाला भोज्य गरिष्ठ।
ग़िज़ास (غضاص) अ पु–भीख माँगना भिक्षाटन।
ग़िज़ाब (غضاب) अ पु–आँख में उभरकर पकनेवाला निकरा, शरीर पर पकनेवाला फफोल।
गिज़्लिक (گزلک) फा पु–क़लम बनाने का चाक़ू।
ग़िता (غطا) अ पु–पर्दा पहनने के कपड़े वस्त्र।
ग़ित्रीफ़ (غطریف) अ वि–कुलीन शरीफ़ वीर, बहादुर, पूज्य बुज़ुर्ग।
ग़ित्रीस (غطریس) अ वि–अत्याचारी, ज़ालिम अहंकारी मग़रूर।
ग़िद्दीर (غدّیر) अ वि–बहुत अधिक कृतघ्न नमकहराम।
गिदय (گدیہ) फा स्त्री–भीख मांगना भिक्षाटन।
ग़िना (غنا) अ पु–समृद्धि, दौलतमंदी निस्पृहता बेनियाज़ी।
ग़िना (غنا) अ पु–गान गाना।
ग़िब[ब्ब] (غب) अ पु–इकतरा, एक दिन बीच देकर आनेवाला ज्वर सीमा हद पराकाष्ठा जो एक दिन आये और एक दिन न आये सप्ताह में एक दिन किसी से मिलने जाना।
ग़िब्त' (غبطہ) अ पु–किसी के माल की इच्छा उसे हानि पहुँचाये बिना, किसी जैसा बनने की इच्छा, उसे हानि पहुँचाये बिना।
ग़िमाम (غمامہ) अ पु–पशु के मुँह पर चढ़ाने की थैली।
गिमीज़ (گمیز) फा पु–पेशाब मूत्र।
ग़िम्द (غمد) फा पु–तलवार अथवा छुरी या चाक़ू का कोष।
ग़ियार (غیار) अ पु–धर्म चिह्न जो हर समय पास रहे जैसे—जनेऊ सलीब या यहूदियों का पीला कपड़ा जो वे लोग कंधे के पास कपड़े में सिला रखते हैं।
ग़ियास (غیاث) अ पु–दुख और आपत्ति में सहायता करना (वि) दुख और कष्ट के समय सहायता करनेवाला।
गिर[र] (غر) अ वि–निश्चेष्ट व्यक्ति बेख़बर आदमी, अनुभवहीन व्यक्ति नातजुर्बेकार आदमी।
गिरह् (گرہ) फा पु–दे शुद्ध उच्चारण गिरिह।
गिरां (گراں) फा वि–भारी वज़नी बहुमूल्य क़ीमती, महँगा तेज़ भाववाला।
गिरांक़द्र (گراں قدر) फा अ वि–बड़े पद और रुतबेवाला बहुमूल्य क़ीमती महत्त्वपूर्ण अहम।
गिरांक़ीमत (گراں قیمت) फा अ वि–बहुमूल्य बेशक़ीमत।
गिरांख़ातिर (گراں خاطر) फा अ वि–खिन्न उदास, मनोमालिन्य दुखी।
गिरांख़्वाब (گراں خواب) फा वि–गहरी नींद सोनेवाला।
गिरांगोश (گراں گوش) फा वि–ऊँचा सुननेवाला बहरा बधिर।

गिरांजां (گراںجاں) फा वि —आलसी, काहिल, जो कडी आपत्तियाँ झेलकर भी जीवित रहे।

गिरांजानी (گراں‌جانی) फा स्त्री —आलस्य, काहिली, कडी मुसीबतो मे फँसकर भी उनसे निकल जाना।

गिरांतर (گراں‌تر) फा वि —बहुत भारी, बहुत महँगा।

गिरांतरीन (گراں‌ترین) फा वि —सबसे अधिक भारी, सबसे अधिक महँगा।

गिरांताब (گراں‌تاب) फा वि —अच्छी तरह तपाया हुआ।

गिरांपाय: (گراں‌پایہ) फा वि —दे 'गिरांकद्र'।

गिरांफरोश (گراں‌فروش) फा वि —महँगा बेचनेवाला।

गिरांफरोशी (گراں‌فروشی) फा स्त्री —महँगा बेचना।

गिरांबहा (گراں‌بہا) फा वि —बहुमूल्य, बेशकीमत, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरांबार (گراں‌بار) फा वि —बोझ के नीचे दबा हुआ, ऋण अथवा उपकार के बोझ से दबा हुआ।

गिरांबारी (گراں‌باری) फा स्त्री —बोझ से दबना, ऋण आदि के बोझ से दबना।

गिरांमाय: (گراں‌مایہ) फा वि —बहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अजीम।

गिरांरिकाब (گراں‌رکاب) फा अ वि —वह घोडा जो चलने मे सुस्त हो, वह व्यक्ति जो रणक्षेत्र मे डटकर लडे और पांव पीछे न हटाये, धैर्यवान्, शान्ति स्वभाव, बातम्कीन।

गिरांसग (گراں‌سنگ) फा वि —भारी भरकम, गभीर, मलीन, आत्मसतोषी, कानेे।

गिरांसर (گراں‌سر) फा वि —अभिमानी, घमडी, रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश।

गिरांसाय: (گراں‌سایہ) फा वि —दे 'गिरांकद्र'।

गिरा (غرا) अ स्त्री —सरेश, जिसके चार पाँव न हो।

गिराइंद: (گرایندہ) फा वि —चाहनेवाला, इच्छा करनेवाला, इच्छुक।

गिराइश (گرایش) फा स्त्री —रुचि, इच्छा, रग्बत, प्रवृत्ति, रुझान।

गिराईद: (گرائیدہ) फा वि —चाहा हुआ, इच्छित, वाछित, अभिलपित।

गिराईदनी (گرائیدنی) फा वि —चाहने योग्य, वाछनीय।

गिरानी (گرانی) फा स्त्री —भारीपन, बोझ, महँगाई, भाव की तेजी, हज्म की खराबी।

गिराफ (غراف) अ पु —'गुर्फ' का बहु., गुर्फे, झरोखे, एक वडा पैमाना।

गिरामी (گرامی) फा वि —पूज्य, बुजुर्ग, महान्, अजीम, पुनीत, मुकद्दस, प्रिय, अजीज।

गिरामीकद्र (گرامی‌قدر) फा अ पु —महोदय, महाशय, आलीजनाब, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरामीनाम: (گرامی‌نامہ) फा पु —कृपापात्र, वालानामा।

गिरामीमनिश (گرامی‌منش) फा वि —पुनीतात्मा, पुण्यात्मा, बुजुर्ग निहाद।

गिरार: (غرارہ) अ पु —गौन, खुर्जी, गोण।

गिरार (غرار) अ पु —आचार-व्यवहार, तौरतरीका, बाजार का मदा होना, हानि, घाटा, कमी, मूर्खता, नादानी।

गिरास (غراس) अ पु —पेड़ लगाने का समय, लगाया हुआ पेड।

गिरास (غرات) अ पु —'गरीस' का बहु, भूखे लोग, क्षुधातुर जन।

गिरिफ़्त: (گرفتہ) फा वि —लिया हुआ, पकडा हुआ, गृहीत; सकुचित, डीग, कटाक्ष, तज।

गिरिफ़्त:खातिर (گرفتہ‌خاطر) फा अ वि —दे 'गिरिफ्त दिल'।

गिरिफ़्त:जन (گرفتہ‌زن) फा. वि —डीगिया, दूर की हाँकनेवाला, व्यग करनेवाला, ताना देनेवाला।

गिरिफ़्त:जबां (گرفتہ‌زباں) फा वि —जिसकी जीभ बात करने मे लडखडाती हो, हकला, तोतला।

गिरिफ़्त:दिल (گرفتہ‌دل) फा वि —अप्रसन्न, अफ्सुर्द, उदास, दु खित, रजीदा।

गिरिफ़्त:लब (گرفتہ‌لب) फा वि —मौन, अवाक्, चुप, खामोश।

गिरिफ़्त (گرفت) फा स्त्री —पकड, ग्रहण, हिसाब मे त्रुटि की पकड, अपराध की पकड, आपत्ति, ए'तिराज, अधिकार, कब्जा, चगुल, पजा, हस्तक, दस्ता।

गिरिफ़्तगी (گرفتگی) फा स्त्री —पकड, गिरिफ्त, पड़ जाना, बैठ जाना (आवाज), उदासीनता, उदासी, अफ्सुर्दगी।

गिरिफ़्तनी (گرفتنی) फा वि —पकडने के योग्य, ग्राह्य; लेने के योग्य, लभ्य।

गिरिफ़्तार (گرفتار) फा वि —ग्रस्त, मुब्तला, बदी, कैद; आसक्त, आशिक, फँसा हुआ, बँधा हुआ।

गिरिफ़्तारी (گرفتاری) फा स्त्री —ग्रस्त होना, बदी होना; बँधना, फँसना, प्रेम होना।

गिरिह (گرہ) फा स्त्री —ग्रथि, गाँठ, समस्या, मस्अला, उलझन, परेशानी (गिरह)।

गिरिहकुशा (گرہ‌کشا) फा वि —गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला, कठिमता का निवारण करनेवाला।

गिलएरोज़गार (گلۂروزگار) फा पु–दुर्भाग्य का रोना, कालचक्र की शिकायत।
गिलख़ोरः (گل‌خورہ) फा. पुं–भूलता, केंचुआ, धरातीन।
ग़िलज़ (غلظ) अ. पु–गाढ़ापन, दल, मोटाई।
गिलनाक (گل‌ناک) फा. वि–गदला, मटमैला।
गिलमाल: (گل‌مالہ) फा. पु.–राज की करनी जिससे वह प्लास्टर चढ़ाता है।
ग़िलाज़ (غلاظ) अ. पु–'ग़लीज़' का बहु, गाढ़े पदार्थ; गदगियाँ; गू, विष्ठा।
ग़िलाज़त (غلاظت) अ. स्त्री–गदगी, मल, मैल; विष्ठा, मल, गू, अपवित्रता, नापाकी; गाढ़ापन, गिलज़।
ग़िलाज़तख़ानः (غلاظت‌خانہ) अ. फा. पु–कूड़ा-करकट और गू-गोबर फेंकने का स्थान।
ग़िलाज़तख़ोर (غلاظت‌خور) अ. फा. वि–विष्ठा खानेवाला, सूकर, सुअर; बुरी कमाई खानेवाला।
ग़िलाफ़ (غلاف) अ. पु–तकिए आदि का खोल, सूखे और दानेदार फल का वकला; पलक, दृगचल; तलवार आदि का कोष।
गिलाव. (گلاوہ) फा. पु–मिट्टी में भूसा आदि मिलाकर बनाया हुआ दीवारों का लेस, लेपन, कहगिल।
ग़िलाल. (غلالہ) अ पु–वह कुर्ता जो कवच के नीचे पहनते हैं।
गिलीं (گلیں) फा वि–मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय; मिट्टी मिला हुआ।
गिली (گلی) फा वि–दे. 'गिली'।
गिलेअर्मनी (گل‌ارمنی) फा. स्त्री–एक प्रकार का गेरू जो दवा में चलता है।
गिलेचस्पाँ (گل‌چسپاں) फा. स्त्री–चिपकनेवाली मिट्टी, जिससे कहगिल बनता है, कचला मिट्टी।
गिलेमख़्तूम (گل‌مختوم) फा. अ स्त्री–एक प्रकार का गेरू जो गिलेअर्मनी से भिन्न है।
गिलेवाज़ (غلیواز) फा स्त्री–चील पक्षी, चिल्ल।
ग़िलोग़िश (غل‌وغش) अ. स्त्री–मैल, मल, चिन्ता, फ़िक्र, बाधा, विघ्न।
ग़िल्मः (غلمہ) अ पु–ग़ुलाम का बहु, लड़के, बालक; दास, नौकर-चाकर।
ग़िल्माँ (غلماں) अ पु.–'ग़िल्मान' का बहु, दे. 'ग़िल्मान'।
ग़िल्मान (غلمان) अ पु–स्वर्ग के बालक, यह शब्द 'ग़ुलाम' का बहु है, परन्तु उर्दू और फारसी में एक वचन में व्यवहृत है।
ग़िल्लीम (غلیم) अ वि–तीव्र काम-वासनावाला, तेज शहवतवाला, तीव्र वटुक-विलासी।
ग़िश[श्श] (غش) अ. स्त्री.–ख़ियानत, मोषण; अशुभ चिन्तन, बदख़्वाही; द्वेष, कीना; आत्मा की दुष्टता।
ग़िशा (غشا) अ स्त्री–झिल्ली, महीनखाल; पर्दा, पटल; गिलाफ़, उपरना; वस्त्र, लिबास।
ग़िशाव. (غشاوہ) अ. पु.–पर्दा, पटल।
ग़िशाश (غشاش) अ. पु–अँधेरे का प्रारंभिक और अंतिम समय, शीघ्रता, जल्दी; थोड़ी चीज।
ग़िश्यान (غشیان) अ पु–मैथुन, रतिक्रीड़ा, जिमाअ।
ग़िसान (غسان) अ. पु–बच्चों के पहनने का वस्त्र, विशेषत. जो खाल का बनता है।
ग़िस्ल (غسل) अ पु–वह पानी जिससे कुछ धोया गया हो।
ग़िस्लीन (غسلین) अ पु.–वह पानी जिससे घाव धोया जाय; वह मवाद जो नरकवासियों की देह से बहे।

गी

गीं (گیں) फा प्रत्य–'गीन' का लघु., दे. 'गीन'।
गी (گی) फा प्रत्य.–जिस फारसी शब्द के अन्त में विसर्ग हो, उसके साथ लगाने से भाववाचक संज्ञा बनती है, जैसे 'ख़स्त:' से 'ख़स्तगी' 'दरिंद' से 'दरिंदगी'।
ग़ीज़ (غیض) अ पु–कली, कलिका; गुच्छा, खोशा।
गीद (گید) फा पु–चील, चिल्ल; गृध्र, गीध।
गीदी (گیدی) फा वि–भीरु, डरपोक, निर्लज्ज, वेहया।
गीन (گین) फा प्रत्य शब्द के अन्त में आकर 'युक्त' का अर्थ देता है, जैसे—'ग़मगीन', शोकयुक्त, यह शब्द आगीन का लघु है।
गीपा (گیپا) फा पु–एक प्रकार का पुलाव।
ग़ीबत (غیبت) अ. स्त्री–पिशुनता, चुग़ली।
गीरः (گیرہ) फा पु–लोहे का शिकंजा।
गीर (گیر) फा प्रत्य.–पकड़नेवाला, जैसे—'माहीगीर' मछली पकड़नेवाला, काटनेवाला; जैसे—'गुलगीर' चिराग का गुल काटनेवाला।
गीरख़ (گیرخ) फा स्त्री–पुस्तक रखने की रेहल।
ग़ीरत (غیرت) अ स्त्री–रश्क, होड, ख़ून के बदले में दिया हुआ धन।
गीरसाल (گیرسال) फा वि–टूटी हुई हड्डी जोड़नेवाला; उतरी हुई हड्डी चढ़ानेवाला, शरीर की मालिश करनेवाला, अगमर्दक।
गीराई (گیرائی) फा स्त्री–गिरिफ़्त, पकड़।
गीरिंदः (گیرندہ) फा वि–पकड़नेवाला।
ग़ील (غیل) अ. पु–वन, कानन, जगल, सिंह की कछार, पानीवाली तराई, पेड़ों का झुड।

ग़ीला (علاں) अ पु –ग़ीलान' का लघु , दे गीलान ।
ग़ीलान (علاں) अ पु–'गूल' का बहु भूत प्रेत।
गीलान (گیلاں) फा पु –एक नगर, जीलान।
गीली (گیلی) फा वि –गीलान का निवासी।
गीहा (گیہا) फा स्त्री –घास, गियाह।

गु

गुग (گنگ) फा वि –जो बोल न सकता हो मूक, गूगा।
गुगमहल (گنگ محل) फा अ पु –वह मकान जिसे अकबर बादशाह ने केवल गूगों के लिए बनवाया था इस अनुभव के लिए कि बडे होकर इनके बाल-बच्चे कौन-सी भाषा बोलते है, परन्तु वह अपने माता पिता की भाति, गो-गों ही करते रहे।
गुच (غنچہ) फा पु –कली कलिका।
गुच-दहन (غنچہ دہن) फा वि –कली जैसे सुदर और छोटे मुहवाला (वाली)।
गुच-दहाँ (غنچہ دہاں) फा वि –दे गुच-दहन।
गुच-लब (غنچہ لب) फा वि –कली-जैसे कोमल मदुल और गुलाबी ओठोवाला (वाली)।
गुचए नाशिगुफ्त (غنچۂ ناشگفتہ) फा पु –वह कली जो खिली न हो मुकुल अविकसित कलिका।
गुचगी (غنچگی) फा स्त्री –कली होने का भाव गुच पन।
गुज (غنچہ) अ पु –गुच कली।
गुज (غنج) अ पु –हावभाव नाजोअदा।
गुजश्क (گنجشک) फा स्त्री–दे गुजिश्क' दोनो शुद्ध है।
गुजाइश (گنجائش) फा स्त्री –विस्तार कुशादगी, सामर्थ्य मक्दूर समाई जगह प्रेम उदारता फराखदिली।
गुजान (گنجان) फा वि –घना गहन।
गुजिश्क (گنجشک) फा स्त्री –गौरया, चटक।
गुद (گند) फा वि –दबीज़ गफ दलदार।
गुद (غند) अ वि –लम्पट धूर्त लोफर गुडा।
गुद (غند) फा वि –लिपटा हुआ एकत्र, जमाशुदा, जमा हुआ उपार्जित।
गुदर (گندر) फा वि –मोटा-ताजा हृष्ट-पुष्ट, गफ दलदार दबीज़ मृदुल नाजुक, गिडगिडानेवाला।
गुदुर (گندر) फा वि –दे गुदर'।
गुदबीर (گندپیر) फा स्त्री –बूढी स्त्री वद्धा।
गुबद (گنبد) फा पु –इमारतो में ऊपर का गोल मडप या बना हो गुबज।
गुबदे आब (گنبدِ آب) फा पु –पानी का बुल्बुला।
गुबदे गदू (گنبدِ گردوں) फा पु –आकाश का गुबद, आकाश वतुल।
गबदे गुल (گنبدِ گل) फा पु –कलिका, कली।
गुबदे चारबद (گنبدِ چارسند) फा पु –ससार, दुनिया, आकाश आसमान।
गुक (گوک) तु पु –आकाश, गगन, आसमान।
गुजर (گزر) फा स्त्री –निवाह, गुजर-बसर, जीविका राह (पु) प्रवेश, पहुच, रसाई आगमन, आमद।
गुजरगाह (گزرگاہ) फा स्त्री –निकलने-पैठने का स्थान मार्ग, रास्ता पथ।
गुजरनाम (گزرنامہ) फा पु –राहदारी का पवाना, खता पासपोट पारपत्र।
गुजरान (گزران) फा स्त्री –दे 'गुजर'।
गुजरिंद (گزرندہ) फा वि –गुजरनेवाला।
गुजश्त (گزشتہ) फा वि –गुजरा हुआ, बीता हुआ, व्यतीत भूतकाल माजी।
गुजश्तगा (گزشتگاں) फा पु –गुजश्त का बहु गुजरे हुए लोग पूवज।
गुजश्तनी (گزشتنی) फा वि –गुजरने योग्य जहाँ से गुजर जाना उचित हो।
गुजाफ (گزاف) फा पु –जिसका कूता किया गया हो, ताला नापा न गया हो असीम, अपार बेहद।
गुजाफ (گزاف) फा स्त्री –बकवास, मिथ्यावाद, डींग शेखी।
गुजाब (عضاب) अ पु –वह तिनका आदि जो आँख में पड जाय शरीर पर पडनेवाले आवरण।
गुजार (گزارہ) फा पु –निर्वाह गुजर-बसर नदी पार करना।
गुजार (گزار) फा पु –दे गुजर' निबाहना बसर करना, गुजार दू तेरे गम में जो उम्रे खिज्र मिले।'
(प्रत्य) करनेवाला जैसे— खिदमतगुजार' खिदमत करनेवाला।
गुजारिंद (گزارندہ) फा वि –गुजारनेवाला अदा करने वाला।
गुजारिश (گزارش) फा स्त्री –प्रार्थना, निवेदन, आवेदन अर्ज।
गुजारिशनाम (گزارش نامہ) फा पु –प्रार्थनापत्र, आवेदन पत्र दरख्वास्त।
गुजारिशपिज़ीर (گزارش پزیر) फा वि –प्रार्थना स्वीकार करनेवाला बात सुनकर उसे माननेवाला।
गुजारिशात (گزارشات) फा स्त्री –गुजारिश का बहु प्रार्थनाएँ गुजारिशें, बातें।

गुज़ाश्तः (گزاشتہ) फा. वि –छोडा हुआ, त्यक्त।
गुज़ाश्त (گزاشت) फा स्त्री.–छूट, त्याग।
गुज़ाश्तनी (گزاشتنی) फा वि –छोडने योग्य, त्याज्य।
गुज़ी (گزیں) फा प्रत्य –चुननेवाला, पसद करनेवाला, जैसे—'ख़ल्वत गुज़ी' एकातवास पसंद करनेवाला।
गुज़ीदः (گزیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।
गुज़ीदनी (گزیدنی) फा वि –चुनने योग्य, छाँटने योग्य।
गुज़ीरः (گزیرہ) फा पु.–उपचार, चिकित्सा, इलाज, उपाय, प्रयत्न, तद्‌बीर।
गुज़ीर (گزیر) अ पु –चिकित्सा, इलाज; प्रयत्न, उपाय, चारा।
गुज़ीरी (گزیری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज।
गुज़ूज़ः (غضوضہ) अ पु –नवीनता, नयापन, प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी, नया होना।
गुज़्रूफ (غضروف) अ स्त्री –चपनी हड्डी; पस्लियो के सिरे, कधे की हड्डी का सिरा, हर चवाई जानेवाली हड्डी, कुर्री।
गुतात (غطاط) अ पु –प्रात काल, सवेरा, प्रात काल की सफेदी; रात का अँधेरा।
गुदद (غدد) अ पु –'गुद्द' का बहु, शरीर के गुद्दद, ग्रथियाँ, गिल्टियाँ।
गुदाख़्तः (گداختہ) फा वि –पिघला हुआ, द्रवीभूत, द्रवित।
गुदाख़्त (گداخت) फा स्त्री –दे 'गुदाख़्तगी'।
गुदाख़्तगी (گداختگی) फा स्त्री –पिघलाव, गुदाख़्त।
गुदाख़्तनी (گداختنی) फा वि –पिघलने योग्य, पिघलाने योग्य।
गुदाज़ (گداز) फा पु –शरीर का मासल होना, शरीर मे ख़ूब गोश्त होना (प्रत्य०) पिघलानेवाला, जैसे—'आहन गुदाज़' लोहे को पिघलानेवाला; 'सोज-गुदाज्' जलाकर पिघलानेवाला।
गुदाज़ा (گدازاں) फा वि –पिघलता हुआ, पिघलाता हुआ।
गुदाज़िदः (گدازندہ) फा वि.–पिघलनेवाला, पिघलाने वाला।
गुदाफ (غداف) अ. पु –काले और लबे वाल, काला कौआ; बहुत परोवाला गिद्ध।
गुदुव (غدو) अ पु –प्रात काल, सवेरा।
गुद्दद (غدود) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टियाँ, ग्रथियाँ।
गुद्दः (غدہ) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टी, ग्रथि।
गुद्र (غدر) अ वि –कृतघ्न, नाशुक्रा, बेवफा।
गुद्व (غدوہ) अ पु –प्रात काल और सूर्योदय के बीच का समय।
गुनह (گنہ) फा. पु –'गुनाह' का लघु., दे. 'गुनाह'।
गुनहगार (گنہگار) फा वि –दे 'गुनाहगार'।
गुनहगारी (گنہگاری) फा स्त्री –दे 'गुनाहगारी'।
गुनाह (گناہ) फा पु –पाप, पातक, मासियत; दोप, अपराध, कुसूर।
गुनाहगार (گناہگار) फा वि.–पापी, पातकी, आसी, दोषी, अपराधी, कुसूरवार।
गुनाहगारी (گناہگاری) फा. स्त्री –पाप कर्म, मा'सियत; दोप करना, कुसूरवारी।
गुनाहे कबीरः (گناہ کبیرہ) फा अ पु.–वडा पाप, महापातक।
गुनाहे सग़ीरः (گناہ صغیرہ) फा अ पु –छोटा गुनाह, लघुपातक।
गुनुज (غنج) अ पु –हावभाव, नाजोअदा।
गुनूदः (غنودہ) फा वि.–जिसकी आँखो मे नीद भरी हो, ऊँघता हुआ, उन्निद्र, तद्रालु।
गुनूदगी (غنودگی) फा स्त्री –ऊँघ, तंद्रा, निद्रालस, प्रमीला।
गुनूदनी (غنودنی) फा वि –ऊँघने के योग्य, जिसका ऊँघना आवश्यक हो।
गुन्नः (غنہ) अ. पु –वह 'न' जो नाक मे पढा जाय 'अनुस्वार'; वह अक्षर जिस पर अनुस्वार हो।
गुन्यत (غنیت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी।
गुफार (غفار) अ पु –डाढी के दोनों ओर के वाल; गर्दन और गुद्दी के वाल, पिडली के वाल।
गुफ़ुर (غفر) अ पु –'गफ़ूर' का बहु, मोक्ष देनेवाले, वख़्शनेवाले।
गुफ़ूल (غفول) अ पु –भूलना, विस्मृति, किसी वस्तु का त्याग, निश्चेष्टता, बेख़बरी।
गुफ़्तः (گفتہ) फा वि.–कहा हुआ, उक्त।
गुफ्त (گفت) फा स्त्री –कहन, कथन, वात।
गुफ़्तगू (گفتگو) फा स्त्री –वातचीत, वार्तालाप।
गुफ्तनी (گفتنی) फा वि –कहने योग्य, जो वात कही जा सके; जिसका कहना आवश्यक हो।
गुफ्तार (گفتار) फा स्त्री –बोली, वाणी, शब्द, आवाज, वार्तालाप, वातचीत।
गुफ़्तुगू (گفتگو) फा स्त्री –दे. 'गुफ्तगू' दो शुद्ध है।
गुफ़्तोगू (گفت وگو) फा स्त्री –दे 'गुफ्तगू' दो शु है।
गुफ़्तोशनीद (گفت وشنید) फा स्त्री –वातचीत, गुफ्तगू, कहासुनी, वादविवाद; हुज्जत, तर्क-वितर्क।
गुफ़्राँ (غفراں) अ पु –'गुफ्रान' का लघु, दे 'गुफ्रान'।
गुफ़्राँमआब (غفراں مآب) अ वि –मोक्षप्राप्त, स्वर्गीय, वड़े लोगों की आत्मा के लिए बोला जाता है।

गुफ़ान (غفران) अ पु—माफ़, मुक्ति, रस्गति, बख़्शिश, क्षमा, मुआफ़ी।
गुफ़्ल (غفل) अ वि—वह व्यक्ति जिससे न भलाई की आशा हो न अनिष्ट का भय हो, हर वह वस्तु जिसका कोई पता निशान न हो, अनुभवहीन व्यक्ति, वह कवि जिसे कोई जानता न हो, वह व्यक्ति जिसका कुल अज्ञात हो।
गुब [ग़ब] (غب) अ पु—वह बाढ़ पर आयी हुई नदी जिसका पानी नदी से निकलकर जंगल में बहे, नीची भूमि।
गुब्बार (غبارہ) फा पु—हवा में उड़नेवाला काग़ज़ का बड़ा गेंद, गुब्बारा, हवाई जहाज़, वायुयान, बलून।
गुबार (غبار) अ पु—धूल, रज, धूलि, मनोमालिन्य, दिल का मल।
गुबारआलूद (غبارآلودہ) अ फा वि—धूल में भरा हुआ, धूलिधूसर, जिस पर धूल पड़ी हो।
गुबारआलूद (غبارآلود) अ फा वि—दे 'गुबारआलूद'।
गुबारे ख़ातिर (غبارخاطر) अ पु—मन की मलिनता, दिल का मल, दिल का बुख़ार, मन की भड़ास, मनोमालिन्य, रंजिश।
गुबूर (غبور) अ पु—बाक़ी रहना, रूप बदलना, विलम्ब करना, देर करना, छोड़ देना, क्षमा करना, आगमन, आना।
गुब्स (غبس) अ अव्य—कदापि, हरगिज़, नित्य, हमेशा।
गु़ज़ार (غبارہ) फा पु—दे 'गुबार'।
गुम (گم) फा वि—खोया हुआ, भटका हुआ, तल्लीन, मुनहमिक, अचेत, ग़ाफ़िल, आत्मविस्मृत, ख़ुदरफ़्त।
गुमकद (گمکدہ) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, जिसने खो दिया हो, भूला हुआ।
गुमकर्दःराह (گم‌کردہ‌راہ) फा वि—जो राह भूल गया हो, जो रास्ते से भटक गया हो, पथभ्रष्ट।
गुमगश्त: (گم‌گشتہ) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, लाओ देखें कहा मेरा दिले गुमगश्त न हो, आप कहते हैं कि इक चीज़ पड़ी पायी है।
गुमगश्तगी (گم‌گشتگی) फा स्त्री—खो जाना, रस्ता भूल जाना।
गुमज़द (گم‌زدہ) फा वि—दे 'गुमराह'।
गुमज़न (گم‌زن) फा वि—नष्ट और ध्वस्त करनेवाला, मृदुल, नाज़ुक।
गुमनाम (گمنام) फा वि—जिसे कोई न जानता हो, अज्ञात, अप्रसिद्ध, जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।
गुमनामी (گمنامی) फा स्त्री—शोहरत न होना, अख्याति।
गुमबूदगी (گم‌بودگی) अ स्त्री—दुःखित होना।
गुमराह (گمراہ) फा वि—जो मार्ग भूल गया हो, रास्ते से भटका हुआ, मार्ग भ्रष्ट, नास्तिक, लामज़हब, कुमार्गी, बदचलन।
गुमराहकुन (گمراہ‌کن) फा वि—बदगुमानी पैदा करनेवाला, भ्रमात्मक, गुनाह की ओर प्रवृत्ति करानेवाला।
गुमराही (گمراہی) फा स्त्री—मार्ग भूलना, नास्तिकता, लामज़हबीयत, गुनाह की ओर प्रवृत्ति।
गुमशुद (گم‌شدہ) फा वि—खोया हुआ, खोई हुई वस्तु।
गुमशुदगी (گم‌شدگی) फा स्त्री—खो जाना, बहक रह जाना, रास्ता भूल जाना।
गुमशुदनी (گم‌شدنی) फा वि—खोने योग्य।
गुमाँ (گماں) फा पु—'गुमान' का लघु, दे 'गुमान'।
गुमाँबरी (گماں‌بری) फा स्त्री—शंका करना, संदेह करना, बदगुमानी करना।
गुमान (گمان) फा पु—शंका, संदेह, दाव, भ्रम, वहम, बदगुमानी, कुधारणा।
गुमाने क़वी (گمان‌قوی) फा अ पु—ऐसा संदेह जो यक़ीन के दर्जे तक पहुँच जाय।
गुमाने ग़ालिब (گمان‌غالب) फा अ पु—दे 'गुमाने क़वी'।
गुमाने बद (گمان‌بد) फा पु—किसी की ओर से बुरा विचार, कुधारणा।
गुमाने सहीह (گمان‌صحیح) फा अ पु—ऐसा गुमान जो ठीक साबित हो।
गुमाम (غمام) अ पु—ज़ुकाम, प्रतिश्याय, प्रतिस्यान।
गुमार (غمار) अ पु—आधिक्य, प्राचुर्य, बहुतायत, जनसमूह, जमाव।
गुमारिंद (گمارندہ) फा वि—नियुक्त करनेवाला, मुक़र्रर करनेवाला।
गुमारदनी (گماردنی) फा वि—नियुक्ति के योग्य, तक़र्रुर के क़ाबिल।
गुमाश्त: (گماشتہ) फा वि—नियुक्त किया हुआ, प्रतिनिधि, गुमाश्ता, कारकुन, एजंट, अभिकर्ता।
गुमाश्तगी (گماشتگی) फा स्त्री—नियुक्ति, तक़र्रुर, एजंटी, कारिन्दगीरी।
गुमाश्तनी (گماشتنی) फा वि—नियुक्त करने योग्य, मुक़र्रर करने के लायक़।
ग़मूज़ (غموض) अ पु—भूमि का नीचा और गम्भीर होना, बात का गुप्त और समय से बाहर होना।
ग़मूज़त (غموضت) अ स्त्री—बात का समय से परे होना, गुप्त होना, छिपना, भूमि का नीचा होना।
ग़मूम (غموم) अ पु—गम का बहु, छोटे और छोटे तारे जो दिखाई न पड़ें।

गुम्जः (غمضه) अ पु –जूठा पानी, पिया हुआ पानी, पिये हुए पानी का घूंट।

गुम्दान (غمدان) अ. पु –यमन का अद्‌भुत और विचित्र भवन; ससार, दुनिया।

गुम्मः (غمه) अ. पु –नदी की तह, हर चीज की तह; गुप्त काम; खेद, ग़म।

गुम्रक (گمرک) फा पुं –चुगी, कस्टम।

गुम्रकखानः (گمرک خانه) फा पु –चुगीघर, कस्टम हाउस।

गुर[र्] (غر) अ. पु.–'अगर' का बहु, श्रेष्ठ लोग, प्रसिद्ध लोग, माथे की सफेदियाँ।

गुर (غر) फा पु –बढा हुआ अडकोप, गले का घेघा।

गुरफ (غرف) अ. पु –'गुर्फ' का बहु., झरोखे।

गुरबा (غربا) अ पु –'गरीब' का बहु, गरीब लोग; दरिद्र और दीन लोग; परदेसी लोग।

गुरबापर्वर (غربا پرور) अ फा वि –दीन और दुखियो पर दया करनेवाला।

गुरमा (غرما) अ पुं –'गरीम' का बहु, ऋणी, कर्जदार लोग; ऋणदाता, कर्जख्वाह लोग; जिन्हे टोटा आया हो, वे लोग।

गुरर (غرر) अ पु –'गुर्र' का बहु, महीने की पहली तारीखे; जाति के सर्वश्रेष्ठ लोग, लौडी गुलाम।

गुरस्नः (گرسنه) फा. वि –भूखा, क्षुधातुर, क्षुधित, दे 'गुस्नं' और 'गुसस्नः'।

गुरस्नःचश्म (گرسنه چشم) फा वि –लोलुप, लालची; कृपण, कजूस; भिक्षुक, भिखारी।

गुरस्नःचश्मी (گرسنه چشمی) फा स्त्री –लालच; कंजूसी, भिखमगापन।

गुराज (گراز) फा पुं –शूकर, सुअर (वि) अत्याचारी, जालिम; शूर, वीर, बहादुर।

गुराब (غراب) अ. पु –कौआ, काक, काग।

गुराबुलबैन (غراب البین) अ पु –वह अशुभ भाषी कौआ जिसके बोलने पर घर के व्यक्ति अथवा मित्र लोग अलग-अलग हो जाते हैं।

गुरास (گراس) फा. पु –कवल, ग्रास, निवाला।

गुरिंज (گرنج) फा पु –धान से निकला हुआ चावल, तदुल।

गुरिश (غرش) फा स्त्री.–दे 'गुर्रिश'।

गुरुफात (غرفات) अ पु –'गुर्फ' का बहु, झरोखे।

गुरुब (غرب) अ वि –अद्‌भुत, अभूतपूर्व, अजीबोगरीब।

गुरुस्न. (گرسنه) फा वि –भूखा, क्षुधित, दे 'गुरस्न, गुर्स्त'।

गुरूब (غروب) अ पुं –डूबना, किसी तारे का विशेषत सूरज का डूबना, अस्त होना।

गुरूर (غرور) अ. पुं –अभिमान, अहकार, गर्व, घमड; शेखी, अहवाद।

गुरेख्तः (گریخته) फा वि –भागा हुआ, पलायित।

गुरेख्तगी (گریختگی) फा. स्त्री –भगोड़ापन, पलायन।

गुरेख्तनी (گریختنی) फा. वि –भागने योग्य।

गुरेज (گریز) फा. पुं –बचाव, उपेक्षा, बेए'तिनाई; घृणा, नफ़रत, कसीदे मे अनुष्ठान को प्रशंस्य (मम्दूह) के गुण-गाथा की ओर मोड़ देने का अलकार।

गुरेजपा (گریزپا) फा. वि.–जो बहुत भाग जाता हो, भगोड़ा, वह नौकर जो बार-बार भाग जाता हो।

गुरेजपाई (گریزپائی) फा स्त्री –भगोड़ापन, बार-बार भागने की क्रिया।

गुरेजाँ (گریزاں) फा वि –भागता हुआ, भाग कर जाता हुआ, बचकर निकल जानेवाला, पास न आनेवाला।

गुरेजिंदः (گریزنده) फा वि –भागनेवाला, पलायन-कर्ता, बचनेवाला, परहेज करनेवाला, उपेक्षक।

गुरेजी (گریزی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, चतुराई; धूर्तता, मक्कारी।

गुरेजीदः (گریزیده) फा. वि –भागा हुआ, पलायित।

गुरोह (گروه) फा पुं –समुदाय, जमाअत; दल, पार्टी; जनसमूह, हुजूम; झुड, गोल, हिन्दी मे 'गिरोह' प्रचलित।

गुरोह दर गुरोह (گروه در گروه) फा. वि –झुड के झुड, गोल के गोल, अर्थात् बहुत अधिक (मनुष्य)।

गुरोहबंद (گروه بند) फा. वि –गुटबद, पार्टीबद, दलबंद, प्रचलित 'गिरोहबद'।

गुरोहबंदी (گروه بندی) फा स्त्री.–दलबदी, गुटबदी, पार्टीबदी, प्रचलित 'गिरोहबदी'।

गुर्ग (گرگ) फा. पु –भेड़िया, वृक।

गुर्गजादः (گرگ زاده) फा. पु –भेड़िये का बच्चा, वृक-शावक, खल पुरुष का पुत्र।

गुर्गीनः (گرگینه) फा. पुं –पोस्तीन, बालोदार खाल का कोट।

गुर्गुन (گرگن) फा. पुं –हरा अन्न जो भुना हो, चबेना, होरहा।

गुर्गेबगल (گرگ بغل) फा पुं –बग़ल मे रहनेवाला भेड़िया, बगली दुश्मन, आस्तीन का साँप।

गुर्गेबारांदीदः (گرگ باراں دیده) फा पुं –वह भेड़िया जिसने बहुत-सी बरसाते देखी हो, बहुत ही धूर्त व्यक्ति; बहुत ही अनुभवी मनुष्य।

गुर्जः (گرزه) फा. पु –साँप का बड़ा और फैला हुआ फन (वि) भयानक, खौफनाक।

गुर्ज (گرز) फा पुं –एक प्राचीन अस्त्र, गदा।

गुर्ज (گرج) फा पुं –दे 'गुर्द'।

गुज़बरदार (گرزبردار) फा वि—गुज या रखनेवाला, गुज रखनेवाला, गदाधर।
गुर्जिस्तान (گرجستان) फा पु—जारजिया, एक प्रदेश।
गुर्जी (گرجی) फा वि—गुर्जिस्तान का निवासी।
ग़ुर्जूफ़ (غرضوف) अ स्त्री—दे 'ग़ुज़रूफ़', दा शु ह।
गुर्द (گرد) फा पु—एक देश मल्ल, पहलवान योद्धा, बहादुर।
ग़ुर्नीक़ (غرنیق) अ पु—कुलंग पक्षी, गोरा चिट्टा और मदुभाग युवक।
ग़ुनूक़ (غرنوق) अ पु—दे ग़ुर्नीक़, घुघरवाले बाल गुथी हुई चोटी।
गुर्ज़ (گرز) फा वि—दे 'गुर्ज़'।
ग़ुर्फ़ (غرفہ) अ पु—झरोखा गवाक्ष वातायन अट्टा लिया बालाखाना।
ग़ुर्फ़ानशीं (غرفہنشیں) अ फा वि—झरोखे में बैठनेवाला (वाली)।
ग़ुर्फ़ात (غرفات) अ पु—ग़ुर्फ़ का बहु झरोखे।
गुर्बः (گربہ) फा स्त्री—बिल्ली मार्जारी।
गुर्बःगू (گربہگوں) फा वि—धूर्त मक्कार छली वचक।
गुर्बःचश्म (گربہچشم) फा वि—दुःशील बेमुरव्वत।
गुर्बःएमिस्कीं (گربہءمسکیں) अ फा स्त्री—वह व्यक्ति जो देखने में बहुत सीधा सादा हो, परंतु बहुत ही धूर्त और चालाक हो।
ग़ुर्बत (غربت) अ स्त्री—परदेशी होना परदेश बेवतनी दरिद्रता कंगाली।
ग़ुर्बतज़द (غربتزدہ) अ फा वि—घरबार छोड़कर परदेश में पड़ा हुआ प्रवासी निर्धन कंगाल।
ग़ुर्बतज़दगी (غربتزدگی) अ फा स्त्री—बेवतनी परदेश में होना निधनता कंगाली।
ग़ुर्बतदीद (غربتدیدہ) अ फा वि—दे ग़ुर्बतज़द।
गुर्बुज़ (گربز) फा वि—छली वचक ठगिया मक्कार।
गुर्बुज़ी (گربزی) फा स्त्री—छल वचकता ठगई मक्कारी।
ग़ुर्म (غرم) अ पु—तावान दंड।
ग़ुर्म (غرم) फा स्त्री—पहाड़ी बकरी।
गुर्म (گرم) फा पु—दुःख रज खेद संताप ग़म कष्ट तक्लीफ़ मनस्ताप दिलगीरी इद्रधनुष।
ग़ुर्र (غرہ) अ पु—चाद के महीने की पहली तारीख जो हिन्दी हिसाब से कृष्णपक्ष की तृतीया होनी है घोड़े के माथे की सफ़ेदी हर वह वस्तु जो उत्तम हो दास अथवा दासी।
ग़ुर्रएशव्वाल (غرۂشوال) अ पु—शव्वाल महीने की पहली तारीख, अर्थात ईद का दिन।

ग़ुर्श (غرش) फा स्त्री—गुर्राहट गर्जन, आनंद, भय हैरान।
गुस (گرس) फा स्त्री—भूख, क्षुधा, प्यास पिपासा।
गुस्न (گرسنہ) फा वि—भूखा, क्षुधातुर, दे 'गुरस्न' और 'गुश्न', तीनों शुद्ध हैं।
गुस्नचश्म (گرسنہچشم) फा वि—लालची, हरीस, कृपण, कंजूस, भिक्षुक, फ़क़ीर।
गुस्नचश्मी (گرسنہچشمی) फा स्त्री—लोभ, लालच कृपणता, कंजूसपन, भिखमंगापन।
गुस्नगी (گرسنگی) फा स्त्री—भूख क्षुधा बुभुक्षा।
ग़ुल [ल्ल] (غل) अ पु—प्यास का तौक़ जो क़ैदियों के गले में पड़ता है, प्यासा, सतृष्ण, प्यास की तीव्रता मनस्ताप, हृदय की जलन।
ग़ुल (غل) फा पु—कोलाहल शोर, चीख पुकार।
गुल (گل) फा पु—फूल पुष्प सुमन गुलाब का फूल, चिराग़ का गुल आँख की फुली।
गुलअंदाम (گلاندام) फा वि—फूल जैसे कोमल, मदुल सुकुमार और सुगंधित शरीरवाला (वाली) पुष्पांगी पुष्पांगना।
गुलअफ़्शां (گلافشاں) फा वि—फूल बरसानेवाला, पुष्प वर्ष जिससे फूल झड़ते है।
गुलअफ़्शानी (گلافشانی) फा स्त्री—फूल बरसाना, फूल बरसना मज़ेदार बातें।
गुलइज़ार (گلعذار) फा अ वि—गुलाब-जैसे सुकुमार और कोमल गालोवाला (वाली)।
गुलक़द (گلقند) फा पु—गुलाब के फूल और खाँड के मिश्रण से बनी हुई एक औषध।
गुलकद (گلکدہ) फा पु—वह घर जहाँ फूल हो फूल ही पुष्पागार कुसुमालय।
गुलकार (گلکار) फा वि—बेल-बूटे बनानेवाला।
गुलकारी (گلکاری) फा स्त्री—बेल बूटे बनाने का काम बेल-बूटे नक्शानिगार।
गुलख़न (گلخن) फा पु—भाड़ भट्ठी चूल्हा।
गुलख़ाल (گلخال) फा वि—चितकबरा दागोवाला चित्तदार।
गुलगश्त (گلگشت) फा पु—बाग की सैर सैर का स्थान क्रीडास्थल।
गुलगीर (گلگیر) फा पु—चिराग़ या शमा का गुल कतरने की कैंची।
ग़ुलग़ुल (غلغلہ) अ पु—शोर, कोलाहल, हर्षध्वनि खुशी का शोर।

गुलगूं (گلگوں) फा. वि –गुलाब-जैसे रगवाला; लाल रग का घोडा, शीरी के घोडे का नाम।

गुलगूनः (گلگونہ) फा पु –मुँह पर मलने का सुगंधित और गुलाबी पाउडर।

गुलचीं (گل چیں) फा वि.–फूल चुननेवाला, पुष्पचायी, माली, मालाकार।

गुलचीनी (گل چینی) फा. स्त्री –फूल बीनना; माली का काम।

गुलचेहरः (گل چہرہ) फा वि –दे 'गुलरुख'।

गुलज़मी (گل زمیں) फा. स्त्री –ऐसा स्थान जहाँ फूल बहुत पैदा होते हो, पुष्पवन, पुष्पोद्यान, फूलो से लदी हुई ज़मीन।

गुलज़ार (گلزار) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग, वह स्थान जहाँ खूब चहल-पहल और रौनक हो।

गुलदस्तः (گلدستہ) फा पु –फूलो का गुच्छा, रग-बिरगी फूलो का मुट्ठा, पुष्पस्तवक,; पत्रिका, रिसाल ।

गुलदान (گلدان) फा पु –गुलदस्ता सजाने का पात्र।

गुलनार (گل نار) फा पु –अनार का फूल, गुले अनार, अनार की एक जाति, जिसमे फल नही आता और जिसके फूल का दवा मे प्रयोग होता है।

गुलपाश (گلپاش) फा वि.–फूलो की वर्षा करनेवाला, पुष्पवर्षक।

गुलपाशी (گل پاشی) फा स्त्री –फूलो की वर्षा।

गुलपैरहन (گل پیرهن) फा वि.–गुलाबी कपडे पहनने वाला (वाली), गुलाब के फूल-जैसे रगीन, कोमल और सुगधित कपड़े पहननेवाली नायिका।

गुलपैरहनी (گل پیرهنی) फा स्त्री –फूलो-जैसे रगीन और सुगधित कपडे पहनने का भाव।

गुलपोश (گل پوش) फा. वि –फूलो से ढका हुआ, फूलो से मढ़ा हुआ, फूलो से लदा हुआ।

गुलपोशी (گل پوشی) फा स्त्री –फूलो से ढका होना।

गुलफाम (گل فام) फा वि –दे 'गुलअदाम'।

गुलफिशां (گل فشاں) फा वि –फूल बरसानेवाला, (स्त्री) फुलझड़ी, एक प्रसिद्ध आतशबाजी।

गुलफिशानी (گل فشانی) फा स्त्री –फूल बरसाना।

गुलबदन (گل بدن) फा वि –फूल-जैसे कोमल और मृदुल अंगोवाला (वाली) (पु) एक रेशमी कपडा।

गुलबदनी (گل بدنی) फा स्त्री –फूल-जैसे कोमल मृदुल और सुगधित शरीर का होना।

गुलबर्ग (گل برگ) फा पु –फूल का पत्ता, पुष्पदल।

गुलबांग (گل بانگ) फा स्त्री –वह शोर जो किसी के व्याह-शादी आदि के अवसर पर होता है, हर्षध्वनि; बुलबुल आदि मधुरस्वर पक्षियो की चहचहाहट।

गुलबाज़ी (گل بازی) फा स्त्री.–एक दूसरे की ओर फूल फेंकने का खेल, पुष्पक्रीड़ा।

गुलबुन (گلبن) फा पु –गुलाब का वृक्ष।

गुलमेख़ (گل میخ) फा स्त्री.–फुल्लीदार बड़ी कील जो किवाड़ो आदि मे लगती है।

गुलरंग (گل رنگ) फा वि.–गुलाब के फूल-जैसे गुलाबी रंगवाली वस्तु।

गुलरुख़ (گل رخ) फा वि –फूल-जैसे सुदर, सुकोमल और सुकुमार मुखवाली नायिका, पुष्पमुखी।

गुलरुख़सार (گل رخسار) फा. वि.–गुलाब के फूल-जैसे सुदर कपोलोवाली नायिका, पुष्पकपोला।

गुलरू (گلرو) फा वि –दे 'गुलरुख़'।

गुलरेज़ (گل ریز) फा वि –जिससे फूल झडते हो (स्त्री) एक आतशबाज़ी, फुलझड़ी।

गुलल (غلل) अ. पु –'गलील' का बहु, प्यासे।

गुलशकर (گل شکر) फा. पुं –दे. 'गुलकद'।

गुलशन (گلشن) फा पु –उद्यान, वाटिका, बाग।

गुलशन आरा (گلشن آرا) फा वि –उद्यानपाल, माली; बाग को सजाने और सँवारनेवाला।

गुलाज़ (غلاظ) अ वि –मोटा, दलदार; कडा, कठोर, सख्त।

गुलात (غلات) अ पु –'गाली' का बहु, अति करनेवाले, किसी विषय मे बहुत अधिक अति करनेवाले।

गुलाब (گلاب) फा पु –एक प्रसिद्ध फूल, गुल, गुलाब-जल, गुलाब का अरक।

गुलाबपाश (گلاب پاش) फा पुं –सभा आदि मे गुलाबजल छिडकने का यत्र।

गुलाबी (گلابی) फा वि.–गुलाब-जैसे रंगवाली वस्तु, हलका लाल (स्त्री) शराब की रगीन काँच की सुराही।

गुलाम (غلام) अ पु –लड़का, बालक, दास, ख़ादिम, पराधीन, महकूम।

गुलामगर्दिश (غلام گردش) अ फा स्त्री –कोठी या मकान के चारो ओर का बरामदा।

गुलामचापार (غلام چاپار) अ फा पुं –डाकिया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसाँ।

गुलामज़ाद. (غلام زادہ) अ फा पुं –दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा; विनय प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने पुत्र के लिए भी कहता है।

गुलामान. (غلامانہ) अ. फा वि –गुलामो-जैसा, दासोचित।

गुलामी (غلامی) अ स्त्री–दासता, बदगी पराधीनता, महकूमी।

गुलाल (غلالہ) फा स्त्री–प्रेयसी की अल्क, माशूका की जुल्फ।

गुलिस्ता (گلستاں) फा पु–'गुलिस्तान' का लघु, द 'गुलिस्तान'।

गुलिस्ताजाद (گلستاں زادہ) फा पु–पुष्प, फूल, बाग की घास सब्जा, दासी-पुत्र लौंडी-बच्चा।

गुलिस्तान (گلستان) फा पु–उद्यान, बाग वाटिका, आराम।

गुलूफ (غلوف) अ पु–गिलाफ का बहु बहुत से गिलाफ अथवा कोष।

गुलूव (غلو) अ पु–दे गुलू।

गुलू (گلو) फा पु–कठ, गला हुल्कूम।

गुलू (غلو) अ पु–पूरा हाथ उठाना जनसमूह भीड, अति करना हद से गुजर जाना, ऐसी अत्युक्ति जो न बुद्धि के अनुसार ठीक हो न प्राकृतिक हो।

गुलूखलासी (گلوخلاصی) फा स्त्री–बधनमुक्ति छुटकारा, किसी जजाल से छुटकारा।

गुलूगीर (گلوگیر) फा वि–गला पकडनेवाला (वाली), आवाज दबा देनेवाला (वाली)।

गुलूबद (گلوبند) फा पु–गले का एक आभूषण गले और कानो म लपटने का मफलर।

गुलूबस्त (گلوبستہ) फा वि–जिसका स्वर बैठ गया हो।

गुलूबुरीद (گلوبریدہ) फा वि–जिसका गला कट गया हो छिन्नग्रीव वधित।

गुलूल (غلولہ) अ पु–जनसमूह हुजूम आवेग जोश।

गुलूल (گلولہ) फा पु–गुलेल का गुल्ला बदूक का गाली दवा की गोली।

गुलूल (غلول) अ पु–वृक्षो के बीच में बहता हुआ पानी गनीमत के माल म खियानत।

गुलूसोज (گلوسوز) फा वि–अति सुदर बहुत अच्छा बहुत मीठा चरपरा वस्तु।

गुले अब्बास (گل عباس) फा अ पु–एक प्रसिद्ध फूल और उसका पड गुलाबांस।

गुले आतशीं (گل آتشیں) फा पु–सदा गुलाब, गुलाब की एक जाति जो सदा फूलती है।

गुले आफताबपरस्त (گل آفتاب پرست) फा पु–सूरजमुखी का फूल।

गुले कागजी (گل کاغذی) फा अ पु–कागज के फूल जो सजावट के काम आते ह, दिखाव की वस्तु।

गुले खदाँ (گل خنداں) फा पु–खिला हुआ फूल।

गुले खुदरो (گل خودرو) फा पु–जो फूल बोया न गया हो बल्कि अपने आप उगा हो।

गुले चश्म (گل چشم) फा पु–आख की फूली टेंट।

गुले जाफरी (گل جعفری) फा अ पु–एक पीले रग का फूल।

गुले तुर (گل طرہ) फा पु–मुर्गकश एक प्रसिद्ध फूल।

गुले दाऊदी (گل داؤدی) फा अ पु–एक प्रसिद्ध फूल।

गुले नाफर्मा (گل نافرماں) फा पु–एक फूल।

गुले नाशिगुफ्त (گل ناشگفتہ) फा पु–बिन खिला फूल कली गुच, मुकुल, कुँवारी स्त्री कुमारी दोशीज।

गुले पलास (گل پلاس) फा पु–टेसू का फूल ढाक का फूल पलाश सस्कृत म भी टेसू को कहते ह सस्कृत और फारसी के प्राचीन सम्बध का परिचायक है।

गुले पियाद (گل پیادہ) फा पु–हर वह फूल जिसमें पियाली छोटी हो, अपने आप उगनेवाला फूल।

गुले बेगान (گل بیگانہ) फा पु–दे 'गुले खुद रो'।

गुले यासमन (گل یاسمن) फा पु–चमेली का फूल नर्म मल्लिका मालती।

गुले यासमीन (گل یاسمین) फा पु–दे 'गुलेयासमन'।

गुले राना (گل رعنا) फा पु–एक दोरगा फूल जो अदर लाल और बाहर पीला होता है।

गुले लाल (گل لالہ) फा पु–एक मशहूर फूल जो बहुत प्रकार का होता है विशेषत लाल रग का, पोस्त का फूल गुले लालाशमान।

गुले वद (گل ورد) फा अ पु–गुलाब का फूल।

गुले शबअफ्रोज (گل شب افروز) फा पु–रात की रानी, एक प्रसिद्ध फूल रजनीगधा।

गुले शब बो (گل شب بو) फा पु–एक प्रसिद्ध फूल सुगधरा (गुल=फूल+शब=रात+बो=बू) रजनीगधा की एक जाति।

गुले शमअ (گل شمع) फा अ पु–चिराग या मोमबत्ती का गुल।

गुले सद बर्ग (گل صد برگ) फा पु–सौ पखडियो वाला फूल, गुलाब गुलनार गदा (विशेषत गदे के लिए आते ह)

गुले सर सबद (گل سرسبد) फा पु–वह फूल जो माली की टोकरी में सबसे ऊपर रहता और सारी टोकरी में सबसे बडा और सुगधित होता है वह व्यक्ति जो सवश्रेष्ठ और सर्वोत्तम हो।

गुले सुख (گل سرخ) फा पु–गुलाब का फूल।

गुले सूरी (گل سوری) फा पु–एक प्रकार का गुलाब।

गुले सौसन (گل سوسن) फा. पु–एक प्रसिद्ध आस्मानी रंग का फूल, जिसकी पखडी ज़बान की तरह होती है—"सौसन ने चमन मे ज़ुबान खोली"।

गुले हज़ारः (گل ہزارہ) फा. पुं–हज़ारे का फूल।

गुलैम (غلیم) अ पु–छोटा लडका, बहुत प्यारा और छोटा-सा बालक।

गुल्ज़त (غلظت) अ स्त्री–दे 'गिल्ज़त', दो. शु है।

गुल्फ़ (غلف) अ पु–'गिलाफ' का बहु, तकिये के गिलाफ, तलवार आदि के कोष।

गुल्मः (غلمہ) अ पु–कामातुर होना, तेज़ शहवत होना, कामातुरता, शहवत की तेज़ी।

गुल्लः (غلہ) अ पुं–प्यास, पिपासा, हृदय की जलन, दिल की सोज़िश, ज़िरिह के नीचे पहनने का कुर्ता आदि।

गुवा (گوا) फा पु–'गुवाह' का लघु, दे 'गुवाह'।

गुवार (گوار) फा वि–दे 'गुवारा'।

गुवारा (گوارا) फा वि–शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'गवारा' बोलते है, दे. 'गवारा'।

गुवारिंदः (گوارندہ) फा वि–अच्छा लगनेवाला, गवारा होनेवाला, शीघ्र पच जानेवाला।

गुवारिश (گوارش) फा स्त्री–अच्छा लगने का भाव; हज़्म होने का भाव, पचन, सुस्वाद होने का भाव, खुश-मज़गी।

गुवारीदः (گواریدہ) फा वि–जो रुचिकर हो चुका हो, जो पच चुका हो।

गुवारीदनी (گواریدنی) फा वि–रुचिकर होने योग्य; पचने योग्य।

गुवार्दनी (گواردنی) फा वि–दे 'गुवारीदनी'।

गुवास (غواث) अ. पुं–फर्याद, दुहाई, न्याय-याचना, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

गुवाह (گواہ) फा पु–साक्षी, गवाह, शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दूवाले 'गवाह' बोलते है और यही प्रचलित है।

गुश [श्श] (غش) अ वि–खियानत करनेवाला, मोषक, अशुभ-चिंतक, बदख्वाह; जिसके मन मे कुछ और मुँह पर कुछ हो।

गुशावः (غشاوہ) अ पु–दे 'गिशाव.'।

गुश्नी (گشنی) फा स्त्री–मैथुन, सभोग, विषय, प्रसग।

गुस [स्स] (غس) वि–अशक्त, कमजोर; दुष्टात्मा, खबीस; अधम, नीच, कमीना।

गुसन (غسن) अ पु–'गुस्न' का बहु, अशक्त जन, कमजोर लोग।

गुसस (غصص) अ पु–'गुस्स.' का बहु, 'गुस्से'।

गुसार (گسار) फा प्रत्य–खानेवाला, जैसे—'मयगुसार' शराब पीनेवाला, 'गमगुसार' गम खानेवाला।

गुसारिंदः (گسارندہ) फा. वि–खानेवाला, भक्षक; छोड़ने-वाला, त्यागी।

गुसार्दः (گساردہ) फा वि–छोडा हुआ, खाया हुआ।

गुसालः (غسالہ) अ पु–जिस पानी से स्नान किया गया हो, धोवन।

गुसुल (غسل) अ पु–सारा शरीर धोना, नहाना, स्नान करना, गुस्ल, नखशिख-मार्जन।

गुसून (غصون) अ पु–'गुस्न' का बहु, शाखाएँ, शाखे, डालियाँ।

गुसूसः (غثوثہ) अ. पु–दुर्बल होना, दुबला होना।

गुस्तर (گستر) फा प्रत्य–बिछानेवाला, फैलानेवाला, जैसे 'करमगुस्तर' यश का फैलानेवाला, कृपा विस्तारक।

गुस्तरिंदः (گسترندہ) फा. वि–बिछानेवाला, फैलानेवाला।

गुस्तर्दः (گستردہ) फा वि–बिछाया हुआ, फैलाया हुआ।

गुस्तर्दनी (گستردنی) फा वि–बिछाने योग्य, फैलाने योग्य।

गुस्ताख (گستاخ) फा. वि–धृष्ट, ढीठ; दु साहसी, बेबाक; अशिष्ट, बदतमीज़।

गुस्ताखतब्अ (گستاخ طبع) फा अ वि–फक्कड़, मुँहफट, मुखर।

गुस्ताखदस्त (گستاخ دست) फा वि–चालाक, चतुर, तेज़, होशयार; किसी ऐसे काम के लिए हाथ बढानेवाला जो उसके साहस से परे हो, गुस्ताखी के साथ किसी की ओर हाथ बढानेवाला।

गस्ताख़ानः (گستاخانہ) फा वि–गुस्ताख़ो-जैसा, धृष्टता-पूर्वक।

गुस्ताख़ी (گستاخی) फा स्त्री–धृष्टता, ढीठपन, दु साहस, बेबाकी, अशिष्टता, बदतमीज़ी।

गुस्न (غسن) अ वि–अशक्त, निर्बल, नाताकत।

गुस्न (غصن) अ पु–शाखा, शाख, डाली।

गुस्र (غسر) अ वि अधम, नीच, कमीना।

गुस्ल (غسل) अ पु–स्नान, नहाना; धोना, माँजना।

गुस्लखानः (غسل خانہ) अ फा पु–नहाने का स्थान, स्नानागार, स्नानगृह।

गुस्ले मय्यित (غسل میت) अ पुं–शव का स्नान, मुर्दे को नहलाना, मृतकस्नान।

गुस्ले सेहत (غسل صحت) अ पुं–वह स्नान जो रोग-मुक्ति पर किया जाता है, आरोग्य-स्नान।

गुस्सः (غصہ) अ पु–क्रोध, कोप, प्रकोप, गजब, द्वेष, बुग्ज़।

गुस्स थर (عصہ ور) अ फा वि–जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो, क्रोधी।
गुहर (گہر) फा पु–'गौहर' का लघु, मुक्ता, मोती।
गुहरअफ्शा (گہرافشاں) फा वि–दे 'गौहरअफ्शां'।
गुहरअफ्शानी (گہرافشانی) फा स्त्री–दे 'गौहरअफ्शानी'।
गुहरबार (گہربار) फा वि–दे 'गौहरबार' मुक्तावर्षक, 'चश्म गुहरबार' राती आस—'दामन प तेरे गर के माथे का पसीना, और वह भी मरी चश्म गुहरबार के आगे।'
गुहरबारी (گہرباری) फा स्त्री–दे 'गौहरबारी'।
गुहररेज (گہرریز) फा वि–दे 'गौहररेज'।
गुहररेजी (گہرریزی) फा स्त्री–दे 'गौहररेजी'।
गुहरशनास (گہرشناس) फा वि–दे 'गौहरशनास', मोती चुनने या परखनेवाला विज्ञ पुरुष।
गुहरशनासी (گہرشناسی) फा स्त्री–दे 'गौहरशनासी'।

गू

गूं (گوں) फा प्रत्य–रगवाला जसे—'नीलगू' नीले रग वाला 'गुलगू' गुलाब के फूल के रगवाला।
गू (گو) फा पु–गेंद कदुक लडको के खेलने का गेंद, पोलो खेलने का गेंद।
गूक (غوک) फा पु–मढक दुदुर मडूक, दादुर।
गूगिर्द (گوگرد) फा स्त्री–गधक।
गूगिर्दे अहमर (گوگرداحمر) फा अ स्त्री–लाल गधक जिससे रसायन बनती है ऐसा व्यक्ति जो सवगुण-सपन्न हो, और जिसका मिलना दुलभ हो।
गूगिर्दे सुर्ख (گوگردسرخ) फा स्त्री–दे 'गूगिर्दे अहमर'।
गूच (غوچ) तु पु–मेंढा नर भेड जिसके सींग होते ह।
गूत (غوطہ) अ पु–गोता डुबकी शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उदू में प्रचलित नहा है, इसके स्थान पर गोता बोलते ह।
गूद (گود) तु पु–शरीर देह।
गूना (گونہ) फा पु–रग रविश, गुना जसे—दागून दागुना।
गून (گوں) फा पु–रग वण रगत।
गूना (گونا) फा पु–रग वण ग्राज, मुखचूर्ण, नियम कायदा 'एक गूना बेखुदी मुझे दिन रात चाहिए।'—गालिब,
गूनागून (گوناگوں) फा वि–रगबिरगा चित्र विचित्र।
गूनाब (گوناب) फा पु–मुखचूर्ण ग्राज, गुलगून।
गूनिया (گونیا) फा पु–एक तिकोना यत्र जिससे राज और बढ़ई इमारत की सीध नापते ह।
गूल (غول) फा पु–दे 'ग़ोल'।
गूल (غول) अ पु–भूत प्रेत, शैतान खबीस, राक्षस, देव दवी आपत्ति, बला, हर वह वस्तु जिसमे बुद्धि नष्ट हो जाय।
गूले बियाबां (غول بیاباں) अ फा पु–जंगल में फिरने वाले भूत प्रेत मसान बेताल आदि।
गूले बियाबानी (غول بیابانی) अ फा पु–दे 'गूले बियाबां'।

गे

गेज (گیج) फा वि–उद्विग्न, व्यस्तमना, परेशान, अस्तव्यस्त तितर बितर।
गेती (گیتی) फा स्त्री–जगत, ससार दुनिया।
गेतीअफ्रोज (گیتی افروز) फा वि–ससार का ज्योतिमय करनेवाला।
गेतीआरा (گیتی آرا) फा वि–ससार का सजाने और सवारनेवाला।
गेतीनवर्द (گیتی نورد) फा वि–ससार में फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।
गेतीपैमा (گیتی پیما) फा वि–दे 'गेतीनवर्द', विश्व पयटक।
गेसू (گیسو) फा पु–अलक, जुल्फ लम्बे बाल जो पीठ पर रहते ह, बाल केश।
गेसूदराज (گیسودراز) फा वि–जिसके बाल बहुत लबे हो।
गेसूदार (گیسودار) फा वि–लौंडी-बच्चा, दासी-पुत्र, पुच्छल तारा दुमदार सितारा।
गेसूबुरीद (گیسو بریدہ) फा वि–जिसके बाल कटे हों, निर्लज्ज, बेहया।
गेव (گیوہ) फा पु–एक प्रकार का जूता, किर्मिच का जूता।
गेव (گیو) फा पु–ईरान का एक बहुत बडा योद्धा जो गोदज का पुत्र था।
गेहां (گیہاں) फा पु–दे जहां, दोनो शुद्ध ह परन्तु, जहाँ अधिक मान्य है।

गै

ग (غم) अ पु–निराशा नाउम्मेदी, पथभ्रष्टता, गुमराही, नरक में एक स्थान।
ग़ज (غیضہ) अ पु–सिंह की कछार जंगल, वन।
ग़ज (غیظ) अ पु–बहुत अधिक क्रोध प्रकोप भीतरी क्रोध अमर्ष।
ग़ज (غیض) अ पु–अधूरे दिनों का उत्पन्न शिशु पृथ्वी में धसना भाव का मन्द होना।

ग़ैज़ोग़ज़ब (غيظوغضب) अ. पु.—बहुत ही क्रोध और गुस्सा।
ग़ैन (غين) अ. पुं.—अभ्र, बादल, तृष्णा, प्यास; अँधेरा, तम।
ग़ैबः (غيبه) अ पु —तूणीर, तरकश।
ग़ैब (غيب) अ. पु —परोक्ष, पीठ पीछा, परलोक, देवताओ का स्थान, नियति, भाग्य,—"काम रुकने का नही अय दिले नाँदा कोई, खुद बखुद ग़ैब से हो जायेगा सामाँ कोई।"
ग़ैबत (غيبت) अ स्त्री —पीठ पीछा, परोक्ष, अतर्धान होना, लोप होना, गायब होना, अनुपस्थिति, ग़ैरमौजूदगी।
ग़ैबदाँ (غيبداں) अ फा वि —जो छिपी हुई बाते जाने, अतर्यामी, जो आनेवाले समय की बाते बता दे, भविष्यवेत्ता।
ग़ैबी (غيبى) अ वि —आकाशीय, आस्मानी, दवी, खुदाई, पीठ पीछे की, परोक्ष की।
ग़ैबूबत (غيبوبت) अ स्त्री —लोप, छिपाव, दुराव, वियोग, जुदाई, अनुपस्थिति, नामौजूदगी।
ग़ैम (غيم) अ पु —बादल, अभ्र, पिपासा, प्यास; आँख की भीतरी गर्मी।
ग़ैयाफ़ (غياف) अ वि —जिसकी डाढी बहुत लम्बी और घनी हो, रीशाईल।
ग़ैर (غير) अ. पु —अन्य, दूसरा, विभिन्न, मुख़्तलिफ़, अनात्मीय, बेगाना; विरुद्ध, खिलाफ।
ग़ैरअहम (غيراهم) अ वि —जिसका कोई महत्त्व न हो, महत्वहीन, साधारण, मामूली।
ग़ैरआईनी (غيرآئينى) अ फा वि —जो कानून के विरुद्ध हो, अवैध।
ग़ैरआबाद (غيرآباد) अ फा वि —जो बसा न हो, निर्जन, जो खँडहर हो, वीरान।
ग़ैरइंसानी (غيرانسانى) अ वि.—जो मनुष्यो-जैसा न हो, अमानुषिक।
ग़ैरक़ानूनी (غيرقانونى) अ वि —दे 'ग़ैरआईनी'।
ग़ैरकारआमद (غيركارآمد) अ फा. वि —जो उपयोग के काबिल न हो, अनुपयुक्त, जो काम न दे, बेकार।
ग़ैरजानिबदार (غيرجانبدار) अ फा वि —जो किसी का पक्षपात न करे, तटस्थ, उदासीन।
ग़ैरजानिबदारी (غيرجانبدارى) अ फा स्त्री.—निष्पक्षता, अतटस्थता।
ग़ैरज़िम्म.दार (غيرذمہدار) अ फा वि —जो अपनी ज़िम्म दारी महसूस न करे, दायित्वहीन।
ग़ैरज़िम्म.दारी (غيرذمہدارى) अ फा. स्त्री —ज़िम्म दारी का एहसास न होना।
ग़ैरज़ीअक़्ल (غيرذىعقل) अ वि —जिसमे बुद्धि न हो, बुद्धिहीन, जिसमे अच्छे बुरे की तमीज न हो, विवेकहीन।
ग़ैरज़ीरूह (غيرذىروح) अ वि —जिसमे प्राण न हो, निर्जीव, निष्प्राण।
ग़ैरज़ीशुऊर (غيرذىشعور) अ वि —जिसमे विवेक और चेतना न हो, जड।
ग़ैरज़ुरूरी (غيرضرورى) अ. वि —जो आवश्यक न हो, अनावश्यक।
ग़ैरत (غيرت) अ स्त्री —लज्जा, लाज, शर्म; स्वाभिमान, खुददारी।
ग़ैरतदार (غيرتدار) अ फा वि —स्वाभिमानी, खुददार।
ग़ैरतनख़्वाहदार (غيرتنخواهدار) अ. फा वि —जो वेतन के बिना काम करे, अवैतनिक।
ग़ैरतमंद (غيرتمند) अ. फा वि —दे 'ग़ैरतदार'।
ग़ैरतह्ज़ीबयाफ़्तः (غيرتهذيبيافته) अ फा वि —असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।
ग़ैरता'लीमयाफ़्तः (غيرتعليميافته) अ फा वि —बे पढ़ा-लिखा, निरक्षर, अशिष्ट, असभ्य, उजड्ड।
ग़ैरपसंदीदः (غيرپسنديده) अ. फा. वि —अप्रिय, अरुचिकर, अनुचित, नामुनासिब।
ग़ैरपाएदार (غيرپائدار) अ फा. वि —जो टिकाऊ न हो, अदृढ़।
ग़ैरपुख़्तः (غيرپخته) अ फा. वि —जो कच्चा हो (फल आदि), अपक्व, जो निश्चित न हो, ग़ैरयक़ीनी (वचन आदि), जो कच्ची ईंटों का बना हो।
ग़ैरफ़सीह (غيرفصيح) अ वि —जिसे साहित्यिक जन असाधु समझे (शब्द आदि), साहित्य मे अप्रचलित या अप्रयुक्त शब्द।
ग़ैरफ़ानी (غيرفانى) अ वि —जो कभी नष्ट न हो, जो कभी न मरे, अनश्वर, शाश्वत।
ग़ैरफ़ित्री (غيرفطرى) अ वि.—जो प्राकृतिक न हो, अनैसर्गिक, अप्राकृतिक।
ग़ैरमक़्तूअ (غيرمقطوع) अ वि —जो कटा न हो, अविच्छिन्न, अखण्डित।
ग़ैरमक्फ़ूल (غيرمكفول) अ वि —वह सपत्ति आदि जो किसी ऋण आदि मे रेहन न हो, बधकहीन।
ग़ैरमक़्बूल (غيرمقبول) अ वि —जिसे लोग पसद न करे, अप्रिय, जो माना न जाय, अमान्य, जो मजूर न हो, अस्वीकृत।
ग़ैरमक्रूह (غيرمكروه) अ. वि —जो देखने मे कुरूप न हो, शुभदर्शन, जिसका खान-पान घृणित न हो।
ग़ैरमख़्सूस (غيرمخصوص) अ वि —जो ख़ास न हो, साधारण, सामान्य।

ग़रमग़्शूश (غیرمغشوش) अ वि–जिसमें मिलावट न हो अकृत्रिम।

ग़रमज़रूअ (غیرمزروع) अ वि–वह भूमि जो जोती-बोई न जाती हो, अकृष्य।

ग़रमज़्रूअ (غیرمزروع) अ वि–दे ग़रमज़रूअ।

ग़रमत्बूअ (غیرمطبوعہ) अ वि–वह पुस्तक जो प्रकाशित न हुई हो, अप्रकाशित, अमुद्रित हस्तलिखित पाण्डुलिपि।

ग़रमत्बूअ (غیرمطبوع) अ वि–जो मनोवांछित न हो अरुचिकर, नापसंदीद।

ग़रमत्रूक (غیرمتروکہ) अ वि–वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो वह संपत्ति आदि जो तरीके से अलग हो।

ग़रमन्क़ूक (غیرمنقوی) अ वि–वह शब्द जो साहित्य में व्यवहृत हो वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो अत्याज्य।

ग़रमत्लूब (غیرمطلوب) अ वि–जिस वस्तु की इच्छा न हो अवांछित, अनिच्छित।

ग़रमदऊ (غیرمدعو) अ वि–जो किसी दावत आदि में बुलाया न गया हो, अनिमंत्रित।

ग़रमदख़ूला (غیرمدخولہ) अ वि–वह स्त्री जो रखैल न हो जो वस्तु दाखिल की हुई न हो।

ग़रमन्क़ूला (غیرمنقولہ) अ वि–वह संपत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न जा सके जमीन–भूमि आदि स्थावर अचल।

ग़रमन्क़ूल (غیرمنقول) अ वि–जो हट न सके जिसका स्थानान्तरण न हो सके।

ग़रमन्कूहा (غیرمنکوحہ) अ स्त्री–वह स्त्री जिसका विवाह न हुआ हो अविवाहिता।

ग़रमन्कूह (غیرمنکوح) अ पु–वह पुरुष जिसका विवाह न हुआ हो अविवाहित।

ग़रमफ़्तूह (غیرمفتوح) अ वि–जो जीता न गया हो अविजित जो जाना न जा सके अजेय जो हारा न हो अपराजित।

ग़रमम्नूअ (غیرممنوع) अ वि–जिसका मनाही न हो अनिषिद्ध, जिसका खान-पान वर्जित न हो।

ग़रमम्नून (غیرممنون) अकृतज्ञ अनाभारी नाशुक्रा ग़र मश्कूर।

ग़रमरई (غیرمرئی) अ वि–जो दिखाई न पड़े अगोचर अलक्ष्य।

ग़रमरऊब (غیرمرعوب) अ वि–जो रोब में आया न हो जो डरा न हो बेधड़क निर्भय।

ग़रमर्ग़ूब (غیرمرغوب) अ वि–जो पसन्दीदा न हो अप्रिय अरुचिकर।

ग़रमर्तूब (غیرمرطوب) अ वि–जो शीतल न हो जो ठण्डा न हो जिसका स्वभाव शीतप्रधान न हो जिसमें नमी या तरलता न हो।

ग़रमर्बूत (غیرمربوط) अ वि–जो समबद्ध न हो असंबद्ध जो अटपटा हो (बात) बेमेल विशृंखल।

ग़रमश्कूक (غیرمشکوک) अ वि–जिसमें कोई शंका न हो असंदिग्ध।

ग़रमश्हूर (غیرمشہور) अ वि–जो प्रसिद्ध न हो अप्रसिद्ध अविख्यात।

ग़रमस्मूम (غیرمسموم) अ वि–जो विषयुक्त न हो जो ज़हरीला न हो, निर्विष।

ग़रमा'मूली (غیرمعمولی) अ वि–जो साधारण न हो असाधारण, महत्वपूर्ण अहम।

ग़रमा'यूब (غیرمعیوب) अ वि–जिसमें दोष न हो दोषहीन।

ग़रमायूस (غیرمایوس) अ वि–जो निराश न हो, निराशाहीन, आशान्वित।

ग़रमा'सूम (غیرمعصوم) अ वि–जो पाप रहित न हो पापयुक्त।

ग़रमाहिर (غیرماہر) अ वि–जो किसी काम का अच्छा ज्ञाता न हो, अविज्ञ।

ग़रमुऐयन (غیرمعین) अ वि–जो निश्चित न हो अनिश्चित।

ग़रमुकम्मल (غیرمکمل) अ वि–जो अधूरा हो अपूर्ण नाक़िस।

ग़रमुक़र्रर (غیرمقررہ) अ वि–जो मुक़र्रर न हो अनिश्चित।

ग़रमुक़र्रर (غیرمقرر) अ वि–दे ग़रमुक़र्ररा।

ग़रमुकर्रर (غیرمکرر) अ वि–जो दोबारा न हो जो दोहराया न गया हो अपरिचित अनजान।

ग़रमुजस्सा (غیرمجزی) अ वि–जो अलग-अलग टुकड़ों में न हो संबद्ध जो अध्यायों और खण्डों में न हो।

ग़रमुजस्सम (غیرمجسم) अ वि–जिसने शरीर धारण न किया हो जिसका कोई रूप निश्चित न हो निराकार।

ग़रमुजाज़ (غیرمجاز) अ वि–जिसको किसी कार्य विशेष की आज्ञा न हो अनधिकारी।

ग़रमुतअल्लिक़ (غیرمتعلق) अ वि–जो किसी विषय विशेष से सम्बंधित न हो असंगत असंबद्ध।

ग़रमुतअस्सिब (غیرمتعصب) अ वि–जिसमें धार्मिक या जातीय संकीर्णता न हो उदाराशय वहृच्चित्त।

ग़रमुतअस्सिर (غیرمتاثر) अ वि–जिसने असर न लिया हो जो प्रभावित न हुआ हो अप्रभावित, तटस्थ निष्पक्ष।

गैरमुतअह्हिल (غیرمتاهل) अ. वि –जिसका व्याह न हुआ हो, और जिसके बाल-बच्चे न हो।

गैरमुतग़ैयिर (غیرمتغیر) अ वि –जो विगडा न हो, जो खराव न हुआ हो, अविकृत, अरूपान्तरित।

गैरमुतदय्यिन (غیرمتدین) अ. वि.–जिसमे दियानतदारी न हो, अविश्वस्त, सत्यानिष्ठ।

गैरमुतनाही (غیرمتناهی) अ वि –अपार, असीम, जिसकी सीमा और छोर न हो।

गैरमुतमद्दिन (غیرمتمدن) अ वि –जो सभ्य और शिष्ट न हो, असभ्य, अशिष्ट, जगली, वहशी।

गैरमुतवक़्क़े' (غیرمتوقع) अ वि –जिसकी आशा न हो, अप्रत्याशित, जो आशा से अधिक हो, आशातीत।

गैरमुतशद्दिद (غیرمتشدد) अ वि.–जो हिंसा पर विश्वास न रखता हो, जो हिंसक न हो, अहिंसक।

गैरमुतशद्दिदानः (غیرمتشددانه) अ. फा वि –जिसमे हिंसा का प्रयोग न हो, शान्तिमय।

गैरमुतहक़्क़िक (غیرمتحقق) अ वि –जिसकी जांच-पड़ताल न हुई हो, जिसका निश्चय न हुआ हो, अनिश्चित, सदिग्ध।

गैरमुतहम्मिल (غیرمتحمل) अ वि –जिसमे सहनशीलता न हो, असहिष्णु।

ग़ैरमुतहर्रिक (غیرمتحرک) जो चलता-फिरता न हो, अचल, जो अपनी जगह से हिल न सके, गतिहीन।

गैरमुदल्लल (غیرمدلل) अ वि –जिसका सुवूत न हो, अप्रमाणित, जिसके लिए कोई दलील न हो, अतर्क्य, अयुक्तिसगत।

ग़ैरमुनज्ज़म (غیرمنظم) अ वि –जिसका सगठन न हो, असगठित, जो क्रमवद्ध न हो, वेतर्तीव, असवद्ध।

गैरमुनासिव (غیرمناسب) अ वि –जो उचित न हो, अनुचित, अश्लीलतापूर्ण, फोह्श, उद्दडतापूर्ण, नामुहज्जव।

ग़ैरमुम्किन (غیرممکن) अ वि –जो हो न सके, असभव, अशक्य।

गैरमुरव्वज (غیرمروج) अ वि –जिसका चलन न हो, जो प्रचलित न हो, अव्यवहृत, अप्रचलित।

गैरमुवस्सक़ (غیرموثق) अ. वि –जो प्रमाणित न हो; जो निश्चित न हो, जो युक्तिसगत न हो।

गैरमुशख़्ख़स (غیرمشخص) अ. वि –जिसका निदान (तशख़ीस) न हुआ हो, जिसके वश और कुल आदि का पता न हो।

ग़ैरमुशावेह (غیرمشابه) अ वि –जो एक दूसरे से मिलते-जुलते न हो, जो एक-जैसे न हो, असहरूप।

ग़ैरमुश्तवह (غیرمشتبه) अ. वि.–जिसमे संदेह न हो, असदिग्ध, अविकल्प, यकीनी।

ग़ैरमुसद्दक़ः (غیرمصدقه) अ वि –जिस सूचना या वार्ता के झूठ सच का निश्चय न हुआ हो, अविश्वस्त; जिसकी तसदीक न हुई हो, अप्रमाणित।

गैरमुसद्दक़ (غیرمصدق) अ वि –दे 'गैरमुसद्दक़'।

ग़ैरमुसल्लम (غیرمسلم) अ वि –जो माना न जाय, अमान्य; जिसका सुवूत न हो, अप्रमाणित।

गैरमुसल्लह (غیرمسلح) अ. वि –जो हथियारवद न हो, निरस्त्र, शस्त्रहीन।

ग़ैरमुसलसल (غیرمسلسل) अ वि –जो ज़जीर मे जकडा न हो, विशृखल; जो लगातार न हो, अनिरतर।

गैरमुसावी (غیرمساوی) अ वि –जो वरावर न हो, असमान।

गैरमुस्तक़िल (غیرمستقل) अ वि –जो हमेशा के लिए न हो, जो थोड़े दिनो के लिए हो, अस्थायी।

ग़ैरमुस्ततीअ (غیرمستطیع) अ. वि –जिसमे सामर्थ्य न हो, अशक्त; जो निर्धन हो, धनहीन, दरिद्र।

ग़ैरमुस्तनद (غیرمستند) अ वि –जिसके पास प्रमाणपत्र न हो, जो सनदयाफ्त न हो; जिसका विश्वास न हो, अविश्वस्त।

गैरमुस्तहक़ (غیرمستحق) अ वि –अपात्र, अयोग्य, नाअहल, अनधिकारी, गैरहक़दार।

ग़ैरमुस्ता'मल (غیرمستعمل) अ वि –जिसका प्रयोग न हुआ हो, अप्रयुक्त, जिसका प्रयोग किया न जाता हो, अव्यवहृत।

गैरमुहज़्ज़व (غیرمهذب) अ वि –दे 'गैरतहज़ीवयाफ्त', अशिष्ट, दु शील, उजड्ड।

गैरमूहिम (غیرموهم) अ वि –जिसमे सदेह न हो, असदिग्ध, जो भ्रम मे न डाले।

गैरमे'मारी (غیرمیعاری) अ. वि –जो आदर्श के अनुसार न हो, जो विद्वत्तापूर्ण न हो, जो दर्जे से गिरा हुआ हो।

गैरमौजूद (غیرموجود) अ वि –अनुपस्थित, गैरहाजिर; अविद्यमान, नामौजूद।

गैरमौजूदगी (غیرموجودگی) अ फा स्त्री –अनुपस्थिति, गैरहाजिरी, अविद्यमानता, नामौजूदगी।

गैरमौरूसी (غیرموروثی) अ. वि –वह ज़मीन या जायदाद जो मौरूसी न हो, अपैतृक।

ग़ैरवाक़िई (غیرواقعی) अ वि –जो सत्य न हो, असत्य, झूठ; जो ठीक न हो, अयथार्थ; जो उचित न हो, अनुचित।

ग़ैरवाजिब (غیرواجب) अ वि—अनुचित नामुनासिब, जिसका अन्त करना आवश्यक न हो अदेय।

ग़ैरवाज़ेह (غیرواضح) अ वि—जो साफ़-साफ़ न हो धुंधला, अस्फुट, जिसका स्पष्टीकरण न हुआ हो, अस्पष्ट।

ग़ैरशरीफ़ (غیرشریف) अ वि—अकुलीन हीनयोनि ग़ैर खानदानी अजात असज्जन, अधम नीच।

ग़ैरशरीफ़ाना (غیرشریفانہ) अ फा वि—नीच लोगों जैसा अशिष्टतापूर्ण अनार्योचित।

ग़ैरसहीह (غیرصحیح) अ वि—जो सच न हो असत्य झूठ जो शुद्ध न हो अशुद्ध जो तन्दुरुस्त न हो अस्वस्थ।

ग़ैरसालेह (غیرصالح) अ वि—अशुद्ध दूषित फासिद असज्जन नाशरीफ़।

ग़ैरहमदर्द (غیرہمدرد) अ फा वि—जिसमें सहानुभूति न हो जो दुख आदि में सहायता न करे।

ग़ैरहाज़िर (غیرحاضر) अ वि—जो अपनी ड्यूटी पर हाज़िर न हो अनुपस्थित जो मौजूद न हो अविद्यमान।

ग़ैरहाज़िरी (غیرحاضری) अ स्त्री—अनुपस्थिति अविद्यमानता।

ग़ैल (غیل) अ पु—मोटी-ताज़ा शिशु भरी हुई बाँहें वह दूध जो स्त्री सम्भोग के समय शिशु को दे।

ग़ैलम (غیلم) अ स्त्री—वह लम्बी जो पूरी आयु को पहुँच गयी हो और जिसमें कामेच्छा उत्पन्न हो गयी हो कुएँ का स्रोत।

ग़ैस (غیث) अ पु—वर्षा वृष्टि मेंह बारिश बरसना बरसाना।

ग़ैसान (غیسان) अ पु—युवावस्था की तेज़ी जवानी का जोश युवावेग।

ग़ैहम (غیہم) अ स्त्री—तिमिर अंधकार तारीकी अँधेरा।

गहाँ (گہاں) फा पु—'गहान' का लघु, दे 'गहान'।

गहान (گہان) फा पु—संसार जगत दुनिया।

गो

गो (گو) फा अव्य—यद्यपि अगरचे (प्रत्य) कहनेवाला जैसे—'हक़गो' सच्ची बात कहनेवाला।

गो (گو) फा पु—गाय गो धेनु कंदुक गेंद पोलो का गेंद (संस्कृत से साम्य)।

गोइंद: (گوئندہ) फा वि—कहनेवाला वक्ता गुप्तचर जासूस।

गोइया (گوئیا) फा अव्य—दे 'गोया' यह शब्द अब व्यवहृत नहीं है इसके स्थान पर 'गोया' बोलते हैं 'तुम मेरे पास होते हो गोया'—मोमिन।

गोए (گوے) फा पु—गेंद कंदुक पोलो का गेंद।

गोएगिरीबाँ (گوے گریباں) फा पु—गले में लगाने की घुंडी।

गोएचौगाँ (گوے چوگاں) फा पु—पोलो खेलने का गेंद।

गोएबाज़ी (گوےبازی) फा स्त्री—गेंद-बल्ले का खेल क्रिकेट।

ग़ोक (غوک) फा पु—मेंढक दर्दुर मण्डूक।

गोज़ (گوز) फा पु—अधोवायु, अपान वायु रियाह।

गोज़ेशुतुर (گوزشتر) फा पु—ऊँट का अपान वायु अर्थात् ऐसी आवाज़ जिसे कोई न सुने मिथ्या और फ़ुज़ूल बात।

ग़ोत: (غوطہ) अ पु—डुबकी मज्जन पानी में पैठना, मूल शब्द 'ग़ूत' है, परन्तु वह प्रचलित नहीं है।

ग़ोत:ख़ोर (غوطہ‌خور) अ फा—डुबकी लगानेवाला मज्जनार।

ग़ोत:ख़ोरी (غوطہ‌خوری) अ फा स्त्री—डुबकी लगाना गोता मारना।

ग़ोत:गाह (غوطہ‌گاہ) अ फा स्त्री—डुबकी लगाने का स्थान।

ग़ोत:ज़न (غوطہ‌زن) अ फा वि—दे 'ग़ोत:ख़ोर'।

ग़ोत:ज़नी (غوطہ‌زنی) अ फा स्त्री—दे 'ग़ोत:ख़ोरी'।

गोदबान (گودبان) फा पु—ऊँट का कोहान।

गोनाब (گوناب) फा पु—ग़ाज़ा, गुलगूना मुखचूर्ण, फ़ेस पाउडर।

गोमगो (گومگو) फा वि—असमंजस ऊहापोह दुविधा, तज़ब्ज़ुब।

गोयाँ (گویاں) फा वि—बोलता हुआ कहता हुआ।

गोया (گویا) फा अव्य—मानो जैसे गाया कि (वि) बोलनेवाला वक्ता।

गोयाई (گویائی) फा स्त्री—वाक्शक्ति भाषण-शक्ति बोलने की कुव्वत।

ग़ोर: (غورہ) फा पु—कच्चा अंगूर।

ग़ोर (غور) फा पु—अफ़ग़ानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर।

गोर (گور) फा स्त्री—क़ब्र समाधि भवन जंगली बादाम, गोरख़र जंगली गधा विशेष।

गोरकन (گورکن) फा वि—क़ब्र खोदनेवाला बिज्जू एक प्रसिद्ध जन्तु जो क़ब्र खोदकर मुर्दे खाता है।

गोरकनी (گورکنی) फा स्त्री—क़ब्रें खोदने का काम या पेशा।

गोरख़र (گورخر) फा पु—एक जंगली गधा-विशेष वन गदर्भ।

गोरख़ान: (گورخانہ) फा पु—क़ब्र समाधि भवन।

गोरपरस्त (گورپرست) फा वि—क़ब्र पूजनेवाले मुसलमानों का वह सम्प्रदाय जो महात्माओं की क़ब्रों का सम्मान करता उन पर चिराग़ जलाता और फूल आदि चढ़ाता है।

गोरपरस्ती (گوربرستی) फा स्त्री.—क़ब्र पर फूल आदि चढाना और रौशनी करना।

गोल: (گولہ) फा. पु —गोल पिंड, गोल चीज, तोप आदि का गोला।

गोल:अंदाज़ (گولہ انداز) फा वि.—तोपची, तोप का गोला चलानेवाला।

गोल.बारी (گولہ باری) फा स्त्री —तोप से गोलो की वर्षा।

गोल (غول) फा. पु —कान, कर्ण, सैनिको का दल, समूह, समुदाय, भीड, दे 'गूल'।

गोल (غول) तु पु —वह सेना जिसके साथ सेनापति हो।

गोल (گول) फा. वि —मूर्ख, मूढ, अनाड़ी।

गोलबियावाँ (غول بیاباں) फा. पु —दे 'गूले बियावाँ'।

गोश: (گوشہ) फा पु —घर का कोना, एकान्त; जाविय, कोण।

गोश.गीर (گوشہ گیر) फा वि.—दे 'गोश.नशी'।

गोश:गीरी (گوشہ گیری) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी'।

गोश.गुज़ीं (گوشہ گزیں) फा वि —दे. 'गोश नशी'।

गोश.गुज़ीनी (گوشہ گزینی) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी'।

गोश.नशीं (گوشہ نشیں) फा. वि —एकान्तवासी, कोने में बैठनेवाला, सबसे अलग-थलग अकेला रहनेवाला।

गोश:नशीनी (گوشہ نشینی) फा स्त्री —एकान्त मे रहना, सबसे अलग होकर अकेला रहना।

गोश (گوش) फा पु —कान, श्रवण, कर्ण।

गोशएइंजिवा (گوشۂ انزوا) फा अ पु —एकान्त, निर्जन स्थान, जहाँ कोई न हो ऐसा छोटा-सा स्थान।

गोशएतनहाई (گوشۂ تنہائی) फा पु —एकान्त, गोशए इंज़िवा,—"सैकडों हस्रते आबाद किये है इसको, कौन कहता है कि दिल गोशए तनहाई है।"

गोशएकमाँ (گوشۂ کماں) फा पु —कमान का चिल्ला।

गोशएचश्म (گوشۂ چشم) फा. पु —आँख का कोना।

गोशख़ा (گوس خا) फा स्त्री —कनसलाई, एक लंबा और पतला कीडा जो कान मे घुसकर बडा कष्ट देता है।

गोशगिराँ (گوس گراں) फा वि —जिसे ऊँचा सुनाई देता हो, बहरा, बधिर।

गोशगुज़ार (گوش گزار) फा वि —कहा हुआ, प्रार्थित, कथित, श्रुत।

गोशज़द (گوش زد) फा वि —कान मे पडी हुई बात, श्रुत, सुना हुआ।

गोश ता गोश (گوش تاگوش) फा वि —इधर से उधर तक, इस सिरे से उस सिरे तक।

गोशदार (گوش دار) फा वि —बात सुनने के लिए कान लगानेवाला, कनसुए लेनेवाला, निरीक्षक, निगहबान।

गोशदारी (گوش داری) फा. स्त्री —कनसुए लेना, निरीक्षण, देखरेख।

गोशबरआवाज़ (گوش بر آواز) फा. वि —आवाज की आहट पर कान लगाये हुए, उत्कर्ण।

गोशमाल (گوش مال) फा. वि —कान उमेठनेवाला; कान उमेठना।

गोशमाली (گوش مالی) फा. स्त्री.—कान उमेठना, लड़को अथवा छोटे नौकरो को सजा देने के लिए उनके कान मलना।

गोशमाही (گوش ماہی) फा पु —घोघा; सीप, पियाला।

गोशवार: (گوشوارہ) फा पु —किसी हिसाब आदि के अलग-अलग ब्योरे का कागज, कान का लटकन, बुंदा।

गोशे शुन्वा (گوش شنوا) फा पु —सुननेवाला कान, वह कान जो बात गौर से सुने, अर्थात् वह व्यक्ति जो बात पर कान धरे।

गोशे होश (گوش ہوس) फा. पु —होश के कान, होशियारी और सतर्कता से बात सुनना।

गोश्त (گوشت) फा पु —मास, आमिष, माँस।

गोश्तख़ोर (گوشت خور) फा वि.—गोश्त खानेवाला, मासाहारी, जो प्रकृति से मासाहारी हो, जैसे—सिंह आदि।

गोश्तख़ोरी (گوشت خوری) फा स्त्री —गोश्त खाना, मासाहार, मासभक्षण।

गोसाल: (گوسالہ) फा पु —गाय का बछडा, गोवत्सल।

गोसालए फलक (گوسالۂ فلک) फा अ पु —वृषराशि, बुर्जे सौर।

गोस्पंद (گوسپند) फा स्त्री —बकरी, अजा।

गोस्फंद (گوسفند) फा स्त्री —दे 'गोस्पद'।

ग़ौ

ग़ौग़ा (غوغا) फा पुं —कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहराम।

ग़ौग़ाई (غوغائی) फा वि —कोलाहल करनेवाला, शोर मचानेवाला।

ग़ौज़ (عوز) अ पु —सकल्प, निश्चय, इरादा।

ग़ौत (غوط) अ पु —किसी चीज मे घुसना, एक चीज़ का दूसरी चीज मे समाना।

ग़ौर (غور) अ पु —चिन्तन, मनन, सोच, विचार, ध्यान, ख़याल, तन्मयता, इन्‌रिमाक; तसव्वुर, अनुध्यान; तवज्जुह, ध्यान।

ग़ौरतलब (غور طلب) अ वि —ज़िस पर विचार किया जाय, विचारणीय, जिस पर विचार आवश्यक हो।

ग़ौरोख़ौज़ (غور وخوض) अ पु —सोच-विचार, बहुत अधिक गौर।

ग़ौरोपर्दाख़्त (غورپرداخت) अ फा स्त्री—दखरख पालन पोषण।

ग़ौल (غول) अ पु—दुख रज, हत्या हनन, हलाक, अचानक पकड लेना।

ग़ौस (غوث) अ पु—वह मुसल्मान महात्मा जो वली से बडा पद रखता है, (वि) दुहाई सुननेवाला न्यायकर्ता, न्याय के लिए पुकारना, दुहाई देना।

ग़ौस (غوص) अ पु—पानी में पठना गोता मारना, अचानक किसी चीज पर उतरना।

गौहर (گوهر) फा पु—मुक्ता मुक्तक, मुक्ताहल मोती।

गौहरअफ़्शां (گوهرافشان) फा वि—मोती बिखेरनेवाला, ऐसी मीठी बातें करनेवाला मानो मोती बिखर रहे हो।

गौहरअफ़्शानी (گوهرافشانی) फा स्त्री—मोती बिखेरना मीठी-मीठी बात करना।

गौहरफ़रोश (گوهرفروش) फा वि—मोती बेचनेवाला जौहरी गुणग्राहक के सामने अपने गुणा का प्रदर्शन करनेवाला।

गौहरफ़रोशी (گوهرفروشی) फा स्त्री—मोती बेचना गुण ग्राहक के सामने गुणा का प्रदर्शन।

गौहरफ़िशां (گوهرفشاں) फा वि—दे 'गौहरअफ़्शां'।

गौहरफ़िशानी (گوهرفشانی) फा स्त्री—दे 'गौहरअफ़्शानी'।

गौहरबार (گوهربار) फा वि—मोती बरसानेवाला मुक्तावर्षक रोनेवाला (विशेषत आख)।

गौहरबारी (گوهرباری) फा स्त्री—मोती लुटाना रोना आँसू बहाना।

गौहररेज़ (گوهرریز) फा वि—दे 'गौहरबार'।

गौहररेज़ी (گوهرریزی) फा स्त्री—दे 'गौहरबारी'।

गौहरशनास (گوهرشناس) फा वि—मोती की परख रखनेवाला जौहरी गुण की परख रखनेवाला गुणग्राही।

गौहरशनासी (گوهرشناسی) फा स्त्री—मोती की परख गुणा की परख।

गौहरसंज (گوهرسنج) फा वि—मोती तौलनेवाला जौहरी गुणा का परखनेवाला अच्छी कविता करनेवाला।

गौहरसंजी (گوهرسنجی) फा स्त्री—मोती तौलना जौहरी का काम गुणा की परख अच्छी कविता करना।

गौहरे ताबां (گوهر تاباں) फा पु—बहुत अच्छी चमक देने वाला मोती।

गौहरे दंदां (گوهر دنداں) फा पु—मोतियों जैसे दाँत मोतीरूपी दाँत।

गौहरे यकता (گوهر یکتا) फा पु—वह मोती जो सीप में एक ही होता है, इसलिए बडा और बहुमूल्य होता है।

च

चग (چنگ) फा पु—एक टेढे आकार का बाजा, मुट्ठी पजा हर टेढी वस्तु।

चगनवाज़ (چنگ نواز) फा वि—चग बजानेवाला।

चगनवाज़ी (چنگ نوازی) फा स्त्री—चग बजाने का काम या पेशा।

चगलूक (چنگلوک) फा वि—जिसके हाथ-पाँव टेढे हो लुंजा।

चगाल (چنگال) फा पु—दे 'चगुल'।

चगी (چنگی) फा वि—चग बजानेवाला।

चगुल (چنگل) फा पु—मनुष्य का पजा पक्षी का पंजा शेर आदि का पंजा।

चगूक (چنگوک) फा वि—दे 'चगलूक'।

चगेज़ (چنگیز) तु पु—दे 'गुद्ध उ चिगेज़'।

चद (چندہ) फा पु—वह धन जो बहुत-से लोगो से लेकर किसी काम विशेष म व्यय किया जाता है।

चद (چند) फा वि—थोडे कतिपय कितने।

चदगाह (چندگاہ) फा स्त्री—बहुधा प्राय अक्सर।

चद दर चद (چند در چند) फा वि—बहुत अधिक।

चदन (چندن) एक प्रसिद्ध सुगधित लकडी सन्दल।

चदमर्द (چندمرد) फा वि—वह व्यक्ति जो अकेला कई आदमियों का काम करे।

चदरोज़ (چند روز) फा वि—थोडे दिनो का, अस्थायी, जो अधिक काम न दे बोदा, जो नाशवान् हो नश्वर, फानी।

चदसाल (چندسالہ) फा वि—जो थोडी आयु का हो जो थोडे वर्षों के लिए हो, जो थोड़े वर्षों में समाप्त हो।

चदाँ (چنداں) फा अव्य—इतना, इस क़दर जितना किस क़दर, ज़रा भी कुछ भी।

चदाल (چندال) फा पु—अधम नीच चाण्डाल चौकीदार, रखवाला।

चदीं (چندیں) फा अव्य—इतना इस क़दर जितना किस क़दर।

चदे (چندے) फा वि—थोड़े दिन थोडी देर।

चवर (چنبر) फा वि—परिधि मुहाव बनी हुई डफ घेरा हल्का तौक़, गले का एक आभूषण कनै ऊपर चढने की रस्सी कुंड, चारोंतरफ चक्कर देना।

चबरी (چنبری) फा वि—गोल, मडलाकार।

चक (چک) फा पु—दस्तावेज़ लेख बनामा, विक्रय लेख, सीमा, हद, क्षेत्र रक्बा, उद्यान, बाग़, आच्छादन,

हुक्मनामा; धुनकी की मूठ, खलियान समेटने की पाँच शाखावाली लकडी, पचा, वृत्ति, वजीफा।

चकश (چکش) फा पु –श्येन का घोसला, वाज के रहने का स्थान।

चकस (حکس) फा पु –दे 'चकश'।

चकाद (چکاد) फा स्त्री –ललाट, माथा।

चकावक (چکاوک) फा पु –चडूल, एक मधुरस्वर पक्षी, टटीरी, टिट्टिभि।

चकीदः (چکیدہ) फा वि –टपका हुआ, गिरा हुआ।

चकीदनी (چکیدنی) फा वि –टपकने योग्य, गिरने योग्य।

चकुश (چکش) तु पु –लोहार का हथौडा।

चकोचानः (چکوچانہ) फा पु –योग्यता, विद्वत्ता, काविलीयत, पात्रता, इस्ते'दाद।

चक्मः (چکمہ) तु. पु –मोजा, जुराँव, वूट जूता।

चक़्माक़ (چقماق) तु पु –एक आग देनेवाला पत्थर, अग्नि प्रस्तर, व्यग, कटाक्ष, तज।

चक्रः (چکرہ) फा पु –वूँद-वूँद टपकना।

चक्लः (چکلہ) तु पु –वेश्यालय, रडियो का महल्ला।

चक्श (چکش) तु पु –लोहारो का हथौडा, दे 'चकुश', दोनो शुद्ध हैं।

चक्श (چکش) फा पु –वुलवुल अथवा वाज आदि के विठाने की लकडी, अड्डा।

चक्सः (چکسہ) फा पु –पुडिया, जिसमे सौदा वँधा होता है।

चख़ (چخ) फा स्त्री –कलह, झगडा, कहा-सुनी, तू-तू, मैं-मैं।

चख़श (چخش) फा स्त्री –गले की वतौडी, रसौली।

चख़िदः (چخیدہ) फा वि –लडनेवाला।

चख़ी (چخیں) फा वि –दु खित, क्लेशित, रजीदा।

चख़ीदः (چخیدہ) फा. वि –लडा हुआ, जो लडा हो।

चख़ीदनी (چخیدنی) फा वि –लडने योग्य।

चग़ (چغ) फा स्त्री –मठा फेरने की रई।

चग़रिश्तः (چغرشتہ) फा पु –सूत की पिडिया, अटी।

चग़ाज़ (چغاز) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, फाहिशा, कुलटा, मुँहफट और वाचाल स्त्री।

चग़ानः (چغانہ) फा पु –धुनिए की मूठ-जैसी एक लकडी मे झाँझे डालकर वजाने का एक वाजा।

चग़ानःज़न (چغانہ‌زن) फा वि –चगाना वजानेवाला।

चगिल (چگل) फा पु –दे 'चिगिल'।

चग़ूक (چغوک) फा पु –चटक, गौरैया पक्षी, सुर्खाव पक्षी।

चग़्ज़ (چغز) फा पु –मेढक, दर्दुर, मडूक, वह फोडा जिसका मुँह वद हो और भीतर पीप हो।

चज़ (چز) फा पु –कपि, वदर, वानर।

चतूक (چتوک) फा पु.–दे. 'चग़ूक'।

चत्र (چتر) फा पु –छत्री, छाता, वह छाता जो राजाओ के सर पर लगाया जाता है।

चत्रज़न (چترزن) फा वि –जमीन पर हाथ टेककर और पाँव ऊपर करके खडा होनेवाला।

चत्रपोश (چترپوش) फा वि –जो छाते से ढँका हो, जिस पर छाता लगा हो।

चत्रवश (چتروش) फा वि –छाते-जैसा, छाते की तरह गोल और सायादार।

चत्रसाँ (چترساں) फा वि –दे. 'चत्रवश'।

चत्रे अंवरीं (چتر عنبریں) फा अ पु –रात्रि, रात, निशा।

चत्रे आवगूँ (چتر آبگوں) फा पु –आकाश, आसमान।

चत्रे कुह्ली (چتر کحلی) फा अ पु –आकाश, आसमान, काली घटा।

चत्रे ज़रनिगार (چتر زرنگار) फा पु –सोने के काम से सुसज्जित छाता, ताराओ जडा आकाश।

चत्रे नूर (چتر نور) फा. अ पु –सूर्य, सूरज।

चत्रे शाही (چتر شاہی) फा पु –वादशाहो के सर पर लगाया जानेवाला वडा छाता।

चत्रे सीमावी (چتر سیمابی) फा पु –दे 'चत्रे सीमी'।

चत्रे सीमी (چتر سیمیں) फा पु –पूरा चाँद, पूर्णचद्र।

चनाव (چناب) फा पु –रावटी की लकडी का छेद।

चनार (چنار) फा पु –एक प्रसिद्ध वृक्ष, कहते है कि रात को इसमे से चिनगारियाँ झडती है।

चप (چپ) फा वि –वायाँ, वाम, वायी ओर, उलटी तरफ।

चपअंदाज़ (چپ‌انداز) फा वि –वह तीरअदाज जिसका तीर निशाने पर पडकर लौट आये, छली, ठगिया।

चपकन (چپکن) फा स्त्री –अचकन के प्रकार का एक वस्त्र, अँगरखा।

चपकुलश (چپقلش) तु स्त्री –खीचातानी, आपाधापी; भीड़-भाड, जगह की तगी, झगड़ा, वखेडा, लड़ाई।

चपचलः (چپچلہ) फा पु –झूला, झूलने का यत्र, रपटन, फिसलन।

चपत (چپت) फा स्त्री –दे. 'चपात'।

चपदादः (چپ‌دادہ) फा वि –छोडा हुआ, त्यक्त।

चपदिहंद. (چپ‌دہندہ) फा वि –छोडनेवाला, त्यागी।

चपरास (چپراس) फा स्त्री –कमर मे वाँधने की पेटी, जो चौकीदार और सरकारी पियादे लगाते हैं।

चपरासी (چپراسی) फा पु –चपरास वाँधनेवाला; माल के विभाग का सम्मन आदि ता'मील करनेवाला व्यक्ति।

चपात (چپات) फा स्त्री –चपत, थप्पड।

चपाती (چپاتی) फा स्त्री–पतली रोटी, जो हाथ पर बढ़ायी गयी हो और बड़ी हो।
चपार (چپار) फा पु–'चापार' का लघु, डाक डाकिया।
चपोरास्त (چپوراست) फा पु–दायें-बायें इधर-उधर दोनों ओर।
चप्प (چپ) फा पु–जो उल्टे हाथ से सारा काम करता हो खब्बा।
चफाल (چفال) फा पु–सेना, फौज पक्षियों का झुंड।
चफाद (چفیده) फा वि–चिपका हुआ।
चफीदनी (چفیدنی) फा वि–चिपकने योग्य।
चफ्त (چفته) फा वि–वक्र टेढ़ा अव्यावहार लमीन मिथ्यारोप तोहमत बकरी का सिर सिरी।
चफ्त (چفت) फा स्त्री–अंगूर आदि की टट्टी बाँस की खपच्चियों से बनी हुई चौकार टट्टी।
चफ्सीद (چفسیده) फा वि–चिपका हुआ।
चबाग़ (چباغ) फा स्त्री–एक मछली।
चबूतर (چبوتره) फा पु–दे चौतरा।
चमगुत (چمگت) फा पु–रुई भरा हुआ पुराना कपड़ा।
चम (چم) फा पु–इठलाती हुई चाल पेच।
चमगर्दिश (چم‌گردش) फा स्त्री–इठलाकर चलना खिरामेनाज़।
चमन (چمن) फा पु–उद्यान आराम वाटिका बाग़।
चमनआरा (چمن‌آرا) फा वि–बाग़ को सँवारने और सजानेवाला माली उद्यानपाल।
चमनआराई (چمن‌آرائی) फा स्त्री–बाग़ के सजाने का काम।
चमनपरा (چمن‌پیرا) फा वि–दे चमनआरा।
चमनपराई (چمن‌پیرائی) फा स्त्री–दे चमनआराई।
चमनबंद (چمن‌بند) फा वि–बाग़ सजानेवाला बाग़ लगानेवाला।
चमनबंदी (چمن‌بندی) फा स्त्री–बाग़ की सजावट बाग़ के लिए पेड़ लगाना।
चमनिस्ताँ (چمنستاں) फा पु–'चमनिस्तान' का लघु दे चमनिस्तान।
चमनिस्तान (چمنستان) फा पु–चमन बाग़।
चमाँ (چماں) फा वि–इठलाकर चलनेवाला, चलने में इठलाता हुआ।
चमाना (چمانہ) फा पु–ताज़ी का पियाला जिसमें खाते पाते हैं (वि) इठलाता हुआ इठलाकर चलता हुआ।
चमान (چمان) फा पु–नाराज़-पायजामे के नीचे।
चमिंदः (چمنده) फा वि–इठलाते हुए टहलनेवाला।
चमिश (چمش) फा स्त्री–लचक इठलाहट।
चमी (چمی) फा वि–जो भौतिक न हो मानसिक मानवी।
चमीद (چمیده) फा वि–जो इठलाकर टहला हो टहलता या चलता हो।
चमीद (چمید) फा स्त्री–लचक मटक इठलाहट।
चमीदनी (چمیدنی) फा वि–लचकने योग्य नाज़ से चलने योग्य।
चमीन (چمین) फा पु–पाख़ाना पाख़ाना।
चमोख़म (چم‌وخم) फा पु–नाज़ोअदाज़ हावभाव।
चम्च (چمچه) तु पु–हाँडी चलाने का पात्रविशेष खाने का पात्रविशेष।
चरद (چرنده) फा पु–दे चरिंदः, दो गुप्त।
चर (چر) फा प्रत्य–चरनेवाला जैसे–'काहचर' घास चरनेवाला।
चरस (چرس) फा पु–गिद्ध अड़गड़ा चरागाह गोचर भीख का माल।
चरा (چرا) फा अव्य–क्या, किसलिए किस कारण (पु) चरागाह पशुओं के चरने का स्थान चरना।
चराग़ (چراغ) फा पु–दीप दीपक, दिया चरना।
चराग़दान (چراغ‌دان) फा पु–चराग़ रखने का पात्र दीवट आदि।
चराग़पा (چراغ‌پا) फा पु–दीवट चिराग़दान (वि) जो अल्फ हो गया हो जो गुस्से में आप से बाहर हो गया हो।
चराग़र (چراگر) फा वि–चरनेवाला।
चराग़वार (چراغ‌واره) फा पु–दीवट चराग़दान, कंदील।
चराग़ाँ (چراغاں) फा पु–जलते हुए चराग़ों की क़तारें दीपावली पंक्तियों में बहुत-से दीपक जलाने का कर्म अपराधी को शारीरिक यातना देने की एक असमानीय रीति जिसमें उसके सिर पर बहुत से घाव बनाकर हर घाव में एक जलती हुई बत्ती रखते थे।
चरागाह (چراگاه) फा स्त्री–गौ आदि के चरने का स्थान गोचर।
चराग़ी (چراغی) फा स्त्री–किसी बुज़ुर्ग के मज़ार पर फतीह लिखनेवाले से रोशनी के लिए लिया जानेवाला पैसा।
चराग़े आस्मानी (چراغ‌آسمانی) फा पु–विद्युत बिजली।
चराग़े कुश्त (چراغ‌کشته) फा पु–बुझा हुआ दीपक।
चराग़े तहेदामन (چراغ‌تہ‌دامن) फा पु–हवा के वेग से बचाने के लिए दामन के नीचे किया हुआ दीपक।

चराग़े मज़ार (چراغِ مزار) फा अ पु —कब्र पर जलनेवाला दिया, आशिक की कब्र पर जलनेवाला दीपक, यह शब्द विशेषत इन्ही अर्थों मे बोला जाता है।

चराज़न (چرازن) फा वि —चरनेवाला, घास खानेवाला, पशु, जानवर।

चरिंदः (چرندہ) फा वि —पशु, चौपाया, मवेशी, चरनेवाला।

चरिंद (چرند) फा पु —दे 'चरिंद'।

चरीदः (چریدہ) फा वि —चरा हुआ, जिसे चरा गया हो।

चरीदनी (چریدنی) फा वि —चरने योग्य।

चर्कस (چرکس) तु पु —एक तुर्की जाति।

चर्ख़. (چرخہ) फा. पु —सूत या ऊन कातने का यत्र, चर्खा।

चर्ख़ (چرخ) फा पु —चक्कर, चक्र, आकाश, आस्मान, कुम्हार का चाक, पहिया, चक्र; कडा धनुष, रहट, कुएँ से पानी निकालने का गर्रा, दामन का घेर, चारो ओर फिरना, घूमना, कुर्ते का गला।

चर्ख़अंदाज़ (چرخ انداز) फा. वि —अच्छा तीर चलानेवाला, धनुर्धर।

चर्ख़कबा (چرخ قبا) फा अ पुं —एक प्रकार की अतलस।

चर्ख़गी (چرخگی) फा स्त्री —पहलवान का अखाडे मे जीतने के समय खुशी से नाचना-कूदना।

चर्ख़ज़न (چرخ زن) फा वि —नाचनेवाला, (वाली) नर्तक, नर्तकी, पर्यटन करनेवाला, सैयाह।

चर्ख़ज़नी (چرخ زنی) फा स्त्री —नाचना, पर्यटन करना।

चर्ख़जी (چرخچی) फा स्त्री —सेना का आगे चलनेवाला दस्ता।

चर्ख़रीसक (چرخ ریسک) फा पु —झीगुर।

चर्ख़ाब (چرخاب) फा पु —जलावर्त, भँवर, (चर्ख़=चक्कर+आब=पानी) गिर्दाब।

चर्ख़ी (چرخی) फा स्त्री —कपास ओटने का यत्र, पतग की डोर लपेटने का हुचका, एक आतशबाजी, फिरकी।

चर्ख़ुश्त (چرخشت) फा पु —कोल्हू।

चर्ख़ूक (چرخوک) फा पु —लट्टू।

चर्ख़े कमाँ (چرخِ کماں) फा पु —धनुप का घेरा।

चर्ख़े फलक (چرخِ فلک) फा अ पु —सब से ऊँचा आकाश, जिस पर ईश्वर का सिंहासन है, अर्श।

चर्ख़े बरीं (چرخِ بریں) फा पु —ऊँचा आकाश, सबसे ऊपरवाला आकाश।

चर्ग़ (چرغ) फा पु —श्येन, शिकरा बाज, शिकारी पक्षी, लकडबग्घा, चर्ख़ा।

चर्ग़द (چرغد) फा पु —झीगुर।

चर्ग़ीनः (چرغینہ) फा वि —नीच, कमीना, अधम।

चर्ज़ः (چرزہ) फा पु —मनुष्य अथवा पशु की खाल।

चर्ज़ (چرز) फा पु —एक पक्षी।

चर्तः (چرتہ) फा. पु — दे 'चर्दः'।

चर्दः (چردہ) फा पु —रग, वर्ण, परंतु यह शब्द केवल 'सियाह' के साथ बोला जाता है, और 'काले रगवाला' का अर्थ देता है।

चर्बः (چربہ) फा पु —वह महीन और चिकना कागज जो दूसरे कागज पर रखकर उसके बेलबूटे उतारने के काम आता है, अक्सी कागज, इस प्रकार उतारा हुआ कागज, खाका, रेखाचित्र, नक़ल, प्रतिलिपि।

चर्ब (چرب) फा वि —चिकना, स्निग्ध, घी मे चुपडा या मला हुआ, घी मे तलना, सेकना।

चर्बआख़ोर (چرب آخور) फा वि —वह व्यक्ति जो बिना परिश्रम के तर माल खाता हो, मुफ्तखोर।

चर्बक (چربک) फा पु —पूरी, घी मे तला हुआ फुलका, मलाई, क्षीरस्तर, वह महीन कागज जिस पर दूसरे चित्र का अक्स लिया जाता है।

चर्बक़ामत (چرب قامت) फा अ वि —अच्छे डीलडौल का, सुडौल।

चर्बज़बाँ (چرب زباں) फा वि —चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, मुखर, वाचाल, बातूनी, खुशामद से मीठी-मीठी बाते करनेवाला।

चर्बज़बानी (چرب زبانی) फा स्त्री —चापलूसी, बातूनी होना; मीठी-मीठी बाते करना।

चर्बदस्त (چرب دست) फा. वि —किसी काम मे होशियार, सिद्धहस्त, दस्तकार, शिल्पकार।

चर्बदस्ती (چرب دستی) फा स्त्री —काम मे कुशलता, दस्तकार होना।

चर्बपहलू (چرب پہلو) फा वि —चर्बीला, मोटा-ताजा; वह व्यक्ति जिसके पास बैठना उठना लाभदायक हो।

चर्बिंदः (چربندہ) फा वि —जीतनेवाला, विजेता।

चर्बिंदगी (چربندگی) फा स्त्री —विजय, जीत।

चर्बीदः (چربیدہ) फा वि —जीता हुआ, जो जीत गया हो, प्राप्तविजय।

चर्बीदनी (چربیدنی) फा वि — जीतने योग्य, जेय।

चर्बू (چربو) फा स्त्री —चर्बी, मेदा।

चर्बोख़ुश्क (چرب وخشک) फा पु —अच्छा-बुरा, बुरा-भला, उदार और कजूस।

चर्मः (چرمہ) फा. पु.—गौन, खुर्जी।

चर्म (چرم) फा पु —चमडा, चर्म, (संस्कृत का फार्सी मे प्रचलित तत्सम रूप)।

चमदाँ (چرمدان) फा पु–चमड़ा का थला।
चमदोज (چرمدوز) फा वि–चमड़ा सीनेवाला मोची चमकार।
चमदोजी (چرمدوزی) फा स्त्री–चमडा सीने का काम मोचीपन।
चर्मी (چرمی) फा वि–चमड़े का बना हुआ।
चर्मीन (چرمینه) फा पु–चमड़े की बनी हुई वस्तु।
चर्मे आहू (چرم آهو) फा पु–हिरन का चमड़ा।
चविंद (چروندہ) फा वि–दौड़नेवाला उपाय ढूँढ़ने वाला।
चवींद (چرویدہ) फा वि–दौड़ा हुआ उपाय ढूँढ़ा हुआ।
चलजू (چلجو) फा वि–वह व्यक्ति जो अपना जन्म मरा करता हो।
चलपची (چلپچی) फा स्त्री–हाथ धोने का एक विशेष पात्र।
चलाली (چلالی) फा पु–छावा।
चलिंद (چلندہ) फा वि–चलनेवाला।
चलीद (چلیدہ) फा वि–चला हुआ।
चलीदनी (چلیدنی) फा वि–चलने योग्य।
चलीपा (چلیپا) फा वि–सलीब सास।
चलीपाई (چلیپائی) फा वि–सलीब के आकार का।
चलपक (چلپک) फा स्त्री–पूरी घी में सिकी हुई रोटी।
चल्पास (چلپاسه) फा स्त्री–छिपकली गृहगोधा दे चिपास दोनों शु है।
चलब (چلب) फा स्त्री–झाँझ।
चश (چشه) फा पु–चटनी चाटने की खट मिट्ठी चीज अवलेह लड्डूक।
चश (چش) फा प्रत्य–चखनेवाला जसे—लज्जत चश मजा चखनेवाला।
चशक (چشک) फा स्त्री–चखावट।
चशिंद (چشندہ) फा वि–चखनेवाला।
चशीद (چشیدہ) फा वि–चखा हुआ।
चशीदनी (چشیدنی) फा वि–चखने योग्य।
चशपर (چشپر) फा पु–पाँव का चिह्न।
चश्म (چشمه) फा पु–सोता स्रोत सरिता छोटा नदी उपनेत्र ऐनक प्राकृतिक सोता कुड।
चश्म गाह (چشمه گاه)–फा स्त्री–चश्मे का स्थान।
चश्म जार (چشمه زار) फा पु–जहाँ चश्म हो चश्म हो।
चश्म सार (چشمه سار) फा पु–दे चश्म जार चश्मों से भरा हुआ स्थान।

चश्म (چشم) फा पु–नेत्र नयन चक्षु आँख आशा उम्मीद।
चश्मए आफताब (چشمۂ آفتاب) फा पु–सूरज सूर्य।
चश्मए खिज्र (چشمۂ خضر) फा अ पु–आबहयात का चश्मा अमृत कुंड।
चश्मए गर्म (چشمۂ گرم) फा पु–वह सोता जहाँ से गर्म पानी निकलता हो।
चश्मए सीमाब (چشمۂ سیماب) फा पु–सूरज सूर्य।
चश्मए हौर (چشمۂ هور) फा पु–सूरज सूर्य।
चश्मए हैवाँ (چشمۂ حیوان) फा अ पु–दे चश्मए खिज्र।
चश्मक (چشمک) फा स्त्री–गुप्त बात के लिए आँख का संकेत उपनेत्र ऐनक।
चश्मकजन (چشمک زن) फा वि–आँख से संकेत करने वाला।
चश्मकजनी (چشمک زنی) फा स्त्री–आँख से संकेत करना।
चश्मखान (چشم خانه) फा पु–वह गड्ढा जिसमें आँख का ढेला रहता है चक्षु गोलक।
चश्मगश्त (چشم گشته) फा वि–विषम दृष्टि भेंगा।
चश्मजख्म (چشم زخم) फा पु–बुरी दृष्टि का प्रभाव।
चश्मजद (چشم زد) फा पु–नजर लगाना आँख का संकेत करना डरना पलक झपकना पल लम्हा।
चश्मजदन (چشم زدن) फा पु–पलक झपकना निमेष।
चश्मदराज (چشم دراز) फा वि–निर्लज्ज बेहया।
चश्मदरीद (چشم دریدہ) फा वि–निर्लज्ज धृष्ट बेहया।
चश्मदाश्त (چشم داشت) फा स्त्री–आशा भरोसा उम्मीद आस लगाना।
चश्मदीद (چشم دید) फा वि–आँख से देखा हुआ जो आँखों के सामने घटित हुआ हो।
चश्मनुमाई (چشم نمائی) फा स्त्री–आँख तरेरना आँख तरेरकर धमका देना।
चश्मपोशी (چشم پوشی) फा स्त्री–किसी का दोष देखते हुए भी निगाह बचा जाना दर गुजर।
चश्मबंद (چشم بند) फा वि वह मंत्र या जादू जिससे नींद उड़ जाती है।
चश्मबंदी (چشم بندی) फा स्त्री–मंत्र या जादू के द्वारा नींद का उड़ जाना।
चश्मबरजा (چشم برجا) फा वि–टकटकी बाँधे हुए एक टक देखता हुआ।

चश्मबराह (چشم براہ) फा. वि –रस्ते पर आँखे लगाये हुए, बेचैनी से प्रतीक्षा करनेवाला।

चश्मरसीदः (چشم رسیدہ) फा वि –जिसे नजर लग गयी हो।

चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा स्त्री.–मुबारकबाद, बधाई।

चश्महादीदः (چشم ہا دیدہ) फा वि –बहुत-सी आँखे देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।

चश्मारू (چشمارو) फा पु –खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूँस आदि का मनुष्य, धोखा।

चश्मे ख़ुरूस (چشم خروس) फा स्त्री –घुँघची, घुमचिल।

चश्मे ख़ूँआलूद (چشم خوں آلود) फा स्त्री –ऐसी आँखे जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हो, मानो उनमे ख़ून उतर आया है।

चश्मे जाहिर (چشم ظاہر) फा अ स्त्री –साधारण आँख जिससे देखते है, चर्मचक्षु।

चश्मे नम (چشم نم) फा स्त्री –गीली आँख, जो आँसुओ से तर हो।

चश्मे नीमबाज (چشم نیم باز) फा स्त्री –अधखुली आँख, ऊँघते हुए की आँख, नशे मे मस्त की आँख।

चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा स्त्री –दे. 'चश्मे नीमबाज।

चश्मे पुरआब (چشم پر آب) फा स्त्री –जिस आँख मे आँसू भरे हुए हो, रोनेवाली आँख, डबडबाई हुई आँख।

चश्मे पुरनम (چشم پرنم) फा स्त्री –दे 'चश्मे पुरआब'।

चश्मे फ़िरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री –उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।

चश्मे बद (چشم بد) फा स्त्री –बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नजर।

चश्मे बददूर (چشم بد دور) फा वा –एक आशीर्वाद, तुम्हे बुरी नजर न लगे।

चश्मे बातिन (چشم باطن) फा अ स्त्री –'चश्मे जाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।

चश्मे बीना (چشم بینا) फा स्त्री –देखनेवाली आँख, जिस आँख मे ज्योति हो, स्वस्थ आँख।

चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा स्त्री –अधखुली आँख, विशेषत प्रेमिका की आँख के लिए बोलते है।

चश्मे बेआब (چشم بے آب) फा स्त्री –जिस आँख मे पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।

चश्मे बेदार (چشم بیدار) फा स्त्री –जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेष्ट।

चश्मे शब (چشم شب) फा स्त्री –चद्रमा, चाँद।

चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री –दे 'चश्मेबद'।

चश्मे सियाह (چشم سیاہ) फा स्त्री –इस शब्द का प्रयोग जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अधी आँख।

चश्मे हिस्सी (چشم حسی) फा अ स्त्री.–दे 'चश्मे जाहिर'।

चश्मोचराग (چشم و چراغ) फा पु –अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।

चस्तः (چستہ) फा पु –घोडे, गधे अथवा ऊँट की ख़ाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष, पशु की रान का मास।

चस्तःख़्वार (چستہ خوار) फा. वि –मुफ्तख़ोर।

चस्पाँ (چسپاں) फा वि –चिपका हुआ; चरितार्थ, मुताबिक।

चस्पानीदः (چسپانیدہ) फा वि –चिपकाया हुआ।

चस्पिंदः (چسپندہ) फा वि –चिपकानेवाला।

चस्पीदः (چسپیدہ) चिपका हुआ।

चस्पीदगी (چسپیدگی) फा स्त्री –चिपकन, चिपक।

चस्पीदनी (چسپیدنی) फा वि –चिपकने योग्य।

चह (چہ) फा पु –'चाह' का लघु, दे 'चाह'।

चहचहः (چہچہہ) फा पु –चिडियो की चहकार, चहचहाहट।

चहार (چہار) फा. वि –चार, चार की सख्या।

चहारगानः (چہارگانہ) फा वि –चार से सम्बन्ध रखनेवाला; चार सूत्रवाला, चार प्रकारवाला।

चहारगाह (چہارگاہ) फा पु –गाने का एक प्रकार।

चहारचंद (چہار چند) फा वि –चौगुना।

चहारजानिब (چہار جانب) फा अ वि –चारो ओर, चारो तरफ।

चहारतारः (چہار تارہ) फा पु –एक साज जिसमे चार तार होते है।

चहारदह (چہاردہ) फा. वि –चौदह, चतुर्दश।

चहारदहुम (چہاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश; चौदहवी, चतुर्दशी।

चहारदांग (چہاردانگ) फा वि –चारो ओर, सब तरफ; ससार भर।

चहारपहलू (چہار پہلو) फा वि –चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।

चहारमीर (چہار میر) फा अ पु –चारो खलीफा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।

चहार मेख़े हयात (چہار میخ حیات) फा अ. स्त्री –आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारो तत्त्व।

चहारशंब. (چہارشنبہ) फा पु –बुधवार, बुध का दिन।

चहारुम (چہارم) फा वि –चौथा, चतुर्थ।

चहारुमी (چہارمیں) फा वि –चौथे का, चौथावाला, चौथा।

चमदाँ (چرمدان) फा पु—चमड़े का थला।
चमदोज़ (چرمدوز) फा वि—चमड़ा सीनेवाला, मोची, चमकार।
चमदोज़ी (چرمدوزی) फा स्त्री—चमड़ा सीने का काम, मोचीपन।
चर्मी (چرمی) फा वि—चमड़े का बना हुआ।
चर्मीना (چرمینه) फा पु—चमड़े की बनी हुई वस्तु।
चर्मे आहू (چرم آهو) फा पु—हिरन का चमड़ा।
चर्विद (چروند) फा वि—दौड़नेवाला उपाय ढूँढ़ने वाला।
चर्वीदा (چرویده) फा वि—दौड़ा हुआ उपाय ढूँढ़ा हुआ।
चलज़ू (چلغوزه) फा वि—वह व्यक्ति जो अपना जन्म भला करता हो।
चलपवी (چلپی) फा स्त्री—हाथ धान का एक विशेष पात्र।
चलाली (چلالی) फा पु—छाता।
चलिंद (چلنده) फा वि—चलनेवाला।
चलीदा (چلیده) फा वि—चला हुआ।
चलीदनी (چلیدنی) फा वि—चलने योग्य।
चलीपा (چلیپا) फा वि—सलाव नास।
चलीपाई (چلیپائی) फा वि—सलीब के आकार का।
चलपक (چلپک) फा स्त्री—पूरी घी में सिकी हुई रोटी।
चलपासा (چلپاسه) फा स्त्री—छिपकली गहगोया दे चिलपास दा गु ह।
चल्व (چلب) फा स्त्री—नीम।
चश (چش) फा पु—चटनी चाटने की खट मिट्ठी चीज़, अवलेह लड्डक।
चश (چش) फा प्रत्य—चखनेवाला जैसे—मज़ाचश मज़ा चखनेवाला।
चशक (چشک) फा स्त्री—चखावट।
चशिंद (چشنده) फा वि—चखनेवाला।
चशीद (چشیده) फा वि—चखा हुआ।
चशीदनी (چشیدنی) फा वि—चखने योग्य।
चश्पर (چشپر) फा पु—पाव का चिह्न।
चश्मा (چشمه) फा पु—सोता स्रोत सरिता छोटा नदी उपनेत्र ऐनक प्राकृतिक स्रोत कुण्ड।
चश्मगाह (چشمه گاه)—फा स्त्री—चश्मे का स्थान।
चश्मज़ार (چشمه زار) फा पु—जहाँ चश्मे हो चश्म हो।
चश्मसार (چشمه سار) फा पु—दे चश्मज़ार चश्मा से भरा हुआ स्थान।

चश्म (چشم) फा पु—नेत्र, नयन, चक्षु आँख, आशा उम्मीद।
चश्मए आफ्ताब (چشمهٔ آفتاب) फा पु—सूरज सूर्य।
चश्मए खिज़्र (چشمهٔ خضر) फा अ पु—आबेहयात का चश्मा, अमृत कुंड।
चश्मए गर्म (چشمهٔ گرم) फा पु—वह सोता जहाँ से गर्म पानी निकलता हो।
चश्मए सीमाब (چشمهٔ سیماب) फा पु—सूरज सूर्य।
चश्मए होर (چشمهٔ هور) फा पु—सूरज सूर्य।
चश्मए हैवाँ (چشمهٔ حیوان) फा अ पु—दे चश्मए खिज़्र।
चश्मक (چشمک) फा स्त्री—गुप्त बात के लिए आँख का संकेत उपनेत्र ऐनक।
चश्मकज़न (چشمک زن) फा वि—आँख से संकेत करने वाला।
चश्मकज़नी (چشمک زنی) फा स्त्री—आँख से संकेत करना।
चश्मख़ाना (چشم خانه) फा पु—वह गड्ढा जिसमें आँख का ढेला रहता है चक्षु गोलक।
चश्मगश्त (چشم گشته) फा वि—विषम दृष्टि भेंगा।
चश्मज़ख़्म (چشم زخم) फा पु—बुरी दृष्टि का प्रभाव।
चश्मज़द (چشم زد) फा पु—नज़र लगाना आँख का संकेत करना डरना पलक झपकना पल लम्हा।
चश्मज़दन (چشم زدن) फा पु—पलक झपकना निमेष।
चश्मदरीदा (چشم دریده) फा वि—निर्लज्ज बेहया।
चश्मदरीद (چشم دریده) फा वि—निर्लज्ज धृष्ट बेहया।
चश्मदाश्त (چشمداشت) फा स्त्री—आशा भरोसा उम्मीद आँख लगाना।
चश्मदीद (چشمدید) फा वि—आँख से देखा हुआ जो आँखों के सामने घटित हुआ हो।
चश्मनुमाई (چشم نمائی) फा स्त्री—आँखें तरेरना आँखें तरेरकर धमका देना।
चश्मपोशी (چشم پوشی) फा स्त्री—किसी का दोष देखते हुए भी निगाह बचा जाना दर गुज़र।
चश्मबंद (چشم بند) फा वि—वह मंत्र या जादू जिससे नज़र बंध जाती है।
चश्मबंदी (چشم بندی) फा स्त्री—मंत्र या जादू के द्वारा नज़र का बंध जाना।
चश्मबरजा (چشم براه) फा वि—टकटकी बाँधे हुए एक टक देखता हुआ।

चश्मबराह (چشم براہ) फा वि –रस्ते पर आँखे लगाये हुए, बेचैनी से प्रतीक्षा करनेवाला।
चश्मरसीदः (چشم رسیدہ) फा वि –जिसे नजर लग गयी हो।
चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा स्त्री –मुबारकबाद, बधाई।
चश्मस्हादीदः (چشم سہادیدہ) फा वि –बहुत-सी आँखें देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।
चश्मार (چشمار) फा पु –खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूस आदि का मनुष्य, धोखा।
चश्मे खुरूस (چشم خروس) फा स्त्री –घुंघची, गुमचिल।
चश्मे खूँआलूद (چشم خوں آلود) फा स्त्री –ऐसी आँखें जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हो, मानो उनमें खून उतर आया है।
चश्मे जाहिर (چشم ظاہر) फा. अ स्त्री.–साधारण आँख जिससे देखते हैं, चर्मचक्षु।
चश्मे नम (چشم نم) फा स्त्री –गीली आँख, जो आँसुओं से तर हो।
चश्मे नीमवाज (چشم نیم باز) फा स्त्री –अधखुली आँख, ऊँघते हुए की आँख, नशे से मस्त की आँख।
चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा. स्त्री –दे 'चश्मे नीमवाज'।
चश्मे पुरआव (چشم پر آب) फा. स्त्री –जिस आँख में आँसू भरे हुए हो, रोनेवाली आँख, डबडबाई हुई आँख।
चश्मे पुरनम (چشم پر نم) फा स्त्री –दे. 'चश्मे पुरआव'।
चश्मे फिरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री –उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।
चश्मे वद (چشم بد) फा स्त्री –बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नजर।
चश्मे वददूर (چشم بد دور) फा वा –एक आशीर्वाद, तुम्हे बुरी नजर न लगे।
चश्मे वातिन (چشم باطن) फा अ स्त्री –'चश्मे जाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अंतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।
चश्मे वीना (چشم بینا) फा स्त्री –देखनेवाली आँख, जिस आँख में ज्योति हो, स्वस्थ आँख।
चश्मे वीमार (چشم بیمار) फा स्त्री –अधखुली आँख, विशेषत प्रेमिका की आँख के लिए बोलते हैं।
चश्मे वेआव (چشم بے آب) फा स्त्री –जिस आँख में पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।
चश्मे वेदार (چشم بیدار) फा स्त्री –जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेष्ट।
चश्मे शव (چشم شب) फा स्त्री –चंद्रमा, चाँद।
चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री –दे 'चश्मेवद'।
चश्मे सियाह (چشم سیاہ) फा. स्त्री –इस शब्द का प्रयोग जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अंधी आँख।
चश्मे हिस्सी (چشم حسی) फा अ स्त्री –दे 'चश्मे ज़ाहिर'।
चश्मोचराग (چشم و چراغ) फा पु –अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।
चस्त. (چستہ) फा पु.–घोड़े, गधे अथवा ऊँट की खाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष, पशु की रान का मास।
चस्तःख्वार (چستہ خوار) फा वि –मुफ्तख़ोर।
चस्पाँ (چسپاں) फा वि –चिपका हुआ, चरितार्थ, मुताबिक।
चस्पानीदः (چسپانیدہ) फा वि –चिपकाया हुआ।
चस्पिंदः (چسپندہ) फा वि –चिपकानेवाला।
चस्पीदः (چسپیدہ) चिपका हुआ।
चस्पीदगी (چسپیدگی) फा स्त्री –चिपकन, चिपक।
चस्पीदनी (چسپیدنی) फा. वि –चिपकाने योग्य।
चह (چہ) फा पु –'चाह' का लघु, दे 'चाह'।
चहचहः (چہچہہ) फा पु –चिड़ियों की चहकार, चहचहाहट।
चहार (چہار) फा. वि.–चार, चार की संख्या।
चहारगानः (چہارگانہ) फा वि –चार से सम्बन्ध रखनेवाला; चार सूत्रवाला, चार प्रकारवाला।
चहारगाह (چہارگاہ) फा पु.–गाने का एक प्रकार।
चहारचंद (چہارچند) फा वि –चौगुना।
चहारजानिब (چہارجانب) फा. अ. वि –चारो ओर, चारो तरफ।
चहारतारः (چہارتارہ) फा पु.–एक साज जिसमे चार तार होते हैं।
चहारदह (چہاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।
चहारदहुम (چہاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश; चौदहवी, चतुर्दशी।
चहारदांग (چہاردانگ) फा वि –चारो ओर, सब तरफ; ससार भर।
चहारपहलू (چہارپہلو) फा वि –चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।
चहारमीर (چہار میر) फा. अ पु.–चारो खलीफा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।
चहार मेख़े हयात (چہار میخ حیات) फा अ स्त्री –आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारो तत्त्व।
चहारशंवः (چہارشنبہ) फा पु –बुधवार, बुध का दिन।
चहारुम (چہارم) फा वि –चौथा, चतुर्थ।
चहारुमी (چہارمیں) फा वि –चौथे का, चौथावाला, चौथा।

चा

चाउग (چاوش) तु पु—दे 'चाऊश', दा शु ह।
चाऊश (چاوش) तु पु—सेना यथवा काफिले के आगे आगे चलनेवाला चारक नकीब।
चाक (چاق) तु वि—स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट, सतर्क, सचेत, चौकन्ना तत्पर मुस्तइद।
चाक (چاک) फा पु—दरार, दरज शिगाफ, विदीर्ण फटा हुआ फटन फटने का भाव।
चाक चाक (چاک‌چاک) फा वि—पुर्ज़े-पुर्ज़े टुकड़े-टुकड़े, भिन्न भिन्न।
चाकमाक (چاقماق) तु पु—बंदूक का घोड़ा, दे 'चक़माक़'।
चाकर (چاکر) फा पु—सेवक दास नौकर।
चाकरी (چاکری) फा स्त्री—सेवा कर्म दासता नौकरी।
चाकश (چاکش) फा पु—बंदूक का घोड़ा।
चाकू (چاقو) फा पु—एक विशेष प्रकार की दस्तेदार छोटी छुरी।
चाके गिरेबाँ (چاک‌گریباں) फा पु—कुर्ते आदि के गले की फटन।
चाके जिगर (چاک‌جگر) फा पु—हृदय की फटन, हृदय का घाव प्रेम का ज़ख्म।
चाके दामन (چاک‌دامن) फा पु—दामन की फटन जो प्रेम के आवेग में फाड़ा जाता है।
चाके राँ (چاک‌راں) फा पु—रान की फटन भग योनि।
चागर (چاغر) फा पु—चिड़िया का पोटा जिसमें अन्न रहता है।
चाच (چاچ) फा पु—रूसी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जो अब ताशकंद कहलाता है, यहाँ का धनुष बहुत बढ़िया होता था।
चाची (چاچی) फा वि—चाच की बनी हुई वस्तु विशेषत धनुष ढँढोरिया घोषणा करनेवाला।
चाची कमाँ (چاچی‌کماں) फा स्त्री—चाच का बना हुआ धनुष।
चादर (چادر) फा स्त्री—ओढ़ने का वस्त्र प्रच्छादन खेमा, रावटी तख़्ता पाट।
चादरबदोश (چادربدوش) फा वि—कंधे पर चादर डाले हुए चादर ओढ़े हुए।
चादरे आब (چادرآب) फा स्त्री—पानी की सतह जलस्तर।
चादरे महताब (چادرمہتاب) फा स्त्री—सफ़ेद चादर की तरह बिछी हुई चाँदनी, चाँदनी का फ़र्श।
चान (چان) फा पु—नीचे का जबड़ा, नाच जबड़े की हड्डी।
चाप (چاپ) फा पु—छाप, मुद्रण, छपना, अधवत क़ौम।
चापची (چاپچی) फा वि—छापनेवाला, मुद्रक।
चापाती (چاپاتی) फा स्त्री—चपाती, पतली और बनी रोटी जो हाथ से बनायी गयी हो।
चापार (چاپار) फा पु—डाक, पोस्ट, डाकिया चिट्ठी रसाँ।
चाप्लूस (چاپلوس) फा वि—चाटुकार ख़ुशामदी।
चाप्लूसी (چاپلوسی) फा स्त्री—ख़ुशामद, चाटूक्ति।
चाबुक (چابق) तु पु—चपक, पियाला।
चाबुक (چابک) फा पु—कोड़ा कशा प्रतोद, तीव्र, तेज़ निपुण होशियार।
चाबुकख़िराम (چابک‌خرام) फा वि—तेज़ चलनेवाला तीव्रगति शीघ्रगामी।
चाबुकख़िरामी (چابک‌خرامی) फा स्त्री—तेज़ चलना शीघ्र गति, शीघ्र गमन।
चाबुकज़न (چابکزن) फा वि—कोड़ा मारनेवाला।
चाबुकज़नी (چابکزنی) फा स्त्री—कोड़ा मारना।
चाबुकदस्त (چابکدست) फा वि—कारीगरी में कुशल क्षिप्रहस्त कुशलहस्त तेज़ काम करनेवाला।
चाबुकदस्ती (چابکدستی) फा स्त्री—कारीगरी में कुशलता काम की तेज़ी।
चाबुकसवार (چابک‌سوار) फा पु—घोड़े का अच्छा चलाने वाला वह व्यक्ति जो घोड़ों को सधाता और सिखाता है।
चाबुकसवारी (چابک‌سواری) फा स्त्री—घोड़े पर अच्छा चलना घोड़ा को सधाने और सिखाने का काम।
चाबुकी (چابکی) फा स्त्री—निपुणता दक्षता, होशियारी (पु) तेज़ घोड़ा।
चाम (چامہ) फा पु—कविता काव्य शेर, ग़ज़ल।
चामगो (چامہ‌گو) फा वि—कविता करनेवाला कवि शाइर।
चाम (چام) फा पु—पहाड़ी की घाटी।
चामक (چامق) तु पु—दे 'चामग'।
चामग (چامغ) तु पु—गहरा कुआँ।
चामिद (چامدہ) फा वि—मूतनेवाला पेशाब करनेवाला।
चामीं (چامیں) फा पु—चामीन का लघु दे चामीन।
चामीद (چامیدہ) फा वि—जिसने पेशाब किया हो।
चामीदनी (چامیدنی) फा वि—पेशाब करने योग्य।

चामीन (چامین) फा पु –पेशाब और पाखाना, गू और मत।

चारः (چارہ) फा पुं –उपाय, तदबीर, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज; आश्रय, सहारा; छल, मक्र।

चार.गर (چارہگر) फा. वि –चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब।

चार.गरी (چارہگری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज, दवा-दारू।

चार.जोई (چارہجوئی) फा स्त्री.–प्रयत्न, तदबीर, दौड़-भाग, कोशिश।

चार.पिज़ीर (چارہپذیر) फा वि.–जिसकी चिकित्सा हो सके, साध्य, जिसका उपाय हो सके।

चार.पिज़ीरी (چارہپذیری) फा. स्त्री.–इलाज हो सकना, उपाय हो सकना।

चार.साज़ (چارہساز) फा वि –दे. 'चार गर'।

चार.साज़ी (چارہسازی) फा स्त्री –दे 'चार गरी'।

चार (چار) फा वि –चार की सख्या, चत्वर, जो चार हो, चिकित्सा, इलाज, उपाय, तदबीर।

चारअब्रू (چارابرو) फा पुं –डाढ़ी, मूँछ, सिर और भौंह के बाल।

चारआईनः (چارآئنہ) फा पु –एक चौकोर लोहे का पत्र जो तीर आदि के बचाव के लिए कपड़ों के नीचे छाती पर पहना जाता था।

चारएकार (چارۂکار) फा पु –कार्य का उपाय, प्रयत्न, अंतिम उपाय, आखिरी कोशिश।

चारएदर्द (چارۂدرد) फा. पु –पीडा की चिकित्सा, प्रेम के रोग का इलाज।

चारक (چارک) फा वि –नकीब, चोबदार।

चारकुब (چارقب) तु पु –धनवान् लोगों के पहनने का एक वस्त्र-विशेष।

चारख़म (چارخم) फा पु –पूरा, खिंचा हुआ धनुष, एक प्रकार का धनुष।

चारख़ानः (چارخانہ) फा पु –चौकोर खानोवाला कपड़ा, जिसमें चार खानें हो।

चारगामः (چارگامہ) फा वि –तेज चलनेवाला घोड़ा।

चारगाह (چارگاہ) फा. पु – एक रागिनी, आदमी का शरीर जो आग, पानी, वायु और मिट्टी इन चार तत्त्वों से बना है।

चारज़बाँ (چارزباں) फा वि –बहुत अधिक बोलनेवाला, बातूनी, वाचाल।

चारज़ानू (چارزانو) फा. पु –आलती पालती (पलथी) मारकर बैठने की मुद्रा।

चारजामः (چارجامہ) फा. पु.–एक प्रकार की जीन; ज़ीनपोश।

चारताक़ (چارطاق) फा पु –एक प्रकार की रावटी।

चारताक़ अफ़गन (چارطاق افگن) फा वि.–रावटी गाड़ने और फर्श आदि बिछानेवाला, फर्राश।

चारदह (چاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।

चारदहुम (چاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश।

चारदांग (چاردانگ) फा पु –चारों ओर, सब तरफ; सारा संसार।

चारदीवार (چاردیوار) फा स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

चारदीवारी (چاردیواری) फा स्त्री –घर, कोठी, बाग या इमारत आदि के घेरे की दीवार, प्राचीर, प्राकार, इहाता।

चारपा (چارپا) फा पु –चौपाया, पशु, मवेशी।

चारपायः (چارپایہ) फा. पुं –दे 'चारपा'।

चारपारः (چارپارہ) फा पु –बन्दूक में भरा जानेवाला छर्रा।

चारबर्ग (چاربرگ) फा पु –एक फूल, पहाड़ी लाला।

चारबाग़ (چارباغ) फा पु –बहुत बड़ा और सुंदर बाग, जिसमें हर प्रकार के पेड़ और फूल हों।

चारबालिश (چاربالش) फा पु –बड़ा तकिया, मस्नद, गावतकिया।

चारबेख़ (چاربیخ) फा स्त्री.–चार वनौषधियों की जड़, कासनी, सौंफ, करफ्स और अंगूर की जड़।

चारमग़्ज़ (چارمغز) फा. पु –अखरोट, अक्षरोट, एक प्रसिद्ध फल, तथा चार वनस्पतियों के बीज जो दवा में पड़ते हैं।

चारमेख़ (چارمیخ) फा स्त्री.–अपराधी को सजा देने का एक तरीका, जिसमे चार खूँटियाँ गाड़कर उसमे उसके हाथ-पाँव बाँध दिये जाते थे।

चारमौजः (چارموجہ) फा पु.–भँवर, जलावर्त, गिर्दाब।

चारशंबः (چارشنبہ) फा पु –बुधवार, बुध।

चारशानः (چارشانہ) फा. वि –मोटा ताजा, हृष्ट-पुष्ट; बहुत बड़े डीलडौल का, गिराडील।

चारसू (چارسو) फा पु –चारों ओर, हर हरतरफ, वह बाजार जिसमें चारों ओर रास्ते और दुकानें हों, चौक-बाजार।

चारुक़ (چارق) तु पु –जंगली तुर्कों के पहनने की एक प्रकार की जूती।

चारुम (چارم) फा वि –चहारुम, चतुर्थ, चौथा।

चारुमीं (چارمیں) फा वि –चौथा, चतुर्थ, चौथे का।

चारोनाचार (چاروناچار) फा वि –विवशतापूर्वक, मज्बूर होकर।

चाय (چائے) फा स्त्री –पीने की एक प्रसिद्ध पत्ती, चाह।

चाल (چال) फा पु—गात गता, कुआ, कूप चकोर पक्षी जुए का दाव, वह घोड़ा जिसके लाल और सफेद बाल मिले हुए हों।

चालाक (چالاک) फा वि—निपुण दक्ष होशियार धूर्त, वंचक छली, फुर्तीला चुस्त व्यवहारनिष्ठ वर्तमान तीव्र तेज।

चालाकदस्त (چالاک دست) फा वि—जिसके हाथ में बहुत फुर्ती हो जो आंखों के सामने से चीज उठा ले हाथ की सफाई दिखानेवाला।

चालाकदस्ती (چالاک دستی) फा स्त्री—काम की तेजी हाथ की सफाई।

चालाकी (چالاکی) फा स्त्री—धूर्तता ठगी बेईमानी फुर्ती चुस्ती दक्षता महारत तीव्रता, तेजी।

चालिश (چالش) फा स्त्री—आक्रमण हमला धावा धमाद।

चालीक (چالیک) फा पु—गिल्ली डंडे का खेल।

चालीश (چالیش) फा पु—दर्पण पर दहकने का भाव।

चावली (چاولی) फा पु—सूप छाज जिससे नाज फटका जाता है।

चावीद (چاوید) फा वि—चबाया हुआ।

चाश (چاش) तु पु—भूसा से निकाला हुआ गल्ला।

चाश्त (چاشت) फा स्त्री—सूर्योदय से एक पहर तक का समय इस समय का हल्का खाना नाश्ता जलपान इस समय की नमाज।

चाश्नी (چاشنی) फा स्त्री—शकर आदि का किवाम चखावट, चखने का भाव।

चाश्नीगीर (چاشنی گیر) फा वि—चाश्नी लेनेवाला बावरची रसोइया।

चाह (چاه) फा पु—कुआं कूप गढ़ा, गर्त।

चाहकन (چاہکن) फा वि—कुआं खोदनेवाला कपकार दूसरे के काम में विघ्न डालनेवाला छली वंचक फरेबी।

चाहकनी (چاہکنی) फा स्त्री—कुआं खोदने का काम दूसरे के काम में बाधा डालना छल करना दगाबाजी।

चाहजू (چاہجو) फा पु—कुएं में गिरी हुई वस्तु निकालने का कांटा।

चाहसार (چاہسار) फा पु—गहरा कुआं।

चाहे कनआं (چاہ کنعان) फा अ पु—वह अंधा कुआं जिसमें हजरत यूसुफ को उनके भाइयों ने डाला था।

चाहे खसपोश (چاہ خس پوش) फा पु—घास से ढका हुआ कुआं तम्मा कूप।

चाहे ग़बग़ब (چاہ غبغب) फा पु—दे 'चाहे जक्न'।

चाहे जक्न (چاہ ذقن) फा अ पु—वह गढ़ा जो ठोड़ी के बीच में होता है चिबुक-कूपिका।

चाहे जनख (چاہ زنخ) फा पु—दे 'चाहे जक्न'।

चाहे जनखदां (چاہ زنخدان) फा पु—दे 'चाहे जक्न'।

चाहे नख्शब (چاہ نخشب) फा पु—नख्शब (तुर्किस्तान का एक नगर) का वह गार जहां से उस समय के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हकीम इब्ने मुकन्ना ने एक कृत्रिम चन्द्रमा उत्पन्न किया था जो चारों ओर बारह-बारह मील रोशनी देता था, और फिर उसी गार में छिप जाता था।

चाहे नाफ़ (چاہ ناف) फा पु—नाभिकूप ढुंडी तोंडी।

चाहे निसां (چاہ نسیاں) फा अ पु—अंधा कुआं, जिसमें पानी न हो और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे बाबुल (چاہ بابل) फा पु—वह कुआं जिसमें हारूत और मारूत नाम के दो फिरिश्ते बंद हैं और जो लोगों को जादू सिखाते हैं।

चि

चिंगेज़ (چنگیز) तु पु—हुलाकू खां का दादा जो बड़ा अत्याचारी था बारहवीं शताब्दी (ईसवी) में।

चिंगेज़नज़ाद (چنگیز نژاد) तु फा वि—उसके वंश के लोग।

चिंदावुल (چنداول) तु पु—सेना का वह दल जो सेना के पीछे उसकी रक्षा के लिए चलता है।

चि (چه) फा अव्य—क्या कि।

चिक (چق) तु—चिलमन।

चिकां (چکاں) फा वि—टपकता हुआ टपकानेवाला (प्रत्य) टपकानेवाला जैसे—खूंचिकां खून टपकानेवाला।

चिकांनिंदा (چکاننده) फा वि—टपकानेवाला।

चिकानीदा (چکانیده) फा वि—टपकाया हुआ।

चिकार (چکاره) फा वि—निकम्मा नाकारा।

चिकिंदा (چکنده) फा वि—टपकनेवाला।

चिकिन (چکن) फा स्त्री—एक प्रकार का कसीदा जो रेशम या तागे से कपड़े पर काढ़ा जाता है, इस कसीदे का कपड़ा।

चिकिश (چکش) फा स्त्री—टपकन टपक।

चिकीदा (چکیده) फा वि—टपका हुआ।

चिकीदगी (چکیدگی) फा स्त्री—टपकने का भाव।

चिकूस (چکوس) फा वि—एक व्यापारिक शब्द बहुत खूब।

चिग (چغ) तु स्त्री—दे चिक।

चिगिल (چگل) फा पु—तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जहां का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

चिगी (چگیں) फा पु –कढा हुआ कपडा, चिकिन।
चिगूनः (چگونہ) फा अव्य –किस प्रकार, कैसे, क्योंकर।
चिगूनगी (چگونگی) फा. स्त्री –क्या है, क्यों है, कैसा है, यह भाव, वृत्तात, हाल, कैफियत।
चिग्ता (چغتا) तु पु –तुर्कों की एक कौम।
चिग़ताई (چغتائی) तु वि –चिग्ता कौम का व्यक्ति।
चिज़िक (چزک) फा स्त्री –साही, एक काँटेदार जतु।
चिदार (چدار) फा स्त्री –गाडी, शकट।
चिप्लक (چپلک) फा वि –अपवित्र, नापाक, मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिरा (چرا) फा अव्य –क्यों, किसलिए, किस कारण।
चिराग़ (چراغ) फा पु –दे 'चराग़', दो शु हैं।
चिराग़ाँ (چراغاں) फा पु –दे 'चराग़ाँ', दो शु हैं।
चिरिंग (چرنگ) फा पु –धमाका; चोट लगने का शब्द।
चिर्क (چرک) फा पु –मैल, गदगी, विष्ठा, गू, पीप, रीम, आँख का मैल।
चिर्कआलूद (چرک آلود) फा वि –मलयुक्त, गदा।
चिर्की (چرکیں) फा वि –'चिर्कीन' का लघु, दे 'चिर्कीन'।
चिर्कीन (چرکین) फा. वि –मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिर्म (چرم) फा. पुं –दे शु उ 'चर्म', यह अशुद्ध है।
चिल (چل) फा वि –'चिहिल' का लघु, चालीस, मूर्ख, बुद्धू (पु) चीड का पेड।
चिलगोज़ः (چلغوزہ) फा पु –चीड का फल, जो मशहूर मेवा है।
चिलचिलः (چلچلہ) फा पु –चील, चिल्ल, कछुआ, कच्छप।
चिलतः (چلتہ) फा पु –कवच, जिरिह।
चिलिम (چلم) फा स्त्री –तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक्के पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलम)
चिलिमपोश (چلم پوش) फा पु –चिलिम पर ढाँकने का ढक्कन, जिससे आग न उडे।
चिली (چلی) फा वि –मूर्ख, वेवकूफ, वुद्धू।
चिल्कद (چلقد) फा पु –कवच, जिरीह, दे चिल्कव और 'चिल्त.'।
चिल्कव (چلقب) फा पु –दे 'चिल्कद' और 'चिल्त'।
चिल्त. (چلتہ) फा पु –कवच, जिरिह, दे चिल्कद और 'चिल्कव'।
चिल्पासः (چلپاسہ) फा. स्त्री –छिपकली, गृहगोधा, दे 'चल्पास' दोनों शुद्ध हैं।
चिल्ल (چلہ) फा पु –कोना, गोशा, चालीस दिन मे होनेवाला काम, चालीस दिन का समय, चालीस दिन तक लगातार पढा जानेवाला मत्र आदि।
चिल्लःकश (چلہ کش) फा. वि –चालीस दिन तक नियमपूर्वक मत्र आदि पढनेवाला।
चिल्लःकशी (چلہ کشی) फा स्त्री.–किसी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मत्र उच्चारण करना।
चिल्लए कमाँ (چلۂ کماں) फा पु –धनुष का कोना।
चिश्त (چشت) फा पु.–अफगानिस्तान का एक गाँव।
चिश्ती (چشتی) फा वि –चिश्त गाँव का निवासी; हजरत मुहीउद्दीन चिश्ती जिनका मजार अजमेर मे है, चिश्ती खानदान का मुरीद।
चिहा (چہا) फा अव्य –क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ, क्या कुछ, बहुत कुछ।
चिहिल (چہل) फा वि –चालीस।
चिहिलकदमी (چہل قدمی) फा अ स्त्री –धीरे-धीरे टहलना, हवाखोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोडी दूर तक टहलना।(चहलकदमी)
चिहिलतः (چہلتہ) फा पु –दे 'चिलत'।
चिहिलतन (چہلتن) फा पु –चालीस बडे महात्मा जिन पर सारे ससार का भार होता है।
चिहिल रोज़ः (چہل روزہ) फा वि –चालीस दिन मे खत्म होनेवाला काम, चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।
चिहिलुम (چہلم) फा वि –चालीसवाँ, मुर्दे का चालीस दिन मे होनेवाला सस्कार, कर्वला के शहीदो का चालीसवाँ।
चिह्ः (چہرہ) फा पु –दे 'चेह्.'।
चिह्र (چہر) फा. पु –दे 'चेह्र'।
चिह्लुम (چہلم) फा पु –दे 'चेहलुम'।

ची

ची (چیں) फा. प्रत्य –'चीन' का लघु, दे 'चीन'।
ची बअब्रू (چیں بابرو) फा वि –भौंह पर बल पडे हुए, भौं तनी हुई, जिसकी भौंह पर अप्रसन्नता से वल पडे हो, रुष्ट।
चीं व जवीं (چیں بہ جبیں) फा वि –जिसके माथे पर नाखुशी से बल पड गये हो, अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश।
ची बर जबी (چیں برجبیں) फा वि –दे 'ची व जबी'।
ची (چی) तु प्रत्य –वाला, शब्द के अन्त मे आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।
चीक चीक (چیک چیک) फा स्त्री –चिडियो की चेहकार।
चीज़ (چیز) फा स्त्री –वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।
चीजमीज (چیز میز) फा स्त्री –थोडा, न्यून, अल्प।
चीजलीज (چیز لیز) फा स्त्री –पूँजी, सरमाया, सामर्थ्य, बिसात।

चोद (چده) फा वि–चुना हुआ, छाँटा हुआ।
चीद चीद (چیده‌چیده) फा वि–चुने चुने, छंटे छंटे, मुख्य-मुख्य खास-खास।
चीदनी (چیدنی) फा वि–चुनने योग्य छाँटने योग्य।
चीन (چینه) फा पु–वे अन्न के दाने जो पक्षी खाते हैं, दीवार का रद्दा।
चीन दान (چینه‌دان) फा पु–पक्षी का पोटा।
चीनःदान (چینه‌دان) फा पु–दे चीनदान।
चीन (چین) फा प्रत्य–चुननेवाला, जैसे–गुलचीन फूल चुननेवाला (पु) एक प्रसिद्ध देश (स्त्री) झुर्री शिकन बल।
चीनिंद (چیننده) फा वि–चुननेवाला।
चीनी (چینی) फा वि–चीन का निवासी, चीन की भाषा चीन की सफेद मिट्टी।
चीने अब्रू (چین‌ابرو) फा स्त्री–भौंहों का तनाव भौं का बल जो क्रोध का चिह्न है।
चीने जबीं (چین‌جبیں) फा स्त्री–माथे का बल जो अप्रसन्नता का चिह्न है।
चीने पेशानी (چین‌پیشانی) फा स्त्री–दे 'चीने जबीं'।
चीर (چیره) फा वि–शक्तिशाली, ताकतवर, विजेता गालिब (पु) पगड़ी उष्णीष।
चीरःदस्त (چیره‌دست) फा वि–अत्याचारी अन्यायी जालिम जोरावर जबर्दस्त।
चीर दस्ती (چیره‌دستی) फा स्त्री–अत्याचार जुल्म जोरावरी जबर्दस्ती।
चीरःबंद (چیره‌بند) फा वि–पगड़ी बाँधनेवाला (स्त्री) वह वेश्या-पुत्री जो अभी कुमारी हो।
चीरःबंदी (چیره‌بندی) फा स्त्री–पगड़ी बाँधना।
चीरगी (چیرگی) फा स्त्री–शूरता वीरता बहादुरी जबरदस्ती अन्याय।
चील्दो (چیلدو) तु पु–इनआम पुरस्कार बख्शिश।
चीस्त (چیست) फा अव्य–क्या है?
चीस्तां (چیستاں) फा स्त्री–पहेली प्रहेलिका मुअम्मा।

चु

चुग (چنگ) फा स्त्री–चोंच चंचु।
चुदुर (چغندر) फा पु–चुकंदर एक तरकारी।
चुबल (چبل) फा पु–भिक्षापात्र कमंडल।
चुक्दर (چقندر) फा पु–एक तरकारी।
चुकुस (چکس) फा पु–बुलबुल आदि के बैठने का अड्डा।
चुग़ा (چغا) तु पु–एक प्रकार का कोट जो प्रायः फकीर पहनते हैं दे 'चूग़ा'।
चुग़ा (چغا) तु पु–एक प्रकार का अंगरखा।
चुग़ुल (چغل) तु वि–पिशुन चुग़ली खानेवाला।
चुग़लखोर (چغلخور) अ वि–काइदे से यह शब्द अशुद्ध है क्योंकि 'चुग़ुल' का अर्थ चुग़ली खानेवाले के हैं।
चुग़लखोरी (چغلخوری) अ स्त्री–चुग़ली खाना पिशुनता काइदे से यह शब्द अशुद्ध है इसके स्थान पर 'चुग़ली' शुद्ध है।
चुग़ुली (چغلی) तु स्त्री–चुग़ली खाना, पिशुनता।
चुग़्ज (چغز) फा पु–मेंढक मंडूक, बल्कि फाड़ा है चग़्ज ही शुद्ध है।
चुग़्द (چغد) फा पु–उल्लू पेचक, उल्लू (वि) मूर्ख बुद्धिहीन मूर्ख उल्लू।
चुग़्ली (چغلی) तु स्त्री–पिशुनता, चुग़ुलखोरी।
चुनां (چناں) फा अव्य–वैसा उस प्रकार का उतना वैसा, इतना ऐसा।
चुनांचे (چنانچه) फा अव्य–अतः, इसलिए फलस्वरूप, नतीजे में।
चुनाक (چناق) तु पु–दे चुनाग दो शुद्ध है।
चुनाग (چناغ) तु पु–जीन घोड़े की काठी पालान, नमदा।
चुनीं (چنیں) फा अव्य–ऐसा इस प्रकार का, एवं इस तरह यूं।
चुनीद (چنیده) फा वि–चुना हुआ छाँटा हुआ।
चुनू (چنو) फा अव्य–चूं का लघु, दे चूं।
चुस्त (چست) फा वि–मोटा-ताजा चर्बीला फुर्तीला तेज मोटा दलदार।
चुमाक (چماق) तु पु–वह गदा जो लोहे का होता है और जिसका गाला पटकाण होता है शिश्न महन, लिंग।
चुम्च (چمچه) तु पु–चम्च चमस शु उ नहीं है, परंतु उर्दूवाले चम्च बोलते हैं दे चम्च।
चुवक (چرک) फा पु–असत्य झूठ बाटुकम लुगाम व्यंग तंज अश्लीलता फक्कडपन लज्जा पहेली।
चुलाव (چلاو) तु पु–भात खुश्क सादे चावल।
चुलिस्तां (چولستاں) तु पु–वह जंगल जिसमें न पेड़ हो न पानी।
चुली (چلی) फा स्त्री–भीरुता, कायरता, डरपोकपन नपुंसकता क्लीवता नामर्दी।
चुलूक (چلوک) फा स्त्री–गाडी घाटक धतूरा धत्तूर एक विषैला फल।
चुवाक (چواک) फा स्त्री–पूरी, घी में बना हुआ पराठा।
चुस (چس) फा पु–वह अपान वायु जिसमें शब्द न हो।

चुस्तः (چستہ) फा. पु —बकरी आदि का ऐन, खीरी।
चुस्त (چست) फा वि —फुर्तीला, मुस्तइद; दक्ष, होशियार; कसा हुआ लिबास, ठीक, फिट, दृढ, मजबूत।
चुस्ती (چستی) फा. स्त्री —फुर्तीलापन, दक्षता, होशयारी; दृढता, मजबूती।
चुह्रः (چہرہ) फा पु —बिना दाढी-मूछो का लड़का, अम्रद।

चू

चूँ (چوں) फा. अव्य —जैसे, किस प्रकार, जब, जिस समय, तुल्य, समान।
चूँकि (چونکہ) फा. अव्य —क्योंकि।
चूख़ा (چوخا) तु पु —ऊनी कोट जो फकीरो का लिबास है।
चूजः (چوجہ) फा पु —दे. 'चूज़.'।
चूज़ः (چوزہ) फा पु —मुर्गी का बच्चा (व्यग) नयी और सुदर स्त्री।
चूज़ःरुबा (چوزہ ربا) फा स्त्री.—चील, चिरल।
चूज़ (چوز) फा. पु —चकोर, कब्क, वह शिकारी पक्षी का बच्चा जिसने अभी शिकार करना न सीखा हो।
चूनीं (چونیں) फा अव्य —दे 'चुनी'।
चूनोचरा (چون و چرا) फा. स्त्री —वाद-विवाद, कहा-सुनी।

चे

चेख़ (چیخ) फा पु —वह मनुष्य जिसकी पलकें झड़ गयी हो, चुधा।
चेचक (چیچک) तु स्त्री —फूल, गुल; सीतला रोग, माता, शीतला, विस्फोटक, मसूरिका, खस्रा।
चेनः (چینہ) फा पु.—दे 'चीन'।
चेन.दान (چینہ دان) फा. पु —दे 'चीन दान'।
चेहर. (چہرہ) फा पु —मुखाकृति, मुखमडल, शक्ल, सूरत, सामने का भाग, हुल्या।
चेहर:कुशा (چہرہ کشا) फा वि —मुँह पर से पर्दा उठानेवाला, मुँह खोलनेवाला।
चेहरःकुशाई (چہرہ کشائی) फा. स्त्री —मुँह खोलना, किसी की तस्वीर पर से पर्दा उठाने की रस्म।
चेहर.ख़ेज (چہرہ خیز) फा वि —स्वच्छ, साफ, प्रकाशित, रौशन।
चेहरःनवीस (چہرہ نویس) फा वि —हुल्या लिखनेवाला।
चेहर.नवीसी (چہرہ نویسی) फा स्त्री —हुल्या लिखने का काम।
चेहरःपर्दाज (چہرہ پرداز) फा वि —चित्रकार, मुसव्विर, चितेरा।
चेहरःपर्दाज़ी (چہرہ پردازی) फा स्त्री —चितेरे का काम, मुसव्विरी।

चो

चो (چو) फा अव्य.—जो, अगर, यदि, जब, जिस समय।
चोग़ीदः (چوخیدہ) फा वि —फिसला हुआ।
चोख़ीदनी (چوخیدنی) फा. वि —फिसलने योग्य।
चोबः (چوبہ) फा पु —त्राण, तीर, छोटी कील।
चोब (چوب) फा स्त्री —काष्ठ, काठ, लकडी, लाठी, यष्टि।
चोबक (چوبک) फा स्त्री —छोटा डडा, नक्कारा बजाने की लकडी।
चोबकज़न (چوبک زن) फा वि —नक्कारची, नक़्कारा बजानेवाला, चौकीदारो का मेट जो एक लकड़ी और एक तख़्ता लेकर रात मे गश्त करता और तख़्ते पर लकडी ठोकता था, जिससे सारे पहरा देनेवाले होशयार हो जाते थे।
चोबकी (چوبکی) फा वि —चोबदार, दडधारी।
चोबख़्वार (چوب خوار) फा वि —लकड़ी खानेवाला कीडा, दीमक।
चोबगज़ (چوب گز) फा पु —कपड़ा नापने का गज।
चोबगीं (چوبگیں) फा स्त्री —कपास ओटने की चर्खी।
चोबचीनी (چوب چینی) फा स्त्री —चीन देश की एक लकडी जो दवा के काम आती है। लाल रग की तथा अत्यन्त रक्त-शोधक होती है।
चोबदस्त (چوبدست) फा. स्त्री —दे 'चोबदस्ती'।
चोबदस्ती (چوبدستی) फा स्त्री —हाथ मे पकडने की छड़ी।
चोबदार (چوبدار) फा. पु —लकडी लेकर आगे चलनेवाला व्यक्ति, नकीब, प्रतिहारी, द्वारपाल, दरवान।
चोबा (چوبا) फा पु —लकडी की थूनी, थुनकी, लोहे की पतली और लबी कील।
चोबी (چوبیں) फा वि —लकडी का बना हुआ, काष्ठमय।
चोबी (چوبی) फा वि —दे 'चोबी'।
चोबे तरीक़ (چوب طریق) अ फा स्त्री —पबलिक को किसी बात से रोकने के हेतु डराने के लिए कर्मचारियो का डडा।
चोबे ता'लीम (چوب تعلیم) फा अ स्त्री —पढानेवाले का डडा, जिससे वह मारता है।
चोबे मुहस्सिल (چوب محصل) फा अ स्त्री —चुगी आदि वसूल करनेवाले का डडा।
चोबे शिगाफ (چوب شگاف) फा स्त्री —चिरी हुई लकडी की फटन मे दी जानेवाली पच्चर।
चोशिंदः (چوشندہ) फा वि —चूसनेवाला।
चोशीदः (چوشیدہ) फा वि.—चसा हआ।

चोशीद (چوشید) फा स्त्री→ 'चोशीदगी'।
चोशीदगी (چوشیدگی) फा स्त्री—चूसने का भाव, चूस।
चोशीदनी (چوشیدنی) फा वि—चूसने के योग्य।

चौ

चौगाँ (چوگاں) फा पु—'चौगान' का लघु दे 'चौगान'।
चौगाँबाज़ (چوگاں باز) फा वि—चौगान (पोलो) खेलनेवाला।
चौगाँबाज़ी (چوگاں بازی) फा स्त्री—पोलो का खेल।
चौगान (چوگاں) फा पु—एक खेल जिसमें घोड़े पर चढ़कर गेंद खेला जाता है पोलो।
चौगानी (چوگانی) फा पु—वह घोड़ा जो पोलो पर सधा हो।
चौतर (چوترہ) फा पु—मकान के आगे का फ़र्श चबूतरा।
चौपाँ (چوپاں) फा पु—'चौपान' का लघु दे 'चौपान'।
चौपान (چوپان) फा पु—रेवड़ चरानेवाला, चरवाहा।
चौपानी (چوپانی) फा स्त्री—रेवड़ चराने का काम, चरवाहागीरी गल्लःबानी।
चौसिंद (چوسندہ) फा वि—चिपकनेवाला।
चौसीद (چوسیدہ) फा वि—चिपका हुआ।
चौसीदनी (چوسیدنی) फा वि—चिपकने के लायक़।

ज

जंग (جنگ) फा स्त्री—युद्ध रण समर संग्राम संयुग, लड़ाई हर्ब कलह झगड़ा झपट उपद्रव फ़साद वैर शत्रुता दुश्मनी प्रतिद्वंद्विता रक़ाबत।
ज़ंग (زنگ) फा पु—ठंड और तरी से धातुओं में लगने वाला मल कसाव मोरचा मंडूर मल, गंदगी पाप गुनाह घंटा, घड़ियाल हब्श देश।
जंगआज़मा (جنگ آزما) फा वि—लड़ाई का अनुभवी युद्ध-कुशल लड़ाई में मशगूल युद्धरत।
जंगआज़माई (جنگ آزمائی) फा स्त्री—लड़ाई का अनुभव लड़ाई में मशगूलियत लड़ाई।
जंगआज़मूद (جنگ آزمودہ) फा वि—लड़ाई के मैदान मारे हुए अनुभवी योद्धा युद्ध-कुशल।
जंगआज़मूदगी (جنگ آزمودگی) फा स्त्री—लड़ाई का अनुभव रखना युद्ध-अनुभव, युद्ध-कौशल।
ज़ंगआलूद (زنگ آلودہ) फा वि—मोरचा खाया हुआ ज़ंग लगा हुआ।
ज़ंगआलूदगी (زنگ آلودگی) फा स्त्री—मोरचा लग जाना, ज़ंग लगकर ख़राब हो जाना।
ज़ंगख़ुर्द (زنگ خوردہ) फा वि→ 'ज़ंगआलूद'।
ज़ंगख़ुर्दगी (زنگ خوردگی) फा स्त्री→ 'ज़ंगआलूदगी'।
जंगख़्वाह (جنگ خواہ) फा वि—लड़ाई चाहनेवाला जो चाहता हो युद्ध हो जाय।
जंगगाह (جنگ گاہ) फा स्त्री—लड़ाई का मैदान रणभूमि रणस्थल युद्ध-क्षेत्र।
जंगजू (جنگ جو) फा वि—प्रकृति में लड़ाई-झगड़ा पसंद करनेवाला लड़ाका सैनिक सिपाही।
जंगजूई (جنگ جوئی) फा स्त्री—लड़ाकापन, सैनिकता, सिपाहीपन युद्ध लड़ाई।
जंग ना आज़्मूद (جنگ ناآزمودہ) फा वि—जिसे युद्ध का अनुभव न हो।
जंगपसंद (جنگ پسند) फा वि—जिसे युद्ध और रक्तपात अच्छा लगता हो युद्धप्रिय।
जंगपसंदी (جنگ پسندی) फा स्त्री—युद्ध और रक्तपात को पसंद करना।
जंगबाज़ (جنگ باز) फा वि—जो हर समय लड़ाई की ही बात सोचता रहता हो जिसे हर समस्या का युद्ध में दीख पड़ता हो।
जंगबाज़ी (جنگ بازی) फा स्त्री—हर समय लड़ाई की ही बात सोचना हर समस्या को लड़ाई द्वारा ही हल करने की कोशिश करना।
जंगल (جنگل) फा पु—वन विपिन कानन, सहरा, चटयल मैदान बियाबान।
जंगली (جنگلی) फा वि—जंगल का निवासी, असभ्य अशिष्ट वहशी जंगल में मिलनेवाली वस्तु।
जंगली बक्पा (جنگلی بکپا) फा पु—एक जानवर जो मनुष्य की आकृति का होता है केवल एक पाँव रखता है और बोल नहीं सकता घामड़ व्यक्ति हुमक़।
ज़ंगार (زنگار) फा पु—मंडूर ज़ंग जंग से बनी हुई एक औषध।
ज़ंगारी (زنگاری) फा वि—जिसमें ज़ंगार पड़ा हो ज़ंगार डालकर बनायी हुई औषधि ज़ंगार के रंग का।
जंगाह (جنگاہ) फा स्त्री—'जंगगाह' का लघु युद्ध भूमि रणांगण, मैदाने जंग।
जंगी (جنگی) फा वि—लड़ाई से सम्बंध रखनेवाला लड़ाई में काम आनेवाला।
ज़ंगी (زنگی) फा वि—हब्श देश का निवासी हब्शी बहुत ही काले रंग का व्यक्ति।
ज़ंगी नज़ाद (زنگی نژاد) फा वि—हब्शी नस्ल का हब्शी।
ज़ंगुल (زنگلہ) फा पु—झाँझ, बड़े मजीरे, घुंघरू।

जंगूलः (زنگوله) फा पु —दे 'ज़गुल'।
जंगे आज़ादी (جنگ آزادی) फा स्त्री —देश को पराधीनता मे मुक्त कराने की लडाई।
जंगे ज़रगरी (جنگ زرگری) फा स्त्री —झूठमूठ की केवल दूसरो को दिखाने की लडाई, कूटयुद्ध।
जंगे बर्री (جنگ بری) फा अ स्त्री —खुश्की की लडाई, स्थल-युद्ध।
जंगे बह्री (جنگ بحری) फा अ. स्त्री.—समुद्र मे जहाजो की लड़ाई, जलयुद्ध।
जंगे साख्तः (جنگ ساختہ) फा स्त्री —दे 'जंगे ज़रगरी'।
जंगे हवाई (جنگ ہوائی) फा अ स्त्री—आकाश मे वायुयानो द्वारा लडाई, वायु-युद्ध।
जंगोजदल (جنگ و جدل) फा. अ स्त्री —मारकाट, रक्तपात, लडाई-झगड़ा।
जंगोजिदाल (جنگ و جدال) फा अ स्त्री —दे 'जंगोजदल'।
जंचक (زنچک) फा स्त्री —व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।
जंज (زنج) अ पुं—दे जंग (देश)।
जंजबार (زنجبار) अ पु—पूर्वी अफ्रीका का एक साहिली टापू जहाँ से लौंग आती है।
जंजबील (زنجبیل) अ स्त्री —सोंठ, शुंठि, सूखा हुआ अदरक।
जंजरः (زنجره) अ पु—झींगुर, एक प्रसिद्ध कीडा।
जंजी (زنجی) अ वि —दे 'जंगी', हब्श का निवासी, हब्शी।
जंजीरः (زنجیره) फा पु—तरंग, मौज, लहर, एक प्रकार की सिलाई।
जंजीरःबंदी (زنجیره بندی) फा स्त्री —एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अनिवार्य सम्बन्ध।
जंजीर (زنجیر) फा स्त्री —शृंखला, साँकर, क्रम, तर्तीब।
जंजीरकशीदः (زنجیر کشیده) फा वि —दे 'जंजीर गुसिस्त'।
जंजीरख़ान. (زنجیرخانه) फा पु—कारावास, जेलखाना।
जंजीरगर (زنجیرگر) फा वि—शृंखलाकार, जंजीर बनानेवाला।
जंजीरगुसिस्तः (زنجیرگسسته) फा वि—जिसके पाँव का बंधन टूट गया हो, स्वच्छंद, स्वतंत्र, आज़ाद।
जंजीरदार (زنجیردار) फा वि—सम्बन्ध रखनेवाला, अनुयायी, मुत्तबे'।
जंजीरफर्सा (زنجیر فرسا) फा वि—जंजीर को रगडनेवाला।
जंजीरबान (زنجیربان) फा वि—कारागार का अध्यक्ष, जेलर।
जंजीरमू (زنجیرمو) फा वि—घुँघराले बालोवाला (वाली)।
जंजीरसर (زنجیرسر) फा. वि—दे 'ज़ंजीरमू'।
जंजीरसाज़ (زنجیرساز) फा वि—दे. 'ज़ंजीरगर'।
जंजीरसोज़ (زنجیرسوز) फा. वि—ज़ंजीर को जला देने वाला, जंजीर को खत्म कर देनेवाला, बंधनो को तोड देनेवाला।
जंजीरी (زنجیری) फा वि—बंदी, कैदी, पागल, दीवाना।
जंजीरे आहन (زنجیر آہن) फा स्त्री—लोहे की जंजीर, लोहपाश।
जंजीरे जुनूँ (زنجیر جنوں) फा अ स्त्री—वह जंजीर जो पागल व्यक्ति को पहनायी जाती है।
जंदः (زنده) फा वि—महान्, बड़ा, अज़ीम।
जंद.पील (زنده پیل) फा पु—बहुत बडा हाथी।
जंद.रोद (زنده رود) फा. पु—बहुत बडी नदी, महानद।
जंद (زند) फा वि—बडा, महान्, अज़ीम, चकमाक, अग्नि-प्रस्तर।
जंद (زند) अ पु—पहुँचा, कलाई।
जंद (زند) फा. पु—जरदुश्त का ग्रंथ, जो पारसियो का मूल धार्मिक ग्रंथ है।
जंदख्वाँ (زندخوان) फा वि—दे 'जंदवाफ़'।
जंदपील (زند پیل) फा पु—दे 'जंदःपील'।
जंदवाफ़ (زندواف) फा वि—गानेवाला पक्षी, बुलबुल, कुमरी अथवा फ़ाख़्ता आदि।
जंदर्मः (جندرمه) अ पु—पुलीस।
जंदल (جندل) अ पु—बडा पत्थर, शिला।
जंदलाफ़ (زندلاف) फा वि—दे 'जंदवाफ़'।
जंदो उस्ता (زند و اوستا) फा पु—'जंद' का मूल ग्रंथ और उसका महाकाव्य 'उस्ता'।
जंदोपाजंद (زند و پازند) फा पु—'जंद' का मूल और उसका महाभाष्य 'पाजंद'।
जंब (جنب) अ पु—पार्श्व, पहलू, वक्ष स्थल, सीना, पस्ली।
जंब (ذنب) अ पु—पाप, पातक, गुनाह।
जंबक़ (زنبق) अ पु—चंपा, एक प्रसिद्ध फूल।
जंबर (زنبر) फा पु—बोझ उठाने की सीढ़ी के आकार की एक चीज, मझी।
जंबील (زنبیل) अ स्त्री—थैला, बेग, पिटारा।
जंबूरः (زنبوره) फा पु—छोटी तोप, बाण का फल, भिड, बर्रे।
जंबूर (زنبور) फा पु—छोटी तोप, बाण का फल; भिड, बर्रे, एक औजार, शहद की मक्खी।
जंबूरक (زنبورک) तु. पु—छोटी और हलकी तोप, जो ऊँट आदि पर लादी जा सके।

ज़बूरख़ान (زنبورخانہ) फा पु–भिड़ों का छत्ता।
ज़बूरची (زنبورچی) तु पु–तोप चलानेवाला, तोपची।
ज़बूरी (زنبوری) फा पु–जालीदार कपड़ा, 'ज़बूर' से सम्बन्ध रखनेवाला।
ज़बूरे असल (زنبور عسل) फा अ पु–शहद की मक्खी।
ज़ईफ़ (ضعیفہ) अ स्त्री–वृद्धा स्त्री निर्बल स्त्री।
ज़ईफ़ (ضعیف) अ वि–वृद्ध वयोगत, वयोवृद्ध, बूढ़ा निर्बल, शक्तिहीन कमज़ोर।
ज़ईफ़ आवाज़ (ضعیف آواز) अ फा वि–जिसकी आवाज़ बहुत कमज़ोर हो जो बहुत धीमे से बोले।
ज़ईफ़ी (ضعیفی) अ स्त्री–वृद्धावस्था बुढ़ापा निर्बलता कमज़ोरी।
ज़ईफ़ुद्दिमाग़ (ضعیف الدماغ) अ वि–जिसका मस्तिष्क कमज़ोर हो जिसे बात याद न रहती हो।
ज़ईफ़ुन्नज़र (ضعیف النظر) अ वि–जिसकी नेत्र शक्ति कम ज़ोर हो मंद दृष्टि।
ज़ईफ़ुलअक़्ल (ضعیف العقل) अ वि–जिसकी बुद्धि कमज़ोर हो जिसमें समझ-बूझ की कमी हो मंदमति।
ज़ईफ़ुलईमान (ضعیف الایمان) अ वि–जिसका विश्वास धर्म पर दृढ़ न हो मंदनिष्ठ।
ज़ईफ़ुलउम्र (ضعیف العمر) अ वि–वयोवृद्ध बड़ा आयु वाला।
ज़ईफ़ुलएतिक़ाद (ضعیف الاعتقاد) अ वि–जिसकी श्रद्धा किसी पर कम हो जो संतो-साधुओं पर विश्वास कम रखता हो।
ज़ईफ़ुलक़ल्ब (ضعیف القلب) अ वि–जिसका दिल कमज़ोर हो जो किसी दुर्घटना की ख़बर से तुरंत हो व्याकुल जाय।
ज़ईफ़ुलक़ुवा (ضعیف القوی) अ वि–जिसके हाथ-पाँव कमज़ोर हो गये हों जो शक्तिहीन हो गया हो।
ज़ईफ़ुलबसर (ضعیف البصر) अ वि–दे 'ज़ईफ़ुन्नज़र'।
ज़ईफ़ुलबुनयान (ضعیف البنیان) अ वि–जिसकी नींव कमज़ोर हो।
ज़ईफ़ुलमेदा (ضعیف المعدہ) अ वि–जिसकी पाचनशक्ति कमज़ोर हो।
ज़ईफ़ुलहज़्म (ضعیف الہضم) अ वि–दे 'ज़ईफ़ुल्मेदा' या मन्दाग्नि हो।
ज़ईम (زعیم) अ पु–नेता लीडर, रहनुमा।
ज़ईमुलमिल्लत (زعیم الملت) अ पु–राष्ट्र का नेता पूरी क़ौम का नेता।
ज़क़्द (زقند) फा स्त्री–छलाँग फलाँग उछाल।
ज़क (زک) फा स्त्री–हानि अनिष्ट, नुक़सान पराजय, हार शिकस्त, लज्जा, शर्म, अपमान तिरस्कार, ज़िल्लत।
ज़क़न (ذقن) अ स्त्री–चिबुक ठुड्डी।
ज़कर (ذکر) अ पु–शिश्न, मेहन लिंग नर, पुरुष प्राणी।
ज़करीया (زکریا) अ पु–एक पैग़म्बर जो आरे से चीरे गये थे।
ज़का (زکا) अ स्त्री–बढ़ना विकास फलना फूलना अधिक होना सुखचैन करना।
ज़का (ذکا) अ स्त्री–बुद्धि मति समझ अक़्ल, विवेक तमीज़।
ज़कात (زکات،زکوۃ) अ स्त्री–इस्लाम धर्म के अनुसार ढाई प्रतिशत का दान जो उन लोगों को देना पड़ता जो मालदार हो और उन लोगों को दिया जाता है जो अपाहिज या असहाय और साधनहीन हो।
ज़काव (ذکاب) अ स्त्री–लिखने की सियाही मसि मसिजल रोशनाई।
ज़कावत (ذکاوت) अ स्त्री–बुद्धिमत्ता मनीषा, अक़्लमंदी प्रतिभा, तेज़फ़हमी।
ज़कावत (زکاوت) अ स्त्री–वृद्धि विकास तीव्रता तेज़ी तीक्ष्णता।
ज़कावते हिस (زکاوت حس) अ स्त्री–संवेदन शक्ति का बढ़ जाना, कुव्वते एहसास का अधिक हो जाना।
ज़की (ذکی) अ वि–बुद्धिमान मेधावी अक़्लमंद।
ज़की (زکی) अ वि–पवित्र शुद्ध पाक अनीह निःस्पृह अनिच्छुक बेनियाज़।
ज़कीउलहिस (ذکی الحس) अ वि–जिसकी हिस तेज़ हो जाय जिसकी संवेदना शक्ति बढ़ जाय।
ज़कीक (زکیک) अ स्त्री–धीमी चाल मंद गति।
ज़कीय (ذکیہ) अ स्त्री–बुद्धिमती अक़्लमंद स्त्री प्रतिभावती, तेज़ तबा स्त्री।
ज़क़ूम (زقوم) फा पु–थूहड़ का पेड़।
ज़क़ूमाब (زقوم آب) फा पु–थूहड़ के पेड़ का कूटकर निचोड़ा हुआ पानी।
ज़क़्क़ूम (زقوم) अ पु–थूहड़ का पेड़।
ज़ख़ाइर (ذخائر) अ पु–ज़ख़ीरः का बहु 'ज़ख़ीरे'।
ज़ख़ाम (ضخام) अ वि–हर चीज़ जो बड़े डील-डौल की हो।
ज़ख़ामत (ضخامت) अ स्त्री–मोटाई दलदार स्थूलता मुटापा।
ज़ख़ारिफ़ (زخارف) अ पु–ज़ुख़रुफ़ का बहु झूठी और बनावटी बातें।
ज़ख़ीम (ضخیم) अ वि–मोटा दलदार स्थूल फ़र्बेह।

ज़ख़ीरः (ذخیرہ) अ पु—जमा किया हुआ, संचित किया हुआ, स्कध।

ज़ख़ीर.अंदोज़ (ذخیرہ اندوز) अ फा वि—नाज आदि का सचय करनेवाला।

ज़ख़ीर.अंदोज़ी (ذخیرہ اندوزی) अ फा स्त्री—नाज आदि अथवा दूसरी बिकनेवाली वस्तुओ को इस आशय से जमा करना कि जब महँगी होगी तब बेचेंगे।

ज़ख़ीरएअमल (ذخیرۂ عمل) अ पु—अच्छे-बुरे कर्मो का परलोक के लिए सचय।

ज़ख़ीरएआख़िरत (ذخیرۂ آخرت) अ पु—परलोक मे काम आनेवाले कर्म अर्थात् जप-तप आदि का सचय।

ज़ख़्ख़ार (زخار) अ वि—अपार, जिसका छोर न मिले, मौजे मारती हुई (नदी)।

ज़ख़्ख़ार (زخار) फा वि—शोर करनेवाला, घोर नाद करनेवाला।

ज़ख़्मः (زخمہ) फा पु—हर वह चीज जिससे कोई बाजा बजाए, मिज़्राब, वाद्ययष्टि।

ज़ख़्म:ज़न (زخمہ زن) फा वि—मिज़्राब से साज बजानेवाला।

ज़ख़्म.ज़नी (زخمہ زنی) फा स्त्री—मिज़्राब से साज बजाना।

ज़ख़्म (زخم) फा पु—आघात, क्षति, घाव, अनिष्ट, हानि, ज़रर।

ज़ख़्मकोस (زخم کوس) फा पु—बडा नगाडा, धौसा।

ज़ख़्मख़ुर्दः (زخم خوردہ) फा वि—जिसे ज़ख़्म लगा हो, क्षत, आहत, घायल, ज़ख़्म खाया हुआ।

ज़ख़्मख़ुर्दगी (زخم خوردگی) ज़ख़्म खाना, घायल होना।

ज़ख़्मदीदः (زخم دیدہ) फा वि—दे 'ज़ख़्मख़ुर्द'।

ज़ख़्मनाख़ुर्द. (زخم ناخوردہ) फा वि—जिसने ज़ख़्म न खाया हो, जो घायल न हुआ हो।

ज़ख़्मनादीदः (زخم نادیدہ) फा वि—दे 'ज़ख़्मनाख़ुर्द'।

ज़ख़्मरसीदः (زخم رسیدہ) फा वि—क्षत, आहत, घायल, नुक़्सान उठाया हुआ।

ज़ख़्मरसीदगी (زخم رسیدگی) फा स्त्री—ज़ख़्मी होना, नुक़्सान उठाना।

ज़ख़्मी (زخمی) फा वि—घायल, आहत, क्षत, मज्रूह, आशिक, नायक।

ज़ख़्मीदिल (زخمی دل) फा वि—जिसका हृदय प्रेम से ज़ख़्मी हो, क्षतहृदय, मर्माहत।

ज़ख़्मेकारी (زخم کاری) फा पु—गहरा घाव, भरपूर घाव।

ज़ख़्मेकुह्न. (زخم کہنہ) फा पु—पुराना घाव।

ज़ख़्मेख़ंदाँ (زخم خنداں) फा पु—खुला हुआ ज़ख़्म, ख़ून देनेवाला ज़ख़्म, जिस घाव मे टाँके न लगे हो।

ज़ख़्मेजिगर (زخم جگر) फा. पुं—जिगर का घाव, इश्क का ज़ख़्म।

ज़ख़्मेताज़ः (زخم تازہ) फा पु—नया नया घाव।

ज़ख़्मेतेज़ (زخم تیز) फा पु—गहरा ज़ख़्म।

ज़ख़्मेदामनदार (زخم دامن دار) फा. पु—चौडा ज़ख़्म, फैला हुआ घाव।

ज़ख़्मेदिल (زخم دل) फा पुं—हृदय का घाव, प्रेम का घाव।

ज़ख़्मेपिन्हाँ (زخم پنہاں) फा पु—भीतरी घाव, दिल का ज़ख़्म, प्रेम का ज़ख़्म।

ज़ख़्रफ़ः (زخرفہ) अ पु—झूठी और बनावटी बात।

ज़ग़ंद (زغند) फा स्त्री—दे 'ज़कद'।

ज़ग़न (زغن) फा स्त्री—चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ज़ग़्तः (ضغطہ) अ पु—अटकाव, भिमचाव, रुकाव।

ज़चः (زچہ) फा स्त्री—दे 'जच्चा'।

जच्चः (زچہ) फा स्त्री—वह स्त्री जिसने बच्चा जना हो, प्रसूता, सूतिका, प्रजाता, जातापत्या।

जच्चःख़ानः (زچہ خانہ) फा पु—सूतिकागृह, प्रसवगृह, सूतिकागार, जच्चा के रहने का कमरा आदि।

जच्चःगरी (زچہ گری) फा स्त्री—बच्चा पैदा कराने का काम, दायागरी, कौमारभृत्य, धात्री-कर्म।

जज़ा' (جزع) अ स्त्री—आतुरता, अधीरता, बेसब्री।

जज़ा (جزا) अ स्त्री—प्रतिकार, बदला, इवज, अच्छे काम का बदला, प्रत्युपकार।

जज़ाइर (جزائر) अ पु—बहुत-से जज़ीरे, द्वीप-समूह।

जज़ालत (جزالت) अ स्त्री—दृढता, मजबूती, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, श्रेष्ठता, ख़ूबी।

जज़ीरः (جزیرہ) अ पु—टापू, द्वीप, वह जमीन जो समुद्र के बीच मे हो।

जज़ीरःनुमा (جزیرہ نما) अ. फा पु—ख़ुश्की का वह भाग जो तीन ओर पानी से घिरा हो, प्रायद्वीप।

जज़ील (جزیل) अ वि—दृढ, मजबूत, सुन्दर, हसीन; उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

जज़्बः (جذبہ) अ पु—भावना, मनोवृत्ति।

जज़्ब (جذب) अ पु—आकर्षण, कशिश, ब्रह्मलीनता, नेस्ती, (वि) आत्मसात्, एक मे समाया हुआ।

जज़्बएइश्क (جذبۂ عشق) अ पु—प्रेमाकर्षण, मुहब्बत की कशिश।

जज़्बएकामिल (جذبۂ کامل) अ पु—पूर्णाकर्षण, पूरी कशिश; प्रेमाकर्षण, इश्क की कशिश,—"रफ्ता-रफ्ता जज़्बेकामिल ने दिखाया यह असर, पहले जो मुझ मे थी उल्फत अब वो उनके दिल मे है।"

जज़्बएदिल (جذبۂ دل) अ फा पु—दिल की कशिश, हृदाकर्षण।

जज़्बात (جذبات) अ पु—भावनाएँ जज़्बे ख़यालात विचार।

जज़्बाती (جذباتی) अ वि—भावनाओं की रौ में बह जानेवाला भावुक।

जज़्बातीयत (جذباتیت) अ स्त्री—भावुकता भावनाओं का वेग।

जज़्बी (جذبی) अ वि—जज़्ब से सम्बन्ध रखनेवाला।

जज़्बेदिल (جذبِ دل) अ फा पु—दिल की कशिश प्रेम का आकर्षण।

जज़्बोकशिश (جذب و کشش) अ फा स्त्री—जज़्ब और कशिश।

जज़्म (جزم) अ पु—दृढ़ पक्का मज़बूत अक्षर को हल करने का चिह्न ( )

जज़्र (جذر) अ पु—वह संख्या जो किसी संख्या में उतनी ही बार भाग देने से प्राप्त हो जैसे—१६ का जज़्र ४।

जज़्र (جزر) अ पु—घटाव उतार पानी का उतार भाटा।

ज़ज्र (زجر) अ स्त्री—डाँट डपट झिड़की फटकार, भर्त्सना तर्जन।

ज़ज्रोतौबीख़ (زجر و توبیخ) अ स्त्री—डाँट फटकार डाँट डपट।

जज़्रोमद (جزر و مد) अ पु—समुद्र के पानी का उतार चढ़ाव ज्वारभाटा।

ज़द (زد) फा वि—मारा हुआ आहत हत (प्रत्य) मारा हुआ जैसे—ग़मज़द ग़म का मारा हुआ।

ज़द (زد) फा स्त्री—चोट मार निशाना सामना।

जद (جد) अ पु—दादा पितामह नाना मातामह।

जदल (جدل) अ स्त्री—युद्ध समर जंग कलह झगड़ा वाक्कलह वाद विवाद हुज्जत।

जदाविल (جداول) अ पु—जद्वल का बहु सारणी समूह।

जदी (جدی) अ पु—बकरी का बच्चा अजाशावक मकर राशि बुर्जेजदी।

जदीद (جدید) अ वि—नूतन नवीन नया आधुनिक हाल का प्रतीच्य मग़रिबी।

जदीदान (جدیدان) अ पु—दिनरात अहर्निश।

ज़दोकोब (زدوکوب) फा स्त्री—मार-पीट लात घूँसा।

जदइ (جدی) अ स्त्री—दे 'जदी' शुद्ध उच्चारण यही है।

जद्दः (جدہ) अ स्त्री—दादी पितामही नानी माता मही।

जद्देअम्जद (جدِ امجد) अ पु—दादा, पितामह।

जद्देआला (جدِ اعلیٰ) अ पु—मूल पुरुष वंश प्रवर्तक मूरिसेआ'ला जिससे ख़ानदान चला हो।

जद्देफ़ासिद (جدِ فاسد) अ पु—नाना मातामह।

जद्वल (جدول) अ स्त्री—नहर, छोटी नदी पुस्तक के चारों ओर का हाशिया सारिणी, ख़ानादार तफ़्सीली नक़्शा।

जदवार (جدوار) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध दवा निरविसी।

ज़न (زن) फा स्त्री—स्त्री जनि नारी योषित औरत भार्या जाया पत्नी जोरू बीवी (प्रत्य) मारनेवाला जैसे—तेग़ज़न तलवार मारनेवाला।

ज़न (ظن) अ पु—विचार ख़याल धारणा गुमान।

ज़नख़-दाँ (زنخداں) फा स्त्री—चिबुक ठुड्डी।

ज़नचक (زن چک) फा स्त्री—व्यभिचारिणी फ़ाहिशा पुंश्चली।

ज़नपरस्त (زن پرست) फा वि—स्त्री की पूजा करनेवाला स्त्री-पूजक पत्नी की बात के ख़िलाफ़ न करनेवाला पत्नी भक्त।

ज़नब (ذنب) अ पु—पुच्छ पूछ दुम, राहु एक सितारा।

ज़नबमुज़्द (زن بمزد) फा पु—स्त्री की कमाई खानेवाला भार्याट दय्यूस भड़ुवा।

ज़नमुरीद (زن مرید) फा अ वि—अपनी पत्नी को ही सब कुछ समझनेवाला, स्त्रीजित भार्याजित पत्नीभक्त पत्नीव्रती।

ज़नबुलफ़रस (ذنب الفرس) अ पु—एक सितारा राहु।

ज़नाँ (زناں) फा स्त्री—ज़न का बहु स्त्रियाँ (वि) मारता हुआ (प्रत्य) मारता हुआ जैसे—क़हक़हज़नाँ क़हक़हा मारता हुआ।

जनाज़ (جنازہ) अ पु—कफ़न में लपेटा हुआ शव कफ़न में लिपटी हुई लाश दे 'जिनाज़'।

जनाज़ःबरदार (جنازہ بردار) अ फा वि—जनाज़ा उठानेवाला।

जनाज़ःबरदोश (جنازہ بردوش) अ फा वि—कंधे पर जनाज़ा उठाये हुए।

जनाज़एरवाँ (جنازۂ رواں) अ फा पु—घोड़ा अश्व घोड़े का सवार अश्वारोही।

ज़नादिक़ (زنادقہ) अ पु—ज़िन्दीक़ का बहु नास्तिक और अधर्मी लोग।

ज़नानः (زنانہ) फा पु—स्त्रियों जैसे स्वभाववाला पुरुष नरदारा क्लीव हिजड़ा स्त्रियों का, स्त्रियों के योग्य।

ज़नानख़ान (زنانخانہ) अ पु—स्त्रियों का घर जहाँ स्त्रियाँ रहती हों अंतःपुर।

जनानेबाजारी (زنان بازاری) फा. स्त्री –वेश्याएँ, रंडियाँ, बाजारू औरतें, सतीत्व बेचनेवाली।

जनाब (جناب) अ. स्त्री –ड्योढी, चौखट, आस्तान.; सम्मुख, सामने, श्रीमान्, महोदय, महाशय, पार्श्व, पहलू, दरगाह, आश्रम।

जनाबत (جنابت) अ. स्त्री –मैथुन के पश्चात् स्नान की आवश्यकता, अशुचि, अपवित्रता, दूरी, अलाहिदगी, पृथक्ता।

जनाबीर (زنابیر) अ पु –'जबूर' का बहु, भिड़ें।

जनाबील (زنابیل) अ. पु –'जबील' का बहु, थैले।

जनाबे आली (جناب عالی) अ वि –श्रीमन्महोदय, मान्यवर।

जनाबे मुकर्रम (جناب مکرم) अ वि –दे. 'जनाबे आली'।

जनाबे मोहतरम (جناب محترم) अ वि –दे 'जनाबे आली'।

जनाबे वाला (جناب والا) अ वि –दे 'जनाबे आली'।

जनाशोई (زناشوئی) फा स्त्री –दाम्पत्य, स्त्री-पुरुष का, मियाँ-बीबी का।

जनाह (جناح) अ पु –पक्ष, पख, पुर, बाहु, भुजा, बाजू, सेनाग्र, हिरावुल।

जनीन (جنین) अ पु –पेट के भीतर का बच्चा, गर्भस्थ, भ्रूण।

जनीने मुर्दः (جنین مردہ) अ. फा पु –वह बच्चा जो पेट मे मर गया हो।

जनीबत (جنیبت) फा पु –कोतल घोडा जो बादशाहो और राजाओं की सवारी का हो।

जनीम (زنیم) अ वि –वह व्यक्ति जो किसी वंश का प्रसिद्ध हो, परन्तु उस वंश का न हो, वह व्यक्ति जो दुष्टता और कृपणता मे प्रसिद्ध हो।

जनूब (جنوب) अ पु –दक्षिण, दक्खिन, दकन।

जनूबी (جنوبی) अ वि –दक्षिणीय, दक्खिन का।

जन्नत (جنت) अ स्त्री –स्वर्ग, नाक, देवलोक, सुरलोक, विहिश्त; उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

जन्नत आरामगाह (جنت آرامگاہ) अ फा. वि –जो स्वर्ग मे आराम कर रहा हो, दिवंगत, स्वर्गीय, मर्हूम।

जन्नतनशीं (جنت نشیں) अ फा वि –जो स्वर्ग मे रह रहा हो, अर्थात् जो मर गया हो, स्वर्गवासी।

जन्नतमकां (جنت مکاں) अ वि –जिसका घर स्वर्ग हो, अर्थात् मरा हुआ व्यक्ति, स्वर्गीय, स्वर्ग-वेश्म।

जन्नती (جنتی) अ वि –जिसको मरने के पश्चात् स्वर्ग प्राप्त हुआ हो, स्वर्गीय, स्वर्ग के योग्य व्यक्ति, सदाचारी, पुण्यात्मा।

जन्नतुलफिर्दौस (جنت الفردوس) अ स्त्री –सब से ऊँचा (स्वर्ग), वह बाग जिसमे हर वह चीज हो जो दूसरे बागो मे हो।

जन्नतुलमावा (جنت الماوی) अ स्त्री –सबसे ऊपर का स्वर्ग।

जन्नते नजर (جنت نظر) अ. स्त्री –ऐसी सुन्दर और अद्भुत चीज जो दृष्टि के लिए स्वर्ग के समान हो, जो दृष्टि को स्वर्ग का आनन्द दे।

जन्नते निगाह (جنت نگاہ) अ फा स्त्री –दे. 'जन्नते नजर'।

जन्नी (ظنی) अ वि –काल्पनिक, कल्पित, ख़याली, भ्रमात्मक, मौहूम।

जन्नेबद (ظن بد) अ फा पु –कुधारणा, बुरा गुमान।

जन्नेबातिल (ظن باطل) अ पु –बिलकुल मिथ्या विचार, गलत गुमान।

जफर (ظفر) अ स्त्री –जय, विजय, जीत, सफलता, कामयाबी।

जफरकरीं (ظفر قریں) अ वि.–विजेता, विजयी, फातेह।

जफरनसीब (ظفر نصیب) अ वि –जिसके भाग्य मे विजय हो, विजयशील।

जफरनिशाँ (ظفر نشاں) अ. फा वि –विजेता, फतहमद।

जफरपैकर (ظفر پیکر) अ फा वि –दे 'जफरयाब'।

जफरमौज (ظفر موج) अ फा वि –दे 'जफरयाब'।

जफरयाब (ظفر یاب) अ फा वि –जिसे विजय प्राप्त हुई हो, विजयी, जित्वर, विजेता, जिष्णु।

जफरयाबी (ظفر یابی) अ फा स्त्री –जीत, विजय-प्राप्ति।

जफा (جفا) फा. स्त्री –अत्याचार, अन्याय, अनीति, जुल्म, सितम।

जफाएचर्ख (جفاے چرخ) फा. स्त्री –आस्मान की जफा, दैवीकोप, भाग्यचक्र, दिनो की गर्दिश।

जफाकश (جفاکش) फा वि –देह पर कष्ट उठानेवाला, कठिन परिश्रम करनेवाला, पराक्रमी, मेहनती, कर्मशूर।

जफाकार (جفاکار) फा वि.–अत्याचार करनेवाला, जालिम।

जफ़ाकेश (جفاکیش) फा वि –जिसकी प्रकृति मे अत्याचार हो, बहुत बडा अत्याचारी।

जफ़ाख़ू (جفاخو) फा वि –दे. 'जफाकश'।

जफाजू (جفاجو) फा वि –नयी-नयी जफाएँ और नये-नये अत्याचार तलाश करनेवाला।

जफापरस्त (جفاپرست) फा वि –महा अत्याचारी, जो अनीति को पूजता हो, जो प्रेमिका के अत्याचारो की पूजा करता हो, आशिक।

जफापर्वर (جفاپرور) फा. वि –अत्याचारो को प्रोत्साहन देनेवाला, घोर अत्याचारी।

जफ़ापेशा (جفاپیشه) फा वि–जिसका काम केवल अत्याचार करना हो, बहुत बड़ा अन्यायी।

जफ़ापेशगी (جفاپیشگی) फा स्त्री–अत्याचार का व्यवहार।

जफ़ाशिआर (جفاشعار) फा वि–दे. जफ़ापेशा।

ज़फ़्दे (ضفدع) अ पु–मेंढक, दर्दुर, भेक। ज़िफ़्दे शुद्ध है।

जफ़्न (جفن) अ पु–आँख का पपोटा।

जफ़्र (جفر) अ पु–बकरी या भेड़ का बच्चा, एक विद्या जिसमें परोक्ष ज्ञान प्राप्त होता है।

जफ़्रदाँ (جفرداں) अ फा वि–जफ़्र की विद्या जाननेवाला, भविष्यवक्ता, परोक्षवेत्ता।

ज़ब [ज़ब्ब] (ضب) अ स्त्री–गोह, गोधिका।

ज़बद (زبد) अ पु–झाग, फेन।

ज़बर (زبر) फा पु–उर्दू में (अ) का चिह्न ( ) वि. ऊपर, उपरि, शक्तिशाली, ताक़तवर, भारी, बोझिल।

ज़बरजद (زبرجد) फा पु–एक रत्न, पीत मणि, पुखराज।

ज़बरदस्त (زبردست) फा वि–शक्तिशाली, ताक़तवर, प्रचंड, अति तीव्र, बहुत तेज़।

ज़बरदस्ती (زبردستی) फा स्त्री–अत्याचार, ज़ुल्म, हठात्, बलात्, बलपूर्वक, जब्रन।

जबरूत (جبروت) अ पु–प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

जबल (جبل) अ पु–पर्वत, अचल, पहाड़।

जबलुत्तारिक़ (جبل الطارق) अ पु–जिब्राल्टर।

ज़बाँ (زباں) फा स्त्री–जिह्वा, रसना, रसेंद्रिय, जीभ, किसी देश की बोली, भाषा, क़ौल, क़रार, संविदा, वचन, कथन।

ज़बाँआवर (زباں آور) फा वि–भाषा का बहुत अच्छा ज्ञाता, भाषापटु, कवि, शाइर।

ज़बाँआवरी (زباں آوری) फा स्त्री–भाषा का अच्छा ज्ञान, कविता, शाइरी।

ज़बाँगार (زباں گیر) फा वि–गुप्तचर, जासूस।

ज़बाँज़द (زباں زد) फा वि–जो सबकी ज़बानों पर हो, जनता में प्रसिद्ध बात।

ज़बाँदराज़ (زباں دراز) फा वि–जिसकी जीभ बहुत लम्बी हो, गुस्ताख़, मुक्तकंठ, बदज़बान, दुर्मुख।

ज़बाँदराज़ी (زباں درازی) फा स्त्री–गुस्ताख़ी, बदज़बानी, दुर्मुखता, दुर्वचन।

ज़बाँदाँ (زباں داں) फा वि–किसी भाषा का विद्वान्, भाषाविज्ञ, भाषाविद्।

ज़बाँफ़रोश (زباں فروش) फा वि–बातूनी, मुखर, वाचाल।

ज़बाँबंदी (زباں بندی) फा स्त्री–शासन की मनाही, राज की ओर से जनता में भाषण देने का निषेध।

जबान (جبان) अ पु–वन, जंगल, कानन।

ज़बान (زبانہ) फा पु–लौ, लपट, अग्नि ज्वाला, अग्निशिखा।

जबान (جبان) अ वि–क्लीव, नपुंसक, भीरु, डरपोक।

ज़बान (زبان) फा स्त्री–दे. ज़बाँ।

जबानत (جبانت) अ स्त्री–क्लीवता, नामर्दी, भीरुता, डरपोकपन।

ज़बानी (زبانی) फा वि–मौखिक, मुँह से कहा हुआ, कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ, मुँह से, ज़बान से।

ज़बाने क़लम (زبان قلم) फा अ स्त्री–क़लम की नोक, होल्डर का निब, क़लमरूपी मनुष्य की ज़बान।

ज़बाने ख़ामा (زبان خامہ) फा स्त्री–दे. 'ज़बाने क़लम'।

ज़बाने शीरीं (زبان شیریں) फा स्त्री–मीठी ज़बान, जिस ज़बान से मीठी-मीठी बातें निकलती हों।

ज़बाने हाल (زبان حال) फा अ स्त्री–दशा, हालत रूपी मनुष्य की जिह्वा।

जबीं (جبیں) फा स्त्री–माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

जबींफ़र्सा (جبیں فرسا) फा वि–माथा रगड़नेवाला, ज़मीन पर माथा टेककर सलाम करनेवाला, बहुत ही दीनता प्रकट करनेवाला।

जबींसा (جبیں سا) फा वि–दे. जबींफ़र्सा।

जबींसाई (جبیں سائی) फा स्त्री–माथा रगड़ना, बहुत ही झुककर सलाम करना, दीनता और नम्रता का प्रदर्शन, मुआज़ल्ला। तसव्वुर का यह आलमे-जबींसाई। कि होना ही नहीं महसूस उनका दूर हो जाना।

ज़बी (ظبی) अ पु–हरिण, मृग, हिरन, आहू।

जबीन (جبین) फा स्त्री–दे. जबीं।

ज़बीब (زبیب) अ पु–सूखा हुआ अंगूर, शुष्क द्राक्षा, मुनक्का।

ज़बीय (ظبیہ) अ स्त्री–हरिणी, मृगी, हरनी।

जबीर (جبیرہ) अ स्त्री–टूटी हड्डी पर बाँधने की लकड़ी।

ज़बीह (ذبیحہ) अ पु–ज़बह किया हुआ जानवर, वध, ज़बह।

ज़बीह (ذبیح) अ वि–वधित, ज़बह किया हुआ।

ज़बीहुल्लाह (ذبیح اللہ) अ पु–हज़रत इस्माईल की उपाधि, जिन्हें उनके पूज्य पिताजी ने ईश्वर की आज्ञा से वध करना चाहा था।

ज़बूँ (زبوں) फा वि–निकृष्ट, दूषित, ख़राब।

ज़बूँहाल (زبوں حال) फा अ वि–दुर्दशाग्रस्त, बदहाल, बुरा हलात में।

ज़बूँहाली (زبوں حالی) फा अ स्त्री–दुर्दशा, बदहाली।

ज़बून (زبوں) फा वि–दे. ज़बूँ।

जबूनी (زبونی) फा. स्त्री —निकृष्टता, खराबी, तिरस्कार, ज़िल्लत, दु ख, क्लेश, कष्ट, तकलीफ।

जबूनीकश (زبونی کش) फा वि —कष्ट और दु ख उठानेवाला, तिरस्कार सहनेवाला।

जबूर (زبور) अ. स्त्री.—वह आसमानी किताब जो हजरत 'दाऊद' पर उतरी थी।

जब्त (ضبط) अ पु —सहन, सहनशीलता, बरदाश्त, क्रम, तर्तीब, प्रबध, व्यवस्था, इतजाम, ज़ब्तशुद, जो चीज़ जब्त हो गयी हो।

जब्ती (ضبطی) अ स्त्री —किसी चीज पर जबरदस्ती कब्जा, सरकारी हुक्म से किसी चीज पर कब्जा।

जब्ते अश्क (ضبط اشک) अ फा. पु —आँसू रोकना।

जब्ते आह (ضبط آه) अ फा पु —आह रोकना, मुँह से आह न निकलने देना।

जब्ते गम (ضبط غم) अ फा पु —कष्ट और दु ख प्रकट न होने देना, प्रेम की व्यथा का इज्हार न करना।

जब्ते गिर्यः (ضبط گریہ) अ फा पु —आँसू न निकलने देना, रोने पर काबू रखना।

जब्ते नालः (ضبط نالہ) अ फा पु —मुँह से चीख पुकार न निकलने देना, रोना-धोना न करना।

जब्ते फुगाँ (ضبط فغاں) अ फा पु —दे 'जब्ते नाला'।

जब्र (جبر) अ पु —अत्याचार, अन्याय, जुल्म, किसी बात के लिए मजबूर करना, हठ, यह सिद्धान्त कि मनुष्य नितान्त बेवश है जो कुछ करता है ईश्वर करता है।

जब्रन (جبراً) अ वि —जबरदस्ती, हठात्, बलात्।

जब्री (جبری) अ वि —जबरदस्ती का, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य बिलकुल विवश है।

जब्रीयः (جبریہ) अ. वि —जबरदस्ती का, जब्री, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य खुद कुछ नही करता, सब कुछ ईश्वर कराता है।

जब्रे मशीयत (جبر مشیت) अ. पु —दैव की जबरदस्ती, भाग्य का हठ।

जब्रोकद्र (جبر و قدر) अ पु —यह सिद्धान्त कि ईश्वर सब कुछ करता है और मनुष्य कुछ नही कर सकता।

जब्रोतअद्दी (جبر و تعدی) अ स्त्री —अत्याचार और अन्याय।

जब्रोमुकाबलः (جبر و مقابلہ) अ पु -'अलजब्रा' बीजगणित।

जब्ल (زبل) अ पुं —घोडे और गधे की लीद।

जब्ह. (جبهه) अ स्त्री —पेशानी, माथा, ललाट, भाल, दसवाँ नक्षत्र, मघा।

जबह.फर्सा (جبهه فرسا) अ. फा वि —दे 'जबीफर्सा'।

जब्ह:सा (جبهه سا) अ फा. वि —दे 'जबीसा'।

जब्ह (ذبح) अ पु.—वध, जबीह ; हत्या, हिंसा, कत्ल।

जम (جم) फा पुं —जमशेद का लघुरूप, दे. 'जमशेद'।

जम (جم) अ पु —भीड, जमाव।

जम (ذم) अ पु —निंदा, बुराई, हजो, अश्लीलता, फुहश होना।

जम (زم) अ पु —शीत, सर्दी।

जम (ضم) अ पु —मिलना, मिल जाना, मिला हुआ, सबद्ध, सयुक्त, पेश का चिह्न (ُ) ज़बर।

जमजम (زمزم) अ पु —मक्के का एक कुआँ जिसका पानी बहुत ही पवित्र समझा जाता है, उस कुएँ का पानी।

जमजाह (جم جاه) फा वि —जमशेद-जैसी शानोशौकत रखनेवाला, महाप्रतापवान्।

जमन (جمن) फा स्त्री —जमना नदी, यमुना।

जमन (زمن) अ पु —जमाना, ससार, जगत्, विश्व, काल, समय, वक्त, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

जमल (جمل) अ पु —ऊँट, उष्ट्र, नर ऊँट।

जमशेद (جمشید) फा पु —ईरान का एक प्राचीन शासक, जिसके पास एक प्याला था जिससे उसे ससार भर का हाल ज्ञात हो जाता था।

जमाँ (زماں) अ पु —जमाना, काल, समय, ससार, विश्व, दुनिया।

जमाअत (جماعت) अ. स्त्री —पक्ति, कतार, वर्ग, तबक, कक्षा, क्लास।

जमाद (جماد) अ स्त्री —जड पदार्थ, वह चीज जिसमे विकास आदि न हो, जैसे—पत्थर आदि।

जमादात (جمادات) अ स्त्री —बेजान औ जड चीजे।

जमादी (جمادی) अ वि —जड सम्बन्धी।

जमानः (زمانہ) अ पु —समय, काल, वक्त, युग, कर्न, विलब, देर, अतिकाल, मुद्दत, अर्सा, दशा, हालत।

जमानःशनास (زمانہ شناس) अ फा वि —समय को पहचाननेवाला, समय के अनुकूल काम करनेवाला।

जमान.साज (زمانہ ساز) अ फा वि —मुतफन्नी, धूर्त, छली, इबनुल वक्त, अवसरवादी।

जमान (زمان) अ पु —दे 'ज़मान'।

जमानए कदीम (زمانۂ قدیم) अ पु —प्राचीनकाल, पुराना जमाना।

जमानए जदीद (زمانۂ جدید) अ पु —आधुनिक काल, मौजूद जमाना।

जमानए जाहिलीयत (زمانۂ جاہلیت) अ पु —मूर्खताकाल, बेवकफी का जमाना, इस्लामी परिभाषा के अनुसार इस्लाम से पूर्व का समय।

ज़मानए दराज़ (زمانۂدراز) अ फा पु–लम्बा समय दीर्घ काल।
ज़मानए माक़ब्ले तारीख़ (زمانۂماقبل‌تاریخ) अ पु–वह समय जब इतिहास नहीं लिखा जाता था, इतिहास पूर्वकाल पूर्वेतिहासिक काल।
ज़मानए माज़ी (زمانۂماضی) अ पु–गुज़रा हुआ समय बीता हुआ ज़माना, भूतकाल।
ज़मानए मुसीबत (زمانۂمصیبت) अ पु–व्यसनकाल विपत्तिकाल संकटकाल आफ़्तों का ज़माना।
ज़मानए सलफ़ (زمانۂسلف) अ पु–प्राचीन काल पुरातन काल बहुत पिछला ज़माना।
ज़मानत (ضمانت) अ स्त्री–प्रतिभूति ज़ामिनी।
ज़मानतदार (ضمانتدار) अ फा पु–प्रतिभू ज़ामिन।
ज़मानतनामः (ضمانت‌نامہ) अ फा पु–प्रतिभूति पत्र ज़मानत की तहरीर।
ज़मानती (ضمانتی) अ पु–दे 'ज़मानतदार' ज़मानत का।
जमाल (جمال) अ पु–सौन्दर्य रूप सुन्दरता हुस्न शोभा छटा छवि मुखकान्ति मुखाभा तल्अत।
जमालिस्तान (جمالستان) अ फा पु–वह जगह जो सुन्दरता की खान हो जहा सुन्दरियाँ ही सुन्दरियाँ हों।
जमाली (جمالی) अ वि–रूप से सम्बन्ध रखनेवाला 'जलाली' का उल्टा वह जाप (अमल) जिसके जप में प्राणभय न हो।
जमालीयात (جمالیات) अ पु–सौन्दर्य सम्बन्धी बातें।
जमाहीर (جماہیر) अ पु–'जुम्हूर' का बहु बड़े-बड़े व्यक्ति।
ज़मिस्ताँ (زمستاں) फा पु–जाड़े की ऋतु जाड़े का मौसिम शीतकाल।
ज़मिस्तानी (زمستانی) फा वि–जाड़ेवाला शरद ऋतु वाला।
ज़मीं (زمیں) फा पु–पृथ्वी धरा अवनि कुरए ज़मीन भूमि भूखण्ड ज़मीन का टुकड़ा देश मुल्क पृष्ठभूमि पुरश्चरण ग़ज़ल की रदीफ़ क़ाफ़िये और बह्र।
ज़मींदार (زمیندار) फा पु–ज़मीन का मालिक भूस्वामी भूमिपति।
ज़मींदारी (زمینداری) फा स्त्री–राज की ओर से गाँव के ठेके की पद्धति।
जमीअ (جمیع) अ वि–समस्त समग्र कुल सब सम्पूर्ण समूचा पूरा।
ज़मीन (زمین) फा स्त्री–दे ज़मीं।
ज़मीमः (ذمیمہ) फा वि–ज़मीम की स्त्री निकृष्टा बुरी।
ज़मीमः (ضمیمہ) अ पु–किसी विशेष और आवश्यक समाचार के लिए अख़बार का तत्तिम्मः किसी पुस्तक का विशेष भाग परिशिष्ट।
ज़मीम (ذمیم) अ वि–बुरा ख़राब निकृष्ट।
ज़मीर (ضمیر) अ पु–अंतरात्मा अन्तःकरण बातिन, सर्वनाम मन, दिल, जी।
ज़मीरआगाह (ضمیرآگاہ) अ फा वि–अंतर्यामी दिल का हाल जाननेवाला।
ज़मीरफ़रोश (ضمیرفروش) अ फा वि–आत्मविक्रेता ग़द्दार अवसरवादी।
ज़मीरफ़रोशी (ضمیرفروشی) अ फा स्त्री–ग़द्दारी आत्म विक्रय।
ज़मीरे ग़ाइब (ضمیرغائب) अ स्त्री–प्रथम पुरुष का सर्वनाम वह।
ज़मीरे मुख़ातब (ضمیرمخاطب) अ स्त्री–मध्यम पुरुष का सर्वनाम तुम।
ज़मीरे मुतकल्लिम (ضمیرمتکلم) अ स्त्री–उत्तम पुरुष का सर्वनाम मैं।
ज़मीरे हाज़िर (ضمیرحاضر) अ स्त्री–दे 'ज़मीरे मुख़ातब'।
जमील (جمیل) अ वि–सुन्दर रूपवान हसीन।
जम्अ (جمع) अ स्त्री–आय आमद उपार्जित धन जमा पूँजी निशाना।
जम्अअंदाज़ (جمع‌انداز) अ फा वि–बहुत अच्छा निशाना लगानेवाला लक्ष्यभेदी निशानची।
जम्अदार (جمعدار) अ फा पु–सिपाहियों का नायक
जम्अबंदी (جمع‌بندی) अ फा स्त्री–ज़मीनदारी की आमदनी।
जम्ईयत (جمعیت) अ स्त्री–दल यथ समूह जमाअत समुदाय मिलाप इत्मीनान सभा गोष्ठी परिषद् [illegible]
जम्ईयतुलउलमा (جمعیت‌العلما) अ स्त्री–आलिमों की जमाअत विद्वानों की मंडली।
जम्ईयते ख़ातिर (جمعیت‌خاطر) अ स्त्री–आत्मसंतोष इत्मीनाने क़ल्ब।
ज़म्ज़म (زمزم) फा पु–चहचह चहकार चिड़ियों का चहक कलरव गाना गीत नग़्मः।
ज़म्ज़म ख़्वाँ (زمزمہ‌خواں) फा वि–चहचहानेवाला पक्षी गानेवाला गायक।
ज़म्ज़मपरदाज़ (زمزمہ‌پرداز) फा वि–दे ज़म्ज़म ख़्वाँ।
ज़म्ज़मपरा (زمزمہ‌پرا) फा वि–दे ज़म्ज़म ख़्वाँ।
ज़म्ज़मसंज (زمزمہ‌سنج) फा वि–गानेवाला चहचहानेवाला मधुर स्वर में बातचीत करनेवाला।

जम्जमःसंजी (زمزمہ سنجی) फा स्त्री.–गाना, चहचहाना; मधुर स्वर में बातचीत करना।
जम्जम (زمزم) अ पु –मक्के का एक पवित्र कुआं, उस कुएँ का पानी।
जम्जमी (زمزمی) अ. स्त्री –जम्जम रखने की कुप्पी।
जम्द (ضمد) अ पु –मर्हम लगाना, दवा चुपटना।
जम्मः (ضمہ) अ पु –'पेश' का चिह्न, 'उ' की मात्रा।
जम्माजः (حمازہ) अ स्त्री –तेज चलनेवाली ऊँटनी, सांडनी।
जम्माश (حماش) अ वि –चपल, चंचल, शोख, शरीर, साहसी, हिम्मती, शूर, वीर।
जम्मे गफीर (جم غفیر) अ. पु –बहुत बडा जमाव, बहुत बडी भीड।
जम्रः (حمرہ) अ पु –चिनगारी, अग्निकण, स्फुलिंग, ककरी, ठीकरी, एक प्रकार की फुसियां जिनमे बडी जलन होती है।
जम्र (ضمر) अ पु –छरहरे और दुबले शरीर का व्यक्ति।
जम्हरीर (زمہریر) फा पु –बहुत ही कडा जाडा, वायुमडल का वह भाग जो बहुत ही ठडा है।
जर (زر) फा पु –स्वर्ण, सुवर्ण, हेम, हाटक, काचन, सोना, धन, संपत्ति, दौलत, बहुत बूढा या बूढी।
जर[र्र] (جر) अ पु –खीचना, आकर्षण, खिचाव, जेर की हरकत।
जर[र्र] (ضر) अ पु –दुःख, कष्ट, तकलीफ, दुर्दशा, बद-हाली, निर्धनता, गरीबी, निर्बलता, दुबलापन।
जरअंदूदः (زراندودہ) फा वि –सोने से मढा हुआ, सोना चढा हुआ।
जरअफ़शाँ (زرافشاں) फा वि –दे 'जरफशाँ'।
जरअफ़शानी (زرافشانی) फा स्त्री –दे 'जरफशानी'।
जरक (زرک) फा पु –सोने के वरको का चूरा।
जरकश (زرکش) फा वि –सोने-चाँदी के तारो से कलाबत्तू बनानेवाला, सोने-चाँदी के तारो से बना हुआ कपडा।
जरकशी (زرکشی) फा स्त्री –सोने-चाँदी के तारो का काम, कलाबत्तू का काम।
जरकार (زرکار) फा वि –सुनहले काम की चीज।
जरकोब (زرکوب) फा वि –सोने-चाँदी के वरक बनाने-वाला, वह चीज जिसपर सोने के पत्र चढ़े हो।
जरकोबी (زرکوبی) फा स्त्री –सोने-चाँदी के वरक बनाना।
जरखरीद (زرخرید) फा वि –अपने दामो से मोल लिया हुआ, मोल लिया हुआ दास।
जरखेज़ (زرخیز) फा वि –अच्छी उपजाऊ भूमि, उर्वरा, सस्यप्रद।
जरखेज़ी (زرخیزی) फा स्त्री –जमीन का उपजाऊ होना।
जरगर (زرگر) फा पु –स्वर्णकार, सुनार, सोने-चाँदी के जेवर बनानेवाला।
जरगरी (زرگری) फा स्त्री –स्वर्णकर्म, सोने-चाँदी का काम बनाना, सोने-चाँदी के जेवर बनाना।
जरगूनी (زرعونی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा।
जरतार (زرتار) फा वि –सोने के तारो से बना या गुँथा हुआ।
जरतुश्त (زرتشت) फा पु –दे 'जरदुश्त'।
जरदार (زردار) फा वि –धनी, धनाढ्य, मालदार।
जरदारी (زرداری) फा स्त्री –धनाढ्यता, धनवानी, माल-दारी।
जरदुश्त (زردشت) फा पु –'मिनूचेह्र' का वंशज एक ईरानी महात्मा, जो यूनान के हकीम फीसागोरस का शिष्य था। इसने सम्राट् गुश्ताश्प के समय मे एक धर्म चलाया जिसका मुख्य उद्देश्य अग्निपूजा था, इसका धर्मग्रथ 'जेद' है।
जरदोज़ (زردوز) फा वि –जरदोजी का काम करनेवाला, कारचोब, सल्मासितारा और कलाबत्तू का काम बनानेवाला।
जरदोज़ी (زردوزی) फा स्त्री.–कारचोबी, सल्मेसितारा और जरी का काम।
जरदोस्त (زردوست) फा वि.–धन का लोभी, बहुत ही लोभी और कजूस।
जरदोस्ती (زردوستی) फा स्त्री –धन का लोभ, धन का बहुत अधिक प्रेम, कृपणता, कजूसी।
जरनिगार (زرنگار) फा वि –सोने के काम से सजा हुआ, सोने के बेलबूटे बना हुआ।
जरपरस्त (زرپرست) फा वि –रुपये की पूजा करनेवाला, धन-पिशाच, बहुत बडा कजूस।
जरपरस्ती (زرپرستی) फा स्त्री –रुपये की पूजा, हद से बढा हुआ लोभ।
जरपाश (زرپاش) फा वि –सोना बरसानेवाला, दान-शील, फैयाज।
जरपाशी (زرپاشی) फा स्त्री –सोना बरसाना, बहुत अधिक दानशीलता।
जरफ़िशाँ (زرفشاں) फा वि –दे 'जरफशाँ'।
जरफ़िशानी (زرفشانی) फा स्त्री –दे 'जरफशानी'।
जरफ़शाँ (زرافشاں) फा वि –सोना बरसानेवाला अर्थात् बहुत अधिक दानशील।
जरफ़शानी (زرافشانی) फा स्त्री –सोना बरसाना, बहुत बडी दानशीलता।
जरब (جرب) अ स्त्री –खुजली, खारिश, खर्जू, कडू।
जरब (ضرب) अ पु –सफेद शहद, श्वेत मधु।

जरब (ذرب) अ पु–पट का एक रोग जिसमें कभी दस्त होने लगते ह कभी बद हो जाते ह।
जरबफ्त (زربفت) फा पु–सोने चादी क तारा स बना हुआ कपडा।
जरबान (ضربان) अ पु–हृदय की धडकन दद की लपक।
जरबाफ (زرباف) फा वि–जरबफ्त बनानेवाला।
जरबाफी (زربافی) फा स्त्री–जरबफ्त बुनना।
जरबी (ضربی) अ वि–शहदवाली वस्तु।
जरम (جرم) अ पु–उपचार इलाज उपाय तदबीर।
जरयान (جریان) अ पु–स्राव, प्रवाह बहाव, प्रमेह धातुस्राव रोग।
जरयाने खून (جریان خون) अ फा पु–शरीर स रक्त का स्राव।
जरयाने तम्स (جریان طمس) अ पु–रज का स्राव, मासिक धम का अधिक मात्रा म आना।
जरयाने दम (جریان دم) अ पु–रक्त का स्राव खून का खारिज होना।
जरयाने मनी (جریان منی) अ पु–वीय का स्राव वीय का पतला होकर मूत्र के साथ निकलना एक रोग प्रमेह।
जरर (ضرر) अ पु–हानि नुकसान आघात चोट अनिष्ट, खराबी।
जररसाँ (ضرررساں) अ फा वि–हानिकारक नुकसानदेह।
जररसानी (ضرررسانی) अ फा स्त्री–हानिकारिता, नुक्सानदिही।
जररसी (ضرررسی) अ फा स्त्री–नुक्सान पहुचना हानि पहुँचना।
जररसीदा (ضرررسیدہ) अ फा वि–हानि पहुँचा हुआ हानिपीडित।
जररेज (زرریز) फा वि–सोना बरसानेवाला अतिदानी।
जररेजी (زرریزی) फा स्त्री–सोना बरसाना फयाजी करना।
जरस (جرس) फा प–घण्टा घडियाल वह घटा जो यात्रियो के दल के साथ रहता है।
जरा (ذرع) अ पु–लाभ लालच जगली गाय का बच्चा।
जरा (ذرا) तु वि–तनिक किंचित अल्प थोडा।
जरा (ضرا) अ पु–रोना धोना क्रन्दन विनम्रता आजिज़ी।
जराअत (زراعت) अ स्त्री–दे जु उ जिराअत।
जराअत(ضراعت) अ स्त्री–रोना क्रन्दन विनती करना घिघियाना।
जराइद (جرائد) अ पु–जरीदा का बहु समाचारपत्र।
जराइफ (ظرائف) अ पु–जरीफ का बहु जराफ्तें, मनोरजन की बातें।
जराइम (جرائم) अ पु–जरीम का बहु अनेक प्रकार के अपराध बहुत से अपराध।
जराइमपेश (جرائم پیشہ) अ फा वि–जिस जुम करना आदत हो जो प्रकृति मे ही जुम का आदी हो।
जराइमपेशगी (جرائم پیشگی) अ फा स्त्री–अपराधकरण का स्वभाव।
जराइर (ذرائر) अ पु–जर का बहु छोटे छोटे च्यूँ।
जराए (ذرائع) अ पु–जरीअ का बहु, जरीए साधन।
जराद (جراد) अ पु–टीडी टिड्डी जो खेत खा जाती है।
जराफ (زراف) अ पु–एक जगली पशु जो ऊट के बराबर होता है और तेंदुए जसी शरीर पर धारियां होती ह, दे जिराफ दानो शुद्ध ह।
जराफ्त (ظرافت) अ स्त्री–हँसी ठठोल मसखरापन खुशतबई मनोरजन, व्यग तज हास्यरस मिजाह निगारी।
जराफ्तअगज (ظرافت انگیز) अ फा वि–जराफ्त पदा करनेवाला।
जराफ्तआमेज (ظرافت آمیز) अ फा वि–जिसमें हँसी दिल्लगी की बातें मिली हो परिहासपूर्ण।
जराफ्तनिगार (ظرافت نگار) अ फा वि–हास्य-लेखक, मिजाहनिगार।
जराफ्तनिगारी (ظرافت نگاری) अ फा स्त्री–हास्य लेख लिखना मिजाहनिगारी।
जराफ्तपसद (ظرافت پسند) अ फा वि–जिसे मनोरजन पसद हो परिहासप्रिय।
जराफ्तपसदी (ظرافت پسندی) अ फा स्त्री–मनोरजन की बातो का अच्छा लगना।
जराब (زراب) फा पु–खाने का पानी पानी की शक्ल में सोना हल किया हुआ सोना पात्र रग की मदिरा।
जरारत (ضرارت) अ स्त्री–हानि पहुँचाना, नुकसान करना अधा होना।
जरारीह (ذراریح) अ पु–जुरह का बहु एक प्रकार के कीडे जो दवा में काम आते ह यह शब्द एकवचन में प्रयुक्त है।
जरावद (زراوند) फा स्त्री–एक दवा जो गोल और लम्बे दाना के आकार की होती है गोल को 'मुदहर्ज' और लबे का तवील कहते ह।
जरासीम (جراثیم) अ पु–जुसूम का बहु, रोगाणु कीट, कीटाणुगण।

जरासीमकुश (جراثیم‌کش) अ. फा वि—कीड़े मारनेवाली दवा, कीटनाशक।

जराहत (جراحت) अ स्त्री.—इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'जिराहत' है, परतु उर्दू मे दोनो तरह बोलते है, घाव, जख्म, चीरफाड, शल्यक्रिया।

जराहतखुर्दः (جراحت خوردہ) अ फा वि—घायल, जख्मी, आहत, क्षत।

जराहतनसीब (جراحت نصیب) अ वि—जिसके भाग्य मे घायल होना ही हो, जिसे हर जगह जख्म खाने को मिले।

जरीं (زریں) फा वि—सोने का बना हुआ, स्वर्णमय, सोने का, स्वर्णिम, सोने से सम्बन्ध रखनेवाला।

जरी (جری) अ वि—वीर, शूर, बहादुर, उत्साही, साहसी, जवाँमर्द।

जरी (زری) फा स्त्री—दे 'जरी', सोने-चाँदी के तार जिन पर सुनहरा मुलम्मा हो, गोटा किनारी का कपडा।

जरीअः (ذریعہ) अ पु—साधन, वसीला, माध्यम, वासिता, द्वारा, मारिफत, उपाय, तदवीर।

जरीदः (جریدہ) अ. पु—एकाकी, अकेला, समाचारपत्र, अखबार।

जरीदःनिगार (جریدہ‌نگار) अ फा वि—पत्रकार, अखबारनवीस।

जरीद:निगारी (جریدہ‌نگاری) अ फा स्त्री—पत्रकारी, अखबारनवीसी।

जरीद (جرید) अ पु—पत्रवाहक, कासिद; गुप्तचर, जासूस।

जरीदिल (جری‌دل) अ फा. वि—साहसी, जवाँमर्द, जिसे भय न हो।

जरीनः (زرینہ) फा स्त्री—सुनहरी।

जरीफ (ظریف) अ वि—हँसोड, मस्खरा, खुश मिजाज, विनोदप्रिय, प्रतिभाशाली, जहीन।

जरीफ़तब्अ (ظریف‌طبع) अ वि—दिल्लगी बाज, हँसोड, मनोविनोदी।

जरीफमिजाज (ظریف‌مزاج) अ वि—जिसके स्वभाव मे मनोविनोद और हँसी मजाक बहुत हो, विनोदप्रिय।

जरीफानः (ظریفانہ) अ फा वि—मनोविनोद से भरा हुआ, हास्यपूर्ण।

जरीफुत्तब्अ (ظریف‌الطبع) अ वि—दे 'जरीफतब्अ'।

जरीफुलमिजाज (ظریف‌المزاج) अ वि—दे 'जरीफमिजाज'।

जरीबः (ضریبہ) अ स्त्री—स्वभाव, आदत, तलवार की तीक्ष्णता (वि) तलवार से घायल।

जरीब (جریب) फा स्त्री—खेत नापने की जजीर; हाथ मे पकड़ने की छडी।

जरीबकश (جریب‌کش) फा. वि—जरीब से खेत नापनेवाला।

जरीबकशी (جریب‌کشی) फा. स्त्री—जरीब द्वारा खेतो की पैमाइश।

जरीबत (ضریبت) अ स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

जरीबाफ (زری باف) फा. वि—सोने-चाँदी के तार या सुनहरी लैस बनानेवाला।

जरीमः (جریمہ) अ. पु—पाप, पातक, गुनाह, दोष, अपराध, कुसूर।

जरीम (جریم) अ वि—जड से काटा हुआ, उन्मूलित, बडे डीलडौल का।

जरीम (ضریم) अ वि—जला हुआ, दग्ध।

जरीरः (جریرہ) अ पु—पाप, गुनाह।

जरीर (ضریر) अ वि—अधा, अध, नेत्रहीन, अशक्त, निर्बल, दुबला।

जरीश (جریش) अ पु—दलया, जो पकाया जाता है।

जरीस (حریص) अ वि—बहुत भूखा, क्षुधातुर।

जरीह (جریح) अ वि—आहत, घायल, जख्मी।

जरीह (ضریح) अ स्त्री—कब्र, समाधि।

जरूर (ضرور) अ वि—अवश्य, यकीनी, निश्चित रूप से, नि सदेह, बेशुब्ह।

जरूर (ذرور) अ पु—दवा की बुकनी जो घाव या आँख आदि मे छिडकी जाय।

जरूरत (ضرورت) अ स्त्री—आवश्यकता, चाह; आकाक्षा, ख्वाहिश, कारण, सबब।

जरूरतन् (ضرورتاً) अ वि—कारणवश, आवश्यकता से।

जरूरतमंद (ضرورت‌مند) अ फा वि.—इच्छुक, ख्वाहिशमद, मोहताज, दरिद्र, भिक्षुक, भिखारी।

जरूरी (ضروری) अ वि—आवश्यक, यकीनी, अनिवार्य, लाजिमी।

जरूरीयात (ضروریات) अ स्त्री—'जरूरी' का बहु, आवश्यकताएँ, जरूरते।

जरे अस्ल (زر اصل) अ फा पुं—मूलधन, अस्ल रुपया।

जरे कल्ब (زر قلب) फा. अ पु—खोटा सिक्का, खोटा सोना या चाँदी।

जरे खालिस (زر خالص) फा अ पु—खरा सिक्का, खरा सोना या चाँदी।

जरे गुल (زر گل) फा पु—पराग, पुष्परज, फूल का जीरा।

जरे नक़्द (زر نقد) फा अ पु—नक्द रुपया, कैश।

जरे नातिक (زر ناطق) फा अ पु—बोलनेवाला धन; नौकर-चाकर, दास आदि, पशुधन।

जरे पेशगी (زر پیشگی) फा पु—अग्रिम धन किसी काम के लिए पहले दिया हुआ रुपया।
जरे फाज़िल (زر فاضل) फा अ पु—अतिरिक्त धन फालतू रुपया लेने या देने से अधिक रुपया।
जरे बआन (زر بیعانہ) फा अ पु—अग्रिम धन पेशगी रुपया।
जरे मस्कूक (زر مسکوک) फा अ पु—रुपया या अशर्फी।
जरे महलूल (زر محلول) फा अ पु—पानी के रूप में पिघला हुआ सोना।
जरे मुआवज़ (زر معاوضہ) फा अ पु—किसी चीज़ के बदले का रुपया।
जरे मुतालब (زر مطالبہ) फा अ पु—डिग्री आदि का वाजिब रुपया।
जरे मुनाफ़ा (زر منافعہ) फा अ पु—कारोबार में लाभ का रुपया।
जरे सफ़ेद (زر سفید) फा पु—चाँदी रजत।
जरे सामित (زر صامت) फा अ पु—न बोलनेवाला धन रुपया-पैसा या जाइदाद।
जरे सुख़ (زر سرخ) फा पु—सोना स्वर्ण।
जरोगौहर (زروگوہر) फा पु—सोना और मोती।
जरोजवाहिर (زر و جواہر) फा अ पु—सोना और रत्न।
ज़र्अ (ذرع) अ पु—नापना गज़ हाथ से नापना।
ज़र्अ (زرع) अ स्त्री—उगना जमना कृषि खेती।
ज़र्अ (ضرع) अ पु—गाय, बकरी आदि का थन।
ज़र्क (زرق) अ वि—छल मक्र असत्य झूठ मुँह पर कुछ होना और ज़बान पर कुछ।
ज़र्क (ذرق) अ स्त्री—पक्षी का बीट।
ज़र्कबर्क (زرق برق) अ वि—तड़क भड़कवाला भड़कदार चमकीला भड़कीला।
ज़र्क़ा (زرقا) अ स्त्री—नीली आँखोंवाली स्त्री।
जर्ग (جرگہ) तु पु—दल समूह जमाअत गिरोह का मानक उच्चारण जिर्ग भी शुद्ध है।
ज़र्ग़ब (زرغب) फा पु—रेशमी वस्त्र एक प्रकार का वस्त्र।
ज़र्गूनी (زرغونی) अ स्त्री—एक दवा जो यूनानी में प्रचलित है।
ज़र्द (زرد) फा पु—एक प्रकार के मीठे चावल जिनका रंग पीला होता है, ज़र्दा।
ज़र्द (زرد) फा पुं—दे ज़र्दा इस अर्थ में ज़र्द अशुद्ध है।
ज़र्द (زرد) फा वि—पीत पीला पीले रंगवाला पाण्डुरंग।
ज़र्द (زرد) अ पुं—निवाला निगलना गले उतारना बिना चबाए निगलना।

ज़र्दआब (زردآب) फा पु—दे ज़र्दाब वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।
ज़र्दआलू (زردآلو) फा पु—दे ज़र्दालू वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।
ज़र्दक (زردک) फा स्त्री—गाजर, पीत कन्द एक प्रसिद्ध कन्द।
ज़र्दगोश (زردگوش) फा पु—छली, धूर्त मक्कार द्वय भाषी मुनाफ़िक, दुविधा में पड़ा हुआ मुज़्ज़ब।
ज़र्दचश्म (زردچشم) अ पु—बाज़ और उसकी जाति के शिकारी पक्षी।
ज़र्दचोब (زردچوب) फा स्त्री—हल्दी हरिद्रा।
ज़र्दरू (زردرو) फा वि—लज्जित, शर्मिन्दा जिसके शरीर में खून न हो, लाग़र दुबला।
ज़र्दरूई (زردروئی) फा स्त्री—लज्जा शर्म शरीर में खून न होना।
ज़र्दाब (زرداب) फा पु—फोड़े से बहनेवाला कच-लोहू।
ज़र्दालू (زردآلو) फा पु—ख़ुबानी खूबानी।
ज़र्दी (زردی) फा स्त्री—पीतिमा पीलापन, अंडे की ज़र्दी।
ज़र्नब (زرنب) फा स्त्री—एक दवा तालीस पत्र।
ज़र्नीख़ (زرنیخ) फा स्त्री—हड़ताल एक ओषधि।
ज़र्फ़ (ظرف) अ पु—बरतन भाजन पात्र, योग्यता सलाहीयत, गंभीरता तहम्मुल सहनशीलता बुर्दबारी।
ज़र्फ़े आब (ظرف آب) अ फा पु—पानी रखने का बरतन, जलपात्र।
ज़र्फ़े ज़माँ (ظرف زماں) अ पु—वह संज्ञा जो समय की सूचक हो जैसे-प्रात और संध्या।
ज़र्फ़े मकाँ (ظرف مکاں) अ पु—वह संज्ञा जो स्थान का सूचक हो जैसे—घर या पाठशाला।
ज़र्फ़े मय (ظرف مے) अ फा पु—शराब का बरतन सुरापात्र।
ज़र्फ़े शीर (ظرف شیر) अ फा—दूध रखने का बरतन क्षीरपात्र।
ज़र्ब (ضرب) अ पु—चोट आघात ज़ख़्म पीटना वध।
ज़र्ब (ضرب) अ स्त्री—आघात चोट, (पु) गुणा हिसाब का गुणा।
ज़र्बख़ान (ضرب خانہ) अ फा पु—टकसाल टक्साल जहाँ रुपया ढलता है।
ज़र्बत (ضربت) अ स्त्री—ज़र्ब चोट, आघात।
ज़र्बात (ضربات) अ स्त्री—ज़र्बत का बहु चोटें मारें।
ज़र्बीय (ضربیہ) अ पु—ज़ख़्म का महसूल।
ज़र्बुल्मसल (ضرب المثل) अ पु—कहावत लोकोक्ति मसल।

जलाज़िल (زلازل) अ पु—ज़ल्ज़ला का बहु, ज़ल्ज़ले, भूकप।

ज़लाक़त (ذلاقت) अ स्त्री—वाक्पटुता तेज़ बयानी बात को अच्छे ढंग से और ज़ोरदार शब्दों में कहना।

जलादत (جلادت) अ स्त्री—स्फूर्ति फुर्ती चुस्ती शूरता वीरता बहादुरी।

ज़लाम (ظلام) अ पु—सध्या के बाद की अँधेरी शुरू रात का हलका अधेरा।

ज़लाल (ظلال) अ पु—बादल की छाया, सायादार जगह।

ज़लाल (ضلال) अ पु—गुमराही मार्ग भ्रष्ट, रस्ते में भटक जाना पाप गुनाह।

जलाल (جلال) अ पु—प्रताप तेज अज़मत हैबत किसी महात्मा या ऋषि मुनि का रोब।

जलालत (جلالت) अ स्त्री—श्रेष्ठता महत्ता बुज़ुर्गी।

जलालत मआब (جلالت مآب) अ वि—श्रेष्ठतायुक्त अतिश्रेष्ठ।

जलालते शान (جلالت شان) अ स्त्री—व्यक्तित्व की महत्ता।

जलाली (جلالی) अ वि—जलालवाला प्रतापवान जमाली का उलटा वह मत्र जाप या वज़ीफ़ा जिस में जान जाने का भय हो।

जलावत (جلاوت) अ स्त्री—उज्ज्वलता प्रकाश रौशनी स्वच्छता सफ़ाई।

जलावतन (جلاوطن) अ वि—वह व्यक्ति जो अपना देश त्याग कर परदेश में रह रहा हो निर्वासित पुरुषार्थी शरणार्थी।

जलावतनी (جلاوطنی) अ स्त्री—स्वदेश त्याग अपना घर बार छोड़कर दूसरे देश में रहना अज्ञात वास।

जली (جلی) अ वि—व्यक्त प्रकट ज़ाहिर मोटे अक्षरो में लिखा हुआ लेख।

जलील (جلیل) अ वि—प्रतिष्ठित महान अज़ीम माय पूज्य मोहतरम।

ज़लील (ذلیل) अ वि—भ्रष्ट अधम पामर नीच कुत्सित कमीना तिरस्कृत अनादृत अपमानित बेइज़्ज़त।

जलीलुलक़द्र (جلیل القدر) अ वि—बड़े मरतबेवाला महत्प्रतिष्ठ महामना।

जलीस (جلیس) अ पु—पास बैठनेवाला सखा पार्श्ववर्ती हमनशीं पापर्ष सहवर्ती।

ज़लू (زلو) फा स्त्री—पानी की जोंक।

ज़लूक (زلوک) फा स्त्री—जोंक।

ज़लूम (ظلوم) अ वि—अत्यंत अत्याचारी बहुत बड़ा ज़ालिम।

ज़लज़ल (زلزل) अ पु—भूकप भूडाल भूचाल भूप्रकप।

ज़ल्ज़लाअफ़गन (زلزله افگن) अ फा वि—जो ज़ल्ज़ला डाल दे जो पृथ्वी को हिला दे।

जल्द (جلد) फा वि—शीघ्र त्वरित सत्वर, तुरत फौरन।

जल्द अज़ जल्द (جلد از جلد) फा वि—शीघ्रातिशीघ्र जल्द से जल्द, जितनी जल्दी हो सके।

जल्दतर (جلدتر) फा वि—अतिशीघ्र, बहुत जल्द फौरन, तुरत ही।

जल्दबाज़ (جلدباز) फा वि—जो चाहता हो कोई काम जल्द हो जाय उतावला आतुर।

जल्दबाज़ी (جلدبازی) फा स्त्री—तुरत काम हो जाने की चाह तुरत करने की उत्कंठा।

जल्ब (جلب) अ स्त्री—लेना ग्रहण करना हासिल करना उपाजन।

जल्बे मनफ़अत (جلب منفعت) अ स्त्री—लाभोपार्जन नफ़ा कमाना।

ज़ल्ल (زله) अ पु—वह भोजन जो किसी के लिए रख दिया जाय बचा हुआ खाना जूठन उच्छिष्ट वह भोजन जो दासो और दासियो को दिया जाता है।

ज़ल्ल: (زله) फा पु—झींगर।

जल्लजलालहू (جل جلاله) अ अव्य—ईश्वर के नाम के साथ आता है अर्थात उसका जलाल (प्रताप) अति महान है।

ज़ल्लरुबा (زله ربا) अ फा वि—जूठन खानेवाला किसी बड़े व्यक्ति के सहारे रहनेवाला।

ज़ल्लत (زلت) अ स्त्री—फिसलन फिसलना, त्रुटि भूल लग़्ज़िश।

जल्लाद (جلاد) अ पु—वह व्यक्ति जो अपराधियो को कोडे मारता है वह व्यक्ति जो अपराधियो की गर्दन मारता है वह व्यक्ति जो फाँसी पर चढाता है अत्यन्त निर्दय और अत्याचारी।

जल्लादी (جلادی) अ स्त्री—जल्लाद का काम या पेशा घोर अत्याचार करनेवाला।

जल्लाब (جلاب) अ वि—ले जानेवाला एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जानेवाला पशुओं का बचन के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जानेवाला।

जल्व (جلوه) अ पु—अपने को बनाव सिंगार करके दिखाना अपने को दूसरे के सामने पेश करना दर्शन दीदार प्रदर्शन नुमाइश।

जल्वआरा (جلوه آرا) अ फा वि—बनाव सिंगार और ठाटबाट से किसी स्थान पर उपस्थित किसी श्रेष्ठ और महान् व्यक्ति की उपस्थिति के लिए भी आता है।

जल्वःआराई (جلوۂآرائی) अ फा स्त्री –वनाव सिगार के साथ उपस्थित, किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।

जल्वःगर (جلوۂگر) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्वःगरी (جلوۂگری) अ फा स्त्री –दे. 'जल्व आराई'।

जल्वःगाह (جلوۂگاہ) अ फा स्त्री –जल्व दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।

जल्वःफ़र्मा (جلوۂفرما) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्व.फर्माई (جلوۂفرمائی) अ. फा स्त्री –दे जल्व आराई।

जल्वत (جلوت) अ स्त्री –अपने को सव को दिखाना, 'ख़लवत' का उलटा भीड, जमाव।

जल्सः (جلسہ) अ पुं –सभा, मजलिस, नाच गाने की महफिल, वैठक, किसी कमेटी आदि की निशस्त।

जलस.गाह (جلسہگاہ) अ फा स्त्री –जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।

जल्सए ता'जियत (جلسۂتعزیت) अ पु –किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।

जव (جو) अ पु –अतरिक्ष, ख़ला, जमीन और आसमान के वीच की जगह।

जवाँ (جواں) फा पु –जवान का यौगिक रूप, जवान, युवा, युवक, तरुण; वयस्क, वालिग।

जवाँताले' (جواں طالع) अ फा वि –दे 'जवाँवख़्त'।

जवाँदौलत (جواں دولت) फा अ वि –जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, वहुत ही मालदार।

जवाँवख़्त (جواں بخت) फा वि –जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।

जवाँमर्ग (جواں مرگ) फा वि –जो युवावस्था मे मर जाय।

जवाँमर्गी (جواں مرگی) फा स्त्री –जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।

जवाँमर्द (جواں مرد) फा वि –वीर, शूर, वहादुर, साहसी, हिम्मतवर, दानी, वदान्य, सख़ी।

जवाँमर्दी (جوانمردی) फा स्त्री –शूरता, वहादुरी, साहस, हिम्मत, दानशीलता, सख़ावत।

जवाँमीर (جواں میر) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवाँसाल (جواں سال) फा वि –नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।

जवाँहिम्मत (جواں ہمت) फा अ वि –वडे हौसलेवाला, पूर्णोत्साही, महोत्साह।

जवाइद (زوائد) अ पु –'जाइद' का वहु, फालतू चीज़े, वतोडियाँ।

जवाज़ (جواز) अ पु –जाइज होना, औचित्य, धर्म के अनुसार जायज़ होना, पारपत्र, पास्पोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सख़ी, फ़ैयाज।

जवान (جوان) फा पु –तरुण, युवा, नौजवान, वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग, रूपवान्, सजीला।

जवानानः (جوانانہ) फा वि –जवानो की तरह।

जवानामर्ग (جوانامرگ) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवानामर्गी (جوانامرگی) फा स्त्री –दे 'जवाँमर्गी'।

जवानी (جوانی) फा स्त्री –युवावस्था, तरुणिमा, तारुण्य, नौजवानी।

जवाब (جواب) अ पु –उत्तर, प्रश्न का जवाव, अस्वीकृति, इन्कार, जोड, मद्दे मुकाविल।

जवावतलव (جواب طلب) अ वि –वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।

जवावतलवी (جواب طلبی) अ स्त्री –किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।

जवावदावा (جواب دعوی) अ पु –नालिश के दावे का उत्तर, जिसमे यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणो से झूठा है।

जवावदेह (جواب دہ) अ फा वि –उत्तरदाता, जवाव देनेवाला, उत्तरदायी, जिम्म दार।

जवावदेही (جواب دہی) अ फा स्त्री –उत्तरदायित्व, जिम्म दारी।

जवावित (ضوابط) अ पु –जावित का वहु, नियमावली, कायदे।

जवावी (جوابی) अ वि –जवाव मे, वदले मे, जैसे—जवावी हम्ला, जवाव के लिए दूसरा परत, जैसे—जवावी तार अथवा ख़त।

जवावुलजवाव (جواب الجواب) अ पु –किसी प्रश्न के उत्तर मे दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।

जवावे वा सवाव (جواب باصواب) अ फा पु –ठीक-ठीक और उचित उत्तर।

जवामीस (جوامیس) अ पु –जायूस का वहु, भैसे।

जवामे (جوامع) अ पु –जामिअ का वहु, समग्र, समस्त, सव, कुल।

जवाया (زوایا) अ पु –'जाविय' का वहु, जाविए, कोण।

जवारिश (جوارش) फा स्त्री –एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की वीमारियो मे दी जाती है और वहुत प्रकार की होती है।

जवारेह (جوارح) अ पुं –'जारिह' का वहु, हाथ, पाँव और दूसरे अवयव, शिकारी जानवरो का ग़ोल।

जवाल (زوال) अ पु—गिराव पतन अवनति, उन्नति का उल्टा, ह्रास कमी।

जवालआबाद (زوال آباد) अ फा वि—ससार, जगत दुनिया।

जवालआमादः (زوال آمادہ) अ फा वि—जो पतन की ओर जाने को तयार हो पतनोन्मुख जो नाशवान हो नश्वर।

जवालपिजीर (زوال پذیر) अ फा—वि जिसका पतन हो रहा हो अवनतिशील पतनशील।

जवासीस (جواسیس) अ पु—जासूस का बहु गुप्तचरो का समूह।

जवाहिर (جواہر) अ पु—जौहर का बहु रत्नसमूह।

जवाहिर (زواہر) अ पु—'जाहिर' का बहु उज्ज्वल वस्तुएँ ऊँचे स्थान कलियाँ, शगूफे।

जवाहिर (ظواہر) अ पु—'जाहिर का बहु व्यक्त और प्रकट वस्तुएँ ऊपरी और जाहिरी हालतें।

जवाहिरखानः (جواہرخانہ) अ फा पु—जहाँ जवाहिरात हो रत्नागार।

जवाहिरनिगार (جواہرنگار) अ फा वि—रत्न जटित रत्न जड़ा हुआ।

जवाहिररक्म (جواہررقم) अ वि—जस रत्न जडे हो एसी सुन्दर लिखावट लिखनेवाला।

जविलअहाम (ذوی الارحام) अ पु—साहिबे रहम कृपावान दयालुजन।

जविलकुर्बा (ذوی القربی) अ पु—रिश्तेदार स्वजन नातेदार।

जविल्फराइज (ذوی الفرائض) अ पु—साहबे फरायज (फर्ज का बहु) कर्तव्यवान कर्मनिष्ठ।

जविलफुरूज (ذوی الفروض) अ पु—दे जविल्फरायज।

जव्व (جو) अ पु—अतरिक्ष खला पृथ्वी और आकाश के बीच का वायुमडल।

जव्वार (زوار) अ वि—तीर्थयात्री जियारत करनेवाला।

जव्वाल (جوال) अ पु—बहुत अधिक चक्कर खानेवाली वस्तु।

जश्न (جشن) फा पु—उत्सव समारोह कोई बहुत बड़ा खुशी जिसे सारा देश या किसी सम्प्रदाय या दल के सारे आदमी मनायें।

जश्न अजीम (جشن عظیم) अ फा पु—बहुत बड़ा समारोह महोत्सव।

जश्ने अरूस (جشن عروس) फा अ पु—ब्याह की खुशी विवाहोत्सव।

जश्ने आजादी (جشن آزادی) फा पु—किसी देश के पराधीनता से मुक्त होने का जश्न।

जश्ने ईद (جشن عید) फा अ पु—ईद की खुशी, ईदोत्सव।

जश्ने चरागा (جشن چراغاں) फा पु—दिवाली का जश्न, दीपावली किसी खुशी में चरागाँ, दीपोत्सव।

जश्ने जुम्हूरियत (جشن جمہوریت) फा अ पु—गणतत्र महोत्सव।

जश्ने ताजपोशी (جشن تاج پوشی) फा पु—अभिषेकोत्सव किसी राजा आदि की गद्दी पर जश्न।

जश्ने नौरोज (جشن نوروز) फा पु—नये साल के आने की खुशी नव वर्षोत्सव।

जश्ने फत्ह (جشن فتح) फा अ पु—विजय प्राप्ति की खुशी जयोल्लास विजयोत्सव।

जश्ने मीलाद (جشن میلاد) फा अ पु—दे 'जश्न विलादत'।

जश्ने विलादत (جشن ولادت) फा अ पु—किसी के पैदा होने का जश्न जन्मोत्सव।

जश्ने सालगिरिह (جشن سالگرہ) फा पु—किसी महान व्यक्ति की वर्षगाँठ की खुशी जयती।

जश्ने सीमीं (جشن سیمیں) फा पु—पचास वर्षों की आयु पूरी होने पर मनाया जानेवाला उत्सव रजतोत्सव, आजकल इसे 'स्वर्णजयन्ती' कहते हैं।

जश्ने सुलह (جشن صلح) फा अ पु—दो राष्ट्रों में सधि होने का जश्न सधि उत्सव।

जस (جص) अ पु—चूना गच।

जसद (جسد) अ पु—शरीर देह, जिस्म।

जसदी (جسدی) अ वि—शरीर से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु शरीर का।

जसदे खाकी (جسد خاکی) अ फा पु—मिट्टी से बना हुआ शरीर तुच्छ और नश्वर देह।

जसामत (جسامت) अ स्त्री—लबाई चौड़ाई और (मोटाई गहराई या ऊँचाई) हजम दल मोटापा स्थूलता।

जसारत (جسارت) अ स्त्री—वीरता बहादुरी दिलेरी, धृष्टता दुस्साहस बेबाकी।

जसीम (جسیم) अ वि—स्थूल पीवर पीन मोटा ताजा।

जसूर (جسور) अ वि—वीर शूर बहादुर।

जस्तः (جستہ) फा वि—कूदा हुआ।

जस्तः जस्तः (جستہ جستہ) फा वि—कहीं-कहीं से विस्पत पुस्तक पढ़ने के लिए आता है।

जस्त (جست) फा स्त्री—उछाल कुदान उत्पात।

जस्तोखेज़ (جستوخیز) फा. स्त्री –दौड-धूप, कोशिश, प्रयत्न ।

जस्र (جسر) अ पुं –पुल, सेतु।

ज़ह (زه) फा पु –नुत्फ़, वीर्य; भ्रूण, जनीन, शिशु, बच्चा।

ज़हदान (زهدان) फा पु –गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी, रहिम।

जहन्नम (جہنم) फा पु –नरक, रौरव, दोजख; बहुत ही दुःख और कष्ट की जगह।

जहन्नमज़ार (جہنمزار) फा पु –ऐसा स्थान जहाँ चारो ओर नरक-जैसा भीषण और भयानक वातावरण हो।

जहन्नमी (جہنمی) फा अ वि –नरकवासी, नारकी, ऐसा कर्म करनेवाला जिसके फलस्वरूप उसे नरक मे जाना पडे।

ज़हब (ذهب) अ पु.–सोना, कुदन, स्वर्ण, कनक।

जहलः (جہلہ) अ पुं –'जाहिल' का बहु, मूर्खगण, घामड लोग।

जहाँ (جہاں) फा पु –जहान का लघुरूप, ससार, विश्व, दुनिया।

जहाँआरा (جہاں آرا) फा वि –ससार को सुशोभित करनेवाला।

जहाँआफ़रीं (جہاں آفریں) फा वि –ससार की उत्पत्ति करनेवाला, सृष्टिकर्ता।

जहाँगर्द (جہاں گرد) फा वि –ससार भर मे फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।

जहाँगीर (جہانگیر) फा. वि –ससार को अपने वश मे करनेवाला, विश्वविजयी।

जहाँदार (جہاندار) फा वि –पृथ्वीपाल, सम्राट्, शासक, बादशाह।

जहाँदीदः (جہاندیدہ) फा वि –दुनिया देखे हुए, बहुदर्शी, बडा अनुभवी और तजरिबाकार, वृहदनुभवी।

जहाँपनाह (جہاں پناہ) फा वि –विश्वपाल, ससार को अपनी शरण मे लेनेवाला, राजाओ और बादशाहो के लिए सबोधन का शब्द।

जहाँबानी (جہاں بانی) फा स्त्री –शासन कर्म, राज्य, हुकूमत।

जहाज़ (جہاز) अ पु –समुद्र मे चलनेवाली बहुत बडी नाव, पोत, वहित्र।

जहाज़राँ (جہازراں) अ फा वि –जहाज चलानेवाला, पोतचालक।

जहाज़रानी (جہازرانی) अ फा स्त्री –जहाज चलाने का काम या पेशा।

जहाज़ी (جہازی) अ वि –जहाज से सम्बन्ध रखनेवाला, जहाज का; एक प्रकार की सुपारी।

जहाज़े आबी (جہازآبی) अ फा पु –पानी मे चलनेवाला जहाज, जलयान, पोत।

जहाज़े बह्री (جہازبحری) अ पु –समुद्र मे चलनेवाला जहाज, पोत, जलयान।

जहाज़े हवाई (جہازهوائی) अ पु –हवा मे उडनेवाला जहाज, वायुयान, विमान।

ज़हादत (زهادت) अ स्त्री –सयम, इंद्रिय निग्रह, परहेज-गारी, मुनिवृत्ति, मनोनिग्रह।

जहान (جہان) फा पु –संसार, विश्व, दुनिया, लोक, आलम।

ज़हानत (ذهانت) अ स्त्री –जेह्न की तेजी, प्रतिभा; दक्षता, विवेक, समझ बूझ, नयी बात निकालने की शक्ति।

जहाने फ़ानी (جہان فانی) फा अ पु –नश्वर ससार, मृत्युलोक, इहलोक, दुनिया, नाश हो जानेवाला ससार।

जहाने बाक़ी (جہان باقی) फा अ पु –शाश्वत ससार, नित्यलोक, परलोक, नाश न होनेवाली दुनिया।

ज़हाब (ذهاب) अ पु –गमन, जाना, गुजरना।

जहालत (جہالت) अ स्त्री –मूर्खता, मूढता, बेवकूफी, अज्ञान, जडता, नादानी, निरक्षरता, बेइल्मी, असभ्यता, बदतहज़ीबी, उद्दंडता, अक्खडपन।

ज़हीन (ذهین) अ वि –जिसमे जहानत हो, दक्ष, कुशल, प्रतिभावान्।

जहीर (جہیر) अ वि –वह आदमी जिसकी आवाज ऊँची हो, जोर से बोलनेवाला।

ज़हीर (زهیر) अ वि –उज्ज्वल, रौशन; मुकुलित, प्रफुल्ल, खिला हुआ, कलियो से लदा हुआ वृक्ष।

ज़हीर (ظہیر) अ वि –सहायक, पृष्ठपोषक, मददगार; जिसकी पीठ मे दर्द हो, (यह शब्द एक वचन भी है और बहुवचन भी)।

ज़हीर (زحیر) अ स्त्री –पेचिश, अतिसार, आँव, मरोड।

ज़हीरे काज़िब (زحیرکاذب) अ स्त्री –झूठी पेचिश।

ज़हीरे सादिक़ (زحیرصادق) अ स्त्री –सच्ची पेचिश।

ज़हूक (ضحوک) अ वि –बहुत हँसनेवाला, चौडा और खुला हुआ मार्ग।

जहूद (جہود) फा. पु –यहूदी।

जहूल (جہول) अ वि –बहुत बडा जाहिल, निपट मूर्ख।

जह्द (جہد) अ पु.–शक्ति, जोर, प्रयत्न, प्रयास, कोशिश, कष्ट, दुःख, तक्लीफ।

जहदे जहीद (جہدجہید) अ पु–भरसक प्रयत्न पूरी कोशिश।
जहमत (زحمت) अ स्त्री–कष्ट क्लेश तकलीफ।
जह्र (زہرہ) फा प–पित्ता पित्ताशय वह थैली जिसमे पित्त (सफ़ा) रहता है पित्त सफ़ा जीवट साहस हिम्मत वीरता बहादुरी।
जह्र गिगाफ (زہرہشگاف) फा वि–पित्ता पानी कर दनेवाला साहस तुडवा देनेवाला भयकर भयानक खौफनाक।
जह्र (زہر) फा पु–विष गरल हलाहल।
जह्र (جہر) अ पु–जोर की आवाज एसी आवाज जो पासवाला सुन सके।
जह्रआगी (زہرآگیں) फा वि–जहरीला विषैला विषाक्त।
जह्रआमेज (زہرآمیز) फा वि–विष मिला हुआ विष मिश्रित विषयुक्त।
जह्रआलूद[ह] ([ہ]زہرآلود) फा वि–दे जह्रआमेज।
जह्रखद (زہرخند) फा पु–खिसयानी हसी झप की हसी।
जह्रखुरानी (زہرخورانی) फा स्त्री–विष खिलाना किसी को मारने के लिए खाने आदि म मिलाकर विष देना।
जह्रखुर्द (زہرخوردہ) फा वि–जिसने विष खाया हो जिसे विष दिया गया हो।
जह्रखुरी (زہرخوری) फा स्त्री–विष खा लेना जहर खाकर खुदकुशी करना।
जह्रगिया (زہرگیا) फा स्त्री–एक विषली घास बच्छनाग।
जह्रताब (زہرتاب) फा वि–जह्र म बुझा हुआ तीर तलवार आदि जो विष म बुझ हो।
जह्रदार (زہردار) फा वि–विष मिला हुआ विषाक्त जिसके डक या दाँत म जहर हो विषैला कीडा।
जह्रदारू (زہردارو) फा स्त्री–विष की दवा विष दूर करनेवाली औषध तिर्याक विषहर।
जह्रदुम (زہردم) फा वि–जिसकी पूछ म विष हो जैसे–बिच्छू पुच्छविष पुच्छविष विषपुच्छ।
जह्रनवा (زہرنوا) फा वि–बहुत ही कडवी बात करनेवाला कटुभाषी।
जह्रनाक (زہرناک) फा वि–दे जह्रआलूद।
जह्रनोश (زہرنوش) फा वि–विषपायी जहर पीनेवाला बहुत ही तेज शराब पीनेवाला किसी की कडवी बातो को सहन करनेवाला।
जह्रनोशी (زہرنوشی) फा स्त्री–विष पीना कडवी बात को बर्दाश्त करना।
जह्रया (زہریا) फा वि–विष मिला हुआ खाना शत्रु को मारने के लिए।
जह्रबाद (زہرباد) फा पु–एक रोग जिसमे सारे शरीर म विष फैल जाता है।
जह्रमोहर (زہرمہرہ) फा पु एक कीमती पत्थर जो दवा के काम आता है एक मनका जिससे विष उतारा जाता है।
जह्रा (زہرا) अ वि–गोरे रंग की स्त्री गौरांगना गोरवर्णा हजरत फातिमा की उपाधि उर्दू म 'जोहरा' भी पढ़ते है।
जह्राब (زہراب) फा पु–दे 'जह्रराब'।
जह्रराब (زہراب) फा पु–विष मिला हुआ पानी जहर का पानी।
जह्राबए गम (زہرابۂ غم) फा अ पु–दे 'जह्राबेगम'।
जह्राबे गम (زہرابِ غم) फा अ पु–दुख रूपी विष का पानी।
जह्र कातिल (زہرقاتل) फा अ पु–एसा विष जो घातक हो बहुत ही तीव्र और प्रचड विष।
जह्र मार (زہرمار) फा पु–साप के काटे का विष साप की थैली से निकाला हुआ विष।
जह्र हलाहिल (زہرہلاہل) फा पु–दे 'जह्र कातिल'।
जहल (جہل) अ पु–मूर्खता अवक्की अज्ञान नासमझी असभ्यता उजड्डपन।
जहले बसीत (جہل بسیط) अ पु–किसी बात का ज्ञान से न जानना।
जहले मुतलक (جہل مطلق) अ पु–दे जहले बसीत।
जहले मुरक्कब (جہل مرکب) अ पु–किसी बात को बिल्कुल गलत जानना और उस पर विश्वास रखना जो रोग को औषधि समझना और बताने पर भी न मानना।
जहहाक (ضحاک) अ पु–बहुत हसनेवाला ईरान का एक बहुत ही अत्याचारी बादशाह जिसे फ़रीदूँ ने गिरफ्तार किया था।

जा

जाँ (جاں) फा स्त्री–जान का लघुरूप जो यौगिक शब्दो म प्रयोग होता है दे जान।
जाँआजार (جاں آزار) फा वि–सतानेवाला कष्टदायी।
जाँआजारी (جاں آزاری) फा स्त्री–जान को दुःख देना जानदारो को सताना अत्याचार जुल्म।
जाँआफ्री (جاں آفریں) फा वि–शरीर म प्राण डालनेवाला मनुष्य की सृष्टि करनेवाला ईश्वर।
जाँआहन (جاں آہن) फा वि–निष्ठुरता पाषाण हृदय बहुत ही बेरहम पूरे वार करनेवाला।
जाँकदनी (جاں کندنی) फा स्त्री–दे जाँकनी।

जाँकनी (جاں‌کنی) फा स्त्री –शरीर से प्राण निकलने की अवस्था, चद्रा, नज्अ की हालत, यम-यातना।

जाँकाह (جاںکاہ) फा वि –प्राणो को घुलानेवाला, अत्यंत कष्ट देनेवाला, हृदयद्रावी।

जाँकाही (جاںکاہی) फा स्त्री –प्राणो को घुलाना, अत्यत कष्ट और परिश्रम।

जाँगुज़ा (جاں‌گزا) फा वि –प्राणो को काटने और डसने वाला, घोर कष्टदायक, अत शल्य।

जाँगुसिल (جاں‌گسل) फा वि.–हृदय विदारक, प्राण-घातक।

जाँदादः (جاں‌دادہ) फा वि –मुग्ध, आसक्त, फिरेफ्त।

जाँदार (جاندار) फा पु –प्राणी, जिसके जान हो, जीवधारी; हथियारवद, मित्र, दोस्त।

जाँदारू (جاں‌دارو) फा स्त्री –विपहर, तिर्याक।

जाँदेही (جاں‌دہی) फा स्त्री –परिश्रम, प्रयास, कोशिश, सलग्नता, तन्मयता, मश्गूलियत।

जाँनवाज़ (جاں‌نواز) फा वि –प्राणो को आनद देनेवाला, मनोरम।

जाँनिसार (جاں‌نثار) फा वि –प्राण न्योछावर कर देने-वाला, समय पड़ने पर जान की वाजी लगा देनेवाला (दूसरे के लिए)।

जाँनिसारी (جاں‌نثاری) फा स्त्री –समय पडने पर प्राण तक दे देना (दूसरे के लिए)।

जाँपनाह (جاں‌پناہ) फा वि –प्राणो की रक्षा करनेवाला, प्राणरक्षक।

जाँपेश (زاں‌پیش) फा अव्य.–इससे पहले।

जाँफर्सा (جاں‌فرسا) फा वि –दे 'जाँकाह'।

जाँफिज़ा (جاں‌فزا) फा वि –प्राणों को वढानेवाला, प्राणवर्द्धक, आयुवर्द्धक।

जाँफिशानी (جاں‌فشانی) फा स्त्री –जान तोड कोशिश, पूर्ण प्रयत्न।

जाँवख़्श (جاں‌بخش) फा वि –प्राण देनेवाला, मरनेसे वचानेवाला, फाँसी आदि के हुक्म को रद्द कर देनेवाला।

जाँवख़्शी (جاں‌بخشی) फा स्त्री –प्राणदान, मरनेसे वचाना, अभयदान देना।

जाँवर (جاں‌بر) फा वि –जान वचा ले जानेवाला, जिंदा रह जानेवाला।

जाँवरी (جاں‌بری) फा स्त्री –जीवित रह जाना, प्राण वच जाना।

जाँवलव (جاں‌بلب) फा. वि –जिनके प्राण होठो पर आ गये हो, मृतप्राय, आसन्न मृत्यु।

जाँवहक (جاں‌بحق) फा अ. वि –प्राण ईश्वर के समर्पित, मृत।

जाँवाज़ (جاں‌باز) फा वि –किसी काम के लिए प्राणो की वाजी लगा देनेवाला, प्राण घातक।

जाँ वा'द (زاں‌بعد) फा अ अव्य –इसके पश्चात्, इसके वाद।

जाँसिताँ (جاںستاں) फा. वि –प्राणद्रोही, प्राणघातक, जान ले लेनेवाला, दिल सिता, प्रेम पात्र, मा'शूक़।

जाँसितानी (جاںستانی) फा स्त्री –प्राण लेना, अत्या-चार करना।

जाँसिपार (جاں‌سپار) फा वि –किसी को (प्रेमिका को) अपनी जान का मालिक वना देनेवाला।

जाँसिपारी (جاں‌سپاری) फा स्त्री –किसी को अपने प्राण सिपुर्द कर देना।

जाँसोख़्तः (جاں‌سوختہ) फा वि –जिसके प्राण जल गये हो, दग्धहृदय, प्रेमी।

जाँसोज़ (جاں‌سوز) फा वि –अपनी जान को जलानेवाला, सताप सहनेवाला, सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

जा (جا) फा स्त्री –स्थान, जगह।

ज़ा (زا) फा प्रत्य.–उत्पादक, पैदा करनेवाला, जैसे–'फर्हत ज़ा' प्रसन्नता उत्पन्न करनेवाला।

ज़ाइकः (ذائقہ) अ पु –स्वाद, रस, लज्जत, प्रतिकार, प्रत्यपकार, वुरा वदला।

ज़ाइकःचश (ذائقہ‌چش) अ फा वि –मज़ा चखनेवाला, स्वादक, सजा भोगनेवाला।

ज़ाइकःदार (ذائقہ‌دار) अ फा वि –स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मजेदार।

ज़ाइकःपसंद (ذائقہ‌پسند) अ फा वि –जिसे जवान का जाइक अच्छा लगता हो, चटोरा, स्वादु काम, जिह्वालोलुप।

ज़ाइक (ذائق) अ वि –चखनेवाला।

ज़ाइचः (زائچہ) फा पु –जन्मकुडली, जन्मपत्री, लग्न कुडली।

जाइज़ः (جائزہ) अ पु –काम या सामान की पूरी जाँच-पडताल और हिसाव, निरीक्षण, परीक्षा, इम्तिहान, निगरानी, देखभाल।

ज़ाइदः (زائدہ) अ पु –शरीर के किसी स्थान का वढा हुआ मास, अतिरिक्त मास, वढी हुई वस्तु।

ज़ाइद (زائد) अ वि –अधिक, वहुत, प्रचुर, अतिरिक्त, फालतू।

ज़ाइद अज़ उम्मीद (زائد‌از‌امید) अ फा वि –जितनी आशा हो उससे अधिक, आशातीत।

ज़ाइद अज़ ज़रूरत (زائد از ضرورت) अ फा वि–जितनी आवश्यकता हो उससे अधिक।

ज़ाइद अज़ हिसाब (زائد از حساب) अ फा वि–हिसाब से या जितना चाहिए उससे अधिक।

ज़ाइदुलउम्र (زائدالعمر) अ वि–बड़ी उम्रवाला बूढ़ा वयाधिक वयोवृद्ध।

ज़ाइदुलमीआद (زائدالمیعاد) अ वि–लंबी मुद्दतवाला जिसके लिए लंबा समय चाहिए जो लंबे समय के लिए हो।

ज़ाइदुलवस्फ़ (زائدالوصف) अ वि–जिसमें बहुत अधिक गुण हो।

ज़ाइब (ذائب) अ वि–पिघलनेवाला पिघला हुआ द्रवीभूत।

ज़ाइरः (زائرہ) अ स्त्री–किसी पूज्य स्थान या व्यक्ति के दर्शनार्थ जानेवाली स्त्री।

ज़ाइर (زائر) अ वि–किसी पुनीत स्थान या पुण्यात्मा व्यक्ति के दर्शन करनेवाला पुरुष।

जाइर (جائر) अ वि–अत्याचार करनेवाला अनीतिकर्ता।

ज़ाइरात (زائرات) अ स्त्री–'ज़ाइरः' का बहु जियारत करनेवाली स्त्रियां।

ज़ाइरीन (زائرین) अ पु–'ज़ाइर' का बहु जियारत करनेवाले पुरुष।

ज़ाइरे कबला (زائر کربلا) अ फा पु–कर्बला (इराक़) जाकर हज़रत इमाम हुसैन के रौज़े की जियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरम (زائر حرم) अ पु–मक्का (अरब) जाकर काबे की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे मदीना (زائر مدینہ) अ पु–मदीना की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरमैन (زائر حرمین) अ पु–मक्का और मदीना दोनों पुनीत स्थानों की ज़ियारत करनेवाला।

जाइल (جاعل) अ वि–उत्पन्न करनेवाला निर्मित करनेवाला स्रष्टा।

ज़ाइल (زائل) अ वि–नष्ट बरबाद समाप्त ख़त्म निराकृत रफ़अ।

जाई (جائی) फा वि–स्थान-सम्बन्धी (स्त्री) जूही का फूल जूही।

ज़ाईदः (زائیدہ) फा वि–उत्पन्न जनित जन्मा हुआ जना हुआ।

ज़ाईदनी (زائیدنی) फा वि–जन्म लेने के योग्य जनने के योग्य।

ज़ाए (ضائع) अ वि–नष्ट बरबाद व्यर्थ बेकार।

जाए (جائع) अ वि–क्षुधातुर, भूखा।

जाए (جائے) फा स्त्री–'जा' का यौगिक रूप, जैसे–'जाए ज़रूर'।

जाएअम्न (جائے امن) फा अ स्त्री–शांति और सुकून का स्थान जहाँ कोई खटपट न हो जहाँ जान जोखिम न हो।

जाएआफ़ियत (جائے عافیت) अ फा स्त्री–रक्षा और शांति का स्थान जाए अम्न।

जाएक़ियाम (جائے قیام) फा अ स्त्री–ठहरने का स्थान, रहने का स्थान निवासस्थान।

जाएगाह (جائے گاہ) फा स्त्री–जगह स्थान।

जाएज़रूर (جائے ضرور) फा अ स्त्री–संडास शौचागार टट्टी पाख़ाना।

जाएदाद (جائداد) फा स्त्री–भूसंपत्ति गाँव ज़िरात मकान आदि।

जाएदादे ग़ैरमन्कूल (جائداد غیرمنقولہ) फा अ स्त्री–स्थावर संपत्ति जो संपत्ति जगह से हट न सके जैसे–ज़मींदारी आदि।

जाएदादे ग़ैरमहून (جائداد غیرمرہونہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो कहीं गिरवी न हो अबंधक संपत्ति।

जाएदादे मक्फ़ूल (جائداد مکفولہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो कहीं गिरवी हो बंधक संपत्ति।

जाएदादे मन्कूल (جائداد منقولہ) फा अ स्त्री–जंगम संपत्ति जो संपत्ति इधर-उधर हटायी जा सके जैसे–मवेशी आदि।

जाएदादे महून (جائداد مرہونہ) फा अ स्त्री–दे 'जाएदादे मक्फ़ूल'।

जाएदादे मौक़ूफ़ (جائداد موقوفہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो किसी कार्य विशेष के लिए उत्सर्गित हो।

जाएदीगर (جائے دیگر) फा स्त्री–अन्य स्थान दूसरी जगह।

जाएनमाज़ (جائے نماز) फा अ स्त्री–नमाज़ पढ़ने का स्थान नमाज़ पढ़ने का वस्त्रादि।

जाएपनाह (جائے پناہ) फा स्त्री–बचाव का स्थान सुरक्षा स्थान।

ज़ाक़ (زاق) फा स्त्री–फिटकरी।

ज़ाकिर (ذاکر) अ वि–वर्णन करनेवाला, इमाम हुसैन की शहादत का हाल बयान करनेवाला व्यक्ति।

ज़ालिल (زالل) फा पु–मूहड का पेड़।

ज़ाग़ (زاغ) फा पु–काक वायस आत्मघोष कौआ।

ज़ाग़चश्म (زاغ چشم) फा वि–कंजी आँखोंवाला कंजा नागाक्ष।

ज़ाग़ज़बां (زاغ زباں) फा वि–जिसका बोलना तुरंत ही लगे कठोर जिह्वा शापसिद्ध।

जागदिल (زاغدل) फा वि –निर्दय, निष्ठुर, वेरहम।

जागनोल (زاغنول) फा पु –कुदाल, कुदाली, लोहे का एक यत्र।

जागपा (زاغ پا) फा पु –व्यग, कटाक्ष, ताना।

जागर (جاغر) तु पु –चिडियो का पोटा।

जागीर (جاگیر) फा स्त्री –जाइदाद या जमीदारी, जो सरकार से किसी वडे काम के वदले मिले।

जागीरदार (جاگیردار) फा पु –जागीर का मालिक, तअल्लुक'दार।

जागीरदारानः (جاگیردارانہ) फा वि –जागीरदारो-जैसा।

जागीरदारी (جاگیرداری) फा स्त्री –जागीरदारान निजाम; जागीर का शासन।

जागूत (صاغوت) अ पु –एक रोग जिसमे रोगी ऐसा अनुभव करता है जैसे कोई वडा देव उसका गला घोट रहा है, कावूस।

जागे आवी (زاغ آبی) फा पुं –जलकौआ, पनडुव्वी।

जागे कमाँ (زاغ کماں) फा पु –सीग के काले टुकडे जो धनुप के दोनो किनारो पर लगाये जाते हैं।

जागे कोही (زاغ کوهی) फा पुं –पहाडी कौआ, द्रोणकाक, काकोल।

जाज (داج) अ स्त्री –फिटकरी, फटिक।

जाज (ژاژ) फा वि –मिथ्या, निरर्थक, व्यर्थ, वेहूदा।

जाजखा (ژاژخا) फा वि –मिथ्यावादी, गप्पी, फुजूलगो।

जाजखाई (ژاژخائی) फा स्त्री –मुखरता, वाचालता, वकवास।

जाजिवः (جاذبہ) अ स्त्री –आकर्पण शक्ति, खीचनेवाली कुव्वत।

जाजिब (جاذب) अ वि –जज्व करनेवाला, आत्मसात् करनेवाला, अपने अन्दर मिला लेनेवाला।

जाजिवीयत (جاذبیت) अ. स्त्री –आकर्पण, कशिश।

जाजिवे तवज्जोह (جاذب توجہ) अ वि –ख़याल को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली), चित्ताकर्पक।

जाजिवे नजर (جاذب نظر) अ वि –दृष्टि को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली) दृप्टयाकर्पक।

जाजिवे निगाह (جاذب نگاہ) अ फा वि –दे 'जाजिवे नजर'।

जाजिम (جاجم) तु स्त्री –छपा हुआ दोसूती मोटा विछावन।

जाजिम (جازم) अ वि –दृढ निश्चयवाला; अक्षर को हल करनेवाला।

जाजिर (زاجر) अ वि –झिडकनेवाला, डाँट-डपट करनेवाला, भर्त्सक।

जाजिर (ضاجر) अ. वि.–आतुर, व्याकुल।

जाज़' (جازع) अ वि –अधीर, वेसव्र।

जात (ذات) अ स्त्री –कुल, वश, नस्ल, जाति विरादरी, कौम, व्यक्तित्व, शख़्सीयत, स्वयं, ख़ुद, अस्तित्व, हस्ती (उप) वाला, जैसे—'जातुलवुरूज' वुर्जोवाला।

जातियात (ذاتیات) अ स्त्री –निजी और जाती वाते।

जाती (ذاتی) अ वि –निजी, व्यक्तिगत, आत्मीय, खुद का, निजी, प्राइवेट।

जातुर्रियः (ذات الریہ) अ पु –फेफडे का वरम, निमोनिया, क्लोमपाक।

जातुलइमाद (ذات العماد) अ वि –बहुत-से खंभोवाली इमारत, वहुत वडा प्रासाद।

जातुलकुर्सी (ذات الکرسی) अ वि –आस्मानी शक्लो मे से एक जो औरत की तरह है।

जातुलजंव (ذات الجنب) अ पु –पसली का दर्द, उरोग्रह, प्लूरिसी।

जातुलवुरूज (ذات البروج) अ पु –राशियोवाला आकाश, अर्थात् सवसे ऊपरी आकाश।

जातुलवैन (ذات البین) अ पु –दो व्यक्तियो का मामला पटानेवाला, विचौलिया, दल्लाल।

जातुलयमीन (ذات الیمین) अ. वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन सीधे हाथ मे होगे, सदाचारी।

जातुलयसार (ذات الیسار) अ वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन उलटे हाथ मे होगे, पापी लोग।

जातुश्शिमाल (ذات الشمال) अ वि –दे 'जातुलयसार'।

जातुस्सद्र (ذات الصدر) अ पु –अन्तर्यामी, दिलों की वात जाननेवाला, छाती का वरम।

जातेशरीफ (ذات شریف) अ. वि –केवल व्यग मे धूर्त और फितरती व्यक्ति के लिए आता है, जैसे—हिन्दी मे 'महापुरुप'।

जादः (زادہ) फा वि –उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, वेटा।

जादः (جادہ) फा पु –पगदडी, रास्ते के अतिरिक्त पतला रास्ता, पथ, मार्ग, रास्ता।

जादः (جعدہ) अ स्त्री –चोटी, केशकलाप, वेणी, घुँघराले वाल।

जादःपैमा (جادہ پیما) फा वि –पथिक, राहगीर।

जाद (زاد) फा पुं –खाद्य सामग्री, खाने का सामान; पीढी, वंश, नस्ल (प्रत्य) उत्पन्न, जैसे—'खान जाद' घर में उत्पन्न होनेवाला।

जा'द (جعد) अ स्त्री –चोटी, वेणी।

जादए खाक (زادۂ خاک) फा पु –धन-दौलत, मोना-चांदी।

जादए मुस्तक़ीम (جادۂمستقیم) अ पु–सीधा रास्ता सरल मार्ग।

जादबूम (زادبوم) फा स्त्री–पैदाइश की जगह, जन्म स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ वि–लड़नेवाला योद्धा, वाद विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फा पु–अभिचार, मार डालने, नुकसान पहुंचाने आदि का कर्म, इंद्रजाल, माया, तिलिस्म, दृष्टिबंध, नज़रबंदी, हस्तकौशल, हाथ की सफ़ाई।

जादूकुश (جادوکش) फा वि–जादूगरों का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फा वि–जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक, मायावी, दृष्टिबंधक।

जादूगरी (جادوگری) फा स्त्री–माया कर्म, जादू का काम, दृष्टिबंध, नज़रबंदी।

जादूनज़र (جادونظر) फा वि–जिसकी आंखों में जादू हो, जिसकी आंखों में मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फा वि–दे. 'जादूनज़र'।

जादूफ़न (جادوفن) फा वि–जादूगर।

जादूबयाँ (جادوبیاں) फा अ वि–जिसकी बातचीत में मोहनी हो, जो अपने वक्तव्य और भाषण से सबको मोहित कर दे।

ज़ादे उक़बा (زادعقبیٰ) फा अ पु–परलोक के लिए सामान, अच्छा कुनियों नेकअमल।

ज़ादे राह (زادراہ) फा पु–रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, सबल, मार्गव्यय।

ज़ादे सफ़र (زادسفر) फा अ पु–दे. 'ज़ादेराह'।

जानदार (جانداز) फा वि–हथियारबंद, सशस्त्र, मित्र दास्त।

जान (جان) फा स्त्री–प्राणवायु, रूह, जीवन, ज़िन्दगी, शक्ति, ज़ोर, साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ पु–जिन कौम का सर्वप्रथम व्यक्ति अबुलजान, सारे जिन जिसकी संतान हैं।

जानदार (جاندار) फा पु–प्राणी, जीवधारी, जो जीव मात्र, मनुष्य, इंसान, जीवित, ज़िन्दा, शक्तिशाली, ताक़तवर।

जानमाज़ (جانماز) फा अ स्त्री–नमाज़ पढ़ने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشیں) फा प–जो किसी की जगह पर बैठा हो, स्थानापन्न, क़ाइम मक़ाम, उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फा पु–पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सब प्राणी।

जानाँ (جاناں) फा पु–प्रेमपात्र, महबूब, प्रेमिका, प्रेयसी, महबूब।

जानाना (جانانہ) फा वि–प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का (की)।

जानिब (جانب) अ स्त्री–पक्ष, ओर, तरफ़, पार्श्व, पहलू।

जानिबदार (جانبدار) अ फा वि–पक्षपाती, तरफ़दारी करनेवाला।

जानिबदारी (جانبداری) अ फा स्त्री–पक्षपात, तरफ़दारी।

जानिबन (جانبین) अ पु–उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

ज़ानिय (زانیہ) अ स्त्री–व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, कुलटा, भ्रष्टा, जारिणी, धर्षिणी, फाहिशा।

ज़ानी (زانی) अ पु–व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलंपट, विषयासक्त, बदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फा वि–जान का, प्राणों का, घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ वि–पापी, पातकी, गुनाहगार, दोषी, अपराधी, मुजरिम।

ज़ानू (زانو) फा पु–घुटना, जानु।

ज़ानूपोश (زانوپوش) फा पु–वह कपड़ा जो खाना खाते समय घुटनों पर डाला जाता है।

ज़ानूबज़ानू (زانوبزانو) फा वि–घुटने से घुटना मिला कर (बैठना), एक पंक्ति में बराबर-बराबर (बैठना)।

जाने जहाँ (جانِ جہاں) फा पु–सारे संसार वासियों का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका, ईश्वर।

जाने जाँ (جانِ جاں) फा पु–प्राणाधार, प्राणों का प्राण, अर्थात् प्रेमिका, ईश्वर।

जाने जानाँ (جانِ جاناں) फा पु–दे. 'जाने जाँ'।

ज़ाफ़ (ضعف) अ पु–मूर्च्छा, बेहोशी, बुद्धि की हानि, अक्ल की कमी।

ज़ाफ़ (زعف) अ पु–किसी को जान से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

ज़ाफ़र (جعفر) अ पु–नहर, (नह्र) नदी, सरचश्मा, चौन्ह इमामों में से एक।

ज़ाफ़र (زعفر) अ पु–दे. 'ज़ाफ़रान'।

ज़ाफ़राँ (زعفراں) अ पु–'ज़ाफ़रान' का लघु रूप, ज़ाफ़रान।

ज़ाफ़रांज़ार (زعفرانزار) अ फा पु–जहाँ बहुत सारा केसर पैदा हो।

ज़ाफ़रान (زعفران) अ पु–कुंकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ. वि.–केसर के रग का, केसरी; केसर से बना हुआ।

जा'फ़री (جعفری) अ वि–एक पीले रग का फूल; पीला रग, पीत।

जा'व: (جعبہ) अ. पु–तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फा वि–जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबित: (ضابطہ) अ पुं – नियम, काइद; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर, गुर, आसान काइद.।

ज़ाबित (ضابط) अ. वि–सहनशील, मुतहम्मिल, प्रबंधक, मुतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂ دیوانی) अ फा पुं–दीवानी अदालत का कानून।

ज़ाबितए फौजदारी (ضابطۂ فوجداری) अ. फा पुं–फौजदारी अदालत का कानून।

जाबिर (جابر) अ. वि–अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, जबरदस्ती करनेवाला, नाजाइज दबाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستان) फा. पु–सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फा. पु.–दे 'ज़ाबिलिस्तान', दो. शुद्ध है।

जाबुल्का (جابلقا) फा पु–पूर्व दिशा के अंत मे एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फा पुं–पश्चिम दिशा के अंत मे एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबह (ذابح) अ वि–वध करनेवाला, वधिक।

जाम: (جامہ) फा पु–वस्त्र, वसन, पहनने का कपडा, कुर्ता, कमीस; बरात मे दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जाम:कन (جامہ کن) फा पु–स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपडे उतारे जाते और लुगी बाँधी जाती है।

जाम:ज़ेब (جامہ زیب) फा वि–वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपडे शोभा दे।

जाम:ज़ेबी (جامہ زیبی) फा स्त्री–शरीर पर कपडो का शोभा देना और सजना।

जाम:तलाशी (جامہ تلاشی) फा स्त्री–सरकारी तौर पर किसी शुबहे मे शरीर पर पहने हुए कपडो की तलाशी।

जाम:दर (جامہ در) फा वि–कपडे फाड़नेवाला, शोकातिरेक या पागलपन से कपडे फाडनेवाला।

जाम:दरी (جامہ دری) फा स्त्री–शरीर पर पहने हुए कपड़ो को फाडना, पागलपन की अवस्था।

जाम:वार (جامہ وار) फा. पुं.– एक प्रकार की बढ़िया छीट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फा. पुं–पियाला, कंस, शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चषक।

ज़ा'म (زعم) अ पु–विचार, खयाल; धारणा, गुमान।

जामए एहराम (جامۂ احرام) अ फा पु–वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए गूक (جامۂ غوک) फा. पु–काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़तह (جامۂ فتح) फा अ पु.–वह कपडा जिस पर मत्र आदि लिखे होते हैं और लडाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂ صورت) फा अ पु–वह कपडा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फा स्त्री–रोजीन, रातब; पियाले मे शराब की तलछट, पुराना कपडा।

जामगूल (جامغول) तु वि.–दुरात्मा, शरीर, पापात्मा, खबीस।

जामबकफ़ (جام بکف) फा वि–हाथ मे शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جام بلب) फा. वि–ओठो से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअ: (جامعہ) अ स्त्री–विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ स्त्री–योग्यता, विद्वत्ता, काबिलीयत, व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ. पु–सार-संग्रह, इसाइक्लोपेडिया, विद्याओ का भडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ वि–जिसमे बहुत से गुण हो, बहुगुणसपन्न।

जामि उल मतफर्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ पु–बिछुडे हुओ को एकत्र करनेवाला, वियोगियो को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ पु–ऐसा शब्द-कोश जिसमे किसी भाषा के शब्दो का पूर्ण सग्रह हो।

जामिद (جامد) अ वि–ठोस, घन, जड, चेतनारहित। (पु) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या)

जामिदुलअक्ल (جامد العقل) अ वि–जिसकी बुद्धि ठस हो, जिसकी समझ मे बात न आये, मन्दमति, घामड।

ज़ामिन (ضامن) अ वि–ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू, दूध जमाने की चीज, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री–ज़मानत करनेवाला; ज़मानत।

जामी (جامی) फा वि–जाम (नगर) से सम्बन्ध रखने वाला मद्यप मयनोश।
जामी (ظامی) अ वि–पिपासु तृषित प्यासा।
जामूस (جاموسہ) अ स्त्री–भैंस।
जामूस (جاموس) अ पु–भैंसा।
जामे (جامع) अ वि–संग्रह करनेवाला संग्रहीता संपादन करनेवाला संपादक व्यापक बहुत ही विस्तृत।
जामे आली (جام عالی) फा अ पु–बहुत बड़ा पियाला।
जामे जम (جام جم) फा पु–प्रसिद्ध है कि ईरान के शासक जमशेद ने एक पियाला बनाया था जिसमें संसार का हाल ज्ञात होता था। जहां तक इस विषय में गौर किया गया है ऐसा प्रतीत होता है कि उस पियाले में कोई ऐसी नशीली वस्तु पिलायी जाती होगी जिसमें पीनेवाले को खयाली चीजें दिखाई पड़ती होंगी जैसा कि आजकल भी अधिक नशा हो जाने पर हम देखते हैं।
जामे जमशेद (جام جمشید) फा पु–दे जामे जम।
जामे जहाँनुमा (جام جہاں نما) फा पु–दे जामे जम।
जामे जहाँबीं (جام جہاں بیں) फा पु–दे जामे जम।
जामेबातिल (زعم باطل) अ पु–गलत गुमान कुधारणा भ्रम वहम।
जामे मय (جام مے) फा पु–शराब का पियाला शराब पीने का पियाला शराब से भरा हुआ पियाला।
जामे शराब (جام شراب) फा पु–दे जामे मय।
जामे सिफाल (جام سفالیں) फा पु–मिट्टी का कुल्हड़ कुल्हड़ जामे सिफाल–"जामे जम से तो मेरा जामे सिफाल अच्छा है"–गालिब।
जामेह (جامح) अ वि–उद्दंड सरकश विद्रोही बागी।
जाय (ضائع) अ वि–नष्ट बरबाद व्यर्थ बेकार प्रभावहीन बेअसर।
जार (جار) अ पु–प्रतिवासी पड़ोसी भागीदार साझी शरणागत पनाहयाफ्त।
जार [र] (جار) अ वि–जांचनेवाला रक्षक निगहबान जर देनेवाला दाता।
जार (جار) तु पु–समुदाय जनसमूह जमाअत ढिंढोरा मुनादी।
जार (زار) फा वि–क्षीण लागर दुबला-पतला अशक्त बेजोर दीन दुखी विकल।
जार (२) (ضار) अ वि–हानिकर अनिष्टकर नुकसानदेह।
जारची (جارچی) तु पु–ढिंढोरिया ढिंढोरा पीटनेवाला मुनादी करनेवाला।
जारजार (زارزار) फा वि–बहुत अधिक फूट-फूटकर (रोना)।
जारनाली (زار نالی) फा स्त्री–रोना-पीटना बहुत व्याकुल होकर रोना।
जारिब (ضارب) अ वि–मारनेवाला प्रहारक आघातक।
जारिय (جاریہ) अ स्त्री–दासी लौंडी वह लौंडी जिससे उसका स्वामी सहवास करे नौका नाव।
जारिह (جارحہ) अ पु–हाथ-पाँव आदि अवयव, शिकारी जानवर।
जारी (جاری) अ वि–संचालित चलता हुआ (काम आदि) प्रवाहित बहता हुआ (पानी) लागू चालू (कानून)।
जारी (زاری) फा स्त्री–विलाप रोना।
जारीद (زاریدہ) फा वि–रोया हुआ रोदित।
जारोक़िततार (زاروقطار) फा अ वि–दे 'जारजार'।
जारोनजार (زارونزار) फा वि–बहुत ही दुबला और जरजर मरयल।
जारोनालाँ (زارونالاں) फा वि–दुखी और रोता हुआ बहुत अधिक दीन और दुखी।
जारोब (جاروب) फा स्त्री–झाड़ू मार्जनी।
जारोबकश (جاروب کش) फा वि–झाड़ू देनेवाला साफ करनेवाला झाड़ू से जमीन साफ करनेवाला।
जारोबकशी (جاروب کشی) फा स्त्री–झाड़ू देना झाड़ू से जमीन साफ करना।
जाल (جالہ) फा पु–नदी पार करने के लिए मशकों में हवा भरकर और उनके ऊपर लकड़ियों का ठाठ बनाकर बनायी जानेवाली नौका।
जाल (ژالہ) फा पु–हिमोपल घनोपल ओला।
जालअफ्शानी (ژالہ فشانی) फा स्त्री–ओला पड़ना ओलों की वर्षा करकापात।
जालबारी (ژالہ باری) फा स्त्री–दे 'जालअफ्शानी'।
जाल (جعل) अ पु–कूटता जालसाजी छल बनावट फरेब।
जाल [ल्ल] (ضال) अ वि–मार्गभ्रष्ट गुमराह पापी गुनाहगार।
जाल (زال) फा वि–सफेद बालोंवाला बूढ़ा पुरुष सफेद बालोंवाली बूढ़ी स्त्री बूढ़ा पुरुष या स्त्री।
जा'लसाज (جعلساز) अ फा वि–कूटकार जाली काम करनेवाला नकली रुपया या दस्तावेज बनानेवाला।
जा'लसाजी (جعلسازی) अ फा स्त्री–कूट कर्म नकली रुपया या दस्तावेज बनाना।

जालिफ (جالف) अ पु–मलागारी, दवा, गर्मी।

जालिब (جالب) अ वि–ग्रहण करनेवाला, लेनेवाला, अपनी ओर खींचनेवाला।

जालिम (ظالم) अ वि.–अन्यायी, अत्याचारी; निर्दय, कठोर हृदय, निष्ठुर।

जालिमाना (ظالمانہ) अ. फा वि.–अत्याचारियों-जैसा।

जालिमे अज़लम (ظالمِ اظلم) अ वि–बहुत बड़ा अत्याचारी।

जालिस (جالس) अ वि–बैठनेवाला, बैठा हुआ आसीन; बैठानेवाला।

जा'ली (جعلی) अ वि–कृत्रिम, बनावटी, नकली, कल्पित, फर्जी।

जाली (جالی) अ वि.–शुद्ध करनेवाला, चमकानेवाला, प्रकाशित करनेवाला।

जालीनोस (جالینوس) अ पु–एक प्रसिद्ध यूनानी हकीम।

जालूक (زالوک) फा. पु–गुल्ला, (गुलेल में चलनेवाला); गोली (बंदूक में चलनेवाली)।

जालूत (جالوت) अ पु–एक बहुत ही अत्याचारी शासक जिसे हज़रत दाऊद की आज्ञा से 'तालूत' ने मारा था।

जाले' (خالع) अ वि–निर्लज्ज, बेहया, धृष्ट, गुस्ताख़, ढीठ।

जावर्स (جاورس) फा. पु.–बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

जाविदाँ (جاوداں) फा वि–नित्य, शाश्वत, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला।

जाविदानी (جاودانی) फा. वि–दे 'जाविदा'।

जावियः (زاویہ) अ पु– कोना, एकान्त, गोशः, कोण (रेखागणित)।

जावियए क़ाइम. (زاویۂ قائمہ) अ पु–नब्बे अंश का कोण, समकोण।

जावियए ख़ारिज. (زاویۂ خارجہ) अ पु–बहिष्कोण।

जावियए दाखिलः (زاویۂ داخلہ) अ पु–अंत कोण।

जावियए नजर (زاویۂ نظر) अ पु.–दृष्टिकोण, नुक्तए नजर।

जावियए निगाह (زاویۂ نگاہ) अ फा पु–दे 'जावियए नजर'।

जावियए मुन्फरिजः (زاویۂ منفرجہ) अ. पु–नब्बे अंश से बड़ा कोण, अधिककोण।

जावियए हाद्दः (زاویۂ حادہ) अ पु–नब्बे अंश से छोटा कोण, न्यूनकोण।

जावेद (جاوید) फा वि–नित्य, शाश्वत, दाइमी।

जावेदाँ (جاویداں) फा वि–दे 'जावेद'।

जासूस (جاسوس) अ पु–गुप्तचर, मुख़्बिर, अपसर्पक, प्रतिचर, चारचक्षु, मुख़बिर।

जासूसी (جاسوسی) अ. पु–गुप्तचर का काम, मुख़बिरी।

जाह (جاہ) फा स्त्री–प्रतिष्ठा; इज़्ज़त, पद, रुत्बा; मर्तबा, क़द्र।

जाहपरस्त (جاہ پرست) फा वि–प्रतिष्ठा पाने का उत्सुक, पदलोलुप, केवल प्रतिष्ठित लोगों का भक्त।

जाहपरस्ती (جاہ پرستی) फा स्त्री.–प्रतिष्ठा प्राप्ति की इच्छा, प्रतिष्ठित लोगों की भक्ति।

जाहिक (ضاحک) अ वि–हँसनेवाला, हँसोड़, प्रहासी।

जाहिदः (زاہدہ) अ. स्त्री–तपस्विनी, साध्वी, विरक्ता, संयम नियम का पालन करनेवाली स्त्री।

जाहिद (زاہد) अ. पु.–जितेंद्रिय, संयमी, विरक्त, विषय-निवृत्त, संयम-नियम और जप-तप करनेवाला व्यक्ति।

जाहिदे ख़ुश्क (زاہدِ خشک) अ फा पु–ऐसा नीरस जाहिद जिसके हृदय में जरा भी उदारता न हो।

जाहिर (ظاہر) अ वि–व्यक्त, प्रकट, अयाँ, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, वाजेह।

जाहिर (زاہر) अ वि.–उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकता हुआ; उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलंद।

जाहिरदार (ظاہردار) अ. फा. वि–दिखावे की बातें करनेवाला, दुनियासाज, अवसरवादी।

जाहिरदारी (ظاہرداری) अ. फा स्त्री–बनावट, दिखावा, दुनियासाज़ी, व्याज-व्यवहार।

जाहिरन (ظاہراً) अ वि–देखने में, जाहिर में।

जाहिरपरस्त (ظاہر پرست) अ फा. वि–जो ऊपरी टीम-टाम पर मरता हो, केवल वाह्यरूप देखनेवाला।

जाहिरपरस्ती (ظاہرپرستی) अ फा स्त्री.–केवल वाह्य रूप पर मुग्धता।

जाहिरबीं (ظاہربیں) अ. फा वि–बाहरी तड़क-भड़क का दीवाना, जाहिरपरस्त।

जाहिरबीनी (ظاہربینی) अ फा स्त्री–केवल बाहरी टीम-टाम का मोह, जाहिरपरस्ती।

जाहिरा (ظاہرا) अ वि–दे 'जाहिरन'।

जाहिरी (ظاہری) अ वि–बाहरी, बाह्य; ऊपरी, देखने भर का।

जाहिरो बातिन (ظاہروباطن) अ पु–अंदर और बाहर, मन और मुख, जबान और दिल।

जाहिल (جاہل) अ वि–जो कुछ न जानता हो, अज्ञानी, मूर्ख, बेवकूफ, असभ्य, नामुहज्जब, अशिष्ट, बदसलीक, उद्दंड, अक्खड़, निरक्षर, बेइल्म।

जाहिलीयत (جاهلیت) अ स्त्री–दे जहालत।
जाहिले मुत्लक (جاہل مطلق) अ वि–जो कुछ भी न जानता हो निपट मूर्ख बिल्कुल बे पढ़ा लिखा।
जाहोजलाल (جاہ و جلال) अ पु–शानोशौकत, रोबदाब।
जाहोमसब (جاہ و منصب) अ पु–पदवी और प्रतिष्ठा।
जाहोहशम (جاہ و حشم) अ पु–दे 'जाहोजलाल'।

जि

जिआर (زعار) अ पु–दे जगार।
जिंद (زند) फा वि–जीवित जीता हुआ, नवीन, ताजा जसे–'जिंद खन'।
जिंदबगोर (زندہ بگور) फा वि–जिसका जीवन मृत्यु जसा नीरस और व्यर्थ हो जीवन्मृत।
जिंद दार (زندہ دار) फा वि–बहुत जागनेवाला।
जिंद दिल (زندہ دل) फा वि–हर समय प्रसन्न रहने और मजेदार बातें करनेवाला विनोदरसिक।
जिंद दिली (زندہ دلی) फा स्त्री–प्रसन्न रहने और मनो विनोद करने का भाव।
जिंदबशक्ले मुर्द (زندہ بشکل مردہ) फा वि–ऐसा व्यक्ति जो जीते हुए भी शव के समान हो अत्यंत दीन दुखी और कष्टग्रस्त हतजीवित।
जिंदबाद (زندہ باد) फा वा–चिरजीव हो जीवित रहो साधुवाद शाबाश जिंदाबाद अय रजे उल्फत जानादिल तुझ पर निसार क्योंकि इक तेरे सबब स याद उसकी दिल म है।
जिंद बाश (زندہ باش) फा वा–आयुष्मान् हो, बड़ी उम्र मिले शाबाश धन्यवाद।
जिंदए जावेद (زندۂ جاوید) फा पु–जो सदा जीवित रहे जो कभी न मरे।
जिंदगानी (زندگانی) फा स्त्री–दे ज़िंदगी।
जिंदगी (زندگی) फा स्त्री–जीवन प्राण हयात।
जिंदगीबख्श (زندگی بخش) फा वि–जीवन देनेवाला, जीवन बनानेवाला।
जिंदाँ (زنداں) फा पु–कारागार कारागृह कदखाना।
जिंदाँखान (زنداں خانہ) फा पु–दे जिंदाँ।
जिंदानी (زندانی) फा वि–कारावासी कदी बंदी।
जिंदीक (زندیق) अ वि–नास्तिक ला मजहब अग्निपूजक आतशपरस्त जरदुश्त का अनुयायी।
जिंस (جنس) अ स्त्री–वस्तु, पदार्थ चीज अन्न, गल्ला, जाति।
जिंसखान (جنس خانہ) अ फा पु–अनाज आदि रखन का कोठा, मालखाना।
जिंसवार (جنس وار) अ फा स्त्री–पटवारी का कागज जिसमें बोई हुई जिंस का ब्योरा होता है।
जिंसी (جنسی) अ वि–जिंस से सम्बंध रखनवाला।
जिंसीयत (جنسیت) अ स्त्री–लिंगता नर या मादा होना, जातीयता, कौमियत।
जिंसेकासिद (جنس کاسد) अ स्त्री–एसी खोटी वस्तु जो बाजार में न बिके।
जिंसनाकार (جنس ناکارہ) अ फा स्त्री–दे जिंसकासिद'।
जिंसेनाकिस (جنس ناقص) अ स्त्री–दे 'जिंसकासिद'।
जिक [क्क] (زق) अ स्त्री–पानी भरने का खाल का पात्र, परवाल मशक, भस्त्री।
जिक्की (زقی) अ वि–पानी की मशक जसा जलधर का एक प्रकार जिसमें सारा शरीर सूज जाता है।
जिक्र (ذکر) अ पु–चर्चा तज़्किर एक प्रकार का जप।
जिक्रे अर (ذکر ارہ) अ पु–योग में एक जप जो जबान और सीने से होता है।
जिक्रे खफी (ذکر خفی) अ पु–ऐसा जप जो मन में किया जाय उपांशु।
जिक्रे खर (ذکر خیر) अ पु–शुभ चर्चा अच्छा जिक्र किसी बड़े व्यक्ति की शान और उसकी चर्चा।
जिक्रे ग़र (ذکر غیر) अ पु–अन्य चर्चा दूसरा जिक्र रकीब की चर्चा।
जिक्रे जहर (ذکر جہر) अ पु–ऐसा जप जो ध्वनित हो, जो आवाज के साथ हो।
जिगर (جگر) फा वि–शरीर का एक विशेष अवयव, यकृत, साहस, हिम्मत।
जिगरअफ्गार (جگر افگار) फा वि–दे जिगरफिगार'।
जिगरकावी (جگر کاوی) फा स्त्री–कड़ा परिश्रम सख्त मेहनत।
जिगरखराश (جگر خراش) फा वि–बहुत अधिक दुख देनेवाला, हृदय विदारक।
जिगरख्वार (جگر خوار) फा वि–जिगर को खानवाला दुख देनेवाला।
जिगरख्वारी (جگر خواری) फा स्त्री–जिगर को खाना, दुख शोक।
जिगरगोश (جگر گوشہ) फा पु–जिगर का टुकड़ा अर्थात पुत्र।
जिगरताब (جگر تاب) फा वि–जिगर को गम करनवाला।
जिगरताबी (جگر تابی) फा स्त्री–कलेजा गम करना।
जिगरदोज (جگر دوز) फा वि–दे जिगरखराश।

जिगरपारः (جگرپاره) फा पु –दे. 'जिगरगोश'।
जिगरफ़िगार (جگرفگار) फा वि –जिसका हृदय टुकडे-टुकडे हो, भग्न हृदय, अत्यधिक दुखी।
जिगरबंद (جگربند) फा पु – दे 'जिगरगोश'।
जिगरसा (جگرسا) फा वि –जिगर को छीलनेवाला, कष्ट देनेवाला।
जिगरसोख़्तः (جگرسوخته) फा वि –दिल जला, जिसका हृदय शोक की आँच से जल गया हो, भृष्ट हृदय, दग्ध-हृदय।
जिगरसोख़्तगी (جگر سوختگی) फा. स्त्री.–हृदय का दग्ध होना।
जिगरसोज (جگرسوز) फा वि –हृदयदाही, दु खदायी; सहानुभूति करनेवाला।
जिगरसोजी (جگرسوزی) फा स्त्री –हृदय जलाना, गम उठाना, सहानुभूति करना।
जिगरी (جگری) फा वि –हार्दिक, दिली; घनिष्ठ, गहरा, जिगर के रंग का, गहरा लाल।
जिज़विज़ (جزبز) फा वि –रुष्ट, अप्रसन्न, नाराज।
जिज़्यः (جزیه) अ. पु –एक टैक्स जो हिन्दुस्तान मे वाज़ मुसलमान शासको ने हिंदुओ से लिया था और जो तीन से वारह रुपये प्रति वर्ष लगता था, धर्म-कर।
जिद (جد) अ स्त्री.–प्रयास, पराक्रम, कोशिश।
ज़िद [द्द] (ضد) अ. स्त्री.–हठ, अड; विपरीत, विरुद्ध, उलटा; वैमनस्य, रंजिश।
ज़िदा (زدا) फा. प्रत्य –शुद्ध करनेवाला।
ज़िदाइंद (زدائنده) फा वि.–साफ करनेवाला, परिमार्जित करनेवाला।
ज़िदाइश (زدائش) फा स्त्री –परिमार्जन, सफाई, चमक दमक, जिला।
ज़िदूदः (زدوده) फा वि परिमार्जित, साफ किया हुआ, माँजा हुआ।
ज़िदूदनी (زدودنی) फा वि –माँजकर साफ करने के काविल, परिमार्जनीय।
जिदार (جدار) अ स्त्री –भीत, भित्त, दीवार।
जिदाल (جدال) अ पु –युद्ध, लडाई, वादविवाद, वह्स।
जिदालोकिताल (جدال وقتال) अ पु –लड़ाई और रक्त-पात, खून-खरावी।
जिद्द (جده) अ पु –अरव का एक नगर जो प्रसिद्ध वदरगाह है, जिद्दत।
जिद्दत (جدت) अ स्त्री –अद्भुतता, अनोखापन; नवीनता, नयापन; आविष्कार, ईजाद।
जिद्दतआमेज (جدت آمیز) अ फा वि –वह वात जिसमे जिद्दत हो।
जिद्दततराज (جدت طراز) अ फा वि –जिद्दत पैदा करने वाला, नयी-नयी वाते निकालनेवाला, आविष्कारक।
जिद्दततराजी (جدت طرازی) अ. फा. स्त्री –नयी-नयी वाते निकालना, आविष्कार।
जिद्दतपसंद (جدت پسند) अ. फा. वि –जिसे हर वात मे जिद्दत अच्छी लगती हो।
जिद्दतपसंदी (جدت پسندی) अ फा. स्त्री –हर वात मे जिद्दत अच्छी लगना।
जिद्दत मआव (جدت مآب) अ वि –दे 'जिद्दततराज'।
जिद्दन (جدًا) अ स्त्रि –प्रयास से, कोशिश करके।
ज़िद्दन (ضدًا) अ वि –हठ से, हठ के कारण।
ज़िद्दी (ضدی) अ. वि –हठ करनेवाला, हठी, आग्रही; जो वात ठान ले या कह दे उसी पर अड जानेवाला।
ज़िद्दैन (ضدين) अ. पु –दो परस्पर विरोधी चीजे, जैसे आग और पानी।
जिद्दोजहद (جدوجهد) अ. स्त्री –पराक्रम और प्रयास, दौड-धूप।
जिन [न्न] (جن) अ पु –एक प्राणी जिसकी उत्पत्ति अग्नि से मानी जाती है, और वह दिखाई नही पड़ता।
जिनाँ (جنان) अ स्त्री –'जिनान' का लघु, दे 'जिनान'।
ज़िनाँ (زنا) अ. प –व्यभिचार, परायी स्त्री या पराये पुरुष के पास जाना।
ज़िनाकार (زناکار) अ फा वि –व्यभिचारी, व्यभिचारिणी।
ज़िनाकारी (زناکاری) अ फा स्त्री –व्यभिचार, जार-कर्म, हरामकारी।
जिनाज़ः (جنازه) अ पु –दे. 'जनाज', दो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'जनाज' ही वोलते है।
जिनान (جنان) अ स्त्री.–'जन्नत' का वहु, जन्नते, वाग़-समूह, उर्दू मे एक वचन के अर्थ मे व्यवहृत है।
जिनायत (جنايت) अ स्त्री –पाप, पातक, गुनाह।
जिनायात (جنايات) अ स्त्री –'जिनायत' का वहु, वहुत से पाप।
जिन्नः (جنه) अ पु –जिनका वहु, जिनो का समूह; जिनो की जाति।
ज़िन्नत (ظنت) अ स्त्री – आरोप, लाछन, तोहमत।
जिन्नात (جنات) अ पु –'जिन' का वहु, वहुत से जिन, जिनो की जाति।
जिन्नी (جنی) अ पु –जिनका, जिन सम्वन्धी, एक जिन।

जिनहार (زنہار) फा स्त्री–शरण, त्राण पनाह। (अव्य) कदापि हरगिज।
जिनहारख्वार (زنہارخوار) फा वि–प्रतिज्ञा भंग करने वाला, वादा शिकन।
जिनहारख्वाह (زنہارخواہ) फा वि–पनाह या रक्षा चाहनेवाला शरणार्थी।
जिनहारी (زنہاری) फा वि–त्राण चाहनेवाला, शरणागत प्रतिज्ञा करनेवाला।
जिफाफ (زفاف) अ पु–दुल्हन का दूल्हा के घर भेजना, दूल्हा का दुल्हन से पहली बार मिलना।
जिफ्त (زفت) फा स्त्री–चीड का गोंद राल।
जिफदे (ضفدع) अ पु–दुदुर भेक मेंढक मडूक।
जिबस (زبس) फा वि–बहुत अधिक।
जिबा (ظبا) अ पु–जबी का बहु हरिणों का समूह।
जिबाब (ضباب) अ स्त्री–'जब का बहु गोहें।
जिबायत (جبایت) अ स्त्री–धन एकत्र करना कर एकट्ठा करना।
जिबाल (جبال) अ पु–जबल का बहु पर्वतमाला, बहुत से पहाड़।
जिबाले रासियात (جبال راسیات) अ पु–ऊँचे ऊँचे और बड़े-बड़े पहाड़।
जिबाह (جباہ) अ स्त्री–जबह का बहु माथे ललाट।
जिबिल्लत (جبلت) अ स्त्री–प्रकृति स्वभाव नेचर।
जिबिल्ली (جبلی) अ वि–प्राकृतिक स्वाभाविक नेचुरल।
जिब्त (جبت) अ पु–हर वह चीज जो ईश्वर के अतिरिक्त पूजी जाय।
जिब्र (زبرہ) अ स्त्री–एक पुस्तक एक पत्र।
जिब्र (زبر) अ स्त्री–पुस्तक किताब।
जिब्रिकान (زبرقان) अ पु–संपूर्ण चंद्र राका सकलेंदु पूरा चाँद।
जिब्रील (جبرئیل) अ पु–एक फिरिश्ता जो पैगंबरों के पास ईश्वर का आदेश पहुँचाया करता था।
जिब्ल (زبل) अ पु–घोड़े या गधे की लीद।
जिबह (ذبح) अ वि–वधित जो जबह किया गया हो।
जिबहे अक्बर (ذبح اکبر) अ पु–वह दुंबा जो हजरत इस्माईल के बदले में जबह हुआ।
जिबहेअजीम (ذبح عظیم) अ पु–हजरत इमाम हुसैन की शहादत
जिमाअ (جماع) अ पु–स्त्रीप्रसंग मैथुन मुबाशरत।
जिमाउल्इस्म (جماع الاثم) अ पु–मद्यपान शराबनोशी।
जिमाद (جماد) अ पु–जुम्द का बहु ऊँची और कठोर भूमि।

जिमाद (ضماد) अ पु–प्रलेप अंग विशेष पर दवा का लेप।
जिमाम (ذمام) अ पु–प्रतिष्ठा इज्जत स्वत्व हक।
जिमाम (زمام) अ स्त्री–ऊँट की नकेल।
जिमामे हुकूमत (زمام حکومت) अ स्त्री–शासन की बागडोर शासनसूत्र।
जिमार (ضمار) अ पु–खोया हुआ माल जिसके मिलने की आशा न हो।
जिमार (جمار) अ स्त्री–जम्र' का बहु कंकरियाँ हज की एक प्रथा जिसमें शैतान को कंकरियाँ मारते हैं।
जिमाल (جمال) अ पु–'जमल का बहु, बहुत से ऊँट।
जिम्न (ضمن) अ पु–अंतर्गत अन्दर प्रसंग बात का सिलसिला विषय।
जिम्नन (ضمناً) अ वि–किसी प्रसंग में आयी हुई चर्चा।
जिम्नी (ضمنی) अ वि–किसी मुख्य विषय के अंतर्गत वाला गैर अहम, गौण।
जिम्म (ذمہ) अ पु–उत्तरदायित्व जिम्मेदारी प्रतिभूति जमानत।
जिम्मेदार (ذمہدار) अ फा वि–उत्तरदायी जवाबदेह प्रतिभू जामिन जिम्मेदारी महसूस करनेवाला।
जिम्मेदारी (ذمہداری) अ फा स्त्री–उत्तरदायित्व, जवाबदेही प्रतिभूति जमानत कार्यभार बार।
जिम्मत (ذمت) अ स्त्री–प्रतिज्ञा इकरार प्रतिभूति जमानत।
जिम्मी (ذمی) अ पु–इस्लामी राज्य में गैर मुस्लिम नागरिक।
जियाँ (زیاں) फा पु–हानि अनिष्ट जरर, टोटा क्षति घाटा।
जियाँ (زیاں) फा वि–फाड खानेवाला हिंसक, खूंखार व्याघ्र।
जियाँकार (زیاں کار) फा वि–टोटा देनेवाला घाटा पहुँचानेवाला कदाचारी, बदआमाल।
जियाँकारी (زیاں کاری) फा स्त्री–टोटा देना, कदाचार, बदआमाली।
जिया (ضیا) अ स्त्री–प्रकाश ज्योति आभा, चमक सूर्य का प्रकाश।
जियागुस्तर (ضیاگستر) अ फा वि–दे जियापाश।
जियाद (زیاد) अ वि–अधिक प्रचुर बहुत अतिरिक्त फाजिल।
जियादखोर (زیادخور) अ फा वि–बहुत खानेवाला पेटू बहुभक्षी पिंडारु।
जियादगो (زیادگو) अ फा वि–बहुत बातें बनाने वाला मुखर वाचाल मिथ्यावादी गप्पी।

ज़ियाद गोई (زیادہگوئی) अ. फा स्त्री –बहुत बाते करना, गप हांकना।

ज़ियाद.तर (زیادہتر) अ फा. वि –अधिकतर, बहुधा, अक्सर।

ज़ियाद.तलबी (زیادہطلبی) अ फा स्त्री –हिस्से या हिसाब मे अधिक मांगना।

ज़ियादःसरी (زیادہسری) अ. फा स्त्री.–स्वच्छदता, खुद-राई; अभिमान, घमंड।

ज़ियादःसितानी (زیادہستانی)अ फा स्त्री.–अपने भाग से अधिक ले लेना।

ज़ियाद (زیاد) अ पु.–अधिक, बहुत, 'इब्ने ज़ियाद' इमाम हुसैन का कातिल।

ज़ियादत (زیادت) अ स्त्री –अधिकता, बहुतायत।

ज़ियादती (زیادتی) अ स्त्री –अधिकता, अत्याचार; अनीति, हठधर्मी।

ज़ियापाश (ضیاپاش) अ फा वि –प्रकाश फैलानेवाला।

ज़ियापाशी (ضیاپاشی) अ फा स्त्री –प्रकाश फैलाना।

ज़ियाफ़त (ضیافت) अ स्त्री –अतिथि पूजा, मेहमादारी, प्रीतिभोज, दावत।

ज़ियाफ़तख़ानः (ضیافتخانہ) अ फा पु –अतिथियो की भोजनशाला।

ज़ियाबार (ضیابار) अ फा वि –दे 'ज़ियापाश'।

ज़ियाबारी (ضیاباری) अ फा स्त्री –दे 'ज़ियापाशी'।

ज़ियाबीतुस (ذیابیطس) अ. पु – एक रोग जिसमे पेशाब बहुत आता है, बहुमूत्र।

ज़ियारत (زیارت) अ स्त्री –दर्शन, दीदार, तीर्थाटन, किसी बुज़ुर्ग के मज़ार आदि के दर्शनार्थ सफर, किसी बुज़ुर्ग का रौज़ा आदि।

ज़ियारतकदः (زیارتکدہ) अ फा पु –दे 'ज़ियारतगाह'।

ज़ियारतगाह (زیارتگاہ) अ फा स्त्री –ऐसी जगह जहाँ किसी बुज़ुर्ग का मज़ार या उसके तबर्रुकात हो।

ज़िराअ (ذراع) अ पु –एक हाथ की नाप, सातवाँ नक्षत्र, पुनर्वसु।

ज़िराअत (زراعت) अ स्त्री –कृषि, खेती, काश्त।

ज़िराअतपेशः (زراعتپیشہ) अ फा वि –कृषक, किसान।

ज़िराअती (زراعتی) अ वि –कृषि सम्बन्धी, खेती से मुत-अल्लिक, खेती का।

ज़िराब (ضراب) अ पु –नर का मादा पर चढना।

ज़िरार (ضرار) अ पु –एक दूसरे को हानि पहुँचाना, मक्के की एक मस्जिद जिसमे मुहम्मद साहब के शत्रु बैठकर परामर्श करते थे।

ज़िराहत (جراحت) अ स्त्री –घाव, ज़ख्म, आघात; चीर-फाड, शल्यक्रिया, दे 'जराहत'।

ज़िरिश्क (زرشک) फा स्त्री –एक खट्टा फल जो चने के बराबर होता है और सुखाकर दवाई के काम आता है।

ज़िरिह (زرہ) फा स्त्री –लोहे की ज़ंजीरो का एक पह-नावा जो लडाई मे पहना जाता है, कवच, अगरक्ष।

ज़िरीहपोश (زرہپوش) फा. वि –जो ज़िरिह पहने हो, कवचधारी।

ज़िरीहबाफ़ (زرہباف) फा वि –ज़िरिह बनानेवाला, कवच बनानेवाला, कवचकार।

ज़िरिहसाज़ (زرہساز) फा वि –दे 'ज़िरिहबाफ़'।

ज़िर्ग़ाम (ضرغام) अ पु –सिंह, व्याघ्र, शेर।

ज़िर्नीख़ (زرنیخ) अ स्त्री –हडताल, हरिताल, काचनक, दे. 'ज़र्नीख़', दो शु है।

ज़िर्ज़ीक (ضرزیک) एक प्रकार की तोप।

ज़िर्म (جرم) अ पु –पिंड, देह, यह शब्द अधिक अधिक आकाशीय अथवा जड पदार्थो के लिए प्रयुक्त होता है।

ज़िर्फ़ीन (زرفین) अ पु –शृंखला, ज़ंजीर, दरवाजे की ज़ंजीर, दे 'ज़ुर्फ़ीन', दो शु है।

ज़िर्यान (جریان) अ पु –शुक्र-प्रमेह, मूत्र-शुक्र, पेशाब के साथ मनी आने का रोग, शुद्ध उच्चारण, 'जरयान' है।

ज़िर्वः (ذروہ) अ पु –शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान।

ज़िर्स (ضرس) अ स्त्री –डाढ, बडा दाँत, जभ, दाडक।

ज़िल्ल (ظل) अ पु –छाया, साया, परछाई।

ज़िला (جلا) अ स्त्री –आभा, प्रभा, चमक, सैकल, बर्तनो या हथियारो की चमक।

ज़िला (ضلع) अ पु –पार्श्वास्थि, पसली, जनपद, मडल, प्रात का एक भाग जो एक कलक्टर के अधीन होता है।

ज़िलादार (جلادار) अ फा वि –आभा युक्त, चमकदार, जिस पर सैकल हो।

ज़िलेबा (زلیبا) फा. पु – प्रसिद्ध मिठाई, बडी जलेबी।

ज़िलौ (جلو) तु पु –कोतल घोडा, जो सरदारो और राजाओ की सवारी में काम आता है, लगाम, कविका।

ज़िलौख़ानः (جلوخانہ) तु फा पु –अश्वशाला, अस्तबल।

ज़िलौदार (جلودار) तु फा पु –श्रेष्ठ अश्वका स्वामी।

ज़िलौरेज़ (جلوریز) तु फा वि –तेज घोडा दौडानेवाला, सरपट जानेवाला।

ज़िल्अ (ضلع) अ पु –पसली, पार्श्वास्थि, जनपद, मडल, ज़िला, इस शब्द का उच्चारण 'ज़िला' भी है।

ज़िलक़ा'दः (ذی القعدہ) अ पु –इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़िल्ज़ाल (زلزال) अ पु –हिलाना, कँपाना, हिलाना-डुलाना।

जिल्द (جلد) अ स्त्री–त्वचा त्वक शरीर की ऊपरी खाल किताब की एक प्रति जैसे—'अमुक पुस्तक की चार जिल्दें', पुस्तक पर चढ़ा हुआ कपड़ा आदि जुजबदी, किसी बड़ी पुस्तक का एक भाग, ग्रंथ खंड।

जिल्दसाज (جلدساز) अ फा पु– पुस्तक की जिल्द बाधनेवाला।

जिल्दसाजी (جلدسازی) अ फा स्त्री–पुस्तक की जिल्दें बनाने का काम।

जिल्दो (جلدو) तु पु–पुरस्कार, इनआम बख्शिश।

जिल्फ (جلف) अ वि–जो अदर से खाली हो छूछा पोला खोखला आदमी ओछा।

जिल्बाब (جلباب) अ स्त्री–चादर प्रच्छादन।

जिल्लत (ذلت) अ स्त्री–ख्वारी, तिरस्कार अपमान अनादर।

जिल्लत (زلت) अ स्त्री – लग्जिश, फिसलने की क्रिया पतन चूक त्रुटि भूल पाप गुनाह।

जिल्लत (ضلت) अ स्त्री – गुमराही मार्गभ्रश रस्ता भूल जाना पातक पाप गुनाह।

जिल्लत आमेज (ذلت آمیز) अ फा वि–अपमानजनक, तिरस्कारयुक्त जिल्लत से भरा हुआ।

जिल्लुल्लाह (ظل اللہ) अ पु–ईश्वर की छाया अच्छा शासक।

जिल्ले आतिफत (ظل عاطفت) अ पु–छत्रछाया जरेसाया।

जिल्ले इनायत (ظل عنایت) अ पु– दे जिल्ले आतिफत'।

जिल्ले अर्मी (ظل زمیں) अ फा पु–रात्रि निशा रात।

जिल्ले सुबहानी (ظل سبحانی) अ पु– दे जिल्लुल्लाह।

जिल्ले हक (ظل حق) अ पु–ईश्वर की छाया ईश्वर का कृपा।

जिल्ले हिमायत (ظل حمایت) अ दे जिल्ले आतिफत।

जिल्ले हुमा (ظل ھما) अ फा पु–हुमा पक्षी की छाया जिसके पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

जिल्व (حلو) अ पु–सही शब्द यही है परन्तु उर्दू में जल्व बोला जाता है दे जल्व।

जिलहिज्ज (ذی الحجہ) अ पु–इस्लामी बारहवाँ महीना।

जिवार (جوار) अ पु–'जवार' ग़लत है जिवार या 'जवार' शुद्ध है पड़ोस प्रतिवास हमसायगी आस पास चारो ओर।

जिश्त (زشت) फा वि–निकृष्ट खराब बुरा।

जिश्तआमाल (زشت اعمال) अ फा वि–कदाचारी दुराचारी बदआमाल।

जिश्तकार (زشتکار) फा वि–दे जिश्त आमाल'।

जिश्तखू (زشتخو) फा वि–बुरी आदतोवाला, दुस्स्वभाव दुष्प्रकृति, बदअख़लाक, दुःशील कुशील।

जिश्तरू (زشترو) फा वि–बुरी शक्लवाला कुरूप कदाकृति बदसूरत।

जिश्तरूई (زشتروی) फा स्त्री–कुरुपता, बदशक्ली।

जिश्तिएकार (زشتیٔ کار) फा स्त्री–कर्मों की निकृष्टता पाप, गुनाह।

जिश्ती (زشتی) फा वि–निकृष्टता, खराबी, कुरूपता, बदशक्ली।

जिस [स्स] (جص) अ पु–चूना गच।

जिस्म (جسم) अ पु–शरीर काया देह घनत्व, स्थूलता लबाई चौड़ाई मोटाई जसामत।

जिस्मानी (جسمانی) अ वि–शारीरिक बदनी शरीर सम्बन्धी जिस्मी।

जिस्मानीयत (جسمانیت) अ स्त्री–लबाई चौड़ाई और मोटाई या गहराई और ऊँचाई स्थूलता घनत्व।

जिस्मी (جسمی) अ वि–दैहिक शारीरिक जिस्मानी।

जिस्मीयत (جسمیت) अ स्त्री–स्थूलता घनत्व जसामत

जिस्मेखाकी (جسم خاکی) अ फा पु–मिट्टी का बना हुआ शरीर, नश्वर देह मानवशरीर।

जिस्मे तालीमी (جسم تعلیمی) अ पु–लबाई चौड़ाई और मोटाई घनत्व स्थूलता।

जिस्मेफानी (جسم فانی) अ पु–नश्वर देह मिट जाने वाला शरीर मानवदेह।

जिस्र (جسر) अ पु–सेतु पुल दे 'जस्र' दा पु है।

जिह (زہ) फा स्त्री–धनुष का चिल्ला (आक) साधु धन्य वाह।

जिहगीर (زہگیر) फा स्त्री–वह अँगूठी जो तीर चलाते समय उगली की रक्षा के लिए पहनी जाती है, अगुलित्राण।

जिहत (جہت) अ स्त्री–दिशा ओर, तरफ कारण हेतु सबब।

जिहाज (جہاز) अ पु–ब्याह का दहेज सफर का सामान कफन आदि यात्रा की सामग्री पाथेय।

जिहात (جہات) अ स्त्री–'जिहत' का बहु दिशायें किस्में कारण समूह वजूहें।

जिहाद (جہاد) अ पु–धर्म के लिए विधर्मियों से युद्ध।

जिहादे अक्बर (جہاد اکبر) अ पु–बड़ा जिहाद इन्द्रियों का दमन।

जिहादे असग़र (جہاد اصغر) अ पु–छोटा जिहाद धर्मयुद्ध।

जिहाफ़ (زحاف) अ पु—न्यूनता, कमी, छंद के गणों में से मात्राओं की कमी।

जिहाव (زهاب) अ पु—जाना, गमन करना, दे. 'जहाव' दो. शु है।

जिहाम (زحام) अ पु—भीड़, जनसमूह; अधिकता, बहुतायत।

जिहार (ظهار) अ पु.—पुरुष का स्त्री से यह कहना कि तू मेरे लिए माँ की पीठ है, इससे वह स्त्री व्याह से विछिन्न हो जाती है।

जिहार (زهار) अ पु—उपस्थ, कटिदेश, पेड़ू।

जिहिंदः (جہندہ) फा. वि—उछलनेवाला, कूदनेवाला।

जिहे (زہے) फा. अव्य—अहो, क्या खूब, वाह-वाह।

जिहेज़ (جہیز) फा पु.—व्याह में दुल्हन को दिया जानेवाला सामान, दहेज।

जिह्क (ضحک) अ.पु.—ज़ोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

ज़िह्न (ذہن) अ पु—प्रतिभा, तब्बाई, धारणाशक्ति, समझ-बूझ, स्मरणशक्ति, हाफ़िज़; दक्षता, कुशलता, होशियारी।

ज़िह्ननशीं (ذہن نشیں) अ फा वि.—जो बात समझ में आ गयी हो, चित्त पर चढ़ी हुई बात, हृदयंगम, बोधगम्य।

ज़िह्नी (ذہنی) अ वि—हार्दिक, मानसिक, रूहानी।

ज़िह्नीयत (ذہنیت) अ. स्त्री.—प्रकृति, स्वभाव, आदत, अंतःकरण, अंदरूँ, धारणा, गुमान।

ज़िह्ने रसा (ذہن رسا) अ फा. पु—किसी बात को जल्दी समझ लेनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्ने सालेह (ذہن صالح) अ.पु—अच्छे-बुरे में पूर्ण विवेक करनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्मत (زهمت) अ स्त्री—सड़े हुए माँस या मछली की दुर्गंध जो असह्य हो।

जी

ज़ीं (زیں) फा. स्त्री—'ज़ीन' का लघुरूप, जो समास में व्यवहृत होता है (अव्य) इससे।

ज़ी (ذی) अ उप—एक उपसर्ग जो संज्ञा से पहले आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'ज़ीअक्ल' अक्लवाला।

ज़ीअक्ल (ذی عقل) अ वि—बुद्धिवान्, मेधावी, अक्लमंद।

ज़ीआबरू (ذی آبرو) अ फा वि—प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़तदार।

ज़ीइख़्तियार (ذی اختیار) अ वि—जिसे अधिकार प्राप्त हो, प्राप्ताधिकार, जो किसी के अधीन न हो, खुद मुख़्तार, स्वाधीन।

ज़ीइज़्ज़त (ذی عزت) अ वि.— दे. 'ज़ीआबरू'।

ज़ी इस्तेदाद (ذی استعداد) अ वि—विद्वान्, योग्य, शिक्षित, पढ़ा-लिखा, काबिल।

ज़ीक़ (ضیق) अ. वि.—तंगी, संकोच, संकीर्णता; कृष्ट, दुःख, क्लेश, मुसीबत।

ज़ीकमाल (ذی کمال) अ वि—गुणवान्, गुणी, हुनरमंद।

ज़ीका'दः (ذی قعدہ) अ. पु—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़ीक़ुन्नफ़स (ضیق النفس) अ. पु—दमे की बीमारी, श्वास-कास, श्वास रोग, श्वास कष्ट, उर स्तंभ।

जीग़ः (جیغہ) फा. पु—पगड़ी में बाँधने का एक रत्नजटित आभूषण।

ज़ीज (زیج) फा स्त्री—ज्योतिष की किताब जिसमें ग्रहों की गति का विवरण और दूसरी तफ़्सीलें होती हैं।

ज़ीजाह (ذی جاہ) अ. वि—बड़े पद या बड़ी प्रतिष्ठावाला।

ज़ीन (زینہ) फा पु—सोपान, निश्रेणी, सीढ़ी; इमारतों की पक्की सीढ़ियाँ।

ज़ीन (زین) फा. पु—घोड़े की पीठ पर कसी जानेवाली काठी, पल्ययन।

ज़ीनत (زینت) अ स्त्री—शृंगार, सज्जा, सजावट; शोभा, श्री, रौनक।

ज़ीनतकदः (زینت کدہ) अ फा पु—सुसज्जित और शृंगारित मकान कोठी आदि; प्रेयसी का निवासस्थान।

ज़ीनतदिह (زینت دہ) अ. फा वि—शोभा बढ़ानेवाला, सुशोभित करनेवाला, ज़ीनत देनेवाला।

ज़ीनते आगोश (زینت آغوش) अ फा स्त्री—गोद में बैठा हुआ, गोद में बैठकर गोद की शोभा बढ़ानेवाला।

ज़ीनते बज़्म (زینت بزم) अ फा स्त्री—सभा में बैठकर सभा की शोभा को चार चाँद लगानेवाला।

ज़ीनते महफ़िल (زینت محفل) अ. स्त्री—दे 'ज़ीनते बज़्म'।

ज़ीनपोश (زین پوش) फा पु—ज़ीन के ऊपर डालनेवाला कपड़ा।

ज़ीनसाज़ (زین ساز) फा पु—ज़ीन बनानेवाला।

जीफ़ः (جیفہ) फा पु—मरा हुआ पशु आदि, मुर्दार, मृत, गतप्राण।

जीफ़ःख़्वार (جیفہ خوار) अ फा वि—मुर्दा खानेवाला, मृताशी, पूयभुक्।

ज़ीफ़ह्म (ذی فہم) अ वि—बुद्धिमान्, मतिमान, मेधावी, अक़्लमंद, प्रतिभाशाली, धारणासम्पन्न, ज़हीन, दूरदर्शी, अग्रशोची, पेशबी।

ज़ीफ़िरासत (ذی فراست) अ वि—दे 'ज़ीफ़हम'।

ज़ीवक़ (زیبق) अ पु—पारद, पारा, सीमाब।

जीवाल (ذی بال) अ फा वि–जिसके पर हों पक्षी प्रतिष्ठित माय मुअज्जज।
जीमतबत (ذی مرتبت) अ वि–बड़े रुतबेवाला प्रतिष्ठावान सम्मानित।
जीर (زیره) फा पु–जीरक मसाले की एक प्रसिद्ध चीज।
जीर (زیر) फा पु–धीमा आवाज नीचा स्वर।
जीरए सफद (زیرهٔ سفید) फा पु–श्वेतजीरक सफेद जीरा।
जीरए सियाह (زیرهٔ سیاه) फा पु–कृष्ण जीरक सुपा वाला जीरा।
जीरक (زیرک) फा वि–प्रवीण प्रतिभाशाली धारणावान चतुर होशियार।
जीरकी (زیرکی) फा स्त्री–चातुर्य दक्षता कुशलता प्रवीणता प्रतिभा तब्बाई।
जीरतब (ذی رتبه) अ वि–दे जीमरतबत।
जीरूह (ذی روح) अ वि–प्राणी जीवधारी जानदार।
जीरोबम (زیروبم) फा पु–स्वर का उतार चढ़ाव षड्ज निषाद इत्यादि।
जीव (زهره) फा पु पारा पारा सीमाब।
जीवकार (ذی وقار) अ वि–दे जीमरतबत।
जीवजाहत (ذی وجاهت) अ वि–दे जीमरतबत।
जीस्त (زیست) फा स्त्री–जीवन जिन्दगी।
जीस्तनी (زیستنی) फा वि–जान के लाइक जिन्दा जाना आवश्यक हो जीवनीय।
जीहयात (ذی حیات) अ वि–दे जीरूह।
जीहशम (ذی حشم) अ वि–जिसके पास नौकर चाकर बहुत हो वभववाला।
जीहिस (ذی حس) अ वि–जिसे अपना बुराई भलाई का एहसास हो खुद्दार स्वाभिमानी।
जीहसियत (ذی حیثیت) अ वि–अच्छी हैसियतवाला धनवान धनी प्रतिष्ठित मुअज्जज।
जीहोश (ذی هوش) अ वि–मतिवान मुधन जो होश म हो बुद्धिमान अक्लमन्द दूरदर्शी दूरदेश।

जु

जुद (جلد) अ पु–जिल्द पोस्त चमड़ा।
जुदबस्तर (جلد بستر) फा पु–जिसके समस्त उपविभाग म अदकार का गुलाया हुआ रंग जो दवा म चलता है।
जुदी (جلدی) अ पु–जानिब सिलाने वाला झोला।
जुबा (جلبان) फा वि–कम्पायमान हिलता हुआ (प्रत्य) हिलानेवाला जसे– सिलसिलाजुबा जंजीर हिलानेवाला।

जुबिश (جنبش) फा स्त्री–कंप हिलन हरकत उस से मग हान की हालत गति चाल।
जुबीद (جنبیده) फा वि–हिला हुआ जुबिश खाया हुआ।
जुअफा (ضعفا) अ पु–जईफ का बहु निर्बल और अशक्त लोग दीन दुखी बेबस लोग।
जुअमा (زعما) अ पु–जईम का बहु लीडर लोग नेतागण।
जुअमाए मिल्लत (زعمائے ملت) अ पु–राष्ट्र के नेता कौम के लीडर।
जुआफ (ذعاف) अ वि–हालाहल कालकूट घातक विष घातक जान लेनेवाला।
जुका (ذکا) अ स्त्री–सूर्य रवि सूरज प्रातःकाल रावता।
जुगाल (زگال) फा पु–बुझा हुआ अंगारा कोयला।
जुगाल (زگال) फा पु–दे जुगाल।
जुत्र (جفطه) अ पु–सकोच तंगी कठोरता सख्ती।
जुग्रात (جغرات) फा पु–दधि दही।
जुग्राफ्यि (جغرافیه) अ पु–भूगोल भूगोलशास्त्र।
जुग्राफ्यि दाँ (جغرافیه دان) अ फा वि–भूगोल जानने वाला।
जुग्राफ्यि नवीस (جغرافیه نویس) अ फा वि–भूगोल लिखनेवाला।
जुज (جز) अ पु–अंश भाग टुकड़ा ग्रंथ खंड किताब अध्याय बाब अतिरिक्त अलावा सिवाय पुस्तक के सोलह पृष्ठ का फार्म जो पूरा न हो कम अधूरा इस का एक रूप जुज्व है।
जुजदान (جزدان) अ फा पु–बच्चा की किताब रखने का बस्ता।
जुजवदी (جزبندی) अ फा स्त्री–जिल्दसाजी म किताब के हर जुज की सिलाई जिल्दसाजी।
जुजरस (جزرس) अ फा वि–मितव्ययी कम खर्च कृपण कंजूस।
जुजरसी (جزرسی) अ फा स्त्री–खर्च कम करना मितव्यय कृपणता कंजूसी।
जुजाज (زجاج) अ पु–काच काँच शीशा।
जुजाम (جذام) अ पु–कुष्ठ रोग कोढ़।
जुजामी (جذامی) अ वि–कुष्ठी कोढ़ी।
जुज़ (جزی) अ वि–दे जुज्वी।
जुजईयात (جزئیات) अ पु–किसी बात के तमाम पहलू छोटी-छोटी बात।
जुज्व (جزو) अ पु–दे 'जुज' शुद्ध रूप यही है।

जुज्वी (جزوی) अ वि—कुल में से एक जुज, थोड़ा, कम।
जुज्वेला पतजज्जा (جزولایتجزی) अ पु—वह सूक्ष्म यत्न जिसके फिर टुकड़े न हो सके, त्रसरेणु, अनुरेणु।
जुज्वेला यन्फक(फ़क) (جزولاینفک) अ पु—ऐसा अंग जो अपने मूल से पृथक् न हो सके।
जुदा (جدا) फा. वि—पृथक्, अलग; भिन्न, मुख्तलिफ; विग्रहग्रस्त; अन्य, दूसरा।
जुदाई (جدائی) फा स्त्री—पृथकता, अलगाव, वियोग, फ़िराक, वैमनस्य, रंजिश।
जुदागान: (جداگانہ) फा वि—अलग-अलग, पृथक-पृथक।
जुदै (جدی) अ पु—उत्तरीय ध्रुवतारा, वह ध्रुवतारा जो उत्तरीय ध्रुव के पास है।
जुद्री (جدری) अ स्त्री—शीतला रोग, चेचक।
जुनू (جنوں) अ पु—'जुनून' का लघु, दे 'जुनून', यह रूप यौगिक शब्दों में हो जाता है।
जुनूंअंगेज (جنوں انگیز) अ फा वि—जुनून बढ़ानेवाला, उन्मादवर्द्धक।
जुनूंखेज (جنوں خیز) अ फा वि—जुनून पैदा करनेवाला, उन्मादोत्पादक।
जुनूंजोलां (جنوں جولاں) अ. फा वि—जुनून बढ़ानेवाला, तीव्र उन्मादक।
जुनूद (جنود) अ पु—'जुंद' का बहु, सेनाएँ, फौजें।
जुनून (جنوں) अ पु—उन्माद, विक्षिप्तता, पागलपन।
जुनूने इश्क (جنون عشق) अ पु—प्रेमोन्माद, मुहब्बत का पागलपन,—"सुन अय जुनूने इश्क तुझे इसमें क्या मिला ? बरसों जो कोहोदश्त घुमाया किया मुझे।"
जुनैद (جنید) अ पु—बगदाद के एक बहुत बड़े ऋषि।
जुन्नार (زنار) अ पु—यज्ञोपवीत, जनेऊ।
जुन्नारगुसिस्त: (زنارگسستہ) अ फा वि—जिसने जनेऊ तोड़ डाला हो, जो हिंदू धर्मभ्रष्ट हो गया हो।
जुन्नारदार (زناردار) अ फा वि—जनेऊ धारण करनेवाला, हिंदू।
जुन्नारपोश (زنارپوش) अ फा वि—दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नारबंद (زناربند) अ फा वि—दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नून (ذوالنون) अ पु—हज्रत यूनुस की उपाधि, आपको मछली निगल गयी थी।
जुफ्त (جفت) फा पु—जोड़ा, युग्म, युगल, वह संख्या जो दो से बँट जाय, समसंख्या, जूता, पादुका।
जुफ्तक (جفتک) फा पु—चकवा-चकवी, सुर्खाब का जोड़ा।
जुफ्तफरोश (جفت فروش) फा वि—जूते बेचनेवाला।
जुफ्तसाज(:
जुफ्तीं (جفتی) फा. स्त्री—पशुओं आदि का मैथुन।
जुफ़्र (ظفر) अ पु—नख, नाखून।
जुबान: (زبانہ) फा पु—आग की लपट, अग्नि-शिखा, तराजू की डंडी के बीच का डोरा, दे 'जबान', दोनों शुद्ध हैं।
जुबान (زبان) फा. स्त्री—दे 'जबान', दोनों शुद्ध हैं।
जुबाना (زبانا) अ पु—सोलहवाँ नक्षत्र, विशाखा।
जुबाब (ذباب) अ स्त्री—मक्षिका, मक्खी।
जुबुन (جبن) अ. पु—फटे हुए दूध का खोवा या पनीर, दे 'जुब्न न० २'।
जुबूल (ذبول) अ पु—क्षीणता, दुर्बलता, लागरी, मलिनता, खिन्नता, अफ्सुर्दगी।
जुब्द: (زبدہ) अ पु—सार, तत्त्व, खुलासा; नवनीत, मक्खन, शिरोमणि, सरताज।
जुब्दतुलहुकमा (زبدۃالحکما) अ पु—चिकित्सकों में शिरोमणि; वैज्ञानिकों में सर्वश्रेष्ठ।
जुब्न (جبن) अ पु—भीरुता, कायरता, डरपोकपन, फटे हुए दूध का मावा, पनीर, दे. 'जुबुन'।
जुब्ब: (جبہ) अ पु—लंबा अँगरखा, चुगा।
जुब्बःपोश (جبہ پوش) अ फा वि—चुगा पहननेवाला, चुगा पहने हुए।
जुब्र (زبر) अ पु—ग्यारहवाँ नक्षत्र, पूर्वा फाल्गुनी।
जुमल (جمل) अ पु—अबजद के अक्षरों का हिसाब, अबजद के अक्षर।
जुमादल उख़ा (جمادی الاخری) अ पु—इस्लामी छठा महीना।
जुमादलऊला (جمادی الاولی) अ पु—इस्लामी पाँचवाँ महीना।
जुमान (جمان) अ पु—मोती, मुक्ता, मोती के आकार की चाँदी की घुंडियाँ।
जुमाम (جمام) अ पु—बर्तन का पानी से लबालब भर जाना।
जुमुअ: (جمعہ) अ. पु—शुक्रवार, दे 'जुमअ' दोनों तरह शुद्ध हैं।
जुमुख्त (زمخت) फा पु—बकबटा, कसीला, ऐसा स्वाद जैसा हड़ का होता है।
जुमुर (ضمر) अ पु—दुबलेपन की वजह से पेट का पीठ से चिपक जाना।
जुमुर्रुद (زمرد) फा पु—एक हरे रंग का रत्न, पन्ना।
जुमूद (جمود) अ पु—जमना, जम जाना (पानी आदि का), खिन्नता, मलिनता, अफसुर्दगी, ठप हो जाना,

जुमूर (جمور) अ पु–दुबलापन, क्षीणता लागरी।
जुमअ (جمعه) अ पु–शुक्रवार, दे 'जुमुअ', दोनो उच्चारण सही है।
जुम्जुम (جمجمه) अ पु–कपाल, भगाल खोपडी।
जुम्र (زمره) अ पु–दल, यूथ जत्था पार्टी।
जुम्र (ضمر) अ पु–दे 'जुमूर।
जुम्रए अहबाब (زمرهٔ احباب) अ पु–मित्रमडली मित्रगण दोस्तो की पार्टी।
जुम्ल: (جمله) अ पु–समस्त समग्र, सब सब, वाक्य, शब्दसमूह फिक्र।
जुमलए इस्माइय (جملهٔ اسمیه) अ पु–दे 'जु इस्मिय।
जुम्लए इस्तिफहामिय (جملهٔ استفهامیه) अ पु–ऐसा वाक्य जिसम प्रश्न हो।
जुम्लए इस्मिय (جملهٔ اسمیه) अ पु–ऐसा वाक्य जिसमे क्रिया न हो मनात्मक वाक्य।
जुम्लए खबरीय (جملهٔ خبریه) अ पु–दे जु० इस्मिय।
जुम्लए मोंतरिज (جملهٔ معترضه) अ पु–इबारत या तहरीर के बीच में ऐसा वाक्य जो किसी दूसरी बात स सम्बन्धित हो और मूल विषय से उसका कोई सम्बन्ध न हो।
जुम्लगी (جملگی) अ फा वि–सबका समस्तता, पूर्णता सारापन।
जुम्हूर (جمهور) अ पु–सर्वसाधारण जनसाधारण, जनता अवाम।
जुम्हूरियत (جمهوریت) अ स्त्री–गणतन्त्र, जनतन्त्र प्रजातन्त्र।
जुम्हूरी (جمهوری) अ वि–सार्वजनिक सार्वजनीन।
जुरफा (ظرفا) अ पु–'जरीफ' का बहु हँसोड लोग।
जुम्हूरे अनाम (جمهور انام) अ वि–जन साधारण अवामुन्नास।
जुरात (ضراط) अ पु–तीव्र तेज वह अपान वायु जो शब्द के साथ निकले।
जुरूफ (ظروف) अ पु–ज़र्फ का बहु बरतन भांडे।
जुराफ़ (زراف) अ पु–ऊँट के बराबर एक जगली जानवर जिसकी पीठ चितीदार होती है दे 'ज़राफ' दोनो शुद्ध है।
जुर्अ (جرعه) अ पु–एक घूँट इतना पानी आदि जो एक बार म पिया जाता है।
जुर्अकश (جرعه‌کش) अ फा वि–घूँट घूँट करके पीने वाला मदिरा पीनेवाला मद्यप।
जुर्अकशी (جرعه‌کشی) अ फा स्त्री–घूट घूट करके पीना, मदिरा पीना शराबनोशी।
जुर्अनोश (جرعه‌نوش) अ फा वि–दे 'जुर्अकश'।
जुर्अएमय (جرعهٔ مے) अ फा वि–मदिरा का घूट।
जुर्अत (جرأت) अ स्त्री–साहस हिम्मत, उत्साह उमग, हौसला धृष्टता दुस्साहस बेबाकी।
जुर्अतअफ्जा (جرأت‌افزا) अ फा वि–साहसवर्द्धक, हिम्मत बढानेवाला।
जुर्अतआजमा (جرأت‌آزما) अ फा वि–हिम्मत की परीक्षा करनेवाला यह देखनेवाला कि अमुक काम हो सकेगा या नही।
जुर्अतआजमाई (جرأت‌آزمائی) अ फा स्त्री–हिम्मत की परीक्षा, ताकत का इम्तिहान।
जुर्अतमद (جرأت‌مند) अ फा वि–साहसी उत्साही हिम्मती आरभट।
जुर्अतमदान: (جرأت‌مندانه) अ फा अव्य–साहसपूर्ण हिम्मत से भरा हुआ।
जुर्अतमदी (جرأت‌مندی) अ फा स्त्री–उत्साहशीलता, साहसपरता, हौसलामन्दी।
जुर्त (زرت) फा स्त्री–एक प्रसिद्ध अन्न ज्वार, दे 'ज़रत', दोनो शुद्ध है।
जुर्नीख (زرنیخ) अ पु–दे 'जिर्नीख' दोनो शुद्ध है।
जुर्म (جرم) अ पु–अपराध दोष कुसूर आरोप, लाछन, इलिजाम।
जुर्म ना कर्द: (جرم ناکرده) अ फा वि–जिसने अपराध न किया हो अकृतापराध।
जुर्मान: (جرمانه) अ फा पु–वह सजा जो धन के रूप में दी जाय अर्थदण्ड।
जुर (ذره) अ स्त्री–ज्वार एक अन्न।
जुर (جره) फा पु–नर बाज श्येन, बाज का नर जुर होता है और मादा बाज।
जुर (ضره) अ स्त्री–सौतन सौत।
जुरत (زرت) फा स्त्री–एक अन्न ज्वार दे जुर्त।
जुर्राफ (زراف) अ पु–दे 'जुराफ'।
जुर्राब (جراب) अ पु–मोजा।
जुर्रीयत (ذریت) अ स्त्री–सतान बाल-बच्चे, हाली मवाली पिछलग्गू।
जह्ह (ذرور) अ पु–भ्रमर के आकार का एक लाल रंग का चित्तीदार कीडा जिसके परो पर काली बुन्दियाँ होती हैं। यह कीडा दवा में काम आता है और शरीर में छाला डालता है, इसे 'जरारीह' कहते हैं जो ज्यादा मशहूर है।

ज़ुर्वः (ذروه) अ पु —शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान, शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।
ज़ुर्ह (جرح) अ पु —घाव, क्षत, जख़्म।
ज़ुलम (ظلم) अ पु —'ज़ुलमत' का वहु, अँधेरे।
ज़ुलल (ظلل) अ पु —'ज़ुल्ल' का वहु, वहुत-से सायबान।
ज़ुलाल (زلال) अ पु —स्वच्छ और शीतल पानी; निथरा हुआ पानी, एक-दो इच लवे कीडे जिन्हें निचोडने से वहुत ही ठडा पानी निकलता है।
ज़ुलुमात (ظلمات) अ पु —'ज़ुलमत' का वहु., अँधेरे, अधकार-समूह।
ज़ुलूस (جلوس) अ पु —वैठना, राजा आदि का गद्दी पर वैठना, समारोह के साथ गश्त, उत्सव यात्रा, शोभा-यात्रा, चल समारोह।
ज़ुलैख़ा (زليخا) अ स्त्री —मिस्र के नरेश 'अजीज' की स्त्री, जो हज़्रत यूसुफ पर मुग्ध हो गयी थी।
ज़ुल्क़र्नैन (ذوالقرنين) अ पु —सम्राट् सिकदर की उपाधि, जिसके दोनो कंधो पर वालो की लटे पडी रहती थी।
ज़ुल्जनाह (ذوالجناح) अ पु —हज्रत इमाम हुसैन का घोडा, वहुत तेज चलने के कारण 'परोवाला घोडा' कहलाता था।
ज़ुल्जलाल (ذوالجلال) अ पु —तेज और प्रतापवाला, अर्थात् ईश्वर।
ज़ुल्फ (زلف) फा स्त्री.—केशपाश, वालो की लट, कनपटी के पासवाले वाल, अलक, केश, वाल।
ज़ुल्फ़कार (ذوالفقار) अ स्त्री —हज्रत अली की तलवार, जो वद्र के युद्ध मे उन्हे रसूल ने प्रदान की थी।
ज़ुल्फवदोश (زلف بدوش) फा वि —कधो पर वाल विखेरे हुए।
ज़ुल्फीन (زلفين) फा स्त्री —शृखला, जजीर।
ज़ुल्फुनून (ذوالفنون) अ वि —वहुत से गुणो का ज्ञाता।
ज़ुल्फे दराज (زلف دراز) अ स्त्री —लवी ज़ुल्फ, वालो की लवी लट।
ज़ुल्फेपरीशाँ (زلف پریشان) फा स्त्री —विखरी हुई ज़ुल्फ, विखरे हुए वाल।
ज़ुल्फेपुरखम (زلف پرخم) फा स्त्री —घुघराले वाल।
ज़ुल्फेवरहम (زلف برهم) फा स्त्री.—विखरे हुए वाल।
ज़ुल्फेरसा (زلف رسا) फा. स्त्री —लवी ज़ुल्फ जो कमर से नीचे तक हो।
ज़ुलवह्रैन (ذوالبحرين) अ वि —ऐसा शेर जो कई वह्रो मे पढा जा सके।
ज़ुल्म (ظلم) अ. पु —अत्याचार, कमजोर को सताना, अन्याय, वेइसाफी करना, किसी का हक मारना; नदी मे पानी की वाढ, वलात्, जवरदस्ती।
ज़ुल्मत (ظلمت) अ स्त्री.—अंधकार, तम, तिमिर, अँधेरा, तारीकी।
ज़ुल्मतआवाद (ظلمت آباد) अ. फा पु —वहुत ही अँधेरी जगह, संसार, दुनिया।
ज़ुल्मतकदः (ظلمت کده) अ फा पुं —जहाँ अँधेरा ही अँधेरा हो; ससार, दुनिया।
ज़ुल्मदोस्त (ظلم دوست) अ. फा. वि —जो अत्याचार करना पसद करता हो, अन्यायप्रिय।
ज़ुल्मपर्वर (ظلم پرور) अ. फा वि —अत्याचारी, अन्यायी, जिसके राज्य मे अत्याचार का पालन-पोषण होता हो।
ज़ुल्मरसीदः (ظلم رسیده) अ फा. वि —जिस पर अत्याचार हुआ हो, नृशसित, अत्याचार-पीडित।
ज़ुल्मशिआर (ظلم شعار) अ वि —जिसके स्वभाव मे ही अत्याचार हो, अन्यायप्रकृति।
ज़ुल्मात (ظلمات) 'ज़ुलमत' का वहु, अँधेरे, वह घोर अधकार जो सिकदर को अमृतकुड तक पहुँचने मे पडा था।
ज़ुलमिनन (ذوالمنن)अ वि वहुत अधिक ने'मते देनेवाला, ईश्वर।
ज़ुल्लः (ظله) अ पु —धूप से वचानेवाली चीज, सायवान, छज्जा।
ज़ुल्लाव (جلاب) अ. पु —रेचक, विरेचक, दस्तावर दवा।
ज़ुवार (جوار) अ पु —पडोस, प्रतिवेश, हमसायगी, आसपास, चारो ओर।
जुशांदः (جوشانده) फा पु —औटाई हुई दवा का पानी।
जुशा (جشا) अ स्त्री —डकार, धूम, उद्गार।
जुस्त (جست) फा स्त्री —दे 'जुस्तजू'।
जुस्तजू (جستجو) फा स्त्री —तलाश, मार्गण, गवेषणा।
जुस्तोजू (जुस्तुजू) (جست وجو) फा. स्त्री —दे 'जुस्तजू'।
जुस्सः (جثه) अ पु —देह, शरीर, जिस्म।
ज़ुहल (زحل) अ पु —एक ग्रह शनि।
जुहला (جهلا) अ पु —जाहिल का वहु., जाहिल लोग।
ज़ुहक. (ضحوكه) अ पु —हास्यास्पद, उज्हूक।
ज़ुहूक (زهوق) अ पु.—विनाश, नाश, नापैदी, निशान-चुकना।
ज़ुहूक (ضحكه) जिस पर सव लोग हँसे, हास्यास्पद, हास्य।
ज़ुहूर (ظهور) अ पु —प्रकट, जाहिर होना, उत्पत्ति, पैदाइश; आविर्भाव, अवतार।
ज़ुह्द (زهد) अ पु —इंद्रिय-निग्रह, संयम, मनोगुप्ति, मुनि-वृत्ति, पारसाई, परहेजगारी, इत्तिक़ा।

जुहद (زهد) अ पु–शक्ति बल ताकत, प्रयत्न, पराक्रम काशिश।

जुहदशिआर (زهدشعار) अ वि–संयमी, यतेंद्रिय, जितेंद्रिय संयतेंद्रिय।

ज़ुह (زهرہ) अ स्त्री–एक ग्रह शुक्र।

ज़ुहजबीं (زهرہجبیں) अ फा वि–उज्ज्वल ललाट शुभ्र भाल सुंदरी चंद्रमुखी माहरू।

ज़ुहनवा (زهرہنوا) अ फा वि–बहुत सुन्दर और मधुर स्वरवाली स्त्री।

ज़ुहरुख (زهرہرخ) अ फा वि–दे ज़ुहजबीं।

ज़ुहशमाइल (زهرہشمائل) अ वि–दे ज़ुहजबीं।

ज़ुह (ظہر) अ स्त्री–दोपहर की नमाज़ का वक्त।

ज़ुह्हाद (زهاد) अ पु–ज़ाहिद का बहु ज़ाहिद लोग।

ज़ुह्हाल (جہال) अ पु–जाहिल का बहु जाहिल लोग।

जू

जू (جو) फा स्त्री–नदी छोटी नदी नहर कुल्या, स्रोत, सोता चश्मा।

जू (ذو) अ उप–वाले के अर्थ में आता है जैसे—ज़ू मानी कई अर्थवाले।

जूअ (جوع) अ स्त्री–भूख क्षुधा बुभुक्षा।

जूउलअर्ज़ (جوع الارض) अ स्त्री–ज़मीन की भूख राज बढ़ाने का हौसला।

जूउलकल्ब (جوع الکلب) अ स्त्री–एक रोग जिसमें पेट भरा होने पर भी सारे अंग भूखे होते हैं।

जूउलबक़र (جوع البقر) अ स्त्री–एक रोग जिसमें कितना भी खाया जाय भूख नहीं जाती।

जूएखूँ (جوئےخوں) फा स्त्री–रक्त की नदी।

जूएशीर (جوئےشیر) फा स्त्री–दूध की नहर जो फरहाद शीरीं के लिए निकालना चाहता था।

जूक़ (جوق) तु स्त्री–समूह झुंड गिरोह।

जूक़ दर जूक़ (جوق در جوق) तु फा वि–झुंड के झुंड गिरोह के गिरोह बहुत अधिक भीड़।

जूज़सरत (جوزسرت) अ वि–जो नरीगमार्ग मिथुन राशिवाला बंध ग्रह जिसका घर कन्याराशि है।

जूज़नाब (جوزناب) अ पु–वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पूरब की ओर हो।

जूज़बाब (جوزباب) अ पु–वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पश्चिम की ओर हो।

जूद (جود) अ पु–दानशीलता वदान्यता सखावत बख्शिश।

ज़ूद (زود) अ वि–शीघ्र त्वरित, तुरत, जल्दी।

ज़ूदअसर (زوداثر) फा अ वि–तुरत असर करनेवाली औषधि शीघ्रकारी।

ज़ूदआश्ना (زودآشنا) फा वि–बहुत जल्द घुल मिल जाने वाला जल्दी दोस्त बन जानेवाला आशुमित्र।

ज़ूदखेज़ (زودخیز) फा वि–फुर्तीला चुस्ताचालाक।

ज़ूदगो (زودگو) फा वि–जल्द शेर कहनेवाला शीघ्र कवि उपस्थित कवि उपस्थित वक्ता, आशुकवि।

ज़ूदगोई (زودگوئی) फा स्त्री–तुरत कविता करने की क्रिया आशुकविता करना।

ज़ूदतर (زودتر) फा वि–शीघ्रतर बहुत जल्द।

ज़ूदनवीस (زودنویس) फा वि–जल्द लिखनेवाला त्वरा लेखक।

ज़ूदनवीसी (زودنویسی) फा स्त्री–जल्द लिखना, त्वरा लेखन।

ज़ूदपशेमाँ (زودپشیماں) फा वि–अपनी भूल पर बहुत जल्द पछतानेवाला।

ज़ूदफ़हम (زودفہم) फा अ वि–जल्द बात समझ जानेवाला शीघ्रबुद्धि।

ज़ूदबूद (زودبود) फा वि–अपार असीम, बहुत अनुचित बेजा।

ज़ूदरंज (زودرنج) फा वि–किसी बात पर जल्द बुरा मान जानेवाला आशुरोष।

ज़ूदरंजी (زودرنجی) फा स्त्री–जल्द बुरा मान जाना।

ज़ूदरफ़्तार (زودرفتار) फा वि–तेज़ चलनेवाला शीघ्रगामी द्रुतगामी।

ज़ूदरफ़्तारी (زودرفتاری) फा स्त्री–तेज़ चलना शीघ्र गमन।

ज़ूदरस (زودرس) फा वि–जो किसी बात की तह तक तुरत ही पहुँच जाय कुशाग्रबुद्धि।

ज़ूदरसी (زودرسی) फा स्त्री–किसी बात की तह तक शीघ्र पहुँच जाना।

ज़ूदसेर (زودسیر) फा वि–किसी बात से शीघ्र ही उकता जानेवाला जिसका पेट जल्द भर जाए।

ज़ूदसेरी (زودسیری) फा स्त्री–किसी बात से जल्द उकता जाना जल्द पेट भर जाना।

ज़ूदहज़्म (زودهضم) फा अ वि–शीघ्र पच जानेवाला खाद्य पदार्थ लघु पाक।

ज़ूदहज़्मी (زودهضمی) फा अ स्त्री–खाद्य पदार्थ का जल्द पच जाना।

ज़ूदी (جودی) अ पु –वह पहाड जिस पर हज़्रत नूह की किश्ती जाकर ठहरी थी।
ज़ूदी (زودی) फा स्त्री –शीघ्रता, जल्दी।
ज़ूनाब (ذوناب) अ पु –फाड खानेवाले दरिंदे, श्वापद, व्याघ्र, हिंसक प्राणी।
ज़ूफ़ा (زوفا) फा पु –एक घास जो दवा मे काम आती है।
ज़ूफ़ुनून (ذوفنون) अ वि.–बहुत-से हुनर जाननवाला, बहुगुना, वेत्ता।
ज़ूबह्रैन (ذوبحرین) अ वि –वह शे'र जो दो बह्रो मे पढा जा सके।
ज़ूमा'ना (ذومعنی) अ वि.–वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके दो अर्थ हो।
ज़ूमानी (ذومعنی) अ वि –दे 'ज़ूमा'ना' दोनो शुद्ध है।
ज़ूर (زور) फा. पु –छल, कपट, फ़िरेब ।
ज़ूरोमक्र (زورومکر) फा अ पु –छल और कपट, वचकता और ठगी ।
ज़ूलाँ (جولاں) फा. स्त्री –ज़ूलान का लघु, दे 'ज़ूलन'।
ज़ूलान (جولان) फा स्त्री.–वह जजीर जो बदियों को पहनायी जाती है, वेडी।
ज़ूलुबाब (ذولباب) अ वि –वुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमंद।

ज़े

ज़ेब (ذئب) अ. पुं –भेडिया, वृक।
जेब (جیب) अ स्त्री –वह थैली जो कुर्ता या अचकन आदि मे रुपया आदि रखने की होती है, पाकेट, खलीता।
जेबखर्च (جیب خرچ) अ फा पु –वह खर्च जो खाने-पीने के अतिरिक्त दूसरे निजी कामो के लिए हो।
जेबतराश (جیب تراش) अ फा वि –जेब काटनेवाला, गिरहकट, ग्रथि-मोचक, ग्रथिच्छेदक, पाकेटमार।
जेबतराशी (جیب تراشی) अ फा स्त्री –जेब काटना, गिरिहकटी करना, पाकेटमारी।
ज़ेबा (زیبا) फा वि –सुन्दर, मनोरम, मनोज्ञ, दिलकश, शोभनीय, श्रीमान्, बारौनक, ललित, सूक्ष्म, लतीफ।
ज़ेबाअंदाम (زیبااندام) फा वि –सुडौल और सुन्दर शरीरवाला (वाली) शोभनाग, शोभनागना।
ज़ेबाइश (زیبائش) फा स्त्री –सज्जा, शृगार, सजावट।
ज़ेबाई (زیبائی) फा स्त्री –दे 'ज़ेबाइश'।
ज़ेबाकामत (زیباقامت) फा अ वि –दे 'ज़ेबा-कामत'।
ज़ेबाकामती (زیباقامتی) फा अ स्त्री –शरीर का साँचे मे ढला होना, अंगसौष्ठव।
ज़ेबातल्अत (زیباطلعت) फा अ वि –जिसकी मुखाकृति अत्यन्त सुन्दर हो, ललित काता।
ज़ेबारू (زیبارو) फा वि –जिसका चेह्रा-मोह्रा बहुत ही सुन्दर और प्यारा हो।
ज़ेबाशमाइल (زیباشمائل) फा अ. वि.–जिसका स्वभाव बहुत ही सुन्दर और सुशील हो।
ज़ेबिंदः (زیبندہ) फा वि –अच्छा लगनेवाला, छजनेवाला, शोभा देनेवाला।
ज़ेबीदः (زیبیدہ) फा वि –सुशोभित, ललित, सुन्दर।
ज़ेबीदनी (زیبیدنی) फा वि –छजने योग्य, शोभा देने योग्य।
ज़ेबोज़ीनत (زیب وزینت) फा अ. स्त्री –बनाव-सिंगार, वेशभूषा, ठाट-बाट, शृंगार और सजावट।
ज़ेबोज़ेन (زیب وزین) फा अ स्त्री –दे. 'ज़ेबोज़ीनत'।
ज़ेरंदाज़ (زیرانداز) फा. पु –किसी चीज की हिफाजत के लिए उसके नीचे बिछाया जानेवाला कपडा, कालीन, फर्श।
ज़ेर (زیر) फा वि –उर्दू मे 'इ' की मात्रा (ِ), निम्न, नीचे; निर्बल, नाताकत; परास्त, पराजित, मग्लूब, नि सहाय, निराश्रय, बेकस, अधीन, ताबे'।
ज़ेर अंदाज़ (زیرانداز) फा पु.–दे 'ज़ेरंदाज़', शुद्ध उच्चारण यही है।
ज़ेरअफ़्गन (زیرافگن) फा पु –दे 'ज़ेरफ़्गन', अधिक शुद्ध उच्चारण यही है।
ज़ेरचाक़ (زیرچاق) फा. वि –अधीन, ताबे'दार; जिसे गुदा मैथुन कराने का व्यसन हो, कोनी।
ज़ेरजामः (زیرجامہ) फा पु –कमर से नीचे पहनने का कपडा, अधोवस्त्र, वह कपडा जो जीन के नीचे घोडे की पीठ पर डाला जाता है।
ज़ेरदस्त (زیردست) फा वि –अधीन, वशीभूत, ताबे'; दीन, दु खी, असहाय।
ज़ेरदस्ती (زیردستی) फा स्त्री –अधीनता, मातहती; दीनता, नि सहायता।
ज़ेरफ़्गन (زیرافگن) फा पु –दरी, तोशक, भैरव राग।
ज़ेरबंद (زیربند) फा पु –घोडे के पेट पर कसा जाने-वाला तस्मा।
ज़ेरबार (زیربار) फा वि –जो बोझ के नीचे दबा हो, ऋणी, कर्जदार, आभारी, एहसानमद।
ज़ेरबारी (زیرباری) फा स्त्री –कर्ज का बोझ, ऋणभार, एहसान का बोझ, कृतज्ञता।
ज़ेरा (زیرا) फा अव्य –क्योंकि, किसलिए, इसलिए।
ज़ेराब (زیراب) फा स्त्री –जमीदोज़ नाली, जमीन के अदर के नल।

ज़ेरीं (زیریں) फा वि–निम्नगत नीचेवाला।
ज़ेरेअसर (زیراثر) फा अ वि–जो किसी के प्रभाव में हो जो किसी के अधीन हो।
ज़ेरेआब (زیرآب) फा वि–वह ज़मीन जो पानी में डूब गयी हो पानी के भीतर।
ज़ेरेआस्मां (زیرآسماں) फा वि–आकाश के नीचे अर्थात सारे संसार में।
ज़ेरेइस्तेमाल (زیراستعمال) फा अ वि–प्रयोग आ रही हुई वस्तु सेवन की जानेवाली औषधि।
ज़ेरेक़दम (زیرقدم) फा अ वि–पाँव के तले सुगम सहल।
ज़ेरेख़ाक (زیرخاک) फा वि–मिट्टी के भीतर अर्थात कब्र में।
ज़ेरेग़ौर (زیرغور) फा अ वि–जिस पर ग़ौर हो रहा हो विचाराधीन।
ज़ेरेतज्वीज़ (زیرتجویز) फा अ वि–जिस पर निर्णय के लिए विचार किया जा रहा हो निर्णयाधीन।
ज़ेरेतन्क़ीद (زیرتنقید) फा अ वि–जिस पर आलोचना लिखी जा रही हो।
ज़ेरेतस्नीफ़ (زیرتصنیف) फा अ वि–जिसकी रचना की जा रही हो।
ज़ेरेतामीर (زیرتعمیر) फा अ वि–जो बनाया जा रहा हो जिसका निर्माण हो रहा हो।
ज़ेरेतालीफ़ (زیرتالیف) फा अ वि–जिसका संपादन हो रहा हो जो लिखा जा रहा हो।
ज़ेरेनगीं (زیرنگیں) फा वि–शासनाधीन मातहत देश या प्रदेश।
ज़ेरेनाफ़ (زیرناف) फा पु–उपस्थ कटि तथा पेडू।
ज़ेरेमश्क़ (زیرمشق) फा अ वि–जिस पर किसी काम की मश्क की जाय अर्थात हाथ साफ किया जाय ऐसा व्यक्ति जो किसी विवशता के कारण किसी का हर एक काम करने को बाध्य हो वह लड़का जिसका किसी पुरुष के साथ अप्राकृतिक सम्बन्ध हो।
ज़ेरेरां (زیرراں) फा वि–रान के नीचे काबू में सवारी में।
ज़ेरेलब (زیرلب) फा वि–आशा में वह बात जो आगे ओठों में हो।
ज़ेरेसाय (زیرسایہ) फा वि–किसी का आश्रित किसी की छत्रछाया में।
ज़ेरेहुकूमत (زیرحکومت) फा अ वि–दे ज़ेरेनगीं।
ज़ेरोज़बर (زیروزبر) फा वि–नीचे ऊपर उथल-पुथल अस्त-व्यस्त।
ज़ेरोबाला (زیروبالا) फा वि–दे 'ज़ेरोज़बर'।
ज़ेबक़ (زیبق) फा पु–पारा, सीमाब।
ज़ेवर (زیور) फा पु–आभूषण, आभरण भूषण अलंकार गहना।
ज़ेवरात (زیورات) फा पु–ज़ेवर का बहु बहुत-से आभूषण गहने।
ज़ेह्न (ذہن) अ पु–प्रतिभा तब्बाई बुद्धि समझ स्मरणशक्ति याददाश्त।
ज़ेह्नीयत (ذہنیت) अ स्त्री–धारणा विचार प्रकृति स्वभाव।
ज़ेह्नरसा (ذہن رسا) अ फा पु–बात की तह तक पहुँचने वाला ज़ेहन।
ज़ेहगीर (زہگیر) फा पु–वह अंगूठी जो तीर चलानेवाले उँगली की रक्षा के लिए पहनते हैं।

ज़ै

ज़ैअ (ضیعہ) अ स्त्री–नष्ट होना व्यापार, उद्योग खेती की भूमि।
ज़ैअ (ضیع) अ पु–नष्ट होना मरना।
ज़ैग़म (ضیغم) अ पु–व्याघ्र सिंह नर।
ज़ैग़मशिकार (ضیغم شکار) अ फा वि–सिंह का शिकार करनेवाला बहुत बहादुर।
ज़ैत (زیت) अ पु–दे ज़ैतून।
ज़ैतून (زیتون) अ पु–एक प्रसिद्ध बीज जिसका तेल निकलता है और दवा में काम आता है उन बीजों का तेल।
ज़ैद (زید) अ पु–अमुक व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।
ज़ैदी (زیدی) अ वि–शीआ का एक वंश।
ज़ैन (زین) अ स्त्री–सज्जा शृंगार सजावट।
ज़ैनब (زینب) अ स्त्री–हज़रत इमाम हुसैन की बहन जिन्होंने उनकी शहादत के पश्चात बड़ी धीरता से यज़ीद के शासन की बुराइयों का पर्दाफ़ाश किया था।
ज़ैफ़ (ضیف) अ पु–आगंतुक अतिथि मेहमान।
ज़ैफ़ (زیف) अ पु–रुपया या अशरफ़ी का खोटापन।
जैब (جیب) कुर्ते या अचकन आदि का गला गिरेबान।
ज़ैयान (طیان) अ पु–जंगली चमेली शहद, मधु।
ज़ैयिद (ضید) अ वि–धुरंधर प्रचंड बहुत बड़ा (सिक्का) खरा अच्छा जो खोटा न हो।
ज़ैल (ذیل) अ पु–दामन कुर्ते आदि का नीचे लटकने वाला भाग निम्न नीचे।
ज़ैलदार (ذیلدار) अ फा पु–एक निम्न कोटि का राज कर्मचारी।

जैली (دیلی) अ. वि –नुफ़ैली, जो किसी के साथ हो।
जैश (جیش) अ पु –सेना, फौज; हाँडी का उवाल; हृदय का वेग।
जैशे मलाइकः (جیش ملائکہ) अ पु.–फ़िरिश्तो की सेना, देवताओ की फौज।
जैहून (جیحون) अ पु.–मध्य एशिया की एक नदी जो 'वलख' के किनारे वहती है।

जो

जोइंदः (جوئندہ) फा. वि –ढूंढनेवाला, तलाश करनेवाला, खोजी, जिज्ञासु।
जोईदः (جوئیدہ) फा वि –ढूंढा हुआ, खोजा हुआ।
जोईदनी (جوئیدنی) फा वि –ढूंढने योग्य, खोजने लाइक।
जोगन (جوغن) फा स्त्री –ओखली, उलूखल।
जो'फ (ضعف) अ पु –निर्वलता, कमजोरी, वीमारी की कमज़ोरी; दीनता, वेकसी।
जो'फे आ'साव (ضعف اعصاب) अ पु –शरीर के पट्ठो की कमजोरी।
जो'फे इश्तिहा (ضعف اشتہا) अ पु –भूख की कमी, मदाग्नि।
जो'फ़े एतिकाद (ضعف اعتقاد) अ पु.–आस्था या एतिकाद की कमी, निष्ठामाद्य।
जो'फे कल्व (ضعف قلب) अ पु –दिल की कमजोरी, हृदय-दौर्वल्य।
जो'फे जिगर (ضعف جگر) अ फा पु –एक रोग जिसमे यकृत् अपना कर्तव्य पूरे तौर पर पूरा नही करता।
जो'फे दिमाग (ضعف دماغ) अ पु –स्मरण-शक्ति की कमी, समझ-वूझ की कमी।
जो'फे दिल (ضعف دل) अ फा पु –दे 'जो फे कल्व'।
जो'फे नज़र (ضعف نظر) अ पु –दृष्टि की कमजोरी, कम दिखाई पडना, नेत्र-दुर्वलता।
जो'फे वसर (ضعف بصر) अ पु –दे जो'फे नजर।
जो'फे वसारत (ضعف بصارت) अ पु –दे 'जोफे नजर।'
जो'फे वाह (ضعف باہ) अ फा पु –काम शक्ति मे कमी, काम-दौर्वल्य।
जो'फे मसान. (ضعف مثانہ) अ पु –मूत्राशय की नसो की शिथिलता, जिससे पेशाव जल्दी-जल्दी होता है।
जो'फे मे'दः (ضعف معدہ) अ पु –पाचन-शक्ति की कमी, मदाग्नि, अग्निमाद्य।
जो'फे हाजिमः (ضعف هاضمہ) अ पु –अग्निमाद्य, पाचन-शक्ति मे कमी।
जो'फे हाफिज़ः (ضعف حافظہ) अ. पु –स्मरण-शक्ति की कमी।
जो'म (زعم) अ पु.–धारणा, गुमान, ख़याल, अहंकार, अभिमान, घमड।
जो'मे वातिल (زعم باطل) अ पु –गलत गुमान, कुधारणा, झूठा घमड।
जोयां (جویاں) फा वि –ढूंढता हुआ, तलाश करता हुआ।
जोया (جویا) फा वि –ढूंढनेवाला, खोजी।
जोयानीदः (جویانیدہ) फा वि –ढुंढवाया हुआ।
ज़ोर (زور) फा पु –वल, शक्ति, ताकत; वश, वस, काबू, प्रयत्न, कोशिश, अनीति, अत्याचार, जवर्दस्ती, आश्रय, सहारा, प्रवलता, प्रचडता, तेज़ी, धाक, रोव।
ज़ोरआज़्मा (زورآزما) फा वि –जोर दिखानेवाला, मुकावला करनेवाला, युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
ज़ोरआज़्माई (زورآزمائی) फा स्त्री –मुकावला करना, लडना।
ज़ोरआवर (زورآور) फा वि –शक्तिशाली, वलवान्, ताकतवर।
ज़ोरआवरी (زورآوری) फा स्त्री –वलवत्ता, ताकतवरी।
ज़ोरदार (زوردار) फा वि –शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचड, तेज, जोशीला, आवेगपूर्ण, महत्त्वपूर्ण।
ज़ोरमंद (زورمند) फा वि –शक्तिशाली, जोरावर।
ज़ोरमंदी (زورمندی) फा स्त्री.–शक्तिशालिता, ताकतवरी।
ज़ोरशिकन (زورشکن) फा वि –जोर तोडनेवाला, दमन करनेवाला।
ज़ोरशिकनी (زورشکنی) फा स्त्री –जोर तोडना, दमन करना।
ज़ोरेबाज़ू (زوربازو) फा पु –वाहुवल, अपना परिश्रम, स्वय अपना प्रयास।
ज़ोरोशोर (زوروشور) फा पु –कोलाहल, शोरगुल, धूम-धाम, तीव्रता, तेजी, उत्साह, हौसला।
जोलः (جولہ) फा पु –कपडा विननेवाला, मकडी, लूता।
जोल (جول) फा पु –वन, जगल, चटियल मैदान, वियावान।
ज़ोलीदः (ژولیدہ) फा वि –उलझा हुआ, गुजलक, अस्त-व्यस्त, तितर-वितर।
ज़ोलीद.वयां (ژولیدہ بیاں) फा वि –उलझी-उलझी वाते करनेवाला, अनर्गल भाषी, वेतुकी वाते करनेवाला।
ज़ोलीदःवयानी (ژولیدہ بیانی) फा अ स्त्री –उलझी-उलझी वाते करना, व्यर्थ की वाते करना, वेतुकी वाते।
ज़ोलीदःमू (ژولیدہ مو) फा वि –उलझे हुए वालोवाला, व्यस्तकेश।

जौपाश (ضوپاش) अ. फा वि –रौशनी फैलानेवाला अर्थात् ज्योतिर्मय, द्युतिमान।
जौपाशी (ضوپاشی) अ फा स्त्री –रौशनी फैलाना, जगमगा देना।
जौफ (جوف) अ पु –भीतर का ख़ाली भाग, पेट, उदर।
जौफरोश (جوفروش) फा वि –जौ बेचनेवाला।
जौफिगन (ضوفگن) अ फा वि –दे 'जौपाश'।
जौफिशाँ (ضوفشاں) अ फा वि –दे 'जौफिगन'।
जौबअः (زوبعه) अ पु –बगूला, बवडर, वातावर्त, वातचक्र।
जौबजौ (جوبجو) फा वि –सपूर्ण, समग्र, पूरा।
जौबान (ذوبان) अ पु –पिघलना, द्रवण।
जौबार (ضوبار) अ फा वि –दे 'जौपाश'।
जौर (جور) अ पु –अत्याचार, अनीति, जुल्म।
जौरक (زورق) अ पु –छोटी नाव, नौका, कश्ती।
जौरब (جورب) अ पु –जुर्राब, मोजा।
जौरेबेजा (جوربےجا) अ फा पु –अकारण और अनुचित अत्याचार।
जौरेबेहद (جوربےحد) अ फा पु –बहुत अधिक अत्याचार।
जौलकी (جولقی) अ स्त्री –साधुओं की कमली।
जौलाँ (جولاں) अ पु –घोडे को कावा देना, घोडे को फिराना, दौडना, फिरना।
जौलाँगाह (جولانگاه) अ फा स्त्री –घोडे के दौडाने का मैदान, दौडने का मैदान।
जौलानी (جولانی) अ स्त्री –घोडा, अश्व, शराब का पियाला, तेजी, फुर्ती, मनोविनोद।
जौश (جوش) अ पु –वक्षस्थल, सीना, आधी रात।
जौशन (جوشن) अ पु –कवच, जिरिह।
जौसंग (جوسنگ) फा वि –एक जौ के बराबर वजन।
जौसक (جوسق) अ पु –प्रासाद, भवन, महल।
जौहर (جوهر) अ पु –गुण, सिफत, दक्षता, होशियारी, सार, सत, रत्न, मणि, कला,फन, धर्म, खासियत, वे बारीक धारियाँ जो अच्छी तलवार पर होती हैं।
जौहरदार (جوهردار) अ फा वि –गुणी, हुनरमद; वह खरी तलवार जिस पर जौहर हो।
जौहर नाशनास (جوهرناشناس) अ फा वि –जो गुण को न पहचान सके।
जौहरशनास (جوهرشناس) अ फा. वि –जो गुण को पहचानता हो; गुण-ग्राहक।
जौहरी (جوهری) अ वि –रत्न बेचनेवाला, मणिकार।
जौहरेअदेशः (جوهراندیشه) अ. फा पु –कल्पना शक्ति की सूक्ष्मता।
जौहरेआईनः (جوهرآئینه) अ फा पु –दर्पण पर पडी हुई धारियाँ, (जब दर्पण लोहे का होता था)।
जौहरेफर्द (جوهرفرد) अ पु –वह सूक्ष्म कण जिसके खंड न हो सके।
जौहरेलतीफ (جوهرلطیف) अ. पु –किसी पदार्थ का असली सत, ख़ालिस जौहर।
जौहरेशम्शीर (جوهرشمشیر) अ फा पु –तलवार पर पड़ी हुई बारीक लहरे, जो अच्छे लोहे की अलामत है।

त

तंगः (تنگه) तु पु –चालू सिक्का, वह मुद्रा जिसका लेन-देन हो।
तंग (تنگ) फा वि –सकीर्ण, सकुचित, कोताह, अल्प, न्यून, थोडा, कम, दरिद्र, कगाल, दीन, दुखी, बेबस, आजिज, परेशान, क्लेशग्रस्त, मुसीबत का मारा, दुष्कर, मुश्किल, अपर्याप्त, नाकाफी, (पु) जीन कसने का तस्मा।
तंगऐश (تنگ‌عیش) फा अ. वि –दरिद्र, कंगाल; दुखित, ख़स्ता हाल, जिसे जीवन दूभर हो।
तगऐशी (تنگ‌عیشی) फा अ स्त्री –दरिद्रता, कगाली; दुख, दीनता, ख़स्तगी, जीवन दूभर होना।
तंगखयाल (تنگ خیال) फा अ. वि –अनुदार, सकीर्ण-चित्त, लघुचेता, तग नजर, धर्मांध, मुतअस्सिब।
तंगख़याली (تنگ‌خیالی) अ फा स्त्री –अनुदारता, तग नजरी, धर्मांधता, तअस्सुब।
तंगचश्म (تنگ‌چشم) फा अ वि –कृपण, कजूस, नीच प्रकृति, कमीना।
तंगचश्मी (تنگ‌چشمی) फा अ स्त्री –कृपणता, कजूसी, प्रकृति की नीचता, कमीनापन।
तंगजर्फ़ (تنگ‌ظرف) फा अ वि –छोटे बर्तनवाला, सकीर्ण पात्र, छोटे हृदयवाला, अनुदार, नीच, कमीना।
तंगजर्फी (تنگ‌ظرفی) फा अ स्त्री –बरतन की छोटाई, हृदय की छोटाई, नीचता।
तंगजीस्त (تنگ‌زیست) फा वि –दे 'तगऐश'।
तंगतलबी (تنگ‌طلبی) फा अ स्त्री –इस प्रकार माँगना कि देनेवाला परेशान हो जाय, जिद करके माँगना।
तंगताब (تنگ‌تاب) फा वि –अशक्त, बलहीन।
तंगताबी (تنگ‌تابی) फा स्त्री –अशक्ति, बलहीनता।
तगदस्त (تنگ‌دست) फा वि –जिसका हाथ ख़ाली हो, जिसके पास धन न हो, निर्धन, कगाल।
तंगदस्ती (تنگ‌دستی) फा स्त्री –हाथ ख़ाली होना, अर्थात् निर्धनता, कगाली।

तगदहन (تنگ‌دهن) फा वि–जिसका मुह छोटा हो, कलिकामुख, गुच दहन।
तगदहनी (تنگ‌دهنی) फा स्त्री–मुह का कली की भाँति छोटा होना।
तगदिल (تنگ‌دل) फा वि–थुडदिला, कृपण कजूस अनुदार जो खुले दिमाग का न हो ओछा कमीना तुच्छ, जिसमें मजहबी तग खयाली हो, कूप-मडूक।
तगदिली (تنگ‌دلی) फा स्त्री–थुडदिलापन अनौदार्य, ओछापन धर्मांधता।
तगनजर (تنگ‌نظر) फा अ वि–सकुचित दृष्टि अनुदार मुतअस्सिब धर्मांध।
तगनजरी (تنگ‌نظری) फा अ स्त्री–दृष्टि सकोच अनुदारता धर्मांधता तअस्सुब।
तगनाए (تنگ‌نائے) फा पु–तग और सकुचित स्थान समाधि क्रब्र, तग गली घाटी।
तगपोश (تنگ‌پوش) फा वि–चुस्त कपडे पहनने का शौकीन या पहननेवाला।
तगपोशी (تنگ‌پوشی) फा स्त्री–चुस्त कपडे पहनने का शौक।
तगफुसत (تنگ‌فرصت) फा अ वि–अवकाशहीन जिसके पास समय कम हो।
तगफुसती (تنگ‌فرصتی) फा अ स्त्री–अवकाशहीनता समय की कमी।
तगबख्त (تنگ‌بخت) फा वि–मन्दभाग्य हतभाग्य, बदकिस्मत।
तगबख्ती (تنگ‌بختی) फा स्त्री–भाग्य की मदता बदकिस्मती।
तगबार (تنگ‌بار) फा वि–वह व्यक्ति जिसके पास हर कोई न जा सके वह स्थान जहाँ हर किसी की पहुच न हो।
तगबारी (تنگ‌باری) फा स्त्री–किसी की रसाई और पहुच न होना।
तगमआश (تنگ‌معاش) फा अ वि–निधन कगाल मद जीविका कम आमदनीवाला।
तगमआशी (تنگ‌معاشی) फा अ स्त्री–निधनता जीविका की कमी।
तगमाय (تنگ‌مایہ) फा वि–निधन कगाल अधम नीच कमइल्म विद्याहीन।
तगमायगी (تنگ‌مایگی) फा स्त्री–निधनता अधमता विद्वत्ता की कमी।
तगसार (تنگ‌سار) फा वि–बुद्धि की कमी।
तगसाल (تنگ‌سال) फा वि–दुर्भिक्ष ग्रस्त।

तगवर्जी (تنگ‌ورزی) फा स्त्री–मितव्यय, पसअन्दाज़ी।
तगहाल (تنگ‌حال) फा अ वि–दुरवस्थाग्रस्त तबाह हाल निधन, कगाल।
तगहाली (تنگ‌حالی) फा अ स्त्री–दुर्दशा निर्धनता।
तगहौसल (تنگ‌حوصلہ) फा अ वि–मन्दोत्साह पस्त हिम्मत।
तगहौसलगी (تنگ‌حوصلگی) फा अ स्त्री–उत्साहभाव पस्तहौसलगी।
तग़ार (تغار) फा पु–सुहागा एक दवा।
तगिएजा (تنگی‌جا) फा स्त्री–जगह की तगी, स्थान की सकीर्णता।
तगिएमआश (تنگی‌معاش) फा अ स्त्री–जीविका की कमी धन की कमी।
तगिएरिज्क (تنگی‌رزق) फा अ स्त्री–अन्नकष्ट र की कमी।
तगिएरोजगार (تنگی‌روزگار) फा स्त्री–कालचक्र का फेर, गर्दिश।
तगी (تنگی) फा स्त्री–न्यूनता कमी सकीर्णता क्लेश कष्ट मुसीबत दरिद्रता, कगाली, कृपण कजूसी कठिनता मुश्किल।
तगुज (تنگوز) तु पु–सूकर वराह सुअर।
तज (طنز) अ स्त्री–व्यग ताना कटाक्ष।
तजआमेज (طنزآمیز) अ फा वि–व्यगपूर्ण दे 'तजआमेज' वह अधिक शुद्ध है।
तजन (طنزاً) अ वि–व्यग के रूप में, तज के तौर पर।
तजनिगार (طنزنگار) अ फा वि–व्यगपूर्ण लेख लिख वाला।
तजनिगारी (طنزنگاری) अ फा स्त्री–व्यगपूर्ण लेख लिखन
तजामेज (طنزآمیز) अ फा वि–व्यगपूर्ण तज भरा हुआ
तजिय (طنزیہ) अ वि–व्यगपूर्ण तजवाला।
तजीम (تنظیم) अ स्त्री–प्रबंध बदोबस्त, किसी द समुदाय अथवा सस्था को किसी विशेष काय के लिए नि करना सघटन निर्माण बनाना।
तजीम (تنجیم) अ स्त्री–ग्रहो आदि की दशा ज्ञात कर ज्योतिष नजूम।
तजीय (طنزیہ) अ वि–व्यगपूर्ण तजआमेज।
तजीयात (طنزیات) अ स्त्री–व्यगपूर्ण रचनाओ का सग्र व्यगपूर्ण बातें।
तजीर (تنذیر) अ स्त्री–डराना धमकाना भीत करना।
तजील (تنزیل) अ स्त्री–नीचे उतारना आकाशीय इल्हाम कुरान।

तजीस (تنجیس) अ स्त्री –अपवित्र करना, गदा करना।
तंज़ीह (تنزیہ) अ. स्त्री –शुद्ध करना, पवित्र करना, दोप-रहित करना।
तंतनः (طنطنہ) अ पु –आतक, रोब, कोप, रोष, गुस्सा, अभिमान, घमड, गुरूर, आनवान, धाक।
तद्दूर (تندور) उ पु –दे शु. शब्द 'तन्नूर'।
तंवाकू (تمباکو) फा पु –एक प्रसिद्ध पत्ती जिसका धुआँ पिया जाता है, तमाखू, तमाकू।
तवाकूनोश (تمباکونوش) फा वि –तमाकू पीनेवाला।
तवाकूफ़रोश (تمباکوفروش) फा वि –तमाकू वेचनेवाला।
तंवीक (تنمیق) अ स्त्री –लिखना, लेखन।
तवीत (تنبیت) अ स्त्री –उत्पादन, उगाना, जमाना।
तंवीह (تنبیہ) अ स्त्री –चेतावनी, प्रवोध, आगाही, भर्त्सना, तर्जन, डॉट-डपट, हलकी, सजा, ताकीद, सख्ती।
तंवीहन (تنبیہاً) अ वि –तवीह के तौर पर,चेतावनी, डॉट, सजा या ताकीद के तौर पर।
तंवुल (تنبل) फा वि –काहिल, आलसी; वहुत मोटा, फप्फस।
तंवुली (تنبلی) फा स्त्री –आलस, काहिली, वहुत अधिक मुटापा, फप्फसपन।
तंवूरः (تنبورہ) फा पु –एक तारवाला वाजा, जिसमे नीचे की ओर तुवी होती है।
तंवूर (تنبور) फा पु –दे 'तवूरा'।
तंवूरची (تنبورچی) फा तु वि –तवूरा वजानेवाला।
तंसीक (تنسیق) अ स्त्री –प्रवध करना, इतिजाम करना; क्रमवद्ध करना, तर्तीव देना।
तसीख़ (تنسیخ) अ स्त्री –मसूख करना, रद्द करना, निरसन।
तंसीफ (تنصیف) अ स्त्री –आधा-आधा करना, दो वरावर भाग करना।
तसीम (تنسیم) अ स्त्री –साँस लेना, दम खीचना।
तअक्कुद (تعقد) अ पु –वँधा होना, अलग रखना।
तअक़्कुब (تعقب) अ पु –पीछे जाना, पीछा करना।
तअक्कल (تعقل) अ पु –समझना, सोचना, विचार करना, गौर करना।
तअक्कुल (تاکل) अ पु –खाना, खान।
तअख़्ख़ुर (تاخر) अ पु –पीछे होना; देर होना।
तअज़्ज़ी (تاذی) अ स्त्री –कष्ट पाना, क्लेश पाना, खिन्न होना, मलिन होना।
तअज्जुब (تعجب) अ पु –आश्चर्य, विस्मय, हैरत।
तअज्जुबअगेज़ (تعجب‌انگیز) अ फा वि –आश्चर्यजनक, अचभे मे डालनेवाली वात।
तअज्जुबख़ेज़ (تعجب‌خیز) अ फा. वि –दे 'तअज्जुब अगेज'।
तअज्जुबनाक (تعجب‌ناک) अ फा वि –दे 'तअज्जुब अगेज'।
तअज्ज़ुम (تعظم) अ पु –पूज्य होना, वुर्जग होना।
तअज़्ज़ुर (تعذر) अ पु –काम मे अडचन पडना, वाधा, विघ्न, उज्र करना, विवशता प्रकट करना।
तअत्तुफ (تعطف) अ पु –कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी।
तअत्तुर (تعطر) अ. पु –सुगधित होना, महकना।
तअत्तुल (تعطل) अ पु –निठल्लापन, वेकारी, गत्यवरोध, डेडलाक।
तअत्तुश (تعطش) अ पु –पियासा होना, पियासा, प्यास।
तअद्दा (تعدا) अ पु –दे 'तअद्दी'।
तअद्दी (تعدی) अ स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।
तअद्दुद (تعدد) अ पु –गिनना, गिनती करना, नियम या हिसाव से अधिक होना।
तअन्नी (تانی) अ स्त्री –विलम्व, ढील, टाल मटोल।
तअन्नी (تعلی) अ स्त्री –दु खित होना, शोक करना।
तअन्नुत (تعنت) अ पु –निदा, गर्हा, ऐबजोई।
तअन्नुद (تعند) अ पु –शत्रुता करना, लडाई ठानना, कलह, लडाई।
तअन्नुफ (تعنف) अ पु –निन्दा करना, सख्ती करना।
तअन्नुस (تانس) अ पु –प्रेम होना, मुहब्वत होना, आदत होना, टेव पडना।
तअफ़्फ़ुन (تعفن) अ पु –सडाँध, गदगी, दुर्गंध।
तअफ़्फ़ुफ (تعفف) अ पु –सयम, इद्रियनिग्रह, पारसाई।
तअब (تعب) अ पु –परिश्रम, मेहनत, दु ख, तकलीफ; क्लाति, थकावट।
तअब्बुद (تعبد) अ पु –उपासना करना, उपासना, पूजा।
तअम्मुक (تعمق) अ पु –किसी वात की तह तक पहुँचने के लिए चिन्तन करना।
तअम्मुल (تامل) अ पु –विचार, सोच, गौर; विलम्व, ढील, वक्फ, शका, अदेशा, भ्रम, संदेह, गुव्हा, सकोच, असमजस, पसोपेश।
तअम्मुल (تعمل) अ पु –कार्यान्वित होना, अमलीजामा पहनना, अमल मे आना।
तअय्युन (تعین) अ पु –निश्चय करना, ठहराना; एक मिक्दार मुकर्रर करना, नियुक्ति, तैनाती; अस्तित्व, हस्ती।

तअय्युनात (تعینات) अ पु –तअय्युन का बहु, हस्तियाँ।
तअय्युश (تعیش) अ पु –भोग विलास, एशोइश्रत गुलछर्रे उड़ाना मज़े करना।
तअय्युशात (تعیشات) अ पु –'तअय्युश' का बहु, भोग विलास इंद्रियसुख।
तअर्री (تعری) अ स्त्री –नग्न होना नंगा होना।
तअरुज़ (تعرض) अ पु –सामने होना घटित होना रोक विरोध।
तअरुफ़ (تعرف) अ पु –जान-पहचान ढूँढना पूछना।
तअल्ली (تعلی) अ पु –डींग शेखी अत्युक्ति, मुबालगा।
तअल्लुक़ (تعلقہ) अ पु –भू-सम्पत्ति जाइदाद क्षेत्र इलाका बड़ी ज़मीदारी रियासत सरकार की ओर से किसी पुरस्कार में मिली हुई रियासत।
तअल्लुक़ेदार (تعلقہدار) अ फा वि –बहुत बड़ी ज़मीदारी का स्वामी हो जिसे पुरस्कार में भू-संपत्ति मिली हो।
तअल्लुक़ेदारी (تعلقہداری) अ फा स्त्री –तअल्लुक़े का स्वामी होना, बहुत बड़ा ज़मीदार होना।
तअल्लुक़ (تعلق) अ पु –सम्बन्ध, संपर्क लगाव स्वजनता रिश्तेदारी प्रेम व्यवहार उन्स, सेवा नौकरी वास्ता सम्बन्ध पक्षपात तरफ़दारी नाजाइज़ संपर्क आशनाई।
तअल्लुक़ात (تعلقات) अ पु –तअल्लुक़ का बहु सम्बन्ध समूह।
तअल्लुक़ेखातिर (تعلقِ خاطر) अ पु –दिली लगाव चित्तानुराग प्रेम स्नेह।
तअल्लुम (تالم) अ पु –पीड़ित होना दर्द से दुखित होना कष्ट होना दुख होना।
तअल्लुम (تعلم) अ पु –पढ़ना पठन शिक्षा प्राप्त करना।
तअव्वुज़ (تعوذ) अ पु –पनाह लेना शरण में आना अऊज़ु बिल्लाह कहना।
तअव्वुद (تعود) अ पु –अभ्यस्त होना आदी होना।
तअश्शी (تعشی) अ स्त्री –शाम का खाना खाना।
तअश्शुक़ (تعشق) अ पु –आसक्त होना मुग्ध होना, प्रेम स्नेह।
तअस्सुफ़ (تعسف) अ पु –बेराह चलना कुमार्ग गमन।
तअस्सुफ़ (تاسف) अ पु –पश्चाताप संताप अफ़सोस।
तअस्सुफ़ (تعصف) अ पु –कुमार्ग पर चलना पथ भ्रष्ट होना।
तअस्सुब (تعصب) अ पु –धार्मिक पक्षपात मज़हबी और जातीय पक्षपात अनुचित पक्षपात बेजा तरफ़दारी।
तअस्सुर (تاثر) अ पु –प्रभावित होना असर लेना प्रभाव असर।
तअस्सुर (تعسر) अ पु –कठिन होना मुश्किल होना कठिनता मुश्किल।
तअह्हुद (تعہد) अ पु –किसी काम का बीड़ा उठाना प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा संविदा इक़रार प्रतिभूति ज़मानत।
तअह्हुल (تاهل) अ पु –घर बसाना ब्याह करना बाल-बच्चेदार होना।
तआकुद (تعاقد) अ पु –परस्पर प्रतिज्ञा करना मिलकर किसी काम का वचन देना।
तआकुब (تعاقب) अ पु –एक का दूसरे के पीछे भागना भागनेवाले को पकड़ने के लिए उसके पीछे जाना।
तआतुफ़ (تعاطف) अ पु –परस्पर कृपा करना एक दूसरे पर मेहरबानी करना कृपा, दया।
तआनुक़ (تعانق) अ पु –एक दूसरे से गरदन मिलाना आलिंगन करना आलिंगन बगलगीरी।
तआनुद (تعاند) अ पु –परस्पर शत्रुता रखना शत्रुता बैर।
तआमुल (تعامل) अ पु –आपस में मिलकर काम करना।
तआरुज़ (تعارض) अ पु –आमने-सामने होना, मुँह आना बराबरी करना, हस्तक्षेप करना विघ्न डालना कलह झगड़ा वाद विवाद हुज्जत।
तआरुफ़ (تعارف) अ पु –एक दूसरे को पहचानना परिचय जान-पहचान।
तआला (تعالی) अ वि –श्रेष्ठ महान।
तआवुन (تعاون) अ पु –एक दूसरे की सहायता करना सहयोग मदद।
तआहुद (تعاهد) अ पु –परस्पर प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा इक़रार।
तऐयुन (تعین) अ पु –दे 'तअय्युन'।
तऐयुनात (تعینات) अ पु –दे 'तअय्युनात'।
तऐयुनेवक़्त (تعینِ وقت) अ पु –समय निश्चित होना वक़्त मुक़र्रर होना।
तऐयुश (تعیش) अ पु –दे 'तअय्युश'।
तऐयुशात (تعیشات) अ पु –भोग विलास के सामान भोग विलास।
तक़त्तो (تقطع) अ पु –टुकड़े-टुकड़े करना टुकड़े-टुकड़े होना।
तक़द्दुम (تقدم) अ पु –पहले होना, आगे होना, प्रधानता तर्जीह।
तक़द्दुम बिरज़मान (تقدم بالزمان) अ पु –पहले होने के कारण श्रेष्ठ और अग्रगण्य होना।

तकद्दुम बिश्शरफ (تقدم بالشرف) अ पु –श्रेष्ठता के कारण अग्रगण्य होना।

तकद्दुर (تکدر) अ पु –मैला होना, गँदला होना, मलिनता, गँदलापन, अप्रसन्नता, उदासी।

तकद्दुस (تقدس) अ पु –पवित्रता, पुनीतता, पाकीजगी, महत्ता, श्रेष्ठता, वुजुर्गी।

तकद्दुसमआब (تقدس مآب) अ. वि –अति श्रेष्ठ, अति महान्, बहुत वुजुर्ग, धर्मात्मा।

तकफ़्फ़ुल (تکفل) अ पु –किसी बात की जिम्मेदारी, जमानत, किसी के भरण-पोपण का भार, प्रतिभूति, जमानत।

तकब्बुर (تکبر) अ पु –अभिमान, अहकार, दर्प, गुरूर, अहवाद, अकड, शेखी।

तकब्बुल (تقبل) अ पु –स्वीकार करना, अगीकार करना, मजूर करना, स्वीकृति, मजूरी।

तकय्युद (تقید) अ पु –वदी होना, कैद होना, पाबन्दी, शर्त।

तकर्रुब (تقرب) अ पु –समीपता, निकटता, नजदीकी।

तकर्रुम (تکرم) अ पु –कृपा करना, दान करना, कृपा, दया, अनुकपा।

तकर्रुर(تقرر) अ पु –नियुक्ति, तैनाती, निश्चय, तऐयुन।

तकर्रो (تقرع) अ पु –करवटे वदलना।

तकल्कुल (تقلقل) अ पु –व्याकुलता, वेचैनी, खेद, दुख, उँडेलने मे सुराही का शब्द करना।

तकल्तू (تکلتو) तु पु –जीन का नमदा, खोगीर, डाढी-मूंछे।

तक़ल्लुद (تقلد) अ पु –जिम्मेदार होना, अनुयायी होना।

तकल्लुफ (تکلف) अ पु –कष्ट सहन करना, तकलीफ उठाना, दिखावा, जाहिरदारी, टीम-टाम, जाहिरी, सजावट, सकोच, पसोपेश; वनावट, शील-सकोच, लिहाज, लज्जा, शर्म, वेगानगी, परायापन।

तकल्लुफन (تکلفاً) अ वि.–तकल्लुफ मे, तकल्लुफ के तौर पर।

तकल्लुफात (تکلفات) अ पु –'तकल्लुफ' का वहु, वहुत-से तकल्लुफ।

तकल्लुब (تقلب) अ पु –पलटना, उलटा हो जाना, परिवर्तन, रद्दोवदल।

तकल्लुम (تکلم) अ पु –वातचीत करना, वातचीत, वार्तालाप।

तकल्लुस (تکلس) अ पु –चूना वनाना।

तकव्वुन (تکون) अ. पु –होना, उत्पन्न होना, सृजन, तख्लीक।

तकश्शुफ (تقشف) अ पु –मोटा-झोटा खाना पहनना, सन्यास, दरवेशी, खुरदरापन।

तकश्शुफ (تکشف) अ पु –नग्न होना, नगा होना।

तकश्शुफ़ेजिल्द (تقشف جلد) अ पु –काम की अधिकता से खाल का मोटा और कडापन।

तकस्सुर (تکثر) अ पु –अधिकता, प्राचुर्य, वाहुल्य, कस्रत।

तकस्सुर (تکسر) अ पु –टूटना, टुकडे होना।

तकस्सुल (تکسل) अ पु –आलस्य, काहिली, सुस्ती।

तकाउद (تقاعد) अ पु –काम छोड वैठना।

तकाजा (تقاضا) अ पु –दिये हुए रुपये या वस्तु की माँग, आवश्यकता, जरूरत, किसी काम के लिए किसी से वरावर कहना।

तकाजाए उम्र (تقاضاے عمر) अ पु –उम्र की माँग, उम्र के लिहाज से कोई काम करना या न करना।

तकाजाए वक़्त(تقاضاے وقت) अ पु –समय की माँग, समय की आवश्यकता, किसी समय क्या करना है, यह माँग।

तकाजाए शदीद (تقاضاے شدید) अ पु –कडा तकाजा।

तकाजाए सिन (تقاضاے سن) अ पु –दे 'तकाजाए उम्र'।

तकातुर (تقاطر) अ पु –बूँद-बूँद टपकना, बूँदा-बाँदी होना।

तकातुल (تقاتل) अ पु –एक दूसरे का वध करना।

तकातो' (تقاطع) अ पु –एक दूसरे को लाँघना, एक रेखा का दूसरी रेखा को काटना।

तकादीर (تقادیر) अ पु –'तकदीर' का वहु, तकदीरे, भाग्य, ईश्वरेच्छाएँ।

तकादुम (تقادم) अ पु –कदीम होना, पुराना होना; पुरानापन।

तकान (تکان) फा स्त्री –झटकना, छोडना, हिलाना, थकावट, थकन।

तकाफी(تکافی) अ स्त्री –दे 'तकाफ़ू'।

तकाफ़ू (تکافو) अ पु –परस्पर बरावर होना, सहगोत्र होना।

तकाबुल (تقابل) अ पु -एक दूसरे के आमने-सामने होना।

तकामुल (تکامل) अ पु –पूरा होना, पूर्ण होना।

तकारीर (تقاریر) अ पु –'तक़्रीर' का वहु, तक़्रीरे।

तकारुब (تقارب) अ पु –परस्पर समीप होना, समीपता, नज़्दीकी।

तकारुम (تکارم) अ पु –परस्पर वख़्शिश करना।

तकालीफ (تکالیف) अ पु –'तक्लीफ' का वहु, तक्लीफे।

तकालीब (تقالیب) अ पु –'तक़्लीब' का वहु, दिनो के फेर, काल के चक्र।

तक़ावी (تقاوی) अ स्त्री—शक्ति देना बन्ना बनाना, वह सरकारी क़र्ज़ा जो किसानों को ज़मीन की दशा सुधारने और अच्छे बैल और बीज आदि के लिए दिया जाता है।
तक़ावीम (تقاویم) अ पु—'तक़्वीम' का बहु जंतरियां।
तक़ावुम (تقاوم) अ पु—एक दूसरे के बराबर खड़ा होना।
तक़ावुल (تقاول) अ पु—परस्पर वचन देना परस्पर वार्तालाप करना।
तकासुफ़ (تکاثف) अ पु—दलदार होना भारी होना, एकत्र होना खट्टा होना।
तक़ासुम (تقاسم) अ पु—परस्पर शपथ लेना परस्पर बांटना।
तकासुर (تکاثر) अ पु—प्रचुर होना बहुतायत होना प्रचुरता बढ़नान।
तकासुल (تکاسل) अ पु—अपने को काहिल और सुस्त दिखाना।
तकाहुल (تکاهل) अ पु—अपने को काहिल दिखाना।
तक़ी (تقی) अ वि—संयमी इंद्रियनिग्रही।
तक़ीय: (تقیه) अ पु—कोई बात जो भय से की या कही जाय यद्यपि उसके कहने या करने को जी न चाहता हो। (स्त्री) साध्वी तपस्विनी।
तक्युद (تقید) अ पु—दे तक़य्युद'।
तक़ईद (تقیید) अ स्त्री—क़ैद करना बंदी बनाना रोक लगाना।
तक़्क़ार (تکار) अ पु—बहुत बोलनेवाला बहुभाषी बहुत अच्छा भाषण देनेवाला भाषण-पटु।
तक़्ज़ीब (تکذیب) अ स्त्री—किसी की बात का खंडन करना किसी को झूठा ठहराना।
तक़्तीअ (تقطیع) अ स्त्री—टुकड़े-टुकड़े करना पुस्तक की लम्बाई चौड़ाई पद्य के किसी चरण के अक्षरों को गणों की मात्राओं के मुक़ाबले में रखकर यह देखना कि अमुक पद शुद्ध है या नहीं किसी वस्तु को टुकड़ों में बांटना।
तक़्तीर (تقطیر) अ पु—बूंद-बूंद करके टपकाना अर्क़ खींचना।
तक़्दिम (تقدم) अ पु—सामने करना सामने होना स्वागत नेता सार्थ पेशगी रक़म।
तक़्दीम (تقدیم) अ स्त्री—आगे करना तर्जीह देना प्रधानता तर्जीह।
तक़्दीर (تقدیر) अ स्त्री—भाग्य प्रारब्ध अदृष्ट अदृष्ट दैव क़िस्मत।
तक़्दीर आज़्माई (تقدیر آزمائی) अ फा स्त्री—भाग्य परीक्षा क़िस्मत का इम्तिहान।
तक़्दीस (تقدیس) अ स्त्री—पुनीतता पवित्रता श्रेष्ठता बुज़ुर्गी।
तक्फ़ीन (تکفین) अ स्त्री—मुर्दे को कफ़न पहनाना यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता तजहीज़ के साथ बोलते हैं।
तक्फ़ीर (تکفیر) अ स्त्री—मुसलमान पर कुफ़्र का फ़तवा लगाना प्रायश्चित्त देना कफ़्फ़ारा देना।
तक़्फ़ील (تقفیل) अ स्त्री—ताला लगाना ताले में बंद करना क़ुफ़ुल देना।
तक्बीर (تکبیر) अ स्त्री—अल्लाहो अक्बर' (ईश्वर सबसे बड़ा है) कहना नमाज़ में झुकने खड़े होने अथवा बैठने के लिए अल्लाहो अक्बर' कहना।
तक़्बील (تقبیل) अ स्त्री—चुम्बन चूमना (किसी पदार्थ को चूमना मनुष्य का नहीं)।
तक्बीह (تقبیح) अ स्त्री—बुराई करना बुरा काम करना।
तक्मिल: (تکمله) अ पु—पूर्ति समाप्ति किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना परिशिष्ट ज़मीमा।
तक्मीद (تکمید) अ स्त्री—पोटली में दवा भरकर उससे अंग विशेष को सेंकना।
तक्मील (تکمیل) अ स्त्री—पूर्ति समाप्ति किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना।
तकिय: (تکیه) अ पु—सिर के नीचे रखने का नर्म और गुदगुदा वस्त्र उपधान पीठ से लगाने का बड़ा वस्त्र मसनद मुसलमानों के मुर्दे दफ़्न होने का स्थान क़ब्रिस्तान।
तकिय: कलाम (تکیه کلام) अ पु—वह बात जो कोई व्यक्ति बातों के बीच में बेज़रूरत बार-बार बोलता है।
तक्रार (تکرار) अ स्त्री—वाद विवाद बहस वाक्कलह कहा-सुनी पुनरावृत्ति दुहराना कही हुई बात को बार बार कहना।
तक़्रीअ (تقریع) अ स्त्री—निन्दा करना मलामत करना।
तक़्रीज़ (تقریظ) अ स्त्री—जीवित व्यक्ति की प्रशंसा आलोचना समालोचना तब्सिरा।
तक़्रीज़ (تقریض) अ स्त्री—दे 'तक़्रीज़'।
तक़्रीज़निगार (تقریظ نگار) अ फा वि—आलोचना लिखने वाला आलोचक।
तक़्रीब (تقریب) अ स्त्री—समीप आना कारण हेतु सबब उत्सव भोज आदि किसी व्यक्ति से मुलाक़ात कराने से पहले उसके सम्बन्ध में कुछ कहना अवसर मौक़ा सामान, ज़रीया।
तक़्रीबन (تقریباً) अ वि—प्रायः अनुमानतः बहुधा अक्सर अनुमानतः अन्दाज़न।

तक़्रीबात (تقریبات) अ स्त्री –'तक़्रीब' का बहु, शादियाँ, उत्सव।
तक्रीम (تکریم) अ स्त्री –आदर, सत्कार, इज्जत; आव-भगत, तवाज़ो'।
तक़्रीर (تقریر) अ स्त्री –वार्तालाप, बातचीत, भाषण, वक्तव्य, बयान, वाद-विवाद, हुज्जत।
तक्रीर (تکریر) अ स्त्री –बार-बार करना, दुहराना।
तक्रीह (تکریه) अ स्त्री –घृणा करना; नफ़रत करना, शत्रु बनाना, अप्रसन्न रखना।
तक़्लीद (تقلید) अ स्त्री –अनुसरण, अनुकरण, अनुयाय, पैरवी, देखा-देखी कोई काम करना।
तक्लीफ़ (تکلیف) अ स्त्री –दुख, कष्ट, पीडा, व्यथा, दर्द, खेद, शोक, रंज, आमय, रोग, मर्ज, मनोव्यथा, रूही कुल्फ़त, आपत्ति, मुसीबत, निर्धनता, मुफ्लिसी।
तक्लीफ़दिही (تکلیف دهی) अ फा स्त्री –कष्ट देना, जहमत देना, दुख देना, रंज पहुँचाना।
तक्लीफ़देह (تکلیف ده) अ फा स्त्री –दुखदायी, रंज पहुँचानेवाला।
तक्लीफ़फ़र्मा (تکلیف فرما) अ फा वि –कष्ट उठानेवाला, (किसी के काम के लिए), आनेवाला, पधारनेवाला।
तक्लीफ़ फ़र्माई (تکلیف فرمائی) अ फा स्त्री –किसी के काम के लिए कष्ट उठाना, पधारना, आना।
तक्लीफ़े नज़्अ (تکلیف نزع) अ स्त्री –मरते समय का कष्ट, चंद्रा, यमयातना।
तक्लीफ़े मालायुताक़ (تکلیف مالایطاق) अ स्त्री –वह परिश्रम जो सहन न हो सके।
तक़्लीब (تقلیب) अ स्त्री –उलट देना, उलटा कर देना, उलट-पलट, परिवर्तन।
तक़्लीम (تقلیم) अ स्त्री –नख काटना, नाखून तराशना, काटना, विच्छिन्न करना।
तक्लीम (تکلیم) अ स्त्री –घायल करना, जख्मी करना, बात करना, वार्तालाप करना।
तक़्लील (تقلیل) अ स्त्री –कम करना, कमी करना, न्यूनता, कमी।
तक़्लीलेग़िज़ा (تقلیل غذا) अ स्त्री –कम खाना, मिताहार।
तक़्वा (تقوا) अ पु –संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेजगारी।
तक़्वाशिआर (تقوی شعار) अ वि –संयमी, इंद्रियनिग्रही, जितेंद्रिय।
तक़्वाशिकन (تقوی شکن) अ फा वि –जो संयम को भंग कर दे (रूप आदि)।
तक़्वियत (تقویت) अ स्त्री –बल, शक्ति, ज़ोर, सान्त्वना, ढारस, तसल्ली, सहायता, मदद, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, पुश्तपनाही।
तक्वीन (تکوین) अ स्त्री –सृजन, तख़्लीक़, उत्पत्ति, पैदाइश।
तक़्वीम (تقویم) अ स्त्री –सीधा करना; मूल निश्चित करना, पत्रा, पचांग, जंतरी।
तक़्वीमुलबुल्दान (تقویم البلدان) अ स्त्री –भूगोल, जुग्राफिया।
तक़्वीमे पारीनः (تقویم پارینه) अ फा स्त्री –पुरानी जंतरी, जो बेकार हो जाती है, बेकार वस्तु।
तक़्शीर (تقشیر) अ स्त्री –छिलके उतारना।
तक़्सीत (تقسیط) अ स्त्री –किस्तबंदी करना।
तक़्सीम (تقسیم) अ स्त्री –बँटवारा, विभाजन, हिस्सा आदि बाँटना, बाँट, बडी संख्या में छोटी संख्या से विभाजन, भाग, विभाजन।
तक़्सीमेकार (تقسیم کار) अ फा स्त्री –हर एक को अलग-अलग काम या ड्यूटी का बँटवारा।
तक़्सीमेमुल्क (تقسیم ملک) अ स्त्री –देश का बँटवारा, देश-विभाजन।
तक़्सीमेवतन (تقسیم وطن) अ स्त्री –देश या राष्ट्र का बँट-वारा, राष्ट्र-विभाजन, देश-विभाजन।
तक़्सीमेहिसस (تقسیم حصص) अ स्त्री –दाम का बँटवारा, अंशीकरण, नफे के हिस्सों का बँटवारा।
तक़्सीर (تقصیر) अ स्त्री –दोष, अपराध, क़ुसूर, न्यूनता, कमी, त्रुटि, भूल, कर्तव्य में कमी।
तक्सीर (تکسیر) अ स्त्री –तोडना, टुकडे करना, किसी तावीज, यंत्र या चक्र में संख्याएँ इस प्रकार भरना कि हर ओर से जोड बराबर आये।
तक्सीर (تکثیر) अ स्त्री –बढाना, अधिक करना, प्रचुरता, अधिकता, बढोत्तरी, बहुतायत।
तक़्सीरवार (تقصیروار) अ फा वि –दोषी, अपराधी, कुसूरवार, पापी, गुनाहगार।
तख़त्ती (تخطی) अ स्त्री –दोषारोपण, इल्जाम लगाना।
तख़ब्बुत (تخبط) अ पु –कुमार्ग पर चलना, प्रेत का सिर चढ कर पागल कर देना।
तख़य्युल (تخیل) अ पु –सोचना, विचारना, ख़याल करना; कल्पना करना, उडान भरना, कविता के लिए मज़्मून तलाश करना, कल्पना, उडान, भ्रम, वह्म; ध्यान, ख़याल।
तख़य्युलात (تخیلات) अ पु –'तख़य्युल' का बहु., कल्पनाएँ, ख़यालात, भ्रमजाल, वाहिमे।

तखरुक (تخرق) अ पु –फटना फटा होना झूठ बोलना।
तखल्खुल (تخلخل) अ पु –बिखर जाना।
तखल्लुक (تخلق) अ पु –स्वभाव बनाना आदत डालना, सुशील होना।
तखल्लुफ (تخلف) अ पु –प्रतिज्ञा भंग करना पीछे रहना।
तखल्लुस (تخلص) अ पु –शाइर या कवि का वह नाम जो वह अपनी कविता में लिखता है उपनाम।
तखश्शी (تخشی) अ स्त्री –डरना भयभीत होना डराना, त्रासन।
तखश्शो (تخشع) अ पु –नम्रता विनीत आजिजी, खाकसारी।
तखारुज (تخارج) अ पु –बटना तकसीम होना।
तखालुज (تخالج) अ पु –हृदय में भ्रम होना शका होना शक होना।
तखालुफ (تخالف) अ पु –शत्रुता वैर प्रतिकूलता, मुखालफत परिवर्तन उलट-पलट।
तखावुफ (تخاوف) अ पु –एक दूसरे से डरना।
तखासुम (تخاصم) अ पु –परस्पर शत्रुता करना।
तखयुल (تخیل) अ पु –दे तखय्युल।
तखयुलात (تخیلات) अ पु –दे तखय्युलात।
तखय्युल (تخیل) अ स्त्री –किसी को ध्यान में लाना ध्यान करना ध्यान खयाल कल्पनाशक्ति कल्पने चित्र।
तख्त (تخت) फा पु –लकड़ी का लम्बा चौड़ा और कामा मोटा टुकड़ा कागज के पन्ने या हर टुकड़ा जो लकड़ी का हो। कागज का एक शीट वह लकड़ी का पटरा जिस पर मुर्दा नहलाया जाता है जमीन का भाग और हमवार टुकड़ा बाग का बना खेत आदि की क्यारी।
तख्त (تخت) फा पु –बडी चौकी बादशाह या राजा के बैठने की चौकी राज्य राष्ट्र हुकूमत पलग चारपाई जीन (वि) बड़ा श्रेष्ठ बली।
तख्तबद (تختہ بند) फा वि –बनी बनी बड़ा बाराबाम लकड़ी की वह खपची जो टूटी हड्डी को जोड़ने के लिए बाँधी जाती है।
तख्तबदी (تختہ بندی) फा स्त्री –दीवारों के अन्दर में तख्ते लगाकर गुर्दा न करना बाग की क्यारियाँ आदि का ढग से सजाना।
तख्तए कागज (تختۂ کاغذ) फा अ पु –कागज का ताव मार।
तख्तए ताबूत (تختۂ تابوت) फा अ पु –वह सदूक या पलग जिसमें मुर्दा को ले जाते हैं।
तख्तए तालीम (تختۂ تعلیم) फा अ पु –वह काला पत्थर जिस पर बच्चों को अक्षर और गिनती सिखाते हैं शिक्षा पटल ब्लैक बोर्ड।
तख्तए नर्द (تختۂ نرد) फा पु –चौसर खेलने का तख्ता।
तख्तए मय्यित (تختۂ میت) फा अ पु –मुर्दे को नहलाने का तख्ता।
तख्तए मश्क (تختۂ مشق) फा अ पु –बच्चों की तख्ती वह चीज जो बहुत प्रयुक्त हो।
तख्तए मीना (تختۂ مینا) फा पु –आकाश आसमान।
तख्तए मुसत्तह (تختۂ مسطح) फा अ पु –एक प्रकार की मेज जो पैमाइश में काम देती है।
तख्तए याददाश्त (تختۂ یادداشت) फा पु –वह कागज का तख्ता जिसमें यादगार के लिए आवश्यक बातें लिखी हों स्मृतिपट।
तख्तगाह (تختگاہ) फा स्त्री –राजधानी राजगद्दी, दारुस्सल्तनत।
तख्तनशीं (تخت نشیں) फा वि –तख्त पर बैठनेवाला, बादशाह राजा नायक।
तख्तनशीनी (تخت نشینی) फा स्त्री –तख्त पर बैठना बादशाह बनना तख्त पर बैठने की रस्म ताजपोशी अभिषेक राज्याभिषेक अपने शासक होने की घोषणा।
तख्तिय (تختیہ) अ पु –किसी के नाम की गलती पकड़ना।
तख्ती (تختی) फा स्त्री –बच्चों के लिखने का लकड़ी का छोटा तख्ता पाटी लकड़ी का बहुत छोटा तख्ता जो घर्रे आदि में डाला जाता है।
तख्तेआबनूसी (تختِ آبنوسی) फा पु –रात्रि रात।
तख्तेख्वाब (تختِ خواب) फा पु –पलग चारपाई।
तख्तेताऊस (تختِ طاؤس) फा पु –शाहजहाँ का बनवाया हुआ सिंहासन जिस पर एक रत्नजटित मोर पर फैलाए बादशाह के सर पर छाया किए था नादिरशाह इस तख्त को ईरान ले गया।
तख्तेरवाँ (تختِ رواں) फा पु –वह तख्त जो कहारों के द्वारा कंधों पर चलता है और जिस पर बादशाह सैर को जाता है।
तख्तेशाही (تختِ شاہی) फा पु –राजसिंहासन बादशाह के बैठने का तख्त।
तख्तेसुलेमानी (تختِ سلیمانی) फा अ पु –वह तख्त जिस पर बैठकर हजरत सुलैमान उड़ा करते थे।
तख्तोताज (تخت و تاج) फा पु –सिंहासन और राजमुकुट हुकूमत का इतिहास।

तख़्दीर (تخدیر) अ स्त्री –शरीर के किसी अग को दवाओ के द्वारा सुन्न कर देना, स्त्री को पर्दे मे बिठाना।

तख़्फ़ीफ़ (تخفیف) अ स्त्री –न्यूनीकरण, कमी करना, हलकापन, कमी।

तख़्मीनः (تخمینه) अ पु –अनुमान, अटकल, अदाजा, विचार, कियास।

तख़्मीन (تخمین) अ स्त्री –अनुमान करना, अदाजा लगाना।

तख़्मीनन (تخمیناً) अ वि –अदाजन, अनुमानत, कम से कम, या जियादा से जियादा।

तख़्मीर (تخمیر) अ स्त्री –खमीर उठाना, आटे मे नमक और सोडा मिलाकर रखना, दवाओ मे रस या पानी आदि डालकर धूप मे रखना या जमीन मे गाडना।

तख़्मीस (تخمیس) अ स्त्री –पाँच करना, पाँच बनाना, उर्दू शाइरी की परिभाषा मे, शे'र के दो मिस्रो मे तीन मिस्रे और जोडकर पाँच कर देना, खम्स, वह शे'र अपना हो या किसी और का, प्राय खम्स, एक शे'रका नही होता बल्कि पूरी गजल का होता है।

तख़्रिजः (تخرجه) अ पु –निकालना, खारिज करना, निष्कासन, उर्दू काव्य-परिभाषा मे किसी तारीखी मिस्रे मे से कोई सख्या कम करना, ताकि मिस्रे से ठीक साल निकल सके।

तख़्रीब (تخریب) अ स्त्री –तामीर का उलटा, विनष्ट करना, बरबाद करना, ध्वस्त करना, मुहदिम करना, किसी काम को बिगाडना, विनाश, बरबादी, विध्वस, तबाही, बिगाड, खराबी।

तख़्लियः (تخلیه) अ पु –खाली करना, खाली कराना, एकान्त, खल्वत।

तख़्लीक़ (تخلیق) अ स्त्री –उत्पत्ति करना, सृजन, पैदा करना।

तख़्लीत (تخلیط) अ स्त्री –गडबड करना, गडमड करना, सल्लमल्त करना, मिलाना, किसी मूल ग्रथ मे कुछ इधर-उधर का जोड देना; सच्ची बात मे अपनी ओर से कुछ झूठ मिला देना।

तख़्वीफ़ (تخویف) अ स्त्री –त्रासन, त्रासना, डराना, धमकी देना, आतक दिखाना।

तख़्वीफ़े मुज्रिमानः (تخویف مجرمانه) अ स्त्री –अवैध त्रास, नाजाइज धमकी देकर कुछ प्राप्त करने की कोशिश।

तख़्सीस (تخصیص) अ स्त्री –विशेषता, मुख्यता, खुसूसियत।

तख़्सीसी (تخصیصی) अ वि –खुसूसियत का, विशेष रूप मे।

तग (تگ) फा स्त्री –दौड, भाग, प्रयत्न, कोशिश, उर्दू में अकेला नही आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे–'तगोदौ'।

तग़ज़्ज़ी (تغذی) अ स्त्री –खाना खाना, सवेरे का खाना खाना।

तग़ज़्ज़ुल (تغزل) अ पु –गजल का रग, गजलीयत।

तग़न्नी (تغنی) अ स्त्री –गाना, अलापना, नि.स्पृह होना, बेनियाजी।

तग़य्युर (تغیر) अ पु –बदलना, पलटना, परिवर्तन होना, परिवर्तन, तब्दीली, विकार, खराबी, रूप, गध या दशा का बदल जाना, क्रान्ति, इन्किलाब।

तग़य्युरपसंद (تغیرپسند) अ फा वि –जो परिवर्तन को पसद करता हो, परिवर्त्तनप्रिय।

तग़य्युरात (تغیرات) अ पु –'तग़य्युर' का बहु, परिवर्तन, तब्दीलियाँ; दुर्घटनाएँ, कालचक्र।

तगर्ग (تگرگ) फा पु –ओला, घनोपल, मरुत्फल, वार्पिला, मेघपुष्प, करका।

तगल (تگل) फा पु –सेना, फौज।

तग़ल्लुब (تغلب) अ पु –गबन, खुर्दबुर्द, अपहरण, छल-हरण, मोषण, खियानत।

तग़श्शी (تغشی) अ स्त्री –छिपाना, गोपन, पहनना, ओढना।

तगापो (تگاپو) फा स्त्री –पराक्रम, दौड-धूप, प्रयत्न, कोशिश, तलाश, खोज, चिन्ता, फिक्र।

तग़ाफ़ुल (تغافل) अ पु –उपेक्षा, बेतवज्जुही, "क्यो तगाफुल मुझ से अय अब्रे करम बहरे सखा––मै ही क्यो महरूम तेरे फैजे आलमगीर से।" असावधानी, गफलत, ढील, विलब, देर।

तग़ाफ़ुलआश्ना (تغافل آشنا) अ फा वि –जान-बूझकर बेपरवाही बरतनेवाला, ढील डालनेवाला, बेपरवा माशूक।

तग़ाफ़ुलकेश (تغافل کیش) अ फा वि –दे 'तगाफुल आश्ना, "अय निगाहे नाज तेरी यह तगाफुल केशियाँ? लुत्फे-तनहाई मुझे हासिल तेरी महफिल मे है।"

तग़ाफ़ुल दस्तगाह (تغافل دستگاه) अ फा वि –दे 'तगा-फुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्त (تغافل دوست) अ फा वि –दे 'तगा-फुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्ती (تغافل دوستی) अ फा स्त्री –जान-बूझकर बेपरवाही बरतना, देर लगाना।

तग़ाफ़ुलपसंद (تغافل پسند) अ फा. वि –दे 'तगाफुल-आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपसदी (تغافل پسندی) अ फा स्त्री –दे 'तगाफुलदोस्ती'।
तग़ाफ़ुलपेश (تغافل پیشہ) अ फा वि–दे 'तगाफुल आश्ना'।
तग़ाफ़ुलपेशगी (تغافل پیشگی) अ फा स्त्री–दे तगाफुलदोस्ती।
तग़ाफ़ुलमनिश (تغافل منش) अ फा वि–दे तगाफुलआश्ना।
तग़ाफ़ुलमनिशी (تغافل منشی) अ फा स्त्री–दे 'तगाफुल दोस्ती'।
तग़ाफ़ुलशिआर (تغافل شعار) अ वि–दे तगाफुलआश्ना।
तग़ाफ़ुलशिआरी (تغافل شعاری) अ स्त्री–दे तगाफुल दोस्ती।
तग़ाफ़ुलशेव (تغافل شیوہ) अ फा वि–दे तगाफुल आश्ना।
तग़ाफ़ुलशेवगी (تغافل شیوگی) अ फा स्त्री–दे तगाफुलदोस्ती।
तग़ाबुन (تغابن) अ पु–एक दूसरे को घाटा पहुचाना, टोटा घाटा।
तगामशी (تگامشی) फा स्त्री–दौड धूप तगापो परिश्रम प्रयास जाँफिशानी।
तग़ायुर (تغایر) अ पु–परस्पर एक दूसरे से विपरीत होना विभिन्नता इख्तिलाफ।
तग़ार (تغار) फा पु–बडा तसला गारे का कुड मिट्टी का नाद।
तग़ीर (تغیر) अ स्त्री–दे तगईर'।
तग़य्युर (تغیر) अ पु–दे तगय्युर' परिवतन क्रान्ति।
तग़य्युरात (تغیرات) अ पु–दे तगय्युरात'।
तगोताज (تگ و تاز) फा स्त्री–दे तगापो।
तगोदौ (تگ و دو) फा स्त्री–दे तगापो'।
तग़ईर (تغییر) अ स्त्री–बदलना कुछ का कुछ कर देना, परिवतन तब्दील।
तग़ज़िय (تغذیہ) अ पु–खाना देना अन्न देना परवरिश करना विकास देना।
तग़ज़ील (تغزل) अ स्त्री–गूज्जल कहना गजल करना।
तग़मीज़ (تغمیض) अ स्त्री–आँखें बन्द करना।
तग़रीक़ (تغریق) अ स्त्री–डुबाना गर्क करना।
तग़रीब (تغریب) अ स्त्री–निर्वासन देना जलावतन करना।
तग़रीम (تغریم) अ स्त्री–तावान लेना हर्जा वसूल करना।
तग़लीक़ (تغلیق) अ स्त्री–बाँधना, लपटना।
तग़लीज़ (تغلیظ) अ स्त्री–गाढा करना सख्ती करना।
तग़लीत (تغلیط) अ स्त्री–गलती में डालना भुला देना।
तग़लील (تغلیل) अ स्त्री–सुगंधित करना खुशबू में बसाना।
तज़क्की (تزکی) अ स्त्री–पाक करना, पवित्र करना, माल में से ज़कात देना।
तज़क्कुर (تذکر) अ पु–स्मरण करना, याद करना स्मरण होना याद आना।
तज़क्क़ी (تزقی) अ स्त्री–टुकडे-टुकडे होना।
तज़ब्जुब (تذبذب) अ पु–असमजस ऊहापोह दुविधा सदेह शका, शक।
तज़म्मुन (تضمن) अ पु–स्वीकार करना अतगत करना या होना।
तज़म्मुल (تجمل) अ पु–सौदय, हुस्न, वभव शानोशौकत, धन-सपत्ति शृगार और आभूषणादि से शरीर की सजावट।
तज़य्युन (تزین) अ पु–सुसज्जित होना शृगारित होना, शोभित होना शृगार सजावट शोभा।
तज़र्रुद (تجرد) अ पु–अकेलापन तनहाई स्त्री के बिना जीवन व्यतीत करना सन्यास वराग्य दरवेशी, ससार से विरक्ति निस्पृहता नग्नता, नगापन।
तज़र्रुर (تضرر) अ पु–हानि उठाना नुक्सान पाना, दुखित होना रजूर होना।
तजर्रो' (تجرع) अ पु–घूट घूट करके पीना।
तज़र्रो' (تضرع) अ पु–गिडगिडाहट मिन्नत, समाजत।
तज़व (تذرو) फा पु–एक प्रसिद्ध चिडिया, चकोर।
तज़ल्ज़ुल (تزلزل) अ पु–कपन, हिलना-डोलना भूकप ज़लज़ला हलचल खलबली सनसनी क्रान्ति इन्क्लाब अस्थिरता डगमगाहट।
तज़ल्लियात (تجلیات) अ स्त्री–तजल्ली का बहु, प्रकाश समूह रौशनियाँ।
तज़ल्ली (تجلی) अ स्त्री–प्रकाश आभा नूर तेज प्रताप जलाल अध्यात्मयोनि नूरेहक।
तज़ल्लीखेज़ (تجلی خیز) अ फा वि–दे तजल्लीरेज़'।
तज़ल्लीगाह (تجلی گاہ) अ फा स्त्री–रौशनी और प्रकाश का स्थान, सुन्दरियों का स्थान।
तज़ल्लीज़ार (تجلی زار) अ फा पु–वह स्थान जहाँ प्रकाश ही प्रकाश हो जहाँ सौन्दय ही सौन्दय हो।
तज़ल्लीरेज़ (تجلی ریز) अ फा वि–प्रकाश फलानेवाला रौशनी बरसानेवाला।
तज़ल्लुम (تظلم) अ पु–किसी के अत्याचार पर दुहाई देना और फिरयाद करना।

तजल्लुल (تزلل) अ पु –लडखड़ाहट, लग्जिश।

तजव्वुज (تزوج) अ पु –व्याह करना, वीवी वनाना, पति बनाना, 'तजव्वुद' (अ) भी शुद्ध है।

तजस्सुस (تجسس) अ पु –जिज्ञासा, पूंछताछ, गवेषणा, मार्गण, तलाश, खोज, दौड-धूप, प्रयास।

तजस्सुसकुनाँ (تجسس کناں) अ फा वि –खोज करता हुआ, ढूंढता हुआ, पूछताछ करता हुआ।

तज़ाउफ़ (تضاعف) अ पु –दूना होना, दुगुना होना।

तज़ाद (تضاد) अ पु –एक दूसरे के विरुद्ध होना, एक दूसरे का शत्रु होना, विरोध, प्रतिकूलता, इख्तिलाफ, शत्रुता, रिपुता, दुश्मनी।

तजहहुद (تزهد) अ पु –जाहिद वनना, आविद वनना, जगत् से विरक्त होना, 'जुह्द' से वना।

तज़ायुक़ (تضایق) अ पु –तग होना।

तज़ायुद (تزاید) अ. पु –अधिक होना, जियादा होना, अधिकता, बहुतायत से वना।

तजारिब (تجارب) अ पु –'तज्रिव' का वहु, तज्रिवे, 'तजुर्वा' भी प्रचलित है।

तजावुज़ (تجاوز) अ पु –अपनी हद से वढ जाना, सीमोल्लघन, अपने इख्तियार से वाहर कोई काम करना, अवज्ञा, हुक्मउदूली, धृष्टता, गुस्ताखी।

तजाहुल (تجاهل) अ पु –जान-वूझकर अनजान वनना, वेखवर और अनजान होना, उपेक्षा, लापरवाही।

तजाहुले आरिफ़ानः (تجاهل عارفانه) अ पु –जानते हुए यह जाहिर करना कि जानते नही, जान-वूझकर अनजान वनना।

तज़्ईअ' (تضییع) अ स्त्री.–व्यर्थ खोना, वरवाद करना।

तज़्ईए औक़ात (تضییع اوقات) अ स्त्री –समय का व्यर्थ नष्ट करना।

तज़्ईन (تزئین) अ स्त्री –अपने को वनाना, सँवारना, शृगार, सज्जा, वनाव, सिंगार।

तज़्ईफ़ (تضعیف) अ स्त्री –दूना करना, निर्वल करना।

तज़्कार (تذکار) अ पु –चर्चा करना, जिक्र करना, स्मृति, यादगार, चर्चा, जिक्र।

तज़्कियः (تزکیه) अ पु –शुद्ध करना, पवित्र करना, माल की जकात देना, शुद्धि, सफाई।

तज़्किरः (تذکره) अ पु –चर्चा, जिक्र, वार्तालाप, वातचीत, ख्याति, शुहरत, परिपत्र, पासपोर्ट; प्रसग, सिलसिला।

तज़्कीर (تذکیر) अ स्त्री –पुंल्लिग वनाना, याद दिलाना; पुल्लिग।

तज़्कीरो तानीस (تذکیروتانیث) अ. स्त्री.–पुल्लिग और स्त्रीलिग, याद करना और उन्स (प्रेम) करना।

तज्ज़ियः (تجزیه) अ पु –अलग-अलग करना, टुकडे-टुकड़े करना, किसी पदार्थ के सारे अवयव अलग-अलग करके उनकी जाँच करना।

तज्दीद (تجدید) अ स्त्री –नवीनीकरण, नया वनाना, नवीनता, नयापन।

तज्दीदेअह्द (تجدید عهد) अ स्त्री –प्रतिज्ञा भग हो जाने पर फिर से प्रतिज्ञा करना, नये सिरे से दुवारा वादा करना, नव्य प्रतिज्ञा।

तज्दीदे मुलाक़ात (تجدید ملاقات) अ स्त्री –मुलाकात को वहुत दिन हो जाने पर फिर से मुलाकात करना।

तज्नीस (تجنیس) अ स्त्री –एकलिगता, एक जिस होना, एकरूपता, हमशक्ली, एक शब्दालकार, जिसमे किसी शे'र मे एक-जैसे शब्द लाये जाते है, यमक।

तज्फ़ीफ़ (تجفیف) अ स्त्री –सुखाना, खुश्क करना।

तज़्मीद (تضمید) अ स्त्री –किसी अग विशेष पर दवा का लेप करना; लेप, प्रलेप, जिमाद।

तज़्मीन (تضمین) अ.पु –किसी को जामिन वनाना, किसी को अपनी पनाह मे लेना, किसी के शे'र या मिस्रे को अपने शेरो मे प्रयोग करना, खम्स करना, दो मिस्रो पर तीन मिस्रे और लगाना।

तज्रिबः (تجربه) अ पु –परीक्षा, जाँच, अनुभव, जानकारी, किसी विषय या कार्य के सारे ऊँच-नीच या अच्छे-बुरे की खवर, 'तज्रुवा' और 'तजरवा' दोनो ही प्रचलित है।

तज्रिबःकार (تجربه کار) अ फा वि –जिसे किसी काम का काफी तज्रिवा हो, अनुभवी, जिसे सासारिक व्यवहार का अनुभव काफी हो, वहुदर्शी।

तज्रीद (تجرید) अ स्त्री –किसी चीज पर से उसका सामान उतारकर उसे अपनी असली दशा मे कर देना, नगा कर देना; सँवारना, सजाना, (काट छाँटकर); सुधार करना, दुरुस्ती करना, अकेला जीवन व्यतीत करना, ब्रह्मचर्य।

तज़्लील (تذلیل) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, वेइज्जती, 'जिल्लत' से वना।

तज्वीज़ (تجویز) अ स्त्री –विचार, खयाल, मति, सलाह, राय; प्रवध, इतिजाम, योजना, ममूवा, प्रयत्न, उपाय, कोशिश, निर्णय, फैसला, रिजोल्यूशन, प्रस्ताव।

तज़्वीज (تزویج) अ स्त्री –विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, निकाह।

तज्वीद (تجوید) अ स्त्री –निर्मल और स्वच्छ करना; किसी शब्द का शुद्ध उच्चारण करना, हाफिजो की परि-

भाषा में कुरान का शुद्ध उच्चारण और पूर्ण नियम से पढ़ना।

तज्वीफ (تجويف) अ स्त्री–अंदर से खोखला करना, खाका, सुषिर।

तज़्वीर (تزوير) अ स्त्री–धोखा, छल, कपट, फरेब, मिथ्या, असत्य, झूठ।

तज़्हीक (تضحيك) अ स्त्री–हँसी उड़ाना, ठठोल करना, तिरस्कार करना, निन्दा करना।

तजहीज़ (تجهيز) अ स्त्री–मुर्दे के लिए जरूरी सामान तैयार करना, जैसे–कफन के लिए कपड़ा, गुस्ल के लिए इत्र, काफूर, कब्र के लिए तख्ते, गुलाबजल आदि। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नहीं है, तक्फीन के साथ आकर 'तज्हीजो तक्फीन' बोला जाता है, जैसे–तक्फीन अलग नहीं बोला जाता।

तज्हीज़ोतक्फीन (تجهيز و تكفين) अ स्त्री–मुर्दे को यथानियम नहला धुलाकर और कफन में लपेटकर ... तैयार करना।

तज़्हीब (تذهيب) अ स्त्री–सोना चढ़ाना, सोने का मुलम्मा चढ़ाना, सोने का काम करना।

ततब्बो (تتبع) अ पु–अनुसरण, अनुकरण, तक्लीद, इत्तिबाअ।

ततर (تتر) फा पु–'तातार' का लघुरूप, दे 'तातार'।

ततरी (تتری) फा वि–तातार का, तातारियों का, तातार या तातारियों से सम्बद्ध।

तताबुक़ (تطابق) अ पु–समानता, सम्बन्ध, बराबरी, तुल्यता, उपमा, मुशाबहत।

ततार (تتار) फा पु–'तातार' का लघुरूप, दे 'तातार'।

तताबुल (تطاول) अ पु–अहंकार, घमंड, द्रोह, सरकशी, अत्याचार, दस्तन्दाज़ी।

ततिम्मा (تتمه) अ पु–ट्टी चीज़ का बकीया और आखिरी हिस्सा, किताब का वह अंश जो बाद को उसमें जोड़ा जाय, पूरक, परिशिष्ट।

ततबीक़ (تطبيق) अ स्त्री–एक चीज़ को दूसरे के मुताबिक करना।

तत्वील (تطويل) अ स्त्री–लम्बा करना, फैलाना, लम्बाई, फैलाव।

तत्हीर (تطهير) अ स्त्री–पवित्र करना, शुद्ध करना, पाक करना, पवित्रता, शुद्धता, पाकीज़गी।

तदब्बुर (تدبر) अ पु–काम करने से पहले उसका परिणाम सोचना, दूरदर्शिता, दूरबीनी।

तदम्मुन (تدمن) अ पु–सभ्यनिष्ठता, दीनदारी, सत्यनिष्ठा, दियानतदारी।

तदब (تدو) फा पु–एक पक्षी, चकोर, दे 'तजर्व'।

तदाख़ुल (تداخل) अ पु–एक चीज़ का दूसरी चीज़ में दाखिल होना, एक खाना हज़्म होने से पहले दूसरा खाना खा लेना।

तदाखुले फस्लैन (تداخل فصلين) अ पु–दो ऋतुओं की संधि, दो ऋतुओं का संधिकाल, दो मौसिमों के मिलने का समय।

तदाबीर (تدابير) अ स्त्री–'तद्बीर' का बहु, तद्बीरें।

तदारुक (تدارک) अ पु–खोयी हुई चीज़ का पता लगाना, रोक, प्रतिरोध, सुधार, इस्लाह, यत्न, उपाय, तद्बीर, ऐसा उपाय जिससे कोई बुरा काम रुक जाय।

तदावी (تداوی) अ स्त्री–चिकित्सा, उपचार, इलाज।

तदयुन (تدين) अ पु–दे 'तदय्युन'।

तदक़ीक़ (تدقيق) अ स्त्री–बारीक करके कूटना, ... सोचना विचारना।

तदफीन (تدفين) अ स्त्री–मुर्दे को ज़मीन में गाड़ना, दफ्न करना, दफ्न से बना।

तदबीर (تدبير) अ स्त्री–उपाय, तरकीब, प्रयत्न, ... उपचार, इलाज, चालाकी, चतुराई, ... प्रबंध, इन्तिज़ाम, पेशबन्दी, एहतियात।

तदबीरे मंज़िल (تدبير منزل) अ स्त्री–घर-गृहस्थी का प्रबंध।

तद्रीज (تدريج) अ स्त्री–धीरे धीरे होना, शनैः शनैः।

तद्रीस (تدريس) अ स्त्री–पढ़ाना, पाठन।

तदवीन (تدوين) अ स्त्री–एकत्र करना, संग्रह करना, रचना, बनाना, सम्पादन करना।

तद्वीर (تدوير) अ स्त्री–चारों ओर घुमाना, ज्योतिष की परिभाषा में आकाश का वह विशेष भाग जो किसी आकाश के अंतर्गत हो।

तद्हीन (تدهين) अ स्त्री–तेल चुपड़ना, चिकना करना।

तन (تنہ) फा पु–वृक्ष का वह भाग जो उसकी जड़ से वहाँ तक हो जहाँ से डालियाँ निकलती हैं, पेड़ी।

तन (تن) फा पु–देह, शरीर, काया, वपु, तनु, गात्र, जिस्म, बदन, व्यक्ति, पुरुष, आत्मा।

तनआसाँ (تن آسان) फा वि–दे 'तनासाँ'।

तनआसानी (تن آسانی) फा स्त्री–दे 'तनासानी'।

तनख़्वाह (تنخواه) फा स्त्री–काम का वह वेतन जो महीने पर मिले, वेतन, तलब।

तनख़्वाहदार (تنخواه دار) फा वि–तनख्वाह पर काम करनेवाला, तनख्वाह पानेवाला, वेतनभोगी, मज़दूर।

तनग़्गुस (تنغص) अ. पु –खिन्नता, मलिनता, तकद्दुर, वदमजगी।

तनज़्ज़ुल (تنزل) अ. पु –नीचे उतरना, नीचे आना, अवनति, पतन, जवाल, दरजा टूटना, पदह्रास, तनख्वाह मे कमी होना; ह्रास, कमी, इनहितात, अपदस्थता।

तनदिही (تن دهی) फा स्त्री –तन्मयता, संलग्नता, इन्हिमाक, पराक्रम, परिश्रम, मेहनत।

तनदुरुस्त (تندرست) फा. वि –जिसके शरीर मे किसी प्रकार का विकार न हो, निरामय, नीरोग, सुस्थ, स्वस्थ।

तनदुरुस्ती (تن درستی) फा. स्त्री –स्वास्थ्य, नीरोगिता, सेहतमदी।

तनपरस्त (تن پرست) फा वि –काम न करनेवाला, आलसी; आरामतलव, सुखेच्छु।

तनपरस्ती (تن پرستی) फा स्त्री –निकम्मापन, निठल्लापन, आलस, काहिली, सुस्ती।

तनपर्वर (تن پرور) फा वि –दे 'तनपरस्त'।

तनपर्वरी (تن پروری) फा स्त्री –दे 'तनपरस्ती'।

तनफ़्फ़ुर (تنفر) अ. पु –घृणा, नफरत, घिन।

तनफ़्फ़ुस (تنفس) अ पु –साँस की आमदरफ्त, प्राणवृत्ति; श्वासकास, श्वास रोग, दमे की वीमारी।

तन व तक़्दीर (تن بہ تقدیر) फा अ. अव्य –भाग्य के सहारे, किस्मत के भरोसे पर, जो भी हो।

तनब्बुह (تنبه) अ पु –आगाह होना, जानना, सतर्क होना, चेत जाना, सावधान होना, होशियार हो जाना।

तनव्वो' (تنوع) अ पु –चित्र-विचित्र होना, रगविरगी होना, भाँति-भाँति होना, नवीनता, नयापन, जिद्दत।

तनहा (تنہا) फा वि –एकाकी, अकेला, एकमात्र, केवल, सिर्फ, रिक्त, खाली।

तनहाई (تنہائی) फा स्त्री –अकेलापन, एकान्त, गोशा।

तना'उम (تنعم) अ. पु –लाड-प्यार और सुख-चैन मे जीवन व्यतीत हो, सुख, चैन, लाड-प्यार, ऐश।

तनाकुज़ (تناقض) अ पु –एक दूसरे के विपरीत और उलटा होना, प्रतिकूलता, विपरीतता, वैमनस्य, मनमुटाव, रजिश।

तनाकुस (تناقص) अ पु –दोप, ऐव, त्रुटि, भूल, अशुद्धि, गलती।

तनाज़ो' (تنازع) अ पु –सघर्ष, कशाकश, खीचातानी।

तनाज़ो' लिलवक़ा (تنازع للبقا) अ पु –जिंदा रहने के लिए परिश्रम और पराक्रम, जीवन-सघर्ष।

तनाफ़ुर (تنافر) अ पु –एक दूसरे से घृणा करना, एक दूसरे से भागना; साहित्य की परिभाषा के अनुसार किसी पद मे दो शब्दो के उन दो अक्षरो का पास-पास होना जिनका उद्गम एक हो।

तनाव (طناب) अ स्त्री –रावटी और तंवू मे लगनेवाली रस्सी, जिसके सहारे वे खडे होते है।

तनावे अमल (طناب امل) अ स्त्री –उम्मेद की डोरी, आशारूपी डोर, आशा-सूत्र, आशा, आस, उम्मेद।

तनावे उम्र (طناب عمر) अ स्त्री –आयुसूत्र, आयुकाल, उम्र की लम्बाई।

तनावर (تناور) फा वि –स्थूल, मोटा-ताजा; दृढाग, कवीजुस्स।

तनावुल (تناول) अ पु –भोजन आदि खाना, सहन करना, उठाना।

तनासाँ (تن آساں) फा. वि –काहिल, सुस्त, आलसी, आरामतलव, निकम्मा, वेकार।

तनासानी (تن آسانی) फा स्त्री –निकम्मापन, आलस, सुस्ती, आरामतलवी।

तनासुख (تناسخ) अ पु –प्राण का एक शरीर से निकलकर दूसरे शरीर मे जाना, आवागवन, आवागमन।

तनासुव (تناسب) अ पु –परस्पर निस्वत रखना, किसी पदार्थ के तमाम अगो मे जिसको जितना होना चाहिए उतना होना, किन्ही दो चीजो मे परस्पर मुनास्वत।

तनासुवे अज्ज़ा (تناسب اجزا) अ पु –किसी नुस्खे की तमाम दवाओ की वाहमी मुनासवत, जैसे—किसी सावुन के नुस्खे मे कास्टिक १ सेर, सेलीकेट १½ सेर, पानी चार सेर, तेल आठ सेर आदि, भागानुपात।

तनासुवे आ'ज़ा (تناسب اعضا) अ पु –शरीर मे अगो का सुडौलपन, अंग-सौष्ठव, अंग-सहति, अगानुपात।

तनासुल (تناسل) अ पु –नर और मादा का मिलकर सतान उत्पन्न करना, नस्ल वढाना। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नही होता, तवालुद के साथ 'तवालुदो तनासुल' वोला जाता है, दे 'तवालुद'।

तनीन (طنین) अ. स्त्री –भिनभिनाहट, सनसनाहट।

तनूर (تنور) फा पु –खमीरी रोटी पकाने की गहरी डहरनुमा भट्ठी, तदूर, तन्नूर।

तने तन्हा (تن تنہا) फा वि –विलकुल अकेला, एकाकी, नकददम, फकतदम।

तने वेजाँ (تن بے جاں) फा वि –शव, लाश, प्राणहीन शरीर।

तनोतोश (تن وتوش) फा पु –शरीर का भारी भरकमपन, मोटाताजापन।

तनोमंद (تنومند) फा वि –स्वस्थ, नीरोग, तन्दुरुस्त, हृष्टपुष्ट, मोटा-ताजा, दृढाग।

तनका (تنکہ) तु पु –प्रचलित मुद्रा, चाहे वह सोने की हो या चाँदी की या ताँबे की या किसी अन्य धातु की।

तनक़िया (تنقیہ) अ पु –पेट साफ़ करना, जुलाब लेना, विरेचन।

तनक़ियए ताम (تنقیۂ تام) अ पु –ऐसा जुलाब जिससे शरीर के सारे अंगों का दूषित मवाद निकल जाय।

तनक़ीद (تنقید) अ स्त्री –परख, पड़ताल, समीक्षा, किसी पुस्तक या निबंध के मज़मून की समीक्षा, समालोचना।

तनक़ीस (تنقیص) अ स्त्री –कम करना, घटाना, तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती, निन्दा, हज्‍व।

तनक़ीह (تنقیح) अ स्त्री –किसी चीज़ में से मिलावट निकालकर उसे शुद्ध और निर्मल करना, न्यायालय की परिभाषा में वादी या अभियोग के आधारभूत विषयों की समीक्षा।

तपे कुहन (تپِ کہنہ) फ़ा स्त्री –पुराना बुख़ार, जीर्ण ज्वर।

तपे दरूँ (تپِ دروں) फ़ा स्त्री –मनस्ताप, मानसिक व्यथा, रूही तक्लीफ़, मनोदाह।

तपे दिक़ (تپِ دق) फ़ा स्त्री –राजयक्ष्मा, क्षयरोग, यक्ष्मा, क्षयी रोग।

तपे नौबत (تپِ نوبت) फ़ा अ स्त्री –बारी से आनेवाला ज्वर, जैसे—इक्तरा, तिजारी, चौथिया आदि।

तपे मोहरक़ (تپِ محرقہ) फ़ा अ स्त्री –मीआदी बुख़ार, टाईफ़ाइड, मोतीझरा।

तपे लर्ज़ा (تپِ لرزہ) अ फ़ा स्त्री –कंपकंपी के साथ आने वाला बुख़ार, मलेरिया, शीत ज्वर।

तपोलर्ज़ा (تپ و لرزہ) अ फ़ा पु –बुख़ार और कँपकँपी।

तफ़ (تف) फ़ा स्त्री –उष्णिमा, गरिमा, गर्मी, हरारत।

तफ़क़्क़ुद (تفقد) अ पु –खोई हुई चीज़ की तलाश

तफ़ह्हुश (تفحش) अ पु —गाली-गलौज करना, फुहश वकना; अश्लीलता, अशिष्टता, फक्कडपन, 'फुहुश' से बना।

तफ़ह्हुस (تفحص) अ. पु —खोज लगाना, ढूँढना, तलाश करना; खोज, तलाश, गवेषणा।

तफ़ाउल (تفاؤل) अ. पु —शगुन विचारना, फाल लेना।

तफ़ाख़ुर (تفاخر) अ पु —गर्व, अभिमान, फख्र, गौरव।

तफ़ारीक़ (تفاریق) अ. स्त्री —'तफ़्रीक़' का वहु, जुदाइयाँ; फर्क; किस्ते।

तफ़ारुक़ (تفارق) अ. पुं —एक दूसरे से जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तफ़ावुज़ (تفاوض) अ. पु —साझा, भागीदारी, परस्पर परामर्श करना, विचार-विनिमय।

तफ़ावुत (تفاوت) अ पु —अन्तर, फासिला, दूरी; पृथक्ता, जुदाई; विलव, देरी।

तफ़ावुल (تفاول) अ पु —अच्छा शकुन लेना; शकुन विचारना।

तफ़ासीर (تفاسیر) अ स्त्री —'तफ़्सीर' का वहु, तफ्सीरे, महाभाष्य।

तफ़ासील (تفاصیل) अ स्त्री —'तफ्सील' का वहु, तफसीले, विवरण।

तफ़ासुल (تفاصل) अ पु —परस्पर अलग-अलग होना।

तफ़ूलियत (طفولیت) अ स्त्री —वाल्यावस्था, वचपन।

तफ़्ख़ीम (تفخیم) अ स्त्री —श्रेष्ठ मानना, श्रेष्ठ बनाना।

तफ़्जीअ (تفجیع) अ स्त्री —पीडित करना, दु:खित करना।

तफ़्ज़ील (تفضیل) अ स्त्री —एक को दूसरे पर प्रधानता देना, प्रधानता, तर्जीह, हजरत अली को पहले तीन खलीफाओ से श्रेष्ठ मानना।

तफ़्ज़ीली (تفضیلی) अ पु —वह सुन्नी मुसलमान जो हजरत अली को वाक़ी खलीफाओ मे सर्वश्रेष्ठ मानता हो।

तफ़्ज़ीह (تفضیح) अ स्त्री —निन्दा करना, वदनाम करना; निंदा, अपयश, वदनामी।

तफ़्तः (تفته), फा. वि —तप्त, दग्ध, जला हुआ।

तफ़्तःजाँ (تفته‌جاں) फा वि —दे 'तफ्त जिगर'।

तफ़्तःजिगर (تفته‌جگر) फा वि —दिलजला, दग्धहृदय, प्रेमी, आशिक़।

तफ़्ताँ (تفتاں) फा पु —रौगनी पराठा, धूप या आग पर सेकी हुई चीज।

तफ़्तीत (تفتیت) अ स्त्री —टुकडे-टुकडे करना, चूर-चूर करना।

तफ़्तीदः (تفتیده) फा वि —तपा हुआ, गर्म किया हुआ।

तफ़्तीर (تفطیر) अ. स्त्री.—रोजा खुलवाना।

तफ़्तीश (تفتیش) अ स्त्री.—खोज, तलाश, गवेषणा; पुलिस अफसर द्वारा किसी केस की जाँच-पडताल।

तफ़्तीह (تفتیح) अ. स्त्री.—खोलना।

तफ़्तीहे मसामात (تفتیح مسامات) अ स्त्री —पसीना के लिए शरीर के रोमकूपों को खोलना, (दवाओ द्वारा) वफारा द्वारा।

तफ़्नीद (تفنید) अ पु —भर्त्सना करना, डाँटना, फटकारना।

तफ़्रिक़ः (تفرقه) अ पु.—फूट, परस्पर विरोध; शत्रुता, दुश्मनी, पृथक्ता, जुदाई।

तफ़्रिक़:अंगेज (تفرقه‌انگیز) अ फा वि —दे 'तफ़्रिक़:-अदाज'।

तफ़्रिक़:अंगेजी (تفرقه‌انگیزی) अ फा स्त्री —दे 'तफ्रिक़:-अदाजी'।

तफ़्रिक़:अंदाज (تفرقه‌انداز) अ फा वि —दो व्यक्तियो या दलो मे परस्पर फूट डलवानेवाला।

तफ़्रिक़:अंदाजी (تفرقه‌اندازی) अ फा. स्त्री —परस्पर विरोध-भाव उत्पन्न करना।

तफ़्रिक़:परदाज (تفرقه‌پرداز) अ फा वि —दे 'तफ्रिक़ अदाज'।

तफ़्रिक़:परदाजी (تفرقه‌پردازی) अ फा स्त्री —दे 'तफ्रिक़-अदाजी'।

तफ़्रिक़:पर्वर (تفرقه‌پرور) अ. फा वि —दे 'तफ्रिक़ अंदाज'।

तफ़्रिक़:पर्वरी (تفرقه‌پروری) अ फा स्त्री.—दे 'तफ्रिक़-अदाजी'।

तफ़्रिक़: सामाँ (تفرقه‌ساماں) अ फा वि —फूट के सामान एकत्र करनेवाला, फूट फैलानेवाला।

तफ़्रिक़: सामानी (تفرقه‌سامانی) अ फा स्त्री —फूट के सामान एकत्र करके फूट फैलाना।

तफ़्रीक़ (تفریق) अ स्त्री —पृथक् करना, अलग करना; फूट डालना, दिलो मे भेद डालना, पृथक्ता, जुदाई; फूट, तफ्रिक़., वडी सख्या मे से छोटी सख्या घटाना, वाकी, व्यवकलन।

तफ़्रीत (تفریط) अ स्त्री —किसी काम मे आलस्य और वेपरवाही करना, नष्ट करना, वरवाद करना।

तफ़्रीद (تفرید) अ स्त्री —अकेला रह जाना, सवमे जुदा हो जाना, अकेला छोड देना।

तफ़्रीश (تفریش) अ स्त्री —फर्श विछाना, फर्श विछाकर मकान सजाना।

तफ़्रीस (تفریس) अ स्त्री —किसी दूसरी भाषा के शब्द को फार्सी वनाना।

तफ़रीह (تفریح) अ स्त्री—मनोविनोद मनोरंजन, दिल्लगी मज़ाक, सैर सपाटा विहार, क्रीडा, कौतुक, खेल तमाशा वक्त काटने के लिए मनबहलाव।

तफ़रीहगाह (تفریح گاہ) अ फा स्त्री—तफ़रीह की जगह विनोदस्थल क्रीडा-क्षेत्र।

तफ़रीहन (تفریحاً) अ वि—तमाशे और मनबहलाव के लिए मज़ाक के तौर पर, दिल्लगी में।

तफ़रीही (تفریحی) अ वि—मनबहलाव का, मनबहलाव से सम्बन्ध रखनेवाला।

तफ़रीहे तबअ (تفریح طبع) अ स्त्री—मनबहलाव, मनोविनोद मनोरंजन।

तफ़्वीज़ (تفویض) अ स्त्री—सिपुर्द करना हवाले करना हस्तान्तरण।

तफ़्सा (تفسان) फा वि—बहुत अधिक गर्म।

तफ़्सीदा (تفسیدہ) फा वि—बहुत गर्म।

तफ़्सीर (تفسیر) अ स्त्री—व्याख्या तशरीह, किसी धर्म ग्रंथ की व्याख्या भाष्य।

तफ़्सील (تفصیل) अ स्त्री—विस्तार विवरण, स्पष्टता, तौज़ीह।

तफ़्हीम (تفہیم) अ स्त्री—समझाना बोध कराना।

तब (تب) फा स्त्री—दे तप दोनों शुद्ध हैं।

तबक (طبقہ) अ पु—दे तबक शुद्ध उच्चारण यही है परंतु उर्दू में तबक ही बोलते हैं।

तबक (طبق) अ पु—बड़ी रिकाबी थाल परत तह तल सतह भग योनि।

तबकगर (طبق گر) अ फा वि—तबक बनानेवाला।

तबकचः (طبقچہ) अ फा पु—छोटा तबाक छोटी रिकाबी।

तबकज़न (طبق زن) अ फा स्त्री—चपटी लगानेवाली स्त्री सातरबाज़।

तबकात (طبقات) अ पु—तबक का बहु तबक परतें।

तबकातुलअर्ज़ (طبقات الارض) अ पु—पृथ्वी के परत ज़मीन के भीतरी परत या दर्जे।

तबख़ाल (تبخالہ) फा पु—वह छोटा फफोला जो गर्मी से होठों पर निकल आता है।

तबख़्तुर (تبختر) अ पु—नाज़ और गुरूर से चलना नाज़ गुरूर।

तबद्दुल (تبدل) अ पु—बदल जाना बदलना बदला करना परिवर्तन इनक़िलाब।

तबन्नी (تبنی) अ स्त्री—किसी बालक को गोद लेना बेटा बनाना।

तबर (تبر) फा पु—कुल्हाड़ा फरसा।

तबरज़द (طبرزد) फा स्त्री—कंद, शक्कर, मिश्री, सफ़ेद दानेदार चीनी।

तबरज़न (تبرزن) फा वि—कुल्हाड़ी चलानेवाला, लकड़हारा तबर बाँधे हुए सिपाही।

तबरज़ीं (تبرزین) फा पु—वह तबर जो सवार की ज़ीन के साथ हर वक्त कसा रहता है।

तबर्रा (تبرا) अ पु—उपेक्षा घृणा बेज़ारी, धिक्कार लानत मलामत गाली-गलौज अपशब्द लानत मलामत जो शीआ लोग पहले तीन ख़लीफ़ाओं की करते हैं।

तबर्राई (تبرائی) अ फा वि—गालियाँ बकनेवाला तीनों ख़लीफ़ाओं को बुरा भला कहनेवाला तबराबाज़।

तबर्राबाज़ (تبراباز) अ फा वि—दे तबर्राई।

तबर्रुक (تبرک) अ पु—वह चीज़ जिसमें बरकत होने का विश्वास हो, वह चीज़ जो किसी महात्मा या दरवेश से मिले वह प्रसाद जो किसी बुज़ुर्ग आदि की फ़ातहा का हो बुज़ुर्गों से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़ बहुत थोड़ी-सी वस्तु (व्यंग) प्रसाद।

तबर्रुकन (تبرکاً) अ वि—तबर्रुक के तौर पर बरकत और मंगल के लिए प्रसादरूप से।

तबर्रुकात (تبرکات) अ पु—तबर्रुक का बहु तबर्रुक की चीज़ें बुज़ुर्गों से सम्बद्ध चीज़ें।

तबस्सुम (تبسم) अ पु—हलकी हँसी मुस्कुराहट मंदहास स्मित मन्दहास मुस्कान।

तबस्सुमकुनाँ (تبسم کناں) अ फा वि—मुस्कुराता हुआ।

तबह (تبہ) फा वि—तबाह का लघु, दे तबाह।

तबहकार (تبہ کار) फा वि—दे तबाहकार।

तबहहाल (تبہ حال) फा वि—दे तबाह हाल।

तबह्हुर (تبحر) अ पु—विद्वत्ता पाण्डित्य इल्म की गहराई धुरंधरता।

तबाअत (طباعت) अ स्त्री—मुद्रण छपाई।

तबाउद (تباعد) अ पु—एक दूसरे से दूर होना अंतर दूरी फ़ासिला।

तबाए (طبائع) अ स्त्री—तबाअत का बहु, प्रकृतियाँ तबीअतें।

तबाक (طباق) तु पु—बड़ी रिकाबी थाली परात खाना सजाने का बर्तन स्वान।

तबाकी (طباقی) उ वि—दस्तरख़्वान के साथी खाने भर के मीत हाली मवाली।

तबादुर (تبادر) अ पु—परस्पर दौड़ना दौड़ में आगे निकल जाना किसी काम को दूसरे से पहले कर लेना।

तबादुरे ज़ेह्न (تبادرذہن) अ पु.–जेह्न का किसी ओर तुरत जाना, तुरत ही कोई बात ध्यान मे आना।

तबादुल (تبادل) अ पु –बदलना, एक चीज की जगह दूसरी चीज लेना, एक चीज के स्थान पर दूसरी चीज रखना।

तबायुन (تباين) अ पु –विपरीतता, प्रतिकूलता, उलटापन, अतर, भेद, फर्क, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तबार (تبار) फा. पु –वश, कुल, गोत्र, खानदान।

तबाशीर (تباشیر) फा पु –वशलोचन, तवक्षीर, एक प्रसिद्ध दवा; सवेरे की सफेदी, ऊषा, उषा।

तबाह् (تباہ) फा वि –नष्ट, ध्वस्त, बरबाद, जनशून्य, निर्जन, वीरान, निकृष्ट, दूषित, खराब, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

तबाह्कार (تباہکار) फा वि –तबाही मचानेवाला, बरबादी फैलानेवाला, विनाशकारी, अत्याचारी, जालिम, बदचलन, कदाचारी।

तबाह् रोजगार (تباہ روزگار) फा वि –जमाने की गर्दिश का शिकार, कालचक्रग्रस्त, दुर्दशाप्राप्त, भाग्यध्वस्त।

तबाह्हाल (تباہحال) फा अ वि –मुसीबत का मारा, कालचक्र-पीड़ित, मुफ्लिस, दरिद्र, निर्धन।

तबाही (تباہی) फा. स्त्री –विनाश, बरबादी, विध्वस, खराबी, खँडहरपन, अत्याचार, जुल्म, निर्धनता, दरिद्रता, मुफ्लिसी, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तबाहीज़दः (تباہی زدہ) फा वि –आफत का मारा, विपत्ति-ग्रस्त, निर्धन, कगाल, बेजर, भाग्यहीन, बदकिस्मत।

तबीअत (طبیعت) अ स्त्री –धर्म, स्वभाव, खासीयत, प्रकृति, निसर्ग, नेचर, जिबिल्लत; स्वभाव, आदत, रुचि, रगबत, जी, मन, दिल, चित्त; स्वास्थ्य या रोग के दृष्टिकोण से शरीर की दशा, मिजाज।

तबीई (طبیعی) अ वि–दे 'तब्ई', एक वैज्ञानिक शाखा जिसमे शारीरिक परिवर्तनो और गुणो का विवरण होता है; शरीर धर्मशास्त्र।

तबीख़ (طبیخ) अ पु.–औटाई हुई दवा आदि का पानी, जोशाँद।

तबीब (طبیب) अ पु.–दवा करनेवाला, उपचारक, चिकित्सक, वैद्य।

तबीरः (تبیرہ) फा पुं –नक्कारा, धौंसा, दुन्दुभी, भेरी।

तबीरःज़न (تبیرہزن) फा वि –नक्कारा बजानेवाला, भेरीकार।

तब्अ (طبع) अ स्त्री –स्वभाव, आदत, मुद्रण, छापना।

तब्अ आज़माई (طبع آزمائی) अ फा स्त्री –काव्य-रचना-शक्ति की जाँच, किसी समस्या की पूर्ति या किसी विषय पर कविता लिखना।

तब्अज़ाद (طبع زاد) अ फा वि –मन की प्रेरणा से उत्पन्न, गढत, अपनी विचार-शक्ति की पैदावार, कल्पित, फर्जी।

तब्अन् (طبعاً) अ वि –स्वभावत, स्वभाव से, दिल से।

तब्ई (طبعی) अ वि –स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, "अय शम्मा तेरी उम्र तब्ई (तबीई) है एक रात"–"जौक"।

तब्ईज़ (تبئیض) अ स्त्री –सफेद करना, सफेदी फेरना।

तब्ईन (تبئین) अ स्त्री –व्यक्त करना, जाहिर करना; कहना, बयान करना।

तब्ईयत (تبعیت) अ. स्त्री –अनुकरण, पदानुसरण, पैरवी।

तब्ए रवाँ (طبع رواں) अ. फा स्त्री –प्रतिभाशील तबीअत, तेज तबीअत, प्रवाहित कल्पना-शक्ति, उर्वरा प्रतिभा।

तब्ए रसा (طبع رسا) अ फा स्त्री –ऊँची उडान भरनेवाली तबीअत या काव्य-शक्ति।

तब्क़ः (طبقہ) अ. पु –वर्ग, श्रेणी, दर्जा, लोक, आलम; परत, तह; तल, दर्जा।

तब्क़ःवारानः (طبقہوارانہ) अ फा वि –वर्ग और श्रेणीवाला, छोटे बड़ेवाला, धार्मिक, फिर्कावारान।

तब्ख़ (طبخ) अ पु –पकना, पाक।

तब्ख़ीर (تبخیر) अ. स्त्री –एक रोग जिसमे खाने के पश्चात् आमाशय से भाप उठती है; भाप बनाना, वाष्पीकरण।

तब्ज़ीर (تبزیر) अ स्त्री –फुजूलखर्ची करना, अपव्यय, अतिव्यय, तितर-बितर करना, अस्त-व्यस्त करना।

तब्जील (تبجیل) अ. स्त्री –सत्कार और आदर करना; श्रेष्ठ और महान् जानना।

तब्दील (تبدیل) अ स्त्री.–बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना, एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना।

तब्दीली (تبدیلی) अ स्त्री.–परिवर्तन, उथल-पुथल; एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना, स्थानातरण, एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना; क्रान्ति, इनकिलाब।

तब्दीले आबोहवा (تبدیل آب وہوا) अ फा स्त्री –जलवायु का बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।

तब्दीले मज्हब (تبدیل مذہب) अ स्त्री –धर्म-परिवर्तन, मजहब की तब्दीली।

तब्दीले सूरत (تبدیل صورت) अ स्त्री –रूप-परिवर्तन, शक्ल बदल जाना, हुलया बदलना, बहुरुपिया बनना।

तब्दीले हैअत (تبدیل ہئیت) अ स्त्री –दे 'तब्दीले सूरत'।

तब्नियत (تبنیت) अ. स्त्री –के पालक बनाना, गोद लेना, मुतबन्ना करना।

तब्बाअ (طباع) अ वि–प्रतिभाशाली ज़हीन जीनियस।
तब्बाई (طباعی) अ स्त्री–प्रतिभा ज़हानत।
तब्बाख़ (طباخ) अ पु–रोटी पकानेवाला नानबाई खाना पकानेवाला बावरची सूपकार रसोइया।
तब्बाख़ी (طباخی) अ स्त्री–नानबाई का पेशा बावरची का पेशा।
तब्रीद (تبرید) अ स्त्री–ठंडाई वह ठंडाई जो जुलाब के बाद दी जाती है।
तब्रेज़ (تبریز) फा पु–ईरान के आज़रबाइजान प्रान्त का एक प्रसिद्ध नगर।
तब्रेज़ी (تبریزی) फा वि–तब्रेज़ का निवासी।
तब्ल (طبلہ) फा पु–लकड़ी की पिटारी खाल मढ़ा हुआ एक तरह प्रसिद्ध बाजा तबला।
तब्ल (طبل) फा पु–दुंदुभि भेरी धौंसा नक़्क़ारा।
तब्लए अंबर (طبلۂ عنبر) फा अ पु–अंबर की पिटारी वह डब्बा जिसमें अंबर रहता है।
तब्लक़ (طبلق) तु स्त्री–वह काग़ज़ जो पॉकिट बनाने के लिए ऊपर चलाया जाता है दोनों ओर से खुला हुआ लिफ़ाफ़ा काग़ज़ का मुट्ठा।
तब्ली (طبلی) अ वि–ढाल-जैसा ढालनुमा जल्धर की एक क़िस्म जिसमें पट ढोल की तरह बजता है।
तब्लीग़ (تبلیغ) अ स्त्री–प्रोपेगंडा प्रचार किसी बात को दूर तक फैलाना प्रसार।
तब्लीग़े मज़हब (تبلیغ مذہب) अ स्त्री–धर्म प्रचार मज़हब की तब्लीग़।
तब्ले जंग (طبل جنگ) फा पु–लड़ाई में बजनेवाला नक़्क़ारा रणभेरी रणदुंदुभि।
तब्लोअलम (طبل و علم) फा अ पु–लड़ाई का झंडा और नक़्क़ारा वह झंडा और नक़्क़ारा जो सूबेदारों और वज़ीरों की सवारी में साथ चलता है।
तब्वीब (تبویب) अ स्त्री–पुस्तक का परिच्छेदों और अध्यायों में विभाजन बाब=अध्याय से यह शब्द बना है।
तब्शीर (تبشیر) अ स्त्री–शुभ सूचना देना अच्छी ख़बर सुनाना आशीर्वाद देना।
तब्सिरः (تبصرہ) अ पु–आँखों में रौशनी पहुँचाना, अँस्वारा करना आलोचना समीक्षा तन्क़ीद।
तब्सिरःनिगार (تبصرہ نگار) अ फा वि–समालोचक समीक्षक तन्क़ीदनिगार।
तमए ख़ाम (طمع خام) अ फा स्त्री–झूठी अभिलाषा ऐसी इच्छा जो पूरी न हो मनमोदक।
तमस्सुक (تمسک) अ पु–जगह पकड़ना स्थिर होना ठहरना टिकना।
तमत्तो (تمتع) अ पु–लाभ प्राप्ति नफ़ा उठाना लाभ प्राप्ति नफ़ा।
तमद्दुद (تمدد) अ पु–खिंचाव, तनाव, लंबा होना दराज़ होना।
तमद्दुन (تمدن) अ पु–शहर में एक जगह मिल-जुलकर रहना और वहाँ का प्रबंध करना नागरिकता किसी देश का वेश भूषा उनके रहने-सहने का ढंग और उनका आचार व्यवहार।
तमन्ना (تمنا) अ स्त्री–कामना लालसा अभिलाषा आकांक्षा स्पृहा इच्छा ख़्वाहिश आरज़ू 'बज़्म में वह नज़र है सद तमन्ना-आग़ोश—दिल में है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल में है।'
तमन्नाई (تمنائی) अ वि–इच्छुक अभिलाषी लालसी स्पृही आकांक्षी लिप्सु ख़्वाहिशमंद।
तमर (تمر) अ पु–सूखा हुआ खजूर छुहारा, ख़ुर्मा।
तमर हिंदी (تمر ہندی) फा स्त्री–इमली इमली का पेड़ इमली का फल, तिंतिड़ी।
तमरिस्तान (تمرستان) अ फा पु–खजूर का बाग़।
तमर्रुद (تمرد) अ पु–द्रोह, सरकशी, अवज्ञा नाफ़रमानी, अहंकार गर्व, घमंड धृष्टता, ढिठाई गुस्ताख़ी।
तमल्लुक़ (تملق) अ पु–चापलूसी, लल्लोपत्तो चाटुकारिता ख़ुशामद।
तमल्मुल (تململ) अ पु–व्याकुलता आतुरता बेचैनी बेआरामी जागने और सोने के बीच की अवस्था जब मनुष्य सोता है परन्तु कुछ-कुछ होश में होता है।
तमव्वुज (تموج) अ पु–पानी का मौजें मारना पानी में बार-बार से लहरें उठना हिल्लोल।
तमव्वुल (تمول) अ पु–धनाढ्यता समृद्धि मालदारी धनसंपन्नता।
तमश्शी (تمشی) अ स्त्री–जाना चलना गति गमन।
तमस्ख़ुर (تمسخر) अ पु–मसख़रापन अभिहास ठट्ठा, मनोरंजन दिल्लगी तफ़रीह।
तमस्सुक (تمسک) अ पु–ग्रहण करना लेना पकड़ना ऋणपत्र क़र्ज़नामा लेख्य, दस्तावेज़।
तमा' (طمع) अ स्त्री–लोभ लालुपता हिर्स इच्छा अभिलाषा ख़्वाहिश।
तमाच (تماچ) उ पु–दे 'तमाचा'।
तमाज़त (تمازت) अ स्त्री–धूप की गर्मी सूर्य की गर्मी।

तमाजते आफ़्ताव (تمازت آفتاب) अ. फा. स्त्री.–सूरज की गर्मी, धूप की गर्मी।

तमादी (تمادی) अ. स्त्री–अन्त होना, अन्त तक पहुँच जाना, समाप्त हो जाना, लम्बा होना, बढना, बढ जाना।

तमानियत (طمانیت) उ. स्त्री.–सतोप, इत्मीनान, सान्त्वना, तसल्ली, विश्वास, एतिवार, मुख्य शब्द 'तुमानीनत' अथवा 'तुमानीयत' है।

तमाम (تمام) अ वि–समस्त, समग्र, सव, सपूर्ण, कुल, समाप्त, ख़त्म, निर्मल, ख़ालिस, अत्यधिक, वहुत जियादा।

तमामतर (تمامتر) अ फा वि–सर्व, सारे का सारा, मुकम्मल, पूरा-पूरा।

तमाशः (تماشہ) फा पु–दे शु शव्द 'तमाशा'।

तमाशवीन (تماش بین) फा वि–ऐयाश, वेश्यागामी, रडीवाज।

तमाशवीनी (تماش بینی) फा स्त्री.–ऐयाशी, वेश्यागमन, रडीवाजी।

तमाशा (تماشا) अ पु–सैर, तफ़्रीह, विहार, दर्शन, दीदार; आनन्द, लुत्फ, क्रीड़ा, खेल, वाजीगरो या मदारियो आदि का खेल, नाटक आदि का खेल, अद्भुतता, अजूवापन, मनोविनोद, हँसी-मजाक, भाँड़ो या वहुरूपियो की नकल या स्वाँग।

तमाशाई (تماشائی) अ फा वि–तमाशा देखनेवाला या देखनेवाले, कौतुकदर्शी।

तमाशाकुनाँ (تماشاکناں) अ फा. वि–सैर करता हुआ, सैर से दिल वहलाता हुआ।

तमाशा ख़ानम (تماشاخانم) अ.तु स्त्री.–हँसने-हँसानेवाली औरत, ऐसी स्त्री जिसकी वाते वड़ी मनोरंजक हो।

ाशागर (تماشاگر) अ फा. वि–तमाशा करनेवाला, ौतुकी।

ाशागाह (تماشاگاہ) अ. फा. स्त्री–वह स्थान जहाँ ामाशा होता हो, क्रीड़ास्थल, कौतुकागार, लीलागृह।

ाशावी (تماشابیں) अ फा वि.–तमाशा देखनेवाला, ौतुकदर्शी।

ासील (تماثیل) अ स्त्री–'तिम्साल' और 'तम्सील' का वहु, आकृतियाँ, मूर्तियाँ, उपमाएँ, तश्वीहे।

ासुख़ (تماسخ) अ पु–सूरत विगाड देना, किसी की सूरत इतनी विगाड देना कि वह पहचाने मे न आ सके।

मीज़ (تمیز) अ स्त्री–'तम्ईज़' का लघु, विवेक, दो वस्तुओ मे अन्तर समझ सकने की वुद्धि, पहचान, परख, शिष्टता, सभ्यता, तहजीव, वुद्धि, मेधा, अक्ल: ज्ञान, सज्ञा, होश; सलीका, कौशल, योग्यता; परीक्षा मे मिलनेवाला विशेप चिह्न, डिस्टिक्शन, विशेप योग्यता।

तमीजदार (تمیزدار) अ. फा वि–शिप्ट, सभ्य, मुहज्जव; कुशल, योग्य, सलीकामद।

तमूज़ (تموز) फा स्त्री–धूप की कडी गर्मी, जेठ-वैसाख की गर्मी।

तम्अ (طمع) अ स्त्री–दे 'तमा', दोनो उच्चारण सही हैं।

तम्ईज़ (تمئیز) अ स्त्री–दे 'तमीज', उर्दू मे तमीज ही वोला जाता है।

तम्कनत (تمکنت) अ स्त्री–अभिमान, गर्व, घमड, गुरूर; तडक-भडक, टीम-टाम।

तम्कीन (تمکین) अ स्त्री–स्थिरता, पायदारी, प्रतिष्ठा, सम्मान, वक्अत, गभीरता, मतानत, सजीदगी, पद, पदवी, दरजा।

तम्गा (تمغا) तु पु–पदक, मेडिल, राजचिह्न, शाही मुहर, माफी की जमीन की सनद, भूमिधर-पत्र।

तम्जीद (تمجید) अ स्त्री–किसी को महत्ता और प्रतिष्ठा देना, किसी की महत्ता या प्रतिष्ठा का वर्णन करना, स्तुति, कीर्तन, गुणगान, यशोगान, हम्दोसना।

तम्दीद (تمدید) अ स्त्री.–खीचना, वढाना, लवा करना; खिचाव, वढ़ाव, लवाई।

तम्मत (تمت) अ क्रि–समाप्त हुआ, खत्म हुआ।

तम्मत विलख़ैर (تمت بالخیر) अ क्रि–अच्छाई और सुन्दरता के साथ समाप्त हुआ, जो काम सुगमता और शुद्धतापूर्वक समाप्त हो, उसके लिए कहते है।

तम्माअ् (طماع) अ वि–वहुत अधिक लोभी, अति लोलुप, लिप्सु, लुव्ध।

तम्सील (تمثیل) अ स्त्री–उपमा, तुलना, तश्वीह; समानता, वरावरी, दृष्टान्त, उदाहरण, मिसाल।

तम्सीलन् (تمثیلاً) अ अव्य–उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

तम्सीली (تمثیلی) अ वि–उपमा या तुलनावाला, जिसमे कोई तम्सील हो अर्थात् जिसमें किसी असली व्यक्ति के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका पार्ट अदा किया हो।

तय (طے) अ पु–निर्णीत, फैसल, परिपक्व, पुख़्ता; समाप्त, खत्म, निश्चित, यकीनी, यमन (अरव) का एक वंश जिसमे 'हातिम' हुआ है।

तय्यारः (طیارہ) अ पु–वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।

तय्यार.शिकन (طیارہ شکن) अ. फा स्त्री–वह तोप जो हवाई जहाज़ को मार गिराये।

तय्यार (تيار) अ वि –तत्पर, बद्धकटि, आमादा, समाप्त, खत्म, हृष्ट-पुष्ट, मेदुर लहीम शहीम परिपूर्ण, मुकम्मल सुसज्जित आरास्ता कोई पदार्थ खाने या प्रयोग करने की अवस्था में जैसे–भोजन अथवा कपड़ा जो सिलने को दिया हो, वस्त्राभूषण आदि से सुसज्जित वृक्ष, हमले या छापे के लिए कील-काँटे से लैस, उपस्थित मौजूद, विद्यमान।

तय्यारची (طيارچى) अ तु वि –वायुयान चालक हवाई जहाज चलानेवाला पाइलेट।

तय्यिबः (طيبه) अ स्त्री –पवित्रा पुनीता मुक़द्दस स्त्री धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र नगरों के विशेषत मदीने के आगे लगाया जानेवाला शब्द।

तय्यिब (طيب) अ वि –पवित्र, शुद्ध पाक विहित जायज हलाल वह धन आदि जो पूरे परिश्रम और पूरी ईमानदारी से कमाया गया हो।

तय्यिबात (طيبات) अ स्त्री –'तय्यिब' का बहु पवित्रा और पुनीतात्मा स्त्रियाँ।

तरंजबीन (ترنجبين) अ स्त्री –एक प्रकार की रेचक शक्कर जो झाऊ पौधों पर जम जाती है और अधिकतर खुरासान (ईरान) से आती है तुरंजबीन निबुजी नीबू का शर्बत।

तर (تره) फा पु –शाक भाजी साग तरकारी।

तर (تر) फा वि –आर्द्र गीला नवीन नया तत्कालीन, ताजा हाल का हरा सब्ज सरसब्ज लथपथ लथड़ा हुआ घी आदि से चुपड़ा या उसमें डूबा हुआ तरतराता धनवान मालदार (प्रत्य) अत्यधिक जैसे—खूबतर बहुत अधिक उत्तम या सुन्दर।

तरकश (تركش) फा पु –तीर रखने का लम्बा खोल जो कमर में लटकाया जाता है तूणीर निषंग त्राण।

तरकशबंद (تركش بند) फा वि –तूणीरधारी तरकश बाँधे हुए निषंगधर।

तरक़्क़ी (ترقى) अ स्त्री –उत्थान उन्नति उरूज अभिवृद्धि, बहुतायत जियादती वृद्धि, बढ़ती पद या ओहदे में वृद्धि।

तरक़्क़ीपसंद (ترقى پسند) अ फा वि –प्रगति और तरक़्क़ी चाहनेवाला एक साहित्यिक दल जो साम्यवादी विचारों का प्रचारक और देश में साम्यवाद का हामी है।

तरक़्क़ीपिज़ीर (ترقى پذير) अ फा वि –दे तरक़्क़ीयाफ़्त उन्नतिप्राप्त (पिज़ीर=प्राप्त)।

तरक़्क़ीयाफ़्तः (ترقى يافته) अ फा वि –समुन्नत वर्द्धमान तरक़्क़ी को पहुँचा हुआ सुसभ्य सुशिष्ट मुहज़्ज़ब।

तरज़बान (ترزبان) फा वि –किसी की प्रशंसा करनेवाला मद्हख्वाँ, सुन्दर और शिष्ट भाषण देनेवाला सुवक्ता।

तरजुमान (ترجمان) अ पु –एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलनेवाला भाषान्तरकार, दो ऐसे व्यक्तियों के बीच में मध्यस्थता करनेवाला जो एक दूसरे की भाषा न समझते हों द्विभाषी।

तरजुमानी (ترجمانى) अ फा स्त्री –दो भाषाओं का उल्था, दो भाषाभाषियों में मध्यस्थता।

तरज्जी (ترجى) अ स्त्री –ऐसी वस्तु के मिलने की आशा जिसकी प्राप्ति [illegible] हो आशा आस उम्मेद।

तरदस्त (تردست) फा वि –स्फूर्तियुक्त चुस्त फुर्तीला हाथ से होनेवाली कारीगरी (दस्तकारी हस्तशिल्प) में दक्ष और होशियार प्रवीण कुशल माहिर।

तरदामन (تردامن) फा वि –जो दामन बचाकर न निकल सका हो बल्कि जिसका दामन सन गया हो अर्थात किसी अपराध में लिप्त मुजरिम पापी, गुनाहगार।

तरदिमाग़ (تردماغ) फा वि –मस्त मतवाला बुद्धिमान अक्लमंद, ठंडादिमाग स्थिरप्रज्ञ सावधान।

तरद्दुद (تردد) अ पु –चिन्ता सोच सोच, फ़िक्र असमंजस दुविधा पसोपेश, घबराहट, आतुरता, परेशानी खेत की जुताई-बुवाई आदि कृषि-कर्म।

तरन्नुम (ترنم) अ पु –स्वर माधुर्य खुश इल्हानी, हलका गाना मधुर गान।

तरन्नुमज़ा (ترنم زا) अ फा वि –ऐसा स्वर जिससे तरन्नुम टपके अत्यन्त मधुर स्वर मधुर स्वर उत्पादक।

तरन्नुमरेज़ (ترنم ريز) अ फा वि –तरन्नुम से पढ़नेवाला तरन्नुम से पढ़ता हुआ।

तरन्नुमरेज़ी (ترنم ريزى) अ फा स्त्री –तरन्नुम से पढ़ना।

तरफ़ (طرف) अ स्त्री –दिशा ओर सिम्त सिरा, किनारा जानिब लिहाज आदर पास पक्ष पार्टी।

तरफ़दार (طرفدار) अ फा वि –पक्षपाती, हिमायती, सहायक मददगार।

तरफ़दारी (طرفدارى) अ फा स्त्री –पक्षपात हिमायत, सहायता मदद।

तरफ़ैन (طرفين) अ स्त्री –दोनों पक्ष दोनों पार्टियाँ उभय पक्ष।

तरफ़्फ़ुह (ترفه) अ पु –समृद्धि विभव सम्पन्नता खुशहाली।

तरफ़्फ़ो (ترفع) अ पु –अपने को सबसे ऊँचा समझना अहंकार अहंवाद गर्व गुरूर।

तरब (طرب) अ पु –आनन्द आह्लाद हर्ष उल्लास सौमनस्य खुशी मसरत।

तरवअंगेज़ (طرب انگیز) अ. फा वि –खुशी बढानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।

तरवअफ़्ज़ा (طرب افزا) अ फा वि –दे 'तरवअगेज'।

तरबगाह (طرب گاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ खुशियाँ मनाई जा रही हो।

तरबखेज़ (طرب خیز) अ फा वि –दे 'तरबअगेज'।

तरवज़ा (طرب زا) अ फा वि –खुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनदोत्पादक।

तरबसंज (طرب سنج) अ फा वि –तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, वहुत अधिक खुशियो का मालिक।

तरबुज़ (تربز) फा पु –तरबूज, एक प्रसिद्ध फल, कलीदा, कालिद, कलिग, चित्रफल, मासफल, फलवर्तुल।

तरश्शुह (ترشح) अ पु –हल्की-हल्की फुहार, बूँदा-बाँदी, रिसना, झरना, टपकना, प्रकट होना, जाहिर होना।

तरह (طرح) अ स्त्री –न्यास, नीव, बुनियाद, पद्धति, शैली, तर्ज; वेशभूपा, वज्'अ, समान, भाँति, मिस्ल; घटाना, व्यवकलन, तफ़रीक, प्रकार, ढग, टालना, झगडे को बढने न देना, युक्ति, तरकीव, जुगत, मुशाइरे के लिए मिस्रा, जिससे उसकी वज़्न और रदीफो काफिया जाना जाता है, समस्या।

तरहदार (طرح دار) अ फा. वि –बाँका, छवीला, चुटपुटा, नाजोअदाजवाला, (माशूक) वजअदार।

तरहदारी (طرح داری) अ फा स्त्री –बाँकापन, छवीलापन, हाव-भाव, नाज-नख़रा, हुस्न, सौन्दर्य।

[त]राइक (طرائق) अ पु –'तरीका' का वहु, तरीके।

[त]राज़ (طراز) फा पु –दे 'तिराज', वही शुद्ध है।

[त]राजिदः (طرازندہ) फा वि.–दे 'तिराजिद' वही शुद्ध है।

[त]राजिम (تراجم) अ पु –'तर्जमः' का वहु 'तर्जमे'।

[त]राज़िए तरफ़ैन (تراضئ طرفین) अ स्त्री –दोनो पक्षो की रजामदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।

[त]राजी (تراجی) अ स्त्री –एक दूसरे से आशा रखना।

[त]राज़ी (تراضی) अ स्त्री –एक दूसरे से रजामद होना; रजामदी, अगीकृति।

[त]राज़ू (ترازو) फा स्त्री –तौलने का यत्र, तुला, तखरी, मीजान।

[त]राज़ूए अद्ल (ترازوئے عدل) फा अ स्त्री –वह तराजू जिसके दोनो पल्लो मे तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।

तराज़ूए संगज़न (ترازوئے سنگ زن) फा स्त्री –वह तराजू जिसमें पासग हो।

तरानः (ترانہ) फा पु –गान, गाना, नग्म, एक विशेष प्रकार का गीत।

तरानःज़न (ترانہ زن) फा वि –गानेवाला, गायक, गाता हुआ।

तरानःरेज़ (ترانہ ریز) फा वि –दे तरान जन।

तरानःसंज (ترانہ سنج) फा वि,–दे. 'तरान जन'।

तरानःसरा (ترانہ سرا) फा वि –दे 'तरान जन'।

तरानःसाज़ (ترانہ ساز) फा वि –दे. 'तरान जन'।

तरारः (طرارہ) उ पु –दे 'तर्रार', वही शुद्ध है।

तरावत (طراوت) अ स्त्री –शीतलता, ठडक, तरी; सर-सब्जी, हरियालापन, ताजगी, दिल और दिमाग की ठडक।

तराविश (تراوش) फा स्त्री –टपकन, रजिश।

तराविशे कलम (تراوش قلم) फा अ स्त्री –कलम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।

तराविशे फ़िक्र (تراوش فکر) फा अ स्त्री –कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग की उतरन, मज्मून, निवन्ध आदि।

तरावीह (تراویح) अ स्त्री.–रमजान के महीने की नमाज जो रात मे पढी जाती और जिसमे, कुरान सुनाया जाता है।

तराशः (تراشہ) फा पु –किसी वस्तु को छीलने मे निकला हुआ फोक, छीलन, पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी; फाँक, काश।

तराश (تراش) फा स्त्री –कटाव, काट-छाँट, कतर-व्योत, काटने का ढग, कटाव की शक्ल, आविष्कार, ईजाद, धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे— 'जेवतराश' जेव काटनेवाला।

तराश ख़राश (تراش خراش) फा स्त्री –वेशभूपा, वजा कता, काट-छाँट, कतरव्योत।

तराशिदः (تراشندہ) फा वि –काटनेवाला, छीलनेवाला, कतरनेवाला।

तराशीदः (تراشیدہ) फा वि –काटा हुआ, छीला हुआ; कतरा हुआ, मनगढत, कपोल-कल्पित।

तरिकः (ترکہ) अ पु –वह धन और सपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो को मिलती है, दाय, रिक्थ।

तरी (تری) फा स्त्री –आर्द्रता, गीलापन, खुश्की का उलटा, पानी का स्थान, सील, नमी, सीड, समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।

तरी (طری) अ वि –ताजा, सरसब्ज, हरा भरा।

तरीकः (طریقہ) अ पु.–प्रणाली, शैली, तर्ज; युक्ति, तरकीव, पथ, मश्रब, नियम, काइदा; परम्परा, रिवाज, चाल-ढाल, रविश, वेशभूपा, वजा कता।

तरीक (طریق) अ. पु –"वक्रा का नाम कोई भूलकर नही लेता—तेरे तरीक़ ने चौंका दिया, जमाने को". मार्ग. रास्ता;

गला रचित परम्परा रिवाज धर्म मज़हब, युक्ति, तरकीब नियम दस्तूर।

तरीक़ए ता'लीम (طریقۂ تعلیم) अ पु–शिक्षा प्रणाली, शिक्षणशाला, पढ़ाने का ढंग।

तरीक़त (طریقت) अ स्त्री–आत्मशुद्धि अन्तःशुद्धि चित्त की पाकीज़गी ब्रह्मज्ञान अध्यात्म तसव्वुफ़।

तरीक़े अमल (طریق عمل) अ पु–काम करने का तरीक़ा कार्य प्रणाली कार्य-पद्धति।

तरीन (ترین) फा प्रत्य–सबसे अधिक जैसे— बदतरीन सबसे अधिक ख़राब निकृष्टतम।

तरोताज़ा (تروتازہ) फा वि–सरसब्ज़ हरा भरा प्रफुल्ल, आनन्दित हृष्टपुष्ट मोटाताज़ा।

तर्क (ترک) अ पु–त्याग परित्याग छोड़ना भूल, भूल में छूट जाना महव।

तर्जीअ (ترجیع) अ स्त्री–मनन करना पानी की तरह पतला करना पतलापन तरल्ता द्रव (द्रव) से बना।

तर्कीब (ترکیب) अ स्त्री–मिश्रण मिलाना बनावट साख्य युक्ति तद्बीर ढंग प्रणाली तरीक़ा किसी विशेष चीज़ के बनाने का ढंग व्याकरण में किसी वाक्य के शब्दों का परिच्छेद।

तर्कीब बंद (ترکیب بند) अ फा पु–नज़्म की एक क़िस्म जिसमें कई बंद होते हैं हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद के ख़ातम पर एक नया शे'र आता है जो अपना रदीफ़ क़ाफ़िए का होता है इसमें और तर्जीअ बंद में यही भेद है कि उसमें टीप का शे'र एक ही होता है जो बार-बार आता है और इसमें टीप के सब शे'र अलग अलग होते हैं।

तर्कीबे इस्ते'माल (ترکیب استعمال) अ स्त्री–किसी दवा के खाने की तरकीब सेवनविधि।

तर्कीबे नहवी (ترکیب نحوی) अ स्त्री–वाक्य विश्लेषण विग्रह।

तर्कीबे सर्फ़ी (ترکیب صرفی) अ स्त्री–शब्द निरुक्ति संधि विच्छेद पदान्वय।

तर्कूह (ترقوہ) अ स्त्री–हँसली की हड्डी।

तर्के अदब (ترک ادب) अ पु–किसी के साथ जिस सम्मान या नम्रता से पेश आना चाहिए उसका त्याग देना आदर त्याग गुस्ताख़ी बदतहज़ीबी।

तर्के अलाइक़ (ترک علائق) अ पु–सांसारिक विषयवासना का त्याग गृहस्थी और बाल-बच्चों का त्याग निवृत्ति।

तर्के दुनया (ترک دنیا) अ पु–संसार के झगड़ों का त्याग मोहत्याग विषयत्याग।

तर्के वतन (ترک وطن) अ पु–स्वदेश-त्याग प्रवास निर्वासन जलावतनी।

तर्के लज़्ज़ात (ترک لذات) अ पु–सुख-चैन और अच्छा खाना-पीना छोड़ देना निवृत्ति।

तर्के मुवालात (ترک موالات) अ पु–मिल-जुलकर काम करना छोड़ देना असहयोग अदमे तआवुन।

तर्ग़ीब (ترغیب) अ स्त्री–लालच देना, प्रलोभन उत्तेजना इश्तिआल प्रेरणा शौक़ वरगलाना, बहकाना।

तर्ज़ (طرز) अ उभ–शैली पद्धति ढंग, स्वभाव, आदत वेशभूषा वज़ा-क़ता।

तर्जमा (ترجمہ) अ पु–अनुवाद भाषान्तर, उल्था तर्जुमा भी प्रचलित है।

तर्जीअ (ترجیع) अ स्त्री–जाकर वापस आना प्रत्यागमन किसी के मरने पर 'इन्नालिल्लाह' कहना।

तर्जीअबंद (ترجیع بند) अ फा पु–नज़्म का एक क़िस्म जिसमें कई बंद होते हैं हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद की समाप्ति पर एक शे'र आता है जिसका रदीफ़ क़ाफ़िया जुदा होता है और यह शे'र हर बंद की समाप्ति पर आता है, बरख़िलाफ़ तर्कीबबंद के जिसमें बीच का हर शे'र नया होता है।

तर्जीह (ترجیح) अ स्त्री–प्रधानता, श्रेष्ठता फ़ौक़ियत किसी व्यक्ति विषय या वस्तु को उसी जैसे दूसरे व्यक्ति विषय या वस्तु पर प्रधानता देना।

तर्जीहि बिलामुरज्जह (ترجیح بلامرجح) अ स्त्री–एक को दूसरे पर बिना कारण के प्रधानता देना।

तर्जुमान (ترجمان) अ पु–दे 'तरजुमान'।

तर्ज़े अदा (طرز ادا) अ फा उभ–काव्य प्रणाली शाइरी का ढंग हाव भाव का ढंग नाज़ोअदाज़।

तर्ज़े कलाम (طرز کلام) अ उभ–बात करने का ढंग वाक्शैली।

तर्ज़े गुफ्तुगू (طرز گفتگو) अ फा उभ–वार्तालाप बात चीत करने का तरीक़ा।

तर्ज़े तक़रीर (طرز تقریر) अ उभ–भाषण-शैली वाक् प्रणाली तक़रीर करने का ढंग।

तर्ज़े तहरीर (طرز تحریر) अ उभ–लेखन शैली लिखने का ढंग।

तर्ज़े रफ़्तार (طرز رفتار) अ फा उभ–चलने का ढंग गमनप्रकार।

तर्ज़ोअदाज़ (طرز و انداز) अ फा पु–वज़ा-क़ता, रंग-ढंग चाल-ढाल।

तर्तीब (ترتیب) अ स्त्री—क्रम, सिलसिला, प्रबंध, बंदोबस्त, सज्जा, दुरुस्ती, चंद चीजों को यथास्थान ठीक-ठीक रखना; हर चीज का उसके मुताबिक दर्जा नियुक्त करना।

तर्तीब (ترطیب) अ स्त्री—ठंडा करना, शीतल करना; शरीर के किसी अंग में तरी पहुँचाना।

तर्तीबवार (ترتیب وار) अ. फा वि—तर्तीब में एक के बाद एक।

तर्तील (ترتیل) अ स्त्री—कुरान को उसके शुद्ध उच्चारण के साथ, धीरे-धीरे और इत्मीनान से पढना।

तर्दीद (تردید) अ स्त्री—रद्द करना, लौटाना, खंडन करना, काटना, किसी बात को झूठ साबित करना; किसी के लगाए हुए दोष को ग़लत प्रमाणित करना।

तर्फः (طرفه) अ पु—एक बार पलक झपकाना, नवाँ नक्षत्र, श्लेषा, नाखून रोग, जिसमें आँख में एक लाल बूंद पड़ जाती है।

तर्फ (طرف) अ पु—पलक झपकाना, आँख, देखना; कोना, कनारा, गोशा, सुनहरी पेटी जो कमर में सजावट के लिए बाँधते हैं, सोने-चाँदी की जंजीर जो कमर में बाँधी जाती है।

तर्फ़ुलऐन (طرفة العين) अ पु—एक बार पलक का झपकना, बहुत ज़रा-सी देर।

तर्बियत (تربیت) अ स्त्री—पालन-पोषण, परवरिश शिक्षा, तालीम, सभ्यता और शिष्टाचार की शिक्षा; तादीब, ट्रेनिंग, प्रशिक्षण, सुधार।

तर्बियतयाफ़्तः (تربیت یافته) अ फा. वि—जो शिष्टता और सभ्यता की शिक्षा पा चुका हो, सभ्य, शिष्ट, ट्रेनिंग पाया हुआ, प्रशिक्षित।

तर्मीम (ترمیم) अ स्त्री—मरम्मत करना, सँवारना, दुरुस्त करना, काट-छाँट, इस्लाह, संशोधन, किसी प्रस्ताव में काट-छाँट, परिवर्तन।

तर्रार (طرار) अ वि—तेज़ बोलनेवाला, वाचाल, मुखर, चालाक, दक्ष, कुशल, छली, वंचक, हीलागर; चुलबुला, चपल, शोख।

तर्रारी (طراری) अ स्त्री—छल, कपट, ठगी; चपलता, चंचलपन, शोखी; वाचालता, मुखरता, चौकडी, कुलाच।

तर्वीज (ترویج) अ स्त्री—रिवाज देना, प्रचलित करना, फैलाना; प्रचार करना, तब्लीग करना।

तर्स (ترس) फा पु—भय, डर, खौफ।

तर्सनाक (ترسناک) फा वि—भयभीत, डरा हुआ, भयाक्रांत, भयत्रस्त।

तर्सा (ترساں) फा वि—भयभीत, त्रस्त, भयार्त, खौफ़ज़दा।

तर्सा (ترسا) फा पु—ईसाई, ख्रिष्टीय; आतशपरस्त, अग्निपूजक, पार्सी।

तर्साबचः (ترسابچه) फा पु—ईसाई खूबसूरत लड़का; पार्सी खूबसूरत लड़का।

तर्सिदः (ترسنده) फा वि—डरनेवाला।

तर्सीअ (ترصیع) अ स्त्री—किसी ज़ेवर पर नगीने जड़ना, इबारत के दो जुमलों में एक वजन और काफिए के शब्द लाना।

तर्सीदः (ترسیده) फा वि—डरा हुआ, भयत्रस्त।

तर्सील (ترسیل) अ स्त्री—भेजना, प्रेपण, रुपया या खत आदि भेजना।

तर्ह (طرح) अ स्त्री—दे 'तरह', दोनों शुद्ध हैं, बुनियाद, नींव।

तर्हअंदाज (طرح انداز) अ फा वि—नींव डालनेवाला, बुनियाद रखनेवाला।

तर्हअफगन (طرح افگن) अ फा वि—दे 'तर्हअंदाज'।

तर्ही (طرحی) अ वि—तर्हवाला, वह मिस्रा जो किसी मुशायरे की तर्ह हो।

तर्हेनौ (طرح نو) अ फा स्त्री—नयी बुनियाद, नये सिरे से कोई तामीर, नये सिरे से कोई काम, अनुष्ठान।

तल (طل) अ. स्त्री—ओस, शबनम।

तलज़्ज़ुज़ (تلذذ) अ. पु.—मज़ा पाना, स्वाद पाना, स्वाद, मजा; लज़्ज़त, आनन्द।

तलत्तुफ (تلطف) अ पु—कृपा, दया, मेहरबानी।

तलफ (تلف) अ पु—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, तबाह; हत, हलाक, मृत।

तलफ़्फ़ुज (تلفظ) अ पु—उच्चारण, मुँह से शब्द निकालना।

तुलबः (طلبه) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।

तलब (طلب) अ स्त्री—माँगना, याचना, अभियाचना, तकाजा; वेतन, तनख्वाह, इच्छा, चाह, ख्वाहिश, बुलावा, तलबी, किसी नशीली वस्तु—जिसके खाने या पीने का अभ्यास हो—की चाह।

तलबगार (طلبگار) अ फा. वि—इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमंद, "इक बार दिखाकर चले जाओ झलक अपनी, हम जल्वए-पैहमके तलबगार कहाँ हैं?"—हसरत मोहानी।

तलबा (طلبا) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थीगण, तालिबेइल्म।

तलबानः (طلبانه) अ फा पु—अदालत में गवाहों आदि के बुलाने को जमा होनेवाला सफ़रखर्च आदि।

तल्बी (طلبی) अ स्त्री–आवाहन बुलावा न्यायालय में सम्मन द्वारा बुलावा।
तल्बीद (طلبیده) फा वि–बुलाया हुआ आहूत सम्मन द्वारा बुलाना।
तलब्बुस (تلبس) अ पु–कपड़े पहनना।
तलम्मुज़ (تلمذ) अ पु–शिष्य होना शागिर्द होना, शिष्यता शागिर्दी विशेषत शायरी की शागिर्दी।
तलव्वुन (تلون) अ पु–रंग बदलना कभी कुछ होना कभी कुछ।
तलव्वुन मिज़ाज (تلون مزاج) अ वि–जो कभी कुछ सोचे कभी कुछ जिसकी राय हर समय बदलती रहे अस्थिर चित्त।
तलब्बुस (تلبس) अ पु–पहनना धारण करना।
तलाक़ (طلاق) अ स्त्री–विवाह विच्छेद मियाँ-बीवी का सम्बन्ध समाप्त करनेवाला अमल।
तलाक़त (طلاقت) अ स्त्री–ज़बान की तेज़ी वाक्य पटुता।
तलाक़ी (تلاقی) अ स्त्री–परस्पर मिलना मुलाक़ात करना भेंट करना।
तलाक़े बाइन (طلاق بائن) अ स्त्री–वह तलाक़ जिसमें विच्छिन्ना स्त्री जब तक दूसरे आदमी से विवाह न कर ले और उसके साथ सहवास न हो जाय तब तक पहला आदमी उससे विवाह नहीं कर सकता।
तलाक़े मुग़ल्लज़ (طلاق مغلظه) अ स्त्री–वह तलाक़ जिसमें फिर पुरुष विच्छिन्ना स्त्री से विवाह कदापि नहीं कर सकता।
तलाक़े रजई (طلاق رجعی) अ स्त्री–वह तलाक़ जिसमें पुरुष स्त्री से पुन विवाह कर सकता है।
तलाक़े निकम (طلاق سکم) अ स्त्री–पट चलना दस्त आना।
तलातुम (تلاطم) अ पु–पानी का मौज मारना तुग़यानी बाढ़।
तलाफ़ी (تلافی) अ स्त्री–क्षतिपूर्ति हानि की पूर्ति नुक़सान का बदला तदारुक।
तलाफ़ीए माफ़ात (تلافی مافات) अ स्त्री–नुक़सान की तलाफ़ी क्षतिपूर्ति।
तलामिज़ (تلامذه) अ पु–तिल्मीज़ का बहु शागिर्द लोग।
तलामीज़ (تلامیذ) अ पु–दे तलामिज़।
तलाय (طلایه) तु पु–रात्रि में पहरा देनेवाली सेना।
तलायगर्दी (طلایه گردی) तु फा स्त्री–सेना की रात्रि में पहरा देने की ड्यूटी।
तलायदार (طلایه‌دار) तु फा पु–तलाय का नायक।
तलाश (تلاش) तु स्त्री–खोज, टोह जुस्तुजू।
तलाशी (تلاشی) तु स्त्री–ढूँढ खोज जुस्तुजू सरकारी आज्ञा से किसी के मकान आदि का छानबीन।
तलीअ (طلیعه) अ पु–दे तलाय।
तलीक़ (طلیق) अ वि–स्वच्छन्द, मुक्त आज़ाद निरंकुश।
तलीक़ुल्लिसान (طلیق اللسان) अ वि–जिसकी ज़बान आज़ाद हो जो चाहे कहे, मुहफट मुखरकण्ठ वाक्पटु तक्रार।
तलीक़ुल यदन (طلیق الیدین) अ वि–मुक्तहस्त उदार दोनों हाथों से देनेवाला।
तलअत (طلعت) अ स्त्री–मुख आकृति चहरा, रूप शोभा छटा, दर्शन दीदार।
तलईन (تلیین) अ स्त्री–नर्म करना मुलाइम करना हल्का जुलाब।
तल्क़ (طلق) अ पु–अभ्रक अभ्रक मदिरा शराब दर्द ज़ेह प्रसव-कष्ट।
तल्क़ीन (تلقین) अ स्त्री–दीक्षा देना गुरुमंत्र देना पीर का मुरीद का अमल आदि पढ़ाना सदुपदेश वा'ज़ नसीहत।
तल्ख़ (تلخه) फा पु–पित्त सफ़रा पित्ताशय सफ़रा की थैली।
तल्ख़ (تلخ) फा वि–कड़वा कटु, अरुचिकर नागवार।
तल्ख़काम (تلخ کام) फा वि–असफलमनोरथ नाकाम।
तल्ख़गो (تلخ گو) फा वि–कटुभाषी कड़वा बातें करने वाला सत्यभाषी ठीक बात कहनेवाला।
तल्ख़ज़बाँ (تلخ زبان) फा वि–दे तल्ख़गो।
तल्ख़ाब (تلخاب) फा पु–दे तल्ख़ाव (तल्ख़=कड़वा+आब=पानी)।
तल्ख़ाब (تلخاب) फा पु–ज़हर का पानी ऐसा पानी जो पिया न जा सके।
तल्ख़ाबे ग़म (تلخاب غم) फा अ पु–प्रेम के दुख का पानी रूपी विष।
तल्ख़ी (تلخی) फा स्त्री–कटुता कड़वापन सत्यता सच्चाई दु शीलता बद अख़लाक़ी।
तल्ख़ीस (تلخیص) अ स्त्री–संक्षिप्त साररूप ख़ुलासा, निष्कर्ष निचोड़ना, खालिसपन।
तल्मीज़ (تلمیذ) अ पु–दे तिल्मीज़ शुद्ध यही है।
तल्मीह (تلمیح) अ स्त्री–किसी की ओर उचटती हुई दृष्टि डालना शेर या बयान में किसी क़िस्से की ओर संकेत।

तल्मीहतलव (تلميح طلب) अ. वि –ऐसा शे'र या मज़मून जिसमे किसी किस्से या बात की व्याख्या ज़ुरूरी हो।
तल्वीन (تلوين) अ. स्त्री –रंग भरना, रंग-बिरंगी करना।
तवक्कुफ़ (توقف) अ. पु –विलंब, ढील, देर।
तवक्कुल (توکل) अ पु –सांसारिक साधनो का भरोसा हटाकर सारे काम ईश्वर की मर्ज़ी पर छोड देना।
तवक्क़ो' (توقع) अ पु –आशा, भरोसा, उम्मीद।
तवज्जोह (توجه) अ पु.–किसी की ओर मुँह करना, ध्यान देना; ध्यान, रुजूअ, गौर, अधिक ध्यान; कृपा, दया, मेहरबानी।
तवत्तुन (توطن) अ. पु –वतन बनाना, रहने लगना।
तवर्रो (تورع) अ पु –संयम, यतिधर्म, आत्मसंयम, परहेजगारी, ज़ुह्द्।
तवल्ला (تولی) अ पु –प्रेम, स्नेह, भक्ति, मुहब्बत।
तवल्लुद (تولد) अ पुं –उत्पत्ति, पैदाइश, लड़का पैदा होना।
तवस्सुत (توسط) अ पु –बीच की राह पकड़ना, न बहुत अधिकता न बहुत कमी, मध्यस्थता, बिचौलियापन।
तवस्सुल (توسل) अ पुं –किसी को किसी काम के लिए वसीला बनाना, सहारा पकड़ना, मा'रिफ़त, ज़रीअ।
तवह्हुम (توهم) अ पु –भ्रम मे डालना; भ्रम मे पडना, भ्रम, भ्रान्ति, वह्म।
तवह्हुमपरस्त (توهم پرست) अ फा. वि –वह्म की बातो को माननेवाला, ऐसी बातो पर विश्वास रखनेवाला जिनका कोई अस्तित्व नही है, भ्रमवादी।
तवह्हुमपरस्ती (توهم پرستی) अ फा स्त्री –निराधार और काल्पनिक चीज़ो पर विश्वास रखना।
तवह्हुश (توحش) अ पु.–वहशी बनना, वहशत होना, किसी चीज से घबराना, भागना।
तवाइफ़ (طوائف) अ स्त्री –'ताइफ़' का बहु, रंडी, गणिका, वारमुखी, क्रीडानारी, वर्चटी, विभावरी, नगरनायिका, वेश्या, मंगलामुखी।
तवाइफ़ज़ाद. (طوائف زاده) अ फा पु –गणिकात्मज, वेश्यापुत्र, रंडी का लडका।
तवाइफ़ुल मुलूकी (طوائف الملوکی) अ स्त्री –देश का उथल-पुथल, राज का कुप्रबंध, राजगद्दी का बार-बार परिवर्तन, गृह-युद्ध आदि का कुचक्र।
तवाज़ुन (توازن) अ पु –दोनो पल्लो मे बोझ बराबर होना, संतुलन, एतिदाल, हमवज़्नी।
तवाज़ुनेकुव्वत (توازن قوت) अ पु –दोनो ओर शक्ति

तवाज़ी (توازی) अ स्त्री –परस्पर बराबर होना; परस्पर बराबर अन्तर होना, समानान्तर।
तवाज़ो' (تواضع) अ पु –आदर, सत्कार, इज्ज़त, आवभगत, खातिरदारी, आतिथ्य, मेहमाँदारी, नम्रता, विनति, आजिज़ी, खाकसारी।
तवातुर (تواتر) अ पु –निरंतरता, अनवरतता, लगातारपन, तसलसुल।
तवाफ़ (طواف) अ पु –किसी चीज़ के चारो ओर फिरना, परिक्रमण, परिक्रमा, प्रदक्षिणा, पँकरमा।
तवाफ़ुक़ (توافق) अ पु –परस्पर एक जगह रहना, एक दूसरे के अनुकूल होना, एक दूसरे की सहायता करना, एक जैसा होना, सदृशता, यकसानियत।
तवाफ़ुक़े लिसानैन (توافق لسانين) अ. पु –दो विभिन्न *भाषाओ के किसी शब्द का एक जैसा होना, बनावट मे* भी और अर्थ मे भी, जैसे—"फ़ुल्ल" अरबी और संस्कृत दोनो मे फूल को कहते हैं।
तवाबिल (توابل) फा पु –गरम मसाले, काली मिर्च, लौंग, इलाइची, जीरा आदि।
तवाबे' (توابع) अ पु –'ताबे' का बहु, अधीन लोग, अनुयायी लोग।
तवारी (تواری) अ स्त्री –छुपना, पोशीदा होना, गुप्ति, गोपन, लोप, पोशीदगी।
तवारीख़ (تواريخ) अ स्त्री –'तारीख़' का बहु, तारीखे, तिथियाँ, इतिहास, किसी देश की तारीख़।
तवारुद (توارد) अ पु –परस्पर एक जगह उतरना, दो शाइरो के किसी शे'र का मज़्मून एक हो जाना, भावसाम्य।
तवालत (طوالت) अ स्त्री –लम्बाई, दीर्घता, आयाम; विलम्ब, ढील, देर, बखेडा, झंझट, दर्दसर, मुद्दत की लम्बाई।
तवालिए इज़ाफ़ात (توالی اضافات) अ स्त्री –किसी वाक्य के शब्दो मे बहुत-सी इज़ाफ़तो का इकट्ठा हो जाना, जैसे—'आप के घर के मालिक के बेटे का नौकर' या जैसे—'गुले सरसब्ज़े बागे खुल्देबरी', यह दोष है।
तवाली (توالی) अ स्त्री –लगातार आना या होना।
तवालुद (توالد) अ पु –संतान उत्पन्न करना, यह शब्द अकेला नही आता वरन् 'तनासुल' के साथ मिलकर 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है दे 'तनासुल'।
तव्वाब (تواب) अ पु –तौब. (पापो की क्षमा याचना) स्वीकार करनेवाला, ईश्वर का नाम।

तशक्कुक (تشکک) अ पु –भ्रम और शंका में पड़ना, संदेह शंका, भ्रम, शक।

तशक्कुर (تشکر) अ पु –शुक्रिय अदा करना, धन्यवाद देना कृतज्ञता प्रकट करना।

तशक्कुल (تشکل) अ पु –किसी चीज का साकार होना।

तशक्की (تشکی) अ स्त्री –गिला करना, उलाहना देना।

तशख्खुस (تشخص) अ पु –निश्चित होना, मुअय्यन होना।

तशत्तुत (تشتت) अ पु –तितर बितर होना, अस्त व्यस्त होना, मुतशिर होना।

तशद्दुद (تشدد) अ पु –सख्ती करना जुल्म करना अत्याचार करना, मारपीट करना।

तशन्नुज (تشنج) अ पु –किसी अंग का अकड़ना, इस प्रकार अकड़ना कि झुके नहीं अकड़न, एठन।

तशफ्फी (تشفی) अ स्त्री –सांत्वना ढाढस तसल्ली, रोगमुक्ति, शिफा।

तशब्बुह (تشبہ) अ पु –सदृश होना, एक-जैसा होना, एकरूपता, सादृश्य हमशक्ली।

तशय्यो (تشیع) अ पु –शीआ होना अपने को शीआ बताना।

तशर्रो (تشرع) अ पु –शरीअत (धर्मशास्त्र) पर चलना।

तशहहुद (تشہد) अ पु –कलिमए शहादत पढ़ना।

तशाउर (تشاعر) अ पु –अपने को शाइर (कवि) बताना झूठा शाइर (शायर) बनना।

तशाबुह (تشابہ) अ पु –परस्पर एक-जैसा होना एक-जैसी आयत (क़ुरान के वाक्य) होने के कारण हाफिज का क़ुरान की आयतों को कहीं का कहीं मिला देना।

तशावुर (تشاور) अ पु –परस्पर सलाह मशवरा करना विचार विनिमय करना, परामर्श करना।

तश्कीक (تشکیک) अ स्त्री –किसी को शंका या भ्रम में डालना।

तश्खीस (تشخیص) अ स्त्री –नियुक्ति करना, निश्चय करना जाँचना, जानकारी के लिए परखना।

तश्खीसे मरज (تشخیص مرض) अ स्त्री –रोग निदान बीमारी की जाँच।

तश्त (طشت) फा पु –थाली, बड़ी रिकेबी थाल परात।

तश्त अज बाम (طشت از بام) फा अव्य –भेद खुलना बात सबमें फैल जाना।

तश्तरी (طشتری) फा स्त्री –रिकाबी प्लेट।

तश्दीद (تشدید) अ स्त्री –एक अक्षर को दो बार पढ़ना द्वित्व उर्दू में तश्दीद का चिह्न (ّ)।

तश्ना (تشنہ) फा वि –प्यासा, तृषित, पिपासित, अतृप्त, जिसका जी न भरा हो, तिश्ना भी प्रचलित।

तश्नाकाम (تشنہ‌کام) फा वि –तृषित, प्यासा, असफल मनोरथ, नाकाम।

तश्ना जिगर (تشنہ‌جگر) फा वि –असफलकाम, नाकामयाब अभिलाषी मुश्ताक।

तश्नालब (تشنہ‌لب) फा वि –जिसके ओठ प्यास के मारे सूख गये हों, बहुत प्यासा —'उम्मीदे लुत्फ़ आपसे है इस खयाले खाम-कव तश्नालब की प्यास बुझी है सराब से।

तश्नए खून (تشنۂ خون) खून का प्यासा जान का दुश्मन प्राणघातक।

तश्नए दीदार (تشنۂ دیدار) देखने का भूखा बहुत अधिक अभिलाषी।

तश्नगी (تشنگی) फा स्त्री –प्यास तृष्णा पिपासा लालसा, अभिलाषा इश्तियाक।

तश्नीअ (تشنیع) अ स्त्री –बुरा भला कहना लानत मलामत करना।

तश्बीब (تشبیب) अ स्त्री –कसीदे में गुरेज के पहले जिसमें कोई दृश्य या किसी घटना का वर्णन होता है और उसके बाद ही गुरेज होता है।

तश्बीह (تشبیہ) अ स्त्री –एक अर्थालंकार जिसमें एक वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से करके उसे घटाया या बढ़ाया या बराबर किया जाता है उपमा।

तश्बीहे ताम (تشبیہ تام) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो पूरी पूरी घटित हो पूर्णोपमा।

तश्बीहे नाक़िस (تشبیہ ناقص) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो दो वस्तुओं में केवल एक बात में ठीक उतरे सबमें न हो लुप्तोपमा।

तशरीफ (تشریف) अ स्त्री –प्रतिष्ठा सम्मान बुजुर्गी खिलअत राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र भूषण आदि पदार्पण, आगम, शुभागम।

तशरीफ अर्जानी (تشریف ارزانی) अ फा स्त्री –दे तशरीफ आवरी।

तशरीफ आवरी (تشریف آوری) अ फा स्त्री –विराजमान होना पदार्पण करना, तशरीफ लाना शुभागमन।

तशरीफफर्माई (تشریف فرمائی) अ फा स्त्री –ठहरना, बैठना तशरीफ रखना।

तशरीफबरी (تشریف بری) अ फा स्त्री –तशरीफ ले जाना वापस जाना, जाना रुखसत होना।

तशरीफात (تشریفات) अ स्त्री –जुलूस शोभायात्रा खिल्अत।

तश्रीह (تشریح) अ. स्त्री –खोलकर बयान करना, स्पष्टीकरण, तौजीह, व्याख्या, टीका, तफस्लील; भाष्य, तफ्सीर; भाषान्तर, उल्था, तर्जमा; शरीर के अंगो, नसो, हड्डियो आदि का विवरण, अनाटमी, शारीर।

तश्रीहुलअब्दान (تشریح الابدان) अ स्त्री.–शरीर का डाक्टरी विवरण, एनाटोमी, शरीर, शरीर-विज्ञान।

तश्विय' (تشویع) अ पु –भूनना, भृष्टि; दवा को पोटली मे रखकर गर्म रेत या राख मे दबाकर भूनना।

तश्वीश (تشویش) अ स्त्री –चिन्ता, सोच, फिक्र; भय, त्रास, डर, आतुरता, व्याकुलता, घबराहट।

तश्वीशअंगेज (تشویش انگیز) अ. फा वि –चिन्ताजनक, फिक्र पैदा करनेवाला।

तश्वीशनाक (تشویش ناک) अ फा वि –भय-संकुल, पुरखतर।

तश्हीर (تشہیر) अ स्त्री –किसी को बुरी तरह जनता मे बदनाम करना, जैसे—गधे पर चढाकर निकालना या मुँह काला करके चारों ओर घुमाना।

तसद्दुक (تصدق) अ पु –न्योछावर होना, सदके होना; कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी; भेंट, बलिदान, सद्क', —"जिस जगह देख लिया जान तसद्दुक कर दी—मैं तो पाबन्द नही काबे या बुतखाने का।"

तसन्नुन (تسنن) अ. पु –सुन्नी होना, पैगम्बर के फरमान का अनुकरण करना।

तसन्नो (تصنع) अ पु –कृत्रिमता, बनावट, दिखावा, जाहिरदारी; जाहिरी खातिरदारी, कपट-व्यवहार, चापलूसी, चाटुकारिता।

तसर्रुफ (تصرف) अ पु –प्रयोग, व्यवहार, इस्तेमाल, अधिकार, कब्जा, परिवर्तन, रद्दोबदल, गबन, मोषण, किसी चीज मे कतर-ब्योत करके अपने मतलब का बना लेना; चमत्कार, करामात।

तसर्रुफे बेजा (تصرف بیجا) अ फा –खियानत, गबन, मोषण, अपहरण।

तसल्ली (تسلی) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढ़स, दिलासा, सतोष, सब्र।

तसल्लुत (تسلط) अ पु –अधिकार, कब्जा, दखल, प्रभुत्व, गलब.।

तसल्सुल (تسلسل) अ पु –निरतरता, लगातारपन, लडी मे लड़ी गूँथना, शृखलाबद्ध।

तसव्वुफ (تصوف) अ पु –ब्रह्मवाद, अध्यात्मवाद, सूफीइज्म, मन की सासारिक विषयो से विरक्ति, परहेजगारी, वेदान्त, ज्ञानकाड, इल्मे तसव्वुफ।

तसव्वुर (تصور) अ पु –चित्त को एकाग्र करके किसी को ध्यान मे प्रत्यक्ष करना, अनुध्यान, ध्यान, विचार, खयाल; कल्पना, तखैयुल।

तसाउद (تصاعد) अ पु –ऊपर चढना, बलद होना।

तसादुम (تصادم) अ. पु –परस्पर टकराना, एक दूसरे को धक्का देना, मुठभेड, लडाई, सघर्ष, टक्कर, टकराव, हानि पहुँचाना, जरर देना.

तसानीफ (تصانیف) अ.स्त्री –'तस्नीफ' का बहु, तस्नीफे, रचनाएँ।

तसाबीह (تسابیح) अ स्त्री –'तस्बीह' का बहु, जपमालाएँ, जप करने की मालाएँ।

तसामुह (تسامح) अ पु –बीरता, बहादुरी, दरगुजर, चश्मपोशी, वक्ता का कुछ कहना और सुननेवाले का कुछ समझना; दुटप्पी बात, जिससे सुननेवाला गलती कर सके, या कर दे।

तसावी (تساوی) अ. स्त्री –परस्पर बराबर होना, समानता, बराबरी।

तसावीर (تصاویر) अ. स्त्री –'तस्वीर' का बहु 'तस्वीरें'।

तसाहुल (تساہل) अ पु –आलस्य, अवसन्नता, काहिली, सुस्ती, आसान समझना।

तसीर (تسیر) अ स्त्री.–सैर करना, विहार करना, सैर-सपाटा, तफ्रीह।

तस्ईद (تصعید) अ स्त्री –ऊँची जगह पर चढना, बलन्द होना, दो हाँडियो या प्यालो मे विधिपूर्वक दवाओ का जौहर उड़ाना।

तस्कीन (تسکین) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोष, इत्मीनान, रोग मे कमी, इफाक', पीडा और दर्द मे कमी, आराम; किसी अच् अक्षर को हल करना।

तस्गीर (تصغیر) अ स्त्री –छोटा करना, सक्षिप्त करना; किसी शब्द के अर्थ मे छोटाई पैदा करना, जैसे—'बाल' से 'बालक' बनाना, इस प्रकार बनाया हुआ शब्द।

तस्खीन (تسخین) अ स्त्री –गर्म करना, गर्मी पहुँचाना।

तस्खीर (تسخیر) अ स्त्री –वशीभूत करना, ताबे' करना, जीतना, जीतकर कब्जा करना; भूत-प्रेत या जिन-परी को वस मे करना, किसी को अपने ऊपर मुग्ध करना।

तस्खीरे कुलूब (تسخیر قلوب) अ स्त्री –लोगो के मन को अपने आचार-व्यवहार से मोह लेना।

तस्खीरे हमजाद (تسخیر ہمزاد) अ फा स्त्री –मंत्र आदि के द्वारा 'हमजाद' को अपने वस मे कर लेना, कहते है कि हमजाद के वशीभूत हो जाने पर मनुष्य जो चाहे कर सकता है, क्योकि 'हमजाद' बड़ा शक्तिशाली होता है।

तस्ज़ीन (تسجين) अ स्त्री –कारागार में बंद करना, जेल में डाल देना।

तस्जील (تسجيل) अ स्त्री –तमस्सुक लिखना, रजिस्ट्री (दस्तावेज़) करना लेख्य दस्तावेज़।

तस्तीर (تسطير) अ स्त्री –लिखना लेखन क्रिया लकीरें खींचना रेखांकन।

तस्तीर (تستير) अ स्त्री –छिपाना गोपन परदा डालना परिवेष्टन।

तस्दीअ़ (تصديع) अ पु –एक बार कष्ट देना एक बार दर्द सर देना कष्ट, दुख तक्लीफ़।

तस्दीअ़ (تصديع) अ स्त्री –सिर की पीडा सरदर्द कष्ट क्लेश दुख तक्लीफ़।

तस्दीक़ (تصديق) अ स्त्री –सच्चे होने की ताईद करना, सच्चा बताना प्रमाण सुबूत।

तस्निय (تثنيه) अ पु –एकवचन और बहुवचन के बीच का द्विवचन यह हिंदी और उर्दू फ़ारसी में नहीं है परन्तु संस्कृत और अरबी में है।

तस्नीफ़ (تصنيف) अ स्त्री –पुस्तक लिखना किताब बनाना रचना लिखी हुई पुस्तक बनाई हुई कविता मनगढ़न्त स्वकल्पित फ़र्ज़ी बात।

तस्नीफ़ात (تصنيفات) अ स्त्री –तस्नीफ़ का बहु, रचनाएं तस्नीफ़ें।

तस्नीम (تسنيم) अ स्त्री –स्वर्ग की एक (नहर)।

तस्फ़िय (تصفيه) अ पु –आपस का निबटारा समझौता निर्णय करना शुद्ध करना साफ़ करना शुद्धि सफ़ाई बाहम-परस्पर-दिलों की सफ़ाई मेल।

तस्फ़ियतलब (تصفيه طلب) अ फा वि –वे बात जिनकी सफ़ाई होनी आवश्यक है।

तस्फ़ियनाम (تصفيه نامه) अ फा पु –वह काग़ज़ जिसमें आपस के तस्फ़िए की लिखता-पढ़ती हो।

तस्बीग़ (تصبيغ) अ स्त्री –रंग करना रंगना।

तस्बीह (تسبيح) अ स्त्री –सुब्हानल्लाह (ईश्वर अत्यन्त पवित्र है) कहना जपमाला माला।

तस्बीहख़्वाँ (تسبيح خواں) अ फा वि –तस्बीह पढ़नेवाला सुब्हानल्लाह का जप करनेवाला।

तस्म (تسمه) फा पु –चमड़े की कम चौड़ी और लम्बी पट्टी जूते का फ़ीता चमड़े का कोड़ा दुर्रा।

तस्मकश (تسمه كش) फा वि –गले में फंदा डालकर मार डालनेवाला ठग जल्लाद क़ातिल।

तस्मपा (تسمه پا) फा पु –जिसका पाँव तस्मे से बंधा हो।

तस्मबाज़ (تسمه باز) फा वि –धूर्त, छली वंचक मक्कार, द्यूतकार, जुआरी।

तस्मबाज़ी (تسمه بازى) फा स्त्री –छल कपट, फ़रेब एक प्रकार का जुआ।

तस्मिय (تسميه) अ पु –बिस्मिल्लाह (ईश्वर के नाम से आरम्भ) कहना, नामकरण नाम रखना।

तस्मियख़्वानी (تسميه خوانى) अ फा स्त्री –बच्चे को पढ़ने बिठाने का संस्कार, विद्यारम्भ।

तस्मीन (تسمين) अ स्त्री –मोटा करना स्थूल बनाना खूब घी और चरबी खिलाना।

तस्मीम (تصميم) अ स्त्री –दृढ़ करना, मज़बूत बनाना दृढ़ पुख़्ता।

तस्लीख़ (تسليخ) अ स्त्री –खाल उतारना शरीर की खाल अलग करना।

तस्लीब (تصليب) अ स्त्री –सूली पर चढ़ाना, सूली देना फाँसी देना।

तस्लीम (تسليم) अ स्त्री –सौंपना सिपुर्द करना सलाम करना, प्रणाम करना कबूल करना स्वीकार करना आज्ञा का पालन करना फ़रमाँबरदारी करना।

तस्लीमात (تسليمات) अ स्त्री –तस्लीम का बहु परन्तु एकवचन के अर्थ में आता है प्रणाम सलाम।

तस्लीस (تثليث) अ स्त्री –तीन भाग करना तीन में बाँटना, ईसाइयों का तीन ख़ुदा मानना।

तस्विय (تسويه) अ पु –समान करना बराबर बनाना, सीधा करना।

तस्वीद (تسويد) अ स्त्री –काला करना काला रंग चढ़ाना, लिखना तहरीर करना मुसव्वदा लिखना।

तस्वीर (تصوير) अ स्त्री –मूर्ति बनाना चित्र खींचना, चित्र प्रतिकृति शबीह छायाचित्र आलोकचित्र फ़ोटो, बहुत ही सुंदर और हसीन शक्ल प्रतिमा मूर्ति बुत।

तस्वीरकशी (تصويركشى) अ फा स्त्री –चित्रण चित्रकर्म तस्वीर बनाना।

तस्वीरख़ान (تصويرخانه) अ फा पु –वह स्थान जहाँ बहुत से चित्र हों या चित्रों से सजाया गया हो जहाँ बहुत सी सुंदर स्त्रियाँ एकत्र हों परीख़ाना सनमख़ाना।

तस्वीरे अक्सी (تصوير عكسى) अ स्त्री –फ़ोटो छायाचित्र।

तस्वीरे ख़याली (تصوير خيالى) अ स्त्री –किसी की आकृति जो चित्त में आये, तसव्वुर में आया हुआ नक़्शा, काल्पनिक चित्र फ़र्ज़ी तस्वीर।

तस्वीरे गिली (تصوير گلى) अ फा स्त्री –मिट्टी की मूर्ति।

तस्वीरे नीमरुख़ (تصویر نیمرخ) अ फा स्त्री –एक तरफ से लिया हुआ चित्र, वह चित्र जिसमे मुख का एक रुख आये।

तस्सूज (طسوج) अ. पु –पात्र, भाजन, वर्तन, तट, किनारा, दो रत्ती की एक तौल, चौथाई 'दाग'।

तस्हील (تسہیل) अ स्त्री.–सुगम वनाना, सरल करना, आसानी पैदा करना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तस्हीले विलादत (تسہیل ولادت) अ स्त्री –वच्चा पैदा होने की आसानी, प्रसव की सुगमता।

तस्हीह (تصحیح) अ स्त्री –शुद्ध करना, दुरुस्त करना, इवारत आदि की गलतियाँ ठीक करना, प्रेस की कापियो या प्रूफो की दुरुस्ती।

तह (تہ) फा स्त्री –निचला हिस्सा, तली, थाह, अन्त, इतिहा, परत, तवक; पेदी, तला, रहस्य, भेद, नुक्ता।

तहक्कुम (تحکم) अ पु –हुक्म जताना, जोर दिखाना, जवर्दस्ती करना।

तहख़ानः (تہخانہ) फा पु –जमीनदोज मकान, तलगृह, अधोगृह, भूगेह, भूगर्भगृह।

तहजुर्अः (تہجرعہ) फा अ. स्त्री –तलछट, गाद; नीचे का वचा हुआ पानी या मदिरा, पीने से वची हुई मदिरा।

तहज्जी (تہجی) अ स्त्री –किसी की निन्दा या हजो करना, शब्दो के हिज्जे करना।

तहज्जुद (تہجد) अ पु –रात मे सोना और रात मे ही जाग जाना, (स्त्री) आधी रात के वाद की नमाज़।

तहज्जुन (تحزن) अ पु –शोकग्रस्त होना, रजीदा होना।

तहज्जुर (تحجر) अ पु –पत्थर की तरह कठोर हो जाना, कठोरता, कडापन, सख्ती।

तहत्तुक (تہتک) अ पु –तू-तू, मैं-मैं, वाक्कलह, निन्दा, अपमान, रुस्वाई।

तहदार (تہدار) फा वि –सार्थक, वामा'नी, गभीर, गहरा, गूढ, दकीक।

तहदेगी (تہدیگی) फा. स्त्री –नीचे की खुर्चन, देग या हाँडी की तह मे जमी हुई खुर्चन।

तहनशीं (تہنشیں) फा वि –नीचे वैठी हुई चीज, तलछट।

तहपेच (تہپیچ) फा पु –पगडी के नीचे की टोपी या कपडा, लुगी के नीचे का कपडा।

तहपोश (تہپوش) फा पु –सारी के नीचे का जाँघिया, अडरवियर।

तहफ़्फ़ुज़ (تحفظ) अ पु –सुरक्षा, हिफाजत, वचाव, रक्षा।

तहफ़्फ़ुज़े हुकूक़ (تحفظ حقوق) अ पु.–अपने हको की रक्षा।

तहवंद (تہبند) फा पु –अधोवस्त्र, नीचे पहनने का कपडा, लुगी, तहमद।

तह व तह (تہ بہ تہ) फा वि –एक के नीचे एक, परत पर परत।

तहवाज़ारी (تہبازاری) फा स्त्री –राज्य की ओर से वाजार की जमीन का ठेका या उसके किराए की उगाही।

तहव्वुज (تہیج) अ पु –वहुत हलकी सूजन, भरभराहट।

तहमतन (تہمتن) फा. पु –महारथी, वहुत वडा योद्धा, रुस्तम की उपाधि।

तहमतनी (تہمتنی) फा स्त्री.–शौर्य, वीरता, वहादुरी, शुजाअत।

तहमैंदानी (تہمیدانی) फा पु –ख़ानावदोश, सचारजीवी।

तहम्मुल (تحمل) अ पु –सहिष्णुता, वुर्दवारी, गभीरता, सजीदगी, धैर्य, सव्र, नम्रता, नर्मी।

तहय्युज (تہیج) अ. पु –जमीन से गर्दोगुवार उठना।

तहय्युर (تحیر) अ पु –अचम्भा, विस्मय, हैरत, तअज्जुव।

तहर्रुक (تحرک) अ पु –हिलना, हरकत होना, हिलना-डुलना।

तहव्वुर (تہور) अ पु –वहादुरी, वीरता, जवाँमर्दी।

तहव्वुर शिआर (تہور شعار) अ वि –शूर, वीर, वहादुर।

तहश्शुम (تحشم) अ पु –वहुत नौकर-चाकरवाला होना, रोव दिखाना, क्रोध प्रकट करना।

तहस्सुर (تحسر) अ पु –शोक, रज, पश्चात्ताप, अफसोस।

तहाइफ (تحائف) अ पु –तुहफा का वहु, तोहफे।

तहाकुम (تحاکم) अ पु –परस्पर मिलकर हाकिम के पास जाना।

तहालुफ (تحالف) अ पु –वाहम किसी पड्यन्त्र करने की शपथ लेना, आपस की कस्माक़स्मी, किसी वात के झूठ-सच होने के लिए आपस मे कस्मा परतीती।

तहारत (طہارت) अ स्त्री –शुद्धता, पवित्रता, पाकीजगी, शौच, इस्तिजा, स्नान, गुस्ल।

तहावुर (تحاور) अ पु –परस्पर वार्तालाप, वातचीत।

तहीन (طحین) अ वि –पिसा हुआ आटा।

तहीयः (تہیہ) अ पु –इराद, सकल्प; निश्चय, तय, तत्परता, आमादगी।

तहीयत (تحیت) अ स्त्री –सलाम, तस्लीम, प्रणाम, वदना, रसूल पर दुरूद, जीवनदान करना, जिन्दगी देना, सत्ता, राज्य, हुकूमत।

तहीयात (تحیات) अ स्त्री –'तहीयत' का वहु, 'वदनाएँ, दुरूदो सलाम।

तहूर (طہور) अ वि –पवित्र, निर्मल, शुद्ध, पाक।

तहेख़ाक (تہخاک) फा अव्य–जमीन के नीचे, अर्थात कब्र में।

तहेतेग़ (تہتیغ) फा वि–हत वधित, मक़तूल।

तहोबाला (تہوبالا) फा वि–तले-ऊपर अस्त-व्यस्त गड़बड़ विनष्ट विध्वस्त बरबाद।

तहय्युर (تحیر) अ पु–द तहय्युर।

तहक़ीक़ (تحقیق) अ स्त्री–जाँच-पड़ताल गवेषणा तफ़्तीश तलाश जिज्ञासा विदित, बात दरयाफ़्त अनुसंधान रिसर्च।

तहक़ीक़ात (تحقیقات) अ स्त्री–तहक़ीक़ का बहु परन्तु एकवचन में बोलते हैं सरकारी तौर पर किसी मआमले की जाँच-पड़ताल।

तहक़ीक़े हक़ (تحقیق حق) अ स्त्री–सत्य की खोज सत्यान्वेषण असलियत की तलाश।

तहक़ीर (تحقیر) अ स्त्री–अपमान अनादर बेइज़्ज़ती निरादर अपयश बदनामी घृणा उपेक्षा।

तहज़ीब (تہذیب) अ स्त्री–सभ्यता शिष्टता शाइस्तगी संस्कृति परिष्कृति आरास्तगी सुशीलता ख़ुशअख़्लाक़ी उठन-बैठन बातचीत करने, और के सामने जाने का सलीक़ा।

तहज़ीबे अख़्लाक़ (تہذیب اخلاق) अ स्त्री–अख़्लाक़ की दुरुस्ती आचार-व्यवहार और नागरिकता के नियमों का पालन।

तहज़ीब जदीद (تہذیب جدید) अ स्त्री–नवीन सभ्यता पाश्चात्य संस्कृति मग़रिबी तहज़ीब।

तहत (تحت) अ वि–निम्न नीचे अधीन मातहत अधिकार इख़्तियार दबाव।

तहतुल्लफ़्ज़ (تحت اللفظ) अ वि–नज़्म या ग़ज़ल को तरन्नुम से न पढ़कर साधारण ढंग से पढ़ना गाकर न पढ़ना गद्य की भाँति पढ़ी हुई कविता।

तहतश्शुआअ (تحت الشعاع) अ वि–चांद्र मास के वे दो या तीन दिन जब चंद्रमा इतना महीन होता है कि दिखाई नहीं देता। ये दिन अशुभ माने जाते हैं।

तहतस्सरा (تحت الثرا) अ पु–पृथ्वी का सबसे नीचे का तल पाताल।

तहतानी (تحتانی) अ वि–उर्दू का वह अक्षर जिसके नीचे नुक़्ते हों।

तहदिय (تہدیہ) अ पु–किसी को कोई चीज़ भेंट करना तोहफ़ा देना भेंट उपहार उपायन तोहफ़ा।

तहदीद (تہدید) अ स्त्री–त्रास्ना डराना भय दिखाना धमकाना घुड़कना भत्सना।

तहदीद (تحدید) अ स्त्री–हद बाँधना सीमाबद्ध करना सीमित या नियत करना, तीव्र करना तेज़ करना।

तहदीस (تحدیث) अ स्त्री–हदीस बयान करना।

तहन (طحن) अ पु–पीसना आटा पीसना।

तहमीद (تحمید) अ स्त्री–स्तुति करना हम्द करना।

तहरीक (تحریک) अ स्त्री–हिलाना हरकत देना, प्रवृत्त करना, रग़बत दिलाना बरग़लाना, बहकाना प्रस्तावना आन्दोलन।

तहरीफ़ (تحریف) अ स्त्री–किसी चीज़ की दशा और आकृति बदल देना किसी बात को कुछ का कुछ कर देना किसी शब्द के अक्षरों में परिवर्तन करके कुछ का कुछ बना देना।

तहरीम (تحریم) अ स्त्री–किसी चीज़ को अपने या किसी के लिए हराम कर देना पवित्र करना।

तहरीर (تحریر) अ स्त्री–लिखना लिखने का अमल हस्तलिपि हाथ की लिखावट अक्षरन्यास लिखावट लेख्य, लेखपत्र दस्तावेज़ लिखित प्रमाण तहरीरी सुबूत मज़मून इबारत हलकी लकीर या ख़त, सुरमे की लकीर सनद प्रमाणपत्र इक़रारनामा संविदापत्र लिखने की उजरत लिखाई।

तहरीरी (تحریری) अ वि–लिखित लिखा हुआ।

तहरीस (تحریص) अ स्त्री–लालच देना प्रलोभन प्रदान रग़बत दिलाना प्रलोभ लालच।

तहल[ल]क (تہلکہ) अ पु–कोलाहल कोहराम खलबली हलचल मरना निधन।

तहलील (تحلیل) अ स्त्री–विलयन घुलना, पचना हज़्म होना क्षीणता दुबला होना किसी पदार्थ का गलना या पिघलना, किसी चीज़ को अलग-अलग करना।

तहलील (تہلیل) अ स्त्री–ला इलाह इल्लल्लाह (एक ईश्वर के सिवाय कोई ईश्वर नहीं है) कहना ईश्वर स्तुति करना, हम्द सना करना।

तहवील (تحویل) अ स्त्री–फिरना फिराना सिपुर्द करना हस्तांतरित करना प्रवेश करना दाख़िल होना किसी ग्रह का किसी राशि में प्रवेश दूकान का बचाया रुपया जो हर रोज़ बही में लिखा जाता है रोकड़।

तहवीलदार (تحویلدار) अ फा पु–जिसके पास तहवील हो रोकड़िया ख़ज़ानची।

तहवीले आफ़ताब (تحویل آفتاب) अ फा स्त्री–सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश संक्रांति।

तहशिय (تحشیہ) अ पु–किसी पुस्तक आदि पर फ़ुटनोट लिखना।

तह्सीन (تحسین) अ. स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, तारीफ।

तह्सीने नाशनास (تحسین ناشناس) अ फा. स्त्री – किसी हुनर या काव्य की ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रशसा जो उससे विल्कुल अनजान हो।

तह्सील (تحصیل) अ. स्त्री –हासिल करना, उपार्जन, एकत्र करना, इकट्ठा करना, मालगुजारी, राजस्व, जिले का एक भाग, तहसीलदार की कचहरी।

तह्सीलदार (تحصیلدار) अ. फा पु –तहसील का अफसर, जिसका काम मालगुज़ारी इकट्ठा करना होता है।

तह्सीलदारी (تحصیلداری) अ फा स्त्री.–तहसीलदार का पद, तहसीलदार का काम।

तह्सीले इल्म (تحصیل علم) अ स्त्री –इल्म हासिल करना, विद्योपार्जन।

तह्सीले ख़ाम (تحصیل خام) अ फा. स्त्री –जमीदारी का सारा रुपया, सारी तहसील, कच्ची तहसील।

तह्सीले ज़र (تحصیل زر) अ फा स्त्री –रुपया कमाना, धनोपार्जन।

तह्सीले हासिल (تحصیل حاصل) अ. स्त्री –जो प्राप्त है उसकी प्राप्ति का प्रयत्न; व्यर्थ काम।

ता

ता (تا) फा अव्य.–तक, तलक।

ताअत (طاعت) अ स्त्री –उपासना, आराधना, पूजा, इवादत, वंदगी।

ताआत (طاعات) अ स्त्री –'ताअत' का वहु, आराधनाएँ, पूजाएँ, इवादते।

ताइन (طاعن) अ वि –वाण मारनेवाला, तीर से घायल करनेवाला; ता'ना देनेवाला।

ताइफः (طائفہ) अ पु –दल, समुदाय, जमाअत, रडी और उसके साजिंदे आदि।

ताइफ (طائف) अ वि –परिक्रमा करनेवाला, किसी चीज के चारों ओर फिरनेवाला, तवाफ करनेवाला, सोते मे आनेवाला ख़याल।

ताइव (تائب) अ वि –तौवा करनेवाला, पाप या किसी वुरी आदत पर लज्जित होकर उससे अलग रहने की प्रतिज्ञा करनेवाला।

ताइर (طائر) अ पु –वायु मे उडनेवाला, पक्षी, चिडिया, परद।

ताइरे अर्श (طائر عرش) अ पु –अर्श (ईश्वर का निवास-स्थान) तक उडनेवाला, 'जिव्रील' फिरिश्ता, आकाशगामी पक्षी।

ताइरे क़िव्लःनुमा (طائر قبلہ نما) अ फा पु –कुतुवनुमा की सुई।

ताइरे क़ुद्स (طائر قدس) अ. पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइरे लाहूत (طائر لاهوت) अ पु –दे 'ताइरे अर्श', ब्रह्म-लोक तक उडकर जानेवाला।

ताइरे सिद्रः (طائر سدرہ) अ पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइल (طائل) अ पु –लाभ, फायदा।

ताई (طائی) अ पु –अरव का एक कवील (वश) जिसमे 'हातिम' हुआ है।

ताईद (تائید) अ स्त्री –सहायता, मदद; पक्षपात, हिमायत; पुष्टि, तस्दीक; दावे के प्रमाण में कोई दस्तावेज आदि।

ताईदे आस्मानी (تائید آسمانی) अ फा स्त्री –दैवी सहायता, गैवी मदद, अनायास ऐसी वात हो जाना जिससे किसी कठिन काम मे सफलता प्राप्त हो जाय।

ताईदे गैवी (تائید غیبی) अ स्त्री –दे 'ताईदे आस्मानी'।

ताईदे रव्वानी (تائید ربانی) अ स्त्री –दे. 'ताईदे आस्मानी'।

ता'ईन (تعئین) अ स्त्री –निश्चय, तऐयुन, नियुक्ति, तकर्रुर।

ता'ऊन (طاعون) अ पु –एक महामारी, एक ववा, प्लेग।

ताऊस (طاؤس) अ पु –मयूर, वर्ही, शिखी, मोर।

ताए करशत (تاے قرشت) अ स्त्री –'अवजद' के हिसाव से 'करशत'वाली ते (ت)।

ताए सकीलः (تاے ثقیلہ) अ स्त्री –हिंदी का 'ट' (ٹ)।

ताक़. (طاقہ) अ पु –कपडे का थान, जिस प्रकार घोडे के लिए 'रास', हाथी के लिए 'जजीर', रुपये के लिए 'मुब्लिग' आता है उसी तरह कपडे के थान के लिए 'ताक' आता है।

ताक़ (طاق) अ पु –दीवार मे वना हुआ छोटा मेहरावदार खोल, मोखल, वह अक जो दो से न वँटे, जसे–३, ५, ७, ९; दक्ष, निपुण, चतुर, समाप्त, ख़त्म, इस अर्थ में केवल 'ताकत' के लिए आता है, जैसे–'ताकत ताक हो गयी' अर्थात् शक्ति समाप्त हो गयी।

ताकचः (طاقچہ) अ फा पु –छोटा ताक।

ताक़त (طاقت) अ स्त्री –शक्ति, वल, जोर, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, साहस, मजाल, उत्साह, उमग, हौसला, सत्ता, राज, हुकूमत, पात्र, जर्फ।

ताकतआज़माई (طاقت آزمائی) अ फा स्त्री –जोर लगाना, कोशिश करना।

ताकतवर (طاقتور) अ फा वि –शक्तिशाली, वलवान्, जोरावर।

ताकी (طاقی) फा स्त्री –एक लम्वी टोपी जो ताक के

आकार का होती है एक घोड़ा जिसकी एक आँख छानी और दूसरा वनी होता है।

ताकीद (تاکید) अ स्त्री –कोई बात जोर देकर कहना किसी बात का जरूर करने या न करने का हुक्म देना इसरार हठ जिद।

ता'क़ीद (تعقید) अ स्त्री –इस तरह पर्दे में बात करना कि समझ में न आये बहुत-सी गाठें डाल देना किसी वाक्य में शब्दों का ऐसा उलटफेर कर देना कि अर्थ समझने में कठिनाई हो।

ताकीदन (تاکیداً) अ वि –ताकीद के साथ जोर देकर।

ताकीदी (تاکیدی) अ वि –जिस बात की ताकीद की गयी हो जरूरी सख्त।

ताकीदे अकीद (تاکید اکید) अ स्त्री –बहुत ही कड़ी ताकीद।

ताकीदे मा'नवी (تعقید معنوی) अ स्त्री –किसी वाक्य या नसर में किसी शब्द का ऐसा अर्थ लेना जो उसके साधारण अर्थ के विपरीत हो।

ता'क़ीदे लफ़्ज़ी (تعقید لفظی) अ स्त्री –किसी वाक्य या नसर में शब्दों का ऐसा उलट-फेर जिससे अर्थ बदल जाय।

ताकीदे शदीद (تاکید شدید) अ स्त्री –दे ताकीदे अकीद।

ता कुजा (تا کجا) फा अव्य –कब तक कहा तक।

ताक़ निस्यां (طاق نسیاں) अ पु –विस्मृति का ताक विस्मृति रूपी ताक जिसमें रखकर हर चीज भुला दी जाती है।

ताकू (تاکو) फा अव्य –दे ता कुजा।

ताखीर (تاخیر) अ स्त्री –विलंब ढील देर मद्य बड़ा दुखदार तलब—चाह बना ताखीर-पसन्द।

ताख्ता (تاختہ) फा वि –दौड़ा हुआ भागा हुआ।

ताख्त (تاخت) फा स्त्री –आक्रमण हमला धावा छापा लूटमार गारतगरी।

ताख्तोताराज (تاخت و تاراج) फा स्त्री –बरबादी तबाही विनाश विध्वंस लूटमार लूट-खसोट।

तागी (طاغی) अ वि –अवज्ञाकारी नाफरमान सरकश विद्रोही राजद्रोही बागी।

तागूत (طاغوت) अ पु –एक बुत एक पिशाच अत्यन्त निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति।

तागूती (طاغوتی) अ वि –पिशाचपन सताना पिशाच वत शैतान।

ताचंद (تاچند) फा अव्य –कब तक कहाँ तक।

ताज़ा (تازہ) फा वि –नवीन नूतन नया सरसब्ज हरा भरा तत्कालीन हाल का हाल का बना हुआ हाल का किया हुआ हाल का पका हुआ हाल का आया हुआ शादाब तरोताजा।

ताज़ाकार (تازہ کار) फा वि –नौसिखिया नवाभ्यस्त।

ताज़ादम (تازہ دم) फा वि –जिसे थकन और कमल न हो पाया।

ताज़ा दिमाग़ (تازہ دماغ) फा अ वि –जिसका दिमाग थका हुआ न हो जिस दिमाग पर अभी जरा भी जोर न पड़ा हो।

ताज़ा ब ताज़ा (تازہ بتازہ) फा वि –बिल्कुल नया बिल्कुल हाल का ताजा ताजा गमागम।

ताज़ा मश्क़ (تازہ مشق) फा अ वि –दे ताजाकार।

ताज़ा वारिद (تازہ وارد) फा अ वि –जो अभी अभी बाहर से आया हो नवागत।

ताज़ा विलायत (تازہ ولایت) फा अ वि –जो अभी-अभी किसी अन्य देश से आया हो और इस देश की बाल बाल और चाल-ढाल से अनभिज्ञ हो।

ताज (تاج) फा पु –मुकुट शाही टोपी परदे के सर की कल्गी शिखा।

ताज़ (تاز) फा प्रत्य –हमला करनेवाला जैसे–यक्क ताज़ अकेला हमला करनेवाला (स्त्री) आक्रमण हमला दौड़ ताख्त।

ताज़गी (تازگی) फा स्त्री –नवीनता नयापन हरा भरापन सरसब्जी चेहरे की रौनक मुखश्री प्रफुल्लता फरहत प्रसन्नता खुशी तरावट तरी शीतलता।

ताजदार (تاجدار) फा पु –मुकुटधारी नरेश राजा बादशाह।

ताजपोशी (تاج پوشی) फा स्त्री –राजगद्दी अभिषेक राज्याभिषेक बादशाह का गद्दी पर बैठना।

ताजवर (تاجور) फा पु –दे ताजदार।

ताज़िंदगी (تا زندگی) अ फा अव्य –तमाम उम्र आजन्म यावज्जीवन।

ता'ज़िय (تعزیہ) अ पु –हजरत इमाम हुसैन के रौजे की नकल जिसका जुलूस मुहर्रम में उठता है।

ता'ज़ियदार (تعزیہ دار) अ फा पु –ताजिया बनाने और उठानेवाला।

ता'ज़ियदारी (تعزیہ داری) अ फा स्त्री –ताजिया बनाना उठाना और रौशनी वगैर करना।

ता'ज़ियत (تعزیت) अ स्त्री –किसी के मर जाने पर उसके घर शोक प्रकट के लिए जाना पुरसा।

ता'ज़ियतख़ान (تعزیت خانہ) अ फा पु –वह घर जिसमें कोई गमी हो गयी हो शोक गृह।

ता'ज़ियतगाह (تعزیت گاہ) अ फा स्त्री –दे ताजियतखान।

ताजियतनाम (تعزیت نامہ) अ फा पु –किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियों के शोक का पत्र शोकपत्र।

ताज़ियान: (تازیانہ) फा पु.—कोड़ा, प्रतोद, कशा, चाबुक।

ताजिर (تاجر) अ. पु—व्यापारी, सौदागर, व्यवसायी, वणिक्।

ताजिरान: (تاجرانہ) अ फा. अव्य—व्यापारियों-जैसा, जैसा व्यापारियों के लिए होता है वैसा।

ताज़ी (تازی) फा वि—अरब की भाषा, अरबी, अरब का घोड़ा, शिकारी कुत्ता, अरब का रहनेवाला।

ताज़ीक (تاجیک) फा पु—अरब की वह सन्तान जो ईरान में रहकर जवान हुई हो।

ताज़ीख़ान: (تازی خانہ) फा. पु—कुत्तों के रहने का घर, जहाँ कुत्ते पाले और रखे जायें, श्वानागार।

ताज़ीनज़ाद (تازی نژاد) फा वि—अरब की नस्ल का घोड़ा।

ता'ज़ीब (تعذیب) अ स्त्री—कष्ट देना, दुःख देना, मुसीबत पहुँचाना।

ता'ज़ीम (تعظیم) अ. स्त्री—आदर, सत्कार, सम्मान, इज्जत, प्रणाम, तस्लीम।

ता'ज़ीर (تعزیر) अ स्त्री—सजा देना, दंड देना।

ता'ज़ीरात (تعزیرات) अ. स्त्री—'ता'ज़ीर' का बहु., सजाएँ, सजाओं से सबद्ध न्याय की पुस्तक, दंड-विधान।

ता'जील (تعجیل) अ. स्त्री—जल्दी करना, शीघ्रता करना; शीघ्रता, जल्दी।

ताज़ीस्त (تازیست) फा. अव्य—जिंदगी भर, आजन्म।

तातार (تاتار) फा पु—तुर्किस्तान का एक इलाका जहाँ तातारी रहते हैं।

तातारी (تاتاری) फा पु—तातार देश का रहनेवाला।

ता'तीर (تعطیر) अ स्त्री—इत्र से वासना, सुगंधित करना।

ता'तील (تعطیل) अ. स्त्री—अवकाश, फ़ुर्सत, निठल्लापन, बेकारी, छुट्टी, कारख़ाने, दफ़्तर या स्कूल के बंद होने का दिन।

तातूर: (تاتورہ) फा. पु—धतूरा, धत्तूर, एक प्रसिद्ध विषैला फल।

तादमेज़ीस्त (تادم زیست) फा अव्य—जब तक आख़िरी साँस है तब तक, ताज़ीस्त, जीवनभर।

ता'दाद (تعداد) अ स्त्री—गणना, गिनती, अनुमिति, अंदाज, संख्या, शुमार।

ता'दिय: (تعدیہ) अ पु—रोग का एक स्थान से दूसरे स्थान तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जाना, अकर्मक क्रिया को सकर्मक बनाना।

तादीब (تادیب) अ स्त्री—अदब सिखाना, शिष्ट बनाना, तंबीह करना, घुड़की देना, कान मरोड़ना, सजा देना।

ता'दील (تعدیل) अ स्त्री—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के बराबर करना; समता, बराबरी; ठीक करना, दुरुस्त करना, सीधा करना, ऐंठ निकालना।

ता'न: (طعنہ) अ पु—व्यंग, कटाक्ष, तंज़; उपालम्भ, गिला, निंदा, बुराई।

ता'नज़न (طعنہ زن) अ फा वि—ता'न देनेवाला, व्यंग करनेवाला।

ता'न:ज़नी (طعنہ زنی) अ फा. स्त्री—ता'न देना, व्यंग करना।

ता'न (طعن) अ उभ—कटाक्ष, व्यंग, ता'न, तीर मारना।

तानीस (تانیث) अ स्त्री—स्त्रीलिंग होना, स्त्रीलिंग।

ता'नोतश्नीअ (طعن و تشنیع) अ स्त्री—व्यंग और कटाक्ष, तरह-तरह के ताने, लानत-मलामत।

तापत: (تافتہ) फा वि—बटा हुआ, बल दिया हुआ, चमकता हुआ, चमकदार, रौशन; एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

ताब: (تابہ) फा पु—रोटी पकाने का बर्तन, तवा।

ताब (تاب) फा स्त्री—उष्णता, गर्मी, उष्णिमा, ज्योति, आभा, चमक, बल, पेंच, ख़म; शक्ति, ज़ोर; सहन-शक्ति, बर्दाश्त; सामर्थ्य, मक्दूर, (प्रत्य) रौशन करनेवाला, जैसे—'आलमताब' संसार को चमकानेवाला।

ताबइम्काँ (تا بامکان) फा. अ. अव्य—अपने इम्कान भर, यथासंभव, यथाशक्ति।

ता ब कमर (تا بہ کمر) फा अव्य—कमर तक, कमर तक आया या पहुँचा हुआ, जैसे—ता ब कमर पानी या ता ब कमर जुल्फ।

ताब कुजा (تابہ کجا) फा अव्य—कहाँ तक, कब तक, ता कुजा, ताकि।

ता बके (تا بکے) फा अव्य—दे 'ताब कुजा'।

ताबख़ान: (تاب خانہ) फा पु.—गर्म किया हुआ कमरा, गर्म मकान, गर्म हम्माम, गर्म स्नानागार; वह कमरा जहाँ चूल्हा या भट्ठी हो।

ताबख़ान: (تا بہ خانہ) फा अव्य—घर तक, मकान तक।

ता ब गुलू (تا بہ گلو) फा अव्य—गले तक।

ता ब ज़ीस्त (تا بہ زیست) फा. अव्य—जीवन भर, जीते-जी, आजीवन, आजन्म।

ताबदाद: (تابدادہ) फा वि—बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

ताबदान (تابدان) फा पु—मकान का रौशनदान, गवाक्ष, झरोखा, वातायन।

ताबदार (تابدار) फा वि—ज्योतिर्मय, जाज्वल्यमान, ताबाँ, बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

ताबनाक (تابناک) फा वि –रौशन, प्रकाशमान, ज्योतिमय, चमकता हुआ।
ताबनाकी (تابناکی) फा स्त्री –चमक, प्रकाश, ज्योति, नूर।
ता ब मक्दूर (تا به مقدور) फा अ अव्य –यथाशक्य यथाशक्ति, अपनी ताकत भर भरसक।
ता ब हद्दे (تا به حدے) फा अ अव्य –इस हद तक यहाँ तक जिस हद तक, जहा तक।
ता ब हयात (تا به حیات) फा अ अव्य –दे ता ब जीस्त।
ताबाँ (تاباں) फा वि –प्रकाशमान दीप्त ज्वलन्त रौशन मुनव्वर।
ताबानी (تابانی) फा स्त्री –प्रकाश आभा ज्योति रौशनी नूर।
ताबिंद (تابندہ) फा वि –चमकनेवाला प्रकाशमान रौशन।
ताबिंदगी (تابندگی) फा स्त्री –चमक जिला जगमगाहट ज्योति प्रकाश नूर रौशनी।
ताबिई (تابعی) अ पु –वह अरब जिसने रसूल के किसी सिहाबी (निकट जन) को देखा हो।
ताबिए फरमान (تابع فرمان) अ वि –आज्ञापालक हुक्म माननेवाला, भक्त, वफादार।
ताबिए मुहमल (تابع مہمل) अ पु –वह अनर्थक शब्द जो किसी शब्द से मिलाकर बोला जाता है जैसे—रोटी वोटी। इसमें वोटी का कोई अर्थ नहीं है परन्तु बोलते है।
ता'बिय: (تعبیہ) अ पु –सजाना सवारना क्रमबद्ध करना तर्तीब देना लड़ाई के लिए फौज सजाना पक्ष्याकारी करना, जड़ना।
ताबिश (تابش) फा स्त्री –तपन उष्णता गर्मी ज्योति प्रकाश तावानी जगमगाहट चमक-दमक।
ताबिशे आफ्ताब (تابش آفتاب) फा स्त्री –धूप की गर्मी, सूरज की तेज चमक।
ताबिस्तान (تابستان) फा पु –ग्रीष्मकाल गर्मी की ऋतु।
ताबीद (تابیدہ) फा वि –ज्योतिमय प्रकाशित, चमकता हुआ चमका हुआ।
ता'बीर (تعبیر) अ स्त्री –स्वप्न का नतीजा बयान करना स्वप्नफल बताना कष्ट कल्पना करना तौजीह करना, कहना बताना।
ताबूत (تابوت) अ पु –वह सदूक जिसमें शव का बन्द करके गाड़ते हैं एक प्रकार का ताज़िया जो छोटा उठता है।
ताबे (تابع) अ वि –वशवर्ती वशीभूत अधीन जेरहुक्म आज्ञाकारी फर्माबरदार, अनुयायी अनुवर्ती मुकल्लिद।
ताबे ग़म (تاب غم) फा अ स्त्री –दुख सहने की शक्ति गम की बरदाश्त।
ताबे ज़ब्त (تاب ضبط) फा अ स्त्री –दुख और कष्ट की सहन शक्ति, प्रेम के कष्ट सहने की शक्ति।
ताबे'दार (تابعدار) अ फा वि –अनुयायी आज्ञाकारी हुक्म माननेवाला, फर्माबरदार।
ताबे फुग़ाँ (تاب فغاں) फा स्त्री –आर्तनाद करने की शक्ति।
ताबो तुवाँ (تاب و تواں) फा स्त्री –शक्ति सामर्थ्य जोर कुव्वत।
ता'म (طعم) अ पु –स्वाद, रस जाइका मज़ा।
ताम (تام) अ वि –समस्त सब सब पूर्ण समग्र कुल।
तामात (طامات) अ स्त्री –डींग शेखी लाफ बनावटी फकीरों और साधुओं की वे डींगें जो वे अपनी दुकानदारी चलाने के लिए दूसरे लोगों के सामने मारते है और जिनमें वे अपनी करामातों और चमत्कारों का वर्णन बड़े चित्ताकर्षक और रोचक ढंग से करते है।
ता'मिय: (تعمیہ) अ पु –अंधा करना आँखें फोड़ना छिपाना गोपन करना, अबजद के हिसाब से निकाली हुई तारीख में कोई सख्या घटाना जिससे वर्षों की सख्या पूरी हो जाय परन्तु इस प्रकार घटाई हुई सख्या सौ से अधिक नहीं हो सकती बरखिलाफ तख्रिज के जिसमें सख्या घटाने की कोई हद नियत नहीं है।
ता'मीम (تعمیم) अ स्त्री –किसी बात को आम कर देना व्याप्ति हर एक के लिए कर देना तख्सीस न रखना।
ता'मीर (تعمیر) अ स्त्री –निर्माण रचना बनाना इमारत बनाना वास्तु क्रिया सुधार इस्लाह बनावट साख्त इमारत, बिल्डिंग।
ता'मीरी (تعمیری) अ वि –इस्लाही रचनात्मक।
ता'मीरे क़ौम (تعمیر قوم) अ स्त्री –राष्ट्र निर्माण देश का सुधार जाति निर्माण अपनी बिरादरी कौम या समाज का सुधार।
ता'मीरे मुल्क (تعمیر ملک) अ स्त्री –राष्ट्र निर्माण देश का सुधार।
ता'मील (تعمیل) अ स्त्री –आज्ञा का पालन करना हुक्म मानना किसी परवाने सम्मन या वारट की तामील निष्पादन।
ता'मीलात (تعمیلات) अ स्त्री –अदालत में सम्मन आदि की तामील का काम, इजराये तामील।
ता'मीले हुक्म (تعمیل حکم) अ स्त्री –आज्ञा का पालन हुक्म की तामील।
तामे' (طامع) अ वि –लालची लिप्सु लोभी लोभी।

तामेह (طامیح) अ वि.—उद्दंड, उजड्ड, अवज्ञाकारी, सरकश; उच्च, बलंद।

ताम्मः (تامّہ) अ स्त्री.—संपूर्ण, सब, तमाम।

तार (تار) फा पु.—तन्तु, डोरा, किसी धातु का पतला सूत, क्रम, सिलसिला, धागा, सूत्र, तार की खबर, टेलीग्राम, लस, लस का चेप, झड़ी, कतार, (वि) 'तारीक' का लघु, अँधेरा, तमिस्र, तारीक।

तारक (تارک) फा पु.—माँग, सीमंत; चोटी, शृंग; शिरस्त्राण, खोद।

तारकश (تارکش) फा पु.—धातुओ के तार बनानेवाला।

तारकशी (تارکشی) फा स्त्री.—सोने-चाँदी के तार बनाना, कपड़े के तार अलग करके बेल-बूटे बनाने का काम।

तार तार (تارتار) फा वि.—टुकड़े-टुकड़े, धज्जी-धज्जी, रेज़ा-रेज़ा, बिल्कुल फटा पुराना कपड़ा।

तारपोद (تارپود) फा पु.—दे 'तारोपोद'।

ताराज (تاراج) फा पु.—विनाश, बरबादी, लूटमार, गारतगरी, नष्ट, विनष्ट, बरबाद।

ताराजगाह (تاراجگاہ) फा स्त्री.—लूट-मार की जगह, वह स्थान जहाँ डाकू रहते हो और लोग लुट जाते हो।

तारिक (طارق) अ पु.—दुर्घटना, सख्त हादिसा, प्रातःकाल मे उदय होनेवाला एक तारा; हर वह चीज जो रात मे निकले, इसी लिए चोर और राहगीर को भी कहते है, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

तारिक (تارک) अ वि.—त्याग करनेवाला, छोड़नेवाला, अहंकारी, घमंडी।

तारिकुद्दुन्या (تارک الدنیا) जिसने संसार से पूर्णतया सम्बन्ध विच्छिन्न कर लिया हो, विरक्त, निवृत्त, यति।

तारिके दुन्या (تارک دنیا) अ वि.—दे 'तारिकुद्दुन्या'।

तारिके लज्ज़ात (تارک لذات) अ वि.—जिसने संसार के सारे आनंदो पर लात मार दी हो, निस्पृह, निग्रही।

तारी (طاری) अ वि.—छा जानेवाला, ढँक लेनेवाला, छाया हुआ, ढाँके हुए।

ता'रीक (تعریق) अ स्त्री.—पसीना निकालना, औषधियो के द्वारा शरीर से पसीना निकालना।

तारीक (تاریک) फा वि.—तमिस्र, अंधकारमय, अँधियारा।

तारीक ज़मीर (تاریک ضمیر) फा. अ वि.—अंतःमलिन, जिसका बातिन पापमय हो।

तारीक दरूँ (تاریک دروں) फा वि.—दे 'तारीक दिल'।

तारीक दिल (تاریک دل) फा वि.—जिसके दिल मे ईमान की रौशनी न हो, अधात्मा, खबीस, दुष्टात्मा।

तारीक बातिन (تاریک باطن) फा अ वि.—दे 'तारीक दिल'।

तारीकिए शब (تاریکئی شب) फा स्त्री.—रात का अँधेरा।

तारीकी (تاریکی) फा स्त्री.—अँधियारी, अंधकार, अँधेरा, धुँधलापन।

तारीख़ (تاریخ) अ स्त्री.—महीने की तिथि, डेट, मुकद्दमे की सुनवाई का दिन; पिछले हालात का जिक्र, इतिहास, तवारीख, इतिहास की किताब; 'अबजद' के हिसाब से निकाला हुआ किसी वाकिए का साल; इतिहास-विज्ञान, वह इल्म जिसमे पिछले हालात और वाकियात का वर्णन हो।

तारीख़गो (تاریخ گو) अ फा. वि.—वह शाइर जिसे 'अबजद' के हिसाब से किसी घटना की तारीख निकालने का अभ्यास हो।

तारीख़दाँ (تاریخ داں) अ फा वि.—इतिहासवेत्ता, इल्मे तारीख का माहिर।

तारीख़नवीस (تاریخ نویس) अ फा. वि.—इतिहासकार, तारीख लिखनेवाला, मुअर्रिख।

तारीख़ी (تاریخی) अ वि.—प्राचीन इतिहास से सम्बन्ध रखनेवाला, जैसे 'तारीखी मकाम', तारीख का, ऐतिहासिक।

ता'रीज़ (تعریض) अ स्त्री.—सामने रखना, पेश करना, दूसरे पर टालकर बात कहना, व्यंग करना, कटाक्ष, व्यंग, आपत्ति, एतिराज, गिरिफ्त।

ता'रीफ (تعریف) अ स्त्री.—प्रशंसा, श्लाघा, मद्ह, परिचय, जानकारी, गुण, जौहर; व्याख्या, तशीह।

ता'रीफुल मज्हूल (تعریف المجہول) अ वाक्य—किसी अज्ञात चीज का परिचय अज्ञात चीज से, जैसे—कोई पूछे 'बुर्जक' किसे कहते है और उत्तर मे कहा जाय 'उलमक' को।

ता'रीब (تعریب) अ स्त्री.—किसी दूसरी भाषा के शब्द को अरबी बनाना।

तारुम (طارم) अ पु.—प्रासाद, महल, अट्टालिका, बाला-खाना, लकड़ी का मकान।

तारे अन्कबूत (تار عنکبوت) फा अ पु.—मकड़ी के जाले का तार, बहुत ही कमजोर चीज।

तारे अश्क (تار اشک) फा पु.—आँसुओ का तार, रोने का सिलसिला।

तारे नज़र (تار نظر) फा. अ पु.—दे 'तारे निगाह'।

तारे नफ़स (تار نفس) फा अ पु.—साँस का डोरा, साँस का आना-जाना।

तारे निगाह (تار نگاہ) फा. पु.—दृष्टि का रश्मि-समूह, निगाह की शुआएँ।

तारे बर्क़ी (تار برقی) फा अ पु.—बिजली का तार।

तारे बाराँ (تار باراں) फा पु.—बरसात के पानी की झड़ी।

तारे मिस्तर (تارِ مسطر) फ़ा अ पु—मिस्तर' का तार लकीरें बनाने के पट्ठे का डोरा।

तालबे गोर (تا لبِ گور) फ़ा अव्य—क़ब्र के किनारे तक, क़ब्र के मुँह तक।

ताल्लाह (طال اللہ) अ अव्य—खुदा ज़ियादा करे, खुदा बढ़ाये।

तालाब (تالاب) फ़ा पु—तड़ाग कासार वापी।

तालार (تالار) फ़ा पु—चार खंभों पर बनाया हुआ मंच जो सेना की रखवाली के लिए होता है मचान टाँड़।

तालिए ख़ुफ़्ता (طالعِ خفتہ) अ फ़ा पु—सोता हुआ नसीब दुर्भाग्य।

तालिए ख़्वाबीदः (طالعِ خوابیدہ) अ फ़ा पु—दे० 'ता० ख़ुफ़्ता'।

तालिएबेदार (طالعِ بیدار) अ फ़ा पु—जागता हुआ नसीब सौभाग्य।

तालिब (طالب) अ पु—इच्छुक ख़्वाहिशमंद याचक माँगनेवाला अभिलाषी आर्ज़ूमंद लालायित लिप्सु मुश्ताक़।

तालिबे इल्म (طالبِ علم) अ पु—विद्यार्थी पढ़नेवाला छात्र।

तालिबे उक़्बा (طالبِ عقبیٰ) अ पु—मोक्ष स्वर्ग और पुण्य का इच्छुक दीनदार धर्मनिष्ठ।

तालिबे ज़र (طالبِ زر) अ फ़ा पु—धनेच्छुक रुपये का ख़्वाहाँ दुनियादार।

तालिबे दीदार (طالبِ دیدار) अ फ़ा पु—दर्शनों का अभिलाषी।

तालिबे दुनिया (طالبِ دنیا) अ पु—दे० 'तालिबे ज़र'।

तालिबो मतलूब (طالب و مطلوب) अ पु—प्रेमी और प्रेमिका नायक और नायिका आशिक़ और माशूक़।

ता'लीक़ः (تعلیقہ) अ पु—ज़मींदार या सरकार की ओर से लगा हो जिस पर लगायी हुई राख ताकि माल के निशान से पहले माल उठाया न जा सके।

ता'लीक़ (تعلیق) अ स्त्री—लटकाना किसी चीज़ का दूसरी चीज़ के सहारे से टँगाना।

तालीफ़ (تالیف) अ स्त्री—दो या कई वस्तुओं का परस्पर संयुक्त करना कई पुस्तकों या कृतियों में से छाँटकर अन्य नई पुस्तक बनाना संकलन करना इस प्रकार बनाई हुई पुस्तक।

तालीफ़े क़ुलूब (تالیفِ قلوب) अ स्त्री—लोगों के मन अपनी ओर इस प्रकार आकर्षित करना जिसमें श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव हो।

ता'लीम (تعلیم) अ स्त्री—शिक्षा देना, पढ़ाना, सिखाना बताना शिक्षा पढ़ाई उपदेश नसीहत, गुरुमंत्र दीक्षा तल्क़ीन नाचने-गाने की शिक्षा।

ता'लीमगाह (تعلیمگاہ) अ फ़ा स्त्री—पढ़ने का स्थान पाठशाला मदरसा।

ता'लीमयाफ़्त (تعلیم یافتہ) अ फ़ा वि—शिक्षित पढ़ा लिखा शिष्ट सभ्य तमीज़दार।

ता'लीमे जदीद (تعلیمِ جدید) अ स्त्री—नई तालीम आज कल की पश्चिमी शिक्षा नवीन शिक्षा आधुनिक शिक्षा।

ता'लीमे निस्वाँ (تعلیمِ نسواں) अ स्त्री—औरतों की तालीम स्त्री शिक्षा।

ता'लीमे बालिग़ाँ (تعلیمِ بالغاں) अ स्त्री—उन लोगों की शिक्षा जिनकी आयु बालिग़ हो चुकी हो और जो अपने अपने धंधों में लगे हों प्रौढ़ शिक्षा।

ता'लील (تعلیل) अ स्त्री—कारण बताना प्रमाण देना अलिफ़' वाव अथवा ये को किसी दूसरे अक्षर से बदलना (व्या)।

तालूत (طالوت) अ पु—इस्राईल जाति का एक शासक जो भिश्ती था, उसने जालूत नाम के एक बड़े अत्याचारी नास्तिक को हज़रत दाऊद की सहायता से मारा था जो उस समय उसकी फ़ौज के सेनापति थे।

ताले (طالع) अ पु—उदय होनेवाला निकलनेवाला भाग्य क़िस्मत प्रारब्ध।

ताले'आज़माई (طالع آزمائی) अ फ़ा स्त्री—भाग्य की परीक्षा प्रयत्न कोशिश।

ताले'मंद (طالع مند) अ फ़ा वि—भाग्यवान सुभागी ख़ुश इक़बाल।

ताले'वर (طالع ور) अ फ़ा वि—दे० 'ताले'मंद'।

ताले'शनास (طالع شناس) अ फ़ा वि—ज्योतिषी नुजूमी।

तालेह (طالح) अ वि—दुराचारी बदकार दुष्कर्मी बदआ'माल।

तावक़्तेकि (تا وقتیکہ) फ़ा अ अव्य—जब तक कि।

तावान (تاوان) अ पु—नुक़सान का मुआवज़ा क्षतिपूर्ति अर्थदंड, जुर्माना वह धन या सामान आदि जो हारा हुआ राष्ट्र विजेता को देता है।

तावाने जंग (تاوانِ جنگ) अ फ़ा पु—वह रक़म और सामान जो पराजित राष्ट्र विजेता को देता है।

ता'वीक़ (تعویق) अ स्त्री—विलंब अति काल देर टालमटोल आनाकानी।

ता'वीज़ (تعویذ) अ पु—वह काग़ज़ जिस पर आयतें मंत्र आदि लिखकर गले में डालते या बाहु पर बाँधते हैं कवच

मन्त्रचक्र, रक्षाकवच, क़ब्र पर बना हुआ ईंटों या पत्थर का निशान, गले का एक आभूषण.।

तावील (تاویل) अ. स्त्री –स्पष्टीकरण, तौजीह, किसी बात का अस्ली अर्थ से हटकर दूसरा अर्थ, किसी बात का ऐसा कारण बताना जो करीब-करीब ठीक जान पड़े, स्वप्न-फल कहना, ता'बीर बताना।

ताश (تاش) तु. प्रत्य.–संगी, साथी, शरीक, साझेदार, जैसे—'ख्वाज ताश' एक स्वामी के शरीक, अर्थात् वह नौकर जो दासता में एक स्वामी के शरीक हो।
(उ) पु –खेलने के पत्ते, गंजिफा।

ताशकंद (تاشقند-تاشکند) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक नगर, जो पहले ईरान के पास था।

तास (تاس–طاس) फा पु –बड़ा तश्त, परात, वह कटोरा जो जल घड़ी की नाँद में पड़ता था, एक सुनहरे तारों का जड़ाऊ कपड़ा।

तासीस (تاسیس) अ स्त्री –नींव रखना, बुनियाद डालना, आधार, न्यास, बुनियाद।

तासे' (تاسع) अ वि –नवाँ, नवम।

ताहम (تاهم) फा अव्य –तो भी, फिर भी, तथापि, तदपि, तद्यपि।

ताहिर (طاهر) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पुनीत, पाक।

ति

तिक्कः (تکه) फा पु –कटिबंध, कमरबंद; गोश्त की लंबी और पतली बोटी, गोश्त का लोथड़ा।

तिनाब (طناب) अ स्त्री.–दे 'तनाब', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

तिफ़्ल (طفل) अ पु –बाल, बालक, बच्चा।

तिफ़्लक (طفلک) अ फा पु –छोटा बच्चा, शिशु।

तिफ़्लमश्रब (طفل مشرب) अ वि –दे 'तिफ़्लमिजाज'।

तिफ़्लमिजाज (طفل مزاج) अ वि –बच्चों-जैसी हरकतें करनेवाला, जिसके मिज़ाज में लड़कपन हो।

तिफ़्लानः (طفلانه) अ. फा वि –बच्चों-जैसा, बालोचित, शैशव।

तिफ़्लाने चमन (طفلان چمن) अ फा पु –बाग़ के छोटे पौदे, फूल और कलियाँ।

तिफ़्ली (طفلی) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन, लड़कपन।

तिफ़्ले अश्क (طفل اشک) अ फा. पु –आँसुओं की बूंदें, अश्रु-बिंदु।

तिफ़्ले आतश (طفل آتش) अ फा पु –अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

तिफ़्ले मक्तब (طفل مکتب) अ पु –अलिफ-बे पढ़नेवाला, निरक्षर, मूर्ख, बेवकूफ, अनभिज्ञ, अनाड़ी।

तिफ़्ले शीरख्वार (طفل شیرخوار) अ. फा उभ –दुध मुँहा बच्चा, स्तनपायी।

तिफ़्ले हिंदू (طفل هندو) अ फा पु.–आँख की पुतली, कनीनिका।

तिब (طب) अ स्त्री –चिकित्साशास्त्र, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिबाअ (تباع) अ पु.–अनुसरण, अनुकरण, पैरवी।

तिबाअ (طباع) अ पु –प्रकृति, स्वभाव, आदत, 'तबीअत' और 'तब्अ' का बहु, प्रकृतियाँ।

तिबाबत (طبابت) अ स्त्री –तबीब का पेशा, चिकित्सा-कर्म, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिब्न (تبن) अ. स्त्री –घास, सूखी घास।

तिब्बी (طبی) अ वि –चिकित्सा-सम्बन्धी, तिब से सम्बन्ध।

तिब्बे क़दीम (طب قدیم) अ. स्त्री –प्राचीन चिकित्सा-पद्धति, पुराने तरीके का इलाज।

तिब्बे जदीद (طب جدید) अ स्त्री –नवीन चिकित्सा-प्रणाली, पाश्चात्य आयुर्वेद।

तिब्यान (تبیان) अ पु –प्रकट होना, व्यक्त होना, वाजेह होना, व्यक्त करना, जाहिर करना, कथन, वचन, कलाम, कौल।

तिमुर (تیمور - تمر) तु पु –लोह, लोहा, फौलाद, तैमूर लंग, इस शब्द का उच्चारण तैमूर अशुद्ध है, परंतु बोला जाता है।

तिम्साल (تمثال) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर, राजादेश, फरमान।

तिम्सालगर (تمثال گر) अ फा पु –मूर्तिकार, बुततराश, चित्रकार, मुसव्विर।

तिम्सालदार (تمثال دار) अ फा पु –दे 'तिम्सालगर'।

तिम्साह (تمساح) अ पु –घड़ियाल, मगरमच्छ, कुंभीर, ग्राह।

तिर्याक (ترياق) अ पु –विषहर, विष का नाशक, जह्र-मोहरा, अफ्यून, अहिफेन।

तिर्याक (تریاک) फा पु –दे 'तिर्याक'।

तिर्याकी (تریاکی) फा वि –अफीमखानेवाला, अफीमची।

तिराज (طراز) फा प्रत्य –चित्रकारी करनेवाला; चित्र, नक्शोनिगार।

तिला (طلا) फा पु –सुवर्ण, सोना, कामवर्द्धक तेल जो लिंग पर लगाया जाता है।

तिलाई (طلائی) फा वि –जिस पर सोने का काम हो, जो बिलकुल सोने का हो, सुनहरे रंगवाला।

तिलाए अह्मर (طلاے احمر) फा अ पु—कुन्दन खालिस सोना।
तिलाए नाब (طلاے ناب) फा पु—खालिस सोना।
तिलाकार (طلاکار) फा वि—जिस पर सोने की चित्रकारी हो।
तिलाकारी (طلاکاری) फा स्त्री—सोने का काम बनाना सोने का काम, सोने के काम बनाने का व्यवसाय।
तिलाकोब (طلاکوب) फा पु—सोने के वरक बनानेवाला।
तिलादाज़ (طلادوز) फा पु—दे 'तिलाकार'।
तिलाबाफ़ (طلاباف) फा पु—दे 'तिलाकार'।
तिलावत (تلاوت) अ स्त्री—पढ़ना किसी धर्मग्रंथ का पढ़ना कुरान पढ़ना।
तिलासाज़ (طلاسا) फा पु—सोना बनानेवाला, कीमियागर।
तिलिस्म (طلسم) अ पु—माया इंद्रजाल जादू दृष्टिबंध नज़रबन्दी वह मायारचित विचित्र स्थान जहाँ अत्यंत अजायब ग़राइब व्यक्ति और चीजें दिखाई पड़ें और जहाँ जाकर आदमी खो जाय फिर उसे घर पहुँचने का रास्ता न मिले।
तिलिस्मे ज़ीस्त (طلسم زیست) अ पु—जीवन का माया जाल ज़िन्दगी रूपी जादू का घर 'छोड़ दे जो कुछ बचे हैं तीर वह भी छोड़ दे टूट जाये जो तिलिस्मे-ज़ीस्त आबोगिल में है।
तिलिस्मबंद (طلسم بند) अ फा वि—तिलिस्म और जादू के असर में आया हुआ, मायाग्रस्त।
तिलिस्मबंदी (طلسم بندی) अ फा स्त्री—जादू के असर में आ जाना माया और तिलिस्म की रचना।
तिलिस्मात (طلسمات) अ पु—तिलिस्म का बहु माया रचित स्थान मायाजाल।
तिलिस्माती (طلسماتی) अ वि—मायापूर्ण तिलिस्मी मायावी जादूगर।
तिलिस्मी (طلسمی) अ वि—मायानिर्मित जादू का बना हुआ माया सम्बन्धी जादू का।
तिसअ (تسعہ) अ वि—नौ नौ की संख्या।
तिसईन (تسعین) अ वि—नब्बे नवति।
तिहाल (طحال) अ स्त्री—तिल्ली प्लीहा।
तिही (تہی) फा अ वि—रिक्त खाली।
तिहीक़िस्मत (تہی قسمت) फा अ वि—जिसके भाग्य में कुछ न हो।
तिहीगाह (تہی گاہ) फा स्त्री—कुक्षि काँख उपस्थ पेडू।
तिहीदस्त (تہی دست) फा वि—जिसका हाथ खाली हो दरिद्र रिक्तहस्त।
तिहीदामन (تہی دامن) फा वि—जिसका दामन खाली हो वंचित महरूम।
तिहीदिमाग़ (تہی دماغ) फा अ वि—जिसका मस्तिष्क खोखला हो, निर्बुद्धि।
तिहीमग्ज़ (تہی مغز) फा वि—निर्विवेक नासमझ मूर्ख जिसकी समझ में बात न आये।

ती

तीन (طین) अ स्त्री—मृत्तिका मिट्टी।
तीन (تین) अ पु—इंजीर एक प्रसिद्ध फल।
तीनत (طینت) अ स्त्री—स्वभाव प्रकृति आदत।
तीब (طیب) अ स्त्री—प्रसन्नता खुशी स्वाकृति रजामन्दी।
तीबत (طیبت) अ स्त्री—मनोविनोद मनोरंजन तफ़रीह, मिज़ाह।
तीमार (تیمار) फा स्त्री—बीमार की ख़िदमत रोगी की देखभाल और सुश्रूषा।
तीमारदार (تیماردار) फा वि—रोगी की सुश्रूषा करने वाला परिचारक।
तीमारदारी (تیمارداری) फा स्त्री—रोगी की सेवा परिचर्या।
तीरः (تیرہ) फा वि—अंधकारमय तमिस्र तारीक।
तीरःख़ाक्दां (تیرہ خاکداں) फा पु—मर्त्युलोक संसार, दुनिया।
तीरःदरूं (تیرہ دروں) फा वि—कलुषित खबीस अंत मलिन अधात्मा जिसका मन बिल्कुल ही काला हो।
तीरःदिल (تیرہ دل) फा वि—दे 'तीरःदरूं'।
तीरःबख़्त (تیرہ بخت) फा वि—हतभाग्य बदकिस्मत जिसके भाग्य में अँधेरा ही अंधेरा हो।
तीरःबातिन (تیرہ باطن) फा अ वि—दे 'तीरःदरूं'।
तीरःरोज़ (تیرہ روز) फा वि—दे 'तीरःरोज़गार' छली वंचक ठग।
तीरःरोज़गार (تیرہ روزگار) फा वि—जिसके लिए दुनिया बिल्कुल अंधेरी हो हतभाग्य।
तीर (تیر) फा पु—बाण शर नावक एक ईरानी महीना जो हिन्दी हिसाब से सावन होता है बुध ग्रह उतारिद शक्ति बल ज़ोर।
तीरअंदाज़ (تیرانداز) फा वि—तीर चलानेवाला तीर मारनेवाला तीर से शिकार करनेवाला।
तीरअंदाज़ी (تیراندازی) फा स्त्री—तीर चलाना तीर से शिकार करना धनुर्विद्या तीरन्दाज़ी का फ़न।
तीरअफ़गन (تیرافگن) फा वि—दे 'तीरअन्दाज़'।

तीरओतार (تیرہ‌وتار) फा वि–बिलकुल अधकारमय, घोर अँधियारा।
तीरकश (تیرکش) फा वि– तरकश, तूणीर, निपंग, वह सूराख़ जो किले मे बदूक चलाने के लिए बनाये जाते है।
तीरख़ुर्दः (تیرخوردہ) फा वि–तीर खाया हुआ, घायल, जख़्मी।
तीरगर (تیرگر) फा. पु – तीर बनानेवाला।
तीरगी (تیرگی) फा स्त्री–अधकार, अँधेरा, तिमिर।
तीरज़न (تیرزن) फा वि–दे 'तीरअफ़्गन'।
तीरदान (تیردان) फा पु–तरकश, निपंग, तूणीर, त्रोण।
तीरपरताब (تیرپرتاب) फा पु–वह दूरी जो एक तीर चलकर गिरने की हो, वह तीर जो दूर तक फेकने के काम आता है, निशाने के लिए नही होता।
तीरबहदफ (تیربہدف) फा वि–अचूक, जो खता न करे, जो ठीक निशाने पर बैठे, अमोघ, रामबाण।
तीरावर (تیرآور) फा वि–धूर्त, छली, मक्कार, कुरम साक, औरत की कमाई खानेवाला।
तीरे निगाह (تیرنگاہ) फा पु–दृष्टि का बाण, दृष्टि का घाव।
तीरेनीमकश (تیرنیمکش) फा पु–वह तीर जो घाव मे से आधा खीचकर छोड़ दिया गया हो, "कोई मेरे दिल से पूछे तेरे तीरेनीमकश को"—गालिब।
तीरे हवाई (تیر ھوائی) फा अ पु–वह तीर जो हवा मे फेका जाय, निशाने पर न लगाया जाय, एक आतशबाजी।
तीर हुक्मी (تیر حکمی) फा अ पु–वह तीर जिसका निशाना कभी न चूके, अमोघ।
तीह (تیہ) फा पु–वह भयानक जगल जहाँ से जानेवाला फिर न लौटे और वही मर जाय; वह वन जिसम हजरत मूसा कई हजार आदमियो के साथ चालीस साल भटकते रहे।
तीहूज (تیہوج) फा पु–एक चिडिया, लवा।

तु

तुंग (تنگ) फा पु–मिट्टी का वह बर्तन जिसका पेट चौडा, गर्दन छोटी और मुँह तग हो।
तुंद (تند) फा वि–तीव्र, प्रचड, तेज, पुरजोर; आवेगपूर्ण, पुरजोश, क्रुद्ध, कुपित, गुस्से मे, शीघ्र, त्वरित, तेज।
तुंदख़ू (تندخو) फा वि–तेज मिजाजवाला, गुस्सैल, तीव्र स्वभाव,—"जिधर निगाह उठी बिछ गई सफे उश्शाक, बला है, कह्र है, वह तुर्के तुदखू क्या है?"
तुंदबाद (تندباد) फा. स्त्री–आँधी, झक्कड, झझावात।
तुंदमिजाज (تندمزاج) फा अ वि–दे 'तुदख़ू'।
तुंदर (تندر) फा पु–मेघ-गर्जन, बादल की गरज, बुलबुल, एक प्रसिद्ध मधुरस्वर चिडिया।
तुंदरफ़्तार (تندرفتار) फा वि–बहुत तेज चलनेवाला, द्रुतगामी, शीघ्रगति, वायुवेग।
तुंदराय (تندرائے) फा. वि–अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी, आकबत का अदेश।
तुंदरौ (تندرو) फा वि–दे 'तुदरफ़्तार'।
तुंदी (تندی) फा स्त्री–तीव्रता, तेजी, आवेग, जोश; स्वभाव की तीव्रता, बदमिजाजी, लिगोत्थान, इस्तादगी; कोप, गुस्सा।
तुंबान (تنبان) तु पु–एक प्रकार का ढीला-ढाला पाजामा, शलवार।
तुक्मः (تکمہ) तु पु–बटन की जगह लगायी जानेवाली घुडी, परतु उर्दू मे उस फदे को कहते है जिसमे घुडी फँसाई जाती है।
तुक्लान (تکلان) अ पु–विश्वास, आस्था, श्रद्धा, एतिकाद, कालतुष्टि, ईश्वरेच्छा, तवक्कुल।
तुख़्मः (تخمہ) फा पु–सतान, औलाद; अडा, अड, बैज।
तुख़्मः (تخمہ) अ पु–सख़्त किस्म की बदहज्मी जो हैजे की शक्ल इख़्तियार कर ले।
तुख़्म (تخم) फा पु–बीज, दाना, गुठली, अड, अडा; सतान, औलाद, वीर्य, नुत्फा।
तुख़्मपाशी (تخم‌پاشی) फा स्त्री–खेत मे बीज बोना, बीजारोपण।
तुख़्मरेजी (تخم‌ریزی) फा स्त्री–दे 'तुख़्मपाशी'।
तुख़्मी (تخمی) फा वि–जो बीज बोकर उत्पन्न किया गया हो, देशी आम जो कलमी न हो।
तुख़्मेकताँ (تخم‌کتاں) फा पु–अलसी का बीज, अलसी।
तुख़्मे मुर्ग़ (تخم مرغ) फा पु–मुर्गी का अडा।
तुख़्मे रैहाँ (تخم ریحاں) फा अ पु–दौने मरुए का बीज।
तुग़्यान (طغیان) अ पु–अवज्ञा, अवहेलना, सरकशी, उद्दडता, जहालत, अत्याचार, अनीति, जुल्म; पाप, पातक, गुनाह।
तुग़्यानी (طغیانی) अ स्त्री–जलप्लावन, सैलाब, बाढ।
तुग़्रा (طغرا) तु पु–एक प्रकार का खत जिसमे कोई शक्ल बना देते है, बादशाहो के फरमानो पर शाही अल्काबो आदाब लिखने का खत।
तुग़्राकश (طغراکش) तु फा वि–तुग्राखत मे बेल-बूटे या तस्वीरे बनानेवाला।
तुग़्रानवीस (طغرانویس) तु फा–दे 'तुग्राकश'।

तुग्रिल (طغرل) त पु –सल्जूकी खानदान का पहला बादशाह।

तुज़ुक (تزک) तु पु –सज्जा, सजावट आराइश प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम, सैन्यसज्जा फौज की तर्तीब राजसभा की सजावट विधान क़ानून अपने क़लम से लिखी हुई अपनी जीवनी, आत्मचरित खुद-नविश्त हालात।

तुनुक (تنک) फा वि –सूक्ष्म बारीक, अल्प, थोडा, मृदुल नाज़ुक क्षीण दुबला पतला।

तुनुक्ज़र्फ़ (تنک ظرف) फा अ वि –छिछोरा लापर अकुलीन कमीना पेट का हल्का जो राज की बात दूसरों से कह दे जो थोडी-सी शराब पीकर बहक जाय जो किसी बडे आदमी के पास पहुचकर या बडा दरजा पाकर घमड के कारण आदमी न रहे।

तुनुकदिल (تنک دل) फा वि –बहुत छोटे दिल का, अनुदार।

तुनुक्माय (تنک مایہ) फा वि –बेहैसियत अनादृत तुच्छ नीच कमज़र्फ।

तुनुक्मिज़ाज (تنک مزاج) फा अ वि –जो जरा सी बात पर रुठ जाय चिड़चिडे स्वभाववाला।

तुनुक्सब्र (تنک صبر) अ फा वि –जिसको धैर्य न हो आतुर त्वरावान जल्दबाज़ बेसब्रा।

तुपक (تپک) तु पु –तोप का अल्प रूप छोटी तोप,बदूक।

तुफ़ग (تفنگ) फा स्त्री –बदूक तुपक।

तुफ़गअदाज़ (تفنگ انداز) फा वि –बदूकची निशाने बाज़।

तुफ़गची (تفنگچی) फा वि –बदूक चलानेवाला बदूक रखनेवाला निशानची।

तुफ़ग तहपुर (تفنگ تہپر) फा स्त्री –कारतूसी बदूक ब्रीच लोडिंग।

तुफ़गे दहनपुर (تفنگ دہن پر) फा स्त्री –टोपीदार बदूक मुह की ओर से भरी जानेवाली बदूक।

तुफ़गे सोज़नी (تفنگ سوزنی) फा स्त्री –ब्रीच लोडिंग राइफल जिसमें धुआ नहीं होता।

तुफ़ (تف) फा अव्य –आश्चर्य धिक् किसी के बुरा काम करने पर धिक्कारते हुए कहते है।

तुफ़क (تفک) फा स्त्री –बदूक तुफग तुपक।

तुफ़ु (تفو) फा स्त्री –दे तुफ।

तुफ़ैल (طفیل) अ पु –द्वारा कारण वसीला।

तुफ़ैली (طفیلی) अ पु –वह व्यक्ति जो बिना निमत्रण के बिना दूसरे निमत्रित व्यक्ति के साथ दावत मे जाय किसी सहारे पर रहनेवाला आश्रित।

तुफ़्फ़ाह (تفاح) अ पु –सेब एक प्रसिद्ध फल।

तुमतुराक़ (طمطراق) फा पु –वैभव शानो शौकत धूम धाम तडक भडक अहकार घमड।

तुमानीयत (طمانیت) अ स्त्री –सतोष इत्मीनान, सात्वना, ढारस उर्दू मे यह शब्द तमानियत बोला जाता है।

तुमानीनत (طمانینت) अ स्त्री –दे तमानियत इस शब्द का शुद्धतम उच्चारण यही है।

तुरजबीन (ترنجبین) अ स्त्री –दे तरजुबीन।

तुराब (تراب) अ स्त्री –मृत्तिका, मिट्टी सूखी मिट्टी, खाक।

तुरज (ترنج) फा पु –मीठा नीबू मिठठा चिकना झर्री सिलवट।

तुरजीद (ترنجیدہ) फा वि –जिसके माथे पर सिलवट पडी हो खफा कुपित क्रुद्ध।

तुरुक़ (طرق) अ पु –'तरीक' का बहु तरीके, रास्ते।

तुरुश (ترش) फा वि –अम्ल, खट्टा, तुर्श।

तुरुश अब्रू (ترش ابرو) फा वि –जिसकी भौहे क्रोध से तनी ही रहती हो बदमिज़ाज चिडचिडा।

तुरुशमिज़ाज (ترش مزاج) फा अ वि –बदमिज़ाज, रूखा खुरदरा, चिडचिडा।

तुरुशरू (ترش رو) फा वि –दे तुरुशमिज़ाज।

तुयूर (طیور) फा पु –'ताइर' का बहु, चिडियाँ परदे।

तुर्क (ترک) तु पु –तुर्किस्तान का निवासी सैनिक योद्धा प्रेमपात्र माशूक।

तुर्कज़ाद (ترک زاد) तु फा पु –तुर्क का लड़का, सुन्दर हसीन प्रेमपात्र माशूक।

तुर्कताज़ (ترکتاز) तु फा स्त्री –लूटमार गारतगरी (पु) लुटेरा, गारतगर सैनिक सिपाही।

तुर्कबच्च (ترک بچہ) तु फा पु –तुर्क का लड़का सुन्दर खूबसूरत।

तुर्कमान (ترکمان) तु पु –तुर्को के अतर्गत एक जाति।

तुर्कमिज़ाज (ترک مزاج) तु अ वि –लुटेरा गारतगर माशूका जैसे नाज़ोअदाज़ वाला।

तुर्किस्तान (ترکستان) तु फा पु –तुर्को का मध्य तुर्की टर्की।

तुर्की (ترکی) तु पु –तुर्क तुर्किस्तान का निवासी तुर्किस्तान तुर्कों का देश तुर्कों की भाषा।

तुर्की तमाममुद (ترکی تمام شد) तु अ फा वाक्य–सारी शेखी किरकिरी हो गयी सारा जोर खत्म हो गया।

तुव (توب) फा स्त्री –मूली एक प्रसिद्ध कन्द मूरज।

तुबत (تربت) अ स्त्री –कब्र समाधि गोर।

तुबुद (تربد) फा स्त्री –एक रेचक जड निशोत।

तुरः (طرہ) अ पु –जुल्फ, अलक; वालो की लट, केश-पाश, सुनहरे तारो का गुच्छा जो पगडी पर लगाते है, टोपी का फुँदना, फूलो की लड़ियो का गुच्छा; पक्षियो के सर की चोटी, कलगी; शाख़, वात मे वात, अच्छाई, उम्दगी, अद्‌भुतता, अजूवापन, वढकर, सर्वश्रेष्ठ।

तुर्रए तर्रार (طرۂ طرار) अ पु –वल खाये हुए वाल।

तुर्रए दस्तार (طرۂ دستار) अ फा पु –पगडी का झुपा।

तुर्शः (ترشہ) फा पु –एक खट्टी पत्ती, चूक।

तुर्श (ترش) फा वि –खट्टा, अम्ल, तुरुश।

तुर्शी (ترشی) फा स्त्री –खटास, अम्लता, खट्टापन, वैर, अदावत।

तुर्रहत (ترهت) अ स्त्री –व्यर्थ, मिथ्या, झूठ।

तुर्रहात (ترهات) अ. स्त्री –'तुर्रहत' का वहु, अनर्गल और अनर्थक वाते।

तुलूअ (طلوع) अ पु –किसी सितारे का निकलना, उदय होना, उदय।

तुल्लाव (طلاب) अ पु –'तालिव' का वहु, विद्यार्थी लोग।

तुवंगर (تونگر) फा पु –धनवान्, धनी, मालदार, शक्ति-शाली, समर्थ।

तुवाँ (تواں) फा स्त्री –शक्ति, वल, जोर; सामर्थ्य, कुद्‌रत।

तुवांगर (توانگر) फा पु –दे 'तुवगार'।

तुवाना (توانا) फा वि –शक्तिशाली, वलवान्, जोरमद।

तुवानाई (توانائی) फा स्त्री –शक्ति, वल, ज़ोर।

तुवानाए मुत्लक (توانائے مطلق) फा अ वि –सर्वशक्ति-मान्, कादिरे मुतलक।

तुहलव (طحلب) अ स्त्री –काई जो पानी पर जम जाती है।

तुहमत (تہمت) अ स्त्री –आरोप, लाछन, गलत इल्जाम-वुहतान, सदेह, शका, शक।

तुह्‌र (طہر) अ पु –स्त्री का रजोमालिन्य से पवित्र होना, औरत की हैज की हालत खत्म होना, वह दिन जब स्त्री रजोधर्म मे न हो, रजस्वला न होनेवाले दिन।

तू

तूत (توت) फा पु –एक प्रसिद्ध पेड और उसका फल, शहतूत।

तूतिया (توتیا) अ पु –सुर्मा, रसाजन।

तूती (توتی–طوطی) फा स्त्री –एक चिडिया जो सिखाने पर मनुष्य की तरह वात करती है, मैना, सारिका, शुक, तोता, जो 'तूत' वहुत खाता है।

तूदः (تودہ) फा पु –मिट्टी का ढेर, ढूह, अवार, ढेर, राशि, समूह।

तूदःवदी (تودہبندی) फा. स्त्री –हदवदी, मिट्टी के ढेर वनाकर किसी जमीन की हदो को सीमित करना।

तूदए खाक (تودۂ خاک) फा पु –मिट्टी का ढेर।

तूफाँ (طوفاں) अ. पु –'तूफान' का लघु, दे 'तूफान'।

तूफाँजदः (طوفاں زدہ) अ फा वि –जो पानी की वाढ आ जाने से पीडित हो, जिसका वाढ से घर-वार या खेत आदि तवाह हो गये हो।

तूफाँरसीदः (طوفاں رسیدہ) अ फा वि –दे 'तूफाँजद.'।

तूफान (طوفان) अ पु –पानी की वाढ, सैलाव, प्लावन, वहुत ही तेज आँधी, वहुत ज़ोर की वारिश, आरोप, लाछन, तुहमत, कोलाहल, हगामा, शोरोगुल, आपत्ति, विपत्ति, मुसीवत।

तूफानी (طوفانی) अ वि –तूफान की तरह तेज और जल्दी का, जैसे–तूफानी दौरा, तूफान मे फँसा हुआ, जैसे–तूफानी कश्ती, तूफान उठानेवाला, आफत का परकाला, मुतफन्नी, तूफान से सम्वन्ध रखनेवाला।

तूफाने आतश (طوفانِ آتش) अ फा पु –आग का तूफान, जोर की आग।

तूफाने आव (طوفانِ آب) अ फा पु –पानी का तूफान, वाढ, सैलाव।

तूफाने वाद (طوفانِ باد) अ फा पु –हवा का तूफान, सख्त आँधी।

तूफाने वेतमीजी (طوفانِ بےتمیزی) अ फा पु –हुल्लड, वेकार का शोरोगुल।

तूवा (طوبیٰ) अ पु –स्वर्ग का एक वृक्ष, (वि) वहुत ही अधिक सुगधित, वहुत जियादा पवित्र, (स्त्री) मुवारक-वाद, शुभ सवाद।

तूमार (طومار) अ पु –लम्वा-चौडा पत्र, लम्वा-चौडा वृत्तान्त, किसी विपय के वारे मे कागजो का पुलिदा, झूठी वातो की भरमार, वहुत अधिक चीज, वडा ढेर।

तूर (تور) फा पु –'फिरेदूँ' का वड़ा वेटा जिसने 'तूरान' वसाया था, महारथी, वहुत वडा वहादुर।

तूर (طور) अ पु –शाम (सीरिया) का एक पहाड, जिस पर हजरत मूसा ने ईश्वर का जलवा देखा था, तूरे सीना।

तूरान (توران) फा पु –तातार, तुर्किस्तान।

तूरानी (تورانی) फा पु –तूरान का निवासी, तुर्की, तातारी।

तूल (طول) अ पु –आयाम, लम्वाई, दीर्घता, विलम्व, देर, तवालत।

तूलानी (طولانی) अ फा वि –दीर्घ, लम्वा; ढीलवाला, देर का।

तूलुल्वलद (طول البلد) अ. पु –देशान्तर-रेखा।

तूले अमल (طول امل) अ पु—आशा की लम्बाई, मोहजाल।

तूले अमल (طول عمل) अ पु—झंझट, बखेडा, किसी काम की तवालत।

तूस (طوس) फा पु—खुरासान का एक शहर, मशहद।

तूसी (طوسی) फा पु—तूस देश का निवासी।

ते

तेग़ (تیغ) फा पु—छोटी तलवार।

तेग़ (تیغ) फा स्त्री—खड्ग असि कृपाण तलवार।

तेग़आज़मा (تیغ آزما) फा वि—तलवार चलानेवाला, लडनेवाला वीर योद्धा बहादुर।

तेग़आज़माई (تیغ آزمائی) फा स्त्री—युद्ध समर लड़ाई जंग।

तेग़ज़न (تیغ زن) फा वि—सिपाही योद्धा जंगजू।

तेग़ज़नी (تیغ زنی) फा स्त्री—सिपाही का पेशा तलवार चलाने का काम।

तेग़बकफ़ (تیغ بکف) फा वि—हाथ में तलवार लिये हुए मरने मारने पर आमादा वध करने को तत्पर।

तेग़रां (تیغ راں) फा वि—दे 'तेग़ज़न'।

तेग़साज़ (تیغ ساز) फा पु—तलवार बनानेवाला सैकलगार।

तेग़े अजल (تیغ اجل) फा अ स्त्री—मौत की तलवार अर्थात मौत मृत्यु।

तेग़े कोह (تیغ کوه) फा स्त्री—पहाड़ की चोटी।

तेग़े दुदम (تیغ دودم) फा स्त्री—वह तलवार जिसके दोनों ओर धार हों।

तेग़े दुपैकर (تیغ دوپیکر) फा स्त्री—दे 'तेग़े दुदम'।

तेग़े दुसर (تیغ دوسر) फा स्त्री—दे 'तेग़े दुदम'।

तेग़े फ़लक (تیغ فلک) फा अ स्त्री—मंगल ग्रह मिर्रीख़।

तेग़े बुर्रां (تیغ براں) फा स्त्री—अच्छी काटवाली तलवार, जिसकी धार बहुत ही अच्छी हो।

तेग़े रवां (تیغ رواں) फा स्त्री—पानी और तेज़ तलवार।

तेज़ (تیز) फा वि—जिसमें धार हो तीव्र प्रचंड, द्रुतगामी शीघ्र द्रुत जल्द कुपित गुस्से, होशियार घूर चालाक दक्ष कुशल माहिर आलोचक उत्साहपूर्ण प्रतिभाशाली ज़हीन बुद्धिमान अक्लमंद तत्पर मुस्तइद दूर तक देखनेवाली (नज़र) महँगा गिराँ।

तेज़अक़्ल (تیزعقل) अ फा वि—तीव्रबुद्धि जल्द बात समझ लेनेवाला ज़हीन प्रतिभाशाली।

तेज़क़दम (تیزقدم) अ फा वि—तेज़ चलनेवाला जल्दी जल्दी डग मारनेवाला शीघ्रगति।

तेज़ क़लम (تیز قلم) अ फा वि—जल्द लिखनेवाला शीघ्र लिपिक।

तेज़गाम (تیزگام) फा वि—तेज़क़दम शीघ्रगामी।

तेज़गामी (تیزگامی) फा स्त्री—तेज़ चलना शीघ्र गमन।

तेज़गोश (تیزگوش) फा वि—जल्द बात सुन लेनेवाला दूर की बात सुन लेनेवाला आहिस्ता बात सुन लेनेवाला।

तेज़ तबअ (تیزطبع) फा अ वि—प्रतिभाशाली ज़हीन तीव्रबुद्धि तेज़अक़्ल।

तेज़तर (تیزتر) फा वि—बहुत तेज़, शीघ्रतर तीव्र तर।

तेज़तरीन (تیزترین) फा वि—सबसे अधिक तेज़ शीघ्रतम तीव्रतम।

तेज़दंदां (تیزدنداں) फा वि—जिसके दाँत तेज़ हों फाड़ खानेवाला लोभी लालची हरीस।

तेज़दम (تیزدم) फा वि—जोशीला उत्साही, फुर्तीला चालाक ताज़ादम दमदार।

तेज़दस्त (تیزدست) फा वि—जल्द काम करनेवाला क्षिप्रहस्त।

तेज़दस्ती (تیزدستی) फा स्त्री—फुर्ती चालाकी जल्द काम करना।

तेज़दिमाग़ (تیزدماغ) फा अ वि—दे 'तेज़अक़्ल'।

तेज़नज़र (تیزنظر) फा अ वि—जिसकी दृष्टि तीव्र हो जो दूर तक देख सके जो बारीक चीज़ें देख सके, तीव्र दृष्टि।

तेज़नाख़ुन (تیزناخن) फा वि—जिसके नख तीव्र हों जो नाख़ूनों से जल्दी घर सके।

तेज़निगाह (تیزنگاہ) फा वि—दे 'तेज़नज़र'।

तेज़पर (تیزپر) फा वि—दे 'तेज़परवाज़'।

तेज़परवाज़ (تیزپرواز) फा वि—जल्द उड़नेवाला, ऊँचा उड़नेवाला दूर की लेनेवाला।

तेज़ फ़ह्म (تیزفہم) फा अ वि—शीघ्र ही बात की तह को पहुँच जानेवाला कुशाग्र, बुद्धिमान् अक्लमंद।

तेज़बू (تیزبو) फा वि—जिसकी गंध तेज़ हो तीव्रगंध।

तेज़मिज़ाज (تیزمزاج) फा अ वि—चिड़चिड़ मिज़ाज वाला किसी की बात न सह सकनेवाला किसी बात पर जल्द बिगड़ जानेवाला गुस्सैल क्रोधी।

तेज़रफ़्तार (تیزرفتار) फा वि—दे 'तेज़गाम'।

तेज़रवी (تیزروی) फा स्त्री—दे 'तेज़गामी'।

तेज़रौ (تیزرو) फा वि—दे 'तेज़गाम'।

तेज़होश (تیزہوش) फा वि—बुद्धिमान अक्लमंद, प्रतिभावान् तब्बाअ दक्ष कुशल होशियार।

तेज़ाब (تیزاب) फा पु –एक रासायनिक पानी जो नमक, शोरा आदि चीजो से बनता है, अम्ल।
तेज़ावियत (تیزابیت) फा स्त्री –तेजावपन।
तेज़ावी (تیزابی) अ वि –तेजाब सम्बन्धी, तेजाब का; तेजाब से बना हुआ, तेज़ाब मिला हुआ, तेजाब के असर से विगडा या बना हुआ।
तेज़ी (تیزی) फा वि –धार, बाढ, तीव्रता, शिद्दत, महँगाई, गिरानी, न्यूनता, कमी, चालाकी, होशियारी, दक्षता, महारत, प्रतिभा, जहानत, जोश, उत्साह, हिम्मत, साहस, तत्परता, आमादगी, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, वेसव्री, वेचैनी।
तेज़ोतुंद (تیزوتند) फा वि –बहुत तेज, प्रचड, अति तीव्र।
तेशः (تیسہ) फा पु –कुद्दाल, कदाल।
तेश:जन (تیسہ زن) फा वि –कुदाल से जमीन आदि खोदनेवाला।
तेश:ज़नी (تیسہ زنی) फा स्त्री –कुदाल का काम, कुदाल से खुदाई।

तै

तै (طے) अ पु –'हातिम' का वश, रस्ता चलना, जैसे—मजिल तै कर ली, निर्णय, फैसला, निर्णीत, फैसल, समाप्ति, खातिमा, चुकता, वेबाकी।
तैए अर्ज़ (طے ارض) अ पु –रस्ता तै करना, सफर तै करना।
तैए लिसान (طے لسان) अ पु –चुप रहना, अवाक् हो जाना, कुछ न कहना।
तैयारः (طیارہ) अ पु –वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।
तैयारःवरदार (طیارہ بردار) अ फा पु –वह हवाई जहाज जो और जहाजो को अपने अदर रखकर लाता है।
तैयारःशिकन (طیارہ شکن) अ फा पु –वह तोप जो हवाई जहाज को गिराती है।
तैयार (تیار) अ वि –तत्पर, कटिवद्ध, आमादा, पक्व, पुख्ता, समाप्त, खत्म, सपूर्ण, मुकम्मल, हृष्ट-पुष्ट, फरवेह, मोटा-ताजा, सुसज्जित, आरास्ता, इस्तेमाल या प्रयोग के काबिल, जैसे—खाना तैयार या कोट तैयार, लैस, फिट।
तैयारची (طیارچی) अ तु पु –हवाई जहाज चलानेवाला, पाइलेट, वायुयान-चालक।
तैयारी (تیاری) अ वि –तत्परता, मुस्तैदी, समाप्ति, खातिमा, पूर्ति, तक्मील, सज्जा, आरास्तगी, प्रयोग के काबिल होना, रचना, ता'मीर, निर्माण, सृष्टि, तख्लीक।
तैयिव (طیب) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक, निमल।
तैयिवात (طیبات) अ स्त्री –सती और साध्वी स्त्रियाँ।
तैर (طیر) अ पु –चिडिया, परद, पक्षी, चिडियाँ, परदे।
तैरान (طیران) अ. पु –हवा मे उडना, उड्डयन।
तैल[लि]सान (طیلسان) अ स्त्री –चादर, दुपट्टा; वह रूमाल जो खतीव या वाइज खुत्वे के वक्त कधो पर डाल लेते है।
तैश (طیش) अ –क्रोध, कोप, गुस्सा।
तैसीर (تیسیر) अ स्त्री –सुगम करना, आसान बनाना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तो

तोज (توز) फा प्रत्य –ढूंढनेवाला, एकत्र करनेवाला, जैसे—'कीन तोज' द्वेष मन मे एकत्र करनेवाला।
तोप (توپ) तु स्त्री –गोला फेकनेवाला यत्र।
तोपखानः (توپخانہ) तु फा –वह सेना जो वाये चलती है, तोपे रखने का स्थान।
तोपची (توپچی) तु पु –तोप चलानेवाला, तोप से गोला मारनेवाला।
तोवरः (توبرہ) फा पु –घोडे के दाना खाने का थैला।
तो'मः (طعمہ) अ पु –खुराक, खाद्य, भोजन, जीविका, रोजी।
तोलः (تولہ) फा पु –कुत्ते का वच्चा, पिल्ला, एक प्रकार का कुत्ता जो शिकार की वू पाकर उसे पकडता है।
तोलचः (تولچہ) फा पु –वारह माशे की तौल, तोला।
तोशः (توشہ) फा पु –सफर का सामान खाने-पीने का।
तोशःखानः (توشہ خانہ) फा पु.–वह स्थान जहाँ खाने-पीने का सामान रहता है, 'तोशकखाना' का अपभ्रंश।
तोश.दान (توشہ دان) फा पु –दे 'तोशदान'।
तोश (توش) फा पु –शक्ति, वल, जोर।
तोशएआकिवित (توشۂ عاقبت) फा अ पु –अच्छी कृतियाँ जो यमलोक मे काम आयें।
तोशक (توشک) फा स्त्री –पलँग पर विछाने का रुईदार गद्दा, निहाली, घर-गृहस्थी का सामान, खाने-पीने की सामग्री।
तोशकखानः (توشک خانہ) फा पु –दे 'तोश खान'।
तोशदान (توشدان) फा पु –सिपाहियो के कारतूस रखने की चमडे की पेटी, सफर के लिए खाना रखने का वर्तन।
तोशमाल (توشمال) फा पु –खानसामाँ, वावरची, रसोइया, पाचक।

तौ

तौअनोकर्हन (طوعاً کرهاً) अ अव्य –विना इच्छा के विवशतापूर्वक, दिल पर जब्र करके।

तौक (طوق) अ पु –स्त्रियो के गले म पहनने की सोने चाँदी की गोल हँसली लोहे की गोल हँसली जो कैदियो के गले में डाली जाती है वह गोल लकीर जो बाज चिडिया के गले में होती है मन्नत की वह हँसली जो बच्चो को पहनाते ह ।

तौकीअ (توقيع) अ स्त्री –बादशाह का किसी राजादेश पर हस्ताक्षर करना मोहर निशान वह राजादेश जिसमें किसी बात पर क्रोध प्रकट किया गया हो।

तौकीर (توقير) अ स्त्री –प्रतिष्ठा मान्यता एहतिराम सत्कार सम्मान ताजीम इज्जत।

तौके गुलामी (طوق غلامی) अ पु –पराधीनता की लानत।

तौके माह (طوق ماه) अ फा पु –चाद में पडनेवाला घेरा चद्रबिम्ब।

तौके ल'नत (طوق لعنت) अ पु –धिक्कार की बौछार धिक्काररूपी गले का तौक।

तौज़ीअ (توزيع) अ स्त्री –विभाजन करना टुकडे करना हिस्से बाँटे करना।

तौज़ीन (توزين) अ स्त्री –तुलवाना वज्न कराना तौलना वज्न करना तोल वज्न।

तौज़ीह (توضيح) अ स्त्री –स्पष्टीकरण खोलकर कहना व्याख्या विवरण तफ्सील।

तौजीह (توجيه) अ स्त्री –कारण बताना वजह जाहिर करना किसी की ओर मुह करना मुतवज्जेह होना स्पष्ट करना साफ करना यह बताना कि ऐसा क्यो है।

तौदीअ (توديع) अ स्त्री –विदा करना रुख्सत करना रवाना करना सौंपना हस्तातरित करना।

तौफ (طوف) अ पु –किसी के चारो ओर फिरना परिक्रमा।

तौफ़ीक़ (توفيق) अ स्त्री –संयोग से ऐसे कारण पैदा हो जाना जिससे अभिलषित वस्तु की प्राप्ति म सुगमता हो ईश्वर की कृपा दयानुग्रह सामर्थ्य शक्ति मक्दरत उत्साह उमग हौसला योग्यता पात्रता अहलियत।

तौफ़ीक़ेख़ैर (توفيق خير) अ स्त्री –अच्छी वृत्तियो की तौफीक।

तौफ़ीर (توفير) अ स्त्री –आधिक्य प्राचुर्य इफरात।

तौब (توبه) अ स्त्री –किसी बुरे काम से बाज रहने की दृढ प्रतिज्ञा इस्तिग़फार त्याग तर्क छोड देना पछताना पश्चात्ताप (अव्य) धर्म के विरुद्ध या किसी बडे अहकार की बात गुजरने पर बोला जानेवाला शब्द जिसमे घृणा और नफ्रत का इजहार मजूर होता है।

तौबनाम (توبه نامه) अ फा पु –किसी बात से तौबा करने का लिखित पत्र ।

तौब शिकन (توبه شكن) अ फा वि –की हुई तौबा को तुडवा देनेवाली बात किस कदर तौब शिकन शाख की अगडाई है मक्दा गूज उठा देखो घटा छाई है।

तौबीख़ (توبيخ) अ स्त्री –झिडकी, घुडकी भर्त्सना यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता जज्र के साथ मिलकर 'जज्रो तौबीख' बोला जाता है अर्थात डाट फटकार।

तौर (طور) अ पु –शैली, पद्धति, ढग आचरण व्यवहार तर्जे अमल चाल-ढाल रविश रग-ढग, लक्षण लच्छन अलामत।

तौरात (توراة) अ स्त्री –वह आसमानी ग्रथ जो हजरत मूसा पर उतरा था, तौरेत।

तौरिय (توريه) अ पु –दिल में कुछ होना और मुह पर कुछ मुनाफकत।

तौरीब (توريب) अ स्त्री –टेढा करना खम डालना टेढापन वक्रता।

तौरेत (تورت) अ स्त्री –दे तौरात ।

तौलिय (توليه) अ स्त्री –दे तौलियत'।

तौलियत (توليت) अ स्त्री –किसी को किसी काम प्रबधक नियुक्त करना वली या मतवल्ली बनाना।

तौलियतनाम (توليت نامه) अ फा पु –मुतवल्ली बनाने की तहरीर।

तौलीद (توليد) अ स्त्री –जनना पैदा कराना, पालन पोषण करना उत्पन्न करना पैदा करना उत्पत्ति पदाइश।

तौलीदे ख़ून (توليد خون) अ फा स्त्री –खून की उत्पत्ति खून की पैदाइश खून की वृद्धि।

तौलीदेमनी (توليد منى) अ स्त्री –वीर्य की उत्पत्ति, वीर्य की वृद्धि।

तौशीह (توشيح) अ स्त्री –गले म हार डालना, सजाना सवारना, एक अलकार जिसमें कविता के चरणो या मिस्रा के पहले अक्षर इकट्ठा करने से किसी का नाम अथवा अक्षरो की सख्या अबजद के हिसाब से जोडने पर कोई विशेष सन् निकलता है ।

तौसन (توسن) फा पु –अश्व घोडा तुरग।

तौसीअ (توسيع) अ स्त्री –अधिक करना ज़ियादा करना विस्तृत करना वसीअ करना विस्तार, कुशादगी फैलाव

तौसीए मीआद (توسيع ميعاد) अ स्त्री –किसी काम के नियत समय बढा देना।

तौसीक़ (توثيق) अ स्त्री –दृढ करना मजबूत करना दृढता मजबूती पुष्टि करना समर्थन करना, पुष्टि समर्थन।

तौहीद (توحید) अ स्त्री –ईश्वर को एक मानना, अद्वैतवाद।

तौहीदपरस्त (توحیدپرست) अ. फा वि –ईश्वर को एक माननेवाला, अद्वैतवादी।

तौहीन (توہین) अ स्त्री –अपमान, अनादर, तिरस्कार, बेइज्जती।

तौहीने अदालत (توہین عدالت) अ स्त्री –किसी न्यायालय का अपमान।

द

दंग (دنگ) फा वि –चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, शशदर, हैरान।

दंगल (دنگل) फा पु –जनसमूह, भीड़, हुजूम, पहलवानों के कुश्ती लड़ने का अखाड़ा, पहलवानों की कुश्ती।

दंदाँ (دنداں) फा पु –दाँत, दंत।

दंदाँज़नी (دنداں زنی) फा स्त्री –शत्रुता, द्वेष, दुश्मनी, बैर।

दंदाँदराज़ (دنداں دراز) फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।

दंदाँनुमा (دنداں نما) फा. वि –दाँत दिखानेवाला, जिसमें दाँत दिखाई पड़े, जैसे—'खंदए दंदाँनुमा'।

दंदाँशिकन (دنداں شکن) फा वि –मुँहतोड़, जैसे—'दंदाँशिकन जवाब'।

दंदाँसाज़ (دنداں ساز) फा पु –दन्तकार, डेंटिस्ट।

दंदानः (دندانہ) फा पुं –किसी आरी आदि का दाँता, दाँतुआ।

दअवात (دعوات) अ स्त्री –'दा'वत' का बहु, दुआएँ।

दआवी (دعاوی) अ पु –दा'वा का बहु, दा'वे।

दक [दुक] (دق) अ पु –कूटना, पीसना, ठोकना, खटखटाना।

दकन (دکن) फा पु –दक्षिण, दक्खिन, कुछ साल पहिले निज़ाम की रियासत के अर्थ में भी प्रयुक्त।

दकाइक़ (دقائق) अ पु –'दक़ीक़' का बहु, बारीकियाँ, नुक्ते।

दक़ीक़ः (دقیقہ) अ पु –गूढ़ता, बारीकी, कसर, कमी, एक घंटे का साठवाँ भाग, एक मिनट।

दक़ीक़ःरस (دقیقہ رس) अ फा वि –बात की तह को पहुँच-जानेवाला, कुशाग्रबुद्धि, तीव्रप्रतिभ।

दक़ीक़ःशनास (دقیقہ شناس) अ फा वि –दे 'दक़ीक़-रस'।

दक़ीक़ (دقیق) अ वि –बारीक, महीन, सूक्ष्म, गूढ़, नाज़ुक, कठिन, मुश्किल।

दक़्क़ाक़ (دقاق) अ वि –कूटनेवाला, महीन करनेवाला, गूढ़ और सूक्ष्म बात कहनेवाला, सूक्ष्मवादी।

दक़्क़ुलबाब (دق الباب) अ पु –दरवाज़ा खटखटाना, दस्तक देना।

दक़्क़ोलक़्क़ (دق ولق) अ वि –चटियल मैदान।

दक़्यानूस (دقیانوس) अ पु –इतिहास-काल से पहले का एक बहुत ही अत्याचारी नरेश।

दक़्यानूसी (دقیانوسی) अ वि –दक़्यानूस के समय का अर्थात् बहुत पुराना, बड़ी आयुवाला, बहुत दुनिया देखे हुए, बहुत ही पुरानी और निकम्मी वस्तु।

दख़ील (دخیل) अ वि –क़ाबिज़, उपभोक्ता, प्रभाव रखनेवाला, पहुँच रखनेवाला।

दख़ीलकार (دخیل کار) अ फा वि –वह किसान जिसे अपनी ज़मीन पर कब्ज़े का हक़ हासिल हो।

दख़्मः (دخمہ) फा पु –आतशपरस्तों का कब्रिस्तान जो कुएँ की शक्ल का होता है।

दख़्ल (دخل) अ पु –पहुँच, रसाई, अधिकार, कब्ज़ा, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, थोड़ी-बहुत जानकारी, गुदबुद।

दख़्ल दर मा'कूलात (دخل در معقولات) अ फा अव्य –किसी विषय में बिना कारण दख़्ल देना, अनधिकार चर्चा।

दख़्लदिहानी (دخل دہانی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा दिलाना, किसी जायदाद आदि पर किसी एक की जगह दूसरे को हक़दार और मालिक बनाना।

दख़्लनामः (دخل نامہ) अ फा पु –दख़्ल दिलाने की तहरीर।

दख़्लयाब (دخل یاب) अ फा वि –दख़्ल पाया हुआ, जिसे कब्ज़ा मिल गया हो।

दख़्लयाबी (دخل یابی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा पाना, अधिकार-प्राप्ति।

दग़ल (دغل) फा पु –छल, कपट, फरेब, खोटा सोना या चाँदी।

दग़ा (دغا) फा स्त्री –छल, वंचना, ठगी, मक्कारी।

दग़ाबाज़ (دغاباز) फा वि –वंचक, छली, ठगिया।

दग़ाबाज़ी (دغابازی) फा स्त्री –विश्वासघात, कटकर्म, फरेबकारी।

दग़्दग़ः (دغدغہ) फा पु –शंका, भय, खटका, धड़का।

दजाज (دجاج) अ स्त्री –मुर्गी, स्त्री कुक्कुट, (पु) मुर्गा, कुक्कुट, दे 'दिजाज'।

दज्जाल (دجال) अ वि –बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा मायावी, (पु) मुसलमानों के मतानुसार एक व्यक्ति जो कियामत से कुछ पहले पैदा होगा और ख़ुदा होने का दावा करेगा।

दज्लः (دجلہ) अ पु –एक नदी जो बग़दाद के नीचे बहती है, नदी, दर्या, दे 'दिज्ल'।

ददः (ددہ) तु स्त्री—वह स्त्री जो बच्चों को दूध पिलाती और उसकी देखरेख करती है।
ददः (ددہ) फा पु—फाड़ खानेवाला दरिंद श्वापद।
दद (دد) फा पु—श्वापद हिंसक पशु दद।
दनस (دنس) अ स्त्री—मलिनता मलापन गंदगी अपवित्रता नजासत।
दनानीर (دنانیر) अ पु—दीनार (अरबी दिनार) का बहु अशरफियां मुहरें।
दनी (دنی) अ वि—पाजी कमीना अधम पामर नीच।
दनीउत्तबअ (دنی الطبع) अ वि—जलील तबीअत का नीचाशय।
दनीउलफितरत (دنی الفطرت) अ वि—दे दनीउत्तबअ।
दफ (دف) फा पु—एक गोलाकार खाल मढ़ा हुआ बाजा डफली डफली।
दफाइन (دفائن) अ पु—दफीन का बहु दफीने निधियां।
दफातिर (دفاتر) अ पु—दफ्तर का बहु कार्यालय दफ्तर (एक से अधिक)।
दफीन (دفینہ) अ पु—गाड़ा हुआ खजाना निधि।
दफअ (دفعہ) अ स्त्री—एक बार बार धारा कानून की दफा।
दफअतन (دفعتاً) अ अव्य—सहसा अकस्मात अचानक।
दफआत (دفعات) अ स्त्री दफअ का बहु बहुत बार कानून की धाराएँ।
दफईय (دفعیہ) अ पु—रोक निवारण तदारुक।
दफए मरज (دفع مرض) अ पु—रोग निवारण रोग का खातिमा रोगमुक्ति।
दफ्तर (دفتر) फा पु—कार्यालय आफिस, किसी बड़ी किताब का एक भाग जिल्द प्रखंड वाल्यूम कोई लम्बी चौड़ी बात तूमार जैसे—शिकायतों का दफ्तर।
दफ्तरनिगार (دفترنگار) अ फा पु—दफ्तर का मुहर्रिर क्लर्क लिपिक।
दफ्तरी (دفتری) अ पु—दफ्तर के रजिस्टरों और कागजों की जिल्दसाजी और रजिस्टरों आदि पर लकीर वगैरह खींचनेवाला।
दफ्न (دفن) अ पु—जमीन में गाड़ना दफन करना (वि) गाड़ा हुआ मदफून।
दबरान (دبران) अ पु—चौथा नक्षत्र रोहिणी।
दबाग़त (دباغت) फा—चमड़ा साफ करना सिझावन।
दबिस्ताँ (دبستاں) फा पु—अदबिस्तां का लघु पाठशाला मदरसा छोटे बच्चों का स्कूल मकतब।
दबीज़ (دبیز) फा वि—मोटा गाढ़ा मोटा मजीन।
दबीर (دبیر) फा पु—मुहर्रिर क्लर्क लिपिक लेखक इंशापरदाज।
दबीरिस्तान (دبیرستاں) फा पु—मुंशीखाना दफ्तर पाठशाला मकतब।
दबीरे फलक (دبیر فلک) फा अ पु—बुध ग्रह उतारिद।
दबील (دبیلہ) अ पु—भाल और बड़ा वरम फोड़ा व्रण।
दबूर (دبور) अ स्त्री—पछवा हवा पच्छाव।
दबूस (دبوسہ) फा पु—जहाज का कमरा या केबिन जो महिलाओं के लिए होता है।
दबदब (دبدبہ) अ पु—रोबोदाब तेज प्रताप प्रभाव, आतंक, करोंफर।
दब्ब (دبہ) फा पु—चमड़े का कुप्पा घी का कुप्पा।
दब्बाग़ (دباغ) अ पु—चमड़ा पकाने और रंगने का कारखाना टनरी।
दब्बाग़ (دباغ) अ वि—चमड़ा कमानेवाला, चमड़ा पकाने और रंगनेवाला।
दमः (دمہ) फा पु—दम का रोग श्वास रोग श्वासरोग आश्वतन्म।
दम (دم) फा पु—साँस श्वास छल धोखा, फरेब, शेखी डींग धार तीक्ष्णता तेजी प्राण वायु रूह व्यक्तित्व जान, हुक्के या चिलम का कश क्षण पल लम्हा कुछ पढ़ के फूँकना मंत्र टोटका समय काल वक्त बल शक्ति जोर।
दम (دم) अ पु—रक्त लोहू खून जीवन प्राण जिन्दगी।
दमकश (دم کش) फा वि—मौन चुप खामोश गवय्ये के साथ स्वर मिलानेवाला।
दमकशी (دم کشی) फा स्त्री—मौन चुप्पी खामोशी गान वाले के स्वर में स्वर मिलाना।
दमख़म (دم خم) फा पु—शक्ति जोर ताकत उत्साह उमंग हौसला तलवार की धार और उसकी वक्रता।
दमज़दन (دم زدن) फा पु—दम मारना कुछ कहना क्षण लम्हा जरा-सी देर।
दमदम: (دمدمہ) फा पु—वह कृत्रिम कगार जो युद्ध के समय किला में मिट्टी भरकर बनाते हैं, धुस, मोरचा।
दमदार (دمدار) फा वि—जोरदार शक्तिशाली प्राणी जानदार।
दमपुख्त (دم پخت) फा पु—हाँडी का मुँह बंद करके हल्की आँच पर पकाई हुई चीज (मुर्ग आदि) पेट में कोई चीज भरकर पकाया हुआ मुर्ग दम का मुँह बंद करके पकाई हुई बिरयानी या पुलाव।
दम बखुद (دم بخود) फा वि—मौन चुप खामोश स्तब्ध

न्ए. फानी सन्दर, और मारफित 'दम बदम', राज गुन्ना नसीर का आलम मेरी मजलिस में है।"—जिगर।

दम बदम (دم بدم) फा वि—प्रतिदम, क्षण-प्रतिक्षण, निरन्तर, लगातार।

दमदार (دمدار) फा वि—तेज़, पैनी, धैर्यवान, मजबूत।

दमबाज़ी (دمبازی) फा. स्त्री—झाँसा, मक्कारी, छल, फरेब।

दमवी (دموی) अ. वि—खून सम्बन्धी, खून से निकलनेवाला; खून के दबाव या जोर से होनेवाला।

दमशुमारी (دمشماری) फा. अ स्त्री—मरते समय की आखिरी साँसें, मरते समय की साँसें गिनना।

दमसाज़ (دمساز) फा वि—मित्र, सखा, दोस्त, हमदम, गाने या नशीले आदि में साथ देनेवाला।

दमाँ (دماں) फा. वि—जोश के साथ दौड़ने, फुफकारने और चिल्लानेवाला, यह शब्द विशेषण हाथी, शेर, अजगर और मगर के लिए आता है और बाढ़ में आयी हुई नदी और पानी की बाढ़ के लिए भी प्रयुक्त होता है।

दमादम (دمادم) फा अव्य—निरन्तर, लगातार, मुसलसल, क्षण-प्रतिक्षण, दम्बदम।

दमामः (دمامہ) फा पु—बड़ा नक्कारा, धौंसा।

दमामील (دمامیل) अ. पु—'दुम्मल' का बहु, फोड़े।

दमार (دمار) अ पु—वध, हनन, हत्यारी।

दमीद. (دمیدہ) फा वि—उगा हुआ, ज़मीन से निकला हुआ; फूँका हुआ।

दमीदगी (دمیدگی) फा स्त्री—उगाव, जमाव; फूँक।

दमीम (دمیم) अ वि—कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

दमे आब (دم آب) फा. पु—पानी का एक घूँट।

दमे ईसा (دم عیسی) फा अ पु—हज़रत ईसा की फूँक, जिससे मृत प्राणी जीवित हो जाते थे, प्राण देनेवाला, जीवित करनेवाला।

दमे एहतिज़ार (دم احتضار) फा अ पु—प्राण निकलते समय, प्राण निकलने का समय।

दमे चंद (دم چند) फा. पु—थोड़ी देर, क्षण भर, इतनी देर जिसमें चार-छः साँसें ली जा सकें।

दमे तस्लीम (دم تسلیم) फा अ पु—मरने वक्त की साँसें, मौन, चुप्पी, खामोशी, आज्ञा चाहना।

दमे तेग़ (دم تیغ) फा पु—तलवार की धार।

दमे पसीं (دم پسیں) फा पु—दे 'दमे वापसीं'।

दमे बाज़पसीं (دم بازپسیں) फा पु—दे 'दमे वापसीं'।

दमे वापसीं (دم واپسیں) फा पु—मरते समय की अंतिम साँसें।

दमे शमशीर (دم شمشیر) फा पु—दे 'दमे तेग़'।

दमे सर्द (دم سرد) फा. पु—ठंडी साँस, सर्द आह।

दमे सुब्ह (دم صبح) फा. अ पु—प्रातःकाल, तड़का।

दमे सूर (دم صور) फा. अ पु—'सूर' फूँकने का समय, महाप्रलयकाल।

दयाकूज़ः (دیاقوذہ) अ पु—एक यूनानी दवा।

दरंग (درنگ) फा स्त्री—विलम्ब, ढील, थकान, देर, आलस्य, सुस्ती, दे 'दिरंग', दोनों शुद्ध हैं।

दरंदाज़ (درانداز) फा वि—दो आदमियों में लड़ाई करा देनेवाला, पिशुन, दे 'दर अंदाज़'।

दरंदाज़ी (دراندازی) फा स्त्री—पिशुनता, चुगलखोरी, इधर की उधर लगाकर आपस में लड़ाई कराना।

दरः (درہ) फा पु—दो पहाड़ों के बीच का तंग रास्ता, घाटी, दे 'दर्रः'।

दर (در) फा पु—दरवाजा, द्वार (अव्य.) में, भीतर, जब एक ही दो शब्दों के बीच में आता है तो कभी 'बाद' का अर्थ देता है जैसे 'नस्ल दर नस्ल' वंशज में। कभी 'ऊपर' का अर्थ देता है जैसे, 'सूद दर सूद' ब्याज पर ब्याज। कभी गुणा का अर्थ देता है जैसे,'दह दर दह' अर्थात् १० × १०। (प्रत्य) चीरनेवाला जैसे,'सफ़दर' सेना की पंक्तियों को चीर डालनेवाला। (उप.) शब्द के अर्थ में विशेषता पैदा कर देता है, जैसे, 'दरगुज़र' किसी का दोष देखते हुए गुज़र जाना। कहीं-कहीं केवल शब्द-सौन्दर्य के लिए भी आता है जैसे, 'दरमियान' उसका अर्थ वही है जो 'मियान' का यानी 'बीच'।

दरअंदाज़ (درانداز) फा वि—दे 'दरंदाज़'।

दरअंदाज़ी (دراندازی) फा स्त्री—दे 'दरंदाज़ी'।

दरअस्ल (دراصل) फा अ अव्य—वास्तव में, वस्तुत, हक़ीक़त में, अस्ल में।

दरआमद (درآمد) फा स्त्री—दे 'दरामद'।

दरक. (درکہ) अ पु—नीचे का तल, अधोतल, 'दरज' का उलटा वह ऊपर की मंज़िल के लिए आता है, नरक, दोज़ख, दे 'दर्क.'।

दरकात (درکات) अ पु—नीचे के तल, सारे नरक, सारे दोज़ख।

दरकार (درکار) फा अव्य—वांछित, अभिलषित, मतलूब।

दरकिनार (درکنار) फा अव्य—एक तरफ, अलग, एक तरफ रहा, अलग रहा, जैसे—राम तो दरकिनार कृष्ण भी नहीं आया।

दरखुर (درخور) फा अव्य—योग्य, काबिल जैसे—'दरखुरे अर्ज़' कहनेयोग्य, दख्ल, पैठ, रसाई।

दरखुरे एतिना (درخور اعتنا) फा. अ अव्य—तवज्जुह के काबिल, ध्यान देने योग्य।

दरखुद (درخور) फा वि –योग्य पात्र लाइक (लायक)।
दरख्त (درخت) फा पु –वृक्ष, द्रुम पादप पेड़।
दरख्वास्त (درخواست) फा स्त्री –प्रार्थनापत्र निवेदन पत्र अर्जी निवेदन कथन कहना।
दरगाह (درگاه) फा पु –चौखट देहलीज आस्तान राजसभा दरबार किसी वली का मजार रौजा।
दरगुजर (درگزر) फा स्त्री –दोष देखकर उसे अनदेखा कर देना चश्मपोशी क्षमा मुआफी।
दरज (درجه) अ पु –पद उहदा श्रेणी वर्ग तब्का राशिचक्र का ३६० वाँ हिस्सा मकान की माला मंजिल स्वर्ग की मात्रा या मंजिल दुर्गति बुरी हालत कक्षा जमाअत क्लास मिनिट दे दर्ज उर्दू में यही बोला जाता है और यही शुद्ध भी है।
दरजात (درجات) अ पु –दरज का बहु दर्जे।
दरदम (دردم) फा अव्य –तत्क्षण उसी समय तुरन्त फौरन।
दरपए आजार (درپئے آزار) फा अव्य –सताने और हानि पहुँचाने की घात में।
दरपए जाँ (درپئے جاں) फा अव्य –प्राण लेने की घात में मार डालने की ताक में।
दरपए तजहीक (درپئے تضحیک) फा अ अव्य –निन्दा और बदनामी की घात में बदनाम करने की फिक्र में।
दरपर्द (درپرده) फा अव्य –पर्दे में छुपकर खुपया तौर पर।
दरपेश (درپیش) फा अव्य –किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति जैसे— मुआमला दरपेश है या जैसे— सफर दरपेश है।
दरपै (درپے) फा अव्य –पीछे पड़ा हुआ सतत घात में ताक में इच्छुक ख्वाहिशमंद।
दरफ्शाँ (درفشاں) फा वि –प्रकाशमान ज्योतिर्मय रौशन दे दुरफ्शाँ दोनो शुद्ध ह।
दरबंद (دربند) फा पु –फरकाट चारदीवारी कक्ष दरवाजा नदी का घाट दो राष्ट्रों के बीच का अन्तर।
दरबदर (دربدر) फा अव्य –घर घर गली-गली एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे।
दरबान (درباں) फा पु –द्वारपाल दरवाजे की रक्षा पर नियुक्त व्यक्ति ड्योढ़ीदार।
दरबाब (درباب) फा अव्य –बारे में सम्बन्ध में।
दरबार (دربار) फा अव्य –दे दरबाब।
दरबार (دربار) फा प –राजसभा बादशाही कचहरी किसी ऋषि मुनि या वली का आश्रम या खानकाह।
दरबारदारी (درباردارى) फा स्त्री –किसी बड़े आदमी के यहाँ खुशामद में रोजाना की हाजिरी।
दरबारी (درباری) फा वि –दरबार से सम्बन्धित, वह व्यक्ति जो दरबार में निमन्त्रित होता हो राजा या बादशाह का सभासद पारिषद।
दरबारे आम (دربارعام) फा अ पु –वह दरबार जिसमें सब साधारण आ सकें जनता का दरबार।
दरबारे खास (دربارخاص) फा अ पु –वह दरबार जिसमें केवल राज्याधिकारी और बड़े-बड़े लोग ही सम्मिलित हो सकें।
दरमाँद (درمانده) फा वि –दुःखित दीन निःसहाय निरा श्रय आजिज बेकस।
दरमांदगी (درماندگی) फा स्त्री –हीनता दीनता निःसहायता बेकसी मजबूरी।
दरमाह (درماهه) फा पु –महीने पर मिलनेवाला वेतन।
दरमाह दार (درماهه‌دار) फा वि –महीने पर तनख्वा पानेवाला।
दरमियान (درمیاں) फा पु –में बीच मध्य वस्त।
दरमियान (درمیانه) फा वि –बीचवाला न बड़ा न छोटा।
दरमियानी (درمیانی) फा वि –दरमियानवाला बीच का बिचौलिया मध्यस्थ बीच में पड़कर बात या झगड़ा खत्म करानेवाला व्यक्ति।
दरयाफ्त (دریافت) फा स्त्री –जाँच टोह जिज्ञासा अनुसंधान गवेषणा तहकीक।
दरयाब (دریاب) फा स्त्री –समझ-बूझ बुद्धि तेज दर्या।
दरयूज (دریوزه) फा पु –भीख माँगना भिक्षाटन।
दरयूज़गर (دریوزه‌گر) फा वि –भीख माँगनेवाला भिक्षुक भिखारी मंगता।
दरयूज़गरी (دریوزه‌گری) फा स्त्री –भीख माँगना भिक्षा वृत्ति भिक्षाकर्म भिक्षाटन।
दरयूज़गी (دریوزگی) फा स्त्री –दे दरयूज़गरी।
दरवाज (دروازه) फा पु –द्वार दर।
दरवेज (دروزه) फा पु –दे दरयूज।
दरवेश (درویش) फा प –भिखारी भिक्षुक पुनीतात्मा सिद्ध मुनि रसीद विनीत विनम्र खाकसार, सन्यासी तारिकुद्दुनिया।
दरवेश सिफ्त (درویش صفت) फा अ वि –दरवेश जैसा सीधा-सादा स्वभाव रखनेवाला।
दरवेशान (درویشانه) फा अव्य –दरवेश-जैसा जैसे— दरवेशाना जिंदगी सीधी सादी और मोटी-झोटी जीवन चर्या।
दरवेशी (درویشی) फा स्त्री –फकीरी संन्यास।

दरहम (درهم) फा वि–अस्त-व्यस्त, तितिर-वितर, यह शव्द अकेला नही बोला जाता 'वरहम' के साथ 'दरहम वरहम' वोला जाता है।

दरा (درا) फा पु–घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रिदल अर्थात् काफिले के साथ रहता है,' दे 'दिरा', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दराए कार्वा (دراے کارواں) फा पु–काफिले मे वजनेवाला घटा।

दराज़ (دراز) फा वि–लवा, दीर्घ, लव, तवील।

दराज़कद (درازقد) फा वि–दे 'दराजकामत', प्रलवकाय।

दराज़कामत (درازقامت) फा अ वि–लम्वे शरीरवाला, लवकाय, दीर्घकाय।

दराज़गोश (درازگوش) फा वि–लवे कानवाला, लवकर्ण (पु) एक प्रकार का गधा।

दराज़दस्त (درازدست) फा वि–अन्यायी, अत्याचारी, जालिम।

दराज़दस्ती (درازدستی) फा स्त्री–अन्याय, अत्याचार, जुल्म।

दराज़दुम (درازدم) फा पु–लम्वी पूँछवाला, लवपुच्छ, गिरगट, कृकलास।

दराज़नफसी (درازنفسی) फा अ स्त्री–वाचालता, वहुत वोलना, वहुत वातें करना।

दराज़िए उम्र (درازیٔ عمر) फा अ स्त्री–आयु की लवाई, अधिक जीना, दीर्घायु।

दराज़ी (درازی) फा. स्त्री–लवाई, दीर्घता, तवालत।

दरामद (درآمد) फा स्त्री–वह माल जो किसी राष्ट्र मे वाहरी राष्ट्रो से आये, आयात।

दराहिम (دراہم) अ पु–'दिर्हम' का वहु, वहुत से दिर्हम।

दरिंदः (درندہ) फा पु–फाड खानेवाला जंगली जानवर, श्वापद।

दरीं (دریں) फा अव्य–इसमे।

दरींअस्ना (دریں اثنا) फा अ अव्य–इस वीच, इसी वीच, इसी दरमियान।

दरीं खुसूस (دریں خصوص) फा अ अव्य.–इस विपय मे, इस वारे में, इस सम्वन्ध मे।

दरी (دری) फा स्त्री–फारसी भापा की एक शाखा।

दरीच (دریچہ) फा पु–खिडकी, झरोखा, गवाक्ष, जालार।

दरीद (دریدہ) फा वि–फटा हुआ, विदीर्ण।

दरीदःदहन (دریدہ دہن) फा वि–मुँहफट, मुक्तकठ।

दरूँ (دروں) फा पु–'दरून' का लघु, दे 'दरून'।

दरून (درون) फा पु–हृदय, मन, चित्त, आत्मा, वातिन, कल्व।

दरूना (درونا) फा पु–वह फोडा या घाव जिसका मुँह भीतरी हो।

दरूनी (درونی) फा वि–भीतरी, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी।

दरोग़ (دروغ) फा पु.–झूठ, असत्य, मिथ्या, गलत, दे. 'दुरोग' दोनो शुद्ध है।

दरोग़गो (دروغ گو) फा. वि–झूठ वोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा, काजिव।

दरोग़गोई (دروغ گوئی) फा स्त्री–झूठ वोलना, मिथ्यावाद।

दरोग़ज़न (دروغ زن) फा वि.–दे. 'दरोगगो'।

दरोग़बयाँ (دروغ بیاں) फा अ वि–दे 'दरोगगो'।

दरोग़वाफ (دروغ باف) फा वि–झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठ वाते वनानेवाला।

दरोग़हल्फी (دروغ حلفی) फा अ स्त्री–झूठी कसम खाना।

दर्कः (درکہ) अ पु–दे 'दरक' उर्दू मे 'दर्क' ही वोलते है।

दर्क (درک) अ पु–वुद्धि, अक्ल, समझ, विवेक, तमीज, ज्ञान, जानकारी।

दर्जः (درجہ) अ पु–दे 'दरज', उर्दू मे अधिकतर 'दर्ज' ही वोलते है।

दर्ज (درج) अ वि–लिखा हुआ, प्रविष्ट, रजिस्टर या वही आदि मे लिखा हुआ, लिखना, दर्ज करना।

दर्ज़ (درز) फा स्त्री–दरार, शिगाफ, फटन, खाना, जैसे–मेज की दर्ज।

दर्ज़ी (درزی) फा पु–कपडा सीनेवाला, सूचिक।

दर्द (درد) फा पु–कष्ट, व्यथा, यातना, तक्लीफ, करुणा, दया, तरस, रहम, दुख, क्लेश, मुसीवत, पीड़ा, टीस, चसक।

दर्दअंगेज़ (درد انگیز) फा वि–दर्द पैदा करनेवाला, पीडोत्पादक, कष्टजनक।

दर्दअफ़्ज़ा (درد افزا) फा वि–दर्द वढानेवाला, पीडा-वर्द्धक।

दर्दआश्ना (درد آشنا) फा वि–जो किसी के दर्द को जानता हो, जो किसी के दुख से वाकिफ हो; सहानुभूतिकर्ता, हमदर्द, दुख मे सहायता देनेवाला, मित्र।

दर्द ना आश्ना (درد نا آشنا) फा वि–जो किसी का दर्द न समझे, निर्दय, कठोर हृदय, सगदिल।

दर्दनाक (دردناک) फा वि–दे 'दर्दअगेज'।

दर्दफ़िज़ा (دردفزا) फा वि–दे 'दर्दअफ्जा'।

दर्दमंद (دردمند) फा वि–हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला, दिलासा देनेवाला।

दर्दमंदी (دردمندی) फा स्त्री–हमदर्दी, सहानुभूति, दया और करुणा का भाव।

दर्दा (دردا) फा अव्य –हाए अफसोस हा हत हाए हाए।
दर्देजिगर (دردجگر) फा पु –दे दर्देदिल ।
दर्देज़ेह (دردزه) फा पु –बच्चा पैदा होने के समय की पीड़ा प्रसववेदना प्रसवपीडा ।
दर्देदिल (درددل) फा पु –मन की व्यथा मनस्ताप प्रेम का दुःख इश्क का ग़म।
दर्देसर (دردسر) फा पु –सिर का दर्द शिरःपीडा झंझट खटराग।
दर्दोग़म (دردوغم) फा अ पु –बहुत-सी मुसीबतें कष्टसमूह।
दर्मां (درماں) फा पु –उपचार इलाज चिकित्सा।
दर्मांतलब (درماں طلب) फा अ वि –इलाज या उपचार का इच्छुक।
दर्मांतलबी (درماں طلبی) फा अ स्त्री –इलाज का इच्छा।
दर्मांपिज़ीर (درماں پذیر) फा वि –चिकित्सा के योग्य, इलाज के काबिल।
दर्या (دریا) फा पु –नद नदी तरंगिणी सरिता आपगा, शैवलिनी तटिनी निम्नगा।
दर्याई (دریائی) फा वि –नदी सम्बन्धी नदी में रहनेवाला जैसे–दर्याई जानवर नदी में उत्पन्न होनेवाला जैसे–दर्याई सदफ दर्या का।
दर्याएअहमर (دریائےاحمر) फा अ पु –लालसागर बहे कुल्ज़ुम।
दर्याएअत्वार (دریائےعرطار) फा अ पु –ठाठें मारता हुआ नदी उबाल बहनेवाली नदी।
दर्याएशोर (دریائےشور) फा पु –खार पानी की नदी, खारा समुंदर लवण-सागर वह समुद्र जिसमें अंडमान और निकोबार के टापू हैं और जहां अंग्रेजी शासन काल में आजन्म कारावासी भेजे जाते थे।
दर्याच (دریاچه) फा पु –छोटी नदी।
दर्यादिल (دریادل) फा वि –जो बहुत दानी हो सखी दाता दिलदार मुक्तहस्त वदान्य उदारमना।
दर्याबरामद (دریابرآمد) फा स्त्री –वह भूमि जो किसी नदी के स्थान छोड़ने से निकली हो पुलिन नद्युत्सृष्ट।
दर्याबरार (دریابرار) फा स्त्री –दे दर्याबरामद ।
दर्याबार (دریابار) फा वि –सखा फयाज़ वदान्य बहुत बरसनेवाला जैसे– अब्र दर्याबार।
दर्याबुर्द (دریابرد) फा स्त्री –वह भूमि जो नदी की बाढ़ में डूब गयी हो वह भूमि जो बाढ़ में कटकर नष्ट हो गयी हो।
दर्याबेगी (دریابیگی) फा पु –बहरी फौज का सिपह सालार जल-सेनापति नवाधिपति अमीरुल बह्र।

दर्राक (دراک) अ वि –प्रतिभाशाली कुशाग्र बुद्धि बहुत ही तेज़ फहम।
दर्स (درس) अ पु –पढ़ना पठन, पढ़ाना पाठन शिक्षा नसीहत उपदेश सदुपदेश वाज़।
दर्सोतद्रीस (درس و تدریس) अ पु –पढ़ना-पढ़ाना पठन पाठन का व्यापार।
दलाइल (دلائل) अ पु –दलील का बहु दलीलें।
दलालत (دلالت) अ पु –लक्षण, चिह्न अलामत तर्क युक्ति दलील मार्ग प्रदर्शन रहनुमाई।
दलीद (دلیده) फा पु –दलिया मोटा दला हुआ अनाज (वि) दला हुआ।
दलील (دلیل) अ स्त्री –तर्क युक्ति बुर्हान प्रमाण सुबूत।
दलीले क़वी (دلیل قوی) अ स्त्री –मज़बूत दलील पुष्ट प्रमाण।
दलीले कामिल (دلیل کامل) अ स्त्री –पूरा सुबूत पूर्ण प्रमाण ऐसी दलील या तर्क जिसका खण्डन न हो सके।
दलीले नाक़िस (دلیل ناقص) अ स्त्री –वह दलील जो हो और जिसका खंडन हो सकता हो कुतर्क।
दल्क़ (دلق) अ स्त्री –भिखमंगों की गुदड़ी सूफियों के पहनने का ऊनी लिबास।
दल्क (دلک) अ पु –अंगमर्दन जिस्म का मलना।
दल्क़पोश (دلق پوش) अ फा वि –भिक्षुक, फकीर, ब्रह्मचारी।
दल्लाक (دلاک) अ पु –वह व्यक्ति जो हम्माम (स्नानागार) में शरीर मलता और मल छुड़ाता है।
दल्लाल (دلال) अ स्त्री –कुटना कुट्टनी।
दल्लाल (دلال) अ पु –विक्रेता और क्रेता के बीच सौदा तय करानेवाला, दलाल आढ़ती एजेंट।
दल्लाली (دلالی) अ स्त्री –बीच में पड़कर सौदा तय करने का काम कुटनीपन आढ़त का काम।
दवाँ (دواں) फा वि –दौड़ता हुआ भागता हुआ।
दवा (دوا) अ स्त्री –ओषधि औषध भेषज दारू उपचार इलाज चिकित्सा उपाय तदबीर।
दवाइर (دوائر) अ पु –दाइर का बहु, दाइरे।
दवाउलमिस्क (دواءالمسک) अ स्त्री –एक यूनानी दवा जो हृदय के लिए शक्तिवर्धक है।
दवाएदिल (دوائےدل) अ फा स्त्री –दिल के रोग की औषध प्रेम रोग की दवा।
दवाख़ाना (دواخانه) अ फा पु –जहाँ दवाएं बिकती हों औषधालय।
दवात (دوات) अ स्त्री –सियाही रखने का पात्र, मसि

दवादविश (دوادوش) फा अव्य–दौड भाग, कोशिश, परिश्रम।
दवादौ (دوادو) फा अव्य–दे. 'दवादविश'।
दवापिज़ीर (دواپزیر) अ फा वि–दवाई के काबिल, साध्य, जो इलाज से अच्छा हो सके।
दवाफरोश (دوافروش) अ फा पु–दवा वेचनेवाला।
दवाव [ब्ब] (دواب) अ पु–'दाब्ब' का बहु, चौपाए, पशु, मवेशी।
दवाम (دوام) अ पु–नित्यता, स्थायित्व, हमेशगी, नित्य, हमेशा।
दवामी (دوامی) अ वि–हमेशा रहनेवाला, अनश्वर, नित्य, हमेशा के लिए, स्थायी, जीवन भर के लिए, हीन-हयाती।
दवाल (دوال) फा स्त्री–दे 'दुवाल', दोनो शुद्ध हैं।
दवावीन (دواوین) अ पु–दीवान का बहु, शाइरो के दीवान।
दवासाज़ (دواساز) अ फा–पु–दवाएँ बनानेवाला, अत्तार।
दवी (دوی) अ स्त्री–कान मे होनेवाली झझनाहट।
दवीदः (دویده) फा वि–दौडा हुआ।
दश्त (دشت) फा पु.–कानन, वन, जगल, वियावान।
दश्तआवार. (دشت آواره) फा वि–जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, काननचारी।
दश्तगर्द (دشت گرد) फा वि–दे 'दश्तआवार'।
दश्तगर्दी (دشت گردی) फा स्त्री–जगलो मे मारा-मारा फिरना, वन-भ्रमण।
दश्नः (دشنه) फा पु–खजर, जविया, भुजाली, दे 'दिश्न', दोनो शुद्ध हैं।
दसाइस (دسائس) अ पु–'दसीस' का बहु, साजिशे, कुचक्र-समूह।
दसातीर (دساتیر) अ पु–'दुस्तूर' का बहु, काइदे, कानून, रीतियाँ, पारसियो का धार्मिक ग्रथ।
दसीसः (دسیسه) अ पु–कुचक्र, दुरभिसंधि, साजिश, षड्यत्र।
दस्तंदाज (دستانداز) फा वि–दे 'दस्तअंदाज'।
दस्तंदाज़ी (دستاندازی) फा स्त्री–दे 'दस्तअदाजी'।
दस्तंबू (دستنبو) फा पु–कई सुगधित पदार्थो और इत्रो को मिलाकर बनाया हुआ गुल्ला, जो सूँघने के लिए हाथ मे रखा जाय, हर सुगधित फल जो सूँघा जा सके, कचरी, सुँधिया।
दस्तंबूयः (دستنبویه) फा पु–दे 'दस्तंबू'।
दस्तः (دسته) फा पु–चाकू या छुरी आदि की मूठ, जग या डोगे आदि का हैडिल, मुट्ठा, जैसे—गुलदस्ता, २५ कागजो का मुट्ठा, रीम का बीसवाँ हिस्सा, खरल का मूसला, फ़ौज की टुकडी, गारद, सजाफ, हाशिया।
दस्त (دست) फा पु–कर, हस्त, हाथ, पतला शौच, विरेचन, इस्हाल।
दस्तअंदाज (دستانداز) फा वि–किसी काम मे हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला, बाधक, विघ्नकारक, मुजाहिम, दे 'दस्तदाज'।
दस्तअंदाजी (دستاندازی) फा स्त्री–हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, मुजाहमत, दे 'दस्तदाजी'।
दस्तअफ़्राज (دستافراز) फा पु–कारीगर के काम करने का यत्र, हथियार, औजार, उपकरण, दे 'दस्तफ़्राज'।
दस्तअफ़्शाँ (دستافشاں) फा वि–किसी काम से विरक्त होनेवाला, त्यागनेवाला, त्यागी, विरक्त, दे 'दस्तफ्शाँ'।
दस्तआमोज़ (دستآموز) फा वि–हाथ पर सधाया हुआ जानवर, दे 'दस्तामोज'।
दस्तावर (دستاور) फा वि–दस्त लानेवाली दवाई, रेचक, जुल्लाब, दे 'दस्तावर'।
दस्तक (دستک) फा स्त्री–ताली, करताल, चर्चरी, खटखटाना, राजादेश, हुक्मनामा, कुर्की।
दस्तकलम (دستقلم) फा अ अव्य–दे शुद्ध 'दस्तोकलम'।
दस्तकश (دستکش) फा वि–विरक्त, बेतअल्लुक।
दस्तकशी (دستکشی) फा स्त्री–किसी काम मे से अपने को नि सम्बन्ध कर लेना, उपेक्षा।
दस्तकार (دستکار) फा पु–शिल्पी, शिलाकार, कारीगर, हाथ के काम का माहिर, वह चीज जिस पर हाथ का काम बना हो।
दस्तकारी (دستکاری) फा स्त्री–शिल्प, कला, हस्तशिल्प।
दस्तकी (دستکی) फा स्त्री–हाथ मे लेने या जेब आदि मे रखने के काबिल छोटी चीज।
दस्तख़त (دستخط) फा पु–हस्ताक्षर, स्वाक्षर, अपने कलम से लिखा हुआ अपना नाम, जो किसी तहरीर की सनद के लिए हो।
दस्तख़ती (دستخطی) फा वि–जिस पर दस्तखत हो।
दस्तगर्दां (دستگرداں) फा वि–बगैर तहरीर का कर्जा, हथ उधार।
दस्तगह (دستگه) फा स्त्री–'दस्तगाह' का लघु, दे 'दस्तगाह'।
दस्तगाह (دستگاه) फा स्त्री–सामर्थ्य, शक्ति, कुद्रत, योग्यता, विद्वत्ता, इत्मीयत।
दस्तगिरिफ़्त. (دستگرفته) फा वि–जिसका हाथ सहारे के लिए पकड़ा हो, जिसे सहायता दी हो।

दस्तगी (دستگی) फा स्त्री —वह दस्ताना जो बाज पक्षी को हाथ पर बठाने समय पहिनते ह दस्ता हडिल पानी का लोटा जिससे वजू या शौच करते ह।

दस्तगीर (دستگیر) फा वि —हाथ पकडकर सहारा देनेवाला अर्थात सहायक मददगार।

दस्तगीरी (دستگیری) फा अ स्त्री —सहायता मदद गिरते को थामना।

दस्तचव (دستچرب) फा वि —किसी दस्तकारी में निपुण (पु) सहायता मदद।

दस्तचीर (دستچیر) फा वि —अन्यायी अत्याचारी गालिब बलवान ताकतवर।

दस्तदराज (دستدراز) फा वि —अन्यायी जाबिर हाथ छुड मार बठनेवाला निडर बेबाक।

दस्तदराजी (دستدرازی) फा स्त्री —जुल्म अत्याचार गुस्ताखी दुःसाहस मारपीट।

दस्तनिगर (دستنگر) फा वि —दूसरा का मुह ताकने वाला दूसरा के सहारे जीवन व्यतीत करनेवाला, मुसा पेक्षी पराश्रय।

दस्तपनाह (دستپناه) फा पु —चीमटा चूल्हे से आग निकालने का यन्त्र।

दस्तपरवर (دستپرورده) फा वि —हाथ का पला हुआ लालन-पालन म रखा हुआ।

दस्तपाक (دستپاک) फा अ प —वह कपडा जिससे भोजन के बाद मुह हाथ पोछते ह रूमाल।

दस्तपेच (دستپیچ) फा पु —दस्तावेज, लसपात्र साधन जरीया।

दस्तपमा (دستپیماں) फा पु —वे कपडे धन और आभूषण आदि जो ब्याह से पहले दुल्हन के घर जाते ह।

दस्तफरोश (دستفروش) फा वि —वह व्यक्ति जो चीजो को हाथ में लेकर बेचता है।

दस्तफाल (دستفال) फा स्त्री —सबसे पहली बिक्री बोनी बुन्नी।

दस्तफ्राज (دستافراز) फा प —उर्दू में दस्त अफराज का शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु गलत वह भी नहा है।

दस्तबद (دستبند) फा पु —पहुँचा कलाई का एक आभूषण नृत्य का एक प्रकार।

दस्तबखर (دستبخیر) फा अ अव्य —जब किसी का यह बताना होता है कि अमुक व्यक्ति के शरीर म कोई बाधा या फोडा आदि किस स्थान पर है तो उसके शरीर पर उसी जगह हाथ रखते हुए यह वाक्य कहते ह जसे—वह दस्तबखर उनके भी इस स्थान पर फोडा है या था।

दस्तबदस्त (دستبدست) फा अव्य —हाथा-हाथ तुरन्त आमने सामने का, हाथा की जग—दस्त बदस्त जग।

दस्तबदुआ (دستبدعا) फा अ अव्य —ईश्वर से प्रार्थना के लिए हाथ उठाये हुए।

दस्तबरदार (دستبردار) फा वि —वतअल्लुक विरक्त।

दस्तबरदिल (دستبردل) फा वि —व्याकुल बचन मजतरिब

दस्तबसर (دستبسر) फा वि —सिर पर हाथ रखे हुए पश्चात्ताप करनेवाला, चकित हैरान।

दस्तबस्त (دستبسته) फा वि —हाथ बाँधे हुए हाथ जोडे हुए बढकर बडी नम्रता के साथ।

दस्तबाफ़ (دستباف) फा वि —सरल सुगम आसान।

दस्तबिरजन (دستبرنجن) फा पु —कगन।

दस्तबुकचा (دستبقچه) फा पु —छोटी गठरी जो हाथ से उठाई जा सके।

दस्तबोस (دستبوس) फा वि —हाथ चूमनेवाला किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को बोसा देनेवाला।

दस्तबोसी (دستبوسی) फा स्त्री —हाथ चूमना किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को बोसा देना।

दस्तमाय (دستمایه) फा पु —पूजी सरमाया।

दस्तमाल (دستمال) फा पु —हाथ पोछने का कपडा रूमाल बावरचीखाने की साफी।

दस्तमुरद (دستمزد) फा पु —उजरत मजदूरी पुनि, पारिश्रमिक।

दस्तयाब (دستیاب) फा वि —हस्तगत प्राप्त उपलब्ध हासिल।

दस्तयाबी (دستیابی) फा स्त्री —हुसूल, प्राप्ति उपलब्धि, उपलब्धता।

दस्तयार (دستیار) फा वि —सहायक, मददगार (प) उपकरण हथियार।

दस्तयारी (دستیاری) फा स्त्री —सहायता मदद।

दस्तरज (دسترنج) फा पु —श्रम मेहनत।

दस्तरख्वान (دسترخوان) फा पु —वह कपडा जिस पर खाना खाते ह।

दस्तरस (دسترس) फा स्त्री —पहुच रसाई पठ।

दस्तरसीद (دسترسیده) फा वि —जहा तक हाथ पहुच गया हो।

दस्तलाफ (دستلاف) फा स्त्री —बोहनी दस्तफाल।

दस्तवान (دستوانه) फा पु —कगन पहुची।

दस्तसाज (دستساز) फा वि —हाथ का बनाया हुआ।

दस्तां (دستاں) फा प —दस्त का बहु छल, फरेब गति नग्मा।

दस्तानः (دستانہ) फा पु –हाथो की हिफाजत के लिए पहना जानेवाला एक विशेष वस्त्र, हस्तत्राण।
दस्तामोज (دستاموز) फा वि –'दस्तआमोज' का शुद्ध उच्चारण यही है, वह भी गलत नही है।
दस्तार (دستار) फा स्त्री –पगडी, अम्मामा।
दस्तारचः (دستارچہ) फा पु –छोटी पगडी।
दस्तारबंद (دستاربند) फा वि –जिसने अरबी की पूरी योग्यता प्राप्त कर ली हो और उसे पगडी बाँध दी गयी हो, स्नातक।
दस्तारबंदी (دستاربندی) फा स्त्री –पूर्ण विद्योपार्जन के पश्चात् पगडी बाँधने की रस्म या सस्कार।
दस्तारबुजुर्ग (دستاربزرگ) फा पुं –कुरंम साक, वेश्याघटक।
दस्तावर (دستاور) फा वि –'दस्त आवर' का शुद्ध रूप, दे 'दस्त आवर'।
दस्तावेज (دستاویز) फा स्त्री –व्यवस्थापत्र, लेखपत्र, साधनपत्र, तमस्सुक, किवाला।
दस्तास (دستاس) फा स्त्री –हाथ की चक्की।
दस्ती (دستی) फा. वि –हाथ का, हाथ से सम्बन्ध रखनेवाला, हाथ मे रखनेवाली चीज, मशाल, फलीता।
दस्तूर (دستور) फा पु –नियम, काइदा, विधान, कानून, परपरा, रवाज; मत्री, सचिव, वजीर, पद्धति, शैली, ढग, व्यवहार, रविश, हक, कटौती, कमीशन।
दस्तूरियः (دستوریہ) फा स्त्री –जुमहूरिय, गणतत्र, जनतत्र।
दस्तूरी (دستوری) फा वि –वैधानिक, कानूनी (स्त्री) कमीशन, हक, कटौती।
दस्तूरुलअमल (دستورالعمل) फा. अ पु –काम का तरीका, कार्य-प्रणाली, कार्यक्रम, लाहियए अमल।
दस्तेकुद्रत (دستِ قدرت) फा अ पु –सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत।
दस्तेगैब (دستِ غیب) फा अ पु –दैवी आय, गैवी आमदनी।
दस्तेदुआ (دستِ دعا) फा अ पु –दुआ के लिए उठा हुआ हाथ
दस्तेशफकत (دستِ شفقت) फा अ पु –छत्रछाया, परवरिश।
दस्तेशिफा (دستِ شفا) फा अ पु –रोग-निवारण की शक्ति
दस्तोकलम (دست و قلم) फा अ वि –शिक्षित, पढा-लिखा।
दस्तोगिरीवाँ (دست و گریباں) फा वि –एक दूसरे का गिरीवान पकडे हुए, हाथापाई करते हुए।
दस्तोपा (دست و پا) फा पु –हाथ-पाँव, प्रयास, प्रयत्न, मेहनत, कोशिश।
दस्तोबगल (دست و بغل) फा वि –आलिंगन, वगलगीर।
दह (دہ) फा वि –दस, दश।
दहचंद (دہ چند) फा वि –दस गुना।
दह दर दह (دہ در دہ) फा वि –वह हौज जो दस गज लवा और दस गज चौडा हो।
दहदिलः (دہ دلہ) फा वि –वीर, बहादुर, चिंतित, फिक्रमद; लोलुप, लालची।
दहन (دہن) फा. पु –मुख, मुँह, छिद्र, छेद, सूराख।
दहनदरः (دہن درہ) फा पु –जँभाई, जृभा।
दहनदरीदः (دہن دریدہ) फा वि –मुँहफट, गुस्ताख।
दहनेजख्म (دہنِ زخم) फा पु –जख्म का मुँह।
दहनेतेग (دہنِ تیغ) फा पु –तलवार की धार, मौत का मुँह।
दहवाशी (دہ باشی) फा तु पु –दस सिपाहियो पर नायक।
दहमर्दः (دہ مردہ) फा वि –मिथ्यावादी, फुजूलगो, अनर्गलवादी, वहुभापी, वाचाल, वक्की।
दहरोजः (دہ روزہ) फा वि –थोडे दिन का, अस्थायी, चदरोजा, आरिजी।
दहाँ (دہاں) फा पु –दे 'दहन'।
दहाँबंद (دہاں بند) फा पु –वह कवच जिससे शत्रु का मुँह बद हो जाता है।
दहा (دہا) अ. स्त्री –बुद्धिकुशाग्रता, तेज अक्ली, प्रतिभा, जहानत।
दहाकीन (دہاقین) अ पु –'देहकान' का वहु, किसान लोग, गाँववाले।
दहानः (دہانہ) फा पु –मुँह, दहन, समुद्र मे नदी के गिरने का स्थान, भिश्ती की मश्क का मुँह, घोडे की काँटोदार लगाम, मोरी, नाली।
दहानए फिरंग (دہانۂ فرنگ) फा पु –एक सब्ज पत्थर जो रासायनिक गुण रखता है, और विप-नाशक है।
दहुम (دہم) फा वि –दसवाँ, दशम।
दह्नः (دہنہ) फा पु –नदीतट, दर्या का किनारा, किसी देश की सरहद, दहानए फिरग।
दह्नए फिरंग (دہنۂ فرنگ) फा पु –दे 'दहानए फिरग'।
दह्र (دہر) अ पु –काल, समय, वक्त, युग, कर्न।
दह्रियः (دہریہ) अ वि –दे 'दह्री'।
दह्री (دہری) अ वि –अनीश्वरवादी, खुदा को न माननेवाला, नास्तिक, लामजहव।
दह्शत (دہشت) अ स्त्री –डर, भय, खौफ।
दह्शतअंगेज (دہشت انگیز) अ फा वि –भयानक, भीपण, डरावना।
दह्शतअंगेजी (دہشت انگیزی) अ फा स्त्री –भयानकपन, डरावनापन, खौफनाकी, डरा-धमकाकर किसी से कुछ प्राप्त करने की अवैध कोशिश, किसी क्षेत्र मे जनता को

डरा धमकाकर इस बात पर बाध्य करना कि वह अमुक व्यक्ति या दल का पक्षपात न करे या उसे सहयोग न दे या उसके कामों में गडबड डाले।

दहशतकद (دهشت‌کده) अ फा पु—वह स्थान जो बहुत ही भयकर हो।

दहशतजद (دهشت‌زده) अ फा वि—भयभीत त्रस्त डरा हुआ।

दहशतनाक (دهشت‌ناک) अ फा वि—भयसकुल दहशत से भरा हुआ खौफनाक।

दा (دا) फा प्रत्य—जाननेवाला जैसे—हम दा सब कुछ जाननेवाला सर्वज्ञ।

दाग (دانگ) फा पु—छ रत्ती का तौल और दिशा तरफ।

दाइन (دائن) अ पु—ऋणदाता कर्ज देनेवाला।

दाइम (دائم) अ वि—नित्य सदा हमेशा।

दाइमन (دائما) अ अव्य—नित्यप्रति हर वक्त हर समय, सदा हमेशा।

दाइमी (دائمی) अ वि—नित्य का हमेशा का स्थायी मुस्तकिल।

दाइमुलखम्र (دائم‌الخمر) अ वि—सदा शराब के नशे में रहनेवाला हर वक्त का पीनेवाला नियमद्यप।

दाइमुलमरज (دائم‌المرض) अ वि—सदा बीमार रहने वाला जन्मरोगी नित्यरुग्ण।

दाइमुलहब्स (دائم‌الحبس) अ वि—जिसे पूरे जन्म की सजा मिली हो आजन्म कारावासी पूरी उम्र की सजा आजन्म कारावास।

दाइय (داعیه) अ पु—ज्वार अभिचार।

दाइर (دائره) अ पु—परिधि घेरा गोल गोला वृत्त मडल हल्का परिषद सभा मजलिस आश्रम खानकाह टोला मुहल्ला एकवाजा दफ अपरा की गोलाई जरा—जीम या मीन का दाइरा।

दाइरनुमा (دائره‌نما) अ फा वि—गोलाकार वर्तुलाकार वृत्ताकार, मण्डलाकार गोल।

दाइर (دائر) अ वि—फिरनेवाला घूमनेवाला उप स्थित दरपेश उपस्थित करना चलाना (वाद)।

दाइरतुलबुरूज (دائرة‌البروج) अ पु—क्रातिमडल भचक्र राशिचक्र वह दाइरा जिसमे बारह बुर्ज हैं।

दाइरतुलमआरिफ (دائرة‌المعارف) अ पु—ज्ञानकोश पान्या, विश्वकोश।

दाई (داعی) अ वि—बुलानेवाला निमत्रणकर्ता दुआ करनेवाला आशीर्वाददाता।

दाउ (داو) फा पु—जुए की बारी दाँव मक्र छल फरेब।

दाउल्असद (داءالاسد) अ स्त्री—कुष्ठरोग, कोढ।

दाऊद (داود) अ पु—एक पैगम्बर जिनका स्वर बहुत ही मधुर था।

दाखिल (داخله) अ पु—हस्तातरण सपुर्दगी रुपया दाखिल करने की रसीद पहुँच रसाई स्कूल या कालिज में प्रवेश।

दाखिल (داخل) अ वि—भीतर आनेवाला प्रविष्ट अदर पहुँचा हुआ, सम्मिलित शामिल।

दाखिल कुनिद (داخل‌کننده) अ फा वि—दाखिल करने वाला जमा करनेवाला।

दाखिल खारिज (داخل‌خارج) अ पु—जमीन या जायदाद पर से एक व्यक्ति का नाम कटकर दूसरे का चढ़ना एक व्यक्ति की जगह दूसरे का मालिक नियुक्त होना।

दाखिली (داخلی) अ वि—भीतरी आतरिक अन्दरूनी मानसिक हार्दिक रूहानी दिली।

दाखिले दफ्तर (داخل دفتر) अ अव्य—किसी प्रार्थना पत्र का अस्वीकृत होकर मिसिल में किसी सुबूत आदि के लिए सुरक्षित रहना।

दाखूल (داخول) फा पु—वह लकडी आदि जिसे मनुष्य का रूप देकर खेतो में डराने के लिए लगा देते है बादशाहो और राजाओ के मकान के आगे लगाने के वास्ते के लिए बनी हुई इमारत।

दाग़ (داغ) फा पु—चिह्न धब्बा निशान किसी की मृत्यु का गम कलक दोष अपराध दुख क्लेश रज जैसे—दागे हिज्र विरह का दुख ईर्ष्या डाह हसद जलन का चिह्न पेड पर गलने या सडने का निशान घाव का चिह्न।

दाग़गाह (داغگاه) फा स्त्री—कचहरी जहाँ कागजात पर मुहर लगायी जाती है।

दाग़दार (داغدار) फा वि—जिसमे दाग हो धब्बेवाला दागी ऐबदार किसी अपराध में लिप्त आदि दामन।

दाग़ी (داغی) फा वि—दागदार जिस पर धब्बा या निशान हो दूषित मायूब सजायाब दडित दागा हुआ जलाया हुआ अपराधी मुज्रिम।

दाग़े जिगर (داغ‌جگر) फा पु—सतान की मृत्यु का गम प्रेम की आग का दाग।

दाग़दिल (داغ‌دل) फा पु—प्रेमाग्नि से जलने का दाग हृदय का दाग।

दाज (داج) अ पु—घटाटोप अधकार घोर अँधेरा।

दाद (داده) फा वि—दिया हुआ।

दाद (داد) फा स्त्री –न्याय, इंसाफ; दान, बख़शिश, प्रशसा, तहसीन, वाह-वाह (प्रत्य) दिया हुआ, जैसे—'ख़ुदादाद' ख़ुदा का दिया हुआ।

दादख़्वाह (دادخواه) फा वि –फर्यादी, न्याय चाहनेवाला।

दादगर (دادگر) फा वि.–न्याय करनेवाला, मुसिफ।

दादगुस्तर (دادگستر) फा वि –दे 'दादगर'।

दादतलब (دادطلب) फा अ वि –दाद चाहनेवाला, न्याय-याचक, किसी अच्छे काम की प्रशसा चाहनेवाला।

दाददेही (داددهی) फा स्त्री –न्याय करना, फर्याद सुनना, दाद देना।

दादनी (دادنی) फा अव्य –देने योग्य, देने के लाइक, किसी चीज़ के लिए पेशगी रुपया देना।

दादबख़्श (دادبخش) फा. वि –न्यायकर्ता, मुसिफ, दादगर।

दादरस (دادرس) फा वि –दे 'दादगर'।

दादरसी (دادرسی) फा स्त्री –न्याय, इंसाफ।

दादार (دادار) फा पु –न्यायकर्ता, मुसिफ।

दादोदिहिश (دادودهش) फा स्त्री –दानशीलता, फैयाज़ी, सख़ावत।

दादोसितद (دادوستد) फा स्त्री –लेन-देन, रुपये के लेन-देन का कारोबार।

दानः (دانه) फा पु –अनाज, गल्ला, अनाज के खोशे मे लगा हुआ बीज, अगूर का एक फल, खील, भुना हुआ बीज, छोटी फुसी, चेचक का आवला, आमो की सख्या के लिए, जैसे—'बीस दाने लँगडे के'; रत्नों की गिंती के लिए जैसे—'याकूत का एक दाना'।

दान.ख़ोर (دانه‌خور) फा वि –दाना खानेवाला मवेशी।

दानःख़ोरी (دانه‌خوری) फा. पु –जानवर को दाना खिला-कर मोटा ताजा करना।

दानःजद (دانه‌زد) फा वि –कमीना, खस्ताहाल, कजूस।

दान दार (دانه‌دار) फा वि –जिसमे दाने हो।

दान (دان) फा प्रत्य –पात्र, वर्तन जैसे—'कलमदान' कलम रखने का पात्र, 'उदूदान' अगर जलाने का वर्तन।

दानए गंदुम (دانهٔ‌گندم) फा. पु –गेहूँ का एक दाना या बीज।

दानए जजीर (دانهٔ‌زنجیر) फा पु –ज़जीर की कडी, जजीर का हल्का।

दानए याक़ूत (دانهٔ‌یاقوت) फा अ –एक याकूत (पद्मराग)।

दानए सीर (دانهٔ‌سیر) फा अ पु–लहसुन का जवा।

दानए हील (دانهٔ‌هیل) फा पु –इलायची का एक बीज।

दाना (دانا) फा वि– बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद; चतुर, कुशल, प्रवीण, होशियार।

दानाई (دانائی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, मनस्विता, अक़्ल-मदी, चातुर्य, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

दानाए राज़ (دانائے‌راز) फा वि –भेदो का जाननेवाला, मर्मज्ञ।

दानाए रोज़गार (دانائے‌روزگار) फा वि –अपने समय का सबसे बडा बुद्धिमान, ससार मे सर्वोत्तम बुद्धिवाला।

दानाए हाल (دانائے‌حال) फा अ वि –वास्तविकता जानने-वाला, सच्ची हालत समझनेवाला।

दानादिल (دانادل) फा वि –रौशनजमीर, अंतर्यामी।

दानावबीना (داناوبینا) फा वि –जो देखता भी हो और जानता भी हो, बहुत अधिक बुद्धिमान् और अनुभवी।

दानिंद. (داننده) फा वि –जाननेवाला, ज्ञाता।

दानियाल (دانیال) फा पु –एक पैगम्बर।

दानिश (دانش) फा स्त्री –बुद्धि, अक्ल, विवेक, तमीज, विद्या, इल्म।

दानिश आमोज़ (دانش‌آموز) फा वि –विद्या सीखनेवाला (शिष्य), विद्या सिखानेवाला (गुरु)।

दानिशमंद (دانشمند) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, वैज्ञानिक, हकीम, विद्वत्तम, मुतबहृहिर।

दानिशमंदी (دانشمندی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमदी, विद्वत्ता, पाडित्य, इल्मीयत, निपुणता, कुशलता, होशियारी।

दानिशवर (دانشور) फा वि –दे 'दानिशमद'।

दानिस्तः (دانسته) फा वि –जाना हुआ, ज्ञात, जान-बूझकर, कस्दन।

दानिस्त (دانست) फा स्त्री –ज्ञान, जानकारी।

दानिस्तगी (دانستگی) फा स्त्री –दे 'दानिस्त'।

दानिस्तनी (دانستنی) फा अव्य –जानने के योग्य, ज्ञातव्य।

दाफिअः (دافعه) अ स्त्री –वह शक्ति जो शरीर से मल-मूत्र और पसीना आदि बाहर निकालती है।

दाफ़िउलबलाया (دافع‌البلایا) अ वि –आपत्तियो का नाश करनेवाला, दुःखो का निवारण करनेवाला।

दाफ़िए क़ब्ज़ (دافع‌قبض) अ वि –कब्ज को रफा करनेवाला।

दाफ़िए ग़म (دافع‌غم) अ वि –रंज और गम हटानेवाला, कष्टमोचन।

दाफ़िए ज़हूर (دافع‌زهر) अ फा वि –विष दूर करनेवाला, विष-दोषहर।

दाफ़िए दर्द (دافع‌درد) अ. फा वि –दर्द मेटनेवाला, वेदनाहर, शूलघ्न।

दाफ़िए मरज़ (دافع‌مرض) अ वि –व्याधिहर, बीमारी का नाशक, रुजघ्न।

दाफ़िए वरम (دافع ورم) अ फा वि–शोथनाशक वरम को दूर करनेवाला।

दाफ़े' (دافع) अ वि–निवारक हटानेवाला, दूर करने वाला, माचक।

दाब (داب) अ पु–ढंग तरीका, ढब, नाजोनीतल।

दाबे मज्लिस (داب مجلس) अ पु–सभा में उठने-बैठने और बातचीत करने का ढंग, आदाबे मज्लिस, सभा-चातुर्य।

दाबे महफ़िल (داب محفل) अ पु–दे दाबे मज्लिस।

दाबे सल्तनत (داب سلطنت) अ पु–शासन करने का ढंग, राज्य-कौशल।

दाबे सोहबत (داب صحبت) अ पु–बड़े लोगों के पास उठने बैठने, उनसे वार्तालाप करने और उनकी आज्ञा पालन करने के ढंग, शिष्टता, सभ्यता।

दाब्बः (دابه) अ पु–चौपाया, पशु, मवेशी।

दाम (دام) फा पु–फन्दा, पाश, बंधन, जाल, जंगली चौपाए जो हिलके न हों, दवाओं की एक तौल, एक रुपये का चालीसवाँ भाग, एक पल का पचासवाँ भाग।

दामगाह (دامگاه) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ जाल बिछा हो, जहाँ फँसने का भय हो, फरेब की जगह।

दामन (دامن) फा पु–कुरते या अँगरखे आदि का वह भाग जो लटकता रहता है, अंचल—दामन पे तर गर के माथे का पसीना और बर भी मेरा चश्मगुहरबार से आगे। मैदान, समतल भूमि।

दामनअफ़्शां (دامن افشاں) फा वि–दामन झाड़ता हुआ, बिना कुछ लिये हुए खाली हाथ, दामन झटकता हुआ नाज़ से चलता हुआ।

दामनकशाँ (دامن کشاں) फा वि–दामन बचाता हुआ, बेतअल्लुक, यह ख़याल रखकर चलता हुआ कि दूसरे से उसका दामन न छू जाय, अभिमानी, घमंडी।

दामनगीर (دامن گیر) फा वि–दामन पकड़नेवाला, दामन पकड़कर रोकनेवाला।

दामनदार (دامن دار) फा वि–चौड़ा, घेरदार (घाव के लिए आता है)।

दामनसवार (دامن سوار) फा वि–दामन का घोड़ा बनाकर उस पर सवार होनेवाला बालक (बच्चा का एक खेल)।

दामनी (دامنی) फा स्त्री–औरतों की ओढ़नी, वह चादर जो पाड़ के पुट्ठों पर पड़ाने से दामन बचाने को डाली जाती है, एक पाट की वह चादर जो औरतों के जनाज़े पर डाली जाती है।

दामन कोह (دامن کوه) फा पु–वह मैदान जो किसी पहाड़ के नीचे स्थित हो।

दामने दौलत (دامن دولت) फा अ पु–सरपरस्ती, हिमायत, छत्रछाया।

दामने मर्यम (دامن مریم) फा अ पु–हज़रत मर्यम का दामन जो दाग धब्बे से बिल्कुल पाक था, अर्थात सतीत्व साधुता।

दामने महशर (دامن محشر) फा अ पु–क़ियामत का मैदान।

दामने शब (دامن شب) फा पु–रात का अंतिम भाग।

दामाद (داماد) फा पु–लड़की का पति, जामाता।

दामान (دامان) फा पु–दे दामन।

दामे अजल (دام اجل) फा अ पु–मौत का फंदा, कालपाश।

दामे गेसू (دام گیسو) फा पु–केशपाश, बालों की लट।

दामे ज़ुल्फ़ (دام زلف) फा पु–दे दामे गेसू।

दामे तज़्वीर (دام تزویر) फा अ पु–दे दामे फ़िरेब।

दामे फ़िरेब (دام فریب) फा पु–छल रूपी जाल, कूटपाश, कूटबंध।

दामे मुहब्बत (دام محبت) फा अ पु–प्रेमपाश, प्रेमबंधन, इश्क़ का फंदा।

दाय: (دایه) फा स्त्री–दूसरे के बच्चे का दूध पिलाने वाली स्त्री, अन्नपाली, अन्ना, खिलाई, बच्चा जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

दायःगरी (دایه گری) फा स्त्री–बच्चा जनाने का पेशा, धात्री-कर्म, कौमारभृत्य, बच्चा जनाने की विद्या, धात्री विद्या।

दार (دار) फा स्त्री–सूली, फाँसी (प्रत्य•) वाला, जैसे—ज़िम्मेदार।

दार (دار) अ पु–घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, जैसे दारुल आलम।

दारचीनी (دارچینی) फा स्त्री–एक दरख़्त की छाल, दालचीनी।

दारचोब (دارچوب) फा स्त्री–कल्पणी।

दारफ़िल्फ़िल (دار فلفل) फा स्त्री–बड़ी पीपल, गज पिप्पली।

दारबस्त (داربست) फा स्त्री–लकड़ी और तख़्तों का वह जिस पर बैठकर राज और मज़दूर इमारत बनाते हैं, अंगूर या कोई दूसरी बेल चढ़ाने की टट्टी।

दारबाज़ (دارباز) फा वि–नट, बाज़ीगर, रस्सी पर नाचनेवाला।

दारहल्द (دارهلد) फा स्त्री–एक दवा, दारुहल्दी।

दारा (دارا) फा पु–ईरान का एक बादशाह जिसे सिकंदर ने विजित किया था, बादशाह, नरेश, राजा, धनवान बादशाह, ईश्वर, विश्वपालक।

दाराई (دارائی) फा स्त्री—बादशाहत, राज, खुदाई, ईश्वरत्व, एक रेशमी कपडा, दरयाई।
दाराए खल्क (دارائےخلق) फा अ पु—सारे जगत् का पालन-पोषण और रक्षा करनेवाला, ईश्वर।
दारिंदः (دارندہ) फा वि—रखनेवाला।
दारुज्जर्ब (دارالضرب) अ पु—टकसाल, टकशाला।
दारुज्जैफ (دارالضیف) अ पु—मेहमानखाना, अतिथिशाला।
दारुत्तर्बियत (دارالتربیت) अ पु—जहाँ किसी चीज की ट्रेनिंग दी जाय, प्रशिक्षण स्थान, जहाँ शिष्टता और सभ्यता सिखायी जाय।
दारुन्नईम (دارالنعیم) अ पु—स्वर्ग, बिहिश्त।
दारुलअदालत (دارالعدالت) अ पु—न्यायालय, कचहरी।
दारुलअमल (دارالعمل) अ पु—ससार, दुनिया, प्रयोगशाला, गवेषणालय।
दारुलअमान (دارالامان) अ पु—वह स्थान जहाँ लडाई-झगडा न हो।
दारुलअम्न (دارالامن) अ पु—दे 'दारुलअमान'।
दारुलआखिरत (دارالآخرۃ) अ पु—परम धाम, परलोक, उक्बा।
दारुलइकामः (دارالاقامہ) अ पु—बोर्डिंग हाउस, छात्रावास।
दारुलइमारत (دارالامارت) अ पु—राजधानी, शासनकेंद्र।
दारुलइयार (دارالعیار) अ पु—वह स्थान जहाँ खरा-खोटा सोना-चाँदी परखा जाता है।
दारुलउलूम (دارالعلوم) अ पु—यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।
दारुलऐताम (دارالایتام) अ पु—यतीमखाना, अनाथालय।
दारुलकजा (دارالقضا) अ पु—न्यायालय, कचहरी।
दारुलकरार (دارالقرار) अ पु—परम धाम, स्वर्ग, बिहिश्त।
दारुलकुतुब (دارالکتب) अ पु—किताब-घर, पुस्तकालय, जहाँ किताबे बिकती हैं।
दारुलखिलाफत (دارالخلافت) अ पु—राजधानी।
दारुलखैर (دارالخیر) अ पु—जहाँ लोगो को दान आदि बहुत मिलता हो।
दारुलजजा (دارالجزا) अ पु—जहाँ किये का फल भोगना पडे, यमलोक, परलोक।
दारुलफना (دارالفنا) अ पु—दुनिया, ससार, नाशवान् ससार।
दारुलबका (دارالبقا) अ पु—परलोक, आखिरत, नित्य लोक।
दारुलबवार (دارالبوار) अ पु—नरक, दोजख।
दारुलमर्जा (دارالمرضی) अ पु—मरीजों की जगह, रुग्णालय।
दारुलमिहन (دارالمحن) अ पु—दुख और क्लेश का स्थान, अर्थात्, संसार।
दारुलमुकाफात (دارالمکافات) अ पु—संसार, दुनिया।
दारुलमुतालअः (دارالمطالعہ) अ पु—वाचनालय, लाइब्रेरी।
दारुलमुल्क (دارالملک) अ पु—राजधानी।
दारुलहर्ब (دارالحرب) अ पु—वह देश जहाँ गैर-मुस्लिम हुकूमत हो और वहाँ का नरेश मुसलमानो को उनकी धार्मिक कृतियाँ न करने दे।
दारुलहुकूमत (دارالحکومت) अ पु—राजधानी।
दारुश्शर्अ (دارالشرع) अ पु—इस्लामी न्यायालय।
दारुश्शिफ़ा (دارالشفا) अ पु—आरोग्यशाला, शिफाखाना।
दारुश्शूरा (دارالشوری) अ पु—परामर्श का स्थान, जहाँ बैठकर सलाह की जाय, प्रेक्षागार।
दारुस्सनम (دارالصنم) अ पु—बुतखाना, मूर्तिगृह, मदिर।
दारुस्सफा (دارالصفا) अ पु—पवित्र घर, मक्का।
दारुस्सलाम (دارالسلام) अ पु—शांति का स्थान, स्वर्ग, बिहिश्त।
दारुस्सल्तनत (دارالسلطنت) अ पु—राजधानी।
दारुस्सुरूर (دارالسرور) अ पु—हर्ष और आनद का स्थान अर्थात्, स्वर्ग, परम धाम।
दारू (دارو) फा स्त्री—इलाज, उपचार, चिकित्सा, बारूद, अग्नि-क्रीडा, मदिरा, शराब।
दारैन (دارین) अ पु—दोनो लोक, ससार और परलोक, उभयलोक।
दारोगः (داروغہ) फा पु—निरीक्षक, निगराँ, सब-इंस्पेक्टर, पुलिस, थानेदार।
दारोगए तोपखानः (داروغۂ توپخانہ) फा पु—तोपखाने का अफ्सर।
दारोगए महबस (داروغۂ محبس) अ फा पु—जेल का अध्यक्ष, जेलर, कारागार-रक्षक।
दारोगीर (داروگیر) फा स्त्री—पकड-धकड, गिरिफ्तारियाँ, पूछगच्छ, बाजपुर्स।
दारोमदार (دارومدار) फा पु—निर्भरता, इनहिसार।
दाल [ल्ल] (دال) अ वि—राह दिखानेवाला, पथ-प्रदर्शक।
दालान (دالان) फा पु—बडा और लबा कमरा जिसमे मेहराबदार दरवाजे होते हैं, या तिदरी होती है।
दालान दर दालान (دالان در دالان) फा पु—दुहरा दालान, दालान के अदर दालान।
दा'वत (دعوت) अ स्त्री—बुलावा, आवाहन, खाने का बुलावा, निमत्रण, भोज, खाना।
दा'वतनामः (دعوت نامہ) अ फा पु—किसी सभा आदि में सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, किसी भोज मे सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, निमंत्रण-पत्र।

दा'वते आम (دعوت عام) अ स्त्री—सर्वसाधारण का बुलावा दावते आम है राहे वफ़ा है म हूँ—वह मेरे साथ चला आये जा आमों समझे सार्वजनिक प्रीतिभोज।
दा'वते जंग (دعوت جنگ) अ फा स्त्री—युद्ध का चुनौती युद्ध का आवाहन।
दा'वते वलीम (دعوت ولیمہ) अ स्त्री—व्याह के पश्चात दूल्हे की ओर से भोज विवाह भोज।
दा'वते शीराज़ (دعوت شیراز) अ फा स्त्री—सीधी सादी दावत जो कुछ मौजूद है उसकी दा'वत बेतकल्लुफी का खाना।
दा'वते समरकद (دعوت سمرقند) अ फा स्त्री—ठाटदार दावत बहुत ही तकल्लुफ का खाना।
दावर (داور) फा पु—न्यायकर्ता मुन्सिफ ईश्वर खुदा।
दावरी (داوری) फा स्त्री—न्याय इन्साफ हुकूमत, राज्य।
दावरीगाह (داوری گاہ) फा स्त्री—न्यायालय पचायत की जगह।
दावरे महशर (داور محشر) फा अ पु—कियामत के दिन इन्साफ करनेवाला ईश्वर।
दावरे हश्र (داور حشر) फा अ पु—दे 'दावरे महशर'।
दा'वा (دعوی) अ पु—वाद नालिश अभ्यंग स्नेह स्वत्व हक गर्व अभिमान घमंड जो गुण न आता हो अपने में उसे बताना शेख़ी डींग नेखी।
दा'वीदार (دعویدار) अ फा पु—दावा करनेवाला अपना अधिकार जतानेवाला वादी मुद्दई।
दाश्त (داشتہ) फा स्त्री—घर म डाली हुई स्त्री रखेली उपपत्नी।
दाश्त (داشت) फा स्त्री—देखरेख रखवाली खबरगीरी।
दाश्तनी (داشتنی) फा अव्य—रखने के लाइक।
दास्ताँ (داستاں) फा स्त्री—दास्तान का लघु दे दास्तान।
दास्ताँ गो (داستاں گو) फा पु—किस्से सुनानेवाला किस्से सुनाकर जीविका चलानेवाला किस्सख्वाँ।
दास्तासरा (داستاں سرا) फा पु—दे दास्तागो।
दास्तान (داستان) फा स्त्री—कथा कहानी वृत्तांत हाल लम्बी चौडी कथा।
दाह (داہ) फा पु—दास गुलाम।
दाहिय (داہیہ) अ स्त्री—जीवन की कठिनता ससार का कुचक्र।
दाही (داہی) अ वि—बुद्धिमान चतुर अक्लमद।
दाहूल (داہول) फा पु—वह कृत्रिम चित्र जो खेतों में जानवरों को डराने के लिए बना देते हैं दामूल।

दि

दिक [दिक्] (دق) अ स्त्री—तपेदिक क्षयरोग यक्ष्मा तंग परेशान।
दिक्कत (دقت) अ स्त्री—कठिनता मुश्किल सूक्ष्मता बारीकी।
दिक्कततलब (دقت طلب) अ वि—जिसमें कठिनाई का सामना हो कठिन दुष्कर मुश्किल कष्टसाध्य।
दिक्कतपसद (دقت پسند) अ फा वि—जो दूर की कौडी लाना चाहता हो जिसकी तबीयत गहरे में डूबकर मजमून आदि लाने की आदी हो मुश्किलपसद।
दिक्कते नजर (دقت نظر) अ स्त्री—नजर की बारीकी नजर की दूर तक गहराई में पहुँच तलाश।
दिगर (دگر) फा पु—दीगर का लघु दे 'दीगर'।
दिगरगूँ (دگرگوں) फा वि—अस्त-व्यस्त उथल-पुथल उलट-पलट।
दिजाज (دجاج) अ स्त्री—मुर्गी स्त्री कुक्कुट (प्र) मुर्गा कुक्कुट दे 'दजाज' दोनों शुद्ध हैं।
दिज्ल (دجلہ) अ पु—बगदाद के नीचे बहनेवाली नदी नदी दया दे दज्ल दोनों शुद्ध हैं।
दिनाअत (دناءت) अ स्त्री—अधमता नीचता कमीनगी लोफरपन।
दिफाअ (دفاع) अ पु—रक्षा बचाव हिफाजत प्रतिरक्षा।
दिफाई (دفاعی) अ वि—बचाव सम्बन्धी हिफाजती।
दिबाग़त (دباغت) अ स्त्री—चमडा रगना और बनाना चमडा कमाना।
दिमन (دمن) अ पु—गू गोबर वह स्थान जहाँ गू-गोबर और मला आदि डाला जाय।
दिमाग़ (دماغ) अ पु—मस्तिष्क मस्तक बुद्धि अक्ल अहंकार गर्व गुरूर सहनशक्ति बरदाश्त घ्राण हाश ध्यान खयाल।
दिमाग़दार (دماغدار) अ फा वि—अभिमानी मगरूर।
दिमाग़दारी (دماغداری) अ फा स्त्री—अभिमान गर्व गरूर।
दिमाग़सोज़ी (دماغسوزی) अ फा स्त्री—दिमागी मेहनत माथा पच्ची।
दिमाग़ी (دماغی) अ वि—मस्तिष्क सम्बन्धी दिमाग में सम्बन्ध रखनेवाला।
दिमिश्क (دمشق) फा पु—शाम की राजधानी (दमिश्क)।
दियत (دیت) अ स्त्री—खून की क़ीमत किसी से कोई आदमी मर जाय तो मरनेवाले की औलाद अगर हत्यारे से उसके प्राणदंड के बदले में रुपया लेना चाहती थी तो

उसको दिला दिया जाता था, और हत्यारे को मुक्त कर दिया जाता था, इस रुपये को 'दियत' कहते हैं।

दियानत (دیانت) अ स्त्री –ईमानदारी, सत्य निष्ठा।

दियानतदार (دیانتدار) अ फा वि –ईमानदार, सत्य-निष्ठ, जो धरोहर आदि मे जरा भी गडबड न करे।

दियानतदारी (دیانتداری) अ फा स्त्री.–ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

दियार (دیار) अ पु –'दार' का बहु., परतु उर्दू मे एक० मे बोला जाता है। जैसे—घर, मकान, स्थान, मुकाम।

दियारे गैर (دیارغیر) अ फा पु –दूसरो का देश, परदेश।

दिरंग (درنگ) फा स्त्री –दे 'दरग', दोनो शुद्ध हैं।

दिरम (درم) फा पु –३½ माशे की एक तोल, दिर्हम, चाँदी का एक छोटा सिक्का, चवन्नी।

दिरा (درا) फा पु –कारवाँ के साथ चलनेवाला घडयाल, दे 'दरा', दोनो शुद्ध हैं।

दिरायत (درایت) अ स्त्री –बुद्धि, मेधा, अक्ल, प्रतिभा, जहानत, ज्ञान, जानकारी।

दिरासत (دراست) अ स्त्री –बुद्धि, विवेक, दानाई, सबक पढना, पठन, सबक पढाना, पाठन।

दिरेग (دریغ) फा पु –हाय, अफसोस, हा; कृपणता, कजूसी, सकोच, तअम्मुल।

दिरेगा (دریغا) फा अव्य –हाय, अफसोस, हा हत।

दिरौ (درو) फा स्त्री –खेत काटना, बुनाई करना।

दिरौगर (دروگر) फा वि –खेत काटनेवाला।

दिर्रः (درہ) अ पु –चमडे का कोडा, जिससे पहले जमाने मे सजा दी जाती थी, दुर्रा।

दिल (دل) फा पु –मानस, हृदय, कल्ब; उत्साह, उमग, हौसला, साहस, हिम्मत, वीरता, शौर्य, बहादुरी, रुचि, इच्छा, ख्वाहिश, मर्जी, दानशीलता, सखावत।

दिलअफ़्गार (دل افگار) फा वि –दे 'दिलफगार'।

दिलअफ़्रोज (دل افروز) फा वि –दे 'दिलफ्रोज'।

दिलआजार (دل آزار) फा वि –दे 'दिलाजार'।

दिलआजारी (دل آزاری) फा स्त्री –दे 'दिलाजारी'।

दिलआजुर्दः (دل آزردہ) फा वि –दे 'दिलाजुर्द'।

दिलआजुर्दगी (دل آزردگی) फा स्त्री –दे 'दिलाजुर्दगी'।

दिलआरा (دل آرا) फा वि –दे 'दिलारा'।

दिलआराई (دل آرائی) फा स्त्री –दे 'दिलाराई'।

दिलआराम (دل آرام) फा वि –दे 'दिलाराम'।

दिलआवर (دل آور) फा वि –दे 'दिलावर'।

दिलआवेज (دل آویز) फा वि –दे 'दिलावेज'।

दिलकश (دلکش) फा वि –मनोहर, चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खीचनेवाला।

दिलकशी (دلکشی) फा स्त्री –मनोहरता, मनोज्ञता, सुदरता, खुशनुमाई।

दिलकुशा (دل کشا) फा वि –रमणीक, रम्य, दिल को आनद देनेवाला।

दिलखराश (دل خراش) फा वि –बहुत ही कष्ट देनेवाला, हृदय-विदारक।

दिलखस्तः (دل خستہ) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, क्षत हृदय।

दिलखुशकुन (دل خوش کن) फा वि.–दिल को खुश कर देनेवाला, आनददाता।

दिलख्वाह (دل خواہ) फा वि –मर्जी के मुताबिक, इच्छा-नुसार।

दिलगर्मी (دل گرمی) फा स्त्री –सभ्राति, तपाक, जोश, गर्मजोशी।

दिलगिरिफ़्तः (دل گرفتہ) फा वि –खिन्नचित्त, उदास, रजीदा, अफसुर्द।

दिलगीर (دلگیر) फा वि –दुखित, रजीदा।

दिलगुदाज (دل گداز) फा वि –हृदयद्रावी, मन को पिघला डालनेवाला, कष्टजनक, दुखप्रद।

दिलगुर्दः (دل گردہ) फा पु –साहस, उत्साह, उमग, हिम्मत।

दिलचस्प (دلچسپ) फा वि –दिल को अच्छा लगने-वाला, मनोरजक, रोचक।

दिलचस्पी (دل چسپی) फा स्त्री –रुचि, रगबत, रोचकता, मनोरजन, तफ्रीह।

दिलजदः (دل زدہ) फा वि –मनोहत, जिसका दिल घायल हो, दुखित।

दिलजमई (دل جمعی) फा अ स्त्री –ढारस, सात्वना, दिलासा, यकसूई, चित्तैकाग्रता, मनोयोग, सलग्नता।

दिलजू (دل جو) फा वि –सुदर, शुभदर्शन, हसीन।

दिलजोई (دل جوئی) फा स्त्री –सात्वना, ढारस, तसल्ली।

दिलतग (دل تنگ) फा वि –दुखित, क्लेपित, रजीदा, कृपण, कजूस।

दिलतंगी (دل تنگی) फा स्त्री.– दुख, क्लेश, रंज; कृपणता, कजूसी।

दिलतफ़्तः (دل تفتہ) फा वि –दग्ध हृदय, प्रेमदग्ध, दिल-जला।

दिलदादः (دل دادہ) फा वि –मुग्ध; आसक्त, फ़िरेफ़्त, मोहित।

दिलदादगी (دل دادگی) आसक्ति, मुग्धता, फ़िरेफ़्तगी।

दिलदार (دلدار) फा वि–प्यारा प्रेमपात्र, प्रेयसी प्रेमिका माशूका।

दिलदारी (دلداری) फा स्त्री–सांत्वना, ढारस दिलासा, तस्कीन।

दिलदिही (دلدهی) फा स्त्री–दे दिलदारी।

दिलदुज़्द (دلدزد) फा वि–दिल का चोर हृदय चोर प्रेमपात्र माशूक।

दिलदोज़ (دلدوز) फा वि–दिल में घुस जानेवाला दिल पर असर करनेवाला।

दिलनवाज़ (دلنواز) फा वि–दिल का तसल्ली देनेवाला ढारस बँधानेवाला प्रेमपात्र महबूब।

दिलनवाज़ी (دلنوازی) फा स्त्री–मत्री दोस्ती सांत्वना ढारस।

दिलनशी (دلنشین) फा वि–जो दिल में बैठ गया हो हृदयस्थ जो समझ में आ गया हो हृदयगम।

दिलनिहाद (دلنهاد) फा वि–जिस पर दिल को रुचि हो प्रेमपात्र महबूब।

दिलपसद (دلپسند) फा वि–जो दिल को पसद हो रुचिकर मनाव।

दिलपिज़ीर (دلپذیر) फा वि–दे दिलपसद।

दिलफ़रेब (دلفریب) फा वि–दे दिलफिरेब।

दिलफ़रोज़ (دلفروز) फा वि–दिल का प्रकाशित करने वाला।

दिलफ़रोश (دلفروش) फा वि–दिल बेचनेवाला आशिक नायक।

दिलफ़िगार (دلفگار) फा वि–क्षत हृदय घायल दिलवाला दुखित नायक आशिक।

दिलफ़िरेब (دلفریب) फा वि–दिल को फरेब देनेवाला नायिका।

दिलफ़गार (دلافگار) फा वि–दे दिलफिगार।

दिलफ़रोज़ (دلافروز) फा वि–दे दिलफरोज़।

दिलबद (دلبند) फा पु–दिल का टुकडा पुत्र बेटा।

दिलबर (دلبر) फा प–दिल उडा ले जानेवाला प्रेमपात्र माशूक नायिका।

दिलबरी (دلبری) फा स्त्री–माशूकी नायिकात्व।

दिलबरदाश्त (دلبرداشته) फा वि–उदास खिन्न उचाटमन।

दिलबस्त (دلبسته) फा वि–जिसका दिल कहीं लगा हो नायक आशिक।

दिलबस्तगी (دلبستگی) फा स्त्री–दिल की लगन प्रेम इश्क मनोरजन तफरीह दिलचस्पी।

दिलबाख्त (دلباخته) फा वि–जो प्रेम की बाजी में अपना दिल हार गया हो आशिक।

दिलबाज़ (دلباز) फा वि–साहसी उत्साही हौसलामद शूर, वीर बहादुर जाबाज़।

दिलबाज़ी (دلبازی) फा स्त्री–जान की बाजी लगा देना जान को खतरे में डाल देना जाबाज़ी।

दिलबिरिश्त (دلبرشته) फा वि–जिसका दिल प्रेम की आग में जलभुन गया हो दग्ध हृदय।

दिलरुबा (دلربا) फा वि–दिल को उचक ले जानेवाला माशूक।

दिलरुबाई (دلربائی) फा स्त्री–माशूकियत नायिकापन नाज़ो अदाज़ हावभाव।

दिलरेश (دلریش) फा वि–क्षत हृदय जिसका दिल जख्मी हो प्रेमी।

दिलशाद (دلشاد) फा वि–खुश प्रसन्न चित्त।

दिलशिकन (دلشکن) फा वि–दिल का तोडनेवाला रज पहुँचानेवाला हिम्मत तोडनेवाला।

दिलशिकनी (دلشکنی) फा स्त्री–दिल तोडना रज पहुँचाना हिम्मत तोडना।

दिलशिकस्त (دلشکسته) फा वि–जिसका दिल टूट गया हो दुखित हतोत्साह पस्त हौसला।

दिलशिकस्तगी (دلشکستگی) फा स्त्री–दे दिल शिकनी।

दिलशिगाफ़ (دلشگاف) फा वि–हृदय विदारक हृदयस्पर्शी।

दिलशुद (دلشده) फा वि–जिसका दिल खो गया हो अर्थात प्रेमी।

दिलसाज़ (دلساز) फा वि–आनन्दित हर्षित खुश।

दिलसिता (دلستان) फा वि–दे दिलरुबा।

दिलसितानी (دلستانی) फा स्त्री–दे दिलरुबाई।

दिलसोख्त (دلسوخته) फा वि–दिलजला दग्ध हृदय।

दिलसोज़ (دلسوز) फा वि–सहानुभूति करनेवाला हमदर्द।

दिलसोज़ी (دلسوزی) फा स्त्री–हमदर्दी सहानुभूति।

दिलहा (دلها) फा पु–बहुत से दिल दिल का बहु।

दिला (دلا) फा अव्य–ए दिल हे मन दिल का सबोधन।

दिलाज़ार (دلآزار) फा वि–सतानेवाला कष्ट देनेवाला दुखदायी दिल दुखानेवाला नाखुशगवार।

दिलाज़ारी (دلآزاری) फा स्त्री–सताना कष्ट देना कोई ऐसी बात कहना या करना जिससे किसी का दिल दुखे।

दिलाज़ुर्द (دلآزرده) फा वि–जिसका दिल दुखित हो गमगीन।

दिलाजुर्दगी (دل آزردگی) फा स्त्री—दिल का खिन्न और मलिन होना, अफसुर्दगी।
दिलारा (دل آرا) फा वि—दिल की शोभा बढानेवाला, प्रेमपात्र।
दिलाराई (دل آرائی) फा स्त्री—दिल मे बसकर उसकी शोभा बढाने का काम।
दिलाराम (دل آرام—دلارام) फा वि—हृदय को शान्ति देनेवाला, अर्थात् प्रेमपात्र।
दिलावर (دلاور) फा वि—शूर, वीर, बहादुर; साहसी, उत्साही, हौसलामद।
दिलावरी (دلاوری) फा स्त्री—शूरता, वीरता, बहादुरी; साहस, उत्साह, हौसला।
दिलावेज (دل آویز—دلاویز) फा वि—सुन्दर, शुभ दर्शन, प्रियदर्शन, खुशनुमा।
दिलावेजी (دل آویزی) फा स्त्री—सौन्दर्य, शोभा, छटा, हुस्न, खूबसूरती।
दिली (دلی) फा वि—हार्दिक, मानसिक, कल्बी, हृदय से सम्बन्ध रखनेवाली चीज, घनिष्ठ, गहरा जैसे 'दिलीदोस्त'।
दिलेआगाह (دل آگاہ) फा पु—ऋषियो और मुनियो जैसा दिल, दिव्य दृष्टि रखनेवाला हृदय।
दिलेजिंदः (دل زندہ) फा पु—ऐसा हृदय जो हर्ष और आनन्द से परिपूर्ण हो, ऐसा हृदय जो ईश्वर भक्ति मे सलग्न हो।
दिलेबेकरार (دل بے قرار) फा पु—प्रेमव्यथा मे तडपता हुआ हृदय, व्यथितहृदय।
दिले मुज्तर (دل مضطر) फा अ पु—दे 'दिले बेकरार'।
दिले मुज्तरिब (دل مضطرب) फा पु—दे 'दिले बेकरार'।
दिलेमुर्दः (دل مردہ) फा वि—'दिलेजिद' का उलटा, बुझा हुआ दिल, ईश्वर-भक्ति से रिक्त दिल।
दिलेर (دلیر) फा वि—शूर, वीर, बहादुर, साहसी, उत्साही, हौसलामद, अभय, निडर।
दिलेरानः (دلیرانہ) फा अव्य—वीरोचित, वीरतापूर्वक।
दिलेरी (دلیری) फा स्त्री—शूरता, बहादुरी, साहस, उमग, निडरपन।
दिले सदचाक (دل صدچاک) फा पु—ऐसा हृदय जिसे प्रेम के निष्ठुर हाथो ने टुकडे-टुकडे कर दिया हो।
दिश्नः (دشنہ) फा पु—दे 'दश्न', दोनो उच्चारण शुद्ध है।
दिहिश (دہش) फा स्त्री—दानशीलता, सखावत, यह शब्द उर्दू मे दाद के साथ मिलकर 'दादोदिहिश' बोला जाता है, अकेला नही बोला जाता।
दिहकान (دہقان) अ पु—कृषक, किसान, गँवार, उजड्ड।
दिहकानीयत (دہقانیت) अ स्त्री—गँवारपन, उजड्डपन।
दिहकानी (دہقانی) अ पु—गँवार उजड्ड, कृषक, किसान, किसान का, देहाती।

दी

दी (دیں) अ पु—'दीन' का लघु, देखिए 'दीन'।
दीदार (دیں دار) अ फा वि—धर्मनिष्ठ, दीन मे पक्का।
दीपनाह (دیں پناہ) अ फा वि—दीन की हिफाजत करनेवाला, धर्मरक्षक।
दीपर्वर (دیں پرور) अ फा वि—दीन की परवरिश करनेवाला, धर्मपाल।
दी (دی) फा पु—बीता हुआ कल।
दीक (دیک) अ पु—मुर्गा, कुक्कुट।
दीगर (دیگر) फा वि—अन्य, और, दूसरा, फिर, दुबारा, पुन।
दीदः (دیدہ) फा पु—आँख का ढेला, आँख, साहस, जुर्अत।
दीदःदिलेर (دیدہ دلیر) फा वि—ढीठ, बेहया, निर्लज्ज, धृष्ट।
दीदःदिलेरी (دیدہ دلیری) फा स्त्री—ढिठाई, निर्लज्जता, धृष्टता, बेहयाई।
दीदःबाज (دیدہ باز) फा वि—नजर लडानेवाला, घूरनेवाला, जिसे हसीनो को घूरने की आदत हो।
दीदःबाजी (دیدہ بازی) फा स्त्री—नजर लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।
दीदःरेजी (دیدہ ریزی) फा स्त्री—ऐसा बारीक काम करना जिसमे आँखो पर अधिक जोर डालना पडे, किसी विषय मे बहुत अधिक सोच-विचार करना।
दीदःवर (دیدہ ور) फा वि—जौहरी, पारखी, किसी चीज के गुण-दोष अच्छी तरह समझनेवाला।
दीदःवरी (دیدہ وری) फा स्त्री—परख, पहचान, किसी चीज की अच्छे बुरे की तमीज।
दीद (دید) फा स्त्री—दर्शन, दीदार।
दीदएतर (دیدۂ تر) फा पु—रोती हुई आँख, आँसुओ से भीगी हुई आँख।
दीदएनम-नमनाक (دیدۂ نم نمناک) फा पु—दे 'दीदएतर'।
दीदए मिक्राज (دیدۂ مقراض) फा अ पु—कैंची के घेरे जिनमे उँगलियाँ रहती है।
दीदओदानिस्तः (دیدہ و دانستہ) फा अव्य—जान-बूझकर, जानते बूझते हुए, कस्दन, इच्छापूर्वक।
दीदनी (دیدنی) फा अव्य—देखने योग्य, देखने के लायक।
दीदबाजी (دیدبازی) फा स्त्री—दे 'दीद बाजी'।

दीदवान (دیدبان) फा पु –वह ऊँची जगह जहाँ से कोई इधर उधर आने-जानेवालों की चौकसी कर सके, वह व्यक्ति जो इस प्रकार देख भाल करे बंदूक की मक्खी जिससे निशाना लगाते है जासूस।

दीदवानी (دیدبانی) फा स्त्री –किसी ऊँचे स्थान पर बैठकर आने-जानेवालों अथवा खतरे की निगरानी।

दीद वा दीद (دید و دید) फा स्त्री –परस्पर एक का दूसरे की मुलाकात को जाना।

दीदान (دیدان) अ पु – कृद का बहु कीड़े।

दीदानुलअमआ (دیدان الامعا) अ पु –पेट के कीड़े पेट में कीड़े पड़ जाने का रोग।

दीदार (دیدار) फा पु –दर्शन दीद जल्वा छवि।

दीदारपरस्त (دیدارپرست) फा वि –दर्शनों का अभिलाषी सूरत और जल्वे का शिदाई।

दीदारबाज़ी (دیدارباری) फा स्त्री –ताक-झाक नजर बाज़ी आख लड़ाना।

दीदारू (دیدارو) फा वि –शुभ दर्शन खुशनुमा रूपवान हसीन।

दीन (دین) अ पु –धर्म मजहब पथ मार्ग विश्वास एतिकाद।

दीनार (دینار) फा पु –एक सोने की मुद्रा अशरफी।

दीनारेसुर्ख (دینارسرخ) फा पु –सोने का दीनार मोहर अशरफी।

दीनी (دینی) अ वि –धर्म सम्बन्धी दीन का।

दीनेकय्यिम (دین قیم) अ पु –सच्चा धर्म इस्लाम धर्म।

दीने हनीफ़ (دین حنیف) अ पु –हजरत इब्राहीम का धर्म।

दीबा (دیبا) फा स्त्री –एक बारीक और चित्रित रेशमी कपड़ा।

दीबाच (دیباچه) फा पु –प्रस्तावना प्राक्कथन।

दीबाज (دیباجه) फा पु – दीबाच ।

दीबाज (دیباج) अ पु –एक बहुत बढ़िया रेशमी कपड़ा दीबा।

दीमक (دیمک) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कीड़ा।

दीमक खुर्द (دیمک خورده) फा वि –जिसे दीमक ने चाट लिया हो दीमक का खाया हुआ।

दीरोज (دیروزه) फा वि –गत कल।

दीरोज (دیروز) फा पु –गत कल बीता हुआ कल।

दीवान (دیوانه) फा पु –पागल विक्षिप्त सिड़ी प्रेमी आशिक किसी काम में तन्मय।

दीवानगर (دیوانه‌گر) फा वि –पागल बना देनेवाला।

दीवाननवाज (دیوانه‌نواز) फा वि –दीवानों पर दया करनेवाला प्रेमी पर कृपा करनेवाली प्रेमिका।

दीवान (دیوان) फा पु –न्यायालय कचहरी मंत्री, वजीर, अयमनी, वजीरेमाल गजलों की किताब।

दीवानखान (دیوانخانه) फा पु –बैठक निशस्तगाह कचहरी का दफ्तर बड़े लोगों के बैठने का स्थान।

दीवानगी (دیوانگی) फा स्त्री –पागलपन बुद्धि विक्षेप।

दीवानी (دیوانی) फा स्त्री –वह अदालत जिसमें रुपय के लेन देन और जायदाद के मुकदमे तै होते हैं व्यवहार न्यायालय।

दीवाने आम (دیوان عام) फा अ पु –दरबारे आम वह दरबार करने का स्थान।

दीवाने आ'ला (دیوان اعلی) फा अ पु –महामंत्री प्रधान मंत्री वजीरे आजम।

दीवाने खालिस (دیوان خالصه) फा अ पु –वह मंत्री जिसके पास शाही मुहर रहती है।

दीवाने खास (دیوان خاص) फा अ पु –मुख्य लोगों का दरबार।

दीवाने जजा (دیوان جزا) फा अ पु –दे दीवाने महशर।

दीवानेमहशर (دیوان محشر) फा अ पु –वह महकमा जो क्यामत के दिन हिसाब किताब करेगा।

दीवार (دیوار) फा स्त्री –भीत, भित्ति दिवाल।

दीवारगीरी (دیوارگیری) फा स्त्री –वह कपड़ा जो दीवारों में सुन्दरता के लिए लगा देते हैं दीवार में लगाने का लम्प।

दीवार ब दीवार (دیواربدیوار) फा अव्य –दीवार से दीवार मिली हुई।

दीवारे कहकह (دیوارقهقهه) फा स्त्री –चीन की एक दीवार जिसके लिए प्रसिद्ध है कि जो उसमें से झाँकता है वह अनायास बहुत हसता है— दानार मिर्जा का दीवारे कह कहा है–जिसने उधर को झाँका वह फिर इधर न झाँका।

दीवारे जिंदाँ (دیوار زندان) फा स्त्री –जेल की दीवार कैदखाने की दीवार।

दीशब (دیشب) फा स्त्री –बीती हुई रात, कल की रात।

दु

दुब (دنبه) फा पु –एक प्रकार का मेंढा जिसकी पूछ पर चर्बी की बड़ी-सी चकती होती है मेषपुच्छ।

दुब (دنب) फा स्त्री –पुच्छ पूछ दुम।

दुब्ल (دنبل) फा पु –फोड़ा व्रण।

दुबाल (دنباله) फा पु –पूछ जैसी चीज पूँछ के आकार का पूछ दुम।

दुबालदार (دنباله‌دار) फा वि –जिसमें पुछल्ला लगा हो दुमछल्लावाला जिसमें लम्बी नाक निकली हो।

दुंबाल (دنبال) फा. पु –दुम, पूंछ, पशुओ की पूंछ, पशु-पुच्छ।
दुअम्ली (دوعملی) फा. अ स्त्री –दो प्रकार का राज्य, कही कोई कानून, कही कोई कानून, दो शासको का राज, एक का कुछ हुक्म, दूसरे का कुछ और।
दुअस्पः (دواسپه) फा पु –शीघ्र गति, तेज रफ्तारी।
दुआ (دعا) अ स्त्री –ईश्वर से किसी चीज की प्रार्थना, धार्मिक मत्र, वजीफा वगैरह, स्तुति, कीर्तन।
दुआएखैर (دعاےخیر) अ स्त्री –वह दुआ जो किसी की भलाई के लिए की जाय।
दुआएदौलत (دعاےدولت) अ स्त्री –किसी की उन्नति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना।
दुआज्दः (دوازده) फा वि.–वारह, द्वादश।
दुआज्दहुम (دوازدهم) फा वि –बारहवाँ, द्वादश।
दुआतशः (دوآتشه) फा पु –दो बार खीचा हुआ अरक, तेज अरक।
दुआबः (دوآبه) फा पु –दो नदियो के बीच का क्षेत्र, गगा और जमुना के बीच का देश।
दुआलम (دوعالم) फा अ पु –उभय लोक, दुनिया और उक्बा, लोक-परलोक।
दुआश्यानः (دوآشیانه) फा पु –एक प्रकार का तवू जिसमे दो कमरे होते है।
दुकाँ (دکاں) फा स्त्री –'दुकान' का लघु, दे 'दुकान'।
दुकान (دکان) फा स्त्री –सौदा वेचने की जगह, पण्यशाला।
दुकानचः (دکانچه) फा पु –छोटी दुकान।
दुकानदार (دکاندار) फा पु –दुकान मे सौदा वेचनेवाला, पेशावर, किसी विषय मे दुकानदारो-जैसा मोल-भाव करनेवाला।
दुकानदारी (دکانداری) फा स्त्री –दुकान मे सौदा वेचने का काम, किसी विषय मे मोल-भाव करना।
दुकौन (دوکون) फा अ पु –दोनो लोक।
दुखान (دخان) अ पु –धुआँ, धूम, भाप, वाष्प।
दुखानी (دخانی) अ वि –आग और भाप के जोर से चलनेवाला, जैसे—'दुखानी जहाज'।
दुखूल (دخول) अ पु –प्रवेश, घुसना, अदर जाना।
दुख्त (دخت) फा स्त्री –'दुख्तर' का लघु, दे. 'दुख्तर'।
दुख्तर (دختر) फा स्त्री –पुत्री, लडकी, कन्या।
दुख्तरे खानः (دخترخانه) फा स्त्री –कुमारी, विना व्याही लडकी।
दुख्तरे रज (دختررز) फा स्त्री –अगूर की वेटी, अर्थात् शराब की मदिरा।
दुख्ते रज (دخت رز) फा स्त्री –दे 'दुख्तरे रज'।
दुख्ते हव्वा (دخت حوا) फा अ स्त्री.–हव्वा (हजरत आदम की पत्नी) की लडकी, अर्थात् स्त्री जाति।
दुगानः (دوگانه) फा पु –वह फल जिसमे दो फल जुडे हो, जैसे, दुगान आम, ऐसा फल जब किसी को धोखे से दे दिया जाता है तो वह उसके वदले दो सौ फल देता है, शुक्राने की नमाज की दो रक्अते।
दुगूनः (دوگونه) फा वि –दो प्रकार का, दो तरह का, दूना, दोचद।
दुचंद (دوچند) फा. वि –दूना, दुगुना, द्विगुण।
दुचंदाँ (دوچنداں) फा वि –दे 'दुचद'।
दुचार (دوچار) फा वि –आमना-सामना, मुलाकात, साक्षात्।
दुचोबः (دوچوبه) फा पु –दो बाँसोवाला खेमा।
दुजबाँ (دوزباں) फा वि –जिसके दो जवाने हो, अर्थात् कभी कुछ कहे, कभी कुछ या किसी से कुछ कहे और किसी से कुछ, मुनाफिक दुमुँहाँ।
दुजहाँ (دوجہاں) फा पु –उभयलोक, दुनिया और आखिरत, ससार और परलोक।
दुजा (دجی) अ पु –रात की अँधियारी।
दुज़ानू (دوزانو) फा वि –घुटनो के वल वैठने की मुद्रा।
दुज़्द (دزد) फा पु –चोर, तस्कर।
दुज़्दिदः (دزدنده) फा वि.–चोरी करनेवाला, चुरानेवाला।
दुज़्दी (دزدی) फा स्त्री –चोरी, चौर्य; चोरी का पेशा, चौर्य-कर्म।
दुज़्दीदः (دزدیده) फा वि –चुराया हुआ, चुराई हुई चीज।
दुज़्दीदःनजरी (دزدیدهنظری) फा अ स्त्री –दे 'दुज्दीद-निगाही'।
दुज़्दीदःनिगाही (دزدیدهنگاهی) फा स्त्री –कनखियो से देखना।
दुज़्देशाहीं (دزدشاهیں) फा. पु –नजर के सामने से चीज उडा ले जानेवाला, शातिर चोर, पश्यतोहर।
दुज़्देहिना (دزدحنا) फा पु –मेहदी लगाते समय हाथ मे एक छल्ला रख लेते हैं, जिससे हथेली पर एक गोल निशान वन जाता है, उसी को 'दुज्दे हिना' कहते हैं।
दुतर्फः (دوطرفه) फा वि –दोनो तरफ, इधर भी, उधर भी।
दुता (دوتا) फा वि –दुहरा, झुका हुआ, खमीद, जैसे 'पुश्तेदुता' झुकी हुई कमर।
दुतारः (دوتاره) फा पु.–एक वाजा जिसमे दो तार होते हैं।
दुदम (دودم) फा वि –दोहरी धारवाली तलवार।
दुदस्त. (دودسته) फा वि –दोनो तरफ, दतर्फा।

दुररेज़ (دوریز) फा वि –दे 'दुरवार'।
दुराहः (دوراهه) फा पु –वह स्थान जहाँ दो रास्ते मिले हो।
दुरुख़ः (دورخه) फा पु –दोनो तरफ, दुतर्फा, दुमुँहाँ, मुनाफिक।
दुरख़्श (درخش) फा स्त्री –दे 'दुरख़्श', दोनो शुद्ध है।
दुरख़्शाँ (درخشاں) फा वि –दे 'दुरख़्शाँ', दोनो शुद्ध है।
दुरख़्शिदः (درخشنده) फा वि –चमकनेवाला, ज्योतिर्मय।
दुरख़्शिदगी (درخشندگی) फा स्त्री –आभा, चमक, ज्योति।
दुरुफ़्श (درفش) फा पु –दे 'दुरफश', दोनो शुद्ध है।
दुरुफ़्शाँ (درفساں) फा वि –दे 'दुरफशाँ', दोनो शुद्ध है।
दुरुश्त (درشت) फा वि –खुरदरा, खुर्रा, कठोर, सख्त।
दुरुश्तख़ू (درشت خو) फा वि –खुर्रेमिजाजवाला, रूखा, फीका।
दुरुश्त मिजाज (درشت مزاج) फा अ वि –दे 'दुरुश्त खू'।
दुरुश्ती (درشتی) फा स्त्री.–खुर्रापिन, कठोरता।
दुरुस्त (درست) फा वि –ठीक, शुद्ध, सही, सत्य, सच, उचित, मौजूँ, साबित, सपूर्ण, अखडित, जो टूटा न हो; स्वस्थ, तन्दुरुस्त।
दुरुस्ती (درستی) फा स्त्री –शुद्धि, सशोधन, इस्लाह, गोशमाली।
दुरूद (درود) फा स्त्री –लकडी काटने, छीलने और बनाने का काम; खेती की कटाई।
दुरूद (درود) अ उभ –दुआ और सलाम विशेषत रसूल पर।
दुरूदगर (درودگر) फा पु –बढई, काष्ठकार, तक्षक।
दुरूदोसलाम (درودوسلام) अ पु –मुसलमानो की ओर से उनके पैगबर पर दुरूद और सलाम।
दुरूयः (درویه) फा वि –दुतर्फा, दोनो तरफ़।
दुरूर (درور) अ पु –पसीना या दूध निकलना।
दुरे खुश आब (درخوش آب) फा पु –अच्छी चमक-दमक का मोती।
दुरेनायाब (درنایاب) फा पु –ऐसा मोती जैसा दूसरा मिल न सके, सुपुत्र।
दुरेनासुफ़्तः (درناسفته) फा वि –अनबिधा मोती, वह मोती जिसमे छेद न किया गया हो, कुमारी स्त्री, अक्षता।
दुरेयकता (دریکتا) फा पु –वह मोती जो सीप मे एक ही होता है और इस कारण बहुत बडा होता है।
दुरेयकदानः (دریکدانه) फा पु –दे 'दुरेयकता'।
दुरेशहवार (درشہوار) बादशाहो के योग्य मोती, बहुत बडा और बहुमूल्य मोती।
दुरोग (دروغ) फा पु –मिथ्या, असत्य, झूठ, अपराध, लाछन, तुहमत, दे 'दरोग', दोनो शुद्ध है।
दुरोगगो (دروغ گو) फा वि –झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, असत्यभाषी।
दुरोगज़न (دروغ زن) फा वि –दे 'दुरोगगो'।
दुरोगबयाँ (دروغ بیاں) फा अ वि –दे 'दुरोगगो'।
दुरोगबयानी (دروغ بیانی) फा अ स्त्री –झूठ बोलना।
दुरोगबाफ (دروغ باف) फा वि –झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठी बाते उत्पन्न करनेवाला।
दुरोगेमस्लहत आमेज (دروغ مصلحت آمیز) फा अ पु –ऐसा झूठ जो किसी के हित के लिए या झगडा खत्म कराने के लिए बोला जाय।
दुरोजः (دروزه) फा वि –दो दिन का, थोड़े दिन का, अस्थायी, आरिजी।
दुर्ज (درج) अ स्त्री –मजूषा, पिटारी।
दुर्द (درد) फा स्त्री –तरल पदार्थ के नीचे जमी हुई कीट, गाद, शराब की तलछट।
दुर्दआशाम (دردآشام) फा वि –दे 'दुर्दकश'।
दुर्दकश (دردکش) फा वि –तलछट पीनेवाला, धनी शराबी।
दुर्दी (دردی) अ स्त्री –तलछट, नीचे बची हुई शराब।
दुर्दीकश (دردی کش) अ फा. वि –दे 'दुर्दकश'।
दुर्दे तहे जाम (دردته جام) फा स्त्री –पियाले मे नीचे बची हुई तलछट।
दुर्रः (دره) अ पु –बडा मोती।
दुर्रतुत्ताज (درة التاج) अ पु –बादशाहो के ताज मे जडे जाने के योग्य मोती।
दुर्राज (دراج) अ पु –तीतर पक्षी।
दुर्रेनजफ (درنجف) अ पु –एक पत्थर जिसमे बाल से दिखायी पडते है, जिनको एक सम्प्रदाय हजरत अली के बाल बताता है और इसलिए इस पत्थर को पवित्र मानता है।
दुर्रेमकनून (درمکنون) अ पु –वह मोती जिसे छिपाकर रखा जाय, बहुत ही बहुमूल्य मोती।
दुर्रेयतीम (دریتیم) अ पु –वह बड़ा और आबदार मोती जो सीप मे अकेला पैदा हुआ हो।
दुर्रेशहवार (درشہوار) अ पु –बादशाहो के लायक मोती, बडा और मूल्यवान् मोती।
दुलदुल (دلدل) अ पु –एक मादा खच्चर जो इस्कदरीया के शासक ने हज़रत मुहम्मद साहब को भट किया था और आपने उसे हजरत अली को दे दिया था, घोड़े के आकार का एक ताजिया, वह घोडा जिस पर सामान मातम लादकर अजाखाने मे ले जाते है।
दुलदुल सवार (دلدل سوار) अ फा पु –हज़रत अली की उपाधि।

दुलम (دلمہ) फा पु–एक प्रकार का सालन जो बैगन और गाजर में कीमा और पनीर डालकर पकाते हैं।
दुवल (دول) अ स्त्री–'दौलत' का बहु बहुत से राष्ट्र।
दुवार (دوار) अ पु–सर चकराना, सर का चक्कर।
दुवाल (دوال) फा स्त्री–चमड़े का तसमा पेटी वह तसमा जिससे नक्क़ारा बजाते हैं।
दुवालबंद (دوال‌بند) फा पु–पेटी बाँधनेवाला सिपाही।
दुवालबाज़ (دوال‌باز) फा वि–छली वंचक ठग दग़ाबाज़।
दुवुम (دوم) फा वि–द्वितीय दूसरा।
दुवुमीं (دومیں) फा वि–दूसरा द्वितीय।
दुशंब (دوشنبہ) फा पु–सोमवार पीर।
दुशाख़ (دوشاخہ) फा पु–दो शाखाओंवाला लकड़ी दो शाखाओंवाला पेड़ दो शमऐं जलाने का शमादान भंग छानने की लकड़ी।
दुशाल (دوشالہ) फा पु–जिसमें दो शाल एक साथ जुड़े हों ऊन की कामदार दोहरी चादर।
दुश्त (دشت) फा वि–निकृष्ट दुष्ट ख़राब।
दुश्नाम (دشنام) फा स्त्री–अपशब्द गाली।
दुश्नामतराज़ी (دشنام‌طرازی) फा स्त्री–गालियाँ देना गाली बकना।
दुश्नामतराशी (دشنام‌تراشی) फा स्त्री–गालियाँ गढ़ना नयी-नयी गालियाँ गढ़ना।
दुश्नामदेही (دشنام‌دہی) फा स्त्री–गालियाँ देना।
दुश्मन (دشمن) फा पु–शत्रु रिपु वैरी अदू प्रतिद्वंद्वी रक़ीब।
दुश्मनकाम (دشمن‌کام) फा वि–वह व्यक्ति जो अपने शत्रुओं की इच्छा के मुताबिक़ आपत्तियों में फँसा हो।
दुश्मनी (دشمنی) फा स्त्री–शत्रुता वैर अदावत प्रतिद्वंद्विता रक़ाबत।
दुश्मने जाँ (دشمن‌جاں) फा पु–जानी दुश्मन जान का घातक।
दुश्वार (دشوار) फा वि–कठिन दुरूह मुश्किल।
दुश्वारगुज़ार (دشوارگزار) फा वि–जहाँ से गुज़रना कठिन हो।
दुश्वारी (دشواری) फा स्त्री–कठिनता मुश्किल तंगीतुर्शी दरिद्रता आपत्ति मुसीबत।
दुसर (دوسر) फा वि–दो सरवाला।
दुसरा (دوسرا) फा पु–दोनों जहान उभयलोक।
दुसरी (دوسری) फा स्त्री–निफ़ाक़ मुनाफ़क़त दिल में कुछ होना और मुँह पर कुछ।
दुसाल (دوسالہ) फा वि–दो वर्ष का दो वर्ष की आयु का दो बरस का पुराना।
दुसुत्न (دوستنہ) फा पु–अंबार सुमों का पहेलियाँ का एक क़िस्म जिसमें कई सवालों का एक जवाब होता है।
दुसूमत (دسومت) अ स्त्री–चिकनाई चाहे घी की हो चाहे तेल की और चाहे चर्बी आदि की।
दुहर्फ़ी (دوحرفی) फा अ वि–दो हर्फ़ोंवाला दो अक्षरोंवाला, बहुत छोटा बहुत ही संक्षिप्त।
दुहुल (دہل) फा पु–ढोल धौंसा नक्क़ारा।
दुहुलज़न (دہل‌زن) फा वि–नक़्क़ारा बजानेवाला।
दुहुल दरीद (دہل‌دریدہ) फा वि–निंदित गर्हित बदनाम रुसवा चुप मौन।
दुहूर (دہور) अ पु–'दह्र' का बहु ज़माने।
दुहूं (دہن) अ पु–तेल तैल रोग़न घी घृत वसा भेद चर्बी।
दुह्नियत (دہنیت) चिकनाई चाहे तेल की हो चाहे घी और चाहे चर्बी आदि की।
दुह्मत (دہمت) अ स्त्री–कालिमा सियाही कालौंच।

दू

दू (دوں) फा वि–अधम नीच पामर निकृष्ट कमीना गुंडा।
दूनवाज़ (دوں‌نواز) फा वि–कमीनों को मुँह लगानेवाला नीच आदमियों की पीठ ठोंकनेवाला।
दूपरस्त (دوں‌پرست) फा वि–गुंडों की रक्षा करनेवाला कमीनों का बढ़ावा देनेवाला।
दूपवर (دوں‌پرور) फा वि–दे 'दूपरस्त'।
दूहिम्मत (دوں‌ہمت) फा वि–पस्त हिम्मत हतोत्साह हतसाहस।
दूहिम्मती (دوں‌ہمتی) फा स्त्री–पस्त हिम्मती।
दूक (دوک) फा पु–चरखे का तकला।
दूकदान (دوکدان) फा पु–चर्खा सूत कातने का यंत्र।
दूद (دود) अ पु–कीट कीड़ा।
दूद (دود) अ पु–कीट कीड़ा।
दूद (دود) फा पु–धुआँ धूम दुख़ान।
दूदआहंग (دودآہنگ) फा पु–दे 'दूदकश'।
दूदकश (دودکش) फा पु–धुआँ निकलने का सूराख़ धुआँ निकालने की चिमनी।
दूदमान (دودمان) फा पु–वंश कुल ख़ानदान।
दूदी (دودی) फा वि–भाप या स्टीम से चलनेवाला।

दूदी (دودی) अ वि –नाडी का एक प्रकार जिसमे वह बहुत कमज़ोर हो जाती है और मरने के करीब चलती है।
दूदुलहरीर (دودالحریر) अ पु –रेशम का कीडा।
दूदे आह (دودآه) फा. पु –आह का धुआँ, आह की आग का धुआँ।
दूदे जिगर (دودجگر) फा. पु –जिगर की आग का धुआँ, आह।
दून (دون) फा वि –दे 'दूँ'।
दूनाँ (دوناں) फा पु –'दून' का बहु, अधम लोग, पामर लोग, कमीने, गुडे।
दूबदू (دوبدو) फा अव्य –आमने-सामने, मुहाँमुँह।
दूर (دور) फा. वि –अन्तर पर, फासिले पर, पृथक्, अलग, जुदा, हट! अलग!, असम्भव, नामुम्किन।
दूरअदेश (دوراندیش) फा. वि.–दूरदर्शी, आगमसोची, परिणामदर्शी।
दूरअदेशी (دوراندیشی) फा स्त्री.–दूरदर्शिता, परिणाम-दर्शिता।
दूरअज़हाल (دورازحال) फा. अ अव्य –अब से दूर, अच्छी दशा में आने के बाद जब बुरी दशा का वर्णन करते है तो यह फिक्रा कहते हैं।
दूरतर (دورتر) फा वि –बहुत दूर, काफी दूर।
दूरतरक (دورترک) फा वि –बहुत ही दूर, बहुत अधिक दूर, दूरतम।
दूरदस्त (دوردست) फा वि –काले कोसो, बहुत दूर।
दूरबाश (دور باش) फा अव्य –अलग रहो, दूर हटो, एक दुशाख. नेज़ जो बादशाह की सवारी के आगे चलता था और जिसे देखकर लोग रास्ते से हट जाते थे, वह दुशाख़ नेज जिससे दुश्मन के हरबे को काट देते थे, आह, विश्वास।
दूरबी (دوربیں) फा वि –दूरदर्शी, दूर तक सोचनेवाला।
दूरबीन (دوربین) फा स्त्री –एक यत्र जिससे दूर की चीजे देखी जाती हैं, दूरदर्शक यत्र।
दूरबीनी (دوربینی) फा स्त्री –दूर तक देखना, दूर तक सोचना।
दूरोदराज (دورودراز) फा पु –बहुत दूर, काले कोसो।
दूलाब (دولاب) फा पु –दे 'दौलाब' और 'दोलाब', तीनो उच्चारण शुद्ध हैं।

दे

देग (دیگ) फा स्त्री –छोटे मुँह और बडे पेट का एक ताँबे का बर्तन जिसमें चावल आदि पकाये जाते हैं।
देगचः (دیگچه) फा पु –देग से छोटा, देग-जैसा ही बरतन, छोटी देग।
देगदान (دیگدان) फा पु –चूल्हा, आतशदान।
देगशो (دیگ شو) फा पु –देग माँजनेवाला, बावरची का मुलाजिम।
देज (دیز) फा पु –रग, वर्ण, जैसे—'शबदेज' काले रंग का।
देबा (دیبا) फा. स्त्री –दे. 'दीबा', शुद्ध 'देबा' ही है, परतु उर्दूवाले 'दीबा' बोलते हैं।
देर (دیر) फा स्त्री –विलब, ढील, ताख़ीर।
देरआश्ना (دیرآشنا) फा वि –दे 'देराश्ना'।
देरगाह (دیرگاه) फा स्त्री –देर तक, बहुत दिनो तक।
देरपा (دیرپا) फा वि –टिकाऊ, मजबूत।
देरबाज़ (دیرباز) फा पु –'देरयाज' 'देरबाज़' गलत है।
देरमाँ (دیرماں) फा वि –स्थायी, दृढ, मजबूत, (स्त्री) दृढता, मजबूती, स्थायित्व।
देरयाज (دیریاز) फा पु –प्राचीन काल, पुराना जमाना, पुरातत्त्व, पुरानापन।
देराश्ना (دیرآشنا) फा वि –वह व्यक्ति जो बहुत देर मे दोस्त बने, जो जल्दी घुलना-मिलना न जानता हो, जो हर काम देर में करने का आदी हो।
देरी (دیریں) फा वि –पुरातन, पुराना, देरीन।
देरीन. (دیرینه) फा वि –पुराना, प्राचीन, देरी।
देरीनःसाल (دیرینه سال) फा वि –बहुत बूढा, वयोवृद्ध।
देव (دیو) फा पु –राक्षस, एक नरभक्षी प्राणी वर्ग, बहुत लबा चौडा आदमी, ख़बीस, पलीत, पिशाच, भूतप्रेत, बदरूह, परियो के पति।
देवचः (دیوچه) फा पु –दीमक, जोंक।
देवज़द. (دیوزده) फा. वि –जिस पर भूतो का ख़लल हो, प्रेतबाधाग्रस्त।
देवजाद (دیوزاد) फा पु –ग्राडील और तेज घोडा, बहुत भारी-भरकम और भयानक आदमी।
देवदार (دیودار) फा पु –चीड का पेड।
देवदिली (دیودلی) फा स्त्री –बहादुरी, शुजाअत।
देवबाद (دیوباد) फा पु –चक्रवात, बगूला, बवडर, वात्यायन, वातचक्र।
देवमर्दुम (دیومردم) फा पु –बनमानुस, ख़बीस और अत्याचारी व्यक्ति।
देवमार (دیومار) फा पु –अजगर, अज्दहा।
देवलाख (دیولاخ) फा पु –राक्षसो के रहने का स्थान।
देवसार (دیوسار) फा वि –देव-जैसा, राक्षस की मानिद।
देवसीरत (دیوسیرت) फा अ वि –जिसका स्वभाव राक्षसो-जैसा हो, असुरप्रकृति।

देवसूरत (دیوصورت) फा अ वि–जिसकी शक्ल सूरत भी भयानक हो।
देह (ده) फा पु–ग्राम गाँव।
देहक़ान (دهقان) फा पु–गाँववाला किसान दहाती।
देहक़ानियत (دهقانیت) फा स्त्री–गँवारपन उजड्डपन।
देहक़ानी (دهقانی) फा पु–गाँव का निवासी, गँवार उजड्ड।
देहिश (دهش) फा स्त्री–दानशीलता, सख़ावत।

दै

दै (دی) फा पु–एक ईरानी महीना जो हिन्दी के माघ में होता है पतझड़ का महीना।
दैजूर (دیجور) फा स्त्री–अँधेरी रात अमावस्या।
दैन (دین) अ पु–ऋण क़र्ज़।
दैने मेह्‌र (دین مهر) अ पु–स्त्री के मह्‌र का ऋण।
दैयान (دیان) अ पु–पाप-पुण्य देखनेवाला अच्छा-बुरा दुनिया का हिसाब करनेवाला ईश्वर।
दैयूस (دیوث) अ पु–वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाये उसे दूसरों के पास जाने दे।
दैयूसी (دیوثی) अ स्त्री–अपनी स्त्री की कमाई खाना अपनी स्त्री से पेशा कराना।
दैर (دیر) फा पु–इबादतख़ाना या गुंबद ईसाइयों का गिरजा बुतख़ाना मूर्तिगृह।
दैरेख़राबात (دیر خرابات) फा पु–मधुशाला मदिरालय शराबख़ाना।
दैरे मुकाफ़ात (دیر مکافات) फा अ पु–संसार दुनिया।
दैरे मुग़ाँ (دیر مغاں) फा पु–मधुशाला शराबख़ाना।
दैहीम (دیهیم) फा पु–राजमुकुट ताज।

दो

दो (دو) फा वि–एक और एक द्वय।
दोख़्त: (دوخته) फा वि–सिला हुआ।
दोख़्त: लब (دوخته لب) फा वि–जिसके होंठ सिले हों अर्थात बिलकुल चुप अवाक मौन।
दोख़्त (دوخت) फा स्त्री–सिलाई सीवन।
दोग़ (دوغ) फा पु–छाछ मट्ठा रायता।
दोग़ल: (دوغله) फा पु–जारज वर्णसंकर दोगले की नस्ल।
दोज़ (دوز) फा प्रत्य–सीनेवाला जैसे—ख़ेमादोज़ रावटियाँ सीनेवाला।
दोज़ख़ (دوزخ) फा पु–नरक जहन्नम।

दोज़ख़ी (دوزخی) फा वि–जो नरक में जल रहा हो नारकी जो नरक में पड़ने के काम करता हो।
दोज़िंद: (دوزنده) फा वि–सीनेवाला।
दोपियाज़: (دوپیازه) फा पु–दे 'दुपियाज़:'।
दोल (دول) फा पु–कुएँ से पानी निकालने का बर्तन डोल।
दोलाब (دولاب) फा पु–दे 'दौलाब' दोनों उच्चारण शुद्ध हैं दे 'दूलाब'।
दोश: (دوشه) फा पु–दूध दुहने का बर्तन दूध दुहने का पात्र।
दोश (دوش) फा पु–कंधा, स्कंध मोढ़ा, गत रात्रि गुज़री हुई रात।
दोशाब (دوشاب) फा पु–अंगूर का शीरा जिस पर दो एक दिन गुज़र जायें और उसमें नशा पैदा हो जाय अंगूर या छुहारे का शीरा।
दोशीज़: (دوشیزه) फा स्त्री–जवान और अल्हड़ लड़की कुमारी अक्षतयौवना।
दोशीज़गी (دوشیزگی) फा स्त्री–अल्हड़पन कुमारपन।
दोशीद: (دوشیده) फा वि–दुहा हुआ दूध।
दोशीन: (دوشینه) फा वि–गत रात्रि का, कल रात का।
दोस्त (دوست) फा पु–मित्र सखा यार प्रेमपात्र माशूक़।
दोस्तकाम (دوستکام) फा वि–'दुश्मनकाम' का उलटा वह व्यक्ति जिसे अपने मित्रों के इच्छानुसार सब सुख प्राप्त हो।
दोस्तदार (دوستدار) फा वि–सच्चा दोस्त शुभचिंतक ख़ैरख़्वाह मुख़्लिस।
दोस्त नाशनास (دوست ناشناس) फा वि–दोस्त की क़द्र न पहचाननेवाला।
दोस्तान: (دوستانه) फा पु–मित्रता, दोस्ती।
दोस्ती (دوستی) फा स्त्री–मित्रता सख्य दोस्ताना।

दौ

दौ (دو) फा स्त्री–दौड़ भाग अकेला नहीं बोला जाता विनिपत 'तग' के साथ 'तगोदौ' बोला जाता है।
दौर: (دوره) अ पु–चक्र चक्कर गश्त बारी नौबत अफ़सरों का गश्त।
दौर (دور) अ पु–चक्कर गर्दिश भ्रमण चारों ओर, बारी नौबत परिवर्तन उलटफेर युग अह्‌द, शराब या पान आदि का एक चक्कर जो सारे बैठनेवालों के लिए हो मुशायरे या मज्लिस में पढ़ने का चक्कर जो एक-एक बार सबके पढ़ लेने पर ख़त्म हो।
दौरान (دوران) अ पु–चक्कर दौर बीच अर्सा।
दौराने ख़ूँ (دوران خوں) अ फा पु–ख़ून का शरीर में दौर रक्तसंचार।

दौराने सर (دوران سر) अ फा पु—सर के चक्कर।
दौरी (دوری) अ वि—जो बारी से पडता हो।
दौरे अव्वल (دور اول) अ पु—प्रारंभिक काल, शुरु का ज़माना।
दौरे आख़िर (دور آخر) अ पुं—अंतिम काल, आख़िरी ज़माना।
दौलत (دولت) अ स्त्री—धन, सम्पत्ति, रुपया-पैसा, राज्य, सत्ता, हुकूमत, भाग्य, नसीबा।
दौलतकदः (دولتکده) अ फा पु—दे 'दौलतख़ान:'।
दौलतख़ान: (دولتخانه) अ. फा पु—बडे आदमियो के घर के लिए बोलते है।
दौलतमंद (دولتمند) अ फा वि—धनवान्, समृद्ध, धन-सम्पन्न, मालदार।
दौलतसरा (دولتسرا) अ फा. स्त्री—दे दौलतख़ाना।
दौलते ख़ुदादाद (دولت خداداد) अ फा स्त्री—ईश्वर का दिया हुआ धन, बहुत अधिक धन।
दौलते ख़्वाबीदः (دولت خوابیده) अ फा स्त्री—सोता हुआ इक्बाल, बदनसीबी, दुर्भाग्य।
दौलते दारैन (دولت دارین) अ स्त्री—दुनिया और दीन, दोनो दौलते।
दौलते बेदार (دولت بیدار) अ फा स्त्री—जागता हुआ इक्बाल, ख़ुश नसीबी, सौभाग्य।
दौलते हुस्न (دولت حسن) अ स्त्री.—रूप की दौलत (सपत्ति)।
दौलाब (دولاب) अ पु—रहट, वह चर्ख़ी जिससे कुएँ से पानी खीचते है, दे 'दोलाब' और 'दूलाब'।

न

नंग (ننگ) फा पु—लज्जा, शर्म; दोष, आर।
नंगे अज्दाद (ننگ اجداد) फा अ पु—जो व्यक्ति अपने दुराचरण के कारण अपने बाप-दादा के नाम को बट्टा लगाता हो, कुलघालक।
नंगे अस्लाफ (ننگ اسلاف) फा. अ पु—दे 'नंगे अज्दाद'।
नंगे इंसानियत (ننگ انسانیت) फा अ पु—ऐसा कार्य जो मानवता के दृष्टिकोण से लज्जाजनक हो।
नंगे ख़लाइक़ (ننگ خلائق) फा अ पु—जो व्यक्ति अपने दुर्व्यवहार से सर्वसाधारण के लिए लज्जा का कारण हो।
नंगे ख़ानदान (ننگ خاندان) फा पु—अपने कुल के लिए निंदा का कारण, कुलागार, कुलकलङ्क।
नंगोनाम (ننگ ونام) फा पु—लज्जा, गैरत, मर्यादा, वकार, सतीत्व, इस्मत।
नंगोनामूस (ننگ وناموس) फा अ पु—दे 'नंगोनाम'।
नअम (نعم) अ अव्य—हाँ, जी हाँ, (पु) पशु, चौपाया।
नआइम (نعائم) अ स्त्री—बीसवाँ नक्षत्र, पूर्वाषाढ।
नईक़ (نعیق) अ स्त्री—कौए की आवाज, काँव-काँव।
नईम (نعیم) अ पु—स्वर्ग, बिहिश्त, पुण्य, नेकी, ने'मत, दिव्योपहार।
नऊज़ु बिल्लाह (نعوذ بالله) अ अव्य—हम ईश्वर से पनाह माँगते है।
नक़वी (نقوی) अ पु—दसवे इमाम हजरत अली नक़ी की संतान का व्यक्ति।
नक़ाइस (نقائص) अ पु—'नक्स' का बहु, ख़राबियाँ, बुराइया, त्रुटियाँ।
नक़ावत (نقاوت) अ स्त्री—पवित्रता, पुनीतता, शुद्धता, निर्मलता, पाकीजगी।
नक़ाहत (نقاهت) अ स्त्री—वह निर्बलता जो रोग-मुक्ति के बाद बाकी रहती है, निर्बलता, अशक्ति, नातुवानी।
नकिरः (نکره) अ पु—वह संज्ञा जो एक जाति की सब चीजो पर बोली जाय, जातिवाचक संज्ञा (व्या), अपरिचय, अनजानपन।
नक़ी (نقی) अ वि—पवित्र, निर्मल, ख़ालिस, (पु) बारह इमामो मे से दसवे इमाम का नाम।
नक़ीज़ (نقیض) अ स्त्री—वैर, शत्रुता, दुश्मनी, (वि) वैरी, शत्रु, दुश्मन, विपरीत, उलटा, बरअक्स।
नक़ीब (نقیب) अ पु—वह व्यक्ति जो किसी राजा-महाराजा की सवारी के समय आगे आवाज लगाता चलता है, चोबदार, वह व्यक्ति जो दरबार के समय, बादशाह से भेट के लिए जानेवाले का नाम जोर से पुकारता है।
नकीरैन (نکیرین) अ पु—वे दो फिरिश्ते जो मरनेवाले से क़ब्र मे सवाल-जवाब करते है, मुन्कर नकीर।
नक़ीह (نقیه) अ वि—निर्मल, बेमेल, शुद्ध, ख़ालिस।
नक़ूअ (نقوع) अ पु—वह पानी जिसमे दवाएँ या मेवा-जात भिगोये जायँ।
नक़्क़ाद (نقاد) अ पु—खोटा-खरा परखनेवाला, पारखी, साहित्यिक गुण-दोष बतानेवाला, समालोचक।
नक़्क़ादान: (نقادانه) अ फा अव्य—नक्काद की तरह से, गुण-दोष परखने के दृष्टिकोण से।
नक़्क़ादी (نقادی) अ स्त्री—नक्काद का काम, समालोचना।
नक़्क़ार: (نقاره) अ पु—धौसा, दुदुभी, भेरी, नगाडा।
नक़्क़ार.ज़न (نقاره‌زن) अ फा पु—नक्कार बजानेवाला।
नक़्क़ार नवाज़ (نقاره‌نواز) अ फा पु—दे 'नक्कार ज़न'।
नक़्क़ारख़ान: (نقارخانه) अ फा पु—वह स्थान जहाँ नक्कारे बजते है।

नक्कारची (نقارچی) अ फा पु—नौबत और नक्कारा बजानेवाला एक कौम जो शहनाई और नौबत बजाती है।
नक्काल (نقال) अ पु—नकलें करनेवाला भाड रूप भरनेवाला, बहुरूपिया अनुकर्ता।
नक्काली (نقالی) अ स्त्री—नक्काल का काम—भाँडा का काम बहुरूपिये का काम स्वांग अनुकरण।
नक्काश (نقاش) अ पु—चित्र खींचनेवाला चित्र म रग भरनेवाला चित्रकार चितेरा मुसव्विर।
नक्काशी (نقاشی) अ स्त्री—चित्र खीचना तस्वीर बनाना।
नक्काशे अज़ल (نقاش ازل) अ पु—जगत्स्रष्टा सृष्टि की रचना करनेवाला, ससार बनानेवाला।
नक्ज़ (نقض) अ पु—नाश करना भग करना।
नक्ज़े अम्न (نقض امن) अ पु—शान्तिभग करना अम्न म खलल डालना झगडा और बखेडा करना, शान्तिभग।
नक्द (نقد) अ पु—माने-चाँदी का सिक्का रुपया-पैसा उधार का उल्टा नकद पूजी सरमाया।
नक्दी (نقدی) अ स्त्री—नकद रुपया धन-दौलत।
नक्दीन (نقدين) अ फा पु—नक्द रुपया नकदी।
नक्दे जाँ (نقد جاں) अ फा पु—प्राणरूपी धन प्राणधन।
नक्दे दिल (نقد دل) अ फा पु—हृदयरूपी धन।
नक्दोजिंस (نقدوجنس) अ पु—नकद रुपया और सामान अस्बाब आदि।
नक्दोनिस्य (نقدونسیه) अ पु—नकद और उधार नकद का अर्थ है ससार के सुख जो इस समय उपलब्ध हैं और निस्य अर्थात उधार का मतलब है वे सुख जो परलोक में मिलेंगे।
नक्ब (نقب) अ स्त्री—सेंध सिंदिल।
नक्बज़न (نقب زن) अ फा पु—सेंध लगानेवाला कुम्भिल खानिक सधितस्कर।
नक्बज़नी (نقب زنی) अ फा स्त्री—सेंध करना सेंध लगाकर चोरी करना सधिभेद अभिचार।
नक्बत (نکبت) अ स्त्री—दरिद्रता निर्धनता दुर्भाग्य बगाली।
नक्ल (نقل) अ पु—स्थानान्तरण एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना (स्त्री) प्रतिलिपि कापी अनुकरण दृष्टान्त आदर्श नमूना चुटकुला लतीफा भाँडो का स्वाँग कथा कहना।
नक्ल नवीस (نقل نویس) अ फा पु—वह कर्मचारी जो सरकारी कागज़ो की नकलें देता है।
नक्ली (نقلی) अ वि—कृत्रिम बनावटी मनगढ़ंत काल्पनिक फर्ज़ी मिथ्या झूठ कूट जाली।
नक्ले मकान (نقل مکاں) अ पु—एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, जगह बदलना स्थानान्तरण।
नक्ले वतन (نقل وطن) अ पु—अपना देश छोडकर दूसरे देश में जाकर रहना स्वदेश-त्याग प्रवास।
नक्शा (نقشه) अ पु—आकृति शक्ल चेहरे की बनावट मुखाकृति ढग, शैली तर्ज़, सज धज, वज़ा कता, घटना, हुल्या किसी देश आदि का चित्र मानचित्र दशा हालत साँचा, कालिब, 'हाय दिल पर, आह लब पर आँख में आँसू रवाँ अब तो यह नक्शा है तेरे आशिके नाशाद का।' —दाग़। रेखाचित्र खाका, नमूना आदर्श छवि, छटा।
नक्शाजात (نقشه جات) अ फा पु—नक्शा का बहु नक्शे।
नक्शा नवीस (نقشه نویس) अ फा पु—नक्शा बनानेवाला, एक राजकर्मचारी जो गाँव या इमारतो के चित्र बनाता है।
नक्श (نقش) अ पु—चित्र तस्वीर अकित वस्तु खुदा कवच तावीज़, बेल-बूटे, उभरा हुआ चिह्न।
नक्शए हद्दोबस्त (نقشهٔ حد بست) अ फा पु—किसी गाँव की चौहद्दी और खेतो की नाप-तोल का नक्शा।
नक्श कल हजर (نقش کالحجر) अ पु—पत्थर का चिह्न पत्थर की लकीर, न मिटनेवाली चीज़।
नक्शगर (نقش گر) अ फा पु—चित्रकार नक्काश।
नक्शतराज़ (نقش طراز) अ फा पु—दे 'नक्शगर'।
नक्शपरदाज़ (نقش پرداز) अ फा पु—दे 'नक्शगर'।
नक्शबद (نقش بند) अ फा पु—चित्रकार मुसव्विर अकित लिखित, एक बुजुर्ग की उपाधि।
नक्शबदी (نقش بندی) अ फा स्त्री—चित्रकारी मुसव्विरी ख्वाजा नक्शबद का अनुयायी।
नक्शा बदीवार (نقش بدیوار) अ फा पु—दीवार पर बनाया हुआ चित्र दीवार के चित्र का प्रकार-नितान्त मौन और निश्चल।
नक्श बर आब (نقش برآب) अ फा पु—पानी पर बनाया हुआ चित्र अर्थात नश्वर और भगुर अथवा अनश्वर आचरण।
नक्श बरदीवार (نقش بردیوار) अ फा पु—दे 'नक्शा बदीवार' भित्तिलिखित चित्र।
नक्शी (نقشی) अ फा वि—जिस पर नक्श हो।
नक्शे अव्वल (نقش اول) अ पु—चित्रकार का बनाया हुआ सर्वप्रथम चित्र जिसमें कुछ त्रुटियाँ अवश्य रहती है।
नक्शे क़दम (نقش قدم) अ पु—पाँव का निशान, पद चिह्न।
नक्शे ख़याली (نقش خیالی) अ पु—काल्पनिक चित्र फर्ज़ी तस्वीर हवाई चित्र फर्ज़ी मसूर।

नक़्शे जमाली (نقش جمالی) अ पु—वह यंत्र जिसके भरने मे कोई भय नही होता।

नक़्शे जलाली (نقش جلالی) अ. पु—वह यंत्र जिसे बनाने में प्राणो का भय होता है।

नक़्शे तस्खीर (نقش تسخیر) अ पु—वशीकरण यंत्र, वह तावीज जो किसी को मुग्ध करने के लिए, अपने वश मे करने के लिए लिखा जाय।

नक़्शे पा (نقش پا) अ फा. पु—दे 'नक्शे कदम'।

नक़्शे बातिल (نقش باطل) अ पु—वह गलत या अशुद्ध चित्र अथवा लेख जिसे मिटा दिया जाता है।

नक़्शे मुराद (نقش مراد) अ फा पु—वह यंत्र जो मनोरथ की पूर्ति के लिए होता है।

नक़्शे सानी (نقش ثانی) अ पु—वह चित्र जो चित्रकार का दूसरा प्रयास होता है और जो पहले चित्र की अपेक्षा बहुत सुदर और कलापूर्ण होता है।

नक़्शे सुवैदा (نقش سویدا) अ. पु—एक काला तिल जो हृदय पर होता है।

नक़्शे हुब (نقش حب) अ पु—दे 'नक्शे तस्खीर'।

नक़्शोनिगार (نقش ونگار) अ फा पु—बेल-बूटे, फूल-पत्ती।

नक्स (نقص) अ पु—त्रुटि, भूल, न्यूनता, कमी, दोष, ऐब, अशुद्धि, गलती, नुक्स भी प्रचलित।

नक्हत (نکہت) अ स्त्री.—सुगध, खुशबू, महक, निक्हत भी प्रचलित है—"है तेरे पैरहने पाक की हसरत उसको, वर्ना क्यो नक्हते गुल जामे से बाहर होती।"—अमीर।

नख (نخ) फा स्त्री—रेशम की डोर, कच्चा रेशम, पतग लडाने की डोर।

नखाअ (نخاع) अ पु—हराम मग्ज, रीढ की हड्डी, मेरुदड।

नख़ील (نخیل) अ पु—खजूर का एक पेड, खजूर के बहुत से पेड।

नखुद (نخود) फा पु—चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

नख्खास (نخاس) अ पु—वह बाजार जिसमें दासो की खरीद-फरोख्त होती थी, घोडो और मवेशियो का बाजार।

नख्चीर (نخچیر) फा पु—आखेट, शिकार, मारा हुआ शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।

नख्ल (نخل) अ पु—खजूर का पेड, कोई पेड, वृक्ष, द्रुम, विटप।

नख्लबद (نخل بند) अ फा. पु—माली, बागबान।

नख्लबंदी (نخل بندی) अ फा. स्त्री—पेड लगाना, बाग को सजाना।

नख्लिस्तान (نخلستان) अ फा पु—रेगिस्तानी इलाके में वह हरा-भरा टुकड़ा जहाँ खजूरो के दरख्त हों।

नख्ले ताबूत (نخل تابوت) अ पु—ईरान मे शव को ले जाते समय उसे सजाते थे, यह सजावट नख्ले ताबूत कहलाती थी।

नख्ले तूर (نخل طور) अ पु—वह पेड जिस पर हजरत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखायी पडा था।

नख्ले मर्यम (نخل مریم) अ पु—खजूर का वह सूखा पेड जिसके नीचे हजरत मर्यम प्रसव-कष्ट से दुखित होकर बैठ गयी थी और वह पेड हरा-भरा हो गया था।

नख्ले मातम (نخل ماتم) अ फा पु—दे 'नख्ले ताबूत'।

नख्वत (نخوت) अ स्त्री—दे शुद्ध शब्द 'निख्वत'।

नख्शब (نخشب) फा. पु—तुर्किस्तान का एक नगर जहाँ से हकीम इब्नेअता (मुकन्ना) ने एक चाँद निकाला था जो १२ मील रोशनी फेंकता था।

नख्स (نخس) अ पु—चुभाना, कोचना।

नग (نگ) फा पु—'नगीन' का लघु, दे 'नगीन'।

नगम (نغم) अ पु—'नग्म' का बहु, नग्मे, गाने।

नगी (نگیں) फा पु—दे 'नगीन', अगूँठी का वह नग जिस पर नाम आदि खुदा रहता है।

नगीनः (نگینہ) फा पु—नग, रत्न, अँगूठी पर जड़ा जानेवाला पत्थर।

नगीनःगर (نگینہ گر) फा प—दे 'नगीन साज'।

नगीनःसाज (نگینہ ساز) फा पु—अँगूठी पर नगीना जडनेवाला।

नग्ज़ (نغز) फा वि—उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, अद्‌भुत, विचित्र, अजीब, प्रहेलिका, पहेली।

नग्ज़क (نغزک) फा वि—श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा; सुदर' खुशनुमा, (पु) आम, आम्र, एक प्रसिद्ध फल।

नग्ज़गो (نغزگو) फा. वि—अच्छी कविता करनेवाला।

नग्मः (نغمہ) अ पु—सुरीली आवाज, गीत, गान।

नग्म.जन (نغمہ زن) अ फा वि—अच्छी आवाज़ से गानेवाला।

नग्मःतराज (نغمہ طراز) अ फा वि—दे 'नग्म जन'।

नग्म.रेज़ (نغمہ ریز) अ फा. वि—दे 'नग्म जन'।

नग्म.संज (نغمہ سنج) अ फा वि—दे 'नग्म जन'।

नग्म.सरा (نغمہ سرا) अ फा. वि.—दे 'नग्म जन'।

नग्मात (نغمات) अ पु—'नग्म' का बहु, नग्मे, गाने।

नजंद (نژند) फा वि—अधोमुख, औंधा, अधम, नीच, कुपित, गुस्से मे भरा हुआ।

नजफ (نجف) अ पु—अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ हज़रत अली का मजार है।

नज़र (نظر) अ स्त्री—दृष्टि, निगाह; विचार, गौर, ध्यान, खयाल, जाँच, परख, कुदृष्टि, बुरी नजर जिससे विशेषकर बच्चों को हानि पहुँचती है।

नजरअदाज (نظرانداز) अ फा वि–जिस पर ध्यान न दिया गया हो, उपेक्षित।

नजरतंग (نظرتنگ) अ फा वि–सकुचितदृष्टि अनुदार तगख्याल।

नजरनवाज (نظرنواز) अ फा वि–आँखों को आनंद देनेवाली चीज, नेत्रप्रिय।

नजरफरेब (نظرفریب) अ फा वि–आँखों को लुभाने वाला शुभदर्शन।

नजरबंद (نظربند) अ फा वि–वह व्यक्ति जो राजादेश से किसी एक स्थान पर खुले तौर पर रहे परंतु न तो कहीं आ जा सके और न किसी से मिल सके।

नजरबंदी (نظربندی) अ फा स्त्री–ऐसा कद जिसमें जाहिरा आजादी हो परंतु आदमी कहीं आ जा न सके और न किसी से मिल सके जादू का खेल दृष्टिबंध।

नजरबाज (نظرباز) अ फा वि–ताड़नेवाला पारखी आँखें लड़ानेवाला ताक झाँक करनेवाला।

नजरबाजी (نظربازی) अ फा स्त्री–परख जाँच अच्छे बुरे की तमीज आँख लड़ाना घूरना ताक-झाँक करना।

नजरी (نظری) अ वि–सरसरी जो तवज्जुह के काबिल न हो।

नजरीय (نظریہ) अ पु–दृष्टिकोण नुक्तए नजर।

नजरीयात (نظریات) अ पु–नजरीय का बहु, नजरीए कई दृष्टिकोण।

नजरे गलत अदाज (نظر غلط انداز) अ फा स्त्री–ऐसी दृष्टि जो हर व्यक्ति अपनी तरफ समझे भ्रम में डालने वाली दृष्टि।

नजरे सानी (نظر ثانی) अ स्त्री–किसी तअल्लुक विषय पर पुनः विचार।

नजाइर (نظائر) अ पु–नजीर का बहु नजीरें।

नजाकत (نزاکت) फा स्त्री–मृदुलता सुकुमारता कोमलता सूक्ष्मता बारीकी क्षीणता लागरी नाजुकमिजाजी।

नजात (نجات) अ स्त्री–छुटकारा बंधनमुक्ति मुक्ति रस्तगारी भारमुक्ति किसी बोझ से छुटकारा मोक्ष बख्शिश।

नजातदिहंद (نجات دہندہ) अ फा वि–छुटकारा दिलाने वाला मोक्ष देनेवाला।

नजाद (نژاد) फा स्त्री–कुल वंश खानदान।

नजाफत (نظافت) अ स्त्री–पवित्रता निर्मलता पाकीजगी।

नजाबत (نجابت) अ स्त्री–कुलीनता शराफत।

नजार (نظارہ) अ पु–दे नज्जार।

नजार (نزار) फा वि–क्षीण दुबल लागर कमजोर।

नजारत (نضارت) अ स्त्री–हराभरापन ताजगी।

नजारत (نظارت) अ स्त्री–निरीक्षण निगरानी नाजिर का पद नाजिर का दफ्तर।

नजाशी (نجاشی) अ पु–हब्श (एबीसीनिया) का नरेश जिसने मुहम्मद साहब के जमाने में मुसल्मानों को अपने देश में पनाह दी थी।

नजासत (نجاست) अ स्त्री–अपवित्रता नापाकी विष्ठा गिलाजत।

नजाह (نجاح) अ स्त्री–बंधन मुक्ति छुटकारा समृद्धि खुशहाली इच्छापूर्ति हाजत रवाई।

नजिस (نجس) अ वि–अपवित्र अशुद्ध गंदा मल-दूषित गलीज।

नजिसुलऐन (نجس العین) अ वि–वह चीज जो सिर से पाँव तक नापाक हो जिसका छूना भी वर्जित हो।

नजीफ (نظیف) अ वि–पवित्र शुद्ध पाक।

नजीब (نجیب) अ वि–कुलीन शुद्ध रक्तवाला जिसके खानदान में मेल न हो।

नजीबुत्तरफैन (نجیب الطرفین) अ वि–माता और पिता दोनों ओर से कुलीन।

नजील (نزیل) अ पु–वह व्यक्ति जो किसी सराय या धर्मशाला में मुसाफिर के रूप में उतरे अतिथि मेहमान।

नजीर (نذیر) अ वि–डरानेवाला पैगंबर साहब की उपाधि।

नजीर (نظیر) अ स्त्री–सदृश समान मिस्ल, उदाहरण दृष्टांत मिसाल हाईकोर्ट या प्रीवी कौंसिल का फैसला जो किसी मुकदमे में दावे की पुष्टि के लिए पेश किया जाय।

नजअ (نزع) अ स्त्री–प्राणों का अंत दम टूटना जाँ कनी।

नजए रवाँ (نزع رواں) अ फा स्त्री–जाँ कनी।

नज्जार (نظّارہ) अ पु–दर्शन दीदार सैर दृश्य तमाशा।

नज्जारगाह (نظّارہگاہ) अ फा स्त्री–सैरगाह विलासस्थल।

नज्जारपसद (نظّارہپسند) अ फा वि–जिसे नज्जारबाजी पसंद हो जो अच्छे-अच्छे दृश्य दर्शन का शौकीन हो।

नज्जारफरेब (نظّارہفریب) अ फा वि–निगाहों को लुभानेवाला।

नज्जारबाज (نظّارہباز) अ फा वि–नज्जार दर्शन का शौकीन ताकाझाँकी और घूराघारी करनेवाला।

नज्जारबाजी (نظّارہبازی) अ फा स्त्री–घूराघारी ताकाझाँकी आँखें लड़ाना आँखें सेंकना।

नज्जारसज (نظّارہسنج) अ फा वि–दे 'नज्जारपसंद'।

नज्जार (نجّار) अ पु–बढ़ई, काष्ठ शिल्पी तक्षक।

नज्जारए जमाल (نظارۂ جمال) अ पु अच्छी सूरतो के दर्शन।

नज्जारगी (نظارگی) अ फा स्त्री—नज्जारबाजी, दृष्टि, नजर।

नज्जारी (نجاری) अ स्त्री—बढई का काम, बढई का पेशा।

नज्द (نجد) अ पु—ऊँची भूमि, टीला, अरब का एक प्रदेश जहाँ से 'वहाबिय' सम्प्रदाय का जन्म हुआ।

नज्द (نزد) फा वि—'नज्दीक' का लघु, दे 'नज्दीक' और दे 'निज्द', दोनो रूप शुद्ध है।

नज्दीक (نزدیک) फा वि—समीप, निकट, करीव, (अव्य) राय मे, खयाल मे।

नज्दीकबी (نزدیک بیں) फा वि—'दूरबी' का उलटा, जो केवल अपने आसपास देखे, दूर तक दृष्टि न डाले।

नज्दीकी (نزدیکی) फा स्त्री—समीपता, निकटता, कुर्वत।

नज्म (نجم) अ पु—तारा, उडु, सितारा।

नज्म (نظم) अ स्त्री—पद्य, काव्य, शाइरी, (पु) प्रवध, व्यवस्था, इतिजाम, क्रम, तर्तीव, सघटन, तजीम।

नज्मगुस्तर (نظم گستر) अ फा वि—काव्यकार, शाइर।

नज्मगो (نظم گو) अ फा वि—ऐसा शाइर जो शाइरी की तमाम किस्मो मे से केवल नज्म (गजल-शैली के प्रतिकूल एक ही विषय पर की जानेवाली शाइरी) कहता हो।

नज्मसंज (نظم سنج) अ फा वि—दे 'नज्मगुस्तर'।

नज्मुस्साकिव (نجم الثاقب) अ पु—टूटनेवाला तारा, उल्का।

नज्मे साकिव (نجم ثاقب) अ पु—उल्का, टूटनेवाला तारा।

नज्मोनसक (نظم و نسق) अ पु—प्रवध, वदोवस्त।

नज्मोनस्र (نظم و نثر) अ स्त्री—गद्य और पद्य।

नज्र (نذر) अ स्त्री—उपहार, भेट, तोहफा, चढावा, मन्नत, नियाज, फातहा, प्रदान, देना।

नज्राना (نذرانہ) अ फा पु—उपहार, उपायन, तोहफा, दक्षिणा, पुरोहित या गुरु आदि को भेट।

नज्रे अकीदत (نذر عقیدت) अ स्त्री—ऐसी भेंट जो भक्ति या श्रद्धा जाहिर करने के लिए दी जाय।

नज्ल (نزلہ) अ पु—जुकाम की एक दशा जिसमे वलगम निकलता है।

नज्वा (نجویٰ) अ स्त्री—काना-फूँसी, कान से मुँह लगाकर चुपके-चुपके बाते करना।

नताइज (نتائج) अ पु—'नतीज' का वहु, नतीजे।

नतीज (نتیجہ) अ पु—परिणाम, फल, अजाम, परीक्षाफल, जाँच का फल, अत, आखीर, इच्छा, गरज।

नतीज:खेज (نتیجہ خیز) अ फा वि—जिससे अच्छा नतीजा निकले, सारगर्भ।

नतीजए इम्तिहान (نتیجۂ امتحان) अ पु—पढाई की जाँच का नतीजा, परीक्षाफल।

नतीजतन (نتیجتاً) अ अव्य—नतीजे मे, फलस्वरूप, फलत।

नतीन (نتین) अ वि—दुर्गन्धयुक्त, वदवूदार।

नतूल (نطول) अ पु—वह पानी जिसमे दवाएँ औटायी गयी हो, और जिससे शरीर के किसी अग पर धार दी जाय।

नत्न (نتن) अ. पु—दुर्गंध, वदवू।

नदम (ندم) अ पु—नदामत, लज्जा, व्रीडा।

नदामत (ندامت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, हया, पश्चाताप, पछतावा।

नदामतजद: (ندامت زدہ) अ फा वि—लज्जित, शर्मिंद; जिसे अपने किये पर पछतावा हो, पश्चात्तापी।

नदारद (ندارد) फा वि—विहीन, लुप्त, रिक्त, गाइव, खाली।

नदीद: (ندیدہ) फा वि—जिसे देखा न हो, मरभुक्खा, जो हर एक के खाने पर नजर रखे, अत्यत लोभी।

नदीद (ندید) अ वि—समान, तुल्य।

नदीम (ندیم) अ पु—पार्श्ववर्ती, सखा, पास वैठनेवाला।

नद्दाफ (نداف) अ पु—रुई धुनकनेवाला, धुनिया, तूलकार।

नद्दाफी (ندافی) अ स्त्री—रुई धुनकने और कपडो मे भरने का काम, तूलकर्म, धुनियापन।

नद्मान (ندمان) अ वि—लज्जित, सकुचित, खजिल।

नद्व: (ندوہ) अ पु—सभास्थान, लोगो के वैठकर विचार-विनिमय करने का स्थान, परामर्श-गृह।

नफक: (نفقہ) अ पु—वीवी-वच्चो का रोटी-कपड़ा।

नफर (نفر) अ पु—व्यक्ति, शख्स, नौकर, दास, मज्दूर, श्रमिक।

नफस (نفس) अ पु—श्वास, साँस, दम, क्षण, पल, लमहा।

नफसशुमारी (نفس شماری) अ फा स्त्री—आखिरी साँसे जब मौत की घडियाँ गिनी जाती है।

नफसे वाजपसी (نفس بازپسیں) अ फा पु—दे 'नफसे वापसी'।

नफसे वापसी (نفس واپسیں) अ फा पु—आखिरी साँस, जिस साँस के वाद जीवन समाप्त हो जाता है।

नफह (نفحہ) अ पु—सुगध, खुशबू।

नफहात (نفحات) अ स्त्री—खुशवूएँ, सुगध।

नफाइस (نفائس) अ. पु—'नफीस' का वहु, वढिया और वहुमूल्य वस्तुएँ।

नफ़ाज़ (نفاذ) अ पु –नाफ़िज़ होना जारी होना।
नफ़ासत (نفاست) अ स्त्री –स्वच्छता निर्मलता सफ़ाई मृदुलता कोमलता लताफ़त सूक्ष्मता नम्रता नज़ाकत।
नफ़ासतपसंद (نفاست‌پسند) अ फा वि –स्वय साफ़ सुथरा रहने और सब चीज़ों म सफ़ाई और आरास्तगी पसंद करनेवाला।
नफ़ासतपसंदी (نفاست‌پسندی) अ फा स्त्री –सुथरा साफ रहना और हर चीज को साफ देखने का शौक़।
नफ़ासते तबअ (نفاست طبع) अ स्त्री –स्वभाव की स्वच्छता और मृदुलता।
नफ़ी (نفی) अ स्त्री –अस्वीकृति नामजूरी।
नफ़ीर (نفیر) अ स्त्री –वह स्वर जो सोने की अवस्था म निकलता है स्वर आवाज़ नफ़ीरी।
नफ़ीरची (نفیرچی) अ फा पु –नफ़ीरी और शहनाई बजानेवाला।
नफ़ीरी (نفیری) अ फा स्त्री –शहनाई।
नफ़ीस (نفیس) अ वि –उत्तम बढ़िया उम्दा स्वच्छ निर्मल साफ़ कोमल मृदुल लतीफ़।
नफ़ूख़ (نفوخ) अ पु –वह सूखी हुई दवाओ का चूर्ण जो नाक म फूंका जाता है हुलास सुंघनी।
नफ़ूर (نفور) अ वि –नफ़रत करनेवाला घृणी।
नफ़अ (نفع) अ पु –लाभ प्राप्ति फ़ाइदा फल परिणाम नतीजा ब्याज सूद।
नफ़अअंदोज़ी (نفع‌اندوزی) अ फा स्त्री –लाभ कमाना नफ़ा उठाना।
नफ़अरसां (نفع‌رساں) अ फा वि –फ़ाइदा पहुचानेवाला लाभदायक।
नफ़अरसानी (نفع‌رسانی) अ फा स्त्री –फ़ाइदा पहुचाना लाभकारिता उपादेयता।
नफ़ए ज़ाती (نفع ذاتی) अ पु –निजी लाभ केवल व्यक्तिगत फ़ाइदा।
नफ़्ख़ (نفخ) अ पु फूकना फूलना विशेषत पेट फूलना।
नफ़्ख़े शिकम (نفخ شکم) अ पु –पेट का फूलना अफारा।
नफ़्ख़े सूर (نفخ صور) अ पु –हज़रत इस्राफ़ील का क़ियामत म ब्रह्म संहार की विध्वंस करने के लिए सूर (तुरही) फूंकना।
नफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल उगलनेवाला माद्दा बारूद के नीचे दाना गंधक।
नफ़्फ़ाख़ (نفاخ) अ वि –अफारा पैदा करनेवाला आहार बादी खाद्य।
नफ़्फ़ाख़ी (نفاخی) अ स्त्री –अफारा पैदा करना।
नफ़्रत (نفرت) अ स्त्री –घृणा घिन कराहत परहेज़ बचाव।
नफ़्रतअंगेज़ (نفرت‌انگیز) अ फा वि –घिन पैदा करनेवाला।
नफ़्रतज़दा (نفرت‌زدہ) अ फा वि –वह व्यक्ति जिससे घृणा की जाय घृणित।
नफ़्रीं (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार फटकार लानत मलामत द निफ़्रीं शुद्ध रूप वही है परतु उर्दू म 'नफ़्रीं' है।
नफ़्ल (نفل) अ उभ –वह नमाज़ जिसके पढ़ने का हुक्म न हो मगर सवाब के लिए पढ़ी जाय।
नफ़्स (نفس) अ पु –अस्तित्व वुजूद सत्यता सच्चाई काम-वासना शहवत सार ख़ुलासा लिंग शिश्न आत्मा प्राणवायु रूह।
नफ़्सकुश (نفس‌کش) अ फा वि –काम-वासनाओ का दमन करनेवाला इंद्रियजित इंद्रियनिग्रही ज़ाहिद पारसा।
नफ़्सकुशी (نفس‌کشی) अ फा स्त्री –भोग विलास की इच्छा का दमन इंद्रिय-दमन ज़ुह्द पारसाई।
नफ़्सपरस्त (نفس‌پرست) अ फा वि –विषय भोग वासनाओ का रसिया शहवतपरस्त ऐयाश।
नफ़्सपरस्ती (نفس‌پرستی) अ फा स्त्री –ऐयाशी काम लोलुपता विषय-लंपटता।
नफ़्सपवर (نفس‌پرور) अ फा वि –दे 'नफ़्सपरस्त'।
नफ़्सानियत (نفسانیت) अ स्त्री –अभिमान अहकार ग़ुरूर स्वार्थपरायणता ख़ुदग़रज़ी।
नफ़्सानी (نفسانی) अ वि –कामवासना से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़।
नफ़्सी नफ़्सी (نفسی نفسی) अ अव्य –आपाधापी अपनी अपनी जहा हर व्यक्ति को केवल अपनी फ़िक्र हो वह हालत हो।
नफ़्सीयात (نفسیات) अ स्त्री –मनोविज्ञान।
नफ़्सुलअम्र (نفس‌الامر) अ पु –सच्ची बात असल हक़ीक़त यथार्थता।
नफ़्से अम्मार (نفس امارہ) अ पु –वह मानसिक शक्ति जो बुरे कामो की ओर प्रवृत्त करती है।
नफ़्से नातिक़ (نفس ناطقہ) अ पु –मनुष्य प्राणवायु रूह वह व्यक्ति जो किसी की मार का बदला हो।
नफ़्से मतलब (نفس مطلب) अ पु –असल मतलब मुख्याशय उद्देश्य आशय मक़सद।
नफ़्से मुत्मइन्न (نفس مطمئنہ) अ पु –वह मनःशक्ति जो आत्मा म संतोष उत्पन्न करती है।
नफ़्से लव्वाम (نفس لوامہ) अ पु –वह मनोशक्ति जो बुरे कामो पर घृणा प्रकट करती है जिससे मनुष्य पछताता है

नफ़्हः (نفحہ) अ पु —सुगंध, अच्छी महक, खुशबू।

नबर्दः (نبردہ) फा पु —शूर-वीर, बहादुर।

नबर्द (نبرد) फा स्त्री —युद्ध, लडाई, जंग।

नबर्दआज्मा (نبرد آزما) फा. वि —युद्ध-कुशल, रणशूर, जग आजमूद।

नबर्दआज्माई (نبرد آزمائی) फा स्त्री —युद्ध, लडाई।

नबर्दआज्मूदः (نبرد آزمودہ) फा वि —जिसे लडाई का काफी अनुभव हो, युद्धानुभवी।

नबर्दगाह (نبردگاہ) फा स्त्री —मैदाने जग, रणक्षेत्र, समरागण, रगभूमि, युद्धस्थल।

नबर्दपेशः (نبردپیشہ) फा वि —जिसका काम ही लडना और मरना-मारना हो, रणशूर।

नबवी (نبوی) अ वि —नबी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।

नबात (نبات) फा स्त्री —मिश्री, खड-शर्करा।

नबात (نبات) अ स्त्री —जमीन से उगनेवाली सब्जी और पेड-पौदे।

नबातात (نباتات) अ स्त्री —जमीन से उगनेवाली चीजे, उद्भिज्ज।

नबाती (نباتی) अ वि —नबातात का, नबाताती।

नबातीयात (نباتیات) अ स्त्री —उद्भिज्ज-विज्ञान, नबातात का इल्म, वृक्षायुर्वेद।

नबिश्तः (نبشتہ) फा वि —लिखा हुआ, अकित, नविश्त।

नबी (نبی) अ पु —ईशदूत, अवतार, पैगम्बर।

नबीज (نبیذ) अ स्त्री —जौ या खजूर की मदिरा।

नबीद (نبید) फा स्त्री —दे 'नबीज'।

नबीरः (نبیرہ) फा पु —बेटे का बेटा, पोता, पौत्र।

नबीसः (نبیسہ) फा पु —बेटी का बेटा, दौहित्र, नवासा।

नबील (نبیل) अ. वि —श्रेष्ठ, महान्, अजीम, बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, उत्तम, उम्दा, स्थूल, मेदुर, मोटा-ताजा।

नब्ज (نبض) अ स्त्री —नाडी, शिरा, रोग निदान के लिए देखी जानेवाली नाडी।

नब्जशनास (نبض شناس) अ फा वि —नब्ज पहचाननेवाला, हकीम, वैद्य, डाक्टर।

नब्बाज (نباض) अ वि —नाडी पहचानने मे बहुत बडा निपुण।

नब्बाजी (نباضی) अ स्त्री —नब्ज की अच्छी पहचान।

नब्बाश (نباش) अ पु —कब्र खोदकर कफन चुरानेवाला, कफनचोर।

नब्बाशी (نباشی) अ स्त्री —कब्र खोदकर कफन उतारना।

नब्श (نبش) अ पु —कब्र खोदना, कब्र खोदकर मुर्दे का

नब्शे कुबूर (نبش قبور) अ पु —कब्रे खोदकर, कफन चुराना।

नम (نم) —फा पु —आर्द्र, गीला, तर; आर्द्रता, तरी, नमी।

नमआलूद (نم آلود) फा वि —आर्द्र, तर, गीला।

नमक (نمک) फा पु —लवण, लोन, मिल्ह्, लावण्य, मलाहत, काव्य-सौन्दर्य, हुस्ने कलाम।

नमकअफ्शाँ (نمک افشاں) फा वि —नमक छिडकनेवाला (जख्म पर)।

नमकअफ्शानी (نمک افشانی) फा. स्त्री —जख्म पर नमक छिडकना।

नमकआलूदः (نمک آلودہ) फा वि —वह चीज जिसमे नमक लगाया गया हो।

नमककोर (نمک کور) फा वि —नमकहराम, विश्वासघाती, कृतघ्न, मुहसिनकुश।

नमकखुर्दः (نمک خوردہ) फा वि —दे 'नमकख्वार'।

नमकख्वार (نمک خوار) फा वि —जिसने नमक खाया हो—नमकहलाल, स्वामिभक्त, नौकर, मुलाजिम।

नमकचशी (نمک چشی) फा स्त्री —खाने का स्वाद मालूम करने के लिए खाने का नमक चखना, पहले पहल बच्चे को नमक चटाने की रस्म, अन्नप्राशन; स्वाद, मजा।

नमकजार (نمک زار) फा पु —'नमकसार'।

नमकदान (نمکدان) फा पु —नमक रखने का बर्तन।

नमकपर्वर (نمک پرور) फा वि —नमक लगाया हुआ।

नमकपर्वर्दः (نمک پروردہ) फा वि —नमकख्वार, नमक के पाले हुए, स्वामिभक्त, वफादार, सेवक, नौकर।

नमकपाश (نمک پاش) फा वि —घाव पर नमक छिडकनेवाला, कष्ट देनेवाला, व्यग करनेवाला,—"तुम्हारा नाज नमकपाश बरकरार रहे, हमारे जख्म को अब हाजते-रफू क्या है?"

नमकपाशी (نمک پاشی) फा स्त्री —व्यग और कटाक्ष करना, घाव पर नमक छिडकना, दुख देना।

नमकसार (نمکسار) फा पु —नमक की खान, लवणाकर।

नमकहराम (نمک حرام) फा अ वि —कृतघ्न, स्वामिघ्न, मुहसिनकुश, विश्वासघाती।

नमकहलाल (نمک حلال) फा अ वि —कृतज्ञ, स्वामिभक्त, हकशनास।

नमकीं (نمکیں) फा. वि —नमक मिला हुआ; लावण्यमय, मलीह।

नमकीनः (نمکینہ) फा पु —दही में नमक-मिर्च मिलाकर बना हुआ खाद्य-विशेष, रायता।

नमकीनी (نمکینی) फा स्त्री —साँवलापन, सलोनापन,

नमखुद (نمخورده) फा वि–जिसमें सीलन पहुँच गयी हो, गला हुआ।

नमगीर (نمگیره) फा पु–एक छोटा शामियाना जो ओस से बचने के लिए होता है शामियाना वितान।

नमत (نمط) अ पु–प्रकार किस्म।

नमद (نمد) फा पु–ऊन या पशम का मोटा बिस्तर, मुलाइम बालों का बिस्तर या गद्दा नम्दा।

नमदजीं (نمدزین) फा पु–वह नम्दा जो जीन के नीचे घोड़े की पीठ पर डालते हैं।

नमदपोश (نمدپوش) फा वि–मोटे कम्मल का लिबास पहननेवाला कम्मलपोश।

नमदीद (نمدیده) फा वि–दे नमखुद।

नमनाक (نمناک) फा वि–गीला तर आर्द्र।

नमरसीद (نمرسیده) फा वि–जिसे सीलन पहुँच गयी हो नमखुद।

नमा (نما) फा पु–विकास उपज बढ़ोतरी यह शब्द अकेला नहीं आता नशोनुमा बोला जाता है।

नमाज (نماز) अ स्त्री–मुसलमानों की ईश्वर प्रार्थना जो पाँच वक्त होती है और जिसमें ४२ रकअत नमाज पढ़ी जाती है एक रकअत एक बार खड़े होकर बठने तक की होती है जिसमें दो सज्दे और एक रुकूअ होता है।

नमाजगुजार (نمازگزار) अ फा वि–भावना से नमाज पढ़नेवाला दीनदार धर्मनिष्ठ।

नमाजी (نمازی) अ वि–नमाज का पाबंद नमाज पढ़नेवाला।

नमाजे ईद (نماز عید) अ स्त्री–ईद की नमाज जो दो रकअत होती है।

नमाजे कजा (نماز قضا) अ स्त्री–वह नमाज जो उसके नियत समय पर न पढ़ी जाकर बाद में पढ़ी जाय।

नमाजे कस्र (نماز قصر) अ स्त्री–वह नमाज जो यात्रा की दशा में पढ़ी जाय उसमें फर्ज नमाज आधी पढ़ी जाती है और बाकी नमाज नहीं पढ़ी जाती।

नमाजे जनाज (نماز جنازہ) अ स्त्री–वह नमाज जो मुसल्मानों के जनाजे पर मतक की आत्मा की शान्ति के लिए पढ़ी जाती है।

नमिर (نمر) अ पु–व्याघ्र बाघ तेंदुआ।

नमी (نمی) फा स्त्री–आर्द्रता तरी सीलन सील।

नमीक (نمیقه) अ पु–पत्र चिट्ठी।

नमीम (نمیم) अ पु–पिशुन चुगलखोर।

नमू (نمو) अ पु–दे शुद्ध रूप नुमू।

नमूत (نموته) फा पु–बानगी आदर्श मिसाल ढब ढंग तौर प्रकार किस्म।

नम्माम (نمام) अ पु–बहुत अधिक चुगली खानेवाला पिशुन।

नम्मामी (نمامی) अ स्त्री–पिशुनता चुगलखोरी।

नम्ल (نملہ) अ पु–च्यूँटा, एक च्यूँटी।

नम्ल (نمل) अ पु–पिपीलिका च्यूँटा।

नम्ली (نملی) अ वि–नाड़ी-गति का एक प्रकार जिसमें उसकी चाल च्यूँटी-जैसी मन्द हो जाती है।

नय (نے) फा स्त्री–नरकट नरसल बाँसुरी बंसी।

नयच (نیچه) फा पु–हुक्के की निगाली।

नयनवाज (نے نواز) फा वि–बंसी बजानेवाला मुरलीधर।

नयसाज (نےساز) फा वि–बाँसुरी बनानेवाला बंसीकार।

नयस्ताँ (نیستاں) फा पु–नरकट का जंगल वन जंगल।

नयस्तानी (نیستانی) फा वि–जंगली वन्य।

नय्यिर (نیر) अ पु–सूर्य सूरज।

नर (نره) फा पु–शाखा टहनी लिंग शिश्न, दूषित निकृष्ट नर पुरुष प्राणी।

नर देव (نره دیو) फा पु–भयानक राक्षस विकट मूर्ति।

नर (نر) फा पु–मादा का उल्टा पुरुष प्राणी।

नरमेश (نرمیش) फा पु–मेढा नर भेड़।

नरी (نری) फा स्त्री–नरपन।

नरीन (نرینه) फा पु–नर जैसे–'फर्जन्दे नरीन' अर्थात् लड़का।

नरीमान (نریمان) फा पु–रुस्तम के दादा का नाम।

नग्र (نرغه) फा पु–घेरा घिराव मुहासरा, भीड़ जमाव विपत्ति मुसीबत।

नग्रए आ'दा (نرغۂ اعدا) फा अ पु–शत्रुओं का घेरा।

नर्गिस (نرگس) फा स्त्री–एक फूल, आँख।

नर्गिसी (نرگسی) फा वि–नर्गिस जैसा नर्गिस का नर्गिसी कबाब जो अंडों पर कीमा लपेटकर बनते हैं।

नर्गिसे जादू (نرگس جادو) फा स्त्री–वह सुन्दर आँख जिसमें मोहनी हो।

नर्गिसे बीमार (نرگس بیمار) फा स्त्री–चश्म बीमार।

नर्गिसे शहला (نرگس شہلا) फा स्त्री–वह नर्गिस का फूल जिसमें उसके भीतर पीलेपन के बदले कालापन हो।

नर्द (نرد) फा स्त्री–चौसर का खेल चौसर की गोट।

नर्दबाज (نردباز) फा वि–चौसर का खिलाड़ी।

नर्दबान (نردبان) फा उभ–निश्रेणी सोपान सीढ़ी।

नर्म (نرمه) फा पु–कान की लौ।

नर्म (نرم) फा वि–मृदुल मुलाइम कामल नाजुक पिलपिला शिथिल ढीला लाचार सुगम, सरल,

आसान, हलका, अगुरु, सहिष्णु, वुर्दबार; जिसका कोप धीमा पड गया हो।
नर्मआवाज़ (نرم آواز) फा वि—मधुर और कोमल स्वर-वाला।
नर्मआहनी (نرم آهنی) फा स्त्री—दीनता, हीनता, दरिद्रता, वदहाली।
नर्मए गोश (نرمۂ گوش) फा पु—कान की लौ, कर्णलता।
नर्मख़ू (نرم‌خو) फा वि—नम्र स्वभाववाला, विनीत, मतीन, सजीद, नेकदिल।
नर्मगर्दन (نرم گردن) फा वि—वशीभूत, आज्ञाकारी।
नर्मज़वान (نرم‌زبان) फा वि—मधुरभाषी, शीरीज़वान।
नर्मतबीअत (نرم‌طبیعت) फा अ वि—दे 'नर्मख़ू'।
नर्मदिल (نرم‌دل) फा वि—सदय, आर्द्र हृदय, रहमदिल।
नर्ममिज़ाज (نرم‌مزاج) फा अ वि—दे 'नर्मख़ू'।
नर्मरौ (نرم‌رو) फा वि—सुस्त चलनेवाला, मदगति।
नर्मी (نرمی) फा वि—मृदुलता, मुलाइमत, कोमलता, नज़ाकत; सदयता, रह्मदिली, मंदता, आहिस्तगी, धीमा-पन, सुगमता, आसानी, अगुरुत्व, लघुत्व, हलकापन, गभीरता, वुर्दवारी।
नवद (نود) फा. वि—नव्वे, दस कम सौ।
नवर्द (نورد) फा प्रत्य—लपेटनेवाला अर्थात् सफर तै करनेवाला, जैसे—'राहनवर्द' रस्ता तै करनेवाला।
नवर्दीदः (نوردیده) फा वि—लपेटा हुआ।
नवा (نوا) फा स्त्री—स्वर, ध्वनि, आवाज़, गान, गाना, सामान, अस्वाव, उपकरण।
नवाइब (نوائب) अ पु—'नाइव' का वहु, आपत्तियाँ, मुसीवतें।
नवाख़ानः (نواخانه) फा पु—कारागार, कैदख़ाना, जेल।
नवाख़्त (نواخت) फा वि—अनुकूल, मुआफिक, समान, तुल्य, वरावर।
नवागर (نواگر) फा वि—गायक, गवैया।
नवाज़ (نواز) फा प्रत्य—वजानेवाला, जैसे—'नयनवाज़' वासुरी वजानेवाला, कृपा करनेवाला, जैसे—'गरीवनवाज़'।
नवाज़िदः (نوازنده) फा पु—वजानेवाला, कृपा करनेवाला।
नवाज़िदगी (نوازندگی) फा स्त्री—वजाना।
नवाज़िश (نوازش) फा स्त्री—कृपा, अनुकपा, दया, मेह्रवानी।
नवाज़िशनामः (نوازش‌نامه) फा पु—कृपापत्र, करमनाम।
नवाज़िशात (نوازشات) फा स्त्री—'नवाज़िश' का वहु, कृपाएँ, दयाएँ।
नवादिर (نوادر) अ पु—'नादिर' का वहु, अद्भुत वस्तुएँ, अजीवो गरीव चीज़ें।
नवापरदाज़ (نواپرداز) फा. वि—दे 'नवागर'।
नवाफ़िज़ (نوافذ) अ पु—'नाफ़िज़' का वहु, कान, नाक, मुँह आदि के सूराख।
नवाफ़िल (نوافل) अ पु—'नफ़िल' का वहु., वे नमाज़े जो केवल सवाव के लिए पढी जायँ, फर्ज़ या वाजिब न हो।
नवामीस (نوامیس) अ पु—'नामूस' का वहु, मर्यादाएँ।
नवालः (نواله) फा पु—दे 'निवाल', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।
नवाल (نوال) अ स्त्री—उपकार, एहसान, दानशीलता, वख़्शिश, अनुकपा, दया।
नवासंज (نواسنج) फा वि—दे 'नवागर'।
नवासः (نواسه) फा पु—वेटी का वेटा, नाती, दौहित्र।
नवासाज़ (نواساز) फा वि—दे 'नवागर'।
नवासिब (نواصب) अ पु—'नासिबी' का वहु, नासिबी सप्रदाय के लोग, हज़रत अली को न माननेवाले।
नवासीर (نواصیر-نواسیر) अ स्त्री—'नासूर' का वहु, भगदर, मलद्वार का फोडा।
नवाह (نواح) अ पु—चारो ओर का क्षेत्र, मुज़ाफात।
नवाही (نواحی) अ पु—'नाहिय' का वहु, नगर का चारो ओर।
नवाही (نواهی) अ पु—'नह्इ' का वहु, वे विषय जो धर्मानुसार निषिद्ध हैं।
नवाहे मुल्क (نواح ملک) अ पु—किसी देश के चारो ओर का वाहरी इलाका।
नवाहे शह्र (نواح شهر) अ फा पु.—नगर के आसपास का क्षेत्र, मुज़ाफात।
नविश्तः (نوشته) फा वि—लिखा हुआ, लिखित, (पु) तमस्सुक, स्टाम्प, लेखपत्र, दे 'निविश्त'।
नविश्त (نوشت) फा स्त्री—लिखावट, तह्रीर, दे. 'निविश्त'।
नविश्तए किस्मत (نوشتۂ قسمت) फा अ पु—भाग्यलेख, तक्दीर का लिखा, प्रारब्ध, मुकद्दर।
नविश्तए तक्दीर (نوشتۂ تقدیر) फा अ पु—दे 'नविश्तए किस्मत'।
नविश्तोख़्वाँद (نوشت و خواند) फा स्त्री—लिखा-पढ़ी, लिखना-पढना।
नवी (نوی) फा वि—नया, नवीन, आधुनिक, जदीद, पाश्चात्य, मग़्रिवी।
नवीस (نویس) फा प्रत्य—लिखनेवाला, जैसे—अराइज़-नवीस, अर्ज़ियाँ लिखनेवाला।
नवीसिंदः (نویسنده) फा वि—लिखनेवाला, लिपिक।

नवेद (نوید) फा स्त्री—शुभ सूचना, खुशखबरी निमंत्रण पत्र दावतनामा दे 'नुवेद', दोनो रूप शुद्ध है।
नवेदे जाफिजा (نوید جانفزا) फा स्त्री—प्राणो का आनन्द देनेवाली शुभ सूचना।
नवेदे मक्दम (نوید مقدم) फा अ स्त्री—किसी महान व्यक्ति के आने की शुभ सूचना।
नव्वाब (نواب) अ वि—बादशाह का नाइब किसी रियासत का मुसल्मान शासक।
नव्वाबजाद (نوابزادہ) अ फा पु—नव्वाब का लडका।
नव्वाबी (نوابی) अ स्त्री—नव्वाब का पद राज हुकूमत समृद्धि दौलतमन्दी अपव्यय फुजूलखर्ची।
नव्वाबे बेमुल्क (نواب بےملک) अ फा पु—ऐसा नव्वाब जिसके पास रियासत न हो ऐसे नाम के लिए कहते है जिसके पास कुछ न हो मगर उसकी बात स्वी-चौडी हो।
नशा (نساں) फा पु—'नशान' का लघु है 'निशान'।
नशा (نشا) अ पु—शुद्ध रूप 'नशा' है परन्तु उर्दू मे नशा ही बोलते हैं।
नशात (نشاط) अ स्त्री—आनद हर्ष खुशी निशात भी प्रचलित।
नशातअगेज (نشاط‌انگیز) अ फा वि—खुशी पैदा करने वाला हर्षोत्पादक।
नशातअफ्जा (نشاط‌افزا) अ फा वि—आनन्दवर्धक खुशी बढानेवाला।
नशातेकार (نشاط‌کار) अ फा स्त्री—काम करने की उमग।
नशातेरूह (نشاط روح) अ स्त्री—रूह का आनन्द।
नशान (نساں) फा पु—दे 'निशान' दोनो रूप शुद्ध है परन्तु उर्दू में निशान बोलते है।
नशास्त (نشاستہ) फा पु—गेहूँ का सत गायूमसार।
नशीं (نشیں) फा प्रत्य—बैठनेवाला जैसे—तख्तनशी तख्त पर बैठनेवाला।
नशीब (نشیب) फा पु—ढलान नशेब दे 'निशेब' दोनो शुद्ध है।
नशअत (نشاۃ) अ स्त्री—आविर्भाव उत्पत्ति पैदाइश।
नशअते सानिय (نشاۃ ثانیہ) अ स्त्री—दुबारा जन्म पुनर्जन्म पुनर्जीवन दुबारा तरक्की पुनरुद्धार।
नशअतन (نشاتین) अ स्त्री—पैदाइशें एक ससार की दूसरी कियामत के दिन की।
नश्र (نشرہ) अ पु—बच्चे के कुरान खत्म कर लेने का सस्कार।
नश्र (نشر) अ पु—घास का फिर से हरा होना मृतक का फिर से जीवित होना खबर का सब में फैलना।
नश्रुस्सौत (نشر الصوت) अ पु—आवाज का हर तरफ फैलाना ब्राडकास्ट ध्वनि-प्रचार।
नश्व (نشو) अ पु—विकास उपज बालीदगी।
नश्वोनमा (نشوونما) अ पु—उगना और विकसित होना परवरिश पाना।
नश्श (نشہ) अ पु—मादकता नशा उन्माद मस्ती, अभिमान घमड।
नश्शआमेज (نشہ‌آمیز) अ फा वि—जिस चीज में मादक पदार्थ मिला दिया गया हो।
नश्शआवर (نشہ‌آور) अ फा वि—नशा पैदा करने वाली चीज मादक।
नश्शबाज (نشہ‌باز) अ फा वि—जिसे किसी नशावाली चीज खाने या पीने की लत हो।
नश्शए म (نشۂ مے) अ फा पु—शराब का नशा।
नश्शए सहबा (نشۂ صہبا) अ फा पु—शराब का नशा।
नस[स्स] (نص) अ स्त्री—कुरान की वे सूक्तियाँ जिनका अर्थ स्पष्ट है ऐसी बात जिसमें कोई सन्देह न हो ऐसी बात जिसका पालन आवश्यक हो।
नसक (نسق) अ पु—प्रबध व्यवस्था इतिजाम, क्रम सिलसिला तर्तीब यह शब्द प्राय अकेला नही बोलते नज्म के साथ मिलाकर नज्मो नसक बोलते हैं।
नसक्बद (نسق‌بند) अ फा वि—व्यवस्थापक प्रबंधक मतजिम।
नसफ्त (نصفت) अ स्त्री—आधा आध करना बराबर दो भागो मे बाटना न्याय इसाफ (निस्फत)।
नसब (نسب) अ पु—कुल वश खानदान।
नसबनाम (نسب‌نامہ) अ फा पु—वशावली वशक्रम वशवृक्ष कुर्सीनामा शज्र।
नसबी (نسبی) अ वि—नसब से सम्बन्ध रखनेवाला।
नसा (نسا) अ स्त्री—एक रग जो चूतड से टखने तक आती है इकुधसा गृध्रसी स्नायु साइटिक नर्व।
नसाइह (نصائح) अ उभ—नसीहत का बहु, नसीहतें सदुपदेश।
नसारा (نصاریٰ) अ पु—'नसरानी' का बहु ईसाई लोग।
नसीज (نسیج) अ वि—बुना हुआ वस्त्र रिसाम एक रेशमी कपडा।
नसीब (نصیب) अ पु—भाग्य प्रारब्ध किस्मत मुकद्दर।
नसीबवर (نصیب‌ور) अ फा वि—भाग्यशाली भाग्यवान खुशकिस्मत।
नसीब (نصیب) अ पु—भाग्य किस्मत लब्ध प्राप्त मुयस्सर अश भाग हिस्सा।

नसीबे आ'दा (نصیب اعدا) अ. पु –वह चीज जो अपने लिए न हो अपने दुश्मनों को हो; एक आशीर्वाद, जब कोई व्यक्ति किसी रोग या कष्ट मे फँसा हो तो उसके मित्र उसका जिक्र करते हुए बोलते है, जैसे—नसीबे आ'दा, उनका मिजाज कुछ नासाज़ है।

नसीबे ख़ुफ़्तः (نصیب خفتہ) अ फा पु –सोया हुआ नसीब, दुर्भाग्यता, बदकिस्मती।

नसीबे दुश्मनाँ (نصیب دشمناں) अ फा पु –दे 'नसीबे आ'दा'।

नसीम (نسیم) अ स्त्री –मृदुल मंद समीर, ठडी और धीमी हवा।

नसीमासा (نسیم آسا) अ फा अव्य –'नसीम' की तरह, बहुत ही आहिस्ता और मृदुल चाल से।

नसीमे सहर (نسیم سحر) अ स्त्री –सबेरे की मंद, शीतल और सुगधित हवा।

नसीमे सुब्ह (نسیم صبح) अ स्त्री –दे 'नसीमे सहर'।

नसीर (نصیر) अ पु –सहायक, सहाय, मददगार।

नसीहत (نصیحت) अ स्त्री –सदुपदेश, सीख, सत्परामर्श, अच्छी सलाह; इब्रत।

नसीहत आमेज (نصیحت آمیز) अ फा वि –वह बात जिसमे उपदेश शामिल हो।

नसीहतगर (نصیحت گر) अ फा वि –नसीहत करनेवाला, सदुपदेशक।

नसीहतगुजार (نصیحت گزار) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'

नसीहतगो (نصیحت گو) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'।

नसीहतनामः (نصیحت نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे किसी बात के सम्बन्ध मे नसीहते लिखी हो।

नसीहतपिजीर (نصیحت پذیر) अ फा वि –नसीहत माननेवाला, जिस पर सदुपदेश का असर हो, नसीहतपसद।

नसूह (نصوح) अ वि –शुद्ध, निर्मल, खालिस, किसी बुरी बात के त्याग की दृढ प्रतिज्ञा।

नस्ख़ (نسخ) अ पु –मिटाना, रद करना, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें अरबी लिखी जाती है, किसी चीज को हटाकर उससे अच्छी चीज़ लेना।

नस्तरन (نسترن) फा स्त्री –सेवती का फूल, सेवती।

नस्ता'लीक (نستعلیق) अ पु –सभ्य, शिष्ट, सस्कृत, मुहज्जब, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमे उर्दू लिखी जाती है।

नस्नास (نسناس) अ पु –मनुष्य के आकार का एक जानवर जिनके केवल एक हाथ, एक पाँव और एक कान होता है।

नस्ब (نصب) अ पु –स्थापना, रखना, काइम करना, ज़बर की मात्रा।

नस्बुलऐन (نصب العین) अ पु –उद्देश, आशय, मक़सद।

नस्या मंसिया (نسیا منسیا) अ अव्य –जो बात बिलकुल भूली जा चुकी हो, अरबी का उच्चारण 'नस्य मंसीया' है।

नस्र (نثر) अ स्त्री –गद्य, इबारत, नज्म का उलटा।

नस्र (نسر) अ पु –गृद्ध, गिद्ध, गीध, कर्गस, एक बुत जो अरब मे पूजा जाता था।

नस्र (نصر) अ. स्त्री –सहायता, मदद।

नस्रनिगार (نثرنگار) अ. फा. पु –गद्य-लेखक, नस्र लिखनेवाला।

नस्रनिगारी (نثرنگاری) अ फा स्त्री –गद्य-रचना, नस्र लिखना।

नस्रानियत (نصرانیت) अ स्त्री –ईसाईपन, ईसाईयत।

नस्रानी (نصرانی) अ पु –ईसाई, ख्रिष्टीय।

नस्रे आरी (نثر عاری) अ स्त्री –वह गद्य जो अलकारादि से रिक्त बिलकुल सीधा-सादा हो।

नस्रे ताइर (نسر طائر) अ पु –राशिचक्र के उत्तर मे तारो की एक शक्ल जो उडते हुए गिद्ध के समान है।

नस्रे मुकफ्फा (نثر مقفی) अ स्त्री –वह गद्य जिसका हर वाक्य सानुप्रास हो।

नस्रे मुरज्जज (نثر مرجز) अ स्त्री –वह गद्य जिसके एक वाक्य के तमाम शब्द दूसरे वाक्य के शब्दो के समान हो।

नस्रे मुसज्जा (نثر مسجع) अ स्त्री –दे 'नस्रे मुकफ्फा'।

नस्रे वाके' (نسر واقع) अ पु –दक्षिणी ध्रुव के पास ठहरे हुए गिद्ध के आकार के तारो की शक्ल।

नस्ल (نسل) अ स्त्री –वश, गोत्र, कुल, सतान, सतति, औलाद।

नस्लअफ्जाई (نسل افزائی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लकशी (نسل کشی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लन बाद नस्लन (نسلاً بعد نسلاً) अ. अव्य –एक नस्ल के बाद दूसरी नस्ल मे, पुश्त दर पुश्त।

नस्साज (نساج) अ पु –बुननेवाला, जुलाहा।

नस्साब (نساب) अ पु –वशविद्या जाननेवाला।

नस्सार (نثار) अ पु –गद्य-लेखक।

नहंग (نہنگ) फा पु –घडियाल, कुभीर, ग्राह, नाका।

नहज (نہج) अ पु –चौडी और कुशाद सडक; पद्धति, शैली, ढग, दे 'नह्ज', दोनो शुद्ध है, परन्तु अधिक प्रचलित 'नह्ज' है।

नहाफत (نحافت) अ स्त्री –क्षीणता, दुबलापन, लागरी; निर्बलता, अशक्ति, कमजोरी।

नहार (نهار) अ पु–दिन दिवस रोज।
नहार (نهار) फा वि–नाहार का लघु, सवेरे से कुछ न खाये हुए नहारमुंह।
नहारगाह (نهارگاه) फा स्त्री–सवेरे का समय प्रातःकाल।
नहारी (نهاری) फा स्त्री–वह थोड़ा सा खाना जिसे सुबह का फाका तोड़ते हैं नाश्ता एक प्रकार का शोरबादार गोश्त जिसे खमीरी रोटी से खाते हैं।
नही (نہی) अ स्त्री–निषेध रोक निषेधाज्ञा मुमानिअत का हुक्म शुद्ध उच्चारण नह्य है।
नहीक (نہیق) अ स्त्री–गधे के रेंकने की आवाज़।
नहीफ (نحیف) अ वि–क्षीण क्षाम दुबला लागर दुर्बल अशक्त कमज़ोर।
नहीफुलजुस्स (نحیف الجثہ) अ वि–दुबले शरीरवाला क्षीणकाय।
नहीफुलबदन (نحیف البدن) अ वि–दे नहीफुलजुस्स।
नहीब (نہیب) अ पु–डाकू लुटेरा गारतगर।
नहज (نہج) अ पु–ढंग प्रकार तर्ज युक्ति तर्कीब मार्ग पथ रास्ता।
नहब (نہب) अ पु–लूटमार गारतगरी।
नह्र (نہر) अ स्त्री–नदी से काटकर निकाली हुई शाखा कुल्या (नहर)।
नह्र (نحر) अ पु–ऊँट की कुर्बानी उत्सर्ग।
नह्री (نہری) अ वि–नह्र से सम्बन्ध रखनेवाला नह्र के पानी से सींचा जानेवाली भूमि।
नह्रे फुरात (نہر فرات) अ फा स्त्री–कूफे में बहनेवाली नदी जिसका पानी हज़रत इमाम हुसेन पर बन्द कर दिया गया था।
नह्रे लबन (نہر لبن) अ स्त्री–दूध की नह्र।
नहव (نحو) अ पु–पद्धति रीति ढंग समान तुल्य मिस्ल (स्त्री) व्याकरण की वह शाखा जिसमें वाक्यों में शब्दों का परस्पर सम्बन्ध और उनकी स्थिति जानी जाती है।
नहवी (نحوی) अ वि–इल्म नहव जाननेवाला।
नहस (نحس) अ वि–अशुभ अमांगलिक मनहूस।
नहसक्दम (نحس قدم) अ वि–जिसका आना मनहूस हो।
नहसरु (نحس رو) अ फा वि–जिसकी सूरत मनहूस हो जो देखने में बुरा लगे अनभिमत।

ना

नाँ (ناں) फा स्त्री–नान का लघु दे नान।
ना (نا) फा उप–शब्द के आरम्भ में आकर नहीं का अर्थ देता है, जैसे–नाउम्मीद।
नाअदेश (نا اندیش) फा वि–न सोचनेवाला।
नाअह्ल (نا اہل) फा अ वि–अयोग्य नाक़ाबिल अपात्र गैर मुस्तहक।
नाअह्लियत (نا اہلیت) फा अ स्त्री–अयोग्यता नाक़ाबिलीयत अपात्रता नाइस्तहक़ाक़।
नाअह्ली (نا اہلی) फा अ स्त्री–दे नाअह्लियत।
नाआक़िबत अंदेश (نا عاقبت اندیش) फा अ वि–अदूरदर्शी अपरिणामदर्शी।
नाआगाह (نا آگاہ) फा वि–नावाक़िफ़ अनभिज्ञ अनजान अनाड़ी।
नाआज़मूदा (نا آزمودہ) फा वि–जो आज़माया न गया हो अपरीक्षित।
नाआज़मूदकार (نا آزمودہ کار) फा वि–जिसे काम का तजुर्बा न हो अननुभवी अनाड़ी।
नाआज़मूदकारी (نا آزمودہ کاری) फा स्त्री–नातजुर्बकारी अनुभव अनाड़ीपन।
नाआश्ना (نا آشنا) फा वि–अपरिचित नावाक़िफ़ अनभिज्ञ अनाड़ी।
नाआश्नाए महज़ (نا آشنائے محض) फा अ वि–जो बिलकुल कुछ न जानता हो।
नाइंसाफ (نا انصاف) फा अ वि–न्याय न करनेवाला अन्यायी।
नाइंसाफी (نا انصافی) फा अ स्त्री–अनीति अन्याय बेईमानी।
नाइक (نائکہ) फा पु–नयचा निगाली हुक्के की नाल।
नाइज़ (نائزہ) अ पु–नल की टोंटी निगाली दिया नयचा।
नाइत्तिफ़ाक़ी (نا اتفاقی) फा अ स्त्री–फूट विगाड़ रंजिश।
नाइब (نائبہ) अ वि–दुखदायी हादिसा, बारी से आनेवाला ज्वर नाइब का स्त्री।
नाइब (نائب) अ पु–सहायक असिस्टेंट स्थानापन्न काइममकाम नायब भी प्रचलित।
नाइम (نائم) अ पु–सोनेवाला स्वापक।
नाइर (نائرہ) अ पु–अग्निवाला लपट शोला।
नाइल्तिफ़ाती (نا التفاتی) फा अ स्त्री–बेतवज्जुही उपेक्षा।
नाइह (نائحہ) अ पु–आपत्ति विपत्ति मुसीबत।
नाउम्मीद (نا امید) फा वि–निराश हताश हतोत्साह हतसाहस पस्तहौसला।
नाउम्मीदी (نا امیدی) फा स्त्री–निराशा मायूसी उत्साहहीनता पस्तहिम्मती।

नाए (نائے) फा स्त्री –बाँसुरी, वंशी, नय।
नाक: (ناقہ) अ पु –ऊँटनी, साँडनी।
नाक:सवार (ناقہ سوار) अ फा वि –साँडनी-सवार, अर्थात् दूत, कासिद।
नाक (ناک) फा प्रत्य.–भरा हुआ, जैसे—दर्दनाक, दुःख से भरा हुआ।
नाकतखुदा (ناکتخدا) फा वि –दे 'नाकदखुदा'।
नाकतखुदाई (ناکتخدائی) फा. स्त्री –दे 'नाकदखुदाई'।
नाकदखुदा (ناکدخدا) फा वि.–बिन ब्याहा हुआ, कुमार, अविवाहित, बिन ब्याही हुई, अविवाहिता, कुमारी।
नाकदखुदाई (ناکدخدائی) फा. स्त्री –बिन ब्याहा होना, कुँआरापन।
नाकद्र (ناقدر) फा अ वि –जो कद्र न जानता हो, जो कद्र न करता हो।
नाकद्री (ناقدری) फा अ स्त्री –कद्र न जानना, कद्र न करना।
नाकबूल (نا قبول) फा अ. वि –अस्वीकृत, नामंजूर।
नाकर्द: (ناکردہ) फा वि –न किया हुआ।
नाकर्द:कार (ناکردہکار) फा वि –जिसने कोई विशेष कार्य न किया हो, अननुभवी, नातज्रिबःकार।
नाकर्द:गुनाह (ناکردہگناہ) फा. वि –जिसने कुसूर न किया हो, बेकुसूर, बेखता।
नाकर्द:जुर्म (ناکردہجرم) फा अ वि.–दे 'नाकर्द गुनाह'।
नाकर्दनी (ناکردنی) फा अव्य –जो करने के योग्य न हो, जिसका करना उचित न हो, अकरणीय।
नाकस (ناکس) फा वि –अधम, नीच, कमीना, पतित, गर्हित।
नाकसी (ناکسی) फा. स्त्री –अधमता, नीचता, लोफरपन।
नाकाबिल (نا قابل) फा अ वि.–अयोग्य, अपात्र, नाअहल।
नाकाबिलान: (نا قابلانہ) फा अ अव्य –जाहिलों और मूर्खों-जैसा, मूर्खतापूर्ण।
नाकाबिलीयत (نا قابلیت) फा अ स्त्री –अयोग्यता, अपात्रता, नाअहली, शिक्षाभाव, कमलियाकती।
नाकाबिले अदा (نا قابل ادا) फा अ वि –जो अदाइगी के काबिल न हो, न दी जा सकनेवाली रकम।
नाकाबिले अफ़्व (نا قابل عفو) फा अ वि –जो मुआफ किये जाने के योग्य न हो, अक्षम्य।
नाकाबिले अमल (نا قابل عمل) फा अ वि –जिस पर अमल न किया जा सके, जो व्यवहार में न आ सके, अव्यवहार्य।
नाकाबिले आजमाइश (ناقابل آزمائش) फा अ –जिसकी परीक्षा न हो सके।
नाकाबिले इंतिकाल (نا قابل انتقال) फा अ. वि –वह संपत्ति जो दूसरे के नाम मुतकिल न हो सके।
नाकाबिले इंतिख़ाब (نا قابل انتخاب) फा अ. वि –जो चुनाव के अयोग्य हो, जो गद्य या पद्य उद्धरण के योग्य न हो।
नाकाबिले इंतिज़ाम (نا قابل انتظام) फा अ. वि.–जिसकी व्यवस्था न हो सके।
नाकाबिले इंतिज़ार (نا قابل انتظار) फा अ वि –जिसकी प्रतीक्षा न की जा सके।
नाकाबिले इंदिमाल (نا قابل اندمال) फा अ वि –वह घाव जो भरने के योग्य न हो।
नाकाबिले इंदिराज (نا قابل اندراج) फा अ. वि –जिसका नाम किसी रजिस्टर या खाते में लिखा न जा सके; जो रकम जमाखर्च में डाली न जा सके किसी मद में या किसी के नाम।
नाकाबिले इंसिदाद (نا قابل انسداد) फा अ वि –जिसका निवारण न हो सके, जो रोका न जा सके।
नाकाबिले इआद: (نا قابل اعادہ) फा. अ वि –जो बात दुहरायी न जा सके।
नाकाबिले इआनत (نا قابل اعانت) फा अ वि –जिसकी मदद न की जा सके; जो मदद करने के अयोग्य हो।
नाकाबिले इक़रार (نا قابل اقرار) फा अ वि –जिसका इकरार न किया जा सके, जो माना न जा सके।
नाकाबिले इख़्तिलाफ (ناقابل اختلاف) फा अ. वि.–जिससे मतभेद न किया जा सके, सहमति योग्य।
नाकाबिले इख़्फ़ा (ناقابل اخفا) फा अ वि –जो छिपाया न जा सके।
नाकाबिले इख़्राज (ناقابل اخراج) फा अ वि –जो ख़ारिज न किया जा सके, जो निकाला न जा सके।
नाकाबिले इज़्हार (ناقابل اظہار) फा अ वि –जो कहा न जा सके।
नाकाबिले इत्तिलाअ (ناقابل اطلاع) फा अ वि –जिसकी सूचना न दी जा सके।
नाकाबिले इत्मीनान (ناقابل اطمینان) फा अ वि –जो भरोसे के काबिल न हो, अविश्वस्त।
नाकाबिले इन्कार (ناقابل انکار) फा अ वि –जिससे इन्कार न किया जा सके।
नाकाबिले इन्क़िसाम (ناقابل انقسام) फा अ वि –जो बाँटा न जा सके, अविभाज्य।
नाकाबिले इन्फ़िकाक (ناقابل انفکاک) फा अ वि –जो रेहन रखी हुई चीज या जमीन, रेहन से छूट न सके।

नाक़ाबिले इन्फ़िसाल (ناقابل انفصال) फा अ वि–जिसका पृथक्करण न हो सके।

नाक़ाबिले इम्तिहान (ناقابل امتحان) फा अ वि–जिसका परीक्षा न हो सके या परीक्षा के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इम्दाद (ناقابل امداد) फा अ वि–जिसकी सहायता न हो सके।

नाक़ाबिले इलाज (ناقابل علاج) फा अ वि–जिसकी चिकित्सा न हो सके, दुःसाध्य।

नाक़ाबिले इल्तिफ़ात (ناقابل التفات) फा अ वि–जिसकी ओर तवज्जुह न की जा सके, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले इशाअत (ناقابل اشاعت) फा अ वि–जिसका प्रचार न हो सके, अप्रकाश्य।

नाक़ाबिले इस्तिदलाल (ناقابل استدلال) फा अ वि–वह काग़ज़ या दस्तावेज़ जो मुक़दमे में काम न आ सके।

नाक़ाबिले इस्त'माल (ناقابل استعمال) फा अ वि–जो प्रयोग के लाइक़ न हो, जो खाने के योग्य न हो, जो व्यवहार के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इस्लाह (ناقابل اصلاح) फा अ वि–जिसका सुधार न हो सके, जिसकी त्रुटियाँ न निकल सकें।

नाक़ाबिले ईफ़ा (ناقابل ایفا) फा अ वि–वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके।

नाक़ाबिले उज़्र (ناقابل عذر) फा अ वि–जिस पर उज़्र या एतिराज़ न किया जा सके।

नाक़ाबिले उबूर (ناقابل عبور) फा अ वि–वह नदी आदि जिसे पार न किया जा सके।

नाक़ाबिले ए'तिना (ناقابل اعتنا) फा अ वि–जो ध्यान देने के लाइक़ न हो, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले एतिमाद (ناقابل اعتماد) फा अ वि–जो भरोसे के लाइक़ न हो, अविश्वस्त।

नाक़ाबिले एतिराज़ (ناقابل اعتراض) फा अ वि–जिस पर एतिराज़ न लगाया जा सके, आपत्तिहीन।

नाक़ाबिले ए'लान (ناقابل اعلان) फा अ वि–जिसकी घोषणा न की जा सके, जिसका एलान उचित न हो।

नाक़ाबिले एहतियात (ناقابل احتیاط) फा अ वि–जिसमें सावधानी की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले एहसाल (ناقابل احصال) फा अ वि–जो लिया न जा सके।

नाक़ाबिले क़बूल (ناقابل قبول) फा अ वि–जो स्वीकार न किया जा सके।

नाक़ाबिले क़ुर्बानी (ناقابل قربانی) फा अ वि–वह पशु जिसकी क़ुर्बानी जाइज़ न हो, वह व्यक्ति जिस पर क़ुर्बानी वाजिब न हो।

नाक़ाबिले ख़रीद (ناقابل خرید) फा अ वि–जो माल न लिया जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ़्त (ناقابل گرفت) फा अ वि–जिसकी पकड़ न हो सके, जो पकड़ा न जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ़्तारी (ناقابل گرفتاری) फा अ वि–जो गिरिफ़्तार न हो सके।

नाक़ाबिले गुज़ारिश (ناقابل گزارش) फा अ वि–जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले ग़ौर (ناقابل غور) फा अ वि–जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्त (ناقابل ضبط) फा अ वि–जो सहनीय न हो, जिसको सहन मुश्किल हो, जो ज़ब्त न किया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्ती (ناقابل ضبطی) फा अ वि–वह धन या जाइदाद आदि जिसकी ज़ब्ती न हो सके।

नाक़ाबिले ज़मानत (ناقابل ضمانت) फा अ वि–जिसकी ज़मानत न ली जा सके।

नाक़ाबिले जवाज़ (ناقابل جواز) फा अ वि–जो जाइज़ न हो सके।

नाक़ाबिले जवाब (ناقابل جواب) फा अ वि–जिसका जवाब देना ज़रूरी न हो।

नाक़ाबिले ज़वाल (ناقابل زوال) फा अ वि–जिसका पतन न हो, जिसकी अवनति न हो सके।

नाक़ाबिले ज़िक्र (ناقابل ذکر) फा अ वि–अकथनीय, जिसका वर्णन उचित न हो, जो कहा न जा सके।

नाक़ाबिले जिमाअ (ناقابل جماع) फा अ वि–वह स्त्री जिससे सहवास न हो सके, बीमारी के कारण अथवा अवस्था के कारण या धर्म निषेध के कारण।

नाक़ाबिले ज़िराअत (ناقابل زراعت) फा अ वि–जो भूमि जो खेती के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले तअज्जुब (ناقابل تعجب) फा अ वि–जिसमें अचंभे की कोई बात न हो।

नाक़ाबिले तआरुज़ (ناقابل تعارض) फा अ वि–जिससे पूछताछ न की जा सके, जिसमें हस्तक्षेप न हो सके।

नाक़ाबिले तआवुन (ناقابل تعاون) फा अ वि–जिसमें सहयोग न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तक़र्रुर (ناقابل تقرر) फा अ वि–जिसकी नियुक्ति न हो सके।

नाक़ाबिले तक़ज़ीब (ناقابل تکذیب) फा अ वि–जिसे झुठलाया न जा सके।

नाकाविले तक़्लीद (ناقابلِ تقلید) फा अ वि –जिसका अनुकरण न हो सके, जिसका अनुकरण उचित न हो।

नाकाबिले तक़्सीम (ناقابلِ تقسیم) फा अ वि –जो बाँटा न जा सके, जिसका बँटवारा न हो सके, अविभाज्य।

नाकाविले तख़ैयुल (ناقابلِ تخیل) फा. अ वि –जिसकी कल्पना न की जा सके; जो सोचा न जा सके, अचिन्त्य।

नाक़ाविले तग़ैयुर (ناقابلِ تغیر) फा अ वि.–जिसमे परिवर्तन न हो सके।

नाकाविले तद्वीर (ناقابلِ تدبیر) फा अ वि –जिसका इलाज न हो सके, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो।

नाकाविले तफ़्हीम (ناقابلِ تفہیم) फा. अ वि –जो समझाया न जा सके।

नाकाविले तब्दील (ناقابلِ تبدیل) फा अ. वि –जो वदला न जा सके।

नाकाविले तरक़्की (ناقابلِ ترقی) फा अ वि –जो तरक्की के योग्य न हो।

नाकाविले तरद्दुद (ناقابلِ تردد) फा अ वि –वह खेती जिसे जोता वोया न जा सके, वह विपय जिस पर गौर न किया जा सके।

नाकाविले तरह्हुम (ناقابلِ ترحم) फा. अ वि –दया के अयोग्य, जिस पर रहम न किया जा सके।

नाकाविले तर्क (ناقابلِ ترک) फा. अ. वि –जो छोड़ा न जा सके, अत्याज्य।

नाकाबिले तर्जीह (ناقابلِ ترجیح) फा. अ वि –जिसे प्रधानता न दी जा सके।

नाकाविले तर्दीद (ناقابلِ تردید) फा. अ. वि –जिसका खडन न हो सके, अकाट्य।

नाकाविले तर्मीम (ناقابلِ ترمیم) फा अ वि –जिसमे कोई संशोधन न हो सके, जिसमे कमी-वेशी या काट-छाँट न हो सके, अपरिवर्तनीय।

नाकाविले तवज्जुह (ناقابلِ توجہ) फा अ वि –जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाकाबिले तश्रीह (ناقابلِ تشریح) फा अ वि.–जिसकी व्याख्या न हो सके, जिसकी तफ़्सील न वतायी जा सके।

नाकाबिले तश्वीश (ناقابلِ تشویش) फा अ वि –जिसके लिए चिता और तश्वीश की जरूरत न हो।

नाकाबिले तस्दीअ (ناقابلِ تصدیع) फा अ वि –जिसके लिए किसी दर्दसर अथवा खटखट की आवश्यकता न हो।

नाकाबिले तस्दीक (ناقابلِ تصدیق) फा अ वि –जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

नाकाविले तस्ख़ीर (ناقابلِ تسخیر) फा अ. वि.–जिसका पराजित करना असम्भव हो, जिसे वशीभूत करना कठिन हो।

नाकाविले तस्रीह (ناقابلِ تصریح) फा अ वि –जिसका स्पष्टीकरण न हो सके, जिसकी तफ्सील न वतायी जा सके।

नाकाविले तस्लीम (ناقابلِ تسلیم) फा अ वि.–जिसे माना न जा सके।

नाकाविले दख़्ल अंदाज़ी (ناقابلِ دخل اندازی) फा. अ वि –जिसमे वाधा न डाली जा सके।

नाकाविले दस्त अंदाज़ी (ناقابلِ دست اندازی) फा. अ. वि –जिसमे हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाकाविले दस्तरस (ناقابلِ دسترس) फा अ. वि –जहाँ तक रसाई न हो सके, जहा तक हाथ न पहुँच सके।

नाकाविले दाद (ناقابلِ داد) फा. अ. वि.–जिसकी प्रशंसा न की जा सके, अप्रशसनीय।

नाकाविले दादरसी (ناقابلِ دادرسی) फा. अ. वि.–जो किसी दादरसी के काविल न हो, जिसे न्याय के अनुसार कुछ मिलने को न हो।

नाक़ाविले दुरुस्ती (ناقابلِ درستی) फा अ वि –जिसकी मरम्मत न हो सके, जिसका सुधार न हो सके।

नाकाविले नफ़्रत (ناقابلِ نفرت) फा अ वि –जो नफ़्रत के काविल न हो, जिससे घृणा न की जा सके, अघृण्य।

नाक़ाविले निगारिश (ناقابلِ نگارش) फा अ वि –जो लिखने योग्य न हो, अलेखनीय।

नाक़ाविले नुमाइश (ناقابلِ نمائش) फा अ वि –जिसकी नुमाइश न की जा सके, जो सवको न दिखाया जा सके।

नाकाविले परवाज़ (ناقابلِ پرواز) फा. अ वि.–जो उड़ न सके।

नाक़ाविले परस्तिश (ناقابلِ پرستش) फा. अ वि –जो पूजने के योग्य न हो, जो पूजा न जा सके।

नाकाविले पामाल (ناقابلِ پامال) फा अ वि –जो पाँव तले मसला न जा सके।

नाकाविले पिज़ीराई (ناقابلِ پذیرائی) फा अ वि –जो कवूल न किया जा सके।

नाकाविले पुर्सिश (ناقابلِ پرسش) फा अ वि –जो पूछने के काविल न हो, जिसकी पूछ-ताछ न की जा सके।

नाकाविले पैमाइश (ناقابلِ پیمائش) फा अ वि –जिसकी पैमाइश न हो सके, जिसका क्षेत्रफल न निकाला जा सके।

नाकाविले पैरवी (ناقابلِ پیروی) फा अ वि –जिसका अनुकरण न हो सके, जिसकी पैरोकारी न हो सके।

नाकाविले फत्ह (ناقابلِ فتح) फा अ वि –जो जीता न जा सके, अजेय।

नाक़ाबिले फरामोश (ناقابل فراموش) फा अ वि–जो भुलाया न जा सके, जो बात कभी न भूली जा सके।

नाक़ाबिले फरोख़्त (ناقابل فروخت) फा अ वि–जो बेचा न जा सके।

नाक़ाबिले फ़हम (ناقابل فہم) फा अ वि–जो समझा न जा सके।

नाक़ाबिले फ़सल (ناقابل فیصلہ) फा अ वि–जिसका निर्णय न हो सके।

नाक़ाबिले बयान (ناقابل بیاں) फा अ वि–जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले बरदाश्त (ناقابل برداشت) फा अ वि–जो सहन न हो सके, असहनीय।

नाक़ाबिले बुतलान (ناقابل بطلاں) फा अ वि–जो झुठलाया न जा सके।

नाक़ाबिले मदद (ناقابل مدد) फा अ वि–जिसकी सहायता न की जा सके।

नाक़ाबिले मरम्मत (ناقابل مرمت) फा अ वि–जिसकी दुरुस्ती न की जा सके।

नाक़ाबिले मलामत (ناقابل ملامت) फा अ वि–जिसकी निंदा न की जा सके, जो भर्त्सना के योग्य न हो।

नाक़ाबिले मुआलजा (ناقابل معالجہ) फा अ वि–जिसकी चिकित्सा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले मुक़ाबला (ناقابل مقابلہ) फा अ वि–जिसका मुक़ाबला न किया जा सके।

नाक़ाबिले मुदाख़लत (ناقابل مداخلت) फा अ वि–जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाक़ाबिले मुदावा (ناقابل مداوا) फा अ वि–दे॰ नाक़ाबिले मुआलजा।

नाक़ाबिले मुफ़ाहमत (ناقابل مفاہمت) फा अ वि–जिसमें समझौता न हो सके।

नाक़ाबिले मुवालात (ناقابل موالات) फा अ वि–जिसमें सहयोग न हो सके।

नाक़ाबिले मुसाल्हत (ناقابل مصالحت) फा अ वि–जिसमें संधि अथवा सुल्ह न हो सके।

नाक़ाबिले रज़ामंदी (ناقابل رضامندی) फा अ वि–वह मुक़द्दमा जिसमें दोनों पक्ष राज़ीनामा न कर सकें।

नाक़ाबिले रहम (ناقابل رحم) फा अ वि–जिस पर दया न की जा सके, जो दया का पात्र न हो।

नाक़ाबिले रिआयत (ناقابل رعایت) फा अ वि–जिसके साथ किसी प्रकार का पक्षपात और रिआयत न हो सके।

नाक़ाबिले वक़अत (ناقابل وقعت) फा अ वि–जिसकी कोई प्रतिष्ठा न हो।

नाक़ाबिले वफ़ा (ناقابل وفا) फा अ वि–वह प्रतिज्ञा पूरी न हो सके, वह वादा जो वफ़ा न हो सके।

नाक़ाबिले शक (ناقابل شک) फा अ वि–जिसमें किसी सन्देह की गुंजाइश न हो, असंदिग्ध।

नाक़ाबिले शनाख़्त (ناقابل شناخت) फा अ वि–जिसकी पहचान न हो सके।

नाक़ाबिले शिकस्त (ناقابل شکست) फा अ वि–जिसे हराया न जा सके, जिससे हार न की जा सके।

नाक़ाबिले शिकायत (ناقابل شکایت) फा अ वि–जिसकी शिकायत न की जा सके।

नाक़ाबिले शिफ़ा (ناقابل شفا) फा अ वि–वह रोगी जो अच्छा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले शुमार (ناقابل شمار) फा अ वि–जो गिना न जा सके।

नाक़ाबिले सताइश (ناقابل ستائش) फा अ वि–जिसकी प्रशंसा न हो सके।

नाक़ाबिले सज़ा (ناقابل سزا) फा अ वि–जिसे सज़ा न दी जा सके, अदंडनीय।

नाक़ाबिले समाअत (ناقابل سماعت) फा अ वि–जो बात सुनने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले सराहत (ناقابل صراحت) फा अ वि–दे॰ नाक़ाबिले तसरीह।

नाक़ाबिले सिफ़ारिश (ناقابل سفارش) फा अ वि–जिसकी सिफ़ारिश न की जा सके।

नाक़ाबिले सुल्ह (ناقابل صلح) फा अ वि–दे॰ नाक़ाबिले मुसाल्हत।

नाक़ाबिले हिफ़ाज़त (ناقابل حفاظت) फा अ वि–जिसकी रक्षा न हो सके, जो रक्षा करने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले हुकूमत (ناقابل حکومت) फा अ वि–जो राज करने के योग्य न हो, जिस पर शासन न चल सके।

नाक़ाबिले हुसूल (ناقابل حصول) फा अ वि–जो प्राप्त न हो सके, जो हासिल न किया जा सके।

नाकाम (ناکام) फा वि–असफल, नाकामयाब, निराश, मायूस।

नाकामयाब (ناکامیاب) फा वि–असफल, मनोरथ, नाकाम, अनुत्तीर्ण, फ़ेल, असफल।

नाकामयाबी (ناکامیابی) फा स्त्री–असफलता, नाकामी, उत्तीर्ण न होना, फ़ेल हो जाना।

नाकामी (ناکامی) फा स्त्री.–असफलता, नाकामयाबी, निराशा, नाउम्मीदी।

नाकामिए तक़दीर (ناکامئی تقدیر) फा स्त्री.–भाग्य की वंचना, भाग्य की कुटिलता—"वढते-वढते हद्दे मजिल से भी आगे वढ गये, हम तो आजिज आ गये नाकामिए तकदीर से।"

नाकामे आर्ज़ू (ناکام آرزو) फा वि–जो मनोरथ मे सफल न हो, जिसके प्रेम की आशाएँ असफल हो गयी हो।

नाकारः (ناکاره) फा वि–निष्कर्म, निकम्मा, व्यर्थ, वेकार; निष्प्रयोजन, वेमतलव।

नाकारआमद (ناکار آمد) फा. वि–जिसका कोई प्रयोजन न हो, निष्प्रयोजन।

नाकाश्तः (ناکاشته) फा वि–वह जमीन जो वोई जोती न गयी हो।

नाक़िद (ناقد) अ वि–आलोचक, समालोचक, तन्कीद निगार।

नाक़िल (ناقل) अ वि–नक्ल करनेवाला, प्रतिलिपिक, दूसरे से सुनी हुई वात कहनेवाला।

नाक़िस (ناقص) अ वि–अपूर्ण, नामुकम्मल, दूषित, विकृत, खराव, मिथ्या, कूट, खोटा, धूर्त, पाजी, अरवी का वह शब्द जिसका अतिम अक्षर अलिफ, वाव या ये हो।

नाक़िसुलअक्ल (ناقص العقل) अ वि–मंदवुद्धि, विकृत-वुद्धि, कमअक्ल।

नाक़िसुलखिल्कत (ناقص الخلقت) अ वि–जिसके शरीर मे कोई अग कम हो, विकलाग।

नाक़िसुलफ़हम (ناقص الفہم) अ वि–दे 'नाकिसुलअक्ल'।

नाक़ूस (ناقوس) अ. पु–दर, कवु, शख, सख।

नाकेह (ناکح) अ वि–व्याह (नकाह) करनेवाला।

नाख (ناخ) फा पु–नास्पाती की एक जाति।

नाखलफ (ناخلف) फा अ वि–जो लडका वाप के सदाचरण पर न चले, कपूत।

नाख़िस (ناخس) अ वि–चुभनेवाला, गड़नेवाला।

नाख़ुदा (ناخدا) फा पु–कर्णवार, नाविक, मल्लाह।

नाख़ुदातर्स (ناخداترس) फा वि–जो ईश्वर से न डरता हो, अर्थात् निर्दय, वेरहम।

नाख़ुदाई (ناخدائی) फा स्त्री–नाव चलाना, किश्तीरानी।

नाख़ुन (ناخنه) फा पु.–आँख का एक रोग जिसमे रक्त की एक विंदी पड जाती है।

नाख़ुन (ناخن) फा पु–हाथ या पाँव के नाखून, नख।

नाख़ुनतराश (ناخن تراش) फा पु–नाखुन काटने का यत्र, नहनी।

नाख़ुश (ناخوش) फा वि–अप्रसन्न, नाराज, रोगी, वीमार, क्रुद्ध, गुस्सा।

नाख़ुशगवार (ناخوش گوار) फा वि–जो मन को अच्छा न लगे, अरुचिकर।

नाख़ुशगवारी (ناخوش گواری) फा स्त्री–अप्रसन्नता, नाखुशी; अरुचि, वेरगवती।

नाख़ुशी (ناخوشی) फा स्त्री–अप्रसन्नता, नाराजी, रोग, वीमारी, क्रोध, गुस्सा।

नाख़ूब (ناخوب) फा वि–जो अच्छा न हो, निकृष्ट, वुरा।

नाख़्वांदः (ناخوانده) फा वि–वे वुलाया हुआ, वे पढा-लिखा, अशिक्षित।

नाख़्वांदगी (ناخواندگی) फा स्त्री–वे वुलाया हुआ होना, वे पढा-लिखा होना।

नाख़्वास्तः (ناخواسته) फा वि–न चाहा हुआ।

नाख़्वास्त (ناخواست) फा वि–अनायास, अकस्मात्, वेइख्तियार।

नाख़्वाह (ناخواه) फा वि–जो राजी न हो, अस्वीकृत।

नाग़: (ناغه) तु पुं–अनुपस्थिति, गैरहाज़िरी।

नाग़ नवीस (ناغه نویس) तु फा पु–एक कर्मचारी जो राजाओ या नव्वावो की ड्योढी के मुलाजिमीन की हाजिरी लेता है।

नागवार (ناگوار) फा वि–जो पसद न हो, जो अच्छा न लगे, निस्वाद, वेमजा।

नागवारा (ناگوارا) फा वि–दे 'नागवार'।

नागवारी (ناگواری) फा स्त्री–अच्छा न लगना, पसद न होना।

नागह (ناگه) फा वि–'नागाह' का लघु, दे 'नागाह'।

नागहाँ (ناگہاں) फा वि–अकस्मात्, अचानक, वेमौका, कुसमय, विना इत्तिलाअ दिये।

नागहानी (ناگہانی) फा वि–आकस्मिक, इत्तिफाकी, दैविक, गैवी।

नागाह (ناگاه) फा वि–अचानक, अकस्मात्, यकायक, सूचना दिये वगैर, वेखवरी मे।

नागुज़ीर (ناگزیر) फा वि–जिससे छुटकारा न हो, अनिवार्य, आवश्यक, लाजिमी।

नागुफ्तः (ناگفته) फा वि–जो कहा न गया हो, अकथित।

नागुफ्त वेह (ناگفته به) फा वि–जिसका न कहना ही अच्छा हो, जिसके कहने मे खरावी हो या झगडा पडे, अकथ्य।

नागुफ्तनी (ناگفتنی) फा अव्य–न कहने योग्य, अकथनीय।

नाचाक़ (ناچاق) फा तु. वि–जो स्वस्थ न हो, अस्वस्थ।

नाचाकी (ناچاکی) फा स्त्री—वमनस्य मनमुटाव अनबन बीमारी रोग।
नाचार (ناچار) फा वि—विवश असहाय निराश्रय दुखी दीन मुसीबतज़दा मजबूर असमर्थ।
नाचारी (ناچاری) फा स्त्री—बेबसी ववशी आश्रय हीनता दुख कष्ट तकलीफ असामर्थ्य मजबूरी।
नाचीज़ (ناچیز) फा वि—तुच्छ पोच नाकारा निकम्मा नम्रता प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।
नाज़ (ناز) फा पु—हाव भाव नाज़अदा मान अभिमान घमण्ड गर्व फख्र।
नाज़नीं (نازنیں) फा वि—मृदुल कोमल नाज़ुक सुकुमारी सुन्दरी।
नाज़परवर (ناز پرور) फा वि—दे नाज़पवर्द।
नाज़परवर्द (ناز پرورده) फा वि—जिसका पालन-पोषण बडे लाड-प्यार से हुआ हो सुकुमार नाज़ुकबदन।
नाज़पेशा (نازپیشہ) फा वि—जिसे हाव भाव दिखाने की आदत हो गणिका तवाइफ़ प्रेयसी माशूक़ा।
नाज़पेशगी (نازپیشگی) फा स्त्री—नाज़ो अदा दिखाना हाव भाव से दिल लुभाना।
नाज़बरदार (نازبردار) फा वि—नाज़ उठानेवाला नायक आशिक़।
नाज़बरदारी (نازبرداری) फा स्त्री—नाज़ उठाना खिदमत करना।
नाज़बालिश (ناز بالش) फा पु—मसनद का तकिया वह तकिया जो बड़े तकिए के अतिरिक्त इधर-उधर सहारे के लिए रहता है।
नाज़बू (نازبو) फा स्त्री—एक प्रकार की चमेली।
नाज़ाँ (نازاں) फा वि—अठखेलता हुआ नाज़ करता हुआ गर्वित मग़रूर।
नाज़ाईदा (نازائیدہ) फा वि—जो उत्पन्न न हुआ हो अजात।
नाजिंस (ناجنس) फा अ वि—अगम्य अशिष्ट ना मुनासिब जो सामाजिक व कामिल न हो।
नाज़िम (ناظم) अ पु—व्यवस्थापक मुंतज़िम मंत्री सेक्रेटरी।
नाज़िरा (ناظرہ) अ स्त्री—नाज़िर की स्त्री देखनेवाली (पु) कुरान का देखकर पढ़ना कंठ न करना।
नाज़िराख्वां (ناظرہ خواں) अ फा वि—कुरान को देखकर पढ़नेवाला जो हाफ़िज न हो।
नाज़िर (ناظر) अ पु—देखनेवाला दर्शक एक कर्मचारी।
नाज़िरीन (ناظرین) अ पु—दर्शकगण देखनेवाले पढ़नेवाले।
नाज़िला (نازلہ) अ पु—आपत्ति विपद मुसीबत सानिहा।
नाज़िल (نازل) अ वि—उतरनेवाला ऊपर से नीचे आने वाला उतरा हुआ आया हुआ।
नाज़िश (نازش) फा स्त्री—नाज़ हाव भाव गर्व फख्र।
नाजी (ناجی) अ वि—मुक्ति पानेवाला मोक्ष प्राप्त करनेवाला, मुक्त नजातयाफ्ता।
नाज़ीद (نازیدہ) फा वि—गर्वित मग़रूर।
नाज़ुक (نازک) फा वि—मृदुल मुलायम कोमल नर्म सूक्ष्म महीन हल्का-फुल्का बारीक चमत्कार गूढ़ दकीक़ पेचदार उलझा हुआ दुबला-पतला तीव्र तेज़।
नाज़ुकअंदाम (نازک اندام) फा वि—जिसका शरीर दुबला पतला हो कृशांग।
नाज़ुककमर (نازک کمر) फा वि—वह हसीना जिसकी कमर पतली हो कटिक्षीणा।
नाज़ुकख़याल (نازک خیال) फा अ वि—वह कवि जो कविता में गूढ़ अर्थवाले भाव लाता हो।
नाज़ुकतबअ (نازک طبع) फा अ वि—दे नाज़ुकमिज़ाज।
नाज़ुकदिमाग़ (نازک دماغ) फा अ वि—चिड़चिड़े मिज़ाज का जो बात-बात पर बिगड़ जो किसी की बात सहन न कर सके।
नाज़ुकदिल (نازک دل) फा वि—जिसका हृदय कोमल हो मृदुलहृदय।
नाज़ुकबदन (نازک بدن) फा वि—दे नाज़ुकअंदाम।
नाज़ुक मिज़ाज (نازک مزاج) फा अ वि—जिसका स्वभाव बहुत ही मृदुल हो जिसका मिज़ाज चिड़चिड़ा हो।
नाज़ुकमिज़ाजी (نازک مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव की कोमलता चिड़चिड़ापन।
नाज़ूरा (ناظورہ) अ स्त्री—मालिन मालिनी प्रेयसी प्रेमिका महबूब।
नाज़ूर (ناطور) अ पु—रक्षक देख रेख करनेवाला निगह बान।
नाज़ेबा (نازیبا) फा वि—अनुचित नामुनासिब अश्लील नामुहज़्ज़ब।
नाज़ोनियाज़ (نازونیاز) फा पु—आशिक और माशूक के मुआमलात आशिक की तरफ से नियाज़ और माशूक की तरफ से नाज़।
नाज़ोर (نازور) फा वि—अशक्त निर्बल नाताक़त।
नात (نعت) अ स्त्री—हज़रत मुहम्मद साहब की छन्दबद्ध स्तुति।
नातख्वाँ (نعت خواں) अ फा वि—मीलाद के जलसों में नात के गीत पढ़नेवाला।

ना'तगो (نعت‌گو) अ फा वि—वह शाइर जो केवल ना'त लिखता हो।
नातजिब:कार (ناتجربہ‌کار) फा अ वि—जिसे अनुभव न हो, अनाड़ी।
नातजिब कारी (ناتجربہ‌کاری) फा अ. स्त्री—अनुभवहीनता।
नातमाम (ناتمام) फा अ वि—अपूर्ण, अधूरा।
नातराशीद: (ناتراشیدہ) फा वि—असभ्य, अशिष्ट, नामहज़्ज़ब।
नातर्बियतयाफ़्त: (ناتربیت‌یافتہ) फा अ वि—जिसने नम्रता की शिक्षा न पायी हो; जो ट्रेंड न हो।
नातर्स (ناترس) फा वि—निर्दय, बेरहम।
नातर्सी (ناترسی) फा स्त्री—निर्दयता, बेरहमी।
नातलबीद: (ناطلبیدہ) फा वि—जो बुलाया न गया हो, अनाहूत।
नाताक़त (ناطاقت) फा. अ. वि—निर्बल, अशक्त, बेज़ोर।
नाताक़ती (ناطاقتی) अ फा स्त्री—निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।
नाता'लीमयाफ़्त: (ناتعلیم‌یافتہ) फा अ. वि—जो पढ़ा-लिखा न हो, अशिक्षित; असभ्य, अशिष्ट, बेतमीज।
नातिक़: (ناطقہ) अ पु.—वाक्यशक्ति, वाणी, कुव्वते गोयाई।
नातिक़ (ناطق) अ वि—बोलनेवाला, वक्ता, अंतिम, आख़िरी, जो टले नहीं।
नातुवाँ (ناتواں) फा वि—अशक्त, निर्बल, बेज़ोर।
नातुवाँबीं (ناتواں‌بیں) फा वि—डाह करनेवाला, ईर्ष्यालु, हासिद।
नातुवानी (ناتوانی) फा स्त्री—शक्तिहीनता, निर्बलता, कमज़ोरी।
नादान (نادان) फा वि—अनभिज्ञ, अनाड़ी, मूर्ख, नासमझ।
नादानिस्त: (نادانستہ) फा. वि—अनजान में, बे जाने-बूझे।
नादानिस्तगी (نادانستگی) फा स्त्री—अनजानपन।
नादानी (نادانی) फा स्त्री—मूर्खता, बेवक़ूफ़ी, अज्ञान, जहालत।
नादार (نادار) फा वि—दरिद्र, निर्धन, कंगाल, मुफ़लिस।
नादारी (ناداری) फा स्त्री—दरिद्रता, निर्धनता, मुफ़लिसी।
नादाश्त (نداشت) फा वि—दरिद्र, कंगाल, मुफ़लिस।
नादाश्ती (نداشتی) फा स्त्री—दरिद्रता, कंगाली, गरीबी।
नादिम (نادم) अ. वि—लज्जित, सकुचित, शर्मिंदा, पछतानेवाला।
नादिर: (نادرہ) अ वि—अद्‌भुत, अजीबोगरीब।
नादिर (نادر) अ. वि—अद्‌भुत, अजीबोगरीब; श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया।
नादिरए रोज़गार (نادرۂ روزگار) अ फा वि—दुनिया भर में सबसे श्रेष्ठ।
नादिरी (نادری) अ स्त्री.—नादिर बादशाह से सम्बन्धित; गंजिफे का इक्का, एक प्रकार की बंडी।
नादिहद (نادہند) फा वि—जो रुपया लेकर देने में बहुत टालमटोल करे, लेकर न देनेवाला।
नादिहंदगी (نادہندگی) फा स्त्री—रुपया उधार लेकर फिर न देना।
नादी (نادی) अ वि—पुकारनेवाला, बुलानेवाला।
नादीद: (نادیدہ) फा. वि—जिसे देखा न हो, अनदेखा, अदृष्ट।
नादीद मुश्ताक़ (نادیدہ مشتاق) फा अ वि—देखने का अभिलाषी, जिसने कभी न देखा हो।
नानेजवीं (نان جویں) फा. स्त्री—जौ की रोटी, मोटी-झोटी रोटी।
नादीदनी (نادیدنی) फा. अव्य—जो देखने के काबिल न हो, अदर्शनीय।
नादुरुस्त (نادرست) फा वि—जो शुद्ध न हो, अशुद्ध, जो सत्य न हो, झूठ, गैर मरम्मतशुदा।
नादुरुस्ती (نادرستی) फा. स्त्री.—अशुद्धि, ठीक न होना, असत्यता, झूठ, बेमरम्मती।
नान (نان) फा स्त्री—रोटी, रोटिका; खमीरी रोटी, नांद।
नानकार (نانکار) फा स्त्री—वह जमीन जो सेवक को उसकी गुज़र-बसर के लिए पुरस्कार के तौर पर दी जाय।
नानकोर (نان‌کور) फा वि—कृतघ्न, विश्वासघाती, नमकहराम।
नानख़ताई (نان‌خطائی) फा. स्त्री—एक प्रकार का मीठा बिस्कुट।
नानखुरिश (نان‌خورش) फा. स्त्री.—सालन, वह चीज जिसके साथ रोटी खायी जाय।
नानख़्वाह (نانخواہ) फा स्त्री—अजवाइन, यमानिका।
नानपज़ (نان‌پز) फा पु—रोटी पकानेवाला, नानबाई।
नानफ़रोश (نان‌فروش) फा पु—रोटी बेचनेवाला, नानबाई।
नानबा (نانبا) फा पु—नानपज़, नानबाई।
ना'ना'अ (نعناع) अ पु—एक प्रकार का पोदीना।
नाने आबी (نان آبی) फा स्त्री—आबी रोटी।
नाने खुश्क (نان خشک) फा स्त्री—सूखी रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नापदीद (ناپديد) फा वि–गुप्त, अप्रकट छिपा हुआ।
नापर्वा (ناپروا) फा वि–बेपर्वा, जिसे किसी बात की चिंता न हो।
नापर्हेजगार (ناپرهيزگار) फा वि–जो पर्हेजगार न हो।
नापसंद (ناپسند) फा वि–अरुचिकर अप्रिय।
नापसंदीद (ناپسنديده) फा अ वि–जो पसंद न हो अरुचिकर अप्रिय।
नापसंदीदःकार (ناپسنديده‌كار) फा वि–वह व्यक्ति जो ऐसे काम करता हो जो अच्छे न हों अप्रियकर।
नापसंदीदगी (ناپسنديدگى) फा स्त्री–पसंद न होने का भाव अरुचि।
नापाइदार (ناپائدار) फा वि–अदृढ़ जो मजबूत न हो अस्थायी आरिजी अनिश्चित गैर यकीनी।
नापाक (ناپاک) फा वि–अपवित्र अशुचि, जो पाक न हो, मलदूषित नजासत आलूद।
नापाकी (ناپاكى) फा स्त्री–अशुद्धता अपवित्रता गंदगी।
नापुख्त (ناپخته) फा वि–जो पक्का न हो अपक्व जो भावित न हो अल्प।
नापुख्तःकार (ناپخته‌كار) फा वि–नानुभवकार अननुभवी।
नापुख्तगी (ناپختگى) फा स्त्री–अपरिपक्व बच्चापन अल्पता बालापन।
नापैद (ناپيد) फा वि–अप्राप्य नायाब अन्तर्धान गायब लुप्त पोशीदा।
नापैदा (ناپيدا) फा वि–दे नापैद।
नापैदाकनार (ناپيداكنار) फा वि–जिसका छोर न मिले सागर जिसका किनारा न मिले अपार।
नाफ (ناف) फा पु–मृगनाभि।
नाफ (ناف) फा स्त्री–नाभि तुन्नी धुन्नी कूपी।
नाफए आहू (نافهٔ آهو) फा पु–मृगनाभि।
नाफए मुश्क (نافهٔ مشک) फा पु–मृगनाभि वह थैली जिसमें मुश्क रहती है।
नाफपेच (نافپيچ) फा स्त्री–पेचिश।
नाफर्जाम (نافرجام) फा वि–जिसके काम का परिणाम अच्छा न हो बदअंजाम।
नाफर्मान (نافرمان) फा वि–अवज्ञाकारी हुक्म न मानने वाला उद्दंड सरकश।
नाफर्मानी (نافرمانى) फा स्त्री–अवज्ञा, हुक्मउदूली उद्दंडता सरकशी।
नाफह्म (نافهم) फा अ वि–जिसकी समझ मोटी हो जो बात न समझ सके।
नाफह्मी (نافهمى) फा अ स्त्री–बेअक्ली जड़ता, मूढ़ता।
नाफिज (نافذ) अ वि–हुक्म जारी होना, कानून लागू होना।
नाफिर (نافر) अ वि–घिन करनेवाला घृणा।
नाफी (نافى) अ वि–नफी करनेवाला।
नाफे (نافع) अ वि–लाभदायक, लाभकारक नफा देने वाला।
नाफे जमीं (ناف زمين) फा स्त्री–मक्का।
नाफे हफ्त (ناف هفته) फा स्त्री–मंगलवार मंगल।
नाब (ناب) फा वि–शुद्ध निर्मल खालिस शुद्ध और निर्मल मदिरा।
नाब (ناب) फा वि–खालिस निर्मल।
नाब (ناب) अ पु–दंत दाँत।
नाबकार (نابكار) फा वि–नालाइक, अधम पामर पापी।
नाबदान (ناودان) फा स्त्री–मकान की मोरी।
नाबलद (نابلد) फा वि–अनभिज्ञ अनजान नावाकिफ।
नाबाइस्त (ناباىسته) फा वि–नाशाइस्त अनिष्ट असभ्य।
नाबालिग (نابالغ) फा अ वि–जो बालिग न हो, अवयस्क।
नाबालिगी (نابالغى) फा अ स्त्री–अवयस्कता जवानी को न पहुँचना।
नाबित (نابت) अ वि–उगनेवाला, उपजनेवाला।
नाबीना (نابينا) फा पु–अंध अंधा नेत्रहीन।
नाबूद (نابود) फा वि–नष्ट विध्वस्त बरबाद लुप्त गायब।
नामंजूर (نامنظور) फा अ वि–अस्वीकृत अनगीकृत जो मंजूर न हो रद्द खारिज।
नामंजूरी (نامنظورى) फा अ स्त्री–अस्वीकृति, खारिज होना, रद्द होना।
नाम (نامه) फा पु–चिट्ठी खत पत्र ग्रंथ, पुस्तक (योग में) जैसे—शाहनाम।
नामनिगार (نامه‌نگار) फा पु–संवाददाता संवाददाता करस्पांडेंट।
नामबर (نامه‌بر) फा पु–खत ले जानेवाला, दाकिया पत्रवाहक।
नामरसाँ (نامه‌رسان) फा पु–दे नामबर।
नामसियाह (نامه‌سياه) फा वि–जिसका नामए आमाल (कर्मपत्र) बिल्कुल काला हो पापी कुकर्मी गुनाहगार।
नाम (نام) फा पु–संज्ञा इस्म पद नामवरी, ख्याति शोहरत प्रतिष्ठा इज्जत स्मरण चिह्न यादगार, उपाधि, खिताब, धूम गुह।

नामआवर (نام آور) फा वि–ख्यातिप्राप्त, मशहूर, यशस्वी, कीर्तिवान्, साहिबे फ़ैज।
नामआवरी (نام آوری) फा स्त्री–सुख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फ़ैज।
नामए अमल (نامۂ عمل) फा अ पु–दे 'नामए आ'माल'।
नामए आ'माल (نامۂ اعمال) फा अ पु–वह कागज जिस पर यमदूत हरेक व्यक्ति के सत्कर्म और कुकर्म लिखते हैं, कर्मपत्र।
नामए शौक (نامۂ شوق) फा अ पु–मुहब्बत का ख़त, प्रेमपत्र।
नामक्बूल (نامقبول) फा अ वि–जो स्वीकार न किया जा सके, अस्वीकृत।
नामजदः (نامزدہ) फा वि–दे 'नामजद'।
नामजद (نامزد) फा वि–ख्यात, मशहूर, किसी काम या चुनाव के लिए मुंतख़ब, मनोनीत, नाम निर्दिष्ट, वह लड़की जो किसी की मंगेतर हो चुकी हो।
नामजदगी (نامزدگی) फा. स्त्री–चुनाव आदि में नामजद होना, नामनयन, नाम-निर्देशन, किसी काम के लिए किसी का तकर्रुर।
नामजू (نام جو) फा वि–नामवरी चाहनेवाला।
नामत्बूअ (نامطبوع) फा. अ वि–अप्रिय, अरुचिकर, नामर्गूब, अप्रकाशित, जो छपा न हो।
नामत्लूब (نامطلوب) फा अ वि–जिसकी चाह न हो, अवाञ्छित।
नामदार (نامدار) फा वि–यशवान्, नामवर, प्रतिष्ठित, जी इज्जत, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।
नामवरदार (نام بردار) फा वि नामी, प्रतिष्ठित।
नामवुर्द. (نامبردہ) फा वि–पहले कहा हुआ व्यक्ति, जिस आदमी का पहले जिक्र हो चुका हो, पूर्वोक्त।
नामर्द (نامرد) फा वि–भीरु, डरपोक, बुजदिल, क्लीव, नपुसक, हीजडा।
नामर्दी (نامردی) फा स्त्री–भीरुता, डरपोकपन, बुजदिली, क्लीवत्व, नपुंसकता, जनानापन।
नामर्दुम (نامردم) फा वि–अधम, पामर, नीच, लोफर।
नामर्दुमी (نامردمی) फा स्त्री–अधमता, नीचता, कमीनगी।
नामर्बूत (نامربوط) फा अ वि–जो क्रमबद्ध न हो, असम्बद्ध, अनमिल, बेजोड, अड-बड।
नामवर (نامور) फा वि–मशहूर, प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त; यशवान्, पुण्यश्लोक, वाफैज।
नामवरी (ناموری) फा स्त्री–ख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फैज।
नामशरूअ (نامشروع) फा अ वि–जो काम शर्अ के विरुद्ध हो, अविहित।
नामस्मूअ (نامسموع) फा अ. वि–जो सुना न हो, अश्रुत।
नामहूदूद (نامحدود) फा. अ वि–अपार, असीम, जिसकी हद न हो।
नामहरम (نامحرم) फा अ वि–वह मर्द जिससे स्त्री का पर्दा जाइज हो; अपरिचित, अजनबी।
नामा'कूल (نامعقول) फा अ वि–अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, फुहश, अनर्थक, बेहूद, बुद्धि में आ न सकनेवाली बात, अरुचिकर, नापसंदीद, अगम्य, अशिष्ट, गैर मुहज्जब।
नामानूस (ناما نوس) फा अ वि–जिसकी ओर रुचि और लगाव न हो, जो पसद न हो।
नामा'लूमुलइस्म (نامعلوم الاسم) फा अ वि–जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञाननाम।
नामा'लूम (نامعلوم) फा अ वि–जिसका पता न हो, अज्ञात।
नामियः (نامیہ) अ स्त्री–उगने और बढ़ने की कुव्वत, विकास-शक्ति।
नामी (نامی) फा वि–प्रसिद्ध, मशहूर, यशवान्, वाफैज, श्रेष्ठ, मुअज्जज।
नामीदः (نامیدہ) फा वि–नाम रखा हुआ।
नामुआफिक (ناموافق) फा अ वि–प्रतिकूल, अननुकूल, मुख़ालिफ।
नामुकम्मल (نامکمل) अ. फा वि–जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा, जो अभी ख़त्म न हुआ हो, असमाप्त।
नामुतनाही (نامتناہی) फा अ वि–असीम, अपार, बेहद, जिसकी इंतिहा न हो।
नामुनासिब (نامناسب) फा अ वि–जो उचित न हो, अनुचित, जो श्लील न हो, अश्लील, फुहश।
नामुबारक (نامبارک) फा अ वि–जो शुभ न हो, अशुभ, अमांगलिक।
नामुम्किन (ناممکن) फा अ वि–जो हो न सके, असभव।
नामुराद (نامراد) फा वि–असफलमनोरथ, नाकाम, दुर्भाग्यवान्, अभागा, बदनसीब।
नामुरादी (نامرادی) फा स्त्री–मनोरथ में असफलता, नाकामी, बदनसीबी, दुर्भाग्य।
नामुलाइम (ناملائم) फा अ वि–जो मुलाइम न हो, कठोर, सख्त, जो श्लील न हो, अश्लील, नामुहज्जब।
नामुशख्खस (نامشخص) फा अ वि–जिसकी तशखीस न हुई हो, अज्ञात, अकुलीन, अज्ञातकुल।

नामुसाअदत (نامساعدت) फा अ स्त्री–प्रतिकूलता, नामुआफ़क़त नासाज़गारी।
नामुसाइद (نامساعد) फा अ वि–प्रतिकूल, मुख़ालिफ़।
नामुसावी (نامساوی) फा अ वि–जो बराबर न हो विषम जो यक्साँ न हो असमान।
नामूस (ناموس) अ पु–लज्जा लाज ग़ैरत सतीत्व इस्मत मर्यादा, पत्नी स्त्री।
नामूसिय (ناموسیه) अ स्त्री–मच्छरदानी।
नामूसे अक्बर (ناموس اکبر) अ पु–नियम, क़ानून विधान दस्तूर जिब्रील।
नामे ख़ुदा (نام خدا) फा अव्य–जहाँ नज़र लगने का भय हो वहाँ बोलते हैं जैसे—अब वह नामे ख़ुदा तन्दुरुस्त है वाह वाह माशा अल्लाह की जगह प्रशंसा के लिए।
नामेह्रबाँ (نامہرباں) फा वि–बेरहम दयाहीन दुश्मन शत्रु।
नामेह्रबानी (نامہربانی) फा स्त्री–बेरहमी निर्दयता शत्रुता वैर।
नामोतबर (نامعتبر) फा अ वि–जिसका एतिबार न हो अविश्वस्त।
नामौज़ूँ (ناموزوں) फा अ वि–अनुचित नामुनासिब अश्लील नामुहज़्ज़ब वह शेर या मिस्रा जो वज़्न से ख़ारिज हो।
नामौजूद (ناموجود) फा अ वि–जो मौजूद न हो अनुपस्थित।
नामौजूदगी (ناموجودگی) फा अ स्त्री–अनुपस्थिति अविद्यमानता।
नामौज़ूनी (ناموزونی) फा अ स्त्री–अनुचितपन नामुनासिब होना शेर या मिस्रे का वज़्न में न होना।
नायाब (نایاب) फा वि–जिसका मिलना सम्भव न हो अप्राप्य।
नायाबी (نایابی) फा स्त्री–अप्राप्ति फ़ुक़्दान।
नारज (نارنج) फा पु–सन्तरा मतरा नारंगी।
नारजी (نارنجی) फा वि–नारंगी के रंग का।
ना'र (نعره) अ पु–ज़ोर की आवाज़ ललकार माँग मुतालबा किसी माँग या मुतालबे के लिए उसी आशय के संक्षिप्त शब्दों की घोषणा।
ना'रज़न (نعره زن) अ फा वि–नारा लगानेवाला।
ना'रज़नी (نعره زنی) अ फा स्त्री–नारे लगाना।
नार (نار) अ स्त्री–आग अग्नि नरक दोज़ख़।
नार (نار) फा पु–अनार दाड़िम।
नारजील (نارجیل) फा पु–नारियल नारिकेल गरी खोपरा।
नारजीले दर्याई (نارجیل دریائی) अ फा पु–समुद्र में पैदा होनेवाला नारियल पपीता जो हैज़े में काम आता है।
नारदान (ناردان) फा पु–अनार के बीज, खट्टे अनार के दाने।
नारपिस्ताँ (نار پستاں) फा वि–वह स्त्री जिसकी छातियाँ कठोर हों।
नारबुन (نارین) फा पु–अनार का पेड़, दाड़िम वृक्ष।
नारवन (ناروں) फा पु–गुलनार अनार का एक प्रकार।
नारवा (ناروا) फा वि–जो उचित न हो, अनुचित, नामुनासिब जो जाइज़ न हो अविहित।
नारस (نارس) फा वि–वह फल जो अभी पका न हो कच्चा।
नारसा (نارسا) फा वि–जो पहुँच न सके जो पा न सके।
नारसाई (نارسائی) फा स्त्री–पहुँच न होना पा न सकना।
नारसी (نارسی) फा स्त्री–दे 'नारसाई'।
नारसीद (نارسیده) फा वि–जो फल पका न हो जो बालिग न हो, अवयस्क जो अनुभवहीन हो अनाड़ी।
नारसीदगी (نارسیدگی) फा स्त्री–फल का पका न होना कच्चापन अनुभवहीनता अनाड़ीपन।
नाराज़ (ناراض) फा अ वि–अप्रसन्न नाख़ुश क्रुद्ध ग़ुस्से में।
नाराज़ी (ناراضی) फा अ स्त्री–अप्रसन्नता नाख़ुशी क्रोध कोप ग़ुस्सा।
नारास्त (ناراست) फा वि–जो सीधा न हो वक्र टेढ़ा जो सच न हो असत्य झूठ खोटा आदमी धूर्त।
नारास्ती (ناراستی) फा स्त्री–वक्रता, टेढ़ापन असत्यता झूठ खोटापन धूर्तता।
नारी (ناری) अ वि–नारकी दोज़ख़ी अग्नि से उत्पन्न प्राणिवर्ग जिन परी।
नारे जहन्नम (نار جہنم) अ स्त्री–नरक की आग, दोज़ख़ की आग।
नारे दोज़ख़ (نار دوزخ) अ फा स्त्री–दे 'नारे जहन्नम'।
नारे फ़ार्सी (نار فارسی) अ फा स्त्री–उपदंश गर्मी रोग।
नारे सईर (نار سعیر) अ स्त्री–दे 'नारे जहन्नम'।
नाल (نالہ) फा पु–आर्तनाद फ़र्याद चीत्कार चीख़ कोलाहल शोर।
नालःकश (نالہ کش) फा वि–नाला करनेवाला फ़र्याद करनेवाला।
नालःकुनाँ (نالہ کناں) फा वि–नाला करता हुआ फ़र्याद करता हुआ।
नालःगर (نالہ گر) फा वि–दे 'नालःकश'।
नालःज़न (نالہ زن) फा वि–दे 'नालःकश'।

नाल (نال) फा स्त्री—वह महीन सूत-जैसे रेशे जो कलम के भीतर होते हैं, भीतर से खाली नरसल, नलकी।

ना'ल (نعل) अ पु—जूता, पादुका, घोड़े या बैल आदि के पाँव में जड़ा जानेवाला लोहे का टुकड़ा, जूते में जड़ा जानेवाला लोहे का टुकड़ा।

ना'लैन (نعلین) अ पु—दोनों जूते, जूते का जोड़ा।

ना'ल दर आतश (نعل در آتش) अ फा वि—व्याकुल, आतुर, बेकरार।

ना'लबंद (نعل بند) अ फा वि—जूतों या चौपायों के पाँव में नाल बाँधनेवाला।

ना'लबहा (نعل بہا) अ फा पु—खिराज, चौथ, राजकर।

नालाँ (نالاں) फा वि—रोता-चिल्लाता हुआ, वावैला करता हुआ,—"बहार आयी चमन में, और तू इतनी परीशाँ है, बता बुलबुल! तुझे क्या दर्द है, तू जिसमें नालाँ है!"; अनुचित, नामुनासिब।

नालाइक़ (نالائق) फा अ वि—अयोग्य, नाअह्ल, नीच, कमीना, अशिष्ट, उजड्ड, धूर्त, चालाक, दुराचारी, बदज़ातिन।

नालिदः (نالدہ) फा वि—रोनेवाला, नाला करनेवाला।

नालिश (نالش) फा स्त्री—आर्तनाद, फर्याद, वाद, दावा; किसी के अत्याचार की शिकायत।

नालिशी (نالشی) फा वि—फर्याद करनेवाला, दावा करनेवाला, वादी।

नालीदः (نالیدہ) फा वि—रोया हुआ, रुदित।

नालीदनी (نالیدنی) फा अव्य—रोने के लाइक।

ना'ले चोबीं (نعل چوبیں) अ फा पु—खड़ाऊँ, चट्टी, पादुका।

नावः (ناوہ) फा पु—परनाला, वह लकड़ी या मिट्टी का परनाला जो छतों में लगता है।

नाव (ناو) फा स्त्री—किश्ती, नौका, नाव।

नावक (ناوک) फा पु—एक प्रकार का छोटा तीर, जिसकी मार कड़ी होती है।

नावकंदाज (ناوک انداز) फा वि—दे नावक अंदाज, उच्चारण दोनों तरह होता है।

नावकअंदाज (ناوک انداز) फा वि—तीर चलानेवाला, काडीर।

नावकअफ्गन (ناوک افگن) फा वि—दे 'नावकअंदाज'।

नावकफिगन (ناوک فگن) फा वि—दे 'नावकअंदाज'।

नावदान (ناودان) फा पु—मोरी, नावदान, परनाला।

नावनोश (ناونوش) फा स्त्री—पीना-पिलाना, मयनोशी, शराब और नग्म, रंगरलियाँ।

नावर्द (ناورد) फा स्त्री—युद्ध, लड़ाई, जंग।

नावाक़िफ़ (ناواقف) फा. अ वि.—अनभिज्ञ, अनाड़ी, अपरिचित, अनजान; अज्ञात, नामालूम।

नावाक़िफ़ीयत (ناواقفیت) फा अ स्त्री—अनभिज्ञता, अनाड़ीपन; अपरिचय, अनजानपन।

नावाजिब (ناواجب) फा अ वि—जो उचित न हो, नामुनासिब, जो श्लील न हो, नामुहज्ज़ब।

ना'श (نعش) अ स्त्री—जनाज़ा, शव, अरथी।

नाशनास (ناشناس) फा वि—न पहचाननेवाला, जो पहचानता न हो, अपरिचित।

नाशनासाई (ناشناسائی) फा स्त्री—परिचय न होना, न पहचानना, अपरिचय।

नाशाइस्तः (ناشائستہ) फा वि—अनुचित, नामुनासिब, अशिष्ट, बदतह्ज़ीब; अश्लील, फुहश।

नाशाइस्त अत्वार (ناشائستہ اطوار) फा अ. वि—जिसका आचरण श्लील और गम्य न हो।

नाशाइस्तगी (ناشائستگی) फा स्त्री—अशिष्टता, बदतह्ज़ीबी, अश्लीलता, फक्कड़पन।

नाशाद (ناشاد) फा वि—जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न, मलिन, अफ्सुर्द, अभागा, बदनसीब।

नाशादमाँ (ناشادماں) फा वि—दे 'नाशाद'।

नाशादमानी (ناشادمانی) फा.स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी, खिन्नता, मलिनता, अफ्सुर्दगी।

नाशिकेब (ناشکیب) फा वि—दे 'नाशिकेबा'।

नाशिकेबा (ناشکیبا) फा. वि—आतुर, व्याकुल, बेचैन, असहिष्णु, नामुतहम्मिल, अधीर, बेसब्र।

नाशिकेबाई (ناشکیبائی) फा स्त्री—आतुरता, बेचैनी, अधीरता, बेसब्री, असहिष्णुता, बेतहम्मुली।

नाशिता (ناشتا) फा पु—सवेरे से नहार मुँह होना; दे 'नाश्ता'।

नाशिर (ناشر) अ पु—प्रसारक, सबमें फैलानेवाला; प्रकाशक, पब्लिशर।

नाशिरात (ناشرات) अ स्त्री—आँधियाँ और झक्कड़।

नाशी (ناشی) अ वि—उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला, युवक, युवा, नौजवान।

नाशुक्र (ناشکر) फा अ पु—अकृतज्ञ, कृतघ्न, एहसान फरामोश, नमकहराम।

नाशुक्रगुज़ार (ناشکرگزار) फा अ वि—जो किसी की भलाई का शुक्रिया अदा न करे, कृतघ्न।

नाशुक्रगुज़ारी (ناشکرگزاری) फा अ स्त्री—उपकार पर कृतज्ञता न प्रकट करना, कृतघ्नता, एहसान फरामोशी।

नागुदनी (ناسدنی) फा वि—असभव अगवा नामुम्किन अभागा, बदनसीब।

नागुवा (ناسنوا) फा वि—जो किसी की बात न सुनता हो जिसके यहां किसी की पूछताछ न हो।

नाश्ता (ناستا) फा पु—सवेर का थोडा-सा खाना जल पान उपाहार।

नास्पाती (ناسپاتی) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध फल नासपाती।

नास (ناس) अ पु—एक आदमी बहुत-से आदमी।

नासज़ा (ناسزا) फा वि—अनुचित नामुनासिब अन्याय, नाजवा।

नासबूर (ناصبور) फा अ वि—अधीर बेसब्रा आतुर जल्दबाज़।

नासब्र (ناصبر) फा अ वि—दे 'नासबूर'।

नासरा (ناسره) फा वि—वह सिक्का जो बाज़ार में न चले खोटा कूट वह माल या चीज़ जिसमें मिलावट या आमेज़िश हो।

नासवाब (ناصواب) फा अ वि—जो सत्य न हो मठ जो ठीक न हो अशुद्ध।

नासाज़ (ناساز) फा वि—नादुरुस्त अस्वस्थ अननुकूल प्रतिकूल नामुवाफ़िक़।

नासाज़गार (ناسازگار) फा वि—अननुकूल प्रतिकूल मुखालिफ़।

नासाज़ी (ناسازی) फा स्त्री—नादुरुस्ती खराबी प्रतिकूलता मुखालफ़त।

नासाफ़ (ناصاف) फा अ वि—जो साफ़ और स्वच्छ न हो जो खालिस न हो।

नासिक (ناسک) अ वि—ईश्वराराधना करनेवाला इबादतगुज़ार बलिदान करनेवाला कुर्बानी करनेवाला।

नासिख़ (ناسخ) अ वि—लिखनेवाला लिपिक रद्द करनेवाला निरस्त (उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि)।

नासिताूदा (ناستوده) फा वि—अप्रशंसित जिसकी तारीफ़ न की गयी हो।

नासिपास (ناسپاس) फा वि—नाशुक्रा अकृतज्ञ नमकहराम।

नासिपासगुज़ार (ناسپاس‌گزار) फा वि—उपकार को कृतज्ञता न माननेवाला।

नासिपासी (ناسپاسی) फा स्त्री—उपकार न मानना कृतघ्नता नमकहरामी।

नासिब (ناصب) अ वि—स्थापना करनेवाला लगाने वाला खबर देनेवाला।

नासिबी (ناصبی) अ वि—हज़रत अली को बुरा कहने वाला सम्प्रदाय उक्त सम्प्रदाय का व्यक्ति।

नासिय (ناصیه) अ पु—माथा ललाट, भाल पेशानी

नासियफ़र्सा (ناصیه‌فرسا) अ फा वि—माथा रगड़ने जयाल खुशामद करनेवाला ज़मीन पर माथा रख पूजा या प्रणाम करनेवाला।

नासियसा (ناصیه‌سا) अ फा वि—दे 'नासियफ़र्सा'

नासिर (ناصر) अ वि—सहायक मददगार पक्षपाती हिमायती।

नासिर (ناثر) अ वि—गद्य लिखनेवाला गद्यलेखक।

नासी (ناسی) अ वि—भूल जानेवाला भूलनेवाला।

नासुतुर्द (ناسترده) फा वि—जिसका सर मूंडा न गया।

नासुफ़्त (ناسفته) फा वि—जिसमें छेद न हुआ अनबिधा (मोती) कुमारी अक्षता बाकिरा।

नासूत (ناسوت) अ पु—हमारा संसार मर्त्यलोक दुनिया

नासूर (ناسور) अ पु—एक प्रकार का घाव जो हमेशा रिसता रहता है और कभी अच्छा नहीं होता नाड़ीव्रण

नासेह (ناصح) अ पु—नसीहत करनेवाला सदुपदेशक साहित्यिक परिभाषा में प्रेम-त्याग का उपदेश देनेवाला।

नासेहे मुश्फ़िक़ (ناصح مشفق) अ पु—दयावान और नेक स्वभाववाला, नासह।

नास्पाल (ناسپال) फा पु—अनार का छिलका।

नाहंजार (ناهنجار) फा वि—अधम नीच कमीना कदाचारी दुष्कर्मी बदचलन।

नाहक़ (ناحق) फा अ वि—अकारण बेसबब अन्याय अनीति नाइंसाफ़ी।

नाहक़कोश (ناحق‌کوش) फा अ वि—अनीति और अन्याय की ओर प्रवृत्त रहनेवाला।

नाहक़शनास (ناحق‌شناس) फा अ वि—सच्चाई को न पहचाननेवाला खुदा को न पहचाननेवाला।

नाहक़शनासी (ناحق‌شناسی) फा अ स्त्री—खुदा को न पहचानना सच्चाई को न पहचानना अन्याय अनीति।

नाहमदर्द (ناهمدرد) फा वि—जिसमें सहानुभूति न हो बेमुरव्वत दुःशील।

नाहमवार (ناهموار) फा वि—जो समतल न हो ऊंचा नीचा जो सभ्य और शिष्ट न हो उजड्ड असम।

नाहार (ناهار) फा वि—जो सवेरे से भूखा हो नहारमुंह।

नाहिय (ناحیه) अ पु—किनारा छोर हद सिमा दिशा की आखिरी हद।

नाही (ناهی) अ वि—रोकनेवाला निवारक मना करने वाला निषेधक।

नाही (ناوی) अ वि—इरादा करनेवाला संकल्पकर्ता।

नाहीद (ناهید) फा स्त्री—शुक्र ग्रह ज़ुहरा।

नि

निअम (نعم) अ स्त्री–'ने'मत' का वहु, ने'मते, अच्छी-अच्छी चीजे।
निआल (نعال) अ पु–'ना'ल' का वहु, जूते, पादुकाएँ; घोडे के नाल।
निकात (نقاط) अ. पुं–'नुक्त' का वहु, विदियाँ, नुक्ते, शून्य।
निकात (نکات) अ पु–'नुक्त' का वहु, सूक्ष्म और गूढ बाते।
निकाब (نقاب) अ स्त्री–मुखावरण, मुखपट, बुर्का, ओट, पर्दा (नकाव)।
निकावकुशाई (نقاب‌کشائی) अ फा स्त्री–दुल्हन के मुंह से निकाव उठाने की रस्म, किसी चित्र पर से पर्दा उठाने का उत्सव, अनावरण।
निकावपोश (نقاب‌پوش) अ फा वि–जो अपना मुँह छिपाये हो, जिसके मुँह पर निकाव पडी हो।
निकावे रुख (نقاب رخ) अ फा स्त्री–मुखपट, वुर्क़ा, घूंघट।
निक़ार (نقار) अ पु–द्वेप, वैर, कीना।
निकाह (نکاح) अ पु–पाणि-ग्रहण, विवाह, व्याह।
निकाहनामः (نکاح‌نامه) अ फा पु–वह पत्र जिसमे व्याह की शर्ते लिखी हो।
निकाहे सानी (نکاح ثانی) अ पु–दूसरा व्याह, पहले पति के मरने पर दूसरे व्यक्ति के साथ व्याह, पुर्नविवाह।
निको (نکو) फा वि–उत्तम, श्रेप्ठ, अच्छा, सुन्दर, हसीन।
निकोई (نکوئی) फा स्त्री–उत्तमता, अच्छाई, सुन्दरता, हुस्न।
निकोकार (نکوکار) फा वि–अच्छे आचरणवाला, सदाचार।
निकोख्वाह (نکوخواه) फा वि–भलाई चाहनेवाला, शुभचितक, हितैपी।
निकोनाम (نکونام) फा वि–नामवर, उत्तमयश, कीर्तिमान्।
निकोहिश (نکوهش) फा. स्त्री–भर्त्सना, डाँट-फटकार, निदा, बुराई।
निकोहीदः (نکوهیده) फा वि–निंदित, कुत्सित, विक्कृत।
निक्मत (نقمت) अ स्त्री–कष्ट, पीडा, यातना, अजाव, द्वेप, कीना।
निक्रिस (نقرس) अ पु–कमर की जड से अँगूठे तक पूरे पाँव मे होनेवाला एक दर्द।
निख्वत (نخوت) अ स्त्री–अभिमान, अहकार, गुरूर।
निख्वतपसंद (نخوت‌پسند) अ फा वि–अभिमानी, अहकारी, मग़्रूर।
निगर (نگر) फा प्रत्य–ताकनेवाला, देखनेवाला, जैसे—'दस्तनिगर' दूसरे के हाथ की तरफ देखनेवाला, अर्थात् पराश्रय।
निगराँ (نگراں) फा वि–निरीक्षक, जाँच-पडताल करनेवाला, सरक्षक, मुहाफिज; अभिभावक, गार्जियन; प्रतीक्षक, रस्ता देखनेवाला।
निगरानी (نگرانی) फा स्त्री–निरीक्षण, देख-रेख, सरक्षण, हिफाजत, अभिभावकता, सरपरस्ती।
निगह (نگه) फा स्त्री–'निगाह' का लघु, दे 'निगाह'।
निगहदाश्त (نگہداشت) फा स्त्री.–सरक्षण, निगरानी।
निगहवान (نگہبان) फा वि–सरक्षक, देख-रेख करनेवाला।
निगार (نگار) फा पु–मूर्ति, प्रतिमा, बुत, चित्र, नक्श, प्रेमपात्र, महवूव, प्रेयसी, प्रेमिका, महवूव, हाथ-पाँव पर मेहदी से वनाये हुए चित्र (प्रत्य) चित्रित, जैसे—'जरनिगार' स्वर्णचित्रित।
निगारख़ानः (نگارخانه) फा पु–चित्रालय, तस्वीर-घर, सजा हुआ मकान, मूर्तिगृह, बुतख़ाना, जहाँ वहुत-सी सुन्दरियाँ एकत्र हो वह स्थान।
निगारिंदः (نگارنده) फा वि–लिखनेवाला, चित्र वनानेवाला।
निगारिश (نگارش) फा स्त्री–लेख, तहरीर, चित्र, नक़्श।
निगारिस्तान (نگارستان) फा पु–चित्रालय, जहाँ वहुत-सी तस्वीरे हो, जहाँ बहुत-सी हसीन शक्ले हो, मूर्ति-गृह।
निगारी (نگاریں) फा वि–चित्रित, नक्शीन, शृगारित, मुरस्सा।
निगारेअर्मनी (نگار ارمنی) फा स्त्री–फर्हाद की प्रेमिका, शीरी।
निगाश्तः (نگاشته) फा. वि–लिखा हुआ, लिखित, चित्रित, मुनक़्क़श।
निगाश्तनी (نگاشتنی) फा अव्य–लिखने योग्य, चित्र वनाने योग्य।
निगाह (نگاه) फा स्त्री–दृष्टि, नजर, प्रेक्षा।
निगाहदार (نگاهدار) फा वि–सरक्षक, निगहवान।
निगाहदाश्त (نگاهداشت) फा स्त्री–सरक्षा, हिफाजत, निगरानी, देख-रेख।
निगाहवान (نگاهبان) फा वि–सरक्षक, निगराँ, देख-रेख करनेवाला।
निगाहेकह्र (نگاه قہر) फा अ स्त्री–क्रोध की दृष्टि, गुस्से की नजर।
निगाहे गलत अंदाज (نگاه غلط انداز) फा वि–ऐसी दृष्टि जिसे हर व्यक्ति यह समझे कि उसी की ओर है, भ्रम मे डालनेवाली दृष्टि।
निगाहे तअम्मक (نگاه تعمق) फा अ स्त्री–सूक्ष्म दृष्टि, गहरी नजर।

निगाहेनाज (نگاہِ ناز) फा स्त्री –नाज़ो अदाज़ की दृष्टि।
निगाहेपवरिश (نگاہِ پرورش) फा स्त्री –कृपादृष्टि, मेहरबानी की नज़र दयादृष्टि।
निगाहेबद (نگاہِ بد) फा स्त्री –बुरी नज़र कुदृष्टि, पाप दृष्टि।
निगाहेमेह्र (نگاہِ مہر) फा स्त्री –कृपा-दृष्टि दया-दृष्टि, करम की निगाह।
निगू (نگوں) फा वि –औंधा उलटा अधामुख।
निगूताले' (نگوں طالع) फा अ वि –दे निगूंबख्त।
निगूंबख्त (نگوں بخت) फा वि –औंधी किस्मतवाला, हतभाग्य।
निगूसार (نگوں سار) फा वि –आधा, उल्टा अधामुख।
निगूहिम्मत (نگوں ہمت) फा अ वि –हतसाहस हतोत्साह पस्त हिम्मत।
निज़ाअ (نزاع) अ स्त्री –झगडा दगा फसाद वैर शत्रुता दुश्मनी।
निज़ाएलफ्ज़ी (نزاعِ لفظی) अ स्त्री –केवल बातों का झगडा ज़बानी झगडा वाक्कलह नादिक-कलह।
निज़ाद (نژاد) फा स्त्री –कुल वंश, नसब द नज़ाद अधिक शुद्ध वही है।
निज़ाम (نظام) अ पु –प्रबंध व्यवस्था इंतिज़ाम क्रम सिलसिला शैली पद्धति तर्ज़ संघटन तंज़ीम।
निज़ामी (نظامی) अ वि –सैनिक फौजी प्रबंध से सम्बन्ध रखनेवाला।
निज़ामेफ़ीसाग़ोरस (نظامِ فیثاغورث) अ पु –दे निज़ामे शम्सी।
निज़ामेबतलीमूस (نظامِ بطلیموس) अ पु –जिसमें यह माना गया है कि पृथ्वी अचल है और चाँद सूरज आदि ग्रह इसके चारो ओर घूमते ह।
निज़ामेशम्सी (نظامِ شمسی) अ पु –जिसमें यह माना गया है कि सूरज अचल है, और पृथ्वी तथा दूसरे ग्रह उसके चारो ओर घूमते ह आधुनिक वैज्ञानिकों का मत भी यही है।
निज़ामेसल्तनत (نظامِ سلطنت) अ पु –राज्य प्रबंध राज की व्यवस्था।
निज़ामेहुकूमत (نظامِ حکومت) अ पु –दे निज़ामेसल्तनत।
निज़्द (نزد) फा वि –समीप निकट करीब दे नज़्द दोनों शुद्ध ह।
निदा (ندا) अ स्त्री –बुलाना पुकारना आवाहन वह शब्द जो बुलाने के लिए प्रयुक्त हो जैसे आ ए आदि।
निदाएग़ैब (ندائے غیب) अ स्त्री –आकाशवाणी गैबी आवाज़।
निफ़ाक़ (نفاق) अ पु –फूट, एकता का न होना शत्रुता वैर, दुश्मनी।
निफ़ाक़अंगेज़ (نفاق انگیز) अ फा वि –फूट डालने वाली बात, विरोध करानेवाली बात।
निफ़ाक़परवर (نفاق پرور) अ फा वि –फूट डालनेवाला व्यक्ति भेदकर्ता।
निफ़ाक़ेबाहमी (نفاقِ باہمی) अ फा स्त्री –आपस की फूट पारस्परिक विरोध।
निफ़ास (نفاس) अ पु –वह रक्तस्राव जो प्रसूतिका के शरीर से बच्चा जनने के चालीस दिन तक होता रहे।
निफ़्त (نفطہ) अ पु –छाला फफोला, आबला।
निफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल, बारूद।
निफ़्तअंदाज़ (نفت انداز) फा वि –बारूदी हथियार चलाने वाला गोलन्दाज़ तोप दागनेवाला।
निफ़्रीं (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार लानत।
निब्रास (نبراس) अ पु –दीप दीपक, चिराग़।
निया (نیا) फा पु –प्रतिष्ठा इज़्ज़त, दादा पितामह नाना, मातामह मामूँ मातुल।
नियाइश (نیائش) फा स्त्री –स्तुति हम्दोसना प्रशंसा तारीफ साधुवाद शाबाश।
नियागाँ (نیاگاں) फा पु –'निया' का बहु पूर्वज पुरखे बुज़ुर्ग।
नियाज़ (نیاز) फा पु –प्रार्थना गुज़ारिश इच्छा आर्ज़ू परिचय जान-पहचान साक्षात मुलाक़ात (स्त्री) चढ़ावा भेंट चढ़ावे की मिठाई फातहा मर्दे या किसी बुज़ुर्ग का खाना आदि।
नियाज़आगीं (نیازآگیں) फा वि –दे नियाज़मंद।
नियाज़केश (نیازکیش) फा वि –दे नियाज़मंद।
नियाज़नामा (نیازنامہ) फा पु –विनयपत्र वक्ता अपने पत्र के लिए बोलता है।
नियाज़मंद (نیازمند) फा वि –आज्ञाकारी ताबेदार परिचित मुलाकाती भक्त फिदाई मित्र दोस्त।
नियाज़मंदाना (نیازمندانہ) फा अव्य –भक्तों जैसा आज्ञाकारियो जैसा नम्रतापूर्ण।
नियाज़मंदी (نیازمندی) फा स्त्री –आज्ञाकारिता भक्ति, मैत्री, दोस्ती।
नियाब (نیاب) अ पु –'नाब' का बहु सामने के दाँतों और डाढ़ो के बीचवाले दाँत।
नियाबत (نیابت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व काइममक़ामी, दूतकर्म एलचीपन अभिकर्म एजंटी स्थानापन्नता काइममुक़ामी।

नियाम (نیام) फा पु –कोष, मियान, तलवार का गिलाफ।
नियोश (نیوش) फा प्रत्य –सुननेवाला, जैसे—'हकनियोश' सच्ची बात सुननेवाला।
नियोशिदः (نیوشندہ) फा वि –सुननेवाला, श्रोता।
निवालः (نوالہ) फा पु –कवल, ग्रास, लुक्मा।
निविश्तः (نوشتہ) फा पु –लिखित, लिखा हुआ, लेख, तहरीर।
निविश्त (نوشت) फा वि –लिखा हुआ, लिखित।
निविश्तए तकदीर (نوشتۂ تقدیر) फा अ पु –भाग्य-रेखा, किस्मत का लिखा।
निशस्तः (نشستہ) फा वि –बैठा हुआ।
निशस्त (نشست) फा स्त्री –बैठक, बैठने की मुद्रा, गोष्ठी, मज्लिस, एक बार की बैठक या जलसा।
निशस्तगाह (نشستگاہ) फा स्त्री –बैठने का स्थान, दीवानखाना।
निशस्तो बरख़ास्त (نشست و برخاست) फा स्त्री –उठना-बैठना, आना-जाना।
निशाँ (نشاں) फा पु –'निशान' का लघु, दे 'निशान', (प्रत्य) बैठानेवाला, जैसे—'ख़ातिरनिशाँ' दिल मे बिठाने या जमानेवाला।
निशाँज़दः (نشاں زدہ) फा वि –जिस पर निशान हो, चिह्नित, अंकित।
निशाँदेही (نشاں دہی) फा स्त्री –पता देना, निशान बताना।
निशानः (نشانہ) फा पु –वह स्थान जिस पर निशाना लगाया जाय, लक्ष्य, ताकना, निगाना मारना।
निशानःअंदाज़ (نشانہ انداز) फा वि –ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी।
निशान (نشان) फा पु –चिह्न, अलामत, धब्बा, दाग, खोज, तलाश, पता, सुराग, मुह्र का चिह्न; झडा, पताका।
निशानची (نشانچی) फा वि –झडा हाथ मे लेकर आगे चलनेवाला, अच्छा निशाना लगानेवाला।
निशानी (نشانی) फा स्त्री –स्मृति-चिह्न, यादगार, पहचान, शनाख़्त, चिह्न, निशान; लक्षण, अलामत।
निशानेक़दम (نشان قدم) फा अ पु –पाँव का चिह्न, पद-चिह्न।
निशानेपा (نشان پا) फा पु –दे 'निशानेकदम'।
निशानेमंजिल (نشان منزل) फा अ पु –मंजिल का पता, गतव्य स्थान का चिह्न।
निशानेमील (نشان میل) फा अ पु –सडक पर मीलो का चिह्न।
निशानेराह (نشان راہ) फा पु –रस्ते का पता, रस्ता किधर है यह पता, राह के मील, फर्लांग आदि का चिह्न।
निशेद (نشید) फा पु –गान, नग्मा, गाने की आवाज।
निशेदख़्वाँ (نشیدخواں) फा. वि –गानेवाला, गायक; मीठी आवाज से पढनेवाला, तरन्नुमरेज।
निशेब (نشیب) फा पु –नीची जमीन, निचाई, पस्ती, नशेब भी प्रचलित।
निशेबोफराज (نشیب و فراز) फा. पु –ऊँचा-नीचा, बलदी और पस्ती, संसार की ऊँच-नीच।
निशेमन (نشیمن) फा पु –घोसला, कुलाय (नशेमन)।
निश्कुंज (نشکنج) फा स्त्री –चुटकी, बकोटा।
निश्तर (نشتر) फा पु –शल्य, चीरफाड का आला (नश्तर)।
निश्तरकदः (نشترکدہ) फा. पु –आपरेशन रूम, चीरघर।
निश्तरजन (نشترزن) फा वि –निश्तर मारनेवाला, आपरेशन करनेवाला।
निश्तरे फस्साद (نشتر فصاد) फा. अ पु –वह निश्तर जिससे रगो का खून निकाला जाता है।
निश्तरे रगज़न (نشتر رگ زن) फा पु –दे 'निश्तरे फस्साद'।
निश्वर (نشوار) फा स्त्री –जुगाली।
निसा (نسا) अ स्त्री –स्त्रियाँ, औरते।
निसाब (نصاب) अ पु –पूँजी, सरमाया, मूल, आधार।
निसाबे जकात (نصاب زکات) अ पु –वह धन जिस पर जकात वाजिब हो जाती है और वह ५० तोला चाँदी और साढे सात तोला सोना होता है।
निसाबे ता'लीम (نصاب تعلیم) अ पु –वे पुस्तके जो किसी पाठशाला या कक्षा मे पढ़ायी जाती हो, पाठ्यक्रम।
निसार (نثار) अ पु –बलि, कुर्बान, सद्‌क, न्योछावर; मुग्ध, फिरेफ्त।
निसारे यार (نثار یار) अ फा पु –प्रेमिका पर न्योछावर।
निस्फ (نصف) अ वि –अर्द्ध, आधा।
निस्फुन्नहार (نصف النہار) अ पु –दोपहर, मध्याह्न।
निस्फुल्लैल (نصف اللیل) अ. स्त्री –आधीरात, अर्द्धरात्रि।
निस्बत (نسبت) अ स्त्री.–सम्बन्ध, तअल्लुक, लगाव, सपर्क, सगाई, मँगनी, तुलना, समता, बराबरी।
निस्यः (نسیہ) अ पु –उधार, ऋण, कर्ज़।
निस्याँ (نسیاں) अ पु –'निस्यान' का लघु, दे 'निस्यान'।
निस्यान (نسیان) अ पुं –भूल, विस्मृति।
निस्रीं (نسریں) अ पुं –एक फूल, सेवती।
निस्वत (نسوت) अ स्त्री –नारियाँ, स्त्रियाँ, औरते।
निस्वाँ (نسواں) अ स्त्री –'इम्रअत' का बहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ।

निसवानियत (نسوانيت) अ स्त्री—स्त्रीत्व, औरतपन जनानापन, नरत्व।

निसवानी (نسوانی) अ वि—स्त्रियों का स्त्रियों से सम्बन्ध रखनेवाला।

निसवानीयत (نسوانيت) अ स्त्री—दे निस्वानियत ज्यादा तरह शुद्ध है।

निहाँ (نہاں) फा वि—गुप्त छिपा हुआ।

निहाँखाना (نہانخانہ) फा पु—तहखाना तलगृह अंधागार।

निहानी (نہانی) फा वि—भीतरी आन्तरिक अन्दरूनी।

निहाद (نہاد) फा वि—रखा हुआ।

निहाद (نہاد) फा स्त्री—स्वभाव प्रकृति आदत आधार बुनियाद, (प्रत्य) स्वभाववाला जैसे—नेकनिहाद अच्छे स्वभाववाला रखा हुआ जैसे—दिलनिहाद जहां दिल रखता हो।

निहायत (نہایت) अ स्त्री—अंत छोर हद अत्यन्त बहुत अधिक।

निहायतदर्जा (نہایت درجہ) अ वि—बहुत अधिक बहुत ज़ियादा।

निहाल (نہال) फा पु—पौधा छोटा पेड़ (वि) प्रफुल्ल प्रसन्न खुश समृद्ध मालामाल।

निहालचा (نہالچہ) फा पु—छोटे बच्चा का बिछौना जिस पर वह गू-मूत करता है।

निहालीं (نہالیں) फा स्त्री—दे निहाली।

निहाली (نہالی) फा स्त्री—तोशक विस्तर।

निहिंद (نہند) फा वि—रखनेवाला।

निहुफ़्त (نہفتہ) फा वि—गुप्त छिपा हुआ पोशीदा।

निहुफ्त (نہفت) फा वि—गुप्ति छिपाव पोशीदगी।

निहुफ्तगी (نہفتگی) फा स्त्री—छिपाव पोशीदगी।

निहुफ्तनी (نہفتنی) फा अव्य—छिपाने योग्य गुह्य गोप्य गोपनीय।

निहेब (نہیب) फा पु—भय त्रास डर खौफ़ भयानक आवाज़ धार नाद लूटमार गारतगरी।

नी

नी (نی) फा प्रत्य—के योग्य जैसे—वदनी करने के योग्य गुफ़्तनी कहने के योग्य।

नीज़ (نیز) फा अव्य—और अथवा भी अपि।

नीम (نیمہ) फा वि—अर्द्ध अध आधा एक प्रकार का ऊँचा पाजामा।

नीमआस्तीं (نیمہ آستیں) फा पु—दे नीमआस्ती।

नीम (نیم) फा वि—अर्द्ध आधा निस्फ़ अल्प न्यून थोड़ा।

नीमआस्तीं (نیم آستیں) फा पु—एक प्रकार का कुर्ता जिसकी आस्तीनें छोटी होती है।

नीमकश (نیمکش) फा वि—आधा अन्दर आधा बाहर (विशेषत बाण) कम खींचकर चलाया हुआ धनुष का तीर जो शरीर में से पार न हो सके।

नीमकार (نیمکار) फा वि—अपूर्ण नाकिस।

नीमकार (نیمکار) फा वि—वह कारीगर जो दूसरों के औज़ार से काम करे और मज़दूरी में उसे हिस्सा दे।

नीमकुश्त (نیمکشتہ) फा वि—अधमुआ जिसका गला काटकर छोड़ दिया हो और वह तड़प रहा हो।

नीमखुर्द (نیمخوردہ) फा वि—आधा खाया हुआ जूठा जूठन उच्छिष्ट मुस्तअमल।

नीमख़ेज़ (نیمخیز) फा वि—किसी के सम्मानार्थ आधा खड़ा होना।

नीमख्वाब (نیمخواب) फा वि—वह आंख जिसमें कच्ची नींद से जगा देने की खुमारी लालिमा और मस्ती हो अधसुप्त।

नीमख्वाबी (نیمخوابی) फा स्त्री—कच्ची नींद से जागने की कैफ़ियत कच्ची नींद।

नीमगर्म (نیمگرم) फा वि—गुनगुना कदुष्ण कवोष्ण, जो न बहुत गर्म हो न बहुत ठंडा।

नीमगुफ्त (نیمگفتہ) फा वि—आधा कहा हुआ जो बात कुछ कही जा चुकी हो और कुछ कहना बाक़ी हो।

नीमचा (نیمچہ) फा पु—छोटी तलवार खड्गपुत्री।

नीमजाँ (نیمجاں) फा वि—अधमुआ जो मरने के क़रीब हो आसन्नमृत्यु मृतप्राय।

नीमजोश (نیمجوش) फा वि—आधी उबाली हुई चीज़।

नीमतस्लीम (نیمتسلیم) फा वि—एक प्रकार का सलाम जिसमें झुककर हाथ पेट तक ले जाते हैं।

नीमदस्त (نیمدست) फा वि—कम आदमियों के बस की मस्ती छोटी मस्ती।

नीमदस्ती (نیمدستی) फा स्त्री—दे नीमदस्त।

नीमनिगाह (نیمنگاہ) फा स्त्री—कनखियों से देखना तिरछी निगाह कटाक्ष-पात।

नीमनिगाही (نیمنگاہی) फा स्त्री—कनखियों से देखने का भाव।

नीमपुख्त (نیمپختہ) फा वि—जो पूरी तरह पका न हो अर्द्धपक्व।

नीमपुख्त (نیمپخت) फा वि—दे नीमपुख्त।

नीमबाज़ (نیمباز) फा वि—आधा खुला हुआ विशेषत आधी खुली हुई आंख नशीली आंख।

नीमविरिश्त (نیم برشت) फा वि –आधा भुना हुआ, आधा उवला हुआ, जैसे—नीमविरिश्त अडा।
नीमविर्यां (نیم بریاں) फा वि –आधा भुना हुआ, अधजला।
नीमविस्मिल (نیم بسمل) फा वि –दे 'नीमकुश्त'।
नीममस्त (نیم مست) फा वि –जिसे मस्ती के साथ कुछ-कुछ होश भी हो, अर्द्धमत्त।
नीमरस (نیم رس) फा वि –जो मेवा अभी पूरे तौर से पका न हो, गद्दर।
नीमराज़ी (نیم راضی) फा वि –जो कुछ-कुछ रजामद हो, मगर पूरी तरह राजी न हो, अर्धसहमत।
नीमरिज़ा (نیم رضا) फा अ स्त्री –आधी रजामदी, अर्धसहमति।
नीमरुख़ (نیم رخ) फा वि –चेहरे के एक पार्श्व की तस्वीर।
नीमरोज़ (نیم روز) फा पु –दोपहर, मध्याह्न।
नीमवा (نیم وا) फा वि –आधा खुला हुआ, आधा खुला और आधा वंद।
नीमशगुफ्तः (نیم شگفتہ) फा वि –जो फूल आधा खिल गया हो, अर्द्ध-मुकुलित।
नीमशव (نیم شب) फा स्त्री –आधीरात, अर्द्धरात्रि।
नीमशिकस्तः (نیم شکستہ) फा वि –आधा टूटा हुआ।
नीमसुफ्तः (نیم سفتہ) फा वि –आधा पिरोया हुआ।
नीमसेर (نیم سیر) फा वि –जिसका पेट कुछ-कुछ भर गया हो, परन्तु पूरी तरह तृप्त न हुआ हो, जिसकी इच्छा अभी कुछ-कुछ वाकी हो, अर्धतृप्त।
नीमसोख्तः (نیم سوختہ) फा वि –आधा जला हुआ।
नीयत (نیت) अ स्त्री –सकल्प, इरादा, आशय, मक्सद, ध्यान, खयाल।
नीयते वद (نیت بد) अ फा स्त्री –वुरा आशय, वुरा इरादा।
नीरान (نیران) अ स्त्री –'नार' का वहु, 'अग्नियाँ'।
नीरू (نیرو) फा पु –शक्ति, वल, ज़ोर।
नीलः (نیلہ) फा पु –नील गाय।
नील (نیل) फा वि –नील का रग, नील का पौधा।
नीलगर (نیل گر) फा वि –नील वनानेवाला।
नीलगाव (نیل گاو) फा पु –नीलगाय, नीला।
नीलगूँ (نیلگوں) फा वि –नीले रग का।
नीलफाम (نیل فام) फा वि –नीले शरीरवाला, कृष्ण।
नीलम (نیلم) फा पु –एक प्रसिद्ध रत्न, नीलमणि, नीलकान्त, शनिप्रिय।
नीली (نیلی) फा वि –नीले रग का।
नीलीफाम (نیلی فام) फा वि –नीले रग का आकाश।
नीलीरवाक (نیلی رواق) फा पु –जिसकी छत नीली हो, अर्थात् आकाश।
नीलोफर (نیلوفر) फा पु –नीलोत्पल, कुमुद, कुई।
नीलोफरे आफ्तावी (نیلوفر آفتابی) फा पु –कमल, पद्म, नीरज, पकज, अरविद, राजीव, तामरस, सरसीरुह, पुष्कर, अभोज, कँवल का फूल।
नीलोफरे माहतावी (نیلوفر ماهتابی) फा पु –कुमुद, कुमुदिनी।

नु

नुआस (نعاس) अ. स्त्री –तद्रा, ऊँघ, गुनूदगी।
नुऊज़ (نعوظ) अ. पु –लिगोत्थान, कामवेग से लिग का खडा होना।
नुकत (نقط) अ पु –'नुक्त' का वहु, विंदियाँ, नुक्ते, शून्य।
नुकवा (نقبا) अ. पु –'नकीव' का वहु, 'चोवदार'।
नुकूद (نقود) अ पु –'नक्द' का वहु, 'नक़्दियाँ'।
नुकूल (نقول) अ स्त्री –'नक्ल' का वहु, नक्ले, प्रतिलिपियाँ।
नुकूश (نقوش) अ पु –'नक्श' का वहु, चित्र, रेखाएँ।
नुक्तः (نقطہ) अ पु –विंदी, विंदु, सिफ्र, वुँदकी, चिह्न, निशान।
नुक्तः (نکتہ) अ पु –तह की वात, सूक्ष्मता, वारीकी; रहस्य, मर्म, भेद, चुटकुला, लतीफा।
नुक्तःगाह (نقطہ گاہ) अ फा स्त्री –वृत्त के केन्द्र का विंदु।
नुक्त.चीन (نکتہ چین) अ फा वि –मीन-मेख निकालनेवाला, ऐव ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेषी, आलोचक।
नुक्तःदाँ (نکتہ داں) अ फा वि –किसी कलाविशेष की वारीकी जाननेवाला, काव्य-मर्मज्ञ, शे'र की वारीकियाँ समझनेवाला, कला-मर्मज्ञ।
नुक्तःदानी (نکتہ دانی) अ फा स्त्री –मर्म और वारीकियाँ समझना।
नुक्त.नवाज़ (نکتہ نواز) अ फा वि –जरा-सी वात पर प्रसन्न हो जानेवाला, आशुतोष, ईश्वर।
नुक्त नवाज़ी (نکتہ نوازی) अ फा स्त्री –जरा-सी वात पर प्रसन्न हो जाना।
नुक्तःरस (نکتہ رس) अ फा वि –दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त.रसी (نکتہ رسی) अ फा स्त्री –दे 'नुक्त दानी'।
नुक्त.संज (نکتہ سنج) अ फा वि –दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त.संजी (نکتہ سنجی) अ फा स्त्री –दे 'नुक्त दानी'।
नुक्तए इंतिखाव (نقطۂ انتخاب) अ पु –वह नुक्त जो किसी शे'र आदि के पसद आने पर, किताव के हाशिए पर लगा देते हैं।

नुक्तए तकातो (نقطۂ تقاطع) अ पु–वह बिंदु जहाँ पर दो सरल रेखाएँ एक दूसरी को काटें।
नुक्तए पर्कार (نقطۂ پرکار) अ फा पु–वृत्त का वह बिंदु जहाँ से परिधि तक जितनी रेखाएँ खींची जायँ सब बराबर हों, केंद्रबिंदु।
नुक्तए मुक़ाबिल (نقطۂ مقابل) अ पु–प्रतिद्वंद्वी हरीफ़।
नुक्तए मौहूम (نقطۂ موہوم) अ पु–वह बिन्दु जो इतना सूक्ष्म हो कि अटकल से ही समझा जा सके।
नुक्तए सुवदा (نقطۂ سودا) अ पु–वह काला तिल जो हृदय पर होता है।
नुक्रः (نقرہ) फा पु–रजत, चाँदी।
नुक्रई (نقرئی) फा वि–चाँदी-जैसा उज्ज्वल, चाँदी का बना हुआ, चाँदी का मुलम्मा किया हुआ।
नुक़्ल (نقل) अ पु–शराब के साथ खायी जानेवाली चीज़, एक मिठाई, गज़क, चुटकुला, लतीफ़, मित्रगोष्ठी में खायी जानेवाली चीज़।
नुक़्लफ़रोश (نقل فروش) अ फा वि–गज़क बेचनेवाला।
नुक़्लेख्वाजः (نقل خواجہ) अ फा पु–चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।
नुक़्ले मज्लिस (نقل مجلس) अ पु–वह मिठाई जो मित्र मंडली में तफ़रीह के तौर पर खायी जाय, वह व्यक्ति जो सभा आदि में लोगों के मनोरंजन का विषय हो।
नुक़्ले महफ़िल (نقل محفل) अ पु–दे 'नुक़्ल मज्लिस'।
नुक़्सान (نقصان) अ पु–हानि, क्षति, खसारा, त्रुटि, कमी, हरज, बाधा, तावान, दंड।
नुक़्सानदेह (نقصان دہ) अ फा वि–हानिकर, नुक़्सान पहुँचानेवाला।
नुक़्सानरसाँ (نقصان رساں) अ फा वि–दे 'नुक़्सानदेह'।
नुक़्साने अज़ीम (نقصان عظیم) अ पु–बहुत बड़ी हानि।
नुक़्साने माय: (نقصان مایہ) अ फा पु–माली नुक़्सान, अर्थ हानि।
नुज़्हतगाह (نزہت گاہ) अ फा स्त्री–सैर तफ़रीह की जगह, क्रीडास्थल, सरसब्ज़ और हरा भरा मुक़ाम।
नुज़्हते ख़ातिर (نزہت خاطر) अ स्त्री–चित्त की प्रसन्नता।
नुख़ाअ (نخاع) अ पु–रीढ़ की हड्डी, मग़्ज़।
नुख़ाल (نخالہ) अ पु–भूसा, तुष, चोकर।
नुख़्स्त (نخست) फा वि–पहला, प्रथम।
नुख़्स्तीं (نخستیں) फा वि–प्रथम, प्राथमिक, पहला।
नुजबा (نجبا) अ पु–नजीब का बहु, कुलीन लोग।
नुजूम (نجوم) अ पु–'नज्म' का बहु, उडुगण, तारे, ज्योतिष, इल्म नुजूम।
नुजूमदाँ (نجوم داں) अ फा वि–ज्योतिषी, नुजूमी।
नुजूमी (نجومی) अ वि–ज्योतिषी, इल्मनुजूम जाननेवाला।
नुज़ूल (نزول) अ पु–उतरना, ऊपर से नीचे आना, ठहरना, उतरना, सरकारी ज़मीन, मातियाबिंद।
नुज़ूलेइज्लाल (نزول اجلال) अ पु–किसी महान व्यक्ति का पदार्पण।
नुज़ूलेमा (نزول ما) अ पु–आँखों में पानी उतरने का रोग, मातियाबिंद।
नुज़ूलेवही (نزول وحی) अ पु–किसी पैग़म्बर पर ईश्वर का आदेश उतरना।
नुज्ज (نضج) अ पु–पकना, शरीर में दूषित धातु या मवाद का पककर इस योग्य होना कि वह दवा के ज़ोर से बाहर निकल सके।
नुज्जेकामिल (نضج کامل) अ पु–मवाद का पूरी तरह पककर इस क़ाबिल हो जाना कि शरीर से निकाला जा सके।
नुज़्ल (نزل) अ पु–आतिथ्य, ज़ियाफ़त, मेहमानदारी।
नुज़्हत (نزہت) अ स्त्री–उत्तमता, उम्दगी, पवित्रता, पाकीज़गी, दोष न होना, समृद्धि, ख़ुशहाली।
नुज़्हतकद: (نزہت کدہ) अ फा पु–दे 'नज़्हतगाह'।
नुतूल (نطول) अ पु–जोश दिये हुए दवाओं के पानी से शरीर के किसी अंग का धोना।
नुतुव (نتو) अ पु–जगह से हट जाना, टल जाना।
नुतुव्वेरहिम (نتورحم) अ पु–गर्भाशय का अपनी जगह से हट जाना, गर्भच्युति।
नुत्क़ (نطق) अ पु–शब्द, वाणी, बोली, वाक्शक्ति, वाचनशक्ति, गोयाई।
नुत्फ: (نطفہ) अ पु–वीर्य, शुक्र, मनी, संतान, औलाद, औरस पुत्र।
नुत्फ़एनातहक़ीक़ (نطفۂ ناتحقیق) अ फा पु–जिसके बाप का पता न हो, सकर, जारज।
नुद्ब: (ندبہ) अ पु–मृतक के लिए रोना, उसके शोक के गीत पढ़ना।
नुद्रत (ندرت) अ स्त्री–नूतनता, नवीनता, नयापन, अद्भुतता, विचित्रता, अजूबापन।
नुफ़ूज़ (نفوذ) अ पु–अंदर घुसना, सरायत करना।
नुफ़ूस (نفوس) अ पु–'नफ़्स' का बहु, व्यक्तियाँ, लोग।
नुफ़ूसे क़ुद्सीय: (نفوس قدسیہ) अ पु–पुनीतात्मा लोग, पाकनफ़्स लोग।
नुबुव्वत (نبوت) अ स्त्री–पैग़म्बरी, नबी होना।
नुम्ल: (نملہ) अ पु–ढेला जिससे इस्तिंजा करते हैं।

नुमा (نما) फा प्रत्य –दिखानेवाला, जैसे–'राहनुमा' रस्ता दिखानेवाला।

नुमाइंदः (نمایندہ) फा पुं –प्रतिनिधि, किसी व्यक्ति की जगह उसका नाइब।

नुमाइंदए ख़ुसूसी (نمایندۂ خصوصی) अ पु –किसी विशेष काम के लिए नियुक्त किया हुआ व्यक्ति-विशेष, मुख्य प्रतिनिधि।

नुमाइंदगी (نمایندگی) फा स्त्री –प्रतिनिधित्व, नियाबत।

नुमाइश (نمائش) फा स्त्री –प्रदर्शन, दिखावा; शृगार, सज्जा, सजावट, आराइश, वह मेला जिसमे किसी विशेष चीज को सबके सामने पेश किया जाय, जैसे–फूलो की नुमाइश, आम मेला, प्रदर्शनी।

नुमाइशगाह (نمائش گاہ) फा स्त्री.–वह स्थान जहाँ नुमाइश लगी हो।

नुमाइशी (نمائشی) फा वि –केवल देखने भर का; जो बोदा और कमजोर हो और काम मे न आ सके, नुमाइश से सम्बन्ध रखनेवाला।

नुमायाँ (نمایاں) फा वि –व्यक्त, जाहिर, स्पष्ट, वाजेह।

नुमू (نمو) अ स्त्री –उगना, बढना, विकसित होना।

नुमूद (نمود) फा स्त्री –आविर्भाव, जुहूर, धूम-धाम, तडक-भडक, ख्याति, शोहरत, उगना, निकलना,, अस्तित्व, हस्ती, प्रकट, प्रकाशित।

नुमूदार (نمودار) फा वि –आविर्भूत, व्यक्त, जाहिर, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

नुमूनः (نمونہ) फा पु –बानगी, नमूना, उदाहरण, मिसाल, आकृति, नक़्शा।

नुम्रूद (نمرود) फा पु –एक बहुत बडा अत्याचारी नरेश, जो अपने को ईश्वर कहता था और जिसने हज़्रत इब्राहीम को आग मे डलवाया था।

नुवेद (نوید) फा स्त्री –शुभ सूचना, खुशखबरी, निमत्रण, बुलावा, दे 'नवेद', उर्दू मे वही अधिक व्यवहृत है।

नुशूर (نشور) अ पु –मरे हुए व्यक्तियो का कियामत के दिन फिर से उठना।

नुशख्वार (نشخوار) फा. स्त्री –जुगाली।

नुसुक (نسک) अ स्त्री –'नस्क' का बहु, इबादते, कुर्बानियाँ।

नुसैरी (نصیری) अ पु –एक सम्प्रदाय जो हज़्रत अली को खुदा मानता है।

नुस्क (نسک) अ स्त्री –पूजा, आराधना, इबादत, कुर्बानी, बलि।

नुस्रत (نصرت) अ. स्त्री –सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

नुस्रतेहक़ (نصرتِ حق) अ. स्त्री –ईश्वर की सहायता; सत्य की शक्ति।

नुह (نہ) फा वि –नव, नौ, आठ और एक।

नुहाक़ (نہاق) अ पु –गधे की रेकन।

नुहालः (نحالہ) अ पु –गेहूँ आदि की भूसी, दे 'नुखाल'।

नुहास (نحاس) अ. पु –ताम्र, ताँबा।

नुहुम (نہم) फा. वि –नवम, नवाँ।

नुहूसत (نحوست) अ. स्त्री –दुर्भाग्य का होना, बदकिस्मती; अमगल, नामुबारकी, अविभूति, बेबरकती।

नुहज़त (نہضت) अ स्त्री –प्रस्थान, प्रयाण, कूच, रवानगी।

नुहज़तफर्मा (نہضت فرما) अ फा वि –जानेवाला, कूच करनेवाला, प्रस्थायी।

नुहबत (نہبت) अ स्त्री –लूटमार, गारतगरी।

नू

नूँ (نوں) अ पु –नून का लघु, दे 'नून'।

नून (نون) अ पु –एक अक्षर 'न', मत्स्य, मछली।

नूनेगुन्नः (نون غنہ) अ पु –अनुस्वार, वह 'न' जो नाक मे बोला जाय।

नूर (نور) अ पु –प्रकाश, ज्योति, आभा, रोशनी; शोभा, छटा, रौनक, चमक-दमक, मुखछटा, चेहरे की आबोताब, उजाला, हल्की रोशनी।

नूरअफ़्ज़ा (نورافزا) अ फा वि –रोशनी बढानेवाला।

नूरअफ़्शाँ (نورافشاں) अ फा वि –रोशनी फैलानेवाला।

नूरपाश (نورپاش) अ वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरफिशाँ (نورفشاں) अ फा वि –दे 'नूरअफ्शाँ'।

नूरबख्श (نوربخش) अ फा वि –प्रकाश देनेवाला।

नूरबाफ (نورباف) अ फा वि –कपड़ा बुननेवाला, जुलाहा।

नूरबार (نوربار) अ फा वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरानी (نورانی) अ वि.–प्रकाशमान, उज्ज्वल, मुनव्वर।

नूरी (نوری) अ. वि –नूर का, (फा) एक प्रकार का लाल तोता, खूबानी, जर्दालू।

नूरुन अलानूर (نورٌ علیٰ نور) अ. वि –नूर के ऊपर नूर, अत्यधिक प्रकाश, बहुत ही मागलिक और शुभ।

नूरुलऐन (نورالعین) अ पु –आँख की रोशनी, नेत्र-ज्योति, लडके के लिए बोलते है।

नूरे ऐन (نور عین) अ पु.–दे 'नूरुलऐन'।

नूरे चश्म (نور چشم) अ फा पु –आँख की रोशनी, लड़का, सुपुत्र।

नूरे जहाँ (نور جہاں) अ फा पु –ससार को प्रकाश देनेवाला।

नूरे दीदः (نور دیدہ) अ फा पु –दे 'नूरे चश्म'।

नूरे नजर (نور نظر) अ पु — नूरे चश्म।
नूरे निगाह (نور نگاہ) अ फा पु — 'नूरे चश्म'।
नूरे माह (نور ماہ) अ फा पु — चाँद की रोशनी चाँदनी, ज्योत्स्ना, चंद्रप्रभा कौमुदी चंद्रिका चंद्रातप।
नूरे मुजल्ला (نور مجلی) अ पु — छिटका हुआ और साफ नूर प्रकाश।
नूरे मुजस्सम (نور مجسم) अ पु — जो सर से पाँव तक नूर ही नूर हो जो नूर से बना हो आपादमस्तक प्रकाश।
नूरे शमअ (نور شمع) अ पु — मोमबत्ती का प्रकाश।
नूरे शम्स (نور شمس) अ पु — सूरज का प्रकाश धूप आतप।
नूरे सहर (نور سحر) अ पु — प्रातःकाल का उजाला।
नूह (نوح) अ पु — एक पैगम्बर जिनके समय में पानी का बहुत बड़ा तूफान आया था जिसमें सारा संसार नष्ट हो गया था, कुछ आदमी बचे थे, जिनकी संतान इस समय है।

ने

नेक (نیک) फा वि — उत्तम, श्रेष्ठ अच्छा मांगलिक शुभ मुबारक सदाचारी खुश अमल पुनीतात्मा धार्मिक सीधा सादा सरलस्वभाव कुलीन शरीफ सभ्य रहमदिल।
नेकअंजाम (نیک انجام) फा वि — वह काम जिसका परिणाम अच्छा हो।
नेकअंदेश (نیک اندیش) फा वि — भलाई सोचनेवाला शुभचिंतक।
नेक अख्तर (نیک اختر) फा वि — जिसके ग्रह अच्छे हो भाग्यवान।
नेकअख्लाक (نیک اخلاق) अ वि — जिसका स्वभाव मिलनसार हो, सुशील सज्जन।
नेकअमल (نیک عمل) फा अ वि — जिसका आचरण अच्छा हो सदाचारी।
नेकआ'माल (نیک اعمال) फा अ वि — दे नेक अमल।
नेकआ'माली (نیک اعمالی) फा अ स्त्री — सदाचार अच्छा आचरण साधु भाव।
नेकक़दम (نیک قدم) फा अ वि — जिसका आना कल्याणकारी हो।
नेककर्दार (نیک کردار) फा वि — शुद्धाचारी साधुवृत्त।
नेकखयाल (نیک خیال) फा अ वि — जिसके विचार शुद्ध हो शुचिव्रत पावनचरित बुद्धिशुद्ध।
नेकखस्लत (نیک خصلت) फा अ वि — जिसका स्वभाव अच्छा हो अतः शुद्ध साधु शील।
नेकखू (نیک خو) फा वि — जिसका स्वभाव शुद्ध हो सत्प्रकृति पुण्यस्वभाव।
नेकखूई (نیک خوئی) फा स्त्री — प्रकृति की शुद्धि स्वभाव की पवित्रता।
नेकख्वाह (نیک خواہ) फा वि — शुभचिंतक हितैषी हमदर्द।
नेकगुफ्तार (نیک گفتار) फा वि — मधुभाषी अच्छी बातें करनेवाला मिष्टभाषी, मीठी मीठी बातें करनेवाला।
नेकगुमान (نیک گمان) फा वि — जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हो जिसकी विचारधारा शुद्ध हो।
नेकतबअ (نیک طبع) फा अ वि — 'नेकखू'।
नेकतरीन (نیک ترین) फा वि — सबसे अच्छा सबसे अधिक नेक।
नेकतीनत (نیک طینت) फा अ वि — नेकखू।
नेकदिल (نیک دل) फा वि — जिसका हृदय नेक हो जो स्वभाव से पुनीत हो अतः शुद्ध पुण्यात्मा।
नेकनफ्स (نیک نفس) फा अ वि — नेकदिल।
नेकनफ्सी (نیک نفسی) फा अ स्त्री — आत्मशुद्धि दिल की सफाई।
नेकनाम (نیک نام) फा वि — जो बड़ा कीर्तिमान हो, उत्तम यश पुण्यश्लोक।
नेकनामी (نیک نامی) फा स्त्री — कीर्ति यश नामवरी।
नेकनिहाद (نیک نہاد) फा वि — अच्छे स्वभाववाला सदाशय, पावनचरित।
नेकनीयत (نیک نیت) फा अ वि — धर्मात्मा सत्यसंकल्प अंतःशुद्ध ईमानदार दियानतदार धर्मनिष्ठ।
नेकनीयती (نیک نیتی) फा अ स्त्री — अंतःशुद्धि पाकदिली ईमानदारी दियानतदारी।
नेकफर्जाम (نیک فرجام) फा वि — पुण्यात्मा नकनिल दे नेकअंजाम।
नेकफाल (نیک فال) फा वि — जिसका मिलना शिगुन दान जिसकी चर्चा मंगलकारी हो।
नेकबख्त (نیک بخت) फा वि — भाग्यवान सुशिक्षित सीधा-सादा भोला भाला।
नेकबीं (نیک بیں) फा वि — केवल अच्छाई देखनेवाला साधुदर्शी हर चीज का अच्छा पहलू देखनेवाला।
नेकमंजर (نیک منظر) फा अ वि — जो देखने में अच्छा लगे शुभदर्शन नेत्रप्रिय।
नेकमआश (نیک معاش) फा अ वि — 'बदमआश' का उल्टा जिसकी जीविका अच्छे पेशे से हो जिसकी कमाई शुद्ध हो।
नेकमनिश (نیک منش) फा वि — सत्प्रकृति, साधुशील सज्जन भला आदमी।
नेकमर्द (نیک مرد) फा वि — भलामानस, सज्जन।

नेकमह्जर (نیک محضر) फा अ वि—वह व्यक्ति जो दूसरो को उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति मे अच्छाई से ही याद करे।

नेकमिजाज (نیک مزاج) फा अ वि—दे 'नेकखू' अथवा 'नेकदिल'।

नेकमिजाजी (نیک مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता।

नेकरविश (نیک روش) फा वि—सदाचारी, सत्प्रकृति।

नेकराय (نیک رائے) फा वि—जिसकी राय और जिसकी सलाह सदा ठीक होती हो, सद्‌बुद्धि, साधुधी।

नेकराह (نیک راہ) फा. वि—सन्मार्गी, सत्पथीन, अच्छी राह पर चलनेवाला, सदाचारी।

नेकरोज (نیک روز) फा वि—समय जिसके अनुकूल हो, भाग्यवान्, जिसका वक्त वना हो।

नेकशिआर (نیک شعار) फा अ वि—जिसका व्यवहार नेक हो, साधुशील।

नेकसिफात (نیک صفات) फा अ वि—जिसमे अच्छे-अच्छे गुण हो, उत्तमयश।

नेकसियर (نیک سیر) फा अ वि—जिसके स्वभाव शुद्ध हो, अत पवित्र, पुनीतात्मा।

नेकसिरिश्त (نیک سرشت) फा वि—दे 'नेकखू'।

नेकसीरत (نیک سیرت) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकसूरत (نیک صورت) फा अ वि—जिसकी शक्ल सुन्दर हो, शुभदर्शन, जिसकी सूरत पर वुजुर्गी वरसती हो।

नेकू (نیکو) फा वि—दे 'नेक'।

नेकूई (نیکوئی) फा स्त्री—अच्छाई, भलाई, सुन्दरता, हुस्न।

नेकूकार (نیکوکار) फा वि—सदाचारी, पुण्यात्मा।

नेकूखसाइल (نیکوخصائل) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकूशमाइल (نیکوشمائل) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकूसिफात (نیکوصفات) फा अ वि—दे 'नेकसिफात'।

नेकूसियर (نیکوسیر) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेको (نیکو) फा वि—दे 'नेकू', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

नेफ़ः (نیفہ) फा पु—पाजामे का सूराख जिसमे कमरवद डाला जाता है।

ने'मत (نعمت) अ स्त्री—ईश्वर का दिया हुआ धन आदि, धन, दौलत, अच्छी-अच्छी चीजे।

ने'मतकदः (نعمت کدہ) अ फा पु—वह स्थान जहाँ अच्छी-अच्छी चीजे मिले, स्वर्ग, विहिश्त।

ने'मतखान· (نعمت خانہ) अ फा पु—वह मकान जिसमे भोज की सामग्री रहती हो, वह लकडी आदि का जालीदार सदूक जिसमे खाना रखा जाता है।

ने'मते उज्मा (نعمت عظمیٰ) अ स्त्री—वहुत वडी ने'मत।

ने'मते गैरमुतरक़्क़िबः (نعمت غیرمترقبہ) अ स्त्री—ऐसी नेमत जिसका हिसाव न लगाया जा सके, वहुत ही अधिक नेमत।

ने'मलवदल (نعم البدل) अ पु—किसी गयी या खायी हुई चीज की जगह विलकुल वैसी ही चीज।

नेश (نیش) फा पु—डक, दश, सुअर के आगे निकले हुए दाँत।

नेशजन (نیش زن) फा वि—डक मारनेवाला, जो डक से डसता है, वह व्यक्ति जो हानि पहुँचाने की ताक मे रहता हो।

नेशजनी (نیش زنی) फा स्त्री—विच्छू आदि का डक मारना, हानि पहुँचाना।

नेशदुम (نیش دم) फा पु—वृश्चिक, विच्छू।

नेशे अक्रब (نیش عقرب) फा अ पु—विच्छू का डक।

नेशे जंबूर (نیش زنبور) फा पु—भिड का डक।

नेस्त (نیست) फा वि—नही है, नास्ति, ध्वस्त, नष्ट, वरवाद।

नेस्ती (نیستی) फा स्त्री—ध्वस, वरवादी, तुहमत, तवाही; दरिद्रता, कगाली।

नेस्तोनावूद (نیست ونابود) फा वि—विनाट, विध्वस्त, जो विलकुल वरवाद हो गया हो।

नै

नै (نے) फा स्त्री—नरकट, नरसल, नय, बाँसुरी, वसी, अलगोजा।

नैचः (نیچہ) फा पु—हुक्के की नै।

नैजः (نیزہ) फा पु—कुत, शक्ति, शकु, भाला, वरछी, कलम का नरकट।

नैज.दार (نیزہ دار) फा वि—नैजा चलानेवाला।

नैज.वरदार (نیزہ بردار) फा वि—नैजा लेकर चलनेवाला, वरछी वाँधकर चलनेवाला।

नैज.वरदारी (نیزہ برداری) फा स्त्री—वरछी या भाला वाँधकर चलना।

नैज़ वाज (نیزہ باز) फा वि—वरछी और भाला चलाना जाननेवाला।

नैज.वाजी (نیزہ بازی) फा स्त्री—वरछी और भाला चलाने की महारत।

नैजक (نیزک) फा पु—छोटा नैजा।

नैजार (نیزار) फा पु—नरकट का जगल, जहाँ नरसल वहुत हो।

नैयिर (نیر) अ पु—सूर्य, सूरज, रवि, आफताव।

नयिरेन (نیرین) अ पु—दोनों सूरज या सूरज चाँद और सूरज।
नरग (نیرنگ) फा पु—छल धोखा फ़रेब माया तिलिस्म।
नरगबाज (نیرنگ‌باز) फा वि—मायावी धूर्त जादूगर छली मक्कार।
नरगबाजी (نیرنگ‌بازی) फा स्त्री—मायाजाल जादूगरी छल फ़रेब।
नरगसाज (نیرنگ‌ساز) फा वि—दे 'नरगबाज'।
नरगसाजी (نیرنگ‌سازی) फा स्त्री—दे 'नरगबाजी'।
नरगिए जमाना (نیرنگیٔ زمانہ) फा स्त्री—कालचक्र दुनिया का उलटफेर।
नरगिए नजर (نیرنگیٔ نظر) फा अ स्त्री—दृष्टि की विचित्रता दृष्टि का भ्रम।
नरगिए हुस्न (نیرنگیٔ حسن) फा अ स्त्री—सौन्दर्य का मायाजाल। हुस्न की शोबदबाजी।
नरगिए रोजगार (نیرنگیٔ روزگار) फा अ स्त्री—भाग्य-चक्र भाग्य का उलट फेर।
नरगी (نیرنگی) फा स्त्री—माया-भ्रम जादूगरी छल कपट फरेब तलव्वुन चित्त की चपलता।
नरगिए खयाल (نیرنگیٔ خیال) फा अ पु—खयाल का धोखा विचार भ्रम — नरगिए खयाल की अल्लाह रे शादियाँ—म सैर कर रहा हूँ चमन की बहार में।
नरगे आलम (نیرنگ عالم) फा अ पु—ससार की चित्र विचित्रता दुनिया का उलटफेर।
नरगे जमाना (نیرنگ زمانہ) फा पु—दे 'नरगे आलम'।
नरगे नजर (نیرنگ نظر) फा अ पु—वह चीज जो आँखो को भ्रम में डाल दे।
नल (نیل) अ पु—प्राप्त होना मिलना।
नले मराम (نیل مرام) अ पु—मनोरथ की प्राप्ति मक़सद हासिल होना।
नश्कर (نیشکر) ईख इक्षु गन्ना।
नसा (نیساں) फा पु—चैत्र-वैशाख (वसन्त) की बारिश जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इस पानी की हर बूँद सीप में मोती बन जाती है चैत्र-वैशाख वसन्त का मास।

नो

नोक (نوک) फा स्त्री—हर चीज का तेज सिरा बाँकपन दून डींग आन-बान।
नोकदार (نوکدار) फा वि—जिसमे नोक हो।
नोजदह (نوزده) फा वि—उन्नीस।
नोजदहुम (نوزدہم) फा वि—उन्नीसवाँ।

नोश (نوش) फा पु—अमृत सुधा आबेहयात स्वादिष्ठ पेय (प्रत्य) पीनेवाला जैसे— मयनोश शराबपीनेवाला।
नोशखद (نوش خند) फा पु—'जहरखंद' का उलटा मधुर हास प्यारी हँसी।
नोशदारू (نوشدارو) फा स्त्री—जहर उतारनेवाली दवा तिर्याक़ विषहर मदिरा मद्य शराब।
नोशादुर (نوشادر) फा पु—नौसादर एक क्षार शुद्ध म यह उच्चारण नहीं है।
नोशाब (نوشاب) फा पु—दे नोशाबा बर्दा' बाइबा (ईरान) की एक रानी जिसे सिकन्दर ने कष्ट से छुड़ाया था।
नोशाब (نوشاب) फा पु—अमृत-जल सुधा आबेहयात शराब मदिरा।
नोशानोश (نوشانوش) फा स्त्री—खूब पीना और बार-बार पीना।
नोशिदा (نوشنده) फा वि—पीनेवाला।
नोशी (نوشیں) फा वि—स्वादिष्ठ सुस्वादु खुशमजा।
नोशीदा (نوشیده) फा वि—पिया हुआ।
नोशीदनी (نوشیدنی) फा अव्य—पीने के लायक पेय।
नोशेजाँ (نوش جاں) फा पु—खाना।
नोशरवाँ (نوشیرواں) फा पु—दे 'नौशरवाँ' दोनों रूप शुद्ध है।

नौ

नौ (نو) फा वि—नवीन नूतन नया तत्कालीन हाल का ताजा हरा भरा।
नौअ (نوع) अ स्त्री—जाति जो एक-सी सब चीजो को शामिल हो जैसे—आदमी घोड़ा आदि प्रकार किस्म तरह आकार प्रकार वजा-क़ता।
नौअरूस (نوعروس) फा अ वि—नवविवाहित नव विवाहिता।
नौअस्सान चमन (نوعروسان چمن) फा अ वि—बाग के नए जमे हुए पौधे।
नौअरूसी (نوعروسی) फा अ स्त्री—नया विवाह।
नौआईन (نوآئیں) फा वि—शोभनीय ललित अबा शृंगारित सुसज्जित आरास्ता।
नौआबाद (نوآباد) फा वि—वह प्रदेश या इलाक़ा जो हाल में ही बसाया गया हो नवबसित वह बंजर ज़मीन जो हाल में ही काश्त के लिए तोड़ी गयी हो।
नौआबादियात (نوآبادیات) फा स्त्री—वे इलाक़े या प्रदेश जो पश्चिमी राष्ट्रों ने दुनिया के भिन्न-भिन्न स्थानों पर बसाए हैं और वहाँ उनका राज था या है कालोनीज उपनिवेश।

नौआबादी (نوآبادی) फा स्त्री —नया आबाद किया हुआ मुल्क, कालोनी, उपनिवेश।

नौआमद (نوآمده) फा वि —हाल का आया हुआ, जो अभी आया हो, नवागत।

नौआमोज़ (نوآموز) फा. वि.—नौसिखिया, अनाड़ी, जिसने कोई काम अभी सीखना आरंभ किया हो, नव-शिक्षित।

नौआमोज़ी (نوآموزی) फा स्त्री —नौसिखियापन।

नौईजाद (نوایجاد) फा अ वि —जो चीज़ अभी हाल में आविष्कृत हुई हो, नवाविष्कृत।

नौईयत (نوعیت) अ स्त्री —प्रकार, किस्म, विशेषता, खुसूसियत।

नौउम्र (نوعمر) फा अ वि.—अल्पवयस्क, कमसिन, लड़का, बालक।

नौउम्री (نوعمری) फा अ स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्प-वयस्कता, कमसिनी।

नौए इंसानी (نوع انسانی) अ स्त्री —मानव-जाति, आदम की सतान।

नौए दिगर (نوع دگر) अ फा स्त्री —दूसरे प्रकार का, बदला हुआ, विकृत, बिगड़ा हुआ, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

नौकर (نوکر) तु पु —सेवक, दास, चाकर।

नौकर्दःकार (نوکردہکار) फा वि —जिसने कोई काम नया-नया किया हो।

नौकार (نوکار) फा वि —ताज़ा, हाल का, जिसने अभी काम प्रारंभ किया हो।

नौकीसः (نوکیسه) फा वि —दे 'नौदौलत'।

नौख़त (نوخط) फा वि —जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल निकलना शुरु हुए हो, अकुरितयौवन।

नौख़ास्तः (نوخاسته) फा वि —नया जमा हुआ, नया पट्ठा, नवयुवक, नातजुर्बाकार, अननुभवी।

नौख़ेज़ (نوخیز) फा वि.—दे 'नौख़ास्त', नया उगा हुआ, नवोदित, नवांकुरित।

नौगिरिफ्तार (نوگرفتار) फा वि —जो नया-नया फँसा हो, जो हाल में ही कैद हुआ हो, जो नया-नया किसी काम में पड़ा हो, जिसने नया-नया किसी को दिल दिया हो।

नौचः (نوچه) फा पु —नवयुवक, नयी जवानीवाला, (स्त्री) नौची, नवयुवती।

नौजवाँ (نوجواں) फा पु —'नौजवान' का लघु, दे 'नौजवान'।

नौजवान (نوجوان) फा पु —जिसकी युवावस्था का आरभ हुआ हो, नया पट्ठा, नवयुवक।

नौजवानी (نوجوانی) फा स्त्री —युवावस्था, नयी जवानी।

नौज़ाईदः (نوزائیده) फा. वि —जो हाल मे ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात।

नौदामाद (نوداماد) फा. पु —वर, दूल्हा।

नौदौलत (نودولت) फा. अ वि —जिसने नयी-नयी संपत्ति पायी हो, जो नया-नया अमीर हुआ हो; जो नयी-नयी दौलत पाकर इतरा गया हो।

नौदौलती (نودولتی) फा अ स्त्री —नयी-नयी सपत्ति की प्राप्ति, नया-नया धनवान् होना।

नौनियाज़ (نونیاز) फा वि —वह लड़का जिसने अभी पढ़ना-लिखना आरभ किया हो, वह व्यक्ति जो नया-नया किसी पर मोहित हुआ हो।

नौनिहाल (نونهال) फा वि —नया पौधा, नया पेड़; नौउम्र, बालक, बच्चा।

नौनिहालाने चमन (نونهالان چمن) फा. वि —बाग के नये-नये पौधे।

नौपैदा (نوپیدا) फा वि —जो हाल मे ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात, नौज़ाईद।

नौबत (نوبت) अ स्त्री —ओसरी, बारी, दशा, हालत, बार, दफा, राजाओ और अमीरो के दरवाज़े पर बजने-वाली शहनाई।

नौबतख़ानः (نوبتخانه) अ फा पु —जहाँ शहनाई बजती हो, नक्कारख़ाना।

नौबतगाह (نوبتگاه) अ फा स्त्री —दे 'नौबतख़ान', कारागार, कैदख़ाना।

नौबतज़न (نوبتزن) अ. फा वि —नौबत बजानेवाला, नक्कारची।

नौबतनवाज़ (نوبتنواز) अ फा वि —दे 'नौबतज़न'।

नौबत व नौबत (نوبت بنوبت) अ फा वि —बारी-बारी से, एक के बाद दूसरा, अपनी-अपनी बारी पर।

नौबती (نوبتی) अ वि —बारी का, बारी से होनेवाला, नक्कारची, नौबतनवाज़, पहरेदार, पासबान, बड़ा ख़ेमा।

नौ ब नौ (نو به نو) फा वि —नया-नया, ताज़ ब ताज़।

नौबर्ग (نوبرگ) फा वि —नया पत्ता, मजरी।

नौबर्दः (نوبرده) फा तु. वि —नया ख़रीदा हुआ दास।

नौबहार (نوبهار) फा वि —बसत ऋतु, बहार का मौसम, वह चीज़ जिस पर ताज़ा रौनक हो।

नौम (نوم) अ पु —सोना, स्वप्न, स्वाप।

नौमश्क़ (نومشق) फा अ वि —नौसिखिया, अनाड़ी।

नौमश्क़ी (نومشقی) फा अ स्त्री —नौसिखयापन।

मीद।

नौमीदा (نومید) फा अय—निराशा की हालत में, नाउम्मीदा जसा।
नौमीदी (نومیدی) फा स्त्री—निराशा, नाउम्मीदी।
नौमुस्लिम (نومسلم) फा अ वि—जो नया-नया मुसल्मान हुआ हो जो खानदानी मुसल्मान न हो।
नौर (نورہ) अ पु—चूना, जिसकी दीवारों पर पुताई होती है।
नौरस (نورس) फा वि—नया पका हुआ फल हर नयी चीज।
नौरुस्त (نورستہ) फा वि—नया उगा हुआ।
नौरोज (نوروز) फा पु—साल का पहला दिन ईरानियों म फवरदीन मास का पहला दिन जिसम वह बहुत बड़ा उत्सव मनाते ह।
नौरोजी (نوروزی) फा वि—साल के पहले दिन का जश्न—जश्ने नौरोजी।
नौवारिद (نووارد) फा अ वि—नया आया हुआ, नवागत पथिक मुसाफिर।
नौश (نوشہ) फा पु—वर दूल्हा।
नौशेरवाँ (نوشیرواں) फा पु—सासानी वंश का एक ईरानी नरेश जो अपनी न्यायपरायणता के लिए प्रसिद्ध है। यह सन ५०१ ई० म तख्त पर बठा था हजरत मुहम्मद साहब इसी के समय में उत्पन्न हुए थे।
नौसफर (نوسفر) फा अ वि—जिसने पहले पहल सफर किया हो।
नौसवार (نوسوار) फा वि—जिसने घोड़े की सवारी नया नयी सीखी हो।
नौह (نوحہ) अ पु—मृतक के लिए रोना-पीटना रुदन करना उर्दू पद्य की एक किस्म जिसम करबला के शहीदों पर शोक प्रकट होता है।
नौहख्वाँ (نوحہ خواں) अ फा वि—मृतक पर विलाप करनेवाला करबला के शहीदों का नौह पढ़नेवाला।
नौहख्वानी (نوحہ خوانی) अ फा स्त्री—मृतक के लिए विलाप मुहर्रम की मज्लिस म नौह पढ़ना।
नौहगर (نوحہ گر) अ फा वि—दे नौहख्वाँ।
नौहगरी (نوحہ گری) अ फा स्त्री—दे नौहख्वानी।
नौहए ग़म (نوحۂ غم) अ पु—मृतक शोक मुर्दे का मातम।
नौहए मातम (نوحۂ ماتم) अ फा पु—दे नौहए ग़म।

प

पचक (پنچک) फा स्त्री—चर्खे की पानी जिसम से तार निकलता है।
पज (پنجہ) फा पु—उंगलियों समेत हथेली प्रहस्त अल्पबुध प्रताप अधिकार कब्जा ताश का पांच बुंदकियों वाला पत्ता पांच वस्तुओं का समष्टि, सहायता मदद।
पज (پنجہ) फा पु—नृत्य का एक प्रकार जिसमें वनवासी स्त्रियाँ एक दूसरे का हाथ पकड़कर नाचती ह।
पजकश (پنجہ کش) फा वि—पंजा लड़ानेवाला (पु) लोहे का पंजा जसा एक यंत्र जिसम पंजा डालकर जोर करते हैं (نوشادر)।
पजकशी (پنجہ کشی) फा स्त्री—पंजा लड़ाना पंजे द्वारा जोर करना, बलपरीक्षा जोर आजमाना।
पजनुमा (پنجہ نما) फा वि—पंजे के आकार का पत्ता जसा।
पजगुस्त (پنجہ گست) फा पु—एक वृक्ष, सभालू।
पज (پنج) फा वि—पाँच, पंच पांच की संख्या, पांच वस्तुएं।
पजअर्कान (پنج ارکان) फा अ पु—मुसल्मानों की पांच धार्मिक कृतियाँ—कलिमा नमाज रोजा जकात और हज।
पजआयत (پنج آیت) फा अ स्त्री—कुरान की पांच छोटी-छोटी आयत जो प्राय फातहे में पढ़ी जाती ह।
पजए अल्मास (پنجۂ الماس) फा पु—पंजे के आकार का वह लौहिक यंत्र, जिसम पहलवान पंजा डालकर जोर करते ह पंजकश।
पजए आफताब (پنجۂ آفتاب) फा पु—सूर्य अपनी किरणों समेत।
पजए खुरशीद (پنجۂ خورشید) फा पु—दे पंजए आफताब।
पजए निगारीं (پنجۂ نگاریں) फा पु—प्रेमिका का चित्रित पंजा जिसम मेहंदी या महावर म नक्श निगार बने हो।
पजए मर्जाँ (پنجۂ مرجاں) फा अ पु—मूंगा का पेड़ जो पंजे के आकार का होता है।
पजए मर्यम (پنجۂ مریم) फा अ पु—पंजे की आकृति का एक मुट्ठीवत पौधा जो पानी में डालने से खुलता है और प्रसववेदनाग्रस्ता यदि उसे देखती रहे तो उसकी पीड़ा जाती रहती है और बच्चा सुगमता से उत्पन्न हो जाता है।
पजए मिज्गाँ (پنجۂ مژگاں) फा पु—पलकों की कतार।
पजगज (پنج گنج) फा पु—पांचों इन्द्रियाँ पांचों वक्त की नमाज पवेज की आठ निधियों में से पांच।
पजगान (پنج گانہ) फा वि—पांच प्रकार का पांच उपासना पचसूत्री पांच समय की नमाज।
पजगुस्त (پنج گست) फा पु—दे पंजगस्त।
पजगून (پنج گونہ) फा वि—पांच गुना पांच प्रकार का।

पंजगोशः (پنج گوشہ) फा वि –पाच कोनोवाला, पचकोण, पँचकोना, जिसमे पाँच पहलू हो।

पंजतन (پنج تن) फा पु –पाँच व्यक्ति, अर्थात्, हज़्रत मुहम्मद, हज़्रत अली, हज़्रत फातिम. और उनके दोनो पुत्र, इमाम हसन और इमाम हुसैन।

पंजनोश (پنج نوش) फा पु –मडूर, लोहे का मैल, पारा, ताँवा, लोहा, अभ्रक और मडूर का एक रासायनिक मिश्रण।

पंजनौवत (پنج نوبت) फा अ स्त्री –वह नौवत जो राजाओ और वादशाहों के द्वार पर पाँचो वक्त वजती है, वह पाच वाजे जो नौवत मे वजते है, पाँचो वक्त की अजान।

पंजपा (پنج پا) फा पु –पाँच पाँववाला, अर्थात् केकड़ा।

पंजपायः (پنج پایہ) फा पु –दे 'पजपा'।

पंजरः (پنجرہ) फा पु –हर वह वस्तु जो जालीदार हो, मकान की जाली, पिजडा, विनस, खिडकी, गवाक्ष।

पंजर (پنجر) फा पु –'पजर' का लघु, शरीर का ढाँचा, अस्थि-पजर।

पंजरोज़ः (پنج روزہ) फा वि –पाँच दिनो का, पाँच दिनो मे समाप्त होनेवाला, थोडे दिनो का, अस्थायी।

पंजवक्त. (پنج وقتہ) फा अ. वि –पाँचो समयवाला, पाँचो समय की नमाज।

पंजशंवह (پنج شنبہ) फा पु –वृहस्पतिवार, वीर वार, जुमेरात।

पंजशाख. (پنج شاخہ) फा पु –पाँच शाखाओवाली वस्तु, एक लम्बी लकडी जिसमे वहुत-सी मशाले खोस लेते है और वरात आदि मे जलाते हैं।

पंजसालः (پنج سالہ) फा वि –पाच साल में समाप्त होनेवाला, पाँच साल मे एक वार पडनेवाला, पाँच साल की आयु का।

पंजसूरः (پنج سورہ) फा स्त्री –कुरान की पांच वहुत छोटी सूरते जो फातहे मे पढी जाती हैं।

पंजहजारी (پنج ہزاری) फा पु –मुगल शासन-काल का एक वहुत वडा पद।

पंजहिस[स्स] (پنج حس) फा अ स्त्री –पाँचो इंद्रियाँ–श्रवण शक्ति, नेत्र शक्ति, स्पर्श शक्ति, घ्राण शक्ति, स्वादेद्रिय।

पंजाह (پنجاہ) फा वि –पचास।

पंजाहुम (پنجاہم) फा वि –पचासवाँ।

पंजुम (پنجم) फा वि –पाँचवाँ।

पंजुमी (پنجمیں) फा वि.–पाँचवाँ।

पंद (پند) फा स्त्री –हितोपदेश, नसीहत, सदुपदेश, वा'ज, परामर्श, सलाह, शिक्षा, सीख, अच्छी वात का ज्ञान।

पंदआमेज़ (پند آمیز) फा वि –नसीहत से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण, उपदेशपूर्ण।

पंदआमोज़ (پند آموز) फा वि –नसीहत सिखानेवाला, नसीहत सीखनेवाला।

पंदगर (پندگر) फा वि –उपदेश देनेवाला, उपदेशक, नसीहत करनेवाला।

पंदगो (پندگو) फा वि –दे 'पदगर'।

पंदसूदमंद (پند سودمند) फा पु –लाभप्रद उपदेश।

पंदनामः (پندنامہ) फा पु –वह पत्र जिसपर उपदेश लिखे हो, उपदेशो की पुस्तक।

पंदनियोश (پندنیوش) फा वि –उपदेश सुननेवाला, उपदेश सुनकर उस पर कान धरनेवाला, माननेवाला।

पंदिदः (پندندہ) फा वि –उपदेश देनेवाला, उपदेशक।

पंदीदः (پندیدہ) फा वि –जिसे उपदेश दिया गया हो।

पंदोनसीहत (پندونصیحت) फा अ स्त्री –नसीहत की वाते।

पंवः (پنبہ) फा पु –कपास, रुई, तूल।

पंवःदरगोश (پنبہ درگوش) फा. वि –कानो मे रुई ठूँसे हुए, अर्थात् किसी की वात न सुननेवाला।

पंव दहन (پنبہ دہن) फा वि –मुँह मे रुई भरे हुए, अर्थात् चुपचाप, मौन।

पंव.दहाँ (پنبہ دہاں) फा वि –दे 'पंव दहन'।

पंवःदानः (پنبہ دانہ) फा पु –कपास का वीज, विनौला।

पंवःवगोश (پنبہ بگوش) फा वि –दे 'पंव.दरगोश'।

पंवए ज़ख्म (پنبۂ زخم) फा पु –घाव पर रखने की रुई, फाहा।

पंवए मीना (پنبۂ مینا) फा पु –शराव के शीशे पर लगी हुई रुई, रुई की डाट, पहले कार्क के स्थान पर रुई की डाट होती थी।

पंवकी (پنبکی) फा वि –रुई से वना हुआ, सूती।

पक्नः (پکنہ) फा वि –मोटा और वौना व्यक्ति।

पख (پخ) फा स्त्री –अडगा, पच्चड, दोप, ऐव, कठिनता, दिक्कत, विघ्न, वाधा।

पख्च (پخچ) फा वि –कूटा हुआ, फैलाया हुआ, नीचा, पस्त, मुर्झाया हुआ।

पख्तः (پختہ) फा पु –विनौला निकली हुई कपास, रुई, तूल।

पख्तो (پختو) फा स्त्री –दे शु. उ 'पुख्तो'।

पज्मान (پژمان) फा वि –उदास, गमगीन, मलिन, खिन्न, अफसुर्द।

पल्लीचः (پخلیچہ) फा पु –दे 'पखच' ...

पज़लूच (پجلوچ) फा पु–गुलगुदी।
पलस (پلس) फा वि–पिघला हुआ द्रवित, अप्रफुल्ल, पज़मुर्द।
पलसीद (پلسیده) फा वि–खिन्न, मलिन अपसुर्द, दुखित रंजीद।
पग (پگ) फा पु–गोली गुल्ला।
पगह (پگه) फा स्त्री–'पगाह' का लघु, दे पगाह।
पगाह (پگاه) फा स्त्री–प्रातःकाल सवेरा तड़का।
पगाहतर (پگاهتر) फा स्त्री–गजरदम बहुत तड़के, वासर सग, ब्राह्म मुहूर्त।
पचवाक (پچواک) फा पु–अनुवाद उल्था तर्जुमा।
पज (پزه) फा पु–दोहरे कपड़े में नीच का कपड़ा अस्तर।
पज (پج) फा पु–पर्वत पहाड़।
पज (پز) फा प्रत्य–पकानेवाला जैसे 'खिश्तपज़' इंट पकानेवाला।
पज (پژ) फा पु–पीप मवाद मल मल जीर्ण, पुराना।
पज़न (پژن) फा स्त्री–चील पक्षी चिल्ल।
पज़मान (پژمان) फा वि–दे पज़्मान।
पज़मुर्द (پژمرده) फा वि–खिन्न मलिन उदास दुखित ग़मगीन दे पिज़मुर्द दो शुद्ध हैं।
पज़मुर्द ख़ातिर (پژمرده خاطر) फा अ वि–दे पज़मुर्द दिल।
पज़मुर्द दिल (پژمرده‌دل) फा वि–जिसका मन उदास हो खिन्नमनस्क अप्रसन्नचित्त।
पज़मुर्द रू (پژمرده‌رو) फा वि–जिसका चेहरा उदास हो मलिनमुख अप्रसन्नमुख।
पज़मुर्दगी (پژمردگی) फा स्त्री–उन्मनीनता खिन्नता अपसुर्दगी।
पज़मुर्दनी (پژمردنی) फा वि–खिन्न होने योग्य पज़मुर्द होने के क़ाबिल।
पज़ार (پزار) फा पु–पर्वत पहाड़।
पज़ाव (پزاوه) फा पु–ईंट या चूना पकाने का भट्ठा उर्दू में केवल ईंट के भट्ठे के लिए आता है।
पज़ीर (پذیره) फा पु–स्वीकार करना कबूल करना किसी के सामने जाना मक़बूल माना हुआ दे पिज़ीर दोनो शुद्ध हैं।
पज़ीर (پذیر) फा अव्य–स्वीकार करनेवाला जैसे 'पाज़िरा पज़ीर' उज़्र कबूल करनेवाला दे 'पिज़ीर' दोनों शुद्ध हैं।
पज़ीरा (پذیرا) फा वि–स्वीकृत अंगीकृत कबूल दे [illegible]रा, दोनो शुद्ध हैं।
पज़ीराई (پذیرائی) फा स्त्री–स्वीकृति अंगीकृति मंज़ूरी क़बूलियत दे पिज़ीराई दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोह (پژوه) फा प्रत्य–ढूंढनेवाला जैसे–'हक़पज़ोह' सत्य का खोजी, दे 'पिज़ोह' दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहिंद (پژوهنده) फा वि–ढूंढनेवाला जिज्ञासु खोजी दे पिज़ोहिंद दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहिश (پژوهش) फा स्त्री–खोज जिज्ञासा तलाश दे पिज़ोहिश दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहीद (پژوهیده) फा वि–खोजा हुआ ढूंढा हुआ जिज्ञासित दे पिज़ोहीद, दोनो शुद्ध हैं।
पतंग (پتنگ) फा पु–गवाक्ष खिड़की रोशनदान।
पतगीर (پتگیر) फा स्त्री–छेनी टांकी।
पतर (پتر) फा पु–लोहे का तख़्ता पत्र।
पतीर (پتیره) फा पु–घिनावनी और निकृष्ट वस्तु।
पतील (پتیل) फा पु–चिराग़ की बत्ती।
पतयार (پتیاره) फा पु–आपत्ति विपत्ति, मुसीबत दबी आपत्ति बला।
पद (پد) फा पु–वह पेड़ जिसमें फल न लगते हों।
पदरुस्त (پدرسته) फा वि–दुखित क्लेशित रंजीदा खिन्न मलिन, उदास।
पदीद (پدید) फा वि–प्रकट व्यक्त आविर्भूत ज़ाहिर, दे पिदीद दोनो शुद्ध हैं।
पदीदार (پدیدار) फा वि–दे पदीद।
पद्रव (پدرود) फा स्त्री–बिदा रुख़्सत त्याग तर्क।
पनाह (پناه) फा स्त्री–रक्षा त्राण, हिफ़ाज़त आश्रय सहारा पक्षपोषण हिमायत प्राण रक्षा, जान का बचाव।
पनाहगाह (پناهگاه) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ सुरक्षित रहा जा सके वह स्थान जहाँ से भरण-पोषण हो और सहायता मिले।
पनाह बख़ुदा (پناه بخدا) फा वा–ईश्वर बचाये।
पनाहे बेकसाँ (پناه بیکساں) फा स्त्री–निराश्रय लोगों की रक्षा करनेवाला।
पनीर (پنیر) फा पु–दही का पानी निकालकर उसमें नमक मिलाकर बनाया हुआ एक खाद्य।
पनीरमाय (پنیرمایه) फा पु–एक दवा जो बकरी या ऊंट आदि के हाल के ब्याए हुए बच्चे को उसकी माँ का खूब दूध पिलाकर और फिर उसका वध करके उसके आमाशय को सुखाकर बनाते हैं।
पनीरी (پنیری) फा वि–पनीर का पनीर लगा हुआ पनीर से सम्बन्ध रखनेवाला।

पयंवर (پیمبر) फा पु –ईश-दूत, अवतार, पैगम्बर।
पयंवरानः (پیمبرانه) फा वि –पयवरो-जैसा, अवतारो-जैसा।
पयंवरी (پیمبری) फा. स्त्री –पयंवर का पद, पयवर सम्बन्धी; पयंवर का।
पयंवरे वक़्त (پیمبر وقت) फा अ. पु –अपने समय मे ऐसे चमत्कारपूर्ण कार्य करनेवाला, जिन्हे केवल ईशदूत ही कर सकता हो।
पय (پے) फा पु –पांव, चरण, पदचिह्न, पाँव का निशान, पीछा, वार, दफा; पट्ठा, स्नायु, दे 'पै'।
पय दर पय (پے در پے) फा वि –बार-बार, बारबार, लगातार, निरन्तर, मुसल्सल, दे 'पै दर पै'।
पय व पय (پے به پے) फा वि –दे 'पय दर पय'।
पयादः (پیاده) फा पु –पैदल चलनेवाला, चपरासी, सिपाही, हरकारा, डाकिया, सेना का पैदल सिपाही, शत्रज का पैदल।
पयादःनिज़ाम (پیادہ نظام) फा. अ पु –सैनिक, फौजी; पियादा, फौजी।
पयादःपा (پیادہپا) फा वि –पाँव-पाँव चलनेवाला, पैदल चलनेवाला।
पयादःपाई (پیادہپائی) फा स्त्री –पाँव-पाँव विना सवारी के चलना।
पयापय (پیاپے) फा वि –दे 'पय दर पय'।
पयाम (پیام) फा पु –समाचार, खबर, सदेश, सदेसा; सगाई की बातचीत।
पयामबर (پیامبر) फा वि –खवर ले जानेवाला, सदेश पहुँचानेवाला, दूत, सदेशवाहक।
पयामबरी (پیامبری) फा स्त्री –खवर ले जाना, सदेश पहुँचाना।
पयामवुर्दः (پیامبرده) फा वि –सदेश या खबर लेकर गया हुआ।
पयामरसाँ (پیامرساں) फा वि –संदेश अथवा खवर पहुँचानेवाला।
पयामरसानी (پیامرسانی) फा स्त्री –सदेश या खवर पहुँचाना।
पयामरसी (پیامرسی) फा स्त्री –सदेश या खवर पहुँचना।
पयामी (پیامی) फा वि –पयाम ले जानेवाला, सदेश-वाहक, समाचार ले जानेवाला, खवररसाँ।
पयामोसलाम (پیام وسلام) फा अ पु –दूसरे के द्वारा दो व्यक्तियो की वातचीत।
परंदः (پرنده) फा पु –पक्षी, चिडिया।
परंद (پرند) फा पु –पक्षी; तलवार; सादा रेशमी कपड़ा; तलवार का जौहर, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परः (پره) फा पु –पक्ति, क़तार, कुफुल की झड, घास का तिन्का, छोर, किनारा।
पर (پر) फा पु –पक्ष, पख।
परअफ़्गंदः (پرافگنده) फा वि –जिसके पर झड गये हो, अर्थात् विवश, लाचार।
परअफ़्गंदगी (پرافگندگی) फा स्त्री –पर झड जाना, विवशता, लाचारी।
परअफ़्शाँ (پرافشاں) फा वि –दे 'परफिशाँ'।
परअफ़्शानी (پرافشانی) फा. स्त्री –दे 'परफिशानी'।
परक़ाज़ः (پرقازه) फा पु –चित्रकार की कूची, तूलिका।
परकार (پرکار) फा. स्त्री –दे 'पर्कार'।
परकालः (پرکاله) फा पु.–दे 'पर्काल'।
परख़ाश (پرخاش) फा स्त्री –दे 'पर्ख़ाश'।
परगनः (پرگنه) फा. पु –दे 'पर्गन'।
परचीं (پرچیں) फा स्त्री –दे. 'पर्चीं'।
परताव (پرتاب) फा पु –दे 'पर्ताव'।
परतौ (پرتو) फा पु –दे 'पर्तौ'।
परदाख़्तः (پرداختہ) फा. वि –दे 'पर्दाख़्त'।
परदाख़्त (پرداخت) फा स्त्री –दे 'पर्दाख़्त'।
परदाज़ (پرداز) फा पु –दे 'पर्दाज़'।
परदार (پردار) फा वि –जिसके पर हो।
परदोख़्तः (پردوختہ) फा वि –जिसके पर सी दिये गये हो, जो उड न सके, अर्थात् विवश, लाचार।
परन (پرن) फा स्त्री –कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परनियाँ (پرنیاں) फा पु –दे 'पर्नियाँ'।
परपा (پرپا) फा पु –घाघस कबूतर, वह कबूतर जिसके पाँव मे पर होते है।
परफिशाँ (پرفشاں) फा वि –पर झाडनेवाला, पर फट-फटानेवाला, अर्थात् सासारिक सुखो का त्यागी।
परफिशानी (پرفشانی) फा स्त्री –सासारिक सुखो का त्याग, निवृत्ति।
परबंद (پربند) फा वि –दे 'परबस्त'।
परबस्तः (پربستہ) फा वि –जिसके पर बँधे हो, जो उडने मे असमर्थ हो, विवश, लाचार।
परबुरीदः (پربریده) फा वि –जिसके पर काट दिये गये हो, अर्थात् असमर्थ, मजबूर।
पररेख़्तः (پرریختہ) फा वि –पर झडा हुआ, जो उड न सके, असमर्थ, विवश।
परवरिश (پرورش) फा स्त्री –दे 'पर्वरिश'।

परवद (پروده) फा वि—दे 'पर्वद'।

परवाज़ (پرواز) फा स्त्री—उड़ना दे 'पर्वाज़', अपने मर्कज़ की तरफ मायले परवाज़ था हुस्न भूलता ही नहीं आलम तेरी अँगड़ाई का।—अजीज़।

परवान (پروانه) फा पु—पतंगा शलभ, आदेशपत्र हुक्मनामा राजादेश फर्मान भक्त फ़िदाई मुग्ध आसक्त, फरेफ्ता वह कुत्ते बराबर जन्तु जो सिंह के आगे आगे चलता है।

परवानवार (پروانه‌وار) फा अ वि—परवाने की तरह जैसे शलभ दीपक की ओर जाता है, ऐसे बड़े वेग और उत्साह के साथ।

परवानए गिरिफ्तारी (پروانهٔ گرفتاری) फा पु—गिरिफ्तारी का वारंट।

परवानए राहदारी (پروانهٔ راهداری) फा पु—पासपोर्ट पारपत्र।

परवानगी (پروانگی) फा स्त्री—आज्ञा अनुमति इजाज़त।

परवीं (پروین) फा स्त्री—दे 'पर्वीं'।

परवेज़ (پرویز) फा पु—दे 'पर्वेज़'।

परवेज़न (پرویزن) फा स्त्री—दे 'पर्वेज़न'।

परशिकस्त (پرشکسته) फा वि—जिसके पर टूट गये हों जो उड़ न सके अर्थात विवश, असमर्थ अशक्त लाचार।

परसियावशाँ (پرسیاوشان) फा स्त्री—एक वनस्पति हंसराज।

परसुम (پرسم) फा प—दे 'पसम'।

परसोख़्त (پرسوخته) फा वि—जिसके पर जल गये हों अर्थात असमर्थ लाचार विवश।

परस्त (پرست) फा अव्य—पूजनेवाला जैसे—'बुतपरस्त' मूर्ति पूजनेवाला।

परस्तार (پرستار) फा वि—पूजनेवाला उपासक आविर्भक्त फ़िदाई।

परस्तारज़ाद (پرستارزاده) फा पु—दासीपुत्र लौंडी का बच्चा।

परस्तारी (پرستاری) फा स्त्री—पूजा आराधना इबादत भक्ति फ़िदाइयत।

परस्तिंद (پرستنده) फा वि—पूजनेवाला पूजक आराधक।

परस्तिश (پرستش) फा स्त्री—पूजा आराधना इबादत बहुत अधिक प्रेम।

परस्तिशकद (پرستشکده) फा पु—दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशख़ान (پرستشخانه) फा प—दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशगाह (پرستشگاه) फा स्त्री—पूजा का स्थान आराधनालय इबादतगाह।

परस्तीद (پرستیده) फा वि—जिसकी पूजा की जाय पूजित आराधित, पूज्य आराध्य।

परस्तीदनी (پرستیدنی) फा वि—पूजने योग्य, पूजनीय आराधनीय।

परहेज़ (پرهیز) फा पु—दे 'पर्हेज़'।

परागंद (پراگنده) फा वि—अस्त-व्यस्त तितर बितर, असंबद्ध बेतर्तीब उद्विग्न परेशान।

परागंद ख़ातिर (پراگنده خاطر) फा वि—जिसका मन ठिकाने न हो व्यस्तचित्त।

परागंद दिल (پراگنده دل) फा वि—दे 'परागंद ख़ातिर'।

परागंदमू (پراگنده مو) फा वि—जिसके बाल बिखरे हुए हों बाल बिखेरे हुए।

परागंद रोज़गार (پراگنده روزگار) फा वि—समय जिसके अनुकूल न हो कालचक्र-ग्रस्त।

परागंदरोज़ी (پراگنده روزی) फा वि—जिसकी जीविका निश्चित न हो अनिश्चित जीविका।

परागंद हाल (پراگنده حال) फा अ वि—जिसकी दशा बहुत हो अस्त-व्यस्त हो व्यस्तावस्था दुर्दशाग्रस्त भाग्यहीन।

परागंदगी (پراگندگی) फा स्त्री—अस्तव्यस्तता तितर बितरपन असंबद्धता बेतर्तीबी।

परावंद (پراوند) फा पु—गूँधे हुए आटे का पेड़ा।

परानिंद (پرانِنده) फा वि—उड़ानेवाला।

परानीद (پرانیده) फा वि—उड़ाया हुआ।

परिंद (پرنده) फा पु—पक्षी चिड़िया।

परिंद (پرند) फा पु—पक्षी चिड़िया।

परिंदगी (پرندگی) फा स्त्री—उड़ना।

परिस्तान (پرستان) फा पु—परियों का स्थान जहाँ बहुत-सी परियाँ रहती हों।

परी (پری) फा स्त्री—एक कल्पित प्राणीवर्ग जिसके लिए प्रसिद्ध है कि वह अत्यन्त सुन्दरी होती है अप्सरा, बहुत अधिक सुन्दर स्त्री।

परीअफ़साद (پری افشاد) फा वि—परियों-जैसा हावभाव रखनेवाला (वाली)।

परीअन्दाम (پری اندام) फा वि—परियों जैसे सुन्दर शरीर वाला (वाली)।

परीइज़ार (پری عذار) फा अ वि—परियों जैसे गालों वाला (वाली)।

परीक़ामत (پری قامت) फा अ वि—परियों जैसे आकार वाला (वाली)।

परीख़ान (پریخانه) फा पु—परियों के रहने का घर वह स्थान जहाँ बहुत-सी सुन्दर स्त्रियाँ रहती हों।

परीख्वाँ (پریخواں) फा वि –जादूगर, इन्द्रजाली, भूत-प्रेत उतारनेवाला, भगत, ओझा, जादू के जोर से भूतों की आत्माओं को बुलानेवाला, अजीमतख्वाँ।

परीख्वानी (پریخوانی) फा स्त्री –माया-कर्म, जादूगरी, भूत-प्रेत उतारना, भूत-प्रेत-आत्माओं को बुलाना।

परीचम (پری چم) फा. वि –परियों-जैसी अठलाती हुई चाल से चलनेवाला (वाली)।

परीचश्म (پری چشم) फा वि –परियों-जैसी सुन्दर आँखोंवाला (वाली)।

परीचेह्‌रः (پری چہرہ) फा वि –दे 'परीरू'।

परीज़दः (پری زدہ) फा वि –जिस पर आसेब का खलल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

परीजमाल (پری جمال) फा अ वि –परियों-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

परीज़ादः (پری زادہ) फा पुं –परियों की औलाद, परियों का लड़का, अप्सरा-पुत्र।

परीज़ाद (پری زاد) फा पु –दे —'परीज़ाद'।

परीतल्‌अत (پری طلعت) फा अ वि –दे 'परीजमाल'।

परीतिम्साल (پری تمثال) फा अ वि –परियों-जैसी सूरतवाला (वाली), अप्सरामुखी।

परीदः (پریدہ) फा वि –उड़ा हुआ, जैसे—परीद रंग।

परीदःरंग (پریدہ رنگ) फा वि –जिसका रंग उड़ गया हो।

परीदोश (پریدوش) फा स्त्री –बीती हुई, परसों की रात।

परीपैकर (پری پیکر) फा वि –दे 'परीअदाम'।

परीफ़ाम (پری فام) फा वि –परियों-जैसे गोरे रंगवाला (वाली)।

परीबंद (پری بند) फा पु –भुजबंध, बाज़ू का एक जेवर।

परीर (پریر) फा पु –दे 'परीरोज'।

परीरुख़ (پری رخ) फा वि –दे 'परीरू'।

परीरुख़सार (پری رخسار) फा वि –दे 'परीरू'।

परीरू (پری رو) फा वि –परियों-जैसी शक्ल-सूरतवाला (वाली)।

परीरोज़ (پری روز) फा पु –बीता हुआ परसों का दिन।

परीलिका (پری لقا) फा अ वि –दे 'परीतलअत'।

परीवश (پری وش) फा वि –परियों-जैसा (-जैसी)।

परीशब (پری شب) फा स्त्री –बीती हुई परसोंवाली रात।

परीशाँ (پریشاں) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, बेचैन, दुःखित, क्लेशित, रंजीदा, चिंतित, फ़िक्रमंद, स्तब्ध, चकित, हैरान; ध्वस्त, बरबाद।

परीशाँख़याल (پریشاں خیال) फा अ वि –जिसका मन बेठिकाने हो, जो ठीक-ठीक सोच न सकता हो।

परीशाँख़याली (پریشاں خیالی) फा अ स्त्री –खयालात की बेतरतीबी, मन की व्यस्तता।

परीशाँख़ातिर (پریشاں خاطر) फा अ. वि.–व्यग्रचित्त, व्यस्तमना, जिसका मन ठिकाने न हो।

परीशाँख़ातिरी (پریشاں خاطری) फा अ स्त्री –चित्त की व्यग्रता, मन का बेठिकाने होना।

परीशाँगोई (پریشاں گوئی) फा स्त्री –बकवास, मिथ्यावाद, व्यालाप।

परीशाँदिल (پریشاں دل) फा वि –दे 'परीशाँख़ातिर'।

परीशाँनज़री (پریشاں نظری) फा स्त्री –निगाह का ठिकाने न होना।

परीशाँमू (پریشاں مو) फा वि –जिसके बाल बिखरे हुए हों।

परीशाँरू (پریشاں رو) फा वि –जिसका मुँह उतरा हुआ हो, जिसके चेहरे पर परीशानी के आसार हों।

परीशाँरोज़गार (پریشاں روزگار) फा वि –जिसका समय प्रतिकूल हो, दुर्दशाग्रस्त।

परीशाँरोज़ी (پریشاں روزی) फा वि –जिसको जीविका की ओर से संतोष न हो, बेरोजगार।

परीशाँसूरत (پریشاں صورت) फा अ वि –जिसकी सूरत से परेशानी टपकती हो।

परीशाँहाल (پریشاں حال) फा वि –दुर्दशाग्रस्त, मुफ़लिस, कंगाल, अकिंचन।

परीशाँहाली (پریشاں حالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, गरीबी, कंगाली, अकिंचनता।

परीशान (پریشان) फा वि –दे 'परीशाँ'।

परीशानकुन (پریشان کن) फा वि –परीशान करनेवाला।

परीशानी (پریشانی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, फ़िक्र; दुःख, तक्लीफ़।

परीसीरत (پری سیرت) फा अ वि –परियों-जैसे स्वभाववाला (वाली)।

परीसूरत (پری صورت) फा अ वि –दे 'परीरू'।

परेकाह (پرکاہ) फा पु –घास का तिनका।

परेताऊस (پر طاؤس) फा पु –मोर का पर, मयूरपक्ष।

परेशाँ (پریشاں) फा वि –'परेशान' का लघु, दे 'परेशान'।

परेशान (پریشان) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, दुःखित, रंजीदा, चिंतित, फ़िक्रमंद; स्तब्ध, हैरान, ध्वस्त, बरबाद।

परेशानी (پریشانی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी; चिंता, फ़िक्र, दुःख, तक्लीफ़।

परेहुमा (پرہما) फा पु –कल्‌गी, केस, तुर्रा, हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

परोबाल (پروبال) फा पु –पक्षियों के डैने और पर, बल शक्ति और सहायता, मन्न सामर्थ्य, मकदूर।
पर्कार (پرکار) फा स्त्री –गोलाई खींचने का यत्र।
पर्काल (پرکالہ) फा पु –अग्नि खण्ड हिस्सा चिनगारी स्फुलिंग पतगा।
पर्कालए आतश (پرکالۂ آتش) फा पु –आग का चिनगारी अग्निकण बहुत ही धूर्त और चालाक व्यक्ति।
पर्खाश (پرخاش) फा स्त्री –वैर शत्रुता दुश्मनी द्वेष कीना बुग्ज वमनस्य रजिश।
पर्गन: (پرگنہ) फा पु –जिले का एक भाग तहसील ग्राम, गाव।
पर्गार (پرگار) फा स्त्री –दे पर्कार दोनो शुद्ध ह परन्तु पर्कार व्यवहृत है।
पर्च (پرچہ) फा पु –कागज का छोटा टुकड़ा चिट्ठी जो दस्ती भेजी जाय पत्र अखबार पुलिस की रिपोर्ट परीक्षापत्र प्रश्नपत्र।
पर्चःनवीस (پرچہ نویس) फा वि –सवाददाता अखबारी नुमाइंद गुप्त रिपोर्ट लिखनेवाला जासूस।
पर्चए इम्तिहा (پرچۂ امتحان) फा अ पु –परीक्षा के प्रश्नों का पर्चा परीक्षापत्र।
पर्चए हिसाब (پرچۂ حساب) फा अ पु –बीजक वही के हिसाब की नकल परीक्षा में गणित का पर्चा।
पर्चम (پرچم) फा पु –झड का वपन फरेरा सुरा गाय की पूंछ अलक जुल्फ।
पर्चमकुशाई (پرچم کشائی) फा स्त्री –झडा लहराना झडा जारोहण झडा लहराने का उत्सव या रस्म, ध्वजोत्तोलन।
पर्ची (پرچین) फा स्त्री –काटो या लकड़ियो की बाड़ जो खेत या घर के चारो ओर लगाते ह।
पर्ताब (پرتاب) फा पु –वह अतर जो तीर फेंकने और जाकर गिरने के स्थानो के बीच में हो एक प्रकार का बाण जो बहुत दूर तक जाता है।
पर्ताबी (پرتابی) फा वि –तीर चलानेवाला, धनुधर तीरदाज।
पर्तौ (پرتو) फा पु –प्रकाश रोशनी आभा चमक झलक प्रतिबिंब अक्स हल्का प्रभाव छाया साया।
पर्द (پردہ) फा पु –आड ओट टट्टी घूघट नकाब घूघट स्त्री का परपुरुष से छिपना आख कान आदि की झिल्ली धातें या पुर्जा जो स्वर बताता है राग नग्म द्वारपट चिलमन या कपड़ा आदि।
पर्द:दर (پردہ در) फा वि –भेद प्रकट करनेवाला निन्दक स्त्री का पर्दा ताडनेवाला।
पर्द:दरी (پردہ دری) फा स्त्री –दोष प्रकट करना छिद्रान्वेषण, स्त्री का पर्दा भग करना उसे पर्दे में न रहने देना।
पर्द:दार (پردہ دار) फा वि –दोष छिपानेवाला द्वारपाल दरबान।
पर्द:दारी (پردہ داری) फा स्त्री –दोष छिपाना दरबानी।
पर्द:नशी (پردہ نشین) फा वि –पर्दे में रहनेवाली स्त्री अनिष्कासिनी।
पर्द:नशीनी (پردہ نشینی) फा स्त्री –स्त्री का पर्दे में रहना बाहर न निकलना मुह न निकलना।
पर्द:पोश (پردہ پوش) फा वि –दूसरे का दोष छिपानेवाला, दोष और अपराध देखते हुए क्षमा करनेवाला।
पर्द:पोशी (پردہ پوشی) फा स्त्री –दोष और अपराध पर दृष्टि न डालना उन्हें छिपाना क्षमा करना।
पर्द:सरा (پردہ سرا) फा स्त्री –अतःपुर जनानखाना, खेमा डेरा तम्बू स्त्रियो के रहने का घर।
पर्द:सोज (پردہ سوز) फा वि –दे पर्द:दर।
पर्दए इनबी (پردۂ عنبی) फा अ पु –आँख के सात पर्दों म से एक।
पर्दए इस्मत (پردۂ عصمت) फा अ पु –दे पर्दए बकारत सतीत्व सतीपन इफ्फत।
पर्दए गोश (پردۂ گوش) फा पु –कान की झिल्ली जिससे टकराकर आवाज सुनाई देती है श्रवण पटल।
पर्दए चश्म (پردۂ چشم) फा पु –आख की सात झिल्लियाँ चक्षु-पटल।
पर्दए जबूर (پردۂ زنبور) फा पु –एक प्रकार का जालीदार बुर्का।
पर्दए जबूरी (پردۂ زنبوری) फा पु –खिड़कियोंवाला पर।
पर्दए दर (پردۂ در) फा पु –दरवाजे पर पड़ा हुआ पर्दा।
पर्दए नामूस (پردۂ ناموس) फा अ पु –सतीत्व इस्मत, प्रतिष्ठा मर्यादा।
पर्दए बकारत (پردۂ بکارت) फा अ पु –वह झिल्ली जो योनि पर होती है और पहले सहवास में फट जाती है योनिपटल योनिच्छद।
पर्दए बीनी (پردۂ بینی) फा पु –नाक अथवा दोनो नथनो के बीच की दीवार नासापट।
पर्दए सीमीं (پردۂ سیمیں) फा पु –सिनेमा का पर्दा जिस पर चित्र दिखाई देते ह रजतपट।
पर्दक (پردک) फा पु –पहेली प्रहेलिका मुअम्मा।
पर्दगी (پردگی) फा स्त्री –पर्दे म रहनेवाली नायिका द्वारपाल दरबान।

पर्दाख़्तः (پرداختہ) फा वि.–सँवारा हुआ, सज्जित, पाला हुआ, पोषित।

पर्दाख़्त (پرداخت) फा स्त्री–देखभाल, सरक्षण, रक्षा, हिफाजत, पालन-पोषण, पर्वरिश।

पर्दाख़्तनी (پرداختنی) फा वि–सँवारने योग्य, रक्षा करने योग्य, देखभाल के योग्य; पालन-पोषण के योग्य।

पर्दाज़ (پرداز) फा पु–शौर्य, ढग; सज्जा, सजावट, सलग्नता, मश्गूली, चित्र की महीन रेखाएँ आदि, (प्रत्य) सँवारनेवाला, जैसे—'इशापरदाज' शब्दो को सुसज्जित करनेवाला।

पर्दाज़िंदः (پردازندہ) फा वि–सँवारनेवाला।

पर्नां (پرنا) फा. पु–एक चित्रित रेशमी कपडा।

पर्नियाँ (پرنیاں) फा पु–एक प्रकार का चित्रित रेशमी कपडा।

पर्पहन (پرپہن) फा पु–खुर्फे का साग।

पर्मक (پرمک) तु स्त्री–उँगली।

पर्मला (پرملا) फा स्त्री–मुर्गावी, एक जल-पक्षी।

पर्रः (پرہ) फा पु–फौज की पक्ति, पर, कुफुल की झड, घास की पत्ती, तिनका; छोर, किनारा।

पर्रए बीनी (پرۂبینی) फा पु–नासापटल, नथनो के बीच की दीवार।

पर्रां (پراں) फा वि–उडता हुआ, उडती हुई अवस्था मे।

पर्वज़ (پروز) फा स्त्री–कुर्ते आदि के दामन पर टाँकी जानेवाली गोट।

पर्वर (پرور) फा प्रत्य–पालनेवाला, जैसे—'अद्ल पर्वर' न्याय का पालन करनेवाला।

पर्वरिंदः (پرورندہ) फा वि–पालनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।

पर्वरिश (پرورش) फा स्त्री–पालन-पोषण, कृपा, दया, सहायता, मदद।

पर्वरिशख़ानः (پرورش خانہ) फा पु–दे. 'पर्वरिशगाह'।

पर्वरिशगाह (پرورش گاہ) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ बच्चो का पालन-पोषण होता है।

पर्वरिशयाफ़्त. (پرورش یافتہ) फा वि–पाला हुआ, पोषित, पालित।

पर्वर्द. (پروردہ) फा वि–पाला हुआ, (प्रत्य) जैसे—'बर्फ पर्वर्द' बर्फ मे सुरक्षित किया हुआ।

पर्वर्द (پرورد) फा वि–दे 'पर्वर्द'।

पर्वर्दए नमक (پروردۂ نمک) फा वि–जिसने किसी के घर पर्वरिश पायी हो, और नमक खाकर बडा हुआ हो, दास।

पर्वर्दए नें'मत (پروردۂ نعمت) फा अ वि–दे 'पर्वर्दए नमक'।

पर्वर्दगार (پروردگار) फा पु–ईश्वर, परमात्मा, खुदा।

पर्वर्दनी (پروردنی) फा वि–पालन-पोषण करने योग्य।

पर्वा (پروا) फा स्त्री.–चिता, फिक्र, भय, डर, ध्यान, खयाल; इच्छा, चाह।

पर्वाज़ (پرواز) फा स्त्री–उडान, उडने का भाव, (प्रत्य) उडनेवाला, जैसे—'बलदपर्वाज' ऊँचा उडनेवाला।

पर्वानः (پروانہ) फा. पु–पतगा, शलभ, आदेशपत्र, हुक्मनामा, राजादेश, फर्मान, मुग्ध, फरेफ्त; भक्त, फिदाई, एक लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है।

पर्वानःवार (پروانہ وار) फा वि–जैसे शलभ दीपक की ओर दौडता है वैसे, शलभवत्।

पर्वानए राहदारी (پروانۂ راھداری) फा. पु–पासपोर्ट, पारपत्र।

पर्वानक (پروانک) फा पु–वह लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है, पर्वाना।

पर्वानगी (پروانگی) फा स्त्री–आज्ञा, अनुमति, इजाजत।

पर्वारः (پروارہ) फा पु–टेकी, अड़गा, झरोखा, गुर्फ़।

पर्वार (پروار) फा पु–जमीन के नीचे बनाया हुआ घर जिसमे धूप से बचाकर पशु पाले जाते और मोटे किये जाते है।

पर्वारी (پرواری) फा वि–पर्वार मे पला हुआ, वह पशु जो धूप से बचाकर और खूब खिला-पिलाकर मोटा किया गया हो।

पर्वीं (پروین) फा स्त्री–कृत्तिका नक्षत्र, परन, गुच्छा, गुच्छ, खोश।

पर्वेज़ (پرویز) फा पु–प्रतिष्ठित, समानित, शकर छानने की चलनी, नौशेरवाँ का पोता जो शीरी का आशिक था।

पर्वेज़न (پرویزن) फा स्त्री–छलनी, आटा आदि छानने का यत्र।

पर्सुम (پرسم) फा पु–पलेथन, रोटी पकाते समय लोई मे लगाया जानेवाला आटा।

पर्हेज़ (پرھیز) फा पु–अलग रहना, बचाव, घृणा, नफ़त, रोगी के खान-पान का बचाव, निषेध।

पर्हेज़गार (پرھیزگار) फा. वि–सयम नियम का पालन करनेवाला, इद्रियो को वश मे रखनेवाला।

पर्हेज़गारी (پرھیزگاری) फा स्त्री–सयम-नियम का पालन, यति-धर्म, इद्रिय-निग्रह।

पर्हेज़िंद. (پرھیزندہ) फा वि–पर्हेज करनेवाला।

पर्हेज़ी (پرھیزی) फा वि–वह खाना जो रोगी को उसकी दशा के अनुसार दिया जाय।

पहेँजोद (پرهیزود) फा वि–जिस वस्तु का पहेँज हो।
पलग (پلنگ) फा पु–एक हिंस्र जन्तु तेंदुआ, जो इसका अर्थ चीता करते हैं, गलत करते हैं।
पलगीन (پلنگینه) फा पु–एक ऊनी कपडा जिसमें तेंदुए की खाल जैसे चिह्न होते हैं।
पल (پله) फा पु–ताक या पर्दा पलाना देखू।
पलक (پلک) फा स्त्री–नयनपट पपोटा।
पलश्त (پلشت) फा वि–मलिन गन्दा अपवित्र गन्दा।
पलारक (پلارک) फा पु–एक प्रकार का बढ़िया लोहा तलवार का जौहर तलवार लोहा।
पलाव (پلاو) फा पु–पुलाव एक प्रसिद्ध भोज्य पदार्थ इस शब्द का शुद्ध उच्चारण पलाव है परन्तु उर्दू में पुलाव होता है।
पलास (پلاس) फा पु–टाट या पट देखू पलास मन का कपडा टाट बहुत मोटा और खुरदरा कपडा।
पलीत (پلیته) फा पु–चराग की बत्ती वह बत्ती जो प्रेतबाधा उतारने के लिए जलायी जाती है।
पलीद (پلید) फा वि–अपवित्र नापाक मल-दूषित गंदा दुष्ट कमीना।
पलीदी (پلیدی) फा स्त्री–अपवित्रता नापाकी मलिनता गन्दगी।
पलक (پلک) फा पु–आँख का पपोटा।
पलहम (پلهم) फा पु–गायन छन्द पलन का बन पलाखन।
पल्ल (پله) फा पु–तराजू का पल्ला तुला घट पट पल्वी दरजा सीढ़ी का डंडा।
पशग (پشنگ) फा पु–अफ्रासियाब के पिता का नाम जो एक महारथी शासक था इ पुशग होना शुद्ध है।
पश (پشه) फा पु–मच्छर पिस्सा।
पशँ (پشن) फा पु–कबकवार का लड़का।
पशीज (پشیز) फा पु–पैसा ताँबे का सिक्का ताँबे का कण।
पशेमाँ (پشیمان) फा वि–पशेमान का लघु रूप पशेमान।
पशेमान (پشیمان) फा वि–लज्जित शर्मिन्दा सकुचित नादिम पश्चातापी पछतानेवाला।
पशेमानी (پشیمانی) फा स्त्री–लज्जा शर्मिन्दगी संकोच नदामत पश्चात्ताप अफसोस।
पश्म (پشم) फा स्त्री–ऊन ऊर्ण उर्दू में पेडू के नीचे के बालों के लिए भी बोलते हैं।
पश्मक (پشمک) फा स्त्री–एक मिठाई जो बालों के लच्छे जैसी होती है बुढ़िया का सूत।
पश्मकुली (پشمقلی) फा तु पु–दे पश्मक।
पश्मर्दी (پسمردی) फा पु–एक गाली जो किसी को अपमानित करने के लिए उसके नाम के स्थान पर बोलते है।
पश्माब (پشماب) फा पु–अन्न वाजि धारा।
पश्मीं (پشمیں) फा वि–ऊन का बना हुआ ऊनी।
पश्मीन (پشمینه) फा पु–एक बहुत बढ़िया ऊनी कपड़ा जो बहुत मुलायम और मजबूत होता है और कश्मीर में बहुत अच्छा बनता है।
पश्श (پشه) फा पु–मच्छर मशक।
पश्शाखान (پشه‌خانه) फा पु–मच्छरदानी मसहरी।
पसन (پسنده) फा पु–आग में पतंग के या आग पर मर जाने या मशाल में तप जाने है।
पसद (پسند) फा वि–रुचिकर मगूब, स्वीकृत मंजूर (स्त्री) रुचि रग्बत इच्छा मर्जी स्वाहिश मंशा (प्रत्य) पसन्द करनेवाला जैसे—हरपसन्द सब को पसन्द करनेवाला पसन्द आनेवाला जैसे—दिलपसन्द मन को भानेवाला।
पसदाज़ (پس‌انداز) फा वि–व्यय के पश्चात बचा हुआ धन आदि सचित बचाकर एकत्र करनेवाला किफायत शिआर।
पसदाज़ी (پس‌اندازی) फा स्त्री–व्यय करके धन आदि बचाना ताकि आगे आवश्यकता पर काम दे किफायत शिआरी।
पसदीद (پسندیده) फा वि–पसन्द किया हुआ रुचिकर मगूब मन का अच्छा लगनेवाला मनोवांछित दिलपसद।
पसदीद औसाफ (پسندیده اوصاف) फा अ वि–अच्छे और उत्तम गुणोंवाला व्यक्ति सद्गुणसपन्न।
पसदीदतर (پسندیده‌تر) फा वि–बहुत अधिक अच्छा और रुचिकर।
पसदीदगी (پسندیدگی) फा स्त्री–रुचि रग्बत।
पसदेश (پس‌اندیش) फा वि–केवल पीछे की बात सोचनेवाला आगे न देखनेवाला सकुचितबुद्धि।
पसदेशी (پس‌اندیشی) फा स्त्री–पीछे की बात सोचना आगे न देखना बुद्धि-सकोच।
पस (پس) फा अव्य–पीछे बाद पतन, आखिरकार पुन फिर।
पसअदाज़ (پس‌انداز) फा वि–दे पसन्दाज़ शुद्ध उच्चारण वही है।
पसअदाज़ी (پس‌اندازی) फा स्त्री–दे पसन्दाज़ी शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअंदेश (پس اندیش) फा वि—दे 'पसदेश', शुद्ध उच्चारण वही है।
पसअंदेशी (پس اندیشی) फा स्त्री—दे 'पसदेशी', शुद्ध उच्चारण वही है।
पसअफ़्गंदः (پس افگندہ) फा पु—दे 'पसफ़गंद', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
पसआवर्दः (پس آوردہ) फा पु—दे 'पसावर्द', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
पसआहंग (پس آهنگ) फा पु—दे 'पसाहग' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
पसकूचः (پس کوچہ) फा पु—गली के अदर की गली, बहुत पतली और तग गली।
पसखुर्दः (پس خوردہ) फा वि—बचा हुआ खाना, भुक्तशेष, उच्छिष्ट।
पसख़ेज़ (پس خیز) फा पु—पहलवानो का नया-नया शिष्य।
पसख़ैमः (پس خیمہ) फा पु—सेना की सबसे पिछली रावटी; नतीजा, निष्कर्ष।
पसतर (پس تر) फा वि—बहुत पीछे, सबसे पीछे।
पसतर फ़र्दा (پس تر فردا) फा पु—परसो के बादवाला दिन, नरसो, अगली नरसो।
पसपा (پسپا) फा वि—लड़ाई मे पीछे हटा हुआ, हारा हुआ, पराजित।
पसपाई (پسپائی) फा स्त्री—युद्ध मे पीछे हटना, पराजय, हार।
पसफ़र्दा (پس فردا) फा पु—कल के बादवाला दिन, परसो, अगली परसो।
पसफ़गंदः (پس افگندہ) फा. वि—खर्च से बची हुई वस्तु जो दूसरे समय काम आने के लिए उठा रखी जाय, बीट, गोबर।
पसमांदः (پسماندہ) फा वि—बचा हुआ, बची हुई वस्तु, मृत पुरुष के बाल-बच्चे, सफर मे साथियो से पीछे रह जानेवाला।
पसमादगाँ (پسماندگاں) फा पु—मृत पुरुषके सम्बन्धी जन, बाल-बच्चे, सफर मे साथियो से पीछे रह जानेवाले।
पसमांदगी (پس ماندگی) फा स्त्री—सफर मे साथियो से पीछे रह जाना, हीनता, दीनता, लाचारी।
पसरवी (پس روی) फा स्त्री—पीछे-पीछे चलना, अनुकरण करना।
पसरौ (پس رو) फा वि—पीछे चलनेवाला, अनुकरणकर्ता।
पसावर्दः (پساوردہ) फा पु—वह लड़का जो स्त्री के प्रथम पति का हो।

पसावीदः (پساویدہ) फा वि—रगडा हुआ, मसला हुआ, मला-दला हुआ।
पसावीदनी (پساویدنی) फा वि—रगड़ने योग्य, मसलने योग्य, मलने-दलने योग्य।
पसाहंग (پس آهنگ) फा पु—सेना का पिछला भाग।
पसी (پسیں) फा वि—अतिम, आख़िरी; पिछला, पीछेवाला।
पसेज (پسیج) फा पु—सकल्प, इरादा, तत्परता, तैयारी, कटिबद्धता, आमादगी।
पसेपर्दा (پس پردہ) फा पु—पर्दे के पीछे, आड मे, गुप्त रूप से, "आ गया कौन है पसेपर्दा—नूर से झिलमिलाती है चिलमन'।
पसेपुश्त (پس پشت) फा पु—पीठ-पीछे, परोक्ष मे।
पसेमर्ग (پس مرگ) फा पु—मरने के बाद, मरण-पश्चात्।
पसेमुर्दन (پس مردن) फा पु—दे 'पसेमर्ग'।
पस्तः (پستہ) फा वि—ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।
पस्तःकद (پستہ قد) फा वि—ह्रस्वकाय, वामन, बौना, ठिगना।
पस्त (پست) फा वि—नीचा, निशेबी, अधम, नीच, कमीना, ह्रस्व, पस्त; लघु, छोटा।
पस्तअंदेश (پست اندیش) फा वि—लघुचेता, मदबुद्धि, तगख़याल।
पस्तअंदेशी (پست اندیشی) फा. स्त्री—तगख़याली, बुद्धिमाद्य।
पस्तक (پستک) फा वि—बहुत अधिक नीचा, बहुत अधिक कमीना, बहुत अधिक लघु।
पस्तकद (پست قد) फा वि—दे 'पस्त कद'।
पस्तकामत (پست قامت) फा अ वि—दे 'पस्त कद'।
पस्तकामती (پست قامتی) फा अ. स्त्री—डीलडौल का छोटा होना, बौनापन, वामनता।
पस्तख़याल (پست خیال) फा अ वि—दे 'पस्तअदेश'।
पस्तख़याली (پست خیالی) फा अ स्त्री—दे 'पस्तअदेशी'।
पस्तफ़ित्रत (پست فطرت) फा अ वि—तुच्छ प्रकृतिवाला, कमीना, दुष्टात्मा, ख़बीस।
पस्तफ़ित्रती (پست فطرتی) अ फा स्त्री—प्रकृति की निकृष्टता, कमीनापन, दुष्टता, ख़बासत।
पस्तहिम्मत (پست همت) फा अ वि—हतोत्साह, अल्प-साहस, कमहौसला।
पस्तहिम्मती (پست همتی) फा. अ स्त्री—उत्साहहीनता, हौसले और उमग की कमी।
[illegible] 'पस्तहिम्मत'।

पस्तहौसलगी (پست‌حوصلگی) फा अ स्त्री—पस्त हिम्मती।
पस्ती (پستی) फा स्त्री—निचाई, निशेब नीचता, कमीनगी।
पस्तोबलद (پست‌وبلند) फा पु—ऊँचा-नीचा ऊँच नीच दुःख-सुख, रंज राहत, अच्छा-बुरा, नेकी-बदी।
पह (په) फा अव्य—साधु वाह धन्य।
पह पह (په په) फा अव्य—वाह वाह धन्य धन्य साधु साधु।
पहन (پهن) फा वि—चौड़ा चकला विस्तृत महान अज़ीम।
पहनक (پهنک) फा पु—चीता।
पहनचश्म (پهن‌چشم) फा वि—निर्लज्ज बेहया।
पहनचश्मी (پهن‌چشمی) फा स्त्री—निर्लज्जता बेहयाई।
पहना (پهنا) फा वि—विस्तृत चौड़ा चकला।
पहनाई (پهنائی) फा स्त्री—विस्तार लम्बाई चौड़ाई, वुसअत।
पहलवान (پهلوان) फा पु—कुश्ती लड़नेवाला मल्ल शक्तिशाली ताक़तवर हट्टा-कट्टा मोटा ताज़ा।
पहलवानी (پهلوانی) फा स्त्री—कुश्ती लड़ने का काम कुश्ती लड़ने का फ़न।
पहलवी (پهلوی) फा स्त्री—ईरान की एक प्राचीन भाषा।
पहलू (پهلو) फा पु—पार्श्व बगल कुक्षि काख दिशा और तरफ़ पद्धति तर्ज़ अंक आड़ आगोश युक्ति तर्कीब ढब समीपता नज़्दीकी संकेत रम्ज़ मिष बहाना पसली।
पहलूतिही (پهلوتهی) फा स्त्री—उपेक्षा बेइल्तिफ़ाती बचना अलग रहना।
पहलूनशीं (پهلونشین) फा वि—पास बैठनेवाला पार्श्ववर्ती सभासद मुसाहिब।
पहलूनशीनी (پهلونشینی) फा स्त्री—पास बैठना मुसाहबत।

पा

पाज़द (پانزده) फा वि—पंद्रह की संख्या पन्द्रह वस्तुएं।
पाज़दहुम (پانزدهم) फा वि—पन्द्रहवां चौन्ह करनेवाला।
पा (پا) फा पु—पैर चरण पग पांव।
पाअंदाज़ (پا انداز) फा पु—वह टाट या चटाई आदि जो कमरे आदि के दरवाज़े पर पाँव पोंछने के लिए पड़ा रहती है।
पाअफ़ज़ार (پا افزار) फा पु—जूता पादुका।
पाअफ़शार (پا افسار) फा पु—लकड़ी का जूता खड़ाऊँ पादुका चट्टी।
पाअलमख़्वां (پاعلم‌خوان) फा वि—वह व्यक्ति जो मुहर्रम में ताज़िया या अलम के नीचे खड़े होकर मर्सिया पढ़ता है।
पाइंद (پاینده) फा वि—हमेशा रहनेवाला नित्य अनश्वर स्थायी, पाएदार।
पाइंद बाद (پاینده باد) फा वा—एक आशीर्वाक्य अमर रहो हमेशा रहो अमर रहे हमेशा रहे ज़िन्दा बाद चिरंजीवी।
पाइंदगी (پایندگی) फा स्त्री—हमेशगी नित्यता स्थायित्व इस्तिक़लाल पाएदारी।
पाई (پائی) फा वि—पाईन का लघु दे पाईन।
पाइकोह (پائی کوه) फा पु—पहाड़ की तराई।
पाइपरस्ती (پائی پرستی) फा स्त्री—दासता, ख़िदमतगारी।
पाइबाग़ (پائی باغ) फा पु—वह बाग़ जो मकान या कोठी से मिला हो गृह-उद्यान, गृहवाटिका।
पाईज़ (پائیز) फा पु—पतझड़ की ऋतु ख़ज़ाँ का मौसम।
पाईद (پاییده) फा वि—पाएदार स्थायी ठहरा हुआ दृढ़ स्थित।
पाईदनी (پائیدنی) फा वि—ठहरने योग्य।
पाईन (پاینه) तु पु—दर्पण मुकुर आईना।
पाईन (پائین) फा वि—पिछला आख़िरी निचला नीचेवाला (स्त्री) पाएँती सिरहाने का उल्टा।
पाउफ़्ताद (پاافتاده) फा वि—गिरा हुआ, पतित लाचार विवश हीन, दीन, दुःखित कष्टग्रस्त।
पाउफ़्तादगी (پاافتادگی) फा स्त्री—गिरना पतन होना लाचारी दुःख में होना।
पाएकार (پاکار) फा पु—वह स्थान जहां किसी इमारत बनाने का मसाला इकट्ठा हो।
पाएकाश्त (پای کاشت) फा पु—वह कृषक जो किसी अन्य गाव की ज़मीन जोते हो।
पाएकुलाग़ (پای کلاغ) फा पु—लेखनी, क़लम, बहुत बुरी और टेढ़ी मेढ़ी लिखावट।
पाएख़स्त (پای خوست) फा वि—दे पाएमाल।
पाएगाह (پایگاه) फा स्त्री—अश्वशाला तबेला, किसी बड़े रईस या अफ़सर की ड्योढ़ी।
पाएच (پاچه) फा पु—पाजामे का वह भाग जो नीचे लटकता है।
पाएजामा (پاجامه) फा पु—दे पाजामा दोनों शब्द हैं परन्तु यह अधिक फ़सीह है।

पाएतख़्त (پائےتخت) फा पु.–राजधानी, शासन-केन्द्र, तख़्तगाह।

पाएतर्सा (پائےترسا) फा पु –मदिरा का प्याला, पानपात्र।

पाएतोग (پائےتوغ) तु पु –सेना आदि में आगे झडा लेकर चलनेवाले का पद।

पाएदान (پائےدان) फा पु –सभा मे जूते उतारने का स्थान; गाडी, मोटर, रेल आदि के दरवाजे का तख़्ता जिस पर पाँव रखकर चढते हैं।

पाएदार (پائدار) फा वि –दृढ, मज़्बूत, स्थायी, मुस्तकिल, अचल, स्थिर।

पाएपिस्त (پائےپست) फा वि –दे 'पाएमाल'।

पाएबंद (پائےبند) फा वि –दे 'पाबद'।

पाएमाल (پائمال) फा वि –पाँव के नीचे मसला हुआ, रौंदा हुआ, पददलित, पदध्वस्त।

पाएरंज (پائےرنج) फा पु –वह पुरस्कार जो एलची, दूत, पत्रवाहक अथवा अतिथि को विदा करते समय सम्मानार्थ दिया जाय।

पाक (پاک) फा वि –पवित्र, मुकद्दस, शुद्ध, ठीक; निष्केवल, ख़ालिस, स्वच्छ, साफ, निर्दोष, वेकुसूर; निर्मल, वेमेल, निर्लिप्त, वेतअल्लुक; सुरक्षित, महफूज।

पाकजाद (پاک‌زاد) फा वि –स्वच्छ प्रकृतिवाला, शुद्धात्मा।

पाकतीनत (پاک‌طینت) फा अ वि –दे 'पाकजाद'।

पाकदामन (پاک‌دامن) फा वि –सदाचारी पुरुष, सती और साध्वी स्त्री।

पाकदामानी (پاک‌دامانی) फा स्त्री –नेकचलनी, सदाचार, सतीत्व।

पाकदिल (پاک‌دل) फा वि –जिसके मन मे खोट न हो, शुद्धमनस्क, अन्त पवित्र।

पाकनजर (پاک‌نظر) फा अ वि –वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पडे, समदर्शी।

पाकनिगाह (پاک‌نگاہ) फा वि –दे 'पाकनजर'।

पाकनिहाद (پاک‌نہاد) फा वि –दे 'पाकदिल'।

पाकनीयत (پاک‌نیت) फा अ वि –दे 'पाकदिल', जो किसी की अमानत मे ख़ियानत न करे।

पाकबाज (پاک‌باز) फा वि –सदाचारी, शुद्ध आचरणवाला।

पाकबाज़ी (پاک‌بازی) फा स्त्री –सदाचार।

पाकबी (پاک‌بیں) फा वि –दे 'पाकनजर'।

पाकबीनी (پاک‌بینی) फा स्त्री –केवल अच्छाई देखना, बुराई पर दृष्टि न डालना।

पाकरू (پاک‌رو) फा वि –स्वच्छरूप, सुदर मुखवाला (वाली)।

पाकसिरिश्त (پاک‌سرشت) फा वि –सत्प्रकृति, शुद्धात्मा।

पाकार (پاکار) फा पु –तहसील का प्यादा, दास, ख़िदमती, मजदूर, श्रमिक, मेहतर, भगी।

पाकी (پاکی) फा वि –शुद्धता, पवित्रता, स्वच्छता, निर्दोपता, नीचे के बाल।

पाकीजः (پاکیزہ) फा वि –शुद्ध, पवित्र; स्वच्छ।

पाकीजःख़याल (پاکیزہ‌خیال) फा अ वि –अच्छे विचारो-वाला, सद्विचारवान्।

पाकीज़ःख़ू (پاکیزہ‌خو) फा वि –स्वच्छ प्रकृतिवाला।

पाकीज़ःगौहर (پاکیزہ‌گوہر) फा. वि –अच्छे वशवाला, कुलीन।

पाकीजःतीनत (پاکیزہ‌طینت) फा अ वि –सत्प्रकृति, पुनीतात्मा।

पाकीजःनफ़्स (پاکیزہ‌نفس) फा अ वि –दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीजःबूम (پاکیزہ‌بوم) फा वि –अच्छे और पुनीत स्थान का रहनेवाला।

पाकीजःमनिश (پاکیزہ‌منش) फा वि –दे 'पाकीज तीनत'।

पाकीज़ःशिआर (پاکیزہ‌شعار) फा अ. वि –अच्छे आचरण-वाला, शुद्धाचारी।

पाकीज़ःसिरिश्त (پاکیزہ‌سرشت) फा वि –दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीजःसीरत (پاکیزہ‌سیرت) फा अ वि –दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीजःसूरत (پاکیزہ‌صورت) फा अ वि –अच्छी सूरत-वाला, सुन्दर, (वाली) सुन्दरी।

पाकीजगी (پاکیزگی) फा स्त्री –पवित्रता, शुद्धता, स्वच्छता।

पाकोब (پاکوب) फा वि.–नाचनेवाला, नर्तक, नाचने-वाली, नर्तकी।

पाकोबी (پاکوبی) फा स्त्री –नाचना, नर्तन, नृत्य।

पाख़ानः (پاخانہ) फा पु –मल-त्याग का स्थान, शौचालय, पुरीप, विष्ठा, गू।

पागाह (پاگاہ) फा स्त्री –दे 'पाएगाह'।

पागिरिफ़्तः (پاگرفتہ) फा वि –ठहरा हुआ, जो चल न रहा हो, स्थावर।

पागीर (پاگیر) फा स्त्री –कुश्ती का एक दाँव।

पागुंदः (پاغندہ) फा पु –धुनकी हुई रुई का गाला।

पागुर (پاغر) फा अ पु –पाँव का एक रोग, पीलपा, श्लीपद।

पागोश (پاغوش) फा पु –गोता डुबकी निमज्जन।

पाचग (پاچگ) फा पु–नवाम, जिन्दी जूता पत्राण।
पाचक (پاچک) फा स्त्री–उपला, सूखा गोबर।
पाचक दश्ती (پاچک دشتی) फा स्त्री–जंगल में पड़ा हुआ सूखा गोबर जो गोल उपले के आकार का होता है।
पाचाँ (پاچاں) फा पु–छिन्दता हुआ बरसाना हुआ, दे पाना।
पाचाक (پاچاک) फा स्त्री–दे पाचक।
पाचाय (پاچایہ) फा पु–पाखाना, गू-मूत।
पाचाल (پاچال) फा पु–गड्ढा, वह गड्ढा जिसमें जुलाहे कपड़ा बिनते समय पाँव लटकाते हैं।
पाचाह (پاچاہ) फा पु–दे पाचाल।
पाचाह (پاچاہ) फा पु–दे पाचाल।
पाचिल (پاچلہ) फा पु–बरफ पर चलने का जूता पाताबा।
पाचुनार (پاچنار) फा पु–ईरान में एक नगर जहाँ के निवासी आचरण के दृष्टिकोण से बहुत पतित होते हैं।
पाचुनारी (پاچناری) फा स्त्री–पाचुनार के निवासियों जैसा अधम लोफर कमीना सेवक, दास।
पाजग (پازگ) फा पु–दे पाचग।
पाजह (پازہر) फा पु–दे पाज़हर।
पाजाज (پاراج) फा स्त्री–धाय दाया बच्चे जनाने वाली स्त्री।
पाजाम (پاجامہ) फा पु–एक विशेष अधोवस्त्र इजार।
पाजी (پاجی) फा वि–पामर अधम नीच धूर्त दुष्ट।
पाजेब (پازیب) फा स्त्री–पाँव का एक आभूषण अदुक नूपुर।
पात (پات) फा पु–चौकी तख्त।
पाताब (پاتابہ) फा पु–जूते के भीतर का तला मोजे के ऊपर पहनने का कपड़े का जूता जैसा खोल।
पातिल (پاتیلہ) फा पु–पतीला चौड़े मुह का दगनुमा देगचा।
पातुराब (پاتراب) फा वि–यात्रा के समय इस विचार से कि शुभ मुहूर्त खंडित न हो एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाना चाहे वह स्थान थोड़ा दूर ही क्यों न हो।
पादग (پادنگ) फा स्त्री–धान आदि कूटने की ढेकली।
पादजह (پادزہر) फा पु–विषनाशक एक ओषधि।
पादरगिल (پادرگل) फा वि–दे पावगिल।
पा दर रिकाब (پا در رکاب) फा वि–दे पा ब रिकाब।
पा दर हवा (پا در ہوا) फा वि–निराधार बेबुनियाद काल्पनिक खयाली।

पादशह (پادشہ) फा पु–पादशाह का लघु, दे 'पादशाह'।
पादशाह (پادشاہ) फा पु–राजा, नरेश बादशाह।
पादशाहज़ाद (پادشاہزادہ) फा पु–शाहज़ादा राजकुमार।
पादशाही (پادشاہی) फा स्त्री–राज्य सल्तनत शासन हुकूमत बादशाह सम्बन्धी, बादशाह का।
पादस्त (پادست) फा पु–हाथ उधार वह धन जो तुरन्त अदा कर देने के लिए लिया जाय।
पादाम (پادام) फा वि–जाल में बंधा हुआ पशु आदि।
पादाश (پاداش) फा स्त्री–प्रतिकार बदला प्रायः बुरे कर्म के लिए व्यवहृत है।
पादाशन (پاداشن) फा स्त्री–दे पादाश।
पादाशे अमल (پاداش عمل) फा अ स्त्री–कर्मफल काम का बदला कर्म पाप की सज़ा।
पादाशे जुर्म (پاداش جرم) फा अ स्त्री–अपराध का दण्ड पाप की सज़ा।
पान (پانہ) फा स्त्री–आरे से लकड़ी चीरते समय दराज़ में लगाया जानेवाला पच्चर।
पान (پان) फा पु–एक प्रसिद्ध पत्ता जो कत्था चूना लगाकर खाया जाता है।
पानदान (پاندان) फा पु–पान रखने की पिटारी।
पापयाद (پاپیادہ) फा वि–पैदल चलनेवाला, पैदल।
पापा (پاپا) फा पु–पोप ईसाइयों का बड़ा पादरी।
पापाए रोम (پاپاۓ روم) फा पु–रोम का बड़ा पादरी जो सारे संसार के रोमन कैथलिक पादरियों पर शासन करता है।
पापियाद (پاپیادہ) फा वि–दे पापयाद दोनों शुद्ध हैं।
पापोश (پاپوش) फा स्त्री–पादुका, पादत्राण जूता।
पापोशकार (پاپوش کار) फा वि–जूते बनानेवाला मोची पादुकाकार।
पापोशकारी (پاپوش کاری) फा स्त्री–जूते बनाने का काम मोचीपन जूते पड़ना किसी की जूतों से मरम्मत।
पाबद (پابند) फा वि–बन्दी गिरिफ्तार विवश लाचार बाध्य मजबूर वचनबद्ध जिसने वचन दी हो समय या नियम का पालन करनेवाला।
पाबदी (پابندی) फा स्त्री–बाध्यता मजबूरी वचनबद्धता कौल-करार समय आदि में नियमबद्धता।
पाबदे जजीर (پابند زنجیر) फा वि–जंजीर में बंधा हुआ शृंखलित पाँव में जंजीर पड़ी हुई।
पाबदे सलासिल (پابند سلاسل) फा अ वि–दे पाबदे जंजीर।

पावगिल (داوگل) फा वि—दलदल मे फँसा हुआ; विवश, लाचार, किंकर्तव्यविमूढ, हक्का-बक्का।
पावजंजीर (داوزنجیر) फा वि—पाँव मे जजीर पडा हुआ, शृंखलित, कैदी, बदी, विवश, मजबूर।
पावजूलाँ (داوجولاں) फा वि—पाँव मे बेडी पडी हुई, कैदी, बदी।
पावरजा (داورجا) फा वि—एक स्थान पर पाँव जमाये हुए, डटा हुआ, साबितकदम, दृढनिश्चय।
पावरहन: (داورهنه) फा वि—नगे पाँव, पादुकाहीन, पुराना, जिस पर एक साल बीत गया हो।
पावरिकाव (داورکاب) फा वि—रिकाव मे पाँव डाले हुए, चलने के लिए तैयार, मरने के लिए तैयार, मरणासन्न।
पावर्हन: (داورهنه) फा वि—दे 'पावरहन', दोनो शुद्ध है।
पावस्त: (داوسته) फा वि—पाँव बँधा हुआ, गिरिफ्तार।
पावस्त (داوست) फा वि—दृढ, मजबूत, न्यास, नीव, प्रतीक्षक, मुतजिर, बदी, कैदी।
पाविरंजन (داورنجن) फा स्त्री—नूपुर, पाजेब।
पावोस (داوس) फा वि—पाँव चूमनेवाला, पदचुबक, (पु) पाँव चूमना, पद-चुबन।
पावोसी (داوسی) फा स्त्री—पाँव चूमना, पद-चुबन।
पामर्द (دامرد) फा वि—सहायक, मददगार, साहसी, उत्साही, बाहिम्मत, शूर, वीर, बहादुर।
पामर्दी (دامردی) फा स्त्री—सहायता, मदद, उत्साह, हिम्मत, शूरता, बहादुरी।
पामाल (دامال) फा वि—पाँव-तले रौंदा हुआ, पद-दलित, दुर्दशाग्रस्त, मुसीबतजद।
पामाली (دامالی) फा स्त्री—पाँव-तले मसला जाना; दुख से दलित होना।
पामाले गम (دامال غم) फा वि—दुःखो के भार से परास्त, प्रेम के दुख से आक्रात।
पामुज्द (دامزد) फा स्त्री—वह मजदूरी जो पाँव द्वारा चल-फिरकर की जाय।
पायंद: (داینده) फा वि—दे 'पाइद', दोनो शुद्ध है।
पायंदगी (داینندگی) फा स्त्री—दे 'पाइदगी', दोनो शुद्ध है।
पाय: (دایه) फा पु—स्तभ, खभा, पलग का मचवा, पद, दरजा; मान, प्रतिष्ठा, इज्जत।
पाय: व पाय: (دایه به دایه) फा वि—क्रमश, धीरे-धीरे, दर्जे व दर्जे।
पाय:शनास (دایه‌شناس) फा वि—किसी की प्रतिष्ठा और कद्र पहचाननेवाला।
पायक (دایک) फा पु—हरकारा, पियादा।
पायाँ (دایاں) फा पु—'पायान' का लघु, दे 'पायान'।
पायान (دایان) फा पु—तट, किनारा, अन्त, आखीर, छोर, सिरा, पराकाष्ठा, इन्तिहा।
पायानेकार (دایان کار) फा पु—आखिरकार, अतत।
पायाव (دایاب) फा वि—जो गहरा न हो, उथला, गाध (पानी)।
पायावी (دایابی) फा स्त्री—नदी, ताल आदि के पानी का डुबाऊ न होना, उथलापन, गाधता।
पार: (داره) फा पु—भाग, अंग, हिस्सा, खड, टुकडा, कण, रेज, जोड, पैवद; उत्कोच, रिशवत, उपहार, भेट, तोहफा।
पार:कार (داره‌کار) फा वि—नीच, कमीना, लोफर।
पार:कारी (داره‌کاری) फा स्त्री—नीचता, कमीनगी।
पार:दोज (داره‌دوز) फा वि—पैवद गाँठनेवाला, थिगडी लगानेवाला।
पार:दोजी (داره‌دوزی) फा स्त्री—पैवद सीना, थिगली लगाना।
पार:पार: (داره‌داره) फा वि—टुकडे-टुकडे, धज्जी-धज्जी, पुर्जे पुर्जे।
पार (دار) फा पु—गत वर्ष, पिछला साल।
पारए नाँ (دارهٔ ناں) फा पु—रोटी का टुकड़ा।
पारगान: (دارگانه) फा पु—तराजू का पासग, पसगा; गवाक्ष, खिडकी, झरोखा, ख्याति, यशोगान, दे 'पालगान'।
पारगी (دارگیں) फा पु—पुरानापन, प्राचीनता; फटा-पुरानापन।
पारगी (دارگی) फा स्त्री—कुडी जिसमे घर और रसोई-खाने आदि का पानी इकट्ठा हो।
पारच: (دارچه) फा पु—दे 'पार्च'।
पारदुम (داردم) फा स्त्री—दे 'पार्दुम'।
पारसग (دارسنگ) फा पु—पासग, तराजू का पसँगा।
पारसाल (دارسال) फा पु—पिछला वर्ष, गत वर्ष, अगला साल, आगामी वर्ष।
पारार (دارار) फा पु—पिछला तीसरा वर्ष, त्योरुस।
पारिकावी (دارکابی) फा स्त्री—बहुत थोडी मात्रा, किंचित्।
पारीन: (دارینه) फा वि—पुरातन, पुराना।
पारोव (داروب) फा स्त्री—वह लकडी जिससे घोडे के सुमो की लीद छुडाते है।
पार्गी (دارگیں) फा पु—दे 'पारगी', दोनो शुद्ध है।
पार्गी (دارگی) फा स्त्री—दे 'पारगी', दोनो शुद्ध है।
पार्च: (دارچه) फा पु—कपडा, वसन, वस्त्र, लिबास।

पाच फरोश (پارچه فروش) फा वि—कपडा बेचनेवाला बजाज।

पाचफरोशी (پارچه فروشی) फा स्त्री—कपडा बेचने का काम।

पाच बाफ (پارچه باف) फा वि—कपडा बुननेवाला जुलाहा कोरी।

पाच बाफी (پارچه بافی) फा स्त्री—कपडा बुनने का काम।

पादुम (پاردم) फा स्त्री—घोडे की जीन का दुमची।

पास (پارسه) फा पु—भिक्षुक भिखारी फकीर मँगता।

पास (پارس) फा पु—एक प्रसिद्ध देश इरान।

पार्सा (پارسا) फा वि—सयमी इंद्रिय निग्रही जाहिद।

पार्साई (پارسائی) फा स्त्री—सयम इंद्रिय निग्रह पहेजगारी।

पार्सी (پارسی) फा पु—ईरान का प्राचीन अग्निपूजक जाति जो अब भारत में आबाद है ईरान की भाषा फारसी।

पालगान (پالگانه) फा पु—तराजू का पासग, गवाह दरीच ख्याति शोहरत दे पारगान।

पालाज (پالعز) फा पु—ऐसा स्थान जहाँ पाव फिसल जाय ऐसा अवसर जहा पाप या पाप हो जाय पाव फिसलना अपराध पाप दोष कुसूर खराबी बुराई।

पालहग (پالهنگ) फा पु—घोडे की बागडोर।

पाला (پالا) फा पु—कोतल घोडा।

पालाइश (پالائش) फा स्त्री—सफाई माजन।

पालाइद (پالائده) फा वि—साफ किया हुआ मार्जित।

पालान (پالان) फा पु—गधे या टट्टू की पीठ पर डालने का टाट।

पालानी (پالانی) फा वि—वह घोडा जिससे बोझ ढोने का काम लिया जाता है लद्दू।

पालानेजर (پالانِ خر) फा पु—गधे की पीठ पर डाला जानेवाला टाट।

पालीद (پالیده) फा वि—साफ किया हुआ मार्जित छना हुआ गवपित।

पालूद (پالوده) फा वि—साफ किया हुआ मार्जित (पु) एक पेय फालूदा।

पालूना (پالونه) फा पु—छानने का कपडा साफी छननी।

पालेज (پالیز) फा स्त्री—तरबूज या खरबूजे का खेत।

पालोश (پالوش) फा पु—वह कपूर जो कृत्रिम हो।

पावरक (پاورق) फा अ पु—पुस्तक के पन्ने के अत में लिखा हुआ अतिम अक्षर जो अगले पन्ने पर लिखा जाय। (जब किताब के पन्नो पर नम्बर नही पडते थे उस समय ऐसा लिखा जाता था।)

पाशग (پاشنگ) फा पु—वह ककडी आदि जो बीज के लिए छोड दी जाय दे पाहग।

पाश (پاش) फा प्रत्य—छिडकनेवाला जसे—गुलाबपाश गुलाब छिडकनेवाला फलानेवाला जसे—जियापाश प्रकाश फलानेवाला।

पाश पाश (پاش پاش) फा वि—चूर चूर टुकडे-टुकडे।

पाशाँ (پاشاں) फा वि—छिडकता हुआ फलाता हुआ ऐसी लिखावट जिसमें अक्षर दूर-दूर हो।

पाशा (پاشا) तु पु—एक उपाधि जो तुर्की में बडे पदाधिकारियो को दी जाती है गवनर राजपाल वजीर।

पाशिंद (پاشنده) फा वि—छिडकनेवाला फलानेवाला।

पाशिकस्त (پاشکسته) फा वि—जिसके पाँव टूट हो जो चलने फिरने में असमर्थ हो, विवश लाचार।

पाशीद (پاشیده) फा वि—छिडका हुआ बिखरा हुआ।

पाशीदनी (پاشیدنی) फा वि—छिडकने योग्य बिखरने योग्य।

पाशोय (پاشویه) फा पु—दवाओ के पानी से रोगी के पाव धोना, अथवा दवाओ की बकनी पावो पर मलना।

पाश्न (پاشنه) फा स्त्री—एडी।

पाश्नकोब (پاشنه‌کوب) फा वि—पीछे दौडनेवाला पीछा करनेवाला तआक्कुब करनेवाला।

पाश्नकोबी (پاشنه‌کوبی) फा स्त्री—तआक्कुब करना भागते हुए को पकडने के लिए उसके पीछे दौडना।

पास (پاسه) फा पु—आतुरता बेचनी दुख कष्ट रज।

पास (پاس) फा पु—एक पहर का समय प्रहर निरीक्षण निगरानी रक्षा हिफाजत शील मुलाहिजा लिहाज।

पासक (پاسک) फा स्त्री—जभाई जभा।

पासताँ (پاستاں) फा वि—दे पास्ता।

पासदार (پاسدار) फा वि—निरीक्षक निगराँ पक्षपोषक, हिमायती सहायक मददगार पक्षपाती तरफदार।

पासदारी (پاسداری) फा स्त्री—निरीक्षण, निगरानी पक्ष पोषण हिमायत सहायता मदद पक्षपात तरफदारी।

पासबान (پاسباں) फा वि—निरीक्षक निगराँ द्वारपाल ड्योढीवान।

पासबानी (پاسبانی) फा स्त्री—निरीक्षण निगरानी ड्योढीवानी।

पासज (پاسز) फा वि—जिसका आगमन अशुभ और अनिष्टकर हो दलाल, एजट अभिकर्ता।

पासज्जी (پاسزی) फा स्त्री—नहूसत अकल्याण अमगल।

पासिन (پاسں) फा स्त्री—एडी।

पासुख़ (پاسخ) फा पु –उत्तर, जवाव।
पासे अदब (پاس ادب) फा अ. पु –किसी की प्रतिष्ठा का ख़याल, प्रतिष्ठा के अनुसार उसका आदर-सत्कार।
पासे अन्फास (پاس انفاس) फा अ पु –मुसलमान सूफियो का एक योगाभ्यास, जिसमे उनके हर श्वास के साथ, 'अल्लाह' का शब्द उच्चरित होता है।
पासे आबरू (پاس آبرو) फा पु –प्रतिष्ठा का ख़याल, सतीत्व-रक्षा का ख़याल।
पासे ख़ातिर (پاس خاطر) अ फा पु –किसी को रुष्ट न करने के लिए उसका मन रखना।
पासे नमक (پاس نمک) फा पु –नमकहलाली, स्वामि-भक्ति, कृतज्ञता।
पासे नामूस (پاس ناموس) फा अ पु –दे 'पासे आबरू'।
पासोलिहाज़ (پاس ولحاظ) फा अ पु –शील सकोच, मुरव्वत, लिहाज।
पास्ताँ (پاستاں) फा वि –'पास्तान' का लघु, दे 'पास्तान'।
पास्तान (پاستان) फा वि –पुरातन, प्राचीन, पुराना।
पास्तानी (پاستانی) फा वि –प्राचीनकाल का, पुराने समय का।
पाहंग (پاهنگ) फा. पु –दे 'पाशग'।

पि

पिगाँ (پگاں) फा. स्त्री –वह कटोरी जो पानी की नाँद मे समय बताने के लिए डाली जाती है।
पिंदारः (پندارہ) फा पु –ध्यान, खयाल, अनुध्यान, तसव्वुर, चिंतन, फ़िक्र।
पिंदार (پندار) फा पु –ध्यान, खयाल, कल्पना, तख़ैयुल, अभिमान, गर्व, गुरूर।
पिंदारिंदः (پندارندہ) फा वि –सोचनेवाला, विचारने-वाला, जाननेवाला।
पिंदाश्तः (پنداشتہ) फा वि –सोचा हुआ; जाना हुआ।
पिंदाश्तनी (پنداشتنی) फा वि –सोचने योग्य, जानने योग्य, ज्ञेय।
पिज़मुर्दः (پژمردہ) फा वि –दे 'पजमुर्द' दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अप्रचलित है।
पिज़िश्क (پزشک) फा पु –चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब, डाक्टर, हकीम।
पिज़िश्की (پزشکی) फा वि –चिकित्सा, उपचार, इलाज।
पिज़ीर (پذیر) फा प्रत्य –स्वीकृत करनेवाला, जैसे—'पोज़िश पिज़ीर' उज्र स्वीकार करनेवाला, दे 'पज़ीर', दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ीरफ़्तः (پذیرفتہ) फा वि –स्वीकृत, माना हुआ, क़बूल किया हुआ।
पिज़ीरफ़्तगार (پذیرفتگار) फा वि –दे 'पिजीरफ्तार'।
पिज़ीरफ़्तार (پذیرفتار) फा वि –स्वीकार करनेवाला, माननेवाला, आज्ञाकारी, फर्मावरदार।
पिज़ीरा (پذیرا) फा वि –स्वीकार करना, कबूल करना, स्वीकृत, मजूर, दे. 'पिजीरा', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीराई (پذیرائی) फा स्त्री –स्वीकृति, अगीकृति, कबूलियत, मजूरी, दे 'पजीराई', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीरिश (پذیرش) फा स्त्री –दे 'पिजीराई'।
पिज़ोलीदः (پژولیدہ) फा वि –सताया हुआ, परीशान किया हुआ, उलझाया हुआ।
पिज़ोह (پژوہ) फा प्रत्य –दे 'पजोह', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहिदः (پژوہندہ) फा वि –दे 'पजोहिद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ोहिश (پژوہش) फा स्त्री –दे 'पजोहिश', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहीदः (پژوہیدہ) फा वि –दे 'पजोहीद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोलते है।
पिदंदर (پدندر) फा पु –सौतेला बाप।
पिदर (پدر) फा पु –जनक, पिता, बाप।
पिदरानः (پدرانہ) फा वि –बाप की तरह स्नेहपूर्ण, बाप-जैसा।
पिदरी (پدری) फा वि –बाप का, पैतृक।
पिद्राम (پدرام) फा वि –सुसज्जित, शृगारित, विभूषित, आरास्त, प्रसन्न मुख, हर्षित चित्त, बश्शाश।
पिद्रूद (پدرود) फा पु –विदा करना, रुख़सत करना; त्यागना, छोडना।
पिनहाँ (پنہاں) फा वि –गुप्त, छिपा हुआ।
पिन्हाँशिकंज (پنہاں شکنج) फा वि –मन ही मन मे सतप्त होनेवाला, अपने दुख को प्रकट न करनेवाला।
पिन्हाँशिकंजी (پنہاں شکنجی) फा स्त्री –अपने दुख को प्रकट न करना, मन ही मन मे घुलना।
पिन्हानी (پنہانی) फा वि –भीतरी, आन्तरिक, मान-सिक, रुहानी।
पियाज़ (پیاز) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कद जो खाया जाता है, पलाडु, महाकद।
पियाज़ी (پیازی) फा वि –पियाज के रंग का, हलका गुलाबी।
पियादः (پیادہ) फा पु –दे 'पयाद', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू में 'पियाद.' अधिक प्रचलित है।

पियाद पा (پیادہ پا) फा वि—जो सवारी पर न हो पदल पाव-पाव।

पियाल (پیالہ) फा पु—चषक कस कटोरा नागव पाने वा पियाला पान पात्र सागर।

पियालनुमा (پیالہ نما) फा वि—पियाले के आकार का पियाले जसा।

पिरिस्तुक (پرستک) फा स्त्री—अबाबील भाडाक एक प्रसिद्ध पक्षी जा खंडहरा में रहता है।

पिरिस्तो (پرستو) फा स्त्री—दे पिरिस्तुक।

पिरिस्तोक (پرستوک) फा स्त्री—दे पिरिस्तुक।

पिरेज़ीडान (پریزیڈان) फा पु—प्रेसीडेंट सभापति।

पिरेश (پریش) फा वि—परेशान होनेवाला।

पिरेशान (پریشان) फा वि—दे परेशान और परशान उर्दू में पिरेशान नहीं बोलते।

पिल्लगा (پلکان) फा पु—लकडी की सीढी निसनी नि श्रेणी।

पिशक (پشک) तु स्त्री—बिल्ली माजारी।

पिशेज़ (پشیز) फा पु—ताम्र छोटा सिक्का जसे—भारत में पाई पसा ताम्र का क्षण दे पशेज़ दोनों शुद्ध है।

पिशोलीद (پشولیدہ) फा वि—अस्त-व्यस्त होनेवाला।

पिश्क (پشک) फा स्त्री—पिश्किल का लघु दे पिश्किल।

पिश्किल (پشکل) फा स्त्री—ऊँट या बकरी आदि की मगनी केवल मगनी के अथ में आता है गोबर के अथ में नहीं।

पिशवाज़ (پشواز) फा स्त्री—'पेशवाज़' का लघु परतु उर्दू में इसका अथ नतक के समय पहना जानेवाला लहँगा है।

पिसदर (پسدر) फा पु—सौतेला लडका।

पिसर (پسر) फा पु—पुत्र आत्मज तनय बेटा लडका।

पिसरख्वांद (پسرخواندہ) फा पु—दत्तक पुत्र लेपालक मुतबन्ना।

पिसरज़ाद (پسرزادہ) फा पु—बेटे का बेटा पोता।

पिसरे मतबन्ना (پسر متبنی) फा अ पु—दत्तक पुत्र लेपालक।

पिस्त (پستہ) फा पु—एक प्रसिद्ध मेवा।

पिस्तारुख (پستہ لب) फा वि—जिसके होंठ पतले और छोटे हो।

पिस्त (پست) फा पु—भुना हुए जौ गेहूँ अथवा चने आदि का आटा जो एक प्रसिद्ध खाद्य है।

पिस्ताँ (پستاں) फा स्त्री—पिस्तान का लघु दे पिस्तान।

पिस्तान (پستان) फा स्त्री—स्तन उरोज, कुच छाती, वक्षोज।

पी

पीख़ाल (پیخال) फा स्त्री—चिड़िया का मल बीट।

पीन (پینہ) फा पु—पवन्द टिकली काम की अधिकता से हाथ या पाव का गट्टा।

पीनदोज़ (پینہ دوز) फा वि—पवन्द लगानेवाला।

पीनदोज़ी (پینہ دوزی) फा स्त्री—पवन्द लगाना।

पीनक (پینک) फा स्त्री—अफीम की झोंक।

पीनकी (پینکی) फा वि—अफीम खाकर पीनक में ऊघने वाला।

पीनू (پینو) फा पु—सुखाया हुआ दही वह दही जिसका पानी निकाल लिया जाय।

पीर (پیر) फा वि—वृद्ध जरत वयोवृद्ध बूढा धमगुरु मुर्शिद सोमवार दोशंब।

पीरअफ्शानी (پیرافشانی) फा स्त्री—बुढापे में जवानों जसे काम करना।

पीरज़न (پیرزن) फा स्त्री—बुढ्ढी स्त्री बुढ्ढा जरिणी जरतिका बूढी स्त्री।

पीरज़ाद (پیرزادہ) फा पु—पीर का लडका धमगुरु का बेटा।

पीरज़ाल (پیرزال) फा स्त्री—दे पीरज़न।

पीरपरस्त (پیرپرست) फा वि—जो अपने पीर को ही सब कुछ समझता हो धमगुरु का भक्त होना।

पीरपरस्ती (پیرپرستی) फा स्त्री—अपने पीर को ही सब कुछ समझना धमगुरु भक्ति।

पीरमद (پیرمرد) फा पु—ऐसा व्यक्ति जो बड़ा भी हो और सदाचारी भी।

पीरसाल (پیرسال) फा वि—वयोवृद्ध बूढा बड़ा, बडी।

पीरान (پیرانہ) फा वि—बूढों-जसा बुढापे का।

पीरानसर (پیرانہ سر) फा वि—बुढापे की अवस्थावाला बूढा सफेद बालोंवाला।

पीरानसरी (پیرانہ سری) फा स्त्री—बुढ़ापा बडी अवस्था की सफेदी।

पीरान साल (پیرانہ سال) फा वि—बूढा बड़, बडा वद्धा।

पीरानसाली (پیرانہ سالی) फा स्त्री—बुढापा बडी अवस्था।

पीराय (پیرایہ) फा पु—दे पराय उर्दू में यही अधिक है परन्तु शुद्ध यही है।

पीरी (پیری) फा स्त्री–वृद्धावस्था, बुढापा, पीर का पद या पेशा, धूर्तता, मक्कारी; दावा, इजारा।

पीरे कन्आँ (پیر کنعاں) फा अ पु–हज़्रत या'कूब, जो हज़्रत यूसुफ के पिता थे।

पीरे ख़राबात (پیر خرابات) फा पु–मदिरालय का बूढा प्रबंधक।

पीरे ज़मीगीर (پیر زمیں گیر) फा पु–जिसकी कमर बुढापे के कारण इतनी झुक गयी हो कि उसका सिर पृथ्वी से लग गया हो।

पीरे तरीकत (پیر طریقت) फा पु–धर्मगुरु, मुर्शिद।

पीरे नाबालिग़ (پیر نابالغ) फा अ पु–वह बूढा जो बच्चो-जैसे काम करे।

पीरे फलक (پیر فلک) फा अ पु–शनि ग्रह, जुहल, पुराना आकाश।

पीरे फर्तूत (پیر فرتوت) फा पु–वह व्यक्ति जिसकी बुद्धि बुढापे के कारण नष्ट हो गयी हो, बहुत बूढा, जर्जर, जराजीर्ण।

पीरे मुग़ाँ (پیر مغاں) फा पु–दे 'पीरे ख़राबात', आतश-परस्तो का धर्मगुरु।

पीरे हरम (پیر حرم) फा अ पु–का'बे की सेवा करनेवाला बूढा व्यक्ति, पूज्य व्यक्ति।

पीरोज़ः (پیروزه) फा पु–दे 'फ़ीरोज', उर्दू मे वही बोलते है।

पीरोमुर्शिद (پیرومرشد) फा अ पु–धर्मगुरु के लिए बोला जानेवाला शब्द, किसी प्रतिष्ठित और वृद्ध व्यक्ति के लिए संबोधन का शब्द।

पील. (پیله) फा पु–रेशम का कीडा, रेशम का कोया, पलक, दृगचल, शत्रंज का एक मोहरा, पील।

पील.वर (پیله ور) फा वि–शीशगर, कंचकार, अत्तार, गधकार, रेशम का व्यापारी, औषधियाँ बेचनेवाला।

पील (پیل) फा पु–हस्ती, सिंधुर, गज, करि, पीलु, हाथी, शत्रंज का एक मोहरा, पील, दे 'फ़ील', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलतन (پیلتن) फा वि–हाथी-जैसे डील-डौलवाला, रुस्तम की उपाधि।

पीलनशीं (پیل نشیں) फा वि–जिसके द्वार पर हाथी झूमता हो।

पीलपा (پیل پا) फा पु–पाँव सूज जाने का एक रोग, श्लीपद, पादगडीर।

पीलपाय (پیل پایه) फा पु–पत्थर या चूने का खभा।

पीलपैकर (پیل پیکر) फा. वि–दे 'पीलतन'।

पीलवद (پیل بند) फा पु–शत्रंज का एक खेल, जिसमे दोनो पील दो-दो पियादो के जोर पर होते है और सब घर बद कर लेते है।

पीलबाग़ (پیل داغ) फा पु–पटका, पेटी, कमरपट्टी।

पीलबान (پیل بان) फा वि–हाथीवान, हस्तिपक, अंकुश-ग्रह, दे 'फ़ीलवान', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलबानी (پیل بانی) फा स्त्री–हाथीवानी, हाथी चलाने का काम, उर्दू उच्चारण 'फ़ीलवानी' है, दे 'फ़ीलवानी'।

पीलबाला (پیل بالا) फा वि–हाथी के बराबर ऊँचे डील का।

पीलमाल (پیل مال) फा वि–हाथी के पाँव के नीचे मसला हुआ, हाथी के पाँव-तले मसलवाना।

पीलमुर्ग़ (پیل مرغ) फा पु–एक कल्पित पक्षी जो हाथी को चंगुल मे उठा ले जाता है।

पीलस्तः (پیلسته) फा पु–हाथीदाँत।

पीले गर्दूं (پیل گردوں) फा पु–हाथी रूपी आकाश, जो सबको अपने पाँव-तले रौंदता है।

पीले दमाँ (پیل دماں) फा पु–गुस्से मे बिफरा हुआ और चिंघाडता हुआ हाथी।

पीले माल (پیل مال) फा पु–इतना धन जो एक हाथी पर चले, बहुत अधिक धन।

पीह (پیه) फा स्त्री–चर्बी, मेदा, वसा।

पीहे ख़ूक (پیه خوک) फा स्त्री–सुअर की चर्बी।

पीहे ग़ूक (پیه غوک) फा स्त्री–मेढक की चर्बी।

पीहे बत (پیه بط) फा स्त्री–बतख की चर्बी।

पीहे बुज़ (پیه بز) फा स्त्री–बकरी की चरबी।

पीहे मार (پیه مار) फा स्त्री–साँप की चर्बी।

पीहे मुर्ग़ (پیه مرغ) फा स्त्री–मुर्गे की चर्बी।

पीहे शेर (پیه شیر) फा स्त्री–सिंह की चर्बी।

पीहे सूसमार (پیه سوسمار) फा स्त्री–गोह की चर्बी।

पु

पुंबः (پنبه) फा पु–कपास, रूई, दे, 'पंब', वही अधिक बोला जाता है।

पुंब दान (پنبه دانه) फा पु–कपास का बीज, बिनौला, दे 'पंब दान', वह अधिक बोला जाता है।

पुख़ (پوخ) तु पु–मल, विष्ठा, पुरीष, गू।

पुख़्तः (پخته) फा वि–दृढ, मज़्बूत, परिपक्व, पका हुआ, चूना, गच या सीमेंट से जुडा हुआ, स्थिर, पाएदार, टिकाऊ; नियत, तैशुद।

पुख़्तःअक़्ल (پخته عقل) फा अ वि–जिसकी समझ-बूझ पुख़्ता हो, स्थिरबुद्धि, परिपक्वमति।

पुख्त कार (پختہکار) फा वि–जिस काम का अनुभव हो, कृतकाय।

पुख्त माज़ (پختہمغز) फा अ वि–दे 'पुख्त अक्ल'।

पुख्त मिजाज (پختہمزاج) फा अ वि–जो किसी बात पर अटल रहे स्थिरचित्त दृढनिश्चय।

पुख्त मिजाजी (پختہمزاجی) फा अ स्त्री–किसी बात पर जमा रहना, चल विचल न होना।

पुख्त राए (پختہرائے) फा अ वि–जिसकी सलाह उचित और शुद्ध होती हो जो ठीक राय देता हो।

पुख्त (پخت) फा स्त्री–पकने की क्रिया पकाव खाना पकाने का काय।

पुख्तगी (پختگی) फा स्त्री–पक्कापन दृढता, परिपक्वता पकने का भाव।

पुख्तनी (پختنی) फा वि–पकने योग्य पकाने योग्य।

पुश्तो (پشتو) फा स्त्री–अफगानिया की भाषा, पुश्तो।

पुश्तोन (پشتون) फा पु–पुश्तो भाषा बोलनेवाला।

पुश्तोनिस्तान (پشتونستان) फा पु–वह देश जहा पुश्तो भाषा बोली जाती हो।

पुत्क (پتک) फा पु–लोहा कूटने का हथौडा घन।

पुफ़ (پف) फा स्त्री–फूक फूक मारना।

पुर (پر) फा वि–भरा हुआ पूण भरपूर पूरा।

पुरअंदोह (پراندوه) फा वि–दु खपूण कष्टपूण मुसीबत स भरा हुआ।

पुरअम्न (پرامن) फा अ वि–शातिपूण शातिमय।

पुरअलम (پرالم) फा अ वि–दे पुरअन्दोह।

पुरअश्क (پراشک) फा वि–आसुओ से भरी हुई आख आद्र नयन।

पुरआब (پرآب) फा वि–पानी से भरा हुआ आसुओ से भरा हुआ।

पुरआबल (پرآبلہ) फा वि–छालो से भरा हुआ जिसम बहुत-से छाले हो।

पुरआर्ज़ू (پرآرزو) फा वि–जिसके मन म बहुत-सी अभिलाषाए हो।

पुरआशोब (پرآشوب) फा वि–घटनाओ और आपत्तियो से भरा हुआ।

पुरउम्मीद (پرامید) फा वि–जिसके मन में अभिलाषा हो जिसे किसी काम के हो जाने की आशा हो।

पुरकार (پرکار) फा वि–चालाक मक्कार चतुर होशियार।

पुरकीं (پرکیں) फा वि–जिसके मन में द्वेष हो जो गुप्त शत्रुता रखे।

पुरख़तर (پرخطر) फा अ वि–आपत्तियो और खतरो से भरा हुआ, बहुविघ्न भयानक, भीषण खतरनाक।

पुरख़म (پرخم) फा वि–टेढा तिरछा, घुघरवाला (बाल), लेख में इबारत आराई, शब्दाडवर।

पुरख़ार (پرخار) फा वि–काँटो से भरा हुआ, कटक सकुल, वह जगल आदि जहा बहुत काटे हो।

पुरख़ुमार (پرخمار) फा अ वि–नशे में चूर मस्त।

पुरख़ूँ (پرخوں) फा वि–खून से भरा हुआ रक्तपूण गुस्से से भरी हुई आख।

पुरग़म (پرغم) फा अ वि–रज से भरा हुआ, शोकपूण मुसीबत से भरा हुआ, दु खपूण।

पुरग़ुरूर (پرغرور) फा अ वि–घमड म भरा हुआ, अभिमानी, मग़रूर।

पुरगो (پرگو) फा वि–बातूनी वाचाल बहुत कविता करनेवाला, बहुत शेर कहनेवाला।

पुरगोई (پرگوئی) फा स्त्री–वाचालता बकवास, बहुत कविता करना।

पुरचीं (پرچیں) फा वि–बल पडा हुआ (माथा आदि) झुर्री पडा हुआ (खाल)।

पुरज़र (پرزر) फा वि–रुपयो से भरा हुआ धन-सपन्न दौलत से पुर।

पुरजोश (پرجوش) फा वि–जोशीला जोश से भरा हुआ आवेगपूण ज़ोरदार उत्साहपूण उमग स भरा हुआ।

पुरतकल्लुफ़ (پرتکلف) फा अ वि–जिसमें बहुत तकल्लुफ किया गया हो।

पुरताब (پرتاب) फा वि–रोशन प्रकाशमय शक्तिशाली ताकतवर।

पुरदग़ल (پردغل) फा वि–दे पुरदग़ा।

पुरदग़ा (پردغا) फा वि–छली, फरेबी धूत चालाक।

पुरदद (پردرد) फा वि–दु खपूण ग़मनाक।

पुरदिल (پردل) फा वि–शूर वीर बहादुर उत्साही साहसी हिम्मतवर।

पुरनम (پرنم) फा वि–गीला भीगा आँसुओ से भरी हुई आँख।

पुरनूर (پرنور) फा अ वि–ज्योतिमय, प्रकाशमान रोशन।

पुरपेच (پرپیچ) फा वि–पेचदार टेढा मेढा बलदार, पुरशिकन।

पुरपेचोख़म (پرپیچ خم) फा वि–जिसमें बहुत टेढ मेढ हो जो बहुत जटिल और पेचीदा हो।

पुरफ़न (پرفن) फा अ वि–धूत वचक छली मक्कार।

पुरफरेव (پرفریب) फा वि –दे 'पुरदगा'।
पुरफिज़ा (پرفضا) फा अ वि –खुला हुआ, हवादार, सरसब्ज और विस्तृत स्थान।
पुरवजिद (پرجد) फा अ वि –तत्पर, कटिवद्ध, तैयार।
पुरवहार (پربہار) फा वि –फूलो से लदा हुआ सुदर स्थान, हवादार, खुला हुआ और रमणीक स्थान।
पुरवाद (پرباد) फा वि –हवा से भरा हुआ, फूला हुआ, गर्व से भरा हुआ, अभिमानी।
पुरवार (پربار) फा वि –वौर अथवा फल से लदा हुआ पेड, गर्भवती स्त्री, गुर्विणी।
पुरवास (پرباس) फा वि –दु खपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोकपूर्ण, खेदपूर्ण।
पुरमग़्ज़ (پرمغز) फा अ वि –सारगर्भ, तत्त्वपूर्ण।
पुरमज़ाक (پرمزاق) फा अ वि –विनोदप्रिय, जिदादिल, हँसी और विनोद मे भरी हुई वात।
पुरमलाल (پرملال) फा अ वि –दु खपूर्ण, रज से भरा हुआ, खिन्न, मलिन, उदास।
पुरमिज़ाह (پرمزاح) फा अ वि –ठठोलिया, विनोदी; हँसी की वात।
पुरमिहन (پرمحن) फा अ वि –मुसीवतो से भरा हुआ, कष्ट-सकुल।
पुरमेवः (پرمیوه) फा वि –मेवो से लदी हुई डाली, मेवो से भरा हुआ पात्र।
पुररौनक (پررونق) फा वि –जहाँ वहुत रौनक हो।
पुरशिकन (پرشکن) फा वि –झुर्रियाँ पडी हुई खाल या देह, वल पडे हुए वाल।
पुरशिकम (پرشکم) फा वि –जिसका पेट भरा हो, जो अफरा हो, उदरपूर्ण।
पुरशिकोह (پرشکوه) फा वि –भीषण, भयानक, डरावना।
पुरशुऊर (پرشعور) फा वि –तमीजदार, शिष्ट, वुद्धिमान्, अक्लमद।
पुरशुकोह (پرشکوه) फा वि –वैभवशाली, विभवसंपन्न, शानो-शौकतवाला।
पुरशोर (پرشور) फा वि –शोरोगुल से भरा हुआ, कोलाहलपूर्ण, नमक से भरा हुआ, वहुत अधिक नमकीन।
पुरशौकत (پرشوکت) फा वि –वैभवशाली, शानदार।
पुरसुकून (پرسکون) फा अ वि –शातिमय, शातिपूर्ण, मुतयइन, सारे झझटो से पाक।
पुरसोज़ (پرسوز) फा वि –जलन और तपन से भरा हुआ।
पुरहस्रत (پرحسرت) फा. अ वि –निराशापूर्ण, नाउमेदी से भरा हुआ।
पुरहीलः (پرحیله) फा अ वि.–वहानवाज, वहाना करनेवाला, छली।
पुरहैवत (پرهیبت) फा अ वि –डरावना, भयानक।
पुरहौल (پرهول) फा अ वि –भीषण, भयंकर, डरावना।
पुरहौसलः (پرحوصله) फा अ वि –उत्साही, साहसी, हौसल'मद।
पुरिंदः (پرنده) फा वि –भरनेवाला।
पुरी (پری) फा स्त्री –भराव, भरा हुआ पन।
पुरीदः (پریده) फा वि.–भरा हुआ, परिपूर्ण।
पुरीदनी (پریدنی) फा वि –भरने योग्य।
पुर्ज़ः (پرزه) फा पु.–खड, टुकडा, पर्च, कागज़ का टुकड़ा, मशीन का कोई खड।
पुर्ज़ (پرز) फा पु –रोम, लोम, रोआँ, ओढनी, दुपट्टा, दवात मे डालने का लत्ता।
पुर्सः (پرسه) फा पु –मृत्यु हो जाने पर किसी के यहाँ शोक प्रकट करने और सहानुभूति दिखाने के लिए जाना।
पुर्स (پرس) फा प्रत्य –पूछनेवाला, जैसे—'हालपुर्स' दशा पूछनेवाला, (स्त्री) पूछ-ताछ, पूछ।
पुर्सा (پرساں) फा वि.–पूछनेवाला, पृच्छक, जिज्ञासु।
पुर्साने हाल (پرسان حال) अ फा वि –हाल पूछनेवाला, खवर लेनेवाला।
पुर्सिंदः (پرسنده) फा वि –पूछनेवाला, पृच्छक।
पुर्सिश (پرسش) फा स्त्री –पूछ-ताछ, आदर-सत्कार, इज्जत।
पुर्सीदः (پرسیده) फा वि.–पूछा हुआ, जिज्ञासित।
पुर्सीदनी (پرسیدنی) फा वि –पूछनेयोग्य।
पुल (پل) फा पुं –सेतु, नदी आदि के उतरने का साधन, मछली का सिन्ना।
पुल (پول) तु पु –पैसा।
पुलची (پولچی) तु वि –पैसे वेचनेवाला।
पुलाव (پلاؤ) फा पु –एक प्रसिद्ध खाद्य जो गोश्त और चावल से वनता है, इसका शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परतु उर्दू मे पुलाव ही वोलते हैं।
पुलुपतः (پلپته) फा पु –स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी।
पुश्क (پشک) फा पु –मेगनी।
पुश्क (پشک) तु स्त्री –विल्ली, मार्जारी।
पुश्तः (پشته) फा पु –टीला, ढूह; वह मिट्टी या कंकड़ चूना आदि जो दीवार को मजवूत करने के लिए उसकी जड़ मे लगाते है, वह मिट्टी का वद या दीवार जो नदी के किनारे चढाव का पानी रोकने को वनाते है।

पुश्तबंदी (پشتبندی) फा स्त्री–दीवार की पुश्ता लगाना नदी का बंध बाँधना।

पुश्त (پشت) फा स्त्री–पृष्ठ पीठ पिछाड़ी, पाछा, सहायता मदद वंश नस्ल।

पुश्तक (پشتک) फा स्त्री–घोड़े की दुलत्ती।

पुश्तख़म (پشتخم) फा वि–कुबड़ा कुब्ज।

पुश्तख़ार (پشتخار) फा पु–पीठ खुजलाने का पंजा।

पुश्तगर्मी (پشتگرمی) फा स्त्री–सहायता मदद पृष्ठपोषण हिमायत।

पुश्त दर पुश्त (پشت در پشت) फा अव्य–पीढ़ी दर पीढ़ी नस्ल दर नस्ल।

पुश्तपनाह (پشتپناه) फा वि–सहायक मददगार पृष्ठपोषक हिमायती।

पुश्तपनाही (پشتپناهی) फा स्त्री–सहायता मदद पृष्ठ-पोषण हिमायत।

पुश्त बख़ीवार (پشت بخیوار) फा वि–निस्तेज चकित हैरान।

पुश्त ब पुश्त (پشت به پشت) फा अव्य–दे पुश्त दर पुश्त।

पुश्तमाही (پشتماهی) फा स्त्री–रात्रि रात निशा।

पुश्तवार (پشتوارہ) फा पु–दे पुश्तारा।

पुश्तारा (پشتاره) फा पु–पुश्तवारा का लघु इतना बोझ जो पीठ पर उठाया जा सके पोट बोझ गट्ठर।

पुश्ती (پشتی) फा स्त्री–सहायता मदद समर्थन ताईद पालन-पोषण परवरिश।

पुश्तीबान (پشتیبان) फा वि–सहायक मददगार टेक थूनी आड़।

पुश्तीबानी (پشتیبانی) फा स्त्री–सहायता मदद सहारा टेक।

पुश्ते दस्त (پشت دست) फा स्त्री–हथेली की पीठ करपृष्ठ।

पुश्ते पा (پشت پا) फा स्त्री–तलवे का ऊपरी भाग।

पुश्तो (پشتو) फा स्त्री–दे पुश्तो।

पुस (پس) फा स्त्री–पुत्र तनय आत्मज लड़का बेटा।

पू

पूच (پوچ) फा वि–दे पोच शुद्ध पूच है परंतु प्रचलित 'पोच' है।

पूद (پود) फा पु–बाना कपड़े की बुनाई में जो तंत्र में पन्ने वाला द्वारा।

पूरा (پوره) फा पु–दे 'पूर' लिखना शुद्ध है।

पूर (پور) फा पु–पुत्र बेटा आत्मज तनय।

पूरे पुगाग (پور پشنگ) फा पु–पुगंग का पुत्र अफरासियाब।

पूरे सीना (پور سینا) फा अ पु–इब्राहीम बू अली सीना।

पूरे हाजिर (پور هاجر) फा अ पु–हज़रत इस्माईल पैग़म्बर।

पे

पेख्ता (پیخته) फा पु–मैदा बारीक आटा।

पेग़ारा (پیغاره) फा पु–दे पग़ार दाना शुद्ध है।

पेचक (پیچک) फा पु–अमरबेल आकाशबेल।

पेच (پیچ) फा पु–घुमाव चक्कर बल लपेट पेंच दगी जटिलता छल चाल धोखा कल मशीन कठिनता दुश्वारी विघ्न बाधा कुश्ती हुनर।

पेचक (پیچک) फा स्त्री–बटे हुए महीन सूत की गोल हर लिपटा हुई वस्तु।

पेचकश (پیچ‌کش) फा पु–पेंचिरा जाति खोलने और कसने का यंत्र।

पेच दर पेच (پیچ در پیچ) फा वि–जिसमें पेच के अंदर पेच हो बहुत अधिक जटिल बहुत पेचीला।

पेचदार (پیچدار) फा वि–जिसमें पेच हो जिसमें बल हो जटिल पेचीला उलझा हुआ।

पेचरिश्ता (پیچ‌رشته) फा पु–अटा सिरा चर्खे से निकली हुई सूत का बंडिया।

पेचाँ (پیچاں) फा वि–पेचदार बलदार लिपटा हुआ उलझा हुआ।

पेचाक (پیچاک) फा पु–बल शिकन टेढ़ बक्रता अलक जुल्फ़ तुर्र कलगी बाधा।

पेचानीदा (پیچانیده) फा वि–लिपटा हुआ।

पेचिश (پیچش) फा स्त्री–आँतों की ऐंठन के साथ बार बार पाखाने जाने का रोग मरोड़।

पेचीदा (پیچیده) फा वि–पेचदार जटिल कठिन मुश्किल लिपटा हुआ।

पेचीदादस्त (پیچیده‌دست) फा वि–निर्बल कमज़ोर।

पेचीदगी (پیچیدگی) फा स्त्री–जटिलता उलझाव कठिनता मुश्किल लपेट लिपटापन।

पेचीदनी (پیچیدنی) फा वि–लिपटने के योग्य लपेटने के योग्य।

पेचोख़म (پیچ و خم) फा पु–टेढ़ापन चक्कर जटिलता दुश्वारी ऊँच नीच मारपेच।

पेचोताब (پیچ و تاب) फा पु–क्रोध गुस्सा मनस्ताप ग्लानि।

पेजन (پیزن) फा स्त्री–छानने की वस्तु छना।

पेज़ीदः (پیزیدہ) फा वि –छाना हुआ।
पेरा (پیرا) फा प्रत्य –दे 'पैरा', दो शु है, परंतु बोला वही जाता है।
पेराइश (پیرائش) फा स्त्री –दे 'पैराइश', दो शु है, परन्तु व्यवहृत वही है।
पेरामुन (پیرامن) फा पु –दे 'पैरामुन', दो शु है, परतु प्रचलित वही है।
पेरामून (پیرامون) फा पु –दे 'पैरामून', दो शु है, परतु बोलते वही है।
पेरास्तः (پیراستہ) फा. वि –दे 'पैरास्त', दो शु. है, परतु बोला वही जाता है।
पेशः (پیشہ) फा पु –व्यवसाय, धन्धा, उद्योग, उद्यम, रोजगार; वेश्या-वृत्ति, कमाई।
पेशःवर (پیشہور) फा वि –उद्यमी, रोजगारी, जिसने किसी कार्य-विशेष को अपनी जीविका का साधन बना लिया हो, जैसे—पेश वर शाइर।
पेशःवरानः (پیشہورانہ) फा वि –पेश वरो, जैसा, जो पेश वरो का ढग है वैसा ढग।
पेशःवरी (پیشہوری) फा स्त्री –उद्यम करना, रोजगार करना।
पेश (پیش) फा पु –समुख, सामने, प्रथम, पहले; अगला भाग, उर्दू मे 'उ' की मात्रा।
पेशअदेश (پیش اندیش) फा वि –दे 'पेशबी'।
पेशअदेशी (پیش اندیشی) फा स्त्री –दे 'पेशबीनी'।
पेशअंदाज़ (پیش انداز) फा पु –खाना खाते समय घुटनो पर डाला जानेवाला कपडा।
पेशआमद (پیش آمد) फा स्त्री –दे 'पेशामद', वह उच्चारण फसीह है।
पेशआहंग (پیش آهنگ) फा पु –दे 'पेशाहग', वह उच्चारण फसीह है।
पेशक़दमी (پیش قدمی) फा अ स्त्री –पहल, सबकत, सेना का आक्रमण के लिए आगे बढना।
पेशक़ब्ज़ (پیش قبض) फा पु –भुजाली, जम्बिया, छोटी कटार।
पेशकश (پیشکش) फा. स्त्री –पुरस्कार, भेट, नजरान, प्रस्ताव, तज्वीज; प्रार्थना, इल्तिजा।
पेशकार (پیشکار) फा पु –किसी हाकिम की पेशी मे काम करनेवाला।
पेशकारी (پیشکاری) फा स्त्री –पेशकार का पद, पेशकार का कर्तव्य या काम।
पेशख़ानः (پیش خانہ) फा पु.–घर-गिरस्ती का सामान।
पेशख़िद्मत (پیش خدمت) फा अ पु –सेवक, नौकर, प्राइवेट सेक्रेटरी।
पेशख़ुर्द (پیش خورد) फा पु –सवेरे का नाश्ता, प्रातराशन; खाने का नमक चखना।
पेशख़ेज़ (پیش خیز) फा पु –तेज और फुर्तीला नौकर, राग, नग्म।
पेशख़ैमः (پیش خیمہ) फा अ पु –किसी होनेवाले काम की तम्हीद, वह खैमा जो अगले पडाव पर पहले से लगा दिया जाता है, ताकि दौरे के पदाधिकारियो को कष्ट न हो, वह खैमा जो फौज मे सबसे आग लगाया जाता है।
पेशख़्वाँ (پیش خواں) फा वि.–वह व्यक्ति जो सभा की काररवाई प्रारम्भ होने से पहले कविता आदि पढता है।
पेशख़्वानी (پیش خوانی) फा स्त्री.–सभा के प्रारभ मे कविता आदि पढने का कार्य।
पेशगाह (پیشگاہ) फा स्त्री –वह फर्श जो बादशाहो के तख़्त और मस्नद के आगे बिछाया जाता है, सभापति, सद्रे मज्लिस, अजिर, आँगन।
पेशगी (پیشگی) फा स्त्री –'बैआन', अग्रिम धन, पहले से।
पेशगीर (پیشگیر) फा पु –मुँह पोछने का रूमाल।
पेशगो (پیش گو) फा वि –दे 'पेशीगो'।
पेशगोई (پیش گوئی) फा स्त्री –दे 'पेशीगोई'।
पेशतख़्तः (پیش تختہ) फा पु –डेस्क, ढलवा सदूक।
पेशतर (پیشتر) फा वि –पहले, आगे।
पेशतरक (پیشترک) फा वि –बहुत पहले।
पेशताक़ (پیش طاق) फा पु –अजिर, आँगन, अमीरो और राजाओ के महल का बडा दरवाज़ा, दरवाजे के सामने का आँगन।
पेशदंदाँ (پیش دنداں) फा. पु –सवेरे का जलपान, प्रातराशन, नाश्ता।
पेशदस्त (پیش دست) फा वि –पेशकार, प्रतिनिधि, नाइब, सहायक, मददगार, पहल करनेवाला, विजेता, ग़ालिब।
पेशदस्ती (پیش دستی) फा स्त्री –पेशकारी, सहायता; पहले-पहले हाथ उठाना, छेड़खानी करना।
पेशदाद (پیش داد) फा स्त्री –किसी कार्य-विशेष के लिए पहले दिया हुआ धन, साई।
पेशदादी (پیش دادی) फा वि –'होशग' का वशज।
पेशदामन (پیش دامن) फा पु –सेवक, नौकर।
पेशनशीं (پیش نشیں) फा वि –जो सभा आदि मे सबमे आगे बिठाया जाय, अग्रासन।
पेशनिहाद (پیش نہاد) फा पु –इच्छा, इरादा, कामना, मक़्सद।

पेशबंद (پیشبند) फा पु—घोड़े का जेरबंद।
पेशबंदी (پیش بندی) फा स्त्री—किसी काम की पहले से तैयारी, साज़िश, षड्यंत्र।
पेशबाज़ (پیش باز) फा पु—स्वागत इस्तिक़बाल, स्वागत करनेवाला।
पेशबीं (پیش بیں) फा वि—आगे की बात सोचनेवाला, दूरअंदेश बुद्धिमान अक़्लमंद।
पेशबीनी (پیش بینی) फा स्त्री—आगे की बात सोचना दूरअंदेशी बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी।
पेशयार (پیش یار) फा पु—दस्तकार।
पेशरफ़्त (پیش رفت) फा स्त्री—आगे बढ़ना, तरक़्क़ी करना बल ज़ोर क़ाबू।
पेशरवी (پیش روی) फा स्त्री—आगे चलना, अग्रगमन राहनुमाई करना पथ प्रदर्शन।
पेशरस (پیش رس) फा पु—वह फल जो पेड़ में सबसे पहले पके।
पेशरसी (پیش رسی) फा स्त्री—फल का अपनी जाति के फलों में सबसे पहले पकना।
पेशरौ (پیش رو) फा वि—आगे चलनेवाला अग्रगामी पेशवा पथ प्रदर्शक।
पेशवा (پیشوا) फा वि—अगुआ नेता लीडर।
पेशवाई (پیشوائی) फा स्त्री—किसी आनेवाले का आगे बढ़कर इस्तिक़बाल।
पेशवाए मुल्क (پیشوائے ملک) फा अ पु—देश का नेता।
पेशवाज़ (پیشواز) फा पु—दे 'पेशवाज़' व 'पिशवाज़'।
पेशानी (پیشانی) फा स्त्री—ललाट भाल माथा मात्रा होनहार भाग्य क़िस्मत।
पेशाब (پیشاب) फा पु—मूत मूत्र प्रस्राव।
पेशआमद (پیش آمد) फा पु—अनुकंपा दया पहुँच रसाई रिआयत छूट।
पेशाहंग (پیش آہنگ) फा पु—सेना अथवा यात्रीदल के आगे चलनेवाला व्यक्ति।
पेशीं (پیشیں) फा वि—पहला प्रथम पुराना प्राचीन पहलेवाला सबसे पहला।
पेशींगो (پیشیں گو) फा वि—आगे की बात बतानेवाला भविष्यवक्ता आगमज्ञानी।
पेशींगोई (پیشیں گوئی) फा स्त्री—आगे की बात बताना आगमज्ञान भविष्यवाद।
पेशी (پیشی) फा स्त्री—सामने आने का भाव मुक़द्दमे आदि में हाकिम के सामने पेश होने का समय।
पेशीना (پیشینہ) फा वि—अगला पहला पुरातन पुराना।
पेशीनगो (پیشین گو) फा वि—दे 'पेशींगो'।
पेशीनगोई (پیشین گوئی) फा स्त्री—दे 'पेशींगोई'।
पेशीनियाँ (پیشینیاں) फा पु—पहले के लोग पूर्वज।
पेशे नज़र (پیش نظر) फा अ पु—दृष्टि के सामने आँखों के सामने, ध्यान में, ख़याल में।
पेशे निगाह (پیش نگاہ) फा पु—दे 'पेश नज़र'।
पेशोपस (پیش و پس) फा पु—आगा-पीछा असमंजस तज़ब्ज़ुब।
पेसह (پیسہ) फा पु—जिस शरीर में सफ़ेद दाग़ों का रोग हो श्वित्री मब्रूस।
पेस (پیس) फा पु—सफ़ेद कोढ़ बरस, श्वेत कुष्ठ कोढ़ का रोग श्वित्री।

पै

पै (پے) फा पु—स्नायु पट्ठा पदचिह्न पाँव का निशान पीछा तआक़ुब बार दफ़ा शक्ति बल लिए, वास्ते प्रति पट्ठे के रेशे जो धनुष आदि पर चिपकाए जाते हैं पाँव चरण।
पैक (پیک) फा पु—पत्रवाहक चिट्ठीरसाँ हरकारा पियादा दूत क़ासिद एलची।
पैकर (پیکر) फा पु—देह, शरीर आकृति शक्ल।
पैकाँ (پیکاں) फा पु—'पैकान' का लघु रूप दे 'पैकान'।
पैकान (پیکان) फा पु—बाण की नोक बरछी की अनी।
पैकानी (پیکانی) फा वि—एक प्रकार का पद्मराग अर्थात लाल एक प्रकार का नीलम एक प्रकार का याक़ूत।
पैकार (پیکار) फा पु—युद्ध समर लड़ाई जंग।
पैके अजल (پیک اجل) फा अ पु—यमदूत मौत का पयामी।
पैके ख़याल (پیک خیال) फा अ पु—कल्पना रूपी दूत जो हर स्थान पर पहुँच सकता है।
पैके निगाह (پیک نگاہ) फा पु—दृष्टि का दूत या दूत रूपी दृष्टि।
पैग़ंबर (پیغمبر) फा पु—ईश्वरदूत अवतार पयंबर।
पैग़ंबरी (پیغمبری) फा स्त्री—ईश-दूत का पद ईशदूत का कर्तव्य ईशदूत वाक्य।
पयाम (پیغام) फा पु—संदेश सँदेसा पयाम समाचार ख़बर लड़के की ओर से लड़कीवालों से सगाई की बातचीत।
पयामबर (پیغامبر) फा वि—संदेश ले जानेवाला दूत क़ासिद वार्तावह संदेशवाहक।
पयामबरी (پیغامبری) फा स्त्री—संदेश ले जाने का काम वार्तावहन।
पयामरसाँ (پیغام رساں) फा वि—दे 'पयामबर'।

पैगामरसानी (پیغام‌رسانی) फा स्त्री –दे 'पैगामबरी'।

पैगामरसी (پیغام‌رسی) फा. स्त्री.–सदेश पहुँचना, पयाम जाना।

पैगामे जबानी (پیغام زبانی) फा पु –वह खबर जो किसी कारण लिखकर नही बल्कि जबानी कही जाय।

पैगारः (پیغاره) फा पु –भर्त्सना, डॉट-फटकार; कटाक्ष, ताना।

पैगार (پیگار) फा पु –दे 'पैकार', दोनो शुद्ध है, परतु यह अप्रचलित है।

पैगुलः (پیغله) फा पु –'पैगूल.' का लघु, दे 'पैगूल'।

पैगूलः (پیغوله) फा पु –कोना, एकात, गोश:।

पैजार (پیزار) फा स्त्री –जूता, पादुका।

पै दर पै (پے در پے) फा अव्य –लगातार, निरतर; बार-बार, बारबार।

पैदा (پیدا) फा वि –उत्पन्न, प्रसूत, जाईद, आविर्भूत, व्यक्त, जाहिर, प्राप्त, हासिल, (पु) प्राप्ति, हुसूल।

पैदाइश (پیدائش) फा स्त्री –उत्पत्ति, जन्म, आविर्भाव, जुहूर, प्राप्ति, लाभ, प्रारभ, शुरूआत, उपज, जमना।

पैदाइशी (پیدائشی) फा वि –प्राकृत, फित्री, जन्मसिद्ध, जो उत्पन्न होते समय से प्राप्त हो।

पैदावार (پیداوار) फा स्त्री –खेती की उपज, व्यवसाय की आयु, माल की उत्पत्ति।

पैदावारी (پیداواری) फा स्त्री –दे 'पैदावार'।

पै ब पै (پے به پے) फा अव्य –दे 'पै दर पै'।

पैमाँ (پیماں) फा पु –'पैमान' का लघु, दे 'पैमान'।

पैमाँगुसिल (پیماں‌گسل) फा वि –प्रतिज्ञा भंग करनेवाला, कौल से हट जानेवाला, वचनभेदी।

पैमाँशिकन (پیماں‌شکن) फा वि –वचन-भजक, प्रतिज्ञाभेदी, कौल तोड देनेवाला।

पैमाँशिकनी (پیماں‌شکنی) फा स्त्री –वादे से फिर जाना, वचन भंग कर देना।

पैमा (پیما) फा प्रत्य –नापनेवाला, जैसे—कोह पैमा, पहाड नापनेवाला, पीनेवाला, जैसे—'बाद पैमा', शराब पीनेवाला, फिरनेवाला, जैसे—'दश्त पैमा', जगंल मे फिरनेवाला।

पैमाइंदः (پیمائنده) फा. वि –नापनेवाला।

पैमाइश (پیمائش) फा स्त्री –नाप, किसी क्षेत्र के रक्बे की नाप, किसी स्थान की लवाई-चौडाई आदि की नाप।

पैमानः (پیمانه) फा पु –लवाई नापने का यंत्र, इस्केल, तरल पदार्थ नापने का यत्र; शराब का गिलास, पान-पात्र।

पैमान.कश (پیمانه‌کش) फा वि –शराब पीनेवाला, मद्यप, रसाशी।

पैमान.कशी (پیمانه‌کشی) फा स्त्री.–शराब पीना, मदिरा-पान, मद्यपान, रसाशन।

पैमानःबकफ (پیمانه بکف) फा वि –हाथ मे मदिरापूर्ण गिलास लिये हुए, चपकपाणि।

पैमानःबदस्त (پیمانه بدست) फा वि –दे. 'पैमान.बकफ'।

पैमानःशिकन (پیمانه‌شکن) फा. वि –शराब का गिलास तोड देनेवाला, अर्थात् मद्यनिपेधक, मुह्तसिब।

पैमान (پیمان) फा पु –प्रतिज्ञा, वादा, वचन, कौल, शपथा-शपथी, कसमा-कसमी।

पैमानए गम (پیمانۂ غم) फा. अ. पु –प्रेम की मदिरा का प्याला।

पैमानए मय (پیمانۂ مے) फा पु –शराब का प्याला, पानपात्र।

पैमूदः (پیموده) फा वि –नापा हुआ।

पैमूदनी (پیمودنی) फा वि –नापने योग्य।

पैमूनः (پیمونه) फा पु –पैमाना।

पैरवी (پیروی) फा स्त्री.–अनुकरण, अनुसरण, तक़्लीद, किसी की ओर से किसी मुकदमे आदि की पैरोकारी।

पैरहन (پیرهن) फा पु –कुर्ता, कमीस, वस्त्र, वसन, लिबास।

पैरा (پیرا) फा प्रत्य –सजाने और सँवारनेवाला, जैसे—'चमनपैरा' बाग को सजानेवाला।

पैराइंदः (پیرائنده) फा वि –सजानेवाला, सुसज्जित करनेवाला।

पैराइश (پیرائش) फा स्त्री –सजावट, सज्जा, आराइश; काट-छाँट करके सजाना।

पैरामन (پیرامن) फा पु –दे 'पैरामून'।

पैरामुन (پیرامن) फा पु –'पैरामून' का लघु, दे 'पैरामून'।

पैरामून (پیرامون) फा पु –चारो ओर, इर्द-गिर्द, दौर, गिर्दागिर्द, कपडे का दामन।

पैरायः (پیرایه) फा पु –शैली, पद्धति, तर्ज; सजावट, जीनत, वस्त्र, लिबास, आभूपण, ज़ेवर।

पैरास्तः (پیراسته) फा वि –सजा हुआ, सुसज्जित।

पैरास्तगी (پیراستگی) फा स्त्री –सजावट, आरास्तगी।

पैरास्तनी (پیراستنی) फा वि –सजाने योग्य।

पैराहन (پیراهن) फा पु –दे 'पैरहन'।

पैरौ (پیرو) फा वि –अनुयायी, अनुसरणकर्ता, पैरवी करनेवाला।

पैवंद (پیوند) फा पु –जोड, थिगली, रिश्तेदारी, खून का तअल्लुक, वृक्ष की कलम।

पैवंदी (پیوندی) फा वि –जिसमे पैवंद लगा हो; जो कलमी हो (फल)।

पवस्त (پیوسته) फा वि—सटा हुआ मिला हुआ, निरंतर लगातार गत गुजरा हुआ सर्वदा हमेशा।
पवस्त (پیوست) फा वि—मिला हुआ, जुड़ा हुआ, अन्दर घुसा हुआ।
पवस्तगी (پیوستگی) फा स्त्री—सटा हुआ (होना) निरंतरता लगातारपन नित्यता, हमेशगी अंदर घुसने या पवस्त होने का भाव।
पवस्तनी (پیوستنی) फा वि—पवस्त होने योग्य।
पस (پیسه) फा पु—तांबे का सिक्का तीन पाई की मुद्रा।
पसिपुर (پیسپر) फा वि—पददलित, परो तले कुचला हुआ।
पसिपुरी (پیسپری) फा स्त्री—पामाली, पैरों तले कुचलना।
पसुराक (پیسراک) तु पु—खच्चर अश्वतर।
पहम (پیهم) फा वि—निरंतर लगातार बारबार बार बार — 'हम जवाए-पहम के तलबगार नहीं हैं ?' —हसरत मोहानी।

पो

पोइ (پوی) फा पु—खेती का अन्न।
पोच (پوچه) फा स्त्री—जोरु, रखैल जलोका।
पोच (پوچ) फा वि—अधम नीच व्यर्थ फुजूल निकम्मा नाकार अश्लील फोहश निरर्थक बमानी अकुलीन कमनस्ल स्पष्ट लोफर वह वस्तु जो बिल्कुल ही व्यर्थ हो।
पोचगो (پوچ‌گو) फा वि—अनर्थवादी व्यर्थभाषी फुजूल की बातें करनेवाला।
पोचगोई (پوچ‌گوئی) फा स्त्री—बकवास मिथ्यावाद।
पोचबाफ (پوچ‌باف) फा वि—दे पोचगो।
पोचबाफी (پوچ‌بافی) फा स्त्री—दे पोचगोई।
पोचबीं (پوچ‌بیں) फा वि—अनुचितदृष्टि तंगनजर।
पोचबीनी (پوچ‌بینی) फा स्त्री—तंगनजरी दृष्टि-संकोच।
पोज़ (پوزه) फा पु—दे पोज।
पोज़बंद (پوزه‌بند) फा पु—दे 'पोजबंद'।
पोज़ (پوز) फा पु—थूथन थूथनी पशुओं का मुंह नथन ममन।
पोज़बंद (پوزبند) फा पु—पशुओं के मुह पर चढ़ाने का छीका मगीरा।
पोज़माल (پوزمال) फा पु—थूथना में डालने का फंदा।
पोज़िश (پوزش) फा स्त्री—दे पाजिश।
पोज़िश (پوزش) फा स्त्री—उज्र विवशता मजबूरी।
पोज़िशपज़ीर (پوزش‌پذیر) फा वि—उज्र माननेवाला विवशता पर ध्यान देकर क्षमा करनेवाला।
पोज़ीद (پوزیده) फा वि—जिसने अपनी विवशता प्रकट की हो जिसने उज्र किया हो।
पोत (پوت) फा पु—भाण्डागार, मख्जन, लगान माल गुजारी राजस्व।
पोत (پوت) फा पु—पेट और सीने में जो कुछ हो जैसे तिल्ली जिगर हृदय आदि।
पोदीन (پودینه) फा पु—एक सुगंधित पत्ती प्रणाम।
पोय (پوی) फा पु—घोड़े की एक चाल।
पोयाँ (پویاں) फा वि—दौड़ता हुआ।
पोया (پویا) फा वि—दौड़ता हुआ दौड़नेवाला।
पोल (پوله) फा पु—बिगड़ा और पका हुआ फल।
पोल (پول) फा पु—पैसा तांबे का सिक्का।
पोलाद (پولاد) फा पु—दे फौलाद।
पोलाव (پولاو) फा वि—जो दिखाई पड़े दृष्टिगोचर मरई।
पोलावी (پولاوی) फा वि—अनुभव होनेवाली वस्तु हिस्सी।
पोले सफ़ेद (پول سفید) फा पु—रुपया चांदी का सिक्का।
पोले सियाह (پول سیاه) फा पु—पैसा तांबे का सिक्का।
पोश (پوش) फा प्रत्य—छिपानेवाला जैसे—ऐबपोश दोष छिपानेवाला।
पोशाक (پوشاک) फा स्त्री—पहनने के कपड़े वस्त्र वसन परिच्छद।
पोशिंद (پوشنده) फा वि—पहननेवाला छिपानेवाला।
पोशिश (پوشش) फा स्त्री—वस्त्र लिबास पहनावा।
पोशीद (پوشیده) फा वि—पहनाया हुआ छिपाया हुआ गुप्त खिलअत शिकारी का जाल।
पोशीदगी (پوشیدگی) फा स्त्री—छिपाव दुराव पहनाव।
पोशीदनी (پوشیدنی) फा वि—पहनाने योग्य, पहनने के कपड़े छिपाने योग्य।
पोसीद (پوسیده) फा वि—पुराना होकर घिसा पिसा जीर्ण जर्जर शीर्ण।
पोस्त (پوسته) फा पु—डाकखाना पोस्ट आफिस।
पोस्त (پوست) फा पु—खाल त्वचा छिलका पेड़ की छाल पिलुलता शीतल।
पोस्तकंद (پوست‌کنده) फा वि—स्पष्ट बिल्कुल साफ खुला हुआ।
पोस्ततख्त (پوست‌تخت) फा पु—साधओं का बिछौना जो हिरन या शेर की खाल का हो।
पोस्तमाल (پوست‌مال) फा पु—चमड़ा मढ़ा हुई वस्तु।
पोस्नीं (پوستیں) फा स्त्री—पोस्तीन का रूप है पोस्तीन।

पोस्तीदोज (پوستیں دوز) फा वि–पोस्तीन सीनेवाला, अर्थात् बनानेवाला।

पोस्ती (پوستی) फा वि–अफीम खानेवाला, मदक पीनेवाला, मदकची।

पोस्तीखानः (پوستی خانہ) फा पु–मदकखाना।

पोस्तीन (پوستین) फा स्त्री–लोमड़ी, समूर, सिजाब आदि रुवेंदार जंतुओं की खाल से बनाया हुआ कोट जो शीत-प्रधान देशों में पहना जाता है, इसके रुएँ भीतर और खाल ऊपर रहती है।

पोस्तीने गुर्ग (پوستین گرگ) फा स्त्री–भेड़िए की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने रोबाह (پوستین روباہ) फा स्त्री–लोमड़ी की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने शेर (پوستین شیر) फा स्त्री–शेर की खाल या उसका पोस्तीन।

फ

फंजनोश (فنجنوش) फा पु–लोहे का मैल, मंडूर, खुब्सुल हदीद।

फंद (فند) अ पु–छल, कपट, मक्र, फरेब।

फअ्आल (فعال) अ वि–बहुत काम करनेवाला।

फक (فق) अ वि–चेहरे की रंगत का विकार या उड़ जाना।

फ़क [फक] (فک) अ पु–जबड़ा, कल्ला, मोचन, छूटना।

फ़कत (فقط) अ वि–बस, खत्म, समाप्त, केवल, सिर्फ; इतिश्री, तम्मत।

फ़कार (فقار) अ पु–'फ़िक्र' का बहु, पीठ के गुरिए।

फकाह (فقاہ) अ स्त्री–बुद्धिमत्ता, मेधा, दानाई।

फकाहत (فقاہت) अ स्त्री–बुद्धिमत्ता, मनीषा, मेधा, अक्लमंदी।

फकीअ (فقیع) अ स्त्री–जौ की शराब।

फकीद (فقید) अ वि–अप्राप्य, नायाब।

फकीदुन्नजीर (فقیدالنظیر) अ वि–जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, अनुपम, लाजवाब।

फकीदुलमिसाल (فقیدالمثال) अ वि–दे 'फकीदुन्नजीर'।

फकीदुलमिस्ल (فقیدالمثل) अ वि–दे 'फकीदुन्नजीर'।

फकीर (فقیر) अ वि–भिक्षुक, मँगता, भिखमंगा, सन्यासी, दरवेश, आसक्त, आशिक, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

फकीरदोस्त (فقیردوست) अ फा वि–साधु-संतों में भक्ति भाव रखनेवाला।

फकीरमनिश (فقیر منش) अ फा वि–साधुओं-जैसे सीधे-सादे आचार-व्यवहारवाला।

फ़कीरानः (فقیرانہ) अ फा वि–फकीरों और साधुओं-जैसा।

फ़क़ीरी (فقیری) अ स्त्री–साधुता, दरवेशी, भिखमंगापन, मँगताई।

फकीह (فقیہ) अ वि–धर्मशास्त्र का विद्वान्, मुस्लिम धर्मशास्त्र को पूर्णरूपेण जाननेवाला।

फ़कीहाँ (فقیہاں) अ फा पु–'फकीह' का बहु, फकीह लोग।

फकैफ (فکیف) अ अव्य–पस, क्योंकर।

फक्कुर्रह्न (فک الرھن) अ पु–बंधक-मोचन, रेहन से चीज का छूटना।

फक्के अस्फल (فک اسفل) अ पु–नीचे का जबड़ा।

फक्के आ'ला (فک اعلیٰ) अ पु–ऊपर का जबड़ा।

फक्के रह्न (فک رھن) अ पु–बंधन-मोचन।

फक्र (فقر) अ पु–दरिद्रता, कंगाली, साधुता, दरवेशी।

फखामत (فخامت) अ स्त्री–प्रतिष्ठा, इज्जत, श्रेष्ठता, बुजुर्गी, आदर, कद्र, मोटापन।

फखिज (فخذ) अ स्त्री–जाँघ, रान।

फखीम (فخیم) अ वि–प्रतिष्ठावान्, जी इज्जत।

फख्ज (فخذ) अ स्त्री–रान, जाँघ, दे 'फखिज', दो शु हैं।

फख्र (فخر) अ पु–गर्व, गौरव, नाज, अभिमान, अहंकार, घमंड, शेखी, डींग।

फख्रआमेज (فخرآمیز) फा अ वि–गर्वपूर्ण, फख्रिय।

फख्रन (فخراً) अ अव्य–गर्वसहित, घमंड के साथ।

फख्रियः (فخریہ) अ अव्य–गर्व के तौर पर, घमंड से।

फख्री (فخری) अ वि–एक किस्म का अंगूर, शाह फख्रुद्दीन के सिलसिले का मुरीद।

फख्रे क़ौम (فخر قوم) अ पु–वह व्यक्ति जिस पर राष्ट्र गर्व करे।

फख्रे खानदान (فخر خاندان) अ फा पु–जिससे कुल की मर्यादा बढ़े, वह व्यक्ति, कुलभूषण।

फख्रे मिल्लत (فخر ملت) अ पु–दे 'फख्रे कौम'।

फख्रे मुल्क (فخر ملک) अ पु–देश के लिए गर्व का कारण व्यक्ति।

फख्रे वतन (فخروطن) अ पु–दे 'फख्रे मुल्क'।

फग (فغ) फा पु–मूर्ति, प्रतिमा, बुत।

फग्फूर (فغفور) अ पु–चीन के शासकों की उपाधि।

फ़ज [ज्ज] (فج) अ पु–दो पहाड़ों के बीच का चौड़ा रास्ता।

फजरः (فجرہ) अ पु–फाजिर का बहु, व्यभिचारी लोग, कदाचारी लोग।

फजा' (فزع) अ पु–भय त्रास, डर।
फजा (فضا) अ स्त्री–खुली हुई जगह मैदान वातावरण माहौल, शोभा, रौनक बहार, खुली हुई हरियालीदार जगह।
फजाइल (فضائل) अ पु–फजालत' का वहु अच्छाइयाँ, खूबिया।
फजाई (فضائی) अ वि–फजा से सम्बन्धित।
फजाए चर्ख (فضاے چرخ) अ फा स्त्री–वह खाली स्थान जो आकाश और पृथ्वी के बीच में है अंतरिक्ष शून्य।
फजाए जह्र आलूद (فضاے زهر آلود) अ फा स्त्री–दूषित वातावरण जहरीला माहौल।
फजाहत (فضاحت) अ स्त्री–दे फजीहत।
फजीअत (فضيعت) अ स्त्री–पीडा वेदना, दुख, आपत्ति विपदा मुसीबत।
फजीलत (فضيلت) अ स्त्री–प्रतिष्ठा श्रेष्ठता, बुजुर्गी प्रधानता, तर्जीह।
फजीलतमआब (فضيلت مآب) अ वि–प्रतिष्ठावान।
फजीह (فضيح) अ वि–निंदित रुसवा अपमानित धनाम जलील।
फजीहत (فضيحت) अ स्त्री–निंदा अपयश, रुसवाई, अपमान जिल्लत।
फजूर (فجور) अ वि–व्यभिचारी लपट, हरामकार दुराचारी बदाचारी वद आमाल।
फज्जार (فجار) अ वि–बहुत अधिक दुराचारी और लपट।
फज्र (فجر) अ स्त्री–प्रातःकाल, भोर सवेरा सवेरे की नमाज।
फज्री (فجری) अ वि–एक प्रकार का कलमी आम।
फज्ल (فضل) अ पु–कृपा दया मेहरबानी प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता बुजुर्गी विद्वत्ता फजालत।
फज्ले इलाही (فضل الہی) अ पु–ईश्वर की दया, दैवी अनुकपा।
फज्ले खुदा (فضل خدا) अ फा पु–ईश्वर की कृपा।
फज्ले मौला (فضل مولی) अ पु–दे फज्ले खुदा फकीरो की दुआ जिसका अर्थ है तुम पर खुदा का साया रहे।
फज्ले रब्बी (فضل ربی) अ पु–दे फज्ले खुदा।
फज्ले हक (فضل حق) अ पु–दे फज्ले खुदा।
फज्ह (فضح) अ स्त्री–फजीहत निंदा रुसवाई।
फता (فتی) अ पु–युवा युवक तरुण जवान मर्द।
फतात (فتات) अ स्त्री–युवती नवला तरुणी जवान स्त्री।
फतानत (فطانت) अ स्त्री–बुद्धिमत्ता मेधा अक्लमदी।
फतिन (فطن) अ वि–बुद्धिमान मेधावी अक्लमद, चतुर होशियार प्रतिभाशाली जहीन।
फतीन (فطين) अ वि–बुद्धिमान, अक्लमद प्रतिभावान तब्बाअ, चतुर, होशियार।
फतीर (فطير) अ वि–खमीर का उलटा, पतला गुँधा हुआ आटा जिसकी चपाती पकती है।
फतील (فتيله) अ पु–चिराग की बत्ती भूत और जिन उतारनेवाले की बत्ती जिसे वह चिराग में जलाकर प्रेतबाधा-ग्रस्त को दिखाते है।
फतीलसोज (فتيل سوز) अ फा पु–चौमुखा दीवट।
फत्क (فتق) अ पु–आत उतरने का रोग अत्रवृद्धि।
फत्ताँ (فتان) अ वि–फित्न पैदा करनेवाला।
फत्ताह (فتاح) अ वि–खोलनेवाला ईश्वर।
फत्वा (فتوا) अ पु–किसी धार्मिक विषय में धर्मशास्त्र वेत्ता का लिखित आदेश धर्मादेश, व्यवस्था।
फत्ह' (فتحه) अ पु–उर्दू में अ की मात्रा जबर (–')
फत्ह (فتح) अ स्त्री–विजय जय जीत सफलता कामयाबी।
फत्हनामा (فتح نامه) अ फा पु–वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाय।
फत्हमद (فتح مند) अ फा वि–विजय प्राप्त विजेता।
फत्हमनार (فتح منار) अ पु–वह स्तभ जो किसी विजय की निशानी के रूप में बनाया जाय जयस्तभ।
फत्हयाब (فتح یاب) अ फा वि–जिसने विजय प्राप्त की हो विजेता।
फत्हयाबी (فتح یابی) अ फा स्त्री–विजय प्राप्ति जीत हासिल करना जीतना।
फत्हे मुबीन (فتح مبین) अ स्त्री–खुली हुई और स्पष्ट जीत।
फत्होजफर (فتح وظفر) अ स्त्री–विजय जीत।
फत्होशिकस्त (فتح وشکست) अ फा स्त्री–जीत और हार विजय और पराजय।
फदक (فدک) अ पु–एक गाव जिसमें हजरत मुहम्मद साहिब का खजूरो का बाग था।
फदामत (فدامت) अ स्त्री–अनीति अन्याय जुल्म उद्दडता अक्खडपन।
फन (فن) अ पु–कला, आर्ट हस्तशिल्प दस्तकारी छल फरेब इद्रजाल, बाजीगरी गुण हुनर विद्या की शाखा जैसे– तिब का फन अर्थात् चिकित्साशास्त्र।
फनकार (فنکار) अ फा पु–कलाकार कलावान।
फनकारान (فنکارانه) अ फा अव्य–कलापूर्ण।
फनकारी (فنکاری) अ फा स्त्री–कलाकारी।
फनदाँ (فن داں) अ फा वि–कलाविद, कला मर्मज्ञ कला निपुण।

फनदानी (فن‌دانی) अ फा स्त्री.–कला जानना, कला का मर्म जानना।

फना (فنا) अ स्त्री–मृत्यु, मरण, मौत, लुप्त, गाइव, नष्ट, वरवाद।

फ़नाअंजाम (فناانجام) अ फा–जिसका परिणाम मृत्यु हो।

फनाआमादः (فناآمادہ) अ फा. वि–जो नष्ट होने के लिए तैयार हो, नाशोन्मुख।

फ़नाईयत (فنائیت) अ स्त्री–फना हो जाना, आत्मसात् हो जाना, विलीन हो जाना।

फनापिज़ीर (فناپزیر) अ फा वि.–जिसे अत मे नाश होना हो, मरणधर्मा।

फनाफिल्लाह (فنافی‌اللہ) अ वि–वह जो ईश्वर मे लीन हो गया हो, व्रह्मलीन।

फनाफिशशैख (فنافی‌الشیخ) अ वि–जो अपने पीर मे लीन हो।

फ़न्नी (فنی) अ वि–किसी फन से सम्वन्धित।

फ़न्ने कितावत (فن کتابت) अ पु–कापीनवीसी की कला, लिपि-कला।

फन्ने जर्राही (فن جراحی) अ पु–चीर-फाड अर्थात् शल्य-चिकित्सा की कला।

फन्ने ता'मीर (فن تعمیر) अ. पु–वास्तुकला, वास्तुविद्या।

फन्ने तीरंदाजी (فن تیراندازی) अ फा पु–धनुर्वेद, धनुर्विद्या।

फन्ने मुसव्विरी (فن مصوری) अ पु–चित्रकला, चित्रविद्या।

फन्ने मूसीकी (فن موسیقی) अ पु–गानकला, सगीत-कला, सगीतविद्या, गानविद्या।

फन्ने लतीफ (فن لطیف) अ पु.–ललित कला, सत्कला।

फविहा (فبہا) अ अव्य–ठीक, खूव।

फम (فم) अ पु–मुख, मुँह।

फमे मे'दः (فم معدہ) अ पु–आमाशय का मुँह या द्वार।

फमे रहिम (فم رحم) अ पु–गर्भाशय का मुँह।

फय्याज (فیاض) अ पु–दे 'फैयाज'।

फरग (فرنگ) फा पु–दे 'फरगिस्तान'।

फरगिस्तान (فرنگستان) फा पु–फरगियो का देश, इँगलैड।

फरंगी (فرنگی) फा पु–फरगिस्तान का निवासी, अग्रेज़।

फर (فر) फा स्त्री–वैभव, शानोशौकत, ज्योति, प्रकाश, चमक, प्रतिविव, अक्स।

फ़रज. (فرجہ) अ पु–दरिद्रता और तगी से छुटकारा पाना, दशा का उन्नतिशील होना।

फरज (فرج) अ स्त्री–सुगमता, आसानी, सुख, चैन, आराम।

फरफरः (فرفرہ) फा स्त्री–फिरकी।

फ़रफर (فرفر) फा अव्य–जल्दी-जल्दी।

फरस (فرس) अ पु–अश्व, घोडा।

फरह (فرح) अ पु–हर्ष, आनद, खुशी, फर्हत।

फरहवख्श (فرح‌بخش) अ फा वि–खुशी देनेवाला, फर्हत देनेवाला, आनन्ददाता।

फरहमंद (فرحمند) अ फा–हर्षित, आनदित, खुश।

फराइज (فرائض) अ पु–'फरीज' का वहु, कर्तव्य।

फराइजे कौमी (فرایض قومی) अ पु–वह कर्तव्य जो राष्ट्र की ओर से आवश्यक हो।

फ़राइजे मंसवी (فرائض منصبی) अ पु–वह कर्तव्य जो नौकरी के लिए जरूरी हो, वह कर्तव्य जो मानवता के नाते लाजिमी हो।

फराइजे मिल्ली (فرائض ملی) अ पु–दे 'फराइजे कौमी'।

फराइजे मुल्की (فرائض ملکی) अ पु–वह कर्तव्य जो एक देशवासी के लिए अनिवार्य है।

फराइद (فرائد) अ पु–'फरीद.' का वहु, अकेले लोग, अद्वितीय वस्तुएँ।

फराइनः (فراعنہ) अ पु–'फिर्औन' का वहु, मिस्र के प्राचीन शासक जिनके शव अह्राम मे मिलते है।

फ़राख (فراخ) फा वि–विस्तृत, वसीअ, चौडा-चकला।

फराखअव्रू (فراخ‌ابرو) फा वि.–हँसमुख, जिद दिल।

फराखआस्ती (فراخ‌آستیں) फा वि–मुक्तहस्त, दानी, सखी।

फ़राखचश्म (فراخ‌چشم) फा वि–खूव खर्च करनेवाला, दिल खोलकर खाने-खिलानेवाला।

फराखदस्त (فراخ‌دست) फा वि–खूव देने-लेनेवाला; दौलतमद, सपन्न।

फराखदामन (فراخ‌دامن) फा वि–धनसपन्न, समृद्ध, दौलतमद।

फराखदिल (فراخ‌دل) फा वि–दे 'फराखचश्म'।

फराखपेशानी (فراخ‌پیشانی) फा वि–चौडी पेशानीवाला, भाग्यवान्, हँसमुख, शीलवान्।

फराखसीनः (فراخ‌سینہ) फा वि–चौडे सीनेवाला, वहादुर।

फराखहौसलः (فراخ‌حوصلہ) फा अ वि–वडे हौसलेवाला, उच्चोत्साही।

फराखहौसलगी (فراخ‌حوصلگی) फा अ स्त्री–हिम्मत वडी होना।

फराखी (فراخی) फा स्त्री–विस्तार, फैलाव, कुशादगी।

फराखुर (فراخور) फा पु–योग्य, पात्र, लाइक।

फ़राग (فراغ) अ प–दे 'फरागत'।

फ़राग़त (فراغت) अ स्त्री–अवकाश छुट्टी फ़ुरसत छुटकारा, मुक्ति, नजात समृद्धि दौलतमंदी, सुख, आराम संतोष इत्मीनान।

फ़राग़बाल (فراغ بال) अ फा वि–संतोष और सुख के साथ जीवन व्यतीत करनेवाला।

फ़राग़बाली (فراغ بالی) अ फा स्त्री–सुख और बेफ़िक्री से जीवन गुज़ारना।

फ़राग़े कुल्ली (فراغ کلی) अ पु–पूर्ण संतोष पूरा इत्मीनान।

फ़राग़े ख़ातिर (فراغ خاطر) अ पु–मन का संतोष चित्त की एकाग्रता।

फ़राग़े दिल (فراغ دل) अ फा पु–दे॰ फ़राग़े ख़ातिर।

फ़राग़े बातिन (فراغ باطن) अ पु–दे॰ फ़राग़े ख़ातिर।

फ़राज़ (فراز) फा पु–ऊँचाई बलन्दी।

फ़राज़िंद (فرازند) फा वि–उठानेवाला ऊँचा करनेवाला उन्नायक।

फ़राज़ोनिशेब (فرازونشیب) फा पु–ऊँच नीच उतार चढ़ाव।

फ़रादीस (فرادیس) अ पु–फ़िर्दौस का बहु स्वर्ग-समूह।

फ़रामीन (فرامین) फा पु–फ़र्मान का बहु राजादेश।

फ़रामुश (فرامش) फा वि–'फ़रामोश' का लघु दे॰ फ़रामोश भूला हुआ विस्मृत।

फ़रामुशी (فرامشی) फा स्त्री–'फ़रामोशी' का लघु दे॰ फ़रामोशी भूल।

फ़रामोश (فراموش) फा वि–भूला हुआ विस्मृत (प्रत्य) भूल जानेवाला जैसे—वादफ़रामोश वादा करके भूल जानेवाला।

फ़रामोशकार (فراموشکار) फा वि–भुलक्कड़ बहुत भूलनेवाला।

फ़रामोशकारी (فراموشکاری) फा स्त्री–बहुत भूलना।

फ़रामोशी (فراموشی) फा स्त्री–भूल भूलने का भाव।

फ़रार (فرار) फा पु–पलायन भागना छुप जाना शुद्ध उच्चारण दे॰ फ़िरार परन्तु उर्दू में 'फ़रार' ही बोलते हैं।

फ़राश (فراش) अ पु–पतंगा शलभ परवाना।

फ़रासिख़ (فراسخ) अ पु–फ़रसख़ का बहु।

फ़राहत (فراہت) अ स्त्री–बुद्धि की तीव्रता चतुरता हाज़िरजवाबी घोड़े की अच्छी चाल।

फ़राहम (فراہم) फा वि–एकत्र इकट्ठा एक जगह।

फ़राहमी (فراہمی) फा स्त्री–एकत्र होना इकट्ठा होना।

फ़रीक़ (فریق) अ पु–पक्ष पार्टी दल गरोह वादी और प्रतिवादी।

फ़रीक़े मुख़ालिफ़ (فریق مخالف) अ पु–विरोधी पक्ष या दल।

फ़रीक़े मुतख़ासिम (فریق متخاصم) अ पु–आपस में लड़नेवाला पक्ष।

फ़रीक़े सानी (فریق ثانی) अ पु–दूसरे पक्ष अर्थात विरोधी दल का व्यक्ति।

फ़रीक़ैन (فریقین) अ पु–उभय पक्ष दोनों पार्टियाँ।

फ़रीज़ा (فریضہ) अ पु–कर्तव्य फ़र्ज़ नमाज़।

फ़रीज़ए मज़हबी (فریضۂ مذہبی) अ पु–धार्मिक कृत्य जैसे—नमाज़, रोज़ा हज आदि।

फ़रीद (فرید) अ वि–एकाकी अकेला अद्वितीय बेमिसाल।

फ़रीदुलअस्र (فرید العصر) अ वि–जो अपने समय में अकेला हो अद्वितीय अनुपम बेमिसाल।

फ़रेफ़्ता (فریفتہ) फा वि–शुद्ध उच्चारण 'फ़िरेफ़्तः' है परन्तु उर्दू में 'फ़रेफ़्ता' बोलते हैं मुग्ध आसक्त आशिक़ छलित धोखा खाया हुआ।

फ़रेब (فریب) फा पु–छल कपट धोखा मिस मिस बहाना इसका शुद्ध उच्चारण 'फ़िरेब' है परन्तु उर्दू में 'फ़रेब' है (प्रत्य) छलनेवाला, जैसे—दिलफ़रेब मन को छलनेवाला।

फ़रेबकार (فریبکار) फा वि–छली कपटी धोखेबाज़।

फ़रेबख़ुर्दा (فریب خوردہ) फा वि–छलित वंचित छला हुआ फ़रेब खाया हुआ।

फ़रेबख़ुर्दगी (فریب خوردگی) फा स्त्री–छला जाना धोखा खाना धोखे में आ जाना।

फ़रेबदाद (فریب داد) फा वि–जिसे धोखा दिया गया हो।

फ़रेबदिहंद (فریب دہند) फा वि–धोखा देनेवाला छल करनेवाला।

फ़रेबदिही (فریب دہی) फा स्त्री–धोखा देना छल करना।

फ़रेबी (فریبی) फा वि–धोखेबाज़ छली।

फ़रेबे अक़्ल (فریب عقل) फा अ पु–बुद्धिभ्रम अक़्ल का धोखा बुद्धि का धोखे में पड़ जाना।

फ़रेबे नज़र (فریب نظر) फा अ पु–दृष्टिभ्रम निगाह का धोखा दृष्टि का धोखे में पड़ जाना।

फ़रोख़्ता (فروختہ) फा वि–बेचा हुआ फ़ारसी 'फ़िरोख़्तः' है परन्तु उर्दू में यही है।

फ़रोख़्त (فروخت) फा स्त्री–बिक्री।

फ़रोख़्तगी (فروختگی) फा स्त्री–बिक्री बेचने का कार्य।

फ़रोग़ (فروغ) फा पु–प्रकाश ज्योति रोशनी उर्दू में तरक़्क़ी प्रायः रौनक़ अर्थ पर बोला जाता है परन्तु

उर्दू मे 'फरोग' ही है। जैसे—"जितना फरोग शोलए-हुस्ने-सनम मे है, उतनी तपिश कहाँ है, दिले बेकरार मे।"

फरोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा. स्त्री—दे 'फिरोगुज़ाश्त', वही शुद्ध है।

फ़रोज़ाँ (فروزاں) फा वि.—दे 'फुरोज़ाँ', वह शुद्ध है।

फरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री—वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति, पथिक के रूप मे थोडे दिन ठहरे, शुद्ध 'फिरोद' है परतु उर्दू मे 'फरोद' भी है।

फरोश (فروش) फा प्रत्य—वेचनेवाला, जैसे—'मेव फरोश', मेवा बेचनेवाला।

फरोशिंदः (فروشندہ) फा वि—वेचनेवाला।

फरोशीदः (فروشیدہ) फा वि—वेचा हुआ, वेची हुई वस्तु।

फरोशीदनी (فروشیدنی) फा अव्य—वेचने के योग्य, जो वस्तु वेची जा सके।

फर्अ (فرع) अ स्त्री—शाखा, डाली, किसी मूल का कोई अश।

फ़र्ई (فرعی) अ वि—जो मूल मे से निकला हो।

फ़र्क़ (فرق) अ पु—शिर, सिर, सर, अतर, भेद, दो सख्याओ का शेष, दूरी, फासिला; पृथक्‌ता, जुदाई; मतभेद, इख्तिलाफ, ह्रास, कमी।

फर्क़दैन (فرقدین) अ पु—दो तारे जो उत्तरी ध्रुव मे है और शाम से सवेरे तक वरावर दिखाई पडते है, कभी छिपते नही।

फर्खंदः (فرخندہ) फा वि—दे 'फर्ख़ुद', दोनो, शुद्ध है।

फर्ख़ुदः (فرخندہ) फा वि—शुभान्वित, कल्याणकारी, मुवारक।

फ़र्ख़ुंद.ख़ू (فرخندہ خو) फा वि—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति।

फर्ख़ुंदःताले' (فرخندہ طالع) फा अ वि—भाग्यशाली, सौभाग्यवान्।

फर्ख़ुंद.पै (فرخندہ پے) फा वि.—जिसका कही आना शुभान्वित हो, मुवारक कदम।

फर्ख़ुंदःफाल (فرخندہ فال) फा वि—भाग्यवान्, खुशनसीव।

फर्ख़ुंद.वख़्त (فرخندہ بخت) फा वि.—दे 'फर्ख़ुंद ताले'।

फर्ख़ुंद.राय (فرخندہ راے) फा अ वि—जिसका परामर्श और जिसकी सलाह बहुत अच्छी होती हो।

फर्ख़ुंद सिफात (فرخندہ صفات) फा अ वि—अच्छे गुणोवाला, सद्‌गुण-सपन्न।

फर्गुल(-फर्गुल) (فرغل-فرگل) फा उभ—रुईदार लवादा, रुईदार चुगा, वह रुईदार छोटा कोट जो बच्चो को पहनाते है और जिसमे टोपी भी लगी रहती है।

फ़र्जः (فرجہ) अ पु—खोलना,, खुलना।

फर्ज़ंद (فرزند) फा पु—आत्मज, तनय, पुत्र, वेटा, लडका।

फर्ज़ंदी (فرزندی) फा वि—वेटापन, पुत्रत्व, वाप-वेटे का नाता।

फर्ज़ंदे अर्जमद (فرزند ارجمند) फा पु—सपूत, होनहार वेटा, भव्य पुत्र।

फर्ज़ंदे नरीनः (فرزند نرینہ) फा पु—वेटा, पुत्र।

फर्ज (فرج) अ स्त्री—दो चीजो के बीच की दरार; शिगाफ, फटन, विवर, छेद, योनि, भग।

फर्ज़ (فرض) अ पु—कर्तव्य, ड्यूटी, ईश्वर की ओर से लगाया हुआ धार्मिक कृत्यो का आदेश, अनिवार्य, जुरूरी, जिम्मेदारी, वह नमाज जिसका कुरान मे आदेश है।

फर्जजः (فرزجہ) अ पु—दवा मे भिगोकर योनि या गुदाद्वार मे रखने का कपडा।

फ़र्ज़न (فرضاً) अ अव्य—कर्तव्य द्वारा फर्ज की रू से।

फर्ज़शनास (فرض شناس) अ फा वि—जो अपने कर्तव्य को कर्तव्य समझकर करे, कर्तव्य-पालक।

फर्ज़शनासी (فرض شناسی) अ फा स्त्री—अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर अजाम देना।

फर्ज़ाद (فرزاد) फा वि—वुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

फर्ज़ानः (فرزانہ) फा वि—बुद्धिमान्, अक़्लमद; चतुर, होशियार, कुशल, दक्ष।

फर्ज़ानःख़ू (فرزانہ خو) फा वि—वुद्धिमान्, चतुर।

फर्ज़ानगी (فرزانگی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, अक्लमदी, चतुरता, होशियारी, दक्षता, काविलीयत।

फर्जाम (فرجام) फा पु—अत, अख़ीर, परिणाम, नतीजा, (प्रत्य) अत या परिणामवाला, जैसे—'नेकफर्जाम' जिसका अत या परिणाम सुदर हो।

फर्ज़ी (فرزیں) फा पु—शत्रज का एक मोहरा, वजीर।

फर्ज़ी (فرضی) अ वि—जिसकी केवल कल्पना हो, मूल मे न हो, काल्पनिक, कियासी।

फर्जी (فرجی) फा स्त्री—विना घुडी तुक्मे की कवा जो कपडो के ऊपर पहनी जाती है, गाउन।

फर्ज़े ऐन (فرض عین) अ पु—मूल कर्तव्य, सही ड्यूटी।

फर्ज़े किफाय (فرض کفایہ) अ पु—वह फर्ज जो एक आदमी के अदा करने से सव की ओर मे अदा हो जाय, जैसे—किसी सभा मे किसी के सलाम का जवाब एक आदमी दे दे तो सव की ओर से हो जाता है।

फर्ज़े मंसबी (فرض منصبی) अ पु—वह कर्तव्य जो किसी के लिए मुकर्रर हो, जैसे—पुलिस के लिए रक्षा का।

फ़र्ज़े मुहाल (فرض محال) अ पु—ऐसी बात मान लेना या फ़र्ज़ कर लेना जो हो ही न सके।
फ़र्त (فرط) अ पु—अधिकता बाहुल्य, इफ़रात।
फ़र्तूत (فرتوت) फा वि—बहुत बूढ़ा।
फ़र्ते ऐश (فرط عیش) अ पु—भोग विलास और धन-दौलत का बाहुल्य।
फ़र्ते ग़ज़ब (فرط غضب) अ पु—क्रोध का आवेग कोप का प्रकोप।
फ़र्ते ग़म (فرط غم) अ पु—शोक और दुःख का आधिक्य।
फ़र्ते मसर्रत (فرط مسرت) अ पु—हर्ष और आनंद का प्रचुरता हर्षातिरेक।
फ़र्ते महब्बत (فرط محبت) अ पु—प्रेम की ज़ियादती प्रेम का आवेग।
फ़र्ते शादी (فرط شادی) अ फा पु—दे फ़र्ते मसर्रत।
फ़र्ते शौक़ (فرط شوق) अ पु—अभिलाषा का ज़ोर।
फ़र्द (فرد) अ पु—एक व्यक्ति एक शख़्स, एकाकी अकेला अद्वितीय बेमिस्ल, दुशाला रज़ाई चादर।
फ़र्द (فرد) फा स्त्री—हिसाब का रजिस्टर हुक्मनामा निमंत्रण का सूचीपत्र।
फ़र्दन फ़र्दन (فرداً فرداً) अ अव्य—एक एक करके हर व्यक्ति का अलग-अलग।
फ़र्दा (فردا) फा पु—आनेवाला कल।
फ़र्दाए क़ियामत (فردائے قیامت) फा अ पु—प्रलय का दिन जब सब के हिसाब किताब होंगे।
फ़र्दाए महशर (فردا—محشر) फा अ पु—दे फ़र्दाए क़ियामत।
फ़र्दाए हश्र (فردائے حشر) फा अ पु—दे फ़र्दाए क़ियामत।
फ़र्दे आमाल (فرد اعمال) अ फा स्त्री—कर्मपत्र आमाल नामा।
फ़र्दे क़रारदादे जुर्म (فرد قراردادِ جرم) अ फा स्त्री—अभियोगपत्र चार्जशीट।
फ़र्दे जुर्म (فرد جرم) फा अ स्त्री—अभियोग-पत्र फ़र्दे क़रारदादे जुर्म।
फ़र्दे बशर (فرد بشر) अ पु—एक व्यक्ति एक आदमी।
फ़र्दे बातिल (فرد باطل) फा अ स्त्री—हिसाब का ग़लत काग़ज़ वह काग़ज़ जो कटा-फटा हो और माना न जा सके निकम्मी चीज़।
फ़र्दे वाहिद (فرد واحد) अ पु—एक आदमी एक व्यक्ति।
फ़र्दे हिसाब (فرد حساب) फा अ स्त्री—हिसाब का काग़ज़ चिट्ठा बीजक वह काग़ज़ जिस पर कोई लेन-देन या हिसाब उतारा गया हो।

फ़र्फ़्यून (فرفیون) अ स्त्री—थूहड़ का सुखाया हुआ दूध जो दवा के काम आता है।
फ़र्बिही (فربہی) फा स्त्री—मोटापा मांसलता स्थूलता।
फ़र्बेह (فربہ) फा वि—मोटा-ताज़ा ग्हीम-शहीम स्थूल।
फ़र्बेहअन्दाम (فربہ اندام) फा वि—स्थूलकाय मोटे ताज़े शरीरवाला।
फ़र्माँ (فرماں) फा पु—आज्ञा शाहीहुक्म राजादेश दे फ़र्मान।
फ़र्मांगुज़ार (فرماں گزار) फा वि—शासक, हाकिम राजा बादशाह।
फ़र्मांगुज़ारी (فرماں گزاری) फा स्त्री—शासन हुकूमत, राज्य।
फ़र्मांदिही (فرماں دہی) फा स्त्री—शासन, हुकूमत राज्य।
फ़र्मांपिज़ीर (فرماں پذیر) फा वि—दे फ़र्माँबर्दार।
फ़र्मांफ़र्मा (فرماں فرما) फा वि—शासक हुक्म चलानेवाला राज करनेवाला।
फ़र्मांबरदार (فرماں بردار) फा वि—आज्ञाकारी आज्ञापालक ताबेदार।
फ़र्मांबरदारी (فرماں برداری) फा स्त्री—आज्ञापालन हुक्म मानना।
फ़र्मांरवा (فرماں روا) फा वि—शासक, राजा बादशाह।
फ़र्मांरवाई (فرماں روائی) फा स्त्री—शासन राज हुकूमत।
फ़र्मा (فرما) फा प्रत्य—फ़रमानेवाला जैसे—हुक्मफ़र्मा हुक्म फ़र्मानेवाला आज्ञादाता।
फ़र्माइश (فرمائش) फा स्त्री—मांगना तलब करना किसी काम या किसी चीज़ के लिए कहना कारख़ाने या दुकान के माल का आर्डर।
फ़र्माइशी (فرمائشی) फा वि—जिसकी फ़र्माइश की गयी हो जो फ़र्माइश द्वारा किया गया हो याचित।
फ़र्मान (فرمان) फा पु—राजादेश शाही हुक्म आज्ञा आदेश हुक्म।
फ़र्मूद (فرمود) फा वि—उक्त कहा हुआ फ़र्माया हुआ।
फ़र्याद (فریاد) फा स्त्री—सहायता के लिए पुकार दुहाई नालिश न्याययाचना इस्तिग़ासा शिकायत परिवाद अनुयोग आर्तनाद दुःख की आवाज़।
फ़र्यादख़्वाह (فریاد خواہ) फा वि—नालिशी न्याय-याचक।
फ़र्यादख़्वाही (فریاد خواہی) फा स्त्री—न्याय-याचना जुर्म की दादरसी चाहना।
फ़र्यादरस (فریادرس) फा वि—फ़र्याद सुननेवाला न्यायकर्ता।
फ़र्यादरसी (فریادرسی) फा स्त्री—न्याय करना फ़र्याद सुनना।

फ़र्यादशनवा (فریادشنوا) फा वि—फ़र्याद सुननेवाला।
फ़रार (فرار) अ वि—पलायन, भागना, शुद्ध उच्चारण 'फिरार' है, परंतु उर्दू मे 'फरार' ही है।
फ़राश (فراش) अ वि—वह व्यक्ति जिसके जिम्मे दरवार या मज्लिस आदि मे फर्श आदि विछाने और रोशनी आदि करने का प्रबंध हो।
फर्राशख़ानः (فراش خانہ) अ फा पु—वह मकान जिसमे फर्श वग़ैरह रखे जाते हो।
फर्राशी (فراشی) अ वि—फर्राश का काम।
फर्रुख़ (فرخ) फा. वि—शुभ, कल्याणकारी, सुन्दर, अच्छा।
फर्रुख़कदम (فرخ قدم) फा अ वि—जिसका आना शुभान्वित हो, मुवारक पै।
फर्रुख़तबार (فرخ تبار) फा वि—कुलीन, अच्छे ख़ानदान वाला, आर्यभद्र।
फर्रुख़निहाद (فرخ نہاد) फा वि—सत्प्रकृतिवाला।
फ़र्वरदीन (فروردین) फा पु—पहला ईरानी महीना।
फर्श (فرش) अ पु—विछौना, विछाने की चीज, वडी जगह मे विछायी जानेवाली वडी दरी, समतल भूमि, हमवार जमीन, चौरस गच या सीमेंट से पक्की की हुई जमीन, पृथ्वीतल, जमीन की सतह।
फर्शी (فرشی) अ वि—फर्श पर रखी जानेवाली चीज, जैसे फर्शी हुक्का, फर्श से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
फर्शे आव (فرش آب) अ फा. पु—समुद्र या नदी का तल।
फर्शे ख़ाक (فرش خاک) अ फा पु—पृथ्वी का तल, सत्हे जमीन।
फर्शे गुल (فرش گل) अ फा पु—फूलो का फर्श।
फर्शे जमी (فرش زمیں) अ फा पु—दे 'फर्शे ख़ाक'।
फर्शे राह (فرش راہ) अ फा पु—जमीन मे विछा हुआ, रास्ते मे विछी हुई, विनम्र, विनीत,—"पाँव रखता हूँ जव मुहब्बत मे, वेकसी फर्शे राह होती है।"—जिगर।
फर्संग (فرسنگ) फा पु—दे 'फर्संख'।
फर्स (فرص) अ पु—काटना, फाडना, चीरना।
फर्सख़ (فرسخ) अ पु—४००० गज की दूरी, अंग्रेजी मील के हिसाव से लगभग सवा दो मील।
फर्सा (فرسا) फा प्रत्य—घटानेवाला, जैसे—'रूहफर्सा' रूह का कम करनेवाला, घिसनेवाला, जैसे—'जवीफर्सा' माथा रगडनेवाला।
फर्सूदः (فرسودہ) फा वि—घिसा हुआ, पुराना, कम, शीर्ण, जीर्ण।
फर्सूदःहाल (فرسودہ حال) फा वि—पतले हालोवाला, जिसकी दशा वहुत ख़राव हो, क्षीण दशावाला।
फर्सूदगी (فرسودگی) फा स्त्री—घिसा-पिसा होना, फटा-पुराना होना।
फर्सूदनी (فرسودنی) फा वि—घिसने के योग्य।
फ़र्हंग (فرهنگ) फा स्त्री—बुद्धि, विवेक, शुऊर, अक़्ल; शब्दकोश, लुगात।
फर्हाद (فرهاد) फा पु—शीरी का प्रेमी जिसने शीरी की आज्ञा से पहाड काटा था और एक कुटनी के धोखा देने से उसने अपना सर फोड लिया और मर गया।
फलक (فلک) अ पु—आकाश, गगन, अवर, व्योम, आस्मान।
फलक़ (فلق) अ स्त्री—सवेरे का उजाला, उषा।
फलक असास (فلک اساس) अ वि—वहुत मजवूत और वहुत वलद।
फलकफद्र (فلک قدر) अ वि.—वहुत वडे रुतवे और पदवी-वाला।
फ़लकज़दः (فلک زدہ) अ फा वि—आपत्ति मे फँसा हुआ, दशाचक्रग्रस्त।
फ़लकजनाव (فلک جناب) अ वि—जिसके मकान की चौखट आकाश हो, वहुत वडे मरतवेवाला।
फलकताज़ (فلک تاز) अ फा वि—आकाश पर धावा वोलनेवाला, वहुत वडा साहसी।
फलकनवर्द (فلک نورد) अ फा वि—आस्मान पर घूमनेवाला, गगनचारी।
फलकपरवाज़ (فلک پرواز) अ फा वि—आकाश पर उडनेवाला, नभश्चर।
फलकपायः (فلک پایہ) अ फा वि—आकाश जैसी महान् प्रतिष्ठावाला।
फलकपैमा (فلک پیما) अ फा वि—वह व्यक्ति या मडली जो किसी पहाड की चोटी तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील हो, पर्वतारोही।
फलकफर्सा (فلک فرسا) अ फा वि—दे 'फलकपरवाज'।
फलकवारगाह (فلک بارگاہ) अ फा वि—दे 'फलक जनाव'।
फलकबोस (فلک بوس) अ फा वि—आकाश को चूमने-वाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुवी, नभ स्पर्शी।
फलकमआव (فلک مآب) अ वि—वहुत वडी प्रतिष्ठा-वाला।
फलकमकाम (فلک مقام) अ वि—दे 'फलकमआव'।
फलकमर्तवः (فلک مرتبہ) अ वि—अकाश-जैसी प्रतिष्ठा-वाला, वहुत वडे मरतवेवाला।
फलकरसा (فلک رسا) अ फा वि—दे 'फलकवोस'।

फ़लकरिकाब (فلک رکاب) अ फा वि—दे. फ़लकमरतबा।
फ़लकरिफ़अत (فلک رفعت) अ वि—दे. 'फ़लकपाया'।
फ़लकशिकन (فلک شکن) अ फा वि—दे. फ़लकशिगाफ़।
फ़लकशिगाफ़ (فلک شگاف) अ फा वि—आकाश को छेद डालनेवाला, गगनभेदी।
फ़लकसरीर (فلک سریر) अ वि—दे. 'फ़लकपाया', जिसका सिंहासन स्वयं आकाश हो।
फ़लकसैर (فلک سیر) अ वि—दे. फ़लकपरवाज़।
फ़लकी (فلکی) अ वि—आकाशीय, आस्मानी।
फ़लकीयात (فلکیات) अ स्त्री—आस्मानी या इल्म, अंतरिक्ष विज्ञान, इल्मुल अफ़लाक।
फ़लकुलअफ़लाक (فلک الافلاک) अ पु—सब आस्मानों से ऊँचा अर्थात् सब आस्मानों के ऊपरवाला आस्मान, नवाँ आकाश।
फ़लके अतलस (فلک اطلس) अ पु—सब से ऊपर का आकाश जो अतलस की भाँति बिल्कुल सादा है।
फ़लके आ'ज़म (فلک اعظم) अ पु—दे. 'फ़लकुलअफ़लाक'।
फ़लाकत (فلاکت) अ स्त्री—दरिद्रता, निर्धनता, ग़रीबी, मुफ़्लिसी।
फ़लाकतज़द (فلاکت زدہ) अ फा वि—कंगाली का मारा हुआ, दुर्दशाग्रस्त।
फ़लाकतज़दगी (فلاکت زدگی) अ फा स्त्री—कंगाली, दुर्दशा, दरिद्रता, ग़रीबी।
फ़लाख़न (فلاخن) फा पु—गोफन, जिसमें रखकर ढेला फेंका जाता है।
फ़लातून (فلاطون) अ पु—अफ़लातून का लघु, दे. अफ़लातून।
फ़लासंग (فلاسنگ) फा पु—फ़लाख़न, गोफन, कानन, वन, जंगल, बियाबान।
फ़लासिफ़ः (فلاسفہ) अ पु—फ़ल्सफ़ी का बहु, दार्शनिक गण, वैज्ञानिकगण, नैयायिकगण।
फ़लाह (فلاح) अ स्त्री—भलाई, कल्याण, उपकार, नेकी, मोक्ष, निर्वाण।
फ़लाहत (فلاحت) अ स्त्री—खेती, काश्तकारी।
फ़लाहतपेश (فلاحت پیشہ) अ फा वि—किसान, कृषक, खेतिहर, काश्तकार।
फ़लाहे दारैन (فلاح دارین) अ स्त्री—संसार और परलोक दोनों लोकों की भलाई।
फ़लिहाज़ा (فلہٰذا) अ अव्य—बस, इस कारण।
फ़लीत (فلیتہ) तु पु—दे. मूल शब्द 'फ़तील', उर्दू में बेपढ़े लोग 'फ़लीत' भी बोलते हैं।

फ़ल्स (فلس) अ पु—एक तीन पाई का सिक्का, मछली का छिल्का, दाम, शल्क।
फ़ल्सफ़ः (فلسفہ) अ पु—दर्शनशास्त्र, विज्ञानशास्त्र, न्यायशास्त्र, तर्क, दर्शन, मंतिक़, विज्ञान, हिक्मत।
फ़ल्सफ़ादाँ (فلسفہ داں) अ फा पु—फ़ल्सफ़ः जाननेवाला।
फ़ल्सफ़ादानी (فلسفہ دانی) अ फा स्त्री—फ़ल्सफ़ः जानना।
फ़ल्सफ़ियानः (فلسفیانہ) अ अव्य—फ़ल्सफ़ियों-जैसा।
फ़ल्सफ़ी (فلسفی) अ वि—फ़ल्सफ़ः जाननेवाला।
फ़ल्से माही (فلس ماہی) अ फा पु—मछली के छिल्के, शल्क, चाँई।
फ़ल्से हूत (فلس حوت) अ पु—दे. फ़ल्से माही।
फ़वाइद (فوائد) अ पु—फ़ाइदः का बहु, बहुत से लाभ।
फ़वाकेह (فواکہ) अ पु—फ़ाकिहः का बहु, मेवे।
फ़वाहिश (فواحش) अ पु—फ़ाहिशः का बहु, दुराचार, बुरे काम।
फ़व्वार (فوارہ) अ पु—पानी उछालने का एक यंत्र, धारायंत्र, जलयंत्र, फुहारा।
फ़शार (فشار) फा पु—निचोड़ना, भींचना, दबाना, मुर्दे को क़ब्र की ज़मीन का भींचना, मुसल्मानों के धर्म के अनुसार पापी मनुष्य को क़ब्र बड़े ज़ोर से भींचती है।
फ़शारे क़ब्र (فشار قبر) फा अ पु—दे. 'फ़शार' नं. २।
फ़शुर्दः (فشردہ) फा वि—निचोड़ा हुआ।
फ़शुर्दनी (فشردنی) फा अव्य—निचोड़ने के लाइक़।
फ़सक़ः (فسقہ) अ पु—फ़ासिक़ का बहु, दुराचारी लोग।
फ़सदः (فسدہ) अ पु—फ़ासिद का बहु, फ़साद करनेवाले, बलवाई, शरारती।
फ़साँ (فساں) फा पु—वह पत्थर जिस पर सान रखा जाता है, दे. 'फ़िसाँ', दोनों शुद्ध हैं।
फ़साद (فساد) अ पु—दंगा, उपद्रव, बलवा, विकार, ख़राबी, विघ्न, बाधा, ख़लल, साम्प्रदायिक झगड़ा, फ़िरक़ावाराना मारकाट।
फ़सादअंगेज़ (فساد انگیز) अ फा वि—उपद्रव मचानेवाला।
फ़सादअंगेज़ी (فساد انگیزی) अ फा स्त्री—उपद्रव करना।
फ़सादज़दः (فساد زدہ) अ फा वि—वह नगर अथवा स्थान जहाँ कोई दंगा या बलवा हो गया हो, बलवा या दंगे से हानि उठानेवाला।
फ़सादज़दगी (فساد زدگی) अ फा स्त्री—बलवा या दंगे से प्रभावित होना, नुक़्सान उठाना अथवा मारा जाना।
फ़सादी (فسادی) अ वि—फ़साद करनेवाला, उपद्रवकर्ता।
फ़सादे ख़ून (فساد خون) अ फा पु—ख़ून की ख़राबी, रक्त दोष।

फसादे मे'दः (فساد معدہ) अ पु –पेट का विकार, हाजिमे की खराबी, मदाग्नि।

फसादे हज़्म (فساد هضم) अ पु –हाजिमे अथवा पाचन-शक्ति की खराबी, अजीर्ण, अपच।

फसानः (فسانہ) फा पु –कहानी, कथा, उपन्यास, नाविल, वृत्तात, हाल।

फसान.ख्वाँ (فسانہخواں) फा वि –कहानी कहनेवाला।

फसान·गो (فسانہگو) फा वि –दे 'फसान ख्वाँ'।

फ़सान.नवीस (فسانہنویس) फा वि –कहानियाँ लिखने-वाला, उपन्यासकार।

फसान निगार (فسانہنگار) फा वि –दे 'फसान नवीस'।

फसानए इश्क (فسانۂ عشق) फा अ पु –प्रेम की कहानी, प्रेम मे अपने ऊपर बीता हुआ वृत्तात।

फसानए गम (فسانۂ غم) फा अ पु –गम अर्थात्, प्रेम के गम की कथा।

फसानए दिल (فسانۂ دل) फा पु –प्रेम मे मन की व्यथा का वृत्तान्त।

फसाहत (فصاحت) अ स्त्री –वह लेखन-शैली जिसमे रोजमर्रे के सरल और हलके-फुलके शब्दो का प्रयोग हो और अलकार आदि या तो बिलकुल न हो और हो भी तो बहुत कम और सुन्दर हो।

फसील(فصیل)अ स्त्री –वह दीवार जो नगर के चारो ओर बनायी जाय, वह दीवार जो किले के चारो ओर खींची जाय।

फ़सीह (فصیح) अ वि –जिसमे फसाहत हो, ऐसा कलाम, जो फसाहत के साथ बातचीत करे, ऐसा व्यक्ति।

फसीहुलबयान (فصیح البیان) अ वि –मँजी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलनेवाला।

फसुर्दः (فسردہ) फा वि –अफसुर्द का लघु, खिन्न, मलिन, उदास, मुरझाया हुआ, ठिठुरा हुआ।

फसुर्द खातिर (فسردہخاطر) फा अ वि –जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, मलिनचित्त।

फसुर्दःदिल (فسردہدل) फा वि –दे 'फसुर्द खातिर'।

फसुर्द.रुख (فسردہرخ) फा वि –जिसका चेहरा कुम्हलाया हुआ हो, मलिनमुख।

फसुर्दगी (فسردگی) फा स्त्री –खिन्नता, मलिनता, उदासी, कुम्हलाहट, ठिठुरन।

फस्ख (فسخ) अ वि –निश्चय बदल देना, तोड देना।

फस्खे अजीमत (فسخ عزیمت) अ पु –निश्चय बदल देना, निश्चय-भग, इरादे की तबदीली।

फस्खे निकाह (فسخ نکاح) अ पु –विवाह-विच्छेद, विवाह टूट जाना।

फस्खे बैअ (فسخ بیع) अ पु –मोल ली हुई चीज का वापस हो जाना।

फस्द (فصد) अ स्त्री –रगो से खून निकालना, रक्त-मोचन, रक्त-मोक्षण।

फ़स्दज़न (فصدزن) अ फा वि –रगो से फस्द के द्वारा खून निकालनेवाला, रक्त-मोक्षक।

फस्ल (فصل) अ स्त्री –ऋतु, समय, मौसिम, किताब का बाब, परिच्छेद, अतर, दूरी, पैदावार, किसी चीज के पैदा होने का समय।

फस्ल बफस्ल (فصل بفصل) अ फा अव्य –हर फस्ल मे।

फस्लानः (فصلانہ) अ. फा पु –फस्ल पर दिया जानेवाला हक या नज्राना।

फस्ली (فصلی) अ वि –फस्ल से सम्बन्ध, फस्ल का; किसानो का साल।

फस्ले अंबः (فصل انبہ) अ फा स्त्री –आमो की फस्ल।

फस्ले इस्तादः (فصل استادہ) अ फा स्त्री –खडी फस्ल जो अभी काटी न गयी हो।

फस्ले खरीफ (فصل خریف) अ स्त्री –हिन्दुस्तान की वह फस्ल जिसमे मक्का, ज्वार, बाजरा और धान आदि उत्पन्न होता है, कतकिहाई।

फस्ले खिज़ाँ (فصل خزاں) अ फा स्त्री –पतझड की ऋतु।

फस्ले गर्मा (فصل گرما) अ फा स्त्री –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

फस्ले गुल (فصل گل) अ फा स्त्री –वसत ऋतु, बहार का मौसिम।

फस्ले बहार (فصل بہار) अ फा स्त्री –दे 'फस्ले गुल'।

फस्ले बाराँ (فصل باراں) अ फा स्त्री –बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

फस्ले रबीअ (فصل ربیع) अ स्त्री –वह फसल जिसमे गेहूँ, जौ, चना आदि उत्पन्न होता है, रब्बी।

फस्ले शिता (فصل شتا) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम।

फस्ले सर्मा (فصل سرما) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम, हिमऋतु, शिशिर, शीतकाल।

फस्साद (فصاد) अ पु –रक्त-मोक्षक, रगो से खून निकालने-वाला।

फ़हीम (فہیم) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, समझदार, विवेकी।

फहुवलमुराद (فهوالمراد)अ वा –तो ठीक है, तो गनीमत है, अगर ऐसा हुआ के बाद यह वाक्य आता है और इस वाक्य के बाद वरन. के साथ कोई वाक्य आता है, जैसे—

अगर उसने रुपया दे दिया फ़हुवल्मुराद, वरन मुझे नालिश करनी पड़ेगी।

फ़हम (فحم) अ पु—कोयला।

फ़हम (فہم) अ स्त्री—बुद्धि, समझ, विवेक तमाज़।

फ़हमाइश (فہمائش) फा स्त्री—चेतावनी, हिदायत, तंबीह, आगाही।

फ़हमीद (فہمیدہ) फा वि—समझा हुआ।

फ़हमीद (فہمید) फा स्त्री—समझ बुद्धि विवेक।

फ़हमीदनी (فہمیدنی) फा अव्य—समझने के योग्य।

फ़हमे नाक़िस (فہم ناقص) अ स्त्री—कच्ची समझ, नासमझी।

फ़हमे सहीह़ (فہم صحیح) अ स्त्री—ठीक समझ।

फ़ह्ल (فحل) अ पु—नर पुल्लिंग।

फ़हहाश (فحاش) अ वि—अश्लील बात करनेवाला।

फ़हहाशी (فحاشی) अ फा स्त्री—अश्लीलता।

फ़ाइक़ (فائق) अ वि—श्रेष्ठ उत्तम बढ़िया जो प्रधान हो जिसे तर्जीह दी जा सके।

फ़ाइक़तर (فائق‌تر) अ फा वि—सबसे बढ़िया सर्वोपरि सर्वोच्च।

फ़ाइज़ (فائز) अ वि—सफल कामयाब पहुँचनेवाला।

फ़ाइज़ (فائض) अ वि—फ़ैज़ देनेवाला लाभप्रद।

फ़ाइज़ुल्मराम (فائز‌المرام) अ वि—सफलमनोरथ, सफल मैं कामयाब।

फ़ाइदः (فائدہ) अ पु—लाभ नफ़ा प्राप्ति हुसूल निष्पत्ति नतीजा गुण तासीर राममुकिन सहत।

फ़ाइदबख़्श (فائدہ‌بخش) अ फा वि—लाभदायक मुफ़ीद।

फ़ाइदमंद (فائدہ‌مند) अ फा वि—दे फ़ाइदबख़्श।

फ़ाइदरसाँ (فائدہ‌رساں) अ फा वि—दे फ़ाइदबख़्श।

फ़ाइदरसानी (فائدہ‌رسانی) अ फा स्त्री—लाभकारिता लाभ पहुँचाना।

फ़ाइल (فاعل) अ वि—काम करनेवाला व्याकरण का कर्ता गुणमयता-कर्ता।

फ़ाइलियत (فاعلیت) अ स्त्री—फ़ाइल होना।

फ़ाइले मुख़्तार (فاعل مختار) अ पु—वह कार्यकर्ता जिसे पूर्ण अधिकार प्राप्त हों।

फ़ाइले हक़ीक़ी (فاعل حقیقی) अ पु—ईश्वर असल काम करनेवाला।

फ़ाक़ः (فاقہ) अ पु—अनशन निराहार उपवास कुछ न खाना बीमार की गिज़ा का कम होना।

फ़ाक़ःकश (فاقہ‌کش) अ फा वि—फ़ाक़ः करनेवाला भूखों मरनेवाला।

फ़ाक़ःकशी (فاقہ‌کشی) अ फा स्त्री—फ़ाक़ः करना भूखों रहना।

फ़ाक़ःज़द (فاقہ‌زدہ) अ फा वि—भूख का मारा हुआ।

फ़ाक़ःमस्त (فاقہ‌مست) अ फा वि—जो फ़ाक़ों में भी मस्त रहे।

फ़ाक़ःमस्ती (فاقہ‌مستی) अ फा स्त्री—फ़ाक़ों में बसर करना।

फ़ाक़ःशिकनी (فاقہ‌شکنی) अ फा स्त्री—फ़ाक़ः तोड़ना कुछ खाना।

फ़ाक़ (فاق) तु पु—सूफ़ार अर्थात् तीर का वह भाग जो पर, जिधर से तीर धनुष में रखते हैं।

फ़ाक़िद (فاقد) अ वि—खोनेवाला जो कोई चीज़ खो दे।

फ़ाक़िदुन्नज़र (فاقد‌النظر) अ वि—दृष्टिहीन अंधा जो अपनी दृष्टि खो चुका हो।

फ़ाक़िदुल्बसर (فاقد‌البصر) अ वि—नेत्रविहीन अंधा जो अपनी आँख खो चुका हो।

फ़ाकेह (فاکہ) अ पु—मेवा, हरा मेवा जैसे-सेब अनार अंगूर आदि।

फ़ाकेहात (فاکہات) अ पु—फ़ाकिह का बहु, मेवे।

फ़ाख़ितः (فاختہ) अ स्त्री—दे फ़ाख़्त, उर्दू में भी बोलते हैं।

फ़ाख़िरः (فاخرہ) अ वि—अच्छी और बढ़िया चीज़ बहुमूल्य वस्तु।

फ़ाख़िर (فاخر) अ वि—फ़ख़्र करनेवाला बहुमूल्य चीज़।

फ़ाख़्तः (فاختہ) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध पक्षी पंडुक।

फ़ाख़्तई (فاختئی) अ फा वि—फ़ाख़्ते जैसे रंग की वस्तु।

फ़ाज़ (فاژ) फा पु—जँभाई मुख-व्यादान, जृंभा अंगड़ाई।

फ़ाज़कश (فاژکش) फा वि—जँभाई लेनेवाला अंगड़ाई लेनेवाला।

फ़ाज़ह् (فاژہ) फा पु—दे फ़ाज़ह्।

फ़ाजिरः (فاجرہ) अ स्त्री—व्यभिचारिणी स्वैरिणी, दुश्चरित्रा बदचलन औरत।

फ़ाजिर (فاجر) अ पु—दुराचारी दुश्चरित्र बदचलन मर्द।

फ़ाज़िल (فاضل) अ वि—जिसने पूरी विद्या पा ली है स्नातक पारंगत शील अतिरिक्त फ़ालतू अधिक ज़ियादा बचा हुआ बाक़ी।

फ़ाज़िलात (فاضلات) अ पु—फ़ाज़िल का बहु जमा-ख़र्च के बाद बाक़ी बचा हुआ रुपया।

फ़ाज़िले अजल्ल (فاضل اجل) अ वि—बहुत बड़ा पंडित, धुरंधर विद्वान् प्रकांड पंडित।

फातहः (فاتحہ) अ उभ –दे 'फातिह' उर्दू में दोनों तरह बोलते हैं।

फ़ातिन (فاطن) अ वि –चतुर, दक्ष, कुशल, दाना, बुद्धिमान्, अक्लमंद।

फातिम. (فاطمہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो दो बरस के बच्चे का दूध छुड़ा दे, हज़्रत मुहम्मद साहिब की सुपुत्री और हज़्रत इमाम हुसेन की माता जी।

फ़ातिर (فاتر) अ वि –मंद, सुस्त; गुनगुना पानी, विकृत, दूषित, जिसमें फ़ुतूर हो।

फ़ातिर (فاطر) अ वि –सृष्टिकर्ता, ईश्वर।

फातिरुलअक्ल (فاترالعقل) अ. वि –पागल, विकृतमस्तिष्क।

फातिरुस्समावात (فاطرالسماوات) अ वि –आकाशों की सृष्टि करनेवाला।

फातिह (فاتحہ) अ उभ –कुरान की पहली सूरत, मुर्दे की नियाज।

फातिह (فاتح) अ वि –विजेता, जेता, जीतनेवाला, खोलनेवाला।

फातिहए ख़ैर (فاتحۂ خیر) अ फा उभ –फातिह, तिलांजलि।

फातिहान (فاتحانہ) अ फा. अव्य –जीतनेवालों की तरह, विजयपूर्ण।

फातिहे आ'जम (فاتح اعظم) अ वि –सब से बडा विजेता, महाजयी, दिग्विजयी।

फातिहे आ'लम (فاتح عالم) अ वि –संसार को जीत लेनेवाला, विश्वविजयी।

फातिहे कुल (فاتح کل) अ वि –सब को जीत लेनेवाला, सर्वविजयी।

फातिहे नफ़्स (فاتح نفس) अ वि –अपनी इंद्रियों को जीत लेनेवाला, जितेन्द्रिय, इंद्रियजयी।

फादजह्र (فادزهر) फा पु –एक ओषधि जो हर प्रकार के विषों की नाशक है, विषहर।

फानी (فانی) अ वि –नश्वर, नाशवान्, मिट जानेवाला, न रहनेवाला।

फानीज़ (فانید) अ पु –सफेद शकर, दाना चीनी।

फानूस (فانوس) फा पु –लैम्प की चिमनी, जिसमें से रोशनी छनती है, वह काँच का प्याला-जैसा पात्र जिसमें मोमबत्ती जलती है, आलोचक, निंदक, बडी किंदील, कंडील।

फानूसे ख़याल (فانوس خیال) फा अ पु –एक प्रकार का कागजी कंडील जिसमें हाथी-घोडे आदि की तस्वीरें घूमती हैं।

फानूसे ख़याली (فانوس خیالی) फा अ. पु –दे 'फानूसे ख़याल'।

फानूसे गर्दां (فانوس گرداں) फा पु –दे 'फानूसे ख़याल'।

फाम (فام) फा पु.–रंग, समान, मिस्ल, (प्रत्य.) रंगवाला, जैसे—'सब्ज फाम' हरे रंगवाला, समान, जैसे—गुल फाम, फूल-जैसा।

फ़ारः (فارہ) अ पु –एक चूहा, मूषक।

फार (فار) अ पु –'फार' का बहु, बहुत से चूहे।

फारां (فاراں) अ पु –'फारान' का लघु, दे 'फारान'।

फारान (فاران) अ पु –एक पहाड।

फारिक (فارق) अ वि –दो चीज़ों को अलग करनेवाला।

फारिग (فارغ) अ. वि –मुक्त, आजाद, निश्चिन्त, बेफ़िक्र, अवकाशप्राप्त, सावकाश, फुर्सत पाया हुआ, जो अपना काम कर चुका हो।

फारिग़ख़ती (فارغ خطی) अ फा. स्त्री –रुपया अदा होने की रसीद, ऋणमुक्तिपत्र, तलाकनामा।

फारिगुत्तहसील (فارغ التحصیل) अ वि.–स्नातक, पारगत, निष्णात, फाजिल, जिसने सबसे ऊँची डिग्री पा ली हो।

फारिगुलख़िदमत (فارغ الخدمت) अ वि –सेवा-मुक्त, जो बुढापे या किसी और कारणवश पेंशन पा गया हो।

फारिगुलबाल (فارغ البال) अ वि –निश्चिन्त, बेफ़िक्र, जिसे कोई चिन्ता न हो, समृद्ध, सम्पन्न, आसूद हाल।

फारिस (فارس) अ वि –घुडसवार, अश्वारोही।

फारूक (فاروق) अ वि –सच और झूठ में फर्क करनेवाला, सत्य को असत्य से अलग करनेवाला, दे 'फारूके आ'जम'।

फारूकी (فاروقی) अ. वि –शेख़ों की एक जाति जो हज़्रत फारूक के वंशज हैं, फारूकी शेख़।

फारूके आ'जम (فاروق اعظم) अ वि –दूसरे ख़लीफा हज़्रत उमर की उपाधि।

फार्स (فارس) फा पु –ईरान, पारसीक।

फार्सी (فارسی) फा स्त्री –ईरान की भाषा।

फार्सीख़्वां (فارسی خواں) फा वि –फार्सी बोलनेवाला; फार्सी पढनेवाला, फार्सी पढा हुआ।

फार्सीगो (فارسی گو) फा वि –फार्सी में कविता करनेवाला।

फार्सीदां (فارسی داں) फा. वि –फार्सी भाषा जाननेवाला।

फाल (فال) अ स्त्री.–सगुन, शकुन।

फालगो (فال گو) अ फा वि –शकुन-विचारक, शकुन बतानेवाला।

फालगोई (فال گوئی) अ फा स्त्री –शकुन बताना।

फालनामः (فال نامہ) अ फा पु –वह किताब जिससे फाल देखी जाती है।

फालिज (فالج) अ पु—एक रोग जिसमें आधा शरीर बेकाम हो जाता है पक्षाघात अर्धांग लकवा।
फालिजज़दः (فالج زده) अ फा वि—जिसे फालिज मार गया हो, अर्द्धांगी।
फालूदः (فالوده) फा पु—एक प्रसिद्ध शर्बत के साथ पी जानेवाली चीज।
फालेज़ (فالیز) फा स्त्री—तबूज़ या खीरे-ककड़ी का खेत।
फाले नेक (فال نیک) अ फा स्त्री—अच्छा शकुन, अच्छी अलामत अच्छे लक्षण।
फाले बद (فال بد) अ फा स्त्री—बुरा शकुन बुरी अलामत बुरे लक्षण।
फालसः (فالسه) फा पु—एक प्रकार का खट्टा और छोटा फल, परूषक।
फ़ाश (فاش) फा वि—व्यक्त ज़ाहिर प्रकट स्पष्ट, खुला हुआ।
फ़ाशगो (فاش گو) फा वि—स्पष्ट वक्ता साफ़-साफ़ कहनेवाला लगी लिपटी न रखनेवाला।
फ़ाशगोई (فاش گوئی) फा स्त्री—बात साफ़-साफ़ कह देना, कोई झिझक न करना।
फ़ासिकः (فاسقه) अ स्त्री—पापिनी असाध्वी व्यभिचारिणी कुल्टा।
फ़ासिक़ (فاسق) अ वि—पापी गुनाहगार व्यभिचारी दुराचारी हरामकार।
फ़ासिख़ (فاسخ) अ वि—ख़राब और नष्ट करनेवाला नष्ट और विध्वस्त होनेवाला।
फ़ासिद (فاسد) अ वि—दूषित विकृत ख़राब बिगड़ा हुआ।
फ़ासिदुलअक़ीदः (فاسدالعقیده) अ वि—जिसका धर्म विश्वास बिगड़ गया हो।
फ़ासिलः (فاصله) अ पु—अंतर दूरी, भेद फ़र्क़।
फ़ासिल (فاصل) अ वि—अंतर डालनेवाला अलग करनेवाला।
फ़ासिलए दराज़ (فاصلهٔ دراز) अ फा पु—लम्बी दूरी लम्बा फ़ासिला।
फ़ाहिशः (فاحشه) अ स्त्री—व्यभिचारिणी पुंश्चली स्वैरिणी जघनचपला पांसुला कुल्टा बंधकी असती जारिणी धर्षिणी भ्रष्टा कुल्टा बधुरा।
फ़ाहिश (فاحش) अ वि—बहुत अधिक बुरा लज्जाजनक।

फि

फ़िंजान (فنجان) अ स्त्री—चाय पीने की चीनी की छोटी पियाली।
फ़िंदुक़ (فندق) अ स्त्री—दे फुंदुक़।
फ़िक़्दान (فقدان) अ पु—अभाव, नायाबी बहुत अधिक कमी।
फ़िक़्रः (فقره) अ पु—वाक्य, जुम्ला छल की बात बहाना मिष, रीढ़ का गुरिया तंज़ व्यंग, कटाक्ष।
फ़िक़्रःतराश (فقره تراش) अ फा वि—छल की बात गढ़नेवाला।
फ़िक़्रःबाज़ (فقره باز) अ फा वि—दुष्कर्म।
फ़िक़्रःबाज़ी (فقره بازی) अ फा स्त्री—दुष्कर्मता।
फ़िक़्रःबाज़ (فقره باز) अ फा वि—फ़िक़्रः कसनेवाला कटाक्ष करनेवाला।
फ़िक़्रःबाज़ी (فقره بازی) अ फा स्त्री—फ़िक़्रः कसना व्यंग करना।
फ़िक्र (فکر) अ उभ—चिंता सोच, विचार ध्यान, गम गुस्सा खटका अंदेशा, दुःख रंज और विचार उपाय तदबीर पता चिंता देख रेख खयाल, ध्यान दुविधा, एहतिमाल।
फ़िक्रत (فکرت) अ स्त्री—फ़िक्र।
फ़िक्रमंद (فکرمند) अ फा वि—जिसे किसी बात का खटका हो चिंतित।
फ़िक्रमंदी (فکرمندی) अ फा स्त्री—चिंता सोच खटका।
फ़िक़्रात (فقرات) अ पु—फ़िक़्रः का बहु, जुम्ले वाक्य समूह रीढ़ के गुरिए।
फ़िक्रे इमरोज़ (فکر امروز) अ फा स्त्री—आज की चिंता हाल की फ़िक्र।
फ़िक्रे उक़्बा (فکر عقبیٰ) अ स्त्री—परलोक की चिंता।
फ़िक्रे फ़र्दा (فکر فردا) अ फा स्त्री—कल की चिंता आने वाले समय की फ़िक्र।
फ़िक्रे मआश (فکر معاش) अ स्त्री—जीविका की चिंता रोज़ी कमाने की फ़िक्र।
फ़िक्रे मईशत (فکر معیشت) अ स्त्री—दे फ़िक्रे मआश।
फ़िक्रे शे'र (فکر شعر) अ स्त्री—कविता करना काव्य रचना में तन्मयता।
फ़िक्रे सुख़न (فکر سخن) अ फा स्त्री—दे फ़िक्रे शे'र।
फ़िक़्ह (فقه) अ स्त्री—इस्लामी धर्मशास्त्र।
फ़िक़्ही (فقهی) अ वि—इस्लामी धर्मशास्त्र संबंधी।
फ़िगंदः (فگنده) फा वि—आगत का लघु डाला हुआ छोड़ा हुआ लटकाया हुआ।
फ़िगन (فگن) फा प्रत्य—डालनेवाला, लटकानेवाला पछाड़नेवाला जैसे—जंग फ़िगन'।

फ़िगार (فگار) फा. वि.—घायल, आहत, जख़्मी, (प्रत्य) जख़्म खाया हुआ, आहत, जैसे—'दिलफ़िगार' जिसका दिल घायल हो अर्थात् प्रेमी।
फ़िगारी (فگاری) फा. वि—आहत, जख़्मी।
फ़िज़ा (فزا) फा. प्रत्य—'अफ़ज़ा' का लघु, बढानेवाला, जैसे—'जाँफ़िज़ा' ज़िंदगी बढानेवाला।
फ़िज़ाइंदः (فزائندہ) फा वि—बढानेवाला।
फ़िज़ाइश (فزائش) फा स्त्री—अफ़ज़ाइश, बढोतरी।
फ़िजाजत (فجاجت) अ स्त्री—कच्चापन, ख़ामी।
फ़िज़्ज़ः (فضہ) अ. स्त्री—रजत, चाँदी।
फ़ितन (فتن) अ पु—'फ़ित्न' का बहु, फ़ित्ने, दंगे, गडबडियाँ, हलचलें।
फ़ित्तीन (فتین) अ वि—धूर्त, मक्कार, चालाक, वंचक।
फ़ित्नः (فتنہ) अ पु—उपद्रव, दंगा, फ़साद, विद्रोह, बग़ावत, बहुत ही नटखट, बहुत ही शरीर, एक इत्र, लगाई-बुझाई करनेवाला, पिशुन, हर्फ़ों का बना हुआ।
फ़ित्नःअंगेज़ (فتنہ انگیز) अ फा वि—उपद्रव करानेवाला, लोगों को भडकाकर दंगा करा देनेवाला, इधर की उधर लगानेवाला, षड्यंत्री, साज़िशी।
फ़ित्नःअंगेज़ी (فتنہ انگیزی) अ फा. स्त्री—लोगों को भडकाकर आपस में लडा देना, इधर की उधर लगाना, कोई षड्यंत्र खडा करना।
फ़ित्नःअंदाज़ (فتنہ انداز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःअंदाज़ी (فتنہ اندازی) अ फा स्त्री—दे 'फ़ित्न अंगेज़ी'।
फ़ित्नःक़द (فتنہ قد) अ वि—बहुत छोटे डील-डौल का माशूक़।
फ़ित्नःख़ू (فتنہ خو) अ फा वि—जिसका स्वभाव ही फ़ित्न खडा कर देना हो।
फ़ित्नःख़ेज़ (فتنہ خیز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःगर (فتنہ گر) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःगरी (فتنہ گری) अ फा स्त्री—दे 'फ़ित्न अंगेज़ी'।
फ़ित्नःज़ा (فتنہ زا) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःजू (فتنہ جو) अ फा वि—फ़ित्ने तलाश करनेवाला, उपद्रव और षड्यंत्र के लिए बहाने ढूँढनेवाला।
फ़ित्नःपरदाज़ (فتنہ پرداز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःपरदाज़ी (فتنہ پردازی) अ फा. स्त्री—दे 'फ़ित्न अंगेज़ी'।
फ़ित्नःपर्वर (فتنہ پرور) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःशिआर (فتنہ شعار) अ वि—दे 'फ़ित्न ख़ू'।
फ़ित्नःसज (فتنہ سنج) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःसामाँ (فتنہ ساماں) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नःसामानी (فتنہ سامانی) अ फा. स्त्री—दे. 'फ़ित्न-अंगेज़ी'।
फ़ित्नःसिगाल (فتنہ سگال) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अंगेज़'।
फ़ित्नए आलम (فتنۂ عالم) अ पु—सारे संसार में उपद्रव मचानेवाला, अर्थात् मा'शूक़।
फ़ित्नए ख़्वाबीदः (فتنۂ خوابیدہ) अ फा पु—सोया हुआ फ़ित्न, वह विपत्ति जो अभी आयी न हो।
फ़ित्नए दौराँ (فتنۂ دوراں) अ पु—दे 'फ़ित्नए आलम'।
फ़ित्नए रोज़गार (فتنۂ روزگار) अ फा पु—दे 'फ़ित्नए आलम'।
फ़ित्नत (فطنت) अ. स्त्री.—दक्षता, चतुरता, होशियारी; बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी।
फ़ित्रः (فطرہ) अ पु—वह दान या ख़ैरात जो ईद में नमाज से पहले अदा हो।
फ़ित्र (فطر) अ. पु—लोगों का रोज़ा खुलवाना, रोज़ा खोलनेवाले लोग।
फ़ित्रत (فطرت) अ. स्त्री—प्रकृति, नेचर, स्वभाव, आदत, उत्पत्ति, पैदाइश, धूर्तता, चालाकी, शरारत।
फ़ित्रतन (فطرتاً) अ अव्य—स्वभावत, आदतन।
फ़ित्रती (فطرتی) उ. वि—चालाक, धूर्त, शरीर, उत्पाती, बातूनी, झूठी बातें बनानेवाला, प्राकृतिक के अर्थ में फ़ित्री है।
फ़ित्रते सानियः (فطرت ثانیہ) अ स्त्री.—किसी चीज की आदत।
फ़ित्राक (فتراک) फा उभ—वह डोरी जो घोडे की जीन में दोनों ओर शिकार या दूसरी चीज बाँधने के लिए लगाते हैं।
फ़ित्री (فطری) अ वि—प्राकृतिक, नैसर्गिक, नेचुरल।
फ़िदा (فدا) अ वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक; न्योछावर, निसार।
फ़िदाई (فدائی) अ फा वि—भक्त, वफ़ादार, आशिक, जाँनिसार।
फ़िदाए क़ौम (فدائے قوم) अ वि—जाति या राष्ट्र के लिए सब कुछ न्योछावर कर देनेवाला, तन, मन, धन से जाति या राष्ट्र की सेवा करनेवाला।
फ़िदाए मिल्लत (فدائے ملت) अ वि—राष्ट्र की सेवा में तन, मन, धन सब कुछ क़ुर्बान कर देनेवाला।
फ़िदाए हक़ (فدائے حق) अ वि—सत्यता के लिए सब कुछ त्याग देनेवाला, सच्चाई पर बलिदान हो जानेवाला।
फ़िदाकार (فداکار) अ फा वि—फ़िदाई, भक्त।

फिदय (فدیہ) अ पु –वह धन जो किसी कैदी को मुक्ति के लिए दिया जाय वह व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के बदले में अपनी जान दे, वह धन जो हिंसक से किसी खून के बदले में दिलाया जाय नियत ईद के दिन की खैरात, फित्र।

फिदवी (فدوی) अ वि –भक्त जाँनिसार प्रार्थी अपने प्रार्थनापत्र में खुद को भी लिखना है।

फिन्नार (فی النار) अ अव्य –नरक में जाय जब कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है तो कहते हैं।

फिरक (فرق) अ पु – फिर्क' का बहु, फिर्के।

फिराक (فراق) अ पु –पृथकता अलाहिदगी वियोग, जुदाई ध्यान धुन खयाल।

फिरार (فرار) अ पु –पलायन भागना दे फरार', शुद्ध फिरार है परन्तु उर्दू में फरार ही बोलते हैं।

फिरावाँ (فراواں) फा वि –बहुत अधिक प्रचुर।

फिरावानी (فراوانی) फा स्त्री –प्रचुरता बहुलता, अधिकता इफात।

फिराश (فراش) अ पु –सोने का फर्श या बिस्तर सोने के कपड़े।

फिरासत (فراست) अ स्त्री –दक्षता प्रवीणता चतुरता चातुरी दानाई किसी बात को देख या सुनकर फौरन ताड़ जाना कियाफ़ सामुद्रिक।

फिरासतशनास (فراست شناس) अ फा वि –कियाफ शनास सामुद्रिक।

फिरासतुलयद (فراست الید) अ स्त्री –हाथ की रेखाओं की विद्या हस्त सामुद्रिक विद्या।

फिरिश्त (فرشتہ) फा पु –देवता सुर फरिश्त बहुत ही सज्जन और सरल स्वभाव का व्यक्ति।

फिरिश्त खस्लत (فرشتہ خصلت) फा अ वि –देवताओं जैसा पुनीत और पावन प्रकृति वाला व्यक्ति देवतात्मा देवात्मा।

फिरिश्त खिसाल (فرشتہ خصال) फा अ वि –दे फिरिश्त खस्लत'।

फिरिश्त खू (فرشتہ خو) फा वि –दे फिरिश्त खस्लत'।

फिरिश्त सिफत (فرشتہ صفت) फा अ वि –जिसमें देवताओं जैसे गुण हों।

फिरिश्तसीरत (فرشتہ سیرت) फा अ वि –दे फिरिश्त खस्लत'।

फिरिश्तसूरत (فرشتہ صورت) फा अ वि –जिसकी सूरत देवताओं-जैसी सुन्दर और तेजस्वी हो देवता-स्वरूप।

फिरिस्ताद (فرستادہ) फा वि –भेजा हुआ प्रेषित।

फिरिस्तादनी (فرستادنی) फा अव्य –भेजने योग्य प्रेष्य।

फिरिस्तिद (فرستندہ) फा वि –भेजनेवाला प्रेषक।

फिरेफ्त (فریفتہ) फा वि –मुग्ध आसक्त आशिक जो किसी काम में बहुत ही रुचि रखे।

फिरेब (فریب) फा पु –शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उर्दू में 'फरेब' बोलते हैं दे फरेब।

फिरोकश (فروکش) फा वि –ठहरा हुआ मकीम अस्थायी रूप में किसी जगह ठहरनेवाला।

फिरोख्त (فروختہ) फा वि –बेचा हुआ शुद्ध फिरोख्त ही है परन्तु उर्दू में फरोख्त है।

फिरोख्त (فروخت) फा स्त्री –बिक्री बिचवाली बिशात बिका हुआ।

फिरोख्तगी (فروختگی) फा स्त्री –बिक्री फरोख्त।

फिरोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा स्त्री –भूल गफलत त्रुटि कमी कोताही।

फिरोतन (فروتن) फा वि –विनीत विनम्र आजिज़ खाकसार।

फिरोतनी (فروتنی) फा स्त्री –विनम्रता प्रकट करना खाकसारी बरतना।

फिरोतर (فروتر) फा वि –बहुत नीचे निम्नतर।

फिरोद (فرود) फा वि –निम्न नीचा उर्दू में फरोद भी है।

फिरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री –पथिक के रूप में थोड़ा दिन ठहरने का स्थान।

फिरोदस्त (فرودست) फा वि –अधीन मातहत जेरदस्त।

फिरोदाश्त (فروداشت) फा वि –अंत समाप्ति अखीर।

फिरोमाद (فرومانده) फा वि –लाचार विवश दलित पामाल शिथिल अपसुन्न।

फिरोमादगी (فروماندگی) फा स्त्री –लाचारी, विवशता दलितपन पामाली शिथिलता अपसुन्नी।

फिरोमाय (فرومایہ) फा वि –अधम नीच कमीना अकुलीन।

फिरोमायगाँ (فرومایگاں) फा पु –फिरोमाय का बहु नीच लोग।

फिरोमायगी (فرومایگی) फा स्त्री –अधमता नीचता कमीनगी।

फिऔंन (فرعون) अ पु –मिस्र का नरेश जो बड़ा अत्याचारी था और जो हज़रत मूसा के शाप से मरा था बहुत ही अहंकारी।

फिऔंन मिज़ाज (فرعون مزاج) अ वि –जो फिऔंन की तरह अहंकारी और घमंडी हो।

फिऑनियत (فرعونیت) अ स्त्री—फिऑन-जैसा अभिमानी होना।

फिऑने वेसामाँ (فرعون بےساماں) अ फा. पु—ऐसा व्यक्ति जिसके पास कुछ न हो, परन्तु अभिमान बहुत हो।

फिर्कः (فرقہ) अ पु—दल, जमाअत, पार्टी, पक्ष, फरीक, सम्प्रदाय, मज्हव, जाति, कौम।

फिर्क़ःपरस्त (فرقہ‌پرست) अ फा. वि—साम्प्रदायिकता रखनेवाला, मज्हवी तअस्सुव रखनेवाला, साम्प्रदायिक भेदभाव फैलाकर आपस मे लडानेवाला।

फिर्क़ःपरस्ती (فرقہ‌پرستی) अ. फा स्त्री—धार्मिक भेद-भाव फैलाकर आपस मे लडाना।

फिर्क़ःवंद (فرقہ‌بند) अ फा वि—जो गुटवद हो, दलवद, पार्टीवद, जो धार्मिक आधारो पर दलवदी करे।

फिर्क़ःवदी (فرقہ‌بندی) अ फा स्त्री—दलवंदी, गुटवंदी, धार्मिक आधार पर गुटवदी।

फिर्क़ःवारान (فرقہ‌وارانہ) अ फा अव्य.—साम्प्रदायिक, धार्मिक, मज्हवी, जैसे—'फिर्क वाराना' झगडा।

फिर्क़ःवारी (فرقہ‌واری) अ फा वि—दलवदी, गुटवदी, धार्मिक आधार पर गुटवदी।

फिर्क़ःवारीयत (فرقہ‌واریت) अ फा स्त्री—दे 'फिर्क वारी'।

फिर्ज़ीन (فرزین) अ पु—शतरज का एक मोह्रा, वज़ीर।

फिर्दौस (فردوس) अ पु—स्वर्ग, नाक, विहिश्त।

फिर्दौसआश्याँ (فردوس آشیاں) अ फा वि—स्वर्गस्थ, स्वर्गीय।

फिर्दौसमंज़लत (فردوس منزلت) अ वि—वह स्थान जो सजावट में फिर्दौस की तरह हो।

फिर्दौसमकाँ (فردوس مکاں) अ वि—दे 'फिर्दौस आश्याँ'।

फिर्दौसी (فردوسی) अ वि—फिर्दौस का निवासी, ईरान का एक प्राचीन और महान् कवि जिसने शाहनामा लिखा है, जो फार्सी साहित्य मे सवसे वडा और महत्त्वपूर्ण महाकाव्य है।

फिर्दौसेवरीं (فردوس بریں) अ फा पु—सवसे ऊपर का स्वर्ग।

फिर्नी (فرنی) फा स्त्री—दूध और चावल के आटे की विशेष खीर।

फिलिज्ज़ (فلز) अ पु—धातु, सोना, चाँदी, लोहा, ताँवा आदि।

फिलिज़्ज़ात (فلزات) अ उभ—'फिलिज्ज़' का वहु, धातुएँ।

फिलिज़्ज़ी (فلزی) अ वि—धातु से वना हुआ, खान से निकला हुआ।

फिलअस्ल (فی الاصل) अ. अव्य—मूलत, यथार्थत, हकीकत मे, सचमुच।

फिलजुम्लः (فی الجملہ) अ अव्य—कुछ-कुछ, थोडा-वहुत; सवमे से कुछ।

फिलफिल (فلفل) अ. स्त्री—मरिच, मिर्च।

फिलफिलगिर्द (فلفل گرد) अ फा स्त्री—गोल मिर्च, काली मिर्च।

फिलफिल मोयः (فلفل مویہ) अ फा स्त्री.—एक ओपधि, पीपलामूल।

फिलफिल सफेद (فلفل سفید) अ फा स्त्री—सफेद काली मिर्च।

फिलफिल सियाह (فلفل سیاہ) अ फा स्त्री—काली मिर्च।

फिलफिल सुर्ख़ (فلفل سرخ) अ फा स्त्री—लाल मिर्च।

फिलफौर (فی الفور) अ अव्य—तुरत, त्वरित, शीघ्र, फौरन।

फिलवदीह (فی البدیہ) अ वि—विना सोचे कही हुई कोई वात जो वहुत ही ठीक, सुदर और चमत्कारपूर्ण हो, वरजस्त।

फिलवदीह गो (فی البدیہ گو) अ फा वि.—तुरत विना सोचे कविता करनेवाला, आशुकवि, विना सोचे वोलनेवाला, उपस्थित वक्ता।

फिलमसल (فی المثل) अ अव्य—सदृश, समान; ऐसा, इस प्रकार का।

फिलवक़्त (فی الوقت) अ वि—तत्क्षण, तत्काल, उसी समय, फौरन।

फिलवाके' (فی الواقع) अ वि—दे 'फिलअस्ल'।

फिलहक़ीकत (فی الحقیقت) अ वि—दे 'फिलअस्ल'।

फिलहाल (فی الحال) अ वि—इस समय, सरेदस्त।

फिशाँ (فشاں) फा प्रत्य—छिडकनेवाला, विखेरनेवाला, जैसे—'जरफिशाँ' सोना विखेरनेवाला।

फिशांदः (فشاندہ) फा वि—छिडका हुआ, वखेरा हुआ।

फिशादनी (فشاندنی) फा वि—छिडकने के काविल।

फिशार (فشار) फा. पु—दे 'फशार', दोनो शुद्ध है।

फिशारदः (فشاردہ) फा वि—निचोडा हुआ, चुभोया हुआ।

फिशारदनी (فشاردنی) फा वि—निचोडने योग्य, चुभोने योग्य।

फिसाँ (فساں) फा पु—दे 'फसाँ', दोनो शुद्ध है।

फिसाल (فصال) अ पु—वच्चे का दूध छुडाना; वियोग, जुदाई; पृथक्ता, अलाहिदगी, 'फसील' का वहु, फसीले।

फिसोस (فسوس) फा पु—खेल, क्रीडा, परिहास, दिल्लगी,

मनोविनोद मनोरंजन तफ़रीह, फक्कड़पन शौक़, दृश्य, अस्मान।

फ़िस्क़ (فسق) अ पु–दुराचार बदाचार दुष्कर्म बदकारी, सच्चाई और सत्य को छोड़ देना।

फ़िस्क़ोफ़ुजूर (فسق و فجور) अ पु–दुराचार दुष्कर्म बदचलनी।

फ़िस्तक़ (فستق) अ पु–दे 'फुस्तक़', दोनो शुद्ध है पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फ़ी

फ़ी (فی) फा स्त्री–छल फरेब भेद रहस्य, त्रुटि गलती।

फ़ी (فی) अ अव्य–में बीच जैसे—फ़ी मावैन दोनो के बीच में।

फ़ीअमानिल्लाह (فی امان اللہ) अ वा–ईश्वर की रक्षा में अर्थात ईश्वर रक्षा करे किसी को विदा करते समय कहते है।

फ़ीज़मानिना (فی زماننا) अ वा–हमारे समय में अर्थात इस उपस्थित समय में साम्प्रत।

फ़ीता (فیتہ) फा पु–कपड़े की लंबी और पतली पट्टी।

फ़ीनफ़्सिही (فی نفسہ) अ वि–वह स्वयं वह अपनी जात से जैसे—वह फ़ी नफ़्सिही बहुत अच्छा है, अर्थात वह स्वयं बहुत अच्छा है।

फ़ीमाबैन (فی مابین) अ अव्य–दोनो के बीच में।

फ़ीरोज़ा (فیروزہ) फा पु–एक प्रसिद्ध रत्न हरित मणि।

फ़ीरोज़ (فیروز) फा वि–सफलमनोरथ कामयाब सुभाषित कल्याणकारी मुबारक।

फ़ीरोज़बख़्त (فیروز بخت) फा वि–सौभाग्यशाली खुश क़िस्मत।

फ़ीरोज़बख़्ती (فیروز بختی) फा स्त्री–भाग्य की सफलता खुशक़िस्मती।

फ़ीरोज़मंद (فیروز مند) फा वि–सफलकाम कामरों सौभाग्यवान खुशनसीब।

फ़ीरोज़मंदी (فیروز مندی) फा स्त्री–कामना की सफलता कामयाबी भाग्य की सुफलता खुशनसीबी।

फ़ीरोज़ी (فیروزی) फा वि–फ़ीरोज़ा के रंग का सफलता कामयाबी।

फ़ील (فیلہ) फा पु–शतरंज का एक मोहरा फ़ील।

फ़ील (فیل) फा पु–हाथी करि हस्ती गज सिंधुर व्याल व्याल।

फ़ीलअंदाम (فیل اندام) फा अ वि–हाथी-जैसे डील डौल का।

फ़ीलख़ाना (فیل خانہ) फा पु–हस्तिशाला हाथीख़ाना।

फ़ीलतन (فیلتن) फा वि–हाथी-जैसे भारी भरकम शरीरवाला विशाल देहवाला।

फ़ीलदंदाँ (فیل دنداں) फा पु–हाथी जैसे दाँतोंवाला।

फ़ीलनशीं (فیل نشیں) फा वि–जिसके दरवाज़े पर हाथी बँधा हो जो हाथी पर चढ़ता हो पहले समय में यह बड़ी इज़्ज़त की चीज़ थी।

फ़ीलपा (فیل پا) फा पु–एक रोग जिसमें पाँव सूजकर बहुत मोटे हो जाते हैं श्लीपद गिलीपद पाँवफिर।

फ़ीलपाया (فیل پایہ) फा पु–चूने या सीमेंट या पत्थर का मोटा और बड़ा स्तंभ खंभा।

फ़ीलबान (فیل باں) फा पु–हाथी चलानेवाला हस्तिप अंकुशग्रह निषादी।

फ़ीलबाराँ (فیل باراں) फा पु–बरसात का अन्तिम भाग (हथिया या हस्त नक्षत्र)।

फ़ीलमुर्ग़ (فیل مرغ) फा पु–अमरीका का एक बहुत बड़ा पक्षी जो पीरू के राष्ट्र में पाया जाता है।

फ़ीलसवार (فیل سوار) फा वि–हाथी पर बैठा हुआ हस्त्यारूढ़।

फ़ीसद (فی صد) फा वि–दे 'फ़ीसदी'।

फ़ीसदी (فی صدی) फा वि–प्रतिशत फ़ीसद जैसे—'बीस फ़ीसदी' यानी सौ में बीस।

फ़ीसबीलिल्लाह (فی سبیل اللہ) अ वा–ईश्वर की राह में ईश्वर के नाम पर ईश्वर के लिए।

फ़ु

फ़ुंदुक़ (فندق) अ स्त्री–छोटे बेर के बराबर लाल रंग का एक मेवा।

फ़ुआक़ (فواق) अ स्त्री–हिचकी का रोग हिक्का।

फ़ुआद (فواد) अ पु–हृदय दिल।

फ़ुक़रा (فقرا) अ पु–'फ़क़ीर' का बहु, फ़क़ीर लोग।

फ़ुक़हा (فقہا) अ पु–'फ़क़ीह' का बहु, बहुत से फ़क़ीह।

फ़ुक़्क़ाअ (فقاع) अ स्त्री–चावलों की मदिरा जो बनाई जाती है एक नशा न लानेवाली शराब जौ का पानी बूज़ बुलबुला हबाब।

फ़ुकाहत (فکاہت) अ स्त्री–मनोविनोद मनोरंजन दिल्लगी हँसी-मज़ाक़ खुशतबई।

फ़ुक़दान (فقدان) अ पु–अभाव बिल्कुल न प्राप्त होना कमी, दे 'फ़िक़्दान', दोनो शुद्ध है।

फ़ुक़दाने ग़रत (فقدان غیرت) अ पु–स्वाभिमान की कमी या अभाव निर्लज्जता।

फ़ुक़दाने हया (فقدان حیا) अ. पु –लज्जा का अभाव, निर्लज्जता।

फ़ुग़ (فغ) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत, दे 'फग', दोनो शुद्ध है।

फ़ुग़ाँ (فغاں) फा स्त्री –आर्तनाद, नाला, दुहाई।

फ़ुग़ानी (فغانی) फा वि –दुहाई देनेवाला, चिल्लानेवाला; नाला करनेवाला, एक ईरानी शाइर।

फ़ुज़ला (فضلا) अ. पु –'फाजिल' का बहु, विद्वज्जन, पडित लोग।

फ़ुज़ूँ (فزوں) फा वि –अफ्ज़ूँ का लघु, अधिक, प्रचुर, बहुत, जियादा।

फ़ुज़ूदः (فزودہ) फा वि –'अफ्ज़ूद' का लघु, अधिक किया हुआ, बढाया हुआ।

फ़ुज़ूनी (فزونی) फा स्त्री –'अफ्ज़ूनी' का लघु, अधिकता, प्रचुरता, बहुताल।

फ़ुजूर (فجور) अ पु –पाप, गुनाह, व्यभिचार, दुराचार, हरामकारी।

फ़ुज़ूल (فضول) अ वि –व्यर्थ, बेकार, निरर्थक, बेमतलब, निकम्मा, फिज़ूल।

फ़ुज़ूलख़र्च (فضول خرچ) अ फा वि –बेकार मे रुपया खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

फ़ुज़ूलख़र्ची (فضول خرچی) अ फा स्त्री –बेकार मे रुपया ख़र्च करना, अपव्यय।

फ़ुज़ूलगो (فضول گو) अ फा वि –बेकार की बाते बनानेवाला, वाचाल, मिथ्यावादी, चित्रजल्पी।

फ़ुज़ूलगोई (فضول گوئی) अ फा. स्त्री –बेकार की बाते बनाना, वाचालता, मिथ्यावाद, चित्रजल्प।

फ़ुज़ूली (فضولی) अ वि –वह व्यक्ति जो बेकार के काम करता फिरे, मिथ्याभाषी, फ़ुज़ूल आदमी।

फ़ुज़ूलीयात (فضولیات) अ पु –फ़ुज़ूल और निरर्थक बाते।

फ़ुज्जार (فجار) अ पु –'फाजिर' का बहु, पापी लोग, व्यभिचारी लोग।

फ़ुज़्ल. (فضلہ) अ पु –जूठन, बचा हुआ खाना, विष्ठा, पुरीष, गू, फोक, वह चीज जो किसी पदार्थ से रस आदि निकाल लेने पर बचती है, जैसे—मूली के पत्तो का अरक निकालकर उसका फोक या फ़ुज़्ल।

फ़ुज़्लात (فضلات) अ पु –'फ़ुज़्ल' का बहु, 'फ़ुज़्ले'।

फ़ुतादः (فتادہ) फा वि –गिरा हुआ, पडा हुआ।

फ़ुतादगी (فتادگی) फा स्त्री –गिरा हुआ होना, पडा हुआ होना।

फ़ुतादनी (فتادنی) फा वि –गिरने के योग्य।

फ़ुतुव्वत (فتوت) अ. स्त्री –वीरता, शूरता, बहादुरी; शील, मुरुव्वत।

फ़ुतूर (فتور) अ पु –विकार, दोष, ख़राबी, शरारत, उत्पात।

फ़ुतूरे अक़्ल (فتور عقل) अ. पु –बुद्धि-विकार, अक़्ल की ख़राबी।

फ़ुतूरे दिमाग़ (فتور دماغ) अ पु –मस्तिष्क-दोष, दिमाग की ख़राबी, बुद्धि-दोष, अक़्ल की ख़राबी।

फ़ुतूरे हज़्म (فتور هضم) अ पु –मदाग्नि, हाजिम का बिगाड।

फ़ुतूह (فتوح) अ. स्त्री –प्राप्ति, लाभ, फाइदा, हुसूल; समृद्धि, उन्नति, कुशाइश, ऊपर की आय, 'फ़त्ह' का बहु, जीते।

फ़ुतूहात (فتوحات) अ स्त्री –'फ़ुतूह' का बहु, प्राप्तियाँ, लाभ

फ़ुतूही (فتوحی) उ स्त्री –बिना आस्तीनो की बडी।

फ़ुनून (فنون) अ पु –'फ़न' का बहु, 'कलाएँ'।

फ़ुनूने लतीफ़ः (فنون لطیفہ) अ पु –ललित कलाएँ।

फ़ुयूज़ (فیوض) अ पु –'फ़ैज़' का बहु, फ़ैयाज़ियाँ, बख़्शिशे।

फ़ुरात (فرات) फा स्त्री–इराक की नदी जिसके किनारे हज़्रत इमाम हुसैन कर्बला मे शहीद हुए।

फ़ुरादः (فرادی) अ वि –'फ़र्द' का बहु, एक-एक करके, अलग-अलग।

फ़ुरुश (فرش) अ पु –'फ़िराश' का बहु, बिछौने, बिस्तरे।

फ़ुरूअ (فروع) अ. स्त्री –'फ़र्अ' का बहु, शाखाएँ, मूल वस्तु से निकली हुई वस्तुएँ।

फ़ुरूक़ (فروق) अ पु –दो वस्तुओ मे फ़र्क़ करना।

फ़ुरूज (فروج) अ स्त्री –'फ़र्ज' का बहु, भग, योनियाँ।

फ़ुरूश (فروش) अ पु –'फ़र्श' का बहु, बहुत से फ़र्श।

फ़ुरोग़ (فروغ) फा पु –दे 'फ़रोग़', शुद्ध 'फ़ुरोग़' है, परतु उर्दू मे 'फ़रोग़' भी बोलते है।

फ़ुरोज़ (فروز) फा प्रत्य –रौशन करनेवाला, जैसे—'दिल फ़ुरोज़' दिल को रौशनी देनेवाला।

फ़ुरोज़ाँ (فروزاں) फा वि –प्रकाशमान्, रौशन।

फ़ुरोज़िदः (فروزندہ) फा वि –प्रकाशक, उज्ज्वल करनेवाला, चमकानेवाला।

फ़ुरोद (فرود) फा. वि –निम्न, नीचे।

फ़ुरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री –दे 'फ़रोदगाह', उर्दू मे वही बोलते है।

फ़ुर्क़त (فرقت) अ स्त्री –वियोग, विरह, जुदाई, फ़िराक़।

फ़ुर्क़तज़दः (فرقت زدہ) अ फा वि –विरहग्रस्त, वियोगी, विरह-पीडित।

फ़ुर्क़तनसीब (فرقت نصیب) अ वि–जिसके भाग्य में जीवन भर वियोग ही वियोग हो।

फ़ुर्क़ान (فرقان) अ पु–क़ुर्आन।

फ़ुर्सत (فرصت) अ पु–अवकाश, छुट्टी, फ़ुर्सत, निगाह पटल।

फ़ुर्सतजू (فرصت جو) अ फा वि–फ़ुर्सत ढूँढनेवाला, छुट्टी का वक्त तलाश करनेवाला।

फ़ुर्सत (فرصت) अ स्त्री–अवकाश, छुट्टी, संतोष, इत्मीनान, मुक्ति, नजात, निबटारा, फ़राग़त।

फ़ुर्सततलब (فرصت طلب) अ वि–जिसके लिए फ़ुर्सत की जरूरत हो, जो फ़ुर्सत में इत्मीनान से हो सके।

फ़ुर्सते ज़ीस्त (فرصت زیست) अ फा स्त्री–जीवन-काल, जिन्दगी का जमाना।

फ़ुलाँ (فلاں) अ पु–अमुक, फ़लाना।

फ़ुलूस (فلوس) अ पु–फ़ल्स का बहु, पैसे।

फ़ुल्क (فلک) अ पु–चर्खे के तकुए में लगाया जानेवाली चमड़े की गोल टिकिया, खेमे के बाँसों में लगायी जानेवाली गोल टिकली।

फ़ुल्क (فلک) अ स्त्री–नाव, नौका, किश्ती।

फ़ुव्व (فوہ) फा पु–मजीठ, एक लकड़ी जो रंग के काम आती है।

फ़ुशुर्द (فشرده) फा वि–निचोड़ा हुआ, अफ़्शुर्द का लघु।

फ़ुशुर्दनी (فشردنی) फा वि–निचोड़ने योग्य, निचोड़े जाने के लाइक।

फ़ुसहा (فصحا) अ पु–फ़सीह का बहु, फ़सीह लोग।

फ़ुसहाए वक़्त (فصحاے وقت) अ पु–अपने समय के सारे फ़सीह व्यक्ति।

फ़ुसूँ (فسوں) फा पु–अफ़सूँ का लघु, जादू, माया-कर्म, इंद्रजाल, शोबदाबाज़ी।

फ़ुसूँकार (فسوں کار) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।

फ़ुसूँगर (فسوں گر) फा वि–जादूगर, मायावी।

फ़ुसूँतराज़ (فسوں طراز) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।

फ़ुसूँसाज़ (فسوں ساز) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।

फ़ुसूल (فصول) अ स्त्री–फ़स्ल का बहु, ऋतुएं, पुस्तक के परिच्छेद।

फ़ुसोस (فسوس) फा पु–अफ़सोस का लघु, शोक, अफ़सोस, रंज, पछतावा, पश्चात्ताप।

फ़ुस्तात (فسطاط) अ पु–मिस्र का एक प्रसिद्ध नगर है।

फ़ुस्साक़ (فساق) अ पु–फ़ासिक़ का बहु, दुराचारी लोग।

फ़ुस्हत (فسحت) अ स्त्री–मकान का लम्बाई-चौड़ाई, विस्तार, कुशादगी।

फ़ू

फ़ूता (فوطه) अ पु–तौलिया, अँगोछा।

फ़ूफ़ल (فوفل) अ स्त्री–सुपारी, छालिया, दे 'फ़ोफ़ल'; दोना, गुड़ है।

फ़ूफ़लतराश (فوفل تراش) अ फा पु–सुपारी काटने का यंत्र, सरौता।

फ़ूम (فوم) अ पु–लहसुन, लशुन, गेहूँ, गन्धम।

फ़े

फ़ेल (فعل) अ पु–कार्य, काम, क्रिया, बद, बुरा कर्म, अमल, बुरी हरकत, बुरा कर्म।

फ़ेलन (فعلا) अ अव्य–अमल और कर्म से, कर्मणा।

फ़ेले अबस (فعل عبث) अ पु–व्यर्थ का काम, निरर्थक कार्य, जिस काम में कोई लाभ न हो।

फ़ेले जाइज़ (فعل جائز) अ पु–अच्छा काम, ठीक काम जिसके करने में न कोई हानि हो न किसी को आपत्ति।

फ़ेले नाक़िस (فعل ناقص) अ पु–अपूर्ण क्रिया।

फ़ेले नाजाइज़ (فعل ناجائز) अ पु–वह काम जो उचित न हो, जिसके करने में हानि भी हो और आपत्ति भी; हरामकारी, व्यभिचार।

फ़ेले नाशाइस्ता (فعل ناشائسته) अ फा पु–अनुचित और कुत्सित काम, व्यभिचार, हरामकारी।

फ़ेले बद (فعل بد) अ फा पु–बुरा काम, दुराचार, व्यभिचार, हरामकारी।

फ़ेले मक्रूह (فعل مکروه) अ पु–वह काम जिसके करने में तबीअत घिन करे।

फ़ेले मज्हूल (فعل مجهول) अ पु–वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात न हो।

फ़ेले मा'रूफ़ (فعل معروف) अ पु–वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात हो।

फ़ेले मुतअद्दी (فعل متعدی) अ पु–सकर्मक क्रिया।

फ़ेले लाज़िम (فعل لازم) अ पु–अकर्मक क्रिया।

फ़ेले शनीअ (فعل شنیع) अ पु–दे 'फ़ेले बद', दुष्कर्म।

फ़ेहरिस्त (فہرست) अ स्त्री–सूचीपत्र, सूची।

फ़ेहरिस्ते मज़ामीन (فہرست مضامین) अ स्त्री–विषय-सूची, किताब के सारे मज़मूनों की सूची।

फ़ै

फ़ैज़ (فیض) अ पु–दानशीलता, फ़य्याज़ी, लाभ का उपकार, अनुग्रह, या कीर्ति।

फ़ैज़गुस्तर (فیض گستر) अ फा वि –यशस्वी, कीर्तिमान्; वदान्य, फैयाज, मुक्तहस्त।

फ़ैज़तलब (فیض طلب) अ. वि.–जो किसी से यश की याचना करता हो, यशोलिप्सु, यशस्काम।

फ़ैज़बख़्श (فیض بخش) अ फा वि –यश देनेवाला, दान देनेवाला, बख़्शिश करनेवाला।

फ़ैज़मआब (فیض مآب) अ. वि.–यशस्वी, कीर्तिमान्, फैयाज, वदान्य।

फ़ैज़याब (فیض یاب) अ. फा वि –जिसने फ़ैज पाया हो, प्राप्त-यश, प्राप्त-लाभ।

फ़ैज़याबी (فیض یابی) अ फा स्त्री –फ़ैज पाना, यश पाना, लाभ उठाना।

फ़ैज़रसाँ (فیض رساں) अ फा वि –दे 'फ़ैजबख़्श'।

फ़ैज़रसानी (فیض رسانی) अ फा स्त्री –फ़ैज़ पहुँचाना, यश देना।

फ़ैज़रसी (فیض رسی) अ फा स्त्री –यश देना।

फ़ैज़ान (فیضان) अ पु –दे 'फ़ैज'।

फ़ैज़े आम (فیض عام) अ.पु –ऐसी बख़्शिश और ऐसा यश जो सर्वसाधारण के लिए हो।

फ़ैयाज़ (فیاض) अ वि –बहुत देनेवाला, सख़ी, दाता, मुक्तहस्त, वदान्य।

फ़ैयाज़तरीन (فیاض ترین) अ. फा वि –सब से अधिक बख़्शिश करनेवाला, वदान्यतम।

फ़ैयाज़ी (فیاضی) अ. स्त्री –बख़्शिश, दानशीलता, सख़ावत।

फ़ैलसूफ़ (فیلسوف) अ पु –वैज्ञानिक, विद्वान्; धूर्त, छली, वचक।

फ़ैसलः (فیصلہ) अ पु.–निर्णय, तै, समझौता, तस्फिया, अत, ख़ातिमा, न्याय, इसाफ।

फ़ैसल.तलब (فیصلہ طلب) अ वि –जिसका फ़ैसला होना जरूरी हो, जिसका निर्णय होना बाकी हो।

फ़ैसल (فیصل) अ. वि –निर्णीत, तै, निर्णय, फ़ैसला।

फो

फोत. (فوتہ–فوطہ) फा. पु –लगान, महसूल, भूमि-कर, अडकोश, पोता।

फोत ख़ान (فوتہ خانہ) फा पु –कोपागार, लगान का रुपया रखने का घर।

फोतःदार (فوتہ دار) फा. पु –ख़जानची, तहसीलदार, पोतदार।

फौ

फ़ौक़ (فوق) अ वि –ऊपर, सिरे पर, प्रधानता, तरजीह।

फ़ौकुज्जिक्र (فوق الذکر) अ वि –जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो, उपर्युक्त।

फ़ौकलआदत (فوق العادت) अ वि –प्रकृति के विरुद्ध।

फ़ौक़ानी (فوقانی) अ वि –ऊपर नुक्ते रखनेवाला अरबी-फ़ार्सी या उर्दू का अक्षर।

फ़ौक़ियत (فوقیت) अ स्त्री –प्रधानता, तरजीह, श्रेष्ठता, उत्तमता, बडप्पन।

फ़ौक़ी (فوقی) अ वि –ऊपरवाला, ऊपरी।

फ़ौज (فوج) अ स्त्री –सेना, बल, वाहिनी, अनीकिनी, वरूथिनी, चमू, अनीक, लश्कर।

फ़ौज़ (فوز) अ पु –कल्याण, भलाई, सफलता, कामयाबी।

फ़ौजकशी (فوج کشی) अ. फा स्त्री –दुश्मन के मुल्क पर चढाई, युद्धयात्रा।

फ़ौजदारी (فوجداری) अ. फा स्त्री –वह न्यायालय जिसमे लडाई-झगडे और कत्ल, ख़ून के केस हो, मारपीट, लाठी या हथियार की लडाई।

फ़ौजी (فوجی) अ वि –फौज का जवान, सैनिक, फ़ौज का, सेना का, सेना से सम्बद्ध।

फ़ौज़े अज़ीम (فوز عظیم) अ. पु –बहुत बडी सफलता।

फ़ौजे बर्री (فوج بری) अ स्त्री –वह सेना जो जमीन पर लडे।

फ़ौजे बह्री (فوج بحری) अ स्त्री –वह सेना जो समुद्र मे जहाजो की लडाई लडे, जलसेना।

फ़ौजे हवाई (فوج ہوائی) अ फा स्त्री –वह सेना जो वायु-यानो द्वारा लडे, वायुसेना।

फ़ौज़ोफ़लाह (فوزوفلاح) अ स्त्री –उन्नति और भलाई।

फ़ौत (فوت) अ वि –मरण, मृत्यु, मौत, मृत, मरा हुआ।

फ़ौती (فوتی) अ वि –मरने से सम्बन्ध रखनेवाला।

फ़ौतीनामः (فوتی نامہ) अ फा –वह रजिस्टर जिसमे मरनेवालो का नाम, उम्र, तारीख़ आदि लिखी जाती ह।

फ़ौफ़ल (فوفل) अ. स्त्री –सुपारी, छालिया, दे 'फूफल', दोनो शुद्ध है।

फ़ौर (فور) अ वि –फ़ौरन, तुरत, उर्दू मे अकेला नही बोला जाता, 'फिल फ़ौर' बोलते है।

फ़ौरन (فوراً) अ वि –तुरत, तत्क्षण, त्वरित, शीघ्र, मद्य., उसी क्षण, उसी समय।

फ़ौरान (فوران) अ पु –आवेग, जोश, तीव्रता, तेजी।

फौरी (فوری) अ वि–नाम त्वरित फौरन, अजन, अतिपाता।
फौलाद (فولاد) अ पु–असली लोहा लाहसार कातिसार।
फौलादी (فولادی) अ वि–फौलाद का बना हुआ, लोहमय फौलाद का लौहिक।

ब

बग (بنگ) फा स्त्री–भाँग भग विजया एक प्रसिद्ध मादक बूटी।
बगनोश (بنگ نوش) फा वि–भाँग पीनेवाला भग।
बगफरोश (بنگ فروش) फा पु–भाँग बेचनेवाला भग का ठेकेदार।
बगिश (بنگش) फा पु–पठानो की एक जाति विशेष।
बज (بنج) अ स्त्री–अजवाइन खुरासानी एक दवा।
बद (بندہ) फा पु–दास गुलाम अधीन वशीभूत ताबे मनुष्य आदमी भक्त फिदाई आज्ञाकारी उपासक इबादत करनेवाला नम्रता दिखाने के लिए वक्ता अपने लिए भी कहता है।
बद जाद (بندہ زاده) फा पु–अपना लडका बडे आदमी से अपने लडके के लिए कहते है।
बद नवाज (بندہ نواز) फा वि–अपने सेवकों और भक्तो पर दया करनेवाला भक्त वत्सल।
बदनवाजी (بندہ نوازی) फा स्त्री–अपने सेवको और भक्तो पर कृपादृष्टि।
बदपवर (بندہ پرور) फा वि–दे बदनवाज।
बदपवरी (بندہ پروری) फा स्त्री–दे बद नवाजी।
बद (بند) फा पु–अग का जोड कारावास कद फदा पाश मेड पुश्ता पेच दाव रोक रुकावट गाठ गिरिह ग्रथि बद किया हुआ ढका हुआ कविता मे मुसद्दस या मुखम्मस की एक कडी जिसमें छ अथवा पाँच मिस्र होते है तर्जीअबद या तर्कीबबद का एक भाग जिसमे कई शेर होते है (प्रत्य) बँधा जैसे—पाबद जिसके पाव बधे हो बाँधनेवाला जैसे—नालबद नाल बाँधनेवाला।
बदए आजाद (بندۂ آزاد) फा पु–वह सेवक जो सदा मुक्त कर दिया गया हो।
बदए आजिज (بندۂ عاجز) फा अ पु–वक्ता अपने लिए कहता है अर्थात बहुत ही विनीत और विवश सेवक।
बदए इश्क (بندۂ عشق) फा अ पु–प्रेम का दास प्रेमिका का भक्त।
बदए खुदा (بندۂ خدا) फा पु–ईश्वर का दास ईश्वर का उपासक मनुष्य, व्यक्ति।
बदए जर (بندۂ زر) फा पु–रुपये का दास धनासक्त।
बदए दरगाह (بندۂ درگاہ) फा पु–किसी महान व्यक्ति का परम भक्त।
बदए दिरम (بندۂ درم) फा पु–दे 'बदए जर'।
बदए नाचीज (بندۂ ناچیز) फा पु–दे 'बदए आजिज'।
बदए बजर (بندۂ بےزر) फा पु–वह भक्त या दास जो बिना खरीदे ही भक्त या दास हो।
बदए बेदाम (بندۂ بےدام) फा पु–वह व्यक्ति जो परम भक्त हो अर्थात बगैर फदे और जाल के ही प्रेमपाशाबद्ध।
बदए मिस्कीं (بندۂ مسکیں) फा अ पु–दे बदए आजिज'।
बदए मुख्लिस (بندۂ مخلص) फा अ पु–वह भक्त जो बहुत ही श्रद्धापूर्वक सेवा करे।
बदए शिक्म (بندۂ شکم) फा पु–पेट का बदा पेट का कुत्ता उदर कृमि।
बदए हल्क बगोश (بندۂ حلقہ بگوش) फा अ पु–वह दास जिसके कानों में दासता का कुंडल पडा हो।
बदगी (بندگی) फा स्त्री–प्रणाम सलाम दासता गुलामी उपेक्षा इताअत, विनम्रता आज्ञाकारिता पूजा उपासना, इबादत आज्ञापालन।
बद बद (بند بند) फा पु–शरीर का एक एक भाग।
बदर (بندر) अ पु–समुद्रतट साहिल बन्दरगाह घाट।
बदिश (بندش) फा स्त्री–ग्रंथि गाठ गिरिह षडयत्र साजिश पक्षरचना पुरश्चरण रोक रुकावट प्रतिबंध मनाही बनावट साख्त, बाधने का काम।
बदिशे अल्फाज (بندش الفاظ) फा अ स्त्री–गद्य या पद्य में शब्दों का यथास्थान उपयोग तथा शुद्ध और चमत्कारपूर्ण विन्यास।
बदिशे इबारत (بندش عبارت) फा अ स्त्री–दे बदिशे अल्फाज।
बदिशे मज्मून (بندش مضمون) फा अ स्त्री–किसी प्रकार या मजमून का नैसर्गिक और मन को लगनेवाला बयान।
बदी (بندی) फा वि–कैदी कारावासी।
बदीखाना (بندی خانہ) फा पु–कैदखाना कारावास।
बदूक (بندوق) अ स्त्री–गोली चलाने का प्रसिद्ध यत्र शतघ्नी।
बदूकची (بندوقچی) अ फा पु–बदूक चलानेवाला निशानची निशानबाज लक्ष्यभेदी।
बदूकसाज (بندوق ساز) अ फा पु–बदूक बनानेवाला बदूको की मरम्मत करनेवाला।

वंदे क़बा (بند قبا) फा. अ. पु.—क़बा या कुर्ते की घुंडी, चोली की घुंडी, "गुल्चीं से कहियो आये चमन में पुकार के, वंदे क़बा खुले हैं उरूसे बहार के।"

वंदे ग़म (بند غم) फा. अ. पु.—दुःख का फंदा; प्रेम का फंदा।

वंदे दस्त (بند دست) फा. पु.—पहुँचा, हाथ और कलाई के बीच का जोड़।

वंदे दाम (بند دام) फा. पु.—जाल का फंदा।

वंदे निक़ाब (بند نقاب) फा. अ. पु.—बुर्के की गिरिह।

वंदोकुशाद (بند و کشاد) फा. पु.—खोलना और बंद करना, अर्थात् प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।

वंदोबस्त (بندوبست) फा. पु.—प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; खेतों की हदबंदी, उनकी मालगुज़ारी का निर्णय और उनके नंबर आदि की व्यवस्था जो नये सिरे से हो।

वंदोबस्ते आरिज़ी (بندوبست عارضی) फा. अ. पु.—कृषि सम्बन्धी वह बंदोबस्त जो चंद वर्षों के लिए हो, स्थायी न हो।

वंदोबस्ते इस्तिमरारी (بندوبست استمراری) फा. अ. पु.—दे 'बंदोबस्ते दवामी'।

वंदोबस्ते दवामी (بندوبست دوامی) फा. अ. पु.—खेतों और ज़मीनों का वह बंदोबस्त जो एक बार हो जाय और फिर कभी न बदले, जैसे—बंगाल का बंदोबस्त।

ब अक़्सात (بہ اقساط) फा. अ. अव्य.—किस्तों में करके, थोड़ा-थोड़ा करके, कई बार में।

ब अदब (بہ ادب) फा. अ. अव्य.—नम्रता और आदर के साथ, आदरपूर्वक।

ब अल्फ़ाज़े दीगर (بہ الفاظ دیگر) फा. अ. अव्य.—दूसरे शब्दों में, दूसरे प्रकार से।

ब अह्सने वुजूह (بہ احسن وجوہ) फा. अ. अव्य.—बहुत अच्छे प्रकार से, सुंदर रूप से।

ब आज़ादी (بہ آزادی) फा. अव्य.—स्वतंत्रता के साथ, खुले रूप से।

ब आबोताब (بہ آب و تاب) फा. अव्य.—चमक-दमक के साथ, शानो-शौकत के साथ।

ब आराम (بہ آرام) फा. अव्य.—आराम से, इत्मीनान से, सुख-चैन से, सुगमता से, सरलता से।

ब आसाइश (بہ آسائش) फा. अव्य.—दे 'ब आराम'।

ब आसानी (بہ آسانی) फा. अव्य.—सुगमतापूर्वक, सरलता से, आसानी से।

ब आसूदगी (بہ آسودگی) फा. अव्य.—सुख-चैन से, ऐशो-आराम से, आराम से, सुगमता से।

ब इख़्तियारे ख़ुद (بہ اختیار خود) फा. अव्य.—अपने अधिकार से।

ब इख़्तिसार (بہ اختصار) फा. अ. अव्य.—संक्षेप में, संक्षिप्त रूप से।

ब इज़्ज़तो एह्तिराम (بہ عزت و احترام) फा. अ. अव्य.—पूरे सम्मान के साथ, पूरे आदर-सत्कार के साथ, पूर्ण प्रतिष्ठा तथा सम्मान-सहित।

ब इत्तिफ़ाक़े राय (بہ اتفاق رائے) फा. अ. अव्य.—सबकी सम्मति से, सर्वसम्मति से।

ब इत्मीनान (بہ اطمینان) फा. अ. अव्य.—दे 'ब आराम'।

ब इफ़्रात (بہ افراط) फा. अ. अव्य.—अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, ज़रूरत और आवश्यकता से अधिक।

ब इवज़ (بہ عوض) फा. अ. अव्य.—बदले में, एवज़ में।

बईर (بعیر) अ. पु.—उष्ट्र, ऊँट।

ब उज्लत (بہ عجلت) फा. अ. अव्य.—शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से।

ब एह्तियात (بہ احتیاط) फा. अ. अव्य.—सावधानतापूर्वक, एह्तियात के साथ।

ब क़द्र (بہ قدر) फा. अ. अव्य.—अनुसार, मुताबिक़; मात्रा में, मिक़्दार में।

ब क़द्रे ज़र्फ़ (بہ قدر ظرف) फा. अ. अव्य.—जितना बर्तन हो उतना, जितनी योग्यता हो उतनी, जितना सामर्थ्य हो उतना।

ब क़द्रे ज़ुरूरत (بہ قدر ضرورت) फा. अ. अव्य.—जितनी आवश्यकता हो उतनी।

ब क़द्रे वुस्अत (بہ قدر وسعت) फा. अ. अव्य.—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितनी समाई हो उतनी।

ब क़द्रे शौक़ (بہ قدر شوق) फा. अ. अव्य.—जितनी अभिलाषा हो उतनी।

ब क़द्रे हैसियत (بہ قدر حیثیت) फा. अ. अव्य.—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितना धन हो उतना।

ब क़द्रे हौसलः (بہ قدر حوصلہ) फा. अ. अव्य.—जितना साहस हो उतना।

बक़रः (بقرہ) अ. स्त्री.—एक गाय, एक बैल।

बक़र (بقر) अ. पु.—गौ, गाय, वृषभ, बैल।

बक़र ईद (بقر عید) अ. स्त्री.—मुसलमानों की वह ईद जो ज़ीहिज्जा की दसवीं तारीख़ को होती है।

ब कराहत (بہ کراہت) फा. अ. अव्य.—घिन के साथ, नफ़रत के साथ, जी न चाहने के साथ, मज्बूरी से।

ब कर्रोफ़र (بہ کروفر) फा. अ. अव्य.—तड़क-भड़क के साथ।

ब क़लमे ख़ुद (بہ قلم خود) फा. अ. अव्य.—अपने क़लम से, स्वयं अपने हाथ की लिखावट से।

नश्वरता, दवाम,

अस्तित्व वुजूद जीवन जिन्दगी, रक्षा हिफ़ाजत, सलामती।
बक़ाए दवाम (بقاے دوام) अ स्त्री–नित्यता अनश्वरता।
बक़ाए सालिह (بقاے صالح) अ स्त्री–अच्छा चीज़ का बाक़ी रहना।
बक़ाया (بقایا) अ पु–शेष बचा हुआ बची हुई रक़म रक़म बच रही बची हुई रक़म।
बकारत (بکارت) अ स्त्री–कौमार्य कुँआरापन, योनि पटल का भंग न होना अक्षतत्व अक्षत योनि यह शब्द बिकारत अथवा बुकारत नहीं है।
बकावल (باول) तु पु–शाही रसोईघर का अध्यक्ष दे बुकावुल शाना शुद्ध है।
ब क़ैदे हयात (بقید حیات) फा अ अव्य–जीवन-पाश म आबद्ध जीवित ज़िंदा।
ब क़ौले शख्से (بقول شخصے) फा अ अव्य–किसी विशेष व्यक्ति के कथनानुसार।
बक़्क़ाल (بقال) अ पु–सब्ज़ीफ़रोश कुंजड़ा वणिक बनिया आटा-दाल बचनवाला परचूनिया।
बक्तर (بکتر) फा पु–कवच ज़िरिह।
बक्तरगर (بکترگر) फा पु–कवच बनानेवाला कवचकार।
बक्तरपोश (بکترپوش) फा वि–कवचधारी बक्तर पहन हुए।
बक्तरबंद (بکتربند) फा वि–बक्तर पहन हुए कवचधारी बक्तर से मढ़ी हुई गाड़ियाँ आदि।
बक्तरसाज़ (بکترساز) फा वि–दे बक्तरगर।
बक़्रात (بقراط) अ पु–एक प्रसिद्ध यूनानी वैज्ञानिक जो हज़रत ईसा से ४६० वर्ष पूर्व पैदा हुआ था।
बख़ील (بخیل) अ पु–कृपण बद्धमुष्टि तङ्गन व्यय कुंठ कंजूस।
बख़ीली (بخیلی) अ स्त्री–कृपणता व्ययकुंठता कंजूसी।
बख़ुदा (بخدا) फा अव्य–ईश्वर के लिए खुदा के लिए ईश्वर की सौगंध खुदा की क़सम।
ब ख़ुशी (بخوشی) फा अव्य–खुशी के साथ प्रसन्नता पूर्वक सानंद सहर्ष।
ब ख़ूबी (بخوبی) फा अव्य–पूर्ण रूप से पूर्णतया पूर्णत।
बख़ूर (بخور) अ पु–धूनी लोबान आदि सुलगाकर उसकी सुगंध फैलाना दवाओं की धूनी लेना।
बख़ूरदान (بخوردان) अ फा पु–वह पात्र जिसमे धूप आदि सुलगायी जाय धूपदानी ऊददानी।
ब ख़ैर (بخیر) फा अ अव्य–सकुशल अच्छी तरह स्वस्थ तनदुरुस्त।
ब ख़ैरोआफ़ियत (بخیروعافیت) फा अ अव्य–कुशल पूर्वक आनंदपूर्वक।
ब ख़ैरोख़ूबी (بخیروخوبی) फा अ अव्य–आनन्दपूर्वक कुशलपूर्वक बहुत अच्छी तरह से।
बख़्त (بخت) फा पु–भाग्य प्रारब्ध अदृश्य दैव अदृष्ट क़िस्मत।
बख़्तआज़माई (بخت آزمائی) फा स्त्री–भाग्यपरीक्षा किसी काम म पड़ना यह देखना कि अमुक काम म भाग्य साथ देता है या नहीं अर्थात वह होता है या नहीं।
बख़्तआवर (بخت آور) फा वि–दे बख्तावर।
बख़्तबरगश्ता (بخت برگشتہ) फा वि–जिसका भाग्य उसके विरुद्ध हो हतभाग्य अभागा।
बख़्तयार (بختیار) फा वि–जिसका भाग्य उसका मित्र हो सौभाग्यवान।
बख़्तवर (بختور) फा वि–सौभाग्यशाली भाग्यवान प्रारब्धी खुशनसीब।
बख़्तवरी (بختوری) फा स्त्री–भाग्य की अच्छाई भाग्यशीलता खुशनसीबी।
बख़्तावर (بختاور) फा वि–भाग्यशाली भाग्यवान प्रारब्धी क़िस्मतवर।
बख़्ते ख़ुफ़्ता (بخت خفتہ) फा वि–सोता हुआ भाग्य अभागापन।
बख़्ते जवाँ (بخت جواں) फा पु–वह भाग्य जो उन्नतिशील और समृद्धिवान हो।
बख़्ते शोर (بخت شور) फा पु–अधूरी क़िस्मत बदक़िस्मती दुर्भाग्य।
बख़्ते ना फ़र्जाम (بخت نا فرجام) फा पु–खोटी तक़दीर दुर्भाग्य।
बख़्ते नारसा (بخت نارسا) फा पु–अधूरी किस्मत अभाग्य।
बख़्ते नासाज़गार (بخت ناسازگار) फा पु–प्रतिकूल भाग्य मुख़ालिफ़ किस्मत।
बख़्ते बरगश्ता (بخت برگشتہ) फा पु–फिरा हुआ नसीबा विरुद्ध और प्रतिकूल भाग्य।
बख़्ते बलंद (بخت بلند) फा पु–ऊँचा नसीब सौभाग्य।
बख़्ते बेदार (بخت بیدار) फा पु–जागता हुआ नसीब उन्नतिशील भाग्य।
बख़्ते रसा (بخت رسا) फा पु–अच्छा और पूरा नसीबा सौभाग्य।
बख़्ते सब्ज़ (بخت سبز) फा पु–अच्छा नसीबा सौभाग्य

वख्तोइत्तिफाक (وقت اتفاق) फा अ पु –भाग्य और दैवयोग।
वख्यः (بخیہ) फा पु.–एक प्रकार की मज़बूत सिलाई।
वख्यःगर (بخیہ گر) फा वि.–वख्य करनेवाला, सीनेवाला।
वख्यःगरी (بخیہ گری) फा स्त्री.–वख्य करना, सीना।
वख़्र (بخر) अ.पु –दुर्गंध, वास, मुंह की वास।
वख़्रुलफम (بخر الفم) अ. पु.–एक रोग जिसमें मुंह से वास आती है।
वख्श (بخش) फा. पु –अंश, खंड, जुज, भाग्य, हिस्सा, (प्रत्य.) देनेवाला, जैसे—'जांवख्श' प्राण प्रदान करनेवाला; वख्शनेवाला, जैसे—'खतावख्श' अपराध क्षमा करनेवाला।
वख्शाइश (بخشائش) फा स्त्री –मुक्ति, मोक्ष, वख्शिश।
वख्शिंदः (بخشندہ) फा वि –वख्शनेवाला, देनेवाला, दाता, मोक्ष देनेवाला।
वख्शिश (بخشش) फा. स्त्री –दान, ख़ैरात, पुरस्कार, इनआम, अनुदान, अतीय; प्रदान, देना।
वख्शिशनामः (بخشش نامہ) फा. पु –'दानपत्र', वह कागज़ जिसमें कुछ प्रदान करने की लिखा-पढ़ी हो।
वख्शी (بخشی) फा पु –सैनिकों को वेतन बाँटनेवाला; कस्बों में टैक्स वुसूल करनेवाला।
वख्शीदः (بخشیدہ) फा. वि –वख्शा हुआ, दिया हुआ; क्षमा किया हुआ, मोक्ष दिया हुआ।
वख्शूद' (بخشودہ) फा. वि –वख्शा हुआ, दिया हुआ।
वग़ल (بغل) फा स्त्री –कुक्षि, कांख, पार्श्व, पहलू, छोर, किनारा; एक ओर, एक तरफ, कुर्ते या अंगे आदि में वग़ल के नीचे लगनेवाला कपड़ा।
वग़लगीर (بغل گیر) फा वि –आलिंगित, जो गले मिला हो, पार्श्ववर्ती, पार्श्वस्थ।
वग़ली (بغلی) फा वि –वग़ल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, वग़ल का, कब्र का वह गढा जो जमीन काटकर एक पहलू में बनाते हैं।
वग़ावत (بغاوت) अ स्त्री –द्रोह, सरकशी, सैन्य-द्रोह, फौजी गद्र, अशांति, वद अम्नी, अवज्ञा, हुक्म उदूली।
वग़ी (بغی) अ वि –अवज्ञाकारी, नाफरमान, उद्दंड, सरकश।
वग़ैर (بغیر) फा अ अव्य –विना, वे।
वग़ौर (بغور) फा अ अव्य –ग़ौर से, समीक्षापूर्वक।
वग़्ततन (بغتتاً) अ अव्य –अचानक, आकस्मिक, सहसा।
वग़्दाद (بغداد) फा पु –इराक की राजधानी, एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर।
वग़्ल (بغل) अ पु –खच्चर, अश्वतर, वेसर।

वग़्लक (بغلک) फा स्त्री –वगल का एक फोड़ा, कखौरी।
वचः (بچہ) फा पु –दे. 'वच्च.', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु उर्दू में 'वच्च' बोलते हैं।
व चश्मे अश्कवार (بہ چشم اشکبار) फा अव्य –रोती हुई आँखों के साथ, अर्थात् रोते हुए।
व चश्मे तर (بہ چشم تر) फा अव्य.–भीगी हुई आँखों के साथ, अर्थात् आँखों में आंसू भरे हुए।
व चश्मे नम (بہ چشم نم) फा अव्य –दे 'व चश्मे तर'।
वच्चः (بچہ) फा. पु –बालक, शिशु, अवयस्क, नावालिग; छोकरा, लड़का, पुत्र, बेटा, हरेक प्राणी का शिशु, नासमझ, अबोध।
वच्चःकश (بچہ کش) फा. स्त्री –वह स्त्री जो बहुत से बच्चों की माँ हो, बहुप्रसूता।
वच्चःदान (بچہ دان) फा पु –गर्भाशय, रहिम।
वच्चःवाज (بچہ باز) फा वि –गुदमैथुनिक, इग्लामी।
वच्च वाजी (بچہ بازی) फा स्त्री.–गुदमैथुन, इग्लाम।
वच्चए आहू (بچۂ آہو) फा पु –हिरन का वच्चा, मृग-शावक।
वच्चए नौ (بچۂ نو) फा पु –नयी घटना, नया वाकिया, नवजात शिशु।
वच्चए फ़ील (بچۂ فیل) फा अ पु –हाथी का वच्चा, हस्ति-शावक।
वच्चए मीना (بچۂ مینا) फा पु –मदिरा, शराब।
वच्चए शुतुर (بچۂ شتر) फा पु –ऊँट का वच्चा, उष्ट्र-शावक।

व जब्र (بہ جبر) अ फा अव्य –वलात्, जबरदस्ती, वलपूर्वक।
वजाँ (بجاں) फा वि –हृदय से, प्रसन्नतापूर्वक (प्रत्य), प्राणों में लिये हुए, जैसे—'आतशवजाँ' आग प्राणों में लिये हुए अर्थात् प्राण तपता हुआ।
वजाँ आमदः (بجاں آمدہ) फा अव्य –जान से तंग आया हुआ।
वजा (بجا) फा वि –उचित, मुनासिव, सत्य, ठीक, सच, शुद्ध, दुरुस्त।
वजाआवरी (بجا آوری) फा स्त्री –आज्ञा-पालन, हुक्म पूरा करना।
वजाए खुद (بجائے خود) फा अव्य –अपनी जगह पर, स्वयं, खुद।
वजानोदिल (بجان و دل) फा अव्य –हृदय और प्राण से अर्थात् पूरी तरह से, पूर्णरूपेण।
व जा'मे ख्वेश (بہ زعم خویش) फा अ अव्य –अपने गलत विचार में।

ब ज़िद (بضد) फा अ अव्य–हठपूर्वक हठात्, ज़िद के साथ।
बजुज़ (بجز) फा अ अव्य–अतिरिक्त अलावा।
ब ज़ोर (بزور) फा अव्य–दे 'बजब्र'।
बज़्ज़ाज़ (بزاز) अ पु–कपड़े का व्यापारी वस्त्र-वणिक।
बज़्ज़ाज़ख़ान (بزازخانه) अ फा पु–बाज़ार में कपड़े की मंडी वह स्थान जहाँ कपड़े की दुकानें हों।
बज़्ज़ाज़ी (بزازی) अ स्त्री–कपड़े का रोज़गार, कपड़ा बेचने का काम।
बज़्म (بزم) फा स्त्री–सभा गोष्ठी महफ़िल उदा– 'बज़्म मे वह नज़र है सद तमाशा-आशा, फिर मैं हूँ महफ़िल कोई या फिर मेरा महफ़िल में है।
बज़्मआरा (بزم‌آرا) फा वि–सभा की शोभा बढ़ानेवाला, सभा में विराजमान।
बज़्मगाह (بزمگاه) फा स्त्री–सभा का स्थान।
बज़्मनशीं (بزم‌نشین) फा वि–सभापति बड़े मज्लिस।
बज़्मे अरूसी (بزم عروسی) फा अ स्त्री–विवाह की महफ़िल।
बज़्मे ऐश (بزم عیش) फा अ स्त्री–राग रंग और खुशी का जलसा।
बज़्मे क़दह (بزم قدح) फा अ स्त्री–पान गोष्ठी शराब की मज्लिस।
बज़्मे निशात (بزم نشاط) फा स्त्री–दे बज़्मे ऐश।
बज़्मे नाज़ (بزم ناز) फा स्त्री–प्रेमिका की गोष्ठी।
बज़्मे मय (بزم مے) फा स्त्री–शराब की महफ़िल पान गोष्ठी।
बज़्मे मातम (بزم ماتم) फा स्त्री–शोक सभा मरनेवाले के शोक में होनेवाली सभा।
बज़्मे मुशाअरः (بزم مشاعره) फा अ स्त्री–कवि-सम्मेलन मुशाअरे की महफ़िल।
बज़्मे रक़्स (بزم رقص) फा अ स्त्री–नाच-गाने का जल्सा।
बज़्मे शादी (بزم شادی) फा स्त्री–विवाह का जल्सा।
बज़्मे शेर (بزم شعر) फा अ स्त्री–कविगोष्ठी मुशाअरा।
बज़्मे सुख़न (بزم سخن) फा स्त्री–दे बज़्मे शेर।
बज़्मे सुरूर (بزم سرور) फा अ स्त्री–दे बज़्मे एश दे बज़्मे मय।
बज़्मोरज़्म (بزم‌ورزم) फा स्त्री–नाच रंग की गोष्ठी भी और रंगभूमि अर्थात् युद्ध-क्षेत्र भी।
बज़्र (بذر) अ पु–हर वह बीज जो चने से छोटा हो।
बज़्ल (بذله) फा पु–मनोरंजन विनोद हँसी-मज़ाक़।
बज़्लगो (بذله‌گو) फा वि–विनोदी परिहासक हँसी मज़ाक़ की बातें करनेवाला।
बज़्लगोई (بذله‌گوئی) फा स्त्री–विनोद परिहास हँसी मज़ाक़ की बातें करना।
बज़्लसंज (بذله‌سنج) फा वि–दे बज़्लगो।
बज़्लसंजी (بذله‌سنجی) फा स्त्री–दे बज़्लगोई।
बज़्ल (بذل) अ पु–दानशीलता फ़य्याज़ी।
बज़्लोजूद (بذل‌وجود) अ पु–दानशीलता वदान्यता।
बज़्लोसख़ा (بذل‌وسخا) अ पु–दे 'बज़्लोजूद'।
बत्[त्] (بت) अ पु–काटना तराशना विच्छेद करना।
बत (بط) फा स्त्री–हंस बतख।
ब तअम्मुल (بہ تامل) फा अ अव्य–सोच विचार के धीरे से।
ब तकल्लुफ़ (بہ تکلف) फा अ अव्य–तकल्लुफ़ के साथ सजाव के साथ।
ब तक़रीबे (بہ تقریب) फा अ अव्य–अवसर पर जैसे-तक़रीबे शादी विवाह के अवसर पर।
ब तदरीज (بہ تدریج) फा अ अव्य–क्रमश, दरजा-ब-दरजा धीरे धीरे।
बतर (بتر) फा वि–'बदतर' का लघु, निकृष्ट ख़राब।
ब तराज़िए तरफ़ैन (بہ تراضئ طرفین) फा अ अव्य दोनों दलों की रज़ामंदी से।
ब तरीक़े अदावत (بہ طریق عداوت) फा अ अव्य–शत्रु के रूप में।
ब तरीक़े दोस्ती (بہ طریق دوستی) फा अ अव्य–मित्र के रूप में।
ब तरीक़े मश्वरत (بہ طریق مشورت) फा अ अव्य–परामर्श के रूप में।
बतल (بطل) अ वि–शूर वीर, बहादुर।
बतले हुर्रियत (بطل حریت) अ वि–स्वातंत्र्यशूर आज़ादी के संग्राम में वीरता दिखानेवाला।
ब तवस्सुत (بہ توسط) फा अ अव्य–द्वारा, ज़रिए से।
ब तवस्सुल (بہ توسل) फा अ अव्य–दे ब तवस्सुत।
ब ताईद (بہ تائید) फा अ अव्य–सहायता से समर्थन से।
ब ताजील (بہ تعجیل) फा अ अव्य–शीघ्रता से जल्दी से
बतालत (بطالت) अ स्त्री–बेकार अर्थात् कार्यहीन होना छुट्टी में होना।
बती (بطی) अ वि–मंद सुस्त देर करनेवाला विलम्बकर्ता।
बतीउलअसर (بطی‌الاثر) अ वि–जो अपना गुण अर्थात् तासीर देर में दिखाए जो दवा देर में असर करे।
बतीउल्हरकत (بطی‌الحرکت) अ वि–जो बहुत धीरे धीरे चले मन्दगामी।

ब तीबे ख़ातिर (بہ طیب خاطر) फा अ अव्य–हर्षपूर्वक, प्रसन्नता के साथ।

बतूल (بتول) अ वि–सासारिक मोह और माया के बधनो को तोड फेकनेवाला (वाली); हज्रत फातिमा की उपाधि।

ब तौए ख़ातिर (بہ طوع خاطر) फा अ अव्य.–दे 'ब तीबे ख़ातिर'।

ब तौरे ख़ुद (بہ طور خود) फा. अ अव्य–अपने तौर पर, निजी तरीके से, अपनी राय से, अपनी तरफ से।

ब तौरे मिज़ाह (بہ طور مزاح) फा अ अव्य–हँसी के तौर पर, मनोरजन के लिए।

बत्ताल (بطال) अ वि–निकम्मा, निरर्थक, मिथ्यावादी, झूठा, शूर, वीर, बहादुर।

बत्न (بطن) अ पु–उदर, पेट, जठर।

बत्नन बाद बत्निन (بطناً بعد بطنٍ) अ अव्य–पुश्त दर पुश्त, नस्ल दर नस्ल, वशानुगत।

बत्ने मादर (بطن مادر) अ फा पु–माँ का पेट।

बत्श (بطش) अ स्त्री–कडा पडना, सख़्ती करना; आक्रमण, हम्ला।

बत्हा (بطحی) अ स्त्री–मक्के की एक घाटी, मक्का, वह चौडी जगह जहाँ पानी बहता हो और जहाँ पत्थर बहुत हो।

बद (بد) फा वि–निकृष्ट, खराब, उत्पाती, शरीर; उपद्रवी, फसादी, निकम्मा, नाकिस, अशुभ, मनहूस, दुराचारी, बदचलन।

बदअंजाम (بدانجام) फा वि–जिसका परिणाम अशुभ हो, जो अत मे विपत्ति का कारण हो।

बदअंदेश (بداندیش) फा. वि–बुरा सोचनेवाला, दुश्चितक, बदख्वाह।

बदअंदेशी (بد اندیشی) फा. स्त्री–बुरा सोचना, बदख्वाही।

बदअक़ीदः (بد عقیدہ) फा अ वि–जिसका धर्म-विश्वास ठीक न हो, अनास्थ, जिसे किसी व्यक्ति विशेष मे जो सब का श्रद्धापात्र हो, श्रद्धा न हो।

बदअक़ीदगी (بد عقیدگی) फा. अ स्त्री–धर्म-विश्वास का ठीक न होना, ऐसे व्यक्ति मे श्रद्धा न होना जिस पर प्राय सभी श्रद्धा रखते है, बुरा विश्वास, गलत चीज पर विश्वास करना।

बदअक़्ल (بدعقل) फा अ वि–हलबुद्धि, मूर्ख, बेवकूफ।

बदअख़्तर (بداختر) फा वि–अभागा, कुभागीन, बदकिस्मत।

बदअख़्लाक (بداخلاق) फा अ वि–दु शील, बेमुरव्वत, दुर्व्यवहार, जिसका व्यवहार अच्छा न हो।

बदअत्वार (بداطوار) फा अ वि–दुराचारी, दुश्चरित, बदआ'माल।

बदअफ्आल (بدافعال) फा अ वि–दे 'बदअत्वार'।

बदअमल (بدعمل) फा अ वि–दुष्कर्मी, दुष्कृत्य-कर्ता, जिसका अमल अच्छा न हो।

बदअम्नी (بدامنی) फा. अ स्त्री–अशाति, गडबड; उपद्रव, दगा, विद्रोह, बगावत।

बदअस्ल (بداصل) फा अ वि–अकुलीन, गैरशरीफ।

बदअह्द (بدعہد) फा अ वि–वादे पर क़ाइम न रहनेवाला, वचन-भजक।

बदअह्दी (بدعہدی) फा अ स्त्री–वादे पर अटल न रहना, वचन-भंजन।

बदआईन (بدآئین) फा वि–जिसका कोई नियम न हो, बेउसूला।

बदआईनी (بدآئینی) फा. स्त्री–सिद्धान्तहीनता, कोई नियम न होना।

बदआग़ाज़ (بدآغاز) फा वि–जिसकी शुरुआत अच्छी न हो, जिसका प्रारभ ही अनिष्टकर हो।

बदआ'माल (بداعمال) फा अ वि–बुरे आचार-विचार वाला, दुराचारी।

बदआ'माली (بداعمالی) फा अ स्त्री–दुराचार।

बदआमोज़ (بدآموز) फा वि–जिसको बुरी शिक्षा मिली हो।

बदआमोज़ी (بدآموزی) फा स्त्री–बुरी शिक्षा मिलना।

बदइंतिज़ामी (بدانتظامی) फा अ स्त्री–प्रबध की खराबी, कुव्यवस्था, कुप्रबन्ध।

बदउन्वानी (بدعنوانی) फा अ स्त्री–बे कायदगी, नियम-विरुद्धता।

बदउसूल (بداصول) फा अ वि–दे 'बदआईन'।

बदउस्लूब (بداسلوب) फा अ वि–बेढगा, बदनुमा, कदाकार, दुराचारी, कुकर्मी, बदअमल।

बदएतिक़ाद (بداعتقاد) फा अ वि–दे 'बदअकीद'।

बदएतिकादी (بداعتقادی) फा अ स्त्री–दे 'बदअकीदगी'।

बदएतिमाद (بداعتماد) फा अ वि–अविश्वस्त, गैर मातबर।

बदएतिमादी (بداعتمادی) फा अ स्त्री–बेएतिबारी, अविश्वास।

बदऔसान (بداوسان) अ वि–बदहवास, घबडाया हुआ।

बदकत्अ (بدقطع) फा अ वि–कदाकार, कुरूप, बदसूरत।

बदक़दम (بدقدم) फा अ वि–जिसका आना अनिष्टकर हो, अशुभचरण।

बदकर्दार (بدکردار) फा वि–दुराचारी, बदाचारी, व्यभिचारी हरामकार।

बदकर्दारी (بدکرداری) फा स्त्री–दुराचार बदाचार दुष्टाचार व्यभिचार बामुखना, लम्पटता।

बदकलाम (بدکلام) फा अ वि–बदकलामी करनेवाला, गालियाँ बकनेवाला गुस्ताखी से बात करनेवाला।

बदकार (بدکار) फा वि–दुराचारी दुष्कर्मी बुरे चाल चलनेवाला।

बदकिर्दार (بدکردار) फा वि–बुरे काम करनेवाला बदाचारी।

बदकिस्मत (بدقسمت) फा अ वि–दुर्भाग्यवान, बुरी तकदीरवाला भाग्यहीन, हतभाग्य।

बदकिस्मती (بدقسمتی) फा अ स्त्री–तकदीर का खोटापन, दुर्भाग्य।

बदकुमाश (بدقماش) फा वि–दे बदकार।

बदकुवार (بدقواره) फा वि–बुरी सूरतवाला बदाकृति, कुरूप।

बदकेश (بدکیش) फा वि–दुष्प्रकृति, दुष्टात्मा बुरे स्वभाववाला।

बदकौम (بدقوم) फा अ वि–अकुलीन कमीना, नीच।

बदखत (بدخط) फा वि–जिसकी लिखावट अच्छी न हो कुलेख कक्षर बुरा लिखा हुआ।

बदखती (بدخطی) फा स्त्री–बुरा लिखना कुलेख।

बदखस्लत (بدخصلت) फा अ वि–बुरी प्रकृतिवाला, दुष्ट स्वभाववाला नीच प्रकृति।

बदखस्लती (بدخصلتی) फा अ स्त्री–प्रकृति का खोटापन, स्वभाव की नीचता।

बदखिसाल (بدخصال) फा अ वि–दे 'बदखस्लत'।

बदखुल्क (بدخلق) फा अ वि–दे 'बदअख्लाक'।

बदखुल्की (بدخلقی) फा अ स्त्री–बदअख्लाकी दुःशीलता बमुरव्वती दुराचार बदअमाली।

बदखू (بدخو) फा वि–बुरे और कडुए स्वभाववाला रूखा दुःशील।

बदखूई (بدخوئی) फा स्त्री–स्वभाव का रूखा और कडवापन।

बदख्वाबी (بدخوابی) फा स्त्री–ठीक तौर से नींद न आना नींद का बार-बार उचटना बिल्कुल नींद न आना नींद न आने का रोग अनिद्रा।

बदख्वाह (بدخواه) फा वि–अहितचिंतक दुश्चिंतक बुराई चाहनेवाला।

बदख्वाही (بدخواهی) फा स्त्री–बदी चाहना हित न चाहना अशुभ चाहना।

बदख्श (بدخش) फा पु–बदख्शा का लघु दे 'बदख्शा'।

बदख्शा (بدخشان) फा पु–अफगानिस्तान का एक प्रांत जहाँ का लाल (पद्मराग) बहुत बहुमूल्य होता है।

बदख्शानी (بدخشانی) फा वि–जो बदख्शा का हो या बदख्शा से सम्बन्ध रखता हो।

बदख्शी (بدخشی) फा वि–दे बदख्शानी।

बदगिल (بدگل) फा वि–कुरूप बदसूरत बदकार।

बदगुमान (بدگمان) फा वि–जो किसी की ओर से बुरी धारणा रखे।

बदगुमानी (بدگمانی) फा स्त्री–किसी की ओर से बुरा खयाल कुधारणा।

बदगुहर (بدگهر) फा वि–अकुलीन कुल का हेठा वर्ण संकर, दोगला।

बदगो (بدگو) फा वि–बदगोई करनेवाला, गालियाँ बकनेवाला पिशुन चुगल निंदक पीठ पीछे बुराई करनेवाला।

बदगोई (بدگوئی) फा स्त्री–गाली-गलौज अपशब्द पिशुनता चुगलखोरी निंदा, बदनामी।

बदगोश्त (بدگوشت) फा पु–वह अतिरिक्त मांस जो शरीर के किसी अंग में रोग के तौर पर उत्पन्न हो जाता है।

बदगौहर (بدگوهر) फा वि–अकुलीन बदनस्ल।

बदचश्म (بدچشم) फा वि–जिसकी नजर तुरंत लग जाये हो दुरक्ष ईर्ष्यालु मत्सरी हासिद।

बदजन (بدظن) फा अ वि–जो किसी की ओर से बुरा विचार रखे बदगुमान।

बदजनी (بدظنی) फा अ स्त्री–किसी की ओर से बुरा विचार कुधारणा बदगुमानी।

बदजाइक (بدذائقه) फा अ वि–जो स्वाद में अच्छा न हो नीरस निःस्वाद कुस्वाद दुःस्वादु।

बदजात (بدذات) फा अ वि–नीच अधम कमीना, छली ठग धूर्त वित्तीन दुष्टाचारी खबीस।

बदजाती (بدذاتی) फा अ स्त्री–नीचता अधमता छल कपट धूर्तता मक्कारी दुष्टाचार खबासत।

बदजिलौ (بدجلو) फा तु वि–वह घोड़ा जो बहुत ही मुँहजोर हो।

बदजेब (بدزیب) फा वि–भद्दा बदनुमा श्रीहीन।

बदजहन (بدذهن) फा अ वि–जिसका जहन अच्छा न हो मन्दप्रतिभ।

बदजहनी (بدذهنی) फा अ स्त्री–जहन का अच्छा न होना बुद्धि का तेज न होना।

बदजौक (بدذوق) फा अ वि–जो पद्य लिखने में दिल

न लगाये, जो किसी विशेष काम करने मे दिलचस्पी न ले, जो काव्य-रसिक न हो।

बदज़ौकी (بدذوقی) फा अ स्त्री –पढने-लिखने मे दिल न लगाना, किसी विशेष कार्य मे रुचि न रखना, कलारसिक न होना।

बदतबार (بدتبار) फा. वि –अकुलीन, बुरे वश का।

बदतमीज़ (بدتمیز) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य; उद्दड, उजड्ड, फूहड, वदसलीक , धृष्ट, गुस्ताख, वदजवान।

बदतमीज़ी (بدتمیزی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दडता, फूहडपन, धृष्टता; अपशब्द, वदजवानी।

बदतर (بدتر) फा वि –बुरे से बुरा, वहुत खराव।

बदतरीन (بدترین) फा. वि –सव से बुरा, सव से खराव।

बदतह्ज़ीब (بدتہذیب) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य, उद्दड, उजड्ड, धृष्ट, गुस्ताख, अपशव्दी, वदजबान।

बदतह्ज़ीबी (بدتہذیبی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दडता, धृष्टता, अपशव्द।

बदतीनत (بدطینت) फा अ वि –दुष्प्रकृति, अत कुटिल, वदबातिन।

बदतीनती (بدطینتی) फा अ स्त्री –प्रकृति की निकृष्टता, स्वभाव की अधमता।

बददिमाग (بددماغ) फा अ वि –अहकारी, अभिमानी, घमडी, जरा-सी वात पर वुरा मान जानेवाला, नाजुक दिमाग।

बददिमागी (بددماغی) फा अ स्त्री –अहकार, गुरूर, जरा जरा-सी वात पर विगड जाने की आदत, नाजुक दिमागी।

बददियानत (بددیانت) फा अ वि –जो अमानत मे ख़ियानत करे, वेईमान।

बददियानती (بددیانتی) फा अ स्त्री –अमानत मे ख़िया-नत करना, वेईमानी।

बददिल (بددل) फा वि –निराश, नाउम्मेद, मलिनचित्त, अपसुर्द , उदास, गमगीन।

बददिली (بددلی) फा स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी; चित्त की मलिनता, उदासी।

बददुआ (بددعا) फा अ. स्त्री.–शाप, श्राप, अनिष्ट का वचन, कोसना, वुरा कहना।

बदन (بدن) अ पु –शरीर, देह, जिस्म, योनि, भग, फुर्ज।

बदनज़र (بدنظر) फा अ वि –जिसकी नजर जल्द लग जाती हो, जो दूसरो को वुरी नजर अर्थात् पाप की दृष्टि से देखता हो।

बदनज़री (بدنظری) फा अ. स्त्री –पाप की दृष्टि से देखना, वुरी नज़र का असर होना।

बदनज़ाद (بدنژاد) फा वि –अकुलीन, अज्ञात वश का, तुच्छ वश का।

बदनज़्मी (بدنظمی) फा अ स्त्री –कुव्यवस्था, कुप्रवन्ध, वदइतिजामी।

बदनतीजः (بدنتیجہ) फा अ वि –दे 'वदअजाम'।

बदनफ़्स (بدنفس) फा अ वि –दे 'वदबातिन'।

बदनफ़्सी (بدنفسی) फा अ स्त्री –मनकी निकृष्टता, अत -कौटिल्य।

बदनसीब (بدنصیب) फा अ वि –अभागा, मंद भाग्य, वदकिस्मत।

बदनसीबी (بدنصیبی) फा अ स्त्री –भाग्य का खोटापन, तकदीर की खरावी, वदकिस्मती।

बदनस्ल (بدنسل) फा अ वि –अकुलीन, वशहीन, तुच्छ वशीय।

बदनाम (بدنام) फा वि –कुख्यात, जिसकी शोहरत वुरे रूप मे हो।

बदनामी (بدنامی) फा स्त्री –कुख्याति, वदशोह्रती, अपयश, कुकीर्ति, निंदा, रुस्वाई।

बदनिगाह (بدنگاہ) फा वि –दे 'वदनजर'।

बदनिहाद (بدنہاد) फा वि –दे 'वदनजाद'।

बदनी (بدنی) अ वि –शरीर सम्वन्धी, शरीर का; शरीर जनित।

बदनीयत (بدنیت) फा अ वि –वेईमान, वददियानत; लोभी, लालची।

बदनीयती (بدنیتی) फा अ स्त्री –वेईमानी, वददियानती, लोभ, लालच।

बदनुमा (بدنما) फा वि –कुरूप, वदशक्ल; दुर्दर्शन, दुर्दृश्य, भोंदा।

बदनुमाई (بدنمائی) फा स्त्री –कुरूपता, वदशक्ली, भोंडा, भद्दा।

बदनुमूद (بدنمود) फा वि –दे 'वदनुमा'।

बदपरहेज़ (بدپرہیز) फा वि –वह वीमार जो परहेज न करता हो, वद एहतियात।

बदपरहेज़ी (بدپرہیزی) फा स्त्री –वीमार का खाने-पीने मे परहेज न करना।

बदफर्जाम (بدفرجام) फा वि –दे 'वदअजाम'।

बदफ़े'ली (بدفعلی) फा अ स्त्री –वुरा काम, व्यभि-चार, लपटता।

बदफ़आत (بدفعات) फा अ अव्य –थोडा-थोड़ा करके, कई वार मे।

बदबख़्त (بدبخت) फा. वि –वदकिस्मत, अभागा।

बदबख़्ती (بدبختی) फा स्त्री–भाग्य की ख़राबी अभागापन बदकिस्मती।

बदबला (بدبلا) फा स्त्री–चुडैल डाइन पापी ख़बीस।

बदबातिन (بدباطن) फा अ स्त्री–बुरी प्रकृतिवाला दुरात्मा, ख़बीस।

बदबीं (بدبیں) फा वि–बुराई देखनेवाला छिद्रान्वेषी।

बदबीनी (بدبینی) फा स्त्री–बुराई देखना छिद्रान्वेषण।

बदबू (بدبو) फा वि–जिसमें बुरी महक हो दुर्गंधयुक्त बुरी बास दुर्गंध।

बदबूदार (بدبودار) फा वि–दुर्गंधयुक्त जिसमें बुरी बास हो।

बदमंज़र (بدمنظر) फा अ वि–जो देखने में बुरा और भद्दा हो दुर्दर्शन कुदृश्य।

बदमआल (بدمآل) फा अ वि–दे 'बदअंजाम'।

बदमआश (بدمعاش) फा अ वि–लुच्चा शोहदा गुंडा लोफर जिसकी जीविका बुरे कामों से चले चोर उठाईगीरा दुष्ट।

बदमआशी (بدمعاشی) फा अ स्त्री–लुच्चापन गुंडापन बुरे कामों से जीविका चलाना चोरी उठाईगीरापन आदि।

बदमज़ा (بدمزہ) फा वि–बुस्वाद जिसमें मज़ा न हो खिन्न मलिन उदास अप्रसन्न।

बदमज़गी (بدمزگی) फा स्त्री–स्वाद का न होना मन की अप्रसन्नता उदासी बेलुत्फ़ी किसी काम में मज़ा न आना।

बदमज़न्न (بدمظنہ) फा अ वि–वह व्यक्ति जिस पर किसी अपराध का शुबहा हो।

बदमज़हब (بدمذهب) फा अ वि–जिसने अपना धर्म त्याग दिया हो जो विधर्मी हो गया हो नास्तिक।

बदमज़हबीयत (بدمذهبیت) फा अ स्त्री–अपना धर्म त्याग देना नास्तिक हो जाना।

बदमस्त (بدمست) फा वि–जो शराब आदि के कारण बहुत अधिक अचेत हो मदोन्मत्त।

बदमस्ती (بدمستی) फा स्त्री–शराब आदि के नशे में मस्त होना।

बदमिज़ाज (بدمزاج) फा अ वि–चिड़चिड़े मिज़ाज का बुरी प्रकृति का गुस्सावर दुरात्मा।

बदमिज़ाजी (بدمزاجی) फा अ स्त्री–चिड़चिड़ापन बुरा स्वभाव स्वभाव का ख़राब होना।

बदमिह्र (بدمہر) फा वि–बेवफ़ा विश्वासघाती।

बदमुआमल (بدمعامل) फा अ वि–जो लेनदेन में साफ़ न हो व्यवहार कुटिल जो मिलन-जुलने में अच्छा न हो।

बदमुआमलगी (بدمعاملگی) फा अ स्त्री–लेन-देन के सम्बन्ध में व्यवहार की ख़राबी मिलन जुलन में व्यवहार की ख़राबी।

बदमुह्र (بدمہر) फा वि–सुअर सूकर।

बदयकीन (بدیقین) फा अ वि–दे 'बदएतिक़ाद'।

बदयुम्न (بدیمن) फा अ वि–अशुभ अनिष्टकर अकल्याणकारी मनहूस।

बदयुम्नी (بدیمنی) फा अ स्त्री–अनिष्ट अशुभ अकल्याण नुहूसत।

बदरंग (بدرنگ) फा वि–बुरे रंग का, जिसका रंग फीका हो गया हो खोटा ख़राब ताश में रंग के विरुद्ध पत्ता।

बदरंगी (بدرنگی) फा स्त्री–बुरे रंग का होना रंग का फीकापन खोटापन ताश में रंग का पत्ता न होना।

बदर (بدر) फा वि–बाहर।

बदरग (بدرگ) फा वि–अकुलीन संकर दोगला।

बदररौ (بدررو) फा स्त्री–पानी निकलने की नाली मोरी।

बदरवी (بدروی) फा स्त्री–बुरी राह चलना कुमार्ग गमन।

बदरवय्या (بدرویہ) फा अ वि–ख़राब व्यवहारवाला जिसका रवय्या अच्छा न हो।

बदराह (بدراہ) फा वि–बुरी राह चलनेवाला कुमार्गगामी।

बदरिकाब (بدرکاب) फा वि–वह घोड़ा जो सवारी के वक़्त शरारत करे।

बदरू (بدرو) फा वि–बुरी सूरतवाला कुरूप बदशक्ल दुर्मुख।

बदरोज़ (بدروز) फा वि–दे बदरोज़गार।

बदरोज़गार (بدروزگار) फा वि–जो दिनों के फेर में फँसा हो कालचक्रग्रस्त बदक़िस्मत हतभाग्य दुःखी।

बदरौ (بدرو) फा वि–बुरे रस्ते पर चलनेवाला बदराह कुमार्गगामी।

बदरौनक़ (بدرونق) फा वि–हतश्री श्रीहीन जिसमें कोई रौनक़ न हो उजाड़।

बदरौनक़ी (بدرونقی) फा स्त्री–शोभा न होना उजाड़पन।

बदर्जए ग़ायत (بدرجۂ غایت) फा अ प–बहुत अधिक अत्यधिक बहुत ज़ियादा।

बदर्जए मजबूरी (بدرجۂ مجبوری) फा अ पुं–जब कोई न रहे उस विवशता की मजबूरी की हालत में।

बदर्जहा (بدرجہا) फा अ वि–कई गुना बहुत अधिक।

बदल (بدل) अ पु–प्रतिकार बदला क्षतिपूर्ति मुआवज़ा बदले में दी हुई वस्तु तुल्य समान मिस्ल।

बदलगाम (بدلگام) फा. वि –मुँहजोर घोडा; मुहफट आदमी।

बदलह्ज: (بدلہجہ) फा अ वि –जिसके पढने का ढग अच्छा न हो, जिसकी आवाज खराव हो।

बदलिहाज़ (بدلحاظ) फा अ वि –दु शील, बेमुरव्वत, धृष्ट, गुस्ताख़, जिसे किसी का लिहाज न हो, निर्लज्ज।

बदले इश्तिराक (بدل اشتراک) अ पु –समाचार पत्र का मूल्य, अथवा वार्षिक या मासिक मूल्य।

बदले मायतहल्लल (بدل مایتحلل) अ पु –जो छीज जाय या कम हो जाय उसकी पूर्ति।

बदवजाहत (بدوجاهت) फा अ वि –जो चेहरे से रोबदार न जँचे।

बदवज़्अ (بدوضع) फा अ वि –जिसकी वेप-भूपा अच्छी न हो, जिसका शील-स्वभाव शिप्ट न हो।

बदवतीर: (بدوطیرہ) फा वि –दे 'बदखू'।

बदवी (بدوی) अ वि –वृद्धू, जंगली, गँवार।

बदशक्ल (بدشکل) फा अ वि –कदाकार, कुरूप, बुरी सूरत, बदसूरत का।

बदशक्ली (بدشکلی) फा अ स्त्री –कुरूपता, सूरत की ख़राबी, बदसूरती।

बदशिआर (بدشعار) फा अ वि –दे 'बदतीनत'।

बदशुऊर (بدشعور) फा अ वि –अशिप्ट, बेतमीज, मूर्ख, नादान।

बदशुऊरी (بدشعوری) फा अ स्त्री –अशिप्टता, बेतमीजी, मूर्खता, नादानी।

बदशुगून (بدشگون) फा वि –मनहूस, अशुभ।

बदशुगूनी (بدشگونی) फा स्त्री –नुहूसत, शगुन का खराव होना।

बदशौक़ (بدشوق) फा अ वि –जिसे पढने-लिखने मे दिलचस्पी न हो।

बदशौक़ी (بدشوقی) फा अ स्त्री –पढने-लिखने मे रुचि का अभाव।

बदसरंजाम (بدسرانجام) फा वि –जिस कार्य की पूर्ति खराव तरह से हुई हो, जिसका अंजाम अच्छा न हो।

बदसरअंजामी (بدسرانجامی) फा स्त्री –किसी कार्य की पूर्ति बुरे प्रकार से होना, किसी कार्य का परिणाम बुरा होना।

बदसलीक: (بدسلیقہ) फा अ वि –जिसमे शिप्टता न हो, बेतमीज, जिसे अच्छी तरह काम करने का ढग न आता हो, बदशुऊर, फूहड।

बदसलीकगी (بدسلیقگی) अ फा स्त्री –शिप्टता का अभाव, अच्छी तरह काम करने के ढग का अभाव, बदशुऊरी।

बदसिगाल (بدسگال) फा वि –अशुभचिंतक, दुश्मन।

बदसिगाली (بدسگالی) फा स्त्री –बुराई सोचना, दुश्मनी।

बदसिरिश्त (بدسرشت) फा वि –दे 'बदतीनत'।

बदसीरत (بدسیرت) फा अ वि –दे 'बदख़स्लत'।

बदसीरती (بدسیرتی) फा अ स्त्री –दे 'बदख़स्लती'।

बदसुलूकी (بدسلوکی) फा अ स्त्री –बुरा वर्ताव, दुर्व्यवहार।

बदसूरत (بدصورت) फा अ वि –दे 'बदशक्ल'।

बदसूरती (بدصورتی) फा अ स्त्री –दे 'बदशक्ली'।

बदसोहवती (بدصحبتی) फा अ स्त्री –बुरी सोहवत, बुरे लोगो मे उठना-बैठना, कुसगति।

बदस्तयारी (بدستیاری) फा अव्य –सहायता से, मदद से।

बदस्तूर (بدستور) फा वि –पहले की तरह, जैसा पहले था वैसा ही, यथावत्, यथापूर्व।

बदहज़्मी (بدهضمی) फा अ स्त्री –खाना पूरी तरह न पचना, मदाग्नि, अजीर्ण।

बदहवास (بدحواس) फा अ वि –जिसकी अक्ल मारी गयी हो, हतबुद्धि, जो बौखलाया हुआ हो, उद्विग्न।

बदहवासी (بدحواسی) फा अ स्त्री –बुद्धि मारी जाना, बौखलाहट, उद्विग्नता।

बदहाल (بدحال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, बुरे हालो, कगाल, रोग-पीडित, रोग से बेहाल।

बदहाली (بدحالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, कगाली, वीमारी से दशा की खराबी।

बदहीयात (بدهیات) अ स्त्री –दे 'बदीहीयात', दोनो शुद्ध है।

बदहैअत (بدهیئات) फा अ वि –कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

बदहैसियत (بدحیثیت) फा अ वि.–अकुलीन, गैर शरीफ, निर्धन, कगाल, नीच, लोफर।

बदाँ (بداں) फा अव्य –बद का वहु, बुरे लोग।

बदाए' (بدائع) अ पु –'बदीअ' का वहु, नयी-नयी चीजे।

बदाहत (بداهت) अ स्त्री – ऐसी स्पप्टता जिसमे प्रमाण की आवश्यकता न हो, किसी वात या चीज का अचानक आना।

बदाहाल (بداحال) फा अ अव्य –बुरी दशा, बुरा हाल।

ब दिक़्कत (بدقت) फा अ अव्य –कठिनाई के साथ, मुश्किल से, कठिनतापूर्वक।

ब दिलोजाँ (بدل وجاں) फा अव्य –प्राण और हृदय मे, तन-मन-धन से, पूरी तरह से।

बदीं (بدیں) फा अव्य –इससे।

बदींगरज़ (بدیں غرض) फा अ अव्य –इस उद्देश मे, इस आशा से, इस गरज से।

बदीलिहाज़ (بدین لحاظ) फा अ अव्य—यह विचार करके इस विचार से इस बात को ध्यान में रखते हुए।

बदींवजह (بدین وجہ) फा अ अव्य—इस कारण से इस कारण का ध्यान म रखते हुए।

बदींसबब (بدین سبب) फा अ अव्य—इस कारण से, इस सबब से।

बदी (بدی) फा स्त्री—पाप गुनाह, दोष ऐब अपराध, कुसूर निन्दा ग़ीबत बुराई ख़राबी अपकार नुक़सान, बदख़्वाही कृतघ्नता।

बदीअ (بدیع) अ वि—अनुपम अभूत पूर्व अजायबग़रीब नयी बात अनोखी वस्तु।

बदीउज़्ज़माँ (بدیع الزماں) अ वि—सारे संसार म अद्वितीय अपने समय म सबसे अनोखा।

बदीउल जमाल (بدیع الجمال) अ वि—जिसके रूप और सौंदर्य का जवाब न हो।

बदीउल मिसाल (بدیع المثال) अ वि—जिसका दूसरा नापद हो जिसके जैसा दूसरा न हो अनुपम अद्वितीय।

बदीउल मुल्क (بدیع الملک) अ वि—सारे देश म जिसकी तुलना न हो।

बदीद (بدید) फा वि—दे पदीद दोनों शुद्ध ह परतु उर्दू में पदीद ह।

बदील (بدیل) अ वि—किसी चीज़ के बदले में मिली हुई दूसरी चीज़।

बदीह (بدیہ) अ वि—बिना सोचे किसी बात का मन में आना बिना सोचे तुरत कहा हुआ शेर आदि।

बदीहगो (بدیہہ گو) अ फा वि—बिना विचारे किसी विषय पर तुरत बोलनेवाला उपस्थित वक्ता बिना सोचे।

बदीहगोई (بدیہہ گوئی) अ फा स्त्री—बिना विचारे तुरत भाषण देना बिना विचारे तुरत कविता करने वाला।

बदीही (بدیہی) अ वि—स्पष्ट साफ़ जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बदीहीयात (بدیہیات) अ स्त्री—बदीही का बहु वे बातें जो स्पष्ट ह और जिनके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बद्दू (بدو) अ पु—अरब का ख़ानाबदोश व्यक्ति जंगल और गाँव म रहनेवाला अरब।

बदौलत (بدولت) फा अ अव्य—कारण से सबब से द्वारा तुफ़ैल में।

ब नज़रे इस्लाह (بنظر اصلاح) फा अ अव्य—सुधार और दुरुस्ती की दृष्टि से।

ब नज़रे तअम्मुक़ (بنظر تعمق) फा अ अव्य—गहरी नज़र से सूक्ष्म दृष्टि से बड़े ग़ौर से।

ब नज़रे तहक़ीक़ (بنظر تحقیق) फा अ अव्य—जाँच की दृष्टि से, गवेषणा की दृष्टि से।

ब नज़रे तहसीन (بنظر تحسین) फा अ अव्य—प्रशंसा की दृष्टि से सराहनीय तौर पर।

ब नज़रे फ़िरासत (بنظر فراست) फा अ अव्य—पारखी दृष्टि से ज़ेहन से।

ब नज़रे हिक़ारत (بنظر حقارت) अ फा अव्य—तिरस्कार की दृष्टि से घृणापूर्वक।

बनफ़्शा (بنفشہ) फा पु—कश्मीर का एक पौधा जो दवा के काम आता है।

बनफ़्शाज़ार (بنفشہ زار) फा पु—वह स्थान जहाँ बनफ़्शा ही बनफ़्शा हो।

ब नाचारी (بناچاری) फा अव्य—विवशतापूर्वक मजबूरी से लाचारी की हालत म।

बनात (بنات) अ स्त्री—बिंत का बहु लड़कियाँ।

बनातुन्ना'श (بنات النعش) अ स्त्री—वे सात तारे जो ध्रुव के गिर्द घूमते ह सप्तर्षि।

बनादिर (بنادر) अ पु—'बन्दर' का बहु समुद्र के तट समुद्र के साहिल।

बनान (بنان) अ स्त्री—पाँव की उंगली।

ब निगाहे इताब (بنگاہ عتاب) फा अ अव्य—क्रोध की दृष्टि से गुस्सा भरी आँखों से।

ब निगाहे करम (بنگاہ کرم) फा अ अव्य—दया की दृष्टि से मेहरबानी की नज़र से।

ब निगाहे गर्म (بنگاہ گرم) फा अव्य—तेज़-तेज़ आँखों से क्रोध की दृष्टि से।

ब निगाहे ग़ज़ (بنگاہ غیظ) फा अ अव्य—दे 'ब निगाहे इताब'।

ब निगाहे तेज़ (بنگاہ تیز) फा अव्य—दे 'ब निगाहे गर्म'।

ब निगाहे मेह्र (بنگاہ مہر) फा अव्य—दे 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे रह्म (بنگاہ رحم) फा अ अव्य—करुणा की दृष्टि से तरस खाते हुए।

ब निगाहे लुत्फ़ (بنگاہ لطف) फा अ अव्य—दे 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे शौक़ (بنگاہ شوق) फा अ अव्य—उत्कंठा और लालसा की दृष्टि से शौक़ की आँखों से।

ब निगाहे हस्रत (بنگاہ حسرت) फा अ अव्य—हसरत भरी दृष्टि से ऐसी दृष्टि से जिसमें निराशा के साथ दया और करुणा की माँग हो।

बनीअम (بنی عم) अ पु—चचा के लड़के चचेरे भाई।

वनीआदम (بنی آدم) अ पु –मनुजात, मनुष्य, मानव, आदमी।
वनीइस्राईल (بنی اسرائیل) अ पु –यहूदी, यहूदियो की उपाधि।
वनीजान (بنی جان) अ पु –जिन्नो की जाति।
वनुफ़्श (بنفش) अ वि –नीले रग का, कवूदी।
वनीनौअ (بنی نوع) अ पु –जाति, किसी जाति के लडके।
वनीनौए इंसान (بنی نوع انسان) अ पु –मानव जाति, मनुष्यो की जाति, मानव समष्टि।
वनीनौए वशर (بنی نوع بشر) अ पु –दे 'वनीनौए इसान'।
वपा (بپا) फा. वि –उपस्थित, काइम।
व पासे ख़ातिर (بپاس خاطر) फा अ अव्य –दिल रखने के लिए।
व फ़ज़्ले एज़दी (بفضل ایزدی) फा अ अव्य –ईश्वर की कृपा से, भगवान् की दया से।
व फ़रागत (بفراغت) फा अ अव्य –सतोषपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से।
वफा (بفا) उ स्त्री –सर मे पड जानेवाली भूसी।
व फ़िरासत (بفراست) फा अ अव्य –ताडनेवाले अनुभव से।
व फ़ौर (بفور) फा अ अव्य –तुरत, तत्क्षण, शीघ्र ही, फौरन।
ववर (ببر) अ पु –दे 'वब्र' दोनो शुद्ध है, परतु 'वब्र' अधिक वोलते है।
व वागे दुहुल (ببانگ دهل) फा अव्य –ढोल वजाते हुए (कहना) जोर-जोर से सवके सामने (कहना)।
ववागे वलंद (ببانگ بلند) फा अव्य –चिल्लाकर, जोर-जोर से (कहना) उद्‌घोप।
वब्र (ببر) अ पु –एक जतु जो विल्ली के वरावर होता है, जिसके पूँछ नही होती और जो शेर को मार डालता है, शेर की एक जाति, यह शव्द शेर के साथ उसके विशेषण के रूप मे अधिक आता है।
वम (بم) फा पु –थप्पड, चाँटा, ऊँचा स्वर।
व मंज़िल (بمنزل) फा अ अव्य –दशा मे, हालत मे।
व मदारिज (بمدارج) फा अ अव्य.–कई दरजे, कई गुना।
व मरातिव (بمراتب) फा अ अव्य –दे 'मदारिज'।
व मिस्दाक (بمصداق) फा अ अव्य.–अनुसार, मुताविक।
व मुक्तज़ा (بمقتضا) फा. अ अव्य –कारण से, के नाते।
व मुश्किल (بمشکل) फा अ अव्य –कठिनाई से, कठिनतापूर्वक, मुश्किल मे।
व मूजिव (بموجب) फा अ अव्य –अनुसार, मुताविक।
वमूजिवे हुक्म (بموجب حکم) फा अ अव्य –आज्ञानुसार, आदेशानुसार, फरमाने के मुताविक।
व यक वक़्त (بیک وقت) फा अ अव्य –एक समय मे, एक वक्त मे, एक साथ।
वयाज़ (بیاض) अ स्त्री –श्वेतता, सफेदी, कविता की कापी जो हाथ की लिखी हो।
वयाज़े शे'र (بیاض شعر) अ स्त्री –कविता का हस्त-लिखित सग्रह जो साथ रह सके।
व यादगार (بیادگار) फा अव्य –स्मरण मे, यादगारी मे।
वयान (بیان) अ पु –वात-चीत, वार्तालाप, भापण, व्याख्यान, लेक्चर, तक्रीर, चर्चा, जिक्र, सूचना, इत्तिलाअ, परिच्छेद, वाव (पुस्तक का), अलकार-विद्या, मुकदमे मे वादी-प्रतिवादी या साथी का इज्हार।
वयानात (بیانات) अ पु –'वयान' का वहु।
वयावान (بیابان) फा पु –दे 'वियावान', शुद्ध दोनो है, परतु वह अधिक शुद्ध और व्यवहृत है।
वयार (بیاره) फा पु –वेलदार पेड, जैसे—लौकी या ककडी का।
वरगेख़्त (برانگیخته) फा वि –क्रोध मे भरा हुआ, क्रुद्ध, कुपित, उकसाया हुआ।
वरंदाज़ (برانداز) फा वि –नष्ट करनेवाला, उजाडनेवाला।
वर (بر) फा अव्य –पर, ऊपर, (उप) किसी शव्द पर आकर विशेप अर्थ देता है, जैसे—'आमदन' आना, 'वर आमदन' निकलना, प्रकट होना।
वरअंगेख़्तः (برانگیخته) फा अव्य –दे 'वरगेख़्त', शुद्ध उच्चारण वही है।
वरअंदाज़ (برانداز) फा वि –दे 'वरदाज़', शुद्ध उच्चारण वही है।
वरअक्स (برعکس) फा अ वि –विसदृश, प्रतिकूल, खिलाफ, प्रत्युत, वरखिलाफ।
वरअफ़्रोख़्त. (برافروخته) फा वि –दे 'वरफ़ोख़्त', शुद्ध उच्चारण वही है।
वरआवर्द (برآورد) फा वि –दे 'वरावर्द' शुद्ध उच्चारण वही है।
वरआशुफ़्तः (برآشفته) फा वि –दे 'वराशुफ्त', शुद्ध उच्चारण वही है।
वरउफ़्ताद. (برافتاده) –दे 'वरुफ्ताद', शुद्ध उच्चारण वही है।
वरकंदः (برکنده) फा वि –उन्मूलित, जड मे उखेडा हुआ, उखेडकर फेका हुआ।

बरकत (برکت) अ स्त्री–बढ़ती, बरकरारी ज़ियादती प्रचुरता इफ़रात सौभाग्य ख़ुशक़िस्मती कल्याण बहबूद ईश्वर की ओर से गुप्त रूप में धन आदि की बढ़ती।

बरक़रार (برقرار) फा अ वि–स्थिर स्थापित जारित नियत दृढ़ अचल क़ायम बहाल पुनर्नियुक्त।

बरकात (برکات) अ उ भा–बरकत का बहु बरकतें।

बरख़ास्त (برخاسته) फा वि–उठा हुआ।

बरख़ास्तःख़ातिर (برخاسته‌خاطر) फा अ वि–उच्चाटन खिन्न मन उचट गया हो वर्जित।

बरख़ास्तःदिल (برخاسته‌دل) फा वि–दे 'बरख़ास्त ख़ातिर'।

बरख़ास्त (برخاست) फा वि–समाप्त ख़तम पदच्युत बरतरफ़ पृथक।

बरख़ास्तगी (برخاستگی) फा स्त्री–समाप्ति अंत ख़ातिमा पदच्युति बरतरफ़ी नौकरी से हटना।

बरख़िलाफ़ (برخلاف) फा अ वि–प्रतिकूल उल्टा विरुद्ध मुख़ालिफ़ प्रत्युत बरअक्स।

बरख़ुदग़लत (برخودغلط) फा अ वि–जो अपने को कम होते हुए बहुत अधिक समझता हो।

बरख़ुर्द (برخورد) फा वि–सफलता कामयाबी सौभाग्य ख़ुशक़िस्मती।

बरख़ुर्दार (برخوردار) फा वि–सौभाग्यशाली ख़ुशनसीब सफल मनोरथ कामरा बेटा पुत्र सफल फला फूला।

बरख़ुर्दारी (برخورداری) फा स्त्री–सौभाग्य ख़ुशक़िस्मती सफलता कामयाबी सफलता फलना फूलना।

बरगश्त (برگشته) फा वि–फिरा हुआ प्रतिकूल अवज्ञाकारी उद्दंड सरकश।

बरगश्तःअयाम (برگشته‌ایام) फा अ वि–जिसके दिन प्रतिकूल हो हतभाग्य।

बरगश्तःक़िस्मत (برگشته‌قسمت) फा अ वि–जिसका भाग्य उल्टा हो गया हो अभागा।

बरगश्तःताले' (برگشته‌طالع) फा अ वि–दे 'बरगश्त क़िस्मत'।

बरगश्तःदौलत (برگشته‌دولت) फा अ वि–जिसकी समृद्धि उसके मुँह पर गयी हो दुर्गतिग्रस्त।

बरगश्तःनसीब (برگشته‌نصیب) फा अ वि–दे 'बर गश्त क़िस्मत'।

बरगश्तःबख़्त (برگشته‌بخت) फा वि–दे 'बरगश्त क़िस्मत'।

बरगश्तःसार (برگشته‌سار) फा वि–सर फिरा पागल।

बरगुज़ीद (برگزید) फा वि–छाँटा हुआ चुना हुआ मनोनीत पसंदीदा पुनीतात्मा मुक़द्दस।

बरगुज़ीदगी (برگزیدگی) फा स्त्री–पुनीतता तक़द्दुस छाँटना चुनना पसंद करना।

बरचीद (برچیده) फा वि–चुना हुआ छाँटा गया।

बरज़बाँ (برزباں) फा वि–जो ज़बान याद हो जो रटा हुआ हो कंठस्थ मुखाग्र।

बरजस्त (برجسته) फा वि–तड़ाक से तुरंत फ़ौरन आशु उपस्थित।

बरजस्तःगो (برجسته‌گو) फा वि–उपस्थित वक्ता बिना सोचे किसी विषय पर भाषण दे सकनेवाला उपस्थितकवि जो तुरंत कविता कर सके हाज़िरजवाब वचनपटु प्रगल्भ।

बरजस्तःगोई (برجسته‌گوئی) फा स्त्री–तुरंत किसी विषय पर बोलना तुरंत कविता करना हाज़िरजवाबी।

बरजा (برجا) फा वि–एक स्थान पर।

बरज़ाओरग़बत (برضاورغبت) फा अ अव्य–प्रसन्नता और रुचिपूर्वक राज़ी ख़ुशी से।

बरज़ामंदी (برضامندی) फा अ अव्य–प्रसन्नतापूर्वक सहर्ष, राज़ी के साथ।

बरजामांद (برجامانده) फा वि–एक जगह पर ठहरा रुका हुआ।

बरतक़्दीर (برتقدیر) फा अ अव्य–भाग्यवश दैवात्।

बरवक़्त (بروقت) फा अ अव्य–अवसर पर मौक़े पर तुरंत फ़ौरन।

बरतर (برتر) फा वि–श्रेष्ठ उत्तम आला ऊँचा बलंद।

बरतरफ़ (برطرف) फा अ वि–पदच्युत बरख़ास्त।

बरतरफ़ी (برطرفی) फा अ स्त्री–पदच्युति नौकरी बरख़ास्तगी।

बरतरी (برتری) फा स्त्री–श्रेष्ठता उत्तमता उच्चता ऊँचाई बलंदी।

बरद (برد) अ पु–ओला हिमपात।

बरदार (بردار) फा प्रत्य–उठानेवाला जैसे–'नाज़बरदार' नाज़ उठानेवाला।

बरदाश्त (برداشته) फा वि–उठाया हुआ।

बरदाश्तःख़ातिर (برداشته‌خاطر) फा वि–खिन्न अप्रसन्न मन किसी चीज़ से उठा लिया हो उदासीन खिन्न भिन्न उदास।

बरदाश्तःदिल (برداشته‌دل) फा वि–दे 'बरदाश्तःख़ातिर'।

बरदाश्त (برداشت) फा स्त्री–सहनशीलता तहम्मुल सहन बोझ उठाना।

बरदाश्तख़ाना (برداشت‌خانه) फा पु–सामान रखने का मकान गोदाम।

बरदोख़्तः (بردوختہ) फा वि –सिला हुआ, जुड़ा हुआ।
बररुए यार (برروےیار) फा वि –प्रिय-मुख पर, प्रिय-आनन पर।
बरदोश (بردوش) फा अव्य –कधे पर, कधे पर उठाये हुए, जैसे—'जनाज बरदोश' कधे पर अरथी धरे हुए।
बरपा (برپا) फा वि –उपस्थित, काइम, खड़ा हुआ।
बरफौर (برفور) फा अ वि –तुरत, शीघ्रतर, फौरन।
बरफ़ोख़्तः (برافروختہ) फा वि –क्रोध मे भरा हुआ, कुपित।
बरवस्त (بردست) फा वि –नियम, काइदा, विधान, कानून, शैली, तर्ज।
बरबाद (برباد) फा वि –ध्वस्त, तबाह, नष्ट, बेनामोनिशान, निर्जन, वीरान, विकृत, खराब, जाए, नष्ट।
बरबादकुन (بربادکن) फा वि –बरबाद करनेवाला।
बरबादी (بربادی) फा स्त्री –विनाश, खातिम, ध्वस, तबाही, विकृत, खराबी।
बरबिना (بربنا) फा अ अव्य –के नाते, के कारण।
बरबिनाए अदावत (بربناےعداوت) फा अ अव्य –शत्रुता के कारण, अदावत के नाते।
बरबिनाए इख़्लास (بربناےاخلاص) फा अ अव्य –मित्रता के नाते, सच्चे प्रेम के कारण।
बरबिनाए ख़ुलूस (بربناےخلوص) फा अ अव्य –दे 'बरबिनाए इख़्लास'।
बरबिनाए महब्बत (بربناےمحبت) फा अ अव्य –प्रेम के नाते, प्रेम के कारण।
बरबिनाए मुलाकात (بربناےملاقات) फा अ अव्य –मेल-जोल के कारण।
बरमला (برملا) फा वि –मुँह पर, सामने, खुल्लम-खुल्ला।
बरमहल (برمحل) फा अ वि –ठीक मौके पर, ठीक समय पर, उचित, मौजूँ, बरजस्त, मुँहतोड़।
बररू (بررو) फा वि – मुँह पर, सामने।
बररूएकार (برروےکار) फा अव्य –कार्यान्वित, अमल मे आया हुआ।
बरवक्त (بروقت) फा अ वि –ठीक समय पर।
बरस (برص) अ पु –सफेद कोढ, चित्र कुष्ठ, सिद्ध, श्वेत्र।
बरसबील (برسبیل) फा अ अव्य –के तौर पर, के रूप मे, के प्रसग मे।
बरसबीले जिक्र (برسبیل ذکر) फा अ अव्य –चर्चा चलने पर, चर्चा के तौर पर, चर्चा के प्रसग मे।
बरसबीले तज़्किर. (برسبیل تذکرہ) फा अ अव्य –दे 'बरसबीले जिक्र'।
बरसबीले दवाम (برسبیل دوام) फा अ अव्य –हमेश लिए, नित्य के लिए।
बरसबीले शिकायत (برسبیل شکایت) फा. अ अव्य –श हने के रूप मे।
बरसरे आम (برسرعام) फा. अ वि –सबके सामने, लोगो के सामने, खुल्लम खुल्ला।
बरसरे कार (برسرکار) फा वि –काम पर लगा हुआ, बाक
बरसरे की (برسرکین) फा वि –दे 'बरसरेकीन'।
बरसरे कीनः (برسرکینہ) फा वि –अदावत पर आम मरने-मारने पर तैयार।
बरसरे ख़ुद (برسرخود) फा वि –'बरसरे ख़्वेश'।
बरसरेख़्वेश (برسرخویش) फा वि –स्वेच्छाच स्वच्छन्द, खुदराए।
बरसरे जग (برسرجنگ) फा वि –लड़ने-मरने पर तैय लड़ाई करने के लिए आमादा।
बरसरे बाजार (برسربازار) फा अव्य –बाजार मे, स जनता के सामने।
बरसरे मत्लब (برسرمطلب) फा अ अव्य –अस्ली मत पर।
बरसरे मौका (برسرموقعہ) फा अ अव्य –ठीक मौके घटनास्थल पर।
बरसे अब्यज़ (برص ابیض) अ पु –वह 'बरस' जो स हो, जिसके धब्बे सफेद हो, धवल कुष्ठ, श्वेत कुष्ठ।
बरसे अस्वद (برص اسود) अ पु –वह श्वेत कुष्ठ जि धब्बे काले हो।
बरहम (برہم) फा वि –तितर-बितर, अस्त-व्यस्त, ख उलझा हुआ, क्रुद्ध, नाराज, अप्रसन्न।
बरहमी (برہمی) फा स्त्री –क्रोध, गुस्सा, अप्रसन्नत नाराजी, अस्त-व्यस्तता, तितर-बितरपना—"निय इश्क मे कोई कमी मालूम होती है, तुम्हारी बरह क्यो बरहमी मालूम होती है ?"—मजजूब।
बरहन (برہنہ) फा वि –नग्न, नगा, जो कपड़े न पहने ह दिगवर।
बरहन गो (برہنہ گو) फा वि –साफ-साफ कहनेवाल लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवक्ता।
बरहन गोई (برہنہ گوئی) फा स्त्री –साफ-साफ कहन लगी-लिपटी न रखना, स्पष्ट कथन।
बरहन.पा (برہنہ پا) फा वि –नग्न पग, नगे पाँव, जिस पाँव मे जूता आदि न हो।
बरहन.पाई (برہنہ پائی) फा. स्त्री –नगे पाँव होना, न पाँव चलना।

बरहनसर (برهنه سر) फा वि–नंगे सर जिसके सर पर टोपी आदि न हो नंगसिर।
बरहनगी (برهنگی) फा स्त्री–नग्नता, नंगापन।
बरहम (برهم) फा वि–अस्त-व्यस्त तितर बितर क्रुद्ध नाराज अप्रसन्न खफा उल्टा हुआ।
बरहमन (برهمن) फा पु–ब्राह्मण, हिंदुओं में सर्वोच्च जाति।
बरहमोदरहम (برهم و درهم) फा पु–तितर बितर परीशान इसको नमीब रोज बनाता हो जुल्फ का। अपना तो हाल बरहमोदरहम बहुत है या।
बराअत (براءت) अ स्त्री–दे बरीयत।
बराए (برائے) फा अव्य–लिए प्रति वास्ते।
बराए खुदा (برائے خدا) फा अव्य–ईश्वर के लिए।
बराए खुदे (برائے خدے) फा अव्य–थोड़ी देर के लिए।
बराए नाम (برائے نام) फा अव्य–नाममात्र को कहलभर को।
बराए बैत (برائے بیت) फा अ अव्य–जो बराए नाम, व्यर्थ फुजूल शेर की पूर्ति के लिए भर्ती।
बराज़ (براز) अ पु–दे गाढ उच्चारण बिराज़।
बरात (برات) अ स्त्री–आज्ञा-पत्र हुक्मनामा वह पत्र जिससे खजाने से रुपया मिले चेक।
बरादर (برادر) फा पु–भ्रात भाई।
बरादरकुश (برادرکش) फा वि–भाई को मार डालने वाला भाई को नुकसान पहुंचाकर अपना भला करनेवाला।
बरादरकुशी (برادرکشی) फा स्त्री–भाई को मार डालना भाई का नुकसान पहुंचाकर अपना भला करना।
बरादरज़ाद (برادرزاد) फा वि–भाई का लड़का भतीजा भ्रात सुत।
बरादरज़ादगी (برادرزادگی) फा स्त्री–भाई का लड़का होने का नाता।
बरादरान (برادران) फा अव्य–भाइयों जैसा।
बरादरी (برادری) फा स्त्री–एक जाति एक जाति का व्यक्ति भाई-बंदी।
बरादरे अख़याफ़ी (برادر اخیافی) फा अ पु–वह भाई जिनका बाप एक हो और माएं अलग-अलग हों सौतेले भाई।
बरादरे अल्लाती (برادر علاتی) फा अ पु–वह भाई जिनकी माँ एक हो और बाप अलग-अलग हों।
बरादरे कलाँ (برادر کلاں) फा पु–बड़ा भाई पूर्वज।
बरादरे खुर्द (برادر خرد) फा पु–छोटा भाई अनुज।
बरादरे ख्वांद (برادر خواند) फा पु–जिसे भाई बना ले मुँह बोला भाई।
बरादरे तौअम (برادر توام) फा अ पु–एक साथ पैदा होने वाले भाई जो एक योनि से एक समय में पेट से पैदा हों युग्म, यमल।
बरादरे निस्बती (برادر نسبتی) फा अ पु–साला बीबी का भाई।
बरादरे बत्नी (برادر بطنی) फा अ पु–सहोदर एक पेट से पैदा सगा भाई।
बरादरे बुज़ुर्ग (برادر بزرگ) फा पु–दे 'बरादरे कलाँ'।
बरादरे रिज़ाई (برادر رضاعی) फा अ–दे दो व्यक्ति जिन्होंने किसी एक स्त्री का दूध पिया हो।
बरादरे सुल्बी (برادر صلبی) फा अ पु–दे 'बरादरे बत्नी'।
बरादरे हकीकी (برادر حقیقی) फा अ पु–सहोदर सगा भाई।
बराबर (برابر) फा वि–समान तुल्य यकसाँ, सदृश मिस्ल एक साथ, इकट्ठे क्रमबद्ध सिलसिलेवार निरंतर लगातार पास समीप बारम्बार, बार-बार समतल हमवार।
बराबर बराबर (برابر برابر) फा वि–पास-पास करीब करीब आधा-आधा।
बराबरी (برابری) फा स्त्री–समता यकसानी धृष्टता गुस्ताखी मुकाबला सामना उद्दंडता सरकशी।
बरामद (برآمده) फा पु–मकान के आगे बगैर दरवाज़े के कोठा दालान गुलाम गर्दिश।
बरामद (برآمد) फा वि–बाहर आया हुआ बाहर जानेवाला माल निर्यात।
बरामदगी (برآمدگی) फा स्त्री–बाहर आना बरामद होना खोये माल का किसी के पास निकलना माल का देश के बाहर जाना।
बरामिका (برامکه) अ पु–बर्मक का बहु, बर्मक वंश के व्यक्ति जो बड़े प्रतिष्ठित और दानशील थे।
बराया (برایا) अ स्त्री–बरीय का बहु मानव जाति मनुष्य वर्ग।
बरावुर्द (برآورده) फा वि–बाहर लाया हुआ एक मद से निकाल कर दूसरी मद में डाला हुआ।
बरावुर्द (برآورد) फा स्त्री–तनख्वाह का बिल सब के हिसाब का पर्चा तख्मीने का पद।
बरावेख़्त (برآویخته) फा वि–लटकाया हुआ।
बराफ़्त (برآشفته) फा वि–क्रुद्ध कुपित गुस्से में भरा हुआ।
बराहिम (براهمه) अ पु–बरहमन का बहु ब्राह्मण लोग।
बराहीन (براهین) अ स्त्री–'बुर्हान' का बहु दलीलें।

बराहे अदब (براہ ادب) फा अ अव्य –आदर और सम्मान के विचार से, अदब के साथ, शिष्टतापूर्वक।
बराहे आश्ती (براہ آشتی) फा अव्य –मित्रता के विचार से।
बराहे इंसाफ (براہ انصاف) फा अ अव्य –इंसाफ और न्याय की दृष्टि से।
बराहे एहतियात (براہ احتیاط) फा अ अव्य –सावधानता के विचार से।
बराहे करम (براہ کرم) फा अ अव्य –कृपया, कृपा करके।
बराहे नवाजिश (براہ نوازش) फा अव्य –कृपा की दृष्टि से, कृपया, कृपा करके।
बराहे रास्त (براہ راست) फा वि –सीधे तौर पर, जिससे काम हो सीधा उसी से, किसी दूसरे को बीच में डाले बिना।
बरीबिना (بریں بنا) फा अव्य –इस कारण से, इस आधार पर, इसलिए, अत।
बरी (بری) अ वि –मुक्त, आजाद, रिहा, बंधनमुक्त, निर्दोष, बेकुसूर, पृथक, अलग।
बरी उज्जिम्मः (بری الذمہ) अ वि –जो किसी उत्तरदायित्व से अलग हो, भारमुक्त।
बरीद (برید) अ पु –पत्रवाहक, कासिद, दूत, एलची, डाक।
बरीय (بریہ) अ स्त्री –प्राणी, जानदार, मखलूक।
बरीयत (بریت) अ स्त्री –दे 'बरीय', बरी होना, मुक्त होना, निरपराध होना, बेकुसूरी।
बरुफ्ताद (برافتادہ) फा वि –नष्ट, ध्वस्त, नाबूद, दूर किया हुआ, निर्बल, पराजित।
बरुफ्तादगी (برافتادگی) फा स्त्री –विनाश, ध्वंस, नाबूदगी, दूर होना, अलग होना, निर्बलता, कमजोरी, पराजय, हार।
बरूएकार (بروےکار) फा अव्य –दे 'बररूएकार'।
बरोमंद (برومند) फा वि –लाभान्वित, मुस्तफीज, सफल, कामयाब, सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत।
बरोमंदी (برومندی) फा स्त्री –लाभ उठाना, सफल होना, सौभाग्य।
बर्उस्साअ. (برأساعہ) अ पु –वह दवा जो एक क्षण के अन्दर रोग से मुक्त कर दे।
बर्कंदाज (برق انداز) उ वि –चपरासी, सिपाही, हरकारा, बंदूकची, तोपची।
बर्कंदाजी (برق اندازی) उ स्त्री –चपरासी, सिपाही या हरकारे का काम, तोप या बंदूक चलाना।
बर्क (برق) अ स्त्री –चपला, तडित, चंचला, बिजली; विद्युत्, प्रयोग में आनेवाली बिजली, इलेक्ट्रिसिटी।
बर्कअंदाज (برق انداز) अ फा वि –दे 'बर्कंदाज'।
बर्कअंदाजी (برق اندازی) अ फा स्त्री –दे 'बर्कंदाजी'।
बर्कअफ्गन (برق افگن) अ फा वि –बिजली गिरानेवाला, बिजलियाँ गिराकर तबाह करनेवाला, दे 'बर्कफ्गन'।
बर्कआसा (برق آسا) अ फा वि –दे 'बर्कासा', दोनो शुद्ध है, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।
बर्कआहंग (برق آھنگ) अ फा वि –दे 'बर्काहंग', दोनो शुद्ध है, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।
बर्कइनाँ (برق عناں) अ फा वि –बिजली के साथ चलने वाला, अर्थात् बहुत ही चंचल और चपल।
बर्कखिराम (برق خرام) अ फा वि –बिजली की भाँति बहुत ही शीघ्र गतिवाला।
बर्कगाम (برق گام) अ फा वि –दे 'बर्कखिराम'।
बर्कजदः (برق زدہ) अ फा वि –जिसे बिजली मार गयी हो, जिसे बिजली का शाक लग गया हो, जिस पर बिजली गिरे।
बर्कजदगी (برق زدگی) अ फा स्त्री –बिजली का मार जाना।
बर्कजौलाँ (برق جولاں) अ फा वि –दे 'बर्कखिराम'।
बर्कताज (برق تاز) अ फा वि –बिजली की तरह गिरनेवाला।
बर्कताब (برق تاب) अ फा वि –बिजली की तरह चमकनेवाला।
बर्कदम (برق دم) अ फा वि –बहुत ही तीक्ष्ण, बहुत ही धारदार।
बर्कनिगाह (برق نگاہ) अ फा वि –जिसकी आँखो मे बिजलियाँ हो, जिसकी आँखे बिजलियाँ गिराती हो।
बर्कनुमा (برق نما) अ फा पु –एक यन्त्र जिससे बिजली का हाल जाना जाता है।
बर्कफ्गन (برق افگن) अ फा वि –बिजलियाँ गिरानेवाला।
बर्करफ्तार (برق رفتار) अ. फा वि –दे 'बर्कखिराम'।
बर्करफ्तारी (برق رفتاری) अ फा स्त्री –बिजली की भाँति जल्द चलना।
बर्करुबा (برق ربا) अ फा वि –बिजली का कंडक्टर, बिजली उतारनेवाला।
बर्कवश (برق وش) अ फा वि –बिजली की भाँति चंचल, चपल और तेज।
बर्कशिताब (برق شتاب) अ फा वि –बिजली की तरह तेजी से काम करनेवाला।
बर्कसामाँ (برق ساماں) अ फा. वि –बिजली की चपलता, चंचलता और उसका प्रकाश आदि रखनेवाला।
बर्कासा (برق آسا) अ फा वि –दे 'बर्कवश'।

बर्काहंग (برق آهنگ) अ फा वि–बिजली जसी कडक वाला।
बर्क़िय (برقیه) अ पु–तार टेलीग्राफ।
बर्क़ी (برقی) अ वि–बिजली का बिजली से सम्बन्ध रखनेवाला।
बर्के ख़ातिफ़ (برق خاطف) अ स्त्री–वह बिजली जो आखो में चकाचौंध कर दे।
बर्के ख़िमनसोज़ (برق خرمن سوز) अ फा स्त्री–वह बिजली जो खलियान को जला डाले।
बर्के जिहिंद (برق جہندہ) अ फा स्त्री–तडपनेवाली बिजली।
बर्के तपाँ (برق تپاں) अ फा स्त्री–तडपनेवाली बिजली।
बर्के दमाँ (برق دماں) अ फा स्त्री–कुपित बिजली।
बर्के नाज़ (برق ناز) अ फा स्त्री–नाजोअदा की बिजली बिजली की भाति जला देनेवाले नाजोअदा।
बर्के नज़र (برق نظر) अ फा स्त्री–निगाह की बिजली प्रेयसी का कटाक्षपात– बज़्म मे बर्के नज़र है सख्तमजा आफ़्त दिल मे है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल मे है।
बर्के निगाह (برق نگاہ) अ फा स्त्री–निगाहो की बिजली।
बर्के बअमाँ (برق بے اماں) अ फा स्त्री–वह बिजली जिससे बचाव न हो सके जो अवश्य ही गिरकर जान ले ले।
बर्के बज़िनहार (برق بے زنہار) अ फा स्त्री–दे बर्के बअमाँ।
बख़ (برخ) फा पु–अश भाग हिस्सा टुकडा।
बर्ग (برگ) फा पु–दल पत्ता पत्ता।
बर्गरेज़ (برگ ریز) फा वि–खिज़ा का मौसिम पतझड।
बर्गुस्तुवाँ (برگستواں) फा पु–ज़ीन पर डालने का कपडा पाखर।
बर्गे ख़ज़ाँ (برگ خزاں) फा पु–वह पत्ता जो पतझड के कारण पीला पड गया हो या पेड से गिर गया हो।
बर्गे ख़ज़ाँदीद (برگ خزاں دیدہ) फा पु–पतझड मे गिरा हुआ पत्ता।
बर्गे ख़ज़ाँरसीद (برگ خزاں رسیدہ) फा पु–वह पत्ता जिसको पतझड ने पीला कर दिया हो।
बर्गे गुल (برگ گل) फा पु–गुलाब की पत्ती।
बर्गे नौ (برگ نو) फा पु–नया पत्ता किसलय।
बर्गे सब्ज़ (برگ سبز) फा पु–हरा पत्ता।
बर्गो नवा (برگ و نوا) फा पु–खान-पान की सामग्री जीवन व्यतीत करने के साधन।
बर्गोबार (برگ و بار) फा पु–फल और पत्ते फल-फूल।
बर्गोसाज़ (برگ و ساز) फा पु–साज़ोसामान।

बर्ज़ (برز) फा पु–कृषि खेती ज़िराअत सुंदरता शोभा जमाल।
बर्ज़ख़ (برزخ) अ पु–परस्पर विरुद्ध रखनेवाली दो चीज़ो के बीच की तीसरी चीज़ जो दोनो से संपर्क रखे जैसे–बन्दर जो मनुष्य और हैवानो के बीच बर्ज़ख़ है।
बर्ज़गर (برزگر) फा पु–कृषक किसान।
बर्ज़गरी (برزگری) फा स्त्री–कृषि खेती किसानी काश्तकारी।
बर्ज़न (برزن) फा पु–गली वीथी कूचा।
बर्द (بردہ) तु पु–दास गुलाम दासी कनीज़ दाय धाय।
बर्द फ़रोश (بردہ فروش) तु फा वि–आदमियो की ख़रीद फ़रोख्त करनेवाला।
बर्द फ़रोशी (بردہ فروشی) तु फा स्त्री–आदमियो की ख़रीद फ़रोख्त करना।
बर्द (برد) अ पु–शीत जाडा ठंड।
बर्दे अजूज़ (برد عجوز) अ पु–फागुन के आख़िरी दिनो का जाडा जब वह बूढा हो जाता है।
बर्दे अत्राफ़ (برد اطراف) अ पु–बीमार के अंतिम समय में उसके हाथ पाव का ठडा हो जाना।
बर्दे लयाली (برد لیالی) अ पु–जाडे की रातो की ठड।
बर्ना (برنا) फा वि–तरुण युवा जवान।
बर्नाई (برنائی) फा स्त्री–तरुणता युवावस्था जवानी।
बर्फ़ (برف) फा उभ–जमा हुआ पानी जो मशीन मे बनाते है और पानी ठडा करने के काम आता है हिम, पाला तुषार बहुत अधिक ठडा।
बर्फ़पर्वर्द (برف پروردہ) फा वि–जो बर्फ़ में लगाकर ठडा किया गया हो।
बर्फ़पोश (برف پوش) फा वि–जो बर्फ़ से ढँका हो हिमाच्छादित जैसे–बर्फ़पोश पहाड।
बर्फ़फ़रोश (برف فروش) फा वि–बर्फ़ बेचनेवाला।
बर्फ़बारी (برف باری) फा स्त्री–बर्फ़ गिरना पाला पडना।
बर्फ़ानी (برفانی) फा वि–बर्फ़ से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, बर्फ़ जमी ठडी बर्फ़ीली।
बर्फ़ाब (برفاب) फा पु–बर्फ़ मे ठडा किया हुआ पानी।
बर्फ़िस्तान (برفستان) फा पु–वह स्थान जहाँ बर्फ़ ही बर्फ़ हो जहाँ बहुत बर्फ़ पडती हो।
बर्फ़ी (برفی) फा स्त्री–एक प्रसिद्ध मिठाई कतलीक।
बर्बत (بربط) फा पु–एक बाजा जो सितार की तरह होता है परन्तु उसकी तुबा बडी और लम्बाई कम होता है।
बर्बतनवाज़ (بربط نواز) फा पु–बर्बत बजानेवाला।

बर्बर (بربر) अ पु –अफ्रीका का एक प्रदेश, इस प्रदेश के निवासी।

बर्बरीयत (بربریت) अ स्त्री –अत्याचार, अन्याय, जुल्म; पशुता, हैवानियत।

बर्मः (برمہ) फा. पु –लकड़ी में छेद करने का यंत्र, भेदीमार।

बर्मक (برمک) फा. पु –एक आतशपरस्त जो बल्ख के आतशकदे का अग्निहोत्री था, इसकी संतान बड़े-बड़े पदों पर पहुँची और अपनी विद्वत्ता और दानशीलता के कारण बहुत प्रतिष्ठित हुई, इस संतान के व्यक्ति बर्मक नाम के कारण 'बरामिक' कहलाये।

बर्शकाल (برشکال) फा पु –बरसात, वर्षाकाल।

बर्साम (برسام) फा पु –सीने का शोथ, जातुलजंब, उरोग्रह, प्लूरसी।

बर्हमन (برہمن) फा. पु –दे. 'बरहमन', दोनों शुद्ध हैं, ब्राह्मण, विप्र।

बर्हमनजाद. (برہمن زادہ) फा पु –बरहमन का लड़का, ब्राह्मणपुत्र।

बर्हमनबचः (برہمن بچہ) फा पु –दे 'बर्हमनजाद'।

बर्राक़ (براق) अ. वि –उज्ज्वल, शुभ्र, बहुत सफेद, धवल।

बर्राद (براد) अ. पु –ठंडा करनेवाला, चायदानी।

बलंद (بلند) फा वि –उच्च, ऊँचा, प्रतिष्ठित, मुअज्जज; महान्, अज़ीम, लंबा, दराज, अधिक, बहुत।

बलंदअख़्तर (بلنداختر) फा वि –जिसके ग्रह उन्नत हो, प्रतापी, तेजस्वी, इक्बालमंद।

बलंदआवाज़ (بلندآواز) फा वि –जिसकी आवाज ऊँची अथवा जोरदार हो, ज़ोर से बोलनेवाला, जोरदार बात कहनेवाला।

बलंदआशियाँ (بلندآشیاں) फा वि –जिसका घोसला बहुत ऊँचा हो, अर्थात् बलंद रुत्बेवाला।

बलंदआहंग (بلندآہنگ) फा वि –जोर से बोलनेवाला, जोरदार बात कहनेवाला, अर्थात् बड़ा दा'वा करनेवाला।

बलंदइक्बाल (بلنداقبال) फा अ वि –प्रतापवान्, तेजस्वी, इक्बालमंद।

बलंदइक्बाली (بلنداقبالی) फा अ स्त्री –प्रताप, तेज, इक्बाल।

बलंदक़ामत (بلندقامت) फा अ वि –लंबा-तड़ंगा, दीर्घकाय।

बलंदख़याल (بلندخیال) फा अ वि –उच्चाशय, विशाल हृदय, फराखदिल।

बलंदख़याली (بلندخیالی) फा अ स्त्री –फराखदिली।

बलंदतर (بلندتر) फा वि –बहुत ऊँचा, उच्चतर।

बलंदतरीन (بلندترین) फा वि –सबसे ऊँचा, उच्चतम।

बलंदनज़र (بلندنظر) फा अ. वि –उच्चदर्शी, उच्चाशय, बहुत ऊँची नजर रखनेवाला।

बलंदनज़री (بلندنظری) फा अ स्त्री –दृष्टि का ऊँचा होना, केवल बड़ी चीजों और बड़े उद्देशों पर नजर रखना।

बलंदनिगाह (بلندنگاہ) फा वि –दे 'बलंदनजर'।

बलंदनिगाही (بلندنگاہی) फा स्त्री.–दे 'बलंदनज़री'।

बलंदपरवाज़ (بلندپرواز) फा वि –ऊँचा उड़नेवाला; बलंदख़याल, उच्चाशय।

बलंदपरवाज़ी (بلندپروازی) फा स्त्री – फा स्त्री –ऊँची उड़ान, आशय का उच्च होना।

बलंदपायः (بلندپایہ) फा. वि –बड़े पदवाला, बड़ी प्रतिष्ठा वाला।

बलंदपायगी (بلندپایگی) फा स्त्री –पद और प्रतिष्ठा का महान् होना।

बलंदफ़ित्रत (بلندفطرت) फा अ वि –जिसकी प्रकृति उच्च दर्शिनी हो।

बलंदबख़्त (بلندبخت) फा वि.–बड़े भाग्यवाला, सौभाग्यशाली, भाग्यवान्।

बलंदबांग (بلندبانگ) फा वि –जोर से बोलनेवाला, जोरदार दा'वा करनेवाला।

बलंदबाला (بلندبالا) फा वि –दे. 'बलंदकामत'।

बलंदबीं (بلندبیں) फा वि –उच्चदर्शी, बलंदनजर, केवल बड़े उद्देशों पर दृष्टि रखनेवाला।

बलंदबीनी (بلندبینی) फा स्त्री –उच्चदर्शिता, बलंदनजरी।

बलंदमर्तबः (بلندمرتبہ) फा अ वि –दे 'बलंदपाय.'।

बलंदसीरत (بلندسیرت) फा अ वि –दे 'बलंदफ़ित्रत'।

बलंदहिम्मत (بلندہمت) फा अ वि.–बड़ी हिम्मतवाला, उच्चोत्साही।

बलंदहौसलः (بلندحوصلہ) फा अ वि –दे 'बलंदहिम्मत'।

बलंदी (بلندی) फा स्त्री –उत्तुंगता, उँचाई, महत्त्व, अज्मत, श्रेष्ठता, बड़ाई।

बलंदोपस्त (بلندوپست) फा पु –ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच।

बलख़ (بلخ) फा पु –अफगानिस्तान का एक प्राचीन नगर जो इस समय एक छोटा-सा गाव है।

ब लजाजत (بلجاجت) फा अ अव्य –नम्रतापूर्वक, आजिजी के साथ, गिड़गिड़ाते हुए, विनती करते हुए।

ब लताइफुल हियल (بلطائف الحیل) फा अ अव्य – अच्छे-अच्छे बहानों के साथ, नये-नये बहाने बनाकर।

बलद (بلد) अ पु –नगर, शह्र (शहर)।

बलद (بلد) फा पु –पथ-प्रदर्शक, राहनुमा, नेता, लीडर।

बला (بلیٰ) अ अव्य –हाँ, अवश्य, ज़रूर।

बला (بلا) अ स्त्री –विपत्ति आपत्ति मुसीबत स्वी आपत्ति आस्मानी मुसीबत प्रेतबाधा आसेब, दुष्ट शरीर धूर्त खबीस भयानक खौफनाक बहुत अधिक कुशल चालाक— ऐसे पचड़े मेरी बला जाने में वहा वह कहा खुदा जाने।

बलाए अजीम (بلاے عظیم) अ स्त्री –बहुत बड़ी आपत्ति।

बलाए आस्मानी (بلاے آسمانی) अ फा स्त्री –दैवी आपत्ति ग़ैबी मुसीबत अजाबे इलाही।

बलाए जाँ (بلاے جاں) फा स्त्री –प्राणों के लिए आपत्ति का कारण जान का जंजाल।

बलाए नागहानी (بلاے ناگہانی) फा स्त्री –आकस्मिक विपत्ति अचानक आनेवाली मुसीबत।

बलाए बेदर्मां (بلاے بےدرماں) अ फा स्त्री –ऐसी आपत्ति जिसका कोई इलाज न हो जो टल न सके।

बलाए मुजस्सम (بلاے مجسم) अ स्त्री –साकार विपत्ति वह व्यक्ति जो सर से पाँव तक मुसीबत ही मुसीबत हो।

बलाए रोजगार (بلاے روزگار) अ फा स्त्री –जमाने के लिए विपत्ति का कारण।

बलाकश (بلاکش) अ फा वि –विपत्तियाँ सहनेवाला आफत झेलनेवाला।

बलाग़ (بلاغ) अ पु –पहुँचाना भेजना।

बलागत (بلاغت) अ स्त्री –गद्य या पद्य की वह शैली जिसमें अलंकारादि का प्रयोग चमत्कारपूर्वक किया जाय साहित्य की आलंकारिक शैली।

बलागत आईन (بلاغت آئیں) अ फा वि –बलागत से भरा हुआ वगैरह।

बलागत आमेज (بلاغت آمیز) अ फा वि –जिस लेख में बलागत हो।

बलागर्दा (بلاگرداں) अ फा वि –वह जो बलि चढ़ा दिया गया हो।

बलाजदः (بلازدہ) अ फा वि –विपत्तिग्रस्त मुसीबत का मारा।

बलादत (بلادت) अ स्त्री –कुन्दजेहनी बुद्धि की मन्दता प्रतिभा की कमी।

बलादते जेहन (بلادت ذہن) अ स्त्री –जेहन का कुंदपन प्रतिभा का कठिनपन।

बलादुर (بلادر) अ पु –भिलावाँ भल्लातक।

बलानसीब (بلانصیب) अ वि –जिसके भाग्य में आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हों।

बलानोश (بلانوش) अ फा वि –अत्यन्त अधिक पीनेवाला शराबी।

बलानोशी (بلانوشی) अ फा स्त्री –बहुत अधिक शराब पीना।

बलाया (بلایا) अ स्त्री –'बलीयः' का बहु, विपत्तियाँ।

बलाहत (بلاہت) अ स्त्री –व्यावहारिक विषयों में ज्ञान की कमी मूर्खता नादानी के बिलाहत दोनों शुद्ध हैं।

बलीग़ (بلیغ) अ वि –जो बलागत का ज्ञाता हो जो लेख बलागत से पूर्ण हो अलंकार शास्त्री।

बलीद (بلید) अ वि –जिसका जेहन मंद हो, कुंठित बुद्धि मन्दप्रतिभ मन्दमति।

बलीदुज्जेहन (بلیدالذہن) अ वि –मन्दप्रतिभ, कुन्द बुद्धि कुंद जेहन।

बलीयः (بلیہ) अ पु –विपत्ति आपत्ति मुसीबत।

बलीयत (بلیت) अ स्त्री –आपत्ति विपत्ति मुसीबत।

बलीयात (بلیات) अ स्त्री –बलीयत का बहु, विपत्तियाँ आपदाएँ बलाएँ।

बलूत (بلوط) अ पु –दे 'बल्लूत' वही शुद्ध है।

बलूर (بلور) फा अ पु –बल्लूर का लघु दे बल्लूर।

बलेलः (بلیلہ) अ पु –बहेड़ा एक प्रसिद्ध फल जो त्रिफला का अंश है।

बलअमेबाऊर (بلعم باعور) अ पु –एक बहुत सिद्ध यहूदी संत जिसके शाप से हज़रत मूसा चालीस साल वनों में भटकते फिरे बाऊर उसका बाप था।

बल्कान (بلقان) अ पु –यूरोप का एक प्रायद्वीप जिसमें रोमानिया बल्गारिया सर्बिया मक्दूनिया अल्बानिया, यूनान और रोम सम्मिलित हैं।

बल्कि (بلکہ) अ फा अव्य –वरन वरंच अपितु।

बल्गम (بلغم) अ पु –एक धातु श्लेष्मा।

बल्गमी (بلغمی) अ वि –श्लेष्मा सम्बन्धी।

बल्दः (بلدہ) अ पु –नगर पुरी शहर २१वाँ नक्षत्र उत्तराषाढ़ा।

बल्दियः (بلدیہ) अ स्त्री –नगरपालिका म्यूनिसिपल्टी।

बल्लूर (بلور) अ पु –एक मूल्यवान शीशा स्फटिकमणि।

बल्वा (بلوا) अ पु –उपद्रव दंगा फसाद, विद्रोह बग़ावत अशांति बदअम्नी।

बल्साँ (بلساں) अ पु –एक पेड़ जिसके पत्तों से तेल निकलता है जिसे 'रौग़न बल्साँ' कहते हैं यह पेड़ अरब और मिस्र आदि में पैदा होता है।

बवजहे अहसन (بوجہ احسن) फा अ अव्य –बहुत अच्छी तरह से।

बवजहे हलाल (بوجہ حلال) फा अ अव्य –हलाल की कमाई से।

बवातिन (بواطن) अ पु –बातिन का बहु हृदयसमूह।

बवादी (بوادی) अ पु –'वादी' का बहु., 'घाटियाँ'।
बवारिक (بوارق) अ स्त्री –'वारिक' का बहु, बिजलियाँ।
बवासिर (بواسیر) अ स्त्री –'वासूर' का बहु, एक रोग, अर्श।
बव्वाब (بواب) अ वि –द्वारपाल, ड्योढ़ीवान, दरवान।
बव्वाल (بوال) अ वि –बहुत पेशाव करनेवाला, मुतौड़ा।
बशरः (بشره) अ.पु –त्वचा, त्वक्, जिल्द, ऊपरी चमड़ा।
बशर (بشر) अ पु.–मनुष्य, मानव, आदमी।
बशरी (بشری) अ वि –मानुषिक, आदमी का; मनुष्य सम्बन्धी।
बशरीयत (بشریت) अ स्त्री –मानवता, इन्सानीयत।
बशर्ते कि (بشرطیکہ) फा. अ. अव्य.–शर्त यह है कि, उस शर्त के साथ कि।
ब शर्हे सद्र (بشرح صدر) फा अ अव्य –जैसा लिखा है उसी के अनुसार।
बशाशत (بشاشت) अ. स्त्री –प्रसन्नता, खुशी; आनंद, उल्लास, मसर्रत, प्रफुल्लता, शगुफ्तगी।
बशाशते कल्ब (بشاشت قلب) अ स्त्री –हृदय की प्रफुल्लता।
बशाशते रूह (بشاشت روح) अ स्त्री –आत्मा की प्रसन्नता।
बशीर (بشیر) अ वि –बुशारत देनेवाला, शुभ सूचना सुनानेवाला।
बशीरोनज़ीर (بشیرونذیر) अ वि –शुभ सूचना देनेवाला और डरानेवाला, स्वर्ग की सूचना देनेवाला और नरक से डरानेवाला, पैगंबर।
बश्काल (بشکال) फा स्त्री –वर्षा ऋतु, बरसात।
बश्शाश (بشاش) अ वि –हर्षित, आनंदित, खुश।
बसंद (بسند) फा वि –पर्याप्त, काफी, प्रचुर, बहुत।
बस (بس) फा वि –पर्याप्त, काफी, अधिक, बहुत, समाप्त, खतम, केवल, सिर्फ।
बसकि (بسکہ) फा अव्य –चूँकि।
बसदउम्मीद (بصد امید) फा अव्य –सैकडों आशाओं के साथ।
बसदमुश्किल (بصد مشکل) अ फा अव्य –सैकडों कठिनाइयों के साथ।
बसबब (بسبب) फा अ अव्य –कारण से।
बसबीले जिक्र (بسبیل ذکر) फा अ अव्य –जिक्र अथवा चर्चा चलने पर।
बसबीले तज्किरः (بسبیل تذکرہ) अ फा अव्य –दे 'बसबीले जिक्र'।
बसबीले दवाम (بسبیل دوام) अ अव्य –हमेशा के लिए।
बसर (بصر) अ स्त्री –दृष्टि, नजर।
बसर (بسر) फा स्त्री –गुजार, गुजर, जीवन-निर्वाह।
बसरऔक़ात (بسراوقات) फा अ स्त्री –जिंदगी काटना, गुजारा करना।
बसराहत (بصراحت) फा अ अव्य –स्पष्टता पूर्वक।
बसरी (بصری) अ वि –दृष्टि-सम्बन्धी।
बसरे औकात (بسراوقات) फा अ स्त्री –जीवन-यापन, जिंदगी गुजारना, जीविका चलाना, रोजी कमाना।
बसरो चश्म (بسروچشم) फा अव्य –सर आँखों पर, सहर्ष, खुशी के साथ।
बसाँ (بساں) फा वि –तुल्य, समान, मिस्ल।
बसा (بسا) फा वि –प्राय, बहुधा, अक्सर, बहुत, अधिक।
बसाअते सईद (بساعت سعید) फा अ अव्य –शुभ मुहूर्त में, अच्छी घड़ी में।
बसाइत (بسائط) अ पु –'बसीत' का बहु।
बसाऔकात (بسااوقات) फा अ अव्य –बहुधा, प्राय, अक्सर।
बसातीन (بساتین) फा पु –'बुस्तान' का बहु, बागात।
बसारत (بصارت) अ स्त्री –दृष्टि, नजर।
बसालत (بسالت) अ स्त्री.–शूरता, वीरता, बहादुरी।
बसीगए राज (بصیغۂ راز) फा अ अव्य –जो बात या पत्र गोपनीय हो।
बसीत् (بسیط) अ वि –विशाल, विस्तृत, चौड़ा चकला, वह पदार्थ या तत्त्व जो अमिश्रित और निष्केवल हो।
बसीर (بصیر) अ वि –देखनेवाला, द्रष्टा, दिव्य दृष्टि-वाला, ईश्वर।
बसीम (بسیم) अ वि –मुस्कुरानेवाला।
बसीरत (بصیرت) अ स्त्री –दिल की नजर, प्रतिभा, चातुर्य, बुद्धिमत्ता, दानाई।
बसुर्अत (بسرعت) फा अ वि –शीघ्रता से, तेजी से; जल्दी से, शीघ्र, तुरत, जल्द।
बसूरते दीगर (بصورت دیگر) फा अ अव्य –दूसरी अवस्था में, अन्यथा, वरना।
बस्त. (بستہ) फा वि –बँधा हुआ, जमा हुआ, तह किया हुआ, गाँठ, अचल, किताबें या कागज बाँधने का कपड़ा (प्रत्य) बाँधे हुए, जैसे—कमरबस्त, कमर कसे हुए, दस्तबस्त, हाथ बाँधे हुए।
बस्तःआवाज (بستہ آواز) फा वि –जिसकी आवाज बैठ गयी हो।
बस्तःकमर (بستہ کمر) फा. वि –कमर बाँधे हुए।
बस्तःदहन (بستہ دھن) फा वि –जिसका मुँह बंद हो, मौन, खामोश, चुप, जो बोल न सके।

बस्तःपा (بستہ پا) फा वि–जिसके पाँव बँधे हों, पाबंद, मज्बूर, विवश।

बस्तःमू (بستہ مو) फा वि–जिसके बाल बँधे हों।

बस्तःलब (بستہ لب) फा वि–जिसके ओठ बंद हों, जो बोल न सके, चुप, अवाक्।

बस्त (بست) फा वि बंदिश, बँधाई, गाँठ।

बस्त (بسط) अ पु–विस्तार, फैलाव, कुशादगी, विवरण, तफ्सील।

बस्तए जंजीर (بستۂ زنجیر) फा वि–जंजीर में बँधा हुआ, शृंखलित।

बस्तए दाम (بستۂ دام) फा वि–जाल में फँसा हुआ, रस्सी में बँधा हुआ।

बस्तए रसन (بستۂ رسن) फा वि–रस्सी में बँधा हुआ।

बस्तगी (بستگی) फा स्त्री–बँधा होना, लगाव, तअल्लुक।

बस्तन (بسطن) अ स्त्री–विस्तार, फैलाव, लंबाई-चौड़ाई।

बस्तोकब्ज (بسط و قبض) अ पु–फैलना और सुकड़ना, नज़्म-ओ-नस्क़ (नज़्म) का।

बस्तोकुशाद (بست و کشاد) अ पु–बंद होना और खुलना, सामान्य प्रबंध, इंतिज़ाम।

बस्तोबंद (بست و بند) फा पु–बंदोबस्त, प्रबंध, इंतिज़ाम।

बस्मल (بسمل) अ पु–बिस्मिल्लाह (पूरी) कहना।

बह्क (بہق) अ पु–त्वचा के ऊपर धब्बे, छीप, झाँई।

बहज़ार दिक्कत (بہزار دقت) फा अ अव्य–बहुत सी पतिदाइयों में, हज़ारों कठिनाइयों के पश्चात्।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار دشواری) फा अव्य–दे. 'बहज़ार दिक्कत'।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار مشکل) फा अ अव्य–दे. 'बहज़ार दिक्कत'।

बहज़ार मुसीबत (بہزار مصیبت) फा अ अव्य–हज़ारों आपत्तियों और विपत्तियों के बाद, हज़ारों मुसीबतों के साथ।

बहज़ार शौक़ (بہزار شوق) फा अ अव्य–बहुत अभिलाषा के साथ, बड़े चाव से, उत्कंठा के साथ।

बह्द (بحدے) फा अ अव्य–इस हद तक, यहाँ तक, इतना।

बह्दे कि (بحدے کہ) फा अ अव्य–यहाँ तक कि, इतना कि, ऐसा तक हुआ कि।

बहमअन्नज़र (بمعنحو) फा अ अव्य–पूरे तौर पर, सर्वांगपूर्ण रूप से।

बहमगिरन मौकूफ़ (بہ مرگ موقوف) फा अ वि–भारी मर्जी में, आपत्ति से, मरणासन्न।

बहम (بہم) फा वि–बाहम का लघु, परस्पर, आपस में मिलकर, साथ होकर, एक साथ।

बहमदीगर (بہم دیگر) फा वि–एक-दूसरे के साथ, परस्पर।

बहमरसानी (بہم رسانی) फा स्त्री–एकत्र करना, इकट्ठा करना, तलाश करके लाना।

बहमरसीद (بہم رسید) फा वि–तलाश करके लाया हुआ, एकत्र किया हुआ।

बहरउन्वान (بہرعنوان) फा अ वि–हर प्रकार से, जैसे बन सके, पूरे तौर से, पूर्णतया।

बहरजा (بہرجا) फा अव्य–हर जगह, हर स्थान पर, जिस जगह, जहाँ।

बहरतक्दीर (بہرتقدیر) फा अ वि–हर प्रकार से, हर अवस्था में।

बहरतौर (بہرطور) फा अ वि–दे. 'बहरहाल', हर प्रकार से।

बहरसूरत (بہرصورت) फा अ वि–दे. 'बहरहाल', हर तरह से — बहरसूरत मरे दिल की परेशानी नहीं जाती। —जिगर।

बहरहाल (بہرحال) फा अ वि–हर हाल में, हर अवस्था में, हर प्रकार से, जैसे बन पड़े।

बहा (بہا) फा पु–मूल्य, क़ीमत, उत्तमता, अच्छाई, शोभा, रौनक, प्रकाश, रौशनी।

बहाइम (بہائم) अ पु–बहीम का बहु, चौपाए, मवेशी, पशु।

बहाए ख़ू (بہائے خون) फा पु–ख़ूँबहा, वह धन जो किसी व्यक्ति के मारे जाने पर हत्यारे से दिलवाया जाय।

बहादुर (بہادر) तु वि–नर, वीर, शूरमा।

बहादुराना (بہادرانہ) तु फा वि–बहादुरों जैसा, वीरोचित।

बहादुरी (بہادری) तु वि–वीरता, बीरता, शौर्य।

बहाना (بہانہ) फा पु–मिस, व्याज, हीला, छल, पासा, फ़रेब, टालमटोल, हीला-हवाला, अवसर, मौक़ा, ऐसी बात जिसकी आड़ में कोई काम बन सके।

बहानःजू (بہانہ جو) फा वि–जिसका स्वभाव बहाने बाज़ी का हो।

बहानःगर (بہانہ گر) फा वि–दे. 'बहानःबाज़'।

बहानःगरी (بہانہ گری) फा स्त्री–दे. 'बहानःबाज़ी'।

बहानःजू (بہانہ جو) फा वि–जो ढूँढ-ढूँढकर बहाने तलाश करे।

बहानःजूई (بہانہ جوئی) फा स्त्री–ढूँढ-ढूँढकर बहाने तलाश करना।

बहानःतलब (بہانہ طلب) फा अ वि–दे. 'बहानःजू'।

बहानःसाज़ (بہانہ ساز) फा वि —बहाने करने वाला।
बहानःसाज़ी (بہانہ سازی) फा. स्त्री —बहाने बनाना।
बहानःबाज़ (بہانہ باز) फा वि —दे 'बहानः साज़'।
बहानःबाज़ी (بہانہ بازی) फा स्त्री —दे 'बहानः साज़ी'।
बहार (بہار) फा स्त्री —वसंत ऋतु, पुष्पकाल, फूलों का मौसिम, शोभा, रौनक, मनोविनोद, तफ्रीह, कौतुक तमाशा; आनंद, मज़ा, जोबन-उठान, अच्छी अवस्था, परिहास, दिल्लगी।
बहारआगीं (بہار آگیں) फा वि —पुष्पदार; शोभायमान; पुष्पित, आनन्दपूर्ण, कौतुकपूर्ण।
बहार ब दामाँ (بہار بداماں) फा. वि —दामन में बहार की शोभाएँ लिये हुए, अपने साथ बहार की छटाएँ लिये हुए।
बहाराँ (بہاراں) फा पु —वसंत ऋतु, बहार।
बहारिस्तान (بہارستان) फा. पु —बहारों का स्थान, जहाँ बहार ही बहार हो।
बहारीं (بہاریں) फा वि —बहार का, वसंत ऋतु का, बहार सम्बन्धी।
बहारे बेख़ज़ाँ (بہار بے خزاں) फा स्त्री —वह बहार जिसमें ख़िज़ाँ (पतझड़) न हो।
बहाल (بحال) फा अ वि —नीरोग, रोगमुक्त, पुनर्नियुक्त, मुअत्तली से मुक्त, स्वास्थ्य-तन्दुरुस्त, आनंदित, ख़ुश।
बहालते परीशाँ (بحالت پریشاں) फा अ वि —बुरे हालों में, बुरी अवस्था में, कंगाली में।
बहालते मौजूदः (بحالت موجودہ) फा अ वि —उपस्थित अवस्था में, इस समय, इस हालत में।
बहालाते मौजूदः (بحالات موجودہ) फा अ वि —इस समय के हालात देखते हुए, इन दशाओं में।
बहाली (بحالی) फा अ वि —नीरोगिता, रोगमुक्ति, पुनर्नियुक्ति, मुअत्तली से मुक्ति, स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती, आनंद, प्रसन्नता, ख़ुशी, मुखच्छटा, चेहरे की रौनक।
बहाले अब्तर (بحال ابتر) फा अ वि —बुरे हाल में, फटे हालों, दरिद्रता की दशा में।
बहाले कि (بحالے کہ) फा अ अव्य —इस अवस्था में कि, ऐसे हाल में कि।
बहाले ख़राब (بحال خراب) फा अ वि —दे 'बहाले अब्तर'।
बहाले ख़स्तः (بحال خستہ) फा अ वि —फटे हालों, में, दरिद्रता की दशा में।
बहाले परीशाँ (بحال پریشاں) फा अ वि —दे 'बहालते परीशाँ'।
बहाले बद (بحال بد) फा अ वि —दे 'बहाले अब्तर'।
बहिफ़ाज़त (بحفاظت) फा अ वि —हिफ़ाज़त के साथ।
बहिस्सए मुसावी (بحصۂ مساوی) फा अ वि —बराबर-बराबर के भागों में, बराबर बराबर।
बहीज (بہیج) अ वि —हर्षित, मसरूर, शादमाँ।
बहीम (بہیم) फा वि —पशु, चौपाया, मवेशी।
बहीमानः (بہیمانہ) अ अव्य —पशुओं-जैसा, उद्दण्डतापूर्ण, वहशियाना।
बहीरः (بحیرہ) अ पु —उपसागर, छोटा समुद्र, इसका शुद्ध उच्चारण 'बुहैरः' है, परन्तु उर्दू में 'बहीरः' बोलते हैं।
बहीरए अख़्ज़र (بحیرۂ اخضر) अ पु —दे 'बह्रे अख़्ज़र'।
बहीरए अब्यज़ (بحیرۂ ابیض) अ पु —दे 'बह्रे अब्यज़'।
बहीरए अस्वद (بحیرۂ اسود) अ पु —दे 'बह्रे अस्वद'।
बहीरए क़ुल्ज़ुम (بحیرۂ قلزم) अ पु —दे 'बह्रे क़ुल्ज़ुम'।
बहुक्म (بحکم) फा अ अव्य —आज्ञानुसार, आदेशानुसार, हुक्म से।
बहेच (بہیچ) फा अव्य —व्यर्थ, निरर्थक।
बहैअते मज्मूई (بہیئت مجموعی) फा अ अव्य —पूर्णरूपेण, पूरे तौर पर।
बह्जत (بہجت) अ स्त्री —प्रसन्नता, आनंद, हर्ष, ख़ुशी; हराभरापन, सरसब्ज़ी, शोभा, छटा, ज़ेबाई।
बह्ज़ाद (بہزاد) फा पु —दे. शुद्ध उच्चारण 'बिह्ज़ाद'।
बह्त (بحت) अ वि —बेमेल, निर्मल, निरा केवल।
बह्बूद (بہبود) फा. स्त्री —शुद्ध उच्चारण 'बिह्बूद' है, परन्तु उर्दू में यही है, उन्नति, भलाई, कल्याण।
बह्मन (بہمن) फा पु —ईरानी ग्यारहवाँ महीना जो रजब का महीना है, जो हिंदुस्तानी फागुन होता है, एक कंद जो दवा में काम आता है और लाल-सफ़ेद होता है, इस्फंदयार का पुत्र।
बह्रः (بہرہ) फा पु —भाग, अंश, हिस्सा।
बह्रःमंद (بہرہ مند) फा वि —सौभाग्यशाली, ख़ुशनसीब।
बह्रयाब (بہرہ یاب) फा वि —जिसने अपना भाग पा लिया हो, भाग्यवान्, ख़ुशकिस्मत।
बह्रवर (بہرہ ور) फा वि —दे 'बह्र मंद'।
बह्र (छंद) (بحر) अ स्त्री —शे'र का वज़्न, वृत्त, छंद।
बह्र [भू.] (بحر) अ पु —समुद्र, सागर, ओशन, महासागर।
बह्र (بہر) फा अव्य —लिए, वास्ते, प्रति।
बह्रए वाफ़िर (بہرۂ وافر) फा. अ —बड़ा भाग, बड़ा हिस्सा, दूसरों से अधिक भाग।
बह्राम (بہرام) फा पु —मंगल राशि, मिर्रीख़, एक ईरानी नरेश।
बह्रामगोर (بہرام گور) फा पु —ईरान के शासक यज्दजुर्द

का लड़का सन ४२० ई० में गद्दी पर बैठा गोरखर के शिकार का शौकीन था इस कारण बह्राम गोर कहलाया।

बह्रामे चोबीं (بهرام چوبیں) फा पु –ईरान के चतुर्थ हुर्मुज का सेनापति था उसे गद्दी से उतारकर आप नरेश बन बैठा (सन ई ५९०) और आठ महीने पश्चात खुस्रो परवेज से हारकर भाग गया।

बह्रिय (بحریہ) अ पु –जलसेना जंगी बेड़ा।

बह्री (بحری) अ वि –समुद्राय समुंदर की समुद्र सम्बन्धी।

बह्रुलउलूम (بحرالعلوم) अ पु –विद्याओं का समुद्र अर्थात बहुत बड़ा और प्रचंड विद्वान्, विद्यासागर।

बह्रुल्काहिल [भू] (بحرالکاہل) अ पु –शांत महासागर।

बह्रुसीन (بحرالصین) अ पु –चीन का समुद्र।

बह्रे अख्जर [भू] (بحراخضر) अ पु –कैस्पियन (समुद्र)।

बह्रे अज़्रक [भू] (بحرازرق) अ पु –नील नदी की पूर्वी शाखा जो नौ सौ मील लम्बी है आकाश आसमान।

बह्रे अब्यज़ [भू] (بحرابیض) अ पु –रूस के उत्तर में एक छोटा समुद्र श्वेतसागर।

बह्रे अल्मास [भू] (بحرالماس) अ पु –वह समुद्र जिसके द्वीपों में बहुमूल्य रत्नों की खान हो।

बह्रे असम [छ] (بحراصم) अ स्त्री –एक वृत्त जो उर्दू में प्रचलित नहीं है (ररमय SIS SIS ऽS ISS) पूरे शेर में दो बार।

बह्रे असवद [भू] (بحراسود) अ पु –कृष्णसागर जो रूस के दक्षिण और अनातूलिया के उत्तर का समुद्र।

बह्रे अह्मर [भू] (بحراحمر) अ पु –दे बह्रे कुल्जुम।

बह्रे आज़म [भू] (بحراعظم) अ पु –महासागर ओशन।

बह्रे औक्यानूस [भू] (بحراوقیانوس) अ पु –अतलांतक महासागर।

बह्रे उम्मान [भू] (بحرعمان) अ पु –पूर्वी दक्षिणी अरब का समुद्र।

बह्रे कबीर [छ] (بحرکبیر) अ स्त्री –अव्यवहृत नहीं (मन+मल+तगु=Sऽ।+SSS।+SSI S)—दो बार।

बह्रे करीब [छ] (بحرقریب) अ स्त्री –उर्दू में व्यवहृत नहीं है (मन+मल+रन=।ऽ।+ISS।+SIS।) शेर में दो बार।

बह्रे क़लीब [छ] (بحرقلیب) अ स्त्री –उर्दू में प्रचलित नहीं है (रगु+रग+पगु=SIS S+ ISS+ISS) एक शेर में दो बार।

बह्रे कामिल [छ] (بحرکامل) अ स्त्री –उर्दू की प्रचलित बह्र (मन गु।। ।S) एक शेर में आठ बार।

बह्रे काहिल [भू] (بحرکاہل) अ पु –प्रशांत महासागर।

बह्रे कुल्ज़ुम [भू] (بحرقلزم) अ पु –अरब और अफ्रीका के बीच का समुद्र लालसागर।

बह्रे ख़फ़ीफ़ [छ] (بحرخفیف) अ स्त्री –इसकी शाखाएं प्रचलित हैं (सगु+जगु+सग=IISS+ISI S+IIS S) शेर में दो बार।

बह्रे ख़ुदा (بحرخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए।

बह्रे चीन [भू] (بحرچین) अ फा पु –चीनी समुद्र।

बह्रे ज़म [भू] (بحرزنگ) अ फा –वह समुद्र जो हब्श के पूर्व में है।

बह्रे जदीद [छ] (بحرجدید) अ स्त्री –इसकी शाखाएं प्रचलित हैं (सगु+सगु+जगु=IISS+IIS, +ISI S) दो बार।

बह्रे जुल्मात (بحرظلمات) अ पु –दे बह्रे औक्यानूस।

बह्रे तवील [छ] (بحرطویل) अ पु –यह और इसकी शाखाएं प्रचलित हैं (य य गु+य, य गु–ISS ISS S+ IIS ISS S) शेर में दो बार।

बह्रे नदामत (بحرندامت) अ पु –लज्जा का समुद्र, बहुत अधिक लज्जा।

बह्रे फ़ना (بحرفنا) अ पु –मृत्यु का समुद्र।

बह्रे बसीत [छ] (بحربسیط) अ स्त्री –कम व्यवहृत है इसकी शाखाएँ चलती हैं (तगु+र+तगु+र=SSI S+SIS SSI S+SIS) दो बार।

बह्रे बेकराँ (بحربےکراں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो।

बह्रे बेपायाँ (بحربےپایاں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो वह समुद्र जो अथाह हो।

बह्रे मग़रिब [भू] (بحرمغرب) अ पु –यूरोप का समुद्र।

बह्रे मदीद [छ] (بحرمدید) अ स्त्री –कम व्यवहृत है शाखाएं व्यवहृत हैं (रगु+र+रगु+र=SIS S+SIS+SIS S SIS) दो बार।

बह्रे मव्वाज (بحرمواج) अ पु –मौजें मारता हुआ समुद्र।

बह्रे मुंजमिद [भू] (بحرمنجمد) अ पु –वह समुद्र जिसका पानी जमा हुआ हो।

बह्रे मुंजमिद जनूबी [भू] (بحرمنجمدجنوبی) अ पु –दक्षिणीय ध्रुव के आस-पास का समुद्र जो बहुत अधिक ठंड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंजमिद शिमाली [भू] (بحرمنجمدشمالی) अ पु –उत्तरीय ध्रुव का समुद्र जो बहुत अधिक ठंड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुसरेह [छ] (بحرمنسرح) अ स्त्री –बहुत व्यवहृत है इसकी शाखाएं भी (भगु+रन= ।।S+SI ।) चार बार।

बहे मुक्तज़िब [छं.] (بحر مقتضب) अ. स्त्री –प्रचलित (रल + भगु = SIS,I + SII,S) चार बार।

बहे मुज़ारे' [छं.] (بحر مضارع) अ. स्त्री –प्रचलित है, शाखाएँ भी (यल + रल = ISS,I + SIS) चार बार।

बहे मुज़ील [छं.] (بحر مذیل) अ स्त्री.–प्रचलित नही है, (रगु=SIS,S) छै बार।

बहे मुजास [छं.] (بحر مجتث) अ स्त्री.–वहुत चालू है, शाखाएँ भी (जगु + सगु = ISI,S + IIS,S) चार बार।

बहे मुतक़ारिव [छं.] (بحر متقارب) अ स्त्री –वहुत चालू है, (य=ISS) आठ वार भुजंगप्रयात।

बहे मुतदारिक [छं.] (بحر متدارک) अ स्त्री –वहुत चालू है (र=SIS) आठ वार।

बहे मुर्दार [भू.] (بحر مردار) अ फा पु –डेड सी, मृत-सागर।

बहे मुशाकिल [छं.] (بحر مشاکل) अ स्त्री –चालू नही, (रल+यगु+यगु=SIS,I+ISS,S+ISS,S) दो वार, इसकी शाखाएँ भी वहुत चालू है।

बहे रजज़ [छं.] (بحر رجز) अ स्त्री –वहुत चालू है, इसकी शाखाएँ भी वहुत चालू है, (तगु=SSI,S) आठ वार।

बहे रमल [छं.] (بحر رمل) अ. स्त्री –यह और इसकी शाखाएँ वहुत चालू है, (रगु=SIS,S) आठ वार।

बहे रवाँ (بحر رواں) अ फा पु –नौका, नाव, किश्ती।

बहे रूम [भू.] (بحر روم) अ पु –रूमसागर।

बहे वाफ़िर [छं.] (بحر وافر) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ चालू है, स्वय वहुत कम है (जलगु=ISI,I,S) आठ वार।

बहे सग़ीर [छं.] (بحر صغیر) अ स्त्री –चालू नही (तगु+रगु+तगु=SSI,S+SIS,S+SSI,S) दो वार।

बहे सरीअ [छं] (بحر سریع) अ स्त्री –वहुत चालू है (भगु+भगु+रल=SIS,S+SIS,S+SIS,I) दो वार।

बहे सरीम [छं.] (بحر صریم) अ. स्त्री –चालू नही (यगु+रगु+रगु=ISS,S+SIS,S+SIS,S) दो वार।

बहे सलीम [छं.] (بحر سلیم) अ स्त्री –चालू नही (तगु+मल+मल=SSI,S+SSS,I+SSS,I) दो वार।

बहे हज़ज [छं] (بحر ہزج) अ स्त्री –वहुत चालू, इसकी शाखाएँ भी वहुत चालू है, रुबाई इसी से निकली है (यगु=ISS,S) आठ वार।

बहे हमीद [छं.] (بحر حمید) अ. स्त्री –चालूनही (मल+तगु+मल=SSS,I+SSI,S+SSS,I) दो वार।

बहे हमीम [छं.] (بحر حمیم) अ स्त्री –चालू नही (रगु+तगु+तगु=SIS,S+SSI,S+SSI,S) दो वार।

बहैन [भू.] (بحرین) पु –श्वेतसागर और कृष्णसागर, कृष्णसागर और रूमसागर, फारिस की खाडी जहाँ से मोती निकलता है।

बह्स (بحث) अ. स्त्री –वादविवाद, मुवाहस, वाक्कलह, लफ्ज़ीजंग, मुकदमे मे सुवूत और सफाई आदि के वाद वकीलो का हाकिम के सामने तर्क-वितर्क।

बह्सतलव (بحث طلب) अ वि –जिसमे तर्क-वितर्क की आवश्यकता हो।

बह्सोतम्हीस (بحث و تمحیص) अ स्त्री –तर्क-वितर्क, वादविवाद।

बह्सोमुवाहसः (بحث و مباحثہ) अ. पु –दे 'वह्सो तम्हीस'।

वह्हास (بحاث) अ वि.–वहुत अधिक वाद-विवाद करने-वाला, वादरत।

बा

बाँग (بانگ) फा स्त्री –स्वर, ध्वनि, नाद, आवाज; नमाज की अजान, मुर्गे की वोली।

बाँगे अज़ाँ (بانگ اذاں) फा अ. स्त्री –अजान की आवाज, अजान।

बाँगे जरस (بانگ جرس) फा स्त्री –काफिले मे वजनेवाले घटे की आवाज।

बाँगे दिरा (بانگ درا) फा स्त्री –दे 'बाँगे जरस'।

बा (با) फा उप –शब्द शुरूआत मे आकर, साथ, वाला, पूर्ण, आदि का अर्थ देता है, जैसे–'वा आवो ताव', चमक-दमक के साथ, बाईमान, ईमानवाला, वाअसर, प्रभावपूर्ण।

बाअख़्लाक़ (بااخلاق) फा अ वि –अच्छे शील-स्वभाव-वाला, सुशील, शिष्ट।

बाअदब (باادب) फा अ वि –तमीजदार, शिष्ट।

बाअसर (بااثر) फा अ वि –प्रभावशाली, असरवाला।

बाआँकि (باآں کہ) फा अव्य –इसके बावुजूद।

बाआबरू (باآبرو) फा वि –प्रतिष्ठित, इज्जतदार।

बाआबो ताब (باآب و تاب) फा वि –चमक-दमक के साथ, शान के साथ।

बाइक़्तिदार (بااقتدار) फा अ वि –जिसके हाथ मे सत्ता हो, सत्तावान्।

बाइख़्तियार (بااختیار) फा अ वि –जिसके हाथ मे अधिकार हो, प्राप्ताधिकार।

बाइख़्लास (بااخلاص) फा अ वि –जिसमे खुलूस और निष्कपटता हो।

बाइत्मीनान (بااطمینان) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तवर, विश्वासपात्र, ईमानदार।

बाइस (باعث) अ पु—कारण हेतु निमित्त सबब मूल कारण बुनियाद।
बाइस इन्फ़िआल (باعث انفعال) अ पु—लज्जा का कारण पश्चात्ताप का कारण।
बाइस इन्तिराक़ (باعث افتراق) अ पु—फूट का कारण।
बाइस इब्तिहाज (باعث ابتہاج) अ पु—हर्ष का कारण।
बाइसे इश्तिआल (باعث اشتعال) अ पु—उत्तेजना का कारण।
बाइसे ख़ुशी (باعث خوشی) अ फ़ा पु—हर्ष का कारण।
बाइस तफ़ाख़ुर (باعث تفاخر) अ पु—गर्व या मान का कारण।
बाइस तबाही (باعث تباہی) अ फ़ा पु—बरबादी अथवा नाश का कारण।
बाइस दिरंग (باعث درنگ) अ फ़ा पु—ढील और देर का कारण।
बाइसे नदामत (باعث ندامت) अ पु—दे० बाइसे इन्फ़िआल।
बाइसे निफ़ाक़ (باعث نفاق) अ पु—फूट का कारण।
बाइसे परवरिश (باعث پرورش) अ फ़ा पु—कृपा का कारण।
बाइसे फ़ख़्र (باعث فخر) अ पु—गर्व का कारण।
बाइसे मंफ़अत (باعث منفعت) अ पु—लाभ का कारण भलाई का कारण
बाइसे मरहमत (باعث مرحمت) अ पु—अनुकम्पा और दया का कारण।
बाइसे मसरत (باعث مسرت) अ पु—हर्ष और आनंद का कारण।
बाइस शकररंजी (باعث شکررنجی) अ फ़ा पु—वमनस्य का कारण।
बाइस शर्म (باعث شرم) अ फ़ा पु—लज्जा का कारण।
बाइसे शुक्र (باعث شکر) अ पु—धन्यवाद का कारण।
बाइस्ता (بائستہ) फ़ा वि—योग्य लायक़ उत्तम बेहतर।
बाइस्तिताअत (با استطاعت) फ़ा अ वि—सम्पन्न समर्थ धनवान मालदार।
बाइस्तेदाद (بااستعداد) फ़ा अ वि—विद्वान पंडित काफ़ी पढ़ा-लिखा।
बाइस्मत (باعصمت) फ़ा अ वि—सती साध्वी इस्मत-स्वभाव।
बाइहमा (باایں ہمہ) फ़ा अव्य—इन सब बातों के बावजूद।
बाईमान (باایمان) फ़ा अ वि—धर्मनिष्ठ ईमान का पक्का दियानतदार ईमानदार।
बाइसार (باایثار) फ़ा अ वि—त्यागशील।
बाए (بائع) अ वि—बचनेवाला विक्रेता।
बाएतिक़ाद (بااعتقاد) फ़ा अ वि—श्रद्धावान मोतक़िद अच्छे एतिक़ादवाला।
बाएतिबार (بااعتبار) फ़ा अ वि—विश्वस्त मोतबर।
बाएतिमाद (بااعتماد) फ़ा अ वि—विश्वस्त मोतमद।
बाएहतियाज (بااحتیاج) फ़ा अ वि—जरूरतमंद मुहताज।
बाएहतियात (بااحتیاط) फ़ा अ वि—सावधान सावधानी से रहनेवाला एहतियात करनेवाला।
बाएहसास (بااحساس) फ़ा अ वि—स्वाभिमानी ख़ुद्दार।
बाऔलाद (بااولاد) फ़ा अ वि—संतानवाला।
बाक (باک) फ़ा पु—भय डर त्रास लज्जा शर्म संकोच पसोपेश आगा-पीछा।
बाकोदो काविश (باکدوکاوش) फ़ा अव्य—पूरा दौड़-धूप।
बाक़ाइद (باقاعدہ) वि फ़ा—क़ाइदे से क़रीने से नियम से बाज़ाब्ता।
बाकमाल (باکمال) फ़ा अ वि—गुणवान हुनरमंद किसी काम या हुनर में बहुत बड़ी महारत रखनेवाला।
बाकार (باکار) फ़ा वि—जो काम में लगा हो जिसके असबाब मौजूद हों साधनसम्पन्न।
बाक़ियात (باقیات) अ उभ पु—बाक़ी बची हुई वस्तुएँ।
बाक़ियातुस्सालिहात (باقیات الصالحات) अ स्त्री अच्छे काम जिनसे नाम बाक़ी रहे अच्छी औलाद।
बाकिरा (باکرہ) अ स्त्री—कुमारी अछूती बिन ब्याही लड़की दोशीज़ा।
बाक़िर (باقر) अ पु—सिंह व्याघ्र शेर विद्वान काबिल फ़ाज़िल।
बाक़िल्ला (باقلّا) अ पु—मटर।
बाक़ी (باقی) अ स्त्री—शेष बचा हुआ अमर अनश्वर हमेशा रहनेवाला जो ख़त्म न हो ईश्वर का एक नाम।
बाकी (باکی) अ वि—रोनेवाला।
बाक़ीदार (باقی دار) अ फ़ा वि—जिसके ज़िम्मे कुछ बाक़ी हो जिसका कुछ देना रह गया हो।
बाक़ीमांद (باقی ماندہ) अ फ़ा वि—बाक़ी बचा हुआ।
बाख़ (باخہ) तु पु—कछुआ कच्छप कूर्म।
बाख़बर (باخبر) फ़ा अ वि—सचेत सतर्क होशियार अभिज्ञ वाक़िफ़ ज्ञाता, जानकार।
बाख़बरी (باخبری) फ़ा अ स्त्री—सतर्कता होशियारी अभिज्ञता वाक़िफ़ियत ज्ञान जानकारी।

बाख़िरः (باخره) अ स्त्री –स्टीमर, अग्निबोट।

बाख़िरद (باخرد) फा वि –बुद्धिमान्, मेधावी, मनीषी, अक्लमद।

बाख़ुदा (باخدا) फा. वि –सदात्मा, पुण्यात्मा, ख़ुदा-रसीद।

बाख़ैर (باخیر) फा अ वि –दानशील, फैयाज, जो सबके साथ भलाई करता हो।

बाख़्तः (باخته) फा. वि –हारा हुआ, जुए के दाँव पर हारा हुआ, (प्रत्य०) इन्ही अर्थों मे, जैसे—'दिलबाख़्त' प्रेम मे मन हारा हुआ।

बाख़्तनी (باختنی) फा. अव्य –हारनेयोग्य।

बाख़्तर (باختر) फा पु –पूर्व, मश्रिक, कभी पश्चिम के लिए भी आता है, ख़ुरासान।

बाग (باغ) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, गुलिस्ताँ।

बागचः (باغچه) फा पु –छोटा बाग, फुलवारी।

बाग़पैरा (باغ پیرا) फा वि –माली, उद्यानपाल।

बागबाग (باغ باغ) फा वि –बहुत ख़ुश, अति आनदित।

बागबान (باغبان) फा पु –उद्यानपाल, बाग की रख-वाली करनेवाला, माली।

बागबानी (باغبانی) फा स्त्री –माली का काम, बाग मे पौदे और फूल उगाने और उनकी देख-रेख का काम।

बागबाने अजल (باغبان ازل) फा अ पु –ईश्वर।

बाग़ियानः (باغیانه) अ फा अव्य –विद्रोहियो-जैसा, बागियो-जैसा।

बाग़ी (باغی) अ वि –विद्रोही, बगावत करनेवाला, अवज्ञाकारी, सरकश।

बागे अद्न (باغ عدن) फा अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

बागे आम (باغ عام) फा अ पु.–कपनीबाग, पुरोद्यान।

बागे इरम (باغ ارم) फा पु –वह बाग जो शद्दाद ने बनाया था, जन्नते शद्दाद।

बागे कुदुस (باغ قدس) फा अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

बागे ख़ुल्द (باغ خلد) फा अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

बागेबिहिश्त (باغ بہشت) फा अ पु –स्वर्ग,–"बागे बिहिश्त से मुझे हुक्मे सफर दिया था क्यो ? कारे जहाँ दराज है अब मेरा इतिजार कर।"—इकबाल।

बागे जिनाँ (باغ جنان) फा अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

बागे रिज़्वाँ (باغ رضوان) फा अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

बागे वह्श (باغ وحش) फा अ पु –अजाइब घर जिसमे हर प्रकार के जीव जतु हो, जतुशाला।

बागे शद्दाद (باغ شداد) फा अ पु –वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, और जिसमे प्रवेश करते समय, वह घोडे मे गिरकर मर गया।

बाग़ैरत (باغیرت) फा अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुददार; लज्जावान्, बाहया।

बागोबहार (باغ و بہار) फा स्त्री –शोभायमान्, बारौनक।

बाचश्मेतर (باچشم تر) फा अव्य –आँखो मे आँसू डबडबाते हुए, रोते हुए।

बाचश्मेनम (باچشم نم) फा अव्य –दे 'बा चश्मेतर'।

बाज (باج) फा पु –खिराज, चौथ।

बाज़ (باز) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी, श्येन, पुन, फिर, (प्रत्य)।

बा'ज (بعض) अ वि –कतिपय, चद; कोई-कोई।

बाजख़्वास्त (بازخواست) फा स्त्री –खोज, तलाश, वापस माँगना।

बाजख़्वाह (بازخواه) फा वि –वापस माँगनेवाला।

बाजख़्वाही (بازخواهی) फा स्त्री –वापस माँगना।

बाजगश्त (بازگشت) फा स्त्री – वापसी, लौटना।

बाजगीर (باج گیر) फा वि –ख़िराज लेनेवाला।

बाजगुजार (باج گزار) फा वि –ख़िराज देनेवाला।

बाजदार (باج دار) फा वि –दे 'बाजगीर'।

बाजदा'वा (بازدعوی) फा. अ पु –दावे से दस्तबरदार होना, नालिश वापस लेना।

बाजदीद (بازدید) फा स्त्री.–जवाबी मुलाकात, किसी के मिलने के लिए आने पर उसकी मुलाकात को उसके घर जाना।

बाजपसी (بازپسیں) फा वि –आख़िरी वक़्त, मरने का समय, अतिम काल।

बाजपुर्स (بازپرس) फा स्त्री –पूछगछ, मूआख़ज।

बाजमाअत (باجماعت) फा अ वि –जमाअत के साथ नमाज, मस्जिद मे सबके साथ की नमाज।

बाजमानत (باضمانت) फा अ वि –जमानत के साथ जिसके साथ जमानत भी देना पडे।

बाजमाल (باجمال) फा अ वि –रूपवान्, सुदर, मनोहर, हसीन।

बाजयाफ़्तः (بازیافته) फा वि –फिर पाया हुआ।

बाजयाफ़्तगी (بازیافتگی) फा. स्त्री –फिर से पाना, गयी हुई चीज का मिल जाना।

बाजयाबी (بازیابی) फा स्त्री –दे 'बाजयाफ़्तगी'।

बाजरगाँ (بازرگاں) फा पु –'बाजारगाँ' का लघु, सौदागर, व्यापारी, वणिक्।

बाजरगानी (بازرگانی) फा पु –व्यापार, सौदागरी।

बाज़राए (بادرائع) फा अ वि–जिसके पास साधन हो जो वसीले रखता हो।

बाज़ाइक (باذائقہ) फा अ वि–स्वादिष्ठ मज़ेदार सुस्वादु।

बाज़ाबित (باضابطہ) फा अ वि–क़ानूनी तौर पर नियमपूर्वक नियमबद्ध बाज़ाब्ता।

बाज़ार (بازار) फा पु–हाट बज़ार।

बाज़ारगाँ (بازارگاں) फा पु–वणिक व्यापारी।

बाज़ारी (بازاری) फा वि–बाज़ार का बाज़ार से सम्बन्ध रखनेवाला इतर कमीना अथर स्त्री के लिए हो तो वेश्या।

बाज़ारे हुस्न (بازارِحسن) फा अ पु–चकला रंडीख़ाना वह स्थान जहाँ बहुत-सा रूपवती स्त्रियाँ एकत्र हों।

बाज़िद (بازند) फा वि–धूर्त चालाक एयार वंचक छली खिलाड़ी खिलाड़ी।

बाज़िंदगी (بازندگی) फा स्त्री–धूर्तता मक्कारी वंचकता छल खिलाड़ीपन।

बाज़िल (باذل) अ वि–बख़्शिश दानशील सख़ी फ़य्याज़।

बाजी (باجی) फा वि–बाज देनेवाला ख़िराज देनेवाला।

बाजी (باجی) तु स्त्री–बड़ी बहन आपा अतिवा।

बाज़ी (بازی) फा स्त्री–कौतूहल तमाशा खेल दाँव पण शर्त पर लगाया हुआ रुपया धोखा छल ताश शतरंज आदि का एक बार का खेल ढंग मसखरापन।

बाज़ीगर (بازیگر) फा वि–कौतुकी तमाशा करनेवाला मायावी गोबद बाज़।

बाज़ीगरी (بازیگری) फा स्त्री–कौतुक दिखाना खेल तमाशे करना गोबद बाज़ी करना माया-कर्म।

बाज़ीगाह (بازیگاہ) फा स्त्री–खेलने की जगह क्रीड़ा स्थल कौतुक-स्थान।

बाज़ीगोश (بازی گوش) फा स्त्री–खिलाड़ी शरीर चंचल चपल वह लड़का जो खिलाड़ी लड़कों की आवाज़ पर कान लगाये रहे।

बाज़ीच (بازیچہ) फा पु–खिलौना जिससे बच्चे खेलें खेल तमाशा क्रीड़ा कौतुक।

बाज़ीचए अत्फ़ाल (بازیچۂ اطفال) फा अ पु–बच्चों का खिलौना बच्चों का खेल।

बाज़ू (بازو) फा पु–भुजा बाहु बाँह चिड़ियों के डैन जिनमें पंख लगते हैं सहायता मदद बल ज़ोर गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

बाज़ूबंद (بازوبند) फा पु–अंगद केयूर बिजायठ भुजबंद।

बाज़ूशिकन (بازوشکن) फा वि–शक्तिशाली, ज़ोरावर।

बाज़ूशिकस्त (بازوشکستہ) फा वि–जिसकी भुजाएं टूट गयी हों भग्नबाहु बेबस लाचार टूटी।

बाज़ौक़ (باذوق) फा अ वि–रसिक, सहृद सुरुचिसंपन्न।

बातदबीर (باتدبیر) फा वि–प्रवीण कुशल होशियार, हर काम का ढंग से करनेवाला, मुदब्बिर।

बातनख़्वाह (باتنخواہ) फा वि–जो तनख़्वाह लेकर काम करता हो जिसे वेतन दिया जाता हो।

बातमीज़ (باتمیز) फा अ वि–जो सारे काम सुशीलतापूर्वक करे तमीज़दार शिष्ट सभ्य मुहज़्ज़ब शाइस्ता।

बातम्कीन (باتمکین) फा अ वि–गंभीर सजीदा प्रतिष्ठित मुअज़्ज़ज़।

बातर्जमा (باترجمہ) फा अ वि–जिस मूल पुस्तक के साथ उसका अनुवाद भी हो सटीक सानुवाद।

बातर्तीब (باترتیب) फा अ वि–क्रम से लगा हुआ क्रमबद्ध शृंखलित।

बातसल्सुल (باتسلسل) फा अ वि–लगातार अनवरत अविच्छिन्न, क्रम-बद्ध सर्तीब से।

बातहज़ीब (باتہذیب) फा अ वि–सभ्य शिष्ट मुहज़्ज़ब।

बातिन (باطن) अ पु–मन हृदय दिल अंदर भीतर अन्दरूनी हालत।

बातिनी (باطنی) अ वि–मानसिक दिली आंतरिक अंदरूनी।

बातिनीय (باطنیہ) अ पु–मुसल्मानों का एक सम्प्रदाय।

बातिल (باطل) अ वि–असत्य झूठ ग़लत खंडित रद्द व्यर्थ बेकार निकम्मा बेअसर।

बातिलपरस्त (باطل پرست) अ फा वि–जो सत्यता का पालन न करके असत्यता को अपना ध्येय बनाये।

बातिलशिकन (باطل شکن) अ फा–जो असत्य का खंडन करे सत्यवान।

बातौक़ीर (باتوقیر) फा अ वि–प्रतिष्ठित सम्मानित पूज्य।

बातौफ़ीक़ (باتوفیق) फा अ वि–साधन समद्ध धनी समर्थ सामर्थ्यरत।

बादजान (بادنجان) फा पु–बैंगन भटाकी भाँटा।

बाद (بادہ) फा स्त्री–मदिरा मद्य वारुणी कादम्बिनी हाला माधुरी सुरा शराब।

बाद आशाम (بادہ آشام) फा वि–शराब पीनेवाला पानकर्ता मद्यप रसाशी पानप।

बाद आशामी (بادہ آشامی) फा स्त्री–शराब पीना मद्यपान।

वादःकश (بادہ کش) फा वि –दे 'वाद आशाम' ।

वादःकशी (بادہ کشی) फा स्त्री –दे 'वाद आशामी' ।

वाद ख़ोर (بادہ خور) फा वि –दे. 'वाद आशाम' ।

वाद ख़ोरी (بادہ خوری) फा वि –दे 'वाद आशामी' ।

वादःख़्वार (بادہ خوار) फा वि –दे. 'वाद आशाम' ।

वादःख़्वारी (بادہ خواری) फा स्त्री –दे 'वाद.आशामी' ।

वादःगुसार (بادہ گسار) फा वि –दे. 'वाद आशाम' ।

वाद गुसारी (بادہ گساری) फा. स्त्री.–दे 'वाद आशामी' ।

वादःचश (بادہ چش) फा वि –थोड़ी-सी शराब पीनेवाला, केवल मुँह का स्वाद बदलने को जरा-सी पीनेवाला ।

वाद चशी (بادہ چشی) फा स्त्री –मुँह का मजा बदलने को जरा-सी शराब पीना ।

वाद नोश (بادہ نوش) फा वि.–दे 'वाद.आशाम' ।

वादःनोशी (بادہ نوشی) फा स्त्री –दे. 'वाद आशामी' ।

वाद.परस्त (بادہ پرست) फा वि –बहुत अधिक पीनेवाला, मदिरासेवन, पानरत ।

वाद.परस्ती (بادہ پرستی) फा स्त्री –मदिरा-प्रेम, बहुत पीना ।

वाद पैमा (بادہ پیما) फा वि –दे 'वाद आशाम' ।

वाद पैमाई (بادہ پیمائی) फा स्त्री –दे. 'वाद आशामी' ।

वाद.फरोश (بادہ فروش) फा वि.–शराब वेचनेवाला, सुराजीवी, कल्यपाल, शौंडिक, मद्यवणिक् ।

वाद फरोशी (بادہ فروشی) फा स्त्री –शराब वेचना, मद्य-व्यवसाय ।

वाद फर्सा (بادہ فرسا) फा वि –दे 'वाद आशाम' ।

वाद फर्साई (بادہ فرسائی) फा स्त्री –दे 'वाद आशामी' ।

वाद.बजाम (بادہ بجام) फा वि –पियाले में शराब भरे हुए ।

वाद बलब (بادہ بلب) फा वि –मुँह से शराब का पियाला लगाये हुए ।

वाद संज (بادہ سنج) फा वि –दे 'वाद आशाम' ।

वाद.संजी (بادہ سنجی) फा स्त्री –दे 'वाद आशामी' ।

वाद साज़ (بادہ ساز) फा वि –शराब वनानेवाला, सुराकार।

वादःसाज़ी (بادہ سازی) फा स्त्री –शराब वनाना, मद्य सधान ।

वाद (باد) फा वि –वात, वायु, हवा; घमड, 'बवाद' का लघु, हो, आशीर्वाद,—(प्रत्य) हो, रहो, या शाप के लिए शब्द के अत में आता है, जैसे—'जिंद वाद' जीवित रहो अथवा 'मुर्द वाद' नष्ट हो ।

वा'द (بعد) अ वि –पश्चात्, उपरात, पीछे ।

वादअंगेज़ (بادانگیز) फा. वि –वात यानी सौदा पैदा करनेवाला ।

वा'दअज़ाँ (بعدازاں) फा वि –तत्पश्चात्, उसके वा'द ।

वादअफ़राह (بادافراہ) फा. पु.–यह उच्चारण अशुद्ध है, दे 'वादाफ़राह' ।

वादआवर्द (بادآورد) फा पु –यानी पसीने का खजाना, मुफ्त सम्पत्ति ।

वादए अंगूर (بادۂ انگور) फा स्त्री.–अंगूरी शराब, माध्विका, द्राक्षासव ।

वादए अंग्बीं (بادۂ انگبیں) फा स्त्री –शहद की शराब, माधवी ।

वादए अर्ग़वानी (بادۂ ارغوانی) फा स्त्री –सुर्ख़ शराब ।

वादए अह्मरीं (بادۂ احمریں) फा अ स्त्री –लाल रंग की मदिरा ।

वादए आतशीं (بادۂ آتشیں) फा स्त्री –आग के रंग की मदिरा, अग्निवर्णा ।

वादए इनबी (بادۂ عنبی) फा अ स्त्री –अंगूरी शराब, द्राक्षासव ।

वादए इश्क़ (بادۂ عشق) फा अ स्त्री –प्रेम-मदिरा, मुहब्बत की शराब ।

वादए कुह्नः (بادۂ کہنہ) फा स्त्री –पुरानी मदिरा, जो बहुत तेज होती है ।

वादए गुलफाम (بادۂ گلفام) फा स्त्री –गुलाब के रंग-जैसी शराब, गुलाबी शराब ।

वादए गुलरंग (بادۂ گلرنگ) फा स्त्री –दे 'वादए गुल्फाम' ।

वादए तल्ख़ (بادۂ تلخ) फा स्त्री.–कड़वी शराब, पुरानी शराब, बहुत तेज़ और अच्छी शराब ।

वादए तहूर (بادۂ طہور) फा अ स्त्री –पवित्र मदिरा, स्वर्ग में मिलनेवाली मदिरा ।

वादए तुंद (بادۂ تند) फा स्त्री –तेज शराब ।

वादए दोशीनः (بادۂ دوشینہ) फा स्त्री –रात की रखी हुई शराब, रात को पी हुई शराब ।

वादए नाव (بادۂ ناب) फा स्त्री –बहुत वढिया शराब, खालिस और वेमेल शराब ।

वादए नैशकर (بادۂ نیشکر) फा स्त्री –गन्ने की शराब, गुड की शराब, ठर्रा, सीधु ।

वादए नोशीं (بادۂ نوشیں) फा स्त्री –आवेहयात मिली हुई शराब, अमृत-जैसी शराब ।

वादए पसखुर्दः (بادۂ پس خوردہ) फा स्त्री –पीने से वची हुई शराब ।

बादए रहानी (بادۂ ریحانی) फा अ स्त्री –एक शराब जो बहुत सारे फूलों से बनती है और बड़ी स्वादिष्ठ और सुगंधित होती है।
बादए लालफाम (بادۂ لالہ فام) फा स्त्री –शराब –जिस रंग की बहुत ही सुर्ख शराब।
बादए शबीन (بادۂ شبینہ) फा स्त्री –रात की पी हुई शराब।
बादए शौक (بادۂ شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।
बादए साफी (بادۂ صافی) फा अ स्त्री –स्वच्छ और निर्मल मदिरा।
बादकश (بادکش) फा पु –छत का पंखा धौंकनी।
बादखाय (بادخایہ) फा पु –फोते बढ़ने का मरज, अंत्र वृद्धि।
बादख्वाँ (بادخواں) फा वि –डींगिया शेखीबाज चाटुकार खुशामदी भाट भर्त्सई करनेवाला।
बादगीर (بادگیر) फा स्त्री –हवादार खिड़की, गवाक्ष वातायन।
बादज़न (بادزن) फा पु –पंखा व्यजन हाथ का पंखा।
बाददस्त (باددست) फा वि –फुजूल खर्च अपव्ययी दरिद्र कंगाल।
बाददस्ती (باد دستی) फा स्त्री –फजूलखर्ची अपव्यय दरिद्रता कंगाली।
बादनुमा (باد نما) फा पु –वायु का वेग बतानेवाला यंत्र।
बादपर्रां (باد پراں) फा वि –डींगिया हवा बाँधनेवाला।
बादपर्दा (باد پردہ) फा पु –वातायन गवाक्ष हवा आने की खिड़की।
बादपा (باد پا) फा वि –शीघ्रगति बहुत तेज चलने वाला प्राय घोड़े के लिए आता है।
बादपमा (باد پیما) फा वि –शीघ्र गति तेज रफ्तार मिथ्यावादी बकवासी जंगलों में फिरनेवाला वनचर।
बादपमाई (باد پیمائی) फा अ स्त्री –तेज चलना बकवास जंगलों में फिरना।
बादफर (بادفر) फा स्त्री –फिरकी।
बादफराह (بادفراہ) फा पु –पापदंड गुनाहों की सजा प्रत्युपकार बुराई का बदला।
बादफरोश (باد فروش) फा वि –बातूनी गप्पी चाटुकार खुशामदी शेखी मारनेवाला डींगिया।
बादफरोशी (باد فروشی) फा स्त्री –बकवास खुशामद शेखी।
बादबाक़ी (باد باقی) फा अ स्त्री –राकेट तहवील।
बादबान (بادبان) फा पु –जहाज में लगाया जानेवाला पर्दा जिसमें हवा भरकर जहाज चलता है पालपट, मस्तूल।
बादबानी (بادبانی) फा वि –बादबान द्वारा चलनेवाला पोत बादबान से सम्बन्ध रखनेवाला।
बादबाने अख्ज़र (بادبان اخضر) फा अ पु –आकाश आसमान।
बादबेज़न (باد بیزن) फा पु –फर्शीपंखा।
बादब्दब (بادبدبہ) फा वि –जिसका दबदबा बहुत हो।
बादमे नक्द (بادم نقد) फा अ वि –एकाकी अकेला, तन तनहा।
बादमे सर्द (بادم سرد) फा वि –ठंडी आह भरकर।
बादमोहर (باد مہرہ) फा पु –साँप का फन सर्पमणि एक विष नाशक पत्थर।
बादयान (بادیان) फा स्त्री –सौंफ शतपुष्पा।
बादयाने खताई (بادیان خطائی) फा स्त्री –एक दवा।
बादरंजबोया (باد رنجبویہ) फा पु –एक दवा बिलाई लोटन।
बादरफ्तार (بادرفتار) फा वि –हवा की भाँति शीघ्र गति वाला वायुवेग।
बादरफ्तारी (بادرفتاری) फा स्त्री –हवा की भाँति तेज चलना।
बादरीश (بادریش) फा वि –अभिमान अहंकार घमंड।
बा'दलममात (بعدالممات) अ अव्य –मौत के बाद मरण पश्चात।
बादशह (بادشہ) फा पु –बादशाह का लघु, दे बादशाह।
बादशाह (بادشاہ) फा पु –शासक नरेश राजा।
बादशाही (بادشاہی) फा स्त्री –शासन राज हुकूमत राष्ट्र राज्य सल्तनत।
बादसज (بادسنج) फा वि –व्यर्थ के काम करनेवाला व्यर्थकारी लोलुप लोभी लालची।
बादसर (بادسر) फा अ वि –दे बादपा।
बादहवाई (بادہوائی) फा स्त्री –गप बाचालता व्यर्थ की बकवाद।
बादा (بادا) फा अव्य –हो।
बादाफराह (بادافراہ) फा पु –पाप-दंड गुनाह की सजा प्रत्युपकार बदी का बदला।
बादाम (بادام) फा पु –एक प्रसिद्ध मेवा वाताम बदाम।
बादामी (بادامی) फा वि –बादाम का रंग हलका पीला जो सफेदी लिए हो।
बादिंजान (بادنجان) फा पु –बैगन दे बादंजान दोनों शुद्ध हैं।
बादिय (بادیہ) अ पु –वन कानन विपिन जंगल।

वादियः (بادیہ) तु पु.–वडा पियाला।
वादिय:गर्द (بادیہگرد) अ फा वि –जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, वनचारी।
वादिय:नशीं (بادیہنشین) अ फा वि –जंगल मे रहनेवाला, जगली, खान वदोश।
वादिय:पैमा (بادیہپیما) अ फा वि –दे. 'वादिय गर्द'।
वादिय:पैमाई (بادیہپیمائی) अ फा स्त्री.–जंगलों मे मारा-मारा फिरना।
वादियुन्नज़र (بادی النظر) अ. स्त्री.–पहली दृष्टि, ऊपरी दृष्टि।
वादिर्राय (بادی الرائے) अ स्त्री –ऊपरी विचार।
वादिले ख़ारख़ार (بادل خارخار) फा अव्य –दुखी मन से, विवशता से, वहुत ही दु ख से।
वादिले ज़ार (بادل زار) फा अव्य –रोते हुए दिल से, दुखी हृदय से।
वादिले ना ख्वास्त: (بادل ناخواستہ) फा अव्य –इच्छा के विरुद्ध, मन न चाहते हुए, विवशता से।
वादी (بادی) अ वि –प्रारभकर्ता, शुरूअ करनेवाला, आरभ, इब्तिदा, व्यक्त, जाहिर।
वादी (بادی) फा वि –वायु से सम्वन्धित, हवाई।
वादीदए तर (بادیدۂ تر) फा अव्य –भीगी आँखो के साथ, अर्थात् रोते हुए, वहुत ही दु ख के साथ।
वादीदए नम (بادیدۂ نم) फा. अव्य –दे 'वादीदए तर'।
वादे ईसा (باد عیسیٰ) फा. अ स्त्री –हज़रत ईसा की फूँक, जिससे मुर्दे जी उठते थे।
वादे ख़िज़ाँ (باد خزاں) फा. स्त्री –पतझड की ऋतु की हवा।
वादे ज़म्हरीर (باد زمہریر) फा स्त्री –शीतकाल की वहुत ही ठडी वायु, जिससे हाथ-पाँव ठिठुर जाते है।
वादे तुंद (باد تند) फा स्त्री –तेज वायु, झझावात, झक्कड।
वादे नसीम (باد نسیم) फा अ. स्त्री –शीतल, मद और सुगधित समीर।
वादे फ़त्क़ (باد فتق) फा अ स्त्री –अत्र-वृद्धि, फोते का वढ जाना।
वादे फ़रग (باد فرنگ) फा स्त्री –उपदश, आतशक, गर्मी रोग।
वादे वहार (باد بہار) फा स्त्री –वसत ऋतु की सुगधित और शीतल वायु।
वादे वहारी (باد بہاریں) फा स्त्री –दे 'वादे वहार'।
वादे वहारी (باد بہاری) फा स्त्री –दे 'वादे वहार', "न छेड ऐ नक्हते वादे वहारी राह लग अपनी। तुझे अठखेलियाँ सूझी है, हम वेजार वैठे है।"
वादे मुआफ़िक (باد موافق) फा अ स्त्री.–वह वायु जो नाव के रुख़ पर चले, जिससे नाव शीघ्र और ठीक चले।
वादे मुख़ालिफ़ (باد مخالف) फा अ स्त्री –वह वायु जो नाव की विरुद्ध दिशा मे चले, जिससे नाव न चल सके।
वादे मुराद (باد مراد) फा स्त्री –दे. 'वादे मुआफिक'।
वादे शुर्त (بادشرط) फा अ स्त्री –दे 'वादे मुआफिक'।
वादे सवा (باد صبا) फा स्त्री –सवेरे की पुर्वा हवा।
वादे समूम (باد سموم) फा अ स्त्र –कडी और घातक लपट, वह वायु जिसमे विप पैदा हो गया हो।
वादे सर्सर (باد صرصر) फा स्त्री –झझावात, झक्कड।
वादे सहर (باد سحر) फा अ स्त्री –सवेरे के वक़्त पूर्व से चलनेवाली शीतल और मद वायु।
वानः (بانہ) फा पु –उपस्थ, पेडू, नाभि के नीचेवालो का स्थान।
वान (بان) फा प्रत्य –वाला, जैसे—'शुतुरवान', ऊँटवाला, (पु) वर्ण, रग।
वान (بان) अ पु –एक पेड जिसके फल का तेल दवा मे काम आता है।
वानवा (بانوا) फा. वि –समृद्ध, धनवान्, मालदार।
वानसीव (بانصیب) फा अ वि –भाग्यवान्, भाग्यशाली, खुशकिस्मत।
वानिए कार (بانئی کار) अ फा पु –किसी कार्य का प्रवर्तक, किसी काम का प्रथम करने वाला।
वानिए जफा (بانئی جفا) अ वि –अत्याचार करनेवाला।
वानिए ज़ुल्म (بانئی ظلم) अ वि –दे 'वानिए जफा'।
वानिए जौर (بانئی جور) अ वि –दे 'वानिए जफा'।
वानिए फसाद (بانئی فساد) अ फा वि –झगडे की जड, झगडा करानेवाला, जिसके कारण कोई झगडा हुआ हो।
वानिए फ़िल्न: (بانئی فتنہ) अ फा वि –दे 'वानिए फसाद'।
वानिए फ़िरेव (بانئی فریب) अ फा वि –धोखा देनेवाला, वचक, ठग।
वानिए वेदाद (بانئی بیداد) अ फा वि –दे 'वानिए जफा'।
वानिए शर (بانئی شر) अ वि –दे 'वानिए फसाद'।
वानिए सितम (بانئی ستم) अ फा वि –दे 'वानिए जफा'।
वानी (بانی) अ वि –किसी काम की शुरुआत करनेवाला।
वानीकार (بانی کار) फा वि –वहुत ही धूर्त और फित्तीन।
वानीमवानी (بانی مبانی) अ फा वि –मूल कारण, अस्ल जड।
वा पर्हेज़ (باپرہیز) फा वि –परहेज करनेवाला, वीमारी की दशा मे खाने-पीने मे ठीक-ठीक रहनेवाला।
वाफ (باف) फा प्रत्य –वुननेवाला, जैसे—'शालवाफ' शाल वुननेवाला।

बाफ़कार (بافکار) फा वि–बुननेवाला जुलाहा।
बाफ़राग़त (بافراغت) फा अ वि–संतोषपूर्वक, इत्मीनान से सुगमतापूर्वक आसानी से।
बाफ़िंद (بافندہ) फा वि–बुननेवाला वायक कुविंद।
बाफ़्दिगी (بافندگی) फा स्त्री–कपड़ा बुनने का काम।
बाफ़्त (بافتہ) फा वि–बुना हुआ।
बाफ़्त (بافت) फा स्त्री–बुनाई बुनने का काय ;बिनावट बुनत।
बाब (باب) फा पु–योग्य लाइक सम्बन्ध बार।
बाब (باب) अ पु–द्वार दरवाज़ा परिच्छेद, फस्ल (पुस्तक का)।
बाबक (بابک) फा पु–सत्यनिष्ठ अमीन ईरान का एक प्राचीन शासक।
बाबत़न (بابزن) फा स्त्री–कबाब सकने की लोहे की सीख।
बाबत (بابت) फा स्त्री–वास्ते लिए सम्बन्ध में बारे में।
बाबर (بابر) तु पु–तुर्की में यह शब्द बाबुर है परंतु उर्दू में बाबर हो गया प्रसिद्ध नरेश जो हुमायूं का बाप था।
बाबवार (بابوار) अ फा वि–पुस्तक के परिच्छेदों के हिसाब से।
बाबा (بابا) अ पु–पिता बाप दादा नाना सरदार।
बाबिल (بابل) अ पु–इराक का एक प्राचीन नगर जो ईसा से दो हज़ार वर्ष पूर्व इराक की राजधानी था अब खंडहर है। बग़दाद से ६० मील दूर फ़रात के किनारे था।
बाबी (بابی) फा पु–एक धर्म जो मीरज़ाअली मुहम्मद ईरानी ने निकाला था इस धर्म का अनुयायी।
बाबुल (بابل) अ पु–दे शुद्ध उच्चारण बाबिल यह असाधु है।
बाबुस्समाए (باب السما) अ पु–आकाश-गंगा।
बाबूना (بابونہ) फा पु–एक पत्ती जो दवा के काम आती है।
बाबूर (بابور) अ पु–स्टीमर मशीन से चलनेवाली बड़ी नाव।
बाबे अदम (باب عدم) अ पु–यमलोक का द्वार यमलोक।
बाबे इजाबत (باب اجابت) अ पु–दुआ या प्रार्थना की स्वीकृति का द्वार।
बाबे इल्म (باب علم) अ पु–विद्याव्यों घर का द्वार।
बाबे कबूल (باب قبول) अ पु–दे बाब इजाबत।
बाम (بام) फा पु–छत अटारी — जो निवाज़ रख उसने दी तो कब भी लगा दी उस हर निगाह लेकिन कोई बाम तक न पहुँचे।
बामगाह (بامگہ) फा स्त्री–प्रातःकाल तड़का सवेरा।
बामज़ (بامزہ) फा वि–स्वादिष्ट सुस्वादु मज़ेदार।
बामज़ाक़ (بامذاق) फा अ वि–सहृदय रसिक, परिहास प्रिय, विनोदी दिल्लगीबाज़।
बामदाद (بامداد) फा पु–तड़का सवेरे प्रातःकाल।
बामदादा (بامدادا) फा पु–दे बामदाद।
बामुए परीशाँ (باموئے پریشاں) फा अव्य–बाल बिखरे हुए।
बामे अर्श (بام عرش) फा अ पु–अर्श की चोटी बहुत ऊँचा स्थान।
बामे गर्दू (بام گردوں) फा पु–आकाश का छत, अर्थात् आकाश।
बामे दुनया (بام دنیا) फा अ–संसार की छत अर्थात् पामीर जो मध्य एशिया का एक देश है।
बामे नहुम (بام نہم) फा पु–नवां आकाश अर्थात् अर्श जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।
बामे मसीह (بام مسیح) फा अ पु–चौथा आकाश जहाँ हज़रत ईसा रहते हैं।
बायद (باید) फा क्रि–चाहिए।
बायदोशायद (باید شاید) फा वि–अद्भुत विचित्र अनोखा।
बायस्त (بایستہ) फा वि–योग्य, लाइक, उत्तम श्रेष्ठ आला।
बायस्तगी (بایستگی) फा स्त्री–उत्तमता उम्दगी योग्यता लियाक़त।
बायस्तनी (بایستنی) फा वि–होने के योग्य, जिसका होना चाहिए आवश्यक ज़रूरी।
बार (بار) फा पु–घेरा इहाता प्राचीर, बार दफ़ा सम्बन्ध मुआमला।
बार (بار) फा स्त्री–बोझ भार आज्ञा इजाज़त पहुँच रसाई दफ़ा मरतबा, गर्भ हम्ल ऋण, क़र्ज़ (प्रत्य) बरसानेवाला जैसे—अश्कबार आँसू बरसानेवाला।
बारअंदाज़ (بارانداز) फा पु–ठहरना उतरना, कहीं विश्राम करना।
बारआवर (بارآور) फा वि–फलदार, जिसमें फल लगा हो गर्भवती हामिला नतीजखेज़ सफल।
बारकल्लाह (بارک اللہ) अ पु–ईश्वर बरकत अर्थात् समृद्धि और कल्याण प्रदान करे।
बारकश (بارکش) फा वि–बोझ ढोनेवाला हम्माल, भारवाहक लद्दू जानवर।
बारकशी (بارکشی) फा स्त्री–बोझ ढोना भारवाहन।
बारख़ान (بارخانہ) फा पु–सामान रखने का मकान गोदाम।
बारगह (بارگہ) फा स्त्री–बारगाह का लघु दे बारगाह।

बारगाह (بارگاه) फा स्त्री –दरवार, राजसभा, राजमहल, शाही मकान, कचहरी।
वारगी (بارگی) फा. पु –अश्व, घोड़ा।
वारगीर (بارگیر) फा वि –साईस, अश्वपाल; अश्व, घोडा, उष्ट्र, ऊँट, वैल, वृषभ।
वारतग (بارتنگ) फा स्त्री –एक दाना जो दवा मे चलता है।
वारदानः (باردانہ) फा पु –दे 'वारदान'।
वारदान (باردان) फा पु –वह चीज जिसमे वोझ अर्थात् सामान रखे, खुर्जी, वोरा आदि।
वारदार (باردار) फा वि –फला हुआ, फलित, गर्भवती, हामिला।
वा रद्दोकद (باردوکد) फा अ. अव्य.–वडी हुज्जतो के साथ, वाद-विवाद होकर।
वारफरोश (بارفروش) फा वि –थोक सौदा वेचनेवाला।
वारवद (باربد) फा पु –एक गवैया, जो खुस्रो परवेज़ के दरवार मे था।
वारवर (باربر) फा वि –वोझ ले जानेवाला, वोझ ढोनेवाला।
वारवरदार (باربردار) फा वि –वोझ उठानेवाला, भार-वाहक।
वारवरदारी (باربرداری) फा स्त्री –वोझ उठाना, भार-वहन।
वारयाव (بارياب) फा वि –जिसे किसी वड़ी जगह पहुँचने की आज्ञा मिल गयी हो, जो पहुँच गया हो।
वारयावी (بارىابى) फा स्त्री –रसाई, पहुँच, किसी वड़े और प्रतिष्ठित आदमी के पास पहुँच।
वारवर (باوور) फा वि –फलित, फल आया हुआ, सफल, कामयाव, सतानवान्, औलादवाला।
वारहा (بارها) फा वि –वहुधा, प्राय, अक्सर, वारवार, वार-वार।
वारां (باراں) फा पु –वर्षा, वरसात; वर्षाजल, वरसात का पानी, वर्षाऋतु, वरसात का मौसिम।
वारांगीर (باراں گیر) फा पु –घर या मकान का छज्जा, सायवान।
वारांगुरेज (باراں گریز) फा पु –दे 'वारांगीर'।
वारांदीदः (باراں دیدہ) फा वि.–जिस पर मेह पड चुका हो, अनुभवी, तज्रिव कार।
वारांवार (باراں بار) फा पु –वर्षा प्रधान देश, वह देश जहाँ पानी वहुत वरसता हो।
वारानी (بارانی) फा स्त्री –वरसाती कोट आदि, वह भूमि जो केवल वर्षा के सहारे हो।
वाराने रहमत (باران رحمت) फा अ. पु –वर्षा, वारिश, ऐसी वर्षा जो लाभ दायक हो, अनिष्ट न करे।
वारिकः (بارقہ) अ पु –विजली, तडित, चमकनेवाली चीज; तलवार।
वारिक (بارق) अ वि –प्रज्वलित, प्रकाशमान, नूरानी, चमकदार।
वारिज़ (بارز) अ वि –प्रकट, व्यक्त, जाहिर, स्पष्ट, वाजिह, आविर्भूत, उत्पन्न।
वारिद (بارد) अ वि –ठडा, सर्द; निस्वाद, नीरस, वेमजा।
वारिया (باريا) फा वि –पाखडी, धर्मध्वजी।
वारियाज़त (باریاضت) फा अ वि –तपस्वी, योगी।
वारिश (بارش) फा स्त्री –वर्षा, वरसात, वर्षाकाल, वरसात का मौसिम, वर्षाजल, वरसात का पानी।
वारिशी (بارشی) फा.वि –वर्षा सम्वन्धी, वर्षाका, वरसाती।
वारिशे खूँ (بارش خوں) फा. स्त्री.–रक्तवर्षा, खून वरसना।
वारिशे गुल (بارش گل) फा स्त्री –पुष्पवर्षा, फूल वरसना
वारिशेज़र (بارش زر) फा स्त्री –स्वर्णवर्षा, सोना अर्थात् धन वरसना, धन का वाहुल्य।
वारी (بارى) अ पु –स्रष्टा, पैदा करनेवाला, ईश्वर।
वारी (بارى) फा स्त्री –नौवत, पारी, जैसे—वुखार की वारी।
वारीक (باریک) फा वि –महीन, पतला, सूक्ष्म, लतीफ, गूढ, दकीक।
वारीकखयाल (باریک خیال) फा अ वि –नाजुक खयाल, सूक्ष्म विचार।
वारीकनज़र (باریک نظر) फा अ वि –वारीकी देखनेवाला, किसी चीज के गुण-दोष पहचाननेवाला, मर्मज्ञ।
वारीकनिगाह (باریک نگاہ) फा वि –दे 'वारीकनजर'।
वारीकवीं (باریک بیں) फा वि –सूक्ष्मदर्शी, वारीक नजर।
वारीकवीनी (باریک بینی) फा स्त्री –सूक्ष्मदर्शिता, वारीकी देख लेना।
वारीकमियाँ (باریک میاں) फा वि –जिसकी कमर पतली हो, कृशोदरी।
वारीकरौ (باریک رو) फा वि –किफायत शिआर, मितव्ययी।
वारीकी (باریکی) फा वि –पतलापन, सूक्ष्मता, लताफत; गूढता, जटिलता, वात की वारीकी।
वारिदः (باریدہ) फा वि –वर्षित, वरसा हुआ।
वारीदनी (باریدنی) फा अव्य –वर्षणीय, वरसने योग्य।
वारूत (باروت) फा स्त्री – दे 'वारूद'।
वारूद (بارود) फा स्त्री –शोरा, श्वेतक्षार, गंधक और शोरे का मिश्रण, अग्निचूर्ण।

बारूदी (باروتی) फा वि –बारूद सम्बन्धी, बारूद की बारूद बिछी हुई जैसे—बारूदी सुरंग।

बारे (بارے) फा अव्य –अस्तु खैर अतत, आखिरकार।

बारे अजीम (بارعظیم) फा अ पु –बहुत बडा बोझ बहुत बड़ी जिम्मेदारी।

बारे अमानत (بارامانت) फा अ पु –अमानत या धरोहर की जिम्मेदारी।

बारे अलम (بارالم) फा अ पु –दुख का भार प्रेमके दुख का भार।

बारे आम (بارعام) फा अ पु –सब की पहुँच, सब को आने जाने की आज्ञा।

बारे आलाम (بارآلام) फा अ पु –मुसीबतों के पहाड, अपार मुसीबतें।

बारे कफालत (بارکفالت) फा स्त्री –जायदाद पर ऐसा कर्ज जिसके बदले में जायदाद रेहन का गयी हो।

बारे क़र्ज (بارقرض) फा अ पु –ऋण का बोझ।

बारे ख़ातिर (بارخاطر) फा अ पु –तबीअत का बोझ, ऐसी बात या ऐसा काम जिसे मन न चाहे।

बारे गरॉं (بارگراں) फा पु –भारी बोझ जो उठ न सके या जिसके उठाने में कष्ट हो बड़ी जिम्मेदारी।

बारे गुनाह (بارگناہ) फा पु –गुनाहों का बोझ पाप भार।

बारे दिगर (باردگر) फा स्त्री –पुन फिर दूसरी बार।

बारोब (بارعب) फा अ वि –रोब दाबवाला व्यक्ति।

बाल (بال) अ पु –प्राण, जान दशा हाल समृद्धि दौलत ऐश सुख श्रेष्ठता बडप्पन वैभव शान।

बाल (بال) फा पु –कंधे से उगलियो तक पूरा हाथ चिडियो का डैना जिसमें पर लगते है बाजू पर पंख पक्ष।

बाल (بعل) अ पु –पति भर्ता खाविंद शौहर अरब की एक मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।

बालअफ्शॉं (بال‌افشاں) फा वि –पर फैलाये हुए पर झाड्ता हुआ पर फड्फडाता हुआ।

बालअफ्शानी (بال‌افشانی) फा स्त्री –पर झाडना पर फड्फडाना पर तोलना।

बालकुशा (بال‌کشا) फा वि –पर खोले हुए।

बालजुबानी (بال‌جنبانی) फा स्त्री –पर फडफडाना पर फैलाना

बालफिशॉं (بال‌فشاں) फा वि –दे बालअफ्शॉं।

बाला (بالا) फा वि –ऊंचा बलन्द शरीर देह आगे आगे गामन प्रधान श्रेष्ठ जिसे बर्ज़ीहहो ऊपर उपरि।

बालाई (بالائی) फा वि –ऊपरवाला ऊपर का अम्ल से अलावा मूल के अतिरिक्त क्षीरसार मलाई।

बालाए ताक (بالائےطاق) फा वि –ताक पर, पृथक अलग जिससे कोई सम्बन्ध न हो।

बालाए बाम (بالائےبام) फा वि –अटारी पर, छत पर
आखिरे नवशाद के काबिल थी बिस्मिल की तड़प।
सुबह दम कोई अगर बालाए बाम आया तो क्या ?

बालाओपस्त (بالاوپست) फा पु –ऊँच नीच नीचा-ऊचा।

बालाखान (بالاخانہ) फा पु –अट्टालिका छत के ऊपर का मकान।

बालातर (بالاتر) फा वि –बहुत ऊँचा, किसी विशेष चीज से ऊचा।

बालादवी (بالادوی) फा स्त्री –शीघ्र गति तेजी, जल्दी।

बालादस्त (بالادست) फा वि –श्रेष्ठ, प्रतिष्ठित उच्च आ'ला, जबर्दस्त, अफ़्ज़ल बुलंद मरतबा।

बालानशी (بالانشیں) फा वि –मान्य पूज्य, प्रतिष्ठित सभापति सद्र।

बालापोश (بالاپوش) फा पु –सब कपडो से ऊपर पहनने का कपड़ा उत्तरीय निचोल।

बालाबलद (بالابلند) फा वि –लबे कद का, लबे शरीर वाला लंबे शरीर की नायिका।

बालाबपस्त (بالاوپست) फा वि –ऊचा नीचा ऊंच-नीच आकाश और पृथ्वी।

बालिंगू (بالنگو) फा पु –एक दाने जो दवा में काम आते है।

बालिग़ (بالغ) अ वि –वह लड़का या लड़की जो युवा वस्था को प्राप्त हो चुकी हो वयस्क वय प्राप्त।

बालिग़नज़र (بالغ‌نظر) अ वि –अनुभवी, परिपक्व, तज्रिब कार ममज्ञ दोषगुण का पारखी।

बालिग़नज़री (بالغ‌نظری) अ स्त्री –अनुभव तज्रिब दोषगुण की परख ममज्ञान।

बालिग़निगार (بالغ‌نگار) अ फा वि –जिसकी रचना सार गर्भित और ममपूर्ण हो।

बालिग़निगारी (بالغ‌نگاری) अ फा स्त्री –रचना में गूढता और सूक्ष्मता होना।

बालिग़निगाह (بالغ‌نگاہ) अ फा वि –दे बालिग़नज़र।

बालिग़निगाही (بالغ‌نگاہی) अ फा स्त्री –दे बालिग़ नज़री।

बालिश (بالش) फा पु –तकिया उपधान बालिश मसनद सिरहाना।

बालिशेपर (بالش‌پر) फा पु –परो का तकिया वह तकिया जिसके भीतर पर भरे हो।

बालिश्त (بالست) फा पु –उपधान तकिया वितस्ति छिती नौ इंच की नाप।

बालिश्तक (بالشتک) फा पु –आल्पीनें खोसने की गद्दी, पिन-कुशन ।

बालीं (بالیں) फा स्त्री –तकिया, उपधान, सिरहाना, शिरोहण ।

बालींपरस्त (بالیں پرست) फा वि –पलग पर पडा रहनेवाला, आरामतलब ।

बालींपरस्ती (بالیں پرستی) फा स्त्री –पलग पर पडा रहना, आरामतलबी ।

बालीदः (بالیدہ) फा वि –बढा हुआ, विकसित ।

बालीदगी (بالیدگی) फा स्त्री –विकास, बढाव ।

बालूअः (بالوعہ) अ पु –कुडी, जिसमे बरसात या घर का खराब पानी जाता हो ।

बालून (بالون) अ पु –गुब्बारा, बागोल; अभ्रपथ ।

बाले जिब्रील (بال جبریل) फा अ. पु –जिब्रील के पर, जिब्रील की उडान ।

बाले हुमा (بال ہما) फा पु.–हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पडने से मनुष्य राजा हो जाता है ।

बालोपर (بال وپر) फा पु –पर और बाज़ू, शक्ति, बल, सामर्थ्य ।

बालोपर शिकस्त. (بال وپرشکستہ) फा वि –जिसके बाज़ू और पर टूट गये हो, अर्थात् विवश, लाचार ।

बावकार (باوقار) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, श्रेष्ठ, मुअज्जज ।

बावकुअत (باوقعت) फा अ वि –दे 'बावकार' ।

बावक्र (باوقر) फा अ वि –दे 'बावकार' ।

बावजुअ (باوضع) फा अ. वि –वज्अदार, जो अपनी वज्अ का पावद हो ।

बावफा (باوفا) फा अ वि –नमक हलाल, स्वामिभक्त, आज्ञानुयायी, फर्माबरदार ।

बावर (باور) फा पु.–विश्वास, प्रत्यय, एतिबार ।

बावरची (باورچی) फा पु –खाना पकानेवाला, सूपकार, पाचक, रसोइया ।

बावरचीखानः (باورچی خانہ) फा पु –खाना पकाने का स्थान, महानस, पाकशाला ।

बावरचीगरी (باورچی گری) फा स्त्री –रसोइया का काम, खाना पकाना, रसोइया का पेशा ।

बावस्फ (باوصف) फा अ अव्य –बावुजूद, यद्यपि, सत्यपि ।

बावुजूद (باوجود) फा अ अव्य –बावस्फ, यद्यपि, सत्यपि ।

बावुजूदे कि (باوجودےکہ) फा अ अव्य –यद्यपि, अगरचे ।

बाशः (باشہ) फा पु –एक शिकारी पक्षी, शिक्र ।

बाश (باش) फा प्रत्य –रहनेवाला, जैसे—'हाजिरबाश' उपस्थित रहनेवाला ।

बाशद (باشد) फा क्रि –हो, शायद ।

बाशद्दोमद (باشدومد) फा अ अव्य –जोर-शोर के साथ, धूमधाम के साथ, साहस और उमग के साथ, दा'वे के साथ ।

बाशा (باشا) तु पु –एक बडा खिताब, पाशा ।

बाशिदः (باشندہ) फा पु –निवासी, रहनेवाला ।

बाशी (باشی) तु पु.–नायक, सरदार ।

बाशुऊर (باشعور) फा अ वि –बुद्धिमान, अक्लमद, शिष्ट, तमीजदार ।

बा'स (بعث) अ पु –जगाना, उठाना, कियामत, महाप्रलय ।

बासक (باسک) फा स्त्री –जँभाई, जृंभा ।

बासलीकः (باسلیقہ) फा अ वि –तमीजदार, शिष्ट; जिसे चीजो को ढग से रखने और काम को शिष्टता पूर्वक करने की आदत हो ।

बासलीक़ (باسلیق) अ स्त्री –हाथ की एक रग जो फस्द के लिए खोली जाती है ।

बासलीक़ून (باسلیقون) अ स्त्री –मसी, सियाही, कालिमा, कालापन ।

बासित (باسط) अ वि –उन्नति और विकास देनेवाला, ईश्वर का एक नाम ।

बासिर. (باصرہ) अ स्त्री –दृष्टि, नजर, नेत्रशक्ति, कुव्वते बासिर ।

बासिलसिलः (باسلسلہ) फा अ अव्य –क्रमबद्ध, सिलसिलेवार ।

बासुकून (باسکون) फा अ अव्य –शातिमय, सतोषपूर्ण ।

बासूर (باسور) अ स्त्री –एक बीमारी, बवासीर, अर्श, नाक का बढा हुआ मास ।

बासूरी (باسوری) अ वि –बासूरसम्बन्धी ।

बासूरे दमवीं (باسورِ دموی) अ स्त्री –खूनी बवासीर, रक्तार्श ।

बासूरे रियाही (باسورِ ریاحی) अ स्त्री.–बादी बवासीर, वातार्श ।

बा'सोनश्र (بعث ونشر) अ पु –कियामत का दिन, जिस दिन सब लोग उठेंगे और चारो तरफ फैल जायेंगे ।

बास्ताँ (باستاں) फा वि –प्राचीन, पुरातन, पुराना, इस शब्द का पास्ताँ कहना अशुद्ध है ।

बाह (باہ) अ स्त्री –कामशक्ति, मैथुनशक्ति ।

बाहम. ओ बेहमः (باہمہ وبےہمہ) फा अव्य –सबके साथ, और किसीके साथ न हो, ऐसा व्यक्ति जो भलाई मे सबके साथ हो, और बुराई मे किसी के साथ न हो ।

बाहम (باهم) फा वि–परस्पर, अन्योन्य, आपस में, एक साथ मिलकर।

बाहमदिगर (باهمدگر) फा वि–परस्पर, एक-दूसरे से मिलकर।

बाहमी (باهمی) फा वि–पारस्परिक आपस का।

बाहमीयत (باحميت) फा अ वि–स्वाभिमानी, सुन्दर लज्जावान, हयादार।

बाहया (باحيا) फा अ वि–जिसमें लज्जा बहुत हो शर्मीला गैरतमन्द लज्जावान।

बाहवास (باحواس) फा अ वि–जो होशोहवास में हो सचेत।

बाहिर (باهر) अ वि–स्पष्ट व्यक्त जाहिर प्रकाशमान रौशन।

बाहूर (باحور) अ पु–अत्यंत गर्मी ग्रीष्म ऋतु के आठ दिन जो बहुत गर्म होते हैं और असाढ़ के अंत में पड़ते हैं।

बाहैसियत (باحيثيت) फा अ वि–प्रतिष्ठित सम्मानित, इज्ज़तदार समर्थ समृद्ध मालदार।

बाहौसला (باحوصله) फा अ वि–हिम्मतवाला, उत्साही।

बि

बिंत (بنت) अ स्त्री–लड़की पुत्री सुता दुहिता तनया।

बिंतुलअम्म (بنت العم) अ स्त्री–चचा की लड़की।

बिंतुलइनब (بنت العنب) अ स्त्री–अंगूर की लड़की अर्थात अंगूर की शराब द्राक्षासव मदिरा सुरा।

बिंतुलउख्त (بنت الاخت) अ स्त्री–बहन की लड़की, भानजी भगिनीसुता भागिनेयी।

बिंतुलकर्म (بنت الكرم) अ स्त्री–→ बिंतुलइनब।

बिंतुलकाफ (بنت القاف) अ स्त्री–काफ की परी काफ निवासिनी।

बिंतुलबह्र (بنت البحر) अ स्त्री–समुद्र सुता जलपरी लक्ष्मी।

बिंते आदम (بنت آدم) अ स्त्री–आदम की लड़की अर्थात स्त्रीवर्ग स्त्री नारी औरत।

बिंते इनब (بنت عنب) अ स्त्री–शराब मदिरा।

बिंते हव्वा (بنت حوا) अ स्त्री–हव्वा की पुत्री अर्थात स्त्रीवर्ग स्त्री नारी।

बिंसर (بنصر) अ स्त्री–दूसरी छोटी उँगली अनामिका।

बिअल्काबिही (بالقابه) अ अव्य–अपने सारे अल्काब के साथ जिस किसी के नाम के साथ बहुत-सी उपाधियाँ लगती हों उन्हें न लिखकर केवल यह शब्द लिख देते हैं।

बिआद (بعاد) अ स्त्री–दूरी फासिला।

बिंग (بنگ) तु पु–→ 'बिग।

बिंगबाशी (بنگباشی) तु पु–→ 'बिगबाशी।

बिक्र (بكر) अ स्त्री–कुमारी, दोशीज़ा (वि) ऐसा काम जो पहले न हुआ हो।

बिक्रनिगाह (بكرنگاه) अ फा स्त्री–वह नायिका जिसे अभी हाव भाव न आते हों।

बिग (بگ) तु पु–'बेग' का लघु नायक सरदार।

बिगताश (بگتاش) तु पु–जिसके बहुत से दास-दासियाँ हों जो एक ही स्वामी के दास हों, क्रयदास।

बिगबाशी (بگباشی) तु पु–फौज का मेजर सेनानायक।

बिगयारुक (بگیارق) तु पु–एक स्वामी के दास क्रीतदास।

बिज़न (بزن) फा पु–वध कत्ल (क्रि) मार, जान से मार डाल।

बिज़नगाह (بزنگاه) फा स्त्री–वधस्थल, मक्तल कत्लगाह।

बिज़ाअत (بضاعت) अ स्त्री–सामर्थ्य मक़दूर, पूँजी सरमाया।

बिज़ातिही (بذاته) अ अव्य–अपने दम से स्वयं आप।

बिज़िंसिही (بجنسه) अ अव्य–बिल्कुल वैसा ही तद्रूप तदाकार तरसम।

बिज़्अ (بضع) अ पु–तीन से नौ तक की संख्या इनके बीच की कोई संख्या।

बिज़्ज़ुरूर (بالضرور) अ अव्य–अवश्य जुरूर जुरूर।

बिज़्ज़रूरत (بالضرورت) अ अव्य–आवश्यकता पड़ने पर, ज़रूरत पर।

बितमामिही (بتمامه) अ अव्य–पूर्णतया पूरे तौर पर सबका सब कुल संपूर्ण।

बितालत (بطالت) अ स्त्री–शूरता वीरता बहादुरी।

बितक्दीर (بالتقدير) अ अव्य–भाग्यवश किस्मत से।

बित्तख्सीस (بالتخصيص) अ अव्य–विशेषतः खास तौर पर।

बित्तफ़्सील (بالتفصيل) अ अव्य–विस्तारपूर्वक तफ्सील के साथ।

बित्तब्अ (بالطبع) अ वि–स्वभावतः स्वभाव से तबीअत से दिल से।

बित्तमाम (بالتمام) अ वि–सबका सब पूरा का पूरा।

बित्तर्तीब (بالترتيب) अ वि–क्रम के साथ तर्तीब के साथ एक के बाद एक, सिलसिलेवार।

बित्तश्रीह (بالتشريح) अ क्रि–व्याख्या के साथ तश्रीह के साथ विस्तार के साथ तफ्सील के साथ।

बित्तस्रीह (بالتصريح) अ क्रि–विस्तारपूर्वक तफ्सील के साथ स्पष्टतया वज़ाहत के साथ।

बित्तहक़ीक़ (بالتحقیق) अ. वि –निश्चयपूर्वक।

बित्तीख़ (بطیخ) अ. पु –खरबूजा।

बित्तीख़े अख़्ज़र (بطیخ اخضر) अ. पु –तरबूज।

बित्यारः (بتیارہ) फा. पु –आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, बला, दैवी आपत्ति, अभिचार, जादू; छल, फरेब; देव, पिशाच।

बित्रीक़ (بطریق) अ पु –पादरी, क्रिस्तानी।

बिदाअत (بداءت) अ स्त्री –आरम्भ, प्रारम्भ, अनुष्ठान शुरुआत।

बिदिस्त (بدست) फा. स्त्री –बालिश्त, बित्ती, बित्ता, वितस्ति।

बिदून (بدون) अ अव्य –बिना, बग़ैर।

बिद्अत (بدعت) अ स्त्री –नयी बात, नवीनता, धर्म मे नयी बात, इस्लाम धर्म मे वह बात जो रसूल के समय में न हो।

बिद्अती (بدعتی) अ वि –धर्म मे व्यवस्था करनेवाला।

बिद्आत (بدعات) अ स्त्री –'बिद्अत' का बहु बिद्अते, धर्म में नयी बाते।

बिद्राम (بدرام) फा. वि –दे 'पिद्राम', वही शुद्ध है।

बिद्रूद (بدرود) फा स्त्री –विदा करना, रुख़्सत करना, त्याग करना, छोड़ना।

बिना (بنا) अ स्त्री –नींव, आधार, बुनियाद, कारण, सबब।

बिना अन अलैह (بناءً علیہ) अ वि –इस कारण से, इस बुनियाद पर।

बिनाए ज़ुल्म (بنائے ظلم) अ. स्त्री –अत्याचार की शुरूआत।

बिनाए दा'वा (بنائے دعوا) अ स्त्री –दावे के बुनयाद, वादाधार।

बिनाए मुख़ासमत (بنائے مخاصمت) अ स्त्री –झगड़े की जड, फसाद की बुनयाद, वाद का मूल आधार।

बिनाबर (بنابر) अ. फा अव्य.–इस कारण, इसलिए।

बिनीयः (بنیہ) अ स्त्री –दे. 'बुनीय', दोनो शुद्ध है।

बिफ़ज़्लिही (بفضلہ) अ वि –उसके (ईश्वर के) फज़्ल से, ईश्वर की कृपा से।

बिमिन्निही (بمنہ) अ वि –उसकी (ईश्वर की) दया से, ईश्वर की अनुकपा से।

बियाबाँ (بیاباں) फा पु –'बियावान' का लघु, दे. 'बियाबान'।

बियाबाँगर्द (بیاباں گرد) फा वि –काननचारी, वनभ्रमी, जगल में फिरनेवाला।

बियाबाँनवर्द (بیاباں نورد) फा वि –दे 'बियाबाँगर्द'।

बियाबाँनशीं (بیاباں نشیں) फा वि –जगल मे रहनेवाला, वनवासी।

बियाबान (بیابان) फा पु –वन, कानन, विपिन, अरण्य, जगल।

बियाबानी (بیابانی) फा वि –जंगल का, जगली, जगल सम्बन्धी।

बियाबाने क़ुद्स (بیابان قدس) फा. अ पु –बैतुल मुक़द्दस (यरोशलम) का जगल।

बिरंज (برنج) फा पु –चावल, तडुल।

बिर [रं] (بر) अ पु –उपकार, भलाई, यश, पुण्य, दान, बख़्शिश।

बिरजीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी, दे 'बिर्जीस'।

बिरजीसक़द्र (برجیس قدر) अ वि –बहुत बड़ी प्रतिष्ठावाला।

बिरजीसशियम (برجیس شیم) अ वि –बृहस्पति-जैसी बुद्धिवाला, बहुत बडा बुद्धिमान्।

बिरिंज (برنج) अ पु –पीतल, पित्तल, जस्ता और ताँबे के योग से बनी हुई एक धातु।

बिरिंजासफ़ (برنجاسف) अ पु –एक पत्ती जो दवा के काम आती है।

बिरिश्तः (برشتہ) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।

बिरिश्तःक़ल्ब (برشتہ قلب) फा. अ. वि –जिसका हृदय प्रेमाग्नि में जलभुन गया हो, अर्थात् प्रेमी।

बिरिश्तःजिगर (برشتہ جگر) फा वि –दे 'बिरिश्त. क़ल्ब'।

बिरिश्तःदिल (برشتہ دل) फा वि –दे 'बिरिश्त कल्ब'।

बिर्जीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी।

बिर्यां (بریاں) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।

बिर्यानी (بریانی) फा स्त्री –एक प्रकार का पुलाव जिसमे गोश्त भूनकर पडता है।

बिलअक्स (بالعکس) अ वि –विरुद्ध, प्रत्युत, बरखिलाफ।

बिलआख़िर (بالآخر) अ वि –अतत, आखिरकार।

बिलइज्माअ (بالاجماع) अ वि –सम्मतिपूर्वक, सबके मतैक्य से।

बिलइज्माल (بالاجمال) अ वि –संक्षेपत, संक्षेप मे।

बिलइत्तिफ़ाक़ (بالاتفاق) अ वि –सबकी समति से, सबकी सलाह से।

बिलइन्फ़िराद (بالانفراد) अ वि –एक-एक करके, इन्फ़िरादी तौर पर, व्यक्तिगत।

बिलइरादः (بالارادہ) अ वि –निश्चयपूर्वक, इरादे से।

बिलइल्तिज़ाम (بالالتزام) अ. वि –निश्चित रूप से, लाजिमी तौर पर।

बिलइश्तिराक (بالاشتراک) अ वि –साझे में शिरकत में।
बिलउमूम (بالعموم) अ वि –प्राय, बहुधा, आमतौर पर अक्सर।
बिलए'लान (بالاعلان) अ वि –सबके सामने अलानिया तौर पर डंके की चोट।
बिलक्स्द (بالقصد) अ वि –जान बूझकर जानते हुए बिल्इराद।
बिलकिनाय (بالکنایه) अ वि –इशारे म।
बिलकुल (بالکل) अ वि –नितांत सर्वथा सब समस्त पूर्णतया पूरेतौर पर।
बिलकुल्लिय (بالکلیه) अ वि –सागोपाग पूर्णतया पूरे तौर पर।
बिलख़ासियत (بالخاصیت) अ अव्य –> बिल्ख़ास्स।
बिलख़ास्स (بالخاصه) अ अव्य –अपने गुण के प्रभाव से।
बिल्ख़ुसूस (بالخصوص) अ अव्य –मुख्यत ख़ासतौर पर।
बिलजब्र (بالجبر) अ वि –बलपूर्वक बलात जब्रन।
बिलजुम्ल (بالجمله) अ अव्य –निवहुना किस्स मुख्त सर प्राय अमूमन सर्वथा बिलकुल।
बिल्मर (بالمره) अ वि –नित्य प्रति रोजाना हमेशा।
बिलमा'ना (بالمعنی) अ अव्य –सत्यत हकीकत में, गुप्त रूप म दूसरे अर्थ में।
बिलमुकाबिल (بالمقابل) अ अव्य –सम्मुख आमने-सामने, मुकाबिले म।
बिलमुक्ता (بالمقطع) अ वि –अन्दाज़ हिसाब हिसाब किये बिना दी हुई रकम।
बिलमुज़ाअफ़ (بالمضاعف) अ अव्य –दूना द्विगुण दुचन्द।
बिलमुनासफ़ (بالمناصفه) अ अव्य –आधा-आधा, दो भागों म बराबर-बराबर।
बिलमुवाजह (بالمواجه) अ वि –मुकाबिले में सम्मुख सामने।
बिलमुशाफ़ह (بالمشافهه) अ अव्य –> बिल्मुवाजह।
बिलमुशाहद (بالمشاهده) अ अव्य –> बिलमुवाजह।
बिलयक़ीन (بالیقین) अ अव्य –निश्चयपूर्वक यक़ीनन।
बिलवजह (بالوجه) अ अव्य –कारणवश कारण स सबब के साथ सबब की बिना पर।
बिल्वास्ति (بالواسطه) अ अव्य –किसी के द्वारा किसी की बाव में डालकर।
बिला (بلا) अ अव्य –बिना बग़ैर बिन।
बिला अंदेश (بلا اندیشه) अ फा अव्य –> बिलातरद्दुद।
बिला इराद (بلا اراده) अ अव्य –बिना इरादे के।
बिला इश्तिबाह (بلا اشتباه) अ वि –बिना सदेह के, निसदेह बेशक।
बिला इस्तिस्ना (بلا استثنا) अ अव्य –बिना किसी को अलग किये हुए।
बिला उज्र (بلا عذر) अ अव्य –बिना किसी उज्र के।
बिला क़ैद (بلا قید) अ अव्य –बिना किसी पाबंदी के बिना किसी शर्त के।
बिला ज़मानत (بلا ضمانت) अ अव्य –बिना ज़मानत का, जिसकी ज़मानत न हो सके।
बिला तकल्लुफ़ (بلا تکلف) अ अव्य –बिना किसी तकल्लुफ़ के, बिना किसी संकोच के बिना किसी चिन्ता के बिना किसी विचार के।
बिला तरद्दुद (بلا تردد) अ अव्य –निशंक बिना चिंता और फ़िक्र के।
बिला तवक्कुफ़ (بلا توقف) अ वि –बिना विलब के, बिना देर किये तुरत फ़ौरन।
बिला तश्बीह (بلا تشبیه) अ अव्य –बिना उपमा दिये बिना बराबरी किये।
बिला तश्रीह (بلا تشریح) अ अव्य –बिना टीका टिप्पणी के बिना व्याख्या किये।
बिला तसन्नो (بلا تصنع) अ अव्य –बिना बनावट के बिना किसी हेरफेर के।
बिला तहाशा (بلا تحاشا) अ अव्य –अधाधुंध बहुत अधिक बे सोच समझे बिना रुके।
बिलाद (بلاد) अ पु –बलद का बहु नगर समूह राष्ट्र समूह।
बिला दिक्कत (بلا دقت) अ अव्य –बिना किसी कठिनाई के सुगमतापूर्वक।
बिला दिरेग़ (بلا دریغ) अ फा अव्य –> बिला तहाशा।
बिलादे इस्लामिय (بلاد اسلامیه) अ पु –वह देश जिनमें मुसलमान शासकों का राज है।
बिलादे मग़रिब (بلاد مغرب) अ पु –यूरोप के राष्ट्र।
बिलादे मश्रिक़ (بلاد مشرق) अ पु –पूर्वी राष्ट्र एशियाई देश।
बिलादे हिंद (بلاد هند) अ फा पु –भारत के प्रदेश भारत के देश।
बिला नाग़ (بلا ناغه) अ तु अव्य –एक दिन नाग़ा किये बिना नित्य प्रति रोज़ाना।
बिला पर्द (بلا پرده) अ फा अव्य –बिना किसी आड़ के बिना मुँह ढाँके बिना गुप्त रूप के।

बिला पसोपेश (بلا پس و پیش) अ फा. अव्य.—विना सकोच, विना कुछ सोचे-विचारे, विना किसी दुविधा के।
बिला फस्ल (بلا فصل) अ अव्य—विना अतर के, विना दूरी के।
बिला फाइद. (بلا فائدہ) अ. वि—बेफाइद व्यर्थ, बेकार।
बिला फासिल: (بلا فاصلہ) अ वि—अंतर के विना।
बिला रुअ़ो रिआयत (بلا رو و رعایت) अ. फा. वि.—विना किसी शील-सकोच के, विना किसी पक्षपात के।
बिला वज्ह (بلا وجہ) अ. अव्य—अकारण, बेसबब।
बिला वासित: (بلا واسطہ) अ अव्य—बराहे रास्त, सीधा, डाइरेक्ट।
बिला शक (بلا شک) अ. वि—नि सदेह, नि सशय, नि शक, बेशक, बेशुव्ह।
बिला शुव्ह: (بلا شبہہ) अ वि—दे बिला शक।
बिला सबब (بلا سبب) अ. अव्य—दे 'बिला वज्ह', अकारण, बिला सबब।
बिलाहत (بلاہت) अ स्त्री—सासारिक विषयो मे बुद्धि की कमी।
बिलौर (بلور) अ पु—बिल्लौर का लघु, दे 'बिल्लौर'।
बिल्लौर (بلور) अ पु—एक कीमती शीशा, स्फटिक मणि।
बिशारत (بشارت) अ स्त्री—खुशखबरी, शुभ समाचार, सुख-सवाद, दे 'बुशारत', दोनो शुद्ध है।
बिसात (بساط) अ स्त्री—फर्श, बिछौना, स्तर, सतह, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मक्दरत; शतरज का तख्ता; पूंजी, सरमाय, हैसियत, पहुँच, दस्तरस।
बिसातखान: (بساطخانہ) अ फा पु—बिसाती का सामान, बिसाती की दुकान।
बिसाती (بساطی) अ पु—बिसातखाने का सामान बेचनेवाला, जनरल मर्चेंट।
बिसाते खाक (بساط خاک) अ फा स्त्री—पृथ्वीतल, जमीन की सतह।
बिसाते नर्द (بساط نرد) अ फा स्त्री—चौसर खेलने का तख्ता।
बिसाते शत्रंज (بساط شطرنج) अ फा स्त्री—शत्रंज खेलने का तख्ता, चेसबोर्ड।
बिस्त (بست) फा वि—बीस की सख्या, बीस।
बिस्तर (بستر) फा पु—शय्या, बिछौना।
बिस्तरबद (بستربند) फा पु—बिस्तर बाँधने की पेटी आदि, होलडाल।
बिस्ताम (بسطام) फा पु—ईरान मे खुरासान के प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, जो महात्मा 'बायजीद' का स्थान था।
बिस्तुम (بستم) फा वि—बीसवाँ।
बिस्मिल (بسمل) फा. वि—आहत, क्षत, घायल, जख्मी।
बिस्मिलगाह (بسمل گاہ) फा स्त्री.—वधस्थल, कत्लगाह।
बिस्मिल्लाह (بسم اللہ) अ वा—कुरान की एक आयत, जिसका अर्थ है 'मै ईश्वर के नाम मे प्रारम्भ करता हूँ जो बडा दयालु और महा कृपालु है।'
बिस्यार (بسیار) फा वि—अधिक, प्रचुर, बहुल, बहुत।
बिस्यारखोर (بسیارخور) फा वि—बहुत खानेवाला, बहुभोजी।
बिस्यारखोरी (بسیارخوری) फा. स्त्री—बहुत खाना, थूरना।
बिस्यारगो (بسیارگو) फा वि—बहुत बोलनेवाला, बहुभापी, फुजूलगो, मिथ्याभापी।
बिस्यारगोई (بسیارگوئی) फा स्त्री—बहुत बोलना, फुजूल बाते करना।
बिसयारी (بسیاری) फा वि—अधिकता, बाहुल्य, कस्रत।
बिह (بہ) फा वि—उत्तम, बढिया, अच्छा।
बिहिल (بہل) फा वि—मुआफ।
बिहिश्त (بہشت) फा पु—स्वर्ग, फिर्दौस, जन्नत—"बिहिश्त एक नाम है शायद उसी पाकीजा गोशे का।"
बिहिश्ती (بہشتی) फा वि—स्वर्गीय, स्वर्ग का, स्वर्ग सम्बन्धी, स्वर्ग का निवासी।
बिहिश्ते बरी (بہشت بریں) फा पु—सबसे ऊँचा स्वर्ग।
बिहिश्ते शद्दा (بہشت شداد) फा अ पु—वह स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था।

बी

बी (بیں) फा प्रत्य—देखनेवाला, जैसे—'दूरबी' दूर का देखनेवाला।
बीच: (بیچہ) फा पु—'बीबी' का लघु, प्रेमपात्र, मा'शूक, (स्त्री) नायिका, प्रेमिका, महबूब।
बीज (بیض) स्त्री—'बैजा' का बहु, गोरी चिट्टी औरते; पूरी चाँदनीवाली राते।
बीना (بینا) फा वि—देखनेवाला, जिसके आँखे हो।
बीनाई (بینائی) फा. स्त्री—आँखो की ज्योति, दृष्टि, नजर।
बीनादिल (بینادل) फा वि—रौशन जमीर, अतर्यामी।
बीनिद. (بینندہ) फा वि—देखनेवाला, दर्शक।
बीनिश (بینش) फा स्त्री—दृष्टि, नजर, देखना।
बीनी (بینی) फा. स्त्री—नासा, नासिका, नाक।
बीम (بیم) फा पु—भय, त्रास, डर, निराशा, नाउम्मेदी।

बीमार (بیمار) फा वि–रोगी रुग्ण, अस्वस्थ व्याधित मरीज।
बीमारखाना (بیمارخانه) फा पु–रुग्णालय, अस्पताल।
बीमारदार (بیماردار) फा वि–रोगी की देखभाल करने वाला परिचारक उपचारक।
बीमारदारी (بیمارداری) फा स्त्री–रोगी की देखभाल उपचार परिचार।
बीमारपुर्सी (بیمارپرسی) फा स्त्री–रोगी का हाल पूछना।
बीमारिस्तान (بیمارستان) फा पु–दे बीमारखाना।
बीमारी (بیماری) फा स्त्री–रोग, व्याधि, मर्ज कोई बुरी लत।
बीमारे इश्क (بیمارعشق) फा अ पु–प्रेम के रोग का रोगी नायक आशिक।
बीमारे ग़म (بیمارغم) फा पु–दे 'बीमार इश्क'।
बीमारे फ़िराक़ (بیمارفراق) फा अ पु–विरह के रोग से पीड़ित जो मरने वियोगी रहे।
बीमेजा (بیم‌جان) फा पु–प्राणभय जान का खतरा।
बीमोरजा (بیم‌ورجا) फा अ पु–निराशा और आशा उम्मेद और नाउम्मेदी।
बीमोहिरास (بیم‌وهراس) फा पु–खौफ और निराशा।
बीर (بیر) अ पु–कुआँ कूप।
बीश (بیش) फा स्त्री–सिंघिया माठा तेलिया।

बु

बुंदुक़ (بندق) अ पु–पानी बदक की गोली।
बुंदुक़ (بندق) अ पु–मिट्टी की गोली गुल्ला।
बुका (بکا) अ स्त्री–रोना रोदन।
बुकावुल (بکاول) फा पु–शाही बावरचीखाने का दारोगा दे बकावल दोना शुद्ध है।
बुक़ूल (بقول) अ स्त्री–बक्ल का बहु सब्ज़ियाँ तरकारियाँ सागपात।
बुक़्अ (بقعه) अ पु–घर मकान स्थान जगह।
बुक़्अए नूर (بقعهٔ نور) अ पु–वह घर या स्थान जहाँ बहुत रौशनी हो।
बुख़ला (بخلا) अ प–'बख़ील' का बहु कंजूस लोग।
बुख़ार (بخار) फा पु–भाप भाप ज्वर ताप ताप भाप गुस्सा द्वेष बुग्ज़।
बुख़ारा (بخارا) फा पु–रूस तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर जो यहाँ की राजधानी था। यहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।
बुख़ारात (بخارات) फा प–'बुख़ार' का बहु भापें।
बुख़ारी (بخاری) फा वि–भाप सम्बन्धी भाप द्वारा चलनेवाला यन्त्र बुखारा का रहनेवाला नाज रखने की कोठानुमा खत्ती।
बुख़ूर (بخور) अ पु–धूनी धूप आदि की धूनी, दवाओं की धूनी जो किसी विशेष अंग को दी जाय।
बुख़ूरदान (بخوردان) अ फा प–जिस बरतन में अगर या लोबान आदि सुलगाया जाय धूपदान अगरदान।
बुख़्तनस्सर (بخت‌نصر) फा पु–बाबुल के १२ वें खानदान का नरेश (१२०० ई० पू०)। बाबुल के ११ वें खानदान का दूसरा नरेश जो ६०४ ई० पू० में गद्दी पर बैठा यह दबंग का शासक था बाबुल को बहुत उन्नत किया।
बुख़्ल (بخل) अ पु–कृपणता कंजूसी।
बुग़च (بغچه) फा प–छोटी पोटली जो बगल में दबायी जा सके।
बुग्ज़ (بغض) अ पु–वह बैर जो मन ही मन में बनाया जाय और प्रकट न किया जाय द्वेष, कीन।
बुज़ (بز) फा स्त्री–अजा, बकरी।
बुज़क़दम (بزقدم) फा वि–दुर्बलता के कारण धीरे धीरे चलनेवाला तुच्छ।
बुज़गार (بزگار) फा पु–भेंडा लड़ानेवाला।
बुज़ग़ाल (بزغاله) फा पु–बकरी का बच्चा अजा शावक पहाड़ी बकरी।
बुज़गीर (بزگیر) फा वि–छली मक्कार तस्कर, चोर।
बुज़जिगर (بزجگر) फा वि–भयभीत भीरु डरपोक।
बुज़दिल (بزدل) फा वि–भीरु डरपोक बुज़जिगर।
बुज़दिली (بزدلی) फा स्त्री–भीरुता डरपोकपन।
बुज़बाज़ (بزباز) फा वि–बकरी और बंदर का नाच करनेवाला।
बुज़बाज़ी (بزبازی) फा स्त्री–बकरी और बन्दर का खेल।
बुज़ाक़ (بزاق) अ पु–मुखस्राव थूक थूक।
बुज़ुर्ग (بزرگ) फा पु–श्रेष्ठ प्रतिष्ठित मुअज्जज़ वयोवृद्ध बूढ़ा पूर्वज बापदादे महात्मा पुण्यात्मा वली गुनाहगार (व्यंग) धूर्त उत्पाती, शरीर बदमआश।
बुज़ुर्गज़ाद (بزرگ‌زاده) फा पु–बुज़ुर्ग का लड़का।
बुज़ुर्गदाश्त (بزرگداشت) फा स्त्री–बुज़ुर्गों की ओर से छोटों पर अनुकम्पा और दया।
बुज़ुर्गमनिश (بزرگ‌منش) फा वि–महात्मा पुनीतात्मा महान् व्यक्तियों जैसे आचरणवाला।
बुज़ुर्गवार (بزرگوار) फा पु–पूज्य मान्य प्राय अपने से बड़ों के लिए पत्रों में लिखते हैं।

बुज़ुर्गसाल (بزرگسال) फा वि –बड़ी उम्रवाला, वयोवृद्ध, जरत्।

बुज़ुर्गानः (بزرگانہ) फा. वि –बुजुर्गों-जैसा।

बुज़ुर्गी (بزرگی) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, मान, बडाई; सम्मान, इज्जत, महात्मापन।

बुज़ुर्गे क़ौम (بزرگ قوم) फा. अ पुं –जाति या राष्ट्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति।

बुज़ुर्गे ख़ानदाँ (بزرگ خاندان) फा. पु –वंश और कुल का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति।

बुज़ूर (بزور) अ पु –'बज्र' का बहु, तरकारियो आदि के बीज।

बुज़ूरी (بزوری) अ वि –बीजोवाला; बीजो से बना हुआ, एक शर्बत जो बीजो से बनता है।

बुज़्ने अस्फ़श (بزاخفش) फा अ पु.–ऐसा व्यक्ति जो लाख समझाने पर भी कुछ न समझे, महामूर्ख।

बुत (بت) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, प्रतिकृति, मुजस्सम, वह मूर्ति जिसकी पूजा होती है, देवमूर्ति; नायिका मा'शूक।

बुतकदः (بتکدہ) फा पु –मंदिर, मूर्तिगृह, बुतख़ाना जहाँ मूर्तिपूजा की जाती हो।

बुतख़ानः (بتخانہ) फा पु –दे. 'बुतकद'।

बुततराश (بت تراش) फा वि –मूर्तिकार, पत्थर की मूर्तियाँ बनानेवाला।

बुततराशी (بت تراشی) फा स्त्री –मूर्तियाँ बनाने का काम, मूर्तियाँ बनाकर बेचने का पेशा, मूर्ति बनाने की विद्या, मूर्तिकला।

बुतपरस्त (بت پرست) फा वि –मूर्तियो की पूजा करने-वाला, मूर्तिपूजक, साकारोपासक।

बुतपरस्ती (بت پرستی) फा. स्त्री –मूर्तिपूजा, बुतो की इबादत।

बुतफ़रोश (بت فروش) फा वि –मूर्तियाँ बेचनेवाला, मूर्ति-व्यवसायी।

बुतशिकन (بت شکن) फा वि –मूर्तियो को तोड़नेवाला, मूर्तिभंजक।

बुतशिकनी (بت شکنی) फा स्त्री –मूर्तियो को तोडना, मूर्ति-खंडन।

बुताने आज़री (بتان آزری) फा पु –आजर (हजरत इब्राहीम के पिता) की बनायी हुई मूर्तियाँ, जो बडी कलापूर्ण होती थी।

बुतून (بطون) अ पु –'बत्न' का बहु, पेट, गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।

बुते पुरफ़न (بت پرفن) फा पु –बहुत ही चालबाज नायिका।

बुते बेपीर (بت بے پیر) फा पु –बड़ी निर्दय और कठोर मन की नायिका।

बुतैन (بطین) अ पु –दूसरा नक्षत्र, भरणी।

बुत्लान (بطلان) अ पु –खंडन, काट, तर्दीद, नाश, जाए होना।

बुद [द्द] (بد) अ पु –उपचार, उपाय, तद्बीर।

बुद (بد) फा क्रि –'बूद' का लघु, था।

बुदूर (بدور) अ. पु.–'बद्र' का बहु, चौदहवी रात का चाँद।

बुद्दूह (بدوح) अ वि –ईश्वर का एक नाम।

बुन. (بنہ) फा पु –उपकरण, सामान।

बुन (بن) फा स्त्री –वृक्ष, पेड, पेड की जड, मूल, हर चीज का अन्त, अख़ीर, कहवा के बीज, जिन्हे भून और पीसकर कहवा बनाते हैं।

बुनगह (بنگہ) फा स्त्री –'बुनगाह' का लघु, दे 'बुनगाह'।

बुनगाह (بنگاہ) फा स्त्री –कुठार, वह कोठा जहाँ सामान रहता है।

बुनागोश (بناگوش) फा स्त्री –कान की लौ, कर्णलता।

बुनीयः (بنیہ) अ स्त्री –आधार, बुन्याद, प्रकृति, स्वभाव, सृष्टि, तख़्लीक़, अस्तित्व, वुजूद।

बुनेरान (بن ران) फा स्त्री –रान की जड, चिड्ढा।

बुन्कराँ (بنکران) फा स्त्री –खुर्चन, वे चावल जो देगचे की तली मे लग जाते हैं।

बुन्याद (بنیاد) फा स्त्री.–आधार, नीव, सामर्थ्य, मक्दूर, सृष्टि, खिल्कत, अस्तित्व, वुजूद, अनुष्ठान, आरम्भ, इब्तिदा, मूल, जड।

बुन्यादी (بنیادی) फा वि –आधार भूत, अस्ली, प्रारम्भिक, इब्तिदाई।

बुन्यान (بنیان) अ स्त्री –नीव, आधार, बुनयाद।

बुन्याने मर्सूस (بنیان مرصوص) अ स्त्री –इमारत की ऐसी नीव जिसमे सीसे से जुडाई हुई हो, बहुत ही मजबूत नीव।

बुयूत (بیوت) अ पु –'बैत' का बहु, घरो का समूह, बहुत से घर।

बुराक़ (براق) अ पु –मुसलमानो के मतानुसार वह घोडा जिस पर उनके रसूल आस्मानो पर गये थे।

बुरादः (برادہ) फा पु –लकडी या धातु की छीलन, जो ख़रादने या आरे से चीरने मे गिरती है।

बुरादए आज (برادۂ عاج) फा अ पु –हाथी-दाँत का बुरादा जो दवा मे चलता है।

बुरादए आबनूस (برادۂ آبنوس) फा पु –आबनूस का बुरादा जो दवा के काम आता है।

बुरिंद (برندہ) फा वि—काटनेवाला।
बुरिश (برش) फा स्त्री—काट धार तीक्ष्णता।
बुरीद (بریدہ) फा वि—काटा हुआ कटा हुआ विच्छिन्न।
बुरीदगोश (بریدہ‌گوش) फा वि—जिसके कान कटे हो, कनकटा।
बुरीदःदस्त (بریدہ‌دست) फा वि—जिसके हाथ कटे हो।
बुरीदःपा (بریدہ‌پا) फा वि—जिसके पाँव कटे हो।
बुरीदःबीनी (بریدہ‌بینی) फा वि—जिसकी नाक कटी हो।
बुरीदःमू (بریدہ‌مو) फा वि—जिसके बाल कटे हो।
बुरीदःशाख (بریدہ‌شاخ) फा वि—जिसकी शाखाएँ काट दी गयी हो।
बुरीदःसर (بریدہ‌سر) फा वि—जिसका सर काट डाला गया हो जिसका सर धड़ से अलग हो।
बुरीद (برید) फा स्त्री—काट कटन कटाव।
बुरीदगी (بریدگی) फा स्त्री—काट कटाव।
बुरीदनी (بریدنی) फा वि—काटने योग्य जो काटने के लाइक हो।
बुरू (بروں) फा वि—बेरूँ का लघु बाहर दे बिरू दाना शुद्ध है।
बुरूज (بروج) अ पु—बुर्ज का बहु राशियाँ।
बुरूज (بروز) अ पु—प्रकट होना निकलना।
बुरूत (بروت) अ स्त्री—मूछ मुच्छ।
बुरूदत (برودت) अ स्त्री—शीतलता ठंडक ठंड।
बुरूने खान (بروں‌خانہ) फा वि—घर के बाहर।
बुरूने दर (بروں‌در) फा वि—दरवाजे के बाहर।
बुर्का (برقع) अ पु—मुँह छिपाने का एक सर से पाँव तक का चुग़ानुमा वस्त्र निक़ाब मुखपट।
बुर्कापोश (برقع‌پوش) अ फा वि—बुर्का पहने हुए।
बुर्ज (برج) अ पु—गुंबद, मठप राशि दाइरतुल बुरूज का बारहवाँ अंश।
बुर्जे अक्रब (برج‌عقرب) अ पु—वृश्चिक राशि आठवाँ बुर्ज।
बुर्जे असद (برج‌اسد) अ पु—सिंहराशि पाँचवा बुर्ज।
बुर्जे आतशी (برج‌آتشی) अ फा पु—अग्नि तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ मेष सिंह धनु।
बुर्जे आबी (برج‌آبی) अ फा पु—जल तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ कर्क वृश्चिक मीन।
बुर्जे कबूतर (برج‌کبوتر) अ फा पु—कबूतरों का दरबा कावुक।
बुर्जे क़ौस (برج‌قوس) अ पु—धनु राशि नवाँ बुर्ज।
बुर्जे खाकी (برج‌خاکی) अ फा पु—पृथ्वीतत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ वृष कन्या मकर।
बुर्जे जदी (برج‌جدی) अ पु—मकर राशि दसवाँ बुर्ज।
बुर्जे जौज़ा (برج‌جوزا) अ पु—मिथुन राशि तीसरा बुर्ज।
बुर्जे दल्व (برج‌دلو) अ पु—कुंभराशि ग्यारहवाँ बुर्ज।
बुर्जे बादी (برج‌بادی) अ फा पु—वायुतत्त्व से सम्बन्ध *रखनेवाली तीन राशियाँ, मिथुन तुला कुंभ।*
बुर्जे मीज़ान (برج‌میزان) अ पु—तुलाराशि सातवाँ बुर्ज।
बुर्जे सुंबुल (برج‌سنبلہ) अ पु—कन्याराशि छठा बुर्ज।
बुर्जे सर्तान (برج‌سرطان) अ पु—कर्कराशि चौथा बुर्ज।
बुर्जे सौर (برج‌ثور) अ पु—वृषराशि, दूसरा बुर्ज।
बुर्जे हमल (برج‌حمل) अ पु—मेषराशि पहला बुर्ज।
बुर्जे हूत (برج‌حوت) अ पु—मीनराशि बारहवाँ बुर्ज।
बुर्तुल (برطلہ) अ पु—टोपी।
बुर्द (بردہ) अ स्त्री—ले जाया हुआ।
बुर्द (برد) फा स्त्री—शतरंज की वह बाज़ी जिसमें आधी *मात मानी जाती है और जिसमें हारनेवाले के पास बादशाह* के सिवा कोई मोहरा नहीं रहता नक़्शी चाल।
बुर्दबार (بردبار) फा वि—गंभीर शान्तचित्त प्रशान्त सहनशील हलीम।
बुर्दबारी (بردباری) फा स्त्री—गंभीरता महत्ता महन शीलता तहम्मुल बरदाश्त।
बुर्दे यमानी (برد‌یمانی) अ स्त्री—यमन की एक विशेष बहुमूल्य चादर।
बुर्रा (برّاں) फा वि—काटता हुआ धारदार, तीक्ष्ण।
बुर्रिश (برش) फा स्त्री—काट धार तीक्ष्णता।
बुर्हान (برہان) अ पु—तर्क दलील प्रमाण सुबूत।
बुलंद (بلند) फा वि—यह उच्चारण भी शुद्ध है परंतु बलंद अधिक शुद्ध और अधिक साधु है दे बलंद।
बुलग़ा (بلغا) अ पु—बलीग़ का बहु, वे लोग जिनके बोलने और लिखने में बलाग़त होती है।
बुलाक़ (بلاق) तु स्त्री—नाक के बीच की हड्डी नासापट इसमें पहने जानेवाली छोटी-सी नथ।
बुलूग़ (بلوغ) अ पु—युवावस्था जवानी जवानी की अवस्था की प्राप्ति।
बुलअजब (بوالعجب) अ वि—अद्भुत विलक्षण विचित्र (व्यक्ति)।
बुलफ़ुज़ूल (بوالفضول) अ वि—फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला मुखर वक्ता फ़ुज़ूल के काम करनेवाला।
बुलफ़ुनून (بوالفنون) अ वि—बहुत-से गुण जाननेवाला बहुगुण वेत्ता (व्यंग) धूर्त छली वंचक।
बुलबुल (بلبل) फा अ—एक सुप्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया गीतसरू।

बुल्बुले शीराज (بلبل شیراز) फा पु.–शीराज का बुलबुल, शेख़ सादी की उपाधि जो फारसी के बहुत बडे कवि थे।

बुल्बुले हजारदास्तॉं (بلبل ہزارداستاں) फा. पु–बहुत प्रकार के गाने गानेवाली, बुलबुल।

बुल्हवस (بوالہوس) अ फा वि–लोलुप, लिप्सु, लोभी, लालची।

बुशकाब (بشقاب) तु स्त्री–बडी काब, परात, थाल।

बुशारत (بشارت) अ. स्त्री–शुभ सवाद, ख़ुशख़बरी।

बुश्रः (بشرہ) अ पु.–चेहरा, मुखाकृति, हुल्या।

बुश्रा (بشری) अ पु–शुभ सवाद, बुशारत।

बुसुद (بسد) अ पु.–मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, मर्जा, दे 'बुस्सुद' दोनो शुद्ध है।

बुस्ताँ (بستاں) फा पु–उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

बुस्ताँअफ्रोज (بستاں افروز) फा पु–एक फूल, मुर्गकेस।

बुस्ताँपैरा (بستاں پیرا) फा पु–बाग को सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।

बुस्ताँसरा (بستاں سرا) फा पु–खान बाग, गृहोद्यान।

बुस्तानी (بستانی) फा वि–बाग का, बाग मे पैदा होनेवाला, खेत मे कास्त किया जानेवाला।

बुस्सुद (بسد) अ पु–मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, दे 'बुसुद' दोनो शुद्ध है।

बुहूर (بحور) अ पु–'बह्र' [छद] का बहु, वृत्तसमूह।

बुहैर. (بحیرہ) अ पु–छोटा समुद्र, झी।

बुह्तत (بہت) अ स्त्री–आश्चर्य, विस्मय, निस्तब्धता, हैरत।

बुह्तान (بہتان) अ पु–आरोप, झूठा इल्जाम, तुह्मत।

बुह्तानतराशी (بہتان تراشی) अ फा–झूठा इल्जाम लगाना, मिथ्यारोपण।

बुह्रान (بحران) अ पु–सघर्ष, कशमकश, रोग मे अचानक परिवर्तन, कमी की ओर हो चाहे बढती की ओर, और यह प्रकृति और रोग के परस्पर सघर्ष से होता है। अगर प्रकृति जीत गयी तो रोग का जोर टूट जाता है, अगर रोग विजयी हुआ तो प्रकृति हार जाती है और रोग का प्रकोप बढ जाता है (यूनानी तिब)।

बुहलूल (بہلول) अ पु–हँसमुख व्यक्ति, जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, एक महात्मा।

बुह्हतुस्सौत (بحۃالصوت) अ स्त्री–आवाज बैठ जाने का रोग, स्वरभग।

बू

बू (بو) फा स्त्री–गध, महँक, बदबू, बुरी गध, लक्षण, आसार, भेद, सुकसुक।

बूए अफ़ाज (بوۓ افزار) फा पु–गर्म मसाला।

बूए ख़ुश (بوۓ خوش) फा स्त्री–अच्छी महँक, सुगध।

बूए तेज (بوۓ تیز) फा स्त्री–तेज बू, तीव्र गध।

बूए बद (بوۓ بد) फा स्त्री–बुरी बू, बदबू, दुर्गंधि।

बूए मह्ब्बत (بوۓ محبت) फा अ स्त्री–प्रेम की सुगध।

बूक (بوق) फा पु–नरसिघा, तुरुही।

बूकलमूँ (بوقلموں) फा वि–चित्र-विचित्र, रगबिरग, अद्भुत, विलक्षण, अजीबोगरीब, एक रेशमी कपडा जो क्षण-क्षण पर रग बदलता है।

बूकलमूनी (بوقلمونی) फा स्त्री–विचित्रता, बुलअजबी; रग-बिरगापन।

बूज़ः (بوزہ) फा स्त्री–जौ की शराब, बियर।

बूज़.ख़ान. (بوزہ خانہ) फा पु–शराबखान, मदिरालय, शराब बनाने की जगह, भट्ठी।

बूजिन. (بوزنہ) फा पु–'बूजीन' का लघु, कपि, मर्कट, वानर, शाखा-मृग, बदर।

बूजिनःचश्म (بوزنہ چشم) फा वि–बदर-जैसी आँखोवाला, जरा-सी देर मे आँखे फेर लेनेवाला, बेमुरव्वत, दु शील।

बूजिनःवश (بوزنہ وش) फा वि–बदर-जैसी प्रकृतिवाला, बेमुरव्वत, शरीर, नटखट।

बूजीदान (بوزیدان) फा स्त्री–एक लकडी जो दवा के काम आती है।

बूजीनः (بوزینہ) फा पु–वानर, मर्कट, कपि, बदर, बलिमुख।

बूतः (بوتہ) फा पु–सुनारो की चाँदी-सोना गलाने की घरिया, बोत, दे 'बोत', दोनो शुद्ध है, वह वृक्ष जो बड़ा न हो।

बूतए ख़ाक (بوتۂ خاک) फा पु–मानव-शरीर, आदमी का जिस्म।

बूतए जर (بوتۂ زر) फा पु–सोना गलाने की घरिया।

बूतीमार (بوتیمار) फा पु–बक, बगला।

बूतुराब (بوتراب) अ पु–हज्रत अली की उपाधि।

बूदः (بودہ) फा क्रि–था।

बूद (بود) फा क्रि–था, (स्त्री) अस्तित्व, हस्ती, हेसियत, मर्यादा।

बूदगी (بودگی) फा स्त्री–होना, हस्ती, अस्तित्व, हैसियत, मर्यादा।

बूदनी (بودنی) फा अव्य–होने योग्य।

बूदमे बेदाल (بودم بےدال) फा पु–बूम, उल्लू, (बूदम शब्द से दाल अक्षर अर्थात् 'द' निकल जाय तो 'बूम' रह जाता है)।

बूदार (بودار) फा वि—बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।

बूदोबाश (بودوباش) फा स्त्री—रहन-सहन रहाइश।

बुदन (بودنه) फा पु—दे शुद्ध उच्चारण, 'बूदन'।

बूबक्र (بوبکر) अ पु—अबूबक्र का लघु, हज़रत अबूबक्र सिद्दीक पहले खलीफ़ा।

बूम (بوم) फा पु—उलूक पेचक उल्लू, बंजर भूमि प्रकृति स्वभाव मूर्ख बेवक़ूफ़।

बूमखस्लत (بوم خصلت) फा अ वि—उल्लू-जैसे स्वभाव वाला जहाँ रहे वहाँ वीरान बना दे।

बूमतिला (بوم طلا) फा वि—वह चीज़ जिसकी ज़मीन सुनहरी हो और बेलबूटे दूसरे रंग के।

बूमसिफ़त (بوم صفت) फा अ वि—दे बूमखस्लत।

बूमी (بومی) फा वि—स्वदेशीय देसी देशवासी, हमवतन।

बूया (بویا) फा वि—सुगंध देनेवाली वस्तु खुशबूदार सुगंधित।

बूयीद (بوییده) फा वि—सूँघा हुआ।

बूरः (بوره) फा पु—सुहागा।

बूरए अमनी (بورهٔ ارمنی) फा पु—एक प्रकार का नमक एक प्रकार का सोडा।

बूरक (بورق) अ पु—पचलोन।

बूरानी (بورانی) फा स्त्री—बैंगन का रायता।

बे

बेअंदाज़ (بے اندازه) फा वि—बहुत अधिक जिसका अन्दाज़ा न हो सके।

बेअदाम (بے ادام) फा वि—धृष्ट गुस्ताख़ अशिष्ट बदतमीज़।

बेअक्ल (بے عقل) फा अ वि—निर्बुद्धि मूर्ख बेशऊर।

बेअदब (بے ادب) फा अ वि—धृष्ट गुस्ताख़ अशिष्ट बेतमीज़ उद्दंड उजड्ड असभ्य बदतहज़ीब।

बेअदबी (بے ادبی) फा अ स्त्री—धृष्टता गुस्ताख़ी अशिष्टता बदतमीज़ी उद्दंडता उजड्डपन असभ्यता बदतहज़ीबी।

बेअमल (بے عمل) फा अ वि—जो जानता हो मगर उसके अनुसार व्यवहार न करता हो अकर्मण्य निकम्मा।

बेअसर (بے اثر) फा अ वि—निष्फल बेनतीजा अगुणकर जो तासीर न दिखाये (दवा आदि)।

बेअस्ल (بے اصل) फा वि—निर्मूल निराधार वस्तुशून्य बेबुनियाद।

बेआज़ार (بے آزار) फा वि—जो किसी को कष्ट न दे।

बेआबरू (بے آبرو) फा वि—अपमानित तिरस्कृत।

बेआबोदान (بے آب و دانه) फा वि—बेकुछ खाय पिये अन्नजलहीन।

बेआबोरंग (بے آب و رنگ) फा वि—निःश्री बेरौनक।

बेआराम (بے آرام) फा वि—बेचैन अशान्त व्याकुल निरानन्द, विसुख गैर मसरूर।

बेआरामी (بے آرامی) फा स्त्री—बेचैनी, व्याकुलता आनंदाभाव, तकलीफ़।

बेइंतिहा (بے انتہا) फा अ वि—असीम अपार बहुत।

बेइख्तियार (بے اختیار) फा अ वि—सहसा, बेतहाशा अधिकारहीन— गैर को आज बज़्म में उसकी रुला दिया बेइख्तियार नालए बेइख्तियार ने। —दाग़।

बेइख्तियाराना (بے اختیارانه) फा अ अव्य—बेतहाशा सहसा।

बेइख्तियारी (بے اختیاری) फा अ स्त्री—विवशता मजबूरी।

बेइज़्ज़त (بے عزت) फा अ वि—अपमानित, तिरस्कृत निंदित गर्हित रुसवा।

बेइज़्ज़ती (بے عزتی) फा अ स्त्री—अपमान तिरस्कार, निंदा रुसवाई।

बेइल्म (بے علم) फा अ वि—विद्याहीन, इल्म से खाली निरक्षर, अनपढ़ा लिखा, जाहिल।

बेइल्मी (بے علمی) फा अ स्त्री—विद्याभाव, इल्म न होना, निरक्षरता जहालत।

बेइश्तिबाह (بے اشتباه) फा अ वि—निःसंदेह निःशंक, बेशुबह।

बेईमान (بے ایمان) फा अ वि—बददियानत।

बेईमानी (بے ایمانی) फा अ स्त्री—बददियानती।

बेउज़्र (بے عذر) फा अ वि—जिसे किसी काम के करने में आपत्ति न हो वह जिससे जो कुछ कहा जाय उसे तुरत करे।

बेउसूल (بے اصول) फा अ वि—जिस व्यक्ति का कोई नियम न हो।

बेएतिदाली (بے اعتدالی) फा अ स्त्री—किसी काम में हद से आगे बढ़ जाना, बदपरहेज़ी।

बेएतिनाई (بے اعتنائی) फा अ स्त्री—तवज्जुह न करना ध्यान न देना उपेक्षा।

बेएतिबार (بے اعتبار) फा अ वि—अविश्वस्त, अविश्वसनीय नामोतबर।

बेएतिबारी (بے اعتباری) फा अ स्त्री—अविश्वास एतिबार न होना।

बेऐब (بےعیب) फा अ वि –निर्दोष, निर्मल, जिसमे कोई खोट न हो।
बेऔलाद (بےاولاد) फा अ वि –जिसके कोई सतान न हो, अनपत्य, निःसतान।
बेकद्र (بےقدر) फा अ वि –अप्रतिष्ठित, अनादृत, बेइज्जत, अपमानित, जलील।
बेकद्री (بےقدری) फा अ स्त्री –अप्रतिष्ठा, बेइज्जती, अपमान, जिल्लत।
बेकमोकास्त (بےکم وکاست) फा वि –दे 'बेकमोबेश'।
बेकमोबेश (بےکم وبیش) फा वि –घटाये-बढाये बगैर, ज्यो-का-त्यो, यथावत्।
बेकराँ (بےکراں) फा वि –जिसका किनारा न हो, अपार, असीम।
बेकरानः (بےکرانہ) फा वि –दे 'बेकराँ'।
बेकरार (بےقرار) फा अ वि –व्याकुल, आतुर, बेचैन, घबडाया हुआ, उद्विग्न।
बेकरारी (بےقراری) फा अ स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, घबराहट, बदहवासी।
बेकरीनः (بےقرینہ) फा अ वि –बेतर्तीब, क्रमहीन, असबद्ध; अशिष्ट, बेतमीज।
बेकस (بےکس) फा वि –दुःखित, दुखी, कष्टग्रस्त, पीडित, तक्लीफजद, निस्सहाय, निराश्रय, बेयारो मददगार।
बेकसी (بےکسی) फा स्त्री –दुःख, कष्ट, विपत्ति, तक्लीफ; निःसहायता, बेबसी।
बेकाइदः (بےقاعدہ) फा अ वि –बेर्तीब, असबद्ध, नियम-विरुद्ध, बेजाबित।
बेकाइदगी (بےقاعدگی) फा अ स्त्री –असबद्धता, बेतर्तीबी, नियम-विरोध, बेजाबितगी।
बेकाबू (بےقابو) फा वि –जो काबू मे न आ सके, निरकुश, उच्छासन।
बेकार (بیکار) फा वि –जो काम मे न लगा हो, निरुद्यम, व्यर्थ, निरर्थक फुजूल, निकम्मा, अपाहज,, प्रयोगहीन, नाकाबिले इस्तेमाल।
बेकारी (بیکاری) फा स्त्री –काम का अभाव, व्यर्थपन, निकम्मापन, प्रयोगहीनता।
बेकियास (بےقیاس) फा अ वि –बेहिसाब, अत्यधिक।
बेकुसूर (بےقصور) फा अ. वि –निरपराध, निर्दोष, बेगुनाह।
बेकैद (بےقید) फा अ वि –बिला शर्त, बिला पाबदी के।
बेकैफोकम (بےکیف وکم) फा अ वि –ठीक-ठीक, यथार्थ।

बेख़कन (بیخ کن) फा वि –जड खोदनेवाला, नाश करनेवाला।
बेख़कनी (بیخ کنی) फा स्त्री –उन्मूलन, जड खोदना, नाश करना।
बेख़तर (بےخطر) फा अ वि –निडर होकर, निर्भय होकर, जिससे अनिष्ट की आशका न हो।
बेख़ता (بےخطا) फा अ वि –अमोघ, कारगर, अचूक।
बेख़बर (بےخبر) फा अ वि –संज्ञाहीन, बेहोश, सूचना-हीन, जिसे इत्तिलाअ न हो, अज्ञात, नावाकिफ।
बेख़बरी (بےخبری) फा अ. स्त्री –सज्ञाहीनता, बेसुधपन, सूचना न होना, नावाकफीयत।
बेख़ानोमाँ (بےخان ومان) फा वि –जिसका घर-बार नष्ट हो गया हो।
बेख़ार (بےخار) फा वि –जिस मे काँटे न हो, निष्कटक।
बेख़िरद (بےخرد) फा वि –बुद्धिहीन, बेअक्ल।
बेख़ुद (بےخود) फा वि –अचेत, निश्चेष्ट, बेसुध।
बेख़ुदी (بےخودی) फा स्त्री –अचैतन्य, बेख़बरी।
बेख़ुरोख़्वाब (بےخور وخواب) फा वि –बगैर खाये और सोये, बगैर आराम के।
बेख़ेश (بےخویش) फा वि –जिसका कोई अपना न हो।
बेख़ोबुन (بیخ وبن) फा स्त्री –जडबुन्याद।
बेख़्तः (بیختہ) फा वि –छाना हुआ।
बेख़्तगी (بیختگی) फा स्त्री –छानन।
बेख़्तनी (بیختنی) फा वि –छानने के काबिल।
बेख़्वाब (بےخواب) फा वि –जिसे नीद न आये, अनिद्र।
बेख़्वाबी (بےخوابی) फा स्त्री –नीद न आना, नीद न आने का रोग, अनिद्रा।
बेख़्वास्त (بےخواست) फा वि –बे बुलाया हुआ, अनियत्रित, बिना चिंता और तलाश के स्वय आया हुआ।
बेख़्वाहिशी (بےخواهشی) फा स्त्री –इच्छा का अभाव, इच्छा न होना, निस्पृहता, अनिच्छा।
बेग (بیگ) तु पु –नायक, अध्यक्ष, सरदार, मुगलो का कौमी लकब।
बेगम (بیغم) तु स्त्री –दे 'बेगम'।
बेग़म (بےغم) फा अ वि –जिसे कोई चिंता न हो, निश्चिंत।
बेगम (بیگم) तु. स्त्री –श्रीमती, महोदया, पत्नी, बीवी, शुद्ध उच्चारण 'बेगिम' है, परन्तु उर्दू में 'बेगम' ही व्यवहृत है।
बेगमात (بیگمات) तु फा स्त्री –'बेगम' का बहु, बेगमे, महिलाएँ।

ो, निश्चितता।

बेग़रज़ (بےغرض) फा अ वि—निःस्वार्थ जिसका कोई स्वार्थ न हो।

बेग़रज़ाना (بےغرضانہ) फा अ अव्य—निःस्वार्थतापूर्वक।

बेग़रज़ी (بےغرضی) फा अ स्त्री—निःस्वार्थता, ख़ुलूस।

बेगाना (بیگانہ) फा वि—अस्वजन पराया गैर आदमी अपरिचित अनजान।

बेगानाख़ू (بیگانہ خو) फा वि—बेगानों-जैसा व्यवहार करनेवाला मेल-जोल न रखनेवाला।

बेगानावश (بیگانہ وش) फा वि—बेगाना की तरह रहनेवाला मेलजोल न रखनेवाला।

बेगानावशी (بیگانہ وشی) फा स्त्री—बेगानों की भांति रहना मेलजोल न रखना।

बेगानावार (بیگانہ وار) फा वि—बेगाना की तरह जैसे कभी की जान पहचान ही न हो।

बेगानासिफ़्त (بیگانہ صفت) फा अ वि—दे बेगानावार।

बेगानगी (بیگانگی) फा स्त्री—अस्वजनता परायापन अपरिचय अनजानपन जान कार न होना बेइल्मी।

बेग़ायत (بےغایت) फा अ वि—बेहद अत्यंत अत्यधिक बहुत ज़ियादा।

बेगार (بیگار) फा स्त्री—वह काम जो ज़बरदस्ती लिया जाय और मज़दूरी न दी जाय विष्टि वह काम जो दिल लगाकर न किया जाय।

बेगारी (بیگاری) फा वि—बेगार में काम पर पकड़ा हुआ उचाटमन से काम करनेवाला।

बेगाह (بےگاہ) फा वि—नावक़्त शाम का वक़्त सायंकाल।

बेगाहाँ (بےگاہاں) फा वि—दे बेगाह।

बेगिल्लोग़िश (بےغل وغش) फा अ वि—बिना खटके निश्चित।

बेगुनाह (بےگناہ) फा वि—निर्दोष निष्पाप बेक़ुसूर।

बेगुनाही (بےگناہی) फा स्त्री—निर्दोषता बेक़ुसूरी।

बेगुमाँ (بےگماں) फा वि—सहसा, अचानक निःसंदेह बेशुब्हा।

बेग़ैरत (بےغیرت) फा अ वि—निर्लज्ज बेहया अस्वाभिमानी गैर ख़ुद्दार।

बेग़ैरती (بےغیرتی) फा अ स्त्री—निर्लज्जता बेहयाई अस्वाभिमान ख़ुद्दारी न होना।

बेगोरोकफ़न (بےگوروکفن) फा अ वि—वह मृत व्यक्ति जिसे न कफ़न मिला हो न दफ़न हुआ हो।

बेचारा (بےچارہ) फा वि—दुःखी निःसहाय निरुपाय बेकस दरिद्र कंगाल।

बेचारगी (بےچارگی) फा स्त्री—दीनता हीनता बेकसी दरिद्रता मुफ़्लिसी।

बेचिराग़ (بےچراغ) फा वि—जिसके घर में चिराग़ न हो दरिद्र, जिसके औलाद न हो निःसंतान।

बेचूँ (بےچوں) फा वि—अद्वितीय, अनुपम बेमिस्ल।

बेचूनोचरा (بےچون وچرا) फा वि—बे कुछ कहे सुने, बिना किसी उज़्र के बिना कान हिलाये।

बेचूनोचिगूँ (بےچون وچگوں) फा वि—दे बेचूनोचरा।

बेज़ (بیز) फा प्रत्य—छाननेवाला फैलानेवाला जैसे—मुश्कबेज़ मुश्क की सुगंध फैलानेवाला।

बेज़बान (بےزباں) फा वि—जो कुछ कहना न जानता हो जो किसी बात की शिकायत न करता हो।

बेज़बानी (بےزبانی) फा स्त्री—चुप रहना, कोई शिकायत आदि न करना।

बेज़र (بےزر) फा वि—निर्धन धनहीन कंगाल मुफ़्लिस।

बेज़रर (بےضرر) फा अ वि—जिससे कोई हानि न पहुँचे।

बेज़री (بےزری) फा स्त्री—निर्धनता कंगाली।

बेजा (بےجا) फा वि—अनुचित नामुनासिब, असंगत, बेतुका।

बेजान (بےجاں) फा वि—निर्जीव, निष्प्राण बेरूह।

बेज़ार (بیزار) फा वि—पराङ्मुख विमुख मुँह फेरे हुए क्रुद्ध अप्रसन्न नाख़ुश।

बेज़ारी (بیزاری) फा स्त्री—पराङ्मुखता विमुखता मुँह फेरना रोष कोप नाख़ुशी।

बेजिगर (بےجگر) फा वि—निडर, निर्भय बेख़ौफ़ (फ़ार्सी में डरपोक भीरु)।

बेजिगरी (بےجگری) फा स्त्री—निर्भयता निडरपन बेख़ौफ़ी (फ़ार्सी में भीरुता डरपोकपन)।

बेज़िनहार (بےزنہار) फा वि—बेपनाह जिससे बचाव न हो सके घातक।

बेजिहत (بےجہت) फा अ वि—अकारण बिला सबब।

बेजुर्म (بےجرم) फा अ वि—निर्दोष निष्पाप बेक़ुसूर।

बेजुर्मी (بےجرمی) फा अ स्त्री—निर्दोषता निरपराधता बेक़ुसूरी।

बेतअम्मुल (بےتامل) फा अ वि—निःसंकोच बेखटके।

बेतअल्लुक़ (بےتعلق) फा अ वि—बेलगाव जिससे कोई लगाव न हो किसी प्रकार का सम्बन्ध न हो जो दख़्ल न दे।

बेतअल्लुक़ी (بےتعلقی) फा अ स्त्री—सम्बन्ध का न होना लगाव न होना।

बेतअस्सुब (بےتعصب) फा अ वि—जिसमें धार्मिक पक्षपात न हो।

बेतअस्सुबी (بےتعصبی) फा अ स्त्री—धर्म-सम्बन्धी पक्षपात न होना।

बेतकल्लुफ (بےتکلف) फा. अ. वि –घनिष्ठ, अतरग, गहरा; नि सकोच, बेखटके, सतोषपूर्वक, आराम से।

बेतकल्लुफ़ी (بےتکلفی) फा अ स्त्री –घनिष्ठता, गहराई; सकोच न होना, झक न होना।

बेतकान (بےتکان) फा वि –बिना थके हुए; निरतर, लगातार।

बेतमा (بےطمع) फा अ वि –जिसे कोई लालच न हो, नि स्पृह, बेनियाज।

बेतमीज़ (بےتمیز) फा अ वि –अशिष्ट, बेसलीक, असभ्य, नामुहज्जब, उद्दड, सरकश, धृष्ट, गुस्ताख़।

बेतमीज़ी (بےتمیزی) फा अ स्त्री.–अशिष्टता, असभ्यता; उद्दंडता, धृष्टता।

बेतरद्दुद (بےتردد) फा अ वि.–बेखटके, निश्चित, बे जोती बोई जमीन।

बेतरह (بےطرح) फा अ वि –बुरी तरह, ख़ूब-ख़ूब, बहुत अधिक।

बेतर्तीब (بےترتیب) फा अ वि –जिसमे कोई क्रम न हो, असवद्ध, क्रमहीन।

बेतर्तीबी (بےترتیبی) फा अ स्त्री –कोई क्रम न होना, असवद्धता।

बेतलब (بےطلب) फा अ वि –बिना मॉगे हुए, बिना बुलाये हुए।

बेतहाशा (بےتحاشا) फा अ वि –अचानक, अकस्मात्; सहसा, यकायक, अधाधुध, बहुत अधिक।

बेताक़त (بےطاقت) फा अ वि –निर्बल, अशक्त, बेजोर।

बेताक़ती (بےطاقتی) फा अ स्त्री –निर्बलता, अशक्ति, बेजोरी।

बेताब (بےتاب) फा वि –व्याकुल, बेचैन, अधीर, बेसब्र; उत्कठित, मुश्ताक, अशक्त, नाताकत।

बेताबानः (بےتابانہ) फा अव्य.–बेताबी के साथ, अधैर्यपूर्वक, उत्कठा के साथ।

बेताबी (بیتابی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, अधैर्य, बेसब्री, उत्कठा, इश्तियाक, अशक्ति, बेजोरी।

बेतासीर (بےتاثیر) फा अ वि –जिसमे असर न हो, अभावकारी।

बेतौक़ीर (بےتوقیر) फा अ वि –बेइज्जत, अपमानित, तिरस्कृत।

बेद (بید) फा पु –एक प्रकार की लचीली लकडी, वेत्र, वेत।

बेदइंजीर (بیدانجیر) फा पु –अरड, अडी।

बेदख़्ल (بےدخل) फा अ वि.–जिसका कब्जा हट गया हो, अधिकार-च्युत।

बेदख़्ली (بےدخلی) फा अ स्त्री –कब्जा हट जाना।

बेदबाफ़ (بیدباف) फा पु –बेत की बुनाई का काम करनेवाला।

बेदम (بےدم) फा वि –अशक्त, निर्बल, बेजोर।

बेदर्द (بےدرد) फा वि –जिसमे दर्द न हो, निर्दय, बेरहम, पाषाण-हृदय, सगदिल।

बेदर्दी (بےدردی) फा स्त्री –दर्द का अभाव, निर्दयता।

बेदस्तोपा (بےدست‌وپا) फा वि –जिसके हाथ-पॉव न हो, नि सहाय, निराश्रय।

बेदस्तोपाई (بےدست‌وپائی) फा स्त्री –हाथ-पॉव न होना, आश्रय न होना, सहारा न होना।

बेदहन (بےدهن) फा वि –दे 'बेजबॉ'।

बेदाग़ (بےداغ) फा वि –जिसमे दाग धब्बा न हो, निर्दोष, बेऐब।

बेदाद (بےداد) फा स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदादख़ू (بیدادخو) फा वि –जिसका स्वभाव अत्याचार करना हो।

बेदादगर (بیدادگر) फा वि.–अत्याचार करनेवाला, अत्याचारी।

बेदादगरी (بیدادگری) फा स्त्री.–अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदादपेशः (بیدادپیشہ) फा वि –दे 'बेदादगर'।

बेदादफ़न (بیدادفن) फा वि –दे 'बेदादगर'।

बेदानः (بےدانہ) फा. वि –जिसके अदर बीज न हो, जैसे—बेदाना अमरूद।

बेदानिश (بےدانش) फा वि –बेइल्म, विद्याहीन, बुद्धिहीन, मूर्ख।

बेदानिशी (بےدانشی) फा स्त्री –विद्या का अभाव; बुद्धिहीनता।

बेदार (بےدار) फा वि –जाग्रत, सचेत, सोने से उठा हुआ।

बेदारदिल (بےداردل) फा वि –जिसका दिल जागता रहता हो, जाग्रतात्मा, महात्मा।

बेदारदिल (بیداردل) फा वि –हर बात की ऊँच-नीच समझकर उसी के अनुसार काम करनेवाला, बुद्धि-कुशल।

बेदारमग़्ज़ी (بیدارمغزی) फा स्त्री –समय के अनुसार काम करना।

बेदारी (بیداری) फा स्त्री –जाग्रति, जागरण।

बेदाश्त (بےداشت) फा वि –बेपर्वा, निश्चित।

बेदिमाग़ (بےدماغ) फा अ वि –बदमिजाज, चिडचिड़ा, अप्रसन्न, नाराज।

बेदिरंग (بےدرنگ) फा वि –बिना विलब के, तुरत, शीघ्र, तत्क्षण, फौरन।

बेबर्गोनवा (بےبرگ ونوا) फा. वि.—बेसाजो सामान, निर्धन; निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेबर्गोबार (بےبرگ وبار) फा वि —बेफलफूल का अर्थात् बे औलाद, नि संतान, निर्धन, कंगाल।

बेबसर (بےبصر) फा. अ. वि.—दृष्टिहीन, अधा।

बेबहा (بےبہا) फा. वि —अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमत।

बेबहः (بےبہرہ) फा वि.—वचित, महूम, अभागा, बद-किस्मत।

बेबाक (بےباق) फा अ वि —जिसके ज़िम्मे ऋण आदि का बकाया न रहा हो, परिशुद्ध, ऋणमुक्त।

बेबाक (بےباک) फा वि —धृष्ट, गुस्ताख, निर्लज्ज, बेहया, अभय, निडर, मुक्तकंठ, मुँहफट।

बेबाकानः (بےباکانہ) फा. अव्य —धृष्टतापूर्वक, निर्लज्जता-पूर्वक, निडरता के साथ, मुँहतोड।

बेबाकी (بےباقی) फा अ स्त्री —ऋण आदि की चुकती, परिशोधन।

बेबाकी (بےباکی) फा स्त्री.—धृष्टता, निर्लज्जता, निडरपन, मुँहफटपना।

बेबालोपर (بےبال وپر) फा. वि —नि सहाय, निराश्रय, बेकस, बेबस, निर्धन, कगाल, जिसके पास जीविका का कोई साधन न हो।

बेबिज़ाअत (بےبضاعت) फा. अ. वि —जिसके पास पूँजी न हो, निर्धन, जो असमर्थ हो; जो कमइल्म हो।

बेबुनयाद (بےبنیاد) फा वि —निराधार, बेअस्ल, मिथ्या, झूठ।

बेमक़्दूर (بےمقدور) फा अ वि —असमर्थ, बेमक्दरत, अप्रतिष्ठित, बेइज्जत।

बेमग्ज़ (بےمغز) फा अ वि —निर्बुद्धि, बेअक्ल, पोच, तुच्छ, लचर, नि सार, खोखला।

बेमज़ः (بےمزہ) फा वि —निस्वाद, नीरस, फीका, आनद-रहित, बेलुत्फ।

बेमज़गी (بےمزگی) फा स्त्री —नीरसता फीकापन, स्वाद की खराबी, आनद का अभाव, बेलुत्फी।

बेमस्रफ (بےمصرف) फा अ. वि —निरर्थक, बेकार, निष्प्र-योजन, नाकार आमद।

बेमहल (بےمحل) फा अ. वि —बेमौका, अवसर के विरुद्ध, बेवक्त, अनुचित, नामुनासिब।

बेमहाबा (بےمحابا) फा वि —बेधडक, सकोच के विना, तडातड, बेतहाशा, बेपर्दा, खुले मुँह।

बेमा'ना (بےمعنی) फा अ वि —निरर्थक, जिसका कोई अर्थ न हो, व्यर्थ, बेकार, फुजूल, निष्फल, बेनतीजा।

बेमानिंद (بےمانند) फा वि —जिसकी कोई तुलना न हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेमा'नी (بےمعنی) फा. अ. वि —दे 'बेमा'ना'।

बेमायः (بےمایہ) फा वि —जिसके पास पूंजी न हो, निर्धन, जिसके पास विद्या रूपी पूँजी न हो, बेइल्म।

बेमायगी (بےمایگی) फा. स्त्री —दरिद्रता, निर्धनता, विद्या-हीनता, बेइल्मी, अपाडित्य।

बेमिक़्दार (بےمقدار) फा अ वि —अपमानित, तिरस्कृत, बेइज्जत, अधम, नीच, कमीना।

बेमिन्नते गैरे (بےمنتِ غیرے) फा. अ अव्य —दूसरे की खुशामद किये विना, दूसरे का एहसान लिये विना।

बेमिसाल (بےمثال) फा अ वि —अनुपम, असमान, अतुल्य, बेनजीर, लाजवाब।

बेमिस्ल (بےمثل) फा अ वि —दे 'बेमिसाल'।

बेमिहार (بےمہار) फा वि —जिसकी नाक मे नकेल न हो, अर्थात् निरंकुश, स्वच्छंद, आजाद, बेलगाम।

बेमुरव्वत (بےمروت) फा अ वि —जिसमे शील सकोच न हो, दु शील, तोताचश्म, अक्खड, उजड्ड, निष्ठुर, बेरहम।

बेमुरव्वती (بےمروتی) फा अ स्त्री —दु शीलता, तोता-चश्मी, अक्खडपन, निर्दयता, बेरह्मी।

बेमेह्र (بےمہر) फा अ वि —निर्मम, जिसमे ममता न हो, निर्दय, निष्ठुर, बेरह्म।

बेमेह्री (بےمہری) फा अ. स्त्री —निर्ममता, निर्दयता।

बेमौका (بےموقعہ) फा अ वि —दे 'बेमहल'।

बेमौसिम (بےموسم) फा अ वि —विना ऋतु का (फल आदि)।

बेयारोमददगार (بےیارومددگار) फा. वि.—जिसका कोई सहायक और खबरगीर न हो, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेरंग (بےرنگ) फा वि —जिसका कोई रग न हो, अवर्ण; जिसका रग उतर गया हो, बदरग, कुवर्ण।

बेरंग (بےرگ) फा वि —निर्लज्ज, बेगैरत।

बेरब्त (بےربط) फा अ वि —असबद्ध, गैर मर्बूत, बेढगा, बेमेल।

बेरब्ती (بےربطی) फा अ स्त्री —असबद्धता, बेढगापन, बेजोडपन।

बेरह्म (بےرحم) फा अ वि —निष्ठुर, निर्दय, जालिम।

बेरह्मी (بےرحمی) फा अ स्त्री —निर्दयता, निष्ठुरता, जुल्म।

बेराह (بےراہ) फा वि —पथभ्रष्ट, कुमार्गी, गुमराह।

बेराहरवी (بےراہروی) फा स्त्री —बुरी राह चलना, कुमार्ग-गमन।

बेराहरौ (بےراہرو) फा वि —कुमार्गी, पथभ्रष्ट, बुरी राह चलनेवाला, पापाचरण करनेवाला।

बेरिया (بےریا) फा वि–निश्छल, मुख्लिस, आडंबर हीन पाखंड न करनेवाला।

बेरियाई (بےریائی) फा स्त्री–निश्छलता निष्पटता, आडंबरहीनता।

बेरीश (بے ریش) फा पु –> बेरीश।

बेरीश (بے ریش) फा वि–जिसके दाढ़ी न निकली हो, जो अभी पूरी उम्र का न हो, लड़का, अमरद।

बेरुखी (بےرخی) फा स्त्री–बेतवज्जही, उपेक्षा बेमुरव्वता दुःशीलता मुँह फेरना विमुखता।

बेरूं (بیروں) फा वि–बाहर।

बेरूंजात (بیروںجات) फा पु–नगर के बाहर की बस्तियाँ, मुफस्सलात।

बेरू (بےرو) फा वि–बेमुरव्वत, दुःशील।

बेरूऔरिआयत (بے رو و رعایت) फा अ वि–बिना किसी के पक्षपात और रियायत किये।

बेरेशा (بے ریشہ) फा वि–जिसमें सुफड या रेशा न हो, जैसे—बेरेशा आम।

बेरबोरिया (بے ریب وریا) फा वि–बिना छल और कपट के ठीक ठीक सीधा सीधा।

बेरोजगार (بے روزگار) फा वि–जिसके पास धधा न हो अनुद्यमी व्यवसायहीन बेकार।

बेरोजगारी (بےروزگاری) फा स्त्री–रोजगार न होना लोगों का काम न मिलना बेकारी।

बेरौनक (بےرونق) फा वि–जिसमें कोई शोभा न हो, शोभाशून्य श्रीहीन जहाँ चहल-पहल न हो सूना, उजाड़, जिसमें प्रफुल्लता न हो अपसुद।

बेरौनकी (بےرونقی) फा स्त्री–शोभा न होना, चहल पहल न होना प्रफुल्लता न होना।

बेल (بیل) फा पु–बेल्चा फावडा पतवार, नाव खेने का डाड।

बेलकश (بیل کش) फा वि–फावडा चलानेवाला।

बेलगाम (بےلگام) फा वि–जिसके मुँह में लगाम न हो निरंकुश स्वच्छंद मुँहफट बदलगाम।

बेलचा (بیلچہ) फा पु–फावडा फावडे के आकार का एक खोदने का यंत्र जिसका दस्ता सीधा होता है।

बेलचाकार (بیلچہکار) फा वि–बेलचे से खोदाई करने वाला, फावडा चलानेवाला।

बेलचक (بیلچک) फा पु–बेल्चा फावडा।

बेलजन (بیل زن) फा वि–फावडा चलानेवाला किसान कृषक।

बेलुत्फ (بےلطف) फा अ वि–निरानंद बेमजा, जिसमें कोई दिलचस्पी न हो।

बेलुत्फी (بےلطفی) फा अ स्त्री–आनंद का न होना मजा न आना, दिलचस्पी न होना।

बेलौस (بےلوث) फा अ वि–निःस्वार्थ मुख्लिस जिस पर कोई लांछन न हो जो पाक-साफ हो।

बेलौसी (بےلوثی) फा अ स्त्री–निःस्वार्थता, इख्लास निर्लिप्तता बेतअल्लुकी।

बेव (بیوہ) फा स्त्री–विधवा, अधवा, वह स्त्री जिसका पति मर गया हो राँड।

बेवकार (بےوقار) फा अ वि–दे 'बेवक्अत', निरन बेपूँजी।

बेवक्अत (بے وقعت) फा अ–जिसकी कोई इज्जत न हो तिरस्कृत जो माना न जाय, अमान्य।

बेवक्अती (بے وقعتی) फा अ स्त्री–अपमान तिरस्कार, बेइज्जती तुच्छता नीचता, जलालत।

बेवक्त (بے وقت) फा अ वि–कुसमय अकाल नावक्त।

बेवक्र (بے وقر) फा अ वि –> बेवक्अत'।

बेवक्री (بےوقری) फा अ स्त्री –> बेवक्अती।

बेवगी (بیوگی) फा स्त्री–बेवा होने की अवस्था, विधवापन विधवात्व वैधव्य, रँडापा।

बेवजह (بے وجہ) फा अ वि–अकारण बिला वजह।

बेवफा (بےوفا) फा अ वि–जिसमें वफा न हो कृतघ्न दगाबाज जो वादे का पक्का न हो।

बेवफाई (بےوفائی) फा अ स्त्री–कृतघ्नता दगाबाजी, वादाखिलाफी वचन भंग।

बेवासित (بےواسطہ) फा अ वि–अकारण, बसबब, बिलावास्ता डाइरेक्ट।

बेवकूफ (بے وقوف) फा अ वि–बुद्धिहीन निर्बुद्धि मूर्ख नादान।

बेवकूफी (بے وقوفی) फा अ स्त्री–मूर्खता बुद्धिहीनता, मूर्खता नादानी।

बेश (بیشہ) फा पु–शेर के रहने की भाद कछार वन जंगल

बेशानशीं (بیشہنشیں) फा वि–जंगल में रहनेवाला तपस्या के लिए जंगल में रहनेवाला।

बेश (بیش) फा वि–अधिक ज़ियादा मोटा तलिया, सिधिया।

बेश अज पेश (بیش از پیش) फा वि–अधिकाधिक, ज़ियादा से ज़ियादा।

बेश अज बेश (بیش از بیش) फा वि–पहले की अपेक्षा अधिक पहले से ज़ियादा।

वेशक (بےشک) फा अ वि —नि सदेह, नि शक, वेशुवह, अवश्य, जुरूर।
वेशकरार (بیش قرار) फा अ वि —पर्याप्त, काफी, अत्यधिक, वहुत।
वेशकीमत (بیش قیمت) फा. अ वि.—वहुमूल्य, वडे दामो की वस्तु।
वेशक्कोशुव्ह: (بےشک وشبہ) फा अ वि.—नि सदेह, नि शक, विना किसी शका और स देह के।
वेशतर (بیش تر) फा वि —अधिकतर, प्राय, वहुधा, अमूमन।
वेशवहा (بیش بہا) फा वि —दे 'वेशकीमत'।
वेशर्म (بےشرم) फा अ वि —निर्लज्ज, वेहया; वेगैरत, स्वाभिमानरहित।
वेशर्मी (بےشرمی) फा अ स्त्री —निर्लज्जता, वेहयाई, अस्वाभाविमान, वेगैरती।
वेशाइव: (بےشائبہ) फा अ. वि —नि.सदेह, यकीनन।
वेशी (بیشی) फा स्त्री —अधिकता, जियादती; इजाफा, वढती, वृद्धि।
वेशीराज़: (بےشیرازہ) फा वि —असवद्ध, वेतर्तीव।
वेशुऊर (بےشعور) फा अ वि —निर्वुद्धि, वेअक्ल, अशिप्ट, नाशाइस्त, अविवेकी, अच्छे-वुरे की तमीज न रखनेवाला।
वेशुऊरी (بےشعوری) फा अ स्त्री —वुद्धिहीनता, वेअक़्ली, वेतमीजी, अविवेक।
वेशुव्ह: (بےشبہ) फा अ वि —नि सदेह, नि शक, वेशक।
वेशुमार (بےشمار) फा अ वि —असख्य, अनगिनत, जिनकी गिनती न हो सके, वहुत अधिक।
वेशोकम (بیش وکم) फा वि —थोडा-वहुत।
वेसत्री (بےستری) फा अ स्त्री —वे पर्दगी, पर्दा न होना, कपडे का शरीर पर से हट जाना या न होना।
वेसवव (بےسبب) फा अ वि —विना कारण, अकारण, वेवजह।
वेसवव आजार (بےسبب آزار) फा अ वि —विना कारण के कप्ट देनेवाला, अकारण-द्रोही।
वेसव्र (بےصبر) फा अ वि —अधीर, आतुर, जिसे धीरज न हो, जल्दवाज़।
वेसव्री (بےصبری) फा अ स्त्री —अधीरता, आतुरता, जल्दवाजी।
वेसरोपा (بےسروپا) फा वि —वे सर और पैर का, जिसका सिर-पैर कुछ न हो, झूठा, निराधार।
वेसर्फ़ (بےصرفہ) फा अ वि —व्यर्थ, निरर्थक, वेकार।
वेसलीक: (بےسلیقہ) फा अ वि —जिसे किसी काम करने का ढग न आता हो, जो शिप्ट न हो, असभ्य।
वेसलीकगी (بےسلیقگی) फा. अ स्त्री —काम का ढग न आना, अशिप्टता, असभ्यता।
वेसवा (بیسوا) फा स्त्री —वेश्या, गणिका, तवाइफ।
वेसवाद (بےسواد) फा अ. वि.—निश्री, वेरौनक, निरक्षर, जाहिल, मूर्ख।
वेसाख्त: (بےساختہ) फा वि —सहसा, वेतहाशा, तुरत; जो वना-सँवरा न हो, सादा, वे सोचे हुए, फिलवदीह।
वेसाख्तगी (بےساختگی) फा स्त्री —वेतहाशापन, शीघ्रता, वनाव-सिगार न होना, वरजस्तगी।
वेसाजोवर्ग (بےسازوبرگ) फा वि —दे 'वेवर्गोनवा'।
वेसिक्क: (بےسکہ) फा वि —तुच्छ, नीच, जलील, अपमानित, तिरस्कृत।
वेसियाकोसिवाक (بےسیاق وسباق) फा अ वि —विना पूर्वापर सम्वन्ध के, (सियाक (अर्वी) = चलाना, रविश) सिवाक—अ वि =आगे दौडनेवाला, फार्सी और उर्दू मे 'सियाक' और 'सिवाक' समानार्थक शव्द है।
वेसुकून (بےسکون) फा अ वि —अशान्ति, जिसे शान्ति न मिले, उद्विग्न, परीशान, चचल, चपल, शोख।
वेसुतून (بےستون) फा. पु —वह पहाड जिसे फर्हाद ने काटा था।
वेसूद (بےسود) फा वि —निरर्थक, व्यर्थ, वेकार; निष्फल, वेनतीज।
वेहंगाम (بےہنگام) फा वि —कुसमय, नावक्त।
वेहकीक़त (بےحقیقت) फा अ वि —तुच्छ, जलील, असत्य, झूठ, निराधार, वेवुनियाद।
वेहद (بےحد) फा अ वि —असीम, अपार वेहिसाव, अत्यधिक, वहुत जियादा।
वेहद्दोहिसाव (بےحدوحساب) फा अ वि —जो गिनती और हिसाव से वाहर हो, असख्य, अपार।
वेहमओवाहम: (بےہمہ وباہمہ) फा वि —किसी के साथ नही और सवके साथ, सवसे अलग और सवके साथ, अच्छाई मे सवके साथ, वुराई मे सवसे अलग।
वेहमगी (بےہمگی) फा स्त्री —किसी के साथ न होना, सवसे अलग होना।
वेहमता (بےہمتا) फा वि —अनुपम, वेमिसाल।
वेहमाल (بےہمال) फा वि —अद्वितीय, अनुपम, वेमिस्ल।
वेहमीयत (بےحمیت) फा अ वि —वेगैरत, निर्लज्ज।
वेहमीयती (بےحمیتی) फा अ स्त्री —निर्लज्जता, वेगैरती।
वेहया (بےحیا) फा अ वि —निर्लज्ज, लज्जा-शून्य, अपत्रप, निस्त्रप, क्षपणक, वेहया।

बेहयाई (بےحیائی) फा अ स्त्री–लज्जाहीनता निर्लज्जता बेशर्मी।

बेहाल (بےحال) फा अ वि–अचेत, बेख़बर सज्ञाहीन मरणासन्न मरने के करीब दुर्दशाग्रस्त बदहाल।

बेहासिल (بےحاصل) फा अ वि–व्यर्थ निरर्थक बेकार निष्फल बेनतीजा।

बेहिजाब (بےحجاب) फा अ वि–बेपर्दा खुले मुँह घूघट खोले हुए।

बेहिजाबान (بےحجابانہ) फा अ वि–पर्दा उठाये हुए घूघट हटाये हुए मुँह खोले हुए बेपर्दा।

बेहिजाबी (بےحجابی) फा अ स्त्री–बेपर्दगी घूघट उठा देना खुल्लम फिरना (स्त्री का)।

बेहिफ़ाज़त (بےحفاظت) फा अ वि–जिसकी रक्षा न हो अरक्षित।

बेहिफ़ाज़ती (بےحفاظتی) फा अ स्त्री–रक्षा का अभाव अरक्षा।

बेहिम्मत (بےہمت) फा अ वि–निरुत्साही हतोत्साह जिसकी हिम्मत टूट गयी हो जिसमें हिम्मत न हो।

बेहिम्मती (بےہمتی) फा अ स्त्री–उत्साह की कमी उत्साह का अभाव।

बेहिस [स्स] (بےحس) अ वि–जिसे एहसास न हो जिसमें स्वाभिमान न हो चेतनाशून्य ग़ाफ़िल सुन्न जड़ीभूत।

बेहिसाब (بےحساب) फा अ वि–असंख्य बेशुमार।

बेहिसी (بےحسی) फा अ स्त्री–एहसास का अभाव चेतना का अभाव सुन्न हो जाना।

बेहिस्सी (بےحسی) फा अ स्त्री–→ बेहिसी दोनों शुद्ध हैं।

बेहिस्सोहरकत (بےحس وحرکت) फा अ वि–जो गति और चेतना दोनों से शून्य हो जड़वत निस्पन्द।

बेहुज़ूर (بےحضور) फा अ वि–अनुपस्थित नामौजूद लुप्त ग़ाइब।

बेहुज़ूरी (بےحضوری) फा अ स्त्री–अनुपस्थिति ग़ैर मौजूदगी लोप ग़ाइब होना।

बेहुद (بےہدہ) फा वि–बेहूद का लघु दे बेहूद।

बेहुनर (بےہنر) फा अ वि–जिसमें कोई हुनर न हो निर्गुण गुणहीन।

बेहुनरी (بےہنری) फा अ स्त्री–गुण का न होना निर्गुणता वैगुण्य।

बेहुर्मत (بےحرمت) फा अ वि–अपमानित तिरस्कृत बेइज्ज़त गर्हित निन्दित रुसवा।

बेहुर्मती (بےحرمتی) फा अ स्त्री–अपमान बेवक़अती गर्हा निंदा रुसवाई।

बेहूद (بیہودہ) फा वि–व्यर्थ अनर्थ, बेकार निष्प्रयोजन निकम्मा, असभ्य, अशिष्ट बदतमीज़ दुःशील बद-अख़लाक़ अश्लील, फूहड़ दुश्चरित्र, आवारा।

बेहूदकलाम (بیہودہ کلام) फा अ वि–→ बेहूदगो।

बेहूदगो (بیہودہ گو) फा वि–व्यर्थवादी, फ़ुज़ूल बातें करने वाला अश्लील वक्ता फूहड़।

बेहूदगोई (بیہودہ گوئی) फा स्त्री–व्यर्थ का बकवास अश्लील बातें।

बेहूदमिज़ाज (بیہودہ مزاج) फा अ वि–असभ्य अशिष्ट बदतमीज़ उजड्ड अक्खड़।

बेहूदशिआर (بیہودہ شعار) फा अ वि–→ बेहूदमिज़ाज।

बेहूदसिरिश्त (بیہودہ سرشت) फा वि–→ बेहूदमिज़ाज।

बेहूदगी (بیہودگی) फा स्त्री–अश्लीलता फूहड़पन असभ्यता अशिष्टता बदतमीज़ी।

बेहैसियत (بےحیثیت) फा अ वि–अप्रतिष्ठित बेइज्ज़त निर्धन मुफ़्लिस।

बेहैसियती (بےحیثیتی) फा अ स्त्री–प्रतिष्ठा न होना अप्रतिष्ठा निर्धनता।

बेहोश (بےہوش) फा वि–निश्चेष्ट, अचेत ग़ाफ़िल उन्मत्त बदमस्त।

बेहोशी (بےہوشی) फा स्त्री–निश्चेष्टता ग़फ़्लत उन्मत्तता बदमस्ती।

बेहोशोहवास (بےہوش وحواس) फा अ वि–जिसकी न अक़्ल ठिकाने हो न होश बहुत ही ग़ाफ़िल।

बेहौसल (بےحوصلہ) फा अ वि–दे बेहिम्मत।

बेहौसल्गी (بےحوصلگی) फा अ स्त्री–→ बेहिम्मती।

बै

बैअ (بیع) अ स्त्री–बेचना फ़रोख़्त करना।

बैअत (بیعت) अ स्त्री–किसी पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना।

बैअनाम (بیعنامہ) अ फा पु–बेचीनामा विक्रय-पत्र, बेचने की क़ानूनी तहरीर।

बैआन (بیعانہ) अ फा पु–वह धन जो मूल्य तय हो जाने पर ख़रीदार बेचनेवाले को इसलिए देता है कि बात पक्की हो जाय।

बैओशिरा (بیع وشرا) अ स्त्री–ख़रीद फ़रोख़्त, क्रय विक्रय।

बैज़ः (بیضہ) अ पु –अडा, अड; अडकोप, फोता, सिपाहियो का खोद, लोहे की टोपी, पूरे सर का एक दर्द।
बैज़ (بیض) अ पु –'बैज़' का वहु, अडे।
बैज़ए माकियाँ (بیضۂ ماکیاں) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मार (بیضۂ مار) अ फा पु –साँप का अडा।
बैज़ए मुर्ग़ (بیضۂ مرغ) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मोर (بیضۂ مور) अ फा पु –च्यूँटी का अडा।
बैज़क (بیذق) अ पु –दे. 'वैदक', दोनो शुद्ध है।
बैज़वी (بیضوی) अ वि –अण्डे के आकार का, अडाकार।
बैज़ा (بیضا) अ वि –प्रकाशमान्, उज्ज्वल, रौशन, श्वेत, सफेद, सूर्य, सूरज, ईरान का एक नगर।
बैज़ावी (بیضاوی) अ. वि –बैज़ा (ईरान का एक नगर), से सम्बन्ध रखनेवाला।
बैत (بیت) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, (स्त्री) एक शेर, दो मिस्रे।
बैतबहसी (بیت بحثی) अ स्त्री –दे 'बैतबाजी' अन्त्याक्षरी।
बैतबाजी (بیت بازی) अ फा स्त्री –लडको का एक इल्मी मश्गूल जिसमे एक लड़का एक शे'र पढता है और दूसरा लडका उस शेर के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होनेवाला दूसरा शे'र पढता है या उसी विपय पर दूसरी उक्ति पढता है।
बैतार (بیطار) अ पु –पशुओ की चिकित्सा करनेवाला, अश्व-चिकित्सक।
बैतुन्नुतफ (بیت النطف) अ पु –चकला, वेश्यालय।
बैतुलअतीक (بیت العتیق) अ पु –पुराना घर; का'व, खानए का'व।
बैतुलअरूस (بیت العروس) अ पु –दुल्हन का कमरा, खानए का'व।
बैतुलउलूम (بیت العلوم) अ. पु –यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।
बैतुलखला (بیت الخلا) अ. पु –शौचालय, पाखाना।
बैतुलगजल (بیت الغزل) अ स्त्री –गजल का सवसे अच्छा शे'र।
बैतुलमा'मूर (بیت المعمور) अ पु –चौथे आस्मान पर वनी हुई मस्जिद जो खानए का'व के ठीक ऊपर है।
बैतुलमाल (بیت المال) अ पु –वह कोप जिसका धन सार्वजनिक कामो मे खर्च हो।
बैतुलमुकद्दस (بیت المقدس) अ पु –यरोशलम।
बैतुल्लाह (بیت اللہ) अ. पु –खानए का'व, ईश्वर का घर।
बैतुलहज़न (بیت الحزن) अ पु –शोकगृह, गमी का घर, नायक का घर।
बैतुलहमल (بیت الحمل) अ पु –मेपराशि, पहला बुर्ज।
बैतुलहराम (بیت الحرام) अ पु –खानए का'व।
बैतुलहुज़्न (بیت الحزن) अ पु –दे. 'बैतुलहज़न', दोनो शुद्ध है।
बैतुश्शरफ (بیت الشرف) अ पु –वह राशि जिसमे किसी ग्रह की उन्नति हो।
बैतुस्सकर (بیت السقر) अ पु –नरक, दोजख।
बैतुस्सनम (بیت الصنم) अ पु –बुतखाना, मूर्तिगृह, मदिर।
बैतुस्सिलाह (بیت السلاح) अ पु –शस्त्रागार, अस्लिहखान, मैगजीन।
बैदक (بیدق) अ पु –शत्रज का पियादा।
बैदा (بیدا) अ पु –वन, कानन, जगल, दश्त।
बैन (بین) अ वि –बीच, मध्य, दरमियान।
बैनलअक्वाम (بین الاقوام) अ. वि –अन्तर्रा।
बैनलअक्वामी (بین الاقوامی) अ वि –अन्तर्राष्ट्रीय।
बैनलमिल्ली (بین الملی) अ वि –अतर्राष्ट्रीय।
बैनलमुल्की (بین الملکی) अ वि –अतर्देशीय।
बैनस्सुतूर (بین السطور) अ पु –दो सत्रो के बीच मे छोडी हुई जगह।
बैयाअ (بیاع) अ वि –वेचनेवाला, विक्रेता; अभिकर्ता, दल्लाल।
बैयिन (بین) अ वि –स्पप्ट, वाजेह, ज्वलन्त।
बैरक (بیرق) तु पु –छोटा झडा, झडी, वह झडा जो जमीन पर कब्जा करने या आबाद करने के निशान के लिए गाडते है।

बो

बोईदः (بوئیدہ) फा वि –सूँघा हुआ।
बोत. (بوتہ) फा पु –सुनारो की घरिया, कुठाली, बूत।
बोदनः (بودنہ) तु पु –बटेर।
बोया (بویا) फा वि –सुगधित, सुवासित, खुशबूदार।
बोरिया (بوریا) फा पु –चटाई, खजूर की चटाई, मदुरा।
बोरियानशी (بوریانشیں) फा वि –चटाई पर वैठनेवाला, फकीर।
बोरियाँबाफ (بوریاباف) फा वि –चटाइयाँ, बुननेवाला।
बोरियाबाफी (بوریابافی) फा स्त्री –चटाइयाँ बुननेका काम।
बोस (بوس) फा. प्रत्य –चूमनेवाला, जैसे—'फलकबोस' आस्मान चूमनेवाला, गगनचुबी।
बोसः (بوسہ) फा पु –चुवन, चूमा।

बोसगाह (بوسگاه) फा स्त्री –वह स्थान जिसे चूमा जाय।
बोसज़न (بوسزن) फा वि –चूमनेवाला चुंबक।
बोसवपयाम(بوسه و پیام) फा वि –दूसरे के जरिए अपने मकसद को पा लेना — कासिद के हाथ चूम लिये मने लेके खत म एक तरह का वास व पयाम हो गया।
बोसबाज़ी (بوسبازی) फा स्त्री –चूमाचूमी एक-दूसरे का चूमना।
बोसीद (بوسیده) फा वि –चुंबित चूमा हुआ सड़ा-गला फटा पुराना।
बोसीदगी (بوسیدگی) फा स्त्री –सड़ा गलापन फटा पुरानापन।
बोसीदनी (بوسیدنی) फा वि –चूमने के लाइक चुंबन योग्य चुबनीय।
बोस्ता (بوستان) फा पु –उद्यान बाग आराम वाटिका।
बोस्तापैरा (بوستان پیرا) फा वि –माली उद्यानपाल।

बौ

बौज़र (بوزی) फा स्त्री –कफनी दवना।
बौल (بول) अ पु –मूत्र प्रस्राव पेशाब मूत्र।
बौलगाह (بولگاه) अ फा स्त्री –मूत्रालय पेशाब करने की जगह यूरिनल।
बौलदान (بولدان) अ फा पु –पेशाब का बरतन गोगिया का मूत्र पात्र यूरिन-पाट।
बौलफिलफिराश (بول فی الفراش) अ पु –एक रोग जिसमें रोगी सोते हुए बिस्तर पर पेशाब कर देता है प्राय यह रोग दस बारह बरस के बच्चों को होता है शय्यामूत्र।

म

मज़र (منظر) अ पु –दृश्य नज़ारा मुखाकृति चेहरा कौतुकस्थान तमाशागाह क्रीडास्थल सैरगाह दृष्टि की भेंट हुई नज़र।
मज़रे आम (منظر عام) अ पु –खुली जगह जहां सब लोग आ-जा सकें सार्वजनिक स्थान।
मंज़िल (منزل) अ स्त्री –उतरने की जगह पड़ाव जहां जाना हो गंतव्य एक दिन की यात्रा मकान का एक भाग तल्ला याद का घर लम्बी यात्रा।
मंज़िलगाह(منزلگاه)अ फा स्त्री –जहां आकर ठहरना हो।
मंज़िलत (منزلت) अ स्त्री –आदर सत्कार इज्जत पदवी दरजा।
मंज़िले अव्वल (منزل اول) अ स्त्री –कब्र श्मशान जहां मनुष्य मरने पर पहुंचता सबसे पहले जाता है।
मंज़िले क़मर(منزل قمر) अ स्त्री –नक्षत्र चांद के रास्ते में पड़नेवाले २७ स्थानों में से एक (दे मनाज़िले क़मर)।
मंज़िले मक़सूद (منزل مقصود) अ स्त्री –वह स्थान जहां पहुंचना है आशय उद्देश्य।
मंज़िले हस्ती (منزل هستی) अ फा स्त्री –जीवनयात्रा आयु उम्र।
मंज़ूअ (منزوع) अ वि –निकाला हुआ, किसी चीज़ में से अलग किया हुआ।
मंज़ूम (منظوم) अ वि –पद्यात्मक छंदबद्ध नज़्म की सूरत में लाया हुआ छंद के रूप में परिवर्तित किया हुआ।
मंज़ूमात (منظومات) अ स्त्री –नज़्मों का संग्रह वह संग्रह जिसमें गद्य न हो केवल नज़्म हो।
मंज़ूर (منظور) अ वि –स्वीकृत दृष्टिगोचर जो देखा जाय स्वीकृत तस्लीम स्वीकार पसन्द।
मंज़ूरनज़र (منظور نظر) अ वि –प्रिय प्यारा कृपापात्र जिस पर किसी की कृपा दृष्टि हो आंखों को पसंद।
मंद (مند) फा प्रत्य –वाला, जैसे— जुल्मतमंद अक्ल वाला।
मंडल (مندل) फा पु –घेरा, इहाता मंडल।
मंदूब (مندوب) अ स्त्री –डेलीगेट स्त्री प्रतिनिधि महिला।
मंदूब (مندوب) अ पु –डेलीगेट प्रतिनिधि।
मंदूबीन (مندوبین) अ पु –'मंदूब' का बहु प्रतिनिधि मंडल बहुत-से प्रतिनिधि।
मंबा (منبع) अ पु –स्रोत चश्मा उद्गम मखज़न।
मंबित (منبت) अ पु –उगने का स्थान जहां कोई पौधा उगे।
मंशा (منشا) अ पु –उद्देश्य आशय मकसद अर्थ मतलब इच्छा ख्वाहिश कारण हेतु सबब मनःकामना मनोरथ दिली मकसद।
मंशाए इलाही (منشاے الٰہی) अ पु –ईश्वरेच्छा रब की मर्ज़ी।
मंशाए दिली (منشاے دلی) अ फा पु –मनोरथ मनोकामना दिली आर्जू।
मंशाए मशीअत (منشاے مشیت) अ पु –दे मंशाए इलाही।
मंशूर (منشور) अ प –अस्त-व्यस्त तितर बितर बिखरा हुआ राजाज्ञा शाहीफ़र्मान।
मंसक (منسک) अ पु –वह स्थान जहां पूजा की जाय उपासना-गृह वह स्थान जहां कुर्बानी की जाय।
मंसब (منصب) अ पु –पद उहदा बड़ी पदवी अधिकार हक कर्तव्य फ़र्ज़।

मंसबदार (منصبدار) अ फा. वि –पदाधिकारी, उहदेदार, पीढी दर पीढी वजीफा पानेवाला।
मंसबी (منصبی) अ. वि –मंसबवाला, पद-सम्बन्धी, जैसे––'कारे मसबी', अपना पद-सम्बन्धी काम।
मसूख (منسوخ) अ वि –खारिज, रद्द, निरस्त।
मंसूखी (منسوخی) अ वि –मसूख होना, निरसन, रद्द होना।
मंसूबः (منصوبہ) अ पु –सकल्प, इरादा, योजना, स्कीम, षड्यंत्र, साजिश; इच्छा, ख्वाहिश।
मंसूबःबंदी (منصوبہبندی) अ फा स्त्री –मसूबा गाँठना, इरादा करना, योजना बनाना, स्कीम बनाना।
मंसूब (منسوب) अ वि –सम्बन्धित, जिसकी किसी की ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी कही मँगनी की गयी हो।
मंसूब (منصوب) अ वि –वह अक्षर जिस पर जबर हो।
मंसूबइलैह (منسوب الیہ) अ वि –जिसकी ओर निस्बत की गयी हो, जिसकी मँगनी की गयी हो।
मंसूर (منثور) अ वि –गद्यात्मक लेख, नस्र का कलाम, अनविधा मोती, तितर-वितर, बिखरा हुआ।
मंसूर (منصور) अ वि –विजेता, विजयी, फातेह, एक वली जिन्होने "अनलहक" कहा था और इस अपराध मे उनकी गरदन काटी गयी थी।
मसूरोमुज़फ्फर (منصورومظفر) अ वि –जो बडी शान से जीता हो, प्रशसनीय विजयी।
मसूस (منصوص) अ वि –गवेषणा को प्राप्त, तहकीकशुद, वह वात जो कुरान की स्पष्ट आयतो से प्रमाणित हो।
मअन (معاً) अ वि –सहसा, अकस्मात्, अचानक, तुरत, फौरन, तत्क्षण।
मआइब (معائب) अ पु –'मईब' का वहु दोष-समूह।
मआखिज़ (مآخذ) अ पु –'आखज' का वहु, वे किताबें जिनसे मवाद लेकर कोई किताब लिखी गयी हो।
मआज़ (معاذ) अ वि –रक्षास्थान, पनाह की जगह।
मआज़ल्लाह (معاذاللہ) अ वा –खुदा की पनाह, ईश्वर बचाये।
मआजीन (معاجین) अ स्त्री –'मा'जून' का वहु, मा'जूने, अवलेह।
मआद (معاد) अ पु –लौटकर जाने की जगह, यमलोक।
मआदिन (معادن) अ पु –'मा'दिन' का वहु, खाने।
मआनी (معانی) अ पु –'मा'ना' का वहु, अर्थसमूह।
मआब (مآب) अ प्रत्य –युक्त, जैसे––'फजीलत मआब' विद्वत्ता से युक्त।
मआबिद (معابد) अ पु –'मा'वद' का वहु, उपासना के स्थान, मदिर, मस्जिदे, गिर्जा।
मआबिर (معابر) अ पुं –'मा'वर' का वहु, नदियो का घाट या पुल।
मआरिक (معارک) अ पु –'मा'रिक' का वहु, लडाई के मैदान, युद्धक्षेत्र, लडाइयाँ, युद्ध।
मआरिज (معارج) अ पु –'मे'राज' का वहु, सीढिया।
मआरिफ (معارف) अ पु –'मा'रफ' का वहु, पहचानने के स्थान, परिचय, पहचान, 'मा'रिफ' का वहु, परिचित लोग, दोस्त लोग, मित्रगण, विद्वज्जन, इल्मवाले।
मआल (مآل) अ पु –परिणाम, निष्कर्ष, नतीजा, अत, खातिमा, फल, प्रतिकार, वदल,––"मआलेसोजे गमहाए निहानी देखते जाओ"––फानी।
मआलअंदेश (مآل اندیش) अ फा वि –परिणामदर्शी, नतीजा सोचकर काम करनेवाला।
मआलअंदेशी (مآل اندیشی) अ फा स्त्री –परिणामदर्शिता, नतीज सोचकर काम करना।
मआलनाअंदेश (مآل نااندیش) अ फा वि –जो नतीजा न सोचे और काम कर डाले, अपरिणामशोची।
मआलनाअंदेशी (مآل نااندیشی) अ फा स्त्री –नतीजा सोचे विना काम कर डालना, अपरिणामदर्शिता।
मआलबी (مآل بیں) अ फा वि –दे 'मआल अंदेश'।
मआलबीनी (معال بینی) अ फा स्त्री –दे, 'मआल अंदेशी'।
मआली (معالی) अ पु –'मा'ली' का वहु, ऊँचाइयाँ, वलदियाँ।
मआले कार (مآل کار) अ फा पु –काम का नतीजा, कार्यपरिणाम।
मआले बद (مآل بد) अ फा पु –वुरा नतीजा, कुफल, दुष्परिणाम।
मआश (معاش) अ स्त्री –जीविका, रोजी; जमीन या जागीर जो किसी काम के इनआम स्वरूप मिले।
मआशदार (معاش دار) अ फा पु –वह व्यक्ति जिसे कोई जमीन या जागीर 'मआश' के रूप मे मिली हो।
मआशी (معاشی) अ वि –जीविका-सम्बन्धी, अर्थ-सम्बन्धी, आर्थिक, इक्तिसादी।
मआशीयात (معاشیات) अ स्त्री –अर्थशास्त्र, इल्मे इक्तिसादीयात।
मआसिर (مآثر) अ पु –'मासुर' का वहु, अच्छी निशानियाँ, अच्छे स्मृति-चिह्न, अच्छे काम, सुकृतियाँ।
मआसी (معاصی) अ पु –'मा'सियत' का वहु, पाप-समूह, गुनाह।

मईब (معئب) अ पु –दोष अवगुण दूषण ऐब।

मईयत (معیت) अ स्त्री –साथ हमराही।

मईशत (معیشت) अ स्त्री –जीवन ज़िन्दगी जीविका, मआश वह चीज़ जो जीवन का सहारा हो।

मऊनत (معونت) अ स्त्री –सहायता मदद।

मऊल (معول) अ वि –भरोसा किया हुआ विश्वस्त।

मए अंगूर (مے انگور) फा स्त्री –अंगूर से बनायी हुई मदिरा द्राक्षासव।

मए अंग्बीं (مے انگبیں) फा स्त्री –शहद की शराब माध्वी।

मए आतशीं (مے آتشیں) फा स्त्री –आग-जैसी तेज़ और लाल मदिरा अग्निवर्णा।

मए ऐश (مے عیش) फा अ स्त्री –भोग विलासरूपी मदिरा।

मए हुस्न (مے حسن) फा अ स्त्री –सौंदर्य-सुरा रूप-मद जब मए-हुस्न में है कैफ़े फ़रामोशी भी नासिहा काम नहीं अब तेरे समझाने का।

मए कौसर (مے کوثر) फा अ स्त्री –स्वर्ग की मदिरा।

मए गुलगूं (مے گل گوں) फा स्त्री –गुलाब के फूल-जैसी सुगंधित और गुलाबी मदिरा।

मए गुलफ़ाम (مے گل فام) फा स्त्री –दे मए गुलगूं।

मए गुलरंग (مے گل رنگ) फा स्त्री –दे मए गुलगूं'।

मए तहूर (مے طہور) फा अ स्त्री –पवित्र मदिरा वह मदिरा जो स्वर्ग में मिलेगी।

मए तुंद (مے تند) फा स्त्री –तेज़ नशेवाली मदिरा।

मए दुआतशा (مے دو آتشہ) फा स्त्री –दो बार खिंची हुई शराब बहुत तेज़ शराब।

मए दोशीना (مے دوشینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई बासी शराब।

मए नाब (مے ناب) फा स्त्री –निर्मल और खालिस मदिरा।

मए नौ (مے نو) फा स्त्री –हाल की खिंची हुई शराब।

मए पिंदार (مے پندار) फा स्त्री –अहंकार की मदिरा अहंकाररूपी मदिरा।

मए मुगाना (مے مغانہ) फा स्त्री –अग्निपरस्तों की शराब।

मए रंगीं (مے رنگیں) फा स्त्री –रंग बिरंगी शराब।

मए वस्ल (مے وصل) फा अ स्त्री –संभोग मैथुन नायिका का सहवास।

मए शबीना (مے شبینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई शराब।

मए शीराज़ (مے شیراز) फा स्त्री –वह मदिरा जो शीराज़ की बागों में हो हाफ़िज़ शीराज़ी की कविता।

मए शौक़ (مے شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।

मए हराम (مے حرام) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म में निषिद्ध है।

मए हलाल (مے حلال) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म में विहित है स्वर्ग की मदिरा।

मक़र्र[र] (مقر) अ पु –ठहरने का स्थान, अड्डा पड़ाव।

मक़र्रुलख़िलाफ़त (مقر الخلافت) अ पु –शासनकेंद्र राजधानी।

मक़र्रुलहुकूमत (مقر الحکومت) अ पु –राजधानी।

मक़र्रुस्सल्तनत (مقر السلطنت) अ पु –राजधानी।

मक़र्रे ख़िलाफ़त (مقر خلافت) अ पु –'राजधानी'।

मक़्त[त्त] (مقتل) अ पु –काटने का स्थान दण्ड स्थल।

मकाइद (مکائد) अ पु –मकीद का बहु छल और फ़रेब पाखण्ड ऐयारियाँ।

मक़ाइद (مقاعد) अ पु –मक़अद का बहु, बैठने के स्थान।

मकातिब (مکاتب) अ पु –मकतब का बहु प्रारंभिक पाठशालाएं।

मकातिबे इब्तिदाई (مکاتب ابتدائی) अ पु –प्रारम्भिक पाठशालाएँ जिनमें शुरुआत की शिक्षा दी जाय।

मकातीब (مکاتیب) अ पु –मक्तूब का बहु चिट्ठियाँ पत्र-समूह ख़तूत।

मक़ादीर (مقادیر) अ स्त्री –मिक़्दार का बहु अंदाज़ अनुमान वज़्न संख्याएँ ता'दाद।

मक़ादीरे मजहूल (مقادیر مجہول) अ स्त्री –वे संख्याएं जो ज्ञात न हों (गणित)।

मक़ादीरे मा'लूम (مقادیر معلوم) अ स्त्री –वे संख्याएं जो ज्ञात हों (गणित)।

मकान (مکان) अ पु –गृह गेह आवास, निकेतन, भवन सदन सद्म घर वेश्म स्थान जगह।

मकानदार (مکان دار) अ फा वि –घर का मालिक गृह स्वामी।

मकानात (مکانات) अ पु –मकान का बहु बहुत-से घर।

मकाने मस्कूना (مکان مسکونہ) अ पु –रहने का मकान जिस मकान में कोई रहता हो।

मक़ाबिर (مقابر) अ पु –मक़्बर का बहु, क़ब्रें मक़बरे मज़ारात।

मक़ाम (مقام) अ पु –स्थान जगह ठहरने का स्थान, घर मकान मंज़िल पड़ाव अवसर मौक़ा प्रतिष्ठा इज़्ज़त। 'मुक़ाम' भी प्रचलित है।

मक़ामात (مقامات) अ पु –मक़ाम का बहु बहुत से स्थान।

मक़ामी (مقامی) अ वि –स्थानीय लोकल।

मकारिम (مکارم) अ. पु –'मक्रुमत' का वहु, कृपाएँ, इनायतें।
मकारह (مکارہ) अ पु –'मुक्र' का वहु।
मकालः (مقالہ) अ पु –निवध, लेख, किसी विशेष विषय पर गवेषणापूर्ण लेख, रेखागणित का कोई साध्य।
मकालःनवीस (مقالہ‌نویس) अ फा वि –निवधकार।
मकाल:निगार (مقالہ‌نگار) अ फा वि –दे 'मकाल:नवीस'।
मकाल:निगारी (مقالہ‌نگاری) अ फा स्त्री –निवध लिखना, प्रवन्ध रचना।
मकाल (مقال) अ पु –वार्तालाप, वातचीत, गुफ्तुगू।
मकालात (مقالات) अ पु –'मकाल' का वहु, गुफ्तुगू, वातचीतें, मकाले, निवध।
मकालीद (مقالید) अ पु –'मिक्लीद' का वहु, कुजियाँ।
मकासिद (مقاصد) अ. पु –'मक्सिद' का वहु, उद्देश्य समूह, मशाएँ।
मकासिव (مکاسب) अ पु –'कस्व' का वहु, पेशे, उद्योग।
मकीन (مکین) अ वि –मकान का रहनेवाला, निवासी।
मकूलः (مقولہ) अ पु –कथन, वात, कौल, कही हुई वात।
मकूलात (مقولات) अ पु –'मकूल' का वहु, कौल, वाते।
मक्अद (مقعد) अ स्त्री –मलद्वार, गुदा, मब्रज।
मक्कः (مکہ) अ पु –हज्रत मुहम्मद साहिव का जन्म-स्थान, अरव की राजधानी, यहीं मुसलमान हज के लिए एकत्र होते हैं, का'व इसी मे है।
मक्कारः (مکارہ) अ स्त्री –धूर्त्ता, मायाविनी, वचिका, हरीफ, वहुत ही चालाक स्त्री।
मक्कार (مکار) अ वि –धूर्त, छली, वहुत ही चालाक।
मक्कारी (مکاری) अ स्त्री –धूर्त्तता, फित्तीनी, चालाकी।
मक्तव (مکتب) अ पु –पाठशाला, विद्यागृह, वच्चो का स्कूल, मदरसा।
मक्तवखानः (مکتب‌خانہ) अ फा पु –इस शब्द मे 'खान' अधिक है, क्योकि मक्तव का अर्थ खुद ही पढाई की जगह है, परन्तु कुछ लोग लिख देते हैं, न लिखना अधिक उचित है।
मक्तवगाह (مکتب‌گاہ) अ फा स्त्री –दे 'मक्तवखान' इसमें भी 'गाह' स्थान के अर्थ में है और वह अशुद्ध है।
मक्तवे इश्क़ (مکتب‌عشق) अ पु –प्रेम-पाठशाला।
मक्तल (مقتل) अ पु –कत्ल करने की जगह, वधस्थान, वधभूमि।
मक्तूअ (مقطوع) अ वि –विच्छिन्न, कटा हुआ।
मक़्तूउन्नस्ल (مقطوع‌النسل) अ वि –जिसका वश समाप्त हो गया हो, जिसकी सतान मे कोई न रहा हो, नष्टवंश।
मक्तूउल् ... हो, विकल पाणिक, विच्छिन्न हस्त।
मक्तूव (مکتوب) अ पु –लिखित, लिखा हुआ; पत्र, चिट्ठी।
मक्तूबइलैह (مکتوب‌الیہ) अ वि –जिसको पत्र लिखा जाय।
मक्तूम (مکتوم) अ वि –गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ।
मक़्तूल (مقتول) अ. वि –जिसे कत्ल कर दिया गया हो, हत, निहत, वधित।
मक़्तूलीन (مقتولین) अ पु –'मक्तूल' का वहु, मारे गये लोग।
मक़्तूलो मज्रूह (مقتول‌ومجروح) अ पु –जो कत्ल हुए और जो घायल हुए, हताहत।
मक़्दिरत (مقدرت) अ स्त्री –दे 'मक़्दूर'।
मक़्दूनियः (مقدونیہ) अ पु –'वलकान' का एक प्रदेश जो पहले तुर्कों के पास था, सिकदर यही राज करता था।
मक़्दूर (مقدور) अ पु –शक्ति, वल, जोर, सामर्थ्य, मक्दिरत, साहस, हिम्मत, समाई, गुजाइश, धन, दौलत, वस, कावू।
मक्ना' (مقنع) अ पु –वह महीन कपडा जो निकाह के समय दूल्हा को पिन्हाते हैं, इसका शुद्ध उच्चारण 'मिक्ना' है, परन्तु उर्दू मे 'मक्ना' भी प्रचलित है।
मक़्नातीस (مقناطیس) अ पु –वह पत्थर जो लोहे को खीचता है, चुवक, अयस्कात, आकर्ष, वज्रलोहक, दे. 'मिक्नातीस', दोनो शुद्ध हैं।
मक्नून (مکنون) अ वि –छिपाया हुआ, दिया हुआ, भेद, रहस्य, मन की वात, मशा।
मक्नूने खातिर (مکنون‌خاطر) अ वि –मन मे छिपायी हुई वात, दिल का भेद।
मक्फूफ (مکفوف) अ वि –कपडा लपेटा हुआ, उर्दू छद मे मे सप्त अक्षरीयगण (मुस्तफअलुन्, मफाईलुन्, फाइलातुन्) मे से अन्तिम अक्षर कम करके मुस्तफ्अलु, मफाईलु, फाइ-लातु वनाना)।
मक्फूल (مکفول) अ वि –रेहन रखा हुआ, गिरौ, वंधक।
मक़्वरः (مقبرہ) अ पु –वह कब्र जिस पर इमारत या गुवद हो।
मक़्वूजः (مقبوضہ) अ वि –जो चीज कब्ज़े मे हो, मिल्कियत।
मक़्वूल (مقبول) अ वि –सर्वप्रिय, हरदिल अजीज, स्वीकृत, मजूर, रुचिकर, पसदीद।
मक़्वूलियत (مقبولیت) अ स्त्री –सर्वप्रियता, हरदिल-अजीजी, पसदीदगी, रुचि।

मक़बूलुद्दुआ (مقبول الدعا) अ वि –जिसकी दुआ तुरत क़बूल होती हो वाक्सिद्ध।

मक़बूले बारगाह (مقبول بارگاه) अ फा वि –ईश्वर का प्यारा किसी बड़े आदमी के यहाँ बहुत सम्मानित व्यक्ति।

मक्र (مکر) अ पु –छल धोखा वंचना, ठगी मिष बहाना, धूर्तता चालाकी।

मक़्रुमत (مکرمت) अ स्त्री –कृपा दया अनुकम्पा सम्मान प्रतिष्ठा वक़ार।

मक़्रुमतनामा (مکرمت نامه) अ फा पु –कृपापत्र।

मक़्रूक़ (مسروق) तु वि –वह माल जो कुर्क़ हो गया हो आसजित।

मक़्रूज़ (مقروض) अ वि –ऋणी क़र्ज़दार।

मक़्रून (مقرون) अ वि –समीप पास नज़दीक मिलाया हुआ पास किया हुआ।

मक़्रूब (مکروب) अ वि –दुखित ग़मगीन शोक-सतप्त।

मक़्रूह (مکروه) अ वि –घृणित जिसे देखकर घिन आये भद्दा बदनुमा इस्लाम धर्म में वह चीज़ जिसका खाना अच्छा न हो परन्तु वह हराम न हो।

मक़्रूहात (مکروهات) अ पु –मक्रूह का बहु घृणित वस्तुएँ ध्यय के काम।

मक़्रूहाते दुनयवी (مکروهات دنیوی) अ पु –ससार के झंझट जीवन की बाधाएँ दुनिया के झगड़े।

मक़्रूहे तहीमी (مکروه تحریمی) अ पु –इस्लाम धर्म के अनुसार ऐसा मक्रूह खाद्य पदार्थ जो हराम के लगभग पहुँच गया हो।

मक़्लूब (مقلوب) अ वि –उल्टा हुआ।

मक़्लूबुलइज़ाफ़त (مقلوب الاضافت) अ पु –वह समास गत शब्द जिसकी इज़ाफ़त उलट गयी हो जैसे— ख़ानए ख़ुदा का ख़ुदाख़ाना।

मक़्लूबे कुल (مقلوب کل) अ पु –वह शब्द जो क्रम से बिल्कुल उलट गया हो जैसे— क़मर से रक़म।

मक़्लूबे बा'ज़ (مقلوب بعض) अ पु –वह शब्द जिसमें अक्षर क्रम से न उलटें जैसे— क़मर से रक़म।

मक़्लूबे मुस्तवी (مقلوب مستوی) अ पु –वह शब्दसमूह या इबारत जो क्रम से बिलकुल उलट गयी हो।

मक्शूफ़ (مکشوف) अ वि –प्रकट व्यक्त ज़ाहिर जो खोला गया हो।

मक़्सद (مقصد) अ पु –शुद्ध उच्चारण मक़्सिद है परन्तु उर्दू में मक़्सद ही बोलते हैं उद्देश्य आशय मंशा इच्छा ख़्वाहिश।
उर्दू में मक़्सद बोलते और लिखते हैं।

मक्सूब (مکسوب) अ वि –पैदा की हुई कमायी हुई जायदाद आदि।

मक्सूब (مکسوب) अ वि –कमाया हुआ पैदा किया हुआ।

मक़्सूद (مقصود) अ वि –उद्देश्य आशय मंशा इच्छा ख़्वाहिश।

मक़्सूदबिज़्ज़ात (مقصود بالذات) अ वि –वह वस्तु जिसकी वास्तविक में इच्छा हो।

मक़्सूदमिनहु (مقصود منه) अ वि –जिससे मतलब हो।

मक़्सूम (مقسوم) अ वि –विभाजित बाँटा हुआ भाग्य क़िस्मत भाग हिस्सा वह सख्या जो बाँटी जाय, भाज्य।

मक़्सूम अलैह (مقسوم علیه) अ पु –वह सख्या जिससे किसी सख्या में भाग दें भाजक हारक।

मक़्सूमअलैहे आ'ज़म (مقسوم علیه اعظم) अ पु –वह बड़ी से बड़ी सख्या जो कई सख्याओं को पूरा बाँट दे जैसे ६ जो १२ १८ २४ ३० ३६ ४२ ४८ को पूरा-पूरा बाँट देती है।

मक़्सूर (مقصور) अ वि –छोटा किया गया जो कम या छोटा किया गया हो कम छोटा ह्रस्व।

मक्सूर (مکسور) अ वि –भग्न शिकस्त जिस अक्षर पर 'ज़ेर' दिया गया हो।

मक़्हूर (مقهور) अ वि –जिस पर कोप हो जो कोप का पात्र हो जिस पर ख़ुदा का क़ह्र हो दैवकोप-ग्रस्त।

मख़र (مخر) फा प्रत्य –मोल न लिया जानेवाला जैसे— हेचमख़र जिसे कोई दो कौड़ी में भी मोल न ले तुच्छ नाचीज़।

मख़ाज़िन (مخازن) अ पु –मख़्ज़न का बहु, ख़ज़ाने ढेर।

मख़ादीम (مخادیم) अ पु –मख़्दूम का बहु स्वामि गण प्रतिष्ठितजन।

मख़ाफ़ (مخاف) अ पु –भय का स्थान ख़तरे की जगह।

मख़ाफ़त (مخافت) अ स्त्री –भय त्रास डर खटका, चिंता फ़िक्र।

मख़ारिज (مخارج) अ पु –मख़्रज का बहु, निकलने के स्थान शब्द उच्चारण के स्थान।

मख़ाविफ़ (مخاوف) अ पु –मख़ाफ़ का बहु, भय के स्थान ख़ौफ़ की जगह।

मख़ीज़ (مخیض) अ पु –छाछ मट्ठा।

मख़्ज़न (مخزن) अ पु –भाण्डागार, कोष्ठागार गोदाम, खानि कान कोषागार, ख़ज़ाना शस्त्रागार, मगज़ीन।

मख़्ज़ून (مخزون) अ वि –ख़ज़ाने में रखा हुआ छिपा

मख़्ज़ूल (مخذول) अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, जलील, ख्वार।

मख़्तूत. (مخطوطہ) अ पुं –प्राचीन हस्तलिखित पत्र आदि।

मख़्तूतात (مخطوطات) अ पु.–'मख़्तूत' का वहु, प्राचीन हस्तलिखित पत्रसमूह।

मख़्तून (مختون) अ वि –जिस मनुष्य के खतने हो गये हों।

मख़्तूब. (مخطوبہ) अ स्त्री –जिस लड़की की मगाई हो गयी हो, मँगेतर।

मख़्तूम (مختوم) अ वि –मोहर लगा हुआ, मुद्रांकित, वद किया हुआ।

मख़्तूर (مخطور) अ वि –वह विचार जो मन मे उत्पन्न हो, जान जोखिम मे डाला हुआ।

मख़्तूरात (مخطورات) अ पु –दिल मे उत्पन्न होनेवाली विचार धाराएँ।

मख़्दूम: (مخدومہ) अ स्त्री.–स्वामिनी, मालिक, श्रीमती, महोदया, देवी (सवोधन मे)।

मख़्दूम (مخدوم) अ वि –स्वामी, आका, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मान्य, पूज्य।

मख़्दूमी (مخدومی) अ वि –(सवोधन मे) हे स्वामी, हे मालिक, (शब्दार्थ) मेरे स्वामी।

मख़्दूश (مخدوش) अ. वि –भयसकुल, पुर खतर, भयानक, डरावना, धूर्त, धोखेवाज, जिसके मन मे शकाएँ हो।

मख़्नूक़ (مخنوق) अ वि –जिसका गला घोटकर मारा गया हो, गला मरोडा हुआ।

मख़्फ़ी (مخفی) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ।

मख़्बूत (مخبوط) अ वि –खब्ती, जिसका दिमाग खराव हो, विकृत-मस्तिष्क।

मख़्बूतुलहवास (مخبوط الحواس) अ वि –जिसके होशो-हवास जाते रहे हो, विकृत मस्तिष्क, वातुल, पागल।

मख़्मल (مخمل) फा स्त्री –एक प्रकार का रगीन और मुलाइम रुएँदार कपडा।

मख़्मली (مخملی) फा वि –मखमल का वना हुआ, मखमल मढा हुआ, मखमल-जैसा।

मख़्मस. (مخمصہ) अ पु –वखेडा, झझट, झमेला, चिंता, फिक्र, भय, डर।

मख़्मसात (مخمصات) अ पु –वखेडे, जजाल, झझट।

मख़्मूर (مخمور) अ वि –नशे मे चर, उन्मत्त, मदोन्मत्त।

मख़्रज (مخرج) अ पु –निकलने की जगह, उद्गम, नदी के निकलने का स्थान, अक्षर के उच्चारण का स्थान, कठ आदि।

मख़्रूत (مخروط) अ वि –खराद किया हुआ, छीला हुआ, वह पदार्थ जो गाजर की भाँति एक ओर मोटा और दूसरी ओर पतला हो, शुडाकार।

मख़्रूती (مخروطی) अ वि –शुडाकार, शक्वाकार, गाजर की तरह एक ओर मोटा और एक ओर पतला।

मख़्लेसी (مخلصی) फा. स्त्री –वधनमुक्ति, छुटकारा, रहाई, इस अर्थ मे 'मुख्लिसी' अशुद्ध है।

मख़्लूअ (مخلوع) अ वि –वाहर लाया हुआ, निकाला हुआ।

मख़्लूक़ (مخلوق) अ स्त्री –उत्पन्न, जनित, ससार, जगत्, दुनिया, दुनियावाले, मनुष्य, लोग।

मख़्लूक़ात (مخلوقات) अ स्त्री –वे सव चीजे जो ससार मे है।

मख़्लूत (مخلوط) अ वि –मिश्रित, मिला-जुला, गड्ड-वड्ड।

मख़्लूतुन्नस्ल (مخلوط النسل) अ वि –जिसके वश मे गडवड हो, जिसमे दूसरा रक्त भी सम्मिलित हो।

मख़्सूस (مخصوص) अ वि –प्रमुख, प्रधान, खास।

मख़्सूसन (مخصوصاً) अ अव्य –खास तोर पर, मुख्यत, प्रधानत।

मग़ (مغ) फा वि –गभीर, गहरा, छोटी नदी।

मगर (مگر) फा अव्य –परतु, लेकिन।

मगस (مگس) फा स्त्री –मक्षिका, मक्खी।

मगसगीर (مگس گیر) फा वि –मक्खी पकडनेवाला, (स्त्री) मकडी, लूता।

मगसराँ (مگس ران) फा वि –चँवर, मोरछल, मक्खियाँ उडानेवाला।

मगसरानी (مگس رانی) फा स्त्री –मक्खियाँ उडाना, मोरछल झलना।

मगसी (مگسی) फा वि –मक्खी के रग का, मटमैला।

मग़ाक (مغاک) फा पु –गर्त, गढा, गड्ढा।

मग़ाज़ी (مغازی) अ पु –'मग्ज़ा' का वहु, वह किताव जिसमे गाजियो के कारनामो का वर्णन हो।

मग़ारः (مغارہ) अ पु –पहाड की खोह, गुफा, कदरा, लूट-मार का स्थान।

मग़ार (مغار) फा पु –खोह, गुफा, कदरा, पहाड की खोह।

मग़ारिव (مغارب) अ पु –'मग़्रिव' का वहु, सूरज डूवने की जगहे।

मग़्ज़ (مغز) फा पु –मस्तिष्क, भेजा, गिरी, गूदा, सार, तत्त्व, वुद्धि, अक्ल, निष्कर्ष, नतीजा।

मग़्ज़ूब (مغضوب) अ वि –जिस पर कोप हो, कोप का पात्र।

मग़्ज़े उस्तुख़्वाँ (مغز استخوان) फा पु –हड्डी का गूदा, मज्जा।

मग़्ज़े सर (مغز سر) फा पु –भेजा, मस्तिष्क।

मग़्ज़े सुख़न (مغز سخن) फा पु—बात का मग़्ज़ बात की तह बात का ख़ुलासा लुब्बे लुबाब, सारांश।

मग़फ़िरत (مغفرت) अ स्त्री—मोक्ष मुक्ति नजात कहते हैं आज ज़ौक़ जहां से गुज़र गया क्या ख़ूब आदमी था ख़ुदा मग़फ़िरत करे। —ज़ौक़।

मग़्फ़ूर (مغفور) अ वि—जिसका मोक्ष हो गया हो जो मोक्ष को प्राप्त हो गया हो।

मग़्बूत (مغبوط) अ वि—जिस पर दूसरे लोग ईर्ष्या करें।

मग़्बून (مغبون) अ वि—जिसे हानि पहुँचायी गयी हो जिसका ग़बन किया गया हो।

मग़्मूज़ (مغموز) अ वि—जिस पर आरोप लगाया गया हो दूषित विकृत मायूब।

मग़्मूम (مغموم) अ वि—दुःखित अनुतप्त ग़मगीन रंजीदा।

मग़्रिब (مغرب) अ पु—सूरज डूबने की जगह अस्ताचल पश्चिम मग़्रिब।

मग़्रिबज़दः (مغرب زده) अ फा वि—जो रहन-सहन में यूरोपीय लोगों का अनुकरण करने का गर्व करता हो।

मग़्रिबज़दगी (مغرب زدگی) अ फा स्त्री—रहन सहन और वेष भूषा में यूरोप का अनुकरण।

मग़्रिबपरस्त (مغرب پرست) अ फा वि—जो हर बात में यूरोप को ही मान्यता देता हो।

मग़्रिबपरस्ती (مغرب پرستی) अ फा स्त्री—हर बात में यूरोप को ही अच्छा और अनुकरणीय जानना।

मग़्रिबी (مغربی) अ वि—पश्चिमी पश्चिम का यूरोप का पाश्चात्य।

मग़्रिबीयत (مغربیت) अ स्त्री—यूरोप का असर पश्चिमीन सभ्यता का प्रभाव।

मग़्रूर (مغرور) अ वि—अहंकारी घमंडी।

मग़्लतः (مغلطه) अ पु—वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति भ्रम में पड़ जाय।

मग़्लूक़ (مغلوق) अ वि—वह दरवाज़ा जिसमें किवाड़ बंद हों।

मग़्लूब (مغلوب) अ वि—पराजित परास्त हारा हुआ अधीन ज़ेर दुर्बल।

मग़्लूबुल्ग़ज़ब (مغلوب الغضب) अ वि—वह व्यक्ति जो क्रोध में आपे से बाहर हो जाय।

मग़्लूबुश्शह्वत (مغلوب الشهوت) अ वि—वह व्यक्ति जो कामशक्ति के वश में हो।

मग़्लूल (مغلول) अ वि—शृंखलित जिसके गले में तौक़ पड़ा हो।

मग़्शूश (مغشوش) अ वि—मिलावटवाला वह वस्तु जिसमें कुछ अशुद्ध वस्तु मिली हो।

मग़्स (مغص) अ स्त्री—मरोड़ पेचिश।

मग़्सूल (مغسول) अ वि—नहलाया हुआ, वह दवा जो किसी अर्क आदि में खरल करके महीन की गया हो जैसे— लाजवर्द मग़्सूल स्नात मार्जित।

मज़ः (مزه) फा पु—स्वाद, ज़ाइक़ा आनंद लुत्फ़, तमाशा सैर कौतुक सज़ा।

मज़ःदार (مزه دار) फा वि—स्वादिष्ठ लज़ीज़, मनोरंजक दिलचस्प उल्लासपूर्ण पुरलुत्फ़।

मज़न्नः (مظنه) अ पु—दे 'मज़िन्नः'।

मज़म्मत (مذمت) अ स्त्री—तिरस्कार बेइज़्ज़ती निंदा रुसवाई बुराई हजव।

मज़र्रत (مضرت) अ स्त्री—हानि नुक़्सान।

मज़र्रतदिही (مضرت دهی) अ फा स्त्री—हानि पहुँचाना नुक़्सान देना।

मज़र्रतदेह (مضرت ده) अ फा वि—हानिदायक हानिकारक नुक़्सान देनेवाला।

मज़र्रतरसाँ (مضرت رساں) अ फा वि—दे 'मज़र्रतदेह'।

मज़र्रतरसानी (مضرت رسانی) अ फा स्त्री—दे 'मज़र्रतदिही'।

मज़र्रतरसी (مضرت رسی) अ फा स्त्री—हानि पहुँचना।

मजल्लः (مجله) अ पु—पत्रिका रिसाला अख़्बार, समाचारपत्र।

मज़ल्लत (مذلت) अ स्त्री—तिरस्कार ज़िल्लत निंदा बदनामी।

मज़ल्लत (مزلت) अ स्त्री—पाँव फिसलने का स्थान चूकने का मौक़ा।

मजस [स्स] (مجس) अ स्त्री—नब्ज़ पर हाथ रखने की जगह दे 'मिजस' दोनों शुद्ध हैं।

मज़ा (مضی) अ क्रि—गुज़रा गत।

मज़ाक़ (مذاق) अ पु—परिहास दिल्लगी मनोविनोद तथा रसिकता और सुरुचि सहृदयता।

मज़ाक़न (مذاقا) अ अव्य—दिल्लगी में मज़ाक़ के तौर पर।

मज़ाक़पसंद (مذاق پسند) अ फा वि—जिसके मिज़ाज में मज़ाक़ बहुत हो विनोदशील परिहासप्रिय विनोदी प्रमोदशील।

मज़ाक़िया (مذاقیه) अ वि—मज़ाक़ भरा परिहासपूर्ण पुरमज़ाक़।

मज़ाक़ अदब (مذاق ادب) अ पु—साहित्य रसिकता।

मज़ाक़ शे'र (مذاق شعر) अ पु—काव्यरसिकता।

मज़ाक़ सुख़न (مذاق سخن) अ फा पु—दे 'मज़ाक़ शे'र'।

मजाज (مجاز) अ पु.–जो वास्तविक न हो, भ्रम, लक्षण, ईश्वर के अतिरिक्त सारा ससार।
मजाजन (مجازاً) अ अव्य –लाक्षिणक अर्थ मे।
मजाजी (مجازی) अ वि –जो हकीकी न हो, भौतिक।
मजाजीब (مجاذیب) अ. पु –'मज्जूब' का वहु, मज्जूब लोग।
मजानीन (مجانین) अ पु –'मजनून' का वहु, पागल लोग।
मजा मा मजा (مضیٰ مامضیٰ) अ वा –जो हो चुका सो हो चुका।
मजामीन (مضامین) अ पु.–'मज्मून' का वहु, लेख-समूह।
मजामीर (مزامیر) अ पु –'मिज्मार' का वहु, बाँसुरियाँ, वसियाँ, वजानेवाले सव वाजे।
मजार (مزار) फा पु –दर्शन का स्थान, किसी पीर फकीर की कब्र।
मजार [र्र] (مضار) अ पु –'मजर्रत' का वहु, हानियाँ, नुक्सानात।
मजारात (مزارات) अ पु –'मजार' का वहु, वुजुर्गो के मजार।
मजारी (مجاری) अ पु –'मज्रा' का वहु, निकलने के स्थान, चालू रस्ते।
मजाल (مجال) अ स्त्री –शक्ति, वल, साहस, हिम्मत; सामर्थ्य, मक्दूर।
मजालिम (مظالم) अ पु –'मज्लम' का बहु, अत्याचार, जियादतियाँ, जुल्म।
मजालिस (مجالس) अ स्त्री –'मज्लिस' का वहु, सभाएँ, मुहर्रम की मज्लिसे।
मजाले दमजदन (مجال دم زدن) अ फा स्त्री –उफ करने की ताकत, दम मारने का साहस।
मजाले सुखन (مجال سخن) अ फा स्त्री –वात करने का साहस।
मजाहिब (مذاهب) अ पु –'मज्हब' का वहु, धर्मसमूह।
मजाहिर (مظاهر) अ पु –'मज्हर' का वहु, प्रकट होने के स्थान।
मजिन्न (مظنہ) अ पु –जिस पर शक किया जा सके, शका का स्थान।
मजिल्लत (مزلت) अ स्त्री –फिसलना, फिसलन।
मजिल्लत (مضلت) अ स्त्री –रस्ता भटकने का स्थान, वह स्थान जहाँ रस्ता गुम हो गया हो।
मज़ी (مذی) अ स्त्री –एक लेस जो काम वेग के समय निकलता है।
मजीद (مجید) अ वि –पूज्य, मान्य, प्रतिष्ठित।
मज़ीद (مزید) अ. वि –अतिरिक्त, फालतू, अधिक, जियादा; और भी।
मज़ीदअलैह (مزید علیہ) अ वि –जिस पर कुछ वढाया हो।
मज़ीदबराँ (مزید براں) अ फा वि –इसके अतिरिक्त।
मजीदी (مجیدی) अ स्त्री –अरव का एक सिक्का।
मजूस (مجوس) अ पु –अग्निपूजक लोग, आतशपरस्त लोग, पार्सी लोग, चाँद या सूरज के पूजनेवाला।
मजूसी (مجوسی) अ पु –अग्निपूजक, आतशपरस्त, सूर्य-पूजक, अथवा चद्रपूजक, सूरज या चाँद को पूजनेवाला।
मज़ऊम (مزعوم) अ वि –विचारा हुआ, सोचा हुआ।
मज्कूरः (مذکورہ) अ वि –कही हुई, कही हुई बात।
मज्कूर (مذکور) अ वि –कहा हुआ, चर्चा, जिक्र।
मज्कूरएबाला (مذکورۂ بالا) अ फा वि –जिसकी चर्चा ऊपर की इवारत मे हो चुकी हो, उपर्युक्त।
मज्कूरए सद्र (مذکورۂ صدر) अ वि –उपर्युक्त, पूर्वोक्त, जिसकी चर्चा ऊपर या पहले हो चुकी हो।
मज्कूरी (مذکوری) अ पु –चपरासी, पियादा, सम्मन आदि की ता'मील करनेवाला चपरासी।
मज्ग़ (مضغ) अ पु –चबाना, चर्वण।
मज्जूब (مجذوب) अ वि –वह फकीर जो देखनेवालो की दृष्टि मे वावला हो, परन्तु ब्रह्मलीन हो,—"तेरा मज्जूब जो महरूमे पिजीराई है, क्या जुनूँ मे अभी आमेजिशे-दानाई है।"
मज्जूबसिफत (مجذوب صفت) अ वि –जिसमे मज्जूबो-जैसी वाते हो।
मज्जूबानः (مجذوبانہ) अ फा अव्य –मज्जूबो की भाँति, मज्जूबो-जैसा (काम आदि)।
मज्जूबियत (مجذوبیت) अ स्त्री –जज्व, मज्जूब का भाव, तन्मयता, तल्लीनता।
मज्जूम (مجذوم) अ वि –जिसे कोढ हो, कुष्ठी।
मज्जूम (مجزوم) अ वि –निश्चित, यकीनी, विच्छिन्न, काटा हुआ, हलन्त, वह अक्षर जिस पर 'जज्म' हो, हल्।
मज्जूर (مجذور) अ वि –वह सख्या जो दो सख्याओ के गुणन से प्राप्त हो, घात, गुणनफल, हासिले जर्व।
मज्जूर (مزجور) अ वि –जिसे झिडकियाँ दी गयी हो, जिसे डाँट-डपट की गयी हो।
मज्द (مجد) अ पु –श्रेष्ठता, पवित्रता, पुनीतता, वुजुर्गी।
मज्दूद (مجدود) अ पु –पुनीतात्मा, श्रेष्ठ, वुजुर्ग।
मज्दूर (مزدور) अ फा पु –मज्दूरी करनेवाला, श्रमिक।
मज्दूरी (مزدوری) फा स्त्री –हाथ-पाँव की मेहनत से जीविका पैदा करना, मेहनत, श्रम।

मजनूँ (مجنون) अ वि–वातुल विक्षिप्त पागल।
मज़नून (مظنون) अ वि–जिसकी तरफ किसी बात का गुमाँ हो।
मज़बल (مزبلہ) अ पु–वह स्थान जहाँ कूड़ा करकट और मला आदि डाला जाय।
मज़बलःख़ान (مزبلہ خانہ) अ फा पु–गन्दगी डालने का स्थान इस शब्द में ख़ान अधिक है क्योंकि 'मज्बल' में स्थान का अर्थ मौजूद है।
मज़बह (مذبح) अ पु–जबह किये जाने की जगह वधभूमि, वधस्थल।
मज़बूत (مضبوط) अ वि–दृढ़ पक्का, निश्चित, यक़ीनी शक्तिशाली ताक़तवर तगड़ा अधिक ज़ोरवाला, स्थायी, देरपा।
मज़बूती (مضبوطی) अ स्त्री–दृढ़ता पक्कापन निश्चय यक़ीन शक्ति ज़ोर तगड़ापन, स्थायित्व।
मज्बूर (مجبور) अ वि–विवश लाचार बाध्य पाबन्द निःसहाय निराश्रय दरिद्र कंगाल।
मज़्कूर (مذکور) अ वि–उक्त कहा हुआ उल्लिखित लिखा हुआ प्राकृत कथित।
मज़्बूर (مزبور) अ वि–उक्त कहा हुआ लिखित लिखा हुआ।
मज्बूरन (مجبوراً) अ अव्य–विवशतापूर्वक विवश होकर अतत आखिरकार।
मज्बूरी (مجبوری) अ वि–विवशता लाचारी निःसहायता बेबसी।
मज्बूल (مجبول) अ वि–प्राकृतिक फ़ित्री प्रकृति पर उत्पन्न किया हुआ।
मज़्बूह (مذبوح) अ वि–जबह किया हुआ वधित।
मज्मउलउलमा (مجمع العلما) अ पु–विद्वज्जनों का गोष्ठी अकादमी।
मज्मउलजज़ाइर (مجمع الجزائر) अ पु–द्वीपसमूह समुद्र का वह स्थान जहाँ पास-पास बहुत से द्वीप हों।
मज्मए आम (مجمع عام) अ पु–साधारण लोगों का जमाव।
मज्मए ख़िलाफ़े क़ानून (مجمع خلاف قانون) अ पु–ऐसे लोगों का जमाव जिनसे किसी झगड़े की संभावना हो अवैध समुदाय।
मज़्मज़ः (مضمضہ) अ पु–कुल्ली करना आचमन दवाओं के पानी से कुल्ली करना।
मज्मा' (مجمع) अ पु–भीड़ जमाव सभा गोष्ठी।
मज्मूअ: (مجموعہ) अ पु–कई चीज़ों का समूह, समाहार समष्टि कविताओं या कविताओं का संग्रह संग्रह।

मज्मूअ (مجموع) अ वि–एकत्र, इकट्ठा समस्त कुल।
मज्मूई (مجموعی) अ वि–सामूहिक कुल मिलाकर।
मज़्मून (مضمون) अ पु–निबंध मक़ाल विषय सब्जेक्ट मुआमला, दशा।
मज़्मूननवीस (مضمون نویس) अ फा वि–लेखक निबंधकार।
मज़्मूननवीसी (مضمون نویسی) अ फा स्त्री–लेख या निबंध लिखने का काम।
मज़्मूननिगार (مضمون نگار) अ फा वि–दे 'मज़्मूननवीस'।
मज़्मूननिगारी (مضمون نگاری) अ स्त्री–दे 'मज़्मूननवीसी'।
मज़्मूम (مضموم) अ वि–वह अक्षर जिस पर पेश ('उ' की मात्रा) हो।
मज़्मूम (مذموم) अ वि–अश्लील फुहश दूषित खराब निन्दित क़बीह।
मज़ाए आख़िरत (مزرعۂ آخرت) अ पु–परलोक की खेती अर्थात पाप और पुण्य।
मज़ा (مجرا) अ पु–जारी होने की जगह बहने का स्थान।
मज़रा' (مزرع) अ पु–खेत खेत छोटा गाँव।
मज़रूअ: (مزروعہ) अ स्त्री–जोती बोयी हुई ज़मीन।
मज़रूअ (مزروع) अ वि–जोता-बोया हुआ।
मज़रूब (مضروب) अ वि–जिसे पीटा गया हो जिस दुश्मनी में मारा गया हो जिस संख्या को गुणा किया गया हो।
मज़रूबफ़ीहि (مضروب فیہ) अ पु–वह संख्या जिसमें गुणा किया गया हो गुण्य जैसे–चार का पाँच से गुणा किया हो तो बीस मज़रूबफ़ीह है।
मज़रूबमिनहु (مضروب منہ) अ पु–जिस संख्या से गुणा किया जाय गुणक जैसे–२० को ६ से गुणा किया हो तो ६ मज़रूबमिनहु है।
मज़रूफ़ (مظروف) अ पु–वह वस्तु जो बरतन में हो।
मज़रूर (مجرور) अ वि–वह अक्षर जिस पर ज़ेर (इ की मात्रा) दिया गया हो।
मज़रूह (مجروح) अ वि–घायल क्षत आहत ज़ख्मी वह बयान जो जिरह में बिगड़ गया हो (न्याय)।
मज़रूहीन (مجروحین) अ पु–बहुत से घायल।
मज़ालिम (مظالم) अ पु–दाद्ख्वाही न्याययाचना अत्याचार और अनीति का पाप वबाल।
मज़्लिम (مظلم) अ पु–अंधेरी जगह अंधकारमय स्थान।
मज्लिस (مجلس) अ स्त्री–सभा अंजुमन गोष्ठी महफ़िल समिति कमेटी मंच एसोसिएशन करबला के शहीदों की शोकसभा।

मज्लिसी (مجلسی) अ वि –जो मज्लिस मे सम्मिलित हो।

मज्लिसे अदब (مجلس ادب) अ स्त्री –साहित्य-गोष्ठी, अदबी जल्सा।

मज्लिसे आमिलः (مجلس عاملہ) अ स्त्री –कार्यकारिणी समिति, विषय निर्वाचिनी समिति।

मज्लिसे उदबा (مجلس ادبا) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।

मज्लिसे उमूमी (مجلس عمومی) अ स्त्री –दे 'दारुल अवाम'।

मज्लिसे कानूनसाज (مجلس قانون ساز) अ फा स्त्री –विधानसभा, कानून बनानेवाली एसैम्बली।

मज्लिसे तहकीकात (مجلس تحقیقات) अ स्त्री –परिपृच्छा समिति।

मज्लिसे ता'मीरात (مجلس تعمیرات) अ स्त्री –लोक-कर्म-समिति।

मज्लिसे मातम (مجلس ماتم) अ फा स्त्री –शोकसभा।

मज्लिसे मुंतज़िमः (مجلس منتظمہ) अ स्त्री –अतरग सभा, व्यवस्थापिका।

मज्लिसे मै (مجلس مے) अ फा. स्त्री –पानगोष्ठी।

मज्लिसे रक्सो सरोद (مجلس رقص و سرود) अ फा स्त्री –नाच-रग की महफिल।

मज्लिसे वा'ज (مجلس وعظ) अ स्त्री –उपदेश सभा, धर्मोपदेशसभा।

मज्लिसे शुअरा (مجلس شعرا) अ स्त्री –कविगोष्ठी।

मज्लिसे शूरा (مجلس شوری) अ स्त्री –मत्रणालय।

मज्लिसे शे'र (مجلس شعر) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।

मज्लिसे सुखन (مجلس سخن) अ. फा स्त्री –दे. 'मज्लिसे शे'र'।

मज्लूम (مظلوم) अ वि –जिस पर जुल्म हुआ हो।

मज्लूमियत (مظلومیت) अ स्त्री –मज्लूम होने का भाव।

मज्लूमी (مظلومی) अ वि –दे 'मज्लूमियत'।

मज्हक. (مضحکہ) अ पु.–हँसी, ठट्ठा, परिहास, निंदा, रुस्वाई, हजो।

मज्हकअगेज (مضحکہ انگیز) अ फा वि –जिस पर हँसी आये, जो परिहास का विषय हो।

मज्हकआमेज (مضحکہ آمیز) अ फा वि –परिहासपूर्ण, जिसमे हँसी-ठठोल शामिल हो।

मज्हक खेज (مضحکہ خیز) अ फा वि –दे. 'मज्हक अगेज'।

मज्हब (مذهب) अ पु –धर्म, दीन, मत, अकीदः।

मज्हबी (مذهبی) अ वि –धार्मिक, दीनी, धर्मसम्बन्धी।

मज्हबीयत (مذهبیت) अ स्त्री –धर्म मे निष्ठा, धर्मित्व।

मज्हर (مظہر) अ पु –प्रकट होने का स्थान, जहाँ या जिसमे कोई चीज प्रकट हो, जैसे—"वह खुदा के नूर का मज्हर है" अर्थात् उसके रूप मे ईश्वर की ज्योति प्रकट हुई है।

मज्हरुल अजाइब (مظہر العجائب) अ पु –अद्भुत और विचित्र बाते जाहिर होने का स्थान।

मज्हूल (مجہول) अ वि –जो ज्ञात न हो, अज्ञात, नामा'लूम, आलसी, सुस्त, काहिल।

मज्हूलुन्नसब (مجہول النسب) अ वि –अज्ञात कुल, जिसके वश का अता-पता न हो।

मज्हूलुलइस्म (مجہول الاسم) अ वि –अज्ञात नाम, जिसका नाम न मालूम हो।

मज्हूलुलहाल (مجہول الحال) अ वि –जिसका हाल न ज्ञात हो कि वह कैसा व्यक्ति है और किस प्रकार का है, अज्ञातशील।

मतब (مطب) अ पु –वह स्थान जहाँ चिकित्सक रोगियो के रोग का निदान करता है।

मतर (مطر) अ पु –वर्षा, बरसात।

मताअ' (متاع) अ उभ –पूँजी, सरमाया, सामान, माल-अस्बाब, उदा —"किसी के काम आयेगा मताए रायगाँ होकर, कहाँ जाता है यारब, दिल मेरा अश्केरवाँ होकर।"

मताइन (مطاعن) अ पु –'ता'न', का बहु, ता'ने।

मताइब (متاعب) अ पु –'तअब' का बहु ; दु ख-समूह, रजोगम, थकान।

मताए आखिरत (متاع آخرت) अ उभ –परलोक के लिए पूँजी, पुण्य, अच्छे काम।

मताए दिल (متاع دل) अ फा उभ –दिल रूपी पूँजी।

मताए दो (दु) जहाँ (متاع دو جہاں) अ फा उभ –ससार और यमलोक दोनो लोको के लिए पूँजी, यश, पुण्य।

मतानत (متانت) अ स्त्री –गभीरता, धीरता, सजीदगी।

मताफ (مطاف) अ पु –परिक्रमा करने का स्थान।

मताबे' (مطابع) अ पु –'मत्बा' का बहु, मुद्रालय समूह।

मतार (مطار) अ पु –उडने की जगह, जहाँ उडा जाय, जहाँ से उडा जाय।

मतालिब (مطالب) अ पु –'मतलब' का बहु, अर्थसमूह।

मतीन (متین) अ वि –जिसमे मतानत हो, गभीर, धीर, शातचित्त, सजीद।

मतीर (مطیر) अ वि –बरसनेवाला (बादल)।

मतऊन (مطعون) अ वि.–कुख्यात, बदनाम, निंदित, गर्हित, कुत्सित, रुस्वा।

मदारे ज़ीस्त (مدارزیست) अ. फा. पु –जीवन की निर्भरता, जिंदगी का इन्हिसार।
मदीद (مدید) अ वि –दीर्घ, लंबा, दे 'बहे मदीद'।
मदीनः (مدینه) अ पु –नगर, शहर, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।
मदीह (مدیح) अ वि –प्रशंसा, तारीफ, स्तुति, हम्दोसना।
मद्ऊ (مدعو) अ वि –नियंत्रित, बुलाया हुआ, दा'वत में बुलाया हुआ।
मद्कूकः (مدقوقه) अ स्त्री –तपेदिक की रोगिणी।
मद्कूक (مدقوق) अ वि –तपेदिक का रोगी।
मद्ख़नः (مدخنه) अ स्त्री –धुवाँ निकलने का स्थान, चिमनी।
मद्ख़ल (مدخل) अ पु –दाख़िल होने का स्थान, प्रवेश-द्वार, आय, आमदनी।
मद्ख़ूलः (مدخوله) अ स्त्री –वह स्त्री जो डाल ली हो, रखेली, उपपत्नी।
मद्ख़ूल (مدخول) अ वि –दाख़िल किया गया, भीतर किया गया।
मद्दज़िल्लुहू (مدظله) अ वा –उनकी परछाईं लंबी हो अर्थात् उनकी उम्र बढ़ी हो।
मद्दाह (مداح) अ वि –प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला, स्तुतिकर्ता, हम्दोसना करनेवाला।
मद्दाही (مداحی) अ. स्त्री –प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ, स्तुति, वंदना, हम्दोसना।
मद्दाहे रसूल (مداح رسول) अ वि –रसूल की प्रशंसा और स्तुति करनेवाला, ना'त लिखनेवाला, ना'त गो शाइर,
मद्देअमानत (مد امانت) अ स्त्री –धरोहर की मद का, धरोहर के तौर पर।
मद्दे नज़र (مدنظر) अ वि.–जो दृष्टि के सामने हो, दृष्टिगत, मनोवांछित, दिली मक्सूद, चित्त पर चढ़ा हुआ, मन में बसा हुआ।
मद्दे फ़ाज़िल (مد فاضل) अ स्त्री –फालतू मद, व्यर्थ, निष्प्रयोजन, निकम्मा।
मद्दे मुक़ाबिल (مد مقابل) अ पु –प्रतिद्वंद्वी, रकीब, बराबर का जोड़, बराबर की चोट, विपक्ष, हरीफ, शत्रु, दुश्मन।
मद्दे सुर्मः (مد سرمه) अ फा स्त्री –सुरमे की लकीर, जो कनपटी की तरफ खींच दी जाती है।
मद्दोजज़्र (مدوجزر) अ पु –समुद्र के पानी का चढ़ाव-उतार, ज्वार-भाटा।
मद्फ़न (مدفن) अ पु –मुर्दे के दफ़न होने की जगह, क़ब्र, समाधि-भवन।
मद्फ़ूअ (مدفوع) अ वि –दफ्अ किया हुआ, हटाया हुआ, निवारित।
मद्फ़ून (مدفون) अ. वि –भूनिहित, दफ़न किया हुआ, जमीन में गाड़ा हुआ, (आदमी या धन आदि), गुप्त, गुह्य, पोशीदा।
मद्बूग़ (مدبوغ) अ वि –कमाया हुआ चमड़ा।
मद्यून (مدیون) अ वि –ऋणी, कर्जदार, अधमर्ण।
मद्रिसः (مدرسه) अ पु –पढ़ने-पढ़ाने का स्थान, पाठशाला, विद्यालय।
मद्लूल (مدلول) अ वि –जिसके लिए दलील दी गयी हो, तर्कित।
मद्ह (مدح) अ स्त्री –प्रशंसा, श्लाघा, ता'रीफ, स्तुति, वंदना, हम्दोसना।
मद्हख़्वाँ (مدح خواں) अ फा वि –प्रशंसक, मद्दाह।
मद्हख़्वानी (مدح خوانی) अ फा स्त्री –प्रशंसा करना, ता'रीफ करना।
मद्हगो (مدح گو) अ फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।
मद्हगोई (مدح گوئی) अ फा स्त्री –दे 'मद्हख़्वानी'।
मद्हसंज (مدح سنج) अ. फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।
मद्हसरा (مدح سرا) अ फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।
मद्हसराई (مدح سرائی) अ फा स्त्री –दे 'मद्हख़्वानी'।
मद्हूश (مدهوش) अ वि –दे 'मद्होश' उर्दू में यही बोलते हैं।
मद्हे बेजा (مدح بےجا) अ. फा स्त्री.–झूठी, प्रशंसा, गलत ता'रीफ।
मद्हे वाक़िई (مدح واقعی) अ स्त्री –सच्ची ता'रीफ, सच्ची प्रशंसा।
मद्होश (مدهوش) फा वि –निश्चेष्ट, बेसुध, गाफिल; उन्मत्त, अटागफील, नशे में चूर।
मद्होशी (مدهوشی) फा स्त्री –बेसुधपन, निश्चेष्टता; उन्मत्तता, मतवालापन।
मन (من) फा पु –दो रतल का एक प्रमाण, सेर, चालीस सेर का प्रमाण, (सर्वनाम) मैं, अहम्।
मन [त्र] (من) अ पु –कौन, एक प्रकार का मीठा पदार्थ जो पौधों पर जम जाता है और खाया जाता है, शीर ख़िश्त।
मनस्सः (منصه) अ पु –प्रकट होने का स्थान, जल्वः गाह, वह मंच जिस पर विवाह के पश्चात् दुल्हन को बिठाकर सबको दिखाते हैं।
मनस्सए शुहूद (منصهٔ شهود) अ पु –वह स्थान जहाँ ईश्वर की महिमा प्रकट हो।

मनाइर (مناير) अ प – मनार का बहु मीनारें।
मनाकिब (مناقب) अ पु – मकबत का बहु, धार्मिक महात्माओं के यशोगान।
मनाज़िर (مناظر) अ पु – मजर का बहु दृश्यसमूह।
मनाज़िल (منازل) अ स्त्री – मंज़िल का बहु मंज़िलें, मरहले।
मनाज़िले कमर (منازل قمر) अ स्त्री – नक्षत्र जिनकी संख्या २७ है। १ अश्विनी (शुर्तैन–नतह) २ भरणी (बुतन) ३ कृत्तिका (सुरया) ४ रोहिणी (दबरान) ५ मृगशिरा (हक्अ) ६ आर्द्रा (हनअ) ७ पुनर्वसु (जिराअ) ८ पुष्य (नस्र) ९ श्लेषा (तर्फ) १० मघा (जबह) ११ पूर्वा फाल्गुनी (जुब्र) १२ उत्तरा फाल्गुनी (सर्फ) १३ हस्त (अव्वा) १४ चित्रा (सिमाक) १५ स्वाती (अफर) १६ विशाखा (जुबाना) १७ अनुराधा (इक्लील) १८ ज्येष्ठा (कल्ब) १९ मूल (शौल) २० पूर्वाषाढ़ा (नआइम) २१ उत्तराषाढ़ा (बल्द) २२ श्रवण (सा दे जाबेह) २३ धनिष्ठा (बुल्अ), २४ शतभिषा (आखबिय) २५ पूर्वा भाद्रपद (मुकद्दम) २६ उत्तरा भाद्रपद (मुक्द्दम) २७ रेवती (मुअख़्ख़र) कुछ लोग २८ मानते हैं उसका नाम अभिजित (वतुल्हूत) है।
मनात (منات) अ पु – अरब की एक प्रतिष्ठित मूर्ति जो इस्लाम से पूर्व पूजी जाती थी।
मनादील (منادیل) अ पु – मिन्दील का बहु सर से बाँधने के रूमाल कमर से बाँधने के पटके।
मनाफ़िज़ (منافذ) अ पु – मनफ़ज़ का बहु छेद सूराख़ छिद्र समूह।
मनाफ़ेअ (منافع) अ पु – मनफ़अत का बहु लाभ प्राप्तियाँ नफ़े फ़ाइदे।
मनाब (مناب) अ पु – नाइब होने का स्थान किसी दूसरे के स्थान पर काम होना स्थानापन्नता।
मनाबिर (منابر) अ पु – मिंबर का बहु बहुत से मिंबर।
मनाम (منام) अ प – सोने का स्थान शयनागार सोना स्वप्न।
मनार (منارہ) अ पु – मीनार बहुत ऊँचा खंभा रोशनी का मीनार दीपस्तंभ।
मनार (منار) अ पु – मनार।
मनाल (منال) अ पु – धन संपत्ति रकम जायदाद।
मनासिक (مناسک) अ प – मनसक का बहु हाजियों की इबादत की जगह वे कृतियाँ और संस्कार जो हज करने यात्री को मक्के में करने पड़ते हैं।
मनासिब (مناصب) अ पु – मंसब का बहु, पदवियाँ, दर्जे।
मनाहिज (مناهج) अ पु – मिन्हज और मिनहाज का बहु, रास्ते मार्ग, खुले हुए और सीधे मार्ग।
मनाही (مناهی) अ पु – मनही का बहु वह काम जिनसे रोका गया हो (धर्म में)।
मनिश (منش) फा स्त्री – प्रकृति स्वभाव, तबीअत। (प्रत्य) प्रकृतिवाला, जैसे— आज़ाद मनिश, स्वच्छन्द प्रकृतिवाला।
मनी (منی) अ स्त्री – वीर्य शुक्र धातु।
मनी (منی) फा वि – ममत्व मेरापन अहंकार, अभिमान ख़ुदी।
मनीअ (منیع) अ वि – रोकनेवाला हटानेवाला, दृढ़ मज़बूत।
मनीयत (منیت) अ स्त्री – मृत्यु मरण मौत।
मनूब (منوب) अ वि – जिसका प्रतिनिधित्व किया जाय।
मनूबअनहु (منوب عنه) अ वि – प्रतिनिधि नाइब।
मनअ (منع) अ पु – रोकना मना करना निषेध मनाही अविहित नाजाइज़ निषिद्ध, मना किया हुआ।
मनएम (منعم) अ फा पु – मद्य निषेध शराब की मनाही।
मन्कबत (منقبت) अ स्त्री – सदाचारी लोगों का गुणगाथा महात्माओं का यशोगान अहलेबैत और असहाब की गुणगाथा।
मन्कल (منقل) अ स्त्री – अंगीठी अंगारधानी आतशी।
मन्किसत (منقصت) अ स्त्री – परस्पर विरोध, लड़ाई झगड़ा।
मन्क़िसत (منقصت) अ स्त्री – नक्स ह्रास, न्यूनता कमी दोष ऐब निंदा हजव तिरस्कार, अपमान बेइज्जती।
मन्कूत (منقوطه) अ वि – वह अक्षर जिस पर नुक्ता हो जैसे— ب ت ج ظ ض आदि।
मन्कूत (منقوط) अ वि – मन्कूत।
मन्कूब (منکوب) अ वि – दरिद्र कंगाल दुर्भाग्यग्रस्त।
मन्कूल (منقوله) अ वि – एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जायी हुई चीज़ नक़ल की हुई प्रतिलिपित।
मन्कूल (منقول) अ वि – एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह पहुँचाया हुआ नक़ल किया हुआ प्रतिलिपित एक से सुनकर दूसरे से कहा हुआ न्याय की वह शाखा जिसमें केवल उद्धृत प्रमाणों पर तर्क हो जो शास्त्रादि में लिखित है।
मन्कूल अनहु (منقول عنه) अ वि – वह व्यक्ति जिससे कोई

से सुनी हुई बात कही गयी हो, वह असल कागज जिसकी प्रतिलिपि की गयी हो।

मन्कूलात (منقولات) अ. पु –वे पुस्तकें जिनमें 'मन्कूल' का वर्णन हो, (दे मन्कूल नं० ४)।

मन्कूश (منقوش) अ. वि –चित्रित, नक़्शोनिगार बना हुआ; अंकित, गहरा लिखा हुआ।

मन्कूशे ख़ातिर (منقوش خاطر) अ. वि –हृदयगम, ज़ेहननशी।

मन्कूस (منقوص) अ. वि.–जिसमें कमाई की गई हो, ह्रसित।

मन्कूहः (منکوحہ) अ स्त्री –विवाहित, व्याही हुई स्त्री।

मन्कूह (منکوح) अ पुं –विवाहित, व्याहा हुआ पुरुष।

मन्ख़िर (منخر) अ पु –नथना, नासा विवर, दे 'मिन्ख़र' दोनों शुद्ध हैं।

मनाअ' (مناع) अ वि –निषेधक, प्रतिरोधक, मना करनेवाला, रोकनेवाला।

मन्नान (منان) अ वि –बहुत अधिक उपकार करनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मनोसल्वा (من وسلوی) अ पु –मन (शीरखिश्त) और सल्वा (बटेर) ये दोनो चीजें हज़्रत मूसा को उस समय ईश्वर की ओर से मिली जब उनकी सेनाएँ भूखी थी और बराबर मिलती रही।

मन्फ़अत (منفعت) अ. स्त्री –लाभ, फाइद , फल, नतीजा।

मन्फ़ज़ (منفذ) अ पु –विवर, छिद्र, सूराख़, मार्ग, राह, रास्ता।

मन्फ़ी (منفی) अ वि –नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ, रद किया हुआ, वह क्रिया जिसमें काम का न होना पाया जाय, ऋण, घटाना।

मन्फ़ूश (منفوش) अ. वि –धुनकी हुई रुई या और कोई वस्तु।

मन्हो (منہی) अ वि.–वर्जित, रोका हुआ, अविहित, निषिद्ध।

मन्हीयात (منہیات) अ स्त्री – वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म मे वर्जित हो, वे कर्म जो धर्म मे वर्जित हो।

मनहूस (منحوس) अ वि –अशुभ, अनिष्ट, अकल्याणकारी, बद, अभागा, दुर्भाग्यवान्, बदकिस्मत।

मनहूसस्सूरत (منحوس صورت) अ वि –जिसकी सूरत देखना अनिष्टकर हो, जिसे सवेरे-सवेरे देखने में मुसीबतें पड़े।

मफ़र [र्र] (مفر) अ पु –भागने का स्थान, वह स्थान जहाँ भागकर छिपा जा सके, रक्षा, बचाव, उपाय, तद्बीर।

मफ़ाख़िर (مفاخر) अ. पु –'मफ़्ख़र' का बहु, बुज़ुर्गियाँ, बड़ाइयाँ।

मफ़ाज़ (مفاز) अ पुं.–पहुँच का स्थान, गतव्य, मंजिल, मकाम।

मफ़ातीह (مفاتیح) अ स्त्री –'मिफ़्ताह' का बहु , कुंजियाँ, चाबियाँ।

मफ़ाद (مفاد) अ पु –लाभ, फाइदा, नफ़ा।

मफ़ादात (مفادات) अ पु –फ़ाइदे, लाभ।

मफ़ादे आम्मः (مفاد عامہ) अ पु –लोकहित, सर्वार्थ, सब की भलाई के काम।

मफ़ादे क़ौमी (مفاد قومی) अ पु –जाति की भलाई, जातिहित, राष्ट्र की भलाई, देशहित।

मफ़ादे ख़लाइक़ (مفاد خلائق) अ पु –दे 'मफ़ादे आम्मः'।

मफ़ादे ज़ाती (مفاد ذاتی) अ पुं.–स्वार्थ, अपनी भलाई, आत्महित।

मफ़ादे मिल्ली (مفاد ملی) अ. पु –राष्ट्रहित, देश की भलाई।

मफ़ादे मुल्की (مفاد ملکی) अ पु –देशहित, मुल्क की भलाई।

मफ़ादे वतन (مفاد وطن) अ पु –देशहित, वतन अथवा मुल्क की भलाई।

मफ़ासिद (مفاسد) अ पु –'मफ़्सिद' का बहु, शरारतें, उत्पात, दंगे, उपद्रव, बुराइयाँ, दोष।

मफ़ासिल (مفاصل) अ पु –'मफ़्सिल' का बहु , शरीर के जोड़, गाँठे।

मफ़ऊल (مفعول) अ वि –(व्या) कर्म, जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े, दूसरा कारक, वह पुरुष जिसे गुदादान का व्यसन हो, छंद का एक वज़्न, हिंदी 'तगण' (SSI)।

मफ़ऊलफ़ीह (مفعول فیہ) अ पु –सातवाँ कारक, अधिकरण।

मफ़्अलबेह (مفعول بہ) अ पु –तीसरा कारक, करण।

मफ़ऊल मालम युसम्म.फ़ाइलुहू (مفعول مالم یسم فاعلہ) अ पु –वह कर्म जिसका कर्ता अज्ञात हो।

मफ़ऊल मा'हू (مفعول معہ) अ पु –जिसके साथ कोई काम हो।

मफ़ऊल मिन्हु (مفعول منہ) अ पु –पाँचवाँ कारक, अपादान।

मफ़ऊललहू (مفعول لہ) अ पु –चौथा कारक, सम्प्रदान।

मफ़ऊले मुत्लक़ (مفعول مطلق) अ पु –सामान्य कर्म, मफ़ऊल।

मफ़ऊले सानी (مفعول ثانی) अ पु –किसी क्रिया का दूसरा कर्म, द्वितीय कर्म।

मफ़क़ूद (مفقود) अ वि –अप्राप्य, नायाब, अज्ञात, नामा'लूम, खोया हुआ, गुम, अंतर्द्धान, ग़ाइब।

मफ़क़ूदुल ख़बर (مفقود الخبر) अ वि –जिसकी ख़बर न मिले, जो ग़ाइब हो गया हो।

मफ़्तूँ (مفتوں) अ वि –मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्ता, जो आपत्तियों में डाल दिया गया हो।

मफ़्तून (مفتون) अ वि –दे. 'मफ़्तूँ', उर्दू में वही ज़्यादा प्रचलित है।

मफ़्तूह (مفتوح) अ वि –जो खोला गया हो, जो विजित किया गया हो, जिस अक्षर पर ज़बर हो।

मफ़रूक़ (مفروق) अ वि –वह संख्या जो किसी बड़ी संख्या में से घटायी गयी हो, वियोज्य, पृथक किया गया, अलग किया गया।

मफ़रूक़मिन्हु (مفروق منه) अ वि –वह बड़ी संख्या जिसमें से कोई छोटी संख्या घटायी गयी हो, वियोजक।

मफ़रूज़ (مفروضه) अ पु –काल्पनिक बात, फ़र्ज़ की हुई बात, भ्रम, वहम।

मफ़रूज़ (مفروض) अ वि –काल्पनिक, फ़र्ज़ी, ईश्वर की ओर से फ़र्ज़ की गयी बात जिसका करना अनिवार्य हो।

मफ़रूज़ात (مفروضات) अ पु –'मफ़रूज़' का बहु., कल्पनाएँ, तीर के तुक्के।

मफ़रूर (مفرور) अ वि –पलायित, भागा हुआ, कोई अपराध करके भागा हुआ, फ़रारी।

मफ़रूश (مفروش) अ वि –बिछा हुआ, जो बिछाया गया हो, फ़र्श, बिछौना।

मफ़लूक (مفلوک) अ वि –दुःखग्रस्त, दरिद्र, मुफ़्लिस।

मफ़लूकुलहाल (مفلوک الحال) अ वि –दुःखग्रस्त, दरिद्र, लिखना है लेकिन यह तर्कीब अशुद्ध है।

मफ़लूज (مفلوج) अ वि –जिस पर फ़ालिज गिरा हो, पक्षाघाती, अर्द्धांग लक़्वा मारा हुआ।

मफ़लूजुद्दिमाग़ (مفلوج الدماغ) अ वि –जिसके दिमाग़ पर फ़ालिज गिरा हो, जो कुछ सोच-समझ न सकता हो।

मफ़सदः (مفسده) अ पु –उत्पात, उपद्रव, दंगा, फ़साद।

मफ़सदःपरदाज़ (مفسده پرداز) अ फ़ा वि –दंगा फ़साद करानेवाला, लड़ाई-झगड़ा करानेवाला, लड़ाई-झगड़े करके आपस में लड़ानेवाला।

मफ़सदःपरदाज़ी (مفسده پردازی) अ फ़ा स्त्री –दंगा फ़साद कराना, लड़ाई-झगड़ा करके आपस में लड़ाना।

मफ़सदःपवर (مفسده پرور) अ फ़ा वि –दे. 'मफ़सदः परदाज़'।

मफ़सदःपवरी (مفسده پروری) अ फ़ा स्त्री –दे. 'मफ़सदः परदाज़ी'।

मफ़सिल (مفصل) अ पु –शरीर के अंग का जोड़, अंगसंधि।

मफ़हूम (مفهوم) अ पु –असली मतलब, भाव, मंशा, उद्देश्य, अर्थ, तात्पर्य।

मबाद (مباد) फ़ा वा –दे. 'मबादा'।

मबादा (مبادا) फ़ा वा –ऐसा न हो।

मबादियात (مبادیات) अ पु –'मबादी' का बहु., गुरु की वे बातें जो किसी विद्या पढ़ने से पहले सीखी जाती हैं और जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आती।

मबादी (مبادی) अ पु –'मब्दा' का बहु., किसी विद्या से सम्बंधित उसकी प्रारम्भिक बातें जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आ सकती।

मबाल (مبال) अ पु –मूत्रेंद्रिय, पेशाब का मकाम।

मबीअ़ः (مبیعه) अ स्त्री –बिकी हुई चीज़, ख़रीदी हुई चीज़।

मबीअ़ (مبیع) अ वि –बिका हुआ, बेचा हुआ, विक्रीत माल, लिया हुआ, क्रीत।

मबऊस (مبعوث) अ वि –अवतरित, जिसने अवतार लिया हो, जो ईश्वर की ओर से भेजा गया हो।

मबयूज़ (مبیوض) अ वि –जिसमें छप हो, सबू वरी।

मब्ज़ूल (مبذول) अ वि –दिया गया, बख़्शा गया, आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मब्दा (مبدا) अ पु –प्रारम्भ करने का स्थान, प्रकट होने की जगह।

मब्नी (مبنی) अ वि –जिसकी नींव रखी गयी हो, निर्भर, मुनहसिर, निर्धारित, वह शब्द जिसका आख़िरी अक्षर किसी कारक में भी न बदले, अव्यय।

मब्रज़ (مبرز) अ पु –मलद्वार, गुदा, मक़्अ़द।

मब्रूर (مبرور) अ वि –जिस पर ईश्वर की दया हो, जो ईश्वर की ओर से सम्मानित किया गया हो, पापमुक्त, मोक्ष प्राप्त।

मब्रूस (مبروص) अ वि –जिसे श्वेत कुष्ठ हो, सिध्म रोगी।

मब्लग़ (مبلغ) अ पु –मात्रा, हद, अंत, संख्या, मात्रा, मिक़्दार, संख्या, ता'दाद।

मब्लग़े इल्म (مبلغ علم) अ पु –विद्या की मात्रा, ज्ञान की मिक़्दार, विद्या, क़ाबलियत।

मब्सूत (مبسوط) अ. वि.–विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मब्हूत (مبهوت) अ वि.–चकित, स्तब्ध, शशदर।

ममर [रं] (ممر) अ पु.–गुजरने का स्थान, मार्ग, रास्ता, कारण, सबब।

ममात (ممات) अ स्त्री.–मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

ममालिक (ممالک) अ पु.–'मम्लुकत' का बहु., बहुत-से देश, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیه) अ पु.–वे राष्ट्र जिनमें मुसलमान शासक हैं।

ममालिके ग़ैर (ممالک غیر) अ पु.–अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफ़्तूहः (ممالک مفتوحه) अ पु.–वह देश जो लड़ाई में जीते गये हों।

ममालिके मुत्तहदः (ممالک متحده) अ पु.–वह देश जो मिलकर एक हो गये हो, सयुक्त देश।

ममालिके मुफ़व्वजः (ممالک مفوضه) अ पु.–वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रबध के लिए दे दिये गये हों।

ममालिके महरूसः (ممالک محروسه) अ पु.–वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हों।

ममालिके हरीफ़ः (ممالک حریفه) अ पु.–वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल में हों।

ममालिके हलीफ़ः (ممالک حلیفه) अ पु.–वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हों।

ममालीक (ممالیک) अ. पु.–'मम्लूक' का बहु., गुलाम लोग।

मम्ज़ूज (ممزوج) अ वि.–मिश्रित, मिला हुआ।

मम्दूदः (ممدوده) अ वि.–वह अलिफ जिस पर 'मद' हो और खीचकर पढा जाय।

मम्दूद (ممدود) अ वि.–खीचा गया, बढाया गया, लबा किया गया।

मम्दूहः (ممدوحه) अ स्त्री.–वह स्त्री जिसकी तारीफ की जाय, प्रशसिता।

मम्दूह (ممدوح) अ वि.–जिसकी मद्ह की गयी हो, प्रशसित।

मम्नूअ (ممنوع) अ वि.–निषिद्ध, वर्जित, मना', जिससे रोका गया हो, धर्म मे वर्जित वस्तु।

मम्नूअ अनहु (ممنوع عنه) अ वि.–जिस बात से रोका गया हो।

मम्नूआत (ممنوعات) अ पु.–वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वर्जि[illegible]

मम्नून (ممنون) अ वि.–कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुजार, मश्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ स्त्री.–कृतज्ञता, शुक्रगुजारी।

मम्लकत (مملکت) अ स्त्री.–दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ स्त्री.–दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लुकत (مملکت) अ स्त्री.–राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनों भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ वि.–पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लबरेज।

मम्लूकः (مملوکه) अ वि.–वह वस्तु जो मिल्कियत मे हो।

मम्लूक (مملوک) अ वि.–दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ वि.–नमक मिलाया हुआ, नमकीन, लवणमय।

मयामिन (میامن) अ पु.–'मैमनत' का बहु., बरकते, सआदते, कल्याण, समृद्धियाँ, 'मैमन' का बहु., शरीर की सीधी ओर के अग।

मरंजांमरंज (مرنجاں مرنج) फा वि.–वह व्यक्ति जो खुद भी दु खित न हो और दूसरो को भी दु खी न करे।

मरंजोमरंजां (مرنج ومرنجاں) फा वि.–दे 'मरजाँ मरज'।

मरज (مرج) अ पु.–काम का बिगाड, नाश, तबाही।

मरज़ (مرض) अ पु.–रोग, आमय, व्याधि, बीमारी; लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरज़ुलमौत (مرض الموت) अ पु.–वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरज़े मुतअद्दी (مرض متعدی) अ पु.–छूतवाला रोग, उडकर लगनेवाली बीमारी, सक्रामक रोग।

मरज़े मोह्लिक (مرض مهلک) अ पु.–वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोडे, घातक रोग।

मरम्मत (مرمت) अ स्त्री.–जीर्णोद्धार, टूटी-फूटी चीज की दुरुस्ती, जैसे––मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (مرمت طلب) अ वि.–जिसमे मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराकिज़ (مراکز) अ पु.–'मर्कज़' का बहु., बहुत-से मर्कज, बहुत से केन्द्र।

मराकिब (مراکب) अ पु.–'मर्कब' का बहु., सवारियाँ, घोडे।

मराकिश (مراکش) अ पु.–अफ्रीका का एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मराजे (مراجع) अ पु–मजा का बहु फिरने के स्थान लौटने के स्थान सर्वनाम जिनकी ओर फिरें।
मरातिब (مراتب) अ पु–'मर्तब' का बहु मर्तबे दर्जे।
मराबित (مرابط) अ पु–मिबत का बहु बंधन रस्सियाँ डोरें मबत' का बहु चौपाए बाँधने के बाडे।
मराम (مرام) अ पु–इच्छा आशा मनोकामना ख्वाहिश।
मरार' (مرار) अ पु–पित्ता पित्ताशय पित्ते का पानी।
मरारत (مرارت) अ स्त्री–कड़वाहट कटुता।
मरासिम (مراسم) अ पु–रस्म का बहु मेल-जोल प्रेम व्यवहार।
मराहिम (مراهم) अ पु–मर्हम का बहु बहुत-से मर्हम।
मराहिम (مراحم) अ पु–मर्हमत का बहु अनुकंपाएँ कृपाएँ।
मराहिमे खुसरवाना (مراحم خسروانہ) अ फा पु–शासकीय कृपाएँ शाही मेहरबानियाँ।
मराहिल (مراحل) अ पु–महल का बहु मंजिलें पड़ाव।
मरीज़ (مریضہ) अ स्त्री–बीमार स्त्री रोगिणी व्याधिता।
मरीज़ (مریض) अ पु–रोगी व्याधित रुग्ण बीमार।
मरीद (مرید) अ वि–अवज्ञाकारी उद्दंड सरकश अहंकारी अभिमानी घमंडी।
मरई (مرعی) अ वि–जिसका लिहाज़ या ध्यान रखा जाय।
मरऊब (مرعوب) अ वि–रोब में आया हुआ आतंकित दबा हुआ डरा हुआ।
मरकज़ (مرکز) अ पु–केंद्र परिधि के बीच का बिंदु सद्र मुकाम मुख्यालय राजधानी दारुस्सल्तनत।
मरकज़ी (مرکزی) अ वि–केंद्रीय मरकज़ का मरकज़ से सम्बन्धित।
मरकज़े सिक़ल (مرکز ثقل) अ पु–गुरुत्व-केंद्र।
मरक़द (مرقد) अ पु–समाधि भवन क़ब्र।
मरकब (مرکب) अ पु–वाहन सवारी अश्व घोड़ा।
मरकूज़ (مرکوز) अ वि–केन्द्रित एक मरकज़ पर लाया हुआ जमाया हुआ दफ़न किया हुआ।
मरकूज़े ख़ातिर (مرکوز خاطر) अ वि–हृदयगम दिल में बैठा हुआ।
मरकूब (مرکوب) अ वि–जिस पर सवारी की जाय।
मरकूम (مرقومہ) अ वि–लिखित लिखा हुआ।
मरकूम (مرقوم) अ वि–लिखित लिखा हुआ।
मरकूमए ज़ैल (مرقومۂ ذیل) अ वि–निम्नलिखित जो नीचे लिखा हो जिसका ज़िक्र बाद को हो।
मरकूमए बाला (مرقومۂ بالا) अ फा वि–उपयुक्त ऊपर लिखा हुआ जिसकी चर्चा ऊपर हो चुकी हो।
मर्ग (مرگ) फा स्त्री–मृत्यु, मरण मौत।
मर्ग (مرغ) फा पु–दूब घास दूबा।
मर्गज़ार (مرغزار) फा पु–वह मैदान जहाँ दूब बहुत हो, सब्ज़ाज़ार चरागाह गोचर।
मर्गपेच (مرگ پیچ) फा पु–पगड़ी बाँधने का एक विशेष ढंग जो इस बात का चिह्न होता है कि पगड़ी बाँधनेवाला प्राण देने पर आमादा है।
मर्गामर्गी (مرگامرگی) फा स्त्री–महामारी वबा।
मर्गूब (مرغوب) अ वि–जो मन को पसंद हो मनोनीत रुचिकर मनोवांछित पसंदीदा।
मर्गूबे तबअ (مرغوب طبع) अ वि–जो मन को अच्छा लगे मनोवांछित मनोनीत।
मर्गूल (مرغولہ) अ पु–टेढ़ा-मेढ़ा पेचदार, धुएँ का छल्ला, बल खाये हुए घूँघरवाले बाल आवाज़ की गिटकिरी।
मर्गे जवानान (مرگ جوانانہ) फा स्त्री–जवानी की मृत्यु।
मर्गे तबई (مرگ طبعی) फा अ स्त्री–वह मृत्यु जो ठीक समय पर आये या आयु पूरी होने पर आये प्राकृतिक मृत्यु।
मर्गे नागहाँ (مرگ ناگہاں) फा स्त्री–वह मृत्यु जो अचानक आ जाये जैसे–हार्टफेल होने से या डूब जाने आदि से।
मर्गे नौ (مرگ نو) फा स्त्री–नयी घटना नया हादिसा।
मर्गे मुअल्लक (مرگ معلق) फा अ स्त्री–दे० मर्गे नागहाँ।
मर्गे मुफ़ाजात (مرگ مفاجات) अ फा स्त्री–दे० मर्गे नागहाँ।
मर्गे मुसम (مرگ مصمم) फा अ स्त्री–वह मृत्यु जो अटल हो जो प्राण लेकर टले।
मर्ज़ंजोश (مرزنجوش) फा स्त्री–एक वनौषधि।
मर्ज़ (مرز) फा पु–खेती की भूमि ऐसी भूमि जिस पर खेती हो सके सरहद सीमांत क्यारी उद्यान बाग़ मूषक चूहा।
मर्जअ (مرجع) अ पु–रक्षा-स्थान बचाव की जगह, पनाहगाह वह सत्ता जिसकी ओर कोई सर्वनाम फिरे।
मर्ज़बान (مرزبان) फा वि–कृषक कृषिकार किसान काश्तकार।
मर्ज़बानी (مرزبانی) फा स्त्री–कृषि कर्म खेती किसानी काश्तकारी।
मर्ज़बूम (مرز بوم) फा स्त्री–जन्मभूमि पैदा होने का स्थान, देश वतन।
मर्ज़ा (مرضاۃ) अ पु–दे० मर्ज़ात।
मर्ज़ा (مرضی) अ पु–मरीज़ का बहु० बीमार लोग रोगी लोग।

मर्जान (مرجان) अ पु –प्रवाल, विद्रुम, मूंगा।

मर्ज़ी (مرضی) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वीकृति, रजामंदी, आज्ञा, इजाजत, आदेश, हुक्म।

मर्जूअः (مرجوعہ) अ पु –रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति की ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगों का झुकाव।

मर्जूअ (مرجوع) अ वि –रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ, वह व्यक्ति जिसकी ओर लोग झुकें, अर्थात् रुजूअ हों।

मर्जूम (مرجوم) अ वि –जिसे पत्थरों से मारा जाय, जिसका बहिष्कार किया जाय।

मर्जूह (مرجوح) अ वि –पराजित, हारा हुआ, मग्लूब।

मर्तबः (مرتبہ) अ पु –पद, दर्जा, वर्ग, तबका, श्रेणी, जमाअत, बार, दफा; प्रतिष्ठा, इज्जत।

मर्तब:दाँ (مرتبہداں) अ फा वि –इज्जत पहचाननेवाला।

मर्तब:दानी (مرتبہدانی) अ फा स्त्री –इज्जत पहचानना।

मर्तब:शनास (مرتبہشناس) अ फा वि –दे 'मर्तब दाँ'।

मर्तबत (مرتبت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, इज्जत, पद, उह्दा।

मर्तूब (مرطوب) अ वि –आर्द्र, तर, भीगा, गीला, वह ओषधि जिसमें बादी का गुण हो, बादी-गुण रखनेवाली चीज, जैसे—'मर्तूब आबोहवा'।

मर्द: (مردہ) फा वि –वीर, शूर, बहादुर, साहसी, उत्साही हिम्मती।

मर्द (مرد) फा पु –मनुष्य, आदमी, पुरुष, नर, पति, शौहर, शूर, बहादुर, साहसी, हिम्मतवर।

मर्दअफगन (مردافگن) फा वि –शक्तिशाली, जोरावर, पहलवानों को पछाड़ देनेवाला, दे 'मर्दफगन' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दआज्मा (مردآزما) फा वि –दे 'मर्द अफगन', दे 'मर्दाज्मा', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दक (مردک) फा वि –तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, जलील।

मर्दफगन (مردافگن) फा वि –बहादुर, बलवान्, योद्धाओं को पछाड़ देनेवाला, बहुत बड़ा योद्धा, महारथी।

मर्दबच: (مردبچہ) फा वि –आदमी का बच्चा अर्थात् आदमी, मनुष्य, बहादुर, शूर।

मर्दबच्च: (مردبچہ) फा वि –दे 'मर्दबच', अच्छे-बुरे व्यक्ति की परख रखनेवाला।

मर्दशनास (مردشناس) फा वि –मनुष्य को पहचाननेवाला।

मर्दाज्मा (مردازما) फा वि –दे 'मर्दफगन'।

मर्दान: (مردانہ) फा वि –मर्दों की तरह; मर्दों-जैसा, जैसे—मर्दाना लिबास, मर्दों-जैसे, मर्दाना दर्जा।

मर्दान:वार (مردانہوار) फा. वि –मर्दों की तरह, साहसपूर्वक, बहादुराना।

मर्दानगी (مردانگی) फा स्त्री –मर्दानापन, पुरुषत्व, साहस, हिम्मत, शूरता, बहादुरी।

मर्दाने ख़ुदा (مردان خدا) फा पु –महात्मा लोग, औलिया अल्लाह।

मर्दी (مردی) फा वि –मानवता, इंसानियत, शूरता, बहादुरी, कामशक्ति, कुव्वतेबाह।

मर्दुम (مردم) फा पु –मनुष्य, आदमी, सभ्य, मुहज्जब; आँख की पुतली, कनीनिका।

मर्दुमआज़ार (مردم آزار) फा वि –लोगों को सतानेवाला, अत्याचारी, जालिम, सर्वदु:खद।

मर्दुमआमेज़ (مردم آمیز) फा वि –लोगों में घुल-मिलकर रहनेवाला।

मर्दुमआज़ारी (مردم آزاری) फा स्त्री –लोगों को सताना, अत्याचार, जुल्म।

मर्दुमक (مردمک) फा स्त्री –आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका, नयनी।

मर्दुमकुश (مردم کش) फा वि –मनुष्य को मार डालनेवाला, नरहिंसक।

मर्दुमकुशी (مردم کشی) फा स्त्री –मनुष्य को मार डालना, नरहिंसा।

मर्दुमकेदीद: (مردمک دیدہ) फा स्त्री –आँख की पुतली, नयनी, कनीनिका, कनीनी।

मर्दुमखेज़ (مردم خیز) फा वि –वह स्थान जहाँ से प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हों।

मर्दुमख़ोर (مردم خور) फा वि –मनुष्य को खा जानेवाला, नरभक्षी, नराशी, पुरुषाशी।

मर्दुमख़ोरी (مردم خوری) फा स्त्री –मनुष्य को खा जाना, नरभक्षण।

मर्दुमख़्वार (مردم خوار) फा वि –दे 'मर्दुमख़ोर'।

मर्दुमगिया (مردم گیا) फा स्त्री –एक जड़ जो आदमी की आकृति की होती है, लक्ष्मिनी, यब्रूह।

मर्दुमज़न (مردم زن) फा वि –वधिक, जल्लाद।

मर्दुमज़ाद (مردم زاد) फा पु –मनुजात, आदमी, मनुष्य, मानुष।

मर्दुमदर (مردم در) फा वि –मनुष्य को फाड़ खानेवाला, विदारक, श्वापद, व्याघ्र।

मर्दुमदारी (مردم داری) फा स्त्री –सुशीलता, सद्व्यवहार, खुश अख़्लाकी।

मर्दुमबेज़ार (مردم بیزار) फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यों के साथ बैठने-उठने से घबराता हो।

मर्दुमशनास (مردم شناس) फा वि –अच्छे-बुरे आदमी

का परम्व रखनेवाला अच्छे आदमी का कद्र करनेवाला।
मदुमशनासी (مردم‌شناسی) फा स्त्री—अच्छे-बुरे आदमी का परख अच्छे आदमी की कद्र।
मदुमशुमारी (مردم‌شماری) फा स्त्री—किसी देश के निवासियों की गणना जो किसी नियत समय पर हुआ करती है जन-गणना।
मदुमी (مردمی) फा स्त्री—मानवता इंसानियत पुरुषत्व पुंस्त्व कामशक्ति वीरता बहादुरी सुशीलता सहृदयता सभ्यता।
मर्दुमे आबी (مردم آبی) फा पु—समुद्र में रहनेवाला मनुष्य जल-मानुष।
मर्दुमे दीदः (مردم دیده) फा पु—आंख की पुतली कनीनिका।
मर्दूद (مردود) अ वि—बहिष्कृत बाहर निकाला हुआ तिरस्कृत बेइज्जत अस्वीकृत नामकबूल।
मर्दूदुश्शहादत (مردودالشهادت) अ वि—वह व्यक्ति जिसकी गवाही मानी न जा सके।
मर्दूदे बारगाह (مردود بارگاه) फा वि—वह व्यक्ति जो किसी बड़े स्थान से निकाल दिया गया हो।
मर्दे आखिरबीं (مرد آخربین) फा वि—वह व्यक्ति जो परिणाम देखकर कोई काम करे।
मर्दे आदमी (مرد آدمی) फा वि—सज्जन व्यक्ति भला मानस शरीफ़ आदमी।
मर्दे कार (مرد کار) फा पु—काम का आदमी अनुभवी शूर साहसी बहादुर।
मर्दे खुदा (مرد خدا) फा पु—सदात्मा पुनीतात्मा सुजन रशीद ईश्वरभक्त ईश्वरभीरु।
मर्दे मा'कूल (مرد معقول) फा अ पु—सभ्य शिष्ट और सज्जन व्यक्ति।
मर्दे मैदां (مرد میدان) फा पु—महारथी रण-क्षेत्र में बड़े बड़ों के मुँह फेर देनेवाला।
मर्दे हक़्क़आगाह (مرد حق‌آگاه) फा अ पु—ईश्वर अथवा सत्य को पहचाननेवाला व्यक्ति।
मर्फ़ूअ (مرفوع) अ वि—ऊंचा किया हुआ उठाया हुआ पेश ('उ' की मात्रा) दिया हुआ अक्षर।
मर्फ़ूउल्क़लम (مرفوع‌القلم) अ वि—जिस पर से क़लम उठा लिया गया हो जिसके सम्बन्ध में कुछ लिखा न जा सके। अज्ञान पागल बावला।
मर्बूत (مربوط) अ वि—सम्बद्ध मुसलसल प्रसंगयुक्त बामानी (सुसंगत) (गुलगू)।
ममर (مرمر) फा पु—एक विशेष सफ़ेद पत्थर संग मरमर।
ममरीं (مرمریں) फा वि—ममर का बना हुआ ममर जैसा।
मम्ज़ (مرموز) अ वि—जिसकी ओर इंगित या इशारा किया गया हो राज़ और इशारे में कही हुई बात।
मम्ज़ात (مرموزات) अ पु—इशारा में कही हुई बात इशारा में लिखे हुए ख़त या नुस्ख़े आदि।
मर्यम (مریم) अ स्त्री—हज़रत ईसा की माता।
मर्यमपंज (مریم‌پنجه) अ फा पु—एक घास जो प्रसव वेदनाग्रस्ता स्त्री की पीड़ा दूर करने के लिए व्यवहृत है।
मर्व (مروه) अ पु—मक्के की एक पहाड़ी।
मर्व (مرو) फा पु—खुरासान के इलाक़े का एक प्रसिद्ध नगर एक सुगंधित घास।
मर्वारीद (مروارید) फा पु—मुक्ता मुक्ताहल मौक्तिक मोती।
मर्वारीदेनासुफ्त (مروارید ناسفته) फा पु—अनबिंधा मोती।
मर्वी (مروی) अ वि—रिवायत किया गया दूसरे का सुना हुआ कहा गया।
मर्सूख (مرسوخ) अ वि—तली में बैठा हुआ तलछट गाद।
मर्सूम (مرسوم) अ वि—विधान किया हुआ क़ानून बनाया हुआ रोज़ का या महीने का वेतन चिह्न किया हुआ चिह्नित।
मर्सूस (مرصوص) अ वि—नींव में सीसा पिलाया हुआ अच्छी तरह मज़बूत किया हुआ।
मर्हब (مرحب) अ पु—खुला हुआ स्थान।
मर्हबा (مرحبا) अ स्त्री—धन्य साधु बहुत ख़ूब शाबाश।
मर्हम (مرهم) फा पु—घाव पर लगाने का लेप स्नेह-लेप।
मर्हमत (مرحمت) अ स्त्री—दया कृपा अनुकंपा अनुग्रह मेहरबानी अनुदान बख़्शिश।
मर्हमे काफ़ूर (مرهم کافور) फा पु—कपूर से बना हुआ मर्हम जो घाव में ठंडक पहुँचाता है।
मर्हमे ज़ंगार (مرهم زنگار) फा पु—ज़ंगार से बना हुआ मर्हम जो घाव को काट देता है।
मर्हला (مرحله) अ पु—यात्रियों के उतरने का स्थान मंज़िल लंबी यात्रा बड़ा काम कठिन काम।
मर्हून (مرهون) अ वि—वह वस्तु जो गिरवी रखी हो।
मर्हूने मिन्नत (مرهون منت) अ वि—कृतज्ञ आभारी ममनून शुक्रगुज़ार।
मर्हूमः (مرحومه) अ स्त्री—वह स्त्री जो मर गयी हो स्वर्गता स्वर्गगामिनी स्वर्गीया।
मर्हूम (مرحوم) अ पु—स्वर्गीय स्वर्गीय प्रयतात्मा।

मलंग (ملنگ) फा पु –आज़ाद फकीर, निश्चिंत व्यक्ति, बेफिक्रा।

मलक: (ملکہ) अ पु –अभ्यास, हस्तकौशल, महारत, प्रकृति, सृष्टि, फित्रत, शौक, रुचि।

मलक (ملک) अ पु –देवता, फ़िरिश्ता।

मलकजमाल (ملک جمال) अ वि –देवताओं-जैसी सुंदरता रखनेवाला।

मलकनिहाद (ملک نہاد) अ फा वि –देवताओं-जैसी प्रकृतिवाला, देवात्मा।

मलकसिफात (ملک صفات) अ वि –फिरिश्तों-जैसी सिफतोंवाला, दैवीगुणसपन्न।

मलकसिरिश्त (ملک سرشت) अ. फा वि –दे 'मलकनिहाद'।

मलकसीरत (ملک سیرت) अ वि दे –'मलकनिहाद'।

मलकसूरत (ملک صورت) अ वि –जिसकी आकृति फिरिश्तों-जैसी हो, देवता-स्वरूप।

मलकात (ملکات) अ पु –'मलक' का बहु, प्रकृतियाँ, प्रकृति के गुण।

मलकाते फाज़िलः (ملکات فاضلہ) अ पु –सत्त्व गुण।

मलकाते रदीय. (ملکات ردیہ) अ पु –रजोगुण।

मलकाते मज़मूम (ملکات مذموم) अ पु –तमोगुण।

मलकी (ملکی) अ वि –देवताओं का, फिरिश्ते का, देवता-सम्बन्धी।

मलकीसिफात (ملکی صفات) अ वि –देवताओं के गुण रखनेवाला व्यक्ति।

मलकुलमौत (ملک الموت) अ पु –मौत का फिरिश्ता, यमराज, धर्मराज, प्राणांतक।

मलकूत (ملکوت) अ पुं –सत्ता, राज्य, शासन, हुक्मरानी, देवलोक, फिरिश्तों का मकाम; फिरश्ते, देवता-समूह।

मलकूती (ملکوتی) अ वि –देवताओंवाला।

मलकूतीसिफात (ملکوتی صفات) अ वि –देवताओं के गुणवाला, देवताओं-जैसा।

मलख (ملخ) फा स्त्री –टीटी, टिड्डी, शलभ।

मला (ملا) अ पु –सज्जन और श्रेष्ठ लोगों की मंडली।

मलाइकः (ملائکہ) अ पु –'मलक' का बहु, देवतागण, फिरिश्ते।

मलाइक (ملائک) अ पु –दे 'मलाइक'।

मलाइक फिरेब (ملائک فریب) अ फा वि –देवताओं को मुग्ध करनेवाला, फिरिश्तों को लुभानेवाला, प्राय हुस्न (सौंदर्य) की सिफत के लिए आता है।

मलाइन. (ملاعنہ) अ. पु –'मल्ऊन' का बहु, दुष्ट और पापाचारी व्यक्ति।

मलाइन (ملاعن) अ पु –'मल्अनत' का बहु, वे चीजे जो निंदित और निरस्कृत हों।

मलाइब (ملاعب) अ पु –'लइब' का बहु, खेल-कूद।

मलाईन (ملاعین) अ पु –दे 'मलाइन'।

मलाए आ'ला (ملاء اعلیٰ) अ पु –देवलोक के रहनेवाले, देवता, फिरिश्ते।

मलाज़ (ملاذ) अ पु –रक्षा-स्थान, पनाह की जगह।

मलाबिस (ملابس) अ पु –'मिल्बस' का बहु, पहनने के कपड़े।

मलाम (ملام) अ पु –दे. 'मलामत'।

मलामत (ملامت) अ स्त्री –झिड़की, डॉट-डपट, भर्त्सना, निंदा, कुत्सा।

मलामती (ملامتی) अ वि –जिसकी मलामत की गयी हो।

मलाल (ملال) अ पु –दुख, रंज, वैमनस्य, रंजिश, पश्चात्ताप, अफसोस, कष्ट, तकलीफ।

मलालत (ملالت) अ स्त्री –दे 'मलाल'।

मलासत (ملاست) अ. स्त्री –नम्रता, विनय, नर्मी, स्वच्छता, सफाई, समता, बराबरी।

मलाहत (ملاحت) अ स्त्री –लावण्य, नमकीनी, सौंदर्य, हुस्न।

मलाहिदः (ملاحدہ) अ. पु.–'मुल्हिद' का बहु, नास्तिक लोग, बेदीन लोग, विधर्मी लोग।

मलाही (ملاہی) अ. पु –'लह्व' का बहु., खेल-कूद, अच्छे कामों से रोकनेवाली चीजे।

मलिकः (ملکہ) अ स्त्री –रानी, राज्ञी, महारानी, बादशाह की बेगम।

मलिक (ملک) अ पु –बादशाह, राजा, शासक, नरेश, सम्राट्, नृपाल।

मलिकज़ादः (ملک زادہ) अ फा पु –बादशाह का लड़का।

मलिकुत्तुज्जार (ملک التجار) अ पु –व्यापारियों का सरदार, सबसे बड़ा व्यापारी, वणिग्राज।

मलिकुश्शुअरा (ملک الشعرا) अ पु –एक उपाधि जो दरबार के सर्वश्रेष्ठ कवि को मिलती थी, कविसम्राट्।

मलीक (ملیک) अ पु –स्वामी, पति, मालिक।

मलीदः (ملیدہ) उ पु –'मालीद' उर्दू, मे 'मलीदः' ही व्यवहृत है, चूरमा।

मलीह (ملیح) अ वि –जिसमे लवण यानी नमक हो, नमकीन, साँवला, सलोना।

मलूम (ملوم) अ वि –निंदित, गर्हित, भर्त्सित, जिस पर मलामत की गयी हो।

मलूल (ملول) अ वि —उदास खिन्न अप्रसन्न दुःखित रंजीदा।
मलअब (ملعب) अ पु —खेल का स्थान, क्रीडास्थल तफ़रीहगाह।
मलऊन (ملعون) अ वि —जिस पर लानत की गयी हो, धिक्कृत दुष्टात्मा कमीना तिरस्कृत।
मलगोबा (ملغوبا) तु पु —बहुत-सी खाली चीजो का समाहार।
मलजा (ملجا) अ पु —रक्षा स्थान जान बचाने या सुरक्षित रहने की जगह।
मलजाओमावा (ملجاوماوا) अ पु —जहा सब कुछ हो जिस जगह का बडा सहारा हो जहा से हर प्रकार की सहायता आदि मिले।
मलजूम (ملزوم) अ वि —जिस पर कोई चीज लाजिम कर दी गयी हो, जो वस्तु अलग न हो सके सबद्ध।
मलफूज (ملفوظ) अ वि —बोला हुआ कहा हुआ।
मलफूज (ملفوظ) अ वि —बोला हुआ कहा हुआ उच्चरित प्रतिष्ठित जनो और महात्माओ के प्रवचन।
मलफूजात (ملفوظات) अ पु — मलफूज का बहु महात्माओ आदि के प्रवचन वह पुस्तक जिसमें इन प्रवचनो का सग्रह हो।
मलफूजी (ملفوظی) अ वि —मलफूज सम्बन्धी।
मलफूफ (ملفوف) अ वि —लपटा हुआ कपडा या कागज चढाया हुआ लिफाफे म बद किया हुआ लिफाफे में बद खत।
मलबूस (ملبوس) अ पु —वस्त्र वसन लिबास।
मलबूसात (ملبوسات) अ पु —पहनने के कपडे वस्त्र।
मलमस (ملمس) अ पु —त्वचा जिल्द शरीर के खाल का वह ऊपरी तल जो छुआ जाता है।
मल्लाह (ملاح) अ पु —नाविक नौचालक कर्णधार खेवनहार कश्तीबान नमक बनानेवाला।
मलहम (ملحمہ) अ पु —बहुत बडा उपद्रव बहुत बडी हलचल बहुत बडा युद्ध बहुत बडी लडाई लडाई का मैदान रणभूमि।
मलहूज (ملحوظ) अ वि —जिसका लिहाज रखा जाय ध्यान म रखा हुआ।
मलहूजे खातिर (ملحوظ خاطر) अ पु —जो बात ध्यान में हो जिस बात का ख्याल हो।
मवद्दत (مودت) अ स्त्री —मित्रता मैत्री दोस्ती।
मवाइज (مواعظ) अ पु — मौइजत का बहु धर्म-सम्बन्धी उपदेश और नसीहत।

मवाइद (مواعد) अ पु — मौइद का बहु, वादे के समय, वादे की जगहें।
मवाईद (مواعید) अ पु — मीआद का बहु आपस के कौल-करार।
मवाक़िफ (مواقف) अ पु —मौक़िफ का बहु खडे होने के स्थान जगह स्थान।
मवाकिब (مواکب) अ पु — मौकिब का बहु सवारों की फौज सवारों के झुड।
मवाकीत (مواقیت) अ स्त्री — मीकात का बहु वादे के स्थान काम के समय।
मवाक़े (مواقع) अ पु — मौक़ का बहु मौके अवसर।
मवाजिब (مواجب) अ पु — मौजिब का बहु तनख्वाह वेतन।
मवाजीन (موازين) अ स्त्री — मीजान का बहु तराजूए तुलाए।
मवाजे (مواضع) अ पु — मौजा का बहु ग्राम समूह बहुत-से गाव।
मवात (موات) अ वि —निष्प्राण बे जान (स्त्री) ऊसर भूमि ऐसी भूमि जिसमें कुछ उपज न सके।
मवातिन (مواطن) अ पु — मौतिन का बहु, जन्म भूमिया वतन।
मवाद (مواد) अ पु —सामग्री मसाला पीप और खून जो घाव या फोडे से निकले सबूत प्रमाण।
मवादे फासिद (مواد فاسد) अ पु —सडा हुआ मवाद या खून और पीप शरीर के अन्दर की दूषित धातुए।
मवाने (موانع) अ पु — माने का बहु, बाधाए विघ्न रुकावटें।
मवाली (موالی) अ पु — मौला का बहु यार-दोस्त सगी-साथी गुडा बदमाश।
मवालीद (مواليد) अ पु — मौलूद का बहु लडके बच्चे।
मवालीदे सलास (مواليد ثلاث) अ पु —सृष्टि के तीनो वर्ग—प्राणी वनस्पति जड पदार्थ।
मवाशी (مواشی) अ पु — माशिय का बहु चौपाए, मवेशी।
मवासीक़ (مواثيق) अ पु —मीसाक़ का बहु आपस के कौल करार।
मवाहिब (مواهب) अ पु — मौहिब का बहु कृपाए दयाएँ मेहरबानियाँ बख्शिशें।
मवीज (مويز) अ पु —सूखा हुआ अगूर गुलकिशमिश मुनक्का।
मवीजे मुनक्का (مويز منقا) अ पु —वह मवीज जिसके बीज निकाल डाले गये हो, मुनक्का का अर्थ है—

पेट साफ किया हुआ, चूँकि मुनक्के के बीज निकालने से उसका पेट साफ हो जाता है, इस कारण उसे मुनक्का कहते हैं, मगर अब मुनक्का उसका नाम ही पड गया है।

मव्वाज (مواج) अ वि –मौजे मारता हुआ, जोर की लहरे लेता हुआ।

मशक्कत (مشقت) अ स्त्री –कष्ट, दुःख, तकलीफ; श्रम, मेहनत, मज्दूरी, परिश्रम, दौड-धूप, तपस्या, रियाजत।

मशाइख़ (مشائخ) अ पु –'शैख़' का बहु, पीर लोग, सूफी लोग।

मशाम (مشام) अ पु –'मशम्म' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ मे व्यवहृत है, मस्तिष्क, दिमाग, वह स्थान जहाँ सूँघने की शक्ति रहती है।

मशामे जाँ (مشام جاں) अ फा पु.–आत्मा का मस्तिष्क अर्थात् आत्मा।

मशारिक़ (مشارق) अ पु –'मश्रिक़' का बहु, सूर्योदय के स्थान।

मशारिब (مشارب) अ पुं –'मश्रब' का बहु, पानी पीने के स्थान।

मशाहिद (مشاهد) अ पु –'मश्हद' का बहु, कब्रिस्तान।

मशाहीर (مشاهير) अ पु –'मश्हूर' का बहु, महान् व्यक्ति, नामवर लोग।

मशाहीरे आलम (مشاهير عالم) अ पु –ससार के महान् व्यक्ति, बडे-बडे लोग।

मशाहीरे वक़्त (مشاهير وقت) अ पु –अपने समय के बड़े-बडे लोग।

मशी (مشی) अ पु –चलना; टहलना।

मशीख़त (مشيخت) अ स्त्री –बुजुर्गी, बडप्पन, डीग, शेख़ी।

मशीख़तपनाह (مشيخت پناه) अ फा वि –दे 'मशीख़त-मआब'।

मशीख़तमआब (مشيخت مآب) अ वि – शेख़ीख़ोर, डींगिया।

मशीम. (مشيمه) अ पु –वह झिल्ली जो उत्पत्ति के समय शिशु के ऊपर लिपटी रहती है, आँख का छटा पर्दा।

मशीयत (مشيت) अ स्त्री –ईश्वरेच्छा, ख़ुदा की मर्जी, दैवशक्ति, कुदरत।

मशूम (مشوم) अ वि –दे 'मश्ऊम', दोनो शुद्ध है, अशुभ, अनिष्ट, मनहूस।

मशूर: (مشوره) अ पु –परामर्श, सलाह, दे 'मश्वुर' दोनो शुद्ध हैं।

मश्अल. (مشعله) अ पु –दे 'मश्अल'।

मश्अल (مشعل) अ स्त्री –एक लबी लकडी मे कपडा लपेटकर और उसे तेल मे तर करके जलाते है, यही 'मश्अल' है, मशाल।

मश्अलची (مشعلچی) अ फा पु –मश्अल लेकर आगे चलनेवाला, मश्अल दिखानेवाला, मशालची।

मश्ऊफ़ (مشعوف) अ वि –मुग्ध, आसक्त, शेफ्त।

मश्ऊम (مشئوم) अ वि –दे 'मशूम', दोनो शुद्ध है, अनिष्ट, अशुभ, मनहूस।

मश्क़ (مشق) अ स्त्री –अभ्यास, किसी काम को बार-बार करना, हस्त-कौशल, महारत, टेव, आदत।

मश्क (مشک) फा स्त्री –परवाल, पानी भरने की चमडे की ख़ाल।

मश्कीज़: (مشکيزه) अ पु –छोटी मश्क।

मश्कूक (مشکوک) अ वि –जिसमे शक हो, सदिग्ध; जिसे शक हो, शकित।

मश्कूर (مشکور) अ वि –जिसका शुक्रिया अदा किया जाय, प्रशसित।

मश्के आब (مشک آب) फा स्त्री –पानी से भरी हुई मश्क।

मश्के सुख़न (مشق سخن) अ फा स्त्री –काव्य-रचना का अभ्यास।

मश्कोए (مشکوے) फा पु –मूर्तिगृह, बुतख़ाना; अत पुर, हरमसरा।

मश्ग़ल: (مشغله) अ. पु.–व्यापार, शुग्ल; व्यवसाय, उद्यम, रोजगार, कार्य, काम।

मश्ग़ूल (مشغول) अ वि –संलग्न, प्रवृत्त, लीन, मुनहमिक।

मश्ग़ूलियत (مشغوليت) अ स्त्री –सलग्नता, तल्लीनता, प्रवृत्ति, इनहिमाक।

मश्मूम (مشموم) अ वि –सूँघा हुआ।

मश्मूल (مشمول) अ वि –शामिल किया हुआ, सम्मिलित।

मश्रब (مشرب) अ पु –पानी पीने का स्थान, मत, अकीद।

मश्रिक़ (مشرق) अ पु –पूर्व, पूरब, सूर्य निकलने का स्थान, उदयाचल।

मश्रिक़ी (مشرقی) अ वि –पूर्वीय, पूरब का, हिंदुस्तानी, देशी, जो यूरोपीय न हो, बल्कि एशियाई हो।

मश्रिक़ीयात (مشرقيات) अ स्त्री –एशियाई सस्कृति और सभ्यता से सम्बन्धित विज्ञान।

मश्रिक़ैन (مشرقين) अ. पु –दोनो पूर्व, अर्थात् पूरब और पच्छिम।

मश्रूअ (مشروع) अ वि –शास्त्र के अनुसार किया हुआ, इस्लामी धर्मशास्त्र के अनुसार किया हुआ।

मश्रूत (مشروط) अ वि.–जो किसी शर्त पर निर्धारित हो।

मश्रूब (مشروب) अ वि—पीनेवाली वस्तु, पानीय, पेय, पिया हुआ, पीत।

मश्रूबात (مشروبات) अ पु—पीनेवाली वस्तुएँ, पेय।

मश्रूह (مشروح) अ वि—विवरण और विस्तार के साथ कहा हुआ।

मश्रूहन (مشروحاً) अ अव्य—विस्तारपूर्वक, पूरी तफ्सील से, स्पष्टतया।

मश्वरः (مشورہ) अ पु—शुद्ध उच्चारण 'मश्वरः' है परन्तु उर्दू में 'मशवरः' ही बोलते हैं, परामर्श, सलाह।

मश्वी (مشوی) अ वि—भुना हुआ, भ्रष्ट, बिर्याँ।

मश्वुरः (مشورہ) अ पु—दे 'मश्वरः', शुद्ध 'मश्वुरः' ही है परन्तु उर्दू में 'मश्वरः' बोलते हैं, परामर्श, मंत्रणा, सलाह।

मश्वुरत (مشورت) अ स्त्री—दे 'मश्वुरः'।

मश्वुरतखान: (مشورت خانہ) अ फा पु—मंत्रणागार, दारुश्शूरा।

मश्शाई (مشائی) अ वि—'मश्शाईन' में का एक व्यक्ति।

मश्शाईन (مشائین) अ पु—यूनानियों विद्वानों का वह सम्प्रदाय जो एक दूसरे के पास जाकर पठन पाठन करते थे, बरखिलाफ इशाकीन के जो आत्मशक्ति द्वारा पठन पाठन कम करते थे।

मश्शाक़ (مشاق) अ वि—किसी विशेष काम का बहुत अच्छा जानकार, दक्ष, कुशल, विशेषज्ञ।

मश्शाक़ी (مشاقی) अ स्त्री—दक्षता, कुशलता, प्रवीणता।

मश्शातः (مشاطہ) अ स्त्री—स्त्रियों का बनाव सिंगार करनेवाली स्त्री, प्रसाधिका।

मश्शातगी (مشاطگی) अ स्त्री—स्त्रियों का बनाव सिंगार कराने का काम, प्रसाधन।

मश्हद (مشہد) अ पु—उपस्थित होने का स्थान, शहीद होने का स्थान, शहादतगाह, शहीदों का कब्रिस्तान, ईरान का एक नगर जिसे तूस भी कहते हैं।

मश्हूद (مشہود) अ वि—जो उपस्थित किया गया हो, जिस पर गवाही दी गयी हो, ध्येय, मक्सूद।

मश्हून (مشحون) अ वि—जो भरा गया हो, परिपूर्ण।

मश्हूर (مشہور) अ वि—ख्याति प्राप्त, शुहरत पाया हुआ, प्रसिद्ध, विख्यात।

मश्हूरोमा'रूफ़ (مشہور و معروف) अ वि—बहुत अधिक प्रसिद्ध, जिसे प्राय सभी जानते हों, सुप्रसिद्ध, बहुख्यात।

मस [स्स] (مس) अ पु—स्पर्श, छूना, रुचि, रग़बत।

मस [स्स] (مص) अ पु—चूसना, चूषण।

मसर्रत (مسرت) अ स्त्री—हर्ष, आनंद, खुशी।

मसर्रतअंगेज़ (مسرت انگیز) अ फा वि—हर्षवर्द्धक, खुशी बढ़ानेवाला।

मसर्रतअफ़्ज़ा (مسرت افزا) अ फा वि—दे 'मसर्रतअंगेज़'।

मसर्रतआमेज़ (مسرت آمیز) अ फा वि—हर्षपूर्ण, आनन्दमय, खुशी से भरा हुआ।

मसर्रते क़ल्बी (مسرت قلبی) अ स्त्री—हार्दिक आनंद, दिली खुशी।

मसर्रते बेहद (مسرت بے حد) अ फा स्त्री—अत्यधिक हर्ष, बहुत ज़ियादा खुशी।

मसर्रते रूहानी (مسرت روحانی) अ स्त्री—दे 'मसर्रते क़ल्बी'।

मसल (مثل) अ स्त्री—लोकोक्ति, कहावत, समान, तुल्य, मिस्ल।

मसलन (مثلاً) अ अव्य—जैसे, मानो, उदाहरणार्थ।

मसलुनमसलन (مثلاًمثلاً) अ वि—मैं एक उदाहरण देता हूँ, जैसे, मानो, मसलन।

मसाइब (مصائب) अ पु—मुसीबत का बहु, मुसीबतें, आपत्तियाँ, कठिनाइयाँ, दुश्वारियाँ।

मसाइल (مسائل) अ पु—मस्अलः का बहु, मसले, समस्याएँ।

मसाई (مساعی) अ स्त्री—मस्आत का बहु, कोशिशें, प्रयत्न।

मसाकिन (مساکن) अ पु—'मस्कन' का बहु, बहुत-से घर, बहुत सी जगहें।

मसाकीन (مساکین) अ पु—मिस्कीन का बहु, ग़रीब लोग, मँगता लोग।

मसाजिद (مساجد) अ स्त्री—'मस्जिद' का बहु, मस्जिदें।

मसादिर (مصادر) अ पु—'मस्दर' का बहु, बहुत से मस्दर, धातुएँ।

मसानः (مثانہ) अ पु—पेशाब की थैली, मूत्राशय, मूत्रकोश।

मसाफ़ (مصاف) अ पु—युद्ध, समर, जंग, लड़ाई।

मसाफ़त (مسافت) अ स्त्री—दो स्थानों के बीच की दूरी, फ़ासिला, दूरी, रास्ते की दूरी, यात्रा, सफ़र।

मसाफ़ते बईद (مسافت بعید) अ स्त्री—लम्बी यात्रा, दूर की यात्रा, लंबा सफ़र।

मसाम (مسام) अ पु—रोमकूप, रोमगर्त, लोमकूप, लोमविवर, रोमछिद्र।

मसामात (مسامات) अ पु—मसाम का बहु, शरीर के रोम-कूप।

मसारिफ़ (مصارف) अ पु—मस्रिफ़ का बहु, इख़राजात, खर्च, व्यय।

मसारिफे खानगी (مصارف خانگی) अ. फा पु –घर का खर्च, ज़ाती खर्च।

मसारिफे खुरोनोश (مصارف خور و نوش) अ. फा. पु –खाने-पीने का खर्च।

मसारिफे बारबरदारी (مصارف باربرداری) अ. फा. पु –सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का खर्च, गाड़ी-भाड़ा आदि।

मसारिफे बेजा (مصارف بیجا) अ फा पु –अनुचित व्यय, गलत खर्च।

मसारिफे सफर (مصارف سفر) अ पु.–यात्रा-व्यय, सफर का खर्च, मार्ग-व्यय।

मसालिक (مسالک) अ पुं –'मस्लक' का बहु, रास्ते, मार्ग, पथ।

मसालेह (مصالح) अ पु –'मस्लहत' का बहु, दूरअंदेशिया।

मसावीक (مساویک) अ पु.–'मिस्वाक' का बहु, दाँत साफ करने की मिस्वाकें, दातून, दतधावन।

मसास (مساس) अ पु –मैथुन के समय स्त्री के अंगों का मर्दन, दे 'मिसास', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'मसास' ही है।

मसीर (مسیر) अ पु –गमन, जाना।

मसीर (مصیر) अ पु –लौटना, प्रत्यागमन, लौटने का स्थान।

मसील (مثیل) अ वि –समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल।

मसीह (مسیح) अ पु –हज़रत ईसा, ख्रीष्ट।

मसीहनफस (مسیح نفس) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी फूँक में हज़्रत ईसा की फूँक का गुण हो, जो मुर्दों को जिला देती थी।

मसीहा (مسیحا) अ पु –दे 'मसीह'।

मसीहाई (مسیحائی) अ वि.–ईसा का काम करना, अर्थात् मुर्दे जिलाना, उदा —"तू जो चाहे तो मरीजे गमे उल्फत बच जाय, तेरी रहमत में निहाँशाने मसीहाई है।"

मसीहादम (مسیحادم) अ फा वि –दे 'मसीहनफस'।

मसीहानफस (مسیحانفس) अ वि –दे 'मसीहनफस'।

मसीहासिफत (مسیحاصفت) अ वि –मसीह के गुण रखनेवाला, मुर्दे जिलानेवाला।

मसीहावश (مسیحاوش) अ फा वि –दे 'मसीहासिफत', मसीह की भाँति।

मसीही (مسیحی) अ वि –हज़्रत मसीह को माननेवाला, ईसाई, ख्रिष्टीय।

मसून (مصون) अ वि –सुरक्षित, महफूज।

मस्अलः (مسئلہ) अ पु –समस्या, पेचीदा मुआमला, विषय, मौजूअ, धर्मशास्त्र सम्बन्धी हुक्म।

मस्अलत (مسئلت) अ स्त्री –पूछना, प्रश्न करना।

मस्ऊद (مسعود) अ वि.–इष्ट, कल्याणकर, शुभ, नेक, मुबारक।

मस्ऊन (مصئون) अ वि –दे शुद्ध उच्चारण 'मसून', यह उच्चारण अशुद्ध है।

मस्ऊल (مسئول) अ वि –जो पूछा जाय, जिससे जवाब लिया जाय, जवाबदेह, जिम्मादार, उत्तरदायी।

मस्कः (مسکہ) फा पु –मक्खन, नवनीत, क्षीरसार।

मस्कत (مسقط) अ पु –अरब की एक खुद मुख्तार छोटी-सी रियासत; उस रियासत की राजधानी।

मस्कन (مسکن) अ पु.–रहने का स्थान, घर, गृह, मकान।

मस्कनत (مسکنت) अ स्त्री –नम्रता, विनय, विनीत, आजिज़ी; निर्धनता, दरिद्रता, कंगाली।

मस्कित (مسقط) अ पु –गिरने का स्थान।

मस्कितुर्रास (مسقط الراس) अ पु –सर गिरने का स्थान, चूँकि जन्म लेते समय पहले सर जमीन पर आता है, इसलिए पैदा होने के स्थान को कहते हैं, जन्मभूमि।

मस्कूक (مسکوک) अ वि –ठप्पा लगाया हुआ, टकसाल में गढ़ा हुआ, टकसाल में बनाया हुआ।

मस्कूनः (مسکونہ) अ. वि.–जिसमें रहाइश हो, आबाद।

मस्कून (مسکون) अ. वि –आबाद, वसित।

मस्कूल (مصقول) अ वि –सैकल किया हुआ, माँजा हुआ, उज्ज्वल, चमकदार; प्रकाशमान्, रौशन।

मस्ख (مسخ) अ वि –विकार, अच्छी से बुरी सूरत हो जाना; विकृत, बिगड़े हुए रूपवाला।

मस्खरः (مسخرہ) अ पु –हँसोड़, हँसी ठट्ठेवाला आदमी, भाँड, नक़्लें करनेवाला, नक़्क़ाल, विदूषक।

मस्खरगी (مسخرگی) अ. फा स्त्री –हँसी-ठट्ठा, मस्खरापन, विदूषकता।

मस्ख़शुदः (مسخ شدہ) अ फा. वि –विकृत, रूपांतरित, रूपभ्रष्ट, जो बिगड़कर कुछ का कुछ हो गया हो।

मस्जिद (مسجد) अ. स्त्री –नमाज पढ़ने की जगह, मसीत।

मस्जिदे जामे' (مسجد جامع) अ स्त्री –वह मस्जिद जिसमें शुक्रवार की बड़ी नमाज होती है, बड़ी मसीत।

मस्जूद (مسجود) अ वि –जिसको सज्दा किया जाय, जिसके लिए पूजा में सर झुकाया जाय, ईश्वर।

मस्जूदे मलाइक (مسجود ملائک) अ वि –'हज़्रते आदम' जिनको फ़िरिश्तों ने सज्दा किया था।

मस्त (مست) फा वि –नशे में चूर, मदोन्मत्त, उन्मत्त, मतवाला, कामातुर, पुरशहवत; निश्चेष्ट, अचेत, बेख़बर, बेसुध, बहुत अधिक प्रसन्न; लाउबाली, बेपर्वा, निस्पृह।

मस्तगी (مصطگی) फा स्त्री—एक वृक्ष का गोंद अरबी नाम मुस्तका है।
मस्तबा (مصطبه-مسطبه) अ पु—मयखाना मदिरालय शराबखाना दे मिस्तब दोनों शुद्ध हैं।
मस्तान (مستانه) फा वि—मस्तों की तरह मस्ता जैसा मस्त मत्त।
मस्ती (مستی) फा स्त्री—उन्माद नशा काम-वेग जोशे शहवत निश्चेष्टता बेखबरी ईश्वरप्रेम का आधिक्य बेखुदी।
मस्तूर (مستور) अ वि—छिपी हुई वस्तु।
मस्तूर (مستور) अ वि—छिपा हुआ गुप्त पोशीदा।
मस्तूर (مسطور) अ वि—लिखा हुआ लिखित।
मस्तूरात (مستورات) अ स्त्री—मस्तूर का बव, महिलाएं स्त्रियां।
मस्तूरी (مستوری) अ वि—छिपाव दुराव पोशीदगी।
मस्तूल (مستول) फा पु—जहाज का वह खम्भा जिसमें बादबान (बहलपट भड़ा) बांधा जाता है।
मस्ते अलस्त (مست الست) फा अ वि—जो प्रकृति से मस्त हो जो हर समय मस्त रहता हो वह मस्त जो ब्रह्मलीन हो।
मस्ते मै (مست مے) फा वि—शराब के नशे में चूर मदिरामत्त मदोमत्त।
मस्ते राह (مست راح) फा अ वि—शराब के नशे में मस्त मदोमत्त।
मस्ते शबाब (مست شباب) फा अ वि—जवानी के नशे में चूर।
मस्ते शराब (مست شراب) फा अ वि—दे मस्ते मै।
मस्दर (مصدر) अ पु—उद्गम उत्पत्तिस्थान वह शब्द जिससे क्रियाएं और क्रिया धातु-रूप आदि बनते हैं।
मस्दरे ग़ैरवज़ई (مصدر غیروضعی) अ पु—वह मस्दर जो किसी दूसरी भाषा के शब्द से बनाया जाय जैसे— आज़्माना।
मस्दरे मुतअद्दी (مصدر متعدی) अ पु—वह मस्दर जिससे सकर्मक क्रियाएं बनें।
मस्दरे लाज़िम (مصدر لازم) अ पु—वह मस्दर जिससे क्रियाएं अकर्मक हों।
मस्दरे वज़ई (مصدر وضعی) अ पु—वह मस्दर जो उसी भाषा का हो।
मस्दूद (مسدود) अ वि—रोका हुआ बन्द किया हुआ अवरुद्ध निरुद्ध।
मस्नद (مسند) अ पु—तकिया लगाकर बैठने की जगह वह फर्श जिस पर प्रतिष्ठित जन बैठते हैं बड़ा तकिया।
मस्नदआरा (مسندآرا) अ फा वि—मस्नद की शोभा बढ़ानेवाला अर्थात मस्नद पर बैठनेवाला।
मस्नदनशीं (مسندنشیں) अ फा वि—मस्नद पर बैठने वाला गद्दीनशीन तख्तनशीन।
मस्नदनशीनी (مسندنشینی) अ फा स्त्री—मस्नद पर बैठना किसी साधु या फकीर की गद्दी पर बैठना, राजसिंहासन पर बैठना।
मस्नवी (مثنوی) अ स्त्री—उर्दू पद्य की एक किस्म जिसमें कोई कहानी या उपदेश एक ही बह्र में होता है और उसका हर शेर दूसरे शेर से रदीफ काफिए में नहीं मिलता और हर शेर के दोनों मिस्रे सानुप्रास होते हैं।
मस्नूअ (مصنوعہ) अ वि—बना हुई वस्तु कारीगर के हाथ की बनी हुई वस्तु।
मस्नूअ (مصنوع) अ वि—बना हुआ निर्मित।
मस्नूआत (مصنوعات) अ स्त्री—किसी देश या स्थान की बनी हुई चीजें वे वस्तुएं जो किसी देश विशेष की कारीगरी हों।
मस्नूई (مصنوعی) अ वि—कृत्रिम बनावटी मिथ्या झूठा अप्राकृतिक अस्वाभाविक बनावटी।
मस्फूफ (مسفوف) अ वि—चूर्णित पिसा हुआ।
मस्बूक (مسبوق) अ वि—पहले गुजरा हुआ पहले आया हुआ।
मस्बूकुज़्ज़िक्र (مسبوق الذکر) अ वि—जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो पूर्वकथित पूर्वोक्त।
मस्बूग़ (مصبوغ) अ वि—रंगा हुआ रंगीन रंजित।
मस्मूअ (مسموع) अ वि—सुना हुआ श्रुत।
मस्मूम (مسموم) अ वि—जहर मिला हुआ जहरीला विषाक्त।
मस्रिफ़ (مصرف) अ पु—व्यय करने की जगह प्रयोजन इस्तेमाल।
मस्रूअ (مصروع) अ वि—जिसे मिरगी की बीमारी हो अपस्मारी।
मस्रूक़ (مسروقہ) अ वि—चुराया हुआ चोरी का।
मस्रूक़ (مسروق) अ वि—चुराया हुआ चोरी किया हुआ।
मस्रूफ़ (مصروف) अ वि—काम में लगा हुआ निरत प्रवृत्त मसरूफ मश्गूल जिसे फुर्सत न हो अवकाशहीन अदीमुल फुर्सत।
मस्रूफ़ियत (مصروفیت) अ स्त्री—संलग्नता मश्गूली अवकाशहीनता अदीमुल फुर्सती।
मस्रूर (مسرور) अ वि—प्रसन्न प्रफुल्ल हर्षित आनंदित

खुश, उल्लसित, उदा०—"किसी का सामने आना मेरा मसरूर हो जाना, निगाहे मस्त का मिलना मेरा मख़मूर हो जाना।"

मस्लक (مسلک) अ. पु —पथ, रास्ता, पंथ, मत, अक़ीद, पद्धति, तरीक़ा।

मस्लख़ (مسلخ) अ पु —जहां पशुओं का वध करके उनकी खाल उतारी जाती है, कमेला, बूचड़ख़ाना।

मस्लहत (مصلحت) अ स्त्री —परामर्श, सलाह, भेद, राज़, हित, भलाई, अपने बनाव या बिगाड़ का ध्यान रखते हुए कोई काम करना।

मस्लहतअंदेश (مصلحت اندیش) अ. फा. वि —भला-बुरा सोचकर काम करनेवाला।

मस्लहतआमेज़ (مصلحت آمیز) अ फा वि —जिसमें कोई मस्लहत हो।

मस्लहतख़्वाह (مصلحت خواہ) अ. फा वि —दे. 'मस्लहत-पसंद'।

मस्लहतन (مصلحتاً) अ वि —मस्लहत से, कारणवश।

मस्लहतपसंद (مصلحت پسند) अ. फा वि —शांतिप्रिय, सुलहजू, शुभेच्छु, ख़ैरख़्वाह, अच्छा-बुरा समझकर काम करनेवाला।

मस्लहतबीं (مصلحت بیں) अ फा वि.—दे 'मस्लहत-अंदेश'।

मस्लहतबीनी (مصلحت بینی) अ. फा स्त्री —बुरा-भला समझकर काम करना।

मस्लहते वक़्त (مصلحت وقت) अ स्त्री —समय की पुकार।

मस्लूक (مسلوک) अ वि —जिसके साथ उपकार किया जाय, गया हुआ।

मस्लूब (مصلوب) अ वि —जिसे सूली पर चढाया गया हो।

मस्लूब (مسلوب) अ वि —जो सल्ब कर लिया गया हो, जो छीन लिया गया हो, हृत, विनष्ट।

मस्लूबुलअक़्ल (مسلوب العقل) अ वि —जिसकी बुद्धि सल्ब हो गयी हो, हतबुद्धि।

मस्लूबुलहवास (مسلوب الحواس) अ वि —जिसके होशो-हवास सल्ब हो गये हो, हतसंज्ञ।

मस्लूल (مسلول) अ वि —जिसे सिल की बीमारी हो, जिसके फेफड़ो से ख़ून आता हो, रक्तकाशी।

मस्साह (مساح) अ वि —पैमाइश करनेवाला।

मसह (مسح) अ पु —वज़ू के समय सर पर गीला हाथ फेरना।

मसहूक़ (مسحوق) अ वि —पिसा हुआ, रगड़ा हुआ।

मसहूब (مصحوب) अ वि —साथी, हमराही।

मसहूर (مسحور) अ वि —जिस पर जादू किया गया हो, मंत्रमुग्ध।

मह (مہ) फा पु.—'माह' का लघु, चंद्र, सोम, चांद।

महक [क्क] (محک) अ स्त्री.—कसौटी का पत्थर, कसौटी, निकष, कसवटी।

महताब (مہتاب) फा पु —'माहताब' का लघु, चंद्रमा, चांद, कौमुदी, चाँदनी।

महताबी (مہتابی) फा वि.—एक प्रकार की आतशबाज़ी, जिसे छुटाने से चाँदनी-सी छिटक जाती है; ज़रबफ़्त, बादला, कमख़्वाब, ज़री, वह चबूतरा जिसे कोठे की सीढ़ियों के ऊपर बनाते हैं।

महफ़्फ़ः (محفہ) अ. पु —दे 'मुहाफ़.'।

महब्बत (محبت) अ. स्त्री —प्रेम, स्नेह, प्यार, इश्क़, मित्रता, मैत्री, दोस्ती, यारी, ममता, मामता, माँ-बाप का प्यार; कृपा, दया, मेहरबानी।

महब्बतआमेज़ (محبت آمیز) अ फा वि —जिससे प्रेम टपकता हो, प्रेमपूर्ण।

महब्बतनामः (محبت نامہ) अ फा पु —प्रेमपत्र, आशिक़ाना ख़त, कृपापत्र, नवाज़िशनामा।

महम [म्म], मुहिम (مہم) अ पु —चिंता, फ़िक्र, बड़ा और महत्त्वपूर्ण काम।

महमाअम्कन (مہما امکن) अ वा —जब तक हो सके, जहाँ तक मुम्किन हो।

महल [ल्ल] (محل) अ. पु —मकान, घर, स्थान, जगह, अवसर, मौक़ा, प्रासाद, हवेली, बीबी, पत्नी।

महलसरा (محل سرا) अ फा पु —अंतःपुर, रनवास, बड़े लोगो का जनानख़ाना।

महल्लः (محلہ) अ पु —नगर का एक भाग, टोला।

महल्लःदार (محلہ دار) अ फा पु —महल्ले का चौधरी या मुखिया।

महल्लात (محلات) अ पु —'महल' का बहु, अवसर, मौके, बड़े लोगो की स्त्रियाँ, हरम।

महल्ले ख़तर (محل خطر) अ पु —जानजोखिम का स्थान, ख़तरे की जगह।

महल्ले नज़र (محل نظر) अ पु —शक या एतिराज़ का स्थान, जहाँ कोई शंका या आपत्ति उत्पन्न हो।

महवश (مہوش) फा वि —चाँद-जैसी आभा और आकृति वाला (वाली)

महाकिम (محاکم) अ पु —'महकम' का बहु, महकमे, विभाग।

महाज़ (محاذ) अ पु —मुक़ाबले या लड़ाई का स्थान।

महाज़े जंग (محاذ جنگ) अ फा पु —युद्ध-क्षेत्र, रणभूमि, रणस्थल, मैदाने जंग।

महक्मए सेहत (محکمۂ صحت) अ. पु –स्वास्थ्य-विभाग।

महक्मए हिफ़्ज़ाने सेहत (محکمۂ حفظان صحت) अ पु –स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग।

मह्कूक (محکوک) अ वि –छीला हुआ, कटा-फटा।

मह्कूम (محکوم) अ वि –वशीभूत, अधीन, जेरहुक्म, प्रजा, रिआया, दास, गुलाम।

मह्कूमी (محکومی) अ स्त्री –दासता, गुलामी, पराधीनता, नामुख्तारी।

मह्ज़ (محض) अ वि –केवल, सिर्फ; निर्मल, खालिस।

मह्ज़र (محضر) अ पु –उपस्थित होने का स्थान, दे 'मह्ज़रनामः'।

मह्ज़रनामः (محضرنامہ) अ फा. पु –वह प्रार्थनापत्र जो बहुत-से आदमियों की ओर से दिया जाय, वह प्रमाणपत्र जिस पर बहुत-से व्यक्तियों के तस्दीकी हस्ताक्षर हों।

मह्ज़ूँ (محزوں) अ वि –शोकान्वित, गमगीन, कष्टग्रस्त, तकलीफजद।

मह्ज़ूज़ (محظوظ) अ वि –हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, खुश।

मह्ज़ून (محزون) अ वि –दे 'मह्ज़ूँ'।

मह्ज़ूनी (محزونی) अ स्त्री.–शोक, गम, दुःख, तकलीफ।

मह्ज़ूफ़ (محذوف) अ. वि –वह अक्षर जो लुप्त हो, वह शब्द जो लुप्त हो।

मह्जूब (محجوب) अ वि –लज्जित, शर्मिंदा।

मह्ज़ूम (مہزوم) अ वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ।

मह्ज़ूम (مہضوم) अ वि –पचित, जो हज्म हो गया हो।

मह्जूर (مہجور) अ. वि –विरहग्रस्त, वियोगी, फिराकजद।

मह्जूरी (مہجوری) अ स्त्री –विरह, वियोग, जुदाई, फिराक।

मह्ज़ूल (مہزول) अ वि –दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण।

मह्द (مہد) अ पु –हिंडोला, पालना, गहवार।

मह्दी (مہدی) अ वि –दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो, धर्मनेता, हादी, शीआ सम्प्रदाय के १२ वें इमाम जिनके प्रति उनका विश्वास है कि वह कियामत के करीब फिर आस्मान से आयेंगे।

मह्दूद (محدود) अ वि –सीमित, हद के भीतर; कतिपय, थोड़े, चंद, घिरा हुआ।

मह्दूम (مہدوم) अ. वि –ध्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम।

मह्दे उल्या (مہد علیا) अ स्त्री –बादशाह, राजा या नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो।

मह्फ़िज़. (محفظہ) अ पु –याददाश्त की कापी, नोटबुक।

मह्फ़िल (محفل) अ स्त्री –सभा, गोष्ठी, मज्लिस, जल्सा।

मह्फ़िले रक़्स (محفل رقص) अ स्त्री –नाच-गाने का जल्सा।

मह्फ़िले वा'ज़ (محفل وعظ) अ स्त्री –धर्मोपदेश की सभा।

मह्फ़िले शे'र (محفل شعر) अ स्त्री –शे'रो शाइरी का जल्सा, कवि-गोष्ठी।

मह्फ़ूज़ (محفوظ) अ वि –निरापद, सहीह्-सलामत, आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज़, सुरक्षित; कंठ, मुखाग्र, बरजबाँ।

मह्बस (محبس) अ. पु –कारागार, कैदखाना, जेल।

मह्बित (مہبط) अ पु –जिस जगह कोई बड़ा व्यक्ति उतरता हो अर्थात् ठहरता हो।

मह्बिल (مہبل) अ स्त्री –भग का मुँह, योनिद्वार, योनिमुख।

मह्बूबः (محبوبہ) अ स्त्री –प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक।

मह्बूब (محبوب) अ पु –प्रेमपात्र, मा'शूक, बहुत अधिक प्यारा, अज़ीज़तरीन।

मह्बूबी (محبوبی) अ वि –मा'शूकपन, मा'शूकियत।

मह्बूस (محبوس) अ वि –कैद में पड़ा हुआ, कारावासी, बंदी।

मह्मिदत (محمدت) अ स्त्री.–गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन, यशोगान, प्रशंसा, सिताइश।

मह्मिल (محمل) अ पु –ऊँट पर बाँधने का कजावा जिसमें स्त्रियाँ बैठती हैं।

मह्मिलनशीं (محمل نشیں) अ फा वि –मह्मिल में बैठनेवाली, अर्थात् मज्नूँ की प्रेमिका, लैला।

मह्मूज़ (مہموز) अ वि –विकृत, दूषित, नाकिस; अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरों में से एक अक्षर अलिफ हो।

मह्मूदः (محمودہ) अ. स्त्री –प्रशंसिता, जिसकी तारीफ की गयी हो, सुकमूनिया, एक दवा।

मह्मूद (محمود) अ वि –प्रशंसित, जिसकी तारीफ हो, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा, शुभ, इष्ट, मुबारक।

मह्मूदी (محمودی) अ स्त्री –एक प्रकार की बारीक मलमल, मह्मूद सम्बन्धी।

मह्मूम (محموم) अ वि –जिसे बुखार हो, ज्वरित, जिसका शरीर गर्म हो।

मह्मूम (مہموم) अ वि –दुःखित, शोकान्वित, संतप्त, गमगीन।

मह्मूलः (محمولہ) अ वि –लादी गयी वस्तु, कल्पना की हुई बात, कल्पित बात।

महमूल (محمول) अ वि—जो लादा गया हो जिसकी कल्पना की गयी हो।
मह्र (مہر) फा पु—वह रकम जो निवाह के समय दुल्हन को दिये जाने के लिए तै होती है।
महरम (محرم) अ पु—भेद जाननेवाला राजदार मित्र दोस्त परिचित जान पहचान का वह व्यक्ति जिससे विवाह जाइज न हो।
महरमे राज़ (محرم راز) अ फा पु—भेद जाननेवाला, ममज्ञ।
महरुख़ (مہرخ) फा वि—चाँद जैसी सूरतवाला (वाली) चन्द्रमुखी, अर्थात नायिका।
महरू (مہرو) फा वि—दे 'महरुख़'।
महरूक़ (محروق) अ वि—जला हुआ दग्ध।
महरूम (محروم) अ वि—सम्बन्धित जिसे न मिला हो, निराश नाउम्मेद अभागा बदकिस्मत असफल नाकामयाब।
महरूमियत (محروميت) अ स्त्री—दे महरूमी।
महरूमी (محرومی) अ वि—दुर्भाग्य बदकिस्मती निराशा नाउम्मेदी असफलता नाकामी वंचित रहना न पाना प्राप्त न होना उदा०—'किससे महरूमीए किस्मत की शिकायत कीजे हमने चाहा था कि मर जायें सो वो भी न हुआ।'—ग़ालिब।
महरूर (محرور) अ वि—तप्त, तपा हुआ गर्म गर्म मिजाजवाला।
महरूरुलमिज़ाज (محرورالمزاج) अ वि—जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो जिसे क्रोध जल्दी आता हो।
महरूस (محروسہ) अ वि—अधीन वस्तु वह वस्तु या देश आदि जो किसी की निगरानी या नियंत्रण में हो।
महरूस (محروس) अ वि—नियंत्रित जेरे निगरानी, कंट्रोल में आया हुआ।
महलका (مہلکہ) अ पु—जान जाखिम का स्थान जान जोखिम।
महलूल (محلول) अ वि—घुला हुआ, हल किया हुआ विलीन।
महव (محو) अ वि—मिटाना हटाना तन्मय तल्लीन मुस्तग्रक।
महवियत (محويت) अ स्त्री—तल्लीनता इनहिमाक ब्रह्मलीनता खुदा में इस्तिग्राक।
महवीयत (محويت) अ स्त्री—दे 'महवियत'।
महवीयते हक़ (محويت حق) अ स्त्री—खुदा में तन, मन और धन से महवियत ब्रह्मलीनता।
महवेजात (محو ذات) अ वि—जो ईश्वर में लीन हो ब्रह्मलीन।
महवे दीदार (محو دیدار) अ फा वि—जो प्रेमिका के दर्शन में तल्लीन हो।
महवे नज़्ज़ार (محو نظارہ) अ वि—दे 'महवे दीदार'।
महवे हक़ (محو حق) अ वि—दे 'महवे जात'।
महशर (محشر) अ पु—महाप्रलय, कियामत, कियामत का दिन, कियामत का मैदान।
महशरअंगेज (محشرانگیز) अ फा वि—कियामत उठाने वाला।
महशरख़िराम (محشرخرام) अ फा वि—जो अपनी चाल से दुनिया में क़ियामत मचा दे।
महशरख़िरामी (محشرخرامی) अ फा स्त्री—ऐसी चाल जिसमें क़ियामत आ जाय।
महशरज़ा (محشرزا) अ फा वि—दे 'महशरअंगेज'।
महशरिस्तान (محشرستان) अ फा पु—क़ियामत का मैदान।
महशूर (محشور) अ वि—क़ियामत के दिन उठाया गया जो कियामत के दिन जिंदा किया जाय।
महसूद (محسود) अ वि—जो लोगों की हसद का निशाना हो, जिससे लोग ईर्ष्या करें ईर्षित।
महसूब (محسوب) अ वि—हिसाब में जोड़ा हुआ, हिसाब में से मिनहा किया हुआ।
महसूर (محصور) अ वि—घिरा हुआ घेरे में आया हुआ, दुश्मन के घेरे में आया हुआ।
महसूल (محصول) अ पु—वह रकम जो माल भेजने या मँगाने में उसकी मजदूरी में दी जाय किराया भाड़ा।
महसूली (محصولی) अ वि—वह भूमि जिस पर लगान देना पड़ता हो वह चीज जिस पर महसूल (टैक्स) लगे।
महसूस (محسوس) अ वि—वह चीज़ जो इन्द्रियों द्वारा जानी जाय अनुभूत ज्ञात मालूम स्पष्ट प्रकट ज़ाहिर।
महसूसात (محسوسات) अ पु—महसूस की हुई चीज़ें अनुभूतियाँ।

मा

मा (ما) अ अव्य—नहीं यथा जोकि इसके।
मा (ماں) फा स्त्री—माता अम्मा।
मांद (ماندہ) फा वि—शिथिल क्लान्त श्रान्त थका हुआ बचा हुआ छोड़ा हुआ रहा हुआ (प्रत्य)—रहा हुआ छोड़ा हुआ।
मांद (ماند) फा वि—रहा हुआ बचा हुआ।
मांदगी (ماندگی) फा स्त्री—क्लान्ति शिथिलता थकावट आलस्य सुस्ती रोग बीमारी।

मांदोबूद (ماندوبود) फा. स्त्री –रहने-सहने का ढंग, रहन-सहन ।

मा (ماء) अ. पु –जल, पानी, अरक ।

माइद. (مائدہ) अ पु –खानो से भरा हुआ स्थान ।

माइल (مائل) अ वि –आकर्षित, सज्ज, प्रवृत्त, मुतवज्जेह, आसक्त, आशिक, झुकाव रखनेवाला, झुका हुआ, आमादा ।

माइल ब उरूज (مائل بہ عروج) अ फा वि –उन्नति की ओर आकृष्ट, धीरे-धीरे उन्नति और तरक़्की करनेवाला ।

माइल ब औज (مائل بہ اوج) अ फा वि –ऊपर की ओर आकर्षित, धीरे-धीरे ऊपर की ओर चढनेवाला ।

माइल ब करम (مائل بہ کرم) अ फा. वि –दया की ओर प्रवृत्त, मेहरबानी करनेपर आमादा ।

माइल ब जर्दी (مائل بہ زردی) अ फा वि –कुछ-कुछ पीलापन लिये हुए ।

माइल ब जवाल (مائل بہ زوال) अ. फा. वि –अवनति की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख, नीचे को जाता हुआ ।

माइल ब पस्ती (مائل بہ پستی) अ फा वि.–दे 'माइल ब ज़वाल" ।

माइल ब फना (مائل بہ فنا) अ फा वि –नाश की ओर जानेवाला, विनाशोन्मुख ।

माइल ब सफेदी (مائل بہ سفیدی) अ फा वि –कुछ कुछ श्वेतता लिये हुए, हलकी सफेदी लिये हुए ।

माइल ब सब्ज़ी (مائل بہ سبزی) अ फा वि –हलका हरापन लिये हुए, हरिताभ ।

माइल ब सियाही (مائل بہ سیاهی) अ फा वि –हलका कालापन लिये हुए ।

माइल ब सुर्ख़ी (مائل بہ سرخی) अ फा वि –हलकी लालिमा लिये हुए ।

माई (مائی) अ वि –पानी का ।

माईयत (مائیت) अ स्त्री –पानीपन, तरी ।

माउलक़र्अ (ماء القرع) अ पु –लौकी का पानी ।

माउलजुब्न (ماء الجبن) अ पु –फटे हुए दूध का पानी, जो बीमारो को दिया जाता है ।

माउल्लह्म (ماء اللحم) अ पु –दवाओ मे गोश्त डालकर खीचा हुआ एक पुष्टिकर अरक ।

माउलवर्द (ماء الورد) अ पु –गुलाब-जल, गुलाब का अरक ।

माउलहयात (ماء الحیات) अ पु –अमृत-जल, अमृत, आबेहयात, कीमियागरो की परिभाषा मे घी, शहद और सुहागे का मिश्रण, जिसके द्वारा हरेक भस्म धातु फिर से जी उटती है ।

माऊफ (ماؤف) अ वि –विकृत, दूषित, बिगडा हुआ ।

माऊफुद्दिमाग़ (ماؤف الدماغ) अ वि –विकृतमस्तिष्क, जिसके दिमाग मे खलल हो ।

माए (مائع) अ पु.–हर बहनेवाला पदार्थ, द्रव, तरल ।

माए जारी (ماء جاری) अ पु –बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल, जैसे—नदी का पानी ।

माए साकिन (ماء ساکن) अ पु –ठहरा हुआ पानी, स्थिर जल, जैसे—तालाब का जल ।

माकदिर (ماکدر) अ वि –जो मैला हो, अस्वच्छ, अशुद्ध, मैला, गदला ।

माकब्ल (ماقبل) अ वि –जो पहले हो, जो दूसरे से पहले हो, वह शब्द जो दूसरे शब्द से पहले हो ।

माकब्लज़्ज़िक्र (ماقبل الذکر) अ वि –वह, जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित ।

माकियान (ماکیان) फा स्त्री –कुक्कुटी, मुर्गी, कुक्कुट, मुर्गा ।

माकिर (ماکر) अ वि –छल करनेवाला, छली ।

माकूद (معقود) अ वि –ग्रथित, गाठ लगा हुआ, विवाहित, व्याह किया हुआ ।

मा'कूल (معقول) अ वि –उचित, मुनासिब, उत्तम, उम्दा, सभ्य, शिष्ट, शाइस्ता, शुद्ध ।

माकूल (ماکول) अ. वि –खाया हुआ, खायी हुई चीज, खाने की वस्तु, खाद्य-पदार्थ, ख़ुराक, गिज़ा ।

मा'कूलात (معقولات) अ स्त्री.–न्यायशास्त्र और विज्ञान की पुस्तके अथवा कोर्स ।

माकूलात (ماکولات) अ. पु –खाने की चीजे, वह पदार्थ जो मनुष्य खाता है ।

मा'कूली (معقولی) अ पु –न्यायशास्त्र का पडित, नैयायिक ।

मा'कूलीयत (معقولیت) अ स्त्री –औचित्य, वाजिबीयत, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत ।

मा'कूस (معکوس) अ वि –उलटा, औधा, अधोमुख, विपरीत, बरअक्स ।

माख़ज़ (ماخذ) अ पु – लेने का स्थान, वह पुस्तक जिससे किसी लेख या पुस्तक मे मवाद लिया जाय ।

माख़ूज़ (ماخوذ) अ वि –लिया हुआ, गृहीत, पकडा हुआ, गिरिफ्तार ।

माख़ूलिया (ماخولیا) अ पु –मालीख़ूलिया, अथवा मालनख़ूलिया का लघु, मिराक, खब्त ।

माचीन (ماچین) फा पु –चीन के दक्षिण और भारत के पूर्व मे एक देश, इडोचाइना, हिन्दचीन ।

माजरा (ماجرا) अ पु—हाल वृत्तांत घटना वाक़िआ।
माजराए दिल (ماجرائے دل) अ फा पु—हृदय की व्यथा, प्रेम की कहानी।
माजिदः (ماجده) अ स्त्री—साध्वी, शुद्धचरित्रा, सत्चारिणी बुज़ुर्ग स्त्री।
माजिद (ماجد) अ वि—पुनीत अतःशुद्ध पवित्रात्मा, बुज़ुर्ग।
माज़ियः (ماضيه) अ वि—गत गुज़री हुई।
मा'ज़िरत (معذرت) अ स्त्री—उज्र विवशता मजबूरी।
माज़ी (ماضی) अ पु—गुज़रा हुआ विगत, भूतकाल, ज़मानए माज़ी।
माज़ी इस्तिम्रारी (ماضی استمراری) अ पु—वह माज़ी जिसमें काम का बराबर होना पाया जाय, जैसे—वह करता था।
माज़ी एहतिमाली (ماضی احتمالی) अ पु—वह माज़ी जिसमें काम के होने में शंका पायी जाय जैसे—किया होगा।
माज़ी क़रीब (ماضی قریب) अ पु—वह माज़ी जिसमें काम अभी ख़त्म होना पाया जाय जैसे—किया है।
माज़ी तमन्नाई (ماضی تمنائی) अ पु—जिसमें किसी काम करने की इच्छा पायी जाय, जैसे—करता।
माज़ी नातमाम (ماضی ناتمام) अ फा पु—दे माज़ी इस्तिम्रारी।
माज़ी बईद (ماضی بعید) अ पु—वह माज़ी जिसमें काम समाप्त हुए देर हो चुकी हो जैसे—किया था।
माज़ी मा'तूफ़ (ماضی معطوفه) अ पु—वह दो माज़िया जिनके बीच में और आये जैसे—खाया और गया या खाकर गया।
माज़ी मुत्लक़ (ماضی مطلق) अ पु—आम माज़ी सामान्य भूत जैसे—किया खाया आदि।
माज़ी शक्की (ماضی شکی) अ पु—दे माज़ी एहतिमाली।
माज़ी शर्ती (ماضی شرطی) अ पु—जिस माज़ी में शर्त पायी जाय जैसे—अगर वह गया था या है या होता।
माज़ू (مازو) फा पु—एक शाख़ फल जो दवा में चलते हैं माज़ूफल।
मा'जून (معجون) अ स्त्री—कुटी हुई दवाओं को शहद या शक्कर के किवाम मिलाकर बनाया हुआ अवलेह इसके लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह स्वादिष्ठ भी हो जैसी अक्सर होती है।
मा'ज़ूर (معذور) अ वि—विवश लाचार अपाहज चलने फिरने में असमर्थ।
माजूर (ماجور) अ वि—जिसे किसी श्रम या सेवा का फल दिया गया हो प्रतिफलित।

मा'ज़ूलुल्ख़िदमत (معزول الخدمت) अ वि—जो सेवा करने के अयोग्य हो चुका हो, जिससे सेवा न हो सके।
मा'ज़ूल (معزول) अ वि—जो पद से हटा दिया गया हो, पदच्युत अपदस्थ।
मा'ज़ूली (معزولی) अ स्त्री—पद से हटाया जाना पदच्युति।
मात (مات) अ पु—शब्दार्थ 'मर गया' शतरंज की बाज़ी की हार हार शिकस्त।
मातक़्दुम (ماتقدم) अ वि—वह चीज़ जो पहले हो चुकी हो।
मातम (ماتم) फा पु—मरनेवाले का ग़म मृत्यु शोक।
मातमअंगेज़ (ماتم انگیز) फा वि—शोकजनक ग़मअंगेज़।
मातमकदः (ماتم کده) फा पु—दे 'मातमख़ाना'।
मातमख़ान (ماتم خانه) फा पु—जहाँ किसी मरनेवाले का शोक मनाया जा रहा हो शोक गृह।
मातमज़दः (ماتم زده) फा वि—जो किसी मरनेवाले का शोक मना रहा हो शोकग्रस्त शोकपीड़ित।
मातमदार (ماتم دار) फा वि—शोक मनानेवाला शोकग्रस्त शोका सोगवार।
मातमदारी (ماتم داری) फा स्त्री—मरनेवाले का शोक मनाना शोक मनाने की दशा।
मातमनशीं (ماتم نشیں) फा वि—जो किसी के शोक में बैठा हो और कहीं आता-जाता न हो।
मातमपुर्सी (ماتم پرسی) फा स्त्री—किसी के मरने पर सहानुभूति प्रकट करने के लिए उसके घरवालों के पास जाना।
मातमसरा (ماتم سرا) फा स्त्री—दे 'मातमख़ाना'।
मातमी (ماتمی) फा वि—शोकसम्बन्धी जैसे—मातमी लिबास मातम करनेवाला सोगवार शोकी।
मातहत (ماتحت) अ पु—अधीन शासाधीन ज़ेर हुक्म सहायक असिस्टेंट पराधीन ग़ुलाम अस्वतन्त्र।
मा'तूफ़ (معطوف) अ वि—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर बोला जाय। जैसे—राम और लछमन इसमें राम शब्द मातूफ़ है।
मा'तूफ़ुन्इलैह (معطوف علیه) अ वि—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर आये जैसे—राम और लछमन में लछमन।
मा'तूब (معتوب) अ वि—जिस पर कोप हो कोप भाजन कोपपात्र।
मातहती (ماتحتی) अ स्त्री—अधीनता, ज़ेरदस्तगरी, पराधीनता अस्वतन्त्रता ग़ुलामी।
माद (ماده) फा स्त्री—नर का उल्टा, स्त्री प्राणी।

मादःरू (مادہ رو) फा. वि –वह व्यक्ति जिसके दाढी-मूँछे न हों, लडका, वह व्यक्ति जिसकी दाढी-मूँछे मूडी गयी हों, जनाना; हिजडा ।

मादए अस्प (مادۂ اسپ) फा स्त्री –घोडी, अश्विनी ।

मादए आहू (مادۂ آہو) फा स्त्री –हरनी, मृगागना, हरिणी ।

मादए खर (مادۂ خر) फा स्त्री.–गधी, गर्दभी ।

मादए ख़ूक (مادۂ خوک) फा स्त्री –सुअरनी, शूकरी, वराही ।

मादए गाव (مادۂ گاو) फा. स्त्री –गो, गाय ।

मादए ताऊस (مادۂ طاؤس) फा स्त्री –मोरनी, मयूरी, शिखावली ।

मादए फील (مادۂ فیل) अ फा स्त्री –हथनी, गजपत्नी, हस्तिनी, मनाका ।

मादए शुतुर (مادۂ شتر) फा स्त्री –ऊँटनी, उष्ट्रिका, उष्ट्री।

मादए सग (مادۂ سگ) फा स्त्री –कुतिया, शुनी, कुक्कुरी ।

मादरांदर (مادراندر) फा स्त्री –उपमाता, सौतेली माँ ।

मादर (مادر) फा स्त्री –माता, जननी, माँ, अम्माँ ।

मादरज़न (مادرزن) फा स्त्री –सास, श्वश्रू ।

मादरज़ाद (مادرزاد) फा वि –जन्मजात, पैदाइशी, जन्म का, जन्म से, जन्मजात, जैसे—'मादरजाद अंधा', नितांत, बिलकुल, जैसे—'मादरजाद नंगा' ।

मादर बख़ता (مادر بخطا) फा वि –एक गाली, हरामी, दोगला ।

मादरानः (مادرانہ) फा अव्य –माता-जैसा, ममतापूर्वक, माँ का, माता का ।

मादरी (مادری) फा वि –माता-सम्बन्धी, माता का, पैदाइशी, जो माँ की गोद मे पाया हो ।

मादरे अल्लाती (مادر علاتی) फ अ स्त्री –सौतेली माँ, उपमाता ।

मादरे गेती (مادر گیتی) फा स्त्री–मातृभूमि, प्यारी ज़मीन ।

मादरे रिज़ाई (مادر رضائی) फा स्त्री –दूध पिलानेवाली, अन्ना, धात्री ।

मादरे वतन (مادر وطن) फा स्त्री –मातृभूमि, प्यारा वतन।

मादरे हक़ीक़ी (مادر حقیقی) फा स्त्री –अस्ली माँ, मातृ, जननी, माता ।

मादाम (مادام) अ वि –सर्वदा, सदा, हमेशा ।

मादामलहयात (مادام الحیات) अ वि –ज़िंदगी भर, सारी उम्र, आजन्म, यावज्जीवन ।

मा'दिन (معدن) अ पु –खनि, खान, कान ।

मा'दिनी (معدنی) अ वि –खान से निकला हुआ, खनिज ।

मा'दिनीयात (معدنیات) अ स्त्री –खान से निकली हुई चीजे, खनिज पदार्थ; खनिज विज्ञान, इल्मेजिमादात ।

मा'दिल (معدل) अ पु –दे 'मुअद्दिल' ।

मा'दिलत (معدلت) अ स्त्री –न्याय, इंसाफ ।

मा'दिलतगुस्तर (معدلت گستر) अ फा वि –न्यायशील, न्यायनिष्ठ, मुंसिफ मिज़ाज ।

मा'दिलतपर्वर (معدلت پرور) फा वि –दे 'मा'दिलत गुस्तर' ।

मा'दिलुन्नहार (معدل النہار) अ पु –दे शुद्ध शब्द 'मुअद्दिलुन्नहार', उर्दू मे कुछ लोगो ने इसका यह उच्चारण अशुद्ध लिख दिया है।

मादिह (مادح) अ वि –प्रशंसक, श्लाघी, ता'रीफ करनेवाला, स्तुति-पाठक, हम्दोसना करनेवाला ।

मादीन (مادین) फा स्त्री –मादा, स्त्री प्राणी ।

मा'दूद (معدود) अ वि –कतिपय, थोडे, चंद, इने-गिने ।

मा'दूदे चंद (معدودے چند) अ फा वि –बहुत थोडे, इने-गिने ।

मादून (مادون) अ अव्य –अतिरिक्त, सिवाय, अलावा।

मा'दूम (معدوم) अ वि –नष्ट, विनष्ट, बरबाद, जाए, अंतर्द्धान, गाइब ।

मा'दूमुलबसर (معدوم البصر) अ वि –नेत्रहीन, नष्ट दृष्टि, अंधा, नाबीना ।

मा'दूमी (معدومی) अ वि –विनाश, तबाही, बरबादी ।

माद्दः (مادہ) अ पु –वह मूल पदार्थ जिससे कोई चीज बने, योग्यता, पात्रता, सलाहियत, मूल, जड, बुनियाद, विवेक, तमीज, बोध, ज्ञान, समझ, पीप, मवाद, वे तत्त्व जिनसे मिलकर सृष्टि की रचना हुई है, प्रकृति, नेचर ।

माद्दःपरस्त (مادہ پرست) अ फा वि –वस्तुवादी, नेचरी ।

माद्दःपरस्ती (مادہ پرستی) अ फा स्त्री –वस्तुवाद, प्रकृतिवाद, नेचरीयत ।

माद्दए फासिदः (مادۂ فاسدہ) अ पु –शरीर की दूषित धातु जो बीमारी पैदा करती है, फोडे आदि का खराब मवाद ।

माद्दए मनवीय. (مادۂ منویہ) अ पु –वीर्य, शुक्र, रेतस्, मनी ।

माद्दए रदीयः (مادۂ ردیہ) अ पु –दे 'माद्दए फासिद' ।

माद्दी (مادی) अ वि –माद्दे से सम्बन्धित, माद्दे का, भौतिक, जो आत्मिक न हो ।

माद्दियत (مادیت) अ स्त्री –माद्दे का भाव ।

मानद (مانند) फा वि–शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उर्दू में 'मानिंद' है दे 'मानिंद'।

मा'नन (معنا) अ वि–अर्थ के विचार से मतलब की रू से।

मा'नवी (معنوی) अ वि–अर्थसंबंधी अर्थ का भीतरी, आंतरिक आभ्यंतरिक।

मा'नवीयत (معنویت) अ स्त्री–अर्थ की गंभीरता।

मा'ना (معنی) अ पु–अर्थ मतलब आशय मंशा कारण सबब उत्तर यद्यपि बहुवचन के अर्थ में भी आता है।

माना (مانا) फा वि–समान तुल्य मिस्ल।

मानिंद (مانند) फा वि–समान सदृश तुल्य मिस्ल।

मा'नी (معنی) अ पु–दे माना परन्तु यह बहुवचन में व्यवहृत नहीं है।

मानी (مانی) फा पु–एक बहुत ही प्रसिद्ध चित्रकार। यह ८२१ ई० में बाबिल (ईरान) में पैदा हुआ। मुल्हिद में पैदा होकर इसने नबी होने का दावा किया जिससे लोग इसके दुश्मन हो गये और यह चीन और तुर्किस्तान की ओर चला गया। बीस साल के बाद वापस लौटा। ८८९ ई० में जब इसकी आयु ५८ साल की थी, बहराम ने इसे मार डाला। इसने एक नया धर्म भी चलाया था और बहुत-सी पुस्तकें भी लिखी थी।

मा'नीआफ़रीनी (معنی آفرینی) अ फा स्त्री–काव्य में अर्थ का चमत्कार दिखाना कविता करना।

मानूस (مانوس) अ वि–हिला हुआ जिसकी घबराहट दूर हो गयी हो मुहब्बत करनेवाला।

माने (مانع) अ वि–रोकनेवाला निवारक खलल डालनेवाला बाधक दस्तअंदाज़ी करनेवाला हस्तक्षेपक।

माफ़ात (مافات) अ पु–जो जाता रहा हो जो गुज़र चुका हो।

माफ़िज़्ज़मीर (مافی الضمیر) अ पु–मन की बात जो कुछ दिल में हो आशय मंशा।

माफ़िज़्ज़ेहन (مافی الذهن) अ पु–जो कुछ दिमाग़ में हो जो कुछ याद हो।

माफ़ीहा (مافیها) अ पु–जो कुछ उसमें है यह शब्द दुनिया के साथ आता है अर्थात संसार और जो कुछ संसार के भीतर है वह सब।

माफ़ौक़ (مافوق) अ पु–ऊपर।

माफ़ौक़ज़्ज़िक्र (مافوق الذکر) अ पु–जिसका ज़िक्र पहले हो चुका है पूर्वकथित।

माफ़ौक़ुलआदत (مافوق العادت) अ पु–जो बात प्रकृति के ऊपर अर्थात प्रकृति के विरुद्ध है अप्राकृतिक, असंभव।

माफ़ौक़ुलफ़ित्रत (مافوق الفطرت) अ पु–दे माफ़ौक़ुल आदत।

माफ़ौक़ुलबशर (مافوق البشر) अ पु–वह चीज़ जो मनुष्य की शक्ति के बाहर है।

माबक़ा (مابقا) अ पु–जो बाक़ी रह गया हो बक़ाया, शेष।

मा'बद (معبد) अ पु–उपासना-गृह इबादत-गाह।

मा'बर (معبر) अ पु–नदी आदि को पार करने का स्थान घाट तट।

माबा'द (مابعد) अ पु–जो पीछे आये पीछेवाला, बाद का, पिछला।

माबा'दुत्तबीआत (مابعد الطبیعات) अ पु–वे वस्तुएँ जो प्राकृतिक वस्तुओं के अतिरिक्त हैं ब्रह्मज्ञान आदि।

माबिहिन्निज़ाअ (مابه النزاع) अ पु–वह वस्तु जो झगड़े का कारण हो जिसके विषय में वाद विवाद हो।

माबिहिलइम्तियाज़ (مابه الامتیاز) अ पु–जो रूप या बात दो चीज़ों में भेद बनाये अर्थात उनका पृथक बनाये चिह्न निशान।

माबिहिलएहतियाज (مابه الاحتیاج) अ पु–जिन वस्तुओं की आवश्यकता हो ज़रूरी बातें।

मा'बूद (معبود) अ वि–जिसकी पूजा जाय ईश्वर।

मा'बूदियत (معبودیت) अ स्त्री–ईश्वरत्व।

माबून (مابون) अ वि–जिसे गुदामैथुन का व्यसन हो जिसे इग़लाम कराने की लत हो अबंधिया।

माबैन (مابین) अ पु–बीच में दरमियान में बीच दरमियान।

माबैने तहक़ीक़ात (مابین تحقیقات) अ पु–जाँच के बीच में जाँच होते समय।

माबैने फ़रीक़ैन (مابین فریقین) अ पु–दोनों पक्षों के बीच में।

मामज़ा (مامضی) अ वि–जो बीत गया जो हो चुका गुज़रा हुआ बीता हुआ पहलेवाला।

मामन (مامن) अ पु–रक्षा का स्थान बचाव की जगह सहारे और आसरे का स्थान।

मामा (ماما) अ स्त्री–घर का कामकाज करनेवाली स्त्री परिचारिका दासी।

मामीरान (مامیران) फा पु–ममीरा जो एक जड़ होती है और आँखों की दवा में पड़ती है।

मामीसा (مامیسا) अ स्त्री–एक वनस्पति जो दवा में चलती है, इस दवा का उसारा या सत प्रयुक्त होता है।

मामून (مامون) अ वि –सुरक्षित, महफूज, अम्न मे ।
मामूरः (معمورہ) अ पु –बस्ती, आवादी ।
मा'मूर (معمور) अ वि –बसा हुआ, आवाद, भरा हुआ, परिपूर्ण, लवरेज,, वद, मुकफ्फल, आदमियो से भरा हुआ, खचाखच ।
मामूर (مامور) अ वि –जिसे आदेश दिया गया हो, आदेशित, जिसे कही मुकर्रर किया गया हो, नियुक्त ।
मामूर मिनल्लाह (ماموریں اللہ) अ पु –किसी विशेष काम के लिए ईश्वर की ओर से नियुक्त ।
मा'मूरी (معموری) अ स्त्री –भरा पूरा होना, आवाद होना, मकान का वद होना ।
मा'मूलः (معمولہ) अ वि –जो स्त्री अभिचार द्वारा वेसुध की जाय, रोज़ का काम ।
मा'मूल (معمول) अ वि –वह वात जो रोज की जाय, दस्तूर, नित्य नियम, वह व्यक्ति जिसे अभिचार द्वारा वेसुध किया जाय, जिस पर अमल किया जाय ।
मामूल (مامول) अ वि –आशान्वित, पुरउम्मीद, वह चीज जिसकी आशा हो ।
मा'मूलात (معمولات) अ पु –रोजमर्राके काम, नित्य-कर्म ।
मा'मूलाते रोज़मर्रः (معمولاتِ روزمرہ) अ फा पु –वह काम जो रोज के वँधे हुए हो, जैसे—सवेरे उठकर नमाज, फिर कुरान, फिर वजीफ, फिर नाश्ता, फिर अख्वार पढना, फिर लोगो से मिलना आदि ।
मा'मूली (معمولی) अ वि –रोजमर्रा का, साधारण, नाकाविले तवज्जुह, रस्मी, जिसका रवाज हो ।
मा'मूले मज़्हवी (معمول مذہبی) अ पु –धार्मिक कृति, मज़्हवी काम, जो नियत समय पर हो ।
मायः (مایہ) फा पु –धन, दौलत, पूँजी, अस्लजर, उपकरण, सामान; योग्यता, काविलीयत ।
मायःदार (مایہدار) फा वि –पूँजीवाला, धनी, मालदार।
मायए नाज़ (مایۂ ناز) फा पु –जिस पर गर्व किया जा सके ।
मायतहल्लल (مایتحلل) अ पु –जो हल हो गया हो, जो तहलील होकर कम हो गया हो, जो नष्ट और जाए हो गया हो ।
मायहताज (مایحتاج) अ पु–आवश्यक वस्तु, जिसकी मनुष्य को ज़रूरत हो, जीवन-साधन की वस्तु ।
मायुक़्रा (مایقرا) अ वि.–जो पढा जा सके, ऐसा लिखा हुआ जो पढने मे आ सके ।
मा'यूब (معیوب) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराव, वुरा, लज्जाजनक, काविले शर्म, ऐंद से भरा, दोषपूर्ण ।
मायूस (مایوس) अ. वि –निराश, हताश, नाउम्मेद ।
मायूसकुन (مایوس کن) अ फा वि –निराश करनेवाला निराशाजनक ।
मायूसानः (مایوسانہ) अ फा अव्य –निराशापूर्ण, मायूसी के साथ ।
मायूसी (مایوسی) अ स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी ।
मार (مار) फा पु –सर्प, अहि, भुजग, भुजग, नाग, साँप ।
मारगज़ीदः (مارگزیدہ) फा वि –साँप का डसा हुआ, सर्प-दंशित ।
मारगीर (مارگیر) फा वि –साँप पकडनेवाला, सँपेरा ।
मा'रज़ (معرض) अ पु –दे 'मा'रिज़', दोनो शुद्ध है ।
मारगुर्ज़ः (مارگرزہ) फा पु –फनवाला साँप, काला साँप, नाग ।
मारपेच (مارپیچ) फा वि –टेढा, वक्र, वह चित्र जिसमे कई साँप परस्पर गुँथे हो ।
मारमाही (ماماہی) फा स्त्री –वाम मछली, सर्प मीन ।
मारमुहरः (مارمہرہ) फा पु –साँप का मन, मणि ।
मा'रिकः (معرکہ) अ पु –मैदान, क्षेत्र, युद्ध, सग्राम, लडाई; वाद-विवाद, वहस, धूम-धाम, हगामा; उपद्रव, फसाद ।
मा'रिकःआरा (معرکہ آرا) अ फा वि –लड़नेवाला, योद्धा ।
मा'रिकःआराई (معرکہ آرائی) अ. फा स्त्री –लड़ाई, युद्ध, जग ।
मा'रिकःगाह (معرکہگاہ) अ फा स्त्री –लडाई का स्थान, युद्ध-क्षेत्र, समराङ्गण, मैदानजग ।
मा'रिज़ (معرض) अ पु–जाहिर होने की जगह, प्रकट होने का स्थान, दौरान, दरमियान, के लिए ।
मा'रिज़े इल्तिवा (معرض التوا) अ पु –स्थगित होने के लिए, अर्थात् स्थगित, दे 'मा'रिज़' दोनो शुद्ध है, यह 'मे' के साथ वोला जाता है जैसे—मा'रिज़े इल्तिवा मे ।
मा'रिज़े खतर (معرض خطر) अ पु –खत्रे के वीच मे अर्थात् खत्रे मे (मे के साथ वोला जाता है, जैसे–मा'रिज़े खतर मे) ।
मारिफः (معرفہ) अ पु –व्यक्तिवाचक सज्ञा, किसी खास चीज का नाम, जैसे—राम, अली आदि ।
मा'रिफत (معرفت) अ स्त्री –द्वारा, हस्ते, जरिये से; अध्यात्म, तसव्वुफ; परिचय, जान-पहचान ।
मा'रूज़ः (معروضہ) अ पु.–प्रार्थना, गुजारिश, प्रार्थना-पत्र, अर्जी ।
मा'रूज़ (معروض) अ वि –वह वात जो कही गयी हो, कथित, उक्त ।

माले अम्वात (مال اموات) अ. पु.–मुर्दो का माल, लावारिसी माल।
माले कासिद (مال کاسد) अ पु –खोटा माल, खोटा सोना-चाँदी इत्यादि।
माले गनीमत (مال غنیمت) अ पु –युद्ध मे शत्रु के देश से लूटा हुआ माल।
माले गैरमन्कूलः (مال غیرمنقولہ) अ. पु –वह सपत्ति जो एक जगह से दूसरी जगह न जा सके, जैसे—मकान आदि, अचल सपत्ति।
माले तैयिव (مال طیب) अ. पु.–हलाल की कमाई, पसीने की कमाई, पवित्र धन।
माले मक्रूक़ (مال مقروق) अ तु पु –कुर्की किया हुआ माल, वह माल जो कुर्क हो गया हो।
माले मत्रूकः (مال متروکہ) अ पुं.–वह धन और सपत्ति जिसे मृत व्यक्ति ने छोड़ी हो, दाय।
माले मन्कूलः (مال منقولہ) वह संपत्ति जो हटायी जा सके, जैसे—रुपया, मवेशी आदि, चल सपति।
माले महमूलः (مال محمولہ) अ पु –वह माल जो किसी सवारी पर लदा हो, जैसे—गाडी पर, रेल पर या जहाज पर।
माले मुफ़्त (مال مفت) अ. फा. पु –वह धन जो विना परिश्रम के फोकट में मिला हो।
माले लावारिस (مال لاوارث) अ. पु –वह धन या सप्रत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
माले वक़्फ़ (مال وقف) अ. पु –वह धन या सपत्ति जो किसी कार्य-विशेष के लिए समर्पित हो।
माले साइर (مال سائر) अ पु –मालगुजारी के अतिरिक्त दूसरी आमदनी से प्राप्त धन, जैसे—कस्टम आदि से।
मालेह (مالح) अ वि.–नमकीन, लवणयुक्त, सुन्दर, लावण्य।
माले हराम (مال حرام) अ पु –वह धन जो अविहित उपायो से कमाया गया हो, बुरी कमाई, अविनीत सपत्ति।
माले हलाल (مال حلال) अ. पु –दे. 'माले तैयिव'।
मालोजर (مال و زر) अ फा. पु –धन-दौलत, रुपया-पैसा।
मालोमताअ (مال و متاع) अ फा पु –धन और दूसरा सामान।
मालोमनाल (مال و منال) अ पु –दे 'मालोमताअ'।
मावजब (ماوجب) अ वि –जो उचित हो, जैसा मुनासिब हो, यथोचित।
मावरा (ماورا) अ वि.–परे, पर, अतीत, अतिरिक्त,
मावराउन्नह्र (ماوراءالنہر) अ. पु –नदी के उस पार का इलाका, चूँकि तूरान (तुर्किस्तान) जैहून नदी के उस पार था, इसलिए ईरानियो ने उसे 'मावराउन्नह्र' कहा।
मावराए अक़्ल (ماورائے عقل) अ वि –बुद्धि की पहुँच से आगे, बुद्धि से परे, दुर्बोध।
मावराए तख़ैयुल (ماورائے تخیل) अ वि –ख़याल की पहुँच से परे, कल्पनातीत, जहाँ ख़याल न पहुँच सके।
मावराए नजर (ماورائے نظر) अ वि –नजर की पहुँच से आगे, जहा तक दृष्टि न पहुँच सके, दृष्टि से परे अचक्षु-विषय।
मावराए फ़ह्म (ماورائے فہم) अ वि –समझ से वाहर, ज्ञानातीत, अज्ञेय, वोधागम्य।
मावराए हिस (ماورائے حس) अ वि –इद्रियो की पहुँच से आगे, इद्रियो से परे, अतीन्द्रिय।
मावा (ماوا) अ. पु –रक्षा-स्थान, पनाह की जगह, मामन।
माशः (ماشہ) फा. पु –आठ रत्ती का एक भार, आठ रत्ती की तोल, तोले का वारहवा भाग।
माश (ماش) फा. पु –उरद, माप, एक गल्ला।
मा'शर (معشر) अ पु –मित्रो और परिजनो की मडली, दोस्तो और अज़ीजो की जमाअत, दल, समुदाय, जमाअत।
माशाअल्लाह (ماشاءاللہ) अ वा –साधु-साधु, वाह-वाह; ईश्वर नजर लगने से वचाये, (व्या), वाह-वाह, खूव-खूव, जैसे—माशाअल्लाह आपने अच्छा इसाफ किया (जव अन्याय किया हो)।
माशितः (ماشطہ) अ स्त्री –स्त्रियो या दुल्हनो की कघी-चोटी करनेवाली, नाइन, प्रसाधिका, मश्शात।
माशियः (ماشیہ) अ पु –चौपाया, पशु, मवेशी।
माशी (ماشی) अ वि –पैरो से चलनेवाला, चुगुलखोर, पिशुन।
मा'शूकः (معشوقہ) अ स्त्री.–वह स्त्री जिससे इश्क हो, प्रेमिका, प्रेयसी, प्रणयिनी, प्रेमास्पदा, प्रियतमा, प्रिया, काता, वल्लभा, महवूब।
मा'शूक़ (معشوق) अ वि –प्रेमपात्र, प्रियतम, प्रिय।
मा'शूक़ानः (معشوقانہ) अ फा. अव्य –मा'शूको-जैसा, मा'शूकियत लिये हुए, नाजोअदाज से भरा हुआ।
मा'शूक़ियत (معشوقیت) अ स्त्री –मा'शूकपन, नाजो-अंदाज, हाव-भाव।
माशूक़े मजाजी (معشوق مجازی) अ पु –वह मा'शूक जो मानवजाति से सम्वन्ध रखता हो, आदमी।
माशूक़े हकीकी (معشوق حقیقی) अ पु –वह मा'शूक

मासफा (ماصفا) अ वि —वह चीज जो स्वच्छ और पवित्र हो साफ और अच्छी चीज।

मासबक़ (ماسبق) अ वि —जो पहले गुज़र चुका हो पहलेवाला पूर्वकथित पहले कहा हुआ।

मासलफ़ (ماسلف) अ वि —गुज़रा हुआ, विगत बीता हुआ।

मासिका (ماسکہ) अ स्त्री —वह शक्ति जो आमाशय में गिजा को रोकती है आमाशय की ग्राह्यशक्ति।

मा'सियत (معصیت) अ स्त्री —पाप पातक गुनाह अवज्ञा नाफ़रमानी उद्दंडता सरकशी।

मा'सियत शिआर (معصیت شعار) अ वि —पापी पातकी जिसका काम ही पाप करना हो।

मासिवल्लाह (ماسوااللہ) अ वि —ईश्वर के अतिरिक्त शेष और सब कुछ सासारिक वस्तुएँ।

मासिवा (ماسوا) अ वि —मासिवल्लाह का लघु, दे मासिवल्लाह।

मा'सूम (معصوم) अ वि —जिसने पाप न किया हो निष्पाप वह व्यक्ति जो ईश्वर के यत्न से निष्पाप आया हो।

मा'सूम सिफ़त (معصوم صفت) अ वि —मा'सूमों जैसा भोला भाला निर्दोष।

मा'सूमियत (معصومیت) अ स्त्री —मा'सूमपन भोलापन सिधाई।

मा'सूमी (معصومی) अ वि —दे मा'सूमियत।

मास्त (ماست) फा पु —दही दधि।

मास्तवंद (ماستبند) फा पु —पनीर बनानेवाला।

माह (ماہ) फा पु —चंद्र चंद्रमा शशि इंदु विधु सोम चाद मयंक।

माहचा (ماهچہ) फा पु —वह चाद जो टोपी आदि में या झंडे के सिरे पर लगाते हैं।

माहजबीं (ماهجبیں) फा वि —चाद जैसा उज्ज्वल माथा रखनेवाला (वाली) चंद्रभाल।

माहज़र (ماحضر) अ पु —जो कुछ उपस्थित है जो मौजूद है वह खाना जो घर में तयार है बेतकल्लुफ़ी का खाना रूखा सूखा जो कुछ है वह।

माहतलअत (ماهطلعت) फा अ वि —जो देखने में बिलकुल चाद जान पड़े अत्यंत सुंदर (सुंदरी) चंद्रानना।

माहताब (ماهتاب) फा पु —चंद्र चंद्रमा चाद ज्योत्स्ना चंद्रातप चंद्रिका चादनी मजिफ़े का वज़ीर एक आतश बाजी महताब।

माहताबी (ماهتابی) फा स्त्री —एक प्रकार की आतश बाज़ी, महताब वह छोटी इमारत जो बाग के हौज़ पर चादनी की सैर के लिए बनी हो।

माहदरअक़्रब (ماه در عقرب) फा अ वि —चंद्रमा का वृश्चिक राशि में प्रवेश जो बहुत अशुभ होता है।

माहनामा (ماهنامہ) फा पु —वह पत्रिका जो महीने में एक बार निकले, मासिकपत्र।

माहपार (ماهپارہ) फा वि —चाँद का टुकड़ा चाद जैसा आकृतिवाला (वाली)।

माहपैकर (ماهپیکر) फा वि —चाँद जैसे सुंदर डील डौल वाला (वाली)।

माह ब माह (ماه بماه) फा वि —हर महीने मास प्रति मास।

माहरुख़ (ماهرخ) फा वि —चाँद-जैसे मुखवाला (वाली) चंद्रवदन चंद्रवक्त्रा चंद्रमुख चंद्रमुखी।

माहरू (ماهرو) फा वि —दे 'माहरुख़'।

माहलिक़ा (ماهلقا) फा अ वि —दे 'माहतलअत'।

माहवश (ماهوش) फा वि —चाद-जैसा (-जैसी)।

माहवार (ماهوار) फा वि —हर महीने मासिक।

माहवारी (ماهواری) फा वि —दे 'माहवार', (स्त्री) मासिक धर्म हैज़।

माहशमाइल (ماهشمائل) फा अ वि —दे माहतलअत।

माहसल (ماحصل) अ पु —जो कुछ मिला हो जो हासिल हुआ हो निष्कर्ष नतीजा सारांश खुलासा।

माहसीमा (ماهسیما) फा अ वि —दे माहजबीं।

माहसूरत (ماهصورت) फा अ वि —दे माहरुख़।

माहाना (ماهانہ) फा अव्य —हर महीने का माहवार प्रतिमास।

माहिए बेआब (ماهئ بےآب) फा स्त्री —बिना पानी की मछली जलहीन मीन अर्थात बहुत दुखी बहुत व्याकुल।

माहियाना (ماهیانہ) फा पु —वेतन तनख्वाह माहवारी तनख्वाह माहवारी महीने का मासिक।

माहिर (ماہر) अ वि —दक्ष कुशल होशियार अभ्यस्त मश्शाक़।

माहिरे कामिल (ماہر کامل) अ वि —किसी फन का पूरा माहिर पारगत।

माहिरे खुसूसी (ماہر خصوصی) अ वि —किसी विशेष फन का विशेष ज्ञाता विशेषज्ञ स्पेशलिस्ट।

माहिरे फ़न (ماہر فن) अ वि —फन का ज्ञाता, कलामर्मज्ञ कलाकार।

माही (ماحی) अ वि –मह्‌य करनेवाला, मिटानेवाला, नष्टकर्ता।

माही (ماهی) फा पु –मीन, मत्स्य, माछी, मछली।

माहीगीर (ماهی گیر) फा वि –मछली पकड़नेवाला, मछलियों का रोजगार करनेवाला, मत्स्यजीवी।

माहीचः (ماهیچه) फा. स्त्री –मिर्वैया।

माहीख़ोर (ماهی خور) फा वि –मछली खानेवाला, मत्स्य-भोजी।

माहीनः (ماهینه) फा अव्य –महीना, मास।

माहीपुश्त (ماهی پشت) फा वि.–वह जो बीच में ऊँचा और इधर-उधर नीचा हो, उन्नतोदर, मुहद्‌ब।

माहीफ़रोश (ماهی فروش) फा वि –मछली बेचनेवाला, मत्स्य-वणिक्, मीन-व्यवसायी।

माहीमरातिब (ماهی مراتب) फा. अ पु –मछली आदि के आकार के वह निशानात जो बादशाहों की सवारी के आगे हाथियों पर चलते हैं।

माहीयत (ماهیئت) अ स्त्री –वास्तविकता, हक़ीक़त, गुण, ख़ासियत, क्या है, कैसा है, किस प्रकार का है, यह सब विवरण।

मा'हूद (معهود) अ वि –वह बात जो दिल में बैठी हो।

मा'हूदानः (ماهودانه) फा. पु –जमालगोटा।

मा'हूदे ख़ारिजी (معہود خارجی) अ पु –वह जातिवाचक संज्ञा जो कारण-विशेष से व्यक्तिवाचक बन जाय, जैसे—'ख़लील' जो जातिवाचक है, परन्तु हज़्रत इब्राहीम के लिए बोला जाता है।

मा'हूदे ज़ेह्‌नी (معہود ذهنی) अ वि –वह संज्ञा जो हो तो जातिवाचक, परन्तु किसी के ज़ेह्‌न में व्यक्तिवाचक हो, जैसे—शत्रु जातिवाचक है, परन्तु कोई शत्रु कहकर, मन में उससे 'व्यक्ति-विशेष' को समझता है।

माहे कन्‌आँ (ماه کنعان) फा अ पु –हज़्रत यूसुफ़।

माहे क़मरी (ماه قمری) फा अ पु.–चाँद का महीना, चान्द्र-मास, जिस महीने का हिसाब चाँद की घटा-बढ़ी से हो।

माहे कामिल (ماه کامل) फा अ. पु.–चौदहवीं का चाँद, पूरा चाँद, पूर्णचंद्र, राकेश।

माहे ख़ानगी (ماه خانگی) फा स्त्री –घर गिरिस्तनी, जिससे इश्क़ किया जाय, जो बाज़ारी स्त्री न हो।

माहे गिरिफ़्तः (ماه گرفته) फा पु –ग्रस्त (ग्रहण लगा) हुआ चाँद।

माहे चारदहुम (ماه چاردهم) फा पु –चौदहवीं रात का चाँद, पूर्णचंद्र।

माहे ताबाँ (ماه تابان) फा पु –चमकता हुआ चाँद, पूरा चाँद, प्रेयसी का चन्द्रानन।

माहे दुहफ़्तः (ماه دو هفته) फा पु –चौदहवीं का चाँद, राकेश।

माहे नख़्शब (ماه نخشب) फा पु.–वह चाँद जिसे हकीम इब्ने मुक़न्ना ने बनाया था।

माहे नौ (ماه نو) फा अ पु –नया चाँद, नवचंद्र, बालेंदु।

माहे मिस्र (ماه مصر) फा अ –हज़्रत यूसुफ़।

माहे मुनीर (ماه منیر) फा अ. पु –चमकनेवाला चाँद, पूरा चाँद।

माहे मुबारक (ماه مبارک) फा अ पु –रम्ज़ान शरीफ़ का महीना, रोज़ों का चाँद।

माहे शम्सी (ماه شمسی) फा अ पु –वह महीना जिसका हिसाब सूर्य के चक्कर से होता है, ईसवी महीना।

माहे शिकस्तः (ماه شکسته) फा पु –नया चाँद, नवचंद्र।

माहे सियाम (ماه صیام) फा अ पु –दे 'माहे मुबारक'।

मि

मिंजल (منجل) अ. स्त्री –खेत काटने का हँसिया, दराती।

मिंतक़ः (منطقه) अ पु –कटिबंध, सर्दी-गर्मी आदि के दृष्टि-कोण से पृथ्वी के खंड, हर खंड एक मिंतक़ा कहलाता है, पटका, कमर में बाँधने की पेटी।

मिंतक़ (منطق) अ पु –पटका, पेटी, कटिबंध।

मिंतक़ए बारिदः (منطقهٔ بارده) अ पु –शीत कटिबंध, वह मिंतक़ा जो बहुत अधिक ठंडा है।

मिंतक़ए मा'तदिलः (منطقهٔ معتدله) अ. पु.–सम शीतोष्ण कटिबंध, वह मिंतक़ा जहाँ न बहुत ठंड है न गर्म।

मिंतक़ए मोह्‌रकः (منطقهٔ محرقه) अ पु.–दे. 'मिंतक़ए हार्रः'।

मिंतक़ए हार्रः (منطقهٔ حاره) अ पु –उष्ण कटिबंध, वह मिंतक़ा जो बहुत गर्म है।

मिंतक़तुल बुरूज (منطقة البروج) अ पु –राशिचक्र, भचक्र।

मिंतक़ात (منطقات) अ पु –'मिंतक़' का बहु, मिंतक़े।

मिंदील (مندیل) अ पु –कमर में बाँधने का विशेष रूमाल; सर पर बाँधने का विशेष रूमाल।

मिंबर (منبر) अ पु –मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ इमाम ख़ुत्बा पढ़ता है।

मिंशफ़ (منشف) अ पु –तौलिया, जिस्म पोंछने का अँगोछा।

मिंशार (منشار) अ पु –आरा, लकड़ी चीरने का यंत्र, ख़बर फैलाने का यंत्र।

मिसफ़ (مسلفه) अ पु –वह पाँच दाँतोंवाली लकड़ी जिससे खलियान का लोग ऊपर-नीचे करते हैं पचा।
मिआ (معا) अ स्त्री –अन्न आँत।
मिआए मुस्तक़ीम (معاے مستقیم) अ स्त्री –सीधी आँत शरीर की एक आँत।
मिक्स [स्स] (مقص) अ स्त्री –वह रस्सी जिससे दुहते समय जानवर के पाँव बाँधते हैं।
मिक़तल (مقتل) अ पु –क़त्ल करने का आला।
मिक़ताल (مقتال) अ पु –वध करने का यंत्र छुरा।
मिक़्दार (مقدار) अ स्त्री –मात्रा वज़न तौल अनुमिति अन्दाज़ा (तौल का)।
मिक़्नस (مقنسه) अ स्त्री –झाड़ू मार्जनी।
मिक़्ना (مقنع) अ पु –दूल्हा के ओढ़ने का महीन कपड़ा जिस पर सेहरा रहता है स्त्रियों के ओढ़ने की महीन चादर ओढ़नी।
मिक़्नातीस (مقناطیس) अ पु –चुम्बक पत्थर दे मक्नातीस दोनों शुद्ध हैं।
मिक़्नास (مکناس) अ पु –दे मिक्नस।
मिक़्याल (مکیال) अ पु –सूखी वस्तु नापने का बर्तन।
मिक़यास (مقیاس) अ पु –मानयंत्र नापने का आला अनुमान का यंत्र।
मिक़्यासुलमतर (مقیاس المطر) अ पु –वर्षा का जल नापने का यंत्र वर्षामान।
मिक़्यासुलमा (مقیاس الما) अ पु –पानी का हलका भारीपन जानने का यंत्र।
मिक़्यासुलमौसिम (مقیاس الموسم) अ पु –मौसम का हाल जानने का यंत्र।
मिक़्यासुल्लबन (مقیاس اللبن) अ पु –दूध की मिलावट जानने का यंत्र।
मिक़्यासुलहरारत (مقیاس الحرارة) अ पु –शरीर की गर्मी बुखार नापने का यंत्र थर्मामीटर तापमापक।
मिक़्यासुलहवा (مقیاس الہوا) अ पु –हवा का वेग जानने का यंत्र वायुयंत्र।
मिक़राज़ (مقراض) अ स्त्री –कैंची कर्त्री कतरी कतनी।
मिक़्वल (مقول) अ पु –ज़बान जीभ जिह्वा।
मिक़्वा (مقوی) अ पु –दफ़्ती पटठा वह चीज़ जिससे कोई वस्तु पुष्ट की जाय।
मिक्वात (مکواة) अ स्त्री –शरीर के दागने का यंत्र कपड़ों पर करने की इस्त्री।
मिक्हल (مکحل) अ स्त्री –सुर्मा लगाने की सलाई अंजन शलाका।

मिख़्लात (مخلاة) अ पु –घोड़े का तोबड़ा जिसमें उसे दाना खिलाया जाता है।
मिग़्फ़र (مغفر) अ पु –खोद, शिरस्त्राण लोहे की फ़ौजी टोपी।
मिग़्रफ़ (مغرفه) अ पु –कोई चमचा कफ़गीर।
मिजस (مجس) अ पु –नब्ज़ पर हकीम के हाथ रखने का स्थान, नाड़ी देखने का स्थान।
मिज़ाज (مزاج) अ पु –स्वभाव आदत गुण खासियत प्रकृति तबीअत, अभिमान घमंड नाज़-नखरा जी मन।
मिज़ाजदाँ (مزاجداں) अ फ़ा वि –जो किसी की प्रकृति से परिचित हो जो स्वभाव पहचानकर उसी के अनुसार बात करता हो।
मिज़ाजदानी (مزاجدانی) अ फ़ा स्त्री –मिज़ाज पहचानना स्वभाव के अनुसार बात करना हाँ में हाँ मिलाना।
मिज़ाजपुर्सी (مزاج پرسی) अ फ़ा स्त्री –रोगी को देखने और उसे दिलासा देने के लिए आना साधारण किसी से मिलने आना।
मिज़ाजशनास (مزاج شناس) अ फ़ा वि –दे मिज़ाजदाँ।
मिज़ाजशनासी (مزاج شناسی) अ फ़ा स्त्री –दे मिज़ाजदानी।
मिज़ाजे आली (مزاج عالی) अ पु –दे मिज़ाजे मुबारक।
मिज़ाजे मुबारक (مزاج مبارک) अ पु –आपका मिज़ाज कैसा है? मुलाक़ात के वक़्त कहते हैं।
मिज़ाजे शरीफ़ (مزاج شریف) अ पु –दे मिज़ाजे मुबारक।
मिज्दाफ़ (مجداف) अ पु –वह तिकोनी चौड़ी लकड़ी जो नाव में बाँधते हैं और उससे नाव को चलाते हैं डाँड।
मिज़्मर (مزمر) अ पु –एक बाजा बंसी, बाँसुरी मुरली।
मिज्मर (مجمر) अ स्त्री –धूपदानी अगरदानी अंगीठी अंगारधानी गोरसी।
मिज़्मार (مضمار) अ पु –घोड़ों को सधाने के लिए दौड़ाने का मैदान।
मिज़्मार (مزمار) अ स्त्री –बाँसुरी बंसी वंशी मुरली।
मितरक़ (مطرقه) अ पु –हथौड़ा जिससे निहाई पर लोहा कूटते हैं घन।
मितहन (مطحن) अ स्त्री –आटा पीसने की चक्की पेषणी।
मिदाद (مداد) अ स्त्री –मसि सियाही रोशनाई।
मिदफ़ा' (مدفع) अ पु –तोप।
मिदहत (مدحت) अ स्त्री –प्रशंसा श्लाघा तारीफ़ स्तुति कीर्तन हम्दोसना।

मिद्हतसरा (مدحت‌سرا) अ फा. वि –प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला; स्तुतिपाठक, हम्दोसना करनेवाला।
मिन (من) अ अव्य–से।
मिन अव्वलिही इला आखिर ही (من اوله الی آخره) अ वा –शुरू से आखीर तक, आद्योपान्त।
मिन कुल्लिलवुजूह (من کل الوجوه) अ वा –हर प्रकार से, पूरे तौर पर, सब तरह से।
मिनखल (منخل) अ. स्त्री.–चालनी, चलनी ;
मिनजानिब (منجانب) अ अव्य –ओर से, तरफ से।
मिनजानिबिल्लाह (من جانب الله) अ वा –ईश्वर की ओर से, ईश्वर की महिमा से।
मिनजुम्ल: (من جمله) अ अव्य –सब मे से।
मिना (منا) अ पु –मक्के का एक स्थान जहाँ हज के दूसरे दिन हाजी लोग कुर्बानी करते और हजामत बनवाते हैं।
मिनोअन (من وعن) अ वि –पूरा-पूरा, साफ-साफ, जैसा का तैसा, ज्यो का त्यो, अक्षरश।
मिन्कार (منقار) अ स्त्री –चोच, चचु।
मिन वजहिन: (من وجه) अ. अव्य –एक प्रकार से, एक तरह से, एक सूरत से।
मिनहा (منہا) अ. वि –उन सब मे से, निकाला हुआ, कम किया हुआ, घटाया हुआ, तफ्रीक किया हुआ।
मिनहाई (منہائی) अ. स्त्री –कमी, कटौती, तफरीक, व्यवकलन।
मिन्हाज (منہاج) अ स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता, राजमार्ग, सडक।
मिफ्ताह (مفتاح) अ स्त्री –कुजी, ताली, कुचिका।
मिब्जाक (مبزاق) अ पु –उगालदान, थूकने का पात्र।
मियाँ (میاں) फा वि –'मियान' का लघु, दे 'मियान'।
मियाजी (میانجی) फा पु.–एलची, दूत, एलचीगरी, दूत-कर्म, दौत्य।
मियाँतिही (میاں تہی) फा वि.–जिसका बीच खाली हो, वह विस्तर जिसके बीच मे रूई न हो।
मियाँबंद (میاں بند) फा. पु –पटका, कमर की पेटी, कटिबंध।
मियाँबाला (میاں بالا) फा वि –दरमियानी कद का, न ठिगना न लंबा।
मियान. (میانہ) फा पु –एक प्रकार की पालकी, (वि) दरमियानी, बीच का, माध्यमिक।
मियान कद (میانہ قد) फा अ वि –बीच के कद का, न लम्बा न ठिगना।
मियान:कामत (میانہ قامت) फा अ. वि –दे. 'मियान कद'।
मियान:गीर (میانہ گیر) फा वि –बीच की चीज लेनेवाला, हर काम मे एतिदाल बरतनेवाला।
मियान:रवी (میانہ روی) फा. स्त्री –बीच की चाल, सरलाचार।
मियान:रौ (میانہ رو) फा वि.–बीच की चाल चलनेवाला, सरलाचारी।
मियान (میان) फा. वि –मध्य, बीच (स्त्री), तलवार की मियान, कोष, कमर, कटि।
मियाने राह (میان راہ) फा. पु.–रास्ते के बीच मे, रास्ते मे; रास्ते का बीचोबीच।
मियाने शह्र (میان شہر) फा. पु –नगर मे, नगर का बीच।
मिराक (مراق) अ पु –खब्त, पागलपन।
मिराकी (مراقی) अ वि –खब्ती, पागल।
मिर्आत (مرآت) अ पु –आईना, दर्पण, मुकुर, शीशा।
मिर्कात (مرقات) अ पु –सोपान, सीढी, जीना।
मिर्जा (مرزا) फा पु.–मीर्जा का लघु, दे. 'मीर्जा'।
मिर्जाइयत (مرزائیت) फा. स्त्री.–मिर्जापन, कादियानियत।
मिर्फ़क़ (مرفق) अ. स्त्री.–कुहनी।
मिर्वह: (مروحہ) अ. पु.–पखा, व्यजन।
मिर्साद (مرصاد) अ. पु –चौडा रास्ता, राजमार्ग, सड़क।
मिल्ह (ملح) अ पु.–नमक, लवण।
मिश्क (مشک) फा. पु –दे 'मुश्क'।
मिश्कात (مشکوٰۃ) अ. स्त्री.–वह बड़ा ताक जिसमे चिराग, फानूस या किंदील रखा जाय।
मिश्की (مشکیں) फा. वि.–दे. 'मुश्की'।
मिश्की मू (مشکیں مو) फा वि –दे 'मुश्की मू'।
मिश्त (مشط) अ. स्त्री –कघी, प्रसाधनी।
मिस (مس) फा. पु –एक प्रसिद्ध धातु, ताँबा, ताम्र।
मिसगर (مس گر) फा वि –ताँबे का काम करनेवाला, ठठेरा।
मिसाल (مثال) अ स्त्री –उदाहरण, नजीर, समान, बराबर, चित्र, तस्वीर, आदेशपत्र, पर्वाना, आदर्श, नमूना।
मिसालन (مثالاً) अ अव्य –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।
मिसाली (مثالی) अ वि –आदर्श, नमूने के तौर पर, नमूने का।

मिसी (مسی) फा स्त्री –ताँबे का एक मंजन जिसे स्त्रियाँ बनाव सिंगार के इस्तेमाल करती हैं मिस्सी।
मिसीमालीदः (مسی مالیدہ) फा वि–मिस्सी मले हुए होंठ।
मिस्क (مسک) अ स्त्री–दे मुश्क।
मिस्कल (مصقلہ) अ पु–लोहे का एक यंत्र जिससे तलवार आदि चमकाये जाते हैं।
मिस्क़ल (مصقل) अ पु–हथियारों को चमकाने का यंत्र मिस्कल।
मिस्क़ाल (مثقال) अ पु –साढ़े चार माशे की एक तौल।
मिस्कीं (مسکیں) अ वि–दीन असहाय आजिज़ दरिद्र मुफ़्लिस विनम्र ख़ाकसार भोलाभाला सीधा सादा सरल।
मिस्कींतबअ (مسکیں طبع) अ वि–बहुत ही सीधा सादा सरल स्वभाव।
मिस्कींनवाज़ (مسکیں نواز) अ फा वि–दीनो दुखियों का सहारा देनेवाला दीन-पोषक।
मिस्कींसूरत (مسکیں صورت) अ वि–जिसकी सूरत से सिधाई और नम्रता टपकती हो।
मिस्कीन (مسکین) अ वि–दे मिस्कीं।
मिस्तब (مصطبہ–مستبہ) अ वि–मदिरालय शराब खाना दे मस्तब दोनों शुद्ध हैं।
मिस्तर (مسطر) अ पु–कागज़ की दफ्ती जिसपर मोटा धागा सतरों का पैमाइश का लगा देते हैं और वरक़ को उस पर रखकर दबाते हैं जिससे काग़ज़ पर सतरें बन जाती हैं।
मिस्दाक़ (مصداق) अ वि–वह जिस पर कोई बात ठीक ठीक घटित हो चरितार्थ।
मिस्बाह (مصباح) अ पु–दीप दीपक चिराग़ दिया।
मिस्मार (مسمار) अ वि–नष्ट ध्वस्त मुनहदिम सत्यानाश।
मिस्र (مصر) अ पु–एक प्रसिद्ध राष्ट्र जो अफ्रीका में है।
मिस्रए तरह (مصرع طرح) अ पु–वह मिसरा' जो रदीफ क़ाफ़िया और वज़न बनाने के लिए मुशायरे में दिया जाता है।
मिस्रा' (مصرع) अ पु–आधा शेर एक चरण।
मिस्रा'अ (مصراع) अ पु–दे मिस्रा।
मिस्री (مصری) अ पु–मिस्र देश का निवासी (स्त्री) मिस्र देश की भाषा कूज़े या थाल में जमी हुई शक्कर।
मिस्वाक (مسواک) अ स्त्री–दाँत साफ करने की रेशेदार लकड़ी दतुवन दातौन।
मिह (مہ) फा वि–बड़ा महान बुज़ुर्ग।
मिहतर (مہتر) फा वि–महत्तम बहुत बड़ा सरदार नायक, भंगी मल उठानेवाला।
मिहार (مہار) अ स्त्री–ऊँट की नकेल दे महार', दोनों शुद्ध हैं।
मिहतरी (مہتری) फा स्त्री–महत्त्व बड़ाई सरदारी अध्यक्षता।
मिह्र (مہر) फा स्त्री–सूर्य रवि भानु सूरज प्रेम दोस्ती। ममता मामता, कृपा, दया।
मिह्रपवर (مہر پرور) फा वि–दे मिह्रबान।
मिह्रबान (مہربان) फा वि–दयावान कृपालु मित्र दोस्त।
मिह्रबानी (مہربانی) फा स्त्री–कृपा दया अनुग्रह अनुकंपा, करम।
मिह्रवर (مہرور) फा वि–दे मिह्रबान।

मी

मीअ (معہ) अ पु–सलारस एक गाढ़ी दवा मीअए साइला।
मीअए साइल (معۂ سائلہ) अ पु–सलारस।
मीआद (میعاد) अ स्त्री–समय काल वक्त निश्चित काल मुक़र्रर वक्त वादा करार अवधि मुद्दत (हिन्दी में मियाद इसी अर्थ में प्रचलित है।)
मीआदगाह (میعادگاہ) अ फा स्त्री–वह स्थान जहाँ मिलने का वादा हो जहाँ मिलना नियत हो।
मीआदी (میعادی) अ वि–मीआदवाला जो किसी नियत समय तक रहे जैसे–मीआदी बुखार।
मीआदे मुऐयन (میعاد معینہ) अ स्त्री–नियत समय निश्चित समय।
मीआदे मुक़र्रर (میعاد مقررہ) अ स्त्री–दे 'मीआदे मुऐयन'।
मीकल (میکل) अ स्त्री–हौंडी देगची।
मीकाईल (میکائیل) अ पु–रोज़ी का फ़िरिश्ता।
मीक़ात (میقات) अ स्त्री–वादे का स्थान हाजियों के एहराम बाँधने का स्थान।
मीकाल (میکال) अ पु–दे मीकाईल।
मीज़न (میذنہ) अ पु–मस्जिद में अज़ान देने का स्थान।
मीज़ान (میزان) अ स्त्री–तराज़ू तुला कई संख्याओं का जोड़ योगफल।
मीज़ानिया (میزانیہ) अ पु–बजट आयव्ययक, आय-व्यय का सरकारी अनुमान।
मीज़ाने अदल (میزان عدل) अ स्त्री–सच्ची तराज़ू जिसमें फेर न हो वह तराज़ू जिसमें क़ियामत के दिन अच्छे-बुरे कर्म तुलेंगे।

मीजाने अमल (میزانِ عمل) अ स्त्री –दे. 'मीजाने अद्ल'।
मीजाब (میزاب) अ पु –वह परनाला जिससे छनकर पानी आये।
मीना (مینا) फा पुं –शराब का जग, शराब का बडा कंटर; वह रंगीन शीशा जिससे चाँदी-सोने पर नक्काशी होती है।
मीनाई (مینائی) फा. वि –शराब के शीशे से सम्बन्धित; एक वंश, शाहमीना का वंशज।
मीनाए मय (مینائے مے) फा पुं –शराब का बडा कंटर, करावा।
मीनाए लाजवर्द (مینائے لاجورد) फा पु –आकाश, आस्मान।
मीनाकार (میناکار) फा. वि –जडाऊ काम करनेवाला, जिस पर जडाऊ काम हो।
मीनाकारी (میناکاری) फा स्त्री –जडाऊ काम, चाँदी-सोने पर मुरस्सासाजी।
मीनाखानः (میناخانہ) फा. पु –जहाँ शीशे हों।
मीना दर बगल (مینا دربغل) फा वि –बगल में शराब की बोतल दबाये हुए।
मीनाफाम (میٖنافام) फा वि –नीले रंगवाला।
मीनाबदस्त (مینابدست) फा वि –हाथ मे शराब का शीशा लिये हुए।
मीनाबदोश (مینابدوش) फा वि –कंधे पर शराब का कंटर रखे हुए।
मीनाबाजार (میناباز ار) फा पु –वह बाजार जिसमे केवल स्त्रियाँ क्रय-विक्रय करे, जिसे अकबर ने प्रचलित किया था।
मीनारंग (مینارنگ) फा वि –दे. 'मीनाफाम'।
मीनार (مینار) उ पु.–लंबी लाट, मनार, वह ऊँची जगह जहाँ रोशनी करें।
मीनू (مینو) फा पु –स्वर्ग, विहिश्त; नीले रंग का; वह शीशा जो जेवरो पर जडा जाता है, मीना।
मीनूअसास (مینواساس) फा अ वि –स्वर्ग-जैसा सुन्दर और शोभित।
मीनूसवाद (مینوسواد) फा अ वि –दे 'मीनूअसास'।
मीनूसिरिश्त (مینوسرشت) फा वि –दे 'मीनूअसास'।
मीम (میم) अ. पु –उर्दू एक अक्षर जो 'म' की आवाज देता है, नायिका के मुंह के दहाने से इसकी उपमा दी जाती है।
मीर (میر) अ पु –'अमीर' का लघु, अग्रगण्य, सरआमद, अध्यक्ष, नायक, सरदार, आगे बढ़ जानेवाला; सैय्यदो की उपाधि।

मीरअर्ज (میرعرض) अ. पु.–वह व्यक्ति जो लोगो के प्रार्थनापत्र बादशाह के सामने उपस्थित करता है।
मीरआखुर (میرآخور) अ फा पु –अश्वशाला का निरीक्षक, दारोगए अस्तवल।
मीरआखुरवाशी (میرآخورباسی) तु पु –अश्वशाला के दारोगाओ का अध्यक्ष।
मीरआतश (میرآتش) अ फा. पु –तोपखाने का अध्यक्ष।
मीरआब (میرآب) अ फा पु.–जलसेना का नायक।
मीरइमारत (میرعمارت) अ. पु.–शाही इमारतो की देख-रेख करनेवाला, चीफ इंजीनियर।
मीरक़ाफ़िलः (میرقافلہ) अ पु –काफिले का सरदार।
मीरकार्वां (میرکاروان) अ फा. पु.–दे. 'मीरे काफिल'।
मीरजा (میرزا) फा. पु –शाही खानदान के लोगो की उपाधि, मुगल जाति का व्यक्ति।
मीरजाई (میرزائی) फा वि –मीरजापन, सरदारी; शहजादगी।
मीरजादः (میرزادہ) फा पु –मीर का लडका, शहजादा।
मीरजामनिश (میرزامنش) अ. फा. वि –भलामानस, शरीफ।
मीरतुजुक (میرتوزک) अ तु पु –सेना का प्रबंध करनेवाला, सेनानायक।
मीरफर्श (میرفرش) अ पु –वह भारी पत्थर जो फर्श को दबाने के लिए चारो कोनो पर रखे जाते है, वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नही।
मीरबख्शी (میربخشی) अ फा पु –वेतन बाँटनेवाला अफसर।
मीरबह्र (میربحر) अ. पु –जलसेना का अध्यक्ष।
मीरमंजिल (میرمنزل) अ. पु –वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पडाव का प्रबंध करता है।
मीरमत्बख़ (میرمطبخ) अ पु –बावरचीखाने का दारोगा।
मीरमह्फिल (میرمحفل) अ. पु –सभापति, सदरे मज्लिस।
मीरमहल्लः (میر محلہ) अ. पु –महल्ले का चौधरी या मुख्या (मुखिया)।
मीरमुंशी (میرمنسی) अ. पु.–दफ्तर के तमाम क्लर्को का नायक।
मीरमुशाअर. (میرمشاعرہ) अ पु.–कवि-सम्मेलन का सभापति।
मीरमैदाँ (میرمیدان) अ फा पु –योद्धा, जंगजू, वीर, बहादुर।

मीरशबगीर (میرشبگیر) अ फा पु –शहर कोतवाल रात में गश्त करनेवाला।

मीरसामाँ (میرساماں) अ फा पु –खानसामाँ।

मीराँ (میراں) फा पु –मीर का बहु बड़े लोग।

मीरास (میراث) अ स्त्री –नाम तरिका, वह ज़मीन आदि जो किसी को गुज़ारे के लिए दी गयी हो नानकार।

मीरासी (میراثی) अ वि –मुसलमानों की एक जाति विशेष जो गाने-बजाने का काम करती है।

मीरी (میری) अ वि –अमीरी सरदारी सबसे अव्वल आनेवाला।

मीरे अर्ज़ (میرعرض) अ पु –बादशाह के सामने प्रार्थनापत्र पेश करनेवाला (पेशकार)।

मीरे शिकार (میرشکار) अ फा पु –बादशाह के शिकारगाह का प्रबंध करनेवाला।

मील (میل) अ पु –सुर्मा लगाने की सलाई अंजन शलाका १७६० गज़ का फासिला वह दूरी बतानेवाला पत्थर।

मीलाद (میلاد) अ पु –जन्म का समय हज़रत मुहम्मद के कथा की सभा।

मीलादख्वाँ (میلادخواں) अ फा वि –मीलाद पढ़नेवाला हज़रत मुहम्मद साहब का गुणगान करनेवाला।

मीलादी (میلادی) अ वि –हज़रत मुहम्मद साहब के जन्म तिथि से प्रारंभ होनेवाला सन।

मीलादे मुबारक (میلاد مبارک) अ पु –मीलाद का जल्सा।

मीसाक़ (میثاق) अ पु –प्रतिज्ञा अहद वादा अभिवचन।

मु

मुअक़्क़िब (معقب) अ वि –जज़्ब होनेवाला लीन होनेवाला।

मुअज़्ज़िर (معذر) अ वि –अलग रहनेवाला बाज़ रहनेवाला।

मुंजमिद (منجمد) अ वि –जमा हुआ ठंड से जमी हुई वस्तु।

मुंजर (منجر) अ वि –खिंचा हुआ परिवर्तित।

मुंज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरता हुआ होनेवाली।

मुंजली (منجلی) अ वि –प्रकाशमान रौशन उज्ज्वल प्रकाश रहने वाला देश से बाहर जानेवाला जला बना होनेवाला।

मुंज़वी (منزوی) अ वि –एकांत में स्थित होकर एकांत में रहनेवाला।

मुंज़िज (منضج) अ पु –पकानेवाला वह दवा जो दूषित धातुओं को पकाकर इस काबिल कर दे कि जुल्लाब देने पर सुगमता से निकल जायँ।

मुंजिद (منجد) अ वि –सहायक, मददगार।

मुंज़िर (منذر) अ वि –डरानेवाला।

मुंज़िल (منزل) नीचे उतरनेवाला, वीर्यपात करनेवाला।

मुंजिस (منجس) वि –अपवित्र करनेवाला।

मुंजी (منجی) अ वि –नजात दिलानेवाला।

मुंतक़ल [ल्ल] (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को गया हुआ एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ।

मुंतक़ल इलैह (منتقل الیہ) अ वि –जिसकी ओर मुंतक़िल किया गया हो जिसके नाम कोई वस्तु लिखी हो या दी हो।

मुंतक़िम (منتقم) अ वि –बदला का बदला लेनेवाला प्रत्यपकारी।

मुंतक़िल (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटनेवाली वस्तु एक स्थान से दूसरे स्थान को तबादले पर जानेवाला नौकर।

मुंतक़िली (منتقلی) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, एक जगह की चीज़ का दूसरी जगह जाना नौकर का तबादला।

मुंतख़ब (منتخب) अ वि –छाँटा हुआ चुना हुआ सकलित चुना हुआ कलाम या मज़मून निर्वाचित चुना हुआ आदमी।

मुंतख़बात (منتخبات) अ पु –पुस्तक के रूप में चुने हुए गद्य और पद्य का संग्रह।

मुंतज़र (منتظر) अ वि –जिसकी प्रतीक्षा देखी जा रही हो प्रतीक्ष्य।

मुंतज़िमा (منتظمہ) अ स्त्री –प्रबंधकारिणी इंतिज़ाम करनेवाली।

मुंतज़िम (منتظم) अ वि –प्रबंधक व्यवस्थापक इंतिज़ाम करनेवाला।

मुंतजिम (منتجم) अ वि –प्रकाशमान दीप्त रोशन।

मुंतज़िर (منتظر) अ वि –प्रतीक्षक इंतिज़ार करनेवाला।

मुंतन (منتن) अ वि –उफ़ननेवाला अस्त-व्यस्त होनेवाला।

मुंतफ़ी (منتفی) अ वि –नष्ट होनेवाला।

मुंतफ़ी (منطفی) अ वि –बुझनेवाला बुझनेवाली आग या बुझनेवाला चिराग़ आदि।

मुंतफ़ा (منتفع) अ वि –लाभ उठानेवाला लाभान्वित।

मुंतबिक़ (منطبق) अ वि –चरितार्थ ठीक-ठीक घटित होनेवाला।

मुंतबे (منطبع) अ वि –छपनेवाला अंकित होनेवाला।

मुंतशिर (منتشر) अ वि.–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; उद्विग्न, परेशान।
मुंतसिब (منتسب) अ. वि.–सम्बन्ध रखनेवाला, सम्बद्ध।
मुंतहा (منتہا) अ. वि –पराकाष्ठा, अंतिम सीमा, आखिरी हद; जो पराकाष्ठा को प्राप्त हो।
मुंतही (منتہی) अ वि –पराकाष्ठा या अंत को पहुँचने-वाला; विद्या मे पारंगत होनेवाला, स्नातक।
मुंतिज (منتج) अ वि –फल देनेवाला, परिणाम देनेवाला।
मुंतिन (منتن) अ वि –बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।
मुंदफे (مندفع) अ. वि –निवारित, निराकृत, जो दफा हो गया हो।
मुंदमिल (مندمل) अ वि –वह घाव जो भर आया हो, रोपित।
मुंदरिज (مندرج) अ वि –लिखित, दर्ज, प्रविष्ट, अंकित।
मुंदरिजे जैल (مندرج ذیل) अ वि.–निम्नलिखित, नीचे लिखा हुआ।
मुंदरिस (مندرس) अ वि –फटा-पुराना, कपडा, जीर्ण-शीर्ण।
मुंबइस (منبعث) अ वि.–उठनेवाला।
मुंबसित (منبسط) अ. वि –प्रसन्न, हर्षित, खुश।
मुंशआत (منشعات) अ पु –खतो या मज्मूनो का सग्रह।
मुंशइब (منشعب) अ वि –शाखो मे बटा हुआ, तितर-बितर, मुतशिर।
मुंशक[क्क] (منشق) अ वि –फटा हुआ, जो फट गया हो, विदीर्ण।
मुंशरेह (منشرح) अ वि.–खुलनेवाला, खुला हुआ।
मुंशिद (منشد) अ वि –शेर पढनेवाला।
मुंशियानः (منشیانہ) अ फा अव्य –मुशियो-जैसा, जैसे–'मुशियान खत'।
मुंशी (منشی) अ वि –गद्य लेखक, अदीब, लिपिक, क्लर्क, वकील का मुर्हारर, कचहरी मे अर्जियाँ लिखनेवाला; जिसकी लिखावट अच्छी हो।
मुंशीखानः (منشی خانہ) अ फा पु –मुशियो के बैठने का स्थान, उर्दू का दफ्तर।
मुंशीगरी (منشی گری) अ फा. स्त्री –लिखने का काम, मुर्हररी।
मुंशीए फलक (منشی فلک) अ पु –बुध ग्रह, उतारिद।
मुंसद[द्द] (منسد) अ वि –रुका हुआ, अवरुद्ध, जिसका इसिदाद कर दिया गया हो।
मुंसबिग़ (منصبغ) अ वि.–रंजित, रँगा हुआ।
मुंसरिफ (...

परिवर्तित होनेवाला, व्याकरण मे अरबी का वह शब्द जो कारक से प्रभावित होकर अपने अतिम अक्षर पर जेर, जबर, पेश दे, अनव्यय।
मुंसरिम (منصرم) अ. पु.–प्रबंध, इंतिजाम करनेवाला, दीवानी का एक उहदेदार।
मुंसलिक (منسلک) अ पु –पिरोया हुआ, लडी मे डाला हुआ, सूत्रित, नत्थी।
मुंसिफ (منصف) अ वि.–न्यायकर्ता, इंसाफ करनेवाला, दीवानी का एक उच्च पदाधिकारी, न्यायधिकर्ता।
मुंसिफमिजाज (منصف مزاج) अ. वि.–जिसके स्वभाव मे न्याय-प्रियता हो, न्यायनिष्ठ।
मुंसिफानः (منصفانہ) अ. फा अव्य.–मुसिफो-जैसा, न्याय-पूर्ण, न्यायोचित।
मुंसिफी (منصفی) अ. स्त्री –न्याय, इंसाफ, मुसिफ की कचहरी, मुसिफ का पद।
मुअंबर (معنبر) अ वि –अबर की सुगध मे बसा हुआ; अबर-जैसी सुगध देनेवाला।
मुअंबरी (معنبرس) अ. फा. वि –दे 'मुअबर'।
मुअक़्क़द (معقد) अ. वि –ग्रथित, गठीला, जिस इबारत मे ता'कीद का दोष हो।
मुअक़्क़र (موقر) अ. वि.–प्रतिष्ठित, पूज्य, काबिले एहति-राम, जिम्मेदार, मान्य।
मुअक़्क़िद (معقد) अ. वि –गाँठ लगानेवाला।
मुअज्जज (معزز) अ वि –प्रतिष्ठित, जी इज्जत; समानित, मोहतरम।
मुअज्जमः (معظمہ) अ वि –पूज्य स्त्री, पूज्य स्थान, जैसे–मक्कए मुअज्जम'।
मुअज्जम (معظم) अ. वि –प्रतिष्ठित, इज्जतदार, श्रेष्ठ, बुजुर्ग।
मुअज्जल (معجل) अ वि –शीघ्रित, जल्दी किया हुआ।
मुअज्जिन (معذن) अ पु –मस्जिद मे अजान देनेवाला।
मुअज्जिब (معذب) अ वि –सख्त कष्ट देनेवाला, अजाब यानी पापदंड देनेवाला।
मुअज्जिल (معجل) अ वि –जल्दी करनेवाला, उतावला।
मुअत्तर (معطر) अ वि –सुगंधित, सुवासित, खुशबू मे बसा हुआ।
मुअत्तल (معطل) अ वि –जो काम करने से रोक दिया गया हो, जिसके पास काम न हो, बेकार, जो सस्था अपना काम न कर रही हो, सस्पेण्ड।
मुअत्तिश (معطش) अ. वि –प्यास लगानेवाली चीज,

मुअबद (معبد) अ वि –तीव्र प्रकृतिवाला कटु स्वभाव वाला बदखू लडाका कलहप्रिय।
मुअद्दिल (معدل) अ वि –दो बराबर भागों में बाटनेवाला।
मुअद्दिलुन्नहार (معدل النهار) अ पु –वह वृत्त जिस पर सूर्य के पहुचने से दिन रात बराबर होते है नाडीवृत्त।
मुअद्दी (مودی) अ वि –पहुचानेवाला भेजनेवाला प्रेषक।
मुअनवन (معنون) अ वि –किसी के नाम समर्पित की गयी पुस्तक।
मुअद्दद (معدد) अ वि –गणित गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मुअद्दब (مودب) अ वि –शिष्ट सभ्य तमीजदार अदब के साथ शिष्टतापूर्ण।
मुअद्दा (مودا) अ वि –अदा किया हुआ, बेबाक शोधित।
मुअन्नस (مونث) अ स्त्री –स्त्रीलिंग।
मुअम्मर (معمر) अ वि –बडी आयुवाला बूढा वयोवृद्ध।
मुअम्मा (معما) अ पु –प्रतियोगिता।
मुअय्यिद (مويد) अ वि –ताईद करनेवाला, हा में हा मिलानेवाला समर्थक।
मुअय्यन (معين) अ वि –निश्चित नियत, मुकर्रर।
मुअरब (معرب) अ वि –अन्य भाषा का शब्द जो अरबी बना लिया जाय।
मुअर्रा (معرا) अ वि –विहीन रिक्त खाली वह पुस्तक जिसकी टीका न हो वह गद्य जो बिल्कुल सादा हो।
मुअर्रिक (معرق) अ वि –पसीना लानेवाली दवा।
मुअर्रिख (مورخ) अ वि –इतिहास लेखक तारीखदाँ।
मुअर्रिखान (مورخانه) अ फा अव्य –इतिहास लेखकों जैसा।
मुअर्रिखे वक्त (مورخ وقت) अ पु –समयरूपी इतिहास लेखक।
मुअर्रिफ (معرف) अ वि –प्रशसक तारीफ करनेवाला।
मुअल्लक (معلقه) अ वि –बीच में लटकी हुई चीज, बीच में लटकी हुई स्त्री जिससे पति न तो छोडे न अपने पास रखे।
मुअल्लक (معلق) अ वि –अधर में लटका हुआ हवा में ठहरा हुआ वह मृत्यु जो टल जाय वह काम जो बीच में रुका हो।
मुअल्लफ (مولفه) अ वि –तालीफ की हुई पुस्तक सपादित पुस्तक।
मुअल्लफ (مولف) अ वि –सपादित, रचित तालीफ किया हुआ।
मुअल्लफात (مولفات) अ पु –सपादित पुस्तकें लिखी हुई किताबें।
मुअल्ला (معلی) अ वि –उच्च उत्तुग ऊचा श्रेष्ठ, उत्तम आला।
मुअल्ला अल्काब (معلی القاب) अ वि –बडे अल्काबो वाला, अर्थात श्रेष्ठ व्यक्ति।
मुअल्लिफ (مولفه) अ स्त्री –सपादिका तालीफ करने वाली पुस्तक सपादित करनेवाली।
मुअल्लिफ (مولف) अ पु –सपादक, सकलन करनेवाला।
मुअल्लिम (معلمه) अ स्त्री –अध्यापिका पढानेवाली।
मुअल्लिम (معلم) अ पु –अध्यापक पढानेवाला।
मुअल्लिमुल मलकूत (معلم الملکوت) अ पु –फिरिश्तों को पढानेवाला शैतान।
मुअल्लिमुल मलाइक (معلم الملائک) अ पु –दे 'मुअल्लिमुल मलकूत'।
मुअव्वज (معوج) अ वि –टेढा वक्र, खमीद।
मुअस्फर (معصفر) अ पु –कुसुम का पेड कुसुम।
मुअस्सिर (موثر) अ वि –असर डालनेवाला, तासीर दिखानेवाला गुणकारी।
मुअस्सिस (موسس) अ वि –नीव रखनेवाला शिलान्यासकर्ता।
मुआक्बत (معاقبت) अ स्त्री –कष्ट पहुचाना पीडा देना।
मुआक्लत (مواکلت) अ स्त्री –साथ-साथ खाना खाना।
मुआक्बि (معاقب) अ वि –पीडा देनेवाला कष्टदायी।
मुआखज़ा (مواخذه) अ पु –पकड गिरिफ्त भूल या अपराध की पकड प्रतिकार बदला।
मुआखात (مواخات) अ स्त्री –भाईचारा बन्धुत्व भाई बिरादरीपन।
मुआखिज़ (مواخذ) अ वि –मुआखज़ा करनेवाला दोष या अपराध पर कडी पकड करनेवाला।
मुआज़दत (معاضدت) अ स्त्री –सहायता पुष्टि हिमायत।
मुआज़न (موازنه) अ पु –तुलना समानता बराबरी।
मुआज़िद (معاضد) अ वि –सहायक हिमायती।
मुआतफत (معاطفت) अ स्त्री –कृपा अनुग्रह दया, मेहरबानी।
मुआतबत (معاتبت) अ स्त्री –परस्पर क्रोध करना एक दूसरे पर गुस्सा होना।
मुआतात (معاطات) अ स्त्री –देना अता करना।
मुआतिफ (معاطف) अ वि –कृपा करनेवाला दयालु।
मुआतिब (معاتب) अ वि –क्रोध करनेवाला क्रोधी।
मुआदलत (معادلت) अ स्त्री –न्याय, नीति इसाफ।

मुआदा (معاداة) अ.पु.–'मुआदात' का लघु, दे. 'मुआदात'।
मुआदात (معادات) अ स्त्री –परस्पर शत्रुता, आपसी वैर।
मुआदिल (معادل) अ वि.–न्याय-कर्ता, मुंसिफ,; बराबर के दो टुकडे करनेवाला।
मुआनकः (معانقه) अ पु –गले मिलना, एक का दूसरे से गले मिलना, आलिंगन, बगलगीरी।
मुआनदत (معاندت) अ स्त्री –परस्पर द्वेष, आपसी वैर।
मुआनसत (موانست) अ. स्त्री –परस्पर मैत्री, दोस्ती, मित्रता।
मुआनिक (معانق) अ वि –गले मिलनेवाला, बगलगीर होनेवाला।
मुआनिद (معاند) अ वि –शत्रु, वैरी, दुश्मन।
मुआनिदीन (معاندين) अ पु –'मुआनिद' का बहु, विरोधी लोग, द्वेष रखनेवाले।
मुआनिस (موانس) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
मुआफ (معاف) अ वि –क्षमा प्राप्त, क्षमित।
मुआफकत (موافقت) अ स्त्री –समानता, यकसानियत; अनुकूलता, इत्तिफाक, मैत्री, दोस्ती।
मुआफिक (موافق) अ वि –अनुकूल, मुत्तफिक, मित्र, दोस्त।
मुआफिकीन (موافقين) अ पु –'मुआफिक' का बहु, अनुकूल लोग।
मुआफी (معافى) अ. स्त्री.–क्षमा, बख्शिश।
मुआफीदार (معافى دار) अ फा वि –जिसे मुआफी की जमीन या जागीर मिली हो।
मुआफीनामः (معافى نامه) अ फा पु –वह पत्र जिसमे कोई व्यक्ति अपने अपराध-क्षमा की लिखित तह्रीर दे, क्षमापत्र।
मुआमरत (مؤامرت) अ स्त्री –परस्पर सलाह मशवुर, विचार-विनिमय, परामर्श।
मुआमलः (معامله) अ पु –परस्पर मिलकर कोई काम करना, व्यवसाय, कारोबार, लेन-देन, घटना, हादिसा, समझौता, तस्फिया, कलह, झगडा, विषय, सम्बन्ध, मुकद्दमा, बरताव, साबिका।
मुआमलःअंदेश (معامله انديش) अ फा वि –मुआमले को सोचकर काम करनेवाला।
मुआमल.अदेशी (معامله انديشى) अ फा स्त्री –मुआमला सोच-समझकर काम करना।
मुआमलःदाँ (معامله دان) अ. फा वि –मुआमले को समझनेवाला, दूरदर्शी, बात की तह को समझनेवाला; अनुभवी, तज्रवाकार।
मुआमलःदानी (معامله دانى) अ फा स्त्री –मुआमले को समझकर काम करना, बात की तह को पहुँचना, तज्रबाकारी।
मुआमलःनादाँ (معامله نادان) अ फा वि –जो मुआमला न समझे, मूर्ख, बेवकूफ़।
मुआमलःपसंद (معامله پسند) अ फा. वि –मुआमले की बात को पसद करनेवाला।
मुआमलःपसदी (معامله پسندى) अ फा स्त्री –मुआमले की बात पसद करना, मुआमले की बात मानना।
मुआमल.फह्म (معامله فهم) अ. वि –दे 'मुआमल. दाँ'।
मुआमल.फह्मी (معامله فهمى) अ. स्त्री –दे. 'मुआमल दानी'।
मुआमलःबंद (معامله بند) अ फा वि –मुआमल बदी करनेवाला।
मुआमलःबदी (معامله بندى) अ फा. स्त्री –शे'र अर्थात् कविता मे नायक और नायिका के प्रेम के मुआमलो को इस प्रकार बाँधना कि उनका प्राकृतिक चित्र आँखो के सामने फिर जाय।
मुआमलःबी (معامله بين) अ फा वि –दे 'मुआमल - अदेश'।
मुआमलःबीनी (معامله بينى) अ फा वि –दे 'मुआमल अदेशी'।
मुआमलःशनास (معامله شناس) अ फा. वि –दे 'मुआमल दाँ।'
मुआमल शनासी (معامله شناسى) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।
मुआमलःसंज (معامله سنج) अ फा वि –दे. 'मुआमल दाँ'।
मुआमलःसजी (معامله سنجى) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।
मुआमलत (معاملت) अ स्त्री –बाहमी मुआमल, पारस्परिक व्यवहार।
मुआमलात (معاملات) अ पु –'मुआमल' का बहु, काम, उमूर, तअल्लुकात, सम्बन्ध, व्यवहार, तर्जेअमल, मुकद्दमे।
मुआमलाते कौमी (معاملات قومى) अ. पु –राष्ट्र के राजनीतिक मुआमले, जातीय समस्याएँ, जाति और बिरादरी के मुआमले।
मुआमलाते खानगी (معاملات خانگى) अ फा पु –घरेलू झगडे, घरेलू और निजी मुआमले।
मुआमलाते खुफ्यः (معاملات خفيه) अ फा पु –वह मुआमले जो कहे न जा सके, गुप्त बाते, रहस्य।

मुआमलाते ज़ाती (معاملات ذاتی) अ पु –निजी मुआमले, घरेलू समस्याएँ, वैयक्तिक समस्याएँ।

मुआमलाते मुल्की (معاملات ملکی) अ पु –राष्ट्र की समस्याएँ राजनीतिक उलझनें, सियासी मुआमले।

मुआमलाते शख़्सी (معاملات شخصی) अ पु –दे 'मुआमिलाते ज़ाती'।

मुआमलाते सल्तनत (معاملات سلطنت) अ पु –राज्य की समस्याएँ राजनीति की उलझनें या मुआमले।

मुआमलाते हुकूमत (معاملات حکومت) अ पु –दे मुआमलाते सल्तनत।

मुआमिल (معامل) अ वि –मुआमला करनेवाला।

मुआयन (معاینہ) अ पु –किसी चीज़ या विषय में पूरा गौर करना पर्यवेक्षण किसी कार्यालय आदि के कामों की जांच पड़ताल करना निरीक्षण।

मुआरज़ (معارضہ) अ पु –कलह झगड़ा, टंटा वाद विवाद बहस।

मुआरिज़ (معارض) अ वि –कलह और झगड़ा करने वाला वाद विवाद करनेवाला प्रतिद्वन्द्वी हरीफ़ विरोधी मुख़ालिफ़।

मुआलज (معالجہ) अ पु –चिकित्सा उपचार इलाज यत्न तद्बीर उपाय।

मुआलजात (معالجات) अ पु –मुआलजः का बहु इलाज उपचार वह ग्रंथ जो चिकित्सा के सम्बन्ध में हो नुस्ख़ों की किताबें किसी बड़े हकीम के मतब के नुस्ख़ों का संग्रह।

मुआलफ़त (مؤالفت) अ स्त्री –परस्पर मैत्री प्रेम-व्यवहार दोस्ती मित्रता।

मुआला (موالاۃ) अ पु – मुआलात का लघु दे 'मुआलात'।

मुआलात (موالات) अ स्त्री –परस्पर मित्रता और सहायता दोस्ती और एक दूसरे की मदद।

मुआलिज (معالج) अ पु –इलाज करनेवाला चिकित्सक वैद्य भिषक।

मुआवज़ (معاوضہ) अ पु –किसी वस्तु का मूल्य जो वस्तु के बदले में दिया जाय मूल्य वह धन जो किसी क्षति के बदले में दिया जाय क्षति-पूर्ति के लिए धन देना।

मुआवदत (معاودت) अ स्त्री –प्रत्यागमन लौटना वापसी।

मुआवनत (معاونت) अ स्त्री –एक दूसरे की सहायता, सहायता मदद।

मुआविन (معاون) अ वि –सहायक मददगार वह नदी जो किसी बड़ी नदी में मिले सहायक नदी पक्षपाती पृष्ठ पोषक, हिमायती।

मुआविने जुर्म (معاون جرم) अ वि –जो किसी अपराध या षड्यन्त्र में किसी का सहायक हो।

मुआशर (معاشرہ) अ पु –दे मुआशरत।

मुआशरत (معاشرت) अ स्त्री –बहुत-से लोगों का एक स्थान पर रहकर मेल-जोल और एक दूसरे को सहायता देकर जीवन व्यतीत करना नागरिकता सभ्यता तहज़ीब।

मुआशिर (معاشر) अ वि –मुआशरत करनेवाला नागरिक मित्र, सखा दोस्त हमदम।

मुआसरत (معاصرت) अ स्त्री –दो या अधिक व्यक्तियों का समकालीन होना।

मुआसा (مواساۃ) अ पु –'मुआसात' का लघु, दे मुआसात।

मुआसात (مواسات) अ स्त्री –सहायता मदद, सहानुभूति, गमख़्वारी शील मुरव्वत।

मुआसिर (معاصر) अ वि –एक समय में होनेवाला, एक समय में होनेवाले व्यक्ति समकालीन।

मुआसिरीन (معاصرین) अ पु –'मुआसिर' का बहु समकालीन लोग।

मुआहद (معاہدہ) अ पु –परस्पर क़ौलक़रार आपस में किसी बात की प्रतिज्ञा, ऐग्रीमेंट सप्रतिज्ञा।

मुआहदत (معاہدت) अ स्त्री –दे 'मुआहद'।

मुआहिद (معاہد) अ वि –प्रतिज्ञा करनेवाला ऐग्रीमेंट करनेवाला।

मुइज़्ज़ (معز) अ वि –समान प्रतिष्ठा देनेवाला ईश्वर का एक नाम।

मुइद्द [द्द] (معد) अ वि –कटिबद्ध और तैयार करनेवाला।

मुईद (معید) अ वि –किसी काम का बारबार करनेवाला।

मुईन (معین) अ वि –सहायक मददगार पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

मुऐयन (معینہ) अ वि –नियत मुकर्रर, जैसे— तारीख़ मुअय्यन।

मुऐयन (معین) अ वि –नियत निश्चित मुकर्रर दे मुअय्यन।

मुऐयिद (مؤید) अ वि –समर्थक ताईद और पुष्टि करने वाला दे मुअय्यिद।

मुकज़्ज़ब (مکذب) अ वि –जिसकी बात को झूठ बताया या साबित किया गया हो जो बात झूठ साबित की गयी हो।

मुकज़्ज़िब (مکذب) अ वि –किसी को झूठा बतानेवाला किसी की बात को झूठ साबित करनेवाला।

मुक़त्तर (مقطر) अ वि –बूँद-बूँद करके टपकाया हुआ क़र्अबीक़ में खींचा हुआ निथार ऊपर का साफ़ पानी या दवा आदि।

मुकत्ता' (مقطع) अ. वि.—छाँटा तराशा हुआ; शिष्ट, सस्कृत, शाइस्ता; जिसकी डाढी तर्शी हुई हो।
मुकद्दमः (مقدمہ) अ. पु.—वाद, नालिश, दावा, किताब की भूमिका, प्रस्तावना, प्राक्कथन, पेश लफ्ज; विषय, मुआमला; कार्य, काम।
मुकद्दमःबाज (مقدمہ‌باز) अ. फा वि—जो बहुत मुकदमे लडता हो, जो जरा-जरा-सी बात पर मुकदमे कर देता हो, जो मुकदमाबाजी मे बहुत होशियार हो।
मुकद्दम (مقدم) अ वि.—प्रधान, मुरज्जह, मुख्य, खास; (पु.) गाँव का मुखिया, अगला हिस्सा।
मुकद्दर (مقدر) अ. पु—प्रारब्ध, भाग्य, अदृष्ट, तक्दीर, भाग, किस्मत, वह शब्द जो इबारत मे न हो परंतु अर्थ मे लिया जाय, लुप्त।
मुकद्दर (مکدر) अ वि—मलिन, मैला, गदला, अप्रसन्न, नाखुश।
मुकद्दरआज्माई (مقدرآزمائی) अ फा. स्त्री—भाग्य-परीक्षा, तक्दीर की आजमाइश, किसी काम मे हाथ डालना और यह देखना कि होता है या नही।
मुकद्दरात (مقدرات) अ पु—तकदीर की बाते, भाग्य मे लिखे हुए मुआमलात।
मुकद्दसः (مقدسہ) अ वि—पवित्र, पाक चीज़।
मुकद्दस (مقدس) अ वि—पवित्र, पाक, पुनीतात्मा, बुजुर्ग।
मुकद्दिमः (مقدمہ) अ वि.—आगे चलनेवाली।
मुकद्दिमतुलजैश (مقدمۃ‌الجیش) अ पु—वह थोडी सेना जो बडी सेना के आगे चलकर उसके पडाव आदि का प्रबंध करती या शत्रु की सेना के समाचार प्राप्त करती है, हिरावुल, नायक, सरदार, नेता, लीडर।
मुकन्नितः (مقننہ) अ. स्त्री—विधानसभा, लेजिस्लेटिव एसैम्बली।
मुकन्निन (مقنن) अ वि—कानून जाननेवाला, कानून-पेश वकील; कानून बनानेवाला, विधायक।
मुकफ्फल (مقفل) अ वि—जिसमे कुफुल पडा हो, यंत्रित, जैसे—'मुकफ्फल संदूक'।
मुकफ्फा (مقفیٰ) अ वि—वह गद्य जो अनुप्रासात्मक हो।
मुकब्बर (مکبر) अ पु—मस्जिद मे वह ऊँचा स्थान जहाँ तक्बीर कहनेवाला खडा होता है—यह स्थान केवल बहुत बडी मस्जिदो मे होता है।
मुकब्बिर (مکبر) अ वि—तक्बीर कहनेवाला, वह जो मुकब्बर पर चढकर नमाज मे तक्बीरे कहे ताकि दूर के नमाजी सुन लें।

मुकम्मल (مکمل) अ वि—संपूर्ण, कामिल, समाप्त, खत्म, सर्वांगपूर्ण, हर तरह से मुकम्मल।
मुकम्मिल (مکمل) अ वि.—पूर्ति करनेवाला, समाप्ति करनेवाला।
मुकय्यद (مقید) अ वि—जो कैद मे हो, बदी, कैदी, जिसमे कोई शर्त लगा दी गयी हो।
मुकय्यश (مقیش) अ वि—सोने-चाँदी के तारो का बना हुआ कपडा, दे 'मुकैश', उर्दू मे अधिकतर यूँ ही बोलते है।
मुकर्नस (مقرنس) अ. वि.—बडी और भव्य इमारत, चित्रित, मुनक्कश, पाड जिस पर बैठकर राज इमारत बनाता है।
मुक़र्रज़ (مقرض) अ वि—जिसे कैंची से काटकर महीन किया गया हो।
मुकर्रब (مقرب) अ. वि—समीपवर्ती, निकटस्थ, हमनशी, पास का बैठनेवाला, सभासद्।
मुकर्रबीन (مقربین) अ पु—'मुकर्रब' का बहु, सभासद्जन, मुसाहिब लोग।
मुकर्रम (مکرم) अ वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मोहतरम।
मुक़र्ररः (مقررہ) अ वि—नियत, निश्चित।
मुकर्रर (مقرر) अ वि—नियत, निश्चित, मुअय्यन, नियुक्त, मुअय्यन, अवश्य, यकीनी।
मुकर्रर (مکرر) अ. वि—पुन, फिर, दुबारा।
मुकर्ररात (مکررات) अ पु—वे बाते जो किसी लेख मे बार-बार आयी हो।
मुकर्रिर (مقرر) अ वि—तक़रीर करनेवाला, वक्ता, भाषण देनेवाला।
मुकर्रिरीन (مقررین) अ. पु—'मुकर्रिर' का बहु, भाषण देनेवाले, वक्तागण।
मुकल्लफ (مکلف) अ वि—जिसमे तकल्लुफ किया गया हो, पुर तकल्लुफ, जो खूब सजाया गया हो, सुसज्जित।
मुकल्लफात (مکلفات) अ. पु—पुर तकल्लुफ चीजे।
मुकल्लल (مکلل) अ वि—ताज पहने हुए; टोपीदार, छत्तेदार, चमकता हुआ, मुलम्मा किया हुआ।
मुकल्लस (مکلس) अ वि—जलाकर चूना बनाया हुआ।
मुकल्लिद (مقلد) अ. वि—तक़लीद करनेवाला, अनुकारी, अनुकरण करनेवाला, अनुयायी, पैरौ, शिष्य, चेला, मुरीद, मुसलमानो का वह समुदाय जो खुदा और रसूल के अतिरिक्त चारो इमामो को भी मानता है।
मुक़ल्लिदीन (مقلدین) अ पु—वे मुसलमान जो हनफ़ी शाफिई आदि मतो को माननेवाले है।
मुकल्लिफ़ (مکلف) अ वि—कष्टदाता, तक्लीफ देने-

वाला निमन्त्रण दाता चूंकि वह अपने घर बुलाने का कष्ट देता है, इसलिए स्वयं को 'मुक्लिफ़' कहता है।

मुक्लिब (مقلب) अ वि–पलट देनेवाला, उलटा कर देनेवाला फेर देनेवाला।

मुक़ल्लिबुल क़ुलूब (مقلب القلوب) अ वि–दिलों को बदल देनेवाला बुरों को अच्छा बना देनेवाला दिलों में दयाभाव उत्पन्न कर देनेवाला ईश्वर की सिफ़त।

मुक़व्वस (مقوس) अ वि–वह चीज़ जो धनुष की भांति टेढ़ी हो झुका हुआ, नमित।

मुक़व्वी (مقوی) अ वि–शक्ति देनेवाला बलवर्द्धक काम शक्ति बढ़ानेवाला पुष्टिकर कामवर्द्धक।

मुक़व्वीए आसाब (مقوی اعصاب) अ वि–रगों और पट्ठों को शक्ति देनेवाली दवा।

मुक़व्वीए बाह (مقوی باہ) अ वि–मैथुनबल और काम शक्ति को बढ़ानेवाली ओषधि कामवर्द्धक।

मुक़श्शर (مقشر) अ वि–छिलका उतरा हुआ।

मुक़स्सर (مقصر) अ वि–कम किया हुआ छोटा किया हुआ।

मुकस्सर (مکسر) अ वि–टूटा हुआ टुकड़े-टुकड़े किया हुआ।

मुकस्सर (مکعب) अ वि–अधिक किया हुआ दो असमान संख्याओं का गुणनफल।

मुकस्सिर (مکسر) अ वि–तोड़नेवाला टुकड़े-टुकड़े करनेवाला।

मुक़स्सिर (مقصر) अ वि–कम करनेवाला छोटा करनेवाला त्रुटि करनेवाला गलती करनेवाला।

मुकह्हल (مکحل) अ वि–आंखों में सुर्मा लगाये हुए सुर्मा लगी हुई आंखें।

मुक़अ्अर (مقعر) अ वि–गहरा अथाह गार गढ़ा भीतरी तल गहरा हो।

मुक़ातअ़ (مقاطعہ) अ पु–काटना खंडन करना।

मुकातबत (مکاتبت) अ स्त्री–परस्पर पत्र व्यवहार आपस की खतोकिताबत।

मुक़ातल (مقاتلہ) अ पु–एक-दूसरे को वध करना परस्पर मारकाट युद्ध संग्राम जंग।

मुक़ातिल (مقاتل) अ वि–वधिक हिंसक क़त्ल करनेवाला।

मुक़ाते (مقاطع) अ वि–काटनेवाला विच्छेदक ठेका लेनेवाला ठेकेदार।

मकाफ़ात (مکافات) अ स्त्री–बुराई का बदला प्रत्युपकार पाप-दंड गुनाह की सज़ा।

मुकाबरः (مکابرہ) अ पु–परस्पर अपने को दूसरे से बड़ा बताना या साबित करना, कलह, युद्ध लड़ाई।

मुक़ाबल (مقابلہ) अ पु–आमना-सामना, सम्मुखता, समानता, बराबरी उद्दंडता सरकशी सम्बन्धी स्पर्धा कम्पीटीशन प्रतियोगिता, जांच का मुक़ाबला, नक़ल का अस्ल पुस्तक या लेख से मिलान।

मुक़ाबलतन (مقابلتاً) अ अव्य–मुक़ाबले में अपेक्षा।

मुक़ाबिल (مقابل) अ वि–प्रत्यक्ष सम्मुख, सामने समान बराबर सदृश मिस्ल विरोधी वैरी, प्रतिद्वंद्वी रक़ीब।

मुक़ाम (مقام) अ पु–देर तक ठहराव, क़ियाम।

मुक़ामी (مقامی) अ वि–मुक़ाम से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुक़ारनत (مقارنت) अ स्त्री–एक स्थान पर एकत्र होना इकट्ठा होना दो ग्रहों का एक राशि में एकत्र होना।

मुक़ारबत (مقاربت) अ स्त्री–क़रीब होना समीप होना, समीपता नज़दीकी।

मुक़ारिन (مقارن) अ वि–एकत्र इकट्ठा एक जगह।

मुक़ारिब (مقارب) अ वि–समीप होनेवाला।

मुकालम: (مکالمہ) अ पु–वार्तालाप परस्पर बातचीत संवाद कथोपकथन, डायलाग।

मुकालमःनवीस (مکالمہ نویس) अ फ़ा वि–नाटक आदि में वार्तालाप लिखनेवाला संवाद लेखक।

मुकालमःनवीसी (مکالمہ نویسی) अ फ़ा स्त्री–संवाद लिखना।

मुक़ावमत (مقاومت) अ स्त्री–किसी के साथ बराबर करना।

मुक़ावल: (مقاولہ) अ पु–परस्पर क़ौल-क़रार, मुआहदा ठेका।

मुकाशफ़: (مکاشفہ) अ पु–आत्मशक्ति द्वारा वह कुछ देखना, जो दूसरे नहीं देख सकते, खुल तौर पर झगड़ा करना खुल्लमखुल्ला लड़ाई लड़ना।

मुकाशफ़ात (مکاشفات) अ पु–'मुकाशफ़' का बहु, दिव्य दृष्टि के ज्ञान।

मुकाशहत (مکاشحت) अ स्त्री–विरोध कर जाना।

मुक़ासमत (مقاسمت) अ स्त्री–परस्पर बटवारा करना आपस में बाँटना।

मुक़ासात (مقاسات) अ स्त्री–दुःख उठाना कष्ट झेलना।

मुकिब [ब्ब] (مکب) अ वि–मुंह के बल औंधा गिरने अथवा गिरानेवाला।

मुक़िर [र] (مقر) अ वि–इक़रार करनेवाला वचन देनेवाला वादा करनेवाला।

मुक़िल [ल्ल] (مقل) अ वि–भिक्षुक मंगता कम करनेवाला।

मुक़ी (مقی) अ वि–वह ओषधि जिसके खाने से क़ै हो, वमि।

मुकीत (مقیت) अ वि –अन्नदाता, रोजी देनेवाला, बलवान्, ताकतवर, रक्षक, रखवाला; साक्षी, गवाह, साखी, उपस्थित, हाजिर।

मुकीद (مکید) अ. वि –छली, वचक, फरेबी।

मुकीम (مقیم) अ वि –थोड़े दिनो के लिए कही ठहरा हुआ, निवासी, रहनेवाला।

मुकैयद (مقید) अ वि –बंदी, कैदी।

मुकैयश (مقیش) अ पु –दे 'मुक्कैश'।

मुकौकब (مکوکب) अ वि –वह चीज जिस पर सितारे जडे हो, वह चीज जिस पर सुनहले या रुपहले चाँद-तारे बने हो, जिसमे सोने-चाँदी की सलाखे गडी हो।

मुक्कैश (مقیش) फा पु.–चाँदी-सोने के चौडे तार, इन तारो का बना हुआ कपडा।

मुक्कैशी (مقیشی) फा वि –बादले का; जरी का, सोने-चाँदी के तारो का।

मुक्तजब (مقتضب) अ. वि –काटा हुआ, दे 'बहे मुक्तजब'।

मुक्तजा (مقتضا) अ. वि –तकाजा, माँग, इच्छा।

मुक्तजाए उम्र (مقتضاے عمر) अ. वि –आयु की माँग, उम्र का तकाजा।

मुक्तजाए फित्रत (مقتضاے فطرت) अ वि.–स्वभाव का तकाजा।

मुक्तजाए वक्त (مقتضاے وقت) अ वि.–समय की माँग, समय का आदेश।

मुक्तजाए शराफत (مقتضاے شرافت) अ वि –सज्जनता का तकाजा।

मुक्तजाए सिन (مقتضاے سن) अ वि –दे. 'तकाजाए उम्र'।

मुक्तजिब (مقتضب) अ. पु –काटनेवाला।

मुक्तजी (مقتضی) अ. वि –माँग करनेवाला, तकाजा करनेवाला, ख्वाहाँ, इच्छुक।

मुक्ततम (مکتتم) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुक्तदर (مقتدر) अ वि –अधीन, वशीभूत।

मुक्तदा (مقتدا) अ वि –जिसका सब लोग अनुकरण करे, अग्रसर, नेता, पूज्य, श्रेष्ठ।

मुक्तदाए कौम (مقتداے قوم) अ पु –राष्ट्र का नेता, कौम का रहनुमा।

मुक्तदिर (مقتدر) अ वि.–सत्तावान्, इक्तिदारवाला।

मुक्तदी (مقتدی) अ. वि –जो अनुकरण करे, अनुयायी, अनुकर्ता।

मुक्तनिफ (مکتنف) अ वि –एकातवासी, निवत्त, रक्षा का स्थान ढूंढनेवाला।

मुक्तनिस (مقتنص) अ वि –शिकार करनेवाला, बदी बनानेवाला, कमानेवाला।

मुक्तफी (مکتفی) अ वि –पर्याप्त, काफी, पूरा।

मुक्तफ़ी (مقتفی) अ वि –पीछे से आनेवाला।

मुक्तर [रं](مقتر)अ वि –दरिद्र, कगाल, भिक्षुक, फकीर।

मुक्तसब (مکتسب) अ वि –कमाया हुआ, उपार्जित।

मुक्तसिब (مکتسب) अ वि –कमानेवाला, उपार्जन करने वाला।

मुक्तसिर (مقتصر) अ वि –कम करनेवाला।

मुक्तसी (مکتسی) अ. वि –कवल ओढनेवाला, कवल वगल मे रखनेवाला, कपडे पहननेवाला।

मुक्तहिम (مقتحم) अ वि –अत्याचारी, जालिम, विजेता, गालिब; धारण करनेवाला।

मुक्नत (مکنت) अ स्त्री –शक्ति, ताकत, धनाढचता, मालदारी; सामर्थ्य, कुद्रत।

मुक़्बिल (مقبل) अ वि –स्वीकार करनेवाला, किसी की ओर मुंह करनेवाला, भाग्यशाली, समृद्ध।

मुक्फी (مکفی) अ वि –काफी, पर्याप्त।

मुक्री (مقری) अ वि –पढानेवाला, अध्यापक।

मुक़्लः (مقلہ) अ पु –ऑख का ढेला गोलक।

मुक़्ल (مقل) अ स्त्री –गूगल, एक प्रसिद्ध गोद।

मुख [ख्ख] (مخ) अ पु.–मज्जा, हड्डी का गूदा, मस्तिष्क, भेजा, सार, तत्त्व, खुलासा।

मुख़ज़्ज़ब (مخضب) अ वि –जिसने खिजाव किया हो।

मुख़त्तत (مخطط) अ वि –धारीदार, जिस पर धारियाँ हो, वह चेहरा जिस पर दाढी के बाल निकल आये हो।

मुखद्दरः (مخدرہ) अ. वि –पर्दे मे रहनेवाली स्त्री।

मुखद्दर (مخدر) अ वि –जो सुन्न हो गया हो।

मुखद्दरात (مخدرات) अ स्त्री –पर्दे मे रहनेवाली महिलाएँ, बडे घर की पर्दा नशीन औरते।

मुखद्दिर (مخدر) अ वि –सुन्न कर देनेवाली दवा।

मुखन्नस (مخنث)अ पु –जो न मर्द हो न स्त्री; नरदारा, नपुसक, हीजडा।

मुखफ़्फ़फ़ (مخفف) अ वि –जिसमे तख्फीफ अर्थात् कमी हुई हो, वह शब्द जिसमे कुछ अक्षर कम कर दिये गये हो, जैसे—'माह' का 'मह'।

मुखम्मर (مخمر) अ वि –जिसका खमीर उठाया गया हो, खमीर उठा हुआ।

मुखम्मस (مخمس) अ पु –वह नज्म जिसमे हर बद मे पाँच-पाँच मिस्रे हो।

मुख़य्यल (مخیلہ) अ पु –सोचा हुआ विचारा हुआ, कल्पना किया हुआ कल्पित मस्तिष्क दिमाग़।

मुख़य्यिर (مخیر) अ वि –मुक्तहस्त वदान्य, दानशील, सख़ी फ़य्याज़।

मुख़य्यिल (مخیلہ) अ स्त्री –विचार शक्ति ख़याल का कुव्वत कल्पना शक्ति कुव्वत मुतख़य्यिल।

मुख़रब (مخرب) अ वि –ध्वस्त नष्ट बरबाद।

मुख़र्रिब (مخرب) अ वि –ध्वंसकारी बरबाद करने वाला।

मुख़र्रिबे अख़लाक़ (مخرب اخلاق) अ वि –अख़लाक़ और आचरण को ख़राब करनेवाला।

मुख़र्रिबे आ'माल (مخرب اعمال) अ वि –आचरण को दूषित करनेवाला बुरा काम।

मुख़लख़ल (مخلخل) अ वि –वह चीज़ जिसके टुकड़े परस्पर मिले और जुड़े हुए न हों जिनके बीच में कुछ अंतर हो।

मुख़ल्लद (مخلد) अ वि –नित्य हमेशा नश्वर दवामी।

मुख़ल्ला' (مخلع) अ वि –जिसे ख़िलअ़त दी गयी हो।

मुख़ल्ला (مخلی) अ वि –रिक्त किया हुआ ख़ाली किया हुआ स्वच्छंद छोड़ा हुआ स्वतंत्र।

मुख़ल्लाबित्तबअ़ (مخلی بالطبع) अ वि –जिसे उसके मन पर स्वच्छंद छोड़ दिया जाय बेतकल्लुफ़।

मुख़व्वफ़ (مخوف) अ वि –भयभीत डरा हुआ डराया हुआ।

मुख़व्विफ़ (مخوف) अ वि –डरानेवाला त्रासक।

मुख़स्सस (مخصص) अ वि –मख़्सूस जिसके साथ कोई ख़ुसूसियत बरती गयी हो प्रधान।

मुख़ात (مخاط) अ स्त्री –नासा-स्राव नाक।

मुख़ातबा (مخاطبہ) अ पु –सम्बोधन किसी की ओर मुँह करके उससे बात करना।

मुख़ातब (مخاطب) अ वि –सम्बोधित जिससे बात की जाय।

मुख़ातबात (مخاطبات) अ पु –मुख़ातबा का बहु परस्पर बात-चीत पत्रव्यवहार ख़तोकिताबत।

मुख़ातरा (مخاطرہ) अ पु –भय शंका ख़तरा।

मुख़ातिब (مخاطب) अ वि –सम्बोधन कर्ता बात करने वाला बात करनेवाला।

मुख़ादअत (مخادعت) अ स्त्री –छल मक्र धोखा।

मुख़ादे' (مخادع) अ वि –छली वंचक फ़रेबी।

मुख़ाफ़तत (مخافتت) अ स्त्री –धीरे धीरे पढ़ना।

मुख़ाती (مخاطی) अ वि –अपराध करनेवाला ख़ताकार बिगड़ा हुआ बल्गम जो नाक के रेंट के समान हो जाता है।

मुख़ाद्‌आत (مخادعات) अ पु –'मुख़ाद्‌अत' का बहु छल, धोखे फ़रेब।

मुख़ालतत (مخالطت) अ स्त्री –घनिष्ठता, बहुत अधिक मेल जोल, प्रेम-व्यवहार।

मुख़ालफ़त (مخالفت) अ स्त्री –विरोध इख़्तिलाफ़ शत्रुता दुश्मनी, हठ ज़िद, वैमनस्य कशीदगी।

मुख़ालिफ़ (مخالف) अ वि –विरोधी प्रतिकूल मुख़ालफ़त करनेवाला शत्रु दुश्मन।

मुख़ालिफ़ीन (مخالفین) अ पु –'मुख़ालिफ़' का बहु विरोध करनेवाले विरोधी गण शत्रुगण दुश्मन लोग।

मुख़ासमत (مخاصمت) अ स्त्री –परस्पर झगड़ा करना शत्रुता दुश्मनी परस्पर द्वेष रखना द्वेष कीना।

मुख़ासिम (مخاصم) अ वि –शत्रु दुश्मन द्वेषी बुग़्ज़ रखनेवाला।

मुख़ासिमीन (مخاصمین) अ पु –मुख़ासिम' का बहु, शत्रुओं का दल।

मुख़िल (مخل) अ वि –बाधक ख़लल डालनेवाला हस्तक्षेपी मुज़ाहिम।

मुख़्ततम (مختتم) अ वि –समाप्त ख़त्म आख़िरी तौर पर ख़त्म निर्णीत।

मुख़्तफ़ी (مختفی) अ वि –गुप्त छिपा हुआ पोशीदा।

मुख़्तम [म्म] (مختم) अ वि –मुहर लगा हुआ, महर्बन्द, कुफ़्ल लगा हुआ कुफ़्ल बन्द।

मुख़्तरआत (مخترعات) अ पु –'मुख़्तरा' का बहु, आविष्कृत वस्तुएं।

मुख़्तरा' (مخترع) अ पु –आविष्कृत ईजाद की हुई चीज़।

मुख़्तरे (مخترع) अ वि –आविष्कारक मूजिद कोई नयी उपज करनेवाला नयी बात निकालनेवाला।

मुख़्तल [ल्ल] (مختل) वि –दूषित विकृत बिगड़ा हुआ अस्त-व्यस्त गड़बड़।

मुख़्तलत (مختلط) अ वि –जिसके साथ प्रेम-व्यवहार हो मिलाजुला गडमड।

मुख़्तलफ़ (مختلف) अ वि –जिससे विरोध हो।

मुख़्तलफ़फ़ीह (مختلف فیہ) अ वि –जिस विषय में मतभेद हो विवादग्रस्त।

मुख़्तलित (مختلط) अ वि –मेल जोल रखनेवाला।

मुख़्तलिफ़ (مختلف) अ वि –विभिन्न दूसरे प्रकार का अन्य दूसरा पृथक अलग।

मुख़्तलिफ़ मिज़ाज (مختلف مزاج) अ वि –मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज।

मुख़्तलिफ़ुत्तबाए' (مختلف الطبائع) अ वि –विभिन्न प्रकृतियोंवाले, विभिन्न स्वभावोंवाले।

मुख़्तलिफ़ुत्तमद्दुन (مختلف التمدن) अ. वि –जिनकी सस्कृतियाँ भिन्न-भिन्न हो, जिनका रहन-सहन एक-जैसा न हो।

मुख़्तलिफ़ुत्तहज़ीब (مختلف التہذیب) अ. वि –जिनकी सभ्यताएँ अलग-अलग हो।

मुख़्तलिफ़ुन्नस्ल (مختلف النسل) अ वि –भिन्न-भिन्न नस्लो के, भिन्न-भिन्न जातियो के।

मुख़्तलिफ़ुन्नौअ (مختلف النوع) अ वि –जिनके प्रकार अलग-अलग हो, जो एक-जैसे न हो।

मुख़्तलिफ़ुलअक़ाइद (مختلف العقائد) अ वि –जिनके मत और विचार जुदा-जुदा हो, जिनके धर्म विचार एक न हो।

मुख़्तलिफ़ुलअश्काल (مختلف الاشکال) अ. वि –जिनकी आकृतियाँ विभिन्न हो।

मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज (مختلف المزاج) अ वि –जिनके स्वभाव एक-दूसरे से अलग हो।

मुख़्तल्लुलहवास (مختل الحواس) अ वि –जिसका मस्तिष्क दूषित हो, विक्षिप्त, पागल, ख़ब्तुलहवास।

मुख़्तस [स्स] (مختص) अ. वि.–ख़ास, मख़्सूस, विशेष।

मुख़्तसर (مختصر)अ वि –सक्षिप्त, सार रूप, ख़ुलासा, न्यून, थोडा।

मुख़्तसरन (مختصراً) अ. वि –सक्षिप्त रूप मे, सक्षेपत।

मुख़्तसरनवीस (مختصرنویس) अ. फा. वि –सक्षिप्त लिपिक, सकेत लिपिक।

मुख़्तसरनवीसी (مختصرنویسی) अ फा स्त्री –सक्षिप्त लिपि, सकेत लिपि, शार्टहैड।

मुख़्तस्सुलमक़ाम (مختص المقام) अ वि –किसी विशेष स्थान पर आसीन, प्रतिष्ठित, पूज्य।

मुख़्तार (مختار) अ वि –स्वतंत्र, आज़ाद, स्वच्छद, ख़ुद-राय, अधिकर्ता, एजेट, कलक्ट्री मे वकील से कम दर्जे का वकील, किसी जागीर आदि का व्यवस्थापक।

मुख़्तारनामः (مختارنامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे किसी को मुख़्तार बनाने का लिखित प्रमाण हो।

मुख़्तारी (مختاری) अ. स्त्री –कलक्ट्री और तहसील मे वकालत का काम, जो वकील के दर्जे से कम होता है।

मुख़्तारे आम (مختار عام) अ पु –वह मुख़्तार जिसे किसी रियासत मे सारे अधिकार प्राप्त हो।

मुख़्तारे कार (مختار کار) अ फा वि –काम करने का अधिकारी, कर्मचारी, कारिंदा।

मुख़्तारे कुल (مختار کل) अ पु –दे 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्तारे ख़ास (مختار خاص) अ पु –वह मुख़्तार जिसे केवल किसी विशेष काम के लिए रखा गया हो।

मुख़्तारे मुत्लक़ (مختار مطلق)अ पु –दे 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्ताल (مختال) अ वि –अभिमानी, अहकारी, घमडी।

मुख़्ती (مخطی) अ वि –अपराधी, दोषी, क़ुसूरवार।

मुख़्नक़ (مخنق) अ वि –जिसका गला घोटा गया हो, गला घोटकर मारा हुआ।

मुख़्बिर (مخبر) अ पु –किसी विशेष बात की ख़बर देने-वाला; गुप्तचर, जासूस।

मुख़्बिरी (مخبری) अ स्त्री –जासूसी, गुप्त चर्या, सूची-कर्म।

मुख़्बिरे सादिक़ (مخبر صادق) अ पु –सच्ची ख़बर देने-वाला, रसूल की उपाधि।

मुख़्रिज (مخرج) अ वि –निकालनेवाला, निष्कासक।

मुख़्लिस (مخلص)अ वि –जिसमे कोई बनावट न हो, निश्छल, सद्भावक।

मुख़्लिसानः (مخلصانہ)अ फा वि.–निश्छलतापूर्ण, सच्चाई के साथ।

मुख़्लिसी (مخلصی) अ. स्त्री.–निश्छलता, इख़्लास, छुट-कारा और मुक्ति के अर्थ मे यह शब्द बोलना अशुद्ध है, वह 'मख़्लसी' है, दे 'मख़्लसी'।

मुग़ (مغ) फा पु –अग्नि-पूजक, आतशपरस्त, शराब पिलानेवाला, साक़ी।

मुग़न्नियः (مغنیہ) अ स्त्री –गानेवाली, गायिका, गायकी।

मुग़न्नी (مغنی) अ पु –गानेवाला, रागी, गायक।

मुग़बचः (مغبچہ) फा पु –उर्दू साहित्य मे साक़ी का वह सुदर लडका जो शराब पिलाता है।

मुग़य्यर (مغیر) अ वि –परिवर्तित, बदला हुआ।

मुग़य्यिर (مغیر) अ वि –परिवर्तन कर्ता, बदलनेवाला।

मुग़र्रा (مغرا) अ वि –जो अचंभे मे पड गया हो, चकित, निस्तब्ध, जो सरेस से चिपकाया गया हो।

मुग़ल (مغل) तु पु –तुर्किस्तान का निवासी, तुर्क, इसका शुद्ध उच्चारण 'मुग़ुल' है, परतु उर्दू मे यही है।

मुग़लज़ादः (مغل زادہ) तु फा पु –तुर्क का लडका; तुर्की, मुग़ुल।

मुग़ल्लज़ (مغلظ) अ वि –गाढा, गलीज़, गदी गाली।

मुग़ल्लज़ात (مغلظات) अ स्त्री –गदी गालियाँ।

मुग़ल्लिज़ (مغلظ) अ वि –गाढा करनेवाला, धातु को गाढा करनेवाली दवा।

मुग़ल्लिज़ात (مغلظات) अ स्त्री —वे दवाएँ जो धातु को गाढ़ा करती हैं।

मुग़ल्लिज़े मनी (مغلظ منی) अ पु —वीर्य को गाढ़ा करने वाली ओषधि।

मुग़ल्लिज़े माद्द (مغلظ مادہ) अ पु —दे मुग़ल्लिज़े मनी।

मुग़ (مغ) फा पु —अग्निपूजक आतशपरस्त शराब पिलानेवाला साकी।

मुग़ाइर (مغایر) अ वि —प्रतिकूल मुख़ालिफ़, बेगाना अनजान।

मुग़ादरत (مغادرت) अ स्त्री —एक-दूसरे के साथ बेवफ़ाई और क्रूरता का व्यवहार करना क्रूरता बेवफ़ाई।

मुग़ादिर (مغادر) अ वि —क्रूरता और बेवफ़ाई करनेवाला।

मुग़ान (مغانہ) फा वि —आतशपरस्तों जैसा मग़ जैसा।

मुग़ायरत (مغایرت) अ स्त्री —बेगानापन अनजानपन ग़ैरियत प्रतिकूलता नामुआफ़क़त।

मुग़ालत (مغالطہ) अ पु —धोखा, छल फ़रेब भ्रम वहम त्रुटि भूल संदेह गुनाह।

मुग़ालत विही (مغالطہ دہی) अ फा स्त्री —धोखा देना, वंचना ठगी।

मुग़ील (مغیل) अ पु —दे मुग़ाला।

मुग़ीलाँ (مغیلاں) अ पु —बबूल का पेड़ कीकर।

मुग़ीस (مغیث) अ वि —दुहाई सुननेवाला दुहाई सुनने वाला न्यायकर्ता।

मुग़ुल (مغل) तु पु —तुर्क तुर्किस्तान का निवासी मुग़ल उर्दू में मुग़ल बोलते हैं।

मुग़ीर (مغیر) अ वि —लूटनेवाला ग़ारत करनेवाला, दस्यु डाकू।

मुग़तज़ी (مغتذی) अ वि —ख़ुराक पानेवाला।

मुग़तनम (مغتنمہ) अ स्त्री —ग़नीमत स्त्री वाचक शब्द के लिए।

मुग़तनम (مغتنم) अ वि —ग़नीमत जो सब में से अच्छा हो। यद्यपि बहुत अच्छा न हो परन्तु वास्तव में बहुत अच्छा अपने स्थान पर ही यास्त है।

मुग़तनमात (مغتنمات) अ वि —वे लोग जो बच हुए लोगों में से ग़नीमत हों।

मुग़नी (مغنی) अ वि —समृद्धि और सम्पन्नता देनेवाला ईश्वर का एक नाम।

मुग़बर (र) (مغبر) अ वि —मटमैला गर्द रंग का धूमिल।

मुग़फ़ल (مغفل) अ वि —वह घर जिसका दरवाज़ा बन्द हो।

वह कलाम जिसका समझना मुश्किल हो, गूढ़ क्लिष्ट।

मुग़लिम (مغلم) अ वि —गुलामबुनिक वक्वबाज़।

मुग़विय (مغویہ) अ स्त्री —कुमार्ग पर ले जानेवाली, भड़कानेवाली, इग़वा करनेवाली।

मुग़वियान (مغویان) अ वि —इग़वा करनेवाला जमा।

मुग़वी (مغوی) अ वि —इग़वा करनेवाला बहकानेवाला।

मुग़स्सिल (مغسل) अ वि —नहलानेवाला स्नान करानेवाला।

मुचल्का (مچلکا) तु पु —वह प्रतिज्ञापत्र जो अपराधी की ओर से इस बात के लिए हो कि यदि वह फिर अपराध करेगा तो इतने रुपये देगा।

मुजअ़्अद (مجعد) अ पु —चोटी बाँधे हुए गुँथे हुए बाल।

मुज़क्कर (مذکر) अ वि —नर पुरुष प्राणी पुल्लिंग मेल।

मुज़क्का (مزکی) अ वि —वह माल जिसकी ज़कात निकल गयी हो पवित्र पाक शुद्ध।

मुज़ख़्रफ़ (مزخرف) अ पु —वह झूटी बात जो सच जान पड़े बनावट की बात बकवास अनर्थक गप।

मुज़ख़्रफ़ात (مزخرفات) अ प्रत्य —मुज़ख़्रफ़ का बहु झूटी बातें बकवास।

मुजज़्ज़ा (مجزا) अ वि —जुज़ जुज़ किया हुआ, टुकड़े-टुकड़े किया हुआ।

मुजद्दिद (مجدد) अ पु —पुरानी चीज़ को नये सिरे से बनानेवाला सुधार करनेवाला सुधारक, रिफ़ार्मर, वह व्यक्ति जो इस्लाम धर्म में सुधार करे।

मुजद्दिदन (مجددا) अ वि —नये सिरे से, फिर से।

मुज़फ़्फ़फ़ (مجفف) अ वि —सुखाया हुआ शुष्क किया हुआ।

मुज़फ़्फ़र (مظفر) अ वि —विजेता विजित, जीता हुआ।

मुजफ़्फ़िफ़ (مجفف) अ वि —सुखानेवाला, शुष्क करनेवाला।

मुज़ब्ज़ब (مذبذب) अ वि —दुविधा में पड़ा हुआ डाँवाडोल अनिर्णित।

मुज़म्म (مزمہ) अ पुं —वह रस्सी जो घोड़े की पिछाड़ी के साथ बाँधते हैं डाँट डपट गालीगलौज।

मुज़य्यन (مزین) अ वि —सुसज्जित शृंगारित आरास्ता।

मुज़य्यफ़ (مزیف) फा वि —सुन्दर, शोभित शुभ दर्शन जैसा।

मुज़य्यिन (مزین) अ वि —सजानेवाला आरास्ता करनेवाला।

मुजरद (مجرد) अ वि —एकाकी अकेला अविवाहित ग़ैर शादीशुदा वह फ़कीर जो विवाह न करे वह वस्तु जिसका सम्बन्ध पंच भूत से न हो।

मुजरंब (مجرب) अ. वि –वह बात जो आजमायी जा चुकी हो, अनुभूत, परीक्षित, वह दवा जो परीक्षित हो।
मुजरंबात (مجربات) अ. पु –आजमाई हुई दवाएँ या नुस्ख़े, अनुभूत योग।
मुजल्लद (مجلد) अ वि –जिल्द बँधी हुई पुस्तक, सजिल्द।
मुज़ल्लफ़ (مزلف) फा वि –ज़ुल्फ़ोंवाला, ज़ुल्फ़ें बिखेरे हुए।
मुजल्ला (مجلى) अ वि –प्रकाशमान, दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन; जिसे माँजकर या सैकल करके चमकाया गया हो।
मुजल्ली (مجلی) अ वि –रौशन करनेवाला, प्रकाशक।
मुजव्वज़ः (مجوزه) अ वि –निश्चित, तै किया हुआ, निर्णीत।
मुजव्वज़ (مجوز) अ वि –दे 'मुजव्वज़'।
मुजव्वफ़ (مجوف) अ वि –अन्दर से ख़ाली, खोखला, सुषिर।
मुजव्विज़ (مجوز) अ वि.–तजवीज करनेवाला, निर्णय करनेवाला, निर्णेता।
मुजव्विज़ीन (مجوزين) अ पु –निर्णय करनेवालों की मडली, निर्णायक-मंडल।
मुजव्विज़े क़ानून (مجوز قانون) अ. पु –कानून बनानेवाला, विधायक।
मुजस्सम. (مجسمه) अ पु –प्रतिमा, मूर्ति, स्टेचू; रूप, आकृति, शक्ल।
मुजस्सम (مجسم) अ वि –साकार, मूर्तिमान्, साक्षात्, (शरीर के साथ)।
मुज़हहब (مذهب) अ वि –सोने का काम किया हुआ, सोना मढा हुआ, सोने का पानी चढा हुआ।
मुज़ाअफ़ (مضاعف) अ वि.–दूना, दोचंद, द्विगुण।
मुज़ाकरः (مذاكره) अ पु –आपस की वातचीत, वार्तालाप, चर्चा, ज़िक्र।
मुज़ाकरात (مذاكرات) अ पु –'मुज़ाकर' का बहु, आपस की वातचीत।
मुजाज़ (مجاز) अ वि –जिसे इजाज़त प्राप्त हो, जो कोई काम करने का अधिकारी हो, प्राधिकारी, अथार्टी।
मुजादलः (مجادله) अ. पु –युद्ध, लड़ाई, वाद-विवाद, मुवाहसा।
मुजादिल (مجادل) अ वि –युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
मुजानसत (مجانست) अ स्त्री –एक जिंस का होना, जैसे—आदमी होना या पशु होना।
मुजानिस (مجانس) अ वि –हमजिंस, हमक़ौम।
मुज़ाफ़ (مضاف) अ वि –जोडा गया, मिलाया गया, निस्वत किया गया।
मुज़ाफ़ इलैह (مضاف اليه) अ पु –जिससे जोडा या मिलाया गया, जिसकी ओर निस्वत की जाय, जैसे—रमेश का घोडा, इसमें घोडे की निस्वत रमेश की ओर है, इसलिए रमेश 'मुज़ाफ़ इलैह' है, और घोडा 'मुज़ाफ़' है।
मुज़ा'फ़र (مزعفر) अ पु –एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमें केसर पडता है।
मुज़ाफ़ात (مضافات) अ पु –'मुज़ाफ़' का वहु, निस्वतें, नगर आदि का आस-पास का इलाका।
मुज़ाफ़ाते शह्र (مضافات شهر) अ. पु –नगर के आस-पास का इलाका।
मुज़ाब (مذاب) अ वि –पिघला हुआ।
मुजाब (مجاب) अ वि –जवाब दिया हुआ, उत्तरित।
मुजामअत (مجامعت) अ स्त्री –संभोग, सहवास, मैथुन, रति, हमविस्तरी।
मुजामे (مجامع) अ वि –मैथुन करनेवाला, रति-क्रीडक।
मुज़ायक़ः (مضايقه) अ पु –आपत्ति, क़बाहत, हानि, हरज, समय की तंगी।
मुज़ारवत (مضاربت) अ स्त्री –किसी को व्यवसाय के लिए इस शर्त पर माल देना कि लाभ में साझा रहेगा।
मुज़ारे' (مضارع) अ वि –सदृश, मिस्ल; साझी, शरीक, वह क्रिया जिसमें वर्तमान और भविष्य दोनों काल पाये जायँ।
मुज़ारे' (مزارع) अ वि –कृषक, किसान, काश्तकार।
मुजालसत (مجالست) अ स्त्री –परस्पर एक जगह बैठना, साथ-साथ बैठना।
मुज़ावजत (مزاوجت) अ स्त्री –विवाह, निकाह, व्याह।
मुजावरत (مجاورت) अ स्त्री –पड़ोस, प्रतिवास, हमसायगी।
मुज़ावलत (مزاولت) अ स्त्री.–किसी काम को बरावर करना, मश्क़, अभ्यास।
मुजाविर (مجاور) अ वि –प्रतिवेशी, पडोसी, किसी दरगाह आदि का ख़िदमती।
मुजाविरी (مجاوری) अ वि –मुजाविर का पेशा, दरगाह आदि की सेवा।
मुज़ाहकः (مضاحكه) अ वि –आपस में हँसी-दिल्लगी करना।
मुजाहदः (مجاهده) अ पु –तपस्या, इवादत, इंद्रिय-निग्रह, नफ़्सकुशी, पराक्रम, जाँफ़िशानी।
मुज़ाहमत (مزاحمت) अ स्त्री –हस्तक्षेप, दख़्लअंदाजी, रोक-टोक, मनाही।
मुज़ाहरः (مظاهره) अ पु –राज से किसी माँग के लिए लोगों का सामूहिक रूप में नारे आदि लगाना और जुलूस निकालना, प्रदर्शन करना।

मुजाहिद (مجاهد) अ वि –पराक्रमी प्रयत्नशील, कोशिश करनेवाला, विधर्मियों से युद्ध करनेवाला।
मुजाहिदान (مجاهدانه) अ वि –मुजाहिदों की तरह।
मुजाहिदीन (مجاهدين) अ पु –मुजाहिद' का बहु, विधर्मियों से लड़नेवाले योद्धा।
मुजाहिम (مزاحم) अ वि –मुज़ाहमत करनेवाला, हस्तक्षेप करनेवाला रोक-टोक करनेवाला।
मुज़िर [र] (مضر) अ वि –हानिकर, नुक्सानदेह।
मुज़िरें सेहत (مضر صحت) अ पु –स्वास्थ्य के लिए हानिकारक अनारोग्य अपथ्य।
मुज़िल [ल्ल] (مضل) अ वि –गुमराह करनेवाला।
मुज़ीअ (مضيع) अ वि –नष्ट करनेवाला बरबाद करनेवाला विनाशक।
मुजीब (مجيب) अ वि –जवाब देनेवाला उत्तरदाता स्वीकार करनेवाला।
मुज़ीब (مذيب) अ वि –पिघलानेवाला।
मुजीबुद्दावात (مجيب الدعوات) अ पु –दुआएँ स्वीकार करनेवाला ईश्वर।
मुज़ील (مزيل) अ वि –ज़ाइल करनेवाला निवारक नष्टकर्ता।
मुज़य्यन (مزين) अ वि –सुसज्जित शृंगारित आरास्ता।
मुज़इफ़ (مضعف) अ वि –कमज़ोर करनेवाला शक्तिहीन करनेवाला।
मुज़इफ़े बाह (مضعف باه) अ वि –कामशक्ति को कम करनेवाली दवा या गिज़ा।
मुज़ग़ (مضغه) अ पु –लोथड़ा मांसपिंड।
मुज़ग़ए गोश्त (مضغهٔ گوشت) अ फा पु –मांसपिंड गोश्त का लोथड़ा।
मुज़्ज़म्मिल (مزمل) अ वि –कुरान की एक सूरत।
मुज़्जात (مزجات) अ पु –थोड़ा अल्प न्यून।
मुत्तबा (مجتبى) अ वि –सम्मानित प्रतिष्ठित बुज़ुर्ग।
मुज्तमा (مجتمع) अ वि –एकत्र इकट्ठा एक जगह।
मुज्तमेअ (مجتمع) अ वि –एकत्र करनेवाला इकट्ठा करनेवाला इकट्ठा होनेवाला।
मुज़्तर [र] (مضطر) अ वि –व्याकुल बेचैन बेबस लाचार।
मुज़्तरिब (مضطرب) अ वि –व्याकुल आतुर बेचैन अधीर व्यग्र घबराया हुआ।
मुज़्तरिबान (مضطربانه) अ फा वि –व्याकुलों जैसा व्याकुलतापूर्ण।
मुज़्तरिबुल्हाल (مضطرب الحال) अ वि –घबराया हुआ उद्विग्न परेशान।
मुज्तस [स्स] (مجتث) अ वि –उन्मूलित जड़ से उखाड़ा हुआ, दे 'बह्रे मुज्तस'।
मुज्तहिद (مجتهد) अ पु –परिश्रमी, कोशिश करनेवाला, धार्मिक विषयों में विवेकपूर्ण निर्णय करनेवाला, शीआ सम्प्रदाय का आलिम।
मुज़्द (مژده) फा पु –शुभ सूचना शुभ संवाद खुशखबरी।
मुज़्द बाद (مژده باد) फा वा –मुबारक हो धन्यवाद।
मुज़्द (مزد) फा स्त्री –पारिश्रमिक, मज़दूरी, भृति।
मुज़्दगानी (مژدگانی) फा स्त्री –खुशखबरी लाने का पुरस्कार।
मुज़्दवर (مزدور) फा वि –कमकार श्रमिक, मज़दूर।
मुज़्दहम (مزدحم) अ वि –भीड़ के रूप में आया हुआ।
मुज़्दहिम (مزدحم) अ वि –भीड़ करनेवाला।
मुज़्दूर (مزدور) फा पु –श्रमिक, कमकार भृतिक मजूर।
मुज़्दूरी (مزدوری) फा वि –भृति पारिश्रमिक।
मुज्निब (مذنب) अ वि –पापी पातकी गुनाहगार।
मुसहफ़ (مصحف) अ पु –मैमोरियल, प्रार्थनापत्र।
मुज़्मर (مضمر) अ वि –गुप्त छिपा हुआ, पोशीदा।
मुज्मल (مجمل) अ वि –संक्षिप्त साररूप, मुख्तसर।
मुज़्महिल (مضمحل) अ वि –क्लांत श्रान्त शिथिल अफ़्सुर्द।
मुज्माअलैह (مجمع عليه) अ वि –वह बात जिस पर सब सहमत हों सर्वमान्य।
मुज़्मिन (مزمن) अ वि –देर का बसा हुआ पुराना, बहुत दिनों का।
मुज़्मिर (مضمر) अ वि –छिपानेवाला, गोपक।
मुज्रा (مجرا) अ पु –जारी किया हुआ बहाया हुआ, छोटे व्यक्तियों का बड़े आदमियों को प्रणाम मिनहा वज़ा, रंडी का वह गाना जो बैठकर हो।
मुज्राई (مجرائی) अ फा वि –मुजरा करनेवाला सलाम करनेवाला।
मुज्रिम (مجرم) अ वि –अपराधी दोषी कुसूरवार।
मुज्रिमान (مجرمانه) अ फा वि –अपराधियों जैसा अपराधपूर्ण।
मुज्रिमे आदी (مجرم عادی) अ पु –वह अपराधी जो अपराध करने का व्यसनी हो।
मुज़्लिक़ (مزلق) अ वि –फिसलानेवाला।
मुज़्लिम (مظلم) अ वि –अँधियारा तारीक तमिस्र।
मुज़्हिक (مضحك) अ वि –हँसानेवाला उपहासक।
मुज़्हिकात (مضحكات) अ स्त्री –हँसानेवाली चीज़ें जिन्हें सुनकर हँसी आये।

मुज़्हिर (مظہر) अ वि–जाहिर करनेवाला, प्रकट करनेवाला, कचहरी मे इज़्हार देनेवाला, गवाह, साक्षी, साखी।

मुतंजन (متنجن) फा. पु.–इक किस्म का मीठा पुलाव जिसमे खटाई भी डाली जाती है, मुतंजन-तुरंज (नीवू) मिश्रित मीठा पुलाव।

मुतअख़्ख़िर (متاخر) अ. वि–पीछे आनेवाला, जो वाद मे हुआ हो, पहले से वा'दवाला।

मुतअख़्ख़िरीन (متاخرین) अ पु–वादवाले समय के लोग, पहलेवालो के वाद होनेवाले लोग।

मुतअज्जिव (متعجب) अ वि.–आश्चर्य मे पडा हुआ, आश्चर्यित, चकित।

मुतअज़्ज़िव (متعذب) अ वि–स्वादिष्ठ, मजेदार, रोचक, दिलचस्प।

मुतअज़्ज़िर (متعذر) अ वि–कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअज़्ज़ी (متاذی) अ. वि–कष्टग्रस्त, क्लेश पानेवाला।

मुतअद्दिद (متعدد) अ वि–वहुत, वहुत-से, अधिक, कतिपय, चद, थोडे।

मुतअद्दी (متعدی) अ. वि–अपनी सीमा से आगे वढ़ जानेवाला, छूतदार वीमारी, सक्रामक रोग।

मुतअन्निद (متعند) अ. वि–द्वेषी, शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतअफ़्फ़िन (متعفن) अ. वि.–दुर्गंधयुक्त, वदवूदार, सडा हुआ।

मुतअव्विद (متعبد) अ. वि–आराधना करनेवाला; वनावटी आराधना करनेवाला।

मुतअम्मिल (متامل) अ. वि–असमजस मे पडा हुआ, सकुचित।

मुतअर्रिज़ (متعرض) अ वि.–घटित होनेवाला, पेश आनेवाला, अर्ज करनेवाला, माँगनेवाला, याचक।

मुतअल्लिकः (متعلقہ) अ. वि–सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु, सपर्क रखनेवाली चीज।

मुतअल्लिक (متعلق) अ वि–सम्वन्वित, सवद्ध, वावस्ता, वारे मे, विपय मे, सम्वन्ध मे; नौकर, मुलाजिम।

मुतअल्लिकात (متعلقات) अ पु.–सम्वन्वित वाते, वे वाते जिनका किसी विपय से सम्वन्व हो।

मुतअल्लिकीन (متعلقین) अ पु.–घरवाले, वाल-वच्चे।

मुतअल्लिमः (متعلمہ) अ स्त्री–पाठिका, पढनेवाली, छात्रा।

मुतअल्लिम (متعلم) अ. पु–पाठक, पढनेवाला, छात्र।

मुतअल्लिम (متالم) अ. वि–पीड़ित, दु खित, दर्द मे मुव्तला।

मुतअव्विद (متعود) अ वि.–व्यसनी, आदी, ख़ूगर।

मुतअस्सिफ़ (متاسف) अ. वि–अफ्सोस करनेवाला, पश्चात्तापी।

मुतअस्सिव (متعصب) अ वि–धर्म सम्वन्धी पक्षपात करनेवाला, तगनज़र, लघुचेता, जातपात या प्रान्तीय पक्षपात करनेवाला।

मुतअस्सिर (متاثر) अ वि.–प्रभावित, जिस पर किसी वात का असर हुआ हो।

मुतअस्सिर (متعسر) अ. वि–कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअह्हिद (متعہد) अ वि.–प्रतिज्ञा करनेवाला; परिचारक, तीमारदार; जिम्मेदार, उत्तरदायी।

मुतअह्हिल (متاہل) अ. वि–वाल-वच्चोवाला, विवाहित, व्याहा हुआ, वीवीवाला।

मुतआक़िद (متعاقد) अ. वि–आपस मे कौल-करार करनेवाला।

मुतआक़िदैन (متعاقدین) अ पु–वे दो व्यक्ति जिनमे परस्पर कोई कौल-करार हुआ हो।

मुतआकिव (متعاقب) अ वि.–पीछे दौड़नेवाला, पीछा करनेवाला; पीछे से आनेवाला।

मुतआरिज़ (متعارض) अ. वि–एक-दूसरे का विरोध करनेवाला; ऐसी वात जो दूसरे के विरुद्ध हो।

मुतआरिक (متعاری) अ.वि–कान उमेठनेवाला, मिटानेवाला; कामना पूरी करनेवाला; सफल होनेवाला; युद्ध करनेवाला; छीला हुआ।

मुतआरिफ (متعارف) अ वि–परिचित, पहचाननेवाला; शनासा।

मुतआल (متعال) अ वि.–ऊँचा होनेवाला, पूज्य, संमानित, प्रतिष्ठित।

मुतऐयिन (متعین) अ. वि–निश्चित, मुकर्रर, नियुक्त, तईनात।

मुतक़द्दिम (متقدم) अ वि–पहले होनेवाला, पहलेवाला।

मुतक़द्दिमीन (متقدمین) अ. पु–वे लोग जो पहले गुजर चुके है, 'मुतअख़्ख़िरीन' का उलटा, पुराने लोग।

मुतकफ़्फ़िल (متکفل) अ. वि.–प्रतिभू, जामिन, पालन-पोपण करनेवाला।

मुतकव्विर (متکبر) अ वि–अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़रूर।

मुतकल्लिफ (متکلف) अ वि–तकल्लुफ़ करनेवाला।

मुतकल्लिम (متکلم) अ वि.–कलाम करनेवाला, वार्तालाप करनेवाला; इल्मेकलाम जाननेवाला, मीमासक।

मुतकव्विन (متکون) अ वि.–पैदा होनेवाला, रूप धारण करनेवाला।

मुतकल्लिमीन (متکلمین) अ पु—मीमांसा जाननेवाले विद्वज्जन, मीमांसक।

मुतकस्सिर (متکسر) अ वि—टूटनेवाला, टूटा हुआ, भग्न, खंडित।

मुतक़ाज़ी (متقاضی) अ वि—तक़ाज़ा करनेवाला माँग उपस्थित करनेवाला।

मुतक़ाबिल (متقابل) अ वि—आमने-सामने, प्रत्यक्ष, सामान।

मुतक़ारिब (متقارب) अ वि—समीप होनेवाला, समीप क़राब दे बह्रे मुतक़ारिब'।

मुतकासिफ़ (متکاثف) अ वि—ठोस, दबीज़ गाढ़ा, गुदाज़।

मुतख़य्यला (متخیلہ) अ पु—सोचने का स्थान, मस्तिष्क, दिमाग़।

मुतख़य्यिला (متخیلہ) अ वि—विचार शक्ति, सोचने की क़ुव्वत कल्पना शक्ति वाहिमा।

मुतख़ल्ख़ल (متخلخل) अ वि—खोखला पोला सुषिर।

मुतख़ल्लिक़ (متخلق) अ वि—सुशील सद्वृत्त सदाचारी ख़ुशख़ुल्क़।

मुतख़ल्लिल (متخلل) अ वि—विघ्न डालनेवाला।

मुतख़ल्लिस (متخلص) अ वि—तख़ल्लुस रखनेवाला तख़ल्लुसवाला।

मुतख़ासिम (متخاصم) अ वि—शत्रु बैरी दुश्मन।

मुतख़ासिमीन (متخاصمین) अ पु—शत्रु गण बैरी लोग दुश्मन।

मुतग़ज़्ज़िल (متغزل) अ वि—केवल ग़ज़ल कहनेवाला शाइर जो ग़ज़ल अधिक कहता हो और दूसरी चीज़ें बहुत कम।

मुतग़ज़्ज़िलीन (متغزلین) अ पु—ग़ज़ल कहनेवाले शाइर।

मुतग़य्यिर (متغیر) अ वि—परिवर्तित बदला हुआ विकृत बिगड़ा हुआ।

मुतग़ाइर (متغائر) अ वि—पृथक अलग जुदा एक दूसरे के विरुद्ध बरअक्स।

मुतग़ीर (متغیر) अ वि—दे 'मुतग़य्यिर'।

मुतज़क्किर (متذکر) अ वि—ज़िक्र किया हुआ कथित वर्णित कहा हुआ।

मुतज़क्किरए बाला (متذکرۂ بالا) अ फ़ा वि—ऊपर कहा हुआ पूर्वोक्त पूर्वकथित।

मुतज़ब्ज़ब (متذبذب) अ वि—असमंजस में पड़ा हुआ दुविधा में पड़ा हुआ आन्दोलमान।

मुतज़म्मिन (متضمن) अ वि—सम्मिलित शामिल।

मुतज़र्रर (متضرر) अ वि—जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, हानिग्रस्त।

मुतज़र्रिर (متضرر) अ वि—हानि पहुँचानेवाला, हानिकारक।

मुतज़र्रे' (متضرع) अ वि—फूटनेवाला, निकलनेवाला, जड़ में से शाखा के रूप में निकलनेवाला।

मुतज़लज़िल (متزلزل) अ वि—हिलने-डोलनेवाला कंपायमान।

मुतजल्ली (متجلی) अ वि—चमकनेवाला प्रकाशित होनेवाला प्रकाशमान।

मुतजस्सिस (متجسس) अ वि—खोजी, जिज्ञासु तलाश करनेवाला, गवेषक।

मुतज़ाद (متضاد) अ वि—एक-दूसरे के विरुद्ध वचन आदि (व्यक्ति नहीं)।

मुतजाविज़ (متجاوز) अ वि—हद से बढ़ जानेवाला, उल्लंघन करनेवाला।

मुतदय्यिन (متدین) अ वि—दियानतदार ईमानदार अमानत में ख़ियानत न करनेवाला।

मुतदारिक (متدارک) अ वि—खोई हुई वस्तु पानेवाला, दे बह्रे मुतदारिक'।

मुतदाविल (متداول) अ वि—एक से दूसरे के पास पहुँचनेवाला एक हाथ से दूसरे हाथ में फिरनेवाला, अर्थात् प्रचलित राइज।

मुतनफ़्फ़िर (متنفر) अ वि—घृणा करनेवाला, भागनेवाला अलग रहनेवाला।

मुतनफ़्फ़िस (متنفس) अ वि—साँस लेनेवाला, अर्थात् प्राणी मनुष्य आदमी।

मुतनब्बी (متنبی) अ वि—झूठा नबी बननेवाला नबी होने का दावा करनेवाला अरब का एक प्रसिद्ध कवि।

मुतनब्बह (متنبہ) अ वि—चौकन्ना ख़बरदार सावधान होशियार।

मुतनव्वे' (متنوع) अ वि—भाँति भाँति का होनेवाला विचित्र अजीबो ग़रीब।

मुतनइ'म (متنعم) अ वि—लाड़-प्यार में पलनेवाला।

मुतनाक़िज़ (متناقض) अ वि—एक दूसरे के विपरीत एक दूसरे का उल्टा।

मुतनाज़िआ (متنازعہ) अ वि—जिस बात के लिए तकरार विवाद हो।

मुतनाज़ा' (متنازع) अ वि—जिस बात (विषय) के लिए झगड़ा हो।

मुतनाज़ा'फ़ीह (متنازعٔ فيه) अ वि–जिस बात में झगड़ा हो, विवादग्रस्त।
मुतनाज़े (متنازع) अ वि–वाद-विवाद करनेवाला।
मुतनाफ़िर (متنافر) अ वि.–परस्पर घृणा करनेवाला, घृणा करनेवाला।
मुतनासिब (متناسب) अ वि–जिसमें हर चीज़ सही तनासुब से हो, समानुपातिक।
मुतनासिबुल आ'ज़ा (متناسب الاعضا) अ. वि–जिसके शरीर के तमाम अंग जैसे सुडौल होने चाहिए वैसे हों।
मुतनाही (متناهی) अ. वि.–अन्त को पहुँचा हुआ, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।
मुतफ़क्किर (متفكر) अ. वि.–चिंतित, चिंताकुल, सचित, किसी विशेष फ़िक्र से परेशान।
मुतफ़न्नि (متفنن) अ वि–बहुत से फ़न जाननेवाला।
मुतफ़न्नी (متفنی) अ वि–वंचक, धूर्त, ठग, चालाक।
मुतफ़र्रिक़ (متفرق) अ. वि–विविध, विभिन्न, मुख्तलिफ़; पृथक्, जुदा, अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, फुटकर जो इकट्ठा न हो, जैसे—मुतफ़र्रिक़ खर्च।
मुतफ़र्रिक़ात (متفرقات) अ पु.–'मुतफ़र्रिक़' का बहु, विभिन्न वस्तुएँ; हिसाब की भिन्न-भिन्न रकमें।
मुतफ़र्रे' (متفرع) अ. वि.–मूल में से निकलनेवाली शाखा।
मुतफ़ाइल (متفائل) अ वि–शगुन लेनेवाला, इस शब्द को 'मतफ़ाविल' नहीं कहना चाहिए न 'वाव' से लिखना ही चाहिए।
मुतबन्ना (متبنیٰ) अ पु–गोद लिया हुआ लड़का, लेपालक, दत्तक पुत्र।
मुतबर्रिक (متبرک) अ वि.–पवित्र, पुनीत, पाक, प्रतिष्ठित, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग।
मुतबस्सिम (متبسم) अ वि.–मुस्कुरानेवाला, सुस्मित।
मुतबहि्हर (متبحر) अ वि–विद्या का समुद्र, प्रचंड विद्वान्, विद्वत्तम, कृतमुख।
मुतबाइन (متباین) अ. वि–एक-दूसरे के बिलकुल विरुद्ध, बिलकुल उलटा।
मुतबादिर (متبادر) अ वि–जल्दी हृदयंगम होनेवाला, तुरन्त समझ में आ जानेवाला।
मुतबादिल (متبادل) अ वि–अदल-बदल होनेवाला।
मुतमक्किन (متمكن) अ. वि–ठहरा हुआ, जगह पकड़नेवाला, स्थिर।
मुतमत्ते' (متمتع) अ वि–लाभ पानेवाला, लाभान्वित।
मुतमद्दिन (متمدن) अ वि.–नागरिक, शहरी, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।
मुतमन्ना (متمنیٰ) अ. वि.–अभिलषित, इच्छित, जिसकी तमन्ना हो।
मुतमन्नी (متمنی) अ. वि.–उत्सुक, अभिलाषी, इच्छुक, आकांक्षी, तमन्ना करनेवाला।
मुतमय्यिज़ (متمیز) अ. वि–पृथक् होनेवाला, पहचाना जानेवाला।
मुतमर्रिद (متمرد) अ. वि.–उद्दंड, सरकश, विद्रोही, बाग़ी; अवज्ञाकारी, नाफ़रमान।
मुतमल्लिक़ (متملق) अ वि.–ख़ुशामदी, चाटुकार, चापलूस।
मुतमव्विज (متموج) अ. वि.–मौजें मारता हुआ, लहरें लेता हुआ, तरंगित।
मुतमव्विल (متمول) अ. वि–धनाढ्य, धनी, मालदार।
मुतमादी (متمادی) अ वि.–लंबा, दराज़, जिसमें तमादी आरिज़ हो, जिसका नियत समय बीत चुका हो।
मुतमासिल (متماثل) अ. वि–समान, तुल्य, एक-सा, एकरूप, समरूप, समाकार।
मुतम्मिम (متمم) अ. वि.–समाप्त करनेवाला, ख़त्म करनेवाला; पूर्ण करनेवाला, ख़त्म करनेवाला।
मुतयक़्क़न (متيقن) अ. वि.–निश्चित, यक़ीनी; दृढ़, मज़्बूत।
मुतयक़्क़िन (متيقن) अ. वि–विश्वास करनेवाला, विश्वासी।
मुतयम्मिन (متيمن) अ वि.–शुभान्वित, बा बरकत, कल्याणकारी।
मुतयय्यन (مطین) अ. वि–मिट्टी से पोता हुआ, मिट्टी चढ़ाया हुआ।
मुतयय्यब (مطیب) अ वि–ख़ुशबू में बसा हुआ, सुगन्धित, सुगंधयुक्त।
मुतय्यिब (مطیب) अ वि.–ख़ुशबूदार करनेवाला, ख़ुशबू फैलानेवाला।
मुतरक़्क़बः (مترقبه) अ. वि–वह वस्तु जिसके मिलने की उम्मीद लगी हो, जिसके आने का इंतिज़ार हो।
मुतरक़्क़ब (مترقب) अ. वि.–जिसकी आस हो, जिसकी प्रतीक्षा हो।
मुतरक़्क़िब (مترقب) अ.वि.–आस लगानेवाला, प्रतीक्षा देखनेवाला।
मुतज़ल्लिम (متظلم) अ वि–ज़ुल्म की फ़र्याद करनेवाला, दादख़्वाह, न्याययाचक।
मुतरत्तिब (مترتب) अ. वि.–क्रमबद्ध, क्रमागत, तर्तीब से लगा हुआ।

मुतरद्दिद (متردد) अ वि–चिंतित, फिक्रमंद सोच में पड़ा हुआ।

मुतरन्निम (مترنم) अ वि–गानेवाला गायक जिसमें तरन्नुम हो सुरीली (आवाज)।

मुतरश्शेह (مترشح) अ वि–टपकनेवाला, रिसनेवाला बयान प्रकट होनेवाला।

मुतरस्सिद(مترصد)अ वि–इच्छुक अभिलाषी उम्मेदवार।

मुतरासिल (مترسل) अ वि–पत्र भाजनेवाला।

मुतराकिब (متراکب) अ वि–परस्पर बठनेवाला।

मुतराकिम (متراکم) अ वि–मीड करनेवाला।

मुतराकी (متراقی) अ वि–जादू-टोना करनेवाला जादूगर।

मुतरादिफ़ (مترادف) अ वि–एक के पीछे एक सवार होनेवाला निरंतर बराबर, समानार्थक पर्यायवाची।

मुतरादिफ़ुलमा'ना (مترادف المعنی) अ वि–वह शब्द जो एक ही अर्थ रखता हो समानार्थक पर्यायवाची।

मुतर्जम (مترجمہ) अ वि–अनुवादित की हुई पुस्तक अनूदित।

मुतर्जम (مترجم) अ वि–अनुवादित भाषांतरित अनूदित तर्जुमा किया हुआ।

मुतर्जिम (مترجم) अ वि–अनुवादकर्ता अनुवादकार भाषांतरकार अनुवादक तर्जुमा करनेवाला।

मुतलक़्क़ा(متلقیٰ)अ वि–जिससे मुलाकात की गयी हो।

मुतलक़्क़ी (متلقی) अ वि–मुलाकात करनेवाला।

मुतलज़्ज़िज़ (متلذذ) अ वि–आनंद उठानेवाला लज्जत उठानेवाला।

मुतलत्तिफ़(متلطف) अ वि–कृपा करनेवाला इल्तिफात करनेवाला।

मुतलव्विन (متلون)अ वि–रंग बदलनेवाला घड़ी में कुछ घड़ी में कुछ होनेवाला।

मुतलव्विन तबअ (متلون طبع) अ वि–दे 'मुतलव्विन मिज़ाज'।

मुतलव्विन मिज़ाज (متلون مزاج) अ वि–जिसका चित्त स्थिर न रहे कभी कुछ सोचे कभी कुछ अनियतात्मा चंचल चित्त विषमशील।

मुतलव्विन मिज़ाजी (متلون مزاجی) अ स्त्री–दे मु० मिज़ाज'।

मुतलातिम (متلاطم) अ वि–एक-दूसरे को थपेड़े मारने वाला मौजें मारनेवाली नदी।

मुतलाशी (متلاشی) अ वि–ध्वस्त, नष्ट बरबाद यह शब्द तलाश करनेवाले के अर्थ में अशुद्ध है।

मुतलाशी (متلاشی) तु वि–ढूँढ़नेवाला खोजी तलाश करनेवाला।

मुतल्लक़ (مطلقہ) अ वि–वह स्त्री जिसे तलाक़ दे दी गयी हो।

मुतल्ला (مطلا) अ वि–जिस पर सोने का काम हो।

मुतवक़्क़िफ़ (متوقف) अ वि–ठहरनेवाला, देर लगाने वाला।

मुतवक्किल(متوکل) अ वि–खुदा पर भरोसा रखनेवाला जिसकी कोई निश्चित आय न हो ऐसा साधु या फ़क़ीर।

मुतवक्किलन अल्ललाह (متوکلاً علی اللہ) अ वि–ईश्वर के भरोसे पर ईश्वर का भरोसा करके।

मुतवक्किलाना (متوکلانہ) अ फा वि–मुतवक्किल-जैसा फ़क़ीराना।

मुतवक़्क़े' (متوقع) अ वि–आशा रखनेवाला आशान्वित।

मुतवज़्ज़े' (متوزع) अ वि–अस्त-व्यस्त, तितर बितर, उद्विग्न परेशान।

मुतवज्जेह (متوجہ) अ वि–ध्यान देनेवाला ख़याल करनेवाला, मुँह करनेवाला रुख मिलानेवाला।

मुतवत्तिन (متوطن) अ वि–निवासी, साकिन।

मुतवफ़्फ़ी (متوفی) अ वि–मृत मृतक दिवंगत स्वर्गीय मरहूम।

मुतवर्रिम (متورم) अ वि–सूजा हुआ शोथित।

मुतवर्रे' (متورع) अ वि–संयमी इंद्रिय निग्रही परहेज़गार।

मुतवल्लिद (متولد) अ वि–उत्पन्न होनेवाला जात उत्पन्न।

मुतवल्ली (متولی) अ वि–किसी वक्फ जायदाद की देख रेख करनेवाला अधिष्ठाता।

मुतवस्सित (متوسط)अ वि–न बड़ा न छोटा बीच का मध्यम माध्यम।

मुतवस्सितुलक़ामत (متوسط القامت) अ वि–न बहुत लम्बा न बहुत ठिगना बीच के डील-डौल का।

मुतवस्सितुलहाल (متوسط الحال) अ वि–न बहुत अमीर न बहुत गरीब दरमियानी ज़िंदगी गुज़ारनेवाला, मध्यवर्गीय।

मुतवस्सिल (متوسل) अ वि–आश्रय ढूँढनेवाला सहारा पकड़नेवाला जो किसी के सहारे पर हो अवलंबित आश्रित।

मुतवस्सिलीन (متوسلین) अ वि–आश्रित जन वे लोग जो सहारे पर हों।

मुतवहिहम (متوہم) अ वि–वहमी भ्रमी भ्रांत।

मुतवहि्हश (متوحش) अ वि –घवराया हुआ, उद्विग्न।

मुतवाज़िन (متوازن) जिसका वज़्न दोनो ओर वरावर हो, तुला हुआ, सतुलित, मोतदिल।

मुतवाज़ी (متوازی) अ. वि –एक-दूसरे के वरावर चलनेवाला, एक-दूसरे से वरावर अन्तर रखनेवाला; वह रेखा जो किसी रेखा के वरावर अन्तर पर चले, समानान्तर।

मुतवाज़े' (متواضع) अ वि.–आवभगत और खातिरदारी करनेवाला, विनम्रता और विनीतता का व्यवहार करनेवाला।

मुतवातिर (متواتر) अ वि.–निरन्तर, अनवरत, सतत, लगातार, वरावर।

मुतवारिद (متوارد) अ वि.–साथ-साथ उतरनेवाला, वह मज़्मून जो साथ-साथ दो शाइरो के ध्यान मे आये, जिसे दो शाइर वाँधे।

मुतवारी (متواری) अ वि –छिपनेवाला; गुप्त, दिया हुआ।

मुतवाली (متوالی) अ वि.–वारवार आनेवाला, लगातार होनेवाला।

मुतव्वक़ (مطوق) अ वि.–जिसके गले मे तौक पडा हो, जिसके गले मे कैदियो का तौक हो, अर्थात् जो कैद मे हो।

मुतव्वज (متوج) अ वि –जिसे ताज पहनाया गया हो।

मुतव्वल (مطول) अ वि –लम्वा, दीर्घ, तवील, जो लम्वा किया गया हो।

मुतव्विफ़ (مطوف) अ. वि.–परिक्रमण करनेवाला, किसी के चारो ओर फिरनेवाला।

मुतव्विल (مطول) अ वि –लवा करनेवाला।

मुतशक्किर (متشکر) अ वि –कृतज्ञता प्रकट करनेवाला, शुक्रिय अदा करनेवाला, कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

मुतशक्किल (متشکل) अ वि –साकार, साक्षात्, किसी रूप मे परिवर्तित।

मुतशक्की (متشکی) अ वि –सदेह करनेवाला, शक करनेवाला।

मुतशत्तित (متشتت) अ वि –अस्त-व्यस्त, गडवड, तितर-वितर, उद्विग्न, परीशान।

मुतशद्दिद (متشدد) अ. वि –सख़्ती करनेवाला, अत्याचार करनेवाला।

मुतशद्दिदानः (متشددانہ) अ फा वि –तशद्दुद आमेज, अत्याचारपूर्ण, हिंसात्मक।

मुतशन्निज (متشنج) अ वि.–अकडनेवाला, ऐंठनेवाला, जिसमें ऐंठन न हो।

मुतशर्रे' (متشرع) अ. वि –शर्अ पर चलनेवाला, शास्त्र-विहित आचरण करनेवाला।

मुतशाइर (متشاعر) अ. वि –झूठ-मूठ का शाइर वननेवाला, जो शाइर न हो मगर शाइर वनता हो।

मुतशाविहात (متشابهات) अ. स्त्री.–कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पप्ट न हो, प्रत्युत 'मुह्‌कमात'।

मुत शावेह (متشابه) अ. वि.–समान, सदृश, तुल्य।

मुतसद्दी (متصدی) अ वि.–प्रवधक, मुतजिम , हिसाव-किताव रखनेवाला, अभिकर्ता, गुमाश्ता, पेशकार, लिपिक, मुर्हरिर।

मुतसद्दे (متصدع) अ. वि.–कष्टदाता, तकलीफ देनेवाला।

मुतसन्ने' (متصنع) अ वि –वनावट करनेवाला।

मुतसर्रिफ़ (متصرف) अ वि.–तसर्रुफ करनेवाला, अधिकार जमानेवाला।

मुतसल्लत (متسلط) अ. वि –जिस पर तसल्लुत किया जाय, वशीभूत, अधिकृत।

मुतसल्लित (متسلط) अ वि –तसल्लुत करनेवाला, विजेता, अधिकार प्राप्त करनेवाला।

मुतसल्ली (متسلی) अ वि –सान्त्वना पानेवाला, जिसकी तसल्ली हो गयी हो।

मुतसव्वर (متصور) अ वि –जिसका ध्यान किया जाय, जिसका तसव्वर किया जाय।

मुतसव्विर (متصور) अ वि –ध्यान करनेवाला।

मुतसाइद (متصاعد) अ. वि.–ऊपर चढनेवाला, ऊपर पहुँचनेवाला।

मुतसादिम (متصادم) अ वि –एक-दूसरे से टकरानेवाला।

मुतसावियुज़्ज़वाया (متساوی الزوایا) अ. पु –वह शक्ल जिसके कोण वरावर हो।

मुतसावियुलअज़्लाअ' (متساوی الاضلاع) अ पु –वह शक्ल जिसकी भुजाएँ वरावर हो।

मुतसावियुस्साक़ैन (متساوی الساقین) अ पु –वह त्रिभुज जिसकी दोनो भुजाएँ वरावर हो, समद्विवाहुक त्रिभुज।

मुतसावी (متساوی) अ वि.–सम, वरावर, एक-दूसरे के वरावर।

मुतहक़्क़िक (متحقق) अ वि.–निश्चित, यकीनी, प्रमाणित, दुरुस्त।

मुतहज्जिर (متحجر) अ. वि.–पत्थर वन जानेवाला, पत्थर की तरह कडा पड जानेवाला।

मुतहज़्ज़ी (متحظی) अ. वि.–सफल, भाग्यवान्, किसी चीज का आनन्द लेनेवाला।

मुतहम्मिल (متحمل) अ. वि.–तहम्मुल करनेवाला, सहिष्णु, सहनशील।

मुतहय्यिर (متحير) अ वि –हैरत में पड़ा हुआ, स्तब्ध चकित।
मुतहर्रिक (متحرك) अ वि –हिलने-डुलनेवाला गति शील गतिमान चलनेवाला।
मुतहल्ली (متحلى) अ वि –भूषण और वस्त्र में सुसज्जित।
मुतहस्सिन (متحصن) अ वि –किले में बंद वह राजा जो शत्रु की सेना के भय से दुर्गस्थ हो गया हो।
मुतहारिब (متحارب) अ वि –परस्पर युद्ध करनेवाला, आपस में लड़नेवाला।
मुतहाविन (متهاون) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, उपेक्षा आलस्य करनेवाला।
मुतहैयिर (متحير) अ वि –दे मुतहय्यिर।
मुतह्हर (مطهر) अ वि –पवित्र शुद्ध पाक।
मुतह्हिर (مطهر) अ वि –पवित्र करनेवाला।
मुताअ (مطاع) अ वि –जिसका हुक्म माना जाय जिसकी इताअत की जाय।
मुताजर (متاجره) अ पु –आपस में व्यवसाय करना, परस्पर लेन देन करना।
मुताजरत (متاجرت) अ स्त्री –दे मुताजर।
मुताबअत (متابعت) अ स्त्री –आज्ञापालन हुक्म मानना अनुकरण तक्लीद।
मुताबक़त (مطابقت) अ स्त्री –सदृशता अनुरूपता मुशाबहत समानता, यकसानियत अनुकूलता मुआफक़त।
मुताबिक़ (مطابق) अ वि –सदृश मिस्ल समान बराबर अनुसार बमूजिब।
मुतायब (مطايبه) अ पु –परस्पर मनोविनोद करना, आपस में हँसी मज़ाक़ करना, हँसी-मज़ाक मनोरंजन मनोविनोद।
मुतायबात (مطايبات) अ पु –मुतायब का बहु मनोविनोद की बातें परस्पर दिल बहलाव की बातें।
मुतारह (مطارحه) अ पु –परस्पर तरह पर ग़ज़ल कहना परामर्श करना वार्तालाप करना सुशामद करना।
मुतारहात (مطارحات) अ वि –तरह पर होनेवाले मुशाअरे आपस की बात-चीत।
मुताल्अ (مطالعه) अ पु –किसी चीज़ को पूरी जानकारी के लिए ग़ौर से देखना समीक्षा निरीक्षण पाठ को शुरू से पढ़ने के पूर्व स्वयं पढ़ना ताकि शुद्ध पढ़ा जा सके।
मुताल्ब (مطالبه) अ पु –तलब करना माँगना माँग तक़ाज़ा अपने हक़ अर्थात स्वत्व की माँग बकाया रक़म जो अदा करना है प्रार्थना इल्तिजा।
मुतालबात (مطالبات) अ पु –मुतालब का बहु, माँग।
मुतावअत (مطاوعت) अ स्त्री –आज्ञापालन, फर्माँबरदारी।
मुतावे' (مطاوع) अ वि –आज्ञापालक, फर्माँबरदार।
मुतिम[म्म] (متم) अ वि –पूरा करनेवाला समाप्त करनेवाला अधूरे काम को पूरा करनेवाला।
मुतीअ (مطيع) अ वि –आज्ञाकारी, फर्माँबरदार, अनुयायी पैरो अधीन मातहत।
मुतीओमुन्क़ाद (مطيع ومنقاد) अ वि –जो पूरी तरह अधीन और वशीभूत हो।
मुत्तका (متكا) अ वि –जिस चीज़ का सहारा लिया जाय सहारा आश्रय।
मुत्तक़ी (متقى) अ वि –संयमी इंद्रियनिग्रही, पार्सा।
मुत्तकी (متكى) अ वि –सहारा लेनेवाला।
मुत्तफ़क़ (متفقه) अ वि –दे मुत्तफ़क़।
मुत्तफ़क़ (متفق) अ वि –जिस बात या विषय या कार्य से इत्तिफ़ाक़ किया जाय।
मुत्तफ़क़ अलह (متفق عليه) अ वि –जिस पर सबका इत्तिफ़ाक़ हो सवसम्मत, सर्वसमत।
मुत्तफ़िक़ (متفق) अ वि –इत्तिफ़ाक़ करनेवाला सहमत।
मुत्तफ़िक़ुर्राय (متفق الرائے) अ वि –राय से इत्तिफ़ाक़ करनेवाला सहमत।
मुत्तफ़िक़ुल्लफ़्ज़ (متفق اللفظ) अ वि –सहमत, हमज़बान।
मुत्तले' (مطلع) अ वि –सूचित जिसे सूचना दी गयी हो।
मुत्तलिब (مطلب) अ वि –हज़रत मुहम्मद साहब के दादा का शुभनाम ढूँढनेवाला।
मुत्तले' (مطلع) अ वि –सूचना देनेवाला सूचक।
मुत्तसफ़ (متصف) अ वि –जिसकी तारीफ़ की गयी हो, प्रशंसित।
मुत्तसम (متسم) अ वि –दाग़ा हुआ दग्ध अंकित निशान लगाया हुआ।
मुत्तसिफ़ (متصف) अ वि –प्रशंसक तारीफ़ करनेवाला।
मुत्तसिम (متسم) अ वि –दाग़नेवाला अंकित करनेवाला।
मुत्तसिल (متصل) अ वि –समीपवर्ती क़रीबी समीप क़रीब निरंतर लगातार मिला हुआ।
मुत्तसिल्ह (متصله) अ वि –समीप क़रीब।
मुत्तहद (متحده) अ वि –संयुक्त मिला हुआ।
मुत्तहद (متحد) अ वि –संयुक्त मिला हुआ, सहमत हमराय।
मुत्तहदुर्राय (متحد الرائے) अ वि –सहमत एकराय।
मुत्तहदुल अक़ीद (متحد العقيده) अ वि –सहधर्मी सहमत एवं मज़हबवाले।

मुत्तहदुलउम्र (متحدالعمر) अ वि.—समवयस्क, एक आयुवाले, बराबर की आयुवाले।

मुत्तहदुलख़याल (متحدالخیال) अ वि—एक-से विचार रखनेवाले।

मुत्तहदुलबत्न (متحدالبطن) अ वि.—एक पेट से उत्पन्न होनेवाले, सहोदर।

मुत्तहदुलमज़्हब (متحدالمذهب) अ. वि—एक धर्म रखनेवाले, सहधर्मी।

मुत्तहदुलमफ़्हूम (متحدالمفهوم) अ वि—एक भाववाला, जिनका भावार्थ एक हो।

मुत्तहदुलमा'ना (متحدالمعنی) अ वि—एक अर्थवाले, समानार्थक।

मुत्तहदुलवतन (متحدالوطن) अ. वि—एक देश के रहनेवाले, सहदेशीय।

मुत्तहदुश्शक्ल (متحدالشکل) अ वि.—एक-जैसी आकृतिवाले, सहरूप, समाकृति।

मुत्तहफ़ (متحف) अ वि—जिसे भेंट या उपहार दिया गया हो, उपहृत, पुरस्कृत।

मुत्तहम (متہم) अ वि—जिस पर झूठा आरोप लगाया गया हो, आरोपित।

मुत्तहिद (متحد) अ वि—मेल-मिलाप रखनेवाला।

मुत्तहिफ़ (متحف) अ वि—उपहार देनेवाला।

मुत्तहिम (متہم) अ वि—आरोप लगानेवाला।

मुत्निब (مطنب) अ. वि—लंबी बात करनेवाला, बकवादी, बढानेवाला, लंबा करनेवाला।

मुत्फ़ी (مطفی) अ वि—आग बुझानेवाला, चिराग बुझानेवाला।

मुत्मइन (مطمئن) अ वि—संतुष्ट, जिसे इत्मीनान हो, निश्चिन्त, बेफ़िक्र, आनन्दपूर्वक, खुशहाल।

मुत्रिबः (مطربہ) अ स्त्री—गानेवाली स्त्री, गायिका, गायकी।

मुत्रिब (مطرب) अ पु—गानेवाला, गायक, रागी।

मुत्लक़ (مطلق) अ वि—स्वच्छद, निरकुश, आजाद, नितान्त, बिलकुल, सामान्य, मामूली, जैसे—'माजी मुत्लक़' सामान्य भूत।

मुत्लक़न (مطلقاً) अ. वि—नितान्त, बिलकुल।

मुत्लक़ुलइनान (مطلق العنان) अ वि—स्वच्छद, निरकुश, बेमहार।

मुत्लक़ुलइनानी (مطلق العنانی) अ. स्त्री—स्वच्छदता, निरकुशता, बेलगामी।

मुत्लिफ़ (متلف) अ वि—नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला, खराब करनेवाला, बिगाडनेवाला।

मुदक़्क़िक़ (مدقق) अ वि—बाल की खाल निकालनेवाला।

मुदन (مدن) अ. पु—'मदीन.' का बहु, नगरसमूह, बहुत से शहर।

मुदब्बिर (مدبر) अ वि—वह ओषधि जो यथाविधि शुद्ध कर ली गयी हो, ताकि हानि न करे।

मुदब्बिर (مدبر) अ वि.—प्रबधकुशल, इंतिज़ाम में निपुण, दूरदर्शी, पेशबीं, बुद्धिमान्, अक्लमद; राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ।

मुदब्बिराने क़ौम (مدبران قوم) अ. पु—राष्ट्र के नेता, क़ौम के लीडर।

मुदम्मिग़ (مدمغ) अ. वि—अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़रूर।

मुदम्मिल (مدمل) अ वि—घाव को भरनेवाला, वह दवा जो घाव को भर दे।

मुदर्रिस (مدرس) अ. पु—पढानेवाला, अध्यापक।

मुदर्रिसी (مدرسی) अ स्त्री—पढ़ाने का काम, अध्यापन।

मुदल्लल (مدلل) अ वि—जो तर्क से परिपुष्ट हो, युक्तिसगत, युक्तियुक्त।

मुदव्वन (مدون) अ. वि—सगृहीत, सपादित, संकलित, इंतिख़ाब और तर्तीब के साथ जमा किया हुआ।

मुदव्वर (مدور) अ. वि—गोलाकार, वृत्ताकार, गोल।

मुदव्विन (مدون) अ वि—संपादक, तर्तीब देनेवाला।

मुदह्रज (مدحرج) अ वि—गोल, वर्तुलाकार।

मुदाअबत (مداعبت) अ स्त्री—मनोरंजन, आमोद-प्रमोद, हँसी-मजाक; क्रीडा, खेलकूद, तफ़रीह।

मुदाख़लत (مداخلت) अ स्त्री—विघ्न, बाधा; हस्तक्षेप, दख़लअंदाजी, दख़ल देना, बीच में टोकना, कब्जा, अधिकार।

मुदाख़लते बेजा (مداخلت بیجا) अ फा स्त्री—ऐसा हस्तक्षेप जो कानून के ख़िलाफ़ हो।

मुदाफ़अत (مدافعت) अ स्त्री—हमले की रोक, बचाव, निवारण, इजाल, हटाना, अलग करना।

मुदाफ़े' (مدافع) अ वि—हटानेवाला; हमले को रोकनेवाला।

मुदाम (مدام) अ वि—नित्य, सदा, हमेशा, निरन्तर, लगातार; मदिरा, शराब।

मुदामी (مدامی) फा स्त्री—नित्यता, हमेशगी।

मुदारा (مدارا) अ पु—'मुदारात' का लघु., दे 'मुदारात'।

मुदारा (مداری) अ वि—जिसकी मुदारात की गयी हो, जिसकी आवभगत की गयी हो।

मुदारात (مدارات) अ स्त्री—ख़ातिर तवाजो', आवभगत, समान, आदर, एज़ाज़।

मुदावमत (مداومت) अ स्त्री –नित्यता, हमेशगी किसी काम को हमेशा करना।
मुदावा (مداوا) अ पु –मुदावात का लघु, दे मुदावात।
मुदावात (مداوات) अ स्त्री –चिकित्सा उपचार, दवा-दारू इलाज।
मुदाहनत (مداهنت) अ स्त्री –दिल में कुछ और जबान पर कुछ होना चापलूसी, चाटुकारिता, रोग़न से काज मलना।
मुदाहिन (مداهن) अ वि –मुनाफिक जिसके मन में कुछ हो और मुंह पर कुछ चाटुकार, ख़ुशामदी।
मुदिर [र] (مدر) अ वि –पेशाब अधिक लानेवाली दवा।
मुदिरात (مدرات) अ स्त्री –वे दवाएं जो पेशाब अधिक लाएं जो रजस्राव अधिक करे।
मुदीरः (مديره) अ स्त्री –संपादक महिला, संपादिका।
मुदीर (مدير) अ पु –संपादक अख्बार का एडीटर।
मुदीरे आ'ला (مدیراعلیٰ) अ पु –प्रधान संपादक।
मुदीर मसऊल (مدير مسئول) अ पु –वह संपादक जो अख्बार के मज्मूनों का उत्तरदायी हो समाचार संपादक।
मुदीरे मुआविन (مدیرمعاون) अ पु –सहायक संपादक उपसंपादक।
मुदुन (مدن) अ पु – मदीन' का बहु, बहुत-से नगर।
मुदग़म (مدغم) अ वि –मिला हुआ समन्वित मिले हुए मिश्र एक-जैसे दो अक्षर।
मुद्दआ (مدعا) अ पु –दावा किया गया अर्थ मतलब आशय उद्देश मंशा स्वार्थ गरज़ तात्पर्य खुलासा।
मुद्दआअलहु (مدعاعلیه) अ पु –जिस पर दावा किया गया हो प्रतिवादी।
मुद्दआअलहा (مدعاعلیها) अ स्त्री –वह स्त्री जिस पर दावा किया गया हो प्रतिवादिनी।
मुद्दआबिहा (مدعابها) अ वि –वह वस्तु जिसके लिए वाद उपस्थित किया गया हो जिस चीज़ का दावा हो।
मुद्दई (مدعی) अ पु –दावा करनेवाला वादी नालिशी।
मुद्दईयः (مدعیه) अ स्त्री –दावा करनेवाली स्त्री वादिनी।
मुद्दत (مدت) अ स्त्री –अवधि मीआद समय काल वक्त विलंब देर अर्सा।
मुद्दते मदीद (مدت مدید) अ स्त्री –लंबा अर्सा लंबा समय।
मुद्दते हयात (مدت حیات) अ स्त्री –जीवनकाल जीने का समय पूरी आयु।
मुद्रिकः (مدرکه) अ स्त्री –तमीज़ की कुव्वत विवेक-शक्ति।
मुद्रिक (مدرک) अ वि –विवेकी बुद्धिमान समझदार भले-बुरे की पहचान रखनेवाला।
मुद्रिकात (مدرکات) अ वि –मुद्रिक का बहु, विवेक की शक्तियां।
मुनक़्क़श (منقش) अ वि –चित्रित, जिस पर बेलबूट हो, अंकित जिस पर लिखा हो।
मुनक़्क़ह् (منقح) अ वि –वह बात जिसे झूठ से पाक कर दिया गया हो, सच्ची बात, शुद्ध और निर्मल जो विषय या मुआमला छानबीन करके स्पष्ट कर दिया गया हो।
मुनक़्क़ा (منقی) अ वि –जिसका पेट साफ कर दिया गया हो सूखा अंगूर, दाख इस मुनक्का इसलिए कहते हैं कि इसके बीज निकालकर इसका पेट साफ कर दिया जाता है जो शुद्ध किया गया हो शुद्ध निर्मल।
मुनक़्क़िद (منقد) अ वि –आलोचक तन्क़ीद करनेवाला खोटा-खरा बतानेवाला।
मुनक़्क़िस (منقص) अ वि –अपमान करनेवाला तिरस्कर्ता कम करनेवाला।
मुनक़्क़ी (منقی) अ वि –पेट साफ करनेवाला, पेट साफ करनेवाली दवा साफ करनेवाला शुद्धकर्ता।
मुनक़्क़ेह (منقح) अ वि –तन्क़ीह करनेवाला सच को झूठ से अलग करनेवाला मुआमले की जांच करके सच और झूठ निकालनेवाला।
मुनग़्ग़स (منغص) अ वि –मलिन मला, मुकद्दर अप्रसन्न खिन्न रंजीदः।
मुनग़्ग़िस (منغص) अ वि –मला करनेवाला, अप्रसन्न करनेवाला।
मुनज़्ज़म (منظم) अ वि –क्रमबद्ध क्रियागत बातर्तीब संघटित वे लोग जो किसी उद्देश्य से एक और मज़बूत होकर कोई काम करें।
मुनज़्ज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरा हुआ।
मुनज़्ज़ह (منزه) अ वि –पवित्र पाक दोषों और त्रुटियों से पाक।
मुनज्जिम (منجم) अ वि –ज्योतिषी नुजूमी।
मुनज़्ज़िम (منظم) अ वि –संघटन करनेवाला लोगों को किसी कार्य विशेष के लिए एकत्र करके उन्हें नियमों पर चलानेवाला।
मुनज़्ज़िल (منزل) अ वि –नीचे उतारनेवाला।
मुनब्बत (منبت) अ वि –वे बेल-बूटे जो उभरे हुए हों कपड़े पर हों या लकड़ी आदि पर।
मुनब्बतकारी (منبت کاری) अ फा स्त्री –बेल-बूटों का वह काम जो लकड़ी आदि पर किया जाता है।
मुनव्वर (منور) अ वि –उज्ज्वल प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुनश्शी (منشی) अ वि.–नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुनश्शीयात (منشیات) अ स्त्री.–नशे की चीजे, जैसे—शराव, अफीम. गाँजा, भाँग आदि।

मुनाकज़ः (مناقضہ) अ पु.–एक-दूसरे की वात को काटना, वाक्कलह, झगडा, दगा, कलह, फ़साद; द्वेप, वैर, मुखालफत, दुश्मनी।

मुनाकजत (مناقضت) अ. स्त्री –दे 'मुनाकज'।

मुनाकवत (مناقبت) अ स्त्री –अचानक देखना; मन्कवत करना, रसूल के घरानेवालो का स्तुतिगान।

मुनाकश (مناقشہ) अ. पु.–आपस का लडाई-झगडा; झगडा, कलह, फसाद।

मुनाकसत (مناقصت) अ स्त्री.–परस्पर एक-दूसरे की वुराई करना।

मुनाकहत (مناکحت) अ स्त्री –स्त्री और पुरुष का आपस में विवाह करना, विवाह, पाणिग्रहण, शादी।

मुनाकिज़ (مناقض) अ वि.–मुख़ालिफ, शत्रु दुश्मन, झगडा डालनेवाला।

मुनाकिव (مناقب) अ. वि –अचानक देखनेवाला, मन्कवत करनेवाला, गुणगान और कीर्तिगान करनेवाला।

मुनाजअः (منازعہ) अ पु –कलह, झगड़ा, फसाद, वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, वहस।

मुनाजअत (منازعت) अ. स्त्री.–दे. 'मुनाजअ'।

मनाज़मः (مناظمہ) अ पु.–परस्पर नज्मे सुनाना, वह मुशाअर जिसमे गजलो की जगह नज्मे पढी जायँ।

नाज़रः (مناظرہ) अ पु –किसी विपय पर और विशेपत धार्मिक विपय पर दो विरोधी दलो का शास्त्रार्थ; वह विद्या जिसमे तर्कशास्त्र के नियम और उसके विपय मे ज्ञान वढानेवाली वातो का वर्णन हो।

मुनाजात (مناجات) अ स्त्री –ईश-प्रार्थना, खुदा की हम्दो-सना, ऐसा स्तुति गान जिसमे अपने लिए कुछ प्रार्थना भी हो।

मुनाजाती (مناجاتی) अ. वि –मुनाजात करनेवाला, स्तुतिगान-कर्ता।

मुनाज़ा'फ़ीहि (منازع فیہ) अ. वि –वह चीज जिस के विपय में परस्पर झगडा हो, झगडेवाली चीज़।

मुनाज़िर (مناظر) अ वि –मुनाजर करनेवाला, शास्त्रार्थ-कर्ता।

मुनाज़िरीन (مناظرین) अ पु.–'मुनाजिर' का वहु, शास्त्रार्थ करनेवाले।

मुनाज़े' (منازع) अ वि –झगडा करनेवाला, झगड़ालू, विवादी।

मुनादमत (منادمت) अ स्त्री –पास बैठना, हाजिर वाश रहना।

मुनादा (منادیٰ) अ वि –जिसे पुकारा जाय, सम्वोधित, आहूत।

मुनादी (منادی) अ. वि.–पुकारनेवाला, एलान करनेवाला, घोपणा करनेवाला, एलान, घोपणा।

मुनादीनवाज़ (منادی نواز) अ. फा. वि.–एलान करने के लिए डुग्गी पीटनेवाला।

मुनाफ़अः (منافعہ) अ पु –लाभ, प्राप्ति, फाइदा, व्यवसाय और रोजगार का लाभ; फल, नतीजा।

मुनाफ़अत (منافعت) अ स्त्री –लाभ होना, प्राप्ति।

मुनाफ़क़त (منافقت) अ स्त्री –दिल मे कुछ होना और जवान पर कुछ, मिथ्याचार, कूटाचार।

मुनाफरत (منافرت) अ स्त्री –घृणा, नफ़रत।

मुनाफ़सः (منافسہ) अ पु –किसी चीज में वरावरी चाहना, ईर्प्या करना, हसद करना, वरावरी करना, तुलना करना।

मुनाफ़ात (منافات) अ स्त्री –एक-दूसरे को वरवाद और नप्ट करना, एक-दूसरे को अलग करना।

मुनाफ़िक़ (منافق) अ स्त्री.–मुनाफकत करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट पर कुछ, वहुमुख।

मुनाफ़िर (منافر) अ वि.–घृणा करनेवाला।

मुनाफ़ी (منافی) अ वि.–विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा, मुख़ालिफ।

मुनाफ़े' (منافع) अ वि.–लाभ देनेवाला, लाभदायक।

मुनासख़ः (مناسخہ) अ पु –एक काइदा जिसके द्वारा दाय भाग होता है।

मुनासवत (مناسبت) अ स्त्री –सम्वन्ध, लगाव, अनुकूलता, मुआफकत, अनुपात, निस्वत।

मुनासरः (مناثرہ) अ. पु –गद्य के लेखको की गोप्ठी, एक जगह बैठकर परस्पर गद्य के लेख सुनाना।

मुनासरत (مناصرت) अ स्त्री –परस्पर एक-दूसरे की सहायता करना, सहयोग।

मुनासिव (مناسب) अ वि –उचित, ठीक; योग्य, काविल, पात्र, अहल, यथेप्ट, काफी, सतुलित, मौजूँ।

मुनासिवे मौक़ा (مناسب موقعہ) अ पु.–अवसर के अनुसार, समय के अनुसार।

मुनासिवे वक्त (مناسب وقت) अ. पु.–समय के अनुसार, समयोचित।

मुनासिवे हाल (مناسب حال) अ. पु –दशा के अनुसार, दशानुकूल, हालत के मुनासिव।

मुनीफ़ (منیف) अ वि–पवित्र पाक श्रेष्ठ बुज़ुर्ग उच्च, बलंद अधिक, ज़ियादा।
मुनीब (منیب) अ वि–प्रतिनिधि नुमाइंदा, अभिकर्ता, एजेंट, गुमाश्ता।
मुनीर (منیر) अ वि–उज्ज्वल प्रकाशमान दीप्त।
मुनअक़िद (منعقد) अ वि–उपस्थित होनेवाला होने वाला प्राय जल्से या सभा के लिए आता है।
मुनअक्स (منعکس) अ वि–प्रतिबिंबित छाया या प्रतिबिम्ब पड़ा हुआ।
मुनअतिफ़ (منعطف) अ वि–फिरनेवाला आकृष्ट होने वाला आकृष्ट हुआ चित्त।
मुनअदिम (منعدم) अ वि–नष्ट होनेवाला, नष्ट, ध्वस्त, नाबद।
मुनइम (منعم) अ वि–इनआम देनेवाला नेमतें देने वाला पुरस्कारदाता समृद्ध धनाढ्य मालदार।
मुनइमे हक़ीक़ी (منعم حقیقی) अ पु–सच्ची नेमतें देने वाला ईश्वर।
मुनक़ज़ी (منقضی) अ वि–गुज़रनेवाला समाप्त ख़त्म।
मुन्क़ते (منقطع) अ वि–खंडित विच्छिन्न कटा हुआ।
मुन्कदिर (منکدر) अ वि–गदला मलिन मला धुँधला नासाफ़।
मुन्क़ने (منقنع) अ वि–नि स्पृह निवृत्त क़ाने संतुष्ट।
मुन्क़बिज़ (منقبض) अ वि–अप्रसन्न खिन्न (मिज़ाज)।
मुन्कर (منکر) अ वि–घृणित मकरूह निकृष्ट, ख़राब।
मुन्करनकीर (منکرونکیر) अ पु–दो फ़िरिश्ते जो मुसल्मानों के मतानुसार क़ब्र में मुर्दों से पूछताछ करते हैं।
मुन्क़लिब (منقلب) अ वि–पलटा हुआ औंधा अस्त व्यस्त उलट-पुलट।
मुन्क़लिबात (منقلبات) अ पु–त्रय बक तुला और मकर ये चार राशियाँ क्योंकि इनमें काम उल्टा होता है।
मुन्क़ले (منقلع) अ वि–उखड़नेवाला उखड़ा हुआ।
मुन्कशिफ़ (منکشف) अ वि–प्रकट व्यक्त ज़ाहिर।
मुन्क़सिम (منقسم) अ वि–विभाजित तक़्सीम, बँटने वाला।
मुन्कसिर (منکسر) अ वि–भग्न टूटा हुआ नम्र विनीत ख़ाकसार शान्तवान सुशील अक्लाक।
मुन्कसिर मिज़ाज (منکسرمزاج) अ वि–दे 'मुन्कसिरुल मिज़ाज'।
मुन्कसिरुल मिज़ाज (منکسرالمزاج) अ वि–विनीतात्मा विनम्र स्वभाव ख़ाकसारी बरतनेवाला।

मुन्क़ाद (منقاد) अ वि–आज्ञाकारी फ़र्मांबरदार, अधीन वशीभूत ताबे।
मुन्किर (منکر) अ वि–इन्कार करनेवाला कृतघ्न एहसान फ़रामोश।
मुन्किराने ख़ुदा (منکران خدا) अ फा पु–ख़ुदा को न माननेवाले नास्तिक लोग।
मुन्किरे क़ियामत (منکر قیامت) अ वि–क़ियामत पर विश्वास न रखनेवाला नास्तिक, नेचरी (मुसल्मान)।
मुन्किरे ख़ुदा (منکر خدا) अ फा वि–ईश्वर को न मानने वाला नास्तिक अनीश्वरवादी।
मुन्किरे नेमत (منکر نعمت) अ फा वि–नाशुक्रा कृतघ्न नमकहराम।
मुन्कुल (منکل) अ स्त्री–अगाड़ी अगारधानी।
मुन्कुल (منقل) अ स्त्री–दे 'मुन्कुल', दे मन्क़ल।
मुन्ख़फ़िज़ (منخفض) अ वि–गड्ढे में पड़ा हुआ नीचे जानेवाला पस्त, अवनत।
मुनग़मिस (منغمس) अ वि–जलमग्न, पानी में डूबा हुआ ग़रीक़ निमग्न।
मुन्फ़इल (منفعل) अ वि–लज्जित शर्मिंदा संकुचित पशेमान, प्रभाव क़बूल करनेवाला।
मुन्फ़क [फ़क] (منفک) अ वि–अलग होनेवाला, पृथक अलग मोचित मुक्त छूटा हुआ।
मुन्फ़जिर (منفجر) अ वि–बहनेवाला स्रोत।
मुन्फ़तिर (منفطر) अ वि–विदीर्ण फटा हुआ, शिगाफ़ पड़ा हुआ।
मुन्फ़रिज (منفرجہ) अ वि–चौड़ा चकला वह कोण जो ९० अंश से अधिक हो अधिक कोण।
मुन्फ़रिज (منفرج) अ वि–विस्तृत विशाल चौड़ा चकला तुष्ट समृद्ध आसूदा।
मुन्फ़रिद (منفرد) अ वि–एकाकी, अकेला अद्वितीय बेजोड़।
मुन्फ़रेह (منفرح) अ वि–हर्षित, आनंदित प्रसन्न ख़ुश।
मुन्फ़सिख़ (منفسخ) अ वि–दूषित विकृत ख़राब।
मुन्फ़सिल (منفصل) अ वि–पृथक् अलग जुदा निर्णीत फ़ैसल।
मुनयत (منیت) अ स्त्री–उद्देश्य आशय, मक़्सद मंशा।
मुनशइब (منشعب) अ वि–शाख़-शाख़ होनेवाला मूल में से शाखाएँ बनकर फैलनेवाला।
मुनहज़िम (منہزم) अ वि–पराजित पराभूत विजित हारा हुआ।
मुनहज़िम (منہضم) अ वि–पचित, जो हज़्म हो गया हो।

मुनहतिक (منہتک) अ वि –पर्दा फटनेवाला, जिसका पर्दा फट जाय, जिसका दोष प्रकट हो जाय, अपमानित, तिरस्कृत।

मुन्हदिम (منہدم) अ वि –ध्वस्त, नष्ट, बरबाद (इमारत आदि)।

मुन्हदिर (منحدر) अ. वि –ऊपर से नीचे उतरनेवाला।

मुन्हनी (منحنی) अ वि –दुबला-पतला, कमजोर, क्षीण, क्षाम, कृशांग।

मुन्हनी अदाम (منحنی اندام) अ फा. वि.–दे 'मुन्हनी जिस्म'।

मुन्हनी जिस्म (منحنی جسم) अ वि –क्षीणकाय, कृशांग, दुबले-पतले शरीरवाला।

मुन्हमिक (منہمک) अ वि.–तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, तत्पर, सलग्न, बहुत अधिक मशगूल।

मुन्हरिफ (منحرف) अ वि.–विमुख, बरगश्त ; अवज्ञाकारी, नाफर्मान; उद्दड, सरकश।

मुन्हल [ल्ल] (منحل) अ वि –विस्तृत, चौडा, चकला, कुशादा।

मुन्हसिर (منحصر) अ वि –निर्भर, निर्धारित, मौकूफ।

मुनहसिर अलैह (منحصر علیہ) अ. वि –जिस पर कोई मुआमला निर्भर हो, आधेय, पच, जो दो व्यक्तियो के बीच में उनका झगडा तै करने के लिए मध्यस्थ बना दिया जाय।

मुफक्किर (مفکر) अ वि.–विचारक, सोचनेवाला।

मुफक्किरीन (مفکرین) अ पु –'मुफक्किर' का बहु।

मुफख्खम (مفخم) अ वि.–प्रतिष्ठित, सम्मानित, बुजुर्ग।

मुफतखर (مفتخر) अ. वि –जिस पर सब गर्व करे, ऐसा व्यक्ति, प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य।

मुफतखरे मौजूदात (مفتخر موجودات) अ वि –संसार के लिए गर्व का विषय, ससार में सबसे बडा आदमी।

मुफज्जल (مفضل) अ. वि –अधिक किया हुआ, बढाया हुआ, प्रधानता दिया हुआ, तर्जीह पाया हुआ।

मुफत्तिन (مفتن) अ वि –उपद्रवकारी, झगडे खड़े करनेवाला, धूर्त, फित्तीन।

मुफत्तिश (مفتش) अ. वि.–तफ्तीश करनेवाला, खोज लगानेवाला; ढूंढ़नेवाला, तलाश करनेवाला।

मुफत्तेह (مفتح) अ. वि –खोलनेवाला।

मुफर्रिहुल क़ुलूब (مفرح القلوب) अ. वि –दिलो को आनन्द और उल्लास देनेवाला।

मुफर्रेह (مفرح) अ वि –मन मे उमग और उल्लास उत्पन्न करनेवाला, वह औषध जो हृदय को आनदित करे।

मुफर्रेहात (مفرحات) अ स्त्री –वे दवाएँ जो हृदय मे आनद और विकास की वृद्धि करें।

मुफव्वजः (مفوضہ) अ वि –सिपुर्द की हुई वस्तु।

मुफव्वज (مفوض) अ. वि.–सिपुर्द किया हुआ, हस्तातरित।

मुफव्विज (مفوض) अ. वि –हस्तातरण करनेवाला, प्रदान करनेवाला, सिपुर्द करनेवाला।

मुफस्सलः (مفصلہ) अ वि.–विवरण किया हुआ।

मुफस्सल (مفصل) अ वि –विस्तारपूर्ण, सविस्तार, विस्तृत, स्पष्ट, वाज़ेह, मुशर्रह।

मुफस्सलए जैल (مفصلہ ذیل) अ वि –जिसका विवरण नीचे दिया गया हो, निम्नाकित।

मुफ़स्सलात (مفصلات) अ. पु –किसी नगर के आस-पास की छोटी आबादियाँ।

मुफस्सिर (مفسر) अ पु –तफसीर करनेवाला, भाष्यकार, इस्लाम मे हदीसो की तफसीर करनेवाला।

मुफस्सिरीन (مفسرین) अ पु –'मुफस्सिर' का बहु, हदीस की व्याख्या करनेवाले विद्वज्जन।

मुफस्सिल (مفصل) अ. वि –स्पष्टीकरण करनेवाला, तफसील बतानेवाला।

मुफाकहः (مفاکہہ) अ पु –परस्पर आमोद-प्रमोद करना; मनोरजन, मनोविनोद।

मुफाख़रत (مفاخرت) अ स्त्री –परस्पर गर्व करना; गर्व, गौरव, डींग, शेखी।

मुफाखिर (مفاخر) अ वि –गर्व करनेवाला, डीग मारनेवाला, अभिमानी।

मुफाजा (مفاجا) अ पु –'मुफाजात' का लघु, दे 'मुफाजात'।

मुफाजात (مفاجات) अ स्त्री –आकस्मिक, सहसा, एकाएक, आचानक, एकबारगी।

मुफारकत (مفارقت) अ स्त्री –पृथकता, अलाहिदगी, वियोग, जुदाई, तलाक, विवाह-विच्छेद।

मुफारिक़ (مفارق) अ वि –जुदा होनेवाला, अलग होनेवाला, पृथक्, जुदा।

मुफावजः (مفاوضہ) अ पु –वह पत्र जो बडे की ओर से छोटे को लिखा जाय, पत्र, चिट्ठी, बराबरी, समानता।

मुफावज़त (مفاوضت) अ स्त्री –एक-दूसरे का सिपुर्द करना, साझा करना, बराबरी करना, मैथुन करना।

मुफावजात (مفاوضات) अ पु –'मुफावज' का बहु, खतोकिताबत के कागजात जो बडे की तरफ से छोटो को हो।

मुफाहमत (مفاہمت) अ स्त्री –एक-दूसरे को समझाना, समझौता, फैसला।

मुफिर [र्र] (مفر) अ वि –भागनेवाला, पलायक।

मुफीज (مفیض) अ वि –फैज पहुँचानेवाला, यश देनेवाला।

मुफ़ीदे ज़िंदगी (مفیدزندگی) अ फा वि–जीवनोपयोगी ज़िंदगी में काम आनेवाला।
मुफ़ीद (مفید) अ वि–उपयोगी, कारआमद लाभकारी फ़ाइदामंद हितकर।
मुफ़ीदे आम (مفیدعام) अ वि–सबके लिए लाभकारी सर्वोपकारी।
मुफ़ीदे मतलब (مفیدمطلب) अ वि–अपने उद्देश्य के लिए फ़ाइदामंद प्रयोजनानुकूल।
मुफ़्त (مفت) फा वि–बेदाम व्यर्थ बेकार नष्ट जाए अकारण बेसबब बिना परिश्रम बेमेहनत।
मुफ़्तक़िर (مفتقر) अ वि–दरिद्र कंगाल भिखारी मंगता।
मुफ़्तख़र (مفتخر) अ वि–गर्वान्वित जिस पर फ़ख़्र हो।
मुफ़्तख़िर (مفتخر) अ वि–गर्व करनेवाला, फ़ख़्र करने वाला मग़रूर।
मुफ़्तख़ोर (مفتخور) फा वि–जो दूसरे के सिर पड़ा हो जो मेहनत न करे और खाना चाहे दूसरों का माल मारनेवाला।
मुफ़्तख़ोरी (مفتخوری) फा स्त्री–दूसरे के सिर रहना, बेमेहनत किये खाना चाहना दूसरों का माल मारना।
मुफ़्ततन (مفتتن) अ वि–फ़ितने में डाला हुआ।
मुफ़्तबर (مفتبر) फा वि–दूसरों का माल मारनेवाला।
मुफ़्तबरी (مفتبری) फा स्त्री–दूसरों का माल मारना।
मुफ़्तरआत (مفترعات) अ पु–कल्पित बातें, ख़याली मसूबे।
मुफ़्तरिक़ (مفترق) अ वि–फूट डालनेवाला फूट डालने वाला दो दोस्तों के बीच में दुश्मनी पैदा करा देनेवाला।
मुफ़्तरी (مفتری) अ वि–धूर्त शरीर झूठा इल्ज़ाम लगाने वाला आरोपक।
मुफ़्तरे' (مفترع) अ वि–बातें ईजाद निकालनेवाला।
मुफ़्तसिताँ (مفتستاں) फा वि–मुफ़्त छीननेवाला बेदाम दिये लेनेवाला।
मुफ़्तसितानी (مفتستانی) फा स्त्री–बेदाम दिये चीज़ का छीन लेना।
मुफ़्तिए आ'ज़म (مفتیٔ اعظم) अ पु–सबसे बड़ा मुफ़्ती।
मुफ़्ती (مفتی) अ पु–फ़तवा देनेवाला मुसलमानों का वह धर्मशास्त्रवेत्ता मौल्वी जो धार्मिक समस्याओं का समाधान प्रश्नोत्तर के रूप में करता है।
मुफ़्रद (مفرد) अ वि–एक अकेला।
मुफ़्रदात (مفردات) अ स्त्री–वे अक्षर जो अलग-अलग लिखे जायें जैसे—अ ब स वे दवाएँ जो मिश्रित न हों बल्कि पृथक् रूप में हों वह किताब जिसमें मुफ़्रद दवाओं का वर्णन हो।

मुफ़्रित (مفرط) अ वि–अत्यधिक बहुत ज़ियादा, प्रचुर।
मुफ़्लिस (مفلس) अ वि–दरिद्र निर्धन, धनहीन कंगाल गरीब।
मुफ़्लिसी (مفلسی) अ स्त्री–दरिद्रता, निर्धनता कंगाली गरीबी।
मुफ़्सिद (مفسد) अ वि–उपद्रवी फ़िसादी, फूट डलवाने वाला उत्पाती, शरीर, दूषित करनेवाला बिगाड़नेवाला ख़ून छनी।
मुफ़्सिदाना (مفسدانہ) अ वि–मुफ़्सिदों जैसा शरारत और उपद्रव से भरा हुआ।
मुफ़्सिदेअख़्लात (مفسداخلاط) अ वि–शरीर की धातुओं को दूषित करनेवाला।
मुफ़्सिदे ख़ून (مفسدخون) अ फा वि–रक्तदूषक ख़ून को ख़राब करनेवाला।
मुबज़्ज़िर (مبذر) अ वि–व्यर्थ और अधिक ख़र्च करने वाला अपव्ययी।
मुबद्दल (مبدل) अ वि–बदला हुआ परिवर्तित।
मुबद्रिक़ (مبدرق) अ वि–पथप्रदर्शक मार्गदर्शक रहनुमा रास्ता बतानेवाला।
मुबय्यज़ (مبیض) अ वि–सफ़ेद किया हुआ।
मुबय्यन (مبین) अ वि–बयान किया हुआ कहा हुआ कथित उक्त।
मुबय्यिन (مبین) अ वि–बयान करनेवाला कहनेवाला।
मुबर्रा (مبرا) अ वि–बरी किया हुआ मुक्त पवित्र पाक पृथक् अलग दूर बेतअल्लुक़ विरक्त निःसम्बन्ध।
मुबर्रिद (مبرد) अ वि–ठंडा करनेवाला ठंडक पहुंचानेवाला वह दवा जो ठंडक पहुंचाये।
मुबर्रिदात (مبردات) अ पु–ठंडक पहुँचानेवाली ओषधियाँ।
मुबरसम (مبرسم) अ वि–जो व्यक्ति बर्सामि रोग पीड़ित हो।
मुबर्हन (مبرہن) अ वि–जो बात प्रमाणों से पूरे तौर पर साबित की गयी हो प्रमाणित युक्तिसंगत।
मुबल्लिग़ (مبلغ) अ वि–प्रचार करनेवाला प्रचारक विशेषतः धर्मप्रचारक।
मुबव्वब (مبوب) अ वि–अध्यायों और परिच्छेदों में बटी हुई पुस्तक सुसंबद्ध।
मुबश्शिर (مبشر) अ वि–शुभ सूचना देनेवाला ख़ुश ख़बरी सुनानेवाला शुभसूचक।
मुबस्सिर (مبصر) अ वि–पारखी परख रखनेवाला अच्छे बुरे की तमीज़ रखनेवाला, ममज्ञ।

मुबह्ही (مبہی) अ वि.—काम-शक्ति वढानेवाला, काम-वर्द्धक, वाजीकरण रसायन।

मुवादरत (مبادرت) अ स्त्री —फुरती दिखाना, जल्दी करना, वीरता दिखाना, फुर्ती, शीघ्रता, वीरता।

मुवादलः (مبادلہ) अ. पु.—अदल-वदल, एक चीज़ देकर दूसरी लेना, आदान-प्रदान।

मुवादिर (مبادر) अ वि —फुर्ती करनेवाला, वीरता दिखानेवाला।

मुवादिल (مبادل) अ वि —एक चीज को दूसरी चीज से वदलनेवाला।

मुवारक (مبارک) अ. वि.—शुभान्वित, कल्याणकारी, वावरकत, भाग्यशील, खुशकिस्मत; शुभसूचना, खुशखवरी; किसी खुशी के मौके पर कहा जानेवाला शब्द, धन्यवाद, वधाई, मागलिक।

मुवारकअंजाम (مبارک انجام) अ फा. वि.—जिसका परिणाम कल्याणकर हो।

मुवारकक़दम (مبارک قدم) अ. वि —जिसका आगमन शुभदायक हो।

मुवारकदम (مبارک دم) अ. फा वि —जिसकी फूंक से वीमार अच्छे हो; जिसके आशीर्वाद से लोगो का कल्याण हो।

मुवारकवाद (مبارک باد) अ फा. वि —मुवारक हो, कल्याण हो, यह वाक्य प्राय खुशी के अवसर पर एक-दूसरे से कहते हैं, शुभ सूचना, खुशखवरी।

मुवारक सलामत (مبارک سلامت) अ स्त्री —एक दूसरे को मुवारकवाद देना और उनकी सलामती अर्थात् चिरंजीव होन की दुआ करना।

मुवारज़त (مبارزت) अ स्त्री —सग्राम, युद्ध, समर, लडाई, जग, युद्ध क्षेत्र में दोनो ओर से एक-एक योद्धा का निकलकर लडना, यह अरव का प्राचीन नियम था।

मुवारात (مبارات) अ स्त्री.—किसीके साथ झगडा करना, किसीके साथ युद्ध मे पक्ष करना।

मुवारिज़ (مبارز) अ वि —योद्धा, लडाकू, लडनेवाला वीर, एक योद्धा से दूसरे पक्ष का लडनेवाला योद्धा।

मुवालगः (مبالغہ) अ. पु —वात को वढा-चढ़ाकर कहना, अत्युक्ति, अतिरजना।

मुवालगःआमेज़ (مبالغہ آمیز) अ. फा. वि —मुवालगे से भरा हुआ, अतिरंजित।

मुवालग.आमेज़ी (مبالغہ آمیزی) अ. फा स्त्री —सच्ची वात मे अपनी ओर से और कुछ मिलाकर उसे वहुत वढा देना।

मुवालात (مبالات) अ स्त्री.—किसी वात की शका करना, किसी वात से डरना।

मुवाशरत (مباشرت) अ. स्त्री —सहवास, संभोग, रतिक्रीडा, मैथुन, हमविस्तरी।

मुवाशिर (مباشر) अ. वि —मैथुनकर्ता, सहवास करनेवाला।

मुवाह (مباح) अ. वि —विहित, जाइज, जिसका खाना जाइज हो।

मुवाहलः (مباہلہ) अ. पु —एक-दूसरे को शाप देना, एक-दूसरे को कोसना।

मुवाहसः (مباحثہ) अ. पु —वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, वहसो-तम्हीस।

मुवाहात (مباہات) अ स्त्री.—गर्व, फख्र, डीग, शेखी, अभिमान, घमंड।

मुवाहात (مباحات) अ. पु.—वे चीजे जिनका खानपान धर्मशास्त्रानुसार वर्जित न हो।

मुवीन (مبین) अ. वि.—स्पष्ट, व्यक्त, वाजेह, साफ।

मुवैयनः (مبینہ) वयान किया हुआ, कथित।

मुवैयन (مبین) अ वि —दे 'मुवैयन।

मुवैयिन (مبین) अ वि —वयान करनेवाला, कहनेवाला, वक्ता।

मुब्तज़ल (مبتذل) अ वि —अपमानित, तिरस्कृत, वेइज्जत; अधम, नीच, लोफर।

मुब्तदा (مبتدا) अ वि.—शुरू किया गया, प्रारम्भित, जुम्लए इस्मिय. का पहला अंग।

मुब्तदी (مبتدی) अ वि —शुरू करनेवाला, प्रारम्भिक, शुरू की पुस्तके पढनेवाला, पारगत का उलटा; नौसिखिआ, नौमश्क, जिसे अभी अच्छा अभ्यास न हो।

मुब्तदे (مبتدع) अ वि —विद्अती, दीन अर्थात् धर्म मे नयी वात निकालनेवाला।

मुब्तला (مبتلا) अ वि —ग्रस्त, पकडा हुआ, फँसा हुआ; मुग्ध, फिरेफ्त, आसक्त, आशिक, जो परीक्षार्थ आपत्तियो मे फँसाया गया हो।

मुब्तलाए अज़ाव (مبتلائے عذاب) अ वि —पापदंड से पीडित, आपत्तिग्रस्त।

मुब्तलाए अलम (مبتلائے الم) अ वि —दे. 'मुब्तलाए गम'।

मुब्तलाए आफत (مبتلائے آفت) अ. फा वि —आफतो मे फँसा हुआ, सकटापन्न, विपद्ग्रस्त क्लेशग्रस्त।

मुब्तलाए आलाम (مبتلائے آلام) अ वि —भिन्न-भिन्न आपत्तियों मे ग्रस्त, तरह-तरह के दु खो से पीडित।

मुब्तलाए इश्क़ (مبتلائے عشق) अ वि —प्रेम के कष्ट मे फँसा हुआ, प्रेमावद्ध।

मुब्तलाए ग़म (مبتلاے غم) अ वि—गम में गिरिफ्तार, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित, प्रेमाबद्ध, प्रेमग्रस्त।

मुब्तलाए मुसीबत (مبتلاے مصیبت) अ वि—दे 'मुब्तलाए आफ्त'।

मुब्तली (مبتلی) अ वि—आजमाइश के लिए आपत्तियों में फँसानेवाला।

मुब्तसिम (مبتسم) अ वि—मुस्कुरानेवाला, खिलनेवाला।

मुब्तहिज (مبتهج) अ वि—प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित, मसरूर।

मुब्तिल (مبطل) अ वि—खंडन करनेवाला, काट करनेवाला, मिथ्या ठहरानेवाला।

मुब्दल (مبدل) अ वि—बदला हुआ, परिवर्तित, वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बदला गया हो।

मुब्दलमिनहु (مبدل منه) अ पु—जिस शब्द से बदला गया वह शब्द।

मुब्दा (مبدا) अ पु—प्रकट करने का स्थान, आरम्भ करने का स्थान, ईश्वर।

मुब्दिए फ़याज़ (مبدء فیاض) अ पु—बहुत अधिक फ़ैज़ पहुँचानेवाला, अर्थात ईश्वर।

मुब्दे (مبدع) अ वि—अपने मन से कोई निकालनेवाला।

मुब्दे (مبدی) अ वि—आरम्भ करनेवाला, प्रकट करनेवाला, सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

मुब्रम (مبرم) अ वि—दृढ़, मजबूत, अटल, अवश्यभावी।

मुब्लग़ (مبلغ) अ वि—भेजा हुआ, प्रेष्य, रुपया जो थोड़ा न हो, रुपये के साथ लगाया जानेवाला शब्द जिसका अर्थ यह है कि भेजनेवाला खरा रुपया भेज रहा है।

मुब्लिग़ (مبلغ) अ वि—भेजनेवाला।

मुब्हम (مبهم) अ वि—गरवाजेह, अस्फुट, अस्पष्ट, निगूढ़, मुग़लक़।

मुमक्कन (ممکن) अ वि—ठहराया हुआ, स्थिर किया हुआ।

मुमक्किन (ممکن) अ वि—ठहरानेवाला, स्थिर करनेवाला।

मुमज्जद (ممجد) अ वि—प्रतिष्ठित, सम्मानित, पूजित, बुजुर्ग।

मुमद्दद (ممدد) अ वि—जो खींचा गया हो।

मुमद्दिद (ممدد) अ वि—खींचनेवाला, एक दर्द जिसमें शरीर खिंचता है।

मुमय्यज़ (ممیز) अ वि—दूसरे से पृथक किया गया, छाँट कर अलग किया गया, अच्छा जानकर छाँटा गया।

मुमय्यिज़ (ممیز) अ वि—छाँटकर अलग करनेवाला, बुरे भले में अंतर और भेद करनेवाला।

मुमस्सिल (ممثله) अ स्त्री—अभिनेत्री, ऐक्ट्रेस, अदाकार स्त्री।

मुमस्सिल (ممثل) अ पु—अभिनेता, ऐक्टर, अदाकार।

मुमानअत (ممانعت) अ स्त्री—निषेध, प्रतिषेध, मनाही, रोक।

मुमारसत (ممارست) अ स्त्री—अभ्यास, मश्क़, अनुभव, तज्रिबा, काम में कोशिश और मेहनत।

मुमारात (ممارات) अ स्त्री—किसी के साथ जाना, शत्रुता करना, युद्ध करना।

मुमारिस (ممارس) अ वि—काम में कोशिश करनेवाला, अभ्यस्त, मश्शाक़, अनुभवी, तज्रिबाकार।

मुमास (مماس) अ वि—घिसा हुआ, घिसनेवाला, घिसने की जगह।

मुमासख़त (مماسخت) अ स्त्री—अच्छी सूरत को बुरी सूरत में परिवर्तित कर देना।

मुमासलत (مماثلت) अ स्त्री—एक-जैसा होना, सदृशता, एकरूपता, हमशक्ली, समानता, बराबरी।

मुमासिख़ (ممامسخ) अ वि—अच्छे रूप को कुरूपता में परिवर्तित कर देनेवाला।

मुमासिल (مماثل) अ वि—सदृश, एकरूप, हमशक्ल, समान, बराबर।

मुमिद [द्द] (ممد) अ वि—सहायक, मददगार, पक्षपाती, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मुमिर [र्र] (ممر) अ वि—गुजरनेवाला, जानेवाला।

मुम्किन (ممکن) अ वि—हो सकनेवाली बात, संभव, शक्य, संभाव्य, शक्ति, ताक़त, सामर्थ्य, मक़्दूर।

मुम्किनात (ممکنات) अ पु—'मुम्किन' का बहु, वे बातें जिनका होना संभव हो।

मुम्किनुलअमल (ممکن العمل) अ वि—जिस पर अमल करना संभव हो।

मुम्किनुलइलाज (ممکن العلاج) अ वि—जिसकी चिकित्सा (इलाज) संभव हो।

मुम्किनुलवुजूद (ممکن الوجود) अ वि—जिसका होना और न होना दोनों अनावश्यक हो, अर्थात मानवजाति।

मुम्किनुलहुसूल (ممکن الحصول) अ वि—जिसका मिलना संभव हो, प्राप्य।

मुम्तद (ممتد) अ वि—खींचा हुआ, लम्बा, दराज।

मुम्तने (ممتنع) अ वि—निषेधक, रोकनेवाला।

मुम्तली (ممتلی) अ वि—भरा हुआ, पूर्ण।

मुम्तहन (ممتحن) अ वि—जिसकी परीक्षा ली जाय, परीक्षित, आजमाया हुआ।

मुम्तहन (ممتهن) अ वि—तिरस्कृत, अपमानित, निन्दित, बेइज्जत।

मुम्तहिन (ممتحن) अ वि –इम्तिहान लेनेवाला, परीक्षक।

मुम्ताज़ (ممتاز) अ. वि –बहुतो मे से चुनकर अलग किया हुआ, प्रतिष्ठित, समानित, मुअज्जज, मुख्य, विशिष्ट, खास।

मुम्तिर (ممطار)अ वि –बरसनेवाला बादल।

मुम्सिक (ممسک) निकलने से रोकनेवाला, कृपण, कजूस, बख़ील।

मुर [र्र] (مر) अ. वि.–कडवा, कटु, तल्ख, मुरमक्की, एक गोद जो दवा मे चलता है।

मुरक्कब (مرکب) अ. वि –मिश्रित, मिला हुआ; वह दवा जो कई दवाओ से मिलकर बनी हो।

मुरक्कबात (مرکبات) अ पु –'मुरक्कब' का बहु, मुरक्कब दवाएँ।

मुरक़्क़म (مرقم) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

मुरक़्क़ा (مرقع)अ.पु –चित्र, तस्वीर, तस्वीरो का अल्बम, चित्रावली।

मुरख़्ख़म (مرخم) अ वि –मुलाइम किया हुआ, वह शब्द जिसका अतिम अक्षर हटा दिया गया हो।

मुरख़्ख़स(مرخص)अ. वि –रुखसत किया गया, जिसे जाने की आज्ञा दे दी गयी हो, जो विदा कर दिया गया हो।

मुरग़्ग़न (مرغن) फा. वि.–तेल या घी मे तरतराता हुआ, घी मे तरबतर।

मुरज्जज (مرجز) अ वि –वह गद्य जिसके वाक्य परस्पर सतुलित और सानुप्रास हो।

मुरज्जब (مرجب) अ. वि.–प्रतिष्ठित, संमानित।

मुरत्तब (مرتب) अ. वि –क्रमबद्ध किया हुआ, सिलसिले से लगाया हुआ क्रमागत, सपादित, समाहृत, संगृहीत।

मुरत्तब (مرطب) अ वि –जिसको तर किया हो, जिसे तरी पहुँचायी गयी हो।

मुरत्तिब (مرتب) अ वि –क्रमबद्ध करनेवाला, सग्रह करनेवाला।

मुरत्तिब (مرطب) अ. वि –ठड पहुँचानेवाला, तरी पहुँचानेवाला।

मुरद्दद (مردد) अ वि –जिसका खडन किया गया हो।

मुरद्दफ़ (مردف) अ वि –रदीफ के हिसाब बनाया हुआ, रदीफवार किया हुआ।

मुरद्दिद (مردد)अ.वि –खडन करनेवाला, तर्दीद करनेवाला।

मुरफ़्फ़ह (مرفہ) अ वि–सम्पन्न, समृद्ध, आसूदा।

मुरफ़्फ़हहाल (مرفہحال) अ. वि –धनाढ्य, मालदार, धनी, सम्पन्न।

गलाकर शक्कर के किवाम मे रखा गया हो।

मुरब्बा' (مربع) अ. वि –वह समकोण चतुर्भुज जिसकी सब रेखाएँ बराबर हो, वर्गाकार, चौखूँटा।

मुरब्बी (مربی) अ वि –पालनेवाला, सरपरस्त, अभिभावक।

मुरमक्की (مرمکی) अ. स्त्री.–एक गोद जो दवा के काम आता है।

मुरम्मम: (مرممہ)अ वि –संशोधित, तर्मीम किया हुआ।

मुरम्मम (مرمم) अ. वि.–दे. 'मुरम्मम.'।

मुरम्मिम (مرمم)अ वि –संशोधनकर्ता, तर्मीम करनेवाला।

मुरव्वक़ (مروق) अ वि.–किसी वनस्पति के पत्तो आदि का कोट का निकाला हुआ अरक जिसे आग पर पकाकर उसकी हरियाली दूर कर दी गयी हो।

मुरव्वज: (مروجہ) अ वि –प्रचलित, राइज, जिसका रवाज या चलन हो।

मुरव्वज (مروج) अ. वि –दे 'मुरव्वज.'।

मुरव्वत (مروت) अ. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण 'मुरुव्वत' है, परन्तु उर्दू मे 'मुरव्वत' ही बोलते है, शील संकोच, लिहाज; रिआयत।

मुरव्वतकेश (مروتکیش) अ. फा वि –जिसमे मुरव्वत बहुत हो।

मुरव्वतन (مروتاً) अ वि.–मुरव्वत के खयाल से, मुरव्वत मे।

मुरव्वतशिआर (مروتشعار) अ वि –जिसके स्वभाव मे मुरव्वत हो।

मुरव्विज (مروج) अ वि –रवाज देनेवाला, प्रचार करनेवाला, राइज करनेवाला।

मुरव्विह (مروح) अ. वि –आनन्द देनेवाला, रत्नजटित, सुगध फैलानेवाला।

मुरस्सा (مرصع) अ वि –जडाऊ, जटित, सुसज्जित, आरास्त, सस्कृत, शुस्त।

मुरस्साकार (مرصعکار) अ फा वि –जेवर मे नगीने और जवाहिर जडनेवाला, जडिया, नगीने जडा हुआ, रत्नजटित, जटित, खचित।

मुरस्साकारी (مرصعکاری) अ फा स्त्री –जेवरो मे नगीने जडने का काम।

मुरस्सा गजल (مرصعغزل) अ फा –सुसज्जिता गजल, सपूर्ण अलंकृता गजल।

मुरस्सा'निगार (مرصعنگار) अ फा वि.–जिसका लिखना बहुत अच्छा हो, जो लिखने मे नगीने से जड़ता हो; जडाऊ, जटित।

मुरस्सा'निगारी (مرصع نگاری) अ फा स्त्री –खुशनवीसी।
मुरस्सासाज (مرصع ساز) अ फा वि –दे 'मुरस्साकार'।
मुराआत (مراعات) अ स्त्री –रक्षा, देख रेख रिआयत मुरव्वत कनखियो मे देखना।
मुराआतुन्नज़ीर (مراعات النظیر) अ स्त्री –एक शब्दालकार जिसम एक चीज़ के वणन में उससे सबद्ध और चाज़ो को भी लाया जाय जसे—धनुष के साथ बाण निषग अथवा प्रत्यचा आदि का उल्लेख हो।
मुराई (مرائی) अ वि –रिआयत करनेवाला देख रेख करनेवाला चरानेवाला।
मुराक्बः (مراقبه) अ पु –ससार से हटकर ईश्वर में ध्यान लगाना, समाधि अवधान, योग धारणा।
मुराकिब (مراقب) अ वि –समाधिस्थ मुराक्बे में गया हुआ, अतर्लीन।
मुराख्तः (مراخته) फा पु –परस्पर रेख्ता में कलाम सुनाना रेख्ते का मुशाअरा।
मुराग़बत (مراغبت) अ स्त्री –इच्छा अभिलाषा, ख्वाहिश, रुचि रग़बत।
मुराजअत (مراجعت) अ स्त्री –वापस आना प्रत्यागमन।
मुराज़अत (مراضعت) अ स्त्री –दूसरे के बालक को दूध पिलाना।
मुराजे (مراجع) अ वि –वापस आनेवाला लौटनेवाला प्रत्यागामी।
मुराद (مراد) अ स्त्री –इच्छा कामना अभिलाषा आर्जू आशय उद्देश्य मक्सद मन्नत मानता।
मुरादिफ (مرادف) अ वि –किसी के पीछे बठनेवाला वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द का समानार्थक हो।
मुरादिफुलमा'ना (مرادف المعنی) अ वि –पर्यायवाची समानार्थक।
मुरादी (مرادی) अ वि –आशय के अनुकूल काल्पनिक क्रियामी आना के साथ लगनवाला शब्द जसे—'मुरादी आठ आना'।
मुराफ़अ (مرافعه) अ पु –अपील पुनर्विचार प्राथना पुनर्याय प्राथना।
मुराफ़क़त (مرافقت) अ स्त्री –सहचारिता हमराही मत्री दोस्ती।
मुराफ़िक़ (مرافق) अ वि –सहचर साथी मित्र दोस्त।
मुराफ़े (مرافع) अ वि –अपील करनवाला पुनर्वादी पुनरावेदक।
मुराबहत (مرابحت) अ स्त्री –लाभ उठाकर किसी वस्तु का बेचना।

मुरासल (مراسله) अ पु –पत्र चिट्ठी ख़त।
मुरासलत (مراسلت) अ स्त्री –पत्र-व्यवहार ख़तो कितावत।
मुरासलात (مراسلات) अ पु –मुरासलत का बहु, आपसी पत्र-व्यवहार के काग़ज़ात।
मुराहिक़ (مراهق) अ पु –वह लडका जो बालिग होन के करीब हो अकुरित यौवन।
मुरव्वत (مروت) अ स्त्री –शील सकोच, लिहाज़ रिआयत आदर इज्ज़त शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उर्दू में 'मुरव्वत' अधिक बोलते ह।
मुरीद (مرید) अ वि –शिष्य चेला धमगुरु का अनुयायी।
मुरीदी (مریدی) अ स्त्री –मुरीद का पद मरीद का कतव्य।
मुरूर (مرور) अ पु –जाना, गमन करना व्यतीत होना, बीतना।
मुरूरे ऐयाम (مرور ایام) अ पु –समय बीतना वक्त गुज़रना।
मुर्ग़ (مرغ) फा पु –पक्षी खग विहग शकुन अ चिड़िया कुक्कुट मुर्ग़ा।
मुर्ग़अदाज़ (مرغ انداز) फा पु –वह निवाला (कौर) जो बिना चबाये निगल लिया जाय।
मुर्ग़बाज़ (مرغ باز) अ फा वि –जो मुर्गों की पाली कर उन्हें लडाता है।
मुर्ग़बाज़ी (مرغ بازی) फा स्त्री –मुर्गों की पाली लडाना।
मुर्ग़े आतशख्वार (مرغ آتش خوار) फा पु –आग खा वाली चिड़िया, चकोर समन्दर।
मुर्ग़े क़फ़स (مرغ قفس) फा पु –वह चिड़िया जो पिं में बद हो।
मुर्ग़े क़िब्लःनुमा (مرغ قبله نما) फा अ पु –कुतुबनुमा सुई।
मुर्ग़े गिरिफ्तार (مرغ گرفتار) फा पु –वह चिड़िया जिस पाव म डोरा बधा हो या जो पिंजड़े में कद हो।
मुर्ग़े दस्तआमोज़ (مرغ دست آموز) फा वि –वह चिड़िया जो हाथ पर सधायी जाती है।
मुर्ग़े नामःबर (مرغ نامه بر) फा पु –ख़त ले जानेवाली चिड़िया कबूतर हुदहुद।
मुर्ग़े बामसर (مرغ بام سر) फा पु –बाम पर बसेरा रखनेवाली चिड़िया हुदहुद।
मुर्ग़े सहर (مرغ سحر) फा अ पु –सवेरे बोलनेवाली चिड़िया कुक्कुट बुलबुल।

मुर्ज़िअः (مرضعه) अ. स्त्री.–दूध पिलानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

मुर्तइश (مرتعش) अ. वि–कपायमान, हिलता हुआ, स्पन्दमाना।

मुर्तकिव (مرتكب) अ वि–पाप या दोप का करनेवाला।

मुर्तज़वी (مرتضوی) अ वि–मुर्तजा अर्थात् हज़्रतअली से सम्बन्धित, हज़्रतअली का।

मुर्तज़ा (مرتضی) अ वि–रोचक, मनोवाछित, पसंदीद; हज़्रत अली की उपाधि, हज़्रतअली।

मुर्तद [द] (مرتد) अ वि–जो अपना धर्म छोडकर दूसरे के धर्म मे चला जाय, विधर्मी।

मुर्तफ़े' (مرتفع) अ वि–उच्च, उत्तुग, ऊँचा, वलद।

मुर्तशी (مرتشی) अ वि–रिशवत लेनेवाला, उत्कोचक।

मुर्तसम (مرتسم) अ वि–अकित, नक्श।

मुर्तसिम (مرتسم) अ वि.–नक्श कवूल करनेवाला।

मुर्ताज़ (مرتاض) अ वि–तपस्वी, इवादत करनेवाला, इद्रियनिग्रही, नफ्सकुश।

मुर्दः (مرده) फा पु–मृत, निष्प्राण, मरा हुआ, मृतक, मरा हुआ आदमी या प्राणी; दुर्वल, अशक्त, कमजोर, मरयल, वहुत अविक वूढा; वुझी हुई आग या चिराग; खिन्न, अफ्सुर्द, शव, लाश।

मुर्दःख़ोर (مرده‌خور) फा वि–मुर्दारख़्वार, मृताशी, मृतभोजी।

मुर्दःदिल (مرده‌دل) जिसका मन वहुत ही उचाट और नीरस हो, मृतहृदय, हतमानस, हतचित्त।

मुर्दःदिली (مرده‌دلی) फा स्त्री–मन का खिन्न और मलिन होना।

मुर्दःशो (مرده‌شو) फा वि.–मृतक शरीर को स्नान करानेवाला, मृतस्नापक।

मुर्दःसग (مرده‌سنگ) फा पु–एक पत्थर जो दवा के काम आता है, मुर्दासख।

मुर्दगाँ (مردگاں) फा पु.–'मुर्द' का वहु, मरे हुए लोग।

मुर्दनी (مردنی) फा वि–मृत्यु के चिह्न जो मरते समय मनुष्य के मुख पर प्रकट होते है, मृत्यु, मरण, मौत।

मुर्दाद (مرداد) फा पु–ईरानी पाँचवाँ महीना, जो हिंदी के भादो से मिलता है।

मुर्दार (مردار) फा वि–वह पशु जो अपनी मौत से मर गया हो, मृत पशु, अपवित्र, नापाक, मृतक, निष्प्राण (पशु आदि); कुलटा, व्यभिचारिणी, फाहिशा, एक तिरस्कार का शब्द जो क्रोध के समय स्त्री के लिए वोला जाता है।

मुर्दारख़्वार (مردارخوار) फा वि.–मरे हुए जीव को खानेवाला, मृताशी।

मुर्दारसंग (مردارسنگ) फा पु–एक पत्थर-जैसा पदार्थ जो दवा मे काम आता है, मुर्दासख, लघुतिक्त।

मुर्शिद (مرشد) अ. वि–धर्म-गुरु, पीर, (व्यग) धूर्त, वचक, चालाक।

मुर्शिदज़ाद: (مرشدزاده) अ. फा. पु–धर्मगुरु का पुत्र, पीर का वेटा।

मुर्शिदे कामिल (مرشد کامل) अ पु–पहुँचा हुआ पीर, वहुत वडा वली, महायोगी।

मुर्सलः (مرسله) अ. वि–भेजी हुई वस्तु, प्रेपित।

मुर्सल (مرسل) अ वि–भीजा हुआ, वह पैगवर जिस पर कोई इलहामी किताव उतरी हो।

मुर्सलइलैह (مرسل الیه) अ वि–जिसको भेजा जाय, जिसको कोई चीज भेजी गयी हो।

मुर्सलीन (مرسلین) अ. पु–'मुर्सल' का वहु, वह रसूल जिन पर दिव्य ग्रंथ उतरे हो।

मुर्सिल (مرسل) अ. वि–भेजनेवाला, प्रेपक, इर्साल (प्रेपण) करनेवाला।

मुल (مل) फा स्त्री.–मदिरा, सुरा, शराव।

मुलक़्क़ब (ملقب) अ. वि–उपाधित, लकव दिया गया।

मुलख़्ख़स (ملخص) अ वि.–सक्षिप्त, खुलासा, तत्त्व, सार।

मुलज़्ज़िज़ (ملذذ) अ वि–आनद देनेवाला, वह दवा जो लिंगेद्रिय पर लगा लेने से सहवास का आनद वढा दे।

मुलत्तिफ़ (ملطف) अ वि–वह औपध जो दूपित धातुओं को पतला कर दे।

मुलम्मा' (ملمع) अ पु–गिलिट किया हुआ, चाँदी या सोने का पानी चढाया हुआ, कलई।

मुलम्मा'कार (ملمع‌کار) अ फा वि–मुलम्मो का काम करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट मे कुछ, चापलूस, चाटुकार।

मुलम्माकारी (ملمع‌کاری) अ फा स्त्री–मुलम्मे का काम बनाना, चाटुकारी, चापलूसी।

मुलम्मागर (ملمع‌گر) अ फा वि–मुलम्मे का काम वनानेवाला।

मुलम्मा'साज़ (ملمع‌ساز) अ फा वि–दे. 'मुलम्मागर'।

मुलम्मा'साज़ी (ملمع‌سازی) अ. फा स्त्री–मुलम्मे का काम वनाना।

मुलय्यिन (ملین) अ वि–नर्मी पैदा करनेवाला, वह दवा जो पेट को नर्म करके असानी से पाखाना लाये, हलकी रेचक दवा।

मुलव्वन (ملون) अ वि–रंग किया हुआ, रंजित रंग विरंगी, चित्र विचित्र।
मुलव्वस (ملوث) अ वि–लिथड़ा हुआ, सना हुआ, किसी पाप या अपराध में भागीदार।
मुलव्विन (ملون) अ वि–रंगनेवाला, रजक।
मुलाअबत (ملاعبت) अ स्त्री–खेलकूद क्रीडा, मनोविनोद आमोद प्रमोद तफ़रीह चूमा चाटी प्यार का खेल।
मुलाअमत (ملائمت) अ स्त्री–नर्मी, कोमलता, दो चीजों का इकट्ठा करना दे मुलायमत।
मुलाइब (ملاعب) अ वि–खेलनेवाला क्रीडा करनेवाला।
मुलाइम (ملائم) अ वि–नर्म कोमल नाजुक मृदुल स्नीग्ध सूक्ष्म, मधुर, धीरी धीमा ठंडा।
मुलाक़ात (ملاقات) अ स्त्री–एक दूसरे से मिलना भेंट साक्षात्कार परिचय जान पहचान मेल मिलाप मैत्री, प्रेम व्यवहार सहवास हमबिस्तरी।
मुलाक़ाती (ملاقاتی) अ वि–मेल-जोल का व्यक्ति, मित्र जो प्राय मिलने आता रहता हो।
मुलाक़ाते बाजदीद (ملاقات بازدید) अ फा स्त्री–किसी के मिलने के लिए आने पर उस के घर मिलने जाना।
मुलाक़ी (ملاقی) अ वि–मिलनेवाला संयुक्त, मित्र दोस्त मुलाक़ाती।
मुलाज़मत (ملازمت) अ स्त्री–किसी के पास बराबर रहना सेवा नौकरी बड़े व्यक्ति की मुलाक़ात।
मुलाज़मतपेशा (ملازمت پیشہ) अ फा वि–जिसकी गुज़र बसर का सहारा नौकरी हो।
मुलाज़िमा (ملازمہ) अ स्त्री–नौकरानी दासी परिचारिका।
मुलाज़िम (ملازم) अ पु–दास खिदमतगार सेवक नौकर।
मुलातफ़ (ملاطفہ) अ पु–कृपा दया अनुग्रह नम्रता विनीति खाकसारी कोमलता नर्मी कृपापत्र इनायत नामा।
मुलातफ़त (ملاطفت) अ स्त्री–कृपा दया नम्रता आजिज़ी कोमलता नर्मी।
मुलाबसत (ملابست) अ स्त्री–एक दूसरे के सदृश होना एकरूपता।
मुलायमत (ملايمت) अ स्त्री–कोमलता नर्मी दो चीज़ों का एक जगह करना।
मुलाहज़ा (ملاحظہ) अ पु–ध्यान गौर करना अनुशीलन लिहाज सम्मुख सामने।
मुलूक (ملوک) अ पु–'मलिक' का बहु बादशाह लोग।
मुलूकाना (ملوکانہ) अ फा वि–बादशाहों-जैसा शाही।

मुलय्यिन (ملين) अ वि–दे 'मुलय्यिन'।
मुल्क (ملک) अ पु–देश राष्ट्र, सल्तनत, जन्मभूमि वतन क्षेत्र, इलाका।
मुल्कगीरी (ملک گیری) अ फा स्त्री–दूसरे देशों का जीतना दूसरे देशों को अपने अधीन करना।
मुल्करानी (ملکرانی) अ फा स्त्री–राज करना, शासन करना, हुकूमत करना।
मुल्कसितानी (ملکستانی) अ फा स्त्री दे 'मुल्कगीरी'
मुल्की (ملکی) अ वि–देशीय, देश का, देशनिवासी देश का रहनेवाला, देशी नेटिव।
मुल्के अदम (ملک عدم) अ पु–यमलोक परलोक, जहाँ मरकर जाते हैं।
मुल्के ख़मोशाँ (ملک خموشاں) अ फा पु–मुर्दों का देश श्मशान भूमि कब्रिस्तान।
मुल्के फ़ना (ملک فنا) अ पु–नश्वर जगत संसार, दुनिया।
मुल्के बक़ा (ملک بقا) अ पु–वह जगत जहाँ हमेशा रहना है परलोक।
मुल्ज़मा (ملزمہ) अ स्त्री–अपराधिनी जुर्म करनेवाली स्त्री।
मुल्ज़म (ملزم) अ पु–अपराधी अभियोगी कुसूरवार जिस पर अपराध लगाया गया हो।
मुल्ज़िम (ملزم) अ वि–इल्ज़ाम या अपराध लगानेवाला, किसी चीज़ को अपने ऊपर लाज़िम करनेवाला।
मुल्तक़त (ملتقط) अ वि–बीना हुआ, चुना हुआ, उठाया हुआ रफ़ू किया हुआ।
मुल्तक़ित (ملتقط) अ वि–चुननेवाला रफ़ू करनेवाला, उठानेवाला।
मुल्तज़िम (ملتزم) अ वि–अपने ऊपर लाज़िम या ज़रूरी करनेवाला।
मुल्तजी (ملتجی) अ वि–प्रार्थना करनेवाला, निवेदक प्रार्थी कहनेवाला, अर्ज़ करनेवाला, इच्छुक ख़ाहिशमंद।
मुल्तफ़ित (ملتفت) अ वि–आकृष्ट प्रवृत्त रुजूअ।
मुल्तबस (ملتبس) अ वि–जो छिपाया गया हो जिस पर गुनहा किया गया हो।
मुल्तमिस (ملتمس) अ वि–प्रार्थना करनेवाला निवेदक कहनेवाला।
मुल्तवी (ملتوی) अ वि–रुकनेवाला, रुका हुआ स्थगित।
मुल्तहब (ملتہب) अ वि–भड़का हुआ।
मुल्तहम (ملتحم) अ वि–भरा हुआ घाव, वह ज़ख्म जो अच्छा हो गया हो।

मुल्तहिब (ملتہب) अ. वि.–लपटें देनेवाली आग, वह आग जिसमें से लपटें निकल रही हों।

मुल्तहिमः (ملتحمہ) अ. स्त्री.–आँख का एक पर्दा, चक्षु-पटल।

मुल्ला (ملّا) अ.पु.–मौलवी, फाज़िल; मस्जिद में अज़ान देनेवाला, मक्तब में छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला।

मुल्लाए मक्तबी (ملاے مکتبی) अ पु.–मक्तब में छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला अर्थात् कम इल्म।

मुल्हक़ (ملحق) अ. वि–चिपका हुआ, जुड़ा हुआ, मिला हुआ।

मुल्हिक़ (ملحق) अ. वि.–जुड़नेवाला; मिलनेवाला; वह चीज़ जो किसी चीज़ के आखिर में जोड़ दी जाय।

मुल्हिक़ात (ملحقات) अ. पु.–'मुल्हिक़' का बहु., आख़ीर में जोड़ी हुई चीज़ें।

मुल्हिद (ملحد) अ. वि.–नास्तिक, विधर्मी, अनीश्वर-वादी, खुदा पर यक़ीन न रखनेवाला।

मुल्हिदानः (ملحدانہ) अ. वि–मुल्हिदों-जैसा, विधर्मियों-जैसा, धर्म के विरुद्ध।

मुल्हिम (ملہم) अ. वि.–हृदय में बात डालनेवाला, वह दैवी शक्ति जो मन को सचेत करती है, कान्शेन्स।

मुल्हिमेग़ैब (ملہم غیب) अ. पु.–हृदय में ग़ैब से बात डालने-बोलनेवाला, भविष्य की बात से सूचित करनेवाला।

मुवक़्क़र (موقر) अ. वि–प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़।

मुवक्किल (موکل) अ. पु.–देवता, हर काम के लिए नियुक्त एक फ़िरिश्ता, वकील का असामी, जो अपना मुक़द्दमा वकील को देता है; वह रूह जिसे आमिल वश में करता है।

मुवज्जल (موجل) अ. वि–वह मह्र जो तुरत न अदा किया जाय।

मुवज्जह (موجہ) अ. वि.–उचित, मुनासिब, यथार्थ, ठीक, प्रमाणित, तर्क संगत, मुदल्लल।

मुवद्दत (مودت) अ. स्त्री–दे. शुद्ध उच्चारण 'मवद्दत' यह उच्चारण बिलकुल ग़लत है।

मुवस्सा (موصیٰ) अ वि.–जिसे वसीयत की गयी हो।

मुवस्सी (موصی) अ. वि–वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र-कर्ता, उत्तर साधक।

मुवह्हिद [मुवहिद] (موحد) अ वि.–ईश्वर को एक माननेवाला; एक सम्प्रदाय जो केवल ईश्वर को मानता है, उसके सब अवतारों को या किताबों आदि को नहीं मानता।

मुवह्हिदानः (موحدانہ) अ. फा. वि–मुवह्हिदों-जैसा।

मुवह्हिश (موحش) अ. वि–भगानेवाला।

मुवाख़ज़ः (مواخذہ) अ. पु.–दे. 'मुआख़ज़ः', शुद्ध उच्चारण यही है।

मुवाख़ात (مواخات) अ. स्त्री.–दे 'मुआमुख़ात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़नः (موازنہ) अ. पुं.–दे 'मुआज़न', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़बत (مواظبت) अ. स्त्री.–काम में लगा रहना, किसी काम को नित्यप्रति करते रहना।

मुवाज़रत (موازرت) अ स्त्री.–मंत्री का पद ग्रहण करना, मंत्री बनना, मंत्री का काम करना, वज़ीरी।

मुवाजहः (مواجہہ) अ पु.–सम्मुख होना, आमने-सामने होना।

मुवाज़ात (موازات) अ.स्त्री.–मुक़ाबला, बराबरी, समानता।

मुवाज़ी (موازی) अ. वि–मुक़ाबिल, बराबर, बराबर-बराबर।

मुवातात (مواطات) अ स्त्री–अनुकूलता, मुआफ़क़त।

मुवादअत (موادعت) अ स्त्री.–एक-दूसरे से विदा होना; विदा करना।

मुवानसत (موانست) अ. स्त्री.–दे. 'मुआनसत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़क़त (موافقت) अ. स्त्री–दे 'मुआफ़कत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़िक़ (موافق) अ. वि.–दे. 'मुआफ़िक़', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवामरत (موامرت) अ. स्त्री.–दे. 'मुआमरत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाला (موالا) अ. पु.–'मुवालात' का लघु, दे. 'मुवालात'।

मुवालात (موالات) अ. स्त्री.–परस्पर मैत्री; परस्पर सहयोग, दे. 'मुआलात', दोनों शुद्ध हैं।

मुवासलत (مواصلت) अ. स्त्री–मुलाक़ात, मेल; सहवास, हमबिस्तरी।

मुवासा (مواسا) अ. पुं.–दे. 'मुआसा', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवासात (مواسات) अ. स्त्री–दे. 'मुआसात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाहनत (مواہنت) अ. स्त्री.–आलस्य, सुस्ती, काहिली।

मुवाहबत (مواہبت) अ. स्त्री.–दान, प्रदान, बख़्शिश।

मुवाहिन (مواہن) अ. वि.–आलसी, काहिल, सुस्त।

मुवाहिब (مواہب) अ वि–प्रदाता, बख़्शिश करनेवाला।

मुशंग (مشنگ) फा. पु.–डाकू, लुटेरा, दस्यु; एक अनाज।

मुशक्कल (مشکل) अ. वि–साकार, साक्षात्, किसी विशेष शक्ल में आया हुआ।

मुशख्खस (مشخص) अ वि–परीक्षित जाँचा हुआ, अनुमानित अंदाज़ा किया हुआ, तश्ख़ीस अर्थात् रोग निदान किया हुआ।

मुशज्जर (مشجر) अ वि–बेल-बूटे बना हुआ एक बेल बूटेदार कपड़ा एक पत्थर जिस पर प्रायः वृक्षों के चित्र बने होते हैं।

मुशत्तत (مشتت) अ वि–अस्त-व्यस्त परागन्दा चिंतित, फ़िक्रमंद उद्विग्न परेशान।

मुशद्दद (مشدد) अ वि–वह अक्षर जिस पर तश्दीद हो, जो दो बार पढ़ा जाय।

मुशब्बक (مشبک) अ वि–जालीदार जिसमें बहुत से छेद हों।

मुशब्बह (مشبہ) अ पु–वह वस्तु जिसे किसी दूसरी वस्तु से उपमा दी जाय उपमेय। जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो मुख मुशब्बह अर्थात् उपमेय है।

मुशब्बहबिही (مشبہ بہ) अ पु–वह वस्तु जिससे किसी वस्तु की उपमा की जाय उपमान उपमित, जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो चंद्र 'मुशब्बहबिही' अर्थात् उपमान है।

मुशब्बेह (مشبہ) अ वि–उपमा देनेवाला।

मुशय्यन (مشین) अ वि–शानदार रोब-दाबवाला रूपवान सुंदर।

मुशर्रफ़ (مشرف) अ वि–प्रतिष्ठित सम्मानित इज़्ज़त दिया गया।

मुशर्रह (مشرح) अ वि–जिसकी व्याख्या हो गयी हो व्याख्यात विस्तृत भाष्य।

मुशर्रेह (مشرح) अ वि–व्याख्या करनेवाला व्याख्याता भाष्यकार।

मुशव्वश (مشوش) अ वि–घबराया हुआ उद्विग्न परेशान।

मुशव्वा (مشوا) अ वि–भुना हुआ भृष्ट।

मुशव्विश (مشوش) अ वि–घबरा देनेवाला परेशान करनेवाला।

मुशश्दर (ششدر) फ़ा वि–चकित निस्तब्ध शश्दर।

मुशह्हर (مشہر) अ वि–जिसकी शोहरत हो कीर्तिवान यशस्वी नेकनाम जो बहुत प्रसिद्ध हो सुप्रसिद्ध विख्यात।

मुशही (مشہی) अ वि–भूख लगानेवाली दवा।

मुशाअरः (مشاعرہ) अ पु–बहुत-से कवियों का एक जगह बैठकर परस्पर कविता सुनाना, कवि-गोष्ठी कवि-सम्मेलन बहुत-से आदमियों के सम्मुख कविता सुनाना।

मुशाकलत (مشاكلت) अ स्त्री–एक रूपता, सदृशता एक जैसी शक्ल होना।

मुशाकिल (مشاكل) अ वि–सहरूप सदृश, हम शक्ल दे 'बहुे मुशाकिल'।

मुशाजरः (مشاجرہ) अ पु–दे 'मुशाजरत'।

मुशाजरत (مشاجرت) अ स्त्री–प्रतिकूलता मुख़ालफ़त विरोध।

मुशातमत (مشاتمت) अ स्त्री–एक दूसरे को गाली गलौज करना।

मुशाफ़ह (مشافہہ) अ पु–सम्मुखता आमना-सामना।

मुशा'बद (مشعبد) अ वि–जिस चीज़ का शा'बदा दिखाया जाय।

मुशाबहत (مشابہت) अ वि–एक रूपता हमशक्ली, समानता, बराबरी।

मुशा'बिद (مشعبد) अ वि–बाज़ीगर मायावी छली फ़रेबी लीलाकार कौतुकी।

मुशाबेह (مشابہ) अ वि–एकरूप, सदृश हम शक्ल तुल्य समान, बराबर।

मुशायअत (مشايعت) अ स्त्री–किसी की बिदा के समय थोड़ी दूर उसके साथ चलना जनाज़े के साथ जाना।

मुशार (مشار) अ वि–जिसकी ओर संकेत किया जाय संकेतित।

मुशारकत (مشاركت) अ स्त्री–साझा भागादारी शिरकत।

मुशारुन इलैह (مشار اليہ) अ वि–जिसकी ओर संकेत किया जाय उक्त कथित उपलक्षित मज़्कूर।

मुशावरत (مشاورت) अ स्त्री–परस्पर परामर्श और विचार विनिमय करना परामर्श, मश्वरः।

मुशाविर (مشاور) अ वि–परामर्शदाता मश्वरः करनेवाला।

मुशा'शा (مشعشع) अ वि–दीप्त ज्योतिर्मय रौशन।

मुशाहदः (مشاہدہ) अ पु–निरीक्षण दर्शन देखना, अनुभव तजरिबा।

मुशाहदात (مشاہدات) अ पु–मुशाहदः का बहु, देखी हुई वस्तुएँ तजरिबात।

मुशाहरः (مشاہرہ) अ पु–माहवारी तनख़्वाह मासिक वेतन।

मुशाहिद (مشاہد) अ पु–मुशाहदः करनेवाला, देखनेवाला किसी विशेष कार्य को देखने और उसके सम्बन्ध में गवाही देनेवाला व्यक्ति आबज़र्वर।

मुशाहिदीन (مشاہدين) अ पु–मुशाहदः करनेवालों की जमाअत आबज़र्वर्स।

मुशीर (مشیر) अ. वि.—परामर्शदाता, मश्वरा देनेवाला, सलाहकार।

मुशैयन (مشین) अ वि.—दे 'मुशय्यन'।

मुश्क (مشک) फा. पुं.—कस्तूरी, कस्तूरिका, मिश्क।

मुश्कअफ़्शाँ (مشک افشاں) फा वि —मुश्क छिड़कनेवाला अर्थात् अत्यत सुगंधित।

मुश्कआहू (مشک آہو) फा. पु —वह हिरन जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है, कस्तूरी मृग, पुष्कालक।

मुश्कनाफ़ः (مشک نافہ) फा. पु —कस्तूरी की थैली, मृग-नाभि।

मुश्कपाश (مشک پاش) फा. वि —दे. 'मुश्कबार'।

मुश्कफ़ाम (مشک فام) फा वि —कृष्ण वर्ण, काले रग का।

मुश्कफ़िशाँ (مشک فشاں) फा. वि.—दे. 'मुश्कअफ़्शाँ'।

मुश्कबार (مشک بار) फा वि —सुगध वर्षक, मुश्क-जैसी सुगध फैलानेवाला, अर्थात् बहुत खुशबूदार।

मुश्कबू (مشک بو) फा. वि.—कस्तूरी-जैसी सुगंध रखने-वाला।

मुश्कबेज़ (مشک بیز) फा. वि —दे-'मुश्कबार'।

मुश्कबेद (مشک بید) फा. पु —बेद की एक जाति जो बहुत सुगंधित होता है और जिसके पत्तो का अरक 'बेद मुश्क' कहलाता है।

मुश्करंग (مشک رنگ) फा वि —मुश्क-जैसे रग का।

मुश्कसा (مشک سا) फा वि.—मुश्क-जैसा खुशबूदार।

मुश्कसार (مشک سار) फा. वि —दे 'मुश्कसा'।

मुश्काब (مشقاب) तु स्त्री.—बड़ी रिकाबी, काब, दे 'बुशकाब'।

मुश्किल (مشکل) अ स्त्री —कठिनता, कठिनाई, जटिलता, पेचीदगी; गूढता, दकीकपन, सूक्ष्मता, बारीकी, (वि) कठिन, दुष्कर, जटिल, पेचीदा, गूढ, दकीक; सूक्ष्म, बारीक।

मुश्कीं (مشکیں) फा वि —मुश्क-जैसा सियाह, मुश्क-जैसा सुगंधित।

मुश्कींइज़ार (مشکیں عزار) फा अ वि —जिसके गाल पर काला तिल हो।

मुश्कींकमंद (مشکیں کمند) फा वि —काली और सुगंधित जुल्फो वाला (वाली)।

मुश्कींकुलाह (مشکیں کلاہ) फा वि —काली टोपी लगाने वाला।

मुश्कींख़त (مشکیں خط) फा वि —सब्ज आगाज, वह सुदर लडका जिसकी मूँछ दाढी के बाल निकलने शुरू हो गये हो।

मुश्कींमू (مشکیں مو) फा. वि.—काले और सुगंधित बालो-वाला (वाली)।

मुश्कींमोह्रः (مشکیں مہرہ) फा. वि.—धरती, पृथ्वी, जमीन।

मुश्कींरंग (مشکیں رنگ) फा. वि —मुश्क के रंग का, काला, कृष्ण।

मुश्कींसमंद (مشکیں سمند) फा. वि.—काले घोड़े पर चढनेवाला, मा'शूक।

मुश्की (مشکی) फा. वि.—मुश्क-जैसा काला; काले रग का घोड़ा।

मुश्के अज्फर (مشک اذفر) फा. अ. पु —तेज बूवाला मुश्क।

मुश्के ख़ता (مشک خطا) फा पु —दे 'मुश्केचीं'।

मुश्के ख़ुतन (مشک ختن) फा पु —चीन या तिव्वत का मुश्क जो सबसे अच्छा होता है।

मुश्के चीं (مشک چیں) फा. पु —चीन की कस्तूरी, खालिस मुश्क।

मुश्के तर (مشک تر) फा पु —ताजी और निर्मल कस्तूरी।

मुश्के नाब (مشک ناب) फा. पु —शुद्ध और बेमेल की कस्तूरी।

मुश्के सारा (مشک سارا) फा. पु —खालिस मुश्क।

मुश्कोए (مشکوے) फा. पु —अत पुर, हरमसरा, रनवास, गृह उद्यान, पाईं बाग, बडे व्यक्तियो का निवासस्थान, प्रासाद, महल।

मुश्कोए मुअल्ला (مشکوے معلی) अ. पु —शाही जनान-खाना, रनवास।

मुश्त (مشت) फा स्त्री —मुट्ठी, मुष्टिका, घूसा, मुष्टी; मुट्ठी भर चीज।

मुश्तइल (مشتعل) अ. वि.—उत्तेजित, गुस्से मे आया हुआ, प्रज्वलित, भडकता हुआ।

मुश्तग़िल (مشتغل) अ वि.—लग्न, तन्मय, लीन, मुन्हमिक।

मुश्तक़ [क़्क़] (مشتق) अ. पु —वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बना हो, वह शब्द जो मस्दर से निकलता हो।

मुश्तज़न (مشت زن) फा वि —पहलवान, मल्ल, हस्त मैथुन करनेवाला।

मुश्तज़नी (مشت زنی) फा. स्त्री —पहलवानी; हस्तमैथुन, हथलस, हैंडप्रेक्टिस।

मुश्तपर (مشت پر) फा पु —एक मुट्ठी पर, बहुत ज़रा-सी जानवाला पक्षी।

मुश्तब्ह (مشتبہ) अ. वि.—सदिग्ध, सदेहयुक्त, मश्कूक, अनिश्चित, गैर यकीनी।

मुश्तबेह (مشتبہ) अ वि —सदेह मे डालनेवाला।

जैसे—"जब वह जमाले दिल फरोज, सूरते मेह्रेनीमरोज, आप ही हो नजार. सोज, पर्दे में मुँह छुपाये क्यों"—गालिब। इसमे फरोज, रोज और सोज के काफिए है।

मुसत्तर (مسطر) अ. वि.—लकीरें किया हुआ, सत्रोदार।

मुसतर (مستر) अ. वि.—गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुसत्तह (مسطح) अ. वि.—समतल, चौरस, हमवार।

मुसद्दकः (مصدقه) अ वि.—प्रमाणित।

मुसद्दक (مصدق) अ. वि.—तस्दीक किया गया, तज्रिबा किया गया।

मुसद्दस (مسدس) अ. वि—छः पहलूवाला, (पु.) ६ फाइर का तमचा; नज्म की एक किस्म जिसमे चार मिस्रे एक काफियो मे और दो मिस्रे अलग दूसरे काफिए मे होते है, और यह छ: मिस्रो का एक वद कहलाता है। ऐसे बहुत-से वदो का समूह मुसद्दस होता है। प्राय. मुसद्दस मे कोई उपदेश या किसी घटना का वर्णन होता है, अगर इस मुसद्दस में करबला की शहादत का वर्णन हो तो 'मरसिय' कहलाता है, अगर अपने प्रेम के त्याग का वर्णन हो तो 'वासोख्त' होता है और नायिका के नखशिख का वर्णन हो तो 'सारापा' होता है, मुसद्दस के किसी वंद का अतिम अर्थात् तीसरा शेर 'टीप' कही जाती है।

मुसद्दिक (مصدق) अ वि—प्रमाणित करनेवाला, तस्दीक करनेवाला।

मुसन्नफः (مصنفه) अ वि.—सपादित पुस्तक, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ (مصنف) अ वि—सपादित, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफात (مصنفات) अ वि.—'मुसन्नफ.' का बहु, रचित पुस्तके।

मुसन्ना (مثنى) अ. वि—दो किया हुआ, दो टुकडे किया हुआ, दो परत का कागज, जैसे—रसीद, प्रतिलिपि, नक्ल।

मुसन्ना बिही (مثنى به) अ वि—जिससे प्रतिलिपित हो, मूल, अस्ल।

मुसन्निफः (مصنفه) अ. स्त्री—किसी पुस्तक आदि की लेखिका, प्रणेत्री।

मुसन्निफ (مصنف) अ. पु—ग्रथकार, लेखक, रचयिता, तस्नीफ करनेवाला।

मुसफ़्फ़ा (مصفى) अ वि—साफ किया हुआ, शुद्ध, उज्ज्वल, चमकदार; निथरा हुआ, कलई किया हुआ, विधिपूर्वक शुद्ध की हुई दवा।

मुसफ़्फ़िए खून (مصفى خون) अ पु—दूषित खून को साफ करनेवाली दवा, रक्तशोधक।

मुसफ़्फ़ियात (مصفيات) अ पु—'मुसफ़्फ़ी' का बहु, वे ओषधियाँ जो खून को शुद्ध करती है।

मुसफ़्फ़ी (مصفى) अ वि.—साफ करनेवाला, शोधक।

मुसब्बब (مسبب) अ. वि—कारण किया गया, कारण, सबब।

मुसब्बर (مصبر) अ पु.—एक ओषधि, एलुवा।

मुसब्बा' (مسبع) अ. पु—सात भाग किया हुआ; सात भुजाओ का क्षेत्र; वह नज्म जिसमे सात मिस्रे हो, अर्थात् हर तीन शे'र के बाद एक मिस्रा आया करे, चाहे वह मिस्रा एक ही हो, या हर बार नया मिस्रा हो।

मुसब्बिब (مسبب) अ वि—कारण पैदा करनेवाला, साधन उपस्थित करनेवाला।

मुसब्बिबुलअस्बाब (مسبب الاسباب) अ वि—कारण और साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिबे हकीकी (مسبب حقيقى) अ. वि—सच्चा साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिहः (مسبحه) अ स्त्री—अँगूठे के पासवाली उँगली, तर्जनी, ईश्वर का नाम जपनेवाली स्त्री।

मुसब्बेह (مسبح) अ वि.—तस्बीह पढनेवाला, ईश्वर का गुणगान करनेवाला।

मुसम्मत (مسمط) अ पु—लडी मे पिरोया हुआ, मोतियो की लडी, मुक्तावली, नज्म की एक किस्म, जिसमे चंद मिस्रे एक काफिए मे कहकर, एक या दो मिस्रे दूसरे काफिए के लाये जाते है, 'मुखम्मस' और 'मुसद्दस' आदि इसी की किस्मे है।

मुसम्मन (مثمن) अ वि—आठ पहलूवाला, जिसमे आठ कोने हो, अष्टकोण।

मुसम्मन (مسمن) अ वि—चर्बीला किया हुआ, मोटा ताजा बनाया हुआ, खिला-पिलाकर चर्बी चढाया हुआ।

मुसम्मम (مصمم) अ. वि—दृढ, मज्बूत, निश्चित, यकीनी।

मुसम्मर (مسمر) अ. वि—कीलो से जडा हुआ, कीले ठोका हुआ, कीलित।

मुसम्मा (مسمى) अ. वि—नाम रखा हुआ, नामधारी, पुरुषो के नाम के पहले लगाया जानेवाला शब्द जो विशेषत सरकारी कागजो मे लगाया जाता है।

मुसम्मात (مسماة) अ. स्त्री—नाम रखी हुई, नामधारिणी, स्त्रियो के नाम से पहले लगाया जानेवाला शब्द, जो प्राय. सरकारी और अदालती कागजो मे लगाया जाता है, श्रीमती।

मुसम्मिम (مصمم) अ वि.—निश्चय करनेवाला।

मुसर्रह (مصرح) अ. वि.—स्पष्ट कहा हुआ, व्याख्यात।

मुसर्रेह (مصرح) अ. वि—स्पष्ट वक्ता, साफगो, व्याख्या करनेवाला, तस्रीह करनेवाला।

मुसलमान (مسلمان) अ. पु—इस्लाम धर्म का अनुयायी, मुस्लिम।

मुसलमानी (مسلمانی) अ स्त्री—मुसमान का धम, मुसलमान का कतव्य, सला मुत्रव।
मुसल्लत (مسلط) अ वि—चारो आर स छाया हुआ, आच्छादित, विवश किया हुआ।
मुसल्ल्म (مسلمہ) अ वि—जा वात सब को तस्लीम हा, सवमाय, जा साबित हा प्रमाणित, असप्ट, सपूण।
मुसल्लम (مسلم) अ वि—सवमाय तस्लीम शुदा, समग्र, सपूण, समूचा, प्रमाणित मुसद्दक।
मुसल्ल्मात (مسلمات) अ पु—मुसल्लम का बहु वे बातें जो सवमाय हा।
मुसल्लमुश्शहादत (مسلم الشہادت) अ वि—वह व्यक्ति जिसकी साक्षी माय हो जो साक्षी द्वारा प्रमाणित हो।
मुसल्लमुस्सुबूत (مسلم الثبوت) अ वि—जो सुबूत से साबित हो प्रमाणसिद्ध साधनक्षम प्रत्यक्षसिद्ध।
मुसल्लह् (مسلح) अ वि—हथियार बद सशस्त्र अस्त्र स ज सज्जित।
मुसल्ला (مصلا) अ पु—नमाज पढने की चटाई अथवा दरी।
मुसल्ली (مصلی) अ वि—नमाज पढनेवाला।
मुसल्सल (مسلسل) अ वि—लगातार निरतर अनवरत जजीर म बँधा हुआ, कद, शृखलित क्रमबद्ध क्रमागत, बातरतीब बारबार बारबार।
मुसव्वद (مسودہ) अ पु—किसी लेख का प्रारभिक रूप, पाडुलिपि प्रारूप।
मुसव्वदात (مسودات) अ पु—मुस वद का बहु, मुस वदे, पाडुलिपियां।
मुस वर (مصورہ) अ वि—दे मुस वर।
मुस वर (مصور) अ वि—सचित्र तस्वीरदार चित्रित नक्शीन तस्वीर बना हुआ।
मुसव्विद (مسود) अ वि—मुस वदा लिखनेवाला, पाडु लिपिक।
मुस विर (مصورہ) अ वि—तस्वीर बनानेवाली स्त्री चित्रकारिणी।
मुसव्विर (مصور) अ वि—तस्वीर बनानेवाला चित्रकार चित्रशिल्पी चितेरा।
मुस विरी (مصوری) अ स्त्री—तस्वीर बनाने का काम चित्र कम तस्वीर बनाने का फन चित्रकला।
मुसह्हद (مسہد) अ वि—जगाया हुआ जाग्रत किया हुआ।
मुसह्हे (مصحح) अ वि—दुरुस्त करनेवाला शुद्ध करने वाला वह यक्ति जो प्रेस के पत्थर की कितावत को ठीक करता है।

मुसाअदत (مساعدت) अ स्त्री—सहायता करना मदद करना, सहायता मदद।
मुसाइद (مساعد) अ वि—सहायक, मददगार अनकूल, मुआफिक।
मुसादमत (مصادمت) अ स्त्री—एक दूसरे को कष्ट देना।
मुसादरत (مصادرت) अ स्त्री—प्रत्यागमन वापस लौटना।
मुसाफरत (مسافرت) अ स्त्री—यात्रा करना सफर करना यात्रा, सफर यात्रा की अवस्था सफर की हालत।
मुसाफ्ह (مصافحہ) अ पु—मुलाकात के समय हाथ मिलाना।
मुसाफ्ह (مسافحہ) अ पु—व्यभिचार, दुराचार पापकम।
मुसाफात (مصافات) अ स्त्री—मत्री दोस्ती निष्कपटता, इख्लास।
मुसाफिर (مسافر) अ पु—यात्री पथिक, राहगीर बटोही, गरीब मुसाफिर।
मुसाफिरखाना (مسافرخانہ) अ फा पु—मुसाफिरो के ठहरने का स्थान पथिकाश्रम, धमशाला।
मुसाफिराना (مسافرانہ) अ फा वि—मुसाफिरों-जसा, सफर की अवस्था म।
मुसाब (مصاب) अ वि—दु खित मलेपित रजीदा।
मुसाबकत (مسابقت) अ स्त्री—पहले करना आग बढ जाना।
मुसाबरत (مصابرت) अ स्त्री—धीरज धरना सताप करना सब्र करना।
मुसामरत (مسامرت) अ स्त्री—एक दूसरको किस्से सुनाना।
मुसामहत (مسامحت) अ स्त्री—किसी काम को आसान समझकर उसकी ओर ध्यान न देना मत्री दोस्ती।
मुसारअत (مصارعت) अ स्त्री—एक दूसरे को जमीन पर डाल कर रगडना परस्पर कुश्ती लडना।
मुसालमत (مسالمت) अ स्त्री—परस्पर सधि करना, मित्रता दोस्ती।
मुसालहत (مصالحت) अ स्त्री—परस्पर सधि करना सधि समझौता तस्फिय राजीनामा फसला।
मुसालहतनाम (مصالحت نامہ) अ फा पु—राजी नामा समझौते का कागज।
मुसावमत (مساومت) अ स्त्री—किसी चीज के बेचने में देर करना इस विचार से कि दाम बढ जायग।
मुसावात (مساوات) अ स्त्री—समानता बराबरी सबको एक जसे अधिकार मिलने का सिद्धात।
मुसावियुज़्ज़वाया (مساوی الزوایا) अ पु—वह त्रिभज या चतुभुज जिसके आमने-सामने के कोण बराबर हो।

मुसावियुलअज़्लाअ (مساوی الاضلاع) अ पु.–वह शक्ल जिसकी सब भुजाएँ बराबर हों, समभुज क्षेत्र।
मुसावियानः (مساویانہ) अ फा. वि –बराबर बराबर, एक-जैसा।
मुसावी (مساوی) अ. वि –समान, तुल्य, बराबर।
मुसाहक़ः (مساحقہ) अ पु –चपटी, स्त्रियो का आपस मे चपटी लडाना।
मुसाहबत (مصاحبت) अ स्त्री.–किसी बडे व्यक्ति के यहाँ हाजिर बाशी, बडे व्यक्ति के यहाँ सोहबत बरतना, उठना-बैठना।
मुसाहमत (مساہمت) अ स्त्री –भागीदारी, साझा, शिर्कत।
मुसाहलत (مساہلت) अ स्त्री –आलस्य, ढील, सुस्ती।
मुसाहिब (مصاحب) अ पु.–किसी बडे आदमी के पास उठने-बैठनेवाला, पार्षद।
मुसाहिम (مساہم) अ वि –भागीदार, साझीदार, शरीक।
मुसीन [न्न] (مسن) अ वि –बूढा, वयोवृद्ध।
मुसिर [र्र] (مصر) अ वि –जिद करनेवाला, बारबार किसी काम के लिए कहनेवाला।
मुसीब (مصیب) अ वि.–किसी बात की तह को पहुँचने वाला; ठीक पानेवाला, तलस्पर्शी।
मुसीबत (مصیبت) अ स्त्री –दु ख, क्लेश, कष्ट, तक्लीफ, खेद, सताप, विषाद, गम, दुर्घटना, सानिह , कठिनता, मुश्किल, दुर्दशा, नुहूसत, कालचक्र, गर्दिश, विपत्ति, आफत।
मुसीबतअंगेज (مصیبت انگیز) अ. फा. वि.–कष्टजनक, दु खदायी, मुसीबत देनेवाला।
मुसीबतजद (مصیبت زدہ) अ. फा वि.–मुसीबत मे मुब्तला, कष्टग्रस्त, विपन्न, दुरागत।
मुसीबतनाक (مصیبت ناک) अ.फा. वि –दे 'मुसीबतजद'।
मुसीबते नागहानी (مصیبت ناگہانی) अ फा स्त्री.–आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली आफत।
मुसैकल (مصیقل) अ वि –सैकल किया हुआ, चमकदार, नपफाफ।
मुसैतिर (مسیطر) अ. वि –नियुक्त, मुकर्रर।
मुस्कित (مسقط) अ वि –गिरानेवाला, बात मे त्रुटि करनेवाला।
मुस्कित (مسکت) अ वि –चुप कर देनावाला, काइल कर देनेवाला।
मुस्किर (مسکر) अ वि –नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुस्किरात (مسکرات) अ. वि.–'मुस्किर' का बहु, नशे की चीजे।
मुस्तंजिम (مستنجم) अ वि –प्रकाशमान, प्रज्वलित, दीप्त, रौशन, प्रकाश चाहनेवाला।
मुस्तंबत (مستنبط) अ वि.–निकाला हुआ; नतीजा निकाला हुआ।
मुस्तंबित (مستنبط) अ वि –नतीजा निकालनेवाला।
मुस्तंसर (مستنصر) अ वि –जिसकी मदद की गयी हो।
मुस्तंसिर (مستنصر) अ. वि.–मदद माँगनेवाला।
मुस्तआन (مستعان) अ वि.–जिससे सहायता माँगी जाय।
मुस्तआर (مستعار) अ वि –माँगी हुई चीज, थोडे दिनो के लिए माँगा हुआ।
मुस्तइद [द्द] (مستعد) अ वि –तत्पर, सन्नद्ध, कटिबद्ध, तैयार, निरालस, सचेष्ट, जिसमे सुस्ती और काहिली न हो, तेज, फुर्तीला, चाबुकदस्त।
मुस्तइद्दी (مستعدی) अ स्त्री –तत्परता, तैयारी; निरालस्य, तेजी, फुर्ती।
मुस्तईन (مستعین) अ वि –सहायता चाहनेवाला, मदद माँगनेवाला।
मुस्तईर (مستعیر) अ वि –रिआयत चाहनेवाला।
मुस्तकर [र्र] (مستقر) अ पु –ठहरने का स्थान, ठिकाना।
मुस्तकर्रुलखिलाफत (مستقر الخلافت) अ पु –राजधानी, शासन-केंद्र।
मुस्तकर्रुलहुकूमत (مستقر الحکومت) अ पु –दे. 'मुस्तकर्रुल खिलाफत'।
मुस्तकिल [ल्ल] (مستقل) अ वि –अटल, दृढ, मुस्तहकम; दृढ, निश्चिय, साबित कदम, चिरस्थायी, पाइदार; वह मुलाजिम जो अस्थायी न हो, स्थायी, निरतर, लगातार।
मुस्तकिल मिजाज (مستقل مزاج) अ वि –जो एक बात तै करके उस पर जमा रहे, दृढ चित्त, स्थिरनिश्चयी।
मुस्तकिल मिजाजी (مستقل مزاجی) अ स्त्री –एक बात तै करके उस पर डटा रहना, निश्चय की स्थिरता।
मुस्तकिल्लन (مستقلاً) अ वि –स्थिर रूप मे, अटल तौर पर, निरतर, बराबर।
मुस्तकीम (مستقیم) अ वि –सीधा, सरल, ऋजु, जो टेढा न हो।
मुस्तकीमुलअज्लाअ (مستقیم الاضلاع) अ पु –वह शक्ल जिसकी सब रेखाएँ सीधी हो, सरल रेखाओवाला।
मुस्तक्बिर (مستکبر) अ वि –अहकारी, अभिमानी,

मुस्तक़्बिल (مستقبل) अ पु—आगे आनेवाला, आगामी, भविष्य, आइन्दा ज़माना।

मुस्तख़ीफ़ (مستخیف) अ वि—भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, भयातुर, खौफ़नाक।

मुस्तख़्दिम (مستخدم) अ वि—दूसरों से ख़िदमत चाहने वाला।

मुस्तख़्लिस (مستخلص) अ वि—छुटकारा चाहनेवाला, बंधन मुक्ति का इच्छुक, निर्मल करनेवाला।

मुस्तग़ास (مستغاث) अ वि—जिसके पास इस्तिग़ासा लाये जायें, जिससे न्याय याचना करें, दंडाधिकारी, मजिस्ट्रेट।

मुस्तग़ीस (مستغیث) अ वि—इस्तिग़ासा करनेवाला, न्याय चाहनेवाला, फ़ौजदारी में दावा करनेवाला।

मुस्तग़ीस (مستغیث) अ वि—इस्तिग़ासा करनेवाला, अभियोक्ता, फ़ौजदारी में दावा दाइर करनेवाला।

मुस्तग़्नी (مستغنی) अ वि—जिसे किसी बात की इच्छा न हो, निःस्पृह, अनीह, अनाकांक्ष, निरीह।

मुस्तग़्नी मिज़ाज (مستغنی مزاج) अ वि—जिसके मन में कोई लालच या इच्छा न हो, निवृत्तचित्त।

मुस्तग़्फ़िर (مستغفر) अ वि—ईश्वर से पापों की क्षमा चाहनेवाला, मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तग़्रक़ (مستغرق) अ वि—डूबा हुआ, मग्न, मज्जित, निमज्जित, मुनहमिक, तल्लीन, तन्मय, दत्तचित्त।

मुस्तज़ाद (مستزاد) अ वि—बढ़ाया हुआ, अतिरिक्त, फ़ालतू, नज़्म की एक क़िस्म जिसमें किसी ग़ज़ल में उसके हर मिस्रे के अंत में एक टुकड़ा बढ़ा देते हैं।

मुस्तजाब (مستجاب) अ वि—स्वीकृत, मंज़ूर किया हुआ, क़बूल किया हुआ।

मुस्तजाबुद्दा'वात (مستجاب الدعوات) अ वि—वह सिद्ध व्यक्ति जिसकी हर बात ईश्वर के यहाँ क़बूल हो जाय, वाक्सिद्ध।

मुस्तजाबुद्दुआ (مستجاب الدعا) अ वि—दे. 'मुस्तजाबुद्दा'वात'।

मुस्तजार (مستجار) अ वि—जिससे रक्षा की प्रार्थना की जाय, जिससे बचाने को कहा जाय, पनाह देनेवाला, त्राणदाता, रक्षक।

मुस्तजीब (مستجیب) अ वि—क़बूल करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, प्रार्थना स्वीकार करनेवाला।

मुस्तजीर (مستجیر) अ वि—पनाह चाहनेवाला, रक्षा का इच्छुक, रक्षा का स्थान ढूँढनेवाला, कहीं-कहीं पनाह देने वाले के अर्थ में भी आया है।

मुस्तज्मउस्सिफ़ात (مستجمع الصفات) अ वि—जिसमें बहुत-सी सिफ़तें एकत्र हों, बहुगुणसंपन्न।

मुस्तज्मा' (مستجمع) अ वि—एकत्र, इकट्ठा।

मुस्तज्मे' (مستجمع) अ वि—एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला।

मुस्तताअ' (مستطاع) अ वि—आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार।

मुस्तताब (مستطاب) अ वि—शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक, स्वादिष्ठ, बामज़ा।

मुस्ततिर (مستتر) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुस्तती'अ (مستطیع) अ वि—समृद्ध, धनाढ्य, मालदार, समर्थ, क़ादिर।

मुस्ततील (مستطیل) अ पु—वह शक्ल जो लंबाई-चौड़ाई में बराबर न हो और उसके चारों कोण बराबर हों, सम कोण चतुर्भुज, आयत।

मुस्तदाम (مستدام) अ वि—नित्यता, हमेशगी चाहनेवाला, नित्य, हमेशा, सर्वदा, सदा।

मुस्तदीर (مستدیر) अ वि—गोलाकार, वर्तुलाकार, गोल, मुदव्वर।

मुस्तदई (مستدعی) अ वि—प्रार्थना करनेवाला, दरख़्वास्त करनेवाला, कहनेवाला।

मुस्तनद (مستند) अ वि—प्रमाणित, तस्दीक़शुदा, विश्वस्त, मो'तबर, जिसने किसी चीज़ की सनद पायी हो।

मुस्तनीर (مستنیر) अ वि—प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुस्तन्किर (مستنکر) अ वि—निकृष्ट, दूषित व कुरूप, अप्रियदर्शन, ज़िश्तरू।

मुस्तफ़वी (مصطفوی) अ वि—मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखनेवाला, मुस्तफ़ा का।

मुस्तफ़ा (مصطفی) अ वि—पवित्र, पुनीत, बरगज़ीदा, निर्मल, शुद्ध, स्वच्छ, साफ़ोशफ़्फ़ाफ़, हज़रत मुहम्मद साहिब का ख़िताब।

मुस्तफ़ाई (مصطفائی) अ वि—'मुस्तफ़ा' का, मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुस्तफ़ाद (مستفاد) अ वि—प्राप्त, लब्ध, हासिल।

मुस्तफ़ीज़ (مستفیض) अ वि—फ़ैज़ चाहनेवाला, नफ़ा उठानेवाला, लाभप्राप्तकर्ता।

मुस्तफ़ीद (مستفید) अ वि—फ़ाइदा चाहनेवाला, लाभ उठानेवाला, लाभान्वित, लाभेच्छुक।

मुस्तफ़्ती (مستفتی) अ वि—फ़त्वा पूछनेवाला, फ़त्वे का जवाब चाहनेवाला।

मुस्तफ़्सिर (مستفسر) अ पु—पूछनेवाला, पृच्छक, प्रश्नकर्ता।

मुस्तबिद [द्द] (مستبد) अ वि—किसी काम पर अकेला

खड़ा हो जानेवाला, किसी चीज पर अकेला हक़ जतानेवाला; अनीति और अन्याय करनेवाला; अत्याचारी, ज़ालिम।

मुस्तब्अद (مستبعد) अ. वि.—जो बात कियास में न आ सके, कल्पनातीत; दुष्कर, कठिन, दुःसाध्य; दूर, बईद।

मुस्तबइद (مستبعد) अ. वि.—पृथकता चाहनेवाला, दूरी का इच्छुक।

मुस्तब्सिर (مستبصر) अ. पु.—दिव्य दृष्टि रखनेवाला, रौशन ज़मीर।

मुस्तमंद (مستمند) फा. वि.—इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमंद, दुःखित, ग़मगीन, जिसे किसी बात की आवश्यकता हो, ज़रूरतमंद।

मुस्तमा' (مستمع) अ. वि.—सुना हुआ, श्रुत।

मुस्तमिद [द्द] (مستمد) अ. वि.—मदद चाहनेवाला, सहायेच्छु।

मुस्तमिर [र्र] (مستمر) अ. वि.—हमेशा रहनेवाला, स्थिर, नित्य, अनश्वर; स्थायी, चिरस्थायी, पायदार।

मुस्तमिरः (مستمره) अ. वि.—दे. 'मुस्तमिर', स्त्री लिंग शब्दों के साथ, सदैव रहनेवाली।

मुस्तमे' (مستمع) अ. वि.—सुननेवाला, श्रोता।

मुस्तरक (مسترق) अ. वि.—चुराया हुआ, चुराया हुआ माल।

मुस्तरक [क्क] (مسترق) अ. वि.—बंदी बनाया हुआ, क़ैद किया हुआ।

मुस्तरद [द्द] (مسترد) अ. वि.—लौटा हुआ, वापस दिया हुआ, ख़ारिज किया हुआ, रद्द किया हुआ।

मुस्तराह (مستراح) अ. पु.—आराम करने की जगह, विश्राम स्थान, शौचगृह, संडास, पाखाना।

मुस्तर्ख़ी (مسترخی) अ. वि.—ढीला, शिथिल।

मुस्तर्शिद (مسترشد) अ. वि.—सच्चा रास्ता चाहनेवाला, सन्मार्गेच्छुक, चेला, धर्मशिष्य, मुरीद।

मुस्तलहः (مصطلحه) अ. वि.—वह शब्द जो पारिभाषिक रूप में आ गया हो, पारिभाषिक।

मुस्तलह (مصطلح) अ. वि.—दे. 'मुस्तलह'।

मुस्तलहात (مصطلحات) अ. पु.—पारिभाषिक शब्दावली।

मुस्तलिज़ [ज़्ज़] (مستلذ) अ. वि.—स्वाद लेनेवाला, मज़ा चखानेवाला, आनंदित, लज़्ज़तयाब।

मुस्तल्क़ी (مستلقی) अ. वि.—चित्त लेटा हुआ, जिसकी पीठ ज़मीन पर हो और पेट ऊपर।

मुस्तल्ज़िम (مستلزم) अ. वि.—कोई चीज अपने ऊपर लाज़िम कर लेनेवाला ...

मुस्तल्ज़िमुस्सज़ा (مستلزم السزا) अ. वि.—दे. 'मुस्तलज़िमे सज़ा'।

मुस्तल्ज़िमे सज़ा (مستلزم سزا) अ. वि.—सज़ा के योग्य, दंडनीय।

मुस्तवी (مستوی) अ. वि.—समतल, हमवार, सम, समान, बराबर।

मुश्तशार (مستشار) अ. वि.—जिससे सलाह ली जाय परामर्शदाता, सलाह ली हुई बात, परामर्शित।

मुश्तशीर (مستشیر) अ. वि.—सलाह लेनेवाला, परामर्शकर्ता।

मुस्तश्फ़ा (مستشفی) अ. वि.—अस्पताल, चिकित्सालय, रुग्णालय, शिफ़ाख़ाना।

मुस्तश्फ़ी (مستشفی) अ. वि.—रोग मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तश्रिक़ (مستشرق) अ. वि.—दीप्त, ज्वलत, प्रकाशित, रौशन, वह ग़ैर एशियाई व्यक्ति जिसे एशियाई भाषाओं अथवा विद्याओं का पूरा-पूरा ज्ञान हो और उसने इन विषयों पर काफ़ी अनुसंधान और गवेषणा की हो।

मुस्तश्रिक़ीन (مستشرقین) अ. पु.—'मुस्तश्रिक़' का बहु., वह ग़ैरएशियाई लोग जिन्होंने एशियाई भाषा, विद्या अथवा दूसरी विद्याओं में पूरी जानकारी प्राप्त की हो।

मुस्तस्क़ी (مستسقی) अ. वि.—जिसे जलोदर का रोग हो, जलोदरी; बहुत अधिक पानी माँगनेवाला।

मुस्तसनयात (مستثنیات) अ. पु.—'मुस्तस्ना' का बहु., वे चीजें या व्यक्ति जो मुस्तस्ना हों।

मुस्तस्ना (مستثنی) अ. वि.—जिस पर से कोई शर्त, क़ानून या पाबंदी उठा ली गयी हो, मुक्त, जिस पर कोई क़ानून-विशेष लागू न होता हो, जो किसी शर्त या पाबंदी के भीतर न आता हो, चुना हुआ, प्रतिष्ठित, अपवादित, एक्जेम्प्टेड।

मुस्तस्नामिनहु (مستثنی منه) अ. वि.—वे चीजें या व्यक्ति जिनमें से 'मुस्तस्ना' को अलग किया गया हो।

मुस्तहक़ [क़्क़] (مستحق) अ. वि.—हक़ रखनेवाला, स्वत्वाधिकारी; योग्य, पात्र, लाइक़, सहायता के योग्य, ज़रूरतमंद।

मुस्तहक़्क़ीन (مستحقین) अ. वि.—'मुस्तहक़' का बहु., मुस्तहक़ लोग; हक़दार लोग, योग्य लोग; ज़रूरतमंद लोग।

मुस्तहक़्क़ेतरिकः (مستحق ترکه) अ. पु.—जो तरिके का हक़दार हो, दायाधिकारी, दायबंधु।

मुस्तहक़्क़े नवाज़िश (مستحق نوازش) अ. फा. पुं.—कृपा का पात्र, दया के योग्य।

मुस्तहक़्क़े रहम (مستحق رحم) अ. पु.—दया किये जाने का हक़दार, जो दया का सच्चा पात्र हो, करुणापात्र।

मुस्तहक्के सहीह (مستحق صحیح) अ पु —सबसे उचित हकदार सत्पात्र।
मुस्तहब [ब्ब] (مستحب) अ वि —अच्छा जाना हुआ, प्रिय पुनीत वह कृत्य जिसके करने से पुण्य की प्राप्ति हो और न करने पर कोई दोष न लगे, वह इबादत जिसे हज़रत मुहम्मद साहब ने स्वयं किया हो, उसको न छोड़ा बताया हो परंतु उसके करने का स्पष्ट रूप में न कहा हो।
मुस्तहान (مستہان) अ वि —अपमानित तिरस्कृत ज़लील दूसरों की दृष्टि में निन्दित और गर्हित।
मुस्तहाम (مستہام) अ वि —उद्विग्न व्यग्र परेशान चकित निस्तब्ध हैरान।
मुस्तहील (مستحیل) अ वि —असंभव असाध्य, नामुम्किन बहानासाज़ छली एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तित।
मुस्तहकम (مستحکم) अ वि —निश्चल अटल लाजुब दृढ़ मज़बूत चिरस्थायी पाइदार निश्चित अटल यक़ीनी।
मुस्तहकमतरीन (مستحکم ترین) अ फा वि —बहुत अधिक मज़बूत सुदृढ़तम।
मुस्तहकमुलअक़ीद (مستحکم العقیدہ) अ वि —जिसका धर्मविश्वास अटल हो।
मुस्तहकमुलअदावत (مستحکم العداوت) अ वि —जिसके चित्त में किसी की शत्रुता घर कर गयी हो बद्धवैर।
मुस्तहकमुलअहद (مستحکم العہد) अ वि —अपने वाद का पक्का सत्यप्रतिज्ञ दृढ़संकल्प वचनबद्ध।
मुस्तहकमुलइराद (مستحکم الارادہ) अ वि —जो अपने इरादे में अटल हो बद्ध निश्चय सत्य संकल्प।
मुस्तहज़र (مستحضر) अ वि —जो दिमाग़ में हर समय सुरक्षित रहे जो हर समय याद रहे।
मुस्तहज़ी (مستہزی) अ वि —हँसी उड़ानेवाला उपहास कर्ता।
मुस्तहफ़ज़ (مستحفظ) अ वि —सुरक्षित महफ़ूज़ जिसकी देख रेख और निगरानी की गयी हो।
मुस्तहलक (مستہلک) अ वि —हत वधित मारा हुआ नष्ट बरबाद।
मुस्तहसन (مستحسن) अ वि —उत्तम श्रेष्ठ उम्दा पुनीत पवित्र नेक।
मुस्ताजिर (مستاجر) अ वि —ठेकेदार एकाधिकारी।
मुस्ताजिरान (مستاجرانہ) अ फा वि —ठेकेदारा-जमा।
मुस्ताजिरी (مستاجری) अ वि —ठेकेदारी एकाधिकार।
मुस्ता'जिल (مستعجل) अ वि —अधीर आतुर जल्द बाज़ उतावला।
मुस्तानिस (مستانس) अ वि —प्रेम रखनेवाला रुचि रखने वाला अभ्यस्त, व्यसनी, आदी।
मुस्ता'फ़ी (مستعفی) अ वि —त्यागपत्र देनेवाला इस्तेफ़ा देनेवाला।
मुस्ता'मन (مستامن) अ वि —रक्षा या पनाह चाहा हुआ रक्षित।
मुस्ता'मर (مستعمرہ) अ वि —नौआबादी उपनिवेश।
मुस्ता'मर (مستعمر) अ वि —नया बसा हुआ नौआबाद, नववसित।
मुस्ता'मरात (مستعمرات) अ पु —मुस्ता'मर का बहु नौआबादियाँ उपनिवेश-समूह।
मुस्ता'मल (مستعمل) अ वि —काम में लाया हुआ प्रयुक्त व्यवहृत प्रचलित व्यवहृत मुरव्वज।
मुस्तामिन (مستامن) अ वि —अमन और रक्षा चाहने वाला, शान्तीच्छु।
मुस्तासल (مستاصل) अ वि —उन्मूलित जड़ से उखाड़ फेंका हुआ समूल विनष्ट।
मुस्तासिल (مستاصل) अ वि —उन्मूलन करनेवाला जड़ से उखाड़ फेंकनेवाला।
मुस्तक़िज़ (مستیقظ) अ वि —जागता हुआ सजग जाग्रत जागरूक, सजागर बेदार।
मुस्तसिर (مستیسر) अ वि —तत्पर और कटिबद्ध होनेवाला तैयार होनेवाला।
मुस्तौक़िद (مستوقد) अ वि —आग भड़कानेवाला।
मुस्तौजिब (مستوجب) अ वि —योग्यपात्र लाइक।
मुस्तौजिबे सज़ा (مستوجب سزا) अ वि —सज़ा के लाइक़ दण्डनीय।
मुस्तौफ़ी (مستوفی) अ वि —व्यापक गृहीत हेड मुनीम हेड एकाउंटट।
मुस्तौली (مستولی) अ वि —छा जानेवाला ढाँक लेने वाला, आच्छादक किसी पर विजय पा लेनेवाला क़ाबू में कर लेनेवाला।
मुस्तौसा' (مستوسع) अ वि —विस्तृत विशाल फ़राख़, कुशादा।
मुस्द्दे' (مصدع) अ वि —पृथक-पृथक करनेवाला, सर में पीड़ा उत्पन्न करनेवाला।
मुस्नद (مسند) अ वि —काल समय दत्तक पुत्र पालक जारज दोगला वह चीज़ जिस पर सहारा लें (व्या) ख़बर।
मुस्नदइलह (مسند الیہ) अ वि—(व्या) मुब्तदा जैसे—

'राम अच्छा है' मे 'राम' मुस्नदइलैह है और 'अच्छा', 'मुस्नद'।

मुस्बतः (مثبتۃ) अ वि –साबित की हुई चीज।

मुस्बत (مثبت) अ वि –साबित किया हुआ, प्रमाणित, जो मन्फ़ी न हो।

मुस्मन (مسمن) अ वि.–पैदाइशी मोटा-ताजा।

मुस्रिफ (مسرف) अ वि –बहुत अधिक खर्च करनेवाला, बहुव्ययी, फुजूल खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुस्रिफ़ (مصرف) अ वि –व्यय करनेवाला।

मुस्रिफीन (مسرفین) अ पु –'मुस्रिफ' का बहु, फुजूल खर्च करनेवाले।

मुस्रे' (مسرع) अ. वि.–जल्दी काम करनेवाला, शीघ्रकारी; तेज़ चलनेवाला पत्रवाहक।

मुस्लिमः (مسلمۃ) अ स्त्री.–मुसलमान स्त्री।

मुस्लिम (مسلم) अ पु –मुसलमान पुरुष, मुसलमान।

मुस्लिमात (مسلمات) अ स्त्री.–'मुस्लिम' का बहु, 'मुसलमान स्त्रियाँ।

मुस्लिमीन (مسلمین) अ पु –'मुस्लिम' का बहु, मुसलमान मर्द।

मुस्लिहीन (مصلحین) अ पु.–'मुस्लेह' का बहु, सुधार करनेवाले, सुधारक, रिफ़ार्मर्स।

मुस्लेह (مصلح) अ वि –राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक आदि सुधार करनेवाला, सुधारक, शरीर की धातुओ का दोप दूर करनेवाली दवा, शोधक।

मुस्लेहे कौम (مصلح قوم) अ पु –जातीय सुधार करनेवाला, जाति-विशेष का सुधारक, राष्ट्र का सुधारक, देश सुधारक।

मुस्हिल (مسہل) अ पु –दस्त लानेवाली औषध, रेचक, विरेचक, मलभेदक।

मुस्हिलात (مسہلات) अ पु –'मुस्हिल' का बहु, रेचक औपधियाँ।

मुहंदिस (مہندس) अ. पु –गणितज्ञ, रियाजीदाँ, इंजिनियर।

मुहक्कक (محقق) अ वि –प्रमाणित, मुसल्लम, गवेपित, जाँचा हुआ।

मुहक्कर (محقر) अ. वि –तुच्छ, अधम, जलील, कम क़ीमत, हकीर।

मुहक़्क़िक (محقق) अ. वि –किसी बात की वैज्ञानिक जॉच-पड़ताल करनेवाला, गवेपी, अन्वेपक, अनुसधाता; वैज्ञानिक, फिलास्फर; वह व्यक्ति जो किसी बात को प्रमाण से सिद्ध करे।

मुहक़्क़िक़ीन (محققین) अ पु –'मुहक्क़िक' का बहु, गवेपणा और अनुसधान करनेवाले।

मुहज़्ज़ब (مہذب) अ वि –सभ्य, शिष्ट, तमीजदार, नागरिक, शह्री, शिक्षित, ता'लीमयाफ्ता; अदब काइदे का खयाल रखनेवाला, शाइस्ता, शिष्ट; सुशील, विनीत, खुशखुल्क; संस्कृत, आरास्ता।

मुहद्दिस (محدث) अ पु –हदीस का विद्वान्, हदीसो की पूरी जानकारी रखनेवाला, यह जाननेवाला कि कौन-सी हदीस सहीह और कौन-सी गलत, किस हदीस को किसने बयान किया है और बयान करनेवाला किस श्रेणी का है, आदि आदि।

मुहद्दिसीन (محدثین) अ पु –'मुहद्दिस' का बहु, हदीस के आलिम।

मुहन्नद (مہند) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरी भाषा का हो, परन्तु उसे हिंदी कर लिया गया हो जैसे–'जारूब' से झाड़ू; 'आबखोरह' का अमखोरा आदि, हिंद के लोहे की बनी हुई तलवार जो काट मे प्रसिद्ध होती थी।

मुहम्मद (محمد) अ वि –प्रशसित, स्तुत, सराहा हुआ, हज्रत पैगंबर साहब का शुभ नाम।

मुहम्दी (محمدی) अ पु –मुहम्मद का, मुहम्मद से सम्बन्ध रखनेवाला; मुसल्मान।

मुहर्रफ (محرف) अ. वि.–टेढा किया हुआ, वक्रित, वक्र, फेरी हुई बात या इबारत, मूल अर्थ से हटाया हुआ।

मुहर्रम (محرم) अ वि –हराम अर्थात् निपिद्ध किया हुआ, पहला इस्लामी महीना, चूंकि इस्लाम से पहले अरब मे इस महीने मे रक्तपात धार्मिक रूप मे हराम था, इसलिए इस महीने का यह नाम पडा।

मुहर्रा (مہرا) अ वि –अच्छी तरह पकाया हुआ, वह चीज जो आग पर अच्छी तरह गला ली जाय।

मुहर्रिक (محرک) अ वि –गति देनेवाला, चलानेवाला; उत्तेजना देनेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजक, सभा या कमेटी मे कोई सुझाव रखनेवाला, प्रस्तावक।

मुहर्रिफ (محرف) अ वि –टेढा करनेवाला; बात को कुछ का कुछ बनानेवाला।

मुहर्रिर (محرر) अ वि –लेखक, लिखनेवाला, लिपिक, क्लर्क; वकील आदि का मुशी।

मुहर्रिरी (محرری) अ वि –मुहर्रिर का पेशा, मुहर्रिर का काम।

मुहर्रिरीन (محررین) अ पु –'मुहर्रिर' का बहु, मुहर्रिर लोग।

मुहल्लल (محلل) अ वि –तहलील किया हुआ।

मुहल्लिल (محلل) अ वि –तहलील करनेवाला।

मुहल्लिलात (محللات) अ पु–मुहल्लिल का बहु, तहलील करनेवाली दवाएं।

मुहव्वत (محوطه) अ पु–कोई चीज सुरक्षित रखने का स्थान घेरने का स्थान एकत्र करने का स्थान।

मुहवल (محوله) अ वि–सिपुर्द की गयी चीज, हवाला दी गयी वस्तु।

मुहव्वल (محول) अ वि–सिपुर्द किया गया हवाला दिया गया।

मुहवलए बाला (محولهٔ بالا) अ फा वि–जिसका हवाला ऊपर दिया गया हो जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो।

मुहवलए हाशिया (محولهٔ حاشیه) अ वि–जिसका हवाला हाशिए पर दिया गया हो जो फुटनोट या टिप्पणी में लिखा गया हो टिप्पणाङ्कित, मार्जिनली नोटेड।

मुहविस (مہوس) फा वि–कीमियागर रसायनविद रसायनी।

मुहविसी (مہوسی) फा स्त्री–कीमियागरी रसायन विद्या धातुवाद।

मुहविसीन (مہوسین) फा पु–मुहविस का बहु कीमियागर लोग।

मुहश्शा (محشیٰ) अ वि–हाशिया बनाया हुआ हाशिए पर लिखा हुआ टिप्पणी-सहित।

मुहश्शी (محشی) अ वि–हाशिया बनानेवाला टिप्पणी लिखनेवाला।

मुहाकमा (محاکمه) अ पु–हाकिम के पास न्याय को जाना बीच में पड़कर न्याय करना निर्णय फसला।

मुहाका (محاکا) अ पु–'मुहाकात' का लघु दे 'मुहाकात'।

मुहाकात (محاکات) अ स्त्री–वार्तालाप बातचीत एक दूसरे का कहानी सुनाना कथनोपकथन।

मुहाजरत (مہاجرت) अ स्त्री–देश छोड़कर विदेश में रहना घरबार छोड़कर परदेश में रहना।

मुहाज़ात (محاذات) अ स्त्री–एक-दूसरे के आमने सामने होना एक चीज का दूसरी चीज के बराबर होना।

मुहाजात (مہاجات) अ स्त्री–एक-दूसरे की निन्दा करना एक दूसरे की हजो में कविता लिखना।

मुहाजिरः (مہاجرہ) अ स्त्री–घरबार छोड़कर परदेस में रहनेवाली स्त्री शरणार्थिनी।

मुहाजिर (مہاجر) अ पु–घरबार त्याग कर परदेस में रहनेवाला पुरुषार्थी शरणार्थी।

मुहाजिरात (مہاجرات) अ स्त्री–'मुहाजिरः' का बहु मुहाजिर औरतें।

मुहाजिरीन (مہاجرین) अ पु–मुहाजिर' का बहु शरणार्थी लोग।

मुहाज़ी (محاذی) अ वि–सम्मुख सामने, बराबर।

मुहाफ़ (محافه) फा वि–बड़ी पर्देदार डोली अरबी में 'मुहफ्फ' था फ़ारसी में 'मुहाफ़' हो गया।

मुहाफ़ज़त (محافظت) अ स्त्री–रक्षा हिफ़ाज़त देख रेख निगरानी पालन-पोषण परवरिश।

मुहाफ़िज़ (محافظ) अ वि–रक्षक हिफ़ाज़त करनेवाला निरीक्षक निगराँ, अभिभावक, सरपरस्त।

मुहाफ़िज़ीन (محافظین) अ पु–'मुहाफ़िज़' का बहु, हिफ़ाज़त करनेवाले।

मुहाबा (محابا) अ पु–'मुहाबात' का लघु भय त्रास डर संकोच पसोपेश चिन्ता फ़िक्र उर्दू में प्राय 'बेमुहाबा' बोला जाता है।

मुहाबात (محابات) अ स्त्री–दे 'मुहाबा'।

मुहारबः (محاربه) अ पु–परस्पर युद्ध युद्ध संग्राम लड़ाई।

मुहारबात (محاربات) अ पु–'मुहारबः' का बहु, लड़ाइयाँ जंगें।

मुहारिब (محارب) अ वि–लड़नेवाला योद्धा।

मुहाल (محال) अ वि–असंभव नामुमकिन दुष्कर कठिन।

मुहालफ़ः (محالفه) अ पु–आपस में क़समा क़समी परस्पर किसी बात के लिए शपथ लेना।

मुहालविस्सात (محال بالذات) अ वि–जिसका जमा होना असंभव हो।

मुहालिफ़ (محالف) अ वि–किसी के साथ किसी प्रतिज्ञा पर शपथ लेनेवाला।

मुहाले क़तई (محال قطعی) अ वि–जो बिल्कुल असंभव हो।

मुहाले मुत्लक़ (محال مطلق) अ वि–दे 'मुहाले क़तई'।

मुहावरः (محاورہ) अ पु–रोज़मर्रा, बोलचाल किसी भाषा के वाक्यों का वह प्रयोग जो उस भाषा के बोलनेवाले करते हैं और जिसका अर्थ अभिधेय अर्थ से पृथक होता है जैसे–'लात खाना' या 'आख आना' क्योंकि लात रोटी की तरह खाया नहीं जाता और आँख सफ़र नहीं करती इनका अर्थ है लात की मार सहना और आँखों में पीड़ा होना यही मुहावरा है।

मुहावरत (محاورت) अ स्त्री–आपस में बातचीत करना।

मुहावरात (محاورات) अ पु–मुहावरः' का बहु मुहावरे।

मुहासद (محاسده) अ पु–एक-दूसरे से हसद या ईर्ष्या करना ईर्ष्या डाह हसद।

मुहासबः (محاسبه) अ पु.–हिसाब समझना, हिसाब-किताब, पूछ-ताछ, पूछ-ताछ, बाजपुर्स।
मुहासरः (محاصره) अ पु.–घेरा डालना, चारों ओर से घेरना, हदबंदी, सीमित करना, घेरा, हल्का।
मुहासिद (محاسد) अ वि.–हसद करनेवाला, ईर्षालु, डाही।
मुहासिब (محاسب) अ वि.–हिसाब करनेवाला, हिसाबदाँ, गणितज्ञ, पूछ-गाँछ करनेवाला।
मुहासिर (محاصر) अ वि.–घेरा डालनेवाला, किसी को घेरे में लेनेवाला।
मुहासिरीन (محاصرین) अ वि.–'मुहासिर' का बहु, घेरे डालनेवाले लोग।
मुहिब [ब्ब] (محب) अ वि.–मित्र, सखा, दोस्त; प्रेमी, आशिक।
मुहिब्बीन (محبین) अ.पु.–'मुहिब' का बहु, मित्रगण, दोस्त अहबाब।
मुहिम [म्म] (مہم) अ स्त्री.–कोई बड़ा काम, कठिन काम, युद्ध, संग्राम, लड़ाई।
मुहिम्मात (مہمات) अ स्त्री.–'मुहिम' का बहु, बड़े-बड़े काम, युद्ध, लड़ाइयाँ।
मुही (محی) अ वि.–जिंदा करनेवाला, जिलानेवाला, प्राणदाता।
मुहीज (مہیج) अ वि.–उठानेवाला, बढ़ानेवाला, गर्द उड़ानेवाला।
मुहीत (محیط) अ वि.–आच्छादित, छाया हुआ, व्यापक, फैला हुआ, नदी, दरया।
मुहीन (مہین) अ वि.–तिरस्कार करनेवाला, अपमानी, तिरस्कर्ता, जलील करनेवाला।
मुहीब (مہیب) अ वि.–दे शुद्ध उच्चारण 'महीब'।
मुहीलः (محیله) अ स्त्री.–छली, स्त्री, मायाविनी, धूर्ता, वंचिका।
मुहील (محیل) अ वि.–धोखेबाज, छली, कपटी, धूर्त, वंचक।
मुहै (محی) अ. वि.–जीवित करनवाला, जिंदा करनेवाला, पुन प्राण देनेवाला।
मुहैया (مہیا) अ वि.–एकत्र, इकट्ठा, फराहम, उपस्थित, मौजूद, उपार्जित, जखीरा; तत्पर, तैयार, उपलब्ध।
मुहैयाकुन (مہیاکن) अ फा वि.–एकत्र करनेवाला, फराहम करनेवाला, देनवाला, दाता।
मुहैयिर (محیر) अ वि.–अचंभे मे डाल देनेवाला।
मुहैयिरुलउकूल (محیرالعقول) अ वि.–अक्लो को अचंभे मे डाल देनेवाला, ऐसी बात जो अचंभे मे डाल दे, आश्चर्यजनक, चित्रमति।
मुहैयिरेउकूल (محیرعقول) अ वि.–दे 'मुहैयिरुल उकूल'।
मुह्कम (محکم) अ वि.–दृढ़, मजबूत, चिरस्थायी, पाएदार, टिकाऊ; निश्चित, अटल, यकीनी, नि संदेह, गैर मुश्तबह।
मुह्कमतरीन (محکم‌ترین) अ फा वि.–बहुत अधिक मजबूत, सुदृढ।
मुह्कमात (محکمات) अ स्त्री.–कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट हो, 'प्रत्युत', 'मुतशाबिहात'।
मुह्तकिन (محتقن) अ वि.–अनीमा देनेवाला।
मुह्तकिर (محتکر) अ वि.–इस आशा पर अन्न संचित करनेवाला कि भाव तेज होने पर बेचेगा।
मुह्तजिब (محتجب) अ वि.–छिपनेवाला, छिपा हुआ, गुप्त।
मुह्तदा (مہتدیٰ) अ वि.–जिसे हिदायत या सदुपदेश मिला हो, दीक्षित।
मुह्तदी (مہتدی) अ वि.–हिदायत या सदुपदेश देनेवाला।
मुह्तम [म्म] (مہتم) अ वि.–जिसका एहतिमाम किया गया हो, व्यवस्थित, क्रमागत।
मुह्तमबिश्शान (مہتم بالشان) अ. वि.–जिसका प्रबंध बहुत शान से किया गया हो, शानदार, भव्य, विशाल, बृहत्।
मुह्तमल (محتمل) अ वि.–जिसमे संदेह हो, संदिग्ध, शंकित, मुश्तबह।
मुह्तमिम (مہتمم) अ वि.–प्रबंधकर्ता, संचालनकर्ता, संचालक, व्यवस्थापक।
मुह्तरमः (محترمه) अ स्त्री.–श्रीमती, महोदया, देवी, मान्या, श्रद्धेया, वरिष्ठा, भट्टारिका।
मुह्तरम (محترم) अ वि.–श्रीमान्, महोदय, पूज्य, श्रद्धेय, प्रतिष्ठित, महानुभाव, मुअज्जज, मान्य, पूज्य, श्रेष्ठ बुजुर्ग।
मुह्तरमात (محترمات) अ स्त्री.–'मुहतरम' का बहु, देवियाँ।
मुह्तरमीन (محترمین) अ पु.–'मुहतरम' का बहु, प्रतिष्ठित जन।
मुह्तरिक (محترق) अ वि.–जलनेवाला, जला हुआ, दग्ध, तप्त, ज्वलित।
मुह्तरिज (محترز) अ वि.–बचनेवाला, दूर रहनेवाला, परहेज करनेवाला।
मुह्तरिफ (محترف) अ वि.–एक-सा पेशा करनेवाला, सहव्यवसायी।

मुहतलिम (محتلم) अ वि –जिसका स्वप्नपात हो जाय (एहतलाम, स्वप्नदोष) से बना शब्द।

मुहतवी (محتوی) अ वि –व्याप्त, घेरे हुए आच्छादित ढके हुए।

मुहतशिम (محتشم) अ वि –नौकर-चाकरवाला शाना शौकतवाला।

मुहतसिब (محتسب) अ वि –हिसाब रखनेवाला पूछ-ताछ करनेवाला वह कर्मचारी जो लोगों को शराब पीने से रोके और शराबखाना की निगरानी करे।

मुहमल (مهمله) अ पु –वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी न हो जैसे—सीन हे दाल आदि।

मुहमल (مہمل) अ वि –अर्थहीन बेईमानी व्यर्थ बेकार वह व्यक्ति जिसका कोई एतिबार न हो।

मुहमलगो (مہمل گو) अ फा वि –अनर्गलवादी बकवासी, फ़ुज़ूल की बातें बनानेवाला।

मुहमलात (مہملات) अ पु –'मुहमल' का बहु फ़ुज़ूल बातें फ़ुज़ूल काम।

मुहमलीयत (مہملیت) अ स्त्री –अर्थहीनता अनर्गलता बकवास फ़ुज़ूलपन।

मुह्र (مهره) फा पु –एक पत्थर जिससे साँप का विष दूर करते हैं साँप का मन मणि शतरंज की गोट कौड़ी साँप या घोंघा पाठ या गले का गुरिया।

मुह्रचीं (مہرہ چین) फा वि –छली धूर्त ठग।

मुह्रबाज़ (مہرہ باز) फा वि –धूर्त छली धोखेबाज़।

मुह्रबाज़ी (مہرہ بازی) फा स्त्री –छल धूर्तता ठगी।

मुह्र (مہر) फा स्त्री –मुद्रिका अँगूठी ठप्पा आरसी स्वर्णमुद्रा अशर्फ़ी मोल मोहर।

मुह्रए ज़ोंदार (مہرہ جاندار) फा पु –साँप का मन मणि।

मुह्रए मार (مہرہ مار) फा पु –साँप का मन मणि।

मुह्रए सक़्फ़ (مہرہ سقف) फा पु –मत्त दर शत्।

मुह्रिक़ (محرق) अ वि –जलानेवाला दाहोत्पादक ज्वर।

मुह्रक़ (محرق) अ वि –जला हुआ भस्म भस्मीभूत।

मुह्रकन (مہرکن) फा वि –मुह्र लगानेवाला।

मुह्रबलब (مہربلب) फा वि –मौन धारण किये हुए चुप मौन ख़ामोश।

मुह्रे ख़मोश (مہر خاموشی) फा स्त्री –मौन चुप्पी ख़ामोशी।

मुह्रे सुकूत (مہرسکوت) फा अ स्त्री –दे 'मुह्रे ख़ामोशी'।

मुह्लत (مہلت) अ स्त्री –अवकाश फ़ुर्सत विलंब ढील देर समय बारी।

मुहस्सलतलब (مہلت طلب) अ वि –भो चाहनेवाला ऐसा काम जिसके लिए समय और फुर्सत की आवश्यकता हो।

मुहलिक़ (مہلکه) अ स्त्री –मार डालनेवाली, घातिका जानलेवा।

मुहलिक (مہلک) अ वि –घातक प्राणघातक जानलेवा।

मुहसिन (محسنه) अ स्त्री –उपकार करनेवाली स्त्री।

मुहसिन (محسن) अ वि –उपकार करनेवाला उपकारी भलाई करनेवाला आड़े वक्त पर काम आनेवाला सहायक हामी।

मुहसिनकुश (محسن کش) अ फा वि –कृतघ्न अहसान नमकहराम।

मुहसिनकुशी (محسن کشی) अ फा स्त्री –कृतघ्नता नमकहरामी।

मुहसिनात (محسنات) अ स्त्री –'मुहसिन' का बहु उपकार करनेवाली स्त्रियाँ।

मुहसिनीन (محسنین) अ पु –'मुहसिन' का बहु, उपकारी लोग।

मू

मू (مو) फा पु –बाल कच, कुंतल लोम रोम रोआँ सर के बाल केश।

मूईन (موئینه) फा पु –बालदार खाल का पहनने का वस्त्र पोस्तीन चमड़ा।

मूए आतशदीदा (موئے آتش دیدہ) फा वि –आग में तपाया हुआ बाल जो टेढ़ा पड़ जाता है।

मूए ज़िहार (موئے زہار) फा अ पु –नाभि के नीचे के बाल पशम के बाल।

मूक़लम (موقلم) फा अ पु –चित्रकार की कूँची बालोंवाली।

मूकशाँ (موکشاں) फा वि –बाल खींचते हुए।

मूचीन (موچینه) फा प –बाल उखाड़ने की चिमटी मोचना।

मूजब (موجب) अ वि –सार रूप ग्राहकता मौजिब मुस्तअर।

मूजिद (موجد) अ वि –ईजाद करनेवाला आविष्कारक।

मूजिद (موجده) अ स्त्री –आवश्यक वस्तु वह जिसका करना शरअ में मिले।

मूजिब (موجب) अ पु –कारण हेतु सबब, द्वारा, ज़रिया।

मूजिबात (موجبات) अ पु –'मूजिब' का बहु, कारण समूह वुजूह।

मूजिबे क़त्ल (موجب قتل) अ पु –क़त्ल का कारण।

मूज़ी (موذی) अ वि –कष्ट देनेवाला दुःख देनेवाला, अत्याचारी ज़ालिम सर्वीस सताए।

मूज़े' (موذع) अ वि –पीडा उत्पन्न करनेवाला, दर्द पैदा करनेवाला।
मूज़ेह(موضح)अ वि –स्पष्ट करनेवाला, साफ करनेवाला।
मूतमिन (موتمن) अ वि –जिसके पास धरोहर रखी जाय, अमानतदार।
मूतमिर (موتمر) अ वि –आज्ञाकारी, फर्मावरदार, परामर्श करनेवाला।
मूतराश (موتراس) फा वि.–वाल वनाने का उस्तुरा, छूरा, क्षुर।
मूदे' (مودع) अ वि –रुखसत करनेवाला।
मूनिस (مونس) अ. वि –मित्र, दोस्त, साथी, रफीक।
मूपरीशाँ (موپریشاں) फा वि –जिसके वाल विखरे हुए हों, वाल विखेरे हुए।
मूवद (موبد) फा पु –दे. 'मूविद', दोनो शुद्ध हैं।
मूवमू (موبمو) फा वि –अक्षरश, हर्फ व हर्फ, जरा-जरा, जर्रा जर्रा।
मूवाफ़ (موباف) फा पु –चोटी गूँधने का फीता।
मूविद (موبد) फा पु –अग्नि पूजको का पुरोहित, अग्नि-होत्री, पारसियो का मुल्ला; वैज्ञानिक, फलास्फर, वुद्धि-मान्, दाना, ज्ञानी, पडित, आलिम, शराव वेचनेवाला, दे 'मूवद' दोनो शुद्ध हैं।
मूमा (مومی) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, साकेतिक।
मूमा इलैह (مومی الیہ) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, उपलक्षित।
मूमी (مومی) अ वि –सकेत करनेवाला, सकेतक।
मूरिस (مورث) अ वि –पूर्वज, वापदादा, वश प्रवर्तक, वानिए खानदान; उत्पन्न करनेवाला।
मूरिसे अव्वल (مورث اول) अ वि.–खानदान का सवसे पहला आदमी, जिससे वश चला हो, वश प्रवर्तक, मूल पुरुप।
मूरिसे आ'ला (مورث اعلی) अ पु –दे 'मूरिसे अव्वल'।
मूरिसे जुज़ाम (مورث جزام) अ पु –कोढ पैदा करनेवाला, कुष्ठोत्पादक।
मूरिसे फ़ासिद (مورث فاسد) अ पु –नाना, मातामह।
मूलिम (مولم) अ. वि.–पीडा पैदा करनेवाला, दर्द उत्पन्न करनेवाला।
मूश (موش) फा पु –मूपक, चूहा, उदुर, आखु।
मूशक (موشک) फा स्त्री –चुहिया, छोटा चूहा, छछूँदर।
मूशकदवानी (موشک دوانی) फा स्त्री –लगाई-वुझाई, लूतरापन।
मूशिगाफ़ (موشگاف) फा. वि –वाल की खाल निकालने-वाला, दीद रेजी करनेवाला, वाल चीरनेवाला, सूक्ष्मदर्शी, आलोचक।
मूशिगाफी (موشگافی) फा स्त्री –वाल की खाल निकालना, दीद रेजी करना, छिद्रान्वेषण, सूक्ष्मालोचना।
मूशे कोर (موش کور) फा पु –छछूँदर, पूति मूपिका, वेश्म-नकुल।
मूशे ख़ुर्मा (موش خرما) फा स्त्री –गिलहरी।
मूसे दश्ती (موش دشتی) फा पु –जगली चूहा जो खेत खा जाता है।
मूशे पर्रा (موش پراں) फा पु –चमगादड, चर्मचटक, जन्तु।
मूशे सह्राई (موش صحرائی) फा पु –दे 'मूशे दश्ती', गिलहरी।
मूसवी (موسوی) फा वि –हज़्रत मूसा से सम्वन्ध रखने-वाला, हज़्रत मूसा का।
मूसा (موسی) अ पु –एक पैगवर जिन्होने फिरऔन को मारा था।
मूसा (موصی) अ वि –वसीयत किया गया, जिसके नाम रिक्थपत्र लिखा गया हो।
मूसा इलैह (موصی الیہ) अ वि –जिसके नाम वसीयत लिखी गयी हो।
मूसाई (موسائی) अ वि –हज़्रत मूसा का अनुयायी यहूदी।
मूसाविहि (موصی بہ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।
मूसालहू (موصی لہ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।
मूसियः (موصیہ) अ स्त्री –वसीयत लिखनेवाली स्त्री।
मूसिर (موثر) अ पु –स्वार्थ त्याग करनेवाला, ईसार करनेवाला।
मूसिर (موسر) अ. वि –शक्तिशाली, ताकतवर, धनाढच, दौलतमंद।
मूसिल (موصل) अ वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रपक।
मूसी (موصی) अ. वि –वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र कर्ता।
मूसीकार (موسیقار) अ. वि –गान विद्या का अच्छा जानने-वाला, सगीतज्ञ, सगीत कलाकार।
मूसीकी (موسیقی) अ स्त्री.–गानविद्या, सगीतकला, गाने का फन; गाना, नग्म।
मूहिन (موہن) अ. पु –अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, वेइज्जती करनेवाला, तौहीन करनेवाला।
मूहिम (موہم) अ वि –भ्रम मे डालनेवाला, भ्रम उत्पन्न करनेवाला, भ्रमजनक।
मूहिश (موحش) अ वि –दु ख पहुँचानेवाला, खेदजनक।

मे

मेख़ (میخ) फा स्त्री –कील, शकु, खूटी।
मेख़कोब (میخ‌کوب) फा स्त्री –खूटी ठोकने की मुंगरी।
मेख़चू (میخ‌چو) उ स्त्री –खूटी ठोकने की मुंगरी।
मेख़दोज़ (میخ‌دوز) फा वि –जो चल फिर न सके, एक जगह बैठा रहे जो निकम्मा हो, बस बैठा रहना जानता हो।
मेग़ (میغ) फा पु –मेघ, बादल काला बादल, घटा काली।
मेज़ (میز) फा स्त्री –दावत का सामान, भोज-सामग्री, वह चौकी जिस पर रखकर खाना खाते है। (टेबिल के अर्थ में यह शब्द पुर्तगाली है)।
मेज़बान (میزبان) फा वि –मेहमानी करनेवाला अतिथिपूजक दावत या भोज करानेवाला, आतिथेय।
मेज़बानी (میزبانی) फा स्त्री –मेहमानदारी, आतिथ्य भोज दावत।
मेव (میوه) फा पु –फल प्राय सूखे फल, जैसे—बादाम पिस्ता आदि।
मेव'ख़ोर (میوه‌خور) फा वि –मेवा खानेवाला फलाहारी।
मेव'जात (میوه‌جات) फा पु –मेव का बहु, मेवे फल।
मेव'दार (میوه‌دار) फा वि –वह पेड जिसमें मेवा लगा हो फलदार फला हुआ, फलित।
मेव'फ़रोश (میوه‌فروش) फा वि –मेवा बेचनेवाला, फल विक्रेता सब्ज़ी बेचनेवाला कूजडा शाकविक्रेता।
मेश (میش) फा स्त्री –भेड मेष।
मेशचश्म (میش‌چشم) फा वि –जिसकी आखें भेड-जैसी काली हो बहुत काली आखोवाला।
मेहमाँ (مہماں) फा पु –अतिथि आगतुक गृहागत मिहमान।
मेहमाँदार (مہماں‌دار) फा वि –जिसके यहा कोई मेहमान हो अतिथिपूजक मेहमाननवाज़।
मेहमाँदारी (مہماں‌داری) फा स्त्री –अतिथिपूजा आतिथ्य मेहमाननवाज़ी।
मेहमाँनवाज़ (مہماں‌نواز) फा वि –जो मेहमानो की आवभगत बहुत करता हो अतिथिपूजक आतिथेय।
मेहमाँनवाज़ी (مہماں‌نوازی) फा स्त्री –मेहमानदारी अतिथिपूजा आतिथ्य।
मेहमान (مہمان) फा पु –दे मेहमाँ दोनो प्रकार से शुद्ध है अवश्य बोलने में महमान अधिक शुद्ध है।
मेहमानी (مہمانی) फा स्त्री –दे मेहमानदारी।
मेहमेज़ (مہمیز) फा स्त्री –एड, वह लोहे की कील जो सवार अपने जूते की एडी में लगाते है।
मेह्र (مہر) फा स्त्री –प्रेम, मुहब्बत प्यार ममता मामता, दया, शफ़क़त रह्म, करुणा तरस।
मेह्रबाँ (مہرباں) फा वि –मेह्रबान का लघु, दे मेह्रबान।
मेह्रबान (مہربان) फा वि –दया करनेवाला दयालु करुणा करनेवाला सकरुण मित्र, दोस्त।
मेह्रबानी (مہربانی) फा स्त्री –कृपा दया करुणा तरस ममता, शफ़क़त।

मै

मै (مے) फा स्त्री –सुरा, हाला इरा वारुणी कादम्बरी माधुरी, मदिरा मद्य शराब।
मैआशाम (مے‌آشام) फा वि –शराब पीनेवाला मद्यप *शराबी सुरापा।*
मैकद (مےکده) फा पु –दे 'मैख़ान'
मैकश (مےکش) फा वि –मै पीनेवाला, मद्यप सुरापी शराबी।
मैख़ान (مےخانه) फा पु –जहाँ शराब बिकती है मद्यशाला मदिरालय।
मैख़ुश (مےخوش) फा वि –खटमिट्ठा।
मैख़्वार (مےخوار) फा वि –दे मैकश'।
मैगुसार (مےگسار) फा वि –दे मैकश।
मैगूँ (مےگوں) फा वि –शराब-जैसा लाल रंग लिये हुए सुर्ख़ी माइल रक्ताभ पियाज़ी।
मैत (میت) अ पु –मरा हुआ मृतक मुर्द।
मैद (میده) फा पु –बारीक छना हुआ आटा समिता।
मैदान (میدان) फा पु –काफ़ी खुला हुई और लबी चौडी जगह जहा पेड आदि न हो घोडा दौडाने का स्थान। काम करने का हल्का कार्यक्षेत्र समतल भूमि चौरस जगह युद्धक्षेत्र लडाई का मैदान।
मैदानी (میدانی) फा वि –मैदान का मैदान से सम्बद्ध *चोबेदार मकान में लगायी जानेवाली बडी लालटेन।*
मैदाने अमल (میدانِ‌عمل) फा अ पु –काम का हल्क कार्य क्षेत्र।
मैदाने क़लम (میدانِ‌قلم) फा पु –कलम का उतना हिस्सा जो तराशा जाता है।
मैदाने कारज़ार (میدانِ‌کارزار) फा पु –दे मैदाने जंग'।
मैदाने जंग (میدانِ‌جنگ) फा पु –युद्धक्षेत्र, रणभूमि समरांगण रंगमंच रणस्थल युद्धाजिर सडिवा, समरक्षेत्र रणाजिर लडाई का मैदान।

मैदाने हश्र (میدانِ حشر) फा. अ. पु.—कियामत का मैदान जहाँ मुसलमानों के मतानुसार सबका हिसाब-किताब होगा।

मैनोश (مے نوش) फा. वि.—शराब पीनेवाला, मद्यप।

मैनोशी (مے نوشی) फा. स्त्री.—मद्यपान, मदिरापान।

मैपरस्त (مے پرست) फा. वि.—बहुत अधिक शराब पीनेवाला, मदिराभक्त, मद्य मर्मज्ञ।

मैपरस्ती (مے پرستی) फा. स्त्री.—बहुत शराब पीना।

मैफरोश (مے فروش) फा. वि.—शराब बेचनेवाला, मद्य-व्यवसायी, शौंडिक, पानिक।

मैफरोशी (مے فروشی) फा. स्त्री.—शराब का कारोबार, मद्यव्यवसाय, कल्यपाल।

मैमनः (میمنہ) अ. पु.—वह सेना जो दाएँ ओर रहती है।

मैमनत (میمنت) अ. स्त्री.—कल्याण, भलाई, बरकत।

मैमनतलुज़ूम (میمنت لزوم) अ. वि.—कल्याणकार, शुभान्वित।

मैमिन (میمن) अ. वि.—वह स्थान जहाँ बरकत और कल्याण मिले।

मैमून (میمون) अ. वि.—शुभ, कल्याण, मुबारक।

मैमूनः (میمونہ) फा. पु.—बंदर, वानर, कपि।

मैयित (میت) अ. स्त्री.—मृतक, मरा हुआ आदमी।

मैल (میل) अ. पु.—रुचि, रगबत, आकर्षण, तवज्जुह; प्रवृत्ति, रुजहान।

मैलान (میلان) अ. पु.—दे. 'मैल'।

मैलाने तब्अ (میلانِ طبع) अ. पु.—अभिरुचि, दिली ख्वाहिश, तबीअत का झुकाव।

मैले खातिर (میلِ خاطر) अ. पु.—दे. 'मैलानेतब्अ'।

मैसरः (میسرہ) अ. पु.—वह सेना जो उलटे हाथ को रहे।

मैसाज़ (مے ساز) फा. वि.—शराब खींचनेवाला, सुराकार।

मैसाज़ी (مے سازی) फा. स्त्री.—शराब बनाना, सुरा-कर्म।

मैसूर (میسور) अ. वि.—सुगम, सरल, आसान, सम्पन्न, भरापुरा, हराभरा, सरसब्ज़।

मैवः (میوہ) फा. पु.—दे. 'मेवः', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

मो

मोज़ः (موزہ) फा. पु.—पाँव में पहनने का जुर्राब।

मोज़ःगीर (موزہ گیر) फा. पु.—वह घोड़ा जो सवार के पाँव को पकड़े या काटे।

मो'जमः (معجمہ) अ. वि.—वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी हो, जैसे—जीम, शीन, ये, आदि।

मो'जिज़ः (معجزہ) अ. पु.—वह चमत्कार जो पैगंबर दिखाये, वह काम जो मानव-शक्ति से परे हो।

मो'जिज़ (معجز) अ. वि.—अक्ल को आश्चर्य में डालनेवाला, मोजिज़.।

मो'जिज़निगार (معجز نگار) अ. फा. वि.—ऐसा अच्छा लेखक जो आश्चर्य में डाल दे।

मो'जिज़नुमा (معجز نما) अ. फा. वि.—मो'जिज़ः दिखानेवाला, चमत्कारी।

मो'जिज़नुमाई (معجز نمائی) अ. फा. स्त्री.—मो'जिज़ः दिखाना।

मो'जिज़बयाँ (معجز بیاں) अ. फा. वि.—बहुत अच्छा बोलनेवाला।

मो'जिज़ बयानी (معجز بیانی) अ. फा. स्त्री.—बहुत अच्छी तकरीर या भाषण।

मो'जिज़ात (معجزات) अ. पु.—'मो'जिज़ः' का बहु., मो'जिज़े।

मो'जिब (معجب) अ. वि.—अभिमानी, घमंडी।

मो'तकद (معتقد) अ. वि.—एतिकाद रखा हुआ, वह बात जिसका एतिकाद या विश्वास हो।

मो'तकदात (معتقدات) अ. पु.—'मो'तकद' का बहु., वे बातें जिनका विश्वास हो, अकीदे।

मो'तकिद (معتقد) अ. वि.—धर्म विश्वास या एतिकाद रखनेवाला, श्रद्धालु, श्रद्धावान्।

मो'तकिफ (معتکف) अ. वि.—एक कोने में बैठकर ईश्वराधना करनेवाला; सबसे अलग होकर एकान्तवासी हो जानेवाला।

मो'तज़लः (معتزلہ) अ. पु.—एक सम्प्रदाय जो कहता है कि ईश्वर दिखाई नहीं दे सकता, और आदमी जो कुछ करता है स्वयं करता है ईश्वर कुछ नहीं कराता।

मो'तज़िली (معتزلی) अ. वि.—मो'तज़लः सम्प्रदाय का अनुयायी।

मो'तद [द्द] (معتد) अ. वि.—गिना हुआ, शुमार किया हुआ।

मो'तदबिहि (معتدبہ) अ. वि.—काफी, पर्याप्त; अत्यधिक, बहुत।

मो'तदिल (معتدل) अ. वि.—जिसमें गर्मी-सर्दी बराबर हो, समशीतोष्ण, जिसमें कोई बात आवश्यकता से कम या अधिक न हो, संतुलित; दरमियानी, मध्यम।

मो'तबर (معتبر) अ. वि.—जिसका एतिबार हो, विश्वस्त।

मो'तमद (معتمد) अ. वि.—जिस पर भरोसा हो, विश्वास-पात्र, विश्वासी।

मो'तमद अलैह (معتمد علیہ) अ. वि.—जिस पर भरोसा हो, विश्वासी, विश्वस्त।

मो'तरज़ात (معترضات) अ पु –एतिराज़ की बातें।
मो'तरिज़ (معترض) अ वि –एतिराज़ करनेवाला आपत्ति कर्ता।
मो'तरिफ़ (معترف) अ वि –एतिराफ़ करनेवाला स्वीकार करनेवाला इक़रार करनेवाला।
मो'ताद (معتاد) अ वि –मात्रा मिक़्दार पूरी ख़ुराक पूरी मात्रा आदी व्यसनी।
मो'ती (معطی) अ वि –अता करनेवाला, दाता प्रदाता अनुदाता ईश्वर का एक नाम।
मोम (موم) फा पु –सिक्थ मधूच्छिष्ट मोम।
मोमजामा (موم‌جامہ) फा पु –वह कपड़ा जो मोम में तर कर लिया गया हो मोम चढ़ाया हुआ कपड़ा।
मोमरौग़न (موم‌روغن) फा पु –तेल में मोम मिलाकर बनाया हुआ तेल।
मोमिन: (مومنہ) अ स्त्री –मुसलमान स्त्री।
मोमिन (مومن) अ पु –मुसलमान मर्द।
मोमिनात (مومنات) अ स्त्री – मोमिन का बहु, मुसलमान स्त्रियाँ।
मोमियायी (مومیائی) अ स्त्री –पत्थर से टपकनेवाला एक मद औषध शिलाजतु, सलाजीत शिलाजीत।
मोर (مور) फा स्त्री –पिपीलिका च्यूटी च्यूटा चींटा।
मोरच: (مورچہ) फा पु –जंग मल मैल।
मोरचाल (مورچال) फा पु –वह गढ़ा जिसमें बैठकर शत्रु पर गोली चलाते हैं मोरचा।
मोरे ज़ईफ़ (مورضعیف) फा अ स्त्री –कमज़ोर च्यूटा अर्थात असमर्थ और दीन व्यक्ति।
मोरे नातुवाँ (مور ناتواں) फा स्त्री –दे मोरे ज़ईफ़।
मोरोमलख़ (مورومَلخ) फा पु –चींटी और टिड्डी अर्थात छोटे-छोटे प्राणी।
मोहमल (مہمل) अ वि –निरर्थक बेमानी व्यर्थ बेकार लफ़ंगा बएतिबार बकवास।
मोहमलगो (مہمل‌گو) अ वि –बकवासी फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला।
मोहमलगोई (مہمل‌گوئی) अ फा स्त्री –बकवास फ़ुज़ूल की बातें करना।
मोहलत (مہلت) अ स्त्री –अवकाश फ़ुर्सत छुट्टी ता'तील समय वक़्त विलंब ढील देर।

मौ

मौइज़त (موعظت) अ स्त्री –सदुपदेश हितोपदेश पंद नसीहत।
मौइदत (موعدت) अ स्त्री –प्रतिज्ञा, वचन, वादा अहद।
मौऊद (موعود) अ वि –वह चीज़ जिसका वादा किया गया हो जिसका वचन दिया गया हो।
मौक़ा' (موقع) अ पु –अवसर, ठीक समय समय वक़्त घटनास्थल, जाए वुक़ूअ, स्थान जगह।
मौक़िफ़ (موقف) अ पु –खड़े होने की जगह स्थान, जगह निश्चय तट्टेय।
मौकिब (موکب) अ पु –सेना फ़ौज सवारों का समूह।
मौक़ूफ़ (موقوف) अ वि –स्थगित मुल्तवी पदच्युत बरख़ास्त त्यक्त छोड़ा हुआ निर्भर मुनहसिर वह हल असर जिसमें पढ़नेवाला अक्षर भी हल हो।
मौज (موجہ) अ पु –दे 'मौज' लहर उमंग तरंग।
मौज (موج) अ स्त्री –तरंग वीचि हिल्लोल लहर उत्साह, उमंग वलवल: धुन ख़याल आनंद ख़ुशी।
मौज़ (موز) अ पु –केला, कदली, रम्भा।
मौजए तबस्सुम (موجۂ تبسم) अ पु –मुस्कुराहट की लहर।
मौजख़ेज़ (موج‌خیز) अ फा वि –नदी दया।
मौजज़न (موج‌زن) अ फा वि –मौजें मारता हुआ तरंगित हिल्लोलित।
मौज़ा' (موضع) अ पु –स्थान जगह ग्राम गाँव।
मौज़ूँ (موزوں) अ वि –उचित मुनासिब योग्य लाइक़, पात्र अहल, यथोचित वाजिब, तुला हुआ संतुलित वह शे'र जिसका वज़्न ठीक हो जचा-तुला ठीक-ठीक।
मौज़ूँतब्अ (موزوں‌طبع) अ वि –जो कविता कर लेता हो जो शे'र वज़्न के अंदर कहता हो।
मौज़ूअ (موضوع) अ वि –रखा हुआ विषय सब्जेक्ट।
मौजूद: (موجودہ) अ वि –आधुनिक हाल का उपस्थित हाज़िर जो इस समय मौजूद है वर्तमान।
मौजूद (موجود) अ वि –उपस्थित हाज़िर सम्मुख सामने जीवित ज़िन्दा तत्पर तैयार कटिबद्ध मुस्तइद उपलब्ध दस्तयाब।
मौजूदफ़िलख़ारिज (موجود فی الخارج) अ पु –जो संसार में होता हो काल्पनिक न हो।
मौजूदात (موجودات) अ स्त्री – मौजूद का बहु, संसार की सब चीज़ें सारा सामान शुमार गिनती हाज़िरी।
मौज़ून (موزون) अ वि –दे मौज़ूँ।
मौज़ूनियत (موزونیت) अ स्त्री –मौज़ूँ होने का भाव औचित्य मुनासबत तबीअत का ठीक होना शे'र का वज़्न के अंदर होना योग्यता क़ाबिलीयत।
मौज़ूनी (موزونی) अ वि –दे 'मौज़ूनियत'।

मौजे आब (موجِ آب) अ फा. स्त्री.—नदी की तरंग, पानी की लह्र।
मौजे कौसर (موجِ کوثر) अ. स्त्री.—स्वर्ग के पानी की लह्र।
मौजे तबस्सुम (موجِ تبسم) अ. स्त्री —मुस्कुराहट की लह्र।
मौजे नसीम (موجِ نسیم) अ. स्त्री —सवेरे की हवा का झोका, समीर की लह्र।
मौजे बला (موجِ بلا) अ. फा. स्त्री —आपत्तियो की लहरो के थपेडे।
मौजे बोरया (موجِ بوریا) अ फा स्त्री —चटाई बिछाने से बनी हुई लकीरे, लकीरो की चटाई।
मौजे रेग (موجِ ریگ) अ फा. स्त्री —दे. 'मौजे सराब'।
मौजे सब्ज (موجِ سبزه) अ. फा स्त्री —वह लह्र जो हवा चलने से सब्ज़े मे पैदा होती है।
मौजे सराब (موجِ سراب) अ फा स्त्री —रेत की लह्रे जो दूर से पानी जान पडती है।
मौजे हवा (موجِ هوا) अ स्त्री.—हवा की लह्र, हवा का सर्द झोका।
मौत (موت) अ स्त्री —मृत्यु, निधन, मरण, वफात, विनाश, बरबादी, गायत, दुर्दशा।
मौता (موتیٰ) अ पु —'मैयित' का बहु, मरे हुए लोग।
मौतिन (موطن) अ पु —जन्मभूमि, वतन।
मौफ़ूर (موفور) अ. वि —प्रचुर, अधिक, बहुत।
मौरिद (مورد) अ वि —उतरने का स्थान, ठहरने का स्थान, योग्य, पात्र, अह्ल।
मौरिदे इनायत (موردِ عنایت) अ पु —कृपापात्र, जिस पर कृपा हो।
मौरिदे इन्आम (موردِ انعام) अ पु —पुरस्कार के योग्य, इन्आम का मुस्तहक़।
मौलवी (مولوی) अ पु —इस्लाम धर्म का विद्वान्, बच्चो को पढानेवाला, विद्वान्, आलिम।
मौला (مولا) अ पु —स्वामी, मालिक, ईश्वर, परमेश्वर; वह दास जिसे मुक्ति मिल गयी हो।
मौलाई (مولائی) अ वि —सरदारी, अध्यक्षता, प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गो को लिखने का एक शब्द।
मौलाना (مولانا) अ पु —आलिमो का एज़ाज़ी खिताब।
मौलिद (مولد) अ वि —जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, वतन।
मौलूद (مولود) अ. पु —बालक, शिशु, नवजात बच्चा, मीलाद।
मौसम (موسم) अ. पु —शुद्ध उच्चारण 'मौसिम' है, परन्तु उर्दू मे दोनो प्रकार से बोला जाता है।
मौसिम (موسم) अ पु —ऋतु, फस्ल, समय, वक्त।
मौसिमे गर्मा (موسمِ گرما) अ फा पु —गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
मौसिमे खज़ा (موسمِ خزاں) अ फा पु —पतझड की ऋतु, शिशिर ऋतु।
मौसिमे गुल (موسمِ گل) अ फा पु —बसत ऋतु, बहार का समय।
मौसिमे बहार (موسمِ بہار) अ फा. पु —बसत ऋतु।
मौसिमे बाराँ (موسمِ باراں) अ फा पु.—बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।
मौसिमे सर्मा (موسمِ سرما) अ फा पु —ठढी ऋतु, जाड़े का समय।
मौसूफ (موصوف) अ वि —जिसकी प्रशसा की जाय, प्रशसित, (व्या) विशेष्य, जिस शब्द के साथ कोई विशेषण हो।
मौसूमः (موسومه) अ वि —नाम रखा हुआ।
मौसूम (موسوم) अ वि —नाम रखा हुआ, नामधारी।
मौहूब (موهوبه) अ. वि —बख्शिश की गयी चीज, दी हुई चीज़।
मौहूब (موهوب) अ वि —हिबा किया गया, बख्शा गया।
मौहूबइलैह (موهوب الیه) अ वि —जिसके नाम हिबा हो।
मौहूबलहू (موهوب له) अ वि —जिसके नाम हिबा किया जाय।
मौहूम (موهوم) अ वि —भ्रममूलक, भ्रमात्मक, जो केवल भ्रम ही भ्रम हो, उसका अस्तित्व न हो।

य

यग (یگ) फा पु —विधान, कानून, परंपरा, रिवाज (वि) प्रकाशमान्, रौशन, समान, तुल्य।
यंगा (ینگا) फा स्त्री —भाई की पत्नी, भाभी, चचा की पत्नी, चची, विवाहिता, गृहस्वामिनी, नाइन, मश्शात.।
यंबूअ (ینبوع) अ पु —नदी, दर्या, सरिता, चश्मा; स्रोत, सोता।
यआफीर (یعافیر) अ. पु —'या'फूर' का बहु, बहुत-से हिरन।
यआबीब (یعابیب) अ पु —'या'बूब' का बहु, तेज चलनेवाले घोड़े, तेज बहनेवाली नदियो के धारे।
यआमिल (یعامل) अ पु.—'या' मल' का बहु, खूब काम करनेवाले ऊँट।
यआमीर (یعامیر) अ पुं —'या' मूर' का बहु, बकरी के बच्चे।
यआलील (یعالیل) अ. पुं —'या' लूल' का बहु, पानी के बलबूले, मनुष्यो के लिंग।

यआसीब (یعاسیب) अ पु –'यासूब' का बहु, शहद की मक्खियों के राजा, जाति के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।
यऊक़ (یعوق) अ पु –घोड़े के आकार की एक मूर्ति जिसे हज़रत नूह' के अनुयायियों ने पूजा था।
यऊस (یئوس) अ वि –निराश हताश नाउम्मीद।
यक (یک) फा वि –एक की संख्या एक वस्तु।
यकअस्प (یکاسپه) फा वि –दे 'यकस्प' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है एक घोड़ा।
यकआतश (یک‌آتشه) फा वि –दे 'यकातश', वह उच्चारण अधिक फ़सीह है एक आग।
यक्क (یقق) अ वि –बहुत अधिक सफ़ेद।
यकक़लम (یکقلم) अ फा वि –सिर से नितांत बिल्कुल।
यकगूना (یکگونه) फा अ वि –किंचित किसी क़दर थोड़ा।
यकचंद (یکچند) फा वि –किंचित थोड़ा।
यकचश्म (یکچشم) फा वि –काणा काना, सूर्य सूरज सबको एक आँख से देखनेवाला समदर्शी।
यकचश्मी (یکچشمی) फा स्त्री –कानापन, समदर्शिता।
यकचोब (یکچوبه) फा पु –वह छोटा शामियाना जो एक लकड़ी पर खड़ा होता है।
यक्ज़ (یقظه) अ पु –जाग्रति जागरण बेदारी नींद न आने का रोग अनिद्रा।
यकज़ (یقظ) अ वि –दे 'यक़िज़' दोनों शुद्ध है एक से।
यकज़दी (یکزدی) फा अ वि –एक दादा का एक दादा की संतान।
यकज़बां (یکزبان) फा वि –सहमत एक राय।
यकज़बानी (یکزبانی) फा स्त्री –सहमति इत्तिफ़ाक़।
यक्जा (یکجان) फा वि –घनिष्ठ मिली।
यक्जा (یکجا) फा वि –एक जगह एकत्र इकट्ठा सम्मिलित शामिल।
यक्जाई (یکجائی) फा स्त्री –इकट्ठापन एकत्रता।
यकजिंसी (یکجنسی) फा स्त्री –एक ही वंश या नस्ल का होना एक उम्र का होना एक प्रकृति का होना।
यकजिलौ (یکجلو) फा वि –तेज़ चलनेवाला घोड़ा।
यकजिहत (یکجهت) फा अ वि –सहमत मुत्तफ़िक़ मित्र दोस्त।
यकजिहती (یکجهتی) फा अ स्त्री –सहमति इत्तिफ़ाक़ मित्रता दोस्ती।
यक्तन (یکتنه) फा स्त्री –अकेला एकाकी तनहा।
यकतन (یکتن) फा वि –एक व्यक्ति एक मनुष्य।
यक्तरफ़ (یکطرفه) फा अ वि –एक ओर का एकतरफ़ा दाहिना या बायां एक ओर का पक्षपात लिए हुए।
यकतही (یکتهی) फा वि –जिसमें एक परत हो, गरमियों का हल्का लिबास।
यक्ता (یکتا) फा वि –अद्वितीय अनुपम बेमिस्ल।
यक्ताई (یکتائی) फा स्त्री –अद्वैत अकेलापन, बेमिस्ली–
'रंगे-यक्ताई भला इतना तो पैदा करते अपनी तस्वीर में हरदम तुम्हें देखा करते।'
यक्ताए अस्र (یکتائے عصر) फा अ वि –अपने समय का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति (किसी कला या विद्या में)।
यक्ताए अह्द (یکتائے عهد) फा अ वि –दे 'यक्ताए अस्र'।
यक्ताए फ़न (یکتائے فن) फा अ वि –किसी कला विशेष में अद्वितीय और अनुपम।
यक्ताज (یکتاز) फा वि –दे 'यक्क' ताज़।
यक्तार (یکتاره) फा पु –एक तारवाला बाजा इकतारा।
यकतार (یکتار) फा वि –किंचित ईषत् थोड़ा।
यक्दस्तान (یکداستان) फा वि –एक सा समान बराबर।
यक्दक (یکدق) फा वि –कदुष्ण गुनगुना।
यकदस्त (یکدست) फा वि –समस्त संपूर्ण सब समान यक्सा।
यकदस्ती (یکدستی) फा स्त्री –संपूर्णता समस्तता समानता, एकसानियत।
यकदिगर (یکدگر) फा वि –परस्पर आपस में बाहम।
यकदिल (یکدله) फा वि –शूर वीर, बहादुर सहमत मुत्तफ़िक़।
यकदिल (یکدل) फा वि –संयुक्त संघटित मुत्तहद मित्र दोस्त सहमत मतफ़िक़।
यकदिली (یکدلی) फा स्त्री –एकता इत्तिहाद मित्रता दोस्ती सहमति, इत्तिफ़ाक़।
यकदिश (یکدش) फा वि –सकर आरज़ दोग़ला।
यकदीगर (یکدیگر) फा वि –परस्पर आपस में बाहम।
यकनफ़स (یکنفس) अ फा वि –क्षण भर थोड़ी देर सहचर साथी मित्र दोस्त।
यकनफ़सी (یکنفسی) फा अ स्त्री –मित्रता दोस्ती सहचरता साथ।
यक्ना'ल (یکنعل) फा अ वि –बड़ी मात्रा में बहुत अधिक, बइफ़रात।
यकनिशस्त (یکنشست) फा वि –साथ उठने बैठनेवाला हमनशी।
यक्पा (یکپا) फा वि –एक पाँववाला एक पद।
यक्पाय (یکپایه) फा वि –जिसमें केवल एक खंभा हो एक जैसे पदवाले समपद समान पद।

यकपिदरी (یکپدری) फा वि –एक पिता की संतान, एक पिता की संपत्ति आदि।

यकफ़नी (یکفنی) फा वि –किसी कला विशेष में निपुण, अनुपम, बेनज़ीर।

यकफ़र्दी (یکفردی) फा वि –एक व्यक्तिवाला, जिसे एक व्यक्ति कर सके, जो एक व्यक्ति के योग्य हो।

यकफ़स्ली (یکفصلی) फा अ वि –वह भूमि जिसमें केवल एक फ़स्ल पैदा होती हो।

यकफ़ीसदी (یکفیصدی) फा अ वि –सौ में एक, सौ में एक के अनुपात से, एक प्रतिशत।

यकबग़ल (یکبغل) फा वि –बहुत बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक।

यक ब यक (یکبیک) फा. वि –सहसा, अचानक, अनायास, अकस्मात्।

यकबारः (یکباره) फा. वि –अचानक, सहसा, आकस्मिक।

यकबार (یکبار) फा वि –दे 'यकबार'।

यकबारगी (یکبارگی) फा वि –अचानक, अकस्मात्, बे शानोगुमान।

यकमंज़िलः (یکمنزله) फा. अ वि –वह मकान जिसमें केवल एक ही माला हो, अर्थात् उस पर इमारत न हो।

यकमनी (یکمنی) फा वि –एक-से ख़ुदी पसंद, एक-से तकब्बुरवाले, एक-से ग़ुरूरवाले, एक नुत्फ़े के, एक बीज के।

यकमर्तबः (یکمرتبه) फा अ. वि –एक-जैसा श्रेणी और पदवाले, समानपद, समवर्ग।

यकमादरी (یکمادری) फा वि –एक माता की संतान।

यकमुश्त (یکمشت) फा वि –इकट्ठा, सब का सब, जो थोड़ा-थोड़ा अथवा किस्तों में न हो, बल्कि सब हो।

यकरंग (یکرنگ) फा अ वि –एक-जैसे रंगवाले, निश्छल, मुख़्लिस, जो सदा एक-जैसा रहे।

यकरंगी (یکرنگی) फा. स्त्री –एक रंग का होना, निश्छलता, ख़ुलूस, सदा एक-जैसा रहना।

यकरक़ीब (یکرقیب) फा पु –ईश्वर, ख़ुदा।

यकरह (یکره) फा वि –समस्त, समग्र, सब, एक बार, एक दफ़ा, निश्चल, बेरिया।

यकराँ (یکراں) फा पु –अस्ली और कुलीन घोड़ा।

यकराई (یکرائی) फा स्त्री –एक मत होना, मक्तैय, सहमति।

यकराए (یکرائے) फा वि –सहमत, एकमत, मुत्तफ़िक़।

यकरिकाबी (یکرکابی) फा स्त्री –कार्य में संलग्नता, शीघ्रता, जल्दी, कोतल घोड़ा, कार्यतत्परता, कार्यसंलग्नता, मुस्तइद्दी।

यकरिश्तः (یکرشته) फा वि –अनुकूल, मुआफ़िक़।

यकरुख़ी (یکرخی) फा वि.–एक पक्षीय, एक तरफ़ का, जिसमें किसी पक्ष की तरफ़दारी हो, जैसे–'यकरुख़ी फ़ैसला'।

यकरू (یکرو) फा वि –एक दिल, घनिष्ठ, सच्चा दोस्त।

यकरूई (یکروئی) फा स्त्री –घनिष्ठता, सच्ची दोस्ती।

यकरोज़ः (یکروزه) फा वि.–वह कार्य जो एक दिन में समाप्त हो जाय; जो एक दिन के लिए हो।

यकलख़्त (یکلخت) फा वि –सिरे से, नितांत, बिलकुल, आकस्मिक, अचानक।

यकवरक़ः (یکورقه) फा अ वि –जिसमें केवल एक पन्ना हो, एक वरक़ का लेख।

यकशंबः (یکشنبه) फा पु –रविवार, इतवार।

यकशबः (یکشبه) फा वि –जो रातभर में समाप्त हो जाय, जो रात भर का हो।

यकशिस्त (یکشست) फा. वि –सहचर, साथी, सभासद, मुसाहिब।

यकसरः (یکسره) फा वि –सिरे से, सब, नितांत, बिलकुल।

यकसर (یکسر) फा वि –नितांत, बिलकुल; समग्र, समस्त, सब, एक सिरे से दूसरे सिरे तक।

यकसवारः (یکسواره) फा वि –अकेला, एकाकी, तन्हा।

यकसाँ (یکساں) फा वि –समान, बराबर, सदृश, मिस्ल, चौरस, समतल।

यकसानियत (یکسانیت) फा स्त्री –समता, साम्य, मुसावात, सदृशता, तुल्यता, बराबरी, चौरसपन।

यकसालः (یکساله) फा वि –एक साल की आयुवाला, एक वर्ष में एक बार होनेवाला, एक वर्ष में समाप्त होनेवाला।

यकसू (یکسو) फा. वि –एक ओर, एक तरफ़, निश्चित, बेफ़िक्र, एकाग्रचित्त, मुन्हमिक, अवकाश प्राप्त, फ़ारिग़।

यकसूई (یکسوئی) फा स्त्री –निश्चितता, बेफ़िक्री, अवकाश, फ़ुर्सत, सारे झंझटों से निवृत्ति, एकांत, तन्हाई।

यकस्प. (یکاسپه) फा वि –धीरे-धीरे साधारण चाल से चलने वाला सवार, एक-एक मंज़िल पर रुकनेवाला सवार; अकेला, एकाकी।

यकातशः (یکآتشه) फा वि –वह मदिरा अथवा अरक़ जो एक बार खींचा गया हो।

यकायक (یکایک) फा वि –आकस्मिक, अचानक, सहसा, तुरत, शीघ्र, फ़ौरन।

यक़्क़िक़ (یقق) अ पु –बहुत अधिक सफ़ेद; दे 'यक़क़', दोनों शुद्ध हैं।

यक्ज़ि (يقظ) अ वि–सजग, जागरूक, सावधान, जाग्रत, जागता हुआ, बेदार।

यकीता (يكيتا) फा पु–शिक्षक अध्यापक, पढ़ानेवाला।

यक़ीन (يقين) अ पु–विश्वास एतिबार, श्रद्धा एतिक़ाद, संदेह का अभाव गुमान न होना।

यक़ीनन (يقيناً) अ वि–संभवतः अवश्यमेव यक़ीनी निःसंदेह बिना शुबहा।

यक़ीनी (يقينى) अ वि–दे 'यक़ीनन।

यक़ीने कामिल (يقينِ كامل) अ पु–दृढ़ विश्वास पूरा भरोसा पूरा यक़ीन अटल धर्म विश्वास पूरा ईमान।

यक़ीने मोहकम (يقينِ محكم) अ पु–दे 'यक़ीने कामिल।

यक़ीने वासिक़ (يقينِ واثق) अ पु–दे 'यक़ीने कामिल।

यक़्ज़ (يقظ) अ वि–दे यक्ज़ि दोनों शुद्ध हैं सजग सचेष्ट सावधान।

यकुम (يكم) फा वि–प्रथम पहला पहली तारीख।

यके (يكے) फा वि–एक एक व्यक्ति कोई एक, कोई एक व्यक्ति।

यके बाद दीगरे (يكے بعد ديگرے) फा अ वि–एक के पश्चात दूसरा उत्तरोत्तर।

यक्क (يكّه) फा वि–अकेला तनहा अनुपम बेमिस्ल एक्का एक घोड़े से चलनेवाली गाड़ी विशेष, इक्का।

यक्कताज़ (يكّه تاز) फा वि–अकेला बहुतों से लड़नेवाला महारथी।

यक्कताज़ी (يكّه تازى) फा स्त्री–अकेले बहुतों से लड़ना।

यक्कबान (يكّه بان) फा पु–इक्का हाँकनेवाला।

यक्कओ तनहा (يكّه و تنها) फा वि–बिलकुल अकेला।

यक्ज़ान (يقظان) अ वि–जाग्रत जागरूक जागता हुआ बेदार।

यक्तीन (يقطين) अ स्त्री–हर वह बेल जो ज़मीन पर फैलती है जैसे—लौकी कद्दू आदि की।

यख (يخ) फा पु–ठंड से जमा हुआ पानी बर्फ हिम।

यख़खुरिद (يخ خورده) फा वि–उपेक्षा करनेवाला व तवज्जुही बरतनेवाला।

यख़खुर्द (يخ خورده) फा वि–उपेक्षित जिसके साथ बेतवज्जुही की गया हो।

यख़चा (يخچه) फा पु–ओला हिमोपल।

यख़दरबिहिश्त (يخ در بهشت) फा अ पु–एक प्रकार का हलवा।

यख़दान (يخدان) फा पु–खाना रखने की अलमारी बर्फ का खाना रखने का संदूक रेफ्रीजरेटर।

यख़पवद (يخ پروده) फा वि–जो बर्फ में लगाकर ठंडा किया गया हो।

यख़बस्त (يخ بسته) फा वि–जो ठंड से जम गया हो।

यख़ाच (يخاچ) अ पु–हज़रत ईसा का चित्र जो गिरजा में रखा जाता है।

यख़्त (يخت) फा पु–वह नाव जिस पर नदी में सैर करते हैं और अपनी निजी होती है।

यख़्नी (يخنى) फा स्त्री–अन्न या धन जो आवश्यकता पड़ने पर काम आने के लिए संचित किया जाय ज़खीरा गोश्त का शोरबा जिसमें मसाला न डाला गया हो और जो रोगियों को दिया जाता है।

यख़्शी (يخشى) तु वि–सुंदर प्रियदर्शन, खुशनुमा, शुभ कल्याणकर मुबारक उत्तम उमदा।

यगाँ (يگان) फा वि–अकेला, एकाकी अनोखा अनुपम, मनुष्य लोग सामान्य जन आम लोग।

यगाँ यगाँ (يگان يگان) फा वि–एक एक करके, एक के बाद दूसरा।

यगान (يگانه) फा वि–स्वजन आत्मीय अज़ीज़ अद्वितीय ला जवाब एकाकी अकेला।

यगान गो (يگانه گو) फा वि–सत्यवादी सच्चा सच बोलनेवाला।

यगानगोई (يگانه گوئى) फा स्त्री–सत्य बोलना सच्चाई।

यगानगत (يگانگت) उ स्त्री–दे 'यगानगी।

यगानगी (يگانگى) फा स्त्री–स्वजनता रिश्तेदारी, एक मति इत्तिफाक़े राय अकेलापन।

यग़ाम (يغام) फा पु–गूल बियाबानी जंगल में फिरने वाले भूत प्रेत।

यग़ूस (يغوث) अ पु–सिंह के आकार की एक मूर्ति जिसकी पूजा इस्लाम से पूर्व अरब में होती थी।

यग़मा (يغما) तु पु–लूटमार लूटना उचकना झपटना छीनना लूट में प्राप्त माल।

यग़माई (يغمائى) तु वि–जो लूटा गया हो।

यज़क (يزك) मु पु–सेना का अग्र भाग जो आगे चलता और शत्रु की सेना के समाचार देता है साग्र सेना फौज।

यज़कदार (يزكدار) तु फा पु–आगे चलनेवाली सेना का सेनापति।

यज़ीद (يزيد) अ पु–अमीर मुआविय का लड़का जो बड़ा ही बदचलन दुराचारी और अत्याचारी था और जिसने हज़रत इमाम हुसैन को शहीद कराया था क्योंकि वह इसके शासन के विरुद्ध था।

यज़ीदी (يزيدى) अ वि–वह व्यक्ति जो यज़ीद जैसा निष्ठुर, अत्याचारी और अभिमानी हो यज़ीद सम्बन्धी यज़ीद का।

यज़ीदे वक़्त (یزید وقت) अ पु.–अपने समय का बहुत ही अत्याचारी, अभिमानी और अनीति पर चलनेवाला शासक।

यज़्द (یزد) फा पु –शीराज़ के प्रांत का एक नगर।

यज़्दाँ (یزداں) फा. पुं –'यज़्दान' का लघु, दे. 'यज़्दान'।

यज़्दाँपरस्त (یزداں پرست) फा. वि –ईश्वरवादी, आस्तिक, ख़ुदा को माननेवाला।

यज़्दाँपरस्ती (یزداں پرستی) फा. स्त्री –ईश्वर को मानना, आस्तिकता।

यज़्दाँशनास (یزداں شناس) फा वि.–दे 'यज़्दाँपरस्त', ईश्वर को पहचान कर सत्य और सन्मार्ग पर चलनेवाला।

यज़्दाँशनासी (یزداں شناسی) फा स्त्री –दे. 'यज़्दाँपरस्ती'; सत्य और सन्मार्ग पर चलना, धर्मनिष्ठा।

यज़्दान (یزدان) फा पु –आतशपरस्तों (ईरान के पुराने अग्निपूजक जो ज़रदुश्त के अनुयायी थे) के मतानुसार, नेकी का ख़ुदा, वे लोग दो ख़ुदा मानते हैं, एक नेकी का दूसरा बदी का जिसे 'अह्‌रमन' कहते हैं।

यज़्दानी (یزدانی) फा वि –ईश्वरीय, ख़ुदाई।

यज़्दी (یزدی) फा वि –'यज़्द' का निवासी।

यज़्न. (یزنہ) फा पु –बहन का पति, बहनोई।

यताक़ (یتاق) तु पु –पहरा, चौकी, देखभाल, निगरानी।

यताक़ी (یتاقی) तु वि –पहरेदार, चौकीदार।

यतामा (یتامٰی) अ पु –'यतीम' का बहु, वे बच्चे जिनके पिता मर गये हों, अनाथ।

यतीम (یتیم) अ वि.–वह बालक जिसका पिता मर गया हो, अनाथ।

यतीमख़ान: (یتیم خانہ) अ फा पु –यतीम बालकों के पालन-पोषण का स्थान जो किसी संस्था की देख-रेख में हो, अनाथालय।

यतीमी (یتیمی) अ स्त्री –अनाथपन, बे बाप का हो जाना।

यतीमोयसीर (یتیم یسیر) अ पु –वह बालक जिसके माता-पिता दोनों मर गये हों, यह शब्द उर्दूवालों ने बनाया है।

यत्तूअ (یتوع) अ पु –दे 'यत्तूअ'।

यत्तूअ (یتّوع) अ पु –वह पेड़ जिसमे दूध होता है, जैसे–आक, थूहड़ आदि।

यत्न (یتن) अ पु –वह बालक जो उलटा उत्पन्न हुआ हो, जिसके पाँव पहले निकले हों।

यद (ید) अ पु –हाथ, कर, हस्त।

यदक (یدک) फा पु –कोतल घोड़ा।

यदुल्लाह (یداللہ) अ पु –ईश्वर का हाथ, अर्थात् ईश्वर की सहायता।

यदे क़ुद्रत (ید قدرت) अ. पु –क़ुद्रत का हाथ अर्थात् दैवी माया, दैवी शक्ति।

यदे तूला (ید طولیٰ) अ पु –बड़ा लंबा हाथ, अर्थात् किसी कार्य विशेष में बहुत अधिक कुशलता।

यदे बैज़ा (ید بیضا) अ पु –चमकता हुआ हाथ, हज़्रत मूसा का हाथ, जिसे खोल देने से प्रकाश फैल जाता था।

यदैन (یدین) अ. पु –दोनों हाथ।

यनप्‌लू (ینپلو) फा स्त्री.–मंडी, जहाँ चारों ओर से माल बिकने आता है, यात्रीदल, क़ाफ़िला।

यनाबीअ (ینابیع) अ. पु –'यंबूअ' का बहु, नदियाँ, चश्मे, सोते।

यनूफ़ (ینوف) अ पु –ऊँचा-नीचा टीला।

यपल्लू (یپلو) फा स्त्री –दे 'यनप्‌लू', दोनों शुद्ध हैं।

यफ़न (یفن) अ पु –बहुत बूढ़ा व्यक्ति जो सठ्या गया हो, पीरे फ़र्तूत।

यफ़ाअ (یفاع) अ पु –ऊँचा टीला, टीकरा, पहाड़ी।

यफ़्तः (یفتہ) फा पु –साइनबोर्ड, नाम पट्टिका।

यब (یب) फा वि –बूढ़ा, वृद्ध।

यबस (یبس) अ. पु –सूखना, शुष्क होना।

यबाब (یباب) अ वि –ध्वस्त, बरबाद।

यब्रूह (یبروح) अ स्त्री –दे 'यब्रूहुस्सनम'।

यब्रूहुस्सनम (یبروح الصنم) अ स्त्री –एक वनौषधि, लक्ष्मी, लखमनी, गर्दुमगिया।

यब्स (یبس) अ पु –सूखना, ख़ुश्क होना।

यम. (یمہ) फा पु –वह ख़ुराक या धन जो किसी को रोज दिया जाय।

यम (یم) फा. पु –नदी, तरंगिणी, दर्या।

यमक (یمک) फा पु –एक नगर जहा का सौंदर्य प्रसिद्ध है।

यमन (یمن) अ पु –अरब का एक देश, जहाँ का ला'ल और याक़ूत सारे संसार से अच्छा होता है।

यमनी (یمنی) अ वि –यमन का निवासी; यमन सम्बन्धी, यमन की वस्तु।

यमान (یمان) अ वि –यमन से सम्बन्ध रखनेवाला।

यमानी (یمانی) अ वि –यमन का, यमन-सम्बन्धी।

यमाम. (یمامہ) अ पु –कबूतर, जंगली कबूतर, कबूतरी; अरब की एक नीली आँखोंवाली स्त्री जो मैदान में ४०-५० मील तक की वस्तु देख लेती थी।

यमाम (یمام) अ पु –जंगली कबूतर, वनकपोत।

यमीनः (یمینہ) अ पु –आमाशय, पक्वाशय, मेदा।

यमीन (یمین) अ वि –दाहनी ओर, दाहना, शपथ, सौगन्ध; बल, शक्ति; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

यमीनोयसार (یمین و یسار) अ पु—दाहनी और बायां ओर, दोनों ओर।
यमूम (یموم) अ पु—यम का बहु नदियां।
यम्न (یمنہ) अ पु—दाएं हाथ की ओर।
यम्सू (یمسو) तु पु—बारूद अग्निचूर्ण।
यर (یر) तु पु—पृथ्वी ज़मीन भूमि।
यरकां (یرقاں) अ पु—यरकान का लघु, दे यरकान।
यरकाज़दह (یرقاں زدہ) अ फा वि—जिसे यरकान का रोग हो कमलरोगी।
यरकान (یرقان) अ पु—एक रोग जिसमें सारा शरीर विशेषतः आंखें पीली पड़ जाती हैं कमलरोग।
यरकानी (یرقانی) अ वि—यरकान का मरीज़ कमल रोग ग्रस्त कमलरोगी।
यरा (یرا) फा स्त्री—झुर्री बल सिलवट शिकन।
यराअ (یراعہ) अ पु—कलम बनाने का नरकुल बजाने की बांसुरी जुगनू खद्योत।
यराअ़ (یراع) अ पु—दे यराअ।
यराक़ (یراق) तु पु—अस्त्र शस्त्र असलिहः हथियार उपकरण सामान युद्ध सामग्री सामाने जंग।
यराग़ (یراغ) तु पु—डाक का घोड़ा।
यराबीअ़ (یرابیع) अ पु—यर्बूअ़ का बहु, जंगली चूहे दो पांववाले चूहे।
यरग़माल (یرغمال) तु पु—वह राजवंश का व्यक्ति जो किसी राज्य की ओर से दूसरे राज्य को ज़मानत में दिया जाय ताकि वह राज्य अपनी प्रतिज्ञा भंग न कर सके।
यर्ग़ा (یرغا) तु पु—तेज़ घोड़ा तेज़ चलनेवाला व्यक्ति आक्रमण हमला।
यर्ग़ू (یرغو) तु स्त्री—राजनीति सियासत दंड सज़ा।
यर्निश (یرنش) फा वि—एक गांव या नगर के रहनेवाले।
यर्बूअ़ (یربوع) अ पु—जंगली चूहा एक चूहा जो दो पांव का होता है।
यर्मलून (یرملون) अ पु—अरबी के छः अक्षरों का समाहार जब हल्‍न (न) के बाद इनमें से कोई अक्षर आता है तो वह न वही अक्षर बन जाता है, जैसे—मिन रब्बी' का मिर्रब्बी मिनल्वन' का मिल्लवन हो गया।
यर्मा (یرمع) अ पु—सफ़ेद और चमकदार पत्थर।
यर्मुर्ग़ा (یرمرغاں) तु पु—दे अमुर्ग़ा।
यल (یل) फा प—मुक्त किया हुआ रहा शुदा छोड़ा हुआ त्यक्त बंदूक या तोप छोड़ी हुई दौड़ता हुआ आक्रमण करता हुआ (स्त्री) व्यभिचारिणी फाहिशा।
यल (یل) फा पु—शूर, वीर बहादुर मल्ल पहलवान।
यलक (یلق) अ पु—हर वह वस्तु जो सफ़ेद हो।
यलदगज़ (یلدگز) फा पु—क़िज़िल अर्सलां के पिता।
यल्ब (یلب) अ पु—चमड़े का ढाल, चमड़े का कवच।
यलब (یلب) अ पु—दे 'यल्ब'।
यल्बुज (یلبوج) तु पु—ईश-दूत पैग़म्बर।
यलाक़ (یلاق) तु पु—एक तुर्की बादशाह का नाम मिट्टी का टूटा हुआ बरतन।
यलामिक (یلامق) अ पु—यल्मक का बहु कफ़न।
यलूज (یلوج) तु पु—दे शुद्ध उच्चारण यल्बुज।
यलअ़ (یلع) अ पु—वह जंगल जिसमें दूर-दूर तक जल और पानी न हो बियावान मृगतृष्णा मरीचिका सराब।
यल्ग़ार (یلغار) तु स्त्री—दे यग़ार', दोनों शुद्ध हैं परन्तु इसका उच्चारण अधिक शुद्ध है।
यल्ग़ार (یلغار) तु स्त्री—आक्रमण चढ़ाई धावा शुद्ध उच्चारण यलग़ार' है।
यल्ग़ुर (یلغر) तु वि—अकेला एकाकी तनहा।
यल्दा (یلدا) फा स्त्री—एक रात जो साल में सब रातों से अधिक लंबी होती है जब सूर्य धनुराशि के ११ वें अंश पर पहुंचता है (पूस में) तो यह रात पड़ती है और उसके सबसे छोटा दिन होता है यह रात अशुभ मानी जाती है।
यल्म (یلمہ) फा पु—क़बा दोहरे कपड़े का लंबा चुग़ा।
यल्मक (یلمق) अ पु—दे यल्म।
यल्मान (یلمان) फा पु—तलवार खड्ग।
यलसब (یلسب) अ पु—वह व्यक्ति जो विवाह-सम्बन्ध सार संस्कार की पूर्ति करे।
यललले (یللی) फा अव्य—वह शब्द जो मस्ती और सु के समय बोलते हैं जैसे—अहाहा अहाहो।
यवाकीत (یواقیت) अ पु—याकूत का बहु, बहुत याक़ूत।
यश्क (یشک) फा पु—नुकीले और बड़े दांत हाथी के बाहर निकले हुए दांत शेर आदि के लंबे दांत कुत्ते नुकीले दांत।
यश्कुर (یشکر) अ पु—एक पैग़म्बर का नाम।
यश्ब (یشب) अ पु—एक हरा और कठोर पत्थर जो दवा में चलता है और दिल धड़कने की बीमारी में लाभ देता है।
यश्म (یسمہ) अ पु—कच्चा चमड़ा कच्ची खाल।
यश्म (یشم) फा पु—दे यश्ब', दोनों शुद्ध हैं।
यश्माक़ (یشماق) तु पु—स्त्रियों के सर का रूमाल।
यसरः (یسرہ) अ पु—वे लिपियां जो उल्टे हाथ की ओर से लिखी जाती हैं जैसे—हिन्दी अंग्रेज़ी आदि।
यसल (یسل) अ पु—सेना का पंक्ति, फ़ौज की क़तार।

यसाक (یساق) तु पु.–लडाई की तैयारी, सैन्य-सज्जा, दरवार, राजसभा।
यसार (یسار) अ. वि.–वायी ओर, वामपक्ष; धनाढयता, अमीरी, उलटा हाथ।
यसारत (یسارت) अ स्त्री.–धनाढ्यता, मालदारी।
यसाल (یسال) अ पु –दे 'यसल', दोनो शुद्ध है।
यसावुल (یساول) तु पु.–चोवदार, दडधारी, दरवार, सेना अथवा सभा का प्रवंध करनेवाला, वदी, नकीव।
यसिर (یسر) अ वि –सुगम, सरल, आसान, सहज।
यसीर (یسیر) अ. वि –सुगम, सरल, सहज, न्यून, थोडा, वह वालक जिसकी माँ न हो, (इस अर्थ मे उर्दू है)।
यस्रः (یسرہ) अ पु –उलटी ओर, वायी तरफ, वामपक्ष।
यस्र (یسر) अ पु –ऊँट हलाल करना; दान देना, वरतना।
यस्रिव (یثرب) अ पु –मदीन., अरव का एक प्रसिद्ध नगर।
यहूद (یہود) अ पु –'यहूदी' का वहु, यहूदी लोग।
यहूदा (یہودا) अ पु –हज्रत यूसुफ के वडे भाई।
यहूदी (یہودی) अ पु.–हज्रत मूसा के धर्म का अनुयायी, इस्राईली; जलील किस्म का सरमायादार, धन पिशाच।
यहफूफ (یہفوف) अ वि –दक्ष, प्रवीण, जीरक, तीव्र वुद्धि, तेज अक्ल, उदास, मलिन, वद दिल।
यहमूम (یحموم) अ पु –काला धुवाँ; काली रात, रस्सी वटना।
यहमूर (یحمور) अ पु.–जगली गधा, वनगर्दभ, गोरखर।
यह्या (یحییٰ) अ. पु –एक पैगवर।

या

या (یا) फा अव्य –सवोधन का शव्द, हे, ऐ, ओ, अरे, अथवा, ख्वाह।
याअसफा (یااسفا) अ. वा –हाए अफ्सोस।
याए तहतानी (یاے تحتانی) अ स्त्री –वह 'ये' जिसके नीचे नुक्ते हो, चूँकि फार्सी मे 'ता' और 'या' एक से लिखे जाते है, केवल ऊपर और नीचे के नुक्तो का फर्क है, इसलिए तहतानी लिखने से 'ये' ही समझा जायगा, यह उस समय के लिए था जव किताबे कलमी लिखी जाती थी और वहुत गलतियाँ होती थी।
याए फार्सी (یاے فارسی) अ फा स्त्री –दे 'याए मजहूल'।
याए मजहूल (یاے مجہول) अ स्त्री –वह 'ये' जो लवी लिखी जाती है, और 'ए' की आवाज देती है।
याए मा'कूस (یاے معکوس) अ स्त्री –दे 'याए मजहूल'।
याए मा'रूफ (یاے معروف) अ स्त्री –वह 'ये' जो गोल लिखी जाती है और 'ई' की आवाज देती है।

याकः (یاقہ) तु पु –कमीस का कालर, कुर्ते का गला।
याक (یاق) अ पु –कगन।
याकिस्मत (یاقسمت) फा अ वा –हाए रे वुरे भाग्य।
याक़ूत (یاقوت) अ पु –एक प्रसिद्ध रत्न, पुलक, एक वहुत वडा खुशनवीस।
याकूत रक़म (یاقوت رقم) अ वि.–याकूत खुशनवीस-जैसा लिखनेवाला, अर्थात् वहुत अच्छा लिपिकार।
याकूती (یاقوتی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा जिसमे याकूत पडता है।
याकूते जिगरी (یاقوت جگری) अ फा पु –कलेजी के रग का याकूत।
याक़ूते रवाँ (یاقوت رواں) अ फा पु –तरल और वहता हुआ याकूत अर्थात् लाल मदिरा।
याकूते रुम्मानी (یاقوت رمانی) अ पु –अनार के दानो-जैसा गुलावी याकूत।
याकूते सय्याल (یاقوت سیال) अ पु –वहता हुआ याकूत, अर्थात् लाल शराव।
या'कूव (یعقوب) अ पु.–हज्रत यूसुफ के पूज्य पिता जो उनके विरह मे अंधे हो गये थे, चकोर।
याख्तः (یاختہ) फा वि –जाहिर किया हुआ, प्रकटित, वाहर निकाला हुआ, वहिष्कृत, किसी काम के करने के लिए वढा हुआ।
याख्तनी (یاختنی) फा वि –प्रकट करने योग्य, वाहर निकालने योग्य, काम के लिए वढने योग्य।
याग (یاغ) तु पु –तेल, स्नेह, तैल, रौगन।
यागिस्तान (یاغستان) फा पु –अफगानिस्तान का एक इलाका।
यागी (یاغی) तु वि –विद्रोही, राजद्रोही, वागी।
याजः (یازہ) फा पु – कँपकँपी, थरथरी, कप, लर्ज।
याज (یاز) फा पु – इच्छा, ख्वाहिश, सकल्प, इरादा।
याजदः (یازدہ) फा वि –दे 'याज्द'।
याजाँ (یازاں) फा वि –आक्रमण करता हुआ, हाथ वढाता हुआ।
याजिंदः (یازندہ) फा. वि –इच्छा करनेवाला, इच्छुक, किसी काम के लिए हाथ वढानेवाला।
याजिश (یازش) फा स्त्री –इच्छा, इरादा, काम के लिए वढना, हस्तक्षेप, दस्तदाजी।
याजिदः (یازیدہ) फा वि –जिस वस्तु की इच्छा की गयी हो; जिस कार्य के लिए हाथ वढाया गया हो।
याजूज (یاجوج) अ पु –एक प्राचीन जाति जिसका वर्णन कुरान मे है।

याजूजोमाजूज (یاجوج وماجوج) अ पु–याजूज और माजूज दो प्राचीन जातियाँ जिनके आक्रमण से बचने के लिए दीवारें चीन में बनी थी।
याज़्दः (یازدہ) फा वि–ग्यारह, एकादश।
याज़्दहुम (یازدہم) फा वि–ग्यारहवाँ, एकादश।
याद (یاد) फा पु–स्मरण शक्ति, मुख्यते हाफ़िज़ा।
याद (یاد) फा स्त्री–स्मृति, याददाश्त, स्मरण शक्ति, हाफ़िज़ा, ध्यान, ख़याल, ज़ेहन, प्रतिभा, चित्त, मन, अनुधान, तसव्वुर, स्मारक, यादगार।
यादआवरी (یادآوری) फा स्त्री–दे. यादावरी, बहु अधिक पसीह है।
यादगार (یادگار) फा स्त्री–निशानी, स्मृति चिह्न, स्मारक, यादगारी का कोई विशेष चिह्न, जैसे—मीनार आदि, पुत्र, बेटा।
यादगारी (یادگاری) फा स्त्री–दे. 'यादगार'।
यादगारे ज़माना (یادگار زمانہ) फा स्त्री–ऐसा व्यक्ति जो सबके लिए स्मृति का कारण हो।
याददाश्त (یادداشت) फा स्त्री–स्मरण शक्ति, हाफ़िज़ा, नापन, मेमोरंडम।
याददेहानी (یاددہانی) फा स्त्री–भूली हुई बात का स्मृति में लाना, याद दिलाना, स्मरण कराना।
यादफ़रामोश (یادفراموش) फा वि–जिसे बात याद न रहती हो, जो किसी व्यक्ति को याद न रखता हो, स्मृति विस्मारक।
यादफ़र्माई (یادفرمائی) फा स्त्री–याद करना, पास बुलाना।
यादबूद (یادبود) फा स्त्री–स्मृति चिह्न, निशानी।
यादर (یادر) फा पु–हर ईरानी महीने की बारहवीं तारीख़।
यादश बख़ैर (یادش بخیر) फा य वा–किसी व्यक्ति की चर्चा चलने पर उसके लिए बोलते हैं, उसकी याद अच्छी रहे।
यादावरी (یادآوری) फा स्त्री–याद करना, पास बुलाना।
यादे ऐयाम (یاد ایام) फा अ स्त्री–पिछले अच्छे दिनों का स्मरण।
यान (یان) तु पु–ओर, तरफ़, दिशा, जानिब।
यान (یان) फा पु–बकवास, मिथ्यावाद, बीमारी की बकवास, हज़यान।
यानसीब (یانصیب) फा अ वा–दे. यानिसमत।
यानी (یعنی) अ अव्य–मतलब यह कि, अर्थात।
यानीचे (یعنی چہ) अ फा अव्य–इसका क्या अर्थ है ऐसा क्या है, इसके क्या मानी?
याने (یانع) अ पु–वह फल अथवा मेवा जो पक गया हो और खाने के योग्य हो।
याफ (یاف) फा वि–दे. माव, दाना शुद्ध है।
याफ़ादिरा (یافہ درا) फा वि–अनर्थवादी, झूठा, बक्वासी, वाचाल, डींगिया, गपोड़िया।
याफ़ादिराई (یافہ درائی) फा स्त्री–झूठ बोलना, बकवास करना, डींग मारना।
याफ़र (یافر) फा पु–कौतुकी, बाज़ीगर, चित्रकार, मुसव्विर।
याफ़ूख़ (یافوخ) अ पु–तालू, तालव।
याफ़ूर (یعفور) अ पु–मृग, हरिण, हरिन।
याफ़े (یافع) अ पु–ऊँचे डील डौल का जवान।
याफ़्तः (یافتہ) फा वि–पाया हुआ, जिसे मिला हो दूसरे शब्द के साथ मिलकर आता है, अकेला नहीं बोला जाता जैसे—ख़िताबयाफ़्ता, सनदयाफ़्ता आदि।
याफ़्त (یافت) फा स्त्री–लाभ, प्राप्ति, नफ़ा, आय, आमदनी, उत्कोच, रिश्वत।
याफ़्तनी (یافتنی) फा वि–पाने योग्य, मिलने योग्य, जो किसी से मिलना हो (धन)।
याब (یاب) फा प्रत्य–प्राप्त होनेवाला, मिलनेवाला जैसे—कमयाब, कम प्राप्त होनेवाला।
याबान (یابان) अ पु–जापान, एक प्रसिद्ध देश।
याबिंदः (یابندہ) फा वि–पानेवाला, प्राप्त करनेवाला।
याबिंदगी (یابندگی) फा स्त्री–पाना, प्राप्ति।
याबिस (یابس) अ वि–ख़ुश्क, सूखा हुआ, शुष्क, मिज़ाज में ख़ुश्की पैदा करनेवाला।
याबू (یابو) तु पु–टट्टू, छोटा घोड़ा, लद्दू घोड़ा जिस पर बोझ लादते हैं।
या'बूब (یعبوب) अ पु–तेज़ चलनेवाला घोड़ा, तेज़ बहनेवाली नदी की धारा।
याम (یام) फा पु–डाक की चौकी, महला।
याम (یام) अ पु–नूह का एक पुत्र।
या'मर (یعمرہ) अ पु–बकरा जो सिंह के शिकार के लिए बाँधा जाय।
या'मलः (یعملہ) अ स्त्री–तगड़ा और लद्दू ऊँटनी।
या'मल (یعمل) अ पु–तगड़ा और लद्दू ऊँट।
यामिन (یامن) अ पु–दाहिनी ओर, दायीं तरफ़।
यामी (یامی) फा वि–रोगी, बीमार।
या'मूर (یعمور) अ पु–बकरी या भेड़ का बच्चा।
या या (یایا) फा अव्य–शिकारी चिड़िया।
यार (یارہ) फा पु–कंगन, कंकण, घाव, ज़ख़्म, कर, महसूल।

यार (یار) फा पु –मित्र, दोस्त, सहायक, मददगार, प्रेमपात्र, मा'शूक; शब्द के अंत में 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'होशयार'।

यारकंद (یارقند) तु पुं –चीनी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर।

यारक (یارک) फा स्त्री –बच्चादानी, गर्भाशय, रहिम।

यारक (یارق) अ पु –कंगन, कलाई में पहनने का एक आभूषण, कंकण।

यारगी (یارگی) फा स्त्री –बल, शक्ति, जोर; सामर्थ्य, मक्दूर।

यारनाम: (یارنامہ) फा पु.–पुण्य और यश का काम नेकनामी का काम।

यारफरोश (یارفروش) फा. वि.–मित्र की प्रशंसा करनेवाला।

यारफरोशी (یارفروشی) फा. स्त्री –मित्र की प्रशंसा करना।

यारबाज़ (یارباز) फा वि –दे 'यारबाश'।

यारबाश (یارباش) फा वि –मित्रों में घुल-मिलकर रहनेवाला, मित्रों में अधिक समय व्यतीत करनेवाला।

यारबाशी (یارباشی) फा स्त्री –मित्रों में खूब घुल-मिलकर रहना।

यारमंद (یارمند) फा वि.–दोस्ती निवाहनेवाला, सच्चा दोस्त, सहायक, मददगार।

यारमंदी (یارمندی) फा स्त्री –दोस्ती मैत्री, सहायता, मदद।

यारस (یارس) फा वि.–सहायक, मददगार।

यारस्त: (یارستہ) फा. पु –शक्तिशाली, ताकतवर।

यारां (یاراں) फा पु –'यार' का बहु, मित्रगण, मित्रमंडली।

यारा (یارا) फा पु –बल, शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दूर, सहनशीलता, तहम्मुल।

याराई (یارائی) फा स्त्री –सहायता, मदद, उपचार, इलाज।

याराए ज़ब्त (یارائے ضبط) फा अ पु –सहन करने की शक्ति, सहनशीलता।

याराए सब्र (یارائے صبر) फा अ पु –धैर्यशक्ति, धीरज धरने की शक्ति।

यारान: (یارانہ) फा पु –मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

याराने अदम (یاران عدم) फा अ पु –मरे हुए मित्र, यमलोक निवासी, मरनेवाले।

याराने कदीम (یاران قدیم) फा अ पु –पुराने मित्र, लँगोटिया यार।

याराने रफ्त: (یاران رفتہ) फा पु - दे 'याराने अदम'।

यारी (یاری) फा स्त्री – मित्रता, दोस्ती, सहायता, मदद।

यारीगर (یاری گر) फा वि –सहायक, मददगार।

यारीगरी (یاری گری) फा. स्त्री –सहायता, मदद।

यारे अज़ीज़ (یار عزیز) फा अ. पु –बहुत ही घनिष्ठ मित्र, बहुत ही प्यारा माशूक।

यारे गार (یار غار) फा. अ. पु –सच्चा और घनिष्ठ मित्र, यह हज़रत अबूबक्र सिद्दीक की ओर संकेत है, जो हज़रत मुहम्मद साहब के गार में छिपने के समय उनके साथ थे।

यारे जानी (یار جانی) फा पु –प्राणों की भाँति प्यारा मित्र, बहुत ही घनिष्ठ मित्र।

यारे शातिर (یار شاطر) फा अ पु –ऐसा मित्र जो दुख और चिंता में मन बहलाए।

याल: (یالہ) फा पु –विषाण, शृंग, सींग।

याल (یال) तु पु –गला, गर्दन, घोड़े के गले के बाल।

यालगूपाल (یال گوپال) फा पु –स्थूलता, मुटापा; वैभव, शानोशौकत।

या'लूल (یعلول) अ पु –पानी का बुलबुला, शिश्न, लिंग।

याव: (یاوہ) तु वि.–अनर्थ, अनर्गल, बेहूदा, अप्राप्य, नापैद।

याव:कार (یاوہ کار) तु फा वि –अनर्थ के कार्य करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई फल न हो, मिथ्याकार।

याव:कारी (یاوہ کاری) तु. फा स्त्री –व्यर्थ के कार्य करना, मिथ्या कर्म।

याव:गो (یاوہ گو) तु फा वि.–अनर्थवादी, झूठा, वाचाल, बकवासी, डींगिया, शेखीखोर।

याव:गोई (یاوہ گوئی) तु फा स्त्री –अनर्थवाद, झूठ बोलना, वाचालता, बकवास करना; डींग मारना।

याव:दिरा (یاوہ درا) तु फा वि –दे 'याव गो'।

याव:दिराई (یاوہ درائی) तु फा स्त्री –दे 'याव गोई'।

याव:सरा (یاوہ سرا) तु फा वि –दे 'याव गो'।

याव:सराई (یاوہ سرائی) तु फा. स्त्री –दे 'याव गोई।'

यावंद (یاوند) फा पु –राजा, बादशाह, प्राप्तकाम, सफल मनोरथ।

यावर (یاور) फा वि –सहायक, पोषक, मददगार।

यावरी (یاوری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

यास: (یاسہ) फा पु –इच्छा, अभिलाषा, आर्जू, आदेश, हुक्म, राजनीति, सियासत, विधान, कानून।

यास (یاس) फा स्त्री –चमेली, नव मल्लिका।

यास (یاس) अ स्त्री –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।

यासअंगेज़ (یاس انگیز) अ फा वि –निराशा उत्पन्न करनेवाला, निराशाजनक।

यासआमेज (یاس‌آمیز) अ फा वि—निराशापूर्ण जिसमें नाउम्मेदी हो।
यासज (یاسج) फा पु—वह बाण जिसमें फल हो बाण का फल जिसमें दुहरी धार हो भाला बरछा दुसी की हाथ।
यासमन (یاسمن) अ स्त्री—दे यासमीन।
यासमीं (یاسمین) अ स्त्री—यासमान का लघु दे यासमीन।
यासमीइजार (یاسمین‌عذار) अ वि—जिसके गाल फूल जैसे कोमल मृदुल और सफेद हों।
यासमींबू (یاسمین‌بو) अ फा वि—चमेली-जैसी सुगंध रखनेवाला (वाली)।
यासमींरुख (یاسمین‌رخ) अ फा वि—दे यासमी इजार
यासमींरू (یاسمین‌رو) अ फा वि—दे यासमी इजार।
यासमीन (یاسمین) अ स्त्री—चमेली का फूल नव मल्लिका।
यासमून (یاسمون) अ स्त्री—दे यासमीन।
यासा (یاسا) तु पु—मतशोक मातम वध हिंसा कत्ल कूश्मार प्रतिहिंसा खून का बदला।
यासान (یاسان) फा पु—याग्य पात्र लाइक।
यासिम (یاسم) अ स्त्री—दे यासमीन।
यासीन (یاسین) अ स्त्री—कुरान की एक सूरत जो मरते समय मुसलमान को सुनायी जाती है।
यासीनख्वाँ (یاسین‌خواں) अ फा वि—यासीन पढ़नेवाला मरते समय यासीन सुनाने वाला।
यासूब (یعسوب) अ पु—शहद की मक्खियों का राजा अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति जिसकी आज्ञा का पालन सब करें।
याह याह (یاه‌یاه) अ अव्य—ऊट हाकने समय बोला जाने वाला शब्द।
याहू (یاهو) फा पु—एक कबूतर जो याहू याहू बोलता है।

यि

यिम (یم) तु स्त्री—भोजन खुराक।
यिर्लीग़ (یرلیغ) तु पु—राजादेश शाहाना फर्मान।

यी

यील (ییل) तु पु—वर्ष बरस साल।
यीलाक़ (ییلاق) तु प—ग्रीष्म काल में रहने का ठंडा स्थान
यीलान (ییلان) तु पु—सांप साँप।

यु

युक (یوق) तु वि—समीप, निकट नज़दीक।
युक्ला (یقلا) अ पु—तलने की छोटी कड़ाही फ्राईपन।
युबूसत (یبوست) अ स्त्री—शुष्कता खुश्की रूखापन मिजाज की खुश्की तासीर की खुश्की।
युब्स (یبس) अ पु—दे 'युबूसत'।
युब्सेबत्न (یبس‌بطن) अ पु—पेट की खुश्की अर्थात कोष्ठ बद्धता क़ब्ज़।
युम्किन (یمکن) अ वि—संभव है मुम्किन है।
युम्न (یمن) अ पु—कल्याण शुभ कारिता सआदत।
युम्ना (یمنی) अ स्त्री—सीधे हाथ की, सीधे पक्ष की।
युराश (یراش) फा पु—प्रस्थान कूच, ध्यान ख्याल तवज्जोह।
युरिश (یورش) तु स्त्री—आक्रमण धावा चढ़ाई युद्ध में जाने के लिए घोड़े पर चढ़ना शीघ्रता करना।
युर्त (یورت) तु स्त्री—पड़ाव, ठहराव मंज़िल आवास क़ियामगाह गृह घर मकान।
युर्तक (یورتک) तु पु—घर गेह, मकान चौकी पर महल।
युल (یول) तु पु—पथ मार्ग राह रस्ता।
युलची (یولچی) तु वि—पथप्रदर्शक राहबर पथिक मुसाफिर हरकारा क़ासिद रस्ते में बैठकर भीख माँगने वाला।
युल्म (یلمه) तु पु—पशुओं को नाँद में खिलायी जानेवाली वस्तु सानी।
युवाक़ (یواق) तु पु—सधाया हुआ मृदु चाल चलने वाला घोड़ा जो बड़े लोगों की सवारी के योग्य हो।
युसुर (یسر) अ पु—सुगम होना आसान होना जुआ खेलना द्यूत-कर्म।
युस्र (یسر) अ पु—सुगमता सरलता आसानी जुआ खेलना क़िमारबाज़ी।

यू

यूक (یوک) फा स्त्री—वह पाटली जिस पर नान रखकर तनूर में लगाते हैं।
यूज़ (یوزه) फा पु—बूँद बिंदु क़त्रा।
यूज़ (یوزه) फा पु—पेड़ का तना पेड़ी स्कंध।
यूज़ (یوز) फा पु—चीता एक प्रसिद्ध हिंस्र जंतु खोज जिज्ञासा तलाश।
यूज़ (یوز) तु वि—एक सौ शत।

यूजक (یوزک) फा पु —छोटा चीता, चीते का बच्चा, एक शिकारी कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसका पीछा करता है।
यूज़बाशी (یوزباشی) तु पु —सौ सवारो का अध्यक्ष।
यूज़ीदः (یوزیدہ) फा वि.—ढूँढा हुआ, तलाश किया हुआ, जिज्ञासित, बुलाया हुआ, आहूत।
यूनान (یونان) अ पु —यूरोप का एक प्रसिद्ध देश जहाँ के वैज्ञानिक लोग सारे ससार के मान्य हुए है, और आज साइस की जितनी उन्नति है, इसकी पहली ज्योति वही जगी थी, अब से तीन हजार वर्ष पूर्व यह स्थान विद्या का घर था।
यूनानी (یونانی) अ वि —यूनान का निवासी, यूनान की भाषा, एक चिकित्सा पद्धति।
यूनुस (یونس) अ पु —एक पैगम्बर, यह शब्द 'यूनस' और 'यूनिस' भी है।
यूफ़ी (یوفی) फा वि —बकवासी, वाचाल, मुखर।
यूसुफ (یوسف) अ पु —एक पैगम्बर जो अत्यत सुन्दर थे।
यूसुफजबीं (یوسف جبیں) अ वि —यूसुफ-जैसा माथा रखनेवाला (वाली) अर्थात् बहुत ही सुदर।
यूसुफजमाल (یوسف جمال) अ वि —यूसुफ-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।
यूसुफतल्अत (یوسف طلعت) अ वि.—दे. 'यूसुफजमाल'।
यूसुफतिम्साल (یوسف تمثال) अ वि —दे. 'यूसुफजमाल'।
यूसुफशमाइल (یوسف شمائل) अ वि —यूसुफ-जैसे स्वभाव-वाला
यूसुफसिफात (یوسف صفات) अ वि —यूसुफ-जैसे गुणोवाला।
यूसुफे सानी (یوسف ثانی) अ पु —जो देखने मे बिलकुल यूसुफ जान पडे, अत्यत सुन्दर, यूसुफ का जोड।
यूह (یوح) अ. पु —सूर्य, रवि, सूरज।

यो

योग़ (یوغ) फा पु —बैल की गर्दन पर रखा जानेवाला जुआ।
योयः (یویہ) फा पु —इच्छा, इरादा, सकल्प, अज्म।

यौ

यौम (یوم) अ पु —दिन, दिवस, दिवा।
यौमन फ यौमन (یوماً فیوماً) अ अव्य —दिन प्रतिदिन, रोज़ब रोज, धीरे-धीरे, क्रमश
यौमियः (یومیہ) अ वि —दैनिक, रोजाना, हररोज, प्रतिदिन, रोजीना, रोज मिलनेवाला धन या खुराक।
यौमीयः (یومیّہ) अ वि —दे 'यौमिय', शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु बहुत कम बोला जाता है।
यौमुत्तनाद (یوم التناد) अ. पु —दे 'यौमुलकियामत'।
यौमुन्नुशूर (یوم النشور) अ पु —दे. 'यौमुलकियामत'।
यौमुलअर्बआ (یوم الاربعا) अ पु —बुधवार।
यौमुलअहद (یوم الاحد) अ पु —रविवार, इतवार।
यौमुल इस्नैन (یوم الاثنین) अ पु.—सोमवार, पीर।
यौमुलकियामत (یوم القیامت) अ. पु —कियामत का दिन, जब मुर्दे कब्रो से निकलकर उठ खडे होगे, वह सब एक बड़े मैदान मे एकत्र होगे और उनके कर्मो का हिसाब-किताब होगा, और दंड अथवा पुरस्कार दिया जायगा।
यौमुलख़मीस (یوم الخمیس) अ पु —बृहस्पतिवार, जुमेरात।
यौमुलजज़ा (یوم الجزا) अ. पु —दे 'यौमुलकियामत'।
यौमुलबाहूर (یوم الباحور) अ पु —'बोहरान' का दिन, यूनानी चिकित्सा मे इस सिद्धात के अनुसार युद्धवाला दिन। इस दिन प्रकृति और रोग मे युद्ध होता है, जब प्रकृति जीत जाती है तो रोग नष्ट हो जाता है और रोग जीत जाता है तो मृत्यु हो जाती है। इस युद्ध को 'बोहरान' कहते हैं।
यौमुलहश्र (یوم الحشر) अ पु —दे 'यौमुलकियामत'।
यौमुलहिसाब (یوم الحساب) अ पु —दे. 'यौमुल-कियामत'।
यौमुस्सब्त (یوم السبت) अ पु —शनिवार, शनीश्चर।
यौमुस्सलूसा (یوم الثلثا) अ पु —मगलवार, मंगल।
यौमे आज़ादी (یوم آزادی) अ फा. पु —स्वतन्त्रता दिवस।
यौमे वफात (یوم وفات) अ पु —मरने का दिन।
यौमे विलादत (یوم ولادت) अ पु —जन्म लेने का दिन, जिस दिन जन्म हो, जन्म-दिन।
यौमे हुसैन (یوم حسین) अ पु —हज्रत हमाम हुसैन की शहादत के दिन का उत्सव।

र

रंग (رنگ) फा पु —चीजो का रग, वर्ण, रगने का मसाला, रग, आनद, लुत्फ, हर्ष खुशी, शोभा, रौनक, पद्धति, तर्ज, भोग-विलास, ऐश; आचार व्यवहार, रग-ढग, होली का अबीर और गुलाल आदि, बदन या चेहरे की रगत, वर्ण, विचित्र स्थिति या हालत,—"वह रग होगा हश्र को मुरताके यार का, जैसे कि ईद को हो रूखे रोज़ा-दार सुर्ख़।
रंगअंदाज (رنگ انداز) फा वि —रग डालनेवाला, रंग छिडकनेवाला (वाली)।
रंगअंदाजी (رنگ اندازی) फा स्त्री —रग छिड़कना।
रंगअफ़शाँ (رنگ افشاں) फा वि —रग फैलानेवाला (वाली)

रंगअफ्शानी (رنگ‌افشانی) फा स्त्री –रंग बिखेरना, रंग फैलाना।
रंगआमेज़ (رنگ‌آمیز) फा वि –रंग भरनेवाला, अर्थात् चित्रकार नक्क़ाश।
रंगआमेज़ी (رنگ‌آمیزی) फा स्त्री –चित्र-कर्म, नक्क़ाशी, अतिरंजन अत्युक्ति, मुबालग़ा।
रंगत (رنگت) अ स्त्री –रंग वर्ण दशा, हालत, तौर तरीक़ा रंग-ढंग, आभा, रौनक़ आनंद लुत्फ़ मज़ा बदन या चेहरे का रंग वर्ण।
रंगतरः (رنگترہ) फा पु –संतरा माठी नारंगी।
रंगदार (رنگ‌دار) फा वि –रंगा हुआ रंजित।
रंगपरीद (رنگ‌پریدہ) फा वि –उड़े हुए रंगवाला, फीके रंगवाला जिसका रंग भय या लज्जा से उड़ गया हो।
रंगपरीदगी (رنگ‌پریدگی) फा स्त्री –रंग का फीका पड़ जाना लज्जा या भय से चेहरे का रंग उड़ जाना।
रंगपाश (رنگ‌پاش) फा वि –रंग छिड़कनेवाला (वाली)।
रंगपाशी (رنگ‌پاشی) फा स्त्री –रंग छिड़कना होली आदि खुशी के अवसर पर एक-दूसरे पर रंग डालना।
रंगफ़रोश (رنگ‌فروش) फा वि –रंग बेचनेवाला।
रंगफ़रोशी (رنگ‌فروشی) फा स्त्री –रंग बेचने का काम।
रंगफ़िशाँ (رنگ‌فشاں) फा वि –रंगअफ्शाँ का लघु दे रंगअफ्शाँ।
रंगफ़िशानी (رنگ‌فشانی) फा स्त्री –रंग अफ्शानी' का लघु दे रंगअफ्शानी'।
रंगबरंग (رنگ‌برنگ) फा वि –चित्र विचित्र रंगारंग।
रंगबस्त (رنگ‌بست) फा वि –पक्का रंग।
रंगबार (رنگ‌بار) फा वि –दे 'रंगपाश'।
रंगबारी (رنگ‌باری) फा स्त्री –दे रंगपाशी।
रंगमहल (رنگ‌محل) फा अ पु –बड़े लोगों के भोग विलास का स्थान ऐशगाह।
रंगरज़ (رنگرز) फा वि –रंगनेवाला कपड़े रंगनेवाला, रंगरेज़।
रंगरेज़ (رنگریز) फा वि –चित्रकार चितेरा रँगनेवाला रंगरेज़ कपड़े रंगनेवाला।
रंगशिकस्त (رنگ‌شکستہ) फा वि –जिसका रंग फीका पड़ गया हो उतरे हुए रंगवाला।
रंगसाज़ (رنگساز) फा वि –रंग बनानेवाला रँगने वाला पेंटर।
रंगसाज़ी (رنگسازی) फा स्त्री –रंग बनाने का काम रँगने का काम पेंटरी।
रंगारंग (رنگارنگ) फा वि –रंग-बरंगी चित्र विचित्र।
रंगीं (رنگیں) फा वि –रंगीन का लघु, दे रंगीन'।
रंगींअंदाम (رنگیں‌اندام) फा वि –गोरे शरीरवाला गौरवर्ण।
रंगींअदा (رنگیں‌ادا) फा वि –सुंदर अदाओंवाला (वाली)।
रंगींअदाई (رنگیں‌ادائی) फा स्त्री –प्रेमिका का सुंदर अंदाज़ का भाव।
रंगींइज़ार (رنگیں‌عذار) फा अ वि –सुर्ख़ गालोंवाला, (वाली)।
रंगींइज़ारी (رنگیں‌عذاری) फा अ स्त्री –गालों पर गालों की सुर्ख़ी।
रंगींजामत (رنگیں‌دامت) फा वि –दे 'रंगींअंदाम'।
रंगींचेहः (رنگیں‌چہرہ) फा अ वि –रूपवान, सुंदर मुखवाला (वाली)।
रंगींजमाल (رنگیں‌جمال) फा अ वि –गोरे रंगवाला, गौरवर्ण।
रंगींतकल्लुम (رنگیں‌تکلم) फा अ वि –जिसकी बातचीत बहुत ही सुंदर और श्रुतिप्रिय हो।
रंगींतबस्सुम (رنگیں‌تبسم) फा अ वि –जिसकी मुस्कुराहट में मुंह से फूल झड़ते हों।
रंगींतबअ (رنگیں‌طبع) फा अ वि –रंगींमिज़ाज ज़िंदा दिल, विनोद रसिक ऐयाश या शराबी।
रंगींतरन्नुम (رنگیں‌ترنم) फा अ वि –जिसका गला बहुत ही सुंदर हो।
रंगींनग़्म (رنگیں‌نغمہ) फा वि –मधुर स्वरवाला (वाली) कलकंठ।
रंगींनज़र (رنگیں‌نظر) फा अ वि –जिसकी दृष्टि केवल अच्छी चीज़ों पर पड़े जो सौंदर्य को देखता हो।
रंगींनज़री (رنگیں‌نظری) फा अ स्त्री –सौंदर्य को देखना अच्छी चीज़ों पर नज़र डालना।
रंगींनवा (رنگیں‌نوا) फा वि –अच्छी आवाज़वाला (वाली) कलकंठ मधुरस्वर।
रंगींनवाई (رنگیں‌نوائی) फा स्त्री –आवाज़ अच्छी होना कलकंठता स्वरमाधुर्य।
रंगींनिगाह (رنگیں‌نگاہ) फा वि –दे रंगीनज़र'।
रंगींनिगाही (رنگیں‌نگاہی) फा स्त्री –दे 'रंगीं नज़री'।
रंगींमश्रब (رنگیں‌مشرب) फा अ वि –ऐयाशी और शराबनोशी करनेवाला रँगीला रसिया।
रंगींमिज़ाज (رنگیں‌مزاج) फा अ वि –हुस्नपरस्त अच्छी सूरतों का क़द्रदान शराबनोश रसाशी।

रंगींमिजाजी (رنگیں مزاجی) फा अ स्त्री.–हुस्नपरस्ती; शरावनोशी।

रंगींरुख (رنگیں رخ) फा. वि.–रूपवान्, सुदर, हसीन (पुरुष अथवा स्त्री)।

रंगींलव (رنگیں لب) फा. वि.–लाल होठोवाली, सुदर होठोवाली नायिका।

रंगींला'ल (رنگیں لعل) फा वि.–दे. 'रगीलव'।

रंगींलिवास (رنگیں لباس) फा. अ. वि –रग-वरगी कपडे पहननेवाला (वाली)।

रंगींलिवासी (رنگیں لباسی) फा अ स्त्री.–रंग-वरंगी कपडो का शौक।

रंगीन (رنگین) फा वि.–रँगा हुआ, रंजित; विनोदप्रिय, खुशमिजाज; चित्रित, मुनक्कश; शोभित, खुशनुमा; चपल, चुलवुला, शोख, शराव-कवाव और भोग विलास का शौकीन, विलासप्रिय।

रंगीनिए अदा (رنگینئی ادا) फा स्त्री.–अदाओं का सौदर्य।

रंगीनिए ग़ाज़ः (رنگینئی غازہ) फा स्त्री.–मुख पर मलने के पाउडर का रंग।

रंगीनिए जमाल (رنگینئی جمال) फा. अ. स्त्री –सुदरता की विचित्रता रूप का सौंदर्य।

रंगीनिए तकल्लुम (رنگینئی تکلم) फा. अ. स्त्री.–वातचीत का माधुर्य, वार्तालाप का रस।

रंगीनिए तख़ातुव (رنگینئی تخاطب) फा. अ. स्त्री.–सवोधन का माधुर्य, प्रेयसी का प्रेमी की ओर मुखातव होने का माधुर्य।

रंगीनिए तवस्सुम (رنگینئی تبسم) फा अ. स्त्री –मुस्कान का माधुर्य और सौदर्य।

रंगीनिए नज़र (رنگینئی نظر) फा. अ. स्त्री –दृष्टि का अच्छी चीज पर पडने का भाव।

रंगीनिए निगाह (رنگینئی نگاہ) फा स्त्री –दे 'रंगीनिए नज़र'।

रंगीनिए वहार (رنگینئی بہار) फा स्त्री –वसंत ऋतु की छटा और शोभा, वहार की रंगारंगी।

रंगीनिए माहौल (رنگینئی ماحول) फा अ स्त्री –वातावरण का सौदर्य, आस-पास का रूप और सुदरता का वातावरण।

रंगीनिए रुख (رنگینئی رخ) फा स्त्री.–मुखच्छटा, चेहरे का सौंदर्य और गुलावीपन।

रंगीनिए लव (رنگینئی لب) फा. स्त्री –होठो की लाली, होठो का रस।

रंगीनिए लिवास (رنگینئی لباس) फा. अ. स्त्री.–कपडो की रगीनी और सुदरता।

रंगीनिए शवाव (رنگینئی شباب) फा. अ स्त्री.–यौवन का सौंदर्य, यौवन का निखार, यौवन का जोश।

रंगीनिए शराव (رنگینئی شراب) फा. अ स्त्री.–शराव की रंगीनी; शराव का नशा; शराव की मस्ती।

रंगीनिए सहवा (رنگینئی صہبا) फा. स्त्री.–दे. 'रंगीनिए शराव'।

रंगीनिए हया (رنگینئی حیا) फा. अ. स्त्री –लज्जा का सौदर्य,प्रेमिका के मुँह छिपाने या आँखे नीची करने की छटा।

रंगीनिए हयात (رنگینئی حیات) फा. अ. स्त्री –जीवन का रूप और सौदर्य या भोग-विलास के वीचमे गुजरना।

रंगीनिए हुस्न (رنگینئی حسن) फा. अ स्त्री.–सुंदरता की विचित्रता और रंगीनी।

रंगीनी (رنگینی) फा वि –रंगा हुआ होना;, मस्ती, उन्माद; शोभा, छटा; ऐश, भोग-विलास।

रंगे गुल (رنگ گل) फा पु –फूल का रग, गुलाव की लाली; फूल की ताजगी और हरा-भरापन, वसत ऋतु की रंगीनी।

रंगे परीदः (رنگ پریدہ) फा पु –उडा हुआ रग, उतरा हुआ रग, फीका रंग।

रंगे वहार (رنگ بہار) फा. पुं.–वसत ऋतु की छटा, हर तरफ फूलो की शोभा।

रंगे वादः (رنگ بادہ) फा. पु.–दे. 'रंगे शराव'।

रंगे मीना (رنگ مینا) फा. पु –शराव के शीशे का सुंदर रग जो शराव के कारण हो जाता है।

रंगे मै (رنگ مے) फा पु –दे. 'रंगे शराव'।

रंगे शिकस्तः (رنگ شکستہ) फा. पु –हलका, रंग, उतरा हुआ रग, फीका रंग।

रंगे शीशः (رنگ شیشہ) फा. पु.–शराव की वोतल का रंग जो शराव के कारण हो जाता है।

रंगे हुस्न (رنگ حسن) फा.अ पु –हुस्न की शोभा और छटा।

रंगो वू (رنگ و بو) फा पु.–फूलो का रग और उनकी सुगध।

रंगोरौग़न (رنگ و روغن) फा. पु –रूप और छटा, हुस्न और आवोताव; लकडी आदि का रग और वारनिश।

रंजः (رنجہ) फा पु –कष्ट, क्लेश, तक्लीफ, दु ख, शोक, गम।

रंजःख़ातिर (رنجہ خاطر) फा. अ. वि –दु खित हृदय, मनस्तप्त, खिन्न, रंजीदा दिल।

रंज (رنج) फा पु –कष्ट, तक्लीफ; दु ख, रज, विपत्ति, मुसीवत; आघात, सद्‌म, पीडा, दर्द; शोक, गम; मृत-शोक, मातम।

रंजे उल्फ़त (رنج الفت) फा. स्त्री.–प्रेम-वेदना, प्रणय-पीड़ा,

उदा— रजे उल्फ़त में भी हँस-हँस के सहर करते हैं
हम हैं वह फूल जो काँटा में बसर करते हैं।
रंजअफ़्ज़ा (رنج افزا) फा वि—दुःख बढ़ानेवाला, कष्टवर्द्धक।
रंजआगीं (رنج آگیں) फा वि—दुःख से भरा हुआ दुःखपूर्ण।
रंजआश्ना (رنج آشنا) फा वि—दे 'रंजाश्ना'।
रंजकशीदः (رنج کشیده) फा वि—जिसने दुःख उठाया हो जो दुःख उठा चुका हो।
रंजज़ा (رنج زا) फा वि—दुःख पैदा करनेवाला कष्टजनक, दुःखोत्पादक।
रंजदिहिंदः (رنج دہنده) फा वि—कष्ट देनेवाला कष्टदायक दुःखदायी।
रंजदीदः (رنج دیده) फा वि—जिसने कष्ट और दुःख उठाया हो उत्तप्त।
रंजदेह (رنج ده) फा वि—कष्टदायक दुःखदायी रंज देनेवाला।
रंजफ़िज़ा (رنج فزا) फा वि—'रंजअफ़्ज़ा' का लघु दे 'रंजअफ़्ज़ा'।
रंजाश्ना (رنج آشنا) फा वि—दे 'रंजदीदः'।
रंजिश (رنجش) फा स्त्री—वैमनस्य मनोमालिन्य मन मुटाव नाराज़ी अप्रसन्नता, ख़फ़गी।
रंजिशे बेजा (رنجش بیجا) फा स्त्री—बिना कारण का वैमनस्य, अकारण कोप फ़ुज़ूल की ख़फ़गी।
रंजीदः (رنجیده) फा वि—दुःखित, संतप्त ग़मगीन।
रंजीदःख़ातिर (رنجیده خاطر) फा अ वि—दुःखित हृदय मनस्तप्त ग़मगीन।
रंजीदःदिल (رنجیده دل) फा वि—दुःखित हृदय ग़मगीन।
रंजीदःदिली (رنجیده دلی) फा स्त्री—हृदय का दुःखित होना ग़मगीनी।
रंजीदगी (رنجیدگی) फा स्त्री—संताप दुःख रंज ग़म।
रंजीदनी (رنجیدنی) फा वि—दुःख मनाने योग्य दुःखित होने योग्य।
रंजूर (رنجور) फा वि—दुःखित ग़मगीन रुग्ण रोगी बीमार।
रंजूरी (رنجوری) फा स्त्री—दुःख कष्ट ग़म आमय रोग बीमारी।
रंजोअलम (رنج و الم) फा अ पु—शोक और दुःख बहुत अधिक शोक।
रंजोग़म (رنج و غم) फा अ पुं—कष्ट और दुःख हर प्रकार के कष्ट।
रंजोतअब (رنج و تعب) फा अ पु—कष्ट और थकन परिश्रम और थकावट।
रंजोमिहन (رنج و محن) फा अ पु—कष्ट और प्रयास मेहनत और रंज।
रंदः (رنده) फा पु—बढ़ई का लकड़ी पर रंदा करने का यंत्र।
रआया (رعایا) अ स्त्री—रईयत का बहु, प्रजा जनता पब्लिक।
रआयापरवर (رعایا پرور) अ फा वि—रईयत को पालनेवाला प्रजापालक अर्थात् राजा नरेश।
रईयत (رعیت) अ स्त्री—प्रजा रिआया जनता अवाम।
रईयतनवाज़ (رعیت نواز) अ फा वि—प्रजा पर दया करनेवाला प्रजापोषक।
रईयतपरवर (رعیت پرور) अ फा वि—प्रजा को पालन और परवरिश करनेवाला, प्रजापाल।
रईस (رئیس) अ वि—अध्यक्ष सरदार शासक धनवाला, धनाढ्य, मालदार।
रईसज़ादः (رئیس زاده) अ फा पु—रईस का लड़का।
रईसे आ'ज़म (رئیس اعظم) अ पु—सबसे बड़ा रईस।
रऊफ़ (رؤف) अ वि—बहुत अधिक दया और अनुकंपा करनेवाला, (पु) ईश्वर का एक नाम।
रक़बः (رقبه) अ पु—गर्दन ग्रीवा।
रक़म (رقم) अ स्त्री—लिखना मुद्रा अंक, रुपया-पैसा, धन माल, (प्रत्य) लिखनेवाला जैसे—'ज़ूदरक़म' अर्थात् तेज़ लिखनेवाला।
रक़मज़न (رقم زن) लेखक लिखनेवाला लिपिक।
रक़मतराज़ (رقم طراز) अ फा वि—दे 'रक़मज़न'।
रक़मपज़ीर (رقم پذیر) अ फा वि—लिखित लिखा हुआ।
रक़मसंज (رقم سنج) अ फा वि—दे 'रक़मज़न'।
रक़मी (رقمی) अ वि—लिखित लिखा हुआ, अंकित निशान किया हुआ।
रक़ाइम (رقائم) अ पु—'रक़ीम' का बहु लिखित पत्र।
रकाकत (رکاکت) अ स्त्री—अधमता, तुच्छता कमीनापन तिरस्कार बेइज़्ज़ती।
रक़ाबत (رقابت) अ स्त्री—एक नायिका के दो प्रेमियों की परस्पर लाग-डाँट एक पुरुष की दो चाहनेवालियों में परस्पर डाह।
रक़ीक़ (رقیق) अ वि—पतला तरल, कोमल मुलायम, द्रवीभूत पिघला हुआ।
रकीक (رکیک) अ वि—अधम तुच्छ कमीना।
रक़ीक़ुलक़ल्ब (رقیق القلب) अ वि—जिसका हृदय बहुत ही कोमल हो जो दूसरों के दुःख पर तुरंत ही पिघल जाय।
रकीकुलहरकात (رکیک الحرکات) अ वि—जो बहुत तुच्छ प्रकृति का हो और ओछे काम करे।

रकीन (رکین) अ. वि.—दृढ़, मज़बूत।
रक़ीब. (رقیبہ) अ. स्त्री—वह स्त्री जो किसी पुरुष से प्रेम रखने के सम्बन्ध में दूसरी स्त्री से डाह रखती हो।
रक़ीब (رقیب) अ पुं.—किसी स्त्री से प्रेम करनेवाले दो व्यक्ति परस्पर रक़ीब होते हैं।
रक़ीम. (رقیمہ) अ. वि—लिखित कागज, पत्र, ख़त।
रक़ीम (رقیم) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ।
रक़ीमए नियाज़ (رقیمۂ نیاز) अ. फा वि—आवेदनपत्र, विनयपत्र, आज़िज़ानाख़त।
रक्अ़त (رکعت) अ स्त्री.—नमाज़ में एक क़याम (खड़ा होना) एक रुकूअ़ (झुकना) और दो सज्दो (ज़मीन पर माथा टेकना) का मज्मूअ़।
रक़्क़ास. (رقاصہ) अ. स्त्री—नर्तकी, लासिका, नाचनेवाली।
रक़्क़ास (رقاص) अ पु—नर्तक, नाचनेवाला, ताउवी।
रक़्क़ासे फ़लक (رقاص فلک) अ. पु—शुक्र ग्रह, ज़ोहरा।
रक़्ब. (رقبہ) अ. पु—ज़मीन की नाप, क्षेत्रफल; क्षेत्र, इलाका।
रक़्स (رقص) अ पु—ताण्डव, मर्द का नाच, लास्य, स्त्री का नाच, नृत्य, नर्तन, आम नाच।
रक़्सकुनाँ (رقص کناں) अ. फा वि—नाचता हुआ।
रक़्सख़ान. (رقص خانہ) अ फा. पु.—दे 'रक़्सगाह'।
रक़्सगाह (رقص گہ) अ फा.स्त्री.—नाट्यशाला, नाचघर।
रक़्सपसंद (رقص پسند) अ. फा. वि.—जिसे नाचना पसंद हो, जिसे नाच देखना पसंद हो।
रक़्साँ (رقصاں) अ फा वि.—नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ।
रक़्सिंदः (رقصندہ) अ फा वि—नाचनेवाला, नर्तन-कर्ता।
रक़्सीदः (رقصیدہ) अ फा. वि.—नाचा हुआ, जिसने नाच किया हो, जो नाचा हो।
रक़्सीदनी (رقصیدنی) अ. फा वि—नाचने के लाइक, जिसका नाचना अच्छा हो।
रक़्से ताऊस (رقص طاؤس) अ फा पु—एक नाच, मोर-नाच।
रक़्से पैहम (رقص پیہم) अ. फा. पु—बराबर नाच, ऐसा नाच जो ख़त्म न हो।
रक़्से फ़ानूस (رقص فانوس) अ फा. पु—कंदील के अंदर तस्वीरों का नाच।
रक़्से बिस्मिल (رقص بسمل) अ. फा पु—आधा वध किया हुआ प्राणी का ज़मीन पर तड़पना और लोटना।
रक़्से मुसलसल (رقص مسلسل) अ. पु.—दे. 'रक़्से पैहम'।
रक़्सोसुरोद (رقص وسرود) अ फा. पु.—नाचगाना, नाचरंग।
रख़ावत (رخاوت) अ. स्त्री—शिथिलता, ढीलापन; मंदता, सुस्ती।
रख़ीम (رخیم) अ. वि.—जिसका स्वर धीमा हो, नर्म आवाज़वाला; संयमी, निग्रही, ज़ाहिद।
रख़ीस (رخیص) अ वि—मंदा, सस्ता, कम दामों का।
रख़्त (رخت) फा. पु.—अस्बाब, उपकरण, सामान; वसन, वस्त्र, लिबास।
रख़्तकश (رخت کش) फा. वि.—अस्बाब उठानेवाला, अस्बाब लेकर चलनेवाला, अर्थात् मुसाफ़िर, पथिक।
रख़्ते सफ़र (رخت سفر) फा अ. पु—यात्रा के लिए आवश्यक सामान और अस्बाब।
रख़्नः (رخنہ) फा पु.—छिद्र, सूराख़, दोष, ऐब, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, बाधा, रोक; झगड़ा, टंटा, कलह; उपद्रव, फ़साद।
रख़्नःअंदाज़ (رخنہ انداز) फा वि.—हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला।
रख़्नःअंदाज़ी (رخنہ اندازی) फा. स्त्री.—हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, अड़चन पैदा करना।
रख़्नःबंदी (رخنہ بندی) फा स्त्री.—छेद बंद करना; झगड़ा ख़त्म करना; बाधा हटाना।
रख़्श. (رخشہ) फा पु—आग की लपट, अग्निज्वाला, अग्निशिखा।
रख़्श (رخش) फा पु—घोड़ा, अश्व; किरण, शुआअ़, प्रभा, चमक।
रख़्शाँ (رخشاں) फा. वि.—चमकता हुआ, दीप्त, प्रकाशमान।
रख़्शिंदः (رخشندہ) फा. वि.—चमकनेवाला।
रख़्शिंदगी (رخشندگی) फा. स्त्री.—चमक, आभा, प्रभा, प्रकाश।
रख़्शीदः (رخشیدہ) फा वि.—दीप्त, प्रकाशित, प्रज्ज्वलित, चमका हुआ।
रग (رگ) फा स्त्री.—स्नायु, नस, नाड़ी, शिरा, ख़ून की नाली।
रगज़न (رگ زن) फा. पु—फस्द खोलनेवाला, निश्तर से ख़ून निकालनेवाला, फ़स्साद, रक्तमोचक।
रगज़नी (رگ زنی) फा स्त्री—फस्द खोलना, रगों से ख़ून निकालना, रक्तमोक्षण।
रगबंद (رگ بند) फा वि.—पट्टी, ज़ख़्म पर बाँधने का कपड़ा आदि।
रग़ीफ़ (رغیف) अ स्त्री—वटी, टिकिया; रोटी, रोटिका।
रग़ीब (رغیب) अ वि.—लोभी, लोलुप, लालची; इच्छुक, ख़्वाहिशमंद।

रगे अब्र (رگ ابر) फा स्त्री –बादल की स्याह धारी।
रगे गदन (رگ گردن) फा स्त्री –गर्दनवाली खून की रग, अहंकार अभिमान घमंड।
रगे ग़रत (رگ غیرت) फा अ स्त्री –स्वाभिमान, ख़ुद्दारी।
रगे जाँ (رگ جاں) फा स्त्री –सबसे बड़ी खून की रग जो दिल में जाती है।
रगे तबूर (رگ طنبور) फा स्त्री –सितार का तार।
रगोप (رگ و پے) फा पु –सारा शरीर, नस और पट्ठे।
रगोरेशा (رگ و ریشہ) फा पु –स्वभाव, प्रकृति, भीतरी हालात।
रग़बत (رغبت) अ स्त्री –इच्छा अभिलाषा, चाह रुचि, अभिरुचि, दिलचस्पी।
रग्म (رغم) अ पु –विपरीत, उल्टा।
रज (رزه، رزہ) फा स्त्री –अलगनी, कपड़े आदि टाँगने की रस्सी।
रज ( ) फा पु –दाना अंगूर (प्रत्य) रँगनेवाला जैसे–रंगरेज़।
रजज़ (رجز) अ स्त्री –युद्धक्षेत्र में अपने कुल की शूरता और श्रेष्ठता का वर्णन दे बहुरे रजज़।
रजब (رجب) अ पु –इस्लामी सातवाँ महीना।
रजा (رجا) अ स्त्री –आशा आस उम्मेद।
रज़ाअत (رضاعت) अ स्त्री –बच्चे के दूध पीने की अवस्था।
रजाई (رجائی) अ वि –आशावाली जिसके धर्म में निराश होना पाप हो।
रज़ाल (رذال) अ पु –अधम नीच लंपट लोफ़र रज़ील।
रज़ालत (رذالت) अ स्त्री –अधमता नीचता कमीनापन।
रंजिदः (رنجده) फा वि –रँगनेवाला रजक।
रज़ी (رضی) अ वि –रुचिकर मनोनीत मनोवांछित, पसंदीदा।
रज़ीअ (رضیعه) अ स्त्री –दूध शरीक बहिन।
रज़ीअ (رضیع) अ पु –दूध शरीक भाई।
रजीअ (رجیع) अ पु –फेंकी हुई चीज़ हटायी हुई वस्तु विष्ठा मल गू।
रजीद (رزیده) फा वि –रँगा हुआ रंजित।
रज़ीदनी (رزیدنی) फा वि –रँगने के लाइक़ रंजनीय।
रजीम (رجیم) अ वि –जिस पत्थर मारे गये हों जो भगाया गया हो, जो धिक्कृत हो।
रज़ीय (رضیه) अ स्त्री –राज़ी की गयी प्रसन्न की गयी।
रज़ीय (رزیه) अ स्त्री –विपत्ति आपत्ति मुसीबत।
रज़ील (رذیل) अ वि –अधम नीच कमीना।
रजुल (رجل) अ पु –मनुष्य मनुज, मानव आदमी।
रजूम (رجوم) अ वि –पत्थर मारकर भगानेवाला।
रजअत (رجعت) अ स्त्री –वापस लौटना प्रत्यागमन।
रजअतपरस्त (رجعت پرست) अ फा वि –दे 'रजअतपसंद'।
रजअतपरस्ती (رجعت پرستی) अ फा स्त्री –दे रजअतपसंदी।
रजअतपसंद (رجعت پسند) अ फा वि –प्रतिक्रियावादी जिसे तरक्क़ी पसंद विचार न आते हों।
रजअतपसंदी (رجعت پسندی) अ फा स्त्री –प्रतिक्रियावाद विचारों में प्रगतिशीलता का अभाव।
रजअते क़हक़री (رجعت قہقری) अ स्त्री –उल्टे पाँव वापस लौटना जहाँ से चले थे वहाँ लौट आना अवनति।
रज़्ज़ाक़ (رزاق) अ वि –खाना देनेवाला अन्नदाता, पेट भरनेवाला।
रज़्ज़ाक़ी (رزاقی) अ स्त्री –खाना देना, अन्न दान करना भूखों का पेट भरना।
रज़्ज़ाक़े मुत्लक़ (رزاق مطلق) अ पु –वास्तविक में सबका पेट भरनेवाला ईश्वर।
रज्फ़ (رجف) अ पु –भूकंप, भूचाल ज़लज़ला।
रज़्फ़ (رجفہ) अ पु –दे रज्फ़।
रज़्म (رزمه) फा पु –गठरी पोटली, बुक़्च।
रज्म (رجم) अ पु –पत्थराव करना पत्थर मारना पत्थरों से मार-मारकर मार डालना।
रज़्म (رزم) फा स्त्री –युद्ध समर रण जंग लड़ाई।
रज़्मआरा (رزم آرا) फा वि –युद्धकर्ता लड़नेवाला।
रज़्मआराई (رزم آرائی) फा स्त्री –युद्धकर्म लड़ना।
रज़्मख़्वाह (رزم خواه) फा वि –युद्ध चाहनेवाला लड़ाई का इच्छुक।
रज़्मगाह (رزمگاه) फा स्त्री –लड़ाई का मैदान युद्धक्षेत्र रणभूमि रणस्थल समरांगण।
रज़्मपसंद (رزم پسند) फा वि –जिसे लड़ाई अच्छी लगे जो चाहता हो कि जंग रहे।
रज्मन बिल ग़ैब (رجماً بالغیب) अ अव्य–तीर का तुक्का अक़्ल के गद्दे अटकलपच्चू।
रज़्मिय (رزمیه) फा वि –युद्ध सम्बन्धी।
रज़्मी (رزمی) फा वि –युद्ध सम्बन्धी।
रज्मे शयातीन (رجم شیاطین) अ पु –शैतानों को पत्थर मारना हज का एक संस्कार।
रतीब (رطب) अ पु –ताज़ा खजूर।
रतूबत (رطوبت) अ स्त्री –तरी आर्द्रता गीलापन शरीर की कोई धातु शरीर के भीतर की तरी, लसीका।

रतूब्ले अस्लीयः (رطوبت اصلیه) अ. स्त्री —शरीर के भीतर की अस्ली तरी।

रत्क़ (رتق) अ. पु —बाँधना, बंधन।

रत्ब (رطب) अ वि —ताज़ा, तर।

रत्बुल्लिसान (رطب اللسان) अ. वि —प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला।

रत्बोयाबिस (رطب و یابس) अ. पु —तर और ख़ुश्क, गीला और सूखा, अर्थात्, सब, समस्त।

रत्ल (رطل) अ पु.—एक पौंड का भार, शराब पीने का प्याला।

रत्ले गरां (رطل گراں) अ. फा. पु —बड़ा प्याला जिसमे बहुत शराब आती है।

रदः (رده) फा. पु.—दीवार पर रखा जानेवाला रद्दा।

रद(द्) (رد) अ. पुं.—फेरना, वापस करना; ख़ारिज करना, नापसद करना।

रदाग़ (رداغ) अ पु.—कीचड़, कर्दम, जलकल्क, जबाल।

रदाअत (رداءت) अ. स्त्री.—ख़राबी, विकार, दोष।

रदी (ردی) अ वि —विकृत, दूषित।

रदीउलकैमूस (ردی الکیموس) अ. पु.—वह अन्न जिससे आमाशय में अच्छा रस न बने।

रदीउलहाल (ردی الحال) अ. पु —दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बड़ी रद्दी हो।

रदीफ़ (ردیف) अ वि—पीछे चलनेवाली; (स्त्री) गजल मे काफिए के बाद आनेवाला शब्द या शब्द-समूह।

रदीफ़वार (ردیف وار) अ फा. वि —वह दीवान जो रदीफ के हिसाब से क्रमबद्ध किया गया हो।

रदीफ़ोक़ाफ़ियः (ردیف و قافیه) अ पु —गजल का काफिय और उसके बाद की रदीफ।

रद्दः (رده) अ पु.—दीवार का रद्दा।

रद्दे अमल (رد عمل) अ पु —प्रतिक्रिया, किसी कार्य के फ़लस्वरूप दूसरी ओर से होनेवाला जवाबी कार्य।

रद्दे क़दह (رد قدح) अ पु —शराब का पियाला न लेना, लौटा देना।

रद्दे ख़ल्क़ (رد خلق) अ वि —तमाम ससार का ठुकराया और रद किया हुआ।

रद्दे दा'वत (رد دعوت) अ. स्त्री —किसी का भोज निमत्रण स्वीकार न करना।

रद्दे बला (رد بلا) अ. पु.—आपत्ति का निवारण, आयी हुई बला का टल जाना।

रद्दे सलाम (رد سلام) अ पु.—सलाम का उत्तर न देना।

रद्दे सवाल (رد سوال) अ. पु.—किसी की माँग ठुकरा देना, भिक्षुक के सवाल पर कुछ न देना।

रद्दोकद (رد وکد) अ. उभ.—वाद-विवाद, कहा-सुनी, बहस-मुबाहसा।

रद्दोक़दह (رد وقدح) अ. उभ.—दे. 'रद्दोकद'।

रद्दोकबूल (رد وقبول) अ. उभ.—स्वीकार करना या अस्वीकार करना, लेना या लौटा देना।

रद्दोबदल (رد وبدل) अ उभ.—परिवर्तन, तब्दीली।

रफ़ (رف) अ. पु —मचान, मंच; दरवाजे का बड़ा ताक।

रफ़ाक़त (رفاقت) अ. स्त्री —मैत्री, दोस्ती; सहचरता, साथ, सगत, सोहबत; सहकारिता, एक साथ मिलकर काम करना।

रफ़ाक़ते सफर (رفاقت سفر) अ. स्त्री.—यात्रा या पर्यटन में साथ रहना।

रफाहत (رفاهت) अ. स्त्री.—सुख, चैन, आराम; कल्याण, बहबूद।

रफाहीयत (رفاهیت) अ. स्त्री.—दे. 'रफाहत'।

रफीअ' (رفیع) अ. वि.—उच्च, उत्तुग, बलद; श्रेष्ठ, विशिष्ट, उत्तम, शरीफ।

रफीउद्दरजात (رفیع الدرجات) अ. वि.—दे. 'रफीउश्शान'।

रफ़ीउलक़द्र (رفیع القدر) अ. वि.—दे. 'रफीउश्शान'।

रफीउलमंज़लत (رفیع المنزلت) अ वि —दे. 'रफीउश्शान'।

रफीउश्शान (رفیع الشان) अ वि —बहुत बडी शान, प्रतिष्ठा और इज्ज़त वाला।

रफीक़ः (رفیقه) अ स्त्री.—मित्र स्त्री, सहचरी, सखी।

रफीक (رفیق) अ. पु —मित्र, सखा, दोस्त; सहचर, हमराही।

रफीकए ज़ीस्त (رفیقهٔ زیست) दे. 'रफीकए हयात'।

रफीकए हयात (رفیقهٔ حیات) अ. स्त्री.—जीवन-सगिनी, अर्धांगिनी, भार्या, पत्नी, बीबी।

रफीके राह (رفیق راه) अ फा पु —दे 'रफीके सफर'।

रफीक़े सफर (رفیق سفر) अ. पु —यात्रा का साथी, सहयात्री, सहचर।

रफ़ू (رفو) फा उभ —एक प्रकार की सिलाई, जिसमे कटा हुआ कपड़ा बेजोड़ हो जाता है; सिलाई।

रफ़ूगर (رفوگر) फा पु —रफ़ू का काम करनेवाला।

रफ़्अः (رفعه) अ पु —'उ' की मात्रा, 'पेश' की हरकत।

रफ़्अ (رفع) अ पु.—उठाना, ऊँचा करना; 'उ' की मात्रा, पेश।

रफ़्ए कलम (رفع قلم) अ पु.—किसी पर से कलम उठा लेना, अर्थात् उसके सम्बन्ध मे कुछ न लिखना, उसका इस

काबिज़ न रहना जिसके विषय में कुछ लिखा जाय, ऐसा व्यक्ति मफ़ऊल क़ल्म कहलाता है।

रफ़ए निज़ाअ (رفع نزاع) अ पु —झगड़ा तै हो जाना परस्पर विरोध मिट जाना।

रफ़ए फ़साद (رفع فساد) अ पु —लड़ाई खत्म हो जाना, झगड़ा तय हो जाना।

रफ़ए यदैन (رفع یدین) अ पु —दोनों हाथ उठाना, इमाम शाफ़िई के अनुयायियों का नमाज़ पढ़ते समय हर तक्बीर पर दोनों हाथ कानों तक उठाना जिसे अन्य मुसलमान जाइज़ नहीं समझते।

रफ़ए शक (رفع شک) अ पु —शंका समाधान शक दूर होना।

रफ़ए शर (رفع شر) अ पु —लड़ाई-झगड़ा खत्म होना विरोध का दूर होना।

रफ़ओज़ेर (رفع و زیر) अ पु —पेश और ज़ेर उ और ई की मात्राएं।

रफ़्ज़ (رفض) अ पु —अपने स्वामी का परित्याग जान जोखिम के समय स्वामी को छोड़कर भाग जाना।

रफ़्त (رفت) फा वि —गया हुआ गत, विगत, मरा हुआ मृत।

रफ़्त रफ़्त (رفت رفت) फा वि —शनैः शनैः धीरे धीरे आहिस्ता-आहिस्ता।

रफ़्ता होश (رفتہ ہوش) फा वि —जिसके होश जाते रहे हों हतमूर्च्छ बेहोश निश्चेष्ट संज्ञाहीन।

रफ़्तगां (رفتگاں) फा पु —रफ़्त का बहु गये हुए लोग अर्थात् मरे हुए व्यक्ति।

रफ़्तगाने ख़ाक (رفتگان خاک) फा पु —ज़मीन के अंदर गये हुए लोग अर्थात् मुर्दे।

रफ़्तनी (رفتنی) फा वि —जाने के योग्य जिसका जाना उचित हो जो जानेवाला हो।

रफ़्तार (رفتار) फा पु —चाल गति ढंग तरीका आचरण अमल आचार व्यवहार तर्ज़े अमल प्रगति (तरक्क़ी) या अवनति (तनज़्ज़ुल) की ओर गमन दशा हालत।

रफ़्तारे क़दीम (رفتار قدیم) फा अ स्त्री —पुरानी चाल पुरानी रविश पुराना तरीक़ा।

रफ़्तारे ज़माना (رفتار زمانہ) फा अ स्त्री —सांसारिक दशा दुनिया की हालत।

रफ़्तारे वक़्त (رفتار وقت) फा अ स्त्री —समय की गति समय की दशा वर्तमान समय की मांग।

रफ़्तारे हालात (رفتار حالات) फा अ स्त्री —अपने हालात का रुख अथवा सांसारिक दशाओं की परिस्थिति।

रफ़्तारो किरदार (رفتار و کردار) फा पु —आचार और व्यवहार चाल-ढाल।

रफ़्तारो गुफ़्तार (رفتار و گفتار) फा स्त्री —चाल-ढाल और बातचीत।

रफ़्तो गुज़श्त (رفت گزشت) फा वि —गया बीता हुआ गया-गुज़रा समाप्त खत्म।

रफ़्रफ़ (رفرف) अ पु —एक बहुत तेज़ चाल का घोड़ा बुराक़।

रफ़्राफ़ (رفراف) अ पु —शुतुरमुर्ग उष्ट्र पक्षी।

रफ़ह (رفہ) अ पु —हित भलाई, सुख, आराम, दे रिफ़ह' दोनों शुद्ध हैं।

रब [ब्ब] (رب) अ पु —स्वामी पति मालिक बड़ा भाई अभिभावक सरपरस्त, ईश्वर, परमात्मा, खुदा।

रबात (رباط) अ स्त्री —मुसाफ़िरखाना सराय पथिकाश्रय।

रबाब (رباب) फा पु —सितार के प्रकार का एक बाजा।

रबाबी (ربابی) फा वि —रबाब बजानेवाला।

रबीअ (ربیع) अ स्त्री —वसंत ऋतु बहार का मौसिम।

रबीई (ربیعی) अ वि —वसंत ऋतु सम्बन्धी बहार का।

रबीउल अव्वल (ربیع الاول) अ पु —इस्लामी तीसरा महीना।

रबीउल आख़िर (ربیع الاخر) अ पु —इस्लामी चौथा महीना।

रबीउस्सानी (ربیع الثانی) अ पु —दे रबीउल आख़िर'।

रबीब (ربیبہ) अ स्त्री —सौतेली लड़की वह लड़की जो दूसरे बाप से हो पहले ब्याह की लड़की।

रबीब (ربیب) अ पु —सौतेला लड़का वह लड़का जो दूसरे बाप से हो पहले ब्याह का लड़का।

रबून (ربون) अ पु —बआना अग्रिम धन, बियाना।

रबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री —स्वामित्व मालिकीयत ईश्वरत्व खुदावन्दी।

रब्त (ربط) अ पु —लगाव सम्बन्ध तअल्लुक़, मेल-जोल मैत्री दोस्ती।

रब्ते बाहम (ربط باہم) अ फा पु —परस्पर मेल-जोल और दोस्ती।

रब्तो ज़ब्त (ربط وضبط) अ पु —आपस का मेल मिलाप बैठना-उठना, मित्रता दोस्ती।

रब्बानियत (ربانیت) अ स्त्री —ईश्वरत्व, खुदाई।

रब्बानी (ربانی) अ वि —ईश्वरीय दैवी, खुदा की तरफ़ से। गैबी आसमानी आकस्मिक।

रब्बी (ربی) अ वि —ईश्वरीय ईश्वर का खुदा की तरफ से।

रब्बुन्नौअ (رب النوع) अ पु —देवता फ़िरिश्ता।

रब्बुलअर्बाब (رب الارباب) अ पु —सारे स्वामियों का स्वामी अर्थात् ईश्वर।

रब्बुलआलमीन (رب العالمین) अ पु.–सारे ब्रह्मांड का (जिसमे बहुत-से जगत् हैं) स्वामी, ईश्वर।
रब्बुलमलाइकः (رب الملائکہ) अ पु –सारे फ़िरिश्तो का स्वामी, ईश्वर।
रब्बुस्समावात (رب السماوات) अ पु –सारे आकाशो का स्वामी, ईश्वर।
रब्व (ربو) अ. पु –वामन, ठिगना, छोटे डील-डौल का आदमी।
रमः (رمہ) फा पु –भेड-बकरी का गल्ल , रेवड।
रम (رم) फा पु –भगदड, भागना।
रमक (رمق) अ स्त्री –अत्यल्प, बहुत थोडा, अंतिम प्राण, थोडी-सी जान।
रमकर्दः (رم کردہ) फा वि.–भागा हुआ, पलायित।
रमके (رمقے) अ फा वि –बहुत थोडी मात्रा मे, जरा-सा।
रमखुर्दः (رم خوردہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमजान (رمضان) अ. पु –इस्लामी नवाँ महीना जिसमे मुसलमान दिन भर रोजा रखते और रात मे तरावीह पढते हैं, जिसमे महीने भर मे पूरा कुरान सुनते हैं।
रमद (رمد) अ पु –आँख आना, आयी हुई आँख, आशोवे चश्म, नेत्राभिष्यद।
रमदीदः (رمیدیدہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित, रमखुर्द।
रमदे चश्म (رمد چشم) अ फा पु –आशोवे चश्म, नेत्राभिष्यद, आयी हुई आँख।
रमल (رمل) अ स्त्री –एक विद्या जिससे भविष्य मे होनेवाली घटनाएँ वता दी जाती हैं, इस विद्या का मूलाधार नुक्ते (शून्य) या विंदियाँ हैं।
रमाद (رماد) अ स्त्री –राख, चूल्हे की राख, जले हुए ईधन की राख, भस्म।
रमानीदः (رمانیدہ) फा वि –भगाया हुआ।
रमिदः (رمندہ) फा वि –भागनेवाला, पलायक।
रमिश (رمش) फा स्त्री –भागने का अमल, भगदड।
रमीदः (رمیدہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमीदगी (رمیدگی) फा स्त्री –भगदड, पलायन।
रमीम (رمیم) अ. वि –पुराना, पुरातन, जीर्ण, शीर्ण, कोहन।
रम्क. (رمکہ) अ. स्त्री –घोडी, अश्विनी।
रम्ज (رمز) अ. पु –सकेत, इशारा; रहस्य, भेद, राज।
रम्जआगाह (رمزآگاہ) अ फा. वि –दे. 'रम्जआश्ना'।
रम्जआश्ना (رمزآشنا) अ. फा. वि –भेद जाननेवाला, भेद से वाकिफ, मर्मज्ञ, रहस्यवेत्ता।
रम्जशनास (رمزشناس) अ. फा वि –दे 'रम्जआशना'।
रम्नः (رمنہ) फा पु –गल्ल चराने का मैदान, चरागाह, गोचर।
रम्माज (رماز) अ वि –गुप्तचर, भेदिया, भेद जाननेवाला, भेद वतानेवाला।
रम्माल (رمال) अ वि –'रमल' का इल्म जाननेवाला, रमलवेत्ता।
रम्माह (رماح) अ वि –वरछा चलानेवाला, वरछेवाज।
रम्ल (رمل) अ पु –रेत, वालुका, वालू, रेग।
रवाँ (رواں) फा वि –प्रवाहित, वहता हुआ, तीक्ष्ण, धारदार, (स्त्री.) प्राण, प्राण वायु, जान, रूह।
रवाँ दवाँ (رواں دواں) फा वि –जोर से वहता हुआ, तेजी से जाता हुआ।
रवा (روا) फा वि.–उचित, वाजिव, विहित, हलाल, (प्रत्य) पूरा करनेवाला, जैसे–'हाजतरवा' इच्छा पूरी करनेवाला।
रवाई (روائی) फा स्त्री –पूरी होना (आशा), रौनक, शोभा, चलन, रवाज, प्रथा, परपरा।
रवाएह (روائح) अ पु –'राइह' का वहु, सुगधियाँ, खुशवूएँ।
रवाक (رواق) अ पु –मकान के ऊपर वना हुआ मकान, अट्टालिका, दे 'रुवाक', और 'रिवाक'।
रवाज (رواج) अ. पु –प्रथा, रूढि, परपरा, परिपाटी, तरीका, दस्तूर, दे 'रिवाज', दोनो शुद्ध हैं।
रवाजिन (رواذن) अ.पु –'रौजन' का वहु, सूराख, छेद।
रवाजे खानदानी (رواج خاندانی) अ फा पु –वश-परपरा से चला आनेवाला दस्तूर, वश-परम्परा, पुरुषानुक्रम, रूढ़ि।
रवादार (روادار) फा वि –जो इस वात का वहुत खयाल रखता हो कि इसकी वात से किसी का दिल न दुखे, उदारचेता, सहन करनेवाला, वरदाश्त करनेवाला।
रवादारी (رواداری) फा. स्त्री.–किसी का दिल न दुखे यह भावना, सहृदयता, उदारता।
रवादारानः (روادارانہ) फा. वि –रवादारो-जैसा, रवादारी का।
रवानः (روانہ) फा. वि –जो कही से चल पडा हो, प्रस्थित, प्रयात, भेजा हुआ, प्रेषित।
रवानःकुनिंदः (روانہ کنندہ) फा वि –भेजनेवाला, प्रेषक।
रवानगी (روانگی) फा. स्त्री.–प्रस्थान, प्रयाण, कूच, प्रेषण, भेजना।
रवानी (روانی) फा स्त्री.–प्रवाह, वहाव; तीक्ष्णता, धार, तेज़ी, किताव आदि के पढ़ने मे कही न अटकना; भाषण

दने या बात करने में बहा न रखना और शुद्ध और ठीक बोलना।
रवाफ़िज़ (روافض) अ पु –'राफ़िज़ी' का बहु , समय पड़ने पर अपने स्वामी को छोड़ भागनेवाले।
रवाबित (روابط) अ पु – राबित का बहु , मेल-जोल मेल मिलाप।
रवारवी (رواروی) फा स्त्री –सरसरी, जल्दी शीघ्रता, चल चलाव कूच की जल्दी।
रवारौ (رواور) फा स्त्री –यातायात, आना-जाना, चल फिरी।
रवाहिल (رواحل) अ पु –'राहिल का बहु , सवारी के जानवर ऊट घोड़े आदि।
रवाहाल (رواحال) अ पु –तेज चलनेवाली सवारी, तेज ऊँट या घोड़ा।
रविंद (روندہ) फा वि –जानेवाला प्रस्थान करनेवाला।
रविश (روش) फा स्त्री –आचार-व्यवहार तर्जोतरीक़ा, पद्धति गली तर्ज आचरण चाल-चलन बाग के अदर के पतले रास्ते।
रविशे आम (روش عام) फा अ स्त्री –आम लोगों का तरीक़ा।
रविशे ख़ास (روش خاص) फा अ स्त्री –खास लोगो का तरीक़ा।
रवी (روی) अ स्त्री –काफिए का असली हर्फ़, जिसमे पहले हर्फ़ का मात्रा का एक होना आवश्यक है। जैसे—नज़र' और क़मर' म र' हर्फ़ रवी है और म' और ज' दोनो अक़ार ह।
रवीम (رویّہ) अ पु –आचार व्यवहार तर्ज अमल आचरण रविश मुल्क व्यवहार नियम क़ायदा दस्तूर।
रशद (رشد) अ कि –दीक्षा पीर की हिदायत सन्मार्ग सीधा और अच्छा रास्ता दे 'रश्द', दानो शुद्ध ह।
रशाक़त (رشاقت) अ स्त्री –शरीर का सुडौल और सुदर पन सुगकामती।
रशाद (رشاد) अ पु –एक दवा तरातेजक हालौन सन्मार्ग सदाचार नेकदिली।
रशादत (رشادت) अ स्त्री –धर्मदीक्षा मुर्शिद की तल्क़ीन सन्मार्ग राहे रास्त सदाचार नेक कर्दारी।
रशाश (رشاشہ) अ पु–फुहार छींट स्राव बहाव।
रशाश (رشاش) अ पु –दे रशाश।
रशीद (رشید) अ वि –सन्मार्ग प्रदर्शक सीधा रास्ता दिखानेवाला सन्मार्गप्राप्त सीधा रास्ता पानेवाला जिसने गुरु की सेवा और उसके प्रसाद से किसी विद्या या कला विशेष में पूरी कुशलता प्राप्त कर ली हो।
रश्क़ (رشق) अ पु –तीर चलाना, बाण चलाना, धन विद्या।
रश्क (رشک) फा पु –किसी को हानि पहुचाय बिना उस जसा बनने की भावना यह जज्ब कि अमुक व्यक्ति ऐसा है हम क्या नहा ह, हमें भी वसा होना चाहिए 'रश्क' और 'हसद' में यही फ़र्क है, 'हसद' में केवल व्यक्ति अपने लिए चाहता है दूसरे को नही देख सकता।
रश्कआमेज़ (رشک آمیز) फा वि –रश्क से भरा हुआ, जिसमें रश्क हो।
रश्कीं (رشکیں) फा वि –रश्क करनेवाला।
रश्के परी (رشک پری) फा वि –परी के सौदय को लज्जित करनेवाली नायिका।
रश्के माह (رشک ماہ) फा स्त्री –चाँद की प्रभा को मन्द कर देनेवाले मुखवाली नायिका।
रश्के मेह्र (رشک مہر) फा स्त्री –सूय की चमक-दमक को फीका कर देनेवाले मुखवाला प्रेयसी।
रश्के यूसुफ़ (رشک یوسف) फा अ स्त्री –यूसुफ़ की सुन्दरता को लजानेवाली सुदरी।
रश्के रिज़वां (رشک رضواں) अ पु –स्वग के अध्यक्ष को लज्जित करनेवाला मकान अर्थात् बहुत ही सुसज्जित और शृगारित भवन।
रश्के हूर (رشک حور) अ फा स्त्री –स्वर्गांगनाओं के सौदय को लज्जित करनेवाली प्रेमिका।
रश्फ़ (رشف) अ पु –चूसना चूषण।
रश्मीज़ (رشمیز) फा स्त्री –दीमक वम्री वल्मी, उत्पादिका
रश्ह (رشحہ) अ पु –बिंदु बूद कत्र , स्राव टपकना, टपकन रिसाव।
रश्ह (رشح) अ पु –प्रतिश्याय, शीत जुकाम, रिसाव रेज़िश।
रश्हए क़लम (رشحۂ قلم) अ पु –लेखनी की टपकन अर्थात् लेख निबंध अथवा कविता।
रश्हए फ़िक्र (رشحۂ فکر) अ पु –विचार का स्राव अर्थात् लेख आदि विशेषत कविता।
रश्हात (رشحات) अ पु – रश्ह का बहु टपकन रेज़िशें।
रस (رس) फा प्रत्य –पहुँचनेवाला जैसे—'फ़लक रस' आकाश तक पहुँचनेवाला।
रसद (رسد) अ स्त्री –अश हिस्सा खाद्य सामग्री खान पीने का सामान।
रसद (رصد) अ स्त्री –देख भाल का स्थान, जहाँ किसी चीज को ताका जाय।

रसदगाह (رصدگاہ) अ. फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ से ग्रहो और तारो की गति आदि का निरीक्षण किया जाता है, वेधशाला, मानशाला, यत्रशाला।

रसदी (رسدی) अ. वि—भाग के अनुसार, हिस्से के मुताबिक।

रसन (رسن) फा स्त्री—रज्जु, पाश, रस्सी।

रसनबाज़ (رسن باز) फा. वि—रस्सी पर कलाबाजियाँ खानेवाला, नट, वचक, छली, मक्कार।

रसनबाजी (رسن بازی) फा. स्त्री.—नट का काम, छल, फ़िरेब, धूर्तता।

रसनबाफ़ (رسن باف) फा. वि.—रस्सी बटनेवाला, रज्जुकार।

रसनबाफ़ी (رسن بافی) फा. स्त्री.—रस्सी बटने का काम, या पेशा।

रसाँ (رساں) फा. प्रत्य.—पहुँचानेवाला, जैसे—'नाम रसा' खत पहुँचानेवाला।

रसा (رسا) फा. वि—पहुँचनेवाला, जिसकी किसी जगह पहुँच हो, जो हर जगह पहुँच जाता हो या पहुँचने की राह निकाल लेता हो।

रसाइल (رسائل) अ पु.—'रिसाल.' का बहु, पत्रिकाएँ, रिसाले।

रसाई (رسائی) फा स्त्री—पहुँच, प्रवेश।

रसानत (رصانت) अ स्त्री—दृढता, मजबूती।

रसाँनदः (رسانندہ) फा वि—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला।

रसास (رصاص) अ पु—सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसके बदूक की गोलियाँ बनती है, राँग, राँगा।

रसिंदः (رسندہ) फा वि.—पहुँचनेवाला।

रसीदः (رسیدہ) फा वि—पहुँचा हुआ।

रसीद (رسید) फा स्त्री—रुपये आदि की वसूली का कागज, प्राप्तिपत्र, पहुँच, प्राप्ति, वसूली।

रसीदगी (رسیدگی) फा. स्त्री.—पहुँच।

रसीदनी (رسیدنی) फा. वि—पहुँचने योग्य।

रसूम (رسوم) अ पु—कर, शुल्क, फीस।

रसूल (رسول) अ. पु.—ईशदूत, ईश्वरावतार, नबी।

रसूलुल्लाह (رسول اللہ) अ पु—ईशदूत, ईश्वर की ओर से सर्वसाधारण के सुधार के लिए भेजा हुआ व्यक्ति।

रस्तः (رستہ) फा. वि.—बधनमुक्त, छूटा हुआ, पक्ति, कतार; दुकानो की कतार; पथ, राह।

रस्तगार (رستگار) फा वि—बधनमुक्त, छूटा हुआ, आजाद।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री—मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।

रस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा. स्त्री—महाप्रलय, कियामत।

रस्तोख़ेज़ (رستوخیز) फा स्त्री.—दे 'रस्ताखेज़'।

रस्तख़ेज़ (رستخیز) फा. स्त्री—दे. 'रस्ताखेज़'।

रस्तगार (رستگار) फा वि.—बधनमुक्त, आजाद, छुटकारा पाया हुआ।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री.—बधन-मुक्ति, रिहाई, छुटकारा।

रस्म (رسم) अ स्त्री.—परम्परा, रूढि, रवाज; नियम, दस्तूर, कर, महसूल, वेतन, तनख्वाह; कोई काइदा जो बहुत दिनो से किसी खानदान, बस्ती या देश मे चला आता हो, सस्कार, तक्रीब।

रस्मन (رسماً) अ. वि—परपरानुसार, रिवाज की मुताबिक, रस्मी तौर पर, छुछा उतारने को, यूँ ही।

रस्मी (رسمی) अ वि—परपरा सम्बन्धी, जो बाकाइदा न हो, प्राईवेट, मामूली, साधारण।

रस्मुलख़त (رسم الخط) अ पु—लिपि, अक्षर लिखने की प्रणाली, जैसे—'उर्दू रस्मुलखत' या 'हिंदी रस्मुलखत'।

रस्मे निकाह (رسم نکاح) अ स्त्री—विवाह-सस्कार, व्याह की तरकीब।

रस्मे बद (رسم بد) अ स्त्री—बुरी परपरा, बुरा दस्तूर।

रस्मे मुल्क (رسم ملک) अ स्त्री—किसी देश की परपरा, किसी मुल्क का रिवाज।

रस्मोराह (رسم و راہ) अ. फा स्त्री—मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रस्मोरिवाज (رسم و رواج) अ स्त्री.—रूढ़ि और परपरा, दस्तूर और काइदे।

रस्ल (رسل) अ पु—खबर भेजना, सूचना पहुँचाना; धीमी चाल।

रस्साम (رسام) अ. वि—चित्रकार, चितेरा, नक़्क़ाश, मुसव्विर।

रह (رہ) फा. स्त्री—'राह' का लघु, रस्ता, रास्ता, मार्ग, पथ।

रहआवर्द (رہ آورد) फा पु—दे 'रहावर्द'।

रहगीर (رہگیر) फा वि—दे 'रहरौ'।

रहगुजर (رہگزر) फा स्त्री—'राहगुजर' का लघु, आम रास्ता, राजमार्ग, सडक।

रहज़न (رہزن) फा पु—'राहजन' का लघु, बाटमार, लुटेरा।

रहज़नी (رہزنی) फा. स्त्री—'राहजनी' का लघु, लुटेरापन, रास्ते में पथिको को लूटने का काम।

रहनशीं (رہ نشیں) फा वि—'राहनशी' का लघु, पथस्थ, मार्गस्थ, रास्ते में बैठा हुआ।

रहनुमा (رہنما) फा वि—'राहनुमा' का लघु, पथ-प्रदर्शक, रस्ता बतानेवाला, आगे-आगे चलनेवाला।

रहनुमाई (رهنمائی) फा स्त्री – राहनुमाई' का लघु, पथ प्रदर्शन रास्ता बताना आगे आगे चलना।
रहनुमू (رهنمو) फा वि – दे 'रहनुमा'।
रहबर (رهبر) फा वि – राहबर' का लघु दे 'रहनुमा'।
रहबरी (رهبری) फा स्त्री – दे 'रहनुमाई'।
रहरवी (رهروی) फा स्त्री – राहरवी का लघु रास्ता चलना, यात्रा करना मुसाफिरत।
रहरौ (رهرو) फा वि – राहरौ का लघु रास्ता चलने वाला पथिक, बटोही मुसाफिर।
रहवार (رهوار) फा पु – अश्व, हय घोड़ा।
रहा (رها) अ पु – चक्की का एक पाट।
रहा (رها) फा वि – मुक्त बंधन मुक्त छूटा हुआ खलास।
रहाई (رهائی) फा स्त्री – बंधन मुक्ति छुटकारा खलासी।
रहावद (رهآورد) फा पु – वह उपहार जो यात्रा में जाने वाला व्यक्ति बाहर से लाकर दे।
रहिम (رحم) अ पु – गर्भाशय जरायु, बच्चादानी।
रही (رهی) फा पु – दास सेवक गुलाम, दे 'रिही', दोनों शुद्ध हैं।
रहीक़ (رحیق) अ स्त्री – मदिरा सुरा शराब।
रहीज़ाद (رهی زاده) फा पु – दासी-पुत्र गुलाम-बच्चा।
रहीन (رهین) अ वि – गिरवी रखी हुई वस्तु बंधक।
रहीने ग़म (رهین غم) अ वि – शोकग्रस्त दुखग्रस्त पीड़ा ग्रस्त रंज या मुसीबत में फँसा हुआ।
रहीने मिन्नत (رهین منت) अ वि – कृतज्ञ आभारी मम्नून।
रहीने सितम (رهین ستم) अ वि – अत्याचारपीडित जो किसी के अत्याचारों से दुखित हो।
रहीब (رحیب) अ वि – बहुत खानेवाला पेटू बहुभक्षी अतिभोजी घस्मर।
रहीम (رحیم) अ वि – दयालु कृपालु महादयालु ईश्वर का एक नाम।
रहील (رحیل) अ वि – प्रस्थान प्रयाण कूच चलाव।
रहत (رهط) अ पु – जनसमूह भीड़ समुदाय यूथ गिरोह।
रहन (رهن) अ पु – बंधक गिरवी।
रहन दर रहन (رهن دررهن) अ फा पु – ऐसी जायदाद जो दो जगह रेहन हो जिसे मुर्तहिन ने किसी और के पास रेहन रख दिया हो।
रहननाम (رهن نامه) अ फा पु – बंधकपत्र रेहन की तहरीर।
रहनबिलक़ब्ज़ (رهن بالقبض) अ पु – ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को बंधक पर क़ब्ज़ा दिला दिया गया हो और वह उसमें लाभ उठाता हो, भोग-बंधक।
रहनबिल्बअ (رهن بالبیع) अ पु – वह रेहन जिसमें नियत समय पर रुपया न अदा होने पर वह बंधक मुर्तहिन का हो जाय।
रहनबिलाक़ब्ज़ (رهن بلاقبض) अ पु – वह रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्ज़ा न हो, दृष्टबंधक।
रहने दख़्ली (رهن دخلی) अ पु – ऐसा रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्ज़ा हो और वह ज़मीन या जायदाद का नफ़ा अपने सूद में वसूल करता हो।
रहने बिलादख़्ल (رهن بلادخل) अ पु – ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को ज़मीन या जायदाद पर क़ब्ज़ा न हासिल हो केवल उसके पास रेहन हो।
रहबानियत (رهبانیت) अ स्त्री – सारी उम्र ब्रह्मचारी रहना और अच्छे खाने छोड़ देना, कामवासना से बचने के लिए लिंग कटवा देना और सबसे अलग-अलग रहना।
रहम (رحم) अ पु – करुणा तरस दया मेहर कृपा मेहरबानी।
रहमआगीं (رحم آگیں) अ फा वि – करुणा और दया से भरा हुआ, करुणापूर्ण।
रहमत (رحمت) अ स्त्री – दया कृपा रहम करुणा तरस।
रहमते आलम (رحمت عالم) अ स्त्री – संसार के लिए साक्षात कृपा और दया, हज़रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।
रहमदिल (رحمدل) अ फा वि – जिसका हृदय बहुत ही दयामय और करुणापूर्ण हो सदय।
रहमदिली (رحمدلی) अ फा स्त्री – हृदय में दया और करुणा का भाव होना।
रहमान (رحمٰن। رحمان) अ वि – दयालु कृपालु मेहरबान ईश्वर का एक नाम।
रहमानी (رحمانی) अ वि – ईश्वरीय, ईश्वर का, ईश्वर सम्बन्धी।

रा

रा (راں) फा प्रत्य – चलानेवाला जैसे – हुक्मराँ शासन चलानेवाला।
रांद (رانده) फा वि – हाँका हुआ भगाया हुआ निकाला हुआ बहिष्कृत।
रांदए दरगाह (راندهٔ درگاه) फा वि – किसी बड़ी जगह, सरकार या दरबार से बहिष्कृत।
रा (را) फा अव्य – लिए वास्ते को।
राइक़ (رائق) अ वि – अनाहार अनशन नहार मुँह साफ़ और स्वच्छ वस्तु।

राइज (رائج) अ वि –प्रचलित, चालू, जिसका चलन हो।
राइज़ (رائض) अ. वि –चाबुक सवार, घोड़ा फेरनेवाला।
राइजुलवक़्त (رائج الوقت) अ वि –समय के चलन के अनुसार, जो किसी समय विशेष मे प्रचलित हो।
राइद (رائد) अ वि –जिसके ज़िम्मे मकानो का प्रबंध हो, मीरमंजिल।
राइलइवाद (راعی العباد) अ. पु –प्रजापाल, जनता की देखरेख करनेवाला।
राई (راعی) अ वि –चरवाहा, गड़रिया, शासक, नरेश, बादशाह।
राए (رای) अ स्त्री –विचार, ख़याल; मत, वोट, परामर्श, मश्वर'।
राएआम्मः (رائے عامه) अ स्त्री –सारी जनता की राय।
राएगाँ (رائگاں) फा वि –नष्ट, बरबाद; निष्फल, बेनतीजा; बेकार, व्यर्थ।
राएजनः (رائے زن) अ. फा वि –विचार प्रकट करनेवाला; परामर्शदाता।
राएज़नी (رائے زنی) अ फा. स्त्री –अपने विचार प्रकट करना, परामर्श देना।
राएतलबी (رائے طلبی) अ. स्त्री –राय लेना, सलाह चाहना, वोट माँगना।
राएदिहिंदः (رائے دهنده) अ फा. वि –राए देनेवाला, वोट देनेवाला, मतदाता।
राएदिहिंदगी (رائے دهندگی) अ फा स्त्री –राय देना, वोट देना, मतदान।
राएदिही (رائے دهی) अ फा स्त्री.–दे 'राएदिहिंदगी'।
राएशुमारी (رائے شماری) अ फा. स्त्री.–वोटो की गिनती, मत-गणना।
राएह. (رائحه) अ. पु –बू, वास, गंध।
राएह (رائح) अ वि –बूदार, बासवाली वस्तु।
राक़िद (راقد) अ वि –सोनेवाला, स्वापक।
राकिद (راکد) अ वि –बद पानी, वह पानी जो ठहरा हुआ हो, प्रवाहित न हो।
राक़िब (راقب) अ. वि –प्रतीक्षक, मुतजिर, आशान्वित, पुरउम्मीद।
राकिब (راکب) अ वि –सवार होनेवाला, सवार, घुड़सवार, अश्वारोही।
राक़िमः (راقمه) अ स्त्री –लिखनेवाली, चिट्ठी लिखनेवाली।
राक़िम (راقم) अ. पु –लेखक, लिखनेवाला, पत्र लिखनेवाला।
राक़िमुलहुरूफ (راقم الحروف) अ वि.–पत्र-लेखक, चिट्ठी लिखनेवाला।
राक़ी (راقی) अ पु –अभिचारक, जत्र-मत्र करनेवाला।
राके' (راکع) अ वि –नमाज मे झुकनेवाला, नमाज पढ़नेवाला।
राक़े' (راقع) अ वि –कपडो मे थिगली सीनेवाला, पैवद सीनेवाला, चकती लगानेवाला।
राग़ (راغ) फा. पु –वन, जगल, सब्ज़ जार, हरा-भरा मैदान; पहाड की तराई।
राग़िब (راغب) अ वि –आकर्षित, मुतवज्जेह, दिलचस्पी रखने या लेनेवाला।
राज़ (راز) फा. पु.–रहस्य, भेद, मर्म, मूल, तत्त्व, सार।
राज़आगाह (راز آگاه) फा वि –दे 'राज़आश्ना'।
राज़आश्ना (راز آشنا) फा वि –जो किसी भेद से वाक़िफ हो, रहस्यवेत्ता।
राज़दाँ (رازداں) फा वि –भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ, रहस्यज्ञ।
राज़दार (رازدار) फा वि –दे. 'राज़दाँ'।
राज़यानः (رازیانه) फा स्त्री –सौफ, शतपुष्पा, बादियान।
राज़िअः (راضعه) अ स्त्री –दूध पीनेवाली बच्ची, स्तनपायिनी।
राज़िक़ः (رازقه) अ पु.–अन्नदात्री, अन्नपूर्णा, जीविका, वृत्ति, रोजी।
राज़िक़ (رازق) अ वि –अन्नदाता, खाना देनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।
राजी (راجی) अ वि –आशान्वित, पुरउम्मीद।
राज़ी (راضی) अ वि –प्रसन्न, हर्षित, ख़ुश, सतुष्ट, मुत्मइन; अगीकृत, रिज़ामद।
राज़ी (رازی) फा वि –'रै' नगर का निवासी, 'रै' ईरान मे ख़ुरासान प्रान्त का एक प्राचीन नगर है।
राज़ीनामः (راضی نامه) अ फा पु –सधिपत्र, सुलहनामा, मुकदमे के दोनो पक्षो मे सधि का लिखित पत्र।
राज़ीबरज़ा (راضی برضا) अ फा वि –किसी की मरजी पर राजी, अमुक व्यक्ति जो कर दे उसी पर संतुष्ट।
राजे' (راجع) अ वि –आकर्षित, मुल्तफित, प्रत्यागामी, वापस लौटनेवाला।
राज़े' (راضع) अ वि –दूध पीनेवाला बालक, स्तनपायी।
राज़े सरबस्तः (راز سربسته) फा पु –ऐसा भेद जो किसी को तनिक भी मालूम न हो।
राजेह (راجح) अ वि.–आकर्षित, राग़िब, उत्तम, बेहतर; प्रधान, तर्जीहवाला।

राजे हयात (راز حیات) फा अ पु –ज़िन्दगी का भेद जीवन मम।
राज़ोनियाज़ (راز و نیاز) फा पु –प्रेम की गुप्त बातें।
रातिब (راتب) अ पु –रोज की खुराक तनख्वाह कुत्ते या घोड़े की खुराक।
रातिबख़ोर (راتب خور) अ फा वि –रातिब खानेवाला रोज की खुराक पानेवाला।
रा'द (رعد) अ पु –बिजली का कड़क।
राद [द्द] (راد) अ वि –रद करनेवाला लौटानेवाला।
रा'दआसा (رعد آسا) अ फा वि –बिजली की कड़क जैसा।
रादिआत (رادعات) अ स्त्री – राद' का बहु, वे दवाएँ जो खराब माद्दे को हटा दें।
रादे' (رادع) अ वि –हटानेवाला रोकनेवाला वह दवा जो विकृत माद्दे को अग विशेष से हटा दे।
रान (ران) फा स्त्री –जघा जाघ।
रा'ना (رعنا) फा वि –सुन्दर रूपवान हसीन शौक शौल का बहुत सुदर।
रा'नाइए ख़याल (رعنائی خیال) फा अ स्त्री –विचारो का सौदय खयालो की विचित्रता।
रा'नाई (رعنائی) फा स्त्री –सुन्दरता छटा हुस्न।
राफ़त (رافت) अ स्त्री –कृपा दया अनुकपा मह्रबानी।
राफ़िज़ (رافضه) अ पु –वे लोग जो अपने स्वामी को विपत्ति पड़ने पर छोड़ भागें।
राफ़िज़ (رافض) अ वि –वह व्यक्ति जो अपने स्वामी का कष्ट पीड़ित देखकर भाग जाय।
राफ़िज़ी (رافضی) अ वि – राफ़िज़ से सम्बधित व्यक्ति।
राफ़िद (رافد) अ वि –दाता प्रदाता देनेवाला सहायक मदद करनेवाला।
राफ़े (رافع) अ वि –ऊपर उठानेवाला उन्नायक ऊँचा करनेवाला उ की मात्रा (पेश) देनेवाला।
राफ़ेह (رافه) अ वि –सुख का जीवन व्यतीत करनेवाला।
राबिआ (رابعه) अ स्त्री –चौथी एक बहुत ही तपस्विनी और साध्वी स्त्री।
राबित: (رابطه) अ पु –सम्बध लगाव सपर्क वास्ता मेल-जोल प्रेम-व्यवहार।
राबित (رابط) अ वि –मिलानेवाला सयोजक।
राबिय (رابیه) अ स्त्री –ऊची भूमि।
राबे (رابع) अ वि –चौथा चतुथ।
राबेह (رابح) अ वि –व्याज खानेवाला कुसीदजीवी व्याजखोर।
राम (رام) फा वि –वशीभूत अधीन, ताबे।
रामिक़ (رامق) अ वि –जाल में बधा हुआ।
रामिश (رامش) फा स्त्री –गान गाना नग्मा।
रामिशगर (رامش گر) फा वि –गायक, गवया, गानवाला।
रामिशगाह (رامش گاه) फा स्त्री –गाने का स्थान, नाट्य शाला।
रामिशी (رامشی) फा वि –दे रामिशगर'।
रामीं (رامین) फा वि –एक आशिक़ का नाम एक बाजा बजानेवाले का नाम।
रामी (رامی) अ वि –धनुधर, तीरअन्दाज अराप लगानेवाला।
रामेह (رامح) अ वि –बरछा चलानेवाला बरछाबाज।
राय (رای) अ स्त्री –दे 'राए।
रायगाँ (رایگان) फा वि –दे 'राएगा।
रायज़न (رایزن) अ फा वि –दे 'राएज़न'।
रायत (رایت) अ पु –पताका ध्वजा, झडा परचम।
रायात (رایات) अ पु – रायत' का बहु झडे।
रायुल ऐन (رای العین) अ क्रि –आँखो से देखना प्रत्यक्ष दशन करना।
रावद (راود) फा स्त्री –एक जड़ रेवद चीनी।
रावक़ (راوق) फा स्त्री –शराब छानने की साफी, मदिरा मद्य शराब।
रावी (راوی) अ वि –किसी से कोई बात सुनकर ज्यो की त्यो दूसरे से कहनेवाला इस्लामी परिभाषा में हज्रत मुहम्मद साहिब से सुने हुए प्रवचनो को उन्हीं के शब्दो में दूसरे से कहनेवाला।
रा'श: (رعشه) अ पु –शरीर के अगो के कापने का रोग कपराग कँपकपी।
राश (راش) फा अ –अन्न का ढेर रास राशि।
राशिद (راشد) अ वि –जिसने गुरु से दीक्षा प्राप्त की हो, मुर्शिद से हिदायत पानेवाला।
राशी (راشی) अ वि –रिश्वत देनेवाला बहुत-से लोग रिश्वत लेनेवाले के लिए बोलते हैं यह अशुद्ध है।
राशेह (راشح) अ वि –रिसनेवाला धीरे-धीरे टपकनेवाला।
रास (راس) अ पु –शिर सर, मवेशी की तादाद के लिए जैसे—एक रास बल' अर्थात एक बल राहु ग्रह।
रास (راس) फा स्त्री –माग पथ रास्ता राह्।
रासिख़ (راسخ) अ वि –अटल दृढ पक्का।
रासिखुलअक़ीद (راسخ العقیده) अ वि –जिसका धम विश्वास अटल हो।

रासिख़ुलएतिक़ाद (راسخ الاعتقاد) अ वि.—दे 'रासिख़ुल-अक़ीद'।
रासिद (راصد) अ वि —ज्योतिषी, नुजूमी, प्रहरी, चौकी-दार, पहरेदार।
रासिब (راسب) अ. वि —नीचे बैठ जानेवाला; गाद, तलछट।
रासियः (راسیہ) अ वि —मज़बूत पहाड़।
रासियात (راسیات) अ. पुं —'रासिय.' का बहु, मजबूत पहाड़ों का समूह।
रासुलजदी (راس الجدی) अ. पु —राशिचक्र में मकर राशि पर वह बिन्दु जहाँ बाईस दिसंबर को सूर्य पहुँचता है और सबसे छोटा दिन होता है।
रासुलमाल (راس المال) अ पु —मूलधन, अस्ल ज़र।
रासुस्सर्तान (راس السرطان) अ. पु —राशिचक्र में कर्क राशि पर वह बिंदु जहाँ २१ जून को सूर्य पहुँचता है, और साल में सबसे बड़ा दिन होता है।
रासू (راسو) फा पु.—नेवला, नकुल, ह्रीक।
रासोज़नब (راس و ذنب) अ. पु.—राहु और केतु।
रास्तः (راستہ) फा पु.—मार्ग, पथ, राह, रास्ता।
रास्त (راست) फा वि.—दाहिना, सीधी तरफ का दक्षिण; सरल, सीधा, सत्य, सच।
रास्तकिर्दार (راست کردار) फा वि —सरलाचारी, सदाचारी, नेकचलन, सद्वृत्त।
रास्तकिर्दारी (راست کرداری) फा स्त्री —सरलाचार, सदाचार, नेकचलनी।
रास्तगुफ़्तार (راست گفتار) फा. वि —दे 'रास्तगो'।
रास्तगुफ़्तारी (راست گفتاری) फा. स्त्री.—दे 'रास्तगोई'।
रास्तगो (راست گو) फा. वि —सच बोलनेवाला, सत्यवादी, यथार्थवादी, अनृतभाषी।
रास्तगोई (راست گوئی) फा स्त्री —सच बोलना, सत्यवाद।
रास्तबाज़ (راست باز) फा वि —सच्चा, सत्यनिष्ठ, व्यवहार-कुशल, लेन-देन में साफ़, ईमानदार; सदाचारी, नेकचलन।
रास्तबाज़ी (راست بازی) फा स्त्री —सच्चाई; ईमानदारी, सदाचार।
रास्तमिज़ाज (راست مزاج) फा अ वि —सरल स्वभाव, नेकदिल, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।
रास्तमिज़ाजी (راست مزاجی) फा अ स्त्री —स्वभाव की सरलता, सत्यनिष्ठता, ईमानदारी।
रास्तमुआमलः (راست معاملہ) फा अ वि —लेन-देन और आचार-व्यवहार में ईमानदार।
रास्तमुआमलगी (راست معاملگی) फा अ स्त्री —लेन-देन और आचार-व्यवहार में ईमनादारी।
रास्तरवी (راست روی) फा. स्त्री.—सीधी राह चलना, सदा-साचार, धर्मनिष्ठा।
रास्तरौ (راست رو) फा. वि —सीधी राह चलनेवाला, सन्मार्गी, सदाचारी, धर्मनिष्ठ।
रास्तशिआर (راست شعار) फा. अ. वि.—दे. 'रास्तमुआ-मल'।
रास्ती (راستی) फा स्त्री —सरलता, सीधापन; सत्यता, सच्चाई; सदाचार, नेककिर्दारी।
रास्तीआश्ना (راستی آشنا) फा वि —धर्मनिष्ठ, सदाचारी, नेक आ'माल।
रास्तीपसंद (راستی پسند) फा. वि —जिसे सत्यता और धर्मनिष्ठा पसंद हो।
रास्तीपसंदी (راستی پسندی) फा. स्त्री —सत्यता और धर्मनिष्ठा को पसंद करना।
रास्तीशिआर (راستی شعار) फा अ वि.—जिसका आचरण सत्यता और धर्मनिष्ठा पर निर्भर हो।
रास्तीशिआरी (راستی شعاری) फा. अ. स्त्री —सत्यता और धर्मनिष्ठा को ग्रहण करना और उसी पर चलना।
राहः (راحہ) अ. स्त्री.—हथेली, करतल।
राह (راہ) फा. स्त्री —मार्ग, पथ, रास्ता; ढंग, तरीक़ा; युक्ति, तर्कीब, यत्न, प्रतीक्षा, इंतिज़ार; आशा, आस, उम्मीद।
राह (راح) अ. स्त्री —हर्ष, ख़ुशी, मदिरा, शराब।
राहख़र्च (راہ خرچ) फा पुं —रास्ते में होनेवाला ख़र्च, मार्ग-व्यय।
राहगीर (راہگیر) फा. वि.—बटोही, पथिक, मुसाफ़िर।
राहगुज़र (راہگزر) फा स्त्री —मार्ग, पथ, रास्ता।
राहज़न (راہزن) फा वि —बाटमार, रास्ते में लूटनेवाला, पथघ्न।
राहज़नी (راہزنی) फा स्त्री —बाटमारी, रास्ते में लूटना, यात्री का धन छीनना।
राहत (راحت) अ स्त्री —सुख, चैन, आराम; सुगमता, आसानी, शान्ति, सुकून; रोग या पीडा में कमी।
राहतअंजाम (راحت انجام) अ. फा वि —जिस कार्य का परिणाम शान्ति अथवा सुख हो।
राहतअफ़्ज़ा (راحت افزا) अ फा वि —शान्ति और सुख बढ़ानेवाला।
राहतकदः (راحت کدہ) अ फा पुं —राहत और सुख का घर, जहाँ सुख और शान्ति प्राप्त हो, शयनागार, ख़्वाबगाह।
राहतगाह (راحتگاہ) अ. फा. स्त्री —दे. 'राहतकद'।

राहततलब (راحت طلب) अ वि—जो सुख चाहता हो, जो काम आदि करने से घबराता हो आरामतलब कामचोर।
राहततलबी (راحت طلبی) अ स्त्री—सुख चाहना काम धंधा न करना केवल बैठे-बैठे खाने की इच्छा।
राहतपरस्त (راحت پرست) अ फा वि—पलंग पर पड़ा रहनेवाला काम से जी चुरानेवाला निकम्मा।
राहतपरस्ती (راحت پرستی) अ फा स्त्री—काम से जी चुराना निकम्मापन कामचोरी।
राहतफ़्ज़ा (راحت فزا) अ फा वि—राहतअफ़्ज़ा का लघु दे राहतअफ़्ज़ा।
राहतरसाँ (راحت رساں) अ फा वि—सुख देनेवाला आराम पहुँचानेवाला सुखदायी।
राहतरसानी (راحت رسانی) अ फा स्त्री—सुख देना, आराम पहुँचाना।
राहती (راحتی) अ स्त्री—वह चौकी जो बीमार के पलँग के पास शौचादि के लिए लगा देते हैं।
राहते जाँ (راحت جاں) अ फा स्त्री—प्राणों का सुख प्राणाधार विशेषत लड़के के लिए और साहित्य में प्रेमिका के लिए आता है।
राहते दिल (راحت دل) अ फा स्त्री—दे राहते जाँ।
राहते रूह (راحت روح) अ स्त्री—प्राणों का सुख आत्मा का चैन अर्थात नायिका प्रेयसी।
राहदार (راهدار) फा वि—प्रहरी चौकीदार थानेदार कप्तान।
राहदारी (راهداری) फा स्त्री—पारपत्र पासपोर्ट चौकीदारी।
राहनशीं (راهنشیں) फा वि—रास्ते में बैठा हुआ पथस्थ मार्गस्थ।
राहनवर्द (راه نورد) फा वि—राहगीर पथिक मुसाफ़िर।
राहनवर्दी (راهنوردی) फा स्त्री—राहगीरी राह चलना।
राहनुमा (راهنما) फा वि—पथ प्रदर्शक मार्ग-दर्शक रास्ता बतानेवाला नायक नेता लीडर।
राहनुमाई (راهنمائی) फा स्त्री—पथ प्रदर्शन रास्ता बताना नेतृत्व नेतापन लीडरी।
राहपैमा (راه پیما) फा वि—रास्ता नापनेवाला राह चलनेवाला पथिक यात्री।
राहपैमाई (راهپیمائی) फा स्त्री—रास्ता नापना अर्थात चलना यात्रा सफ़र।
राहबर (راهبر) फा वि—दे राहनुमा।
राहबरी (راهبری) फा स्त्री—दे राहनुमाई।
राहरवी (راه روی) फा स्त्री—दे राहनवर्दी।
राहरौ (راهرو) फा वि—दे राहनवर्द।
राहवार (راهوار) फा पु—अश्व घोड़ा कदम चाल चलने वाला घोड़ा।
राहवारी (راهواری) फा स्त्री—घोड़े की कदम चाल।
राहिन (راهن) अ वि—किसी के पास अपनी चीज़ गिरो रखनेवाला बंधकर्ता आधायक।
राहिबः (راهبه) अ स्त्री—वह ईसाई स्त्री जो सांसारिक वासनाओं को छोड़ चुकी हो।
राहिब (راهب) अ पु—वह ईसाई पुरुष जो सांसारिक सुखों से निवृत्त हो चुका हो।
राहिम (راحم) अ वि—दया करनेवाला, दयालु।
राहिलः (راحله) अ पु—सवारी का जानवर, वाहन।
राहिल (راجل) अ वि—पैदल चलनेवाला पदातिक पदचर।
राही (راهی) फा वि—पथिक बटोही राहगीर मुसाफ़िर।
राहे जहन्नम (راه جهنم) फा अ पु—नरक का मार्ग दुराचार दुराचार बदचलनी।
राहे नजात (راه نجات) फा अ पु—मुक्तिपथ मोक्षमार्ग वह जिसके ज़रिया मुक्ति-साधन।
राहे पुरबीम (راه پر بیم) फा पु—वह मार्ग जिस पर चलना भय हो जिस पर लूटमार का भय हो।
राहे रास्त (راه راست) फा पु—सीधा रास्ता धर्म का मार्ग सत्य का मार्ग।
राहे सख़्त (راه سخت) फा पु—कठिन और दुष्कर मार्ग, वह रास्ता जिस पर चलना कठिन हो अर्थात धर्म का मार्ग वह रास्ता जिस पर जान जोखिम या लुटने का डर हो।
राहोरब्त (راه وربط) फा अ पु—मेल-जोल, मेल-मिलाप प्रेम-व्यवहार।
राहोरविश (راه وروش) फा स्त्री—आचार-व्यवहार चाल ढाल रंग-ढंग।
राहोरस्म (راه و رسم) फा अ स्त्री—दे राहोरब्त।

रि

रिंद (رند) फा पु—मद्यप शराबी रसिया रंगीला निश्चित बेफ़िक्रा लंपट औबाश मस्त उन्मत्त धार्मिक बंधनों से मुक्त।
रिंदतबअ (رندطبع) फा अ वि—जो बहुत ही बाँका सुशमिज़ाज और मनमौजी हो।
रिंदपेशः (رندپیشه) फा वि—बहुत अधिक शराबी शराबी मद्यप रसाणी।
रिंदमशरब (رندمشرب) फा अ वि—दे रिंदपेशः।

रिंदमशरब (رندمشرب) फा अ. वि –दे 'रिंदपेश'।
रिंदशिआर (رندشعار) फा. अ वि.–दे 'रिंदपेश'।
रिंदशेवः (رندشیوہ) फा. वि –दे 'रिंदपेश'।
रिंदानः (رندانہ) फा वि –रिंदो-जैसा, मतवालो-जैसा, आजादो-जैसा।
रिंदी (رندی) फा स्त्री.–शराबीपन, लपटता, रँगीलापन; मनमौजीपन, मस्ती।
रिंदे खुशऔक़ात (رند خوش اوقات) फा अ पु –वह शराबी जिसका अधिक समय पीने-पिलाने मे गुजरे।
रिंदे पार्सा (رند پارسا) फा पु.–वह शराबी जो रिंद होने के साथ-साथ सयमी और निग्रही हो।
रिंदे बलानोश (رند بلانوش) फा पु –बहुत अधिक और हर प्रकार की शराब पीनेवाला।
रिंदे बासफ़ा (رند باصفا) फा अ पु –वह शराबी जो बहुत ही सदाचारी और स्वच्छहृदय हो।
रिंदे लाउबाली (رند لاأبالی) फा अ पु –वह शराबी जो बहुत ही बेफिक्रा और मनमौजी हो।
रिंदे शाहिदबाज (رند شاهدباز) फा. अ. पु –वह शराबी जो अच्छी स्त्रियो का भक्त भी हो।
रिंदे सालेह (رند صالح) फा अ पु –दे 'रिंदे पार्सा'।
रिआयत (رعایت) अ स्त्री –व्यवहार मे कोमलता, मूल्य आदि मे कमी, विचार, ध्यान, खयाल।
रिआयती (رعائتی) अ वि –रिआयतवाला, रिआयती दामोवाला।
रिआयते बेजा (رعایت بےجا) अ फा स्त्री –गलत रिआयत, ऐसी रिआयत जो उचित न हो।
रिआयते मा'नवी (رعایت معنوی) अ स्त्री –वह अर्थालकार जिसमे किसी शे'र आदि मे किसी एक अर्थ से सम्बन्धित और भी समानार्थक शब्द लाये जायें।
रिआयते लफ़्ज़ी (رعایت لفظی) अ स्त्री –वह शब्दालकार जिसमे किसी शे'र आदि मे एक शब्द के अनुकूल और भी शब्द लाये जायें, जैसे—नदी के साथ, नाव, कर्णधार, पतवार आदि के शब्द।
रिक़[क़्क़](رق)अ स्त्री –दासता, परिचर्या, सेवा गुलामी, खिदमत।
रिक़ाअ (رقاع) अ पु –रुक्अ (रुक्क) का बहु, 'चिट्ठियाँ।
रिकाज़ (رکاز) अ पु –दफीना, भूगर्भित धन, भूनिहित धन-सपत्ति।
रिक़ाब (رقاب) अ. पु –'रक़ब.' का बहु, गले, गरदने; दासगण, लौडी गुलाम।
रिकाब (رکاب) अ स्त्री –घोडे की काठी का पायदान जिसमे पाँव रखकर चढते है, सवारी के ऊँट।
रिकाब (رکاب) फा स्त्री –नौका, नाव, किश्ती, आठ पहलू का प्याला।
रिकाबदार (رکابدار) फा. वि –घोडे पर सवार करानेवाला नौकर; खाना उतारनेवाला, खानसामाँ; मिठाई और हलवे बनानेवाला।
रिकाबी (رکابی) फा स्त्री.–प्लेट, तश्तरी, रकाबी।
रिकेब (رکیب) फा स्त्री –दे 'रिकाब'।
रिक़्क़त (رقت) अ. स्त्री –आर्द्रता, गीलापन, नम्रता, नर्मी, रोदन, रोना।
रिक़्क़ते क़ल्ब (رقت قلب) अ. स्त्री –हृदय की आर्द्रता चित्त की कोमलता, दयाभाव, दिल की नर्मी।
रिक़्क़ते मनी (رقت منی) अ स्त्री –वीर्य का पतलाप[न] जो किसी विकार के कारण होता है।
रिक्वः (رکوہ) अ पु –छागल, बहुत छोटी मशक।
रिख़्वः (رخوہ) अ पु –ढीलापन, शिथिलता, रिख्वत एक दर्द।
रिख़्व (رخو) अ. पु –ढीला, शिथिल।
रिख़्वत (رخوت) अ स्त्री –ढीलापन, शिथिलता।
रिग्वः (رغوہ) अ पु –झाग, फेन, कफ।
रिग्व (رغو) अ. वि –झाग, फेन।
रिजा (رضا) अ स्त्री –स्वीकृति, मंजूरी, आज्ञा, इजाज[त] प्रसन्नता, खुशनूदी, इमाम अली मूसा रिजा।
रिजाअ (رضاع) अ स्त्री –बालक के दूध पीने की अवस्[था]
रिजाई (رضاعی) अ वि –जो किसी दूसरी स्त्री के दूध [...] मे शरीक हो, जैसे—'रिजाई भाई' या 'रिजाई बहन'।
रिजाकार (رضاکار) अ फा पु –स्वयसेवक, स्वेच्छासे[वक] बिना वेतन के किसी कार्य-विशेष मे सेवाभाव से [...] लेनेवाला।
रिजाकारानः (رضاکارانہ) अ फा वि –स्वयसेवको-[...] बिना वेतन के कार्यसिद्धि मे सहायता।
रिजामंद (رضامند) अ फा. वि –अगीकृत, राजी, स[...] हम खयाल।
रिजामंदी (رضامندی) अ फा. स्त्री –अगीकार, कबूलि[यत] सहमति, आज्ञा।
रिजाल (رجال) अ पु.–'रजुल' का बहु, मनुष्य-बहुत-से आदमी।
रिजालुलग़ैब (رجال الغیب) अ पु –गैब के अ[...] देवता, फिरिश्ते, अलौकिक शक्तियाँ।
रिजाले मईयत (رجال معیت) अ पु –पर्सनल स्टाफ
रिज़्क़ (رزق) अ पु –अन्न, गिजा, जीविका, रोजी।

रिज़्म (رزمه) प स्त्री –अलगनी, कपडे टागने की रस्सी।

रिज्ल (رجل) अ पु –पाव, पाद पद, चरण पर।

रिज्लन (رجلین) अ पु –दोना पाव उभय पद।

रिज़्वा (رضوا) अ पु – रिज़्वान' का लघु दे रिज़्वान'।

रिज़्वान (رضوان) अ पु –जन्नत का दारोगा, स्वर्गाध्यक्ष।

रिज़्वी (رضوی) अ वि –इमाम अली मूसा रिज़ा' का अनुयायी या उनका वशज।

रिज्स (رجس) अ पु –अपवित्रता, अशुद्धता अशौच, गदगी, नापाकी।

रित्ल (رطل) अ पु –दे 'रत्ल' उर्दू में 'रत्ल' ही बोलते है, शुद्ध दोनो है।

रिदा (ردا) अ स्त्री –ओढने की चादर प्रच्छादन।

रिदाए कुहन (ردائے کہنہ) अ फा स्त्री –फटी पुरानी चादर गूदड।

रिदापोश (رداپوش) अ वि –चादर ओढनेवाला।

रिफ़ाक़ (رفاق) अ पु –'रफ़ीक़' का बहु मित्रगण दोस्त लोग सहचरगण साथी लोग।

रिफ़ाद (رفاده) अ पु –घाव पर बाधने की पट्टी।

रिफ़ाह (رفاه) अ स्त्री – रफ़ह या रिफ़्ह का बहु हित भलाइया सुख आराम।

रिफ़ाहे आम (رفاهِ عام) अ स्त्री –लोकहित, जनहित जनता की भलाई और सुख।

रिफ़ाहे आम्म (رفاهِ عامّه) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम।

रिफ़ाहे ख़लाइक़ (رفاهِ خلائق) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम'।

रिफ़ाहे ख़ल्क़ (رفاهِ خلق) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम।

रिफ़्अत (رفعت) अ स्त्री –उच्चता उत्तुगता बलदी उन्नति तरक्की।

रिफ़्क़ (رفق) अ स्त्री –नम्रता मदुलता कोमलता नर्मी।

रिफ़्ह (رفه) अ पु –हित भलाई सुख आराम दे रफ़्ह' दोनो शुद्ध है।

रिबा (ربوا) अ पु –ब्याज कुसीद सूद।

रिब्अ' (ربع) अ पु –चौथे दिन आनेवाला ज्वर चौथिया।

रिब्त (ربطه) अ पु –नकटाई।

रिब्ह (ربح) अ पु –तिजारती सूद या तिजारती लाभ।

रिमाय' (رمایه) अ पु –धनुर्विद्या तीरअदाजी तीर चलाना वाण मारना।

रिमाल (رمال) अ पु – रम्ल' का बहु रेत के जर्रे बालू के कण।

रिमाह (رماح) अ पु –'रुम्ह' का बहु बरछे शक्तियाँ नेजे।

रिय' (ریه) अ पु –फेफड़ा फुप्फुस फुस।

रिया (ریا) अ स्त्री –पाखड आडबर दिखावा नुमाइश।

रियाई (ریائی) अ फा स्त्री –नुमाइशी दिखावे का, पाखडवाला।

रियाकार (ریاکار) अ फा वि –पाखडी आडबरी धर्म ध्वजी आयस्प छली, वचक, ठग।

रियाकारी (ریاکاری) अ फा स्त्री –पाखड ढोग धर्मध्वजता।

रियाज़ (ریاض) अ पु – रौज़ का बहु, बहुत से बाग़, कष्ट परिश्रम मेहनत अभ्यास मश्क़ तपस्या इबादत।

रियाज़त (ریاضت) अ स्त्री –परिश्रम उद्यम प्रयास मेहनत व्यायाम वर्जिश, कसरत तपस्या, जप-तप इबादत व्रत आदि के द्वारा इद्रियो का दमन नफ़्सकुशी अभ्यास मश्क़।

रियाज़तकश (ریاضت‌کش) अ फा वि –जप, तप और व्रत आदि के द्वारा इद्रिय निग्रह करनेवाला कठोर तपस्या करनेवाला।

रियाज़तकशी (ریاضت‌کشی) अ फा स्त्री –जप-तप और व्रत आदि कठोर तपस्या।

रियाज़तगाह (ریاضت‌گاه) अ फा स्त्री –तपोवन जप-तप करने का स्थान।

रियाज़ती (ریاضتی) अ वि –कसरती, वर्ज़िशी सयमी जप-तप करनेवाला।

रियाज़ते शाक़्क़ (ریاضت شاقه) अ स्त्री –बहुत बडा परिश्रम बहुत बडी तपस्या।

रियाज़ी (ریاضی) अ स्त्री –गणित बीजगणित गणित विद्या इल्मुल हिसाब मथमटिक्स।

रियाज़ीदाँ (ریاضی‌داں) अ फा वि –बीजगणित जानने वाला गणितज्ञ।

रियाज़ीदानी (ریاضی‌دانی) अ फा स्त्री –गणित विद्या जानना हिसाब जानना।

रियाल (ریال) अ पु –एक सिक्का।

रियासत (ریاست) अ स्त्री –अध्यक्षता स्वामित्व सरदारी सत्ता शासन हुकूमत बडा ज़मींदारी जागीरदारी जागीर इलाका।

रियाह (ریاح) अ पु – रीह का बहु हवाए अपान वायु अधोवायु पाद।

रियाही (ریاحی) अ वि –रियाह अर्थात वायु-सम्बधी, वात के विकार से उत्पन्न रोग आदि।

रिवाक़ (رواق) अ पु –मकान के ऊपर बना हुआ मकान अट्टालिका अटारी दे रवाक़' और 'रुवाक़'।

रिवाज (رواج) अ पु –प्रथा रूढि परपरा चलन दे रवाज' दोनो शुद्ध हैं।

रिवायत (روایت) अ. स्त्री –किसी के मुँह से सुनी हुई बात ज्यों की त्यों किसी से कहना, इस्लामी परिभाषा मे हज़रत पैगम्बर साहब के मुख से सुनी हुई बात दूसरे को उन्ही के शब्दो में सुनाना, हदीस बयान करना।

रिवायतन (روایتاً) अ वि –किसी दूसरे से सुनने के तौर पर।

रिवायात (روایات) अ स्त्री –'रिवायत' का बहु, रिवायते।

रिवायाती (روایاتی) अ. वि –रिवायात सम्बन्धी, दूसरो से सुने हुए।

रिशा (رشا) अ स्त्री –छब्बीसवाँ नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद।

रिश्तः (رشتہ) फा पु –काता हुआ, डोरा, तागा; सम्बन्ध, नाता, करावत; नारू रोग, वह कीडा जो डोरे की तरह विशेषत पाँव से निकलता है।

रिश्तःदार (رشتہدار) फा पु.–सम्बन्धी, स्वजन, नातेदार, वंशज, परिजन।

रिश्तःदारी (رشتہداری) फा स्त्री –अजीजदारी, नातेदारी, स्वजनता, सजातीयता।

रिश्तःवपा (رشتہبپا) फा वि.–दे 'रिश्त वरपा'।

रिश्तःवरपा (رشتہبرپا) फा वि –वह पक्षी जिसके पाँव में डोरा बँधा हो और उड न सकता हो।

रिश्तए आवाज़ (رشتۂ آواز) फा. पु –आवाज का डोरा।

रिश्तए उम्र (رشتۂ عمر) अ. पु –सालगिरह की गाँठ जो डोरे में दी जाती है।

रिश्तए ख़ूँ (رشتۂ خوں) अ फा पु –खून का सिलसिला रक्त-सम्बन्ध, एक वंश या ख़ानदान का होना।

रिश्तए जाँ (رشتۂ جاں) फा पु –प्राणसूत्र, जीवन-सूत्र, श्वासा, साँस।

रिश्तए पेचाँ (رشتۂ پیچاں) फा पु –बल खानेवाला साँप।

रिश्तए हल्वा (رشتۂ حلوا) फा अ. पु –सिवैयाँ।

रिश्तनी (رشتنی) फा. वि –कातने योग्य, जो काता जा सके।

रिश्वत (رشوت) अ. स्त्री.–उत्कोच, उपदान, कौशलिक, अभ्युपायन, उपदा, घूस।

रिश्वतख़ोर (رشوتخور) अ फा. वि –रिश्वत खानेवाला, उत्कोचभुक्, उत्कोचग्राही।

रिश्वतख़ोरी (رشوتخوری) अ फा स्त्री.–रिश्वत खाना, उत्कोच लेना, घूसख़ोरी।

रिश्वतदिहिंदः (رشوتدہندہ) अ. फा वि –रिश्वत देनेवाला, उत्कोचदाता।

रिश्वतदिही (رشوتدہی) अ. फा स्त्री –रिश्वत देना, उत्कोच दान।

रिश्वतसितानी (رشوتستانی) अ.फा. स्त्री –रिशवत लेना, उत्कोच ग्रहण।

रिसालः (رسالہ) अ पु.–वह पत्रिका जो पुस्तक के रूप मे किसी नियत समय पर प्रकाशित हो, किसी विषय पर छोटी-सी पुस्तक, सैनिको की टुकड़ी, सवारो का दस्ता।

रिसालःदार (رسالہدار) अ. फा पु –सवारो के एक रिसाले का नायक।

रिसालःदारी (رسالہداری) अ फा स्त्री –सवारो के एक रिसाले की अध्यक्षता।

रिसालत (رسالت) अ स्त्री –संदेश, सँदेसा, ख़बर; दूतकर्म, सिफारत, ईशदूतता, पैगंबरी।

रिसालत पनाह (رسالتپناہ) अ फा. वि –रसूल, पैगंबर, ईश दूत।

रिसालतमआब (رسالتمآب) अ. वि –ईशदूत, पैगंबर।

रिहान (رہان) अ. पु –गिरौ करना, बंधक रखना, घुड-दौड मे शर्त लगाना; 'रह्न' का बहु, शर्ते।

रिहाल (رحال) अ पु –'रह्ल' का बहु, कूच, प्रस्थान।

रिही (رہی) फा पु –दास, गुलाम, दे 'रही', दोनो शुद्ध है।

रिह्मः (رہمہ) अ. पुं –हलकी वर्षा, फुहार।

रिह्ल (رحل) अ स्त्री –किताब रखने का विशेष प्रकार का लकडी का यंत्र।

री

रीक़ (ریق) अ. पु –थूक, मुखस्राव।

रीख़ (ریخ) फा स्त्री –पक्षियो की बीट; पतला पाखान, दस्त।

रीचार (ریچار) फा पु –अचार, मुरब्बा, जाम।

रीचाल (ریچال) फा पु –दे 'रीचार', दो शु है।

रीबः (ریبہ) अ. पु –सदेह मे डालनेवाली वस्तु; आरोप, लाछन, तुहमत।

रीम (ریم) फा स्त्री –घाव मे से निकला हुआ मवाद, पीप, धातुओ का मैल।

रीमगी (ریمگیں) फा वि –पीप से भरा हुआ।

रीमिया (ریمیا) अ स्त्री –एक विद्या जिसके द्वारा मनुष्य जहाँ भी चाहे क्षण भर मे पहुँच सकता है।

रीमियादाँ (ریمیاداں) अ फा. वि –रीमिया की विद्या जाननेवाला।

रीमे आहन (ریم آہن) फा पु –लोहे का मैल, मडूर, खुब्सुल हदीद।

रीवाज (ریواج) फा पु –दे 'रीवास'

रीवास (ریواس) फा पु –एक खटमिट्ठा मेवा।

रिस्म (رسمہ) अ स्त्री –अलगनी, कपडे टाँगने की रस्सी।
रिज्ल (رجل) अ पु –पाँव पाद पद, चरण पर।
रिज्लन (رجلین) अ पु –दोनों पाँव उभय पद।
रिज़वाँ (رضواں) अ पु – रिज़वान का लघु द रिज़वान'।
रिज़वान (رضوان) अ पु –जन्नत का दारोग़ा स्वर्गाध्यक्ष।
रिज़वी (رضوی) अ वि –इमाम अली मूसा रिज़ा' का अनुयायी या उनका वंशज।
रिज्स (رجس) अ पु –अपवित्रता, अशुद्धता अशौच, गंदगी नापाकी।
रित्ल (رطل) अ पु –दे रत्ल' उर्दू में 'रत्ल' ही बोलते हैं शुद्ध दोनों है।
रिदा (ردا) अ स्त्री –ओढ़ने की चादर प्रच्छादन।
रिदाए कुह्न (ردائے کہنہ) अ फा स्त्री –फटी पुरानी चादर गूदड।
रिदापोश (رداپوش) अ वि –चादर ओढ़नेवाला।
रिफ़ाक़ (رفاق) अ पु – रफ़ीक़' का बहु मित्रगण दोस्त लोग सहचरगण साथी लोग।
रिफ़ाद (رفادہ) अ पु –घाव पर बाँधने की पट्टी।
रिफ़ाह (رفاہ) अ स्त्री –'रफ़ह' या 'रिफ़ह' का बहु हित भलाइयाँ सुख आराम।
रिफ़ाहे आम (رفاہ عام) अ स्त्री –लोकहित जनहित जनता की भलाई और सुख।
रिफ़ाहे आम्म (رفاہ عامہ) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम।
रिफ़ाहे ख़लाइक़ (رفاہ خلائق) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम'।
रिफ़ाहे ख़ल्क़ (رفاہ خلق) अ स्त्री –दे रिफ़ाहे आम।
रिफ़अत (رفعت) अ स्त्री –उच्चता उत्तुंगता बलंदी उन्नति तरक़्क़ी।
रिफ़्क़ (رفق) अ स्त्री –नम्रता मदुलता कोमलता नर्मी।
रिफ़ह (رفہ) अ पु –हित भलाई सुख आराम दे रफ़ह' दोनों शुद्ध है।
रिबा (ربوا) अ पु –ब्याज कुसीद सूद।
रिब्अ' (ربع) अ पु –चौथे दिन आनेवाला ज्वर चौथिया।
रिब्त (ربطہ) अ पु –नेकटाई।
रिब्ह (ربح) अ पु –तिजारती सूद या तिजारती लाभ।
रिमाय' (رمایہ) अ पु –धनुर्विद्या तीरअंदाज़ी तीर चलाना बाण मारना।
रिमाल (رمال) अ पु – रम्ल' का बहु रेत के ज़र्रे बालू के कण।
रिमाह (رماح) अ पु –'रुम्ह' का बहु बरछे भालियाँ नेज़े।
रिय (ریہ) अ पु –फफड़ा फुप्फुस शुश।

रिया (ریا) अ स्त्री –पाखंड आडंबर, दिखावा नुमाइश।
रियाई (ریائی) अ फा स्त्री –नुमाइशी दिखाने का पाखंडवाला।
रियाकार (ریاکار) अ फा वि –पाखंडी आडंबरी, धर्मध्वजी आयस्प छली वचक, ठग।
रियाकारी (ریاکاری) अ फा स्त्री –पाखंड ढोंग, धर्मध्वजता।
रियाज़ (ریاض) अ पु – रौज़ का बहु, बहुत से बाग़ कष्ट परिश्रम मेहनत अभ्यास मश्क़ तपस्या, इबादत।
रियाज़त (ریاضت) अ स्त्री –परिश्रम, उद्यम प्रयास मेहनत व्यायाम, वरज़िश, कसरत, तपस्या, जप-तप इबादत व्रत आदि के द्वारा इंद्रियों का दमन नफ़्सकुशी अभ्यास मश्क़।
रियाज़तकश (ریاضت کش) अ फा वि –जप, तप और व्रत आदि के द्वारा इंद्रिय निग्रह करनेवाला कठोर तपस्या करनेवाला।
रियाज़तकशी (ریاضت کشی) अ फा स्त्री –जप-तप और व्रत आदि कठोर तपस्या।
रियाज़तगाह (ریاضت گاہ) अ फा स्त्री –तपोवन जप-तप करने का स्थान।
रियाज़ती (ریاضتی) अ वि –कसरती वरज़िशी संयमी जप-तप करनेवाला।
रियाज़ते शाक़्क़ (ریاضت شاقہ) अ स्त्री –बहुत कड़ा परिश्रम बहुत बडी तपस्या।
रियाज़ी (ریاضی) अ स्त्री –गणित बीजगणित गणित विद्या इल्मुल हिसाब मैथमेटिक्स।
रियाज़ीदाँ (ریاضی داں) अ फा वि –बीजगणित जानने वाला गणितज्ञ।
रियाज़ीदानी (ریاضی دانی) अ फा स्त्री –गणित विद्या जानना हिसाब जानना।
रियाल (ریال) अ पु –एक सिक्का।
रियासत (ریاست) अ स्त्री –अध्यक्षता स्वामित्व सरदारी सत्ता शासन हुकूमत बडी ज़मीदारी जागीरदारी जागीर इलाका।
रियाह (ریاح) अ पु – रीह का बहु हवाएँ अपान वायु अधोवायु गोज़।
रियाही (ریاحی) अ वि –रियाह' अर्थात वायु-सम्बन्धी, वात के विकार से उत्पन्न रोग आदि।
रिवाक़ (رواق) अ पु –मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका गैलरी दे रवाक़' और 'रुवाक़'।
रिवाज (رواج) अ पु –प्रथा रूढ़ि परंपरा चलन दे रवाज' दोनों शुद्ध है।

रुजूए ख़ल्क़ (رجوع خلق) अ.स्त्री.—जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे—किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।

रुजूम (رجوم) अ पु.—पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

रुजूलत (رجولت) अ. स्त्री —पुरुत्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।

रुजूलियत (رجولیت) अ स्त्री —दे 'रुजूलत'।

रुजहान (رجحان) अ पु.—प्रवृत्ति, रुजूआत; रुचि, रग्बत, आकर्षण, झुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

रुतब (رطب) अ पु.—तर छुहारा, पिंड खजूर।

रुतूबत (رطوبت) अ स्त्री.—तरी, आर्द्रता, शरीर मे धातुओ की तरी, लसीका।

रुत्वः (رتبہ) अ.पुं —पद, दर्जा, पदवी, उहदा; उपाधि, खिताब; श्रेष्ठता, वुजुर्गी, महत्ता, वडाई।

रुत्वःदाँ (رتبہ‌داں) अ. फा वि —किसी के वडप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

रुत्वःशनास (رتبہ‌شناس) अ. फा. वि.—किसी के पद और वडप्पन को पहचानने और उसकी कद्र करनेवाला।

रुत्वए वलंद (رتبۂ بلند) अ फा. पु —वडा रुत्वा, वडी पदवी, वडा दरजा।

रुफका (رفقا) अ पु —'रफीक़' का वहु, रफीक लोग, साथी लोग।

रुफात (رفات) अ वि.—भग्न, खडित, टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे, चूर-चूर।

रुफ्कः (رفقہ) अ पु —साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियो की टोली।

रुफ़्तः (رفتہ) फा वि —झाडा हुआ, झाडू से साफ किया हुआ।

रुफ़्त (رفت) फा स्त्री —झाड-पोछ, सफाई।

रुफ़्तनी (رفتنی) फा वि —झाडने के काविल।

रुव (व्व) (رب) अ पु —फलो का पकाया हुआ रस जो गाढा हो गया हो।

रुवा (ربا) फा प्रत्य.—ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल रुवा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक।

रुवाइदः (ربایندہ) फा. वि —उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

रुवाई (رباعی) अ स्त्री —उर्दू और फार्सी का एक छद-विशेष जिसका मूल वज्न १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद मे काफिया होता है, कभी-कभी चारो ही सानुप्रास होते हैं, परतु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।

रुवाईदः (ربائندہ) फा वि —उचक ले जाया हुआ।

रुवाईयात (رباعیات) अ. स्त्री —'रुवाई' का वहु, रुवाइयाँ।

रुवूदः (ربودہ) फा वि —ले जाया हुआ, उचका हुआ।

रुवूदगी (ربودگی) फा स्त्री.—उचक्कापन।

रुवूवीयत (ربوبیت) अ स्त्री.—ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

रुमूज (رموز) अ. पुं.—'रम्ज' का वहु, वहुत से भेद।

रुमूजे इश्क (رموز عشق) अ पु.—प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।

रुमूजे मम्लुकत (رموز مملکت) अ. पु.—राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।

रुम्मान (رمان) अ. पु.—अनार, दाडिम।

रुम्मानी (رمانی) अ वि —अनार-जैसे रग का, वहुत ही सुर्ख रगवाला।

रुम्ह (رمح) अ पु —वरछा, भाला।

रुवाक़ (رواق) अ. पु.—मकान के ऊपर का खड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक' और 'खाक'।

रुवात (رواۃ) अ. पु —'रावी' का वहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

रुश्द (رشد) अ. पु.—गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।

रुश्दोहिदायत (رشدوهدایت) अ स्त्री.—दीक्षा और मंत्र आदि।

रुसुग (رسغ) अ पु —कलाई, पहुँचा।

रुसुल (رسل) अ पुं —'रसूल' का वहु, रसूल और नवी।

रुसूख (رسوخ) अ. पु —प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ; प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

रुसूव (رسوب) अ पु —नीचे वैठी हुई गाद; पेशाव में नीचे वैठा हुआ मल आदि (कारूरे की शीशी मे)।

रुसूम (رسوم) अ पु —'रस्म' का वहु, रस्मे, रूढ़ियाँ, परम्पराएँ।

रुस्ग़ः (رسغہ) अ पु.—पहुँचा, कलाई।

रुस्ग़ (رسغ) अ पु —दे 'रुस्ग', दोनो शुद्ध हैं।

रुस्तः (رستہ) फा. वि —उगा हुआ, अकुरित।

रुस्तखेज (رستخیز) फा. स्त्री —दे 'रस्तखेज' दोनों शुद्ध हैं।

रुस्तगार (رستگار) फा वि —दे शुद्ध उच्चारण 'रस्तगार'।

रुस्तगी (رستگی) फा. स्त्री.—उगाव, उपज, रोईदगी।

रुस्तनी (رستنی) फा. स्त्री —तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के काविल।

रुस्तम (رستم) फा. पु —ईरान का एक प्राचीन योद्धा

रीश (ریش) फा स्त्री –आस्थलाम, श्मश्रु डाढी।
रीशखंद (ریش خند) फा पु –ठठाल, मस्खरापन।
रीशगाव (ریش گاو) फा वि –मूर्ख मूढ अहमक गावदी।
रीशचाज (ریش حد) फा पु –वह फोडा जो आपरेशन से अच्छा न हो।
रीशपुरबाद (ریش پرباد) फा पु –अहकार अभिमान घमड गुरूर।
रीशबाबा (ریش بابا) फा पु –अगूर की एक क़िस्म।
रीशमाल (ریش مال) फा वि –वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो भार्याट भगभक्षी दयस।
रीशमाली (ریش مالی) फा स्त्री –दयूसी अपनी स्त्री को दूसरों के पास भेजकर उसकी कमाई खाना।
रीशे क़ाज़ी (ریش قاضی) फा अ स्त्री –शराब छानने की छन्नी।
रीशे मूसल (ریش موسل) फा अ स्त्री –रूवी डाली।
रीह (ریح) अ स्त्री –वायु हवा गध बास अपान वायु अधोवायु गाज़।
रीही (ریحی) अ वि –वात के कोप से होनेवाला रोग बादी।
रीहुल बवासीर (ریح البواسیر) अ स्त्री –बादी बवासीर।

रु

रुअसा (رؤسا) अ पु –रईस का बहु रईस लोग।
रुआत (رعاة) अ पु –राई का बहु चरवाहे।
रुआफ (رعاف) अ स्त्री –नक्सीर नाक से खून आने की बीमारी।
रऊनत (رعونت) अ स्त्री –अहकार अभिमान घमड उद्दडता सरकशी।
रऊनतपसद (رعونت پسند) अ फा वि –अहकारी अभिमानी घमडी।
रुऊस (رؤوس) अ पु –रास का बहु सर।
रुक्बा (رقبا) अ पु –रक़ीब का बहु रक़ीब लोग प्रतिद्वन्द्वी जन।
रुक़ाद (رقاد) अ स्त्री –निद्रा नीद।
रुकूअ (رکوع) अ पु –नमाज़ में झुकने की अवस्था।
रुकूद (رقود) अ पु –सोना नींद लेना।
रुकूब (رکوب) अ पु –सवार होना चढना।
रुक़्अ (رقعه) अ पु –पर्चा काग़ज़ का टुकडा चिट्ठी, पत्री खत।
रुक़्आ (رقعه) अ पु – 'रुक़्अ' परतु उर्दू में 'रुक़्आ' ही चालू है।
रुक्न (رکن) अ पु –स्तभ सभा सदस्य सम्य मेम्बर।
रुक्नाबाद (رکن آباد) फा पु –ईरान में शीराज़ के पास बहनेवाली नदी।
रुक्ने आ'ज़म (رکن اعظم) अ पु –सबसे बडा खभा जिस पर इमारत का अधिक बोझ रहता है, खास सदस्य।
रुक्ने मज्लिस (رکن مجلس) अ पु –किसी सभा या सस्था का सदस्य।
रुक्ने रकीन (رکن رکین) अ पु –मुख्य सदस्य खास मेम्बर।
रुक्ने सल्तनत (رکن سلطنت) अ पु –राष्ट्र का प्रमुख अधिकारी।
रुक्ने हुकूमत (رکن حکومت) अ पु –दे रुक्ने सल्तनत'।
रुक्बः (رکبه) अ पु –जानु घुटना।
रुख़ (رخ) फा पु –कपोल गाल आकृति, शक्ल, मुखाकृति, चेहरा पक्ष तरफ, पार्श्व, पहलू शत्रज का एक मोहरा।
रुख़ाम (رخام) अ पु –सगे मरमर स्फटिक श्वेत प्रस्तर।
रख़्शाँ (رخشاں) फा वि –दीप्त प्रकाशमान रौशन चमकदार उज्ज्वल।
रख़्शिदः (رخشنده) फा वि –चमकनेवाला ज्वलत, प्रकाशित, रौशन।
रख़्शिदगी (رخشندگی) फा स्त्री –दीप्ति, प्रकाश नूर चमक-दमक उज्ज्वलता।
रुख़सत (رخصت) अ स्त्री –बिदा बिदाई आज्ञा, इजाज़त अवकाश फुर्सत, विश्रामावकाश ता'ताल, दुल्हन का दुल्हा के घर जाना।
रुख़सततलब (رخصت طلب) अ वि –जाने की आज्ञा मागनेवाला।
रुख़सताना (رخصتانه) अ फा पु –रुख़्सत के समय दिया जानेवाला हक़, दस्तूर या पुरस्कार आदि।
रुख़सती (رخصتی) अ स्त्री –दुल्हन का दूल्हा के घर जाने का सस्कार बिदाई।
रुख़सारः (رخساره) फा पु –कपोल गडस्थल गाल आरिज़।
रुख़सार (رخسار) फा पु –कपोल गाल।
रुजूअ (رجوع) अ स्त्री –आकर्षण, प्रवृत्ति रुजूआत आकृष्ट प्रवृत्त राजे।
रुजूअइलल्लाह (رجوع الی الله) अ स्त्री –ईश्वर की ओर प्रवृत्ति अर्थात् मन का लगाव जप-तप आदि की ओर चित्त का आकर्षण।
रुजूआत (رجوعات) अ स्त्री –'रुजूअ' का बहु, परतु एक वचन के अर्थ में व्यवहृत है, दे 'रुजूअ'।
रुजूए क़ल्ब (رجوع قلب) अ स्त्री –हृदय का किसी ओर आकर्षण।

रुजूए खल्क़ (رجوع خلق) अ स्त्री.—जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे—किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।
रुजूम (رجوم) अ. पु—पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।
रुजूलत (رجولت) अ स्त्री—पुरुत्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।
रुजूलियत (رجولیت) अ. स्त्री—दे. 'रुजूलत'।
रुजहान (رجحان) अ पु.—प्रवृत्ति, रुजूआत; रुचि, रग्बत, आकर्षण, झुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।
रुतब (رطب) अ.पु—तर छुहारा, पिंड खजूर।
रुतूबत (رطوبت) अ स्त्री—तरी, आर्द्रता; शरीर में धातुओं की तरी, लसीका।
रुत्बः (رتبہ) अ पु—पद, दर्जा; पदवी, उहदा, उपाधि, खिताब, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, महत्ता, बडाई।
रुत्बःदाँ (رتبہداں) अ. फा. वि.—किसी के बडप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।
रुत्बःशनास (رتبہشناس) अ. फा. वि—किसी के पद और बडप्पन को पहचानने और उसकी क़द्र करनेवाला।
रुत्बए बलंद (رتبۂ بلند) अ. फा पु—बडा रुत्बा, बडी पदवी, बडा दरजा।
रुफ़क़ा (رفقا) अ पु—'रफ़ीक़' का बहु, रफ़ीक़ लोग, साथी लोग।
रुफ़ात (رفات) अ वि.—भग्न, खंडित, टूटा हुआ; टुकडे-टुकडे, चूर-चूर।
रुफ़्क़ः (رفقہ) अ पु—साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियो की टोली।
रुफ़्तः (رفتہ) फा. वि.—झाडा हुआ, झाड़ू से साफ किया हुआ।
रुफ़्त (رفت) फा स्त्री—झाड-पोछ, सफाई।
रुफ़्तनी (رفتنی) फा वि—झाड़ने के काबिल।
रुब (ब्ब) (رب) अ. पु—फलो का पकाया हुआ रस जो गाढा हो गया हो।
रुबा (ربا) फा प्रत्य—ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल रुबा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक।
रुबाइदः (ربایندہ) फा वि—उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।
रुबाई (رباعی) अ स्त्री—उर्दू और फार्सी का एक छंद-विशेष जिसका मूल वज़्न १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद मे काफ़िया होता है, कभी-कभी चारो ही सानुप्रास होते है, परंतु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।
रुबाईदः (ربائیدہ) फा. वि—उचक ले जाया हुआ।
रुबाईयात (رباعیات) अ. स्त्री.—'रुबाई' का बहु, रुबाइया।
रुबूदः (ربودہ) फा. वि—ले जाया हुआ, उचका हुआ।
रुबूदगी (ربودگی) फा स्त्री.—उचक्कापन।
रुबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री.—ईश्वरत्व, परवर्दगारी।
रुमूज़ (رموز) अ. पुं.—'रम्ज़' का बहु, बहुत से भेद।
रुमूज़े इश्क़ (رموز عشق) अ पु.—प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।
रुमूज़े मम्लुकत (رموز مملکت) अ. पु.—राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।
रुम्मान (رمان) अ पु—अनार, दाडिम।
रुम्मानी (رمانی) अ. वि.—अनार-जैसे रंग का, बहुत ही सुर्ख़ रंगवाला।
रुम्ह (رمح) अ. पु—बरछा, भाला।
रुवाक़ (رواق) अ. पु—मकान के ऊपर का खंड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक़' और 'खाक'।
रुवात (رواۃ) अ. पु—'रावी' का बहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।
रुश्द (رشد) अ. पु.—गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।
रुश्दोहिदायत (رشدوھدایت) अ. स्त्री.—दीक्षा और मंत्र आदि।
रुसुग़ (رسغ) अ पुं—कलाई, पहुँचा।
रुसुल (رسل) अ पु—'रसूल' का बहु, रसूल और नबी।
रुसूख़ (رسوخ) अ. पु—प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।
रुसूब (رسوب) अ पु.—नीचे बैठी हुई गाद, पेशाब मे नीचे बैठा हुआ मल आदि (कारूरे की शीशी मे)।
रुसूम (رسوم) अ पु—'रस्म' का बहु, रस्मे, रूढ़ियाँ, परम्पराएँ।
रुस्ग़ः (رسغہ) अ पु.—पहुँचा, कलाई।
रुस्ग़ (رسغ) अ. पु—दे 'रुसुग़', दोनो शुद्ध है।
रुस्तः (رستہ) फा वि—उगा हुआ, अंकुरित।
रुस्तख़ेज़ (رستخیز) फा स्त्री—दे 'रस्तख़ेज़' दोनो शुद्ध है।
रुस्तगार (رستگار) फा वि—दे शुद्ध उच्चारण 'रस्तगार'।
रुस्तगी (رستگی) फा. स्त्री.—उगाव, उपज, रोईदगी।
रुस्तनी (رستنی) फा. स्त्री—तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के काबिल।
रुस्तम (رستم) फा पु—ईरान का एक प्राचीन योद्धा

और पहल्वान जिसका उल्लेख फ़िरदौसी ने शाहनामे में किया है बहुत बड़ा शूर और वीर।
रुस्तमे ज़माँ (رستم زماں) फा अ पु –अपने समय का सबसे बड़ा योद्धा।
रुस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा स्त्री दे 'रस्ताखेज़' दोनों शुद्ध है।
रुस्ती (رستی) फा स्त्री –सुख, चैन जीविका रोज़ी, समृद्धि, ऐश।
रुस्तोख़ेज़ (رستخیز) फा स्त्री –दे रस्तोखेज़, दोनों शुद्ध है।
रुस्ल (رسل) अ पु –रसूल का बहु पैग़बर लोग, दे रसूल दोनों शुद्ध है।
रुसवा (رسوا) फा वि –जो बहुत बदनाम हो निंदित, गर्हित।
रुसवाई (رسوائی) फा स्त्री –बदनामी निंदा अपयश कुख्याति — यादे ऐयाम किया तर्के शिकेबाई था। हर गली कूचा मुझे कूचए रुस्वाई था।
रुसवाए आम (رسوائے عام) फा अ वि –सारे में बदनाम, सर्वनिंदित।
रुहमा (رحما) अ पु –रहीम का बहु दयालु लोग।
रुहबान (رهبان) अ पु –राहिब का बहु वह ईसाई साधु जो सांसारिक विषय वासनाओं का त्याग कर चुका हो।

रू

रू (رو) फा पु –मुखाकृति चेहरा मुख मुँह कारण, सबब।
रूअत (روءت) अ स्त्री –हृदय दिल बुद्धि अक्ल।
रूए किताबी (روے کتابی) फा अ पु –किसी कदर लबोतरा चेहरा।
रूएज़मीं (روے زمیں) फा स्त्री –धरातल पृथ्वी की सतह।
रूएदाद (رویداد) फा स्त्री –वृत्तांत कथा, कार्यवाही काररवाई।
रूए बद (روے بد) फा पु –दे रूबद।
रूए सुख़न (روے سخن) फा पु –बात का लक्ष्य जिसे लक्ष्य करके बात की जाय संबोधन मुख़ातिब।
रूओरिआयत (رورعایت) फा अ स्त्री –मुरव्वत और लिहाज़ शील और संकोच।
रूकश (روکش) फा वि –लज्जित शर्मिंदा, सम्मुख, मुक़ाबिल प्रतिद्वंद्वी हरीफ़।
रूकशी (روکشی) फा स्त्री –लज्जा शर्म सम्मुखता सामना प्रतिद्वंद्विता रुकावट।
रूकार (روکار) फा स्त्री –मकान के सामनेवाला भाग सामने का रुख़।
रूगर्दां (روگرداں) फा वि –पराङ्मुख विमुख, मुँह फेरे हुए अवज्ञाकारी हुक्म उदूल।
रूगर्दानी (روگردانی) फा स्त्री –विमुखता, मुँह फेरना आज्ञोल्लंघन हुक्म उदूली।
रू दर रू (رو در رو) फा वि –आमने-सामने, मुँह दर मुँह।
रूदाद (روداد) फा स्त्री –वृत्तांत, हाल, कथा, कहानी, कार्यवाही, काररवाई।
रूदादे इश्क़ (روداد عشق) फा अ स्त्री –प्रेमकथा या वृत्तांत इश्क़ की कहानी।
रूदार (رودار) फा वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित मुअज़्ज़ज़ पूज्य।
रूदारी (روداری) फा स्त्री –प्रतिष्ठा मान्यता, इज़्ज़त।
रूनास (روناس) फा स्त्री –मजीठ एक लकड़ी जो दवा में चलती और रंग के काम आती है।
रूनुमा (رونما) फा वि –मुँह दिखानेवाला।
रूनुमाई (رونمائی) फा स्त्री –मुँह दिखाई।
रूपाक (روپاک) फा पु –रूमाल मुँह पोंछने का कपड़ा।
रूपोश (روپوش) फा वि –जो मुँह छिपाये हो जो भागा हुआ हो मफ़रूर।
रूपोशी (روپوشی) फा स्त्री –मुँह छिपाना, फ़रार होना मफ़रूरी।
रूबंद (روبند) फा पु –मुँह पर डालने का कपड़ा, बुर्का मुखपट घूँघट।
रूबआस्मां (روبہ آسماں) आकाश की ओर मुँह किये हुए, ऊपर मुँह उठाये हुए।
रूबक़फ़ा (روبقفا) फा अ वि –पीछे मुँह किये हुए।
रूबकार (روبکار) फा वि –काम में दिल लगाये हुए दत्तचित्त दे 'रोबकार'।
रूबज़वाल (روبزوال) फा अ वि –पतन की ओर प्रवृत्त पतनोन्मुख।
रूबदीवार (روبدیوار) फा वि –स्तब्ध चकित हैरान।
रूबराह (روبراه) फा वि –ठीक रस्ते पर ठीक-ठीक।
रूबरू (روبرو) फा वि –सम्मुख, आमने-सामने प्रत्यक्ष मुक़ाबिल।
रूबसेहत (روبصحت) फा अ वि –वह रोगी जो स्वास्थ्य की ओर जा रहा हो।
रूबहवा (روبہوا) फा अ वि –हवा के रुख़ पर।
रूम (روم) अ पु –एक देश।
रूमाल (رومال) फा पु –हाथ-मुँह पोंछने का जेब में रखने वाला कपड़ा करपट रुमाल।
रूमी (رومی) अ वि –रूम का निवासी रूम की भाषा।
रूयत (رویت) अ स्त्री –दर्शन, देखना।

रुयते हिलाल (رویت ہلال) अ. स्त्री.—चन्द्रदर्शन, नव चन्द्रदर्शन, नया चाँद देखना।
रुया (رویا) अ.पु.—स्वप्न, ख्वाब; निद्रा, नींद।
रुयाए सादिक: (رویاۓ صادقہ) अ पु.—सच्चा ख्वाब, वह स्वप्न जिसका फल स्वप्न में देखी हुई बात के अनुकूल हो।
रूशनास (روشناس) फा. वि—सूरत भर पहचाननेवाला, बहुत कम परिचित; परिचित, वाकिफ।
रूशनासी (روشناسی) फा. स्त्री.—केवल सूरत भर पहचानना, बहुत कम परिचय।
रूसख्तज (روسختج) फा.पु—जला हुआ ताँबा जो विशेषत खिजाब में काम देता है।
रूसपी (روسپی) फा स्त्री—असती, पुंश्चली, भ्रष्टा, फ़ाहिशा।
रूसफ़ेद (روسفید) फा वि.—नेकनाम, यशस्वी, शिष्टाचारी, नेक कर्दार।
रूसियाह (روسیاہ) फा वि—कदाचारी, पापात्मा, बदचलन, पापी, गुनाहगार।
रूसियाही (روسیاہی) फा. स्त्री.—कदाचार, बदचलनी, पाप, गुनाह।
रूस्ता (روستا) फा पु—ग्राम, गाँव, देहात।
रूस्ताई (روستائی) फा. वि.—ग्राम निवासी, देहाती, कृषक, किसान, उजड्ड, अक्खड, असभ्य, गँवार।
रूस्ताजाद: (روستازادہ) फा पु—गाँव का लडका, देहाती लडका।
रूह (روح) अ. स्त्री.—प्राण-वायु, जान, सत, जौहर; कई बार का खींचा हुआ अरक, कई बार का बहुत अधिक फूलों से बनाया हुआ इत्र।
रूहअफ़ज़ा (روح افزا) अ. फा वि—प्राणवर्द्धक, जीवन बढाने-वाला।
रूहपर्वर (روح پرور) अ फा वि—प्राणों को पालने और उनकी रक्षा करनेवाला।
रूहफ़र्सा (روح فرسا) अ. फा वि—प्राणों को छीलनेवाला, अर्थात् हृदय को अत्यंत खेद पहुँचानेवाला।
रूहानियाँ (روحانیاں) अ. फा पु—देवतागण, फ़िरिश्ते।
रूहानियात (روحانیات) अ.फा स्त्री—अध्यात्मवाद, इलाहीयात।
रूहानी (روحانی) अ वि.—आत्मिक, रूह सम्बन्धी, हार्दिक, दिली।
रूहानियत (روحانیت) अ. स्त्री.—आत्मवाद, अध्यात्मवाद, तसव्वुफ़।
रूही (روحی) अ. वि.—हार्दिक, दिली; आत्मिक, रूहानी।

रूहुलअमीन (روح الامین) अ. पु.—हज्रत जिब्रील।
रूहुलक़ुदुस (روح القدس) अ.पु.—हज्रत जिब्रील।
रूहुल्लाह (روح اللہ) अ पु.—हज्रत ईसा।
रूहेआ'ज़म (روح اعظم) अ. पु—जिब्रील।
रूहे तबई (روح طبعی) अ स्त्री.—प्राणवायु का वह अंश जो यकृत में रहकर खाद्य पदार्थों को पचाता और शरीर के सारे अंगों को गिज़ा पहुँचाता है, (यूनानी तिब)।
रूहे तूतिया (روح توتیا) अ. फा. स्त्री.—जस्ता, एक धातु।
रूहे नफ़्सानी (روح نفسانی) अ स्त्री—प्राणवायु का वह अंश जो मस्तिष्क में रहता और इंद्रियों का संचालन करता तथा उन्हें शक्ति प्रदान करता है (यूनानी तिब)।
रूहे नबाती (روح نباتی) अ. स्त्री—वनस्पति के अंदर संचार करनेवाला प्राणवायु या उसकी जीवन-शक्ति।
रूहे मुअज़्ज़म (روح معظم) अ. पु.—हज्रत जिब्रील।
रूहे मुकर्रम (روح مکرم) अ. पु—हज्रत जिब्रील।
रूहे मुजर्रद (روح مجرد) अ.पु—दे. 'रूहे मुत्लक़'।
रूहे मुत्लक़ (روح مطلق) अ. पु.—ईश्वर, परमात्मा।
रूहे रवाँ (روح رواں) अ. फा. स्त्री—प्राणवायु, वह रूह जो रगों में सचरित रहती है।
रूहे हैवानी (روح حیوانی) अ.स्त्री.—वह प्राणवायु जो शिराओं के द्वारा सारे शरीर में संचार करता है, और यकृत में जाकर अन्न पचाता और बाँटता और मस्तिष्क में जाकर इंद्रियों को शक्ति देता और सारे अंगों को जीवन प्रदान करता, उन्हें पालता और विकसित करता और उनकी शक्ति बढाता है।

रे

रेग (ریگ) फा उभ—बालुका, रेत, बालू।
रेगज़ार (ریگزار) फा.पु—मरुस्थल, रेगिस्तान।
रेगदान (ریگدان) फा पु—रेत रखने का पात्र जो विशेषत बही-खाते की स्याही सुखाने के काम आता है।
रेगबूम (ریگ بوم) फा स्त्री.—रेतेली जमीन जिसमें कुछ पैदा न हो, रेगिस्तान।
रेगमाल (ریگ مال) फा. पु—एक प्रकार का खुरदरा कागज, जो लकड़ी आदि को साफ करने के काम आता है।
रेगमाही (ریگ ماہی) फा स्त्री—एक प्रकार की मछली जो रेत में पैदा होती है और दवा में चलती है, सकन्कूर।
रेगशो (ریگ شو) मिट्टी साफ करके उससे सोना निकालनेवाला, न्यारिया।
रेगशोई (ریگ شوئی) फा स्त्री.—मट्टी से सोना-चाँदी निकालने का काम, न्यारा।

रै

रैआन (ریعان) अ. पु –अनुष्ठान, उठान; यौवनारंभ, उठती जवानी।
रैआने जवानी (ریعان جوانی) अ फा पु –जवानी की शुरुआत, यौवनारभ।
रैआने शबाब (ریعان شباب) अ.पु –दे 'रैआने जवानी'।
रैब (ریب) अ पु –संदेह, आशका, शक, शुवहा, दुर्घटना, हादिसा।
रैबुलमनून (ریب المنون) अ पु –सासारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे।
रैहाँ (ریحاں) अ.पु –'रैहान' का लघु, दे 'रैहान'।
रैहानः (ریحانہ) अ स्त्री –रैहान वोने की ज़मीन।
रैहान (ریحان) अ पु –एक ख़ुशबूदार घास।
रैहानी (ریحانی) अ वि –जिसमे रैहान की सुगध हो, जो रैहान से वनी हो।

रो

रोइं (روئیں) फा वि –काँसे का वना हुआ।
रोइंतन (روئیں تن) फा वि –जिसका शरीर धातु का वना हो, अर्थात् वहुत मज्बूत शरीरवाला, लौहपुरुष।
रोईदः (روئیدہ) फा. वि –उगा हुआ, जमा हुआ, अकुरित।
रोईदगी (روئیدگی) फा स्त्री –उगाव, उत्पत्ति जमावट, वनस्पति, घास आदि।
रोईदनी (روئیدنی) फा वि –उगने योग्य, अकुरित होने योग।
रोज़ः (روزہ) फा पु.–व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य) दिनोवाला, जैसे—'हफ्त रोज.'सात दिनोवाला।
रोज़:कुशाई (روزہ کشائی) फा स्त्री –रोज़ेदारो को रोजा खोलने के लिए इफ़्तारी भेजना या अपने घर खिलाना।
रोज़: ख़ोर (روزہ خور) फा वि –जो रोजा न रखता हो, रोज़ः खा जानेवाला।
रोज़ःदार (روزہ دار) फा. वि.–जो रोजे से हो, व्रतधारी।
रोज़ःशिकनी (روزہ شکنی) फा स्त्री.–रोजा समय से पहले तोड़ देना।
रोज़ (روز) फा पु –दिवस, दिन, दिवा।
रोज़अफ़्ज़ूँ (روزافزوں) फा वि –जो हर दिन वढता रहे, वृद्दिमान्।
रोज़कोर (روزکور) फा. वि –वह व्यक्ति जिसे दिन मे न दिखाई देने का रोग हो, दिनाध।
रोज़कोरी (روزکوری) फा स्त्री –दिन में न दिखाई देने का रोग।
रोज़गार (روزگار) फा पु –उद्योग, व्यवसाय, पेशा, काल, समय, वक्त, युग, अद्द।
रोज़गारपेशः (روزگارپیشہ) फा. वि –उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला।
रोज़न (روزن) फा पु.–छिद्र, विवर, सूराख़।
रोज़नामः (روزنامہ) फा पु.–दैनिक पत्र, रोज निकलनेवाला अख़्वार, डेली पेपर।
रोज़नामचः (روزنامچہ) फा पु –रोज का हाल लिखने की किताव, दैनिकी, डाइरी, पुलिस की रोज़ की कारखाई का रजिस्टर, रोज़ के हिसाव की वही।
रोज़ व रोज़ (روزبروز) फा वि –हर रोज, दिन प्रतिदिन।
रोज़मर्रः (روزمرہ) अ फा पु –प्रतिदिन, हर रोज, नित्य-प्रति।
रोज़ रोज़ (روزروز) फा. वि –हर रोज, विला नागा, नित्य प्रति, नित्यश।
रोज़ानः (روزانہ) फा वि –हररोज़, प्रतिदिन, डेली, नित्यश।
रोज़ी (روزی) फा. स्त्री.–जीविका, आजीविका, वृत्ति।
रोज़ीनः (روزینہ) फा पु –हर रोज की तनख्वाह, एक दिन के हिसाव से मज्दूरी।
रोज़ीनःदार (روزینہ دار) फा पु –हर रोज की तनख्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाव से मज्दूरी पानेवाला।
रोज़ीदेहिंदः (روزی دہندہ) फा वि –रिज्क देनेवाला, अन्न-दाता।
रोज़ीरसाँ (روزی رساں) फा वि –रोजी देनेवाला, अन्नदाता।
रोज़ीरसानी (روزی رسانی) फा. स्त्री –रोजी देना, अन्नदान।
रोज़े क़ियामत (روز قیامت) फा अ. पु –कियामत का दिन जव अच्छे और वुरे कर्मो का हिसाव-किताव होगा।
रोज़े जंग (روز جنگ) फा पु –युद्ध का दिन, लडाई का दिन।
रोज़े जज़ा (روز جزا) फा. अ पु –दे 'रोजे कियामत'।
रोज़े पसीं (روز پسیں) फा. पु –मरने का दिन।
रोज़े वद (روز بد) फा. पु –वुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई वुरी घटना हुई हो।
रोज़े वाज़ख़्वास्त (روز بازخواست) फा पु –दे.'रोजे कियामत'।
रोज़े महशर (روز محشر) फा. अ पु –दे 'रोजे कियामत'।
रोज़े मैदाँ (روز میداں) फा पुं.–दे 'रोजे जग'।
रोज़े विलादत (روز ولادت) फा अ. पु –'पैदा होने का दिन'।
रोज़े रौशन (روز روشن) फा. पु –साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन वादल या कोहरा आदि न हो।
रोज़े शुमार (روز شمار) फा अ. पु –दे 'रोजे कियामत'।
रोज़े सियाह (روز سیاہ) फा पु –दे 'रोजे वद'।
रोज़े हश्र (روز حشر) फा. अ पुं –दे 'रोजे कियामत'।

रोज़े हिसाब (روزحساب) फा अ पु –दे 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़ोशब (روز و شب) फा पु –रातदिन, अहर्निश।
रोद (روده) फा पु –आँत तनु आँत, अंत्र।
रोद (رود) फा पु –नदी आपगा तरंगिणी, तटिनी दर्या।
रोदख़ान (رودخانه) फा पु –नदी दर्या वह भूमि जो प्रायः नदी की बाढ़ से जलमग्न रहती हो।
रोदख़ेज़ (رودخیز) फा स्त्री –पानी की रौ।
रोदबार (رودبار) फा पु –जहाँ बहुत-से नदी नाले हों।
रोब (روبه) फा स्त्री – रोबाह का लघु, लोमड़ी लोमशा।
रोबबाज़ी (روبه‌بازی) फा स्त्री –मक्कारी धूर्तता, छल, कपट वंचना।
रोब (روب) फा प्रत्य –पोंछनेवाला, जैसे— 'राहरोब' मिट्टी पोंछनेवाला।
रौब (رعب) अ पु –आतंक दाब प्रताप तेज इक़बाल धाक डर।
रोबकार (روبکار) फा पु –सरकारी कागज आज्ञापत्र हुक्मनामा।
रोबकारी (روبکاری) फा स्त्री –कारवाई मुक़दमे आदि की पेशी।
रौबदार (رعبدار) अ फा वि –जिसकी धाक बैठी हो जिसका चेहरा रोबीला हो।
रोबरू (روبرو) फा वि –आमने-सामने सम्मुख प्रत्यक्ष।
रोबाह (روباه) फा स्त्री –लोमड़ी लोमशा लोमड़ी खिंकिर लोमालिका लुखड़िया।
रोबाहख़स्लत (روباه‌خصلت) फा अ वि –मक्कार छली धूर्त, वंचक ठग।
रोबाहबाज़ी (روباه‌بازی) फा स्त्री –मक्कारी छल कपट, धूर्तता।
रोबाहमिज़ाज (روباه‌مزاج) फा अ वि –जिसकी प्रकृति में छल और धूर्तता हो।
रोबाहसिफ़त (روباه‌صفت) फा अ वि –मक्कार छली ठग धोखेबाज़।
रोबीद (روبیده) फा वि –झाड़ा हुआ मार्जित साफ़।
रौबोदाब (رعب‌داب) अ पु –धाक और आतंक भय और त्रास।
रोयत (رویت) अ स्त्री –देखना दर्शन।
रोयते हिलाल (رویت هلال) अ स्त्री –नवचंद्र-दर्शन नया चाँद देखना।
रोया (رویا) अ पु –स्वप्न ख़्वाब।
रोयाए सादिक़ (رویاے صادق) अ पु –सच्चा स्वप्न जिसका फल सच्चा निकले।
रोशन (روشن) फा वि –दीप्त प्रकाशमान मुनव्वर स्पष्ट, वाज़ेह, उज्ज्वल, साफ़।
रोसपी (روسپی) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, असती, कुलटा फाहिशा।

रौ

रौअत (روعت) अ स्त्री –भय त्रास, डर।
रौग़न (روغن) अ पु –तेल, तैल स्नेह चिकनाई, घी घृत।
रौग़नगर (روغن‌گر) अ फा वि –तेल पेरनेवाला तेली तैलकार तैलिक।
रौग़न ज़बानी (روغن زبانی) अ फा स्त्री –चाटुकारिता खुशामद वाचालता, चपलता चर्ब ज़बानी।
रौग़न जोश (روغن جوش) अ फा वि–एक प्रकार का पका हुआ गोश्त।
रौग़न दाग़ (روغن داغ) अ फा वि –घी से बघारा हुआ छौंका हुआ।
रौग़नफ़रोश (روغن‌فروش) अ फा पु –तेल बेचनेवाला।
रौग़नी (روغنی) फा वि –तेल में बना हुआ, तेल लगा हुआ चिकना।
रौग़ने क़ाज़ (روغن‌قاز) अ फा पु –चापलूसी चाटुकारिता खुशामद।
रौग़ने कुंजद (روغن کنجد) अ फा पु –तिल का तेल तेल।
रौग़ने गाव (روغن گاو) अ फा पु –गाय का घी गोघृत।
रौग़ने ज़र्द (روغن زرد) अ फा पु –घी, घृत।
रौग़ने तल्ख़ (روغن تلخ) अ फा पु –सरसों का तेल कड़वा तेल सर्षप तैल।
रौग़ने शीरीं (روغن شیریں) अ फा पु –तिल का तेल तेल।
रौग़ने सर्शफ़ (روغن سرشف) अ फा पु –सरसों का तेल।
रौग़ने सियाह (روغن سیاه) अ फा पु –सरसों का तेल।
रौज़ (روضه) अ पु –उद्यान आराम वाटिका बाग़ मज़ार गाढ़ा हरा भरा मैदान किसी बड़े दरवेश का मक़बरा।
रौज़ख़्वाँ (روضه‌خواں) अ फा वि –मिम्बर पर बैठकर कर्बला की दुर्घटनाओं का व्याख्यान करनेवाला।
रौज़ख़्वानी (روضه‌خوانی) अ फा स्त्री –इमाम हुसैन की दास्तान का हाल मिम्बर पर बैठकर बयान करना।
रौज़ (روض) अ पु – रौज़ का बहु बहुत से बाग़, उद्यान समूह।
रौज़ए जन्नत (روضهٔ جنت) अ पु –स्वर्गवाटिका जन्नत का बाग़।
रौज़ए मुबारक (روضهٔ مبارک) अ पु –पवित्र और पुनीत रोज़ा।

रौज़ए रयाहीन (روضۂ ریاحین) अ. पु —स्वर्ग, जन्नत।
रौज़ए रिज़्वाँ (روضۂ رضوان) अ. पु —स्वर्ग, वहिश्त।
रौज़न (روزن) अ पु —छिद्र, छेद, विवर, सूराख।
रौज़ने दर (روزن در) अ. फा पु.—दीवार का छेद, दरवाजा।
रौज़ने दीवार (روزن دیوار) अ. फा पु —दीवार का छेद।
रौज़ात (روضات) अ पु.—'रौजा' का वहु, उद्यान-समूह, वागात।
रौनक़ (رونق) फा स्त्री —शोभा, छटा, सुहानापन, दीप्ति, प्रकाश, चमक-दमक, तडक-भडक; प्रसन्नता और हर्ष की लहर।
रौनक़अफ़्ज़ा (رونق افزا) फा. वि.—शोभा वढानेवाला, उपस्थित, मौजूद, तशरीफ फर्मा।
रौनक़अफ़्ज़ाई (رونق افزائی) फा. स्त्री —शोभा वढ़ाना, उपस्थित।
रौनक़अफ़्रोज़ (رونق افروز) फा वि —दे 'रौनकअफ़्ज़ा'।
रौनक़अफ़्रोज़ी (رونق افروزی) फा स्त्री —दे 'रौनकअफ्जाई'।
रौनक़आरा (رونق آرا) फा वि —दे. 'रौनकअफ्जा'।
रौनक़फ़िज़ा (رونق فزا) फा वि —'रौनकअफ्ज़ा' का लघु, दे 'रौनकअफ्जा'।
रौनक़े ख़ाना (رونق خانہ) फा स्त्री —घर की रौनक, गृह-दीप्ति, पत्नी, भार्या, वीवी।
रौनक़े चेहरः (رونق چہرہ) फा. स्त्री —चेहरे की शोभा, मुखश्री, मुखरुचि, मुखकाति।
रौनक़े वज़्म (رونق بزم) फा स्त्री —सभा की रौनक, सभा-भूपण।
रौनक़े मज्लिस (رونق مجلس) फा अ स्त्री —दे 'रौनके वज्म'।
रौनक़े महफ़िल (رونق محفل) फा अ स्त्री —दे. 'रौनके वज्म'।
रौशन (روشن) अ वि —दीप्त, प्रकाशित, मुनव्वर, उज्ज्वल, धवल, शफ्फाफ, स्पष्ट, ज्वलत, वाजेह, चमकदार, ज्योतिर्मय, तावाँ।
रौशनगुहर (روشن گہر) फा. वि —कुलीन, वशप्रदीप, आलीखानदान।
रौशनजवी (روشن جبیں) फा वि —चमकदार माथेवाला, उज्ज्वलललाट।
रौशनज़मीर (روشن ضمیر) फा अ. वि —जो दूसरो के हृदय की वात जानता हो, अन्तर्यामी।
रौशनज़मीरी (روشن ضمیری) फा. अ. स्त्री —दूसरो के हृदय की वात जानना।
रौशनतब्अ (روشن طبع) अ. वि —तीव्र वुद्धि, तेज फहम।
रौशनतर (روشن تر) अ. फा वि —वहुत अधिक चमकदार।
रौशनदान (روشندان) फा. पु —मकान मे रौशनी आने का सूराख।
रौशनदिमाग़ (روشن دماغ) अ वि —दीप्तप्रज्ञ, तीक्ष्ण-वुद्धि, तेज अक्ल; नाक मे सूँघने का हुलास।
रौशनदिमाग़ी (روشن دماغی) अ. फा. स्त्री —वुद्धि की तेजी, जहानत, प्रतिभा।
रौशनदिल (روشن دل) अ फा वि —दे 'रौशनजमीर'।
रौशनदिली (روشن دلی) अ फा स्त्री.—दे 'रौशनजमीरी'।
रौशननिगाह (روشن نگاہ) अ फा वि —दूरदर्शी, तेज निगाह।
रौशननिहाद (روشن نہاد) अ. फा वि —दे 'रौशनजमीर'।
रौशनराए (روشن رائے) अ. वि.—जिसकी राय वहुत अच्छी हो; जिसकी सलाह वहुत वढ़िया हो, जो कूटनीति मे निपुण हो।
रौशनसवाद (روشن سواد) अ वि —जो अच्छी तरह लिख-पढ सके, शिक्षित।
रौशनाई (روشنائی) फा स्त्री —उजाला, प्रकाश, आँख की तेजी, नजर की दूरवीनी; सियाही, मसि।
रौशनी (روشنی) फा. स्त्री —प्रकाश, नूर, आभा, चमक।
रौह (روح) अ. स्त्री —सुगंध, खुशवू, प्रफुल्लता, ताजगी, सुख, आराम।
रौहात (روحات) अ स्त्री —'रौह' का वहु, सुगधियाँ; सुख-चैन; ठडी हवाएँ।

ल

लंग (لنگ) फा पु —लँगड़ा, पगुल, पगु; लँगडापन, पंगुता; मेहन, शिश्न, लिग।
लंगर (لنگر) फा पु —अपाहिजो और कगालो को दिया जानेवाला भोजन, जो प्रतिदिन दिया जाय, सदाव्रत, समुद्र मे जहाज को ठहरानेवाला भारी वोझ।
लंगरअंदाख़्तः (لنگرانداختہ) फा वि —ठहरा हुआ, एक स्थान पर रुका हुआ।
लंगरअंदाज़ (لنگرانداز) फा. वि —समुद्र मे ठहरा हुआ जहाज।
लंगरअंदाज़ी (لنگراندازی) फा स्त्री.—लगर द्वारा समुद्र मे जहाज का पडाव।
लंगरख़ानः (لنگرخانہ) फा पु —वह स्थान जहाँ गरीवो को प्रतिदिन खाना वाँटा जाता है, अन्न-सत्र।
लंगरगाह (لنگرگاہ) फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ जहाज लगर से ठहरायें जाते हैं (वीच समुद्र मे)।

लगरपज़ीर (لنگرپزیر) फा वि –दे 'लगरअदाज़'।
लगरी (لنگری) फा पु –लगर से सम्बन्धित एक प्रकार का बड़ा प्याला, बड़ा थाली, परात तश्त।
लंगिद (لنگنده) फा वि –लँगड़ाकर चलनेवाला।
लगीद (لنگیده) फा वि –लँगड़ाकर चला हुआ।
लगेपा (لنگ پا) फा पु –पाँव का लँगड़ापन लगड़ाहट।
लज (لنج) फा पु –अठलाकर चलना चटक मटक दिखाते हुए चलना।
लदर (لندره) तु पु –लदन इंग्लैंड की राजधानी।
लबक (لنبک) फा अ –बहराम गोर का भिश्ती जो बड़ा अतिथि पूजक और दानशील था।
लअल [इल] (لعل) अ अव्य –शायद स्यात कदाचित।
लअस (لعس) अ पु –होठो की लालिमा।
लआली (لعالی) अ पु –'लूलू का बहु मुक्तावली बहुत से मोती।
लअआब (لعاب) अ वि –बाज़ीगर मदारी, कौतुकी।
लइब (لعب) अ पु –खेल क्रीड़ा खेल-कूद।
लईक (لئیق) अ वि –योग्य काबिल शिष्ट तमीज़दार।
लईन (لعین) अ वि –जिस पर लानत भेजी गयी हो धिक्कृत।
लईम (لئیم) अ वि –वह कजूस व्यक्ति जो न स्वय खा सके न दूसरे को खिला सके।
लईमुत्तबअ (لئیم الطبع) अ वि –जिसकी प्रकृति बहुत ही तुच्छ हो जो स्वभाव से न स्वय खा सके न किसी को खिला सके।
लउम्रक (لعمرک) अ अव्य –शपथ का एक प्रकार तुम्हारे प्राणो की शपथ।
लऊक (لعوق) अ प –एसी औषध जो चाटकर खायी जाय चटनी अवलेह।
लक [क्क] (لک) अ पु –कूटना चूरा करना मारना पीटना।
लक (لک) फा पु –मूर्ख बेवकूफ लाक्षा लाख एक प्रसिद्ध याद।
लक [क्क] (لق) अ पु –बे बाला का सफाचट।
लक्त (لقط) अ वि –भूमि पर पड़ी हुई वस्तु उठाई हुई बीनी हुई चुनी हुई।
लकद (لکد) फा स्त्री –लात दुलत्ती।
लकद (لکد) अ पु –मल जमना किसी स्थान का मैला होना।
लकदकोब (لکدکوب) फा वि –दुलत्ती मारनेवाला लतयाव करनेवाला।
लकदकोबी (لکدکوبی) फा स्त्री –लतयाव करना दुलत्ती झाड़ना।
लकदज़न (لکدزن) फा वि –दे 'लकदकोब'।
लकदज़नी (لکدزنی) फा स्त्री –दे लकदकोबी।
लक्न (لکن) अ पु –हकलापन, हकलाकर बात करना।
लक्फ (لقف) अ पु –दीवार का गिरना, हौज़ की दीवार का गिर जाना, जिससे उसका मुँह चौड़ा हो जाय।
लक्ब (لقب) अ पु –उपाधि खिताब ऐसा नाम जिसमें उस व्यक्ति के गुणो का पता चले।
लक्म (لقم) अ पु –मार्ग का बीच।
लक्स (لقس) अ पु –हृदय की व्याकुलता और घबड़ाहट, नाश, तबाही।
लकह (لقح) अ पु –गर्भ होना, गर्भवती होना।
लक्रा (لقا) अ पु –मैथुन सहवास।
लकिन (لقن) अ वि –किसी बात की तह को शीघ्र ही पहुँच जानेवाला प्रतिभावान्।
लक्नि (لکن) अ वि –हकलाकर बोलनेवाला।
लक्सि (لقس) अ वि –आपस में फूट डलवानेवाला।
लकीत (لقیطه) अ वि –वह बालक जो रास्ते में ज़मीन पर पड़ा हुआ मिले, और जिसे पाला जाय।
लकीत (لقیط) अ पु –दे 'लकीत'।
लकोवक (لق و دق) फा वि –चटयल मदान ऐसा जगल जिसमें कोसो न छाया हो न पानी मूल शब्द लक्कोदक है।
लक्अ (لقع) अ पु –आख झपकाना पलक मारना, निमेष।
लकअ (لکع) अ पु –शरीर पर मल जमना साँप का डसना पशु शावक का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।
लक्कोदक़ (لق و دق) अ पु –दे 'लकोदक'।
लक्ज़ (لکز) अ पु –छाती पर लात मारना।
लक्त (لقط) अ पु –गिरी हुई वस्तु का भूमि से उठाना बीनना चुनना।
लक्न (لقن) अ पु –जानना, परखना समझना।
लक्म (لکم) अ पु –घूसा मारना मुक्केबाज़ी करना।
लक्म (لقم) अ पु –मार्ग बद कर देना रास्ते का मुँह बद कर देना।
लक्लक (لقلقه) अ पु –लक्लक पक्षी की ज़ोरदार आवाज।
लक्लक़ (لقلق) अ पु –एक जलीय पक्षी जो साँप और मछली खाता है सारस पक्षी ज़बान जिह्वा।
लक्लक (لکلک) फा पु –दे लक्लक़'।

लक्लाक़ (لقلاق) अ पु.–लक्लक पक्षी; लक्लक पक्षी का स्वर।

लक्वः (لقوه) अ पु –एक रोग जिसमे मुँह एक ओर को फिर जाता है, भजनक, वरुणग्रह।

लक्वःज़दः (لقوه‌زده) अ. फा वि –जिसे लक्वा मार गया हो, वरुणग्रही।

लख़न (لخن) अ. पु –मैला होना, गदा होना।

लख़्चः (لخچه) फा पु –स्फुलिंग, चिनगारी; अगार, अगारा; ज्वाला, शो'ल।

लख़्जः (لخجه) फा पु –दे 'लख़्च.'।

लख़्तः (لخته) फा पु –दे. 'लख़्त'।

लख़्त (لخت) फा पु –खड, टुकडा; अल्प, न्यून, थोडा; लोहे का गुर्ज।

लख़्ते (لختے) फा. वि –थोड़ा-सा, जरा-सा।

लख़्ते जिगर (لخت جگر) फा.पु –जिगर का टुकड़ा, पुत्र के लिए बोलते हैं।

लख़्ते दर (لخت در) फा. पु –द्वारपट, दरवाजे के किवाड़।

लख़्ते दिल (لخت دل) फा पु –दे 'लख़्ते जिगर'।

लख़्लख़ः (لخلخه) अ.पु –सूँघने का एक सुगधित मिश्रण।

लख़्शः (لخشه) फा पु –दे 'लख़्च'।

लख़्शाँ (لخشاں) फा. वि –रपटता हुआ, फिसलता हुआ, वह वस्तु जिस पर पाँव फिसले।

लख़्शिंदः (لخشنده) फा वि –रपटनेवाला, फिसलनेवाला।

लख़्शीदः (لخشیده) फा अ वि –रपटा हुआ, फिसला हुआ।

लग़त (لغط) अ पु –कोलाहल, शोर, आवाज, पुकार।

लगन (لگن) फा स्त्री –हाथ धोने का तश्त-विशेष, पीतल का दीवट, चौमुखा, अँगीठी।

लगाम (لگام) फा स्त्री.–कविका, दतालिका।

लग़ूनः (لغونه) फा पु –मुखचूर्ण, गुलगून।

लग़ोदग (لغودغ) फा पु –दे 'लकोदक', शुद्ध शब्द यही है, परतु प्रचलित नही है।

लग़्ज़ाँ (لغزاں) फा वि –फिसलता हुआ, रपटता हुआ।

लग़्ज़िंदः (لغزنده) फा वि –फिसलनेवाला, रपटनेवाला।

लग़्ज़िश (لغزش) फा स्त्री –फिस्लन, रपट, त्रुटि, भूल, गलती, अपराध, कुसूर।

लग़्ज़िशे पा (لغزش پا) फा. स्त्री –पाँव फिसलना, डगमगा जाना, विचलित हो जाना, पदकंप।

लग़्ज़िशे बेजा (لغزش بیجا) फा. स्त्री –अनुचित भूल या गलती।

लग़्ज़ीदः (لغزیده) फा. वि –फिसला हुआ, रपटा हुआ।

लग़्म (لغم) अ. पु –किसी को ऐसी बात बताना, जिसका उसे विश्वास न हो।

लग़्व (لغو) अ. वि –अनर्थ, फुजूल; असत्य, झूठ।

लग़्वकार (لغوکار) अ फा वि –अनर्थकारी, व्यर्थ के काम करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई परिणाम न हो।

लग़्वकारी (لغوکاری) अ. फा. स्त्री –व्यर्थ के कार्य करना।

लग़्वगो (لغوگو) अ. फा. वि –अनर्गलवादी, बकवासी, मिथ्यावादी, अनृतभापी, झूठा।

लग़्वगोई (لغوگوئی) अ फा. स्त्री.–मुखरता, वाचालता, बकवास, मिथ्या कथन, झूठ बोलना।

लग़्वबयाँ (لغوبیاں) अ. वि.–दे. 'लग्वगो'।

लग़्वबयानी (لغوبیانی) अ. स्त्री.–दे 'लग्वगोई'।

लग़्वियत (لغویت) अ स्त्री –अनर्थता, फुजूलपन, असत्यता, झूठपन; शरारत, शुहदपन।

लग़्वियतपसंद (لغویت‌پسند) अ फा. वि –जिसे व्यर्थ की बाते पसद हो।

लग़्वियात (لغویات) अ. स्त्री.–'लग्वियत' का बहु, अनर्गल बाते, झूठ बाते, शरारत की बाते।

लचक (لچک) तु पु –कामदार ओढनी या रूमाल।

लजन (لجن) अ पु –बहुत-से व्यक्तियो का पानी भरने के लिए कुएँ पर इकट्ठा होना, किसी काम के लिए बहुत-से मनुष्यो का जुटना।

लजन (لجن) फा.स्त्री –कीचड।

लजफ़ (لجف) अ. पु –कुएँ के पास का गढा जिसमें पशु पानी पीते है।

लजम (لزم) अ पु –किसी वस्तु के लिए किसी चीज का आवश्यक होना, किसी वस्तु का किसी व्यक्ति को अचभे मे डालना।

लज़ा (لظی) अ. स्त्री –नरक, दोजख; भडकनेवाली अग्नि, अग्नि-ज्वाला।

लज़ाइज़ (لذائذ) अ पु –'लज़्ज़त' का बहु, लज़्ज़ते, मजे, स्वाद।

लज़ाइज़े दुनयावी (لذائذ دنیاوی) अ पु –संसार के स्वाद, सासारिक सुख।

लज़ाइज़े नफ़्सानी (لذائذ نفسانی) अ पु –शारीरिक सुख, ऐंद्रिय स्वाद, भोग-विलास।

लज़ाइज़े रूहानी (لذائذ روحانی) अ पु –आत्मा को सुख देनेवाले स्वाद, जप-तप आदि से प्राप्त सुख, मानसिक सुख।

लजाज (لجاج) अ पु –युद्ध, समर, लडाई, जग।

लजाजत (لجاجت) अ स्त्री –युद्ध करना, लड़ना, बढा-

चढ़ाकर बात करना, गिड़गिड़ाना, हाहा खाना खुशामद के लिए दाँत निकालना नम्रता विनीति, आजिज़ी।

लजाजतआमेज़ (لجاجت آمیز) अ फ़ा वि–गिड़गिड़ाहट और खुशामद के साथ।

लज़िज़ (لزج) अ वि–चिपकनेवाली वस्तु।

लज़िब (لزب) अ वि–चिपकनेवाला।

लज़ीज़ (لذیذ) अ वि–स्वादिष्ठ सुस्वादु मज़ेदार।

लज़ूज़ (لجوج) अ वि–युद्ध करनेवाला लड़नेवाला।

लज़्अ (لذع) अ पु–चिनग जलन साज़िश।

लज़्ज़ (لجب) अ पु–ध्वनि शब्द आवाज़ कोलाहल शोरोगुल।

लज़्ब (لزب) अ पु–चिपकना चिपटना।

लज़्ज़त (لذت) अ स्त्री–स्वाद मज़ा आनंद लुत्फ़, मनोविनोद तफ़ाह।

लज़्ज़तआमेज़ (لذت آمیز) अ फ़ा वि–जिसमें स्वाद हो स्वादयुक्त।

लज़्ज़तआश्ना (لذت آشنا) अ फ़ा वि–जो किसी पदार्थ के स्वाद से परिचित हो रसज्ञ अनुभवी मज़ा चखा हुआ।

लज़्ज़तचश (لذت چش) अ फ़ा वि–स्वाद चखनेवाला आनन्द लेनेवाला।

लज़्ज़तचशी (لذت چشی) अ फ़ा स्त्री–स्वाद चखना, आनन्द लेना।

लज़्ज़तपसंद (لذت پسند) अ फ़ा वि–जिसे स्वादिष्ठ भोजन पसंद हो चटोरा जिह्वा लोलुप।

लज़्ज़तपसंदी (لذت پسندی) अ फ़ा स्त्री–चटोरापन स्वादिष्ठ भोजन प्रिय लगना।

लज़्ज़ते तक़रीर (لذت تقریر) अ स्त्री–बातचीत की मधुरता वार्ता माधुर्य।

लज़्ज़ाअ (لذاع) अ वि–जलन डालनेवाला साज़िश पैदा करनेवाला।

लज़्ज़ात (لذات) अ वि–'लज़्ज़त' का बहु लज़्ज़तें मज़े।

लज़्ज़ाब (لزاب) अ वि–बहुत चिपकनेवाला।

लज़्लाज़ (لجلاج) अ वि–जो अटक-अटक कर बात करे, हकला।

लज़लाज़ (لعلص) अ वि–पथ प्रज्ञान में निपुण।

लतबान (لتبان) फ़ा वि–लोभी लालची पेटू बहुभोगी।

लतबार (لتبار) फ़ा वि–दे 'लतबान'।

लत [त्त] (لت) अ पु–चिपकना किसी का हक़ न देना कोई काम लगातार करना।

लत (لت) फ़ा पु–लात पाँव ऊपर का टुकड़ा खंड अल्मी के वार का कपड़ा।

लतअबान (لت انبان) फ़ा वि–दे 'लतबान'।

लतअबार (لت انبار) फ़ा वि–दे 'लतबार'।

लतत (لطط) अ पु–दाँत गिरना दाँतों का इतना घिस जाना कि जड़ रह जायें।

लतफ़ (لطف) अ पु–उपकार करना भलाई करना, दान, बख्शिश पुरस्कार तोहफ़ा।

लतमात (لطمات) अ पु–'लत्म' का बहु तमाचे थप्पड़।

लतह (لتح) अ स्त्री–भूख क्षुधा, बुभुक्षा।

लताइफ़ (لطائف) अ पु–'लतीफ़' का बहु लतीफ़ हँसी की बातें।

लताइफ़ुलहियल (لطائف الحیل) अ पु–ऐसे बहाने जो बहाने न जान पड़ें।

लताइफ़े ग़ैबी (لطائف غیبی) अ पु–वे दिव्य प्रकाश जो शुद्धात्माओं के हृदय-पटल पर पड़ते हैं।

लताइफ़ो ज़राइफ़ (لطائف و ظرائف) अ पु–हँसानेवाली और दिल बहलानेवाली बातें।

लताफ़त (لطافت) अ स्त्री–कोमलता, नर्मी मृदुलता नज़ाकत सूक्ष्मता बारीकी शुद्धता पाकीज़गी नवीनता, ताज़गी भाव की गंभीरता।

लताफ़ते क़ल्ब (لطافت قلب) अ स्त्री–हृदय की कोमलता और मृदुलता।

लताफ़ते मिज़ाज (لطافت مزاج) अ स्त्री–स्वभाव की पवित्रता और कोमलता।

लतीफ़ (لطیفہ) अ पु–चुटकुला, हास्यक अद्भुत और अनोखी बात।

लतीफ़ागो (لطیفہ گو) अ फ़ा वि–चुटकुले सुनानेवाला, चुटकुले सुनाकर हँसानेवाला।

लतीफ़ागोई (لطیفہ گوئی) अ फ़ा स्त्री–चुटकुले कहना चुटकुले सुनाकर हँसाना।

लतीफ़ासंज (لطیفہ سنج) अ फ़ा वि–दे 'लतीफ़ागो'।

लतीफ़ासंजी (لطیفہ سنجی) अ फ़ा स्त्री–दे 'लतीफ़ागोई'।

लतीफ़ (لطیف) अ वि–कोमल नर्म मृदुल नाज़ुक सूक्ष्म बारीक शुद्ध पवित्र पाकसाफ़ नवीन नूतन ताज़ा बहुत ही हल्का फुल्का।

लतीफ़तबअ (لطیف طبع) अ वि–दे 'लतीफ़ मिज़ाज'।

लतीफ़मिज़ाज (لطیف مزاج) अ वि–कोमल और मृदुल स्वभाववाला जिसके मिज़ाज में सफ़ाई और शुद्धता का ख़याल बहुत हो।

लतीफ़ुत्तबअ (لطیف الطبع) अ वि–दे 'लताफ़तपुअ'।

लतीफुलमिज़ाज (لطيف المزاج) अ वि. – दे. 'लतीफ मिज़ाज'।
लतीफुस्सौत (لطيف الصوت) अ वि –जिसका स्वर मधुर, कोमल और मृदुल हो।
लतीम (لطيم) अ. वि –थप्पड खाया हुआ, जिसे चाँटा मारा गया हो।
लतूख़ (لطوخ) अ पु.–मलनेवाली औषध, मालिश की दवा।
लत्‌क़ (لطع) अ. पु –चाटना, लेहन, पीठ पर ठोकर मारना।
लत्ख़ (لطخ) अ पु.–लिप्त होना, बुराई में डालना; दोष लगाना।
लत्मः (لطمه) अ पु –थप्पड, चाँटा, तलप्रहार।
लत्म (لطم) अ पु.–थप्पड मारना, चाँटा लगाना।
लत्म (لثم) अ. पु –छाती पर मारना।
लत्स (لطس) अ पु.–पाँव से ख़ूब मलना।
लत्ह (لطح) अ पु –पीठ थपथपाना, किसी वस्तु को ज़मीन पर पटकना।
लद [द्द] (لد) अ पु –युद्ध करना, लडना, शत्रुता करना, दुश्मनी करना।
लदद (لدد) अ. पु –बहुत अधिक शत्रुता होना।
लदम (لدم) अ. पु –'लादिम' का बहु., पैंद लगानेवाले, स्वजन, रिश्तेदार; वे व्यक्ति जिनसे स्त्रियाँ पर्दा नही करती।
लदीग़ (لديغ) अ वि –जिसे साँप ने काटा हो, सर्पदंशित।
लदीद (لديد) अ. पु –घाटी का किनारा; मुँह और होठो पर बुरकनेवाली औषध।
लदीम (لديم) अ पु –पैवंद लगा हुआ वस्त्र।
लदुन (لدن) अ पु –हलका भाला, हर वह वस्तु जो कोमल हो, समीप, पास।
लदुन्नी (لدنی) अ वि –बिना प्रयास और साधन के मिली हुई वस्तु, ईश्वरदत्त।
लदूद (لدود) अ वि –झगडालू, बखेडिया, लडनेवाला, फसादी; मुँह पर छिडकने की दवा, लदीद।
लद्ग़. (لدغه) अ. पु –डक, दश, डंक मारना।
लद्ग़ (لدغ) अ पु –दे 'लद्ग़'।
लद्म (لدم) अ पु –धमाका, भारी वस्तु के गिरने का शब्द, कपडे या जूते मे पैवंद लगाना, स्त्री का किसी के शोक मे छाती पीटना।
लनतरानी (لن ترانی) अ वा –'तू मुझे नही देख सकता', यह उस आकाशवाणी के शब्द है जब हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखने की प्रार्थना की थी, अब डीग और शेख़ी के अर्थ मे बोला जाता है।
लफ़ंग (لفنگ) फा वि.–अधम, नीच, लफंगा।
लफ़ [फ़्फ़] (لف) अ. पु –लपेटना, तह करना।
लफ़ीफ़ (لفيف) अ पु –लिपटी हुई वस्तु; मित्र, दोस्त, वह अरबी शब्द जिसमे दो हर्फ़ इल्लत हो।
लफ़्चः (لفچه) फा. पु –बेहड्डी का माम।
लफ़्च (لفچ) फा. पु –बेहड्डी का मास, मोटा होठ, होंठ, अधर।
लफ़्चन (لفچن) फा पु.–वह व्यक्ति जिसके होठ बड़े-बडे और मोटे हो।
लफ़्ज़ (لفظ) अ. पु –शब्द, बोल, बात, वचन।
लफ़्ज़न (لفظاً) अ वि –शब्द द्वारा, शब्दो से।
लफ़्ज़न लफ़्ज़न (لفظاً لفظاً) अ. वि –एक-एक शब्द करके, अक्षरश; सारा, सब।
लफ़्ज़फ़रोश (لفظ فروش) अ फा.; वि.–बातूनी, वाचाल, मुखचपल।
लफ़्ज़ ब लफ़्ज़ (لفظ بلفظ) अ. वि –दे 'लफ्जन लफ्जन'।
लफ़्ज़ी (لفظی) अ. वि –शब्द सम्बन्धी, शब्द का।
लफ़्ज़े इस्तिलाही (لفظ اصطلاحی) अ. पु –पारिभाषिक शब्द, टर्म।
लफ़्ज़े बामा'नी (لفظ بامعنی) अ फा पु –वह शब्द जो सार्थक हो, व्यक्त।
लफ़्ज़े बेमा'नी (لفظ بےمعنی) अ. फा. पु–वह शब्द जो निरर्थक हो, अव्यक्त।
लफ़्ज़े मुफ़रद (لفظ مفرد) अ पु –वह शब्द जो किसी शब्द से बना न हो, न उससे कोई शब्द बने।
लफ़्ज़े मुरक्कब (لفظ مرکب) अ पु.–वह शब्द जो दो या अधिक शब्दो से मिलकर बना हो, यौगिक।
लफ़्त (لفت) अ. पु –घुमाना और फिराना।
लफ़्तरः (لفتره) फा वि –अधम, नीच, कमीना।
लफ़्फ़ाज़ (لفاظ) अ वि –बहुभाषी, मुखचपल, वावदूक, मुखर, बातूनी।
लफ़्फ़ाज़ी (لفاظی) अ स्त्री –वाचालता, मुखरता, लस्सानी।
लफ़्फ़ोनश्र (لف ونشر) अ. पु –एक शब्दालकार जिसमे पहले कुछ वस्तुएँ उपमेय के रूप मे कही जाती है, फिर उन वस्तुओ के लिए उनके उपमान लाते है, जैसे—पहले 'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' लाये फिर चाँद', मोती और 'कमल'।
लफ़्फ़ोनश्रे ग़ैर मुरत्तब (لف ونشر غیرمرتب) यदि लफ्फोनश्र मे उपमेय और उपमान क्रम मे न आयें तो वह ग़ैर

मुरत्तब अर्थात क्रम विरुद्ध है, जैसे—'मुख दांत और नेत्र' के साथ मोती चंद्र और कमल।

लफ्फ़ोनश्रे मुरत्तब (لف و نشر مرتب) अ पु—यदि लफ्फ़ोनश्र में उपमेय और उपमान क्रम से आयें तो वह मुरत्तब अर्थात क्रमबद्ध है जैसे—मुख दांत और नेत्र के साथ चांद मोती और कमल।

लफ़्ह (لفح) अ पु—आग, लपट या गर्मी से जलना, तलवार मारना।

लब (لب) फा पु—अधर ओंठ होंठ तट कूल किनारा।

लबकुशा (لب کشا) फा वि—बात करनेवाला बात करता हुआ।

लबकुशाई (لب کشائی) फा स्त्री—बात करने के लिए ओंठ खोलना।

लबचा (لبچا) फा वि—चिड़चिड़ा मनुष्य।

लबख़ुश्क (لب خشک) फा वि—जिसके होंठ प्यास के कारण सूख गये हों बहुत प्यासा।

लबगज़ीद (لب گزید) फा वि—पछतानेवाला कुपित होनेवाला।

लबगज़ीदा (لب گزیدہ) फा वि—जो पछताया हो जो कुपित हो।

लबगीर (لب گیر) फा पु—तम्बाकू पीने का पाइप।

लबचरा (لب چرا) फा पु—वह मेवा और चने आदि जो मित्र लोग परस्पर बातें करते समय उठा-उठाकर खाते जाते हैं।

लबचश (لب چش) फा पु—स्वाद चखना वह चाशनी जो स्वाद के लिए चखी जाय।

लबज़द (لب زد) फा वि—चुप मौन ख़ामोश बोलने वाला बातें करनेवाला।

लबतश्न (لب تشنہ) फा वि—दे 'लबख़ुश्क'।

लबन (لبن) अ पु—क्षीर दुग्ध दूध।

लबनीय (لبنیہ) अ पु—क्षीर नीर विरज।

लबबंद (لب بند) फा वि—चुप मौन ख़ामोश बहुत अधिक मिठासवाली वस्तु।

लब ब लब (لب به لب) फा वि—होंठों पर होंठ रखे हुए एक-दूसरे के होंठ चूमते हुए।

लबबस्त (لب بستہ) फा वि—मौन चुप ख़ामोश।

लबरेज़ (لبریز) फा वि—लबालब मुँहामुँह ऊपर तक भरा हुआ परिपूर्ण।

लबरेज़े मय (لبریز مے) फा वि—शराब में मग्न हुआ मदिरा में लबालब।

लबाचा (لباچہ) फा पु—कुर्ते आदि के ऊपर पहनने का वस्त्र विशेष, क़बा।

लबादा (لبادہ) फा पु—जाड़े में पहनने का रुईदार चुग़ा फ़गुल।

लबादपोश (لبادہ پوش) फा वि—लबादा पहने हुए लबादा पहननेवाला।

लबाद (لباد) फा पु—बरसाती बरसात में पहनने का कोट।

लबान (لبان) अ पु—वक्षस्थल सीना छाती कुंदर गोंद लुबान।

लबाबत (لبابت) अ स्त्री—चतुर होना दक्ष होना बुद्धिमान होना।

लबालब (لبالب) फा वि—लबरेज़ मुहामुँह।

लबाना (لبانہ) फा पु—दे 'लबेना'।

लबिन (لبن) अ स्त्री—कच्ची ईंट।

लबीक़ (لبیق) अ वि—बुद्धिमान अक़्लमंद प्रतिभावान ज़हीन वाचाल लस्सान।

लबीद (لبید) अ स्त्री—छाती गोन जिस पर नाज आदि भरकर टट्टू पर लादते हैं।

लबीन (لبین) अ वि—दूध पिलाकर पाला हुआ पोषित पर्वर्दा।

लबीब (لبیب) अ वि—बुद्धिमान मेधावी अक़्लमंद दक्ष कुशल होशियार।

लबून (لبون) अ वि—दूध देनेवाला दुधार।

लबूस (لبوس) अ पु—कवच ज़िरिह वस्त्र लिबास।

लबे ख़ुश्क (لب خشک) फा पु—सूखे हुए होंठ प्यासे होंठ।

लबे गोया (لب گویا) फा पु—बात करनेवाले होंठ बोलते हुए होंठ।

लबे गोर (لب گور) फा पु—क़ब्र का किनारा क़ब्र के पास।

लबे जू (لب جو) फा पु—नदी का किनारा नदी-तट।

लबे तर (لب تر) फा पु—गीले होंठ पानी पिये हुए होंठ।

लबे नाँ (لب ناں) फा पु—रोटी का किनारा रोटी की कोर।

लबे नोशीं (لب نوشیں) फा पु—वह होंठ जिनसे रस टपकता हो।

लबे फ़र्याद (لب فریاد) फा पु—अत्याचार पर दुहाई देनेवाले होंठ।

लबे फ़र्श (لب فرش) फा पु—सभा आदि में बिछे हुए फ़र्श का किनारा।

लबे लालीं (لب لعلیں) फा अ पु—लाल होंठ।

लबेना (لبینہ) फा पु—एक रस्सी का फंदा जो लकड़ी में

लगा होता है, शरीर घोडो के ऊपरवाले होठ मे डालकर उसे घुमाते हैं,जिससे घोडा घवडाकर शरारत भूल जाता है।

लबे शीरीं (لبِ شیریں) फा पु –वह होठ जिनसे रस (अधरामृत) टपकता हो।

लबोदंदाँ (لب و دنداں) फा पु –योग्यता, काविलीयत, विद्वत्ता।

लबोलहज: (لب و لہجہ) फा अ पु –वात करने का ढग, टोन।

लब्क (لبق) अ वि –दे 'लवीक'।

लब्क (لبک) अ पु –घोलना, मिलाना, मिश्रण।

लब्न (لبن) अ. पु –दूध पिलाना,, छडी से मारना।

लब्बान (لبان) अ वि –ईंटे पाथनेवाला।

लब्बैक (لبیک) अ वा –'मै उपस्थित हूँ' मालिक के पुकारने पर दास की ओर से दिया जानेवाला उत्तर।

लब्स (لبس) अ पु –कपडे पहनना।

लब्स (لبث) अ पु –देर करना, विलंव करना, देर, ढील, विलव।

लामआत (لمعات) अ पु –'लम्अ.' का वहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लमहात (لمحات)अ पु –'लम्ह' का वहु, वहुत-से क्षण।

लमाक़ (لماق) अ वि –थोडी वस्तु।

लमाज़ (لماظ) अ वि.–थोडी-सी वस्तु।

लम्अ: (لمعہ)अ पु –प्रकाश, तेज, रौशनी, आलोक, ज्योति।

लम्अ (لمع) अ पु –चमकना, प्रकाशित होना।

लम्आन (لمعان) अ पु –चमकना, रौशन होना, चमक, प्रकाश, नूर।

लम्क (لمق)अ पु –शुद्ध करना, साफ करना, आँखें मलना।

लम्ज़ (لمز) अ पु –दोप करना, ऐव करना, आँख का सकेत करना, जलाना, मारना।

लम्तुर (لمتر) फा वि –मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट।

लम्मा (لما) अ अव्य –जव, चूँकि, परंतु, मगर।

लम्माज़ (لماز) अ वि –ऐव करनेवाला, अपराधक, आँख से सकेत करनेवाला।

लम्यज़ल (لم یزل) अ वि –अनश्वर, अविनाशी, लाज-वाल।

लम्स (لمس) अ पु –स्पर्श, छूना, मैथुन, सहवास।

लम्ह: (لمحہ) अ पु –क्षण, पल, वहुत थोडा समय।

लम्ह: व लम्ह: (لمحہ بلمحہ) अ फा वि –क्षण प्रति क्षण, थोडी-थोडी देर वाद।

लयान (لیان) अ पु –सुख, चैन, आराम, समृद्धि, वैभव, फरागत।

लयाली (لیالی) अ. स्त्री.–'लैल' का वहु, रात्रियाँ, रातें।

लयूस (لیوس) अ वि.–तिरस्कृत, अपमानित, वेइज्जत।

लय्यान (لیان) अ. पु.–लपेटना।

लय्यिन (لین) अ वि –नर्म, कोमल, मुलाइम।

लर (لر) तु अव्य –एक विभक्ति जो एक वचनवाली सज्ञा के अन्त मे आकर उसे वहु वचन वना देती है।

लर्ज: (لرزہ) फा. पु –कँपकँपी, थरथरी, कप, कँपकँपी के साथ ज्वर, जूडी, कपज्वर, हलचल, हौल, घवराहट। शरीर के रोंगटो का खडा होना, रोमाच।

लर्ज:अंगेज़ (لرزہ انگیز) फा- वि –दे 'लर्ज़ खेज़'।

लर्ज:खेज़ (لرزہ خیز) फा वि –शरीर के रोगटे खडे कर देनेवाला, अर्थात् वहुत भीपण और भयानक।

लर्ज:वरंदाम (لرزہ براندام) फा वि –जिसका शरीर भय के कारण कॉप रहा हो।

लर्ज: वर अंदामकुन (لرزہ بر اندام کن) फा वि –शरीर मे कँपकँपी उत्पन्न कर देनेवाला।

लर्जाँ (لرزاں) फा. वि –काँपता हुआ, थरथराता हुआ, भय के मारे कॉपता हुआ।

लर्जिंद: (لرزندہ) फा वि –कॉपनेवाला, थरथरानेवाला।

लर्जिश (لرزش) फा. स्त्री –कँपकँपी, थरथराहट।

लर्जीद: (لرزیدہ) फा वि –काँपा हुआ, थर्राया हुआ।

लर्जीदनी (لرزیدنی) फा वि –कॉपने योग्य, थर्राने योग्य।

लवाइज़ (لواعج)अ पु –'लाइज' का वहु, जलने, टपकने।

लवाएह (لوائح) अ पु.–'लाइह' का वहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लवाक़ (لواق) अ वि –थोड़ी वस्तु, किंचिन्मात्र।

लवाक़ेह (لواقح)अ. स्त्री –'लाकेह' का वहु., गर्भवती मादाएँ, 'मुल्केह' का वहु, नर।

लवाजिम: (لوازمہ) अ. पु –दे 'लवाजिम', यह शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू मे वोलते हैं, वल्कि इसका वहु 'लवाज़िमात' भी वना लेते हैं, जो विलकुल गलत है।

लवाज़िम (لوازم) अ पु –'लाज़िम' का वहु, किसी कार्य अथवा उद्योग से सम्वन्धित वस्तुएँ।

लवातत (لواطت) अ स्त्री.–गुद-मैथुन, वाल-मैथुन, इग्लाम, दे 'लिवातत', दोनो शुद्ध हैं।

लवामे (لوامع) अ. पु –'लामिअ, का वहु, चमकदार वस्तुएँ।

लवाश (لواش) तु. स्त्री.–गेहूँ की पतली रोटी, फुल्का, चपाती।

लवास (لواس) अ पु –चखने योग्य, आस्वाद्य।

लवास (لواس) अ पु—पलेथन, सुख्खी।
लवाहिक (لواحق) अ पु—लाहिक का बहु, किसी मूल पदाथ के अंत म लगायी जानेवाली वस्तुएँ।
लवाहिकीन (لواحقین) अ पु—लाहिक के बहु का बहु, जो काइदे से अशुद्ध है परतु उदू म बोलते ह लेकिन कम पढे लोग।
लवाहिज़ (لواحظ) अ प—'लाहिज़ का बहु आखो के किनारे कनखियो स देखनेवाले।
लवाहिब (لواهب) अ पु—लाहिब का बहु, भडकी हुई आग।
लवीदा (لویده) फा पु—दे 'लवेदा' दोनो शुद्ध ह।
लवूस (لوس) अ वि—चखता हुआ।
लवेद (لوید) फा पु—खुले मुख का बडा पतीला डेगचा देग।
लव्वाम (لوام) अ पु—बुरी बातो पर डाट फटकार करने वाला एक मानसिक शक्ति जो बुरे कर्मों अथवा पापो पर मनुष्य की निंदा करती और उनसे रोकती है।
लव्वाम (لوام) अ वि—निन्दा करनेवाला भत्सना करनेवाला मलामत करनेवाला।
लश्कर (لشکر) फा पु—सेना वाहिनी वरूथिनी अनीक चमू बल फौज भीड बहुत स व्यक्तियो का समूह।
लश्करआरा (لشکرارا) फा वि—सेना की सज्जा करने वाला सेना लेकर मुकाबिले पर आनेवाला।
लश्करआराई (لشکرارائی) फा स्त्री—सेना को लडने के लिए सजाना सेना लेकर मुकाबला करना।
लश्करकशी (لشکرکشی) फा स्त्री—चढाई धावा सैन्य यात्रा आक्रमण।
लश्करगाह (لشکرگاه) फा स्त्री—सेनावास छावनी।
लश्करी (لشکری) फा वि—सैनिक असिजीवी सिपाही।
लस [लस] (لس) अ पु—घोडे का घास खाना।
लसक़ (لثق) अ पु—गीला होना गीलापन आद्रता।
लसक (لسق) अ पु—चिपकना।
लसद (لسد) अ पु—दूध चूसना बच्चे का दूध पीना 'शहद' चाटना।
लसन (لسن) अ पु—भाषानपुण्य वक्तावरी वाम लता फसाहत।
लसस (لسس) अ पु—दाँतो का पाश-पास होना वृक्ष की डालियो का घना होना।
लसिक़ (لثق) अ पु—एक प्रकार का ज्वर।
लसिन (لسن) अ वि—भाषाविद भाषा विज्ञान में निपुण यन्त शब्द और सरल भाषा बोलनेवाला।
लसअ (لسعة) अ पु—डसना काटना, दशन।
लसअ (لسع) अ पु—दे लसअ।
लसउल हैय (لسع الحیة) अ पु—साप का डसना, सप दशन।
लसग़ (لثغ) अ पु—'र को ल और ग़ीन' को सै कहना तुतलाना।
लसग़ा (لثغا) अ स्त्री—तोतली स्त्री।
लस्द (لسد) अ पु—दे लसद।
लस्म (لثم) अ पु—चूमना चुंबन, मुँह में मुसीका लगाना।
लस्स (لثة) अ पु—मसूढा दतपाली दे लिस्स और लुस्स तीनो शुद्ध ह।
लस्साअ (لساع) अ वि—डसनेवाला काटनेवाला विषला कीडा।
लस्सान (لسان) अ वि—बातूनी, वावदूक वाचाल, मुखचपल लफ्फाज।
लस्सानी (لسانی) अ स्त्री—मुखरता मुखचपलता वाचालता, लफ्फाजी।
लहक़ (لحقه) अ पु—लाहिक' का बहु पीछे स पहुचन वाले अत में मिलाये जानेवाले।
लहक़ (لحق) अ वि—जो अपने पहलेवाले से मिले, जो किसी के अत म जोडा जाय।
लहज (لهج) अ पु—लालची होना मुग्ध होना बरगलाना भडकाना बहकाना।
लहद (لحد) अ स्त्री—बगलीवाली कब्र कब्र गोर समाधि।
लह्न (لحن) अ पु—प्रतिभा, कुशलता वहानत, चातुर्य होशियारी।
लहफ़ (لهف) अ पु—पछताना अफसोस करना दुखित होना रंजीदा होना।
लहब (لهب) अ पु—आग की लपट, अग्निशिखा, अग्नि ज्वाला शोला।
लहाक़ (لحاق) अ पु—पहुचना, जाना ताडना समझना।
लहाज़ (لحاظ) अ पु—आँख का कोना।
लहाज़िम (لهازم) अ पु—'लहज़म का बहु जबडे की हड्डियाँ कनपटी की हड्डियाँ।
लहात (لهات) अ प—गले का कौआ।
लहास (لحاس) अ पु—आपत्ति आफ़त कष्ट मुसीबत दशो आपत्ति बला।
लहिम (لحم) अ वि—मास भक्षक गोश्तखोर।
लहीद (لهید) अ वि—घना हुआ ऊँट।

लहीफ (لهيف) अ वि –पछतानेवाला, पश्चाताप करनेवाला, नि सहाय, दीन, बेचारा।

लहीब (لهيب) अ पु.–अग्नि-ज्वाला, लपट, शो'ला।

लहीम (لحيم) अ वि.–जिसके शरीर मे मास बहुत हो, मासल, पीन।

लहीम (لهيم) अ. स्त्री –आपत्ति, मुसीबत, दरिद्रता, गरीबी, कगाली।

लहीमुलजुस्सः (لحيم الجثه) अ वि –मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट, स्थूलकाय।

लहीमोशहीम (لحيم وشحيم) अ वि –जिसके शरीर मे मांस और चर्बी दोनो अधिक हो।

लहीस (لحيص) अ वि –तग, सकीर्ण।

लहूम (لهوم) अ पु –बहुत बडी सेना।

लहूज. (لهجه) अ पु –बात करने का ढग, टोन, पढने का ढग, स्वर, आवाज (गाने की)।

लहज़: (لحظه) अ पु –क्षण, पल, लम्हः।

लहज़: ब लहज़: (لحظه بلحظه) अ फा वि –क्षण-क्षण, क्षण-प्रतिक्षण, हरलम्हः, जरा जरा-सी देर के बाद।

लहज़ (لحظ) अ पु –एक बार मिली हुई वस्तु की फिर-फिर इच्छा; कुत्ते का बरतन चाटना।

लहज़ (لحظ) अ.पु –कनखियो से देखना।

लहज़ (لهز) अ पु –छाती पर घूँसा मारना, मिलाना, बछडे का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।

लहजए तलख़ (لهجۂ تلخ) अ.पु –पु –स्वर की कठोरता, कटुता से कही हुई बात।

लहज़मः (لهزمه) अ पु –कनपटी की हड्डी, जबडे की हड्डी।

लहन (لحن) अ पु –स्वर, आवाज, गानेवाला स्वर, धुन।

लहने दाऊदी (لحن داؤدی) अ पु –हज़रत दाऊद पैगम्बर-जैसी आवाज, जो बहुत ही मधुर और मुग्धकर थी।

लहमः (لحمه) अ पु –मासपिड, लोथडा, छोटा बच्चा, शिशु, मास की बोटी।

लहम (لحم) अ पु –मास, आमिष, गोश्त।

लहमी (لحمی) अ वि –मास सम्बन्धी, मास का, एक प्रकार का जलधर।

लहव (لحو) अ पु –लकडी का बकला छुडाना, एक वस्तु से दूसरी वस्तु अलग करना।

लहव (لهو) अ पु –खेल-कूद, मनबहलाव, क्रीडा, वह बात जो धार्मिक कामो से रोके।

लहवुल हदीस (لهو الحديث) अ पु –किस्सा-कहानी, नाचरग।

लहवो लइब (لهو ولعب) अ पु –खेल-कूद।

लहहाम (لحام) अ. वि –मास-विक्रेता, गोश्त बेचनेवाला, कसाई।

ला

ला (لا) अ अव्य.–नही, न।

ला (لا) फा पु –तह, परत, दे 'लाए'।

ला आ'लम (لا اعلم) अ. वा –मै नही जानता, मुझे नही पता, मुझे खबर नही।

लाइंदः (لائنده) फा वि –बकवास करनेवाला, व्यर्थभाषी, व्यर्थवादी।

लाइक (لائق) अ वि –योग्य, विद्वान्, पात्र, मुस्तहक़।

लाइजः (لاعجه) अ. वि –जलानेवाला।

लाइब (لاعب) अ वि –खेलनेवाला, खिलाडी।

लाइमः (لائمه) अ वि –निंदा, भर्त्सना, डांट-फटकार।

लाइम (لائم) अ वि –बुरे कामो पर डॉट-फटकार करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला।

लाइमः (لاعمه) अ पु –थूहड के प्रकार का एक वृक्ष जिसका दूध बहुत ही विषैला और घातक होता है।

लाइलाज (لاعلاج) अ वि –जिसकी चिकित्सा न हो सके, अचकित्स्य, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो, दुष्कर।

लाइल्म (لاعلم) अ वि –अपरिचित, नावाकिफ, अज्ञात, जाहिल, अशिक्षित, बेपढा-लिखा।

लाइल्मी (لاعلمی) अ स्त्री.–परिचय न होना, ना वाकिफीयत; अज्ञान, न जानना, भूल, त्रुटि।

लाइह. (لائحه) अ पु –दे 'लाएह'।

लाईदः (لائيده) फा वि –डीग मारा हुआ, जिसने डीग मारी हो, जिसने व्यर्थ बात कही हो।

लाईदनी (لائيدنی) फा वि –बात करने योग्य, डीग मारने योग्य।

लाउबाली (لاابالی) अ वि –निश्चित, बेफिक्र, बेपर्वा, नि स्पृह, अनीह, बेनियाज।

लाए (لاے) फा स्त्री –गाद, तलछट।

लाएह. (لائحه) अ पु –चमकनेवाली वस्तु, प्रोग्राम, कार्य-क्रम, सूची, फेहरिस्त।

लाएह (لائح) अ वि –चमकनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।

लाएहए अमल (لائحۂ عمل) अ पु –किसी कार्य विशेष का प्रोग्राम (कार्यक्रम)।

लाओनअम (لاونعم) अ स्त्री –नही और हॉ, अस्वीकृति और स्वीकृति।

लाओहसी (لااحصی) अ वा –यह कुरान के एक पूरे वाक्य का टुकडा है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर मे तेरे गुणो को सीमित नही कर सकता।

लाक (لاک) फा पु—लकड़ी का पियाला।
ला'क (لعق) अ पु—चाटना, लेहन।
लाकपुश्त (لاک‌پشت) फा पु—कच्छप, कूर्म कछुआ।
लाकलाम (لاکلام) अ वि—निःसंदेह निःशंक, बेशक, अवश्य निश्चयपूर्ण, यकीनी।
लाकिन (لاکن) अ अव्य—लेकिन परंतु, किंतु।
लाकिस (لاقس) अ वि—दोष करनेवाला अपकर्ता।
लाक़ीस (لاقیس) अ पु—एक पिशाच जो नमाज पढ़ते समय लोगों के हृदय में अनेक प्रकार के विचार उत्पन्न करता है।
लाक़ेह (لاقح) अ वि—गर्भ होना मादा जिससे नर जुफ्ती करे यह खजूर जिसमें दूसरे खजूर का गर्भ दें।
लाख (لاخه) फा पु—धुनकी हुई रुई रुई का गाला।
लाख (لاخ) फा पु—स्थान जगह यह शब्द अकेला नहीं आता दूसरे शब्द स मिलकर आता है जैसे—संगलाख' पथरीला स्थान।
लाख़राज (لاخراج) अ वि—वह भूमि जिसका लगान न देना पड़े।
लाग़ (لاغ) फा प —परिहास ठठोल मजाक।
लाग़र (لاغر) फा वि—क्षीण क्षाम कृश दुबला-पतला।
लाग़रअंदाम (لاغراندام) अ वि—जिसका शरीर दुबला पतला हो कृशांग, क्षीणकाय।
लाग़री (لاغری) फा स्त्री—क्षीणता कृशता दुबलापन।
लाग़िय (لاغیه) फा पु—एक क्षुप जो बहुत नम और दूध वाला होता है।
लाग़िय (لاغیه) अ स्त्री—बकवादी स्त्री अनगल वादिनी डींग मारनेवाली स्त्री अहवादिनी।
लाग़ी (لاغی) अ वि—मिथ्यावादी झूठा डींगिया गप्पी खोर।
लाचीन (لاچین) तु पु—बाज पक्षी श्यन।
लाजरम (لاجرم) अ वि—अवश्य यक़ीनी निःसंदेह बेगुबर असाध्य लाइलाज।
लाजवाब (لاجواب) अ वि—जो जवाब न दे सके निरुत्तर गज्जित शर्मिंदा संकुचित नादिम अद्वितीय बेमिसल।
लाज़वाल (لازوال) अ वि—जिसका नाश न हो अनश्वर अविनाशी शाश्वत।
लाज़िक़ (لازق) अ वि—चिपकने वाली वस्तु (स्त्री)।
लाज़िक़ ( ) अ वि—चिपकनेवाला।
लाज़िब (لازب) अ वि—चिपकनेवाला चिह्न छोड़ जाने वाला।
लाज़िम (لازم) अ वि—आवश्यक वस्तु गुण लाज़िमी अनिवार्य लाज़िमी।
लाज़िम (لازم) अ वि—आवश्यक जरूरी, अनिवार्य लाज़िमी उचित मुनासिब निश्चित यकीनी सटा हुआ, मिला हुआ अकर्मक क्रिया, फे'ले लाज़िम।
लाज़िमन (لازماً) अ वि—निश्चित रूप स यकीनन।
लाज़िमी (لازمی) अ वि—आवश्यक जरूरी अनिवार्य लाबुद उचित मुनासिब निश्चित, यकीनी।
लाज़िमो मल्ज़ूम (لازم‌وملزوم) अ वि—एक की दूसरे के साथ अनिवार्यता समवाय।
लाज़िल [ल्ल] (لاذل) अ वि—वह खाना जिसमें ज़रा भी खोट न हो।
लाजुअ (لاجرع) अ वि—जो घूट घूट न पिया जाकर एक साथ पिया गया हो डगडगाकर पिया हुआ।
लाज़े (لاذع) अ वि—जलन उत्पन्न करनेवाला सोज़िश पैदा करनेवाला।
लाज्वद (لاجورد) फा पु—एक बहुमूल्य पत्थर लाजावर्त आवर्त मणि।
लाज्वर्दी (لاجوردی) फा वि—लाज्वर्द के रंग का नीला।
लात (لات) अ पु—एक मूर्ति जिसे हज़रत 'शुऐब' के अनुयायियों ने पूजा था।
लातअर (لاتذر) अ क्रि—न छोड़।
लाताइल (لاطائل) व्यर्थ बेकार।
लाता'दाद (لاتعداد) अ वि—असंख्य अगणित, असंख्य अपरिमित बेशुमार।
लातिब (لاتب) अ वि—चिपकनेवाला एक स्थान पर टिका हुआ, डटा हुआ दृढ़ मजबूत।
लातीनी (لاطینی) अ स्त्री—रूमियों की प्राचीन भाषा लटिन।
लातुअद (لاتعد) अ वि—जो गिना न जा सके, अगणित असंख्य।
लातोहसा (لاتحصی) अ वि—जो घेरा न जा सके जो सीमाबद्ध न हो सके असीम।
लाद (لاد) फा पु—मूर्ख अनाड़ी बज्रमूर्ख।
लाद (لاد) फा पु—दीवार की चुनाई का एक रद्दा।
लादन (لادن) फा पु—सन शण सन का पेड़ दे लादन दोनों शुद्ध है।
लादन (لادن) फा प —एक प्रकार की सुगंध अफीम का अर्क।
लादवा (لادوا) अ वि—जिसका उपचार न हो सके असाध्य निरुपचार जिसका प्रयत्न न हो सके।
लास'बा (لاشعبا) अ वि—जो याद आगत रे ऐ दरद बदन।

लादिग़ (لادغ) अ वि.–डसनेवाला; एक पीड़ा, जिसमें ऐसा अनुभव होता है कि त्वचा को कोई काट रहा है।
लादिनः (لادنہ) फा पु.–सन; सन का पेड़।
लादिम (لادم) अ वि.–पैवंद लगाने वाला, थिगली लगानेवाला, चकती लगानेवाला।
लानः (لانہ) फा. पु.–शहद का छत्ता जिसमें शह्द न हो; घोंसला, कुलाय, झोझ।
लान (لان) फा. पु.–आजर बाईजान का एक पहाड़, जहाँ के तुर्क बहुत ही सुंदर होते हैं।
लाँ'न (لعن) अ स्त्री.–धिक्कार, ला'नत।
ला'नत (لعنت) अ स्त्री.–धिक्कार, फटकार।
ला'नतज़दः (لعنت‌زدہ) अ फा. वि.–जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत।
लानुसल्लिम (لانسلم) अ. क्रि.–मैं नहीं मानता, यह मेरे लिए मान्य नहीं है।
लाफ़ (لاف) फा. स्त्री.–डींगें, शेख़ी, गप, जल्प, विकत्थ।
लाफ़गो (لاف‌گو) फा वि.–डींगिया, अहंवादी, गप्पी, बकवादी, जल्पी।
लाफ़गोई (لاف‌گوئی) फा स्त्री.–डींग मारना; गप उड़ाना, बकवास।
लाफ़ज़न (لاف‌زن) फा वि.–दे 'लाफ़गो'।
लाफ़ज़नी (لاف‌زنی) फा स्त्री.–दे 'लाफ़गोई'।
लाफ़ानी (لافانی) अ वि.–अनश्वर, अविनाशी, जो कभी नष्ट न हो, शाश्वत।
लाफ़िदः (لافندہ) फा वि.–गप्पी, बकवासी, डींगिया, शेख़ीख़ोर।
लाफ़िज़ः (لافظہ) अ स्त्री.–नदी, दर्या, बकरी, अजा; चक्की, पेषणी; कुक्कुटी, मुर्ग़ी।
लाफ़ीदः (لافیدہ) फा. वि.–गप हाँका हुआ, जो बात गप हो, डींग मारा हुआ, जो बात डींगें हो।
लाफ़ीदनी (لافیدنی) फा. वि.–गप मारने योग्य, डींग मारने योग्य।
लाफ़ेह (لافح) अ वि.–आग, गर्मी या लपट से जलनेवाला।
लाफ़ोगुज़ाफ़ (لاف‌وگزاف) फा स्त्री.–व्यर्थ की और इधर-उधर की गपबाज़ी, ख़ुराफ़ात, बकवास।
लाबः (لابہ) फा.पु.–चाटुकारिता, ख़ुशामद; छल, कपट, वंचना, फ़रेब।
लाबः (لابہ) अ.पु.–पहाड़ी भूमि, पथरीला स्थान।
लाब:कार (لابہ‌کار) फा. वि.–चापलूस, चाटुकार।
लाब:गो (لابہ‌گو) फा वि.–चापलूस, चाटुकार।
ला'ब (لعب) अ पु.–राल बहना, राल टपकना।

लाबरला (لابرلا) फा वि.–तह पर तह, परत पर परत
लाबिन (لابن) अ वि.–दूध पिलानेवाला; दूधवाला।
लाबिस (لابث) अ. वि.–देर करनेवाला, ढील डालनेवाला।
लाबुद (द्द) (لابد) अ. वि.–आवश्यक, जरूरी; अनिवार्य, लाज़िमी।
लाबुदी (لابدی) अ वि.–दे 'लाबुद'।
लामः (لامہ) अ पु.–लोहे की कड़ियोंवाला कवच, ज़िरीह।
लाम (لام) अ पु.–'लाम' का बहु., कवच-समूह, एक अक्षर, 'ल'; अलक, ज़ुल्फ़।
लाम (لام) फा पु.–ऊन की एक मोटी टोपी जो विशेषत. माँगनेवाले ओढ़ते हैं।
लामकान (لامکان) अ पु.–वह स्थान जो घर न हो; वह जो मकान से परे हो, ईश्वर।
लाम क़ाफ़ (لام‌کاف) अ पु.–गाली-गलौज, अपवाद।
लामज़्हब (لامذہب) अ वि.–जिसका कोई धर्म न हो नास्तिक, धर्मविमुख।
लामज़्हबीयत (لامذہبیت) अ. स्त्री.–नास्तिकता, धर्म-विमुखता।
लामहालः (لامحالہ) अ. वि.–अंतत, आख़िरकार; विवशतापूर्वक, लाचारी से।
लामहदूद (لامحدود) अ. वि.–जिसकी कोई हद न हो, असीमित; जो घेरा न जा सके, जिसकी सीमाएँ निश्चित न हों, बेहद।
लामान (لامان) फा. पु.–छल, कपट, फ़रेब; कृतघ्नता, बेवफ़ाई, समूह, अंबोह, गढ़ा, गर्त।
लामानी (لامانی) फा वि.–छलपूर्वक, पुरफ़रेब; मिथ्या, झूठ, कवच पहने हुए।
लामिसः (لامسہ) अ स्त्री.–छूनेवाली; स्पर्शशक्ति, छूने की क़ुव्वत।
लामिस (لامس) अ. वि.–छूनेवाला, स्पर्शी; मैथुनकरनेवाला, संभोगकर्ता।
लामुतनाही (لامتناہی) अ. वि.–जिसका ओर-छोर न हो, अपार, असीम, बेहद।
लामे' (لامع) अ. वि.–चमकनेवाला, चमकीला; प्रकाशमान, रौशन।
लामेअः (لامعہ) अ. वि.–चमकनेवाली वस्तु (स्त्री.)।
लायः (لایہ) फा. पु.–दीवार का रद्दा; कपड़े की तह; एक प्रकार का काग़ज़।
लायंबग़ी (لاینبغی) अ. वि.–अनावश्यक, ग़ैरज़ुरूरी; अनुचित, नामुनासिब।
लायकून (لایکون) अ. अव्य.–शायद, स्यात्।

लायज़ाल (لايزال) अ वि—जो नष्ट न हो, अनश्वर अविनाशी अर्थात् ईश्वर।
लायक्त्र [क्त] (لاينقطع) अ वि—जो अन्त न हो, मर्द अविच्छिन्न।
लायनहल (لاينحل) अ वि—जो हल न हो, जो जटिल हो (समस्या)।
लायमूत (لايموت) अ वि—जो मर न हो, अमर।
लायांक़िल (لايعقل) अ वि—जो कुछ न समझता हो, निबुद्ध अज्ञानी मूर्ख।
लायांनी (لايعنى) अ वि—जिसका अर्थ न हो, अनर्थक बेमतलब व्यर्थ फ़ुज़ूल।
लायांलम (لايعلم) अ वि—जो कुछ नहीं जानता, अन भिज्ञ अज्ञानी।
लायुम्किन (لايمكن) अ वि—जो मुम्किन न हो, असम्भव।
लारैब (لاريب) अ वि—निःसन्देह, बेशुबहा।
लारैबफ़ीह् (لاريب فيه) अ वा—इस बात में कोई सन्देह नहीं है, ऐसा अवश्य है।
लाल: (لاله) फा पु—एक लाल फूल, पोस्त का फूल, अहि पुष्प।
लाल:गूं (لاله‌گوں) फा वि—लाला के फूल जैसा, रक्तवर्ण, सुर्ख।
लाल:ज़ार (لاله‌زار) फा पु—लाला के फूलों का खेत, अफ़ीम का खेत।
लाल:फ़ाम (لاله‌فام) फा वि—दे लालफ़ाम।
लाल:रंग (لاله‌رنگ) फा वि—दे लालगूं।
लाल:रुख़ (لاله‌رخ) फा वि—लाला के फूल जैसे सुर्ख और कोमल गालोंवाला (वाली)।
लाल:सां (لاله‌ساں) फा वि—लाला के फूल जैसा सुर्ख लाल।
लाल:सार (لاله‌سار) फा वि—दे लालज़ार।
लाल:श (لاله‌شك) फा वि—बचा हुआ खाना, उच्छिष्ट भुक्तशेष।
लाल (لال) तु वि—मूक गूंगा।
लाल (لال) फा वि—रक्त सुर्ख, एक रत्न, पद्मराग।
लांल (لعل) अ पु—लाल (फा) का अरबी रूप, पद्म राग, एक बहुमूल्य रत्न।
लालए सहराई (لالهٔ صحرائی) फा अ पु—जंगल में उत्पन्न होनेवाला लाला का फूल।
लांलगूं (لعل‌گوں) अ फा वि—पद्मराग-जैसे रक्त वर्ण का रक्तवर्ण।
लांलफ़ाम (لعل‌فام) अ फा वि—दे लांलगूं।
लाला (लाल:) फा पु—दास, गुलाम, सेवक, मर्ज़ाजिम चमत्कार उत्पन्न (माता)।
लालए चश्म (لالهٔ چشم) फा पु—आँख की पुतली, कनीनी कनीनिका।
लांलीं (لعلیں) अ फा वि—लाल-जैसे रंगवाला।
लांलीं लब (لعلیں لب) अ फा वि—लाल और सुन्दर होठों वाली सुन्दरी।
लांले बदख़्शानी (لعل بدخشانی) अ फा पु—बदख़्शा (अफ़ग़ानिस्तान) में पाया जाने वाला पद्मराग।
लांले मुज़ाब (لعل مذاب) अ पु—पिघला हुआ पद्मराग अर्थात् लाल मदिरा।
लांले रुम्मानी (لعل رمانی) अ पु—अनार के दाना-जैसा गुलाबी पद्मराग।
लांले लब (لعل لب) अ फा पु—पद्मराग-जैसे गुलाबी अधर, अधररूपी पद्मराग।
लांले शकरबार (لعل شکربار) अ फा पु—मीठा अमृत जल टपकानेवाले अधर।
लांले शब चिराग़ (لعل شب چراغ) अ फा पु—पद्मराग विशेष जो अंधेरे में दीपक की भाँति प्रकाश देता है।
लाव (لاو) फा पु—बच्चा का एक खेल गिल्ली-डंडा।
लाव (لاو) फा पु—पटेल मट्टा जिससे खेत पोता जाता है।
लावल्द (لاولد) अ वि—जिसके कोई संतान न हो, निवंश अनपत्य निःसंतान।
लावारिस (لاوارث) अ वि—जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
लाग़र (لاغر) फा वि—बहुत ही दुबला और क्षीण, दुर्बल गधा अथवा घोड़ा, गधा, गर्दभ (पु) लाश शव।
लाश (لاش) तु स्त्री—मृतक देह, शव, लाश।
लाशए बेगोरोकफ़न (لاشهٔ بےگوروکفن) फा पु—ऐसा शव जिसे न कफ़न मिला हो न क़ब्र।
लास (لاس) फा पु—बहुत ही खराब क़िस्म का रेशम।
लासानी (لاثانی) अ वि—अद्वितीय बेमिस्ल अनुपम।
लासिम (لاثم) अ वि—चूमनेवाला, चुंबक, वह व्यक्ति जो अपना मुँह बंद रखता हो मितभाषी।
लाह (لاه) अ पु—ईश्वर अल्लाह।
लाह (لاه) फा पु—कच्चा रेशम, खराब क़िस्म का रेशम।
लाहल [ल्ल] (لاحل) अ वि—जो हल न हो सके, जिस समस्या का समाधान न हो सके।
लाहासिल (لاحاصل) अ वि—निष्फल, व्यर्थ, बेकार निःसार बेनतीजा।
लाहिक़ (لاحقه) अ पु—वह अक्षर या शब्द विशेष जो

किसी शब्द के अंत में अर्थ-परिवर्तन के लिए लाया जाता है, प्रत्यय।

लाहिक़ (لاحق) अ वि –मिलनेवाला, युक्त होनेवाला।

लाहिज़ (لاحظ) अ. वि –कनखियो से देखनेवाला।

लाहिब (لاهب) अ वि –लपट मारनेवाला, धधकनेवाला।

लाहिम (لاحم) अ वि –गोश्त (मास) खिलानेवाला, गोश्त बेचनेवाला।

लाही (لاهی) अ. वि –अचेत, बेसुध, बेहोश, जिसे ध्यान न रहे, असावधान, गाफिल, खेलनेवाला, क्रीडक।

लाहूत (لاهوت) अ पु –ससार, मर्त्यलोक, दुनिया, ब्रह्म-लीनता की अवस्था।

लाहूती (لاهوتی) अ वि –ससार का निवासी, प्राणी, ब्रह्मलीन, फना फिल्लाह।

लाहोरः (لاهوره) फा पु –फाँक, काश।

लाहौल (لاحول) अ स्त्री –घृणा और उपेक्षा-सूचक एक वाक्य।

लि

लिंगः (لنگه) फा पु –पूरी टाँग, पाँव की उँगलियो से रान की जड तक का अवयव।

लिंग (لنگ) फा पु –पिंडली, पूरी टाँग, रान।

लिंगवरः (لنگ‌بره) फा पु –एक खाद्य, गेहूँ के आटे की रस्सी-सी बटकर उसके छोटे-छोटे टुकडे करके घी मे भूनकर गोश्त मे पकाये जाते हैं।

लिआन (لعان) अ पु –एक दूसरे को धिक्कारना, परस्पर ला'नत भेजना।

लिक़ा (لقا) अ स्त्री –दर्शन, दीदार, साक्षात्कार, भेंट, मुलाकात।

लिकाह (لقاح) अ. पु –गर्भ धारण करना, हामिल होना।

लिखाफ (لخاف) अ पु –सफेद और पतले पत्थर।

लिगाम (لغام) अ पु –पशुओ के मुँह बद करने की जाली, मुसीका।

लिंग. (لنگه) फा पु.–दे 'लिंग'।

लिजाम (لجام) अ स्त्री –लगाम, कविका।

लिताम (لطام) अ पु –एक दूसरे को तमाँचे मारना।

लिदाम (لدام) अ पु –कपडे में पैवंद लगाना, जूते में थिगली गाँठना।

लिफ़ [फ्फ] (لف) अ. पु –वह पेड जो दूसरे पेड़ मे गुथा हो।

लिफाअ (لفاع) अ पु –चादर।

लिफाफः (لفافه) अ पु –ऊपर लपेटने की वस्तु, खत भेजने का खोल, पत्रवेष्टन, मुर्दे का कफन।

लिफ़ाफ़ (لفاف) अ पु –मुर्दे के सबसे ऊपरवाला कपडा, कफन।

लिफ़्क़ (لفق) अ. पु.–छोर, किनारा; दराज, दरार, दर्ज।

लिफ़्त (لفت) अ पु.–शलजम, एक शाक।

लिब [ब्ब] (لب) अ. पु –वह व्यक्ति जो कोई कार्य बराबर करता हो, किसी कार्य-विशेष का पाबद।

लिबा (لبا) अ स्त्री.–प्योसी, खीस।

लिबास (لباس) अ पु –वस्त्र, वसन, पोशाक।

लिबासात (لباسات) अ पु –चापलूसी, खुशामद, चाटु-कारिता।

लिबासे अरूसी (لباس عروسی) अ. पु –विवाह मे दूल्हा और दुल्हन के पहनने के कपडे।

लिबासे तक़्वा (لباس تقوی) अ पु –लज्जा, व्रीडा, लाज, शर्म, साधुओ के पहनने के वस्त्र।

लिबासे रियाई (لباس ریائی) अ पु –धोखा देनेवाले वस्त्र, धोखा देने वाला भेष, छद्मवेश।

लिबासे शबख्वाबी (لباس شب‌خوابی) अ पु.–रात मे सोते समय पहनने के कपडे, नाइट ड्रेस, रात्रिवस्त्र।

लिब्नः (لبنه) अ स्त्री –कच्ची ईंट, वह ईंट जो पकायी न गयी हो, एक ईंट।

लिब्न (لبن) अ स्त्री.–'लिब्न' का बहु, कच्ची ईंटे।

लिब्लाब (لبلاب) अ स्त्री –एक बेल, इश्क पेचाँ।

लिब्स (لبس) अ पु –वस्त्र, वसन, लिबास।

लिम [म्म] (لم) अ स्त्री.–कारण, सबब, (अव्य.) क्यो, किस लिए।

लिम्मः (لمه) अ पु –वे बाल जो कनपटी के नीचे लटक आये।

लिम्मी (لمی) अ वि –न्याय-परिभाषा मे एक तर्क, ऐसा किस कारण है।

लियाकत (لیاقت) अ स्त्री –योग्यता, काबिलीयत, पात्रता, इस्तेहकाक, विद्वत्ता, इल्मीयत, उत्साह, हौसला, सामर्थ्य, मक्दरत।

लियाज (لیاذ) अ.पु –आश्रय लेना, पनाह ढूँढना।

लियाम (لیام) अ पु –'लईम' का बहु, मक्खीचूस लोग।

लियामत (لیامت) अ स्त्री –भर्त्सना, निंदा, मलामत।

लियास (لیاس) अ वि –जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, दय्यूस।

लियाह (لیاح) अ वि –सफेद, धवल श्वेत, (स्त्री) जगली गाय।

लिल्लहिल हम्द (للّٰه‌الحمد) अ वा –सारी स्तुतियाँ केवल ईश्वर के लिए हैं; ईश्वर को धन्यवाद, खुदा का शुक्र।

लिल्लाह (لله) अ अव्य—ईश्वर के लिए ईश्वर के नाम पर ईश्वरार्पण।
लिवज्हिल्लाह (لوجه الله) अ अव्य—ईश्वर के लिए।
लिवा (لوا) अ पु—पताका, ध्वजा झंडा।
लिवाए हक (لواے حق) अ पु—सत्यता का झंडा।
लिवाज़ (لواذ) अ पु—एक दूसरे की रक्षा करना एक दूसरे का पनाह देना।
लिवातत (لواطت) अ स्त्री—पुंमैथुन पुरुष-मैथुन, इग्लाम, दे लवातत, दोनो शुद्ध है।
लिस [लस] (لس) अ वि—चोर तस्कर।
लिसान (لسان) अ स्त्री—जिह्वा रसना, जीभ भाषा बोली ज़बान।
लिसानी (لسانی) अ वि—भाषा-सम्बन्धी।
लिसानीयात (لسانیات) अ स्त्री—भाषा विज्ञान भाषाओं का इल्म।
लिसानुलअस्र (لسان العصر) अ पु—अपने समय का तर्जुमान।
लिसानुल्क़ौम (لسان القوم) अ पु—अपने राष्ट्र का तर्जुमान अपनी जाति का तर्जुमान।
लिसानुलग़ैब (لسان الغیب) अ पु—भविष्य की बातें जाननेवाला।
लिसानुलमुल्क (لسان الملک) अ पु—अपने देश या राष्ट्र का तर्जुमान।
लिसानुलहमल (لسان الحمل) अ स्त्री—एक वनौषधि बारतंग।
लिसाम (لسام) अ पु—पगुओं के मुह बांधने की जाली मुसीका।
लिस्स (لص) अ पु—मथुरा दतमास ने लस और लुस्स तीनो शुद्ध है।
लिहा (لحا) अ स्त्री—दरख्त छाल वक्कल।
लिहाज़ (لحاظ) अ पु—आदर ख़याल, शील, मुरव्वत लज्जा शर्म स्वाभिमान गैरत भय डर ध्यान खयाल संकोच नदामत।
लिहाज़ा (لہذا) अ अव्य—अत मुतराम इसलिए।
लिहाफ़ (لحاف) अ पु—मोटी रजाई।
लिह्य (لحیہ) अ स्त्री—दे लिहय।
लिहेयान (لحیان) अ वि—दे लहयान।

ली

लीक (لیقہ) अ पु—दवात में डालने का लत्ता।
लीक (لیق) अ पु—दे लीक।
लीग (لیغ) फा वि—उदास मलिन, बदशक्ल।
लीन (لینہ) अ पु—खजूर के पेड का तना, खजूर की लकड़ी काठ।
लीन (لین) अ स्त्री—कोमलता, नर्मी।
लीनत (لینت) अ स्त्री—कोमलता नर्मी, मुलायमपन।
लीफ़ (لیف) अ पु—खजूर का वक्कल, रेशा तंतु।
लीफ़ (لیف) अ स्त्री—दे लीफ़।
लीलुउसुस (لیل عس) अ पु—एक प्रकार का सन्निपात।

लु

लुंग (لنگ) फा पु—लुंगी तहमद जांघिया लँगोट।
लुंगक (لنگک) फा पु—छोटी-सी लुंगी अँगोछा जांघिया।
लुंज (لنج) फा पु—होठ अधर ओष्ठ।
लुआब (لعاب) अ पु—चेप लस, राल लाला लसदार दवाओं का गाढ़ा पानी।
लुआबदार (لعابدار) अ फा वि—वह वस्तु जिसमें चेप हो, लसदार।
लुआबे दहन (لعاب دهن) अ फा पु—थूक मुखस्राव, राल लाला।
लुक (لک) तु वि—मोटी भारी और बेढंगी वस्तु।
लुकात (لقاط) अ वि—बहुत ही घटिया वस्तु।
लुक्क (لکہ) फा पु—धब्बा दाग़ टुकडा खंड।
लुक्कए अब्र (لکۂ ابر) फा पु—बादल का टुकडा, अभ्रखंड।
लुक्कहाए अब्र (لکہاے ابر) फा पु—बादल के टुकडे।
लुक्काअ (لکاع) अ वि—बहुत ही वातूनी बक्की हाज़िरजवाब शीघ्रोत्तर, प्रत्युत्पन्नमति।
लुक्त (لقطہ) अ पु—भूमि पर पडी हुई हुई वस्तु जो उठा ली गयी हो पुराना लत्ता।
लुक्नत (لکنت) अ स्त्री—हकलापन हकलाहट।
लुक्नतआमेज़ (لکنت آمیز) अ फा वि—हकलाहट के साथ हकलाते हुए।
लुक्म (لقمہ) अ पु—ग्रास कवल निवाला।
लुक्मखोर (لقمہ خور) अ फा वि—निवाला खानेवाला।
लुक्मए अजल (لقمۂ اجل) अ पु—मृत्यु के मुह का निवाला मृत्युकवल मृत मुर्दा।
लुक्मए गोर (لقمۂ گور) अ फा पु—कब्र के मुँह का निवाला मृत मुर्दा।
लुक्मए चर्ब (لقمۂ چرب) अ फा पु—तर निवाला तरमाल बढ़िया-बढ़िया खाने अच्छी प्राप्ति काफ़ी लाभ।
लुक्मए तर (لقمۂ تر) अ फा पु—दे लुक्मए चर्ब।

लुक्मए हराम (لقمۂ حرام) अ पु –हराम की कमाई, दूसरे का माल जो वेईमानी से झटका जाय।

लुक्मए हलाल (لقمۂ حلال) अ पु –हलाल की कमाई, मेहनत से कमाया हुआ धन।

लुक्मान (لقمان) अ पु –एक वहुत वडे वैद्य और वैज्ञानिक जिनकी चर्चा कुरान मे है।

लुक्माने वक़्त (لقمان وقت) अ. पु –अपने समय का वहुत वडा वैज्ञानिक और चिकित्सक।

लुक़्यः (لقیہ) अ पु.–साक्षात्कार, भेट, मुलाकात, दर्शन, दीदार।

लुख (لخ) फा. पु –पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ वनती है।

लुग़ज़ (لغز) अ स्त्री –प्रहेलिका, पहेली, मुअम्मा; जगली चूहे का विल जो वहुत टेढा-मेढा होता है।

लुग़त (لغت) अ पु –शव्द, लफ्ज़, शव्दकोश, लुगात।

लुग़त दाँ (لغت‌داں) अ फा वि –किसी भाषा-विशेष के वहुत अधिक शव्द जाननेवाला।

लुग़तनवीस (لغت‌نویس) अ फा वि –शव्दकोष लिखनेवाला।

लुग़वी (لغوی) अ. वि –लुगत सम्वन्धी, लुगत के अनुसार।

लुग़ात (لغات) अ पु –'लुगत' का वहु, शव्दावली, ज़खीरए अल्फाज, कोष-समूह, वहुत-से लुगत, लुगत इस अर्थ मे एक वचन है।

लुग़ूब (لغوب) अ पु –दु:ख, क्लेश, तक्लीफ, खेद, शोक, गम, रोग, वीमारी।

लुच (لچ) तु वि –नग्न, नगा, भेगा, ऐचा ताना, लपट, लोफर।

लुचन (لچن) तु वि –कुलटा व्यभिचारिणी, फाहिशा।

लुजज (لجج) अ पु –'लज्ज' का वहु, गहरी नदियाँ, नदियो की गहराइयाँ, भँवर, गिर्दाव।

लुज़ूक़ (لزوق) अ पु –चिपकना।

लुज़ूजत (لزوجت) अ स्त्री –चिपक, लेस, चिपकाहट।

लुज़ूम (لزوم) अ पु –अनिवार्यता, लाजिम होना।

लुजैन (لجین) अ स्त्री –खरी चाँदी।

लुज्जः (لجہ) अ पु –नदी का वीच, नदी का सवसे गहरा स्थान, भँवर, जलावर्त।

लुज्जी (لجی) अ पु –वढ़ी-चढी नदी, लवालव नदी।

लुतवान (لت‌انبان) फा वि –दे 'लतवान', दोनो शुद्ध है पर वह अधिक प्रचलित है।

लुतवार (لت‌انبار) फा वि –दे 'लतवार', दोनो शुद्ध है, परतु वह अधिक व्यवहृत है।

लुत्फ (لطف) अ पु –करुणा, तरस, दया, रह्म; अनुकपा, मेह्रवानी, आनद, मज़ा; मनोविनोद, तफ़्रीह; दानशीलता, फैयाजी, अनुदान, वख्शिश।

लुत्फी (لطفی) अ पु.–दत्तक, लेपालक, मुतवन्ना।

लुत्मः (لطمہ) अ पु –तमाँचा, थप्पड, तल-प्रहार, थपेडा।

लुत्रः (لترہ) फा वि –इधर की उधर लगानेवाला, लगाई-वुझाई करनेवाला।

लुद [द्द] (لد) पु –'अलद' का वहु, युद्ध करनेवाले, लड़नेवाले, झगडा करनेवाले।

लुफाज़ः (لفاظہ) अ पु.–वह वस्तु जो मुँह से उगली जाय, मुँह से निकली हुई वस्तु।

लुफ़्फ़ाह (لفاح) अ स्त्री –एक वूटी, यब्रूह, लक्ष्मण।

लुव [व्व] (لب) अ पु –वुद्धि, अक्ल, सार, तत्त्व, विशुद्ध, खालिस, मीग, मग्ज।

लुवाद (لباد) अ पु –वैल के कधे पर रखने का जुआ।

लुवान (لبان) अ. पु –कुदुर गोद।

लुवाव (لباب) अ पु –सार, तत्त्व, मग्ज।

लुवूब (لبوب) अ पु –एक कामशक्तिवर्द्धक पाक जिसमे मीगे पडती है, और जो 'लवूव कवीर' और 'लवूव सगीर' के नाम से अत्तारो के यहाँ मिलता है।

लुव्नान (لبنان) अ पु –शाम का एक पर्वत।

लुव्वे लुवाव (لب لباب) अ पु –सार, तत्त्व, निचोड, खुलासा।

लुव्स (لبس) अ पु –कपडे पहनना, वस्त्र धारण करना।

लुमास (لماس) अ स्त्री –कामना, इच्छा, हाजत।

लुमूअ (لموع) अ पु –चमकना, प्रकाशित होना, 'लम्अ' का वहु, प्रकाशपुज, रौशनियाँ।

लुम्अः (لمعہ) अ पु –मनुष्यो का समूह, सिर की सफेदी, किसी अग का वह खड जो वुजू मे सूखा रह जाय।

लुर (لر) फा वि –मूर्ख, वुद्धू, घामड।

लुसास (لساس) अ पु –नयी उगी हुई घास।

लुसुन (لسن) अ पु –'लसिन' का वहु, भाषा-विशेष के विद्वान् लोग, वहुत ही मधुर, सुदर और कोमल भाषा वोलनेवाले।

लुसूक (لصوق-لسوق) अ पु –चिपकना।

लुसूस (لصوص) अ. पु –'लिस' का वहु, चोर लोग।

लुस्न (لسن) अ पु –'अल्सन' का वहु, अर्थ के लिए दे 'लुसुन'।

लुस्सः (لثہ) अ पु.–मसूढा, दे 'लस्स' और 'लिस्स.,' तीनो शुद्ध है।

लुहा (لحا) अ स्त्री.–'लेहय:' का वहु, डाढ़ियाँ।

लुहाम (لحام) अ पु –ल्हम का बहु बहुत-से मास।
लुहाम (لهام) अ पु –बहुत बडी सेना।
लुहूक (لحوق) अ पु –पीछे से मिलना या जुडना दो या अधिक वस्तुओ का परस्पर मिलना।
लुहून (لحون) अ पु –लहन का बहु आवाज स्वर-समूह।
लुहूम (لحوم) अ पु –ल्हम का बहु, मासपिड-समूह बहुत-से गोश्त।
लुहमान (لحمان) अ पु –दे 'लुहूम'।

लू

लूक (لوقہ) अ पु –ताजा घी ताजा मक्खन।
लूका (لوقا) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक।
लूख (لوخ) फा पु –पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइया बनती है दे 'लुख'।
लूच (لوچ) तु वि –नग्न नंगा नगा दे 'लुच'।
लूत (لوت) फा वि –नगा नग्न।
लूत (لوط) अ पु –एक पैगबर जिनके अनुयायियो ने गुद मैथुन को धर्म विहित मान लिया था जिसके कारण उन पर अजाब (यातना) आया और वह सब नष्ट हो गये।
लूती (لوطی) अ वि –गुद मैथुन करनेवाला धृष्ट ढीठ बेहया स्वच्छद जो धर्माधर्म का ध्यान न रखता हो।
लूब (لوبہ) अ पु –पथरीली भूमि पहाडी इलाका वह पहाडी क्षेत्र जहा पानी का अभाव हो।
लूब (لوب) अ पु –लूब का बहु ऐसे पहाडी क्षेत्र जहा पानी न मिलता हो।
लूलू (لولو) अ पु –मुक्ता मोती।
लूलूए लाला (لولوۓ لالا) अ पु –बहुत बढिया और चमकदार मोती।
लूसा (لوسا) अ पु –एक यूनानी वैज्ञानिक।

ले

लेक (لیک) फा अव्य –लेकिन का लघु दे लेकिन।
लेकिन (لیکن) फा अव्य –लाकिन का फारसी रूप परतु।
लेजम (لیزم) फा स्त्री –व्यायाम करने का एक विशेष प्रकार का धनुष।
लेमूँ (لیموں) फा पु –नीबू निबू निबूक जबीर।
लेमूनी (لیمونی) फा वि –जो नीबू के रस से बना हो जिसमें नीबू का रस पडा हो नीबू से सम्बन्धित।
लेस (لیس) फा प्रत्य –चाटनेवाला जैसे—कासालेस रिकाबी चाटनेवाला।
लेसाँ (لیساں) फा वि –चाटता हुआ।
लेसिंद (لیسندہ) फा वि –चाटनेवाला लेहक।
लेसीद (لیسیدہ) फा वि –चाटा हुआ लहित।
लेसीदनी (لیسیدنی) फा वि –चाटने योग्य लेहलीय लेह्य।
लेह्य (لحیہ) अ स्त्री –डाढी श्मश्रु रीश।
लेहयान (لحیان) अ वि –लबी डाढीवाला रीशाईल।
लेहयानी (لحیانی) अ वि –रीशाईल जिसकी डाढी बहुत लबी हो।

लैं

लैं (لیں) अ पु –बटना, रस्सी आदि बटना लपेटना, जबान का लडखडाना, जाल में फडफडाना।
लैअ (لیع) अ पु –डरना भय खाना जी उचाट होना बद दिल होना।
लैत (لیت) अ अव्य –ईश्वर ऐसा करता।
लैतक (لیتک) फा पु –दासी-पुत्र लौंडी-बच्चा।
लैतोलअल [लल] (لیت لعل) अ स्त्री –टालमटोल हेराफेरा आजकल बहानाबाजी।
लैन (لین) अ वि –दे लयिन, दाना शुद्ध है।
लैमूत (لیموں) अ पु –नीबू निंबूक लेमूँ, जभार।
लैमूनी (لیمونی) अ वि –नीबू से बना हुआ जिसमें नीबू पडा हो नीबू-सम्बन्धी वस्तु।
लैयान (لیان) अ पु –लपेटना।
लैयिन (لین) अ वि –मृदुल, कोमल नर्म (पु) खजूर या छुहारे के पेड का तना।
लैल (لیلہ) अ स्त्री –रात्रि निशा रात शब।
लैल (لیل) अ स्त्री –रात्रि, यामिनी निशीथिनी क्षपा शब — छाई हुई है गम की घटाएँ चहारसू क्या फर्क रह गया मेरे ल्लाविहार में।
लैलतुल असरा (لیلة الاسرا) अ स्त्री –दे 'लैलतुल म राज'।
लैलतुलकद्र (لیلة القدر) अ स्त्री –रमजान के महीने की एक रात्रि जिसमें जप-तप करना बहुत अच्छा माना गया है।
लैलतुलबद्र (لیلة البدر) अ स्त्री –चाँद की चौदहवी रात्रि पूर्णिमा पूर्णमासी।
लैलतुलबरात (لیلة البرات) अ स्त्री –शबबरात शबरात शा'बान मास की चौदहवीं रात्रि।
लैलतुलमे'राज (لیلة المعراج) अ स्त्री –वह रात जिसमें मुसलमानों के मतानुसार हजरत मुहम्मद साहिब अर्श पर गये।
लैला (لیلیٰ) अ स्त्री –कैस की प्रेमिका जिसके इश्क में वह पागल हो गया था और सब उसे मज्नूँ (पागल) कहने लगे थे।

लैली (لیلی) अ स्त्री –दे. 'लैला'।
लैले (لیلے) फा स्त्री.–दे 'लैला', यह शब्द केवल फार्सी पद्य मे प्रयुक्त हुआ है।
लैस (لیث) अ पु.–सिंह, शेर।
लैह् (لیہ) अ पु.–छिप कर जाना।

लो

लोक (لوک) फा पु –लद्दू ऊँट, जो दुर्वलता और रोग के कारण घिसट-घिसटकर चले, जैसे— वच्चे चलते हैं, दीन, असहाय, लाचार।
लोकाँ (لوکاں) फा वि –घुटनो के वल चलता हुआ, घुटनो के वल चलनेवाला।
लोकिंद: (لوکندہ) फा वि –घुटनो के वल चलनेवाला।
लोकीद: (لوکیدہ) फा वि –जो घुटनो के वल चला हो।
लोकीदनी (لوکیدنی) फा वि.–घुटनो के वल चलने योग्य।
लोत (لوت) फा पु –अच्छे-अच्छे खाने, विना दाढ़ी-मूँछ का लडका।
लोतपोत (لوت پوت) फा पु –अच्छे-अच्छे स्वादिष्ठ खाने।
लोदी (لودی) फा पु –पठानो की एक जाति।
लो'वत (لعبت) अ स्त्री –खिलौना, गुडिया, पुत्तलिका।
लो'वतेचीं (لعبت چیں) अ फा स्त्री –चीनी गुडिया, चीनी सुदरी।
लोवान (لوبان) फा. पु –एक सुगधित गोद।
लोर (لور) फा पु.–धुनकने की कमान, वह भूमि जो वाढ के पानी से कट जाय, एक नाव-विशेष।
लोरकंद (لورکند) फा पु.–वह गढा जो वाढ के पानी से वन जाय।
लोरा (لورا) फा पु –पतली लपसी, दलिया, हर पतली वस्तु।
लोरियाँ (لوریاں) फा पु –'लोरी' का वहु, कमीने और अधम लोग।
लोरी (لوری) फा पु –एक जगली और असभ्य जाति जो नाचने-गाने का पेशा करती है, कजर, नीच, लोफर, कमीना।
लोल: (لولہ) फा पु –भुने हुए अन्न का आटा, सत्तू।
लोल.पेच (لولہ پیچ) फा. पु –हर वह कपडा जिसका थान दफ्ती मे लपेटा जाय और ऊपर कागज चढाया जाय।
लोल (لول) फा वि –चपल, चचल, शोख, निर्लज्ज, धृष्ट, वेहया, ढीठ।
लोलए आवरेज़ (لولۂ آبریز) फा पु –टोटी, नलकी।
लोलियाँ (لولیاں) फा स्त्री –'लोली' का वहु, रडियाँ।
लोली (لولی) फा स्त्री –रडी, तवाइफ।
लोश (لوش) फा वि.–कीचड, पक, ख्वाव, अचेत, वेखवर, टेढे मुँहवाला, कोढी।
लोशाक (لوشاک) फा वि –कीचड मिला हुआ, गदला।
लोस (لوس) फा पु –चापलूसी, चाटुकारिता।
लोसान: (لوسانہ) फा पु –चापलूसी, खुशामद, विनीति, विनय, खाकसारी।
लोह्ज: (لہجہ) अ पु –प्रातराश, नाश्ता, सवेरे का जलपान।
लोह्न: (لہنہ) अ पु –नाश्ता, प्रातराश; वह थोडा खाना जो मेहमान के सामने रख दिया जाय ताकि खाना तैयार होने तक का आधार हो जाय।
लोह्म (لحمہ) अ पु –वाज के शिकार का गोश्त, कपडे की चौडाई का तार, वाना।
लोह्मान (لحمان) अ पु –'लह्म' का वहु, मास-पिंड-समूह।

लौ

लौ (لو) फा पुं –पुश्ता, ऊँचाई, पित्त, सफ्रा।
लौअ (لوع) अ स्त्री –प्रेम की व्याकुलता और जलन।
लौअत (لوعت) अ स्त्री –प्रेम की तपन, जलन और व्याकुलता, दे 'लौअ'।
लौआत (لوعات) अ स्त्री –'लौअत' का वहु, प्रेम की जलने।
लौक (لوک) अ पु –चवाना, चर्वण, खाना, खान।
लौज: (لوزہ) अ पु –वादाम, एक प्रसिद्ध मेवा, कौआ, गले का कौआ, कठकाक।
लौज (لوز) अ पु –'लौज' का वहु, वहुत-से वादाम।
लौज (لوذ) अ पु –बचाव के लिए पनाह ढूँढना, घाटी का किनारा।
लौजई (لوذعی) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, दाना, प्रतिभा-शाली, जहीन।
लौजनान (لوزنان) फा पु –हल्क का कौआ, कठकाक।
लौजियात (لوزیات) फा पु –'लौज' का वहु, परतु एक वचन मे व्यवहृत है।
लौजीन: (لوزینہ) फा पु – वादाम का हल्वा।
लौन: (لونہ) अ पु.–मुँह पर मलने का पाउडर, मुखचूर्ण, गाजा।
लौन (لون) अ पु –रग, वर्ण।
लौने गामिक (لون غامق) अ पु –गहरा रग।
लौने फातेह (لون فاتح) अ पु –हलका रग।
लौने मा'तम (لون معتم) अ पु –शोख रग, खुलता हुआ रग, न वहुत गहरा न हलका।

लौम (لوم) अ पु—भर्त्सना निन्दा मलामत धिक्कार कटूक्ति।

लौमत (لومت) अ स्त्री—दे 'लौम'।

लौमते लाइम (لومت لائم) अ स्त्री—निन्दा करनेवाले की निन्दा।

लौलोसम (لولوسم) फा पु—एक फल विशेष।

लौस (لوث) अ पु—लगाव मुफ्त दखलन्दाज़ लथपथ होना, भरा होना।

लौसे दुनिया (لوث دنیا) अ पु—सांसारिक बंधन मायाजाल लिप्ति, अनुराग।

लौह (لوح) अ स्त्री—बच्चों के लिखने की पाटी तख्ती पट्टिका पत्थर का टुकड़ा जिस पर लिखकर क़ब्र आदि पर लगाते हैं।

लौहश्शाह (لوحش اللّٰه) अ वा—'ला हौलल्लाह' का फ़ार्सी रूप आदर प्रदान या आश्चर्य प्रकटन के समय बोलते हैं।

लौहे क़ब्र (لوح قبر) अ स्त्री—दे 'लौह मज़ार'।

लौहे जबीं (لوح جبیں) अ स्त्री—दे 'लौह पेशानी'।

लौहे तिलिस्म (لوح طلسم) अ स्त्री—किसी जादू के मकान में रखी हुई वह तख्ती जिस पर जादू तोड़ने की विधि लिखी होती है।

लौहे नाख़्वांद (لوح ناخوانده) अ स्त्री—ईश्वरदत्त विद्या इल्म लदुन्नी दे 'लौह महफ़ूज़'।

लौहे पेशानी (لوح پیشانی) अ फा स्त्री—ललाटपटल माथा भाग्य तक़दीर।

लौहे मज़ार (لوح مزار) अ स्त्री—वह पत्थर की तख्ती जो किसी मरनेवाले की क़ब्र पर लगाते हैं और उसमें उसके मरने की तारीख़ आदि लिखते हैं।

लौहे महफ़ूज़ (لوح محفوظ) अ स्त्री—वह पट्ट जिस पर एक स्थान में संसार में होनेवाली सारी घटनाओं का उल्लेख है और जिसे कोई पढ़ नहीं सकता।

लौहो क़लम (لوح و قلم) अ पु—तख्ती और उस पर लिखने की क़लम अर्थात वह तख्ती जिस पर भविष्य में होनेवाली सारी घटनाएँ लिखी हुई हैं और वह लेखनी जिसने यह सब कुछ ईश्वर की आज्ञा से लिखा है।

व

वइल्ला (وإلا) अ अव्य—नहीं तो अन्यथा वर्ना।

वईद (وعید) अ स्त्री—सज़ा की धमकी दण्ड की धमकी।

वक़ाए (وقائع) अ पु—'वक़ीअ' का बहु घटनाएँ समाचार, ख़बरें।

वक़ाए नवीस (وقائع نویس) अ फा वि—इतिहासकार मुअर्रिख़ समाचारलेखक, संवाददाता।

वक़ाए नवीसी (وقائع نویسی) अ फा स्त्री—इतिहास लिखना, संवाद देना।

वक़ाए निगार (وقائع نگار) अ फा वि—दे 'वक़ाए नवीस'।

वक़ाए निगारी (وقائع نگاری) अ फा स्त्री—दे 'वक़ाए नवीसी'।

वक़ार (وقار) अ पु—भारी मरकमपन गुरुत्व प्रतिष्ठा इज़्ज़त गंभीरता मतानत, मान-मर्यादा एहतिराम।

वकालत (وکالت) अ स्त्री—वकील का काम अभिभाषण अभिवचन।

वकालतन (وکالتا) अ फा वि—वकील के द्वारा वकालत के कराये।

वकालतनामः (وکالت نامه) अ फा पु—वकील बनाने का तहरीर अभिभाषण पत्र।

वकालतपेशः (وکالت پیشه) अ फा वि—जो वकालत करता हो अभिभाषण-व्यवसायी।

वक़ाह (وقاح) अ वि—निर्लज्ज बेशर्म धृष्ट ढीठ उद्दंड उजड्ड।

वक़ाहत (وقاحت) अ स्त्री—निर्लज्जता बेहयाई धृष्टता, गुस्ताख़ी।

वकीअ (وکیع) अ वि—दृढ़ मज़बूत।

वक़ीअ (وقیع) अ वि—प्रतिष्ठित श्रेष्ठ इज़्ज़तदार उच्च ऊँचा बलन्द।

वक़ीअत (وقیعت) अ स्त्री—निन्दा कुत्सा बदगोई युद्ध लड़ाई।

वक़ीद (وقید) अ पु—पतला ईंधन जिससे आग सुलगायी जाती है।

वकील (وکیل) अ वि—वकालत करनेवाला अभिभाषक, अभिवक्ता।

वकीले मुत्लक़ (وکیل مطلق) अ पु—ऐसा वकील जिसे मुअक्किल की ओर से पूरे अधिकार प्राप्त हों।

वकीले सरकार (وکیل سرکار) अ फा पु—सरकारी मुकदमों में पैरवी करनेवाला वकील।

वक़ीह (وقیح) अ वि—निर्लज्ज बेहया, धृष्ट ढीठ।

वक़ूद (وقود) अ पु—ईंधन जलाने की लकड़ी आदि।

वक़ूर (وقور) अ वि—प्रतिष्ठित जाइज़्ज़त।

वकूल (وکول) अ वि—वह लाचार व्यक्ति जो अपना काम दूसरों पर छोड़ दे।

वक़ेह (وقیح) अ वि—दे 'वक़ीह'।

वक़्अ (وقع) अ पु –प्रतिष्ठा, इज्जत (स्त्री) ऊँचा स्थान, ऊँची जगह।

वक़्अत (وقعت) अ स्त्री.–प्रतिष्ठा, इज्जत; महत्त्व, अहम्मीयत, आदर, एहतिराम; उच्चता, वलंदी।

वक्ज़ (وكز) अ पु –घूँसा मारना, मुक्केवाजी करना।

वक़्क़ाद (وقاد) अ वि –वहुत तेज जलनेवाला, शोले फेंकनेवाला, दीप्त, ज्वलत, रौशन।

वक्त (وقت) अ पु –समय, काम, जमाना; अवसर, मौक़ा, ऋतु, मौसिम, विलव, देर।

वक़्तगुज़ारी (وقت گزاری) अ फा स्त्री –समय काटना, कालयापन, वुरे-भले जीवन व्यतीत करना।

वक़्तन फ वक़्तन (وقتاً فوقتاً) अ वि –यदा कदा, कभी-कभी।

वक़्त व वक़्त (وقت بوقت) अ फा वि –दे 'वक़्तन फ वक़्तन'।

वक्त वे वक़्त (وقت بےوقت) अ फा वि –अच्छे और बुरे समय पर, सुख-दु ख मे, जरूरत के वक्त।

वक़्ती (وقتی) अ. वि –सामयिक, समय-सम्वन्धी, क्षण-स्थायी, थोडी देर का, अस्थायी, आरिजी, (प्रत्य) समय का, जैसे–'पजवक्ती नमाज़' पाँच वक्त की नमाज।

वक़्ते अजल (وقت اجل) अ पु –मृत्यु-समय, मरने का समय।

वक्ते आख़िर (وقت آخر) अ पु –अंतिम समय, मृत्यु-काल।

वक़्ते इआनत (وقت اعانت) अ पु –सहायता का अवसर, मदद का समय।

वक़्ते इम्दाद (وقت امداد) अ. पु.–दे 'वक्ते इआनत'।

वक़्ते एहसान (وقت احسان) अ पु –उपकार का समय या अवसर।

वक्ते ख़्वाब (وقت خواب) अ फा पु –सोने का समय।

वक़्ते ज़ुरूरत (وقت ضرورت) अ पु –आश्वयकता का अवसर, सहायता का अवसर।

वक्ते नाज़ुक (وقت نازک) अ. फा पु –आपत्तिकाल, मुसीवत का समय, सावधान रहने और सँभलकर चलने का समय।

वक़्ते फ़रागत (وقت فراغت) अ. पुं –छुट्टी का समय; समृद्धि का समय; कार्यनिवृत्ति का समय।

वक़्ते फ़ुर्सत (وقت فرصت) अ पु –दे 'वक्ते फ़रागत'।

वक़्ते वद (وقت بد) अ फा. पुं –आपत्तिकाल, मुसीवत का समय, गुडागर्दी का समय।

वक़्ते मदद (وقت مدد) अ पु –वक़्ते इम्दाद, सहायता

वक़्ते मर्दानगी (وقت مردانگی) अ फा पु.–साहस दिखाने का अवसर; युद्ध मे कूद पडने का अवसर।

वक़्ते मुलाक़ात (وقت ملاقات) अ. पु –मिलने का समय; मिलने के समय।

वक़्ते मुसीवत (وقت مصیبت) अ. पु –आपत्तिकाल, विपत्ति-पडने के समय।

वक़्ते रवानगी (وقت روانگی) अ फा पु –प्रस्थान के समय, चलते समय, रवाना होते समय।

वक़्ते रुख़्सत (وقت رخصت) अ. पु –विदा होते समय, जाते समय, चलते वक्त।

वक़्ते वापसी (وقت واپسی) अ. फा पु –मरते समय, अतिम समय।

वक़्ते शिकायत (وقت شکایت) अ पु –शिकायत का समय; शिकायत करते समय।

वक़्ते हिम्मत (وقت ہمت) अ. पु –दे 'वक्ते मर्दानगी'।

वक़्फ़ः (وقفہ) अ पु –दो कामो के बीच मे ठहराव का समय, विराम, इटरवल टाइम, कालान्तर; देर, विलव; ठहराव, सुकून।

वक़्फ़ (وقف) अ पु –ईश्वरार्पण, देवोत्तर, उत्सर्ग, ख़ुदा के नाम पर दान की हुई वस्तु या सपत्ति आदि, किसी पुरुष-विशेष के लिए रखी हुई या अलग की हुई वस्तु।

वक्फ (وکف) अ पु –वरसात मे छत आदि का टपकना; किसी चीज से पानी टपकना।

वक़्फ़ अलल औलाद (وقف علی الاولاد) अ. पु –वह सपत्ति जो अपनी सतान के लिए वक्फ हो।

वक़्फ़ अलल्लाह (وقف علی اللہ) अ पु –वह सपत्ति जो धार्मिक कार्यों के लिए वक्फ हो।

वक़्फ़नामः (وقف نامہ) अ फा. पु –वक़्फ़ की दस्तावेज, उत्सर्गपत्र, दानपत्र।

वगर (وگر) फा अव्य –अगर, यदि, अव उर्दू मे नही वोलते।

वगरनः (وگرنہ) फा अव्य –अन्यथा, वर्ना, नही तो।

वग़ा (وغا) अ स्त्री –युद्ध, समर, जग, लड़ाई।

वग़ैरः (وغیرہ) अ. अव्य –आदि, इत्यादि, प्रभृति, प्रमुख।

वग़्द (وغد) अ वि –अवम, नीच, कुपात्र, कमीना, अयोग्य, नाकाविल।

वज (وج) अ स्त्री.–वचा, वच, एक लकड़ी जो दवा मे चलती है।

वजउलक़ल्व (وجع القلب) अ पु –हृदय की पीड़ा, दिल का दर्द, हृत्पीडा।

वजउलमफ़ासिल (وجع المفاصل) अ पु –जोड़ों का दर्द, [illegible] गठिया।

वजउलमे'द (وجع المعدہ) अ पु—पेट का दर्द उदर पीडा।

वजउलवरिक (وجع الورک) अ पु—चूतड का दर्द श्रोण पीडा।

वज़ग़ (وزغہ) अ पु—मेंढक मडूक कृकलास गिरगट, गृहगोधिका छिपकली।

वज़ग़ (وزغ) अ पु—दे वज़ग़।

वजब (وجب) अ पु—बारह अंगुल का नाप वितस्ति बित्ती बालिश्त।

वजर (وجر) अ पु—भय त्रास डर।

वजा' (وجع) अ पु—पीडा व्यथा वेदना दर्द।

वजा (وجا) अ पु—भय त्रास डर खौफ।

वज़ाअत (وضاءت) अ स्त्री—पवित्रता पाकीज़गी सुन्दरता खूबसूरती निर्लेप बेऐबी।

वज़ाअत (وضاعت) अ स्त्री—अधमता नीचता लोफरपन।

वज़ाइफ (وظائف) अ पु—वज़ीफ़ा का बहु छात्रवृत्तियां मनजाप आदि।

वज़ाहत (وضاحت) अ स्त्री—विस्तार फलाव स्पष्टता विवरण तफ्सील।

वजाहत (وجاهت) अ स्त्री—मुखश्री मुखकांति चेहरे की आबोताब प्रतिष्ठा मान्यता इज्जत।

वज़ाहततलब (وضاحت طلب) अ वि—जिस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक हो।

वजाहतपरस्त (وجاهت پرست) अ वि—जो बड़े लोगों की ही ओर आकृष्ट रहता हो।

वज़िंद (وزنده) फा वि—बहनेवाली वायु चलनेवाली हवा।

वजिर (وجر) अ वि—डरनेवाला त्रस्त भयभीत।

वजिल (وجل) अ वि—जो भय के कारण डरे डरनेवाला।

वज़िश (وزش) फा स्त्री—हवा की सरसराहट हवा चलने की हालत।

वजीअ (وجيع) अ वि—कष्टग्रस्त पीडित दर्दनाक।

वज़ीअ (وضيع) अ वि—अधम नीच कमीना।

वज़ीओशरीफ (وضيع و شريف) अ पु—कमीने और भलेमानस लोग अर्थात अच्छे-बुरे सब।

वजीज़ (وجيز) अ वि—ह्रस्व छोटा संक्षिप्त मुख्तसर।

वज़ीद (وزيده) फा वि—चली हुई हवा बहा हुई वायु चला हुआ पवन।

वज़ीदनी (وزيدنی) फा वि—चलने के काबिल हवा।

वज़ीफ़ (وظيفه) अ पु—छात्रवृत्ति स्कॉलरशिप वृत्ति पवनिका अनाउस निवृत्तिवेतन पेन्शन, किसी मंत्र आदि या कुरान के वाक्यादि का जप।

वज़ीफ़ख़्वाँ (وظيفه خواں) अ फा वि—मंत्र आदि पढ़नेवाला यशोगान करनेवाला।

वज़ीफ़ख़्वानी (وظيفه خوانی) अ फा स्त्री—मंत्र आदि का उच्चारण यशगान।

वज़ीफ़ख़्वार (وظيفه خوار) अ फा वि—पेन्शन पानेवाला वृत्तिभोक्ता।

वज़ीफ़ख़्वाह (وظيفه خواه) अ फा वि—वज़ीफ़ा चाहनेवाला।

वज़ीफ़गो (وظيفه گو) अ फा वि—वज़ीफ़ा पढ़नेवाला, यशोगान करनेवाला।

वज़ीफ़गोई (وظيفه گوئی) अ फा स्त्री—वज़ीफ़ा पढ़ना गुणगान करना।

वज़ीफ़दार (وظيفه دار) अ फा वि—वज़ीफ़ा पानेवाला।

वज़ीफ़याब (وظيفه ياب) अ फा वि—वज़ीफ़ा पाया हुआ, जिसने वज़ीफ़ा पा लिया हो।

वज़ीफ़ए ज़ौजियत (وظيفه زوجيت) अ पु—स्त्री प्रसंग सहवास मैथुन।

वज़ीफ़ए ता'लीम (وظيفه تعليم) अ पु—छात्रवृत्ति स्कॉलरशिप।

वज़ीफ़ए माहाना (وظيفه ماهانه) अ फा पु—मासिक वृत्ति हर महीने मिलनेवाला वज़ीफ़ा।

वज़ीम (وضيمه) अ पु—पुरस्कार उपहार भेंट हदिया।

वज़ीर (وزير) अ पु—अमात्य मंत्री सचिव।

वज़ीरे अद्ल (وزير عدل) अ पु—दे वज़ीरे इंसाफ।

वज़ीरे आ'ज़म (وزير اعظم) अ पु—प्रधानमंत्री महामंत्री महामात्य।

वज़ीरे आबकारी (وزير آبكاری) अ फा पु—आबकारी मंत्री।

वज़ीरे आबपाशी (وزير آبپاشی) अ फा पु—सिंचनमंत्री।

वज़ीरे आबादकारी (وزير آبادكاری) अ फा पु—पुनर्वास मंत्री।

वज़ीरे आ'ला (وزير اعلیٰ) अ पु—मुख्यमंत्री।

वज़ीरे इंसाफ (وزير انصاف) अ पु—न्यायमंत्री।

वज़ीरे इत्तिलाआत (وزير اطلاعات) अ पु—सूचनामंत्री।

वज़ीरे उमूरे ख़ारिज (وزير امور خارجه) अ पु—दे वज़ीरे ख़ारिज।

वज़ीरे उमूरे दाख़िल (وزير امور داخله) अ पु—दे वज़ीरे दाख़िल।

वज़ीरे उमूरे मज़हबी (وزير امور مذهبی) अ पु—धर्म-मंत्री।

वज़ीरे कानून (وزیر قانون) अ. पु –दे. 'वज़ीरे इनाफ़'।
वज़ीरे ख़ारिजः (وزیرخارجہ) अ पु –परराष्ट्र मंत्री।
वज़ीरे ग़िज़ा (وزیر غذا) अ पु –खाद्यमंत्री।
वज़ीरे जंग (وزیر جنگ) अ फा पु –युद्धमंत्री।
वज़ीरे ज़िराअत (وزیر زراعت) अ पु –कृषिमंत्री।
वज़ीरे तरक़्क़ीयात (وزیر ترقیات) अ. पु –विकासमंत्री।
वज़ीरे ता'मीरात (وزیر تعمیرات) अ पु –निर्माणमंत्री।
वज़ीरे ता'लीम (وزیر تعلیم) अ पु –शिक्षामंत्री।
वज़ीरे तिजारत (وزیر تجارت) अ पु –व्यापारमंत्री।
वज़ीरे दाख़िलः (وزیر داخلہ) अ पु –गृहमंत्री।
वज़ीरे दिफ़ाअ (وزیر دفاع) अ पु –रक्षामंत्री।
वज़ीरे नौआ बादियात (وزیر نوآبادیات) अ फा पुं –उपनिवेशमंत्री।
वज़ीरे फ़ौज (وزیر فوج) अ पु –दे 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे बल्दीयात (وزیر بلدیات) अ पु –स्थानीय स्वशासन-मंत्री।
वज़ीरे बहालीयात (وزیر بحالیات) अ पु.–पुनर्वासमंत्री।
वज़ीरे मफ़ादे आम्मः (وزیر مفاد عامہ) अ पु –लोकहित मंत्री।
वज़ीरे माल (وزیر مال) अ पु –अर्थमंत्री, मालमंत्री।
वज़ीरे मुवासलात (وزیر مواصلات) अ पु –दे 'वज़ीरे रुस्लो रसाइल'।
वज़ीरे मेहनत (وزیر محنت) अ पुं.–श्रममंत्री।
वज़ीरे रुस्लो रसाइल (وزیر رسل ورسائل) अ पु –यातायात-मंत्री।
वज़ीरे सन्अतो हिर्फ़त (وزیر صنعت وحرفت) अ. पु –[उद्]योगमंत्री।
[वज़]ीरे सेहत (وزیر صحت) अ पुं –स्वास्थ्यमंत्री।
[वज़]ीरे हर्ब (وزیر حرب) अ पु.–दे 'वज़ीरे जंग'।
[वज़]ीरे हुकूमत (وزیر حکومت) अ पु –राज्यमंत्री।
[वज़]ीहः (وجیہہ) अ. वि–श्रीमुख, जिसका चेहरा [र]ोबदार हो।
[वज़]ीह (وجیح) अ वि –दृढ, मजबूत।
[वज़]ू (وضو) अ पु –नमाज के लिए वुज़ू करने का पानी, [य]ह शब्द वुज़ू करने के अर्थ मे अशुद्ध है।
[वज़]ूर (وجور) अ पुं –गले के भीतर टपकानेवाली पतली [द]वा।
[वज़]अ (وضع) अ स्त्री –रखना, बनाना, करना, जनना, [द]शा, हालत, वेशभूषा, वजाकता, पद्धति, शैली, ढंग, हिसाब मे से किसी रकम की कमी, कटौती, मिनहाई, सदैव एक प्रकार से रहना और जिससे जैसा व्यवहार हो, उसे आख़ीर तक वैसे ही निवाहना।
वज़्अदार (وضعدار) अ फा. वि.–जो अपनी वजा का पाबद हो, सदा एक-सा रहे, और जिससे जो व्यवहार हो आख़ीर तक निवाहे।
वज़्अदारी (وضعداری) अ फा स्त्री –हमेशा अपनी वज़ा पर कायम रहना और जिस तरह जिससे मिलना या काम करना हो उसे उसी तरह निवाहना।
वज़्ई (وضعی) अ वि –बनाया हुआ, गढा हुआ।
वज़्उलहम्ल (وضع الحمل) अ पु –दे 'वज़्ए हम्ल', बच्चा पैदा करना।
वज़्ए आज़ादानः (وضع آزادانہ) अ फा स्त्री –आज़ाद लोगों का-सा वेशभूषा।
वज़्ए आमियानः (وضع عامیانہ) अ फा स्त्री –साधारण लोगों-जैसी चाल-ढाल या वेशभूषा।
वज़्ए दरवेशानः (وضع درویشانہ) अ फा. स्त्री –साधुओं-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए शरीफ़ानः (وضع شریفانہ) अ फा स्त्री.–सज्जन लोगों-जैसा आचरण और उन्ही-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए सादः (وضع سادہ) अ फा स्त्री –सादी वेशभूषा जिसमे कोई बनावट न हो, साधारण चाल-ढाल।
वज़्ए हम्ल (وضع حمل) अ पु –बच्चा जनना, प्रसव, जनन, प्रसूति।
वज़्ओ क़त्अ (وضع وقطع) अ स्त्री –वेशभूषा, आकार-प्रकार, सज-धज, वजाकता।
वज़्ज़ाअ (وضاع) अ वि –बनानेवाला, गढनेवाला।
वज़्ज़ान (وزان) अ वि –बहुत अधिक तोलनेवाला।
वज़्ज़ाह (وضاح) अ वि –सफेद कोढ़ का रोगी, गोरा चट्टा, गौर वर्ण।
वज्द (وجد) अ पु –आनदाविक्य से आत्म विस्मृति, काव्य या संगीत की रसानुभूति से होनेवाली आत्म-विस्मृति; आनदातिरेक से झूमनेवाला।
वज्दअंगेज (وجدانگیز) अ फा वि –दे 'वज्दआफ़्री'।
वज्दआफ़्री (وجدآفریں) अ फा वि –वज्द मे लानेवाला, आनदातिरेक से मुग्ध कर देनेवाला।
वज्दकुनाँ (وجدکناں) अ. फा. वि –झूमता हुआ, आनद-बाहुल्य से वज्द करता हुआ।
वज्दे सिमाअ (وجدسماع) अ पु –गाना सुनकर होनेवाला वज्द।
वज्दोहाल (وجدوحال) अ पु –गाने मे आनदातिरेक से मस्त हो जाना और झूमना।
वज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल, रुख़्सार।

वज़न (وزن) अ पु—नापने का पैमाना, बाट, नापने का पैमाना।
वज़न (وزن) अ पु—भार, बाट, तौलने का बाट, महत्त्व, अहम्मीयत, छंद, वृत्त, बह्र, ताताल, काव्य पद के अक्षरों की गणना का माप, मिलाकर बराबर करना।
वज़नकश (وزن‌کش) अ फा वि—तौलनेवाला, तौला।
वज़नकशी (وزن‌کشی) अ फा स्त्री—तौलना, तौलने का काम, तौलने का पेशा।
वज़नी (وزنی) अ वि—भारी, वानज़।
वज़्ने शे'र (وزن شعر) अ पु—शेर का वह्र या वृत्त, छंद का वज़न।
वजह (وجه) अ स्त्री—कारण, हेतु, सबब, (पु) मुख, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा।
वजहे अदावत (وجه عداوت) अ स्त्री—शत्रुता का कारण।
वजहे अह्सन (وجه احسن) अ पु—सुन्दर मुख, अच्छी सूरत, (स्त्री) उचित कारण, माकूल वजह।
वजहे इन्ही (وجه قوی) अ स्त्री—पक्की वजह, उचित कारण, माकूल सबब।
वजहे काफ़ी (وجه کافی) अ स्त्री—उचित कारण, पर्याप्त कारण।
वजहे ख़ुसूमत (وجه خصومت) अ स्त्री—द्वेष का कारण, रंजिश का सबब।
वजहे ख़ुसूसी (وجه خصوصی) अ स्त्री—मुख्य कारण, ख़ास सबब।
वजहे तस्मिया (وجه تسمیه) अ स्त्री—निरुक्ति, नाम होने का कारण, अमुक वस्तु का यह नाम क्यों पड़ा? इसका कारण।
वजहे तह्रीक (وجه تحریک) अ स्त्री—चर्चा चलाने या बात उठाने का कारण, प्रस्ताव रखने का कारण।
वजहे मआश (وجه معاش) अ स्त्री—जीवन निर्वाह का साधन, जीविका।
वजहे मईशत (وجه معیشت) अ स्त्री—दे॰ 'वजहे मआश'।
वजहे मा'कूल (وجه معقول) अ स्त्री—उचित कारण, ठीक सबब।
वजहे मुख़ालफ़त (وجه مخالفت) अ स्त्री—विरोध का कारण।
वजहे मुनासबत (وجه مناسبت) अ स्त्री—लगाव का कारण, प्रेम का कारण।
वजहे मूजिबः (وجه موجبه) अ स्त्री—पर्याप्त कारण, माकूल सबब।
वजहे रंजिश (وجه رنجش) अ फा स्त्री—मनमुटाव और नाराज़ी का कारण।
वजहे राहत (وجه راحت) अ स्त्री—सुख का साधन, प्रसन्नता का कारण।
वजहे वह्शत (وجه وحشت) अ स्त्री—भागने और पृथक रहने अथवा घृणा करने का कारण।
वजहे शक (وجه شک) अ स्त्री—शंका करने का कारण।
वजहे शिकायत (وجه شکایت) अ स्त्री—उपालंभ का कारण, गिला करने का सबब।
वजहे हलाल (وجه حلال) अ स्त्री—विहित और उचित साधन (जीविका का)।
वजहे हसन (وجه حسن) अ स्त्री—माकूल सबब, उत्तम कारण, (पु) सुन्दर मुख, अच्छी सूरत।
वजहे हसीन (وجه حسین) अ स्त्री—सुन्दर मुख, प्यारा चेहरा।
वतद (وتد) अ पु—खूँटा, मेख, तीन अक्षरोंवाला शब्द।
वतदे मक़रून (وتد مقرون) अ पु—वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल हो, जैसे—'चमन'।
वतदे मज्मूअ़ (وتد مجموع) अ पु—दे॰ 'वतदे मक़रून'।
वतदे मफ़्रूक़ (وتد مفروق) अ पु—वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसके बीच का अक्षर हल है, जैसे—'रस्म'।
वतन (وطن) अ पु—स्वदेश, जन्मभूमि—"यह गार ग़रीबाँ पे कहती है हसरत, कि असली वतन है यही बेकसी का।"
वतनकुश (وطن‌کش) अ फा वि—देशद्रोही, वतन के साथ ग़द्दारी करनेवाला।
वतनकुशी (وطن‌کشی) अ फा स्त्री—देशद्रोह, वतन से ग़द्दारी।
वतनदोस्त (وطن‌دوست) अ फा वि—देशप्रेमी, अपना वतन से स्नेह करनेवाला।
वतनदोस्ती (وطن‌دوستی) अ फा स्त्री—देशप्रेम, वतन की मुहब्बत।
वतनपरस्त (وطن‌پرست) अ फा वि—देशभक्त, देश का सर्वोत्तम जाननेवाला।
वतनपरस्ती (وطن‌پرستی) अ फा स्त्री—देशभक्ति, देश का अत्यधिक प्रेम।
वतनफ़रोश (وطن‌فروش) अ फा वि—देशविक्रेता, देशद्रोही, वतन का ग़द्दार।
वतनफ़रोशी (وطن‌فروشی) अ फा स्त्री—देशद्रोह, वतन को दुश्मन के हाथ बेच देना।
वतनी (وطنی) अ वि—वतन का, वतन-सम्बन्धी, वतन वाला।

वतनीयत (وطنيت) अ स्त्री –देशभक्ति, वतनपरस्ती।
वतने आबई (وطن آبائی) अ पुं –बाप-दादा का देश, पुराना वतन।
वतने कदीम (وطن قدیم) अ पुं.–पुराना वतन, पुरखो का देश, पूर्वजो का देश।
वतने जदीद (وطن جدید) अ पु –नया वतन, जहाँ हाल मे रहना आरभ किया हो।
वतने मालूफ (وطن مالوف) अ पुं –वह वतन जिससे प्रेम हो।
वतर (وتر) अ पुं –प्रत्यचा, धनुष की डोरी, बाजे का तार।
वती (وطی) अ स्त्री –सहवास, सभोग, मसलना, रौंदना, कुचलना।
वतीरः (وتیره) अ पुं.–ढंग, पद्धति, तरीका, आचरण, व्यवहार, तर्जेअमल।
वत्वात (وطواط) अ. स्त्री –अबाबील, भाडीक।
वत्श (وتش) अ वि –विनाश, बरबादी, ध्वस्त, तबाह, खराब।
वत्ह (وتح) अ वि –कृपण, कंजूस, निकृष्ट, खराब।
वदा' (ودع) अ पु –शख, कबु, सख।
वदाअ (وداع) अ स्त्री –रुख्सत, विदा, गमन, जाना।
वदाए' (ودائع) अ पु –'वदीअत' का बहु, अमानते।
वदाए जाँ (وداع جان) अ फा स्त्री –प्राणो का कूच, मरण, मरना।
वदाए रूह (وداع روح) अ स्त्री –आत्मा का गमन, मरण, मृत्यु, मरना।
वदाद (وداد) अ पु –इच्छा, चाह, तलब, मनोकामना, आकाक्षा, मुराद।
वदीअ (ودیع) अ वि.–रुख्सत करनेवाला।
वदीअत (ودیعت) अ स्त्री –अमानत, धरोहर, थाती, न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
वदीद (ودید) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
वदूद (ودود) अ वि –मित्र, दोस्त।
वफा (وفا) अ स्त्री –प्रतिज्ञा पालन, भक्ति, वफादारी, निर्वाह, निवाह, स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से निवाहना और कडे से कडे समय पर उसका साथ देना।
वफाअंदेश (وفااندیش) अ फा वि –दे 'वफादार'।
वफाआमोज (وفاآموز) अ फा वि –वफा सिखानेवाला।
वफाआश्ना (وفاآشنا) अ फा वि–वफा से परिचित अर्थात् वफादार।
वफाए अह्द (وفاے عہد) अ स्त्री –प्रतिज्ञा का पालन, वादा पूरा करना।
वफ़ाए इश्क (وفاے عشق) अ. स्त्री –प्रेम करके उसे निवाहना, किसी अवस्था मे भी प्रेम न छोडना।
वफाए कसम (وفاے قسم) अ स्त्री.–खायी हुई कसम का पालन करना, कही हुई बात निवाहना, शपथपालन।
वफ़ाए कौल (وفاے قول) अ स्त्री –कही हुई बात निवाहना, प्रतिज्ञा का पालन।
वफाए वा'दः (وفاے وعده) अ स्त्री –दे 'वफाए अह्द'।
वफाओजफ़ा (وفاوجفا) अ स्त्री –वफादारी और अत्याचार, प्रेमिका की ओर से जुल्म और प्रेमी की ओर से वफा अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
वफाकेश (وفاکیش) अ फा. वि –दे 'वफादार'।
वफाकेशी (وفاکیشی) अ फा. स्त्री –दे 'वफादारी'।
वफाकोश (وفاکوش) अ फा वि –प्रेम निर्वाह की कोशिश करनेवाला, वफादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात् प्रेमी, आशिक।
वफाकोशी (وفاکوشی) अ फा. स्त्री.–प्रेम-निर्वाह मे कोशिश करना।
वफाखमीर (وفاخمیر) अ वि –जिसकी प्रकृति मे वफा का माद्दा हो, जो स्वभाव से वफादार हो, प्रेमी।
वफाखाम (وفاخام) अ फा वि –जो वफा मे कच्चा हो, जो समय पडने पर धोखा दे सके।
वफ़ागुस्तर (وفاگستر) अ फा वि –दे 'वफादार'।
वफ़ात (وفات) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।
वफातयाफ़्तः (وفات یافته) अ फा वि.–मृत, मरा हुआ।
वफादार (وفادار) अ फा वि –जो स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से भक्त हो।
वफादारी (وفاداری) अ फा स्त्री –स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से साथ देना।
वफादोस्त (وفادوست) अ. फा वि –जो वफा को अपना सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक।
वफादोस्ती (وفادوستی) अ फा स्त्री –वफा को अपना सब कुछ जानना।
वफादुश्मन (وفادشمن) अ फा वि– जो वफा का वैरी हो अर्थात् जिसे वफा से चिढ हो, बेवफा, कृतघ्न, माशूक, प्रेयसी।
वफादुश्मनी (وفادشمنی) अ फा स्त्री –वफा से चिढ, वफा से वैर।
वफानाआश्ना (وفاناآشنا) अ फा वि –जो वफा करना न जानता हो, अर्थात् माशूक।
वफानाकर्दः (وفاناکرده) अ. फा वि –जिसने कभी वफा न की हो, अर्थात् मा'शूक।

वफानाशनास (وفاناشناس) अ फा वि—दे 'वफा नाआश्ना'।

वफापरस्त (وفاپرست) अ फा वि—जो वफा की कद्र करता हो जो बहुत ही वफादार हो अर्थात आशिक़।

वफापरस्ती (وفاپرستی) अ फा स्त्री—वफा की कद्र करना बहुत ही वफादार होना।

वफापुख्ता (وفاپخته) अ फा वि—जो वफा में बहुत ही पुख्ता हो, जिसकी ओर से कभी बेवफ़ाई न हो, अर्थात आशिक़।

वफापुख्तगी (وفاپختگی) अ फा स्त्री—वफा में दृढ़ और मजबूत होना।

वफापेशा (وفاپیشه) अ फा वि—जिसका काम हो वफा करना हो अर्थात प्रेमी।

वफापेशगी (وفاپیشگی) अ फा स्त्री—वफा करने का काम।

वफाबेगाना (وفابیگانه) अ फा वि—दे 'वफा नाआश्ना'।

वफाबेगानगी (وفابیگانگی) अ फा स्त्री—वफा करना न जानना।

वफामजहब (وفامذهب) अ वि—जिसका धर्म वफा करना हो अर्थात प्रेमी।

वफामशरब (وفامشرب) अ वि—जिसका धर्म विश्वास वफा पर हो।

वफाशनास (وفاشناس) अ फा वि—वफा को पहचानने वाला अर्थात प्रेमी।

वफाशनासी (وفاشناسی) अ फा स्त्री—वफा को पहचानना।

वफाशिआर (وفاشعار) अ वि—दे 'वफापेशा'।

वफ़ाशिआरी (وفاشعاری) अ स्त्री—दे 'वफ़ापेशगी'।

वफाशिकन (وفاشکن) अ फा वि—जो वफा की प्रतिज्ञा करके तोड़ दे बेवफा।

वफ़ी (وفی) अ वि—संपूर्ण समग्र समस्त सब।

वफ़्क़ (وفق) अ पु—अनुकूल मुआफ़िक़।

वफ़्द (وفد) अ पु—प्रतिनिधि मंडल डिपुटेशन।

वबर (وبر) अ पु—बाल ऊन।

वबा (وبا) अ स्त्री—महामारी संक्रामक वह रोग जो मरी के रूप में फैला हो।

वबाई (وبائی) अ वि—वबा सम्बन्धी वबा के रूप में फैला हुआ।

वबाए आम (وبائے عام) अ स्त्री—महामारी सब में फैली हुई वबा।

वबाल (وبال) अ पु—आपत्ति विपत्ति मुसीबत दुःख कष्ट तकलीफ़ जंजाल, झंझट, वह मुसीबत जो दुर्निवार्य हो।

वबाले गर्दन (وبالِ گردن) अ फा पु—गर्दन के लिए बोझ गर्दन पर रखा हुआ बोझ, अर्थात पाप।

वबाले जाँ (وبالِ جاں) अ फा पु—प्राणों के लिए मुसीबत जान का जंजाल।

वबाले दोश (وبالِ دوش) अ फा पु—दे 'वबाले गर्दन'।

वब्र (وبر) अ पु—बिल्ली के बराबर एक जंतु जो शेर के आगे चलता है।

वया (ویا) फा अव्य—अथवा या, अब उर्दू में नहीं बोला जाता।

वर (ور) फा प्रत्य—वाला जैसे—'ताक़तवर' शक्तिवाला (अव्य) यदि, अगर और अगर, (पु) वक्षस्थल सीना (स्त्री) ताप, गर्मी।

वरक (ورک) अ पु—पत्र, दल, पत्ता टिकिट, प्रयोगपत्र।

वरक़ (ورق) अ पु—पृष्ठ पन्ना पेज, दल पत्र पत्ता।

वरक़गर्दानी (ورق گردانی) अ फा स्त्री—किताब के वरक़ उलटना-पलटना पुस्तक पढ़ना नहीं केवल उसे इधर उधर से वरक़ उलटकर देखना।

वरक़दार (ورق دار) अ फा वि—किताब के पन्ने पर लिखा जानेवाला अंक (संख्या)।

वरक़साज (ورق ساز) अ फा वि—चाँदी-सोने के वरक़ बनानेवाला।

वरक़साजी (ورق سازی) अ फा स्त्री—चाँदी-सोने के वरक़ बनाने का काम।

वरक़ी (ورقی) अ वि—वरक़-जैसा बारीक।

वरक़ुलखयाल (ورق الخیال) अ पु—विजया, भंगा भंग, भाँग।

वरक़ुल्हशीश (ورق الحشیش) अ पु—भाँग के पत्ते, भाँग का पत्ता।

वरक़े काइनात (ورقِ کائنات) अ पु—विश्वपटल वरक़रूपी विश्व।

वरक़े खाम (ورقِ خام) अ फा पु—कच्चा चिट्ठा, असली हालात कच्ची बही।

वरक़े गुल (ورقِ گل) अ फा पु—फूल की पँखड़ी।

वरम (ورم) अ पु—शोथ सूजन।

वरमे जिगर (ورمِ جگر) अ फा पु—यकृत-शोथ, जिगर का वरम।

वरल (ورل) अ पु—गोह गोधिका।

वरसा (ورثہ) अ पु—'वारिस' का बहु उत्तराधिकारी लोग वारिस लोग।

वरा (وراء) अ. वि –परे, पीछे, आगे, दूर, अतिरिक्त, अलावा (पु) ससार, जगत्, विश्व।
वराए नज़र (وراۓ نظر) अ. पु –दृष्टि के परे।
वराज़ (وراز) अ. पुं.–शूकर, वराह, कोल, सुअर।
वरासत (وراثت) अ स्त्री –दायाधिकार, उत्तराधिकार, तरिका पाना।
वरासतन (وراثتاً) अ. वि –वरासत की रू से, वरासत मे, उत्तराधिकार के रूप मे।
वरासतनाम. (وراثت نامہ) अ फा पु.–उत्तराधिकारपत्र, वरासत की कानूनी दस्तावेज।
वरिक (ورک) अ पु –श्रोणि, नितंव, कटिदेश, चूतड।
वरीद (ورید) अ स्त्री –शरीर की वे रगे जिनमे रक्त दौडता है, रक्तवाहिनी, धमनी।
वरे (ورع) अ वि.–सयमी, निग्रही, यतात्मा, यतव्रत, परहेजगार।
वर्अ (ورع) अ स्त्री.–सयम, इद्रियनिग्रह, परहेजगारी, दे 'वरा', दोनो शुद्ध है।
वर्क़ा (ورقا) अ स्त्री –फाख्ता, पडुक।
वर्काक (ورکاک) अ पु –लुब्धक, चिड़ीमार, वहेलिया, एक मृतभोजी चिडिया।
वर्ग़लानिंदः (ورغلانندہ) फा वि –बहकानेवाला, फुसलानेवाला, कुमत्रणा देनेवाला, गलत राह चलानेवाला।
वर्ग़लानीदः (ورغلانیدہ) फा वि –फुसलाया हुआ, वहकाया हुआ, जिसे कुमंत्रणा दी गयी हो।
वर्ज़िदः (ورزندہ) फा वि –कवूल करनेवाला, अभ्यास करनेवाला।
वर्ज़िश (ورزش) फा स्त्री –अभ्यास, मश्क, व्यायाम, कसरत; ग्रहण, इख्तियार।
वर्ज़िशगाह (ورزش گاہ) फा स्त्री –व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान, अखाडा।
वर्ज़िशख़ानः (ورزش خانہ) फा पु –दे 'वर्जिशगाह'।
वर्ज़िशी (ورزشی) फा वि –जो व्यायाम का अभ्यस्त हो, कसरत का आदी, कसरत से वनाया हुआ शरीर।
वर्ज़िशे जिस्मानी (ورزش جسمانی) अ स्त्री –दैहिक परिश्रम, व्यायाम, कसरत।
वर्ज़ीदः (ورزیدہ) फा वि –ग्रहण किया हुआ, कवूल किया हुआ, मश्क किया हुआ, अभ्यस्त।
वर्ज़ीदनी (ورزیدنی) फा वि.–ग्रहणीय, काविले कवूल, क़ाविले मश्क, अभ्यास के योग्य, अभ्यसनीय।
वर्तः (ورطہ) अ पु.–भँवर, जलावर्त; जान जोखिम का स्थान, प्राणघातक स्थल।
वर्तए हलाकत (ورطۂ ہلاکت) अ पु –ऐसा भँवर जिसमे पडकर मरने से छुटकारा न हो सके।
वर्तीज (ورتیج) अ पु –वटेर, वार्तक, वाना।
वर्द (ورد) अ. पु –गुलाव, गुलाव का फूल।
वर्दी (وردی) अ. वि –गुलाव के फूल-जैसा; गुलाव सम्वन्धी।
वर्दूक (وردوک) फा पु.–छप्पर, फूँस और वाँस की वनी हुई प्रसिद्ध छाजन।
वर्दे मुरव्वा (ورد مربیٰ) अ पु.–गुलकद, शकर और गुलाव के फूलो का मिश्रण।
वर्नः (ورنہ) फा. अव्य.–अन्यथा, नही तो, वगर्ना।
वर्राक (وراق) अ पु.–पुस्तकालयो मे कीडो से वचाने के लिए पुस्तको के पन्ने लौटने-पलटनेवाला व्यक्ति।
वर्रीद (وراد) अ वि –माली, वागवान, गुलाव के फूलो से अरक या गुलकद वनानेवाला।
वर्सः (ورثہ) अ पु –रिक्थ, दाय, मीरास, पैतृक सपत्ति, पुश्तैनी चली आनेवाली माफी आदि।
वलंदेज़ (ولندیز) अ पु –हालैड, यूरोप का एक राष्ट्र।
वलद (ولد) अ पु –पुत्र, तनय, सूनु, वेटा, लडका।
वलदीयत (ولدیت) अ स्त्री –लडकेवाला होना, बाप का नाम आदि।
वलदुज्जिना (ولد الزنا) अ पु –हरामी लड़का, जारज, सकर, दोगला।
वलदुलजारिय (ولد الجاریہ) अ. पु.–दासी-पुत्र, लौंडीवच्चा।
वलदुलहराम (ولد الحرام) अ. पु –दे 'वलदुज्जिना'।
वलह (ولہ) अ स्त्री –आसक्ति, मोह, इश्क।
वला' (ولع) अ पु –लोभ, लालच, आसक्ति, फिरेफ्तगी।
वली (ولی) अ. वि.–उत्तराधिकारी, वारिस, सहायक, मददगार, मित्र, दोस्त, महात्मा, ऋषि।
वलीअहद (ولی عہد) अ पु –वादशाह के वाद होनेवाला जानशीन, युवराज, राजकुमार।
वलीजः (ولیجہ) अ वि.–घनिष्ठ मित्र, गहरा दोस्त।
वलीद (ولید) अ पु –छोकरा, खिदमतगार लडका।
वली ने'मत (ولی نعمت) अ पु –स्वामी, मालिक, अभिभावक, सरपरस्त।
वलीमः (ولیمہ) अ पु –निकाह के वाद दूल्हा की ओर से दिया जानेवाला खाना, विवाह-भोज।
वलीयः (ولیہ) अ स्त्री –उत्तराधिकारिणी, वारिसा, महात्मा स्त्री, खुदा रसीदा, घोडे का पालान।
वलीयुल्लाह (ولی اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र अर्थात् पहुँचा हुआ सावु, महात्मा, महर्पि।

वलूद (ولود) अ स्त्री –बहुत अधिक संतान उत्पन्न करने वाली स्त्री, बहुप्रसवा।
वले (ولے) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे 'वलेकिन'।
वलेक (ولیک) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे 'वलेकिन'।
वलेकिन (ولیکن) फा अव्य –लेकिन, परंतु, मगर।
वल्लाह (واللہ) अ वा –ईश्वर की शपथ, खुदा की कसम।
वल्वल (ولولہ) अ पु –उत्साह, उमंग, आवेग, जोश, आत्मविस्मृति, बेखुदी, उदा०— 'जब वल्वल: सादिक़ होता है, जब अज़्मे मुसम्मम होता है, तक्मील का सामाँ गर्द से खुद उस वक़्त फ़राहम होता है।'
वल्वल अंगेज़ (ولولہ انگیز) अ फा वि –उत्साहवर्द्धक, उमंग बढ़ानेवाला, जोश पैदा करनेवाला।
वल्वल खेज़ (ولولہ خیز) अ फा वि –दे 'वल्वल अंगेज़'।
वश (وش) फा प्रत्य –समान, तुल्य, जैसे— 'माहवश' चाँद के समान।
वसख़ (وسخ) अ पु –मल, कुचैल, मैलापन, मल, मलिनता, मैला, मलिन।
वसन (وثن) अ पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत।
वसनी (وثنی) अ वि –मूर्तिपूजक, बुतपरस्त।
वसाइक़ (وثائق) अ पु –'वसीक़' का बहु, वसीक़े।
वसाइत (وسائط) अ पु –'वासित' का बहु, वासिते।
वसाइद (وسائد) अ पु –'विसाद' का बहु, मस्नदें, तकिए।
वसाइल (وسائل) अ पु –'वसील' का बहु, साधन, ज़रिए।
वसातत (وساطت) अ स्त्री –माध्यम, ज़रीया।
वसायत (وصایت) अ स्त्री –अभिभावकता, गार्जियनशिप।
वसाया (وصایا) अ पु –'वसीयत' का बहु, वसीयतें।
वसालत (وسالت) अ स्त्री –वसील, ज़रीअ, माध्यम।
वसाविस (وساوس) अ पु –'वसवस' का बहु, बुरे विचार, पैशाचिक विचार।
वासिख़ (وسخ) अ वि –मैला, गंदा, मलिन, मैला-कुचैला, मलयुक्त।
वसी (وصی) अ वि –जिसके लिए वसीयत की गयी हो, रिक्थाधिकारी।
वसीअ़ (وسیع) अ वि –विस्तृत, फैला हुआ, चौड़ा-चकला।
वसीउत्तज्रिब (وسیع التجربہ) अ वि –जिसका तज्रिबा बहुत बढ़ा हुआ हो, बहुदनुभव।
वसीउत्तालीम (وسیع التعلیم) अ वि –जिसकी शिक्षा बहुत अधिक हो, जो बहुत पढ़ा लिखा हो।
वसीउन्नज़र (وسیع النظر) अ वि –जिसकी दृष्टि दूर तक देख सकती हो, अग्रसोची, दूरदर्शी, बुद्धिमान, अनुभवसंपन्न।
वसीउन्नज़री (وسیع النظری) अ स्त्री –दूरदर्शिता, बुद्धिमत्ता।
वसीउलअख़्लाक़ (وسیع الخلق) अ वि –जिसकी शिष्टता और शीलता बहुत बढ़ी हुई हो, बहुश्शील।
वसीउलक़ल्ब (وسیع القلب) अ वि –जिसके हृदय में बड़ी गुंजाइश हो, बहुत ही उदार, उत्तान हृदय, उदाराशय।
वसीउल्मश्रब (وسیع المشرب) अ वि –जो हर धर्म पर आस्था रखे और किसी का दिल न दुखाये।
वसीक़ (وثیقہ) अ पु –लेखपत्र, व्यवस्था पत्र, दस्तावेज़, प्रतिज्ञापत्र, अहद्नामा, वह पेंशन जो किसी जायदाद आदि की ज़ब्ती के बाद मिले।
वसीक़ादार (وثیقہ دار) अ फा वि –वसीक़ा अर्थात् पेंशन पानेवाला।
वसीक़ानवीस (وثیقہ نویس) अ फा पु –दस्तावेज़ लिखनेवाला, मकानों की बिक्री की दस्तावेज़ें लिखनेवाला।
वसीत (وسیط) अ वि –जो कुल में उच्च श्रेणी का न हो परंतु पद में उच्च श्रेणी का हो।
वसीम (وسیم) अ वि –सुन्दर, शोभित, ख़ूबसूरत, अंकित, चिह्नित, निशान किया हुआ।
वसीयत (وصیت) अ स्त्री –मरनेवाले का अंतिम कथन, मरते समय अपनी जाइदाद और संपत्ति के प्रबंध अथवा व्यय के लिए अंतिम आदेश, प्रदिष्ट।
वसीयतनाम (وصیت نامہ) अ फा पु –वसीयत की क़ानूनी दस्तावेज़, इच्छापत्र, रिक्थपत्र, दायपत्र, मृत्युलेख।
वसील (وسیلہ) अ पु –साधन, उपकरण, ज़रीया, माध्यम, बिचौलिया।
वसीलए ज़फ़र (وسیلۂ ظفر) अ पु –सफलता का साधन, उन्नति का ज़रीया।
वसीलए नजात (وسیلۂ نجات) अ पु –मुक्ति का साधन, मोक्ष का ज़रीया, छुटकारे का उपाय, बचने का तरीक़ा।
वस्क़ (وثق) अ पु –विश्वास, भरोसा, एतिमाद, यक़ीन।
वस्ख़ (وسخ) अ पु –मैल-कुचैल, मलिनता, गंदगी।
वस्त (وسط) अ वि –बीच, मध्य, दरमियान।
वस्ती (وسطی) अ वि –बीच का, माध्यमिक, दरमियानी।
वस्ते माह (وسط ماہ) अ फा पु –महीने का बीच।
वस्नी (وسنی) फा स्त्री –सौत, वह दो स्त्रियाँ जिनका एक पति हो परस्पर वस्नी हैं।
वस्फ़ (وصف) अ पु –गुण, सिफ़त, प्रशंसा, तारीफ़, अच्छाई, ख़ूबी।
वस्फ़े इज़ाफ़ी (وصف اضافی) अ पु –वह गुण जो स्वाभाविक न हो, बीच में पैदा हो गया हो।

वस्मः (وسمہ) फा. पु –नील की पत्ती जिसका पहले खिजाब बनता था।
वस्ल (وصل) अ पु –जोड, मिलान; प्रेमी और प्रेमिका का संयोग, मिलन।
वस्लचः (وصلچہ) अ. फा पु –छोटी वस्ली।
वस्ली (وصلی) अ स्त्री.–मोटे और चिकने कागज के घुटे हुए तख्ते जिन पर लिखने का अभ्यास किया जाता है।
वस्लोहिज्र (وصل وھجر) अ. पु.–मिलन और वियोग, नायक और नायिका का आपस मे मिलना और विछुडना।
वस्वसः (وسوسہ) अ पुं –बुरा खयाल, बुरी शंका, अनिष्ट की शंका, वह धर्म विरुद्ध विचार जो शैतान उत्पन्न करता है; भ्रम, वह्म।
वस्वास (وسواس) अ. पु –दे 'वस्वस'।
वस्वासी (وسواسی) अ. वि –भ्रमी, वहमी।
वह्क़ (وھق) अ पु –कमद, जिससे ऊपर चढते है, पाश, रस्सी, फदा।
वहल (وحل) अ. स्त्री.–कीचड, कर्दम, जवाल, जलकल्क, सल्लाव।
वही (وحی) अ स्त्री –दे 'वह्' परन्तु बोलचाल मे 'वही' ही बोलते है।
वह्इ (وحی) अ. स्त्री –ईश्वर की ओर से आया हुआ पैगम्बर के लिए आदेश, वही।
वह्ए मुंज़ल (وحی منزل) अ. स्त्री –ईश्वर प्रेपित आदेश, खुदा की ओर से आया हुआ हुक्म।
वह्दः (وھدہ) अ. स्त्री –नीची जमीन जहाँ पानी भरे।
वह्दत (وحدت) अ स्त्री –एकत्व, एकता, इत्तिहाद, अद्वैत भाव, वहदानियत, ईश्वर को एक मानना।
वह्दतपरस्त (وحدت پرست) अ फा वि –अद्वैतवादी, ईश्वर को एक माननेवाला।
वह्दतपरस्ती (وحدت پرستی) अ फा स्त्री –अद्वैतवाद, ईश्वर को एक मानना।
वह्दतुलबूजूद (وحدت الوجود) अ स्त्री –यह सिद्धान्त कि ससार मे केवल एक ईश्वर के सिवा और कुछ नही है, ब्रह्मवाद।
वह्दते इरादी (وحدت ارادی) अ स्त्री –अपनी मर्जी से सबका मिलकर एक होना।
वह्दते क़ह्री (وحدت قہری) अ स्त्री –जबरदस्ती सब को एक करना, जो हृदय और विचारो की एकता न हो।
वह्दते नौई (وحدت نوعی) अ स्त्री –एक प्रकार की वस्तुओ की एकता।
वह्दते लिसानी (وحدت لسانی) अ स्त्री.–भाषा के दृष्टिकोण से एकता, सब की भाषा का एक होना।
वह्दते सहीहः (وحدت صحیحہ) अ स्त्री.–सच्ची एकता, वास्तविक मे एकता।
वह्दानियत (وحدانیت) अ. स्त्री –एकत्व, एकता, अकेलापन, अद्वैतवाद, ईश्वर के एक होने का सिद्धान्त।
वह्दानी (وحدانی) अ वि.–एकवाला, एक से सम्बन्ध रखनेवाला।
वह्न (وھن) अ स्त्री.–शिथिलता, ढीलापन, आलस्य, अकर्मण्यता, सुस्ती।
वह्ब (وھب) अ. स्त्री.–देन, पुरस्कार, बख्शिश, दान, ईश्वर की देन।
वह्बी (وھبی) अ. वि –ईश्वर का दिया हुआ, ईश्वरदत्त।
वह्म (وھم) अ. पु.–भ्रम, भ्रांति, वाहिम, भय, डर, शका, सदेह, शक।
वह्मअसास (وھم اساس) अ वि –जिसका आधार भ्रम पर हो, भ्रममूलक।
वह्मनाक (وھمناک) अ. फा. वि.–भ्रमपूर्ण, भ्रातिसंकुल, वहम से भरा हुआ।
वह्मी (وھمی) अ. वि.–भ्रमी, सशयात्मक, शक्की मिजाज।
वह्लः (وھلہ) अ पु –भय, त्रास, डर; बारी, दफा।
वह्ल (وھل) अ. पु.–ध्यान बँटना, ध्यान का दूसरी ओर चला जाना।
वह्श (وحش) अ. पु.–'वह्शी' का बहु, जगली जानवर जो आदमी से भडकते हो।
वह्शत (وحشت) अ. स्त्री –आदमियो से भड़कना, विदक, भय, त्रास, डर, सब से अलग रहना, पागलपन, मिराक।
वह्शतअंगेज (وحشت انگیز) अ. फा वि –मन मे वह्शत-पैदा करनेवाला, भयजनक, भीषण, डरावना, भयानक।
वह्शतअफ़्ज़ा (وحشت افزا) अ फा वि.–दे. 'वह्शत अगेज'।
वह्शतअसर (وحشت اثر) अ वि –दे 'वह्शतअगेज'।
वह्शतआसार (وحشت آثار) अ वि –दे 'वह्शतअगेज'।
वह्शतकदः (وحشت کدہ) अ फा. पु –वह स्थान जहाँ से भागने को जी चाहे, जो सुनसान और उजाड हो।
वह्शतखेज (وحشت خیز) अ फा वि –दे 'वह्शतअगेज'।
वह्शतगाह (وحشت گاہ) अ फा स्त्री –दे 'वह्शतकद'।
वह्शतजदः (وحشت زدہ) अ. फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ; जो वह्शत में हो, आतुर, उद्विग्न।
वह्शतजदगी (وحشت زدگی) अ फा स्त्री.–भयभीत होना; वह्शत में होना, उद्विग्नता।

वहशतजा (وحشت زا) अ फा वि —दे 'वहशतअंगेज़'।
वहशततराज़ (وحشت طراز) अ फा वि —दे 'वहशत अंगेज़'।
वहशतनसीब (وحشت نصیب) अ वि —जिसके भाग्य में वहशत ही वहशत हो।
वहशतनाक (وحشتناک) अ फा वि —भयानक, भीषण, डरावना, सुनसान निर्जन और डरावना स्थान।
वहशतसरा (وحشت سرا) अ फा स्त्री —दे 'वहशतकदा'।
वहशियान (وحشیانہ) अ फा वि —वहशियों-जैसा, पागलों-जैसा, निन्दनीय, जैसा बेरहमाना।
वहशी (وحشی) अ वि —जंगली पशु जो मनुष्यों से भागे, वह व्यक्ति जो मनुष्यों के समागम से बचे और अलग रहना पसन्द करे, पागल मिज़ाज।
वहशीतबअ (وحشی طبع) अ वि —दे 'वहशी मिज़ाज'।
वहशीमनिश (وحشی منش) अ फा वि —दे 'वहशी मिज़ाज'।
वहशीमिज़ाज (وحشی مزاج) अ वि —जो जंगली जानवरों की तरह आदमियों से भागे।
वहशीसिफ़त (وحشی صفت) अ वि —जंगली जानवरों जैसा, वहशियों की तरह।
वहशीतैर (وحش و طیر) अ पु —जंगली जानवर और जंगली चिड़िया।
वहहाज (وہاج) अ वि —ज्योतिर्मय, प्रकाशमान, चमकीला।
वहहाब (وہاب) अ वि —बहुत अधिक दान करनेवाला, वदान्य, ईश्वर का एक नाम।

वा

वा (وا) फा वि —खुला हुआ, कुशादा, पुनः, फिर (अव्य) हाय हाय, आह।
वा अजबाह (واعجباه) अ वा —कितनी आश्चर्य की बात है।
वा असफ़ा (وا اسفا) अ वा —हाय हाय, हाय रे।
वाइज़ (واعظ) अ वि —धर्मोपदेशक, वा'ज़ कहनेवाला।
वाई (واعی) अ वि —निरीक्षक, निगहबान, याद रखने वाला।
वाए (وائے) फा स्त्री —हाय हाय, हाय वाय।
वाए किस्मत (وائے قسمت) अ फा स्त्री —हाय रे भाग्य, हाय री तक़्दीर।
वाए तक्दीर (وائے تقدیر) फा अ स्त्री —दे 'वाए किस्मत'।
वाए नसीब (وائے نصیب) फा अ स्त्री —दे 'वाए किस्मत'।
वाए बरहाल (وائے برحال) फा स्त्री —हालत पर अफ़सोस।
वाक़िअ (واقعہ) अ पु —घटना, हादिसा, वृत्तान्त, हाल, समाचार, ख़बर, दुर्घटना, सानिहा।
वाक़िअतलब (واقعہ طلب) अ वि —जिसका सारा वृत्तान्त जानना आवश्यक हो, ऐसी घटना।
वाक़िअनवीस (واقعہ نویس) अ फा वि —समाचार, घटना लिखनेवाला, इतिहासकार, मुअर्रिख़।
वाक़िअ निगार (واقعہ نگار) अ फा वि —दे 'वाक़िअ नवीस'।
वाक़िअए हाइला (واقعۂ ہائلہ) अ पु —बहुत ही प्रचण्ड दुर्घटना।
वाक़िअतन (واقعتاً) अ वि —वास्तविक में, वस्तुतः, दरहक़ीक़त।
वाक़िआत (واقعات) अ पु —वाक़िअ का बहु०, घटनाएँ।
वाक़िआती (واقعاتی) अ वि —घटनाओं से सम्बन्धित, ठीक-ठीक, सच्चा-सच्चा, घटना से मुताबिक़।
वाक़िआते नफ़्सुलअम्री (واقعات نفس الامری) अ पु —ठीक-ठीक हालात जैसे घटित हुए हैं वैसे वृत्तांत।
वाक़िआते हाज़िरा (واقعات حاضرہ) अ पु —वर्तमान समय की घटनाएँ, वर्तमान समय की राजनीतिक घटनाएँ।
वाक़िआतोहालात (واقعات و حالات) अ पु —घटनाएँ और उनका विस्तारपूर्वक वर्णन।
वाक़िई (واقعی) अ वि —यथार्थतः, वास्तविक में, सचमुच।
वाक़िईयत (واقعیت) अ स्त्री —यथार्थता, वास्तविकता, अस्लीयत, सत्यता।
वाक़िफ़ (واقف) अ वि —अभिज्ञ, जानकार, आगाह, परिचित, शनासा, अनुभवी, तज्रिबाकार, किसी जाइदाद या संपत्ति को किसी कार्य विशेष के लिए दान करनेवाला, उत्सर्गकर्ता, समर्पणकर्ता।
वाक़िफ़े कार (واقف کار) अ फा वि —कार्य विशेष का जानकार, अनुभवी, तज्रिबाकार।
वाक़िफ़े हाल (واقف حال) अ वि —किसी की दशा से ठीक-ठीक परिचित, किसी घटना विशेष का वृत्तान्त जाननेवाला।
वाक़िफ़े हालात (واقف حالات) अ वि —सारी घटनाओं और घटना के सारे वृत्तान्त का जानकार।
वाक़ी (واقی) अ वि —निरीक्षक, निगरानी करनेवाला।
वाक़े (واقع) अ वि —घटित होनेवाला, घटित जो हो चुका हो।
वाख़िद (واخیدہ) फा वि —धुनकनेवाला।
वाख़ीद (واخیدہ) फा वि —धुनका हुआ, धुनकी हुई वस्तु।
वाख़ुर्द (واخوردہ) फा वि —जिससे मुलाक़ात की हो, साक्षात्कृत।

वाख्वास्त (واخواست) फा पु –हिसाब समझना, माँगना; फिर चाहना, वापस लेना।
वागीर (واگیر) फा पु.–पहलवानो की जोर करने की एक पद्धति जिसमे वह दोनो हाथ दीवार से टेककर एक एक हाथ की ओर छाती पर जोर देते है, इस तरह छाती चौडी होती है।
वागुज़श्त (واگذشت) फा. वि.–छूटा हुआ।
वागुज़ाश्त (واگذاشتہ) फा वि.–छूटा हुआ।
वागुज़ाश्त (واگذاشت) फा स्त्री –छूट, मुक्ति, आजाद, जो छूट गयी हो (जाइदाद आदि)।
वागुज़ार (واگزار) फा वि –छोडनेवाला।
वागुज़ारी (واگزاری) फा स्त्री –छूट, मुक्ति (जाइदाद आदि की)।
वागोयः (واگویہ) फा पु –वातचीत, वार्तालाप; चर्चा, जिक्र अर्थात सुनी हुई वात को कहना।
वाचीदः (واچیدہ) फा. वि –चुना हुआ, वीना हुआ, ज़मीन से वीनकर उठाया हुआ।
वा'ज़ (وعظ) अ पु –धर्मोपदेश, मज़्हवी नसीहते, उपदेश, सीख, नसीहत।
वाज़ (واز) फा वि.–स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट, खुला हुआ।
वाज़ख़्वाँ (وعظخواں) फा वि –दे. 'वाजगो'।
वाज़गूँ (وازگوں) फा वि –औंधा, अधोमुख, अवाङ्मुख; अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस।
वाज़गूनः (وازگونہ) फा वि –दे. 'वाज़गूँ'।
वा'ज़गो (وعظگو) अ फा वि –धर्मोपदेशक, वा'ज कहनेवाला।
वाज़िआने कानून (واضعان قانون) अ पु –विधान वनानेवाले, विधायकगण।
वाज़िआने दस्तूर (واضعان دستور) अ. पु –विधान वनानेवाले, विधायकगण।
वाज़िए कानून (واضع قانون) अ पु –कानून वनानेवाला, विधायक।
वाजिद (واجد) अ वि –प्राप्तकर्ता, पानेवाला, आविष्कारक, नयी वात निकालनेवाला।
वाजिव (واجب) अ वि –उचित, मुनासिव, आवश्यक, जुरूरी, अनिवार्य, लाजिमी; योग्य, लाइक, इस्लाम की परिभाषा में 'फर्ज़' से दूसरे दरजे की इवादत।
वाजिवात (واجبات) अ पु –'वाजिव' का वहु , वाजिव वातें, वाजिव इवादते।
वाजिवी (واجبی) अ वि –उचित, मौज़ूँ, ठीक, जितना ज़रूरी था उतना, किसी कदर कम।
वाजिवीयत (واجبیت) अ. स्त्री.–औचित्य, मुनासिवत।
वाजिवुज़्ज़ियारत (واجب الزیارت) अ वि.–दर्शन करने योग्य, देखने योग्य, जिसके दर्शन परम पुनीत हो।
वाजिवुत्तक्रीम (واجب التکریم) अ. वि.–आदर और समान करने योग्य, मान्य, पूज्य।
वाजिवुत्तर्दीद (واجب التردید) अ. वि –खडन के योग्य, खडनीय, तर्दीद के काविल, जिसका खडन आवश्यक हो।
वाजिवुत्तलव (واجب الطلب) अ. वि.–बुलाने के योग्य, जिसका वुलाना अनिवार्य हो।
वाजिवुत्तस्लीम (واجب التسلیم) अ. वि.–मानने के योग्य, मान्य, स्वीकार्य।
वाजिवुत्ता'ज़ीम (واجب التعظیم) अ. वि –आदर के योग्य, प्रतिष्ठित, मान्य, आदरणीय।
वाजिवुत्ता'ज़ीर (واجب التعزیر) अ. वि.–सजा देने के योग्य, दडनीय।
वाजिवुत्ता'मील (واجب التعمیل) अ. वि.–पालन करने योग्य (हुक्म), गवाह आदि को देने योग्य (सम्मन)।
वाजिवुर्रह्म (واجب الرحم) अ. वि.–रह्म खाने योग्य, दयनीय।
वाजिवुर्रिआयत (واجب الرعایت) अ. वि –रिआयत करने योग्य; दया करने योग्य।
वाजिवुलअदा (واجب الادا) अ वि.–देने या अदा करने योग्य, देय।
वाजिवुलअमल (واجب العمل) अ. वि –करने योग्य, करणीय, जिसका करना परम आवश्यक हो।
वाजिवुलअर्ज़ (واجب العرض) अ. वि.–कहने योग्य, प्रार्थना करने योग्य, किसान और जमीदार के वीच मे तै शुदा अधिकार।
वाजिवुलइआनत (واجب الاعانت) अ. वि.–सहायता के योग्य, मदद करने योग्य।
वाजिवुलइज़्हार (واجب الاظہار) अ वि –जिसका कहना और जाहिर करना आवश्यक हो।
वाजिवुलइताअत (واجب الاطاعت) अ वि –जिसकी आज्ञा का पालन जरूरी हो, जिसकी सेवा करना अनिवार्य हो।
वाजिवुलइत्तिवाअ (واجب الاتباع) अ वि –जिसका अनुकरण आवश्यक हो।
वाजिवुलइम्तिसाल (واجب الامتثال) अ वि.–जिसकी आज्ञा मानना जरूरी हो।
वाजिवुलइम्तिहान (واجب الامتحان) अ वि –जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।
वाजिवुलइम्दाद (واجب الامداد) अ वि.–जिसकी सहायता जरूरी हो।

वाजिबुलइस्लाह (واجب الاصلاح) अ वि –जिसका सुधार आवश्यक हो।
वाजिबुलईफा (واجب الایفا) अ वि –जिसका पालन आवश्यक हो (बात)।
वाजिबुलक़तअ (واجب القطع) अ वि –जिसका काटना जरूरी हो।
वाजिबुलक़त्ल (واجب القتل) अ वि –जिसका वध आवश्यक हो।
वाजिबुलख़िदमत (واجب الخدمت) अ वि –जिसकी सेवा करना आवश्यक हो।
वाजिबुलग़ज़ा (واجب الغزا) अ वि –जिसमे धर्म युद्ध करना जरूरी हो।
वाजिबुलमदह (واجب المدح) अ वि –जिसकी प्रशंसा करना अनिवार्य हो।
वाजिबुल्ला'न (واجب اللعن) अ वि –जिसको धिक्कृत करना अनिवार्य हो, जिस पर लानत भेजना जरूरी हो।
वाजिबुललौम (واجب اللوم) अ वि –जिसकी भर्त्सना और निंदा जरूरी हो।
वाजिबुलवुजूद (واجب الوجود) अ वि –जिसका अस्तित्व दूसरे के सहारे न हो अर्थात् ईश्वर जिसका अस्तित्व दूसरे के अधीन नहीं है, यानी वह स्वयंभू है।
वाजिबुलवुसूल (واجب الوصول) अ वि –जिसका प्राप्त होना आवश्यक हो जो किसी से वुसूल किया जाय प्राप्य।
वाजिबुलहम्द (واجب الحمد) अ वि –जिसकी स्तुति जरूरी हो।
वाजिबुलहुसूल (واجب الحصول) अ वि –जिसका मिलना या जिसका उपार्जन जरूरी हो।
वाजिबुस्सना (واجب الثنا) अ वि –जिसकी प्रशंसा आवश्यक हो।
वाजिबुस्सिफ़त (واجب الصفت) अ वि –जिसका गुणगान आवश्यक हो।
वाज़ूँ (واژوں) फा वि –उलटा अधोमुख बिल्कुल उल्टा।
वाज़ूनसाय (واژوں نصیب) अ फा वि –जिसकी तक़्दीर औंधी हो, हतभाग्य।
वाज़ूँबख़्त (واژوں بخت) फा वि –हतभाग्य उलटे नसीबा वाला औंधी तक़्दीरवाला।
वाज़ूँमुक़द्दर (واژوں مقدر) फा अ वि –> 'वाज़ूँबख़्त'।
वाज़े' (واضع) अ वि –बनानेवाला रचनेवाला रखनेवाला, धरनेवाला।
वाज़ेह (واضح) अ वि –स्पष्ट, ज़ाहिर बहुत ही साफ़।
वा'ज़ोपन्द (وعظ و پند) अ फा पु –तरह-तरह की नसीहतें।
वा'द (وعد) अ पु –प्रतिज्ञा, वचन अहद, संविदा इक़रार।
वा'द ख़िलाफ़ (وعدہ خلاف) अ वि –प्रतिज्ञा भंग कर देने वाला वादा न पूरा करनेवाला।
वा'द ख़िलाफ़ी (وعدہ خلافی) अ स्त्री –प्रतिज्ञा भंग करना वचन पूरा न करना।
वा'द गाह (وعدہ گاہ) अ फा स्त्री –जहाँ का वादा हो जहाँ मिलने का क़रार हो।
वा'द फ़रामोश (وعدہ فراموش) अ फा वि –प्रतिज्ञा करके भूल जानेवाला वचन देकर याद न रखनेवाला।
वा'द फ़रामोशी (وعدہ فراموشی) अ फा स्त्री –वचन देकर याद न रखना, वादा करके भूल जाना।
वा'द फ़र्मा (وعدہ فرما) अ फा वि –वचन देनेवाला वादा करने वाला।
वा'द फ़र्माई (وعدہ فرمائی) अ फा स्त्री –वचन देना प्रतिज्ञा करना।
वा'द वफ़ा (وعدہ وفا) अ वि –वचन पूरा करनेवाला बात कहकर पूरी करनेवाला।
वा'द वफ़ाई (وعدہ وفائی) अ स्त्री –बात कहकर निबाहना प्रतिज्ञा पूरी करना।
वाद शिकन (وعدہ شکن) अ फा वि –प्रतिज्ञा भंग करने वाला बात कहकर पालन न करनेवाला।
वा'द शिकनी (وعدہ شکنی) अ फा स्त्री –प्रतिज्ञा भंग कर देना बात कहकर पूरी न करना।
वा'द (وعد) अ पु –शुभ समाचार खुश ख़बरी।
वा'दए दीद (وعدۂ دید) अ फा पु –दर्शन देने का क़रार, मुँह दिखाने और मिलने का वादा।
वा'दए फ़र्दा (وعدۂ فردا) अ फा –कल के मिलने का वादा जो कभी पूरा नहीं होता।
वा'दए महशर (وعدۂ محشر) अ पु –क़ियामत में मिलने का वचन अर्थात् न मिलने की बात।
वा'दए वस्ल (وعدۂ وصل) अ पु –मिलन का क़रार साथ सोने का क़रार।
वा'दए शब (وعدۂ شب) अ फा पु –रात में आने का क़रार।
वा'दए हश्र (وعدۂ حشر) अ पु –> 'वा'दए महशर'।
वादिए ऐमन (وادی ایمن) अ स्त्री –वह घाटी जहाँ हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।
वादिए तूर (وادی طور) अ स्त्री –तूर पहाड़ की घाटी जहाँ हज़रत मूसा ने ईश्वर की झलक देखी थी।
वादी (وادی) अ उभ –घाटी पहाड़ के बीच का मैदान, जंगल कानन वन।

वादीगर्द (وادی گرد) अ. फा वि –घाटियो मे मारा-मारा फिरनेवाला, जगलो मे फिरनेवाला।

वादीद (واديد) फा. स्त्री –वाजदीद, मुलाकात करनेवाले की मुलाकात।

वादीनवर्द (وادی نورد) अ फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वादीनशी (وادی نشیں) अ फा. वि.–जगल मे रहनेवाला, वनस्थ।

वादीपैमा (وادی پیما) अ. फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वान (وان) फा प्रत्य.–वाला, जैसे–'दरवान' अर्थात् दरवान।

वानमूदः (وانموده) फा वि –प्रकट किया हुआ, दिखाया हुआ।

वापस (واپس) फा. वि –प्रत्यागत, लौटा हुआ, वापस आया हुआ, प्रतिदत्त, वापस दिया हुआ, अथवा छिपा हुआ।

वापसआमदः (واپس آمده) फा.–वापस लौटा हुआ, प्रत्यागत।

वापिस दादः (واپس داده) फा वि –वापस दिया हुआ, प्रतिदत्त।

वापसीं (واپسیں) फा. वि –अतिम, आखिरी।

वापसी (واپسی) फा स्त्री.–प्रत्यागम, लौटना, प्रतिदान, लौटाना, फेरना, वापस देना।

वाफिद (وافد) अ पु –प्रतिनिधि, मुमाइदा, दूत, एलची; पत्रवाहक, कासिद।

वाफिर (وافر) अ. वि –प्रचुर, वहुत, अत्यधिक, वहुत जियादा।

वाफिल हस्व[हसव] (وافی الحسب) अ वि –जो व्यक्ति, विद्या और दूसरे गुणो से सपन्न हो।

वाफी (وافی) अ वि –सपूर्ण, समग्र, पूरा, तमाम, प्रचुर, अत्यधिक, काफी।

वावस्तः (وابستہ) फा. वि –आवद्ध, वँधा हुआ, सवद्ध, सम्वन्धित, मुतअल्लिक, सलग्न, सूत्रित, नत्थी, स्वजन, आत्मीय, रिश्तेदार।

वावस्तए इश्क (وابستۂ عشق) फा. अ वि –प्रेमावद्ध, प्रेम-पाश मे वँधा हुआ, मुग्ध, मोहित।

वावस्तए जुल्फे (وابستۂ زلف) फा. वि –प्रेमिका की अलक पाश मे वँधा हुआ अर्थात्, मुग्ध, आसक्त।

वावस्तगाँ (وابستگاں) फा पु –'वावस्त' का वहु, वँधे हुए लोग।

वावस्तगाने महव्वत (وابستگان محبت) फा अ. पु –प्रेम पाश मे वँधे हुए प्रेमी।

वावस्तगी (وابستگی) फा वि –वँधाव, वन्धन, सपर्क; सम्वन्ध, प्रेम, स्वजनता, अपनापन।

वाम (وام) फा. पु –ऋण, कर्ज, वर्ण, रग।

वामख्वाह (وام خواه) फा वि –ऋण-ग्राही, अधमर्ण, कर्ज़दार।

वामांदः (وامانده) फा वि –थका हुआ, थककर पीछे रहा हुआ, दीन, दुखी, लाचार।

वामांदए राह (وامانده راه) फा वि.–रस्ते मे थककर वैठा हुआ, रस्ते मे थकन के कारण अपने साथियो से छूटा हुआ।

वामांदगी (واماندگی) फा. स्त्री –थकावट, राह मे थककर रह जाना, दीनता, नि सहायता, लाचारी।

वामिक (وامق) अ पु.–चाहनेवाला, प्यार करनेवाला; अरव का एक प्रेमी जो 'अज्रा' पर आशिक था।

वामुसीवता (وامصیبتا) अ वा –हाय री मुसीवत, हाय मुसीवत, किसी विपत्ति के समय वोलते है।

वायः (وایه) फा पु –मनोकामना, मुराद; अफीम आदि की रोज की वँधी हुई खुराक, मात्रा, मिक्दार।

वारः (واره) फा वि –समान, तुल्य, स्वभाव, ऋतु, स्वामी।

वार (وار) फा पु –आघात, चोट, जर्व, आक्रमण, हम्ला; योग्य, पात्र, लाइक, पद्धति, रविश, (प्रत्य) करनेवाला या वाला—जैसे 'सोगवार' या 'तक्सीरवार'।

वारफ़्तः (وارفته) फा वि –खोया हुआ, आत्मविस्मृत, वेसुध, वेखुद, शिथिल, निढाल।

वारफ़्तःतव्अ (وارفته طبع) अ फा. वि –दे 'वा० मिजाज'।

वारफ़्तःमिजाज (وارفته مزاج) फा. अ वि –जो खोया खोया-सा रहता हो, ऊलजलूल, लाउवाली।

वारफ़्त.मिजाजी (وارفته مزاجی) फा अ. स्त्री –खोया खोया-सा रहना, उलजलूलपन।

वारफ़्तगाँ (وارفتگاں) फा पु –'वारफ्त' का वहु, प्रेम मे खोये हुए लोग।

वारफ़्तगी (وارفتگی) फा स्त्री –खोया-खोयापन, आत्म-विस्मृति, ऊलजलूलपन।

वारसीदः (وارسیده) फा वि –पहुँचा हुआ, विगत, सूचित, मुत्तला।

वारसीदगी (وارسیدگی) फा स्त्री –पहुंचना, खवर पाना।

वारस्त. (وارسته) फा वि.–स्वच्छंद, निश्चिन्त, वेफिक्र, आजाद।

वारस्त.मिजाज (وارسته مزاج) फा अ वि.–स्वच्छद प्रकृति, आजाद मिजाज, मनमौजी।

वारस्त.मिजाजी (وارسته مزاجی) फा अ स्त्री –प्रकृति की स्वच्छंदता, आज़ाद मिजाजी, मन की मौज।

वारस्तगी (وارستگی) फा स्त्री –स्वच्छन्दता, निश्चिन्तता, आजादी, मन मौजीपन।

वारिद (وارد) अ वि –आनेवाला, आगामी, आया हुआ आगत, दूत कासिद।

वारिदात (واردات) अ स्त्री –'वारिद का बहु आनेवाले अर्थात घटित होनेवाले यह शब्द उर्दू में एक वचन के लिए व्यवहृत है कहते है 'वारिदात हो गयी' घटना, वाकिआ।

वारिदाते क़ल्ब (واردات قلب) अ पु –हृदय में आनेवाली विचार धाराएँ महात्माओं के हृदय पर पड़नेवाले द्रव्य प्रकाश।

वारिस (وارث) अ वि –उत्तराधिकारी वली रिक्थाधिकारी अभिभावक सरपरस्त।

वारिसे तख़्तोताज (وارث تخت و تاج) अ फा पु –युवराज, राजकुमार शाहज़ादा वली अहद।

वारिसे ताजोनगीं (وارث تاج و نگیں) अ फा पु –दे वारिसे तख़्तोताज।

वाल (وال) फा पु –एक रेशमी बारीक कपड़ा।

वाल (وال) फा स्त्री –एक सितेदार मछली।

वाला (والا) फा वि –प्रतिष्ठित मान्य, उच्च उत्तम महान महत्त्वपूर्ण श्रेष्ठ उत्तम।

वालाक़द्र (والاقدر) फा अ वि –उत्तम प्रतिष्ठित बड़ी इज़्ज़तवाला।

वालागुहर (والاگہر) फा वि –उत्तम कुल कुलीनतम बहुत प्रतिष्ठित कुलवाला।

वालाजाह (والاجاہ) फा वि –दे वालाक़द्र।

वालादूदमा (والادودماں) फा वि –दे वालागुहर।

वालानज़ाद (والانژاد) फा वि –दे वालागुहर।

वालानामा (والانامہ) फा पु –आदरपत्र कृपापत्र बड़े व्यक्ति का पत्र।

वालामरतबत (والامرتبت) फा अ वि –दे वालाक़द्र।

वालाशान (والاشان) फा अ वि –दे वालाक़द्र।

वालासिफ़ात (والاصفات) फा अ वि –उत्तम गुण बहुत अच्छे और प्रतिष्ठित गुणोंवाला।

वालाहिमम (والاهمم) फा अ वि –उच्चोत्साही बड़ी हिम्मतवाला।

वालाहिम्मत (والاهمت) फा अ वि –बड़ी हिम्मतवाला बड़े साहसवाला महोत्साह महासाहस।

वालिए अक़्रब (والئ عقرب) अ पु –मंगलग्रह जो वृश्चिक राशि का स्वामी है।

वालिए तख़्तोताज (والئ تخت و تاج) अ फा वि –युवराज वली अहद।

वालिए मुल्क (والئ ملک) अ पु –किसी राष्ट्र का शासक राजा, बादशाह।

वालिए रियासत (والئ ریاست) अ पु –किसी रियासत का स्वामी रईस राजा।

वालिदा (والدہ) अ स्त्री –माता मात, जननी प्रसवित्री, अंबिका अंबा।

वालिद (والد) अ पु –पिता, पित, जनक अब जनक प्रसवी।

वालिदए मोहतरमा (والدۂ محترمہ) अ स्त्री –पूज्य माता।

वालिदे माजिद (والد ماجد) अ पु –पूज्य पिता।

वालिदैन (والدین) अ पु –माता पिता पितरौ मातर पितरौ मातापितरौ।

वालिहाना (والہانہ) अ फा वि –प्रेमियों-जैसा प्रेमपूर्वक।

वाली (والی) अ पु –मित्र दोस्त, शासक हाकिम।

वालेह (والہ) अ वि –मुग्ध आसक्त फ़रेफ़्ता जो प्रेम में सुध-बुध खो चुका हो।

वावैला (واویلا) फा वा –हाय अफ़सोस, कोलाहल नारो गुल हाहाकार, कोहराम।

वाशिगाफ़ (واشگاف) फा वि –प्रकट, स्पष्ट खुला हुआ।

वाशी (واشی) अ वि –मिथ्यावादी असत्यभाषी झूठा, निन्दक चुगलख़ोर, छिद्रान्वेषी ऐबची।

वाशुदा (واشدہ) फा वि –प्रफुल्ल विकसित खिला हुआ शिगुफ़्ता।

वाशुद (واشد) फा स्त्री –खिलावट प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी।

वाशुदगी (واشدگی) फा स्त्री –शिगुफ़्तगी प्रफुल्लता विकास खिलावट।

वाशुदनी (واشدنی) फा वि –विकसित होने योग्य खिलने योग्य शिगुफ़्तनी।

वासिक़ (واثق) अ वि –दृढ़ मज़बूत न टूटनेवाला।

वासिता (واسطہ) अ पु –माध्यम दरमियानी संपर्क, सम्बन्ध तअल्लुक़।

वासित (واسط) अ वि –बीचवाला, मध्यवर्ती, इराक़ में बसे और बग़दाद के बीच एक नगर जहाँ का क़लम बहुत अच्छा होता है।

वासिती (واسطی) अ वि –वासित नगर का, विशेषत क़लम के लिए आता है।

वासिफ़ (واصف) अ वि –प्रशंसक तारीफ़ करनेवाला।

वासिल (واصل) अ वि –मिलनेवाला, मुलाक़ात करनेवाला, सटा हुआ संयुक्त।

वासिलबहक़ (واصل بحق) अ फा वि –ईश्वर से मिलनेवाला निर्वाण।

वासिलबाक़ी (واصل باقی) अ वि –वुसूल और बाक़ी का हिसाब।

वासिलवाकी नवीस (واصل باقی نویس) अ फा. पु –खज़ाने का एक मुहर्रिर जो आय-व्यय का हिसाब रखता है।

वासिलात (واصلات) अ. स्त्री –कुल आय का जोड़, आमदनी का मीज़ान।

वासे' (واسع) अ. वि –फैलानेवाला, विस्तार करनेवाला; विस्तृत, वसीअ; ईश्वर का एक नाम।

वासोख़्तः (واسوختہ) फा वि.–जला हुआ विदग्ध; रूठा हुआ, बेज़ार।

वासोख़्त (واسوخت) फा. पुं –उर्दू पद्य की एक किस्म जो मुसद्दस के रूप में होता है और जिसमे प्रेमिका के व्यवहार से नाराज़ होकर प्रेम छोड़ देने और प्रेमिका को त्यागने का वर्णन होता है।

वासोख़्तगी (واسوختگی) फा. स्त्री.–जलन, तपन; बेज़ारी, नाराज़ी।

वाह (واہ) फा अव्य –ख़ूब, साधु, धन्य।

वाह वाह (واہ واہ) फा. वि धन्य-धन्य, साधु-साधु, ख़ूब-ख़ूब।

वाहसरता (واحسرتا) हाय अफ्सोस, शोक के समय पर बोलते हैं।

वाहिदः (واحدہ) अ पु –इकाई, यूनिट।

वाहिद (واحد) अ वि –एक, यक, ईश्वर का एक नाम।

वाहिदुलऐन (واحد العین) अ वि –एक आँखवाला, एकाक्ष, काण, काना।

वाहिब (واہب) अ. वि –देनेवाला, प्रदान करनेवाला, दाता।

वाहिबुननिअम (واہب النعم) अ पु –दे 'वाहिबुलअताया'

वाहिबुलअताया (واہب العطایا) अ. पु –पुरस्कार और उत्तम वस्तुएँ देनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

वाहिम: (واہمہ) अ. पु –भ्रम, भ्राति, वह्म, कल्पना शक्ति।

वाहिम (واہم) अ वि –भ्रमी, वह्म करनेवाला, वहमी, शक्की।

वाहियात (واہیات) अ स्त्री –'वाही' का बहु, निरर्थक और व्यर्थ बातें।

वाही (واہی) वि –शिथिल, सुस्त, व्यर्थ, अनर्गल, फ़ुज़ूल।

वि

विआ (وعا) अ पु.–पात्र, बरतन, ज़र्फ़'।

विकाअ (وقاع) अ पु –युद्ध, लड़ाई, मैथुन, सहवास, मुबाशरत।

विकायः (وقایہ) अ पु –रक्षा, देख-रेख, हिफ़ाज़त, जिससे किसी चीज़ की रक्षा करे।

विकायत (وقایت) अ. स्त्री –देख-भाल, रक्षा, हिफ़ाज़त।

विकार (وقار) अ पु.–दे. 'वकार' शुद्ध वही है, परंतु फ़ार्सीवाले बहुत जगह 'वाव' को ज़ेर पढ़ते हैं, उसी से से यह भी है।

विकालत (وکالت) अ. स्त्री –दे. 'वकालत', दोनों शुद्ध हैं।

विजार (وجار) अ पु –बिज्जू, भेड़िया, वृक।

विज़ारत (وزارت) अ. स्त्री.–मंत्री का पद, मंत्रित्व, मंत्री का काम।

विज़ारतख़ानः (وزارت خانہ) अ. फा. पु.–मंत्रालय, वज़ीर का दफ्तर।

विज़ारते उज़्मा (وزارت عظمیٰ) अ. स्त्री.–प्रधानमंत्री का पद।

विज़ारते ख़ारिजः (وزارت خارجہ) अ. स्त्री –विदेशी कामों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, परराष्ट्र-मंत्रित्व।

विज़ारते दाख़िलः (وزارت داخلہ) अ स्त्री –देश के भीतरी विषयों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, गृहमंत्रित्व।

विज्द (وجد) अ पु –शक्तिशाली होना, धनवान् होना; प्राप्त होना।

विज्दान (وجدان) अ पु –खोये हुए को पाना, जानना; खोजना, काव्य रसज्ञता, सहृदयता, ज़ौक।

विज्दाने सहीह (وجدان صحیح) अ पु –शुद्ध काव्य रसज्ञता, सच्चा ज़ौक।

विज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल, दे. 'वज्न.' और 'वुज्न', सब शुद्ध हैं।

विज़्र (وزر) अ पु –भार, बोझ, पीठ पर लादने भर का बोझ, पाप, गुनाह, उपकरण, औज़ार।

वित्र (وتر) अ पु –एक, अकेला, वह सख्या जो दो पर न बटे, विषम।

विदाअ (وداع) अ स्त्री –दे 'वदाअ', शुद्ध उच्चारण वही है, फ़ार्सी में 'विदाअ' हो गया है।

विदाद (وداد) अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक (وفاق) अ पु अनुकूलता, मुआफ़कत, मैत्री, दोस्ती, कई राष्ट्रों का सयुक्त मोरचा।

विफ़ाकत (وفاقت) अ. स्त्री –अनुकूलता, मुआफ़कत, मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाकी (وفاقی) अ वि –विफ़ाक सम्बन्धी, सयुक्त मोरचे वाला (वाली)।

विरासत (وراثت) अ स्त्री –दायाधिकार, रिक्थाधिकार, उत्तराधिकार, मीरास पाना।

विर्द (ورد) अ पु –किसी बात को बार-बार कहना या करना।

विला (ولا) अ स्त्री—प्रेम मुहब्बत आस्था श्रद्धा भक्ति पूज्य जनों का प्रेम।
विलादत (ولادت) अ स्त्री—उत्पत्ति जन्म पैदाइश।
विलायत (ولايت) अ स्त्री—परराष्ट्र अन्य देश, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि को कहा जाता था, अब यूरोप और विशेषकर इंगलैंड को कहते हैं, वली या ऋषि होने का भाव अथवा उनका पद।
विलायती (ولايتی) अ वि—विलायत का विलायत वाला विलायत से आया हुआ।
विसाद (وساده) अ पु—वस्त्र तकिया, मसनद।
विसाल (وصال) अ पु—मिलन मेल, प्रेमी और प्रेमिका का संयोग किसी धार्मिक और पूज्य व्यक्ति का निधन या देवलोक गमन।

वी

वीरा (ويرا) फा वि—'वीरान' का लघु दे 'वीरान'।
वीराकुन (ويرانکن) फा वि—वीरान करनेवाला, ध्वंसकारी खंडहर बना देनेवाला बरबाद कर देनेवाला।
वीरागर (ويرانگر) फा वि—वीरान करनेवाला ध्वंसकारी डाकू लुटेरा।
वीरासरा (ويرانسرا) फा स्त्री—वीरान स्थान अर्थात मसान।
वीरान (ويران) फा पु—वीरान निर्जन स्थान वन कानन जंगल।
वीरानन्शीं (ويرانه‌نشين) फा वि—वीरान में रहनेवाला जंगल में रहनेवाला।
वीरानःपसंद (ويرانه‌پسند) फा वि—जिसे वीराने में रहना अच्छा लगता हो।
वीरान (ويران) फा वि—निर्जन स्थान जहाँ आदमी न हो जंगल वन जिस स्थान की इमारत गिर गयी हो जो मकान आदि खंडहर हो गया हो।
वीरानी (ويرانی) फा स्त्री—निर्जनता भग्न का भाव जंगलपन खंडहरपन वीरानका।

वु

वुअ'आज (وعاظ) अ पु—'वाइज़' का बहु वाइज़ लोग धर्मोपदेशक गण।
वुऊद (وعود) अ पु—वाद का बहु वाद प्रतिज्ञाएँ।
वुक़ूअ (وقوعه) अ पु—घटना, दुर्घटना वाक़िआ हादिसा।
वुक़ूअ (وقوع) अ पु—प्रकट होना घटित होना वाक़े होना घटना वाक़िआ।

वुक़ूए जुर्म (وقوع جرم) अ पु—किसी अपराध का घटित होना अपराध होना।
वुक़ूए सानिह (وقوع سانحه) अ पु—किसी घटना का घटित होना वाक़िआ ज़ाहिर होना।
वुक़ूए हादिसा (وقوع حادثه) अ पु—किसी दुर्घटना का घटित होना, कोई बुरी घटना होना।
वुक़ूद (وقود) अ पु—आग जलना या जलाना।
वुक़ूफ़ (وقوف) अ पु—ज्ञान जानकारी परिचय।
वुज़रा (وزرا) अ पु—'वज़ीर' का बहु वज़ीर लोग मंत्रिगण।
वुज़ू (وضو) अ पु—साफ़ चेहरे का होना, चेहरे की सफ़ाई और स्वच्छता नमाज़ के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना।
वुजूद (وجود) अ पु—अस्तित्व हस्ती उपस्थिति मौजूदगी देह, जिस्म।
वुजूदोअदम (وجودوعدم) अ पु—होना और न होना हस्ती और नेस्ती अस्तित्व और अनस्तित्व।
वुजूब (وجوب) अ पु—वाजिब होना आवश्यक होना अनिवार्य होना।
वुज़ूशिकन (وضوشکن) अ वि—वुज़ू तोड़ देनेवाला इस भाँति का सौन्दर्य) (विशेषतः सौन्दर्य)।
वुजूह (وجوه) अ पु—वज्ह का बहु कारण-समूह।
वुज्न (وجنه) अ पु—कपोल गाल दे विज्न और वज्न तीनों शुद्ध हैं।
वुफ़ूद (وفود) अ पु—वफ़्द का बहु, प्रतिनिधि मंडल समूह शिष्ट मंडलों का समूह।
वुफ़ूर (وفور) अ पु—आधिक्य प्राचुर्य बाहुल्य इफ़रात।
वुफ़ूरे इस्तिराब (وفور اضطراب) अ पु—घबराहट की अधिकता।
वुफ़ूरे ग़म (وفور غم) अ पु—शोक अथवा दुःख का बाहुल्य शोकाधिक्य।
वुफ़ूरे शौक़ (وفور شوق) अ पु—लालसा और अभिलाषा की बहुतायत उत्कंठा।
वुरूद (ورود) अ पु—आगमन आना प्रवेश दाखिला।
वुरूदे मसऊद (ورود مسعود) अ पु—शुभागमन किसी बड़े और पूज्य व्यक्ति का पदार्पण।
वुरूदे मुबारक (ورود مبارک) अ पु—दे वु मसऊद।
वुलात (ولات) अ पु—'वाली' का बहु स्वामिगण शासकगण।
वुलूअ (ولوع) अ पु—लाभ लिप्सा लालच लोभ होना लालच होना।

वुलूग़ (ولوغ) अ पु –कुत्ते का चपड़-चपड़ करके पानी पीना, कुत्ते का पानी मे मुंह डालना।

वुलूज (ولوج) अ पु.–एक चीज का दूसरे मे प्रवेश।

वुशाक़ (وشاق) तु. पु –छोकरा, ऐसा खिदमतगार लड़का जिसके दाढी-मूंछ न निकली हो।

वुशात (وشاة) अ. पु –'वाशी' का बहु, निंदक लोग, छिद्रान्वेषी लोग, झूठे लोग।

वुस्ता (وستا) फा. पु.–पारसियो के धर्म ग्रथ 'जंद' का महाभाष्य, उस्ता।

वुसूल (وصول) अ. पु.–पहुँचना, जाना, प्राप्त होना, मिलना; प्राप्ति, वुसूली।

वुसूलबाक़ी (وصول باقی) अ पु.–जो आया और जो बाकी रहा।

वुसूलयाब (وصول یاب) अ. फा. वि.–प्राप्त, लब्ध, वुसूल।

वुसूलयाबी (وصول یابی) अ फा. स्त्री –प्राप्ति, वुसूली।

वुसूली (وصولی) अ. वि –प्राप्ति, वुसूलयाबी।

वुस्अ (وسع) अ स्त्री –विस्तार, लबाई-चौडाई, शक्ति, जोर, सामर्थ्य, मक्दिरत।

वुस्अत (وسعت) अ. स्त्री –लंबाई-चौडाई, विस्तार, सामर्थ्य, मक्दूर, शक्ति, ताकत।

वुस्अततलब (وسعت طلب) अ. वि.–जिसके लिए विस्तार की आवश्यकता हो।

वुस्अतपिजीर (وسعت پذیر) अ फा. वि –विस्तृत, विशाल, लबा-चौड़ा।

वुस्अते अख्लाक़ (وسعت اخلاق) अ स्त्री –शिष्टता और सुशीलता के व्यवहार का आधिक्य।

वुस्अते करम (وسعت کرم) अ स्त्री –दानशीलता और वदान्यता का प्राचुर्य।

वुस्अते क़ल्ब (وسعت قلب) अ. स्त्री –हृदय का विस्तार, उदारता।

वुस्अते शौक़ (وسعت شوق) अ स्त्री –अभिलाषा की तीव्रता।

वुस्अते सह्रा (وسعت صحرا) अ स्त्री –जगल का विस्तार।

वुस्अते हौसलः (وسعت حوصلہ) अ स्त्री –साहस का आधिक्य।

वुस्ता (وسطیٰ) अ वि –दरमियानी, वीच की, वीच की उँगली, मध्यमा।

वुस्लत (وصلت) अ स्त्री.–पैवद, जोड; स्वजनता, रिश्तेदारी, संयोग, मिलन, वस्ल।

वुहूश (وحوش) अ. पु –'वह्श' का बहु, जगली जानवर।

वुहूशोतुयूर (وحوش وطیور) अ पु –जगली जानवर और जगली चिड़ियाँ।

वै

वैल (ویل) अ पु –हाय, हा, अफ्सोस; शत्रुता, दुश्मनी, आपत्ति, कष्ट; आपत्ति के समय रोना-धोना; दोजख का एक तल।

वैलकश (ویل کش) अ. फा. वि.–शत्रुता निवाहनेवाला, बदी का वदला लेनेवाला।

वैस (ویس) अ पु –धिक्कार, लानत।

वैह (ویح) अ पु –साधु, अहो, खूब; हाय, हा हत, डाट-फटकार।

वैहकल्लाह (ویحک اللہ) अ. वा.–ईश्वर तुझे खराब करे।

श

शंग (شنگ) फा. वि.–चपल, चंचल, शोख, लुठक, लुटेरा, बटमार; तस्कर, चोर।

शंगर्फ (شنگرف) फा.पु.–ईंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ।

शंगुल (شنگل) फा. वि– चपल, चचल, शोख, छली, चालाक; लुटेरा, बटमार।

शंगूल (شنگول) फा. वि –दे. 'शगुल'।

शंजर्फ (شنجرف) फा.पु –दे. 'शगर्फ'।

शंबः (شنبہ) फा पु –वार, दिन; शनैश्चर, सनीचर, फार्सी उच्चारण 'शबेह' है।

शअफ (شعف) अ पु –प्रेम, स्नेह, अनुराग, महब्बत।

शआइर (شعائر) अ पु –'शईर' का बहु, आराधनाएँ, इबादतें; पशुओ की बलि, कुर्बानियाँ।

शआफ (شعاف) अ पु –उन्माद, सिडीपन, पागलपन, मिराक़

शईरः (شعیرہ) अ स्त्री –पशुबलि, कुर्बानी, आराधना, इबादत; आँख की गुहांजनी।

शईर (شعیر) अ पु –जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न।

शए जाइद (شئ زائد) अ स्त्री –वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से जाइद हो, फालतू।

शए मक्फूल (شئ مکفولہ) अ स्त्री –वह वस्तु जो गिरवी हो, बंधक।

शए मबीअः (شئ مبیعہ) अ स्त्री –बेची हुई वस्तु, बिकी हुई चीज, विक्रीत।

शए मुतनाज़िअः (شئ متنازعہ) अ स्त्री –झगडेवाली चीज, जिस पर झगडा हो।

शए लतीफ (شئ لطیف) अ स्त्री –प्रतिभा, जिहानत, दक्षता, कुशलता, चतुराई।

शक [श्क] (شک) अ पु—शंका, आशंका, सन्देह, शुबहा, भ्रम, भ्रान्ति, वहम।
शक़ [श्क़] (شق) अ पु—फटना, विदारण, फटा हुआ, विदीर्ण।
शक़आफ़रीं (شق آفریں) अ फा वि—शक पैदा करनेवाला, शंकाजनक।
शकर (شکر) फा स्त्री—खाँड, शक्कर, चीनी।
शकरआब (شکرآب) फा स्त्री—दे 'शकराब'।
शकरक़न्द (شکرقند) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध कन्द, शकरकंदी।
शकर ख़न्दः (شکرخندہ) फा पु—दे 'शकरख़न्द'।
शकरख़न्द (شکرخند) फा पु—मीठी हँसी, मुस्कुराहट।
शकरचश (شکرچش) फा पु—नमूना, बानगी, निदर्शन।
शकरख़ा (شکرخا) फा वि—शकर चबानेवाला, मधुरभाषी, मिष्टवाणी।
शकरख़ोर (شکرخور) फा वि—शकर खानेवाला।
शकरख़्वाब (شکرخواب) फा पु—मीठी नींद, सुषुप्ति, सवेरे की नींद।
शकरख़्वारः (شکرخوارہ) फा वि—शकर खानेवाला, रस लेनेवाला, आनंदग्राही।
शकरगुफ़्तार (شکرگفتار) फा वि—मीठी बात करनेवाला, मधुरभाषी, शीरीज़बाँ।
शकरगुफ़्तारी (شکرگفتاری) फा स्त्री—मीठी मीठी बातें करना, शीरीज़बानी।
शकरचश (شکرچش) फा पु—शकर खानेवाला, नमूना, बानगी, रस लेनेवाला।
शकरज़ार (شکرزار) फा पु—जहाँ शकर ही शकर हो, जहाँ मिठास बहुत हो।
शकरतरी (شکرتری) फा स्त्री—सफ़ेद शकर, चीनी, दाना।
शकरदान (شکردان) फा पु—शकर रखने का बरतन, खँड़पात्र।
शकरपा (شکرپا) फा वि—लँगड़ा, जिसके एक पाँव टेढ़ा हो, पंगु।
शकरपारः (شکرپارہ) फा पु—एक प्रकार की मिठाई, सुंदर अंगोंवाली प्रेमिका।
शकरपूरः (شکرپورہ) फा पु—मीठा समोसा, गुझिया, पिराक।
शकरपेच (شکرپیچ) फा पु—मिठाई पर लिपटा हुआ काग़ज़, शकर बाँधने की पुड़िया।
शकरफ़रोश (شکرفروش) फा वि—शकर बेचनेवाला, मधुरभाषी, शीरींगुफ़्तार।
शकरफ़रोशी (شکرفروشی) फा स्त्री—शकर बेचने का काम, मीठी बात करना।
शकरबार (شکربار) फा वि—शकर बरसानेवाला अर्थात् बहुत मीठा, मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।
शकरबारी (شکرباری) फा स्त्री—शकर बरसाना, मीठी बात करना।
शकरबूरः (شکربورہ) फा पु—पिराक, गझिया, मीठा समोसा।
शकररंग (شکررنگ) फा वि—मुरझाए रंगवाला, पीला पड़ा हुआ, अप्रसन्न, नाराज़।
शकररंगी (شکررنگی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाराज़ी, वैमनस्य, मनमुटाव।
शकररंज (شکررنج) फा वि—अप्रसन्न, नाराज़।
शकररंजी (شکررنجی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाराज़ी।
शकररेज़ (شکرریز) फा पु—न्योछावर, वह वस्तु जो ब्याह के दिन दुल्हन और दूल्हा के सरपर से न्योछावर करते हैं, ख़ुशी का दाना।
शकररेज़ी (شکرریزی) फा स्त्री—दूल्हा और दुल्हन पर न्योछावर करना, शकर बरसाना।
शकरलंग (شکرلنگ) फा वि—हलकी लँगड़ाहट।
शकरलब (شکرلب) फा वि—मीठे ओठोंवाला, मिष्टभाषी, कटे होंठवाला।
शकरलबी (شکرلبی) फा स्त्री—होंठों की मिठास, बातों की मिठास, होंठ कटा होना।
शकरहर्फ़ (شکرحرف) फा अ वि—मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।
शकराब (شکراب) फा स्त्री—हलकी रंजिश, मनोमालिन्य, मनमुटाव।
शकरिस्तान (شکرستان) फा पु—गन्ने का खेत, शकर की फ़क्टरी, खँडसाल, जहाँ शकर बहुत हो।
शकरीं (شکریں) फा वि—मीठा, मधुर, शकर-सम्बन्धी।
शकरी (شکری) फा वि—शकर का, शकर-सम्बन्धी।
शकस्त (شکست) फा स्त्री—दे 'शिकस्त', वही उच्चारण शुद्ध है।
शक़ाइक़ (شقائق) अ पु—शुक़ैलालः, अहिपुष्प, शक़ीक़ का बहु, कनपटियाँ।
शक़ाक़ुल (شقاقل) अ स्त्री—एक गाँठ जो दवा में काम आता है, शक़ाक़ुल मिस्री।
शक़ावत (شقاوت) अ स्त्री—हृदय की कठोरता, निष्ठुरता, निर्दयता, भाग्य की विमुखता, बदकिस्मती।
शक़ावते क़ल्बी (شقاوت قلبی) अ स्त्री—हृदय की निर्दयता, संगदिली।

शक़ावते बातिनी (شقاوت باطنی) अ. स्त्री.—दे. 'श. क़ल्बी'।

शक़िर (شقر) फ़ा पु.—जंगली लाले का फूल।

शक़ी (شقی) अ वि.—निष्ठुर, निर्दय, पाषाण हृदय, संगदिल, भाग्यहीन, अभागा।

शक़ीउत्तब्अ (شقی الطبع) अ. वि.—दे 'शक़ीउलक़ल्ब'।

शक़ीउलक़ल्ब (شقی القلب) अ. वि.—जिसका हृदय बहुत ही कठोर हो, पाषाण हृदय।

शक़ीउलबातिन (شقی الباطن) अ. वि.—दे 'शक़ीउल क़ल्ब'।

शक़ीक़ः (شقیقہ) अ पु.—कनपटी, गंडस्थल, आधा सीसी का दर्द।

शक़ीक़ (شقیق) अ पुं.—खंड, टुकड़ा, सगा भाई, सहोदर भ्राता।

शकील: (شکیلہ) अ. स्त्री.—सुन्दरी, रूपवती, हसीना।

शकील (شکیل) अ. वि.—सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख, सुरूप, हसीन।

शक़ीस (شقیص) अ वि.—साझीदार, भागीदार, शरीफ़; अच्छी चालवाला घोड़ा।

शक़ीह (شقیح) अ वि.—निकृष्ट, कुरूप, भद्दा, बुरा।

शकूक (شکوک) अ वि.—शक्की, शब्द करनेवाला, बहुत अधिक शक करनेवाला।

शकूर (شکور) अ वि.—शुक्र करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ, धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।

शक्कर (شکر) फ़ा स्त्री.—शकर, खंड शर्करा, चीनी।

शक्करअफ़्शाँ (شکرافشاں) फ़ा वि.—मधुरभाषी, मिष्टवादी, शीरींसुख़न; शकर छिड़कनेवाला।

शक्करअफ़्शानी (شکرافشانی) फ़ा. स्त्री.—मीठी-मीठी बातें करना, मधुर भाषण।

शक्करदहाँ (شکردہاں) फ़ा वि.—मीठी-मीठी बातें करनेवाला, मिष्टभाषी।

शक्करदहानी (شکردہانی) फ़ा स्त्री.—मीठी-मीठी बातें करना, प्रिय बोलना।

शक्करफ़िशाँ (شکرفشاں) फ़ा वि.—'शक्करअफ़्शाँ' का लघु, दे 'श अफ़्शाँ'।

शक्करफ़िशानी (شکرفشانی) फ़ा स्त्री.—'शक्करअफ़्शानी' का लघु, दे. 'श. अफ़्शानी'।

शक्करमक़ाल (شکرمقال) फ़ा अ वि.—मिष्टभाषी, मधुरवादी, शीरींगुफ़्तार।

शक्करमक़ाली (شکرمقالی) फ़ा अ स्त्री.—मिष्ट भाषण, मीठी बातें करना, शीरींगुफ़्तारी।

शक्करशिकन (شکرشکن) फ़ा वि.—शक्कर चबानेवाला अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला, मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शक्करशिकनी (شکرشکنی) फ़ा स्त्री.—शक्कर चबाना, रसानुभव करना; मीठी बातें करना।

शक्करसुख़न (شکرسخن) फ़ा वि.—मिष्टभाषी, मधुरभाषी, शीरींकलाम।

शक्करसुख़नी (شکرسخنی) फ़ा स्त्री.—मीठी बातें करना, शीरींकलामी।

शक्करिस्ताँ (شکرستاں) फ़ा पु.—'शक्करिस्तान' का लघु, दे 'शक्करिस्तान'।

शक्करिस्तान (شکرستان) फ़ा पु.—जहाँ शकर बहुत हो, शकर का कारख़ाना, खंडसाल।

शक्करी (شکریں) फ़ा वि.—शक्कर का, शक्कर सम्बन्धी, शक्कर का बना हुआ।

शक्करींगुफ़्तार (شکریں گفتار) फ़ा वि.—मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शक्करीलब (شکریں لب) फ़ा. वि.—मिष्टभाषी, शीरीं लब, मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।

शक्करीं ला'ल (شکریں لعل) फ़ा वि.—दे. 'शक्करीलब'।

शक्की (شکی) अ वि.—जिसके मिज़ाज में शक बहुत हो, वह्मी, भ्रमी।

शक़्क़ुलक़मर (شق القمر) अ पु.—चाँद का दो टुकड़े हो जाना, हज़रत मुहम्मद साहिब का इक मो'जिज़. अपने चाँद के दो टुकड़े कर दिये थे।

शक्ल (شکل) अ.स्त्री.—आकृति, रूप, डील-डौल, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा, आकार-प्रकार, वज़ाक़ता, दशा, अवस्था, परिस्थिति, हालत।

शक्लोशबाहत (شکل و شباہت) अ. स्त्री.—डील-डौल, आकार-प्रकार।

शक्लोशमाइल (شکل و شمائل) अ स्त्री.—रूप और गुण, आकृति और स्वभाव।

शक्लोसूरत (شکل و صورت) अ स्त्री.—दे 'शक्लोशबाहत'।

शक्वः (شکوہ) अ पु.—दे शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में 'शक्व' भी बोलते हैं।

शक्वाएजौर (شکوۂ جور) अ पु.—अनीति और अत्याचार की शिकायत।

शक्वा (شکوی) अ पु.—उपालंभ, उलाहना; परिवाद, अनुयोग, शिकायत।

शक्वागुज़ार (شکواگزار) अ फ़ा वि.—शिकायत करनेवाला, उलाहना देनेवाला।

शक्वातराज़ (شکواطراز) अ. फ़ा वि.—दे 'शक्वागुज़ार'।

शक्वापवर (سکوه‌پرور) अ वि —> शक्वागुजार।
शक्वासज (سکوه‌سنج) अ फा वि —> शक्वागुजार।
शख (سخ) फा वि –पुष्ट, दृढ मजबूत (पु), पहाड धरती पहाड का दामन (स्त्री) 'शाख' का लघु डाली, शाखा।
शखकमाँ (سخ‌کماں) फा वि –शक्तिशाली जोरावर जिसका धनुष दूसरा न चला सके।
शखालीद (سخالیده) फा वि –छीला हुआ खरोचा हुआ चुभाया हुआ।
शखीद (سخیده) फा वि –फिसला हुआ रपटा हुआ।
शखूद (سخوده) फा वि –नख से खरोचा हुआ, नख द्वारा घाव किया हुआ।
शख्स (شخص) अ पु –व्यक्ति फर्द मनुष्य आत्मा।
शख्सी (شخصی) अ वि –व्यक्तिगत जाती, इन्फिरादी।
शख्सेगैर (شخص‌غیر) अ पु –अन्य पुरुष दूसरा व्यक्ति असम्बद्ध गैर मुतअल्लिक अपरिचित अस्वजन।
शख्सेवाहिद (شخص‌واحد) अ पु –एक आदमी एकाकी अकेला मनुष्य।
शग़ (سغ) फा पु –जानवर का सींग जो बीच से खाली हो।
शग़फ (شغف) अ पु –रुचि दिलचस्पी तल्लीनता इनहिमाक।
शग़ब (شغب) अ पु –कोलाहल शोरगुल।
शग़र (سغر) फा पु –काला भिड जिसका विष तेज होता है।
शग़ल (شغل) अ पु —> शगल या शुग्ल सब शुद्ध है परन्तु शग्ल और शुग्ल व्यवहृत है।
शग़ाद (سغاد) फा पु – रुस्तम का भाई जिसने उसे धोखे से कुएँ में गिराकर मारा था।
शग़ाफ (سغاف) अ पु –हृदय के ऊपर की झिल्ली हृदय का काला तिल।
शग़ाल (سغال) फा पु –शृगाल सियार गीदड।
शग़ालतबअ (سغال‌طبع) फा अ वि —> शगालतीनत।
शग़ालतीनत (سغال‌طینت) फा अ वि –धूर्त वंचक ठग मक्कार छली।
शग़ालफित्रत (سغال‌فطرت) फा अ वि –दे शगाल तीनत।
शग़ब (سغب) अ पु –शरीर की वह खाल जो अधिक परत से खुरदरी काली और मोटी पड जाय (वि) अपमानित तिरस्कृत जलील।
शग़्ल (شغل) अ पु –कार्य काम धंधा उद्यम जीव बहलाने का काम मशग़ला।
शग़्लेमै (شغل‌مے) अ फा पु –शराब पीने का मशगला मद्यपान।
शजअ (شجعه) अ पु –शजाअ' का बहु वीर लोग बहादुर लोग।
शजन (شجن) अ पु –शोक दुख रंज आवश्यकता जुरूरत इच्छा चाह दे शजन, दोनों शुद्ध हैं।
शजर (شجر) अ पु –पेड वृक्ष, विटप द्रुम दरख्त।
शजरी (شجری) अ वि –पेड के आकार का, पेडवाला पेड सम्बन्धी।
शजरे कलीम (شجر کلیم) अ पु –वह पेड जिस पर हज़रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखाई पडा था।
शजरे तूर (شجر طور) अ पु —> 'शजरे कलीम'।
शजरे मम्नूअ (شجر ممنوع) अ पु –वह पेड जिसे ईश्वर ने आदम के लिए निषिद्ध कर दिया था एसी चीज जिसके पास जाना बुरा हो।
शजाअ (شجاع) अ वि –वीर बहादुर दे 'शुजाअ' और शिजाअ तीनों उच्चारण शुद्ध हैं परन्तु 'शुजाअ' अधिक व्यवहृत है।
शजाअत (شجاعت) अ स्त्री –शूरता वीरता बहादुरी रणकौशल जंग आजमूदगी।
शजाया (سظایا) अ पु –'शजीय' का बहु, दवान टुकडे रेशे।
शजीअ (شجیع) अ वि –शूर वीर बहादुर।
शजीय (سظیه) अ पु –दाना टुकडा रेशा।
शज्न (شجن) अ पु –दे शजन दोनों शुद्ध हैं।
शज्र (سجره) अ पु –वंशवृक्ष वंशावली नसबनामा।
शत्ता (سقّ) अ स्त्री –बहुतात अधिकता 'शतीत' का बहु, तितर बितर चीजें।
शताह (سطاح) अ वि –धर्म विरुद्ध बातें कहनेवाला।
शत्म (شتم) अ पु –अपशब्द गाली गलौज बुरा भला कहना।
शत्रंज (سطرنج) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध खेल जो भारतवर्ष का प्राचीन आविष्कार है और जिससे अच्छा कोई खेल आज तक संसार में नहीं हो सका न उसका खेलनेवाला यह दावा कर सकता है कि वह सबसे अच्छा खेलता है।
शत्रंजबाज (سطرنج‌باز) फा वि –शत्रंज खेलनेवाला शत्रंज का धनी शत्रंज का अच्छा खिलाडी।
शत्रंजी (سطرنجی) फा स्त्री –शत्रंज की बसात के खानों की तरह का बुना हुआ कपडे का फर्श (वि) शत्रंजबाज।
शतहीयात (سطحیات) फा स्त्री –शतहीय' का बहु धर्म विरुद्ध बातें अनर्गल और व्यर्थ की बातें जल्प।

शद[द्] (شد) अ पु –दृढ़ करना, मजबूत करना, स्वर का ऊँचा करना, स्वर का उतार-चढ़ाव।

शदाइद (شدائد) अ पु –'शदीदा.' का बहु, कठिनाइयाँ, बाधाएँ, अड़चनें, रुकावटें, आपत्तियाँ, मुसीबतें।

शदीदः (شدیده) अ. स्त्री –कठिन, दुष्कर, मुश्किल, आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

शदीद (شدید) अ वि –प्रचड, तीव्र, तेज, दुष्कर, कठिन, सख्ती करनेवाला।

शदीदुलअदावत (شدیدالعداوت) अ. वि –जो किसी से बहुत अधिक शत्रुता रखे, वद्ध वैर।

शदीदुलअमल (شدیدالعمل) अ वि.–जो करने मे कठिन हो, दु साध्य, दुष्कर।

शदीदुलकुव्वत (شدیدالقوت) अ. वि –शक्तिशाली, महाबल, ज़ोरावर।

शद्दः (شده) अ पु –झडा, पताका, अलम; मुहर्रम मे उठनेवाला अलम।

शद्दाद (شداد) अ पु –बहुत अधिक अत्याचार करनेवाला, एक प्राचीन बादशाह जो अपने को ईश्वर कहलवाता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया था, परतु उसमे प्रवेश करते समय घोडे से गिरकर मर गया।

शद्दे मुख़ालिफ (شد مخالف) अ पु –ललकार, चुनौती, शत्रु को मुकाबले पर आने के लिए जोर से पुकारना।

शद्दे रिहाल (شدرحال) अ. पु –यात्रा, सफर, लबा सफर।

शद्दोमद (شدومد) अ. पु –जोर शोर, धूमधाम।

शनवा (شنوا) फा वि –सुननेवाला।

शनाअत (شناعت) अ स्त्री –बुराई, बदी, निकृष्टता।

शनाए' (شنائع) अ पु –'शनीअ.' का बहु, बुराइयाँ।

शनाख़्तः (شناخته) फा वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ।

शनाख़्त (شناخت) फा. स्त्री –पहचान, पहचानने का चिह्न, निशानी, लक्षण, अलामत।

शनाख़्तकुनिंदः (شناخت کننده) फा वि –पहचाननेवाला।

शनात (شنات) अ. पु –'शानी' का बहु, शत्रुगण, दुश्मन लोग, वैरी जन।

शनास (شناس) फा. प्रत्य –पहचाननेवाला, जैसे—'मर्दुमशनास'।

शनासा (شناسا) फा. वि –पहचाननेवाला, जानकार, परिचित, वाकिफ।

शनासाई (شناسائی) फा. स्त्री –जान-पहचान, तआरुफ, परिचय।

शनासिंदः (شناسنده) फा वि.–पहचाननेवाला, जानकार।

शनासीदः (شناسیده) फा वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ, परिचित।

शनासीदनी (شناسیدنی) फा वि.–पहचानने योग्य, जिसको पहचानना ज़रूरी हो।

शनीअः (شنیعه) अ स्त्री –बुरी, खराब।

शनीअ (شنیع) अ वि –बुरा, खराब, निकृष्ट।

शनीदः (شنیده) फा. वि –सुना हुआ, श्रुत।

शनीद (شنید) फा स्त्री.–सुनवाई, समाअत।

शनीदनी (شنیدنی) फा. वि –सुनने के काबिल, दिलचस्प, सुनने मे मजेदार।

शपुश (شپش) फा स्त्री –कपड़े और सर मे पडनेवाला छोटा कीडा, जूँ, स्वेदज, लोमयूक, दे 'शुपुश' और 'शिपिश'।

शप्परः (شپره) फा पु.–चमगादड, वातुलि, जतुका, अजिनपत्र।

शप्परःचश्म (شپره چشم) फा. वि.–जिसे चमगादड की तरह दिन मे न दिखाई दे।

शप्पर (شپر) फा पु.–दे 'शप्पर' दोनो शुद्ध है।

शप्लक (شپلق) तु. पु –तमाँचा, चाँटा, थप्पड।

शप्लिदः (شپلنده) फा. वि –निचोडनेवाला।

शप्लीदः (شپلیده) फा वि –निचोडा हुआ।

शफ़क (شفق) अ स्त्री.–ऊषा, उषा, सवेरे या शाम की लालिमा जो क्षितिज पर होती है।

शफ़कगूँ (شفق گوں) अ फा वि –शफक-जैसे रग का, उषा वर्ण।

शफ़कज़ार (شفق زار) अ फा. पु –जहा शफक बहुत हो।

शफ़कत (شفقت) अ स्त्री –कृपा, दया, मेहरबानी, सहानुभूति, हमदर्दी; बडो की ओर से छोटो पर दया दृष्टि, ममता, आत्मीयता।

शफ़की (شفقی) अ वि –शफक का, शफक के रग का; ऊषा-सम्बन्धी।

शफ़त (شفت) अ पु –अधर, ओष्ठ, होठ, लब।

शफ़तैन (شفتین) अ वि –दोनो होठ।

शफ़वी (شفوی) अ. वि –होठवाला, होठ के सहारे उच्चरित होनेवाला अक्षर।

शफ़ह (شفه) अ पु –होठ, अधर, ओष्ठ।

शफ़ही (شفهی) अ वि –होठवाला, होठ द्वारा उच्चरित अक्षर।

शफ़ा (شفا) अ पु –तट, कूल, किनारा, हर चीज़ का किनारा, जीवन का अतिम भाग।

शफ़ाअत (شفاعت) अ स्त्री –अभिलाप, सिफारिश, ईश्वर मे अपने अनुयायियो के मोक्ष की सिफारिश।

शफ़ाअतगर (سفاعت‌گر) अ फा वि –क़ियामत में अपने अनुयायियों के मोक्ष की सुफ़ारिश करनेवाला पैग़बर।
शफ़ाअतफ़र्मा (سفاعت‌فرما) अ फा वि –दे 'शफ़ाअतगर'।
शफ़ाज़ुफ़ (سفاجرف) अ पु –नदी आदि का तट, किनारा।
शफ़ीअ (سفيع) अ वि –सुफ़ारिशी, क़ियामत के दिन मोक्ष दिलानेवाला शुफ़ा का दावा करनेवाला।
शफ़ीए ख़लीत (سفيع خليط) अ पु –साझे की ज़मीन पर शुफ़ा का दावा करनेवाला।
शफ़ीए जार (سفيع جار) अ पु –पड़ोस की ज़मीन या मकान पर शुफ़ा करनेवाला।
शफ़ीक़ (سفيق) अ वि –कृपालु, दयालु मेहरबान मित्र सखा दोस्त।
शफ़्क़त (سفقت) अ स्त्री –दे 'शफ़्क़त', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते हैं बल्कि अधिक यही बोलते हैं।
शफ़्तालू (سفتالو) फा पु –एक फल, आड़ू।
शफ़्फ़ाफ़ (سفاف) अ वि –स्वच्छ उज्ज्वल, चमकदार, निर्मल शुद्ध साफ़ कलई किया हुआ।
शफ़्फ़ाफ़ी (سفافی) अ स्त्री –स्वच्छता निर्मलता, कलई का चमक।
शब (سب) फा पु –छोटे छोटे मोती पान पाता।
शब (سب) फा स्त्री –निशा रजनी यामिनी शर्वरी तमस्विनी विभावरी यामिका रात्रि रात।
शब [ब] (سب) अ स्त्री –फिटकरी फटकिर (वि) युद्ध तरुणाई तारुण्य जवानी उभरना आग जलाना।
शब अंदर रोज़ (سب اندر روز) फा पु –एक कपड़ा।
शबअफ़रोज़ (سب افروز) फा पु –वह जुगनू जिसकी चमक स्पष्ट हो।
शबआहंग (سب آهنگ) फा पु –दे 'शबाहंग' यही उच्चारण शुद्धतम है अशुद्ध यह भी नहीं है।
शबक (سبک) अ पु –जाल पाश बंधन दीवार का जाली लोहे आदि की जाली जो मकान में लगायी जाती है।
शबक (سبک) अ पु –दे 'शबक'।
शबकात (سبکات) अ पु –'शबक' का बहु जाल और बंधन मकान की जालियाँ।
शबकोर (سبکور) फा वि –जिसे रतौंधी आती हो रतौंधी का रोगी निशांध रात्र्यंध।
शबकोरी (سبکوری) फा स्त्री –रात में न दिखाई पड़ना का रोग [illegible]।
शबख़ूँ (سبخون) फा पु –दे 'शबखून'।
शबख़ून (سبخون) फा पु –सेना का रात के अँधेरे में शत्रु के दल पर अचानक आक्रमण।
शबख़ेज़ (سب‌خيز) फा वि –रात रहे जाग जानेवाला रात्रि में उठकर जप-तप करनेवाला।
शबख़ेज़ी (سبخيزی) फा स्त्री –रात रहे जागना, रात में उठना रात में जप-तप करना।
शबख़्वाँ (شب‌خوان) फा पु –बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया।
शबख़्वाबी (سب‌خوابی) फा स्त्री –रात में सोते समय पहनने के वस्त्र।
शबगज़ (سبگز) फा स्त्री –थोड़ी देर की व्यथा क्षणिक कष्ट।
शबगर्द (شبگرد) फा वि –रात में फिरकर पहरा देनेवाला, कोतवाल थानेदार।
शबगर्दी (شبگردی) फा स्त्री –रात में पहरा देना रात में फिरना।
शबगस्त (سبگست) फा वि –दे 'शबगर्द'।
शबगाह (سبگاه) फा स्त्री –रात का समय, रात के समय।
शबगीर (سبگير) फा वि –पिछली रात को उठनेवाला या जप-तप करनेवाला पिछली रात आधी रात के बाद का समय।
शबगूँ (سبگون) फा वि –काले रंग का कृष्ण वर्ण।
शबगूनी (سبگونی) फा स्त्री –काले रंग का होना कालापन।
शबचिराग़ (شب‌چراغ) फा पु –एक बहुमूल्य रत्न जो रात में दीपक की तरह प्रकाश देता है (वि) रात्रि-दीपक रात का चिराग़ अर्थात् चंद्रमा।
शबज़िन्दादार (سب‌زنده‌دار) फा वि –रात भर जागने और जप-तप करनेवाला।
शबज़िन्दादारी (سب‌زنده‌داری) फा स्त्री –रातभर जाग कर जप-तप और इबादत।
शबताज़ (شب‌تاز) फा वि –रात में आक्रमण करनेवाला, रात के अँधेरे में छापा मारनेवाला।
शबताज़ी (سب‌تازی) फा स्त्री –रात्रि में जब शत्रु ग़ाफ़िल हो उस पर अचानक आक्रमण।
शबताब (سب‌تاب) फा वि –रात को चमकनेवाला रात को प्रकाशित करनेवाला चन्द्रमा दीप।
शबताबी (سب‌تابی) फा स्त्री –रात को चमकना रात्रि को चमकदार बनाना।
शबदेग (سب‌ديگ) फा स्त्री –वह हाँडी जो रात भर पकायी जाय।
शबदेज़ (سبديز) फा पु –मशकी घोड़ा।
शबनम (سبنم) फा स्त्री –ओस अवश्याय-ओस।

शबनमी (شبنمی) फा स्त्री.–ओस से बचाव के लिए ताना जानेवाला कपडा; मच्छरदानी।
शबनशीं (شب‌نشین) फा वि –रात-रात भर सभाओ और जलसो मे बैठनेवाला, रात-रात भर जलसो मे बैठना।
शबपरः (شب‌پره) फा पु –चमगादड, चर्मचटक।
शबपोश (شب‌پوش) फा पु –रात्रि मे पहनने के कपडे।
शबबख़ैर (شب‌بخیر) फा अ.वि.–एक वाक्य, जो रात मे दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शाति से बीते।
शबबरात (شب‌برات) फा. अ. स्त्री –मुसलमानो का एक त्योहार, शबरात।
शबबाश (شب‌باش) फा वि –रात मे ठहरनेवाला, सहवास करनेवाला।
शबबाशी (شب‌باشی) फा स्त्री –रात भर के लिए कही ठहरना; स्त्रीप्रसग करना।
शबबू (شبو) फा पु –एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।
शबबेदार (شب‌بیدار) फा वि.–रात भर जागकर जप-तप करनेवाला, रात भर जागनेवाला।
शबबेदारी (شب‌بیداری) फा स्त्री –रात भर जागना, रात भर जागकर तपस्या करना।
शबबो (شب‌بو) फा पु –दे. 'शबबू'।
शबम (شبم) अ पु –जाडा, शीत, ठड, शरद् ऋतु, सर्मा।
शबमादः (شب‌مانده) फा वि.–रात गुजरा हुआ, रात का रखा हुआ, बासी।
शबमुर्दः (شب‌مرده) फा वि –रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।
शबमुर्दगाँ (شب‌مردگاں) फा. पु –'शबमुर्द' का बहु., सारी रात सोनेवाले।
शबयार (شبیار) फा पु –एक दवा, एलुआ, जो रात मे पेट साफ करने के लिए खायी जाती है।
शबरंग (شب‌رنگ) फा वि –काले रग का, कृष्ण वर्ण।
शबरवी (شب‌روی) फा स्त्री –रात मे घूमना-फिरना, रात मे यात्रा करना, चोरी, तस्करता।
शबरां (شب‌راں) फा वि –दे 'शबताज'।
शबरौ (شب‌رو) फा वि –रात मे घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला, रात मे जप-तप करनेवाला; चोर, तस्कर।
शबह (شبه) अ. पु –एक धातु, पीतल।
शबह (شبح) अ पु –शरीर, काय, देह, जिस्म।
शबां (شباں) फा पु.–'शबान' का लघु, दे. 'शबान'।
शबाँगाह (شبانگاه) फा स्त्री –सध्या समय, सायकाल, शाम।
शबानः (شبانه) फा वि –रात का, रातवाला, रात से सम्बन्धित, बासी, पर्युषित।
शबानःरोज़ (شبانه‌روز) फा वि –रातदिन, अर्हनिश, शबो-रोज।
शबान (شبان) फा पु –चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।
शबानी (شبانی) फा. स्त्री.–जगल मे चौपायो की देखभाल, चरवाही।
शबाब (شباب) फा पु –तारुण्य, युवावस्था, जवानी, किसी चीज की अन्तत और उत्तम अवस्था।
शबाब आवर (شباب‌آور) अ फा. वि –फिर से जवान बना देनेवाला।
शबारोज़ (شباروز) फा वि –अर्हनिश, रात-दिन, सदा, शबोरोज।
शबाशब (شباشب) फा वि.–रातोरात, रात ही रात मे, एक ही रात मे।
शबाहंग (شب‌آهنگ) फा. पुं –बुल्बुल, गोवत्सक, एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।
शबाहत (شباهت) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, सदृशता, समता, यकसानियत; एकरूपता, हमशक्ली।
शबित (شبت) अ पु –सोया, एक शाक, दे 'शिबित', दोनो शुद्ध है।
शबिस्तां (شبستاں) फा पु –रात मे रहने का स्थान; शयनागार, ख़्वाबगाह।
शबीनः (شبینه) फा वि –रात की बची हुई वस्तु, बासी, पर्युषित, रात का, रात्रीय, रमजान के महीने मे कुरान का वह पाठ जो एक रात मे ख़त्म हो जाता है।
शबीह (شبیه) फा. स्त्री –चित्र, तस्वीर, छायाचित्र, फोटो, सदृश, समान, मिस्ल।
शबे आशूरः (شب عاشوره) फा अ स्त्री –मुहर्रम के महीने की दसवी तारीख की रात।
शबे क़द्र (شب قدر) फा अ स्त्री –रजब के महीने की २७वी तारीख, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बडा पुण्य है।
शबे चक (شب‌چک) फा स्त्री –दे 'शबे चराल'।
शबे जवानी (شب‌جوانی) फा स्त्री –रात्रि रूपी तारुण्य, युवावस्था का उन्माद।
शबे जिफ़ाफ़ (شب‌زفاف) फा अ स्त्री.–दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, सुहागरात।

शबे तार (شب تار) फा स्त्री –नितांत अँधेरी रात तमस्विनी, तमिस्रा कुहूनिशा।

शबे दजूर (شب دیجور) फा अ स्त्री –अमावास्या अमावस की रात निपट काली रात, कालनिशा तमिस्रा।

शबे फ़िराक़ (شب فراق) फा अ स्त्री –दे 'शबे हिज्र'।

शबे बरात (شب برات) फा अ स्त्री –दे 'शबबरात', दोनों शुद्ध हैं।

शबे माह (شب ماہ) फा स्त्री –चाँदनी रात राका, ज्योत्स्ना मज्योत्स्ना।

शबे मेराज (شب معراج) फा अ स्त्री –वह रात जिसमें हज़रत पैगंबर साहिब आप पर ईश्वर से मिलने गये थे।

शबे यल्दा (شب یلدا) फा स्त्री –दे 'शबे दजूर'।

शबे वस्ल (شب وصل) फा अ स्त्री –नायक और नायिका के मिलने की रात, मिलनरात्रि विरहरात्रि का उल्टा।

शबे वा'द (شب وعدہ) फा अ स्त्री –जिस रात को नायिका अपने नायक से मिलने का वादा करे, वह रात।

शबे हिज्र (شب هجر) फा अ स्त्री –विरहरात्रि नायिका के वियोग की रात।

शबे हिज्राँ (شب هجراں) फा अ स्त्री –दे 'शबे हिज्र'।

शबोरोज़ (شب وروز) फा पु –रातदिन अहर्निश हर समय निरंतर लगातार।

शबआन (شبعان) अ वि –पेट भरा हुआ अफरा हुआ परितृप्त।

शब्बर (شبر) अ पु –हज़रत इमाम हुसैन।

शब्बाक़ (شباک) अ वि –टैंक करनेवाला।

शब्बीर (شبیر) अ पु –हज़रत इमाम हसन जो इमाम हुसैन के बड़े भाई थे।

शब्पूर (شبور) अ पु –तुरही जो पीतल की बनायी जाती है।

शम [श्म] (شم) अ पु –सूँघना घ्राण।

शमा (شمع) अ स्त्री –मोम सिक्थ मोमबत्ती।

शमाइम (شمائم) अ पु –'शमीम' का बहु सुगंधियाँ सुगंधें।

शमाइल (شمائل) अ पु –'शमाल' का बहु, प्रकृतियाँ स्वभाव आदि।

शमातत (شماتت) अ स्त्री –किसी की हानि या अपमान पर प्रसन्न होना।

शमामा (شمامہ) अ पु –सुगंध महक खुशबू।

शमामदान (شمامہ دان) अ फा पु –सूँघने का सुगंधित पदार्थ।

शमीर (شمیر) फा वि –सूँघा हुआ महक वाला उन्नत पदार्थ।

शमीम (شمیم) अ स्त्री –सूँघने का पदार्थ खुशबू।

शमीम (شمیم) अ पु –सुगंध महक, खुशबू।

शमील (شمیلہ) अ स्त्री –स्वभाव प्रकृति आदत, खसलत।

शमअ (شمع) अ स्त्री –मोम, सिक्थ, मोमबत्ती, दीपक, चिराग।

शमअदान (شمعدان) अ फा पु –जिसमें मोमबत्ती रखकर जलाते हैं।

शमअरुख़ (شمع رخ) अ फा वि –दे 'शमअरू'।

शमअरू (شمع رو) अ फा वि –दीप, जैसे—उज्ज्वल और दीप्त मुखवाली सुंदरी।

शमअसाज़ (شمع ساز) अ फा वि –मोमबत्ती बनानेवाला।

शमई (شمعی) अ वि –मोम का, मोम का बना हुआ।

शमए आलमताब (شمع عالم تاب) अ फा स्त्री –सूर्य, सूरज भानु भास्कर।

शमए ऐमन (شمع ایمن) अ स्त्री –वह प्रकाश जो हज़रत मूसा को दिखाई पड़ा था।

शमए कुश्त (شمع کشتہ) अ फा स्त्री –बुझा हुआ दीप, वह शमअ जो बुझ गयी हो मृतदीप।

शमए ख़ामोश (شمع خاموش) अ फा स्त्री –बुझा हुआ चिराग या शमअ।

शमए ज़ेरे दामाँ (شمع زیر داماں) अ फा स्त्री –दामन की आड़ में हवा से बचाकर जलनेवाला चिराग।

शमए तूर (شمع طور) अ स्त्री –दे 'शमए ऐमन'।

शमए बज़्म (شمع بزم) अ फा स्त्री –सभा में जलनेवाला चिराग, प्रायः प्रेमिका की उपमा का चिराग।

शमए बालीं (شمع بالیں) अ फा स्त्री –सिरहाने जलनेवाला चिराग प्रायः रोगी प्रेमी के सिरहाने का चिराग।

शमए मज़ार (شمع مزار) अ स्त्री –क़ब्र पर जलाया जानेवाला चिराग प्रायः प्रेमी की क़ब्र का चिराग।

शमए महफ़िल (شمع محفل) अ स्त्री –दे 'शमए बज़्म'।

शमए मुर्दा (شمع مردہ) अ फा स्त्री –दे 'शमए ख़ामोश'।

शमए मोमी (شمع مومی) अ फा स्त्री –मोमबत्ती।

शमए शबअफ़रोज़ (شمع شب افروز) अ फा स्त्री –चंद्रमा चाँद।

शमए सहर (شمع سحر) अ स्त्री –सवेरे का चिराग जो बुझने का होता है वह व्यक्ति जिसकी आयु थोड़ी रह गयी हो।

शमए हयात (شمع حیات) अ स्त्री –शमअ रूपी जीवन जो जन्म के साथ जलता रहता है।

शम्म (شم) अ पु –सूँघना घ्राण [illegible]।

शम्माम (شمام) अ पु –एक प्रकार का खरबूजा जो पक कर सुगंधित होती है।

शम्मास (شماس) अ वि –सूर्यपूजक सूर्य का पुजारी।

शम्लः (شملہ) अ पु –पगड़ी का सिरा जो पीछे लटकता है, एक छोटी शाल जिसे लपेटते हैं।
शम्शाद (شمشاد) फा पु –सर्व का पेड़, जो सीधा होता है और जिससे नायिका के डील की उपमा दी जाती है।
शम्शादकद (شمشادقد) फा अ वि –सर्व-जैसे सुडौल और लंबे डीलवाला (वाली)।
शम्शादकामत (شمشادقامت) फा अ वि –दे 'शम्शाद कद'।
शम्शादवाला (شمشادبالا) फा वि –दे. 'शम्शादकद'।
शम्शीर (شمشیر) फा स्त्री –असि, कृपाण, खड्ग, तलवार।
शम्शीरज़न (شمشیرزن) फा. वि –असिजीवी, सिपाही।
शम्शीरज़नी (شمشیرزنی) फा स्त्री –सिपाही का पेशा।
शम्शीरदम (شمشیردم) फा वि –तलवार-जैसी तेज़ धार-वाला।
शम्शीरबकफ़ (شمشیربکف) फा. वि –हाथ में तलवार लिये हुए, शस्त्रपाणि; वध करने को तत्पर।
शम्शीरे अजल (شمشیر اجل) फा अ स्त्री.–मौत की तलवार।
शम्शीरे आबदार (شمشیر آبدار) फा स्त्री.–काट करने-वाली तलवार, तेज धारवाली।
शम्शीरे दुदम (شمشیر دودم) फा स्त्री –दुधारी तलवार, वह तलवार जिसके दोनों ओर धार हो।
शम्शीरे बरह्नः (شمشیر برهنه) फा.स्त्री –म्यान से निकली हुई तलवार, स्पष्ट वक्ता, लगी-लपटी न रखनेवाला।
शम्शीरे हिलाली (شمشیر هلالی) फा अ स्त्री –नव चंद्र रूपी तलवार, टेढी तलवार।
शम्शीरोसिनाँ (شمشیروسناں) फा स्त्री.–तीर और तल-वार; युद्ध-सामग्री।
शम्सः (شمسہ) अ पु –रौशनदान।
शम्स (شمس) अ पु –अर्क, मिहिर, मार्तण्ड, अरुण, तरणि, भानु, सूर्य, रवि, सूरज।
शम्सी (شمسی) अ वि –सूर्य का, सूर्य-सम्बन्धी, सूर्य के चक्र के हिसाब से सम्बन्धित, जैसे—'शम्सी साल' सौर वर्ष।
शम्सीयः (شمسیہ) अ स्त्री –छतरी, धूप से बचने का छाता।
शम्सुलउलमा (شمس العلما) अ पु –विद्वानों में सूर्य के समान, एक उपाधि जो अँग्रेजी समय में मुस्लिम आलिमों को सम्मानार्थ दी जाती थी।
शय (شے) अ स्त्री –वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, चीज।
शयातीन (شیاطین) अ पु –'शैतान' का बहु, शैतानों का गिरोह, पिशाच-मडली।
शय्याद (شیاد) अ वि –धूर्त, छली, वचक, मक्कार।
शरंगेज (شرانگیز) फा वि.–आपस में फूट डालनेवाला, झगड़ा-फ़साद खड़ा कर देनेवाला, उपद्रवी।
शरंगेजी (شرانگیزی) अ फा. स्त्री –उपद्रव मचाना, झगडा करना; आपस में लड़ाना, फूट डालना।
शर[र्र] (شر) अ. पु –बदी, बुराई, उपद्रव, फसाद, फूट, निफाक।
शरअंगेज (شرانگیز) अ. फा. वि –दे. 'शरंगेज', अधिक वही बोला जाता है।
शरअंगेजी (شرانگیزی) अ फा स्त्री –दे. 'शरंगेजी', अधिक वही बोला जाता है।
शरतैन (شرطین) अ. स्त्री –पहला नक्षत्र, अश्विनी।
शरपसंद (شرپسند) अ. फा वि –जो झगडा टंटा पसंद करता हो, झगडालू, कलहप्रिय।
शरपसंदी (شرپسندی) अ. फा स्त्री –झगड़ा पसंद करना, झगडालूपन।
शरफ़ (شرف) अ. पु –श्रेष्ठता, उत्तमता, बुजुर्गी; सम्मान, सत्कार, इज्जत; उत्तुगता, बलदी, कुलीनता, शराफ़त।
शरफ़याब (شرفیاب) अ फा. वि.–सफल, कामयाब।
शरफ़याबी (شرفیابی) अ फा स्त्री.–सफलता, कामयाबी।
शरफ़े जियारत (شرف زیارت) अ. पु –देखने का सौभाग्य।
शरफ़े मुलाकात (شرف ملاقات) अ पु –साक्षात्कार का सौभाग्य, दर्शनों का सौभाग्य।
शरफ़े मुलाजमत (شرف ملازمت) अ पु –पास बैठने-उठने का सौभाग्य।
शरफ़े हज्जोजियारत (شرف حج وزیارت) अ पु –हज करने और मदीना जाने का सौभाग्य।
शरर (شرر) अ पु –अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।
शररअंगेज (شررانگیز) अ. फा वि –चिंगारियाँ फैलाने-वाला, शुरें छोडनेवाला, उपद्रवी।
शररअफ़शाँ (شررافشاں) अ फा वि.–दे. 'शररअगेज'; दे. शररअफ़शाँ।
शररफ़िशाँ (شررفشاں) अ फा वि –दे 'शररअगेज' 'शररअफ़शाँ' का लघु।
शररफ़शाँ (سررافشاں) अ फा वि –दे 'शररअगेज'।
शररबार (شرربار) अ फा वि –आग बरसानेवाला, जिससे आग निकले, अग्निवर्षक।
शररबारी (شرربای) अ. फा. स्त्री –आग बरसाना, आग निकलना, अग्निवर्षा।
शरा (شری) अ. स्त्री.–पित्ती, एक रोग जिसमें सारे शरीर पर लाल दाने पड जाते हैं।
शराइत (شرائط) अ पु.–'शरति' का बहु, शर्तें।

शराईन (سرايين) अ स्त्री – शियान का बहु, फड़कने वाली रग धमनियां नाड़ियां।
शराए' (سرائع) अ पु – शरीअत का बहु, धर्मशास्त्र।
शराकत (شراکت) उ स्त्री – भागीदारी, साझा।
शराकतनामा (شراکت‌نامه) अ फा पु – भागीदारी या साझे की दस्तावेज।
शराब (شراب) अ पु – मदिरा, वारुणी, हाला, सुरा इरा कल्पिनी हलिप्रिया।
शराबकश (شراب‌کش) अ फा वि – मद्यप, पानकर्ता रमाशी सुराशी, शराबी।
शराबकशी (شراب‌کشی) अ फा स्त्री – मद्यपान शराब पीना।
शराबखाना (شراب‌خانه) अ फा पु – मदिरालय मधुशाला सुरावेश्म पानागार मदिरागृह मयखाना।
शराबखोर (شراب‌خور) अ फा वि – मद्यप रमाशी, सुरा पायी पानकर्ता शराब पीनेवाला।
शराबखोरी (شراب‌خوری) अ फा स्त्री – मद्यपान, शराब पीना।
शराबख्वार (شراب‌خوار) अ फा वि – दे शराबखार।
शराबज़दा (شراب‌زده) फा वि – शराब के नशे म चूर, मदोन्मत्त।
शराबज़दगी (شراب‌زدگی) फा स्त्री – शराब का गहरा नशा मदोन्माद।
शराबफ़रोश (شراب‌فروش) अ फा वि – शराब का ठेकेदार शौंडिक कल्यपाल सुराजीवी।
शराबफ़रोशी (شراب‌فروشی) फा स्त्री – शराब बेचना, शराब की ठेकेदारी।
शराबसाज़ (شراب‌ساز) अ फा वि – शराबकशी करने वाला सुराकार।
शराबसाज़ी (شراب‌سازی) अ फा स्त्री – शराब बनाना शराब कशीद करना सुराकर्म।
शराबी (شرابی) अ वि – मद्यप शराब पीनेवाला।
शराबे अंगूरी (شراب انگوری) अ फा स्त्री – अंगूर से बना हुई शराब द्राक्षेरा माध्विका।
शराबे असली (شراب عسلی) अ स्त्री – शहद की शराब माधवी।
शराबे अर्ग़वानी (شراب ارغوانی) अ फा स्त्री – लाल रंग की शराब।
शराबे आतशरंग (شراب آتش‌رنگ) अ फा स्त्री – आग जैसे रंग की लाल शराब अग्निवर्ण।
शराबे कोहना (شراب کهنه) अ फा स्त्री – पुराना शराब जिसका नशा तेज होता है।
शराबे खानखराब (شراب خانه‌خراب) अ फा स्त्री – घर उजाड़ देनेवाली शराब दरिद्र बना देनेवाली शराब।
शराबे खानसाज़ (شراب خانه‌ساز) अ फा स्त्री – घर में बनायी हुई शराब।
शराबे जौ (شراب جو) अ फा स्त्री – जौ की शराब, वह शराब जो कच्चे जौ से बनती है, यवेरा बियर।
शराबे तहूर (شراب طهور) अ स्त्री – स्वर्ग म पी जानेवाली शराब।
शराबे दुआतशा (شراب دوآتشه) अ फा स्त्री – दो बार की खिंची हुई शराब तेज शराब।
शराबे दोशीना (شراب دوشینه) अ फा स्त्री – रात की बची हुई शराब।
शराबे मुक़त्तर (شراب مقطر) अ स्त्री – निथरी हुई और साफ शराब पहले आश की बढ़िया शराब।
शराफ़त (شرافت) अ स्त्री – कुलीनता, वंश की शुद्धता सुशीलता अखलाक सज्जनता।
शराफ़ते नसबी (شرافت نسبی) अ स्त्री – कुल का श्रेष्ठ और निर्दोष होना।
शरारः (شراره) अ पु – स्फुलिंग अग्निकण पतिंगा चिनगारी।
शरारःखेज़ (شراره‌خیز) अ वि – जिससे चिंगारियाँ निकलें।
शरारःबार (شراره‌بار) फा वि – अग्निवमक आग बरसाने वाला।
शरार (شرار) अ पु – चिनगारी पतिंगा स्फुलिंग अग्नि स्तोक शररः।
शरारत (شرارت) अ स्त्री – दुष्टता बदी बुराई उपद्रव फसाद, चंचलता चपलता शोखी, बिगाड़ के लिए कोई काम।
शरारत आमेज़ (شرارت‌آمیز) अ फा वि – शरारत से भरा हुआ नुकसान पहुचाने की बुरी नीयत से किया हुआ।
शरारतन (شرارتاً) अ वि – शरारत से, बुरी नीयत से चिढ़ाने के लिए तंग करने के लिए।
शरारतपसंद (شرارت‌پسند) अ फा वि – जिसके मिज़ाज म शरारत हो उपद्रव प्रिय फसादी, जो छेड़ने के लिए शरारतें बहुत करता हो।
शरासीफ़ (شراسیف) अ स्त्री – शरसूफ का बहु नीचे वाली छोटी पसलियाँ।
शरीअत (شریعت) अ स्त्री – सुथरा हुआ और चौड़ा रास्ता राजमार्ग धर्मशास्त्र धार्मिक क़ानून।
शरीक (شریک) अ वि – साझीदार भागी हिस्सेदार मिलकर कोई काम करनेवाला सम्मिलित शामिल।
शरीकदार (شریک‌دار) अ फा वि – साझीदार भागी।

शरीके खानदान (شریکِ خاندان) अ. फा वि.—जो किसी वंश के अंतर्गत हो; जो किसी वंश मे सम्मिलित हो।

शरीके ग़ालिब (شریکِ غالب) अ फा वि.—भागीदारो मे सबसे बड़ा भाग रखनेवाला।

शरीके ज़िंदगी (شریکِ زندگی) अ फा वि—अर्धागिनी, जीवन संगिनी, ज़िंदगी की साथी, अर्थात् पत्नी, भार्या।

शरीके जुर्म (شریکِ جرم) अ. वि—जो किसी अपराध मे अपराधी का सहायक हो।

शरीके दर्द (شریکِ درد) अ. फा वि—जो विपत्ति में साथ देनेवाला और सहानुभूति रखनेवाला हो।

शरीके रंजोराहत (شریکِ رنج و راحت) अ फा. वि—हर्ष और विपत्ति दोनो का शरीक, हर समय पर साथ देने-वाला, घनिष्ठ।

शरीके राए (شریکِ رائے) अ. वि.—जो किसी सलाह और परामर्श मे सम्मिलित हो।

शरीके सोहबत (شریکِ صحبت) अ. वि.—पास बैठने-उठनेवाला, सोहबत मे रहनेवाला।

शरीके हाल (شریکِ حال) अ. वि.—साथी, संगी, हर अवस्था में साथ रहनेवाला।

शरीके हयात (شریکِ حیات) अ वि—जीवनसंगिनी, पत्नी, भार्या, पति, स्वामी।

शरीजः (شریجہ) अ पु—कबूतरो का दरबा, कावुक।

शरीफ़ (شریف) अ वि—कुलीन, खानदानी, सज्जन, सुशील, खुशअख़्लाक, सभ्य, शिष्ट, बातमीज, निश्छल, निष्कपट, सरल स्वभाव।

शरीफ़ज़ादः (شریف‌زادہ) अ. फा वि.—शरीफ का लड़का, आर्यपुत्र, कुल-पुरुष।

शरीफ़तब्अ (شریف‌طبع) अ. वि.—स्वभाव से सज्जन और शिष्ट।

शरीफ़मनिश (شریف‌منش) अ फा वि—दे. 'शरीफ-तब्अ'।

शरीफ़मिज़ाज (شریف‌مزاج) अ वि.—दे 'शरीफतब्अ'।

शरीफ़सूरत (شریف‌صورت) अ वि—देखने मे शरीफ, जिसकी सूरत से सज्जनता और कुलीनता टपकती हो।

शरीफ़ुत्तब्अ (شریف‌الطبع) अ वि—दे 'शरीफतब्अ'।

शरीफ़ुन्नफ़्स (شریف‌النفس) अ वि.—स्वभावत सज्जन, शिष्ट और निश्छल।

शरीफ़ुन्नसब (شریف‌النسب) अ वि—उत्तम कुल, महा कुल, जिसके वंश मे कोई दोष न हो।

शरीफ़ुन्नस्ल (شریف‌النسل) अ वि.—जिसकी जाति शुद्ध रक्तवाली हो, उत्तम वर्ण, कुलीन।

शरीर (شریر) अ. वि.—बदी करनेवाला, दुष्ट, उपद्रवी, फसादी; चंचल, चपल, शोख; चिढाने के लिए छेडनेवाला, पिशुन, चुग़ुल, लगाई-बुझाई करनेवाला, आपस मे दगा-फसाद करानेवाला।

शरीरतब्अ (شریرطبع) अ वि.—जिसके स्वभाव मे शरारत हो, धूर्त, फसादी; जो चिढाने के लिए शरारत करता हो।

शरीरमिज़ाज (شریرمزاج) अ वि—दे 'शरीरतब्अ'।

शर्अ (شرع) अ स्त्री.—चौड़ी सड़क, राजमार्ग; धर्मशास्त्र शरीअत।

शर्ई (شرعی) अ वि—धर्मशास्त्र-सम्बन्धी, धार्मिक, मज़हबी।

शर्ए मुहम्मदी (شرعِ محمدی) अ स्त्री.—इस्लामी धर्म-शास्त्र।

शर्क़ (شرق) अ पुं—पूर्व, पूरब, उदयाचल, मश्रिक।

शर्क़ी (شرقی) अ. वि—पूर्वीय, पूरब का, मश्रिकी।

शर्क़ोग़र्ब (شرق و غرب) अ पु—पूरब-पच्छिम, अर्थात् सारा जगत्, विश्व।

शर्ज़ः (شرزہ) अ. पु.—बहुत अधिक गुस्सेवाला।

शर्ज़िमः (شرذمہ) अ. पु—खंड, टुकड़ा, थोडे मनुष्यो का समूह; थोड़े-से फलो का ढेर।

शर्त (شرط) अ. स्त्री.—करार, पण; प्रतिज्ञा, अह्द, संविदा, वादा, बाजी, जुआ।

शर्तियः (شرطیہ) अ वि—अवश्य, यकीनी; शर्त बाँधकर, शर्त के साथ, अनिवार्य, लाज़िमी।

शर्ती (شرطی) अ वि—शर्तवाला, शर्त सम्बन्धी।

शर्बत (شربت) अ स्त्री—शकर डालकर मीठा किया हुआ पानी जो पिया जाता है, शर्करोदक, दवाओ से बना हुआ शकर का शीरा, सीरप, मिष्टोद।

शर्बतफ़रोश (شربت‌فروش) अ.फा. वि—शर्बत बेचनेवाला।

शर्बतसाज़ (شربت‌ساز) अ फा वि—शर्बत बनानेवाला।

शर्बती (شربتی) अ वि.—एक रंग जो हलका गुलाबी होता है।

शर्बते दीद (شربتِ دید) अ फा पु—दे 'शर्बते दीदार'।

शर्बते दीदार (شربتِ دیدار) अ फा पु—शर्बत रूपी दर्शन, दृष्टिरस।

शर्बते दीनार (شربتِ دینار) अ फा पु—एक यूनानी शर्बत जो विशेषतः जिगर के रोगो पर चलता है।

शर्बते मर्ग (شربتِ مرگ) अ फा. पु—मौत का शर्बत, मृत्यु, मरण, निधन।

शर्बते वस्ल (شربتِ وصل) अ पुं.—शर्बतरूपी नायिका का मिलन; सहवास-रस, मैथुनानंद।

शर्म (سرم) फा स्त्री–लज्जा शर्म लाज त्रपा ह्या पश्चात्ताप पछतावा।
शर्मआलूद (شرم آلود) फा वि–दे शर्मगीं।
शर्मगाह (شرمگاه) फा स्त्री–गुह्येंद्रिय लिंग, भग।
शर्मगीं (شرمگین) फा वि–शर्मिन्दा लज्जित।
शर्मनाक (شرمناک) फा वि–लज्जाजनक घिनावना बेहयाई का।
शर्मसार (شرمسار) फा वि–लज्जित, शर्मिन्दा पश्चात्तापी पछतानेवाला।
शर्मसारी (شرمساری) फा स्त्री–लज्जा शर्म पछतावा पश्चात्ताप।
शर्मिन्दा (شرمنده) फा वि–लज्जित शर्मसार।
शर्मिन्दए इसयाँ (شرمندهٔ عصیاں) फा अ वि–पापों से लज्जित।
शर्मिन्दए एहसान (شرمندهٔ احسان) फा अ वि–आभारी कृतज्ञ मम्नून।
शर्मिन्दए मा'नी (شرمندهٔ معنی) फा अ वि–सार्थक बामानी।
शर्मिन्दगी (شرمندگی) फा स्त्री–लज्जा व्रीडा, शर्म पश्चात्ताप पछतावा।
शर्मे रुसवाई (شرم رسوائی) फा स्त्री–बदनामी की लज्जा।
शर्मे हुजूरी (شرم حضوری) फा अ स्त्री–सामने होने या पास आने की मुरव्वत आँखें चार होने का लिहाज।
शर्मोहया (شرم وحیا) फा अ स्त्री–लाज और शर्म लज्जा व्रीडा।
शह (سرحه) अ पु–बड टुकड़ा।
शहशह (سرحه سرحه) अ वि–टुकड़े-टुकड़े।
शह् (سرح) अ स्त्री–व्याख्या तश्रीह स्पष्टता वजाहत विस्तार तफ्सील टीका किसी मूल ग्रंथ का विस्तारपूर्वक वर्णन।
शह्नवीस (شرح نویس) अ फा वि–किसी मूल ग्रंथ का टीका टिप्पणी करनेवाला टीकाकार भाष्यकार।
शह्निगार (شرح نگار) अ फा वि–दे शह्नवीस।
शहे मआनी (شرح معانی) अ स्त्री–क्लिष्ट शब्दों का अर्थ।
शहे मतालिब (شرح مطالب) अ स्त्री–क्लिष्ट भावार्थ की व्याख्या।
शहे सूद (شرح سود) अ फा स्त्री–ब्याज की दर।
शहोंवस्त (شرح وبسط) अ फा स्त्री–विस्तार व्याख्या वजाहत।
शल्गम (شلغم) फा स्त्री–शल्गम उत्तम कूल।
शल [शल्ल] (شل) अ वि–अपाहिज जिसके हाथ-पाँव काम न दें काहिल आलसी, शिथिल ढीला।
शलग़म (سلغم) फा पु–शल्जम, एक तरकारी।
शल्जम (شلجم) अ पु–एक प्रसिद्ध तरकारी शल्जम।
शलताक (سلتاق) तु पु–युद्ध लड़ाई कल्ह झगड़ा।
शलूक (شلتوک) फा पु–धान चावल भूसी सहित शाली।
शल्फ (سلف) फा स्त्री–व्यभिचारिणी कुल्टा पुंश्चली, फाहिशा।
शल्लाक (سلاق) अ पु–कोड़े या छड़ा से मारना चपत चपत, थप्पड़ मारना।
शलवार (سلوار) फा स्त्री–एक प्रकार का ढीला पाजामा।
शवाइब (سوائب) अ पु–शाइब का बहु मिलावटें आमेजिशें।
शवाग़िल (شواغل) अ पु–शग़ल का बहु, मशग़ल कामधंधे।
शवाफ़े (سوافع) अ पु–शाफ़ई का बहु, शाफ़िइ पथ के अनुयायी मुसलमान।
शवारिक़ (شوارق) अ पु–शारिक़ का बहु, दीप्त वस्तुएं सूर्य की किरणें।
शवारे (شوارع) अ पु–शारे' का बहु, बड़े मार्ग खुले रास्ते, विस्तृत पथ।
शवाहिद (شواهد) अ पु–शाहिद का बहु, गवाह लोग साक्षीगण।
शवाहिक़ (سواهق) अ पु–ऊँची इमारतें बलंद इमारतें।
शव्वाल (سوال) अ पु–इस्लामी दसवाँ महीना।
शश (شش) फा पु–शव्वाल महीने के पहले छः दिन जिनमें रोजे रक्खे जाते हैं।
शश (سش) फा वि–छः षट शश पष।
शशजिहत (سش جهت) फा अ स्त्री–छः तरफ चारों दिशाएँ और ऊपर और नीचे की दो दिशाएँ।
शशदर (ششدر) फा वि–छः दरवाजों की इमारत मरणस्थान हैरानी की जगह हक्का-बक्का हैरानी।
शशदर (ششدر) फा वि–चकित स्तब्ध निस्तब्ध, हक्का बक्का आश्चर्यान्वित।
शशदाँग (ششدانگ) फा वि–दे शशजिहत।
शशपहलू (شش پهلو) फा वि–छः बगलोंवाला षट्कोण।
शशपा (ششپا) फा वि–छः पाँववाला षट्पद षट्पद।
शशपाया (شش پایه) फा वि–जिस इमारत में छः खंभे हों।
शशमाह (شش ماهه) फा वि–छः महीने की आयु का।
शशमाही (شش ماهی) फा वि–छः महीने में एक बार हो। षाण्मासिक अर्धवार्षिक।

शशसरी (ششسری) फा. पुं –वह सोना जिसमे तनिक भी मैल या मिलावट न हो, कुदन।

शशुम (ششم) फा वि –छठवाँ, षष्ठ।

शशोपंज (ششوپنج) फा. पु –सकोच, उधेड-वुन।

शस्त (شصت) फा वि –साठ, षष्ठि।

शस्त (شست) फा वि –साठ, षष्ठि (पु) शल्य, निश्तर, फदा, मिज्राव, (स्त्री.) निशाना, ताक, मछली पकडने की लवी डोर जिसमे छड नही होती।

शस्तक (شستک) फा. पु –गुदा मैथुन करानेवाले व्यक्तियो का एक लिंग की आकृति का अस्त्र, जिससे वह अपनी खुजली मिटाते है, लिंग, मेहन, शिश्न।

शस्तगीर (شستگیر) फा वि –धनुर्धर, तीरअदाज।

शस्तमीर (شست امیر) फा वि –धनुर्विद्या मे निपुण, लक्ष्य-भेदी।

शस्तुम (شستم , شصم) फा वि –साठवाँ।

शहंशाह (شہنشاہ) फा पु –वह वादशाह जिसके अधीन कई वादशाह हो, सम्राट, चक्रवर्ती, राजाधिराज।

शहंशाही (شہنشاہی) फा. स्त्री –साम्राज्य, वादशाहो पर वादशाही।

शह (شہ) फा पु –'शाह' का लघु, दे 'शाह', वढावा, हुशकारी, शतरज की किश्त।

शहखर्च (شہخرچ) फा वि.–वहुत अधिक खर्च करनेवाला, मुक्तहस्त।

शहजादः (شہزادہ) फा पुं –राजकुमार, राजपुत्र, वादशाह का लडका, युवराज, वली अह्द।

शहजादगी (شہزادگی) फा स्त्री.–राजकुमारता, वादशाह का लडका होना।

शहजोर (شہزور) फा वि –शक्तिशाली, वलवान्।

शहजोरी (شہزوری) फा स्त्री –शक्तिशालिता, वली होना।

शहतीर (شہتیر) फा पु –शीशम या शाल आदि की सीधी और चौकोर लकडी जो छत पाटने के काम आती है, लट्ठा।

शहतूत (شہتوت) फा पु –एक प्रसिद्ध छोटा फल, तूत।

शहदुज्द (شہدزد) फा पु –शातिर चोर, पश्यतोहर।

शहनशीं (شہنشیں) फा स्त्री –वैठने की ऊँची इमारत।

शहनाई (شہنائی) फा स्त्री –एक वाजा, नफीरी।

शहनाज (شہناز) फा वि –दुल्हन, नव विवाहिता।

शहपर (شہپر) फा पु –'शाहपर' का लघु, पक्षी का वाजू, डैना।

शहवाज (شہباز) फा पु –'शाहवाज' का लघु, वडा वाज, शिकारी वाज, श्येन।

शहरग (شہرگ) फा स्त्री –'शाहरग' का लघु., शरीर की सवसे वडी रग जो हृदय मे मिलती है।

शहसवार (شہسوار) फा वि –घोडे की वहुत अच्छी सवारी करनेवाला।

शहसवारी (شہسواری) फा स्त्री –घोडे पर वहुत अच्छा वैठना।

शहा (شہا) फा अव्य –हे राजा! ऐ वादशाह! शाह का सम्वोवन।

शहादत (شہادت) अ. स्त्री –साक्षी, गवाही, धर्म या देश आदि के लिए वलिदान; धर्म-युद्ध मे वध।

शहादतकदः (شہادت کدہ) अ फा पु –दे 'शहादतगाह'।

शहादतगाह (شہادتگاہ) अ फा स्त्री.–शहीद होने का स्थान, वलिदान होने या किये जाने की जगह।

शहादतनामः (شہادت نامہ) अ फा पु –प्रमाणपत्र, सनद; वह ग्रथ जिसमे किसी के शहीद होने का वर्णन हो।

शहादते इमाम (شہادت امام) अ स्त्री –हज्रत इमाम हुसैन की शहादत।

शहादते उज्मा (شہادت عظمیٰ) अ स्त्री.–वहुत वडी शहादत, सवसे वडा वलिदान, हज्रत इमाम हुसैन का वध।

शहादते कुब्रा (شہادت کبریٰ) अ स्त्री –दे. 'शहादते उज्मा'।

शहादते हक्कः (شہادت حقہ) अ स्त्री –सच्ची गवाही, सत्य के लिए वलिदान; सच्चा वलिदान।

शहानः (شہانہ) अ फा वि –'शाहान' का लघु, शाहो-जैसा, राज्योचित।

शहाव (شہاب) अ पु –कुत्ते का पिल्ला, वह दूध जिसमे दो भाग पानी मिला हो।

शहाव (شہاب) फा पु –लाल रग।

शहावी (شہابی) फा वि –लाल, सुर्ख, रक्त, शोणित।

शहामत (شہامت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, वडाई, शूरता, वहादुरी, शक्ति, जोर, प्रसन्नता, खुशी, फुर्ती।

शही (شہی) फा स्त्री –'शाही' का लघु, राजाओ का, राजाओ-जैसा।

शहीक (شہیق) अ स्त्री –गधे की वह भारी आवाज जो अत मे निकलती है, गधे की शुरू की आवाज "जफीर" है।

शहीद (شہید) अ वि –जो धर्मयुद्ध मे शत्रु से लडता हुआ मारा गया हो, जिसने धर्म, देश या किसी लोक-हित के लिए वलिदान किया हो, हुतात्मा, ईश्वर का एक नाम।

शहीदे आ'जम (شہید اعظم) अ पु –सवसे वड़ा शहीद, हज्रत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे इश्क (شہید عشق) अ पु –प्रेम के मार्ग मे जान देने-वाला, प्रेमिका को प्राण अर्पण करनेवाला।

शहीदे कर्बला (شہید کربلا) अ फा पु –कर्बला के युद्ध में सत्य के लिए बलि होनेवाले, हज़रत इमाम हुसैन।
शहीदे वतन (شہید وطن) अ पु –वतन की आज़ादी और उन्नति के लिए युद्ध या परिश्रम में मरनेवाला।
शहीम (شحیم) अ वि –जिसके शरीर में चर्बी बहुत हो, मेदुर।
शहीर (شہیر) अ वि –प्रसिद्ध ख्यातिप्राप्त मशहूर।
शहीह (شحیح) अ वि –कृपण कंजूस बख़ील।
शहून (شحون) अ वि –शक्तिशाली ज़ोरावर, पूज्य, श्रेष्ठ बुज़ुर्ग।
शहद (شہد) फा पु –मधु अंग्बी।
शहदआमेज़ (شہدآمیز) फा वि –जिसमें शहद मिला हो मधुर, मीठा।
शहदगुफ्तार (شہدگفتار) फा वि –जिसकी बातें मीठी हों मिष्टभाषी मधुरवाणी।
शहदगुफ्तारी (شہدگفتاری) फा स्त्री –वाणी की मिठास।
शहदमक़ाल (شہدمقال) फा अ वि –दे 'शहदगुफ्तार'
शहदमक़ाली (شہدمقالی) फा अ स्त्री –दे 'शहद गुफ्तारी'।
शहन (شحن) अ पु –भरना पुर करना हाँकना चलाना दूर करना हटाना।
शहब (شہب) फा स्त्री –बूढ़ी स्त्री वृद्धा जरिता।
शहबर (شہبرہ) फा स्त्री –बूढ़ी स्त्री वृद्धा।
शहबा (شہبا) अ स्त्री –वह घोड़ी या ऊँटनी जिसका रंग सफ़ेदी मिला काला हो और सफ़ेदी अधिक हो।
शहम (شحمہ) अ प –थोड़ी सी चर्बी कान की लौ।
शहम (شحم) अ स्त्री –वसा मज्जा चर्बी।
शहमे हृज़ल (شحم حنظل) अ पु –इन्द्रायण एक प्रसिद्ध कड़वा फल जो कफ का रेचक है।
शह्र (شہر) अ पु –मास महीना चाँद प्रकटन ज़ुहूर।
शह्र (شہر) फा पु –नगर पुरी बड़ी बस्ती जो क़स्बे से बड़ी हो।
शह्र आशोब (شہرآشوب) फा पु –नज़्म की एक क़िस्म जिसमें राज्य की कुव्यवस्था शासक की हीनता और प्रजा की दुर्गति का वर्णन होता है।
शह्रताश (شہرتاش) फा तु वि –एक ही नगर के निवासी हम वतन।
शह्र दर शह्र (شہردرشہر) फा वि –नगर-नगर में हर नगर में एक नगर से दूसरे नगर में।
शह्रपनाह (شہرپناہ) फा स्त्री –नगर के चारों ओर रक्षार्थ बनाया हुई पक्की और ऊँची दीवार प्राचीर, परकोटा फ़सील।
शह्रबंद (شہربند) फा वि –दुर्ग, कोट, क़िला कारागार, क़ैदख़ाना जिस राजा की ओर से बाहर जाने का आज्ञा न हो, किसी शुभअवसर पर नगर की सजावट।
शह्रबदर (شہربدر) फा वि –नगर से निकाला हुआ जिसे राज्य की ओर से नगर से निकाल दिया गया हो, नगर बहिष्कृत।
शह्रयार (شہریار) फा वि –शासक नवाब, राजा, सम्राट् बादशाह।
शह्रयारी (شہریاری) फा स्त्री –राज्य शासन बादशाही।
शह्रवा (شہروا) फा पु –वह सिक्का जो किसी नगर विशेष में चलता हो दूसरी जगह न चलता हो।
शह्री (شہری) फा वि –शह्र का निवासी, नगर निवासी, सभ्य, शिष्ट तमीज़दार जिस किसी देश में वहाँ की प्रजा होने का अधिकार प्राप्त हो नागरिक।
शह्रीयत (شہریت) फा स्त्री –सभ्यता शिष्टता, नागरिकता, सिटीज़नशिप।
शह्रे ख़मोशाँ (شہرخموشاں) फा पु –मूक लोगों का नगर अर्थात् क़ब्रिस्तान समाधिक्षेत्र।
शह्रे ग़रीबाँ (شہرغریباں) फा पु –परदेसियों का नगर, जहाँ कोई एक दूसरे को पहचानता न हो।
शह्रे नाबीना (شہرنابینا) फा पु –अंधों का नगर जहाँ कोई कुछ देख न सकता हो जहाँ गुण-दोष परखनेवाला न हो।
शह्रेवर (شہریور) फा पु –ईरानी का एक महीना जो हिंदी हिसाब से कुआर में पड़ता है।
शहल (شہل) फा स्त्री –बूढ़ी स्त्री बुढ़िया।
शहला (شہلا) अ वि –कंजी आँखोंवाली स्त्री वह नर्गिस जिसके भीतर पीलाहट की जगह कालिमा होती है और आँख से बहुत मिलती-जुलती है।
शह्वत (شہوت) अ स्त्री –इच्छा अभिलाषा ख़्वाहिश क्षुधा भूख इश्तिहा कामवेग कामातुरता स्त्री प्रसंग की प्रबल इच्छा।
शह्वतअंगेज़ (شہوت انگیز) अ फा वि –कामवर्द्धक काम शक्ति-वर्द्धक शह्वत बढ़ानेवाला।
शह्वतअंगेज़ी (شہوت انگیزی) अ फा स्त्री –कामशक्ति की प्रबलता शह्वत का जोश।
शह्वतअफ़ज़ा (شہوت افزا) अ फा वि –शह्वत बढ़ाने वाला कामवर्द्धक।
शह्वतकुश (شہوت کش) अ फा वि –शह्वत को मारने वाला, इन्द्रियदमन।

शह्वतकुशी (شہوت‌کشی) अ. फा. स्त्री –शह्वत् को मारना, इंद्रिय दमन करना।

शह्वतखेज़ (شہوت‌خیز) फा. अ वि–दे. 'शह्वतअंगेज' ।

शह्वतख़ेज़ी (شہوت‌خیزی) अ फा स्त्री.–दे. 'श अंगेजी' ।

शह्वतपरस्त (شہوت‌پرست) अ फा. वि.–इच्छाओ का दास, भोग-विलास का रसिया, व्यभिचारी, लंपट।

शह्वतपरस्ती (شہوت‌پرستی) अ फा. स्त्री.–इच्छाओ की पूजा, लिप्सा, कामवासना की रसिकता, व्यभिचार।

शह्वतरां (شہوت‌راں) अ फा वि.–दे 'शह्वतपरस्त' ।

शह्वतरानी (شہوت‌رانی) अ फा. स्त्री –दे 'श परस्ती' ।

शह्वते कल्बी (شہوت کلبی) अ. स्त्री –एक रोग जिसमे भूख बहुत बढ जाती है, और कितना भी खाया जाय तृप्ति नहीं होती।

शह्वात (شہوات) अ स्त्री.–'शह्वत' का बहु, शहवते, इच्छाएँ, काम वासनाएँ।

शह्वानी (شہوانی) अ. वि –इच्छा का; काम वासना का, इच्छा सम्बन्धी, कामवासना-सम्बन्धी।

शह्वानीयत (شہوانیت) अ स्त्री –शह्वत, काम वासना, स्त्री-प्रसग की इच्छा।

शह्वी (شہوی) अ वि –दे. 'शह्वानी' ।

शा

शांज़दः (شانزدہ) फा वि –सोलह, षोडश।

शांज़दहुम (شانزدہم) फा वि –सोलहवाँ।

शाइक़ (شائق) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, उत्कंठित, मुश्ताक़, व्यसनी, शौकीन।

शाइक (شائک) अ वि –काँटोवाला, काँटोदार।

शाइबः (شائبہ) अ पु –लवलेश, किंचिन्मात्र, बहुत थोडा, मिश्रण, मिलावट।

शाइरः (شاعرہ) अ स्त्री –कवि स्त्री, कवयित्री।

शाइर (شاعر) अ पु –कवि, शाइरी करनेवाला।

शाइरात (شاعرات) अ स्त्री – 'शाइर' का बहु, शाइर स्त्रियां।

शाइरान. (شاعرانہ) अ फा वि –शाइरो-जैसा।

शाइरी (شاعری) अ स्त्री –कविता, शे'र कहना; काव्य, शे'र का फन; अत्योक्ति, मुबालग़ः।

शाइरीन (شاعرین) अ. पु –'शाइर' का बहु, कविगण, शाइर लोग।

शाइस्त: (شائستہ) फा. वि –सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब; योग्य. क़ाबिल, पात्र, मुस्तहक़; संस्कृत, मार्जित, मुजल्ला, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

शाइस्तःअमल (شائستہ‌عمل) फा अ वि.–सदाचारी, शिष्टाचारी, नेक अतवार।

शाइस्तःकलाम (شائستہ‌کلام) फा अ वि –तमीज की बातचीत करनेवाला, सभ्यतापूर्वक बातचीत करनेवाला।

शाइस्तःगो (شائستہ‌گو) फा वि –जिसकी बातचीत सभ्यता और शिष्टता लिये हुए हो।

शाइस्तःमनिश (شائستہ‌منش) फा. वि –दे. 'शाइस्त -मिजाज' ।

शाइस्तःमिज़ाज (شائستہ‌مزاج) फा. अ वि.–सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।

शाइस्तए कलाम (شائستۂ‌کلام) फा अ पु –वह व्यक्ति जिससे बातचीत की जा सके, जो बात करने के योग्य हो।

शाइस्तगी (شائستگی) फा स्त्री –सभ्यता, तहज़ीब; शिष्टता, तमीज, योग्यता, काबिलीयत, पात्रता, इस्तेहकाक; संस्कृति, सफाई, उत्तमता, उम्दगी।

शाए' (شائع) अ वि –व्यक्त, प्रकट, जाहिर, प्रकाशित, छपा हुआ, प्रसारित, नश्र।

शाए'कर्दः (شائع‌کردہ) अ फा वि –प्रकाशित किया हुआ, छापा हुआ।

शाए'कुनिंदः (شائع‌کنندہ) अ फा वि –प्रकाशक, छापनेवाला।

शाएगाँ (شائگاں) फा वि.–उत्तम, उम्दा, विस्तृत, चौड़ा, 'पर्वेज' का एक ख़जाना, विष्टि, बेगार, क़ाफ़िए का एक दोष, ईता।

शाक़ (شاق) अ वि –असह्य, नाकाबिले बरदाश्त, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अरुचिकर, नागवार।

शाक (شاک) अ पु –सैनिक, सिपाही, सशस्त्र, मुसल्लह, शक करनेवाला।

शाकिए जौर (شاکئ جور) अ पु –अनीति और अत्याचार की शिकायत करनेवाला।

शाकिए ज़ुल्म (شاکئ ظلم) अ पु –दे 'शाकिए जौर' ।

शाकिए सितम (شاکئ ستم) अ पु.–दे 'शाकिए जौर' ।

शाकिरः (شاکرہ) अ स्त्री –शुक्र करनेवाली स्त्री।

शाकिर (شاکر) अ पु –शुक्र करनेवाला, ईश्वर को धन्यवाद देनेवाला।

शाकिरे ने'मत (شاکر نعمت) अ. पु –ईश्वर की दी हुई ने'मतो पर उसको धन्यवाद देनेवाला, कृतज्ञ।

शाकी (شاکی) अ वि –शिकायत करनेवाला, परिवादी।

शाकूल (شاقول) अ. स्त्री –राजो की सहायक जिससे वह दीवार की सीध नापते है।

शाफ़्क़ः (شاقہ) अ. वि –बहुत कड़ी, बहुत कठिन।

शादगून. (شادگونه) फा. स्त्री –गानेवाली स्त्री, गायिका, डोमनी, बिछाने का गद्दा, तोशक।
शादजी (شادی) फा वा –दे. 'शादवाश'।
शादनः (شادنه) फा. पुं –एक पत्थर जो छोटे दानो की शक्ल मे होता है, और दवा मे चलता है।
शादनज (شادنج) अ. पु –दे 'शादन.'।
शादवह्र (شادبهره) फा वि –सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत, समृद्ध, खुशहाल।
शादवाद (شادباد) फा वा –दे 'शादवाश'।
शादवाश (شاد باش) फा वा –खुश रहो, चैन से जीवन व्यतीत करो, एक आशीर्वाद, शावाश, धन्यवाद।
शादमाँ (شادماں) फा वि –प्रसन्नचित्त, हर्षित, आनदित।
शादमाँदिल (شادماں دل) फा वि –प्रसन्नहृदय, प्रफुल्ल-मनस्क।
शादमाँरू (شادماں رو) फा वि –प्रफुल्लवदन, जिसके चेहरे पर शिगुफ्तगी हो।
शादमानी (شادمانی) फा. स्त्री –प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।
शादवर्द (شادورد) फा पु –चद्रमडल, चद्रविव, हाल।
शादाँ (شاداں) फा वि –दे 'शादमाँ'।
शादाव (شاداب) फा वि –हरा-भरा, सरसब्ज, सिची हुई काश्त, प्रफुल्ल, शिगुफ्त।
शादावी (شادابی) फा स्त्री –हराभरापन, तरोताजगी, प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी।
शादिन (شادن) फा पु –मृग-शावक, हिरन का बच्चा।
शादियानः (شادیانه) फा पु –वधाई, खुशी के समय वजनेवाला वाजा।
शादी (شادی) फा स्त्री –हर्ष, आनद, विवाह, व्याह।
शादीचः (شادیچه) फा पु –ऊपर पहनने का कपडा, उपरना, वालापोश।
शादीमर्ग (شادی مرگ) फा वि –वह व्यक्ति जो हर्षाधिक्य के कारण मर जाय।
शादुर्वान (شادروان) फा पु –शामियाना; पर्दा, फ़र्श, छाजन, साइवान।
शादोआवाद (شادوآباد) फा वि –जो प्रसन्न भी हो और समृद्ध भी।
शादोखुर्रम (شادوخرم) फा वि –प्रसन्न और आनदित।
शान. (شانه) फा पु –कघा, कधा, स्कव, जुलाहो की राछ, जुलाहो की कूँची, एक शस्त्र।
शान·कश (شانه‌کش) फा वि –कघा करनेवाला।
शान.कशी (شانه‌کشی) फा. स्त्री –कघा करना, वालो को कघे से सुलझाना।
शान.कार (شانه‌کار) फा. वि.–कंघा वनानेवाला।
शान:गर्दानी (شانه‌گردانی) फा स्त्री –उपेक्षा, वेतवज्जुही।
शान:वशान. (شانه‌بشانه) फा वि –कधे से कधा मिलाकर, मिलकर, जुडकर।
शान:वहा (شانه‌بها) फा पु –वहुत थोडा मूल्य।
शान·वी (شانه‌بیں) फा वि –सगुन विचारनेवाला, यह सगुन वकरी की सीग से लिया जाता है।
शान:वीनी (شانه‌بینی) फा. स्त्री –सगुन विचारना।
शान:सर (شانه‌سر) फा पु –एक पक्षी, हुदहुद।
शान (شان) अ. स्त्री –वैभव, विभव, शान-शौकत, प्रताप, इक्वाल, तेज, जलाल, श्रेष्ठता, वुजुर्गी।
शानदार (شاندار) अ. फा वि –ठाटदार, उत्तम, वढिया, विशाल, भारी।
शानी (شانی) अ वि –शत्रु, वैरी, दुश्मन।
शाने नुज़ूल (شان نزول) अ स्त्री –आने का कारण, उपस्थिति का सवव, किसी आकाशवाणी का कारण, किसी आकाशीय ग्रथ या उसके किसी खड-विशेप के उतरने का कारण।
शानोशौकत (شان‌وشوکت) अ स्त्री –ठाट-वाट, तडक-भडक, वैभव, विभव, जाहोहशम।
शाफ़ः (شافه) अ पु –गुदा मे रखने का दवा मे भीगा हुआ कपडा आदि।
शाफिअः (شافعه) अ स्त्री –सुफ़ारिश करनेवाली स्त्री।
शाफिई (شافعی) अ वि –इमाम शाफिई का नाम, इमाम शाफिई का अनुयायी मुसलमान।
शाफिए मुत्लक (شافئ مطلق) अ पु –सच्ची नीरोगिता प्रदान करनेवाला, ईश्वर।
शाफी (شافی) अ. वि.–रोगमुक्त करनेवाला, शिफा देने-वाला।
शाफे' (شافع) अ. वि –सुफारिश करनेवाला, ईश्वर से सुफ़ारिश करके मोक्ष दिलानेवाला।
शाव [ब्व] (شاب) अ वि –युवा, तरुण, जवान।
शा'व (شعب) अ पु –गर्त, गढ़ा, खोह, कदरा, गुफा, दरार, दर्ज, कुल, खानदान।
शा'वदः (شعبده) अ पु.–इद्रजाल, जादू, दृष्टिवध, नजर-वदी, टोना-टोटका, नयी और अनोखी वात, चमत्कार, छल, फरेव।
शा'वदःगर (شعبده‌گر) अ फा वि –दृष्टिवधक, मायावी, जादूगर, छली, फरेवी।
शा'वदःगरी (شعبده‌گری) अ फा स्त्री –मायाकर्म, इद्रजाल, जादूगरी, छली, फ़रेव।
शा'वद.वाज़ (شعبده‌باز) अ फा वि –दे. 'शावद गर'।

शा'बदबाजी (سعده‌بازی) फा अ स्त्री —दे शा'बद गरी'।
शा'बदसज (سعده‌ساز) अ फा वि —दे 'शाबदगर'।
शा'बदसजी (سعده‌سازی) अ फा स्त्री —दे शा'बद गरी'।
शा'बदात (سعدات) अ पु —शा'बद का बहु, शा'बदे।
शा'बान (سعبان) अ पु —इस्लामी आठवाँ महीना।
शाबाश (شاباش) फा स्त्री —शाद्बाश का लघु प्रोत्साहन देने और हिम्मत बढ़ानेवाला एक शब्द जो बड़े लोग छोटों के अच्छा काम करने पर कहते हैं।
शाबाशी (شاباشی) उ स्त्री —शाबाश देना शाबाश।
शाम (شام) अ पु —एक देश सीरिया।
शाम (شام) फा स्त्री —संध्या सायकाल।
शामगाह (شامگاه) फा स्त्री —सायकाल सध्यावेला।
शामत (شامت) अ स्त्री —अकल्याण नुहसत दुर्भाग्य बदकिस्मती घिरने के लक्षण।
शामते अमल (شامت عمل) अ स्त्री —कर्म का खोटापन बुरे कर्म का बुरा फल।
शामते आ'माल (شامت اعمال) अ स्त्री —बुरे कर्मों का फल, पापों का नतीजा।
शामियाना (شامیانه) फा पु —वितान छाया के लिए ताना जानेवाला विशेष कपड़ा।
शामिल (شامل) अ वि —सम्मिलित एकत्र एक जगह अतर्गत भीतरी समन्वित सयुक्त मुत्तहद भागीदार, साझा शरीक सहकारी मददगार।
शामिले हाल (شامل حال) अ वि —सम्मिलित शामिल।
शामी (شامی) अ वि —शाम का निवासी शाम की भाषा।
शामे अबद (شام ابد) फा अ स्त्री —वह समय जब सृष्टि बिल्कुल नष्ट हो जायगी सुबह अज़ल का उलटा।
शामे ग़रीबा (شام غریبان) फा अ स्त्री —परदेसियों की शाम परदेस की शाम जो बड़ी उदास होती है।
शामे ग़ुरबत (شام غربت) फा अ स्त्री —परदेस की शाम।
शामे जवानी (شام جوانی) फा स्त्री —युवावस्था की शाम जहाँ से मनुष्य पाप के जगत में पाँव रखता है।
शामोपगाह (شاموپگاه) फा स्त्री —रात दिन अहर्निश, अर्थात हर समय सदा।
शामोसहर (شام وسحر) फा अ स्त्री —दे शामोपगाह'।
शाम्म (شامه) अ स्त्री —घ्राणशक्ति सूघने की कुव्वत।
शायगाँ (شایگان) फा वि —दे शायगाँ।
शायद (شاید) फा वि —कदाचित कदाचन स्यात।
शायदोबायद (شایدو باید) फा वि —अद्भुत अनुपम अजीबोग़रीब।
शायस्त (شایسته) फा वि —दे शाइस्त।
शायस्तगी (شایستگی) फा स्त्री —दे शाइस्तगी'।
शायाँ (شایان) फा वि —उचित समुचित, मौज़ू मुनासिब।
शायाने शान (شایان شان) फा अ वि —किसी की हैसियत के मुनासिब, जो व्यक्ति जैसा हो उसके लिए वैसा हो।
शार (شاره) फा पु —वस्त्र कपड़ा पगड़ी, साफ़ी साड़ी।
शार (سار) फा स्त्री —नगर बस्ती साड़ी साड़ी (प्रत्यय) स्थान ऐसा स्थान जहाँ एक ही वस्तु प्रचुर हो जैसे— कोहसार पहाड़ी स्थान।
शा'र (سعر) अ पु —बाल कच, केश।
शारक (شارک) फा स्त्री —मैना पक्षी सारिका।
शारमार (شارمار) फा पु —अजगर, बड़ा साँप।
शारसाँ (شارسان) फा पु —नगर शहर जहाँ बहुत-सी बस्तियाँ हों।
शारिक (سارق) अ वि —भागनेवाला।
शारिद (سارد) अ वि —चमकनेवाला।
शारिब (سارب) अ वि —पीनेवाला पायी।
शारिस्तान (سارستان) फा पु —वह बस्ती जिसके चारों ओर बाग हों।
शा'रुलजिन (سعرالجن) अ पु —हसराज एक घास जो दवा में चलती है, परसियावशान।
शारे' (سارع) अ वि —इस्लामी शरीअत बनानेवाला अर्थात हज़रत पैग़बर साहिब, शरीअत का आलिम।
शारेह (سارح) अ वि —भाष्यकार टीकाकार शरह लिखनेवाला।
शालंग (سالنگ) फा स्त्री —वह व्यक्ति जो किसी भाग हुए (मफ़रूर) व्यक्ति की जगह पकड़ा जाय।
शाल (سال) फा स्त्री —एक ऊनी कामदार चादर।
शालदोज़ (سال‌دوز) फा वि —शाल बनानेवाला।
शालबाफ़ (سال باف) फा वि —दे शालदोज़।
शालहंग (سالهنگ) फा पु —अत्याचार ज़ुल्म बखेड़ा रहज़न छल कपट फ़रेब।
शाली (سالی) फा पु —धान भूसी सहित चावल।
शाश (سامه) फा पु —मूत्र प्रस्राव पेशाब।
शाश (ساش) फा पु —दे चाच' दे शाश।
शा'शअ (سعسعه) अ पु —किरण अंशु रश्मि दीधिति मयूख आतप धूप अर्चि।
शाशदान (ساشدان) फा पु —पेशाब करने का बर्तन रातियाँ का मूत्रपात्र।
शाशिंद (ساسنده) फा वि —पेशाब करनेवाला।
शाशीद (ساسیده) फा वि —मूता हुआ पेशाब किया

हुआ, जो पेशाव कर चुका हो; जिस चीज पर पेशाव किया गया हो।

शाशीदनी (شاشیدنی) फा वि –पेशाव करने के योग्य, जिस पर पेशाव करना उचित हो, त्यक्त और तिरस्कृत वस्तु।

शहंशह (شاهنشہ) फा वि –'शाहशाह' का लघु, सम्राट्, चक्रवर्ती।

शाहंशही (شاهنشہی) फा स्त्री –साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाहंशाह (شاهنشاه) फा वि –सम्राट, चक्रवर्ती, शाहो के ऊपर वादशाह, जिसके अधीन अन्य राज्य हो।

शाहंशाही (شاهنشاهی) फा. स्त्री –साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाह (شاه) फा पु –वादशाह, शासक, नरेश, नृप, राजा।

शाहकार (شاهکار) फा पु.–किसी कलाकार की सर्वोत्तम कला, अत्युत्तम कृति।

शाहगाम (شاهگام) फा स्त्री–घोडे की एक चाल।

शाहजाद: (شاهزاده) फा पु –युवराज, राजकुमार, शहजादा।

शाहजादगी (شاهزادگی) फा स्त्री –राजकुमारता, युवराजपन, शहजादगी की अवस्था।

शाहतर: (شاهتره) फा पु –एक घास जो दवा मे चलती है।

शाहदर: (شاهدره) फा पु.–राजमार्ग, आमरास्ता।

शाहदान: (شاهدانه) फा. पु.–एक वीज जो दवा मे काम आते है।

शाहनशी (شاهنشین) फा स्त्री –वैठने की ऊँची जगह।

शाहनाम: (شاهنامه) फा पु –वह महाकाव्य जिसमे किसी राज्य विशेष के वादशाहो का वर्णन हो।

शाहपर (شاهپر) फा पु –पक्षियो का डैना, जिसमे पर होते है।

शाहपसंद (شاهپسند) फा वि –वादशाहो के लाइक जिसे राजा और महाराजा पसद करे।

शाहवल्लूत (شاهبلوط) फा पु –एक पेड, जिसे ईसाई पवित्र मानते है।

शाहवाज (شاهباز) फा पु –वडा वाज, शहवाज, शूर, वीर, योद्धा, वहादुर।

शाहवाजी (شاهبازی) फा स्त्री –वीरता, शूरता, वहादुरी।

शाहवैत (شاه بیت) फा अ स्त्री.–गजल का वह शे'र जो सवसे अच्छा हो।

शाहरग (شاه رگ) फा स्त्री –एक वडी खून फेकनेवाली रग जो हृदय मे जाती है, शहरग।

शाहराह (شاهراه) फा स्त्री –वड़ा रास्ता, राजमार्ग।

शाहवार (شاهوار) फा वि –वादशाहो और राजाओ के योग्य अर्थात् वहुमूल्य।

शाहसवार (شاهسوار) फा. वि –घोडे का वहुत अच्छा सवार, शरीर से शरीर घोड़े पर सवारी करनेवाला।

शाहिक (شاهق) अ वि –उत्तुग, उच्च, श्रेष्ठ, वलद, ऊँचा, प्रासाद, भवन, महल।

शाहिद (شاهد) अ वि –साक्षी, गवाह, नायिका, मा'शूक, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाहिदपरस्त (شاهدپرست) अ फा वि –दे 'शाहिदवाज'।

शाहिदवाज (شاهدباز) अ.फा वि –सुदर स्त्रियो का शौकीन, हुस्नपरस्त, रडीवाज, वेश्यागामी।

शाहिदान: (شاهدانه) अ फा वि –मा'शूको-जैसा, नाजो-अदाज और हाव-भावो से भरा हुआ।

शाहिदी (شاهدی) अ वि –साक्षी, गवाही, साक्ष्य, नायिकापन, मा'शूकीयत।

शाहिदीयत (شاهدیت) अ. स्त्री –साक्ष्य, गवाही, माशूकीयत, नायिकापन।

शाहिदे आदिल (شاهد عادل) अ वि –सच्चा गवाह, सत्य साक्षी।

शाहिदे गैव (شاهد غیب) अ वि –परोक्ष ज्ञाता, अर्थात् ईश्वर।

शाहिदे वाजारी (شاهد بازاری) अ फा स्त्री –गणिका, रूपजीविनी, पण्यस्त्री, ग्रामनायिका, वेश्या, तवाइफ, रडी।

शाहिदे मक़्सूद (شاهد مقصود) अ वि –मनोकामना, मनोरथ, नायिका रूपी सुदर मनोरथ।

शाहिदे रोज (شاهد روز) अ फा पु –सूर्य, सूरज।

शाहिदे शव (شاهد شب) अ. फा पु –चद्रमा, राकेश, चाँद।

शाहिदे हाल (شاهد حال) अ वि –घटना का प्रत्यक्ष गवाह।

शाहीं (شاهین) फा पु –श्येन, पालंगक, विहगाराति, वाज पक्षी, तराजू की डडी, तुलादड।

शाहीं दुज्द (شاهین دزد) फा पु.–डडी मारनेवाला, तौल मे अधिक या कम तोलनेवाला।

शाहीं दुज्दी (شاهین دزدی) फा स्त्री –डडी मारना, कम या अधिक तोलना।

शाहीं वच: (شاهین بچه) फा पु –वाज का वच्चा, शूर व्यक्ति का पुत्र, वीरपुत्र।

शाही (شاهی) फा स्त्री –राजकीय, सरकारी, राज से सम्वन्धित, राज्य, सत्ता, हुकूमत; राष्ट्र, सल्तनत।

शाहीन (شاهین) फा पु –दे. 'शाहीं'।

शाहे ख़ावर (شاه خاور) फा पु –पूर्व का वादशाह अर्थात् सूर्य, सूरज।

शाहे नजफ़ (شاه نجف) अ फा पु –हज्रत अली।

शाहे नहल (ساه نحل) फा अ पु –शहद की मक्खियों का बादशाह, या'सूब।
शाहे मग़रिब (شاه مغرب) अ फा पु –चंद्रमा, चाँद।
शाहे मश्रिक़ (شاه مشرق) फा अ पु –सूर्य, सूरज।
शाहे रोज़ (شاه روز) फा प –सूर्य रवि सूरज।
शाहे वक्त (شاه وقت) फा अ पु –वर्तमानकालीन शासक, मौजूदा समय म राज करनेवाला बादशाह।
शाहे हिजाज़ (شاه حجاز) फा अ पु –मक्के और मदीने का शासक, हज़रत मुहम्मद साहिब।

शि

शिआर (شعار) अ पु –स्वभाव, आदत, व्यवहार, तर्जे अमल, आचरण, चाल-चलन, ढंग, तरीका, नियम, कायदा, चिह्न, निशान।
शिकंजा (شکنجه) फा पु –दबाने और कसने का यंत्र, काटने के लिए कागज़ या किताब दबाने का यंत्र, एक काठ का यंत्र जिसमें दबाकर सज़ा दी जाती थी।
शिकंज (شکنج) फा स्त्री –बल, शिकन, झुर्री, सिकुड़न, सिलवट, चुन्नट, चुन्नट।
शिकंब (شکنب) फा पु –पक्वाशय, पेट के भीतर वह थैली जिसमें जाकर अन्न पकता और पचता है।
शिक़ [क्क] (شق) अ स्त्री –पक्ष, ओर, तरफ़, खंड, टुकड़ा, पख, बाधा, अड़चन।
शिक़्दार (شقدار) अ फा पु –किसी क्षेत्र विशेष का पदाधिकारी।
शिकन (شکن) फा स्त्री –झुर्री, सिलवट, सिकुड़न, बल।
शिकन दर शिकन (شکن در شکن) फा वि –जिसमें बहुत बल हो, बहुत उलझा हुआ, घुँघराले बाल।
शिकनिंद (شکنند) फा वि –तोड़नेवाला, भंजक, भग्नकर्ता।
शिकम (شکم) फा पु –जठर, कोष्ठ, उदर, पेट, पक्वाशय, आमाशय, पात्रस्थली, मेदा।
शिकमख़ार (شکمخوار) फा वि –भूखा, क्षुधातुर।
शिकमपरस्त (شکمپرست) फा वि –उदर पिशाच, उदर सर्वस्व, जिसे पेट ही सब कुछ हो, अपने लिए ही सब कुछ करनेवाला।
शिकमपरस्ती (شکمپرستی) फा स्त्री –पेटपूजा, अपने पेट को ही सब कुछ समझना।
शिकमपवर (شکمپرور) फा वि –दे शिकमपरस्त।
शिकमपवरी (شکمپروری) फा स्त्री –दे शिकमपरस्ती।
शिकमपुर (شکمپر) फा वि –जिसका पेट भरा हो, भोजनतृप्त, भोजन-संतुष्ट।
शिकमपुरी (شکمپری) फा स्त्री –पेट भरा हुआ होना, तृप्ति भरी।
शिकमबंद (شکمبند) फा वि –पेट का बंदा, पेटपूजा की चिंता में ही रहनेवाला।
शिकमबंदगी (شکمبندگی) फा स्त्री –पेट की पूजा, पेट की ही फ़िक्र में रहना।
शिकमसेर (شکمسیر) फा वि –जिसका पेट भरा हो, अफरा हुआ, भोजनतृप्त।
शिकमसेरी (شکمسیری) फा स्त्री –पेट भरा होना, अफरा होना, तृप्ति।
शिकमी (شکمی) फा वि –पेट का, भीतरी, बड़े पेट वाला।
शिकमे मादर (شکم مادر) फा पु –माँ का पेट, मातृयोनि।
शिकर (شکره) फा पु –एक शिकारी चिड़िया।
शिकस्त (شکسته) फा वि –टूटा हुआ, भग्न, खंडित, क्षीण, एक लिखावट, घसीट।
शिकस्त अह्द (شکسته عهد) फा अ वि –जिसकी प्रतिज्ञा भंग हो गयी हो, भग्नव्रत, भग्नप्रतिज्ञ।
शिकस्त उम्मीद (شکسته امید) फा वि –जिसकी उम्मीद टूट गयी हो, हताश, भग्नाश।
शिकस्तःकमर (شکسته کمر) फा वि –जिसकी कमर टूट गयी हो।
शिकस्तःक़ीमत (شکسته قیمت) फा अ वि –जिसके दाम गिर गये हों।
शिकस्त ख़ातिर (شکسته خاطر) फा अ वि –जिसका दिल टूट गया हो, भग्नहृदय।
शिकस्त ग़ुरूर (شکسته غرور) फा अ वि –जिसका घमंड मिट गया हो, गलितगर्व, भग्नदर्प।
शिकस्त ज़बाँ (شکسته زبان) फा वि –हकला, तोतला, जो अटक-अटककर बोले, जो शुद्ध भाषा न बोले।
शिकस्तःज़ोर (شکسته زور) फा वि –जिसकी शक्ति टूट गयी हो अर्थात घट गयी हो, नष्टशक्ति, हतशक्ति।
शिकस्त दिल (شکسته دل) फा वि –टूटा हुआ दिल, हताश, नाउम्मीद, भग्नहृदय, दुःखी, नष्टोत्साह, भग्न साहस, पस्तहिम्मत।
शिकस्त दिली (شکسته دلی) फा स्त्री –दिल टूट जाना, उम्मीद नष्ट हो जाना, साहस टूट जाना, दुःखी होना।
शिकस्तःनवीस (شکسته نویس) फा वि –घसीट लिखने वाला।
शिकस्त नवीसी (شکسته نویسی) फा स्त्री –घसीट लिखना, अस्पष्ट लिखावट।

शिकस्तःनाख़ून (شکستہ ناخن) फा. वि –जिसके नाख़ून टूट गये हों, उपायहीन, लाचार, वेवस।

शिकस्तःपर (شکستہ پر) फा वि.–जिसके पर टूट गये हों, निराश्रय, असहाय, भग्नपक्ष।

शिकस्तःपा (شکستہ پا) फा वि –जिसके पाँव टूट गये हों; अपाहिज, नि.सहाय, असमर्थ, दीन।

शिकस्तःपाई (شکستہ پائی) फा स्त्री.–पाँव टूट जाना; अपाहिज हो जाना; लाचार हो जाना।

शिकस्तःबाज़ू (شکستہ بازو) फा. वि –जिसकी वाँह टूट गयी हो, भग्नवाहु, जिसका वरावर का साथी न रहा हो।

शिकस्तःवाल (شکستہ بال) फा वि –दे 'शिकस्त.पर'।

शिकस्तःरंग (شکستہ رنگ) फा. वि –जिसका रंग मंद पड़ गया हो, मंदवर्ण।

शिकस्तःहाल (شکستہ حال) अ. फा वि –जिसकी आर्थिक दशा ख़राव हो गयी हो।

शिकस्तःहाली (شکستہ حالی) अ. फा स्त्री.–आर्थिक दशा का ख़राव हो जाना, गरीवी।

शिकस्तःहिम्मत (شکستہ ہمت) फा अ वि –जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, हतोत्साह, भग्नसाहस।

शिकस्त (شکست) फा. स्त्री –पराजय, पराभव, हार, टूट-फूट, शिकस्तगी।

शिकस्तकुनिंदः (شکست کنندہ) फा वि –तोडनेवाला, भजक।

शिकस्तख़ुर्दः (شکست خوردہ) फा वि –हारा हुआ, पराजित, परास्त, पराभूत, विजित।

शिकस्तख़ुर्दगी (شکست خوردگی) फा स्त्री –हार जाना, पराभव, पराजय।

शिकस्तगी (شکستگی) फा स्त्री –टूटा-फूटा होना; टूट-फूट।

शिकस्ते अह्द (شکست عہد) फा अ स्त्री.–प्रतिज्ञा का टूट जाना।

शिकस्ते क़ीमत (شکست قیمت) फा अ स्त्री –दाम गिर जाना, मोल कम हो जाना।

शिकस्ते ख़्वाव (شکست خواب) फा स्त्री.–नीद उचट जाना, सोते हुए जाग जाना।

शिकस्ते फ़ाश (شکست فاش) फा स्त्री –खुली हुई हार, ऐसी हार जिसमे सदेह न हो, वहुत वुरी और अपमानजनक हार।

शिकस्ते फाहिश (شکست فاحش) फा अ स्त्री –अपमानजनक हार, वहुत वुरी हार।

शिकस्ते रंग (شکست رنگ) फा. स्त्री.–रंग का हलका पड़ जाना।

शिकस्ते सख़्त (شکست سخت) फा. स्त्री –दे 'शिकस्ते फाहिश'।

शिकस्तो रेख़्त (شکست و ریخت) फा स्त्री –गिरना और वनना, मकान आदि का गिर जाना और फिर वनना।

शिका (شقا) अ स्त्री –दुर्भाग्य, वदकिस्मती; कालचक्र, नुहूसत।

शिकाक़ (شقاق) अ पु –विपरीतता, मुख़ालफत, शत्रुता, दुश्मनी; वैमनस्य, रजिश।

शिकायत (شکایت) अ स्त्री.–चुगली, पिशुनता; निंदा, वुराई; उपालंभ, उलाहना; किसी गलत काम की उसके मालिक या अफसर को सूचना, अनुयोग, परिवाद; रोग, वीमारी।

शिकायतकुनाँ (شکایت کناں) अ फा. वि.–शिकायत करता हुआ, शिकायत करती हुई अवस्था मे।

शिकायतकुनिंदः (شکایت کنندہ) अ फा. वि –परिवादी, अनुयोगी, शिकायत करनेवाला।

शिकायतगर (شکایت گر) अ फा वि –शिकायत करनेवाला, अनुयोक्ता।

शिकायतन (شکایتاً) अ. वि –शिकायत के रूप मे।

शिकायतनामः (شکایت نامہ) अ फा पु.–वह पुस्तक जिसमे शिकायतें लिखी जाती हों, परिवाद पुस्तक, कम्प्लेंट वुक।

शिकायतपेशः (شکایت پیشہ) अ. फा वि –जिसका काम केवल शिकायतें करना हो।

शिकायात (شکایات) अ स्त्री.–'शिकायत' का वहु, शिकायतें।

शिकार (شکار) फा पु –जगली जानवरों का वध, मृगया, आखेट, अहेर, वह जानवर जो शिकार किया जाय, फँसा हुआ, ग्रस्त, वह व्यक्ति जिसके वातों मे फँस जाने से काफी लाभ और प्राप्ति हो।

शिकारगाह (شکارگاہ) फा स्त्री.–शिकार खेलने की जगह, आखेटस्थल, मृगयावन।

शिकारवंद (شکاربند) फा. पु –वह डोर या रस्सी जिसमे शिकार को वाँधे।

शिकारी (شکاری) फा वि –आखेटक, लुव्धक, व्याध।

शिकारे जौर (شکار جور) फा अ पु –जिस पर वहुत अत्याचार हुआ हो।

शिकारे तग़ाफ़ुल (شکار تغافل) फा. अ. पु.–जिसकी ओर से वहुत अधिक वेपरवाई वरती गयी हो।

शिकारे सितम (شکار ستم) फा अ पुं –दे 'शिकारे जौर'।

शिकाल (شکال) फा पु –छल, धोखा, मक्र, फरेव

शिकूफ़ः (شکوفہ) फा. पु –दे. 'शिगूफ़.'।

शिकेल (سکیل) फा पु –छल, कपट, फ़रेब।
शिकेब (سکیب) फा पु –धय, धीरज सब्र सहनशीलता सहिष्णुता तहम्मुल।
शिकेबा (سکیبا) फा वि –धीर साबिर सहिष्णु मुतहम्मिल।
शिकेबाई (سکیبائی) फा स्त्री –धय धीरज सब्र सहिष्णुता तहम्मुल।
शिकोह (سکوه) फा पु –भय, त्रास, डर, दूसर अथ के लिए दे 'शुकोह'।
शिखाब (سخاب) अ पु –ताजा निकला हुआ दूध।
शिख़ार (سخار) फा स्त्री –खार सज्जी।
शिख़ोलीद (سخولیده) फा वि –कुम्हलाया हुआ, खिन्न पजमुर्द।
शिगफ (سگرف) फा वि –मोटा स्थूल पुष्ट मजबूत वभव शानोशौकत।
शिगाफ (سگافہ) फा पु –मिज्राव सितार बजाने का छल्ला जो उँगली में पहनते ह वीणा-वादन।
शिगाफ (سگاف) फा पु –दराज़ दरार दज (प्रत्य) दरार डालनेवाला जसे— खाराशिगाफ पत्थर म दरार डालनेवाला।
शिगाफ्दा (سگافرده) फा वि –जिसम दरार पडी हो दारित।
शिगाफिंद (سگافنده) फा वि –शिगाफ डालनेवाला चीरनेवाला फाडनेवाला।
शिगाफ्त (سگافته) फा वि –दरार पडा हुआ, फटा हुआ विदीर्ण।
शिगाफ्तनी (سگافتنی) फा वि –दरार पडने योग्य फटने योग्य।
शिगाल (سگال) फा पु –गीदड सियार शृगाल।
शिगिफ्त (سگفت) फा पु –आश्चय अचभा हैरत।
शिगुफ्त (سگفته) फा वि –मुकुलित विकसित खिला हुआ प्रसन्न हर्षित मसूर।
शिगुफ्त खातिर (سگفتہخاطر) फा अ वि –प्रसन्नचित्त प्रहृष्ट खुशदिल।
शिगुफ्त खातिरी (سگفتہخاطری) फा अ स्त्री –चित्त की प्रसन्नता खुशदिली।
शिगुफ्त तब्अ (سگفتہطبع) फा अ वि –दे शिगुफ्त खातिर।
शिगुफ्त तब्ई (سگفتہطبعی) फा अ स्त्री –दे शिगुफ्त खातिरी।
शिगुफ्तदिल (سگفتہدل) फा वि –प्रसन्नमना प्रफुल्लात्मा।
शिगुफ्त दिली (سگفتہدلی) फा स्त्री –मन की प्रसन्नता प्रफुल्लता।
शिगुफ्त पेशानी (سگفتہپیسانی) फा वि –हँसमुख प्रफुल्लमुख, सुशील, चारुशील, खुशअख़्लाक़।
शिगुफ्त मिज़ाज (سگفتہمزاج) फा अ वि –दे शिगुफ्त खातिर।
शिगुफ्त मिज़ाजी (سگفتہمزاجی) फा अ स्त्री –दे शिगुफ्त खातिरी।
शिगुफ्तरू (سگفتہرو) फा वि –हँसमुख, प्रसन्नमुख।
शिगुफ्त रूई (سگفتہروئی) फा स्त्री –मुख की प्रसन्नता मुख प्रसाद।
शिगुफ्त (سگفت) फा स्त्री –खिलावट विकास।
शिगुफ्तगी (سگفتگی) फा स्त्री –खिलावट।
शिगूफ (سگوفه) फा पु –कली, कलिका गुनच बेल-बूटा, नयी बात अचभे की बात।
शिगूफ कारी (سگوفہکاری) फा स्त्री –बेल-बूटे बनाने का काम।
शिगूफतराशी (سگوفہتراسی) फा स्त्री –नक्शोनिगार बेल-बूटे बनाना।
शिगूफए नौ (سگوفۂ نو) फा पु –नयी कली नयी घटना।
शिजाअ (سجاع) अ वि –वीर, योद्धा, बहादुर, उदू म 'शुजाअ' ही बोलते ह परतु शुद्ध 'शिजाअ' और 'शजाअ' भी ह।
शिजआन (سجعان) अ पु –शुजाअ का बहु, वीर लोग।
शिता (سنا) अ पु –शरद ऋतु जाडे का मौसिम शीतकाल।
शिताफ्त (سنافته) फा वि –दौडा हुआ।
शिताब (سناب) फा वि –शीघ्र जल्द तीव्र तेज (स्त्री) शीघ्रता जल्दी।
शिताबकार (سنابکار) फा वि –जल्दी मचानेवाला उतावला।
शिताबकारी (سنابکاری) फा स्त्री –उतावलापन जल्दी मचाने का काम।
शिताबाँ (سنابان) फा वि –जल्दी करता हुआ, दौडता हुआ।
शिताबिंद (سنابنده) फा वि –दौडनेवाला।
शिताबी (سنابی) फा स्त्री –शीघ्रता तेजी।
शिताबीद (سنابیده) फा वि –शीघ्रता किया हुआ।
शितालंग (سنالنگ) फा पु –टखना गट्टा।
शितुरगू (سترغو) तु पु –एक बाजा।
शिना (سنا) फा स्त्री –तरने का काम।

शिनावर (شناور) फा पु –तैरनेवाला, तैराक।
शिनावरी (شناوری) फा. स्त्री –तैरने का काम, पैराकी।
शिनाह (شناه) फा स्त्री.–तैराकी, पैरने का काम।
शिनूसः (شنوسه) फा पु –छीक।
शिपिश (شپش) फा. स्त्री –जूँ, वालो मे पडनेवाला कीडा, दे. 'शुपुश' और 'शपुश', तीनो शुद्ध हे।
शिप्लीदः (شپلیده) फा वि.–निचोडा हुआ।
शिफ़ा (شفا) अ स्त्री.–रोगमुक्ति, रोग के वाद स्वास्थ्य।
शिफ़ाए कामिल (شفاے کامل) अ. स्त्री.–पूरे तौर से रोगमुक्ति।
शिफ़ाख़ानः (شفاخانه) अ फा पु –रुग्णालय, चिकित्सालय, अस्पताल।
शिफ़ाख़्वाह (شفاخواه) अ फा वि –रोगमुक्ति का इच्छुक।
शिफ़ागाह (شفاگاه) अ फा स्त्री –रोगमुक्त होने का स्थान, स्वास्थ्य-सदन।
शिफ़ायाब (شفایاب) अ फा. वि –जिसने मरज से छुटकारा पा लिया हो, रोगमुक्त।
शिफ़ायावी (شفایابی) अ. फा. स्त्री –रोग से छुटकारा पा जाना, रोगमुक्ति।
शिफ़ाह (شفاه) अ पु –'शफत' का वहु, होठ।
शिव [ब्ब] (شب) अ. स्त्री –'फिटकरी', दे. 'शब', दोनो शुद्ध हैं।
शिवह (شبہ) अ. वि.–समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल, दे 'शिव्ह', दोनो शुद्ध हैं।
शिवित (شبت) अ पु.–एक प्रसिद्ध साग, सोया।
शिब्क (شبک) अ पु –चरखे का तकला, तकले की टिकली।
शिब्र (شبر) अ स्त्री –वारह अगुल की नाप, वित्ती, वालिश्त, वितस्ति।
शिब्ल (شبل) अ पु –व्याघ्र-शावक, शेर का वच्चा।
शिब्ली (شبلی) अ पुं –एक वहुत वड़े मुसलमान महात्मा।
शिव्ह (شبہ) अ वि –दे 'शिवह', दोनो शुद्ध हे।
शिमः (شمه) फा स्त्री –मलाई, वालाई, क्षीरसार।
शिमाल (شمال) अ पु –उत्तर, उदीची, शुमाल भी प्रचलित।
शिमालरूयः (شمال رویه) अ. फा. वि –जिसका मुँह उत्तर की ओर हो।
शिमाली (شمالی) अ. वि –उत्तरीय, उत्तर का।
शिम्मः (شمه) अ. पु.–दे शुद्ध उच्चारण 'शम्म', यह उच्चारण अशुद्ध हे।
शिम्र (شمر) अ. पु.–हज्रत इमाम हुसैन के शहीद करनेवाले का नाम।
शिम्शाद (شمشاد) फा पु –दे. 'शम्शाद', दोनों शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'शम्शाद' ही वोलते हे, एक सुन्दर वृक्ष जिससे माशूक के कद की उपमा देते हे।
शियम (شیم) अ स्त्री –'शीम' का वहु, स्वभाव, आदते।
शियाफ़ (شیاف) अ. पु –'शाफ' का वहु, परतु एकवचन मे व्यवहृत है, जौ के आकार की एक वटी जो आँखो मे घिसकर लगाते हे।
शिरा (شرا) अ पु.–मोल लेना, क्रयण; बेचना, विक्रयण।
शिराअ (شراع) अ पु –नाव का पाल, वादवान, मरुत्पट।
शिराक (شراک) अ पु –चप्पल, जूते या खडाऊँ की डोरी।
शिराके ना'लैन (شراکِ نعلین) अ पु –जोतो का तस्मा।
शिर्क (شرک) अ. पु –ईश्वरत्व मे ईश्वर के सिवा और को भी सम्मिलित करना, अनेकेश्वरवादी होना।
शिर्कत (شرکت) अ स्त्री –सम्मिलन, शुमूल, सहयोग, तआवुन, साझा, भागीदारी।
शिर्कतनामः (شرکت نامه) अ फा पु –साझेदारी का लिखित पत्र, भागपत्र।
शिर्कते ग़म (شرکت غم) अ स्त्री –दुःख मे शरीक होना।
शिर्के ख़फ़ी (شرکِ خفی) अ पु –ऐसा शिर्क जो देखने मे शिर्क न जान पडे।
शिर्के जली (شرکِ جلی) अ पु –ऐसा शिर्क जो स्पष्ट रूप मे शिर्क हो, जैसे—मूर्तिपूजा।
शिर्यान (شریان) अ स्त्री –वह रग जिसमे शुद्ध रक्त और प्राणवायु वहता है, शिरा, नाडी।
शिर्वान (شروان) फा. पु –ईरान का एक नगर।
शिर्वानी (شروانی) फा वि –शिर्वान का निवासी, शिर्वान से सम्वन्ध रखनेवाला।
शिल्लिक (شلک) तु. पु.–वहुत-सी वंदूको या तोपो का एक साथ दगना, वाढ।
शिवा (شوا) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।
शिहाव (شہاب) अ पुं –उज्ज्वल और चमकदार तारा; अग्निज्वाला, टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिहावेसाक़िव (شہابِ ثاقب) अ. पुं –टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिह्नः (شحنه) अ पु.–कोतवाल, शहर की कोतवाली का निरीक्षक और सचालक।
शिह्नगी (شحنگی) अ. फा स्त्री –कोतवाल का पद, कोतवाल का काम, कोतवाली।

शी

शीअ (شیعہ) अ पु –मुसलमानों का एक सम्प्रदाय जो हज़रत अली के अतिरिक्त बाक़ी खलीफाओं को नहीं मानता।

शीई (شیعی) अ वि –शीअ सम्प्रदाय का व्यक्ति शीअ।

शीदी (شیدی) अ पु –हब्शी हबश का रहनेवाला।

शीम (شیمہ) अ स्त्री –प्रकृति स्वभाव आदत।

शीम (شیم) फा स्त्री –मोरी मछली।

शीरवाज (شیرانداز) फा पु –मनुष्य या पशु का स्तन जिसमें दूध भरा हो।

शीर (شیرہ) फा पु –फलों का निचोड़ा हुआ रस दवाओं का पीसकर निकाला हुआ रस शकर की चाशनी।

शीर (شیر) फा पु –दूध क्षीर दुग्ध पेड़ या पत्तों का दूध की शक्ल का रस।

शीरअदाज (شیرانداز) फा पु –दे शीरदाज।

शीरअफ्जा (شیرافزا) फा वि –दूध बढ़ानेवाली वह औषधि जिसके सेवन से दूध अधिक उत्पन्न हो क्षीरवर्द्धक।

शीरख़ान (شیرخانہ) फा पु –मधुशाला मदिरालय शराब खाना दुग्धालय, पयशाला।

शीरख़िश्त (شیرخشت) फा स्त्री –एक गोंद जो दवा के काम आता और अच्छा रेचक है।

शीरखुर्मा (شیرخرما) फा पु –दूध में भीगे हुए छुहारे।

शीरख्वार (شیرخوارہ) फा वि –दूध पीनेवाला शिशु स्तनपायी।

शीरख्वार (شیرخوار) फा वि –दुधमुहा स्तनपायी।

शीरख्वारगी (شیرخوارگی) फा स्त्री –बच्चे की दूध पीने की आयु।

शीरगर्म (شیرگرم) फा वि –गुनगुना नीमगर्म कदुष्ण।

शीरदान (شیردان) फा पु –दूध देनेवाले पशु का दूध की थैली थन दूध रखने का बर्तन दुग्धपात्र।

शीरफरोश (شیرفروش) फा वि –दूध बेचनेवाला।

शीरबा (شیربا) फा स्त्री –क्षीर शीरबिरंज।

शीरबिरंज (شیربرنج) फा स्त्री –दूध में पके हुए चावल खीर।

शीरमस्त (شیرمست) फा वि –कुल्लें करनेवाला बच्चा।

शीरमाल (شیرمال) फा स्त्री –एक रोग़नी रोटी जो दूध में आटा गूँधकर बनती है।

शीराज़ (شیراز) फा पु –माल्टे का दाना मालाओं सुमिरनी का मीर।

शीराज़ (شیرازہ) फा पु –क्रम तर्तीब, किताब की जुज़ बंदी संघटन तंज़ीम— 'शीराज़ा खुल गया है चमन की किताब का।'

शीराज़बंदी (شیرازہ‌بندی) फा स्त्री –संघटन तंज़ीम, पुस्तक की जुज़बंदी।

शीराज़ (شیراز) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर जहा बहुत बड़े-बड़े कवि हुए हैं हाफ़िज़ और सा'दी वहा के सर्वोत्तम कवि हैं।

शीरीं (شیریں) फा वि –मधुर मीठा, सरस बामज़ , इतिहास प्रसिद्ध फरहाद की प्रेयसी।

शीरींअदा (شیریں‌ادا) फा वि –जिसकी अदाए दिल लुभानेवाली हो।

शीरींअदाई (شیریں‌ادائی) फा स्त्री –अदाओं का दिल को लुभाना।

शीरींकलाम (شیریں‌کلام) फा अ वि –दे शीरींज़बाँ।

शीरींकलामी (شیریں‌کلامی) फा अ स्त्री –दे 'शीरीं ज़बानी'।

शीरींकार (شیریں‌کار) फा वि –मीठी अश शिष्ट सभ्य पुरमज़ाक़ विनोदी।

शीरींगुफ्तार (شیریں‌گفتار) फा वि –दे 'शीरींज़बाँ'।

शीरींगुफ्तारी (شیریں‌گفتاری) फा स्त्री –दे 'शीरीं ज़बानी'।

शीरींज़बाँ (شیریں‌زباں) फा वि –जिसकी बातचीत में मिठास और रस हो प्रियवद मधुरभाषी मंजुघोष।

शीरींज़बानी (شیریں‌زبانی) फा स्त्री –बातचीत की मिठास।

शीरींदहाँ (شیریں‌دہاں) फा वि –दे 'शीरींज़बाँ'।

शीरींदहानी (شیریں‌دہانی) फा स्त्री –दे 'शीरीं ज़बानी'।

शीरींदहन (شیریں‌دہن) फा वि –दे 'शीरींज़बाँ'।

शीरींदहनी (شیریں‌دہنی) फा स्त्री –दे शीरींज़बानी।

शीरींनफ़स (شیریں‌نفس) अ फा वि –दे 'शीरींज़बाँ'।

शीरींनफ़सी (شیریں‌نفسی) फा अ स्त्री –दे 'शीरीं ज़बानी'।

शीरींमक़ाल (شیریں‌مقال) फा अ वि –दे शीरींज़बाँ।

शीरींमक़ाली (شیریں‌مقالی) फा अ स्त्री –दे 'शीरीं ज़बानी'।

शीरींलब (شیریں‌لب) फा वि –जिसके होंठ मीठे हों अर्थात् नायिका।

शीरींलबी (شیریں‌لبی) फा स्त्री –होंठों की मिठास, नायिकापन।

शीरींसुख़न (شیریں‌سخن) फा. वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींसुख़नी (شیریں‌سخنی) फा. स्त्री —दे. 'शीरीज़बानी'।

शीरींहरकात (شیریں حرکات) फा अ.वि —दे. 'शीरीअदा'।

शीरींहरकाती (شیریں‌حرکاتی) फा. अ. स्त्री —दे. 'शीरीअदाई'।

शीरीनक (شیرینک) फा. पु —मुहासा।

शीरीनिए गुफ़्तार (شیرینئ گفتار) फा स्त्री —बातचीत की मिठास, वार्तालाप का रस।

शीरीनिए तक़रीर (شیرینئ تقریر) फा अ स्त्री —दे. 'शीरीनिए गुफ़्तार'।

शीरीनिए लब (شیرینئ لب) फा स्त्री —अधरामृत, होंठो की मिठास।

शीरीनिए सुख़न (شیرینئ سخن) फा स्त्री —दे 'शीरीनिए गुफ़्तार'।

शीरीनी (شیرینی) फा स्त्री —मिठास, माधुर्य, घुलावट; मिठाई, मिष्टान्न।

शीरे गर्म (شیر گرم) फा पु —गर्म दूध।

शीरे ज़ुक़ूम (شیر زقوم) फा. अ पु —थूहड का दूध।

शीरे मादर (شیر مادر) फा पु —माँ का दूध, मातृक्षीर।

शीरे मुर्ग़ (شیر مرغ) फा पु —ऐसी चीज जिसका मिलना असंभव हो।

शीरे लुआब (سیر لعاب) फा अ पुं.—मधु, शहद।

शीरो शकर (شیرو شکر) फा. वि —बहुत अधिक मेलजोल, घनिष्ठता, घनिष्ठ, बहुत मेली।

शीशः (شیشہ) फा पु —काँच, कंच, बोतल, दर्पण, आईना, काँच की बहुत बारीक सुराही-जैसी बड़े पेट और तंग मुँह की बोतल जो पहले चलती थी, शराब और गुलाबजल भरने के काम आती थी।

शीशःगर (شیشہ‌گر) फा वि —काँच का सामान बनानेवाला, सीसगर।

शीशःगरी (شیشہ‌گری) फा स्त्री —काँच का सामान बनाना।

शीशःजाँ (شیشہ‌جاں) फा वि —दे 'शीशःदिल'।

शीशःदिल (شیشہ‌دل) फा वि —जिनका दिल बहुत ही नाज़ुक हो।

शीशःबाज़ (شیشہ‌باز) फा वि.—धूर्त, छली, मक्कार, मदारी, बाज़ीगर।

शीशःबाज़ी (شیشہ‌بازی) फा स्त्री.—धूर्तता, चालाकी, मदारी का खेल, बाज़ीगरी।

शीशए दिल (شیشۂ دل) फा. पु.—शीशे की तरह बहुत ही नाज़ुक दिल।

शीशए मै (شیشۂ مے) फा. पु —शराब की बोतल।

शीशए साअत (شیشۂ ساعت) फा अ. पु —बालू की घड़ी।

शीशाक (شیشاک) फा पु —चार तार की वीणा या रबाब; साल भर का बकरा या बकरी।

शीस (شیث) अ. पु —एक पैगम्बर।

शीहः (شیہہ) फा. पुं —घोड़े की हिनहिनाहट।

शीहए अस्प (شیہۂ اسپ) फा पु —घोड़े की हिनहिनाहट।

शु

शुअरा (شعرا) अ पु —'शाइर' का बहु, शाइर लोग, कविगण।

शुआअ (شعاع) अ स्त्री —रश्मि, मयूख, दीधिति, अंशु, किरण, ज्योति, प्रकाश, आलोक, नूर।

शुआई (شعاعی) अ वि —किरणों का, किरणों से सम्बन्धित।

शुआए माह (شعاع ماہ) अ फा स्त्री —ज्योत्स्ना, चाँदनी; चंद्रकिरण, चाँद की किरन।

शुआए मेह्र (شعاع مہر) अ फा स्त्री.—सूरज की किरण, सूर्यरश्मि, अर्चि; आतप, धूप।

शुऊब (شعوب) अ पु —'शा'ब' का बहु, गढे, गार; कंदराएँ, गुफाएँ।

शुऊर (شعور) अ पु —संज्ञा, होश, विवेक, समझ, अच्छे बुरे की पहचान; शिष्टता, सलीक़ा, सभ्यता, तमीज़, जानकारी, वाक़िफ़ीयत।

शुऐब (شعیب) अ पु —एक पैगम्बर।

शुक़ूक़ (شقوق) अ. पु —विपादिका, बिवाई, पाँव फटने का रोग, 'शक़' का बहु, दराज़ें, दरारें, शिगाफ़।

शुकूक (شکوک) अ पु —'शक' का बहु, शंकाएँ, शुब्हात।

शुकोह (شکوہ) फा स्त्री —शानोशौकत, रोबदाब, कर्रोफ़र।

शुकोहे अल्फ़ाज़ (شکوہ الفاظ) फा अ स्त्री —लेख में भारी-भारी शब्दों का प्रयोग, शब्दाडंबर, उत्कलिका।

शुक़्क़ः (شقہ) अ पु —पर्चा, काग़ज़ का टुकड़ा, पत्र, ख़त, चिट्ठी, आदेशपत्र, हुक्मनामा।

शुक्र (شکر) अ पु —कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी, धन्यवाद, शुक्रिया।

शुक्रगुज़ार (شکرگزار) अ फा. वि.—कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

शुक्रगुज़ारी (شکرگزاری) अ.फा स्त्री —कृतज्ञता, मम्नूनीयत।

शुक्रत (شقرت) अ स्त्री –लालिमा लिये हुए पीला रग, लालिमा लिये हुए काला रग।

शुक्रान (شکرانہ) अ फा पु –किसी काम की सफलता पर प्रयास करनेवाले को सम्मानार्थ दिया जानेवाला धन, शुक्रिया।

शुक्रिय' (شکریہ) अ पु –धन्यवाद, एक शब्द जो कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोलते हैं थक्स।

शुक्रीय (شکریہ) अ पु –दे शुक्रिय, उर्दू में वही प्रचलित है, यद्यपि शुद्ध यही है।

शुक्रे ने'मत (شکر نعمت) अ पु –उपकार और प्रदान आदि का शुक्रिय।

शुगुन (شگن) फा पु –दे शुगून शकुन।

शुगुल (شغل) अ पु –दे शुग्ल या शग्ल, वही प्रचलित है परन्तु शुद्ध यह भी है।

शुगून (شگون) फा पु –शकुन, फाल।

शुग्ल (شغل) अ पु –काम में लगना, मसरूफियत, व्यवसाय धधा, काम मशगल।

शुग्ले बाद (شغل بادہ) अ फा पु –शराब पीने का मशगल।

शुग्ले मै (شغل مے) अ फा पु –दे शुग्लेबाद।

शुजाअ (شجاع) अ वि –वीर, शूर योद्धा बहादुर।

शुजाआन (شجاعانہ) अ फा वि –वीरो जैसा बहादुरो जैसा वीरतापूर्ण बहादुरी का।

शुतुर (شتر) फा पु –उष्ट्र कैमिल ऊँट।

शुतुरअदाम (شتراندام) फा वि –ऊटजैसे लम्बे डील डौल का उष्ट्राग।

शुतुरअराब (شترارابہ) फा पु –ऊटगाडी उष्ट्यान।

शुतुरकीन (شترکینہ) फा पु –वह व्यक्ति जो दिल में द्वेष रखता हो और बरसो भी न भूलता हो।

शुतुरखान (شترخانہ) फा पु –ऊँट रहने का स्थान उष्ट्रशाला।

शुतुरखार (شترخار) फा पु –एक झाडी जिसमें काटे होते हैं और ऊँट बहुत खाता है ऊँटकटारा।

शुतुरगम्ज (شترغمزہ) फा अ पु –व्यर्थ का नखरा बुढापे के हाव भाव।

शुतुरगाव (شترگاو) फा पु –ऊँट की आकृति की एक गाय।

शुतुरगुर्ब (شترگربہ) फा पु –काव्य का एक दोष जिसमें यहीं एकवचन हो और उसी के लिए दूसरी जगह बहुवचन।

शुतुरदिल (شتردل) फा वि –डरपोक बुज़दिल और बुज़दिल।

शुतुरदिली (شتردلی) फा स्त्री –डरपोकपन, भीरुता, बुज़दिली।

शुतुरनाल (شترنال) तु स्त्री –एक तोप जो ऊट पर लादी जाती थी।

शुतुरपा (شترپا) फा वि –ऊट-जैसे पाववाला, उष्ट्रपद, सूरजमुखी का फूल।

शुतुरबान (شتربان) फा वि –ऊँट पालनेवाला उष्ट्रपाल।

शुतुरमुर्ग (شترمرغ) फा पु –एक बहुत बडा पक्षी जो अफ्रीका में होता है उष्ट्र पक्षी।

शुतुरसवार (شترسوار) फा वि –ऊँट पर चढनेवाला।

शुतुरे बेमिहार (شتر بےمہار) फा पु –बे नकेल का ऊट अर्थात स्वेच्छाचारी निरकुश खुदराय।

शुतुलम (شتلم) अ पु –अत्याचार अन्याय जुल्म।

शुद शुद (شدشد) फा वि –शन शन, धीरे धीरे एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे को इसी तरह आगे।

शुदनी (شدنی) फा स्त्री –होनहार होना, अवश्यभावी, भवितव्य दुर्निवार्य।

शुदयार (شدیار) फा स्त्री –जोती हुई तयार जमीन।

शुनअत (شنعت) अ स्त्री –बदी, बुराई।

शुकार (شنقار) अ पु –एक शिकारी चिडिया।

शुपुश (شپش) फा स्त्री –बालो में पडनेवाला कीडा जू लोमयूक बारकीट स्वेन्ज।

शुफअ (شفعہ) अ पु –पडोस के मकान या जमीन पर बिकते समय होनेवाला हक हक्के हममायगी।

शुफआ (شفعا) अ पु –शफीअ का बहु सुफारिश करने वाले।

शुबान (شبان) अ पु –भेड-बकरी चरानेवाला गडरिया अजाजीवी मेषपाल।

शुब्बान (شبان) अ पु –शाब का बहु, जवान लोग।

शुबाब (شباب) अ पु –शाब का बहु जवान लोग।

शुबह (شبہہ) अ पु –आशका सदेह शका शक भ्रम, वहम।

शुबहात (شبہات) अ पु –शुबह का बहु, शकाए, शुबहे।

शुमार' (شمارہ) फा पु –गिनती शुमार नबर सख्या।

शुमार (شمار) फा पु –गिनती, गिनना अदद, सख्या, हिसाब गिनती जोड मीजान।

शुमारकुनिंद (شمارکنندہ) फा वि –गिननेवाला हिसाब लगानेवाला, गणक।

शुमारिंद (شمارندہ) फा वि –शुमार करनेवाला, गिनने वाला हिसाब लगानेवाला।

शुमारी (شماری) फा. प्रत्य—शुमार करने का काम, जैसे—'मर्दुमशुमारी' जनगणना।
शुमुर्दः (شمرده) फा. वि—गणित, गिना हुआ।
शुमुर्दनी (شمردنی) फा वि—गिनने के योग्य; हिसाव लगाने के योग्य; जोडने के योग्य।
शुमूअ (شموع) अ. स्त्री.—'शम्अ' का वहु, शम्एँ, दिए, चिराग।
शुमूम (شموم) अ स्त्री—सूँघने की चीज।
शुमूल (شمول) अ स्त्री—समिलन, शामिल होना।
शुमूलीयत (شمولیت) अ स्त्री—दे 'शुमूल'।
शुमूस (شموس) अ पु—'शम्स' का वहु, वहुत-से सूरज, वहुत-सी किरणे।
शुयूअ (شیوع) अ पु—प्रकट न होना जाहिर होना, सवमे फैलना, प्रसार।
शुयूख (شیوخ) अ पु—'शैख' का वहु., बूढे लोग, अपने गोत्र के वडे लोग।
शुरका (شرکا) अ पु—'शरीक' का वहु, साझेदार लोग; किसी काम के करने मे शामिल लोग।
शुरकाए कार (شرکاے کار)अ फा पु—किसी काम के करने में शरीक, किसी काम मे परस्पर एक दूसरे के सहायक।
शुरकाए तिजारत (شرکاے تجارت) अ.पु.—व्यवसाय के भागीदार।
शुरफा (شرفا) अ पु—'शरीफ' का वहु; कुलीन लोग; सज्जन लोग।
शुरफाए वक्त (شرفاے وقت)अ पु—अपने समय के प्रतिष्ठित लोग।
शुरफाए शह्र (شرفاے شہر)अ फा पु—नगर के प्रतिष्ठित और सम्मानित लोग।
शुरफाए ज़माँ (شرفاے زماں) अ फा पु—शुरफाए वक़्त, अपने समय के प्रतिष्ठित जन।
शुरूअ (شروع) अ वि—प्रारभ, अनुष्ठान, इब्तिदा, आगाज, आदि, शुरुआत।
शुरुआत (شروعات) अ स्त्री—आरम्भ, आगाज।
शुरूए कार (شروع کار) अ फा पु—काम की शुरुआत, अनुष्ठान।
शुरूए शवाव (شروع شباب)अ पु.—युवावस्था का प्रारभ-काल, यौवनारभ।
शुरूक (شروق) अ. पु—आभा, प्रकाश, रौशनी; सूर्योदय, सूरज का उदय।
शुरूत (شروط) अ स्त्री—'शर्त' का वहु, शर्तें।
शुरूर (شرور) अ पु.—'शर' का वहु, शरारतें।
शुरूह (شروح) अ स्त्री—'शर्ह' का वहु, शर्हे, टीकाएँ।
शुर्तः (شرطه) अ.पु—पुलिस का आदमी, आरक्षी; चिह्न, निशान, नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।
शुर्त (شرط) अ पु.—नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।
शुर्फः (شرفه) फा. पु.—कँगूरा, मंडप।
शुर्व (شرب) अ पु—पीना, पान, शराव पीना, मद्यपान।
शुर्वुलयहूद (شرب الیہود) अ पु—सवसे छिपाकर शराव पीना।
शुर्वे मुदाम (شرب مدام) अ पु.—शराव पीना, मद्यपान; हमेशा शराव पीना।
शुलः (شله) फा.पु—एक प्रकार का खाना जिसमे चावल गोश्त मे हरीसे की तरह पकाये जाते हैं, पुलाव।
शुल (شل) फा पु—एक फल, वेल, वेलुआ।
शुल्लः (شله) फा. स्त्री—भग, योनि, मासिक रक्त का लत्ता, गली मे गदी चीजे और कूडा डालने का स्थान।
शुवाज़ (شواظ) अ पु—अग्नि, वह्नि, आग; अग्निज्वाला, अग्निशिखा, लपट।
शुवात (شوات) फा पु—चकवा पक्षी, सुर्खाव।
शुश (شش) फा पु—फेफडा, फुप्फुस, क्लोम।
शुस्तः (شسته) फा. वि—मार्जित, शुद्ध, धुला हुआ, स्वच्छ, साफ, सभ्य, शिष्ट, वातमीज, शिक्षित, पढा-लिखा, सस्कृत, मुजल्ला, सज्जन, शरीफ।
शुस्त ओ रुफ़्तः (شسته و رفته) फा वि—स्वच्छ और शुद्ध, पाक और साफ।
शुस्तःरू (شسته رو) फा वि—मुँह धोये हुए।
शुस्त (شست) फा. स्त्री—धुलाई, सफाई।
शुस्तगी (شستگی) फा स्त्री—शुद्धता, सफाई, सभ्यता, तहजीव, शिक्षित होना, सज्जनता।
शुस्तो शू (شست و شو) फा स्त्री—धुलाई, मँजाई, सफ़ाई।
शुहुव (شہب) अ पुं—'शिहाव' का वहु, टूटनेवाले तारे, उल्कागण।
शुहूद (شہود) अ पु—'शाहिद' का वहु, साक्षिगण, गवाह लोग, उपस्थिति, मौजूदगी, प्रत्यक्षता, आमना-सामना।
शुहूर (شہور) अ पु—'शह्र' का वहु, महीने।
शुह्रः (شہره) अ पु—ख्याति, प्रसिद्धि, शुह्रत, कीर्ति, नामवरी, यश, फ़ैज़।
शुह्रःआफ़ाक (شہرۂ آفاق) अ. वि—जो सारे ससार मे प्रसिद्ध हो, विश्वविख्यात।
शुह्रःवर (شہره ور) अ फा वि—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर।

शुहरए अनाम (شہرۂ انام) अ वि—दे 'शुहरए आफ़ाक़'।

शुहरए आफ़ाक़ (شہرۂ آفاق) अ वि—विश्व विख्यात, जगत्प्रसिद्ध।

शुहरत (شہرت) अ स्त्री—प्रसिद्धि, ख्याति, शुह्रा, कीर्ति, यश, नामवरी, किसी विशेष काम या कला में प्रवीणता और हस्तकौशल की प्रसिद्धि।

शुहरततलब (شہرت طلب) अ वि—अपनी कीर्ति और यश की कथाएँ दूसरों तक पहुँचाने का अभिलाषी।

शुहरततलबी (شہرت طلبی) अ स्त्री—अपनी प्रसिद्धि और ख्याति की चाह।

शुहरतपरस्त (شہرت پرست) अ फ़ा वि—शुहरत का भूखा, अपनी नामवरी की कथा सुनने के लिए उत्कंठित।

शुहरतपरस्ती (شہرت پرستی) अ फ़ा स्त्री—अपनी कीर्तिगान सुनने की उत्कंठा।

शुहरतपसंद (شہرت پسند) अ फ़ा वि—जो चाहता हो कि उसका यशगान सब में हो।

शुहरतपसंदी (شہرت پسندی) अ फ़ा स्त्री—अपने यशगान को सबमें फैलाने की लालसा।

शुहरतयाफ़्ता (شہرت یافتہ) अ फ़ा वि—प्रसिद्ध, मश्हूर, ख्यातिप्राप्त।

शुहरतयाब (شہرت یاب) अ फ़ा वि—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध।

शू

शूख़ (شوخ) फ़ा पु—मल, कुचैल, मल, गंदगी।

शूख़गीं (شوخگیں) फ़ा वि—मैला, गंदा, मलिन।

शूनीज़ (شونیز) फ़ा पु—कलौंजी, प्याज़ का बीज।

शूम (شوم) फ़ा वि—अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस, अकल्याणकर, नामुबारक, कृपण, मक्खीचूस।

शूमक़दम (شوم قدم) फ़ा अ वि—जिसका आगमन अनिष्टकर हो।

शूमताले' (شوم طالع) फ़ा अ वि—हतभाग्य, भाग्यहीन, बदक़िस्मत।

शूमिए आ'माल (شومیٔ اعمال) फ़ा अ स्त्री—कर्मों की निकृष्टता, पापाचार।

शूमिए क़िस्मत (شومیٔ قسمت) फ़ा अ स्त्री—भाग्य की निकृष्टता, भाग्य का खोटापन।

शूमिए तक़दीर (شومیٔ تقدیر) फ़ा अ स्त्री—दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमिए ताले' (شومیٔ طالع) फ़ा अ स्त्री—दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमिए बख़्त (شومیٔ بخت) फ़ा स्त्री—दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमी (شومی) फ़ा वि—अनिष्ट, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत, कृपणता, कंजूसी, खोट, बुराई।

शूरा (شوریٰ) अ पु—परामर्श, सलाह, विचार विनिमय, तबादलए ख़यालात, हितोपदेश, नसीहत।

शूरागाह (شوریٰ گاہ) अ फ़ा स्त्री—आपस में परामर्श करने का स्थान, मंत्रणालय, प्रेक्षागार।

शे

शेख़ी (شیخی) तु स्त्री—डींग, लाफ़, हेकड़ी, गाल, दे 'शख़ी'।

शेफ़्ता (شیفتہ) फ़ा वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक़।

शेफ़्तगी (شیفتگی) फ़ा स्त्री—मोह, आसक्ति, फ़िरेफ़्तगी।

शेब (شیب) फ़ा वि—निचाई, निशेब।

शेरंदाम (شیر اندام) फ़ा वि—वह व्यक्ति जो शेर के आकार का हो, वह व्यक्ति जिसका सीना चौड़ा, कमर पतली और साहसी हो।

शे'र (شعر) अ पु—दो मिस्रों का समाहार, बैत।

शेर (شیر) फ़ा पु—व्याघ्र, सिंह, पंचानन, केसरी, बाघ।

शेरअंदाम (شیر اندام) फ़ा वि—दे 'शेरंदाम'।

शेरअफ़गन (شیر افگن) फ़ा वि—शेर को परास्त करनेवाला, व्याघ्रविजेता।

शे'रआशोब (شعر آشوب) अ फ़ा वि—वह पद्य जिसमें काव्यकला की अनाड़ियों के हाथों दुर्गति का वर्णन हो।

शे'रख़्वाँ (شعر خواں) अ फ़ा वि—शे'र पढ़नेवाला।

शे'रख़्वानी (شعر خوانی) अ फ़ा स्त्री—शे'र पढ़ना, एक जगह बैठकर परस्पर शे'र सुनना-सुनाना।

शेरगीर (شیر گیر) फ़ा वि—जो व्यक्ति अधिक शराब पीकर भी बेहोश न हो, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मनोमत्त, मस्त।

शे'रगो (شعر گو) अ फ़ा वि—शे'र कहनेवाला, कवि, शाइर।

शे'रगोई (شعر گوئی) अ फ़ा स्त्री—शे'र कहना, कविता करना।

शेरदहाँ (شیر دہاں) फ़ा वि—जिसका मुँह शेर-जैसा हो, व्याघ्रमुख।

शेरदिल (شیر دل) फ़ा वि—जिसका हृदय शेर-जैसा वीर हो, बहुत बड़ा वीर।

शे'रफ़ह्म (شعر فہم) अ वि—शे'र के गुण-दोष समझने वाला, रसज्ञ, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ।

शे'रफ़ह्मी (شعر فہمی) अ स्त्री—शे'र समझना, काव्यमर्मज्ञता, काव्यनिपुणता।

शेरबच्चः (شیربچہ) फा. पु.—शेर का बच्चा, सिंह-शावक।
शेरमर्द (شیرمرد) फा. वि.—शेर-जैसे दिल गुर्दे का मनुष्य, पुरुष-केसरी।
शेरमाही (شیرماہی) फा स्त्री.—एक बहुत बड़ी मछली।
शेरसवार (شیرسوار) फा वि—शेर पर चढनेवाला, सिंहवाहन, सिंहयान।
शेरानः (شیرانہ) फा वि—शेरो-जैसा; वीरो-जैसा, वीरोचित।
शे'री (شعری) अ वि—शे'र का, काव्य का; काव्य-सम्बन्धी।
शे'रीयत (شعریت) अ. स्त्री.—शे'रपन, काव्यकला का रस।
शेरे आबी (شیر آبی) फा पुं—पानी का शेर, जलव्याघ्र।
शेरे क़ाली (شیر قالیں) फा. पुं—कालीन पर बना हुआ शेर जो कोई अनिष्ट नही कर सकता।
शेरे ख़ुदा (شیر خدا) फा. पु.—हज़रत अली की उपाधि, असदुल्लाह।
शे'रे ख़ुश्क (شعر خشک) अ. फा. पु—ऐसा शे'र जिसमे कोई रस न हो।
शेरे ज़ियां (شیرژیاں) फा पुं—फाड खानेवाला शेर।
शे'रे तर (شعر تر) अ फा पु—काव्यकलापूर्ण शे'र, सरस शे'र।
शेरे नयस्तां (شیر نیستاں) फा पु—जगल मे रहनेवाला शेर।
शेरे बब्र (شیر ببر) फा पु—एक प्रकार का शेर जो सबसे अधिक भयानक होता है, सिंह।
शेरे यज़्दां (شیر یزداں) फा पु—दे 'शेरे ख़ुदा'।
शे'रोअदब (شعروادب) अ. पु—दे. 'शेरो सुख़न'।
शे'रोसुख़न (شعروسخن) अ. फा. पु—कविता, काव्य, साहित्य, अदब।
शेवः (شیوہ) फा पु—शैली, पद्धति, परिपाटी, ढग, तर्ज़, तरीका।
शेवए ज़ुल्म (شیوۂ ظلم) फा. अ पु—अत्याचार का ढग।
शेवए बेदाद (شیوۂ بیداد) फा पु—अनीति और अत्याचार का तरीका।
शेवए लुत्फ़ (شیوۂ لطف) फा अ. पु—कृपा और दया का तरीका।
शेवन (شیون) फा पु—रोदन, विलाप, रोना-पीटना; मातम, मृतशोक।
शेवनगर (شیون گر) फा. वि—विलाप करनेवाला, रोने-पीटनेवाला।
शेवा (شیوا) फा वि—भाषण-पटु, कलापूर्ण भाषा मे बातचीत करनेवाला।
शेवाज़बां (شیوازباں) फा. वि.—दे 'शेवाबयां'।
शेवाज़बानी (شیوازبانی) फा स्त्री—दे 'शेवाबयानी'।
शेवाबयां (شیوابیاں) फा. अ वि.—जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और कलापूर्ण हो।
शेवाबयानी (شیوابیانی) फा अ. स्त्री—बातचीत की पटुता और सुन्दरता।

शै

शै (شے) फा. स्त्री.—वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज।
शैए मफ़्क़ूलः (شے مکفولہ) अ स्त्री—वह चीज जो गिरवी हो, बंधक; वह जायदाद जो रुपये के बदले रेहनदार के क़ब्जे मे हो।
शैए मत्लूबः (شے مطلوبہ) अ स्त्री—वह चीज़ जिसकी आवश्यकता हो।
शैए मर्हूनः (شے مرہونہ) अ स्त्री—वह चीज जो रेहन अर्थात् बंधक हो।
शैए लतीफ़ (شے لطیف) अ. स्त्री—प्रतिभा, ज़हानत।
शैख़ (شیخ) अ पु—बूढा, वृद्ध, अध्यक्ष, सरदार; प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग, कुल का नायक।
शैख़ुत्तरीक़त (شیخ الطریقت) अ पु.—धर्मगुरु, पीर, मुर्शिद।
शैख़ुत्ताइफ़ः (شیخ الطائفہ) अ. पु—अपने गोत्र या पार्टी का अध्यक्ष, दलपति।
शैख़ुर्रईस (شیخ الرئیس) अ. पु—रईसो का सरदार; बू अली सीना की उपाधि।
शैख़ुल इस्लाम (شیخ الاسلام) अ. पु—इस्लामी धर्मशास्त्र का सबसे बडा विद्वान्।
शैख़ुल जामिअः (شیخ الجامعہ) अ पु—यूनीवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चासलर, कुलपति।
शैख़ुश्शुयूख़ (شیخ الشیوخ) अ. पु.—तमाम धर्मगुरुओ का गुरु, सबसे बड़ा धर्मगुरु, प्रमुख धर्माचार्य।
शैख़ूख़त (شیخوخت) अ. स्त्री—वृद्धावस्था, बुढापा।
शैख़े कामिल (شیخ کامل) अ पु—पहुँचा हुआ पीर, ब्रह्मलीन धर्मगुरु, पूर्ण धर्माचार्य।
शैख़े वक़्त (شیخ وقت) अ पु—अपने समय का सबसे बडा धर्मगुरु।
शैख़ोशाब (شیخ و شاب) अ पु—बूढे और जवान, अर्थात् सब लोग।
शैतनत (شیطنت) अ स्त्री—शैतानपन, शरारत, उपद्रव; चपलता, शोख़ी; दुष्टता, कमीनगी।
शैतनतपसंद (شیطنت پسند) अ फा वि—जो बड़ा शरारती या उपद्रवी हो, जो बडा दुष्ट हो।

शतान (سطان) अ पु –एक फ़िरिश्त जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लघन किया और बहिष्कृत हुआ और तब से वह मनुष्यों को पाप की ओर प्रवृत्त करता है इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरों का अनिष्ट चाहे उपद्रवी, शरारती।
शतानसीरत (سطان سیرت) अ वि –जिसकी प्रकृति शतान-जसी हो महादुष्ट।
शतान सूरत (سطان صورت) अ वि –जिसकी आकृति शतान जसी हो।
शतानी (شیطانی) अ वि –शतान का, शतान सम्बन्धी, निकृष्ट बुरा पापमय गुनाह का।
शताने मुजस्सम (سطان مجسم) अ पु –जो सर स पाव तक शतान हो जिसके आचरण पशाचिक हों।
शताने लई (سطان لعین) अ पु –धिक्कृत और बहिष्कृत शतान।
शद (سد) अ पु –छल, धोखा फरेब।
शदा (سدا) फा वि –मुग्ध मोहित फ़िरेफ्त आसक्त आशिक उन्मत्त पागल उद्विग्न आतुर, परेशान, किसी चीज़ का बहुत अधिक इच्छुक।
शदाई (سدائی) फा वि –दे शदा' प्रेमी— एक यह दिल ह जो सौ जान स शदाई ह एक तुम हो कि न मिलने की कसम खायी है।
शदाए इल्म (سدائے علم) फा अ वि –विद्या प्राप्त करन का अत्यधिक अभिलाषी।
शदाए वतन (سدائے وطن) फा अ वि –देशभक्त देश प्रेम म अनुरक्त।
शदाए हुस्न (سدائے حسن) फा अ वि –सुन्दरता को हर चीज़ स अधिक पसद करनेवाला।
शदी (سدی) अ वि –धूत वचक छली।
शन (سن) फा पु –विलाप रोना धोना दोष ऐब।
शपूर (سپور) फा पु –बिगुल नफीरी।
शब (سب) अ पु –दे शबत।
शब (سب) अ पु –बुढ़ापा वद्धावस्था जरा।
शबत (سبت) अ स्त्री –वृद्धावस्था जरा बुढ़ापा।

शो

शो (سو) फा प्रत्य –धोनेवाला जसे— मुर्दा शो मुर्दे को धोन या नहलानेवाला (पु) शौहर पति भर्ता नाथ स्वामी।
शोए (سوے) फा पु –शौहर भर्तार पति (प्रत्य) धोने वाला जस— रगशोए यारिया।
शोख (سوخ) फा वि –चचल चपल चुलबुला शरीर गहरा (रग) धृष्ट ढीठ उद्दड गुस्ताख़ अवज्ञाकारी नाफ़रमान असभ्य बदतमीज़।
शोखगी (سوخگی) फा वि –मत्ता शब्द इस अथ में शोखी अधिक उचित ह।
शोखचश्म (سوخ چشم) फा वि –बेहया, बशम निलज्ज धृष्ट, गुस्ताख़।
शोखचश्मी (سوخ چشمی) फा स्त्री –बेहयाई निलज्जता, ढीठपन धृष्टता, गुस्ताखी।
शोखजबा (سوخ زبان) फा वि –मुँहफट मुक्तकठ, बक्की मुख चपल वाचाल।
शोखज़बानी (شوخ زبانی) फा स्त्री –मुहफटपन मुक्त कठता बकवास मुख चपलता वाचालता।
शोखतबअ (شوخ طبع) फा अ वि –जिसमें चचलता बहुत हो चुलबुला जो विनोदप्रिय हो खुशमिज़ाज।
शोखतबई (سوخ طبعی) फा अ स्त्री –प्रकृति का चुलबुलापन मनोविनोद हसी दिल्लगी।
शोखतरीन (سوخ ترین) फा वि –बहुत अधिक चुलबुला बहुत गहरा (रग)।
शोखदीद (سوخ دیده) फा वि –दे शोखचश्म'।
शोखदीदगी (سوخ دیدگی) फा स्त्री –दे शोखचश्मी'।
शोखमिज़ाज (سوخ مزاج) फा अ वि –दे शोखतबअ।
शोखमिज़ाजी (سوخ مزاجی) फा अ स्त्री –दे 'शोख तबई'।
शोखिए अल्फ़ाज़ (سوخئی الفاظ) फा अ स्त्री –लेख या भाषण में ऐसे शब्दों का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हो।
शोखिए तक्रीर (سوخئی تقریر) फा अ स्त्री –भाषण में शोख और विनोदमय शब्दों का प्रयोग।
शोखिए तबअ (سوخئی طبع) फा अ स्त्री –प्रकृति की चचलता और विनोदप्रियता।
शोखिए तक्दीर (سوخئی تقدیر) फा अ स्त्री –भाग्य की चचलता अर्थात अभागापन बदकिस्मती।
शोखिए तहरीर (سوخئی تحریر) फा अ स्त्री –लेख म ऐसे शब्दों का प्रयोग जो शोख हों।
शोखी (سوخی) फा स्त्री –चपलता चुलबुलाहट धृष्टता, गुस्ताखी अशिष्टता बदतमीज़ी गहरापन (रग)।
शोखी शग (سوخ وسنگ) फा वि –वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला चतुर और सुन्दर हो।
शोनीज़ (سونیز) फा स्त्री –कलौंजी प्याज के बीज दे 'शूनीज़' दोनों शुद्ध ह।
शोब (شعبه) अ पु –शाखा शाख डाली विभाग महकमा खड टुकडा।
शोब (سوب) फा प्रत्य –धोनवाला धुलाई धोने का भाव धुलाव धोव धोना उष्णीष, पगडी।

शो'बए तस्नीफ़ो तालीफ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ पु —वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और संपादन करने से हो।

शोईद (شوئیدہ) फा वि —धोया हुआ।

शोर: (شورہ) फा. पु —एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोर:गर (شورہ گر) फा. वि.—शोरा बनानेवाला।

शोर:पुश्त (شورہ پشت) फा. वि —उद्दंड, अक्खड, मुँहफट, बदतमीज़; झगडालू, फसादी, अवज्ञाकारी, निरकुश, जो कहे में न हो।

शोर:बूम (شورہ بوم) फा स्त्री —ऊसर, वह ज़मीन जिसमें रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोर:साज़ (شورہ ساز) फा. वि —दे 'शोर गर'।

शोर (شور) फा. वि —खारी, नमकीन; कोलाहल, गुल, शोहरत, नामवरी, उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شور انگیز) फा. वि.—गुल मचानेवाला, पागलपन बढानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شور انگیزی) फा स्त्री —गुल मचाना, पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شور آگیں) फा वि —उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरगार (شورغار) फा स्त्री —फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फा. वि —जिसकी नजर लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फा स्त्री —नजर लगना।

शोरपा (شورپا) फा. वि —जिसके पाँव चलते समय टकराते हो, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हो।

शोरपुश्त (شورپشت) फा वि —उद्दंड, अक्खड, मुँहज़ोर, निरकुश, बेमहार, धृष्ट, गुस्ताख।

शोरपुश्ती (شورپستی) फा स्त्री —उद्दंडता, अक्खडपन, निरकुशता, बेमहारी, धृष्टता, गुस्ताखी।

शोरबख़्त (شوربخت) फा वि —हतभाग्य, अभागा, बदकिस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फा स्त्री —भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फा पु —गोश्त का पका हुआ रस, पक्वमासरस।

शोरमोर (شورمور) फा स्त्री —बहुत छोटी चीटी, क्षुद्र पिपीलिका, अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराब: (شورابہ) फा पु —खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराब (شوراب) फा. पु.—दे 'शोराब'।

शोरिंद: (شورندہ) फा. वि —शोर करनेवाला, गुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फा. स्त्री —खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फा स्त्री —उपद्रव, दगा, फ़साद, सैन्यद्रोह, बग़ावत, विद्रोह; खारीपन, नमकीनी, उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फा. वि —उपद्रव और फसाद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ. स्त्री —उपद्रव और फसाद फैलाना।

शोरिशकद: (شورش کدہ) फा पु —उपद्रव का स्थान, फसाद की जगह, वह स्थान जहाँ फसाद या बगावत हो।

शोरिशकुनिंद: (شورش کنندہ) फा. वि —फसाद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورش گاہ) फा स्त्री — 'शोरिशकद'।

शोरिशपसंद (شورش پسند) फा वि.—जो चाहता हो कि कोई न कोई फसाद या उपद्रव खडा ही रहे।

शोरिशपसंदी (شورش پسندی) फा स्त्री —उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फा. वि —फसाद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीद: (شوریدہ) फा. वि —आतुर, उद्विग्न, परेशान; उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीद:ख़ातिर (شوریدہ خاطر) फा अ वि.—जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना, दु खित, रंजीदा।

शोरीद:दिमाग़ (شوریدہ دماغ) फा अ वि —विकृतमस्तिष्क, पागल, खब्ती, मिराक़ी।

शोरीद:बख़्त (شوریدہ بخت) फा वि —हतभाग्य, बदनसीब, बदकिस्मत, अभागा।

शोरीद:मिज़ाज (شوریدہ مزاج) फा अ वि —खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल, पागल, खब्ती।

शोरीद:सर (شوریدہ سر) फा वि —पागल, दीवाना, विकृतमस्तिष्क।

शोरीद:सरी (شوریدہ سری) फा स्त्री —पागलपन, दीवानगी।

शोरीद:हाल (شوریدہ حال) फा अ वि —दुर्दशाग्रस्त, परीशाँहाल, उद्विग्न।

शोरीद:हाली (شوریدہ حالی) फा अ स्त्री —परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फा स्त्री —उद्विग्नता, परीशानी; दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شور قیامت) फा अ. पु.—महाप्रलय के समय का कोलाहल, बहुत अधिक शोरोगुल।

शोरेज़ (شوره) फा स्त्री –खेती के क़ाबिल ज़मीन।

शोरे तहसीन (شور تحسین) फा अ पु –वाह-वाह का शोर प्रशंसा और धन्यवाद का शोर।

शोरे नुशूर (شور نشور) फा अ पु –क़ियामत के दिन लोगों के उठने का शोर।

शोरे मर्हबा (شور مرحبا) फा अ पु –धन्यवाद और वाह-वाह का शोर।

शोरे मसरत (شور مسرت) फा अ पु –खुशी का शोर होना।

शोरे महशर (شور محشر) फा अ पु –दे 'शोरे क़ियामत'।

शोरे मातम (شور ماتم) फा पु –किसी के मरने पर रोने धोने का शोर।

शोरो पुश्त (شوروپشت) फा पु –दे 'शोरा शगद'

शोरोग़ौग़ा (شوروشغب) अ फा पु –बहुत अधिक कोलाहल और शोरगुल।

शोरोशर (شوروشر) फा अ पु –शोर और फ़साद हंगामा बग़ावत और फ़साद का हंगामा।

शोल: (شعله) अ पु –अग्निज्वाला लपट, उदा०— एक शोला सा उठा शीशे से पैमाने में ला किरन फूटी सवेरा हुआ मयख़ाने में — ख़ुमार।

शो'ल अंगेज़ (شعله انگیز) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'।

शो'ल अदाम (شعله اندام) अ फा वि –जिसका शरीर अग्नि जैसा उज्ज्वल और दीप्त हो।

शोल:अफ़्गन (شعله افگن) अ फा वि –शो'ले बखेरनेवाला आग बरसानेवाला अग्निवर्षक।

शो'ल:अफ़्शा (شعله افشاں) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'।

शो'ल:आवाज़ (شعله آواز) अ फा वि –जिसकी आवाज़ में दर्द हो बहुत अच्छा गानेवाला।

शो'ल:इज़ार (شعله عذار) अ वि –आग-जैसे उज्ज्वल गालोंवाला (वाली), बहुत ही सुंदर।

शो'ल:क़ामत (شعله قامت) अ वि –दे 'शो'ल अदाम'।

शो'ल:ख़ू (شعله خو) अ फा वि –दे 'शो'ल मिज़ाज'।

शो'ल:ज़न (شعله زن) अ फा वि –शो'ले फेंकनेवाला बहुत तेज़ जलनेवाली आग।

शो'ल:ज़बाँ (شعله زباں) अ फा वि –बहुत ही तेज़ बोलने वाला धुआँधार भाषण देनेवाला।

शो'ल:ज़ाद (شعله زاد) अ फा वि –अग्नि से उत्पन्न एक योनि विशेष देव परी जिन्न शैतान।

शो'ल:ज़ार (شعله زار) अ फा पु –जहाँ शो'ले ही शो'ले हों जहाँ आग ही आग हो।

शो'ल:दीदार (شعله دیدار) अ फा वि –दे 'शो'ल रुख़'।

शो'ल:नाक (شعله ناک) अ फा वि –ज्वालाओं से भरा हुआ।

शो'ल:फ़ाम (شعله فام) अ फा वि –शो'ले-जैसे लाल और दीप्त रंगवाला (वाली) अग्निवर्ण।

शो'ल:फ़िगन (شعله فگن) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'।

शो'ल:फ़िशाँ (شعله فشاں) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'।

शो'ल:बार (شعله بار) अ फा वि –आग बरसानेवाला अग्निवर्षक।

शो'ल:बारी (شعله باری) अ फा स्त्री –आग बरसाना अग्निवर्षा।

शो'ल:मिज़ाज (شعله مزاج) अ वि –बहुत तीव्र और कड़वे स्वभाव का बहुत अधिक गुस्सैल।

शो'ल:रंग (شعله رنگ) अ फा वि –दे 'शो'ल:फ़ाम'।

शो'ल:रुख़ (شعله رخ) अ फा वि –अग्नि-जैसे सुर्ख़ और उज्ज्वल गालोंवाला (वाली) परवाने का अपने सूरते शमा। अय शो'ला रुख़ो न दिल जलाउ।

शो'ल:रुख़सार (شعله رخسار) अ फा वि –दे 'शो'ल रुख़'।

शो'ल:रू (شعله رو) अ फा वि –दे 'शो'ल रुख़'।

शो'ल:सा (شعله سا) अ फा वि –शो'ले जैसा आग जैसा।

शो'ल:सिफ़त (شعله صفت) अ वि –शो'ले जैसा आग की तरह रौशन और लाल।

शो'लए जव्वाल (شعلهٔ جوال) अ पु –आग का वह घेरा जो लकड़ी के दोनों सिरों को जलाकर घुमाने से बनते हैं आलात चक्र।

शो'लए जौलाँ (شعلهٔ جولاں) अ फा पु –चलने फिरने वाला शो'ला अर्थात नायिका।

शो'लए ताक (شعلهٔ تاک) अ फा पु –अंगूरी शराब द्राक्षेरा द्राक्षासव, मालिका।

शो'लए दीदार (شعلهٔ دیدار) अ फा पु –प्रेमिका के दर्शन की आग।

शो'लए रुख़सार (شعلهٔ رخسار) अ फा पु –गालों की दीप्ति और चमक जो शो'ले जैसी जान पड़ती है।

शो'लों (شعلیں) फा वि –अग्नि वाला-सम्बन्धी लपट दार लपटोंवाला लपटें निकलता हुआ।

शोलीद: (شولیده) फा वि –स्तब्ध स्तंभित हैरान, उद्विग्न व्याकुल परेशान।

शोश: (شوشه) फा पु –मेड़ टुकड़ा सोने या सोने (अमर) का दस्तान सोने या चाँदी का डला।

शौ

शौ (شو) फा पु –शौहर का लघु शौहर पति स्वामी।

शौकः (شوکہ) अ. पु.–कांटा, कंटक ।

शौक़ (شوق) अ पु–अभिलाषा, उत्कंठा, अधिक चाह, लगन, व्यसन, टेव, आदत ।

शौकत (شوکت) अ. स्त्री–आतंक, दब्दब.; वैभव, ऐश्वर्य, शानोशौकत ।

शौकतुलअक़्रब (شوکۃالعقرب) अ पुं–बिच्छू का डंक ।

शौकतेअल्फ़ाज़ (شوکت الفاظ) अ. स्त्री–लेख में बड़े-बड़े और क्लिष्ट शब्दों की व्यवस्था, शब्दाडंबर ।

शौकते शाही (شوکت شاہی) अ. फा स्त्री–बादशाहों का ठाठ-बाट ।

शौकरां (شوکران) अ. पु–एक वनौषधि जो दवा में प्रचलित है ।

शौक़ियः (شوقیہ) अ वि–शौक के तौर पर, केवल मन-बहलाव के लिए ।

शौक़ीन (شوقین) उ. वि–व्यसनी, व्रती, आदी, किसी कार्य-विशेष में बहुत अधिक रुचि रखनेवाला ।

शौक़े आराइश (شوق آرائش) अ फा. पु–बनने-सँवरने का शौक, खुद को बना-ठना रखने का शौक ।

शौक़े इबादत (شوق عبادت) अ. पु.–जप-तप का शौक, ईश्वराराधना की लगन ।

शौक़े ज़ीनत (شوق زینت) अ पुं–दे 'शौके आराइश' ।

शौक़े तज़ईन (شوق تزئین) अ पु–दे 'शौके आराइश' ।

शौक़े बेपायां (شوق بےپایاں) अ. फा पु–बहुत अधिक शौक, हद से बढ़ी हुई उत्कंठा ।

शौक़े लिबास (شوق لباس) अ पु–कपड़ों का शौक, अच्छे-अच्छे कपड़े पहिनने का शौक ।

शौक़ोज़ौक़ (شوق و ذوق) अ पु–बहुत अधिक रुचि, बहुत अधिक शौक ।

शौलः (شولہ) अ पुं.–उन्नीसवां नक्षत्र, मूल ।

शौहर (شوہر) फा. पु–पति, भर्तार, स्वामी, भर्तृ, ख़ाविंद ।

शौहरकुश (شوہرکش) फा स्त्री–पति को मार डालने-वाली स्त्री, पतिघातिनी ।

शौहरख़्वाह (شوہرخواہ) फा स्त्री.–पति की इच्छा करने-वाली स्त्री, पतिकामा ।

शौहरपरस्त (شوہرپرست) फा स्त्री.–पति को ईश्वर की तरह पूजनेवाली स्त्री, पतिव्रता, पति-परायणा ।

स

संग (سنگ) फा पु–प्रस्तर, पाषाण, पत्थर ।

संगअंदाज़ (سنگ انداز) फा पु–पत्थर फेंकनेवाला, किले के सूराख जिनसे बंदूक चलायी जाती है, गोफन, जिससे ढेला फेंकते हैं ।

संगख़ुर्दः (سنگ خوردہ) फा वि–जिसे पत्थर की चोट आयी हो, पत्थर से घायल ।

संगचः (سنگچہ) फा पु–ओला, घनोपल ।

संगज़दः (سنگ زدہ) फा. वि.–जिसे पत्थर से मारा गया हो ।

संगज़न (سنگ زن) फा वि.–वह तराजू जिसमें पासंग हो, जो कम तोले ।

संगज़र (سنگ زر) फा. पु–कसौटी, कसवटी, निकष ।

संगजराहत (سنگ جراحت) एक सफ़ेद पत्थर जो घाव भरने के काम आता है; सिवा, सेलखरी, मरहम बनाने में प्रयुक्त होती है ।

संगजां (سنگ جاں) फा वि–जिसके प्राण मुश्किल से निकलें, सख़्तजां, निर्दय, बेरह्म ।

संगज़ार (سنگزار) फा पु–पथरीला स्थान, जहाँ पत्थर ही पत्थर हों ।

संगजानी (سنگ جانی) फा. स्त्री–प्राण कठिनता से निकलना; निर्दयता, संगदिली ।

संगतरः (سنگترہ) फा. पु–संतरा, मीठी नारंगी ।

संगतराश (سنگتراش) फा वि.–पत्थर का काम करने-वाला, पाषाण-भेदक ।

संगतराशी (سنگتراشی) फा. स्त्री–पत्थर का काम करना ।

संगदस्त (سنگ دست) फा वि–दे 'संगीदस्त' ।

संगदस्ती (سنگ دستی) फा स्त्री–दे 'संगीदस्ती' ।

संगदानः (سنگدانہ) फा पुं–दे 'संगदान' ।

संगदान (سنگدان) फा. पु–चिड़िया का पोटा ।

संगदिल (سنگدل) फा वि–निर्दय, वज्रहृदय, बेरहम, सख़्तदिल ।

संगदिली (سنگدلی) फा. स्त्री–निर्दयता, बेरहमी, क्रूरता, हृदय का पत्थरपन ।

संगपा (سنگ پا) फा पु–झाँवाँ, पाँव माँजने का पत्थर, दे. 'संगेपा' ।

संगपुश्त (سنگ پشت) अ. पु–कच्छप, कूर्म, कछवा ।

संगबकफ़ (سنگ بکف) फा वि–हाथ में पत्थर लिये हुए, मारने के लिए पत्थर उठाये हुए ।

संग बदामन (سنگ بدامن) फा. वि–दामन में पत्थर भरे हुए ।

संगबस्तः (سنگ بستہ) फा वि–सुदृढ, काफी मज़बूत ।

संगबस्त (سنگ بست) फा वि–दृढ, मज़बूत; वह मेवा जो अभी पक्का न हो, गद्दा हो ।

संगरू (سنگرو) फा वि–निर्लज्ज, बेहया, बेशर्म ।

सगरेज़ (سنگ ریزہ) फा पु –कंकड़, पत्थर का छोटा-सा टुकड़ा।

सगलाख़ (سنگلاخ) फा पु –दे 'सगलाख़'।

सगलाख़ (سنگلاخ) फा वि –पथरीली ज़मीन जहा पत्थर बहुत हों जहां से खोदकर कंकर निकाले जायें।

सगसाज़ (سنگساز) फा वि –लीथो प्रेस में पत्थर पर त्रुटियां शुद्ध करनेवाला।

सगसाज़ी (سنگسازی) फा स्त्री –लीथो प्रेस में पत्थर पर की गलतियां शुद्ध करना।

सगसार (سنگسار) फा वि –जिसे पत्थर मार-मार कर मार डाला गया हो पथराव पथराव करके किसी व्यक्ति को मार डालना एक सज़ा जो बड़े अपराधियों को दी जाती थी उन्हें कमर तक ज़मीन में गाड़कर उस पर इतने पत्थर बरसाते थे कि वह मर जाय।

सगसारी (سنگساری) फा स्त्री –दे 'सगसार', न २ ३।

संगिस्तान (سنگستان) फा पु –पथरीली जगह पहाड़ी जगह।

संगीं (سنگیں) फा वि –'संगीन' का लघु जो यौगिक शब्दों में व्यवहृत है अर्थ के लिए दे संगीन।

संगींजिगर (سنگیں جگر) फा वि –निर्दय कठोरहृदय बेरहमसंगदिल।

संगींजिगरी (سنگیں جگری) फा स्त्री –बहुत अधिक निर्दयता इंतिहाई बेरहमी।

संगींदस्त (سنگیں دست) फा वि –जो काम करने में बहुत सुस्त हो काहिल कामचोर दीर्घसूत्री।

संगींदस्ती (سنگیں دستی) फा स्त्री –कामचोरी आलस्य काहिली।

संगींदिल (سنگیں دل) फा वि –बहुत ही कठोर हृदय का बड़ा ही बेरहम प्रस्तर हृदय।

संगींदिली (سنگیں دلی) फा स्त्री –हृदय का अत्यंत कठोर होना सख़्त बेरहमी।

संगी (سنگی) फा वि –पत्थर का बना पत्थर से सम्बन्धित पत्थर का।

संगीन (سنگیں) फा वि –सख़्त कड़ा कठोर भारी गरू (वज़नी) बड़ा दुष्कर जैसे—संगीन काम।

संगीन (سنگیں) उ स्त्री – एक लबी और पतली बरछी जो बंदूक के सिरे पर लगायी जाती है।

संगीनी (سنگینی) फा स्त्री –पत्थर का बना हुआ होना।

संगे असवद (سنگِ اسود) फा अ पु –काला पत्थर कृष्ण प्रस्तर वह पत्थर जो काबे में लगा है और जिसे देखने के लिए हर साल मुसलमान मक्के जाते हैं जिसे हज कहते है।

संगे आस्तां (سنگِ آستاں) फा पु –देहलीज़ का पत्थर वह पत्थर जिसमें चौखट बाज़ जड़ा जाता है ईरान में देहलीज़ में लकड़ी नहीं होती।

संगे आस्तान (سنگِ آستان) फा पु –दे 'संग आस्तां'।

संगे आहनरुबा (سنگِ آہن ربا) फा पु –चुम्बक चमक पत्थर।

संगे कनाअत (سنگِ قناعت) फा अ पु –वह पत्थर जो भूख की जलन कम करने के लिए पेट पर बांधते हैं यह अरब का रवाज़ है।

संगे क़ल्लां (سنگِ کلاں) फा पु –कोई बहुमूल्य रत्न कीमती जौहर।

संगे ख़ारा (سنگِ خارا) फा पु –एक प्रकार का खुरदरा और लाली लिये हुए पत्थर जो बहुत कड़ा होता है।

संगे गुर्द (سنگِ گردہ) फा पु –गुर्दे में पड़ जानेवाली पथरी किडिनी स्टोन बुक्क अश्मरी।

संगे जराहत (سنگِ جراحت) फा अ पु –एक सफ़ेद और कोमल पत्थर जो घाव भरने के काम आता है सिंघा।

संगे ज़ाल (سنگِ ژالہ) फा पु –ओला हिमोपल वर्षोपल।

संगे तराज़ू (سنگِ ترازو) फा पु –तोलने का बाँट।

संगे तिफ़्लां (سنگِ طفلاں) फा अ पु –वह पत्थर जो लड़के दीवानों यानी पागलों को मारते हैं।

संगे तुर्बत (سنگِ تربت) फा अ पु –वह पत्थर जो क़ब्र के सिरहाने लगाते हैं और जिसमें मृत पुरुष का नाम और तारीख़ आदि लिखते हैं।

संगे मर्मर (سنگِ مرمر) फा पु –संग मरमर श्वेत प्रस्तर।

संगे पा (سنگِ پا) फा पु –झांवाँ, जिससे पाँव का मैल छुड़ाते हैं।

संगे फलाख़न (سنگِ فلاخن) फा पु –वह पत्थर जो गोफन में रखकर फेंकते हैं।

संगे फ़सां (سنگِ فساں) फा पु –वह पत्थर जिस पर छुरी चाकू आदि की धार तेज़ करते हैं सान।

संगे बसरी (سنگِ بصری) फा अ पु –एक पत्थर जो आँखों की दवा में काम आता है खपरिया।

संगे बारां (سنگِ باراں) फा पु –ओला हिमोपल।

संगे बालिन (سنگِ بالیں) फा पु –वह पत्थर जो सर के नीचे तकिए की जगह रखा जाता है प्रायः साधु और दरवेश रखते हैं।

संगे बालीं (سنگِ بالیں) फा पु –दे 'संग बालिन'।

संगे बुनयाद (سنگِ بنیاد) फा पु –वह पत्थर जो किसी इमारत की नींव में रखा जाता है आधार शिला नींव, बुनियाद।

संगे वेनून (سنگ بےنون) फा पु –कुत्ता, कुक्कुर, पाजी और दुष्ट आदमी, उर्दू के शब्द 'सग' मे से नून निकल जाय तो 'सग' रह जाता है।
संगे मक्तल (سنگ مقتل) फा. अ. पुं.–वह पत्थर जिस पर वध किया जाता है, वधशिला।
संगे मजाअत (سنگ مجاعت) फा अ पु –भूख मे पेट पर बांधा जानेवाला पत्थर, अरब का रवाज है।
संगे मक़्नातीस (سنگ مقناطیس) फा अ पु –चुवक, चुम्बक पत्थर, आख, पापाण।
संगे मज़ार (سنگ مزار) फा अ पु –दे 'सगे तुर्वत'।
संगे मर्मर (سنگ مرمر) फा पु –एक मशहूर पत्थर, श्वेत प्रस्तर।
संगे मसानः (سنگ مثانہ) फा अ पु –वह पथरी जो मूत्राशय मे पड जाती है।
संगे महक (ब्क) (سنگ محک) फा. अ पु –कसौटी का पत्थर, कसौटी, कष'वटी, कपपट्टिका, निकष।
संगे माही (سنگ ماهی) फा पु –दे 'सगे सरे माही'।
संगे मील (سنگ میل) फा अ पु –वह पत्थर जो रास्ते में दूरी जानने के लिए एक-एक मील पर लगा देते हैं।
संगे मूसा (سنگ موسیٰ) फा अ पु –काला पत्थर, एक प्रकार का विशेप काला पत्थर।
संगे यमन (سنگ یمن) फा अ पु –पद्मराग, ला'ल।
संगे यश्व (سنگ یشب) फा अ पु –एक हरा पत्थर जो दवा मे काम आता है।
संगे यश्म (سنگ یشم) फा अ पु –दे 'सगे यश्व'।
संगे राह (سنگ راہ) फा पु –वह पत्थर जो रास्ते मे पडा हो और राहगीरो को रास्ता न चलने दे, वह व्यक्ति जो किसी काम में रुकावट डाले।
संगे रुख़ाम (سنگ رخام) फा पु –सगे मरमर।
संगे शजरी (سنگ شجری) फा अ. पु –एक प्रकार का मूंगा, विद्रुम।
संगे शिहाव (سنگ شہاب) फा. अ पु –वह पत्थर जो शिहावे साकिव के गिरने से वन जाता है, उल्कापापाण।
संगे संदलसा (سنگ صندل سا) फा. पु –वह सिल जिस पर चदन रगडते है।
संगे समाक (سنگ سماق) फा अ पु –एक पत्थर जो सारे पत्थरो मे अधिक सख्त होता है और बिलकुल घिसता नही है, उसके खरल वनते है, जो वहुत कीमती होते हे और वह मोती आदि दूसरे जवाहरात पीसने के काम आता है।
संगे सराचः (سنگ سراچہ) फा पु –दे 'संगे आस्ता'।
संगे सरेमाही (سنگ سرماهی) फा पु –एक प्रकार का पत्थर जो वडी मछली के सर से निकलता है और दवा के काम आता है।
संगे सिलायः (سنگ صلایہ) फा अ पुं –दवा आदि घिसने का पत्थर।
संगे सुर्ख़ (سنگ سرخ) फा पु –लाल पत्थर जिससे इमारते वनती है और मकानो मे लगाया जाता है।
संगे सुर्मः (سنگ سرمہ) फा पु –वह पत्थर जिसका सुर्मा वनाते है।
संगे सुलैमानी (سنگ سلیمانی) फा अ पु –एक नग जो प्राय दुरगा या धारीदार होता है और जिसकी तस्वीह फकीर लोग गले मे डालते है।
संजः (سنجہ) फा पु –तोलने का वॉट।
संज (سنج) फा प्रत्य –तोलनेवाला, जैसे–'सुखनसज' वात को तोलनेवाला, (पु) झाँझ, मजीरा काँसे की दो कटोरियाँ जो वजायी जाती है।
संजाव (سنجاب) फा स्त्री –एक जानवर जो घूँस के वरावर होता है, उसकी खाल का पोस्तीन वनता है जो वहुत अच्छा होता है।
संजिदः (سنجدہ) फा वि –तोलनेवाला।
संजीदः (سنجیدہ) फा वि –तोला हुआ, सतुलित, गभीर, मतीन; शात, पुरअम्न, सहिष्णु, वुर्दवार; हर वात को ध्यानपूर्वक सुनने और गौर करनेवाला।
संजीदःगुफ़्तार (سنجیدہ گفتار) फा वि –जिसकी वात चीत मे गभीरता हो, शातवादी।
संजीदःगुफ़्तारी (سنجیدہ گفتاری) फा स्त्री –वातचीत की गंभीरता।
संजीदःतब्अ (سنجیدہ طبع) फा. अ वि –जिसकी प्रकृति गंभीर हो।
संजीदःतब्ई (سنجیدہ طبعی) फा. अ स्त्री –प्रकृति की गभीरता।
संजीदःमिजाज (سنجیدہ مزاج) फा अ वि –जिसके मिजाज मे शाति और गभीरता हो।
संजीदःमिजाजी (سنجیدہ مزاجی) फा अ स्त्री–मिजाज की शांति और गभीरता।
संजीदःरफ़्तार (سنجیدہ رفتار) फा वि.–व्यवहार और आचरण की गभीरता।
संजीदगी (سنجیدگی) फा स्त्री –गंभीरता, मतानत; चित्त की शांति, सहिष्णुता, तहम्मुल।
संजुक (سنجق) तु पु –पताका, ध्वजा, केतु, झडा; कमरबंद, कटिवंध।

सदरूस (سدروس) फा पु –राजन का एक प्रसिद्ध गाद है दे सुदरूस', दोनों शुद्ध है।
सदल (صندل) अ पु –एक सुप्रसिद्ध सुगंधित लकड़ी, चंदन।
सदलसा (صندلسا) फा वि –चंदन घिसने की सिल।
सदलीं (صندلين) फा वि –सदल का सदल की लकड़ी का बना हुआ।
सदली (صندلى) फा स्त्री –सदल का सदल की लकड़ी का कुर्सी।
सदास (سنداس) फा पु –पाखाना संडास।
सदूक (صندوق) अ पु –लकड़ी या टीन की बड़ी पेटी जिसमें कपड़े आदि रखे जाते है।
सदूकचा (صندوقچه) छोटा सदूक।
सदूकनुमा (صندوق نما) अ फा वि –सदूक की शक्ल का।
सदूकसाज (صندوق ساز) अ फा वि –सदूक बनानेवाला।
सदूकी (صندوقى) अ वि –सदूक-जैसा सदूक की आकृति का सदूकनुमा पत्र जिसमें बगली नहीं होती।
सदूके मुर्द (صندوق مرده) अ फा पु –ताबूत शव रखने का लकड़ी का सदूकनुमा पात्र।
सअत (سعت) अ स्त्री –विस्तार फैलाव फराखी गुंजाइश।
सआदत (سعادت) अ स्त्री –प्रताप तेज इकबाल कल्याण भलाई बरकत, मुबारकी शुभकारिता।
सआदतआसार (سعادت آثار) अ वि –जिसके लक्षण ऐसे हो कि आगे चलकर वह शुभान्वित होगा।
सआदतकेश (سعادت كيش) अ फा वि –दे सआदतमद'।
सआदतपजोह (سعادت پژوه) अ फा वि –दे सआदतमद।
सआदतपनाह (سعادت پناه) अ फा वि –तेजस्वी प्रतापी इकबालमद।
सआदतमद (سعادتمند) अ फा वि –भाग्यशाली नसीबेवर तेजोमय इकबालमद आज्ञाकारी फर्मांबरदार।
सआदतमदी (سعادتمندى) अ फा स्त्री –सआदतमद होना।
सआदतवर (سعادت ور) अ फा वि –दे सआदतमद'।
सआदतवरी (سعادت ورى) अ फा स्त्री –दे सआदतमदी।
सआदतशिआर (سعادت شعار) अ वि –दे सआदतमद'।
सआदतसज (سعادت سنج) अ फा वि –दे सआदतमद'।
सआलिब (ثعالب) अ पु –सा'लब' का बहु लोमड़ियाँ।
सआलील (ثعاليل) अ पु –सूलूल' का बहु मस्से फिन्सियाँ।
सई (سعى) अ पु –प्रयत्न, पराक्रम कोशिश—

' तसकीने दिले महज न हुई वह सईए करम फरमा भी गये
इस सईए करम को क्या कहिए बहला भी गये तड़पा भी गये।'

सईद (صعيد) अ पु –मृत्तिका, मिट्टी पृथ्वी, जमीन।
सईद (سعيد) अ वि –तेजस्वी इकबालमद, भाग्यशाली, खुशनसीब कल्याणकारी मुबारक।
सईर (سعير) अ पु –अग्नि ज्वाला आग का लपट, नरक का एक तल।
सईस (سئيس) अ पु –घोड़े की देख रेख करनेवाला अरबी के शब्द 'साइस' का बिगड़ा हुआ रूप।
सऊद (صعود) अ पु –ऊँचाई बलंदी यातना, पीड़ा अजाब ऊपर चढ़नेवाला।
सऊबत (صعوبت) अ स्त्री –दे शुद्ध उच्चारण 'सुऊबत'।
सऊल (سئول) अ वि – बहुत पूछनेवाला, बहुत प्रश्न करनेवाला।
सक्त (سقط) अ पु –लिखने की भूल हिसाब की भूल, गिरी-पड़ी चीज अपशब्द गाली निंदा बदगोई।
सक्तगो (سقط گو) अ फा वि –गाली देनेवाला गाली गलौज करनेवाला, निंदा करनेवाला बदगो।
सक्तचीं (سقط چين) अ फा वि –गिरी पड़ी चीजें बीनने वाला रेजे और टुकड़े चुनने वाला।
सक्तफरोश (سقط فروش) अ फा वि –गिरी-पड़ी चीजें जैसे—गिरे-पड़े फल आदि बेचनेवाला, बेहूदा बातें बकने वाला बकवासी।
सक्ती (سقطى) अ वि –गिरी पड़ी चीज बेचनेवाला, कबाड़ी।
सकन (سكنه) अ पु –साकिन का बहु, रहनेवाले निवासी।
सकन्क्रूर (سقنقور) अ पु –साँड़ के प्रकार का परंतु उससे छोटा एक जानवर जिसका मास बहुत ही कामवर्धक है।
सकम (سقم) अ पु –रोग बीमारी, त्रुटि, दोष दे. सुक्म' दोनों शुद्ध है।
सकर (سقر) अ पु –नरक दोजख।
सकरात (سكرات) अ स्त्री –निश्चेष्टता बेहोशी, प्राण निकलते समय का कष्ट चढ़ा।
सकरान (سكران) अ वि –उन्मत्त, मतवाला, शराब के नशे में चूर।
सक्लैन (ثقلين) अ पु –दो वर्ग अर्थात मनुष्यों का और जिन्नों का।
सकाफत (سقافت) अ स्त्री –अक्लमद होना, हल्का होना तेज सिर्री।
सक्राम (سقام) अ पु –रोग व्याधि, बीमारी।

सकारा (سکارا) अ पु –'सकरान' का वहु, मस्त और मतवाले लोग, दे 'सुकारा', दोनो शुद्ध हैं।

सक़ालत (ثقالت) अ. स्त्री –वोझ, गुरुत्व, भारीपन।

सक़ाहत (ثقاهت) अ स्त्री – श्रेष्ठता, वुजुर्गी; विश्वस्तता, मो'तवरी।

सक़िरलात (سقرلات) तु पु.–ऊनी वानात, सिक़्लात।

सकीनः (سکینہ) अ स्त्री –'सकीनत' हज्रत इमाम हुसैन की सुपुत्री जो वड़ी वहादुर थी और जिन्होने हज्रत इमाम की शहादत के वाद यजीद के विरुद्ध वहुत वडा प्रचार किया।

सकीनत (سکینت) अ स्त्री –आराम, चैन, सुख; मदता, धीरज, आहिस्तगी।

सक़ीफ़ः (سقیفہ) अ. पु.–झूठी वात, वकवाद, आरोप, इत्तिहाम; परामर्श, सलाह।

सक़ीम (سقیم) अ. वि –रोगी, वीमार, दुर्दशाग्रस्त, वदहाल।

सक़ीमुलहाल (سقیم الحال) अ. वि.–जिसकी आर्थिक दशा खराव हो, दरिद्र, निर्धन, दुर्दशाग्रस्त।

सक़ील (ثقیل) अ वि –गुरु, भारी, वोझल।

सक़्क़ा (سقا) अ. पु –पानी पिलानेवाला; पानी भरनेवाला, विहिश्ती।

सक़्क़ाई (سقائی) अ. स्त्री –पानी पिलाने का काम, पानी भरने का काम, भिश्तीगरी।

सक्काक (سکاک) अ वि –लौहकार, लुहार; सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला।

सक्तः (سکتہ) अ पु –एक रोग जिसमे आदमी विलकुल मरे हुए प्राणी के समान हो जाता है, मूर्छा रोग; शे'र मे किसी शब्द या अक्षर का कम होना, छदोभग, यति-भग।

सक़्त (سقط) अ पु.–पशु का मरना।

सक़्मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री –एक दवा, जो रेचक होती है, दे. 'सुक्मूनिया', दोनो शुद्ध है।

सक़्रात (سقراط) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो हज्रत ईसा से पाँच सौ साल पहले था।

सख़त (سخط) अ पु –क्रोध, रोप, गुस्सा, दे 'सुख्त', वह भी शुद्ध है।

सख़ा (سخا) अ स्त्री.–दानशीलता, वदान्यता, सखावत।

सख़ाफ़त (سخافت) अ स्त्री –तुच्छता, अधमता, कमीनगी, निर्वुद्धिता, वेअक़्ली; हलकापन, ओछापन।

सख़ी (سخی) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दाता, फैयाज़, दानशील, दानी।

सख़ीन (ثخین) अ. वि –गाढा, गफ़, दृढ, मज्वूत, पुष्ट; कठोर, सख़्त।

सख़ीफ़ (سخیف) अ वि –हलका, सवुक, झिझरा वुना हुआ कपडा; तग जर्फ, छिछोरा, लघुचेता, अनुदार।

सख़ुन (سخن) फा पु –दे 'सुख़न', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू मे अधिक व्यवहृत 'सुख़न' ही है।

सख़्त (سخت) फा वि –कठोर, कड़ा; अत्यधिक, वहुत जियाद; तीव्र, प्रचड, तेज, दु शील, वेमुरव्वत, निर्दय, वेरहम, दुष्कर, मुश्किल, कठिन; वहुत वडा।

सख़्तकमान (سخت کمان) फा वि –योद्धा, पहलवान, तीरदाज, धनुर्धर; शक्तिशाली, शहज़ोर।

सख़्तकोश (سخت کوش) फा. वि –वहुत अधिक पराक्रमी।

सख़्तगीर (سخت گیر) फा वि –भूल-चूक पर कडा पकडनेवाला, रिआयत न करनेवाला, पूरी सजा देने वाला।

सख़्तगीरी (سخت گیری) फा स्त्री –गलती या भूल या अपराध पर रिआयत न करनेवाला।

सख़्तचावीदः (سخت چاویدہ) फा वि –'तुच्छ, अधम, पामर, नीच, पोच।

सख़्तजाँ (سخت جاں) फा वि –जिसके प्राण कठिनता से निकले, निर्लज्जता का जीवन व्यतीत करनेवाला, वहुत वड़ा पराक्रमी, सख़्त मेहनती।

सख़्तजानी (سخت جانی) फा स्त्री –निर्लज्जता का जीवन, कठोर पराक्रम।

सख़्तज़ेह (سخت زہ) फा वि –दे 'सख़्तकमान'।

सख़्तदिल (سخت دل) फा वि.–निर्दय, जिसके हृदय मे दयाभाव न हो, सगदिल।

सख़्तदिली (سخت دلی) फा. स्त्री –निर्दयता, वेरहमी।

सख़्तवाज़ू (سخت بازو) फा. वि –वहुत मशक़्क़त करनेवाला, वहुपराक्रम, अति परिश्रमी।

सख़्तमीर (سخت میر) फा. वि.–मुश्किल से मरने वाला, जिसके प्राण कठिनता से निकले।

सख़्तसा (سخت سا) फा पु –पहलवानो का घिस्सा।

सख़्तिए याम (سختی ایام) फा अ स्त्री –दिनो का कष्ट, भाग्य की निष्ठुरता, गर्दिश।

सख़्तिए नज़अ (سختی نزع) फा अ स्त्री –यम-यातना, चद्रा, मरते समय का कष्ट।

सख़्ती (سختی) फा स्त्री –कठोरता, कटापन, दु शीलता, वेहयाई, कठिनता, मुश्किल, निर्दयता, वेरहमी, तीव्रता, तेजी, शिद्दत।

सख़्तीकश (سختی کش) फा वि –मुसीवते झेलनेवाला, विपत्तियो मे जीवन व्यतीत करनेवाला।

सग (سگ) फा पु –कुक्कुर, श्वान, शुनि, शुनक, कुत्ता, कूकुर।

सगखस्लत (سگ‌خصلت) फा अ वि–कुत्ते-जैसा स्वभाव रखनेवाला श्वानप्रकृति।

सगगजीद (سگ‌گزیده) फा वि–जिसे कुत्ते ने काटा हो।

सगगजीदगी (سگ‌گزیدگی) फा स्त्री–कुत्ते का काटना।

सगजाँ (سگ‌جان) फा वि–लालची, लोभी निर्दय बेरहम।

सगजानी (سگ‌جانی) फा स्त्री–लोभ लालच निर्दयता बेरहमी।

सगबान (سگ‌بان) फा वि–कुत्ते पालनेवाला कुत्तों की सेवा करनेवाला नौकर।

सगबानी (سگ‌بانی) फा स्त्री–कुत्ते पालना, कुत्तों का नौकर श्वानसेवक।

सगसार (سگ‌سار) फा वि–कुत्ते जैसा अपवित्र और निकृष्ट व्यक्ति।

सग़ीर (صغیره) अ वि–छोटी कम उम्र की (पु) छोटा पाप लघु पातक।

सग़ीर (صغیر) अ वि–छोटा लघु दे 'बहुलेसग़ीर'।

सग़ीरसिन (صغیرسن) अ वि–छोटी आयुवाला, अल्प वयस्क बयावाल।

सग़ीरसिनी (صغیرسنی) अ स्त्री–छोटी उम्र बाल्यावस्था अल्प वय।

सग़ीरो कबीर (صغیرو کبیر) अ पु–छोटा और बड़ा छोटे-बड़े सब आदमी सब लोग अवाम।

सगे ख़ामोशगीर (سگ خاموش‌گیر) फा पु–वह कुत्ता जो बिना भूँके और गुर्राये काट ले।

सगे ताज़ी (سگ تازی) फा अ पु–शिकारी कुत्ता जो अरबी नस्ल से हो।

सगे दीवान (سگ دیوانه) फा पु–पागल कुत्ता बावला कुत्ता।

सगे दुबाल गीर (سگ دنباله‌گیر) फा पु–पीछे से पाँव पकड़नेवाला कुत्ता भूँककर पीछे दौड़नेवाला कुत्ता।

सगे बाज़ारी (سگ بازاری) फा पु–गलियों में मारा फिरनेवाला कुत्ता।

सजा' (سجع) अ पु–प्रास अनुप्रास अत्यानुप्रास तुक तुकांत किसी इबारत के दो वाक्यों के अंतिम शब्दों का एक जैसा होना। इसके तीन प्रकार हैं—अगर उनका वज़न बराबर है और सानुप्रास है तो वह सजा मुतवाज़ी होगा जैसे–गुल और मुल या बहार और मज़ार अगर वह सानुप्रास है मगर वज़न बराबर नहीं है तो मुतरफ़ होगा जैसे माल और मनाल या बार और बहार अगर वज़न में बराबर है मगर सानुप्रास नहीं है तो वह सजा मुतवाज़िन होगा जैसे—हाल और बात, या नज़र और सबक कोई वाक्य या पद इस तरह कहना कि उसमें किसी का नाम बड़ी सुंदरता के साथ आ जाय।

सज़ा (سزا) फा स्त्री–बुरे काम का राज्य की ओर से दंड प्रत्यपकार बुराई का बदला तावान अर्थदंड योग्य पात्र, लाइक।

सज़ाए आ'माल (سزاے اعمال) फा अ स्त्री–कर्मों का दंड कर्मफल।

सज़ाए क़त्ल (سزاے قتل) फा अ स्त्री–प्राणदंड मृत्युदंड फाँसी की सज़ा।

सज़ाए क़ैद (سزاے قید) फा अ स्त्री–कारावास का दंड जेल की सज़ा।

सज़ाए ताज़ियान (سزاے تازیانه) फा स्त्री–कोड़े मारने का दंड।

सज़ाए महज़ (سزاے محض) फा अ स्त्री–सादी क़ैद, जिसमें मेहनत न करनी पड़े।

सज़ाए मौत (سزاے موت) फा अ स्त्री–प्राणदंड फाँसी।

सज़ाए संगी (سزاے سنگین) फा स्त्री–दे सज़ाए सख़्त।

सज़ाए सख़्त (سزاے سخت) फा स्त्री–वह कारावास जिसमें कड़ी मेहनत ली जाय।

सज़ाए सादा (سزاے ساده) फा स्त्री–दे सज़ाए महज़।

सजा'गो (سجع‌گو) अ फा वि–जो सजा' कहता हो जो सजा' कहकर उसमें नाम आदि निकालता हो।

सजाया (سجایا) अ पु–सजीय का बहु स्वभाव आदतें प्रकृतियाँ।

सज़ायाफ़्त (سزایافته) फा वि–जिसने पहले किसी अपराध में सज़ा पायी हो प्राप्तदंड।

सज़ायाफ़्तगी (سزایافتگی) फा स्त्री–सज़ा पाये हुए होना।

सज़ायाब (سزایاب) फा वि–जिसे सज़ा हो गयी हो दंडित।

सज़ायाबी (سزایابی) फा स्त्री–सज़ा होना सज़ा पाना।

सज़ावार (سزاوار) फा वि–योग्य पात्र लाइक।

सज़ावुल (سزاول) तु वि–उगाहनेवाला वुसूल करनेवाला।

सज़ीद (سزید) फा वि–योग्य पात्र लाइक़ मुस्तहक़।

सजीय (سجیه) अ पु–स्वभाव प्रकृति आदत।

सजीयात (سجیات) अ पु–सजीय का बहु, आदतें, स्वभाव।

सजअ (سجع) अ पु–दे सजा शुद्ध उच्चारण यही है परंतु सजा ही बोलते हैं।

सजअगो (سجع‌گو) अ फा वि–दे सजा'गो।

सज्जादः (سجادہ) अ पु –किसी वडे फकीर की गद्दी; जानमाज, मुसल्ला।

सज्जादःनशीं (سجادہنشین) अ. वि –गद्दी नशीन, जो किसी वडे फकीर या महात्मा के वाद उसकी गद्दी ग्रहण करे।

सज्जादःनशीनी (سجادہنشینی) अ फा स्त्री –किसी वडे फ़क़ीर या महात्मा के निधन पर उसकी गद्दी पर वैठने का कर्म।

सज्जाद (سجاد) अ वि –वहुत अधिक सज्दे करनेवाला, वहुत वडा आराधक।

सज्जादगी (سجادگی) अ फा स्त्री –गद्दीनशीनी, सज्जाद-नशीनी।

सज्दः (سجدہ) फा पु –माथा टेकना, सर झुकाना; जमीन पर सर रखकर ईश्वर को प्रणाम करना, नमाज पढते हुए सज्दे मे जाना, दे 'सिज्द', वह भी शुद्ध है, परन्तु अधिक शुद्ध 'सज्द' है।

सज्दःगाह (سجدہگاہ) अ फा स्त्री –सज्द करने का स्थान, शीओ के सज्द करने की टिकिया।

सज्दःगुज़ार (سجدہگزار) अ वि –सज्द करनेवाला, नमाज पढनेवाला।

सज्दःगुजारी (سجدہگزاری) अ. फा स्त्री –सज्द करना, नमाज़ पढना।

सज्दःरेज (سجدہریز) फा वि –दे 'सज्द गुजार'।

सज्दःरेजी (سجدہریزی) अ फा स्त्री –दे 'सज्द गुजारी'।

सज्दए रियायी (سجدۂ ریائی) अ फा पु –झूठा सज्द, दिखावे की नमाज।

सज्दए शुक्र (سجدۂ شکر) अ पु –कृतज्ञता का सज्द, कोई काम सम्पन्न होने पर ईश्वर को धन्यवाद का सज्द।

सतर (ستر) फा पु –'अस्तर' का लघु, खच्चर, अश्वतर।

सतरवन (سترون) फा स्त्री –वाँझ स्त्री, निष्फला, वन्ध्या।

सत्तार (ستار) अ वि –पर्दे से ढाँकनेवाला; दोष छिपानेवाला, ईश्वर का एक नाम।

सत्र (سطر) अ स्त्री –कापी या किताव की लकीर, रेखा, पंक्ति, लकीर।

सत्र (ستر) अ पु –छिपा, छिपाव।

सत्रवंदी (سطربندی) अ फा स्त्री –लकीरे करना।

सत्रे औरत (ستر عورت) अ पु –शरीर के वह भाग जिनका छिपाना आवश्यक है।

सत्वत (سطوت) अ स्त्री –धाक, आतंक, दवदवा, प्रताप, तेज, जलाल।

सतहः (سطحہ) अ पु –हर चीज़ का ऊपरी भाग, तल, सतह।

सतह (سطح) अ पु –हर चीज का ऊपरी भाग, तल, जैसे—सतहे आव, जलतल।

सतही (سطحی) अ वि –ऊपरी, जिस पर गौर न हुआ हो, जो ऊपरी मन से हो, जो निश्चयपूर्वक न हो।

सतहे आव (سطح آب) अ फा. स्त्री –पानी की सतह, जलतल, समुद्रतल।

सतहे जमी (سطح زمین) अ फा स्त्री –जमीन की सतह, धरातल।

सतहे माइल (سطح مائل) अ स्त्री –झुकी हुई सतह, असमतल, सतहे नाहमवार, वक्रतल।

सतहे मुतवाजिन (سطح متوازن) अ स्त्री –समानान्तर सतह या तल, सर्फेस।

सतहे मुस्तवी (سطح مستوی) अ स्त्री –सतहे हमवार, सतहे वरावर, समतल।

सद (صد) फा वि –एक सौ, शत।

सद [द्द] (سد) अ.–रोक, आड, रुकावट, वाधा।

सदआफ़ी (صدآفریں) फा वि –सौ-सौ धन्यवाद, वहुत वहुत सराहना।

सदकः (صدقہ) अ पु –दान, खैरात; सर से कोई चीज खैरात करने के लिए उतारना।

सदकात (صدقات) अ पु –'सदक' का वहु, सदके की चीजे।

सदचाक (صد چاک) फा वि –जो वहुत जगह से फटा हो, जो टुकडे-टुकडे हो।

सदपारः (صد پارہ) फा वि –दे 'सदचाक'।

सदफ (صدف) अ स्त्री –सीपी, शुक्ति, सीप—"चश्मे तर अश्क से दामन मेरा भर देती है, कैसे-कैसे यह सदफ मुझको गुहर देती है।"

सदफे पेचाक (صدف پیچاک) अ फा पु.–घोंघा।

सदफे मर्वारीद (صدف مروارید) अ फा. स्त्री –दे 'सदफे सादिक', मुक्ता-शुक्ति, जिस सीपी मे मोती निकलता है।

सदफे सादिक (صدف صادق) अ स्त्री –सच्ची सीपी, वह सीपी जिसमे मोती होता है।

सदवर्ग (صدبرگ) फा पु –सौ पत्तियोवाला, शतदल, शतपत्र, गेदे का फूल, गोदा।

सदवार (صدبار) फा स्त्री –शतधा, सौ दफा, सौ वार।

सदमहंवा (صدمرحبا) फा अ. स्त्री –दे 'सदआफ़ी'।

सदयक (صد یک) फा वि –एक प्रतिशत, एक फी सैकडा।

सदर (سدر) अ पु –आखो का धुन्ध।

सदरहमत (صدرحمت) फा. अ वि –ईश्वर की वहुत-वहुत कृपाएँ, शावाश [illegible]।

सदशुक्र (صد شکر) फा अ वि—बहुत-बहुत शुक्रिया ईश्वर को बहुत-बहुत धन्यवाद यह प्राय ईश्वर के लिए आता है।

सदशुक्रिय (صد شکریہ) फा अ वि—बहुत-बहुत धन्यवाद यह प्राय मनुष्यों के लिए आता है।

सदसाला (صدسالہ) फा वि—सौ बरस का शतवर्षीय सौ बरसवाला।

सदा (صدا) अ स्त्री—आवाज ध्वनि नाद फ़क़ीर की आवाज।

सदाए अर्श (صدائے عرش) अ स्त्री—अर्श की आवाज ईश्वर की आवाज, आकाशवाणी।

सदाए गुंबद (صدائے گنبد) अ फा स्त्री—दे सदाए बाज गश्त, प्रतिध्वनि।

सदाए ग़ैब (صدائے غیب) अ स्त्री—आकाशवाणी, ग़ैबी आवाज।

सदाए बर नख़ास्त (صدائے بر نخاست) फा वा—कोई आवाज नहीं उठी (शब्दार्थ) मौन, खामोशी सन्नाटा।

सदाए बाज गश्त (صدائے بازگشت) अ फा स्त्री—प्रतिध्वनि प्रतिनाद प्रतिवाद, अनुस्वन अनुनाद प्रतिश्रुति।

सदाए बेहंगाम (صدائے بےہنگام) अ फा स्त्री—बेवक्त की आवाज जो अच्छी न लगे कुसमय की बात जो भाये नहीं।

सदाए हक़ (صدائے حق) अ स्त्री—सच्ची बात इंसाफ़ की बात ऊँची-सुली बात।

सदाक़त (صداقت) अ स्त्री—सच्चाई सत्यता यथार्थता वास्तविकता।

सदाक़तकेश (صداقت کیش) अ फा वि—सत्यनिष्ठ सत्यपाल सच्चाई को हाथ से न जाने देनेवाला।

सदाक़तपरस्त (صداقت پرست) अ फा वि—सत्यता पर दृढ़ सच्चाई का भक्त।

सदाक़तपरस्ती (صداقت پرستی) अ फा स्त्री—सच्चाई का पालन सच्चाई पर दृढ़ता।

सदाक़तपज़ोह (صداقت پژوہ) अ फा वि—दे सदाक़तकेश।

सदाक़तपसंद (صداقت پسند) अ फा वि—सच्चाई को पसंद करनेवाला।

सदाक़तपसंदी (صداقت پسندی) अ फा स्त्री—सच्चाई को पसंद करना।

सदाक़तमआब (صداقت مآب) अ वि—बहुत ही सच्चा और धर्मनिष्ठ व्यक्ति।

सदाक़तमदार (صداقت مدار) अ फा वि—दे सदाक़त पसंद।

सदाक़तशिआर (صداقت شعار) अ वि—दे सदाक़त पसंद।

सदारत (صدارت) अ स्त्री—सभापतित्व अध्यक्षता।

सदारती (صدارتی) अ वि—सभापति से सम्बन्धित, सभापति का, सदारत का।

सदारते अंजुमन (صدارت انجمن) अ फा स्त्री—किसी समिति या संस्था आदि का सभापतित्व।

सदारते जल्सः (صدارت جلسہ) अ स्त्री—किसी सभा की अध्यक्षता।

सदारस (صدارس) अ फा वि—वह स्थान जहाँ तक आवाज पहुँचे।

सदिर (صدر) अ वि—जिसकी आँखें अचंभे से खुली की खुली रह गयी हों चकित विस्मित।

सदी (صدی) फा वि—सौ वर्ष का समय शताब्दी शती।

सदी (ثدی) अ स्त्री—स्तन पयोधर छाती चूचा, शुद्ध उच्चारण सद्‌य है परन्तु सदी बोलते हैं।

सदीक़ (صدیق) अ वि—दोस्त मित्र सुहृद, सखा।

सदीद (سدید) अ वि—सरल सीधा यथार्थ, ठीक, दृढ़ मज़बूत स्थायी पायदार।

सदीद (صدید) अ पु—घाव से निकलनेवाला मवाद, पीप जर्दाब।

सद्‌य (ثدی) अ स्त्री—स्तन छाती, मनुष्य का हो या स्त्री का शुद्ध उच्चारण यही है दे सिद्‌य।

सद्‌ (سدہ) अ पु—ईरानियों का एक महोत्सव जो बहमन मास की दसमी को होता है।

सद्दे बाब (سد باب) अ पु—रोक निषेध, निवारण।

सद्दे रमक़ (سد رمق) अ वि—किंचिन्मात्र बहुत तनिक, बिल्कुल ज़रा-सा।

सद्दे राह (سد راہ) अ फा स्त्री—रास्ते की रोक गली या रास्ते के बीच का पत्थर जो रास्ता रोक देता है काम में रुकावट डालनेवाला, बाधक।

सद्दे सिकंदर (سد سکندر) अ स्त्री—कहते हैं कि सिकंदर ने एक बहुत बड़ी और मज़बूत दीवार बनवायी थी परन्तु अब यह बात असत्य सिद्ध हो गयी है। कुछ लोग उस बहुत बड़ी पत्थर की मूर्ति को बताते हैं जो जिब्राल्टर की दो पहाड़ियों के बीच समुद्र में खड़ी है और इतने बड़े आकार की है कि उसके बीच से जहाज निकल जाते हैं। कुछ लोग दीवारे चीन को बताते हैं परन्तु वह अन्य पहले की सिद्ध हो चुकी है। कुछ लोग यूराल पहाड़ और अल्ताई पहाड़ के बीच में कहते हैं जो उसने तातारी और मंगोलियन क़ौमों से

ख्वारिज्मवालो को बचाने के लिए बनवायी थी, परंतु उसका कोई चिह्न नही है। कुछ हो, फारसी और उर्दू साहित्य मे तो अब भी यह एक अजेय और अटूट दीवार है और रहेगी।

सद्मः (صدمہ) अ. पु.—आघात, चोट; दुःख, तकलीफ; शोक, अफसोस; पश्चात्ताप, पछतावा, मृतशोक, मरनेवाले का रंज, पीड़ा, दर्द; यातना, अजाब।

सद्मए जाँकाह (صدمۂ جانکاہ) अ. फा. पु.—जानलेवा दुःख या शोक, प्राणो को घुला देनेवाली पीडा या दुःख।

सद्मए फ़िराक़ (صدمۂ فراق) अ. पु.—विरह-क्लेश, वियोग संताप, नायिका से बिछुडने का शोक।

सद्मए मौत (صدمۂ موت) अ. पु.—किसी के निधन का शोक।

सद्मए हिज्र (صدمۂ ہجر) अ. पु.—दे. 'सद्मए फिराक'।

सद्मात (صدمات) अ. पु.—'सद्म' का बहु., सद्मे।

सद्र (صدر) अ. पु.—सभापति, अध्यक्ष, मीरे मज्लिस; केन्द्रीय स्थान, सद्र मुकाम, मुख्य, खास; वक्ष स्थल, छाती, सीना, महा, बड़ा, जैसे—सद्र अस्पताल, सद्र डाकखाना।

सद्रदफ़्तर (صدردفتر) अ. पु.—वह बड़ा दफ़्तर जिसके अधीन कई और दफ़्तर हो।

सद्रनशीं (صدرنشیں) अ. वि.—सभापति, मीरे मज्लिस, प्रतिष्ठित, अग्रगण्य, सरामद।

सद्रबाज़ार (صدربازار) अ. फा. पु.—छावनी का बाजार, उर्दू बाजार, बड़ा बाजार, खास बाज़ार।

सद्रमक़ाम (صدرمقام) अ. पु.—किसी उच्च पदाधिकारी का हेड क्वार्टर, मुख्यालय, शासन-केन्द्र, राजधानी।

सद्रमुदर्रिस (صدرمدرس) अ. पु.—सब अध्यापको का नायक, मुख्याध्यापक, हेड मास्टर।

सद्रमुहासिब (صدرمحاسب) अ. पु.—सबसे बडा एकाउंटेंट, महालेखापाल, गणनाध्यक्ष।

सद्री (صدری) अ. वि.—सीने का, छाती का, सीने मे छिपा हुआ, (स्त्री) सीने पर पहनने की बडी, निचोलक।

सद्रुस्सुदूर (صدرالصدور) अ. पु.—चीफ जस्टिस, सबसे बड़ा जज, शाही हरमसरा का सरक्षक, अंतःपुरिक।

सद्रे अमीन (صدر امین) अ. पु.—दूसरे दरजे का जज, सबार्डिनेट जज।

सद्रे आ'ज़म (صدر اعظم) अ. पु.—महामंत्री, वज़ीरे आ'जम, प्रधान मंत्री।

सद्रे आ'ला (صدر اعلی) अ. पु.—अव्वल दरजे का जज, सेशन जज, दौरा जज, सत्र-न्यायाधीश।

सद्रे जामिअः (صدر جامعہ) अ. पु.—यूनिवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चांसलर, कुलपति।

सद्रे दीवान (صدر دیوان) अ. फा. पु.—मुख्य मंत्री, प्रधान मंत्री, वज़ीरे खास, वजीरे आजम; शाही खज़ाने का बडा अफसर, महाकोषाध्यक्ष।

सद्रे बज़्म (صدر بزم) अ. फा. पु.—दे. 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मज्लिस (صدر مجلس) अ. पु.—सभापति, सभाध्यक्ष, मीरे महफिल।

सद्रे महफ़िल (صدر محفل) अ. पुं.—दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मुशाअरः (صدر مشاعرہ) अ. पु.—कवि-सम्मेलन का सभापति, मीरे मुशाअर।

सनः (سنہ) अ. पु.—वत्सर, संवत्, साल, सन।

सन (سن) अ. पु.—वत्सर, साल, बरस, वर्ष।

सनद (سند) अ. स्त्री.—प्रमाण, सुबूत; प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट, आश्रय, सहारा, विश्वास, एतिबार नमूना, मिसाल, निदर्शन, आदर्श, उदाहरण, मिसाल, उपाधि, डिग्री।

सनदन (سنداً) अ. वि.—उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर, प्रमाणार्थ, सुबूत के रूप मे।

सनदयाफ़्तः (سندیافتہ) अ. फा. वि.—उपाधिप्राप्त, जिसने डिग्री पा ली हो।

सनदात (سندات) अ. स्त्री.—'सनद' का बहु., सनदे।

सनदी (سندی) अ. वि.—प्रमाणित, मुसल्लम।

सनदे फ़ज़ीलत (سند فضیلت) अ. स्त्री.—किसी विषय मे पारंगत होने की उपाधि।

सनदे फ़राग़त (سند فراغت) अ. स्त्री.—दे. 'सनदे फजीलत'।

सनदे मुआफ़ी (سند معافی) अ. स्त्री.—किसी को मुआफी जमीन दिये जाने का प्रमाणपत्र।

सनदे विरासत (سند وراثت) अ. स्त्री.—किसी के स्थान पर उपस्थित होने या उत्तराधिकारी होने का प्रमाणपत्र।

सनदे हिक्मत (سند حکمت) अ. स्त्री.—(तबाबत में) स्नात होने की उपाधि।

सनम (صنم) अ. पु.—मूर्ति, प्रतिमा, बुत, प्रिया, प्रेमिका, प्रेयसी, माशूक़।

सनमकदः (صنمکدہ) अ. फा. पु.—मूर्तिगृह, मंदिर, बुतखाना।

सनमख़ानः (صنمخانہ) अ. फा. पुं.—बुतखाना, मंदिर, मूर्तिगृह।

सनमपरस्त (صنمپرست) अ. फा. वि.—मूर्तिपूजक, बुतो को पूजनेवाला, साकारोपासक।

सनमपरस्ती (صنمپرستی) अ. फा. स्त्री.—मूर्तिपूजा, बुतपरस्ती।

सनवात (سنوات) अ. पुं.—'सन' का बहु., बरसें, सालें।

सफआरा (صف آرا) अ फा. वि —युद्ध में सम्मुख आया हुआ दल।

सफआराई (صف آرائی) अ. फा. स्त्री.—युद्ध के लिए दो दलों का आमने-सामने होना।

सफकशी (صف کشی) अ फा स्त्री —फौजकशी, सैन्य-यात्रा, चढ़ाई।

सफदर (صفدر) अ फा. वि —युद्ध में बँधी पंक्तियों को तोड़ देनेवाला, महारथी, रणशूर, हज़्रत अली की उपाधि।

सफन (سفن) अ पु.—मछली या मगर का खुरदरा चमड़ा जो तलवार की मूठ पर लगाते हैं ताकि पकड़ मजबूत रहे, बसूला।

सफबंदी (صف بندی) अ फा स्त्री —पंक्तिवद्ध होना, कतारें बाँधना, लाइन लगाना।

सफ़ ब सफ़ (صف بصف) अ फा. वि.—पंक्तिवद्ध, कतारें बाँधे हुए, कई पंक्तियों में बँटकर खड़े हुए।

सफबस्तः (صف بستہ) अ. फा. वि.—पंक्तिवद्ध, कतार बाँधे हुए।

सफर (سفر) अ पु —यात्रा, मुसाफरत, प्रस्थान, कूच, पर्यटन, सियाहत, गमन, जाना।

सफर (صفر) अ पु —इस्लामी दूसरा महीना।

सफरखर्च (سفرخرچ) अ फा. पु —मार्ग-व्यय, आने-जाने का सर्फ।

सफरजल (سفرجل) अ. पु —बिही, एक प्रसिद्ध मेवा।

सफरनामः (سفرنامہ) अ फा पुं —वह पुस्तक जिसमें कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश पर्यटन करने का विस्तारपूर्वक वृत्तान्त लिखे, भ्रमण-कथा।

सफरी (سفری) अ वि.—सफर का, सफर से सम्बन्धित।

सफरे आखिरत (سفر آخرت) अ पु —अंतिम यात्रा, महाप्रस्थान, परलोक-यात्रा, मरना, मरण।

सफरे बह्री (سفر بحری) अ. पु —समुद्र के रास्ते पर्यटन, जहाज का सफर।

सफरे हवाई (سفر ہوائی) अ पु —वायुयान द्वारा सफर।

सफवी (صفوی) अ. वि —शाह 'सफी' से सम्बन्धित, जो बड़े महात्मा थे और जिनकी संतान ईरान की शासक हुई।

सफवीयः (صفویہ) अ वि —शाह सफी की संतानवाले।

सफशिकन (صف شکن) अ फा. वि —युद्ध में पंक्तिवद्ध सेना को चीर डालनेवाला, महारथी।

सफशिकनी (صف شکنی) अ फा स्त्री —सेना की पंक्तियों में दरार डाल देना।

सफह (سفہ) अ स्त्री —मूर्खता, निर्बुद्धित्व, वेअक्ली।

सफ़ा (صفا) अ स्त्री —स्वच्छता, विशुद्धता, सफाई, चमक-दमक, आबोताब; मक्के की एक पहाडी, (वि) साफतौर से, स्पष्ट रूप से।

सफ़ाइन (سفائن) अ. पु.—'सफीनः' का बहु, नौकाएँ, नावें, कश्तियाँ।

सफाई (صفائی) अ. स्त्री.—स्वच्छता, शुभ्रता, उजलापन, विशुद्धता, निर्मलता, खालिसपन, पवित्रता, पाकीजगी, निर्दोषता, बेऐबी, मुकदमे में दोष के सुबूत के बाद निर्दोष का सुबूत (फौजदारी में)।

सफ़ाए क़ल्ब (صفاے قلب) अ. स्त्री —हृदय की शुद्धि, चित्त की पवित्रता, अंत.शुद्धि, मन संस्कार।

सफाए बातिन (صفاے باطن) अ. स्त्री —दे 'स. कल्ब'।

सफाकेश (صفاکیش) अ फा. वि —शुद्धात्मा, पाकबातिन, सदाचारी, नेकअत्वार।

सफामश्रब (صفامشرب) अ वि —दे. 'सफाकेश'।

सफारा (صف آرا) अ. फा वि —दे. 'सफआरा'।

सफाराई (صف آرائی) अ फा स्त्री.—दे 'सफआराई'।

सफाहत (سفاہت) अ. स्त्री —कमीनापन, अधमता, नीचता, पामरता।

सफ़िलः (سفلہ) अ पु —'सिफल.' का बहु, सिफले, नीच लोग, कमीने।

सफ़ी (صفی) अ वि —स्वच्छ, धवल, साफ, स्वच्छात्मा, पाकीज मिजाज, मित्र, सखा, दोस्त, हज़्रत आदम का लकब।

सफीउल्लाह (صفی اللہ) अ. पु —ईश्वर का मित्र, हज़्रत आदम।

सफीनः (سفینہ) अ पु —नौका, नाव, कश्ती, परवाना, आदेशपत्र, कविता की किताब।

सफीयः (صفیہ) अ स्त्री.—शुद्ध अंत करणवाली; हज़्रत मुहम्मद साहिब की एक सुपत्नी का शुभ नाम।

सफीर (صفیر) अ स्त्री —सीटी जो मुँह की आवाज से बजायी जाय, पक्षियों की बोली।

सफीर (سفیر) अ पु —पत्रवाहक, चिट्ठी ले जानेवाला; संदेशवाहक, पैगाम पहुँचानेवाला, दूत, राजदूत।

सफीह (سفیہ) अ. वि —अधम, नीच, कमीना, निर्बुद्धि, मूर्ख, नादान।

सफूफ (سفوف) अ पु.—पिसी हुई चीज, चूर्ण।

सफे जंग (صف جنگ) अ फा स्त्री —फौज की कतार, सेना-पंक्ति।

सफेदः (سفیدہ) फा पु —फूँका हुआ जस्त, जिन्क आक्साइड; सफेदी, श्वेतता।

सफेद (سفید) फा वि —शुभ्र, उजला, श्वेत, सपेद।

सफेदए सहर (سفیدۂ سحر) फा अ पु –प्रातःकाल का हल्का प्रकाश।

सफेदचश्म (سفید چشم) फा वि –निर्लज्ज बेहया।

सफेदपोश (سفیدپوش) फा वि –सफेद कपड़े पहननेवाला, श्वेतांबर भलामानस, सज्जन वह व्यक्ति जो कम आमदनी पर भी शिष्टता से जीवन निर्वाह करे।

सफेदबख्त (سفیدبخت) फा वि –भाग्यवान, खुशनसीब।

सफेदी (سفیدی) फा वि –श्वेतता, सपेदी, शुभ्रता, उज्ज्वलता।

सफेदोसियाह (سفید و سیاہ) फा पु –काला और सफेद श्वेत-कृष्ण सितासित।

सफे निआल (صف نعال) अ स्त्री –सभा में वह स्थान जहा जूते रखे जाते है, जूते रखने का स्थान, सबसे नीचा स्थान।

सफे मातम (صف ماتم) अ फा स्त्री –वह फर्श जिस पर मत्युशोक प्रकट करने के लिए लोग एकत्र हो।

सफे लश्कर (صف لشکر) अ फा स्त्री –दे 'सफे जग'।

सफ्क (سفک) अ पु –रक्तपात हिंसा, खूरेज़ी।

सफ्के दिमा (سفک دما) अ पु –खून बहाना, हिंसा करना, रक्तपात।

सफ्फाक (سفاک) अ वि –रक्तपाती खून बहानेवाला, निष्ठुर बेरहम, अत्याचारी जालिम।

सफ्फाकी (سفاکی) अ स्त्री –रक्तपात, खूरेज़ी निष्ठुरता, सगदिली अत्याचार जुल्म।

सफ़्र (سفرہ) अ पु –दस्तरख्वान वह चीज जिस पर खाना रखकर खाते है इसका मूल उच्चारण 'सुफ्र' है, दे 'सुफ्र'।

सफ़्रःचीं (سفرہ چیں) अ फा वि –दस्तरख्वान का बचा हुआ खानेवाला।

सफ़्रःची (سفرہ چی) अ फा पु –खानसामा खाना खिलाने वाला बैरा।

सफ़्रा (صفرا) अ पु –एक धातु पित्त कड़ुवा कड़वाहट, पीले रंग की चीज धतूरा।

सफ़्रावी (صفراوی) अ वि –सफ्रा का पित्त का पित्त से सम्बन्धित पित्त के दोष से उत्पन्न।

सफ़्राशिकन (صفراشکن) अ फा वि –पित्तनाशक, पित्त को खत्म करनेवाली दवा।

सफ्ला (سفلی) अ वि –निम्नतम बहुत नीचा बहुत अधम लोफर।

सफ्वत (صفوت) अ स्त्री –श्रेष्ठता बुजुर्गी निर्मलता सफाई स्वच्छता खुलासा निर्मल, साफ यह शब्द सिफ्वत और सुफ्वत भी है।

सफ़्ह (صفحہ) अ पु –पृष्ठ पन्ना पेज तल सतह।

सफ्हए आस्माँ (صفحۂ آسماں) अ फा पु –आकाश पटल, तख्ता रूपी आकाश।

सफ्हए काग़ज़ (صفحۂ کاغذ) अ पु –कागज का पन्ना, पत्र का एक ओर।

सफ्हए किर्तास (صفحۂ قرطاس) अ पु –दे सफ्हए काग़ज़।

सफ्हए ज़मीं (صفحۂ زمیں) अ फा पु –पृथ्वी का चौरस तल, धरातल।

सफ्हए हस्ती (صفحۂ ہستی) अ फा पु –पत्ररूपी संसार, पटलरूपी जीवन, जीवन-पटल।

सब [ब्ब] (صب) अ पु –पानी फलना, पानी बहना आशिक, आसक्त।

सब [ब्ब] (سب) अ स्त्री –गाली-गलौज अपवाद।

सबक (سبق) अ पु –पाठ जितना एक दिन में गुरु से पढा जाय शिक्षा, सीख, नसीहत, इबरत अनुभव तजिब।

सबकआमोज़ (سبق آموز) अ फा वि –सबक सिखाने वाला, पढानेवाला नसीहत करनेवाला, उपदेश देनेवाला।

सबकत (سبقت) अ स्त्री –आगे निकल जाना, बढ जाना अव्वल आना, सबसे अधिक नबर पाना।

सबद (سبد) फा स्त्री –टोकरी, डलिया।

सबदे गुल (سبد گل) फा स्त्री –फूलो की टोकरी माली की फूलो से भरी डलिया।

सबब (سبب) अ पु –कारण, हेतु वजह मूल कारण, वह दो अक्षरी शब्द जिसमे एक हल हो या दोनो अज।

सबब (صبب) अ पु –नीची भूमि निशेबी ज़मीन, आशिक होना।

सबल (سبل) अ पु –परवाल, वह बाल जो आँखो में पैदा हो जाते है और बहुत कष्ट देते है और जिनसे आँखें खराब हो जाती है।

सबलत (سبلت) अ स्त्री –मूँछ।

सबा (سبا) अ पु –यमन का एक शहर जो हज़रत सुलैमान को दहेज में मिला था अब्दुल्ला का बाप यह वही अब्दुल्ला है जो इन्ने सबा के नाम से प्रसिद्ध है और जिसने एक नया धर्म बनाकर लोगो को ठगा था।

सबा (صبا) अ स्त्री –पुर्वा हवा, ठडी मदुल और मधुर हवा समीर मद समीर।

सबाक़ (سباق) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण सिबाक़।

सबाखिराम (صبا خرام) अ फा वि –सबा की तरह इठलाकर धीरे धीरे चलनेवाला (वाली) मृदुगामिनी।

सबात (ثبات) अ पु –दृढ़ता स्थिरता, मजबूती चिर स्थायित्व पायदारी।

सबाते अक्ल (ثبات عقل) अ. पु.–बुद्धि की स्थिरता और पुख़्तगी, बुद्धि का दोष रहित होना।
सबाते राय (ثبات رائے) अ पु –राय और विचार की सुदृढ़ता, ख़याल की पुख़्तगी, राय का ठीक होना।
सबाते होशोहवास (ثبات ہوش و حواس) अ फा पु –होश और सज्ञा का ठीक होना, होश मे होना।
सबारफ़्तार (صبارفتار) अ फा वि.–दे. 'सबाख़िराम'।
सबाह (صباح) अ. स्त्री.–प्रात काल, प्रभात, तडका, गोरा, सुन्दर, रूपवान्।
सबाहत (صباحت) अ स्त्री.–गोरापन, रंग की सफेदी, सुन्दरता, रूप, हुस्न।
सबाहत (سباحت) अ. स्त्री.–पैराकी, पानी मे तैरना, दे. 'सिबाहत', दोनो शुद्ध है।
सबाहे ईद (صباح عید) अ स्त्री.–ईद के दिन का सवेरा; ख़ुशी और आनद का उदय।
सबिर (صبر) अ पु –एलुआ, इस अर्थ मे 'सब्र' और 'सिब्र' भी है।
सबी (صبی) अ. पु –दूध पीता वालक, शिशु, दुधमुँहा।
सबीयः (صبیہ) अ. स्त्री.–दूध पीती बच्ची।
सबील (سبیل) अ स्त्री –मार्ग, रास्ता, उपाय, यत्न, तदबीर, पद्धति, शैली, तर्ज; पानी पिलाने का स्थान, पियाऊ, मुहर्रम मे शर्वत पिलाने का स्थान।
सबीह (صبیح) अ वि –गोरा-चट्टा, जिसका रग ख़ूब साफ हो, गौरवर्ण, सुन्दर, हसीन।
सबुई (سبعی) अ वि –दे 'सबुईयत'।
सबुईयत (سبعیت) अ स्त्री –भेड़ियापन, दरिंदगी, निर्दयता, बेरहमी।
सबुक (سبک) फा वि –अगुरु, हलका, अधम, नीच, लोफर, चुस्त, फुर्तीला, शीघ्रता, जल्दी, 'सुबक' भी प्रचलित।
सबुकइनाँ (سبک عناں) फा वि –शीघ्रगति, शीघ्रगामी, तेज़रफ़्तार।
सबुकख़िराम (سبک خرام) फा वि –तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।
सबुकख़ेज़ (سبک خیز) फा वि –सवेरे बहुत तडके उठने-वाला।
सबुकगाम (سبک گام) फा वि –शीघ्रगति, तेज चलने-वाला; मृदुलगामी, हलकी चाल से चलनेवाला।
सबुकगामी (سبک گامی) फा स्त्री.–तेज चलना, हलकी चाल से चलना।
सबुकजौलाँ (سبک جولاں) फा. वि.–शीघ्रगामी, तेज़रौ।
सबुकतिगी (سبکتگین) तु.. पु –सुलतान महमूद के बाप का नाम, दे 'सुबुकतिगी', दोनो शुद्ध हैं।
सबुकदस्त (سبک دست) फा वि.–जिसका हाथ किसी काम पर सधा हो, जो तेजी से काम करे, चालाक।
सबुकदस्ती (سبک دستی) फा. स्त्री –किसी काम पर हाथ का सधा होना, तेज़ी से काम करना।
सबुकदोश (سبک دوش) फा वि –भारयुक्त, जिम्मेदारी से अलग, पिंशिनयाफ्त, अवकाशप्राप्त।
सबुकदोशी (سبک دوشی) फा स्त्री –जिम्मेदारी से अला-हिदगी, पिंशिन, निवृत्ति।
सबुकपरवाज़ (سبک پرواز) फा वि.–तेज उडनेवाला; ऊँचा उडनेवाला।
सबुकपरवाज़ी (سبک پروازی) फा स्त्री.–तेज उडना; ऊँचा उडना।
सबुकपा (سبک پا) फा वि –शीघ्रगति, तेजकदम।
सबुकपाई (سبک پائی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र-गमन, तेजकदमी।
सबुकबार (سبک بار) फा वि –जिसके सर से बोझ उतर गया हो, भारमुक्त, निवृत्त।
सबुकबाल (سبک بال) फा वि –तेज उडनेवाला।
सबुकमग़्ज़ (سبک مغز) फा वि –मदबुद्धि, अल्पबुद्धि, कमअक्ल, तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्जत।
सबुकमग़्ज़ी (سبک مغزی) फा स्त्री –बुद्धि की मदता, बेअक्ली; तिरस्कार, निंदा, बेइज्जती।
सबुकरफ़्तार (سبک رفتار) फा वि –शीघ्रगति, आशु-गामी, तजेरौ।
सबुकरफ़्तारी (سبک رفتاری) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गमन।
सबुकरवी (سبک روی) फा स्त्री –तेज रफ्तारी, तेज चलना।
सबुकरूह (سبک روح) फा अ वि –हँसमुख, ज़रीफ, निवृत्त, बेतअल्लुक, हर काम मे होशियार, जो किसी मे द्वेष, वैर आदि न रखे।
सबुकरूही (سبک روحی) फा अ. स्त्री –हँसमुख होना, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, फुरती, तेज़ी, किसी से कोई द्वेष आदि न रखना।
सबुकरौ (سبک رو) फा वि –दे 'सबुकरफ्तार'।
सबुकसंग (سبک سنگ) फा वि.–अधम, नीच, कमीना।
सबुकसर (سبک سر) फा वि –अधम, ओछा, लोफर, जो अपना धैर्य और गभीरता छोडकर अपनी जगह से नीचे उतर आये।

सबुक्सरी (سبکسری) फा स्त्री–ओछापन, अपनी मर्यादा का त्याग अपने दरजे से नीचे उतरना।
सबुक्सार (سبکسار) फा वि–जो सांसारिक बंधनों से निवृत्त हो, फ़ारिगुल बाल।
सबुक्सर (سبکسر) फा वि–दे 'सबुक्रफ्तार'।
सबुक्सरी (سبکسیری) फा अ स्त्री–दे 'सबुक्रफ्तारी'।
सबुकहिम्मत (سبک ہمت) फा अ वि–हतोत्साह मन्दोत्साह अल्पसाहस कमहौसला।
सबुकहिम्मती (سبک ہمتی) फा अ स्त्री–उत्साह और साहस की कमी कमहिम्मती।
सबुकी (سبکی) फा स्त्री–हल्कापन लज्जा, विपत्ति नीचता कमीनगी।
सबू (سبو) फा पु–घडा घट कुंभ शराब की मटकी, मद्यघट सुबू भी प्रचलित — किया है मस्त जिन्हें तेरी चश्मे मगूने वह किस लिये हवस सागरो सबू करते।
सबूए मै (سبوے مے) फा पु–शराब का घडा, मद्य घट।
सबूकश (سبوکش) फा वि–जो पूरा मटका शराब पी जाय पक्का शराबी।
सबूकशी (سبوکسی) फा स्त्री–शराबनोशी मद्यपान।
सबूचः (سبوچہ) फा पु–छोटा घडा मटकी।
सबूदान (سبودان) फा पु–घडा रखने की तिपाई आदि।
सबूर (صبور) अ वि–धैर्यवान धीरज धरनेवाला सब्र करनेवाला।
सबूरी (صبوری) अ स्त्री–धैर्य धीरज सब्र।
सबूस (سبوس) फा स्त्री–भूसी तुष।
सबूसाज़ (سبوساز) फा वि–कुंभकार कुम्हार।
सबूसे अस्पग़ोल (سبوس اسبغول) फा स्त्री–इसबगोल की भूसी।
सबूह (صبوح) अ वि–सवेरे तड़के पी जानेवाली शराब।
सबूही (صبوحی) अ स्त्री–दे 'सबूह'।
सबूहीकश (صبوحی کش) अ फा वि–सवेरे की शराब पीनेवाला।
सबअ (سبعہ) अ वि–सात सप्त एक संख्या।
सबअ (سبع) अ वि–सप्त सात की संख्या।
सबग़ (صبغ) अ पु–रंगना रंग करना रंजन।
सब्ज़ (سبزہ) फा पु–हरी घास हरियाली सब्ज़ रंग का घोडा।
सब्ज़आग़ाज़ (سبزآغاز) फा वि–जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल निकलने शुरू हो गये हों अंकुरितयौवन।
सब्ज़ख़त (سبزخط) फा वि–जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल नये-नये निकले हों।
सब्ज़खेज़ (سبزخیز) फा वि–हरा भरा हरियाली से परिपूर्ण।
सब्ज़ज़ार (سبزہ زار) फा पु–जहाँ हरियाली ही हरियाली हो, घास का मैदान।
सब्ज़रंग (سبزرنگ) फा वि–हरे रंग का मनोहर नमकीन साँवला सलोना।
सब्ज़रुख़ (سبزرخ) फा वि–दे 'सब्ज़ख़त'।
सब्ज़ः (سبزہ) फा वि–दे 'सब्ज़ख़त'।
सब्ज़रंग (سبزرنگ) फा वि–हरा हरा रंग हरे रंग से रँगा हुआ।
सब्ज़ए ख़ुदरो (سبزۂ خودرو) फा पु–अपने आप जमने वाली घास।
सब्ज़ए नौख़ेज़ (سبزۂ نوخیز) फा पु–नया उगी हुई घास नयी निकली हुई दाढ़ी दाढ़ी-मूँछ के नये बाल।
सब्ज़क (سبزک) फा पु–नीलकंठ चाप।
सब्ज़क़दम (سبزقدم) फा अ वि–जिसका आना अनिष्ट कर हो मनहूसक़दम अशुभचरण।
सब्ज़क़दमी (سبزقدمی) फा अ स्त्री–आना अशुभ होना।
सब्ज़कार (سبزکار) फा वि–जिसके हाथ से काम अच्छी तरह निकलें, जो हर काम सफलतापूर्वक करे।
सब्ज़पा (سبزپا) फा वि–दे 'सब्ज़क़दम'।
सब्ज़पाई (سبزپائی) फा स्त्री–दे 'सब्ज़क़दमी'।
सब्ज़पोश (سبزپوش) फा वि–हरे रंग के कपड़े पहनने वाला हरिताम्बर।
सब्ज़पोशी (سبزپوشی) फा स्त्री–हरे कपड़े पहनना।
सब्ज़फ़ाम (سبزفام) फा वि–हरे रंगवाला हरितांग।
सब्ज़फ़ामी (سبزفامی) फा स्त्री–हरा रंग होना शरीर का रंग हरा होना।
सब्ज़बख़्त (سبزبخت) फा वि–भाग्यवान खुशकिस्मत तेजस्वी प्रतापी इक़बालमंद।
सब्ज़बख़्ती (سبزبختی) फा स्त्री–भाग्यवानी प्रताप इक़बाल।
सब्ज़रंग (سبزرنگ) फा वि–हरे रंग का सलोना साँवला मलीह।
सब्ज़रंगी (سبزرنگی) फा स्त्री–हरा रंग होना सलोना पन साँवलापन।
सब्ज़ाने चमन (سبزان چمن) फा पु–बाग के पेड बाग के वृक्ष।
सब्ज़ी (سبزی) फा स्त्री–हरापन हरियालापन घास, सब्ज़ शाक भाजी तरकारी भंग भाँग।

सब्जीखोर (سبزی خور) फा. वि.—शाकाहारी, सागपात खानेवाला।

सब्जीनः (سبزینه) फा पु—साँवले रग का मा'शूक।

सब्जीफरोश (سبزی فروش) फा. वि—साग-तरकारी बेचनेवाला, कुंजडा।

सब्त (سبط) अ स्त्री—छुटे हुए वाल, खुले हुए वाल, वाल जिनका जूडा न वँधा हो।

सब्त (ثبت) अ वि—अकन, लिखना, अंकित, लिखित, लिखा हुआ।

सब्त (سبت) अ पु—शनिवार, शव, सनीचर।

सब्बाक (سباک) अ वि.—स्वर्णकार, सुनार।

सब्बाग (صباغ) अ वि—रँगनेवाला, रजक, रगरेज।

सब्बागी (صباغی) अ स्त्री—रँगने का काम।

सब्बागे ज़मीं (صباغ زمین) अ फा पु—रवि, सूरज, क्योंकि पृथ्वी के तमाम प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और धातुवर्ग को रग सूरज से ही मिलता है।

सब्बाव: (سبابه) अ स्त्री—तर्जनी, अँगूठे के पास की उँगली।

सब्बाह (سباح) अ वि—तैरनेवाला, नदी आदि का तैराक।

सब्बूह (سبوح) अ पु—स्तुति करनेवाला, प्रशसा करनेवाला।

सब्बो शत्म (سب و شتم) अ. पु—गाली-गलौज।

सब्र (صبر) अ पु—धैर्य, धीरज, सबूरी, एलुआ, इस अर्थ में 'सिब्र' और 'सबिर' भी है।

सब्रआज्मा (صبرآزما) अ फा वि—वह काम जो सब्र की आजमाइश करे अर्थात् देर मे हो।

सब्रतलव (صبرطلب) अ वि—जिसमे सब्र और धैर्य की आवश्यकता हो।

सब्रे ऐयूब (صبر ایوب) अ पु—'हज़्रत ऐयूव'—जैसा सब्र और धैर्य।

सब्रो शुक्र (صبرو شکر) अ पु—हर काम में धीरज धरना और ईश्वर को धन्यवाद देना।

समद (سمند) फा पु—अश्व, घोडा।

समंदर (سمندر) फा पु—'सामदर' का लघु, अग्निकीट, आग का कीडा, एक कीडा जिसकी उत्पत्ति अग्नि से है।

समंदल (سمندل) फा. पु—दे 'समंदर'।

सम [स्म] (سم) अ पु—विष, गरल, जह्र, सुई का नाका।

समक (سمک) अ स्त्री—मीन, मत्स्य, मछली, वह मछली जिसकी पीठ पर पृथ्वी स्थिर है।

समकीयाँ (سمکیان) अ फा पु—मर्त्यवाले, ससारवाले।

समद (صمد) अ वि—श्रेष्ठ, पूज्य, बुजुर्ग, अनीह, नि स्पृह, वेनियाज, नित्य, अनश्वर, दाइम, वह व्यक्ति जो भूखा-प्यासा न हो, ईश्वर।

समदीयत (صمدیت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, वुजुर्गी, नि स्पृहता, वेनियाजी, हर प्रकार की इच्छाओं से रहित होना।

समन (ثمن) अ पु.—मूल्य, दाम, कीमत।

समन (سمن) अ स्त्री—चमेली का फूल।

समनअंदाम (سمن اندام) फा वि—चमेली के फूल—जैसे शुभ्र और सुगधित अथवा मृदुल शरीरवाला (वाली)।

समनइज़ार (سمن عذار) फा. अ वि.—जिसके गाल चमेली के फूल की तरह मृदुल, कोमल और शुभ्र हो।

समनख़द (سمن خد) फा. वि—दे 'समनइजार'।

समनज़ार (سمن زار) फा पु—जहाँ चमेली ही चमेली हो, चमेली का वन या वाग।

समनवार (سمن بار) फा वि—फूल वरसानेवाला (वाली)

समनबू (سمن بو) फा वि—फूल-जैसे सुगधवाला।

समनरू (سمن رو) फा वि—चमेली के फूल—जैसा धवल और उज्ज्वल मुख रखनेवाला (वाली)।

समनसाक (سمن ساق) फा वि—चमेली—जैसी सफेद पिंडलियोवाली सुन्दरी।

समनसीमा (سمن سیما) फा वि—चमेली-जैसे माथेवाला (वाली)।

समम (صمم) अ पु—वहरापन, वधिरता।

समर: (ثمره) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, वदला, परिणाम, नतीजा।

समर (سمر) अ पु—कथा, किस्सा, कहानी, कथन, वात।

समर (ثمر) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, वदला; परिणाम, नतीजा।

समरात (ثمرات) अ पु—'समर' का वहु, फल, मेवे, परिणाम, नतीजे।

समा (سما) अ पु—आकाश, अवर, गगन, आस्मान।

समाँ (سماں) अ मजर, नज्जारा, दृश्य।

समाअ (سماع) अ पु—श्रवण, सुनना, गाना-वजाना, वज्द करना, झूमना।

समाअत (سماعت) अ स्त्री.—श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति, सुनने की कुव्वत।

समाई (سماعی) अ. स्त्री—सुना हुआ, सुनी हुई वात।

समाक (سماق) अ पु—एक वहुत ही कडा पत्थर, जिसके खरल वहुत कीमती होते हैं।

समाजत (سماجت) अ स्त्री–निकृष्टता, खुशामद विनती, विनय, खुशामद गिड़गिड़ाहट।
समानिय (ثمانیہ) अ वि–अष्ट आठ।
समानीन (ثمانین) अ वि–अस्सी।
समावात (سماوات) अ पु–समा' का बहु, आकाश-समूह, बहुत-से आसमान।
समावार (سماوار) फा पु–चाय पकाने या पानी गर्म करने का टंकीनुमा बर्तन जिसमें टोंटी होती है।
समावी (سماوی) अ वि–आसमानी आकाशीय दैवी।
समाह (سماح) अ पु–दे 'समाहत'।
समाहत (سماحت) अ स्त्री–दानशीलता, फ़य्याज़ी।
समी (سمی) अ वि–हमनाम एक नामवाले तुल्य, समान मिस्ल।
समीअ (سمیع) अ वि–सुननेवाला ईश्वर का एक नाम।
समीत (سمیر) अ स्त्री–रात की सफ़ेद रातें।
समीद (سمید) फा स्त्री–दे समाज।
समीन (سمین) अ वि–मोटा, चर्बीला।
समीन (ثمین) अ वि–मूल्यवान क़ीमती।
समीम (صمیم) अ वि–निर्मल खालिस हृदय का भीतरी भाग बधिर बहरा।
समीमे क़ल्ब (صمیم قلب) अ वि–हृदय का भीतरी भाग तहेदिल निष्कपटता सुल्म।
समीर (ثمیر) अ वि–फलदार फलवाला वह पेड़ जिसमें फल लगे हों।
समूद (ثمود) अ पु–हज़रत नूह की चौथी पुश्त में एक व्यक्ति का नाम था। उसके वंशज वनी समूद कहलाते थे और हज़रत सालेह के अनुयायी थे। इन्होंने हज़रत सालेह के साथ गुस्ताखी की थी जिससे सब तबाह हो गये थे।
समूम (سموم) अ स्त्री–कड़ी लपट जहरीली हवा।
समूर (سمور) अ वि–एक जानवर जिसकी खाल से बढ़िया पोस्तीन बनती है।
समूरी (سموری) अ स्त्री–समूर की खाल का बना हुआ।
समअ (سمع) अ स्त्री–श्रवण सुनना श्रवण शक्ति समाअत।
समअख़राश (سمع خراش) अ फा वि–कान खानेवाला बकबक करके कानों को कष्ट देनेवाला।
समअख़राशी (سمع خراشی) अ फा स्त्री–बकबक से कानों को कष्ट देना।
समग़ (صمغ) अ पु–गोंद निर्यास।
समग़े अरबी (صمغ عربی) अ पु–बबूल का गोंद।

समत (سمط) अ पु–मोती मुक्ता दे 'सिम्त', यही शुद्ध है।
सम्त (صمت) अ पु–शान्ति, सुकून मौन ख़ामोशी।
सम्त (سمت) अ स्त्री–दिशा, तरफ़ सदाचार, नेक चलनी सरल मार्ग सीधा रास्ता आकृति शक्ल इरादा, संकल्प, मानस कर्म।
सम्तुर्रास (سمت الراس) अ स्त्री–आकाश का वह बिंदु जो मनुष्य के चंद्रमा के ठीक सामने पड़े, शीर्षबिंदु आकाश बिंदु खमध्य।
सम्ते जुनूब (سمت جنوب) अ स्त्री–दक्षिण की दिशा दक्षिण दक्खिन।
सम्ते मग़रिब (سمت مغرب) अ स्त्री–पश्चिम की दिशा पश्चिम, प्रत्यक्।
सम्ते मश्रिक़ (سمت مشرق) अ स्त्री–पूर्व की दिशा, पूर्व प्राक।
सम्ते मुख़ालिफ़ (سمت مخالف) अ स्त्री–वामपक्ष विरोधी दल।
सम्ते शिमाल (سمت شمال) अ स्त्री–उत्तर की दिशा, उत्तर, उदक।
सम्न (سمن) अ स्त्री–घी घृत, रौग़न।
सम्मी (سمی) अ वि–विषाक्त, ज़हरआलूद जिसमें ज़हर अथवा विष हो।
सम्मीयत (سمیت) अ स्त्री–विषत्व ज़हरपन विष ज़हर विष का असर।
सम्मे क़ातिल (سم قاتل) अ पु–बहुत ही सख्त विष जिसके खा लेने से मनुष्य किसी प्रकार न बचे।
सम्साम (صمصام) अ स्त्री–तेज़ तलवार काटदार तलवार।
सय्याद (صیاد) अ वि–शिकारी आखेटक लुब्धक व्याध चिड़ीमार चिड़िया पकड़नेवाला शाकुनिक।
सय्यादी (صیادی) अ वि–शिकार का पेशा निर्दयता संगदिली।
सय्यादे अजल (صیاد اجل) अ पु–मौत का शिकारी मत्युरूपी व्याध।
सय्याफ़ (سیاف) अ वि–तलवार चलानेवाला जल्लाद वधिक।
सय्याल (سیال) अ वि–तरल बहनेवाला पदार्थ।
सय्यार (سیارہ) अ पु–तारा उडु ग्रह सितारा सैर करनेवाला।
सय्यार (سیار) अ वि–घूमनेवाला सैर करनेवाला वह तारा जो घूमता है, स्थिर नहीं रहता ग्रह।

सय्यास (سیاس) अ. वि –राजनीति मे निपुण, राजनीतिज्ञ, सियासतदाँ ।

सय्याह (سیاح) अ. पु –पर्यटक, सियाहत करनेवाला, देश-विदेश घूमनेवाला ।

सय्याही (سیاحی) अ. स्त्री –पर्यटन, देशाटन, देश-विदेश घूमना, सियाहत करना ।

सरगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री –उँगली का पोरा, उँगली का सिरा ।

सरंजाम (سرانجام) फा पु –अन्त, अख़ीर, पूर्ति, तकमील; परिणाम, नतीजा; प्रबंध, बंदोबस्त, उपकरण, सामग्री, सामान ।

सरः (سره) फा वि –निर्मल, निष्केवल, बेमेल, ख़ालिस; खरा रुपया और सिक्का ।

सर (سر) फा पु.–शिर, सिर, मूँड, श्रेष्ठ, उत्तम, ध्यान, ख़याल, सिरा, अगला भाग, (उप.) श्रेष्ठता, उच्चता, सिरा, आदि के अर्थ मे आता है ।

सरअंगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री –दे. 'सरगुश्त' उच्चारण यही अधिक शुद्ध है ।

सरअंजाम (سرانجام) फा. पु.–'दे 'सरंजाम', उच्चारण यही अधिक शुद्ध है ।

सरअफ़गंदः (سرافگنده) फा वि –दे. 'सरफगंद.' उच्चारण यही अधिक शुद्ध है ।

सरआमद (سرآمد) फा वि –दे 'सरामद', उच्चारण यही अधिक शुद्ध है ।

सरकतार (سرقطار) फा. अ वि –मुखिया, अगुआ, लीडर, नेता ।

सरकर्दः (سرکرده) फा वि –अगुआ, सरगना, मुखिया ।

सरकर्दगी (سرکردگی) फा स्त्री –अगुआपन, नेतृत्व ।

सरकल्यान (سرقلیان) फा. स्त्री –चिलम, तमाकू पीने की चिलम ।

सरकश (سرکش) फा वि –अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, बाग़ी, उद्दंड, उजड्ड, अशिष्ट, नामुहज्जब, मुँहफट, बदलगाम, स्वेच्छाचारी, ख़ुदराय ।

सरकशी (سرکشی) फा स्त्री –अवज्ञा, हुक्मउदूली, विद्रोह, बग़ावत; उद्दंडता, उजड्डपन, बदलगामी, मुँहफट होना ।

सरकार (سرکار) फा. स्त्री –राज्य, हुकूमत, शासक, हाकिम; राष्ट्र, मम्लुकत, बड़े व्यक्तियों के लिए संबोधन का शब्द, कचहरी, न्यायालय; दरबार, राजसभा ।

सरकारी (سرکاری) फा वि –राजकीय, हुकूमती, सरकार का ।

सरकोचकी (سرکوچکی) फा स्त्री –अधमता, नीचता, पामरता, कमीनगी ।

सरकोब (سرکوب) फा. वि.–सर कुचलनेवाला, दमन करनेवाला, दमदस ।

सरकोबी (سرکوبی) फा. स्त्री –सर कुचलना, दमन करना ।

सरख़त (سرخط) फा. पुं.–तनख़्वाह आदि के हिसाब का काग़ज, दस्तख़ती तहरीर, स्टाम्प, तमस्सुक ।

सरख़ुश (سرخوش) फा. वि.–हलके नशे मे मस्त ।

सरख़ुशी (سرخوشی) फा स्त्री –हलका नशा ।

सरख़ैल (سرخیل) फा वि –अपने दल का नायक, सरदार ।

सरगनः (سرغنه) फा वि –मुखिया, सरदार ।

सरगर्दां (سرگردان) फा वि –दे 'सरगश्त' ।

सरगर्म (سرگرم) फा वि –तन्मय, तल्लीन, मह्व, तत्पर, कटिबद्ध, मुस्तइद ।

सरगर्मी (سرگرمی) फा स्त्री.–तन्मयता, सलग्नता, मुस्तइद्दी, तत्परता ।

सरगर्मेकार (سرگرم‌کار) फा वि.–किसी काम मे पूरी तन्मयता से लगा हुआ ।

सरगश्तः (سرگشته) फा वि.–हैरान, उद्विग्न, परीशान, रास्ते मे भटका हुआ, राह भूला हुआ ।

सरगश्तगी (سرگشتگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, हैरानी, राह भूल जाना, भटकते फिरना ।

सरगर्दानी (سرگردانی) फा स्त्री –दे 'सरगश्तगी' ।

सरगिराँ (سرگران) फा वि –रुष्ट, अप्रसन्न, नाख़ुश, ख़फा ।

सरगिरानी (سرگرانی) फा स्त्री –रोष, अप्रसन्नता, ख़फगी ।

सरगुज़श्त (سرگزشت) फा स्त्री –वृत्तान्त, हाल, घटना, वाक़िआ ।

सरगुम (سرگم) फा. वि –जिसका आदि और अन्त न हो, जिसकी इब्तिदा और इन्तिहा न हो ।

सरगुरोह (سرگروه) फा वि –मुखिया, नायक, अपने दल का सरदार ।

सरगोशी (سرگوشی) फा स्त्री –कान से मुँह मिलाकर चुपके-चुपके बातें करना, कानाफूँसी ।

सरचंग (سرچنگ) फा पु –थप्पड़, चाटा, तल-प्रहार ।

सरचश्मः (سرچشمه) फा पु.–स्रोत, सोत, सोता, उद्गम, मख़्ज़ ।

सरचस्पाँ (سرچسپاں) फा. पु –बोतल या डिब्बे आदि पर चिपकाने का लेबिल ।

सरजंग (سرجنگ) फा पु –सेनापति, सिपहसालार ।

सरज़दः (سرزده) फा वि –निकृष्ट, सजाहीन, बेख़बर ।

सरज़द (سرزد) फा वि –घटित, वाक़े' ।

सरज़न (سرزن) फा वि –अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश ।

सरजनिश (سرزنش) फा स्त्री—डाँट फटकार भर्त्सना तबीह।
सरजनी (سرزنی) फा स्त्री—अवज्ञा, नाफ़रमानी।
सरजमीं (سرزمیں) फा स्त्री—पृथ्वी जमीन देश, मुल्क।
सरजूक (سرجوق) फा पु—दे 'सरगुरोह'।
सरज़ोर (سرزور) फा वि—विद्रोही बागी अवज्ञाकारी नाफ़र्मान।
सरज़ोरी (سرزوری) फा स्त्री—विद्रोह बगावत, अवज्ञा, नाफ़र्मानी।
सरजोश (سرجوش) फा वि—हर वह चीज जो दम से पहले जोश में उतारी जाय सार सत जौहर।
सरतराश (سرتراش) फा वि—नापित नाई सर छीलने वाला, क्षौरकमकार।
सरतराशी (سرتراشی) फा स्त्री—नापित-कर्म नाई का काम नाईपन।
सरताज (سرتاج) फा वि—शिरोमणि सबसे अच्छा, पति शौहर स्वामी मालिक नायक सरदार।
सरतान (سرطان) अ पु—दे सर्तान।
सरतापा (سرتاپا) फा वि—सर से पाँव तक आपाद मस्तक आद्योपान्त शुरू से आखिर तक।
सरताबक़दम (سرتابقدم) फा अ वि—दे सरतापा।
सरताबी (سرتابی) फा स्त्री—अवज्ञा हुक्मउदूली, उद्दंडता सरकशी।
सरतासर (سرتاسر) फा वि—आदि से अंत तक शुरू से आखीर तक।
सरतेज़ (سرتیزه) फा पु—भगाल लंबी पतली छुरी।
सरतेज़ (سرتیز) फा वि—लड़ाकू जंगजू नावदार।
सरदफ़्तर (سردفتر) फा वि—हेडक्लर्क दफ्तर का इन्चार्ज।
सर दर गिरीबाँ (سر در گریباں) फा वि—सोच में पड़ा हुआ।
सरदर्द (سردرد) फा पु—सिर की पीड़ा सर का दर्द झंझट जंजाल बखेड़ा श्रम मेहनत।
सरदर्दी (سردردی) फा स्त्री—दे सरदर्द।
सरदस्त (سردست) फा क्रि—फ़ौरन आगा बफ़ौरन फ़िलहाल मे हाथ मे रखने की चीज़।
सरदार (سردار) फा पु—नायक अध्यक्ष स्वामी पति।
सरदारी (سرداری) फा स्त्री—अध्यक्षता स्वामित्व।
सरनविश्त (سرنوشت) फा स्त्री—भाग्यरेखा तकदीर का लिखा वक्ता हाल।
सरनामा (سرنامه) फा पु—पत्र का आरम्भ आगाज़।
सरनाम (سرنام) फा पु—प्रसिद्ध मशहूर यशस्वी नामवर।
सरनिगूं (سرنگوں) फा वि—सर झुकाये हुए औंधा अधोमुख लज्जित, शर्मिंदा।
सरनिहादः (سرنهاده) फा वि—सर टेके हुए सर झुकाये हुए।
सरपंजः (سرپنجه) फा वि—हाथ का पंजा प्रहस्त अत्यंत शक्तिशाली ताक़तवर अत्याचारी, ज़ालिम।
सरपंजगी (سرپنجگی) फा स्त्री—शक्ति और अत्याचार जुल्म।
सरपरस्त (سرپرست) फा वि—जो किसी की देख रेख और पालन-पोषण करे, पोषक, संरक्षक गार्जियन अभिभावक पक्षपाती हिमायती।
सरपरस्ती (سرپرستی) फा स्त्री—पालन-पोषण देख रेख गार्जियनशिप, अभिभावकता पक्षपात तरफ़दारी।
सरपेच (سرپیچ) फा पु—पगड़ी में बाँधने का एक आभूषण।
सरपोश (سرپوش) फा पु—ढक्कन।
सरपोशीदः (سرپوشیده) फा स्त्री—कुँवारी लड़का, कुमारी।
सरफ़राज़ (سرفراز) फा वि—दे सरफ़राज़।
सरफ़राज़ी (سرفرازی) फा स्त्री—दे सरफ़राज़ी।
सरफ़रोश (سرفروش) फा वि—जान की बाज़ी लगा देने वाला जाँनिसार।
सरफ़रोशी (سرفروشی) फा स्त्री—जान की बाज़ी लगाना, जाँनिसारी।
सरफ़िगंद (سرفگنده) फा वि—दे सरफ़गंद'।
सरफ़गंद (سرافگنده) फा वि—सर झुकाये हुए।
सरबंद (سربند) फा पु—जिसका मुँह बंद हो सर बमुह।
सरबकफ़ (سربکف) फा वि—हाथ पर सर रखे हुए अर्थात् मरने पर उद्यत।
सरबख़्श (سربخش) फा पु—किसी वस्तु के कई भागों में से सबसे बड़ा भाग।
सर ब गिरीबाँ (سر به گریباں) फा वि—दे सर दर गिरीबाँ।
सर बज़ानू (سربزانو) फा वि—घुटनों में सर डाले हुए उदास चिंतित।
सर ब मुह्र (سر به مهر) फा वि—मोहर किया हुआ बंद किया हुआ और मुँह पर मोहर किया हुआ।
सरबर (سربر) फा वि—दे सरबर्ग।
सरबरआवर्द (سربرآورده) फा वि—दे 'सरबराऽर्द'।
सरबरहन (سربرهنه) फा वि—नंगे सर सर खोले हुए।

सरवरावर्दः (سرورآوردہ) फा वि –प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति, बड़ा आदमी, मुखिया।

सरवराह (سربراہ) फा. वि.–प्रबंधक, मुंतज़िम।

सरवराहकार (سربراہکار) फा पु –कारकुन, कारिंदा, एजेंट, अभिकर्ता।

सरवराहकारी (سربراہکاری) फा स्त्री.–कारिंदगरी, एजेंटी।

सरवराही (سربراہی) फा स्त्री –प्रबंध, इंतिज़ाम।

सरवलंद (سربلند) फा वि –प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।

सरवलंदी (سربلندی) फा. स्त्री –प्रतिष्ठा, इज़्ज़तदारी, उत्थान, तरक्की।

सरवसर (سربسر) फा वि –नितान्त, बिलकुल।

सरवसहरा (سربصحرا) फा. अ वि –जंगल में मारा-मारा फिरनेवाला।

सरवस्तः (سربستہ) फा वि –मुँहबंद, सर ब मोह्र, गुप्त, पोशीदः।

सरवस्त (سربست) फा पु –पहेली, प्रहेलिका।

सरवहा (سربہا) फा पु –खूँबहा, खून की कीमत।

सरवाज (سرباز) फा. वि –सिपाही, सैनिक, योद्धा, बहादुर।

सरवाजारी (سربازاری) फा वि –अधम, नीच, लोफर, शोहद।

सरबाज़ी (سربازی) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी।

सरवार (سربار) फा पु –सर का बोझ।

सरवारी (سرباری) फा स्त्री –वह छोटा बोझ जो बड़े बोझ के ऊपर सिर पर रखते हैं।

सरवाला (سربالا) फा. वि –ऊँचे सर का, सरदार।

सरवुरीदः (سربریدہ) फा. वि –जिसका सर काट लिया गया हो।

सरमद (سرمد) फा वि –नित्य, अनश्वर, लाज़वाल।

सरमदी (سرمدی) फा वि –नित्यता, लाज़वाली।

सरमश्क (سرمشق) फा अ पु –तख्ती, मश्क करने की तख्ती, खुशनवीस का लिखा हुआ कता' जिसे देखकर खुशखती की मश्क की जाती है।

सरमस्त (سرمست) फा वि –उन्मत्त, मदोन्मत्त, बेसुध।

सरमस्ती (سرمستی) फा स्त्री –उन्माद, बदमस्ती।

सरमायः (سرمایہ) फा पु –पूँजी, अस्ल ज़र; धन, दौलत।

सरमायःदार (سرمایہدار) फा वि –पूँजीपति, कैपिटलिस्ट, धनवान्, मालदार।

सरमायःदारानः (سرمایہدارانہ) फा वि.–पूँजीपतियों-जैसा, धनियों की तरह।

सरमाय दारी (سرمایہداری) फा स्त्री –पूँजीवाद, रुपया लगाकर गरीबों की मेहनत से नाजाइज़ नफ़ा कमाना।

सरयान (سریان) फा पु –एक चीज़ का दूसरी चीज़ में प्रवेश।

सररिश्तः (سررشتہ) फा पु –विभाग, महकमा, योग्यता, काबिलीयत, इच्छा, ख्वाहिश, अधिकार, इख्तियार, सूत्र, डोरा।

सरलश्कर (سرلشکر) फा वि.–सेनापति, सेनाध्यक्ष, सिपहसालार।

सरलौह (سرلوح) फा अ स्त्री –वह चित्रादि जो किताब के मुखपृष्ठ पर बनाये जाते हैं।

सरवर (سرور) फा. वि –सरदार, सर्वश्रेष्ठ, नायक, प्रधान।

सरवरक (سرورق) फा अ पु.–मुखपृष्ठ, पुस्तक का ऊपर का पन्ना जिसमें किताब का नाम आदि होता है।

सरवरी (سروری) फा स्त्री –नायकत्व, अध्यक्षता, सरदारी।

सरवरे कौनैन (سرور کونین) फा अ पु –दोनों लोक के सरदार, हज़रत साहिब की उपाधि।

सरशार (سرشار) फा वि –ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज़, छलकता हुआ, उन्मत्त, मस्त।

सरशीर (سرشیر) फा. स्त्री –दूध की मलाई, दुग्धाग्र, क्षीरसार, बालाई।

सरशेब (سرشیب) फा वि –औंधा, अधोमुख।

सरशो (سرشو) फा वि –सर धोने की मिट्टी, जिस चीज़ से सर धोया जाय।

सरसबद (سرسبد) फा वि –फूलों की टोकरी में सबसे सुन्दर और सबसे उत्तम फूल।

सरसब्ज़ (سرسبز) फा वि –हरा-भरा, शाद्वल, समृद्ध, मालदार, सफल, कामयाब, उन्नतिशील, तरक़्क़ीयाफ़्त, आबाद, वीरान का उलटा, उपजाऊ, ज़रखेज़।

सरसब्ज़ी (سرسبزی) फा स्त्री –हरा-भरापन, उपजाऊपन, उन्नति, आबादी, सफलता; समृद्धि।

सरसरी (سرسری) फा. वि.–बेदिली और बेतवज्जुही का काम, जल्दी का काम, उचटती हुई नज़र डालने का काम।

सरसोज़न (سرسوزن) फा पु –सुई का नाका, सूची-अग्र।

सरहंग (سرهنگ) फा पु –सैनिक, सिपाही, कोतवाल, सेनानायक, फौज का सरदार, अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

सरहंगज़ादः (سرهنگزادہ) फा पु –सैनिक-पुत्र, सिपाही का लड़का।

सरहद (سرحد) फा स्त्री –सीमा, हद, सीमान्त, आखिरी हद, किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो।

सरहदी (سرحدی) फा स्त्री –सरहद का सरहद के पास का सीमांत का निवासी।

सरहम्माम (سرحمام) फा अ पु –हम्माम का गर्म कमरा जिसमें नहाया जाता है।

सरहल्क (سرحلقہ) फा वि–सरदार अध्यक्ष।

सरहिसाब (سرحساب) फा अ वि–सूचित आगाह परिचित वाक़िफ़ सचेत होशियार।

सरा (سرا) फा स्त्री –मकान घर गृह पथिकाश्रय मुसाफ़िरख़ाना स्थान जगह (प्र) गानेवाला, जैसे–'नग़्मःसरा गीत गानेवाला।

सरा (ثرا) अ पु –जमीन के नीचे का तल, पाताल, गीली मिट्टी।

सराइंद (سرایندہ) फा वि–गानेवाला, गायक।

सराईद (سرایدہ) फा वि–गाया हुआ, गीत।

सराए फ़ानी (سرائے فانی) फा अ स्त्री –नश्वर स्थान अर्थात संसार मर्त्यलोक मत्यलोक।

सरापोश (سراپوش) फा पु –सर के बाल सँवारने और बांधने की जाली गेसूपोश।

सराच (سراچہ) फा पु –छोटा घर बड़ा ख़ेमा एक ख़ाना।

सरापर्द (سراپردہ) फा पु –पर्देवाला मकान हरमसरा, बड़ा ख़ेमा।

सरापा (سراپا) फा पु –आपादमस्तक सर से पाँव तक, नितांत बिल्कुल नायिका के नख शिख का पद्यात्मक वर्णन उदा– अल्ला रे हुस्नेयार की सरमस्तियाँ कि रंग डूबे हुए हैं आज सरापा शराब में।

सरापाख़ुलूस (سراپاخلوص) फा अ वि–बहुत अधिक मुख़्लिस व्यक्ति।

सरापानियाज़ (سراپانیاز) फा वि–बहुत अधिक विनम्र और विनीत बहुत बड़ा भक्त।

सरापारहमत (سراپارحمت) फा अ वि–सर से पाँव तक कृपा और दया ही दया दया और कृपा की साकार मूर्ति।

सराफ़्त (صرافت) अ स्त्री –सिक्के या चाँदी-सोने आदि का खरा होना खरापन निष्कूटता।

सराफ़ील (سرافیل) फा पु –इस्राफ़ील का लघु वह फ़िरिश्त जो क़ियामत के दिन तुरही फूँकेगा जिससे सारा ब्रह्मांड नष्ट हो जायगा।

सराब (سراب) फा पु –वह रेत जो गर्मियों में दूर से पानी की तरह चमकता हुआ दिखाई पड़ता है और प्यासे उसे पानी समझकर उसकी ओर दौड़ते हैं मृगतृष्णा।

सराबुस्ताँ (سرابستان) फा पु –पाइंबाग़ वह बाग़ जो महल या कोठी के साथ हो गृहोद्यान गृहवाटिका।

सरामत (صرامت) अ स्त्री –शूरता बहादुरी श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी विच्छेद काटना, फुर्ती, तेजी।

सरामद (سرآمد) फा वि–सर्वश्रेष्ठ सबसे उत्तम अध्यक्ष, पति सरदार।

सरायत (سرایت) फा स्त्री –एक चीज़ का दूसरी में प्रवेश, सरयान प्रभाव, असर।

सरारू (سرارو) फा स्त्री –एक कनी रग जिसकी फ़स्द ली जाती है सरोरू, कीफ़ाल।

सरासर (سراسر) फा वि–नितांत बिल्कुल एक सिरे से।

सरासीम (سراسیمہ) फा वि–उद्विग्न आतुर, व्याकुल, परेशान बदहवास।

सरासीमगी (سراسیمگی) फा स्त्री –उद्विग्नता व्याकुलता परेशानी बदहवासी।

सराहत (صراحت) अ स्त्री –स्पष्टीकरण वज़ाहत, सविस्तर विवरण तफ़्सील।

सराहतन (صراحتاً) अ वि–सराहत के साथ विस्तार पूर्वक, सविस्तर।

सरिक़ (سرقہ) अ पु –चोरी चौर्य, स्तेय तस्करता, दुज़्दी।

सरिक़त (سرقت) अ स्त्री –'सरिक़'।

सरिश्त (سررشتہ) फा पु –सररिश्त का बिगड़ा हुआ रूप विभाग महकमा, डिपार्टमेंट।

सरिश्तःदार (سررشتہ دار) फा वि–एक कर्मचारी।

सरिश्तःदारी (سررشتہ داری) फा स्त्री –सरिश्तःदार का पद उक्त पद का काम।

सरी (سری) फा वि–सरदारी अध्यक्षता।

सरीअ (سریع) अ वि–शीघ्र तेज़।

सरीउज़्ज़वाल (سریع الزوال) अ वि–जो शीघ्र ही नाश हो जाय जो अधिक देर न रहे क्षणभंगुर।

सरीउत्तासीर (سریع التاثیر) अ वि–जो अपना प्रभाव शीघ्र ही दिखाये शीघ्रकारी आशु प्रभावकारी त्वरित गुणदायी।

सरीउलअमल (سریع العمل) अ वि–वह दवा जो अपना असर जल्द करे।

सरीउलअसर (سریع الاثر) अ वि–जल्द प्रभाव दिखाने वाला शीघ्र गुणकारी।

सरीउलइंज़ाल (سریع الانزال) अ वि–जो पुरुष मैथुन के समय अधिक न ठहर सके शीघ्रपतन।

सरीउलइंदिमाल (سریع الاندمال) अ वि–वह घाव जो शीघ्र भर जाय।

सरीउलइज़ाल: (سریع الازاله) अ वि.—जिसकी हानि-पूर्ति जल्द हो जाय।
सरीउलइन्हिज़ाम (سریع الانهضام) अ. वि —जो जल्दी हज़्म हो जाय, लघुपाक।
सरीउलइल्तिहाब (سریع الالتهاب) अ. वि —जो शीघ्र ही जलने लगे, ज़रा-सी गर्मी मे आग पकड ले, ज्वलनशील, विस्फोटक।
सरीउलएहसास (سریع الاحساس) अ. वि —जो किसी बात का जल्द असर ले।
सरीउलकबूल (سریع القبول) अ वि —जो किसी बात या गुण-दोष से जल्द प्रभावित होकर उसे ग्रहण कर ले।
सरीउलग़ज़ब (سریع الغضب) अ. वि.—जिसे जल्दी ही गुस्सा आ जाता हो, शीघ्रकोपी।
सरीउलफ़हम (سریع الفهم) अ. वि —जो हर बात तुरत ही समझ जाता हो, शीघ्रबुद्धि, प्रतिभाशाली।
सरीउलहज़्म (سریع الهضم) अ वि.—दे. 'सरीउल इन्हिज़ाम'।
सरीउलहरकत (سریع الحرکت) अ वि —तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।
सरीउस्सैर (سریع السیر) अ वि —तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी।
सरीचः (سریچه) फा पु —ममोला पक्षी।
सरीद (ثرید) अ पु —शोरबे मे चूर की हुई रोटी।
सरीपः (صریسه) अ पु —काम छोड बैठना, हड़ताल।
सरीयः (سریه) अ पु —पैगम्बर साहब के समय की वे लडाइयाँ जिनमें आप सम्मिलित न थे।
सरीर (سریر) अ पु —सिंहासन, तख़्त।
सरीर (صریر) अ स्त्री.—लिखते समय कलम की चिरचिराहट, चलते समय मनुष्य के पैर की चाप।
सरीरआरा (سریر آرا) अ फा वि —सिंहासनारूढ, तख़्तनशीं, शासक, हुक्मराँ।
सरीरत (سریرت) अ स्त्री —भेद, रहस्य, मर्म, राज़।
सरीरे कलम (صریر قلم) अ स्त्री.—कलम की चिरचिराहट जो लिखते समय होती है।
सरीह (صریح) अ वि.—स्पष्ट, व्यक्त, साफ, वाजेह, खुल्लमखुल्ला।
सरीहन (صریحاً) अ. वि —खुल्लम खुल्ला, स्पष्ट रूप से, साफ-साफ।
सरूँ (سروں) फा पु.—सींग, शृंग, विषाण।
सरूँगाह (سروں گاه) फा स्त्री —कनपटी, पशु के सींग निकलने का स्थान।
सरीही (صریحی) अ वि.—दे. 'सरीहन'।
सरे ज़ुल्फ़ (سر زلف) फा पु —अलक, ज़ुल्फ़, हावभाव, नाज़ोअदा।
सरे तन्हा (سر تنها) फा. पु —अकेला, एकाकी।
सरे दस्त (سر دست) फा वि —तत्काल, इस समय, फ़िलहाल, सम्प्रति।
सरे नौ (سر نو) फा वि —नये सिरे से, फिर से, पुन.।
सरे पा (سر پا) फा स्त्री —ठोकर, (पु) पाँव का सिरा, पंजा।
सरे पिस्ताँ (سر پستاں) फा. पु —स्तन की घुडी, भिटनी, स्तनवृन्त, नर्मठ।
सरे पै (سر پے) फा स्त्री.—ठोकर, (पु) पाँव का अगला भाग, पंजा।
सरे बज़्म (سر بزم) फा पु.—भरी सभा मे, सबके सामने।
सरे बाज़ार (سر بازار) फा. पु —बीच बाज़ार मे, सबके सामने, खुल्लमखुल्ला।
सरे बाम (سر بام) फा पु —अटारी पर, छत पर।
सरे बालीं (سر بالیں) फा पु —सिरहाने।
सरेमू (سرمو) फा पु —बाल की नोक के बराबर, ज़रा-सा भी, किंचिन्मात्र।
सरे रहगुज़र (سر رهگزر) फा. पु —दे 'सरे राह'।
सरे राह (سر راه) फा. पु —रास्ते मे, रास्ता चलते हुए।
सरेश (سریش) फा स्त्री.—देखे शुद्ध उच्चारण 'सिरेश'।
सरे शाम (سر شام) फा पु —सूरज डूबते समय, सध्यामुख।
सरे शोरीदः (سر شوریده) फा पु —वह सर जिसमे प्रेम का पागलपन भरा हो, पागल व्यक्ति का मस्तिष्क।
सरोकार (سروکار) फा पु —प्रयोजन, वास्ता, सम्बन्ध, तअल्लुक।
सरोद (سرود) फा. पु —दे. शु. उ 'सुरोद' या 'सुरूद'।
सरोपा (سروپا) फा पु —सर-पैर, प्राय. 'बे' के साथ बोला जाता है।
सरोबंद (سرو بند) फा पु —समय, काल, वक़्त, ज़माना।
सरोबर्ग (سرو برگ) फा पु —ध्यान, ख़याल।
सरोबुन (سرو بن) फा पु —सरोपा, सर-पैर, आदि-अंत, शुरू और अख़ीर।
सरोरू (سرورو) फा स्त्री —एक रग, दे. 'सरारू'।
सरोश (سروش) फा पु.—दे शु उ. 'सुरोश'।
सरोसामान (سرو سامان) फा पु —उपकरण, सामग्री, सामान; ज़िंदगी का ज़रूरी सामान।
सर्अ (صرع) अ स्त्री —अपस्मार, मिर्गी रोग।
सर्तान (سرطان) अ. पु —कर्क, कर्कट, केकड़ा, घिंघचा, कर्कराशि, बुर्जे सर्तान।

सद (سرد) फा वि –शीतल ठंडा, मन्द धीमा निर्थी बेरौनक नपुंसक हीजड़ा।
सदख़ुश्क (سرد خشک) फा वि –वह दवा या ग़िज़ा जिसमें सर्दी के साथ ख़ुश्की भी हो।
सदतर (سردتر) फा वि –बहुत अधिक सर्द, वह दवा जो सर्द के साथ तर भी हो।
सदबाज़ारी (سرد بازاری) फा स्त्री –बेरौनकी श्रीहीनता, बाज़ार भाव का मंदा होना नाकद्री पूछ-ताछ न होना।
सर्दमिज़ाज (سردمزاج) फा अ वि –जिसकी प्रकृति शीतल हो शान्त प्रकृति।
सर्दमेह्‌र (سردمہر) फा वि –निःशील बेमुरव्वत कठोर बेरहम जो बेदिली से मिले।
सर्दमेह्‌री (سردمہری) फा स्त्री –दुःशीलता बेमुरव्वती कठोरता बेरहमी बेदिली, कमतवज्जुही।
सर्दसेर (سردسیر) फा वि –वह स्थान जहां की आबो हवा सर्द हो।
सर्दाब (سرداب) फा पु –तहख़ाना तलगृह।
सर्दी (سردی) फा स्त्री –शीतता ठंडक ठंड का मौसिम हेमंत ऋतु ज़ुकाम प्रतिश्याय।
सर्दोगर्म (سردوگرم) फा वि –गर्म और ठंडा दुनिया का अच्छा और बुरा।
सर्दोगर्म चशीद (سردوگرم چشیدہ) फा वि –गर्म और ठंडा चखा हुआ अर्थात अनुभवी।
सर्फ़ (صرف) फा पु –लाभ नफ़ा व्यय ख़र्च बारहवां नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी कृपणता कंजूसी अधिकता ज़ियादती न्याय इन्साफ़।
सर्फ़ (صرف) अ पु –व्यय ख़र्च उपभोग इस्तेमाल व्याकरण की एक शाखा पदव्याख्या।
सर्फ़ी (صرفی) अ वि –जो व्याकरण में सर्फ़ का ज्ञाता हो।
सर्फ़ोनह्‌व (صرف ونحو) अ स्त्री –व्याकरण क़वाइद पद व्याख्या और वाक्य विश्लेषण।
सब (سرب) अ पु –चर्बी की बारीक चादर जो उदर आदि पर चढ़ी रहती है।
समक (سرمق) अ पु –बथुआ एक साग।
सर्मा (سرما) फा पु –जाड़े का मौसिम शीतकाल।
सर्माई (سرمائی) फा वि –जाड़े के मौसिम का जाड़े के पहनने के कपड़े।
सर्माए गुल (سرمائے گل) फा पु –गुलाबी जाड़ा गुल बहार का जाड़ा हल्का जाड़ा।
सर्माए तल्ख़ (سرمائے تلخ) फा पु –कड़ा जाड़ा चिल्लेका
सर्माज़द (سرمازدہ) फा वि –जिसे पाला मार गया हो।
सर्मासोख़्त (سرماسوختہ) फा वि –वह पेड़ जिसे पाला मार गया हो जो पाले से जल गया हो।
सर्राफ़ (صرافہ) अ पु –सराफ़ा का बाज़ार, जहाँ चाँदी सोना बेचनेवालों की मंडी हो।
सर्राफ़ (صراف) अ वि –चाँदी-सोना बेचनेवाला।
सर्राफ़ी (صرافی) अ स्त्री –चाँदी सोना बेचने का काम।
सर्वंदाम (سرواندام) फा वि –सर्व-जैसे सीधे और सुन्दर शरीरवाला।
सर्व (سرو) अ पु –एक प्रसिद्ध पेड़, सरो जो सीधा और सुन्दर होता है।
सर्वअंदाम (سرواندام) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वक़द (سروقد) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वक़ामत (سروقامت) फा अ वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वत (ثروت) अ स्त्री –धनाढ्यता, समृद्धि मालदारी ऐश्वर्य ऐश फराग़त।
सर्वबाला (سروبالا) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वे आज़ाद (سرو آزاد) फा पु –वह सर्व जिसमें शाख़ें और फल न हों।
सर्वे ख़िरामाँ (سرو خراماں) फा पु –चलने फिरनेवाला सर्व अर्थात माशूक़।
सर्वे चमन (سرو چمن) फा पु –बाग़ का सर्व का पेड़।
सर्वे चिराग़ाँ (سرو چراغاں) फा पु –सर्व के वृक्ष के आकार का काँच का झाड़ जिसमें मोमबत्तियाँ जलती हैं।
सर्वे नाज़ (سرو ناز) फा पु –वह सर्व जिसकी शाखें झुक कर आपस में मिल गयी हों।
सर्वे बाला (سرو بالا) फा पु –लम्बा सर्व।
सर्वे सिही (سرو سہی) फा पु –बिलकुल सीधा सर्व।
सर्शफ़ (سرشف) फा स्त्री –सरसों एक प्रसिद्ध दाना जिसका तेल कड़वे तेल के नाम से खाने में काम आता है।
सरसर (صرصر) फा स्त्री –झक्कड़ गर्म हवा के झोंके चलना तेज़ हवा के झोंके उदा०— यह भी क्य सम्या है औरे फलक। कद हो हम बाग़ में सर सर चले।
सर्साम (سرسام) अ पु –दिमाग़ के वरम की एक बीमारी सन्निपात।
सर्सामी (سرسامی) अ वि –सरसाम का रोगी।
सल्फ़ (سلف) अ पु –सल्फ़ का बहु पुराने लोग पूर्वज।
सलफ़ (سلف) अ पु –पूर्वज पुराने लोग।
सलवात (صلوات) अ स्त्री –सलात का बहु, नमाज़ें

सला' (صلع) अ पु –बालो का एक रोग, गज।
सला (صلا) अ. स्त्री –आवाज देना, बुलाना।
सलाए आम (صلاے عام) अ स्त्री.–सबका बुलावा, सबकी दा'वत, सार्वजनिक निमंत्रण।
सलाक (سلاک) फा स्त्री –सोने-चाँदी की सलाख।
सलाख़ (سلاخ) तु स्त्री –सलाई, शलाका; लोहे की छड़; लकीर।
सलात (صلاۃ) अ. स्त्री –नमाज, दुरूद।
सलातीन (سلاطین) अ. पु.–'सुल्तान' का बहु, बादशाह लोग, शासकगण।
सलाबत (صلابت) अ. स्त्री –कठोरता, सख्ती।
सलाम (سلام) अ पु.–प्रणाम, तस्लीम, शान्ति, सलामती, नौहे की एक किस्म; घृणा और बेजारी के लिए भी बोलते हैं।
सलामत (سلامت) अ स्त्री –सुरक्षित, महफूज; जीवित, ज़िदा, पूर्ण, पूरा, स्वस्थ, तनदुरुस्त।
सलामत बाशेद (سلامت باشید) अ फा. वा.–जीवित रहो, ज़िदा रहो।
सलामतरवी (سلامت روی) अ फा. स्त्री –सबसे हेल-मेल से रहना; खर्च आदि मे किफायत बरतना।
सलामती (سلامتی) अ स्त्री –शान्ति, अमन, रक्षा; स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती।
सलामी (سلامی) अ वि.–किसी बडे आदमी के आने पर तोपो के फैर।
सलामुन अलैकुम (سلامٌ علیکم) अ वा –तुम पर सलामती हो, मुसल्मानो का सलाम जो वह एक दूसरे से कहते हैं।
सलामो अलैकुम (سلام و علیکم) अ वा –दे 'सलामुन अलैकुम'।
सलामो पयाम (سلام و پیام) अ फा पु –किसी का सलाम के साथ कोई सँदेशा आना, किसी को सलाम के साथ कोई सँदेसा भेजना, लडके या लडकीवालो की ओर से विवाह या सगाई की बातचीत चलना।
सलासत (سلاست) अ स्त्री –सरलता, रवानी, सलीसपन; नम्रता, नर्मी; हलके-फुलके और सुदर शब्दो का व्यवहार जिसमे कोई क्लिष्ट शब्द न हो और न ऐसे शब्द हो जिनसे जबान को तोडना मरोड़ना पडे।
सलासते जबान (سلاست زبان) अ. फा स्त्री –भाषा की मृदुलता, शब्दो का माधुर्य; गद्य या पद्य मे कोमल, मृदुल और सरल उच्चारणवाले शब्दो का प्रयोग, फसाहत।
सलासते बयान (سلاست بیان) अ. स्त्री.–बातचीत की मधुरता।
सलासिल (سلاسل) अ स्त्री –'सिल्सिल.' का बहु., जजीरे, बेडियाँ।
सलाह (صلاح) अ स्त्री –अच्छाई, भलाई; परामर्श, मशवुर; उद्देश्य, मशा, मंसूब', राय, तजवीज।
सलाहअंदेश (صلاح اندیش) अ. फा वि –नेकअदेश, खैरख्वाह, शुभचितक, हितैषी।
सलाहकार (صلاح کار) अ फा वि –सदाचारी, नेकअमल; परामर्शदाता, मश्वुर देनेवाला; सदुपदेशक, नासेह।
सलाहिफ (سلاحف) अ पु –'सुलहफात' का बहु, 'कछवे'।
सलाहीयत (صلاحیت) अ. स्त्री –भलाई, अच्छाई, खूबी; सदाचार, सयम, इद्रिय-निग्रह, पारसाई, योग्यता, पात्रता, अह्लीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, गभीरता, मतानत, मुसाफिरो का पुलिस के रजिस्टर मे इदिराज।
सलाहे कार (صلاح کار) अ. फा स्त्री –काम की काबिलीयत, कार्य-क्षमता।
सलाहे नेक (صلاح نیک) अ फा स्त्री –अच्छी सलाह, सत्-परामर्श।
सलाहे बद (صلاح بد) अ फा स्त्री –बुरी सलाह, दुस्संमति।
सलाहे वक़्त (صلاح وقت) अ स्त्री.–समय के अनुसार सलाह, समय की माँग।
सलिसुल बौल (سلس البول) अ पु –एक मूत्ररोग जिसमे पेशाब बार-बार आता है, बहुमूत्र।
सलीक़ः (سلیقہ) अ पु –शिष्टता, तमीज, शुऊर; क्रम, तर्तीब, योग्यता, हुनरमदी, सुघडापा, सुघड़या; हर चीज को उसके मुनासिब मौका रखने की तमीज, सभ्यता, तहजीब।
सलीक़ःमंद (سلیقہ مند) अ. फा वि –शिष्ट, बाशुऊर; सुघड, हुनरमंद; सभ्य, सुहज्जब।
सलीक़ःमंदी (سلیقہ مندی) अ फा. स्त्री –शिष्टता, तमीजदारी; सुघडपन, सभ्यता, तहजीब।
सलीक़.शिआर (سلیقہ شعار) अ. वि –दे 'सलीक मद'।
सलीक़ःशिआरी (سلیقہ شعاری) अ. स्त्री –दे. 'सलीक.-मदी'।
सलीक (سلیک) अ वि –पिरोई हुई चीज, गुथिल, नत्थी, मुसलिक, सलग्न।
सलीब (صلیب) अ स्त्री –सूली, दार, हज्रत ईसा को सूली देने की टिकठी जो चौपारे की आकार की थी, वह चौपारे का चिह्न जो ईसाइयो का धार्मिक चिह्न है, क्रास।
सलीबी (صلیبی) अ वि –सलीब का; सलीब की शक्ल का; ईसाई धर्म सम्बन्धी।
सलीम (سلیم) अ वि –गभीर, शात, मतीन; सहनशील,

बुर्दबार शांतिप्रिय, जिसे नागवार या रुखाई दगा पसद न हो स्वस्थ चगा, तनदुरुस्त।
सलीमुत्तबअ (سلیم الطبع) अ वि –जिसका स्वभाव बहुत ही शांतिप्रिय हो सौम्य।
सलीमुलमिज़ाज (سلیم المزاج) अ वि –दे सलामुत्तबअ।
सलीस (سلیس) अ वि –नम कोमल मदुल सरल सुगम आसान सुबोध आमफहम बालबोध सभ्य शिष्ट तमीजदार, वह गद्य या पद्य जो बहुत ही सरल और कोमल हो, कोमल।
सलअ (سلعہ) अ पु –वण मस्सा, बतौरी मासाबुद।
सल्ख (سلخ) अ पु –खाल खीचना खाल उतारना कृष्णपक्ष की अतिम तिथि।
सल्ज (ثلج) अ पु –हिम बफ।
सल्जम (سلجم) अ पु –शल्जम एक प्रसिद्ध तरकारी।
सल्जूक़ (سلجوق) तु पु –एक व्यक्ति जिससे सल्जूकी वंश चला है इसी की चौथी पुश्त में तुग्रल बग सल्जूक नाम का शासक हुआ है।
सल्जूकी (سلجوقی) तु पु –सल्जूक का वंशज।
सल्तनत (سلطنت) अ स्त्री –राज्य राष्ट्र मुल्क शासन सत्ता हुकूमत।
सल्तनते जुमहूरी (سلطنت جمہوری) अ स्त्री –जनता का राज गणतत्र जनतत्र।
सल्तनते शख्सी (سلطنت شخصی) अ फा स्त्री –व्यक्तिगत राज्य साम्राज्य।
सल्ब (سلب) अ पु –निवारण दफीअ विनाश खातिमा छीन लेना जब्त कर लेना।
सल्बे मरज़ (سلب مرض) अ पु –किसी के रोग को आत्म शक्ति द्वारा नष्ट कर देना।
सल्म (سلم) अ स्त्री –बच्चो के लिखने की तख्ती पाटी, पट्टिका दे सिल्म' दोनो शुद्ध ह।
सल्मान (سلمان) अ पु –पगंबर साहब के एक सिहाबी सल्मान फारिसी ईरान का एक शाइर सल्मान सावजी।
सल्लाख (سلاخ) अ पु –खाल उतारनेवाला जल्लाद फासी देनेवाला (दखो सल्लाखी')।
सल्लाखी (سلاخی) अ स्त्री –खाल उतारना पुराने जमाने में एक सजा यह भी थी कि ज़िंदा आदमी की खाल उतार दी जाती थी और इस तरह वह बडे कष्ट से मारा जाता था यह काम सल्लाखी कहलाता था।
सलवा (سلویٰ) अ स्त्री –बटेर एक पक्षी वासक वाना।
सल्सबील (سلسبیل) अ स्त्री –स्वग का एक चश्मा नम और मुलायम चीज मदिरा शराब।

सल्साल (صلصال) अ स्त्री –कच्ची और सूखा मिट्टी जिससे हजरत आदम की सष्टि हुई।
सवा (سوا) अ वि –समता बराबरी, समान बराबर।
सवाइक़ (صواعق) अ पु –साइक़' का बहु, बादल जमान पर गिरनेवाली बिजलियाँ।
सवाकिन (سواکن) अ पु –साकिन' का बहु, निवासी लोग रहनेवाले।
सवाक़िब (ثواقب) अ पु –साक़िब का बहु रौशनीदार चीजें।
सवाते (سواطع) अ पु –सातिअ का बहु ऊँचे स्थान।
सवाद (سواد) अ पु –कालिमा सियाही काली बिन्दु जो हृदय पर होती है आस-पास की भूमि हवाली प्रतिभा जहानत।
सवादे आ'ज़म (سواد اعظم) अ पु –बडा नगर बडा बस्ती।
सवादे कुफ्र (سواد کفر) अ पु –नास्तिकों की बस्ती नास्तिकता का वातावरण।
सवानिहे उम्र (سوانح عمر) अ पु –दे सवानिहे हयात।
सवानिहे हयात (سوانح حیات) अ पु –जीवनी जीवन चरित किसी के जीवन का सविस्तर रूप।
सवानेह (سوانح) अ पु –सानिह का बहु, घटनाए वाक़िआत दुघटनाएँ हादिसात।
सवानेहनवीस (سوانح نویس) अ फा वि –समाचार लेखक वाक़िआ निगार इतिहासकार जीवनी-लेखक।
सवानेहनवीसी (سوانح نویسی) अ फा स्त्री –समाचार लिखना इतिहास लिखना जीवनी लिखना।
सवानेहनिगार (سوانح نگار) अ फा वि –दे सवानह नवीस'
सवानेहनिगारी (سوانح نگاری) अ फा स्त्री –दे सवानह नवीसी।
सवाब (صواب) अ वि –यथाथ ठीक दुरुस्त उत्तम श्रेष्ठ उम्दा वास्तविकता हकीकत।
सवाब (ثواب) अ पु –वह फल जो किसी सत्कम करने पर परलोक में मिले पुण्य।
सवाबअंदेश (صواب اندیش) अ फा वि –ठीक-ठीक सोचनेवाला अच्छी राय देनेवाला शुभचिंतक खरख्वाह।
सवाबदीद (صواب دید) अ फा स्त्री –सलाह मशवरा अच्छी राय अच्छी तजवीज।
सवाबिक़ (سوابق) अ पु –साबिक़ का बहु पहलेवाले गुजरे हुए।
सवाबित (ثوابت) अ पु –साबित' का बहु वे तारे जो गतिशील न हो ठहरे हुए तारे उडुगण।

सवाबितो सैयार (ثوابت وسیار) अ. पुं.—गतिमान् और अचल सब प्रकार के तारे।

सवामे' (سوامع) अ. पु.—'सामिअ' का वहु, सुनने की शक्तियाँ, सुननेवाले लोग।

सवार (سوار) फा वि—जो किसी सवारी पर वैठा हुआ हो, आरूढ, अश्वारोही, घुडसवार।

सवारिक (سوارق) अ पु—'सारिक' का वहु., चोर लोग।

सवारिम (صوارم) अ पु—'सारिम.' का वहु., धारदार तलवारें।

सवाल (سوال) अ. पु—शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परंतु उर्दू में 'सवाल' ही वोलते हैं, प्रश्न पूछना, प्रार्थना, इल्तिजा, इच्छा, आकाक्षा, आर्जू, भीख की प्रार्थना; प्रार्थनापत्र, अर्जी।

सवालख्वानी (سوال خوانی) अ फा स्त्री—अदालत मे आम अर्जियाँ लेने की पुकार।

सवालनामः (سوال نامہ) अ फा पु—प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमें किसी सभा आदि मे पूछने के सवाल लिखे हो।

सवालात (سوالات) अ पु.—'सवाल' का वहु, वहुत से सवाल, प्रश्नावली।

सवालिफ (سوالف) अ पुं—'सालिफ' का वहु, गुजरे हुए लोग, पूर्वज।

सवाली (سوالی) अ वि—याचक, माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखमगा।

सवाले वस्ल (سوال وصل) अ पु—नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इजहार।

सवालोजवाव (سوال و جواب) अ पु—प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद, कथनोपकथन, वह्स।

सवाहिल (سواحل) अ पु—'साहिल' का वहु, वंदरगाहे, समुद्रतट।

सहरः (سحرہ) अ. पु—'साहिर' का वहु., जादूगर लोग।

सहर (سحر) अ स्त्री—प्रात काल, प्रात, प्रभात, भोर, तडका, सहरी, सहरगही।

सहर (سہر) अ स्त्री—जागरण, जागना, जाग्रति, वेदारी, जागर्ति।

सहरखद (سحرخند) अ फा वि—ऐसी मुस्कुराहट जिसमे दाँत खुल जायँ', इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफेदी पर हँसे।

सहरखेज (سحرخیز) अ. फा वि—वहुत तडके उठने का अभ्यस्त, तडके सोकर उठनेवाला।

सहरखेजी (سحرخیزی) अ फा स्त्री—तडके उठने का अभ्यास, सोकर तड़के उठना।

सहरगह (سحرگہ) अ. फा. स्त्री.—'सहरगाह' का लघु., दे 'सहरगाह'।

सहरगही (سحرگہی) अ. फा स्त्री.—'सहरगाही' का लघु, दे. 'सहरगाही'; रोजो के दिनो में पिछली रात का खाना।

सहरगाह (سحرگاہ) अ. फा. स्त्री.—वहुत तडके, गजरदम, प्रात काल, गोविसर्ग, उप काल।

सहरगाहाँ (سحرگاہاں) अ फा स्त्री—दे 'सहरगाह'।

सहरगाही (سحرگاہی) अ फा स्त्री—सवेरे तडके की, प्रात:काल का; प्रात काल सम्वन्धी।

सहरदम (سحردم) अ फा पु—सवेरे-सवेरे, वहुत तडके, गजरदम।

सहरी (سحری) अ. वि—प्रात काल का, रमजान के दिनो मे कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोजा रखा जाता है, सहरगही।

सहरोशाम (سحروشام) अ फा पु—सुवह और शाम, सवेरे और सध्या के समय।

सहाइफ (صحائف) अ पु.—'सहीफ' का वहु; पुस्तके, ग्रथ, आकाश से उतरी हुई पुस्तके, धर्मग्रथ।

सहावः (صحابہ) अ. पु—मित्रता करना, मित्रगण।

सहावत (صحابت) अ स्त्री—मित्रता करना; सहायता करना।

सहारा (صحارا) अ पु—'सह्रा' का वहु, जगल, वडे-वडे जगल।

सहारी (صحاری) अ पु—'सह्रा' का वहु, वहुत से जगल, वन-समूह।

सहाह (صحاح) अ वि—स्वस्थ, तनदुरुस्त, निर्दोष, वेऐव, (स्त्री) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, पवित्रता, पाकी।

सही (سہی) फा वि—सरल, सीधा, जो लवाई मे सीधा हो, सर्व का सीधा पेड, यह शब्द अकेला सीधे के अर्थ मे वोला नही जाता, दूसरे शब्द से मिलकर वोला जाता है जैसे—'सहीकद' या 'सर्वेसही'।

सहीकः (سحیقہ) अ पु—पिसी हुई चीज, चूर्ण, सुफूफ।

सहीक (سحیق) अ वि—पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफूफ।

सहीकद (سہی قد) फा वि—सीधे और लवे आकार का।

सहीकामत (سہی قامت) फा अ वि.—दे 'सहीकद'।

सही वाला (سہی بالا) फा वि—दे 'सहीकद'।

सहीफः (صحیفہ) अ पु—पुस्तक, किताव, धर्मग्रथ, मजहवी किताव।

सहीफए आस्मानी (صحیفۂ آسمانی) अ. फा पु—आसमान से उतरी हुई किताव जो किसी पैगवर पर उतरी हो।

सहीम (سہیم) अ वि –भागीदार हिस्सेदार।

सहीह (صحیح) अ वि –सत्य, सच यथार्थ ठीक, निर्दोष बेऐब स्वस्थ, चंगा पूर्ण, पूरा, साबित समूचा (पु) वे अरबी अक्षर जो 'अलिफ', वाव और ये के अतिरिक्त है।

सहीहुज्जेहन (صحیح الذہن) अ वि –जिसका जेहन ठीक हो जिसकी बुद्धि ठीक हो जिसके विचार ठीक हो।

सहीहुद्दिमाग़ (صحیح الدماغ) अ वि –जिसका मस्तिष्क ठीक हो जिसकी अक्ल ठीक काम करती हो, जो पागल न हो।

सहीहुन्नसब (صحیح النسب) अ वि –जिसका वंश निर्मल हो शुद्धरक्त (मनुष्य)।

सहीहुन्नस्ल (صحیح النسل) अ वि –जो अच्छे वंश का हो जिसकी जाति अच्छी हो (पशु)।

सहीहुन्नुत्फ़ः (صحیح النطفہ) अ वि –दे 'सहीहुन्नसब'।

सहीहुर्राय (صحیح الرائے) अ वि –जिसकी राय ठीक होती हो बुद्धिमान।

सहीहुलअक्ल (صحیح العقل) अ वि –जिसमे बुद्धिदोष न हो शुद्धबुद्धि।

सहीहुलफ़ह्म (صحیح الفہم) अ वि –जो बात को जल्द समझता हो प्रमाता।

सहीहुलमिज़ाज (صحیح المزاج) अ वि –स्वस्थ नीरोग तन्दुरुस्त शुद्धात्मा नेकतबअ।

सहीहुश्शुऊर (صحیح الشعور) अ वि –जिसकी विवेचन शक्ति शुद्ध हो।

सहीहोसालिम (صحیح و سالم) अ वि –सुरक्षित महफ़ूज़ स्वस्थ तन्दुरुस्त जीवित जिन्दा।

सहूर (سحور) अ स्त्री –सहरी सहरगही रोज़े के दिनों में सवेरे का खाना जिसके बाद रोज़ा होता है।

सहक़ (سحق) अ पु –रगड़ना पीसना स्त्रियों का परस्पर चपटी लड़ाना।

सहज (سحج) अ स्त्री –मरोड़ आँव आँतों की छिलन।

सहन (صحن) अ पु –अजिर आँगन अगनाई एक रेशमी कपड़ा।

सहनक (صحنک) फा स्त्री –छोटा तबाक़ रिकाबी तश्तरी हज़रत फ़ातिमा की नियाज़ का खाना।

सहनची (صحنچی) फा स्त्री –दालान के अगल-बगल की कोठरियाँ।

सहने चमन (صحن چمن) अ फा पु –बाग़ के भीतर का सरसब्ज़ तख्ता।

सहने बाग़ (صحن باغ) अ फा पु –दे 'सहने चमन'।

सहने बुस्ताँ (صحن بستاں) अ फा पु –दे 'सहने चमन'।

सहने मकाँ (صحن مکاں) अ पु –घर का आँगन अजिर अमण।

सहने लामकाँ (صحن لامکاں) अ पु –अंतरिक्ष, खला।

सहब (صحب) अ पु –साहिब का बहु, मित्रगण दोस्त।

सहबा (صہبا) अ स्त्री –मदिरा मद्य शराब, लाल रंग की शराब।

सहबाई (صہبائی) अ फा वि –मद्यप सुरापी शराबी।

सहबान (سحبان) अ पु –अरब का एक बहुत बड़ा शाइर।

सहम (سہم) अ पु –कमान से छूटा हुआ तीर बाण, अंश हिस्सा।

सहम (سہم) फा पु –भय त्रास डर खौफ़।

सहमगीं (سہمگیں) फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, खौफ़ज़दः।

सहमनाक (سہمناک) फा वि –भयंकर, भयानक डरावना भयभीत, खौफ़ज़दः।

सहमुलग़ैब (سہم الغیب) अ पु –जन्मपत्री में भाग्य के शुभ ग्रहों का योग।

सहमुलमौत (سہم الموت) अ पु –मौत का तीर, बाण रूपी मृत्यु, मृत्युरूपी बाण।

सहरा (صحرا) अ पु –कानन अरण्य, वन, जंगल, चटयल मैदान, बियाबान।

सहराई (صحرائی) अ फा वि –जंगली जंगल का जंगल सम्बन्धी असभ्य उजड्ड हुश।

सहराए आज़म (صحرائے اعظم) अ पु –अफ्रीका का रेतीला मैदान जो दुनिया में सबसे बड़ा जंगल है।

सहराए कियामत (صحرائے قیامت) अ पु –कियामत का मैदान जिसमें सारे मुर्दे एकत्र होंगे।

सहराए महशर (صحرائے محشر) अ पु –दे 'सहराए कियामत'।

सहराए लक़्क़ोदक़ (صحرائے لق و دق) अ पु –चटयल मैदान, जिसमें न वृक्ष हो न पानी।

सहरागर्द (صحراگرد) अ फा वि –जंगलों-जंगलों मारा फिरने वाला वनचर काननचारी।

सहरागर्दी (صحراگردی) अ फा स्त्री –जंगलों में मारा-मारा फिरना।

सहरानवर्द (صحرانورد) अ फा वि –जंगलों की छानबीन करनेवाला जंगलों के झकोरे खोजनेवाला दे 'सहरागर्द'।

सहरानवर्दी (صحرانوردی) अ फा स्त्री –जंगलों में छानबीन करना जंगलों-जंगलों मारा फिरना।

सहरानशीं (صحرانشیں) अ फा वि –जंगल में रहनेवाला, जंगल का निवासी।

सहानशीनी (صحرانشینی) अ. फा स्त्री –जंगल में रहन-सहन करना, जंगल मे रहना।
सहानियोश (صحرانیوش) अ. फा. वि.–दे 'सहागर्द'।
सह्लंगार (سہل انگار) अ. फा वि.–सुगमता ढूंढनेवाला, आलसी, काहिल, सुस्त।
सह्लंगारी (سہل انگاری) अ. फा. स्त्री –सुगमता ढूंढना, आलस, काहिली।
सहल (سہل) अ वि.–सरल, सुगम, सहज, आसान।
सहलअंगार (سہل انگار) अ फा वि.–दे. 'सह्लंगार'।
सहलअंगारी (سہل انگاری) अ फा. स्त्री.–दे. 'सह्लंगारी'।
सहलुलअमल (سہل العمل) अ. वि –वह काम जो सुगमता-पूर्वक हो जाय, सुसाध्य, सुखसाध्य।
सहलुलवुसूल (سہل الوصول) अ. वि –जो सहज मे वुसूल हो जाय।
सहलुलहुसूल (سہل الحصول) अ. वि –जो सुगमतापूर्वक प्राप्त हो जाय।
सहले मुम्तना (سہل ممتنع) अ. वि.–ऐसा शे'र जो बहुत सरल जान पड़े परतु वैसा कहना असंभव हो।
सह्व (صحو) अ पु –सचेष्टता, होशयारी।
सह्व (سہو) अ. पु –विस्मरण, प्रमाद, भूल; त्रुटि, भ्राति, गलती।
सह्वन (سہواً) अ. वि.–विस्मृतिवश, भूल मे; अज्ञानत., अनजान में।
सह्वे कलम (سہو قلم) अ पु –कलम से कुछ का कुछ लिख जाना, लेखनी-भ्रम।
सह्वे किताबत (سہو کتابت) अ पु.–लिखने की त्रुटि, भूल में कुछ का कुछ लिख जाना।
सह्वे सज्दः (سہو سجدہ) अ पु –नमाज़ मे यह याद न रहना कि एक सज्द किया है या दो।
सह्हास (سہام) अ वि.–तीरदाज, धनुर्धारी।

सा

सां (ساں) फा वि –समान, तुल्य, मिस्ल।
सा (سا) फा वि –समान, मानिंद, (प्रत्य) घिसनेवाला, जैसे 'जबीसा' माथा रगडनेवाला।
साअः (ساعہ) अ पु.–दे 'साअत', घडी।
साअ (صاع) अ पु –नीची जमीन, २ सेर १४ छटाँक और ४ तोले का वज़्न।
साअत (ساعت) अ स्त्री –ढाई घडी का समय, एक घंटा; मुहूर्त, अच्छी या बुरी घडी, क्षण, लम्हा; समय, वक्त, क़ियामत का दिन।
साअते उमूमी (ساعت عمومی) अ. स्त्री –घटाघर।
साअते नह्स (ساعت نحس) अ. स्त्री –बुरी घडी, अशुभ मुहूर्त, जिसमे कोई काम करना उचित न हो।
साअते नेक (ساعت نیک) अ. फा. स्त्री.–अच्छी घड़ी, शुभ मुहूर्त, जिसमे कोई काम करना लाभकर हो।
साअते बद (ساعت بد) अ. फा. स्त्री –दे. 'साअते नह्स'।
साअते मज्लिसी (ساعت مجلسی) अ. स्त्री.–दीवार की घडी, क्लाक।
साअते मनूहस (ساعت منحوس) अ. स्त्री.–दे. 'साअते नह्स'।
साअते संगीं (ساعت سنگین) अ फा स्त्री –कठिन वक़्त, आपत्ति-काल, मुसीबत का समय।
साअते सईद (ساعت سعید) अ स्त्री.–दे. 'साअते नेक'।
साआत (ساعات) अ. स्त्री –'साअत' का बहु, मुहूरतें, घड़ियाँ, क्षण।
साइंदः (سایندہ) फा. वि –घिसनेवाला, रगड़नेवाला, पीसनेवाला, घर्षक।
साइक़ः (صاعقہ) अ. स्त्री.–गिरनेवाली बिजली; तडित, विद्युत्, बिजली।
साइकःअफ़गन (صاعقہ افگن) अ. फा. वि.–बिजलियाँ गिरानेवाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियाँ गिराये।
साइकःज़ा (صاعقہ زا) अ. फा वि.–बिजलियाँ पैदा करने-वाला (वाली), वह दृष्टि जिससे बिजलियाँ पैदा हो।
साइक़ःफ़िगन (صاعقہ فگن) अ. फा. वि –दे 'साइक़ःअफ़गन'।
साइकःबार (صاعقہ بار) अ फा. वि.–बिजलियाँ बरसाने वाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियो की बारिश करे।
साइक़ (سائق) अ वि –अंधे को पीछे से सहारा देकर आगे बढानेवाला, जैसा कि 'काइद' अंधे को आगे से सहारा देता है।
साइग़ (صائغ) अ. वि –स्वर्णकार, सुनार।
साइद (ساعد) अ पु –पहुँचा, कलाई।
साइद (صاعد) अ वि –ऊपर चढ़नेवाला।
साइब (صائب) अ वि –पहुँचनेवाला, रसा, शुद्ध, सही।
साइबान (سائبان) फा पु –मकान का छज्जा, छाजन, छप्पर आदि जो धूप की आड को हो।
साइबुर्राय (صائب الرائے) अ वि –जिसकी राय बहुत ठोस और शुद्ध हो।
साइबुलअक्ल (صائب العقل) अ वि –जिसकी बुद्धि ठीक सोचती हो।
साइमः (صائمہ) अ स्त्री –रोज दार स्त्री, वह स्त्री जो रोजे से हो।

साइम (صائم) अ पु –रोजा रखनेवाला, रोजा रखनेवाला व्रती।

साइमुद्दह्र (صائم الدهر) अ पु –हमेशा रोजा रखनेवाला नित्यव्रती।

साइमुल्लैल (صائم اللیل) अ पु –रात का रोजा रखने वाला।

साइरः (سائرہ) अ स्त्री –घूमने फिरनेवाली।

साइर (سائر) अ वि –घूमने फिरने वाला सब तमाम, शेष बाक़ी चुंगी का महसूल।

साइलः (سائلہ) अ स्त्री –मांगनेवाली भिखारिन सवाल करनेवाली।

साइल (سائل) अ पु –सवाल करनेवाला पूछनेवाला भिक्षुक भिखमंगा प्रार्थी दरख्वास्त देनेवाला उम्मीदवार आसरा लगानेवाला।

साइल बक्फ़ (سائل بکف) अ फा वि –हाथ में मांगने वाला जिसके पास मांगने का बर्तन न हो केवल हाथ हो।

साइस (سائس) अ पु –सईस घोड़े का रखवाला।

साई (ساعی) अ वि –कोशिश करनेवाला प्रयत्नशील।

साइद (سائیدہ) फा वि –पिसा हुआ चूर्णित।

साईदनी (سائیدنی) फा वि –पीसने के लायक़।

साए (ساے) फा प्रत्य –[illegible] सा।

साएबान (سائبان) फा पु –दे साइबान।

साक़ः (ساقہ) अ पु –सेना का वह भाग जो पीछे रहता है चिन्दावुल।

साक़ (ساق) अ स्त्री –पिंडली।

साक़िए बज़्मेनिगाह (ساقیٔ بزم نگاہ) अ फा पु –वह साक़ी जो पीनेवालों की ओर ध्यान न दे।

साक़िए कौसर (ساقیٔ کوثر) अ पु –कौसर की शराब पिलानेवाला साक़ी अर्थात हज़रत मुहम्मद।

साक़िए दरियादिल (ساقیٔ دریادل) अ फा पु –जो खूबदिल खोलकर पिलाये।

साक़िए महशर (ساقیٔ محشر) अ पु –क़ियामत के दिन बिहिश्त की शराब पिलानेवाला पैग़म्बर साहब।

साक़ित (ساقط) अ वि –गिरनेवाला जाता रहनेवाला गिरा हुआ त्यागा हुआ।

साकित (ساکت) अ वि –मौन चुप खामोश गतिहीन निश्चल बेहरकत।

साक़ितुल्एतिबार (ساقط الاعتبار) अ वि –जिसका विश्वास उठ गया हो अविश्वासी।

साक़ितुलमिल्कियत (ساقط الملکیت) अ स्त्री –जिस

साकितोसामित (ساکت وصامت) अ वि –जो न बोले न हिले डुले तद्वत निस्तब्ध।

साकिन (ساکن) अ वि –स्थिर ठहरा हुआ जिसमें हरकत न हो निवासी, रहनेवाला बाशिन्दा क्रिया शून्य वह अक्षर जो हलन्त हो।

साकिनुलअव्वल (ساکن الاول) अ वि –वह शब्द जिसका पहला अक्षर हलन्त हो, अरबी या फ़ारसी में ऐसा शब्द नहीं होता।

साकिनुल्आख़िर (ساکن الآخر) अ वि –वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर हलन्त हो हलन्त।

साकिनुलऔसत (ساکن الاوسط) अ वि –वह शब्द जिसका बीचवाला अक्षर हलन्त हो।

साक़िब (ثاقب) अ पु –चमकनेवाला प्रकाशमान एक दर्द जिसमें ऐसा कष्ट होता है जैसे कोई शरीर में छेद कर रहा हो।

साक़ियः (ساقیہ) अ स्त्री –शराब पिलानेवाली स्त्री छोटी नदी रहट।

साक़िया (ساقیا) अ फा पु –ऐ साक़ी।

साक़ी (ساقی) अ वि –शराब पिलानेवाला।

साक़े बिल्लूरीं (ساق بلوریں) अ फा स्त्री –बिल्लूर जैसी सफ़ेद और उज्ज्वल पिंडलियां।

साक़े सीमीं (ساق سیمیں) अ फा स्त्री –चांदी जैसी सफ़ेद और चमकदार पिंडलियां।

साक़्न (ساقین) अ स्त्री –दोनों पिंडलियां।

साख़्तः (ساختہ) फा वि –बनाया हुआ निर्मित कृत्रिम मसनूई कूट नक़्ली जाली।

साख़्तः परदाख़्तः (ساختہ پرداختہ) फा वि –बनाया संवारा पाला-पोसा किया-कराया।

साख़्तः (ساختہ رو) फा वि –ग़ाज़ा से मुंह बनाये हुए मुंह को पौडर और लिपिस्टिक आदि से संवारे हुए।

साख़्त (ساخت) फा स्त्री –बनावट गढ़त कृत्रिमता मसनूईपन काट तराश मिष बहाना।

साख़्तगी (ساختگی) फा स्त्री –बनावट।

साग़र (ساغر) फा पु –शराब का प्याला चषक पानपात्र।

साग़रकश (ساغرکش) फा वि –मद्यप शराबी।

साग़रनोश (ساغرنوش) फा वि –दे साग़रकश।

साग़रपैमा (ساغرپیما) फा वि –दे साग़रकश।

साग़र बकफ़ (ساغر بکف) फा वि –हाथ में शराब का पैमाना लिये हुए।

साग़र बदस्त (ساغر بدست) फा वि –दे साग़र बकफ़।

साग़रे मै (ساغر مے) फा. पु.–शराब का प्याला, पानपात्र।
साग़रे सरशार (ساغر سرشار) फा पु.–शराब से लवालव प्याला, मुँह तक भरा हुआ प्याला।
साचक (ساچق) तु स्त्री –व्याह से एक दिन पहले की रस्म जिसमे दूल्हा के घर से वरी का सामान मेहदी, सुहाग पुड़ा, तेल-इत्र, मेवा-मिस्री आदि कुछ आदमियो के साथ दुल्हन के घर जाता है। (इस शब्द का शुद्ध रूप 'साचिक' है।)
साचिक (ساچق) तु स्त्री –'साचक' का शुद्ध रूप, परंतु उर्दू में 'साचक' ही बोलते हैं।
साच्मः (ساچمه) तु पु –छर्रे की थैली, मोटे छर्रो या पैसो की थैली जो तोप मे छुडाई जाती है, जिससे एक साथ वहुत से लोग मरते है।
साज (ساج) अ पु –साखू का पेड, साल।
साज़ (ساز) फा पु –उपकरण, सामान, प्रवध, इतिजाम, वाजा, वाद्य, मेल-जोल, रव्त-जव्त, अनुकूलता, मुआफकत; घोडे का सामान, जैसे जीन, लगाम, काठी आदि (प्रत्य.)।
साज़गर (سازگر) फा वि –वाजा वनानेवाला, वाद्यकार।
साज़गरी (سازگری) फा स्त्री.–वाजे वनाने का काम, वाद्यकर्म।
साज़गार (سازگار) फा वि –अनुकूल, मुआफिक, शुभान्वित, मुवारक, जो वात रास आ जाय।
साज़गारी (سازگاری) फा. स्त्री –अनुकूलता, मुआफकत, शुभकारिता, कल्याण, किसी वात का रास आ जाना।
साज्ज (ساذج) अ वि –सामान्य, सादा, एक दवा, तेजपात।
साज़वाज़ (سازباز) अ स्त्री –गठजोड़, साजिश; किसी गलत काम के लिए कुछ लोगो का मतैक्य।
साज़मंद (سازمند) फा. वि –सुसज्जित, आरास्ता, अनुकूल, साजगार।
साज़मंदी (سازمندی) फा. स्त्री –सुसज्जा, सजावट, अनुकूलता, साजगारी।
साज़िंदः (سازنده) फा. वि.–साज वजानेवाला वादक, तन्त्री, नाच मे सारगी वजानेवाला।
साज़िंदगी (سازندگی) फा स्त्री –साज वजाने का काम, वादकर्म; नाच में सारगी वजाना।
साजिद (ساجد) अ वि –सज्द. करनेवाला, ईश्वर के आगे झुकनेवाला।
साज़िश (سازش) फा. स्त्री.–किसी को हानि पहुँचाने या अवैधानिक रूप मे किसी से कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ लोगो का गुप्त रूप मे गठजोड, षड्यंत्र, कुचक्र।
साज़िशकुनिंदः (سازش کننده) फा वि –षड्यत्री, कुचक्री,
साज़िशी (سازشی) फा. वि –चक्रातकारी, कुचक्री, षड्यंत्री, साजिश करनेवाला।
साज़े ऐश (ساز عیش) फा. अ. पु –भोग-विलास का सामान; खुशी के शादयाने।
साज़े सफर (ساز سفر) फा. अ. पु –सफ़र मे साथ जाने का जरूरी सामान, यात्रोपकरण।
साज़ो वर्ग (سازو برگ) फा पु –दे. 'साजो सामान', धन-दौलत।
साज़ो सामान (سازو سامان) फा पु –उपकरण, सामान; किसी काम की जरूरी सामग्री, सामान के तैयारी।
सा'तर (صعتر) अ. स्त्री –एक घास जो दवा मे काम आती है।
सा'तरवाज़ (صعترباز) अ फा स्त्री –चपटी लडानेवाली स्त्री।
सातरी (سعتری) अ फा स्त्री –चपटी लडानेवाली स्त्री।
सातिर (ساتر) अ वि –छिपानेवाला, गोपक।
सातूर (ساطور) अ पु –वडी और धारदार छुरी।
साते' (ساطع) अ वि –उत्तुग, ऊँचा, वलद, उज्ज्वल, धवल, शफ़्फाफ, दीप्त, रौशन।
सातग़ी (ساتگین) तु पु –प्रेयसी, नायिका, माशूक, शराव का प्याला, पानपात्र, चपक।
सादः (ساده) फा. वि –कोरा, वेदाग, भोला-भाला, सीधा; वेडाढी मूँछ का; निर्मल, ख़ालिस, निश्छल, साफ दिल; मूर्ख, वेवकूफ, वे लिखा कागज, या विना काम वना हुआ कपड़ा आदि।
सादःकार (ساده کار) फा. वि.–सादा और हलका काम वनानेवाला; वह सुनार जो जेवरो पर वहुत अच्छा काम वनाये।
सादःकारी (ساده کاری) फा. स्त्री –साद कार का काम, जेवरो पर वहुत सवुक और वारीक काम वनाना।
सादःतब्अ (ساده طبع) फा अ. वि.–भोला-भाला, सीधा-सादा, सरलस्वभाव।
साद तब्ई (ساده طبعی) फा. अ. स्त्री –भोला-भाला पन, सीधा-सादापन।
साद.तौर (ساده طور) फा अ वि –सीधे-सादे आचरण-वाला, जिसमे टीपटाप न हो।
साद दिल (ساده دل) फा. वि –निश्छल, निष्कपट, साफ दिलवाला, भोला-भाला, वुद्धू, मूर्ख।
साद दिली (ساده دلی) फा. स्त्री –निश्छलता, साफ-दिली; भोला-भालापन, वुद्धूपन।
सादःपुरकार (ساده پرکار) फा वि –जो देखने मे सीधा-और छली हो।

सादपुरकारी (سادہ پرکاری) फा स्त्री –देखने में सादा भाला होना परन्तु वड़ा दगा होना।
सादमिजाज (سادہ مزاج) फा अ वि –दे 'सादालौह'।
सादमिजाजी (سادہ مزاجی) फा अ स्त्री –स्वभाव की सादगी।
सादरुख (سادہ رخ) फा वि –दे 'सादह'।
सादह (سادہ) फा वि –जिसके दाढ़ी-मूँछें न निकली हों परन्तु जवानी पर पहुँच गया हो अकुरितयौवन।
सादलौह (سادہ لوح) अ फा वि –भोला भाला, निश्छल, मुग्ध।
सादलौही (سادہ لوحی) फा अ स्त्री –भोला भालापन मुग्धता।
सादवजअ (سادہ وضع) फा अ वि –दे 'सादालौह' वेश भूषा में टीपटाप का ध्यान न करनेवाला।
सादवजई (سادہ وضعی) फा अ स्त्री –वेश भूषा की सादगी मिजाज की सादगी।
सा'द (سعد) अ वि –शुभ, मुबारक, श्रेष्ठ, पुनीत नेक वाईसवाँ नक्षत्र श्रवण।
साद (صاد) अ पु –अरबी का चौदहवाँ अक्षर ठीक होने पर बनाया जानेवाला चिह्न (ص) आँख।
सादगी (سادگی) फा स्त्री –सादापन भोलापन निश्छलता बिना मूरतता चिह्न, चित्र या काम बना होना।
सादगीए मिजाज (سادگی مزاج) फा अ स्त्री –स्वभाव की सरलता सीधा-सादापन।
सादात (سادات) अ पु –सादत श्रेष्ठ जन बुजुर्ग लोग सयद खानदान के लोग।
सादिक़ (صادق) अ वि –सत्यवादी सच्चा न्यायनिष्ठ मुसिफ स्वामिभक्त वफादार चरितार्थ चस्पाँ।
सादिकुर्राय (صادق الرائے) अ वि –जिसकी सलाह और राय सच्चा होती हो।
सादिकुलअह्द (صادق العہد) अ वि –जो वा'दे का पक्का हो दृढ़प्रतिज्ञ सत्यसंकल्प।
सादिकुलएतिकाद (صادق الاعتقاد) अ वि –जिसका धर्म विश्वास अटल हो।
सादिकुलकौल (صادق القول) अ वि –बात का पूरा कौल का पक्का सत्यव्रत सत्यसगर।
सादिकुल्वा'द (صادق الوعد) अ वि –दे सादिकुल अह्द।
सादिर (صادر) अ वि –निकलनेवाला चालू होनेवाला जारी होनेवाला।
सादिर (سادر) अ वि –निस्तब्ध, चकित नाभर उद्विग्न, आतुर परेशान।
सादिस (سادس) अ वि –छठा, छठवाँ षष्ठ।
सा'दुस्सऊद (سعد السعود) अ पु –बृहस्पति ग्रह मुश्तरी, चौबीसवाँ नक्षत्र शतभिषा।
सा'दे अक्बर (سعد اکبر) अ पु –बृहस्पति मुश्तरी।
सा'दे कूफी (سعد کوفی) अ पु –एक आयधि नागरमोथा मुश्कज़ेर।
सा'दे जाबेह (سعد ذابح) अ पु –बाईसवाँ नक्षत्र श्रवण।
सा'दैन (سعدین) अ पु –शुक्र और बृहस्पति के दो ग्रह, ज़ोहरा और मुश्तरी।
सान (سان) फा पु –चाकू या छुरा आदि पर धार रखने का पत्थर, शाण।
सानज़द (سان زدہ) फा वि –सान रक्खा हुआ पालिश।
सानवी (ثانوی) फा वि –द्वितीय दूसरा दूसरे से सम्बन्धित दूसरावाला।
सानिए कुदरत (صانع قدرت) अ पु –चित्रकार रूपी प्रकृति, ईश्वर, स्रष्टा।
सानिए मुत्लक (صانع مطلق) अ पु –ईश्वर मूलस्रष्टा, असली बनानेवाला।
सानिए हक़ीक़ी (صانع حقیقی) अ पु –दे सानिए मुत्लक़।
सानिह (سانحہ) अ पु –दुर्घटना हादिसा आपत्ति मुसीबत, कोई बुरे समाचार किसी के मरने आदि की खबर।
सानिहए इंतिहाल (سانحۂ ارتحال) अ पु –किसी के मरने की दुर्घटना।
सानिय (ثانیہ) अ पु –मिनिट १।६० घटा क्षण, लम्हा, घड़ी।
सानियन (ثانیاً) अ वि –दुबारा पुनः दूसरे यह कि।
सानियलहाल (ثانی الحال) अ वि –दूसरा वक्त दूसरे समय।
सानी (ثانی) अ वि –द्वितीय दूसरा अन्य दीगर।
साने (صانع) अ वि –निर्माता बनानेवाला रचयिता स्रष्टा कारीगर।
साफ (صافہ) अ पु –पगड़ी शिरोवेष्टन उष्णीष।
साफ (صاف) अ वि –स्पष्ट वाजह पवित्र पाक स्वच्छ शफ्फाफ निर्मल खालिस निर्दोष बेऐब सुगम सरल आसान कोरा बेदाग चिकना सपाट।
साफगो (صاف گو) अ फा वि –लगा लिपटी न रखने वाला स्पष्टवादी मुहफट अवाक।
साफगोई (صاف گوئی) अ फा स्त्री –सच्ची बात कह देना, लगी लिपटी न रखना दो टूक बात करना।

साफ़ज़मीर (صاف ضمیر) अ. वि.—जिसका मन साफ हो, जिसके अंत करण में पाप न हो, अंत.शुद्ध।
साफ़तब्अ (صاف طبع) अ. वि.—दे 'साफ तीनत'।
साफ़तीनत (صاف طینت) अ. वि.—अंत शुद्ध, पवित्रमनस्क, पाकबातिन।
साफ़दिल (صاف دل) अ. फ़ा. वि.—दे. 'साफतीनत'; किसी की ओर से मन में द्वेष न रखनेवाला।
साफ़दिली (صاف دلی) अ. फ़ा. स्त्री.—अंत शुद्धि, चित्त का निर्मल और निष्पाप होना; किसी की ओर से दिल में द्वेष या वैरभाव न होना।
साफ़बयान (صاف بیان) अ. वि.—दे. 'साफगो'।
साफ़बयानी (صاف بیانی) अ. स्त्री.—दे. 'साफगोई'।
साफ़बातिन (صاف باطن) अ. वि.—शुद्ध अन्त करणवाला, शुद्धात्मा।
साफ़ बातिनी (صاف باطنی) अ स्त्री —आत्मा की शुद्धि, मन की सफाई।
साफ़िए मय (صافئ مے) अ. फ़ा. स्त्री.—शराब छानने का कपड़ा, छन्ना।
साफ़िन (صافن) अ. स्त्री —पिंडली की एक रग।
साफ़िल (سافل) अ. वि.—निकृष्ट, नीच, नीचा, पस्त, नीचेवाला।
साफ़ी (صافی) अ वि —शुद्ध करनेवाला, शुद्धता, सफाई; छानने का कपडा, छन्ना।
साफ़ी मनिश (صافی منش) अ. फ़ा. वि —सदाचारी, अच्छे स्वभाव और व्यवहारवाला।
साफ़ो शफ़्फ़ाफ़ (صاف و شفاف) अ. वि.—बहुत ही निर्मल और स्वच्छ, बहुत चमक-दमकवाला।
सा'ब (صعب) अ वि.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल; अवज्ञाकारी, सरकश, उद्दंड।
सा'बतर (صعب تر) अ. फ़ा. वि.—अत्यंत कठिन, बहुत ही मुश्किल।
साबिक़ः (سابقہ) अ. वि —अगलेवाली, पहली, सम्बन्ध राबित, प्रयोजन, वासित, पिछली जान-पहचान, काम, मुआमल, वह अक्षर या अक्षर-समूह जो किसी शब्द के पहले लाया जाय, उपसर्ग।
साबिक़ (سابق) अ. वि —पिछला, गुजरा हुआ, आगे बढ जानेवाला।
साबिक़ुज्जिक्र (سابق الذکر) अ. वि —जिसका जिक्र पहले हो चुका हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।
साबिक़ुलमज़्कूर (سابق المذکور) अ वि —दे 'साबिकुज्जिक्र'।
साबिक़ दस्तूर (سابق دستور) अ वि —पहले की तरह, पूर्ववत्, जैसा पहले था वैसा ही, यथापूर्व।
साबिग़ (صابغ) अ. वि.—रँगनेवाला।
साबित (ثابت) अ वि —स्थिर, नाकिन; प्रमाणित, मुसल्लम; समग्र, सब, पूरा, समूचा, दृढ, मज्बूत।
साबितक़दम (ثابت قدم) अ वि —जो अपने इरादे पर अटल रहे, दृढनिश्चय—जो अपने कौल और बात पर अटल रहे, दृढ प्रतिज्ञ।
साबित क़दमी (ثابت قدمی) अ स्त्री.—इरादे की दृढता; कौल और वादे की दृढता।
साबिरः (صابرہ) अ. स्त्री —हरेक अवस्था में ईश्वर पर निर्भर रहनेवाली स्त्री।
साबिर (صابر) अ पु —हर हाल में ईश्वरेच्छा चाहनेवाला व्यक्ति, सहिष्णु, सहनशील, मुतहम्मिल।
साबिरो शाकिर (صابر و شاکر) अ वि —जो हर साल हाल में सब्र करे और ईश्वर का धन्यवाद दे।
साबी (صابی) अ. वि.—धर्म-परिवर्तन करनेवाला, विधर्मी।
साबुन (صابن) अ. पु.—दे. 'साबून', परतु उर्दू में 'साबुन' ही बोलते हैं।
साबुनफ़रोश (صابن فروش) अ. फ़ा वि —साबुन बेचनेवाला।
साबुनसाज़ (صابن ساز) अ फ़ा वि —साबुन बनानेवाला।
साबून (صابون) अ. पु.—दे. 'साबुन'।
साबूनी (صابونی) अ वि —एक प्रकार की मिठाई।
साबे' (سابع) अ वि —सातवाँ, सप्तम।
सामंदर (سامندر) फ़ा पु —समदर, वह कीडा जो आग में रहता है।
साम (سام) फ़ा पु —शोथ, वरम, सूजन, पीडा, दर्द; अग्नि, आग, रुस्तम के बाप का नाम।
साम (سام) अ. स्त्री —मृत्यु, मरण, मौत, हनन, हलाकी; हज्रत नूह का एक लडका।
सामअंदर (سام اندر) फ़ा. पु.—दे. 'सामदर'।
सामान (سامان) फ़ा पु —उपकरण, सामग्री, मसाला, किसी काम के लिए उसकी आवश्यक वस्तुएँ, सजावट, आरास्ती, बदोबस्त, प्रबध, अस्बाब, चीज वस्त।
सामाने ऐश (سامان عیش) फ़ा अ पु —सुख और भोग-विलास की सामग्री, उपभोग, सुख-सामग्री।
सामाने ख़ान:दारी (سامان خانہ داری) फ़ा पु.—घर-गिरस्ती की आवश्यक वस्तुएँ, गृहोपकरण।
सामाने ख़ुरोनोश (سامان خورونوش) फ़ा पु —खाने-पीने की चीजें, खाद्य-सामग्री।

सामाने ज़ीनत (سامان زینت) फा अ पु—अपना सजावट का सामान प्रसाधन जगह आदि की सजावट का सामग्री।
सामाने ज़ुरूरी (سامان ضروری) फा अ पु—आवश्यक वस्तुएँ उपकरण।
सामाने मईशत (سامان معیشت) फा अ पु—जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक वस्तुएँ।
सामाने राहत (سامان راحت) फा अ पु—दे 'सामाने ऐश'।
सामाने सफ़र (سامان سفر) फा अ पु—यात्रा में साथ ले जानेवाला आवश्यक वस्तुएँ।
सामिअ (سامعہ) अ स्त्री—श्रवण शक्ति सुनने समाअत।
सामिअ:ख़राश (سامعہ خراش) अ फा वि—जो बात कानों को अप्रिय लगे कर्णकटु श्रुतिप्रिय।
सामिअ:नवाज़ (سامعہ نواز) अ फा वि—जो बात कानों को अच्छी लगे कर्णप्रिय कर्ण-सुखद।
सामिईन (سامعین) अ पु—सुननेवाले श्रोतागण श्रोता मंडली।
सामित (سامت) अ वि—मौन चुप ख़ामोश।
सामिन (ثامن) अ वि—आठवा अष्टम।
सामिरी (سامری) अ पु—सामिरा नगर का रहनेवाला एक जादूगर जिसने हज़रत मूसा की उम्मत में गाय की पूजा प्रचलित की।
सामिरी फ़न (سامری فن) अ वि—जादूगर मायावी छली वंचक मक्कार।
सामिरीयत (سامریت) अ स्त्री—मायाकर्म इंद्रजाल जादूगरी।
सामी (سامی) फा वि—उच्च उत्तुंग बलंद ऊंचा श्रेष्ठ पूज्य बुज़ुर्ग।
सामे (سامع) अ वि—सुननेवाला श्रोता।
सामे अब्रस (سام ابرص) अ स्त्री—गृहगोधा छिपकली गृह गोधा।
साय: (سایہ) फा पु—छाया परछाईं प्रतिबिम्ब अक्स प्रतछाया आसेब आश्रय शरण पनाह पक्षपात पृष्ठ पोषण हिमायत प्रभाव असर।
साय:अफ़गन (سایہ افگن) फा वि—छाया डालनेवाला रक्षा और कृपा करनेवाला।
साय:गाह (سایہ گاہ) फा स्त्री—सुरक्षा स्थान इत्मीनान की जगह पनाहगाह।
साय:गुस्तर (سایہ گستر) फा वि—दे 'साय:अफ़गन'।
साय:दार (سایہ دار) फा वि—जिसमें साया हो जिसके साये में लोग बैठें।
साय:पवर (سایہ پرور) फा वि—दे 'साय:पर्वर्द'।
साय:पर्वर्द (سایہ پرورده) फा वि—लाड़-प्यार में पला हुआ सुकुमार घर पाला हुआ नमक का पला हुआ, किसी की कृपा से पला हुआ।
साय:फ़िगन (سایہ فگن) फा वि—दे 'साय:अफ़गन'।
साय:परस्त (سایہ پرست) फा वि—लाड़-प्यार में पला हुआ नाज़ुपर्वर्द।
सायए आतिफ़त (سایۂ عاطفت) फा अ पु—अनुकम्पा और दया की छांव अर्थात् कृपा और दया।
सायए तेग़ (سایۂ تیغ) फा पु—तलवारों की छाँव तलवारों के तले।
सायए दस्त (سایۂ دست) फा पु—सहायता, मदद सुरक्षा हिफ़ाज़त।
सार: (سارہ) फा पु—एक प्रकार की चादर, आड़, ओट, परदा उत्कोच रिश्वत।
सार (سار) फा पु—एक चिड़िया उप्र ऊँट (प्रत्य) वाला जैसे—'नमसार' बहुतात जैसे—'कोहसार' समान जैसे—'दिवसार'।
सारबान (ساربان) फा वि—उष्ट्रपाल उष्ट्रपाल।
सारा (سارا) फा वि—निष्केवल ख़ालिस बेमेल अद्वितीय ग़ैरमस्नूई।
सारिक़: (سارقہ) अ स्त्री—चोर स्त्री।
सारिक़ (سارق) अ पु—चोर तस्कर।
सारिफ़ (صارف) अ वि—व्यय करनेवाला ख़र्च करनेवाला कालचक्र गर्दिश।
सारिम (صارم) अ स्त्री—बहुत तेज़ तलवार काटनेवाली तलवार।
सारी (ساری) अ वि—संचारण करनेवाला प्रभाव करने वाला।
साल: (سالہ) फा प्रत्य—सालवाला, जैसे—'यकसाल:' एक सालवाला।
साल (سال) फा पु—वत्सर वर्ष बरस।
सालख़ुर्द (سال خوردہ) फा वि—वयोवृद्ध जरठ बूढ़ा।
सालख़ुर्द: (سال خوردہ) फा वि—बूढ़ा जराग्रस्त बुड्ढा।
सालगिरह (سالگرہ) फा स्त्री—जन्मतिथि जन्मतिथि हर साल जन्मदिन पर मनाया जानेवाला उत्सव।
सालनाम: (سالنامہ) फा पु—वह विशेषांक जो वर्ष में निकलता है ...

ालब (ثعلب) अ स्त्री.—लोमडी, लोखड़ी, गोमशा, लोमगी, लोमालिका।

ाल बसाल (سال بسال) फा. वि.—हर साल, वर्ष प्रति वर्ष, प्रतिवर्ष।

ालहा साल (سالہا سال) फा वि —वरसहा वरस, वरसो, मुद्दता, वहुत अधिक समय तक।

सालानः (سالانہ) फा वि —वार्पिक, आव्दिक, वात्सरिक, साल का।

सालार (سالار) फा पु —सेनापति, सिपहसालार, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

सालारी (سالاری) फा स्त्री —सेनापतित्व, सिपहसालारी, अध्यक्षता, सरदारी।

सालारे क़ाफिलः (سالار قافلہ) फा अ. पु —काफिले अर्थात् यात्रीदल का मुखिया।

सालारे कावाँ (سالار کاروان) फा पु —दे 'सालारे काफिल'।

सालारे कौम (سالار قوم) फा अ पु.—राष्ट्र का नेता, मुल्क का लीडर, किसी जाति-विशेष का नेता।

सालारे जंग (سالار جنگ) फा पु —सेनापति, फौज का सरदार।

सालिक (سالک) अ वि —पथिक, वटोही, रस्त गीर; वह व्यक्ति जो गृहस्थाश्रम मे रहते हुए वहुत वडा साधक हो।

सालिफ (سالف) अ वि —आगे गया हुआ, गुजरा हुआ, पूर्वज।

सालिक़ः (سالقہ) अ स्त्री —कवच, जिरिह।

सालिव (سالب) अ वि —सल्व करनेवाला, निवारक।

सालिम (سالم) अ. वि —सपूर्ण, समग्र, समूचा; स्वस्थ, तन्दुरुस्त, सुरक्षित, महफूज; यथावत्, ज्यो का त्यो।

सालिमन (سالماً) अ वि —पूरे तौर पर, पूर्णतया; सुरक्षता-पूर्वक, वहिफाज़त।

सालियाँ (سالیاں) फा. पु —'साल' का वहु, वरस।

सालियानः (سالیانہ) फा वि —वार्पिक, सालाना, पु वह हक या इनआम जो प्रतिवर्ष दिया जाता हो।

सालिस (ثالث) अ. वि —तीसरा, तृतीय, मध्यस्थ, पच, विचौलिया, हकम।

सालिस विलख़ैर (ثالث بالخیر) अ पु —वह पच जो किसी का पक्षपात किये विना अपना निर्णय दे।

सालिसी (ثالثی) अ स्त्री.—पचायत, पचायत द्वारा किसी झगडे का निर्णय।

सालिहः (صالحہ) अ स्त्री —साध्वी, सच्चरित्रा, नेक और चरित्र, नेक और परहेजगार, दे 'सालेह'।

सालिहात (صالحات) अ स्त्री.—'सालिह' का वहु, साध्वी स्त्रियाँ, परहेजगार औरते।

सालिहुलकैमूस (صالح الکیموس) अ वि —वह भोजन जिससे अच्छा रस वने जो शुद्ध रक्त वना सके।

साली (سالی) फा. वि —पुराना, जीर्ण, (प्रत्य) साल, जैसे 'खुश्कसाली' कहत का साल।

सालूक (سالوک) अ वि.—वहुत अधिक चलनेवाला।

सालूस (سالوس) फा अ वि —चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, छली, वचक, मक्कार।

सालूसी (سالوسی) फा स्त्री —चाटुकारिता, खुशामद; छल, धूर्तता, फिरेव।

साले आइंदः (سال آیندہ) फा पु —आगामी वर्ष, आनेवाला, साल, अगला साल।

साले ईसवी (سال عیسوی) फा अ. पु —वह संवत्सर जो हज़रत ईसा के फाँसी पाने के समय से चला है।

साले कवीसः (سال کبیسہ) फा. अ पु —लौद का साल, वह साल जिसमे लौद का महीना पडे, वह ईसवी साल जिसमे फरवरी २९ दिन का हो।

साले कमरी (سال قمری) फा अ. पु —वह साल जिसके महीनो का हिसाव चाँद की घटावढी से हो।

साले गुजश्तः (سال گزشتہ) फा पु —गत वर्ष, बीता हुआ साल।

साले जलाली (سال جلالی) फा अ पु —जलालुद्दीन मलिक शाहे सलजूकी का चलाया हुआ साल जो ३६५ दिन और ६ घटो का होता था, और अव तक वही हिसाव राइज है।

साले तमाम (سال تمام) फा अ पु —पूर्ण वर्ष, सारा साल।

साले नववी (سال نبوی) फा. अ पु —दे. साले हिज्री।

साले पैवस्तः (سال پیوستہ) फा. पु —गुजरा हुआ साल, गत वर्ष।

साले फस्ली (سال فصلی) फा अ पु —किसानो का साल, जिसके हिसाव से वह लगान देते है।

साले विक्रमी (سال بکرمی) फा अ पु —राजा विक्रमादित्य का चलाया हुआ सवत् जो हिन्दुस्तान का मुख्य सवत्सर है।

साले माल (سال مال) फा अ पु —साले फस्ली, किसानो का साल।

साले रवाँ (سال رواں) फा. पु —चालू साल, वह साल जो इस समय चल रहा है, प्रस्तुत वर्ष।

साले शम्सी (سال شمسی) फा अ पु.—वह साल जिसमे सूर्य के गिर्द पृथ्वी का चक्कर पूरा होने पर दिन-रात का हिसाव

होता है और ३६५ दिन से कुछ अधिक समय का पूरा वर्ष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ वि –सदाचारी शुद्धचरित्र, पुण्यात्मा नेक और परहेज़गार।

साले हिज्री (سال هجری) फा अ पु –मुसलमानों का साल जो हज़रत मुहम्मद साहब के मक्का छोड़कर मदीने जाने की तारीख से शुरू होता है और जिसका हिसाब चाँद का घटा-बढ़ी से है और जो शमसी साल से १० ११ दिन छोटा होता है।

सालो माह (سال وماه) फा पुं –वर्ष और महीने।

साँ'व (صعوه) अ स्त्री –एक छोटा पक्षी ममोला।

सास (ساس) फा पु –खटमल मत्कुण।

सासान (ساسان) फा पु –बहमन का लड़का जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और संन्यास धारण कर लिया था सासानी उसी के वंश के लोग है।

सासानी (ساسانی) फा वि – सासान' के वंशज।

साहत (ساحت) अ स्त्री –विस्तार विशालता फैलाव कुशादगी चारों ओर की खुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ वि –दे 'साहिब', उर्दू में दोनों प्रकार से बोलते है परन्तु अंग्रेज़ या बड़े अफसर के अर्थ में साहब ही कहते हैं।

साहबआलम (صاحب‌عالم) अ पु –देहली के शाहज़ादों का लक़ब।

साहबबहादुर (صاحب‌بهادر) अ फा पु –अंग्रेज़ों का लक़ब वह व्यक्ति जो अंगरेज़ी चाल-ढाल में ढल गया हो।

साहिब (صاحبه) अ स्त्री –श्रीमती जी महोदया महिला स्त्री जैसे—एक साहिब आई हैं।

साहिब (صاحب) अ पु –एक सम्मान सूचक शब्द जो नाम के अन्त में लगाया जाता है स्वामी मालिक, मित्र दोस्त सहायक साथी वाला जैसे—साहिबे इल्म' इल्मवाला।

साहिब आलम (صاحب عالم) अ पु –दे 'साहब आलम'।

साहिब कमाल (صاحب کمال) अ वि –हुनरमंद गुणवान्।

साहिब किराँ (صاحب قران) अ वि –तेजस्वी प्रतापी जिसके भाग्य में शुभ ग्रह किसी अच्छी राशि में एकत्र हो। सिकंदरे आज़म की उपाधि।

साहिबख़ान' (صاحب خانه) अ फा पु –घर का मालिक गृहस्वामी।

साहिब ग़रज़ (صاحب غرض) अ वि –गरज़मंद जिसका कोई काम अटका हो स्वार्थी खुदग़रज़।

साहिबज़ाद' (صاحب زاده) अ फा पु –सुपुत्र भलेमानस का भला लड़का।

साहिब दिल (صاحب دل) अ फा वि –सुहृद, सहृदय मनस्वी जो दिल रखता हो जो मनुष्य को परख सके और बात को समझ सके पुण्यात्मा महात्मा खुशनाम।

साहिब नज़र (صاحب نظر) अ वि –नज़रवाला, परखने वाला, पारखी, तत्त्वज्ञ दृष्टिवंत।

साहिबनसीब (صاحب نصیب) अ वि –भाग्यशाली भाग्यवान, खुशनसीब।

साहिबान (صاحبان) अ पु – साहिब का बहु, लोग, मनुष्य जन—सब साहिबान बाले, जैसे— साहिबाने क़्माले।

साहिबी (صاحبی) अ वि –सरदारी, अध्यक्षता स्वामित्व मालिकीयत।

साहिबुज़्ज़माँ (صاحب‌الزمان) अ वि –हज़रत इमाम मेहदी का लक़ब।

साहिबुर्राय (صاحب‌الرای) अ वि –जिसकी राय उम्दा और सदीद हो।

साहिबुलअख़बार (صاحب‌الاخبار) अ पु –अखबार का मालिक।

साहिबे अक़्ल (صاحب عقل) अ वि –बुद्धिमान अक़्लमन्द।

साहिबे अख़लाक़ (صاحب اخلاق) अ वि –जिसका व्यवहार अच्छा हो सच्चशील, शीलवान।

साहिबे अमल (صاحب عمل) अ वि –जो सिर्फ कहता ही न हो बल्कि करता भी हो कर्मठ।

साहिबे इक़्तिदार (صاحب اقتدار) अ वि –जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहिबे इक़्बाल (صاحب اقبال) अ वि –प्रतापी तेजस्वी इक़्बालमंद भाग्यशाली, खुशनसीब।

साहिबे इख़्तियार (صاحب اختیار) अ वि –जिसको अधिकार प्राप्त हो अधिकार-संपन्न अधिकारी।

साहिबे ऐतिबार (صاحب اعتبار) अ वि –विश्वस्त मो'तबर।

साहिबे औसाफ़े हमीद' (صاحب اوصاف حمیده) अ वि –सद्‌गुण-संपन्न अच्छे गुणों से परिपूर्ण।

साहिबे कमाल (صاحب کمال) अ वि –साहिबे हुनर गुणवान।

साहिबे क़लम (صاحب قلم) अ वि –जो अच्छे किस्म का लेखक हो जिसकी लेखनी में ज़ोर हो।

साहिबे क़िस्मत (صاحب قسمت) अ वि –भाग्यशाली भाग्यवान, नसीबेवर।

साहिबे क़ुदत (صاحب قدرت) अ वि –समर्थ सामर्थ्यवान्

साहिबे कुर्आन (صاحب قرآن) अ पु –मुहम्मद साहिब, जिन पर कुरान उतरा है।
साहिबे कुव्वत (صاحب قوت) अ. वि.–शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरदार।
साहिबे ख़ानः (صاحب خانہ) अ. फा वि –गृहस्वामी, घर का मालिक।
साहिबे ख़ैर (صاحب خير) अ वि –दानशील, जो अच्छे कामो मे रुपया खर्च करता हो।
साहिबे ग़रज़ (صاحب غرض) अ वि –जिसकी कोई गरज अटकी हो; जो अपनी गरज का यार हो, स्वार्थी।
साहिबे ज़बाँ (صاحب زبان) अ फा वि –जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अहले ज़बान।
साहिबे जमाल (صاحب جمال) अ. वि.–रूपवान्, सुन्दर, हसीन।
साहिबे ज़र (صاحب زر) अ फा वि –धनवान्, मालदार।
साहिबे जलाल (صاحب جلال) अ. वि.–तेजस्वी, तेजवान्; क्रुद्धात्मा, गुस्सवर, उग्रतेजा।
साहिबे जाएदाद (صاحب جائداد) अ. फा वि –संपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।
साहिबे जागीर (صاحب جاگیر) अ फा वि –भूसपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हो।
साहिबे ज़िला (صاحب ضلع) अ. पु –ज़िलाधीश, जिले का हाकिम, कलक्टर।
साहिबे ज़ुका (صاحب ذكا) अ वि –जिसकी बुद्धि तेज़ हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।
साहिबे ज़ौक़ (صاحب ذوق) अ. वि –रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।
साहिबे तख़्त (صاحب تخت) अ. फा. वि –शासक, नरेश, राजा, बादशाह।
साहिबे तख़्तोताज (صاحب تخت وتاج) अ. फा वि.–नरेश, बादशाह।
साहिबे तदबीर (صاحب تدبير) अ. वि –नीतिज्ञ, सियासतदाँ, बुद्धिमान्, अक़्लमंद।
साहिबे तमीज़ (صاحب تميز) अ वि –सभ्य, शिष्ट, सलीक़ःमंद।
साहिबे ताज (صاحب تاج) अ. फा वि –शासक, नरेश, बादशाह, मुकुटधारी।
साहिबे ताजोतख़्त (صاحب تاج وتخت) अ फा वि –नरेश, बादशाह।
साहिबे दर्द (صاحب درد) अ फा वि.–दयालु, दयावान्, रहमदिल; जो दूसरे का दुख-दर्द पहचाने।
साहिबे दानिश (صاحب دانش) अ. फा. वि –बुद्धिमान्, अक्लमंद; दूरदर्शी, दूरंदेश।
साहिबे दिमाग़ (صاحب دماغ) अ. वि.–अहंकारी, घमंडी; बुद्धिमान्, अक़्लवर, नकचिढा, मिजाज।
साहिबे दिल (صاحب دل) अ. फा. वि –महात्मा, तत्त्वज्ञानी, आरिफ; दयालु, रहमदिल।
साहिबे दीवान (صاحب ديوان) अ. वि.–वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।
साहिबे दौलत (صاحب دولت) अ. वि.–धनाढ्य, धनवान्, मालदार।
साहिबे नज़र (صاحب نظر) अ. वि.–दोष-गुण को पहचाननेवाला, दृष्टिवान्।
साहिबे नसीब (صاحب نصیب) अ. वि.–भाग्यशाली, खुशकिस्मत।
साहिबे निगाह (صاحب نگاہ) अ. फा वि –दे. 'साहिबे नजर'।
साहिबे नियाज़ (صاحب نیاز) अ फा वि –नियाजमद, भक्त।
साहिबे निस्बत (صاحب نسبت) अ वि –किसी बड़े दरवेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बड़े ख़ानदान का मुरीद।
साहिबे नुफ़ूज़ (صاحب نفوذ) अ. वि –जिसकी कही पैठ हो, रसाईवाला।
साहिबे फ़िराश (صاحب فراش) अ वि –बीमार, रुग्ण, रोगी, पलंग पर पड़ा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रुग्णशय्याग्रस्त।
साहिबे मक़दूर (صاحب مقدور) अ. वि –धनवान्, रुपयेवाला, मालदार।
साहिबे मज्लिस (صاحب مجلس) अ वि –सभापति, मीर मज्लिस; मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।
साहिबे महफ़िल (صاحب محفل) अ वि –दे. 'साहिबे मज्लिस'।
साहिबे मह्बस (صاحب محبس) अ. वि –कारागारवासी, क़ैदी।
साहिबे माल (صاحب مال) अ. वि –धनवान्, दौलतमंद; जिसकी कोई चीज़ हो, माल का मालिक।
साहिबे मुरव्वत (صاحب مروت) अ वि –सुशील, मुरव्वतवाला।
साहिबे राज़ (صاحب راز) अ फा. वि –जिसका कोई भेद हो; जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

साहिबे राय (صاحب راے) अ वि—जिसकी राय शुद्ध और ठीक हो।

साहिबे रोश (صاحب روش) अ फा वि—ढगवाला जिसके टगी हो ह्मरुल।

साहिबे रेश (صاحب ریش) अ फा वि—जिसके शरीर में कोई घाव हो घाववाला।

साहिबे लौलाक (صاحب لولاک) अ पु—हजत मुहम्मद साहिब का लकब।

साहिबे विलायत (صاحب ولایت) अ वि—बहुत बडा वली जिसके अधीन कोई इलाका हो जिसकी रक्षा वह अपनी आत्मशक्ति द्वारा करता हो।

साहिबे शौक (صاحب شوق) अ वि—शौकीन, किसी बात का शौक रखनेवाला।

साहिबे सज्जाद (صاحب سجادہ) अ पु—सज्जाद नशीन गद्दीनशीन किसी प्रकार का जानशीन।

साहिबे सलीक (صاحب سلیقہ) अ वि—सलीके मन्द सुघड ढग के साथ काम करनेवाला (वाली)।

साहिबे हया (صاحب حیا) अ वि—जिसके स्वभाव में शर्मीलापन हो।

साहिबे हिम्मत (صاحب ہمت) अ वि—साहसवाला, साहसी उत्साही।

साहिबे हैसियत (صاحب حیثیت) अ वि—इज्जत वाला प्रतिष्ठित मालदार, धनी।

साहिबे हौसला (صاحب حوصلہ) अ वि—दे 'साहिबे हिम्मत'।

सि

सिंगर (سنگر) फा पु—छोटा मेज।

सिंजाब (سنجاب) फा पु—एक जानवर जिसकी खाल की पोस्तीन बनती है उस जानवर की खाल।

सिंदबाद (سندباد) फा पु—इबी अजब की लिखी हुई एक किताब जिसमें उपदेश है।

सिंदान (سندان) फा स्त्री—निहाई अहरन वह लोहा जिस पर रखकर लोहा पीटा जाता है।

सिंदीद (صندید) अ पु—अपने वश का प्रतिष्ठित और महान व्यक्ति किसी देश का वश और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सिअत (سعت) अ स्त्री—विस्तार च्वाई चौडाई फैलाव।

सिआयत (سعایت) अ स्त्री—पिशुनता चुगलखोरी निन्दा बदगोई।

सिकज्बीन (سکنجبین) फा स्त्री—सिर्का मिला हुआ नीबू का शर्बत जो दवामें काम आता है नीबू का शर्बत जो गर्मी में पाते हैं।

सिकदर (سکندر) फा पु—यूनान का एक प्रसिद्ध और प्रतापी नरेश जो मकदूनिया के नरेश फलकूस का पुत्र और अरस्तू का शागिर्द था।

सिकदर सौलत (سکندر صولت) फा अ वि—सिकन्दर-जैसा रोब-दाब रखनेवाला।

सिकदरहश्म (سکندرحشم) फा अ वि—सिकन्दर-जैसी शानोशौकत और बडाई रखनेवाला।

सिकदरी (سکندری) फा वि—सिकन्दर का सिकन्दर से सम्बन्धित पाने की ठोकर।

सिकदरे आ'जम (سکندر اعظم) फा अ पु—सिकन्दर रूमी की उपाधि सिकंदरे जुल्करनैन।

सिक (ثقہ) अ वि—एक व्यक्ति जो देखने में शरीफ आचरण में शुद्ध और विश्वस्त हो।

सिक (سک) फा पु—सिर्का।

सिकबा (سکبا) फा पु—एक खाना जो गेहूँ के दलिए और गोश्त में सिर्का और किशमिश आदि डालकर बनता है।

सिकात (ثقات) अ पु—'सिक़' का बहु श्रेष्ठ और विश्वस्त लोग।

सिकाम (سقام) अ पु—'सकीम' का बहु रोगी लोग।

सिकाय (سقایہ) अ पु—पानी का हौज या टकी जो मस्जिद आदि में होती है और जिसे गलती से लोग सकाव कहते हैं।

सिकायत (سقایت) अ स्त्री—पानी पिलाना।

सिकालिश (سگالش) फा स्त्री—ध्यान खयाल चिंता फिक्र परामर्श, मशवरा।

सिकीज (سکیز) फा पु—छलांग मारना, कूदना, लात चलाना दुलत्ती मारना।

सिक्क (سکہ) अ पु—रुपया-पैसा, मुद्रा छाप मुहर धाक रोब पद्धति ढब।

सिक्कजन (سکہ زن) अ फा वि—सिक्का ढालनेवाला टकसालिया।

सिक्कजात (سکہ جات) अ फा पु—सिक्का का बहु सिक्के।

सिक्कए क़ल्ब (سکۂ قلب) अ पु—दे सिक्कए कासिद।

सिक्कए कासिद (سکۂ کاسد) अ पु—खोटा सिक्का कदमुद्रा वह सिक्का जो टकसाली न हो खोटा।

सिक्कए राइज (سکۂ رائج) अ पु—वह सिक्का जिसका लेन-देन हो, जो प्रचलित हो।

सिक्कीन (سکین) अ स्त्री—छुरी बडा चाकू।

सिक्कीर (سکیر) अ वि—जो हर समय नशे में धुत रहे।

सिक़्त (سقط) अ. पु.—मरा हुआ बच्चा पैदा होना, मरा हुआ बच्चा।

सिक़्लात (سقلات) यू. पुं.—एक क़ीमती ऊनी बानात, सक़िल्लात।

सिक़्ले बत्न (ثقل بطن) अ. पु.—पेट का भारीपन, अपच, बदहज़्मी।

सिक़्ले समाअत (ثقل سماعت) अ. पु.—बधिरता, बहरापन।

सिक़्ल (ثقل) अ. पु.—मोटाई, दल, दबाज़त।

सिग़र (صغر) अ. वि.—लघुता, छोटाई, ख़ुर्दी।

सिग़रसिन (صغرسن) अ. वि.—अल्पवयस्क, वयोबाल, कमउम्र।

सिग़रसिनी (صغرسنی) अ. स्त्री.—अल्पवयस्कता, बाल्यावस्था, कमउम्री।

सिग़ार (صغار) अ. पु.—'सग़ीर' का बहु., छोटी उम्र के लड़के लोग, 'सुग़्रा' का बहु., छोटी उम्र की स्त्रियाँ, लड़कियाँ।

सिग़ारो किबार (صغار و کبار) अ. पु.—छोटे और बड़े, बच्चे और जवान और बूढ़े, छोटे-बड़े सब।

सिगाल (سگال) फ़ा. स्त्री.—चिंता, फ़िक्र; ध्यान, सोच, ख़याल, विचार, (प्रत्य.) सोचनेवाला, जैसे—'ख़ैरसिगाल' भलाई सोचनेवाला।

सिगालिंदः (سگالنده) फ़ा. वि.—सोचनेवाला।

सिगालिश (سگالش) फ़ा. स्त्री.—चिन्ता, फ़िक्र, विचार, ख़याल।

सिगालीदः (سگالیده) फ़ा. वि.—सोचा हुआ, विचारा हुआ।

सिगालीदनी (سگالیدنی) फ़ा. वि.—सोचने योग्य, विचारने योग्य।

सिग्र (صغر) अ. पु.—दे. शुद्ध उच्चारण 'सिगर', 'सिग्र' ग़लत है।

सिजजल (سجنجل) अ. पु.—दर्पण, मुकुर, आईना।

सिजाफ़ (سجاف) फ़ा. स्त्री.—कपड़े के चारों ओर लगायी जानेवाली गोट, सजाफ।

सिजिल [ल्ल] (سجل) अ. वि.—दस्तावेज जो रजिस्ट्रार की मुह्‌र और दस्तख़त आदि से ठीक हो गयी हो, बैनामा, विक्रयलेख।

सिज्जीन (سجّین) अ. स्त्री.—भयानक कारागार; एक नरक, बुरे आचरणवालों का रजिस्टर।

सिज्जील (سجّیل) अ. पु.—एक पत्थर, कच्चा पत्थर, कंकर।

सिज्दः (سجده) अ. पु.—ईश्वर के लिए सर झुकाना, नमाज़ में ज़मीन पर सर रखना।

सिज्दःरेज़ (سجده ریز) अ. फ़ा. वि.—सजदा करनेवाला।

सिज्दःरेज़ी (سجده ریزی) अ. फ़ा. स्त्री.—सजदा करना, सजदे में गिरना।

सिज्न (سجن) अ. पु.—जेलख़ाना, कारागार।

सितंबः (ستنبه) फ़ा. पु.—बुरी और डरावनी शक्ल, स्वप्न में डरानेवाला भूत।

सितद (ستد) फ़ा. स्त्री.—लेना, लेन, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता, 'दाद' के साथ मिलाकर 'दादोसितद' बोलते हैं।

सितब्र (ستبر) फ़ा. वि.—मोटा, दलदार, दबीज़।

सितम (ستم) फ़ा. पु.—अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म, ईज़ा, ग़ज़ब, ज़बर्दस्ती, हठ; बहुत अधिक, बहुत, अंधेर।

सितमईजाद (ستم ایجاد) फ़ा. अ. वि.—बहुत बड़ा अत्याचारी, जो नये-नये अत्याचार ईजाद करता हो।

सितमकश (ستم کش) फ़ा. वि.—सितम उठानेवाला अत्याचार सहनेवाला।

सितमकशी (ستم کشی) फ़ा. स्त्री.—अत्याचार सहना, सितम बरदाश्त करना।

सितमकशीदः (ستم کشیده) फ़ा. वि.—सितम उठाये हुए, अत्याचार सहा हुआ, मज़्लूम, पीड़ित।

सितमकुश्तः (ستم کشته) फ़ा. वि.—जो किसी के अत्याचार से मारा गया हो।

सितमकेश (ستم کیش) फ़ा. वि.—जिसका स्वभाव ही अत्याचार करना हो, बहुत बड़ा अन्यायी।

सितमगर (ستم گر) फ़ा. वि.—सितम करनेवाला, अत्याचारी—"मैंने चाहा था कि अन्दोहे जफ़ा से छूटूँ। वह सितमगर मेरे मरने पे भी राज़ी न हुआ।"

सितमगरी (ستم گری) फ़ा. स्त्री.—अत्याचार करना।

सितमगार (ستم گار) फ़ा. वि.—दे. 'सितमगर'।

सितमगारी (ستم گاری) फ़ा. स्त्री.—दे. 'सितमगरी'।

सितमगिर्वीदः (ستم گرویده) फ़ा. वि.—जो किसी के अत्याचारों पर मुग्ध हो, जो चाहता हो कि उस पर अत्याचार होते ही रहें अर्थात् प्रेमी।

सितमगिर्वीदगी (ستم گرویدگی) फ़ा. स्त्री.—अत्याचार पर मुग्ध होना, यह चाहना कि अत्याचार होते रहें।

सितमज़दः (ستم زده) फ़ा. वि.—अत्याचारग्रस्त, जिस पर सितम हो, मज़्लूम, पीड़ित।

सितमज़दगी (ستم زدگی) फ़ा. स्त्री.—सितमज़द होना।

सितमज़रीफ़ (ستم ظریف) फ़ा. अ. वि.—जो हँसी-हँसी में अत्याचार करे, हँसते-हँसते मार रखनेवाला।

सितमजरीफी (ستمظریفی) फा अ स्त्री–हँसी के पर्दे में अत्याचार करना।
सितमदीद (ستمدیده) फा वि–दे 'सितमकशीद'।
सितमपवद (ستمپرورده) फा वि–जिसका जीवन सितम सहते बीता हो।
सितमपेशा (ستمپیشه) फा वि–दे सितमकेश।
सितमपेशगी (ستمپیشگی) फा स्त्री–सितमपेश होना।
सितमरसीद (ستمرسیده) फा वि–दे सितमकशीद।
सितमरानी (ستمرانی) फा स्त्री–सितम करना, पीड़ा देना।
सितमशिआर (ستمشعار) फा वि–दे सितमकेश।
सितमशिआरी (ستمشعاری) फा अ स्त्री–सितमशिआर होना स्वभाव में अत्याचार होना।
सिताँ (ستاں) फा प्रत्य–लेनेवाला जैसे–'जाँसिताँ' प्राण लेनेवाला।
सिता (ستا) फा प्रत्य–प्रशंसा करनेवाला जैसे–खुद सिता अपनी प्रशंसा करनेवाला।
सिताइन्द (ستاینده) फा वि–प्रशंसक तारीफ करनेवाला।
सिताइश (ستایش) फा स्त्री–प्रशंसा श्लाघा तारीफ स्तुति हम्दोसना।
सिताइशगर (ستایشگر) फा वि–प्रशंसक तारीफ करने वाला स्तुतिकर्ता हम्द करनेवाला।
सिताईद (ستائیده) फा वि–प्रशस्त तारीफ किया हुआ।
सिताजन (ستازن) फा वि–सितार बजानेवाला तन्त्री।
सितादा (ستاده) फा वि–इस्तादा का लघु खड़ा हुआ।
सितानिद (ستاننده) फा वि–लेनेवाला ग्राहक।
सितार (ستاره) फा पु–तारा उडु ग्रह सय्यार भाग्य तक़दीर।
सितारजबीं (ستارهجبیں) फा वि–दे सितारपेशानी।
सितारदाँ (ستاره داں) फा वि–ज्योतिषी नुजूमी।
सितारपरस्त (ستارهپرست) फा वि–तारों की पूजा करनेवाला।
सितारपेशानी (ستاره پیشانی) फा वि–वह घोड़ा जिसके माथे पर सफेद छोटा चिह्न हो ऐसा घोड़ा अशुभ समझा जाता है।
सितारबीं (ستارهبیں) फा वि–ज्योतिषी नुजूमी।
सितारबीनी (ستارهبینی) फा स्त्री–ग्रहों के द्वारा शुभा शुभ फल का ज्ञान।
सितारशनास (ستارهشناس) फा वि–ज्योतिषी नुजूमी।
सितार (ستار) फा पु–एक बाजा तन्त्री।
सितारजन (ستارزن) फा वि–सितार बजानेवाला तन्त्री।
सिताम (ستام) फा पु–घोड़े का आभूषण।
सिती (ستی) फा स्त्री–साध्वी सती पतिव्रता स्त्री।
सितूद (ستوده) फा वि–प्रशस्त, तारीफ किया हुआ।
सितूदऔसाफ (ستودهاوصاف) अ फा वि–दे सितूदसिफात।
सितूदकार (ستودهکار) फा वि–जिसका काम काबिल तारीफ हो।
सितूदखसाइल (ستودهخصائل) फा अ वि–जिसकी आदतें तारीफ के योग्य हों अच्छे स्वभाववाला।
सितूदसिफात (ستودهصفات) फा अ वि–जिसके गुण प्रशंसनीय हों अच्छे गुणोंवाला।
सितेज (ستیزه) फा पु–युद्ध लड़ाई जंग।
सितेज (ستیز) फा पु–युद्ध जंग लड़ाई शत्रुता दुश्मनी प्रतिकूलता नामुआफकत।
सितेजाँ (ستیزاں) फा वि–युद्ध करता हुआ लड़ता हुआ।
सितेजिन्द (ستیزنده) फा वि–लड़नेवाला योद्धा।
सितेहिश (ستیهش) फा स्त्री–लड़ाई झगड़ा युद्ध।
सित्त (ست) अ वि–छः षट।
सित्त अशर (ستهعشر) अ वि–सोलह षोडश।
सित्र (ستره) अ पु–ओट पर्दा कोट।
सित्र (ستر) अ पु–पर्दा छिपाव घूँघट।
सिदी (ثدی) अ स्त्री–स्तन पिस्तॉं मद का होंठ या स्त्री का दे सदी।
सिदइ (ثدی) अ स्त्री–सिदी का शुद्ध उच्चारण यह है स्तन चूची दे सन्इ।
सिदक (صدق) अ पु–सत्यता सच्चाई यथार्थता वाकिईयत निश्छलता खुलूस।
सिदकदिली (صدقدلی) अ फा स्त्री–निश्छलता निष्कपटता स्वभाव का सरलता खुलूस।
सिदकमकाल (صدقمقال) अ वि–बात का पक्का जो बात कहे उसे अवश्य करनेवाला सत्यधृति सत्यवचन, सत्य बानी सच बोलनेवाला।
सिदकमकाली (صدقمقالی) अ स्त्री–बात कहकर उसे निबाहना वचन की दृढ़ता सच बोलना।
सिदकशिआर (صدقشعار) अ वि–सत्यनिष्ठ सच्चाई का हाथ से न देनेवाला।
सिदकशिआरी (صدقشعاری) अ स्त्री–सच्चाई पर दृढ़ता

सिद्क़े आ'माल (صدق اعمال) अ पु —आचरण की शुद्धि, किसी अच्छे फल की कामना के बिना धर्म करना।
सिद्क़े नीयत (صدق نیت) अ. पु —अंत शुद्धि, मन की पवित्रता, किसी की चीज की ओर नजर न करना, ईमानदारी।
सिद्दीक़ (صدیق) अ वि —बहुत ही सच्चा और जाँनिसार दोस्त जिस पर किसी अवस्था में भी भरोसा किया जा सके।
सिद्दीक़े अक्बर (صدیق اکبر) अ पु —इस्लाम के पहले खलीफा हज्रत अबूबक्र की उपाधि।
सिद्र (سدرہ) अ पु —स्वर्ग के सबसे ऊँचे मकान पर एक बेर का पेड।
सिद्रतुलमुतहा (سدرۃالمنتہی) अ पु —बेर का एक पेड जो सातवें आस्मान पर है, और जहाँ तक किसी की पहुँच नहीं है, केवल 'जिब्रील' जा सकते है, उससे आगे कोई नहीं जा सकता।
सिन [न्न] (سن) अ पु —आयु, उम्र, साल, दत, दशन, दात।
सिनरसीद: (سن رسیدہ) अ फा. वि —वयोवृद्ध, गतायु, बूढा।
सिनरसीदगी (سن رسیدگی) अ फा स्त्री —वृद्धावस्था, बुढापा।
सिनाँ (سناں) फा स्त्री —बाण की नोक, अनी, बरछा, भाला, कुंत, शक्ति, बरछी की नोक।
सिनाँकश (سناں کش) फा वि —तीरदाज, धनुर्धर।
सिनाअत (صناعت) अ स्त्री —व्यवसाय, उपजीविका, पेशा, शिल्प, दस्तकारी, कारीगरी।
सिनान (سنان) स्त्री —दे 'सिनाँ'।
सिनीन (سنین) अ पु —'सिन' का बहु, बरस, साल।
सिनीने माज़िय: (سنین ماضیہ) अ पु —गुजरे हुए बरस, बीते हुए साल।
सिनीने मुस्तक्बिल. (سنین مستقبلہ) अ पु —आनेवाला साल, आगामी बरस।
सिने तमीज (سن تمیز) अ पु —अच्छे-बुरे मे विवेक कर सकने की आयु, प्रौढावस्था।
सिने बुलूग़ (سن بلوغ) अ पु —बालिग होने की उम्र, युवावस्था।
सिने शबाब (سن شباب) अ पु —जवानी की उम्र, युवावस्था।
सिने शुऊर (سن شعور) अ पु —दे 'सिने तमीज'।
सिने शैख़ूखत (سن شیخوخت) अ.पु —जरावस्था, बुढापा, बुढापे की आयु।
सिन्नौर (سنور) अ स्त्री —बिल्ली, मार्जारी।
सिन्फ़ (صنف) अ स्त्री —जाति, जिन्स, वर्ग, तब्क़, वश, नस्ल।
सिन्फ़े नाज़ुक (صنف نازک) अ स्त्री.—स्त्रीवर्ग, महिलाएँ, स्त्रियाँ, औरते।
सिन्फ़े लतीफ (صنف لطیف) अ स्त्री —दे 'सिन्फ़े नाज़ुक'।
सिपंज (سپنج) फा पु —थोडे दिन, चद दिन।
सिपंजी (سپنجی) फा वि.—थोडे दिन का, चदरोज, क्षणस्थायी।
सिपंद (سپند) फा पु —काला दाना जो नजर उतारने को जलाया जाता है, दे. 'सपद', दोनो शुद्ध हैं।
सिपंदाँ (سپنداں) फा पु.—दे. 'सिपद'।
सिपर (سپر) फा स्त्री.—तलवार रोकने के अस्त्र, ढाल, चर्म, कवच।
सिपरअंदाख़्त: (سپرانداختہ) फा. वि —जिसने लडाई मे हार मान ली हो, हार मानकर अपनी ढाल-तलवार रख दी हो।
सिपरअंदाजी (سپراندازی) फा स्त्री —हार मान लेना।
सिपरग़म (سپرغم) फा पु —एक वनौषधि, मरुआ, रैहाँ।
सिपरी (سپری) फा. वि —समाप्त, ख़त्म।
सिपस (سپس) फा वि —तत्पश्चात्, उसके बाद।
सिपह (سپہ) फा स्त्री —'सिपाह' का लघु, सेना, बल, फौज।
सिपहगरी (سپہگری) फा स्त्री —सिपाहीपन, फौज की नौकरी, शूरता, बहादुरी।
सिपहदार (سپہدار) फा पु —सेनानायक, फौज का अफसर।
सिपहबद (سپہبد) फा पु —दे 'सिपहसालार'।
सिपहबुद (سپہبد) फा. पु —दे 'सिपहसालार'।
सिपहसालार (سپہسالار) फा पु.—सेनापति, सेनानी, सेनाध्यक्ष, कमाडर।
सिपहसालारी (سپہسالاری) फा स्त्री —सेनापतित्व, सेनापति का पद।
सिपानाख़ (سپاناخ) फा स्त्री —एक साग, पालक।
सिपारिद. (سپارندہ) फा वि —सौंपनेवाला, हस्तान्तरण करनेवाला।
सिपारी (سپاری) फा स्त्री —पान मे खाई जानेवाली डली, छालिया, सुपारी।
सिपास (سپاس) फा स्त्री —कृतज्ञता, एहसानमदी, धन्यवाद, शुक्रिय, स्तुति, गुणगान, हम्दोसना, प्रशसा, तारीफ।
सिपासगुजार (سپاس گزار) फा वि —कृतज्ञता, एहसानमदी, स्तुति-पाठक, हम्दख़्वाँ, प्रशसक, तारीफ करनेवाला।

सिपासगुज़ारी (سپاس گزاری) फा स्त्री –कृतज्ञता, स्तुति पाठ प्रशंसा।

सिपासगो (سپاس گو) फा वि –दे सिपासगुज़ार।

सिपासनाम (سپاس نامہ) फा पु –अभिनंदनपत्र मान पत्र प्रतिष्ठापत्र।

सिपाह (سپاہ) फा स्त्री –सेना बल फौज।

सिपाहगरी (سپاہگری) फा स्त्री –सिपाही का पेशा शूरता बहादुरी सिपाही का पन।

सिपाहाँ (سپاہاں) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध नगर इस्फ़िहान।

सिपाहियान (سپاہیانہ) फा वि –सिपाहियों-जैसा वीरतापूर्ण बहादुराना।

सिपाही (سپاہی) फा पु –फौजी सैनिक फौज का जवान बहादुर और पराक्रमी व्यक्ति।

सिपाहीबच (سپاہی بچہ) फा पु –सिपाही का लड़का सैनिक पुत्र जिसके वंश में और लोग सिपाही हो।

सिपिस्ताँ (سپستاں) फा स्त्री –लसोड़ा लसोड़ा।

सिपिह्र (سپہر) फा पु –आकाश, गगन आस्मान।

सिपिह्र गर्दां (سپہر گرداں) फा पु –घूमनेवाला आकाश।

सिपिह्र बरीं (سپہر بریں) फा पु –सबसे ऊंचा आकाश नवाँ आस्मान।

सिपुर्द (سپردہ) फा वि –सौंपा हुआ, हस्तांतरित किया हुआ।

सिपुर्द (سپرد) फा वि –सौंपा हुआ हवाले हस्तगत सौंपना देना हवाले करना।

सिपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री –सौंप हवालगी हवालात हिरासत।

सिपुर्दनी (سپردنی) फा वि –सौंपने योग्य हस्तांतरित करने योग्य।

सिपुर्दार (سپردار) फा पु –जिसके सिपुर्द कोई माल किया जाय विशेषत कुर्की का माल।

सिपुर्दारी (سپرداری) फा स्त्री –सिपुर्दगी में माल देना किसी को सिपुर्दार बनाना।

सिपेद (سپیدہ) फा पु –सफ़ेदी।

सिपेद'दम (سپیدہ دم) फा पु –प्रातःकाल बहुत तड़के।

सिपेद (سپید) फा वि –सफ़ेद।

सिपेदए शफ़क़ (سپیدۂ شفق) फा अ पु –सवेरे की सफ़ेदी।

सिपेदए सुब्ह (سپیدۂ صبح) फा अ पु –सवेरे की सफ़ेदी जो निकलने से पहले आकाश पर फैल जाती है।

सिपेदी (سپیدی) फा स्त्री –श्वेतता शुभ्रता सफ़ेदी।

सिपोख़्त' (سپوختہ) फा वि –दे सिपोज़ीद।

सिपोज़ीद' (سپوزیدہ) फा वि –एक चीज़ में दूसरी चीज़ घुसेड़ी हुई एक चीज़ में से दूसरी चीज़ निकाली हुई।

सिपोज़ीदगी (سپوزیدگی) फा स्त्री –अंदर घुसेड़ना बाहर निकालना।

सिफ़त (صفت) अ स्त्री –प्रशंसा तारीफ़ गुण वस्फ़ उत्तमता, उम्दगी, प्रभाव तासीर, समान तुल्य जैसे—सगसिफ़त' कुत्ते जैसा (व्या) विशेषण किसी चीज़ का गुण।

सिफ़ाक़ (صفاق) अ स्त्री –आंतों पर चढ़ी हुई एक बारीक झिल्ली।

सिफ़ात (صفات) अ उभ –सिफ़त का बहु, सिफ़तें।

सिफ़ाती (صفاتی) अ वि –वह दोष या गुण जो किसी के स्वभाव में न हो अस्थायी रूप से हो।

सिफ़ाते ज़ाती (صفاتِ ذاتی) अ उभ –वह अच्छाइयाँ जो किसी के स्वभाव में हों बनावटी न हों।

सिफ़ाते हसन' (صفاتِ حسنہ) अ उभ –अच्छे गुण ख़ूबियाँ।

सिफ़ाद (صفاد) अ स्त्री –बेड़ी और हथकड़ी।

सिफ़ानत (سفانت) अ स्त्री –जहाज़ बनाने का काम नावें बनाने का फ़न।

सिफ़ारत (سفارت) अ स्त्री –सफ़ीर का काम दूतकर्म एलचीगरी।

सिफ़ारतख़ान' (سفارتخانہ) अ फा पु –सफ़ीर के रहने और उसके दफ़्तर का स्थान दूतावास।

सिफ़ारिश (سفارش) फा स्त्री –शु उ सुफ़ारिश है, परन्तु उर्दू में सिफ़ारिश ही है अभिस्ताव अनुशंसा।

सिफ़ाल (سفال) फा स्त्री –मिट्टी का बरतन मिट्टी का ठीकरा।

सिफ़ालगर (سفالگر) फा वि कुंभकार कुम्हार मिट्टी के *बरतन बनानेवाला।*

सिफ़ालीं (سفالیں) फा वि –मिट्टी का बना हुआ मृण्मय।

सिफ़ाह (سفاح) अ स्त्री –व्यभिचार बुरा काम हराम *ज़िना।*

सिफ़्त' (سفتہ) फा वि –दृढ़ मोटी और गफ़ चीज़ मोटा कपड़ा।

सिफ़्र (صفر) अ पु –बिंदु नुक़्ता शून्य ख़ाली।

सिफ़्ल (سفلہ) अ वि –अधम नीच कमीना लोफ़र।

सिफ़्लकार (سفلہ کار) अ फा वि –जिसके काम बहुत ही गिरे हुए हों।

सिफ़्लख़ू (سفلہ خو) अ फा वि –जिसका स्वभाव बहुत ही कमीना हो क्षुद्रप्रकृति।

सिफ़्लनवाज़ (سفلہ نواز) अ फा वि –कमीनों को बढ़ावा देने और उनका पक्षपात करनेवाला।

सिफ्लःनिहाद (سفلہ نہاد) अ. फा. वि –दे. 'सिफ्ल.ख़ू'।
सिफ्लःमिज़ाज (سفلہ مزاج) अ वि –दे. 'सिफ्ल ख़ू'।
सिफ्लःपर्वर (سفلہ پرور) अ. फा. वि –दे. 'सिफ्लनवाज'।
सिफ्लः पर्वरी (سفلہ پروری) अ फा स्त्री.–नीच और लोफर लोगो को प्रोत्साहन देना, शरीफों के मुकावले में उनकी हिमायत करना।
सिफ्ल.मज़ाक़ (سفلہ مذاق) अ. वि.–पस्तमज़ाक, जिसकी साहित्य-रसज्ञता निम्न कोटि की हो।
सिफ्लःशिआर (سفلہ شعار) अ वि.–नीच स्वभाववाला, क्षुद्रप्रकृति।
सिफ्ल (سفل) अ पुं –निचाई, निम्नता, पस्ती।
सिफ्लगी (سفلگی) अ स्त्री.–अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन, छिछोरापन, ओछापन।
सिफ्ली (سفلی) अ स्त्री.–निम्न कोटि का, घटिया; भूत-प्रेतवाला अमल।
सिफ्वत (صفوت) अ. स्त्री –श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी; पवित्रता, पाकी, (वि) पवित्र, निर्मल, साफ, श्रेष्ठ, उत्तम, बुज़ुर्ग, सार, तत्त्व, खुलासा।
सिबाअ (سباع) अ पु –'सब' का वहु, फाड खानेवाले जानवर, दरिंदे।
सिबाक़ (سباق) अ पु –दौड मे आगे वढ जाना।
सिबाल (سبال) अ स्त्री.–'सबलत' का वहु, मूँछे।
सिबाहत (سباحت) अ स्त्री –तैरना, पैरना, तैराकी, दे 'सबाहत', दोनो शुद्ध है।
सिब्ग़ः (صبغہ) अ पु –वर्ण, रग; धर्म, दीन।
सिब्ग़ (صبغ) अ. पु –वर्ण, रग।
सिब्ग़तुल्लाह (صبغۃ اللہ) अ पु –इस्लाम धर्म।
सिब्त (سبط) अ पु –लडकी का लडका, दौहित्र, दुहिता-सुत, नाती, नवासा।
सिब्ते नबी (سبط نبی) अ.पु –पैगवर साहिव का नवासा, हज़्रत फातिमा का लडका।
सिब्तैन (سبطین) अ पु –दोनो नाती, अर्थात् नवासे, हज़्रत मुहम्मद साहिव के दोनो नवासे, हसनैन।
सिब्र (صبر) अ पु –एक प्रसिद्ध ओपधि, एलुआ, दे 'सब्र' और 'सबिर', तीनो शुद्ध है।
सिमाअ (سماع) अ पु –गाना सुनना, वज्द और हाल आना।
सिमाक (سماک) अ पु –चौदहवां नक्षत्र, चित्रा।
सिमाके आ'ज़ल (سماک اعزل) अ. पु –चौदहवे नक्षत्र का एक सितारा, जिसके पास दूसरा तारा नही है।
सिमाके रामेह (سماک رامح) अ पु –चौदहवे नक्षत्र का एक तारा, जिसके पास एक तारा और है।
सिमाख़ (سماخ،صماخ) अ पु –कान का छेद, श्रवण-रन्ध्र, कर्ण-विवर।
सिमात (سماط) अ स्त्री.–चटाई, दस्तरख़्वान, पंक्ति, कतार।
सिमात (سمات) अ. पु.–'सम्त' का वहु, दिशाएँ, 'सिमत' का वहु, वहुत मे दाग या निशान।
सिमाम (صمام) अ. पु –मुँहबद वोतल।
सिम्त (سمت) अ स्त्री.–दे. 'सम्त' शुद्ध वही है, परंतु उर्दू मे 'सिम्त' भी वोल देते है, दिशा, तरफ।
सिम्त (سمط) अ. स्त्री.–मोती, मुक्ता,, मौक्तिक, दे 'सम्त' दोनो शुद्ध है।
सिम्सिम (سمسم) अ. स्त्री –तिल्ली, एक प्रसिद्ध वीज, तिल।
सियर (سیر) अ स्त्री.–'सीरत' का वहु, सीरते, जीवन-चरित।
सियह (سیہ) फा वि –'सियाह' का लघु, दे 'सियाह'।
सियहकार (سیہکار) फा वि –दे 'सियाहकार'।
सियहकारी (سیہکاری) फा. स्त्री –दे 'सियाहकारी'।
सियहकासः (سیہکاسہ) फा वि –दे. 'सियाहकास'।
सियहकासगी (سیہکاسگی) फा स्त्री –दे 'सियाह-कासगी'।
सियहख़ानः (سیہخانہ) फा. वि –दे 'सियाहख़ान'।
सियहचर्दः (سیہچردہ) फा वि –दे 'सियाहचर्द'।
सियहचश्म (سیہچشم) फा वि –दे 'सियाहचश्म'।
सियहचश्मी (سیہچشمی) फा स्त्री –दे 'सियाहचश्मी'।
सियहज़वान (سیہزبان) फा वि –दे 'सियाहज़वान'।
सियहज़वानी (سیہزبانی) फा स्त्री –दे 'सियाहज़वानी'।
सियहजर्दः (سیہجردہ) फा वि –काले चमडेवाला, जिसका रग काला हो, हवशी।
सियहताव (سیہتاب) फा. वि –दे 'सियाहताव'।
सियहताले' (سیہطالع) फा अ. वि –दे 'सियाहताले''।
सियहदस्त (سیہدست) फा वि –दे 'सियाहदस्त'।
सियहदिल (سیہدل) फा वि –दे 'सियाहदिल'।
सियहदिली (سیہدلی) फा स्त्री –दे 'सियाहदिली'।
सियहनामः (سیہنامہ) फा वि –दे 'सियाहनाम'।
सियहपिस्ताँ (سیہپستاں) फा वि.–दे 'सियाहपिस्ताँ'।
सियहपोश (سیہپوش) फा वि –दे 'सियाहपोश'।
सियहपोशी (سیہپوشی) फा स्त्री –दे 'सियाहपोशी'।
सियहफाम (سیہفام) फा वि.–दे 'सियाहफाम'।
सियहफामी (سیہفامی) फा स्त्री –दे 'सियाहफामी'।
सियहवख़्त (سیہبخت) फा वि –दे 'सियाहवख़्त'।

सियहबख्ती (سیہ بختی) फा स्त्री –> सियाहबख्ती।
सियहबहार (سیہ بہار) फा वि –> सियाहबहार।
सियहबातिन (سیہ باطن) फा अ वि –द सियाहबातिन।
सियहबातिनी (سیہ باطنی) फा अ स्त्री –> सियाह बातिनी।
सियहबादाम (سیہ بادام) फा वि –वह सुन्दर स्त्री जिसकी आँखें काली हों काली आँख।
सियहमस्त (سیہ مست) फा वि –> सियाहमस्त।
सियहमस्ती (سیہ مستی) फा स्त्री –द सियाहमस्ती।
सियहरू (سیہ رو) फा वि –> 'सियाहरू'।
सियहरूई (سیہ روئی) फा स्त्री –> सियाहरूई।
सियहरोज (سیہ روز) फा वि –> सियाहरोज।
सियहरोजगार (سیہ روزگار) फा वि –> सियाह रोजगार।
सियहरोजी (سیہ روزی) फा वि –> सियाहरोजी।
सियहसाल (سیہ سال) फा वि –> सियाहसाल।
सियाक (سیاق) अ पु –हाँकना चलाना बाज पक्षी के पाँव की डोर गणित हिसाब।
सियाके इबारत (سیاق عبارت) अ पु –इबारत का ढंग जैसे–सियाके इबारत से पता चलता है कि आपको रुपये की आवश्यकता है।
सियाके बयान (سیاق بیان) अ पु –बात का ढंग तहरीर का अंदाज जैसे–सियाके बयान से मालूम होता है कि आप का एतिराज है।
सियाकोसियाक (سیاق و سیاق) अ पु –अगला पिछला इबारत का अगला पिछला भाग जिससे किसी बात का अन्दाजा हो।
सियादत (سیادت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा बुजुर्गी अग्रगण्यता सरदारी सैयिद होना।
सियानत (صیانت) अ स्त्री –संरक्षण निगहबानी निगरानी।
सियाब (ثیاب) अ पु –सियाब का बहु कपड़े।
सियाम (صیام) अ पु –रोजा के दिन रोजा का महीना रोजें।
सियासत (سیاست) अ स्त्री –राजनीति नीति पालिटिक्स छल फरेब मक्कारी राष्ट्र का प्रबंध मुल्क का इन्तिजाम डाँट डपट तंबीह दंड सजा।
सियासतगर (سیاست گر) अ फा वि –सजा देनेवाला।
सियासतगाह (سیاست گاہ) फा स्त्री –सजा देने का स्थान ऐसी जगह जहाँ कूटनीति और मक्कारी चलती हो।
सियासतदाँ (سیاست داں) अ फा वि –राजनीति जानने वाला, नीतिज्ञ।
सियासतदानी (سیاست دانی) अ फा स्त्री –राजनीति जानना।
सियासते मुदन (سیاست مدن) अ स्त्री –नगर का प्रबंध।
सियासी (سیاسی) अ फा वि –राजनीति का राजनीति से सम्बद्ध राजनीति जाननेवाला।
सियासीयात (سیاسیات) अ स्त्री –सियासत की बातें, सियासतें।
सियाह (سیاہہ) फा पु –माल के दफ्तर की कच्ची बही जिसमें नाज या नकदी लिखा जाता है।
सियाह नवीस (سیاہہ نویس) फा पु –सियाह का रजिस्टर लिखनेवाला।
सियाह (سیاہ) फा वि –कृष्ण असित काला।
सियाह (صیاح) अ पु –जोर की आवाज नाद चीख पुकार पर्याय बावेला रोना-पीटना।
सियाहकलम (سیاہ قلم) फा अ स्त्री –वह चित्र जो बिल्कुल काला बनाया जाय साँवले रंग का माशूक।
सियाहकल्ब (سیاہ قلب) फा अ वि –पापात्मा पापी कठोरहृदय बेरहम।
सियाहकाम (سیاہ کام) फा वि –असफलमनोरथ नाकाम याब अभागा, बदकिस्मत।
सियाहकार (سیاہ کار) फा वि –दुश्चरित पापाचारी, पापी गुनाहगार।
सियाहकारी (سیاہ کاری) फा स्त्री –पापकर्म गुनाह।
सियाहकास (سیاہ کاسہ) फा वि –कृपण कंजूस कमीन।
सियाहखान (سیاہ خانہ) फा पु –मुसीबत का घर आपत्तियों और कष्टों वाला घर कैदखाना कारागार जिसका घर बार उजड़ गया हो गमनसीब अभागा बदकिस्मत।
सियाह गिलीम (سیاہ گلیم) फा वि –अभागा बदकिस्मत निर्धन कंगाल।
सियाहगोश (سیاہ گوش) फा पु –एक कुत्ते के बराबर जानवर जिससे शेर डरता है।
सियाहचर्द (سیاہ چردہ) फा वि –काले चमड़े का काले रंगवाला हब्शी।
सियाहचश्म (سیاہ چشم) फा वि –जिसकी आँखें काली हों काली आँखोंवाली सुन्दरी जो बहुत अच्छी होती है शिकारी चिड़िया।
सियाहचश्मी (سیاہ چشمی) फा स्त्री –आँख का काला होना।
सियाहचाल (سیاہ چال) फा वि –अंधा कुआँ जिसमें पहले [illegible] किये जाते थे।

सियाहजबाँ (سیاہزباں) फा वि –जिसका कोसना तुरन्त लग जाय, शापसिद्ध।
सियाहजबानी (سیاہزبانی) फा स्त्री.–कोसना तुरन्त लगना।
सियाहजर्दः (سیاہجردہ) फा वि –दे 'सियाहचर्द'।
सियाहत (سیاحت) अ स्त्री.–देश-देश घूमना, पर्यटन; सफर, यात्रा।
सिहायताव (سیاہتاب) फा वि –वह रग जो साफ किये हुए लोहे पर नीबू लगाकर आग मे तपाने से हो जाता है।
सियाहताले' (سیاہطالع) फा अ. वि.–बुरे भागोवाला, अभागा, वदकिस्मत।
सियाहदरूँ (سیاہدروں) फा वि –जिसका दिल काला हो, पापी, निष्ठुर, वेरहम।
सियाहदस्त (سیاہدست) फा वि –कृपण, कजूस, बखील।
सियाहदस्ती (سیاہدستی) फा स्त्री –कृपणता, कजूसी, वखीली।
सियाहदानः (سیاہدانہ) फा पु –कलौजी, प्याज का बीज; इस्पंद, जो जलाया जाता है।
सियाहदिल (سیاہدل) फा. वि –पापी, गुनाहगार, निष्ठुर, वेरहम।
सियाहदिली (سیاہدلی) फा स्त्री –पापकर्म, गुनाहगारी, हृदय की कठोरता, सगदिली।
सियाहनामः (سیاہنامہ) फा वि –वदआ'माल, पापी।
सियाहपिस्ताँ (سیاہپستاں) फा. स्त्री –वह स्त्री जिसकी सतान न जीती हो।
सियाहपीर (سیاہپیر) फा पु –वह दास जो बूढा हो गया हो, पुराना खिदमती, स्वामिभक्त।
सियाहपोश (سیاہپوش) फा. वि –काले कपडे, पहनिने-वाला, सिलावर, मृतलोकग्रस्त, मातमदार।
सियाहपोशी (سیاہپوشی) फा स्त्री –काले कपडे पहनना, किमी का शोक मनाना।
सियाहफाम (سیاہفام) फा वि –काले रग का, कृष्णाग।
सियाहफामी (سیاہفامی) फा स्त्री –काला रग होना, हब्शी होना।
सियाहवख्त (سیاہبخت) फा वि –काले भागोवाला, बुरे भाग्यवाला, हतभाग्य।
सियाहवख्ती (سیاہبختی) फा स्त्री –भाग्य का वुरा होना, अभागापन।
सियाहवहार (سیاہبہار) फा वि –वह हरियाली जो शीत-प्रधान देशो मे वर्फ के नीचे दवकर गर्मियो मे निकलती है और वहुत हरी होती है।
सियाहबातिन (سیاہباطن) फा अ वि.–काले अत-करणवाला, पापात्मा, दुराचारी, खवीस।
सियाहवातिनी (سیاہباطنی) फा. अ स्त्री –अत करण का काला होना।
सियाहमस्त (سیاہمست) फा वि.–वहुत अधिक मस्त।
सियाहमस्ती (سیاہمستی) फा स्त्री –वहुत अधिक मस्ती।
सियाह मू (سیاہمو) फा वि –जिसके वाल काले हो, जो अभी जवान हो।
सियाहरंग (سیاہرنگ) फा वि –काले रगवाला, कृष्ण-वर्ण।
सियाहरू (سیاہرو) फा वि –पापी, दुराचारी, मसिमुख, वदकार, जिसका मुँह काला हो, कृष्णमुख।
सियाहरूई (سیاہروئی) फा स्त्री –पाप, दुराचार, वदकारी, मुँह का रग काला होना, हब्शीपन।
सियाहरोज (سیاہروز) फा वि –जिसके दिन खराव हो, जो गर्दिश का शिकार हो, कालचक्रग्रस्त।
सियाहरोजगार (سیاہروزگار) फा वि –कालचक्रग्रस्त, मुसीवत मे गिरिफ्तार, वदकिस्मत, भाग्यहीन।
सियाहरोजी (سیاہروزی) फा. स्त्री –वदकिस्मती, दिनो का फेर, गर्दिश, कालचक्र।
सियाहसंग (سیاہسنگ) फा वि –जुरजान का एक गाँव।
सियाहसर (سیاہسر) फा वि –मगरमच्छ, घडियाल।
सियाहसाल (سیاہسال) फा वि –दुर्भिक्ष का समय, दुर्भिक्ष का वर्ष, कहतसाली का साल।
सियाहसोख्तः (سیاہسوختہ) फा वि –वहुत अधिक जला हुआ, विलकुल जला हुआ।
सियाही (سیاہی) फा स्त्री –कालिमा, असितता, कालौंच, अधकार, तिमिर, अँधेरा, काजल, कज्जल; कलक, दोप, वदनामी का टीका, मसि, रोशनाई।
सियाहोसफेद (سیاہوسفید) फा पु –काला और सफेद, सितासित, सपूर्ण, सव, पूरा, जैसे—सियाहोसफेद का मालिक।
सिर [र्र] (سر) अ पु –मर्म, भेद, राज, रहस्य।
सिराज (سراج) अ पु –दीप, दीपक, दिया, चिराग।
सिरात (صراط) अ. स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता।
सिराते मुस्तकीम (صراط مستقیم) अ. स्त्री –सरल मार्ग, सीधा रास्ता, धर्मपथ, सन्मार्ग, सच्चाई का रास्ता।
सिरिश्क (سرشک) फा पु –नेत्रजल, अश्रु, आँसू, अश्रुविंदु, आँसू की बूँद; विन्दु, बूँद, कत्र।
सिरिश्तः (سرشتہ) फा पु –गूँधा हुआ।
सिरिश्त (سرشت) फा स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, खस्लत,

गुण, खवास धर्म खमीर जिससे कोई वस्तु बनाया जाय (प्रत्य) स्वभाववाला जैसे—इफ्फतसिरिश्त स्वभाव से पतिव्रता।

सिरेश (سریش) फा स्त्री–एक चिपकनेवाला पदार्थ, जो ऊँट गाय भैंस आदि के कच्चे चमड़े से बनता और लकड़ी आदि जोड़ने के काम आता है सरेस।

सिरेशम (سریشم) फा पु–दे सिरेशम माही दे सिरेश।

सिरेशम माही (سریشم ماہی) फा पु–एक विशेष मछली का बना हुआ सिरेश जो दवा के काम आता है और राजरोग अर्थात तपदिक की बहुत अच्छी दवा है।

सिकं (سرکہ) फा पु–फल गन्ने या ताड़ा आदि का रस जो धूप मे रखकर खट्टा किया जाता है।

सिकंजबीं (سرکہ جبیں) फा वि–दुशील बदखू चिड़चिड़ा तुनुक।

सिकंपेशानी (سرکہ پیشانی) फा वि–दे सिकंजबी।

सिकंफरोश (سرکہ فروش) फा वि–सिर्का बेचनेवाला रूखी और बेमुरव्वती बातें करनेवाला।

सिर्फ (صرف) अ वि–निष्केवल परिशुद्ध खालिस केवल फक्त एकाकी अकेला निरा सब।

सिर्बाल (سربال) अ पु–वस्त्र लिबास वसन पहनने की चीज।

सिर्र निहाँ (سر نہاں) अ फा पु–गुप्त भेद गूढ मर्म ऐसा राज जो कहा न जा सके।

सिर्हान (سرحان) अ पु–वृक भेड़िया।

सिल (صلہ) अ पु–प्रतिकार बदला प्रत्यपकार बुराई का बदला प्रत्युपकार भलाई का बदला पुरस्कार इनआम उपहार तोहफा किसी परिश्रम का फल या बदला धन के रूप में हो या किसी दूसरे रूप में।

सिल (سل) अ स्त्री–फेफड़ो का जख्म रजवास यह तत्काल नही होती परंतु इसकी चिकित्सा न होने पर बन जाती है।

सिलए रहिम (صلۂ رحم) अ पु–अपने परिवारवालो से प्रेम रखना और यथाशक्ति उनकी सहायता करना।

सिलह (سلح) अ पु–शस्त्र आयुध हथियार।

सिलहखान (سلح خانہ) अ फा पु–जहाँ हथियार रहते हो शस्त्रागार।

सिलहदस्त (سلح دست) अ फा वि–हाथ में हथियार लिये हुए खड्गपाणि सशस्त्र।

सिलहदार (سلحدار) अ फा वि–हथियारबंद शस्त्रधारी योद्धा, सिपाही शस्त्रजीवी।

सिलहदारी (سلحداری) अ फा स्त्री–हथियारबंद होना, सिपाहीपन, सिपाही का पेशा।

सिलहपोश (سلح پوش) अ फा वि–हथियारबंद शस्त्रधारी।

सिलहशोर (سلح شور) अ फा वि–दे सिलहदार।

सिलात (صلات) अ पु–सिल का बहु सिले, बदले पुरस्कार वखिशश।

सिलाय (صلایہ) अ पु–रगड़ने या घिसने का बट्टा जिस पर कोई चीज घिसी या पीसी जाय, सिल।

सिलाह (سلاح) अ पु–शस्त्र अस्त्र, आयुध हथियार।

सिलाह (صلاح) अ पु–संधि मुसालहत मित्रता दोस्ती, शान्ति सुकून।

सिलाहदस्त (سلاح دست) अ फा वि–हथियारबंद हाथ में हथियार लिये हुए खड्गपाणि।

सिलाहदस्ती (سلاح دستی) अ फा स्त्री–हथियारबंदी हाथ में हथियार होना।

सिलाहशोर (سلاح سور) अ फा वि–हथियारबंद सशस्त्र शस्त्रधारी सैनिक।

सिलाहशोरी (سلاح سوری) अ फा स्त्री–हथियारबंदी, सशस्त्रता सिपाहीपन सैनिकता।

सिलाही (سلاحی) अ वि–सैनिक सिपाही फौजी।

सिल्क (سلک) अ उभ–तंतु डोरा तागा वह डोरा जिसमें मोती पिरोये हो तार धातु का तार।

सिल्की (سلکی) अ वि–डोरे का डोरे से सम्बन्धित, तार का तार से सम्बन्धित।

सिल्के कहरबाई (سلک کہربائی) अ उभ–बिजली का तार बिजली के तार की लाइन।

सिल्के मर्वारीद (سلک مرواری) अ स्त्री–मोतियो की लड़ी।

सिल्त (سلطہ) अ पु–तेज तीव्र लंबा दीर्घ।

सिल्म (سلم) अ स्त्री–लड़कों के लिखने की तख्ती पट्टिका दे सल्म दोनो शुद्ध है।

सिल्सिल (سلسلہ) अ पु–शृंखला जंजीर पंक्ति कतार, जैसे—पहाड़ो का सिलसिला कुल वंश गोत्र वंश वंश परम्परा किसी बड़े महात्मा के शिष्यो का अनुक्रम क्रम तर्तीब।

सिल्सिलजुबाँ (سلسلہ جنباں) अ फा वि–किसी बात को उठानेवाला कोई प्रसंग छेड़नेवाला कोई तहरीक करनेवाला।

सिल्सिलजुबानी (سلسلہ جنبانی) अ फा स्त्री–किसी बात को उठाना किसी बात की तहरीक करना।

सिल्सिल.बंदी (سلسلہ‌بندی) अ फा स्त्री –क्रमबद्धता, वार्तर्तीबी, पंक्तिबद्धता, कतारबंदी।

सिल्सिल:वार (سلسلہ‌وار) अ फा वि –क्रम से, क्रमश, तर्तीब से; एक-एक करके, एक के बाद एक।

सिल्सिलए कलाम (سلسلۂ کلام) अ पु –बातों का सिलसिला।

सिल्सिलए कोह (سلسلۂ کوہ) अ फा पु –पहाडो का सिलसिला, पर्वतमाला।

सिल्सिलए ख़यालात (سلسلۂ خیالات) अ. पु –विचार-क्रम, ख़यालो का तार।

सिल्सिलए नसब (سلسلۂ نسب) अ पु –वंशानुक्रम, वंशावली, नसबनामा।

सिल्सिलए हादिसात (سلسلۂ حادثات) अ पु –एक के बाद दूसरी घटना का सिलसिला, घटनाचक्र, घटनाक्रम।

सिवा (سوا) फा अव्य –अतिरिक्त, अलावा; विना, वगै़र; अन्य, दूसरा, फालतू, फाजिल।

सिवुम (سوم) फा वि –तृतीय, तीसरा, मुसलमान मरने-वाले के तीजे का फातह।

सिह (سہ) फा. वि –तीन, त्रय।

सिहगून: (سہ‌گونہ) फा वि –तीनगुना, त्रिगुण, तिगुना।

सिहगोश. (سہ‌گوشہ) फा वि –तीन कोनोवाला, त्रिकोण।

सिहचंद (سہ‌چند) फा वि –तीनगुना, त्रिगुण।

सिहज़मानी (سہ‌زمانی) फा अ वि –तीनो कालो से सम्बन्ध रखनेवाला, त्रैकालिक।

सिहनिकाती (سہ‌نکاتی) फा अ वि –तीन उसूलोवाला फ़ार्मूला, त्रिसूत्री।

सिहपहलू (سہ‌پہلو) फा वि –तीन कोनोवाला, त्रिकोण, त्रिपार्श्व।

सिहमंज़िल. (سہ‌منزلہ) फा अ वि.–तीन खडोवाला घर, जिसमें तले-ऊपर तीन दर्जे हो।

सिहमाह. (سہ‌ماہہ) फा वि –तीन महीने में होनेवाला, त्रैमासिक, तीन महीने की आयु का।

सिहरंगी (سہ‌رنگی) फा वि.–तीन रंगोवाला, त्रैवर्णिक।

सिहशंब: (سہ‌شنبہ) फा पु –मंगलवार, मंगल का दिन।

सिहसाल: (سہ‌سالہ) फा वि –तीन वर्षों में होने या पड़ने-वाला, त्रैवार्षिक; तीन वर्ष की आयु का।

सिहाम (سہام) अ. पु –'सह्म' का बहु, बहुत से बाण, हिस्से, अंश, भाग।

सिहाह (صحاح) अ पु –'सहीह' का बहु, स्वस्थ और नीरोग लोग, (स्त्री.) हदीस का एक सुप्रसिद्ध ग्रंथ।

सिह्र (سحر) अ. पु –मंत्र-तंत्र द्वारा हिंसाकर्म, अभिचार; शाबर बाजी, मायाकर्म, इंद्रजाल, टोना, टोटका; तिलिस्म, माया और छल से रचित स्थान, चमत्कार, अचभे में डालनेवाली बात।

सिह्रअंगेज़ (سحرانگیز) अ फा. वि –जादू का असर रखनेवाला, आश्चर्यजनक।

सिह्रअंगेज़ी (سحرانگیزی) अ. फा स्त्री –जादू के असर का होना।

सिह्रआफ़्रीं (سحرآفریں) अ फा वि –जादू पैदा करने-वाला, चमत्कार दिखानेवाला।

सिह्रआफ़्रीनी (سحرآفرینی) अ फा स्त्री –जादू पैदा करना, अचभे में डालना।

सिह्रआमेज़ (سحرآمیز) अ फा वि –जिसमे जादू मिला हो अर्थात् आश्चर्यजनक।

सिह्रआमेज़ी (سحرآمیزی) अ फा स्त्री –जादू मिला होना।

सिह्रकलाम (سحرکلام) अ वि –जिसकी बातो में जादू हो।

सिह्रकलामी (سحرکلامی) अ. स्त्री –बातों में जादू का असर होना।

सिह्रकार (سحرکار) अ फा वि –जादूगर, मायावी, इंद्र-जाली, मायाकार।

सिह्रतराज़ (سحرطراز) अ फा वि –जादूगर, इंद्रजाली।

सिह्रतराज़ी (سحرطرازی) अ फा स्त्री –जादूगरी, माया-कर्म।

सिह्रफ़न (سحرفن) अ वि –जादूगर, इंद्रजालिक, तांत्रिक, मायाकार।

सिह्रबयान (سحربیان) अ. वि.–दे 'सिह्रकलाम'।

सिह्रबयानी (سحربیانی) अ. स्त्री –दे 'सिह्रकलामी'।

सिह्रबाज़ (سحرباز) अ फा वि –दे 'सिह्रकार'।

सिह्रबाज़ी (سحربازی) अ फा स्त्री –सिह्रकारी, जादू-गरी, मायाकर्म।

सिह्रवार (سحروار) अ फा वि –जादू फैलानेवाला, चमत्कार करना।

सिह्रवारी (سحرواری) अ फा वि –स्त्री, जादू फैलाना, चमत्कार करना।

सिह्रसंज (سحرسنج) अ फा वि–जादूगर, इंद्रजाली, मायाकार।

सिह्रसंजी (سحرسنجی) अ फा स्त्री –जादूगरी, माया-कर्म, इंद्रजाल।

सिह्रसाज़ (سحرساز) अ. फा. वि –दे 'सिह्रकार'।

सिह्रसाज़ी (سحرسازی) अ फा. स्त्री –सिह्रकारी, माया-कर्म।

सिह्रे सामिरी (سحر سامری) अ पु —सामिरी का जादू जिसने धातु के बछड़े में प्राण डाल दिये थे बहुत बड़ा जादू।

सिह्रे हलाल (سحر حلال) अ पु —वह जादू जिसका करना धर्म में विहित है कविता का जादू।

सिहहत (صحت) अ स्त्री —स्वास्थ्य तनदुरुस्ती शुद्धि दुरुस्ती।

सिहहतअफ्ज़ा (صحت افزا) अ फा वि —स्वास्थ्यवर्धक तनदुरुस्ती बढ़ानेवाला।

सिहहतखाना (صحت خانہ) अ फा पु —शौचालय सडास पाखाना।

सिहहतनामा (صحت نامہ) अ फा पु —शुद्धिपत्र किसी पुस्तक के साथ लगाया जानेवाला गलतियों का शुद्धि का पत्र।

सिहहतबख्श (صحت بخش) अ फा वि —स्वास्थ्यदायक तनदुरुस्ती देनेवाला रोगमुक्त करनेवाला।

सिहहतमंद (صحت مند) अ फा वि —स्वस्थ तनदुरुस्त जिसमें कोई दोष न हो बढ़िया उत्तम।

सी

सी (سی) फा वि —तीस तीस की संख्या त्रिंशत।

सीकलक (سیکلک) तु वि —आहिस्ता धीरे होले।

सीकी (سیکی) फा स्त्री —शराब जिसे इतना औटाया जाय कि वह तिहाई रह जाय।

सीख (سیخ) फा स्त्री —लोहे की सलाख सलाका।

सीखचा (سیخچہ) फा पु —छोटी सीख छोटी सलाख।

सीखपर (سیخ پر) फा पु —चिड़िया का वह बच्चा जिसके पर अभी अभी निकले हों मुर्गाबी में छोटा एक आबी परिंद।

सीखपा (سیخ پا) फा वि —पिछले पैरों पर खड़ा हुआ घोड़ा।

सीखे जारोब (سیخ جاروب) फा स्त्री —झाड़ू का सीक।

सीगा (صیغہ) अ पु —शाखा का माह विभाग महकमा।

सीगए गाइब (صیغہ غائب) अ पु —प्रथम पुरुष जिसके विषय में बात की जाय (व्या)।

सीगए मुतकल्लिम (صیغہ متکلم) अ पु —उत्तम पुरुष जो बात करनेवाला है (व्या)।

सीगए राज़ (صیغہ راز) अ फा पु —गुप्त गोपनीय छिपाई जानेवाली बात।

सीगए हाज़िर (صیغہ حاضر) अ पु —मध्यमपुरुष जिससे सम्मुख होकर बात की जाय (व्या)।

सीन (صین) अ स्त्री —चीन देश क्याति नामदेश।

सीन (سین) फा पु —वक्षस्थल अन्तस्थल छाती स्तन पयोधर कुची।

सीन अफ्गार (سینہ افگار) फा वि —जिसका हृदय फट गया हो विदीर्णहृदय भग्नहृदय।

सीनकावी (سینہ کاوی) फा स्त्री —कठिन परिश्रम कड़ा प्रयास।

सीनकोबी (سینہ کوبی) फा स्त्री —छाती पीटना, सीना कूटना मातम करना मातम धम्माल।

सीनचाक (سینہ چاک) फा वि —जिसका छाती फट गई हो अर्थात जिसको कोई बहुत बड़ा शोक सहना पड़ा हो।

सीन ज़न (سینہ زن) फा वि —सीना कूटनेवाला अर्थात मातम करनेवाला।

सीन ज़नी (سینہ زنی) फा स्त्री —छाती कूटना अर्थात मातम करना।

सीनज़ोर (سینہ زور) फा वि —अत्याचारी ज़ालिम विद्रोही बागी उद्दंड सरकश।

सीन ज़ोरी (سینہ زوری) फा स्त्री —अत्याचार विद्रोह उद्दंडता।

सीनदरसीन (سینہ درسینہ) फा वि —दे सीन बसीन।

सीनदरी (سینہ دری) फा स्त्री —सीना चाक करना शोक में अस्त-व्यस्त होना।

सीनपोश (سینہ پوش) फा पु —छाती ढाँकनेवाला कपड़ा सीन बंद उरस्थान उरच्छद।

सीनफ़िगार (سینہ فگار) फा वि —भग्नहृदय जिसकी छाती फट गई हो जिसको कोई बहुत ही बड़ा शोक सहना पड़ा हो।

सीन बंद (سینہ بند) फा पु —अँगिया, चोली छाती गर्म रखनेवाला एक वस्त्र बच्चों की राल टपकने का कपड़ा जो सीने पर बाँधते हैं।

सीनबसीन (سینہ بسینہ) फा वि —छाती से छाती मिलाये हुए वह बात जो किसी वंश में एक दूसरे को बताई हुई चली आती हो।

सीनबाज़ (سینہ باز) फा वि —चुने सीने का चौड़े सीने वाला।

सीनरेश (سینہ ریش) फा वि —जिसका हृदय घायल हो प्रेमी आशिक शोक-संतप्त ग़मज़दा।

सीननिगार (سینہ نگار) फा वि —दे सीनचाक।

सीनसाफ़ (سینہ صاف) फा अ वि —निश्छल बराबर साफ़ दिल का स्वच्छहृदय।

सीनसिपर (سینہ سپر) फा वि —डटकर मुक़ाबले पर आया हुआ सीना सामने करके लड़नेवाला।

सीन सियाह (سینہ سیاہ) फा वि —जिसका दिल काला हो अर्थात् जो बड़ा पापी हो पापात्मा कलुषहृदय संगदिल।

सीनःसोख्तः (سینہ‌سوختہ) फा. वि –दग्धहृदय, तप्त-हृदय, मुसीबत का मारा, आफतजद ।

सीन (سین) अ पु –अरबी का १२वाँ, फारसी का १५वाँ, उर्दू का १८वाँ और हिंदी का ३०वाँ अक्षर ।

सीन (صین) अ पु –चीन, एक प्रसिद्ध देश ।

सीपारः (سی‌پارہ) फा पु –तीस टुकडो मे वँटा हुआ, कुरान के तीस खडो मे से एक ।

सीना (سینا) अ पु –शाम (अरब) का एक पहाड, कोह तूर, बूअली का वाप, जिसके सम्बन्ध से वह 'बूअली सीना' कहलाता है ।

सीम (سیم) फा स्त्री –रजत, चाँदी, नुक्र, धन, दौलत, परतु दूसरे अर्थ मे 'जर' के साथ 'सीमो जर' आता है ।

सीमअंदाम (سیم‌اندام) फा वि –जिसका शरीर चाँदी-जैसा धवल और उज्ज्वल हो, रजतागना, गौरवर्णा ।

सीमकार (سیم‌کار) फा वि –अच्छी अदाओंवाला (वाली)।

सीमकारी (سیم‌کاری) फा स्त्री –हाव-भाव, नाजो अदाज ।

सीमकुश (سیم‌کش) फा वि –फुजूलखर्च, अपव्ययी ।

सीमकुशी (سیم‌کشی) फा स्त्री –फुजूलखर्ची, अपव्यय ।

सीमगिल (سیم‌گل) फा स्त्री –पोतने की मिट्टी, पडोल, गोरा चट्टा, सफेद चमडे का ।

सीमजक़न (سیم‌ذقن) फा वि –जिसकी ठोडी पर वाल न हो और वह साफ हो, नौखेज लडका, अम्रद ।

सीमतन (سیم‌تن) फा वि –चाँदी-जैसे सफेद शरीरवाला, गौरवर्ण, रजताग (पु), गौरवर्णा, रजतागना (स्त्री) ।

सीमबर (سیم‌بر) फा वि –चाँदी-जैसी गोरी और सख्त वक्ष स्थलवाली नायिका ।

सीमसाक (سیم‌ساق) फा वि –जिसकी पिडलियाँ चाँदी-जैसी गोरी और सख्त हो ।

सीमसुरी (سیم‌سرین) फा वि –सुन्दर नितम्बवाली नायिका, नितविनी ।

सीमा (سیما) फा स्त्री –ललाट, भाल, माथा, पेशानी, ऐसा चिह्न जिससे किसी चीज की पहचान हो सके ।

सीमाव (سیماب) फा पु –पारद, पारा, एक धातु ।

सीमावगूँ (سیماب‌گوں) फा वि –पारे के रगवाला, पारे जैसा सफेद ।

सीमाव दरगोश (سیماب‌درگوش) फा वि –वधिर, वहिरा, जो ऊँचा सुने ।

सीमावदिल (سیماب‌دل) फा वि –अधीर, आतुर, उतावला, वेसब्रा ।

सीमाववार (سیماب‌وار) फा वि –पारे की तरह व्याकुल या चचल, अस्थिर ।

सीमावसिफत (سیماب‌صفت) फा अ वि –पारे-जैसा चचल, व्याकुल, जिसे एक जगह करार न हो ।

सीमावियत (سیمابیت) फा स्त्री –पारा-जैसा चचल या व्याकुल होना, अस्थिरता ।

सीमावी (سیمابی) फा वि –पारे का, पारे का वना हुआ, पारे से सवधित ।

सीमावे कुश्तः (سیماب‌کشتہ) फा पु –मरा हुआ पारा, पारे का कुश्त, पारद-भस्म ।

सीमिया (سیمیا) अ स्त्री –वह विद्या जिससे मनुष्य अपना शरीर छोडकर दूसरे के शरीर मे दाखिल हो जाता है, पर-काय-प्रवेश-विद्या, ऐसी वस्तुओं को देखना जो वास्तविक मे न हों ।

सीमी (سیمیں) फा वि –चाँदी का, चादी का वना हुआ, चाँदी-जैसा ।

सीमीअंदाम (سیمیں‌اندام) फा वि –रजताग, चाँदी-जैसे उज्ज्वल शरीरवाला (पु), रजतागना (स्त्री) ।

सीमीआरिज़ (سیمیں‌عارض) फा अ वि –दे 'सीमीइज़ार' ।

सीमीइज़ार (سیمیں‌عذار) फा अ वि –चाँदी-जैसे सफेद और दीप्त गालोवाला, रजतकपोल (पु), रजतकपोला (स्त्री) ।

सीमीज़क़न (سیمیں‌ذقن) फा अ वि –जिसकी ठोडी पर वाल न आये हो, सुन्दर लडका ।

सीमीतन (سیمیں‌تن) फा वि –चाँदी-जैसे धवल और उज्ज्वल अगोवाला (वाली) ।

सीमीबदन (سیمیں‌بدن) फा वि –दे 'सीमीतन' ।

सीमीरुख (سیمیں‌رخ) फा वि –दे 'सीमीइजार' ।

सीमीसाक (سیمیں‌ساق) फा वि –उज्ज्वल और कठोर पिडलियोवाली नायिका ।

सीमुर्ग (سیمرغ) फा पु –एक वहुत वडा पक्षी, जो काफ पहाड मे रहनेवाला माना गया है ।

सीमे खाम (سیم‌خام) फा स्त्री –खालिस और वेमेल चाँदी ।

सीमे खालिस (سیم‌خالص) फा अ स्त्री –खरी और निर्मल चाँदी ।

सीमे नाब (سیم‌ناب) फा स्त्री –दे 'सीमे खालिस' ।

सीमे सोख्तः (سیم‌سوختہ) फा स्त्री –खालिस चाँदी, खरी चाँदी, लाजवर्द, एक रत्न, राजावर्त ।

सीमे हलाल (سیم‌حلال) फा अ स्त्री –खालिस चाँदी ।

सीमो जर (سیم‌وزر) फा पु –सोना और चाँदी अर्थात् धन-दौलत, माल, दौलत ।

सीर (سیر) फा. पु.–लहसुन, लशुन ।

सीरत (سیرت) अ स्त्री–स्वभाव प्रकृति आदत जीवन चरित सवानेहउम्री अख्लाक़ औसाफ़।
सीरतन (سیرتاً) अ वि–स्वाभावत आदत में स्वभाव से।
सीरते ख़ूब (سیرت خوب) अ फा स्त्री–अच्छा स्वभाव अच्छी आदतें।
सीरते पाक (سیرت پاک) अ फा स्त्री–पवित्र स्वभाव, पवित्र जीवनचरित्र।
सीली (سیلی) फा स्त्री–चारों उंगलियों का खड़ा करके किसी की गर्दन पर मारना पहले यह एक सज़ा भी था।
सीस्तान (سیستان) फा पु–दक्षिणी ईरान का एक प्रसिद्ध प्रान्त।

सु

सुदरूस (سندروس) फा पु–राजन एक प्रसिद्ध गोंद सदरूप।
सुंदुस (سندس) अ पु–एक बहुत ही महीन और बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।
सुंदूक़ (صندوق) अ पु–शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उर्दू में सन्दूक़ कहते हैं दे सन्दूक़।
सुंब (سنبہ) फा पु–राह में छेद करने का लोहे का छोटा सा औज़ार लकड़ी में सूराख़ करने का औज़ार बरमा।
सुंबुक (سنبک) फा स्त्री–छोटी नाव जो बड़ी नाव के साथ रहती है।
सुंबुल (سنبلہ) अ पु–गेहूँ की बाल कन्याराशि बुर्जे सुंबुल।
सुंबुल (سنبل) अ स्त्री–गेहूँ या जौ की बाल एक सुगंधित वनौषधि बालछड़ अन्य जुल्फ।
सुंबुलुत्तीब (سنبل الطیب) अ स्त्री–बालछड़ जटा मांसी।
सुआद (سعاد) अ स्त्री–अरब की एक सुन्दरी।
सुआल (سعال) अ स्त्री–खांसी कास।
सुआल (سوال) अ पु–प्रश्न सवाल इसका शुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उर्दू में सवाल ही है।
सुऊद (صعود) अ पुं–ऊपर जाना ऊपर उठना ऊपर आना।
सुऊद (سعود) अ पुं–साद का बहु शुभ ग्रह, जैसे–बृहस्पति शुक्र और चन्द्र।
सुऊबत (صعوبت) अ स्त्री–कठिनता कष्ट दुश्वारी व्यथा पीड़ा तकलीफ़।
सुक [क] (سک) अ पु–एक सुगंधित पदार्थ जो कई सुगंधित पदार्थों से मिलकर बनता है।

सुकारा (سکاریٰ) अ पु–सकरान का बहु मतवाले नशे में चूर लोग, मस्त लोग।
सुकूब (ثقوب) अ पु–'सुक़्ब' का बहु, सूराख़ (बहुत से), छिद्र-समूह।
सुकुर (سکرہ) अ पु–मिट्टी का छोटा प्याला कुल्हड़।
सुकूत (سقوط) अ पु–गिरना पात, पतन।
सुकूत (سکوت) अ पु–मौन चुप्पी ख़ामोशी सन्नाटा–
मेरे सुकूत यास पे इतना न हो मलूल। मुझको सुना न ख़्वास्ता तुमसे गिला नहीं। (फ़िराक़)
सुकूते कामिल (سکوت کامل) अ पु–पूरा सन्नाटा बिलकुल ख़ामोशी।
सुकूते महज़ (سکوت محض) अ पु–पूरा सन्नाटा।
सुकून (سکون) अ पु–सन्नाटा ख़ामोशी शान्ति अमन बीमारी में कमी ठहराव करार, विराम आराम इत्मीनान संतोष इत्मीनान धैर्य सब्र जी ठण्डा होना अम्र का हल होना।
सुकूनत (سکونت) अ स्त्री–निवास क़ियाम बसाव।
सुकूनतपिज़ीर (سکونت پذیر) अ फा वि–निवासी बाशिन्दा।
सुकूनती (سکونتی) अ वि–रहने का, रहने योग्य जैसे–सुकूनती मकान।
सुकूने अबदी (سکون ابدی) अ पु–मौत मरण हमेशा के लिए सुकून और शान्ति।
सुकूने आरिज़ी (سکون عارضی) अ पु–थोड़े दिनों का इत्मीनान अस्थायी संतोष।
सुकूने कामिल (سکون کامل) अ पु–पूरी ख़ामोशी पूरा संतोष मौत की ख़ामोशी।
सुकूने दाइमी (سکون دائمی) अ पु–दे सुकूने अबदी।
सुकूने मुतलक़ (سکون مطلق) अ पु–दे 'सुकूने कामिल।
सुकैना (سکینہ) अ स्त्री–हज़रत सकीन का शुभ नाम जो हज़रत इमामहुसैन की सुपुत्री था।
सुक्कर (سکر) अ स्त्री–चीनी शक्कर शर्करा।
सुक्कान (سکان) अ पु–साकिन का बहु रहनेवाले निवासी।
सुक्काने समावात (سکان سماوات) अ पुं–आसमान के रहनेवाले फ़रिश्ते।
सुक्त (سقطہ) अ पुं–किसी चीज़ का गिरा हुआ टुकड़ा, बाल का टुकड़ा।
सुक्ना (سکنیٰ) अ स्त्री–निवास बसना निवासी बसनेवाला।
सुक्ब (ثقبہ) अ पुं–छिद्र विवर छेद सूराख़।

सुक्ब (نقب) अ पु –'सुक्ब' का बहु, छिद्र-समूह, छेद, दे 'सुकुब', दोनों शुद्ध हैं।
सुक्बए इनबीयः (ثقبۂ عنبیہ) अ. पु.–आँख का एक पर्दा, एक चक्षुपटल।
सुक्म (سقم) अ पु –रोग, बीमारी।
सुक़मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री –एक विरेचक गोंद जो बहुत अच्छी दवा है।
सुक्र (سکر) अ पु –मद, अभिमान, मादकता, नशा।
सुख़न (سخن) फा पु –वार्ता, बात, कथन, शब्द, ध्वनि, वार्तालाप, बातचीत, संविदा, वादा, कौल, कविता, काव्य, शे'र, शाइरी, प्रवचन, मक़ूल., दे 'सख़ुन', दोनों शुद्ध हैं।
सुख़नआफ़रीं (سخن آفریں) फा वि –कवि, शाइर।
सुख़नआफ़रीनी (سخن آفرینی) फा स्त्री.–कविता, काव्य-रचना, शाइरी।
सुख़नआरा (سخن آرا) फा वि –कवि, शाइर।
सुख़नआराई (سخن آرائی) फा. स्त्री –काव्य-रचना, शाइरी।
सुख़नगुस्तर (سخن گستر) फा वि –कवि, शाइर, काव्य-मर्मज्ञ, शे'रशनास।
सुख़नगुस्तरी (سخن گستری) फा. स्त्री –कविता कहना, कविता का गुण-दोष समझना।
सुख़नगो (سخن گو) फा. वि –कवि, शाइर।
सुख़नगोई (سخن گوئی) फा. स्त्री –कविता, शाइरी।
सुख़नगोया (سخن گویا) फा वि –सुख़नगो, शाइर, कवि।
सुख़नचीं (سخن چیں) फा. वि –छिद्रान्वेषी, ऐबची, पिशुन, चुग़ुलख़ोर; निन्दक, लुतरा।
सुख़नचीनी (سخن چینی) फा स्त्री.–ऐब ढूँढना, पिशुनता, लुतरापन।
सुख़नतकियः (سخن تکیہ) फा अ पु –वह शब्द या वाक्य जो किसी की ज़बान पर चढ जाय और बातों में उसका प्रयोग बार-बार करे, चाहे उसकी आवश्यकता हो या न हो।
सुख़न तराज़ (سخن طراز) फा वि –कवि, शाइर।
सुख़नतराज़ी (سخن طرازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी।
सुख़नदाँ (سخن داں) फा वि –शाइर, कवि, सुख़नफ़ह्म, काव्य-मर्मज्ञ।
सुख़नदानी (سخن دانی) फा स्त्री –शाइरी, काव्य-रचना, कविता की परख।
सुख़ननवाज़ (سخن نواز) फा वि –कवियों और शाइरों की क़द्र करनेवाला, काव्यप्रेमी।
सुख़ननवाज़ी (سخن نوازی) फा. स्त्री –कविता की क़द्र, कवियों का आदर।
सुख़नपरदाज़ (سخن پرداز) फा वि –कवि, शाइर।
सुख़नपरदाज़ी (سخن پردازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी।
सुख़नपर्वर (سخن پرور) फा वि –कवि, शाइर; अपनी बात की पच करनेवाला, ग़लत या सही जो कह दिया उस पर अड़ा रहनेवाला, हठधर्म, हठी।
सुख़नपर्वरी (سخن پروری) फा स्त्री –कविता; बात की पच, हठधर्मी।
सुख़नफ़रामोश (سخن فراموش) फा वि.–बात कहकर भूल जानेवाला, वादा याद न रखनेवाला।
सुख़नफ़रामोशी (سخن فراموشی) फा स्त्री.–बात भूल जाना, वादा याद न रखना।
सुख़नफ़ह्म (سخن فہم) फा अ वि –कविता का गुणदोष समझनेवाला, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ, बात की तह को पहुँच जानेवाला।
सुख़नफ़ह्मी (سخن فہمی) फा अ स्त्री –कविता का गुण-दोष समझना, काव्य-मर्मज्ञता, जल्द बात की तह को पहुँचना।
सुख़नबाफ़ (سخن باف) फा वि –बातूनी, वाचाल, मुखर।
सुख़नबाफ़ी (سخن بافی) फा स्त्री –वाचालता, मुखरता, बातूनीपन।
सुख़नरस (سخن رس) फा वि –दे 'सुखनफह्म'।
सुख़नरसी (سخن رسی) फा स्त्री –दे 'सुखनफह्मी'।
सुख़नवर (سخن ور) फा वि –कवि, शाइर।
सुख़नवरी (سخن وری) फा स्त्री –कविता, शाइरी।
सुख़नशनास (سخن شناس) फा. वि –दे 'सुखनफह्म'।
सुख़नशनासी (سخن شناسی) फा. स्त्री.–दे 'सुखनफह्मी'।
सुख़नशनो (سخن شنو) फा वि –बात सुननेवाला, बात समझनेवाला, बात की क़द्र करनेवाला।
सुख़नसंज (سخن سنج) फा वि.–दे 'सुख़नफ़ह्म'; दे 'सुख़नवर'।
सुख़नसंजी (سخن سنجی) फा स्त्री –काव्य-मर्मज्ञ, कवि।
सुख़नसरा (سخن سرا) फा वि –कवि, शाइर, तरन्नुम से शे'र पढनेवाला।
सुख़नसराई (سخن سرائی) फा स्त्री –कविता, शाइरी, तरन्नुम से शे'र पढ़ना।
सुख़नसाज़ (سخن ساز) फा वि –कवि, शाइर, बातों का चालाक, छली, मक्कार।
सुख़नसाज़ी (سخن سازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी, बातों की चालाकी, ज़मानसाज़ी, छल, फरेब।

सुखने गम (سخن گرم) फा पु –तेज बात—गुस्से की बात गुस्सा दिलानेवाली बात।

सुखने तल्ख (سخن تلخ) फा पु –कड़वी बात, सच्ची और खरी बात कड़ुवाना मुंह चपलना।

सुखुन (سخن) फा पु –दे सुखन शुद्ध यह भी है परन्तु सुखन बहुत अधिक शुद्ध है।

सुखूनत (سخونت) अ स्त्री –गर्म होना उष्ण होना, उष्णता उष्णिमा गर्मी।

सुख्त (سخته) फा वि –तौला हुआ तुलित।

सुख्त (سخط) अ पु –क्रोध ताप गुस्सा दे सख्त, दोनों शुद्ध हैं।

सुख्तनी (سختنی) फा वि –तौलने के योग्य जिसे तौला जा सके।

सुख्र (سخره) फा स्त्री –बेगार बिना मजदूरी का काम विष्टि।

सुख्रः (سخره) अ पु –मनोविनोद मनोरंजन, खुशतबई जिस पर लोग हँसें हास्यास्पद उपहसित मसखरा विदूषक।

सुख्रत (سخرت) अ स्त्री –परिहास उपहास हँसी उड़ाना मनोरंजन तफ्रीह।

सुख्री (سخری) अ वि –पश्चात्ताप अफसोस।

सुख्रीय (سخريه) अ पु –मनोविनोद तफ्रीह ठठोल फक्कड़पन मसखरपन विदूषकता।

सुगाच (سگاچه) फा पु –कावूस रोग जिसमें स्वप्न में ऐसा जान पड़ता है कि कोई काला देव गला दबा रहा है।

सुग्द (سغد) फा स्त्री –नीची जमीन जहाँ बरसात का पानी इकट्ठा होता है समरकंद के पास एक नगर।

सुग्दी (سغدی) फा स्त्री –ईरान की सात भाषाओं में से एक।

सुग्रा (صغریٰ) अ स्त्री –छोटी स्त्री हर छोटी चीज जो स्त्रीलिंग हो।

सुग्राक (سغراق) तु पु –बड़ा प्याला बादिया।

सुजूद (سجود) अ पु –प्रणाम करना सर झुकाना ईश्वर के आगे सर झुकाना नमाज में सज्दा करना।

सुतुग (ستُرگ) फा वि –पुष्ट बड़ा श्रेष्ठ अजीम।

सुतुद (ستُده) फा वि –मंडा हुआ मंडित।

सुतुर्लाब (سطرلاب) फा प –ग्रह और तारा आदि के नापने का यंत्र।

सुतुअ (سطوع) अ प –बुलंद होना ऊँचा होना।

सुतूद (ستوده) फा वि –प्रशंसित सराहा हुआ जिसकी तारीफ की गयी हो।

सुतूद कार (ستوده کار) फा वि –जिसके काम काबिल तारीफ हों।

सुतूद सिफात (ستوده صفات) फा अ वि –अच्छे गुणों वाला अच्छे आचार-व्यवहारवाला।

सुतूदा (ستودان) फा पु –आतशपरस्तों अर्थात् पार्सियों का समाधिस्थान या कब्रिस्तान।

सुतून (ستون) फा पु –स्थूण खंभा मीनार लाट स्तंभ।

सुतूने जराइद (ستون جرائد) फा अ प –अखबार का कालम स्तंभ।

सुतूर (سطور) अ स्त्री –सत्र का बहु सतरें लकीरें पंक्तियाँ।

सुतूरे जेल (سطور ذیل) अ स्त्री –लेख के नीचे की पंक्तियाँ।

सुतूरे बाला (سطور بالا) अ फा स्त्री –लेख के ऊपर की पंक्तियाँ।

सुतूह (سطوح) अ स्त्री –सतह का बहु, सतहें।

सुतोर (ستور) फा पु –गो वध बैल उष्ट्र, अश्व, ऊँट अश्व बाजि घोड़ा।

सुतोह (ستوه) फा वि –तंग आया हुआ आजिज, दुखित पीड़ित रंजीदा निस्सहाय बेलगाव बाज।

सुदद (سدد) अ पु –सुद्द का बहु, सुद्दे ग्रंथियाँ गाँठें मल या मवाद की गाँठें।

सुदाअ (صداع) अ प –सरदर्द शिरःपीड़ा।

सुदाद (سداد) अ पु –एक रोग है जिसमें नाक और कान के रास्ते बंद हो जाते हैं।

सुदाब (سداب) फा स्त्री –एक क्षुप जिसकी पत्ती औषधि में काम आती है, तितली।

सुदुस (سدس) अ वि –छठा षष्ठ छठा।

सुदूर (صدور) अ पु –जारी होना निकलना।

सुद्ग (صدغ) अ पु –कनपटी।

सुद्ग (صدغ) अ पु –कनपटी।

सुद्गतैन (صدغین) अ पु –दोनों कनपटियाँ।

सुद्द (سده) अ पु –मवाद की गाँठ जो आँतों या रगों में पड़ जाती है।

सुदस (سدس) अ वि –छठा षष्ठ।

सुनन (سنن) अ स्त्री –सुन्नत का बहु सुन्नतें।

सुनाई (ثنائی) अ वि –दो अक्षरवाला शब्द आगे के दो दाँत ऊपर के हों या नीचे के।

सुनान (صنان) अ स्त्री –बगल की दुर्गंध एक रोग जिसमें बगल से बू आती है।

सुनअ (صنع) अ स्त्री –बनाना पैदा करना कारीगरी शिल्प।

सुनए परवर्दगार (صنع پروردگار) अ फा स्त्री –ईश्वर की कारीगरी।

सुकुर (سنقر) तु पु.–एक शिकारी पक्षी जो बाज की किस्म का होता है, और भारत मे गर्मी के कारण जिद नही रहता।

सुनः (سنہ) अ पु –दे 'सुन्नत'।

सुन्नत (سنت) अ स्त्री –नियम, काइद , पद्धति, तरीक , मार्ग, रास्ता, प्रकृति, फित्रत, स्वभाव, आदत, वह काम जो पैगवर साहिव ने किया हो, खत्न , मुसलमानी।

सुन्नते आवा (سنت آبا) अ स्त्री –बापदादा का दस्तूर, खानदान का रवाज।

सुन्नते पैगम्वरी (سنت پیغمبری) अ फा स्त्री –पैगवर साहिव का किया हुआ अमल, जिसके करने से सवाव मिलता है।

सुन्नते रसूल (سنت رسول) अ स्त्री –दे 'सुन्नते पैगवरी'।

सुन्नी (سنی) अ पु –सुन्नत का अनुयायी, सुन्नी मुसलमान, मुसलमानो का एक समुदाय।

सुपार (سپار) फा प्रत्य –सौपनेवाला, जैसे—'जॉसुपार' जान सौंपनेवाला।

सुपारिश (سپارش) फा स्त्री –दे 'सिफारिश'।

सुपुर्ज (سپرز) फा स्त्री –प्लीहा, तिल्ली, एक विशेष अवयव।

सुपुर्दः (سپردہ) फा वि –सौपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्द (سپرد) फा वि –सौपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री.–सुपुर्द करना, किसी को देना।

सुपुर्दार (سپردار) फा पु –वह व्यक्ति जिसके सुपुर्द किसी कुर्की का माल हो।

सुपुश (سپش) फा स्त्री –जूँ, वह कीडा जो वालो मे पड जाता है, स्वेदज लोम-यूक।

सुफरा (سفرا) अ पु –'सफीर' का वहु , दूत लोग, देशो के सफीर।

सुफहा (سفہا) अ पु –'सफीह' का वहु , अधम लोग, कमीने।

सुफारिश (سفارش) फा स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे सिफारिश ही वोलते है, इसलिए उर्दू मे सिफारिश ही शुद्ध है, दे अर्थ के लिए 'सिफारिश'।

सुफाल (سفال) फा पु –मिट्टी का वरतन, ठीकरा, दे 'सिफाल' वह भी शुद्ध है।

सुफालीं (سفالیں) फा. वि –मिट्टी का वना हुआ, मृण्मय।

सुफुन (سفن) अ पु –'सफीन:' का वहु , नौकाएँ, नावें, कश्तियाँ।

सुफूल (سفول) अ पु –निचाई, निम्नता, पस्ती, नीचे उतरना, नीचे आना।

सुफ्तः (سفتہ) फा वि –छेद किया हुआ, एक वाण, पिरोया हुआ।

सुफ्तःगोश (سفتہ گوش) फा वि –जिसके कान छिदे हो, दास, गुलाम, आज्ञापालक, मुतीअ'।

सुफ्त (سفت) फा पु –छेद, विवर, छिद्र, सूराख।

सुफ्तजः (سفتجہ) फा स्त्री –हुडी, चेक, धनादेश।

सुफ्तनी (سفتنی) फा वि –पिरोने योग्य, छेद करने योग्य।

सुफ्तीदः (سفتیدہ) फा वि –पिरोया हुआ, विधा हुआ।

सुफ्फः (صفہ) अ पु –पटाव का मकान, साय दार जगह; छज्जा, साइवान।

सुफ्यान (سفیان) अ पु –पाक, साफ, परहेजगार।

सुफ्रः (سفرہ) फा पु –गुदा, मलद्वार, मक्अद।

सुफ्रः (سفرہ) अ पु –वह कपडा जिस पर खाना खाते है, दस्तरख्वान, तोशदान, टिफिन कैरियर, चूँकि सुफ्र का अर्थ फारसी मे मलद्वार है, इसलिए अरवी के शब्द सुफ्र को 'सफ्र' पढने लगे है, दें सफ्र।

सुफ्रःची (سفرہ چیں) फा वि –दस्तरख्वान का जूठा खानेवाला, अर्थात् दास, गुलाम।

सुफ्रची (سفرچی) फा पु –खानसामा वैरा, खाना खिलानेवाला।

सुफ्रत (صفرت) अ स्त्री –पीलापन, पीतिमा, जर्दी, पीलाहट।

सुफ्ल (سفل) अ पु –निचाई, निम्नता, मस्ती, दे 'सिफ्ल', वह भी शुद्ध है।

सुफ्ला (سفلیٰ) अ. स्त्री –'अस्फल' का स्त्री –वहुत नीची, निकृष्टा, अधमा।

सुफ्ली (سفلی) अ वि –नीचे का, नीचेवाला, नीचे से संवधित, दे 'सिफ्ली'।

सुवाई (سباعی) अ. स्त्री –एक नज्म जिसमे सात मिस्रे होते है, सप्त ग्रहो का समूह, सातो आकाश।

सुवात (سبات) अ पु –समय, काल, स्वप्न, ख्वाव, नींद, एक रोग जिसमे रोगी वहुत सोता है।

सुवुकतिगीं (سبکتگین) तु पु.–सुल्तान महमूद के वाप का नाम, दे 'सवुकतिगी', वह भी शुद्ध है।

सुबू (سبو) फा पु –पानी आदि का घडा, घट, मटका, कुंभ।

सुबूच (سبوچہ) फा पु –छोटा घडा, टिलिया, गागर मटकी।

सुबूत (ثبوت) अ पु –प्रमाण तर्क, दलील उदाहरण मिसाल।
सुबूदान (سبودان) फा पु –घडा रखने की टिकठी।
सुबूह (صبوح) अ स्त्री –प्रातःकाल तड़का सवेरे की शराब पीना।
सुबूह (سبوح) अ वि –अत्यत पवित्र बहुत पाक ईश्वर का एक नाम।
सुबह (سبحہ) अ पु –जपमाला सुमरन तस्वीह।
सुबहख्वाँ (سبحہ‌خواں) अ फा वि –तस्वीह पढ़नेवाला जप करनेवाला जापक।
सुबहख्वानी (سبحہ‌خوانی) अ फा स्त्री –दे सुबह गर्दानी।
सुबहगर्दानी (سبحہ‌گردانی) अ फा स्त्री –तस्वीह फेरना तस्वीह पढना माला फेरना जप करना।
सुबहरानी (سبحہ‌رانی) अ फा स्त्री –दे सुबह गर्दानी।
सुबह (صبح) अ स्त्री –प्रातःकाल प्रभात प्रात भोर, तड़का।
सुबहखंद (صبح‌خند) अ फा पु –ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दात दिखाई दे जायें दे महरख़द न० २।
सुबहखेज़ (صبح‌خیز) अ फा वि –जिस तड़के उठने की आदत हो।
सुबहगाह (صبح‌گہ) फा पु –प्रातःकाल तड़के गजरदम, गोविसग वासर सग।
सुबहगाही (صبح‌گاہی) फा स्त्री –प्रातःकाल का सवेरे का (की) प्रातःकाल तडका सवेरा।
सुबहदम (صبحدم) अ फा पु –बहुत तड़के गजरदम।
सुबहे अजल (صبح ازل) अ स्त्री –जब सृष्टि की रचना हुई वह समय।
सुबहे अलस्त (صبح الست) अ स्त्री –सृष्टि रचना काल।
सुबहे आख़िर (صبح آخر) अ स्त्री –दे सुबहे सादिक़।
सुबहे उम्मीद (صبح امید) अ फा स्त्री –आशारूपी प्रभात।
सुबहे काज़िब (صبح کاذب) अ स्त्री –झूठा सवेरा वह रोशनी जिसके बाद फिर अंधेरा हो जाता है।
सुबहे क़ियामत (صبح قیامت) अ स्त्री –क़ियामत के दिन का सवेरा वह सवेरा जिस दिन क़ियामत होगी और सब लोग जी उठेंगे और अपना हिसाब देने के लिए एक बड़े मैदान में एकत्र होंगे।
सुबहे जज़ा (صبح جزا) अ स्त्री –उस दिन का सवेरा जिस रोज़ क़ियामत में पाप-पुण्य का हिसाब किताब होगा।
सुबहे दुवुम (صبح دوم) अ प
सुबहे नुख़स्तीं (صبح نخستیں) अ फा स्त्री –दे 'सुबहे अज़ल'।
सुबहे बहार (صبح بہار) अ फा स्त्री –वसंत ऋतु का शुरुआत पुष्प-समय का प्रारंभ।
सुबहे महशर (صبح محشر) अ स्त्री –दे सुबहे क़ियामत'।
सुबहे रुस्तख़ेज़ (صبح رستخیز) अ फा स्त्री –दे सुबहे क़ियामत'।
सुबहे सादिक़ (صبح صادق) अ स्त्री –सच्चा सवेरा जो सचमुच सवेरा हो प्रातः प्रभात तड़का।
सुबहे सानी (صبح ثانی) अ स्त्री –दे सुबहे सादिक़।
सुबहे हश्र (صبح حشر) अ स्त्री –दे सुबहे क़ियामत।
सुबहोमसा (صبح و مسا) अ स्त्री –रातदिन अहर्निश हर समय।
सुबहोशाम (صبح و شام) अ फा स्त्री –रातदिन, हर समय।
सुम (سم) फा पु –चौपाए का खुर घोड़े की टाप।
सुमअफ़गंदा (سم‌افگندہ) फा वि –चलने में असमर्थ लँगड़ा पशु।
सुमुन (ثمن) अ वि –आठवाँ अंश।
सुमुव [व] (سمو) अ पु –ऊँचाई बलदी, उच्चता उत्तुगता।
सुमूत (صموت) अ पु –चुप रहना ख़ामोश रहना मौन ख़ामोशी।
सुमअः (سمعہ) अ पु –दे 'सुमअत'।
सुमअत (سمعت) अ स्त्री –अपनी अच्छी बातें दूसरों को सुनवाना ताकि लोग अच्छा समझें रियाकारी पाखंड आडंबर।
सुमच (سمچہ) फा पु –ज़मीन के अंदर की गुफा तहख़ाना, तलगृह।
सुम्न (سملہ) फा पु –एक मेवा चिरौंजी।
सुम्न (ثمن) अ वि –आठवाँ अंश दे सुमन।
सुम्म (ثم) अ वि –फिर पुन।
सुम्माक़ (سماق) अ पु –एक खट्टा फल जो दवा में काम आता है।
सुयूफ़ (سیوف) अ पु –सैफ़ का बहु तलवारें।
सुराक़ (سراقہ) अ पु –चोरी का माल करने वाला (अरब) का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।
सुराग़ (سراغ) तु पु –पाँव का चिह्न खोज पता निशान ठिकाना अनुसंधान जिज्ञासा तलाश।
सुराग़रसाँ (سراغ‌رساں) तु फा वि –खोज लगानेवाला

सुराग़रसानी (سراغ رسانی) तु. फा. स्त्री.—खोज लगाना, तलाश करना; गुप्तचर्या, जासूसी।

सुराग़रसी (سراغ رسی) तु फा स्त्री—दे 'सुराग़रसानी'।

सुरादिक़ (سرادق) अ.पु.—बडा तम्बू, बडा खेमा; शामियाना, वितान।

सुरादिक़ात (سرادقات) अ पु.—'सुरादिक़' का बहु; बडे-बडे ख़ेमे, शामियाने।

सुराह (صراح) अ वि—सार, तत्त्व, खुलासा; निष्कर्ष, निचोड; एक अरबी शब्दकोष।

सुराही (صراحی) अ. स्त्री.—पानी रखने का एक विशेष प्रकार का मिट्टी का पात्र, जल की कुंभी।

सुराहीदार (صراحی دار) अ. फा. वि.—दे. 'सुराहीनुमा'।

सुराहीनुमा (صراحی نما) अ फा वि.—सुराही के आकार का, सुराही जैसा।

सुरीं (سریں) फा. स्त्री.—'सुरीन' का लघु., दे. 'सुरीन'।

सुरीन (سرین) फा स्त्री.—नितंब, चूतड।

सुरुब (سرب) अ. पु.—एक धातु, सीसः, सीसक।

सुरूँ (سروں) फा स्त्री—दे 'सुरुन'।

सुरुद (سرود) फा. पु—गाना, नग्मः; राग, गीत. एक बाजा।

सुरुन (سرون) फा स्त्री—नितंब, उपस्थ, सुरीन।

सुरूर (سرور) अ पु—हर्ष, खुशी, आनंद, लज़्ज़त, हलका नशा।

सुरूरअंगेज़ (سرور انگیز) अ फा वि—नशा पैदा करनेवाला, मादक, हर्ष देनेवाला, आनंदवर्द्धक।

सुरूरअफ्ज़ा (سرور افزا) अ फा. वि—आनंद बढानेवाला, हर्षवर्धक।

सुरूरख़ेज़ (سرور خیز) दे 'सुरूरअफ्ज़ा'।

सुरूरपर्वर (سرور پرور) अ. फा वि—दे 'सुरूरअफ्ज़ा'।

सुरूरफ़िज़ा (سرور فزا) अ फा वि—दे 'सुरूरअफ्ज़ा'।

सुरूरेइबादत (سرور عبادت) अ पु—ईश्वर की आराधना का आनंद, भजनानंद।

सुरूरे क़ल्ब (سرور قلب) अ पु—हृदय का आनंद, चित्त-प्रसाद।

सुरूरे दाइमी (سرور دائمی) अ पु—हमेश रहनेवाला आनंद।

सुरैया (ثریا) अ स्त्री—तीसरा नक्षत्र, कृत्तिका, कान मे पहनने का झुमका, रौशनी का झाड।

सुरैयाबाम (ثریا بام) अ वि—जिसकी अटारी सुरैया जितनी ऊँची हो, जहाँ किसी की पहुँच न हो सके।

सरोद (سرود) फा. पु—गाना, गान. गीत।

सुरोदसंज (سرودسنج) फा. वि—गायक, गानेवाला, गाने के फन का उस्ताद।

सुरोदी (سرودی) फा वि—गायक, गवैया।

सुरोदे मस्ताँ (سرود مستاں) फा पु—नशे मे चूर लोगो का गाना।

सुरोश (سروش) फा पु—जिब्रील, फ़िरिश्त:, हर वह फ़िरिश्त: जो अच्छी खबर और शुभ सदेश लाये।

सुरोशे ग़ैब (سروش غیب) फा अ पु—ग़ैबी फ़िरिश्त:, आकाशवाणी करनेवाला।

सुर्अत (سرعت) अ स्त्री—तीव्रता, तेज़ी, जल्दी, उतावला-पन, आतुरता, फुर्ती, चुस्ती।

सुर्अते इंज़ाल (سرعت انزال) अ. स्त्री—सभोग के समय शीघ्र वीर्यपात हो जाने का रोग।

सुर्ख़. (سرخه) फा वि—आँख से निकलनेवाली गुहाजी।

सुर्ख़ (سرخ) फा वि.—लाल रंग, लाल रँगा हुआ, घुँघची, एक रत्ती का वज़न।

सुर्ख़अंदाम (سرخ اندام) फा वि.—लाल रँग का, जिसका शरीर लाल हो, रक्ताग।

सुर्ख़गूँ (سرخ گوں) फा. वि—लाल रग का, जिसका रग लाल हो।

सुर्ख़चः (سرخچه) फा पु—खस्र, छोटी चेचक जो प्राय. छोटे बालको को निकल आती है।

सुर्ख़चश्म (سرخ چشم) फा वि.—जिसकी आँखे लाल हो, रक्ताक्ष।

सुर्ख़पोश (سرخ پوش) फा. वि—लाल कपडे पहननेवाला, रक्तांबर।

सुर्ख़पोशी (سرخ پوشی) फा स्त्री—लाल कपडे पहनना।

सुर्ख़फ़ाम (سرخ فام) फा वि—जिसके शरीर का रग लाल हो, रक्ताग।

सुर्ख़बादः (سرخ بادہ) फा पु—लाल दाने या दाग जो रक्त के प्रकोप से बच्चो के शरीर पर हो जाते हैं।

सुर्ख़मू (سرخ مو) फा वि—जिसके सर और डाढी के बाल लाल हो, रक्तकेशी।

सुर्ख़रंग (سرخ رنگ) फा वि—लाल रगवाला, रक्तवर्ण।

सुर्ख़रू (سرخ رو) फा वि—सम्मानित, इज्जत किया गया; सफल, कामयाब,—"सुर्ख़रू होता है इसाँ ठोकरे खाने के बाद, रग लाती है हिना पत्थर पे पिस जाने के बाद।"

सुर्ख़रूई (سرخ روئی) फा स्त्री—सम्मान, इज्जत; सफलता, कामयाबी।

सुर्ख़लब (سرخ لب) फा वि—जिसके होठ लाल हो, जो होठ पान या लिपिस्टिक से लाल हो।

सुर्खलबी (سرخلبی) फा स्त्री—होठों का लाल होना।
सुर्खाब (سرخاب) फा पु—एक जल पक्षी, चकवा जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इनका जोड़ा रात में जुदा हो जाता है और दिन भर साथ साथ रहता है।
सुर्खिए चश्म (سرخی چشم) फा स्त्री—आँख की लाली।
सुर्खिए मै (سرخی مے) फा स्त्री—मद्य के रंग की लाली शराब के रंग की लाली।
सुर्खिए लब (سرخی لب) फा स्त्री—होठों की लाली।
सुर्खिए शफ़क़ (سرخی شفق) फा अ स्त्री—उषा की लालिमा सवेरे या शाम को आकाश की सुर्खी।
सुर्खी (سرخی) फा वि—लाली लालिमा।
सुर्ना (سرنا) फा पु—सूरनाए का लघु, शहनाई जो शादी के मौके पर बजती है।
सुर्नाची (سرناچی) फा वि—शहनाई बजानेवाला।
सुर्फ़ (سرفه) फा पु—खाँसी कास।
सुर्फ़िन्द (سرفنده) फा वि—खाँसनेवाला।
सुर्फ़ीद (سرفیده) फा वि—जिसने खाँसा हो खाँसा हुआ।
सुर्म (سرمه) फा पु—एक पत्थर जो पीसकर आँखों में लगाया जाता है आँखों में लगाने की सूखी और बारीक पिसी हुई दवा रसांजन।
सुर्मआगीं (سرمه آگیں) फा वि—सुर्मा लगी हुई आँख अंजित अजनसार।
सुर्म आलूद (سرمه آلود) फा वि—दे सुर्म आगीं।
सुर्मआवाज़ (سرمه آواز) फा वि—जो बोल न सके।
सुर्मख़ुर्द (سرمه خورده) फा वि—जिसने सुर्मा खाया हो जो बोल न सकता हो।
सुर्मचश्म (سرمه چشم) फा वि—आँखों में सुर्मा लगाये हुए अंजनसार।
सुर्म चोब (سرمه چوب) फा स्त्री—सुर्मा लगाने की सलाई अंजन शलाका।
सुर्म दरगुलू (سرمه درگلو) फा वि—दे सुर्मख़ुर्द।
सुर्मदान (سرمه دان) फा पु—सुर्मा रखने की शीशी आदि सुर्मेदानी।
सुर्म फ़रोश (سرمه فروش) फा पु—जो सुर्मा बेचता हो जो कई प्रकार के सुर्मे बनाकर बेचता हो।
सुर्मसा (سرمه سا) फा वि—सुर्मे की तरह बिल्कुल बारीक पिसा हुआ, रेज़ रेज़ चूर चूर।
सुर्म (سرم) अ पु—आँत का मुँह जिससे मल निकलता है मलद्वार।
सुर्मए चश्म (سرمۂ چشم) फा पु—आँखों में लगाने का सुर्मा।
सुर्मए दुंबालःदार (سرمۂ دنبالہ دار) फा पु—आँखों में लगा हुआ वह सुर्मा जिसकी लकीर आँख से बाहर कनपटी की ओर तक बढ़ी हुई हो।
सुर्मगीं (سرمگیں) फा वि—अजनसार, अंजित सुर्मा लगी हुई आँख।
सुर (سره) फा स्त्री—नाभि नाफ़ ढुंडा ढुंढी।
सुर (صره) अ पु—थली रुपया-पैसा रखने की थली, पोटली, छोटी पोटली।
सुरःबस्त (صره بسته) अ फा वि—वह दवा जो पोटली में बाँधकर औटाई जाय।
सुलहफ़ात (سلحفات) अ पु—कछुवा कूर्म कच्छप।
सुलहा (صلحا) अ पु—सालेह का बहु सयमनिष्ठ और सदाचारी लोग।
सुलाक़ (سلاق) अ पु—एक रोग जिसमें पलकें लाल और भारी हो जाती है।
सुलामियात (سلامیات) अ पु—वह स्थान जहाँ नाखून जमते हैं नखस्थान।
सुलाल (سلالہ) अ पु—किसी चीज़ से खींचा हुआ सार निष्कर्ष निचोड़, नवजात शिशु।
सुलालात (سلالات) अ पु—सुलाल का बहु चीज़ों के निचोड़, सार-समूह नवजात बच्चे शिशुगण।
सुलस (ثلث) अ वि—तृतीयांश तीसरा हिस्सा, दे सुल्स दोनों शुद्ध हैं।
सुलूक (سلوک) अ पु—रास्ता चलना व्यवहार तर्ज़ेअमल गरीबों और दुखियारों को रुपय-पैसे से सहायता ईश्वर की खोज।
सुलूके नेक (سلوک نیک) अ फा पु—अच्छा बरताव सद्व्यवहार।
सुलूके बद (سلوک بد) अ फा पु—बुरा बरताव कुव्यवहार, दुर्व्यवहार।
सुलूज (ثلوج) अ पु—सल्ज का बहु बरफ का समूह, पाला पन्ना तुषार पड़ना बर्फबारी।
सुल्त (سلت) अ पु—जो यव एक प्रसिद्ध नाज।
सुल्तान (سلطان) अ पु—शासक नरेश बादशाह राजा।
सुल्तानी (سلطانی) अ वि—शासन राज बादशाही।
सुल्फ़ (سلفه) अ पु—सवेरे का हलका खाना नाश्ता नहारी उपाहार जलपान।
सुल्ब (صلب) अ पु—पीठ की गुरिए अस्थि मेरुदंड कमर सख्त दे सलब शुक्र वीर्य।
सुल्बी (صلبی) अ वि—औरस एक नुत्फ़ से सहोदर, हक़ीक़ी।

सुल्बीय (سلبیہ) अ पु –आँख का सातवाँ पर्दा।
सुल्लम (سلم) अ. पुं –सिढ़ी, सोपान, सीढ़ी।
सुल्स (ثلث) अ. वि.–तीसरा हिस्सा, तृतीयांश, दे 'सुलुस', यह भी शुद्ध है।
सुल्सुल (سلسل) अ. स्त्री –पतली, साफ, हौज का बचा हुआ पानी; घोड़े के माथे के बाल।
सुल्ह (صلح) अ. स्त्री.–मेल, मिलाप, आश्ती, संधि, मुसालहत, मैत्री, दोस्ती; दो व्यक्तियों में परस्पर विरोध के बाद आपस में मेल।
सुल्हकुल (صلح کل) अ. वि.–जो सबके साथ दोस्ती रक्खे, जो किसी से झगड़ा न करे।
सुल्हखू (صلح خو) अ फा वि.–जिसके स्वभाव में मेल-जोल से रहना हो।
सुल्हजू (صلح جو) अ. फा. वि –मेल-जोल से रहनेवाला, झगड़े-टंटे को नापसंद करनेवाला।
सुल्हजूई (صلح جوئی) अ फा. स्त्री.–परस्पर मेल-जोल से रहना।
सुल्हदोस्त (صلح دوست) अ फा वि –जो मेल-जोल पसंद करनेवाला हो, शान्तिप्रिय।
सुल्हदोस्ती (صلح دوستی) अ. फा स्त्री –मेल-जोल से रहना पसंद करना।
सुल्हपसंद (صلح پسند) अ फा. वि –दे. 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हपसंदी (صلح پسندی) अ फा स्त्री –दे 'सुल्हदोस्ती'।
सुल्हशिकन (صلح شکن) अ फा वि –मेल-जोल को तोड़नेवाला, आपस की संधि को तोड़नेवाला।
सुल्हशिकनी (صلح شکنی) अ फा स्त्री –मेल-जोल को खत्म कर देना; परस्पर संधि के नियमों का उल्लंघन।
सुल्हसामाँ (صلح ساماں) अ फा वि –दे 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हसामानी (صلح سامانی) अ. फा स्त्री.–दे 'सुल्हदोस्ती'।
सुल्होजंग (صلح و جنگ) अ फा स्त्री –लड़ाई और मेल, युद्ध और संधि।
सुवर (صور) अ स्त्री –'सूरत' का बहु, सूरतें, शक्लें।
सुवाल (سوال) अ पु –दे 'सवाल'।
सुवैदा (سویدا) अ वि –वह काला तिल जो हृदय पर होता है।
सुस्त (سست) फा वि –अशक्त, कमजोर, मंद, धीमा, जो फुर्तीला न हो, स्फूर्तिहीन, शिथिल, ढीला, खिन्न, मलिन, अफसुर्दः, आलसी, काहिल, जिसमें काम-शक्ति कम हो, मंदकाम, मंदगति, धीरे चलनेवाला, दीर्घसूत्री, धीरे-धीरे काम करनेवाला।
सुस्तअह्द (سست عہد) फा अ वि –दे. 'सुस्तपैमाँ'।
सुस्तएतिक़ाद (سست اعتقاد) फा अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल न हो, जिसे किसी विशेष महात्मा आदि से श्रद्धा न हो।
सुस्तएतिक़ादी (سست اعتقادی) फा. अ. स्त्री –धर्म-विश्वास की कमी, अश्रद्धा।
सुस्तक़दम (سست قدم) फा अ वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मंदगति, मंदगामी।
सुस्तक़दमी (سست قدمی) फा अ स्त्री –धीरे-धीरे चलना, मंद गति।
सुस्तगाम (سست گام) फा वि –दे 'सुस्तक़दम'।
सुस्तगामी (سست گامی) फा स्त्री –दे 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तगो (سست گو) फा वि –धीरे-धीरे बातें करनेवाला; बहुत धीरे-धीरे सोचकर और देर में शे'र कहनेवाला।
सुस्ततब्अ (سست طبع) फा अ वि –सुस्त, काहिल, आलसी, जिसकी तबीअत में आलस हो।
सुस्ततरीन (سست ترین) फा वि –सबसे अधिक धीमा; सबसे अधिक काहिल।
सुस्तदिमाग़ (سست دماغ) फा अ वि –कमअक्ल, मंद-बुद्धि।
सुस्तपरवाज़ (سست پرواز) फा वि –धीमे-धीमे उड़नेवाला, कम उड़नेवाला।
सुस्तपैमाँ (سست پیماں) फा वि –वादे का कच्चा, वादा करके न निबाहनेवाला, मंदप्रतिज्ञ।
सुस्तबुन्याद (سست بنیاد) फा वि –जिसकी बुनियाद कमजोर हो।
सुस्तरफ़्तार (سست رفتار) फा वि –दे 'सुस्तक़दम'।
सुस्तरफ़्तारी (سست رفتاری) फा स्त्री –दे 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तरवी (سست روی) फा स्त्री –दे 'सुस्तक़दमी'।
सुस्तराए (سست رائے) फा अ वि.–जिसकी राय, ठीक न होती हो मंदगति, जिसकी बुद्धि कमजोर हो, मंदबुद्धि।
सुस्तरीश (سست ریش) फा. वि –मूर्ख, मूढ, अज्ञान, अहमक।
सुस्तरौ (سست رو) फा वि –दे 'सुस्तक़दम'।
सुस्त वफ़ा (سست وفا) फा अ वि –दे 'सुस्तपैमाँ'।
सुस्ती (سستی) फा स्त्री –आलस्य, काहिली, शिथिलता, ढीलापन, कामशक्ति की मंदता, फुर्ती न होना, अस्फूर्ति, दीर्घसूत्रिता, काम धीरे-धीरे करना।
सुहा (سہا) फा पु –एक बहुत छोटा तारा जो सप्तर्षि-मंडल के तीन तारों में से बीच का है।

सुहाम (سہام) अ पु –अधकार अथवा रूपविकार चहरे का खराब हो जाना दुबला हो जाना।
सुहवत (صہوبت) अ स्त्री –पीलाहट लिये हुए लाल रग गुलाबी रग कालापन लिये हुए लाल रग वह रग जो लाल बालो का होता है।
सुहूलत (سہولت) अ स्त्री –सुगमता सरलता आसानी।
सुहैब (صہیب) अ पु –एक सिहाबी जो रूम से आकर मुसलमान हुए थे।
सुहैल (سہیل) अ पु –एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश मे दिखाई देता है उसके प्रभाव से चमडे में सुगध पैदा होती है और कीडे मर जाते है।
सुहबत (صحبت) अ स्त्री –सगत पास बैठना मित्रता दोस्ती गोष्ठी छोटी महफिल सहवास मैथुन हम बिस्तरी।
सुहबतदारी (صحبت داری) अ फा स्त्री –मैथुन सहवास हमबिस्तरी।
सुहबते तालेह (صحبت طالح) अ स्त्री –दुष्टजनो की सगत बुरी सुहबत कुसग।
सुहबते सालेह (صحبت صالح) अ स्त्री –अच्छे आदमियो की सगत सत्सग।
सुहद (سہد) अ पु –एक रोग जिसमे नीद उड जाती है अनिद्रा।
सुहरवर्दी (سہروردی) फा वि –सुहरवर्द (इराक) का निवासी।
सुहराब (سہراب) फा पु –रुस्तम का लडका जिसे रुस्तम ने अनजानपन मे मार दिया और बाद को पहचानकर बहुत पश्चात्ताप किया।

सू

सू (سو) तु स्त्री –मदिरा शराब (पु) पानी जल।
सू (سو) फा स्त्री –ओर तरफ छाई हुई है गम की घटाएँ चार सू।
सू (سو) अ वि –निकृष्ट दूषित खराब।
सूए अदब (سوے ادب) अ पु –धृष्टता गुस्ताखी।
सूए अमल (سوے عمل) अ पु –दुराचार बदअमली।
सूए इतिफ़ाक़ (سوے اتفاق) अ पु –दुर्योग कुयोग बुरा इत्तिफ़ाक़।
सूए एतिक़ाद (سوے اعتقاد) अ पु –किसी की श्रद्धा न रहना अश्रद्धा।
सूए एतिबार (سوے اعتبار) अ पु –अविश्वासी अविश्वास।
सूए ज़न (سوے ظن) अ पु –दुर्भावना बदगुमानी
अशिष्टता बदअख़्लाक़ी।
सूए चख़ (سوے چرخ) फा स्त्री –आकाश की ओर आसमान की तरफ।
सूए ज़न (سوے ظن) अ पु –किसी की ओर से बुरा ख़याल कुधारणा।
सूए ज़मीं (سوے زمیں) फा स्त्री –पृथ्वी की ओर ज़मीन की तरफ।
सूए तदबीर (سوے تدبیر) अ स्त्री –प्रयत्न या उपाय की ख़राबी ठीक उपाय या कोशिश या इलाज न होना।
सूए तनफ़्फ़ुस (سوے تنفس) अ पु –साँस का विकार साँस का ठीक न चलना साँस का उखड जाना।
सूए तरीक़ (سوے طریق) अ पु –मार्ग की ख़राबी रास्ते का ऊबड-खाबड होना।
सूए दिमाग़ (سوے دماغ) अ पु –दिमाग की ख़राबी बुद्धि विक्षेप पागलपन।
सूए मिज़ाज (سوے مزاج) अ पु –शरीर की धातुओ का विकार किसी अंग या शरीर के मिज़ाज का विकार रोग बीमारी।
सूए हज़्म (سوے هضم) अ पु –हाज़िमे की ख़राबी अपच अजीर्ण।
सूक़ (سوق) अ पु –बाज़ार हाट पण साक का बहु बाज़ारें हाट।
सूक़ियाना (سوقیانہ) अ फा वि –बाज़ारू बाज़ारी लोफ़रो जैसा।
सूक़ी (سوقی) अ वि –बाज़ारी बाज़ार का निकृष्ट नीच।
सूची (سوچی) तु पु –पानी पिलानेवाला मदिरा बेचने वाला।
सूचीख़ाना (سوچی خانہ) तु फा –मदिरालय शराबख़ाना।
सूदः (سودہ) फा वि –पिसा हुआ रगडा हुआ मर्दित चूर चूर्ण सुफूफ़ पिसन।
सूद (سود) फा पु –लाभ नफ़ा कुसीद ब्याज।
सूद (سود) अ पु –असवद का बहु काले रग की चीज़।
सूदए अल्मास (سودۂ الماس) फा पु –हीरे का पिसन हीरे का सार।
सूदख़ोर (سودخور) फा पु –ब्याज खानेवाला कुसीद जीवी सौदीन।
सूदख़ोरी (سودخوری) फा स्त्री –ब्याज खाना सूद का कारोबार करना।
सूदत (سودت) अ स्त्री –अश्यामता सरदारी श्रेष्ठता बुज़ुर्गी।

सूद दर सूद (سود در سود) फा. पु —ब्याजकी एक किस्म जिसमे ब्याज मूलधन मे मिलकर उस पर ब्याज चलता है, चक्रवृद्धि।

सूद बालाए सूद (سود بالائے سود) फा पु —दे. 'सूद दर सूद'।

सूदमंद (سودمند) फा. वि —लाभकारी, फाइद मद।

सूदमंदी (سودمندی) फा स्त्री.—लाभकारिता, फाइद-मदी।

सूदान (سودان) अ पु.—अफ़्रीका का एक देश, सूडान।

सूदी (سودی) फा. वि —सूद का, ब्याज का; सूद से सबधित।

सूदोज़ियाँ (سودوزیاں) फा. पु —लाभ और हानि, नफ़ा और नुक़्सान।

सूनिश (سونش) फा. स्त्री —धात का बुरादा जो रेती से गिरे, लोहे, ताँबे या हीरे का बुरादा।

सूफ़ (صوف) अ पु —ऊन, ऊर्ण, एक प्रकार का ऊनी कपडा, बकरी या भेड के बाल।

सूफ़ (سوف) अ स्त्री.—विज्ञान, हिक्मत।

सूफ़ार (سوفار) फा पु —तीर का मुह, बाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोडते हैं।

सूफ़िया (صوفیا) अ पुं —'सूफ़ी' का बहु, सूफ़ी लोग।

सूफ़ियानः (صوفیانہ) अ. फा वि.—सूफ़ियो जैसा, अच्छी वजा का, हलके रग का।

सूफ़िस्ता (سوفسطا) अ स्त्री —एक मत जिसमे सारी चीजो को कल्पनात्मक समझते हैं।

सूफ़िस्ताई (سوفسطائی) अ वि.—सूफ़िस्ता मत को माननेवाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज कल्पित है।

सूफ़ी (صوفی) अ पु —ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसव्वुफ़ का अनुयायी, सारे धर्मों से प्रेम करनेवाला।

सूफ़ीमनिश (صوفی منش) अ फा पु —जो किसी धर्म से वैर न रखे, सबको एक आँख से देखनेवाला।

सूबः (صوبہ) अ. पु —प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमे बहुत से जिले हो और एक गवर्नर के शासन मे हो।

सूबःजात (صوبہ جات) अ. पु —सूब का बहु, सूबे, प्रान्त-समूह।

सूबःदार (صوبہ دار) अ फा पु —सूबे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल, सिपाही से बडा एक ओहद.।

सूबःदारी (صوبہ داری) अ. फा. स्त्री —राज्यपाल का पद, गवर्नरी, सूबेदार का ओहद, जमादारी।

सूबःपरस्ती (صوبہ پرستی) अ फा स्त्री —अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त मे रहनेवाले के साथ रिआयत करना और उसे अनुचित बढावा देना।

सूब.वारान. (صوبہ واران) अ फा वि —प्रान्तो के हिसाब से।

सूबसू (سوبسو) फा वि —चारो ओर, हर तरफ़, हर ओर, जगह-जगह, ठौर-ठौर।

सूबाई (صوبائی) अ वि —प्रान्तीय, सूबे का।

सूम (ثوم) अ पु —लहसुन, लशुन।

सूरः (سورہ) अ पु.—कुरआन की सूरत, कुरान मे कुल ११४ सूरते हैं, सबसे बडी सूरत पूरे कुरान का $\frac{१}{१२}$ अश है और सबसे छोटी केवल दो पक्तियो की हैं।

सूर (صور) अ पु —वह तुरही जो कियामत के दिन हज़्रत इस्राफ़ील फूँकेगे।

सूरए इख़्लास (سورۂ اخلاص) अ स्त्री.—कुरान की एक सूरत।

सूरए फ़ातिहः (سورۂ فاتحہ) अ स्त्री —कुरान की सर्वप्रथम सूरत।

सूरए यासीन (سورۂ یاسین) अ. स्त्री —कुरान की एक सूरत जो मरते समय सुनाई जाती है।

सूरत (سورت) अ. स्त्री —दे. 'सूर'।

सूरत (صورت) अ स्त्री —रूप, आकृति, शक्ल, मुखाकृति, चेहरा, दशा, हालत; चित्र, तस्वीर, उपाय, तदबीर, समान, मिस्ल, खाक, रूपरेखा।

सूरतआश्ना (صورت آشنا) अ. फा वि —जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई बात (नाम आदि) न जानता हो।

सूरतगर (صورت گر) अ. फा. वि —सूरत बनानेवाला, ईश्वर; चित्रकार मुसव्विर।

सूरतगरी (صورت گری) अ फा स्त्री —सूरत बनाना, तस्वीर बनाना, चित्रकारी।

सूरत पज़ीर (صورت پزیر) अ फा वि —चित्रित, तस्वीर खिचा हुआ।

सूरतपज़ीरी (صورت پزیری) अ फा स्त्री —चित्रण, सूरत या तस्वीर बनाना।

सूरतपरस्त (صورت پرست) अ. फा वि.—ऊपरी टीपटाप देखनेवाला, मूर्तिपूजक, बुतपरस्त, अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी।

सूरतपरस्ती (صورت پرستی) अ फा. स्त्री.—ऊपरी टीपटाप देखना, मूर्ति पूजना, अच्छे रूप को पूजना।

सूरतबाज़ (صورت باز) अ फा वि —बहुरूपिया, नक्काल।

सूरतबाज़ी (صورت بازی) अ फा. स्त्री —बहुरूपियापन, नक्काली।

सूरतहराम (صورت حرام) अ वि —जो बिलकुल निकम्मा हो, कोई काम आदि न करे।

सूरते हाल (صورت حال) अ स्त्री —मौजूद हालत।

सूराख़ (سوراخ) फा पु —छिद्र, विवर, रंध्र, छेद।

सूराख़दार (سوراخ دار) फा वि –छिद्रित छेददार।
सूराख़े गोश (سوراخ گوش) फा पु –कान का छेद श्रवण रंध्र।
सूराख़े बीनी (سوراخ بینی) फा पु –नाक का छेद नासा विवर।
सूरिंजान (سورنجان) फा पु –सिंघाड़े के आकार की एक ओषधि।
सूरिया (سوریا) अ पु–शाम देश (अरब)।
सूरी (سوری) अ वि –एक लाल फूल हर लाल फूल।
सूरी (صوری) अ वि –सूरत का, मुख का सूरत से संबंधित ऊपरी ज़ाहिरी बाह्य।
सूलूल (ثولول) अ पु –स्तनवृन्त स्तनाग्र भिटनी मस्सा।
सूस (سوس) अ पु –रेशम के कपड़े को खा जानेवाला कीड़ा मुलेठी का पेड़।
सूसमार (سوسمار) फा पु –गोह् गोधा एक प्रसिद्ध जंतु।

से

सेअद (سه‌رده) फा वि –तरह।
सेअहुम (سه‌ردهم) फा वि –तेरहवाँ।
सेब (سیب) फा पु –एक प्रसिद्ध फल उत्तोल सेब।
सेबे ज़क़न (سیب ذقن) फा पु –सेब के आकार की ठुड्डी।
सेबे ज़नख़दाँ (سیب زنخدان) फा पु –दे सेबे ज़क़न।
सेर (سیر) फा वि –तृप्त जिसका पेट भरा हो नि स्पृह जिसे कोई कामना न हो अघाया हुआ भरा पूरा।
सेरआहंग (سیر آهنگ) फा वि –जिसकी आवाज़ बड़ी और भारी हो।
सेरख़ोर (سیرخور) फा वि –पेट भरकर खानेवाला।
सेरचश्म (سیرچشم) फा वि –खिलाने पिलाने में दिल वाला जो परितृप्त हो अघाया हुआ।
सेरचश्मी (سیرچشمی) फा स्त्री –खिलाने पिलाने में दिलवाला होना मन का संतुष्ट होना।
सेरहासिल (سیرحاصل) अ फा वि –वह ज़मीन जो उपजाऊ हो उर्वरा वह बात जो सारगर्भित हो।
सेराब (سیراب) फा वि –पानी से सींचा हुआ खूब पानी पिये हुए तृप्त।
सेराबी (سیرابی) फा वि –सिंचा हुआ होना प्यास न होना संतोष इत्मीनान।
सेली (سیلی) फा स्त्री –थप्पड़ तमाचा चाँटा।
सेहत (صحت) अ स्त्री –स्वास्थ्य तन्दुरुस्ती शुद्धि त्रुटि न होना।
सेहतमंद (صحت‌مند) अ फा वि –स्वस्थ तंदुरुस्त उत्तम, श्रेष्ठ बेहतर।

सै

सैक़ल (صیقل) अ स्त्री –तलवार आदि को रगड़कर उसमें चमक पैदा करना।
सैक़लगर (صیقل‌گر) अ फा वि –तलवार या दूसरे अस्त्रों को चमकदार बनानेवाला बरतनों पर क़लई करनेवाला।
सैक़ली (صیقلی) अ फा स्त्री –सान वह पत्थर जिस पर रगड़कर तलवार आदि में धार पैदा करते हैं।
सैद (صید) अ पु –मृगया, आखेट अहेर, शिकार शिकार किया हुआ जानवर।
सैद (سید) अ पु –'सय्यिद' का लघु, दे सय्यिद।
सैदअफ़गन (صیدافگن) अ फा वि –आखेटक, लुब्धक, व्याध, शिकारी।
सैदअफ़्गनी (صیدافگنی) अ फा स्त्री –शिकार खेलना आखेट मृगया।
सैदकुन (صیدکن) अ फा वि –शिकार करनेवाला आखेटिक।
सैदकुनाँ (صیدکنان) अ फा वि–शिकार करता हुआ शिकार खेलता हुआ।
सैदगाह (صیدگاه) अ फा स्त्री –वह जंगल जहाँ शिकार खेला जाय मृगयावन आखेट-स्थल।
सैदगीर (صیدگیر) अ फा स्त्री –शिकार पकड़नेवाला जाल या कुत्ते से शिकार खेलनेवाला।
सैदा (صیدا) अ पु –वन कानन, जंगल बीहड़।
सैदे ज़बू (صید زبوں) अ फा पु –बहुत ही छोटा शिकार जिससे किसी का पेट न भरे।
सैदे रमीदः (صید رمیده) अ फा पु –गोली खाकर भागा हुआ शिकार।
सैदे हरम (صید حرم) अ पु –वह जानवर जो मक्के के आस पास पूर्व-पश्चिम २४ कोस और उत्तर-दक्खिन १६ कोस के भीतर रहते हैं और जिनका वध धर्मानुसार हराम है।
सैफ़ (صیف) अ पु –जिल्दसाज़ी का वह औज़ार जिससे वह काग़ज़ काटते हैं।
सैफ़ (سیف) अ स्त्री –तलवार खड्ग कृपाण तेग़।
सैफ़ (صیف) अ पु –गर्मी का मौसिम ग्रीष्म ऋतु।
सैफ़ज़बाँ (سیف زبان) अ फा वि –जिसकी ज़बान में तलवार जैसी काट हो जो बहुत तेज़ बातें जो हृदय को काटनेवाली बात करे।
सैफ़ज़बानी (سیف‌زبانی) अ फा स्त्री –तेज़ और ज़ोरदार भाषण देना हृदय को दुख पहुँचानेवाली बातें करना।

सैफी (سیفی) अ. स्त्री.–एक अभिचार जिससे शत्रु का मारण करते हैं।
सैफी (صیفی) अ वि –ग्रीष्मकाल का, गर्मी के मौसिम का।
सैफ़ूर (سیفور) फा. पु.–एक काला बहुमूल्य रेशमी कपडा।
सैफ़ो कलम (سیف و قلم) अ पु –तलवार और कलम, सिपाहीपन और कलाकारी।
सैयाग़ (صیاغ) अ. पुं –स्वर्णकार, सुनार।
सैयाद (صیاد) अ पु.–हिरन आदि का शिकार करनेवाला, मृग-लुब्धक, चिडिया पकडनेवाला, शकुंतिक, वहेलिया।
सैयादफ़ित्रत (صیادفطرت) अ वि –जो दूसरो को जाल मे फँसाना खूब जानता हो, निर्दय, कठोरहृदय, जालिम।
सैयादसीरत (صیادسیرت) अ वि –दे 'सैयादफित्रत'।
सैयादी (صیادی) अ स्त्री –सैयाद का काम, निर्दयता, बेरहमी।
सैयादे अजल (صیاد اجل) अ. पु –मौत का शिकारी, यमराज, मलकुल मौत।
सैयाफ़ (سیاف) अ वि –खड्गजीवी, तलवार से रोजी कमानेवाला, जल्लाद, वधिक।
सैयाफ़ी (سیافی) अ स्त्री.–तलवार चलाना, काट-मार करना, तलवार से कत्ल करना, जल्लादी।
सैयारः (سیارہ) अ पु –वह तारा जो एक जगह न रहे बल्कि गतिमान हो, ग्रह, तारा, सितारा।
सैयारःदाँ (سیارہداں) अ फा. वि –ज्योतिषी, नुजूमी।
सैयारःबी (سیارہبیں) अ फा. वि –दे 'सैयार दाँ'।
सैयारःशनास (سیارہشناس) अ फा वि –दे 'सैयार दाँ'।
सैयार (سیار) अ वि –बहुत चलने-फिरनेवाला, सैयार, ग्रह।
सैयारात (سیارات) अ पु –'सैयार' का बहु, सैयारे, सितारे, ग्रह-समूह।
सैयाह (سیاح) अ वि –यात्री, मुसाफिर, पर्यटक, देश-देश फिरनेवाला।
सैयाही (سیاحی) अ स्त्री –यात्रा, सफर, देश-देश की सैर करना और वहाँ के हालात देखना।
सैयिअः (سیئہ) अ स्त्री –बुराई, खराबी, बदी।
सैयिआत (سیئات) अ स्त्री –'सैयिअ' का बहु, बुराइयाँ, खराबियाँ।
सैयिदः (سیدہ) अ स्त्री –सय्यिद खानदान की स्त्री, हज़्रत इमाम हुसैन की वंशजा।
सैयिद (سید) अ पु –सय्यिद खानदान का व्यक्ति, हज़्रत इमाम हुसैन की औलाद का वशज।
सैयिदजादः (سیدزادہ) अ. फा. पु –सय्यिद का लडका।
सैयिदैन (سیدین) अ पु –दोनो सैयिद अर्थात् इमाम हसन और हज़्रत इमाम हुसैन।
सैयिब (ثیب) अ वि –वह स्त्री या पुरुष जो कुँवारा न हो।
सैर (سیر) अ. स्त्री –पर्यटन, सियाहत; मनोविनोद, तफ़्रीह, घूमना-फिरना, सैर-सपाटा, चिहिलकदमी, वायु-सेवन, हवाखोरी, कौतुक, तमाशा।
सैरकुनाँ (سیرکناں) अ. फा वि –घूमते-फिरते हुए, देखते-भालते हुए।
सैरगाह (سیرگاہ) अ फा स्त्री –सैर करने का स्थान।
सैर पसंद (سیرپسند) अ फा वि –बहुत अधिक घूमने-फिरनेवाला।
सैरफी (صیرفی) अ वि –सर्राफ, खोटा खरा सिक्का परखनेवाला।
सैरान (سیران) अ. पु –सैर करना, घूमना-फिरना।
सैरे अफ़्लाक (سیر افلاک) अ स्त्री –आसमानो मे घूमना, आकाश-भ्रमण।
सैरे कमर (سیر قمر) अ स्त्री –चाँद की सैर, चाँद तक पहुँचना, चद्रलोक की सैर करना।
सैरे मिर्रीख़ (سیر مریخ) अ स्त्री –मगल ग्रह की सैर, मगल ग्रह तक पहुँच।
सैरो तफ़्रीह (سیرو تفریح) अ स्त्री –घूमना और दिल वहलाना, दिल वहलाने के लिए घूमना।
सैरो शिकार (سیرو شکار) अ फा पु –जगल मे घूमना और शिकार खेलना।
सैल (سیل) अ पु –पानी का वहाव, प्लावन, सैलाब।
सैलान (سیلان) अ पु –स्राव, वहाव।
सैलानी (سیلانی) अ वि –वहाव से सबधित, जिसे सैरो तफ़्रीह बहुत पसंद हो।
सैलानुर्रहिम (سیلان الرحم) अ पु –एक रोग जिसमे गर्भाशय से पानी वहता है, रक्त प्रदर।
सैलाब (سیلاب) अ फा पु –जल-प्लावन, नदी आदि के पानी की वाढ।
सैलाबजदः (سیلاب زدہ) फा वि –वह जमीन जो नदी की वाढ से डूब गई हो या उसकी खेती खराब हो गई हो।
सैलाबजदगी (سیلاب زدگی) फा स्त्री –नदी की वाढ से जमीन या काश्त का खराब होना।
सैलाबदीदः (سیلاب دیدہ) फा वि –जिस जमीन पर से वाढ का पानी गुजरा हो।
सैलाबी (سیلابی) फा वि –वाढ का, वाढ से सम्बन्धित।

सले अरिम (سیل عرم) अ पु—ज़ोर का बाढ़ प्रचंड बाढ़।
सले अश्क (سیل اشک) अ फा पु—आँसुओं की बाढ़।
सले हवादिस (سیل حوادث) अ० पु०—दुर्घटनाओं और आपत्तियों की बाढ़ आपत्ति रूपी नदी की बाढ़।
सह (صیحہ) अ पु—चीख चीत्कार ज़ोर की आवाज़।
सहून (سیحون) अ पु—ईरान की एक नदी।
सहूनियत (صیہونیت) अ स्त्री—यहूदीपन।

सो

सोक (سوک) फा पु—शोक दुःख विषाद रंज।
सोख्त (سوختہ) फा वि—जला हुआ दग्ध।
सोख्त किस्मत (سوختہ قسمت) फा अ वि—हतभाग्य बदकिस्मत।
सोख्त कौकब (سوختہ کوکب) फा वि—जिसके सौभाग्य के ग्रह जल गये हों बदकिस्मत अभागा।
सोख्त जाँ (سوختہ جاں) फा वि—दग्धहृदय दिलजला अयान प्रेमी।
सोख्त जिगर (سوختہ جگر) फा वि—दे॰ सोख्त दिल।
सोख्त दिल (سوختہ دل) फा वि—दग्धहृदय दिलजला प्रेमी।
सोख्त पा (سوختہ پا) फा वि—जिसके पाँव जल गये हों जो कहीं आने-जाने में असमर्थ हो अयान बेबस।
सोख्त बख्त (سوختہ بخت) फा वि—दे॰ सोख्त किस्मत।
सोख्त बाल (سوختہ بال) फा वि—जिसके पर जल गये हों जो उड़ न सके बेबस लाचार दीन-हीन।
सोख्त (سوخت) फा वि—जलन जलावट नष्ट बरबाद।
सोख्तगी (سوختگی) फा स्त्री—जलन जलावट।
सोख्ती (سوختنی) फा वि—जलाने के काबिल जैसे—सोख्तनी लकड़ी।
सोग (سوگ) फा पु—किसी के मरने का रंज शोक मातम शोक मातम।
सोगनाम (سوگ نامہ) फा पु—शोकपत्र मातमपुर्सी का खत।
सोगवार (سوگوار) फा वि—शोकग्रस्त।
सोगवारी (سوگواری) फा स्त्री—किसी के मरने पर शोक में होना।
सोग़ात (سوغات) तु स्त्री—उपहार उपायन तोहफ़ा दे॰ सौग़ात दोनों शब्द हैं।
सोगियान (سوگیانہ) फा वि—मातमी लिबास शोकवस्त्र।
सोगी (سوگی) फा वि—शोकग्रस्त शोक मनानेवाला।
सोज़ (سوز) फा प्रत्य—जला

जान को जलानेवाला, (पु) जलन तपिश, ताप, मुहर्रम में पढ़ा जानेवाली एक प्रकार की नज़्म, 'एय हुसैन अता के दीवाने तू राज़े मशीयत क्या जाने। वे नाज़ अमनाओं से दुआ महरूम असर हो जाती है। —वज्द।
सोज़ख्वाँ (سوزخواں) फा वि—मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ने वाला।
सोज़ख्वानी (سوزخوانی) फा स्त्री—मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ना।
सोज़न (سوزن) फा स्त्री—सुई सूची।
सोज़नकारी (سوزن کاری) फा स्त्री—सुई से बनाया हुआ कपड़े पर बारीक काम।
सोज़न ज़द (سوزن زد) फा वि—सुई चुभोया हुआ, जिसे सुई चुभाई गई हो।
सोज़नाक (سوزناک) फा वि—दग्ध जला हुआ।
सोज़नी (سوزنی) फा स्त्री—सोज़नकारी किया हुआ कपड़ा पलंग पर बिछाने का एक कपड़ा।
सोज़ाँ (سوزاں) फा वि—जलता हुआ ज्वलित।
सोज़ाक (سوزاک) फा पु—एक बीमारी नामक मूत्र कृच्छ्र गनोरिया मूत्राघात।
सोज़िंदा (سوزندہ) फा वि—जलानेवाला।
सोज़िश (سوزش) फा स्त्री—जलन प्रदाह।
सोज़िशे दुरूँ (سوزش دروں) फा स्त्री—हृदय की जलन, प्रेम की आग।
सोस (سوس) फा पु—गेहूँ का कीड़ा घुन।
सोहान (سوہان) फा पु—रेतने का यंत्र, रेती।

सौ

सौगंद (سوگند) फा स्त्री—शपथ कसम।
सौग़ात (سوغات) तु स्त्री—उपहार भेंट तोहफ़ा उपायन।
सौत (صوت) अ स्त्री—ध्वनि आवाज़ नाद।
सौत (سوط) अ पु—कशा कोड़ा चाबुक।
सौती (صوتی) अ वि—ध्वनि से सबंधित ध्वनि का।
सौते हमीर (صوت حمیر) अ स्त्री—गधे की रेंक।
सौदा (سودا) अ पु—शरीर की एक धातु बात मस्तिष्क विकार विशेष पागलपन प्रेम इश्क़ काली स्त्री, बचने का सामान।
सौदाई (سودائی) अ वि—विक्षिप्त पागल प्रेमी आशिक़ वअस्त सख्ती उदा॰— जिसने बन्दे में लूटा बाय है दुनियाए निशात—वह खलिश दिल में छिपाये तेरा सौदाई है।
सौदाए खाम (...) फा अ पु—असफल भिराव।

सौदागर (سوداگر) फा पु —सौदा बेचनेवाला, वणिक्।
सौदागरी (سوداگری) फा स्त्री —सौदा बेचना, वाणिज्य।
सौदाज़दः (سودازدہ) अ. फा. वि.—पागल, मिराकी, प्रेमी, अनुरागी।
सौदाज़दगी (سودازدگی) अ. फा. स्त्री —पागलपन, प्रेम का पागलपन।
सौदान (سودان) अ. पु.—काले रग के मनुष्य।
सौदावियत (سوداویت) अ. स्त्री.—वात का विकार; पागलपन।
सौदावी (سوداوی) अ वि.—वात के कोप से उत्पन्न रोग; वात सम्बन्धी।
सौब (صوب) अ स्त्री —ओर, तरफ; दिशा, सिम्त।
सौब (ثوب) अ पु —पहनने का कपडा, वस्त्र।
सौबान (ثوبان) अ. पु —प्रत्यागमन,, वापस लौटना, फिरना।
सौम (صوم) अ पु.—व्रत, रोजा।
सौम (سوم) अ. पु —मँहगा करके बेचना; भाव चुकाना।
सौमअः (صومعہ) अ पु —आराधनालय, उपासना-गृह, इबादतखाना।
सौमोसलवात (صوم صلوٰۃ) अ. स्त्री.—रोजा नमाज़, धर्मनिष्ठा।
सौरः (ثورہ) अ पु.—उपद्रव, विद्रोह, राजद्रोह, सैन्यद्रोह, बगावत।
सौर (ثور) अ. पुं.—वृष, वृषभ, वलीवर्द, बैल, साँड।
सौरत (سورت) अ. स्त्री.—तीव्रता, प्रचडता, तेजी।
सौरान (ثوران) अ. पु.—खून का जोश, रक्तकोप, उपद्रव, दगा, फसाद।
सौलत (صولت) अ स्त्री.—आतंक, रो'ब, दब्दबा।
सौलतपनाह (صولت‌پناہ) अ फा वि —बहुत बड़े आतंकवाला, प्रतापी, रोबोदाबवाला।
सौलते शाही (صولت شاہی) अ. फा. स्त्री —राज्यातंक, शाही दबदबा।
सौसन (سوسن) फा स्त्री —एक नीला फूल जिसकी पँखुडी ज़बान-जैसी होती है।
सौसनी (سوسنی) फा वि —सौसन के रग का, नीले रग का।
सौहान (سوہان) फा. पु —रेती, धातु रेतने का यत्र।
सौहानगीर (سوہان‌گیر) फा वि —नम्र, नर्म, मुलाइम।
सौहानज़दः (سوہان‌زدہ) फा. वि —रेता हुआ।
सौहाने रूह (سوہان روح) फा अ पु —रूह के लिए रेती के समान अर्थात् कष्टदायक।

ह

हंगामः (ہنگامہ) फा पुं.—उपद्रव, फ़साद; विप्लव, क्रांति, उथल-पुथल, विद्रोह, बगावत, कोलाहल, उत्क्रोश, शोरोगुल; भीड, सदोह, सकुल; मारपीट, दगा; युद्ध, समर, जंग।
हंगामःआरा (ہنگامہ‌آرا) फा. वि —उपद्रव करनेवाला, फसाद मचानेवाला; युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
हंगामःआराई (ہنگامہ‌آرائی) फा स्त्री.—उपद्रव करना, फसाद मचाना, युद्ध करना, लडना।
हंगामःख़ेज़ (ہنگامہ‌خیز) फा वि —उपद्रव और क्रांति उत्पन्न करनेवाली बात, क्रांति-उत्पादक।
हंगामःख़ेज़ी (ہنگامہ‌خیزی) फा स्त्री —उपद्रव और क्रांति।
हंगामःगर्मकुन (ہنگامہ‌گرم‌کن) फा वि —शोर-गुल और उपद्रव करनेवाला।
हंगामःगीर (ہنگامہ‌گیر) फा. वि.—भीड इकट्ठी करनेवाला, मज्मा' लगानेवाला।
हंगाम गीरी (ہنگامہ‌گیری) फा स्त्री —भीड इकट्ठी करना, मज्मा इकट्ठा करना।
हंगामःपर्दाज़ (ہنگامہ‌پرداز) फा वि —उपद्रव खडा करनेवाला, फसाद पैदा करनेवाला।
हंगामःपर्दाज़ी (ہنگامہ‌پردازی) फा स्त्री —उपद्रव खड़ा करना, फसाद मचाना।
हंगामःपर्वर (ہنگامہ‌پرور) फा वि —दे. 'हगाम पर्दाज़'।
हंगामःपर्वरी (ہنگامہ‌پروری) फा. स्त्री —दे 'हगाम - पर्दाजी'।
हंगामःपसंद (ہنگامہ‌پسند) फा वि —जो चाहता हो कि हगामे होते रहे, झगडे-बखेडो का शौकीन।
हंगामःपसंदी (ہنگامہ‌پسندی) फा. स्त्री —हगामे पसंद करना।
हंगामःबन्दी (ہنگامہ‌بندی) फा स्त्री —दिखावा, तडक-भडक।
हंगाम (ہنگام) फा पु —समय, काल, वक्त, ऋतु, मौसम।
हंगामए कारज़ार (ہنگامۂ کارزار) फा पुं —लड़ाई का हंगामा, युद्ध, लड़ाई।
हंगामए क़ियामत (ہنگامۂ قیامت) फा अ.पु.—कियामत की भीडभाड, कियामत का शोरो-गुल।
हंगामए बग़ावत (ہنگامۂ بغاوت) फा. अ. पु.—राजद्रोह का हगामा।

हगामए मर्ग (هنگامۀ مرگ) फा पु –मौत का गारागुल।

हगामए हश्र (هنگامۀ حشر) फा अ पु –द 'हगामए कियामत'।

हगामी (هنگامی) फा वि –सामयिक वक्ती अस्थायी आरिजी क्षणिक जरा सी देर का आवश्यक जरूरी जसे— हगामी इज्लास'।

हगामे नजअ (هنگام نزع) फा अ पु –प्राण निकलने का समय चढ़ा, जाकनी।

हगुफ्त (هنگفت) फा वि –मोटा स्थूल गफ, दबीज दलदार।

हजर (حنجره) अ पु –कठ, गला जहां से आवाज निकलती है।

हजर (حنجر) अ पु –दे हजर।

हजल (حنظل) अ पु –एक कडवा फल इद्रायन।

हजार (هنجار) फा पु –पद्धति शली ढग तज माग पथ रास्ता नियम काइदा।

हदस (هندسه) अ पु –दे 'हिन्दस' दोनो शुद्ध ह परन्तु उर्दू में यही प्रचलित है।

हक [क्क] (حق) अ पु –सत्य सच यथाथ वाकई यथोचित मुनासिब स्वत्व इस्तहकाक अधिकार इख्तियार पारिश्रमिक महनताना उत्कोच रिश्वत ईश्वर।

हक [क्क] (حک) अ पु –खुरचना छीलना काटना कलमजद करना।

हकअदेश (حق اندیش) अ फा वि –सच्ची बात सोचने वाला भलाई चाहनेवाला।

हकअ (هقعه) अ पु –पाचवा नक्षत्र मगशिरा।

हकआगाह (حق آگاه) ■ फा वि –सत्यनिष्ठ बाइमान महात्मा वलीअल्लाह।

हकगो (حق گو) अ फा वि –सत्यभाषी सच्ची बात कहने वाला।

हकगोई (حق گوئی) अ फा स्त्री –सच्ची बात कहना, सत्यवादिता।

हक तआला (حق تعالیٰ) अ पु –ईश्वर परमात्मा।

हकतलफी (حق تلفی) ? स्त्री –किसी का हक या अधिकार मारा जाना स्वत्व हानि।

हकदार (حقدار) अ फा वि –अधिकारी मुख्तार पात्र मुस्तहक दायाधिकारी, तरिक पाने का मुस्तहक।

हकनाशनास (حق ناشناس) अ फा वि –जो खुदा का न पहचाने जो सत्य को न पहचाने कृतघ्न एहसान फ़रामोश।

हकनाशनासी (حق ناشناسی) अ फा स्त्री –खुदा को न पहचानना, सत्य को न पहचानना कृतघ्नता एहसान फरामोशी।

हकनियोश (حق نیوش) अ फा वि –सच्ची बात सुनने वाला।

हकनियोशी (حق نیوشی) अ फा स्त्री –सच्ची बात सुनना।

हकपरस्त (حق پرست) अ फा वि –सत्यनिष्ठ सत्य का पुजारी ईश्वर का पुजारी धर्मात्मा।

हकपरस्ती (حق پرستی) अ फा स्त्री –सत्यनिष्ठता सत्य की पूजा, ईश्वर की पूजा धमपरायणता।

हकपसद (حق پسند) अ फा वि –जिसे सत्य पसन्द हो, सत्यनिष्ठ।

हकपसदी (حق پسندی) अ फा स्त्री –सत्य को पसद करना सत्यप्रियता।

हकफरामोश (حق فراموش) अ फा वि –कृतघ्न, एहसान न माननेवाला एहसान और उपकार भूल जानेवाला नमकहराम।

हकफरामोशी (حق فراموشی) अ फा स्त्री –कृतघ्नता एहसान भूल जाना नमकहरामी।

हक बजानिब (حق بجانب) अ फा वि –जिसकी ओर सच्चाई हो जो सत्य के पक्ष म हो जो अपनी बात में सच्चा हो।

हकबीं (حق بیں) अ फा वि –केवल सत्य का देखनेवाला सत्यनिष्ठ सत्यपरायण।

हकबीनी (حق بینی) अ फा स्त्री –सत्य को देखना सत्य का पक्ष लेना, सत्यनिष्ठता।

हकम (حکم) अ वि –वह व्यक्ति जो दो आदमियो के बीच में पडकर उनका झगडा खत्म करा द, पच सरपच मध्यस्थ।

हकमकाल (حق مقال) अ वि –दे हकगो।

हकमकाली (حق مقالی) अ स्त्री –दे हकगोई।

हकरसानी (حق رسانی) अ फा स्त्री –किसी का हक उसको पहुचाना किसी का हक दिलाना।

हकरसी (حق رسی) अ फा स्त्री –किसी का हक पहुचना, किसी का हकदार होना।

हकशनास (حق شناس) अ फा वि –सत्य को पहचानने वाला ईश्वर का पहचाननेवाला।

हकशनासी (حق شناسی) अ फा स्त्री –सत्य को पहचानना ईश्वर को पहचानना।

हकशिआर (حق شعار) अ वि –दे हकपरस्त।

हकशिआरी (حق شعاری) अ स्त्री –दे हकपरस्ती।

हक्काक (حقاّق) अ पु –हकीकत का बहु हकीकतें।

हक़ाइक़पसंद (حقائق پسند) अ. फा. वि.–हक़ीक़त अर्थात् यथार्थता को पसंद करनेवाला।

हक़ाइक़बीं (حقائق بیں) अ.फा वि.–हक़ीक़त या यथार्थता देखनेवाला।

हक़ाइक़शनास (حقائق شناس) अ फा. वि.–हक़ीक़त या यथार्थता को पहचाननेवाला।

हक़ारत (حقارت) अ.स्त्री.–तिरस्कार, अपमान, बेइज्जती।

हक़ारतआमेज़ (حقارت آمیز) अ. फा वि.–तिरस्कारपूर्ण, ज़िल्लतआमेज।

हक़ीक़त (حقیقت) अ. स्त्री–यथार्थता, वाक़ईयत, सत्यता, सच्चाई; मर्यादा, हैसियत।

हक़ीक़तआगाह (حقیقت آگاہ) अ फा. वि–यथार्थता और सच्चाई क्या है इससे वाकिफ।

हक़ीक़तआश्ना (حقیقت آشنا) अ फा वि–दे 'हक़ीक़त-आगाह'।

हक़ीक़तन (حقیقتاً) अ. वि–यथार्थत, वास्तव मे, वाक़ई, सचमुच।

हक़ीक़तपसंद (حقیقت پسند) अ फा वि–यथार्थता और सत्यता को पसद करनेवाला।

हक़ीक़तबयानी (حقیقت بیانی) अ स्त्री–सच्ची बात कहना, हक़ीक़त बयान करना।

हक़ीक़तबीं (حقیقت بیں) अ फा वि–हर बात मे यथार्थता और सच्चाई को देखनेवाला।

हक़ीक़तशनास (حقیقت شناس) अ फा वि–यथार्थता को जाननेवाला।

हक़ीक़ते नफ़्सुलअम्र (حقیقت نفس الامر) अ.स्त्री–किसी घटना की यथार्थता।

हक़ीक़ते हाल (حقیقت حال) अ स्त्री–सच्चा हाल, अस्लियत, यथार्थता, वास्तविकता।

हक़ीक़ी (حقیقی) अ वि–सच्चा, अस्ली, वास्तविक, यथार्थ।

हकीम (حکیم) अ वि–वैद्य, तबीब, चिकित्सक, मुआलिज, वैज्ञानिक, साइंसदाँ, मीमासक, फ्लासफर।

हकीमानः (حکیمانہ) अ फा वि–विज्ञानपूर्ण, फ्लासफरों-जैसा, विद्वज्जनों-जैसा, अक्लमदाना।

हक़ीर (حقیر) अ वि–तुच्छ, क्षुद्र, कमीना, अत्यल्प, बहुत छोटा, अति न्यून, बहुत थोड़ा।

हक़ीरतरीन (حقیرترین) अ फा वि–बहुत ही तुच्छ, बहुत ही कमीना, बहुत ही थोडा, बहुत ही छोटा।

हक़्क़ा (حقا) अ फा. वि–ईश्वर की शपथ, खुदा की क़सम।

हक्काक (حکاک) अ. पुं.–खुरचनेवाला, छीलनेवाला, नगीना आदि तराशनेवाला।

हक़्क़ानी (حقانی) अ वि–ईश्वरीय, खुदाई; कोई ऐसा गाना जिसमे खुदा और रसूल का जिक्र हो।

हक़्क़ानीयत (حقانیت) अ. स्त्री–सत्यता, सच्चाई; यथार्थता, वाक़ईयत।

हक़्क़ुज्जहमत (حق الزحمت) अ पु.–किसी काम मे तकलीफ और परिश्रम करने का हक, कमीशन, पारिश्रमिक।

हक़्क़ुलइबाद (حق العباد) अ. पु–आम लोगों का हक, जनता का हक, जिसका छीन लेना कानून मे भी और ईश्वर के यहाँ भी पाप है।

हक़्क़ुलमेहनत (حق المحنت) अ पु–पारिश्रमिक, कमीशन।

हक़्क़ुलयकीन (حق الیقین) अ पु–पूरा यकीन, कामिल यकीन, अटल विश्वास।

हक़्क़ुल्लाह (حق اللہ) अ. पु–ईश्वर का हक जो जनता पर है, जैसे—पूजा, व्रत और दूसरे धार्मिक कर्म।

हक़्क़े आसाइश (حق آسائش) अ फा पु–वह हक जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है, सुखाधिकार।

हक़्क़े ज़ौजीयत (حق زوجیت) अ पु–वह हक जो पत्नी को अपने पति पर प्राप्त है, सहवास, मैथुन, स्त्री-प्रसग।

हक़्क़े नमक (حق نمک) अ फा पु–किसी के नमक खाने का हक, नमक हलाल करना, कृतज्ञता।

हक़्क़े मुरूर (حق مرور) अ पु.–निकलने-पैठने और आने-जाने का हक जो हर व्यक्ति को प्राप्त है।

हक़्क़े शुफ़अः (حق شفعہ) अ पु–पडोस की जमीन या मकान पर वह हक जो उसके बिकते समय पडोसी को प्राप्त रहता है कि वह जमीन या मकान सबसे पहले उसे मिले।

हक्कोइस्लाह (حک و اصلاح) अ. स्त्री–किसी लेख मे काट-छाँट और सशोधन।

हक़्क़ो सदाकत (حق و صداقت) अ. स्त्री–सत्यता और यथार्थता।

हज [ज्ज] (حج) अ पु–मुसलमानों का एक धार्मिक कृत्य जो मक्के (अरब) में जाकर अदा करना पडता है और धनाढ्य लोगों को उम्र मे एक बार उसके करने का हुक्म है।

हज [ज्ज] (حظ) पु–आनद, मजा, सुख, राहत, हर्ष, खुशी, भाग, हिस्सा।

हजज (هزج) अ पुं–सुरीली आवाज, दे 'बह्ले हजज'।

हजद (هژد) फा पु–एक पानी का जानवर, ऊद।

हज़न (حزن) अ पु–दुःख, क्लेश, कष्ट, मुसीबत, शोक, खेद, गम।

हजयान (هذيان) अ पु –वह बकवास जो रोगी बेहोशी की अवस्था में करता है बडबडाहट बकवास खुराफात दे हजयान दोनों शुद्ध है।
हजर (حذر) अ पु –बचाव उपेक्षा परहेज भय त्रास डर।
हजर (حضر) अ पु –घर में रहना उपस्थिति मौजूदगी सफर का उलटा।
हजर (حجر) अ पु –पाषाण प्रस्तर पत्थर।
हजरी (حجری) अ वि –पत्थर का पत्थर का बना हुआ।
हजरीयत (حجریت) अ स्त्री –पत्थरपन पथरीलापन।
हजरुलबकर (حجرالبقر) अ पु –गोरोचन एक पत्थर जो गाय या बैल के मूत्राशय में पड जाता है।
हजरुलयहूद (حجرالیهود) अ पु –एक पत्थर जो दवा म काम आता है।
हजरे अस्वद (حجر اسود) अ पु –वह काला पत्थर जो मक्के में है और जिसकी परिक्रमा हज में की जाती है।
हजल (حجله) अ पु –दुल्हा का कमरा दुल्हन का छपरखट दे हजला दोनों शुद्ध है।
हजाइर (حظائر) अ पु –हजीर का बहु बाड।
हजाकत (حذاقت) अ स्त्री –दक्षता प्रवीणता कुशलता महारत विज्ञता निपुणता चातुर्य दानाई।
हजाकतमआब (حذاقت‌مآب) अ वि –बहुत ही दक्ष और कुशल बहुत ही विद्वान और निपुण।
हजाज (حزاز) अ स्त्री –रूसी सर की भूसी।
हजाजिर (حظائر) अ पु –बिज्जू हुडार एक मतानी जंतु जो विनापत कब्रिस्तान म मुर्दे खाता है।
हजामत (حجامت) अ स्त्री –बाल बनाना बाल बनवाना दे हिजामत।
हजामत (حزامت) अ स्त्री –दक्षता कुशलता प्रवीणता होशियारी।
हजार (هزاره) फा पु –एक फूल पौधों को पानी देने का एक पात्र जिसकी टोंटी म फव्वारा होता है।
हजार (هزار) फा वि –दस सौ की संख्या सहस्र दस सौ का अंक (प) बुलबुल तुम सलामत रहो हजार बरस। हर बरस के हो दिन पचास हजार। —ग़ालिब।
हजारआवाज (هزارآواز) फा वि –बहुत से स्वर निकालने वाला (प) बुलबुल मावगपक्षी।
हजारखान (هزارخانه) फा पु –बररा या भड की ओनाडा पट की धारा पराशय।
हजारगाईद (هزارگاید) फा स्त्री –बहुत हो व्यभिचारिणी और कुलटा।
हजारचंद (هزارچند) फा वि –हजारगुना बहुत अधिक।
हजारचश्म (هزارچشمه) फा प –केकडा ककट कमर का रोग अदीठ सर्तान।
हजारचश्म (هزارچشم) फा वि –हजार आंखोंवाला सहस्र नेत्र।
हजारदाना (هزاردانه) फा पु –एक पौधा हजार मनका की माला।
हजारदास्तां (هزارداستان) फा पु –बुलबुल एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।
हजारपा (هزارپا) फा पु –कनखजूरा शतपाद चिचडी (वि) सहस्रपद हजार पाँववाला।
हजारपाय (هزارپایه) फा पु –दे हजारपा।
हजारमेख (هزارمیخ) फा पु –गुदडी कथा।
हजारसुतून (هزارستون) फा पु –वह भवन या इमारत जिसमें हजार खंभे हों।
हजारहा (هزارها) फा वि –हजारों सहस्रों।
हजारहैफ (هزارحیف) फा अ वि –बहुत-बहुत पश्चात्ताप।
हजारां (هزاران) फा वि –हजारों सहस्रों।
हजारों हजार (هزاران هزار) फा वि –हजारों सहस्रों।
हजारी (هزاری) फा वि –एक हजारवाला एक हजार से सम्बन्धित।
हजिक (حذق) अ वि –बुद्धिमान अक्लमंद दक्ष कुशल होशियार प्रतिभाशाली जहीन।
हजिन (حزن) अ वि –दुखित शोकान्वित रंजीदा।
हजिर (حذر) अ वि –डरनेवाला भयभीत चौकन्ना सतर्क।
हजीं (حزیں) अ वि –हजीन का लघु, दे 'हजीन'।
हजीज (حضیض) अ स्त्री –गर्त निचाई पस्ती अवनति जवाल।
हजीज (مضیض) अ वि –भग्न विछिन्न खण्डित टूटा हुआ।
हजीन (حزینه) अ वि –दुखी स्त्री शोकिता पीडिता।
हजीन (هجینه) अ पु –बीबी बच्चा का खर्च व्यय गृह काज खजाना (वि) नित्य हमेशा।
हजीन (حزین) अ वि –दुखित शोकित पीडित रंजीदा।
हजीन (هجین) अ वि –अधम नीच कमीना वर्णसंकर दोगला।
हजीम (هضیمه) अ पु –भोज का खाना।
हजीमत (هزیمت) अ स्त्री –पराजय हार शिकस्त हारकर भागना या तितर बितर हो जाना।

हज़ीमत (هزیمت) अ. स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म, क्रोध, कोप, गुस्सा।
हज़ीमतख़ुर्दः (هزیمت خوردہ) अ. फा वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ।
हज़ीरः (حظیرہ) अ. पु –बाडा, चौपायो के रहने का घेरा।
हजीर (هجیر) अ स्त्री –दोपहर की गर्मी, दोपहर की कडी धूप, (पु) बडा हौज।
हज़ीर (حذیر) अ वि.–डरपोक, भीरु, त्रस्त, भयभीत, खाइफ।
हज़ीर (هزیر) बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
हज़ून (هذون) अ वि –आलसी, काहिल, सुस्त।
हज़ूर (حذور) अ वि –डरनेवाला, भय खानेवाला; त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, डरपोक।
हजूल (هجول) अ वि –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिश।
हज़्ज़त (هزت) अ. स्त्री –आनद, ऐश, भोग-विलास।
हज्जाज (حجاج) अ वि –बहुत अधिक वाक्कलह करनेवाला, हुज्जती।
हज्जाम (حجام) अ पु –नापित, क्षौरिक, नाई, पछने लगानेवाला, सिंघी लगानेवाला।
हज़्ज़ाल (هزال) अ. वि –बहुत अधिक निन्दाजनक बाते करनेवाला।
हज्जे अक्बर (حج اکبر) अ. पु.–वह हज जिसमे हज के दिन शुक्रवार पडे।
हज़्ज़े नफ़्सानी (حظ نفسانی) अ पु –इद्रियो का सुख, भोग-विलास आदि का आनद, जीवन-सुख।
हज़्ज़े रूहानी (حظ روحانی) अ पु –आत्मा सम्बन्धी सुख, जप-तप आराधना आदि का आनद।
हज़्दः (هژده - هجده) फा वि –अट्ठारह, अष्टादश।
हज़्दःहज़ार (هژدہ ہزار) फा वि –अट्ठारह हजार।
हज़्दहुम (هژدہم) फा वि –अट्ठारहवाँ।
हज़्न (حضن) अ पु –बच्चो का पालन-पोषण, चिडियो का अडे सेना।
हज़्फ़ (حذف) अ पु –विच्छेद, अलग कर देना, किसी शब्द से एक अक्षर कम कर देना।
हज्म. (هجمه) अ पु –चालीस ऊँटो से अधिक का गल्ला।
हज्म (حجم) अ पु –मोटाई, दल, स्थूलता।
हज़्म (حزم) अ पु –दक्षता, कुशलता, होशियारी, सावधानी, सतर्कता, चौकसी, दूरदर्शिता, दूरबीनी।
हज़्म (هزم) अ पु –सेना का तितर-बितर हो जाना, परास्त होकर सेना का भागना।
हज़्म (هضم) अ पुं –पक्वाशय मे भोजन का पकना, पाक, पचन, पाचन-शक्ति, हाजिम.।
हज़्मे कामिल (هضم کامل) अ पु –पक्वाशय मे अन्न का पूर्ण रूप से पच जाना।
हज़्मे गिज़ा (هضم غذا) अ.फा पु –पक्वाशय मे अन्न का पचना, अन्नपाक।
हज्मे ज़ख़ीम (حجم ضخیم) अ. पु –बहुत काफी मोटाई।
हज़्मे नाक़िस (هضم ناقص) अ. पु –पक्वाशय मे अन्न का पूर्ण रूप से न पकना।
हज़्मे सहीह (هضم صحیح) अ. पु –दे. 'हज़्मे कामिल'।
हज़्मो एहतियात (حزم و احتیاط) अ –सावधानी और दूरदर्शिता।
हज़्मो शिकस्त (هزم و شکست) अ. फा स्त्री.–सेना की हार और भगदड़।
हज़्र (هذر) अ. पु –बकवास, वाचालता, मुखरता, जल्प।
हज़्र (حضر) अ. पु –कुक्ष, बगल, क्रोड, गोद, आगोश।
हज्र (هجر) अ. पु –वियोग, जुदाई; मध्याह्न, दोपहर, रोगी की बकवास, हज्यान।
हज़्र (حزر) अ पु –खेत मे खडे हुए नाज का अंदाज, कूत; पेड मे लगे हुए फलो का अनुमान।
हज़्रत (حضرت) अ पु.–किसी बडे व्यक्ति के नाम से पहले सम्मानार्थ लगाया जानेवाला शब्द, कोई प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति; (व्यग) धूर्त, चालाक, पाखडी, ऐयार, बदमाश।
हज़्रत सलामत (حضرت سلامت) अ पु –प्रतिष्ठित जनो के लिए सबोधन का शब्द।
हज़्रते अक़्दस (حضرت اقدس) अ पु –पूज्य और पवित्र व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।
हज़्रते आली (حضرت عالی) अ पुं –दे 'हज़्रते अक़्दस'।
हज़्रते मोहतरम (حضرت محترم) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।
हज़्रते वाइज़ (حضرت واعظ) अ पु –उर्दू साहित्य मे वह धर्मोपदेशक व्यक्ति जो शराब न पीने के लिए बाध्य करता और इसके विरुद्ध धार्मिक दलीले बयान करता है।
हज़्रते वाला (حضرت والا) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।
हज़्रते शैख़ (حضرت شیخ) अ पु.–उर्दू साहित्य मे वह धार्मिक व्यक्ति जो बुरे कामो से रोकता, शराब से मना करता और नमाज आदि की पाबंदी के लिये समझाता है।
हज़्रात (حضرات) अ पु –'हज़्रत' का बहु, व्यक्तियाँ लोग।
हज़्लः (حجلہ) अ पु –दुल्हन का सजा हुआ कोठा या छपरखट, दे 'हजल', दोनो शुद्ध है।

हज़ल (هزل) अ पु–मसखरापन, मसखरापन, अश्लील कविता।

हज़्ल (هدل) अ पु–पहाड़ों के बीच की नीची भूमि।

हज्लए अरूसी (حجلهٔ عروسی) अ पु–नवविवाहिता का सजा हुआ हुआ छपरखट या कोठा।

हज़्लगो (هزل‌گو) अ फा वि–अश्लील और हँसानेवाली कविता करनेवाला।

हज़्लगोई (هزل‌گوئی) अ फा स्त्री–अश्लील कविता करना।

हज़्लपसंद (هزل‌پسند) अ फा वि–जिसे मसखरापन अच्छा लगे या अश्लील कविता पसंद करे।

हज़्लीयात (هزلیات) अ स्त्री–अश्लील काव्य-संग्रह।

हज़्लोतमस्ख़ुर (هزل و تمسخر) अ पु–मसखरापन और मज़ाक।

हज़्व (حذو) अ पु–दो वस्तुओं का परस्पर बराबर करना।

हज्व (هجو) अ स्त्री–निन्दा, तिरस्कार, अपमान ऐसी कविता जिसमें किसी की निन्दा की जाय।

हज्वगो (هجوگو) अ फा वि–वह कवि जो अपनी कविता में लोगों की निन्दा करता हो।

हज्वगोई (هجوگوئی) अ फा स्त्री–कविता में दूसरों की निंदा करना।

हज्वीयात (هجویات) अ स्त्री–दूसरों की निंदा में की गयी कविताओं का संग्रह।

हज्वे मलीह (هجو ملیح) अ स्त्री–ऐसी निन्दा जो देखने में प्रशंसा जान पड़े व्याजनिंदा।

हज्वे सरीह (هجو صریح) अ स्त्री–स्पष्ट निंदा साफ-साफ निंदा जिसमें कोई दुराव न हो।

हज़हाज़ (هزهاز) अ पु–बुलाना पुकारना।

हतब (حطب) अ स्त्री–जलाने की लकड़ी ईंधन।

हतिम (حطم) अ वि–भग्न विच्छिन्न टूटा हुआ शिकस्त।

हतिल (هطل) अ वि–बहुत बरसनेवाली घटा।

हतीम (حطیم) अ पु–भग्न खंडित टूटा हुआ काबे की पश्चिमी दीवार।

हत्क (حتک) अ पु–लौट कर चलना भागना।

हत्क (هتک) अ स्त्री–अपमान तिरस्कार बेइज़्ज़ती।

हत्के इज़्ज़त (هتک عزت) अ स्त्री–मानहानि इज़्ज़त पर हमला तौहीन।

हत्तलइम्कान (حتی الامکان) अ वि–जहाँ तक मुम्किन है यथासंभव।

हत्तल इस्तिताअत (حتی الاستطاعت) अ वि–जहाँ तक मक़्दूर है यथासामर्थ्य।

हत्तलमक़्दूर (حتی المقدور) अ वि–जहाँ तक शक्ति है, यथाशक्ति यथासाध्य यथासाध्य।

हत्तल्वुसअ (حتی الوسع) अ वि–दे० 'हत्तलमक़्दूर'।

हत्ता (حتی) अ वि–जब तक, जहाँ तक यावत यथा।

हत्ताक (هتاک) अ वि–अपमान करनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हत्तात (حتات) अ वि–बकवासी मुखर वाचाल, फुर्तीला चुस्त चालाक।

हत्ताब (حطاب) अ पु–लकड़हारा लकड़ियाँ बेचनेवाला।

हत्र (حتر) अ पु–गर्मी की तेज़ी।

हत्फ़ (حتف) अ पु–मृत्यु मरण निधन मौत।

हत्फ़ (هتف) अ पु–आवाज़ स्वर शब्द।

हत्म (حتم) अ पु–दृढ़ता मज़बूती पुख़्तगी।

हत्मन (حتماً) अ वि–दे० 'हत्मी'।

हत्मी (حتمی) अ वि–निश्चित रूप से पुख़्ता तौर पर यक़ीनी।

हत्ल (هطل) अ पु–मेंह का बराबर बरसना झड़ी लगना, आँसुओं की झड़ी।

हद [द्द] (حد) अ स्त्री–पराकाष्ठा किनारा अखीर सीमा छोर, ओट आड़।

हदक़ (حدقه) अ पु–आँख का कालापन, पुतली, कनीनी

हदक़ (حدق) अ पु–हदक़ का बहु आँख की पुतलियाँ आँख की सियाहियाँ बगल भौंदा।

हदफ़ (هدف) अ पु–लक्ष्य निशाना ऊँचा पुश्ता वह गोलाई जिस पर निशाना सीखने के लिए गोलियाँ मारते हैं

हदफ़े तीर (هدف تیر) अ फा पु–तीर का निशाना मारने का स्थान लक्ष्य जिस पर तीर मारे जायें।

हदफ़े मलामत (هدف ملامت) अ पु–जिस पर चारों ओर से धिक्कार पड़े जिसकी सब निंदा करें।

हदबंदी (حدبندی) अ फा स्त्री–दो चीज़ों या ज़मीनों के बीच में ऐसा चिह्न जो दोनों की सीमा निश्चित करे।

हदब (حدبه) अ पु–कूबड़ कुबड़ापन कुब्ज।

हदब (حدب) अ पु–कुबड़ापन कुब्ज टीला उठी हुई ज़मीन।

हदर (هدر) अ पु–किसी का वध जाइज़ हो जाना खून मुआफ़ हो जाना।

हदस (حدث) अ पु–वह चीज़ जिससे वज़ू टूट जाय।

हदसात (حدثات) अ स्त्री–हदस का बहु युवा स्त्रियाँ जवान औरतें।

हदाइक़ (حدائق) अ पु–हदीक़ा का बहु बगीचे बाग़।

हदाया (هدایا) अ पु–हदीया का बहु तोहफ़े भेंटें नज़ाने।

हदासत (حداثت) अ स्त्री.–नूतनता, नयापन, आरम्भ, शुरुआत।

हदासते सिन (حداثت سن) अ. स्त्री–बाल्यावस्था, बचपन।

हदीक: (حديقه) अ. पु–वह बाग जिसके चारों ओर दीवार हो।

हदीद (حديد) अ. पु–लोहा, लौह, फौलाद; तेज और धारदार पदार्थ।

हदीय: (هديه) अ. पु–पुरस्कार, उपहार, भेंट, नज्र, दे 'हद्य', दोनों शुद्ध हैं।

हदीस (حديث) अ स्त्री–नयी बात, नयी खबर; पैगंबर साहिब की फरमाई हुई बात।

हद्क: (حدقه) अ. पु.–आँख की गोलाई, आँख का हल्का।

हद्दाद (حداد) अ वि–लोहकार, लुहार; कारा-रक्षक, बंधनपाल, जेलर।

हद्दादी (حدادی) अ स्त्री.–लुहार का काम।

हद्दे अदब (حد ادب) अ. स्त्री–आदर और लिहाज़ की अंतिम सीमा, जहाँ तक आदर किया जा सके।

हद्दे फ़ासिल (حد فاصل) अ स्त्री–दो पदार्थों के बीच में अंतर डालनेवाली वस्तु, ओट, आड।

हद्दे शरई (حد شرعی) अ स्त्री.–वह सजा जो इस्लाम धर्म के अनुसार दी जाय।

हद्बा (حدبا) अ स्त्री–कुब्जा, कुबडी स्त्री।

हद्म (هدم) अ. पु–ढाना, गिराना, तोड-फोड करना, निर्जनता, वीरानी।

हद्य: (هديه) अ पु–उपहार, भेंट, तोहफा, दे. 'हदीय', दोनों शुद्ध हैं।

हद्र (هدر) अ. पु.–दे 'हदर', दोनों शुद्ध हैं।

हद्स: (حدثه) अ स्त्री–युवा स्त्री, जवान औरत।

हद्स (حدس) अ पु–प्रतिभा, चातुर्य, जहानत; बुद्धि-मत्ता, मेधा, अक्लमंदी।

हनक (حنک) अ पु–तालु, तालू।

हनक (حنق) अ पु.–द्वेष, कीन, बुग्ज; शत्रुता वैर, दुश्मनी।

हनकी (حنکی) अ वि–वह अक्षर जो तालू से उच्चरित हो, तालव्य।

हनफी (حنفی) अ वि–इमाम अबू हनीफ के अनुयायी मुसलमान।

हनी (هنی) अ. वि–पाचक, हाजिम, स्वादिष्ठ, लजीज; सुगम, सहज।

हनीन (حنين) अ. पु–विलाप, रोना-पीटना, कामना, चाह, इच्छा।

हनीफ (حنيف) अ. वि.–धर्मपरायण, सत्यनिष्ठ, धर्म में पक्का, हज्रत इब्राहीम के धर्म का अनुयायी।

हनीफी (حنيفی) अ वि–धर्मनिष्ठ, धर्म में अटल, हज्रत इब्राहीम के धर्म को माननेवाला।

हनूत (حنوط) अ पु–वह सुगंधित पदार्थ जो मृतक शरीर पर मला जाय।

हनूद (هنود) अ पु.–'हिंदू' का बहु, हिंदू लोग।

हनोज़ (هنوز) फा अव्य–अभी तक, अब भी, अब तक, अद्यापि।

हन्नात (حناط) अ वि–गेहूँ बेचनेवाला, सुगंध बेचनेवाला, गंधी।

हन्नान: (حنانه) अ वि–बहुत रोनेवाला।

हन्नान (حنان) अ वि–मोक्ष देनेवाला, कृपा करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

हफद (حفد) अ पु–'हाफिद' का बहु., सहायक जन, मदद-गार लोग।

हफनजर (حفنظر) अ वा–ईश्वर बुरी दृष्टि के प्रभाव से रक्षा करे।

हफवत (هفوت) अ. स्त्री–अपवाद, बकवास, अनर्गल प्रलाप।

हफवात (هفوات) अ स्त्री–'हफवत' का बहु, अनर्गल और व्यर्थ की बातें।

हफादत (حفادت) अ स्त्री–कृपा, अनुकंपा, दया, मेह्र-बानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हिफादत', दोनों शुद्ध हैं।

हफीज (حفيظ) अ वि–रक्षक, संरक्षक, देख-रेख करने-वाला; ईश्वर का एक नाम।

हफीर (حفير) अ वि–गर्त, गढा, कब्र, गोर।

हफ्त: (هفته) फा पु–सात दिनों का समय, सप्ताह; शनिवार, सनीचर।

हफ्त.वार (هفته وار) फा वि–साप्ताहिक, हफ्ते में एक बार होनेवाला।

हफ्त दोस्त (هفت دوست) फा वि–वह व्यक्ति जिससे दूर की जान-पहचान हो।

हफ्त:वारी (هفته واری) फा स्त्री–दे. 'हफ्त वार'।

हफ्त (هفت) फा वि–सात की संख्या, सात।

हफ्तअदाम (هفت اندام) फा स्त्री.–एक बडी रग जिसकी फस्द खोली जाती है।

हफ्तअख्तर (هفت اختر) फा. पु–सातों सितारे, सातों ग्रह, सप्तग्रह।

हफ्तइक्लीम (هفت‌اقلیم) फा अ स्त्री—साता महाद्वीप अर्थात सारी दुनिया।
हफ्तऔरग (هفت‌اورنگ) फा पु—सप्तर्षि, बनातुन्नाश।
हफ्तकलम (هفت‌قلم) फा अ वि—अरबी फारसी की साता लिपियाँ लिखनेवाला।
हफ्तकिश्वर (هفت‌کشور) फा पु—दे 'हफ्तइक्लीम'।
हफ्तकुल्जुम (هفت‌قلزم) फा अ पु—साता महासागर अर्थात सारे समुद्र।
हफ्तख्वाँ (هفت‌خوان) फा पु—वह साता मंजिलें जो रुस्तम को तै करनी पड़ी थी।
हफ्तगुबद (هفت‌گنبد) फा पु—सातो आकाश।
हफ्तज़बाँ (هفت‌زبان) फा वि—जो सात भाषाएँ जानता हो।
हफ्तजोश (هفت‌جوش) फा पु—सातो धातुओ का योग।
हफ्ततबक (هفت‌طبق) फा अ पु—पृथ्वी के सातो तल।
हफ्तदर्या (هفت‌دریا) फा पु—दे 'हफ्तकुल्जुम'।
हफ्तदह (هفده) फा वि—सत्रह सप्तदश।
हफ्तदोज़ख (هفت‌دوزخ) फा पु—नरक के साता भाग।
हफ्तपर्द (هفت‌پرده) फा पु—साता आकाश।
हफ्तपुश्त (هفت‌پشت) फा स्त्री—सात पीढ़ियाँ, पुश्त दर पुश्त।
हफ्तपैकर (هفت‌پیکر) फा पु—सातो सितारे सप्तग्रह।
हफ्तमंज़िल (هفت‌منزل) फा अ स्त्री—साती तल सात मालाओं का भवन।
हफ्तरग (هفت‌رنگ) फा वि—सात रगोवाला।
हफ्तरोज़ (هفت‌روزه) फा वि—साप्ताहिक सात दिन में पड़ने या होनेवाला साप्ताहिक पत्र हफ्तवार अखबार।
हफ्तसाला (هفت‌ساله) फा वि—सप्तवर्षीय सात बरस वाला।
हफ्तहज़ारी (هفت‌هزاری) फा पु—मुगल राजकाल की एक प्रतिष्ठित पदवी इस पदवी का अधिकारी।
हफ्तहैकल (هفت‌هیکل) फा अ स्त्री—जीवरक्षा की सात दुआएँ।
हफ्ताद (هفتاد) फा वि—सत्तर।
हफ्तादोदो (هفتادودو) फा वि—बहत्तर सत्तर और दो।
हफ्तुम (هفتم) फा वि—सातवाँ सप्तम।
हफ्तुमी (هفتمین) फा वि—सातवाँ।
हफ्दह (هفده) फा वि—हफ्तदह का लघु सत्तरह, सप्तदश।
हफ्दहुम (هفدهم) फा वि—सत्तरहवाँ।
हफ्र (حفر) अ पु—ज़मीन की खुदाई।

हब्ल (حمل) अ पु—भीड़ जमाव जन समूह, एकत्र करना, इकट्ठा करना।
हब्स (حمص) अ पु—शेर का बच्चा, व्याघ्र शावक।
हब्ब[ब] (حب) अ स्त्री—गोली वटिका वटी।
हबक (هبک) अ स्त्री—हथेली करतल।
हबन्नक (هبنق) अ वि—मूर्ख, बौड़म बुद्धू।
हबा (حبسه) अ पु—दे 'हबाँ'।
हबश (حبش) अ पु—अफ्रीका का एक प्रसिद्ध देश हब्श।
हब्शी (حبسی) अ वि—हब्श का निवासी।
हबाब (حباب) फा पु—बुलबुल, बुदबुद।
हबाबआसा (حباب‌آسا) फा वि—बुलबुले-जैसा बहुत ही नाजुक क्षणभंगुर।
हबाबी (حبابی) फा वि—बुल्बुल की तरह नाजुक और क्षण भगुर।
हबीब (حبیب) अ वि—मित्र सखा दोस्त प्रेमपात्र, माशूक।
हबूत (هبوط) अ वि—नीचे उतरनेवाला।
हबूब (هبوب) अ पु—वायु का अक्कड़, धूल मिली हुई तेज हवा।
हब्ब (حبه) अ पु—दाना बीज, रत्ती भर, आठ चावल का भार बहुत थोड़ा ज़रा सा।
हब्बज़ा (حبذا) अ अव्य—वाह वाह धन्य धन्य साधु साधु।
हब्बुलआलम (حب‌الالم) अ पु—'आलम' एक औषध द्रव्य द्वारा निर्मित वटी आलम की गोली।
हब्बुरिशाद (حب‌الرشاد) अ पु—हालौन एक दाना जो दवा में चलता है।
हब्बुलकुत्न (حب‌القطن) अ पु—कपास का बीज बिनौला।
हब्बुलगुराब (حب‌الغراب) अ पु—कुचला, एक विषैला दाना विषमुष्टि विषतुंदक।
हब्बुलमुलूक (حب‌الملوک) अ पु—जमालगोटा दन्तिका।
हब्बुस्समन (حب‌السمنه) अ पु—चिरौंजी एक प्रसिद्ध मेवा।
हब्बुस्सलातीन (حب‌السلاطین) अ पु—जमालगोटा अजयपाल दन्तिका।
हब्ल (حبل) अ स्त्री—रस्सी रज्जु डोरा तार, रग धमनी।
हब्लुज्जिराअ (حبل‌الذراع) अ स्त्री—हाथ की एक रग।
हब्लुलमतीन (حبل‌المتین) अ स्त्री—दृढ़ रस्सी।
हब्लुलवरीद (حبل‌الورید) अ स्त्री—गर्दन की एक रग।

हब्स (حبس) अ. पु.—उपग्रह, कारावास, कैद, उमस, बरसात में हवा बद होने की अवस्था, अवरोध, रुकाव।
हब्सीयात (حبسیات) अ स्त्री —कैद के समय की बातें या कविता आदि, कारागार सम्बन्धी चीजें।
हब्से तम्स (حبس طمث) अ पु.—मासिक धर्म का बंद हो जाना।
हब्से दम (حبس دم) अ फा पु —साँस रुकना, दम घुटना, श्वासरोध; साँस रोककर की जानेवाली एक तपस्या, कुंभक प्राणायाम।
हब्से दवाम (حبس دوام) अ पु —आजन्म कारावास, उम्र भर की कैद।
हब्से बेजा (حبس بیجا) अ पुं —अवैध रूप से किसी को बद रखना।
हब्से बौल (حبس بول) अ पु —पेशाब का रुक जाना, मूत्र-निरोध, मूत्राघात।
हब्से रियाह (حبس ریاح) अ पु —पेट मे वायु का रुक जाना।
हमः (همه) फा वि —सर्व, सब, कुल, समस्त, समग्र, समूचा; पूर्ण, पूरा।
हमःउम्र (همه‌عمر) फा. अ वि —सारी उम्र, आजीवन, जीवनभर।
हमःऔक़ात (همه‌اوقات) फा अ. वि —हर समय, हर वक्त।
हमःख़ोर (همه‌خور) फा. वि —सब कुछ खा जानेवाला, सर्वभक्षी, जिसे खाने मे धर्माधर्म का विचार न हो।
हमःख़ोरी (همه‌خوری) फा. स्त्री —सब कुछ खा जाना, धर्माधर्म का विचार किये विना जो पाना वह खा जाना।
हमःगीर (همه‌گیر) फा. वि.—जो हर तरफ फैला और छाया हुआ हो, सर्वव्यापी, सार्वभौम।
हमःगीरी (همه‌گیری) फा. स्त्री —हर ओर फैला और छाया होना, सर्वव्यापित।
हमःतन (همه‌تن) फा वि —सारे शरीर के साथ, अर्थात् पूरी तल्लीनता के साथ।
हमःतनगोश (همه‌تن‌گوش) फा वि —जो सर से पाँव तक कान बन गया हो, अर्थात् जो किसी वात के सुनने के लिए बहुत अधिक उत्कंठित हो, उत्कर्ण।
हमःदाँ (همه‌دان) फा वि —सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, बहुत बड़ा विद्वान्।
हमःदानी (همه‌دانی) फा. स्त्री —सब कुछ जानना, सर्वज्ञता, विद्वत्ता।
हमःदुश्मन (همه‌دشمن) फा वि —जो सबका शत्रु हो, जिसके सब शत्रु हों।
हमःदोस्त (همه‌دوست) फा वि —जो सबका दोस्त हो, जिसके सब दोस्त हो।
हमःने'मत (همه‌نعمت) फा अ स्त्री —सारी ने'मतें, हर प्रकार की सुख-सामग्री।
हमःवक़्त (همه‌وقت) अ फा वि —हर समय, हर वक़्त, हर दशा मे, हर हालत मे।
हमःसम्त (همه‌سمت) फा अ वि.—चारों ओर, चतुर्दिक्, चहुँपास, हर तरफ, सब ओर।
हमःसाअत (همه‌ساعت) फा. अ. वि —प्रतिक्षण, हर लम्हः; हर समय, हर वक्त।
हमःसिफ़त (همه‌صفت) फा अ वि —सारे गुणोंवाला, सारी सिफतोंवाला।
हमःसिफत मौसूफ (همه‌صفت موصوف) फा अ वि.—सारे गुणो से भरा हुआ, जिसमे सारी खूवियाँ हों, सर्वगुणसपन्न।
हमःसू (همه‌سو) फा वि —हर ओर, हर तरफ, चतुर्दिक्, चहुंओर।
हम (هم) फा उप —साथवाला, जैसे—'हमउम्र', वरावर-वाला, जैसे—'हमकीमत' आदि, (अव्य) भी, अपि, नीज।
हम [म्म] (هم) अ पु —दुःख, खेद, रंज, ताप, गम (जिसके आने का भय हो), रोग का शरीर को घुला देना, वच्चे को लोरी से सुलाना।
हम (حم) अ. पु —सुसराल के रिश्तेवाला, सुसराली रिश्तेदार।
हमअक़ीदः (هم‌عقیده) फा अ वि —किसी एक पथ के माननेवाले, सधर्मानुयायी, किसी एक वात पर विश्वास रखनेवाले।
हमअलामत (هم‌علامت) फा. अ वि —एक-जैसे लक्षणो-वाले, एक-जैसे चिह्नोवाले।
हमअस्त्र (هم‌عصر) फा अ वि.—एक समय मे होनेवाले व्यक्ति, समकालीन।
हमअह्द (هم‌عهد) फा अ वि —दे 'हमअस्त्र'।
हमआग़ोश (هم‌آغوش) फा. वि —एक दूसरे को गोद मे लिये हुए, आलिंगित, बगलगीर।
हमआग़ोशी (هم‌آغوشی) फा. स्त्री —आलिंगन, वगलगीरी, एक दूसरे को गोद में लेना।
हम आवर्द (هم آورد) फा वि —प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, मुका-विल, सहव्यवसायी, हमपेशः।
हमआवाज़ (هم‌آواز) फा वि —जिनकी आवाज़ एक-सी हो, जो किसी विषय में सहमत हों।
हमआहंग (هم‌آهنگ) फा वि —एक-सी आवाज़वाले, एक-से इरादेवाले, एक-सी रायवाले।

हमआहगी (همآہنگی) फा स्त्री –एक-सा आवाज, एक-सा इरादा एक-सी राय।
हमइना (همعناں) फा अ वि –साथ चलनेवाला सहचर सदृश समान।
हमइयार (همعیار) फा अ वि –सदृश समान सहपद हमदज।
हमउम्र (همعمر) फा अ वि –एक-सी आयुवाले, सम वयस्क, सममामयिक वयस्य।
हमउम्री (همعمری) फा अ स्त्री –आयु म बराबरी, सम वयस्कता, समावस्था वयस्य भाव।
हमऔसाफ (هماوصاف) फा अ वि –गुणा में एक-जैसे व्यक्ति, एकगुण।
हमकद (همقد) फा अ वि –एक जैसे डीलवाला समकाय।
हमकदम (همقدم) फा अ वि –साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।
हमकदमी (همقدمی) फा अ स्त्री –साथ साथ चलना।
हमकदह (همقدح) फा अ वि –एक प्याले में शराब पीने वाले बहुत ही घनिष्ठ शराबी दोस्त।
हमकद्र (همقدر) फा अ वि –एक-जैसी प्रतिष्ठावाले एक जैसी इज्जतवाले।
हमकरीं (همقرں) फा अ वि –दे शुद्ध उच्चारण 'हमकिरा
हमकलम (همقلم) फा अ वि –एक दफ्तर में काम करने वाले एक दफ्तर के क्लर्क।
हमकलाम (همکلام) फा अ वि –किसी के साथ बात करने वाला या बात करता हुआ।
हमकलामी (همکلامی) फा अ स्त्री –आपस की बातचीत दो व्यक्तियों का परस्पर वार्तालाप।
हमकार (همکار) फा अ वि –एक सा काम करनेवाले।
हमकास (همکاسہ) फा वि –एक प्याले म साथ-साथ खानेवाले अर्थात घनिष्ठ मित्र।
हमकितार (همقطار) फा अ वि –एक ही पक्ति म खडे हुए एक ही वर्गवाले।
हमकिनार (همکنار) फा वि –दे हमआगोश।
हमकिनारी (همکناری) फा स्त्री –दे हमआगोशी।
हमकिरीं (همقراں) फा अ वि –साथ बैठनेवाला मित्र, दोस्त सभासद मुसाहिब।
हमकिरानी (همقرانی) फा अ स्त्री –साथ उठना-बैठना मैत्री मुसाहबत।
हमकीमत (همقیمت) फा अ वि –बराबर मूल्यवाले एक जैसे माल म।
हमकुफ्व (همکفو) फा अ वि –एक गोत्रवाले एक जाति वाले, समवर्ण, सहगोत्र सजातीय।
हमकौम (همقوم) फा अ वि –एक जातिवाले, सजातीय, एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।
हमखयाल (همخیال) फा अ वि –एक रायवाले सहमत एक धर्म विश्वासवाले।
हमखयाली (همخیالی) फा अ स्त्री –राय का एक होना, धर्म विश्वास अर्थात अकीदे की यक्सानियत।
हमखवास (همخواص) फा अ वि –एक-जैसा गुणवाली औषधियाँ।
हमखवासी (همخواصی) फा अ स्त्री –एक जैसे गुण होना।
हमखान (همخانہ) फा वि –एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।
हमखानदान (همخاندان) फा वि –एक वंशवाले एक वंशीय।
हमखास्स (همخاصہ) फा अ वि –दे हमखवास।
हमखू (همخو) फा वि –एक से स्वभाववाले।
हमखूई (همخوئی) फा स्त्री –स्वभाव का एक होना।
हमख्वाब (همخوابہ) फा स्त्री –साथ सोनेवाली अर्थात पत्नी, भार्या, बीवी।
हमख्वाब (همخواب) फा वि –साथ सोनेवाला, सहशायी एकशायी।
हमख्वाबी (همخوابی) फा स्त्री –साथ-साथ सोना सहशय्या।
हमगम (همغم) फा वि –हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला।
हमगमी (همغمی) फा स्त्री –सहानुभूति, हमदर्दी।
हमगा (همگاں) फा वि –सब सब।
हमगिना (همگناں) फा वि –सब सब, सब आदमी।
हमगीं (همگیں) फा वि –सब सब तमाम।
हमगी (همگی) फा वि –दे हमगा'।
हमगुरोह (همگروہ) फा वि –एक दलवाले यौथिक।
हमगोश (همگوشہ) फा वि –हमसाय पडोसी, हमजिंस मित्र दोस्त।
हमचश्म (همچشم) फा वि –बराबरवाला मित्र दोस्त।
हमचश्मी (همچشمی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, बराबरी।
हमचुनां (همچناں) फा वि –इतना, उसी तरह उसी कदर।
हमचुनीं (همچنیں) फा वि –इतना इस कदर।
हमचो (همچو) फा वि –समान सदृश तुल्य मिस्ल।
हमज (همزہ) अ प –पद्याचित विचार, शैतानी वस्वसे।

हमपहलू (همپہلو) फा वि–पार्श्ववर्ती पहलू में बैठनेवाला।

हमपा (همپا) फा वि–साथी, हमराही।

हमपाय (همپاۓ) फा वि–दे हमपल्ले।

हमपियाल (همپیالہ) फा वि–एक प्याले में खाने पीनेवाले।

हमपुश्त (همپشت) फा वि–सहायक मददगार।

हमपेशा (همپیشہ) फा वि–एक ही व्यवसाय करनेवाले सहवृत्ति सहव्यवसायी।

हमपसा (همپساں) फा वि–एक प्रतिमा में बचे हुए।

हमप्याल (همپیالہ) फा वि–एक प्याले में शराब पीनेवाले घनिष्ठ मित्र शराबी।

हमबग़ल (همبغل) फा वि–आलिंगित बगलगीर पार्श्व में बैठनेवाला।

हमबज़्म (همبزم) फा वि–एक सभा में आने-जानेवाले एक सभा के सदस्य।

हमबाज़ (همباز) फा वि–शराकत साझा भागीदार।

हमबिस्तर (همبستر) फा वि–एक शय्या पर सोनेवाला (किसी के साथ) सहवास करनेवाला।

हमबिस्तरी (همبستری) फा स्त्री–किसी के साथ एक शय्या पर सोना मैथुन करना सहवास।

हममक्तब (هممکتب) फा अ वि–जो एक मक्तब में साथ-साथ पढ़े हों सहपाठी सहाध्यायी।

हममज़हब (هممذهب) फा अ वि–एक धर्म के मानने वाले सहधर्मी।

हममज़हबीयत (هممذهبیت) फा अ स्त्री–एक धर्मावलंबी होना।

हममर्कज़ (هممرکز) फा अ वि–जिन सबका एक केंद्र हो सहकेंद्र।

हममर्कज़ीयत (هممرکزیت) फा अ स्त्री–एक मर्कज़ी होना एक केंद्र से सम्बंधित।

हममश्रब (هممشرب) फा अ वि–एक पथ के अनुयायी एक आचार विचारवाले।

हममश्रबीयत (هممشربیت) फा अ स्त्री–एक पथ का अनुकरण करना एक आचार विचार का होना।

हममा'ना (هممعنی) फा अ वि–एक अथवाले पर्यायवाची समानार्थक एकार्थी।

हममुर्शिद (هممرشد) फा अ वि–एक धर्मगुरु के मानने वाले।

हममुल्क (هممُلک) फा अ वि–एक देश के निवासी स्वजनपद।

हमरंग (همرنگ) फा वि–एक-जैसे वर्णवाले समवर्ण एकवर्ण, एक जैसे आचार विचारवाले।

हमरंगी (همرنگی) फा स्त्री–एक जैसे रंग का होना एक जैसे आचार विचार का होना।

हमरहिम (همرحم) फा अ वि–सगा सहोदर सादराय हकीकी।

हमराए (همراۓ) फा वि–जिनकी राय एक हो सहमत।

हमराज़ (همراز) फा वि–जो किसी का गुप्त भेद जानता हो ममज्ञ मित्र दोस्त।

हमराह (همراه) फा वि–रास्ते का साथी साथ चलने वाला सहपथी, साथ।

हमराही (همراہی) फा पु–रास्ते में साथ चलनेवाला, सहपथी रास्ते में साथ चलना।

हमराहे रिकाब (همراهِ رکاب) फा वि–घुड़सवार के साथ चलनेवाला साथ चलनेवाला।

हमरिकाब (همرکاب) फा वि–दे हमराहे रिकाब।

हमरिकाबी (همرکابی) फा स्त्री–साथ चलना।

हमरिश्त (همرشتہ) फा वि–एक डोरे में पिरोई हुई चीज़ें रिश्तेदार स्वजन सूचित संलग्न नत्थी मुसलिक।

हमरिश्तगी (همرشتگی) फा स्त्री–एक डोरे में पिरोया हुआ होना रिश्तेदारी नत्थी होना संलग्न होना।

हमरुत्ब (همرتبہ) फा अ वि–एक-जैसे पदवाले एक श्रेणीवाले।

हमरोज़ (همروز) फा वि–उसी दिन उसी रोज़ उसी दिन का।

हमल (حمل) अ पु–भेड़ या बकरी का बच्चा मेष राशि बुर्जे हमल।

हमवज़्न (هموزن) फा अ वि–तौल में बराबर सम तुलित छंद की मात्राओं के हिसाब से बराबर समान तुल्य मिस्ल।

हमवतन (هموطن) फा अ वि–एक नगर के रहनेवाले एक देश के रहनेवाले।

हमवतनी (هموطنی) अ फा स्त्री–एक नगर या देश का निवासी।

हमवार (همواره) फा वि–सदा सर्वदा हमेशा निरंतर लगातार।

हमवार (هموار) फा वि–समतल चौरस अनौचित राज़ी।

हमशक्ल (همشکل) फा अ वि–एक-जैसी शक्लवाले एकरूप अनुरूप तद्रूप समाकार।

हमशक्ली (همشکلی) फा अ स्त्री–रूप की समानता एक जैसा होना एकरूपता तद्रूपता रूप-सादृश्य।

हमशबीह (همشبیہ) फा अ. वि.—दे 'हमशक्ल'।
हमशीरः (همشیرہ) फा. स्त्री.—भगिनी, सहोदरा, स्वसा, बहन।
हमशीर (همشیر) फा स्त्री.—दे. 'हमशीर.'।
हमशीरजादः (همشیرزادہ) फा. पु—बहन का लडका, भानजा, भगिनीसुत, भागिनेय।
हमशोए (همشوے) फा. स्त्री—एक शौहरवाली स्त्रियाँ, वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।
हमशौहर (همشوہر) फा स्त्री—दे 'हमशोए'।
हमसंग (همسنگ) फा वि—हम वज़्न, बरावर, तुल्य, समान।
हमसफ़र (همسفر) फा. अ वि—यात्रा का साथी, सहपथी, सहप्रयायी।
हमसफ़री (همسفری) फा. अ. स्त्री.—यात्रा मे साथ होना, सफर का साथ।
हमसफ़ीर (همصفیر) फा अ वि.—बाग मे साथ चहचहानेवाली चिडियाँ, मित्र, दोस्त।
हमसफ़्र. (همسفرہ) फा. अ वि—एक ही दस्तरख़्वान् पर खाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।
हमसबक (همسبق) फा अ वि—साथ पढनेवाले, सहपाठी।
हमसर (همسر) फा वि—बरावर, समान।
हमसरी (همسری) फा स्त्री—समानता, बराबरी, उद्दडता, अक्खडपन।
हमसाज़ (همساز) फा. वि—मित्र, दोस्त।
हमसायः (همسایہ) फा पु—प्रतिवासी, पडोसी, प्रतिवेशी।
हमसायगी (همسایگی) फा स्त्री—पडोस, प्रतिवास।
हमसाल (همسال) फा वि—एक ही सन की पैदाइश, समसामायिक, हमउम्र।
हमसिन (همسن) फा. अ वि—समवयस्क, वय स्थ, समसामयिक, एक उम्रवाले।
हमसिनी (همسنی) फा अ स्त्री—उम्र की बराबरी, सवयस्कता।
हमसिल्क (همسلک) फा अ पु—समधी, दूल्हा और दुल्हन के बाप आपस मे।
हमसुख़न (همسخن) फा. वि—साथ-साथ बाते करनेवाले, साथ-साथ कविता करनेवाले।
हमसुख़नी (همسخنی) फा स्त्री—परस्पर वार्तालाप करना; साथ-साथ कविता करना।
हमसुहबत (همصحبت) फा अ वि—सहवास करनेवाला, हमबिस्तर, पास बैठने-उठनेवाला, सभासद।
हमसूरत (همصورت) फा अ वि—दे 'हमशक्ल'।

हमसौत (همصوت) फा. अ. वि.—जिनकी आवाज एक-सी हो, हमआवाज।
हमहमः (ہمہمہ) फा. पु.—शेर की दहाड, सिंह-गर्जन; आतक, धाक; जोर-शोर, धूमधाम।
हमाँ (ہماں) फा वि.—वही; वह।
हमाँदम (ہماںدم) फा. अव्य—उसी समय, तत्क्षण, उसी वक्त।
हमाइद (حمائد) अ पु.—'हमीद.' का बहु, अच्छाइयाँ, ख़ूबियाँ।
हमाइल (حمائل) अ. स्त्री—बगल मे लटकाने की चीज; छोटा कुरान; गरदन मे पडा हुआ हाथ।
हमाकत (حماقت) अ स्त्री.—मूर्खता, मूढता, निर्बुद्धता, बेवकूफी, अज्ञान, जहालत।
हमाक़तआगीं (حماقت آگیں) अ फा वि—मूर्खतापूर्ण, बेवकूफी से भरा हुआ।
हमाकतआमेज़ (حماقت آمیز) अ. फा वि—दे 'हमाकतआगीं'।
हमाकतमआब (حماقت معاب) अ वि—बहुत बडा मूर्ख, जिसकी सारी बाते ही बेवकूफी की होती हो।
हमाकतशिआर (حماقت شعار) अ. वि—महामूर्ख, बहुत बडा बेवकूफ।
हमाना (ہمانا) फा अव्य.—निश्चित, यक़ीनी, कदाचित्, शायद, मानो, गोया, जैसे।
हमामः (حمامہ) अ पु—हर वह पक्षी जिसके गले मे कठी हो, कबूतर, कपोत।
हमाम (حمام) अ पु—कपोत, पारावत, कबूतर।
हमारः (ہمارہ) फा पु—अनुमान, अदाजा; सतत, सदा, हमेशा।
हमासत (حماست) अ. स्त्री.—वीरता, शूरता, शौर्य, बहादुरी।
हमाल (ہمال) अ वि—सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।
हमी (ہمیں) फा वि—यही, यह।
हमीदः (حمیدہ) अ वि—साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या, श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।
हमीद (حمید) अ. वि—पुनीत, सदाचारी; प्रशसित, सराहनीय।
हमीम (حمیم) अ वि—गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल; स्वजन, रिश्तेदार; जिसे ज्वर हो।
हमीयत (حمیت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, गैरत; स्वाभिमान, खुददारी।
हमीर (حمیر) अ पुं—'हिमार' का बहु, गधे।

हमपहलू (همپہلو) फा वि–पार्श्ववर्ती पहलू में बठने वाला।
हमपा (همپا) फा वि–साथी हमराही।
हमपाय (همپایہ) फा वि–दे 'हमपाय'।
हमपियाल (همپیالہ) फा वि–एक प्याले में खाने पीनेवाले।
हमपुश्त (همپشت) फा वि–सहायक मददगार।
हमपेशा (همپیشہ) फा वि–एक ही व्यवसाय करनेवाले, सहवृत्ति सहव्यवसायी।
हमपैमाँ (همپیماں) फा वि–एक प्रतिज्ञा म बधे हुए।
हमपैमान (همپیمانہ) फा वि–एक प्याले म शराब पीनेवाले घनिष्ठ मित्र यारी।
हमबग़ल (همبغل) फा वि–आलिंगित बगलगीर पाश्व में बठनेवाला।
हमबज़्म (همبزم) फा वि–एक सभा में आने-जानेवाले एक सभा के सदस्य।
हमबाज़ (همباز) फा वि–शरीक साझा, भागीदार।
हमबिस्तर (همبستر) फा वि–एक शय्या पर सोनेवाला (किसी के साथ) सहवास करनेवाला।
हमबिस्तरी (همبستری) फा स्त्री–किसी के साथ एक शय्या पर सोना मथुन करना सहवास।
हममक्तब (همکتب) फा अ वि–जो एक मक्तब में साथ-साथ पढे हो सहपाठी सहाध्यायी।
हममज़हब (هممذہب) फा अ वि–एक धम के मानने वाले सहधर्मी।
हममज़हबीयत (هممذہبیت) फा अ स्त्री–एक धर्मावलम्बी होना।
हममर्कज़ (هممرکز) फा अ वि–जिन सबका एक केन्द्र हो सहकेंद्र।
हममर्कज़ीयत (هممرکزیت) फा अ स्त्री–एक मरकज़ी होना एक केन्द्र स सम्बन्धित।
हममशरब (هممشرب) फा अ वि–एक पथ के अनुयायी एक आचार विचारवाले।
हममशरबीयत (هممشربیت) फा अ स्त्री–एक पथ का अनुकरण करना एक आचार विचार का होना।
हममा'ना (هممعنی) फा अ वि–एक अथवाले समान पर्यायवाची समानार्थक एकार्थी।
हममुर्शिद (هممرشد) फा अ वि–एक धमगुरु के मानने वाले।
हममुल्क (هملک) फा अ वि–एक देश के निवासी सजनपद।

हमरंग (همرنگ) फा वि–एक-जस वणवाले समवण एकवण, एक-जस आचार विचारवाले।
हमरंगी (همرنگی) फा स्त्री–एक जसे रंग का होना, एक जसे आचार विचार का होना।
हमरहिम (همرحم) फा अ वि–सगा सहोदर सोदरीय हकीकी।
हमराए (همرائے) फा वि–जिनकी राय एक हो सहमत।
हमराज़ (همراز) फा वि–जो किसी का गुप्त भेद जानता हो ममज्ञ मित्र, दोस्त।
हमराह (همراہ) फा वि–रास्ते का साथी साथ चलने वाला सहपथी, साथ।
हमराही (همراہی) फा पु–रास्ते में साथ चलनेवाला सहपथी रास्ते में साथ चलना।
हमराहे रिकाब (همراہ رکاب) फा वि–घुडसवार के साथ चलनेवाला साथ चलनेवाला।
हमरिकाब (همرکاب) फा वि–दे हमराहे रिकाब'।
हमरक़ाबी (همرکابی) फा स्त्री–साथ चलना।
हमरिश्त: (همرشتہ) फा वि–एक डोरे में पिरोई हुई चीज़ें रिश्तेदार स्वजन सूत्रित सल्ग्न तत्थी मुसल्सिल।
हमरिश्तगी (همرشتگی) फा स्त्री–एक डोरे में पिरोया हुआ होना रिश्तेदारी तत्थी होना सल्ग्न होना।
हमरुतब: (همرتبہ) फा अ वि–एक-जसे पदवाले एक श्रेणीवाले।
हमरोज़ (همروزہ) फा वि–उसी दिन, उसी रोज़ उसी दिन का।
हमल (حمل) अ पु–भेड या बकरी का बच्चा मेष राशि बुर्जे हमल।
हमवज़्न (هموزن) फा अ वि–तौल म बराबर सम तुलित छद की मात्राओ के हिसाब स बराबर समान तुल्य मिस्ल।
हमवतन (ہموطن) फा अ वि–एक नगर के रहनेवाले एक देश के रहनेवाले।
हमवतनी (ہموطنی) अ फा स्त्री–एक नगर या देश का निवासी।
हमवार (ہموارہ) फा वि–सदा सवदा, हमेशा निरन्तर लगातार।
हमवार (ہموار) फा वि–समतल चौरस अगीकृत राज़ी।
हमशक्ल (همشکل) फा अ वि–एक-जसी शक्लवाले एकरूप अनुरूप तद्रूप समाकार।
हमशक्ली (همشکلی) फा अ स्त्री–रूप का समानता — आकार का सादृश्य।

हमशबीह (همشبیہ) फा अ. वि.–दे 'हमशक्ल'।

हमशीरः (همشیرہ) फा स्त्री.–भगिनी, सहोदरा, स्वसा, वहन।

हमशीर (همشیر) फा स्त्री.–दे 'हमशीर.'।

हमशीरजादः (همشیرزادہ) फा पु–वहन का लडका, भानजा, भगिनीसुत, भागिनेय।

हमशोए (همشوے) फा. स्त्री–एक शौहरवाली स्त्रियाँ, वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।

हमशौहर (همشوہر) फा. स्त्री–दे 'हमशोए'।

हमसंग (همسنگ) फा वि–हम वज्न, वरावर, तुल्य, समान।

हमसफ़र (همسفر) फा अ. वि–यात्रा का साथी, सहपथी, सहप्रयायी।

हमसफ़री (همسفری) फा. अ. स्त्री.–यात्रा मे साथ होना, सफर का साथ।

हमसफ़ीर (همصفیر) फा अ वि–वाग मे साथ चहचहानेवाली चिडियाँ; मित्र, दोस्त।

हमसफ़्रः (همسفرہ) फा. अ वि.–एक ही दस्तरख्वान् पर खाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।

हमसबक़ (همسبق) फा अ. वि–साथ पढनेवाले, सहपाठी।

हमसर (همسر) फा वि–वरावर, समान।

हमसरी (همسری) फा स्त्री–समानता, वरावरी, उद्दंडता, अक्खडपन।

हमसाज़ (همساز) फा वि–मित्र, दोस्त।

हमसायः (همسایہ) फा पु–प्रतिवासी, पडोसी, प्रतिवेशी।

हमसायगी (همسایگی) फा स्त्री–पड़ोस, प्रतिवास।

हमसाल (همسال) फा वि–एक ही सन की पैदाइश, समसामायिक, हमउम्र।

हमसिन (همسن) फा अ वि–समवयस्क, वय स्थ, समसामयिक, एक उम्रवाले।

हमसिनी (همسنی) फा अ स्त्री–उम्र की वरावरी, सवयस्कता।

हमसिल्क (همسلک) फा अ पु–समधी, दूल्हा और दुल्हन के बाप आपस मे।

हमसुखन (همسخن) फा. वि–साथ-साथ वातें करनेवाले, साथ-साथ कविता करनेवाले।

हमसुखनी (همسخنی) फा स्त्री–परस्पर वार्तालाप करना, साथ-साथ कविता करना।

हमसुहबत (همصحبت) फा अ वि–सहवास करनेवाला, हमविस्तर, पास वैठने-उठनेवाला, सभासद।

हमसूरत (همصورت) फा अ वि–दे 'हमशक्ल'।

हमसौत (همصوت) फा अ. वि.–जिनकी आवाज एक-सी हो, हमआवाज।

हमहमः (ہمہمہ) फा. पु.–शेर की दहाड, सिंह-गर्जन; आतंक, धाक; जोर-शोर, धूमधाम।

हमाँ (ہماں) फा वि–वही; वह।

हमाँदम (ہماں دم) फा. अव्य.–उसी समय, तत्क्षण, उसी वक्त।

हमाइद (حمائد) अ पु.–'हमीद.' का वहु, अच्छाइयाँ, खूबियाँ।

हमाइल (حمائل) अ. स्त्री–वगल मे लटकाने की चीज; छोटा कुरान; गरदन मे पड़ा हुआ हाथ।

हमाकत (حماقت) अ स्त्री.–मूर्खता, मूढता, निर्बुद्धता, वेवकूफी, अज्ञान, जहालत।

हमाकतआगीं (حماقت آگیں) अ फा वि.–मूर्खतापूर्ण, वेवकूफी से भरा हुआ।

हमाकतआमेज (حماقت آمیز) अ. फा वि–दे. 'हमाकतआगीं'।

हमाकतमआब (حماقت معاب) अ वि–वहुत वड़ा मूर्ख, जिसकी सारी वाते ही वेवकूफी की होती हो।

हमाकतशिआर (حماقت شعار) अ. वि–महामूर्ख, बहुत वड़ा वेवकूफ।

हमाना (ہمانا) फा अव्य–निश्चित, यकीनी, कदाचित्, शायद, मानो, गोया, जैसे।

हमामः (حمامہ) अ. पु–हर वह पक्षी जिसके गले मे कठी हो, कवूतर, कपोत।

हमाम (حمام) अ पु–कपोत, पारावत, कवूतर।

हमारः (ہمارہ) फा पु.–अनुमान, अदाजा; सतत, सदा, हमेशा।

हमासत (حماست) अ स्त्री.–वीरता, शूरता, शौर्य, वहादुरी।

हमाल (ہمال) अ वि–सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हमी (ہمیں) फा वि–यही, यह।

हमीदः (حمیدہ) अ वि–साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या, श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।

हमीद (حمید) अ वि–पुनीत, सदाचारी, प्रशंसित, सराहनीय।

हमीम (حمیم) अ वि–गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल; स्वजन, रिश्तेदार; जिसे ज्वर हो।

हमीयत (حمیت) अ स्त्री–लज्जा, लाज, गैरत, स्वाभिमान, खुद्दारी।

हमीर (حمیر) अ पु–'हिमार' का वहु, गधे।

हमेशा (همیشہ) फा वि–सर्वदा, सदा नित्य, हर वक्त, निरंतर लगातार अधिकतर प्राय।

हमेशा या (همیشہ یا) फा वि–हमेशा रहनेवाला बारहमासा।

हमेशगी (همیشگی) फा स्त्री–नित्यता निरंतरता सदैवता।

हम्ज़ (حمزہ) अ पु–शेर सिंह व्याघ्र।

हम्ज़ (ہمزہ) अ स्त्री–अरबी का अलिफ जिस पर ज़बर ज़ेर या पेश हो।

हम्ज़ (ہمز) अ पु–निचोड़ना आँख मारना।

हम्द (حمد) अ स्त्री–प्रशंसा तारीफ, ईश्वर की स्तुति खुदा की तारीफ।

हम्दगो (حمدگو) अ फा–ईश्वर की वंदना और स्तुति करनेवाला।

हम्दसरा (حمدسرا) अ फा वि–ईश्वर का गुणगान करने वाला स्तुति-पाठक।

हम्दसराई (حمدسرائی) अ फा स्त्री–ईश्वर का स्तुति करना।

हम्दून (حمدون) फा पु–कपि मर्कट, वानर बन्दर।

हम्दून (حمدن) फा पु–शिश्न मेहन लिंग जेर।

हम्माम (حمام) अ पु–स्नानागार गुसलखाना वह गुसल खाना जिसमें गर्म कमरे हों और नहलानेवाले शरीर मलते और मल छुड़ाते हों।

हम्मामी (حمامی) अ वि–गर्म हम्माम के अन्दर नहलाने और देह मलनेवाला।

हम्माल (حمال) अ पु–बोझ ढोनेवाला भार-वाहक।

हम्माली (حمالی) अ स्त्री–बोझ ढोने का काम मज़दूरी।

हम्रा (حمرا) अ वि–लाल रंग की स्त्री खूब गोरी स्त्री।

हम्ल (حملہ) अ पु–आघात चोट वार आक्रमण सेना का हमला चढ़ाई युद्धयात्रा।

हम्ल आवर (حملہ آور) अ फा वि–आक्रमणकारी हमला करनेवाला आक्रामक।

हम्लआवरी (حملہ آوری) अ फा स्त्री–आक्रमण करना चढ़ाई करना धावा बोलना।

हम्लगीरी (حملہ گیری) अ फा स्त्री–शत्रु के आक्रमण को सहन करना हमला बरदाश्त करना।

हम्लवर (حملہ ور) अ फा वि–→ 'हम्ल आवर'।

हम्लवरी (حملہ وری) अ फा स्त्री–→ 'हम्ल आवरी'।

हम्ल (حمل) अ पु–बोझ उठाना, बोझ भार विचार खयाल, भारित, महमल गर्भ पेट।

हम्स (ہمس) अ स्त्री–नम्र आवाज़, कोमल और मृदुल ध्वनि।

हया (حیا) अ स्त्री–लज्जा लाज शर्म।

हयात (حیات) अ स्त्री–जीवन ज़िंदगी।

हयातीन (حیاتین) अ पु–विटामिन जीवति।

हयाते फानी (حیات فانی) अ स्त्री–नष्ट होनेवाला जीवन नश्वर प्राण।

हयाते मुस्तआर (حیات مستعار) अ स्त्री–थोड़े दिनों का जीवन अस्थायी ज़िंदगी।

हयातोममात (حیات ممات) अ स्त्री–जीवन-मरण मौत और ज़िंदगी।

हयादार (حیادار) अ फा वि–जिसमें लज्जा हो, लज्जाशील, लज्जाशालीन।

हयापवर (حیاپرور) अ फा वि–लज्जावान लज्जाशील, हयादार।

हयारफ्त (حیارفتہ) अ फा वि–विगतलज्ज बेहया जिसकी लज्जा चली गयी हो।

हयासोज़ (حیاسوز) अ फा वि–लज्जाजनक, घृणित घिनावना।

हर[र] (حر) अ स्त्री–गर्मी उष्णता ताप हरारत।

हर (ہر) फा वि–सब कोई हरेक।

हर आँकि (ہرآنکہ) फा अव्य–जो कोई जो व्यक्ति।

हर आंचे (ہرآنچہ) फा अव्य–जो चीज़।

हर आइन (ہرآئینہ) फा अव्य–अवश्य ज़रूर विवशता पूर्वक लाचार निःसन्देह बेशक।

हरक (حرق) अ पु–अग्नि आग आतश।

हरकत (حرکت) अ स्त्री–गति चाल, बुरा काम बद-मआशी।

हरकते मज़बूही (حرکت مذبوحی) अ स्त्री–बुरी हरकत नुकसान पहुँचानेवाली हरकत।

हरकात (حرکات) अ स्त्री–हरकत का बहु हरकत।

हरकार (ہرکارہ) फा पु–डाक ले जानेवाला एक जगह से दूसरी जगह चिट्ठी आदि पहुँचानेवाला धावक।

हर कसो नाकस (ہر کس و ناکس) फा वि–हर कोई छोटे-बड़े सब अच्छे-बुरे सब।

हर कुजा (ہرکجا) फा वि–हर जगह, हर स्थान पर जिस जगह जहाँ।

हरगह (ہرگہ) फा वि–हरगाह का लघु दे 'हरगाह'।

हरगाह (ہرگاہ) फा वि–हर समय जिस समय।

हरगिज़ (ہرگز) फा अव्य–कदापि कभी नहीं।

हरचंद (ہرچند) फा अव्य–जितना कुछ जिस क़दर

कितना ही, कितना भी, यद्यपि, अगरचे, उदा०—"है वह गुल्ले हुस्न से बेगानए वफा। हरचन्द उसके पास दिले हक़शनास है।"—गालिब।

हरचे (هرچه) फा अव्य —जो कुछ।

हरचे बादाबाद (هرچه بادا باد) फा वा —जो हो सो हो।

हरज (هرج) अ पुं.—हानि, नुकसान; उपद्रव, गड़बड़।

हर जा (هر جا) फा. वि —हर जगह, हर स्थान पर।

हरजाई (هرجائی) फा वि.—हर जगह पहुँचनेवाला (वाली), हरेक के पास रहनेवाली स्त्री, कुलटा, व्यभिचारिणी।

हरदम (هردم) फा. वि —हर समय, हर वक्त; निरतर, लगातार; नित्य, हमेशा।

हरदमखयाल (هردم خیال) फा वि —ऐसा आदमी जो समय-समय पर अपनी राय बदले, विषमशील, अनेकचित्त।

हरदिलअजीज (هردل عزیز) फा. अ वि —जिसे सब पसद करे, सर्वप्रिय, लोकप्रिय।

हरदो (هردو) फा. वि —दोनों, उभय।

हरदोसरा (هردوسرا) फा स्त्री —उभयलोक, ससार और परलोक।

हरनफस (هرنفس) फा अ वि —हरदम, हरवक्त।

हरनौई (هرنوعی) फा. अ. वि.—हर प्रकार का, हर तरह का।

हरब (هرب) अ पु —बहुत अधिक दुख, पलायन, भागना।

हरबादी (هرباںی) फा. वि —सर्वज्ञ, सब कुछ जाननेवाला।

हरबार (هر بار) फा वि —हर दफा, हर मर्तबा।

हरम (حرم) अ. पु —का'बा, खुदा का घर, मक्के के आसपास का क्षेत्र जिसके अदर किसी प्राणी की हिंसा करना महापाप है, श्रेष्ठ जनो के घर की स्त्रियाँ, अत.पुर, जनानखाना, वह बाँदी जिसे पत्नी बना लिया गया हो।

हरम (هرم) अ पु —प्राचीन इमारत, गुबद; बुढापा, जरा।

हरमखानः (حرم خانه) अ फा पु —दे. 'हरम सरा'।

हरमगाह (حرم گاه) अ फा स्त्री —दे 'हरम सरा'।

हरम सरा (حرم سرا) अ फा स्त्री —बडे आदमियो का जनानखाना, अत पुर।

हरमाहः (هرماهه) फा. वि —हर महीने होनेवाला।

हरमैन (حرمین) अ पु —दोनो हरम अर्थात् मक्का और मदीना।

हरयक (هریک) फा वि —हर एक, हर कोई।

हररोजः (هرروزه) फा वि —हर दिन होनेवाला, हर दिन का।

हरलम्हः (هرلمحه) फा अ वि —हर क्षण, प्रति क्षण।

हरवक़्त (هروقت) फा अ वि —हर समय, हर दम; निरंतर, लगातार।

हरशबः (هرشبه) फा. वि.—हर रात का; हर रात को होनेवाला।

हरस (حرس) अ पु —शाही जनानखाने का सरक्षक, अत पुरिक; बहुत अधिक समय।

हरसालः (هرساله) फा. वि —हर वर्ष होने या पानेवाला, हर साल का।

हरसू (هرسو) फा वि.—हर तरफ, चारो ओर, चहुँओर, चारो तरफ।

हरहफ्त (هرهفت) फा स्त्री.—औरतो के सिंगार की सात वस्तुएँ (ईरानी); वरय.; मेंहदी, गूलगून, सफेदाब, जरक, गालिय, सुर्म;—हिंदी; वस्त्र, आभूषण; मेंहदी, सुर्मा, पान, मिस्सी, बालो की सजावट।

हराज (حراج) अ पु —नीलाम।

हराम (حرام) अ पु —जिसका खान-पान धर्म मे वर्जित हो, अविहित, व्यभिचार, परस्त्री अथवा परपुरुष गमन, जिना; प्रतिष्ठित, पूज्य, मुकद्दस।

हरामकार (حرامکار) अ फा वि —व्यभिचारी, लंपट, परस्त्रीगामी, जानी।

हरामकारी (حرامکاری) अ. फा स्त्री.—व्यभिचार, परस्त्री-गमन, जिना।

हरामखोर (حرامخور) अ फा. वि.—मेहनत न करके मुफ्त का खानेवाला; कामचोर, कृतघ्न, नमकहराम।

हरामखोरी (حرامخوری) अ फा स्त्री —मुफ्त का खाना, कामचोरी करना; कृतघ्नता, नमकहरामी।

हरामजादः (حرامزاده) अ. फा वि —हराम का बच्चा, दोगला, जारज, वर्ण-सकर, धूर्त, खबीस।

हरामजादगी (حرامزادگی) अ फा. स्त्री —दोगलापन; धूर्तता, खबासत।

हरामतोशः (حرام توشه) अ फा. वि —नमकहराम, कृतघ्न।

हराममग्ज (حرام مغز) अ पु.—रीढ की हड्डी का गूदा।

हरामसूरत (حرام صورت) अ वि —सूरतहराम, जो कुछ करे धरे नही और मुफ्त मे खाना चाहे, पाजी, कमीना।

हरामी (حرامی) अ वि.—दोगला, जारज, संकर।

हरामुद्दह्र (حرام الدهر) अ वि —खबीस, दुष्टात्मा, बहुत ही पाजी, धूर्त, एक गाली।

हरारः (حراره) अ पु —दे 'हरारत'।

हरारत (حرارت) अ स्त्री —उष्णता, गर्मी, हलका ज्वर, हलका बुखार।

हरारते गरीजी (حرارت غریزی) अ स्त्री.—शरीर के भीतर

की वह गर्मी जिससे शरीर के सारे कलपुर्जे ठीक ठीक काम करते हैं प्राणाग्नि।

हरारते गरीबी (حرارت غریبی) अ स्त्री—दे 'हरारते तरतबई'।

हरारते ग़रतबई (حرارت غیرطبعی) अ स्त्री—शरीर के भीतर की अप्राकृतिक गर्मी जैसे—ज्वर आदि की गर्मी।

हरारते तबई (حرارت طبعی) अ स्त्री—दे 'हरारते गरीजी' प्राकृतिक गर्मी।

हरिक (حرق) अ वि—दग्ध जला हुआ जलन, तपन।

हरिम (حرم) अ पु—जरित वृद्ध बूढ़ा।

हरीक (حریق) अ वि—दग्ध जला हुआ ताप, जलन।

हरीफ (حریف) अ पु—जिससे मुकाबला हो, प्रतिद्वंद्वी शत्रु दुश्मन जिससे लाग डांट हो, रकीब एक नायिका के दो प्रेमी परस्पर प्रतिनायक।

हरीफान (حریفانہ) अ फा वि—हरीफों जैसा प्रतिद्वंद्वियों जैसा शत्रुओं जैसा, रकीबों जैसा।

हरीफे मुक़ाबिल (حریف مقابل) अ पु—जिससे मुकाबला हो जिससे होड़ हो जिससे लड़ाई हो।

हरीम (حریم) अ पु—घर की चारदीवारी प्राचीर घर मकान भवन प्रासाद।

हरीमे किब्रिया (حریم کبریا) अ पु—अर्श, वह स्थान जहां ईश्वर का सिंहासन है।

हरीमे कुद्स (حریم قدس) अ पु—अर्श।

हरीमे नाज़ (حریم ناز) अ फा पु—दे हरीमे यार।

हरीमे यार (حریم یار) अ फा पु—प्रेमिका का घर।

हरीर (حریرہ) अ पु—एक मीठा पेय आटा शक्कर मेवा और घी से बना हुआ पतला लपटा।

हरीर (حریر) अ पु—एक रेशमी और बारीक कपड़ा।

हरीश (حریش) अ स्त्री—एक पतला कीड़ा कनसलाई।

हरीस (ہریسہ) अ पु—एक प्रकार का पतला लपटा।

हरीस (حریص) अ वि—लोलुप लोभी लिप्सु लालची।

हरूक (حروق) अ पु—जलना।

हरूक्त (حرکت) अ स्त्री—दे हरकत शुद्ध वही है परन्तु यह भी बोलते हैं।

हर्ज (ہرجہ) फा पु—तावान क्षतिपूर्ति हरजाना।

हर्ज़ा (ہرزہ) फा पु—व्यर्थ अनर्गल बेहूदा।

हर्ज़ाकार (ہرزہ کار) फा वि—व्यर्थ के और फ़ुज़ूल के काम करनेवाला व्यर्थकारी।

हर्ज़ाकारी (ہرزہ کاری) फा स्त्री—व्यर्थ के काम करना।

हर्ज़ा गर्द (ہرزہ گرد) फा वि—व्यर्थ में इधर उधर मारा मारा फिरनेवाला व्यर्थ भ्रमी।

हर्ज़ा गर्दी (ہرزہ گردی) फा स्त्री—व्यर्थ और बेकार में घूमना फिरना।

हर्ज़ा गो (ہرزہ گو) फा वि—व्यर्थ की और निस्सार बातें करनेवाला अनर्गलवादी।

हर्ज़ा गोई (ہرزہ گوئی) फा स्त्री—व्यर्थ की बात करना।

हर्ज़ा गोश (ہرزہ گوش) फा वि—व्यर्थ की बातें सुनने में समय गँवानेवाला।

हर्ज़ा चान (ہرزہ چانہ) फा वि—दे 'हर्ज़ा गो।

हर्ज़ा दवी (ہرزہ دوی) फा स्त्री—व्यर्थ में इधर उधर भागना व्यर्थ का प्रयास करना।

हर्ज़ा दिरा (ہرزہ درا) फा वि—दे 'हर्ज़ा गो'।

हर्ज़ा दिराई (ہرزہ درائی) फा स्त्री—दे हर्ज़ा गोई।

हर्ज़ा ला (ہرزہ لا) फा वि—दे 'हर्ज़ा गो'।

हर्ज़ा सरा (ہرزہ سرا) फा वि—दे हर्ज़ा गो।

हर्ज़ा सराई (ہرزہ سرائی) फा स्त्री—दे हर्ज़ा गोई।

हर्जमर्ज (ہرج مرج) फा पु—उपद्रव, गड़बड़ दंगा।

हर्जान (ہرجانہ) फा पु—वह धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए लिया जाय तावान।

हर्फ (حرف) अ पु—अक्षर, वर्ण, बात शब्द, दोष ऐब, बुराई (व्या) अव्यय।

हर्फअदाज़ (حرف انداز) अ फा वि—धूर्त वंचक, चालाक।

हर्फअंदाज़ी (حرف اندازی) अ फा स्त्री—धूर्तता छल, चालाकी फरेब।

हर्फआशना (حرف آشنا) अ फा वि—बहुत कम पढ़ा लिखा जो अटक-अटककर उल्टा सीधा पढ़नेवाला।

हर्फगीर (حرف گیر) अ फा वि—आलोचना करनेवाला, ऐब निकालनेवाला छिद्रान्वेषी।

हर्फगीरी (حرف گیری) अ फा स्त्री—आलोचना एवं जोल छिद्रान्वेषण।

हर्फज़न (حرف زن) अ फा वि—बात करनेवाला, बातें करता हुआ।

हर्फज़नी (حرف زنی) अ फा स्त्री—बातें करना वार्तालाप करना।

हर्फन हर्फन (حرفاً حرفاً) अ वि—अक्षरशः एक एक हर्फ करके पूरा-पूरा विस्तारपूर्वक।

हर्फनाआश्ना (حرف ناآشنا) अ फा वि—अशिक्षित बे पढ़ा लिखा।

हर्फ बहर्फ (حرف بحرف) अ फा वि—दे हर्फन हर्फन'।

हर्फशनास (حرف شناس) अ फा वि—केवल अक्षर जानने वाला — — पढ़ा लिखा।

हर्फ़शनासी (حرف شناسی) अ. फा स्त्री –केवल अक्षरों का ज्ञान, बहुत कम पढ़ा होना।

हर्फ़ी (حرفی) अ. वि.–अक्षरवाला; अक्षर का; अक्षर-सम्बन्धी।

हर्फ़े अत्फ़ (حرف عطف) अ पु.–वह अक्षर जो दो शब्दों को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच में आये, जैसे—रोज़ोशब (रोज़ व शब) में 'वाव'।

हर्फ़े आख़िर (حرف آخر) अ. पु.–आख़िरी बात, अंतिम निर्णय, अटल बात, पक्की बात।

हर्फ़े इज़ाफ़त (حرف اضافت) अ. पु –दो शब्दों के सम्बन्ध के लिए बीच में आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोड़ा' में 'का'।

हर्फ़े इल्लत (حرف علت) अ पु –उर्दू में अलिफ़, वाव और ये, हिंदी में 'स्वर', इंगलिश में 'वावेल'।

हर्फ़े इस्तिद्राक (حرف استدراک) अ पु.–वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो।

हर्फ़े इस्तिस्ना (حرف استثنا) अ पु.–वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे–"सब आ गए मगर राम" में मगर।

हर्फ़े क़मरी (حرف قمری) अ पु –दे. 'हुरूफ़े क़मरी'।

हर्फ़े ग़लत (حرف غلط) अ पु.–वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्फ़-ग़लत की तरह मुझे क्यों मिटा दिया? झूठी बात।

हर्फ़े जर (حرف جر) अ पुं –इज़ाफ़त देनेवाला अव्यय।

हर्फ़े तंबीह (حرف تنبیه) अ पु –चेतावनी देनेवाली बात।

हर्फ़े तर्दीद (حرف تردید) अ. पु –खंडन करनेवाला कथन।

हर्फ़े तश्बीह (حرف تشبیه) अ पु –वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश।

हर्फ़े ताकीद (حرف تاکید) अ पुं –दे. 'हर्फ़े तंबीह'।

हर्फ़े नफ़ी (حرف نفی) अ. पु –वह शब्द जो 'न' के अर्थ में आये।

हर्फ़े निदा (حرف ندا) अ पु –वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय।

हर्फ़े नुद्बः (حرف ندبه) अ. पुं –वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह।

हर्फ़े मतलब (حرف مطلب) अ पुं –मतलब की बात, उद्देश्य, आशय।

हर्फ़े मुकर्रर (حرف مکرر) अ पु –दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात।

हर्फ़े वस्ल (حرف وصل) अ पु –दो शब्दों को जोड़नेवाला अक्षर।

हर्फ़े शम्सी (حرف شمسی) अ. पु –दे 'हुरूफ़े शम्सी'।

हर्फ़े सहीह (حرف صحیح) अ.पु.–सच्ची बात, व्यंजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्फ़ जो हर्फ़े इल्लत न हो।

हर्फ़ोहिकायत (حرف و حکایت) अ स्त्री –कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत।

हर्बः (حربه) अ पु –अस्त्र, शस्त्र, हथियार, आक्रमण, आघात, वार; माँग, शक्ति।

हर्ब (حرب) अ पु –युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई, जंग।

हर्बगाह (حربگاه) अ फा. स्त्री.–युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जंग।

हर्बी (حربی) अ. वि –युद्ध सम्बन्धी, सैनिक, जंगी।

हर्बोज़र्ब (حرب و ضرب) अ पु –मारकाट, लड़ाई-झगड़ा, ख़ून-ख़राबा।

हर्राफ़ः (حرافه) अ स्त्री –बहुत अधिक बातूनी स्त्री; कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता।

हर्राफ़ (حراف) अ. वि.–वाचाल, मुखर, बातूनी, लस्सान; धूर्त, चालाक।

हर्रास (حراث) अ वि –कृषक, किसान, काश्तकार।

हर्स (حرث) अ पु.–कृषि, खेती, काश्त।

हर्स (حرس) अ पु.–हिरासत, पकड़, निगरानी।

हल [ल्ल] (حل) अ पु –समाधान, सुलझाव, घुल जाना, विलयन, मुअम्मे के रिक्त स्थानों की पूर्ति, सुगमता, सरलता, आसानी।

हलकः (هلکه) हालिक का बहु., मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले।

हलक (حلک) अ स्त्री –गहरी कालिमा, गहरी सियाही।

हलब (حلب) अ पु –ताज़ा दुहा हुआ दूध; एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम)।

हलबी (حلبی) अ वि –हलब का निवासी, हलब सम्बन्धी, हलब का बना हुआ।

हलमः (حلمه) अ स्त्री –भिटनी, वृंत, स्तनवृंत, स्तनाग्र, पुरश्छद।

हलाइल (حلائل) अ स्त्री –'हलील.' का बहु, ब्याहता पत्नियाँ।

हलाक (هلاک) फा वि –हत, मक़्तूल, वधित, किसी घटना में मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर में या महामारी में।

हलाकख़ोर (هلاک خور) फा वि –मृतपशु का मास खानेवाला।

हलाकत (هلاکت) फा. स्त्री –किसी घटना मे मरना, क़त्ल होना, वध।

हलाकू (هلاکو) तु पु –दे 'हुलाकू', वही शुद्ध है।

हलालः (حلاله) अ. पु –तलाक़ की एक क़िस्म जिसमे

स्त्री या दूसरे व्यक्ति से ब्याह करना पड़ता है और उसके तलाक़ देने पर पहले पति से ब्याह कर सकता है।
हलाल (حلال) अ वि–विहित जाइज जिसका खाना और पीना धर्म में वर्जित न हो जवह किया हुआ जबीह।
हलालख़ोर (حلال خور) अ फा पु–महतर, भंगी।
हलालज़ादा (حلال زاده) अ फा पु–जो शुद्ध औरस से हो कुलीन।
हलावत (حلاوت) अ स्त्री–माधुर्य मिठास शीरीनी जाहिरा बेरुखी है स्वाद में छुपकर मिलना—यथा हलावत से भरा तड़ है तड़पाने का।
हलावतचश (حلاوت چش) अ फा वि–मिठास चखनेवाला, स्वाद लेनेवाला आनंद उठानेवाला।
हलावतपसंद (حلاوت پسند) अ फा वि–जिसे मिठास प्रिय लगती हो मिठाई अधिक खानेवाला।
हलावते ज़बाँ (حلاوت زباں) अ फा स्त्री–बातों का रस भाषा की मधुरता कविता का रस और घुलावट।
हलावते सुख़न (حلاوت سخن) अ फा स्त्री–बातों की मिठास बनरस बातों माधुर्य काव्य-माधुर्य शाइरी का रस।
हलाहिल (هلاهل) अ वि–कालकूट हलाहल बहुत ही तीव्र और प्रचंड विष।
हलीफ़ (حليف) अ वि–जिसने किसी के साथ किसी बात की शपथ ली हो मित्र दोस्त।
हलीब (حليب) अ पु–ताज़ा दूध कच्चा दूध।
हलीमः (حليمه) अ स्त्री–सहनशील गंभीर स्त्री वह जिसने हज़रत मुहम्मद साहब को दूध पिलाया था।
हलीम (حليم) अ वि–सहनशील गंभीर मतीन बुर्दबार एक खाना खिचड़ी।
हलीमुत्तबअ (حليم الطبع) अ वि–जो प्रकृति से सहिष्णु और गंभीर हो।
हलीलः (حليله) अ स्त्री–विवाहिता पत्नी भार्या।
हलील (حليل) अ पु–पति स्वामी शौहर प्रतिवासी पड़ोसी एक ही घर में रहनेवाला सहनिवासी।
हलीलः (هليله) अ पु–हड़ हरीतकी एक फल जो दवा में काम आता है।
हल्कः (حلقه) अ पु–परिधि मंडल, घेरा मंडली समुदाय जमाअत क्षेत्र प्रक्षेत्र इलाक़ा।
हल्क़ःनुमा (حلقه نما) अ फा वि–गोलाकार गोल।
हल्क़ःदरगोश (حلقه در گوش) अ फा वि–दे हल्क़ःबगोश
हल्क़ःबगोश (حلقه بگوش) अ फा वि–जिसके कान में दासता का कुंडल पड़ा हो दास भक्त श्रद्धालु अनुयायी बहुत अधिक श्रद्धा रखनेवाला।
हल्क़ (حلق) अ पु–कंठ, गला, बाल मूँड़ना, मुंडन।
हल्क़ए अइज़्ज़ः (حلقه اعزه) अ पु–रिश्तेदारों की जमाअत बंधुवर्ग।
हल्क़ए अहबाब (حلقه احباب) अ पु–दोस्तों का हल्क़ा, मित्र-मंडली मित्रवर्ग, मित्रगण।
हल्क़ए आग़ोश (حلقه آغوش) अ फा पु–हाथों से बनाया हुआ आलिंगन के लिए घेरा, भुज बंधन।
हल्क़ए इरादत (حلقه ارادت) अ पु–अनुयायियों का मंडली भक्तगण।
हल्क़ए गिर्दाब (حلقه گرداب) अ फा पु–भँवर, आवर्त।
हल्क़ए चश्म (حلقه چشم) अ फा पु–आँख का घेरा नेत्र-मंडल नेत्र-गोलक।
हल्क़ए ज़ंजीर (حلقه زنجير) अ फा पु–ज़ंजीर की कड़ी, शृंखला का छल्ला।
हल्क़ए दर (حلقه در) अ फा पु–दरवाज़े की कुंडी किवाड़ा की ज़ंजीर।
हल्क़ए मक्अद (حلقه مقعد) अ पु–गुदावर्त गुदाद्वार, मलद्वार का मुँह।
हल्क़ए माह (حلقه ماه) अ फा पु–चाँद के चारों ओर पड़नेवाला घेरा, चंद्रमंडल परिवेष, तेजोमंडल।
हल्क़ए मेह्र (حلقه مهر) अ फा पु–सूरज के चारों ओर पड़नेवाला घेरा रविमंडल रविबिंब।
हल्क़ची (حلقچی) अ फा स्त्री–अरबा एक प्रसिद्ध मिठाई।
हल्काक (هلكاك) तु वि–परास्त, चूर चूर थका मांदा, अधमुआ।
हल्क़ी (حلقى) अ वि–कंठ का कंठ सम्बन्धी कंठ से उच्चरित (अक्षर)।
हल्क़ूम (حلقوم) अ पु–कंठ गला हल्क़।
हल्क़े रास (حلق راس) अ पु–सर मुँडाना मुंडन।
हल्ज़ून (حلزون) अ पु–शंबुक दर नख सदफ़।
हल्फ़ (حلف) अ पु–शपथ सौगंध कसम।
हल्फ़दरोग़ी (حلف دروغی) अ फा स्त्री–अदालत में झूठा हल्फ़ लेना झूठी शपथ उठाना।
हल्फ़न (حلفاً) अ वि–कसम से शपथपूर्वक।
हल्फ़नामः (حلف نامه) अ फा पु–शपथपत्र इस बात की तहरीर कि अमुक बात शपथपूर्वक कही गयी है।
हल्फ़ी (حلفى) अ वि–हल्फ़ के साथ शपथपूर्वक।
हल्फ़े शरई (حلف شرعى) अ पु–धर्मशास्त्र के अनुसार उठाई हुई शपथ।
हल्ब (حلب) अ पु–दूध दुहना।

हल्लाक (حلاق) अ. वि.–मूँडनेवाला, क्षौरिक, नापित, नाई।
हल्लाकी (حلاقی) अ स्त्री –क्षौरकर्म, मूँडने का काम।
हल्लाज (حلاج) अ पु –रुई धुननेवाला, धुनिया।
हल्लाफ़ (حلاف) अ वि –वह व्यक्ति जो शपथ लेने का आदी हो।
हल्लाल (حلال) अ. वि.–ग्रंथि खोलनेवाला, समाधान करनेवाला।
हल्ले मुश्किल (حل مشکل) अ. पु –जटिल समस्याओ या कठिनाइयो को हल करना।
हल्लो अक्द (حل و عقد) अ. पु –खोलना और बाँधना, प्रबंध, व्यवस्था।
हल्वा (حلوا) अ. पु –मीठी चीज, घी शकर मेवा और आटा आदि से बना हुआ खाद्य पदार्थ, संयाव।
हल्वाई (حلوائی) अ. पु –हल्वा या मिठाई बनाने और बेचनेवाला।
हल्वाए तर (حلوائے تر) अ. फ़ा. पु –घी मे तरबतर हल्वा।
हल्वाए बेदूद (حلوائے بےدود) अ फा पु –वह हल्वा जो ऐसी आग पर पका हो जिसमे धुँआँ न हो, अर्थात् सूरज की गर्मी से पके हुए फल।
हल्वाख़ोर (حلواخور) अ फा वि –हल्वा खानेवाला।
हल्वाफ़रोश (حلوافروش) अ फा वि –हल्वा बेचनेवाला।
हवन्नक़ (هونق) उ. वि –बुद्धू, बौडम, गावदी।
हवल (حول) अ वि –भेगापन, ऐंचातानापन।
हवस (هوس) अ स्त्री –उत्कठा, लालसा, बढा हुआ शौक, लोभ, लालच।
हवसकार (هوس‌کار) अ फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।
हवसकारी (هوس‌کاری) अ फा स्त्री –लालच करना, लोभ करना।
हवसनाक (هوسناک) अ फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसनाकी (هوسناکی) अ फा स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवसपरस्त (هوس‌پرست) फा वि –लोभी, लालची, जो बहुत बडा लोभी हो।
हवसपरस्ती (هوس‌پرستی) फा स्त्री –लोभ, लालच।
हवसपेशः (هوس‌پیشہ) फा. वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसपेशगी (هوس‌پیشگی) फा स्त्री.–दे 'हवसपरस्ती'।
हवसराँ (هوس‌ران) फा. वि.–दे. 'हवसपरस्त'।
हवसरानी (هوس‌رانی) फा. स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवा (هوا) अ स्त्री –इच्छा, आकाक्षा, ख्वाहिश, लिप्सा, लोभ, लालच; धाक, रोब; वात, वायु, हवा।

हवाइज (حوائج) अ. पु –'हाजत' का बहु, आवश्यकताएँ।
हवाइजे ज़रूरी (حوائج ضروری) अ पु –प्रात.कर्म, शौचादि-कर्म, पेशाब पाखाना वगैर।
हवाइजे सित्तः (حوائج ستہ) अ.पु –जीवन के लिए छ मुख्य आवश्यकताएँ; पेशाब-पाखाना, खाना-पीना, सोना-जागना, चलना-फिरना, साँस लेना, खुशी और गम।
हवाई (هوائی) अ वि –वायु-सम्बन्धी, वायु का, एक आतशबाजी, बान।
हवाए गर्म (هوائے گرم) अ. फा स्त्री –गर्म हवा, तप्त वायु, लपट, लू।
हवाए तुंद (هوائے تند) अ फा स्त्री –तेज हवा, झक्कड़।
हवाए समूम (هوائے سموم) अ स्त्री.–जह्रीली हवा, विषावत वायु।
हवाए सर्द (هوائے سرد) अ फा स्त्री –ठडी हवा, शीतल वायु।
हवाए सर्सर (هوائے صرصر) अ स्त्री –झक्कड, आँधी, तेज हवा।
हवाख़ेज़ी (هواخیزی) अ. फा स्त्री –हवा उखडना, बँधी हुई बात बिगडना, जमी हुई धाक का उखडना।
हवा ख़ोर (هواخور) अ फा वि –सवेरे तडके खुली हवा मे टहलनेवाला, वायु सेवन करनेवाला।
हवाख़ोरी (هواخوری) अ फा स्त्री –सवेरे तडके खुली हवा मे टहलना, वायु-सेवन।
हवाख़्वाह (هواخواه) अ फा वि –शुभचिंतक, भलाई चाहनेवाला, खैरख्वाह।
हवाख़्वाही (هواخواهی) अ फा स्त्री.–भलाई चाहना, खैरख्वाही।
हवादार (هوادار) अ फा. वि –शुभचितक, बिहीख्वाह; मित्र, दोस्त, एक खुली हुई पालकी।
हवादारी (هواداری) अ फा. स्त्री –हितचितन, खैरख्वाही; मैत्री, दोस्ती।
हवादिज (هوادج) अ पु –'हौदज' का बहु, हाथी के हौदे।
हवादिस (حوادث) अ पु –'हादिस' का बहु, हादिसे, दुर्घटनाएँ।
हवादिसआश्ना (حوادث‌آشنا) अ फा वि –जो दुर्घटनाएँ सहने का आदी हो।
हवादिसख़ेज़ (حوادث‌خیز) अ फा वि –हादिसे और दुर्घटनाएँ उठानेवाला।
हवादिसे ज़मानः (حوادث زمانہ) अ पु –दे. 'हवादिसे रोजगार'।

हवादिसे रोजगार (حوادث روزگار) अ फा पु—काल-चक्र, समय की उलट-पलट।

हवान (هوان) अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार बेइज्जती।

हवापरस्त (هواپرست) अ फा वि—मौकापरस्त, अवसरवादी जिधर की हवा देखे उधर चलनेवाला।

हवापरस्ती (هواپرستی) अ फा स्त्री—मौकापरस्ती, अवसरवादिता, जिधर की हवा हो उधर चलना।

हवाबाज (هواباز) अ फा वि—हवाई जहाज उड़ानेवाला, वायुयान चालक पाइलट।

हवाबाजी (هوابازی) अ फा स्त्री—हवाई जहाज चलाना, हवाबाज का पेशा या पद।

हवाम (هوام) अ पु—जमीन के भीतर रहनेवाले प्राणी, जैसे—साँप बिच्छू और चूहे च्यूंटी, कीड़े मकोड़े आदि।

हवामिल (حوامل) अ स्त्री—हामिल का बहु गर्भवती स्त्रियाँ।

हवारफ्तार (هوارفتار) अ फा वि—हवा की भाँति तेज चलनेवाला वायुवेग।

हवारफ्तारी (هوارفتاری) अ फा स्त्री—हवा की तरह तेज चलना।

हवारी (حواری) अ पु—प्रतिष्ठित मुख्य बुजुर्ग, सहायक मददगार हजरत ईसा का सहचर।

हवाल (حواله) अ पु—सिपुर्दगी हस्तांतरण नजीर, अवतरण।

हवालःजात (حواله‌جات) अ पु—हवाल का बहु हवाले अवतरण समूह अनुक्रम समूह।

हवालात (حوالات) अ स्त्री—हवाल का बहु मुकद्दमा तै होने से पहले अपराधियों को रखने का स्थान।

हवालाती (حوالاتی) अ वि—जो हवालात में बंद हो।

हवालिए शह्‌र (حوالئ شہر) अ फा पु—नगर के आसपास का इलाका।

हवाली (حوالی) अ पु—आस-पास चहुपास चहुओर।

हवाशी (حواشی) अ पु—हाशिय का बहु टिप्पणियाँ फुटनोटस।

हवास [स्स](حواس) अ पु—हास्स का बहु इंद्रियाँ।

हवासगुम (حواس‌گم) अ फा वि—दे हवासबाख्त।

हवास बरजा (حواس‌برجا) अ फा वि—जिसके होशो हवास ठीक हों दुरुस्त।

हवासबाख्त (حواس‌باخته) अ फा वि—जिसके होशो हवास ठीक न हों हतसंज्ञ।

हवासिल (حواصل) अ पु—हौसल का बहु पक्षियों के पोटे एक जलपक्षी जिसका पोटा बड़ा होता है।

हवासे खम्स (حواس خمسه) अ पु—पाँचों इंद्रियाँ, पंचेंद्रिय।

हवासे जाहिरी (حواس ظاہری) अ पु—बाहरी अथवा दिखाई देनेवाली इंद्रियाँ स्पर्श, श्रवण घ्राण, स्वाद दृष्टि।

हवासे बातिनी (حواس باطنی) अ पु—भीतरी इंद्रियाँ स्मरण विचार कल्पना।

हवेली (حویلی) फा स्त्री—हवाली का इमाल, पक्का और बड़ा मकान, भवन।

हशफ (حشفه) अ पु—लिंगेन्द्रिय की सुपारी लिंगाग्र दे हश्फ' दाना शुद्ध है।

हशम (حشم) अ पु—'हाशिम' का बहु, वह नौकर जो स्वामी के लिए लड़ें नौकर चाकर।

हशमत (حشمت) अ पु—नौकर चाकर, दूसरे अर्थ के लिए दे हिश्मत।

हशमोखदम (حشم‌وخدم) अ पु—नौकर-चाकर, लाव लश्कर, नौकरों की भीड़ भाड़।

हशर (حشره) अ पु—रेंगनेवाला कीड़ा।

हशरात (حشرات) अ पु—हशर का बहु, कीड़े-मकोड़े।

हशरातुलअर्ज (حشرات‌الارض) अ पु—जमीन पर रेंगने वाले कीड़े मकोड़े।

हशा (حشا) अ पु—जो कुछ पेट और सीने के भीतर है आँत पीतें आदि।

हशाइश (حشائش) अ पु—हशीश का बहु, सूखी घासें भंगें।

हशाशत (هشاشت) अ स्त्री—प्रफुल्लता, प्रसन्नता खुश तबई।

हशीश (حشیش) अ पु—सूखी घास भंग, विजया।

हश्तअंगुश्त (هشت‌انگشت) फा वि—आठ अंगुल लंबा, आठ अँगुलियोंवाला।

हश्त (هشت) फा वि—आठ अष्ट।

हश्त अंगुश्त (هشت‌انگشت) फा वि—दे हश्तअंगुश्त।

हश्तगंज (هشت‌گنج) फा पु—खुसरो पर्वेज के आठ निधियाँ।

हश्तगोश (هشت‌گوشه) फा वि—आठ कोनोंवाला, अष्टकोण।

हश्तनिकाती (هشت‌نکاتی) फा अ वि—आठ उसूलों वाला अष्टसूत्री।

हश्तपहलू (هشت‌پہلو) फा वि—आठ पार्श्ववाला अष्टसूत्री हश्तनिकाती।

हश्तबिहिश्त (هشت‌بہشت) फा स्त्री—आठों स्वर्ग।

हस्तबुस्तां (هشت‌بستاں) फा पु —आठो बाग अर्थात् आठो स्वर्ग।
हस्तमंजर (هشت‌منظر) फा अ. पु —आठो स्वर्ग।
हस्तमावा (هشت‌ماوٰی) फा अ पु —आठो स्वर्ग।
हस्तसद (هشت‌صد) फा वि —आठ सौ।
हस्ताद (هشتاد) फा वि —अस्सी, चालीस का दूना।
हस्तादसालः (هشتادساله) फा. वि —अस्सी वरस का, अस्सी वरस मे होनेवाला, अस्सी वर्ष का वूढा।
हस्तुम (هشتم) फा वि —आठवाँ, अष्टम्।
हस्तुमीं (هشتمیں) फा. वि —आठवाँ।
हश्फ़. (حشفه) अ पु —दे 'हशफ.' दोनो शुद्ध है।
हश्र (حشر) अ पु —कियामत, महा प्रलय, कियामत मे मरे हुए लोगो का उठना; आपत्ति, विपदा, मुसीवत।
हश्रअंगेज (حشرانگیز) अ फा. वि —कियामत उठानेवाला, हलचल और हगामा मचा देनेवाला, उपद्रवकारी, प्रलयकर।
हश्रअंगेजी (حشرانگیزی) अ फा स्त्री —उपद्रव और हलचल खडीकर देना, हगामा मचाना।
हश्रकामत (حشرقامت) अ वि —प्रेयसी, प्रेमिका।
हश्रखिराम (حشرخرام) अ. फा वि.—अपनी चाल से कियामत उठानेवाला, ऐसी चाल चलनेवाला जिससे ससार उथल-पुथल हो जाय।
हश्र खिरामी (حشرخرامی) अ. फा स्त्री —चाल से ससार को उलट-पलट देना।
हश्रजा (حشرزا) अ फा वि.—दे 'हश्रअगेज'।
हश्रजाई (حشرزائی) अ फा स्त्री —दे 'हश्रअगेजी'।
हश्रतराज (حشرطراز) अ फा वि —दे. 'हश्र अगेज'।
हश्रतराजी (حشرطرازی) अ फा. स्त्री.—दे. 'हश्र अगेजी'।
हश्रपर्वर (حشرپرور) अ. फा वि.—उपद्रवो और हगामो की पर्वरिश करनेवाला।
हश्रसामाँ (حشرساماں) अ फा वि —उथल-पुथल और हगामो का सामान साथ रखनेवाला या सामान करनेवाला।
हश्रसामानी (حشرسامانی) अ फा स्त्री —उथल-पुथल करना, कियामत उठाना, ससार को अस्त-व्यस्त करना।
हश्रोनश्र (حشرونشر) अ पु —महाप्रलय, कियामत, मुर्दों का जी उठना और हर तरफ फैल जाना।
हश्व (حشو) अ पु —भरती की चीज, अदर भरी जानेवाली चीज, साहित्य मे वह शब्द या वाक्य जिसके विना भी अर्थ मे कमी न आये; उर्दू छंद मे पद के आदि और अन्त के अतिरिक्त वीच में आनेवाले गण।

हश्शाश (حشاس) अ. वि —भगड, भग पीनेवाला।
हश्शाश (هشاس) अ. वि —हृष्ट, हर्पित, प्रसन्न, प्रफुल्ल, खुश।
हश्शाशोवश्शाश (هساس‌وبشاس) अ. वि —जो वहुत ही प्रसन्न और प्रफुल्ल हो; जो वहुत ही स्वस्थ हो।
हसक (هسک) फा पु.—सूप, छाज, नाज फटकने का यत्र।
हसक (حسک) अ पु —गुखरू, गोखरू, विकटक, लोहे के गुखरूनुमा काँटे जो लडाई मे शत्रु के रास्ते मे विछा दिये जाते थे।
हसद (حسد) अ पु.—ईर्ष्या, मत्सर, डाह, जलन।
हसनः (حسنه) अ पु.—भली चीज, सुदर वस्तु, भलाई, नेकी।
हसन (حسن) अ वि —रूपवान्, सुदर, खूवसूरत, प्रियदर्शन, खुशनुमा, उत्तम, श्रेष्ठ, वढिया; हज्रत अली के वडे लडके, इमाम हुसैन के वडे भाई।
हसनात (حسنات) अ पु —'हसन' का वहु., भलाइयाँ, नेकियाँ, सुकृतियाँ।
हसनी (حسنی) अ वि —इमाम हसन से सम्वन्ध रखनेवाला, उनका अनुयायी, उनका वशज।
हसनैन (حسنین) अ पु.—दो 'हसन' अर्थात् हसन और हुसैन।
हसबः (حصبه) अ. पु —खस्र., छोटे-छोटे लाल दाने जो वच्चो को निकल आते है, दे. 'हुस्व.' दोनो शुद्ध है।
हसब (حسب) अ. पु —गणना, शुमार, अनुमान, अदाज़; श्रेष्ठता, वडाई।
हसब (حصب) अ स्त्री.—ईधन, जलाने की लकडी आदि।
हसवोनसव (حسب‌ونسب) अ पु —कुलीनता और श्रेष्ठता, वश और प्रतिष्ठा, खानदानी हालत।
हसा (حصا) अ पु.—'हसात' का वहु, ककरियाँ, सगरेजे।
हसात (حصات) अ स्त्री.—ककर, पत्थर, ककरी, ठीकरी; गुर्दे या मूत्राशय मे वननेवाली पथरी, अश्मरी।
हसाफत (حصافت) अ. स्त्री.—वुद्धि परिपक्वता, अक़्ल की पुख्तगी; सवेदनशीलता, तत्त्विवाकारी।
हसीद (حصید) अ वि —काटा हुआ खेत, काटी हुई खेती।
हसीनः (حسینه) अ स्त्री —सुन्दर स्त्री, सुन्दरी, रूपवती, वरारोहा, शोभना, वरागना।
हसीनः (حصینه) अ वि —दृढ और मज़वूत चीज़।
हसीन (حسین) अ वि —सुदर, रूपवान्, सुरूप, खूवसूरत; प्रियदर्शन, शोभन, खुशनुमा।
हसीन (حصین) अ वि —सुदृढ, सुस्थिर, अविचल, मुस्तहकम।

हसीनतरीन (حسین‌ترین) अ फा वि—बहुत अधिक रूपवान सुंदरतम।
हसीनुलवज्ह (حسین‌الوجہ) अ वि—अच्छी सूरतवाला रूपवान सुरूप।
हसीब (حسیب) अ वि—हिसाब करनेवाला पूज्य मान्य बुज़ुर्ग ईश्वर का एक नाम।
हसीर (حصیر) अ स्त्री—खजूर की चटाई।
हसीर (حسیر) अ वि—दुःखित तप्त शर्मिन्दा रंजीदा थका हुआ शिथिल मांदा।
हसूद (حسود) अ वि—डाहकरनेवाला सशंक निकृष्ट उपद्रवी शरीर।
हसूद (حسو) अ वि—बहुत अधिक डाह करनेवाला।
हसून (حصون) अ वि—संयमी इंद्रिय निग्रही परहेज़गार जाहिद।
हसूर (حصو) अ वि—वह पुरुष जो स्त्री की ओर आकृष्ट न होता हो यद्यपि वह नपुंसक न हो।
हस्त (هست) फा अव्य—है अस्ति (स्त्री) अस्तित्व वुजूद उपस्थिति मौजूदगी।
हस्तिए चन्दरोज़ (هستیٔ چندروزہ) फा स्त्री—थोड़े दिनों का जीवन अस्थायी और क्षणिक ज़िन्दगी।
हस्तिए जाविदाँ (هستیٔ جاوداں) फा स्त्री—ऐसा जीवन जो कभी नाश न हो।
हस्तिए दुरोज़ (هستیٔ دو روزہ) फा स्त्री—दे० ह चंदरोज़।
हस्तिए नापाएदार (هستیٔ ناپائدار) फा स्त्री—वह जीवन जो स्थायी और दृढ़ न हो नश्वर जीवन।
हस्तिए फ़ानी (هستیٔ فانی) फा अ स्त्री—दे० ह नापाएदार।
हस्तिए मुस्तआर (هستیٔ مستعار) फा अ स्त्री—थोड़े दिनों के लिए प्राप्त जीवन थोड़े दिनों रहनेवाला संसार।
हस्तिए मौहूम (هستیٔ موہوم) फा अ स्त्री—वह जीवन जो देखने में तो जीवन हो परंतु उसका कोई अस्तित्व न हो।
हस्ती (هستی) फा स्त्री—अस्तित्व वुजूद जीवन प्राण ज़िन्दगी संसार दुनिया प्राणिवर्ग मख़्लूक़ात सामर्थ्य मक़्दूर।
हस्तोनेस्त (هست‌ونیست) फा पु—उत्पत्ति और विनाश पैदा होना और मरना होना और न होना पूरा सब सब तमाम अर्थ—हस्तोनेस्त का निपटारा।
हस्तावुर (هستاور) फा स्त्री—दे० ज़ोर था।
हस्ला (حسلا) अ स्त्री—[illegible] हर गुण और [illegible] वस्तु या ढंग

हस्ब (حسب) अ वि—अनुसार बमूजिब मुआफ़िक़।
हस्बा (حصبا) अ स्त्री—कंकरी ठीकरी संगरेज़।
हस्बुत्तलब (حسب‌الطلب) अ वि—बुलाने के अनुसार तलबी के बमूजिब माँगने के अनुसार।
हस्बुत्तहरीर (حسب‌التحریر) अ वि—लिखने के अनुसार हुक्म के मुताबिक़ आज्ञानुसार।
हस्बुलअम्र (حسب‌الامر) अ वि—कहने के बमूजिब यथानुसार हुक्म के मुताबिक़ आदेशानुसार।
हस्बुलहुक्म (حسب‌الحکم) अ वि—हुक्म के बमूजिब आज्ञानुसार आदेशानुसार यथानिर्दिष्ट।
हस्ब अक़्ल (حسب عقل) अ वि—बुद्धि के अनुसार समझ के मुताबिक़ यथामति।
हस्ब आदत (حسب عادت) अ वि—स्वभाव के अनुसार आदत के मुताबिक़ नित्य नियमानुसार रोज़मर्रा के मुताबिक़।
हस्ब इंसाफ़ (حسب انصاف) अ वि—न्याय की दृष्टि से यथा न्याय न्यायानुसार न्यायतः न्यायानुकूल यथानीति।
हस्ब इजाज़त (حسب اجازت) अ वि—आज्ञानुसार अनुमति के बमूजिब इजाज़त के मुताबिक़।
हस्ब इत्तिफ़ाक़ (حسب اتفاق) अ वि—इत्तिफ़ाक़ी तौर पर इत्तिफ़ाक़िया अकस्मात दैवयोग।
हस्ब इर्शाद (حسب ارشاد) अ वि—कहने के मुताबिक़ कथनानुसार यथोक्त।
हस्ब इस्तिताअत (حسب استطاعت) अ वि—शक्ति भर मक़्दूर भर यथासामर्थ्य यथाशक्ति।
हस्बे ईमा (حسب ایما) अ वि—इशारे के मुताबिक़ संकेतानुसार हुक्म के बमूजिब आज्ञानुसार।
हस्ब एलान (حسب اعلان) अ वि—घोषणा के अनुसार एलान के मुताबिक़।
हस्ब क़ाइदा (حسب قاعدہ) अ वि—नियमानुसार क़ाइदे के मुताबिक़ विधि के अनुसार क़ानून के मुताबिक़।
हस्ब क़ानून (حسب قانون) अ वि—विधि के अनुसार क़ानून के मुताबिक़।
हस्ब ख़िदमत (حسب خدمت) अ वि—सेवा के अनुसार जितनी जितनी सेवा हो उसके हिसाब से।
हस्ब ख़्वाहिश (حسب خواہش) अ फा वि—इच्छानुसार जितना ज़रूरत हो उतना जितनी इच्छा हो वह।
हस्ब ज़र्फ़ (حسب ظرف) अ फा वि—[illegible] के मुताबिक़ सामर्थ्य के मुताबिक़।
हस्ब ज़ाबिता (حسب ضابطہ) अ वि—दे० हस्ब क़ाइदा

हस्बे जुस्सः (حسب جثه) अ वि –डील-डौल के मुताबिक, यथाकाय।

हस्बे ज़ैल (حسب ذیل) अ वि –जो नीचे दिया गया हो, जिसका ब्योरा नीचे लिखा हो, निम्नलिखित।

हस्बे तंबीह (حسب تنبیہ) अ. वि.–चेतावनी के अनुसार, हिदायत के मुताबिक।

हस्बे तज्वीज़ (حسب تجویز) अ वि –राय के मुताबिक, निर्णय के मुताबिक।

हस्बे तर्तीब (حسب ترتیب) अ वि –सिलसिले के मुताबिक, क्रमानुसार, यथाक्रम।

हस्बे तलब (حسب طلب) अ. वि.–दे. 'हस्बुत्तलब' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तह्रीर (حسب تحریر) अ वि –दे. 'हस्बुत्तहरीर' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तौफ़ीक़ (حسب توفیق) अ वि –दे.'हस्बे इस्तिताअत'।

हस्बे दस्तूर (حسب دستور) अ.वि –दस्तूर के मुताबिक, यथाविधि, विधिपूर्वक, यथानियम, काइदे के बमूजिब।

हस्बे दिलख्वाह (حسب دلخواہ) अ फा. वि –मनोवांछित, मनमाना, जैसा चाहिए था वैसा, इच्छानुसार।

हस्बे फ़राइज़ (حسب فرائض) अ वि –ड्यूटी और फर्ज के मुताबिक, यथाकर्तव्य।

हस्बे फ़र्माइश (حسب فرمائش) अ फा. वि.–कहने के मुताबिक, कथनानुसार; आज्ञा के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे फ़ह्माइश (حسب فہمائش) अ फा. वि –दे 'हस्बे तंबीह'।

हस्बे बरदाश्त (حسب برداشت) अ फा वि –जहाँ तक सहा जा सके, जितना उठ सके, सहनानुसार।

हस्बे बिसात (حسب بساط) अ वि –दे 'हस्बे मक़दूर'।

हस्बे मंशा (حسب منشا) अ वि –दे 'हस्बे ख्वाहिश'।

हस्बे मक़दूर (حسب مقدور) अ वि –बस भर, शक्ति भर, सामर्थ्य भर, इस्तिताअत भर।

हस्बे मज़्कूर (حسب مذکور) अ वि –कहे हुए के मुताबिक, ऊपर लिखे हुए के अनुसार।

हस्बे मुराद (حسب مراد) अ वि –मंशा के मुताबिक, यथेच्छ, यथेष्ट, यथाकाम।

हस्बे मौक़ा' (حسب موقعہ) अ वि –समय के मुताबिक, यथा समय, कालानुसार, जगह के मुताबिक, यथास्थान।

हस्बे रफ़्तार (حسب رفتار) अ फा वि –चाल के मुताबिक, रवाज के मुताबिक।

हस्बे रवाज (حسب رواج) अ वि –रवाज और रस्म के मुताबिक, यथाप्रथा, यथारीति, यथानुपूर्वक।

हस्बे रिवायात (حسب روایات) अ वि –रिवायतो अर्थात् रवाजो और प्रथाओ के अनुसार, पुराने वश परपराओ के अनुसार, खानदान मे होनेवाले तौर-तरीको के अनुसार।

हस्बे साबिक़ (حسب سابق) अ वि.–पहले की तरह, यथापूर्व।

हस्बे हाल (حسب حال) अ वि –हालत और दशा के अनुसार, जैसी दशा हो वैसा।

हस्बे हिसस (حسب حصص) अ वि –हिस्से और भाग के अनुसार, यथाभाग, विभागत।

हस्बे हुक्म (حسب حکم) अ वि.–दे 'हस्बुल हुक्म' दोनो शुद्ध है।

हस्बे हैसियत (حسب حیثیت) अ वि –हैसियत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक; सामर्थ्य के मुताबिक।

हस्बे हौसलः (حسب حوصلہ) अ. वि –हिम्मत के मुआफिक, उत्साह के अनुसार, जितनी हिम्मत हो उतना।

हस्म (حسم) अ पु –विच्छेद, काटना।

हस्र (حصر) अ पु –निर्भरता, इन्हिसार, अवलबन, सहारा, वाद निर्णय के लिए किसी पर निर्भरता।

हस्रत (حسرت) अ स्त्री.–निराशा, नाउम्मेदी, दु ख, कष्ट, मुसीबत; अभिलाषा, लालसा, इच्छा, पश्चात्ताप, अफ्सोस उदा०—"दिल को नियाजे हस्रते दीदार कर चुके। देखा तो हममे ताकते दीदार भी नही।"—गालिब।

हस्रतअंगेज (حسرت انگیز) अ फा वि –निराशा वढाने-वाला, निराशा पैदा करनेवाला।

हस्रतअंजाम (حسرت انجام) अ. फा. वि.–जिस कार्य का अत निराशा हो, दु खात, जिस काम के करने से बाद को पश्चात्ताप हो।

हस्रत आगीं (حسرت آگیں) अ. फा वि –नाउम्मेदी से भरा हुआ, निराशापूर्ण।

हस्रत आफ़्रीं (حسرت آفریں) अ फा. वि –नाउम्मेदी पैदा करनेवाला, निराशाजनक।

हस्रत इंतिमा (حسرت انتما) अ वि –निराशा वढानेवाला, दु ख वढानेवाला।

हस्रत कदः (حسرت کدہ) अ फा पु –निराशा का घर, दु:ख का घर, अर्थात् नायक का घर।

हस्रत खेज (حسرت خیز) अ फा वि –दे. 'हस्रत अगेज'।

हस्रतगाह (حسرت گاہ) अ फा स्त्री –निराशा का स्थान, जहाँ निराशा ही निराशा हो।

हस्रतज़दः (حسرت زدہ) अ. फा वि –निराशाग्रस्त, नाउम्मीदी का मारा हुआ।

हस्रतज़ा (حسرت‌زا) अ फा वि –निराशा पैदा करनेवाला, दुख बढ़ानेवाला।
हस्रततलब (حسرت‌طلب) अ वि –जो निराशा की कामना करता हो, जो आशान्वित न हो।
हस्रत दीद (حسرت‌دید) अ फा वि –दे हस्रतज़द।
हस्रत नसीब (حسرت‌نصیب) अ वि –जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा और दुख ही दुख हो।
हस्रतनाक (حسرت‌ناک) अ फा वि –दुखान्वित निराशान्वित निराशापूर्ण दुखपूर्ण।
हस्रतपरस्त (حسرت‌پرست) अ फा वि –निराशा की पूजा करनेवाला, निराशावादी।
हस्रतपसंद (حسرت‌پسند) निराशा और दुख को प्रिय जाननेवाला निराशान्वित।
हस्रतमंद (حسرت‌مند) अ फा वि –निराशान्वित निराशावादी निराश हताश, मायूस अभिलाषी इच्छुक, ख्वाहिशमंद।
हस्रतमआब (حسرت‌مآب) अ वि –निराशावादी जो निराशा ही को सब कुछ समझता हो, अर्थात नायक।
हस्रतमानूस (حسرت‌مانوس) अ वि –जिसकी रुचि निराशा पर हो जो निराशा को दोस्त रखता हो।
हस्रतरसीदः (حسرت‌رسیده) अ फा वि –दे हस्रतज़द।
हस्रतशिकार (حسرت‌شکار) अ फा वि –जिसे निराशा ने मारा हो।
हस्रतसंज (حسرت‌سنج) अ फा वि –दे हस्रतपसंद।
हस्रतसरा (حسرت‌سرا) अ फा स्त्री –दे हस्रतकदः।
हस्रत सामाँ (حسرت‌ساماں) अ फा वि –जिसके पास लेकर केवल निराशा ही निराशा हो।
हस्रती (حسرتی) अ वि –निराश हताश मायूस अभिलाषी इच्छुक आर्जूमंद।
हस्रते दीद (حسرت دید) अ फा स्त्री –दे हस्रते दीदार।
हस्रते दीदार (حسرت دیدار) अ फा स्त्री –दर्शना की इच्छा देखने की अभिलाषा।
हस्रते मुलाक़ात (حسرت ملاقات) अ स्त्री –देखने और मिलने की इच्छा।
हस्रते वस्ल (حسرت وصل) अ स्त्री –नायिका के मिलने की अभिलाषा।
हस्रतोअर्माँ (حسرت و ارماں) अ फा पु –इच्छाएं और अभिलाषाएं।
हस्साद (حصاد) अ वि –खेती काटनेवाला।
हस्सान (حسان) अ पु –बहुत सुंदर बहुत खूबसूरत अति उत्तम बहुत अच्छा।
हस्सास (حساس) अ वि –स्वाभिमानी, खुद्दार सवेदनशील हिसवाला।
हहहः (ههههه) अ पु –हिल हिलाकर भगाना।

हा

हाँ (هاں) फा अव्य –सावधान! खबरदार! देखो! होशियार!
हा (ها) फा प्रत्य –शब्द के अत में आकर बहुवचन बनाता है, जैसे–दरख्तहा' वर्ग-समूह प्राय निष्प्राण वस्तुओं के लिए आता है एक अमर 'हे', हिंदी 'ह'।
हाइक (حائک) अ पु –कपडा बननेवाला बायक जुलाहा।
हाइज़ (حائض) अ स्त्री –वह स्त्री जो महीने से हो पुष्पिणी, ऋतुमती, उदक्या मलिष्ठा आत्रेयी रजवती, स्त्रीधर्मिणी अतवर्ती रजस्वला।
हाइज (حائس) अ स्त्री –वह स्त्री जो बालिग़ हो गयी हो और हैज़ आने के क़ाबिल हो।
हाइत (حائط) अ स्त्री –भीत भित्ति दीवार।
हाइब (هائب) अ वि –डरनेवाला।
हाइम (هائم) अ वि –आसक्त प्रेम मग्न बहुत प्यासा।
हाइर (حائر) अ वि –स्तब्ध चकित, उद्विग्न हैरान दुबल क्षीण दुबला-पतला भँवर गर्त, जलावर्त, गिर्दाब वह स्थान जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे।
हाइक (هائک) अ वि –दे हाइल।
हाइल (حائل) अ वि –बीच में आनेवाला आड बननेवाला।
हाइल (هائل) अ वि –भयकर भीषण भयानक विकराल खौफनाक।
हाए (هاے) फा –कराह की आवाज आह हा।
हाए मख्लूत (هاے مخلوط) अ स्त्री –वह 'हे' जो दूसरे शब्द में मिलाकर पढी जाये जैसे—'तुम्हारा' की 'हे'।
हाए मुख्तफी (هاے مختفی) अ स्त्री –वह हे जो लिखी जाय मगर पढी न जाय और केवल यह ज़ाहिर करने के लिए आये कि अतिम अक्षर हल नहीं है, जैसे—'परवानः'।
हाए मुज़्हर (هاے مظهر) अ स्त्री –वह 'हे' जो ज़ाहिर हो जैसे—जगह की हे।
हाए मुलफ्फ़ूक (هاے ملفوق) अ स्त्री –दो चश्मी (ھ)।
हाए हव्वज़ (هاے هوز) अ स्त्री –छोटी हे (ه)।
हाए हुत्ती (هاے حطی) अ स्त्री –बडी 'हे' (ح)।
हाक (حاق) अ वि –बीचोबीच मध्य दरमियान।
हाकिम (حاکم) अ वि –पदाधिकारी अफसर स्वामी, मालिक शासक फर्मारवा नरेश राजा, बादशाह अध्यक्ष सरदार।

हाकिमानः (حاکمانه) अ. फा वि –अफसरों-जैसा।
हाकिमी (حاکمی) अ वि –पदाधिकार, अफसरी; स्वामित्व, मालिकी, शासन, राज, राजशाही, अध्यक्षता, सरदारी।
हाकिमे आ'ला (حاکم اعلیٰ) अ पु –उच्चाधिकारी, बडा अफसर।
हाकिमे बाला (حاکم بالا) अ फा पु.–दे. 'हाकिमे आला', किसी अफसर से ऊपर का अफ़सर।
हाकिमे वक़्त (حاکم وقت) अ पु –वर्तमान समय का शासक।
हाकिमे हक़ीक़ी (حاکم حقیقی) अ पु –ईश्वर, परमात्मा।
हाकी (حاکی) अ वि.–वार्तालाप करनेवाला, बातचीत करनेवाला, कहानी सुनानेवाला।
हाक़्क़ः (حاقه) अ स्त्री –महाप्रलय, कियामत।
हाज [ज्ज] (حاج) अ वि –हज करनेवाला, हाजी।
हाज (حاج) अ स्त्री –'हाजत' का बहु, हाजतें, इच्छाएँ।
हाजत (حاجت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश; मनोकामना, मनोवाछा, दिली मक्सद।
हाजतख़्वाह (حاجت خواه) अ फा वि –कामनापूर्ति चाहनेवाला।
हाजतगाह (حاجت گاه) अ. फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कामनापूर्ति की इच्छा हो।
हाजतबरारी (حاجت براری) अ फा स्त्री –इच्छा पूरी करना, कामना पूरी करना।
हाजतमद (حاجت مند) अ फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख़्वाहिशमद, निर्धन, मोहताज।
हाजतमंदी (حاجت مندی) अ फा स्त्री –इच्छा, चाह, तलब, निर्धनता, मोहताजी।
हाजतरवा (حاجت روا) अ फा वि –इच्छा और कामना पूरी करनेवाला।
हाजतरवाई (حاجت روائی) अ फा. स्त्री –इच्छा और कामना पूरी करना।
हाजती (حاجتی) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, (स्त्री) वह चौकी जो रोगी के पलग के पास लगा दी जाती है ताकि पेशाव-पाख़ाने में उसे कष्ट न हो।
हाजर (هاجر) अ स्त्री –हज़रत इस्माईल की माता का नाम।
हाजिक़ (حاذق) अ वि –दक्ष, प्रवीण, कुशल, माहिर, वह चिकित्सक जो अपने फन मे बहुत ही निपुण हो।
हाजिज (حاجز) अ वि –बीच मे पर्दे की तरह आ जानेवाला, वक्ष स्थल और उदर के बीच की एक झिल्ली।
हाजिब (حاجب) अ वि –द्वारपाल, प्रहरी, दरबान; चोब-

हाजिन (هاجن) अ. स्त्री –वह नाबालिग स्त्री जिसका व्याह हो गया हो; हर जानवर का मादा बच्चा।
हाज़िमः (هاضمه) अ पु –पाचन शक्ति, कुव्वते हज़्म।
हाज़िम (حازم) अ. वि –दूरदर्शी, अग्रशोची, दूरदेश; बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
हाज़िम (هاضم) अ वि –पाचक, खाना हज़्म करनेवाला।
हाज़िमे तआम (هاضم طعام) अ पु –अन्नपाचक, खाना हज़्म करनेवाली दवा।
हाजिरः (هاجره) अ स्त्री –हिज्रत करनेवाली स्त्री, घरवार छोडकर परदेश मे आनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी, बहुत गर्म और तपनेवाली दोपहर।
हाजिर (هاجر) अ वि –घर-बार छोडनेवाला, मुहाजिर, परदेसी, शरणार्थी।
हाजिर (حاجر) अ वि –रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, ऊँची भूमि, नदी की कगार।
हाज़िर (حاضر) अ. वि –उपस्थित, मौजूद, विद्यमान, किसी न्यायालय मे वारट या सम्मन के द्वारा लाया गया या तारीख मुकद्दमा मे आया हुआ, स्कूल या कारखाने के रजिस्टर मे हाजिरी की प्रविष्टि के समय उपस्थित।
हाज़िर जवाब (حاضر جواب) अ वि –जो तुरत ही किसी बात का उचित और चमत्कारपूर्ण उत्तर दे, प्रगल्भ, प्रत्युत्पन्नमति।
हाज़िरजवाबी (حاضر جوابی) अ स्त्री –किसी वात का तुरत ही उचित और मौज़ूँ जवाब देना, प्रगल्भता।
हाज़िरज़ामिन (حاضر ضامن) अ वि –किसी अभियुक्त की न्यायालय मे उपस्थिति की जिम्मेदारी लेनेवाला।
हाज़िरज़ामिनी (حاضر ضامنی) अ स्त्री.–किसी अभियुक्त की न्यायालय मे उपस्थिति की जमानत।
हाज़िरदिमाग़ (حاضر دماغ) अ वि –जो कोई वात फौरन ही ठीक समझ ले और ठीक ही राय दे सके।
हाज़िरदिमाग़ी (حاضر دماغی) अ स्त्री –वात की तह को फ़ौरन ही पहुँचकर ठीक राय देना।
हाज़िरबाश (حاضر باش) अ फा वि –किमी वडे आदमी के पास हर वक्त का वैठने-उठनेवाला।
हाज़िरबाशी (حاضر باشی) अ फा स्त्री –किसी वडे आदमी के पास हर वक्त वैठना-उठना।
हाज़िरात (حاضرات) अ स्त्री –'हाज़िर' का बहु, 'उपस्थित' स्त्रियाँ, जिनों अथवा भूतो को बुलाने का अमल, जिससे वे किसी पर बुलाये जाते हैं, और सवालों का जवाब देते हैं।

हाज़िराती (حاضراتی) अ पु –जिन्न भूतों को किसी पुरुष या स्त्री पर बुलानेवाला आमिले जिन, ओझा।
हाज़िरी (حاضری) अ स्त्री –उपस्थिति मौजूदगी मजदूरों या विद्यार्थियों की गिनती विद्यमानता, वुजूद होना न्यायालय में वारंट या सम्मन द्वारा प्रतिवादी तथा गवाह आदि की उपस्थिति।
हाज़िरीन (حاضرین) अ पु –'हाज़िर' का बहु, हाज़िर लोग उपस्थित गण।
हाज़िरीने जल्स (حاضرین جلسہ) अ पु –किसी सभा में उपस्थित लोग।
हाज़िरीने मज्लिस (حاضرین مجلس) अ पु –किसी गोष्ठी में सम्मिलित लोग।
हाज़िरोनाज़िर (حاضروناظر) अ पु –जो किसी स्थान पर उपस्थित भी हो और सारी घटनाएँ देखता भी हो ईश्वर परमात्मा।
हाज़िल (ہازل) अ वि –फक्कड़ बकनेवाला अश्लील बोलनेवाला हज्ल की कविता करनेवाला।
हाजी (حاجی) अ पु –हज करनेवाला (अरबी शब्द 'हाज' है)।
हाजी (ہاجی) अ वि –निन्दा करनेवाला हजव करनेवाला हिज्जे करनेवाला।
हाजूम (ہاضوم) अ वि –अग्निपाचक औषधि खाना हज़्म करनेवाली दवा।
हाज्जः (حاجہ) अ स्त्री –हज करनेवाली स्त्री, हज्जन।
हातम (حاتم) अ पु –यमन का एक सरदार जो बड़ा उदार और दानशील था 'तई' कबीले के गोत्र में होने के कारण 'ताई' कहलाता है दे हातिमताई।
हातिल (ہاتل) अ पु –बरसनेवाला बादल।
हातिफ़ (ہاتف) अ वि –पुकारनेवाला बुलानेवाला।
हातिफ़े ग़ैब (ہاتف غیب) अ पु –वह देवता जो दिल में बात डालता या आकाशवाणी बोलता है।
हातिब (حاطب) अ वि –लकड़ी बीननेवाला लकड़ियाँ लानेवाला लकड़हारा।
हातिम (حاتم) अ पु –न्यायाधीश जज क़ाज़ी एक कवि कव्वा दे हातम दोनों शुद्ध हैं।
हातिमताई (حاتم طائی) अ पु –दे हातम।
हातिमे वक़्त (حاتم وقت) अ पु –अपने समय का बहुत ही दानशील और अतिथिपूजक व्यक्ति।
हातिल (ہاطل) अ वि –वह घटा जो बहुत ज़ोर से बरस मूसलधार मेंह।
हाद[द] (ہاد) अ पु –वह ज़ोरदार आवाज़ जो नदी या समुद्र से उठती और कनारे पर सुनाई देती है।
हाद[द] (حاد) अ वि –तीव्र प्रचंड तेज सख्त।
हादिए मुत्लक़ (ہادیٔ مطلق) अ वि –सच्चा मार्ग दर्शक अर्थात् ईश्वर।
हादिम (ہادم) अ वि –नष्ट करनेवाला ध्वंसकारी।
हादिमुल्लज़्ज़ात (ہادم اللذات) अ पु –यमराज यमदूत धर्मराज मौत का फ़िरिश्ता।
हादिर (ہادر) अ पु –वह दूध जो ऊपर से जमकर दही बन गया हो और नीचे पतला पानी हो।
हादिस (حادثہ) अ पु –दुर्घटना सानिहः नयी वारिदात नयी घटना विपत्ति मुसीबत।
हादिस (حادث) अ वि –नयी पैदा होनेवाली वस्तु जो सदा से न हो जो क़दीम न हो मादः भूत।
हादिसए फ़ाजिअः (حادثہ فاجعہ) अ पु –बहुत ही भयानक दुर्घटना, मृत्यु आदि की घटना।
हादी (حادی) अ पु –सारवान ऊँटवाला उष्ट्रपाल।
हादी (ہادی) अ वि –पथप्रदर्शक रास्ता दिखानेवाला नेता लीडर।
हादी अशर (حادی عشر) अ वि –ग्यारहवाँ।
हाद्द (حادّ) अ वि –तीव्र प्रचंड तेज (स्त्रीलिंग शब्दों के साथ)।
हानम (خانم) तु स्त्री –ख़ानम ख़ातून महात्मा श्रीमती।
हानिस (حانث) अ वि –शपथ तोड़नेवाला।
हानूत (حانوت) अ स्त्री –दुकान मद्यशाला शराब की दुकान।
हाफ़िज़ः (حافظہ) अ पु –याददाश्त की क़ुव्वत स्मरण शक्ति।
हाफ़िज़ (حافظ) अ पु –जिसकी याददाश्त अच्छी हो जिसे कुरान कंठ हो रक्षक बचानेवाला।
हाफ़िज़े कुर्आन (حافظ قرآن) अ पु –जिसे पूरा कुरान ज़बानी याद हो।
हाफ़िज़े हक़ीक़ी (حافظ حقیقی) अ पु –सच्ची रक्षा करनेवाला अर्थात् ईश्वर।
हाफ़िद (حافدہ) अ स्त्री –पोती लड़के की लड़की नवासी लड़की की लड़की।
हाफ़िद (حافد) अ वि –मित्र दोस्त सेवक, शिष्य पोता लड़के का लड़का नवासा लड़की का लड़का।
हाफ़िर (حافر) अ वि –गढ़ा खोदनेवाला कुआँ खोदनेवाला घोड़े की टाप।
हाफ़ी (حافی) अ वि –नंगे पाँव फिरनेवाला न्यायवर्ती क़ाज़ी।

हाबित (هابط) अ वि—नीचे उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आनेवाला।

हाबिसः (حابسه) अ स्त्री—रोकनेवाली, रोधिका।

हाबिस (حابس) अ. वि—रोकनेवाला, रोधक, शरीर से रक्त आदि को निकलने से रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसात (حابسات) अ स्त्री—हाबिस का बहु, वह ओषधियाँ जो शरीर से निकलनेवाली धातुओं को रोके।

हाबिसे इस्हाल (حابس اسهال) अ वि—दस्तों को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे ख़ून (حابس خون) अ फा वि—रक्त-प्रवाह को रोकनेवाली दवा, रक्तावरोधक।

हाबिसे तम्स (حابس طمث) अ. वि—रजस्राव को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे दम (حابس دم) अ वि—रक्तावरोधक, ख़ून को निकलने से रोकनेवाली दवा।

हाबी (هابی) अ स्त्री—क़ब्र की मिट्टी।

हाबील (هابیل) अ पु—आदम का पुत्र, जिसे क़ाबील ने मार डाला था।

हामः (هامه) अ स्त्री—कपाल, खोपड़ी, ललाट, माथा; अपने गोत्र या जाति का नायक।

हाम (حام) अ पु—नूह का एक लड़का।

हामान (هامان) अ. पु—फ़िरऔन का वज़ीर जो बड़ा अत्याचारी था।

हामिज़ (حامض) अ वि—खट्टा, अम्ल, तुर्श।

हामिद (هامد) अ. पु—सूखी घास, पुराना वस्त्र।

हामिज़ (هامز) अ वि—निंदा करनेवाला, आँख से संकेत करनेवाला।

हामिद (حامد) अ. वि—प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

हामिलः (حامله) अ स्त्री.—वह स्त्री जिसके पेट में बच्चा हो, गर्भिणी, अंतर्वत्नी, गुर्विणी, सगर्भा, आपन्नसत्त्वा, अन्तर्वत्नी, अंतःसत्त्वा, द्विहृदया, गर्भगुर्वी, गर्भवती, बोझ उठानेवाली।

हामिल (هامل) अ पु—वह ऊँट जो बिना रखवाले के चरागाह में छोड़ दिया गया हो।

हामिल (حامل) अ. वि—बोझ उठानेवाला, धारण करनेवाला, रखनेवाला।

हामिले अरीज़ः (حامل عریضه) अ पु—चिट्ठी अपने साथ लानेवाला, जो किसी के पास अपने काम के लिए या किसी के लिए चिट्ठी ले जाय।

हामिले मत्न (حامل متن) अ वि—वह पुस्तक जिसमें टीका के साथ उसका मत्न भी हो।

हामिले वही (حامل وحی) अ पु—ईश्वरादेश ग्रहण करनेवाला, ईशदूत, पैग़ंबर।

हामिश (هامش) अ. पु—हाशिया, किनारा।

हामी (هامی) अ वि—चकित, निस्तब्ध, हैरान, आतुर, व्याकुल, परीशान।

हामी (حامی) अ वि—पक्षपाती, सहायक, मददगार; मित्र, दोस्त, पृष्ठ-पोषक, हिम्मत बढ़ानेवाला।

हामुन (هامن) फा अ पु—'हामून' का लघु, दे 'हामून'।

हामूँ (هاموں) फा पु—'हामून' का लघु., दे. 'हामून'।

हामूँगर्द (هاموں گرد) फा. वि—जंगलों में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी।

हामूँनवर्द (هاموں نورد) फा वि—दे 'हामूँगर्द'।

हामून (هامون) फा पु—बड़ा मैदान, वन, जंगल, मरुभूमि, रेगिस्तान।

हामूम (هاموم) अ पु—पिघली हुई चर्बी; ऊँट का कोहान।

हारः (حاره) फा पु—किसी नगर या क़स्बे का महल्ला, टोला।

हार [र्र] (حار) अ. वि—उष्ण, तप्त, गर्म, गर्म ख़ासियत रखनेवाला स्वभाव या ओषधि, उष्णवीर्य।

हार (هار) फा पु.—माला, फूलों या मोतियों आदि की माला।

हार (هار) अ वि—गिरा हुआ, नष्ट, ध्वस्त।

हारिज (هارج) अ वि—उपद्रवकारी, गड़बड़ी फैलानेवाला।

हारिज (حارج) अ वि—हानिकर, नुक़सान करनेवाला।

हारिब (هارب) अ वि—भागनेवाला, पलायक।

हारिश (هارش) फा स्त्री.—अपने को बना-ठना दिखाने का शौक़।

हारिस (حارث) अ पु—व्याघ्र, शेर, कृषीवल, कृषक, किसान।

हारिस (حارس) अ वि—संरक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगहबान।

हारिस (حارص) अ. वि.—लोलुप, लोभी, लालची।

हारूँ (هاروں) अ पु—'हारून' का लघु, दे. 'हारून'।

हारूत (هاروت) अ पु.—एक फ़रिश्ता जिसके लिए कहा जाता है कि 'मारूत' के साथ बाबिल के कुएँ में बंद है और लोगों को जादू सिखाता है।

हारूतफ़न (هاروت فن) अ फा. वि—जादूगर, इंद्रजाली, मायावी, ऐंद्रजालिक।

हारूती (هاروتی) अ. वि—जादू का काम, मायाकर्म, इंद्रजाल।

हारून (هارون) अ पु—दूत, क़ासिद, राजदूत, सफ़ीर, संरक्षक, पासबान।

हारूनी (هارونی) अ वि—दूतकर्म वासिनी, राजदूत का काम या पद सिफ़ारत, रक्षा, हिफ़ाज़त।

हार (حاره) अ वि—गर्म तप्त (स्त्रीलिंग वस्तु), खेती की ज़मीन बाये हुए खेत।

हाल (هاله) फा पु—चाँद या सूरज के गिर्द पड़नेवाला घेरा मंडल परिवेष।

हाल (حال) अ पु—दशा हालत, वत्तात कैफ़ियत, वज्द झूमना।

हालए माह (هالهٔ ماه) फा पु—चंद्रमंडल चंद्रबिंब शशि मंडल।

हालए मेह्र (هالهٔ مهر) अ पु—रविमंडल रविबिंब सूर्यमंडल।

हालए शम्स (هالهٔ شمس) फा अ पु—दे हालए मेह्र।

हाल (حال) अ पु—वृत्तांत बयान दशा हालत वर्तमान काल, ज़मानए हाल समाचार, ख़बर।

हाल (هال) फा पु—सफ़ेद इलाइची मुख चन नत नाच चौगान की गेंद।

हालगाह (هالگاه) फा स्त्री—चौगान खेलने का मैदान।

हालत (حالت) अ स्त्री—दशा अवस्था वत्तात, हाल घटना वाक़िआ समाचार, ख़बर।

हाल्ते इन्तिज़ार (حالت انتظار) अ स्त्री—प्रतीक्षा की अवस्था किसी के राह देखने की बेचैनी।

हाल्ते नज़अ (حالت نزع) अ स्त्री—मरते समय की दशा जाकनी, चढ़ा।

हालते मौजूद (حالت موجوده) अ स्त्री—आधुनिक अवस्था उपस्थित अवस्था।

हालाँकि (حالانکه) अ फा अव्य—यद्यपि अगरचे।

हालात (حالات) अ पु—'हालत' का बहु हालतें दशाएँ।

हालाते मौजूद (حالات موجوده) अ पु—आजकल के समाचार ताज़ा ख़बरें मौजूदा समय की सियासी हलचलें उपस्थित समय की उथल-पुथल।

हालिक (حالک) अ वि—बहुत अधिक काला।

हालिक (هالک) अ वि—प्राण लेनवाला घातक।

हालिब (حالب) अ वि—दूध दुहनेवाला दोहक रान की एक रग।

हालिय (حالیه) अ वि—आधुनिक, उपस्थित समय का ताज़ा नया।

हाली (حالی) अ वि—हाल का आधुनिक, आभूषित शृंगारित ज़ेवर से आरास्त।

हावन (هاون) फा पु—लकड़ी की ओखली उलूखल, लोह का दवा आदि कूटने का ओखल जैसा पात्र।

हावनदस्त (هاون‌دسته) फा पु—लोह का खरल और कूटने का मूसल।

हाविय (هاویه) अ पु—नरक का सातवाँ तल।

हावी (حاوی) अ वि—छाया हुआ, आच्छादित जिसने किसी चीज़ को ढाँक लिया हो जो अपना चतुराई शक्ति या छल से किसी पर क़ाबू रखता हो।

हावुन (هاون) अ पु—दे हावन।

हाश लिल्लाह (حاش لله) अ वा—ख़ुदा ऐसा न कर एसा कभी न हो, इस शब्द का हाशालिल्लाह पढ़ना ग़लत है, जैसा अक्सर कमइल्म लोग बोलते या लिखते हैं।

हाशा (حاشا) अ वि—कदापि हरगिज़, क़ाहि, पनाह पवित्रता, पाकी एस समय बोलत ह जब किसी बात से अपनी बिल्कुल ही अज्ञानता या निष्पक्षता प्रकट करनी होती है।

हाशा व कल्ला (حاشا وکلا) अ वि—कदापि नहीं ज़रा भी नहीं जब किसी (विशेषत बुरी) बात से अपना निष्पक्षता और बे ख़बरी ज़ाहिर करनी होती है तो कहते हैं।

हाशा सुम्म हाशा (حاشاثم حاشا) अ वि—दे हाशा व कल्ला।

हाशिम (هاشم) अ वि—हज़रत मुहम्मद साहब के वंश प्रवर्तक पियाले में रोटी मलनेवाला।

हाशिमी (هاشمی) अ वि—हाशिम के वंशज।

हाशिय (حاشیه) अ पु—चादर या सारी आदि के किनारे की गोट या बेलबूटे किनारा किसी पुस्तक के नीचे दी हुई टीका टिप्पणी।

हाशियनशीन (حاشیه‌نشین) अ फा वि—दरबार आदि में मंडलाकार बैठनेवाले सभासद किसी बड़े आदमी के पास उठने-बैठनेवाले मुसाहिब।

हाशियनशीनी (حاشیه‌نشینی) स्त्री० दरबारदारी किसी बड़े आदमी की सेवा में प्राय उपस्थिति।

हाशिर (حاشر) अ पु—हज़रत मुहम्मद साहब का एक नाम।

हासिद (حاسد) अ वि—हसद करनेवाला डाही ईर्ष्यालु मत्सरी।

हासिदीन (حاسدین) अ पु—हासिद का बहु डाह करन वाले लोग जलने और हसद करनेवाले।

हासिब (حاصب) अ पु—वह आँधी जिसमें कंकड़ पत्थर हो वह बादल जो ओले बरसाये।

हासिर (حاسر) अ वि—गिननेवाला शुमार करनेवाला, निगर रखनेवाला हद करनेवाला।

हासिर (حاسر) अ वि –पश्चात्ताप करनेवाला, हस्रत करनेवाला, अफसोस करनेवाला।
हासिल (حاصل) अ. वि.–प्राप्त, वुसूल, उपलब्ध, दस्तयाव; आय, आमदनी, राजस्व, जमीन की आमदनी; निष्कर्ष, नतीजा।
हासिलखेज (حاصل خیز) अ फा वि –उर्वरा, उपजाऊ, जरखेज।
हासिलवुसूल (حاصل وصول) अ पु –लाभ, नफा; परिणाम, नतीजा।
हासिलात (حاصلات) अ स्त्री –'हासिल' का वहु., गाँव की आमदनी, जमीनो और खेतो का लगान।
हासिले कलाम (حاصل کلام) अ. पु –वात का निचोड, गुफ्तगू का सार या निष्कर्ष।
हासिले किस्मत (حاصل قسمت) अ. पु –दे. 'हासिले तक्सीम'।
हासिले जम्अ (حاصل جمع) अ पु –जोड, योगफल, मीज़ान।
हासिले ज़र्व (حاصل ضرب) अ पु –दो सख्याओ को परस्पर गुणा करने से प्राप्त सख्या, घात, गुणनफल।
हासिले तक़्सीम (حاصل تقسیم) अ पु.–वडी सख्या को छोटी सख्या मे भाग देने से प्राप्त सख्या, लब्धाक, भजनफल, भागफल, लब्धि।
हासिले तफ़्रीक़ (حاصل تفریق) अ. पु –वडे अदद मे से छोटे अदद को घटाने से प्राप्त अदद, शेष।
हासिले वाजार (حاصل بازار) अ फा. पु –वाजार की आमदनी।
हासिले मतलव (حاصل مطلب) अ पु –साराश, खुलासा, निष्कर्ष, नतीजा।

हि

हिंतः (حنطہ) अ. पु –गेहूँ, गोधूम।
हिंद (ہند) फा पु –भारत, हिदुस्तान।
हिंदवा (ہندوا) फा स्त्री –कासनी, एक वनौषधि जो दवा के काम आती है।
हिंदसः (ہندسہ) अ पु –सख्या, अदद, गणित, रियाजी।
हिंदसःदाँ (ہندسہ داں) अ. फा वि –रियाजी का माहिर, गणितज्ञ।
हिंदसःदानी (ہندسہ دانی) अ फा स्त्री –रियाजी जानना, गणितज्ञता।
हिंदी (ہندی) फा स्त्री –देवनागरी भाषा, नागरी, (पु) भारत का निवासी, हिदुस्तानी।
हिंदीज़वाँ (ہندی زباں) फा. वि –हिंदीभाषा-भाषी, जिसकी मातृभाषा हिंदी हो।
हिंदीदाँ (ہندی داں) फा वि.–हिंदी भाषा जाननेवाला, जो हिंदी लिखना-पढना जानता हो।
हिंदीदानी (ہندی دانی) फा. स्त्री –हिंदी लिखना-पढना जानना।
हिंदी नज़ाद (ہندی نژاد) फा वि –जो व्यक्ति हिंदुस्तान मे पैदा हुआ हो, हिंदी, भारतीय।
हिंदुआनः (ہندوانہ) फा पु –तरवूज, कलीदा, मासफल, चित्रफल, फलराज।
हिंदुस्ताँ (ہندستاں) फा पु –'हिंदुस्तान' का लघु, दे. 'हिंदुस्तान'।
हिंदुस्तान (ہندستان) फा. पु –भारत, भारतवर्ष, इंडिया, हिंद।
हिंदुस्तानी (ہندستانی) फा. पु –भारत का निवासी, भारतीय, (स्त्री) हिंदुस्तान की भाषा, एक भाषा जो हिंदी-उर्दू के मिश्रण से वनी है।
हिंदू (ہندو) फा. पु –हिंदुस्तान का वह व्यक्ति जो मूर्तिपूजा करता और वैदिक धर्मावलंवी है।
हिंदुए चर्ख (ہندوے چرخ) फा. पु –शनि ग्रह, जुहल।
हिंदूए चश्म (ہندوے چشم) फा. पु –आँख की पुतली, कनीनी।
हिंदूए फ़लक (ہندوے فلک) फा. अ. पु –दे. 'हिं. चर्ख'।
हिंदू कश (ہندو کش) फा. पु –एक पहाड।
हिंदूकोह (ہندو کوہ) फा पु –दे 'हिंदूकश'।
हिंदूज़न (ہندو زن) फा. स्त्री.–हिंदू स्त्री जो पतिव्रता और साध्वी होती और अपने धर्म कर्त्तव्य का पालन करने की चेष्टा करती है।
हिंदूज़ाद (ہندو زاد) फा. पु –हिंदू का लडका।
हिंदूमज़्हव (ہندو مذہب) फा. अ. वि –हिंदूधर्म रखनेवाला।
हिंदोस्ताँ (ہندوستاں) फा पु –हिंदोस्तान' का लघु, दे. 'हिंदोस्तान'।
हिंदोस्ताँज़ाद (ہندوستاں زاد) फा पु –हिंदुस्तान में पैदा होनेवाला, हिंदुस्तानी।
हिंदोस्तान (ہندوستان) फा पु –भारत, हिंदुस्तान।
हिंदोस्तानी (ہندوستانی) फा पु –भारतीय, हिंदुस्तानी, (स्त्री) एक भाषा हिंदुस्तानी।
हिकम (حکم) अ. स्त्री –'हिक्मत' का वहु, हिक्मते, ज्ञान की वाते।

हिकायत (حکایت) अ स्त्री–कथा कहानी, वार्ता, बात, वृत्तान्त हाल।

हिकायतगर (حکایتگر) अ फा वि–कहानी कहनेवाला किस्सा सुनानेवाला, वृत्तांत बतानेवाला हाल कहनेवाला।

हिकायतन (حکایتاً) अ वि–कहानी के तौर पर, सुनी सुनायी बात के रूप में।

हिक्क (حکّہ) अ स्त्री–खुजली मर्ज़, कहू।

हिक्द (حقد) अ पु–द्वेष, कीना गुबार नाखुशी, वैर दुश्मनी।

हिक्मत (حکمت) अ स्त्री–विज्ञान साइंस आयुर्वेद तिब बुद्धिमत्ता दानाई युक्ति तर्कीब।

हिक्मतआईन (حکمت آئین) अ फा वि–हिक्मत और युक्ति से पूर्ण बुद्धि और विवेक से पूर्ण।

हिक्मतआगीं (حکمت آگیں) अ फा वि–दे हिक्मत आईन।

हिक्मतआमेज़ (حکمت آمیز) अ फा वि–युक्तिपूर्ण बुद्धिपूर्ण दानाई और तदब्बुर से भरा हुआ।

हिक्मतआमोज़ (حکمت آموز) अ फा वि–बुद्धि और मनीषा सिखानेवाला।

हिक्मतआरा (حکمت آرا) अ फा वि–बुद्धिमान विवेकी मनीषी दाना।

हिक्मते अमली (حکمت عملی) अ स्त्री–कूटनीति पालिसी।

हिक्मते इलाही (حکمت الٰہی) अ स्त्री–ईश्वरेच्छा खुदा की मर्ज़ी।

हिक्मते बालिग़ा (حکمت بالغہ) अ स्त्री–बहुत बड़ी हिक्मत पूरी चतुराई और बुद्धिमत्ता।

हिक्मते मुदनी (حکمت مدنی) अ स्त्री–नगर का प्रबंध परस्पर रहन-सहन के उसूल।

हिज़ब्र (ہزبر) अ पु–व्याघ्र सिंह शेर।

हिजा (ہجا) अ स्त्री–निन्दा, अपवाद अपकीर्ति बुराई अक्षरों का मात्राओं के साथ उच्चारण।

हिज़ाअ (ہزاع) अ पु–दुर्बल और अशक्त व्यक्ति उदासीन खिन्न बद्दिल।

हिजाज़ (حجاز) अ पु–अरब का वह प्रदेश जिसमें मक्का और मदीना है।

हिजाब (حجاب) अ पु–आड़ पर्दा ओट लज्जा लाज शर्म संकोच झिझक हिचकिचाहट।

हिजाबत (حجابت) अ स्त्री–द्वारपाल का काम ड्योढ़ीदारी।

हिजामत (حجامت) अ स्त्री–पछने या सिंघी लगवाना पछने या सिंघी लगाना।

हिजार (حجارہ) अ पु–पत्थर प्रस्तर पाषाण।

हिज़ार (حذار) अ पु–भय त्रास डर।

हिजाल (حجال) अ पु–'हज्ल' का बहु, दुल्हनों के कमरे दुल्हनों की सेजें।

हिज्ज (حجّہ) अ पु–वर्ष, साल, एक बार हज करना।

हिज्जीर (ہجّیر) अ स्त्री–स्वभाव प्रकृति आदत।

हिज़्ब (حزب) अ पु–पक्ष दल पार्टी, जमाअत, गुरोह।

हिज़्बुल अह्रार (حزب الاحرار) अ पु–आज़ाद मेम्बरों की पार्टी लिबरल पार्टी स्वतंत्र दल।

हिज़्बुल इक्तिदार (حزب الاقتدار) अ पु–शासन-पक्ष हुकूमत की पार्टी।

हिज़्बुलइख़्तियार (حزب الاختیار) अ पु–दे 'हिज़्बुल इक्तिदार'।

हिज़्बुलइख़्तिलाफ़ (حزب الاختلاف) अ पु–मुख़ालिफ़ मेम्बरों की पार्टी विरोधी दल।

हिज़्बुलउम्माल (حزب العمال) अ पु–मज़दूरों की पार्टी लेबरपार्टी श्रमिकदल।

हिज़्बुल्मुस्तबिद्दीन (حزب المستبدین) अ पु–कंज़र वेटिव पार्टी अनुदार दल।

हिज़्बुल्लाह (حزب اللہ) अ पु–महात्माओं की जमाअत।

हिज़्बे इक्तिदार (حزب اقتدار) अ पु–दे हिज़्बुल इक्तिदार।

हिज़्बे इख़्तिलाफ़ (حزب اختلاف) अ पु–विरोधी पक्ष ख़िलाफ़ पार्टी।

हिज़्बे मुआफ़िक़ (حزب موافق) अ पु–सत्पक्ष एकपक्षीय।

हिज़्बे मुख़ालिफ़ (حزب مخالف) अ पु–विरोधी पक्ष मुख़ालिफ़ पार्टी विपक्ष।

हिज्र (ہجر) अ पु–वियोग विरह जुदाई फ़िराक़।

हिज्रत (ہجرت) अ स्त्री–देश की जन्मभूमि वतन छोड़ना परदेस में बसना प्रवास।

हिज्रनसीब (ہجرنصیب) अ वि–जिसकी क़िस्मत में वियोग ही वियोग हो।

हिज्रां (ہجراں) अ फा पु–हिज्र वियोग जुदाई।

हिज्रांज़दा (ہجراں زدہ) अ फा वि–वियोग का सताया हुआ, विरहग्रस्त।

हिज्रांदीद (ہجراں دیدہ) अ फा वि–जिसने विरह का दुःख दर्द और सहा हो।

हिज्रांनसीब (ہجراں نصیب) अ वि–जिसके भाग्य में सदा ही विरहग्रस्त होना लिखा हो।

हिज्री (هجری) अ वि –हिज्रतवाला; इस्लामी संवत्सर जो हज्रत मुहम्मद साहिब की हिज्रत से प्रारंभ होता है।

हिरलाज (هرلاج) अ पु –वृक, भेड़िया, (वि.) फुर्तीला, चुस्त।

हिदायत (ہدایت) अ स्त्री –शिक्षा, सीख, आदेश हुक्म; अमुक कार्य में ऐसा-ऐसा करना है, यह सूझ निदेश, अनुदेश, सन्मार्ग दिखाना, रहनुमाई करना, गुरुदीक्षा, पीर की तल्कीन।

हिदायतआमेज़ (ہدایت آمیز) अ. फा वि –हिदायतों से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण।

हिदायतआमोज़ (ہدایت آموز) अ फा वि –हिदायतें सिखानेवाला, सीख देनेवाला।

हिदायतकार (ہدایت کار) अ फा. वि –हिदायत देने-वाला, निर्देशक, अनुदेशक, निर्देष्टा।

हिदायतनामः (ہدایت نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमें हिदायतों का विवरण हो, अनुदेशपत्र।

हिद्दत (حدت) अ स्त्री.–तीव्रता, उग्रता, तेजी, उष्णता, गर्मी, हरारत, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, शरीर की धातु में तीव्रता।

हिद्दते मिज़ाज (حدت مزاج) अ स्त्री –स्वभाव में क्रोध होना, मिज़ाज में गुस्सा होना।

हिद्दते सफ़्रा (حدت صفرا) अ.स्त्री.–पित्त का प्रकोप, सफ़्रे की तेज़ी।

हिना (حنا) फा. स्त्री –एक पत्ती जिससे हाथ-पाँव रँगे जाते हैं, रक्तगर्भा, रक्त रंगा, मेंहदी।

हिनाई (حنائی) अ. वि.–मेंहदी लगा हुआ, मेंहदी लगाकर लाल किया हुआ।

हिनाबंद (حنابند) फा वि –मेंहदी लगानेवाला।

हिनाबंदी (حنابندی) फा स्त्री –मेंहदी लगाना।

हिनाबस्तः (حنابستہ) फा वि –मेंहदी लगा हुआ, हाथ या पाँव जिसमें मेंहदी लगी हो।

हिफ़ाज़त (حفاظت) अ स्त्री –रक्षा, बचाव, देख-रेख, निरीक्षण, सतर्कता, होशियारी, सावधानी।

हिफ़ाज़ती (حفاظتی) अ वि –जो रक्षा के लिए हो, जैसे–'हिफ़ाज़ती दस्त'।

हिफ़ाज़ते ख़ुदइख़्तियारी (حفاظت خوداختیاری) अ फा स्त्री –आत्मरक्षा।

हिफ़ाज़ते जानोमाल (حفاظت جان و مال) अ फा स्त्री – प्राण अथवा धन की रक्षा, पूरी रक्षा।

हिफ़ादत (حفادت) अ स्त्री –अनुकंपा, दया, मेहरबानी; हर्ष, प्रसन्नता, ख़ुशी, दे 'इफ़ादत' [illegible]

हिफ़्ज़ (حفظ) अ.पु –रक्षा, हिफ़ाज़त, कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

हिफ़्ज़ान (حفظان) अ. पु.–रक्षा, हिफ़ाज़त, संरक्षण।

हिफ़्ज़ाने सेहत (حفظان صحت) अ पु.–तन्दुरुस्ती की हिफ़ाज़त, स्वास्थ्य-रक्षा; सेहत का महकमा, स्वास्थ्य-विभाग।

हिफ़्ज़े अम्न (حفظ امن) अ. पु.–अम्न की हिफ़ाज़त, शान्तिरक्षा।

हिफ़्ज़े मरातिब (حفظ مراتب) अ. पु –हैसियत और दर्ज का लिहाज़।

हिफ़्ज़े मातक़द्दुम (حفظ ماتقدم) अ. पु –अनिष्ट से बचने के लिए पहले से किया जानेवाला उपाय।

हिफ़्ज़े शबाब (حفظ شباب) अ. पु –जवानी की हिफ़ाज़त, यौवनरक्षा।

हिबः (ہبہ) अ पु –दान, अनुदान, बख़्शिश, पुरस्कार, पारितोषिक, इनआम।

हिबःकुनिंदः (ہبہ کنندہ) अ. फा. वि –दान करनेवाला, अनुदाता, पुरस्कारदाता, इन्आम में कोई चीज़ लिखने-वाला।

हिबः नामः (ہبہ نامہ) अ फा. पु –दानपत्र, बख़्शिशनामा।

हिमम (ہمم) अ.स्त्री.–'हिम्मत' का बहु., हिम्मतें, उदारताएँ।

हिमायत (حمایت) अ. स्त्री –पक्षपात, तरफ़दारी, सहायता, मदद, पृष्ठ पोषण, थपकी, पीठ ठोककर हिम्मत बढ़ाना, मैत्री, दोस्ती।

हिमायतगर (حمایت گر) अ फा. वि –पक्षपाती, तरफ़दार, सहायक, मददगार; पृष्ठपोषक, थपकी देनेवाला।

हिमायती (حمایتی) अ. वि –पक्षपाती, सहायक, पृष्ठ-पोषक, मित्र।

हिमारः (حمارہ) अ. स्त्री –गर्दभी, रासभी, गधी, मादा ख़र।

हिमार (حمار) अ. पु.–गर्दभ, रासभ, वासत, गधा, ख़र।

हिम्मत (ہمت) अ. स्त्री –साहस, जुरअत, उत्साह, हौसला, धृष्टता, ढीठपन।

हिम्मतअफ़्ज़ा (ہمت افزا) अ फा. वि –हौसला बढ़ाने-वाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हिम्मतअफ़्ज़ाई (ہمت افزائی) अ फा –हौसला बढ़ाना, प्रोत्साहन देना।

हिम्मतवर (ہمت ور) अ फा स्त्री –हिम्मतवाला, साहसी, उत्साही।

हिम्मतवरी (ہمت وری) अ. फा. स्त्री.–हिम्मती होना, साहसी होना।

हिम्मतशिकन (ہمت شکن) अ फा. वि –हौसला तोड़ने-वाला, उत्साह [illegible]

हिम्मतशिक्नी (همت‌شکنی) अ फा स्त्री–हौसला तोड़ना, उत्साहभेदन।
हिम्मिस (حمص) अ पु–चना, चणक एक प्रसिद्ध अन्न।
हियल (حیل) अ पु–हीले का बहु हीले बहाने छल।
हियातत (حیاطت) अ स्त्री–संरक्षण निगहबानी चौकसी सावधानी सतर्कता, एहतियात।
हिरक्ल (هرقل) अ पु–प्राचीन रोम के शासकों की उपाधि।
हिरा (حرا) अ पु–मक्के के पास एक पहाड़ जिसमें हजरत मुहम्मद साहब ईश्वर का ध्यान किया करते थे।
हिरात (هرات) फा पु–अफ्गानिस्तान का एक नगर।
हिरावल (هراول) तु पु–सेना का वह भाग जो आगे चलता है, सेनाग्र।
हिरास (هراس) फा पु–वह कृत्रिम मनुष्य जो खेत आदि में जंगली जानवरों को डराने के लिए बना देते हैं।
हिरास (هراس) फा पु–भय त्रास डर, शंका, आशंका खत्रा निराशा नाउम्मेदी।
हिरास आमेज़ (هراس‌آمیز) फा वि–निराशापूर्ण, नाउम्मीदाना भयपूर्ण खौफ से भरा हुआ।
हिरासत (حراست) अ स्त्री–निरीक्षण, निगरानी, ऐसी निगरानी जिसमें आदमी कहीं जा-आ न सके न किसी से बात कर सके न खुला रह सके हवालात।
हिरासत (حراثت) अ स्त्री–खेतीबाड़ी कृषिकर्म काश्तकारी।
हिरासती (حراستی) अ वि–हिरासत में लिया हुआ।
हिरासाँ (هراساں) फा वि–भयभीत डरा हुआ खाइफ निराश हताश नाउम्मेद।
हिरासिंदः (هراسندہ) फा वि–डरानेवाला खौफ दिलाने वाला।
हिरासीदः (هراسیدہ) फा वि–डराया हुआ भयभीत किया हुआ।
हिर्किल (هرقل) अ पु–दे हिरक्ल दोनों शुद्ध हैं।
हिर्ज़ (حرز) अ पु–तावीज़ रक्षा कवच दृढ़ स्थान मज़्बूत जगह।
हिर्जून (حرزون) अ स्त्री–छिपकली गोधिका गृहगोधा अजरा।
हिर्जे जाँ (حرزجاں) अ फा पु–प्राणों की रक्षा का कवच बहुत ही प्रिय वस्तु।
हिर्दी (هردی) फा स्त्री–हल्दी हरिद्रा ज़र्दचोब।
हिर्फ़ (حرف) अ पु–उद्यम रोज़गार व्यवसाय पेशा।
हिर्फ़त (حرفت) अ स्त्री–उद्यम रोज़गार व्यवसाय पेशा, शिल्प दस्तकारी धूर्तता, चालाकी छल फरेब।
हिर्फ़ती (حرفتی) अ वि–उद्यम सम्बन्धी, धूर्त वंचक, ठग।
हिर्बा (حربا) फा पु–गिरगिट, कृकलास, सरट, कुलाहक।
हिर्म (حرم) अ वि–वह पदार्थ जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो।
हिर्मां (حرماں) अ पु–निराशा नैराश्य, नाउम्मेदी, दुर्भाग्य, बदकिस्मती।
हिर्मांज़द (حرماں‌زدہ) अ फा वि–निराशाग्रस्त ना उम्मीद, अभागा, बदनसीब।
हिर्मांनसीब (حرماں‌نصیب) अ वि–जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा हो।
हिर्मांपसन्द (حرماں‌پسند) अ फा वि–जिसका निराशा ही जीवन हो निराशावादी।
हिर्मास (هرماس) अ पु–व्याघ्र, केसरी सिंह, नर।
हिर्र (هرّہ) अ स्त्री–मार्जारी बिल्ली।
हिर्रीफ़ (حریف) अ वि–जिसका स्वाद चरपरा हो।
हिर्स (حرص) अ स्त्री–लोभ लिप्सा लालच, हवस।
हिर्सो आज़ (حرص‌وآز) अ फा स्त्री–लोभ और लालच, लालच की प्यास।
हिर्सो हवस (حرص‌وہوس) अ फा स्त्री–दे हिर्सो आज़।
हिर्सो हवा (حرص‌وہوا) अ फा स्त्री–लोभ और लालच, बढ़ी हुई हिर्स।
हिलाल (ہلال) अ पु–नवचन्द्र नया चाँद बालेंदु बालचन्द्र।
हिलालनुमा (ہلال‌نما) अ फा वि–नये चाँद के आकार का।
हिलाली (ہلالی) अ वि–नये चाँद-जैसा नव चन्द्राकार, टेढ़ा वक्र खमीद।
हिलाले ईद (ہلال عید) अ पु–ईद का चाँद।
हिलाले नौ (ہلال نو) अ फा पु–नया चाँद, नवचन्द्र, बालेंदु।
हिल्तीत (حلتیت) अ स्त्री–हींग एक प्रसिद्ध गोंद हिंगु।
हिल्म (حلم) अ पु–गंभीरता धीरता शांति मतानत सहिष्णुता सहनशीलता तहम्मुल।
हिल्मशिआर (حلم‌شعار) अ वि–गंभीर धीर शांत मतीन, सहिष्णु सहनशील बुर्दबार।
हिल्य (حلیہ) अ पु–मुखाकृति चेहरा नखशिख सरापा आभूषण, ज़ेवर।
हिल्यून (حلیون) अ पु–एक दाने जो दवा में काम आते हैं।
हिल्ल (حلہ) अ पु–स्थान जगह गंतव्य मंज़िल सभा, मज्लिस।
हिल्लत (حلت) अ स्त्री–खान-पान का धर्म के अनुसार ठीक होना, विहित होना हलाल होना।

हिल्लतो हुर्मत (حلت و حرمت) अ. स्त्री –धर्म के अनुकूल या धर्म के प्रतिकूल होना, विहित या वर्जित होना, हरामो हलाल।
हिल्स (حلس) अ. पु –मोटी कमली, मोटा वुस्सा।
हिश्तः (هشته) फा वि –छोडा हुआ।
हिश्तनी (هشتنی) फा वि –छोडने योग्य।
हिश्फ़ (حسف) अ. स्त्री –आहट, सुक सुक।
हिश्मत (حشمت) अ स्त्री –आतक, रोव, तेज, प्रताप, इक्बाल; लज्जा, शर्म, श्रेष्ठता, वुजर्गी, क्रोव।
हिस [स्स] (حس) अ स्त्री.–संवेदन, अनुभव, एहसास; सवेदन शक्ति, कुव्वते हिस।
हिसस (حصص) अ. पु.–'हिस्स' का वहु, हिस्से, टुकडे, खड, अश।
हिसान (حصان) अ पु.–अश्व, घोडा, साँड घोडा।
हिसानत (حصانت) अ स्त्री –दृढता, पुष्टि, पाइदारी, मजवूती।
हिसाव (حساب) अ. पु.–गणना, शुमार, गणित, रियाज़ी, लेन-देन, व्यवहार, दर, शर्ह, निर्ख, दी जाने या ली जानेवाली रकम, कियामत के दिन नेकी-वदी का हिसाव।
हिसावदाँ (حساب داں) अ फा वि –गणितज्ञ, रियाजीदाँ, हिसाव जाननेवाला।
हिसावदानी (حساب دانی) अ फा. स्त्री –गणितज्ञता, रियाज़ी जानना।
हिसावफह्मी (حساب فہمی) अ फा स्त्री.–लेन-देन का परस्पर हिसाव समझना।
हिसावी (حسابی) अ वि.–हिसाव सम्वन्धी, हिसाव का अच्छा जाननेवाला।
हिसावे दोस्ताँ (حساب دوستاں) अ फा पु –मित्रो का हिसाव, जिसमे कमी-वढी का सवाल नही होता।
हिसावो किताव (حساب و کتاب) अ पु –लेन-देन का हिसाव, वहीखाते का हिसाव।
हिसार (حصار) अ पु –परिधि, घेरा, इहाता, दुर्ग, गढ, किला, मत्र द्वारा वनाया हुआ वह घेरा जिसमें कोई आपत्ति प्रवेश नही कर सकती, कुडली, चक्र।
हिसारवन्द (حصاربند) अ फा. वि –जो किले मे वंद होकर वैठ जाय, वह व्यक्ति जो मत्र द्वारा वनाये हुए कुडल मे आपत्तियो से सुरक्षित वैठा हो।
हिसारवंदी (حصاربندی) अ. फा स्त्री –किले मे वंद होकर वैठ जाना, कुडली मे वैठना।
हिसारे आफियत (حصار عافیت) अ पु –रक्षा का स्थान, जहाँ कोई जान जोखिम न हो।
हिसेव (حسیب) फा. पु –'हिसाव' का इमाल, दे 'हिसाव'।
हिस्न (حصن) अ पु.–रक्षास्थान, वचाव की जगह; दुर्ग, गढ, किला।
हिस्ने मुअल्लक (حصن معلق) अ. पु –आकाश, अंवर, आस्मान।
हिस्ने हसीन (حصن حصین) अ पु –ऐसा दुर्ग जो न तो जीता जा सके, न टूट सके, न उसमे शत्रु प्रवेश कर सके, वहुत ही दृढ और मज्वूत क़िला या रक्षास्थान।
हिस्रिम (حصرم) अ पु.–कच्चे अगूरो का गुच्छा।
हिस्सः (حصه) अ पु –खड, भाग, टुकड़ा, व्यवसाय मे साझे का भाग, अश; वाँट मे आनेवाला भाग; कथा, मीलाद या व्याह-शादी के अवसर पर मिलनेवाली मिठाई आदि।
हिस्सःकशी (حصه کشی) अ. फा. स्त्री –हिस्से लगाना, भाग करना, हिस्सो के हिसाव से वाँटना।
हिस्सःख्वाह (حصه خواه) अ फा वि –अपना भाग चाहनेवाला।
हिस्सःदार (حصه دار) अ फा वि –जो हिस्सा पाने का अधिकारी हो, जो हिस्से का मालिक हो, अशी, साझी।
हिस्सःदारी (حصه داری) अ फा. स्त्री.–साझा, भागीदारी।
हिस्सःवख़्रः (حصه بخره) अ. पु –टुकडवाँट, टुकडे-टुकड़े करके वाँटना।
हिस्सए मुसावी (حصهٔ مساوی) अ पु –वरावर का भाग, समानाश, समाश।
हिस्सए रसदी (حصهٔ رسدی) अ पु –जिसको जितना चाहिए उसके हिसाव से हिस्सा, यथाश।
हिस्सी (حسی) अ. वि.–इद्रिय-सम्वन्धी।
हिस्सीयात (حسیات) अ. स्त्री –इद्रिय से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तुएँ।
हिस्से जाहिरी (حس ظاهری) अ स्त्री –वाह्येद्रिय।
हिस्से वातिनी (حس باطنی) अ स्त्री –अतरिंद्रिय।
हिस्से मुश्तरक (حس مشترک) अ.स्त्री –वह शक्ति जिसके द्वारा सारी इद्रियाँ (वाहरी इद्रियाँ) अपना अपना काम करती और उससे शक्ति प्राप्त करती है।
हिस्सोहरकत (حس و حرکت) अ. स्त्री –गति और संवदन, एहसास और हरकत, चलना-फिरना, हिलना-डुलना।

ही

हीज (هیز) फा वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द।
हीतः (حیطه) अ पु –परिधि, घेरा, इहाता; सीमा, हद।

हीतए इक्तिदार (حيطۂ اقتدار) अ पु –सत्ता और प्रभुत्व की सीमा।
हीतए इख़्तियार (حيطۂ اختيار) अ पु –अधिकार की सीमा।
हीतए क़ुद्रत (حيطۂ قدرت) अ पु –सामर्थ्य और शक्ति की सीमा।
हीतान (حيطان) अ पु –हाइत का बहु, दीवारें।
हीतान (حيتان) अ स्त्री –हूत का बहु मछलियाँ।
हीन (حين) अ अव्य –समय काल वक्त।
हीनहयात (حين حيات) अ वि –आजीवन यावज्जीवन आजन्म जिन्दगीभर जीतेजी।
हीमिया (هيميا) अ स्त्री –इन्द्रजाल मायाकर्म तिलिस्म जादू।
हीमियागर (هيمياگر) अ फा वि –दे 'हीमियादाँ'।
हीमियादाँ (هيميادان) अ फा वि –इल्मे तिलिस्म जानने वाला ऐंद्रजालिक, मायावी।
हीरिय (هيريه) अ स्त्री –वफ़ा सर का भूसी।
हील (حيله) अ पु –छल कपट मक्र फरेब मिष व्याज बहाना मिथ्या, अनय झूठ टरकाना, आजकल करना।
हीलकार (حيله‌كار) अ फा वि –दे हीलगर'।
हीलकारी (حيله‌كارى) अ फा स्त्री –दे 'हीलगरी।
हीलगर (حيله‌گر) अ फा वि –बहाने बनानेवाला चालबाज धोखेबाज, छली।
हीलगरी (حيله‌گرى) अ फा स्त्री –चालबाजी बहाने बनाना धोखेबाजी, छल।
हीलतराश (حيله‌تراش) अ फा वि –नये-नये बहाने गढ़नेवाला।
हीलतराशी (حيله‌تراشى) अ फा स्त्री –नये-नये बहाने गढ़ना।
हीलपवर (حيله‌پرور) अ फा वि –दे हीलगर।
हीलपवरी (حيله‌پرورى) अ फा स्त्री –दे हीलगरी।
हीलपसद (حيله‌پسند) अ फा वि –जिसे बहानाबाजी अच्छी लगती हो।
हीलपसदी (حيله‌پسندى) अ फा स्त्री –बहानाबाजी अच्छी लगना।
हीलबाज (حيله‌باز) अ फा वि –दे 'हीलगर'।
हीलबाजी (حيله‌بازى) अ फा स्त्री –दे हीलगरी।
हीलशिआर (حيله‌شعار) अ वि –जिसका काम ही बहाने बनाना हो।
हीलशिआरी (حيله‌شعارى) अ स्त्री –बहाने बनाने की प्रवृत्ति।
हील साज (حيله‌ساز) अ फा वि –दे हीलगर'।
हीलसाजी (حيله‌سازى) अ फा स्त्री –दे 'हीलगरी
हीलसामाँ (حيله‌سامان) अ फा वि –दे 'हीलगर'।
हील सामानी (حيله‌سامانى) अ फा स्त्री –दे हीलगरी'
हील (هيل) फा स्त्री –इलाइची।
हीलाज (هيلاج) अ पु –जन्मपत्री जन्मकुंडली जाइचा।
हीलेकला (هيل‌كلاں) फा स्त्री –बड़ी इलाइची।
हीलेख़ुर्द (هيل‌خرد) फा स्त्री –छोटी इलाइची।
हीलेसफ़ेद (هيل‌سفيد) फा स्त्री –छोटी इलाइची।

हु

हुकमा (حكما) अ पु –हकीम का बहु, वैज्ञानिकजन फ़्लसफ़ी हकीम लोग वैद्य लोग।
हुकमाए वक्त (حكماۓ وقت) अ पु –किसी समय में उस समय के वैज्ञानिक लोग या वैद्य लोग।
हुकूक़ (حقوق) अ पु –हक का बहु अधिकार समूह।
हुकूक़े इसानियत (حقوق انسانيت) अ पु –वह अधिकार जो मानवजाति को प्राप्त है वह अधिकार जो दूसरे जीवधारियों पर मानवजाति पर है।
हुकूक़े ज़ौजीयत (حقوق زوجيت) अ पु –वह अधिकार जो पत्नी को पति पर प्राप्त है।
हुकूक़े निस्वानी (حقوق نسوانى) अ पु –वह अधिकार जो स्त्री वर्ग को मनुष्यों पर प्राप्त है।
हुकूक़े शहरीयत (حقوق شهريت) अ फा पु –वह अधिकार जो नगरवासियों को प्राप्त है नागरिकता।
हुकूक़े शौहरीयत (حقوق شوهريت) अ फा पु –वह अधिकार जो पति को पत्नी पर प्राप्त है।
हुकूमत (حكومت) अ स्त्री –शासन, सत्ता राज, राज्य राष्ट्र सल्तनत अत्याचार, जुल्म, ज़बरदस्ती, सरकार राज।
हुकूमते आइनी (حكومت آئينى) अ स्त्री –वह राज जो विधान द्वारा चलाया जाय।
हुकूमते इलाही (حكومت الهى) अ स्त्री –ईश्वरीय सत्ता, मशीयत।
हुकूमते ख़ुदइख़्तियारी (حكومت خود اختيارى) अ फा स्त्री –वह राज जिसमें किसी की पराधीनता न हो। स्वायत्त शासन।
हुकूमते ग़ैरआइनी (حكومت غيرآئينى) अ फा स्त्री –वह राज जिसमें कोई विधान न हो।
हुकूमते जम्हूरी (حكومت جمهورى) अ स्त्री –वह राज

हुकूमते शख़्सी (حکومت شخصی) अ स्त्री –वह राज जिसमें व्यक्ति अपनी राय से राज्य करे।

हुकूमते शैतानी (حکومت شیطانی) अ स्त्री –अनीति, अत्याचार और अन्याय की हुकूमत।

हुक्कः (ھکّہ) फा. स्त्री –हिचकी, हिक्का।

हुक्कः (حقّہ) अ पु –पिटारी, टोकरी, इत्र या आभूषण रखने का डब्बा, गुड़गुड़ी, चिलम पीने का हुक्का।

हुक्कःबाज़ (حقّہ باز) अ फा वि –मदारी, पिटारी में से शावदे दिखानेवाला, छली, ठग, मक्कार।

हुक्क बाज़ी (حقّہ بازی) अ फा स्त्री.–मदारीपन, खेल तमाशे दिखाना, छल करना, ठगई, फरेबकारी।

हुक्काम (حکام) अ पु.–'हाकिम' का बहु., हाकिम लोग, पदाधिकारी वर्ग।

हुक्कामरस (حکام رس) अ फा वि –जो हाकिमो से मेल-जोल रखता और उन पर अपना प्रभाव डाल सकता हो।

हुक्कामरसी (حکام رسی) अ फा. स्त्री.–हाकिमो से मेल-जोल।

हुक्कामे बाला (حکام بالا) अ फा पु.–किसी पदाधिकारी के ऊपरी अफ्सरान।

हुक्कामे वक़्त (حکام وقت) अ पुं –वर्तमानकाल के पदाधिकारी लोग।

हुक्चः (ھکچہ) फा स्त्री –हिचकी, हिक्का।

हुक्नः (حقنہ) अ. पु –स्नेह वस्ति, अनीमा, डूश।

हुक्म (حکم) अ पु –आज्ञा, इजाजत; आदेश, फरमान, राजादेश, हुक्मनामा।

हुक्मअंदाज़ (حکم انداز) अ. फा वि.–निशाने पर ठीक गोली लगानेवाला, लक्ष्य-भेदी।

हुक्मअंदाज़ी (حکم اندازی) अ फा. स्त्री –ठीक निशाना मारना, लक्ष्य-भेद।

हुक्मउदूल (حکم عدول) अ. वि –अवज्ञाकारी, आज्ञापालन न करनेवाला, उद्दंड, सरकश, अवज्ञ।

हुक्मउदूली (حکم عدولی) अ स्त्री –आज्ञापालन न करना, उद्दंडता, सरकशी।

हुक्मन (حکماً) अ वि –हुक्म से, आदेश द्वारा।

हुक्मनामः (حکم نامہ) अ फा पु –आदेशपत्र, वह काग़ज़ जिस पर कोई हुक्म हो।

हुक्मबरदार (حکم بردار) अ फा वि –दे 'हुक्म राँ'।

हुक्मबरदारी (حکم برداری) अ फा वि.–दे. 'हुक्मरानी'।

हुक्मराँ (حکمراں) अ फा वि –शासन चलानेवाला, शासक, हाकिम।

हुक्मरानी (حکمرانی) अ फा स्त्री.–शासन चलाना, हुकूमत करना।

हुक्मी (حکمی) अ वि.–निश्चित, यकीनी, अचूक, अमोघ, खता न करनेवाला, (दवा या निशाना)।

हुक्मे आख़िर (حکم آخر) अ. पु –दे 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे इम्तिनाई (حکم امتناعی) अ पु –वह हुक्म जो मुकद्दमे के बीच में किसी कार्य विशेष को रोकने के लिए दिया जाय, निषेधादेश।

हुक्मे क़ज़ा (حکم قضا) अ. पु –ईश्वरीय आदेश, खुदा का हुक्म, होनहार, भावी, शुदनी।

हुक्मे क़ज़ाओक़दर (حکم قضا و قدر) अ. पु –भावी और होनहार, ईश्वरेच्छा, मशीयत।

हुक्मे क़त्ई (حکم قطعی) अ.पु –आख़िरी और अटल हुक्म, अंतिम निर्णय, अंतिमादेश।

हुक्मे गश्ती (حکم گشتی) अ फा पु –विभागो मे भेजा जानेवाला हुक्म, परिपत्र, सरकुलर।

हुक्मे ज़ह्री (حکم ظہری) अ पु –वह आदेश जो प्रार्थनापत्र की पुश्त पर लिखा जाता है।

हुक्मे नातिक़ (حکم ناطق) अ पु –दे. 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे मशीयत (حکم مشیت) अ पु –दे 'हुक्मे क़ज़ा'।

हुक्मे रब्बी (حکم ربی) अ पु –ईश्वरादेश, खुदा का हुक्म, अवश्यभावी, मशीयत, शुदनी।

हुक्मे हाकिम (حکم حاکم) अ पु –हाकिम का हुक्म, राज्यादेश।

हुकहुक् (ھک ھک) फा स्त्री –हिक्का, हिचकी।

हुजज (حجج) अ स्त्री –हुज्जत का बहु, हुज्जतें।

हुज़ाल (ھزال) अ पु.–दुबलापन, कमज़ोरी, तपेदिक का एक दरजा।

हुज़ुज़ (حضض) अ स्त्री –रसौत, एक प्रसिद्ध औषधि।

हुजुब (حجب) अ पु –'हिजाब' का बहु, पर्दे, आड़े।

हुजूअ (ھجوع) अ पु –निद्रा, नींद, स्वाप, ख़्वाब; शांति, सुकून, सुख, आराम।

हुजूद (ھجود) अ पु –रात को जागना।

हुजूम (ھجوم) अ. पु –जन-समूह, भीड, मज्मा, किसी चीज़ की भीड, उदा०—"बस हुजूमे ना उमीदी खाक में मिल जायगी। यह जो एक लज्ज़त हमारी सईए ला हासिल में है।"—गालिब।

हुज़ूर (حضور) अ पु –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, साक्षात, आमना-सामना; सम्बोधन के लिए एक आदरसूचक शब्द।

हुज़ूरी (حضوری) अ स्त्री –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, समुखता, सामना।

हुजूरे यार (حضور یار) अ फा पु—नायिका के सामने, मा शक के समक्ष।
हुजूरेवाला (حضور والا) अ फा पु—बड़े आदमी के लिए प्रतिष्ठासूचक सम्बोधन का शब्द।
हुजूरोग़ैब (حضور غیب) अ पु—प्रत्यक्ष और परोक्ष सामना और पीठ पीछा।
हुजैफ़ (حذیفہ) अ पु—पैग़बर साहिब के एक सिहाबी।
हुज्जत (حجت) अ स्त्री—तर्क दलील प्रमाण, सुबूत कलह झगड़ा वादविवाद बहस तू-तू म म।
हुज्जती (حجتی) अ वि—हुज्जत करनेवाला तू-तू म म करनेवाला वाद विवाद करनेवाला।
हुज्जतुल्लाह (حجت اللہ) अ स्त्री—ईश्वर के सत्य होने का प्रमाण।
हुज्जतेक़ाते' (حجت قاطع) अ स्त्री—युक्ति युक्त दलील अटल प्रमाण।
हुज्जते गोया (حجت گویا) अ फा स्त्री—बोलती हुई दलील, तर्क सगत प्रमाण।
हुज्जते मुवज्जह (حجت موجہ) अ स्त्री—दे हुज्जते क़ाते।
हुज्जते मोहकम (حجت محکم) अ पु—मजबूत दलील मख़मल का वह लिंगाकृति यन्त्र जिसे एक स्त्री अपनी कमर म बाँधकर दूसरी स्त्री से चपटी लड़ाती है।
हुज्जाज (حجاج) अ पु—हाज का बहु, हाजी लोग।
हुज्जाब (حجاب) अ पु—हाजिब का बहु ड्योढ़ीदार लोग।
हुज्ज़ार (حضار) अ पु—हाज़िर का बहु उपस्थितजन हाज़िरीन।
हुज़्न (حزن) अ पु—दु ख, खेद शोक सताप ग़म रज।
हुज़्नीय (حزنیہ) अ पु—वह खेल या ड्रामा जिसका अत दु ख पर हो दु खात।
हुज़्म (حزمہ) अ पु—मुट्ठा पूला।
हुतम (حطمہ) अ स्त्री—प्रचण्डाग्नि बहुत ही तेज़ आग नरक का तीसरा तल।
हुताम (حطام) अ पु—थोड़ा अश ज़रा सा।
हुत्ती (حطی) अ स्त्री—अबजद के हिसाब से हे तो और ये जिनके अक क्रमश ८ ९ १० ह।
हुद (ہدہ) फा पु—सत्य ठीक लाभ फ़ाइदा।
हुदा (حدی) अ पु—अरब के ऊँटवालों का विशेष गाना जो वह ऊँट चलाते समय गाते ह।
हुदा (ہدی) अ पु—सरल माग सीधा रास्ता सत्यता सच्चाई।
हुदात (ہداۃ) अ पु—हादी का बहु हिदायत करने वाले सच्चा माग दिखानेवाले।
हुदूद (حدود) अ उभ—'हद का बहु सीमाएँ हदें।
हुदूदे अबअ (حدود اربعہ) अ पु—चौहद्दी, किसी स्थान या मकान से मिले हुए चारो ओर के मकान या ज़मीन।
हुदूदे शरई (حدود شرعی) अ पु—धर्मशास्त्र की सीमाएँ, धर्मानुसार दिये जानेवाले दड।
हुदूस (حدوث) अ पु—नवीनता नयापन किसी वस्तु का नया पदा होना।
हुदूसो क़िदम (حدوث قدم) अ पु—नयापन और पुराना पन, नित्यता और नश्वरता।
हुदैबिय (حدیبیہ) अ स्त्री—अरब का एक स्थान।
हुदहुद (ہدہد) अ पु—एक कलगीदार पक्षी।
हुनर (ہنر) फा पु—शिल्प दस्तकारी कला फन गुण ख़ूबी हाथ की सफ़ाई चालाकी, विद्या, इल्म।
हुनरआश्ना (ہنر آشنا) फा वि—हुनर जाननेवाला गुणी।
हुनरनाआश्ना (ہنر نا آشنا) फा वि—जो कोई हुनर न जानता हो गुणहीन, कलाहीन।
हुनर नाशनास (ہنر ناشناس) फा वि—जो हुनर न जानता हो जो हुनर का क़द्र न पहचानता हो।
हुनरमद (ہنرمند) फा वि—हुनर जाननेवाला, गुणवान कलाकार, शिल्पकार गुणी।
हुनरमदी (ہنرمندی) फा स्त्री—हुनर जानना, गुनी होना।
हुनरवर (ہنرور) फा वि—दे हुनरमद'।
हुनरशनास (ہنرشناس) फा वि—हुनर जाननेवाला, हुनर की क़द्र पहचाननेवाला।
हुनरशनासी (ہنرشناسی) फा स्त्री—हुनर जानना, हुनर की क़द्र पहचानना।
हुफ्न (حفنہ) अ पु—अजलि, करपुट, लप।
हुफ़्फ़ाज़ (حفاظ) अ पु—हाफ़िज़ का बहु वह लोग जिन्हें कुरान कठ हो।
हुफ़ (حفرہ) अ पु—गत गढ़ा छिद्र सूराख़।
हुब [ब्ब] (حب) अ स्त्री—प्रेम स्नेह मुहब्बत।
हुबल (ہبل) अ पु—अरब की एक मूर्ति जो इस्लाम से पूर्व काबे में थी।
हुबाब (حباب) अ पु—मित्रता दोस्ती अहि साँप पिशाच देव।
हुबाला (حبالی) अ स्त्री—हुबला का बहु गभवती स्त्रियाँ।
हुबाहिब (حباحب) अ पु—जुगनू खद्योत।
हुबूत (ہبوط) अ पु—नीचे उतरना मूल्य गिरना निचली भूमि दुबलापन।
हुबूत (حبوط) अ पु—पुण्या और सत्कर्मों का विनाश।

हुबूब (حبوب) अ स्त्री.–'हब' का बहु., गोलियाँ।

हुबूब (هبوب) अ. पु.–वायु का बहना, हवा का चलना।

हुबूर (حبور) अ पु –'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग। हर्ष, प्रसन्नता, खुशी।

हुब्बुलवतन (حب الوطن) अ. पु –स्वदेशप्रेम, देशभक्ति, इश्के वतन।

हुब्ला (حبلی) अ स्त्री –गर्भवती, अंतर्वली, हामिला।

हुमका (حمقا) अ पु –'अहमक' का बहु, मूर्ख लोग।

हुमा (هما) फा. पु –उर्दू और फार्सी साहित्य का एक कल्पित पक्षी, जिसकी छाया पड जाने से मनुष्य राजा हो जाता है, वह पक्षी केवल हड्डियाँ खाता हे।

हुमायूँ (همایوں) फा वि –शुभ, मगलमय, मुवारक, (पु.) एक मुगल शासक जो 'अकवर' का पिता था।

हुमायूँबख्त (همایوں بخت) फा वि –सौभाग्यशाली, वलंद इकवाल।

हुमुक (حمق) अ पु –मूर्खता, अज्ञानता, नादानी, जहालत।

हुमुर (حمر) अ. पु –'हिमार' का वहु, गधे।

हुमूज़त (حموضت) अ स्त्री –खट्टापन, खटास, अम्लता।

हुमूल (حمول) अ. पु –योनि के भीतर रखने की ओपधि।

हुमैका (حمیقا) अ. स्त्री.–मूर्ख स्त्री, वेवकूफ औरत।

हुमैरा (حمیرا) अ स्त्री –लाल रंग की स्त्री, गोरी चिट्टी स्त्री।

हुम्क (حمق) अ पु.–मूर्खता, नादानी, अज्ञान, हुमुक।

हुम्मस (حمص) अ पु –चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

हुम्मा (حمی) अ. पु –ज्वर, ताप, वुखार।

हुम्माए दमवी (حمای دموی) अ. पु –वह ज्वर जो रक्त के कोप से आये।

हुम्माए नाइबः (حمای نائبه) अ. पुं –वह ज्वर जो वारी से आये।

हुम्माए वलामी (حمای بلغمی) अ पुं –कफ के प्रकोप से आनेवाला ज्वर, कफ़ ज्वर।

हुम्माए मुद्मिनः (حمای مدمنه) अ. पु –वसा हुआ वुखार, सतत ज्वर।

हुम्माए मोह्रिकः (حمای محرقه) अ पु –टाई फाइड वुखार।

हुम्माएराविअः (حمای رابعه) अ पुं –चौथिया वुखार, चतुर्थक।

हुम्माए सफ़ावी (حمای صفراوی) अ पु –पित्त के कोप से आनेवाला ज्वर, पित्तज्वर।

हुम्माए सौदावी (حمای سوداوی) अ पुं.–वात के दोष से आनेवाला वर, वातज्वर।

हुम्माज़ (حماض) अ. पु –एक खट्टी घास, चूका साग।

हुम्रः (حمره) अ. पु –शरीर मे लाल रग के दाने निकलने का रोग, सुर्ख़ वादा।

हुम्रत (حمرت) अ स्त्री.–रक्तता, लालिमा, सुर्खी।

हुम्री (حمری) अ. वि –सुर्ख़, रग का।

हुर[र्र] (حر) अ. वि –स्वतत्र, आजाद, प्रतिष्ठित, मुअज्जज, वह दास जो सेवा-मुक्त हो गया हो।

हुरसा (حرصا) अ पु.–'हरीस' का वहु, लालची लोग।

हुरूम (حرم) अ पु –एहराम वॉधे हुए लोग।

हुरूफ (حروف) अ पु –'हर्फ़' का वहु, अक्षर माला।

हुरूफ शनास (حروف شناس) अ फा वि –केवल अक्षर ज्ञान रखनेवाला, कम पढा-लिखा।

हुरूफ़े क़मरी (حروف قمری) अ पु –अरवी मे वे अक्षर जिनमे 'ल' मिलता नही है, जैसे—'अल कमर' और वे अक्षर है—

ا ب ح ج خ ع غ ف ق ک م و ی ہ

हुरूफ़े शम्सी (حروف شمسی) अ पु –अरवी के वे अक्षर जिनमे 'ल' मिलकर वही अक्षर वन जाता है जिससे वह मिलता है, जैस–अश्शम्स (अल शम्स) वे अक्षर है—

ت ث د ذ ر ز س ش ص ض ط ظ ل ن

हुरूब (حروب) अ पु.–'हर्ब' का वहु, लडाइयाँ, जगे।

हुरूबे सलीबी (حروب صلیبی) अ. पु –वह प्राचीन लडाइयाँ जो तुर्को और ईसाइयो मे हुई।

हुरूर (حرور) अ. पु –गर्मी, उष्णता।

हुरैरः (هریره) अ स्त्री –छोटी और खूवसूरत विल्ली।

हुर्कत (حرقت) अ स्त्री –जलन, रोजिश, (विशेपत पेशाव की)।

हुर्कते वौल (حرقت بول) अ स्त्री –पेशाव की जलन।

हुर्फ (حرف) अ पु –एक दाने जो दवा मे चलते है, चसुर, हालौन।

हुर्मत (حرمت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, संमान, इज्जत, मर्यादा, नामूस, सतीत्व, इस्मत; किसी वस्तु के खान-पान का धर्म में वर्जित होना, निपेध, मनाही।

हुर्मत बहा (حرمت بہا) अ फा पु –वह धन जो किसी की मानहानि के वदले मे दिलाया जाय।

हुर्मान (حرمان) अ. पु.–वुद्धि, मेधा, अक्ल।

हुर्मास (هرماس) फा पु –पारसियो का वुराई का खुदा, अह्रमन, शैतान।

हुर्मुज (هرمز) फा. पुं.–'हुर्मुज्द' का लघु, दे 'हुर्मुज्द'; एक द्वीप, खलीज फारिस।

हुर्मुज़्द (هرمزد) फा पु–बृहस्पति, मुश्तरी, दे हार मुज़्द दोनों शुद्ध हैं।

हूर (حور) अ स्त्री–स्वतंत्र स्त्री वह दासी जो सेवा मुक्त कर दी गई हो।

हुर्रा (هرا) फा पु–कोलाहल शोर भयानक शब्द, डरावनी आवाज़।

हुर्रास (حراث) अ पु–हारिस का बहु, किसान लोग, कृषक वर्ग।

हुर्रीयत (حریت) अ स्त्री–स्वतंत्रता स्वाधीनता आज़ादी।

हुर्रीयतपरस्त (حریت‌پرست) अ फा वि–जो परा धीनता के बंधनों से मुक्ति चाहता हो और इसके लिए हर कुर्बानी को तैयार हो।

हुल्फ़ा (حلفا) अ पु–हलीफ़ का बहु वह लोग या राष्ट्र जिन्होंने परस्पर मित्र रहने की संधि की हो।

हुलल (حلل) अ पु–हुल्ल का बहु स्वर्ग के वस्त्राभूषण।

हुलाकू (هلاکو) तु पु–एक बहुत ही अत्याचारी तुर्क नरेश जो चिंगेज़ खाँ का पोता था।

हुलुम (حلم) अ पु–स्वप्न स्वाब दे हुल्म दोनों शुद्ध हैं।

हुलूक (هلوک) अ पु–विनाश बरबादी हनन वध क़त्ल।

हुलूल (حلول) अ पु–भीतर समाना प्रवेश एक आत्मा का दूसरे शरीर में प्रवेश।

हुल्क (هلک) अ पु–विनाश बरबादी वध क़त्ल हत्या।

हुल्व (حلوہ) अ पु–मीठी एक प्रसिद्ध शाक।

हुल्म (حلم) अ पु–स्वप्न स्वाब दे हुलुम दोनों शुद्ध हैं।

हुल्य (حلیہ) अ पु–आभूषण जेवर किसी आदमी या पशु की तलाश के लिए लिखे जानेवाले शरीर के चिह्न।

हुल्ल (حلہ) अ पु–वह कपड़े जो स्वर्ग में मिले जाने हैं।

हुल्लान (حلان) अ पु–भेड़ या बकरी का छोटा बच्चा हल्वान।

हुल्लाम (حلام) अ पु–भेड़ या बकरी का बच्चा।

हुलव (حلو) अ वि–मधुर मीठा।

हुव हुव (هوهو) अ अव्य–अक्षरशः हर्फ़ बहर्फ़ जैसे का तैं जमा या बना हो।

हुवल्लाह (هواللہ) अ वा–वही ईश्वर है।

हुवैदा (هویدا) फा वि–प्रकट व्यक्त ज़ाहिर।

हुशयार (هشیار) फा वि–होशयार का लघु दे होशयार।

हुशयारी (هشیاری) फा स्त्री–होशयारी का लघु दे होशयारी।

हुशवार (هشوار) फा वि–दे हुशयार।

हुशाश (حشاشہ) अ पु–बचे हुए जरा-से प्राण।

हुसान (حسان) अ वि–रूपवान सुंदर, हसीन व्यक्ति।

हुसाम (حسام) अ पु–खड्ग, कृपाण, तलवार।

हुसद (حسد) अ पु–हासिद का बहु ईर्ष्यालु व्यक्ति या डाह करनेवाले लोग।

हुसून (حصون) अ पु–हिस्न का बहु क़िले दुर्ग, रक्षा के स्थान।

हुसूल (حصول) अ पु–प्राप्ति लब्धि मिलना लाभ नफ़ा आय आमदनी परिणाम, फल निष्कर्ष नतीजा।

हुसूले इक्तिदार (حصول اقتدار) अ पु–सत्ता की प्राप्ति।

हुसूले इल्म (حصول علم) अ पु–इल्म की प्राप्ति, विद्या लाभ।

हुसूले कामयाबी (حصول کامیابی) अ फा पु–सफलता प्राप्ति किसी काम में सफल होना।

हुसूले ता'लीम (حصول تعلیم) अ पु–विद्योपार्जन शिक्षा लाभ पढ़ाई हासिल करना।

हुसूले नजात (حصول نجات) अ पु–मुक्ति लाभ मोक्ष हासिल होना।

हुसूले नियाज़ (حصول نیاز) अ फा पु–मुलाक़ात होना भेंट होना।

हुसूले फ़ज़्ल (حصول فضل) अ पु–कीर्तिलाभ यशोलाभ, अयलाभ।

हुसूले बरकत (حصول برکت) अ पु–प्रसादलाभ।

हुसूले बिहिश्त (حصول بہشت) अ फा पु–स्वर्गलाभ, बिहिश्त मिलना।

हुसूले मक़सद (حصول مقصد) अ पु–आशा की प्राप्ति, मनोकामना की प्राप्ति।

हुसूले मतलब (حصول مطلب) अ पु–अर्थसिद्धि मतलब की प्राप्ति।

हुसूले मुद्दआ (حصول مدعا) अ पु–दे हुसूले मतलब।

हुसूले मुराद (حصول مراد) अ पु–मक़सद और मनोकामना में सफलता मनोवांछित वस्तु की प्राप्ति।

हुसूले मे'राज (حصول معراج) अ पु–उन्नति की अंतिम सीमा पर पहुँच जाना।

हुसूले शिफ़ा (حصول شفا) अ पु–रोगमुक्ति स्वास्थ्य प्राप्ति।

हुसूले शुहरत (حصول شہرت) अ पु–शुहरत और ख्याति का प्राप्त होना किसी काम या कार्यविशेष में प्रसिद्धि।

हुसूले सआदत (حصول سعادت) अ पु–किसी पूज्य व्यक्ति

की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होना, किसी उपकार का यश मिलना।

हुसूले सेहत (حصولِ صحت) अ पु –स्वास्थ्य प्राप्ति, रोग मुक्ति, मरज से शिफा।

हुसैन (حسین) अ पु –हजरतअली के छोटे सुपुत्र का नाम जिन्होंने यजीद का शासन स्वीकार नही किया था और इसके कारण उनको शहीद किया गया।

हुस्न (حسن) अ. पु.–सौंदर्य, सुदरता, खूबसूरती; शोभा, छटा, रौनक, उदा०—"हुस्न गमजा की कशाकश मे छुटा मेरे बाद, बारे आराम से है अहले जफा मेरे बाद।"—गालिब

हुस्न (حصن) अ स्त्री.–सतीत्व, इफ्फत।

हुस्नअफजा (حسن افزا) अ फा वि –सुदरता बढानेवाला, रूपवर्द्धक।

हुस्नआरा (حسن آرا) अ फा वि –सुदर, रूपवान्, अच्छी शक्लवाला (वाली), सुदरता का शृगारित करनेवाला।

हुस्नआराई (حسن آرائی) अ.फा स्त्री –सुदरता को आभूषित और शृगारित करना अर्थात् बहुत सुदर होना।

हुस्नखेज (حسن خیز) अ फा वि –वह स्थान जहां के लोग सुंदर होते हो, सुदरता की उत्पत्ति करनेवाला।

हुस्नखेजी (حسن خیزی) अ.फा स्त्री –सुंदरता की उत्पत्ति, सौंदर्य की बहुतात।

हुस्नपरस्त (حسن پرست) अ. फा. वि –सौंदर्य की पूजा करनेवाला, सुदर स्त्रियो को चाहनेवाला, सुदर वस्तुओ पर लट्टू रहनेवाला।

हुस्नपरस्ती (حسن پرستی) अ फा स्त्री.–सुदर स्त्रियो की कद्रदानी, सुदर चीजो पर मुग्धता।

हुस्नपसंद (حسن پسند) अ. फा वि –अच्छी चीजे पसद करनेवाला, अच्छी स्त्रियों से मेल-जोल रखने और उन्हे चाहनेवाला।

हुस्नपसंदी (حسن پسندی) अ फा स्त्री –सुदर वस्तुओ को पसद करना; अच्छी शक्लवालो को चाहना।

हुस्नफरोश (حسن فروش) अ फा स्त्री –गणिका, वेश्या, तवाइफ, रूप बेचनेवाली।

हुस्नबख्श (حسن بخش) अ. फा. वि –सुदरता प्रदान करनेवाला अर्थात् रूप देनेवाला, सुदर बनानेवाला।

हुस्ना (حسنا) अ स्त्री –अति सुदर स्त्री, बहुत ही हसीन औरत, रूपवती, लावण्यप्रभा।

हुस्नियात (حسنیات) अ स्त्री –'हुस्ना' का बहु , सुदर और रूपवती स्त्रियाँ।

हुस्ने अंजाम (حسن انجام) अ फा पु –किसी कार्य का फल और परिणाम अच्छा होना।

हुस्ने अक़ीदत (حسن عقیدت) अ. पु –किसी की ओर अत्यधिक श्रद्धा।

हुस्ने अख़्लाक (حسن اخلاق) अ. पु –सुशीलता, आचार व्यवहार में सद्वृत्ति।

हुस्ने अदा (حسن ادا) अ फा पु.–बात कहने का अच्छा ढग, लिखने की अच्छी शैली।

हुस्ने आगाज (حسن آغاز) अ. फा पु –कार्यारंभ मे अच्छे शगुन और सुविधाओ की प्राप्ति।

हुस्ने इंतिजाम (حسن انتظام) अ पु –कार्य विशेष के प्रबन्ध की सुदरता, सुप्रबंध।

हुस्ने इंसिराम (حسن انصرام) अ पु.–दे 'हु इतिजाम'।

हुस्ने इत्तिफाक (حسن اتفاق) अ पु –किसी बात का अचानक तौर पर अच्छा हो जाना, दैवयोग।

हुस्ने एतिक़ाद (حسن اعتقاد) अ पु –दे 'हु अकीदत'।

हुस्ने एतिमाद (حسن اعتماد) अ पु.–किसी पर अत्यधिक विश्वास।

हुस्ने कबूल (حسن قبول) अ पु.–किसी मिली हुई चीज को अच्छे प्रकार से कबूल करना, किसी दी जानेवाली वस्तु का भली-भाँति स्वीकार किया जाना।

हुस्ने ख़िताब (حسن خطاب) अ पु –अच्छे प्रकार से सम्बोधित करना।

हुस्ने ख़ुदादाद (حسن خداداد) अ फा पु –ईश्वर का दिया हुआ सौंदर्य, अर्थात् प्राकृतिक सुदरता, ईश्वरदत्त सौंदर्य।

हुस्ने ख़ुल्क (حسن خلق) अ पु –दे 'हु अख़्लाक'।

हुस्ने गंदुमगूं (حسن گندم گوں) अ. फा पु –गेहुएं रंग का सौंदर्य।

हुस्ने गंदुमी (حسن گندمیں) अ फा. पु –दे 'हु गदुमगूं'।

हुस्ने गुफ़्तार (حسن گفتار) अ. फा पु –बोल-चाल की शिष्टता और माधुर्य।

हुस्ने गुलूसोज (حسن گلوسوز) अ फा पु –साँवलापन, सलाहत।

हुस्ने जन (حسن ظن) अ पु –किसी की ओर से अच्छा खयाल, सुधारणा।

हुस्ने तक़रीर (حسن تقریر) अ पु –भाषण या बातचीत की सुदरता और मधुरता।

हुस्ने तदबीर (حسن تدبیر) अ पु –प्रयत्न की पटुता, युक्ति-चातुर्य, प्रबध की कुशलता, कूटनीति, पालीसी।

हुस्ने तलब (حسن طلب) अ पु –माँगने का अच्छा ढग, ऐसे ढग से चीज माँगना कि देनेवाला देते हुए खुशी महसूस करे।

हुस्ने ता'लील (حسن تعلیل) अ पु –एक अर्थालकार।

हुस्ने नजर (حسن نظر) अ पु –दृष्टि की अच्छे बुरे की परख,

दृष्टि का केवल अच्छी चीजों का देखना और उन्हीं की ओर जाना।

हुस्ने नमक्री (حسن نمکیں) अ फा पु–साँवला हुस्न नमकीनी मलाहत।

हुस्ने फिरंग (حسن فرنگ) अ फा पु–इंग्लिस्तान का सौन्दर्य जिसमें दिखावटपन ज्यादा होता है।

हुस्ने बिरिंज (حسن برنج) अ फा पु–साँवला हुस्न, मलाहत।

हुस्ने मत्ला' (حسن مطلع) अ पु–ग़ज़ल में पहले शे'र (मत्ला) के बादवाला शे'र।

हुस्ने मलीह (حسن ملیح) अ पु–साँवलापन, मलाहत, नमकीनी।

हुस्ने महफ़िल (حسن محفل) अ पु–जिससे सभा की रौनक हो ऐसा व्यक्ति।

हुस्ने मुक़य्यद (حسن مقید) अ वि–सांसारिक सौंदर्य, परिमित सुंदरता।

हुस्ने मुजस्सम (حسن مجسم) अ पु–जो सर से पाँव तक हुस्न हो हुस्न हो बहुत अधिक सुंदर।

हुस्ने मुत्लक़ (حسن مطلق) अ पु–ईश्वरीय सौन्दर्य, जमाले खुदावंदी।

हुस्ने यूसुफ़ (حسن یوسف) अ पु–'यूसुफ' का सौन्दर्य जो सांसारिक रूपों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

हुस्ने लाज़वाल (حسن لازوال) अ पु–दे' हुस्ने मुत्लक़।

हुस्ने सबीह (حسن صبیح) अ पु–गोरापन शुभ्रता।

हुस्ने सब्ज़ (حسن سبز) अ फा पु–दे' हुस्ने मलीह।

हुस्ने समाअत (حسن سماعت) अ पु–बात अच्छे प्रकार से ध्यानपूर्वक सुनना अच्छी आवाज और अच्छी बात सुनना।

हुस्ने साख़्त (حسن ساختہ) अ फा पु–अप्राकृतिक रूप बनावटी हुस्न अलंकार और आभूषण द्वारा सजाया हुआ हुस्न।

हुस्ने सादः (حسن سادہ) अ फा पु–बिल्कुल साधारण और सरल रूप जिसमें बनावट का तनिक भी दखल न हो।

हुस्ने सादगी (حسن سادگی) अ फा पु–स्वभाव की सरलता और भोलापन।

हुस्ने सिमाअ (حسن سماع) अ पु–गाने का सौन्दर्य श्रवण रस।

हुस्ने सुलूक (حسن سلوک) अ पु–व्यवहार की शिष्टता दीन दुखिया की आर्थिक सहायता।

हुस्नोइश्क़ (حسن وعشق) अ पु–सुंदरता और प्रेम, नायक और नायिका।

हुस्नोजमाल (حسن وجمال) अ पु–रूप और सौन्दर्य।

हुस्स (حصہ) अ पु–भाग, हल्की चबक, दे' हिस्स, दाना शुद्ध है।

हुस्बान (حسبان) अ पु–गणना, शुमार, अनुमान, अन्दाज़ा, गिनती, गिनना।

हुस्साद (حساد) अ पु–हासिद का बहु, ईर्ष्या करने वाले लोग, डाह करनेवाले व्यक्ति।

हू

हूँ (ہوں) फा अव्य–सावधानी सूचक शब्द, 'हाँ' घृणा सूचक शब्द नहीं।

हू (ھو) फा उभ–वह ईश्वर शून्य, खला, सुनसान, खाली।

हूत (حوت) अ स्त्री–मत्स्य, मछली, मीन राशि, बारहवाँ बुर्ज, बुर्जे हूत।

हून (ہون) अ पु–तिरस्कार, अपमान बेइज्ज़ती।

हूब (حوب) अ पु–वह व्यक्ति जो न भलाई कर सके न बुराई दरिद्र बाल-बच्चे।

[illegible] (حوب) अ पु–पाप गुनाह हत्या हलाकत।

हूबहू (ہوبہو) फा वि–एक-जैसा बिल्कुल एक-सा सदृश समान तुल्य मिस्ल।

हूर (حور) अ स्त्री–हौरा का बहु, परन्तु उर्दू और फ़ार्सी में एक वचन बोलते हैं वह स्त्री जिसके बाल और आँखें बहुत स्याह हों और शरीर बहुत गोरा हो स्वर्ग में रहने वाली सुंदर स्त्री स्वर्गांगना स्वर्ग वधू।

हूर (حور) अ पु–हत्या हलाकत हानि नुक्सान।

हूर जमाल (حورجمال) अ वि–जिसका रूप स्वर्गांगना जैसा हो अर्थात बहुत ही सुंदर स्त्री।

हूर तलअत (حورطلعت) अ वि–दे' हूर जमाल।

हूर शमाइल (حورشمائل) अ वि–स्वर्गांगनाओं-जैसे हाव भाववाली स्त्री।

हूराने बिहिश्त (حوران بہشت) अ फा स्त्री–स्वर्ग में रहनेवाली स्त्रियाँ स्वर्गांगनाएँ।

हूरुल्ईन (حورالعین) अ स्त्री–सुंदर आँखोंवाली हूर।

हूरेईं (حورعیں) अ फा स्त्री–दे' हूरुल्ईन।

हूरोक़ुसूर (حوروقصور) अ पु–स्वर्ग और स्वर्गांगना बिहिश्त और हूर।

हूश (ہوش) फा वि–जंगली जानवर उजड्ड गँवार।

हूहक (ہوہک) अ स्त्री–हा हा हू-हू धमाचौकड़ी चहल पहल अबादानी।

हे

हेच (هيچ) फा. वि –तुच्छ, पोच; व्यर्थ, वेकार; कोई, कश्चित्।

हेचकस (هيچ کس) फा वि.–अधम, नीच कमीना, कोई व्यक्ति।

हेचकार (هيچ کاره) फा वि –निकम्मा, काहिल, जिसके किये-धरे कुछ न हो।

हेचगूनः (هيچ گونه) फा वि –किसी तरह, कैसे भी।

हेचमदाँ (هيچ مدان) फा वि –कुछ न जाननेवाला, निपट मूर्ख।

हेचमदानी (هيچ مدانی) फा स्त्री –कुछ न जानना, मूर्खता, अज्ञान।

हेचमयर्ज (هيچ ميرز) फा. वि –जिसका कोई मूल्य न हो, वेकद्र, तुच्छ।

हेच मर्द (هيچ مرد) फा वि –दीन और दु.खी व्यक्ति।

हेम (هيم) फा. स्त्री –'हेमिय' का लघु, जलाने की लकडी, इंधन।

हेमियः (هيمه) फा स्त्री –ईंधन, जलाने की लकडी।

हेलः (هيله) फा पु –'हलैल' का लघु, हड, हरीतकी।

है

हैअत (هيئت) अ स्त्री –रूप, आकृति, शक्ल, ज्योतिर्विद्या, नजूम, आकाशीय पदार्थों की विद्या, खगोल विद्या।

हेयतदाँ (هيئت دان) अ फा. वि –खगोल विद्या का जानने-वाला, ज्योतिषी।

हैअते कजाई (هيئت كذائى) अ स्त्री –वेषभूषा, सूरत शक्ल, ऐसी धज जिसमे कोई हँसी का पहलू हो।

हैअते मज्मूई (هيئت مجموعى) अ. स्त्री –कोई वस्तु अपने सारे अगो के साथ।

हैकल (هيكل) अ स्त्री –प्रसाद, भवन, वडी इमारत; हार, गले की माला; आकृति, रूप, वेशभूपा, सजधज, मूर्तिगृह, मदिर; कवच, ता'वीज।

हैजः (هيضه) अ पु.–कै दस्त का घातक रोग, विसूचिका।

हैज़ (حيض) अ. पु –आर्तव, पुष्प, रज, ऋतु, कुसुम, स्त्री का मासिक धर्म का खून।

हैजए ववाई (هيضهٔ وبائى) अ पु –वह हैजा जो महामारी की शक्ल मे फैला हो।

हैज़ा (حيضا) अ स्त्री –रजस्वला, पुष्पवती, जिस औरत को मासिक धर्म हो रहा हो।

हैजा (هيجا) अ पु.–युद्ध, समर, जग, लड़ाई।

हैजान (هيجان) अ पु –अशाति, गडवड़ी, आवेश, जोश; कोलाहल, शोर, वेचैनी, इज्तिराव।

हैजानअंगेज (هيجان انگيز) अ फा वि –गडवडी मचाने-वाला, अशाति फैलानेवाला, वेचैनी फैलानेवाला।

हैजान खेज (هيجان خيز) अ फा वि –दे 'हैजानअगेज'।

हैजानी (هيجانى) अ वि –अशाति और वेचैनी से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु।

हैज़ुम (هيزم) फा स्त्री –जलाने की लकडी, ईंधन।

हैज़ुमकश (هيزم كش) फा वि –लकडहारा, लगाई-वुझाई करनेवाला।

हैज़ुमकशी (هيزم كشى) फा स्त्री –लकडहारे का काम; लगाई-वुझाई।

हैज़ुमफ़रोश (هيزم فروش) अ फा वि –ईंधन वेचनेवाला, जलाने की लकडी का व्यापारी।

हैज़ुमफरोशी (هيزم فروشى) फा. स्त्री.–ईंधन वेचने का पेशा।

हैज़ुर्रिजाल (حيض الرجال) अ पु –गीवत, चुगली, पिशु-नता, निंदा।

हैतान (هيتان) अ पु –अकृत, असत्य, झूठ।

हैदर (حيدر) अ पु –शेर, सिह, व्याघ्र, हज़रत अली की उपाधि।

हैदरे कर्रार (حيدر كرار) अ. पु –हज़रत अली की उपाधि, वारवार शत्रु की सेना पर टूटनेवाला।

हैफ (حيف) अ पु –हा, आह, हाय-हाय, अफ्सोस।

हैफा (هيفا) अ स्त्री.–कृशोदरी, पतली कमरवाली।

हैवत (هيبت) अ स्त्री –आतक, रो'व, धाक, भय, त्रास, डर, तेज, जलाल, प्रताप, इक्वाल।

हैवतअंगेज (هيبت انگيز) अ फा वि –भय उत्पन्न करने-वाला, भयकारक, त्रासजनक।

हैवतअंगेजी (هيبت انگيزى) अ फा. स्त्री –भय उत्पन्न करना, त्रासजनक होना।

हैवतजदः (هيبت زده) अ फा वि –त्रस्त, भयभीत, डरा हुआ।

हैवतजदगी (هيبت زدگى) अ फा स्त्री –त्रास, भयभीत होना।

हैवतजा (هيبت زا) अ. फा. वि –दे. 'हैवतअगेज'।

हैवतनाक (هيبت ناک) अ. फा वि –भयकर, रौद्र, भया-नक, खौफनाक।

हैवतनाकी (هيبت ناكى) अ फा स्त्री –भयानक होना, खौफनाकी।

हैमा (هيما) अ पु –वे पानी का जगल, वियावान।

हैमीय (هميمه) फा स्त्री –जगाने की सूखी लकड़ी।
हैय (حيه) अ पु –अहि सर्प साँप।
हैयात (حيات) अ पु –हय का बहु बहुत से साँप।
हैयाल (حيال) अ वि –बहुत बड़ा छली बहुत बड़ा धूर्त, बहुत बड़ा मक्कार।
हैयिज़ (حيز) अ पु –स्थान जगह छोर, विनाश।
हैयिज़े ख़ाकी (حيزخاكى) अ फा पु –मर्त्यलोक संसार दुनिया।
हैयुलआलम (حى العالم) अ पु –एक बूटी जो सदा हरी भरी रहती है।
हैरत (حيرت) अ स्त्री –आश्चर्य विस्मय तअज्जुब अचंभा निस्तब्धता चकितता भौचक्कापन।
हैरतअंगेज़ (حيرت انگيز) अ फा वि –आश्चर्यजनक अजब अजीबोग़रीब।
हैरतअंगेज़ी (حيرت انگيزى) अ फा स्त्री –अजूबापन आश्चर्यजनकता।
हैरतअफ़ज़ा (حيرت افزا) अ फा वि –आश्चर्यवर्द्धक अचंभा बढ़ानेवाला।
हैरतकदः (حيرت كده) अ फा पु –जहाँ हर बात आश्चर्यजनक हो जहाँ हर तरफ़ अचंभेवाली बातें हों।
हैरतज़ार (حيرت زار) अ फा पु –दे है कदः।
हैरतज़दः (حيرت زده) अ फा वि –दे है अफ़ज़ा।
हैरतज़दः (حيرت زده) अ फा वि –चकित विस्मित निस्तब्ध अचंभे में पड़ा हुआ।
हैरतज़दगी (حيرت زدگى) अ फा स्त्री –अचंभे में पड़ा हुआ होना।
हैरतज़ा (حيرت زا) अ फा पु –दे हैरतअफ़ज़ा।
हैरतनाक (حيرت ناك) अ फा वि –दे है अंगेज़'।
हैरत फ़ज़ा (حيرت فزا) अ फा वि – हैरतअफ़ज़ा' का लघु दे हैरत अफ़ज़ा।
हैरतसरा (حيرت سرا) अ फा स्त्री –दे है कदः।
हैरतसामाँ (حيرت ساماں) अ फा वि –'दे है अंगेज़'।
हैरती (حيرتى) अ वि –आश्चर्य में पड़ा हुआ चकित निस्तब्ध।
हैरते जल्वः (حيرت جلوه) अ स्त्री –प्रेमिका के दर्शन से उत्पन्न निस्तब्धता।
हैरते हुस्न (حيرت حسن) अ स्त्री –सुन्दरता के अनुभव से उत्पन्न होनेवाली हैरत।
हैरान (حيران) अ वि –चकित निस्तब्ध हक्का-बक्का।
हैरानी (حيرانى) अ स्त्री –विस्मय आश्चर्य तअज्जुब हैरत।
हैल (حيل) अ स्त्री –शक्ति बल ज़ोर ताक़त।
हैलूल (حيلول) अ पु –आड़ ओट, आवरण, पर्दा।
हैवान (حيوان) अ पु –पशु चौपाया, वन-पशु जन्तु जंगली जानवर हर वह चीज़ जो प्राण रखता हो जानदार।
हैवानात (حيوانات) अ पु – हैवान' का बहु, पशुगण चौपाए मवेशी।
हैवानी (حيوانى) अ वि –पशु-सम्बन्धी पशुओं का पशुओं जैसा।
हैवानीयत (حيوانيت) अ स्त्री –पशुता पाशव अमानवता निर्दयता कठोरता।
हैवाने ज़ाहिक (حيوان ضاحك) अ पु –हँसनेवाला प्राणी अर्थात बंदर।
हैवाने नातिक़ (حيوان ناطق) अ पु –बोलनेवाला प्राणी अर्थात मनुष्य।
हैवाने मुत्लक़ (حيوان مطلق) अ पु –निरा पशु बिल्कुल जानवर।
हैस (حيص) अ स्त्री –युद्ध कलह लड़ाई कुमार्ग गति बुराई।
हैसबस (حيص بيص) अ स्त्री –वाक्कलह वाग्विवाद तू-तू मैं-मैं।
हैसियत (حيثيت) अ स्त्री –प्रतिष्ठित इज़्ज़त आर्थिक अवस्था माली हालत।
हैसियतदार (حيثيت دار) अ फा वि –प्रतिष्ठित की इज़्ज़त धनवान मालदार।
हैसियतमंद (حيثيت مند) अ फा वि –दे है दार।
हैसियते उर्फ़ी (حيثيت عرفى) अ स्त्री –सबमें मानी हुई प्रतिष्ठा।
हैहात (هيهات) अ स्त्री –हा हंत हाय अफ़सोस हाय-हाय।

हो

होअ (هو) फा वि –चकित हैरान त्रस्त खौफ़ज़दः।
होरा (هورا) फा वि –प्रफुल्ल विकसित शिगुफ़्त (स्त्री) नर्गिस का फूल।
होर (هور) फा पु –रवि सूर्य सूरज।
होरख़्श (هورخش) फा पु –सूर्य रवि सूरज।
होरमुज़्द (هورمزد) फा पु –बृहस्पति मुश्तरी एक प्रसिद्ध ग्रह।
होशंग (هوشنگ) फा पु –ईरान का एक प्राचीन नरेश।
होश (هوش) फा पु –बुद्धि समझ अक़्ल सज्ञा चेतना ख़बरदारी विवेक तमीज़ अच्छे-बुरे के पहचान की बुद्धि नशे के उतार की अवस्था।

होशबाख्तः (هوش باخته) फा वि –जिसका दिमाग ठिकाने न हो, हतसंज्ञ।

होशमंद (هوشمند) फा. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद; सचेत, होशियार।

होशमंदी (هوشمندی) फा. स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक़्लमदी; चेतना, होशियारी।

होशयार (هوشیار) फा वि –बुद्धिमान्, अक़्लमद, चतुर, चालाक, सचेत, हवास मे, छली, ठग; दक्ष, कुशल, माहिर।

होशयारी (هوشیاری) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता; चातुर्य; चेतना, छल; धूर्तता; कुशलता।

होशरुबा (هوش ربا) फा. वि –होश उडा देनेवाला, संज्ञाहीन कर देनेवाला।

होशोख़िरद (هوش وخرد) फा पु –सज्ञा और बुद्धि, अक़्ल और तमीज।

होशोहवास (هوش وحواس) फा अ पु –दे. 'होशोख़िरद'।

हौ

हौज़ः (حوصه) अ. पु –छोटा हौज।

हौज़ः (حوزه) अ पुं –राज का केंद्र, राजधानी; छोर कनारा, भग, योनि।

हौज (هوج) अ स्त्री –अज्ञानता, नासमझी; आतुरता, अधीरता, जरदबाजी।

हौज (حوض) अ पु –पानी का पक्का कुड जो मस्जिदो या बगीचो मे होता है।

हौदज (هودج) अ पु –ऊँट या हाथी की पीठ पर रखी जानेवाली अम्वारी, हौदा।

हौन (هون) फा पु –खेत की जमीन जिसमे ढेले बहुत हो।

हौन (هون) अ पु –सुख, शान्ति, प्रतिष्ठा, वकार, विनय, नम्रता, हलकापन।

हौबः (حوبه) अ पु –ननिहाल।

हौब (حوب) अ पु –पाप करना, गुनाह करना, इच्छा, ख़्वाहिश, घबराहट, दुख, रज।

हौबत (حوبت) अ. स्त्री –पाप-कर्म, गुनाहगारी।

हौवा (حوبا) अ. स्त्री –सुखेच्छा, आरामतलबी, आलस्य, काहिली।

हौमः (حومه) अ. पु –महायुद्ध, बहुत बड़ा जंग, हर बडी वस्तु।

हौरा (حورا) अ. स्त्री –गोरी स्त्री जिसके बाल और आँखे स्याह हो।

हौल (حول) अ. पुं –आसपास, चौगिर्द; शक्ति, तुवानाई।

हौल (هول) अ. पु –भय, त्रास, डर, खौफ।

हौलअंगेज (هول انگیز) अ. फा. वि –भय उत्पन्न करनेवाला, भयजनक।

हौलअफ़्ज़ा (هول افزا) अ. फा. वि –भय बढानेवाला, भयवर्द्धक।

हौलज़दः (هول زده) अ फा वि –भयभीत, भयाकुल, त्रस्त, डरा हुआ।

हौलज़ा (حول زا) अ फा वि –दे 'हौलअंगेज'।

हौलनाक (هولناک) अ. फा वि –भयकर, भयानक, भीषण, डरावना, खौफनाक।

हौलिगी (هولگی) अ फा. वि.–त्रस्त, भयभीत, ख़ाइफ़; उद्विग्न, व्याकुल, परीशान।

हौश (حوش) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह।

हौसलः (حوصله) अ पु –उत्साह, हिम्मत, धृष्टता, ढीठपन; साहस, जुर्अत, उद्दंडता, गुस्ताख़ी, आवेग, जोश, वल्वला।

हौसिलः अफ़्ज़ा (حوصله افزا) अ फा. वि –उत्साहवर्द्धक, उत्साह बढानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हौसलः अफ़्ज़ाई (حوصله افزائی) अ फा स्त्री –प्रोत्साहन, हिम्मत बढाना।

हौसलःमंद (حوصله مند) अ. फा वि –साहसी, उत्साही, हिम्मती।

हौसलःमंदी (حوصله مندی) अ. फा स्त्री –उत्साह होना, जोश और वलवला होना।

हौसलःशिकन (حوصله شکن) अ फा वि –हिम्मत तोड़नेवाला, उत्साह भेदी, दिल तोड़ देनेवाला।

हौसलःशिकनी (حوصله شکنی) अ फा स्त्री –हिम्मत तोड़ना, प्रोत्साहन न देना, दिल तोडना।